Origi
Punja
Digiti
Panja

Original with:
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by:
Panjab Digital Library

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

Origin... ith;
Punjab ...dhan Sabha
Digitiz...
Panjab D... Library

24 — 19

SP

PUNJAB VIDHAN SABHA

DEBATES

30th March, 1970

Annexure to Vol. I No. 24

OFFICIAL REPORT

Chief Reporter
Punjab Vidhan Sabha
Chandigarh

CONTENTS

Monday, the 30th March, 1970

Answers to Starred Questions Converted into Unstarred Questions. ... (24) 1

Appendix (Contains Answers to Questions received from the Govt. at the proof stage.) ... (24) i

Price Rs. 18/15

Original with:
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by:
Panjab Digital Library

Original wi
Punjab Vid abha
Digitized b
Panjab Dig

ERRATA

To

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES,

Dated 30th March, 1970 (Annexure)

Vol-I-No. 24.

Read	For	Page	Line
30th March, 1970	18th March, 1970	(24) 28	Head line
or	on	(24) 55	13
undesirable	undersirable	(24) 57	2
available	abaieable	(24) 120	7
licence	licenee	(24) 121	7
based	besed	(24) 121	10
during	durin	(24) 125	19th from below
unit	ung	(24) 125	18th from below
period	periodit	(24) 125	17th from below
licence	licencc	(24) 125	16th from below
category	bategory	(24) 126	17th from below
sources	sourcas	(24) 126	10th from below
CONTROLLER	EONTROLLER	(24) 132	4
EXPORTS	EXPOTTS	(24) 132	4
end	and	(24) 133	8th from below
Industries	Industris	(24) 134	1
those	there	(24) 139	7
Improvement	Improve etnm	(24) 156	4th from below
against	againse	(24) 191	11
Minister	Ministere	(24) 204	1
Distributary	Distribuary	(24) 207	16
competitive	competitative	(24) 209	5
fulfil	fulfill	(24) 209	10th from below
		(24) 210	3
allottees	allotties	(24) 215	13th from below
withdrawal	with drawl	(24) 216	2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

lying	laying	(24) 216	6
ਨਵੰਬਰ	ਨਵਬਰ	(24) 235	1
evacuee	evacuce	(24) 250	2
That	Thatr	(24) 253	13
Miinster	Mnister	(24) 270	1
Considerably	Considerabely	(24) VIII	4th from below
EMBROIDERY MILLS	EMBROIDIDARY MILLIS	(24) XXXIII	2
Sarpanches	Sarpnaches	(24) XXXIV	6
order	orde	(24) LXXII	6
ਬਿਲਡਿੰਗ	ਰਿਲਡਿੰਗ	(24) LXXVII	15
suicides	suicids	(24) LXXXII	8
ਸਫਾਈ	ਸਫਾ ੀ	(24) LXXXVIII	13
ਉਸਤੇ	ਉਦਤੇ	(24) LXXXIX	18
prima facie	prima facia	(24) LXL	3rd from below
Punjab	Punja	(24) LXLVIII	12
Major Singh	Major Siagh	(24) LLIX	9

Orig l with;
Punj idhan Sabha
Digi
Panj

PUNJAB VIDHAN SABHA

Monday, the 30th March, 1970.

ANNEXURE.

This Annexure contains answers to Starred Questions for the 30th March, 1970 converted into Unstarred Questions.

ANSWERS TO STARRED QUESTIONS CONVERTED INTO UNSTARRED QUESTIONS

PROPOSED ERECTION OF PILLARS BEARING GANDHI JI's SAYINGS

*1103. **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Government to errect pillars bearing Gandhi Ji's sayings in different important centres in Punjab as a part of Gandhi Centenary celebrations ; if so, the amount sanctioned for the purpose and the names of the places selected for the purpose ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਦੇ ਪਰਵਚਨ ਲਿਖੇ ਪਿਲਰਜ਼ ਬਣਾਉਣ ਸਬੰਧੀ ਕੋਈ ਸਕੀਮ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

MEMORANDUM FROM PRESIDENT, ALL PARTIES HINDI RAKSHA SAMITI

*1104.(C.U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government have received any memorandum from Shri Jagan Nath Kaushal, President, All Parties Hindi Raksha Samiti regarding giving due status to the Rashtra Bhasha-Hindi in the State ; if so, a copy thereof alongwith the action taken thereon be laid on the Table of the House ; if no action has so far been taken, the time by which it is likely to be taken ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : ਸ੍ਰੀ ਜਗਨ ਨਾਥ ਕੌਸ਼ਲ, ਪ੍ਰਧਾਨ, ਆਲ ਪਾਰਟੀਜ਼ ਹਿੰਦੀ ਰਖਸ਼ਾ ਸਮਿਤੀ ਦੇ ਇਕ ਪੱਤਰ ਮਿਤੀ 24.9.1969 ਜੋ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੂੰ ਭੇਜਿਆ ਸੀ, ਦੀ ਕਾਪੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਘਟ-ਭਾਸ਼ਾਈ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੁਆਰਾ ਜਨਵਰੀ, 1970 ਵਿਚ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਈ ਸੀ । ਇਸ ਦਾ ਉੱਤਰ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਭੇਜ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ । ਉਸ ਪੱਤਰ ਅਤੇ ਉੱਤਰਾਂ ਦੀਆਂ ਕਾਪੀਆਂ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਅੱਗੇ ਹੀ ਹਿੰਦੀ ਨੂੰ ਸਿਖਿਆ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਯੋਗ ਅਸਥਾਨ ਦੇ ਰਖਿਆ ਹੈ । ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਤਿੰਨ ਭਾਸ਼ਾਈ ਫਾਰਮੂਲਾ ਲਾਗੂ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਹਿੰਦੀ ਪੁਰਾਣੇ ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਤੀਜੀ ਜਮਾਤ ਤੋਂ ਅਤੇ ਪੁਰਾਣੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਚੌਥੀ ਜਮਾਤ ਤੋਂ ਪੜ੍ਹਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ]

सर्वदलीय पंजाब हिन्दी रक्षा समिति

प्रधान
दिनांक 24 सितम्बर, 1969

श्री जगन्नाथ कौशल
एडवोकेट, चण्डीगढ़

प्रधान मंत्री जी महोदया,

इस पत्र के साथ आपकी सेवा में वह दो प्रस्ताव भेज रहा हूं जो पिछले दिनों सर्वदलीय हिन्दी रक्षा सम्मेलन में स्वीकार किये गये थे, इससे पंजाब की वर्तमान स्थिति और पंजाब सरकार की भाषा नीति के विषय में सारी स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

भवदीय,
ह. वीरेन्द्र
मंत्री

श्रीमती इन्दिरा गांधी, प्रधान मंत्री,
भारत सरकार, नई दिल्ली।

सर्वदलीय हिन्दी रक्षा समिति, जालन्धर नगर

पंजाब के हिन्दुओं का यह सम्मेलन पंजाब की वर्तमान राजनैतिक स्थिति पर गहरी चिन्ता व्यक्त करता है। मध्यावधि चुनाव के पश्चात् जब से पंजाब का वर्तमान मंत्रिमंडल बना है, इसने न केवल पंजाब की अल्पसंख्यक हिन्दु जनता की भावनाओं की अवहेलना की है अपितु अकाली दल के कुछ प्रमुख नेताओं तथा मंत्रिमंडल के कुछ सदस्यों ने अपने अधिकारों का अत्यन्त अनुचित प्रयोग करते हुए कुछ ऐसे पग भी उठाए हैं जो न केवल हिन्दुओं के हितों के प्रतिकूल हैं वरन् राष्ट्र हितों पर भी कुठाराघात करते हैं। इस संबंध में निम्नलिखित कार्यवाही विशेष कर उल्लेखनीय है :

1. पंजाब के प्रशासन में हिन्दी का अस्तित्व समाप्त करने का यत्न करना।
2. शिक्षा संस्थाओं में सच्चर फारमूला समाप्त करके माता पिता को उनके मौलिक अधिकारों से भी वंचित करना कि बच्चों की शिक्षा और उसके माध्यम के विषय में निर्णय करने का अधिकार उन्हीं को है।
3. प्रशासन में मंत्रियों द्वारा हस्तक्षेप और उनके अधिकारों का दुरुपयोग करके धर्म प्रचार के लिए सरकारी मशीनरी का प्रयोग करना।
4. मंत्रियों का यह घोषणा करना कि वह केवल सरकार के मंत्री ही नहीं, शिरोमणी कमेटी के प्रचारक भी है और उसी के साथ वह घोषणा करना कि पंजाब में सिखों का बोलबाला भी होगा।
5. देहात में हरिजनों व दलित जातियों पर हो रहे आधुनिक व्यवहार को रोकने के लिए सरकार की ओर से कोई सक्रिय पग न उठाया जाना।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

6. प्रशासन में हिन्दुओं को उनका पूरा प्रतिनिधित्व न मिलना और हिन्दु सरकारी कर्मचारियों के साथ अन्यायपूर्ण भेदभाव का व्यवहार करना।

7. सरकार द्वारा बनाई गई समितियों में हिन्दुओं को उनकी संख्या के अनुसार प्रतिनिधत्व न देना।

8. अकाली नेताओं द्वारा सार्वजनिक सभाओं में सिक्ख स्टेट का नारा लगाना और हिन्दुओं को कई प्रकार की धमकियां देकर प्रदेश का साम्प्रदायिक वातावरण दूषित करना।

9. इन सब से इस विचार की पुष्टि हो जाती है कि अकाली नेतृत्व इस प्रदेश में एक विशुद्ध सिक्ख स्टेट बनाने के लिए मार्ग प्रशस्त कर साम्प्रदायिक वातावरण दूषित करना।

इन सब से इस विचार की पुष्टि हो जाती है कि अकाली नेतृत्व इस प्रदेश में एक विशुद्ध सिक्ख स्टेट बनाने के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहा है। अतः यह सम्मेलन माननीय राष्ट्रपति महोदय से सविनय प्रार्थना करता है कि पंजाब में अल्पसंख्यक हिन्दुओं के हितों की रक्षा के लिए यह अत्यन्त आवश्यक है कि उन्हें देश के विधान और समय समय पर भारत सरकार द्वारा घोषित अल्पसंख्यकों के अधिकार दिए जायें और उसी के साथ एक ऐसा कमीशन नियुक्त करें, जो पंजाब में हिन्दुओं के साथ वर्तमान मन्त्रिमंडल की ओर से भेद भाव की जो नीति अपनाई जा रही है, उसकी जांच करें।

इसी के साथ सम्मेलन पंजाब के हिन्दुओं का आवाहन करता है कि वह अपने सब भेद भाव भुला कर सर्वदलीय हिन्दु समिति के झंडे के नीचे इकट्ठे हो जाएं और अपने हितों की रक्षा के लिए बड़े से बड़ा त्याग करने को तैयार रहें। यह सम्मेलन यह स्पष्ट घोषणा कर देना चाहता है कि हमें न तो अपने सिक्ख भाइयों के विरुद्ध शिकायत है। परन्तु अकाली नेतृत्व द्वारा हिन्दुओं के हितों पर जो कुठाराघात हो रहा है, वह किसी भी अवस्था में सहन न करेंगे और इस के लिए जो बड़े से बड़ा बलिदान करना पड़े करने से कभी संकोच न करेंगे।

सर्वदलीय हिन्दी रक्षा, समिति जालन्धर नगर

भाषा किसी व्यक्ति समुदाय की भावनाओं के व्यक्त करने का एक माध्यम होता है। इसके द्वारा मनुष्य अपने विचारों, सिद्धांतों और परम्पराओं का आदान प्रदान करते हैं। इसी के द्वारा किसी राष्ट्र व समाज का संगठन बनता है। यही कारण है कि भाषा के माध्यम या प्रयोग में स्वतंत्रता का सिद्धांत लोक तंत्र प्रणाली में स्वीकार किया जा चुका है। शिक्षा विशेषज्ञों का यह मत है कि कोई भाषा किसी पर ठोंसी नहीं जा सकती। न ही कोई भाषा प्रतिद्विन्त के वातावरण में पनप सकती है। परन्तु यह सम्मेलन बड़े दुःख से अनुभव करता है कि पंजाब सरकार शिक्षा और भाषा के संबंध में सब निश्चित और प्रमाणित सिद्धांतों की अवहेलना करते हुए हिन्दी की उपेक्षा कर रही हैं। यद्यपि पंजाब का बटवारा भाषा के आधार पर किया गया। कहा जाता है और इसी के अनुसार पंजाबी इस प्रदेश की एक राज भाषा बन गई है, परन्तु हिन्दी भी न केवल इस देश की राष्ट्रभाषा है परन्तु पंजाब की एक बड़ी संख्या की मातृ भाषा भी है उसे प्रदेश के प्रशासन व शिक्षा से निर्वासित करने का

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ]

यत्न करना न केवल इस प्रदेश के हितों पर कुठाराघात होगा बल्कि राष्ट्र हितों के साथ भी विद्रोह होगा। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसे पंजाब के हिन्दी प्रेमी कभी सहन न करेंगे। इस सम्मेलन को यह स्पष्ट धारणा है कि जब तक पंजाब के प्रशासनिक व शैक्षनिक क्षेत्र में हिन्दी को एक सम्मान पूर्वक स्थान नहीं दिया जाता उस समय तक पंजाब की भाषा समस्या का समाधान नहीं हो सकता। इसलिए यह सम्मेलन माँग करता है कि :

शिक्षा संस्थाओं के बच्चों की शिक्षा का माध्यम चुनने का अधिकार माता पिता को होना चाहिये। यह सिद्धान्त इस देश में सब प्रादेशिक सरकारों ने स्वीकार कर रखा है। हमारे पड़ौसी राज्यों में भी इसी के अनुसार कार्य हो रहा है। 1956 और 1961 में सारे देश के मुख्य मंत्रियों के सम्मेलन में भी इस सिद्धान्त को स्वीकार किया जा चुका है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी मानव जाति के जो मौलिक अधिकार निर्धारित किए हैं उसके अनुसार भी यह अधिकार माता पिता को मिले हैं। इसलिए कोई कारण नहीं कि पंजाब में माता पिता को इस अधिकार से वंचित किया जाये।

2. प्रदेश के प्रशासन में भी हिन्दी को उसका उचित स्थान मिलना चाहिए। और उसकी उन्नति व प्रगित के लिए वह सुविधाएं मिलनी चाहियें जो दूसरे प्रान्तों में अल्प संख्यकों की भाषा को मिली हुई हैं।

इस लिए यह सम्मेलन सरकार पर स्पष्ट कर देना चाहता है कि पंजाब में हिन्दी प्रेमी उस समय तक चैन न लेंगे, जब तक कि पंजाब में हिन्दी के साथ न्याय नहीं होता। पंजाब की भाषा समस्या का समाधान कानून के डंडे से नहीं हो सकता। वह आपस की बातचीत से और पंजाबी व हिन्दी दोनों भाषाओं के हितों को सामने रखते ही हो सकता है। यह सम्मेलन स्पष्ट घोषणा करना चाहता है कि पंजाबी भाषा के विरोधी नहीं हैं, हम चाहते हैं, ये फले और फूले परन्तु हिन्दी के साथ किसी प्रकार का अन्याय सहन न किया जायेगा और इसे प्रदेश के प्रशासनिक व शैक्षनिक क्षेत्र में आदर व सम्मान का स्थान दिलाने के लिए यह सम्मेलन पंजाब के हिन्दी प्रेमियों से आशा रखता है कि वह हिन्दी के साथ किये जा रहे अन्याय को समाप्त करने के लिए प्रत्येक प्रकार के संघर्ष व त्याग के लिए कटिबद्ध रहें।

Copy of letter No. 13 GOI-Ed. III (2 E)-70/2420, dated the 30th January, 1970 from the Secretary to Government Punjab Education Department to the Commissioner for Linguistic Minorities, Govt. of India 40, Hamilton Road, Allahabad-2.

Subject : Abolition of Sachar Formula in Punjab—Representation against Language policy of Punjab—Demand for giving due place to Hindi in the State.

With reference to your letter No. 24/4/69/2621, dated 27.12.1969, on the subject noted above, I am directed to invite your attention to State Government's letter No. 687-GOI-Ed. III (2 E)-69/851 dated the 8th January, 1970, vide which necessary reply in the matter was sent.

Copy of letter No. 687-GOI-Ed. III (2 E)-69/851, dated the 8th Jan., 1970 from the Secretary to Government, Punjab, Education Deptt. to the Commissioner for Linguistic Minorities, Govt. of India, 40, Hamilton Road Allahabad-2.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Subject : (1) New Language Policy of Punjab.

(2) Abolition of Sachar Formula in Punjab–Representation against Language policy of Punjab–Demand for giving due place to Hindi in the State.

I am directed to refer to the correspondence resting with your letter No. 8/25/69-1895, dated 9th September, 1969, followed by reminder No. 8/ 5/69/2383, dated 20-11-1969 and letter No. 24/4 69-2388 dated 21-11-1969 on the subject noted above and to enclose herewith a copy of the letter dated 2-7-1969 issued by the State Government. In this connection your attention is also invited to Punjab Government letter No. 418-GIO-Ed. III (2 E)-69/31782 dated 10-12-1969, with reference to your letter No. 24/4/69-2388 dated 21-11-1969.

Copy of memo No. 5898-*Ed.* (3)-69, *dated the* 2nd *July*, 1969, *from the Secretary to Government, Punjab, Education Deptt. to the Director of Public Instruction, Punjab, Chandigarh.*

Subject : Medium of Instruction in the Schools in Punjab State.

The question as to what should be the medium of instruction in the schools in Punjab State has been engaging the attention of the Government for a pretty long time. After a careful consideration of the question, the Governor of Punjab has been pleased to order as follows :—

(1) In consonance with the National Policy on Language, the existing Sachar Formula will be replaced by the Three-Language Formula with immediate effect.

(2) For the present, in all Government managed Schools, the existing Sachar Formula will atonce be replaced by the Three-Language Formula in the following manner.

(i) At all levels of instruction, Punjabi will be the First Compulsory Language and the medium of instruction.

(ii) Hindi will be the Second Compulsory Language from the 4th Primary Class ;

(iii) English will be the Third Compulsory Language from the 6th Class.

2. Accordingly you are requested to take immediate necessary steps to give effect to the above decision.

*Copy of letter No.*418 *GOI-Ed. III* (2 *E*)-69/31782, *dated the* 10*th December*, 1969, *from the Secretary to Government, Punjab Education Department to the Commissioner, for Linguistic Minorities, Govt. of India* 40, *Hamilton Road, Allahabad*-2.

Subject : Grievance of Hindi-speakers in Punjab.

I am directed to refer to your letter No. 24/3/69-1993, dated 29-9-69, on the subject noted above and to say that the State Government have already considered this matter from all its aspects and have come to the conclusion that, after the re-organisation, Punjab has become a unilingual

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ]

State and there is no linguistic minority whatsoever. The policy followed by the State Government regarding the medium of instruction in the Government Schools is mentioned below :

(1) In consonance with the National Policy on language, the existing Sachar Formula, where applicable, has been replaced by the Three-Language Formula.

(2) In all Government managed Schools, the existing Sachar Formula has been replaced by the Three-Language Formula in the following manner :

(i) For both Primary and Secondary Education, Punjabi has been made the First Compulsory Language and the medium of instruction ;

(ii) Hindi has been made Second Compulsory Language from the 4th Primary School Class ; and

(iii) English has been made Third Compulsory Language from the 6th Class.

3. In the Private Schools, the status-quo is to continue.

2. As regards the use of minority languages for official purposes, it is stated that the State official language under the Official Languages Act, 1967, is Punjabi at all levels of administration. However, correspondence with the Central Government and other Hindi speaking States, is being conducted in Hindi, it being the National Language.

SANCTIONED LIMIT OF LICENSED STAMP VENDORS

*1105 (C.U.)**Shri Gian Chand Kharbanda** :Will the Minister for Revenue and Rehabilitation be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of the Government to increase the existing maximum limit of Rs. 200/- for the sale of stamps by licensed stamp vendors in the light of increase in the value of property ; if so, the limit proposed together with the time by which the proposal is likely to be finalised ?

Revenue & Rehabilitation Minister : (a) Yes.

(b) The question of fixing the maximum limit will be considered after scrutinising the position prevailing in other States and the proposal will be finalised thereafter.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਅ) ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਹਦ ਮਿਥਨ ਦੇ ਸਵਾਲ ਨੂੰ ਦੂਜੇ ਰਾਜਾਂ ਦੀ ਵਰਤਮਾਨ ਸਥਿਤੀ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਵਿਚਾਰਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਇਸ ਪਿਛੋਂ ਹੀ ਇਸ ਤਜਵੀਜ਼ ਨੂੰ ਅੰਤਮ ਰੂਪ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

FREE LIFT FOR CHILDREN GOING AND COMING FROM SCHOOLS

*1106.(C.U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether any instructions were issued by the Punjab Government during the period when the late S. Partap Singh Kairon was the Chief Minister to the Punjab Roadways bus drivers that the students going and returning from schools be given free lift ; if so, whether the same are still in force ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether any checking is done to ensure that the said instructions are being followed ; if not the reasons therefor ?

Chief Minister :

(a) Yes Sir, The latest instructions were issued on 13-3-66.

(b) Yes.

[(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ, ਅਖੀਰੀ ਹਦਾਇਤਾਂ 13-3-1966 ਨੂੰ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ।

(ਬ) ਹਾਂ ਜੀ ।]

APPOINTMENT OF DOCTORS SELECTED/RECOMMENDED BY THE PUBLIC SERVICE COMMISSION

*1172. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state whether any Doctors selected and recommended by the Punjab Public Service Commission for appointment in the State on merit during the current financial year have not been appointed by the Government due to the fact that they have not passed the required test in the Punjabi language, if so, a list of such candidates be placed on the Table of the House ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਸਿਹਤ । ਕੋਈ ਨਹੀਂ ।

ਪੰਜਾਬ ਲੋਕ ਸੇਵਾ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨੇ 179 ਡਾਕਟਰਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਪੀ. ਸੀ. ਐਮ. ਐਸ-2 ਦੀਆਂ ਖਾਲੀ ਅਸਾਮੀਆਂ ਲਈ ਸਫਾਰਸ਼ ਕਰਕੇ ਭੇਜੇ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਭ ਨੂੰ ਨਿਯੁਕਤੀ ਪੱਤਰ ਦਿਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਲੋਕ ਸੇਵਾ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨੇ ਜੇ ਕਿਸੇ ਉਮੀਦਵਾਰ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਨਾ ਜਾਨਣ ਕਰਕੇ ਨਹੀਂ ਚੁਣਿਆ ਤਾਂ ਉਸ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਕੋਲ ਕੋਈ ਸੂਚਨਾ ਨਹੀਂ ।

MUNICIPAL COMMITTEES SUPERSEDED ETC.

*1179. (C.U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister for Local Government be pleased to :

(a) lay on the Table of the House a statement showing :

(i) a list of the Municipal Committees superseded by the Government ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Shri Gian Chand Kharbanda]

(ii) a list of the Chairmen of Improvement Trusts removed by the Government ; and

(iii) a list of Presidents and the Members of Municipal Committees removed by the Government during the period from 1-3-69 to date ;

(b) lay on the Table of the House a list of affected Committees and persons who approached the High Court against the order of the Government regarding the same ;

(c) state the details of Committees and persons in whose cases the orders of the Government have been quashed ;

(d) state whether the Government paid salary to two persons against one post as Chairman of any Improvement Trust in the State during the period mentioned in part (a) above ; if so, at what place, how much and under what circumstances;

(e) state the action taken against any person responsible for the said double payment ?

ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) (i) ਨਗਰ ਪਾਲਕਾ ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ ;

(ii) ਕਿਸੇ ਵੀ ਇਮਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟ੍ਰਸਟ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਨੂੰ 1-3-69 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਰਿਮੂਵ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।

(ਏ) (iii)) ਇਕ ਵੇਰਵਾ-ਪੱਤਰ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਦਰਜ ਹੈ, ਹਾਊਸ ਦੀ
(ਬੀ) ਤੇ) ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।
(ਸੀ))

(ਡੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ, ਪਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸ਼੍ਰੀ ਕ੍ਰਿਪਾਲ ਸਿਘ ਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ, ਨਗਰ ਸੁਧਾਰ ਟ੍ਰਸਟ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੀ ਪਦਵੀ ਤੋਂ ਹਟਾਏ ਜਾਣ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ ਉਸ ਮਿਤੀ, ਜਿਸ ਮਿਤੀ ਨੂੰ ਹਾਈਕੋਰਟ ਨੇ ਉਸ ਦੇ ਹਕ ਵਿੱਚ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਤਕ ਟ੍ਰਸਟ ਦੇ ਫੰਡ ਵਿਚੋਂ ਪੇ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਸਮੇਂ ਲਈ (unexpired term) ਪੇ ਨਿਯੁਕਤੀ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਮੁਤਾਬਕ ਸਰਕਾਰ ਦੇਵੇਗੀ ਤਾਂਕਿ ਟ੍ਰਸਟ ਤੇ ਫਾਲਤੂ ਬੋਝ ਨਾ ਪਵੇ ।

(ਈ) ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

STATEMENT

Sr. No.	Names of Presidents and members of Municipal Committees removed by the Government during the period from 1-3-1969 to date	Whether the affected persons approached the High Court against the order of the Government regarding the same	Whether the orders of the Government were quashed
1	2	3	4
1.	Shri Sukhdev Khanna, Member Municipal Committee, Patiala.	Yes	Yes
2.	Shri Chhotu Ram, President, Municipal Committee, Sangat.	Yes	No
3.	Shri Lajpat Rai, President, Municipal Committee, Dhuri.	No	No
4.	Shri Mehar Singh, President, Municipal Committee, Banur.	No	No
5.	Shri Sat Pal Goel, President, Municipal Committee, Sanaur.	No	No
6.	Shri Sant Ram, President, Municipal Committee, Bhatinda.	Yes	No The writ was not admitted.
7.	Shri Amar Nath, Member, Municipal Committee, Mansa.	Yes	No
8.	Shri Karam Singh. Member, Municipal Committee, Mukerian.	No	No
9.	Shri Om Parkash, Member, Municipal Committee, Mukerian.	No	No
10.	Dr. Bhagwan Singh, President Municipal Committee, Dasuya.	No	No

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Sr. No.	Names of Presidents and members of Municipal Committees removed by the Government during the period from 1-3-1969 to date	Whether the affected persons approached the High Court against the order of the Government regarding the same	Whether the orders of the Government were quashed
11.	Shri Balak Nath, President, Municipal Committee, Tankanwali.	Yes	No
12.	Shri Rajinder Singh, Vice President, Municipal Committee, Tankanwali.	Yes	No
13.	Shri Daulat Ram, President, Municipal Committee, Abohar.	Yes	Government orders have been stayed by the High Court. The writ petition is pending for final decision.
14.	Shri Pritam Chand, President, Municipal Committee, Kurali.	Yes	No
15.	Shri Bhag Mal, President, Municipal Committee, Muktsar.	Yes	He had later resigned from the office of President, Municipal Committee, Muktsar.
16.	Shri Sewa Singh Kalsi Senior Vice President, Municipal Committee, Jagraon.	Not yet	—
17.	Shri Chaman Lal, President, Municipal Committee, Sujanpur.	Yes	No
18.	Shri Vishwa Mitter, Member, Municipal Committee, Batala	Yes	No
19.	Shri Satya Pal, President, Municipal Committee, Dinanagar.	Yes	Yes
20.	Shri Tek Chand, Member, Municipal Committee, Dhariwal.	Yes	No
21.	Shri Kartar Chand, Member, Municipal Committee, Amritsar.	Yes	Yes
22.	Shri Gian Chand Bhagat, Municipal Committee, Nakodar.	No	—

Origin with;
Punja Vidhan Sabha
Digiti by;
Panja tal Library

PRINTING OF COPIES OF ADDRESS DELIVERED BY THE GOVERNOR, PUNJAB IN THE HOUSE ON 19.1.1970.

*1180. **(C. U.) Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the reasons for which copies of the address delivered by the Governor on 19-1-70 in the House were not supplied to the Members of the Punjab Vidhan Sabha in Hindi ;

(b) the language in which the above address was got printed ?

Chief Minister : (a) With the enforcement of Punjab Official Language Act, 1967, with effect from April, 1968, all official business at State level is being conducted in Panjabi. It is on this account that copies of the Governor's Address were supplied to the Members in Panjabi, as was done during the last year.

(b) Panjabi, Hindi and English.

[(ੳ) ਪੰਜਾਬ ਆਫੀਸ਼ੀਅਲ ਭਾਸ਼ਾ ਐਕਟ, 1967 ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਅਪਰੈਲ, 1968, ਤੋਂ ਰਾਜ ਦੀ ਸਰਕਾਰੀ ਭਾਸ਼ਾ ਪੰਜਾਬੀ ਹੋ ਜਾਣ ਕਾਰਨ ਰਾਜ ਪੱਧਰ ਤੇ ਸਾਰਾ ਕੰਮ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਰਾਜਪਾਲ ਜੀ ਦੇ ਭਾਸ਼ਣ ਦੀਆਂ ਕਾਪੀਆਂ, ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਵਾਂਗ, ਕੇਵਲ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਹੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਸਪਲਾਈ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ।

(ਅ) ਪੰਜਾਬੀ, ਹਿੰਦੀ ਅਤੇ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ।]

LOCAL PUNJAB ROADWAYS BUSES PLYING IN AMRITSAR DISTRICT

*1181. **(C. U.) Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Chief Minister be pleased to :

(a) lay on the Table of the House statement showing the number of local buses run by Punjab Roadways in Amritsar District alongwith a list of the local bus routes ;

(b) state, whether these local bus services are running economically; if not, the reasons therefor together with the details of those routes which are un-economical;

(c) state whether at all the important local bus stops, a chart showing time of arrival and departure of local buses passing through that bus stop exists ;

(d) state whether on the suggestion of local M. L. As., the Department agreed to introduce more local bus services in Amritsar; if so, the time by which these are likely to be introduced ?

Chief Minister : (a) A statement is placed on the Table of the House.

(b) Local services in Amritsar are running in profit except the following for which reasons are noted against each :

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(Chief Minister)

(i)	Hall Gate-Kot Khalsa	This route passes through Khalsa College and ends at Khalsa Pind. The operation of this route was stopped in Nov., 1969 being un-economical after having operated it on various vias.
(ii) (iii)	Chatiwind Gate-Narain Garh, & Chatiwind Gate-Darbar Sahib Cheharata.	These routes also pass through Khalsa College. There are numerous complaints of non-obtaining of tickets by the students of Khalsa College. As and when the Police comes to our rescue the position eases otherwise the routes go in loss on account of non-obtaining of tickets by students of Khalsa College. Remedial measures are being contemplated.
(iv)	Hall Gate Jandiala Via Sultanwind Gate.	This route was operated on experimental basis on the demand of the public. This route has become un-economical as the people prefer to go on Amritsar-Jandiala route in long route buses.

(c) The time tables of local buses are exhibited on important bus stops in the City ;

(d) The proposal is under consideration and is likely to be decided shortly.

[(ੲ) ਇਕ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਹਾਊਸ ਦੇ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੀ ਲੋਕਲ ਬਸ ਸਰਵਿਸ ਫਾਇਦੇਮੰਦ ਤੇ ਮੁਨਾਫੇ ਵਾਲੀ ਹੈ ਪਰ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਰੂਟਾਂ ਦੀ ਆਮਦਨ ਘੱਟ ਹੈ ਜਿਸਦੇ ਕਾਰਨ ਹਰ ਰੂਟ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਲਿਖੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ :

(1)	ਹਾਲ ਗੇਟ ਕੋਟ ਖਾਲਸਾ	ਇਹ ਰੂਟ ਖਾਲਸਾ ਕਾਲਜ ਰਾਹੀਂ ਲੰਘਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਖਾਲਸਾ ਪਿੰਡ ਜਾ ਕੇ ਮੁਕ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਰੂਟ ਨੂੰ ਨਵੰਬਰ, 1969 ਨੂੰ ਕਈ ਪਾਸਿਉ ਚਲਾ ਕੇ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿਉਂ ਕਿ ਇਹ ਮੁਨਾਫੇ ਵਾਲਾ ਸਾਬਤ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ।
(2) (3)	ਚਾਟੀਵਿੰਡ ਗੇਟ ਨਰਾਇਨਗੜ੍ਹ ਅਤੇ ਚਾਟੀਵਿੰਡ ਗੇਟ ਦਰਬਾਰ ਸਾਹਿਬ ਛੇਹਰਟਾ	ਇਹ ਦੋਨੋਂ ਰੂਟ ਖਾਲਸਾ ਕਾਲਜ ਰਾਹੀਂ ਲੰਘਦੇ ਹਨ ਖਾਲਜਾ ਕਾਲਜ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਟਿਕਟਾਂ ਨਾ ਲੈਣ ਬਾਰੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਸ਼ਕਾਇਤਾਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਹਨ । ਜੇ ਕਦੀ ਪੁਲਿਸ ਸਾਡੀ ਮਦਦ ਲਈ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਹਾਲਤ ਕੁਝ ਸੁਧਰ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਰੂਟਾਂ ਪਰ ਟਿਕਟਾਂ ਨਾ ਲੈਣ ਦੇ ਕਾਰਨ ਘਾਟਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ । ਸੁਧਾਰ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਉਪਾ ਵਿਚਾਰੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ।

(4) ਹਾਲ ਗੇਟ ਜੰਡਿਆਲਾ ਵਾਇਆ ਸੁਲਤਾਨ ਵਿੰਡਗੇਟ — ਇਹ ਰੂਟ ਪਬਲਿਕ ਦੀ ਡੀਮਾਂਡ ਤੇ ਤਜਰਬੇ ਤੌਰ ਤੇ ਚਾਲੂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ । ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਰੂਟ ਕੋਈ ਫਾਇਦੇਮੰਦ ਸਾਬਤ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਕਿਉਂਕਿ ਸਵਾਰੀਆਂ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਤੋਂ ਜੰਡਿਆਲਾ ਜਾਣ ਲਈ ਲੰਬੇ ਸਫਰ ਦੀਆਂ ਬਸਾਂ ਵਿਚ ਜਾਣਾ ਪਸੰਦ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ ।

(ਸੀ) ਲੋਕਲ ਬਸਾਂ ਦੇ ਟਾਈਮ ਟੇਬਲ ਸ਼ਹਿਰ ਦੀਆਂ ਮਸ਼ਹੂਰ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਲਿਖ ਕੇ ਲਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।

(ਡੀ) ਇਸ ਤਜਵੀਜ਼ ਪਰ ਗੌਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤੇ ਜਲਦੀ ਹੀ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।]

STATEMENT

(i)	Chatiwind Canal to Verka	4
(ii)	District Courts Varpal	1
(iii)	Hall Gate-Chawinda Devi	2
(iv)	Hall Gate-Jandiala	2
(v)	Hall Gate-Jandiala via Sultanwind	1
(vi)	Railway Station-Chugawan	2
(vii)	Hall Gate-Kot Khalsa (now stopped)	1
(viii)	Chatiwind Gate-Darbar Sahib-Chehrata	4
(ix)	Chatiwind Gate-Narain Garh	8
(x)	Hall Gate-Khalsa College	1
(xi)	Saragari Chowk & Hall Gate-Khalsa Bhakna	2
(xii)	Hall Gate-Raipur	1
(xiii)	Islamabad-Kaimpura	5
(xiv)	Sultanwind & Chatiwind Gate-Raja Sansi	5
(xv)	Saragari Chowk-Sacred Heart-High School	3
	Total	42

OFFICIAL CORRESPONDENCE WITH THE GOVERNMENT OF INDIA AND THE STATE GOVERNMENT HAVING HINDI AS THEIR OFFICIAL LANGUAGE.

*1182. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) the language in which the official correspondence of Punjab Government is being conducted with the Government of India;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Shri Gian Chand Kharbanda]

(b) whether Hindi is being used by the Punjab Government for correspondence with the State Governments who have adopted Hindi as their official language; if not the reasons therefor ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਹਿੰਦੀ ਵਿਚ ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ ।

GRADES OF B. A., B. ED. AND M.AS. FOR J. B. T./O. T. TEACHERS WORKING IN GOVERNMENT SCHOOLS.

1183. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister for Education be pleased to state :—

(a) the total number of J. B. T./O. T. teachers working in Government schools in the State who have qualified themselves as B. A., B. Ed./M. A. and have not yet been given the grades allowed to B. Ed. or M.As.;

(b) the time by which the said grades are likely to be given to them ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) 205.

(ਬੀ) ਮਾਸਟਰ/ਮਿਸਟਰੈਸ ਗਰੇਡ ਦੀਆਂ 25% ਖਾਲੀ ਆਸਾਮੀਆਂ ਤੇ, ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ./ਓ. ਟੀ. ਟੀਚਰ, ਜਿਹੜੇ ਬੀ. ਏ., ਬੀ. ਟੀ./ਬੀ. ਐਡ. ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਐਮ. ਏ. ਦਾ ਗਰੇਡ, ਯਾਨੀ ਲੈਕਚਰਾਰ ਗਰੇਡ, ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ./ਓ. ਟੀ. ਟੀਚਰਜ਼ ਨੂੰ ਤਾਂ ਹੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਹਿਲਾਂ ਮਾਸਟਰ ਗਰੇਡ ਵਿਚ ਰੈਗੂਲਰ ਨਿਯੁਕਤੀ ਹੋਈ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਉਹ ਸੀਨੀਆਰਟੀ-ਕਮ-ਮੈਰਿਟ ਅਤੇ ਯੋਗਤਾ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਲੈਕਚਰਾਰ ਦੀ ਆਸਾਮੀ ਤੇ ਤਰੱਕੀ ਲੈਣ ਦੇ ਹੱਕਦਾਰ ਬਣ ਗਏ ਹੋਣ ।

ਅਜਿਹੇ ਸਾਰੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਗਰੇਡ ਦੇਣ ਲਈ ਕੋਈ ਸਮਾਂ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ।

RESOLUTION NO. 332 PASSED BY THE IMPROVEMENT TRUST, AMRITSAR.

*1184. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister for Local Government be pleased to state :—

(a) the action taken by the Government on Resolution No. 332 passed by the Improvement Trust, Amritsar, regarding non-charging of interest upto 31-3-69 from the plot holders of East Mohan Nagar Area Shivala Bhian Area and others;

(b) whether the Government have accepted the recommendation of the said Improvement Trust and issued the necessary orders;

(c) if the reply to part (b) above be in the negative, the reasons why the plot holders are asked to pay interest for the periods when the necessary development programme was not taken in hand for

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

one reason or the other causing inconvenience and hardship to the plot holders ?

ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਇਮਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟਰੱਸਟ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨੇ ਆਪਣਾ ਮਤਾ ਨੰ: 332 ਮਿਤੀ 25-10-68 ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਭੇਜਿਆ ।

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁਦਾ ।

(ਸੀ) ਇਮਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟਰੱਸਟ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਵਿਚ ਪਲਾਟ ਹੋਲਡਰਾਂ ਕੋਲੋਂ ਸੂਦ ਇਮਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟਰੱਸਟ ਦੇ ਲੈਂਡ ਡਿਸਪੋਜ਼ਲ ਰੂਲਾਂ ਮੁਤਾਬਕ ਵਸੂਲ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਰੂਲਾਂ ਵਿਚ ਇਹੋ ਜਿਹਾ ਕੋਈ ਉਪਬੰਧ ਨਹੀਂ ਜਿਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਬਾਅਦ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ ਸੂਦ ਵਸੂਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ।

[(a) Improvement Trust, Amritsar, did not send resolution No. 332 dated 25.10.68 to Government.

(b) Question does not arise.

(c) Interest from the vendors of various Improvement Trusts Schemes is charged according to the Land Disposal Rules of the Trust. The rules do not provide for the charging of interest from a date later than the date of execution of agreement, for sale.]

CERTIFICATE FOR TEACHERS CONNECTED WITH SOCIAL EDUCATION.

*1204. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state whether certificates have been issued by the Government to the teachers connected with the Social Education, as required under the recommendations of the Kothari Commission; if not, the reasons thereof ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਕੋਠਾਰੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨੇ ਅਨਿਖਿਅਤ ਅਧਿਆਪਕਾਂ (ਸੋਸ਼ਲ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਜਾਂ ਹੋਰ) ਨੂੰ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਦੇਣ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਸਫਾਰਸ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ।

IMPROVEMENT OF HORTICULTURE IN DHAR BLOCK OF TEHSIL PATHANKOT.

*1206. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether any steps have been taken by the Government for the improvement of horticulture in the hilly areas of Dhar Block of Tehsil Pathankot; if so, the details thereof ?

Minister for Agriculture : Yes. The staff of the Agriculture Department gives technical guidance to the orchardists in respect of the various Horticultural operations. In addition Rs. 500/- per acre for the development of Horticulture and Rs. 3,000/- per acre for grape cultivation is being offered as loan. Besides, Government have announced the decision to give subsidy for planting fruit trees in the villages bordering Himachal Pradesh.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(Minister for Agriculture)

[ਹਾਂ ਜੀ। ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਦਾ ਅਗਲਾ ਬਾਗ ਲਗਾਉਣ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਬਾਗਬਾਨੀ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਕੰਮਾਂ ਬਾਰੇ ਤਕਨੀਕੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦੇਂਦਾ ਹੈ। ਬਾਗਬਾਨੀ ਵਿਕਾਸ ਲਈ 500 ਰੁਪਏ ਪ੍ਰਤਿ ਏਕੜ ਅਤੇ ਅੰਗੂਰ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਕਰਨ ਲਈ 3000 ਰੁ: ਪ੍ਰਤਿ ਏਕੜ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਕਰਜ਼ਾ ਵੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦੇ ਬਾਰਡਰ ਨਾਲ ਲੱਗਦੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਫਲਦਾਰ ਦਰਖਤ ਲਗਾਉਣ ਲਈ ਉਤਪਾਦਨ ਦੇਣ ਦਾ ਫ਼ੈਸਲਾ ਅਨਾਊਂਸ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ।]

SHIROMANI GURDWARA PARBANDHAK COMMITTEE.

*1213. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) whether the State Government's opinion has been sought by the Government of India regarding the future of the Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee as to whether or not it should be split into separate State Bodies;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the views, if any, expressed by the Government in this behalf ?

Chief Minister : (a) No. please.

(b) In view of above reply, question does not arise.

[(ੳ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਅ) ਉਪਰੋਕਤ ਉਤਰ ਅਨੁਸਾਰ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।]

ARMS LICENCES ISSUED IN SANGRUR DISTRICT.

*1259. (C. U.) **Comrade Dana Ram** : Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) the total number of arms licences issued in district Sangrur during the period from April to December, 1969;

(b) the total number of arms licences issued during the same period in Malerkotla Sub Division;

(c) whether any of the licences mentioned in part (b) above were issued without the recommendations of the police authorities; if so, their number ?

Chief Minister :

(a) 1191.

(b) 377.

(c) 76.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

STRENGTH OF TEACHING STAFF IN THE RECOGNISED AIDED SCHOOLS IN THE STATE.

*1262. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Education be pleased to state :—

(a) whether it is a fact that the strength of the teaching staff in the recognised aided schools in the State has been frozen since December, 1967 or any other date by the State Government or by means of an agreement between the State Government and the representatives of the Managing Committees of such schools; if so, the reasons therefor;

(b) whether the Government is aware that there has been considerable increase in the total number of students in the schools since that date;

(c) whether the Government is aware of the total number of students in Primary, Middle, Secondary and High Secondary classes (separately) of all the recognised aided schools in the State as on 30.6.67, 30.6.68 and 30.6.69; if so, the same be given ?

Minister for Education :

(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ 1-12-67 ਤੋਂ; ਇਸਦਾ ਕਾਰਨ ਫੰਡਾਂ ਦੀ ਥੁੜ ਹੈ ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ੲ) 15-5-69 ਨੂੰ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ

I to V	154941
VI to VIII	136899
IX to XI	79659

30–6–67, 30–6–68 ਅਤੇ 30–6–69 ਦੇ ਅਕੜੇ ਪ੍ਰਾਪਤ ਨਹੀਂ ਹਨ ।

ENQUIRIES HELD AGAINST EX-PRESIDENT, MUNICIPAL COMMITTEE SANAUR, DISTRICT PATIALA.

*1295. (C. U.) 1. **Sardar Gurbanta Singh** :
2. **Chaudhri Sunder Singh** :
3. **Sardar Sarup Singh** : Will the Minister for Local Government be pleased to state :—

(a) whether enquiry was held against Shri Behari Lal, ex-President, Municipal Committee, Sanaur, district Patiala for certain irregularities;

(b) whether it is a fact that after enquiry his name was recommended for removal from the membership of the Sanaur Municipality; if

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Sardar Gurbanta Singh]

so, the date when such recommendation was made together with the action, if any, taken thereon; if no action was taken, the reasons therefor ?

Minister for Local Government : (a) Yes Sir.

(b) No Sir.

[(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਨਾ ਜੀ ।]

COMPLAINT AGAINST A MUNICIPAL COMMISSIONER OF MUNICIPAL COMMITTEE, SANAUR, DISTRICT PATIALA.

*1296. (C. U.) 1. **Sardar Gurbanta Singh :**
2. **Chaudhri Sunder Singh :**
3. **Sardar Sarup Singh :** Will the Minister for Local Government be pleased to state whether any complaint has been received by the Government from the President, Municipal Committee, Sanaur, district Patiala, against Shri Sukhbir Singh, Municipal Commissioner alleging that since the latter is in illegal possession of Municipal land, he should be disqualified from membership; if so, the action taken in the matter ?

Minister for Local Government : Yes. The matter is being enquired into.

[ਜੀ ਹਾਂ । ਮਾਮਲੇ ਦੀ ਜਾਂਚ ਪੜਤਾਲ ਕਰਵਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।]

MEMORIAL OF THE LATE S. DARSHAN SINGH PHERUMAN.

*1307. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of the Government to rai-e a suitable memorial of the late Sardar Darshan Singh Pheruman, who sacrificed his life for the sake of Chandigarh; if so, in which form and at what place ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਪਿੰਡ ਫੇਰੂਮਾਨ ਵਿਖੇ ਸ਼ਹੀਦ ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ ਆਯੂਰਵੈਦਿਕ ਡਿਸਪੈਂਸਰੀ ਦੀ ਸਥਾਪਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ, ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਈਮਰੀ ਸਕੂਲ ਨੂੰ ਅਪਗਰੇਡ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਲਾਈਵਸਟਾਕ ਸੈਂਟਰ ਖੋਲ੍ਹਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਪਿੰਡ ਫੇਰੂਮਾਨ ਨੂੰ ਮਾਡਲ ਗਰਾਮ ਬਨਾਉਣ ਲਈ, ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਰਈਆ ਤੋਂ ਫੇਰੂਮਾਨ ਜਾਣ ਵਾਲੀ ਸੜਕ ਦਾ ਨਾਂ "ਸ਼ਹੀਦ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਮਾਰਗ," ਰੱਖਿਆ ਜਾਣ ਲਈ ਭੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

GRANTS FOR PRIVATELY MANAGED RECOGNISED SCHOOLS.

*1308. (C. U) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) whether any instructions have been issued by the Education Department to the effect that the privately managed recognised schools in the State will not be given any grant after definite period; if so, the details thereof and the date of issue of the instructions;

(b) lay on the Table of the House a list of such recognised schools in Punjab which are not being given grants due to above restrictions and instructions ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਨਾ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

————

REQUESTS FROM THE PRESIDENT, PUNJAB PROVINCIAL AYURVEDIC CONFERENCE.

*1309. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state whether the Government has received the following requests from the President, Punjab Provincial Ayurvedic Conference :—

(i) an independent Ayurvedic Directorate be constituted in the State as it existed till 1963 for proper development of Ayurvedic System of Medicines;

(ii) duly certified and Registered Vaids serving in different positions in Punjab be given the same pay or grades and allowances as are admissible to the allopathic Doctors;

(iii) more well equipped Ayurvedic Hospitals be established at different parts of the State especially in the cities;

(iv) an Ayurvedic College be opened at Amritsar;

(v) election of Punjab Ayurvedic and Unani Board be held at an early date which is long over due;

If so, the action taken thereon in each case ?

ਉਦਯੋਗ ਅਤੇ ਸਿਹਤ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : (1) ਹਾਂ ਜੀ ।

(2) ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

(3) ਫੰਡਜ਼ ਦੀ ਥੁੜ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਨ ਰਾਜ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਤੇ ਭਿੰਨ ਭਿੰਨ ਭਾਗਾਂ ਵਿਚ ਹੋਰ ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਹਸਪਤਾਲ ਖੋਲ੍ਹਣ ਸਬੰਧੀ ਕੋਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

(4) ਰਾਜ ਵਿਚ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਦੋ ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਕਾਲਜ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਣ ਅਤੇ ਫੰਡਜ਼ ਦੀ ਥੁੜ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਣ ਚੌਥੀ ਪੰਜ ਵਰਸ਼ੀ ਯੋਜਨਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਇਕ ਹੋਰ ਕਾਲਜ ਸਥਾਪਤ ਕਰਨ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਉਦਯੋਗ ਅਤੇ ਸਿਹਤ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ]

ਸਬੰਧੀ ਕੋਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

(5) ਜਦ ਪੰਜਾਬ ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਅਤੇ ਯੂਨਾਨੀ ਪ੍ਰੈਕਟੀਸ਼ਨਰਜ਼ (ਸੋਧ ਐਕਟ, 1969) ਦੇ ਉਪਬੰਧਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਪੰਜਾਬ ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਅਤੇ ਯਨਾਨੀ ਰੂਲਜ਼, 1965 ਵਿਚ ਤਜਵੀਜ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਤਰਮੀਮ ਪਰਵਾਨ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ, ਚੋਣਾਂ ਕਰਾਉਣ ਸਬੰਧੀ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ ।

PROHIBITION.

*1310. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any scheme under the consideration of the Government to introduce prohibition at once or gradually or in parts in the State; if so, a copy thereof be laid on the Table of the House ?

Chief Minister : (i) No Sir.

(ii) Does not arise.

[(i) ਨਾ ਜੀ ।

(ii) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

AUDIT OF ACCOUNTS OF VIDYA PEETH, GURDASPUR.

*1331. (C. U) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state whether it has come to the notice of the Government that as a result of audit, the accounts of the Vidya Peeth, Gurdaspur, have shown an embezzlement of not less than Rs. 36,000/-; if so, the action taken by the Government in the matter ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : ਹਾਂ ਜੀ । ਆਡਿਟ ਰਪੋਟ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

COMPLAINT AGAINST DISTRICT FAMILY PLANNING OFFICER, KAPURTHALA.

*1332. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :—

(a) whether Doctor Kapal Dev Datta, M. B. B. S., now posted as District Family Planning Officer at Kapurthala married Shrimati Usha Datta, B. A. B. T. D/O Shri Y. N. Mehta;

(b) whether during the life time of the legally wedded said wife, he has married another lady and is living with her at present, so much so, a son is born of her;

(c) whether any representation from Shrimati Usha Datta for disciplinary action against her husband has been received by the Government; if so, the action taken thereon ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਸਿਹਤ : (ੲ) ਜੀ ਹਾਂ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਬੀ) ਜੀ ਹਾਂ ।

(ਸੀ) ਜੀ ਹਾਂ । ਡਾ: ਕਪਲ ਦੇਵ ਦੱਤਾ ਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਡਾ: ਦੱਤਾ ਨੂੰ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਚਾਰਜ ਸ਼ੀਟ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਵਲੋਂ ਆਇਆ ਜਵਾਬ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

District/Sub-Divisional Headquarters Offices.

*1333. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of the Government to consolidate the District/Sub-Divisional Offices at District/Sub-Divisional level on one unit so as to house them in a single building ?

Minister for Revenue and Rehabilitation : Yes.

[(ਹਾਂ ਜੀ ।)]

ARMS LICENCES.

*1334. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government is considering any proposal to make a provision for issuing Arms Licences at the Sub-Divisional level ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਨਹੀਂ ਜੀ ।

INDUSTRIAL UNITS.

*1335. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Industries be pleased to state :

(a) the details of new industries established in the State during the period from 1.4.69 to date;

(b) the nature of the said industries alongwith the names of firms;

(c) the paid up capital of the firms as mentioned in part (b) above;

(d) whether any industry has shifted out of Punjab during the said period ?

Minister for Industries : (a), (b) & (c) 2316 new units were registered with the Industries Department from Ist April, 1969 to 31st December, 1969. It is a long list and its utility will not be commensurate with the time and labour involved in its preparation.

(d) No.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Punjab Digital Library

DEATH OF SHRI GOPAL KRISHAN IN E.S.I. HOSPITAL, AMRITSAR

*1336. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :

(a) whether a patient, Shri Gopal Krishan of Indian Woollen Textile Mills Private Ltd., Chheharta, died in the E.S I. Hospital, Amritsar on 14.1.1970 or thereabout; if so, the date of his admission in the Hospital;

(b) the details of the medicines which were prescribed for him by the doctors;

(c) whether it is a fact that an essential medicine prescribed for him was not available in the Hospital Store and was, at least, once purchased from the open market out of contributions made by other patients in the ward;

(d) whether it is a fact that Shri Gopal Krishan died for lack of medicines;

(e) whether any legislator has made any representation to the Health Minister about the death of Shri Gopal Krishan; if so, the action, if any, taken thereon and the result thereof ?

Minister of State for Industries and Health : (a) Yes, on 15.1.1970 at 3.00 A. M. He was admitted in the E. S. I. Hospital on 12.11.69.

(b) A statement containing details of the medicines prescribed for him during his illness is laid on the Table of the House.

(c) No.

(d) No.

(e) Yes. The position has been intimated to Shri Satya Pal Dang separately.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ, 15.1.70 ਨੂੰ ਸਵੇਰੇ 3.00 ਵਜੇ। ਉਹ 12.11.69 ਨੂੰ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿੱਚ ਦਾਖਲ ਹੋਇਆ ਸੀ।

(ਅ) ਜੋ ਦਵਾਈਆਂ ਉਸਨੂੰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ, ਉਸ ਦੀ ਸੂਚੀ ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਸ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਹ) ਹਾਂ ਜੀ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਸ੍ਰੀ ਸਤਿਆ ਪਾਲ ਡਾਂਗ ਨੂੰ ਸੂਚਿਤ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

LIST OF MEDICINES PRESCRIBED FOR GOPAL KRISHAN FROM 12.11.69. TO 15.1.70.

1. Tab. Sedonal.
2. Tab. B. Complex.
3. Tab. Gelusil.
4. Tab. Nephril.
5. Tab. Decadron.
6. Cap. Terramycin.
7. Tab. Stemetil.
8. Tab. Vitamin C. 500 mg.
9. Tab. Takadiastase.
10. Tab. Neospasmindon.
11. Tab. Yeast.
12. Tab. Mexaform.
13. Tab. Deriphylline.
14. Tab. Soneryl.
15. Inj. B. Complex.
16. Syrup Selvigon.
17. Cap. Chlorostrep.
18. Tab. Intestopan.
19. Oxygen Inhalation as and when required.

PROPOSAL FOR REPLACEMENT OF IMPROVEMENT TRUSTS BY DEVELOPMENT AUTHORITIES OF DELHI PATTERN IN 'A' CLASS MUNICIPALITIES.

*1340. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh :** Will the Minister for Local Government be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of the Government to replace Improvement Trusts in the State by the Development Authorities on Delhi Pattern, in 'A' class Municipalities ?

ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ ਮੰਤਰੀ : ਨਹੀਂ ਜੀ । [No.]

SAMPLE TAKEN UNDER THE PURE FOOD ACT IN THE MUNICIPAL LIMIT OF FEROZEPUR

***1341.** (C. U.) **Chaudhri Ram Singh :** Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :

(a) the total number of samples under the Pure Food Act taken in the limits of Municipal Committee, Ferozepur, year-wise, during years 1964-65, 1965-66, 1966-67, 1967-68, 1968-69, 1969-70 to date ;

(b) the number of cases out of those referred to in para (a) above, in which challans were put together with the result of those in which prosecutions were launched ;

(c) the number of the cases out of those mentioned in (b) above which failed ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਉਦਯੋਗ ਤੇ ਸਿਹਤ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਕੁਲ 566 । ਇਹ ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਵਿਵਰਣ 'ੳ' ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ।

(ਬੀ) (i) 103 ਇਹ ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਵਿਵਰਣ 'ਅ' ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ।

(ii) 32 ਇਹ ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਵਿਵਰਣ 'ੲ' ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ।

(ਸੀ) 2 ਇਹ ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਵਿਵਰਣ 'ਸ' ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ।

1964-65	1965-66	1966-67	1967-68	1968-69	1969-70	1970-71	ਕੁਲ
			ਵਿਵਰਣ 'ੳ'				
107	94	74	86	92	46	67	566
			ਵਿਵਰਣ 'ਅ'				
11	7	15	22	22	2	24	103
			ਵਿਵਰਣ 'ੲ'				
1	6	11	7	7	—	—	32
			ਵਿਵਰਣ 'ਸ'				
1	—	—	—	1	—	—	2
			ਜਿਹੜੇ ਕੋਰਟਾਂ ਵਿੱਚ ਲੰਬਿਤ ਹਨ				
9	1	4	15	14	2	24	69

GRANT OF LOANS ETC. FOR THE DEVELOPMENT OF HORTICULTURE IN DHAR HILLY AREA

***1342. (C. U.) Chaudhri Ram Singh :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state :

(a) whether the Government is working out a scheme to provide grant-cum-loans for the development of Horticulture in Dhar Hilly Area ; if so, the details of the said scheme ;

(b) the kind of the fruits which are to be tried in that area ?

Minister for Agriculture : (a) Government have announced the decision to give subsidy for planting fruit trees in the villages bordering Himachal Pradesh. At present loans amounting to Rs. 500 per acre for the development of Horticulture and Rs. 3,000/ per acre for Grape cultivation have been provided under the existing schemes;

(b) Peach, Plum, Almond, Santra, Galgal, Mango, Litchi, Chiku and Loquat etc. are recommended for the cultivation in the Hilly Areas.

[(ੳ) ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦੇ ਬਾਰਡਰ ਨਾਲ ਲਗਦੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਫਲਦਾਰ ਦਰੱਖਤ

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

ਲਗਾਉਣ ਲਈ ਉਪਦਾਨ ਦੇਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਅਨਾਊਂਸ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਬਾਗਬਾਨੀ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਹਾਲ ਦੀ ਘੜੀ ਕਰਜ਼ੇ 500 ਰੁ. ਪ੍ਰਤਿ ਏਕੜ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਬਾਗਬਾਨੀ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਅਤੇ ਅੰਗੂਰਾਂ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਲਈ 3000 ਰੁ. ਪ੍ਰਤਿ ਏਕੜ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਦਿੱਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

(ਅ) ਆੜੂ, ਆਲੂਬੁਖਾਰਾ, ਬਦਾਮ, ਸੰਤਰਾ, ਗਲਗਲ, ਅੰਬ, ਲੀਚੀ, ਚੀਕੂ ਅਤੇ ਲੁਕਾਟ ਵਗੈਰਾ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ, ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ, ਕਰਨ ਦੀ ਸਿਫਾਰਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।]

BRINGING HINDI TO THE COMPETITION LEVEL OF I.A.S/I.F.S EXAMINATION

***1343. (C.U.) Chaudhri Ram Singh : Will the Minister for Education be pleased to state the steps which the Government is taking for teaching of Hindi in the State so as to bring its standard suitable for competition of I.A.S., I.P.S. and I. F. S. examinations after 15 years ?**

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਫੈਸਲੇ ਅਨੁਸਾਰ ਪੁਰਾਣੇ ਪੈਪਸੂ ਇਲਾਕੇ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹਿੰਦੀ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਦੀ ਚੌਥੀ ਜਮਾਤ ਤੋਂ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ। ਪੈਪਸੂ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਪਹਿਲੋਂ ਹੀ ਹਿਦੀ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਤੀਜੀ ਜਮਾਤ ਤੋਂ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ। ਇਸ ਪਾਲਸੀ ਦੇ ਕਾਰਣ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸਾਰੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਹਿੰਦੀ ਵਿੱਚ ਪੂਰੀ ਯੋਗਤਾ ਰੱਖਣਗੇ ਅਤੇ ਹਰ ਕਮਪੀਟੀਸ਼ਨ ਵਿਚ ਬਰਾਬਰ ਹਿੱਸਾ ਲੈ ਸਕਣਗੇ।

ਭੂਮੀ ਰਖਿਆ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਧਾਰ ਬਲਾਕ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕੇ ਵਿੱਚ ਉਪਦਾਨ ਤੇ ਕਰਜ਼ਾ ਦੇਣ ਬਾਰੇ

1344. (C. U.) ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਮੰਤਰੀ ਇਹ ਦੱਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਕਿਸ ਸਕੀਮ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਜਿਸ ਦੁਆਰਾ ਧਾਰ ਬਲਾਕ ਦੇ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕੇ ਵਿੱਚ ਭੂਮੀ ਰਖਿਆ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਉਪਦਾਨ ਤੇ ਕਰਜ਼ਾ (ਬਰਾਬਰ ਹਿਸਿਆਂ ਵਿੱਚ) ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ?

ਖਤੀ ਬਾੜੀ ਮੰਤਰੀ, : ਭੂਮੀ ਰਖਿਆ ਦੇ ਕੰਮ, ਕੰਟੂਰਬੰਡਿੰਗ (ਵੱਟ ਬੰਦੀ) ਟੇਰੇਸਿੰਗ ਆਦਿ ਪਹਾੜੀ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੇ ਖੇਤਾਂ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਕਰਜ਼ੇ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਮਾਲੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਇਹਨਾਂ ਭੂਮੀ ਰਖਿਆ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਕੁਲ ਖ਼ਰਚ ਦਾ 50% ਹਿੱਸਾ ਉਪਦਾਨ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤੇ ਬਾਕੀ ਕਰਜ਼ਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

ਕਰਜ਼ੇ ਦੀ ਰਕਮ 30 ਛਿਮਾਹੀ ਬਰਾਬਰ ਕਿਸ਼ਤਾਂ ਦੁਆਰਾ ਸੂਦ ਸਮੇਤ ਵਸੂਲ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਸਹੂਲਤਾਂ ਪਹਿਲੇ ਹੀ ਧਾਰ ਬਲਾਕ ਦੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਵਰਤਮਾਨ ਚਾਲੂ ਸਕੀਮਾਂ ਹੇਠ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।

ਕਰਜ਼ੇ ਦੀਆਂ ਰਿਆਇਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ (ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਧਾਰ ਬਲਾਕ ਵੀ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੈ) ਪਾਣੀ ਪ੍ਰਬੰਧ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ (Open surface masonary channels

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਮੰਤਰੀ]

& underground pipe channels) ਉਪਨ ਸਰਫੇਸ ਮੇਸ਼ਨਰੀ ਚੈਨਲ ਅਤੇ ਅੰਡਰ ਗਰਾਊਂਡ ਪਾਈਪ ਚੈਨਲਜ਼ ਆਦਿ ਬਨਾਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਮਾਲੀ ਸਹਾਇਤਾ ਅਤੇ ਏ. ਆਰ. ਸੀ. ਤੇ ਪੰਜਾਬ ਸਟੇਟ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਲੈਂਡ ਮਾਰਟਗੇਜ ਬੈਂਕ ਆਦਿ ਦੇ ਕਰਜ਼ੇ ਦੁਆਰਾ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜ਼ਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਹਨਾਂ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਉਪਦਾਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ।

ਭੂਮੀ ਰੱਖਿਆ ਦੇ ਪਾਣੀ ਪ੍ਰਬੰਧਾਂ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਪਹਾੜੀ ਥਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਉਪਦਾਨ 50% ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਅਤੇ ਮੈਦਾਨਾਂ ਵਿੱਚ 25% ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ ਪਰ ਹੁਣ 27.9.68 ਤੋਂ ਬਾਦ ਉਪਦਾਨ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਦੇਣਾ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਵਿਚਾਰਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਉਪਦਾਨ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੇ ਭੂਮੀ ਰਖਿਆ ਦੇ ਕੰਮ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਪਰਚਲਤ ਹੋ ਗਏ ਹਨ।

DEPUTY ANALYST APPOINTED IN THE HEALTH DEPARTMENT AT CHANDIGARH

*1345. (C.U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :

(a) whether the Government appointed a Deputy Analyst at Chandigarh ; if so, his qualifications ;

(b) whether it is a fact that he was not delegated any power to enable him to perform his duty for six months resulting in accumulation of samples ; if so, the reasons therefor ?

ਉਦਯੋਗ ਤੇ ਸਿਹਤ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ। ਉਸ ਕੋਲ ਮਾਸਟਰ ਆਫ਼ ਸਾਇੰਸ (ਆਨਰਜ਼ ਸਕੂਲ) ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਕਮਿਸਟਰੀ ਦੀ ਡਿਗਰੀ ਹੈ।

(ਬੀ) ਉਸ ਨੂੰ ਸੈਂਪਲਾਂ ਦੇ ਰਿਜਲਟਸ ਦੀ ਰਪੋਟ ਤੇ ਦਸਖਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕੋਈ ਅਖਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਕਿਉਂਕਿ ਉਸ ਕੋਲ ਲੋੜੀਂਦਾ ਤਜਰਬਾ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਪ੍ਰੀਵਿਯਨਜ਼ ਆਫ ਫੂਡ ਐਡਲਟਰੇਸ਼ਨ ਐਕਟ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ, ਨਹੀਂ ਸੀ। ਉਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਟੈਸਟ ਕਰਵਾਏ ਨਤੀਜਿਆਂ ਤੇ ਦੂਸਰੇ ਡਿਪਟੀ ਪਬਲਿਕ ਐਨਾਲਿਸਟ ਦੇ ਦਸਖਤ ਕਰਨ ਤੋਂ ਨਾ ਕਰਨ ਵਜੋਂ ਸੈਂਪਲ ਕੱਠੇ ਹੋ ਗਏ ਸਨ।

CONSTRUCTION OF THEIN DAM

*1348. (C.U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether the Government proposes to take up the construction of Thein Dam through its own resources ; if so, the time by which work is likely to be started ;

(b) whether the Dhar Block Hilly area will be benefited by its irrigation channels ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Minister for Irrigation & Power : (a) There is no decision yet. The work will be started as soon as the Government of India gives clearance for the Project and funds are available for its execution.

(b) No irrigation channels are proposed for Dhar Block from Thein Dam.

[(ੲ) ਹਾਲੇ ਤੱਕ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਇਸ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਲਈ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਸਹਿਮਤੀ ਆਉਣ ਤੇ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਬਨਾਉਣ ਲਈ ਫੰਡ ਹੋਣ ਉਪਰੰਤ ਕੰਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।

(ਬ) ਥੀਨ ਡੈਮ ਤੋਂ ਧਾਰ ਬਲਾਕ ਲਈ ਸਿੰਜਾਈ ਲਈ ਨਹਿਰ ਦੀ ਕੋਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਨਹੀਂ ।]

POWER CONNECTIONS FOR INDUSTRIES/DOMESTIC PURPOSES IN SUB MOUNTAINOUS AREA OF DHAR BLOCK

1349. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether the Government propose to take steps to relax the rules so as to provide power connections for the small and cottage industries and for domestic purposes in sub-mountainous area of Dhar Block ?

Irrigation and Power Minister : No.

[ਨਹੀਂ ਜੀ ।]

SETTING UP SUB-TEHSIL AT DHAR KALAN

*1350. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Revenue and Rehabilitation be pleased to state whether the Government propose to set up Sub Tehsil at Dhar Kalan under Pathankot Sub Division ; if so, when ?

Minister for Revenue & Rehabilitation : Necessary orders for setting up a Sub-Tehsil at Dhar Kalan (Tehsil Pathankot), have since been issued, and after performing its opening ceremony and posting necessary staff, it has started functioning on 1.3.70.

[ਧਾਰ ਕਲਾਂ (ਤਹਿਸੀਲ ਪਠਾਨਕੋਟ) ਵਿਖੇ ਸਬ-ਤਹਿਸੀਲ ਬਨਾਉਣ ਦੇ ਹੁਕਮ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ । ਅਤੇ ਮਿਤੀ 1/3/1970 ਨੂੰ ਇਸਦਾ ਉਦਘਾਟਨ ਕਰਕੇ ਅਤੇ ਲੋੜੀਂਦਾ ਸਟਾਫ਼ ਨਿਯੁਕਤ ਕਰਕੇ ਕੰਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।]

SCHEDULED CASTE IAS OFFICERS POSTED AS DEPUTY COMMISSIONERS

*1355. (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state the names of districts where I.A.S. officers belonging to Scheduled Castes were posted as Deputy Commissioners during March, 1969 and December, 1969 ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮਾਰਚ, 1969 ਵਿੱਚ ਕਪੂਰਥਲਾ ਤੇ ਬਠਿੰਡਾ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਅਫਸਰ ਸਨ। ਦਸੰਬਰ, 1969 ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਅਜਿਹਾ ਅਫਸਰ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੀ ਅਸਾਮੀ ਤੇ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਰਦਾ।

[During March, 1969, I.A.S. officers belonging to Scheduled Castes were posted as Deputy Commissioners in Bhatinda and Kapurthala districts. During December, 1969, there was none.]

SCHEDULED CASTES I.P.S. OFFICERS POSTED AS S. Ps.

*1356. (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state the names of districts where I.P.S. Officers belonging to Scheduled Castes were posted as S. Ps. during March, 1969 and December, 1969 ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿੱਚ ਮਾਰਚ, 1969 ਤੋਂ ਦਸੰਬਰ, 1969 ਤੱਕ ਲੱਗੇ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਇਸ ਪਰਕਾਰ ਹਨ :

ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ : ਸ਼੍ਰੀ ਪਰਕਾਸ਼ ਚੰਦ, ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ.. (ਐਸ. ਪੀ.) 17.7.69 ਤੋਂ ਹੁਣ ਤੱਕ।

ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ : ਸ਼੍ਰੀ ਸੂਬੇ ਸਿਘ, ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ, (ਐਡੀਸ਼ਨਲ. ਐਸ. ਪੀ.) 7.7.69 ਤੋਂ ਹੁਣ ਤੱਕ।

ਕਪੂਰਥਲਾ : ਸ਼੍ਰੀ ਰਤਨ ਲਾਲ ਸਰੰਗਲ, ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ., (ਐਸ. ਪੀ.) 29.7.68 ਤੋਂ ਹੁਣ ਤੱਕ।

IMPOSITION OF SECTION 144 AT KAPURTHALA

*1358 (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state the reasons for which Section 144 has been imposed at Kapurthala ?

Chief Minister : Section 144 Cr. P. C. had to be promulgated in the Municipal limits of Kapurthala w.e.f. 3.2.70 as there had been imminent danger to the public peace and tranquillity on account of tension between the two groups viz Hindus & Sikhs over possession of 'Gumbad' in the District Courts compound, Kapurthala.

[ਦਫਾ 144 ਜ਼ਾਬਤਾ ਫੌਜਦਾਰੀ ਨਗਰਪਾਲਿਕਾ ਕਪੂਰਥਲਾ ਦੀ ਹੱਦ ਵਿੱਚ 3-2-70 ਤੋਂ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਲਾਉਣੀ ਪਈ ਕਿਉਂ ਜੋ ਉਥੇ ਹਿੰਦੂ ਸਿੱਖਾਂ ਦੇ ਦੋਹਾਂ ਗਰੁਪਾਂ ਵਿੱਚ "ਗੁੰਬਦ" ਵਾਕਿਆ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕਚਿਹਰੀ ਕਮਪਾਊਂਡ ਕਪੂਰਥਲਾ ਦੇ ਕਬਜ਼ੇ ਬਾਰੇ ਖਿਚਾਓ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿੱਚ ਲੋਕ ਸ਼ਾਂਤੀ ਭੰਗ ਹੋਣ ਦਾ ਤਤਕਾਲ ਖਤਰਾ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਿਆ ਸੀ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

PRICE OF MOLASSES

*1359. (C.U.) **Sardar Gurbanta Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether there is any difference in the price of molasses sold in the open market and at control rates in the State ;

(b) whether the Government propose to increase the price of molasses being paid to the sugar Mills ?

Chief Minister : (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

[(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਨਾਂ ਜੀ ।]

SENIORITY LIST OF CLASSICAL AND VERNACULAR TEACHERS PREPARED BY D. E. O., KAPURTHALA.

*1362. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Education be pleased to state :—

(a) whether the D. E. O. Kapurthala prepared in 1965 a seniority list of Classical and Vernacular teachers at district level, if so, the serial numbers at which Sh. Harbhajan Lal, Drawing Master, Government High School Kala Sanghian and Shri Ujjagar Singh were placed;

(b) the qualifications of the said two teachers and their seniority numbers in the Patiala Division;

(c) whether it is a fact that Sh. Ujjagar Singh was promoted to Rs. 120/175 grade with effect from 1.3.62 vide D. P. I. Punjab's order No. 2138-ETII (3) 62;

(d) whether it is a fact that Shri Harbhajan Lal has not been promoted to this grade (120/175) till today despite his being senior, if so, the reasons therefor;

(e) whether in reply to a notice under Section 80 C. P C. given by Sh. Harbhajan Lal, the D. P. I vide his memo No. 11977-12/35-66-ET (E. T. 27, I. E., dated 27.10.66 denied that Shri Ujjagar Singh had been given the selection grade of Rs. 120/175; if so, the reasons for the same;

(f) whether in the month of August, 1965 and again in September, 1967 the D. E. O., Kapurthala, submitted the case of Shri Harbhajan Lal to the D. P. I. Punjab recommending that he be given selection grade of Rs. 120/175;

(g) whether the D. E. O., Kapurthala, also wrote a D. O. letter to Sh. K. R. Kaushal Assistant Director (School Administration)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Satya Pal Dang]

Education Department, Punjab in this regard.

(h) whether in November, 1968 Shri Harbhajan Lal again submitted his case through proper channel with an advance copy of the same by Registered A. D. post to Sh. K. R. Kaushal, Assistant Director;

(i) whether it is a fact that during the year 1969 Shri Harbhajan Lal made as many as six representations to the Government about his case;

(j) whether any final decision has been taken regarding the case of Sh. Harbhajan Lal or whether the case is still under consideration.

(k) the time by which the case is likely to be decided stating the reasons for the long delay ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) (i) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ii) ਸਵਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦਾ ।

(ਬੀ) (i) ਸ਼੍ਰੀ ਹਰਭਜਨ ਲਾਲ ਬੀ. ਏ. ਪਰਭਾਕਰ (ਸੀਨੀਆਰਟੀ ਨੰ: 331)

(ii) ਸ਼੍ਰੀ ਉਜਾਗਰ ਸਿੰਘ, ਐਫ. ਏ. (ਇੰਗਲਿਸ਼) ਗਿਆਨੀ (ਸੀਨੀਆਰਟੀ ਨੰ: 344 ਏ)

(ਸੀ) ਹਾਂ ਜੀ ਪਰ ਇਸ ਦੀ ਸੀਨੀਆਰਟੀ 344 ਏ ਤੇ ਰੀਫਿਕਸ ਹੋ ਜਾਣ ਕਾਰਨ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸਲੈਕਸ਼ਨ ਗਰੇਡ ਵਾਪਸ ਲਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ।

(ਡੀ) ਹਾਂ ਜੀ, ਕਿਉਂਕਿ ਸ਼੍ਰੀ ਹਰਭਜਨ ਲਾਲ ਦਾ ਸੀਨੀਆਰਟੀ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਸਲੈਕਸ਼ਨ ਗਰੇਡ ਲਈ ਵਾਰੀ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ।

(ਈ) ਹਾਂ ਜੀ । ਕਿਉਂਕਿ ਉਸ ਵੇਲੇ ਪਟਿਆਲਾ ਮੰਡਲ ਦੀ ਸੀਨੀਆਰਟੀ ਲਿਸਟ ਵਿੱਚ ਸਲੈਕਸ਼ਨ ਗਰੇਡ ਕੇਵਲ 273 ਨੰਬਰ ਤੱਕ ਹੀ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ।

(ਐਫ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਜੀ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਐਚ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਆਈ) ਪੜਚੋਲ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲੱਗਦਾ ਹੈ ਕਿ 1969 ਵਿੱਚ ਸਰਕਾਰ ਪਾਸ ਕੇਵਲ ਦੋ ਪ੍ਰਤਿ-ਬੇਨਤੀਆਂ ਆਈਆਂ ਹਨ ।

(ਜੇ) ਹਾਂ ਜੀ । ਇਹ ਫ਼ੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸੀਨੀਆਰਟੀ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਇਸ ਅਧਿਆਪਕ ਨੂੰ ਸਲੈਕਸ਼ਨ ਗਰੇਡ ਦੀ ਪ੍ਰੋਮੋਸ਼ਨ ਦੇਣ ਦੀ ਵਾਰੀ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ।

(ਕੇ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ ।

———

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

SURVEY CONDUCTED BY SCHEDULED CASTES AND BACKWARD CLASSES DEPARTMENT, PUNJAB, REGARDING REPRESENTATION OF SCHEDULED CASTES IN GOVERNMENT SERVICES IN THE STATE.

*1363. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Social Welfare be pleased to state :—

(a) whether any survey has been conducted during the last 2-3 years by the Scheduled Castes and Backward Classes Deptt. Punjab, regarding the representation of members of Scheduled Castes in Government Services in the State; if so, what are its findings;

(b) the percentage of posts (class-wise) at present held by the members of Scheduled Castes as revealed in the said survey;

(c) whether the Welfare Department had made any proposal for percentage of posts to be reserved for the persons belonging to the Scheduled Castes; if so, whether the Government has considered the same ?

ਸਮਾਜ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਉਪਰੋਕਤ (ੲ) ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

(ਸੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ । ਪਰ ਹਣ ਹਾਈ ਪਾਵਰਡ ਕਮੇਟੀ ਨਿਯਤ ਰੀਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ ਵਿਚਾਰ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ।

REPRESENTATION REGARDING DEMANDS OF PUNJAB ROADWAYS WORKERS-

*1365. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) whether he received a representation dated 21.11.69 from the General Secretary, Punjab Government National Motor Workers Union entitled 'Demands of the Punjab Workers' if so, a copy of the same be laid on the Table of the House;

(b) whether any decision has so far been taken on the said representation; if so, the details of the demands which have been accepted and of those which have been rejected stating the reasons therefor in each case ?

Chief Minister : (a) Yes Sir,

A copy is laid on the Table of the House.

(b) Not yet. The matter is under consideration.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ । ਇਸ ਦੀ ਇਕ ਕਾਪੀ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਅ) ਨਹੀਂ ਜੀ । ਮੁਆਮਲਾ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

PUNJAB GOVERNMENT NATIONAL MOTOR TRANSPORT WORKERS UNION.

Registered and Recognised

G. T. Road, Jullundur City, Dated 21st. Nov., 1968.

To.

1. Shri Gurnam Singh, Chief Minister, Punjab, Chandigarh.
2. Smt. Sarla Grewal, I. A. S., Secretary to Govt. Punjab. Transport Department.
3. Sh. R. P. Ojha, I. A. S., Director State Transport, Punjab, Chandigarh.

Dear Sirs,

Demands of the Punjab Roadways Workers.

While again thanking you for your so kindly conceding demands of Annual increments, all grievances during strike movement regularising services of discontinued workers etc. of the Punjab Roadways Union during last month, I have to bring to your kind notice the following facts for your favourable consideration :—

1. 20% bonus should be given to all workers of Punjab Roadways, according to profit according to the Agreement dated 21.1.67 between Government and the Union.
2. Anomalies in the grades of Drivers, Conductors, Inspectors, Workshop and clerical staff of the Punjab Roadways, may kindly be removed. Details have already been submitted to you by this Union and Punjab S. S. Federation.
3. The price of Uniform be increased to 25% on account of dearness. Instead of two pairs of chappals, one pair of boot and one pair of half boot (Gargabi) be given to the workers.
4. Passengers Transport be nationalised totally. To improve the service, there should be one Central Workshop and one Central spare-parts store, by the Government.
5. Colonies be constructed for the residence of the Punjab Roadways workers at every Depot. The rent of such quarters be charged according to the Government rates.
6. Arrears of increments, suspension period etc., etc., after strikes be paid to the workers at the earliest.
7. Shortage of the staff be made good at every depot, so that the cancellation of leaves & rests of workers could be avoided.

For the above said demands the Union workers made demonstrations at all the deptts on 13.11.1969 at 5 P. M. in front of the offices and workshop etc. Resolutions passed unanimously at various depots, were sent to you telegraphically for your sympathetic consideration.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

I am* will to the above said most genuine and fair demands of the workers at the earliest and will encourage the workers like heretofore.

Thanking you,

Yours faithfully,
Sd/-(Jaswant Singh Samra)
General Secretary(C).

ROUTE PERMITS FOR PLYING TRUCKS GRANTED TO ATLAS TRANSPORT COMPANY PATHANKOT.

*1366. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the total number of route permits for plying trucks granted to the Atlas Transport Company, Pathankot from time to time & the number of those still valid;

(b) the number of trucks owned by the said company;

(c) whether the trucks are in fact, being plied by the said company itself or whether the route permits have been sold/hired out to other parties;

(d) whether the Govt. received during the year 1969 any complaint from Sh. Rulia Ram Sharma that the company had in fact hired out all the route permits and the same were being used by other parties;

(e) if the answer to part (d) above be in the affirmative, whether any enquiry was held into the said complaint; if so, with what result ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a)—(i) Total No. of permits issued to the Atlas Transport Company, Pathankot from time to time 9

(ii) No. of permits still valid 8

(b) Eight (8)

(c) It has been brought to the notice of this office that the company has given some permits on hire to the other parties and the matter is under enquiry.

(d) No such complaint was received from Sh. Rulia Ram Sharma during the year 1969. However, complaints of such nature appeared in Local Urdu Papers of Pathankot that the company has hired out some permits to some other parties.

(e) the matter is under enquiry with the Distt. Transport Officer, Gurdaspur.

---

*The reply received from the Government is illegible.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

(ੲ) ਸਮੇਂ ਸਮੇਂ ਤੇ ਐਟਲਸ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਕੰਪਨੀ ਪਠਾਨਕੋਟ ਨੂੰ ਕੁਲ ਪ੍ਰਮਿੱਟ ਦਿੱਤੇ ਗਏ । 9

ਹੁਣ ਤੱਕ ਵੈਲਿਡ ਪ੍ਰਮਿੱਟ 8

(ਬੀ) 8 (ਅੱਠ)

(ਸੀ) ਇਸ ਦਫਤਰ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕੰਪਨੀ ਨੇ ਕੁਝ ਪ੍ਰਮਿੱਟ ਕਰਾਏ ਤੇ ਹੋਰ ਪਾਰਟੀਆਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੇ ਹੋਏ ਹਨ ਤੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ।

(ਡੀ) 1969 ਵਿੱਚ ਰੁਲੀਆ ਰਾਮ ਸ਼ਰਮਾ ਵਲੋਂ ਕੋਈ ਸ਼ਕਾਇਤ ਨਹੀਂ ਆਈ । ਫਿਰ ਵੀ ਪਠਾਨਕੋਟ ਦੇ ਲੋਕਲ ਉਰਦੂ ਅਖ਼ਬਾਰ ਰਾਹੀਂ ਪਤਾ ਲੱਗਾ ਹੈ ਕਿ ਕੰਪਨੀ ਨੇ ਕੁਝ ਪ੍ਰਮਿੱਟ ਦੂਸਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਨੂੰ ਕਰਾਏ ਤੇ ਦਿੱਤੇ ਹੋਏ ਹਨ ।

(ਈ) ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਫਸਰ, ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਰਾਹੀਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।]

RECOVERY OF AMOUNT OF PASSENGERS AND GOODS TAX COLLECTED BY THE JAMMU & KASHMIR GOVERNMENT ON BEHALF OF PUNJAB GOVERNMENT.

*1367. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) whether he is aware of the fact that a sum of Rs. 32 lacs has been realised by the Government of Jammu and Kashmir on behalf of the Punjab Government on account of Passengers and Goods Tax during the period from 1952 to 1967;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, whether the Punjab Government have taken any steps to realise the same from the Jammu & Kashmir Government;

(c) if the answer to part (b) above be in the negative, the reasons for not effecting the said recovery together with the details of the steps the Government now propose to take to recover it ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ੳ–ੲ) ਪੰਜਾਬ ਸਵਾਰੀ ਤੇ ਮਾਲ ਕਰ ਐਕਟ, 1952 ਦੇ ਸੈਕਸ਼ਨ 10 ਅਧੀਨ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮਿਤੀ 10 ਦਸੰਬਰ, 1962 ਨੂੰ ਜੰਮੂ ਤੇ ਕਸ਼ਮੀਰ ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਆਪਣੀਆਂ ਸਰਕਾਰੀ ਬੱਸਾਂ ਅਤੇ ਟਰੱਕਾਂ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਹਦੂਦ ਵਿੱਚ ਚਲਾਉਣ ਤੇ ਕਰ ਦੀ ਛੋਟ ਦੇ ਦਿੱਤੀ । ਜੰਮੂ ਤੇ ਕਸ਼ਮੀਰ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲ ਰਹਿੰਦੇ ਕਰ ਦੇ ਬਕਾਏ ਦੀ ਰਕਮ ਮਿਤੀ 1 ਅਕਤੂਬਰ, 1952 ਤੋਂ ਛੋਟ ਦੇ ਦੇਣ ਦੇ ਦਿਨ ਤੱਕ ਭੀ ਮੁਆਫ਼ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ । ਇਹ ਛੋਟਾਂ ਕੌਮੀ ਹਿੱਤਾਂ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ । ਫੇਰ ਭੀ ਜੰਮੂ ਤੇ ਕਸ਼ਮੀਰ ਸਰਕਾਰ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਬਾਵਜੂਦ ਉਪਰੋਕਤ ਛੋਟ ਦੇ ਕੀ ਉਹ ਦੱਸੇ ਹੋਏ ਐਕਟ ਦੇ ਅਧੀਨ ਕਰ ਲੈ ਰਹੇ ਹਨ, ਜੇਕਰ ਜੰਮੂ ਤੇ ਕਸ਼ਮੀਰ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਜਵਾਬ ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਕਿ ਵਸੂਲ-

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਕਰ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਦੇਣ ।

(a to c) Under Section 10 of the Punjab Passengers and Goods Taxation Act, 1952, the Punjab Government exempted the State owned buses and trucks of Jammu and Kashmir Government plying in the territory of Punjab State, from the payment of tax under the said Act, with effect from 10 12.1962, in the national interest. The amount of arrears on account of non-payment of this tax due from the Jammu and Kashmir Government since 1.10.1952 to the date of issue of exemption orders was also waived.

However, an enquiry is being made from the Jammu and Kashmir Government, if despite the above exemption they are still charging the tax under the said Act, and if their reply is in the affirmative, they will be requested to pass on the credit to the Punjab Government.

IMPLEMENTATION OF CERTAIN RECOMMENDATIONS OF THE ADMINISTRATIVE REFORMS COMMISSION.

*1368. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state the action taken by the Government on the recommendations contained in paragraphs 5.10, 5.12, 5.13, 5.14, 5.16, 5.22, 5.23, 5.24, 5.25, 5 26 and 5.27 of the Report of the Administrative Reforms Commission ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਪੰਜਾਬ ਰਾਜਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਸੁਧਾਰ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਰਪੋਟ ਦੇ ਪੈਰਿਆਂ ਨੰ: 5.10, 5.12, 5.13, 5.14, 5.16, 5.22, 5.25, 5.26 ਅਤੇ 5.27 ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਤੇ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਾਰਵਾਈ ਨੂੰ ਦਰਸਾਉਂਦੀ ਇਕ ਸਟੇਟਮੇਂਟ ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਉਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

ਪੈਰਿਆਂ ਨੰ: 5.23 ਅਤੇ 5.24 ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਨਹੀ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

[A statement showing action taken on the recommendations of the Punjab Administrative Reforms Commission contained in paragraphs Nos. 5.10, 5.12, 5.13, 5.14, 5.16, 5.22, 5.25, 5.26 and 5.27 is laid on the Table of the House.

Paragraphs Nos. 5.23 and 5.24 of the Report do not contain any recommendations. Hence the question of taking action on them does not arise.]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਵਿਵਰਣ

ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਸੁਧਾਰ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਰਪੋਟ ਦਾ ਪੈਰਾ ਨੰ.	ਸਿਫਾਰਸ਼ ਨੰ.	ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਸੁਧਾਰ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼	ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਾਰਵਾਈ
5.10	25	(1) ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਨੂੰ ਪ੍ਰਬੀਨਤਾ ਅਤੇ ਨਿਪੁੰਨਤਾ ਨਾਲ ਚਲਾਉਣ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਕੈਬਨਿਟ ਦੀ ਗਿਣਤੀ 10 ਮੰਤਰੀਆਂ ਤੋਂ ਵਧ ਨਾ ਹੋਵੇ । (2) ਸਮੇਂ ਸਮੇਂ ਨਵੇਂ ਬਣਨ ਵਾਲੇ ਮੰਤਰੀਆਂ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਕਰਨ ਲਈ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੀ ਵੰਡ ਕਰਨ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਇਕ ਮੰਤਰੀ ਦੀ ਇੱਛਾ ਨੂੰ ਪੂਰਿਆਂ ਕਰਨ ਲਈ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਨਵੇਂ ਗਰੁੱਪ ਬਣਾਉਣਾ ਰਾਜ ਦੀ ਬਾਕਾਇਦਾ ਤਰੱਕੀ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਚੰਗੇ ਪ੍ਰਬੰਧ ਦੇ ਪਖ ਤੋਂ ਠੀਕ ਗੱਲ ਨਹੀਂ । ਅਸੀਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੇ ਤਕ ਸੰਭਵ ਹੋ ਸਕੇ, ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੀ ਉਚਿਤ ਗਰੁਪਬੰਦੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ । (3) ਚੰਗੇ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਲਈ ਵੱਡੇ ਕਦਮ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਅਸੀਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੈਬਨਿਟ ਸੰਖੇਪ ਅਤੇ ਨਿਪੁਨ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੀ ਠੀਕ ਠੀਕ ਵੰਡ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।	ਸਿਫਾਰਸ਼ ਨੰ: 25 ਨੂੰ ਪਰਵਾਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਕੈਬਨਿਟ ਦੇ ਸਾਈਜ਼ ਨੂੰ ਸੀਮਿਤ ਕਰਨਾ ਸੰਭਵ ਨਹੀਂ ਸੀ ।
5.12 5.13 5.14 5.16	27	(1) ਮੰਤਰੀਆਂ ਦੇ ਦੌਰੇ ਦੋ ਕਿਸਮਾਂ ਦੇ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ, ਅਰਥਾਤ ਸਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਗੈਰ ਸਰਕਾਰੀ, (2) ਸਰਕਾਰੀ ਦੌਰੇ ਕੇਵਲ ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਮੰਤਵਾਂ ਲਈ ਹੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਇਹ ਕਿਸੇ ਨਿਯਮ ਅਨੁਸਾਰ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮੰਤਵਾਂ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟਾਂ ਦੇ ਮੁਆਇਨੇ ਲਈ	ਸਿਫਾਰਸ਼ ਨੰ: 27 ਦੇ ਭਾਗ (1)(3) ਅਤੇ (4) ਮੁਕੰਮਲ ਤੌਰ ਤੇ ਪਰਵਾਨ ਕਰ ਲਏ ਗਏ ਸਨ । ਭਾਗ (2) ਇਸ ਸੰਸ਼ੋਧਨ ਨਾਲ ਪਰਵਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਪਹਿਲੀ ਲਾਈਨ ਵਿਚ ਆ ਰਹੇ ਸ਼ਬਦ "ਕੇਵਲ" ਨੂੰ ਕੱਢ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਮੌਕੇ ਤੇ ਹੀ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਸਬੰਧੀ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਨੀਤੀਆਂ ਸਬੰਧੀ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਤੀਕਰਮ ਦਾ ਪਤਾ ਕਰਨ ਲਈ ਕੀਤੇ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ।

(3) ਦੌਰਿਆਂ ਸਬੰਧੀ ਨੋਟ ਤਿਆਰ ਕੀਤੇ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਨੋਟ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਹੁਕਮ ਜਾਂ ਲਿਖਤੀ ਹਦਾਇਤਾਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਸਬੰਧਤ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਭੇਜੇ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ।

(4) ਕੇਵਲ ਸਰਕਾਰੀ ਦੌਰਿਆਂ ਸਬੰਧੀ ਹੀ ਸਰਕਾਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕੇਵਲ ਅਜਿਹੇ ਦੌਰਿਆਂ ਲਈ ਸਫਰ ਭੱਤਾ ਅਤੇ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਭੱਤਾ ਕਲੇਮ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ।

(5) ਨਿੱਜੀ ਰਾਜਸੀ, ਸਮਾਜਕ, ਧਾਰਮਕ, ਜਾਂ ਘਰੇਲੂ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਦੌਰੇ ਮੰਤ੍ਰੀ ਦੇ ਆਪਣੇ ਖਰਚ ਤੇ ਹੀ ਕੀਤੇ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸ ਨਾਲ ਸਥਾਨਕ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਅਤੇ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਦਾ ਕੋਈ ਸਬੰਧ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ।

(6) ਮੰਤਰੀਆਂ ਦੇ ਗੈਰ ਯੋਜਨਾਬੱਧ ਅਤੇ ਬੇਲੋੜੇ ਦੌਰਿਆਂ ਨਾਲ, ਰਾਜਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਦੇ ਵੱਖ ਵੱਖ ਪੱਧਰਾਂ ਤੇ ਬਹੁਤ ਨੁਕਸਾਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਸੀਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ, ਮੰਤਰੀਆਂ ਦੇ ਦੌਰਿਆਂ ਲਈ ਕੰਟਰੋਲ ਅਧਿਕਾਰੀ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮੰਤਰੀ ਦੇ ਹਰੇਕ ਸਰਕਾਰੀ ਦੌਰੇ ਦੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਲਈ ਇਸ ਦੇ ਸਰਕਾਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਐਲਾਨ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਅਤੇ ਇਸ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਦੇਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਦੀ ਪ੍ਰਵਾਨਗੀ ਅਵੱਸ਼ ਲਈ ਜਾਵੇ।

"ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ" ਅਤੇ "ਮੰਤਵਾਂ" ਸ਼ਬਦਾਂ ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ ਸ਼ਬਦ "ਅਤੇ ਲੋਕ" ਸ਼ਾਮਲ ਕਰ ਲਏ ਜਾਣ ਤਾਂ ਜੋ ਇਸ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੜ੍ਹਿਆ ਜਾ ਸਕੇ "ਸਰਕਾਰੀ ਦੌਰੇ ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਅਤੇ ਲੋਕ ਮੰਤਵਾਂ ਲਈ ਹਨ"

ਪਹਿਲਾਂ ਪਰਵਾਨ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਭਾਗ (5) ਅਤੇ (6) ਵਾਧੂ ਸਮਝੇ ਗਏ ਸਨ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

5.22	31	ਅਸੀਂ ਮੰਤਰੀਆਂ ਲਈ ਨਿਮਨ ਆਚਰਣ ਸੰਘਤਾ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਾਂ :— (ੳ) ਮੰਤ੍ਰੀਆਂ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਧਰਮ ਤੋਂ ਪ੍ਰੇਰਨਾਂ ਲੈਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਇਹ ਭਾਵਨਾ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਕਾਨੂੰਨ ਦੀ ਨਜ਼ਰ ਵਿਚ ਸਭ ਇਕ ਸਾਰ ਹਨ । (ਅ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੁੱਖ ਕੰਮ ਨੀਤੀਆਂ ਤੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਬਣਾਉਣਾ ਹੈ ।	ਪੰਜਾਬ ਰਾਜਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਸੁਧਾਰ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਨੰ: 31 ਨੂੰ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਸੰਸ਼ੋਧਨਾਂ ਨਾਲ ਪਰਵਾਨ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ :— ਭਾਗ (ੲ) ਨੂੰ ਇਸ ਸੰਸ਼ੋਧਨ ਨਾਲ ਪਰਵਾਨ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ "ਕੇਵਲ" ਸ਼ਬਦ ਨੂੰ ਕੱਢ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਸ਼ਬਦ "ਵੀ" ਸ਼ਾਮਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਇਹ ਭਾਗ ਇੰਜ ਪੜ੍ਹਿਆ ਜਾ ਸਕੇ "ਉਨ੍ਹਾਂ (ਮੰਤ੍ਰੀਆਂ) ਨੂੰ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਅਤੇ ਨੀਤੀਆਂ ਨੂੰ ਅਮਲੀ ਰੂਪ ਦੇਣ ਦੇ ਕੰਮ ਦੀ ਵੀ ਨਿਗਰਾਨੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।"
		(ੲ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੇਵਲ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਅਤੇ ਨੀਤੀਆਂ ਨੂੰ ਅਮਲੀ ਰੂਪ ਦੇਣ ਦੇ ਕੰਮ ਦੀ ਹੀ ਨਿਗਰਾਨੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । (ਸ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੱਕੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਅਤੇ ਪ੍ਰਬੰਧ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (ਹ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੰਤਰੀ ਮੰਡਲ ਲਈ ਲੋਕਾਂ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਤਿਨਿਧਿਆਂ ਦੀ ਹਮਾਇਤ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨੀ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (ਕ) ਜੰਗ ਜਾਂ ਹੋਰ ਸੰਕਟ ਸਮੇਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨਾਲ ਦੇਸ਼ ਵਾਸੀਆਂ ਦੇ ਹੌਸਲੇ ਕਾਇਮ ਰਹਿ ਸਕਣ । (ਖ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਆਮ ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਡਿਊਟੀਆਂ ਵਿਚ ਦਖਲ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ।	ਭਾਗ (ਖ) ਇਸ ਸੰਸ਼ੋਧਨ ਨਾਲ ਪਰਵਾਨ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਮੰਤ੍ਰੀ ਸੇਵਾਵਾਂ ਦੀਆਂ ਆਮ ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਡਿਊਟੀਆਂ ਵਿੱਚ ਉਦੋਂ ਤੀਕ ਦਖਲ ਨਾ ਦੇਣ ਜਦੋਂ ਤਕ ਇਨਸਾਫ਼ ਇਸ ਦੀ ਮੰਗ ਨਾ ਕਰਦਾ ਹੋਵੇ । ਭਾਗ (ਗ) ਨੂੰ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪਰਵਾਨ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ ਸੀ :- "ਉਨ੍ਹਾਂ (ਮੰਤ੍ਰੀਆਂ) ਨੂੰ ਨਿਜੀ ਜਾਂ ਸਰਕਾਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਕਾਨੂੰਨ ਅਤੇ ਕਾਨੂੰਨੀ ਨਿਯਮਾਂ ਦੁਆਰਾ ਸੌਂਪੇ ਗਏ ਅਖਤਿਆਰਾਂ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਦਖਲ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਕਾਰਜ ਸਾਧਕ ਹੁਕਮਾਂ ਦੁਆਰਾ ਸੌਂਪੇ ਗਏ ਅਖਤਿਆਰਾਂ ਦੇ ਸਬੰਧ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		(ਗ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਾਨੂੰਨ, ਨਿਯਮਾਂ ਅਤੇ ਹੁਕਮਾਂ ਦੁਆਰਾ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਨੂੰ ਸੌਂਪੇ ਗਏ ਅਖਤਿਆਰਾਂ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਨਿੱਜੀ ਜਾਂ ਸਰਕਾਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਦਖਲ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । (ਘ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੰਤਰੀ ਮੰਡਲ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਨਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਜਾਂ ਆਪਣੀਆਂ ਵਜ਼ੀਰੀਆਂ ਕਾਇਮ ਰਖਣ ਲਈ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਢੰਗ ਨਹੀਂ ਅਪਨਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ।	ਵਿਚ ਮੰਤ੍ਰੀਆਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਉਚਿਤ ਇਸਤੇਮਾਲ ਲਈ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਸਮੇਂ ਸਮੇਂ ਤੇ ਹਰ ਮੰਤ੍ਰੀ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਸੌਂਪੇ ਗਏ ਅਖਤਿਆਰਾਂ ਦੀ ਨਜ਼ਰਸਾਨੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।" ਭਾਗ (ਘ) ਨੂੰ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪਰਵਾਨ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ ਸੀ :— "ਮੰਤ੍ਰੀਆਂ ਨੂੰ ਅਜਿਹੇ ਢੰਗ ਨਹੀਂ ਅਪਨਾਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਜੋ ਲੋਕਤੰਤਰ ਦੀ ਮਰਯਾਦਾ ਅਤੇ ਚੰਗੇ ਅਸੂਲਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਹੋਣ ।"
5.25 5.26 5.27	32	(1) ਸਬੰਧਤ ਮੰਤਰੀ ਜਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਵਿਧਾਨਕਾਰਾਂ ਦੀ ਰਾਏ ਵਲ ਅਵੱਸ਼ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀਆਂ ਜਾਇਜ਼ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਅਮਲ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (2) ਮੈਂਬਰ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਅਤੇ ਮੰਤਰੀਆਂ ਦੇ ਦਬਾਓ ਨੂੰ ਘਟਾਉਣ ਅਤੇ ਮੰਤ੍ਰੀਆਂ ਦੇ ਸਨਮਾਨ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਅਸੀਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਮੰਤਰੀਆਂ ਨੂੰ ਸੌਂਪੇ ਗਏ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ ਵਿਚ ਮਦਾਖਲਤ ਨਾ ਕਰਨ ਦਾ ਦ੍ਰਿੜ ਇਰਾਦਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (3) "ਸਿਫਾਰਸ਼ ਰਾਜ" ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਨ ਲਈ ਵਿਧਾਨਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਆਇਆਂ ਰਵਾਇਤਾਂ ਕਾਇਮ ਕਰਨੀਆਂ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਲਈ ਆਚਰਣ ਸੰਘਤਾ ਤਿਆਰ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।	ਸਿਫਾਰਸ਼ ਨੰ: 32 (1) ਨੂੰ ਪਰਵਾਨ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ ਸੀ । ਸਿਫਾਰਸ਼ ਨੰ: 32 (2) ਨੂੰ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਨੰ: 31 ਦੇ ਭਾਗ (ਖ) ਅਤੇ (ਗ) ਵਿਚ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸੰਸ਼ੋਧਨਾ ਦੇ ਅਧੀਨ ਅਸੂਲੀ ਤੌਰ ਤੇ ਪਰਵਾਨ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ । ਸਿਫਾਰਸ਼ ਨੰ: 32 (3) ਹਾਲੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

STATEMENT

Paragraph No. of the Administrative Reforms Commission's report	Recommendation No.	Recommendation of the Punjab Administrative Reforms Commission	Action taken by the Government
5.10	25	(i) If Punjab is to have a streamlined and efficient Administration, the Cabinet strength should not exceed 10 Ministers ;	Recommendation No. 25 was not accepted as it was not found practicable to impose a limit on the size of the Cabinet.
		(ii) The splitting up of portfolios periodically, to oblige incoming ministers and evolve combinations to suit the demands of the individual Ministers is not conducive to orderly progress of the State or its good administration. We recommend that there should be, as far as possible, fixed portfolios with proper grouping of subjects, and	
		(iii) As a major step towards good Administration, we recommend that the Cabinet should be compact and competent and there should be proper allocation of portfolios	
5.12 5.13 5.14	27	(i) Ministers' tours should be placed in two categories, viz., 'official' and 'non-official';	Parts (i), (iii) and (iv) of recommendation No. 27 were accepted in toto. Part (ii) of the recommendation was approved with the modification that

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

5.16

(ii) Official tours are solely meant for administrative purposes. They should be systematised and undertaken for well-defined purposes such as inspection of projects, discussion of problems with officials and people on the spot and to study public reaction to Government policies ;

(iii) Tour notes should be prepared and communicated to the concerned authorities for Government orders or directions in writing;

(iv) Only the official tours should be officially announced or communicated and only for such tours travelling allowance and daily allowance may be claimed ;

(v) Unofficial tours for personal, political, social, religious or family reasons, should be undertaken at the Minister's expense and without involving local officials and the administration ;

the word 'solely' occuring in the first line should be deleted and the words 'and public' should be inserted between the words "administrat.ve" and "purposes" so as to read "Official tours are meant for administrative and public purposes". Parts (v) and (vi) of the same recommendation were considered redundant in view of the recommendations already approved for acceptance.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		(vi) Unplanned and unnecessary touring by Ministers is doing serious damage to the administration at various levels. We recommend that the Chief Minister should be the controlling authority for ministerial tours and that every official tour programme of a Minister must receive the Chief Minister's approval before being officially announced and communicated.	
5.22	31	We recommend the following Code of Conduct for Ministers :- (a) The Ministers must be inspired by the urge of Dharma and imbued with the spirit of the Rule of Law ; (b) They should be mainly concerned with the formulation of policies and programmes ; (c) They should undertake only the supervision of execution of programmes and policies ; (d) They should look after the discipline and direction of the permanent services ; (e) They should secure and maintain the support of the people and their representatives for the ministry ;	The recommendation No. 31 of the Punjab Administrative Reforms Commission has been accepted with the following modifications :- (i) Part (c) of the recommendation was accepted with the modification that the word "only" should be deleted and the word "also" should be added so as to read "They (Ministers) should also undertake the supervision of execution of programmes and policies." (ii) Part (g) of the recommendation was approved with the modification that the Ministers should not interfere with the routine administrative duties of the Services unless the ends

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		(f) In times of war and other crisis, they should so act as to uphold and support the morale of the nation ; (g) They should not interfere with routine administrative duties of the Services; (h) They should not interfere, personally or officially, in the field of delegated authority conferred on officers by Law, Rules and Orders ; and (i) They should not adopt unscrupulous methods in order to maintain the stability of the Ministry or to keep themselves in office.	of justice so require. (iii) Part (h) of the recommendation was approved in the following form : "They (Ministers) should not interfere personally or officially, in the field of delegated authority conferred on officers by law and statutory rules. In the case of delegations made under executive orders, the Ministers should remain responsible for the proper exercise of these delegations. Periodically each Minister should review all delegations made." (iv) Part (i) of the recommendation was accepted in the following form :- "The Ministers should not adopt methods which are inconsistent with the good principles and conventions of democracy."
5.25 5.26 6.27	32	(i) The minister or the officer concerned must pay heed to what the legislator says and implement his just recommendations ; (ii) In order to reduce the pressures of M.L.As. and Ministers and to enhance the latters' prestige, we recommend that the Ministers should resolve not to intervene in the exercise of delegated authority ; and (iii) In order to put an end to 'Sifarish Raj' the legislators should establish their own conventions and evolve a code for themselves.	Recommendation No. 32 (i) was accepted. Recommendation No. 32 (ii) was accepted in principle subject to the modification made in parts (g) and (h) of the recommendation No. 31. Part (iii) of the recommendation is still under the consideration of Government.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

AMOUNT PROPOSED TO BE ADVANCED TO THE CULTIVATORS OF DHAR BLOCK OF TEHSIL PATHANKOT FOR THE DEVELOPMENT OF HORTICULTURE.

*1369. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether it is a fact that Government has decided to advance Rs. 5,000/- per acre to the cultivators of the Dhar Block of tehsil Pathankot district Gurdaspur, for development of horticulture in that area; if so, from what date ?

Minister for Agriculture : Yes. Government have decided to advance Rs. 5,000/- per acre as loan for the development of Horticulture in the sub-mountaneous areas of the State, with effect from the next financial year (1970-71).

[ਹਾਂ ਜੀ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਅਗਲੇ ਮਾਲੀ ਸਾਲ ਤੋਂ ਬਾਗਬਾਨੀ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਰਾਜ ਦੇ ਅੱਧ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿੱਚ 5000 ਰੁ: ਦਾ ਕਰਜ਼ਾ ਦੇਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ।]

DIFFERENT RATES OF PASSENGERS TAX ON PATHANKOT DUNERA ROUTE.

*1370. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) whether it is a fact that Passengers Tax at the rate of 10 Paise per rupee is charged for plying buses on Pathankot Dunera route from the bus owners of Himachal Pradesh whereas it is charged at the rate of 35 Paise per rupee from the Punjabi owners of buses plied by them on that route; if so, the reasons for this discrimination;

(b) whether the Government proposes to bring about uniformity in the realisation of this tax to avoid hardship to Punjabi bus owners ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ੳ) ਪੰਜਾਬੀ ਅਤੇ ਹਿਮਾਚਲ ਬੱਸਾਂ ਦੇ ਮਾਲਕ ਪਠਾਨਕੋਟ ਦੂਨੇਰਾ ਰੂਟ ਤੇ ਹੁਣ 35 ਪੈਸੇ ਪ੍ਰਤਿ ਰੁਪਏ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਸਵਾਰੀ ਕਰ ਵਸੂਲ ਕਰਦੇ ਹਨ।

(ਅ) 'ੳ' ਤੇ ਜਵਾਬ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦਾ।

[(a) The rate of tax charged by the Punjabi and Himachal Pradesh bus owners at present is 35 Paise per Rupee on Pathankot Dunera route.

(b) In view of the reply at (a) above the question does not arise.]

INSECTICIDES PURCHASED BY GOVERNMENT FOR AERIAL SPRAYING OF COTTON CROP.

*1372. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state :—

(a) the names, quantity and the value of insecticides purchased by

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Satya Pal Dang]

the Government last year for aerial spraying of cotton crop in the State;

(b) the quantities of the said insecticides actually used and the quantities left unused with their value;

(c) the manner in which the unused stocks were disposed of ?

Minister for Agriculture : The requisite information is laid on the Table of the House.

[ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਸਦਨ ਦੇ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Agriculture]

STATEMENT

S. No.	Name of insecticide	Quantity	Value
(a) 1.	Malathion	30742 litres	Rs. 4,28,392
2.	Metasysto	6827 litres	Rs. 3,01,879
3.	Rogor	2471 litres	Rs. 1,08,735
4.	Dimecron	9285 litres	Rs. 10,44,063
5.	Endrine	36744 litres	Rs. 6,65,799
	Total :	86,069 litres	Rs. 25,48,868

S. No.	Name of insecticide	Quantity used	Value	Quantity unused	Value
(b) 1.	Malathion	29524 litres	Rs. 4,11,253	1218 litres	Rs. 17,139
2.	Metasystox	6274 litres	Rs. 277587	553 litres	Rs. 24,292
3.	Rogor	2337 litres	Rs. 102830	134 litres	Rs. 5,905
4.	Dimecron	6985 litres	Rs. 780501	2300 litres	Rs. 263562
5.	Endrine	26775 litres	Rs. 485130	9969 litres	Rs. 180669
	Total :	71895 litres	Rs. 20,57,301	14174 litres	Rs. 49,15,67

(c) The unused stocks of insecticides now stocked with the Coop. Department are being used for ground spraying of different crops, orchards and vegetables and left over stocks, if any, will be utilised for aerial spraying of cotton during 1970-71.

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

[(ਏ)

ਨੰ:	ਦਵਾਈਆਂ ਦਾ ਨਾਂ	ਮਾਤਰਾ	ਕੀਮਤ
1.	ਮਾਲਾਥੀਐਨ	30742 ਲਿਟਰ	4,28,392 ਰੁ.
2.	ਮੈਟਾਸਿਸਟੋਕਸ	6827 ,,	3,01,879 ਰੁ.
3.	ਰੋਗਰ	2471 ,,	1,08,735 ਰੁ.
4.	ਡਾਈਮੈਕਰੋਨ	9285 ,,	10,44,063 ਰੁ.
5.	ਐਂਡਰੀਨ	36744 ,,	6,65,799 ਰੁ.
	ਜੋੜ	86,069 ,,	25,48,868 ਰੁ.

(ਬੀ)

ਨੰ.	ਦਵਾਈ ਦਾ ਨਾਂ	ਮਾਤਰਾ ਜੋ ਵਰਤੀ ਗਈ	ਕੀਮਤ	ਮਾਤਰਾ ਜੋ ਨਹੀਂ ਵਰਤੀ ਗਈ	ਕੀਮਤ
1.	ਮਾਲਾਥੀਐਨ	29524 ਲਿਟਰ	4,11,253 ਰੁ.	1218 ਲਿਟਰ	17,139 ਰੁ
2.	ਮੈਟਾਸਿਸਟੋਕਸ	6274 ,,	2,77,587 ਰੁ.	553 ,,	24,292 ਰੁ.
3.	ਰੋਗਰ	2337 ,,	1,02,830 ਰੁ.	134 ,,	5,905 ਰੁ.
4.	ਡਾਈਮੈਕਰੋਨ	6985 ,,	7,80,501 ਰੁ.	2300 ,,	2,63,562 ਰੁ.
5.	ਐਂਡਰੀਨ	26775 ,,	4,85,130 ਰੁ.	9969 ,,	1,80,669 ਰੁ.
	ਕੁਲ	71895 ,,	20,57,301 ਰੁ.	14174 ,,	4,91,567 ਰੁ.

(ਸੀ) ਬਾਕੀ ਰਿਹਾ ਸਟਾਕ ਜੋ ਹੁਣ ਸਹਿਕਾਰੀ ਵਿਭਾਗ ਕੋਲ ਹੈ, ਵੱਖ ਵੱਖ ਫ਼ਸਲਾਂ ਫਲਦਾਰ ਬੂਟੇ ਅਤੇ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਤੇ ਛਿੜਕਾਓ ਕਰਨ ਲਈ ਵਰਤਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜੋ ਕੋਈ ਸਟਾਕ ਫਿਰ ਵੀ ਬਾਕੀ ਰਹਿ ਗਿਆ ਉਹ 1970-71 ਵਿਚ ਹਵਾਈ ਛਿੜਕਾਓ ਕਰਨ ਲਈ ਵਰਤਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

PERSONS APPOINTED AS A RESULT OF P. C. S. (EXECUTIVE BRANCH) EXAMINATION IN 1965.

*1378 (C. U) **Comrade Satya Pal Dang :** Will the Chief Minister with reference to the reply to unstarred question No. 197 included in the list of unstarred questions for 3rd October, 1969 be pleased to state :—

(a) the reasons for which it was decided to fill only seven posts on the basis of the result of the P.C.S. (Executive Branch) Examination held in 1965;

(b) whether the said seven posts have actually been filled up by the candidates selected; if so, their names; if not, the reasons therefor;

(c) the number and names of persons out of those mentioned in part (b) above who belong to Scheduled Castes ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ੳ) 12 ਆਸਾਮੀਆਂ ਵਿਚੋਂ ਜੋ ਸਾਂਝੇ ਪਜਾਬ ਵਿਚ 1965 ਦੇ ਇਮਤਿਹਾਨ ਵਾਸਤੇ ਅਧਸੂਚਿਤ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ਕੇਵਲ 7 ਹੀ ਪੁਨਰ-ਗਠਨ ਤੋ ਬਾਅਦ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਆਈਆਂ ਸਨ ।

(ਅ) ਅਤੇ (ੲ) ਨਿਮਨਲਿਖਤ 7 ਕਾਮਯਾਬ ਉਮੀਦਵਾਰ ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਵਾਸਤੇ ਮਿਥੇ ਗਏ ਸੀ :-

ਆਮ :	1. ਸ਼੍ਰੀ ਜਸਪਾਲ ਕੁਮਾਰ ਗੁਪਤਾ	ਆਬਕਾਰੀ ਅਤੇ ਕਰ ਅਫ਼ਸਰ ।
	2. ਸ਼੍ਰੀ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਸਰਮਾ	ਤਹਿਸੀਲਦਾਰ ।
	3. ਸ਼੍ਰੀ ਵਿਨੋਦ ਕੁਮਾਰ ਬਤਰਾ	ਸਹਾਇਕ ਆਬਕਾਰੀ ਅਤੇ ਕਰ ਅਫ਼ਸਰ ।
	4. ਸ਼੍ਰੀ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ	ਸਹਾਇਕ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਅਫ਼ਸਰ ।
ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀ :		
	1. ਸ਼੍ਰੀ ਸਰਿੰਦਰਜੀਤ ਸਿੰਘ	ਆਬਕਾਰੀ ਅਤੇ ਕਰ ਅਫ਼ਸਰ ।
	2. ਸ਼੍ਰੀ ਸੰਤ ਰਾਮ ਕੰਗ	ਤਹਿਸੀਲਦਾਰ ।
	3. ਸ਼੍ਰੀ ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ ਕੋਰੇ	ਸਹਾਇਕ ਆਬਕਾਰੀ ਅਤੇ ਕਰ ਅਫ਼ਸਰ ।

ਦੋ ਆਬਕਾਰੀ ਅਤੇ ਕਰ ਅਫ਼ਸਰ ਅਤੇ ਇਕ ਸਹਾਇਕ ਆਬਕਾਰੀ ਅਤੇ ਕਰ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਦੀਆਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਤੇ ਨਿਯੁਕਤੀਆਂ ਹੋ ਚੁਕੀਆਂ ਹਨ । ਹਰ ਇਕ ਤਹਿਸੀਲਦਾਰ, ਸਹਾਇਕ ਆਬਕਾਰੀ ਅਤੇ ਕਰ ਅਫ਼ਸਰ ਅਤੇ ਸਹਾਇਕ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਅਫ਼ਸਰ ਦੀ ਆਸਾਮੀ ਨੂੰ ਭਰਨ ਵਾਸਤੇ ਨਿਯੁਕਤੀ ਚਿੱਠੀਆਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹਨ । ਇਨਾਂ ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀਆਂ ਦਾ ਉੱਤਰ ਹਾਲੇ ਉਡੀਕਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਸ਼੍ਰੀ ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਹਿਸੀਲਦਾਰ ਦੀ ਇਕ ਆਸਾਮੀ ਵਾਸਤੇ ਐਲੋਕੇਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ, ਇਸ ਨੌਕਰੀ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲਣ ਤੋਂ ਨਾਂਹ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ ।

[(a) Out of the 12 vacancies notified in the Joint Punjab for the Examination, of 1965, only 7 fell to the share of Punjab on reorganisation.

(b) & (c) Following 7 successful candidates have been allocated for appointment against the posts mentioned against each :—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

General :

1.	Shri Jaspal Kumar Gupta	Excise & Taxation Officer.
2.	Shri Mohan Lal Sharma	Tehsildar.
3.	Shri Vinod Kumar Batra	Asstt. Excise & Taxation Officer.
4.	Shri Kirpal Singh	Assistant Employment Officer.

Scheduled Caste Candidates :

1.	Shri Surinderjit Singh	Excise & Taxation Officer.
2.	Shri Sant Ram Kang	Tehsildar.
3.	Shri Jaswant Singh Koray	Assistant Excise & Taxation Officer.

Appointments against two posts of Excise & Taxation Officers and one post of Assistant Excise & Taxation Officer have already been made. Appointment letters for filling in one post each of Tehsildar, Assistant Excise & Taxation Officer and Assistant Employment Officer have already been issued. Intimation about response of these candidates is still awa ted. In respect of one post of Tehsildar, the allocated candidate viz. Shri Mohan Lal Sharma has declined the offer.]

FIXATION OF SENIORITY OF CERTAIN MASTERS OF AMRITSAR DISTRICT

*1389. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Education be pleased to state :—

(a) whether vide Memo No. /22-61-PR, dated 22-6 62, from the D.P.I. Punjab to the District Inspector of Schools, Amritsar on the subject of "Fixation of seniority of Masters of Amritsar District (Provincialised Cadre) in joint seniority list of Masters", the seniority of 12 provincialised Masters of Amritsar district was refixed; if so; the reasons for this refixation;

(b) state whether the said decision was actually communicated to the Masters concerned;

(c) state whether the Masters concerned, made any representation to the department/Government against the refixation of their seniority;

(d) state whether in any of these cases, the Government reversed its decision contained in the above mentioned memo of D.P.I. and restored their original seniority;

(e) lay on the Table of the House a copy of the above mentioned memo of D.P.I. dated 22-6-62 and also a statement giving the names of the Masters in whose cases the original seniority was subsequently restored and on which dates;

(f) whether the seniority of Sh. Anand Ram one of the Masters was also restored; if so, whether all the consequent benefits

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Satya Pal Dang]

accruing from this restoration of seniority have been given to him,

(g) whether any arrears of his pay are due to him and whether his pension case has been settled;

(h) whether Sh. Ramesh Chand was one of the teachers those seniority was changed vide memo, dated 22-6-62; if so, whether it is a fact that his original seniority has not been restored; if so, the reasons therefor;

(i) whether the said Sh. Romesh Chand sent his father or any representation to the department/Government in this connection during the period from 1-7-62 upto date; if so, their number, date-wise ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ । ਪਹਿਲਾਂ ਸੀਨੀਆਰਟੀ ਮਾਸਟਰਾਂ ਨੂੰ ਰਨਿੰਗ ਗਰੇਡ ਦੇਣ ਦੀ ਮਿੱਤੀ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖ ਕੇ ਬਣਾਈ ਗਈ ਸੀ । ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਹੁਕਮ ਅਨੁਸਾਰ ਸੀਨੀਆਰਟੀ ਲਿਸਟ ਮਾਸਟਰਾਂ ਦੇ ਪੇਰੈਂਟ ਯੂਨਿਟ ਵਿਚ ਪੱਕੇ ਹੋਣ ਦੀ ਮਿੱਤੀ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਬਣਾਈ ਗਈ ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਸੀ) ਸੋਧੀ ਹੋਈ ਸੀਨੀਆਰਟੀ ਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਕੇਵਲ ਸਰਵਸ਼੍ਰੀ ਅਨੰਤ ਰਾਮ ਹਰਸ਼, ਰਮੇਸ਼ ਚੰਦਰ ਸੰਗਾਰੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰਿਤਪਾਲ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ ਮਾਸਟਰਾਂ ਨੇ ਪ੍ਰਤੀ ਵੇਦਨ ਦਿਤੇ ਸਨ ।

(ਡੀ) ਹਾਂ ਜੀ, ਸ਼੍ਰੀ ਅਨੰਤ ਰਾਮ ਹਰਸ਼ ਮਾਸਟਰ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿਚ ।

(ਈ) ਮੀਮੋ ਨੰ: 2/22-61- ਪੀ. ਆਰ, ਮਿਤੀ 22.6.1962 ਦੀ ਇਕ ਕਾਪੀ ਹਾਊਸ ਦੀ ਟੇਬਲ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਕੇਵਲ ਸ਼੍ਰੀ ਅਨੰਤ ਰਾਮ ਹਰਸ਼ ਮਾਸਟਰ ਦੀ ਸੀਨੀਆਰਟੀ 5.1.1963 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ।

(ਐਫ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਜੀ) ਹਾਂ ਜੀ । ਪ੍ਰੋਵਿਨਸ਼ਲਾਈਜੇਸ਼ਨ ਸਮੇਂ ਬਣੇ ਰੂਲਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਇਸ ਮਾਸਟਰ ਨੂੰ ਪੈਨਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਸੀ । 29.12.1969 ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਇਹ ਮਾਸਟਰ ਪੈਨਸ਼ਨ ਵਾਸਤੇ ਬਿਨੇ ਪੱਤਰ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਮਾਸਟਰ ਵਲੋਂ ਬੇਨਤੀ ਪੱਤਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫ਼ਸਰ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਆਉਣ ਤੇ ਗੌਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।

(ਐਚ) ਹਾਂ ਜੀ । ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਡਿਸਟਰਿਕਟ ਬੋਰਡ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਹੋਰ ਮਾਸਟਰਾਂ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ । ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

(ਆਈ) ਸ਼੍ਰੀ ਰਮੇਸ਼ ਚੰਦ ਤੇ ਉਸ ਦੇ ਪਿਤਾ ਨੇ 9 ਪ੍ਰਤੀ ਬੇਨਤੀਆਂ ਮਿੱਤੀ 27.7.1968, 7 9.1968, 25.9.1968, 18.6.1969, 25.7.1969, 2.1.1970, 8.1.1970 ਅਤੇ 16.1.1970 ਨੂੰ ਕੀਤੀਆਂ ਸਨ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Copy of Memo. No. 2/22-61-Pr, dated Chandigarh, 22-6-62 from the D.P.I. Punjab to the District Inspector of Schools, Amritsar.

Subject : Fixation of seniority of Masters of Amritsar district (Provincialised Cadre) in joint seniority list of Masters (Group III) Provincialised.

The seniority of the following provincialised Masters of Amritsar District has been refixed as under :—

S. No.	Name	Seniority	S. No. now assigned in the seniority list.
1.	Shri Prem Parkash M/S Rajoke.	581	584 A
2.	Shri Bishan Dass M/S Khail Klan.	201	1001 A
3.	Shri Vidya Parkash H/S Lopoke	251	1001 B
4.	Shri Romesh Chand H/S Fatehbad.	433	1001 C
5.	Shri Manmohan Singh H/S Mehta Nangal.	520	1001 D
6.	Shri Hardev Singh H/S N. Panwa.	54[illegible]	1001 E
7.	Shri Prithivi Pal Singh H/S Sursingh.	582	1001 G
8.	Shri Kundan Singh H/S Khemkaran.	5[illegible]1	1001 H
9.	Shri Ajit Singh H/S Lopoke.	907	1001 I
10.	Shri Rikhi Ram H/S Rojoke	914	1[illegible]01 J
11.	Shri Sukhdev Sud H/S Jandiala Guru.	550	1001 F
12.	Shri Anant Ram M/S Bal Kalan.	150	932 A

All the Masters may please be informed accordingly.

OFFICE OF DISTRICT INSPECTOR OF SCHOOLS, AMRITSAR

Endt. No. 23050-61, dated 7-7-1962.

Copy of the above forwarded to the Masters concerned for information and necessary action.

Sd/-L S. Randhawa.
District Inspector of Schools,
Amritsar.

CASES OF THEFT OF FILES OF COURTS REGISTERED WITH THE POLICE

*1391 (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang :** Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) the number of cases registered with the police, since the present Goverment tock office in February, 1969, concerning theft of official files belonging to different courts in the State;

(b) lay on the Table of the House, a statement giving the details of all these cases including the date of the theft, the nature of the case of each file and F.I.R. No. of the case;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Satya Pal Dang]

(c) state whether any culprits have been arrested in this connection; if so, their names and particulars;

(d) state the number of cases in which the culprits have not been arrested so far ?

Chief Minister : (a) Nine.

(b) A statement is laid on the Table of the House.

(c) In three cases, following four accused have been arrested :—

(1) Balwinder Singh s/o Harnam Singh Jat r/o Bandala.
(2) Ujjal Singh s/o Jiwan Singh of Samrala.
(3) Charanji Lal, Copyist and
(4) Arjan Singh s/o Rattan Singh of Patiala.

(d) In six cases culprits have not been arrested so far.

[(ੳ) 9.

(ਅ) ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਪੇਸ਼ ਹੈ ।

(ੲ) 3 ਮੁਕੱਦਮਿਆਂ ਵਿਚ ਨਿਮਨਲਿਖਤ 4 ਦੋਸ਼ੀ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਹੋ ਚੁੱਕੇ ਹਨ :—

1. ਬਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜਟ ਵਾਸੀ ਬੰਡਾਲਾ ।
2. ਉੱਜਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਜੀਵਨ ਸਿੰਘ ਵਾਸੀ ਸਮਰਾਲਾ ।
3. ਚਰੰਜੀ ਲਾਲ ਕਾਪੀਇਸਟ ਅਤੇ
4. ਅਰਜਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਰਤਨ ਸਿੰਘ ਵਾਸੀ ਪਟਿਆਲਾ ।

(ਸ) 6 ਮੁਕੱਦਮਿਆਂ ਵਿਚ ਦੋਸ਼ੀ ਅਜੇ ਤੱਕ ਫੜੇ ਨਹੀਂ ਗਏ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

STATEMENT

S. No.	District	Date of theft	Nature of case of files stolen	F. I. R. No. of case
1.	Amritsar	Not known	Recovery memo relating to case F.I.R. No. 167 dated 11-6 67 u/s 9/1/78 Opium Act, P S. Jandiala regarding recovery 7½ Kgs. Opium from Balwinder Singh.	F. I. R. No. 293 dated 24-12-69 u/s 379 I.P.C., P.S. Civil Lines, Amritsar.
2.	-do-	-do-	Eight files rela ing to prosecutions u/s 16 of Food Adultration Act.	F. I. R. No. 46 dated 16-2-70 u/s 380 I.P.C., P.S. Civil Lines, Amritsar.
3.	Jullundur	-do-	One file from the office of D.C, Jullundur was stolen.	F. I. R. No. 859 dated 13-9-69 u/s 380 I.P.C., P.S .Jullundur.
4.	-do-	-do-	One file from the office of D. C. Jullundur was stolen.	F. I. R. No 65 dated 21-1-70 u/s 406 I.P.C., P.S. City Jullundur.
5.	Ludhiana	-do-	Documents of Complaints in a case u/s 420 I.P.C. under trial in court of Sub Judge Samrala.	F. I. R. No. 23 dated 27-7-69 u/s 380 I.P.C., P.S. Samrala.
6.	Gurdaspur	-do-	Judgment stolen from Judicial file from Judicial record room of D. C.'s office Gurdaspur.	F. I. R. No. 1 dated 2-1-70 u/s 379 I.P.C., P.S. City Gurdaspur.
7.	-do-	-do-	Judicial file misplaced in Judicial record room of Gurdaspur. File, however, found later on and case sent for cancellation.	F. I. R. No. 12 dated 20-2-70 u/s 380 I.P.C., P.S. City Gurdaspur.
8.	Patiala	19-3-69	Judicial files were stolen.	F. I. R. No. 99 dated 25-3-69 u/s 379 I.P.C., P.S. Kotwali Patiala.
9.	Ropar	Not known	A document from a file was stolen from the court of C.J.M. Ropar.	F. I. R. No. 4 dated 15-1-70 u/s 380 I.P.C., P.S. Ropar.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

UNAUTHORISED OCCUPATION OF GOVERNMENT LAND IN CITIES/URBAN AREAS

*1390. (C. U) **Comrade Satya Pal Dang :** Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether it has come to the notice of the Government that some private individuals have taken possession of Government land in cities/urban areas of the State followed by the declaration that a Gurdwara, Dharamshala or temple exists there; if so, the number of such cases since the present Government took office in February, 1969;

(b) lay on the Table of the House a statement giving full particulars of all such cases;

(c) state the action taken by the Government in these cases and the latest position about the possession of such lands ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ, ਤਿੰਨ ਕੇਸ ।

(ਬੀ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਇਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਸਦਨ ਦੀ ਟੇਬਲ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ :—

ਲੜੀ ਨੰ:	ਸਬੰਧਤ ਜ਼ਮੀਨ ਵਾਕਿਆ ਪਿੰਡ ਅਤੇ ਤਾਦਾਦ ਰਕਬਾ	ਨਾਮ ਨਜਾਇਜ਼ ਕਾਬਜ਼	ਵਿਆਖਿਆ
1.	ਫਰੀਦਕੋਟ 2 ਕਨਾਲ	ਛਾਉਣੀ ਸਿੰਘਾਂ ਬਾਬਤ ਬੁੱਢਾ ਦਲ	ਇਸ ਜਗ੍ਹਾ ਪਰ ਨਿਸ਼ਾਨ ਸਾਹਿਬ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਝੁੱਗੀ ਪਾਈ ਹੋਈ ਹੈ ।
2.	ਫਰੀਦਕੋਟ ਇਕ ਕਨਾਲ	ਸ੍ਰੀ ਪਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਆਦਿ ਗੁਰਦਵਾਰਾ ਹਰੀ-ਜਨਾਂ ਬਸਤੀ ਫਰੀਦਕੋਟ ।	ਇਹ ਰਕਬਾ ਮੇਲਾ ਮਵੇ-ਸ਼ੀਆਂ ਦੀ ਮੰਡੀ ਵਿਚ ਹੈ । ਇਥੇ ਗੁਰਦਵਾਰਾ ਸਾਹਿਬ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ।
3.	ਕਚੈਹਰੀ ਕੰਪਾਉਂਡ ਕਪੂਰਥਲਾ ਵਿਖੇ ਗੁੰਬਦ	ਕੁਝ ਸਿੱਖ ਵਿਅਕਤੀ	ਕੁਝ ਸਿੱਖ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੇ ਮਿੱਤੀ 31.1.1970. ਨੂੰ ਕਚਿਹਰੀ ਕੰਪਾਉਂਡ ਦੇ ਵਿਚ ਸਥਿਤ ਗੁੰਬਦ ਤੇ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਕਬਜ਼ਾ ਕਰ ਲਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਗੁੰਬਦ ਤੋਂ 12 ਗਜ਼ ਦੇ ਫਾਸਲੇ ਤੇ ਨਿਸ਼ਾਨ ਸਾਹਿਬ ਲਗਾ ਦਿਤੇ ਸੀ । ਕਬਜ਼ਾ ਹਟਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਸੀ) ਮਦ ਨੰ: 1 ਅਤੇ 2 ਤੇ ਦਸੇ ਨਜਾਇਜ਼ ਕਬਜ਼ੇ ਨੂੰ ਹਟਾਉਣ ਬਾਰੇ ਅਜੇ ਕੋਈ ਅਖੀਰੀ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। ਮੱਦ ਨੰ: 3 ਤੇ ਦਸੇ ਗੁੰਬਦ ਤੇ ਨਜਾਇਜ਼ ਕਬਜ਼ੇ ਬਾਰੇ ਪੁਲਿਸ ਵਿਚ 452 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਤਹਿਤ ਫੌਜਦਾਰੀ ਮੁਕੱਦਮਾ ਦਰਜ ਕਰਵਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ।

GOVERNMENT DISTRICT AND CIRCLE AUDITORS FOR AUDITING THE ACCOUNT OF AIDED SCHOOLS IN THE STATE

*1410. (C. U) **Comrade Satya Pal Dang**: Will the Minister for Fducation be pleased to state :—

(a) whether there are any Government District and Circle Auditors for auditing the accounts of aided schools in the State; if so, a list containing the names of such auditors, the places of posting and the dates since when each of them is posted at his present place be laid on the Table of the House,

(b) whether they are transferable on not ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ :

(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ। ਲਿਸਟ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ।

ਸੂਚੀ

ਲੜੀ ਨੰ:	ਨਾਮ	ਵਰਤਮਾਨ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦੀ ਥਾਂ	ਜਿਸ ਮਿਤੀ ਤੋਂ ਆਡੀਟਰ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ।
1.	ਸ੍ਰੀ ਘਨਸ਼ਾਮ ਦਾਸ ਮਾਰਕੰਡਾ ਸਰਕਲ ਆਡੀਟਰ	ਮੰਡਲ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ ਜਲੰਧਰ ਦਫਤਰ ਵਿਚ।	28.4.1961
2.	ਸ੍ਰੀ ਕਪਲ ਦੇਵ ਗੌਤਮ ਆਡੀਟਰ	ਦਫਤਰ ਜ਼ਿਲਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ।	8.5.1963
3.	ਸ੍ਰੀ ਹਰਭਗਵਾਨ ਦਾਸ ਚਾਵਲਾ ਆਡੀਟਰ	ਦਫਤਰ ਜ਼ਿਲਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ, ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ।	1.5.1963
4.	ਸ੍ਰੀ ਕੁੰਦਨ ਸਿੰਘ, ਆਡੀਟਰ	ਦਫਤਰ ਜ਼ਿਲਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ, ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ।	16.6.1967
5.	ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਰੱਖਾ ਆਡੀਟਰ	ਦਫਤਰ ਜ਼ਿਲਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ, ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ।	29.7.1967
6.	ਸ੍ਰੀ ਹਰਭਜਨ ਸਿੰਘ ਆਡੀਟਰ	ਦਫਤਰ ਜ਼ਿਲਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ, ਜਲੰਧਰ।	16.6.1969
7.	ਸ੍ਰੀ ਧਰਮ ਪਾਲ ਸੁਧੀਰ, ਆਡੀਟਰ	ਦਫਤਰ ਜ਼ਿਲਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ ਕਪੂਰਥਲਾ।	10.6.1969

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ]

8.	ਸ੍ਰੀ ਧਰਮ ਪਾਲ ਆਡੀਟਰ	ਦਫਤਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ, ਲੁਧਿਆਣਾ।	ਜੂਨ/1969
9.	ਸ੍ਰੀ ਮਹਾਂਬੀਰ ਸਿੰਘ ਸਰਕਲ ਆਡੀਟਰ	ਦਫਤਰ ਮੰਡਲ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ, ਨਾਭਾ।	8.11.1966
10.	ਸ੍ਰੀ ਤੀਰਥ ਰਾਮ ਆਡੀਟਰ	ਦਫਤਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ, ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ, ਰੋਪੜ।	1.6.1969
11.	ਸ੍ਰੀ ਪਿਆਰੇ ਲਾਲ ਆਡੀਟਰ	ਦਫਤਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ, ਪਟਿਆਲਾ।	6.5.1969
12.	ਸ੍ਰੀ ਓਮ ਚੰਦ ਆਡੀਟਰ	ਦਫਤਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ, ਸੰਗਰੂਰ।	31.8.1969
13.	ਸ੍ਰੀ ਜਗਨ ਨਾਥ, ਆਡੀਟਰ	ਦਫਤਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ, ਬਠਿੰਡਾ।	30.6.1969

ENQUIRY INTO THE ALLEGED LARGE SCALE CORRUPTION IN I. T. I., MOGA, DISTRICT FEROZEPUR.

*1411. **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Industries be pleased to state :

(a) whether an enquiry was ordered by the Government during the year 1969 into the alleged large scale corruption in I. T. I. Moga, district Ferozepur;

(b) whether the enquiry has been completed, if so, with what result;

(c) whether it is a fact that the enquiry was ordered on the basis of information supplied by some of the employees of the I. T. I. Moga;

(d) whether it is a fact that in October 1969, 4 members of the staff of the I. T. I., Moga were ordered to be transferred;

(e) whether the services of some of the employees were terminated or some officials were placed under suspension; if so, the details thereof;

(f) whether the Government received any representations that these transfers etc. were by way of victimization;

(g) whether any enquiry was held on the said representations; if so, with what result ?

Industries Minister : (a) Yes.

(b) No. The enquiry is in progress with Vigilance Department.

(c) No. The irregularities were detected during the course of routine inspection by the Departmental Officers.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(d) Yes.

(e) Yes. Because of undersirable activities amounting to insubordination and for creating hinderances in the smooth working of the Institute and opposing the admissions in I. T. I. Moga and other nearby Institutes, the services of Sh Harbhajan Singh, Turner Instructor, who was a temporary employee of the Industrial Training Department were terminated and Sh. Jagat Singh, Moulder Instructor was placed under suspension.

(f) Yes it was.

(g) Yes. It was found that action regarding transfers etc. was taken purely on administrative grounds for undesirable activities in the Institute and not by way of victimization.

CARS/SCOOTERS SANCTIONED OUT OF PRIORITY GOVERNMENT QUOTA.

*1412. **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the names and addresses of persons sanctioned cars and scooters out of priority Government quota during the year 1968 as well as 1969 stating the make of cars/scooters in each case ;

(b) whether any of the said persons was sanctioned scooters/cars earlier too, if so, when, together with their names?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਤੇ (ਬੀ) ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਕਰਨ ਉਤੇ ਖਰਚ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਸਮੇਂ ਅਤੇ ਮਿਹਨਤ ਦੇ ਟਾਕਰੇ ਉਤੇ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਕਿਸੇ ਲਾਭ ਦੀ ਕੋਈ ਤੁਕ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ।

POLICE OFFICIALS SENT FOR TRAINING AT PHILLAUR DURING 1969-70.

*1413. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the names with designations of the Police officials who were sent for Upper School training at Phillaur during the year 1969-70 to date ;

(b) the dates on which different orders in this regard were passed and the dates on which these officers joined the class ;

(c) the conditions and rules governing the selection for Upper School training ;

(d) whether these rules and conditions were observed/complied with in case of all the selections made during the year 1969-70 ; if not, details of the cases in which the conditions were not observed and the reasons for such selections ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

STATEMENT

	Names with designations of the Police officials who were sent for Upper School training at Phillaur during the year 1969-70 to-date.		(i) Dates on which different orders in this regard were passed and (ii) the dates on which these officers joined the Class (i)	(ii)	Conditions and rules governing the selection for Upper School Training.	Whether these rules and conditions were observed / complied with in case of all the selections made during the year 1969-70; if not, details of the cases in which the conditions were not observed and the reasons for such selections ?
	(a)		(b)		(c)	(d)
			(1)	(2)		
1.	ਕਾਇਮ ਮੁਕਾਮ ਏ.ਐਸ.ਆਈ.	ਫਤੇ ਸਿੰਘ ਨੰ: 651/ਐਚ	3.4.69	8.4.69	ਇਸ ਦਫਤਰ ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ	ਕਾਲਮ "ਸੀ" ਵਿੱਚ
2.	,, ,, ,,	ਮੋਹਨ ਲਾਲ ਨੰ: 425/ਐਚ	ਇਹੋ ਹੀ	4.4.69	ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਯਾਦ ਪੱਤਰ ਨੰ:	ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੀ
3.	,, ,, ,,	ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ, 674/ਐਚ	ਇਹੋ ਹੀ	6.4.69	21146/—206/ਬੀ ਮਿਤੀ	ਪਾਲਣਾ ਸਾਰੇ ਕੇਸਾਂ ਵਿੱਚ
4.	,, ,, ,,	ਜੰਗ ਸਿੰਘ ਨੰ: 29/ਐਚ	ਇਹੋ ਹੀ	7.4.69	25.8.64 ਰਾਹੀਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ	ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ । ਕਿਉਂਕਿ
5.	,, ,, ,,	ਬੰਤ ਸਿੰਘ ਨੰ: 4375	26.3.69	31.3.69	ਗਈਆ ਸਨ, ਅਨੁਸਾਰ ਜਿਹੜੇ	ਕ੍ਰਮ ਨੰ: 1 ਤੋਂ 18, 20
6.	,, ,, ,,	ਬੁਘੀਰਤ ਸਿੰਘ. 3883	ਇਹੋ ਹੀ	ਇਹੋ ਹੀ	ਪੁਲਿਸ ਕਰਮਚਾਰੀ ਪੱਕੇ ਏ.ਐਸ.	ਤੋਂ 22, 25 ਤੋਂ 35,
7.	,, ,, ,,	ਉਜਾਗਰ ਸਿੰਘ 630	ਇਹੋ ਹੀ	ਇਹੋ ਹੀ	ਆਈ ਹੋਣ, ਉਮਰ ਵਿੱਚ 45	39 ਤੋਂ 52, 54 ਤੋਂ
8.	,, ,, ,,	ਪਰਸ਼ ਰਾਮ 2268	ਇਹੋ ਹੀ	1.4.69	ਸਾਲ ਤੋਂ ਘੱਟ ਹੋਣ ਅਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ	57 ਅਤੇ 59 ਤੋਂ 63
9.	,, ,, ,,	ਸ਼ਿਵਚਰਨ ਸਿੰਘ, 3501	ਇਹੋ ਹੀ	31.3.69	ਨੂੰ ਇੰਟਰ ਸਕੂਲ ਕੋਰਸ ਪਾਸ	ਤੇ ਦੱਸੇ ਹੋਏ ਕਰਮਚਾਰੀ
10.	,, ,, ,,	ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, 22/71	4.4.69	23.4.69	ਕੀਤਿਆਂ 5 ਸਾਲ ਦਾ ਸਮਾਂ ਬੀਤ	ਕਾਇਮ ਮੁਕਾਮ ਏ. ਐਸ.

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

	(a)		(b) (1)	(b) (2)	(c)	(d)
11.	ਕਾਇਮ ਮੁਕਾਮ ਏ.ਐਸ.ਆਈ.	ਨਰਿੰਦਰ ਪਾਲ, 1364	3.4.69	10.4.69	ਚੁੱਕਿਆ ਹੋਵੇ, ਅਪਰ ਸਕੂਲ	ਆਈ. ਸਨ, ਇਸ ਲਈ
12.	,, ,, ,,	ਅਜਾਇਬ ਸਿੰਘ, 3933	3.10.69	13.10.69	ਕੋਰਸ ਵਿੱਚ ਚੋਣ ਲਈ ਪਰਖੇ ਜਾ	ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੇਸਾਂ ਵਿੱਚ ਪੱਕੇ ਏ.
13.	,, ,, ,,	ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ, 236	ਇਹੋ ਹੀ	11.'0.69	ਸਕਦੇ ਹਨ ।	ਐਸ. ਆਈ ਹੋਣ ਦੀ ਛੋਟ
14.	,, ,, ,,	ਦਿਵਾਨ ਚੰਦ, 362	ਇਹੋ ਹੀ	7.10.69		ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਸੀ । ਇਹ
15.	,, ,, ,,	ਅਬਨਾਸ਼ੀ ਦਾਸ 709	ਇਹੋ ਹੀ	5.10.69		ਇਸ ਕਰਕੇ ਕਰਨਾ ਪਿਆ
16.	,, ,, ,,	ਸੁਖਦੇਵ ਰਾਜ 3573	ਇਹੋ ਹੀ	10.10.69		ਕਿਉਂਕਿ ਯੋਗ ਪੱਕੇ ਏ.
17.	,, ,, ,,	ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, 6233	ਇਹੋ ਹੀ	5.10.69		ਐਸ. ਆਈਆਂ ਦੀ ਥੁੜ
18.	,, ,, ,,	ਰਾਮ ਦੇਵ, 5067	ਇਹੋ ਹੀ	8.10.69		ਸੀ ।
19.	ਏ. ਐਸ. ਆਈ	ਤਰਸੇਮ ਲਾਲ, 18/ਆਰ	ਮਾਰਚ, 1969	31.3.69 ਏ.ਐਨ		
20.	ਕਾਇਮ ਮੁਕਾਮ ਏ.ਐਸ.ਆਈ,	ਨਰੰਜਣ ਸਿੰਘ, 723	ਇਹੋ ਹੀ	ਇਹੋ ਹੀ		
21.	,, ,,	ਕ੍ਰਿਪਾਲ ਸਿੰਘ, 17	5.4.69	8.4. 9		
22.	,, ,,	ਬਾਜ਼ ਸਿੰਘ, 851	3.10.69	7.10.69		
23.	ਏ.ਐਸ.ਆਈ,	ਵੇਦ ਪ੍ਰਕਾਸ਼, 128/ਬੀ	28.3.69	1.4.69		
24.	,,	ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ, 121/ਬੀ	ਇਹੋ ਹੀ	31.3.69 ਏ.ਐਨ		
25.	ਕਾਇਮ ਮੁਕਾਮ ਏ.ਐਸ.ਆਈ,	ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ, 550	3.4.69	7.4.69		
26.	,, ,,	ਮਿਲਖਾ ਸਿੰਘ, 692	ਇਹੋ ਹੀ	6.4.69		
27.	,, ,,	ਮਲੂਕ ਸਿੰਘ, 43	ਇਹੋ ਹੀ	7.4.69 ਏ.ਐਨ		
28.	,, ,,	ਅਮਰੀਕ ਸਿੰਘ, 306	ਇਹੋ ਹੀ	5.4.69 ਏ.ਐਨ		
29.	,, ,,	ਬੈਕੁੰਠ ਨਾਥ, 1519	3.4.69	6.4.69		

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(a)	(b) (i)	(b) (ii)	(c)	(d)
30. ਕਾਇਮ ਮੁਕਾਮ ਏ.ਐਸ.ਆਈ ਬੂਆ ਦਾਸ, 1183	ਇਹੋ ਹੀ	ਇਹੋ ਹੀ		
31. ,, ,, ਰਾਮ ਸਰੂਪ, 502	ਇਹੋ ਹੀ	ਇਹੋ ਹੀ		
32. ,, ,, ਬਾਜ ਸਿੰਘ, 90	ਇਹੋ ਹੀ	8.4.69		
33. ,, ,, ਹਰਬੰਸ ਲਾਲ, 628	ਇਹੋ ਹੀ	7.4.69 ਏ.ਐਨ		
34. ,, ,, ਇਕਬਾਲ ਸਿੰਘ, 784	12.5.69	13.5.69 ਏ.ਐਨ		
35. ,, ,, ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ, 766	20.6.69	24.6.69 ਏ.ਐਨ		
36. ਏ.ਐਸ.ਆਈ, ਅਮਰੀਕ ਸਿੰਘ, 196/ਜੇ	18.9.69	1.10.69		
37. ,, ,, ਬ੍ਰਮਦੇਵ ਰਾਜ, 187/ਜੇ	18.9.69	2.10.69 ਏ.ਐਨ		
38. ,, ,, ਜਗਜੀਤ ਸਿੰਘ, 107/ਜੇ	ਇਹੋ ਹੀ	1.10.69		
39. ਕਾਇਮ ਮੁਕਾਇਮ ਏ.ਐਸ.ਆਈ, ਬੇਲੀ ਰਾਮ, 626	3.10.69	6.10.69 ਏ.ਐਨ		
40. ,, ,, ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ, 416	ਇਹੋ ਹੀ	10.10.69 ਏ.ਐਨ		
41. ,, ,, ਮਦਨ ਲਾਲ, 101	ਇਹੋ ਹੀ	7.10.69		
42. ,, ,, ਪੂਰਨ ਸਿੰਘ, 569	ਇਹੋ ਹੀ	5.10.69 ਏ.ਐਨ		
43. ,, ,, ਬਾਲ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ, 194	ਇਹੋ ਹੀ	18.10.69 ਏ.ਐਨ		
44. ,, ,, ਹਰਜੀਤ ਸਿੰਘ, 505	ਇਹੋ ਹੀ	8.10.69 ਏ.ਐਨ		
45. ,, ,, ਕੁੰਦਨ ਸਿੰਘ, 289	ਇਹੋ ਹੀ	7.10.69		
46. ਕਾਇਮ ਮੁਕਾਮ ਏ.ਐਸ.ਆਈ, ਰਾਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼, 199	3.10.69	7.10.69		
47. ,, ,, ਮੇਜਰ ਸਿੰਘ, 1067	ਇਹੋ ਹੀ	10.10.69 ਏ.ਐਨ		
48. ,, ,, ਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, 414	3.10.69	8.10.69 ਏ.ਐਨ		
49. ,, ,, ਜਗਦੀਪ ਸਿੰਘ, 639	ਇਹੋ ਹੀ	5.10.69 ਏ.ਐਨ		

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(a)	(b) (i)	(b) (ii)	(c)	(d)
50. ਕਾਇਮ ਮੁਕਾਮ ਏ.ਐਸ.ਆਈ ਸਤਿਆ ਪਾਲ, 571	3.10.69	8.10.69 ਏ.ਐਨ		
51. ,, ,, ਰਾਮ ਸਰੂਪ, 160	ਇਹੋ ਹੀ	6.10.69 ਏ.ਐਨ		
52. ,, ,, ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ, 719	11.10.69	17.10.69 ਏ.ਐਨ		
53. ਏ.ਐਸ.ਆਈ, ਹਰਦੇਵ ਸਿੰਘ, 64/ਪੀ. ਆਰ	2.4.69	5.4.69 ਏ.ਐਨ		
54. ਕਾਇਮ ਮੁਕਾਮ ਏ.ਐਸ.ਆਈ, ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ, 397	ਇਹੋ ਹੀ	4.4.69 ਏ.ਐਨ		
55. ,, ,, ਅਮਰ ਨਾਥ, 2168	2.4.69	5.4.69 ਏ.ਐਨ		
56. ,, ,, ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, 833	ਇਹੋ ਹੀ	ਇਹੋ ਹੀ		
57. ,, ,, ਸਵਰਨ ਸਿੰਘ, 149	ਇਹੋ ਹੀ	ਇਹੋ ਹੀ		
58. ਏ.ਐਸ.ਆਈ, ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ, 71/ਪੀ.ਆਰ	2.10.69	6.10.69 ਏ.ਐਨ		
59. ਕਾਇਮ ਮੁਕਾਮ ਏ.ਐਸ.ਆਈ, ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ, 75	ਇਹੋ ਹੀ	7.10.69		
60. ,, ,, ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ, 204	ਇਹੋ ਹੀ	7.10.69 ਏ. ਐਨ		
61. ,, ,, ਝੰਡਾ ਸਿੰਘ, 803	ਇਹੋ ਹੀ	6.10.69 ਏ.ਐਨ		
62. ,, ,, ਹਰਦੇਵ ਸਿੰਘ, 330	ਇਹੋ ਹੀ	6.10.69 ਏ.ਐਨ		
63. ਆਰਜ਼ੀ ਏ.ਐਸ.ਆਈ, ਸੁਖਦੇਵ ਸਿੰਘ	29.1.70	13.10.69 ਏ.ਐਨ		

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ACTION TAKEN AGAINST THE PERSONS UNDER THE DRUGS ACT

*1419. (C. U) **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :

(a) the total number of persons against whom action has been taken by the Government under the Drugs Act during the last financial year as well as from 1-4-69 upto date separately ;

(b) the number of persons out of those mentioned in part (a) above who were convicted and the nature of the sentence awarded to them ;

(c) the steps Government proposes to take against the persons responsible for manufacturing spurious drugs and ruining the health of masses ?

ਉਦਯੋਗ ਤੇ ਸਿਹਤ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਇਹ ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਵਿਵਰਣ 'ੳ' ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ ਜੀ।

(ਬੀ) ਇਹ ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਵਿਵਰਣ 'ਅ' ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ ਜੀ।

(ਸੀ) ਇਹ ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਵਿਵਰਣ 'ੲ' ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ ਜੀ।

ਵਿਵਰਣ 'ੳ'

1968-69	1-4-1969 ਤੋਂ ਇਸ ਸਮੇਂ ਤੱਕ
11	19

ਵਿਵਰਣ 'ਅ'

	1968-69	1-4-69 ਤੋਂ ਇਸ ਸਮੇਂ ਤਕ
ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੀ ਸੰਖਿਆ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਦਾਲਤ ਰਾਹੀਂ ਜੁਰਮਾਨਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ	3	6
ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੀ ਸੰਖਿਆ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਛੱਡ ਦਿੱਤਾ	–	1
ਅਦਾਲਤਾਂ ਤੋਂ ਕੇਸ ਵਾਪਸ ਲਏ ਗਏ	–	3
ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੀ ਸੰਖਿਆ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਸੰਸ ਰੱਦ ਅਤੇ ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ	3	2
ਜੋ ਕੇਸਿਜ਼ ਅਜੇ ਭੀ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਲਮਕੇ ਹੋਏ ਹਨ	5	7
	11	19

ਵਿਵਰਣ 'ੲ'

ਜਿਹੜੇ ਵਿਅਕਤੀ ਸੂਪਰਿਅਸ ਡਰਗਜ਼ ਬਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤੇ ਜਿਸ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰਕੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਸਿਹਤ ਖਰਾਬ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿੱਚ ਨੀਚੇ ਲਿਖੇ ਕਦਮ ਉਠਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ :

ਡਵੀਜ਼ਨਲ/ਜ਼ਿਲਾ ਡਰਗਜ਼ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਕੈਮਿਸਟਾਂ ਦੀਆਂ ਦੁਕਾਨਾਂ, ਦਵਾਈਆਂ ਬਨਾਉਣ ਵਾਲੀਆਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਫਰਮਾਂ ਦੇ ਨਮੂਨੇ ਸਮੇਂ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਭਰਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ । ਇਹ ਨਮੂਨੇ ਲੋਕ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਕ ਪੰਜਾਬ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸੈਂਟਰਲ ਡਰਗਜ਼, ਲਬਾਰਟਰੀ, ਕਲਕੱਤਾ ਨੂੰ ਟੈਸਟ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਭੇਜੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਜੇ ਇਹ ਨਮੂਨੇ ਠੀਕ ਸਾਬਤ ਨਾ ਹੋਣ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੁਕਾਨਾਂ/ਫਰਮਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਨੀਚੇ ਲਿਖੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ :

1. ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ੋ ਕਾਜ਼ ਨੋਟਿਸ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।
2. ਜੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਤਸੱਲੀ ਬਖਸ਼ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਜ਼ਿਲਾ ਡਰਗਜ਼ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਨੂੰ ਪਰੋਸੀਕਿਊਸ਼ਨ ਲਾਂਚ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਹਦਾਇਤ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।
3. ਦੁਕਾਨਾਂ/ਫਰਮਾਂ ਦੇ ਲਾਇਸੈਂਸ ਸਸਪੈਂਡ ਕੀਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ ।
4. ਜੇ ਦੁਕਾਨ/ਫਰਮ ਦੀ ਜਗ੍ਹਾ ਜਿਥੇ ਇਹ ਵਾਕਿਆ ਹੈ, ਤਸੱਲੀ-ਬਖਸ਼ ਨਾ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਭੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਾਇਸੈਂਸ ਕੈਂਸਲ ਕੀਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ ।

———

PROMOTION OF SCHEDULED CASTES CLERKS IN THE EMPLOYMENT EXCHANGE, JULLUNDUR.

*1426. (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh** : Will the Minister for Finance be pleased to state :

(a) whether it is a fact that promotion of two clerks of the Employment Exchange. Jullundur, who belong to Scheduled Castes has been stopped;

(b) whether their promotion was stopped in accordance with the formula of reservation for members of the Scheduled Castes for purposes of promotions;

(e) whether any other persons have been promoted in their places or the vacancies still exist;

(d) if the posts are still vacant, the period for which the posts are lying vacant along with the reasons for not filling up the vacancies for such a long time;

(e) whether it is a fact that no employees belonging to Scheduled Castes in the Employment Exchange, Jullundur have ever been promoted on the basis of Government instructions ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

(ਸੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਡੀ) ਕੋਈ ਆਸਾਮੀ ਖਾਲੀ ਨਹੀਂ ਪਈ ।

(ਈ) ਕਿਉਂਕਿ ਸਮੁਚੇ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਵਿਭਾਗ ਵਿੱਚ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਕਲਰਕਾਂ ਨੂੰ ਸੀਨੀਆਰਤਾ ਮੁਤਾਬਿਕ ਤਰੱਕੀ ਲਈ ਵਿਚਾਰਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਉਪ-ਪ੍ਰਾਦੇਸ਼ਕ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ]

ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਦਫ਼ਤਰ, ਜਾਲੰਧਰ, ਵਿੱਚ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਕਲਰਕਾਂ ਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਲਈ ਵਿਚਾਰਨ ਦਾ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਹੀ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ।

FIRE-ARMS SOLD FROM FIRE ARMS BUREAU, PHILLAUR

*1429 (C. U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the names and addresses of persons who have been sold fire arms at assessed rates from the stock of non-prohibited arms at Fire Arms Bureau, Phillaur after the present Government took office in February, 1969 :

(b) lay on the Table of the House a copy of the scheme under which these sales have been made ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ :

(ਏ) ਅਤੇ (ਬੀ) ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਫਰਵਰੀ, 1969 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਅਗਨ-ਸ਼ਸਤਰ ਵੇਚੇ ਗਏ ਸਨ, ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਹਾਊਸ ਦੇ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(ਏ)

Statement showing the names and addresses of the persons to whom weapons have been sold from the State Fire-Arms Bureau, Phillaur, after February, 1969.

Sr. No.	Names and addresses
1.	Shri Milkha Singh, Deputy Director, Sports, Punjab, Chandigarh.
2.	Shri Dinesh Chander, I.A.S., Punjab, Chandigarh.
3.	Shri Harjit Singh, I.P.S., D.I.C., Home Guards, Punjab, Chandigarh.
4.	Animal Husbandry Department, Punjab, Ludhiana.
5.	Shri Parminder Singh s/o Sh. Shamsher Singh Village & P. O. Bhatian, Distt. Ludhiana.
6.	Shri Gurnam Singh Chief Minister, Punjab.
7.	Shri Ajaib Singh, Assistant,Punjab Vidhan Parishad, Chandigarh.
8.	Shri Niranjan Singh, Watch & Ward, Punjab Vidhan Sabha, Chandigarh.
9.	Shri Gurdial Singh Sindhu, Assistant, Punjab Vidhan Parishad, Chandigarh.
10.	Shri Kirpal Singh, D.S.P. P.T.C., Phillaur.
11.	Shri Sewak Singh, P. C. S., Executive Magistrate, Kapurthala.
12.	Shri Lekh Singh Parmar, Assistant, D. C. Office; Chandigarh.
13.	Shri Gurcharan Singh Dhaliwal, Addl. District Sessions Judge, Ludhiana.
14.	Shri Jag Singh, Clerk, Punjab Vidhan Parishad, Chandigarh.
15.	Shri Gurdarshan Singh Bedi, Auditor, C.P.O., Punjab, Chandigarh.
16.	Shri Sarabjit Singh I.P.S. Supdt. of Police, Rampur.D G.S., Simla.
17.	Shri Hari Singh, P. D. S. P. Vigilance, Punjab, Chandigarh.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

18. Shri Dyal Singh, Peon, C.I.D. Office Punjab, Chandigarh.
19. Shri Joginder Singh, Asstt., Home Branch, Chandigarh.
20. Shri Jatinder Singh, Assistant, House No. 699, Sector 7A, Chandigarh.
21. Shri Mohinder Singh Sadrao, Joint Registrar, Co-operative Society, Punjab, Chandigarh.
22. Shri Jagjit Singh Gill, I. G. Office, Punjab, Chandigarh.
23. Shri Gurdev Singh Gill, Master Craft G.D.I. Office, Punjab, Chandigarh.
24. Shri K. L. Likhi, D.S.P., Patiala.
25. Shri Dalip Singh, Head Constable of Police, Patiala.
26. Shri Amrik Singh, Head Constable of Police, Ludhiana.
27. Shri Hardit Singh, M.L.A.
28. Shri Dalip Singh, M.L.A.
29. Major Som Dutt, Military Secy, to Governor, Punjab, Chandigarh.
30. Shri Arjan Singh s/o Shri Fauja Singh, Village Patti Multana, P. O. Tehara Tehsil Jagraon, Distt. Ludhiana.
*31. Shri Bhupinder Singh, Judge, High Court, Chandigarh.
*32. Shri Kuldip Singh Virk, Chairman, Punjab Public Service Commission, Patiala.
*33. Shri R.S. Phoolka, I.A.S., Principal Secretary to Chief Minister, Punjab.
*34. Shri J.R. Chhabra, I.P.S., D.I.G. & Principal, P.T.C. Phillaur.
*35. Shri S.S. Bedi, I.A.S., Secretary Education, Punjab, Chandigarh.

(ਬੀ)

ਜਿਹੜੇ ਅਗਨ-ਸ਼ਸਤਰ ਜ਼ਬਤ ਹੋਏ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਉਹਨਾਂ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਰਾਹੀਂ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਉਹਨਾਂ ਦਾ 40% ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ; 20% ਗੈਰ ਸਰਕਾਰੀ ਵਿਅਕਤੀ/ਫੌਜੀਆਂ ਨੂੰ ਅਲਾਟ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ 40% ਨਿਲਾਮ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਜਿਥੋਂ ਤੱਕ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੂੰ ਅਤੇ ਗੈਰ-ਸਰਕਾਰੀ ਵਿਅਕਤੀਆਂ/ਫੌਜੀਆਂ ਨੂੰ ਅਗਨ-ਸ਼ਸਤਰਾਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਕਰਨ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ, ਉਹਨਾਂ ਤੋਂ ਅਰਜ਼ੀਆਂ ਮਿੱਥੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਮੰਗੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਇਕ ਕਮੇਟੀ/ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਦੇ ਹੁਕਮ ਅਨੁਸਾਰ ਅਗਨ ਸ਼ਸਤਰ ਅਲਾਟ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

RATE OF COMMISSION TO OFFICERS/OFFICIALS ACTING AS AGENTS OF LOTTERIES DEPARTMENT IN THE STATE

*1431 (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang**: Will the Minister for Finance be pleased to state :—

(a) the rate of commission paid to the Officers who act as the Agents of the Lotteries Department in the State for selling lottery tickets ;

(b) whether they are entitled to any other remuneration in addition thereto;

---

*These weapons were already with them on loan for over about two years and Government had decided to sell these to all those who got firearms on loans.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Satya Pal Dang]

(c) the number of officers/officials (Class-wise) who were acting as such Agents as on 31-12-1969 ;

(d) the total amount paid/payable to such Agents ;

(e) the terms and conditions applicable in case of non-official Agents ?

Sardar Balwant Singh :

(a) Commission can be paid only to Class III & Class IV employees who can be authorized as agents. No commission is payable to the Officers.

(b) Question does not arise.

(c) Not known. The tickets are released through the District Administration involving a large number of employees.

(d) (i) Total amout payable :— Rs. 3.61 Lakhs.
(ii) Total amount paid :— Rs. 2.59 ,,
(iii) Balance credited to the District Relief Fund. :— Rs. 1.02 ,,

(e) Is placed on the Table of the House.

[(ੳ) ਕਮਿਸ਼ਨ ਕੇਵਲ ਤੀਜੀ ਸ਼ਰੇਣੀ ਅਤੇ ਚੌਥੀ ਸ਼ਰੇਣੀ ਦੇ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਅਧਿਕਾਰਿਤ ਏਜੰਟ ਹਨ । ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨਹੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ।

(ਅ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

(ੲ) ਪਤਾ ਨਹੀਂ-ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਲਾਟਰੀ ਦੀਆਂ ਟਿਕਟਾਂ ਜ਼ਿਲਾ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਬਹੁ-ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ।

(ਸ) (1) ਦੇਣ ਯੋਗ ਕੁਲ ਰਕਮ ....3.61 ਲੱਖ ਰੁਪਏ
(2) ਕੁਲ ਰਕਮ ਦਿੱਤੀ ਗਈ...........2.59 ,, ,,
(3) ਬਾਕੀ ਜ਼ਿਲਾ ਸਹਾਇਤਾ ਕੋਸ਼ ਵਿਚ ਜਮ੍ਹਾ ਹੋਈ ਰਾਸ਼ੀ ....1.02 ,, ,,

(ਹ) ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਉੱਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।]

PUNJAB STATE LOTTERIES RULES

1. These rules may be called the Punjab State Lotteries (Agency) Rules.

2. Application for taking up agency of the Punjab State Lottery shall be sent to the Director, Punjab State Lotteries, in the Form appended to these Rules. Forms can be obtained free of cost from the Director, Punjab State Lotteries and Joint Secretary to Government, Punjab, Finance Department, or from the District Treasury Officers at Sangrur, Ropar, Gurdaspur, Feroze-

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

pur, Patiala, Bhatinda, Amritsar, Kapurthala, Jullundur, Ludhiana, and Hoshiarpur.

3. Every applicant for agency shall in the first instance purchase a minimum of 100 tickets. Lottery tickets valued at Re 1/- each shall be available in books of 20 or 100 each. Payment for the purchase of tickets at the rate of Rs. 75.00 per 100 tickets, i. e., after deducting 25 percent commission from the face value of the tickets can be made either by remittance in any Treasury in the State in the Challan form prescribed for the purpose or by Money-Order to the Director, Punjab State Lotteries and Joint Secretary to Government, Punjab, Finance Department, Chandigarh, or by Postal Orders or Bank Draft made payable to the Director, Punjab State Lotteries and Joint Secretary to Government, Punjab, Finance Department, Chandigarh. The Treasury receipt, Money Order receipt, Postal Order or Bank Draft, as the case may be should be sent along with the application.

4. On receipt of the application duly supported by the receipt of the money remitted, the Director, Punjab State Lotteries and Joint Secretary to Government Punjab, Finance Department will register the applicant as an agent and issue an authorisation to him or reject the application for agency at his discretion without assigning any reasons.

5. The Director, Punjab State Lotteries and Joint Secretary to Government Punjab, Finance Department shall have the right to authorise more than one person as agent for a particular area.

6. A commission of 25 per cent of the value of the tickets sold will be paid to the agents who will have to bear postage and other incidental expenses themselves from out of their commission.

7. Special commission to the agents will be allowed as follows :—

(i) One per cent in cases where collections made by an agent for a draw exceed. Rs. ,000

(ii) Two per cent in cases where collections made by an agent for a draw exceed. Rs. 5,000

(iii) Five per cent in cases where collections made by an agent for a draw exceed. Rs. 10,000

This commission will be determined and paid to the agents after the close of each draw.

8. After each draw, three special prizes of Rs. 500, Rs. 250, Rs. 150 respectively will be awarded to the three agents who top the collections of that draw.

9. Tickets can be obtained only from the office indicated in column 6 of the application.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Finance)

10. The first batch of tickets will be supplied to the agents alongwith the authorisation. Subsequent batches of tickets can be had on payment of the value of tickets required less commission of 25 per cent. Agents within the State can get the ticket books from the Treasury chosen by them. Agents outside the State can get the tickets direct from the Directorate, Punjab State Lotteries at Chandigarh and the State Press Liaison Officer, Government of Punjab, Kapurthala House, 3-Man Singh Road, New Delhi.

11. Tickets once issued to the agents shall not be returnable and the unsold tickets with them, if any, shall be treated as sold.

12. Prizes on any prize ticket will be given direct to the ticket holder without the intervention of the agent.

13. In the case of any dispute, the decision of the Director, Punjab State Lotteries and Joint Secretary to Government, Punjab, Finance Department, shall be final and binding.

14. Legal jurisdiction of the Punjab State Lotteries shall be Chandigarh.

FUNDS FOR CRASH HOUSING PROGRAMME

*1432 (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang :** Will the Minister for Local Government be pleased to state :—

(a) the amounts provided in the budget for the year 1969-70 and 1970-71 for Crash Housing Programme in the State;

(b) the names of places at which Housing Colonies have been and are proposed to be constructed out of these funds;

(c) the types of persons for whom these Colonies are meant;

(d) the basis for selection of the places for such Colonies ?

ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ ਮੰਤਰੀ :

(ੲ) ਸਾਲ 1969-70 ... ... 35 ਲੱਖ

ਸਾਲ 1970-71 ... ... 75 ਲੱਖ

(ਬੀ) ਸਾਲ 1969-70 ... ... ਸਾਰੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੈਡ ਕੁਆਰਟਰਾਂ ਤੇ

ਸਾਲ 1970-71 ... ... ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ, ਸਬ-ਡਵੀਜ਼ਨ ਅਤੇ ਤਹਿਸੀਲ ਪੱਧਰ ਤੇ ।

(ਸੀ) ਸਾਲ 1969-70 ... ... ਦਰਜਾ I, II ਅਤੇ III ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਵਾਸਤੇ ।

ਸਾਲ 1970-71 ... ... ਸਾਰੀਆਂ ਕੈਟੀਗਰੀਆਂ ਲਈ ।

(ਡੀ) (ੲ) ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਬਹੁਗਿਣਤੀ

(ਬੀ) ਰਿਹਾਇਸ਼ੀ ਮਕਾਨਾਂ ਦੀ ਅਤਿ ਥੁੜ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ELECTIONS OF AMRITSAR MUNICIPAL COMMITTEE

*1433. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Minister for Local Government be pleased to state :—

(a) the time when the elections to Amritsar Municipal Committee are due;

(b) whether the Government has completed the work of bifurcation of double wards of the said Committee; if not, the time by which it is likely to be completed;

(c) the time by which Government propose to take in hand the work of preparing voters lists of Amritsar Municipal Committee;

(d) the time by which the bye-election of two vacant seats of the said Committee is likely to take place ?

ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ ਮੰਤਰੀ :

(ੳ) 24/10/70

(ਅ) ਨਾਂ ਜੀ, ਅਪਰੈਲ, 1970 ਵਿਚ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੈ ।

(ੲ) ਮਈ, 1970 ਵਿਚ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੈ ।

(ਸ) ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਪਾਲਿਸੀ ਅਨੁਸਾਰ ਡਬਲ ਵਾਰਡਾਂ ਦੀ ਬਾਈਫਰਕੇਸ਼ਨ ਦਾ ਕੰਮ ਅਤੇ ਚੋਣਕਾਰ ਸੂਚੀਆਂ ਦੀ ਤਿਆਰੀ/ਛਪਾਈ ਅਤੇ ਪਬਲੀਕੇਸ਼ਨ ਦਾ ਕੰਮ ਜੂਨ 1970 ਤਕ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਸ ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਦੀਆਂ ਉਪ-ਚੋਣਾਂ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਚੋਣ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।

[(a) 24/10/70

(b) No, probably in April, 1970

(c) Probably in May, 1970

(d) In keeping with the Government policy the work of bifurcation of double-member wards and preparation/printing and publication of electoral rolls is expected to be completed by the end of June, 1970 Thereafter a programme for holding bye-elections of this Municipality would be considered by Government]

ELECTION OF PRESIDENT, MUNICIPAL COMMITTEE, PATIALA

*1443. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang :** Will the Minister for Local Government be pleased to state :—

(a) whether the Government has set aside the election of the President, Municipal Committee, Patiala (Shri Goel); if so, the reasons therefor;

(b) the date on which the election took place, the dates on which it

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Satya Pal Dang]
was approved and gazetted and the date on which it was set aside;

(c) the manner in which the vacancy caused is proposed to be filled ?

Minister for Local Government : (a) Yes, bec use, there had been "material irregularities" in his election;

(b) (i) 15.4 68, (ii) 27.4.68, (iii) 11.2.70.

(c) A new President shall be elected in the manner provided by section 20 of the Punjab Municipal Act, 1911.

[(ਏ) ਹਾਂ ਜੀ, ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਦੀ ਚੋਣ ਵਿਚ ਠੋਸ ਬੇਕਾਇਦਗੀ ਸੀ ।

(ਬੀ) (I) 15.4.1968; (II) 27.4.1968, (III) 11.2.1970.

(ਸੀ) ਨਵਾਂ ਪ੍ਰਧਾਨ ਸੈਕਸ਼ਨ 20 ਪੰਜਾਬ ਮਿਉਂਸਪਲ ਐਕਟ 1911 ਵਿਚ ਦਸੇ ਗਏ ਨਿਯਮ ਅਨੁਸਾਰ ਚੁਣਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ।]

CONSTRUCTION OF HARIJANS COLONY IN BIR KHERI GUJRAN, DISTRICT PATIALA

*1446. (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh :** Will the Minister for Social Welfare be pleased to state :—

(a) whether there was any scheme to construct a Harijan Colony in Bir Kheri Gujran, District Patiala;

(b) if the reply to part (a) be in the affirmative, whether the said scheme has been dropped by the Government; if so, reasons therefor; if not, whether the Government propose to implement the said scheme ?

ਸਮਾਜ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਕਿਉਂਕਿ ਮਕਾਨ ਉਸਾਰੀ ਦੀ ਸਕੀਮ 1967-68 ਤੋਂ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ।

GAZETTED OFFICERS IN AGRICULTURE DEPARTMENT

*1447 (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state the total number of gazetted officers in the Agriculture Department at present alongwith the number and designation of those belonging to the Scheduled Castes among them ?

Minister for Agriculture :

(a) Total number of Gazetted Officers = 121

(b) Number and designation of those belonging to the Scheduled Castes among them. = 6

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Deputy Director Agriculture.	1
Rural Sociologist.	1
District Agr. Officer.	1
Asstt. Rice Extension Officer.	1
Establishment Officer.	1
Assistant Soil Conservation Officer.	1

[(ੳ) ਗਜ਼ਟਿਡ ਅਫਸਰਾਂ ਦਾ ਕੁਲ ਨੰ: 121

(ਅ) ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਗਜ਼ਟਿਡ ਅਫਸਰਾਂ ਦਾ ਨੰਬਰ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅਹੁਦੇ । 6

ਡਿਪਟੀ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਖੇਤੀਬਾੜੀ	1
ਰਰਲ ਸੋਸ਼ਿਆਲੋਜਿਸਟ	1
ਜ਼ਿਲਾ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਫ਼ਸਰ	1
ਸਹਾਇਕ ਚੌਲ ਵਿਸਥਾਰ ਅਫਸਰ	1
ਅਮਲਾ ਅਫ਼ਸਰ	1
ਸਹਾਇਕ ਭੂਮੀ ਰਖਿਆ ਅਫ਼ਸਰ	1]

ASSISTANT SUPERINTENDENT OF POLICE Etc. IN THE POLICE DEPARTMENT.

*1448. (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the total number of ASPs, DSPs, Inspectors, Sub-Inspectors and Assistant Sub-Inspectors of Police working separately in the State at present alongwith the number of those among them belonging to the Scheduled Castes;

(b) the names and designations of the officers from amongst those referred to in part (a) above belonging to the Scheduled Castes ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(a)

Total number of ASPs, DSPs, Inspectors, Sub-Inspectors and ASIs of police working separately in the State at present alongwith the number of those among them belonging to the Scheduled Castes :

ASPs.	DSPs.	Inspectors.	SIs.	ASIs.
16	76	195	673	1016

(b)

The names and designations of the officers from amongst those referred to in para (a) belonging to the Scheduled Castes.

1. ਸ਼੍ਰੀ ਜੀ. ਐਸ. ਪਾਵਾਰ, ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ, ਏ. ਐਸ. ਪੀ
2. ਸ਼੍ਰੀ ਜੇ. ਪੀ. ਅਸਵਾਲ, ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ, ਏ. ਐਸ. ਪੀ
3. ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ, ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ, ਏ. ਐਸ. ਪੀ
4. ਸ਼੍ਰੀ ਕਰਨੈਲ ਸਿੰਘ ਕਲ, ਡੀ. ਐਸ. ਪੀ
5. ਸ਼੍ਰੀ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਡੀ. ਐਸ. ਪੀ
6. ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਸਵਰਨ ਚੰਦ, ਨੰ: ਟੀ. ਪੀ/10
7. ,, ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਨੰਬਰ, ਪੀ. ਏ. ਪੀ/139
8. ,, ਪਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਨੰ: ਪੀ. ਏ. ਪੀ/63
9. ,, ਗੋਪਾਲ ਦਾਸ ਨੰ: ਪੀ/230
10. ਐਸ ਆਈ, ਕੇਹਰ ਸਿੰਘ ਨੰ: 62/ਬੀ
11. ,, ਜਵਾਹਰ ਸਿੰਘ ਨੰ: 27/ਬੀ
12. ,, ਗੁਰਮੇਲ ਸਿੰਘ ਨੰ: 214/ਬੀ
13. ,, ਕਰਮ ਚੰਦ ਨੰ: 168/ਬੀ
14. ,, ਬਨਾਰਸੀ ਦਾਸ ਨੰ: 13/ਬੀ
15. ਪੀ ਐਸ. ਆਈ, ਜਾਗੀਰ ਸਿੰਘ
16. ,, ਰਾਮ ਪ੍ਰਸ਼ਾਦ
17. ਐਸ. ਆਈ, ਕਰਤਾਰ ਚੰਦ ਨੰ: 3/ਪੀ. ਆਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(b)

18. ਐਸ. ਆਈ. ਗੁਰਬਖਸ਼ੀ ਰਾਮ, ਪੀ. ਏ. ਪੀ/182
19. ,, ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਪੀ. ਏ. ਪੀ/232
20. ,, ਹਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਨੰ: 20/ਪੀ. ਆਰ
21. ਏ. ਐਸ. ਆਈ, ਵੇਦ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਨੰ: 128/ਬੀ
22. ,, ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ ਨੰ: 550/ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ
23. ,, ਭਗਤ ਰਾਮ ਨੰ: 384/ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ
24. ,, ਤੁਲਸੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ, 873/ਲੁਧਿਆਣਾ
25. ,, ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ. 865/ਲੁਧਿਆਣਾ
26. ,, ਬਖਤਾਵਰ ਸਿੰਘ. 26/ਜਲੰਧਰ
27. ,, ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ, 151/ਜਲੰਧਰ
28. ,, ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ, 188/ਜੇ
29. ,, ਦੁਰਗਾ ਦਾਸ, 72/ਬੀ
30. ,, ਚਤਰ ਦਾਸ ਨੰ: 1382/ਅੰਮ੍ਰਿਤਮਰ
31. , ਰਾਮ ਦਾਸ ਨੰ: 600/ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ
32. , ਦਿਵਾਨ ਚੰਦ ਨੰ: 429/ਜਲੰਧਰ
33. ,, ਠਾਕਰ ਦਾਸ ਨੰ: 215/ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ
34. ,, ਭਾਗ ਮੱਲ ਨੰ: 1424/ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ
35. ,, ਰਾਮ ਦਾਸ, 97/ਬੀ
36. ,, ਮੁਖਤਿਆਰ ਚੰਦ ਨੰ: 186
37. ,, ਸਵਰਨ ਸਿੰਘ, 534/ਲੁਧਿਆਣਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(b)

38. ਏ. ਐਸ. ਆਈ. ਬਖਸ਼ੀਸ਼ ਸਿੰਘ
39. ,, ਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ, 111/ਬਠਿੰਡਾ
40. ,, ਲਾਲ ਸਿੰਘ, 534
41. ,, ਹਰੀ ਸਿੰਘ, 733/ਪਟਿਆਲਾ
42. ,, ਧਰਮਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੰ: 18/ਆਰ
43. ,, ਸੁਖਦੇਵ ਸਿੰਘ, 111/ਸੀ
44. ,, ਵੀਰ ਚੰਦ, 124/ਸੀ
45. ,, ਸੋਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼, 62/ਸੀ
46. ,, ਕਾਕਾ ਸਿੰਘ, 119/ਸੀ
47. ,, ਲਛਮਣ ਦਾਸ, 131/ਸੀ
48. ,, ਰਾਣਾ ਸਿੰਘ
49. ,, ਮਨੋਹਰ ਸਿੰਘ, ਪੀ. ਏ. ਪੀ/131
50. ,, ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ. ਪੀ. ਏ. ਪੀ/132
51. ,, ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਨੰ: 300/ਲੁਧਿਆਣਾ
52. ,, ਮੱਘਰ ਸਿੰਘ ਨੰ: 250/ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

UPGRADING PRIMARY/MIDDLE SCHOOL.

*1449. (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state the number of Primary Schools upgraded to Middle Schools and Middle Schools to High Schools, constituencywise, in the State during the period from April, 1969 to 20th February, 1970 separately and the criteria kept in view while upgrading the said Schools ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਨਾਲ ਨਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

ਅਪਰੈਲ 1969 ਤੋਂ 20 ਫਰਵਰੀ, 1970 ਤੱਕ ਅਪਗਰੇਡ ਹੋਏ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀ ਅਸੈਂਬਲੀ ਹਲਕੇ ਵਾਰ ਗਿਣਤੀ

ਚੋਣ ਹਲਕਾ	ਅਪਗਰੇਡ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਤੋਂ ਮਿਡਲ	ਮਿਡਲ ਤੋਂ ਹਾਈ
ਜ਼ਿਲਾ ਜਲੰਧਰ		
1. ਨਕੋਦਰ	2	—
2. ਨਕੋਦਰ	2	—
3. ਨੂਰਮਹਲ	1	1
4. ਫਲੌਰ	2	—
5. ਕਰਤਾਰਪੁਰ	1	1
6. ਬੰਗਾ	1	—
7. ਆਦਮਪੁਰ	—	1
ਜ਼ਿਲਾ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ		
8. ਪਠਾਨਕੋਟ	1	—
9. ਦੀਨਾਨਗਰ	—	1
10. ਧਾਰੀਵਾਲ	2	—
11. ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	—	1
12. ਕਾਦੀਆਂ	—	1
13. ਸ੍ਰੀ ਹਰਗੋਬਿੰਦ ਪੁਰ	1	—
14. ਬਟਾਲਾ	1	1
ਜ਼ਿਲਾ ਰੋਪੜ		
15. ਅਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ	1	2
16. ਮੋਰਿੰਡਾ	3	1
17. ਖਰੜ	2	—
ਜ਼ਿਲਾ ਸੰਗਰੂਰ		
18. ਸੰਗਰੂਰ	1	—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ)

19.	ਸੁਨਾਮ	3	—
20.	ਬਰਨਾਲਾ	2	—
21.	ਲਹਿਰਾਗਾਗਾ	2	—
22.	ਮਲੇਰਕੋਟਲਾ	..	1
23.	ਸ਼ੇਰਪੁਰ	—	2
24.	ਧੂਰੀ	—	1
25.	ਧਨੌਲਾ	—	1
ਜ਼ਿਲਾ ਕਪੂਰਥਲਾ			
26.	ਸੁਲਤਾਨਪੁਰ	2	—
27.	ਕਪੂਰਥਲਾ	—	1
ਜ਼ਿਲਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ			
28.	ਪੱਟੀ	2	—
29.	ਬਿਆਸ	2	—
30.	ਜੰਡਿਆਲਾ	2	—
31.	ਮਜੀਠਾ	2	—
32.	ਵਲਟੋਹਾ	2	—
33.	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦਖਣੀ	1	—
34.	ਅਜਨਾਲਾ	2	1
35.	ਅਟਾਰੀ	1	—
36.	ਖਡੂਰ ਸਾਹਿਬ	—	2
37.	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਪਛਮੀ	—	1
ਜ਼ਿਲਾ ਬਠਿੰਡਾ			
38.	ਮਾਨਸਾ	—	1
39.	ਬਠਿੰਡਾ	—	1
40.	ਤਲਵੰਡੀ	2	1
41.	ਪੱਕਾ	—	1
42.	ਫੂਲ	1	2
43.	ਬੁਢਲਾਡਾ	2	—
44.	ਨਥਾਨਾ	1	—
45.	ਕੋਟ ਕਪੂਰਾ	2	—
46.	ਫਰੀਦ ਕੋਟ	2	—
47.	ਸਰਦੂਲ ਗੜ੍ਹ	1	—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਜ਼ਿਲਾ ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਪੁਰ			
48.	ਮੁਕਤਸਰ	1	1
49.	ਅਬੋਹਰ	4	2
50.	ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ	1	2
51.	ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਸ਼ਹਿਰ	1	—
52.	ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਛਾਉਣੀ	2	1
53.	ਲੰਬੀ	2	—
54.	ਮੋਗਾ	5	2
55.	ਧਰਮਕੋਟ	7	—
56.	ਜ਼ੀਰਾ	1	—
ਜ਼ਿਲਾ ਪਟਿਆਲਾ			
57.	ਸਰਹੰਦ	3	1
58.	ਰਾਏ ਪੁਰ	3	—
59.	ਸਮਾਨਾ	2	1
60.	ਨਾਭਾ	—	1
61.	ਬਨੂੜ	—	2
62.	ਰਾਜਪੁਰਾ	—	1
63.	ਢਕਾਲਾ	—	1
ਜ਼ਿਲਾ ਲੁਧਿਆਣਾ			
64.	ਕਿਲ੍ਹਾ ਰਾਏਪੁਰ	2	2
65.	ਕੂਮ ਕਲਾਂ	2	—
66.	ਸਮਰਾਲਾ	3	—
67.	ਖੰਨਾ	2	—
68.	ਰਾਏਕੋਟ	2	1
69.	ਦਾਖਾ	2	—
70.	ਪਾਇਲ	1	—
71.	ਜਗਰਾਉਂ	—	1
ਜ਼ਿਲਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰ ਪੁਰ			
72.	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	1	—
73.	ਸ਼ਾਮ ਚੁਰਾਸੀ	1	—
74.	ਦਸੂਹਾ	2	—
75.	ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ	2	—
76.	ਮਾਹਲ ਪੁਰ	2	—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ]

77. ਮੁਕੇਰੀਆਂ	1	—
ਕੁਲ ਜੋੜ	114	44

ਅਪਗਰੇਡਿੰਗ ਲਈ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀ ਚੋਣ ਸਮੇਂ, ਨਿਮਨ ਲਿਖਤ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ :—

1. ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਵਿਦਿਅਕ ਲੋੜ।
2. ਸਕੂਲ ਦੀ ਬਿਲਡਿੰਗ (ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ ਲਈ 8 ਕਮਰੇ ਅਤੇ ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਲਈ 12 ਕਮਰੇ)
3. ਦੂਜੇ ਮਿਡਲ/ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਤੋਂ ਫਾਸਲਾ (ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ ਦੀ ਸੂਰਤ ਵਿਚ 3 ਮੀਲ ਅਤੇ ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਦੀ ਸੂਰਤ ਵਿੱਚ 5 ਮੀਲ)
4. ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ।
5. ਇਰਦ ਗਿਰਦ ਦੇ ਫੀਡਰ ਸਕੂਲ।
6. ਇਲਾਕੇ ਦੀ ਨੇਚਰ।

PROPOSAL FROM FOOD CORPORATION OF INDIA REGARDING PURCHASE OF THE WHEAT IN STATE.

*1450. (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh** : Will the Minister for Food & Supplies be pleased to state :

(a) whether any proposal from the Food Croporation of India has been received by the State Government that permission be granted to them to purchase wheat from villages far away from the grain markets at the time of Rabi crop,

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether the said proposal has been accepted by the Government; if not, the reasons therefor ?

Minister for Food & Supplies : (a) No.

(b) Question does not arise.

[(ਏ) ਨਹੀਂ।

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।]

DISSOLUTION OF PANCHAYAT SAMITIS IN THE STATE.

*1451. (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh** : Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Government have decided to dissolve the Panchayat Samitis in the State;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the name of the institution whom the functions performed by the Panchayat Samitis are proposed to be entrusted;

(c) whether the Zila Parishads are also to be dissolved alongwith the Panchayat Samitis because they are constituted by the Panchayat Samitis;

(d) whether the buildings constructed by the Panchayat Samitis would be handed over to other departments or auctioned ?

Minister for Development & Animal Husbandry : (a) The matter is under consideration.

(b) Question does not arise.

(c) No Sir.

(d) Question does not arise.

[(ੲ) ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

(ਸੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਡੀ) ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

DEMANDS OF WORK CHARGED EMPLOYEES IN THE P. W. D. (B & R) DEPARTMENT.

*1452. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether the Government during the second half of 1969 or thereafter received any memorandum from the Technical Punjab Employees Union regarding the demands of work charged employees of the P. W. D. (B & R) Department; if so, a copy of the same be laid on the Table of the House;

(b) whether it is also a fact that the work charged employees are on protest fast at various places in the State to press their demands; if so, the steps being taken by the Government to meet their demands ?

ਸਿੰਜਾਈ ਤੇ ਬਿਜਲੀ ਮੰਤਰੀ : (ੳ) ਟੈਕਨੀਕਲ ਪੰਜਾਬ ਇਮਪਲਾਈਜ਼ ਦੀਆਂ ਕਈ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਬਣੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਆਪਣੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਭੇਜਦੀਆਂ ਰਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਜਿਸ ਮੈਮੋਰੈਂਡਮ ਬਾਰੇ ਸਵਾਲ ਵਿੱਚ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦੀ ਮਿਤੀ ਸਵਾਲ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ । ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਸੰਭਵ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਮੈਮੋਰੈਂਡਮ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਹੋਇਆ ਸੀ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ।

(ਅ) ਵਰਕ ਚਾਰਜ ਕਰਮਚਾਰੀ ਆਪਣੀਆਂ ਜਾਇਜ਼, ਨਜਾਇਜ਼ ਮੰਗਾਂ ਲਈ ਪਰੋਟੈਸਟ ਕਰਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕਈ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿੱਚ ਵਰਤ ਰਖੇ ਸਨ । ਸਰਕਾਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਸਿੰਜਾਈ ਤੇ ਬਿਜਲੀ ਮੰਤਰੀ)

ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਤੇ ਹਮਦਰਦੀ ਭਰਿਆ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨ ਲਈ ਤੱਤ-ਪਰ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਹੁਣੇ ਹੀ ਵਰਕਚਾਰਜ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ/ਗਰੇਡ ਸੋਧਨ ਬਾਰੇ ਫੈਸਲੇ ਕੀਤੇ ਹਨ ਅਤੇ ਵਰਕਚਾਰਜ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਪੱਕੇ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਬਨਾਣ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਭੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

———

DEMANDS OF WORK CHARGED EMPLOYEES IN THE P. W. D. (PUBLIC HEALTH) DEPARTMENT.

*1453. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether the Government during the second half of 1969 or thereafter received any Memorandum from the Technical Punjab Employees Union regarding the demands of work charged employees of the P. W. D. (Public Health) Department; if so, a copy of the same be laid on the Table of the House;

(b) whether it is also a fact that the work charged employees are on protest fast at various places in the State to press their demands; if so, the steps being taken by the Government to meet their demands ?

ਸਿੰਜਾਈ ਤੇ ਬਿਜਲੀ ਮੰਤਰੀ : ਟੈਕਨੀਕਲ ਪੰਜਾਬ ਇੰਪਲਾਈਜ਼ ਦੀਆਂ ਕਈ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਬਣੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਆਪਣੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਭੇਜਦੀਆਂ ਰਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਜਿਸ ਮੈਮੋਰੈਂਡਮ ਬਾਰੇ ਸਵਾਲ ਵਿੱਚ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦੀ ਮਿਤੀ ਸਵਾਲ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ । ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਸੰਭਵ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਮੈਮੋਰੈਂਡਮ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਹੋਇਆ ਸੀ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ।

(ਅ) ਵਰਕਚਾਰਜ ਕਰਮਚਾਰੀ ਆਪਣੀਆਂ ਜਾਇਜ਼, ਨਾਜਾਇਜ਼ ਮੰਗਾਂ ਲਈ ਪਰੋਟੈਸ਼ਟ ਕਰਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕਈ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿੱਚ ਵਰਤ ਰਖੇ ਸਨ । ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਤੇ ਹਮਦਰਦੀ ਭਰਿਆ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨ ਲਈ ਤੱਤ-ਪਰ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਹੁਣੇ ਹੀ ਵਰਕਚਾਰਜ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ/ਗਰੇਡ ਸੋਧਨ ਬਾਰੇ ਫੈਸਲੇ ਕੀਤੇ ਹਨ ਅਤੇ ਵਰਕਚਾਰਜ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਪੱਕੇ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਬਨਾਣ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਭੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

———

DEMANDS OF WORK CHARGED EMPLOYEES IN THE P. W. D. IRRIGATION DEPARTMENT.

*1454. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether the Government during the second half of 1969 or thereafter received any memorandum from the Technical Punjab Employees Union regarding their demands of work charged employees of the P. W. D. Irrigation Department; if so, acopy of the same be laid on the Table of the House;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

other Post Graduate Masters/Mistresses in Government Secondary schools ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether the said decision of the Government has been implemented; if not, the reasons therefor ;

(c) the present position of the grades of Post Graduate Masters/ Mistresses ?

Minister for Finance : (a) The then Finance Minister, inter alia, spoke as follows on 30.3.1967 in the Vidhan Parishad :

"Yes sir, they were wrongly printed in the Budget Speech. The grade of a trained Graduate as printed at page 33 is Rs. 200-500. Instead it should be Rs. 220-500. The grade which is mentioned at page 32 for Lecturers in Higher Secondary Schools is in fact for all teachers in Higher Secondary Schools who possess post-graduate qualification."

(b) The scale of a trained graduate as in force is in fact Rs. 220-500. As regards the scale of Rs. 300-600 (that of Rs. 250-550 for Third Division MAs.), the Kothari Commission recommended that between 10 to 30 per cent of the Masters should be put in the Lecturer's grade. Punjab Government has given the Lecturer's scale i.e. the scale of Rs 300-600/Rs. 250-550 to 24% of the teachers. Thus the intention of the Finance Minister now stands substantially translated into action.

Originally there were 742 posts in the Lecturer's scale. The number was raised to 1571.

(c) the present position of the grades of post-graduate Masters/ Mistresses is as follows .

1.	Trained Graduates	Rs 220-500
2.	Lecturers in Higher Secondary Schools (teachers with Post Graduate Qualifications)	(i) Rs. 300-25-600 (with Master's Degree in I and II Class
		(ii) Rs. 250-25-550 (with Master's Degree in III Class.)

J.B T. TEACHERS TRANSFERRED FROM KAPURTHALA DISTRICT

*1463. (C U) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Education be pleased to state whether any J. B. T. teachers were transferred from Kapurthala district to other districts during the period from 17-2-69 upto 16-2 70 ; if so, their names and the reasons for their transfers outside their districts and whether the seniority of J. B. T. teachers is on district basis or on State basis ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Chief Minister : Yes. Village Durangla is at a distance of about 9 miles from P. S. Dinanagar. There is no police post at Durangla. There is also no proposal to establish a Police Post at the village.

[ਹਾਂ ਜੀ । ਪਿੰਡ ਦੁਰਾਂਗਲਾ ਥਾਣਾ ਦੀਨਾ ਨਗਰ ਤੋਂ 9 ਮੀਲ ਦੂਰ ਹੈ । ਦੁਰਾਂਗਲੇ ਵਿਖੇ ਪੁਲਿਸ ਚੌਕੀ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਸ ਪਿੰਡ ਵਿੱਚ ਪੁਲਿਸ ਚੌਕੀ ਦੀ ਸਥਾਪਣਾ ਬਾਰੇ ਵੀ ਕੋਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ ।]

LAND ACQUIRED FOR RAJINDRA HOSPITAL, PATIALA

*1460. (C. U) **Sardar Gurbanta Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether it is a fact that land was acquired for the New Rajindra Hospital, Patiala ; if so, the area thereof and the amount of compensation paid therefor ;

(b) whether the payment of a part of the said compensation is still outstanding ; if so, how much and the date since when it is outstanding together with the reasons for not making full payment thereof to the landlords concerned ;

(c) the names of the landlords to whom the said compensation is still payable by the Government ?

Minister for Irrigation & Power : (a) Yes. 192 bighas and 6 biswas. An amount of Rs. 4,04,691/- was paid as compensation.

(b) No.

(c) In view of answer at (b), question does not arise.

[(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ, 192 ਬਿਘੇ ਤੇ 6 ਬਿਸਵੇ । 4,04,691/- ਰੁਪਏ ਬਤੌਰ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਸਨ ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਸੀ) (ਬੀ) ਤੇ ਦਿੱਤੇ ਉੱਤਰ ਅਨੁਸਾਰ ਸਵਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ ।]

GRADES OF PAY POST GRADUATE MASTER/MISTRESSES IN GOVERNMENT SECONDARY SCHOOLS

*1462. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Finance be pleased to state :

(a) whether it is a fact that on 30.3.67, the then Finance Minister, announced the grade of Rs. 250/550 for all Post Graduate Masters/Mistresses having Master's degree working in Government Secondary Schools and the grade of Rs. 300/600 for all

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

other Post Graduate Masters/Mistresses in Government Secondary schools ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether the said decision of the Government has been implemented; if not, the reasons therefor ;

(c) the present position of the grades of Post Graduate Masters/ Mistresses ?

Minister for Finance : (a) The then Finance Minister, inter alia, spoke as follows on 30.3.1967 in the Vidhan Parishad :

"Yes sir, they were wrongly printed in the Budget Speech. The grade of a trained Graduate as printed at page 33 is Rs. 200-500. Instead it should be Rs. 220-500. The grade which is mentioned at page 32 for Lecturers in Higher Secondary Schools is in fact for all teachers in Higher Secondary Schools who possess post-graduate qualification."

(b) The scale of a trained graduate as in force is in fact Rs. 220-500. As regards the scale of Rs. 300-600 (that of Rs. 250-550 for Third Division MAs.), the Kothari Commission recommended that between 10 to 30 per cent of the Masters should be put in the Lecturer's grade. Punjab Government has given the Lecturer's scale i.e. the scale of Rs. 300-600/Rs. 250-550 to 24% of the teachers. Thus the intention of the Finance Minister now stands substantially translated into action.

Originally there were 742 posts in the Lecturer's scale. The number was raised to 1571.

(c) the present position of the grades of post-graduate Masters/ Mistresses is as follows :

1.	Trained Graduates	Rs 220-500
2.	Lecturers in Higher Secondary Schools (teachers with Post Graduate Qualifications)	(i) Rs. 300-25-600 (with Master's Degree in I and II Class
		(ii) Rs. 250-25-550 (with Master's Degree in III Class.)

J.B.T. TEACHERS TRANSFERRED FROM KAPURTHALA DISTRICT

*1463. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Education be pleased to state whether any J. B. T. teachers were transferred from Kapurthala district to other districts during the period from 17-2-69 upto 16-2-70; if so, their names and the reasons for their transfers outside their districts and whether the seniority of J. B. T. teachers is on district basis or on State basis ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Chief Minister : Yes. Village Durangla is at a distance of about 9 miles from P. S. Dinanagar. There is no police post at Durangla. There is also no proposal to establish a Police Post at the village.

[ਹਾਂ ਜੀ । ਪਿੰਡ ਦੁਰਾਂਗਲਾ ਥਾਣਾ ਦੀਨਾ ਨਗਰ ਤੋਂ 9 ਮੀਲ ਦੂਰ ਹੈ । ਦੁਰਾਂਗਲੇ ਵਿਖੇ ਪੁਲਿਸ ਚੌਕੀ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਸ ਪਿੰਡ ਵਿੱਚ ਪੁਲਿਸ ਚੌਕੀ ਦੀ ਸਥਾਪਣਾ ਬਾਰੇ ਵੀ ਕੋਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ ।]

LAND ACQUIRED FOR RAJINDRA HOSPITAL, PATIALA

*1460. (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether it is a fact that land was acquired for the New Rajindra Hospital, Patiala ; if so, the area thereof and the amount of compensation paid therefor ;

(b) whether the payment of a part of the said compensation is still outstanding ; if so, how much and the date since when it is outstanding together with the reasons for not making full payment thereof to the landlords concerned ;

(c) the names of the landlords to whom the said compensation is still payable by the Government ?

Minister for Irrigation & Power : (a) Yes. 192 bighas and 6 biswas. An amount of Rs. 4,04,691/- was paid as compensation.

(b) No.

(c) In view of answer at (b), question does not arise.

[(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ, 192 ਬਿਘੇ ਤੇ 6 ਬਿਸਵੇ । 4,04,691/- ਰੁਪਏ ਬਤੌਰ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਸਨ ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਸੀ) (ਬੀ) ਤੇ ਦਿੱਤੇ ਉੱਤਰ ਅਨੁਸਾਰ ਸਵਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ ।]

GRADES OF PAY POST GRADUATE MASTER/MISTRESSES IN GOVERNMENT SECONDARY SCHOOLS

*1462. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Finance be pleased to state :

(a) whether it is a fact that on 30.3.67, the then Finance Minister, announced the grade of Rs. 250/550 for all Post Graduate Masters/Mistresses having Master's degree working in Government Secondary Schools and the grade of Rs. 300/600 for all

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ii) ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ

[(a) Yes Sir

(b) (i) No Sir

(ii) The question does not arise.]

GAZETTED OFFICERS IN THE FORESTS DEPARTMENT

*1469. (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh :** Will the Minister of State for Finance and Forests be pleased to state the total number of Gazetted Officers in the Forests Department at present alongwith the number and designation of those belonging to the Scheduled Castes among them ?

Minister of State for Finance and Forests : Part I 27

Part II 3, one attached Officer and 2 Divisional Forests Officers.

[ਭਾਗ 1 27

ਭਾਗ 2 3, ਇਕ ਅਟੈਚਡ ਅਫਸਰ ਅਤੇ 2 ਵਣ ਮੰਡਲ ਅਫਸਰ ।]

I.A.S. AND P.C.S. OFFICERS

*1470. (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the number of I.A.S. and P C.S Officers working in the State separately at present alongwith the number of those belonging to Scheduled Castes among them ;

(b) the names of places where each of them is posted, and

(c) the total percentage of Officers belonging to Scheduled Castes out of Officers mentioned above ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਆਈ. ਏ. ਐਸ. ਦੇ ਕੁਲ 111 ਅਫਸਰਾਂ ਵਿੱਚੋਂ 10 ਅਤੇ ਪੀ. ਸੀ. ਐਸ ਦੇ ਕੁਲ 214 ਅਫਸਰਾਂ ਵਿੱਚੋਂ 31 ਅਫਸਰ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਹਨ ।

(ਬੀ) ਵੇਰਵਾ ਪੱਤਰ ਹਾਊਸ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਆਈ. ਏ. ਐਸ. ਵਿਚ 9 ਅਤੇ ਪੀ. ਸੀ. ਐਸ ਵਿਚ 14, 15 ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਤ ਅਫਸਰ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਹਨ ।

ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਤ ਗਿਣਤੀ ਰੀਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਦ ਸਿਧੀ ਭਰਤੀ ਰਾਹੀਂ ਭਰੀਆਂ ਅਸਾਮੀਆਂ ਵਿ ਚਹੀ ਗਿਣੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗਿਣਨ ਨਾਲ ਆਈ. ਏ. ਐਸ ਵਿਚ ਨੀਯਤ ਕੀਤੀ ਗਈ 12.5 ਦੀ ਥਾਂ 13.5 ਅਤੇ ਪੀ. ਸੀ. ਐਸ ਵਿਚ 20 ਦੀ ਥਾਂ 25 ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਤ ਗਿਣਤੀ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਅਫਸਰਾਂ ਦੀ ਹੈ ।

[(a) 10 out of 111 I.A.S. Officers and 31 out of 214 P.C.S. Officers belong to Scheduled Castes.

(b) A statement is placed on the Table of the House.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

(c) 9% in I.A.S. and 14.5% in P.C.S. against the total actual strength of the respective Cadres.

The percentage should, however, be worked out against the posts filled in by direct recruitment from the time the reservation was introduced. In this manner, it works out to 13.5% in the I.A S. against the prescribed percentage of 12½% and approximately 25% in P.C.S. against 20%.]

LIST OF I.A.S. SCHEDULED CASTE OFFICERS

Sr. No. Name and designation/place of posting.

1. Shri Joginder Singh, Finance Secretary, Chandigarh Administration, Chandigarh.
2. Shri Sada Nand, Labour Commissioner and Director of Employment, Chandigarh.
3. Shri Hari Ram, Deputy Secretary, Excise & Taxation, Chandigarh.
4. Shri C.D. Cheema, Director Local Govt. and Urban Development, Chandigarh.
5. Shri Darshan Kumar, Deputy Secretary, Revenue, Chandigarh.
6. Shri Ram Gopal, Deputy Secretary, Home, Chandigarh.
7. Shri C.L. Bains, Inquiry Officer, Vigilance, Chandigarh.
8. Shri Naranjan Singh, Sub-Divisional Officer, Anandpur Sahib.
9. Shri Surjit Singh, Assistant Commissioner (Under Training), Patiala.
11. Shri Sucha Ram Bunger, Assistant Commissioner, (Under Training), Revenue Training School, Chandigarh.

LIST OF P.C.S OFFICERS BELONGING TO SCHEDULED CASTE

1. Shri M.R. Bhagat, Land Acquisition Officer Urban Estates, Chandigarh (under orders of posting as Extra Assistant Colonization Officer, Chandigarh)
2. Shri Ripujit Sen, Under Secretary, Finance, Chandigarh.
3. Shri Dharam Rattan, Judicial Magistrate, Delhi.
4. Shri M.L. Trighatia, Deputy Director, Urban Local Bodies, Ludhiana.
5. Shri Anokh Singh, Sub-Divisional Officer, Nakodar.
6. Shri H.G. Trighatia, Land Acquisition Officer, Punjab State Electricity Board, Patiala.
7. Shri Pritam Singh, Officer on Special Duty (Welfare), Chandigarh.
8. Shri G S. Fijji, Sub-Divisional Officer, Barnala.
9. Shri M.S. Kailey, Sub-Divisional Officer, Malerkotla.
10. Shri Amrik Singh, Under Secretary, Cooperation, Chandigarh.
11. Shri K.S. Raju, Sub-Divisional Officer, Gurdaspur.
12. Shri Sher Singh Sandhu, Sub-Divisional Officer, Sangrur.
13. Shri Randhir Singh, Sub-Divisional Officer, Mansa.
14. Shri Piara Lal, District Transport Officer, Amritsar.
15. Shri Dalip Singh, Sub-Divisional Officer, Rajpura.
16. Shri Santokh Singh, Sub-Divisional Officer, Jullundur.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

17. Shri N.S. Sahota, Sub-Divisional Officer Kapurthala.
18. Shri B.R. Azad, Divisional Agricultural Production Officer, Patiala.
19. Shri Sant Singh Sadhrao, Sub-Divisional Officer, Sultanpur Lodhi.
20. Shri B.R. Gill, Military Land Acquisition Officer, Pathankot.
21. Shri R.M. Barsi, District Development & Panchayat Officer, Jullundur.
22. Shri Ram Lal, Executive Magistrate, Fazilka.
3. Shri A R. Darshi, Executive Magistrate, Moga.
24. Shri K.S. Mahi, District Transport Officer, Gurdaspur.
25. Shri Manohar Singh, Executive Magistrate, Jullundur.
26. Shri Charan Dass, General Assistant, Bhatinda.
27. Shri Gian Singh Sandhu, District Devlopment & Panchayat Officer, Bhatinda.
28. Shri Manmohan Singh, Executive Magistrate, Amritsar.
29. Miss. Ved Kumari, Executive Magistrate, Ludhiana.
30. Shri M.L. Gottra, District Transport Officer, Jullundur.
31. Shri Dyal Singh, Executive Magistrate, Patiala.

I.P.S OFFICERS IN THE STATE

*1471. (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the number of I.P S. Officers working in the State at present alongwith the number of those belonging to Scheduled Castes among them ;

(b) the names of places where each of them is posted ;

(c) the total percentage of officers belonging to Scheduled Castes out of the officers mentioned above ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਇਸ ਵੇਲੇ ਰਾਜ ਵਿੱਚ 61 ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ ਅਫਸਰ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ 7 ਅਫਸਰ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਹਨ ।

(ਬ) (1) ਸ਼੍ਰੀ ਪਰਕਾਸ਼ ਚੰਦ, ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ, ਸੁਪਰਡੈਂਟ ਪੁਲਿਸ, ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ।
(2) ਸ਼੍ਰੀ ਰਤਨ ਲਾਲ ਸਰੰਗਲ, ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ, ਸੁਪਰਡੈਂਟ ਪੁਲਿਸ, ਕਪੂਰਥਲਾ ।
(3) ਸ਼੍ਰੀ ਐਲ. ਆਰ. ਭਗਤ, ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ, ਮਾਊਂਟ ਆਬੂ ਵਿੱਚ ਸੀਨੀਅਰ ਅਫਸਰਾਂ ਦਾ ਕੋਰਸ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ।
(4) ਸ਼੍ਰੀ ਸੂਬੇ ਸਿੰਘ, ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ, ਅਡੀਸ਼ਨਲ ਐਸ. ਪੀ, ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ।
(5) ਸ਼੍ਰੀ ਬੀ. ਐਸ. ਪਵਾਰ, ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ, ਏ. ਐਸ. ਪੀ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।
(6) ਸ਼੍ਰੀ ਜੇ. ਪੀ. ਅਸਵਾਲ, ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ, ਏ. ਐਸ. ਪੀ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।
(7) ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ, ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ, ਪਰੋਬੇਸ਼ਨਰੀ ਏ. ਐਸ. ਪੀ, ਆਬੂ ਵਿੱਚ ਟਰੇਨਿੰਗ ਲੈ ਰਹੇ ਹਨ ।

(ਸੀ) 11.4%

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

REPRESENTATIONS AGAINST VICTIMISATION OF SH. WARYAM SINGH

*1475. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether any representations were submitted by Shri Ranbir Dhillon, General Secretary, Punjab Subordinate Services Federation to the Chief Minister, Punjab, in connection with victimisation of Shri Waryam Singh, City Secretary, P.S.S.F. Ludhiana, during the period from March to April, 1969 ; if so, copies of the same be laid on the Table of the House ;

(b) whether any decision has so far been taken by the Government on the representation mentioned in part (a) above ; if so, the details thereof ; if not, the time by which it is likely to be taken ;

(c) whether the Govt. have taken any decision to protect the services/interests of such employees against victimisation who bring to their notice specific instances of corruption etc ; if so, the details thereof ?

Minister for Irrigation and Power : (a) Yes. Two representations dated 10.4.69, and 12.4.69 submitted by Shri Ranbir Dhillon General, Secretary, P.S.S.F. addressed to the Chief Minister, Punjab are laid on the Table of the House.

(b) (1) Yes. Shri Waryam Singh was requested to submit affidavit vis-a-vis allegations levelled by him against the Departmental Officers so that further action is taken accordingly. But Shri Waryam Singh has not submitted the same so far.

(2) Orders have since been issued for the payment of arrears in respect of suspension period/leave salary etc ,

(3) Matter regarding regularization of absence period of 640 days is under consideration.

(c) Yes. Copy of the relevant instructions is enclosed.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ । ਸ਼੍ਰੀ ਰਣਬੀਰ ਸਿੰਘ ਢਿੱਲੋਂ ਜਨਰਲ ਸਕੱਤਰ, ਪੰਜਾਬ ਸਬਾਰਡੀਨੇਟ ਸਰਵਿਸਜ਼ ਫੈਡਰੇਸ਼ਨ ਵਲੋਂ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੂੰ 2 ਅਰਜ਼ੀਆਂ ਮਿਤੀ 8.4.69 ਅਤੇ 12.4.69 ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਈਆਂ । ਕਾਪੀਆਂ ਸਦਨ ਦੇ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ । ਸ਼੍ਰੀ ਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਮਹਿਕਮੇਂ ਦੇ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਲਾਏ ਗਏ ਦੂਸ਼ਣਾਂ ਬਾਰੇ ਆਪਣਾ ਹਲਫੀਆ ਬਿਆਨ ਦੇਵੇ ਪਰ ਉਸ ਨੇ ਹੁਣ ਤਕ ਅਜਿਹਾ ਕੋਈ ਹਲਫੀਆ ਬਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ।

2. ਮੁੱਅਤਲੀ ਦੇ ਸਮੇਂ ਲੀਵ ਸੈਲਰੀ ਦਾ ਬਕਾਇਆ ਦੇਣ ਬਾਰੇ ਹੁਕਮ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਹੋਏ ਹਨ ।

3. ਸ਼੍ਰੀ ਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ ਦੇ 640 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰੀ ਦੇ ਸਮੇਂ ਨੂੰ ਅਸਾਧਾਰਣ ਛੁੱਟੀ ਦੇਣ ਦਾ ਕੇਸ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ । ਸਬੰਧਤ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੀ ਕਾਪੀ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Representation]

To

S. Gurnam Singh,
Chief Minister,
Punjab,
Chandigarh.

Subject :— Victimisation of Shri Waryam Singh Secretary City Committee Punjab Subordinate Services Federation, Ludhiana (Clerk in the office of Executive Engineer Sidhwan Division, Irrigation Department, District Ludhiana.

Sir,

I have been directed to invite your kind attention to a case of victimisation of Shri Waryam Singh Secretary, City Committee, Punjab Subordinate Services Federa ion, Ludhiana (clerk in the office of XEN. Sidhwan Division Irrigation Department, District Ludhiana.)

In this regard it is submitted :—

(i) That Mr. Waryam Singh while posted at Harike Division Irrigation Department, pointed out the cases of corruption in 1960, 1963, and 1966-1967-68 to Vigilance Department Instead of appreciation from the Government he was transferred to Sidhwan Division Ludhiana (mid term transfer) which was stayed by the Chief Engineer, (Irrigation) on the representation of the official, but the Executive Engineer Harike Division did not comply with cancellation orders of Chief Engineer Certain false cases under section 107/151 Cr. P. C. were filed against Waryam Singh, but he was exone ated by the Honoraria Court at Patti.

(ii) That while in Sidhwan Divi ion, Ludhiana he again reported more cases of corrupt practices to Vigilance Department in 1966, 1967-68 and even affidavit was filed by the clerk in support of the allegations levelled in the complaints ; and hence the concerned officers-S D. O Sidhwan became prejudiced and vindictive and Mr. Waryam Singh was refused his pay of 6-7 months, for the period he remained under medical treatment and further instigated the XEN to take any drastic action against the clerk in future.

(iii) That the things became worst when Executive Engineer. Sidhwan Division also became a party and used his official position and pressurised Mr. Waryam Singh to withdraw the complaints lodged by Mr. Waryam Singh against Sub Divisional Officer, Sidhwan with Vigilance Deptt. When this pressure did not work, a case U/S 506 I. P C. was got registered a ainst Mr. Waryam Singh in April, 1967.

(iv) That a representation was submitted by Punjab Subordinate Services Federation to S. Gurnam Singh Chief Minister, Punjab to order an inquiry into the whole case. This was got hushed up through the influence of Shri Sukhpal Singh S P. Bhatinda (father in-law of Mr. K. S Sidhu, Executive Engineer, Sidhwan.) The request of the Federation in this regard was ignored and Mr.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Irrigation And Power]

Waryam Singh was tried in the court of law. The case is now pending in the Punjab and Haryana High Court.

(v) That Mr. Waryam Singh was harassed in the most inhuman manner, his house-holds thrown out from the house in Canal Colony, Ludhiana, refused Suspension Allowance till an affidavit was filed in the Court.

(vi) That the inquiry by the Vigilance Department is still incomplete.

The Inquiry reports into the allegations against the said XEN (Shri K.S Sidhu) have been completed by the concerned Inspectors of Vigilance Department (namely Shri Nand Lall and Shri Tirath Singh Inspector Vigilance Ludhiana) but they also seem to have been approached by the said Executive Engineer through his father in law (Sukhpal Singh) S. P. Jullundur, because on 25. 3. 69 both the above complainants (Sh. Waryam Singh and Shri Hussan Lal, contacted the said Inspectors in their offices) the Inspector concerned refused to submit the reports to the Govt. on any wrong plea which has resulted to a great resentments between us and the victim employees for the sake of justice and fairplay.

3. I have, therefore, been directed to write to your honour and remind to the representations already referred to above from serial No. 1 to 9, to your address with the request :—

1.) Director Special Inquiry Agency, Vig. Deptt. Chandigarh may please be directed to submit the inquiry reports in each case to the Govt. for taking action against the officers at fault.

II) A line in reply to the action taken in the matter will oblige.

Yours faithfully,
Sd/—
(Ranbir Dhillon)

————

To

S. Gurnam Singh,
Chief Minister, Punjab,
Chandigarh.

Subject : Expeditious Disposal of Victimisation Harassment Cases of employees referred to by the Punjab Subordinate Services Federation 1680, Sector 22-B, Chandigarh to you and other Govt. Heads of Departments.

Sir,

I take opportunity to remind you about the following cases of victimisation and harassments to the workers of Punjab Subordinate Services Federation in various offices, which have not been replied to till to-date from your office as well as from any other authorities and even not yet acknowledged from the Government.

I, therefore, request your good honour to please ensure this organisation whether the concerned Departments have been moved to order the need for the expeditious disposal of the said cases and report back to the Government to take further action :—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Punjab Digital Library

S. No.	Despatch No. date	To whom addressed	Subject
1.	1139-40/3.3.69	(i) Sh. Sohan Singh Bassi I. P. M., Punjab. (ii) Sh. Krishan Lal F. M. Chandigarh (both-being members Cabinet Sub-Committee for Govt. Employees demands)	Victimisation of Sh. Waryam Singh Secretary City Committee, PSSF Ludhiana (Clerk in Sidhwan Divn. Irr. Deptt. Ludhiana)
2.	1674/30.3.69	1. Director Special Inqu-	As above.
3.	1675/30.3.69	iry Agency Punjab (Vigilance) Deptt. 2. Chief Minister, Pb. Chandigarh.	
4.	1678/31.3.69	(i) Secretary to Irr. &	Grant of
5.	1679/31.3.69	Power Deptt. Punjab (ii) Irr & Power Minister, Punjab, Chandigarh.	Extraordinary leave to Sh. Waryam Singh Clerk, Sidhwan Divn. Ludhiana.
6.	1676/31.3.69	1. Chief Minister, Punjab 2. Director Special Inquiry Agency.	Harassment to Shri Hussan Lal Clerk during Gill Ministry.
8.	1682/4-8/4/69	(i) Chief Minister, Punjab and. (ii) Director Removal of Grievances Punjab, Chandigarh.	Victimisation of Sh. Waryam Singh Secy. PSSF City Committee Ludhiana (Clerk in Sidhwan Divn. Irr. Deptt. Ludhiana.

2. The above cases of victimisation are of very serious nature and are being hushed up by the indirect approaches of Shri Kuldip Singh Sidhu Executive Engineer, Sidhwan Division, Ludhiana in the Vigilance Department (through A- I. G. previous S. P. Shri Sukhpal Singh (father-in-law) of Shri Sidhu since 1967-68

The Federation understands that the Punjab Government stands for removing corruption and punishing the corrupt officers, but this has to be established by prompt actions. May we hope that you may very kind by actively move into the matter and save Mr. Waryam Singh from torture and harassment.

It is, therefore, submitted :—

(i) That case under section, 506/I.P.C. may by withdrawn and Mr. Waryam Singh re-instated.

(ii) That all arrears/payments be made to Mr. Waryam Singh immediately to save him from starvation.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Irrigation And Power]

(iii) That steps are taken to save Mr. Waryam Singh from victimisation/harrassment by officers.

(iv) That the inquiry against corrupt officers is got completed through Vigilance Department without any further delay.

(v) The Officers involved may be transferred to ensure impartial inquiry.

It is further submitted that representatives of Punjab Subordinate Services Federation may be taken into confidence while deciding the case of Mr. Waryam Singh.

Thanking you.

Yours faithfully.
Sd/- (Ranbir Dhillon)
General Secretary, Punjab Subordinate Services, Federation. Chandigarh.

N. B. A detailed representation of Mr. Waryam Singh is attached herewith.

Copy of letter No. 5332-ACD-56 dated 13/11/56 from the Secretary to Government, Punjab, Anti-Corruption Department, to all Heads of Departments etc.

Subject : Protection to be afforded to officials coming forward as informers or helpers in Anti-Corruption cases.

In continuation of Punjab Government letter No. 1914-ACD-56/722, dated 26.6 56 on the subject Anti-Corruption Drive. I am directed to say that inspite of clear instructions instances of victimisation of such officials as come forward with information or help in anti-corruption cases keep coming to notice. Govt take a very serious view of the matter and I am desired to emphasize that the instructions already issued to the effect that such officials should not be subjected to any sort of victimisation should be strictly followed. Any instance of victimisation should be dealt with and to adopt this principle in respect of victimisation coming to their notice.

2. In addition, Govt. consider that there is need for evolving steps to ensure that officials, informers and helpers in anticorruption cases are prominently assured of their security in service. They have accordingly decided that a register should be maintained in the Anti-Corruption Department of all such persons on a department-wise basis. Each departmental head will be informed of the names in this register relating to his department. No decision adverse in any manner to any official whose name is borne on this register should be made unless the Anti-Corruption Department have been consulted. This relates not only to decisions of a formal character, e.g. imposition of penalties under the relevant rules, termination of services under the relevant contract, non-confirmation, etc. but also to all other misc. decisions which may have an adverse effect on the career of the officials concerned.

3. Steps are being taken to open a register in the Anti-corruption Deptt. and in due course you will be sent a list of the names of officials borne on it relating to your Deptt. whenever any addition is made to this list, you willbe immediately informed. The responsibility for ensuring that

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

all cases in which adverse decisions proposed to be taken concerning these officials all in fact referred to the Anti-Corruption Deptt. will be that of the Head of Deptt. concerned.

4. I am to request that these instructions may be brought to the notice of all concerned for strict compliance.

AMOUNT PAID BY GOVERNMENT ON ACCOUNT OF SALARY, WATER CHARGES AND MEDICAL AID TO THE MINISTERS/MINISTERS OF STATE

*1480. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the amount paid by the Government on account of salary water charges and medical aid to each of the Ministers/Ministers of State of the present Government since their taking over up to date in each case ;

(b) the assessed rent of the bungalows occupied by each of the said Minister/Minister of State ?

Chief Minister : (a) & (b) The required information is laid on the Table of the House.

[(ੳ) ਤੇ (ਅ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(a) (ੳ) & ਅਤੇ (b) (ਚੀ) Statement showing the amount paid by the Government on account of salary, water charges and medical aid to each of the Ministers/Ministers of State of the present Government since their taking over, up-to-date in each case ; also the assessed rent of the Bungalows occupied by each of them ;

Sr. No.	Name & Designation	Salary (Rs.)	Medical claim (Rs.)	Period		Water charges paid up to 28.2.70 (Rs.)	Bungalow Occupied H.No./Sector No.	Assessed rent of the Bungalow
				From	To			
	Chief Minister							
1.	Sh. Gurnam Singh	18642.85	142.08	16.2.69	28.2.70	300.80	45/2	1124.00
	Ministers							
2.	Sh. Balram Dass Tandon	12428.55	101.94	-do-	-do-	471.69	43/2	1124.00
3.	Sh. Sohan Singh Bassi	12428.55	115.32	-do-	-do-	402.19	44/2	1124.00
4.	Sh. Atma Singh	12428.55	653.54	-do-	-do-	403.95	47/2	828.00
5.	Sh. Krishan Lal Ex-minister	12281.69	699.91	-do-	24.2.70 (AN)	290.30	46/2	828.00
6.	Dr. Bhagat Singh	9483.85	40.48	17.5.69	28.2.70	233.70	9/2	510.00
7.	Sh. Balwant Singh	7322.60	83.35	22.7.69	28.2.70	406.10	1014/27 A	992.00
8.	Sh. Parkash Singh Badal	7322.60	——	-do-	-do-	100.04	18/2	952.00
9.	Sh. Surjit Singh	7322.60	——	-do-	-do-	26.20	759/8 B	900.00
							32/3	828.00
							(Alloted on 7.2.70)	
10.	Sh. Manmohan Kalia	5066.67	——	29.9.69	28.2.70	——	233/16	521.00
11.	Sh. Radha Krishan	1967.74	——	2.1.70	-do-	——	7/2	510.00
	Ministers of State							
12.	Sh. Satnam Singh Bajwa	7322.60	——	22.7.69	-do-	247.20	61/28 A	929.00
13.	Sh. Mohan Singh Tur	7322.60	——	-do-	-do-	134.18	66/7 A	480.00
14.	Sh. Jagdev Singh	7322.60	246.60	-do-	-do-	231.00	10/2	510.00
15.	Sh. Ravel Singh	7322.00	——	-do-	-do-	25.74	1521/18 A	345.00
16.	Sh. Randhir Singh Cheema	7322.60	——	-do-	-do-	339.15	73/7	480.00
17.	Sh. Jiwan Singh Umranangal	7322.60	120.35	-do-	-do-	90.20	75/7	480.00

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

FUNDS OF MUNICIPAL COMMITTEE, AMRITSAR PENDING ADJUSTMENT WITH P. W. D. (PUBLIC HEALTH)

*1481. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda**: Will the Minister for Local Government be pleased to state :

(a) whether any funds of Municipal Committee, Amritsar, are pending adjustment with P. W. D. (Public Health) which were advanced to it for development schemes ; if so, how much and since when ;

(b) the reasons for not adjusting the same for such a long period ;

(c) the rate of interest for loans advanced by the Government to the Municipal Committee ?

Minister for Local Government : (a) A list of unspent balance of loan is attached at Annexure 'A'

(b) Since the works are still in progress, the question of the adjustment of deposited amounts will be taken up after the completion of the works.

(c) A list of loans with the rate of interest is attached at Annexure 'B'

[(ੲ) ਬਕਾਇਆ ਨਾ ਖ਼ਰਚ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਰਜ਼ੇ ਦੀ ਰਕਮ ਦੀ ਸੂਚੀ ਅਨੈਕਸਚਰ 'ਏ' ਤੇ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਕਿਉਂਕਿ ਕੰਮ ਹਾਲੇ ਚੱਲ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਰਕਮ ਦੀ ਐਡਜਸਟਮੈਂਟ ਦਾ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਕੰਮਾਂ ਦੇ ਖ਼ਤਮ ਹੋਣ ਤੇ ਟੇਕ ਅੱਪ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।

(ਸੀ) ਕਰਜ਼ਾ ਅਤੇ ਸੂਦ ਦੇ ਦਰ ਦੀ ਸੂਚੀ ਅਨੈਕਸਚਰ 'ਬੀ' ਤੇ ਹੈ ।]

ANNEXURE 'A'

Funds of Municipal Committee Amritsar pending adjustment with P. W. D. Public Health.

Amount deposited	Date of deposit.		Amount spent.	Balance lying unspent.
Rs.			Rs.	Rs.
3,66,415	Prior	3/65	8,06,046	(—) 1,39,631
3,00,000	,,	10/64		
6,66,415				
6,75,929	,,	3/64	8,25,143	(—) 2,10,302
4,912	,,	12/64		
34,000	,,	3/65		
7,14,841				

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Local Government]

ANNEXURE 'A' (Contd)

Amount deposited	Date of deposit.	Amount spent.	Balance lying unspent.
6,02,044	,, 3/64	7,78,688	(—) 1,76,644
3,59,723	3/64	3,42,219	17,504
1,65,277	1966	4,17,340	(—) 27,063
1,00,000	3/64		
50,000	65/66		
75,000	66/67		
3,90,277			
50,000	1/68	79,095	(—) 25,764
3,331	3/64		
53,331			
3,50,000	Prior 4/64	6,62,619	1,23,566
2,00,000	10/64		
36,185	4/69		
2,00,000			
7,86,185			
38,350	Prior 9/64	24,371	13,979
30,000	,, 4/64	21,846	8,154
30,000	,, 4/64	24,925	5,075
—	—	2,31,301]	
	—	1,24,203]	
60,000		22,097]	4,511
80,000		51,677]	
80,000		39,603]	
1,22,848		50,983]	
2,40,000		58,473] +	
5,82,848		5,78,337	
—	—	44,001	(—) 44,001
—	—	24,770	(—) 24,770
—	—	12,000	(—) 12,000
—	—	2,535	(—) 2,535
—	—	1,438	(—) 1,438
14,298	12/65	11,694	2,604
53,108	—	49,461	3,647
78,000	9/67	23,524	54,476
2,00,000	8/69	26,633	2,13,367
40,000	9/69		
2,40,000			

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ANNEXURE 'A' (Contd.)

Amount deposited	Date of deposit.	Amount spent.	Balance lying unspent.
41,812	5/67	29,560	2,52,252
2,00,000	5/69		
40,000			
2,81,812			
41,812	5/67	32,601	·9,211
30,704	4/68	36,636	(—) 5,932
—	—	36,490	(—) 36,490
—	—	35,168	(—) 35,168
25,000	2/69	80,693	19,307
75,000			
1,00,000			
G. Total : 50,93,748		50,07,833	+ 85,915

USE OF WINE IN THE STATE

*1482. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether the Government has considered the suggestion to stop the sale of wine in the State on pay days; if so, the decision, if any taken in this regard;

(b) whether the Government has taken or intends to take any action-steps to discourage the use of wine in the State; if so, the details thereof;

(c) the total quantity of wine sold in the State since 1.4.69 up to-da e ?

Minister for Excise & Taxation : (a) There has been no suggestion under the consideration of the Department to stop the sale of wine in the State on pay days.

(b) The following measures have already been taken to discourage the use of wine in the State :

(i) Reduction in the strength of country liquor from 60 degrees to 50 degrees with effect from Ist April, 1966.

(ii) Prohibition of sale of liquor at the licenced vends on Tuesday upto 2 P. M. Liquor vends also remain closed on Independence Day (15th August), Acharya Vinoba ji's Birthday (11th September) and Mahatma Gandhi Ji's Birthday (2nd October).

(iii) Prohibition of sale of liquor to the students of all ages and to other persons below the age of 21 years.

Reply to *1481 (C. W.) printed as received from the Government.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Excise & Taxation]

(iv) Prohibition of grant of licenses, for the retail vend of foreign liquor, for consumption on the premises.

(v) Prohibition of unlicensed sale of liquor at bonafide proprietory clubs.

(vi) Continued fixation of limit of retail sale and private possession of country spirit throughout the State at one reputed quart bottle of the capacity of 750 ml.

(vii) Prohibition of employment of any man under the age of 25 years or of any woman, throughout the State, on any premises, licensed for the sale of liquor or an intoxicating drug for consumption on the premises during the licensed hours.

(viii) Prohibition of the grant of license for the manufacture and sale of any liquor or intoxicating drug, except to a man not below the age of 25 years.

(ix) Prohibition of printing, publication, circulation and sale of any news-papers, book-let, leaflet, etc; containing any advertisement, commending or soliciting the use of any intoxicant and displaying of liquor in show-windows.

(x) Continued fixation of hours for the sale of liquor at licensed hotels, restaurants, bars etc. from 12.00 Noon to 2.30 P. M. and 7.00 P. M. to 11.00 P. M.

(xi) Continued suspension of licenses, for retail vend of foreign spirit, for consumption 'on' the premises in the Dak Bungalows, Railway Refreshment Rooms and Railway Dining Cars.

(xii) Every country liquor bottle bears a label with expression "Excessive use of liquor is deleterious to health"

(c) From 1.4.69 to the 31.1.1970, 68,36,378 proof litres of country spirit was lifted by the licensees for sale/consumption in the State.

[1. ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਤਨਖਾਹ ਵਾਲੇ ਦਿਨ ਸਰਾਬ ਦੀ ਫਰੋਖਤ ਬੰਦ ਕਰਨ ਬਾਬਤ ਕੋਈ ਸੁਝਾਵ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

2. ਰਾਜ ਵਿੱਚ ਸ਼ਰਾਬ ਦੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰਨ ਲਈ ਹੇਠਾਂ ਲਿਖੇ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ :

1. ਸ਼ਰਾਬ ਦੀ ਡਿਗਰੀ 60 ਤੋਂ ਘਟਾ ਕੇ 50 ਡਿਗਰੀ 1 ਅਪਰੈਲ, 1966 ਤੋਂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ।

2. ਲਸੰਸ ਸ਼ੁਦਾ ਠੇਕਿਆਂ ਤੇ ਮੰਗਲਵਾਰ ਨੂੰ 2 ਵਜੇ ਬਾਅਦ ਦੁਪਹਿਰ ਤੱਕ ਸ਼ਰਾਬ ਵੇਚਣ ਦੀ ਮਨਾਹੀ ਅਤੇ ਸ਼ਰਾਬ ਦੀਆਂ ਦੁਕਾਨਾਂ ਆਜ਼ਾਦੀ ਵਾਲੇ ਦਿਨ ਅਤੇ ਅਚਾਰੀਆ ਵਿਨੋਭਾ ਭਾਵੇ ਅਤੇ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਦੀਆਂ ਜਨਮ ਤਿਥੀਆਂ ਤੇ ਬੰਦ ਰਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

3. ਹਰ ਉਮਰ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਅਤੇ 21 ਸਾਲ ਤੋਂ ਘੱਟ ਉਮਰ ਦੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਾਬ ਵੇਚਣ ਦੀ ਮਨਾਹੀ।

4. ਬਦੇਸ਼ੀ ਸ਼ਰਾਬ ਦੇ ਪਰਚੂਨ ਠੇਕਿਆਂ ਦੇ ਇਹਾਤੇ ਅੰਦਰ ਸ਼ਰਾਬ ਪੀਣ ਲਈ ਲਸੰਸ ਦੇਣ ਦੀ ਮਨਾਹੀ।

5. ਵਾਸਤਵਿਕ ਮਾਲਕੀ ਕਲੱਬਾਂ ਵਿੱਚ ਬਿਨਾਂ ਲਸੰਸ ਤੋਂ ਸ਼ਰਾਬ ਵੇਚਣ ਦੀ ਮਨਾਹੀ।

6. ਸਾਰੇ ਰਾਜ ਅੰਦਰ ਦੇਸੀ ਸ਼ਰਾਬ ਦੀ ਪਰਚੂਣ ਵਿਕਰੀ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਨਿੱਜੀ ਤੌਰ ਤੇ ਰੱਖਣ ਦੀ ਹੱਦ ਪਰਚੱਲਤ ਤੌਰ ਤੇ 750 ਮਿਲੀ ਲਿਟਰ ਬੋਤਲ ਹੈ।

7. ਕੋਈ ਭੀ ਵਿਅਕਤੀ ਜਿਸ ਦੀ ਉਮਰ 25 ਸਾਲ ਤੋਂ ਘੱਟ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਔਰਤ ਸ਼ਰਾਬ ਨਹੀਂ ਵੇਚ ਸਕਦੀ।

8. ਕਿਸੇ ਭੀ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਜਿਸਦੀ ਉਮਰ 25 ਸਾਲ ਤੋਂ ਘੱਟ ਹੋਵੇ ਸ਼ਰਾਬ ਬਨਾ-ਉਣ ਤੇ ਸ਼ਰਾਬ ਵੇਚਣ ਦਾ ਲਸੰਸ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ।

9. ਕਿਸੇ ਅਖ਼ਬਾਰ ਆਦਿ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦੀ ਵੀ ਨਸ਼ੇ ਵਾਲੀ ਵਸਤ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ ਜਾਂ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਦਾ ਪਰਚਾਰ ਹੋਵੇ ਨੂੰ ਛਾਪਣ ਦੀ ਮਨਾਹੀ ਹੈ।

10. ਲਸੰਸ ਸ਼ੁਦਾ ਹੋਟਲਾਂ ਰੈਸਟੋਰੈਂਟਾਂ, ਬਾਰਾਂ ਆਦਿ ਵਿੱਚ ਸ਼ਰਾਬ ਵੇਚਣ ਲਈ 12 ਵਜੇ ਦੁਪਹਿਰ ਤੋਂ 2.30 ਵਜੇ ਸ਼ਾਮ ਤੱਕ ਅਤੇ ਸ਼ਾਮ ਦੇ 7 ਵਜੇ ਤੋਂ ਰਾਤ ਦੇ 11 ਵਜੇ ਤੱਕ ਘੰਟੇ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕਰਨਾ।

11. ਡਾਕ ਬੰਗਲਿਆਂ ਦੇ ਇਹਾਤਿਆਂ, ਰੇਲਵੇ ਰੀਫਰੈਸ਼ਮੈਂਟ ਕਮਰਿਆਂ ਅਤੇ ਰੇਲਵੇ ਡਾਈਨਿੰਗਕਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਪੀਣ ਵਾਸਤੇ ਬਦੇਸ਼ੀ ਸ਼ਰਾਬ ਦੀ ਪਰਚੂਨ ਵਿਕਰੀ ਨੂੰ ਨਿਰੰਤਰ ਤੌਰ ਤੇ ਬੰਦ ਰੱਖਣਾ।

12. ਵਿਕਰੀ ਲਈ ਦੇਸੀ ਸ਼ਰਾਬ ਦੀਆਂ ਬੋਤਲਾਂ ਤੇ ਲੇਬਲ ਲਾਉਣੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੋਵੇ "ਸ਼ਰਾਬ ਦੀ ਵੱਧ ਵਰਤੋਂ ਸਿਹਤ ਲਈ ਹਾਨੀਕਾਰਕ ਹੈ"।

13. 1 ਅਪਰੈਲ 1969 ਤੋਂ 31 ਜਨਵਰੀ, 1970 ਤੱਕ ਰਾਜ ਵਿੱਚ ਸ਼ਰਾਬ ਦੀ ਵਿਕਰੀ 68, 36, 378 ਪਰੂਫ ਲਿਟਰ ਹੈ।]

GOVERNMENT SCHOOLS IN RENTED BUILDINGS IN AMRITSAR CITY.

*1491. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister for Education be pleased to :

(a) lay on the Table of the House a list of the Government Primary, Middle, High and Higher Secondary Schools, which are housed in rented buildings in Amritsar City at present;

(b) state whether the Government have taken any step or chalked out any programme to construct buildings for the said schools;

(c) state whether the Government has approached the Improvement

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Shri Gian Chand Kharbanda]

Trust, Amritsar to reserve plots in the Improvement Trust Scheme for the school buildings; if so, the result thereof;

(d) state whether there is/was any move to purchase the rented building of the Government Higher Secondary School, Mohan Singh Gate, Amritsar from its owner or to acquire the same through the Improvement Trust, Amritsar; if so, with what result;

(e) state whether it is a fact that the Government has not so far paid the price of plot which has been reserved by the Improvement Trust, Amritsar for the construction of school building Shivala Bhian Scheme ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਸੂਚੀ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਸੁਪਰੀਮ ਕੋਰਟ ਦੇ ਫ਼ੈਸਲੇ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਅਜਿਹੇ ਸਕੂਲਾਂ ਨੂੰ ਪੱਕੇ ਤੌਰ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਅਧੀਨ ਲੈਣ ਬਾਰੇ ਮਾਮਲਾ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ । ਫ਼ੈਸਲਾ ਹੋਣ ਉਪਰੰਤ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀਆਂ ਨਵੀਆਂ ਇਮਾਰਤਾਂ ਉਸਾਰਨ ਲਈ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।

(ਸੀ) ਹਾਂ ਜੀ, ਪਰੰਤੂ ਚੇਅਰਮੈਨ ਇਮਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟਰਸਟ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨੇ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਿਰਾਏ ਵਾਲੀਆਂ ਇਮਾਰਤਾਂ ਲਈ ਇਮਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟਰਸਟ ਦੀ ਸਕੀਮ ਅਧੀਨ (ਸਿਵਾਏ ਸ਼ਿਵਾਲਾ ਭਾਈਆਂ ਸਕੀਮ) ਕੋਈ ਥਾਂ ਨਹੀਂ ਜਿਹੜੀ ਅਲਾਟ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ ।

(ਡੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਈ) ਇਮਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟਰਸਟ ਨੇ 2.33 ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਸਕੂਲ ਲਈ ਰੀਜ਼ਰਵ ਰੱਖਣ ਬਾਰੇ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਸੀ ਪਰੰਤੂ ਟਰਸਟ ਵਲੋਂ ਇਸ ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ ਕੀਮਤ ਅਜੇ ਤੀਕ ਨਹੀਂ ਦੱਸੀ ਗਈ ।

ਕਰਾਏ ਵਾਲੀਆਂ ਸਰਕਾਰੀ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀਆਂ ਇਮਾਰਤਾਂ ਦੀ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸ਼ਹਿਰ ਦੀ ਸੂਚੀ

1. ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਡੈਮ ਗੰਜ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।
2. ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਮਹਾਂ ਸਿੰਘ ਗੇਟ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।
3. ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਨਵਾਂ ਕੋਟ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।
4. ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ ਚੌਕ ਪਾਸੀਆਂ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।
5. ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਚੌਕ ਬਾਬਾ ਸਾਹਿਬ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।
6. ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਜੋੜਾ ਪਿਪਲ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।
7. ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਬਜ਼ਾਰ ਮਾਈ ਸੇਵਾਂ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।
8. ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਦਾਲ ਮੰਡੀ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।
9. ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਬਾਗ ਚੰਡਾ ਸਿੰਘ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।
10. ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਕਟੜਾ ਖਜ਼ਾਨਾ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।
11. ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਸ਼ਰੀਫ਼ਪੁਰਾ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।
12. ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਕਟੜਾ ਪਰਜਾ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

13. ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਗੁਰੂ ਮਹਿਲ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ।
14. ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਬੇਰੀ ਗੇਟ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ।
15. ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਕਟੜਾ ਦੁੱਲੋ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ।
16. ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਸੈਂਟਰਲ ਵਰਕਸ਼ਾਪ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ।
17. ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਸ਼ਰੀਫਪੁਰਾ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ।
18. ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਸਰਕੁਲਰ ਰੋਡ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ।
19. ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਇਸਲਾਮਾਬਾਦ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ।

PERSONS ARRESTED ON CHARGES OF EVE TEASING ETC.

* 495. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the total number of persons in Amritsar city against whom action has been taken by the Police authority on charges of eve teasing, insulting, cutting indecent jokes and shouting after the girls during the period from 1.4.69 todate;

(b) the total number of persons arrested in connection with the said incidents as also of those who were convicted during the said period;

(c) whether any special steps have been taken or are proposed to be taken by the Government to save the girls, specially the girl students travelling in local buses while coming or going to educational institutions, from the mischief mongers who indulge in such ugly actions; if so, the details thereof and the result, if any achieved ?

Chief Minister : (a) Sixty-eight.

(b) Out of the 68 arrested persons, 15 have been convicted and cases against the remaining persons are pending in court.

(c) Following steps have been taken to curb this menace :

(1) A special staff under the supervision of a gazetted officer is deputed in plain clothes in various local buses for ensuring safety of girl students coming from or going to educational institutions.

(2) A flying squad has also been deputed with Government vehicle for checking this evil from morning till 10 P. M. and to patrol strategic points.

(3) Plain clothes police is posted at important crossings in the city.

[(ੳ) 68.

(ਅ) 68 ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤੇ ਗਏ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਵਿਚੋਂ 15 ਨੂੰ ਸਜ਼ਾ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਕੀਆਂ ਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਮੁਕਦਮੇਂ ਅਦਾਲਤ ਵਿੱਚ ਜ਼ੇਰ ਸਮਾਇਤ ਹਨ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

(ਝ) ਇਸ ਬੁਰਾਈ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਨਿਮਨ ਲਿਖਤ ਉਪਾ ਕੀਤੇ ਗਏ :—

1. ਇਕ ਗਜ਼ਟਿਡ ਅਫ਼ਸਰ ਦੇ ਅਧੀਨ ਇਕ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਟਾਫ਼ ਚਿੱਟੇ ਕਪੜਿਆਂ ਵਿੱਚ ਲੋਕਲ ਬੱਸਾਂ ਵਿੱਚ ਸਿਖਿਆ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਨੂੰ ਆਉਣ ਜਾਣ ਵਾਲੀਆਂ ਲੜਕੀਆਂ ਦੇ ਬਚਾਉ ਲਈ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

2. ਇਕ ਫਲਾਇੰਗ ਸੁਕਾਏਡ ਇਕ ਸਰਕਾਰੀ ਮੋਟਰ ਨਾਲ ਇਸ ਬੁਰਾਈ ਨੂੰ ਚੈਕ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਸਵੇਰ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ 10 ਵਜੇ ਰਾਤ ਤੱਕ ਖ਼ਾਸ ਟਿਕਾਣਿਆਂ ਤੇ ਗਸ਼ਤ ਕਰਨ ਲਈ ਸਥਾਪਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

3. ਸ਼ਹਿਰ ਵਿੱਚ ਖ਼ਾਸ ਖ਼ਾਸ ਚੌਕਾਂ ਤੇ ਪੁਲਿਸ ਚਿੱਟੇ ਕਪੜਿਆਂ ਵਿੱਚ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।]

FORENOON SHOWS IN CINEMA HALLS.

*1507 (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether the Government are aware of the fact that the educationists and the parents of students are much perturbed over the holding of forenoon shows by the Cinema Houses;

(b) whether the Government have any p oposal under its consideration to ban forenoon shows in the Cinemas in the State ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਹਾਂ ਜੀ । ਪੰਜਾਬ ਸਿਨਮਾਂਜ਼ (ਰੈਗੂਲੇਸ਼ਨ) ਰੂਲਜ਼ 1952 ਦੇ ਰੂਲ 94 ਵਿੱਚ ਸੋਧ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਦੇ ਰਾਹੀਂ 18 ਸਾਲ ਤੋਂ ਘੱਟ ਉਮਰ ਦੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ 3 ਵਜੇ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦੇ ਸਿਨਮਾਂ ਸ਼ੋਅ ਵੇਖਣ ਦੀ ਮਨਾਹੀ ਹੈ । ਇਹ ਸੋਧ ਸਿਖਿਆ ਵਿਦਵਾਨ ਅਤੇ ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਸਲਾਹ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

PUNJABI-SPEAKING VILLAGES CLAIMED FROM HARYANA AND HIMACHAL PRADESH

*1508. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Chief Minister be pleased to lay on the Table of the House a list of "over a thousand Punjabi speaking villages" which (according to a folder entitled ' Let the facts Speak-Implications of the Chandigarh Decision" published recently by the Public Relations Department, Punjab) the State Government has claimed on linguistic basis, both from the present Haryana and Himachal Pradesh States ?

Chief Minister : The details of Punjabi-speaking villages left over in Haryana and Himachal Pradesh are being worked out and a list of such villages has not yet been finalised.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਪੰਜਾਬੀ ਬੋਲੀ ਵਾਲੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਜਿਹੜੇ ਹਰਿਆਣਾ ਅਤੇ ਹਿਮਾਚਲ ਵਿੱਚ ਰਹਿ ਗਏ ਹਨ, ਦੀ ਪੜਚੋਲ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਅਜੇ ਤੱਕ ਅਜੇਹੀ ਸੂਚੀ ਨੂੰ ਅੰਤਮ ਰੂਪ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ।]

INTEREST ON LOAN ADVANCED FOR HORTICULTURE AND INDUSTRIAL PURPOSES.

*1512. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the rate of interest on loans advanced to the persons engaged in horticulture is 7½% where as it is 3½% in the case of those engaged in industries; if so, the reasons for this discrimination;

(b) whether Government propose to bring at par the rate of interest in both the cases ?

Minister for Agriculture : (a) No. The rate of interest on loans advanced to the Horticulturists and Industrialists is 6% per annum. There is no disparity in the rate of interest on both the sets of loans only the industrial loans are subsidized by the Government of India and thus the rate of interest is reduced by the element of subsidy-similar subsidy of interest in the case of Horticulture loan is not available in Punjab or any other State).

(b) In view of (a) above question does not arise.

[(ੳ) ਨਹੀਂ ਜੀ । ਬਾਗਬਾਨਾਂ ਅਤੇ ਉਦਯੋਗਪਤੀਆਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਕਰਜ਼ੇ ਦਾ ਸੂਦ ਦਰ 6% ਸਾਲਾਨਾ ਹੈ । ਦੋਨੋਂ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੇ ਕਰਜ਼ਿਆਂ ਦੇ ਸੂਦ ਦੀ ਦਰ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਫ਼ਰਕ ਨਹੀਂ ਹੈ (ਉਦਯੋਗ ਲਈ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਕਰਜ਼ਿਆਂ ਤੇ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਉਪਦਾਨ ਦਿੰਦੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਸੂਦ ਦੀ ਦਰ ਉਸ ਉਪਦਾਨ ਜਿੰਨੀ ਘੱਟ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਪਰੰਤੂ ਬਾਗਬਾਨੀ ਲਈ ਕਰਜ਼ੇ ਤੇ ਇਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦਾ ਕੋਈ ਉਪਦਾਨ ਨਾ ਤੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਰਾਜ ਵਿੱਚ) ।

(ਅ) ਉਪਰੋਕਤ 'ੳ' ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਇਸ ਦਾ ਸੁਆਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

SEED FARM RUN BY BLOCK SAMITI MUKERIAN, DISTRICT HOSHIARPUR.

*1515. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Block Samiti, Mukerian, district Hoshiarpur is running a seed farm of about 50 acres for the last few years;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether the said farm is running at profit or loss stating the extent of profit or loss;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chaudhri Kewal Krishan]

(c) the details of income and expenditure on the said farm for the last five years be laid on the Table of the House ?

Minister for Development & Animal Husbandry : (a) No.

(b & c) The questions only arise if 'a' is in the affirmative.

[(ੳ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਅ ਤੇ ੲ) ਇਹ ਸਵਾਲ ਕੇਵਲ ਤਾਂ ਹੀ ਉਠਦਾ ਹੈ ਜੇ 'ੳ' ਦਾ ਉੱਤਰ ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਹੋਵੇ।

ANOMALIES IN PAY COMMISSION'S REPORT

*1516 (C.U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Finance be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the report of the Pay Commission contains many anomalies and a Committee consisting of Senior Officers has been set up to remove them ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether the said Committee has submitted any report ; if so, a copy thereof be placed on the Table of the House ;

(c) the extent to which the recommendations of the said Committee have been implemented together with the time by which the remaining recommendations will be implemented :

(d) the reasons for appointing only senior officers and not associating any representatives of Class II, III and IV employees with the said Committee ?

Minister for Finance : (a) A Committee of Senior Officers has been set up to go into the alleged anomalies in the pay scales as enforced in pursuance of the recommendations of the Pay Commission.

(b) The Committee submitted a part-report regarding common categories of employees, Engineering Service, Dy S.P. and P. C. S. (both Executive and Judicial branches). It is, however, not in the public interest to disclose the contents of the report.

(c) The recommendations of the Committee were considered at Government level and orders have since issued with regard to common categories of Peons, Chowkidars, Sweepers, Malis, Jamadars, Daftris, other Class IV employees, Clerks, Stenotypists, Junior Scale Stenographers, A-grade office Assistants, Senior Scale Stenographers Deputy Superintendents 'A'-grade offices, Personal Assistants, Private Secretaries to Ministers, A—grade office Superintendents, Assistant Secretaries to Govt. and Secretaries to Ministers, Assistant Section Officers, Head Assistant B-grade offices, Engineering Service, Dy. S.P. and P. C S. (both Executive and Judicial branches). The remaining recommendations of the

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Senior Officers' Committee are under consideration of the Cabinet Sub-Committee/Cabin t and will be finalised as early as possible.

(d) Representatives of each category of employees are given a personal hearing by the Cabinet Sub-Committee wherever such a request has been made, after their representations have been processed by the Senior Officers' Committee.

CONSTRUCTION OF CERTAIN ROADS IN DISTRICT SANGRUR

*1524. (C. U.) **Giani Kundan Singh Patang** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) the reasons for which the approved road from village Katron to Village Manal, district Sangrur, has not so far been constructed and is still under construction for a number of years whereas earth work thereon has been done a number of times;

(b) the time by which link road of village Nat, district Sangrur, connecting Sangrur Barnala road is likely to be constructed ?

Minister for Irrigation & Power : (a) This road is not included under any scheme so far and as such cannot be constructed.

(b) There is no such proposal at present.

[(ੲ) ਇਹ ਸੜਕ ਅਜੇ ਤੱਕ ਕਿਸੇ ਸਕੀਮ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਬਣਾਈ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦੀ ।

(ਬੀ) ਹਾਲ ਦੀ ਘੜੀ ਐਸੀ ਕੋਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ ।]

CONSTRUCTION OF A ROAD IN SANGRUR DISTRICT

*1525. (C. U.) **Giani Kundan Singh Patang** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the time by which the road passing through villages Daryapur, Ahmedpur and Ghuner crossing Kanganwala bridge to Mandi Ahmedgarh, District Sangrur, is likely to be constructed ?

Minister for Irrigation & Power : This road is likely to be completed during the IV Plan period depending upon the availability of funds and timely completion of earthwork by the villagers.

[ਇਹ ਸੜਕ ਚੌਥੀ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲੈਨ ਵਿੱਚ ਪੂਰੀ ਹੋ ਜਾਣ ਦੀ ਆਸ ਹੈ । ਫਿਰ ਵੀ ਇਹ ਫੰਡਜ਼ (funds) ਦੀ ਪਰਾਪਤੀ ਅਤੇ ਪਿੰਡ ਵਾਲਿਆਂ ਵਲੋਂ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਮਿੱਟੀ ਪਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

CLOSURE OF UPPER BARI DOAB CANAL

*1530. (C. U.) **Comrade Darshan Singh Jhabal** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether the Government received any application on 5th January, 1970 stating that U. B. D. C., Amritsar has constantly remained closed;

(b) the extent of loss suffered by the affected farmers as a result of the closure of the said canal;

(c) whether the Government propose to exempt the affected farmers from the payment of Abiana for the period the canal remained closed ?

Minister for Irrigation & Power : (a) No, an application dated 5.1.70 was, however, received by S. E., U. B. D. C. Circle through the Deputy Commissioner, Amritsar,

(b) Nil.

(c) No, the question does not arise.

[(ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ, ਪਰ ਇਕ ਅਰਜ਼ੀ ਮਿਤੀ 5.1.70 ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਰਾਹੀਂ ਨਿਗਰਾਨ ਇੰਜੀਨੀਅਰ, ਅੱਪਰ ਬਾਰੀ ਦੁਆਬਾ ਸਰਕਲ, ਪਾਸ ਪੁੱਜੀ ਸੀ ।

(ਬੀ) ਕੋਈ ਨਹੀਂ ।

(ਸੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ, ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

ELECTRIFICATION OF CERTAIN VILLAGES IN DISTRICT AMRITSAR

*1531. (C. U.) **Comrade Darshan Singh Jhabal** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the villages Basarke, Daliri, Dall, Wan, Chak Dode, tehsil Patti, district Amritsar situated on Pakistan Border have not been electrified so far;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the steps if any taken by the Government to get the villages electrified and also to give tubewell connections there ?

Minister for Irrigation and Power : (a) Yes.

(b) Efforts are being made to electrify these villages on Sale of Power basis. At Present, the estimate on Sale of Power basis is not justified because sufficient number of applications justifying estimate has not so far been received from these villages.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਅ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ (ਸੇਲ ਆਫ਼ ਪਾਵਰ) ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਬਿਜਲੀ ਦੇਣ ਦੇ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਹੁਣ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਵਿੱਚ ਜਦੋਂ ਕਿ ਬਹੁਤ ਥੋੜ੍ਹੀਆਂ ਅਰਜ਼ੀਆਂ ਬਿਜਲੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਆਈਆਂ ਹਨ, ਐਸਟੀਮੇਟ ਵਿੱਤੀ ਤੌਰ ਤੇ ਉਚਿਤ ਨਹੀਂ ਹਨ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

VOCATIONAL GUIDANCE UNIT FOR IMPROVING THE RELATIONS BETWEEN LABOURERS AND EMPLOYERS.

*1542. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Finance be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Government has set up a Vocational Guidance Unit for improving the relations between labourers and employers and safeguarding the interests of the labour; if so, the composition of the said unit, the names of the members thereof alongwith the powers enjoyed by them;

(b) the nature of the working of the said Unit and the amount of money being spent by the Government thereon together with the names of places where the said unit is working ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਤੇ (ਬੀ) ਕਿਰਤੀਆਂ ਅਤੇ ਨਿਯੋਜਕਾਂ ਵਿਚਕਾਰ ਸਬੰਧ ਚੰਗੇਰੇ ਕਰਨ ਅਤੇ ਕਿਰਤੀਆਂ ਦੇ ਹਿੱਤਾਂ ਦੀ ਰੱਖਿਆ ਕਰਨ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਿਸੇ ਕਿੱਤਾ-ਸੂਚਨਾ-ਯੂਨਿਟ ਦੀ ਸਥਾਪਨਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਹੈ।

COMPLAINTS AGAINST SHRI SAWAN MAL, PATWARI OF KANDI AREA SANSARPUR, DASUYA BLOCK.

*1543. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Revenue and Rehabilitation be pleased to state :

a) whether it is a fact that some complaints on corruption charges were made against Shri Sawan Mal, Patwari of Kandi Area Sansarpur, Dasuya Block i. e. one by Shri Gurdas Ram s/o Shri Sunder, a resident of Sansarpur, working as a Teacher in the Public School, Bhangala, Block Mukerian on 21.1.70 and 28.1.70 to the Deputy Commissioner Hoshiarpur and Public Grievances Officer Hoshiarpur respectively and the other on 28.1.70, under the signatures and thumb impression of twenty eminent persons;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the action if any, taken thereon so far; if no action has been taken the reasons therefor ?

Minister for Revenue & Rehabilitation : (a) Yes.

(b) Complaints are being enquired into.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ।
(ਅ) ਸ਼ਕਾਇਤਾਂ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।]

AUDIT REPORT OF SUPER BAZAR COOPERATIVE STORES, LUDHIANA.

*1544. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether it is a fact that according to the audit report regarding the Ludhiana Super Bazar Cooperative Stores, loss of lacs of

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chaudhri Kewal Krishan]

rupees has come to light;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, a copy of the audit report showing the details of loan and the steps proposed to be taken by the Government to avoid further losses be laid on the Table of the House ?

Minister for Cooperation & Civil Aviation : Yes, Sir.

(b) Copy of the audit report, being voluminous, cannot be laid on the Table of the House. However relevant extract of the audit report as well as information about the steps proposed to be taken to avoid losses is placed on the Table of the House as Annexure I and II.

[(ੲ) ਜੀ ਹਾਂ ।

ਆਡਿਟ ਰਪੋਟ ਦੀ ਕਾਪੀ ਬਹੁਤ ਵੱਡੀ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਨਹੀਂ ਰੱਖੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ।

(ਸੀ) ਪਰੰਤੂ ਆਡਿਟ ਰਿਪੋਰਟ ਦੇ ਸਬੰਧਤ ਹਿੱਸੇ ਦੀ ਕਾਪੀ ਅਤੇ ਸਟੋਰ ਵਿੱਚ ਘਾਟੇ ਰੋਕਣ ਲਈ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਯਤਨਾਂ ਸਬੰਧੀ ਸੂਚਨਾ ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਅਨੈਕਸ਼ਚਰ 1, 2, ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿੱਚ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।]

ANNEXURE I.

EXTRACT FROM AUDIT REPORT

1. Stock inventory stands inflated to the tune of Rs. 128402.85P.
2. Audit fee Rs. 15,000/-for the period ending 30.6.1969 has not been provided.
3. Bonus to staff for the period ending 30.6.1969 (approximately which might amount to Rs. 11,000/- being the minimum as per provisions of section 10 of Bonus Act) has not been provided.
4. Rent for super market premises (approximately which might come to Rs. 18,000/- the minimum as provided in the year 1966-67) has not been provided.
5. Rs. 1548.12 P. sugar surcharge for the period ending 30th June, 1969 has not been provided.
6. Rs. 202.00 sugar subsidy has been shown recoverable in excess.
7. Rs. 1,655.84 amount of sales tax was short provided for the quarter ending 30th June, 1969 which is evident from the payment made afterwards.
8. Depreciation on articles of equipment, furniture and fixture etc., was short; provided to the tune of Rs. 14, 737.97.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

9. Cycle stand lease amount relating to the year 1969-70, 1970-71 amounting to Rs. 7,875.00 has been taken in the profit and loss account of this year.

10. Rs. 2,568.00 has been taken on income side in the profit and loss of this year under the dividend received by debiting dividend recoverable unauthoritatively.

11. Necessary provisions on different accounts were not made as on 30th June, 1969 and these were found charged to the next year i. e. Rs. 11,719.86

12. Rs. 51,773.38 were charged to previous year profits.

13. Goods in transit account shows difference of Rs. 55,598.60 as per list of pending P. Rs./G. Rs. supplied and General Ledger balance.

14. Non-booking or wrong booking of above noted entries/obligations tend to convert the losses of the Store into profits.

ANNEXURE II.

Steps propo ed to be taken to avoid losses in the Ludhiana Central Coop. Consumers Store.

(1) Increase in the sales which will ultimately increase the income of the Store.

(2) Economy in expenditure.

(3) Pushing up sales of such commodities which have higher margin of profits.

(4) Strengthening of the funds of the Store.

ਅਨੈਕਸਚਰ II.

(ਲੁਧਿਆਣਾ ਕੇਂਦਰੀ ਖਪਤਕਾਰ ਹੋਲਸੇਲ ਸਟੋਰ ਵਿਚ ਘਾਟੇ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਬਾਰੇ ਜਿਹੜੇ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ।

(1) ਸਟੋਰ ਦੀ ਸੇਲ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣਾ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਆਮਦਨੀ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨਾ ।

(2) ਸਟੋਰ ਦੇ ਖਰਚੇ ਵਿਚ ਕਮੀ ਕਰਨੀ ।

(3) ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਸਤੂਆਂ ਦੀ ਸੇਲ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣਾ ਜਿਹੜੀਆਂ ਵੱਧ ਲਾਭਦਾਇਕ ਹਨ ।

(4) ਫੰਡਾਂ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨਾ ।

HOISTING OF NATIONAL FLAGS ON GOVERNMENT BUILDINGS

*1551.(C,U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether any action has been taken against any of the Government departments, Government Educational Institutions and

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Shri Gian Chand Kharbanda]

Local Bodies in the State which did not hoist the National Flag on their office buildings on the Republic Day this year according to the instructions already issued by the Government on this subject; if so, the list of offices against whom action has been taken for defiance of these instructions; be laid on the Table of the House;

(b) Whether there are any such cases in which action has not been taken yet; if so, the details thereof ?

Chief Minister :

(a) & (b) No instance has come to the notice of Government in which any Government Department, Government Educational Institution or Local Body in the State might not have unfurled the National Flag on the Republic Day this year. As such, the question of taking any action in this behalf does not arise.

[(ੳ) ਅਤੇ (ਅ) ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਐਸਾ ਕੇਸ ਨਹੀਂ ਆਇਆ ਜਿਸ ਅਨੁਸਾਰ ਕਿਸੇ ਸਰਕਾਰੀ ਵਿਭਾਗ, ਸਰਕਾਰੀ ਸਿਖਿਆ ਸੰਸਥਾ ਜਾਂ ਲੋਕਲ ਬਾਡੀ ਨੇ ਇਸ ਸਾਲ ਗਣਰਾਜ ਦਿਵਸ ਤੇ ਕੌਮੀ ਝੰਡਾ ਨਾ ਲਹਿਰਾਇਆ ਹੋਵੇ । ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

TIME LIMIT FOR DISPOSAL OF ELECTION PETITIONS FILED AGAINST THE ELECTION OF MUNICIPAL COMMISSIONERS.

*1552. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister for Local Government be pleased to state whether there are any specific instructions issued by the Government laying down the time limit within which elections petition filed against the election of Municipal Commissioners in the State are to be decided; if so, the details thereof ?

Minister for Local Government :

(i) Yes.

(ii) Copies of instructions are placed on the Table of the House.

[(i) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ii) ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੀਆਂ ਕਾਪੀਆਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਟੇਬਲ ਤੇ ਰਖੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ।]

Copy of memo No. 5990-4CIII-64/33072 dated the 9th August, 1964, from the Secretary to Government, Punjab, Local Government Department, to the Commissioners of Divisions, Ambala, Jullundur and Patiala, and All the Deputy Commissioners in the State and All Sub-Divisional Officers (Civil).

Subject : Report of findings of Election Commissions appointed under rule 58 of the Punjab Municipal Election Rules, 1952.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1. Cases have come to the notice of Government in which the Election Commission appointed by Government u/s 247 of the Punjab Municipal Act, 1911, readwith rule 58 of the Punjab Municipal Election Rules, 1952, to hold an enquiry into a municipal election, inordinately delayed the submission of its report of findings of the appropriate authority u/s 254 of the Punjab Municipal Act, 1911. Government have taken a serious view of such delays which tend to frustrate the purpose of an election petition.

2. To obviate such delays they have decided that the Election Commission should submit its report to the appropriate authority within six months of its appointment. For good and sufficient reasons Government may, on application by the Commission, extend this time limit.

These instructions shall be brought to the notice of the Election Commissions appointed from time to time for compliance.

ਵਲੋਂ

ਸਕੱਤਰ, ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ,
ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ, ਵਿਭਾਗ ।

ਸੇਵਾ ਵਿਖੇ

ਸਮੂਹ ਪੰਜਾਬ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ।
ਯਾ: ਪ: ਨੰ: 5176-3 ਡ.ਸ.ਸ.-70/
ਮਿਤੀ.

ਵਿਸ਼ਾ :- ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨਾਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ।

ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ (ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ ਵਿਭਾਗ) ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਯਾਦ ਪੱਤਰ ਨੰ: 5990-4 ਸੀ-III-64/33072 ਮਿਤੀ 9.8.64 ਰਾਹੀਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ, ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹਰ ਇਕ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨੂੰ ਉਸ ਦੀ ਨਿਯੁਕਤੀ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ ਛੇ ਮਹੀਨੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨ ਵਿਚ ਲਗਾਏ ਗਏ ਦੋਸ਼ਾਂ ਤੇ ਇਨਕੁਆਰੀ ਰਿਪੋਰਟ ਭੇਜਣੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ਅੱਛੇ ਖਾਸੇ ਕਾਰਨਾ ਕਰਕੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਦਰਖਾਸਤ ਦੇਣ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਮਿਆਦ ਨੂੰ ਵਧਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਵੇਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੀ ਇੰਨ ਬਿੰਨ ਪਾਲਣਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ । ਆਪ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਵਾਈ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਕਮਿਸ਼ਨਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਿਰਧਾਰਤ ਸਮਾਂ ਬਿਤਾ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮਿਆਦ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਦੇਰੀ ਦਾ ਜਵਾਬ ਮੰਗਿਆ ਜਾਵੇ ।

2. ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਕਮਿਸ਼ਨਾਂ ਨੂੰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨਾਂ ਇਕ ਸਾਲ ਤੋਂ ਪੈਂਡਿੰਗ ਪਈਆਂ ਹਨ, ਰਿਪੋਰਟ ਭੇਜਣ ਲਈ ਹੋਰ ਸਮਾਂ ਵਧਾਉਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ ਅਗੋਂ ਵਾਸਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕੇਸਾਂ ਵਿਚ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਦੇਰੀ ਦੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Local Govt.]
ਕਾਰਨ ਹੋਣ, ਮਿਥੇ ਹੋਏ ਸਮੇਂ (ਛੇ ਮਹੀਨੇ) ਤੋਂ ਤਿੰਨ ਮਹੀਨੇ ਤੋਂ ਮਿਆਦ ਜਿਆਦਾ ਨਹੀਂ ਵਧਾਈ ਜਾਵੇਗੀ ।

3. ਇਹ ਵੀ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਆਇਆ ਹੈ ਕਿ ਕਮਿਸ਼ਨਾਂ ਵਲੋਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਰਿਪੋਰਟ ਦੇਰ ਨਾਲ ਭੇਜਣ ਦਾ ਇਕ ਕਾਰਨ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਇਸ ਸਮੇਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਬਦਲੀਆਂ ਹੋ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ, ਰਿਪੋਰਟ ਨੂੰ ਨਿਰੰਤਰਤਾ (Continuity) ਅਤੇ ਜਲਦੀ ਭੇਜਣ ਦੇ ਹਿੱਤ ਵਿੱਚ, ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਅਫ਼ਸਰ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਉਹ ਅਫ਼ਸਰ ਆਪਣੀ ਬਦਲੀ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ, ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਕਰੇਗਾ ।

ਸਹਾਇਕ ਸਕੱਤਰ,
ਵਾਸਤੇ ਸਕੱਤਰ, ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ,
ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ, ਵਿਭਾਗ ।

POSTS OF ASSISTANTS/HEAD CLERKS IN THE LABOUR DEPARTMENT

*1556. (C. U.) **Sardar Gurbanta Singh :** Will the Minister for Finance be pleased to state :

(a) the total number of vacancies of Assistants/Head Clerks which occurred in the Labour Department on or after 1.11.66;

(b) the number of Scheduled Castes employees promoted as Assistants/Head Clerks against the reserved vacancies on or after 1.11.66;

(c) whether it is a fact that Scheduled Castes employees were promoted according to their general seniority with others and not out of turn against the reserved vacancies according to the procedure laid down by the Government;

(d) if the Scheduled Castes employees promoted as Assistants/Head Clerks according to their general seniority were not suitable at that stage for promotion against reserved vacancies, the reasons why next Scheduled Castes employees were not promoted;

(e) the number of Scheduled Castes employees to whom promotion was not given against the reserved vacancies on or after 1.11.66 ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) 18;
(ਬੀ) 5;
(ਸੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ;
(ਡੀ) ਕੋਈ ਅਜਿਹਾ ਕੇਸ ਨਹੀਂ ਹੈ;
(ਈ) ਕੋਈ ਅਜਿਹਾ ਕੇਸ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ELECTRIFICATION OF VILLAGE DHANER KHURD, DISTRICT SANGRUR

*1561 (C. U.) **Giani Kundan Singh Patang**: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :—

(a) whether he is aware of the fact that test report of village Dhaner Khurd (Daryapur) tehsil Malerkotla, district Sangrur was given about four months ago but no electric connection has been given so far;

(b) whether he is further aware of the fact that electric fittings have been completed in the houses of the residents of the said village;

(c) the time by which the electric connection will be given ?

Minister for Irrigation and Power : (a) Yes, 15 number test reports were received during October, 1969.

(b) Yes.

(c) Within a period of about two months.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ । 15 ਟੈਸਟ ਰਿਪੋਟਾਂ ਅਕਤੂਬਰ, 1969 ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਪੁੱਜੀਆਂ ਸਨ ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ੲ) ਦੋ ਮਹੀਨੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ।]

CONSTRUCTION OF THIKRIWALA HATHUR ROAD

*1562. (C. U) **Giani Kundan Singh Patang** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the time by which the road from Thikriwala to Hathur, Tehsil Barnala, District Sangrur, the foundation stone of which was laid by the Hon'ble Minister himself, is likely to be completed ?

Minister for Irrigation & Power : This link road is likely to be completed during the IVth Plan period depending upon the availability of funds and the timely completion of earthwork by the villagers.

[ਇਹ ਲਿੰਕ ਸੜਕ ਚੌਥੀ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲੈਨ ਵਿਚ ਪੂਰੀ ਹੋ ਜਾਣ ਦੀ ਆਸ ਹੈ । ਫਿਰ ਵੀ ਇਹ ਫੰਡਜ਼ (funds) ਦੀ ਪਰਾਪਤੀ ਅਤੇ ਪਿੰਡ ਵਾਲਿਆਂ ਵਲੋਂ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਮਿੱਟੀ ਪਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਹੈ ।]

BIRTH AND DEATH RATE IN PUNJAB

*1564. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :—

(a) whether it is a fact that the birth and death rate in the State is the lowest as compared with other States; if so, to what extent;

(b) the number of deaths and births in the State during the last five years, yearwise;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chaudhri Kewal Krishan]

(c) the total expenditure incurred by the Government on the Family Planning Department during the last five years, year-wise ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਉਦਯੋਗ ਅਤੇ ਸਿਹਤ : (ੳ) ਨਹੀਂ ਜੀ, ।

(ਅ) ਰਾਜ ਵਿਚ ਪਿਛਲੇ ਪੰਜ ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਹੋਈਆਂ ਪੈਦਾਇਸ਼ਾਂ ਅਤੇ ਮੌਤਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਦੀ ਸੂਚੀ ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਸਾਲ ਵਾਰ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜੀ ।

(ੲ) ਰਾਜ ਵਿਚ ਪਿਛਲੇ ਪੰਜਾਂ ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਪਰਿਵਾਰ ਨਿਯੋਜਨ ਵਿਭਾਗ ਉਤੇ ਹੋਏ ਕੁਲ ਖਰਚੇ ਦੀ ਸਾਲ ਵਾਰ ਸੂਚੀ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜੀ ।

ਪਿਛਲੇ ਪੰਜਾਂ ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਪੁਨਰਗਠਤ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਰਜਿਸਟਰ ਕੀਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਪੈਦਾਇਸ਼ ਅਤੇ ਮੌਤਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਦਰਾਂ ਸਮੇਤ ਹੇਠ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜੀ :—

ਲੜੀ ਨੰ:	ਸਾਲ	ਰਜਿਸਟਰ ਕੀਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਕੁਲ ਪੈਦਾ-ਇਸ਼ਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ	ਪੈਦਾਇਸ਼ ਦੀ ਦਰ ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ	ਰਜਿਸਟਰ ਕੀਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਕੁਲ ਮੌਤਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ	ਮੌਤਾਂ ਦੀ ਦਰ ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ
1	2	3	4	5	6
1.	1964	3,69,280	31.22%	1,26,205	10.65%
2,	1965	3,71,298	31.06%	1,11,705	9.34%
3.	1966	3,56,712	29.31%	1,16,269	9.55%
4.	1967	3,60,963	29.14%	1,02,352	8.26%
5.	1968	3,52,151	27.94%	1,02,984	8.17%

ਰਾਜ ਵਿਚ ਪਿਛਲੇ ਪੰਜਾਂ ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਪਰਿਵਾਰ ਨਿਯੋਜਨ ਦੇ ਕੰਮ ਤੇ ਕੁਲ ਖਰਚੇ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਸਾਲਵਾਰ ਹੇਠ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦਰਸਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜੀ :—

ਲੜੀ ਨੰ:	ਸਾਲ	ਖਰਚਾ (ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਿਆਂ ਵਿਚ)
1	2	3
1.	1965-66	45.67
2.	1966-67	54.84
3.	1967-68	83.60
4.	1968-69	147.00
5.	1969-70 (ਬਜਟ)	145.52

HINDI CELL SET UP IN PUNJAB CIVIL SECRETARIAT.

*1565 (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan :** Will the Chief Minister be pleased to state :—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(a) whether it is a fact that a Hindi Cell has been set up in the Punjab Civil Secretariat in order that Hindi may take the place of English.

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the number of officials working in the said cell;

(c) the nature of the work being done by them and the manner in which it is done;

(d) the date when the said cell was established together with the details of the work done so far;

(e) the number of years after which Hindi is likely to replace English ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਹਾਂ ਜੀ । ਕੇਂਦਰ ਅਤੇ ਹਿੰਦੀ ਬੋਲਦੇ ਪ੍ਰਾਂਤਾਂ ਨਾਲ ਹਿੰਦੀ ਵਿਚ ਪੱਤਰ ਵਿਹਾਰ ਕਰਨ ਲਈ ।

(ਬੀ) 13.

(ਸੀ) ਹਿੰਦੀ ਤੋਂ ਅਤੇ ਹਿੰਦੀ ਵਿਚ ਅਨੁਵਾਦ ।

(ਡੀ) ਹਿੰਦੀ ਸੈੱਲ 15.4.1968 ਤੋਂ ਕੰਮ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਹੁਣ ਤਕ ਤਕਰੀਬਨ 10383 ਪੰਨਿਆਂ ਦਾ ਅਨੁਵਾਦ ਕੀਤਾ ਜਾ ਚੁਕਾ ਹੈ ।

(ਈ) ਉਪਰ (ੲ) ਕਾਰਨ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

SETTING UP FLYING SQUAD IN THE STATE

*1566. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to set up a Flying Squad in the State to make on the spot enquiry against the officers and others with a view to eradicate corruption from the State;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the time by which the said flying squad is likely to be appointed;

(c) the manner in which it will function;

(d) the number of officials proposed to be appointed under the said squad stating their qualifications together with the powers proposed to be conferred on them ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਇਕ ਕਪਰੀਹੇਨਸਿਵ ਫਲਾਇਂਗ ਸੁਕੈਡ ਦੀ ਰਚਨਾ ਦਾ ਹੁਕਮ ਜਾਰੀ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਇਹ ਸੁਕੈਡ 1/3/70 ਤੋਂ ਹੋਂਦ ਵਿਚ ਆ ਚੁਕਾ ਹੈ । ਸੁਪਰਡੰਟ ਪੁਲਸ, ਡਿਪਟੀ ਸੁਪਰਡੰਟ ਪੁਲਸ, ਅਤੇ ਕੁਝ ਦਫ਼ਤਰੀ ਅਮਲੇ ਨੇ ਕੰਮ ਸੰਭਾਲ ਲਿਆ ਹੈ । ਬਾਕੀ ਦੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

ਅਮਲੇ ਦੀ ਨਿਯੁਕਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਇਹ ਸੁਕੈਡ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ/ਸਕੱਤਰ ਚੌਕਸੀ ਦੇ ਕੰਟਰੋਲ ਹੇਠ ਕੰਮ ਕਰੇਗਾ ।

(ਡੀ) ਨਿਮਨ ਲਿਖਤ ਆਸਾਮੀਆਂ ਦੀ ਰਚਨਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ :

(i) ਪੁਲਸ ਤੇ ਲੀਗਲ ਸੈਕਸ਼ਨ :

1 ਸੁਪਰਡੰਟ ਪੁਲਸ, 1 ਡਿਪਟੀ ਸੁਪਰਡੰਟ ਪੁਲਸ, 1 ਇਨਸਪੈਕਟਰ, 1 ਪੀ. ਆਈ., 2 ਐਸ. ਆਈ., 4 ਹੈਡਕੰਸਟੇਬਲ ਅਤੇ 18 ਕੰਸਟੇਬਲ ।

(ii) ਟੈਕਨੀਕਲ ਸਟਾਫ਼ :

1 ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਉਦਯੋਗ ਅਫਸਰ, 1 ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਖੁਰਾਕ ਤੇ ਸਪਲਾਈ ਅਫਸਰ, 1 ਸਹਾਇਕ ਰਜਿਸਟਰਾਰ, ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ, 1 ਸੈਕਸ਼ਨਲ ਅਫਸਰ ਅਤੇ 2 ਡਵੀਜ਼ਨਲ ਅਕਾਊਂਟੈਂਟਸ (ਐਸ. ਏ. ਐਸ.) ।

(iii) ਦਫਤਰੀ ਅਮਲਾ :

2 ਸਹਾਇਕ, 1 ਸਟੈਨੋਗਰਾਫਰ, 3 ਸਟੈਨੋਟਾਈਪਿਸਟ, 5 ਕਲਰਕ ਅਤੇ 4 ਸੇਵਾਦਾਰ ।

ਸਬੰਧਤ ਵਿਭਾਗਾਂ ਤੋਂ ਅਮਲੇ ਦੀ ਚੋਣ ਕਰਮਚਾਰੀ/ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੇ ਸਰਵਿਸ ਰਿਕਾਰਡ, ਤਜਰਬਾ ਨੈਕ ਨੀਤੀ, ਨਿਪੁੰਨਤਾ ਆਦਿ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।

ਇਸ ਸੁਕੈਡ ਦਾ ਅਮਲਾ ਮੌਜੂਦਾ ਕਾਨੂੰਨ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਪਰੀਵੈਨਸ਼ਨ ਆਫ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਐਕਟ, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ., ਸੀ. ਆਰ. ਪੀ. ਸੀ., ਦੂਜੇ ਸਥਾਨਿਕ ਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਾਨੂੰਨ ਅਤੇ ਸਮਰਥ ਅਧਿਕਾਰੀ ਵਲੋਂ ਬਣਾਏ/ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਨਿਯਮਾਂ/ਅਧਿ ਸੂਚਨਾ/ਹਦਾਇਤਾਂ/ਹੁਕਮਾਂ ਆਦੀ ਅਧੀਨ ਕੰਮ ਕਰੇਗਾ ।

————

QUOTA/LICENCES/LOANS GIVEN BY THE INDUSTRIES DEPARTMENT TO THE BOGUS/GHOST FIRMS.

*1569. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Industries with reference to the reply to starred question No. 911 included in the list of starred questions for 6.11.69 be pleased to lay on the table of the House a copy of the instructions of the Government of India in the light of which the findings of the enquiry were being examined.

Minister for Industries : Copies of the relevant instructions of Government of India are laid on the table of the House.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

—Confidential

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS.
GENERAL LICENSING INSTRUCTION No 32/69.

New Delhi, the 30th May, 1969.

Subject : Issue of import licences for raw materials, components and spares to small scale units engaged in priority or other industries, during April 1969—March 1970

1. Attention is invited to the policy for import of raw materials, components and spares by actual users in the small scale sector, as given in the Red Book (Vol.I) for April 1969—March 1970 period. This G. L. I. contains the procedure for dealing with import applications received from S. S. I. units during April 1969—March 1970 period.

2. These instructions will also apply to import applications received by the licensing authorities on or after 1. 4. 1969, even if the licensing period mentioned in the application is April 1968—March 1969 or an earlier one.

3. It has been laid down in G.L.I. No. 23/69 dated 16.4.1969 that in the case of units engaged in non-priority industries, which were not eligible for licences for 1968-69 as on 31.3.1969 against their applications for 1968-69 i. e. which had not utilised their previous licences upto specified extent by the said date, the applications may be switched over and treated as for 1969-70. Such applications will also be governed by the instructions in this G.L.I.

4. In the case of applications covered by paras 2 and 3 above, the licensing authorities should immediately inform the applicants concerned that the application having been received after the expiry of 1968-69, has been switched over to April 1969-March 1970.

Items to be allowed for import (both priority and and non-priority industries).

5. The Red Book (Vol. I) indicates the items licenseable to actual users, whether for a particular end-product or in general. Some of these items are permissible only on "restricted basis" as indicated against their respective items in the Red Book (Vol. I).

6. There are certain items which are licenseable to actual users for 'export production only'. These items will not be treated as permissible to actual users against import applications made under the normal A.U. Policy.

Raw materials :

7. Import licences may be issued for the items appearing in the previous licence issued to the applicant unit for raw materials and components during April 1967—March 1968 or April 1968—March 1969 period

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Industries]

or specifically recommended by the sponsoring authority, provided these items are permissible to actual users under the current import policy.

8. Among the items permitted, those which are licenseable to actual users on restricted basis, should be allowed with a face value restriction or subject to a value limit as indicated in Public Notice No. 71—T.T.C. (P.N.)/69 dated 12.5.1969.

9. In respect of each restricted item, the licensing authority should calculate the actual value upto which its import will be allowed and indicate the value against the item, in question, instead of indicating the restriction as a percentage of the total value of the licence.

10. There are certain items which are licenseable to actual users for a particular end-product. These items should be treated as non-licenseable to actual users for other end products.

Components :

11. Appendix 40 to the Red Book (Vol. I.) contains list of non-permissible components. Excepting these, the licensing authorities may allow import of components appearing in the previous licence issued to the unit or specifically recommended by the sponsoring authority.

12. If, in respect of any end-product (such as radios) the Red Book contains specific items of components permitted for import, the licensing authorities should not allow import of other components.

13. If the licensing authorities come across any item of components which are sensitive but are not included in Appendix 40 to the Red Book (Vol. I.), such case may be reported to Headquarters (by name to Shri S. R. Minocha) for further consideration.

Iron and Steel Items :

14. The import policy in respect of iron and steel items appears in appendix 41 to the Red Book (Vol. I.) Import licences may be issued for the items appearing in the previous licence issued to the unit or specifically recommended by the sponsoring authority, provided these items are permissible under the import policy. In respect of restricted items the value limits indicated in the Iron and Steel policy may be followed. Requests for import of items which are permissible subject to production of non-availability certificate may be dealt with in the manner stipulated in Appendix 41 to the Red Book (Vol. I).

15. If an applicant seeks to import an item (including a component) which does not figure in his previous licence (s) but is not banned for import under the current policy, the unit may be advised to obtain the recommendation of the sponsoring authority concerned for such item. On receipt of the recommendation, the item, in question, may be included in the licence. If it is an item licenseable on restricted basis, it should be allowed subject to the prescribed face value restriction.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Spare Parts

16. Under the current policy, the priority units have to apply separately for import of spares. Therefore, the items of spare parts, if any, figuring in an earlier import licence issued to the applicant, should not be repeated in the import licence for raw materials and components, issued to the unit during April–1969-March 1970 period. If a priority unit makes a consolidated application for raw materials, components and spares, the import licence may be issued only for raw material and components (and not for spares) and the unit may be advised to apply separately for spares in items of the import policy as given in the current Red Book (Vol. I.) and Hand Book of Rules and Procedure, 1969, if it has not already done so. The procedure for dealing with applications for spares as laid down in GLI No. 13/68 dated 19.4.1968 and No. 28/68 dated 4.6.1969, and Public Notice No. 85–ITC (PB)/68 dated 20.5.1968 as amended may be followed during 1969-70.

17. The units engaged in industries other than priority industries have to make consolidated application for raw materials, components and spares. In such cases, consolidated licences for raw materials, components and spares may be issued, but in the list of goods attached to the licence the names of the individual spare parts should not be mentioned unless it is a case of specific endorsement. The detailed instructions in regard to spare parts as given in GLI. No. 13/68 dated 19.4.1968, and No. 28/68 dated 4.6.1968 and Public Notice No 85—ITC(PB)/68 dated 20.5.1968 as amended may be followed during 1969-70

Value of licences to be issued :—

(a) **Priority Industries**

18. Units engaged in priority industries are required to make their import applications on the basis of actual consumption of imported raw materials, and components in a given period. A unit which did not apply for a licence for raw materials/components during April, 1968-March 1969, or its application made during the said period has been finally rejected, can make its first application during April, 1969, March, 1970 on the basis of consumption during a period of six months commencing from Ist October 1968 and subsequent import applications can be made on the basis of consumption after 31.3 1969 pertaining to a period not less than three months and not more than six months at a time. A unit which obtained licence (s) for raw materials/ components against its application (s) made during April 1968. March 1969 can make its import applications during April 1969-March 1970 on the basis of actual consumption in continuation of the period of consumption covered by applications made during April, 1968-March, 1969 and not more than six months. In support of consumption the unit has to produce a certificate either from a Chartered Accountant or Cost Accountant in practice) or sponsoring authority concerned, as given in paragraph 30 of the Red Book (Vol. I.)

19. At the time of initial scrutiny of the application the licensing authority should also check whether the applicant is eligible to an import

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Industries]

licence against the application in question. The condition of eligibility is that the c. i. f, value of Un-utilised licences in hand should not be more than the c. i. f. value of consumption claimed by the party, on the basis of which the import application has been made. It has already been clarified in the Red Book that the unutilised value for this purpose will be the balance value avaieable in the customs copy of the licence reduced by the amount for which firm commitments have been made by opening letters of credit. The letter of credit pertaining to the value of licence for which goods have already been cleared will not be taken into account for this purpose. For determining the unutilised value, the licensing authorities should take into account all the valid import licences in hand issued to the unit as an actual user. This will also include even the surrendered licences if their period of validity has not expired.

20. If the unutilised value is more than the value of consumption shown, the application may be rejected explaining the reasons to the party, instead of keeping it pending till the party is able to utilise the previous licences. If, later on, the party comes up with evidence of further utilisation of previous licences and becomes eligible to the licence, applied for, the application may be re-opened.

21. Where an applicant is eligible to a licence, the value of the licence will be equal to the c.i.f value of consumption of imported raw materials and components (not spare parts) as certified by a Chartered Accountant/Cost Accountant/Sponsoring Authority. It was found in 1968-69 that, in some cases, the licensing authorities, while calculating the value of licences, dedected from consumption the value of unutilised licences in hand. This is not correct. Once an applicant is eligible to the licence, the value of his licence will be equal to consumption, subject to the restrictions contained in para 23 below. (In the case of applications from units other than those engaged in the I. D. A. industries, the consumption shown will exclude items of iron and steel for which import applications are required to be made by the applicants separetely to the Iron and Steel Control licensing authorities under the policy laid down).

22. The licensing authority should accept the certification of the Chartered Accountant/Cost Accountant/Sponsoring authority in this regard. However, the particulars of the Chartered Accountant/Cost Accountant who has signed the certificate of consumption may be checked with reference to the list of Chartered Accountants/Cost Accountants, If the name of the Chartered Accountant/Cost Accountant in question, does not appear in the said list, the licence need not be held up, but, simultaneously, a reference may be made to the Indian Institute of Chartered Accountants, New Delhi, or the Institute of Cost and Works Accountants of India, Calcutta, as the case may be, bringing the matter to their notice, and requesting them to indicate whether the Chartered Accountant/Cost Accountant, in question, is authorised to do practice.

23. The consumption of imported materials may include the imported materials purchased by the party locally or from STC etc. In case, where the consumption of imported raw materials and components shown by priority unit on the basis of which import licence for April 1969-March 1970

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

is claimed, appears, on the face of it, considerably higher as compared to the six monthly licence obtained by the party in the period April 1967-March 1968, the licensing authority should bring the matter pointedly to the notice of the sponsoring authority after issuing the licence in such cases, the licensing authority should also cut down the entitlement of the applicant, so that, in no case, an applicant is able to get a licence for more than wice the value of the six monthly licenee obtained by him during April 1967-March 1968, against an application. for April 1969-March 1970 based on six months' consumption. In case, an application during 1969-70 is besed on consumption pertaining to less than six months, the value of the licence against such an application should not exceed double the value of the licence obtained by the applicant for April 1967-March 1968 adjusted to the same length of period for which consumption has been shown for obtaining the licence during 1969-70. If the applicant comes in appeal for additional value based on consumption, the matrer may be referred to the sponsoring authority for report. The views of the sponsoring authority should be intimated to the Headquarters office (Import Policy Cell-Shri S. R. Minocha) for disposal instructions.

24. A copy of the statement of consumption may also be sent to the sponsoring authority and the Central Excise authority as required in terms of paragraph 32 in Section I of the Red Book (Vol. I). The intimation and the statement consumption should be sent to the sponsoring and the Central Excise authorities under registered covers. The names of the concerned Central Excise authorities have been intimated to the licensing authorities in the Headquarters letter No. IPC (Genl. 18)/68 dated 15.6.1968.

25. The condition of eligibility referred to in paragraph 19 above will not apply to the units engaged in machine building industries, listed in paragraph 29 in section I of the current Red Book (Vol I) Also in such cases, if a unit claims a licence for a value higher than the value to which the unit is entitled under this G. L. I., it should be allowed if recommended by the sponsoring authority. The sponsoring authority, while considering such requests, should take into account the orders pending with the applicant unit for the supply of finished product.

(b) Industries other than priority industries :

26. Units engaged in industries other than priority industries have to make their import applications during April 1969-March 1970. Period after utilising the previous set of licences to the extent of 60% by actual importation, or 90% by opening letter of credit of 50% by shipment of goods. Units which did not apply for import licence for raw materials, components and spares during April 1968-March 1969 or whose applications for the said period have been rejected for some reason, can apply for import of raw materials, components and spares during April 1969-March 1970 after utilising their import licences for raw materials, components and spares issued to them for the period April 1967-March 1968 upto the specified extent.

27. Non priority units have to make consolidated applications for

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Industries]

raw materials, components and spares on annual basis and import licences to such units are also to be issued on annual basis.

28. The value of annual licences for raw materials, components and spares to be issued to non-priority units during 1969-70 will be equal to the value of import licences for raw materials, components and spares issued to the unit for the period April 1968-March 1969 or April, 1967-March 1968, as the case may be.

29. In cases where the value of previous licences issued or to be issued to a unit engaged in non-priority industry had been reduced because of conversion from one source to another as per policy, the licensing authority should calculate the unit's entitlements for April 1969-March 1970, by taking the original value of the previous licences or April 1968-March 1969 or April 1967-March 1968, as the case may be, and not the reduced value of converted licences. In cases, where the previous licence was issued for an item allowed to actual users on restricted basis and its import during the current period April 1969-March 1970 is also allowed to actual users on restricted basis, the value of the licence to be issued in such a case should be equal to the value licenced previously and not that the value of the licence is further reduced to the extent of 10% of the value of the previous licence. Where the percentage upto which the import of restricted item was allowed during the April 1968-March 1969 period, has been reduced or increased during April 1969-March 1970 period, the value of the licence to be issued for such an item for 1969-70 should be accordingly reduced/increased.

30. The procedure for verification of utilisation of previous licences will be the same as inforce during April 1967-March 1968 period as laid down in G. L. I. No. 19/67 dated 11.7 1967.

31. Units which apply for import licences for April-1969-March 1970 period, based on their previous licences for April 1967-March 1968, partially utilised but not to the specified extent or fully unutilised, the applications, in such cases, will be eligible for licences for April 1969-March 1970, provided the previous licences for April 1967-March 1968 have expired. However, a monthly statement of such cases should be sent to the Sponsoring Authority concerned with a demi-official or the head of the office, requesting him to exercise a special watch on the performancement of such units.

32. In respect of certain end-products, pack values have been prescribed for determining the import entitlement of actual users. For these end-products, the general basis of licensing for calculating value of licences will not apply. In the case of units engaged in non-priority industries, the value of licences should be determined on the basis of the prescribed pack value. If any such unit engaged in non-priority industry becomes eligible to priority treatment on the basis of its export performance, the value of the licence to be issued to the unit may be calculated on the basis of production and pack value in the same manner as actual consumption is taken for other priority units. The difference will be that while, in other cases, consumption in a given period will be the basis for determining the value

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

of licence, in these cases production in the same given period will be the basis of licensing by applying the prescribed pack value.

33. In cases where the value of a licence, determined on the basis of pack value, is reduced in the event of conversion, it will affect production which, in turn; will affect the entitlement of the unit against its subsequent application. To overcome this situation. in such cases, the value of production should be nationally enhanced for the purpose of calculating applicant's entitlement, by the same proportion by which the previous licence issued to the unit had been reduced in value on account of conversion. For example, a unit was entitled to a licence for say-Rs. 50,000/- but it received only Rs. 25,000/- as a result of conversion. Its actual production on the basis of which the next licence is claimed is-say-10,000 numbers; the production in such a case will be raised to 20,000 numbers for the purpose of applying pack value to determine the value of the next licence.

New Units.

34. New units have been defined as those which have not obtained import licences for raw materials, components and spares for the licensing periods April 1967 March 1968 and April 1968-March 1969 and which have either got the requisite machinery installed or have made firm arrangements for machinery and premises and power supply, where necessary. If a unit has obtained an allotment of imported raw materials or components through the G. T. C. or the M. M. T. C. or any other recognised agency, during any of the two licensing periods, referred to above, it will be treated as an existing unit.

35. During April 1969-March 1970, new units engaged in priority industries have to make import applications on half-yearly basis through the sponsoring authority concerned. The first application has to be made during the first half of the licensing period, i. e upto 30th September, 1969, and the second application has to be made in the second half of the licensing period i. e. upto 31st March, 1970,. The applications have to reach the sponsoring authority concerned by these dates.

36. The licensing authority should carefully note that unlike other priority units, the new units in the priority sector have to make consolidated applications for import of raw materials, components and spares during the first year. They have not to apply separately for import of spare parts during the first year. Applications for the second half year may be considered by the licensing authorities without going into consumption or utilization of the previous set of licences issued against applications for the first half of the licensing period. If the unit is a proposed one, i. e. which has no machinary installed, but has made firm arrangements for machinery and premises and power supply, where necessary, the sponsoring authority will recommend a licence against the application for the second half of the licensing period only after the unit has gone into production. In the recommendation for the licence, the sponsoring authority should specifically certify that the unit has gone into production.

37. The new units in the small scale sector engaged in non-priority industries have to make consolidated applications for raw materials,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Industries]

components and spares on annual basis, but the proposed units in this sector also have to make their applications on half-yearly basis. The second application from proposed units should be considered only after the previous licence has been utilised upto the same extent as specified for the existing units, and the sponsoring authority has specifically certified that the unit has gone into production.

38. It has been provided in paragraph 82 (2) of the Hand Book of Rules and Procedure, 1969 that if an industrial unit has not received import licences for raw materials, components and spares, or allotments of imported raw materials/components for the licensing period April-March, 68 or April-March 69, for any valid reasons, such unit may be treated as an existing unit on the recommendation of the sponsoring authority concerned. On receipt of a recommendation from the sponsoring authorities such cases may be referred by the licensing authorities to the headquarters (by name to Shri S. R. Minocha) for disposal instructions.

39. It has been clarified in Public Notice No. 78-ITC(PN)/69 dated 27.5.1969 that new units should send their applications to the licensing authorities concerned through the sponsoring authority concerned, and that they should not send advance copies of their applications to the licensing authorities. If, in spite of this, the licensing authorities receive any advance copies of applications, no action should be initiated on the same.

40. It has been noticed that, in some cases, particularly those pertaining to Iron and Steel items, the sponsoring authorities retain applications of new units with them without forwarding them to the licensing authority concerned in cases where they do not intend to recommend licences. It may, therefore, be clarified that, in all cases, the import applications should reach the licensing authority concerned, irrespective of whether the sponsoring authority recommend the grant of a licence or not. If an application is not recommended, the licensing authority will issue a rejection letter to the applicant in reply to his application.

41 The basis of licensing to new units in the small scale sector has been liberalised during the current licensing period as announced by Public Notice No. 78-ITC (PN)/69 dated 27.5.1969. Import licence may be recommended by the sponsoring authorities on the following basis :—

(i) **Priority industries.**

The value of import licences for raw materials, components and spares during April 1969-March 1970 period may be calculated in relation to the value of machinery at the percentages indicated below : –

(a)	Unit engaged in electronic components industry	70%
(b)	Units engaged in chemicals, drugs and medicines, and presticides formulations industries.	100%
(c)	Units engaged in Engineering Industries.	30%
(d)	Other priority industries.	30%

(ii) **Non-priority industries.**

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

The value of import licence for new materials, components and spares during April 1969-March 1970 period to G. S. I. units engaged in non-priority industries may be calculated at 30 per cent of the value of machinery.

(iii) The value of machinery to be taken for this purpose will be the c. i. f. value in the case of imported machinery and purchase price in the case of indigenous machinery when new.

(iv) The sponsoring authority should specifically indicate the value of machinery, in his recommendation, both in the case of priority, and non-priority units.

(v) In the case of priority units, the maximum value for which a licence may be issued on half-yearly basis, will be Rs. 50,000/-. whereas in the case of non-priority units the maximum value for which a licence will be issued on yearly basis will be Rs. 50,000/-. In both these cases, the sponsoring authority may recommend a licence for a minimum value of Rs. 10,000/- if it is satisfied that existing units of similar capacity in the same State were getting import licences for raw materials, components and spares to the same extent.

42. It has been noticed in the course of examination of applications from new units that, in some cases, members of the same family have preferred applications in the names of different units for the same end-products and claiming to have factories at the same premises. This tendency may be for the reason that the units concerned want to have an undue advantage of the concession of minimum value licences of Rs. 10,000/-. The sponsoring authorities should, therefore, carefully check such cases in order to satisfy themselves that these are genuine. If the licensing authorities also come across any such cases, they should make direct enquiries before accepting the recommendation of the sponsoring authority.

43. In view of the liberalised basis of licensing for new units durin the current period, it has been decided that in cases where a new ung applied for its first import licence during April 1968–March 1969 periodit but the licence against the said application is to be issued during April 1969, March 1970, the application, in question, may be switched over the April-1969-March 1970 and a licence may be granted on the new basis of licensing. In such a case, it is not necessary for the licensing authority to refer the application back to the sponsoring authority. The licensing authority should calculate the value of the licence on the basis of the value of machinery already indicated in the recommendation of the sponsoring authority, and the benefit of minimum value may be given only if the sponsoring authority has recommended minimum value in its original recommendation. If a unit in a priority industry comes in appeal to say that the application against which the licence has been issued was made during 1968-69 for which it is eligible to preferred sources of supply, as against non preferred sources given, the licensing authority may have no objection to issue the licence in such a case against the application in question on the previous basis of licensing as in force during 1968-69 and on previous modes of financing.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Industries]

44. In cases where a new unit has obtained its first import licence for April 1968-March 1969 period during the year 1968-69, and the licence against the second application for 1968-69 has to be issued during 1969-70 the licensing authority should consider the application on the previous basis of licensing and modes of financing as applicable to 1968-69. Such units will be treated as existing units during 1969-70.

45. All existing units (including those units which were new units in 1968-69 and have become existing units for the first time in 1969-70) will have the facility of optioning to be treated as new units for obtaining import licences for raw materials components and spares during April 1969 March 1970, if they find that it will be more advantageous to them. In such cases, licences may be issued on the recommendations of sponsoring authorities as if the units were new units.

46. If an existing unit starts a new line of production which requires machinery different from what is already in use, or which requires raw materials/components different from what are being used at present, it will be treated as a new unit for the purpose of the new end-product.

MODES OF FINANCING

47. For the purpose of determining modes of financing, the units have been divided into the following two broad categories —

(I) **Units eligible to preferred sources :**

This category will include exporting units, whether engaged in the priority or non-priority industries, whose export performance during 1968 has been adjudged 10% or more of their production under Public Notice No. 23-ITC (PN) 69 dated 29. 1.1969.

(II) **Units eligible to non preferred sources :**

This bategory will include non-exporting units whether engaged in the priority or non-priority industries, whose export performance during 1968 has been less than 10% of their production. Unit eligible to the preferred sources of supply have been duly informed by the Headquarter office (Import Policy Cell), and their names are being circulated to the licensing authorities in a separate G.L.I.

48. **Units eligible to preferred sourcas :**

(a) Unit engaged in the I. D. A, Industries may be given import licences under I. D. A. Credit and West German credit in the ratio of 2:1 If the value earmarked for West German Credit comes to a figure below the prescribed minimum value of Rs. 10,000/-, the value prescribed minimum value of Rs.10,000-, the value of the licence to be issued under West Germen Credit should be raised to Rs. 10,000/-, with corresponding reduction in the value earmarked for I. D. A. credit. On the other hand, if the total entitlement of the unit comes to less than Rs.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

10,000/- the import licence may be issued for the entire value under I. D. A. Credit.

(b) Units engaged in the non-IDA Industries may be given licences under free foreign exchange and West German Credit in the ratio of 2:1. If the value earmarked for West German credit comes to less than the prescribed minimum value of Rs. 10,000/-, the licence against West German credit may be issued for Rs. 10,000/- with corresponding reduction in the value earmarked for free foreign exchange. On the other hand, if the total entitlement of a unit comes to less than Rs. 10,000/- the import licence may be issued for the entire value against free foreign exchange. (There will be no minimum value limit for issue of licences against free foreign exchange).

(c) Licences issued to the units engaged in the D.D.A. industries under West German credit can be converted into IDA credit, if the licensce surrender his entitlement earmarked for West German credit by 50%. Similarly in the case of licences issued to the units engaged in the non-IDA industries under West German Credit, the units can get their licences converted into free foreign exchange, if they surrender their entitlements under West German credit by 50%.

49. **Units eligible to non-preferred sources :**

(a) The entitlement of a unit in this category may be divided into three equal parts, each earmarked for (i) free foreign exchange (or IDA credit in the case of IDA industries (ii) U. S. Aid, and (iii) Rupee payment Area. The import licence against U. S. Aid should issue to the applicant only if its value is not less than the prescribed min mum of Rs. 82,500/-

(b) It wil be open to an applicant to ask for a licence under U.S. Aid, against the value earmarked for rupee area, and vice versa without any cut.

(c) It will also be open to an applicant to surrender his entitlement earmarked for U. S. Aid and claim a licence against free foreign exchange for 25% thereof in value. This facility of obtaining a licence against free foreign exchange for 25% of the entitlement will also be available in respect of the value earmarked for rupee payment area.

(d) It will also be open to an applicant to ask for a licence under U. S. Aid or Rupee area against the value earmarked for free foreign exchange. In that case, the value of the licence to be issued under U. S. Aid, or Rupee Area, will be equal to twice the value earmarked for free foreign exchange.

(e) If the value of a licence to be issued against U. S. Aid comes to less than Rs. 82,500/- and the applicant still wants the goods to be imported from U. S. A. under U. S. Aid he can

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Industries]

nominate an agent or an indenting house for receiving licence on his behalf under U. S. Aid. In such cases, import licences may be given to the agents or indenting houses to enable them to pool the requirements of various applicants for importing from U, S. A. under U. S. Aid. The agent or indenting house to be nominated by the applicant for this purpose should be the one which is located within the territorial jurisdiction of the licencing authority concerned. The details of the procedure to be followed in this regard are given separately in this G. L. I.

50. If an applicant does not avail of the facility of conversion before the issue of the licence, it will be open to him to ask for conversion facilities even after the issue of the licence, but within 3 months there of as during 1968-69.

51. The modes of financing applicable to new units (including existing units opting to become new units) will be the same as for non-exporting units. They will also have the facilities of conversion as indicated above. This will apply to new units both in priority and non-priority sectors. The facility to priority new units of having licences against preferred sources of supply has been withdrawn.

Non ferrous metals.

52. The units engaged in the priority industries will be granted direct licences for non-ferrous metals however, since the import of non-ferrous metals from rupee payment area is made only through the MMTC, no direct licences will be issued to individual units for import of these items from rupee payment area. The licensing authorities should not, therefore, include, items of non-ferrous metals in the rupee licences issued to actual users. If an actual user so desires, he can obtain a release order for non-ferrous metals on MMTC in lieu of his entitlement.

53. In the case of non-priority industries, release orders will be issued on the M.M.T.C. there is no minimum value for a release order, and the parties have to get release orders for the actual entitlement due.

54. It has been represented that actual users have not been able to utilise their release orders on account of non-availability of the goods with the M M.T.C. It has, therefore, been decided that in the case of non-priority units applying for non-ferrous metals during April 1969-March 1970 period, the licensing authorities should not take into account the utilisation of the previous release orders for non-ferrous metals issued to the applicant, in determining eligibility.

55. Release orders issued for non-ferrous metals should indicate specific value limit in respect of each individual item. The actual users holding such release orders can, however get stocks of particular items from the M.M.T.C. in excess upto 10% of the value limit indicated for that item within the overall value of the release order. This facility has been given to I. T. C. Hand Book of Rules and Procedure, 1969. The sponsoring authorities while recommending import for non-ferrous metals

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

in favour of new units engaged in non-priority industries may indicate specific value in respect of each individual items of non-ferrous metals.

Clubbing of U. S. Imports through agents/indenting houses.

56. It has been stated in paragraph 49 above that an actual user having an import entitlement of less than Rs. 82,500/- under U. S. Aid can nominate an agent or an indenting house to receive an import licence on his behalf. From such units, the licensing authorities should get undertakings on plain paper that they shall receive the imported goods from the agents and use them in their factories. After obtaining the undertaking, the applicant may be informed, with reference to his import application, that he has been permitted to obtain import licence in the name of M/s.......................(name of agent/indenter) for Rs............ (amount to be given) for... ......(items) for import from U.S.A. under U.S. Aid and that the licence will be issued to the agent/indentor on production of a copy of this letter. The licensing authorities should keep copies of all such letters, duly signed by the Assistant Controller, in a separate folder in the licensing authorities section concerned which may be used for verification of genuineness of the original letters produced by the agent for obtaining the bulk licence While issuing a licence against a particular letter, an indication should be given on the copy of that letter in the folder to avoid the risk of the same copy being used again by the parties in obtaining, licences.

57. Normally, actual user would utilise the services of agents situated within the jurisdiction of the same licensing authority to facilitate verification. But if an actual user intends to employ an agent outside the jurisdiction of the same licensing authority, there may be no objection. In such cases, a copy of the letter sent to the applicant may also be endorsed to the licensing authority within whose jurisdiction the agent is situated, so that it may be possible to carry out verification.

58. On the basis of such nomination in favour of an agent indenting house, the licensing authority may issue a bulk licence in the name of an agent, on behalf øf the applicants. The licence should be issued on 'A. U.' form. A list should be attached to the licence giving the names of actual years and the value of goods to be imported against each. The following condition should be imposed on the licencees :—

> "The licence has been issued on behalf of the applicants whose names appear int he attached list. The licensee shall import the goods and distribute them to these applicants for the value indicated against each. The goods so distributed shall be subject to the usual actual user conditions."

59. The U.S. Aid entitlement for which an agent has been appointed will not be treated as an unutilised value for the purpose of determining eligibility of an actual user for his subsequent application. Once an actual user avails himself of this concession, will not be open to him later to revoke the arrangement with the agent as ask for direct licence in his own name in respect of the same U. S. Aid entitlement by process of conversion into Rupee or free Foreign exchange.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Industries]

60. The licensing authorities should adopt suitable security measures to ensure that no agent is able to get a licence fraudulently under this provision.

61. The agent/indenting house will not be required to make any formal application for licence. A written request with original copies of letters referred to in para 56 above may be entertained and the licence issued, provided the agent is not debarred or suspended from obtaining licences.

62. A facility has been provided to SSI units to pool their import requirements through State sponsored corporations, which include/STC/MMTC also. The procedure for making import applications in such cases is given in para 87 of the I. T. C. Hand Book of Rules & Procedure, 1969. The licensing authorities should carefully read the procedure and the condition to be imposed on such licences as explained in the said paragraph 87 of the I. T. C. Hand Book of Rules & Procedure, 1969.

63. In the category of non-preferred sources, were the entitlement of the applicant for import against U. S. Aid in terms of Public No. 77-ITC (PN)/69 dated 27.5.69 works out to an amount less then the prescribed minimum of Rs. 82,500/- the licensing authorities should send a letter to the applicant, informing him of his entitlements under the various modes of financing, inviting his attention to Public Notice No. 77-ITC (PW)/69 dated 27.5.1969 and asking him to indicate whether he wants to have his U. S. Aid entitlement coverted into R. P. A. and C. C. A. or he would like to avail of the facility of importing through an agent etc. in terms of Public Notice No. 77-ITC (PN)/69 dated 27.5.1969.

Pending applications to be disposed of first

64. If an actual user has made an application during April 1969-March 1970, but his application for the previous period is also pending, the licensing authority should first dispose of finally the application for the previous period, and thereafter take up the application of the unit for the period April 1969-March 1970. This is being done with a view to preventing the units from obtaining an import licence for April 1969-March 1970 period by showing that they have no un-utilised licences on hand, and thereafter obtain import licences for the earlier period. The instructions contained in GLI. No. 12/69 dated 24.2.1969 regarding issue of import licences at one time against more than one application will continue to apply.

65. Except in the case of I. D. A. industries, actual users have to make separate applications for iron and steel items and ferro-alloys to the Iron & Steel Controller for Iron and Steel authorities concerned These authorities should follow all the instructions contained in this G. L. I. as well as in other G. L. I.'s etc., except in cases where provision to the contrary exists in the import policy for Iron and Steel items or in a separate G. L. I. or Public Notice issued on the subject. For dealing with, pending applications for 1967-68 for Iron and Steel items a separate G. L. I. will issue.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

66. The instructions contained in this G. L. I. will also apply to the non SSI units looked after by the following authorities :

(i) State Directors of Industries.
(ii) State Drugs Controllers.
(iii) State Directors of Fisheries.
(iv) Executive Director, Food and Nutrition Board. Govt. of India.

Canalised items

67. The import of certain items has been formally canalised during the current period through the STC/MMTC. The names of these items appear in section IV of volume I of the current Red Book. As laid down in Public Notice No. 67-ITC/(PN)/69 dated 6.5.1969, the priority industries are required to indicate the consumption of these items separately in the statement of consumption of imported raw materials and components etc. to be furnished by them with the import applications. Similarly by them with tries have to indicate in their import applications a separate value for which they require these items within the over all value for which they are eligible import Licences in terms of the import policy in force. The licensing authority should not include these items in the licences issued either to priority or non-priority industries. If a unit is otherwise eligible to these items, a release order may be issued in its favour enabling it to obtain allotments through the STC or the MMTC as the case may be. The import entitlement of the unit should be reduced to the release order issued to it for these items. In the case of non-priority units, the release orders will be for the value indicated by the unit in terms of Public notice No. 67-ITC(PN)/69 dated 6 5.1969. In the case of priority units, the release order will be for the value of consumption for these items indicated by the unit in terms of the aforesaid Public Notice, but if a unit wishes to secure a release order for a higher value, the request may be accepted by corres-pending reduction in the value of the licence issued to the unit for the remaining raw material and components.

68. It has been provided in the current import policy that the requirements of actual users in respect of vitamins, sulpha drugs and antibiotics will normally be met by imports through S. T. C. The S. T. C. will import some of these items and distribute to actual users on the recommendation of the Drugs Controller (India), New Delhi, for which suitable arrangements will be devised by the Drugs Controller (India) in consultation with the sponsoring authorities. So far as the import licensing is concerned, the allotements of these items made to actual users through the S. T. C. will not effect the entitlement of the unit and the units would obtain these items and the licences to which they are eligible in the normal course under the import policy.

69. As regards numbering of licences and for indication of 'Priority' or non-priority and the name of the end-product on the licences, the licensing authorities should follow the instructions as indicated in the Annexure to this G. L. I.

Sd/- Chief Controller of Imports & Exports.

(Issued from file No. IPC (Genl. 66)/69)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Industries]

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY

OFFICE OF THE CHIEF EONTROLLER OF IMPORTS AND EXPOTTS,

GENERAL LICENSING INSTRUCTION No 33/69

New Delhi, the 3rd June 1969.

Subject : Issue of import licences for the raw materials components and spares to small scale units engaged in priority or other industries during April–1969-March 1970.

Attention is invited to G. L. I. No. 32/69, dated the 30th May 1969, issued on the above mentioned subject.

2. Paragraphs 43 to 46, in the said G. L. I. may be replaced by the revised paragraphs incorporated in Annexure to this G. L. I.

Sd/- R J. Rebello
Chief Controller of Imports & Exports.
(Issued under file No. I.P.C. (Gen.66)/69).

ANNEXURE TO G. L. I. No. 33/69 DATED 3.6.1969

43. In view of the liberalised basis of licensing for new units during the current period, it has been decided as under :—

(i) If a new unit in the non-priority category had applied for its annual import licence during April-68-March, 1969 period, and the unit is eligible for the licence, but the licence against the said application is to be issued during April 1969-March, 1970, the application, in question may be dealt with by adopting the basis or licensing and mode of financing as in force during April, 1968-March 1969.

(ii) If a new proposed unit in the priority category or a proposed unit in the non-priority category, had applied for its first half yearly import licence during April 1968-March, 1969 period, and the unit is eligible to the licence, but the licence against the said application is to be issued during April 1969-March, 1970, the application, in question, may be switched over to April 1969-March, 1970 and a licence may be granted on the new basis of licensing. In such case, it would not be necessary for the licensing authority to refer the application back to the sponsoring authority. The licensing authority should calculate the value of the licence on the basis of the value of machinery already indicated in the recommendations of the sponsoring authority and the benefit of minimum value mav be given only if the sponsoring authority has recommended minimum value in its original recommendations The application for the second half yearly licence in such cases will obviously be made during 1969-70 through the sponsoring authority and dealt with on the new basis of licensing and new modes of financing.

(iii) If the unit comes in appeal against the licence issued to the

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

first application by switching over vide (ii) above, and claims that the application against which the licence has been issued was made during 1968-69 for which it is eligible to preferred sources of supply, as against non-preferred sources given, the licensing authority may have no objection to issue the licence in such a case against the application in question on the previous basis of licensing as in force during 1968-69 and on previous modes of financing. The application for the second half yearly in such a case will obviously be made during 1969-70 and dealt with on the new basis of licensing and new modes of financing.

44. In cases where a new/proposed unit in the priority sector or a proposed unit in the non-priority sector has obtained its first half yearly import licence for April 1968-March, 1969 period during the year 1968-69 and the licence against the second application for 1968-69 has to be issued during 1969-70, the licencing authority should consider the application on the previous basis of licensing and modes of financing as in force during 1968-69. Such units would be treated as existing units during 1969-70.

45. All existing units (including those units which were new units in 1968-69) and have become existing units for the first time in 1969-70) will have the facility of opting to be treated as new units for obtaining import licences for raw materials components, and spares during April, 1969. March, 1970, if they find that it would be more advantageous to them. In such cases, licences may be issued on the recommendations of the sponsoring authorities as if the units were new units. However, in order that this facility is not used as a means of accumulating licences the sponsoring/licensing authorities should entertain the claims of such units to opt as new units only when the previous licences obtained by the units have been utilised to the extent of 60% by actual imports, or 70% by shipment of goods or 90% by opening letters of credit. This facility of becoming new units will not be available in respect of industries for which the creation of new units is not allowed under the Import policy for 1969-70.

46. If an existing unit starts a new line of production which requires machinery different from what is already in use, or which requires raw materials/components different from what is being used at present, it will be treated as a new unit for the purpose of the new end-product. Howevers in the latter case i. e. where the machinery used is the same, the value of the licence pertaining to the new and product should be recommended by the sponsoring authority out of the over-all value for which the unit is eligible for a licence pertaining to the existing and product with the exisling machinery. If the unit is already receiving licencing for the existing end product and the sponsoring authority is required to recommend licences pertaining to only the new and products, in such a case, the licensing authority will deduct on the recommendations of the sponsoring authority from the value of the licence issued or to be issued for the existing end product, the value recommended for the new end product on the same machinery.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Minister for Industris]

Confidential No. IPC (Gen. 156)/69/6251,

Government of India,
Ministry of Foreign Trade and Supply,
Office of the Chief Controller of Imports & Exports,
(Import Policy Cell)

New Delhi. Dated the 4th June 1969.

From

The Chief Controller of Imports & Exports

To

All Licensing/Sponsoring Authorities.

Subject :— Application for new/proposed units for import of stainless steel received during 1968-69 period.

Sir,

It has been noticed that a large number of new/proposed units have applied for import of stainless steel during 1968-69. In view of this, it is proposed to review the basis of licensing to be adopted for dealing with such applications.

2 Meanwhile it has been decided that the licensing/sponsoring authorities should take the following actions.

(a) Applications already sponsored and received by the licensing authorities should be sorted out by the licensing authoities to determine (i) the number of applications from new units in which the end product has been shown as Hospital equipment categori sed as non priority under G.L.I. No. 31/69 dated 29.5.1969. (Copy enclosed) (ii) the number of applications from new units in which the end product shown can be categori sed as priority industries under G.L.I. No. 31/69 dated 29.5 69 (iii) the number of applications for new units in which end products shown are partly categorised as priority and partly non-priority under G.L.I. 30/69 dat d. 29.5.69 (iv) number of applications from proposed units. In respect of each of these subgroups (i) to (iv), the total value recommended by the sponsoring authority may also be indicated.

(b) Applications still lying with the sponsoring authorities may be sent by them to the licensing authorities with their recommendations for licenses after strict scrutiny in terms of I&S Controller's letter dated 30.1.69. (Copy enclosed) and on the basis of categorisation of industry into priority and non-priority in terms of G. L. I. No. 31/69 dated 29.5.69. If the units is engaged both in priority and non-priority end products the total value recommended should not exceed 20 of the overall value of machinery and the benefit of minimum value should also not be given separately, for both the end products. The recommendations should be sent to the

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

licensing authorities not later than 30.6.69. Applications received by licensing authorities after 30.6.69 will not be entertained.

(c) The statistics in respect of number of applications and value pertaining to (a) above and number of applications and value separately for priority and non priority in respect of (b) above may be sent by licensing authorities to the Headquarters office (Sh. S. R. Monocha by name) so as to reach by 10.7. 1969.

3. No licence should be issued to new/proposed units till further instructions.

TERMINATION OF SERVICES OF FAMILY PLANNING FIELD WORKERS.

*1572. (C. U.) **Comrade Dana ram** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :—

(a) State whether in the month of November, 1969, the services of any Family Planning field workers were terminated by the Government or by the Director of Health Services, Punjab;

(b) State whether the services of any such field workers have been terminated by the Director of Health Services vide his letter No. E.I.V. 1.69/16843, dated 27.11.67;

(c) lay on the Table of the House a list containing the names, lengths of services, etc. of all those field workers whose services were terminated in the month of November, 1969, indicating also the reasons for this action ?

Minister for Industries & Health :

(a) Yes.

(b) Yes.

(c) List is attached.

[(ਏ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਸੀ) ਲਿਸਟ ਨਾਲ ਨਥੀ ਹੈ ।]

List of Family Planning Field Workers whose services were terminated in November, 1969.

1. **Shri Kul Bhushan Chikarsal. P. H. C. Malaud.**

He joined service as Family Planning Field worker on 27. 1. 67 (F.N) on adhoc basis. In March, 68, he was appointed on regular basis on the recommendation of the Subordinate Services Selection Board. His work and conduct was not satisfactory. Repeated warnings had no effect on his

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Industries and Health]

work and behaviour. From April 68 to July, 69 he motivated two cases as against 160 cases i.e. 10 cases per month fixed for each Family Planning Field Worker. He was also rude to his superior and was creating nuisance in the institution and spoiling other workers. During this period he got Rs. 4288/- as salary for 16 months for doing only two cases i.e. the cost of one case came to Rs. 2144/- in his case. He has no interest in Family Planning work and he claims to have some supernatural power to treat dental troubles and as such he remained busy in this occupation.

2. **Shri Parlabh Singh, P.H.C. Samrala.**

He was appointed as Family Planning Field Worker on the recommendation of Subordinate Services Selection Board on 27.11.65. He did not bring any case in July, August and September 1969. Whenever any surprise visit was made by the Chief Medical Officer or any other officer of his office, he was found absent. His work was found extremely bad and his conduct even worse. He got rude on even advice and warning. He tampered with the official record regarding motivation of Family Planning cases by him.

3. **Shri Tara Chand, P.H.C. Kum Kalan.**

He was appointed as Family Planning Field Worker on the recommendation of Subordinate Services Selection Board with effect from 18.11.65. The Chief Medical Officer undertook tour of P.H.C. Kum Kalan, where he was posted, in the month of Sept. 68. He found that Shri Tara Chand had not brought even a single case ever since his posting in that P.H.C. in May, 69. He was an absolutely bad worker and shirked work. Prior to his posting in Ludhiana Distt. he was working in Patiala Distt. where too his work was not satisfactory. He did not complete his survey and eligible couples list even after written and verbal warnings. When asked to improve his work, he tried to put off with excuses. Twice when Deputy Director MCWN visited this centre he absented himself purposely. He also told the other workers that if he can get pay without work, why cannot they do the same. He offered a special party to an official in the Directorate to get the decision in his favour after termination of his services. This fact was brought to notice by the said official of this office.

[ਫੈਮਲੀ ਪਲੈਨਿੰਗ ਫੀਲਡ ਵਰਕਰਾਂ ਦੀ ਲਿਸਟ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸੇਵਾਵਾਂ ਦੀ ਸਮਾਪਤੀ ਨਵੰਬਰ, 1969 ਵਿਚ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

(1) ਸ਼੍ਰੀ ਕੁਲ ਭੂਸ਼ਨ ਚਿਕਰਸਾਲ ਮੁਢਲਾ ਸਿਹਤ ਕੇਂਦਰ ਮਲੌਦ :

ਇਹ ਕਰਮਚਾਰੀ ਮਿਤੀ 27.1.1967 ਨੂੰ ਬਤੌਰ ਫ.ਪ.ਫ.ਵ. ਤਦਅਰਥ ਤੌਰ ਤੇ ਭਰਤੀ ਹੋਇਆ। ਮਾਰਚ, 1968 ਵਿਚ ਅਧੀਨ ਸੇਵਾਵਾਂ ਚੋਣ ਬੋਰਡ ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਨਿਯਮਿਤ ਤੌਰ ਤੇ ਨਿਯੁਕਤ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਉਸ ਦਾ ਕੰਮ ਅਤੇ ਵਿਹਾਰ ਤਸੱਲੀ ਬਖਸ਼ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਘੜੀ ਮੁੜੀ ਦੀਆਂ ਨਸੀਹਤਾਂ ਨੇ ਉਸ ਦੇ ਕੰਮ ਅਤੇ ਆਚਰਣ ਤੇ ਕੋਈ ਅਸਰ ਨਾ ਕੀਤਾ। ਅਪਰੈਲ, 1968 ਤੋਂ ਜੁਲਾਈ, 1969 ਤੀਕ ਉਸ ਨੇ ਕੇਵਲ 2 ਕੇਸ ਲਿਆਂਦੇ ਜਦੋਂ ਕਿ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਟੀਚਿਆਂ ਅਨੁਸਾਰ ਉਸ ਨੂੰ 160 ਕੇਸ ਲਿਆਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਸਨ। ਕਿਉਂ ਜੋ ਇਕ ਫ.ਪ.ਫ.ਵ. ਨੇ ਮਹੀਨੇ ਵਿਚ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ 10 ਕੇਸ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਟੀਚਿਆਂ ਅਨੁਸਾਰ ਲਿਆਉਣੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਇਹ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨਾ ਕੇਵਲ ਆਪਣੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਪ੍ਰਤਿ ਗੁਸਤਾਖ ਹੀ ਸੀ ਸਗੋਂ ਜਿਸ ਮੁਢਲਾ ਸਿਹਤ ਕੇਂਦਰ ਵਿਚ ਇਹ ਲਗਾ ਹੋਇਆ ਸੀ ਉਥੇ ਗੜਬੜੀ ਵੀ ਪੈਦਾ ਕਰਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਖਰਾਬ ਕਰਦਾ ਸੀ। ਉਪਰੋਕਤ ਸਮੇਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਵਿਚ ਉਸ ਨੂੰ 4,288/- ਰੁਪਏ ਤਨਖਾਹ ਵਜੋਂ ਦਿਤੇ ਗਏ, ਜਿਸ ਨੇ ਕੇਵਲ 2 ਹੀ ਕੇਸ ਕਰਵਾਏ, ਅਰਥਾਤ ਇਕ ਕੇਸ ਦੀ ਕੀਮਤ 2144/- ਰੁਪਏ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਪਈ । ਇਸ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੂੰ ਪਰਿਵਾਰ ਨਿਯੋਜਨ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਕੋਈ ਦਿਲਚਸਪੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਅਤੇ ਇਹ ਕਹਿੰਦਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਬਿਨਾਂ ਕਿਸੇ ਤਕਲੀਫ ਦੇ ਦੰਦ ਕੱਢਣ ਵਿਚ ਕੋਈ ਰੱਬੀ ਸ਼ੱਕਤੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਉਹ ਇਸ ਹੀ ਕੰਮ ਵਿਚ ਲਗਾ ਰਿਹਾ ।

2. ਸ੍ਰੀ ਪਰਲਾਭ ਸਿੰਘ, ਫ.ਪ.ਫ.ਵ. ਮੁੱਢਲਾ ਸੇਹਤ ਕੇਂਦਰ, ਸਮਰਾਲਾ :

ਇਹ ਕਰਮਚਾਰੀ ਅਧੀਨ ਸੇਵਾਵਾਂ ਚੋਣ ਬੋਰਡ ਦੀਆਂ ਸਫਾਰਸ਼ਾਂ ਨਾਲ ਮਿਤੀ 27.11.1965 ਨੂੰ ਨਿਯਮਿਤ ਤੌਰ ਤੇ ਬਤੌਰ ਫ.ਪ.ਫ.ਵ. ਨਿਯੁਕਤ ਹੋਇਆ । ਜੁਲਾਈ, ਅਗਸਤ ਅਤੇ ਸਤੰਬਰ, 1969 ਦੇ ਮਹੀਨਿਆਂ ਵਿਚ ਇਸ ਨੇ ਕੋਈ ਪਰਿਵਾਰ ਨਿਯੋਜਨ ਦਾ ਕੇਸ ਨਾ ਲਿਆਂਦਾ ਅਤੇ ਜਦੋਂ ਕਦੇ ਵੀ ਮੁੱਖ ਮੈਡੀਕਲ ਅਫਸਰ ਜਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦਫਤਰ ਦੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦਵਾਰਾ ਅਚਨਚੇਤ ਨਰੀਖਣ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ ਇਹ ਆਪਣੀ ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰ ਮਿਲਦਾ ਸੀ। ਇਸ ਦਾ ਕੰਮ ਅਤੇ ਵਿਹਾਰ ਬਹੁਤ ਹੀ ਭੈੜਾ ਸੀ । ਜਦੋਂ ਕਦੇ ਵੀ ਇਸ ਨੂੰ ਕੋਈ ਤਾੜਨਾ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਜਾਂ ਨਸੀਹਤ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਤਾਂ ਇਹ ਗੁਸਤਾਖ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਸੀ । ਇਸ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੇ ਜਿਹੜੇ ਕੇਸ ਪਰਿਵਾਰ ਨਿਯੋਜਨ ਦੇ ਕਰਵਾਏ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰਿਕਾਰਡ ਵਿਚ ਵੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ ਕੀਤੀ।

3. ਸ੍ਰੀ ਤਾਰਾ ਚੰਦ, ਫ.ਪ.ਫ.ਵ. ਮੁੱਢਲਾ ਸਿਹਤ ਕੇਂਦਰ, ਕੂੰਮ ਕਲਾਂ :

ਇਹ ਕਰਮਚਾਰੀ ਅਧੀਨ ਸੇਵਾਵਾਂ ਚੋਣ ਬੋਰਡ ਦੀਆਂ ਸਫਾਰਸ਼ਾਂ ਨਾਲ ਮਿਤੀ 18.11.1965 ਨੂੰ ਬਤੌਰ ਫ.ਪ.ਫ.ਵ. ਨਿਯੁਕਤ ਹੋਇਆ । ਮੁੱਖ ਮੈਡੀਕਲ ਅਫ਼ਸਰ ਨੇ ਮੁੱਢਲਾ ਸਿਹਤ ਕੇਂਦਰ, ਕੂੰਮ ਕਲਾਂ ਦਾ, ਜਿਥੇ ਕਿ ਇਹ ਉਸ ਵੇਲੇ ਨਿਯੁਕਤ ਸੀ, ਸਤੰਬਰ, 1969 ਵਿਚ ਦੌਰਾ ਕੀਤਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਵੇਖਿਆ ਕਿ ਸ੍ਰੀ ਤਾਰਾ ਚੰਦ, ਜਦੋਂ ਤੋਂ ਮੁੱਢਲਾ ਸਿਹਤ ਕੇਂਦਰ, ਕੂੰਮ ਕਲਾਂ ਵਿਖੇ ਲਗਾ ਹੈ ਅਰਥਾਤ ਮਈ, 1969 ਤੋਂ ਸਤੰਬਰ, 1969 ਤੀਕ ਕੋਈ ਪਰਿਵਾਰ ਨਿਯੋਜਨ ਦਾ ਕੇਸ ਨਹੀਂ ਲਿਆਇਆ। ਇਹ ਬਿਲਕੁਲ ਹੀ ਨਿਕੰਮਾ ਕਾਮਾ ਸੀ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਦਿਲ ਚੁਰਾਂਦਾ ਸੀ । ਜ਼ਿਲਾ ਲੁਧਿਆਣਾ ਵਿਚ ਨਿਯੁਕਤ ਹੋਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ ਜ਼ਿਲਾ ਪਟਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਿਯੁਕਤ ਸੀ. ਜਿਥੇ ਵੀ ਇਸ ਦਾ ਕੰਮ ਤਸੱਲੀ ਬਖਸ਼ ਨਹੀਂ ਸੀ । ਇਸ ਨੇ ਨਾਂ ਤਾਂ ਸਰਵੇਖਣ ਸੂਚੀਆਂ ਅਤੇ ਨਾਂ ਯੋਗ ਜੋੜਿਆਂ ਦੀਆਂ ਸੂਚੀਆਂ ਹੀ ਮੁਕੰਮਲ ਕੀਤੀਆਂ। ਇਥੇ ਤੀਕ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸੂਚੀਆਂ ਨੂੰ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਨ ਲਈ ਕਈ ਵਾਰ ਜ਼ਬਾਨੀ ਵੀ ਆਖਿਆ ਗਿਆ । ਤਾਂ ਇਹ ਬਹਾਨਾ ਬਾਜ਼ੀ ਕਰਦਾ ਰਿਹਾ । ਡਿਪਟੀ ਡਾਇਰੈਕਟਰ (ਸੰਤਾਨ ਸੰਜਮ) ਨੇ 2 ਵਾਰੀ ਇਸ ਮੁਢਲੇ ਸਿਹਤ ਕੇਂਦਰ ਦਾ ਦੌਰਾ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਇਹ ਕਰਮਚਾਰੀ ਜਾਣ ਬੁੱਝ ਕੇ ਦੋਵੇਂ ਵਾਰੀ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰ ਰਿਹਾ । ਇਸ ਨੇ ਦੂਜੇ ਕਾਮਿਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਉਕਸਾਇਆ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਆਪ ਬਿਨਾ ਕੰਮ ਕਰੇ ਹੀ ਤਨਖਾਹ ਮਿਲ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਸੇਵਾਵਾਂ ਸਮਾਪਤ ਹੋਣ ਉਪਰੰਤ ਇਸ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੇ ਆਪਣੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਫੈਸਲਾ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਇਸ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਉਦਯੋਗ ਅਤੇ ਸਿਹਤ ਮੰਤਰੀ]

ਦਫ਼ਤਰ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੂੰ ਖ਼ਾਸ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਪੇਸ਼ਕਸ਼ ਵੀ ਕੀਤੀ ਜਿਹੜੀ ਇਸ ਦਫ਼ਤਰ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੇ ਮੇਰੇ ਨਿਜੀ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੀ ।]

DISTRICT ATTORNEYS

*1577. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Chief Minister be pleased to state whether the posts of Attorneys and Assistant Attorneys have been taken out of the purview of the Public Service Commission; if so, the reasons therefor ?

Chief Minister : The posts of the District Attorneys Grade I have not been taken out of the purview of the Punjab Public Service Commission. On the analogy of the posts of certain Law Officers viz, the Advocate General, Assistant Advocate General which are outside the purview of the Public Service Commission, only the posts of Assistant District Attorney's have been taken out of the purview of the Public Service Commission.

[ਜ਼ਿਲਾ ਅਟਾਰਨੀ ਗਰੇਡ ਇਕ ਦੀਆਂ ਅਸਾਮੀਆਂ ਪੰਜਾਬ ਲੋਕ ਸੇਵਾ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰ ਖੇਤਰ ਵਿਚੋਂ ਨਹੀਂ ਕਢੀਆਂ ਗਈਆਂ । ਕੁਝ ਹੋਰ ਕਾਨੂੰਨ ਅਫਸਰਾਂ ਅਰਥਾਤ ਐਡਵੋਕੇਟ ਜਨਰਲ, ਸਹਾਇਕ ਐਡਵੋਕੇਟ ਜਨਰਲ, ਦੀਆਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਲੋਕ ਸੇਵਾ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹਨ, ਦੀ ਸਮਾਨਤਾ ਮੁਤਾਬਕ, ਕੇਵਲ ਸਹਾਇਕ ਜ਼ਿਲਾ ਅਟਾਰਨੀਆਂ ਦੀਆਂ ਅਸਾਮੀਆਂ ਨੂੰ ਹੀ ਲੋਕ ਸੇਵਾ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰ ਖੇਤਰ ਵਿਚੋਂ ਕੱਢ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ।]

PAYMENT OF STIPENDS TO THE STUDENTS BELONGING TO BACKWARD CLASSES.

*1578. (C. U.) **Giani Kundan Singh Pantang :** Will the Minister for Education be pleased to state whether the Government propose to take any steps to ensure the payment of stipends to the students belonging to the Backward Classes in the State each month regularly; if so, the details thereof ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਕੋਈ ਨਵੀਂ ਤਜਵੀਜ਼ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਵਿਦਿਅਕ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਦੇ ਮੁਖੀਆਂ ਨੂੰ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ, ਕਿ ਉਹ ਇਹਨਾਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੋਏ ਵਜ਼ੀਫ਼ੇ ਦੀ ਰਕਮ ਹਰ ਮਹੀਨੇ ਤੁਰੰਤ ਦੇਣ, ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਉਹਨਾਂ ਵਿਰੁਧ ਸਖ਼ਤ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ।

CLASSICAL/J.B.T. TEACHERS TRANSFERRED FROM ONE DISTRICT TO ANOTHER

*1581. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang :** Will the Minister for Education with reference to the reply to unstarred question No. 474 included in the list of unstarred questions for 23-2-70 be pleased to state :—

(a) whether there are any definite rules/Government instructions governing sending of Classical/J.B.T, teachers on deputation

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

from one district to another; if so, a copy of the same be laid on the the Table of the House;

(b) whether there are any rules which empower the Government to send teachers whose seniority is confined to a particular district to the districts other than their own without their consent;

(c) whether any deputation allowance is admissible to such teachers sent on deputation to districts other than there in which their seniority is fixed.

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ । ਪੰਜਾਬ ਸਿਵਲ ਸੇਵਾ ਨਿਯਮਾਵਲੀ, ਜਿਲਦ 1 ਪਾਰਟ ਦੇ ਨਿਯਮ 3.17 ਦੇ ਅਧੀਨ ਸਰਕਾਰ ਕਿਸੇ ਭੀ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੂੰ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਅਧਿਆਪਕ ਭੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ, ਇਕ ਥਾਂ ਤੋਂ ਦੂਸਰੀ ਥਾਂ ਤੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਇਕ ਮਹਿਕਮੇ ਤੋਂ ਦੂਜੇ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਭੀ ਬਦਲ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਅਜਿਹਾ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਆਧਾਰ ਤੇ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

COMPLAINT AGAINST S.D.O. (CIVIL) DHARIWAL, DISTRICT GURDASPUR.

1582. (C. U) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Local Government with reference to the reply to unstarred question No. 385 included in the list of unstarred questions for 23-2-70 be pleased to state :—

(a) the date on which the explanation of the S.D.O (Civil) Gurdaspur was called and the time limit given to him to submit his reply;

(b) whether by now the reply has been received;

(c) whether he had been asked to make good the loss suffered by the Municipal Committee, Dhariwal because of his illegal orders?

ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਮਿਤੀ 20 ਜਨਵਰੀ 1970 ਨੂੰ । ਹੁਣ ਉਪ ਮੰਡਲ ਅਫਸਰ (ਸਿਵਲ) ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਜਵਾਬ ਭੇਜਣ ਲਈ ਮਿਤੀ 20-3-1970 ਤਕ ਸਮਾਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਸੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ । ਹਾਲੀ ਇਹ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

T. A. FOR CLASS IV GOVERNMENT EMPLOYEES,

*1583. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Finance be pleased to state :

(a) whether the Class IV employees are allowed Rs. 1.50. as daily allowance while on tour irrespective of their pay while other categories of employees are allowed the said allowance according

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Satya Pal Dang]

to the basic pay drawn by them, if so, a copy of the relevant Government Notification/rule/instruction on the subject be placed on the Table of the House;

(b) whether all other Categories except class IV employees would be benefited in the rates of Daily Allowance (Travelling) due to treatment of part of Dearness Allowance as Dearness Pay, if so, the reasons why the said benefit has been denied to class IV employees;

(c) the steps, if any, taken to remove the discrimination as demanded in the strike notice served by Punjab Subordinate Services Federation ?

Finance Minister : (a) Yes, a copy of the relevant rule is laid on the Table of the House.

(b) Yes, because the Daily Allowance to class IV employees is not regulated on the basis of pay.

(c) The general question of revising the rates of Daily Allowance of all employees (including class IV) is already under examination of Government.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ । ਸਬੰਧਤ ਨਿਯਮ ਦੀ ਇੱਕ ਕਾਪੀ ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ, ਕਿਉਂਜੋ ਚੌਥੀ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਭੱਤਾ ਬੁਨਿਆਦੀ ਤਨਖਾਹ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ।

(ੲ) ਸਾਰੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ (ਚੌਥੀ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਸਮੇਤ) ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਭੱਤੇ ਦੀ ਦਰਾਂ ਨੂੰ ਸੋਧਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਪਰੀਖਿਆ ਅਧੀਨ ਹੈ ।]

Copy of rule 2.24—C of C.S.R. Volume III-Travelling Allowance Rules.

C—Daily Allowance.

		Rs.
(a)	Government servants of the 4th Grade.	1—50
(b)	Other Government Servants drawing pay	
(i)	not exceeding Rs. 100	2—00
(ii)	exceeding Rs. 100 but not exceeding Rs. 175	3—00
(iii)	exceeding Rs. 175 but not exceeding Rs. 250	3—50
(iv)	exceeding Rs. 250 but not exceeding Rs 375	5—00
(v)	exceeding Rs. 375 but not exceeding Rs. 500	6—00
(vi)	exceeding Rs. 500 but not exceeding Rs. 750	7—50
(vii)	exceeding Rs. 750 but not exceeding Rs. 1,500	9 00
(viii)	exceeding Rs. 1,500 but not exceeding Rs. 2,000	12—00
(ix)	exceeding Rs. 2,000	15—00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

STRIKE BY BEOPARIES OF MOGA MANDI, DISTRICT FEROZEPUR.

*1584. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state :

(a) whether the Government is aware of the fact that the Beoparies of Moga Mandi, district Ferozepur remained on strike during the month of February to show their resentment against the Market Committee, Moga;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the reasons for the said strike together with the details of the demands of the Beoparies;

(c) whether the Market Committee, Moga has accepted the said demands; if not, the reasons therefor together with the action proposed to be taken by the Government in connection with the said demands ?

Agriculture Minister : (a) Yes.

(b) The reason of the strike was that the Market Committee Moga decided to enforce strictly the provision of bye-law 11 (5) but the Beoparies demanded that this bye-law should not be strictly enforced.

(c) Yes. By reverting to status quo.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਅ) ਹੜਤਾਲ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਮਾਰਕਿਟ ਕਮੇਟੀ, ਮੋਗਾ ਨੇ ਮੰਡੀ ਦੇ ਡੀਲਰਾਂ ਨੂੰ ਬਾਈ ਲਾ ਨੰ: 11 (5) ਤੇ ਅਮਲ ਕਰਨ ਲਈ ਸਖ਼ਤ ਹਦਾਇਤ ਕੀਤੀ ਸੀ ਅਤੇ ਵਪਾਰੀਆਂ ਦੀ ਵੀ ਇਹ ਮੰਗ ਸੀ ਕਿ ਉਕਤ ਬਾਈ-ਲਾ ਨੂੰ ਸਖ਼ਤੀ ਨਾਲ ਲਾਗੂ ਨਾਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ।

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ । ਪਹਿਲਾਂ ਵਾਂਗ ਹੀ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ।]

PUNJAB AYURVEDIC AND UNANI BOARD.

*1585. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Government has been appointing the members of the Punjab Ayurvedic and Unani Board since its inception;

(b) whether it is also a fact that the Registrar of the said Board has also been appointed by the Government in the past;

(c) if the reply to the parts (a) and (b) above be in the affirmative, the date when the said Board was constituted for the first time, the number of times, the appointments of members of the said Board have been made so far together with the dates when the last appointments were made;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chaudhri Kewal Krishan]

(d) the date when the tenure of office of the present members of the said Board will expire;

(e) whether after the expiry of the tenure of office of the present Board, the Government propose to hold elections to constitute the Board instead of making nominations as heretofore;

(f) whether there is any proposal under the consideration of the Government to give another opportunity to the Hakims and Vaids in the State to get their names registered;

(g) whether any checking staff has been posted for checking the registered Hakims and Vaids; if not, the reasons therefor ?

ਉਦਯੋਗ ਤੇ ਸਿਹਤ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ, ਪਰ ਬਾਅਦ ਵਿੱਚ ਬੋਰਡ ਨੇ ਖਪਾ ਲਿਤਾ ਸੀ।

(ਸੀ) ਪੰਜਾਬ ਆਯੂਰਵੈਦਿਕ ਅਤੇ ਯੂਨਾਨੀ ਪ੍ਰੈਕਟੀਸ਼ਨਰਜ਼ ਐਕਟ, 1963 ਦੇ ਅਧੀਨ ਪਹਿਲਾਂ ਬੋਰਡ 2 ਮਾਰਚ, 1964 ਨੂੰ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਦੋ ਵਾਰ 2 ਮਾਰਚ, 1964 ਅਤੇ 7 ਮਾਰਚ, 1968 ਨੂੰ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ।

(ਡੀ) ਬੋਰਡ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਮਿਆਦ 19.2.70 ਨੂੰ ਖ਼ਤਮ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ ਪਰ ਕਿਉਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਆਯੂਰਵੈਦਿਕ ਅਤੇ ਯੂਨਾਨੀ ਪ੍ਰੈਕਟੀਸ਼ਨਰਜ਼, ਐਕਟ, 1963 ਦੀ ਸਾਲ 1969 ਵਿੱਚ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੰਸ਼ੋਧਨ ਅਨੁਸਾਰ ਟੈਕਨੀਕੀ ਔਕੜਾਂ ਕਾਰਨ ਚੋਣ ਰੂਲਜ਼ ਵਿੱਚ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੋਧ ਮਿਤੀ 19.2.70 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੀ, ਇਸ ਲਈ ਹਾਲ ਦੇ ਬੋਰਡ ਦੀ ਮਿਆਦ ਵਿੱਚ 1 ਸਾਲ ਦਾ ਹੋਰ ਵਾਧਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।

(ਈ) ਨਵਾਂ ਬੋਰਡ ਚੋਣ ਕਰਵਾ ਕੇ ਬਣਾਇਆ ਜਾਏਗਾ।

(ਐਫ) ਮਾਮਲਾ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ।

(ਜੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ, ਰਜਿਸਟਰਾਰ ਆਪਣੇ ਦੌਰੇ ਸਮੇਂ ਰਜਿਸਟਰਡ ਵੈਦਾਂ/ਹਕੀਮਾਂ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰਦੇ ਹਨ।

NON-EXISTENCE OF A VETERINARY HOSPITAL IN AND WITHIN A RADIUS OF 8/10 MILES OF TALWARA,

*1586. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state :

(a) whether it is a fact that there is no Veterinary Hospital in and within a radius of 8/10 miles of Talwara having a population of about thirty thousand persons and which is surrounded by the adjoining area of backward hilly area of Himachal Border;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative; the reasons therefor;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(c) whether Government intend to open a Veterinary Hospital there;

Minister for Development & Animal Husbandry : (a) There is no Veterinary Dispensary in Talwara but there is a Veterinary Hospital at Hajipur which is 8 miles from Talwara and there is a Veterinary Dispensary at Kamahi Devi, which is 10 miles from Talwara.

(b) The present need of the residents in this respect is being met by the visits of the Veterinary Surgeon Hajipur twice a month to Talwara.

(c) No. However Township authorities propose to start a Veterinary Hospital there out of their own funds. If still there is need for opening of a Veterinary Dispensary in this area Government will certainly consider the same sympathetically.

[(ੳ) ਤਲਵਾੜਾ ਵਿੱਚ ਡੰਗਰਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਡਿਸਪੈਂਸਰੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ਪ੍ਰੰਤੂ ਹਾਜੀਪੁਰ ਵਿੱਚ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਤਲਵਾੜਾ ਤੋਂ 8 ਮੀਲ ਦੇ ਫ਼ਾਸਲੇ ਤੇ ਹੈ ਇਕ ਡੰਗਰਾਂ ਦਾ ਹਸਪਤਾਲ ਹੈ ਅਤੇ ਕਮਾਹੀ ਦੇਵੀ ਪਿੰਡ ਜਿਹੜਾ ਕਿ 10 ਮੀਲ ਤੇ ਹੈ, ਵਿੱਚ ਇਕ ਡੰਗਰਾਂ ਦੀ ਡਿਸਪੈਂਸਰੀ ਹੈ ।

(ਅ) ਨਿਵਾਸੀਆਂ ਦੀ ਮੌਜੂਦਾ ਲੋੜ ਨੂੰ ਹਾਜੀਪੁਰ ਦੇ ਡੰਗਰਾਂ ਦੇ ਹਸਪਤਾਲ ਦਾ ਡਾਕਟਰ ਮਹੀਨੇ ਵਿੱਚ ਦੋ ਵਾਰੀ ਤਲਵਾੜਾ ਜਾ ਕੇ ਪੂਰਾ ਕਰਦਾ ਹੈ ।

(ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ । ਤਾਹਮ ਤਲਵਾੜਾ ਟਾਊਨਸ਼ਿਪ ਅਧਿਕਾਰੀ ਆਪਣੇ ਫੰਡਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਡੰਗਰਾਂ ਦਾ ਹਸਪਤਾਲ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ । ਜੇਕਰ ਹਾਲੇ ਵੀ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਵਿੱਚ ਡੰਗਰਾਂ ਦੀ ਡਿਸਪੈਂਨਸਰੀ ਖੋਲ੍ਹਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਉਸਨੂੰ ਹਮਦਰਦੀ ਨਾਲ ਵਿਚਾਰ ਕਰੇਗੀ ।]

I. A. S. OFFICERS SEEKING TRANSFER TO THE GOVERNMENT OF INDIA

*1587. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether it is a fact that some I. A. S. officers in the S ate have put in a request to him for their transfer to the Government of India; if so, the reasons therefor ;

(b) the names of the officers mentioned in part (a) above ?

Chief Minister : (a) & (b). 5 officers, namely Sarvshri P. H. Vaishnav, R. C. Kapila, R. P. Ojha, J. D. Khanna and J. P. Gupta have expressed their willingness for being considered for appointment at the Centre against the quota in the I. A. S. Cadre for such appointments.

[(ੳ) ਅਤੇ (ਅ) 5 ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਨੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਸਰਵਸ਼੍ਰੀ ਪੀ. ਐਚ. ਵੈਸ਼ਨਵ, ਆਰ. ਸੀ.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(Chief Minister)

ਕਪਿਲਾ, ਆਰ. ਪੀ. ਓਝਾ, ਜੇ. ਡੀ. ਖੰਨਾ ਅਤੇ ਜੇ. ਪੀ. ਗੁਪਤਾ ਹਨ, ਨੇ ਆਈ. ਏ. ਐਸ. ਕਾਡਰ ਦੇ ਨੀਅਤ ਕੋਟੇ ਵਿੱਚ ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਵਿੱਚ ਲਗਣ ਲਈ ਇੱਛਾ ਪ੍ਰਗਟ ਕੀਤੀ ਹੈ।]

CONSTRUCTION OF CERTAIN LINK ROADS IN DISTRICT SANGRUR

*1595. (C. U.) **Giani Kundan Singh Patang** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) the time by which the link road connecting village Kakarhwal (district Sangrur) with village Pedhani Kalan about two miles in length is likely to be constructed for which the amount of Rs. 90 thousand had been deposited since 1967 ;

(b) whether the link road from Dhuri-Mulowal road (district Sangrur) upto village Hasanpur about one mile in length on which earth work has already been completed is proposed to be constructed; if so, when ?

Irrigation & Power Minister : (a) This road is not included in the approved road construction programme.

(b) No, as it is not included under any scheme.

[(ਏ) ਇਹ ਸੜਕ ਅਜੇ ਤੱਕ ਇਸੇ ਸਕੀਮ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਨਹੀਂ ਹੈ :

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਇਸੇ ਸਕੀਮ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ।]

ORDER PLACED BY THE STATE ELECTRICITY BOARD FOR PCC POLES.

*1601. (C. U.) **Comrade Dana Ram** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether any order for the purchase of PCC Poles was given by the Punjab State Electricity Board to any firm of Chandigarh during the period from 1st June to 30th June, 1969;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative the approximate amount for which the order was placed and the name of the firm with which it was placed;

(c) whether before placing the afore-mentioned order, tenders/quotations were invited; if not, the reasons therefor;

(d) whether the firm referred to in part (b) above itself manufactures the material for PCC Poles for which the order was placed with it;

(e) the names and addresses of the Directors of the firm, mentioned in part (b), if known to the Government ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Irrigation & Power Minister : (a) Yes.

(b) Rs. 1,39,20,000 with M/s Bharat Spun Pipes and Tile Company, 2, Industrial Area, Chandigarh.

(c) Yes, tenders were invited.

(d) Yes.

(e) The names and addresses of the Directors are not known.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਅ) 1,39,20,000 ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਦਾ ਆਰਡਰ ਮੈਸਰਜ਼ ਭਾਰਤ ਸਪਨ ਪਾਈਪਸ ਅਤੇ ਟਾਈਲ ਕੰਪਨੀ, 2, ਇੰਡਸਟਰੀਅਲ ਏਰੀਆ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ।

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ, ਟੈਂਡਰ ਸਦੇ ਗਏ ਸਨ ।

(ਸ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਹ) ਡਾਇਰੈਕਟਰਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਅਤੇ ਪਤੇ ਮਾਲੂਮ ਨਹੀਂ ਹਨ ।]

DISTRIBUTION OF EVACUEE/SURPLUS LAND TO THE HARIJANS

*1618. (C. U.) **Shri Sardari Lal Kapur** : Will the Minister for Revenue & Rehabilitation be pleased to state :

(a) the area of land, both evacuee and surplus, that was available in the State of Punjab in 1966 67 for distribution;

(b) whether it is a fact that Government had decided to distribute these lands to the Harijans after having got them vacated from those who were in possession thereof after 1966; if so, the area of land so far distributed to Harijans out of the land mentioned in part (a) above ?

Chief Minister : (a) Surplus rural evacuee lands measuring 37,268 standard acres cultivated, 48,836 acres Banjar and 81,493 acres Ghair Mumkin were available on the 31st March, 1967. As regards surplus area, the requisite information is being collected and will be furnished separately.

(b) No. The First United Front Government had, however, decided in July, 1967 that surplus rural evacuee Banjar and cultivable lands be sold to landless Scheduled Caste tillers by way of allotment by lottery system at the rate of 5 standard acres or 10 ordinary acres, whichever is less, inclusive of their own holdings, if any. Before this decision could be implemented, the Janta Party Government came into power. That Government reversed this decision and decided that these lands be disposed of by auctions restricted to the members of Scheduled Castes. Before this decision could be implemented, it was again reviewed by the Second United Front Government and the decision taken by the Janta

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

Party Government was affirmed with the modifications mentioned below :—

(i) A Rai Sikh, who is an unauthorised occupant of any surplus evacuee area and is head of the family, can bid for that area alongwith members of Scheduled Castes.

(ii) An auction purchaser can purchase area to the extent of five standard acres or ten ordinary acres, including his own holding.

(iii) The question of transferring Ghairmumkin evacuee lands to the Forest Department for afforestation will be decided separately in the light of the data which is being collected.

The extant decision is now in the process of implementation.

As regards surplus area, the requisite information is being collected and will be furnished separately.

[(ੲ) 31 ਮਾਰਚ, 1967 ਨੂੰ 37,268 ਸਟੈਂਡਰਡ ਏਕੜ ਕਾਸ਼ਤਾ, 48,836 ਏਕੜ ਬੰਜਰ ਅਤੇ 81,493 ਏਕੜ ਗੈਰ-ਮੁਮਕਿਨ ਵਾਧੂ ਪੇਂਡੂ ਨਿਕਾਸੀ ਭੋਂ ਮਿਲਣਯੋਗ ਸੀ। ਜਿਥੋਂ ਤੀਕ ਵਾਧੂ (ਅਰਥਾਤ ਸਰਪਲਸ) ਏਰੀਏ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ, ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਵੱਖਰੀ ਭੇਜੀ ਜਾਵੇਗੀ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ। ਪਰ ਜੁਲਾਈ, 1967 ਵਿੱਚ ਪਹਿਲੀ ਫਰੰਟ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਹ ਫ਼ੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਕਿ ਵਾਧੂ ਬੰਜਰ ਅਤੇ ਕਾਸ਼ਤਾ ਪੇਂਡੂ ਨਿਕਾਸੀ ਭੋਂ ਭੂਮੀ ਹੀਨ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਵਾਹਕਾਂ ਨੂੰ 5 ਸਟੈਂਡਰਡ ਏਕੜ ਜਾਂ 10 ਸਾਧਾਰਣ ਏਕੜ, ਜੋ ਭੀ ਘੱਟ ਹੋਵੇ, ਆਪਣੀ ਮਾਲਕੀ ਸਮੇਤ, ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਹੋਵੇ, ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਲਾਟਰੀ ਦੇ ਤਰੀਕੇ ਰਾਹੀਂ ਵੇਚ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਿ ਇਸ ਫ਼ੈਸਲੇ ਤੇ ਅਮਲਦਰਾਮਦ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ, ਜਨਤਾ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਤਾਕਤ ਵਿੱਚ ਆ ਗਈ। ਉਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਫ਼ੈਸਲੇ ਨੂੰ ਉਲਟ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਇਹ ਫ਼ੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਕਿ ਅਜੇਹੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਵਿੱਚ ਸੀਮਿਤ ਬੋਲੀ ਰਾਹੀਂ ਨਿਪਟਾਈਆਂ ਜਾਣ। ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਿ ਇਸ ਫ਼ੈਸਲੇ ਨੂੰ ਭੀ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ, ਦੂਜੀ ਸਾਂਝਾ ਮੋਰਚਾ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਤੇ ਦੋਬਾਰਾ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਜਨਤਾ ਪਾਰਟੀ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਕੀਤੇ ਗਏ ਫ਼ੈਸਲੇ ਵਿੱਚ ਨਿਮਨ ਅਨੁਸਾਰ ਸੋਧ ਕਰ ਦਿੱਤੀ :—

(i) ਕੋਈ ਰਾਏ ਸਿੱਖ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਵਾਧੂ ਨਿਕਾਸੀ ਭੋਂ ਦਾ ਅਣਅਧਿਕਾਰਤ ਕਬਜ਼ੇਦਾਰ ਹੈ ਅਤੇ ਪਰਿਵਾਰ ਦਾ ਮੁਖਿਆ ਹੈ, ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨਾਲ ਉਸ ਰਕਬੇ ਲਈ ਬੋਲੀ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ।

(ii) ਇੱਕ ਖਰੀਦਾਰ 5 ਸਟੈਂਡਰਡ ਏਕੜ ਜਾਂ 10 ਸਾਧਾਰਣ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਆਪਣੀ ਜ਼ਮੀਨ ਸਮੇਤ, ਤੀਕ ਖ਼ਰੀਦ ਸਕਦਾ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(iii) ਜਿਥੇ ਤੱਕ ਗੈਰਮੁਮਕਿਨ ਨਿਕਾਸੀ ਤੋਂ ਜੰਗਲਾਤ ਵਿਭਾਗ ਨੂੰ ਜੰਗਲ ਲਗਾਉਣ ਲਈ ਟ੍ਰਾਂਸਫਰ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ, ਇਸ ਦਾ ਫ਼ੈਸਲਾ ਸਰਕਾਰ ਉਸ ਡਾਟੇ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਕਰੇਗੀ ਜੋ ਹੁਣ ਇਕੱਠਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਉਪਰੋਕਤ ਫ਼ੈਸਲੇ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਜਿਥੋਂ ਤੱਕ ਸਰਪਲਸ ਏਰੀਏ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ, ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਠੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਵੱਖਰੀ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।]

———

CASES OF FOOD ADULTERATION ETC. DETECTED BY THE HEALTH DEPARTMENT.

*1619. (C. U.) **Shri Sardari Lal Kapur** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state the total number of cases of adulteration of food articles etc. detected by the Health Department, district-wise, in the State during the year 1968-69 together with the action taken in connection therewith and the results ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਨਥੀ ਵਿਵਰਣ 'ੳ' ਵਿੱਚ ਦਰਜ ਹੈ ਜੀ।

ਵਿਵਰਣ 'ੳ'

ਸਾਲ 1968-69 ਵਿਚ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਫੂਡ ਦੇ ਮਿਲਾਵਟ ਵਾਲੇ ਕੇਸ ਫੜੇ ਗਏ :—

ਲੜੀ ਨੰ:	ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ	ਜਿੰਨੇ ਕੇਸ 1968-69 ਵਿਚ ਮਿਲਾਵਟ ਵਾਲੇ ਫੜੇ।	ਮੁਕਦਮੇ ਕੀਤੇ	ਡਿਸਚਾਰਜ	ਸਜ਼ਾ ਹੋਈ	ਬਾਕੀ	ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਬਕਾਇਆ	ਕੇਸ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਲੋਕ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਕ ਨਾਲ ਪੱਤਰ ਵਿਹਾਰ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	323	323	—	47	12	264	
2.	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	126	126	2	10	4	110	
3.	ਕਪੂਰਥਲਾ	88	88	—	45	41	2	
4.	ਰੋਪੜ	511	211	—	137	11	63	300
5.	ਲੁਧਿਆਣਾ	334	334	220	40	74	—	
6.	ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	128	128	—	40	24	64	
7.	ਪਟਿਆਲਾ	190	190	—	133	12	45	
8.	ਜਲੰਧਰ	227	204	—	36	25	143	23
9.	ਬਠਿੰਡਾ	185	67	—	28	17	22	118
10.	ਸੰਗਰੂਰ	259	65	—	60	5	—	194
11.	ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	709	709	—	50	619	40	—
	ਕੁਲ ਜੋੜ	3080	2445	222	626	844	753	635

———

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

PLYING LOCAL BUS BETWEEN MANDI RAMPURA AND BALLIANWALI DISTRICT BHATINDA

*1620 (C. U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether the Panchayats of Villages Mandi Kalan, Inarde, Chalke, Bhundar, Bikh, Raman was and Ballianwali in district Bhatinda have requested to the Government for Department plying local bus between Mandi Raipura Ballianwali;

(b) whether it is a fact that the Deputy Commissioner Bhatinda as well as some Ministers have also recommended the same in order to redress the grievance of the public; if so, the datails of the steps taken in this direction and the time by which the local bus is expected to be started ?

Chief Minister : (a) Yes, Sir.

(b) Yes Sir. Two services operating on Rampura—Maur—Mansa and two services of Rampura—Raman route were diverted via Ballianwali.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ । ਰਾਮਪੁਰਾ – ਮੌਰ ਮਾਂਨਸਾ ਦੀਆਂ ਦੋ ਸਰਵਿਸਾਂ ਅਤੇ ਰਾਮਪੁਰਾ – ਰਾਮਨ ਦੀਆਂ ਦੋ ਸਰਵਿਸਾਂ ਨੂੰ ਬਰਾਸਤਾ ਬਾਲਿਆਂਵਾਲੀ ਤੇ ਚਲਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਚੁਕੀ ਹੈ ।]

NATIONALISATION OF TRANSPORT.

*1621. (C. U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the total number of routes nationalised by the present Government in the State since 1969.

(b) the date by which the Government propose to nationalise the total transport in the State;

(c) the total mileage given to the private owners since, 1969.

(d) the names of the Transport companies which have been allotted fresh routes.

(e) the details of the reasons for giving the routes to the above named companies ?

Chief Minister : (a) One hundred.

(b) Within ten years from the 19th November, 1969.

(c) 8767.

(d) List attached.

(e) Permits were granted under the provisions of the Motor Vehicles Act, 1939 and rules made there-under.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[(ਏ) ਇਕ ਸੌ।

(ਬੀ) 19-11-1969 ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਦਸ ਸਾਲ ਵਿਚ।

(ਸੀ) 8767

(ਡੀ) ਲਿਸਟ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਹੈ।

(ਈ) ਪਰਮਿਟ ਮੋਟਰ ਵਹੀਕਲਜ਼ ਐਕਟ 1939 ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਬਣੇ ਰੂਲਾਂ ਹੇਠ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ।]

PATIALA REGION

List of stage carriage permits granted in favour of the private Cos. since, 1969

S. No. Name of the Tpt/Co/Society.

1. Patiala Bus Service P. Ltd. Sirhind.
2. M/S Bir Bus Service Regd. Patiala.
3. M/S Baba Bus Service Regd. Patiala.
4. Partap Roadways Regd. Patiala.
5. M/S Dhuri Bus Service, Regd, Dhuri
6. Malwa Tpt. Co. P Ltd. Barnala.
7. Nishat & Malwa Bus Service (P) LTD, Barnala.
8. Jain Motors Regd. Patiala.
9. Prem Bus Service P. Ltd. Barnala.
10. Indra Bus Service Regd. Barnala.
11. Dhillon Tpt. Co., (Regd), Budlada.
12. Chehal Cooperative Transport Society, Budlada.
13. Loke Sewak Bus Service P.Ltd. Sirhind.
14. Ambala Bus Syndicate (P) Ltd. Rupar.
15. Fatehgarh Bhalla Bus Service (P) Ltd. Sirhind.
16. Grewal Tpt. (P) Ltd. Raipur.
17. Barnala Tpt. Service Regd. Barnala.
18. Punjab Tpt. Coop. Society Ltd. Amritsar.
19. Raikot Bus Service Regd. Raikot.
20. Mansahia Tpt. Co. (P) Ltd. Mansa.
21. Karamgah Coop. Tpt. Society Ltd. Bhadaur.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

22. United Co-op. Tpt. Scy. Ltd. Mandi Phul.

List of the routes given to the Private Companies/Cooperative Societies in Jullundur Region since the year 1969.

JULLUNDUR REGION

S. No.	Name of Transport Company/Coop. Society.
1.	Prince Bus & Transport Co.Ltd. Kapurthala.
2.	Ex-Servicemen Transport Co-op. Society Ltd., Malout.
3.	Shakti Transport Co-op. Society Ltd., Malout.
4.	Hoshiarpur Express Transport Co. Ltd. Hoshiarpur.
5.	Nankana Sahib Transport Co. Ltd. Ludhiana.
6.	Ludhiana Transport Co. Ltd., Ludhiana.
7.	Sheikhupura Transport Co. Ltd., Ludhiana.
8.	Jullundur Transport Co-op. Society Ltd., Jullundur.
9.	Pepsu Road Transport Corporation, Patiala,
10.	Sharnarthi Transport Co-op. Society Ltd, Abohar.
11.	State Transport Co-op. Society Ltd., Kapurthala.
12.	Jai Transport Co-op. Society Ltd., Abohar.
13.	Malwa Bus Service Ltd., Moga.
14.	Singhwala Co-op. Transport Society., Ltd, Moga.
15.	Sewak Bus & Transport Co. Ltd., Moga.
16.	Hoshiarpur Azad Transporters, Ltd., Hoshiarpur.
17.	Sharnarthi Co-op. Transport Society Ltd., Abohar.
18.	Nirbhai Roadways Ltd., Ludhiana
19.	Fazilka Dabwali Tpt. Co., Ltd., Abohar.
20.	The Fazilka Dabwali Transport Co. Ltd., Abohar.
21.	The Janta Transport Co-op. Society. Ltd., Abohar.
22.	The Dashmesh Transsport Co. Ltd., Ludhiana.
23.	The Akal Transport Co, Ltd., Ludhiana.
24.	Hoshiarpur Doaba Transport Co. Ltd., Hoshiarpur.
25.	Doaba Roadways Ltd., Hoshiarpur.
26.	Azad Transport Co-op. Society Ltd., Amritsar.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

27. Punjab Transport Coop. Society Ltd., Amritsar.
28. Brar Transport Coop. Society Ltd., Muktsar.
29. Dabwali Transport Co. Ltd., Dabwali.
30. New Phagwara Transporters Ltd., Phagwara.
31. Hoshiarpur National Transporters Ltd., Hoshiarpur.

TARGET FIXED FOR CONSTRUCTION OF ROADS IN STATE

*1626. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the P. W. D. have fixed the target of 31st March, 1970, for constructing roads in each district and each Assembly Constituency according to Crash Programme.;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the names of places where roads together with their lengths are likely to be completed according to crash programme up to 31st March, 1970, constituency wise in district Hoshiarpur;

(c) the names of roads on which work is likely to be postponed till the next year together with the time by which the same is likely to be completed ?

Irrigation & Power Minister : (a) No.

(b) The list of roads likely to be completed upto 31.3.70 constituency-wise is laid on the Table of the House.

(c) The list of roads likely to be postponed till next year is laid on the Table of the House. These are likely to be completed by 31.3.71 depending upon the timely completion of earth work by the villagers and availability of funds.

[(ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਚੋਣ-ਹਲਕਾਵਾਰ ਸੜਕਾਂ ਦੀ ਲਿਸਟ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ 31.3.70 ਤਕ ਪੂਰਾ ਹੋਣ ਦੀ ਆਸ ਹੈ, ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਸੜਕਾਂ ਦੀ ਲਿਸਟ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਤਕ ਮੁਲਤਵੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸੜਕਾਂ 31-3-71 ਤਕ ਪੂਰੀਆਂ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ । ਇਹ ਵੀ ਪਿੰਡ ਵਾਲਿਆਂ ਵਲੋਂ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਮਿੱਟੀ ਪਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਫੰਡਜ਼ ਦੀ ਪਰਾਪਤੀ ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Irrigation & Power Minister]

List of roads to be completed up to 31st March, 1970 in Hoshiarpur District.

S. No.	Name of road.	Length in Kms.
	I. Balachaur Constituency.	
1.	Constg. road to Gurdwara Sant garh.	2
	II. Dasuya Constituency.	
2.	Road from N. H. way No. 1-A to Village Jhingar Kalan.	1
3.	Road from Dasuya Budhu Barkat road to village Chhangla.	3
4.	Road from Garna Sahib to Bodal.	2
5.	Randhawa approach road.	1
	III. Garhshankar Constituency.	
6.	Constg. link Road to village Saroya.	2
	IV. Hoshiarpur Constituency.	
7.	Chabbewal link road.	1
8.	Bassi Kalan approach road.	1
9.	Approach road to village Jatpur.	1
10.	Approach road to village Phuglana.	1
	V. Mahilpur Constituency.	
11.	Chabbewal Mona Kalan road.	21
12.	Mahilpur Mailli Road.	7
13.	Mahilpur Sarshla Kalan.	9
14.	Bahowal Barian Kalan road.	4
	VI. Mukerian Constituency.	
15.	Hajipur Jandwal road.	17
16.	Bhongala Mohtabpur.	4
17.	Khir di Khui to Hendwal.	2
	VII. Shamchurassi Constituency.	
18.	Kuthar Shamchurassi road.	5
	VIII. Tanda Constituency.	
19.	Approach road to village Munak.	2.25

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

20.	Approach road to village Bassi Jalal.	4
21.	Chulang Kandhala Jattan.	10
22.	Ghorewaha to Ganipur Baddan.	2
23.	Approach road to village Shahbazpur.	1.25

LIST OF ROADS ON WHICH WORK IS LIKELY TO BE POSTPONED TILL THE NEXT YEAR

S. No.	Name of road.	Length in Kms.
	1. Balachaur Constituency.	
1.	Ratewal Thopia Road.	5
2.	Balachaur Gahun Road.	3
3.	Balachaur to Kangna Bet.	4
4.	Majra Jattan to Ropar Balachaur Road.	3
5.	Makhupur Majri.	10
6.	Constg. Sajowal Nainowal Naina Dugri Road.	4
7.	Constg. Sarsai Chandana Khurd.	8
8.	Constg. road to Village Panam.	2
9.	Hyatpur Roorkee to Chhidauri.	4
10.	Gulpur to Chankoya.	1
	2. Dasuya Constituency	
11.	Dasuya Ramgarh Rampur Haler.	19
12.	Uchi Bassi Terkiana.	4
13.	Approach to village Jia Natha.	1.60
14.	Bhagauti Pur to village Chamabowal	3
15.	Ghogra Badla.	5
16.	Dasuya to Kalewal via Harodothala Chak Mohra Jalota.	6
17.	Dhaddar to Ghogra via Makhuwal.	8
18.	Dasuya to Hamza via Khairabad.	1.60
19.	Dasuya Miani Road to village Bhuchian.	1
20.	Dasuya to Abdullapur.	1
21.	Dasuya to Panwan via Bangalipur.	2-50
22.	Dasuya Miani road to village Safdarpur Khole to Rajpur.	4

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Irrigation & Power Minister]

23.	Khudda to Khun Khun Kalan.	3
24,	Bodal Randhawa.	3
	3. Garhshankar Constituency.	
25.	Jadli Kailgarh Akaliana.	13
26.	Garshankar Kalwal Lalian Mahonwal Chhohalpur Road.	5
27.	Degam to Garhshankar Banga Road.	1
28.	Moranwali Pathlawa Road.	3
29.	Simli approach Road.	4
30.	Tot Mazara Meghowal Jandiala.	5
31.	Singhpur Pulli to Tabba.	7
32.	Hoshiarpur Garhshankar road to Rampur Bilron.	4
	4. Hoshiarpur Constituency.	
33.	Constg. Pur Hiran Mehmowal road.	5
34.	Harkhowal to Hoshiarpur Phagwara road.	2
	5. Mahilpur Constituency.	
35.	Sarhala Kalan to Nadalon	11
36.	Nangal Kalan approach road	2
37.	Lalwan to Mahilpur Jaijon road.	3
38.	Saila Khurd to Bhaiowal.	3
39.	Paldi Sakrouli Dandewal road.	6
40.	Nadalon Todarpur road.	5
41.	Saila Khurd Pansera Majra Dingrian via Dhada Kalan.	10
42.	Saila to Pakhowal Kukran.	4
43.	Nangal Kalan to Hakumatpur Achharwal-Ispur Makhsuspur road.	7
44.	Chabbewal Bajrawar Sasoli Seena Bham Chittion road.	15
	6. Mukerian Constituency	
45.	Mukerian Dhanoa road.	8
46.	Approach road from Hardokhundpur to Budhabar.	2.40
47.	Tanda Ram Sahabi to Mehdipur.	4
48.	Hajipur to Jugial.	5

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

49.	Himatpur Dhanoa.	1
50.	Mukerian to Mauli.	6
	7. Shamchurassi Constituency.	
51.	Hariana Shamchurassi road.	18
52.	Hoshiarpur Mohangrowal road.	13
53.	Nasrala Nandachaur road.	13
54.	Nasrala Ajran road.	4
55.	Link road from Bhogpur Bullowal road to Begampur Jandiala.	0.50
56.	Shamchurassi Pajjoditta.	6
57.	Approach road to village Pandori Bibi.	2
58.	Bullowal to Sherpur Pacca.	3
59.	Hariana Dhaki Bhikni.	8
60	Hoshiarpur Tanda road to Bure Raj Puttan Muradpur Dharampur-Manka-Dheri.	8
	8. Tanda Constituency.	
61.	Tanda Talwandi Deddian road.	6
62.	Tanda Dholbaha road.	22
63.	Approach road to Saidpur Datta.	2
64.	Tanda Gardiwala road.	20
65.	Manhota to Bhunowal.	5

Note : Work on these roads is in progress and likely to be completed by 31.3.1971.

SETTING UP HEAVY INDUSTRY IN MUKERIAN ASSEMBLY CONSTITUENCY.

*1627. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan :** Will the Minister for Industries be pleased to state :

(a) whether Govt. is aware of the fact that no heavy industry has been established by the Government in Mukerian Assembly Constituency and whatever small scale industry has been established there that is equal to nil;

(b) whether it is a fact that Talwara Township is surrounded by the hilly areas containing jungles and there are vast jungles of bamboos nearby;

(c) if the reply to parts (a) and (b) above be in the affirmative whether Government propose to establish a factory manufacturing paper

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chaudhri Kewal Krishan]

there; if so, the time by which the same is likely to be established, if not, the reasons therefor ?

Industries Minister : (a) Yes Sir. However, there are a few small scale industrial units in the private sector.

(b) Yes.

(c) There is no such proposal under consideration of Government for this place at present, because raw material which is available there is not sufficient for setting up a paper mill of economic size.

ASSISTANT SUPERINTENDENTS OF JAILS APPOINTED DURING THE YEAR 1968-69.

*1633 (C. U.) **Comrade Darshan Singh Jhabal** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the number of appointments of Assistant Superintendents of Jails made in the Jails Department during the year 1968-69;

(b) the number of persons belonging to Scheduled Castes who have been appointed against the posts mentioned in part (a) above;

(c) whether they have been given the full representation of 21%; if so, the list showing the names of persons so appointed be laid on the Table of the House;

(d) if the reply to parts (b) and (c) above be in the negative, the reasons for not giving due representation to them togeher with the action taken or proposed to be taken against the officer responsible for the same ?

Chief Minister : (a) Three.

(b) One.

(c) Yes. Shri Jagtar Singh.

(d) Question does not arise in view of reply to parts b & c above.

[(ੲ) ਤਿਨ।

(ਬੀ) ਇਕ।

(ਸੀ) ਹਾਂ ਜੀ। ਸ੍ਰੀ ਜਗਤਾਰ ਸਿੰਘ।

(ਡੀ) (ੲ) ਤੇ (ਬੀ) ਦੇ ਦਿਤੇ ਹੋਏ ਜਵਾਬ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।]

ALLOTMENT OF SHOPS CONSTRUCTED BY THE IMPROVE ETNM TRUST IN BAZAR TOKRIAN, AMRITSAR

*1634. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Local Government be pleased to state :

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(a) whether it is a fact that the Improvement Trust, Amritsar some time during 1967 resolved to allot its shops in Bazar Tokrian, Amritsar to the tenants instead of auctioning the same; if so, a copy of the relevant resolution of the Trust be laid on the Table of the House;

(b) whether the Government accorded its sanction to this resolution;

(c) whethr in pursuance of the above decision tenants were asked to pay the price in lump sum of instalments;

(d) the number of the tenants who were allotted shops together with the n=mber of those who applied for the purpose.

(e) the amount demanded from the rest and the amount deposited by them;

(f) the reasons for not allotting the shops to them;

(g) the date when the said shops were constructed;

(h) the date from which each of the present tenants is in occupation of the said shops ?

ਸਥਾਨਕ ਸ਼ਾਸਨ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ। ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਅਨੁਲਗ (ਏ) ਵਿਚ ਦੇ ਕੇ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਸੀ) ਰੂਲਾਂ ਮੁਤਾਬਕ ਟੈਨੈਨਟਸ ਇਕੱਠੀ ਜਾਂ ਕਿਸ਼ਤਾਂ ਰਾਹੀਂ ਰਕਮ ਅਦਾ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ।

(ਡੀ) 21 ਆਦਮੀਆਂ ਨੇ ਦੁਕਾਨਾਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਲਈ ਅਰਜ਼ੀਆਂ ਭੇਜੀਆਂ। ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਟਰੱਸਟ ਨੇ ਦੁਕਾਨਾਂ ਅਲਾਟ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ।

(ਈ) ਅਤੇ (ਐਫ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

(ਜੀ) ਦੁਕਾਨਾਂ ਸਾਲ 1956-57 ਵਿਚ ਮੁਕੰਮਲ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ।

(ਐਚ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਅਨੁਲੱਗ (ਬੀ) ਤੇ ਦੇ ਕੇ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

[(a) Yes. Statement containing the requisite information is placed on the Table of the House.

(b) Yes.

(c) The tenants can pay the amount in lumpsum or in instalments as per under.

(d) 21 persons applied for allotment of shops and all were allotted shops for sale.

(e) & (f) Question does not arise.

(g) Shops were constructed in the year 1956-57

(h) Requisite information is placed on the Table of the House as. Annexure 'B'.]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Local Govt.]

ANNEXURE A.

THE AMRITSAR IMPROVEMENT TRUST AMRITSAR

Copy of Trust resolution No. 610 passed by it in its meeting held on 10-1-67;

610. The case of auction of shops in Kucha Vakilan, Chowk Bhai Sant Singh and Bazar Tokrian was considered by the Trust. It was decided that those tenants who clear up the arrears of rent, the shops in their occupation will not be put to auciton on 11-1-1967.

The Trust further decided that the tenants who desire to purchase these shops may deposit 1/3rd of the reserve price of these shops as fixed by the Trust before 14-1-1967. The cases of such tenants who make the necessary deposits will be sent to the State Government for approval of the sale to the tenants. The shops for which no part payment is received will be auctioned. after 14-1-1967. Chairman to take N/A.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ANNEXURE—B

Shops in Bazar Tokrian

Shop No.	Name of Tenant	Date of occupation	Reserve sale price	Amount deposited (including interest)	Remarks
2.	Sh. Dev Parkash	1-10-1958	Rs.3,000/-	Rs.3376-03	Full sale
3.	Sh. Tirlochan Das	8- 1-1959	,,	Rs.1700/-	Money received
4.	Sh. Dewan Chand	16-11-1960	,,	Rs.1700/-	—
5.	Sh. Balak Ram	1- 4-1963	,,	Rs.1000/-	—
6.	Sh. Salig Ram, Gian Parkash	25- 2-1959	,,	Rs.1000/-	—
7.	Sh. Salig Ram, Balak Ram	7-11-1962	,,	Rs.1000/-	—
9	Sh. Amrik Singh	16- 1-1956	,,	Rs.3247/20	Full sale money recd.
10.	Sh. Amrik Singh	30-11-1956		Rs.2218/74	—
11.	Sh. Ram Rattan	24- 4-1959	Rs.4,000/-	Rs.3650/-	—
12.	Sh. Jiwan Singh	1- 7-1955	Rs.3,000/-	Rs.3237/10	Full sale money received
13.	Sh. Sant Singh	1-11-1956	,,	Rs.3475/15	—do—
14.	Sh. Surinder Pal	15- 4-1961	,,	Rs.3120/33	—
15.	Sh. Shiv Shanker	1-10-1964	,,	Rs.1000/-	—
16.	Sh. Sharnagat Singh	7- 4-1957	,,	Rs.3181/89	Full sale money received
18.	Sh. Shori Mohan	7- 1-1959	,,	Rs.3213/96	—do—
19.	Sh. Lachhman Dass	1- 7-1965	,,	Rs.1000/-	—
20.	Sh. Ved Parkash Singh	17-11-1951	,,	Rs.1781/79	—
21.	Sh. Kanshi Ram	6-11-1961	,,	Rs.1000/-	—
22.	Sh. Daljit Kumar Vijay Kumar	1- 2-1966	,,	Rs.1000/-	—
24.	Sh. Mohinder Singh	12- 6-1962	,,	Rs.1781/79	—
25.	Sh. Vas Dev	19- 8-1961	,,	Rs.1971/59	—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Detention of Shri Mal Singh Rampuri and Shri Chetan Singh.

*1635. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether Shri Mal Singh Rampuri and Shri Chetan Singh were detained with effect from 12.8.69 under the Preventive Detention Act; if so, grounds of their detention;

(b) the dates on which they were released.

(c) whether it is a fact that Chetan Singh was tortured while in Police custody and also refused medical aid;

(d) whether it is a fact that the two detenues were not allowed to plead their case before the Advisory Board through their counsel.

(e) the number of interviews they were allowed during the period of their detention;

(f) the Jail in which they were kept;

(g) the number of letters they were allowed to write during the period they were in detention;

(h) whether it is a fact that they were not provided proper beds and were denied even those facilities which are allowed to all prisoners and convicts ?

Chief Minister : (a) Shri Mal Singh Rampuri and Sh. Chetan Singh Gure were detained on 11.8.69 and 31.7.69 respectively under the P. D. Act, for acting in a manner prejudicial to the maintenance of public order.

			Date of release
(b)	(i)	Shri Mal Singh Rampuri	31.12.69.
	(ii)	Shri Chetan Singh Gure.	16.10.69.

(c) No.

(d) Both the detenues pleaded their case in person before the State Advisory Board. Counsels are not allowed under provisions of the P. D. Act.

(e) No applications from outsiders for interviews with the detenues were received from any quarter.

(f) Distt. Jail Ludhiana.

(g) They were allowed to write letters on prescribed forms for purposes permitted under the P. D. Act. Rules.

(h) Both the detenues were provided proper beds and other facilities as allowed under the Detenue Rule, 1966.

[(ੳ) ਸ੍ਰੀ ਮੱਲ ਸਿੰਘ ਰਾਮਪੁਰੀ ਅਤੇ ਸ੍ਰੀ ਚੇਤਨ ਸਿੰਘ ਗੁੜ੍ਹੇ, ਕਾਨੂੰਨ ਅਤੇ ਵਿਵਸਥਾ ਲਈ ਹਾਨੀਕਾਰਕ ਕਾਰਵਾਈਆਂ ਦੇ ਕਾਰਨ ਮਿਤੀ 11.8.69 ਅਤੇ 31.7.69 ਨੂੰ ਪੀ. ਡੀ. ਐਕਟ ਹੇਠ ਨਜ਼ਰਬੰਦ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		ਰਿਹਾਈ ਦੀ ਮਿਤੀ
(ਬੀ)	1. ਸ੍ਰੀ ਮੱਲ ਸਿੰਘ ਰਾਮਪੁਰੀ	31.12.69
	2. ਸ੍ਰੀ ਚੇਤਨ ਸਿੰਘ ਗੁੜੇ	16.10.69

(ਸੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਡੀ) ਦੋਵੇਂ ਨਜ਼ਰਬੰਦੀਆਂ ਨੇ ਸਟੇਟ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਬੋਰਡ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਪਣਾ ਕੇਸ ਆਪ ਹੀ ਪਲੀਡ ਕੀਤਾ। ਪੀ. ਡੀ. ਐਕਟ ਦੀ ਧਾਰਾ ਹੇਠ ਵਕੀਲ ਦੀ ਆਗਿਆ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ।

(ਈ) ਨਜ਼ਰਬੰਦਾਂ ਨਾਲ ਮੁਲਾਕਾਤ ਲਈ ਕਿਸੇ ਵੀ ਪਾਸਿਉਂ ਅਤੇ ਬਾਹਰੋਂ ਕੋਈ ਵੀ ਦਰਖਾਸਤ ਨਹੀਂ ਆਈ।

(ਐਫ) ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜੇਲ੍ਹ ਲੁਧਿਆਣਾ।

(ਜੀ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨੀਅਤ ਫਾਰਮਾਂ ਤੇ ਚਿੱਠੀਆਂ ਲਿਖਣ ਲਈ ਪੀ. ਡੀ. ਐਕਟ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਹੇਠ ਇਜਾਜ਼ਤ ਮਿਲੀ ਸੀ।

(ਐਚ) ਦੋਨਾਂ ਨਜ਼ਰਬੰਦਾਂ ਨੂੰ ਠੀਕ ਬਿਸਤਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਸੀ ਅਤੇ ਦੂਸਰੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਨਜ਼ਰਬੰਦੀ ਰੂਲਜ਼ 1966 ਦੇ ਹੇਠ ਨੀਅਤ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ, ਵੀ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ।

AN ASSISTANT SECRETARY AND A SUPERINTENDENT OF PUBLIC RELATIONS DEPARTMENT INVOLVED IN A CRIMINAL CASE,

*1639. (C. U. **Chaudhri Ram Singh**: Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether it is a fact that an Assistant Secretary, Punjab Civil Secretariat and a Superintendent, Public Relations Department, Punjab are jointly involved in a criminal case and have been released on bail :

(b) whether the persons mentioned in part (a) above are under suspension; if not, the reasons therefor ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਯੂਨੀਅਨ ਟੈਰੀਟਰੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸ੍ਰੀ ਕਾਹਨ ਸਿੰਘ ਦੀ ਇਕ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਸ੍ਰੀ ਹਜ਼ੂਰਾ ਸਿੰਘ ਸੋਢੀ, ਸਹਾਇਕ ਸਕੱਤਰ, ਤੇ ਸ੍ਰੀ ਤੀਰਥ ਸਿੰਘ ਸੁਪਰਡੰਟ, ਲੋਕ ਸੰਪਰਕ ਵਿਭਾਗ, ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਦਫ਼ਾ 503/506 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਅਧੀਨ ਜੁਡੀਸ਼ੀਅਲ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਦਰਜਾ ਅੱਵਲ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੀ ਕਚਹਿਰੀ ਵਿੱਚ ਪੈਂਡਿੰਗ ਹੈ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ। ਮੌਜੂਦਾ ਹਦਾਇਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਨਾਂ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਮੁਅੱਤਲ ਕਰਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

NARINIKETAN, AMRITSAR.

*1640. (C. U.) **Comrade Dana Ram** : Will the Minister for Social Welfare be pleased to state :

(a) whether in the month of December, 1969, the Deputy Commissioner, Amritsar received any representation containing allegations about Nariniketan, Amritsar : If so, the nature of allegations made therein;

(b) whether any officer was asked to enquire into the said allegations; If so, his name and the details of his findings;

(c) whether any enquiry into the said allegations was also held by an officer of the department concerned; If so, what are his findings ?

Social Welfare Minister : (a) Yes, the representation contains allegations that Miss Malkiat Kaur and Miss Prem, inmates of the Nariniketan, Amritsar, got conceived through one Babbi son of Shrimati Prem Batra, House Mistress of the said institute while efforts were being made both by the Superintendent and the Assistant Superintendent of this Institute to attribute such commission to Class IV employees there.

(b) Yes, Sh i Amarjit Singh Gulati, Public Grievances Officer Amritsar, was deputed by the Deputy Commissioner, Amritsar to enquire into the matter. The inquiry is still in progress and his findings are awaited.

(c) Yes, the case of two inmates namely, Miss Malkiat Kaur and Miss Prem getting conceived and misbehaviour by Shri Babbi son of Shrimati Prem Bat a, House Mistress, Nariniketan, Amritsar in this connection has *prima facie* been made out. The Superintendent of the Institute, Shrimati S. Saxena, and Shrimati Prem Batra, House Mistress, and mother of Shri Babbi have since been placed under suspension and formal departmental proceedings are now being undertaken in the matter.

(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ, ਪ੍ਰਤਿ ਬੇਨਤੀ ਵਿੱਚ ਕੁਮਾਰੀ ਮਲਕੀਅਤ ਕੌਰ ਅਤੇ ਕੁਮਾਰੀ ਪ੍ਰੇਮ ਸਹਿਵਾਸੀ ਨਾਰੀ ਨਿਕੇਤਨ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਸ਼੍ਰੀ ਮਤੀ ਪ੍ਰੇਮ ਬਤਰਾ, ਹਾਊਸ ਮਿਸਟਰੈਸ ਦੇ ਪੁੱਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਬੱਬੀ ਦੁਆਰਾ ਗਰਭਵਤੀ ਹੋਣ ਅਤੇ ਇਸ ਦੋਸ਼ ਨੂੰ ਇਸ ਸੰਸਥਾ ਦੇ ਚੌਥੇ ਦਰਜੇ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਤੇ ਥੋਪਣ ਲਈ ਸੁਪਰਡੰਟ ਅਤੇ ਸਹਾਇਕ ਸੁਪਰਡੰਟ ਵਲੋਂ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਦੇ ਦੋਸ਼ ਲਗਾਏ ਗਏ ਸਨ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ, ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨੇ ਸ਼੍ਰੀ ਅਮਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਗੁਲਾਟੀ, ਲੋਕ ਦੁਖ ਨਿਵਾਰਨ ਅਫ਼ਸਰ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨੂੰ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਦੀ ਜਾਂਚ ਪੜਤਾਲ ਕਰਨ ਲਈ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਸਾਰੇ ਮਾਮਲੇ ਦੀ ਜਾਂਚ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਪਰੋਕਤ ਜਾਂਚ ਅਫ਼ਸਰ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਹਾਲੇ ਤਕ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਕੋਲ ਨਹੀਂ ਪੁੱਜੀ।

(ੲ) ਜੀ ਹਾਂ, ਕੁਮਾਰੀ ਮਲਕੀਅਤ ਕੌਰ ਅਤੇ ਕੁਮਾਰੀ ਪ੍ਰੇਮ ਦੇ ਗਰਭਵਤੀ ਹੋਣ ਦੇ ਅਤੇ ਸ਼੍ਰੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਬੱਬੀ ਦੇ ਭੈੜੇ ਆਚਰਣ ਦੇ ਦੋਸ਼ ਜ਼ਾਹਰਾ ਤੌਰ ਤੇ ਸਾਬਤ ਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਨਤੀਜੇ ਵਜੋਂ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਐਸ. ਸਕਸੈਨਾ, ਸੁਪਰਡੰਟ ਅਤੇ ਸ੍ਰੀ ਮਤੀ ਪ੍ਰੇਮ ਬਤਰਾ ਹਾਊਸ ਮਿਸਟਰੈਸ ਜੋ ਸ੍ਰੀ ਬੱਬੀ ਦੀ ਮਾਤਾ ਹੈ, ਨੂੰ ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਚੁਕਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜ਼ਾਬਤੇ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।]

CONSTRUCTION OF BUILDING FOR GOVERNMENT HIGH SCHOOL CHHEHARTA (AMRITSAR).

*1642. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang**: Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) whether there is any proposal under the consideration of Government to purchase/acquire land for constructing building for Government High School, Chheharta (Amritsar);

(b) whether it is a fact that in the month of August, 1969, the D. E. O. Amritsar requested the Headmaster, Government High School, Chheharta to get Khasra Nos. Jamabandi etc. of the land proposed to be acquired/purchased from the Tehsildar, Amritsar;

(c) if the answer to part (b) above be in the affirmative, whether the necessary information from the Tehsildar, Amritsar has been obtained, if not, reasons therefor;

(d) the present position of the case ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਅਤੇ (ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ, ਪਰੰਤੂ ਇਹ ਮੁਆਮਲਾ ਸਬੰਧਤ ਸਕੂਲ ਦੇ ਮੁਖੀ ਅਤੇ ਮਾਲ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਪੱਤਰ ਵਿਹਾਰ ਵਿਚ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ, ਕਿਉਂਕਿ ਭੋਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਸਬੰਧੀ ਪ੍ਰਲੇਖ (Documents) ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਸਮਾਂ ਲਗਦਾ ਹੈ ।

(ਡੀ) ਮੁਆਮਲਾ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

REVIVAL OF POSTS OF SUB-REGISTRARS.

*1650 (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda**: Will the Minister for Revenue and Rehabilitation be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of the Government to revive the posts of Sub-Registrars; if so, the reasons therefor ?

ਮਾਲ ਤੇ ਪੁਨਰਵਾਸ ਮੰਤਰੀ : ਸਬ-ਰਜਿਸਟਰਾਰਾਂ ਦੀਆਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਹੋਂਦ ਵਿਚ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁੜ ਸੁਰਜੀਤ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

AMALGAMATION OF CIVIL SECRETARIAT WITH THAT OF FINANCIAL COMMISSIONERS' OFFICE.

*1651. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Punjab Secretariat is divided into two wings, i. e. one under the Chief Secretary called Civil Secretariat and the other under the Financial Commissioner, called Financial Commissioners' Secretariat;

(b) whether it is also a fact that the entire staff with the Ministers is taken only from one wing of the Secretariat, i. e., Civil Secretariat and the staff working in the Financial Commissioners' Secretariat is ignored :

(c) whether it is further a fact that the F. Cs' office Stenographers' Association has given various representations against discriminatory treatment but nothing has come out except the fact that the Government decided in 1968 to amalgamate both the wings of the Secretariat into one;

(d) whether it is also a fact that the decision to merge both the offices has not been implemented so far, though it was approved by the Gove nment of India and also recommended by the Pay Commission;

(e) if the reply to parts (a) to (d) above be in the affirmative, the reasons for the delay in implementing the merger decision and the time by which it is likely to be implemented ?"

Chief Minister : (a) No. The Punjab Civil Secretariat and the office of the Financial Commissioners have been maintaining their separate entities since inception.

(b) Yes. The staff posted with the Ministers has always been drawn from the Punjab Civil Secretariat.

(c) Yes.

(d) The matter is still under consideration.

(e) The final decision is likely to be taken soon.

[(ੳ) ਨਹੀਂ ਜੀ । ਪੰਜਾਬ ਸਿਵਲ ਸਕੱਤ੍ਰੇਤ ਅਤੇ ਦਫਤਰ ਵਿੱਤੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਮੁੱਢ ਤੋਂ ਹੀ ਵੱਖਰੇ ਵਜੂਦ ਰੱਖਦੇ ਆ ਰਹੇ ਹਨ ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ । ਮੰਤਰੀਆਂ ਦਾ ਅਮਲਾ ਸਦਾ ਹੀ ਪੰਜਾਬ ਸਿਵਲ ਸਕੱਤ੍ਰੇਤ ਵਿੱਚੋਂ ਲਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ।

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਸ) ਮਾਮਲਾ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

(ਹ) ਅੰਤਮ ਫ਼ੈਸਲਾ ਜਲਦੀ ਹੋਣ ਦੀ ਆਸ਼ਾ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

SETTING UP A PRIMARY HEALTH CENTRE AT VILLAGE MANAWALA KALAN, DISTRICT AMRITSAR.

*1652. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister to State for Industries and Health be pleased to state :

(a) whether any decision was taken up by the Government during 1964-65 to set up a Primary Health Centre at Village Manawala Kalan, district Amritsar; if so, the detail of funds contributed by the Government and the Panchayat Samiti in this regard;

(b) whether these funds have been utilized on the acquisition of land and construction of buildings of the Health Centre on the acquired land;

(c) if the answer to part (b) above be in the negative, the action taken or proposed to be taken against the Panchayat Samiti which has field to implement the decision of the Government for such a long period;

(d) whether it is also a fact that the Panchayats of Fatehpur, Rajput an Nizampur etc. represented to the Government during 1969 to set up the same Primary Health Centre at Najewali (Fatehpur Rajputan), instead of Manawala Kalan; if so, a copy of the representation alongwith the action, if any taken thereon be placed on the Table of the House ?

State Minister for Health and Industries;

(a) Yes the details of Public Contribution and Government share are as under :

(i)	Public contribution	Rs. 40,000/-
(ii)	Govt. share-C. D. Funds	Rs. 16,000/-

(b) Not yet.

(c) There is no question of non implementation of the orders of Govt. by the Panchayat Samiti.

(d) Yes. A copy of the representation of the Gram Panchayat Fatehgarh Rajputan-Nizampur etc. is enclosed herewith. Najewali (Fathepur Rajputan) is at a distance of 5 miles from Manawala Kalan where P. H. C. is functioning at present. A Health Sub Centre is located at Najewali with a staff comprising of one Asstt. Nurse Midwife and a trained Dai-Doctor of Manawala Primary Health Centre and a Lady Health Visitor visit this sub centre 2-4 times a month to provide medicines and other medical facilities there. In view of the position explained above it is not proper to shift primary Health Centre from Manawala to Najewali.

[(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ। ਜਨਤਾ ਦੇ ਦਾਨ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਭਾਗ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਨਿਮਨ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹੈ :

1.	ਜਨਤਾ ਦਾ ਦਾਨ	40,000/- ਰੁ:
2.	ਸਰਕਾਰੀ ਹਿੱਸਾ-ਸੀ. ਡੀ. ਫੰਡਜ਼	16,000/- ਰੁ:

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਸੇਹਤ ਅਤੇ ਉਦਯੋਗ]

(ਬੀ) ਅਜੇ ਤੱਕ ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਸੀ) ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਹੁਕਮ ਦੀ ਪੰਚਾਇਤ ਸੰਮਤੀ ਵਲੋਂ ਪਾਲਣਾ ਨਾ ਕਰਨ ਦਾ ਸੁਆਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

(ਡੀ) ਨਜੇਵਾਲੀ (ਫਤੇਹਪੁਰ ਰਾਜਪੂਤਾਂ) ਮਾਨਾਵਾਲੇ ਤੋਂ 5 ਮੀਲ ਦੇ ਫ਼ਾਸਲੇ ਤੇ ਹੈ ਜਿਥੇ ਕਿ ਇੱਕ ਪੀ. ਐਚ. ਸੀ. ਇਸ ਵੇਲੇ ਕੰਮ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਨਜੇਵਾਲੀ ਵਿੱਚ ਇਕ ਸਬ ਸਿਹਤ ਕੇਂਦਰ ਖੁਲ੍ਹਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਜਿਥੇ ਇਕ ਸਹਾਇਕ ਨਰਸ ਮਿਡਵਾਈਫ ਅਤੇ ਟਰੇਂਡ ਦਾਈ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੀਆਂ ਹਨ । ਮਾਨਾਵਾਲੇ ਦਾ ਡਾਕਟਰ ਅਤੇ ਇਕ ਲੇਡੀਜ਼ ਹੈਲਥ ਵਿਜ਼ਟਰ ਇਸ ਸਬ ਸੈਂਟਰ ਵਿੱਚ ਮਹੀਨੇ ਵਿੱਚ 2-4 ਵਾਰੀ ਆਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਦਵਾਈਆਂ ਤੇ ਦੂਸਰੀਆਂ ਸਿਹਤ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਉਪਰ ਦੱਸੀ ਦਿਸ਼ਾ ਹੋਣ ਕਾਰਣ ਮੁੱਢਲਾ ਸਿਹਤ ਸੈਂਟਰ ਮਾਨਾਵਾਲੇ ਤੋਂ ਨਜੇਵਾਲੀ ਤਬਦੀਲ ਕਰਨਾ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ ।]

Copy of letter dated 19-5-1969, from Sh. Hazara Singh, Sarpanch, V. Fatehpur Rajputan, distt. Amritsar to the Chief Minister, Punjab, Chandigarh.

Subject :— Location of a Primary Health Centre and Najewali (V. Fatehpur Rajputan) Jandiala Block, distt. Amritsar.

1. Respectfully it is submitted that it was decided by the Punjab Government in January, 1965, to locate a Primary Health Centre in the Development Block Jandiala Guru, distt. Amritsar. The Panchayat Samiti Jandiala proposed that the Primary Health Centre may be located at village Manawala G. T. Road, on the plea that 10 acres of land has been donated by a Philanthropist deceased lady for a hospital. While taking this decision the interests of other villages of the Block were not kept in view. Since then the village Panchayat of Manawala as well as the Panchayat Samiti, Jandiala Guru, could not collect the funds for the purpose to be contributed as their share. Thus the construction of the Primary Health Centre was delayed for a long period of three years. It was reported by the Superintending Engineer, Panchayati Raj, that the site proposed for the location of the Primary Health Centre was not acceptable to the then Chief Medical Officer, Amritsar.

2. It was on the 4th July, 1966, a representation by the undersigned supported by the Manager, Khalsa Higher Secondary School, Nawanpind and the Headmaster, Khalsa Higher Secondary School, Fatehpur Rajputan, district Amritsar was submitted to the Government, with a request to locate the Primary Health Centre at Najiwali (Fatehpur Rajputan) on the following grounds that :

1. this site is a central place and equal distance to V. Fatehpur Rajputan, Nawanpind, Makhanwindi, Nizampur, Chhapa and Chhiana;
2. it is in the Backward Area;
3. it will feed two Higher Secondary Schools, Fatehpur Rajputan

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

and Nawanpind and about 20 Government Primary School of the area;

4. it is at a far off distance from Amritsar city and Jandiala Guru town where Medical facilities are available;

5. Manawala is located on the G. T. Road and is at a distance of 4 and 5 miles from Jandiala and Amritsar city;

6. the site proposed at Manawala is adversely affected by the floods every year but the site at Najiwali is quite safe;

7. a huge amount is being now spent by the Gram Panchayats,

Panchayat Samiti/Government to dig a drainage for the safeguard of the proposed site of the centre.

3. It is understood that on the report of the Deputy Commissioner Amritsar which has been made without inspecting the site of Najiwali either by the Chief Medical Officer, Amritsar/Sub-Divisional Officer, Panchayati Raj, Amritsar/Superintending Engineer, Panchayati Raj or Director Health Services, Punjab it is being decided to locate the Primary Health Centre at Manawala.

4. The applications were submitted to the Government which were forwarded to the Director, Health Services, Punjab have not been considered at all and ignored totally under some political pressure. Thus a great injustice has been done to the people of the Backward Area which is adversely affected by the floods in Hansli Nallah which passes through this area.

5. It has already been submitted that the Gram Panchayats of the above mentioned villages are prepared to offer land free of cost and to contribute the required amount for the location/construction of the Primary Health Centre.

6. Keeping in view the above facts, it is again prayed that the Director, Health Services Punjab and the Superintending Engineer, B & R Punjab may be asked to inspect the site Najewali and then change the location of the present site of the Primary Health Centre from Manawala to Najiwali (Fatehpur Rajputan).

A copy is forwarded to the Health Minister, Punjab, Chandigarh for necessary action.

AMOUNT GRANTED FOR THE RECONSTRUCTION OF BUILDINGS OF SCHOOLS AND RELIGIOUS PLACES IN THE KHEM KARAN AREA.

*1658. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Revenue and Rehabilitation be pleased to State :

(a) whether it is a fact that a sum of rupees 4.89 lacs has been given for reconstruction of the Building of 24 schools in the Khem Karan Area and another sum of Rs. 1.89 lacs has been given for religious places in 15 villages of Khem Karan area;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chaudhri Kewal Krishan]

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the names of schools and religious places to whom the said amount has been given alongwith the amount of money paid to each of the said schools and religious places;

(c) whether the amount of money paid to the schools and the religious places has been utilised by the managements concerned, if so, the name of those who have not spent the said money so far alongwith the reasons therefor ?

Minister for Revenue and Rehabilitation : (a) to (c) The requisite infor-mation is laid on the Table of the House.

[(ਏ) ਤੋਂ (ਸੀ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ।]

1. ਸਕੂਲਾਂ ਦੀਆਂ ਇਮਾਰਤਾਂ ਦੀ ਮੁੜ ਉਸਾਰੀ

1.82 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ (4.49 ਲੱਖ ਨਹੀਂ) ਖੇਮ ਕਰਨ ਸੈਕਟਰ ਵਿੱਚ ਹਿੰਦ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦੀ ਲੜਾਈ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਬਰਬਾਦ ਹੋ ਗਏ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀ ਮੁੜ ਉਸਾਰੀ ਲਈ ਪਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਗਈ :

ਲੜੀ ਨੰ:	ਜਗ੍ਹਾ ਦਾ ਨਾਂ	ਕੀਤੇ ਗਏ ਕੰਮ ਦੀ ਪ੍ਰਗਤੀ	ਹੁਣ ਤੱਕ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਖਰਚ
1.	ਕਲੱਸ	100%	22,419.00
2.	ਮੇਹਦੀਪੁਰ	100%	17,875.00
3.	ਰਾਮੂਵਾਲ	100%	22,032.00
4.	ਮਾੜੀਕੇ	100%	23,778.00
5.	ਕਾਲੀਆ ਸੰਨਕਤੜਾ	95%	20,741.00
6.	ਠੱਠੀ ਜੈਮਲ ਸਿੰਘ	40%	5,642.00
7.	ਮਹਿਮੂਦਪੁਰ	100%	7,435.00
8.	ਰਤੋਕੇ	100%	6.309.00
9.	ਭੂਰਾ ਕੋਹਨਾ	100%	13,630.09
10.	ਮਸਤਗੜ੍ਹ	95%	10,960.00
		ਜੋੜ	1,50,821.00*

*(ਕੁਝ ਬਿਲਾਂ ਦੀ ਅਦਾਇਗੀ ਬਾਕੀ ਹੈ)

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ 24,800 ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਗੌਰਮੈਂਟ ਹਾਇਰ ਸਕੈਂਡਰੀ ਸਕੂਲ, ਮਾਲ ਰੋਡ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਇਕ ਬਲਾਕ ਦੀ ਮੁੜ ਉਸਾਰੀ ਲਈ ਪਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਗਈ । ਉਸਾਰੀ ਦਾ ਕੰਮ ਚਾਲੂ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਾਰਿਆਂ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀਆਂ ਇਮਾਰਤਾਂ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਦਾ ਕੰਮ ਲੋਕ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿਭਾਗ ਰਾਹੀਂ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾਣਾ ਸੀ ਇਸ ਲਈ ਕਿਸੇ ਸਕੂਲ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਕੋਈ ਗਰਾਂਟ ਅਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

2. ਧਾਰਮਕ ਅਸਥਾਨਾਂ ਦੀ ਮੁੜ ਉਸਾਰੀ ਬਾਰੇ

1,65,500 ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ (ਨਾ ਕਿ 1.89 ਲੱਖ) ਖੇਮ ਕਰਨ ਸੈਕਟਰ ਵਿੱਚ ਢਹਿ ਗਏ ਧਾਰਮਕ ਅਸਥਾਨਾਂ ਦੀ ਮੁੜ ਉਸਾਰੀ ਲਈ ਪਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਹਰੇਕ ਕੇਸ ਵਿੱਚ ਹੁਣ ਤੱਕ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਸਹਾਇਤਾ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਨਿਮਨ ਅਨੁਸਾਰ ਹੈ :

ਲੜੀ ਨੰ:	ਜਗ੍ਹਾ ਦਾ ਨਾਂ		ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਰਕਮ (ਰੁਪਏ)
1.	ਮੰਦਰ ਦੇਵੀ ਦਵਾਰਾ,	ਖੇਮ ਕਰਨ	4,000/-
2.	ਮੰਦਰ ਬਾਬਾ ਖੇਮ ਰਾਜ	,,	1,500/-
3.	ਮੰਦਰ ਦੱਤਾ ਰਾਮ	,,	2,000/-
4.	ਮੰਦਰ ਮਹਾਂਬੀਰ	,,	1.000/-
5.	ਮੰਦਰ ਮਹੰਤ ਨਰਿੰਜਨ ਦਾਸ	,,	4,500/-
6.	ਮੰਦਰ ਆਰੀਆ ਸਮਾਜ	,,	14,000/-
7.	ਗੁਰਦਵਾਰਾ ਥੰਮ ਸਾਹਿਬ	,,	14,000/-
8.	ਗੁਰਦਵਾਰਾ ਕਮੇਟੀ—1	,,	16,500/-
9.	ਮੰਦਰ ਸਰਾਏ	,,	2,500/-
10.	ਮੰਦਰ ਬਿਸ਼ਨ ਦਾਸ	,,	2,500/-
11.	ਗੁਰਦਵਾਰਾ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬ	,,	20,000/-
12.	ਗੁਰਦਵਾਰਾ ਰਾਮਗੜ੍ਹੀਆ	ਮਸਤਗੜ੍ਹ	4,000/-
13.	ਗੁਰਦਵਾਰਾ	ਕਲੱਸ	2,500/-
14.	ਚਰਚ	ਖੇਮ ਕਰਨ	2,500/-
15.	ਮੰਦਰ ਬਾਵਾ ਰਾਮ ਪਰਕਾਸ਼	,,	1,000/-
16.	ਗੁਰਦਵਾਰਾ ਕਿਲੇਵਾਲਾ	ਮਸਤਗੜ੍ਹ	1,000/-
17.	ਬਾਬਾ ਬੀਰ ਸਿੰਘ	ਰਤੋਕੇ	37,500/-
18.	ਗੁਰਦਵਾਰਾ	ਮਾਛੀਕੇ	6,000/-
19.	,, ਸਿਖਾਂ	ਸੰਨਕਤੜਾ	7,000/-
20.	,, ਬਰਾਦਰੀ	,,	5,500/-
21.	,, ਸ੍ਰੀ ਲਛਮਨ ਸਿੰਘ	ਖੇਮ ਕਰਨ	3,500/-
22.	,,	ਰਾਮੂਵਾਲ	500/-
		ਕੁਲ	1,53,500.00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮਾਲ ਮੰਤਰੀ]

ਉਪਰੋਕਤ ਰਕਮ ਸਬੰਧਤ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਦੀਆਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਜਾਂ ਕਮੇਟੀ ਵਿੱਚ ਵੰਡੀ ਗਈ ਜੋ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇਮਾਰਤਾਂ ਦੀ ਮੁੜ ਉਸਾਰੀ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਵਾਉਣਗੀਆਂ । ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਉਸਾਰੀ ਦੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਵਾਉਣ ।

KHADS (STONE ETC.) OF CERTAIN VILLAGES OF TEHSIL PATHANKOT RESERVED IN 1968.

*1659. **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Industries be pleased to state :

(a) whether it is a fact that in 1968 the Khads (Stone etc) of villages Mammon Barsoon, Handwal, Chawal, Bhadroa, tehsil Pathankot were reserved, if so, the name of the officer, under whose orders this was done and the benefit or loss; if any, to the Government as a result of the said order;

(b) whether it is also a fact that the said stone is being given to the P. W. D. (B & R) if so, the benefit to be drived by the Government from it and the number of persons who will lose their business by this act of the Government ?

Chief Minister : (a) Yes sir, The reservation was made for the Railway authorities which is a public utility department, on the recommendations of the Director of Industries, Punjab. As the matter is under correspondence with the Railway Authorities and till it is finalised, nothing can be said in clear terms about the loss or benefit to the Government, in this regard.

(b) No. All the quarries have been auctioned on 18.2-70, excepting Mammon quary about which correspondence is going on for its reservation for P. W. D. authorities at Rs. 1,17,600/- P. A. as against Rs. 1825/- p. a. realised as auction money last year. Only one contracter will be affected.

INCREASE IN PASSENGER TAX.

*1651 (C. U.) **Comrade Darshan Singh Jhabal** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) The extent to which passenger tax has been increased in 1970;

(b) whether the authorities are aware of the fact that fare on Roadways Buses coming from Amritsar to Tarn Taran has been increased by 5 Paise per passenger;

(c) If the reply to part (b) above be in the affirmative, the order under which the said tax has been increased;

(d) whether it is a fact that previously the said tax was paid by the Bus operators ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Minister for Excise and Taxation : (a) There has been no increase in the rate of passenger tax since 1.1.1970.

(b) There has been no increase in passenger tax on Amritsar—Tarn Taran route also.

(c) & d) In view of reply to part (b) above, the question does not arise.

[(ੳ) 1 ਜਨਵਰੀ, 1970 ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਹੁਣ ਤੱਕ ਸਵਾਰੀ ਕਰ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਵਾਧਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ।

(ਅ) ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਰੂਟ ਤੇ ਚਲਣ ਵਾਲੀਆਂ ਬਸਾਂ ਦਾ ਟੈਕਸ ਨਹੀਂ ਵਧਾਇਆ ਗਿਆ ।

(ੲ ਤੇ ਸ) ਉਪਰੋਕਤ (ਅ) ਨੂੰ ਮੁਖ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

BORDER ALLOWANCE FOR GOVERNMENT EMPLOYEES POSTED IN BORDER AREAS.

*1662. (C. U.) **Comrade Darshan Singh Jhabal** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to grant border allowance to the Government employees posted in border areas of the State;

(b) whether Government received any representation from the said employees that they be granted such Allowance; if so, the time by which it is likely to be granted ?

Minister for Revenue and Rehabilitation : (a) A proposal to grant rent free accommodation or house rent allowance @ $7\frac{1}{2}$% in lieu thereof, to the Government employees posted within ten miles border belt is under the active consideration of the Government.

(b) No. Final decision on the said proposal will, however, be taken very early.

[(ੲ) ਬਾਰਡਰ ਦੀ 10 ਮੀਲ ਦੀ ਬੈਲਟ ਵਿੱਚ ਨਿਯੁਕਤ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਕਰਾਏ ਰਹਿਤ ਮਕਾਨ ਜਾਂ ਉਸ ਦੇ ਇਵਜ਼ ਵਿੱਚ ਭੱਤਾ @$7\frac{1}{2}$ ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਦੇਣ ਦੀ ਤਜ਼ਵੀਜ਼ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਉਪਰੋਕਤ ਤਜ਼ਵੀਜ਼ ਵਿੱਚ ਫ਼ੈਸਲਾ ਜਲਦੀ ਹੀ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।]

INSPECTOR OF INDUSTRIES APPOINTED DURING, 1969.

*1670. (C. U.) **Comrade Dana Ram** : Will the Minister for Industries be pleased to state;

(a) the total number of Inspectors of Industries appointed during the

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Dana Ram]

year 1969 alongwith their names, qualifications, the dates of their appointment and the districts to which they belong;

(b) the qualifications prescribed for the post of Inspector of Industries;

(c) whether all the appointees fulfil the prescribed qualifications, if not the reasons therefor;

(d) the procedure prescribed by the Government for filling up such posts;

(e) whether the vacancies were advertised, or filled up through Employment Exchange or by the Departmental Selection Committee;

(f) whether Government instructions pertaining to reservation of posts for the members of Scheduled Castes and Backward Classes were complied with while filling up the said posts; if so, the names of the persons belonging to the Scheduled Castes/ Backward Classes among those who were selected;

(g) if no candidate belonging to the Scheduled Castes/Backward Classes was appointed, the reasons therefor, the names of the officers responsible therefor and the action, if any, taken against them ?

Industries Minister :

(a)

	S. No.	Name	Qualifications	Date of appointment	District to which they belong.
	1.	Sh. Darshan Kumar;	B. A.	11.9.69	Amritsar.
	2.	Sh. Raj Kumar Bhalla.	B. A.	17.9.68	Amritsar.
	3.	Sh. Subhash Chander Kansra	B. A.	5.9.69	Gurdaspur.
Left service after a couple of days.	4.	Sh. Devinder Kumar Sharma.	B. A.	5.9.69	Amritsar.
	5.	Sh. Resham Lal Kumar.	B. A.	9/69	Amritsar,
	6.	Sh. Kulbhushan	B. A.	6.11.69	Amritsar

(b) Graduate or diploma holder in Textile Engineering.

(c) Yes.

(d) By direct recruitment.

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

(e) No. The vacancies were filled up directly by the Department on Ad-hoc basis.

(f) The above appointments are Ad- hoc. There are still 12 posts vacant. Suitable candidates belonging to Scheduled Castes/Backward Classes will be appointed.

(g) The appointments were made on adhoc basis temporarily pending selection of candidates through Employment Exchange and/or Departmental Selection Committee whichever happened to be earlier.

TRANSFER OF OFFICIALS IN THE INDUSTRIES DEPARTMENT DURING 1969,

*1671. (C. U.) **Comrade Dana Ram** : Will the Minister for Inaustries be pleased to state :

(a) the number of officials in the Industries Department category-wise who were transferred during the general transfers in the year 1969;

(b) whether any transfer orders out of those mentioned in part (a) above were subsequently cancelled or changed; if so, their number and the reason therefor in each case;

(c) the total expenditure incurred in the cases where officials were to change more than one station after short intervals as a result of change in the original transfer orders mentioned in part (b) above ?

Chief Minister ; The required information is given below ad-seriatim :—

(a)	(i)	Gazetted.	9
	(ii)	Asst. Controller Wts. & Mrs.	2
	(iii)	B.L.E. Os.	18
	(iv)	Senior/Junior Inspector–Manager Indl. Estates Inspectors Wts. & Mrs. Insps/sub Inspectors Coop. Societies.	68
	(v)	Clerical Staff.	52
	(vi)	Foreman.	4
	(vii)	Junior Tech. Assts.	2
	(viii)	Laboratory Assts.	2
	(ix)	Manual Assts.	11
	(x)	Machine Man.	1
	(xi)	Peon/Chaukidar.	4

(b) (i) S/Shri B.K. Garg, D.I.O. Ferozepur and Mohinder Singh Store Inspection Officer were transferred, which orders

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

were subsequently cancelled on the representation of the latter.

(ii) The transfer orders regarding reversion/transfer of Shri K.S. Dhillon, Development Officer, on deputation with M/S Punjab Irons Ltd. as Planning-cum-Survey Officer, Malerkotla were cancelled as the Company decided to retain him on deputation.

(iii) Shri Surrinder Singh Gulati was re-transferred from Phillaur to Amritsar on compassionate grounds. Shri B.K. Puri was re-transferred from Bhunerheri to Ahmedgarh in order to adjust Shri Megh Raj from Rajpura to allow him to continue his LL. B. class at Patiala. Shri Jai Singh Cheema was re-transferred from Ropar to Saroya on the recommendations of D. C., Ropar and accordingly Shri Ranjit Singh Gill was re-transferred in place of Shri Cheema.

(iv) Shri S. D. Bhanot was re-transferred from Hoshiarpur to Batala against a vacant post at his own request under the orders of I.M.

Shri Kirpal Singh Tuli was re-transferred from Amritsar to Hoshiarpur on compassionate grounds under the orders of I.M.

Shri O. P. Gupta was re-transferred from Patiala to Ludhiana on compassionate grounds under the orders of I. M.

Shri Surrinder Singh Dhillon, Inspector Wts. & Mrs. was re-transferred under the orders of I.M.

Shri Lachhman Dass was re-transferred under the orders of I. M.

(v) Shri Mohinder Singh Dhillon, Loan Accountant was re-transferred from the office of A.M.O. Emporia Chandigarh to D.I.O.'s office Bhatinda on his representation that he should be transferred to his cadre.

Shri Sain Dass, Clerk was re-transferred from Batala to Jullundur on compassionate grounds under the orders of I.M.

Shri Harbans Lal Bhatia Assistant at Headquarters was transferred as Head Clerk in the office of I.A.R. Amritsar. He made a request for sending him back to his parent Department which was acceded to and as such the transfer orders were cancelled.

Shri Goverdhan Singh, Clerk, I.A.R. Ludhiana was transferred to D.R.I.'s office at Ludhiana. The official represented for allowing him to remain in the

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

office of the I.A.R. as his domestic affairs did not permit him to join D R I. office which was likely to be shifted to Chandigarh.

Shri Yash Pal Clerk, I.A.R. Amritsar was transferred in the office of Industrial Inspector, Coop. Societies Moga. He represented for allowing him to remain at Amritsar near his home place, Tarn Taran. Keeping in view the general instructions for posting the low paid employees near their home places, his request was acceded to.

Shri Mulakh Raj, Clerk, Emporia Organization, Chandigarh, was transferred to Jullundur. The official represented that he was under the medical treatment in the P.G.I. Hospital and as such he might be allowed to remain at Chandigarh. His request was accordingly acceded to.

(viii) S/Shri Amar Singh and Mohinder Singh, Laboratory Assistants were transferred during the annual transfers 1969. The transfer of Shri Amar Singh was ordered to be cancelled by the I.M. to allow him to continue his studies at Ludhiana and in order to make room for him, Shri Mohinder Singh was also shifted.

(c) Rs. 198.15

PROFESSORS IN GOVERNMENT MEDICAL COLLEGE, AMRITSAR

*1673. (C. U.) **Comrade Dana Ram** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :

(a) the names of Professors and Assistant Professors of Government Medical College, Amritsar who have been posted there (in any capacity) for more than 10 years as on 1.1.1970;

(b) the reasons for not transferring them from there ?

Chief Minister : (a) The list of Professors and Assistant Professors is given in annexure I which is laid on the Table of the House.

(b) They are transferred as and when need arises.

[(ੲ) ਪ੍ਰੋਫੈਸਰਾਂ ਅਥਵਾ ਸਹਾਇਕ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ (ਐਨੈਕਸ਼ਰ 1) ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਲੋੜ ਅਨੁਸਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਦਲ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

ਅਨੇਕਸ਼ਚਰ- 1

ਲੜੀ ਨੰ: 1	ਨਾਂ ਅਤੇ ਅਹੁਦਾ 2
1.	ਡਾ: ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਅਨਾਟਮੀ :
2.	ਡਾ: ਕੇ. ਐਸ. ਸਚਦੇਵਾ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਫਿਜ਼ਾਲੋਜੀ ।
3.	ਡਾ: ਐਨ. ਐਲ. ਚਿਟਕਾਰਾ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਪੈਥਾਲੋਜੀ ।
4.	ਡਾ: ਐਮ. ਐਲ. ਚੁੱਗਾ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਸੋਸ਼ਲ ਅਤੇ ਪਰੀਵੈਨਟਿਵ ਮੈਡੀਜਨ ।
5.	ਡਾ: ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਮੈਡੀਜਨ ।
6.	ਡਾ: ਯੁਧਵੀਰ ਸਚਦੇਵਾ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਸਰਜਰੀ ।
7.	ਡਾ: ਕੇ. ਐਸ. ਕੋਛੜ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਸਰਜਰੀ ।
8.	ਡਾ: ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਟੰਗ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਸਰਜਰੀ ।
9.	ਡਾ: ਐਮ. ਐਸ. ਨਿਰੰਕਾਰੀ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਅਫਥਲਮਾਲੋਜੀ ।
10.	ਡਾ: ਰਣਬੀਰ ਸਿੰਘ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਅਫਥਲਮਾਲੋਜੀ ।
11.	ਡਾ: ਜੀ. ਐਮ. ਤਨੇਜਾ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਈ. ਐਨ. ਟੀ.
12.	ਡਾ: ਐਸ. ਐਸ. ਮਨਚੰਦਾ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਪੈਡੀਆਰਿਕ ।
13.	ਡਾ: ਐਸ. ਆਰ. ਸਡਾਨਾ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਸਕਿਨ ਤੇ ਵੀ. ਡੀ.
14.	ਡਾ: ਜੇ. ਐਲ. ਭਾਟੀਆ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਟੀ. ਬੀ.
15.	ਡਾ: ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਅਨਿਸਥੀਸੀਆ ।
16.	ਡਾ: ਐਮ. ਐਲ. ਅਗਰਵਾਲ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਰੇਡਿਆਲੋਜੀ ।
17.	ਡਾ. ਸੀ. ਫਿਲੀਪਸ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਗਾਈ ਨੀ ।
18.	ਡਾ: ਕਿਰਪਾਲ ਕੌਰ, ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਗਾਈ ਨੀ ।
19.	ਡਾ: ਯੂ. ਕੇ. ਆਹੂਜਾ ਸ: ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਅਨਾਟਮੀ ।
20.	ਡਾ: ਆਰ. ਐਨ. ਮੁਕਰਜੀ. ਸਹਾਇਕ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਅਨਾਟਮੀ ।
21.	ਡਾ: ਵਾਟੀ, ਪੀ. ਭੰਡਾਰੀ, ਸਹਾਇਕ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ. ਰੇਡਿਆਲੋਜੀ ।
22.	ਡਾ: ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਸਹਾਇਕ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਮੈਡੀਸਨ ।
23.	ਡਾ: ਸੀ. ਐਲ. ਘਈ, ਸਹਾਇਕ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਫਿਜ਼ਾਲੋਜੀ ।
24.	ਡਾ: ਰਛਪਾਲ ਸਿੰਘ, ਸਹਾਇਕ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਆਰਥੋਪਿਡਕ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

UPGRADING OF GOVERNMENT MIDDLE SCHOOL, BHAMBOTAR DISTRICT HOSHIARPUR.

*1676. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) whether the Government have received the case of upgrading of Government Middle School, Bhambotar, Talwara Block, District Hoshiarpur, duly recommended by the D. E. O. (Hoshiarpur);

(b) whether it has come to the notice of the Government that Dr. Chandrawati daughter of late Rai Sahib Chaudhri Gian Chand, retired Divisional Inspector of Schools has offered to donate an amount of Rs. 10,000/- for upgrading the said School which is situated in the hilly backward area, to high standard;

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, whether the Government intend to give any priority in connection with the upgrading of the said school because of its being situated in backward hilly area and bordering Himachal Pradesh, during the year 1970-71 ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ੲੇ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ । ਗਰਾਮ ਪੰਚਾਇਤ ਭੰਬੋਤਾੜ ਦੇ ਮਤੇ, ਮਿਤੀ 27.7.1968, ਵਿਚ, ਸਕੂਲ ਦਾ ਪੱਧਰ ਉੱਚਾ ਕਰਨ ਬਾਰੇ ਡਾ: ਚੰਦਰਵਤੀ ਵਲੋਂ ਦਾਨ ਦੇਣ ਬਾਰੇ ਲਿਖਿਆ ਹੈ । ਪਰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਲਿਖਿਆ ਕਿ ਉਹ ਕਿੰਨੀ ਰਕਮ ਦਾਨ ਦੇਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਗੌਰਮਿੰਟ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ, ਭੰਬੋਤਾੜ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਨੂੰ ਚਾਲੂ ਸਕੂਲ ਸੈਸ਼ਨ (1.4.1970) ਤੋਂ ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਸਰਕਾਰੀ ਪਰਵਾਨਗੀ ਦੇ ਦਿਤੀ ਹੈ ।

FAMILY PLANNING OPERATIONS

*1680. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :

(a) the total number of Family Planning operations done in the State during the last six months, a statement showing the districtwise detail of each category of operations alongwith the names of the doctors who performed them as well as of the persons who got themselves operated upon during the said period be laid on the Table of the House;

(b) the details of the remuneration given to various categories of the employees of Health Department concerned with the said operations in each case;

(c) whether the Director, Health Services, Punjab has also received any amount in this connection during the last six months; if so, how much;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Shri Gian Chand Kharbanda]

(d) the details of the said cases operated upon by the Director of Health Services, himself;

(e) the details of the remuneration received in this connection by the predecessors of the present Health Services, Punjab during their tenures ?

ਸਿਹਤ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਜ਼ਿਲ੍ਹੇਵਾਰ ਨਸਬੰਦੀ ਦੇ ਅਪਰੇਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਅਗਸਤ, 1969 ਤੋਂ ਜਨਵਰੀ, 1970 ਦੇ ਸਮੇਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਅਨੁਲਗ 'ਏ' ਤੇ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਇਹ ਦੱਸਣਾ ਕਠਨ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਅਪਰੇਸ਼ਨ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੇ ਕਰਾਏ ਅਤੇ ਕਿਹੜੇ ਕਿਹੜੇ ਡਾਕਟਰਾਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਸਬੰਧਤ ਅਮਲੇ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਪਰੇਸ਼ਨਾਂ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ ।

(ਬੀ) ਵੱਖ ਵੱਖ ਅਮਲੇ ਨੂੰ ਮੁਆਵਜ਼ੇ ਦੀ ਰਕਮ ਅਨੁਲਗ 'ਬੀ' ਤੇ ਨੱਥੀ ਕੀਤੇ ਪੈਟਰਨ ਅਨੁਸਾਰ ਅਗਸਤ. 1969 ਤੋਂ ਜਨਵਰੀ, 1970 ਤਕ ਦਿਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਇਸ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦੀ ਅਦਲਾ ਬਦਲੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ । ਇਹ ਦੱਸਣਾ ਕਠਨ ਹੈ ਕਿ ਹਰ ਕੇਸ ਵਿਚ ਅਜਿਹੀ ਰਕਮ ਕਿਹੜੇ ਕਿਹੜੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਕਿੰਨੀ ਕਿੰਨੀ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ।

(ਸੀ) ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਪਰਿਵਾਰ ਨਿਯੋਜਨ ਪੰਜਾਬ ਨੇ ਅਗਸਤ, 1969 ਤੋਂ ਜਨਵਰੀ, 1970 ਤਕ ਨਸਬੰਦੀ/ਨਲਬੰਦੀ ਉਪਰੇਸ਼ਨ ਕਰਨ ਦਾ ਕੋਈ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ।

(ਡੀ) ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਪਰਿਵਾਰ ਨਿਯੋਜਨ ਦੇ ਸਰਜਨਾਂ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਤਰੀਕੇ ਦੀ ਸਿਖਿਆ ਦੇਣ ਦੇ ਮੰਤਵ ਨਾਲ ਤਕਰੀਬਨ ਅਗਸਤ, 1969 ਤੋਂ ਜਨਵਰੀ, 1970 ਤਕ 50 ਅਪਰੇਸ਼ਨ ਕੀਤੇ ਪਰੰਤੂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਪਰੇਸ਼ਨਾਂ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਦੱਸਣਾ ਕਠਨ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਰਿਕਾਰਡ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ।

(ਈ) ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਰੀਕਾਰਡ ਨੂੰ ਵੇਖਣ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗ ਸਕਿਆ ਹੈ ਪਿਛਲੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰਾਂ ਨੇ ਵੀ ਆਪਣੇ ਸਮੇਂ ਨਸਬੰਦੀ/ਨਲਬੰਦੀ ਅਪਰੇਸ਼ਨਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਪੈਸਾ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ANNEXURE 'A'

Statement Showing The Family Planning Operations Done During The Last 6 Months i. e. August 1969 To January, 1970 of the Punjab State.

	Vas	Tube.	Total
For the State as a whole.	6044	15990	22034

Sr. No.	Name of District	Vasectomy operations	Tubectomy operations	Total
1.	Amritsar	578	1538	2116
2.	Jullundur	1107	896	2003
3.	Ludhiana	713	985	1698
4.	Kapurthala	470	359	829
5.	Ferozepur	500	3910	4410
6.	Bhatinda	149	3157	3306
7.	Patiala	639	1209	1848
8.	Ropar	149	556+14	719
9.	Sangrur	583	1217	1800
10.	Gurdaspur	337	1460	1797
11.	Hoshiarpur	819	689	1508
		6044	15990	22034

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਿਹਤ ਮੰਤਰੀ]

ANNEXURE 'B'

Approved pattern of compensation money for family planning operations i. e. Vasectomy and Tubectomy operations.

Vasectomy Operations :

(i)	Payment to the patient	Rs.	12/-	
(ii)	Payment to Motivator	Rs.	5/-	
(iii)	Payment to the Doctor	Rs.	8/-	(*)
(iv)	For Medicines	Rs.	2/-	
(v)	For Refreshment	Rs.	1/-	
(vi)	For transport	Rs.	2/-	
		Rs.	30/-	

(*) Out of this amount, the surgeon shall pay 25% to the helping para medical staff. 25% to the Anaesthetist. If Surgeon gives Anaesthesia himself, he can retain the share of Anaesthetist.

Tubectomy Pattern of Rs. 40/- (For Hospital)

(i)	Payment to the Patient	Rs.	12/-	
(ii)	Payment to the Motivator	Rs.	4/-	
(iii)	Payment to the Doctor	Rs.	15/-	( )
(iv)	Medicines	Rs.	9/-	
(*)	As above in case of Vasectomy operations)	Rs.	40/- 00	

Tubectomy Pattern of Rs. 65/-(For Small Camps)

(i)	Payment to the patient	Rs.	12/-	
(ii)	Payment to the Motivator	Rs.	4/-	
(iii)	Payment to the Doctor	Rs.	15/-	(*)
(iv)	For Medicines	Rs.	9/-	
(v)	For Transport	Rs.	10/-	
(iv)	For Diet	Rs.	15/-	
		Rs.	65/-	

(*) Out of this compensation money. the doctor will pay 25% to the para medical staff and out of the remaining 75%, he will keep 40% for himself, 15%, to the Anaesthetist and 20% to the local doctor helping in the camp

Tubectomy Pattern of Rs. 90/- (For large camp where atleast 200/300 cases are operated)

(i)	Payment to the Patient	Rs.	35/-	
(ii)	Payment to the Motivator	Rs.	10/-	
(iii)	Payment to the Doctor	Rs.	20/-	(*)
(iv)	For Medicines	Rs.	18/-	
(v)	For Transport	Rs.	7/-	
		Rs.	90/-	

(*) As above in the pattern of Rs. 65/- above)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

EMPORIA

*1683. (C. U.) **Comrade Dana Ram** : Will the Minister for Industries be pleased to :

(a) state the names of places in the State where the Punjab Government is having Emporia;

(b) lay on the Table of the House a statement showing the total sales in each of the said Emporia during the last five years ending 1968–69 as well as the net profit or loss in case of each during the same period.

(c) state the details of the staff employed at each of the said Emporia and the total salary bill in case of each during each of the last five years ending 1968-69 ?

Industries Minister : (a) Amritsar, Jullundur, Ludhiana and Patiala within the State of Punjab and Chandigarh and Delhi outside the State.

(b) The statement is laid on the Table of the House.

(c) The requisite information is laid on the Table of the House.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Industries Minister]

ANNEXURE 'A'

Statement showing the sales, profit or loss in respect of each Emporia for the year 1964-65 to 1968-69.

S. No.	Name of the Emporium	1964-65		1965-66		1966-67		1967-68		1968-69	
		Total Sales.	Profit or loss	Total Sales.	Profit or loss	Total Sales.	Profit or loss	Total Sales.	Profit or loss	Total Sales.	Profit or loss
1.	Chandigarh	4,33,269	+11578	3,03,694	+3960	4,69,871	+8201	3,71,175	— 1383	2,22,519	—1317
2.	Patiala	3,42,943	+15030	3,09,612	+5924	1,51,913	—4546	4,42,016	+ 8801	87997	—17332
3.	Amritsar	3,32,939	+18021	2,09,377	+4967	3,88,324	+15235	3;24,990	+ 5995	1,59,145	—14806
4.	New Delhi	2,58,456	+ 1095	3,06,144	+ 399	2,57,306	—4829	1,63,650	—14185	94,742	—179,23
5.	Jullundur	2,30259	+11671	5,21,081	+47512	2,20,047	+8744	5,33,676	+33644	26,534	—20591
6.	Ludhiana	Started in the year 1966-67				45,840	- 26606	2,60,396	+ 3039	1,11,778	—17933

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Pan

ANNEXURE 'B'

Statement showing the details of staff sanctioned and salary paid for the years 1964-65. to 1968-69

S. No.	Name of the Emporium.	Sanctioned staff for the year 1964-65 to 1968-69.	Total salary paid to staff 1964-65.	1965-66.	1966-67	1967-68	1968-69
1.	Chandigarh	One Sales Manager in grade Rs. 300-700 Two Sales girls in grade 200-450. One Accountant in grade 160-400. One Packer in grade 75-105. One Peon in grade Rs. 70-2-90. One Chowkidar in grade 70-2-90.	21988/-	31153/-	18692/-	18658/-	20664/-
2.	Patiala.	As in No. 1.	15151/-	12487/-	12273/-	23824/-	21152/-
3.	Amritsar.	As in No. 1.	11574/-	14055/-	13597/-	18825/-	24119/-
4.	New Delhi	One Sales Manager in grade 300-700 Two Sales Girls in grade 200-450. One Accountant in grade 160-400 One Packer in grade 75-3-105. One Peon in grade 70-2-90. One Chowkidar in grade 70-2-90. One Clerk in grade 110-250.	18585/-	18163/-	19906/-	24834/-	23708/-
5.	Jullundur	One Sales Manager in grade 200-450 +S. Pay Rs. 50/- One Sales girl in grade 200-450 One Packer in grade 75-3-105. One Peon in grade 70-2-90. One Chowkidar in grade 70-2-90.	7320/-	6712/-	8900/-	10500/-	14024/-
6.	Ludhiana.	As in No. 5	Started from 1966-67.		9658/-	11514/-	15261/-

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

QUOTATIONS INVITED BY THE DIRECTOR, HEALTH SERVICES, PUNJAB FOR PURCHASE OF PANELS AND BOARDS.

*1684. (C. U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Minister of State for Industries and Health with reference to the reply to starred question No. 527 included in the supplementary list of unstarred questions for 25.4.1969 be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the sample of item 'J' was not only inspected by the Assistant Director (F. P.) on 19.11.68 but also approved by him;

(b) whether the Director of Health Services was requested by the firm to intimate any defect or improvement desired by him in it; if so, whether this was done by the Director of Health Services ?

Industries & Health Minister : (a) The sample of item No. 'J' was seen by Dr. Gurdial Singh, Assistant Director Family Planning along with Dr. J. S. Sarkaria, Assistant Director (Food & Drugs) and the firm was directed to produce it before the Director Health and Family Planning Punjab for approval. The question of approval of sample of item No. 'J' by Dr. Gurdial Singh does not as such arise.

(b) Yes, vide letter dated 28.11.68. Since the Director, Health & Family Planning, Punjab had already cancelled the orders after seeing the sample produced before him for approval on 20.11.68 the question of intimating any defect or improvement to the firm does not arise.

[(ੲ) ਮੱਧ 'ਜੇ' ਵਾਲੇ ਸੈਂਪਲ ਡਾ: ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ, ਸਹਾਇਕ ਡਾਇਰੈਕਟਰ. ਪਰਵਾਰ ਨਿਯੋਜਨ ਸਮੇਤ ਡਾ: ਜੇ. ਐਸ. ਸਰਕਾਰੀਆ. ਸਹਾਇਕ ਡਾਇਰੈਕਟਰ (ਫੂਡ ਤੇ ਡਰੱਗਜ) ਨੇ ਵੇਖਿਆ ਅਤੇ ਫਰਮ ਨੂੰ ਸੈਂਪਲ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਿਹਤ ਤੇ ਪਰਵਾਰ ਨਿਯੋਜਨ, ਪੰਜਾਬ ਅਗੇ ਪਰਵਾਨਗੀ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਹਦਾਇਤ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੱਦ 'ਜੇ' ਵਾਲੇ ਸੈਂਪਲ ਨੂੰ ਡਾ: ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਦੇ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ, ਪੱਤਰ ਮਿਤੀ 28.11.1968 ਰਾਹੀਂ। ਕਿਉਂਕਿ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਪਰਵਾਰ ਨਿਯੋਜਨ, ਪੰਜਾਬ ਨੇ ਸੈਂਪਲ ਨੂੰ. ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਉਹਨਾਂ ਅਗੇ ਪਰਵਾਨਗੀ ਲਈ 20.11.1968 ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ. ਵੇਖ ਕੇ ਆਰਡਰ ਨੂੰ ਕੈਂਸਲ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਸੀ, ਇਸ ਲਈ ਫਰਮ ਨੂੰ ਸੈਂਪਲ ਦੇ ਨੁਕਸ ਜਾਂ ਸੁਧਾਰ ਬਾਰੇ ਦੱਸਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ।]

MEMORANDUM SUBMITTED BY THE PUNJAB SUBORDINATE SERVICES FEDERATION.

*1686. (C.U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Minister for Finance be pleased to state :

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

(a) whether the Punjab Subordinate Services Federation submitted a memorandum to the Government demanding merger of full dearness pay and dearness allowance in the basic pay and then to reconstitute the pay structure of Punjab Government employees; if so, a copy of the said memorandum be placed on the Table of the House;

(b) the steps, if any, being taken by the Government to meet the said demand ?

Finance Minister : (a) Relevant extract from the "note on basic principles" appended to letter No. PSSF/2343-45, dated 9 9.1969, addressed by Shri Ranbir Dhillon, General Secretary of Punjab Subordinate Service Federation, Chandigarh (Dhillon Group), to the members of the Cabinet Sub-Committee is sub-joined :

Dearness allowance Declared Dearness pay in Andhra.

Much before the report of National Labour Commission on merger of D. A. in basic pay, the Andhra Pradesh Government vide its Finance Department G. O. No. 175 dated 13.8.69 has declared that the following amount of theD. A. (i. e. D. A. at 175 points) shall be dearness pay for the purpose of pension and gratuity.

Pay Slab	Amount of D. A. Declared Dearness Pay
Pay upto Rs. 90	Rs. 47
—do— Rs. 90-149	Rs. 70
—do— Rs. 150-209	Rs. 90
--do— Rs. 210-399	Rs. 110
—do— Rs. 400-999	Rs. 120

"The Federation while negotiating with the Cabinet Sub-Committee will concentrate first to get the new pay schedule prepared on the basis of new developments and changes that have taken place."

When the representatives of this Group of Federation appeared before the Cabinet Sub-Committee on 22.9.69, they demanded that Dearness Allowance related to point 175 of the All India Consumers' Price Index should be merged in the pay scales.

(b) The matter has since been considered by Government and it has been decided to convert that portion of Dearness Allowance which is related to point 175 of the All India Consumers' Price Index, into Dearness Pay.

CHARGES COLLECTED FROM THE PUPILS IN PRIVATE AIDED SCHOOLS.

*1688. (C. U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) whether the Government are aware of the fact that a large number of Managements of private schools in the State collect many charges from the pupils, which are not shown in the acco-

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Babu Singh Master]

unts submitted to the Government;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether the Government proposes to take any action to check and prevent this ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ੳ) ਹੁਣ ਤੱਕ ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਚਾਰ ਮਾਨਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਸਕੂਲਾਂ ਦੇ ਕੇਸ ਆਏ ਹਨ ।

(ਅ) ਮਾਮਲੇ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕਰਵਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਉਪਰੰਤ ਸਬੰਧਤ ਸਕੂਲਾਂ ਤੇ ਪ੍ਰਬੰਧਕਾਂ ਵਿਰੁੱਧ ਜ਼ਾਬਤੇ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ।

DEMARCATION OF WARDS IN MANSA MUNICIPALITY

*1689. (C. U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Minister for Local Government be pleased to state :

(a) whether in the case of Mansa Municipality wards for fresh elections have been demarcated; if so, whether double wards have been split into single-ward;

(b) the total number and names of the wards which have been made reserve wards;

(c) the percentage of Scheduled Caste population in the said reserve wards;

(d) the percentage of Scheduled Caste population in other i. e. in general wards;

(e) whether any objections were received by the Deputy Commissioner, Bhatinda, Director Local Government, (Elections), Punjab and the Secretary, Local Government Punjab, in connection with the demarcation of the said wards, if so, the number of such objections, the names of those from whom these were received and the nature thereof;

(f) whether the said objections were in time; if so, the name of the officer who considered them and the nature of decision taken thereon ?

ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ;

(ਬੀ) ਤਿੰਨ ਵਾਰਡ ਨੰ: 10 ਏ, 11ਏ ਅਤੇ 12ਏ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਲਈ ਰਾਖਵੇਂ ਰਖੇ ਗਏ ਹਨ ।

(ਸੀ,ਡੀ,ਈ ਅਤੇ ਐਫ) ਸਬੰਧਤ ਸੂਚਨਾ ਬਤੌਰ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਹਾਊਸ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

[(a) Yes;

(b) Three ward Nos. 10A, 11A and 12A have been reserved for the members of the Scheduled Castes.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(c,d,e & f) Astatement containing the requisite information is placed on the Table of the House.]

ਸਟਟਮੈਂਟ ਸੂਚੀ

(ਸੀ) ਰੀਜ਼ਰਵ ਵਾਰਡਾਂ ਵਿਚ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੀ ਆਬਾਦੀ ਦੀ ਨਿਸਬਤ ਪ੍ਰਤੀ-ਸੈਂਕੜਾ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੈ :

ਵਾਰਡ ਨੰ: 10ਏ (ਇਕ ਮੈਂਬਰੀ)	47.09%
ਵਾਰਡ ਨੰ: 11ਏ (ਇਕ ਮੈਂਬਰੀ)	61.95%
ਵਾਰਡ ਨੰ: 12ਏ (ਇਕ ਮੈਂਬਰੀ)	18.65%

(ਡੀ) ਜਨਰਲ ਵਾਰਡਾਂ ਵਿਚ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੀ ਆਬਾਦੀ ਦੀ ਨਿਸਬਤ ਪ੍ਰਤੀ ਸੈਂਕੜਾ ਇਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਹੈ :

ਵਾਰਡ ਨੰ: 10 (ਇਕ ਮੈਂਬਰੀ)	44.02%
ਵਾਰਡ ਨੰ: 11 (ਇਕ ਮੈਂਬਰੀ)	14.38%
ਵਾਰਡ ਨੰ: 12 (ਇਕ ਮੈਂਬਰੀ)	14.88%

(ਈ) ਹਾਂ ਜੀ । ਤਿੰਨ ਇਤਰਾਜ਼ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਏ । ਇਤਰਾਜ਼ ਦੀ ਨੇਚਰ ਥਲੇ ਦਰਜ ਗਈ ਹੈ :

1. ਵਲੋਂ ਸ਼੍ਰੀ ਰੋਸ਼ਨ ਲਾਲ : ਵਾਰਡ ਨੰ: 10,10ਏ ਅਤੇ 8 ਵਾਰਡਾਂ ਵਿਚ ਤਬਦੀਲੀ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਹਾ ਅਤੇ ਵਾਰਡ ਨੰ: 10 ਵਿਚੋਂ ਇਕ ਬਲਾਕ ਕਢ ਕੇ ਵਾਰਡ ਨੰ: 10ਏ ਵਿਚ ਪਾਇਆ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਕੁਝ ਬਲਾਕ ਵਾਰਡ ਨੰ: 8 ਵਿਚੋਂ ਕਢ ਕੇ ਵਾਰਡ ਨੰ: 10 ਵਿਚ ਪਾਏ ਜਾਣ ਲਈ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ।

2, ਵਲੋਂ ਸ਼੍ਰੀ ਸੋਹਨ ਲਾਲ : ਵਾਰਡ ਨੰ: 12ਏ ਦੀ ਜਗ੍ਹਾ ਵਾਰਡ ਨੰ: 12 ਅਨਰਿਜ਼ਰਵਡ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਲਈ ਰੀਜ਼ਰਵ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਕਿਉਂਕਿ ਵਾਰਡ ਨੰ: 12 ਅਨਰਿਜ਼ਰਵਡ ਵਿਚ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੀ ਆਬਾਦੀ ਵਧ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਗਲੀ ਰਾਮਦਾਸੀਆਂ ਵਾਰਡ ਨੰ: 12 ਵਿਚੋਂ ਕੱਢ ਕੇ ਵਾਰਡ ਨੰ: 12 ਵਿਚ ਪਾਇਆ ਜਾਏ ।

3. ਵਲੋਂ ਵਾਰਡ ਨੰ: 12ਏ ਦੇ ਵਸਨੀਕਾਂ : ਵਾਰਡ ਨੰ: 12ਏ ਦੀ ਜਗ੍ਹਾ ਵਾਰਡ ਨੰ: 12 ਅਨਰਿਜ਼ਰਵਡ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਲਈ ਰੀਜ਼ਰਵ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਕਿਉਂਕਿ ਵਾਰਡ ਨੰ: 12 ਅਨਰਿਜ਼ਰਵਡ ਵਿਚ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੀ ਅਬਾਦੀ ਵਧ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਗਲੀ ਰਾਮਦਾਸੀਆਂ ਨੂੰ ਵਾਰਡ ਨੰ: 12 ਵਿਚੋਂ ਕਢ ਕੇ ਵਾਰਡ ਨੰ: 12 ਏ ਵਿਚ ਪਾਇਆ ਜਾਵੇ ।

(ਐਫ) ਪੰਜਾਬ ਨੋਟੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਮਿਤੀ 9/12/69 ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਇਤਰਾਜ਼ ਜਾਂ ਸੁਝਾਉ ਸਰਕਾਰ ਨੇ 19/12/69 ਤਕ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨੇ ਸਨ । ਮਿਥੀ ਹੋਈ ਮਿਤੀ ਤਕ ਕੋਈ ਭੀ ਇਤਰਾਜ਼ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਇਕ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਮਾਨਸਾ ਦੇ ਵਾਰਡ ਨੰ: 12 ਅਤੇ 12ਏ ਬਾਰੇ 1/1/70 ਨੂੰ ਸ਼੍ਰੀ ਸੋਹਨ ਲਾਲ ਵਲੋਂ ਅਤੇ ਦੂਜਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਸ਼੍ਰੀ ਤੇਜਪਾਲ ਮਾਲਵਾ ਅਤੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ ਮੰਤਰੀ]

ਹੋਰ ਵਸਨੀਕਾਂ ਵਲੋਂ 5/1/70 ਨੂੰ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਦਫਤਰ ਵਿਚ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਇਆ। ਇਕ ਹੋਰ ਇਤਰਾਜ਼ ਮਿਤੀ 19/12/69 ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਕਾਰਜ ਸਾਧਕ ਅਫਸਰ ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਮਾਨਸਾ ਨੂੰ ਐਡਰੈਸਡ ਸੀ, ਡੀ.ਸੀ. ਬਠਿੰਡਾ ਨੇ ਉਪ ਮੰਡਲ ਅਫਸਰ (ਸ) ਮਾਨਸਾ ਦੀ ਟਿਪਣੀ ਸਮੇਤ 29/12/69 ਨੂੰ ਸਕੱਤਰ ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਭੇਜਿਆ। ਇਹਨਾਂ ਇਤਰਾਜ਼ਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਚੋਣ ਦਫਤਰ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਕੇਸ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਿਚਾਰਨ ਉਪਰੰਤ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਤਰਾਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਰੱਦ ਕਰਨ ਦਾ ਅਤੇ ਡਰਾਫਟ ਨੋਟੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਫਾਈਨਲ ਛਪਵਾਉਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ।

STATEMENT

[(c) The percentage of Scheduled Caste population in the reserved wards is :

Ward No. 10A	(SM)	47.09%
Ward No. 11A	(SM)	61.95%
Ward No. 12A	(SM)	18.65%

(d) The percentage of Scheduled Caste population in the General Wards is :

Ward No. 10	44.02%
Ward No. 11	14.38%
Ward No. 12	14.88%

(e) Yes, 3 objections were received. The brief nature of objections has also been indicated below :

1. **From Shri Roshan Lal** : A block may be excluded from W.No. 10 and added to W.No. 10A, certain blocks be excluded from W.No. 8 and included in ward No. 10 (S.M.)

2. **From Sohan Lal** : Ward No. 12A may be made as General and 12 (SM) unreserved be reserved for the Scheduled Castes as the population of the Scheduled Castes in reserved ward is less than single member unreserved ward. Besides this, it was suggested that street Ramdassian may be excluded from W. No. 12 and included in Ward No. 12A.

3. **From Residents of Ward No. 12A** : Ward No. 12A may be made as general and 12 (SM) be reserved for the Scheduled Castes as the population of the Scheduled Castes in reserved ward is less than unreserved single-member ward. Besides this, it was suggested that street Ramdassian may be excluded from Ward No. 12 and included in ward No. 12A.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(f) According to the Punjab Notification dated the 9th December, 1969 objections or suggestions were to be received by the Government by the 19th December, 196 . No objections were received by the Government by the said date. One objection was received from Sh. Sohan Lal of Mansa regarding wards 12 and 12A and one from Sh. Tej Paul Malwa and some others of Mansa. The first was received on 1.1.70 and the second on 5.1.70 by the Director Local Government, Punjab. Both were thus time-barred. Another objection dated 19.12.69 addressed to the Executive Officer Municipal Committee. Mansa was forwarded by the Deputy Commissioner, Bhatinda with the comments of the Sub-Divisional Officer (C) Mansa and his own comments on 29.12.69. These objections were examined by the Municipal Elections Office, Punjab and submitted to the Government. After due consideration of the case the Government decided to over-rule the objections and to confirm the draft notification.]

PROVIDING FACILITIES FOR UN-EMPLOYED ENGINEERS.

*1692. (C.U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether the Government propose to provide facilities and help the unemployed engineers in the State for setting up their own professions; if so, the details of the plan, if any, formulated by the Government in this regard be laid on the Table of the House;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the number of unemployed engineers who are entitled for help under the said scheme upto the end of the year 1969.

(c) the total amount proposed to be spent on the said scheme ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਬੀ ਅਤੇ ਸੀ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

REPRESENTATION REGARDING PAY/D.A. ETC. OF EMPLOYEES PROVISIONALLY ALLOCATED TO HIMACHAL BUT WHOSE FINAL ALLOCATION IS IN PUNJAB.

*1693. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Chief Minister be pleased to state whether in the month of November, 1969, the Chief Minister received a representation/letter from any legislator in connection with the Pay, D.A.etc. of the employees whose provisional allocation was made in Himachal Pradesh but whose final allocation was in Punjab; if so, the decision if any, taken thereon ?

Chief Minister : Yes : A representation was received from the

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

Hon'ble Member in November, 1969, on this subject. The Hon'ble Member was vide D.O. letter N. 297-2RnII-70/1442, dated the 20th January, 1970. informed that the change in allocation of these employees was in the nature of a concession extended to them on the basis of their representations. The question of giving them the revised grades at par with the employees allocated in Punjab for the period they worked in Haryana or Himachal Pradesh does not arise. A copy of Finance Department Circular letter No. 8107-3FR-69/26516, dated 2.12.1969 containing instructions issued in this behalf was also sent to him for information.

[ਹਾਂ ਜੀ। ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੂੰ ਇਕ ਪ੍ਰਤੀ-ਬੇਨਤੀ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਵਲੋਂ ਨਵੰਬਰ 1969 ਵਿਚ ਆਈ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਵਲੋਂ ਅੱਧ ਸਰਕਾਰੀ ਪੱਤਰ ਨੰ: 297-2ਆਰ-ਐਨII-70/1442, ਮਿਤੀ 20-1-70 ਰਾਹੀਂ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਹਰਿਆਣਾ ਤੇ ਹਿਮਾਚਲ ਤੋਂ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਐਲੋਕੇਸ਼ਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰਤੀ-ਬੇਨਤੀਆਂ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਅਤੇ ਇਕ ਰਿਆਇਤ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਸਮੇਂ ਵਾਸਤੇ ਜਿਸ ਸਮੇਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹਰਿਆਣਾ ਤੇ ਹਿਮਾਚਲ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਗਰੇਡ ਦੇਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਵਿੱਤ ਵਿਭਾਗ ਵਲੋਂ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜੋ ਕਿ ਗਸ਼ਤੀ ਪੱਤਰ ਨੰ: 8107-ਐਫ ਆਰ-69/26516, ਮਿਤੀ 2-12-69 ਰਾਹੀਂ ਜਾਰੀ ਹੋਈਆਂ ਸਨ। ਉਸ ਦੀ ਕਾਪੀ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵਾਸਤੇ ਇਸ ਪੱਤਰ ਨਾਲ ਭੇਜੀ ਗਈ ਸੀ।]

CONSTRUCTION OF SYPHON AND BRIDGE ON SOHAL DRAIN IN VILLAGE SUR SINGH DISTRICT AMRITSAR

*1695. (C. U.) **Comrade Darshan Singh Jhabal** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) the time since when the work on the construction of syphon for the flowing of canal water and a bridge on Sohal Drain, village Sur Singh, district Amritsar was started;

(b) the portions of works on the said syphon and the bridge so far completed;

(c) if no work has been executed on the syphon and the bridges referred to in part (b) above, the reasons therefor alongwith the action taken against the persons who are responsible for delay in completing the said work ?

Irrigation And Power Minister : (a) Not yet started.

(b) In view of (a) above, question does not arise.

(c) The syphon could not be constructed for want of funds and as such, no body is responsible for delay.

[(ੳ) ਅਜੇ ਸ਼ੁਰੂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ।

(ਅ) ਉਪਰੋਕਤ (ੳ) ਅਨੁਸਾਰ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

(ਏ) ਫੰਡ ਨਾ ਹੋਣ ਕਾਰਣ ਸਾਈਟ ਪਲਾਨ ਬਣਾਇਆ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਿਆ । ਇਸ ਲਈ ਦੇਰੀ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਜ਼ੁਮੇਵਾਰ ਨਹੀਂ ।]

COMPLAINT AGAINST B.E.O. INCHARGE GOVERNMENT PRIMARY SCHOOL, NAWAN GAON, TEHSIL KHARAR.

*1697. (C. U.) **Vaid Kartar Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the B. E. O. paid a visit to Government Primary School, Nawan Gaon, tehsil Kharar on the 10th Jan., 1970;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative. whether th D.E.O. Ropar received any complaint verbal or written againse the undesirable behaviour of the said B.E O. towards one of thet teachresses during his said visit;

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, the details of the action taken by the D.E.O. against the B.E.O. if no action has, so far, been taken, the reasons therefor;

(d) whether it is further a fact that the B.E O. referred to above in order to harass the teachress mentioned in part (b) above obtained any application from another teachress of the said school against her who after levelling baseless allegations against her colleague later stated in writing that these allegations should not oe inquired into; if so, the action, if any, being taken against the B.E.O. for indulging in such irregularities ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ । ਜ਼ਬਾਨੀ ਸ਼ਕਾਇਤ ਕੀਤੀ ਸੀ ।

(ਸੀ) ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ ਰੋਪੜ ਨੇ ਬੀ.ਈ.ਓ.-ਖਰੜ-1 ਨਾਲ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਨਿਰਮਲ ਕੁਮਾਰੀ ਟੀਚਰ ਵਲੋਂ ਜ਼ਬਾਨੀ-ਸ਼ਕਾਇਤ ਬਾਰੇ ਗਲਬਾਤ ਕੀਤੀ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਬੀ.ਈ.ਓ. ਨੇ ਭਰੋਸਾ ਦਿਵਾਇਆ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਿਸ ਨਾਲ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਨਿਰਮਲ ਕੁਮਾਰੀ ਨੂੰ ਕੋਈ ਰੋਸ ਹੋਵੇ । ਇਸ ਤੋਂ ਉਪਰੰਤ ਹਾਲਾਂ ਤਕ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਨਿਰਮਲ ਕੁਮਾਰੀ ਨੇ ਕਦੀ ਵੀ ਲਿਖਤੀ/ਜ਼ਬਾਨੀ ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਸ਼ਕਾਇਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਬੀ.ਈ.ਓ. ਖਰੜ-1 ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ।

(ਡੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ । ਇਕ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਇਸ ਬੀ.ਈ.ਓ, ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਦੂਜੀ ਟੀਚਰੈਸ ਨੇ ਦਿਤੀ ਸੀ, ਜਿਸ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰ ਕੇ ਇਸ ਬੀ.ਈ,ਓ. ਨੇ ਦੋਹਾਂ ਟੀਚਰੈਸਾਂ ਵਿਚ ਸਮਝੌਤਾ ਕਰਾ ਦਿਤਾ ਸੀ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ALLOCATION OF CERTAIN CATEGORY OF P. A. P. PERSONNEL TO HARYANA AND HIMACHAL PRADESH

*1718.(C.U.) **Sardar Santokh Singh Randhawa** : Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that the employees ranging from Constable to A. S. I's rank in the P A. P. were not allocated to either Haryana or Himachal Pradesh at the time of re-organisation of Punjab on 1.11.196 ; if so, the reasons therefor ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨਹੀਂ ਜੀ । ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਪੁਨਰ-ਗਠਨ ਦੇ ਸਮੇਂ 4 ਪੀ. ਏ.ਪੀ. ਦੀਆਂ ਬਟਾਲੀਅਨਾਂ (6ਵੀਂ, 8ਵੀਂ, 9ਵੀਂ ਅਤੇ 22ਵੀਂ) ਅਤੇ 36 ਬਟਾਲੀਅਨ ਦਾ ਕੁੱਝ ਹਿੱਸਾ ਹਰਿਆਣੇ ਨੂੰ ਐਲੋਕੇਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਚੌਥੀ ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਬਟਾਲੀਅਨ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਹਿਮਾਚਲ ਪਰਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਐਲੋਕੇਟ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ । ਉਪਰੋਕਤ ਲਿਖੀ ਹਰ ਬਟਾਲੀਅਨ ਦੀ ਨਫਰੀ 21 ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰ, 138 ਹਵਾਲਦਾਰ ਅਤੇ 642 ਸਿਪਾਹੀ ਸੀ । ਇਹ ਸਾਰੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਜਿਸ ਰਾਜ ਨੂੰ ਇਹ ਬਟਾਲੀਅਨਾਂ ਗਈਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਰਾਜਾਂ ਨੂੰ ਐਲੋਕੇਟ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਸਮਝੇ ਗਏ ਸੀ ।

QUANTUM OF WATER IN CERTAIN CANAL BRANCHES.

*1720. (C. U.) 1. **Comrade Babu Singh Master** : 2. **Sardar Ajit Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:

(a) the quantum of water in cusecs in Malerkotla Branch and Sirhind Canal Bhatinda Branch;

(b) the quantum of water in cusecs in the canals running in Amritsar district;

(c) the causes of disparity together with the details of reasons for this discrimination and steps taken to remove this disparity;

(d) the period for which the canals mentioned in parts (a) and (b) above remained closed in the months of January and February, 1970 ?

Irrigation & Power Minister : (a) the quantum of water in the Kotla Branch and Bhatinda Branch of Sirhind Canal System is supplied with a water-allowance of 2.04 cusecs pe. %0 acres at outlet head for the area lying North-East of Ferozepore Jakhal Ridge Line and 2.4/3.05 Cusecs per %0 acres for the area lying South-West of Ferozepore Jakhal Ridge Line.

(b) The quantum of water in the canals running in Amritsar Distt. is supplied with a water-allowance of 3.5 cusecs per %0 acres. at outlet head.

(c) The water allowance of each tract has been fixed keeping in view the various technical aspects of the area. The capacity factors on the U. B. D. C. are low as compared to those on the S. C. System being 0.67 and 0.76 respectively. The water-allowance of the channels lying south-west of Ferozepore Jakhal Ridge Line is to be increased to 3.05 cusecs at outlet head when the supplies are available after completion of Sutlej Beas Link and Thein Dam.

Orig[inal with;]
Punj[ab] Vidhan Sabha
Digi[tiz]ed by;
Panj[ab] Digital Library

(d) The detail is as follows :

Name of Canal.	Period for which remained closed. January, 1970	February, 1970
Sirhind Canal System		
1. Kotla Branch (Malerkotla Br.)	18 days.	12 days.
2. Bhatinda Branch.	11 days.	16 days.
Canals Running in Amritsar District.		
1. Lahore Branch.	21 days.	18 days.
2. Main Branch Lower.	23 days.	24 days.
3. Kasur Branch Lower.	22 days.	18 days.
4. Sabraon Branch.	23 days.	13 days.

[(ੳ) ਸਰਹੰਦ ਨਹਿਰ ਸਿਸਟਮ ਦੀਆਂ ਕੋਟਲਾ ਅਤੇ ਬਠਿੰਡਾ ਸ਼ਾਖਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਪਾਣੀ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਜਾਖਲ ਰਿੱਜ ਲਾਈਨ ਦੇ ਉਤਰ ਪੂਰਬੀ ਰਕਬੇ ਲਈ ਮੋਘਿਆਂ ਦੇ ਹੈਡ ਉਪਰ 2.04 ਕਿਉਸਿਕਸ ਪ੍ਰਤੀ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਪਾਣੀ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਅਤੇ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਜਾਖਲ ਰਿੱਜ ਲਾਈਨ ਦੇ ਦੱਖਣ ਪੱਛਮ ਵਿੱਚ ਪੈਣ ਵਾਲੇ ਰਕਬੇ ਲਈ 2.4/3.05 ਕਿਉਸਿਕਸ ਪ੍ਰਤੀ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਛੱਡੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(ਅ) ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿੱਚ ਚੱਲਣ ਵਾਲੀਆਂ ਨਹਿਰਾਂ ਲਈ ਪਾਣੀ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਮੋਘਿਆਂ ਦੇ ਹੈਡ ਉਪਰ 3.5 ਕਿਉਸਿਕਸ ਪ੍ਰਤੀ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਪਾਣੀ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਛੱਡੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(ੲ) ਹਰ ਇਕ ਖਿੱਤੇ ਵਿੱਚ ਪਾਣੀ ਦੀ ਦਰ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਵੱਖ ਵੱਖ ਤਕਨੀਕੀ ਪਹਿਲੂਆਂ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰੱਖਕੇ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਸਰਹੰਦ ਕੈਨਾਲ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਅਪਰ ਬਾਰੀ ਦੁਆਬ ਨਹਿਰ ਤੇ ਕਪੈਸਟੀ ਫੈਕਟਰ ਘੱਟ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਕਰਮਵਾਰ 0.76 ਅਤੇ 0.67 ਹੈ। ਸਤੁਲੁਜ ਬਿਆਸ ਲਿੰਕ ਅਤੇ ਬੇਂਈ ਡੈਮ ਦੇ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਣ ਉਪਰੰਤ ਜਦੋਂ ਪਾਣੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਜਾਖਲ ਰਿੱਜ ਲਾਈਨ ਦੇ ਦੱਖਣ ਪੱਛਮ ਵਿੱਚ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਨਹਿਰਾਂ ਦੇ ਮੋਘਿਆਂ ਤੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਦਰ 3.05 ਕਿਉਸਿਕਸ ਪ੍ਰਤੀ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਤੱਕ ਵਧਾਈ ਜਾਵੇਗੀ।

(ਸ) ਵਿਸਥਾਰ ਹੇਠਾਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ :

ਨਹਿਰ ਦਾ ਨਾਮ	ਨਹਿਰੀ ਬੰਦੀ ਦਾ ਸਮਾਂ ਜਨਵਰੀ 1970	ਫਰਵਰੀ, 1970
ਸਰਹੰਦ ਨਹਿਰ ਸਿਸਟਮ		
1. ਕੋਟਲਾ ਬਰਾਂਚ (ਮਾਲੇਰਕੋਟਲਾ ਬ੍ਰਾਂਚ)	18 ਦਿਨ	12 ਦਿਨ
2. ਬਠਿੰਡਾ ਬਰਾਂਚ	11 ਦਿਨ	16 ਦਿਨ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Irrigation & Power Minister]

ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀਆਂ ਨਹਿਰਾਂ

1.	ਲਹੌਰ ਬਰਾਂਚ	21 ਦਿਨ	18 ਦਿਨ
2.	ਮੇਨ ਬਰਾਂਚ ਲੋਅਰ	23 ਦਿਨ	24 ਦਿਨ
3.	ਕਸੂਰ ਬਰਾਂਚ ਲੋਅਰ	22 ਦਿਨ	18 ਦਿਨ
4.	ਸਭਰਾਉਂ ਬਰਾਂਚ	23 ਦਿਨ	13 ਦਿਨ

APPLICATION OF SHRIMATI SWINDER KAUR OF VILLAGE GHANUPUR FOR ALLOTMENT OF LAND TO HER MINOR SON.

*1722. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang :** Will the Minister for Revenue and Rehabilitation be pleased to state :

(a) whether the dependent children of the persons killed on the war front during the Indo-Pak conflict in 1965 are entitled to be allotted any land;

(b) whether any instructions in this connection have been issued by the Government to the District authorities;

(c) whether any applications for such allotment lying in the office of the Tehsildar, Sales, Amritsar, are held up and not being sanctioned on the ground that only orphan children (with both parents dead) are entitled for allotment of land;

(d) the date since when application No. 55 of Shrimati Swinder Kaur widow of Santa Singh (No. 1021943 of village and P. O. Ghanupur) for allotment of 10 acres land to her minor son Daljit Singh is pending in the office of Tehsildar (Sales), Amritsar together with the reasons because of which it has not been decided ?

Revenue & Rehabilitation Minister : (a) Yes. Dependent children of a widow of a soldier killed during the Chinese and Pakistan aggressions have been allowed to purchase 10 ordinary acres of surplus rural evacuee lands each, inclusive of his own holding, if any.

(b) Yes.

(c) No.

(d) The application of Shmt. Swinder Kaur is not pending in the office of the Tehsildar (Sales), Amritsar, but it has since been disposed of.

[(ੲ) ਹਾਂ । ਚੀਨ ਤੇ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦੇ ਹੱਲਿਆਂ ਵਿੱਚ ਮਾਰੇ ਗਏ ਹਰੇਕ ਰੰਡੇ ਫ਼ੌਜੀ ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ 10 ਸਾਧਾਰਣ ਏਕੜ, ਆਪਣੀ ਮਾਲਕੀ ਸਮੇਤ, ਜੇ ਕਰ ਕੋਈ ਹੋਵੇ, ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਖਰੀਦਨ ਦੀ ਆਗਿਆ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

(ਬੀ) ਹਾਂ।

(ਸੀ) ਨਹੀਂ।

(ਡੀ) ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਸਵਿੰਦਰ ਕੌਰ ਦੀ ਦਰਖਾਸਤ ਤਹਿਸੀਲਦਾਰ (ਸੇਲਜ਼), ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਦਫ਼ਤਰ ਵਿੱਚ ਲੰਬਿਤ ਨਹੀਂ ਪਈ, ਉਸ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਹੋ ਚੁਕਿਆ ਹੈ।]

RESOLUTION OF PUNJAB STATE RECOGNISED SCHOOL TEACHERS UNION REGARDING TAKING OVER OF PRIVATELY MANAGED EDUCATIONAL INSTITUTIONS.

*1727.(C.U.)**Comrade Dana Ram** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) whether in the month of February, 1970, or there about the Government received a copy of the resolution passed by the Punjab State Recognised School Teachers Union demanding taking over by the State of Educational institutions being run by the private managements; if so, a copy of the same be laid on the Table of the House;

(b) the decision, if any, taken by the Government in this regard ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ। ਕਾਪੀ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(ਬੀ) ਵਿੱਤੀ ਔਕੜਾਂ ਕਾਰਨ ਸਾਰੇ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਸਕੂਲਾਂ ਨੂੰ ਇੱਕ ਵਾਰ ਹੀ ਸਰਕਾਰ ਅਧੀਨ ਲੈਣਾ ਸੰਭਵ ਨਹੀਂ।

PUNJAB STATE RECOGNIZED SCHOOL TEACHERS UNION

K. K. TANDON
Gen. Secretary
Ref. : No. PSTU—

H. O. 5121/5 Sant Nagar,
Patiala.
Dated :

Resolution adopted by the State Executive Committee of the Union in its meeting held on 10th February, 1970 at Ludhiana. Sh. Saraswati Bhushan presided :

"The State Executive of the Union expresses its deep concern over the failure of the Education Department and the State Govt. to devise proper checks to root out the evil practices existing in the Recognized schools. The victimisation of the employees continues despite the Security of Service Act and all sorts of donations are extracted from the teachers, other employees and the students despite repeated warning of the authorities. The school managements have also been indulging into other nefarious practices.

The Union has been struggling hard to draw the attention of the authorities to the various irregularities and evils but the Govt. failed to take effective steps. The schools were working with mercenary motives at the behest of the selfish school managements.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Education Minister]

We consider the only remedy in such circumstances to request the Govt. to take necessary steps to take over these institutions. The public opinion for this purpose be mobilised and the legislators appealed to translate into action the proposal decided by the Union.

The Executive also decided that the resolution be submitted to the Education Department and Govt. at the earliest for consideration. The State Office was further authorised to take more steps in this regard.

Sd/-
General Secretary.

MODEL VILLAGES ESTABLISHED IN GURDASPUR DISTRICT.

*1728. (C. U.) **Sardar Santokh Singh Randhawa** : Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state :

(a) the total number of model villages so far established in district Gurdaspur, with their names;

(b) whether the Deputy Commissioner, Gurdaspur made any recommendations in this respect; if so, the details thereof ?

Minister for Development & Animal Husbandry : (a) The following 12 villages are proposed to be developed as model villages in Gurdaspur District during this year :

1. Babehali, 2. Satkoha, 3. Kala Bala, 4. Sultani, 5. Cheema Bhitewad, 6. Kotla Musa, 7. Khushal Pur, 8. Shankerpura, 9. Landa Manda, 10. Kuntar pur, 11. Begowal, 12. Ferozepur Kalan.

(b) Yes, the Deputy Commissioner, Gurdaspur recommended the names of 11 villages to be converted as model villages. The recommendations of the Deputy Commissioner were accepted in respect of seven villages. For the remaining villages, it was not considered expedient to agree to the recommendations of the Deputy Commissioner.

[(ੳ) ਹੇਠ ਲਿਖੇ 12 ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਸਾਲ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿੱਚ ਮਾਡਲ ਗ੍ਰਾਮਾਂ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਉਸਾਰਨ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੈ :

1. ਬਬੇਹਾਲੀ 2. ਸਤਕੋਹਾ 3. ਕਾਲਾ ਬਾਲਾ 4. ਸੁਲਤਾਨੀ 5. ਚੀਮਾ ਭਿਟੇਵਾੜ 6. ਕੋਟਲਾ ਮੂਸਾ 7. ਖੁਸ਼ਾਲਪੁਰ 8. ਸ਼ੰਕਰਪੁਰਾ 9. ਲੰਡਾ ਮੰਡਾ 10. ਕੁੰਤਰਪੁਰ 11. ਬੇਗੋਵਾਲ 12. ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰਕਲਾਂ ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ, ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਨੇ 11 ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਨਾਵਾਂ ਦੀ ਮਾਡਲ ਪਿੰਡ ਬਨਾਉਣ ਬਾਰੇ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ । 7 ਪਿੰਡਾਂ ਬਾਰੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੀਆਂ ਸਫਾਰਸ਼ਾਂ ਪਰਵਾਨ ਕਰ ਲਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ । ਬਾਕੀ ਪਿੰਡਾਂ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੀਆਂ ਸਫਾਰਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਮੰਨਣਾ ਮੁਨਾਸਬ ਨਹੀਂ ਸਮਝਿਆ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

DHARAMSHALAS.

*1729. (C U.) **Sardar Santokh Singh Randhawa** : Will the Minister for Social Welfare be pleased to state the names of the places where Dharamshalas, have so far been constructed in the State ?

Minister for Social Welfare : No Dharamshala has yet been fully completed. A list of names of the places where Dharamshalas are proposed to be constructed in the State, is placed on the Table of the House,

[ਅਜੇ ਕਿਸੇ ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਪੂਰੀ ਮੁਕੰਮਲ ਨਹੀਂ ਹੋਈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਥਾਵਾਂ ਦੇ ਨਾਂਵਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਜਿਥੇ ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਬਣਾਉਣਾ ਤਜਵੀਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਚੁੱਕਾ ਹੈ, ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।]

ਸੂਚੀ

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜਲੰਧਰ

ਲੜੀ ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ	ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ
1	ਬੀਰ ਪਿੰਡ	ਨਕੋਦਰ	19	ਦੁਖੀਆਰਾ	ਜਲੰਧਰ
2	ਹਰੀ ਪੁਰ	,,	20	ਨਗਲ ਕਰਾਰਖਾਂ	,,
3	ਹੇਰਾਂ	,,	21	ਸੈਦੋਵਾਲ	ਫਿਲੌਰ
4	ਨਲ	,,	22	ਆਦਕਲੀ	,,
5	ਲੋਹੀਆਂ	,,	23	ਪਰਤਾਪ ਪੁਰਾ	,,
6	ਕੰਗ ਕਲਾਂ	,,	24	ਗੁਰਹਾਂ	,,
7	ਸਿਘ ਪੁਰਾ	,,	25	ਚਕਰਾਮੂ	ਨਵਾਂ ਸ਼ਹਿਰ
8	ਸੰਗਰਾਂ ਵਾਲੀ	ਜਲੰਧਰ	26	ਬਾਹੋ	,,
9	ਧਨਾਲ ਕਲਾਂ	,,	27	ਫਰਾਲਾ	,,
10	ਕੋਕੜ	,,	28	ਨਾਗਰਾ	,,
11	ਸਮੀਪੁਰ	,,	29	ਮਹਾਲੋ	,,
12	ਸਲਾਲ	,,	30	ਭੌਰਾ	,,
13	ਲਾਰੋ	,,	31	ਉਪੋਵਾਲਾ	,,
14	ਅਲਵਪੁਰ	,,	32	ਘੋਰਾਵਾਲ	,,
15	ਕੰਨਡੋਲਾ	,,	33	ਟੰਗਲ	ਫਿਲੌਰ
16	ਭੋਗਪੁਰ	,,	34	ਵਡਾਲਾ	ਜਲੰਧਰ
17	ਮਾਦੋਪੁਰ	,,	35	ਰੁੜਕਾ ਕਲਾਂ	ਫਿਲੌਰ
18	ਜਗਰਾਲ	,,			

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸੰਗਰੂਰ

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ	ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ
1	ਮਾਜੀ	ਸੰਗਰੂਰ	4	ਭਠਲਾਂ	,,
2	ਸੁਨਾਮ ਟਿਬੀ	,,	5	ਸੰਧਾਨਾਂ	,,
3	ਢੋਗਲੀਵਾਲਾ	,,	6	ਨਦਾਮ ਪੁਰ	,,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Social Welfare]

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ	ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ
7	ਲਡਵਾਂ ਜਰਾਂ ਕਲਾਂ	ਸੰਗਰੂਰ	25	ਕਨੋਰਕਲਾਂ	ਮਲੇਰਕੋਟਲਾ
8	ਲਖਮੀਰ ਵਾਲਾ ਖੁਰਦ	,,	26	ਮਾਗੇ ਵਾਲਾ	,,
9	ਉਗਰਾਵਾਂ	,,	27	ਚੰਗਲੀ	,,
10	ਦਿਆਲ ਗੜ੍ਹ	,,	28	ਬਾਦਸ਼ਾਹਪੁਰ	,,
11	ਖੇਤਲਾ	,,	29	ਭਸੌੜ	,,
12	ਪਸ਼ੌਰੇ ਭਾਈਕੇ	,,	30	ਚੰਦਾ	,,
13	ਉਗਰਾਹਾਂ	,,	31	ਕੁਕੜ	,,
14	ਫਤਿਹਗੜ੍ਹ	,,	32	ਸੈਲਰੋ ਜੋੜਾ	ਬਰਨਾਲਾ
15	ਰਾਧਰੀਅਨਾਂ	,,	33	ਛਾਪਾ	,,
16	ਲੇਹਿਲ ਕਲਾਂ	,,	34	ਚੌਹਾਨ ਕੀ ਖੁਰਦ	,,
17	ਹਰੀਆਂ	,,	35	ਛਾਨੀਵਾਲ ਕਲਾਂ	,,
18	ਮੁਨਕ	,,	36	ਬੂਲੀਵਾਲ	ਮਲੇ
19	ਬਕਸ਼ੀ ਵਾਲਾ	,,	37	ਨਬ੍ਹ ਮਾਜਰਾ	ਮਲੇਰਕੋਟਲਾ
20	ਬਾਜ਼ੀਗਰ ਬਸਤੀ ਧੂਰੀ	ਮਲੇਰਕੋਟਲਾ	38	ਨੀਲੋਵਾਲ	ਸੰਗਰੂਰ
21	ਹੁਸੈਨ ਪੁਰਾ	,,	39	,,	,,
22	ਸਰਵਰ ਪੁਰਾ	ਮਲੇਰਕੋਟਲਾ	40	ਚੰਨੋ	,,
23	ਰੰਗੀਆਂ	,,	41	ਖਿਲਰੀਆਂ	,,
24	ਦਲਾਵਰ ਗੜ੍ਹ	,,			

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ	ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ
1	ਕਥਾਨੀਆਂ	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	13	ਰੂਪ ਵਾਲੀ ਕਲਾਂ	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ
2	ਚਾਟੀਵਿੰਡ ਲਹਿਲਾਂ	,,	14	ਲੋਹਲਾ	,,
3	ਮੀਰਾਂ ਕੋਟ	,,	15	ਧੂਲਕਾ	,,
4	ਆਦਲੀਵਾਲਾ	,,	16	ਮਹਾਰਾਨਪੁਰਾ	,,
5	ਰਾਜਪੁਰ	,,	17	ਧੋਪਾਇ	,,
6	ਸਠਿਆਲਾ	,,	18	ਅਬਦਲਪੁਰ	,,
7	ਛੱਪੀਆਂ ਵਾਲਾ	,,	19	ਗੰਡੀਵਿੰਡ	ਤਰਨਤਾਰਨ
8	ਅਰਗਾਂਮਾਂਗਾਂ	,,	20	ਹੋਸ਼ਿਆਰਨਗਰ	,,
9	ਪੰਥਾਰਾਂ ਕਲਾਂ	,,	21	ਝੋਬਲ ਕਲਾਂ	,,
10	ਥੱਬਾ	,,	22	ਤੁੜ	,,
11	ਕੋਟ ਖਾਲਸਾ	,,	23	ਛਜਲ ਵਾਡੀ	,,
12	ਸੰਗਾਣਾਂ	,,	24	ਸਰਹਾਲੀ ਮੰਡਾਂ	,,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ	ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ
25	ਕੈਰੋਂ	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	37	ਉਬਕੇ	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ
26	ਬਾਹਮਣੀ ਵਾਲਾ	,,	38	ਰਾਜਾ ਸਸੀ	ਅਜਨਾਲਾ
27	ਆਲੋਵਾਲਾ	,,	39	ਬਗਾ ਕਲਾਂ	,,
28	ਲਾਲਪੁਰਾ	,,	40	ਸ਼ੇਰ ਪੁਰ ਨਵਾਂ	,,
29	ਨਨਾਂ	,,	41	ਤੋਲਾ ਨੰਗਲ	,,
30	ਤਾਰਸਿੱਕਾ	,,	42	ਕੋਹਾਂਨੀ	,,
31	ਰੱਤਾ ਗੁੱਦਾ	,,	43	ਜਗਰਾਉਂ ਕਲਾਂ	,,
32	ਚੋਲਾ ਸਾਹਿਬ	,,	44	ਮੱਲੂ ਨੰਗਲ	,,
33	ਨਾਗੋਕੇ	,,	45	ਰਾਜਕਾ	ਪੱਟੀ
34	ਵੈਨਪਾਇ	,,	46	ਡੁਬਲੀ	,,
35	ਕਮੇਲ	,,	47	ਸਾਬਰਾ	,,
36	ਮਹਵਾ	,,	48	ਬਸਾਰਕੇ	,,

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਬਠਿੰਡਾ

ਨ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ	ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ
1	ਪੰਜ ਗਰਾਂਇਆਂ ਕਲਾਂ	ਫਰੀਦਕੋਟ	19	ਡੋਡੇ	ਫਰੀਦਕੋਟ
2	ਹਰਵਨ	,,	20	ਦਾਲੇ ਵਾਲਾ	,,
3	ਬੇਗੂ ਵਾਲਾ	,,	21	ਸੁਖਣਵਾਲ	,,
4	ਮਚਾਈ ਖੁਰਦ	,,	22	ਧੀਮਾਂ ਵਾਲਾ	,,
5	ਪਿਪਲੀ	,,	23	ਗੋਲੇ ਵਾਲਾ	,,
6	ਪਕੀ ਖੁਰਦ	,,	24	ਰਾਜੋਵਾਲਾ	,,
7	ਥੁਟਰ	,,	25	ਵੇਡਰ ਜਟਾਣਾਂ	,,
8	ਫਰੀਦਕੋਟ	,,	26	ਮਾਗਰਾਂ	,,
9	ਕੋਟ ਖੀਆਂ	,,	27	ਸੰਗਰਪੁਰ	,,
10	ਗੁਰੂਸਰ	,,	28	ਰੁਨਿਆਂ	,,
11	ਜਾਪਨਵਾਲਾ	,,	29	ਸਾਦਿਕ	,,
12	ਦੇਰੀਵਾਲਾ	,,	30	ਅਪੱਖੀ ਕਲਾਂ	,,
13	ਚੋਟੀਵਾਲਾ	,,	31	ਝਨਡੂਕੇ (ਮਾਨਸਾ)	ਮਾਨਸਾ
14	ਅਰਾਈਆਂ ਵਾਲਾ	,,	32	ਕਾਲੀ ਪੁਰ	,,
15	ਚੰਦਖੁਰਦ ਬਾਜਾ	,,	33	ਕਾਨਗੋੜ੍ਹ	,,
16	ਸਿਰ ਸੜੀ	,,	34	ਬੋਹਾ	,,
17	ਡੱਬ ਸੇਰ ਸਿਵਾਲ਼ਾ	,,	35	ਸੰਧੀਆਂ	,,
18	ਮੋਰਾਂ ਵਾਲੀ	,,	36	ਮੌੜਾਂ	,,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Social Welfare]

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ
37	ਫਾਫਲ	,,
38	ਮੌਜਾ ਖੁਰਦ	,,
39	ਹੀਰੋ ਕਲਾਂ	,:
40	ਸਾਸਾਉ	,,
41	ਗਾਠੇ ਵਾਲਾ	ਬਠਿੰਡਾ
42	ਬੀਰ	,,
43	ਹਾਜੀ ਰਤਨ	,,
44	ਬਲਹਾਰ ਮਹਿਮ	,,
45	ਕਟ ਫੱਤਾ	,,
46	ਬਲਾਣਾ	,,
47	ਸੱਛਨਾਂ	,,
48	ਜੋਧਪੁਰ ਹਸਾਣਾ	,,
49	ਭੋਲ ਵਾਨ	,,
50	ਨਥਾਣਾ	,,
51	ਪੋਲੀ	,;
52	ਤੰਗੂਵਾਲੀ	,,
53	ਭਾਕਰ	,,
54	ਖੜਕ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ	,,
55	ਜੋਧ ਪੁਰ	,
56	ਭੋਚੀ ਪੁਰ	,,
57	ਰਾਮੂ ਵਾਲਾ	,,
58	ਹਕੀਮ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ	,,
59	ਤਲਵੰਡੀ ਸਾਬੂ	,,
60	ਬੀਬੀ ਵਾਲਾ	,,
61	ਤਲੂਣ	,,
62	ਕੂੜ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ	,,
63	ਜੋਗਰਾਮ ਤੀਰਥ	,,
64	ਜਗਰਾਮ ਤੀਰਥ	,,
65	ਕੋਟਲੀ ਕਲਾਂ	,,
66	ਕੋਟਲੀ ਖੁਰਦ	,,
67	ਬੁਰਜ ਸਮਿਆਂ	ਬਠਿੰਡਾ

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ
68	ਕੋਟਲੀ ਕਲਾਂ	ਬਠਿੰਡਾ
69	ਮੈਹਰਾ ਸਵਾਏ	,,
70	ਬਲੀਆਂ ਵਾਲੀ	,,
71	ਜੋਧਪੁਰ ਪਾਖਰ	,,
72	ਖੜਕ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ	,,
73	ਗੁਰਾਰ ਜੱਗਾ	,,
74	ਘਾਉਕੇ	,,
75	ਦਾਲ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ	,,
76	ਮਹਾਰਾਜ	,,
77	ਨਥੂ ਪੁਰ	,,
78	ਫਤੂ ਗੜ੍ਹ	,,
79	ਰੰਗ ਨਿਹਾਲ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ	,,
80	ਸੇਖੋ	,,
81	ਮੋਤੇ	,,
82	ਚਕਪੁਰ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ	,,
83	ਮੱਤਾ	,,
84	ਰਾਜਗੜ੍ਹ	,,
85	ਮੰਡੀਕਲਾਂ	,,
86	ਪੂਲਾ	,,
87	ਭਾਈਕਾ	,,
88	ਜਿਉਂਦ	,,
89	ਜੈਦ	,,
90	ਰਾਜਗੜ੍ਹ	,,
91	ਬੁਰਜਮਮਤਾ	ਫਰੀਦਕੋਟ
92	ਮਚਕੀ ਕਲਾਂ	,,
93	ਮਾਨ ਸਿਘ ਵਾਲਾ	,,
94	ਹੰਡੀਆਲਨਾ	,-
95	ਕੋਠੀ	,,
96	ਧੂਰਕੋਟ	,,
97	ਟਹਿਨਾ	,,
98	ਗੁਨਾਰਾ	,,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ	ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ
1	ਖਿੰਡਰ	ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	31	ਮੁਰਾਰਵਾਲਾ	ਫਾਜਿਲਕਾ
2	ਸ਼ੇਰਖਾਨ	,,	32	ਸਾਹਿਬਾਵਾਲਾ	,,
3	ਚਕਲਾਂਡੀਆਂ	,,	33	ਜਾਨੀਸਾਰ	ਫਾਜਿਲਕਾ
4	ਖਿਲੀਚੀ ਜਦੀਦ	,,	34	ਜੰਡਵਾਲਾ	,,
5	ਮਲਵਲ ਜਦੀਦ	,,	35	ਜੰਡਵਾਲਾ ਹਮੰਤੂ	,,
6	ਪਲਾਸ	,,	36	ਚੂਹੜੀਵਾਲਾ	,,
7	ਇਟਾਂਵਾਲੀ	,,	37	ਭੰਗਲ	,,
8	ਚੁਗਾ ਮੋਗੇਵਾਲ	,,	38	ਕੰਡ ਵਾਲਾ ਅਮਰਕੋਟ	,,
9	ਸਰਹਿੰਦ	,,	39	ਕਟੋਹੀਰਾ ਸਿੰਘ	ਮੋਗਾ
10	ਭੱਲਾ ਬਾਰਾ ਮਲ	,,	40	ਰੋਡੇ	,,
11	ਵਧਾਏ	ਮੁਕਤਸਰ	41	ਚੂਹੜ ਚੱਕ	,,
12	ਮੈਹੋਡਰ	,,	42	ਥਰਾਜ	,,
13	ਸਾਹਿਬਚੰਦ	,,	43	ਕੋਰੇਵਾਲਾ	,,
14	ਭਾੜੂ	,,	44	ਹਿਮਤਪੁਰਾ	,,
15	ਖੁਨਾਮ	,,	45	ਧੋਲੋਕੀ	,,
16	ਛਟੀਆਣਾ	,,	46	ਮਹਾਸਰੀ ਛਟੀਆਂਕਲਾਂ	,,
17	ਖਿੜਕੀਵਾਲਾ	,,	47	ਚੜੀਕ	,,
18	ਲਾਭ ਪਾਲੀ	,,	48	ਰਾਣੀਆਂ	,,
19	ਆਸਾਬੁਟਰ	,,	49	ਬੁਟਰ	,,
20	ਵਤਾਂਵਾਲੀ	,,	50	ਸਫੂਵਾਲਾ	,,
21	ਚੂੜੀਵਾਲਾ	,,	51	ਘੋਲ ਕਲਾਂ	,,
22	ਬਾਦਲ	,,	52	ਪੰਜ ਗਰਾਈਆਂ ਖੁਰਦ	,,
23	ਸੈਹਣਾ	,,	53	ਡੁਲਚੋਲੇ	,,
24	ਮਲਟ	,,	54	ਸੰਗਤ ਪੁਰਾ	,,
25	ਖਾਨਕੀਢਾਬ	,,	55	ਰਾਮੂਆਣਾ ਨਵਾਂ	,,
26	ਆਲਮਵਾਲਾ	,,	56	ਹਿੰਮਤਪੁਰਾ	,,
27	ਖੁਡੀਆ ਗੁਲਾਬ ਸਿੰਘ	,,	57	ਮੰਦਿਰ ਕਲਾਂ	ਜੀਰਾ
28	ਫੂਲੇਵਾਲਾ	,,	58	ਮਾਨਾਂ ਵਾਲਾ	,,
29	ਅਨਮਨਗੜ੍ਹ	ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ	59	ਕਿਸ਼ਨ ਪੁਰਾ	,,
30	ਘੁਰੀਆਣਾ	,,	60	ਕੋਟਾ ਈਸਾ ਖਾਨ	,,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਮਾਜ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ]

ਜਿਲਾ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਸੀਲ	ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਸੀਲ
1	ਬਾਗਾ	ਬਟਾਲਾ	9	ਝੀਲੀਲੀ	ਪਠਾਨਕੋਟ
2	ਪੰਗਾਣੀਆਂ	,,	10	ਲੇਹਰੂਜ਼	,,
3	ਦਿਦਿਆਲਾ ਨਟ	,,	11	ਨਗਰੋਨਾਂ	,,
4	ਭਗਵਾਨਪੁਰ	,,	12	ਬਾਪੋਵਾਲ	ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ
5	ਖੁਜਾਲਾ,	,,	13	ਹਲਾ	,,
6	ਪੇਰੂਸ਼ਾਹ	,,	14	ਜੇਰਾਪੁਰ	,,
7	ਕੀੜੀ ਖੁਰਦ	,,	15	ਬਬਹਾਲੀ	,,
8	ਪੰਗੋਲੀ	,,	16	ਬਰਥਕਾਜੀ ਚੱਕ	,,

ਜ਼ਿਲਾ ਰੋਪੜ

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਸੀਲ	ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਸੀਲ
1	ਭਿਉਰਾ	ਰੋਪੜ	6	ਕਨੋਲਾ	ਰੋਪੜ
2	ਢੰਗਰਆਲੀ	,,	7	ਬੈਸ	,,
3	ਦੁਸਾਰਨਾ	,,	8	ਰਾਮਪੁਰ	,,
4	ਕੁਕੜ ਮਾਜਰੀ	,,	9	ਖੇੜੀ ਸਲਾਵਲ ਪੁਰ	,,
5	ਰਾਮਪੁਰ ਪਰਾਖਾਲੀ	,,	10	ਪਾਲ	,,

ਜ਼ਿਲਾ ਕਪੂਰਥਲਾ

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਸੀਲ	ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ
1	ਇਬਰਾਹੀਮ ਵਾਲ	ਕਪੂਰਥਲਾ	7	ਖਾਨਪੁਰ ਬਲਹਾਰ	ਕਪੂਰਥਲਾ
2	ਧਾਲੀਵਾਲ ਬੇਟ	,,	8	ਭਾਈਆਣਾ	ਫਗਵਾੜਾ
3	ਕਾਲਾ ਸੰਘੀਆਂ	,,	9	ਪਲਾਹੀ	,,
4	ਥਾਣਾ	,,	10	ਮਾਦੋਪੁਰ	,,
5	ਤਲਵੰਡੀ ਚੌਧਰੀਆਂ	,,	11	ਬਫੜੀਆਨਾ	,,
6	ਭਲੱਥ	ਕਪੂਰਥਲਾ			

ਜ਼ਿਲਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਸੀਲ	ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਸੀਲ
1	ਭਾਰਤਾ	ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ	7	ਰਾਮਪੁਰ ਬਿਹਾਰੋ	ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ
2	ਮਾਹਲਪੁਰ	,,	8	ਛਡਰ ਜ਼ੱਟਾਂ	,,
3	ਟੋਡਰਪੁਰ	,,	9	ਡਡਿਆਲ	,,
4	ਲੋਹਾਂ	,,	10	ਡਾਢਾ ਕਲਾਂ	,,
5	ਗਾਹੂ	,,	11	ਚੇਲਾ	,,
6	ਥਿੱਡਾਂ	,,	12	ਰੋਲੀ	,,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਸੀਲ
13	ਮੋਗੇਵਾਲਾ	ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ
14	ਆਡੂ ਵਾਲਾ	,,
15	ਪਾਟੇਵਾਲ	,,
16	ਇਬਰਾਹੀਮ	,,
17	ਕੋਡੇਭਾਲ	,,
18	ਨਾਨਵਾਲ	,,
19	ਇਬਰਾਹੀਮ	,,
20	ਸ਼ਲੀਮਪੁਰ	,,
21	ਨੂਰਪੁਰ	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ
22	ਸ਼ੇਰਪੁਰ ਪੱਕਾ	,,
23	ਮੁਰਾਰਪੁਰ ਨਾਰਲ	,,
24	ਨੰਦ ਗੜ੍ਹ	,,
25	ਨਸਰਾਲਾ	,,
26	ਸ਼ੇਰ ਡਡ੍ਹ	,,
27	ਜੱਟ ਪੁਰ	,,
28	ਅਰਗੋਵਾਲ	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ
29	ਸਾਗਰੀ	,,
30	ਨੰਗਲ ਥਥਲ	,,
31	ਲੰਬੜਾ	,,
32	ਮਾਨਕ ਢੇਰੀ	,,
33	ਧਮੀਆਂ	ਦਸੂਹਾ
34	ਕਟਰਾਲਾ	,,
35	ਸਿੰਘ ਪੁਰ ਜੱਟਾਂ	,,
36	ਗੁਰਦੇਵਪੁਰਾ	,,
37	ਰਾਲਹਾਂ	,,
38	ਭੂਸ਼ਨ	,,
39	ਵਾਲਾ ਕੁਜੀਆਂ	,,
40	ਚੱਕ ਫਤਾਵਾਲ	,,
41	ਦਸ਼ਮੇਸ਼ ਨਗਰ	,,
42	ਖੁਮ ਖੁਮ ਕਲਾਂ	,,

ਜ਼ਿਲਾ ਲੁਧਿਆਣਾ

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਸੀਲ
1	ਮਲੌਟ	ਪਾਇਲ
2	ਕਾਉਕੇ	ਜਗਰਾਉਂ
3	ਚੱਕਰ	,,
4	ਰਾਇਕੋਟ	,,
5	ਹਲਵਾਰਾ	,,
6	ਹਾਂਸ	,,
7	ਸੁਧਾਰ	,,
8	ਤਲਵੰਡੀ ਰਾਏ	,,
9	ਅਰਾਉ ਅਥੂਰ	,,
10	ਮਲਾਹ	,,
11	ਤਲਵਾੜਾ	,,
12	ਸਬਦੀ ਖੁਰਦ	,,
13	ਗਾਲਿਬ ਰਾਮ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ	,,
14	ਸ਼ੇਰ ਪੁਰ ਖੁਰਦ	,,
15	ਦਾਖਾ	ਲੁਧਿਆਣਾ
16	ਪਰੌੜ	ਲੁਧਿਆਣਾ
17	ਜਸਪਾਲ ਬਾਂਗਰ	,,
18	ਕਾਲਗੜ੍ਹ	,,
19	ਕਨੇਰ	,,
20	ਅਕਾਲਗੜ੍ਹ ਖੁਰਦ	,,
21	ਸਰਾਭਾ	,,
22	ਆਸੀਕਲਾਂ	,,
23	ਆਂਡਲੂ	,,
24	ਸ਼ੰਕਰ	,,
25	ਕਾਸਾਬਾਦ	,,
26	ਸ਼ਹਿਰਾਵਸੀ	,,
27	ਕੰਡੂਵਾਲ	,,
28	ਕੰਜ	,,
29	ਜੁਗਿਆਣਾ	,,
30	ਬਦੋਵਾਲ	,,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Ministere for social Welfare]

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ	ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ
31	ਚੰਨਕੋਈਆਂ ਕਲਾਂ	ਲੁਧਿਆਣਾ	37	ਬਾਗਪੁਰ	ਸਮਰਾਲਾ
32	ਜਥੇਰਾ	,,	38	ਨਾਨੋਵਾਲ	,,
33	ਗਿਦੜੀ	,,	39	ਲੇਪੋ	,,
34	ਸ਼ੇਹੋਰਾ	,,	40	ਕੁਰਾਲਾ	,,
35	ਬੇਰ ਕਲਾਂ	,,	41	ਰਾਇਪੁਰ ਰਾਜਪੂਤਾਂ	,,
36	ਜੱਗ	,,	42	ਖੰਨਾ ਖੁਰਦ	,,

ਜ਼ਿਲਾ ਪਟਿਆਲਾ

ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ	ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਤਹਿਸੀਲ
1	ਤਰਖੇੜੀ	ਨਾਭਾ	26	ਜੰਗ ਪੁਰਾ	,,
2	ਮੋਹੀ ਖੁਰਦ	ਰਾਜਪੁਰਾ	27	ਪਰਾਗਪੁਰ	,,
3	ਲੋਟੇ	ਨਾਭਾ	28	ਕੁਠਾਖੇੜੀ	,,
4	ਖੋਲੀਆਂ	,,	29	ਨਾੜੂ	,,
5	ਫੈਜੂਲਾ	,,	30	ਜੋਗੀਪੁਰ	,,
6	ਸਨਾਨਾਂ ਜੀਵਨ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ	,,	31	ਲੋਹ ਸਿਵਲੀ	,,
7	ਕਲਿਆਨ	,,	32	ਸੈਦਪੁਰ	,,
8	ਬਿਸ਼ਨਗੜ੍ਹ	,,	33	ਸਰਾਲਾ ਕਲਾਂ	,,
9	ਗਣੁਕੇ	,,	34	ਰਸ਼ਨਪੁਰ	,,
10	ਭਰਾਏ	,,	35	ਲੋਹ ਸਿੰਬਲੀ	,,
11	ਫਤਿਹਗੜ੍ਹ	ਪਟਿਆਲਾ	36	ਘਘਰ ਸਰਾਏ	,,
12	ਕਹੋੜਾ	,,	37	ਤਿਵਾਣਾ	,,
13	ਸੂਲੀਆਂ	,,	38	ਕਲੋਰ	ਸਰਹਿੰਦ
14	ਬਲਿਹਾਰ	,,	39	ਝਾਜਪੁਰ	,,
15	ਬਖਸ਼ੀ ਵਾਲਾ	,,	40	ਮੂਲੇਪੁਰ	,,
16	ਜਾਲਾਂ	,,	41	ਮੋਹਲੇਪੁਰ	,,
17	ਤਰੇਨ	,,	42	ਖਰੋੜਾ	,,
18	ਲੁਤਕੀ ਮਾਜਰੀ	,,	43	ਰਸੋਲਪੁਰ	,,
19	ਢਾਈ ਗੁਜਰਾਂ	,,	44	ਨਾਗਵਾਹ	,,
20	ਸੂਤ ਰਾਣੀ	,,	45	ਬਦੋਸ਼ੀ ਕਲਾਂ	,,
21	ਢੋਹਰਾ	,,	46	ਚਲਾਣਾ	,,
22	ਫਤਹਿਗੜ੍ਹ	,,	47	ਨੰਦਪੁਰ	,,
23	ਮੋਤੀ ਖ਼ੁਰਦ	ਰਾਜਪੁਰਾ	48	ਤਲਾਣੀਆਂ	,,
24	ਚਤਰਨਗਰ	,,	49	ਕਰੋੜ	,,
25	ਦਾਪਰ	,,			

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ENHANCED PAY SCALES FOR O. T. TEACHERS WORKING IN GOVERNMENT SCHOOLS

*1733. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan**: Will the Minister for Education be pleased to state whether it is a fact that Govt. have enhanced the pay scales of the O. T. Teachers working in the Govt. schools; if so, to what extent together with the date from which increase has been effected ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : ਹਾਂ ਜੀ। ਮਿਤੀ 1.11.66 ਤੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੇ ਗਰੇਡ।

(1) 60/120 (50%),

(2) 120/175 (35%), ਅਤੇ

(3) 140/220 (15%)

ਤੋਂ ਵਧਾ ਕੇ (1) 125/300 (85%) ਅਤੇ (2) 220/400 (15%) ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ਪਰ ਮਿਤੀ 1.2.1969 ਤੋਂ 220/400 ਦੇ ਗਰੇਡ ਦੀ ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ 30% ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਅਤੇ ਨਾਲ ਹੀ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਨੂੰ 5 ਅਤੇ ਪ੍ਰਭਾਕਰ/ਗਿਆਨੀ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ 3 ਅਗੇਤਰੀਆਂ ਤਰੱਕੀਆਂ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ।

REPRESENTATION FROM THE DEPUTY SUPERINTENDENTS FOR REGULAR PAY SCALE OF RS. 400 650

*1737. (C. U) **Chaudhri Ram Singh**: Will the Minister for Finance be pleased to state :

(a) whether there is any difference of working in the supervisory capacity of Head Assistants, Assistant Superintendents, Deputy Superintendents and Superintendents;

(b) the scales of pay of these categories as these stood on 31 1.68 and now given with effect from 1.2.68 after removing anomalies;

(c) whether the Deputy Superintendents represented personally and afterwards in writing to the Cabinet Sub-Committee (Anomalies) for regular scale of pay of Rs. 400-650; if so, the reasons for not accepting their demand;

(d) whether the Assistant Section Officers are higher in status to Deputy Superintendents, if not, the reasons why the Assistant Section Officers of the Civil secretariat have been given a scale of pay of Rs. 350-650 and the Deputy Superintendents get the pay of Assistant with special pay of Rs. 50/-only ?

Minister for Finance: (a) Yes.

(b) As given below :

	Scale as stood on 31.1.68	Scale as revised w e.f. 1.2.68
(i) Head Assistant	Rs. 250-350	Rs. 300-550
(ii) Assistant Superintendent	Rs. 116-250+ Rs. 30-S.P.	Rs. 160-400+ Rs. 30-S.P.
	Rs. 200-300	Rs. 200-450
	Rs. 250-350	Rs. 300-500

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Finance]

(iii)	Deputy Superintendent	Rs. 150-300+ Rs. 50 S.P.	Rs. 225-500+ Rs. 50 S.P.
(iv)	Superintendent :—		
	'C' Class Office	Rs. 300-400)	Rs. 400-650
	'B' Class Office	Rs. 350-450)	
	'A' Class Office	Rs. 350-650	Rs. 450-800

(c) Yes; it was not considered desirable to disturb the relativity which had subsisted with regard to Deputy Superintendents in A-grade office from time immemorial.

(d) Yes; the latter part of the question does not arise.

BLOCK DEVELOPMENT OFFICER SENT ON DEPUTATION TO THE PUNJAB AGRO-INDUSTRIES CORPORATION

*1738. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state :

(a) whether a Block Development Officer was sent on deputation on the Ist November, 1966 to work as Assistant Secretary in the Punjab Agro-Industries Corporation; if so, his name and qualifications;

(b) whether the said Officer was selected on the basis of seniority, if not, the circumstances under which senior persons to him were ignored;

(c) whether he has been given any other further promotion; if so, the designation of the post and the pay allowed to him;

(d) whether his term of deputation of three years which expired on the Ist November, 1969 has been extended according to rule, with the concurrence of the Finance Department, if not, the reasons therefor ?

Development Minister : (a) Yes. His name is Shri Amrit Lal and his educational qualification is B.Sc.

(b) The services of Shri Amrit Lal were requisitioned by the Agro-Indusries, Corporation by name and the question of ignoring seniors does not arise.

(c) Yes, as Sales Manager in the scale of Rs. 1000-50-1500

(d) The concurrence of F.D. has been obtained after his reversion to this Department w.e.f. 17.3.1970.

[(ੲ) ਹਾਂ । ਉਸ ਦਾ ਨਾਮ ਸ੍ਰੀ ਅਮ੍ਰਿਤ ਲਾਲ ਤੇ ਉਸ ਦੀਆਂ ਸਿਖਿਆ ਯੋਗਤਾਂ ਬੀ.ਐਸ.ਸੀ ਹਨ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਬੀ) ਉਸ ਦੀਆਂ ਸੇਵਾਵਾਂ ਐਗਰੋ ਇੰਡਸਟਰੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੇ ਨਾਮ ਦੇ ਕੇ ਮੰਗੀਆਂ ਸਨ ਤੇ ਇਸ ਲਈ ਸੀਨੀਆਰਿਟੀ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਸੀਨੀਅਰ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਛਡਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

(ਸੀ) ਹਾਂ । ਉਸ ਦੀ ਤਰਕੀ ਬਤੌਰ ਸੇਲਜ਼ ਮੈਨੇਜਰ 1000-1500 ਦੇ ਸਕੇਲ ਵਿਚ ਹੋਈ ਸੀ ।

(ਡੀ) ਵਿਤ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਆਗਿਆ ਉਸ ਦੇ ਵਾਪਸ ਮਿਤੀ 17.3.70 ਨੂੰ ਆਉਣ ਤੇ ਲੈ ਲਈ ਹੈ ।]

TECHNICAL POSTS IN LANGUAGES DEPARTMENT, PUNJAB.

*1742. **Giani Kundan Singh Patang** : Will the Minister for Education be pleased to state the total number of technical posts in the Language Department, Punjab together with the number of persons belonging to Scheduled Castes working against the said posts at present?

ਸਿਖਿਆ ਤੇ ਭਾਸ਼ਾ ਮੰਤਰੀ : ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਭਾਗ, ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਤਕਨੀਕੀ ਆਸਾਮੀਆਂ ਦੀ ਕੁਲ ਗਿਣਤੀ 105 ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਇਕ ਆਸਾਮੀ ਵਿਰੁਧ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦਾ ਅਧਿਕਾਰੀ ਕੰਮ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ ।

CLOSURE OF TAIL OF BASARKE DISTRIBUARY (AMRITSAR DIVISION)

*1752. (C. U.) **Comrade Dana Ram** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the tail of Basarke Distributary (Amritsar Division) remains close since 8.10.69 or there-about; if so, under whose orders and the reasons therefor;

(b) whether the XEN, Majitha Division has personally visited the site since the closure; if so, the action, if any taken by the Government in this connection ?

Minister for Irrigation and Power : (a) Yes, the tail of the Basarke Disty. was closed by the cultivators themselves between the period 7.10.69 to 15.10.69.

(b) The XEN did not inspect the site after closure personally. The case was registered with the police and the tail was got opened with the police help.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ, ਬਾਸਕਰੇ ਰਜਵਾਹੇ ਦੀ ਟੇਲ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਆਪ 7/10/69 ਤੋਂ 15/10/69 ਵਿਚਕਾਰ ਬੰਦ ਕੀਤੀ ਸੀ ।

(ਅ) ਕਾਰਜ਼ਕਾਰੀ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਨੇ ਬੰਦੀ ਦੇ ਬਾਦ ਨਿਜੀ ਤੌਰ ਤੇ ਮੌਕਾ ਨਹੀਂ ਵੇਖਿਆ । ਕੇਸ ਪੁਲਸ ਨੂੰ ਰਜਿਸਟਰ ਕਰਵਾ ਦਿਤਾ ਸੀ ਅਤੇ ਪੁਲਸ ਦੀ ਮੱਦਦ ਨਾਲ ਟੇਲ ਖੁਲਵਾ ਦਿਤੀ ਗਈ ਸੀ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Memorandum from the General Secretary/President of Punjab Emergency Commissioned Officers Association.

*1753. (C. U.) **Comrade Dana Ram :** Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether he received a Memorandum No. EC/ASSO/16 , dated 16.10.1969 from Ex-Captain Narinder Singh and Ex-Captain R.N. Sharma, General Secretary and President of the Punjab Emergency Commissioned Officers Association regarding difficulties and problems of released Emergency Commissioned. Officers, if so, a copy of the same be laid on the Table of the House;

(b) the action, if any taken by the Government in this connection ?

Minister of State for Agriculture and Forest :

(a) Yes. A copy of the Memorandum is enclosed.

(b) The matter is under consideration of the Government.

(Copy)

PUNJAB ECOS ASSOCIATION (Annexure II)
(No. 928, Sector 7-B)
Chandigarh.

Ref. No. ECO/ASSO/162 dated 16.10.69

To

Sardar Gurnam Singh,
Honourable Chief Minister,
Punjab, Chandigarh.

Memorandum.

Respected Sir,

I have the honour to bring the following facts in your kind notice on behalf of the Punjab Emergency Commitioned Officers Association.

During the national emergency as you know, Sir, Punjab contributed maximum number of Emergency Commissioned Officers. At that time assurances given by the Government to the joining officers were very encouraging and sympathetic, but after giving their 6 precious and valuable years in the service of the nation, ECOs are being looked down upon as a burden of the State. It is pity that these officers who were considered to be the cream of the nation are jobless today and if at all they are jobless to-day and if at all they are offered the jobs the job very seldom carries a higher grade than 100-200 and 140-400. Though it was declared by the Government that those who will join the Army would be given proto type jobs equivalent to the status held in the Army. But the released officers bardly find any good vacancy being advertisied by the Government except class III and class IV jobes etc. jeep drivers. Clerks, steno-typists sub- inspector cooperative societies etc. And even where the military

Orig[inal with;]
Punj[ab] Vidhan Sabha
Digi[tis]ed by;
Panj[ab Digital Library]

experience is essential and desirable these Emergency Commissioned Officers are not being given their due share looking at their previous sound administrative and war experience. On the other hand the state like Maharashtra, Rajisthan, M. P., U. P., Tamil Naidu have held the competitative examination for Class I and class II posts exclusively for the Emergency. Commissioned officers. The Punjab which is known as the martial state is responsing in such a way that the officers are highly discouraged and frustrated. With the high prices going up day by day it is very difficult for the released officers to pull on well when he has liabilities on his shoulders.

Keeping in view the above points we demand the following things:

(a) The Punjab Public Service Commission should hold competitive examination exclusively for the Emergency Commissioned Officers. Till such time the vacancies are not advertised by the Commission, existing vacancies should be filled only by the released officers.

(b) The posts which fell vacant during emergency and have been filled either directly or from the lower cader should be given to released officers.

(c) Against reserved vacancies, released candidates coming on the merit list should not be treated against reserved quota.

(d) where military knowledge is essential and desirable vacancies should only be filled by the released officers.

(e) To recruit ECOs there should not be any limitation on age and qualifications by considering that they were already holding class 1 status.

(f) The period after release till the joining of civil service should be taken as period without pay.

(g) Till such time the Government is not in a position to rehabilitate the released Officers, the Govt. should give the monthly stipend as the West Bengal Govt. have Proposed to give the unemloyed Persons.

If at present the Govt. is unable to fulfill the above said demands, the Association demands that the following facilities should be given to released officers.

(i) sufficient land for agriculture.

(ii) route permits.

(iii) loan for small scale industries or for business (without surety)

(iv) a Committee should be constituted with 2-3 representatives from ECOs to find out services which fell vacant during emergency and filled thereafter from other than the ECOs.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Agriculture and Forest]

Lastly we submit to your honour to look after our interests and fulfill our demands by not allowing us to die by inches.

With warmest regards,

Yours faithfully

Sd/-Narinder Singh
Ex Capt.
General Secretary
Punjab ECOs Association,
Chandigarh.

Sd/-R. N. Sharma
Ex-Capt. President,
Punjab ECOs Association,
Chandigarh.

Sd/-D. Singh.
Ex-Capt. Treasurer.

RE-INSTATEMENT OF SH. WARYAM SINGH IN THE IRRIGATION DEPARTMENT.

*1755. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) Whether Sh. Ranbir Dhillon; General Secretary, Punjab Subordinate Services Federation submitted any memorandum to the Chief Secretary to Government, Punjab, during the month of October and December, 1969 demanding remission of punishment and re-instatement of Mr. Waryam Singh Clerk in the Irrigation Department; if so, whether the Government has considered those representations in the light of the facts narrated therein ;

(b) the time by which the said Sh. Waryam Singh is likely to be re-instated and his arrears of salary etc. paid to him ?

Minister for Irrigation & Power : (a) Yes. The services of Sh. Waryam Singh Clerk were terminated on account of conviction for six months rigorous imprisonment which was awarded by Chief Judicial Magistrate, Ludhiana as per his decision dated 31.7.68. The question of his re-instatment as desired in the representation does not arise.

(b) Does not arise.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ । ਸ੍ਰੀ ਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ ਦੀਆਂ ਸੇਵਾਵਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਚੀਫ ਜੁਡੀਸ਼ਿਅਲ ਮਜਿਸਟਰੇਟ ਲੁਧਿਆਣਾ ਦੇ ਫੈਸਲੇ ਮਿਤੀ 31.7.68 ਅਨੁਸਾਰ 6 ਮਹੀਨਿਆਂ ਦੀ ਕੈਦ ਮੁਸ਼ੱਕਤ ਦੇਣ ਕਰਕੇ ਖ਼ਤਮ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਸ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ੀ ਅਨੁਸਾਰ ਬਹਾਲ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

(ਅ) ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

Orig[illegible]al with;
Pun[illegible]b Vidhan Sabha
Digi[illegible]zed by;
Pan[illegible]

TERMINATION OF SERVICE OF PHARMACISTS

*1756 (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :

(a) whether during the month of November, 1969 and subsequently orders have been issued by the Director of Health Services, Punjab terminating the services of a number of Pharmacists to accommodate bonded cadidates or for any other reasons; if so, a list of such Pharmacists showing their names, dates of appointment and the reasons of termination of service be laid on the Table of the House;

(b) whether these Pharmacists were transferable throughout the State;

(c) the basis of Selection of the Pharmacists who were given termination notice;

(d) the terms of the bonds in case of bonded candidates and a copy of the bond be laid on the Table of the House ?

ਉਦਯੋਗ ਤੇ ਸਿਹਤ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਂ, ਨਿਯੁਕਤੀ ਦੀ ਮਿਤੀ ਅਤੇ ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਹਟਾਏ ਜਾਣ ਦੇ ਕਾਰਨ ਨਾਲ ਨਥੀ ਵਿਵਰਣ 'ੳ' ਵਿੱਚ ਦਰਜ ਹਨ ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਸੀ) ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕੀ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ।

(ਡੀ) ਬੌਂਡਿਡ ਉਮੀਦਵਾਰਾਂ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿੱਚ, ਬੌਂਡ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹਨ :

(1) ਉਸ ਨੂੰ ਕਾਲਜ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਦੁਆਰਾ ਸਿਖਲਾਈ ਸਬੰਧੀ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨੀ ਪਵੇਗੀ ।

(2) ਸਿਖਲਾਈ ਦਾ ਕੋਰਸ ਸੰਤੋਸ਼ਜਨਕ ਢੰਗ ਨਾਲ ਪੂਰਾ ਕਰੇਗਾ ।

(3) ਸਿਖਲਾਈ ਦੇ ਕੋਰਸ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਖ਼ਾਸ ਕਾਰਨਾਂ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਕਾਲਜ ਨਹੀਂ ਛਡੇਗਾ ।

(4) ਸਿਖਲਾਈ ਪੂਰੀ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਦ ਕਮ ਸੇ ਕਮ 3/5 ਸਾਲ (3 ਸਾਲ ਐਫ. ਐਸ. ਸੀ. ਅਤੇ 5 ਸਾਲ ਮੈਟ੍ਰਿਕ ਵਾਲੇ) ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰੇਗਾ ।

(5) ਉਪਰ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਪੂਰੀਆਂ ਨਾ ਕਰਨ ਤੇ ਬੌਂਡ ਦਾ ਪੈਸਾ ਵਿਆਜ ਸਹਿਤ ਦੇਵੇਗਾ । ਬੌਂਡ ਫਾਰਮ ਨਾਲ ਨਥੀ ਵਿਵਰਣ 'ਅ' ਤੇ ਹਨ ।

ਵਿਵਰਣ 'ੳ'

ਲੜੀ ਨੰ:	ਨਾਂ	ਨਿਯੁਕਤੀ ਦੀ ਮਿਤੀ	ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਹਟਾਏ ਜਾਣ ਦੇ ਕਾਰਨ
1.	ਸ਼ਾਮ ਲਾਲ	26.4.69	
2.	ਕਸ਼ਮੀਰੀ ਲਾਲ	5.7.69	

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਉਦਯੋਗ ਤੇ ਸਿਹਤ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ]

3.	ਵਿਜੇ ਕੁਮਾਰ	5.7.69	
4.	ਹਰਜਸ ਕੌਰ	31.8.68	
5.	ਰਮੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ	8.8.69	ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕੀ ਕਾਰਨਾਂ
6.	ਲੋਕ ਨਾਥ	18.8.69	ਕਰਕੇ ।
7.	ਸੋਹਨ ਲਾਲ	13.5.69	
8.	ਹਰਬੰਸ ਸਿੰਘ	8.4.69	
9.	ਸੁਭਾਸ਼ ਆਨੰਦ	8.1.69	
10.	ਗੁਰਬਕਸ਼ ਸਿੰਘ	9.1.68	

ਵਿਵਰਣ 'ਅ'

KNOW ALL MEN BY their present that we (1)........................ (Name of the student and address) (Herein referred to as the Principal) (2).. Name of Surety and address...are jointly and severally bound unto Governor of Punjab (here-in-after referred to the Government) in the sum of Rs............................to be paid to the Government for which payment to be well and truely made we hereby bind ourselves and each of us in the whole our and each of our heirs, executors, Administrative Representatives jointly and severally by these presents;

Signed this day...............................at......................................

1...(Signature)

2...(Signature)

WHEREAS the above bounden Principal has been selected by Government for training for a period of ....in Diploma in Pharmacy and Dresser's Course at Medical College, Amritsar and Government has agreed to grant the said Principal a stipend of Rs......... .... P. M. on such amount and for such period as may be decided upon by the Government from time to time for the above purpose.

AND WHEREAS the above bounden Principal has agreed to undergo the said training on the terms and conditions hereinafter appearing.

NOW the condition of the above written bond is such that if the bounden Principal...

(Name of the Student)

1. Confirm to the instruction regarding training conveyed to him by the college Authorities.
2. Complete the course of training satisfactorily,
3. Not leave the college during the course of training/without sufficient reasons (as to which the decision of the/Principal Medical College, Amritsar shall be final)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

4. Serve the Government for a minimum period of five years on the terms and conditions of appointment offered to him on completion of his training at the said college and on his giving a notice of such completion when called upon to do so by the Govt. within four months or such notice; or

5. If on default or the breach of any of the above mentioned conditions by the Principal the above bounden persons shall well and truely pay to the Government the said sum of Rs.. .... with interest at the rate of..........................

Then the above written bond shall be void, otherwise the same shall remain in full force and effect.

It is hereby further agreed between the parties that in the event of any question on dispute arising between the parties with respect to the meaning or effect of any clause to this Bond or the rights and liabilities of the parties here to respectively hereunder or the due compliance of the conditions of this Bond or amount to be paid by the above bounden persons or any of terms then question shall be referred to the arbitation of .... acting as such at the time reference and this decision shall be final and binding on the parties.

The stamp duty another incidental expenses required in connection with this bond shall be borne by the Govt.
Signed by the above named in the..................year of the Republic of India.

In the presence of witness......................................witness :

(1) Signature (Principal)

(2) Signature (Surety)

[ਇਸ ਲਿਖਤ ਦੁਆਰਾ ਸਭ ਨੂੰ ਵਿਦਿਤ ਹੋਵੇ ਕਿ ਅਸੀਂ (1)........................... (2) ਨਾਂ ਅਤੇ ਪਤਾ.....................................ਪੁਤਰ ਸ਼੍ਰੀ.................... ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦਾ ਜਿਸਨੂੰ ਇਸ ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਮੁੱਖ ਵਿਅਕਤੀ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ (2) ਸ਼੍ਰੀ............. ਪੁਤਰ ਸ਼੍ਰੀ..........................ਸਾਂਝੇ ਅਤੇ ਵੱਖ ਤੌਰ ਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰਾਜਪਾਲ (ਜਿਸਨੂੰ ਇਸ ਵਿੱਚ ਇਸ ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਸਰਕਾਰ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ) ਅਦਾਇਗੀ ਯੋਗ..................(ਰੁ: ਦੀ ਰਕਮ ਦੇਣ ਲਈ ਪਾਬੰਦ ਹਾਂ ਅਤੇ ਇਸ ਦੀ ਅਦਾਇਗੀ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਤੇ ਨੇਕ ਨੀਤੀ ਨਾਲ ਕਰਨ ਲਈ ਅਸੀਂ ਇਸ ਲਿਖਿਤ ਦੁਆਰਾ ਆਪਣੇ ਆਪਨੂੰ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਵਿਚੋਂ ਹਰੇਕ ਨੂੰ ਪੂਰੇ ਤੌਰ ਤੇ ਅਤੇ ਆਪੋ ਵਾਰਸਾਂ ਵਾਸੀਆਂ ਪ੍ਰਬੰਧਕਾਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤੀ ਨਿਯਮਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਹਰੇਕ ਨੂੰ ਸਾਂਝੇ ਤੌਰ ਤੇ ਅਤੇ ਵੱਖ ਵੱਖ ਤੌਰ ਤੇ ਪਾਬੰਦ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ।

ਅਜ ਮਿਤੀ———————————ਨੂੰ ਹਸਤਾਖਰ ਕੀਤੇ ਗਏ ।

———————————————ਥਾਂ ।

(2)——————————————ਹਸਤਾਖਰ (ਮੁੱਖ ਵਿਅਕਤੀ)

(2)——————————————ਹਸਤਾਖਰ ਜਾਮਨ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਉਦਯੋਗ ਤੇ ਸਿਹਤ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ]

ਕਿਉਂ ਜੋ ਉਪਰੋਕਤ ਪਾਬੰਦ ਮੁਖ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਦੋ ਸਾਲ ਦੇ ਸਮੇਂ ਲਈ ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ ਪਟਿਆਲਾ ਵਿਖੇ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ (ਵਾਸਤੇ ਚੁਣ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਉਕਤ ਮੁਖ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ) ਰੁ:..... ਪ੍ਰਤੀ ਮਹੀਨਾ ਜਾਂ ਅਜਿਹੀ ਰਕਮ ਅਤੇ ਅਜਿਹੇ ਸਮੇਂ ਲਈ (ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਉਪਰੋਕਤ ਦਰਜ ਮੰਤਵਾਂ ਲਈ ਸਮੇਂ ਸਮੇਂ ਨਿਸਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ) ਅਦਾ ਕਰਨ ਲਈ ਰਜ਼ਾਮੰਦ ਹੋ ਗਈ ਹੈ।

ਅਤੇ ਕਿਉਂਕਿ ਜੋ ਉਪਰੋਕਤ ਪਾਬੰਦ ਮੁਖ ਵਿਅਕਤੀ, ਇਸ ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਦਰਜ ਸ਼ਰਤਾਂ ਅਤੇ ਬਾਂਡ ਅਧੀਨ ਸਿਖਲਾਈ ਲੈਣ ਲਈ ਰਜ਼ਾਮੰਦ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ।

ਇਸ ਲਈ ਹੁਣ ਉਪਰੋਕਤ ਲਿਖਿਤ ਬਾਂਡਾਂ ਦੀ ਸ਼ਰਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਉਪਰੋਕਤ ਪਾਬੰਦ ਮੁਖ ਵਿਅਕਤੀ————————————ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦਾ ਨਾਂ

(1) ਉਸ ਨੂੰ ਕਾਲਜ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਦੁਆਰਾ ਸਿਖਲਾਈ ਸਬੰਧੀ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨੀ ਪਵੇਗੀ।

(2) ਸਿਖਲਾਈ ਦਾ ਕੋਰਸ ਸੰਤੋਸ਼ਜਨਕ ਢੰਗ ਨਾਲ ਪੂਰਾ ਕਰੇਗਾ।

(3) ਸਿਖਲਾਈ ਦੇ ਕੋਰਸ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਦੇਖੇ ਕਾਰਣਾਂ (ਜਿਸ--ਸਬੰਧੀ ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ ਦੀ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਅੰਤਮ ਹੋਵੇਗਾ) ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਕਾਲਜ ਨਹੀਂ ਛੱਡੇਗਾ।

(4) ਉਕਤ ਕਾਲਜ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਸਿਖਲਾਈ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਅਤੇ ਉਸ ਦੁਆਰਾ ਅਜਿਹੀ ਸਿਖਲਾਈ ਦੇ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋਣ ਸਬੰਧੀ ਨੋਟਿਸ ਦੇਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਚਾਰ ਮਹੀਨੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਅਜਿਹਾ ਕਰਨ ਲਈ ਬੁਲਾਏ ਜਾਣ ਦੀ ਸ਼ਰਤ ਵਿੱਚ ਉਸ ਨੂੰ ਨਿਯੁਕਤ ਸਬੰਧੀ ਦੱਸੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਅਤੇ ਬੰਧਨਾਂ ਅਧੀਨ ਘੱਟੋ ਘੱਟ ਪੰਜ ਸਾਲਾਂ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰਨੀ ਪਵੇਗੀ।

(5) ਮੁੱਖ ਵਿਅਕਤੀ ਦੁਆਰਾ ਉਪਰੋਕਤ ਬੰਨਨਕਾਰੀ ਸ਼ਰਤਾਂ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਇੱਕ ਦੋ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਨਾ ਕਰਨ ਜਾਂ ਭੰਗ ਕਰਨ ਦੀ ਸ਼ਰਤ ਵਿੱਚ ਉਪਰੋਕਤ ਪਾਬੰਦ ਵਿਅਕਤੀ————————————) ਰੁ: ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ, ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕੀਤੇ ਦਰ ਤੇ ਉਸ ਤੋਂ ਬਣਦੇ ਵਿਆਜ਼ ਸਹਿਤ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਤੇ ਨੇਕ ਨੀਅਤ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਅਦਾ ਕਰਨਗੇ। ਤਾਂ ਤੇ ਉਪਰੋਕਤ ਲਿਖਿਤ ਬਾਂਡ ਸੂਨ ਹੋਵੇ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਉਹ ਪੂਰੀ ਤਰਾਂ ਲਾਗੂ ਰਹੇਗਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵੀ ਹੋਵੇਗਾ।

ਧਿਰਾਂ ਵਿਚਾਰ ਹੋਣ ਇਹ ਵੀ ਮੁਆਇਦਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਧਿਰਾਂ ਵਿਚਕਾਰ ਇਸ ਬਾਂਡ ਦਾ ਕੰਮ ਖੰਡ ਦੇ ਅੰਦਰ 2 ਜਾਂ ਅਸਰ ਸਬੰਧੀ ਜਾਂ ਇਸ ਬਾਂਡ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਦੇ ਅੱਗੇ ਅਪਨੇ ਹੱਕ ਅਤੇ ਦੇਣ ਦਾਰੀਆਂ ਸਬੰਧੀ ਜਾਂ ਇਸ ਬਾਂਡ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਦੀ ਉਚਿਤ ਪਾਲਣਾ ਸਬੰਧੀ ਜਾਂ ਉਪਰੋਕਤ ਪਾਬੰਦ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਜਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਸੇ ਇਕ ਦੁਆਰਾ ਅਦਾਇਗੀ ਯੋਗ ਰਕਮ ਸਬੰਧੀ ਕੋਈ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਜਾਂ ਝਗੜਾ ਉਠ ਖੜੇ ਤਾਂ ਅਜਿਹਾ ਮਾਮਲਾ ਸਾਲਸੀ ਲਈ ਸਪੁਰਦ ਕਰਨ ਵੇਲੇ ਉਸ ਸਮੇਂ ਦੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸਾਲਸੀ ਫੈਸਲਾ ਲਈ ਸਪੁਰਦ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਉਸਦਾ ਫੈਸਲਾ ਅੰਤਮ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਧਿਰਾਂ ਤੇ ਬੰਧਨ ਕਾਰੀ ਹੋਵੇਗਾ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

12 : ਬਾਂਡ ਸਬੰਧੀ ਲੋੜੀਂਦਾ ਅਸ਼ਟਾਮ ਕਰ ਸਰਕਾਰ ਭਰੇਗੀ ।

ਉਪਰੋਕਤ ਨੇ ਭਾਰਤ ਗਣਰਾਜ ਦੇ 1965 ਸਾਲ ਵਿੱਚ ਨਿਮਨ ਗਵਾਹਾਂ ਦੀ ਹਾਜ਼ਰੀ ਵਿੱਚ ਹਸਤਾਖਰ ਕੀਤੇ ।

(1) ਗਵਾਹ........................ ਹਸਤਾਖਰ.......................

(2) ਗਵਾਹ........................ ਮੁੱਖ ਵਿਅਕਤੀ ਪੂਰੇ ਪਤੇ ਸਮੇਤ)

(ਪੂਰੇ ਪਤੇ ਸਮੇਤ) ਹਸਤਾਖਰ

ਜਾਮਨ (ਪੂਰਾ ਪਤਾ)

INDUSTRIAL ESTATE, LUDHIANA

*1762 (C. U.) **Shri Sardari Lal Kapur** : Will the Minister for Industries be pleased to state :

(a) the rate at which the land under the Industrial Estate, Ludhiana was acquired to gether with the area thereof in acres and the date when it was acquired.

(b) the actual cost of construction of all sheds, roads, sewerage, works in the said estate together with the extent of P. W. D. Departmental charges;

(c) whether it is a fact that the Executive Engineer, P. W. D. vide his endorsement No. 18949 dated 1. 8. 1963 after the completion of the said estate, fixed prices according to actual expenditure in accordance with the original estimate, but the prices of the sheds were raised in 1967 by adding P. W. D. departmental charges first of the rate of 8% and then at the rate of 14% and several other expenses, if so, the reasons for putting unnecessary burden on the small scale industries established in the said estate (d) whether it is a fact that the estate was completed in 1961, and the prices of the developed land in the first instance was about Rs. 5/- per sqr. yard whereas now the allotties of Ludhiana Estate are being charged more than 16 rupees per sq. yard and similar is the position in the case of construction charges;

(e) Whether it is further a fact that the Industrial Estate Association have been making repersentations to the Government for the fixation of prices of the sheds according to the advice and direction of the Government of India.

(f) whether the Government propose to appoint an officer of the PCS/IAS rank to refix the prices of the sheds in the said Estate keeping in view the difficulties of the units established in the said estate and find out the reasons for the inflated prices if so the reasons of the sheds.

(g) whether the Govt. has written to the Director of Industries

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Shri Sardari Lal Kapur]

Punjab, for with drawl of the sale of the sheds to the allotees, if so, the reasons therefor ?

Industries Minister : The land was originally acquired for setting up Industrial area 'B' in 1949 65 @ PS per sq Yrd. Out of this an area of 26.2 acres laying vacant in was earmarked Industrial Estate in Feb.,1957. The cost of this land was charged at its book value of Rs. 430 per acre.

(b) The figures of expenditure incurred on the construction of sheds and on such amenities as Roads, Sewerage, Water works etc. alongwith the Departmental charges made by P. W. D. are given below :

(a)	Cost of construction of sheds	Rs.	30,33,604/-
(b)	14% Departmental charges	Rs.	4,24,704/-
	Total	Rs.	34,58,308/-
	Cost of roads, sewerage and water works,	Rs.	4,13,481/-
	14% Departmental charges	Rs.	57,888/-
	Total	Rs.	4,71,369/-

(c) No. It was clearly mentioned in the letter written by the Executive Engineer, Ludhiana, Provincial Division to his Superintending Engineer, a copy of which was forwarded to the Asstt. Director of Industries, Industrial Estate, Ludhiana, vide his endorsement No. 18949 dated 1.8.63 that the bills had not been finally paid and as such the amount of actual expenditure could not be supplied. The figures of cost of construction of sheds and development of land given in the said letter were specifically mentioned as approximate. The cost of sheds has been worked out on the basis of figures supplied by PWD, but on account of persistent representations by the association of industrialists of Industrial Estate, Ludhiana the whole position is being re-examined to ascertain if the departmental charges have been levied twice,

(d) Yes. But it is incorrect to say that the cost of developed land was in the first instance fixed in the year 1961 at Rs. 5/- per sq. yard. The cost of land was determined at Rs. 16.09 P. per sq. yard for the first time in the year 1968. The cost of construction as indicated in reply to part (b) of the question above was not raised.

(e) Yes.

(f) No.

(g) No.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

DIGGING OPERATION ON DYALPURA DRAIN IN DISTRICT SANGRUR.

*1764. (C. U.) **Giani Kundan Singh Patang** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the reasons for not undertaking the digging operations on Dyalpura drain (district Sangrur) which has been approved by the Government and the requisite amount for which has already been sanctioned as a result of which thousands of acres of land remains waterlogged ?

Minister for Irrigation & Power : The work of constructing Dyalpura drain could not be taken up in the past as the decision for the alignment of Lissara Nallah Diversion which utilises the alignment of this drain is pending with the Central Government. However, to give immediate relief to the area, the work on pilot section is being taken up.

[ਭੂਤ ਕਾਲ ਵਿੱਚ ਦਿਆਲਪੁਰਾ ਨਾਲੇ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਦਾ ਕੰਮ ਇਸ ਕਾਰਨ ਕਰਕੇ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ ਕਿਉਂ ਜੋ ਲਸਾੜੇ ਨਾਲੇ ਦੀ ਡਾਈਵਰਸ਼ਨ ਜਿਸ ਨੇ ਇਸ ਨਾਲੇ ਦੀ ਕਤਾਰਬੰਦੀ ਦੀ ਉਪਯੋਗਤਾ ਕਰਨੀ ਹੈ, ਸੰਬੰਧੀ ਫੈਸਲਾ ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਕੋਲੋਂ ਲਮਕਾ-ਅਵਸਥਾ ਵਿੱਚ ਹੈ। ਵੈਸੇ ਇਸ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਤੁਰੰਤ ਸਹਾਇਤਾ ਉਪਾਏ ਵਜੋਂ ਪਾਇਲਟ ਸੈਕਸ਼ਨ ਖੋਦਣ ਦਾ ਕੰਮ ਛੇਤੀ ਹੱਥ ਵਿੱਚ ਲਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।]

NON-PAYMENT OF WAGES AND LAY OFF COMPENSATION BY THE MANAGEMENT OF HINDUSTAN EMBROIDERY MILLS (PRIVATE) LIMITED CHHEHARTA, AMRITSAR.

*1770. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Finance be pleased to state ;

(a) whether the management of M/S Hindustan Embroidery Mills (Private) Limited Chheharta (Amritsar) has paid to its workmen wages and lay off compensation for the months of October, November and December, 1969, and January and February, 1970;

(b) if the answer to part (a) above be in the negative, whether the Management has been guilty of violating the provision of the payment of wages Act; if so, the action taken or proposed to be taken by the Government against the management;

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਪ੍ਰਬੰਧਕਾਂ ਨੇ ਅਕਤੂਬਰ, 1969 ਅਤੇ ਜਨਵਰੀ, 1970 ਦੇ ਮਹੀਨਿਆਂ ਦੀਆਂ ਉਜਰਤਾਂ ਅਤੇ ਜਬਰੀ ਛੁੱਟੀ ਦੇ ਮੁਆਵਜ਼ੇ ਦੀ ਅਦਾਇਗੀ ਦਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਵੰਬਰ, ਦਸੰਬਰ, 1969 ਅਤੇ ਫ਼ਰਵਰੀ, 1970 ਦੇ ਮਹੀਨਿਆਂ ਸਬੰਧੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਲੇਮਾਂ ਦੀ ਅਦਾਇਗੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ।

(ਬੀ) ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਨਵੰਬਰ, ਦਸੰਬਰ, 1969 ਅਤੇ ਫ਼ਰਵਰੀ, 1970 ਦੇ ਮਹੀਨਿਆਂ ਦੀ ਅਦਾਇਗੀ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿੱਚ ਵੇਜਿਜ਼ ਐਕਟ, 1936 ਦੇ ਉਪਬੰਧਾਂ ਨੂੰ ਭੰਗ ਕਰਨ ਦੇ ਦੋਸ਼ੀ ਹਨ।

ਸਬੰਧਤ ਮਜ਼ਦੂਰ ਆਪਣੀਆਂ ਪੁਰਾਣੀਆਂ ਉਜਰਤਾਂ ਵਸੂਲਣ ਲਈ ਸਿਧੇ ਜਾਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ]

ਆਪਣੀਆਂ ਯੂਨੀਅਨਾਂ ਰਾਹੀਂ ਵੇਜਿਜ਼ ਐਕਟ, 1936 ਦੀ ਧਾਰਾ 15 (2) ਅਧੀਨ, ਇਸ ਐਕਟ ਅਧੀਨ ਨਿਯੁਕਤ ਅਧਿਕਾਰੀ ਅਗੇ ਆਪਣੀਆਂ ਦਰਖਾਸਤਾਂ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਕਿਰਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹੀ ਸਲਾਹ ਦਿੰਦੇ ਹਨ।

REQUISITION SENT BY THE GOVERNMENT TO THE PUNJAB PUBLIC SERVICE COMMISSION FOR THE SELECTION OF DOCTORS.

*1772. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister of State of Industries and Health be pleased to state :

(a) the total number of doctors for which requisition was sent by Government to the Punjab Public Service Commission, Patiala since 1.4.69 upto date for recruitment of qualified M.B.B.S. Doctors for Government Dispensaries and Hospitals in the State;

(b) the number of Doctors selected by the Public Service Commission and sent to Government and a list thereof be placed on the Table of the House;

(c) the number of Doctors out of those mentioned in part (b) above who were rejected by the Government and a list thereof be laid on the Table of the House with reasons for these rejections ?

Minister of State for Industries & Health : (a) 300

(b) 179 (List attached)

(c) Nil.

[(ੲ) 300

(ਬੀ) 179 (ਲਿਸਟ ਨਾਲ ਨਥੀ ਹੈ)

(ਸੀ) ਕੋਈ ਨਹੀਂ ।]

ANNEXURE I

Merit list of candidates recommended for appointment to the posts of Medical Officers in P.C.M.S. Class II.

1. Shri Harjit Singh.
2. Shri Ram Narain Singh.
3. Shri Hari Singh Jaswal.
4. Shri Sant Parkash Singh.
5. Shri Ravinder Singh.
6. Shri Manmohinder Singh.
7. Shri Harbhajan Singh Dang.
8. Shri Surinder Kumar Prashar.
9. Shri Hardip Singh Sohal.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

10. Shri Narinder Singh.
11. Shri Gurjit Singh.
12. Shri Dharmvir Batish.
13. Shrimati Usha Chadha.
14. Shri Gurbachan Paul Singh Soni.
15. Kumari Sudarshan Kaur.
16. Kumari Jasjit Chhachhi.
17. Shmt. Shakuntla Devi.
18. Shri Jugal Kishore, Ahu Allahabadia.
19. Shri Rameshwar Chander.
20. Shri Manmohan Singh Gill.
21. Shri Ugagar Singh.
22. Shri Om Parkash Singal.
23. Shri Ravinder Singh S/o. Shri Dayal Singh.
24. Shri Krishan Chand Sidana.
25. Shri Ajaib Singh Sandhu.
26. Shri Hari Chand Gupta.
27. Shri Mohinder Paul Singal.
28. Kumari Bhalinder Kaur.
29. Shri Sushil Kumar Gupta.
30. Shri Kasturi Lal Chaudhri.
31. Shri Tarsem Chand Bansal.
32. Shri Harbans Singh Popli.
33. Shri Tarlok Singh Bajwa.
34. Shri Varinder Ram Paul.
35. Kumari Surjit Kaur Dhillon.
36. Kumari Surinder Madan.
37. Shri Bhupinder Singh Khurana.
38. Kumari Chandar Lekha Sud.
39. Shri Balraj Krishan Kapla.
40. Shri Gurmukh Singh.
41. Shri Suresh Chander Purthi.
42. Shri Ashok Kumar Sachdev.
43. Shri Joginder Singh Randhawa.
44. Shri Charanjit Singh Shergill.
45. Shri Gurbax Singh Playa.
46. Shri Ravinder Singh S/o. Sh. Hari Singh.
47. Shri Radha Krishan.
48. Shri Malvinder Singh Sohi.
49. Shri Ugersain.
50. Shri Dharam Paul Kapur.
51. Shri Bhupinder Kumar.
52. Shri Rajbir Singh.
53. Shri Harjit Singh Khagura.
54. Shri Har Krishan Malhotra.
55. Shri Tirath Ram.
56. Shri Mohinder Kumar S/o Sh. Dharm Chand.
57. Shri Baldev Krishan Verma.
58. Shri Pirthvi Paul Saini.
59. Kumari Kamlesh Suri.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Industries & Health]

60. Shri Parshotam Lal.
61. Shri Mohinder Partap Monga.
62. Shri Inderjit Singh Mangat.
63. Shri Gurdev Singh Rattan.
64. Shri Darshan Paul Bansal.
65. Kumari Shashi Chopra.
66. Shmt. Inderjit Kaur.
67. Shri Ajit Paul Singh Dhaliwal.
68. Shri Manmohan Lal.
69. Shri Tej Krishan.
70. Shri Jagdip Parshad Gupta.
71. Shri Gurbax Singh.
72. Kumari Surinder Singla.
73. Shri Krishan Lal.
74. Shri Raghbir Singh Shah.
75. Kumari Sushila Devi Mital.
76. Shri Hartirath Singh.
77. Shri Harsh Kumar.
78. Shri Charan Dass Sharma.
79. Shri Ravinder Singh S/o. Buta Singh.
80. Shri Gurbaljit Singh Sandhu.
81. Kumari Vir Bala Sud.
82. Shri Ishwar Lal Goyal.
83. Shri Gulbash Singh.
84. Shri Hardev Singh.
85. Shri Ashok Kumar Verma.
86. Kumari Adarsh Kumari.
87. Kumari Kanwar jit Kaur Bhasin.
88. Shmt Jagdish Sethi.
89. Shri Prithi Chand Singal.
90. Shri Sukhdev Singh.
91. Shri Jagdish Chander Garg.
92. Shri Bhim Sain.
93. Shri Jagmohan Singh.
94. Shri Surinder Mohan Khanna.
95. Shri Prem Nath Arora.
96. Shri Joginder Singh Dang.
97. Shri Jagjit Singh.
98. Shri Shiam Chander Sharma.
99. Shri Parbodh Devi Chand.
100. Shmt. Gursharan Kaur Dhillon (Scheduled Caste Ramdasia)
101. Shri Vijay Kumar.
102. Shri Suresh Kumar.
103. Shmt. Inklabi.
104. Kumari Raj Dulari Sharma.
105. Shri Mohan Lal Sarwal.
106. Shri Nand Kishore Anand.
107. Shri Mahesh Kaul Mahajan.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

108. Shri Nachatar Singh.
109. Shri Ashok Kumar Gupta.
110. Shri Ravinder Paul Singh.
111. Shri Surinder Paul Gupta.
112. Shri Harmit Singh.
113. Shri Ramesh Chander Verma (Backward Class)
114. Shri Sarbjit Singh Sidhu.
115. Shri Surjit Singh Tur.
116. Shri Ramesh Chander Mittal.
117. Shri Om Parkash Mittal.
118. Shri Ram Kumar Garg.
119. Shri Kumaminder Chander Kirpal.
120. Shri Anand Parkash.
121. Kumari Jasbir Kaur Sidana.
122. Shmt. Kuldip Kaur Kohli.
123. Shri Paramjit Singh Kapoor.
124. Shri Sawinder Singh.
125. Shri Telu Ram Garg.
126. Shmt. Usha Gupta.
127. Shmt: Har Massih.
128. Shri Surinder Kumar Jindal.
129. Shri Kiran Vinod Khanna.
130. Shri Gurdarshan Singh Moonga.
131. Shri Kewal Krishan Goel.
132. Shri Ravinder Bhalla.
133. Shri Prem Parkash Mandar.
134. Kumari Angori Devi Mittal.
135. Shri Paramjit Singh Shergill.
136. Shri Joginder Singh.
137. Shri Ram Nath Gupta.
138. Shri Mohinder Paul.
139. Kumari Ramesh Gupta.
140. Shri Sudershan Kumar Verma.
141. Shri Sudershan Kumar Kura.
142. Shri Veresh Kumar Sood.
143. Shri Sarjang Bahadur Kaushal.
144. Shri Manohar Lal Ahluwalia.
145. Shri Muti Phool Chandra.
146. Shri Mohinder Paul Singh.
147. Kumari Sanyonta Sood.
148. Shri Gian Chand Garg.
149. Shri Jaswant Singh.
150. Shri Mulkh Raj Chabra.
151. Shri Mohinder Singh.
152. Shri Paramjit Singh.
153. Shri Jasbir Singh Kumara.
154. Shri Surinder Singh.
155. Kumari Arun Prabha Gambhir.
156. Shri Ravinder Singh.
157. Shri Diwan Chand. (Scheduled Caste)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Industries & Health]

158. Shri Raj Kumar Garg.
159. Shmt: Asha Mital.
160. Shri Satish Kumar Sood.
161. Shri Pran Nath Thapar.
162. Shmt· Satish Juneja.
163. Shri Manmohan Singh Khanna.
164. Shri Ramesh Lal.
165. Shri Surinder Singh Kohli.
166. Shri Prem Nath Sondhi.
167. Shri Mehar Chand.
168. Shri Surinder Kumar.
169. Shri Mukand Lal.
170. Shri Naresh Kumar Jain.
171. Shri Jagjit Singh.
172. Shri Partap Singh.
173. Kumari Shashma Mehra.
174. Shri Raj Singh.
175. Shri Manohar Lal Bhardwaj.
176. Shri Ravinder Paul Arora.
177. Kumari Santosh Gupta.
178. Shri Rajesh Chander.
179. Shri Sudershan Singh Mehta.

LECTURERS IN GOVERNMENT COLLEGES IN THE STATE.

*1773. (C. U.) **Giani Kundan Singh Patang** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) the total number of lecturers in the Government Colleges in the State at present;

(b) the number of class I and Class II (Gazetted) and class III (Non-Gazetted) lecturers out of the those referred to in part (a) above;

(c) the number of lecturers of class I and Class II (Gazetted) Class III lecturers respectively belonging to the Scheduled Castes amongst them ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ, : (ੲ) 1293

(ਬੀ)	ਕਲਾਸ—I ਪਰੋਫੈਸਰਜ਼	1
	ਕਲਾਸ—II ਸੀਨੀਅਰ ਲੈਕਚਰਾਰਜ਼	274
	ਕਲਾਸ—III ਲੈਕਚਰਾਰਜ਼	1018
(ਸੀ)	ਕਲਾਸ—I	ਕੋਈ ਨਹੀਂ
	ਕਲਾਸ—II	2
	ਕਲਾਸ III	35

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

NON-PAYMENT OF BONUS BY THE MANAGEMENT OF BHATINDA PRIMARY COOPERATIVE LAND MORTGAGE BANK LTD. BHATINDA.

*1778. (C. U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Minister for Finance be pleased to state :

(a) whether the Management of the Bhatinda Primaiy Cooperative Land Mortgage Bank Ltd., Bhatinda has paid any bonus to its employees for any of the years from 1962 to 1969;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, the reasons for which even the minimum bonus which the management is bound to pay to its workers under the Bonus Act has not been paid;

(c) whether the present Government and/or its labour department have received any representations in this connection from the Primary Cooperative Land Mortgage Bank Workers Union, district, Bhatinda; if so, when and to what effect;

(d) the action taken or proposed to be taken by the Government in this regard ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ, : (ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਬੀ) (1) 1962 ਤੋਂ 1967 ਤੱਕ ਇਸ ਅਦਾਰੇ ਵਿੱਚ ਬੋਨਸ ਐਕਟ 1965 ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਸੀ।

(2) ਜਨਵਰੀ 1968 ਤੋਂ ਕਿਰਤੀ ਬੋਨਸ ਦੇ ਹੱਕਦਾਰ ਹਨ। ਕਿਰਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਪਰੇਰਣ ਕਾਰਨ ਮਾਲਕ ਪੇਮੈਂਟ ਆਫ਼ ਬੋਨਸ ਐਕਟ 1965 ਦੇ ਅਧੀਨ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ ਬੋਨਸ ਦੇਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਨ। ਪਰ ਕਿਰਤੀ ਇਹ ਬੋਨਸ ਲੈਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹਨ ਕਿਉਂ ਜੋ ਕਿਰਤੀਆਂ ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਹੈ ਕਿ ਬੈਂਕ ਨੂੰ ਕਾਫ਼ੀ ਲਾਭ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ 4% ਤੋਂ ਵੱਧ ਬੋਨਸ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

(ਸੀ) ਹਾਂ ਜੀ, ਬੈਂਕ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਵਲੋਂ ਮਿਤੀ 14/6/1969 ਨੂੰ ਇਕ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਦੀ ਨਕਲ ਦਫ਼ਤਰ ਕਿਰਤ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਪੰਜਾਬ, ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਈ ਸੀ।

(ਡੀ) ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿੱਚ ਅਗਲੇਰੀ ਕਾਰਵਾਈ ਤਾਂ ਹੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਜੋ ਕਾਮੇ ਇੰਡਸਟਰੀਅਲ ਡਿਸਪਿਊਟ ਐਕਟ, ਦੇ ਅਧੀਨ ਮੰਗ-ਪੱਤਰ ਦੇਣ। ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਸੁਝਾਉ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਚੁੱਕਾ ਹੈ, ਪਰ ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ।

OPENING OF NEW DEGREE COLLEGES IN THE STATE.

*1779. (C. U.) **Giani Kundan Singh Patang** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) whether the Government propose to open new degree colleges in the State; if so, the number of colleges, proposed to be opened district-wise;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Giani Kundan Singh Patang]

(b) whether the managements of some private educational institutions in the State have demanded some aid from the Government for the new Colleges proposed to be opened by them ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ੳ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਅ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

NATIONALISATION OF NEW ROUTES IN THE STATE.

*1780. (C. U.) **Giani Kundan Singh Patang** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether some new bus routes are being nationalised this year in the State;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the total number together with their details district-wise ?

Chief Minister, : (a) Yes Sir.

(b) It is not possible to give information strictly districtwise as the routes mostly lie in more than one district. However, the districtwise information on the basis of the Headquarters of the company, whose route was taken over, is given in the enclosed statement.

[(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਸ) ਬਿਲਕੁਲ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾਵਾਰ ਸੂਚੀ ਦੇਣੀ ਅਸੰਭਵ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਜ਼ਿਆਦਾ ਰੂਟ ਇਕ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿੱਚੋਂ ਦੀ ਲੰਘਦੇ ਹਨ। ਫੇਰ ਵੀ ਉਹਨਾਂ ਕੰਪਨੀਆਂ ਦੇ ਹੈਡ-ਕੁਆਟਰਜ਼ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ਜਿਹਨਾਂ ਦੇ ਰੂਟ ਲੈ ਲਏ ਗਏ ਸੀ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾਵਾਰ ਸੂਚੀ ਦੀ ਸਾਰਨੀ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।]

STATEMENT

(1) District Ludhiana

Dusmesh Transport Co. Ltd.

(i)	Ludhiana-Khanna-Ambala Cantt	1 Return trip	142 miles.
(ii)	Ludhiana-Gujjarwal	1 ,, ,,	40 ,,
(iii)	Gujjarwal-Kila Raipur	1 ,, ,,	64 ,,

Sheikhupura Transport Co.

(i)	Ludhiana-Jullundur	1 ,, ,,	74 ,,
(ii)	Ludhiana -Rupar Via Chamkaur Sahib	1 ,, ,,	108 ,,

Akal Transport Co. Ltd.

(i)	Ludhiana-Jagraon	2½ ,, ,,	125 ,,
(ii)	Ludhiana-Dhudi ke	1 ,, ,,	72 ,,
(iii)	Jagraon-Mallah	1 ,, ,,	72 ,,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Nirbhai Roadways.

(i)	Ludhiana-Khanna-Ambala	½ ,, ,,	71 ,,
(ii)	Ludhiana-Gujjarwal	1 ,, ,,	40 ,,

National Transport & General Co. Ltd.

(i)	Ludhiana-Samrala	5 ,, ,,	220 ,,
(ii)	Samrala-Kharar	1 ,, ,,	56 ,,
(iii)	Ludhiana-Jullundur.	1 ,, ,,	74 ,,

Nankana Sahib Transport Co. Ltd.

(i)	Ludhiana-Khamano	1 ,, ,,	

Ludhiana Transport Co. Ltd.

(i)	Ludhiana-Raikot	2 ,, ,,	108 ,,
(ii)	Ludhiana-Pakhowal	1 ,, ,,	36 ,,
(iii)	Ludhiana-Mehmansingh wala	2 ,, ,,	60 ,,

District Rupar

Ambala Bus Syndicate.

(i)	Rupar-Zirakpur-Ambala.	2 return trips	224 miles.
(ii)	Chandigarh-Chuni Badali	1 ,, ,,	46 ,,
(iii)	Rupar-Nangal-Behlan	1 ,, ,,	98 ,,
(iv)	Kharar-Ambala via Rajpura	1 ,, ,,	74 ,,
(v)	Kurali-Siswan-Chandigarh	1 ,, ,,	44 ,,
(vi)	Rupar-Purkbali	1 ,, ,,	20 ,,
(vii)	Chandigarh-Kalka via Panchkula	1 ,, ,,	32 ,,

District Ferozepur

Fazilka Dhabwali Transport Co. Ltd.

(i)	Abohar-Fazilka	2½ trips	110 miles
(ii)	Abohar-Sangria	2 ,,	132 ,,

New Samundri Transport Co.

(i)	Kot-Kapura-Muktsar	2 retrun trips	80 ,,
(ii)	Moga-Kotkapura	1 ,, ,,	60 ,,
(iii)	Ferozepur-Mamdot	1 ,, ,,	30 ,,
(iv)	Ferozepur-Muktsar via Faridkot	2 ,, ,,	200 ,,

Malwa Bus Service Ltd.

(i)	Moga-Ferozepur (Head Works)	1 ,, ,,	90 ,,
(ii)	Moga-Ferozepur	1 ,, ,,	76 ,,
(iii)	Zira-Talwandi	4 ,, ,,	80 ,,
(iv)	Moga-Ferozepur	1 ,, ,,	76 ,,

Moga Transport Co.

(i)	Moga-Jullundur		144 ,,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

Malout Transport Co.

(i)	Muktsar-Jalalabad	2½	Return trips	90	miles.
(ii)	Muktsar-Gidderbaha	1	,, ,,	52	,,
(iii)	Malout-Talwandi	1	,, ,,	32	,,

Lahore Sargodha Transport Co.

(i)	Malout-Fazilka	1	,, ,,	64	,,

Sewak Bus Service.

(i) Confirmation awaited.

District Jullundur

New Sutlej Transport Co. Ltd.

(i)	Ludhiana-Jullundur	2½	return trips	185	Miles.
(ii)	Ludhiana-Phillaur	6	,, ,,	108	,,
(iii)	Phillaur-Jandiala	2	,, ,,	74	,,
(iv)	Ludhiana-Apra	1	,, ,,	36	,,

Onkar Bus Service Ltd.

(i)	Jullundur-Rupar	1	,, ,,	134	,,
(ii)	Nawanshehar-Balachaur	5	,, ,,	130	,,
(iii)	Jullundur-Nawanshehar	2/3	,, ,,	50	,,

Pritam Bus Service.

(i)	Jullundur-Pathankot	½	,, ,,	71	,,
(ii)	Jullundur-Alawalpur	2	,, ,,	40	,,
(iii)	Jullundur-Bhogpur	½	,, ,,	17	,,

Azad Nakodar Bus Service Ltd.

(i)	Jullundur-Nakodar	1½	,, ,,	45	,,
(ii)	Jullundur-Nurmahal	1	,, ,,	46	,,

Kartar Bus Service Ltd.

(i)	Jullundur-Pathankot	1	,, ,,	71	,,
(ii)	Jullundur-Hoshiarpur	1	,, ,,	56	,,
(iii)	Hoshirpur-Una	2	,, ,,	100	,,

Jullundur Transport Co-operative Society

(i)	Jullundur-Pathankot	½	,, ,,	71	,,
(ii)	Phagwara-Kapurthala	1½	,, ,,	84	,,

District Hoshiarpur.

Doaba Roadways Ltd.

(i)	Jullundur-Hoshiarpur	1¼	Return trips	85½	miles
(ii)	Hoshiarpur-Jandiala	½	,, ,,	23	,,
(iii)	Hoshiarpur-Adampur-Bhogpur Kapurthala	½	,, ,,	50	,,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Hoshiarpur-Doaba Transport Co.

(i)	Jullundur-Hoshiarpur	1¼	Return Trip	85½	Miles.
(ii)	Hoshiarpur-Jandiala	½	,, ,,	23	,,
(iii)	Hoshiarpur-Kapurthala	½	,, ,,	50	,,

Hoshiarpur Express Transport Co. Ltd.

(i)	Hoshiarpur-Rupar	1	,, ,,	116	,,
(ii)	Hoshiarpur-Garshankar	1	,, ,,	50	,,
iii)	Garshanker-Nawanshehar	2	,, ,,	28	,,
(iv)	Hoshiarpur-Pach Nangal	1	,, ,,	46	,,
(v)	Hoshiarpur-Bhungarni	1	,, ,,	32	,,
(vi)	Hoshiarpur-Binjon	1	,, ,,	50	,,
(vii)	Hoshiarpur-Narunangal	1	,, ;,	20	,,
(viii)	Hoshiarpur-Guzzar Nangal	½	,, ,,	40	,,

Hoshiarpur Azad Transporters.

(i)	Hoshiarpur-Tanda	2	,, ,,	80	,,
(ii)	Hoshiarpur-Hariana	1	,, ,,	20	,,
(iii)	Mukerian-Daulatpur	1	,, ,,	70	,,

Hoshiarpur National Transporters Ltd.

(i)	Hoshiarpur-Tanda.	2	,, ,,	80	,,
(ii)	Hoshiarpur-Hariana-	1	,, ,,	20	,;
(iii)	Mukerian-Kamahi Devi	1	,, ,,	50	,,

District Amritsar

New Suraj Transport Co.

(i)	Amritsar-Moga via Sirhali	1	,, ,,	132	,,
(ii)	Amritsar-Pathankot	½	,, ,,	67	,,

Sandhu Transport Co.

(i)	Amritsar-Bhatinda	½	,, ,,	119	,,
(ii)	Amritsar-Goindwal or	2	,, ,,	108	,,
(iii)	Amritsar-Goindwal	1	,, ,,	54	,,
	Tarn Taran-Verowal			38	,,

New Piyar Bus Service.

(i)	Amritsar-Verowal	2	,, ,,	100	,,

Randhawa Bus Service.

(i)	Amritsar-Wachoha route	1	,, ,,	48	,,
(ii)	Amritsar-Tarsika via Chagawan	2	,, ,,	76	,,

Nishat Malwa Bus Service.

(i)	Amritsar-Pathankot route	1	,, ,,	67	,,

New United Transport Co.

(i)	Amritsar-Pathankot	½	,, ,,	67	,,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

(ii)	Amritsar-Qadian	½ return Trip	36 miles,
(iii)	Amritsar–Batala	½ ,, ,,	24 ,,

Punjab Transport Co-operative Society.

(i)	Amritsar-Pathankot	½ ,, ,,	67 ,,
(ii)	Amritsar-Dhand Kasel	½ ,, ,,	30 ,,
(iii)	Amritsar-Sarai Amanet Khan	½ ,, ,,	36 ,,

Rohtak District Transport Society.

(i)	Amritsar-Pathankot	½ ,, ,,	67 ,,
(ii)	Amritsar-Tahli Sahib-Chowinda	1 ,, ,,	36 ,,
(iii)	Amritsar-Qadian	½ ,, ,,	36 ,,

Azad Transport Co-operative Society.

(i)	Amritsar-Bachiwind	1 ,, ,,	44 ,,
(ii)	Tarn Taran-Attari route	1 ,, ,,	50 ,,

District Transport Co-operative Society.

(i)	Amritsar-Dehra Baba Nanak-Pathankot.	1 ,, ,,	172 ,,

New Majha Transport Co-operative Society.

(i)	Khem Karan-Ludhiana	½ ,, ,,	117 ,,
(ii)	Amritsar-Khemkaran	½ ,, ,,	40 ,,

Amritsar Frontier Transport Co-operative Society.

(i)	Amritsar-Harike	1½ ,, ,,	132 ,,

Kisan Workers Transport Co. Society.

(i)	Amritsar-Ferozepur	½ ,, ,,	80 ,,

District Gurdaspur

New Himalaya Transport Co.

(i)	Gurdaspur-Dera Baba Nanak	1 ,, ,,	48 ,,
(ii)	Gurdaspur-Kahnuwan	1 ,, ,,	24 ,,
(iii)	Batala-Shri Hargobindpur	½ ,, ,,	19 ,,

New Midh Bhabra Transport Co.

(i)	Amritsar-Bor Wadala	1 ,, ,,	90 ,,

New Jhang Transport Co. Ltd.

(i)	Batala-Dehra Baba Nanak	1 ,, ,,	38 ,,
(ii)	Batala-Pandori Mahantan	½ ,, ,,	37 ,,

New Janta Bus Service.

(i)	Amritsar-Pathankot	½ ,, ,,	67 ,,
(ii)	Dina Nagar Shale Pattan	1 ,, ,,	50 ,,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

OFFICIALS WORKING IN DRAINAGE CIRCLE, AMRITSAR, FOR MORE THAN FIVE YEARS

*1781 (C. U.) **Comrade Darshan Singh Jhabal** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) the time for which an employee can remain posted in Drainage Circle, Amritsar, according to rules;

(b) the date when the present Sub Divisional Officer, Overseer, Superintendent, Accounts Clerk and the Sub Divisional Clerk were posted in the Drainage Circle, Amritsar;

(c) whether it is a fact that some of the officials are working there for more than five years; if so, the reasons therefor ?

Minister for Irrigation & Power : (a) There are no particular rules for Amritsar Drainage Circle, Amritsar, P. W. D. I. B. as incorporated in Chapter XII of the Mannual of Administration General instruction/rules of the Department on the subject also apply to this Circle. According to these Rules an employee of the provincial cadre establishment can stay in a circle for seven years. Circle cadre Establishment is to remain in the Circle unless transferred by the Chief Engineer.

(b) Date of posting of the present SDOs, Sectional Officers, Superintendent, Accounts Clerks and Sub Divisional Clerks in the Drainage Circle Amritsar is given in the attached statement;

(c) Yes. An employee can remain attached to the Circle for seven years.

[(ੳ) ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਜਨ ਨਿਕਾਸ ਹਲਕਾ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਖਾਸ ਰੂਲ ਨਹੀਂ ਹਨ । ਆਮ ਹਦਾਇਤਾਂ/ਰੂਲਜ਼ ਵੀ ਇਸ ਸਰਕਲ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਮੈਨੂਅਲ ਆਫ ਐਡਮਿਨਿਸ-ਟਰੇਸ਼ਨ ਦੇ XII ਚੈਪਟਰ ਵਿੱਚ ਦਰਜ ਹਨ । ਚਾਲੂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਰਾਜ ਪੱਧਰ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਇਕ ਸਰਕਲ ਵਿੱਚ 7 ਸਾਲ ਲਈ ਰਹਿ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਸਰਕਲ ਕੈਡਰ ਦੇ ਅਮਲੇ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਸਰਕਲ ਵਿੱਚ ਹੀ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਜਦ ਤੱਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਨਾ ਬਦਲੇ ।

(ਅ) ਉਪ ਮੰਡਲ ਅਫ਼ਸਰ, ਭਾਗ ਅਫ਼ਸਰ, ਸੁਪਰਡੰਟ, ਲੇਖਾ ਕਲਰਕ ਅਤੇ ਉਪ ਮੰਡਲ ਕਲਰਕ ਦੇ ਬਾਰੇ ਨਿਯੁਕਤੀ ਦੀ ਮਿਤੀ ਨਾਲ ਲੱਗੀ ਸੂਚੀ ਦੁਆਰਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ੲ) ਹਾਂ । ਇੱਕ ਕਰਮਚਾਰੀ ਸਰਕਲ ਵਿੱਚ 7 ਸਾਲ ਤੱਕ ਰਹਿ ਸਕਦਾ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Irrigation and Power]

AMRITSAR DRAINAGE CIRCLE, AMRITSAR.

List showing the names of the present SDOs, Sectional Officers, Superintendents, Accounts Clerks, and Sub Divisional Clerks, alongwith the date of posting in Amritsar Drainage Circle, Amritsar.

Sr. No.	Name	Date of Posting
	SUB DIVISIONAL OFFICERS.	
	[Sarvshri	
1.	O. N. Pandhi	1.5.65
2.	Gurpal Singh Brar	21.3.69
3.	D. D. Sud	8.5.69
4.	J. S. Bagga	18.4.69
5.	J. N. Sood	3.8.67
6.	H. C. Syne Berry	16 4.69
7.	Surjeet Singh	15.7.67
8.	D. S. Bajwa	11.11.65
9.	Baljit Rai	27.9.68
10.	Mohinder Singh	13.5.69
11.	Atma Singh	31.10.66
12.	Avtar Singh	25.3.69
13.	Kewal Singh	23.9.69
14.	Mast Singh	15.12.69
15.	K. G. Sharma	24.9.67
16.	M. L. Khosla	17.4.69
17.	A. S. Bajwa	11.4.69
18.	V. S. Bhalla	27.1.69
	SECTION AL OFFICERS.	
1.	Charan Singh	4.6.63
2.	Harchand Singh	1.3 66
3.	D. K. Soni	11.11.65
4.	B. K. Sardana	5.10.67
5.	B. K. Mouza	4,12.69
6.	Ajit Singh	11.6.68
7.	Ram Lubhaya Bhalla	10.5.68
8.	Lajpat Rai	24.5 68
9.	Gurbax Singh	18.6.69
10.	Sat Dev Sharma	13.3.66
11.	Arjan Singh	10.10.64
12.	Sarup Singh	14.10.69
13,	Mastan Singh	22.3.66
14.	Gurbax Singh	1.6.64
15.	Narinder Singh	17.12.66
16.	Om Parkash Sharma	1.3.64
17.	Jit Singh	16.3.66
18.	R. K. Sood	11.3.66
19.	Tirlochan Singh	22.2.67
20.	Harmandar Singh	27.11.67
21.	Joginder Singh Lehal	22.5.68
22.	Jaspal Singh	1.4.68
23.	Amrit Lal	30.10.66
24.	D. K. Sareen	2.11.66
25.	Rajinder Pal	1.11.66
26.	Kewal Kirshan	5.10.64
27.	Jharmal Singh	1.8.65
28.	Inderjit Singh	11.5.69
29.	R. C. Narula	19 5.69
30.	Gurbaj Singh	18.8.69
31.	Walaiti Ram Gupta	8.9.62
32.	Rachpal Singh	28.6.63
33.	Madan Lal Bhalla	1.11.66
34.	Harjit Singh Sandhu	1.5.68
35.	Kapur Singh	5.10.68
36.	Sampuran Singh	19.8.68
37.	Milkiat Singh	1.11.68
38.	Madan Lal Babbar	18.7.68
39.	Surinder Nath Sood	1.11.66
40.	Ram Tirath	7.7.66
41.	Gurdial Singh	14 3.64
42.	Joginder Singh	26.8.67
43.	Om Parkash Sharma	24.8.63
44.	Ajit Singh	14.8.67
45.	Harbhajan Singh	1.3.66
46.	Yog Ram Lamba	29.5.67
47.	Om Parkash Kanda	9.5.68
48.	Devinder Kumar Sharma	25.6.68
49.	Jaswant Singh Patra	22.10.61
50.	Amar Nath Bhardwaj	25.1.68
51.	Surinder Nath Mahajan	11 6.63
52.	Natha Singh	21.2.61
53.	Harinder Singh Bajwa	4.5 65
54.	Surat Singh	1.11.66
55	Santosh Kumar	26.8.65
56.	Kapur Singh	6.12.64
57.	Vir Chand	16.12.64
58.	T. N. Vali	16.12.64
59.	Tarlok Singh	16.12.64
60.	Ram Sarup	16.12.64
61.	Duldip Rai	16.12.64

Orig al with;
Punj Vidhan Sabha
Digi zed by;
Panj Digital Library

Sr. No.	Name	Date of Posting
62.	Mohan Singh	16.12.64
63.	Mohinder Singh	16.12.64
64.	G. L. Bajaj	16.12.64
65.	Om Parkash Joshi	1.11.66
66.	Jaswant Singh	16.12.64
67.	D. K. Kochhar	16.12.64
68.	Hardial Singh	23.4.65
69.	Malkiat Singh	16.12.66
70.	Sukhdarshan Singh	14.4.67
71.	Joginder Lal	14.4.67
72.	Nareshwar Kumar	1.3 66
73.	Joginder Lal	21.9.67
74.	Gurdev Singh	9.9.64
75.	Harbans Singh	25.9.67
76.	Satpal Madan	1.8.68
77.	Gian Singh Virdhi	3.1.64
78.	V. P. Singh	6.11.65
79.	Bachittar Singh	1.11.66
80.	Hargurjit Singh	13.2.69
81.	Rajinder Pal	6.2.61
82.	Harbans Singh	9.7.69
83.	Dandharbjeet	10/66
84.	Madan Lal	28.11.61
85	Sat Pal Jaura	21.12.66
86.	Chaman Lal	25.8.66
87.	Dilwar Singh	1.11.66
88.	Gurdev Singh	1.11.66
89.	Ved Raj	27.12.67
90.	Darshan Singh	22.10.61
91.	Harjit Singh	9.7.65
92.	Prithpal Singh	1.7.66
93.	Balwant Singh	19.2.62
94.	Jagdish Singh	11.10.67
95.	Satnam Singh	24.6.67

Sr. No.	Name	Date of Posting
SUPERINTENDENT		
1.	Vas Dev Verma	10.5.67
ACCOUNTS CLERKS		
1.	Harbansjit Singh	14.9.59
2.	Kanwal Kishore	2.3.60
3.	Rattan Lal Prabhakar	1.3.66
4.	Baldev Raj Chopra	28 8.68
5.	Om Parkash Sethi	1.3.67
6.	Ram Sarup Beri	14.5.57
7.	Dev Raj	15.12.64
8.	Gian Singh	19.6.65
9.	Panjab Singh	16.12,64
10.	Vir Abhimanyu	20.7.67
11.	Gajjar Singh	14.4.58
12.	Dilbag Rai	1.3.68
SUB DIVISIONAL CLERKS.		
1.	Ram Saran Bandhan	10 1.61
2.	Harbans Lal Khurana	1.5.67
3.	Arjan Singh	21.4.57
4.	Madan Lal	26.11.66
5.	Bishan Dass	20.8.64
6.	Ashwani Kumar	16.10.66
7.	Mohinder Singh	1 3.66
8.	Narinder Singh Chalana	9.9.66
9.	Gurbachan Singh Cheema	28.4.67
10.	Jagdish Lal	15.12.64
11.	Darshan Lal	15.12.64
12.	Pasham Lal	9.1 61
13.	Dass Ram	16.12.64
14.	Madan Lal	16.6.66
15.	Shamsher Singh	16.12.64
16.	Inderjit	16.12.64
17.	Krishan Sarup	25.6.66
18.	Parshotam Lal	1.5.59
19.	Roop Lal	13.11.65

REPRESENTATION FOR POSTING OF HEADMASTER IN GOVERNMENT HIGH SCHOOL CHAOKE, DISTRICT BHATINDA.

*1783. (C. U) **Comrade Darshan Singh Jhabal** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) the time since when there is no Headmaster in Government, High School, Chaoke, District Bhatinda.

(b) whether the residents of the area submitted any representations to the Government regarding appointment of Headmaster in the said school;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Darshan Singh Jhabal]

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, the reasons for which no Headmaster has so far been appointed ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ, : (ੲ) 1.7.1968

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਸੀ) ਸੁਆਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਪਰ ਸ੍ਰੀ ਤਾਰਾ ਸਿਘ ਨੂੰ 21.5.70 ਨੂੰ ਬਦਲ ਕੇ ਸਰਕਾਰੀ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਚੋਕੇ ਵਿੱਚ ਬਤੌਰ ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕ ਲੱਗਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ।

GOVERNMENT EMPLOYEES PUT ON DUTY DURING THE MID-TERM ELECTIONS HELD IN 1969.

*1784. (C. U.) **Comrade Darshan Singh Jhabal** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the total number of Government employees who were put on duty in connection with mid-term elections held in the State in 1969;

(b) whether all the officials were given travelling allowance etc., if not, the reasons therefor ?

Chief Minister, : (a) 39066

(b) The information is not readily available.

[(ੳ) 39066

(ਅ) ਮੰਗੀ ਗਈ ਸੂਚਨਾ ਤੁਰੰਤ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੈ।]

SYPHON AT KIRAN ESCAPE, NEAR VILLAGE PADDAY ON THE DISTRIBUTARY FROM ALIWAL DISTRICT GURDASPUR TO RAMDAS DISTRICT AMRITSAR.

*1786. (C. U.) **Sardar Santokh Singh Randhawa** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a syphon was constructed at Kiran Escape near village Padday on the distributary from Aliwal, district Gurdaspur to Ramdas, district Amritsar;

(b) whether it is also a fact that the said syphon was eroded by floods some time ago and since then the syphon has not been reconstructed; if so, the reasons therefor;

(c) whether Government proposed to rebuild that syphon in the near future; if so, when ?

Minister for Irrigation & Power : (a) Yes.

(b) Yes. It is not necessary to reconstruct the acquaduct because the area across the drain has been provided with alternate source of Irrigation.

Orig[inal with;]
Punj[ab] Vidhan Sabha
Digi[tised by;]
Panj[ab Digital Library]

(c) No.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ । ਐਕੂਏਡਕਟ ਨੂੰ ਮੁੜ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂਕਿ ਡਰੇਨ ਦੇ ਪਾਰ ਰਕਬੇ ਨੂੰ ਸਿੰਜਾਈ ਹੋਰਨਾਂ ਸਾਧਨਾਂ ਦੁਆਰਾ ਕਰਨ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ।

(ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।]

T. A./D. A. CLAIMED BY THE MINISTERS DURING NOVEMBER AND DECEMBER, 1969 AND JANUARY, 70.

*1793. (C. U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Chief Minister be pleased to state the amount of T. A. and D. A. claimed by each Minister/State Minister/Deputy Minister in the State during the months of November and December, 1969 and January, 1970, with full details of the tours undertaken and the purpose of visit in each case ?

Chief Minister : A statement showing the details of T. A./D. A. drawn by the Cabinet Ministers/State Ministers during the months of November and December, 1969 and January, 1970, is placed on the Table of the House.

The time and labour involved to collect and supply the remaining information will not be commensurate with the benefit sought to be derived therefrom.

[ਇਕ ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ, ਜਿਸ ਵਿਚ ਮੰਤਰੀਆਂ ਤੇ ਰਾਜ-ਮੰਤਰੀਆਂ ਦਾ ਨਵੰਬਰ, ਦਸੰਬਰ, 1969 ਤੇ ਜਨਵਰੀ, 1970 ਦੇ ਸਫਰ ਭੱਤੇ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਹੈ, ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

ਬਾਕੀ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਜੋ ਮਿਹਨਤ ਤੇ ਸਮਾਂ ਲਗਣਾ ਹੈ, ਉਸ ਨਾਲੋਂ ਇਸ ਤੋਂ ਪੁਜਣ ਵਾਲਾ ਲਾਭ ਬਹੁਤ ਥੋੜ੍ਹਾ ਹੈ ।]

Statement showing T. A./D. A. drawn by the Ministers/State Ministers during the months of Nov., Dec., 1969 & January, 1970.

		Nov. 69 Rs. P.	Dec. 69 Rs. P.	Jan , 70 Rs. P.
1.	S. Gurnam Singh, C. M.	187.50	597.10	992.80
2.	Sh. Balram Dass Tandon, I. M.	437.50	797.12	337.50
3.	Sh. Sohan Singh Bassi, IPM	1196.00	500.00	Claim not yet preferred.
4.	Sh. Atma Singh, R. R. M.	620.00	1523.85	325.00
5.	Sh. Krishan Lal, Ex-F. M.	350.00	1420.30	275.00
6.	Sh. Bhagat Singh, S. W. M.	1096.00	362.50	605.50
7.	Sh. Balwant Singh, F. S. M.	1077.25	337.50	983.50
8.	Sh. Parkash Singh Badal, DAHM	462.50	437.50	425.00
9.	Sh. Surjit Singh, E. M.	250.00	375.00	362.50
10.	Sh. Satnam Singh Bajwa, M.F.F.	550.00	918.80	400.00
11.	Sh. Mohan Singh Tur, M.I.	437.50	625.00	612.50

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

		Nov. 69 Rs. P.	Dec. 69 Rs. P.	Jan., 70 Rs. P.
12.	Sh. Jagdev Singh, MDAH	175.00	300.00	462.50
13.	Sh. Ravel Singh, M.I.H.	400.00	976.50	262.50
14.	Sh. Randhir Singh Cheema, M.R.W.	662.50	650.00	462.50
15.	Sh. Jiwan Singh Umranangal, MRL	462.50	600.00	700.00
16.	Sh. Manmohan Kalia, L.G.M.	1012.50	362.50	487.50
17.	Sh. Radha Krishan, A.M.	—	—	450.00

CABINET COMMITTEE CONSTITUTED TO EXAMINE THE QUESTION OF TRANSFER OF RELIGIOUS INSTITUTIONS TO THE EXISTING/NEW BODIES.

*1797. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a Cabinet Sub-Committee has been constituted to examine the question of transfer of religious institutions like Gurdwaras, Mandirs and Mosques, at present being managed by Dharam Arth, to other existing or new bodies;

(b) if the reply to para (a) above be in the affirmative, the names of the members of the Sub-Committee together with the number of meetings held by it so far;

(c) the names of the religious institutions which are being considered for transfer and of those which have already been recommended for such purpose ?

ਮਾਲ ਤੇ ਪੁਨਰਵਾਸ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਬੀ) (1) (1) ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ, ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ, ਪੰਜਾਬ।

(2) ਸ੍ਰ: ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ, ਮਾਲ ਤੇ ਪੁਨਰਵਾਸ ਮੰਤਰੀ, ਪੰਜਾਬ।

(3) ਸ੍ਰ: ਰਵੇਲ ਸਿੰਘ, ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਉਦਯੋਗ ਤੇ ਸਿਹਤ, ਪੰਜਾਬ।

(2) ਇਕ ਮੀਟਿੰਗ।

(ਸੀ) (1) ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਲਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(2) ਅਜੇ ਕੋਈ ਨਹੀਂ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਨਵਬਰ, 1966 ਵਿੱਚ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਪੁਨਰ ਸੰਗਠਨ ਪਿਛੋਂ ਸਾਬਕਾ ਪੈਪਸੂ ਰਾਜ ਤੋਂ ਲੈ ਲਏ ਗਏ ਗੁਰਦੁਆਰਿਆਂ, ਮੰਦਰਾਂ ਅਤੇ ਮਸਜਦਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ

(ੳ) ਗੁਰਦੁਆਰੇ

1.	ਗੁਰਦੁਆਰਾ	ਸੁਨਾਮੀ ਗੇਟ, ਸੰਗਰੂਰ
2.	,,	ਨਾਭਾ ਗੇਟ, ਸੰਗਰੂਰ
3.	,,	ਧੂਰੀ ਗੇਟ, ਸੰਗਰੂਰ
4.	,,	ਪਟਿਆਲਾ ਗੇਟ, ਸੰਗਰੂਰ
5.	,,	ਦਰਸ਼ਨੀ ਗੇਟ, ਪਟਿਆਲਾ
6.	,,	ਸੈਫਾਬਾਦੀ ਗੇਟ, ਪਟਿਆਲਾ
7.	,,	ਸਨੌਰੀ ਗੇਟ, ਪਟਿਆਲਾ
8.	,,	ਲਾਹੌਰੀ ਗੇਟ, ਪਟਿਆਲਾ
9.	,,	ਸ਼ੇਰਾਂਵਾਲਾ ਗੇਟ, ਪਟਿਆਲਾ
10.	,,	ਸੁਨਾਮੀ ਗੇਟ, ਪਟਿਆਲਾ
11.	,,	ਸਮਾਨੀਆਂ ਗੇਟ, ਪਟਿਆਲਾ
12.	,,	ਘਲੌੜੀ ਗੇਟ, ਪਟਿਆਲਾ
13.	,,	ਸਰਹੰਦੀ ਗੇਟ, ਪਟਿਆਲਾ
14.	,,	ਪਟਿਆਲਾ ਗੇਟ, ਨਾਭਾ
15.	,,	ਅਲੌਰਾਂ ਗੇਟ, ਨਾਭਾ
16.	,,	ਦਲਾਦੀ ਗੇਟ, ਨਾਭਾ
17.	,,	ਬੌੜਾਂ ਗੇਟ, ਨਾਭਾ
18.	,,	ਮੈਸ਼ ਗੇਟ, ਨਾਭਾ
19.	,,	ਕਿਲ੍ਹਾ ਅਮਲੋਹ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ
20.	,,	ਕਿਲ੍ਹਾ ਫੂਲ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਬਠਿੰਡਾ
21.	,,	ਜਲੌਖਾਨਾ, ਕਪੂਰਥਲਾ
22.	,,	ਕਿਲਾ ਮੁਬਾਰਕ, ਨਾਭਾ
23.	,,	ਪੱਕਾ ਬਾਗ, ਨਾਭਾ
24.	,,	ਵਜ਼ੀਦਪੁਰ, ਪਟਿਆਲਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ
25.	,,	ਬਾਲਿਆਂਵਾਲੀ, ਬਠਿੰਡਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ
26.	,,	ਜੱਧਾ, ਕਪੂਰਥਲਾ
27.	,,	ਫੂਲ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਬਠਿੰਡਾ
28.	,,	ਚੁੱਲਾ ਸਾਹਿਬ, ਬਰਨਾਲਾ
29.	,,	ਸਮਾਧਾਂ, ਸੰਗਰੂਰ
30.	,,	ਸਮਾਧ, ਮਹਾਰਾਜਾ ਹੀਰਾ ਸਿੰਘ, ਨਾਭਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮਾਲ ਤੇ ਪੁਨਰਵਾਸ ਮੰਤਰੀ]

31.	ਗੁਰਦੁਆਰਾ	ਸਮਾਧ ਮਾਈ ਦੇਸਾਂ, ਨਾਭਾ
32.	,,	ਸਮਾਧ, ਸ਼ਾਮ ਬਾਗ, ਨਾਭਾ
33.	,,	ਸਮਾਧ ਸ਼ਾਲਾਮਾਰ ਬਾਗ, ਕਪੂਰਥਲਾ
34.	,,	ਸਮਾਧ ਹਿੱਜ਼ ਹਾਈਨੈਸ ਜੱਸਾ ਸਿੰਘ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ
35.	,,	ਸਮਾਧ ਹਿੱਜ਼ ਹਾਈਨੈਸ ਭਾਗ ਸਿੰਘ, ਕਪੂਰਥਲਾ
36.	,,	ਬੁਰਜ ਬਾਬਾ ਆਲਾ ਸਿੰਘ, ਕਿਲਾ ਮੁਬਾਰਕ, ਪਟਿਆਲਾ
37.	,,	ਬੋਲੀ ਸਾਹਿਬ, ਅਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ।
38.	,,	ਮਰਘਟ ਖਾਨਾ, ਨਾਭਾ

(ਅ) ਮੰਦਰ

1.	ਮੰਦਰ	ਗੱਯੰਤੀ ਦੇਵੀ ਜੀ, ਸੰਗਰੂਰ
2.	,,	ਰਾਜ ਰਾਜੇਸ਼ਵਰੀ ਜੀ, ਸੰਗਰੂਰ
3.	,,	ਕਾਲੀ ਦੇਵੀ ਜੀ, ਸੰਗਰੂਰ
4.	,,	ਗੰਗਾ ਸਾਗਰ, ਸੰਗਰੂਰ
5.	,,	ਕਿਲਾ ਮੁਬਾਰਕ, ਸੰਗਰੂਰ
6.	,,	ਨੈਣਾ ਦੇਵੀ ਜੀ, ਸੰਗਰੂਰ
7.	,,	ਸ਼ਿਵਾਲਾ ਵਜੀਦਪੁਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ
8.	,,	ਚੁੱਲਾ ਸਾਹਿਬ, ਬਰਨਾਲਾ
9.	,,	ਕਾਲੀ ਜੀ, ਮਾਲ ਰੋਡ, ਪਟਿਆਲਾ
10.	,,	ਰਾਜ ਰਾਜੇਸ਼ਵਰੀ ਜੀ, ਪਟਿਆਲਾ
11.	,,	ਤੁੰਗ ਨਾਥ ਜੀ, ਪਟਿਆਲਾ
12.	,,	ਬਦਰੀ ਨਰਾਇਣ, ਪਟਿਆਲਾ
13.	,,	ਗੋਲਕਜੀ, ਪਟਿਆਲਾ
14.	,,	ਕਲਾਂ ਕਪੂਰਥਲਾ
15.	,,	ਸ਼ਿਵ ਮੰਦਿਰ, ਕਪੂਰਥਲਾ
16.	,,	ਜੱਧਾ, ਕਪੂਰਥਲਾ
17.	,,	ਮਾਲਖਾਨਾ, ਕਪੂਰਥਲਾ
18.	,,	ਪੁਲਿਸ ਲਾਈਨ, ਸੰਗਰੂਰ
19.	,,	ਕਿਦਾਰ ਨਾਥ ਜੀ, ਪਟਿਆਲਾ
20.	,,	ਦੇਵੀ ਦਵਾਲਾ ਚੌਕ, ਨਾਭਾ

(ੲ) ਮਸਜਿੱਦਾਂ

1.		ਜਾਮਾ ਮਸਜਿੰਦ, ਮਲੇਰਕੋਟਲਾ
2.		ਕਲਸੀਆਂ ਵਾਲੀ ਮਸਜਿਦ, ਮਲੇਰਕੋਟਲਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

3. ਦੀਵਾਨ ਖਾਨਾ ਮਸਜਿਦ, ਮਲੇਰਕੋਟਲਾ
4. ਜਾਮਾ ਮਸਜਿਦ, ਕਪੂਰਥਲਾ
5. ਬੰਦੀਵਾਲੀ ਮਸਜਿਦ, ਕਪੂਰਥਲਾ
6. ਰੇਰੋਵਾਲੀ ਮਸਜਿਦ, ਕਪੂਰਥਲਾ
7. ਈਦਗਾਹ ਮਸਜਿਦ, ਕਪੂਰਥਲਾ
8. ਅਡਾ ਖਾਨਾ ਮਸਜਿਦ ਕਪੂਰਥਲਾ
9. ਹਾਜੀ ਵਾਲੀ ਮਸਜਿਦ, ਕਪੂਰਥਲਾ
10. ਮਾਲਖਾਨਾ ਮਸਜਿਦ, ਕਪੂਰਥਲਾ
11. ਹਕੀਮ ਸਾਦਿਕ ਅਲੀ ਮਸਜਿਦ, ਕਪੂਰਥਲਾ
12. ਦਰਵੇਸ਼ਾਂ ਵਾਲੀ ਮਸਜਿਦ, ਕਪੂਰਥਲਾ
13. ਤਕੀਆ ਚੁਪ ਸ਼ਾਹ ਮਸਜਿਦ, ਕਪੂਰਥਲਾ
14. ਕੋਠਾ ਖਾਨਾ, ਕਪੂਰਥਲਾ

NEW MARKETS

*1798. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Finance be pleased to state :

(a) Whether it is a fact that thirty four new mandis are proposed to be set up in the Punjab and a sum of Rs. 1.8 crore has been sanctioned for the development of market yards;

(b) If the reply to part (a) above be in the affirmative the district-wise names of the places selected for the construction of new mandis together with the amount spent on the construction and for the development of market yards in each case ?

Minister for Public Health & Colonisation : (a) Yes. A sum of Rs. 11.00 lacs have been provided for the development of these mandies for the current financial year.

(b) The list of 34 New Mandies is attached. No amount could be spent for the development of these mandies so far. However, a sum of Rs. 19,81,505/- have been spent for the acquisition of land for the following mandies during the current financial year :—

1. Balachaur.
2. Dasuya
3. Kila Raipur.
4. Machhiwara.
5. Mehta.
6. Majitha.
7. Adampur.
8. Talwandi Saboo.
9. Raikot.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Public Health & Colonisation]

Another sum of Rs. 6.00 lacs is likely to be spent as compensation for land for the mandies of Dharamkot, Zira and Naushehra Pannuan.

[(ੳ) ਹਾਂ। ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ 34 ਨਵੀਆਂ ਮੰਡੀਆਂ ਬਣਾਉਣੀਆਂ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੰਡੀਆਂ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਇਸ ਮਾਲੀ ਸਾਲ ਲਈ 11 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਉਪਬੰਧ ਕੀਤਾ ਹੈ।

(ਅ) ਨਵੀਆਂ 34 ਮੰਡੀਆਂ ਦੀ ਲਿਸਟ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਜਿਥੋਂ ਤੱਕ ਮੰਡੀਆਂ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਖ਼ਰਚ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਇਹ ਵਿਭਾਗ ਅਜੇ ਕੋਈ ਖ਼ਰਚ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਿਆ। ਫਿਰ ਵੀ ਹੇਠ ਦਿੱਤੀਆਂ ਮੰਡੀਆਂ ਦੀ ਭੋਂ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਲਈ 19,81,505/- ਰੁਪਏ ਮੁਆਵਜ਼ੇ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਖ਼ਰਚ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ।

1. ਬਲਾਚੌਰ
2. ਦਸੂਹਾ
3. ਕਿਲ੍ਹਾ ਰਾਏਪੁਰ
4. ਮਾਛੀਵਾੜਾ
5. ਮਜੀਠਾ
6. ਆਦਮਪੁਰ
7. ਮਹਿਤਾ
8. ਤਲਵੰਡੀ ਸਾਬੋ
9. ਰਾਏਕੋਟ

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਤਿੰਨ ਮੰਡੀਆਂ ਧਰਮਕੋਟ, ਜ਼ੀਰਾ ਤੇ ਨੁਸ਼ਹਿਰਾ ਪੰਨੂਆਂ ਦੀ ਭੋਂ ਦੇ ਮੁਆਵਜ਼ੇ ਵਜੋਂ 6 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਹੋਰ ਖ਼ਰਚ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੈ।]

LIST OF NEW MANDIES TO BE ESTABLISHED IN THE PUNJAB STATE.

S. No.	Name of place	Name of District
1.	Rai Kot	Ludhiana
2.	Quilla Raipur	—do—
3.	Machhiwara	—do—
4.	Khamanon	—do—
5.	Pathankot	Gurdaspur
6.	Batala	—do—
7.	Sri Hargobindpur	—do—
8.	Qadian.	—do—
9.	Dhariwal	—do—
10.	Dharamkot	Ferozepur
11.	Zira	—do—
12.	Makhoo	—do—
13.	Ajitwal	—do—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

S. No.	Name of place	Name of District
14.	Ferozepur Cantt.	—do—
15.	Talwani Sabo	Bhatinda
16.	Kharar	Rupar
17.	Barnala	Sangrur
18.	Dudhan	Patiala
19.	Nabha	—do—
20.	Banur	—do—
21.	Ghanaur	—do—
22.	Nawanshahr	Jullundur
23.	Adampur	—do -
24.	Balachaur	Hoshiarpur
25.	Dasuya	—do –
26.	Tanda Urmar	—do —
27.	Bhullath	Kapurthala
28.	Kapurthala	—do—
29.	Naushahra Pannuan	Amritsar
30.	Rayya	—do—
31.	Majitha	—do—
32.	Jhabhal	—do—
33.	Bhikhiwind	—do—
34.	Mehta	—do—

INCOME OF PUNJAB ROADWAYS

*1803.(C.U.)**Comrade Dana Ram** : Will the Chief Minister with reference to the reply to starred question No. 1059 included in the list of Starred Question for 9-3-70 be pleased to :—

(a) lay on the Table of the House Trading, Profit and Loss Account statement, of the Punjab Roadways, for the year 1967-68 and 1968-69 ;

(b) lay on the Table of the House the Balance Sheet for the year 1968-69, if the same has since been prepared ?

Chief Minister : (a) Profit and loss account statement for the year 1967-68 (under-audited) is laid on the Table of the House.

(b) Profit and Loss Statement and Balance sheet for the year 1968-69 in all respects and of all the Depots have not yet been finalised and audited.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

PUNJAB ROADWAYS.

Revenue Account For the Year Ending 31st March, 1968, (April 1967 to March 1968)

Revenue Expenditure	4/67 to 3/68	Revenue Receipt	4/67 to 3/68
To pay of Officers.	84,524	Income from sale of tickets.	4,66,09,339
To Pay of Establishment,	99,50,026	Income from sale of passes	2,15,156
To Travelling Allowance	7,50,446	Income from special Booking	4,83,055
To Cost of Diesel & Petrol	1,20,99,568	Income from Lost property fee	1,030
To Cost of Oils & Lub.	9,44,553	Income from Misc. Receipt.	13,94,771
To Cost of Spare Parts.	79,05,864		
To Cost of Tyres & Tubes.	20,73,075		
COST OF PRINTING & STATIONERY	1,32,090		
Postage & Telegrams.	13,973		
To Telephone Charges	66,977		
To Water & Electricity Charges.	96,695		
To rent and Tax other than Road Tax.	5,12,949		
To Misc. & Publicity,	3,45,253		
Uniform Charges.	3,45,253		
Audit Fee	42,265		
MOTOR TRANSPORT RESERVE FUND.			
Contribution during the year	1,16,508		
Loss interest recoverable			
DEPRECIATION R SERVE FUND.			
Contribution during the year	46,10,626		
Loss interest recoverable			
To Rent & Hire	59,391		
To Direction charges	2,21,433		
To Pension contributory	28,792		
To Interest on Capital	15,49,364		
To Contributory Provident Fund	2.18,857		
To Road Tax not payable	23,63,447		
Deferred Revenue	5,000		
To profits	39,51,529		
Ex-gratia.	—		
	4,87,04,361		4,87,04,361

ENQUIRY AGAINST THE CHIEF ENGINEER, P. W. D. (B & R)

*1805. (C. U.) **Sardar Dalip Singh Pandhi** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether some investigation is being made by the Vigilance Department against the Chief Engineer, P. W. D. (B & R) for constructing a house valuing about Rs. 10 lakhs at Delhi ;

(b) whether any enquiry has been made to know how the said officer came to amass so much money which enabled him to construct the house mentioned in (a) above;

(e) whether the officer mentioned in part (a) above was/has been suspended during the enquiry; if not, the reasons therefor ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਸੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ। ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

CHIEF ENGINEER P. W, D. (B & R) PATIALA

*1806. (C. U.) **Sardar Dalip Singh Pandhi :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) the date and the year when the present Chief Engineer, P. W. D. (B & R) was promoted from Superintending Engineer;

(b) whether any of the Superintending Engineer were ignored at the time of promotion of the said Chief Engineer, if so, their names and the reasone therefor in each case;

(c) whether there is any proposal under the consideration of the Government to give him extension in service i. e. from 55 to 58 years; if so, the reasons therefor ?

Minister for Irrigation & Power : (a) From 1-7-1964.

(b) Nil.

(c) No.

[(ੳ) 1/7/1964 ਤੋਂ।

(ਅ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

INQUIRY AGAINST INCHARGE, VETERINARY HOSPITAL, PHAGWARA.

*1809. (C. U.) **Doctor Sadhu Ram :** Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state :

(a) whether the Vigilance Department, Punjab is holding any enquiry into charges of corruption against Chaudhri Ram Dass Incharge Veterinary Hospital, Phagwara;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether any enquiry report has been submitted to the Government; if so, a copy thereof be laid on the Table of the House; if not, the time by which the same is likely to be submitted;

(c) whether some departmental enquiry was also held against the said official on 5th December, 1969; if so, with what result ?

Chief Minister, : (a) Yes.

(b) No. Every effort is being made to expedite it.

(c) Yes. The complaint turned out to be false.

[(ੳ) ਜੀ ਹਾਂ ।

(ਅ) ਜੀ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਪੁਰ ਜਲਦੀ ਹੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ।

(ੲ) ਜੀ ਹਾਂ । ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਗਲਤ ਸਾਬਤ ਹੋਈ ।]

ELECTORAL ROLLS GOT STENCILLED IN HINDI/PUNJABI

*1810. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Elections Department, Punjab got the Electoral Rolls stencilled in Punjabi and Hindi from some Government Departments in the State during the Mid-term poll held in 1969 on an undertaking that the typists will be paid remuneration @ Rs. 1/- per stencil and the typists did this strenuous work sitting late after office hours;

(b) whether it is a fact that no payment has been made to these typists as yet; if so, the reasons therefor;

(c) whether the Elections Department propose to expedite the payment for the work got done by it from other departments which is already long over-due; if so, the time by which it is likely to be paid ?

ਮੰਤਰੀ ਚੋਣ ਵਿਭਾਗ : (ਏ) ਜੀ ਹਾਂ ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ, ਅਦਾਇਗੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਚੁਕੀ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਅਦਾਇਗੀ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਸਵਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

NON-LIFTING OF SUGAR CANE CONTRACTED BY THE MANAGEMENT OF BHOGPUR SUGAR MILLS.

*1813 (C. U.) **Sardar Mehtab Singh Dhillon** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the management of Bhogpur Sugar Mills have bound down the Zimindars of Makho Mallanwala Circle by getting bonds executed by them but full quantity of sugar-cane is not lifted from Makho and Mallanwala stations due to shortage of wagons;

(b) whether the Government propose to ensure that the management of the said Mills receive full quantity of sugar-cane;

(c) whether the Government is aware of the fact that the employees of Bhogpur Sugar Mills had taken excess weighment of nearly 700 quintals of Sugar-cane by using faulty weighing scale from Makho and Mallanwala stations; if so, whether the Government propose to take necessary action for getting the payment therefor made by the said Mills ?

Agriculture Minister : (a) Yes.

(b) Yes.

(c) Yes. For this negligence, a part of security deposit of responsible employees has already been forfeited. A decision by Cane Commissioner to give extra payment to the growers is under appeal with the Development Commissioner. As the matter is sub-judice, no assurance in this behalf is possible at this stage.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ । ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਹੈ । ਇਸ ਅਣਗਹਿਲੀ ਕਾਰਨ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਵਲੋਂ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਾਈ ਹੋਈ ਸਕਿਓਰਟੀ ਦਾ ਕੁਝ ਹਿੱਸਾ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਜ਼ਬਤ ਕੀਤਾ ਜਾ ਚੁਕਾ ਹੈ । ਗੰਨਾ ਮਾਲਕਾਂ ਨੂੰ ਵਾਧੂ ਪੈਸੇ ਦੀ ਅਦਾਇਗੀ ਸਬੰਧੀ ਗੰਨਾ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੇ ਫੈਸਲੇ ਵਿਰੁਧ ਅਪੀਲ ਵਿਕਾਸ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਕੋਲ ਚੱਲ ਰਹੀ ਹੈ । ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਕੋਰਟ ਵਿੱਚ ਹੈ, ਮੈਂ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਭਰੋਸਾ ਨਹੀਂ ਦਿਵਾਂਦਾ ।]

BUSES PLYING BETWEEN ZIRA AND TALWANDI IN DISTRICT FEROZEPORE.

*1814. (C. U.) **Sardar Mehtab Singh Dhillon** : Will the Chief Ministers be pleased to state :

(a) whether it is a fact that 5/6 buses ply between Zira and Talwandi in district Ferozepur ;

(b) whether the Government proposes to run a few buses out of

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Sardar Mehtab Singh Dhillon]

those referred to above from Makho to Zira and Talwandi with a view to make it conveneint for the public to attend the court at Zira;

(c) whether in addition to the bus which leaves Makho for Zira at 8.00 A M. there is any proposal to run another bus from Makho to Zira at 9.00 or 9.30 A.M.;

(d) whether the Government propose to construct the shelter at Makho bus stand with a view to save the public from rain and sun ?

Chief Minister : (a) Yes, seven trips.

(b) The matter is under consideration.

(c) No, Sir.

(d) Yes, Sir, Bus Queue Shelter is under construction.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ 7 ਟਰਿਪ ਜ਼ੀਰਾ-ਤਲਵੰਡੀ ਦਰਮਿਆਨ ਚਲਦੇ ਹਨ ।

(ਅ) ਮਾਮਲਾ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

(ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਸ) ਹਾਂ ਜੀ । ਬੱਸ ਕਿਯੂ ਸ਼ੈਲਟਰ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ।]

SITE OF GRAIN MARKET AT ZIRA

*1816. (C. U.) **Sardar Mehtab Singh Dhillon** : Will the Minister for Finance be pleased to state whether the Government is aware of the fact that neither the residents of Zira town nor the Panchayats of surrounding areea are agreeable to the site where a grain market is being set up in Zira; if so, whether the Government propose to reconsider the matter and meet the wishes of the people of the area in this regard ?

ਮੰਤਰੀ ਜਨ ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਆਬਾਦਕਾਰੀ : ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਜ਼ੀਰਾ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਤੇ ਆਲੇ ਦੁਆਲੇ ਦੀਆਂ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਇਸ ਮੰਡੀ ਦੀ ਥਾਂ ਨਾਲ ਸਹਿਮਤ ਨਹੀਂ ਹਨ ।

ਕੁਝ ਪ੍ਰਤਿ-ਬੇਨਤੀਆਂ, ਜਗ੍ਹਾ ਦੀ ਚੋਣ ਅਤੇ ਭੋਂ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਐਕਟ 1894 ਦੀ ਧਾਰਾ 4 ਅਤੇ 6 ਦੇ ਨੋਟੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਹੋ ਜਾਣ ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ, ਆਈਆਂ ਹਨ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਿਚਾਰ ਕਰਕੇ ਰੱਦ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ।

MAJITHA-FATEHGARH CHURIAN ROAD.

*1818. (C. U.) **Sardar Santokh Singh Randhawa** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether the Government is aware of the fact that the road from Majitha to Fatehgarh Churian is in a dilapidated condition with the result that the travelling public feel hardship and inconvenience on account of frequent break down of buses on the said road; if so, the date since when the road is lying in such a condition;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(b) If the reply to part (a) above be in the affirmative; the reasons for not carrying out the repairs of the said road so far together with the time by which the necessary repairs are expected to be carried out ?

Irrigation and Power Minister : (a) Yes.

(b) It is a Zila Parishad road. Reasons for not carrying out repairs by the concerned Zila Parishad are not known to the Public Works Department.

COMPLAINT AGAINST THE SARPANCH OF MAKHI KALAN, TEHSIL PATTI.

*1821. (C.U.) **Sardar Kirpal Singh** : Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state :

(a) whether the Sub Divisional Officer, Patti District Amritsar received any complaint against the Sarpanch of village Makhi Kalan, tehsil Patti during the year 1969 ;

(b) whether any enquiry into the said complaint was held if so, the extent to which the allegations contained there-in were found correct;

(c) the action taken against the said Sarpanch on the basis of the said enquiry, if no action was taken the reasons there of;

(d) whether it is a fact that on the day when the officer referred to in part (a) above alongwith the Panchayat Officer visited the place and seized the record of Panchayat, the cash of the Panchayat fund found with the Sarpanch was far in excess of the amount admissible under the rules; if so, the amount of cash which the Sarpanch could keep in hand under the rules and the amount found with him at that time;

(e) the period for which the excess amount remained in possession of the sarpanch;

(f) whether the excess amount was recovered from the said Sarpanch on the date of the said visit by the officer referred to in part (a) above; if not, the date on which it was recovered later on;

(g) whether case under Section 406 or 409 of the I. P. C. against the Sarpanch has been registered with the police for misappropriating Panchayat funds, if so, when, if not the reasons therefor;

(h) whether any amount of Panchayat fund is outstanding against the outgoing Sarpanch also of the said Gram Panchayat ; if so, how much and the steps taken for the recovery thereof so for, together with the result thereof ?

State Minister for Community Development and Panchayati Raj.

(a) Yes.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[State Minister for Community Development and Panchayati Raj]

(b) Yes, a preliminary enquiry was held. It was found that the Sarpanch did not start the construction of school building on a plot purchased in 1958, and he was keeping Rs. 7024.37 in hand.

(c) The Deputy Commissioner has been authorised to hold regular enquiry u/s 102 (2) of the Act.

(d) Yes. The Sarpanch was keeping Rs. 7024.37 in hand, being more than Rs. 50/- in voilation of Rule 23 of the Punjab Gram Panchayat Rule, 1965.

(e) A statement is laid on the Table of the House,

(f) No amount had been recovered on that day or later on.

(g) No. The case is still under enquiry.

(h) An amount of Rs. 2142.49 is outstanding against Shri Sucha Singh ex-Sarpanch. A case was registered against him u/s 409 I. P. C., but results have not yet been received.

[(ੳ) ਹਾਂ ।

(ਅ) ਹਾਂ । ਇਕ ਅਰੰਭਕ ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੀ ਗਈ । ਇਹ ਪਤਾ ਲਗਾ ਕਿ ਸਰਪੰਚ ਨੇ 1958 ਵਿੱਚ ਖਰੀਦੇ ਪਲਾਟ ਤੇ ਸਕੂਲ ਦੀ ਇਮਾਰਤ ਨਹੀਂ ਉਸਾਰੀ ਤੇ ਉਸਦੇ ਹੱਥ ਵਿੱਚ 7024–37 ਰੁਪਏ ਹਨ ।

(ੲ) ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਗਰਾਮ ਪੰਚਾਇਤ ਐਕਟ 1952 ਦੀ ਧਾਰਾ 102 (2) ਅਧੀਨ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਨ ਦੀ ਪਰਵਾਨਗੀ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ।

(ਸ) ਹਾਂ । ਸਰਪੰਚ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਗਰਾਮ ਪੰਚਾਇਤ ਰੂਲਜ਼, 1965 ਦੇ ਰੂਲ 23 ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ (50 ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵੱਧ) 7024-37 ਪੈਸੇ ਹੱਥ ਵਿੱਚ ਸਨ ।

(ਹ) ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

(ਕ) ਉਸ ਦਿਨ ਜਾਂ ਉਸ ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਕੋਈ ਰਕਮ ਸਰਪੰਚ ਤੋਂ ਨਹੀਂ ਵਸੂਲੀ ਗਈ ।

(ਖ) ਨਹੀਂ । ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ ਅਜੇ ਵੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ।

(ਗ) ਸ੍ਰੀ ਸੁੱਚਾ ਸਿੰਘ ਸਾਬਕਾ ਸਰਪੰਚ ਦੇ ਜ਼ੁਮੇਂ 2142-49 ਰੁਪਏ ਬਕਾਇਆ ਹਨ । ਉਸ ਵਿਰੁੱਧ ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੀ ਧਾਰਾ 409 ਦਾ ਕੇਸ ਦਰਜ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ ਜਿਸ ਦੇ ਸਿਟੇ ਦੀ ਅਜੇ ਉਡੀਕ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ANNEXURE—A

Month	Panchayat Fund	Deposited in Bank	Cash in hand
May, 65	810.50	...	810.50
June, 65	1548.67	...	1548.67
July. August,65	1550.11	...	1550.11
September, Oct, 65	1753.83	...	1753.83
November, Dec, 65	1713.63	...	1713.63
Jan, 66	1707.63	...	1707.63
Feb, 66	1701.05	...	1701.05
March, 66	2001.05	...	2001.05
April, 66	1929.35	...	1929.35
May, 66	2679.30	...	2679.30
June, 66	2661.05	...	2661.05
July, August 66	2935.81	...	2935.81
Sep. 66	2989.50	...	2989.50
Oct. 66	2137.43	133.35	2004.05
Nov. 66	2122.43	133.35	1989.08
Dec. 66	2107.86	136.01	1971.85
Jan, 67	2083.86	136.01	1947.85
Feb, 67	7047.98	136.01	6949.68
March 67	7954.36	4136.01	3818.35
April, 67	7889.71	4136.01	3813.30
May, 67	7947.51	4136.01	3811.50
June, 67	6953.86	4136.01	2817.85
July, 67	6949.28	4136.01	2813.27
August, 67	6799.28	4136.01	2613.27
Sep. 67	6860.79	4320.73	2540.04
Oct. 67	6985 49	4320.73	2664.86
Nov. & Dec.67	6985.49	4320.73	2664.86
Jan. & Feb., 68	6937.28	4320.73	2616.65
March, 68	2929.66	407.15	2522.51
April, 68	4061.41	581.02	3480.64
May, 68	4070.41	581.02	3489.39
June, 68	4074.16	581.02	3483.14
July, 68	5904.16	581 02	5323.14
Aug. 68	6226.22	581.02	5645.20
Sept. 68	6217.97	581.02	5636.95
Oct. 68	6210.97	581.02	5629.96
Nov. 68	6214.72	581.02	5633.70
Dec. 68	6214.72	581.02	5633.70
Jan. 69	5969.72	581.02	5388.70
Feb.& March,69	5969.72	581.02	5388.70
April, 69	5969.72	581.02	5388.70
May, 69	7287.72	581.02	6706.70
June, 69	7362.72	581.02	6781.70
July, 69	7945.93	857.03	7088.90
Aug., 69	7947.43	857.03	7085.90

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[State Minister for Cemmunity Development and Panchayati Raj]

Month	Panchayat Fund	Deposit in Bank	Cash in hand
Sep. 69	7942.43	857.03	7085.90
Oct 69	7138.43	57.03	7081.40
Nov. 69	7131.93	57.03	7074.90
Dec. 69	7131.93	57.03	7074.90
Jan. 70	7131.93	57.03	7040.90

CANAL-6-R TAKEN OUT FROM SIDHWAN BET CANAL

*1823 (C. U.) **Sardar Mehtab Singh Dhillon** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether it is fact that Canal 6-R taken out from Sidhwan Bet Canal passes through Dharamkot area and the entire Zira area and that its tail also ends in Zira area;

(b) whether it has come to the notice of the Government that unauthorised outlets and "Thokars" were constructed in many canals including Canal 6-R during the last year whereby more water was made available to Dharamkot area as compared to Zira area, if so; whether an inquiry in this connection is proposed to be held;

(c) whether it is a fact that new 'Thokars' have been constructed in Dharamkot area during the current year also; if so; whether an inquiry is proposed to be held in this connection ?

Minister for Irrigation & Power : (a) Yes.

(b) and (c) No. The question of holding an enquiry does not arise.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਅ) ਅਤੇ (ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ, ਤਫਤੀਸ਼ ਦਾ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।]

REPRESENTATIONS FROM CHOWKIDARS OF SUB TEHSIL, AMLOH.

*1825. (C. U.) **Sardar Dalip Singh Pandhi** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether any representations have been received from the Chowkidars of Sub Tehsil, Amloh during the last one year for the enhancement of their pay scales; if so, the details of the action taken thereon;

(b) the present monthly emoluments/pay scales of the Chowkidars and whether they are identical throughout the State;

(c) whether the Government propose to enhance the pay scales of Chowkidars referred to in part (a) above; if so, when and to what extent ?

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਅਤੇ (ਸੀ) ਹਾਂ ਜੀ। ਇਹੋ ਜਿਹੀਆਂ ਪ੍ਰਤੀ ਬੇਨਤੀਆਂ ਨਾ ਹੀ ਸਬ-ਤਹਿਸੀਲ, ਅਮਲੋਹ ਤੋਂ, ਬਲਕਿ ਪੰਜਾਬ ਰਿਆਸਤ ਦੇ ਹਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਚੌਕੀਦਾਰਾਂ ਤੋਂ ਵਸੂਲ ਹੋਈਆਂ ਸਨ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਿਚਾਰ ਕੇ ਇਹ ਫ਼ੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹਨਾਂ ਦਾ 'ਸਟੇਟਸ ਕੋ' ਰਖਿਆ ਜਾਵੇ।

(ਬੀ) ਪੰਜਾਬ ਚੌਕੀਦਾਰਾ ਰੂਲਜ਼, 1965 ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਤਰਮੀਮ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹਰ ਚੌਕੀਦਾਰ ਨੂੰ ਛੇ ਮਹੀਨੇ ਮਗਰੋਂ ਫ਼ਸਲ ਕੱਟਣ ਤੇ, 40/- ਰੁ: ਮਹੀਨਾ ਦੀ ਦਰ ਤੇ ਨਕਦ ਵੇਤਨ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਵੇਤਨ ਸਾਰੀ ਸਟੇਟ ਵਿੱਚ ਇਕਸਾਰ ਹੈ।

PROPOSAL FOR EXTENDING THE MUNICIPAL LIMIT OF MUKERIAN.

*1827. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Local Government be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Municipal Committee, Mukerian submitted a case on 7-5-1967 to the Deputy Director, Local Bodies, Punjab, Ludhiana, regarding the extension of Municipal limit with reminders on 15-7-67 14.8.67 and 27-3-68;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether the requisite sanction has been accorded by the Government; if not, the reasons therefor ?

ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਬੀ) (i) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ii) ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਡੀ. ਸੀ., ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਦਾ ਜਵਾਬ ਆਉਣ ਤੇ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

[(a) Yes.

(b) (i) No.

(ii) Necessary sanction would be issued on receipt of a reply from the D. C. Hoshiarpur.]

ALLOTMENT OF GOVERNMENT/EVACUEE LAND IN VILLAGE DASEEL, PANDAL BET ABOUT 10 MILES FROM KAPURTHALA.

*1830. (C. U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Minister for Revenue and Rehabilitation be pleased to state:

(a) whether there was/is any evacuee land in village Daseel, Pandal Bet i. e. Mund Bet about 10 miles from Kapurthala; if so, the area thereof as on16-2-1969;

(b) whether there was/is any Government land other than evacuee land in the said village; if so, the area thereof as on 16-2-1969;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Babu Singh Master]

(c) state the area of the said evacuce land allotted subsequent to the formation of the present Government and a detailed statement giving the names and addresses of each of the allottees of the said land, the area occupied by each be laid on the Table of the House;

(d) lay on the Table of the House a similar statement in respect of Government land other than the evacuee land in the said village ?

Chief Minister : (a) Yes. There is about 1958 Kanals of evacuee land in village Desal (not Daseel). There is, however, no village of the name of Pandal Bet. There is a village of the name of Bhandal Bet where there is no evacuee land.

(b) No.

(c) No evacuee area has been allotted on or after 16-2-1969.

(d) In view of (b) above, question does not arise.

[(ਏ) ਹਾਂ ਜੀ । ਪਿੰਡ ਦੇਸਲ (ਨਾ ਕਿ ਦਸੀਲ) ਵਿੱਚ ਲਗਭਗ 1958 ਕਨਾਲ ਨਿਕਾਸੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ ਪਰ ਪੰਡਾਲ ਬੇਟ ਦੇ ਨਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਪਿੰਡ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਫਿਰ ਭੀ ਇਥੇ ਭੰਡਾਲ ਬੇਟ ਦੇ ਨਾਂ ਦਾ ਇਕ ਪਿੰਡ ਹੈ ਪਰ ਉਸ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਨਿਕਾਸੀ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਨਾ ਜੀ ।

(ਸੀ) ਕੋਈ ਨਿਕਾਸੀ ਰਕਬਾ 16-2-69 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜਾਂ ਬਾਦ ਵਿੱਚ ਅਲਾਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।

(ਡੀ) ਉਪਰੋਕਤ (ਬੀ) ਦੇ ਹੁੰਦਿਆਂ ਸੁਆਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

CASES REGISTERED UNDER SECTION 9 OF THE PUBLIC SECURITY ACT.

*1833. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the number of cases registered by the Police in the State during the period from 17-2-69 to 16-2-70 under Section 9 of the Public Security Act and a statement showing the list of these cases, places at which registered, number of persons involved stating the reasons for their registration be laid on the Table of the House;

(b) the number of cases out of those referred to in part (a) above in which challans were put up before the courts;

(c) the number of cases which have been withdrawn;

(d) the number of the said cases in which the accused have been convicted/acquitted separately;

(e) the number of such cases which are still pending in the courts ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Chief Minister : (a) In all, 14 cases were registered.

A statement giving details of the cases registered is laid on the Table of the House.

(b) 5,

(c) 1.

(d) Acquitted–1
Convicted–nil.

(e) 3.

[(ਏ) ਕੁਲ 14 ਮੁਕਦਮੇ ਦਰਜ ਕੀਤੇ ਗਏ ।

ਦਰਜ ਕੀਤੇ ਗਏ ਮੁਕਦਮਿਆਂ ਦੇ ਵੇਰਵੇ ਸਬੰਧੀ ਵਿਵਰਨ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਉਤੇ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

(ਬੀ) 5.

(ਸੀ) 1.

(ਡੀ) ਬਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ......1.
ਸਜ਼ਾ ਯਾਫਤਾ......ਕੋਈ ਨਹੀਂ ।

(ਈ) 3.]

Statement giving details of cases registered in the State u/s 9 Punjab Security of State Act.

Sl. No.	Details of cases registered,	Persons involved/ arrested.
1.	FIR No. 149 dt. 23-7-69, P.S. Civil Lines, Amritsar.	8
2.	FIR No. 226 dt. 11-8-69 P.S. Beas, Distt, Amritsar.	1
3.	FIR No. 281 dt. 7-2-69, P.S. Kotwali, ,,	11
4.	FIR No. 257 dt. 6-10-69, P.S. Jandiala, ,,	5
5.	FIR No. 308 dt. 19-10-69, P.S. Beas ,,	7
6.	FIR No. 252 dt. 27-10-69, P.S. Civil Lines, Amritsar	13
7.	FIR No. 258 dt. 6-11-69, P.S. —do—	8
8.	FIR No. 257 dt. 6-11-69 —do—	6
9.	FIR No. 315 dt. 29-10-69, P.S. Beas, Amritsar Distt.	13
10.	FIR No. 146 dt. 8-9-69 P.S. Kotwali Sangrur.	—
11.	FIR No. 138 dt. 6-6-69 P.S. Div. No. 5, Ludhiana.	1
12.	FIR No. 629 dt. 13-11-69, P.S. Sadar Ludhiana.	1
13.	FIR No. 20 dt. 20-1-70 P.S. Div. 3, Ludhiana.	1
14.	FIR No. 93. dt. 15-5-69, P.S. Sardulgarh, Distt. Bhatinda	2

Reasons for registration of the cases.

These cases were registered against the persons involved/arrested for their activities prejudicial to the security of the State.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ALLOTMENT OF SURPLUS LAND TO THE REFUGEE LAND OWNERS

*1836. (C. U.) **Sardar Mehtab Singh Dhillon** : Will the Minister for Revenue and Rehabilitation be pleased to state :

(a) whether it is a fact that some of the land owners who migrated to India in the wake of Partition left their lands in Pakistan have not been allotted any land any where in the State for the last 22-23 years;

(b) whether the Government decided at the time of partition to allot surplus land as and when available to the landowners mentioned in part (a) above; if so whether the Government propose to allot surplus land available with it to such of the landowners as are entitled for the same;

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, the time likely to be taken by the Government for alloting the said land ?

Chief Minister : (a) No. Landowners who migrated to India in the wake of partition and left their lands in Pakistan and are eligible to claim allotment under the approved scheme of allotment of evacuee lands; have since been allotted lands mostly and such left over landowners are being allotted lands now against the compensation pool.

(b) No. Only the landowners as referred to at (a) above were eligible.

(c) In view of (a) and (b) above, the question does not arise.

[(ਏ) ਨਹੀਂ । ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੇ ਮਾਲਕ ਜਿਹੜੇ ਭਾਰਤ ਦੀ ਵੰਡ ਵੇਲੇ ਆਪਣੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਵਿੱਚ ਛੱਡ ਕੇ ਭਾਰਤ ਆਏ ਸਨ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਮਾਲਕ ਨਿਕਾਸੀ ਭੋਂ ਦੀ ਸਕੀਮ ਹੇਠ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਦੇ ਹੱਕਦਾਰ ਸਨ, ਨੂੰ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ । ਅਤੇ ਜੋ ਕੋਈ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੇ ਮਾਲਕ ਜ਼ਮੀਨ ਤੋਂ ਵਾਂਝੇ ਰਹਿ ਗਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਕੰਮਪਨਸੇਸ਼ਨ ਪੂਲ ਵਿੱਚੋਂ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ । (ਏ) ਵਿੱਚ ਦਰਸਾਏ ਮਾਲਕ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਹੱਕਦਾਰ ਹਨ ।

(ਸੀ) (ਏ) ਤੇ (ਬੀ) ਵਿੱਚ ਦਰਸਾਈ ਸਥਿਤੀ ਅਨੁਸਾਰ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

IMPLEMENTATION OF KOTHARI COMMISSION'S RECOMMENDATIONS IN THE SCHOOL RUN BY THE FERTILIZER CORPORATION OF INDIA NAYA NANGAL.

*1837. (C. U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) whether the Government is aware of the fact that the Management of the Fertilizer Corporation of India Ltd. Naya Nangal has not implemented the Kothari Commission's recommendations as accepted by the Punjab Government in the school run by them;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(b) whether the said school is recognised by the Punjab Education Department and affiliated to Punjab Education Board;

(c) whether the said school is on the grant-in-aid list of the Govt. and is receiving grant since 1963-64;

(d) whether the Management of the Fertilizer Corporation of India was given adhoc grant of Rs. 9661.00 by the Punjab Government on March 30, 1968 to enable it to meet the 95% of the approved extra expenditure on implementation of revised grades as in othe privately managed schools of the State under Delhi Pattern;

(e) whether it has come to the notice of the Government that the amount of grant of Rs. 9661.00 is still lying undisbursed and the teachers are getting the old grades;

(f) whether it has also come to the notice of the Government thatr the teachers of the said school went on stay in strike on the 4th December, 1969 and 13th December, 1969;

(g) if the reply to the above parts be in the affirmative whether the Government proposes to advise the Management of F. C. I. to implement the scheme of Delhi Pattern in the school run by them ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਸੀ) ਹਾਂ ਜੀ । 1967-68 ਮਗਰੋਂ ਇਸ ਸਕੂਲ ਨੂੰ ਕੋਈ ਗਰਾਂਟ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ । ਕਿਉਂਕਿ ਸਕੂਲ ਕਮੇਟੀ ਨੇ 1967-68 ਦੀ ਗ੍ਰਾਂਟ ਬਾਰੇ ਵਰਤੋਂ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਨਹੀਂ ਭੇਜਿਆ ।

(ਡੀ) ਹਾਂ ਜੀ, ਪ੍ਰੰਤੂ 8,668/- ਰੁਪਏ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਸਨ ।

(ਈ) ਹਾਂ ਜੀ, ਉਪਰ (ਡੀ) ਤੇ ਦੱਸੀ ਰਕਮ ਅਣਖਰਚੀ ਪਈ ਹੈ । ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਇਹ ਰਕਮ, ਸੂਦ ਸਮੇਤ ਵਾਪਸ ਲੈਣ ਲਈ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ।

(ਐਫ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਜੀ) ਮੈਨੇਜਮੈਂਟ ਨੂੰ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਿਹਾ ਜਾ ਚੁਕਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਹੁਣ ਵੀ ਪੁਛਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਦਿਲੀ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

DEPUTY COLLECTORS IN THE IRRIGATION DEPARTMENT

*1839. (C. U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) the last date with year when the Deputy Collectors in the Irrigation Department were confirmed;

(b) the No., names with address of the Deputy Collectors who are yet to be confirmed and reasons for delay;

(c) whether it is a fact that the persons concerned are working against regular vacancies;

(d) the total number of regular posts and of Deputy Collectors in the Department ?

Minister for Irrigation & Power : (a) 19-9-1964.

(b) 11. A statement is laid down on the table of the House.

(c) Yes.

(d) 15. (One post is held in abeyance.)

[(ੳ) 19.9.1964

(ਅ) 11. ਸੂਚੀ ਸੰਸਦ ਦੇ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਸ) 15. (ਇਕ ਪੋਸਟ ਆਰਜ਼ੀ ਤੌਰ ਤੇ ਰੋਕੀ ਗਈ ਹੈ ।]

STATEMENT SHOWING NAMES & ADDRESSES OF DEPUTY COLLECTORS WHO ARE YET TO BE CONFIRMED AS DEPUTY COLLECTORS, AND THE REASONS FOR DELAY.

S. No.	Name of Deputy Collector.	Present Address.	Reasons for delay of confirmation.
1.	Shri J. S. Balbir [Retired].	House No. 3282, Sector 19-D, Chandigarh.	There were certain cases against Serial No. 1, 2 & 3 and as such vacancies
2.	Shri Amir Singh [Retired].	V & P. O. Shankhaul, Tehsil Jhajjar, Distt. Rohtak.	were kept reserved while deciding the confirmation of Deputy Collectors in February, 1964 till the
3.	Shri Prithvi Chand [Retired].	H. No. 76, Sector 21-A, Chandigarh.	finalization of the cases against them.
4.	Shri Gurdev Singh [Retired].	Vil. Bohara, P. O. Aur, Teh. Nawan Shahr, Distt. Jullundur.	After the Re organisation the confirmations was held up due to the finalisation of allocation of the staff.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

S. No.	Name of Deputy Collector.	Present Address.	Reasons for delay of confirmation.
5.	Shri Mehar Chand Bhalla (Retired.)	F. 77, Kirti Nagar, New Delhi.	Presently, the cofirmations of Dy. Collectors cannot be made due to non-fixation of the Cadre of the Irrigation Department, which is being fixed by the Government. Thereafter, the orders of confirmation of these Deputy Collectors will be issued.
6.	Shri Jhangir Singh	Sidhwan Division Ludhiana.	
7.	Shri Gurdial Singh.	Ropar Division, Ludhiana.	
8.	Shri Bhupinder Singh [Retired].	39, Hussainpura, Amritsar.	
9.	Shri Harnam Singh	Vigilance Deptt , Punjab.	
10	Shri Rajwant Singh.	Lehal Division, Patiala.	
11.	Shri Sukhdev Singh	Sangrur Division, Sangrur.	

[ਜਿਹੜੇ ਡਿਪਟੀ ਕੁਲੈਕਟਰ ਹਾਲੇ ਪੱਕੇ ਹੋਣ ਤੋਂ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਅਤੇ ਪਤੇ,
ਅਤੇ ਪੱਕੇ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਹੋਈ ਦੇਰੀ ਦੇ ਕਾਰਣ ਸਬੰਧੀ ਸੂਚੀ

ਲੜੀ ਨੰ:	ਡਿਪਟੀ ਕੁਲੈਕਟਰ ਦਾ ਨਾਂ	ਮੌਜੂਦਾ ਪਤਾ	ਪੱਕੇ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਹੋਈ ਦੇਰੀ ਦਾ ਕਾਰਨ
1.	ਸ੍ਰੀ ਜੇ. ਐਸ. ਬਲਬੀਰ (ਨਿਵਿਰਤ)	ਮਕਾਨ ਨੰ: 3282, ਸੈਕਟਰ 19 ਡੀ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ।	ਕਿਉਂਕਿ ਲੜੀ ਨੰ: 1, 2, 3, ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਕੁਲੈਕਟਰਾਂ ਵਿਰੁੱਧ ਕੁਝ ਕੇਸ ਸਨ ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੱਕਿਆਂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ 1964 ਵਿੱਚ ਪੋਸਟਾਂ ਰਿਜ਼ਰਵ ਰੱਖ ਲਈਆਂ ਸਨ । ਜਿੰਨਾਂ ਚਿਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਰੁੱਧ ਕੇਸਾਂ ਦਾ ਅੰਤਮ ਨਿਪਟਾਰਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ।
2.	ਸ੍ਰੀ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ (ਨਿਵਿਰਤ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾਕਘਰ ਸੰਖੋਲ, ਤਹਿਸੀਲ ਝੱਝਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਰੋਹਤਕ ।	
3.	ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰਿਥਵੀ ਚੰਦ (ਨਿਵਿਰਤ)	ਮਕਾਨ ਨੰ: 76, ਸੈਕਟਰ 21—ਏ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ।	
4.	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ (ਨਿਵਿਰਤ)	ਪਿੰਡ ਬੋਹੜਾ, ਡਾਕਘਰ ਔੜ ਤਹਿਸੀਲ ਨਵਾਂ ਸ਼ਹਿਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜਲੰਧਰ ।	ਪੁਨਰਗਠਨ ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਐਲੋਕੇਸ਼ਨ ਦਾ ਮਸਲਾ ਨਿਪਟਾਉਣ ਕਾਰਨ ਸਰਕਾਰ ਨੇ
5.	ਸ੍ਰੀ ਮੇਹਰ ਚੰਦ ਭੱਲਾਂ (ਨਿਵਿਰਤ)	ਐਫ—77, ਕੀਰਤੀ	ਸਾਰੀਆਂ ਤਜਵੀਜ਼ਾਂ ਪੁਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਬਿਜਲੀ ਤੇ ਸਿੰਚਾਈ ਮੰਤਰੀ]

		ਨਗਰ, ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ ।	ਪੱਕੇ ਕਰਨ ਦੇ ਹੁਕਮ ਜਾਰੀ ਹੋਣ ਤੋਂ ਰੋਕ ਲਏ । ਇਹ ਐਲੋਕੇਸ਼ਨ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ ।
6.	ਸ੍ਰੀ ਜਹਾਂਗੀਰ ਸਿੰਘ	ਸਿਧਵਾਂ ਡਵੀਜ਼ਨ, ਲੁਧਿਆਣਾ ।	
7.	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ	ਰੋਪੜ ਡਵੀਜ਼ਨ, ਲੁਧਿਆਣਾ ।	
8.	ਸ੍ਰੀ ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ (ਨਿਵਿਰਤ)	30, ਹੁਸੈਨ ਪੁਰਾ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।	ਹੁਣ ਸਿੰਜਾਈ ਵਿਭਾਗ ਦਾ ਕਾਡਰ ਨਿਯਤ ਹੋਣਾ ਡਿਪਟੀ ਕੁਲੈਕਟਰਾਂ ਦੇ ਪੱਕੇ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਕੇਵਲ ਇਕ ਰੁਕਾਵਟ ਰਹਿ ਗਈ ਹੈ । ਜਿਸ ਨੂੰ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨਿਯਤ ਕਰਨ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਪਿਛੋਂ ਪੱਕੇ ਕਰਨ ਦੇ ਲੋੜੀਂਦੇ ਹੁਕਮ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣਗੇ ।]
9.	ਸ੍ਰੀ ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ	ਚੌਕਸੀ ਵਿਭਾਗ, ਪੰਜਾਬ ।	
10.	ਸ੍ਰੀ ਰਾਜਵਤ ਸਿੰਘ	ਲਾਹਿਲ ਡਵੀਜ਼ਨ, ਪਟਿਆਲਾ ।	
11.	ਸ੍ਰੀ ਸੁਖਦੇਵ ਸਿੰਘ	ਸੰਗਰੂਰ ਡਵੀਜ਼ਨ, ਸੰਗਰੂਰ ।	

POSTS OF CLASSICAL AND VERNACULAR TEACHERS ADVERTISED THROUGH DEFUNCT SUBORDINATE SERVICES SELECTION BOARD

*1840. (C. U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) the number of posts of classical and Vernacular teachers categoriwise advertised by the Punjab Education Department through the defunct S. S. S. Board, Punjab ;

(b) whether it is a fact that the applications of the candidates who applied for these posts of Classical and Vernacular teachers i. e. cutting, tailoring. Punjabi and Hindi etc. are still pending with the Punjab Education Department though a period of about two years has passed since these applications were received ;

(c) whether it is also a fact that these candidates were not/have not been interviewed by the defunct S. S. S. Board/Punjab Education Departmental Committee so far ;

(d) whether it is also a fact that these posts have remained vacant in the school for about two years ;

(e) whether it is a fact that the budgetary grants for these posts lapsed in 1969-70 ;

(f) the steps now being taken to interview these candidates and to

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

fill up these posts ;

(g) the time limit by which the candidates are likely to be interviewed and these posts filled up ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) 1. ਹਿੰਦੀ ਟੀਚਰ — 360

2. ਪੰਜਾਬੀ ਟੀਚਰ — 226

3. ਪੀ. ਟੀ. ਆਈ. — 226

4. ਆਰਟ ਤੇ ਕਰਾਫਟ ਟੀਚਰ — 120

932

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਸੀ) ਵਿਭਾਗੀ ਕਮੇਟੀ ਇੰਟਰਵਿਊ ਕਰ ਚੁਕੀ ਹੈ ।

(ਡੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ । ਅਸਥਾਈ ਤੌਰ ਤੇ ਇਹ ਆਸਾਮੀਆਂ ਭਰੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ।

(ਈ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਐਫ ਇਨ੍ਹਾਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਲਈ ਇੰਟਰਵਿਊ ਵਿਭਾਗੀ ਕਮੇਟੀ ਕਰ ਚੁਕੀ ਹੈ । ਅਤੇ ਖਾਲੀ ਅਤੇ ਜੀ) ਅਸਾਮੀਆਂ ਪੱਕੇ ਤੌਰ ਤੇ ਛੇਤੀ ਹੀ ਭਰੀਆਂ ਜਾਣ ਦੀ ਆਸ ਹੈ ।

HOUSE RENT ALLOWANCE BEING PAID TO CLASS IV EMPLOYEES IN CIVIL HOSPITAL, JULLUNDUR.

*1841. (C. U.) **Shri Gurdial Saini** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state the number of Class IV employees in the Civil Hospital, Jullundur who are at present receiving House Rent Allowance and of those who are not being paid the said allowance together with the reasons therefor ?

ਸਿਹਤ ਮੰਤਰੀ : (1) 12 ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਰੈਂਟ ਅਲਾਊਂਸ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ।

(2) 20 ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਮੁਫਤ ਰਿਹਾਇਸ਼ੀ ਮਕਾਨ ਅਲਾਟ ਹਨ ।

(3) 9 ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਰੈਂਟ ਦੇਣ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹਨ ।

(4) 70 ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਰੈਂਟ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਲਈ ਕੋਈ ਅਰਜ਼ੀ ਨਹੀਂ ਪਾਈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ 35 ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀਆਂ ਅਰਜ਼ੀਆਂ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹਨ ।

AQUIRY SOAP CO-OPERATIVE SOCIETY, JULLUNDUR

*1842. (C. U.) **Shri Gurdial Saini** : Will the Minister for Industries be pleased to state the amount of loan/grant in aid given by the Government to the Aquiry Soap Cooperative Society, Industrial Area, Jullundur,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Shri Gurdial Saini]
during the last six months.

Minister for Industries : There is no such society in Industrial Area Jullundur. However, there is a society named Aquarius N. E. O. Soap Production cum-sale Cooperative Industrial Society Ltd., Industrial Area, Jullundur.

No loan/grant in aid has been given by the Government to the Aquarius N. E. O. Soap Production-cum-sale Co-operative Industrial Society Ltd., Industrial Area Jullundur during the last six months.

EDUCATIONAL FACILITIES FOR THE SCHEDULED CASTES/BACKWARD CLASSES STUDENTS.

*1843. (C. U.) **Shri Gurdial Saini** : Will the Minister for Social Welfare be pleased to state .

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to enhance the income limit of the parents of Scheduled Castes Backward Classes students in the State from Rs. 3600 to Rs. 7200 for the purpose of granting educational facilities upto the College level, if so, the time by which it is likely to be finalised;

(b) if the answer to part (a) above be in the negative, the details of the action proposed to be taken by the Government to help the Scheduled Castes and Backward Classes students in the matter of granting them educational facilities up to the College level ?

Social Welfare Minister : (a) No.

(b) The matter regarding increase in the annual income limit from Rs. 1800/- to Rs. 3600/- for the grant of stipends to the deserving Backward Classes students at the College level is under consideration of Government. The students belonging to Scheduled Castes at the College level are covered by the Post Matric scholarship scheme of the Government of India under which the limit of annual income for the grant of scholarships and full rates is Rs. 4320/- per annum.

[(ੲ) ਜੀ ਨਹੀਂ ।

(ਬੀ) ਕਾਲਜ ਪੱਧਰ ਤੇ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਵਿਦਿਅਕ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇਣ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਾਪਿਆਂ ਦੀ ਸਾਲਾਨਾ ਆਮਦਨ ਦੀ ਹੱਦ 1800/- ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵਧਾਕੇ 3600/- ਰੁਪਏ ਤੀਕ ਕਰਨ ਬਾਰੇ ਮਾਮਲਾ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ । ਕਾਲਜ ਪੱਧਰ ਤੇ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਪੋਸਟ ਮੈਟਰਿਕ ਸਕਾਲਰਸ਼ਿਪ ਸਕੀਮ ਦੇ ਅਧੀਨ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਜਿਸ ਅਨੁਸਾਰ ਸਕਾਲਰਸ਼ਿਪ ਦੀ ਪੂਰੀ ਦਰ ਤੇ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਸਾਲਾਨਾ ਆਮਦਨੀ ਦੀ ਹੱਦ 4320/- ਰੁਪਏ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

LAND REVENUE, LOCAL RATE ETC. DUE FROM THE LAMBARDARS OF VILLAGES INCULDED IN PATWAR CIRCLE, MARGINDPURA, DISTRICT AMRITSAR.

*1845 (C.U.) **Sardar Kirpal Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the total number of villages included in the Patwar Circle, Margind Pura, tehsil Patti, district Amritsar;

(b) the arrears of Land Revenue, Local Rate, Abiana, Commercial Tax and Surcharge etc. outstanding against each of the Lambardars of the said villages as on 31.12.1969;

(c) the dates since when the arrears mentioned in parat (b) are outstanding;

(d) the action, if any, taken by the Government to realise the said arrears and the result, thereof ?

Chief Minister : (a) 4.

(b&c) The requisite information is furnished in the enclosed statement.

(d) Prior to October 1962, no lambardar-wise accounts were being maintained in the tehsil office. According to Govt. instructions, lambardar wise accounts have now been sorted out and necessary action to recover the arrears is under way with the tehsil revenue agency.

[(ੲ) 4.

(ਬੀ ਅਤੇ ਸੀ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਨਥੀ ਕੀਤੇ ਵਿਵਰਣ ਵਿਚ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ।

(ਡੀ) ਅਕਤੂਬਰ 1962 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦਫਤਰ ਤਹਿਸੀਲ ਵਿਚ ਨੰਬਰਦਾਰ ਵਾਰ ਹਿਸਾਬ ਕਿਤਾਬ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਸੀ । ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਹੁਣ ਨੰਬਰਵਾਰ ਹਿਸਾਬ ਕਿਤਾਬ ਛਾਂਟਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹਨਾਂ ਨੰਬਰਦਾਰਾਂ ਤੋਂ ਵਸੂਲੀ ਕਰਨ ਲਈ ਤਹਿਸੀਲ ਰੈਵੀਨਿਯੂ ਐਜੰਸੀ ਯੋਗ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

DETAILS OF ARREARS OUTSTANDING ON 31.12.69

Sr. No.	Name of village	Name of Lambardar.	Period	Land Revenue	Special Charge.	Commercial/cess.	Addl. Charges.	Mutation fee.	Local Rate.	Abiana	Total
1.	Thatha	Gurdial Singh S/o Lal Singh.	Kh.55 to Rabi, 69	—	—	—	—	—	125.97	1089.05	1215.02
2.	—do—	Mihan Singh	Kh.55 to Rabi, 60	—	—	—	—	—	682.09	250.63	932.72
3.	—do—	Gurdip Singh	Rabi 67 Kh. 67	—	—	—	—	—	95.07	—	95.07
1.	Margind Pura	Ghulla Singh	Kh.55 to Rabi, 69	—	—	—	—	—	880.47	98.64	979.11
2.	—do—	Gurdip Singh	Kh 60 to Rabi, 69	684.24	—	281.00	173.36	—	1843.34	2176.99	5158.99
3.	—do—	Jagir Singh	Kh. 68 to Rabi, 69.	—	—	211.40	—	—	325.08	498.50	1034.98
4.	—do—	Ajaib Singh	Rabi 61 to Rabi 69.	—	—	451.62	98.25	—	986.20	3021.08	4557.15
5.	—do—	Pal Singh	Rabi. 68	—	—	—	—	—	108.30	221.42	329.72
6.	—do—	Karnail Singh	Kh. 55 to Kh. 60. Rabi. 69	—	—	—	—	—	551.13	500.87	1052.00
7.	—do—	Harnam Singh	Kh. 55 to Kh. 64.	—	—	—	173.34	—	652.85	1372.67	2198.86
8.	—do—	Hazura Singh	Kh. 55 to Rabi. 66	363.01	17.90	38.79	96.43	—	329.88	1342.80	2188.81
9.	—do—	Dalip Singh	Kh. 65 to Rabi 68	—	130.72	—	—	—	1611.77	893.53	2636.02
10.	—do—	Makhan Singh	Kh. 55 to Kh.60	—	—	—	—	—	541.81	1008.17	1649.98

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ARREARS OF TACCAVI LOANS IN PATTI TOWN AND VILLAGE SHAHID TEHSIL PATTI, DISTRICT AMRITSAR.

1846. (C. U.) **Sardar Kirpal Singh** : Will the Minister for Revenue and Rehabilitation be pleased to :

(a) lay on the Table of the House a list showing the names of the defaulters of Patti Town, district Amritsar and village Shahid, Tehsil Patti against whom amounts more than five hundred rupees on account of Taccavi loans, including interest, were outstanding as on 1. 3. 1970;

(b) the dates when each of the persons mentioned in part (a) above became a defaulter;

(c) the action, if any, taken so far to realize the said Government dues and the result there of ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ਏ ਅਤੇ ਬੀ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਦੇਣ ਵਾਲੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਨੱਥੀ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਸਾਰੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰਾਂ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਕਿ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬਕਾਇਆਜਾਤ ਨੂੰ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਵਸੂਲ ਕਰਨ ਦੇ ਯਤਨ ਕਰਨ । ਇਸ ਦੇ ਸਿਟੇ ਵਜੋਂ ਬਕਾਇਆਜਾਤ ਦੀ ਵਸੂਲੀ ਤਸੱਲੀ ਬਖਸ਼ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

ਪੱਟੀ ਟੋਲ ਅਤੇ ਪਿੰਡ ਸ਼ਹੀਦ ਤਹਿਸੀਲ ਪੱਟੀ ਜ਼ਿਲਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਕੀਦਾਰਾਂ ਦੀ ਲਿਸਟ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜ਼ੁਮੇ ਮਿਤੀ 1-3-1970 ਨੂੰ 500 ਤੋਂ ਉਪਰ ਵਸੂਲੀ ਯੋਗ ਬਕਾਇਆ ਸੀ ।

ਲ: ਨੰ:	(ਏ) ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਬਾਕੀਦਾਰਾਂ ਦਾ ਨਾਂ	ਬਕਾਇਆ ਅਸਲ	ਸੂਦ	ਕੁਲ	(ਬੀ) ਵਸੂਲੀ ਦੀ ਮਿਤੀ
1.	ਪਟੀ ਟਾਊਨ	ਸ੍ਰੀ ਕੁੰਦਨ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਤੇਜਾ ਸਿੰਘ	462.50	62.50	525.00	1-7-1968 ਤੋਂ 1-2-1970
2.	,,	ਸਰਵਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਦੀਪ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਬੁਢਾ ਸਿੰਘ, ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਮੰਗਲ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਹੁਕਮ ਸਿੰਘ	358.20	428.09	786.25	1-2-1968 ਤੋਂ 1-2-1970
3.	,,	ਸਰਵਸ਼੍ਰੀ ਅਮਰਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਰਣਜੀਤ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ	521.75	141.75	663.00	1-1-1969 ਤੋਂ 1-1-1970
4.	,,	ਸਰਵਸ਼੍ਰੀ ਤਰਲੋਕ ਸਿੰਘ, ਅਨੋਖ ਸਿੰਘ ਹਰਬੰਸ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਮੋਹਲਤ ਸਿੰਘ	864.70	31.00	895.70	1-1-1969 ਤੋਂ 1-1-1970
5.	,,	ਲਹਿਣਾ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਇੰਦਰ ਸਿੰਘ	597.30	134.40	731.70	1-1-1970
6.	,,	ਮੁਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਬਘੇਲ ਸਿੰਘ	521.70	210.00	731.70	1-1-1970
7.	ਸ਼ਹੀਦ	ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹੈ ।				

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

INDUSTRIAL LOANS.

*1848. (C.U.) **Sardar Kirpal Singh** : Will the Minister for Industries be pleased to state :

(a) the number of applications received by the Government from the industrialists in the State, districtwise, during the period from 1.1.69 to 31.1.70 for raising loans from the Government together with the amount of loans demanded district-wise, through the said applications;

(b) the number of applications of the industrialists disposed of during the said period, district wise, together with the amount of loans advanced, district-wise, on the basis of the said application;

(c) the rate of interest proposed to be charged on the said loans ?

Minister for Industries : (a) & (b) A statement showing the details of the applications is laid on the Table of the House.

(c) For loans upto Rs. 25,000/- rate of interest is three percent per annum and for loans above Rs. 25000/-, and upto Rs. 50,000 the rate of interest is six percent per annum.

STATEMENT

S. No.	Name of District	Number of applications received	Amount ot loans demanded	Number of applications disposed of.	Amount of loans advanced.
1.	Patiala	406	20,85,800/—	284	10,45,275//—
2.	Rupar	266	9,86,000/—	210	6,97,1000/ –
3.	Bhatinda	332	15,12,000/—	238	6,17,000/—
4.	Amritsar	586	34,15,000/—	236	11,54,100/—
5.	Batala (Gurdaspur)	264	11,21,200/ –	97	3,04,000/—
6.	Malerkotla (Sangrur)	303	8,33,500/—	118	2,97,500/—
7.	Ferozepur	391	17,83,000/—	160	6,15,300/—
8.	Hoshiarpur	334	13,47,500/—	314	7,50,950/—
9.	Jullundur	529	29,05,000/—	332	10,77,450 —
10.	Kapurthala	118	6,82,500/—	15	46,000/—
11.	Ludhiana	1052	72,78,500/—	62	2,76,200/—

CANAL OUTLETS IN VILLAGES KHALRA AND DODE, DISTRICT AMRITSAR.

*1850. (C. U.) **Sardar Kirpal Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) the names of canal outlets opened in villages Khalra and Dode, tehsil Patti, district Amritsar during Rabi, 1954, and their villagewise list be laid on the Table of the House;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Sardar Kirpal Singh]

(b) the area commanded by each of the outlets referred to above together with the Kishtwar commandable and non-commandable area in each village;

(c) whether owners rate of water advantage rate has been assessed and realized on any area referred to in part (b) above, if so, the amount in each case and the reasons therefor;

(d) whether some canal 'Jhalars' were working in village Khalra during Rabi, 1954 ; if so, a list thereof showing the area commanded by each be laid on the Table of the House;

(e) whether the rates referred to in part (c) above were also assessed and recovered in respect of the area referred to in part (d) above; if so, under what rules and reasons therefor;

Irrigation and Power, Minister : (a) No canal outlet was opened during Rabi, 1954 in the Villages Khalra and Dode; Tehsil Patti, Distt. Amritsar, hence the question of laying villagewise list on the Table of the House does not arise;

(b) In view of reply against part (a) above no information is required to be supplied;

(c) In view of reply against part (a) & (b) above, question of assessment and realisation does not arise;

(d) Yes, one Jhalari outlet on Khalra Disty. was working at R.D. 2465/R during Rabi 1950.
The gross area and culturable commanded area of this Jhalari outlet is 78 and 71 acres respectively.

(e) No. The area ref rred to in part (d) above is not assessed so far as owners rate and water advantage rate is concerned.

[(ੲ) ਹਾੜ੍ਹੀ 1954 ਵਿੱਚ ਪਿੰਡ ਖਾਲੜਾ ਅਤੇ ਦੋਦੇ ਤਹਿਸੀਲ ਪੱਟੀ ਜ਼ਿਲਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਨਹਿਰੀ ਮੋਘਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਖੋਲ੍ਹਿਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਪਿੰਡਵਾਰ ਸੂਚੀ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਰਖਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

(ਬੀ) ਉਪਰੋਕਤ ਭਾਗ (ੲ) ਦੇ ਉੱਤਰ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦਿਆਂ ਕੋਈ ਸੂਚਨਾ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਹੈ।

(ਸੀ) ਉਪਰੋਕਤ ਭਾਗ (ੲ) ਅਤੇ (ਬੀ) ਦੇ ਉੱਤਰ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦਿਆਂ ਤਸ਼ਖੀਸ ਅਤੇ ਵਸੂਲੀ ਦਾ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

(ਡੀ) ਹਾਂ। ਹਾੜ੍ਹੀ 1954 ਵਿੱਚ ਖਾਲੜੇ ਰਜਵਾਹ ਦੀ ਬੁਰਜੀ 2465 ਸੱਜੇ ਤੇ ਇਕ ਝਲਾਰੀ ਮੋਘਾ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਸੀ। ਇਸ ਝਲਾਰੀ ਮੋਘੇ ਦਾ ਕੁਲ ਰਕਬਾ ਅਤੇ ਕਮਾਂਡਿਡ ਤਰਤੀਬਵਾਰ 78 ਅਤੇ 71 ਏਕੜ ਹੈ।

(ਈ) ਨਹੀਂ। ਉਪਰੋਕਤ ਭਾਗ (ਡੀ) ਵਿੱਚ ਦਸੇ ਹੋਏ ਰਕਬੇ ਤੇ ਕੋਈ ਓਨਰਜ਼ ਰੇਟ ਜਾਂ ਵਾਟਰਐਡਵਾਂਟੇਜ ਰੇਟ ਦਾ ਕਰ ਨਹੀਂ ਲੱਗਦਾ ਹੈ।]

ADDITIONAL POLICE POSTS SET UP IN VILLAGES SUR SINGH AND MAKHAN KALAN, DISTRICT AMRITSAR.

*1852. (C. U.) **Sardar Kirpal Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state :

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Punjab Digital Library

(a) whether any additional police posts were set up in villages of Sur Singh and Makhan Kalan, Police Station Bhikiwind, District Amritsar, under section 15 of the Police Act during the period from 1-1-1949 to 31-12-1968; if so, the dates of establishing and removing the said posts in each case;

(b) the estimated and the actual expenditure incurred on each of the said posts;

(c) the amount of expenditure referred to in part (b) above recovered upto 31-12-1968 and still to be recovered separately in each case and the dates since when the outstanding amount is due;

(d) the dates on which the final recovery of the expenditure referred to in part (b) above was made in each case;

(e) the number of defaulters referred to in part (c) above who have since died or left their villages so far together with total outstanding amount due from them ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ। ਪਿੰਡ ਸੁਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਮੱਖੀ ਕਲਾਂ ਵਿੱਚ ਤਾਜ਼ੀਰੀ ਚੌਕੀਆਂ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ਅਤੇ ਇਹਨਾਂ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਹੇਠਾਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ :—

	ਨਾਮ ਚੌਕੀ	ਬਣਾਏ ਜਾਣ ਦੀ ਮਿਤੀ	ਸਮਾਪਤ ਕਰਨ ਦੀ ਮਿਤੀ
1.	ਸੁਰ ਸਿੰਘ	1-11-1949	31-10-1950.
2.	ਮੱਖੀ ਕਲਾਂ	1-12-1949.	30-11-1950.

(ਬੀ) ਤਾਜ਼ੀਰੀ ਚੌਕੀ ਸੁਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਮੱਖੀ ਕਲਾਂ ਦਾ ਖਰਚਾ ਤਰਤੀਬਵਾਰ ਰੁਪਏ 10891 ਅਤੇ ਰੁ: 5874.87 ਪੈਸੇ ਹੈ।

(ਸੀ) ਮਿਤੀ 31.12.1968 ਤੱਕ ਤਾਜ਼ੀਰੀ ਚੌਕੀ ਸੁਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਮੱਖੀ ਕਲਾਂ ਦੇ ਖਰਚੇ ਦੀ ਵਸੂਲੀ ਰੁ: 5525 ਅਤੇ ਰੁ: 5476.01 ਪੈਸਾ ਹੋਈ ਹੈ ਅਤੇ ਤਰਤੀਬਵਾਰ ਬਕਾਇਆ ਰੁ: 5366 ਅਤੇ ਰੁ: 398.86 ਪੈਸੇ ਹੈ। ਇਹ ਰਕਮ ਸਾਲ 1949-50 ਤੋਂ ਹੀ ਡਿਊ ਚਲੀ ਆਉਂਦੀ ਹੈ।

(ਡੀ) ਕਿਸੇ ਕੇਸ ਵਿੱਚ ਵੀ ਅਜੇ ਤੱਕ ਪੂਰੀ ਵਸੂਲੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਹੈ।

(ਈ) ਬਾਕੀਦਾਰਾਂ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਇਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਹੈ :—

	ਨਾਮ ਚੌਕੀ	ਮਰ ਗਏ ਬਾਕੀਦਾਰਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਅਤੇ ਜੋ ਰਕਮ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜ਼ਿਮੇ ਸੀ		ਪਿੰਡ ਛੱਡ ਕੇ ਚਲੇ ਗਏ ਬਾਕੀਦਾਰਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਅਤੇ ਰਕਮ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਮੇਂ ਸੀ।		ਕੁਲ	
		ਗਿਣਤੀ	ਬਕਾਏ ਦੀ ਰਕਮ	ਗਿਣਤੀ	ਬਕਾਏ ਦੀ ਰਕਮ	ਗਿਣਤੀ	ਬਕਾਏ ਦੀ ਰਕਮ
1.	ਸੁਰ ਸਿੰਘ	138	ਰੁ: 1214.27 ਪੈਸੇ	179	ਰੁ: 2115.74 ਪੈਸੇ	317	ਰੁ: 3330·01
2.	ਮੱਖੀ ਕਲਾਂ	3	ਰੁ: 127.20 ਪੈਸੇ	4	ਰੁ: 271.66 ਪੈਸੇ	7	ਰੁ: 398.86

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

BHIKHIWIND BUS STAND TEHSIL PATTI DISTRICT AMRITSAR

*1853. (C. U.) **Sardar Kirpal Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the total number of buses passing through the Bhikiwind Bus Stand, Tehsil Patti, District Amritsar, daily;

(b) whether it is a fact that there are neither flush urinals nor waiting rooms for the convenience of the passengers at the bus stand referred to in para (a) above ; if so, the reasons therefor;

(c) whether there is any proposal under consideration of Government for constructing a waiting room for passengers at the said Bus Stand;

(d) the place to which the buses go from Bus Stand Dialpur, Tehsil Patti, District Amritsar;

(e) whether the Government proposes to construct a shed for the convenience of the passengers at the Bus Stand referred to in Part (d) above?

Chief Minister : (a) 62½ return trips daily.

(b) In the absence of Sewerage facility in Bhikhiwind no Flush Urinals are available. A room hired by a private company is jointly used as waiting room.

(c) No please.

(d) 8 buses to Tarn Taran and 8 Buses to Bkikhiwind.

(e) Yes please next year.

[(ੲ) 62½ ਵਾਪਿਸੀ ਫੇਰੇ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ।

(ਬੀ) ਭਿਖੀਵਿੰਡ ਵਿੱਚ ਗੰਦੇ ਪਾਣੀ ਦੇ ਨਿਕਾਸ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਨਾ ਹੋਣ ਕਾਰਨ, ਫਲੱਸ਼ ਟੱਟੀਆਂ ਨਹੀਂ ਹਨ । ਇਕ ਕਮਰਾ ਜਿਸ ਨੂੰ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਕੰਪਨੀ ਨੇ ਕਿਰਾਏ ਤੇ ਲਿਆ ਹੈ ਸਾਂਝੇ ਤੌਰ ਤੇ ਵਿਸ਼ਰਾਮ ਘਰ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਵਰਤਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਡੀ) 8 ਬਸਾਂ ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਨੂੰ ਅਤੇ 8 ਬਸਾਂ ਭਿਖੀਵਿੰਡ ਨੂੰ ।

(ਈ) ਹਾਂ ਜੀ । ਅਗਲੇ ਸਾਲ ।]

JANDIALA DIVISION OF UPPER BARI DOAB.

*1855. (C. U.) **Sardar Kirpal Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) the period after which the temporary work-charged establishment in the Irrigation Branch is confirmed;

(b) the number of labourers working in the circle of each overseer

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

in Jandiala Division of Upper Bari Doab during December 1969 and January and February, 1970, separately;

(c) the dates on which they were given the salaries for the month of December, 1969 and January and February, 19/0;

(d) whether it is a fact that in some circles, the labourers were not given the salary for December, 1969 even upto 20th February, 1970; if so, a list of the said circles be laid on the Table of the House together with the reasons for such a delay and the action, if any being taken by the Government against the officer responsible for the delay ?

Minister for Irrigation & Power : (a) As per rules temporary work-charged establishment is not confirmed.

(b No labourers were employed in any section of Jandiala Division during 12/69, 1/70 and 2/70.

(c) Question does not arise in view of reply to (b) above.

(d) No. The Question of list does not arise,

[(ੳ) ਨਿਯਮਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਆਰਜ਼ੀ ਵਰਕਚਾਰਜਡ ਅਮਲੇ ਨੂੰ ਪੱਕਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ।

(ਅ) ਜੰਡਿਆਲਾ ਮੰਡਲ ਦੀ ਕਿਸੇ ਵੀ ਸੈਕਸ਼ਨ ਵਿੱਚ 12/69, 1/70 ਤੇ 2/70 ਵਿੱਚ ਮਜ਼ਦੂਰ ਕੰਮ ਤੇ ਨਹੀਂ ਲਗਾਏ ਗਏ ।

(ੲ) ਬੀ ਦੇ ਜਵਾਬ ਮੁਤਾਬਕ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ ।

(ਸ) ਨਹੀਂ । ਲਿਸਟ ਦਾ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ ।]

DEVELOPMENT WORKS DONE BY GRAM PANCHAYAT OF VILLAGE RAJO, DISTRICT AMRITSAR,

*1856. (C. U.) **Sardar Kirpal Singh** : Will the Minister for Development and Animal Husbandary be pleased to state :

(a) the details of the development work done by the Gram Panchayat of village Rajo, Tehsil Patti, District Amritsar, during the last five years be laid on the Table of the House.

(b) whether any pacca drains and pacca streets have been constructed by the said Panchayat; if so, their names and the expenditure incurred on each drain and street.

(c) the dates on which the approval for developmental works referred to in part (a) above was given by the Panchayat.

(d) whether any Panchayat Officer or an Auditor made an on the spot study of the developmental works referred to above and called a general meeting of the residents of the said village and addressed them, if so, on which date;

(e) the dates on which the said general meetings were called and a

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Sardar Kirpal Singh]

report on the working of the Panchayat was read out during the last five years.

(f) the cash amount of Panchayat Funds which remained in the hands of the Sarpanch of the said village on the 1st of every month during the last five years.

(g) whether he was ever found in possession of more than Rs. 50/- on any of the dates referred to in part (f) above, if so, for how long.

(h) whether any action was taken against him on the charges of keeping in his possession more than Rs. 50/- if not, the reason therefor ?

Minister for Development & Panchayat : (a) Statement I is laid on the table of the house.

(b) 550 ft. long drain costing Rs. 850/- was constructed by the Panchayat from the house of Bua Singh to the shop of Sunder Das.

(c) Statement II is laid on the Table of the House.

(d) The Panchayat was first inspected by the Panchayat Officer and the Auditor in 1964-65, by the Panchayat Officer on 18.3.68 and again by the Auditor on 29.7.68.

(e) A general meeting was held on 1.4.66, during the last five years and accounts of the Gram Panchayat were read over to the Sabha Members.

(f) Statement III is laid on the Table of the House.

(g) Yes. As in statement laid on the table of the House, for item (f)

(h) Action is being taken.

[(ੳ) ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ 1 ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

(ਅ) ਸ੍ਰੀ ਬੂਆ ਸਿੰਘ ਦੇ ਘਰ ਤੋਂ ਸੁੰਦਰ ਦਾਸ ਦੀ ਦੁਕਾਨ ਤੱਕ 550 ਫੁਟ ਲੰਬੀ ਨਾਲੀ 850/- ਰੁਪਏ ਦੀ ਲਾਗਤ ਨਾਲ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਗਈ ।

(ੲ) ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ 2 ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

(ਸ) ਇਸ ਪੰਚਾਇਤ ਦਾ ਮੁਆਇਨਾ ਪਹਿਲਾਂ ਪੰਚਾਇਤ ਅਫਸਰ ਤੇ ਆਡੀਟਰ ਨੇ 1964-65 ਵਿੱਚ ਕੀਤਾ, ਫਿਰ ਪੰਚਾਇਤ ਅਫਸਰ ਨੇ 18.3.68 ਤੇ ਆਡੀਟਰ ਨੇ 29.7.68 ਨੂੰ ਮੁਆਇਨਾ ਕੀਤਾ ।

(ਹ) ਗਰਾਮ ਸਭਾ ਦਾ ਜਨਰਲ ਇਜਲਾਸ ਪਿਛਲੇ ਪੰਜਾਂ ਸਾਲਾਂ ਵਿੱਚ ਕੇਵਲ 1.4.66 ਨੂੰ ਬੁਲਾਇਆ ਗਿਆ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਹਿਸਾਬ ਕਿਤਾਬ ਸਭਾ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾਇਆ ਗਿਆ ।

(ਕ) ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ 3 ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਖ) ਹਾਂ । ਜਿਵੇਂ ਲੜੀ (ਕ) ਦਾ ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ 3 ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਿਆ ਹੈ ।

(ਗ) ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।]

STATEMENT I

Details of development works done by Panchayat Rajoke from 1964-65 to 1968-69

1. Building for Animal Husbandary hospital constructed.
2. Culverts constructed 10
3. Hand pump installed..................4
4. Room constructed for School building...........................1
5. Panchayat Ghar.........................1
6. Accessories added to drinking wells..........................2
7. Wells repaired...........................2
8. Building for Primary Health Centre constructed and Rs. 2000/- donated to Government.
9. Drains constructed.
10. Donated Rs. 7000/- for Approach road construction.

STATEMENT II

Dates of approval of works.

Name of work	Date of approval
Construction of Animal Husbandary Hospital building.	28.3.64, 5.4.64, 28.3.65
Expenditure for construction of School building	1.6.66, 28.6.66, 13.6.66
Culverts	28.2.66
Wells	1.4.66
Approval for construction of room for School Building	28.6.66, 23.6.67
For hand pump	22.11.67
Expenditure for Hand pumps.	28.8.68
Expenditure for Panchayat Ghar.	28.8.68
Approval for expenditure.	14.10.68, 14.11.68, 14.12.68
Approval for expenditure of approach road.	14.1.69, & 28.3.69 4.6.68

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Mnister for Development & Panchayats]

[ਪਿਛਲੇ ਪੰਜਾਂ ਸਾਲਾਂ ਵਿੱਚ ਗਰਾਮ ਪੰਚਾਇਤ ਨੇ 1964-65 ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ 1968-69 ਤੱਕ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਕੰਮ ਕੀਤੇ ਹਨ :

1.	ਡੰਗਰਾਂ ਦੇ ਹਸਪਤਾਲ ਦੀ ਇਮਾਰਤ	
2.	ਪੁਲੀਆਂ	10
3.	ਨਲਕੇ	4
4.	ਸਕੂਲ ਇਮਾਰਤ ਦਾ ਕਮਰਾ	1
5.	ਪੰਚਾਇਤ ਘਰ	1
6.	ਦੋ ਖੂਹ ਤੇ ਹਲਟੀਆਂ ਪਾਈਆਂ	
7.	ਦੋ ਖੂਹਾਂ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ	
8.	ਪਰਾਇਮਰੀ ਹੈਲਥ ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਇਮਾਰਤ ਬਣਾਈ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ 2000/- ਰੁਪਏ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਵਾਏ ।	
9.	ਨਾਲੀਆਂ	
10.	ਪਹੁੰਚ ਮਾਰਗ ਵਾਸਤੇ ਰੁ: 7000 ਸਰਕਾਰੀ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿੱਚ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਵਾਏ ।	

ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ 2 :

ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਤੇ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਖਰਚ ਦੀ ਪ੍ਰਵਾਨਗੀ ਪੰਚਾਇਤ ਪਾਸੋਂ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਲਈ ਹੈ :

ਕੰਮ ਦਾ ਨਾਂ	ਪਰਵਾਨਗੀ ਦੀ ਮਿਤੀ
ਡੰਗਰਾਂ ਦਾ ਹਸਪਤਾਲ	28.3.64, 5.4.64, 28.3.65
ਸਕੂਲਾਂ ਦੀ ਇਮਾਰਤ ਤੇ ਖਰਚ	1.6.66, 28.6.66, 13.6.66
ਪੁਲੀਆਂ	28.2.66
ਖੂਹਾਂ	1.4.66
ਸਕੂਲ ਦੇ ਕਮਰੇ ਦੇ ਖਰਚ ਦੀ ਪਰਵਾਨਗੀ	28.6.66., 23.6.67
ਨਲਕਿਆਂ ਦੀ ਪਰਵਾਨਗੀ	22.11.67
ਖਰਚੇ ਦੀ ਪਰਵਾਨਗੀ	28.8.68
ਪੰਚਾਇਤ ਘਰ ਦੇ ਖਰਚੇ ਦੀ ਪਰਵਾਨਗੀ	28.8.68
ਖਰਚੇ ਦੀ ਪਰਵਾਨਗੀ	14.10.68, 14.11.68, 14.12.68 14.1.69 ਅਤੇ 28.3.69
ਪਹੁੰਚ ਸੜਕ ਲਈ ਪੈਸੇ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਾਏ	4.6.68]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ III*

ਗੋਸ਼ਵਾਰਾ ਗਰਾਮ ਪੰਚਾਇਤ ਰਾਜੋਕੇ ਬਲਾਕ ਵਲਟੋਹਾ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ)

ਗੋਸ਼ਵਾਰਾ 1964-65

ਮਹੀਨਾ	ਪੰਚਾਇਤ ਫੰਡ	ਬੈਂਕ ਵਿਚ	ਡਾਕਖਾਨੇ ਵਿਚ	ਸਰਪੰਚ ਦੇ ਹੱਥ ਵਿਚ
ਅਪਰੈਲ	3069-46	3134-30	—	—
ਮਈ	3859-46	3134-30	—	725-16
ਜੂਨ	4053-46	3134-30	—	2919-16
ਜੁਲਾਈ	738-54	1148-92	—	—
ਅਗਸਤ	1979-29	1148-92	—	830-57
ਸਤੰਬਰ	1318-29	1148-92	—	169-37
ਅਕਤੂਬਰ	1318-29	322-92	—	995-37
ਨਵੰਬਰ	954-43	322-92	—	631-37
ਦਸੰਬਰ	954-43	333-96	—	620-47
ਜਨਵਰੀ	954-43	333-96	—	620-47
ਫਰਵਰੀ	954-43	333-96	—	620-47
ਮਾਰਚ	594-24	333-96	—	60-28
		ਗੋਸ਼ਵਾਰਾ 1965-66		
ਅਪਰੈਲ	819-62	333-96	—	485-66
ਮਈ	819-62	333-96	—	485-66
ਜੂਨ	819-62	333-96	—	484-66
ਜੁਲਾਈ	819-62	333-96	—	584-66
ਅਗਸਤ	819-62	333-96	—	584-66
ਸਤੰਬਰ	819-62	333-96	—	584-66
ਅਕਤੂਬਰ	819-62	583-96	—	235-66
ਨਵੰਬਰ	819-62	583-96	—	235-66
ਦਸੰਬਰ	819-62	603-30	—	216-32
ਜਨਵਰੀ	819-62	603-30	—	216-32
ਫਰਵਰੀ	4061-62	603-34	—	3458-32
ਮਾਰਚ	3788-70	603-30	—	3185-40
		ਗੋਸ਼ਵਾਰਾ 1966-67		
ਅਪਰੈਲ	3730-55	603-30	—	3327-25
ਮਈ	3730-55	603-30	—	3327-25

*English version not received from the Government.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Development and Panchayats]

ਮਹੀਨਾ	ਪੰਚਾਇਤ ਫੰਡ	ਬੈਂਕ ਵਿਚ	ਡਾਕਖ਼ਾਨੇ ਵਿਚ	ਸਰਪੰਚ ਦੇ ਹਥ ਵਿਚ
ਜੂਨ	2680-55	1019-88	—	1660-67
ਜੁਲਾਈ	2676-55	1031-94	—	1644-61
ਅਗਸਤ	2676-55	1031-94	—	1644-61
ਸਤੰਬਰ	2670-55	1031-94	—	1638-61
ਅਕਤੂਬਰ	2670-55	1031-94	—	1638-61
ਨਵੰਬਰ	2770-55	331-94	—	2338-61
ਦਸੰਬਰ	5707-56	347-91	—	5359-64
ਜਨਵਰੀ	5707-55	387-91	—	5359-64
ਫ਼ਰਵਰੀ	5707-55	387-91	—	5359-64
ਮਾਰਚ	11274-60	5347-91	—	5926-69
		ਸਾਲ 1967-68		
ਅਪਰੈਲ	11274-60	5347-91	—	5926-69
ਮਈ	9479-68	4347-91	—	5131-77
ਜੂਨ	8208-40	4398-20	—	3810-20
ਜੁਲਾਈ	8717-71	4398-20	—	4319-51
ਅਗਸਤ	8231-71	4907-79	—	3323-92
ਸਤੰਬਰ	8231-71	4907-79	—	3323-92
ਅਕਤੂਬਰ	8231-71	4907-79	—	3323-92
ਨਵੰਬਰ	8231-71	4907-79	—	3323-92
ਦਸੰਬਰ	8231-71	4907-79	—	3323-92
ਜਨਵਰੀ	8233-71	4937-32	—	3296-39
ਫ਼ਰਵਰੀ	8233-71	4937-32	—	3296-39
ਮਾਰਚ	8808-71	5298-07	—	13410-64
		ਸਾਲ 1968-69		
ਅਪਰੈਲ	1856-04	5298-07	5010-00	8154-97
ਮਈ	22095-11	5859-60	5011-20	12224-31
ਜੂਨ	22095-11	482-46	11-20	21801-45
ਜੁਲਾਈ	13613-81	482-46	4011-20	9130-15
ਅਗਸਤ	12596-78	482-46	11-20	12103-56
ਸਤੰਬਰ	8131-58	332-46	1011-20	7087-92
ਅਕਤੂਬਰ	5982-57	891-21	11-20	5080-16

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮਹੀਨਾ	ਪੰਚਾਇਤ ਫੰਡ	ਬੈਂਕ ਵਿਚ	ਡਾਕਖ਼ਾਨੇ ਵਿਚ	ਸਰਪੰਚ ਦੇ ਹੱਥ ਵਿਚ
ਨਵੰਬਰ	3656-16	41-21	11-20	3603-75
ਦਸੰਬਰ	626-82	93-55	11-20	532-07
ਜਨਵਰੀ	295-63	93-55	11-20	290-88
ਫਰਵਰੀ	395-63	93-55	11-20	290-88
ਮਾਰਚ	14367-38	93-55	11-20	14262-63

ਡੀ.ਡੀ.ਪੀ.ਓ.

ਵਾਸਤੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।

UPGRADING MIDDLE SCHOOL, BARAPIND AND PRIMARY SCHOOL PASLA IN JULLUNDUR DISTRICT.

*1859. (C.U.) **Sardar Umrao Singh** : Will the Minister for Education be pleased be state :

(a) whether the Government received any recommendation from the D. E. O., Jullundur, last year for upgrading the Middle School, Barapind and Primary School, Pasla; if so, the reasons for not upgrading the above mentioned schools so far;

(b) whether these schools are likely to be upgraded this year ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਜਿਲਾ ਜਲੰਧਰ ਦੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਪਾਸਲਾ ਅਤੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ, ਬੜਾ ਪਿੰਡ ਨੂੰ ਚਾਲੂ ਸਕੂਲ ਸੈਸ਼ਨ (1.4.1970) ਤੋਂ ਤਰਤੀਬਵਾਰ, ਮਿਡਲ ਅਤੇ ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਸਰਕਾਰੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਦੇ ਦਿਤੀ ਹੈ ।

WRITING OF MILE STONES IN HINDI

*1862. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether it is a fact that he had announced in Public that mile stones on Grand Trunk and other roads in the State would be got installed in Hindi also;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether any estimates (amount of which may be stated) for the purpose were got prepared from the department and sent to the Finance Department for sanction; if so, when;

(c) the period for which the said case remained with the Finance Department ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ੳ) ਨਹੀਂ ਜੀ । ਅਜਿਹਾ ਕੋਈ ਐਲਾਨ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਕਿ ਜੀ.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਿਖਆ ਮੰਤਰੀ]

ਟੀ. ਅਤੇ ਰਾਜ ਦੀਆਂ ਦੂਜੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਤੇ ਹਿੰਦੀ ਵਿਚ ਭੀ ਮੀਲ ਪੱਥਰ "instal" ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ । ਪਰੰਤੂ ਇਥੇ ਇਹ ਦੱਸਣਾ ਉਚਿਤ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸਟੇਟ ਤੇ ਨੈਸ਼ਨਲ ਹਾਈਵੇਜ਼ ਤੇ ਹਰ ਇਕ ਅਲਟਰਨੇਟਿਵ ਕਿਲੋਮੀਟਰ ਬੁਰਜੀ ਦੇ ਉਪਰ ਪੰਜਾਬੀ, ਹੇਠ ਹਿੰਦੀ ਅਤੇ ਉਸਤੋਂ ਹੇਠਾਂ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਵਿਚ ਟਰੈਫਿਕ ਚਿੰਨ੍ਹ ਲਿਖਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

(ਅ) ਨਹੀਂ ਜੀ । ਵਿਭਾਗ ਤੋਂ ਕੋਈ ਅਨੁਮਾਨ ਤਿਆਰ ਨਹੀ ਕਰਾਏ ਗਏ ।

(ੲ) ਉਪਰ 'ਅ' ਸਾਹਮਣੇ ਦਿਤੇ ਉੱਤਰ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦਿਆਂ ਸਵਾਲ ਉਤਪਨ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

CONSOLIDATION OPERATIONS IN VILLAGE MOOLE CHAK, DISTRICT AMRITSAR

*1867. (C. U.) **Comrade Dana Ram** : Will the Minister for Revenue and Rehabilitation be pleased to state :

(a) whether it is a fact that notification for staying consolidation operations in village Moole Chak, Block Verka, district Amritsar was issued after the people of the village had requested for the same;

(b) whether it is a fact that orders for staying the consolidation operations there were issued thrice; if so, the date of each such stay order, the authority that issued the same together with the reasons in each case;

(c) the date on which each of the said order was vacated and under what circumstances;

(d) whether the consolidation work in the said village had been resumed, if not, the reasons for the delay ?

Minister of State for Rehabilitation, Consolidation and Welfare :

(a) Yes.

(b) (i) Yes but twice not thrice.

(ii) The first stay order was issued on 13.8.69 by the Minister of State for Revenue and Labour on an application of Shri Arjan Singh etc. of that village. The second stay order was issued on 27.11.69 by the Revenue and Rehabilitation Minister on an application of Shri Amrik Singh and other right holders of village Moole Chak.

(c) (i) Stay order dated 13.8.69 was vacated on 23.10.69 on a report submitted by the Director, Consolidation of Holdings, Punjab, on the application of Shri Arjan Singh etc.

(ii) The stay order dated 27.11.69 is still operative.

(d) No Because the second stay order is still in force.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਅ) 1. ਨਹੀਂ ਜੀ. ਰੋਕ ਹੁਕਮ ਦੋ ਵਾਰੀ ਜਾਰੀ ਹੋਏ ਸਨ ।

2. ਪਹਿਲਾ ਰੋਕ ਹੁਕਮ ਮਿਤੀ 13.8.69 ਨੂੰ ਸ਼੍ਰੀ ਅਰਜਨ ਸਿੰਘ ਆਦਿ ਪਿੰਡ ਮੂਲੇਚੱਕ ਦੀ ਅਰਜ਼ੀ ਤੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਮਾਲੀਆ ਤੇ ਕਿਰਤ ਵਲੋਂ ਜਾਰੀ ਹੋਇਆ ਸੀ । ਦੂਜੀ ਰੋਕ ਹੁਕਮ ਮਿਤੀ 27.11.1969 ਨੂੰ ਸ਼੍ਰੀ ਅਮਰੀਕ ਸਿੰਘ ਆਦਿ ਹੱਕਦਾਰਾਨ ਪਿੰਡ ਮੂਲੇਚੱਕ ਦੀ ਅਰਜ਼ੀ ਤੇ ਮਾਲੀਆ ਤੇ ਪੁਨਰਵਾਸ ਮੰਤਰੀ ਵਲੋਂ ਜਾਰੀ ਹੋਇਆ ਸੀ ।

(ੲ) 1. ਰੋਕ ਹੁਕਮ ਮਿਤੀ 13.8.69 ਸ਼੍ਰੀ ਅਰਜਨ ਸਿੰਘ ਆਦਿ ਦੀ ਅਰਜ਼ੀ ਉਤੇ. ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਚੱਕਬੰਦੀ, ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਤੇ 23.10.1969 ਨੂੰ ਖੋਲ੍ਹ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ।

2. ਰੋਕ ਹੁਕਮ ਮਿਤੀ 27.11.1969 ਅਜੇ ਚਾਲੂ ਹੈ ।

(ਸ) ਨਹੀਂ ਜੀ, ਕਿਉਂਕਿ 27.11.69 ਦਾ ਰੋਕ ਹੁਕਮ ਲਾਗੂ ਹੈ ।]

STUDENTS VISITING CINEMA SHOWS STARTING AT 11.00 A.M. AND 3.30 P.M.

*1869 (C.U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether the Government is awere of the fact that the school-college going boys and girls slip away from the classes and rush towards Cinema Houses to witness the shows starting at 11.00 A.M. and 3.30 P.M. especially in the cities;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether there is any legal measure with the Government to curb this tendency of witnessing the shows starting at 11.00 A.M. and 3.30 P.M. prevalent among the students; if not, whether the Government propose to bring forward suitable legislation in this regard ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ੳ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਅ) ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਸਿਨਮਾਜ਼ (ਰੈਗੂਲੇਸ਼ਨ) ਰੂਲਜ਼, 1952 ਦੇ ਰੂਲ 94 ਵਿਚ ਸੋਧ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਦੇ ਰਾਹੀਂ 18 ਸਾਲ ਤੋਂ ਘਟ ਉਮਰ ਦੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ 3 ਵਜੇ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦੇ ਸਿਨਮਾਂ ਸ਼ੋਅ ਵੇਖਣ ਦੀ ਮਨਾਹੀ ਹੈ ।

REPRESENTATION AGAINST ASI/SI OF POLICE STATION MALOUT, DISTRICT FEROZEPUR.

*1872. (C.U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Chief Minister with reference to the reply to unstrarred question No. 454 included in the list of unstarred questions for 23.2.1970 be pleased to state :-

(a) the name of the person who conducted investigation into the allegation mentioned in the representation referred to in the said question and the date when it was held;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Babu Singh Master]

(b) whether Comrade Ujagar Singh of village Shergarh, district Ferozepur, the man who was beaten by the Police (or was alleged to have been beaten) was asked to produce witnesses, if he so desired ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਮਿਤੀ 16.2.70 ਨੂੰ ਐਸ. ਆਈ. ਪਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕੇਸ ਦੀ ਤਫ਼ਤੀਸ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ।

(ਬੀ) ਕਾਮਰੇਡ ਉਜਾਗਰ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਤਫ਼ਤੀਸ਼ ਲਈ ਸਦਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਪਰ ਉਹ ਆਪਣੇ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਹਾਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਸੀ । ਇਸ ਲਈ ਉਸ ਨੂੰ ਗਵਾਹਾਂ ਲਈ ਪੁਛਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

APPENDIX

To

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATE

Dated 30-3-1970 (Annexure)

Vol. I No. 24 (A)

REPRESENTATION REGARDING RATE CHARGED BY THE PUNJAB ROADWAYS FOR MONTHLY PASSES.

*1102 (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state whether any representation has been received by the Government from the Students, parents and the Principals of the educational Institutions in the State requesting therein that the rate of monthly passes issued by the Punjab Roadways to the bonafide students of recognised educational institution be brought at par with the rate charged by the railway authorities on the monthly passes ; if so, the action, if any, taken thereon, if no action has been taken, the time by which final decision is likely to be taken in the matter ?

Chief Minister : Yes Sir. The request was considered and rejected by the Government.

[ਹਾਂ ਜੀ। ਬੇਨਤੀ ਨੂੰ ਵਿਚਾਰਨ ਉਪਰੰਤ ਰੱਦ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ।]

CONSTRUCTION OF HILL RESORT AT KATORI (DHAR HILLY AREA)

*1347. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government has any plan to develop Katori (Dhar Hilly area) as a Hill resort ; if so, the details thereof and the time by which it is likely to be implemented ?

Minister of State for Public Relations And Tourism : A proposal to develop Katori as a Tourist Resort is under examination. The proposal envisages the setting up of a Cafeteria-cum-Tourist Information Centre and few Booths for sale of articles of Tourist interest.

No definite assurance regarding any time limit for implementation of this scheme can be given since its feasibility is being examined from different angles and it will take some time to arrive at a definite decision.

PURCHASE AND SALE OF PESTICIDES IN THE STATE

*1373. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether any scheme for the purchase and sale of pesticides is being run under the co-operative Department.

(c) the original budget provision and the actual expenditure, and profit and loss of the said scheme for the last three years ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Satya Pal Dang]

(c) whether there was a shortfall in the estimated expenditure on the running of the said scheme, if so, the reasons therefor ;

(d) whether it is a fact that most of the stocks of pesticides are many years old ; if so, whether the Govt. proposes to get them tested before sale to the cultivators.

(e) whether the Government contemplate taking steps to improve the working of this scheme ; if so, the details thereof ?

Minister for Co-operation : (a) Yes.

(b)

Budget provision	**Expenditure**
1967-68 Rs. One crore.	1967-68 Rs. 67.54 Lakhs. Value of stocks transferred is Rs. 29 lacs.
1968-69 Rs. One crore.	1968-69 Rs. 22.05 lakhs.
1969-70 Rs. One crore.	1969-70 7.72 lakhs.
Profit and loss during the last three years—Nil.	Govt. makes pesticides available to the Marketing Federation for sale on "No profit No loss" basis

(c) Yes. The reason of short fall in the estimated budget expenditure was due to the heavy stock of pesticides with the Cooperatives. The Pesticides Advisory Committee advised that efforts should be made to utilise the existing stock instead of fresh purchases.

(d) Yes. These are being tested in Government Laboratories.

(e) There is Pesticides Advisory Committee constituted in the Cooperative Department duly represented by the Agriculture Department, experts from the Agricultural University and Marketing Federation. The following are its functions :

(i) To approve the annual requirements of various pesticides for various crops as per estimates prepared by the Agri. Department.

(ii) To draft policy, guidelines for the implementation of the scheme.

(iii) Any other special points placed before it with the permission of the Chairman.

[(ੳ) ਜੀ ਹਾਂ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਅ) ਬਜਟ ਪ੍ਰੋਵੀਜ਼ਨ	ਖਰਚਾ
1967-68	1967-68
1 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ	57,54,000 ਰੁਪਏ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਤੋਂ ਆਏ ਦਵਾਈਆਂ ਦੇ ਸਟਾਕ ਦੀ ਕੀਮਤ 29,00.000 ਰੁਪਏ
1968 69	1968-69
1 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ	22,05,000 ਰੁਪਏ
1969-70	1969-70
1 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ	7,72,000 ਰੁਪਏ

3 ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਨਫ਼ਾ ਜਾਂ ਨੁਕਸਾਨ : ਕੋਈ ਨਹੀਂ (ਕਿਉਂਕਿ ਸਰਕਾਰ ਕੀੜੇ ਮਾਰ ਦਵਾਈਆਂ ਮਾਰਕਫੈਡ ਨੂੰ "ਨਾਂ ਨਫ਼ਾ ਨਾਂ ਨੁਕਸਾਨ ਆਧਾਰ" ਤੇ ਵੇਚਣ ਵਾਸਤੇ ਦਿੰਦੀ ਹੈ)

(ੲ) ਹਾਂ ਬਜਟ ਵਿਚ ਘਟੌਤੀ ਆਉਣ ਦਾ ਕਾਰਣ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਸੁਸਾਇਟੀਆਂ ਪਾਸ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕੀੜੇ ਮਾਰ ਦਵਾਈਆਂ ਦਾ ਕਾਫ਼ੀ ਮਾਲ ਜਮਾਂ ਸੀ ਅਤੇ ਕੀੜੇ ਮਾਰ ਦਵਾਈਆਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਬਾਰੇ ਨਿਯੁਕਤੀ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਜਮਾਂ ਹੋਇਆ ਮਾਲ ਹੀ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਨਵੇਂ ਮਾਲ ਦੀ ਖਰੀਦ ਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ।

(ਸ) ਹਾਂ, ਇਹ ਦਵਾਈਆਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰੀ ਲੈਬਾਰਟਰੀਆਂ ਵਿਚ ਟੈਸਟ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ।

(ਹ) ਕੀੜੇ ਮਾਰ ਦਵਾਈਆਂ ਦੀ ਸਕੀਮ ਬਾਰੇ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣੀ ਹੋਈ ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਅਤੇ ਮਾਰਕੀਟਿੰਗ ਫੈਡਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਵਿਭਾਗਾਂ ਵਿਚੋਂ ਹਨ । ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਕੰਮ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੈ :

(1) ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਦੁਆਰਾ ਬਣਾਈ ਗਈ ਕੀੜੇ ਮਾਰ ਦਵਾਈਆਂ ਦੀ ਵੱਖ ਵੱਖ ਫਸਲਾਂ ਵਾਸਤੇ ਸਾਲਾਨਾ ਜ਼ਰੂਰਤ ਦੀ ਪਰਵਾਨਗੀ ਦੇਣੀ ।

(2) ਸਕੀਮ ਨੂੰ ਠੀਕ ਢੰਗ ਨਾਲ ਚਲਾਉਣ ਬਾਰੇ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੇਣਾ ਤੇ ਨਵੀਆਂ ਨੀਤੀਆਂ ਬਣਾਉਣੀਆਂ ।

(3) ਹੋਰ ਕੋਈ ਨੁਕਤਾ ਜੋ ਪਰਧਾਨ ਦੀ ਆਗਿਆ ਨਾਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

AGREEMENT BETWEEN THE BATALA CO-OPERATIVE SUGAR MILLS AND THE ZAMINDARS OF TEHSIL GURDASPUR REGARDING PURCHASE OF SUGARCANE.

*1455. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh :** Will the Chief Minister be pleased to State whether he is aware of the fact that the Batala Co-operative Sugar Mills has entered into the agreement with the Zamindars of Tehsil Gurdaspur that it will buy the whole sugar-cane crop from them but is accepting sugar-cane from them in much less quantity which is causing anxiety amongst the farmers, if so, the steps if any, proposed to be taken by the Government to remove their anxiety ?

Minister for Co-operation : The Batala Co-operative Sugar Mills Ltd., Batala entered into an agreement with Zamindars of Tehsil Gurdaspur to bond their sugar-cane upto the quantity of 4,95,205 Quintals, during the season 1969-70. Upto 30.5.1970, 1,85,854 60 Quintals of bonded sugar-cane was purchased from Tehsil Gurdaspur. The reason for purchasing less quantity of Bonded Sugarcane was that the growers had given exaggerated figures of cane at the time of bonding. The total cane in the Tehsil was crushed before the close of the factory .At the closing time of the factory, growers who had not even got their cane bonded were allowed to supply their cane to the Mills. Because of non availability of cane, the Mills had to work under capacity in the end.

[ਬਟਾਲਾ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਸ਼ੂਗਰ ਮਿਲਜ਼ ਨੇ ਤਹਿਸੀਲ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਦੇ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰਾਂ ਦਾ 1969-70 ਸੀਜ਼ਨ ਵਿੱਚ 4,95,205 ਕੁਵਿੰਟਲ ਗੰਨਾ ਬਾਂਡ ਕੀਤਾ ਸੀ । ਮਿਲ ਨੇ ਤਹਿਸੀਲ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਵਿੱਚ ਮਿਤੀ 30.4.70 ਤੱਕ 1,86,854.60 ਕੁਵਿੰਟਲ ਬਾਂਡ ਕੀਤਾ ਗੰਨਾ ਖ੍ਰੀਦਿਆ । ਬਾਂਡ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਗੰਨਾ ਦੇ ਘੱਟ ਖ੍ਰੀਦ ਕਰਨ ਦੇ ਕਾਰਣ ਇਹ ਹਨ ਕਿ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੇ ਗੰਨਾ ਬਾਂਡ ਕਰਾਣ ਸਮੇਂ ਵਧਾ ਚੜ੍ਹਾ ਕੇ ਅੰਕੜੇ ਦਿੱਤੇ । ਮਿਲ ਬੰਦ ਹੋਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਤਹਿਸੀਲ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਦਾ ਸਾਰਾ ਹੀ ਗੰਨਾ ਪੀੜਿਆ ਗਿਆ ਸੀ । ਮਿਲ ਦਾ ਸੀਜ਼ਨ ਖਤਮ ਹੋਣ ਵੇਲੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ (ਗ੍ਰੋਅਰਜ਼) ਨੇ ਗੰਨਾ ਬਾਂਡ ਨਹੀਂ ਕਰਾਇਆ ਸੀ, ਨੂੰ ਵੀ ਗੰਨਾ ਸਪਲਾਈ ਕਰਨ ਦੀ ਆਗਿਆ ਦਿੱਤੀ ਗਈ । ਪੂਰਾ ਗੰਨਾ ਨਾਂ ਮਿਲਣ ਦੇ ਕਾਰਣ ਆਖਰੀ ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ ਮਿੱਲ ਨੂੰ ਵਿੱਤ ਤੋਂ ਘੱਟ ਪੱਧਰ ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਪਿਆ ।]

FACILITY OF TELEPHONES FOR DOCTORS/PROFESSORS IN MEDICAL COLLEGE, AMRITSAR.

*1563. (C U.) **Comrade Satya Pal Dang :** Will the Minister of State for Industries and Health with reference to the reply to Starred Question No. 730 included in the list of Starred Question for 23.10.1969 be pleased to :

(a) state the amount since realised from Principal Yudhveer Sachdeva, Dr. Man Singh and other Professors of the Medical College, Amritsar out of the amounts due to the Government from them on account of the telephone facility given to them ;

(b) state the amount which is still due from them ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(c) lay on the Table of the House, a statement showing the position in each case both in relation to the amounts realised and the amounts still due from them ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ, ਉਦਯੋਗ ਤੇ ਸਿਹਤ : (ਏ) ਨਿਲ

(ਬੀ) ਵੀ. ਜੇ. ਹਸਪਤਾਲ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਡਾਕਟਰਾਂ/ਪ੍ਰੋਫੈਸਰਾਂ ਵਲ ਸਮਾਂ ਫਰਵਰੀ, 1966 ਤੋਂ ਜਨਵਰੀ, 1970 ਤਕ ਕੁਲ ਰੁਪਏ 7441-50 ਪੈਸੇ ਦੀ ਟੈਲੀਫੋਨ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਦੀ ਬਕਾਇਆ ਰਿਕਵਰੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸਮਾਂ ਫਰਵਰੀ 1966 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦੀ ਰਿਕਵਰੀ ਬਾਰੇ ਸਬੰਧਤ ਰਿਕਾਰਡ ਮੈਡੀਕਲ ਸੁਪਰਡੰਟ ਵੀ. ਜੇ. ਹਸਪਤਾਲ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਦਫਤਰ ਵਿਚ ਉਪਲਬਧ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਲੱਭਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਸਮਾਂ ਫਰਵਰੀ, 1966 ਤੋਂ ਜਨਵਰੀ 1970 ਤੱਕ ਦੀ ਰਿਕਵਰੀ ਦੀ ਵਿਵਰਨ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਹੈ ਪਰੰਤੂ ਸਮਾਂ ਫਰਵਰੀ 1966 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦੀ ਰਿਕਵਰੀ ਬਾਰੇ ਰਿਕਾਰਡ ਉਪਲਬਧ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਉਪਰੋਕਤ "ਬੀ" ਵਿਚ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਉਦਯੋਗ ਤੇ ਸਿਹਤ]

ਰਕਵਰੀ ਦੀ ਵਿਵੇਰਣ

ਲੜੀ ਨੰ:	ਨਾਂ	ਜੋ ਰਕਮ ਵਸੂਲ ਕਰ ਲਈ ਹੈ।	ਜੋ ਰਕਮ ਹੁਣ ਤਕ ਬਾਕੀ ਹੈ।	ਸਮਾਂ
*1.	ਡਾ: ਯੁਧਵੀਰ ਸੱਚਦੇਵਾ ਪਰੋਫੈਸਰ ਆਫ ਸਰਜਰੀ	ਕੁਛ ਨਹੀਂ।	ਰਕਵਰੀ ਸਮੇਂ ਦਾ ਰਿਕਾਰਡ ਉਪਲਬਧ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ ਜੋ ਕਿ ਲੱਭਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।	24.12.57 ਤੋਂ 3.9.62 (ਮਿਤੀ 3.9.62 ਨੂੰ ਡਾ: ਯੁਧਵੀਰ ਸੱਚਦੇਵਾ ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿਚ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਦੀ ਆਸਾਮੀ ਤੇ ਨਿਯੁਕਤ ਹੋਏ ਜਿਥੇ ਕਿ ਮੁਫਤ ਟੈਲੀਫੋਨ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਹੈ।
2.	ਡਾ: ਮਾਨ ਸਿੰਘ ਨਿਰੰਕਾਰੀ, ਪਰੋਫੈਸਰ ਆਫ ਅਫਥੋਲਮਾਲੋਜੀ।	,,	ਰੁ. 1898.00	2/66 ਤੋਂ 1/70 (ਮਿਤੀ 12/57 ਤੋਂ 31/1/66 ਤੱਕ ਦਾ ਰਿਕਾਰਡ ਉਪਲਬਧ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਉਪਰ ਦਸਿਆ ਹੈ)।
3.	ਡਾ. ਆਰ. ਪੀ. ਮਲਹੋਤਰਾ, ਪਰੋਫੈਸਰ ਆਫ ਮੈਡੀਸੀਨ।	,,	ਰੁ. 1007.00	2/66 ਤੋਂ 11/69 ਮਿਤੀ 24/12/57 ਤੋਂ 31/1/66 ਤੱਕ ਦਾ ਰਿਕਾਰਡ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਉਪਰ ਦਸਿਆ ਹੈ।
4.	ਡਾ: ਮਾ. ਫਲੀਪਸ ਪਰੋਫੈਸਰ ਆਫ ਮਿਡਵਾਈਫਰੀ।	,,	ਰੁ. 884/-	2/66 ਤੋਂ 2/70 (ਮਿਤੀ 5/12/62 ਤੋਂ 31/1/66 ਤੱਕ ਦਾ ਰਿਕਾਰਡ ਉਪਲਬਧ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਉਪਰ ਦਸਿਆ ਹੈ)।
5.	ਡਾ: ਵਾਈ. ਐਸ. ਬਾਵਾ ਪਰੋਫੈਸਰ ਆਫ ਕਲੀਨੀਕਲ ਮੈਡੀਸਨ।	,,	ਰੁ. 1787/-	2/66 ਤੋਂ 1/70 (ਮਿਤੀ 11/7/61 ਤੋਂ 31/1/66 ਤੱਕ ਦਾ ਰਿਕਾਰਡ ਉਪਲਬਧ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਉਪਰ ਦਸਿਆ ਹੈ)।
6.	ਡਾ: ਕੇ. ਐਸ. ਕੋਛੜ ਪਰੋਫੈਸਰ ਆਫ ਕਲੀਨੀਕਲ ਸਰਜਰੀ	,,	ਰੁ. 481.50	8/66 ਤੋਂ 11/69
7.	ਡਾ: ਪਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਪਰੋਫੈਸਰ ਆਫ ਅਨੇਸਥੀਸੀਆ।	ਕੁਝ ਨਹੀਂ	ਰੁ. 1384/-	2/66 ਤੋਂ 1/70 (ਮਿਤੀ 18.2.60 ਤੋਂ 31/1/66 ਤਕ ਦਾ ਰਿਕਾਰਡ ਉਪਲਬਧ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਉਪਰ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ)।
8.	ਡਾ. ਪੀ. ਐਨ. ਚੁਟਾਨੀ।	,,	ਡਾ: ਚੁਟਾਨੀ ਅਤੇ ਢਲ ਇਸ ਵੇਲੇ ਪੀ. ਜੀ. ਆਈ. ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚ ਲਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਹ 2/66 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ. ਜੇ. ਹਸਪਤਾਲ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿਖੇ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਸਨ।	
9.	ਡਾ: ਐਮ. ਆਰ. ਢਲ	,,		2/66 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦੀ ਰਿਕਵਰੀ ਦਾ ਰਿਕਾਰਡ ਉਪਲਬਧ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਉਪਰ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ।

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

T. A/D. A. CLAIMED BY THE TRAFFIC MANAGER, AMRITSAR ROADWAYS.

*1660. (C. U.) **Comrade Darshan Singh Jhabal** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the amount of T.A/D.A. claimed by the Traffic Manager, Amritsar Roadways for coming from Amritsar to Chandigarh on 13th and 14th April, 1969;

(b) the name of the Court or office at Chandigarh in which the Traffic Manager, appeared;

(c) whether it is a fact that 13th and 14th April, were Public holidays;

(d) if the reply to part (c) above be in the the affirmative, the reasons for claiming the said T. A./D. A.

(e) whether the Government received a complaint during the last week of December, 1969 that the T. A. claim of the said Officer was a bogus one; if so, the action if any, taken thereon ?

Chief Minister : (a) Rs. 46.35

(b) Court of Shri Inder Mohan Malik Sub Judge, Chandigarh.

(c) Yes.

(d) The T.A./D.A. had been claimed as the Court had summoned the officer on 14-4-1969 and he actualy travelled.

(e) No.

[(ੲ) 46.35 ਰੁਪਏ ।

(ਬੀ) ਸ਼੍ਰੀ ਇੰਦਰ ਮੋਹਨ ਮਲਿਕ ਸਬ ਜੱਜ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੀ ਕਚਹਿਰੀ ਵਿੱਚ ।

(ਸੀ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਡੀ) ਟੀ. ਏ. ਅਤੇ ਡੀ. ਏ. ਇਸ ਲਈ ਕਲੇਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਅਫਸਰ ਨੂੰ 14-4-1969 ਨੂੰ ਪੇਸ਼ੀ ਲਈ ਸੱਮਨ ਘਲੇ ਗਏ ਸਨ ਤੇ ਉਸ ਨੇ ਸਚੀ ਮੁੱਚੀ ਸਫਰ ਕੀਤਾ ਸੀ ।

(ਈ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।]

AUCTION OF ELECTRIC MOTOR OF GOVERNMENT FARM, GURDASPUR.

*1687. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state :

(a) whether it is a fact that one electric motor of the Govt. Farm Gurdaspur was sold by auction in the first week of the January, 1970;

(b) whether the auction money was deposited in the Govt. Treasury Gurdaspur; if so, the amount thereof and the date on which it was deposited ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Agriculture Minister : (a) No, Sir.

(b) The question does not arise.

[(ੳ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਅ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।]

REFERENCES OF CASES OF PENALTY PREPARED BY THE CANAL DEPARTMENT TO THE SDOs (CIVIL)

*1724. (C. U) **Sardar Kirpal Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) the date when decision for sending the cases of penalty prepared by the canal department to the S. D. O's (Civil) was taken by the Government.

(b) the number of cases sent to the District Civil Sub Divisional Officers in each district by the canal authorities since the date referred to in part (a) above upto 31.1.1970 together with the amount of penalty for each district on the basis of the said cases;

(c) the number of cases decided out of those mentioned in part (b) above by S. D. O's (Civil) in each district upto 31.1.70.

(d) the number of cases approved together with the total amount of penalty in respect of the said cases and the amount of penalty of those cases which were rejected;

(e) the number of cases out of those referred to in part (b) above which are still pending in each district together with their total amount of penalty, district-wise, and the number of the said cases, district-wise which are pending for the last more than 6 months, 9 months, 12 months, 15 months, 18 months, 21 months and 24 months respectively;

(f) whether the Government propose to fix any time for the disposal of the said cases;

(g) whether the Government propose to resort to the previous practice in supersession of the decision referred to in part (a) above;

(h) whether the Government is aware of the fact that since the date when the policy for sending the said cases to the S. D. Os (Civil) has been adopted the number of cuts in the canals and of the cases of breaking of outlets has increased considerabely.

Irrigation & Power Minister : (a) 3.6.1968.

(b), (c), (d), (e) :—A statement is laid on the Table of the House.

(f) No.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(g) The matter is under consideration.

(h) Yes.

Part (b)

Statement showing the number of cases referred to Sub Divisional Officers (Civil) alongwith the amount of special charges proposed by the Irrigation Department.

Sr. No.	District	No. of Cases	Amount (Rs.)
1.	Hoshiarpur	2	972
2.	Ludhiana	30	2,683
3.	Sangrur	1829	2,68,081
4.	Bhatinda	1024	5,23,955
5.	Ferozepore	1618	27,16,409
6.	Jullundur	44	3,344
7.	Kapurthala	Nil	—
8.	Gurdaspur	106	25,841
9.	Ropar	3	54
10.	Patiala	1245	1,28,360
11.	Amritsar	158	1,13,855

Part (c) & (d)

Statement showing the number of cases decided, approved and rejected alongwith amount of Special Charges.

District	Cases Decided	Cases approved		Cases Rejected	
		No.	Amount Rs.	No.	Amount Rs.
1	2	3	4	5	6
Hoshiarpur	—	—	—	—	—
Ludhiana	6	4	71	2	36
Sangrur	1149	924	57915	225	52319
Bhatinda	174	138	30947	36	3806
Ferozepore	180	177	86235	3	4172
Jullundur	7	7	339	—	—
Kapurthala	—	—	—	—	—
Gurdaspur	26	23	8856	3	210
Ropar	—	—	—	—	—
Patiala	258	206	15034	52	3070
Amritsar	12	11	1205	1	1962

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Irrigation & Power Minister]

Part (e)

Statement showing the number of pending cases and the amount of proposed Special charges.

S. No.	District	Total No. of pending cases	Amount Rs.	Cases pending more than Months.						
				6	9	12	15	18	21	24
1	2	3	4	5						
1.	Hoshiarpur	2	972	—	2	—	—	—	—	—
2.	Ludhiana	24	2,576	8	4	11	1	—	—	—
3.	Sangrur	680	1,58,305	295	91	—	47	70	30	147
4.	Bhatinda	[illegible]50	4,88,742	165	246	12	117	41	79	190
5.	Ferozepore	1438	26,26,011	310	14	181	80	96	87	670
6.	Jullundur	37	3,005	—	12	10	5	10	—	—
7.	Kapurthala	—	—	—	—	—	—	—	—	—
8.	Gurdaspur	68	16,775	34	6	2	12	9	5	—
9.	Ropar	3	—	—	--	3	—	—	—	—
10.	Patiala	987	93,349	181	141	166	59	18	40	382
11.	Amritsar	146	1,10,688	66	7	17	7	49	—	—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

HEAD CLERKS OF THE DISTRICT AGRICULTURAL OFFICE, PATIALA AND OF THE OFFICE OF SUPERINTENDENT, BARANDARI GARDENS, PATIALA.

*1740. (C. U.) **Chaudhri Ram Singh :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state :

(a) the names of the Head Clerks of the District Agricultural Office, posted at present at Patiala and of the Office of the Superintendent Horticulture Baran Dari Garden, Patiala alongwith the period for which each one of them has been at Patiala.

(b) whether any orders were passed by Government not to post them at Patiala; if so, the reasons for which these orders have not been complied with ?

Agriculture Minister :

(a)

Name of the Head Clerk posted at present at Patiala.	Name of the Office.	Total Service.	Total stay at Patiala
1. Sh. Baij Nath.	District Agricultural Office, Patiala.	31 Years.	About 25 years.
2. Sh. Hardial Singh.	Horticulture Development Officer, Patiala.	26 Years.	About 18 years.

(b) No please;
the question does not arise.

[(ੲ)

ਇਸ ਵੇਲੇ ਪਟਿਆਲਾ ਨਿਯੁਕਤ ਹੋਏ ਹੈਡ ਕਲੱਰਕ ਦਾ ਨਾਂ	ਦਫਤਰ ਦਾ ਨਾਂ	ਕੁਲ ਸੇਵਾ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਕੁਲ ਪਟਿਆਲਾ ਦੀ ਸੱਟੇ ।
1. ਸ੍ਰੀ ਬੈਜ ਨਾਥ	ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਫਸਰ ਪਟਿਆਲਾ ।	31 ਸਾਲ	ਲਗਭਗ 25 ਸਾਲ
2. ਸ੍ਰੀ ਹਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ	ਹਾਰਟੀਕਲਚਰ ਵਿਕਾਸ ਅਫਸਰ ਪਟਿਆਲਾ ।	26 ਸਾਲ	ਲਗਭਗ 18 ਸਾਲ

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ, ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਜੀ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

DEPUTY DIRECTORS/ASSISTANT DIRECTORS IN THE HEALTH DIRECTORATE, PUNJAB

*1741. (C. U.) **Sardar Santokh Singh Randhawa** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :

(a) the names of the Deputy Directors and Assistant Directors posted in the Health Directorate at present together with the dates since when they are posted there;

(b) whether there is any officer from amongst them who has not been posted in a district headquarters during the last ten years;

(c) whether these officers are considered for promotions in the absence of their field experience;

(d) whether there is any proposal under the consideration of the Government to transfer these officers to the district headquarters in the near future ?

Minister of State for Industries and Health : (a) List attached.

(b) Yes.

(c) These Officers are considered for promotion on seniority-cum-merit basis.

(d) Transfers are ordered as and when considered necessary.

[(ਏ) ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਨਥੀ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਜੀ ਹਾਂ ।

(ਸੀ) ਇਹਨਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਦੀ ਪਰਮੋਸ਼ਨ ਸੀ.ਨੀਆਰਟੀ ਕੰਮ ਮੈਰਿਟ ਤੇ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਡੀ) ਤਬਦੀਲੀਆਂ, ਜਦ ਜ਼ਰੂਰਤ ਸਮਝੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ।]

LIST

	Name & Designation	Date from which posted at the Health Directorate.
	Deputy Directors.	
1.	Dr. Sohan Singh Deputy Director (Medical)	3.9.1966.
2.	Dr. Harkishan Singh, Deputy Director (ESI)	22.11.65 to 27.5.1968. from 28.3.1969 onward.
3.	Dr. Sohan Singh Sekhon, Deputy Director (PFD).	6.2.68 to 28.7.1969 29.9.69 onward.
4.	Dr. Mrs. H. Dhillon Deputy Director (FR & MCW)	11.10.1948 to 31.3.55. As Inspectress (MCW) 1.4.1955 to 13.3.1963As Assistant Director (MCW)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		14.3.1963 onward. As Deputy Director (MCW & FP)
5.	Dr. Harnarian Singh	15.1.1958 to 11.10.1961 As Officer on Special Duty (Planning-DMOH Scale)
		12.11.1961 to 22.5.62 As Assistant Director (High Education).
		23.5.1962 to 31.10.66 As Assistant Director (Hdqrs)
		1.11.1966 to 10.7 67 As Assistant Director (F.P.)
		11.7.1967 on onward As Deputy Director (PH & Epi) in his own scale of pay of Asstt. Director.

Assistant Directors.

1. Dr. J.S. Sarkaria, Asstt. Director (Training) 9.9.1963 onward.
2. Dr. Kartar Singh Grewal, Asstt. Director (Planning) 24.4.1968 onward.
3. Dr. Jagjit Singh Asstt. Director (H.E. & Nut) 13.7.67 onward.
4. Dr. Mrs. S.K. Khosla. 5.5.1970. onward

———

BEATING OF A CLERK IN THE OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER MAJITHA DIVISION, AMRITSAR

*1751. (C.U.) **Comrade Dana Ram** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether it has come to the notice of the Govt. that a clerk in the office of Sh. J. S. Bajwa, XEN, Majitha Division, Amritsar was beaten/manhandled/slapped by an Officer during the month of October, 1969, if so, the action taken/proposed to be taken by the Govt. in the matter ?

Irrigation & Power Minister : Shri Raj Kumar Sharma, Secretary Action Committee, Canal Offices, Amritsar in a telegram dated 13.10.69 alleged beating of Shri Karnail Singh, Reader by Shri J.S. Bajwa, XEN Majitha Division, Amritsar. On enquiry the allegation was found to be baseless.

[ਸ੍ਰੀ ਰਾਜ ਕੁਮਾਰ ਸ਼ਰਮਾ, ਸਕੱਤਰ, ਐਕਸ਼ਨ ਕਮੇਟੀ, ਕੈਨਾਲ ਆਫਿਸਿਜ਼, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨੇ ਤਾਰ ਮਿਤੀ 13-10-69 ਰਾਹੀਂ ਸ੍ਰੀ ਜੇ. ਐਸ. ਬਾਜਵਾ ਕਾਰਜਕਾਰੀ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਮਜੀਠਾ ਮੰਡਲ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਲੋਂ ਸ੍ਰੀ ਕਰਨੈਲ ਸਿੰਘ ਰੀਡਰ ਨੂੰ ਮਾਰ ਪਿਟ ਕਰਨ ਦਾ ਦੋਸ਼ ਲਗਾਇਆ ਸੀ। ਇਨਕੁਆਰੀ ਕਰਨ ਤੇ ਦੋਸ਼ ਨਿਰਾਧਾਰ ਸਾਬਤ ਹੋਏ।]

———

HOSPITALS AND DISPENSARIES IN THE STATE

*1754. (C U.) **Sardar Santokh Singh Randhawa** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

[Sardar Santokh Singh Randhawa]

(a) the total number of hospitals and dispensaries in the State at present ;

(b) the number of Medical Officers sanctioned for each hospital/dispensary ;

(c) the number of Medical Officers posted against the sanctioned posts in each hospital/dispensary ;

(d) the number of hospital/dispensaries without doctors at present together with the date since when these are without doctors in each case.

(e) the steps taken to remove the shortage of doctors ?

Minister of State for Health : 408.

(b) to (e) Necessary information is contained in the enclosed statement.

[(ੲ) 408

(ਬੀ) ਤੇ (ਈ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਨੱਥੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰਾਂ ਵਿਚ ਦਰਸਾਈ ਗਈ ਹੈ।

ANNEXURE I

LIST OF HOSPITALS AND DISPENSARIES IN THE STATE OF PUNJAB

S. No.	Name of Hospital/Dispensary	Number of M.O. Sanctioned	No. of M.O. Posted
	Rupar District		
1.	C. H. Rupar	4	4
2.	P. H. C. Kharar	2	1
3.	,, Bhartgarh	3	3
4.	,, Chamkaur Sahib	3	3
5.	,, Boothgarh	3	2
6.	,, Anandpur Sahib	2	2
7.	,, Nurpur Bedi	3	2
8.	,, C. D. Landran	1	1
9.	,, Purkhali	1	1
10.	,, R. D. Morinda	1	1
11.	Canal Dispensary Morinda	1	1
12.	R. D. Kurali	1	1
13.	C. D. Paharpur Simla	1	1
14.	,, Sehjowal	1	1
15.	,, Jhandian	1	1
16.	E. S. I. Dispensary, Kharar	1	1
17.	B. M. B. Dispensary, Gangowal	1	1
18.	—do— Kotla	1	1
19.	Canal Hospital Nangal	6	5

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

20.	Canal Dispensary Bhakra	1	1
	Ludhiana Distt.		
21.	C. H. Ludhiana	6	4
22.	City Dispensary Ludhiana	1	1
23.	Model Town Dispensary Ludhiana	1	1
24.	Jail Hospital Ludhiana	1	1
25.	Canal Dispensary Ludhiana	1	1
26.	Police Hospital LDH.	1	1
27.	E. S. I. Hospital, Ludhiana	7	6
28.	P. H. C. Sidhwan Bet	3	2
29.	,, Gursar Sadhar	3	3
30.	P. H. C. Machhiwara	3	2
31.	P. H. C. Samrala	3	3
32.	,, Sahnewal	2	2
33.	,, Hathur	2	2
34.	,, Hambran	2	1
35.	,, Malaudh	2	1
36.	,, Kum Kalan	3	2
37.	,, Pakhowal	2	2
38.	,, Payal	3	2
39.	C. H. Jagraon	1	1
40.	C. H. Khanna	1	1
41.	Womens Dispensary Khanna	1	1
42.	C. D. Raikot	1	1
43.	,, Doraha	1	1
44.	Canal Dispensary Rampur	1	—
45.	R. D. Nurpur Bet	1	1
46.	R. D. Halwara	1	1
47.	,, Gujjarwal	1	1
48.	,, Issu	1	1
49.	,, Katani Kalan	1	—
50.	,, Rauni	1	1
51.	,, Sehar	1	1
52.	,, Kariana Kalan	1	1
53.	C. D. Dakhe	1	1
54.	E. S. I. Dispensary Khanna	1	1
55.	C. D. Delhon	1	1
	Patiala District		
56.	Rajindra Hospital Patiala	3	3
57.	T. B. Centre Patiala	7	7
58.	L. D. H. Patiala	9	9
59.	Touring Dispensary Patiala	1	1
60.	Central Jail Hospital Patiala	2	2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

61.	Govt. College of Physical Education, Patiala	1	1
62.	Canal Dispensary Patiala	1	1
63.	City Dispensary Patiala	1	1
64.	Handley Female Dispensary Patiala	1	1
65.	C. D. Raghomajra	1	1
66.	Model Town Dispensary Patiala	1	1
67.	R. D. Tripuri	1	1
68.	B. S. I. Dispensary Patiala	2	2
69.	P. H. C. Bhadson	4	4
70.	,, Ajnoda	2	1
71.	,, Sauja	2	2
72.	,, Ghjaruan	4	3
73.	,, Harpalpur	3	2
74.	,, Kauli	3	2
75.	,, Chinarthal Kalan	3	2
76.	,, Dera Bassi	3	3
77.	,, Shutrana	3	2
78.	,, Kalomajra	2	2
79.	,, Dudan Sadan	2	1
80.	C. H. Nabha	4	3
81.	Distt. Jail, Nabha	1	1
82.	E. S. I. Dispensary Nabha	1	1
83.	C. H. Rajpura	4	4
84.	E. S. I. Dispensary Rajpura	2	2
85.	C. H. Bassi Pathana	2	2
86.	C. H. Mandi Gobindgarh	3	3
87.	E. S. I. Dispensary —do—	2	2
88.	C. H. Amloh	1	1
89.	C. H. Samama	2	2
90.	C. D. Sirhind	1	[illegible]
91.	E. S. I. Dispensary Sirhind	1	1
92.	R. D. Nandpur Kalan	1	1
93.	,, Kularan	1	1
94.	,, Fatehgarh Sahib	1	1
95.	,, Kalyan	1	1
96.	R. D. Banoor	1	1
97.	,, Gharaur	1	1
98.	,, Sanaur	1	1
99.	,, Lalru	1	1
100.	,, Bahadurgarh Fort	1	1
101.	,, Tanda Bada	1	1
102.	,, Antala	1	1
103.	,, Balbera	1	—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

	Sangrur District		
104.	C. H. Sangrur	11	8
105.	Distt. Jail, Sangrur	1	1
106.	P. H. C. Sherpur	3	2
107.	P. H. C. Mahal Kalan	3	2
108.	,, Amargarh	3	3
109.	,, Tapa	3	3
110.	,, Longowal	3	3
111.	,, Bhawanigarh	3	2
112.	,, Kauhrian	3	—
113.	,, Moonak	3	3
114.	,, Dhanaula	3	3
115.	C. H. Barnala	1	2
116.	C. H. Malerkotla	1	1
117.	E. S. I. Dispensary Malerkotla	1	1
118.	C. H. Dhuri	2	2
119.	,, Sunam	2	2
120.	T. B. Hospital, Hermitage	2	1
121.	R. D. Bhullerheri	1	1
122.	,, Fatehgarh	1	—
123.	,, Tailewal	1	1
124.	,, Lohat Badi	1	—
125.	,, Herike	1	1
126.	,, Bhadaur	1	1
127.	C. D. Ahmedgarh	1	1
128.	,, Mastuana	1	1
129.	C. D. Hadiaya	1	1
130.	,, Lehragaga	1	1
131.	,, Shaina	1	1
132.	Cananal Dispensary Ladda	1	—
133.	,, Harigarh	1	1
134.	,, Dayalpur	1	1
135.	C. D. Andana	1	—
136.	,, Shadiheri	1	—
137.	,, Chananwal	1	1
138.	,, Saron	1	1
	Bhatinda District		
139.	C. H. Bhatinda	10	9
140.	Distt. Jail Hospital Bhatinda	1	1
141.	Canal Dispensary Bhatinda	1	—
142.	P. H. C Bajekhana	3	1

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Health]

143.	P.H.C. Talwandi Sabo	3	3
144.	,, Bhagta	3	2
145.	,, Sangat	3	1
146.	,, Budhaladha	3	3
147.	,, Panjgrain Kalan	3	3
148.	,, Sardoolgarh	3	2
149.	,, Balianwali	3	3
150.	P. H. C. Goniana	2	2
151.	,, Jand Sahib	2	2
152.	,, Nathana	3	2
153.	,, Khiala Kalan	2	1
154.	C. H. Faridkot	4	3
155.	,, Kotkapura	3	3
156.	,, Mansa	3	3
157.	,, Jaitu	2	1
158.	,, Mandi Phul	2	2
159.	C. D. Phul	1	1
160.	Canal Di pensary Dhapai	1	1
161.	B. I. & J. Jail Faridkot	1	1
162.	R. D. Sadiq	1	1
163.	,, Bhai Rupa	1	1
164.	,, Kahngarh	1	1
165.	C. D. Raman	1	1
166.	C. D. Maur	1	1
167.	,, Mehraj	1	1
168.	,, Bareta	1	1
169.	,, Bhikhi	[illegible]	1
170.	,, Behma Swai	1	1
171.	,, Golewala	1	1
172.	,, Boha	1	1
173.	C. D. Buchomandi	1	1
174.	,, Nangal Kalan	1	1
175.	,, Sekhu	1	—

Kapurthala Distt.

176.	C. H. Kapurthala	10	8
177.	Town Dispensary Kapurthala	1	1
178.	E. S. I. Dispensary Kapurthala	2	2
179.	P. H. C. Dhilwan	3	2
180.	,, Bholath	3	2
181.	,, Begowal	2	1
182.	,, Panchhat	3	2
183.	,, Kalasanghian	3	2
184.	,, Tibba	3	2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pan

185.	C.H. Phagwara	3	3
186.	C.H. Sultanpur Lodhi	2	2
187.	E.S.I. Dispensary Phagwara	34	34
188.	R. D. Dhaliwal	1	1
189.	R. D. Talwandi Chaudhrian	1	1
190.	,, Nadala	1	1
191.	,, Bhula Rai	1	1
192.	,, Jabwal	1	1
193.	R. D. Domeli	1	1
	Hoshiarpur Distt.		
194.	C. H. Hoshiarpur	11	10
195.	Police Hospital Hoshiarpur	1	1
196.	P. H. C. Bhung	3	2
197.	,, Paldi	3	3
198.	,, Garhshankar	3	3
199.	,, Balachaur	3	2
200.	,, Dasuya	3	2
201.	,, Jaijon	2	1
202.	,, Hajipur	3	1
203.	,, Tanda	2	2
204.	,, Sarsoya	2	2
205.	,, Chakowal	2	2
206.	,, Bhudhabar	3	2
207.	,, Hart Badla	3	2
208.	P. R. T. C. Jehan Khelan	1	1
209.	P. H. C. Mahilpur	2	1
210.	C. D. Miani	1	1
211.	C. H. Mukerian	1	1
212.	C. D. Sham Churasi	1	1
213.	C. D. Behbalpur	1	1
214.	,, Hariana	1	1
215.	,, R. D. Sahiba	1	—
216.	,, Garhimansowal	1	—
217.	,, Baddon	1	—
218.	,, Badla	1	—
219.	R. D. Naru Nangal	1	1
220.	R. D. Janauri	1	—
221.	,, Bhambotar	1	—
222.	R. D. Rampur Haler	1	—
223.	,, Garhdiwala	1	1
224.	Canal Hospital Talwara	9	9
225.	Canal Dispensary Sansarpur	1	1
226.	Canal Hospital SunderNagar	5	4
227.	Canal Dispensary Pandhoh	2	2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Health]

228.	Canal Dispensary Slappar	1	1
	Jullundur Distt.		
229.	C. H. Jullundur	14	12
230.	Distt. Jail Jullundur	1	1
231.	Sports College Jullundur	1	1
232.	P. A. P. Hospital Jullundur Cantt.	1	1
233.	P. H. U. Bilga	3	2
234.	,, Shahkot	3	2
235.	P. H. C. Mazaffarpur	3	1
236.	P. H. C. Banga	2	2
237.	,, Jandiala	3	2
238.	,, Mehatpur	3	2
239.	,, Kala Bakra	3	2
240.	,, Kartapur	3	2
241.	,, Jamsher Khas	2	2
242.	,, Mokandpur	3	3
243.	,, Adampur	2	2
244.	,, Sujjon	2	—
245.	P. H. C. Barapind	3	3
246.	C. H. Nakodar	2	2
247.	,, Phillaur	2	2
248.	Police Training School Phillaur	1	1
249.	E. S. I. Dispensary Phillaur	1	1
250.	,, ,, Goraya	1	1
251.	C. H. Nawanshahr	3	3
252.	M. C. W. Centre, Nawanshahr	1	1
253.	Canal Dispensary Nawanshahr	1	1
254.	R. D. Talwan	1	—
255.	R. D. Shankar	1	1
256.	C. D. Rahon	1	1
257.	R. D. Aur	1	1
258.	C. D. Nurmahl	1	1
259.	,, Rurka Kalan	1	1
260.	,, Jadla	1	1
261.	,, Kamam	1	—
262.	,, Pharala	1	1
263.	,, Bhogpur	1	1
264.	,, Lohian Khas	1	1
	Ferozepur Distt.		
265.	C. H. Ferozepur	5	4
266.	Canal Dispensary Ferozepur	1	—
267.	Central Jail Ferozepur	2	2
268.	Police Hospital Ferozepur	1	1

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pan

269.	P. H. C. Patto Hira Singh	2	2
270.	,, Chak Sherewala	3	2
271.	,, Khuikhera	3	2
272.	,, Dhudike	3	3
273.	,, Kassoana	3	2
274.	,, Thathi Bhai	3	1
275.	,, Doroli Bhai	3	2
276.	,, Kot Ise Khan	3	3
277.	,, Mamdot	3	2
278.	P. H. C. Ferozeshah	3	2
279.	,, Jandwala Bhimashah	3	1
280.	P. H. C. Guru Harsahai	3	2
281.	,, Doda	3	1
282.	,, Sitto Gunno	3	1
283.	,, Lambi	3	1
284.	,, Alamwala	2	1
285.	,, Dabwala Kalan	2	1
286.	,, Lopon	1	1
287.	C. H. Fazilka	3	3
288.	M. D. Hospital Moga	8	8
289.	C. H. Gidderbaha	3	2
290.	C. H. Abohar	2	1
291.	Maternity Hospital, Abohar	1	1
292.	C. E. S. I. Dispensary Abohar	1	1
293.	C. H. Muktsar	1	1
294.	C. H. Jalalabad	1	1
295.	,, Malaut	1	1
296.	,, Mata Rami Devi Maternity Hospital, Malaut	1	1
297.	R. D. Mallanwala	1	1
298.	,, Makhu	1	1
299.	R. D. Kokri Kalan	1	1
300.	,, Lakhewali	1	1
301.	,, Kanianwali	1	1
302.	,, Sohangarh	1	1
303.	,, Waryam Khera	1	1
304.	,, Ladhuke	1	—
305.	,, Ram Nagar	1	1
3 6.	,, Labbochar Kalan	1	1
307.	R. D. Sarawan	1	1
308.	,, Mudki	1	—
309.	,, Panjkosi	1	1
310.	C. D. Dharamkot	1	1
311.	,, Chirak	1	1

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Health]

312.	C.D. Fatehgarh	1	1
313.	,, Guru Tegh Bahadur	1	1
314.	,, Manuke	1	1
315.	,, Baghapurana	1	1
316.	,, Zira	1	1
317.	,, Badal	2	2
318.	,, Singhewala	1	1
319.	,, Badini Kalan	1	1
	Amritsar Distt.		
320.	V. J. Hospital Amritsar	8	7
321.	T. B. Sanatorium Amritsar	4	4
322.	Dental College & Hospital	1	1
323.	Central Jail Amritsar	2	2
324.	Police Hospital Amritsar	1	1
325.	City Dispensary Dhab Tilli Bhanda Amritsar	1	1
326.	New City Dispensary Amritsar	1	1
327.	Old City Dispensary, Dhabwasti Ram, Amritsar	1	1
328.	E. S. I. Hospital, Amritsar	11	10
329.	Pb. Mental Hospital Amritsar	11	9
330.	P. H. C. Ramdas	3	1
331.	,, Kairon	3	3
332.	,, Naushehra Panwan	2	1
333.	,, Sirhali	3	2
334.	,, Mianiwind	3	2
335.	,, Fatehabad	2	2
336.	,, SurSingh	3	2
337.	,, Charyala	3	1
338.	,, Tarsikka	3	1
339.	,, Lopoke	3	2
340.	,, Baba Baka	3	1
341.	,, Rajoke	3	1
342.	,, Chabal	2	2
343.	,, Theriewal	2	2
344.	,, Mananwala	2	2
345.	,, Verka	5	5
346.	,, Kasel	3	2
347.	C. D. Majitha	1	1
348.	C. H. Ajnala	2	1
349.	C. D. Khalra	1	1
350.	,, Mehta	1	1

Ori nal with;
Pun ab Vidhan Sabha
Dig ized by;
Pan

351.	C. D. Tarn Taran	2	2
352.	C. C. Attari	1	1
353.	C. D. Janian	1	1
354.	C. D. Jandiala Guru	1	1
355.	R. D. Raja Sansi	1	1
356.	R. D. Chawinda Devi	1	1
357.	,, Sarangdev	1	1
358.	,, Algon	1	1
359.	,, Khem Karan	1	—
360.	,, Thoba	1	1
361.	,, Vachhoa	1	1
362.	,, Jasraur	1	1
363.	,, Subhra	1	1
364.	,, Bu.ala	1	1
365.	,, Jalalabad	1	1
366.	,, Sohal Thathi	1	—
367.	,, Mohleke	1	1
368.	,, Bhindi Aulakh	1	—
369.	,, Chaharpur	1	—
370.	Mari Mehga	1	—
371.	C. D. Patti	1	1
372.	,, Asal Autar	1	1
	Gurdaspur Distt.		
373.	C. H. Gurdaspur	11	10
374.	Distt. Jail Gurdaspur	1	1
375.	P. A. P. Hospital, Gurdaspur	1	1
376.	P. H. C. Gharota	3	1
377.	,, Mand	3	2
378.	,, NarotJaimal Singh	3	2
379.	,, Bham	2	1
380.	,, Fatehgarh Churian	2	1
381.	,, Gandeke Chone	3	3
382.	,, Ranjit Bagh	2	1
383.	,, Nausheir Majha Singh	2	1
384.	,, Kahnuwan	2	2
385.	P. H. C. Dhianpur	2	1
386.	,, Bungal Bhadani	2	1
387.	,, Dorangla	3	1
388.	C. H. Batala	3	3
389.	Womens Dispensary Batala	1	1
390.	C. H. Pathankot	4	3
391.	C. D. Dina Nagar	1	1
392.	,, Villa Teja	1	—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Health]

393.	C. D. Dunera	1	1
394.	,, Kalanaur	1	1
395.	,, Madhopur	1	1
396.	,, Aliwal	1	1
397.	,, Shri Hargobindpur	1	1
398.	R. D. Singhpura	1	1
399.	,, Bhagowal	1	1
400.	,, Behrampur	1	1
401.	,, Ghaniake Bet	1	—
402.	,, Qadian	1	1
403.	,, Marrara	1	—
404.	C. D. Dera Baba Nanak	1	1
405.	,, Shahpur Kandi	1	1
406.	,, Bhumboli	1	1
407.	,, DharKalan	1	—
408.	E. S. I. Dispensary Dhariwal	3	3

ANNEXURE II

LIST OF HOSPITALS/DISPENSARIES TOTALLY WITHOUT DOCTORS

Sr. No.	Name of Hospital/Dispensary	Date from which vacant
	Ludhiana District	
1.	Canal Dispensary Rampur (Doraha)	7.8.70
2.	R. D. Katani Kalan	23.7.70
	Patiala District	
3.	R. D. Antala	7.68
	Sangrur District	
4.	P. H. C. Kauhrian	19.8.70
5.	R. D. Fatehgarh	7.9.70
6.	R. D. Lohot Badi	10.9.70
7.	Canal Dispensary Ladda	1.11.68
8.	R. D. Andana	5.67
9.	R. D. Shadiheri	11.5.70
	Bhatinda District	
10.	Canal Dispensary Bhatinda	22.8.61
11.	R. D. Sekhu	17.8.70
	Hoshiarpur District	
12.	R. D. Sahiba	11.7.69
13.	,, Garhimansowal	31.7. 68
14.	,, Baddon	3.9.70
15.	,, Badla	14.9.70
16.	,, Janauri	25.5.70

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

17.	R. D. Bhambotar	20.5.70
18.	,, Rampur Haler	3.68
19.	C. D. Miani	—
	Jullundur District	
20.	P. H. C. Sujjon	8.70
21.	R. D. Talwan	25.6.70
22.	,, Kaman	7.68
	Ferozepur District	
23.	(Mata Devi) Maternity Hospital Malaut	9.7.70
24.	R. D. Ladhuka	1.8.70
25.	,, Mudki	4.6.70
26.	Canal Dispensary Ferozepur	
	Amritsar District	
27.	R. D. Khem Karan	6.5.70
28.	,, Sohal Thathi	8.70.
29.	,, Bhindi Aulakh	1.2.61
30.	,, Chaharpur	1.2.61
31.	Women's Dispensary Mari Mehga	4.2.62
	Gurdaspur District	
32.	C. D Villa Teja	20.7.66
33.	R. D. Ghaniake Bet	7.5.70
34.	,, Marrara	1.7.67
35.	,, Dhar Kalan	5.70

ANNEXURE III

The following measures have been taken to remove the shortage of doctors :

1. Rural allowance has been sanctioned for doctors serving in Rural Areas as under :

(i) Assistant Medical Officer	(a)	MBBS	Rs. 75/- P. M.
	(b)	LSMF	Rs. 50/- P. M.
(ii) Medical Officer (PCMSII)			Rs. 100/- P. M.

2. Medical Officers (PCMSII) posted in P. H. C. are given option to either draw non-practising allowance of Rs. 33½/- P. M. or engage in private practice.

3. 10%posts of PCMSII have been upgraded to the higher-scale of Rs. 850—50—1250 meant for Senior Medical Officers, and also 10% Selection grade posts in the Scale of Rs. 700—1100.

4. 100 seats (50 in each of the Government Medical Colleges at Amritsar/Patiala) were increased in the MBBS Course w.e.f. 1963—64.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Health]

5. The Arya Medical School Ludhiana which used to admit 35 Candidates every year to LSMF Class has been upgraded to Degree Medical College and has arrangements for 50 MBBS seats. The first admission was made by this college in 1964.

6. With effect from the Year 1964 all licentiate doctors (LSMF) admitted to condensed MBBS course in Government Medical Colleges in Punjab State are required to execute bond to serve the State Government for a period of 3 Years after completing the course or in default to pay a sum of Rs. 10,000/- in terms of their bond.

7. (a) Doctors who join as Medical Officer in PCMSII with sufficient experience to their credit are granted one increment for every three years experience subject to a maximum of 5 increments.

(b) Candidates who join as Assistant Medical Officer after having done private practice before joining Government service are granted one increment for every Year of Private Practice subject to the maximum of three increments.

8. Candidates available for appointment to PCMSII are immediately recruited for 6 months in anticipation of their selection by the Punjab Public Service Commission.

Sd/-

Deputy Director(M)

for Director Health Services, Punjab.

INDUSTRIAL ESTATE LUDHIANA

*1762. (C.U.) **Shri Sardari Lal Kapur** : Will the Minister for Industries be pleased to state :

(a) the rate at which the land under the industrial Estate, Ludhiana, was acquired together with the area thereof in acres and the date when it was acquired.

(b) the actual cost of construction of all sheds, roads, sewerage, water works; in the said estate together with the extent of P.W.D. departmental charges;

(c) whether it is a fact that the Executive Engineer, P.W.D. vide his endorsement No. 18949 dated 1.8.1963 after completion of the said Estate, fixed prices according to actual expenditure in accordance with the original estimate, but the prices of the sheds were raised in 1967 by adding P.W.D. departmental charges first at the rate of 8% and then at the rate of 14% and several other expenses, if so, the reasons for putting unnecessary burden on the small-scale industries established in the said Estate;

(d) whether it is a fact that the Estate was completed in 1961, and the prices of the developed land in the first instance was about Rs. 5/-per sq. yard where-as now the allottees of Ludhiana Estate

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

are being charged more than 16 rupees per sq. yard and similar is the position in the case of construction charges;

(e) whether it is further a fact that the Industrial Estate Association have been making representations to the Government for the fixation of prices of the sheds according to the advice and directions of the Government of India.

(f) whether the Government proposes to appoint an officer of the PCS/IAS rank to refix the prices of the sheds in the said Estate keeping in view the difficultues of the units established in the said Estate, and find out the reasons for the inflated prices of the sheds.

(g) whether the Government has written to the Director of Industries Punjab, for withdrawal of the sale of the sheds to the allottees, if so, the reasons therefor ?

Industries Minister : The land was originally acquired for setting up Industrial Area 'B' in 1949 @ 65 Ps per sq. Yd. Out of this, an area of 26.2 acres lying vacant was earmarked for Industrial Estate in February, 1957. The cost of this land was charged at its book value of Rs. 15,430 per acre.

(b) The figures of expenditure incurred on the construction of sheds and on such amenities as Roads, Sewerage, Water Works etc. alongwith the Departmental charges by P.W.D. are given below.

(a)	Cost of construction of sheds.	Rs. 30,33,604/-
(b)	14% Departmental charges	Rs. 4,24,704/-
	Total	Rs. 34,58,308/-
	Cost of Roads, Sewerage and Water Works.	Rs. 4,13,481/-
	14% Departmental charges	57,888/-
	Total	Rs 4,71,369/-

(c) No. It was clearly mentioned in the letter written by the Executive Engineer, Ludhiana, Provincial Division to his Superintending Engineer, a copy of which was forwarded to the Asstt Director of Industries, Indus rial Estate, Ludhiana, vide his endorsement No.18949 dated 1.8.63 that the bills had not been finally paid and as such the amount of actual expenditure could not be supplied. The figures of cost of construction of sheds and development of land given in the said letter were specifically mentioned as approximate. The cost of sheds has been worked out on the basis of figures supplied by P.W.D, but on account of persistent representations by the Associatton of Industrialists of Industrial

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Industries Minister]

Estate, Ludhiana, the whole position is being re-examined to ascertain if the departmental charges have been levied twice.

(d) Yes. But it is incorrect to say that the cost of developed land was in the first instance fixed in the year 1961 at Rs. 5/- per sq yard. The cost of land was determined at Rs. 16.09 P. per sq. yard for the first time in the year 1968. The cost of construction as indicated in reply to part (b) of the question above was not raised.

(e) Yes.

(f) No.

(g) No.

PRODUCTION OF WHEAT ETC. IN GOVERNMENT AGRICULTURE SEED FARM GURDASPUR AND THANEWAL SEED FARM

*1768. (C. U.) **Sardar Santokh Singh Randhawa** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state :

(a) the production per acre of wheat, rice, toria in Government Agriculture Farm Gurdaspur and Thanewal Seed Farm;

(b) the cost of production per acre for wheat, rice toria in each of the said farms;

(c) whether the production has justified the cost; if not, the reasons therefor;

(d) whether in case of less yield the Government propose to hold an enquiry in the matter ?

Agriculture Minister : (a) 1968-69

Gurdaspur Farm.		Thanewal Farm.	
Crop	Yield Per Acre.	Crop	Yield Per acre.
1. Wheat S-308	10.04 (Quintal)	Wheat S-308	7.48 (Quintal)
2. Wheat Kalyan	9.30 ,,	Wheat Kalyan.	8.96 ,,
3. Paddy IR-8	14.35 ,,	Paddy IR-8	11.57 ,,
4. Toria.	1.55 ,,	Toria.	"Not sown"
		Basmati.	5.40 (Quintal)

Cost of Production per acre :

(b)

1. Wheat	Rs. 504/-
2. Paddy IR-8	Rs. 619/-
3. Toria.	Rs. 132/-
4. Basmati	Rs. 541/-

(c) Yes Sir, The yields are justified by the the cost in all other cases except in the case of Basmati at Thanewal and Toria at Gurdaspur Farm. The basmati crop at Thanewal Farm was damaged due to the water shortage at critical time of grain formation. In case

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

of Toria at Gurdaspur the crop was damaged by the Bihar Hairy Cotter Piller and by the shadow of high trees on the boundary line.

(d) The question dose not arise.

[(ੳ) ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਫਾਰਮ — ਬਾਨੇਵਾਲ ਫਾਰਮ

ਸਾਲ 1968-69

ਫਸਲ	ਝਾੜ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ	ਫਸਲ	ਝਾੜ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ
1. ਕਣਕ ਐਸ. 308	10.4 ਕੁਇੰਟਲ	1. ਕਣਕ ਐਸ. 308	7.48 ਕੁਇੰਟਲ
2. ਕਲਿਆਣ	9.30 ,,	2. ,, ਕਲਿਆਣ	8.96 ,,
3. ਧਾਨ ਆਈ.ਆਰ. 8	14.35 ,,	3. ਧਾਨ ਆਈ.ਆਰ 8	11.57 ,,
4. ਤੋਰੀਆ	1.55 ,,	4. ਤੋਰੀਆ	ਨਹੀਂ ਬੀਜਿਆ
		5. ਬਾਸਮਤੀ	5.40 ,,

(ਅ) 1. ਕਣਕ — 504/- ਰੁਪਏ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ
2. ਧਾਨ ਆਈ. ਆਰ. — 619/- ਰੁਪਏ ,,
3. ਤੋਰੀਆ — 132/- ਰੁਪਏ ,,
4. ਬਾਸਮਤੀ — 541/- ਰੁਪਏ ,,

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ। ਤਿੰਨਾਂ ਫਾਰਮਾਂ ਤੇ ਫਸਲਾਂ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦੀ ਰਕਮ ਖਰਚ ਨਾਲੋਂ ਵੱਧ ਸੀ। ਸਿਰਫ ਬਾਨੇਵਾਲ ਤੇ ਬਾਸਮਤੀ ਅਤੇ ਗੁਰਦਾਸਪਰ ਫਾਰਮ ਤੇ ਤੋਰੀਆ ਦੀ ਫਸਲ ਦੀ ਉਪਜ ਖਰਚ ਨਾਲੋਂ ਘੱਟ ਸੀ। ਬਾਨੇਵਾਲ ਫਾਰਮ ਤੇ ਬਾਸਮਤੀ ਦੀ ਫਸਲ ਪਾਣੀ ਵੇਲੇ ਸਿਰ ਨਾ ਮਿਲਣ ਕਰ ਕੇ ਉਪਜ ਘੱਟ ਹੋਈ ਸੀ ਅਤੇ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਫਾਰਮ ਤੇ ਤੋਰੀਆ ਦੀ ਫਸਲ ਨੂੰ ਭੂੱਬੂ ਕੁੱਤਾ ਵਾਲਾਂ ਵਾਲੀ ਸੁੰਡੀ) ਦਾ ਹਮਲਾ ਹੋਣ ਕਰ ਕੇ ਅਤੇ ਸੜਕ ਦੇ ਦਰਖਤਾਂ ਦੀ ਛਾਂ ਕਰ ਕੇ ਉਪਜ ਘੱਟ ਹੋਈ ਸੀ।

(ਸ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦਾ।]

WORKERS LAID OFF BY THE MANAGEMENT OF M/S HINDUSTAN EMBROIDERY MILLS (PRIVATE) LIMITED CHHEHARTA, (AMRITSAR)

*1769. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang :** Will the Minister for Finance be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a large number of workers have been laid-off by the Management of M/s Hindustan Embroidery Mills (Private) Limited, Chheharta (Amritsar) for the last one year or so;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, a month-wise statement showing the average daily number of workers laid-off since January, 1969, be laid on the Table of the House ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ਏ ਅਤੇ ਬੀ) ਜੀ ਹਾਂ। ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਨੱਥੀ ਹੈ।

ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ

ਲੜੀ ਨੰ:	ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਨਾਂ	ਜਬਰੀ ਛੁੱਟੀ ਭੇਜੇ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਕਾਮਿਆਂ ਦੀ ਔਸਤ ਗਿਣਤੀ
1	ਜਨਵਰੀ, 1969	5
2	ਫਰਵਰੀ	23
3	ਮਾਰਚ	—
4	ਅਪਰੈਲ	1
5	ਮਈ	6
6	ਜੂਨ	3
7	ਜੁਲਾਈ	7
8	ਅਗਸਤ	33
9	ਸਤੰਬਰ	25
10	ਅਕਤੂਬਰ	108
11	ਨਵੰਬਰ	137
12	ਦਸੰਬਰ	82
13	ਜਨਵਰੀ, 1970	26
14	ਫਰਵਰੀ	20

WORKERS EMPLOYED BY M/S HINDUSTAN EMBROIDERY MILLS (PRIVATE) LIMITED, CHHEHARTA, (AMRITSAR).

*1771. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Finance be pleased to :

(a) lay on the Table of the House a statement or statements giving the number of workers (engaged in production) employed by M/s Hindustan Embroidery Mills (Private) Ltd., Chheharta (Amritsar) for every day since 1-1-1969 upto 28-2-1970 as also the number of workers laid off on each of the days the same period;

(b) the reasons for this lay off;

(c) the action taken or proposed to be taken by the Government to ensure an end to this continuous lay off?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਨੱਥੀ ਹੈ।

(ਬੀ) ਮੈਨੇਜਮੈਂਟ ਦੀ ਰੀਪੋਰਟ ਅਨੁਸਾਰ ਵਾਈਂਡਿੰਗ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ, ਜਿਸ ਉਤੇ ਸਾਰੀ ਫੈਕਟਰੀ ਦੇ ਕੰਮ ਦਾ ਦਾਰੋਮਦਾਰ ਸੀ, ਦੇ ਕਾਮਿਆਂ ਵਲੋਂ ਸਲੋ-ਡਾਊਨ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਵਰਤਿਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਲਈ ਨੱਥੀ ਵਿਵਰਨ-ਪੱਤਰ ਵਿਚ ਦਰਸਾਏ ਕਾਮਿਆਂ ਨੂੰ ਜਬਰੀ ਛੁੱਟੀ ਦੇਣੀ ਪਈ।

(ਸੀ) ਇੰਡਸਟਰੀਅਲ ਡਿਸਪੀਊਟਸ ਐਕਟ, 1947 ਦੀ ਧਾਰਾ 12 (3) ਅਧੀਨ ਮਿਤੀ 30/12/1969 ਨੂੰ ਕਾਮਿਆਂ ਅਤੇ ਮੈਨੇਜਮੈਂਟ ਵਿਚਕਾਰ ਸਮਝੌਤਾ ਹੋ ਗਿਆ ਸੀ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Statement showing number of workers employed and laid off on each day during the period from 1-1-69 to 28-2-70.

INFORMATION REGARDING LAY OFF IN M/S HINDUSTAN EMBROIDERY MILLS (P) LTD, CHHEHARTA, AMRITSAR.

	JAN.69		FEB.69		MARCH,69		APRIL,69	
Date	On roll	L/O	On roll	L/O	On roll	L/O	On roll	L/O
1.	222	—	222	34	222	—	216	—
2.	222	—	222	34	Holiday	—	216	—
3.	Holiday	—	222	34	222	—	216	—
4.	222	—	222	29	222	—	Holiday	—
5.	222	—	222	29	220	—	216	—
6.	222	—	222	29	220	—	216	—
7.	222	—	222	35	Holiday	—	216	—
8.	222	—	222	35	222	—	216	—
9.	222	—	Holiday		220	—	216	—
10.	Holiday		222	35	220	—	216	—
11.	222	—	222	30	220	—	Holiday	—
12.	222	—	222	30	220	—	216	—
13.	222	—	222	30	220	—	Holiday	19
14.	222	—	Holiday		Holiday		216	—
15.	222	—	222	34	220	—	216	—
16.	222	3	222	40	220	—	216	—
17.	Holiday		222	37	216	—	216	—
18.	222	—	222	28	216	—	Holiday	—
19.	222	—	222	26	216	—	216	—
20.	222	—	222	26	216	—	216	—
21.	222	—	Holiday		Holiday		216	—
22.	222	—	222	—	216	—	216	—
23.	Holiday		222	—	216	—	216	—
24.	Holiday		222	—	216	—	216	—
25.	222	7	222	—	216	—	Holiday	—
26.	Holiday	—	222	—	216	—	216	—
27.	222	8	222	—	216	—	216	—
28.	222	35	222	—	Holiday	—	216	—
29.	222	32	—	—	216	—	216	—
30.	222	32	—	—	216	—	216	—
31.	Holiday		—	—	216	—		

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pan

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

MONTH WISE INFORMATION REGARDING LAY OFF IN M/S HINDUSTAN EMBROIDERY MILLS (P) LTD, CHHEHARTA, AMRITSAR.

	May, 1969		June, 1969		July, 1969		August, 69		September, 69	
Date	On roll	L/O	On roll	L/O	On roll	L/O	On roll	L/O	On roll	L/O
1.	Holiday	—	216	—	216	8	Holiday		207	36
2.	216	—	Holiday	—	216	9	216	29	207	38
3.	216	—	216	—	216	5	216	30	207	55
4.	216	—	216	—	Holiday		216	32	207	49
5.	Holiday	—	216	—	216	5	216	29	Holiday	
6.	216	--	216	—	216	1	216	29	207	37
7.	216	—	216	--	216	2	216	30	207	35
8.	216	—	216	—	216	3	Holiday		207	19
9.	Holiday	—	216	24	216	5	216	35	207	20
10.	216	—	216	—	216	—	216	34	207	21
11.	216	—	216	—	Holiday	—	216	32	207	22
12.	216	—	Holiday	—	216	9	207	34	207	29
13.	216	—	Holiday	—	216	29	207	31	206	25
14.	Holiday	—	216	—	216	6	207	32	Holiday	
15.	216	—	216	—	216	55	Holiday		203	22
16.	216	—	216	—	216	23	207	33	203	29
17.	216	—	216	—	216	19	207	35	203	30
18.	216	—	216	—	Holiday		207	36	203	28
19.	226	11	216	—	216	6	207	36	Holiday	—
20.	216	14	Holiday	—	216	4	207	41	203	29
21.	216	39	216	—	216	5	207	31	203	18
22.	216	36	216	—	216	5	Holiday	—	203	17
23.	Holiday		216	19	216	5	207	33	203	19
24.	216	19	216	—	216	1	207	36	203	16
25.	216	16	216	—	Holiday	—	207	29	202	15
26.	2'6	—	216	8	216	—	207	32	Holiday	
27.	216	—	Holiday	—	216	—	207	38	202	10
28.	216	—	216	10	216	6	207	31	201	12
29.	Holiday	—	216	10	216	6	Holiday		201	9
30.	216	—	216	8	216	1	207	37	197	10
31.	216	—	—	—	216	23	207	28	—	—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

MONTH WISE INFORMATION REGARDING LAY OFF IN (M) HINDUSTAN EMBROIDIDARY MILLIS (P) LTD. CHHEHARTA, AMRITSAR.

	October,69		Nov.69		Dec.69		Jan.70		Feb 70	
Dt.	On roll	L/O	On roll	L/O	On roll	L/O	On roll	L/O	On roll	L/O
1.	196	6	194	153	191	100	176	23	Holiday	
2.	Holiday		194	153	191	97	176	23	172	23
3.	Holiday		194	154	191	91	176	24	172	23
4.	196	5	194	155	191	94	Holiday		172	23
5.	196	8	194	154	176		175	26	172	23
6.	196	26	194	153	176	84	175	26	172	23
7.	196	13	Holiday		Holiday		175	27	172	23
8.	196	39	194	152	176	83	175	27	Holiday	
9.	196	65	Holiday		176	81	175	27	172	26
10.	Holiday		194	153	176	76	175	27	Holiday	
11.	196	81	194	150	176	70	Holiday		172	26
12.	196	137	194	151	176	80	175	26	172	25
13.	196	144	194	138	176	79	Holiday		172	25
14.	196	146	194	137	Holiday		175	26	172	25
15.	196	139	194	136	176	76	175	24	Holiday	
16.	196	135	Holiday		175	78	175	26	172	27
17.	Holiday		194	133	175	79	175	27	172	27
18.	196	138	193	135	175	78	Holiday		172	27
19.	196	139	192	132	172	73	175	26	172	27
20.	196	147	192	128	172	73	175	27	172	27
21.	196	144	192	123	Holiday		175	27	172	27
22.	195	146	Holiday		170	76	175	27	Holiday	
23.	195	141	Holiday		170	78	175	27	172	20
24.	Holiday		192	139	170	84	175	27	172	21
25.	195	149	192	129	170	86	Holiday		172	21
26	195	154	192	131	170	87	Holiday		Holiday	
27.	195	150	192	114	169	90	175	25	172	21
28.	195	150	192	99	Holiday		175	25	172	21
29.	195	151	192	96	169	80	175	25	—	—
30.	194	151	Holiday		167	83	175	25	—	—
31.	Holiday	—	—	—	167	80	175	25	—	—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

PANCHAYAT FUND OUTSTANDING AGAINST THE OUTGOING SARPANCHES OF TEHSIL PATTI DISTRICT AMRITSAR

*1822. **Sardar Kirpal Singh** : Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state :—

(a) The amount of Panchayat fund outstanding against each of the outgoing Sarpnaches, village-wise, in tehsil Patti, district Amritsar.

(b) the steps taken for the recovery of the said amount against each of the Sarpanches referred to in part (a) above together with the result thereof;

(c) whether some of the amounts have become time barred as a result of their non-recovery within a period of one year under the rules if so, a statement showing the details there of laid on the Table of the House.

(d) whether the Government propose to take some action against the officials as a result of whose negligence the said amounts were not recovered within time ;

Minister of State for Development and Panchayati Raj : (a) Statement I is laid on the Table of the House.

(b) Statement II is laid on the Table of the House.

(c) Question does not arise.

[(ਏ) ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ 1 ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ 11 ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਨਹੀਂ ।

(ਡੀ) ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ ।]

ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ ਨੰ: 1

(ਏ)

ਬਲਾਕ ਦਾ ਨਾਂ	ਪੰਚਾਇਤ ਦਾ ਨਾਂ	ਸਾਬਕਾ ਸਰਪੰਚ ਦਾ ਨਾਉਂ	ਰਕਮ ਜੋ ਵਸੂਲ ਹੋਣੀ ਸੀ
1. ਭਿੱਖੀ ਵਿੰਡ	ਅਲੱਗੋਂ	ਸ੍ਰੀ ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ	4634/- ਇਸ ਤੋਂ ਛੁੱਟ ਉਸ ਨੇ ਕੈਸ਼ ਬੁੱਕ ਅਤੇ ਕੈਸ਼ ਦਾ ਚਾਰਜ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ।
2. ਪੱਟੀ	(ੳ) ਸੀਰੇ ਨੌ ਆਬਾਦ	ਸ੍ਰੀ ਨਰਾਇਣ ਸਿੰਘ	7628-60 ਪੈਸੇ
	(ਅ) ਠੱਠਾ	ਸ੍ਰੀ ਹਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ	806-44 ,,
	(ੲ) ਮੱਖੀ ਕਲਾਂ	ਸ੍ਰੀ ਸੁੱਚਾ ਸਿੰਘ	2182-49 ,,
3. ਵਲਟੋਹਾ	ਮਨਾਵਾਂ	ਸ੍ਰੀ ਇੰਦਰ ਸਿੰਘ	3762-00 ,,
		ਜੋੜ	19013-53

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ ਨੰ: II

ਬਲਾਕ ਦਾ ਨਾਂ	ਕਾਰਵਾਈ ਜੋ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਸਿੱਟਾ
1. ਭਿੱਖੀ ਵਿੰਡ	ਵਸੂਲੀ ਲਈ ਨੋਟਿਸ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਤੇ ਕੇਸ ਪੁਲੀਸ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ, ਜੋ ਫਾਈਲ ਹੋ ਗਿਆ । ਕੋਈ ਵਸੂਲੀ ਨਾਂ ਹੋਈ ।
2. ਪੱਟੀ	ਪੈਰਾ 'ੲ' ਦੇ ਨੰ: 2 ਵਿੱਚ ਦਸੇ ਗਏ ਸਰਪੰਚਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ, ਪਰ ਅਜੇ ਤੱਕ ਵਸੂਲੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਅਤੇ (ੲ) ਵਿੱਚ ਦਸੇ ਗਏ ਸਰਪੰਚ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਜੇਰ ਧਾਰਾ 400 ਆਈ.ਪੀ.ਸੀ. ਥਾਣਾਂ ਭਿੱਖੀ ਵਿੰਡ ਵਿੱਚ ਕੇਸ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ, ਜਿਹੜਾ ਖਾਰਜ ਹੋ ਗਿਆ ਸੀ :
3. ਵਲਟੋਹਾ	ਕੇਸ ਰਜਿਸਟਰ ਕਰਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਪੰਚਾਇਤ ਅਫ਼ਸਰ ਨੂੰ ਬਲਾਕ ਵਲੋਂ ਨੰਬਰ 2432 ਮਿਤੀ 2/9/64 ਰਾਹੀਂ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਪਰ ਕੋਈ ਸ਼ਿੱਟਾ ਨਾ ਨਿਕਲਿਆ ।

ਇਨ੍ਹਾਂ ਤਿੰਨਾਂ ਬਲਾਕਾਂ ਦੇ ਸਰਪੰਚਾਂ ਤੋਂ ਰਕਮ ਦੀ ਵਸੂਲੀ ਲਈ ਉਪ-ਮੰਡਲ ਅਫ਼ਸਰ (ਸ) ਪੱਟੀ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਗਰਾਮ ਪੰਚਾਇਤ, ਐਕਟ 1952 ਦੀ ਧਾਰਾ 85 ਦੇ ਅਧੀਨ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਣ ਲਈ ਲਿਖ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

PRIORITY FOR TUBEWELL CONNECTIONS FOR THE EMPLOYEES OF CHIEF ELECTRICAL INSPECTORATE PUNJAB.

*1824. (C.U.) **Sardar Dalip Singh Pandhi** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether he is aware of the fact that the Punjab State Electricity Board granted priority for tube well connections to its employees and the employees of the Irrigation Department who were or had been employed on Bhakra Nangal Works, if so, the reasons therefor;

(b) whether he is further aware of the fact that the employees of the Chief Electrical Inspectorate, Punjab have been ignored for granting such a priority; if so, the reasons therefor;

(c) whether the employees of the said Inspectorate have represented to the Government against this discrimination and requested that this priority be given to them also, if so, the result of their representation;

(d) whether the Government propose to advise the Punjab State Electricity Board to remove this discrimination and allow similar priority to the employees of the Chief Electrical Inspectorate; if so, when ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Irrigation & Power Minister : (a) Yes. The concession had been allowed by P.S.E.B. keeping in view the services rendered by them to the Board.

(b) Yes, as the employees of Chief Electrical Inspectorate are not employees of the P.S.E.B. and have rendered no such service to the Board.

(c) Yes. The Chief Electrical Inspector suggested that this priority may be given not only to the employees of the Chief Electrical Inspectorate but also to the employees of the Irrigation and Power Secretariat as well.

(d) No. On the other hand, the Government has directed the Board to withdraw this concession from its employees also.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ। ਇਹ ਰਿਆਇਤ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸੇਵਾਵਾਂ ਬਦਲੇ ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਨੇ ਦਿੱਤੀ ਹੈ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ। ਕਿਉਂ ਜੋ ਚੀਫ਼ ਇਨਸਪੈਕਟੋਰੇਟ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨਹੀਂ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੋਰਡ ਦੀ ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਸੇਵਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ।

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ। ਮੁੱਖ ਬਿਜਲੀ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਨੇ ਸੁਝਾਉ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਰਿਵਾਇਤ ਨਾਂ ਕੇਵਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਸਗੋਂ ਸਕੱਤਰੇਤ ਦੇ ਸਿੰਜਾਈ/ਬਿਜਲੀ ਵਿਭਾਗ ਵਿੱਚ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ।

(ਸ) ਜੀ ਨਹੀਂ। ਸਗੋਂ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਤਾਂ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਇਹ ਰਿਆਇਤਾਂ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲਵੇ।]

SURPLUS LAND IN MUKERIAN AND TALWARA BLOCKS

*1828. (C.U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Revenue and Rehabilitation be pleased to state .—

(a) Whether it is a fact that surplus land has been allotted to the landless tenants;

(b) If the reply to part (a) above be in the affirmative, the criteria adopted for alloting such land and whether any priority is given in the matter of its allotment to any particular class of people:

(c) The total area of surplus land so far allotted in Mukerian and Talwara block together with the names of the allottees. the area allotted in each case and the names of villages in which they reside;

(d) the area of unallotted surplus land in the said blocks at present together with the reason for not allotting the same.

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : (ੳ) ਪੰਜਾਬ ਭੋਂ ਪੱਟੇਦਾਰੀ ਸੁਰਖਿਆ ਐਕਟ, 1953 ਦੀ ਧਾਰਾ 9,ਦੀ ਉਪ-ਧਾਰਾ (1) ਦੇ ਖੰਡ (1) ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਭੋਂ ਪੱਟੇਦਾਰੀ ਸੁਰਖਿਆ ਰੂਲਜ਼, 1956

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਦੇ ਭਾਗ 4 ਵਿਚ ਦੱਸੀ ਵਿਧੀ ਅਨੁਸਾਰ ਵਾਧੂ ਰਕਬਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਅਲਾਟ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਬੇਦਖਲ ਹੋਣ ਜਾਂ ਬੇਦਖਲ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਹੋਣ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਉਕਤ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਰੂਲ 18 ਸ਼ਡਿਊਲ 'ਸੀ' ਵਿੱਚ ਦੱਸੇ ਸਕੇਲ ਅਨੁਸਾਰ ਵਾਧੂ ਰਕਬੇ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਮੁਜ਼ਾਰਾ ਜ਼ਮੀਨ ਰਹਿਤ ਨਾ ਭੀ ਹੋਵੇ।

(ਬੀ) ਪੰਜਾਬ ਭੋਂ ਪੱਟੇ ਦਾਰੀ ਸੁਰਖਿਆ ਰੂਲਜ਼, 1956 ਦੇ ਰੂਲ 20 ਅਧੀਨ ਉਪਰੋਕਤ ਕੈਟਾਗਰੀ ਦੇ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਆਰਮਡ ਫੋਰਸਿਜ਼ ਦੇ ਰਿਟਾਇਰ ਹੋਏ ਜਾਂ ਸਾਬਕਾ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਵਾਧੂ ਰਕਬੇ ਤੇ ਮੁੜ ਵਸਾਉਣ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਬਾਕੀ ਸਾਰੀ ਕਿਸਮਾਂ ਦੇ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਬਾਕੀ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿਚ, ਉਪਰੋਕਤ ਐਕਟ ਦੇ ਲਾਗੂ ਹੋਣ ਸਮੇਂ ਦੇ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਦੀ ਵਾਧੂ ਰਕਬੇ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਪੂਰੀ ਹੋ ਜਾਣ ਉਪਰੰਤ, ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ 1963 ਵਿਚ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਵਿਚ ਤਰਜੀਹ ਦਾ ਆਰਡਰ ਮੁੱਖ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

(ਸੀ) ਦਸੂਹਾ ਤਹਿਸੀਲ ਦੇ ਮੁਕੇਰੀਆਂ ਅਤੇ ਤਲਵਾੜਾ ਬਲਾਕਾਂ ਵਿਚ ਹੁਣ ਤੱਕ 1049 ਸਟੈਂਡਰਡ ਏਕੜ ਅਤੇ 10 ਯੂਨਿਟ ਵਾਧੂ ਰਕਬਾਂ ਅਲਾਟ ਕੀਤਾ ਜਾ ਚੁੱਕਾ ਹੈ। ਲੋੜੀਂਦੇ ਵੇਰਵੇ ਸਬੰਧੀ ਸੂਚੀ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(ਡੀ) ਉਪਰੋਕਤ ਬਲਾਕਾਂ ਵਿਚ ਇਸ ਵੇਲੇ 28 ਸਟੈਂਡਰਡ ਏਕੜ ਵਾਧੂ ਰਕਬਾ ਅਲਾਟ ਹੋਣ ਤੋਂ ਪਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਵਾਧੂ ਰਕਬਾ ਵਰਤਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਐਪਲੈਟ/ਰਵੀਜ਼ਨਲ ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਲੋਂ ਸਟੇ-ਆਰਡਰ ਜਾਰੀ ਹੋਏ ਹੋਏ ਹਨ।

ਸੂਚੀ

ਲੜੀ	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਮਾਲਕ ਦਾ ਨਾਂ ਜਿਸ ਦੀ ਭੋਂ ਸਰਪਲਸ ਹੋਈ ਅਤੇ ਪਿਤਾ ਦਾ ਨਾਂ	ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਰਪਲਸ ਰਕਬਾ ਅਲਾਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਦਾ ਨਾਂ ਤੇ ਪਿਤਾ ਦਾ ਨਾਂ ਅਤੇ ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ		ਰਕਬਾ ਅਲਾਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ	ਕੈਫੀਅਤ
	ਬੱਦਾ ਪੜ	ਅਮਰ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਗੰਗਾ ਰਾਮ	1. ਰੁਲੀਆ ਪੁੱਤਰ ਅੱਛਰੂ	ਪਿੰਡ ਬੱਦਾ ਬੜ	2-3 1/2	
			2. ਤੁਲਸੀ ਪੁੱਤਰ ਤਾਬਾ	,, ,,	2-3 1/2	
			3. ਰੁਲੀਆ ਪੁੱਤਰ ਮੁਨਸ਼ੀ	,, ,,	2-3 3/4	
			4. ਹਰਨਾਮਦਾਸ ਪੁੱਤਰ ਭੋਲਾ	,, ,,	2-4 1/2	
			5. ਸੰਤੂ ਪੁੱਤਰ ਭਾਗਾ	,, ,,	2-4 1/2	

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

		6. ਸ਼ੰਕਰ ਪੁੱਤਰ ਭਾਗਾ ਪਿੰਡ ਬੁੱਢਾ ਬੜ	2-4 1/2
		7. ਅਮਰ ਸਿੰਘ ਚੂਹੜਾ ,, ,,	1-12 1/2
		8. ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਲਖਾ ,, ,,	2-5 1/2
		9. ਨਰਾਇਣ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਕਿਰਪਾ ਰਾਮ ,, ,,	2-7
		10. ਚੂਹੜ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਫਰੀਦ ,, ,,	2-8 1/2
		11. ਫਲੂ ਪੁਤਰ ਕਾਲੂ ,, ,,	2-13
		12. ਮੇਲੂ ਪੁੱਤਰ ਕਾਲੂ ,, ,,	2-13
		13. ਮੰਗੂ ਪੁੱਤਰ ਗੰਗੂ ,, ,,	1-15 1/2
			30-3 1/4
ਬੱਢਾ ਬੜ	ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਮਲੂਕਾ	ਤੁਲਸੀ-ਕਸ਼ਮੀਰੀ ਪਿਸਰਾਨ ਗੰਗੂ ਪਿੰਡ ਬੱਢਾ ਬੜ	5-1 1/4
ਲਲੋਤਾ	ਬਚਿੱਤਰ ਸਿੰਘ ਪੱਤਰ ਜੈਕਿਸ਼ਨ	1. ਮਹਿੰਗਾ, ਪੁੱਤਰ ਕਿਰਪਾ ਢੇਰੂ-ਰੱਖਾ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਲੱਛੂ ਹਿਸਾ ਬਰਾਬਰ ਪਿੰਡ ਸੱਘੋ ਕਤਰਾਲਾ	10-3/4
		2. ਮੁਨਸ਼ੀ ਪੱਤਰ ਪੁਤਰਲਲੋਤਾ ,, ,,	1 6
		3. ਅਮਰ ਪੁੱਤਰ ਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ,, ,,	2-0
		4. ਬਿਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਗੋਕਲ ਲਲੋਤਾ ,, ,,	2-1
		5. ਮੋਹਮੋਦ ਪੁੱਤਰ ਕਰਲੂ ਲਲੋਤਾ ,, ,,	2-8
			17-15 3/4
[illegible]	ਸ੍ਰੀ ਮਤੀ ਬਲਵੰਤ ਕੋਰ ਵਿਧਵਾ ਮੱਟ ਮਲ	1. ਸਰਨੋਂ ਪੁੱਤਰ ਕੇਛੂ ਪਿੰਡ ਸਰਆਣਾ	0-4/16
		2. ਰਖੋ ਪੁੱਤਰ ਕੇਸ਼ੂ ਪਿੰਡ ਹਾਜੀਪੁਰ	0-2/2
		3. ਰਾਮ ਰੱਖਾ-ਤੋਤਾ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਨੰਦਾ ਪਿੰਡ ਬੇਲਾ ਸਰਆਣਾ	0-3/4
		4. ਮੁਣਸ਼ੀ ਲਗੂ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਅਮਰੂ ਪਿੰਡ ਬੇਲਾ ਸਰਆਣਾ	0-3/4
		5. ਬਾਬੂ ਪੁੱਤਰ ਸੰਧੂ ਪਿੰਡ ਬੇਲਾ ਸਰਆਣਾ	0-3/4

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		6. ਗੁਰਦਿਤਾ ਪੁਤਰ ਸ਼ਗਾਰੂ ਪਿੰਡ ਬੇਲਾ ਸਰਆਣਾ	0-1/4
		7. ਅਮੀਚੰਦ ਪੁੱਤਰ ਖੁਸ਼ੀਆ ਪਿੰਡ ਬੇਲਾ ਸਰਆਣਾ	0-4
		8. ਕਰਮੋਂ ਪੁੱਤਰ ਸੰਗੂ ਪਿੰਡ ਬੇਲਾ ਸਰਆਣਾ	0-5
		9. ਹੁਕਮਾ-ਸਰਨਾ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਗਨੀਆਂ ਪਿੰਡ ਬੇਲਾ ਸਰਆਣਾ	0-8 1/2
		10. ਖੁਸ਼ੀਆ ਪੁੱਤਰ ਫਕੀਰ ਪਿੰਡ ਭੁੰਬਤਾੜ	1-1/2
		11. ਹੁਕਮਾ ਪੁੱਤਰ ਘਨੀਆਂ ਪਿੰਡ ਰਜਵਾਲ	3-4 1/2
		12. ਤੁਲਸੀ ਪੁੱਤਰ ਬਨੋ-ਸਰਨਾ ਪੁਤਰ ਬਾਬੂ ਪਿੰਡ ਰਕੜੀ	3-6
		13. ਬੂਆ-ਦੇਵੀ ਸਿੰਘ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਹਾਕੂ ਅੱਫਰੂ	0-3 1/2
		14- ਚੂਹੜਾ ਨਾਨਕੂ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਹਾਕੂ ਪਿੰਡ ਗੈਰਾ	0-8 1/2
		15. ਛੱਜੂ-ਗਲਜਾਰੀ	1-1
		16. ਪ੍ਰੀਤਮ ਪੁਤਰ ਪੋਲੂ ਪਿੰਡ ਉਲਹਾ	1-6
		17. ਸੰਤਾ-ਬੰਤਾ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਬੇਲੀ ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਭਾਗ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਗੈਰਾ	1-9 1/2
		18. ਲਭੂ ਜੈਸੀ ਪਿਸਰਾਨ ਪੂਰਨ ਗੈਰਾ	1-12 1/2
		19. ਗੁਰਦਿੱਤਾ ਪੁੱਤਰ ਸ਼ੰਗਾਰਾ ,,	2-13 1/2
		20. ਧੰਨੂੰ ਪੁੱਤਰ ਲੱਖੋ ,,	3-12
		21. ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਦੇਵੀਆਂ ਪਿੰਡ ਅਲਹੀ	3-1 1/4
		22. ਮਸਤੂ ਪੁੱਤਰ ਲੱਭੂ ,, ,,	0 8 1/4
		23. ਨੱਢੂ ਪੁੱਤਰ ਢੋਡਾਂ ,, ,,	0-12 3/4
		24. ਮਸਤੂ ਪੁੱਤਰ ਲਭੂ ਪਿੰਡ ਹੰਦਵਾਲ	0-8 1/4
		25. ਪ੍ਰੀਤਮ ਪੁੱਤਰ ਲਭੂ ,, ,,	0-11 1/2
		26. ਹੰਸਰਾਜ ਪੁੱਤਰ ਸੰਤੋਖ ,, ,,	0/12
		27. ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਲੱਢੂ ,, ,,	0-13 1/4
ਗੈਗ ਮਜਕੂਰ	ਬਲਵੰਤ ਕੌਰ ਮਜ਼ਕੂਰ	28. ਮਲਖੀ ਪੁੱਤਰ ਪਨੂੰ ਪਿੰਡ ਗੈਰਾ	0-11
		29. ਮੁਨਸ਼ੀ ਖੜਕੂ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਗੰਗੂ ,, ,,	0-11
		30. ਦੇਵੀ ਸਿੰਘ-ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਪਿੰਡ ਭਲੋ	0-11
		31. ਬਿਹਾਰੀ ਪੁੱਤਰ ਨਰਾਇਣ	0-11
		32. ਨਿਕੋਲੂ ਪੁਤਰ ਗੋਕਲ	0-12

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

		33.	ਸੰਤੂ ਪੁਤਰ ਸ਼ਿੰਗਾਰਾ		2-0
		34.	ਰੁਲਦੂ ਪੁਤਰ ਗੜੇਲੂ		0-11
		35.	ਅਮਰ ਨਾਥ ਪੁਤਰ ਭਗਤ ਰਾਮ		0-10 1/4
		36.	ਅਨੰਤ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਦੇਧੂ		2-4 1/4
		37.	ਭਗਤ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਸੁਟਜਣ		2-12
					38-1 1/16
ਬੱਢਾ ਬੜ	ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਗੁਰਦਾਸ ਰਾਮ	1.	ਪੰਨੂੰ ਪੁੱਤਰ ਕਰਲੂ	ਪਿੰਡ ਬੁੱਢਾ ਬੜ	3-6 3/4
		2.	ਜਲਿਆ ਪੁਤ ਖਸਿਆ ,,	,,	3-6 3/4
		3.	ਰੰਗਾ ਪੁੱਤਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ,,	,,	3-6
		4.	ਕੰਦਰ ਪੁਤਰ ਸਿਰੀਕੰਠ ,,	,,	3-7
		5.	ਤੁਲਸੀ ਕਸ਼ਮੀਰੀ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਗੰਗੂ	,,	3-7 1/2
		6.	ਮੇਲੂ ਪੁੱਤਰ ਮਾਲਾ ,,	,,	2-13
		7.	ਪਰਸਰਾਮ ਪੁਤਰ ਬੇਲੀ ,,	,,	3-6 1/2
		8.	ਕੇਲੋ ਪੁੱਤਰ ਪ੍ਰੇਮਾ ,,	,,	3-10 3/4
		9.	ਰਾਮ ਲਾਲ ਗੁਰਦਾਸ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਦੇਵੀ ਦਿਤਾ ,	,,	5-14 1/2
					32-8- 3/4
ਝੜੀਆ	ਖੁਸ਼ਾਲ ਚੰਦ ਪੁੱਤਰ ਨੱਥੂ ਰਾਮ	1.	ਊਧੋ ਪੁਤਰ ਬਾਰੂ	ਪਿੰਡ ਝੇੜੇੜੀਆਂ	3-6 1/2
		2.	ਬੀਰੂ ਪੁਤਰ ਰੁਲਦੂ ,,	,,	2-1
		3.	ਬੂਟਾ ਪੁੱਤਰ ਸੰਤੂ ,,	,,	1-13 1/4
		4.	ਰੁਲਦੂ ਪੁੱਤਰ ਖਸੀਆ ,,	,,	1-12 1/2
		5.	ਸਾਉਣ ਪੁਤਰ ਜੱਸੂ ,,	,,	0-5 3/4
		6.	ਖਸੀਆ ਪੁੱਤਰ ਨਿਹਾਲੂ ,,	,,	1-7 1/4
		7.	ਧਰਮ ਸਿੰਘ ਕਸ਼ਮੀਰ ਸਿੰਘ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਖੁਸ਼ਾਲ ਸਿੰਘ ,,	,,	3-6 1/2
		8.	ਜੈਸੀ ਪੁੱਤਰ ਸਰਦਾਰਾ		0-15 1/4
		9.	ਨਾਨਕ ਪੁੱਤਰ ਰਾਮ ਦਿੱਤਾ		0/15
		10.	ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬਚਿਤਰ ਸਿੰਘ		0-15
					17-2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਜੰਡਵਾਲ	ਦਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ	1.	ਦੁਰਗਾਦਾਸ ਪੁੱਤਰ ਅਨੰਤ ਰਾਮ	ਪਿੰਡ ਜੰਡਵਾਲ	0-15 1/4
		2.	ਕੇਸਰ ਪੁੱਤਰ ਕਾਂਸ਼ੀ	,, ,,	0-13 1/4
		3.	ਕਿਸ਼ਨਾ ਪੁੱਤਰ ਲੱਭੂ	,, ,,	0-13 1/4
		4.	ਸੁਰਮਾ ਪੱਤਰ ਗੁਰਦਿੱਤਾ	ਪਿੰਡ ਜਿਨਆਲ	0-3/4
		5.	ਸਰਨੂੰ ਪੁੱਤਰ ਭਗਤੂ	,, ,,	0-5 1/2
		6.	ਬੂਆਦਿਤਾ ਪੁੱਤਰ ਬੂਟਾ	,, ,,	0-8
		7.	ਗੋਬਿੰਦ ਪੁੱਤਰ ਕੇਸਰ	,, ,,	0-9 3/4
		8.	ਚੰਨਣ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਵਲੀ ਸਿੰਘ	,, ,,	0-1
		9.	ਰਾਮ ਦਿਤਾ ਪੁੱਤਰ ਸਰਦਾਰਾ	,, ,,	0-12 1/4
		10.	ਬਿਹਾਰੀ ਪੁੱਤਰ ਸਾਧੂ	,, ,,	0-1/2
		11.	ਕਿਸ਼ਨ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਝੰਡੂ	,, ,,	1-9 1/2
		12.	ਰੱਖਾ ਪੁਤਰ ਮਹਿੰਗਾ		1-3 1/4
		13.	ਬੇਲੀ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਕਾਨ੍ਹ ਸਿੰਘ		1-1
		14.	ਰਾਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਵਰਯਾਮ ਸਿੰਘ		1-6
		15.	ਮੰਗਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬੇਲੀ ਰਾਮ		0-1/2
		16.	ਖੁਸ਼ਾਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਕਥ ਕੋਟਲੀ ਖਾਸ		0-10 3/4
		17.	ਜਗਤ-ਬਾਬੂ-ਸਾਧੂ-ਚਰੰਜੀ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਉਤਮ	ਹਜਾਤ ਪੁਰ	1-7 1/2
		18.	ਮਲਹਾਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਜੈਮਲ ਸਿੰਘ		2-3
		19.	ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ-ਪਿਆਰਾ ਸਿੰਘ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਸੰਤਾ		1-11 3/4
		20.	ਸਰਧ-ਮੁਨਸ਼ੀ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਕਾਲੂ		2-5 3/4
		21.	ਦਿਆਲ ਪੁੱਤਰ ਜਵਿੰਦਾ	ਪਿੰਡ ਝੜੋਗ	0-5
		22.	ਗਇਆ ਪੁਤਰ ਫਤਿਹ	,, ,,	1-15 1/4
		23.	ਰਾਂਝਾ ਪੁਤਰ ਪ੍ਰੇਮਾ	ਪਿੰਡ ਚਨੌਰ	2-13
		24.	ਪਿਆਰਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਜੀਣਾ ਸਿੰਘ		4-11

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

		25. ਮਿਲਖੀ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਰਾਮ ਸਿੰਘ	5-0
		26. ਹਰਬੰਸ ਸਿੰਘ ਸ੍ਰੀ ਨੰਦ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਰਾਮ ਭਜ	5-0
ਜੰਡਵਾਲ ਮਜਕੂਰ	ਦਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮਜਕੂਰ	27. ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਇੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੰਦ ਸਿੰਘ ,, ,,	2-4 3/4
		28. ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਭਜਨ ਸਿੰਘ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਬੇਲੀ ਪਿੰਡ ਜਹਾਨਪੁਰ	8-2 1/2
		29. ਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਹੰਸਰਾਜ ਪਿੰਡ ਬਟਾਲਾ	2-6
		30. ਮੁਨਸ਼ੀ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਰੁਲੀਆ ਰਾਮ ਪਿੰਡ ਹਜਾਤ ਪੁਰ	0-10 1/2
		31. ਪਿਆਰਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੰਤਾ ਸਿੰਘ ,, ,,	0-10 1/2
		32. ਮਘਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਗੰਡਾ ਸਿੰਘ ,, ,,	2-4
		33. ਕਾਬਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਕਾਲਾ ਪਿੰਡ ਪੰਡੋਰੀ	0-12 3/4
			59-15 1/4
ਬੱਢਾ ਬੜ	ਦੇਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਰਾਮ ਸਿੰਘ	1. ਧਰਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਬੱਢਾ ਬੜ	0-6 1/2
		2. ਮੱਖਣ ਪਤਰ ਖੜਕੂ-ਗਰੀਬ ਪੁਤਰ ਗੰਡਾ ਬਹਿਸ। ਬਰਾਬਰ ,, ,,	4-9 1/2
			5-0
ਬੱਢਾ ਬੜ	ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਦਰੋਪਦੀ ਵਿਧਵਾ ਕਾਲੂ ਰਾਮ	1. ਸੰਤੂ ਪੁਤਰ ਸੀਟੂ ਪਿੰਡ ਬੱਢਾ ਬੜ	2-2
		2. ਰਤਨਾ ਪੁਤਰ ਈਸ਼ਰ ,, ,,	0-6
			2-8
ਪੰਡੋਰੀ ਬਘੇਲ ਸਿੰਘ	ਰਾਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸ਼ਿਵਦੇਵ ਸਿੰਘ	1. ਖੁਸ਼ੀਆ ਪੁਤਰ ਲਹਿਣਾ ਪਿੰਡ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	2-0
		2. ਸਾਹਿਬ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਜਵਾਲਾ ਸਿੰਘ ,, ,,	1-0
		3. ਬੂਆ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਗੁਰਦਿੱਤ ਸਿੰਘ ,, ,,	1-2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		4. ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ,, ,,	1-1 1/2
		5. ਚੂਹੜ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਰਾਮ ਸਿਘ ,, ,,	1-3 1/2
		6. ਮਨਸ਼ਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ,, ,,	1-3
		7. ਰਘਨਾਥ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸਾਧੂ ਸਿੰਘ ,, ,,	1-1
		8. ਉਜਾਗਰ ਸਿੰਘ ਆਗਿਆ ਪ੍ਰਬਾ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਗੰਡੂ ਪੰਡੋਰੀ ਬਘੇਲ ਸਿੰਘ	i-7 1/4
		9. ਗੁਰਮੁਖ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬਲੂ ਪਿੰਡ ਜਹਾਨਪੁਰ	0-14 1/4
		10. ਪਿਆਰਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਹੀਰਾ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਪੰਡੋਰੀ ਬਘੇਲ ਸਿੰਘ	1-4 1/2
		11. ਗੁਜਰ ਪੁਤਰ ਦਲੋ ਪਿੰਡ ਪੰਡੋਰੀ ਬਘੇਲ ਸਿੰਘ	1-2 1/2
		12. ਨਿਕੂ ਪੁਤਰ ਲੱਖੋ ,, ,,	1-8 1/2
ਪੰਡੋਰੀ ਬਘੇਲ ਸਿੰਘ	ਰਾਮ ਸਿੰਘ ਮਜਕੂਰ	13. ਮਸਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬਲੂ ,, ,,	0-6 1/2
		14. ਗੁਰਦਾਸ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਲਹਿਣਾ ਸਿੰਘ ,, ,,	2-6 1/2
		15. ਪਿਆਰਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਹੀਰਾ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਜੀਆ ਸਹੋਤ	0-14
		16. ਗੁਰਦਾਸ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਊਧਮ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਗੁਰਦਾਸ ਸਿੰਘ	1-0
		17. ਖੁਸ਼ੀਆ ਪੁਤਰ ਸਹਿਣੋ ,, ,,	1-1 1/2
		18. ਮਿਲਖੀ ਪੁਤਰ ਰਵੇਲ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਸਬਲੀ	1-1 1/4
		19. ਮੰਗਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਜਹਾਨ ਪੁਰ	1-2 1/2
		20. ਜਵਾਲਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਗੋਪਾਲ ਸਿੰਘ ਬਜਰੀਆ ਸਾਹਿਬ ਸਿੰਘ ਪਿਗਰ ਖਦ ਪਿੰਡ ਗੁਰਦਾਸ ਪੁਰ	2-7 1/2
		21. ਬਖਸ਼ੀਸ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਹੇਵਲ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਫਤਹਿ ਪੁਰ	2-7 1/2
			27-14 3/4

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

ਬੱਢਾ ਬੜ	ਰਾਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਹਰੀ ਸਿੰਘ	1. ਬਘੌ ਪੁਤਰ ਗੰਗੂ	ਪਿੰਡ ਬੁਢਾ ਬੜ	0-14
		2. ਬੰਤਾ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਤਖੋ ਰਾਮ	,, ,,	2-14 1/2
		3. ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ	,, ,,	2-15 3/4
		4. ਘਨੀਆ ਪੁਤਰ ਕਰਲੂ	,, ,,	3-2 1/4
		5. ਬੀਰੂ ਪੁਤਰ ਛਨੋ	,, ,,	3-1/2
		6, ਮੇਲਾ ਪੁਤਰ ਕਾਲੂ ਰਾਮ	,, ,,	0-7 3/4
				13-6 3/4
ਬੰਢਾ ਬੜ	ਰਾਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਦੇਵੀ ਦਿਤਾ	1. ਅਮਰੂ ਪੁਤਰ ਫੁਮਣ	ਪਿੰਡ ਬੱਢਾ ਬੜ	2-12 1/2
		2. ਰੋਸ਼ਨ ਪੁਤਰ ਝਾਟੂ	,, ,,	1-10 1/4
		3. ਬਿਹਾਰੀ ਪੁਤਰ ਜਮਾਲੂ	,, ,,	1-13 1/4
		4. ਕਰਤਾਰਾ ਪੁਤਰ ਹੁਕਮਾ	,, ,,	2-1 3/4
		5. ਬੰਤੂ ਪੁਤਰ ਤੱਖੋ	,, ,,	0-12 1/4
				9-2
ਬੱਢਾ ਬੜ	ਰਣਜੀਤ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਰਾਮ ਸਿੰਘ	1. ਤੁਲਸੀ-ਕਸ਼ਮੀਰੀ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਗੰਗੂ	ਪਿੰਡ ਬੱਢਾ ਬੜ	0-5 34
ਕਲੂ ਵਾਲੂ	ਰਾਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਭੂਲਾ ਸਿੰਘ	1. ਭਗਵਾਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਹਰੀਆ-ਮਲਖੀ-ਦਿਆਲੂ ਖੁਸ਼ੀਆ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਸੁਰਿੰਦਰ ਹਰਚਾਰ ਹਿਸਾ ਬਰਾਬਰ	ਪਿੰਡ ਕਲੂਵਾਲ	0-15 1/2
		2. ਮੁਨਸ਼ੀ ਪੁਤਰ ਰੂੜਾ	ਪਿੰਡ ਮਹਿਦਪੁਰ	1-1/4
		3. ਪਿਆਰਾ ਚੰਦ ਵਲਦ ਫਕੀਰ ਚੰਦ	ਪਿੰਡ ਕਲੂਵਾਲ	1-4
		4. ਬੰਜਾਰੂ ਪੁਤਰ ਨਿਹਾਲਾ	,, ,,	1-12 1/2
		5. ਰਾਮ ਰੱਖਾ ਪੁਤਰ ਗੇਂਦਾ	,, ,,	1-13
		6. ਭੂੰਡ ਪੁਤਰ ਭਗਤੂ	,, ,,	2-2
		7. ਬੀਰੂ ਪੁਤਰ ਦੀਵਾਨ	,, ,,	2-11 1/4
		8. ਮੋਹਣੋ ਪੁਤਰ ਸੰਤੂ	,, ,,	2-12 1/2
		9. ਬੰਤਾ ਪੁਤਰ ਪਰਸਰਾਮ	,, ,,	3-5 3/4

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		10. ਸੁਰਮੀ ਪੁਤਰ ਡੋਢੂ	ਪਿੰਡ	ਪੰਡੋਰੀ ਭਗਤਾ	0-4 1/4
		11. ਧਨੀ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਨਾਨਕ	,,	,,	0-4 1/2
		12. ਅਮਰੂ ਪੁਤਰ ਕਾਂਸ਼ੀ	,,	,,	0-7 3/4
		13. ਕਰਤਾਰਾ ਪੁਤਰ ਗੰਗਾ	,,	,,	0-7 3/4
		14. ਵਲਾਇਤੀ ਪੁਤਰ ਢੋੜੂ	,,	,,	/
		15. ਬਧਾਵਾ ਪੁਤਰ ਸ਼ੇਰੂ	,,	,,	0-11 3/3
		16. ਮੰਗਤੂ ਪੁਤਰ ਢੋਂਡੂ	,,	,,	1-2 1/4
		17. ਤੁਲਸੀ ਪੁਤਰ ਹਾਕੂ-ਲੱਖੂ ਪੁਤਰ ਕਾਲੂ ਬਹਿੱਸਾ ਬਰਾਬਰ	,,	,,	1-2 2/4
		18. ਕਾਬਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਕਾਲੂ	ਪਿੰਡ	ਪੰਡੋਰੀ ਬਘੇਲ ਸਿੰਘ	0-8
		19. ਮੁਨਸ਼ੀ ਪੁਤਰ ਰੂੜਾ	ਪਿੰਡ	ਮਹਿਰਪੁਰ	1-1/4
					24-5 1/4
ਹਰਦੋ ਖੁੰਦਪੁਰ	ਸੰਤ ਰਾਮ-ਤੂੜ ਸਿੰਘ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਦੇਵੀ ਸਿੰਘ	1. ਲਾਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਛੰਦੂ	ਪਿੰਡ	ਹਰਦੋ ਪੁੰਦਪੁਰ	2-8 5/8
ਸਰਆਣਾ	ਸਾਈਂਦਾਸ ਪੁਤਰ ਰਾਮ ਲਾਲ	1. ਗਾਂਝਲੂ ਪੁਤਰ ਰਫੂ	ਪਿੰਡ	ਸਰਆਣਾ	0-6 1/2
		2. ਭਗਵਾਨਾ ਪੁਤਰ ਸੁਚੀਤਾ	,,	,,	0-9 3/4
		3. ਰਸੀਲਾ ਪੁਤਰ ਬੂੜਾ	,,	,,	0-12 1/4
		4. ਮਿਲਖੀ ਪੁਤਰ ਬਦਾਵਾ	,,	,,	0-14 1/2
		5. ਨਾਥ ਪੁਤਰ ਰਾਮ ਦਿਤਾ	,,	,,	1-1 1/2
		6. ਬੰਤਾ ਪੁਤਰ ਰਾਮ ਦਿਤਾ	,,	,,	1-1 3/4
		7. ਕਾਕਾ ਪੁਤਰ ਰਾਮ ਦਿਤਾ	,,	,,	1-1 3/4
		8. ਕਰਮ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਰਾਮ ਦਿਤਾ	,,	,,	1-1 3/4
		9. ਆਤੂ ਪੁਤਰ ਮਲਾਵਾਂ	,,	,,	1-6
		10. ਦੌਲਾ ਪੁਤਰ ਰੂੜਾ	,,	,,	1-6
		11. ਹਜ਼ਾਰਾ ਪੁਤਰ ਹਾਕੂ	,,	,,	1-6
		12. ਨਰਾਇਣ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਘਸੀਟਾ	,,	,,	1-6
		13. ਵਰਯਾਮ ਪੁਤਰ ਬਦਾਵਾ	,,	,,	1-9

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

		14. ਰਤਨ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਖੁਸ਼ੀ ਰਾਮ	ਪਿੰਡ ਸਰਆਣਾ	1-12
		15. ਫਨੀਆ ਪੁਤਰ ਫਲੀਆ ,,	,,	4-2 1/4
		16. ਰਲਾ ਪੁਤਰ ਸਰੇਤਾ ,,	,,	0-8
		17. ਬੁੜੀਆ ਪੁਤਰ ਗੰਦੂ ,,	,,	2-14
		18. ਮਲਖੀ ਪੁਤਰ ਫੁਲਣ ,,	,,	0 4
		19. ਰਾਂਝਾ ਪੁਤਰ ਚੁਨੀ ,,	,,	0-4
		20. ਝੰਡੂ ਪੁਤਰ ਝੰਗੀ ,,	,,	0-6 1/4
		21. ਜਗਤੂ ਪੁਤਰ ਝੰਡੂ ,,	,,	0-6 1/4
		22. ਰੱਖਾ ਪੁਤਰ ਦੇਵੀ ਦਿਤਾ ,,	,,	0-12 3/4
		23. ਤੁਲਸੀ ਪੁਤਰ ਅਲਮੀ ,,	,,	1-0
		24. ਰਾਮ ਆਸਰਾ ਪੁਤਰ ਦੇਵੀ ਦਿਤਾ	ਪਿੰਡ ਸਰਆਣਾ	1-3 3/4
		25. ਪ੍ਰਸਰਾਮ ਪੁਤਰ ਉਧੋ	,,	1-6 3/4
		26. ਕਰਮੋਂ ਪੁਤਰ ਮਾੜੂ	,,	1-14 1/2
ਸਰਆਣਾ	ਸਾਈਂ ਦਾਸ	27. ਜਗਤ ਰਾਮ ਪੁਤਰੀ ਤੁਲਸੀ	,,	2 14 1/2
ਮਜਕੂਰ	ਮਜਕੂਰ	28. ਰਸੀਲਾ ਪੁਤਰ ਦੇਵੀ ਦਿਤਾ	,,	4-10 1/2
		29. ਕਿਸ਼ਨਾ ਪੁਤਰ ਰਾਮਦਾਸ	,,	0-4 1/4
		30. ਓਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਤਰ ਨੰਦ ਲਾਲ	,,	0-4 3/4
		31. ਵਾਸਦੇਵ ਪੁਤਰ ਨੰਦ ਲਾਲ	,,	0-4 3/4
		32. ਰਖੀ ਪੁਤਰ ਰਾਮ ਦਿਤਾ	,,	0-8
		33. ਧਨਾ ਪੁਤਰ ਰੂੜਾ	,,	0-8 1/2
		34. ਪਸ਼ੀਆ ਪੁਤਰ ਬਦਾਵਾ	,,	0-9 1/2
		35. ਰੰਗੀਲਾ ਪੁਤਰ ਬਦਾਵਾ	,,	0-9 1/2
		36. ਰਤਨੋ ਪੁਤਰ ਰਸੀਲਾ	,,	0-10
		37. ਮਲਾਵਾ ਪੁਤਰ ਗੰਗੂ	,,	0-10 3/4
		38. ਸਰਨਾ ਪੁਤਰ ਮੰਗੂ	,,	0-12
		39. ਅਮੀਂ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਸੰਗਤੂ	,,	0-14
		40. ਸਾਈਂ ਪੁਤਰ ਭੜੋਲ	,,	0-14 1/2
		41. ਖਸ਼ਾਲਾ ਪੁਤਰ ਬੇਲੀ	,,	1-0
		42. ਰਸੀਲਾ ਪੁਤਰ ਬੇਲੀ	,,	1-0
		43. ਕਮਾਲਾ ਪੁਤਰ ਲਛੂ	,,	1-1 1/2
		44. ਖੜੀਆਂ ਪੁਤਰ ਸਾਉਣ	,,	1-1/2
		45. ਬਾਬੂ ਪੁਤਰ ਹਾਕੂ	,,	1-2 3/4

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		46. ਰਤਨਾ ਪੁਤਰ ਹਾਕੂ	,,	1-2 3/4
		47. ਸੌਕੂ ਪੁਤਰ ਹਾਕੂ	,,	1-2 3/4
		48. ਗਿਆਨਾ ਪੁਤਰ ਬੀਰਬਲ	,,	1-3 1/2
		49. ਜੋਸੀ ਪੁਤਰ ਗੰਗੂ	,,	1-3 1/2
		50. ਮਹਿੰਗਾ ਪੁਤਰ ਬੀਰ ਬਲ	,,	1-3 3/4
		51. ਮਲਖੀ ਪੁਤਰ ਖਜਾਨਾ	,,	1-5 1/4
		52. ਧਰਮੋਂ ਪੁਤਰ ਕੂੜਾ	,,	1-6
		53. ਰਣਕਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਕਪੂਰਾ	,,	1-8 3/4
		54. ਰਾਮਦਾਸ ਪੁਤਰ ਭਗਤੂ	,,	1-12
ਸਰਆਣਾ	ਸਾਂਈਦਾਸ	55. ਖੁਸ਼ੀਆ ਪੁਤਰ ਨੱਥੂ	,,	1-12 1/4
	ਮਜਕੂਰ	56. ਹਾਕੂ ਪੁਤਰ ਢੇਰੂ	,,	3-4
		57. ਬਾਬੂ ਪੁਤਰ ਗੰਗਾ ਪਿੰਡ ਢਾਂਡੇ ਕਟਵਾਲਾ		0-6 3/4
		58. ਜਗਦੀਪ ਪੁਤਰ ਰੁਲਦੂ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਢਾਂਡੇ ਕਟਵਾਲ		1-9
		59. ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਪਨੂੰਰਾਮ ਰਾਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਲਖੋ ਪਿੰਡ ਅਜਮੇਰ		1-15 3/4
		60. ਰਾਮ ਦਿਤਾ ਪੁਤਰ ਮੁਨਸੀ ਪਿੰਡ ਸਰਆਨਾ		2-4 1/2
		61. ਗੁਰਾਂ ਦਿਤਾ ਪੁਤਰ ਈਸ਼ਰ	,,	2-5
		62. ਰਾਮ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਰੁਲੀਆ	,,	2-5 3/4
		63. ਬਲਦੇਵ ਪੁਤਰ ਸੰਤਾ	,,	2-13
		64. ਗੁਰਦਾਸ ਪੁਤਰ ਲਛੂ	,,	2-13 1/2
		65. ਵਰਯਾਮਾ ਪੁਤਰ ਨਿਕੂ	,,	2-14 1/2
		66. ਜੀਤ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ	,,	4-7 1/4
		67. ਬੰਤਾ ਪੁਤਰ ਛੰਗਣ	,,	5-0
		68. ਪ੍ਰੀਤੋ ਪੁਤਰ ਧਨੋ	,,	5-0
				101-12

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

ਲੜੀ ਨੰ:	ਪਿੰਡ ਦਾ ਨਾਂ	ਨਾਮ ਮਾਲਕ ਅਤੇ ਵਲਦੀਅਤ ਅਤੇ ਸਕੂਨਤ ਜਿਸ ਦਾ ਰਕਬਾ ਸਰਪਲੱਸ ਕਰਾਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ।	ਨਾਮ ਮੁਜਾਰਿਆਂ ਅਲਾਟੀ ਬਮਏ ਵਲਦੀਅਤ ਤੇ ਸਕੂਨਤ ਜਿਸ ਨੂੰ ਰਕਬਾ ਅਲਾਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।		ਰਕਬਾ ਜੋ ਅਲਾਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।
	ਭਮਨਾਲ	ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਬਸੰਤੀ ਵਿਧਵਾ ਘਨਈਆ	1. ਕਮਾਲਾ ਪੁਤਰ ਬੇਲੀ ਪਿੰਡ ਮਨਾਲ		0-5 1/2
			2. ਧਰਮੂ ਪੁਤਰ ਰੀਝੂ ਪਿੰਡ ਭਮਨਾਲ		0-12 1/2
			3. ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ		1-1
			4. ਵਰਯਾਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਦੁਨੀ ਪਿੰਡ ਭਮਨਾਲ		1-4 1/2
			5. ਤੁਲਸੀ ਪੁਤਰ ਗਰੀਬੂ ਪਿੰਡ ਭਮਨਾਲ		1-5 1/2
			6. ਨਾਨਕ ਪੁਤਰ ਰੀਝਾ	,,	1-5 3/4
			7. ਹਾਕੋ ਪੁਤਰ ਢੇਰੂ	,,	1-15 1/4
			8. ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੰਦਾ	,,	2-3/4
			9. ਰਜ਼ੀਲ ਪੁਤਰ ਥੁੜੂ	,,	2-6 3/4
			10. ਛੰਗਣ ਪੁਤਰ ਕਿਰਲੂ	,,	2-8
			11. ਮਸਤੂ ਪੁਤਰ ਭਗਤਾ	,,	2-15
			12. ਛਜੂ ਪੁਤਰ ਸੀਤੂ	,,	2-2 1/4
			13. ਧਰਮੂ ਪੁਤਰ ਸੰਤੂ	,,	2-2 1/4
			14. ਬਿਹਾਰੀ ਪੁਤਰ ਦਸੌਂਧੀ	,,	0-8
			15. ਰਤਨਾ-ਬਤਨਾ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਹਰੀ ਸਿੰਘ	,,	0-4 3/4
			16. ਦੁਨੀ ਪੁਤਰ ਅਛਰ	,,	0-6 1/2
			17. ਮਾੜਾ ਪੁਤਰ ਸੋਹਨੂੰ	,,	0-6 1/2
			18. ਰਾਜੂ ਪੁਤਰ ਭਗਤੂ	,,	0-7 1/2
			19. ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ	,,	0-8 1/2
			20. ਸਵਰਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਭਗਤੂ	,,	0-9
			21. ਖੁਸ਼ਹਾਲਾ ਪੁਤਰ ਅਛਰੂ	,,	1-1 1/4
			22. ਤੀਰਥ ਪੁਤਰ ਦਸੌਂਧੀ ਰਾਮ	,,	0-8
			23. ਖੜਕ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਦੁਨੀ	,,	0-8
			24. ਸਾਧੂ ਪੁਤਰ ਦੁਨੀ	,,	0-8
			25. ਧਰਮੂ ਪੁਤਰ ਚਰਾਸਾ	,,	0-3 1/4
			26. ਮਲਕੀਤ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸ਼ਾਮੂ	,,	0-3 1/4

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		27. ਰਤਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਪੂਰਨ ਸਿੰਘ ,,	0-3 1/4
		28. ਬਸੰਤ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਰਾਮ ਦਿਤ ਕੌਲਪੁਰ	2-12 1/2
		29. ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਨੰਦਾ	0-3 3/4
		30. ਨਾਨਕ ਪੁਤਰ ਗੰਝਾ ਭਮਨਾਲ	0-11 1/4
		31. ਕਰਮਚੰਦ ਪੁਤਰ ਧਨੂ ਪਿੰਡ ਭਮਨਾਲ	2-10 3/4
		ਜੋੜ	35-3/4
ਨਨਸੋਤਾ	ਮਲਕੀਤ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਸੁਰਖਸ਼ਤ ਸਿੰਘ ਆਦਿ ਮਾਲਕਾਂ	1. ਬਚਨ ਪੁਤਰ ਖੁਸੀਆ ਪਿੰਡ ਨਨਸੋਤਾ	4-8
		2. ਬਾਬੂ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਸ਼ੇਰੂ ਰਾਮ ਪਿੰਡ ਨਨਸੋਤਾ ਪੂਰੋਚਕ	0-13
		3. ਅਮਰੂ ਪੁਤਰ ਪਿੰਡ ਅਜਮੇਰ	1-4
		4. ਮਸਤ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਭੋਲੂ ਪਿੰਡ ਸਿੱਥੋਚੱਕ	0-5
		5. ਬੰਸੀ ਲਾਲ, ਗਿਰਧਾਰੀ ਲਾਲ ਪਿੰਡ ਗੁਜਰਕਤਗਲ	4-14
		6. ਤੇਜ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਹੀਰਾ ਸਿੰਘ ਵਾਸੀ ਪਿੰਡ ਦਾਰਾਪੁਰ	3-1
		7. ਲਛਮਣ ਦਾਸ ਪੁਤਰ ਲਭੂ ਪਿੰਡ ਧੁਰੀਆਂ	1-6
		8. ਠਾਕਰ ਦਾਸ ਪੁਤਰ ਲਭੂ ਪਿੰਡ ਧੁਰੀਆਂ	1-6
		9. ਚੌਕਸ ਪੁਤਰ ਨਜ਼ਰੂ ਪਿੰਡ ਸਰਆਨਾ	4-0
		10. ਰਖਾ ਝੰਡੂ ਕਿਸ਼ਨਾ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਕਿਹਰੂ ਪਿੰਡ ਸਰਆਨਾ	3-13 1/4
		11. ਰਿਖੀਆ ਪੁਤਰ ਭੋਲਾ ,, ,,	1-1 3/4
		12. ਕੇਹਰ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਨਹਾਇਕ ਸਿੰਘ	0-11 1/4
		13. ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਕੇਸ਼ਰ ਪਿੰਡ ਸਰਆਨਾ	0-14
		14. ਰਿਖੀ ਪੁਤਰ ਨਾਨਕ ਮੁਨਸ਼ੀ ਪੁਤਰ ਕੰਨ੍ਹੂ ਪਿੰਡ ਸਰਆਨਾ	0-12 1/2
		15. ਖਲੋਨ ਦਲੀਪਾ ਆਦਿ ਪਿੰਡ ਖਜ਼ੂਰਪੁਰ	0-12 1/4

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

		16. ਐਹਜਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਧਰਮ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਸਿੰਘੋਵਾਲ	3-7
		17. ਬਾਬੂ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਚਨੂੰ ਰਾਮ ਪਿੰਡ ਫਤੂਵਾਲ	4-10 1/2
		18. ਰਾਮ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਚੰਨੂੰ ਰਾਮ ਪਿੰਡ ਫਤੂਵਾਲ	4-7 1/4
		ਕੁਲ ਜੋੜ	42-2 3/4
ਬੁੱਢਾ ਬੜ	ਨਰਾਇਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਰਾਮ ਸਿੰਘ	1. ਬੀਰੂ ਪੁਤਰ ਠੇਨੂ ਪਿੰਡ ਖੁਦਾ ਬੜ	0-3 1/2
		2. ਕਿਸ਼ਨਾ, ਬਿਸ਼ਨਾ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਰਾਮ ਰੱਖਾ ਪਿੰਡ ਬੁਢਾ ਬੜ	3-5 1/2
		3. ਸੰਤੂ ਪੁਤਰ ਗੱਟੂ ਪਿੰਡ ਬੁਢਾ ਬੜ	0-7
		ਕੁਲ ਜੋੜ	4-0
ਜੰਡਵਾਲ	ਘਨਸ਼ਾਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਅੱਛਰ ਸਿੰਘ	1. ਮਲਾਵਾ ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਜੰਡਵਾਲ	0-5 3/4
		2. ਸੰਸੂ ਪੁਤਰ ਰੂੜਾ ,, ,,	0-5
		3. ਮੰਗਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਦੁਸੌਦਾ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਜੰਡਵਾਲ	1-1 3/4
		4. ਗੁਰਦਾਸ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਹੰਸਾ ਪਿੰਡ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	0-11
		5. ਦਸੌਂਧਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਖੜਕ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਹਿਆਤਪੁਰ	0 3 3/4
		6. ਕਿਰਪਾ ਪੁਤਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਹਿਆਤਪੁਰ	0-3 3/4
		7. ਪੂਰਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਗੁਰਦਿਤ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਹਿਆਤਪੁਰ	0-3 3/4
		8. ਰਣ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਚੂਹੜ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਹਿਆਤਪੁਰ	0-4
		9. ਜੀਵਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਹਿਆਤਪੁਰ	0-4 1/14
		10. ਉਜਾਗਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਗਾਲੋਵਾਲ	0-5 1/2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		11. ਰਖਾ ਭੁਲਾ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਮਹਾਂ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਹਿਆਤਪੁਰ	0-6 1/2
		12. ਸਾਧੂ ਪੁਤਰ ਚੂਹਾ ,, ,,	0-1 1/2
		13. ਬੰਤ ਪੁਤਰ ਖੁਸ਼ੀਆ ਪਿੰਡ ਲਤੀਫਪੁਰ	3-4
		14. ਗੁਰਦਾਸ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਹੰਸਾ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	1-5
		15. ਵਕੀਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਵਲੀ ਪਿੰਡ ਸਨਆਲ	0 1 1/2
		16. ਬਤਨਾ ਪੁਤਰ ਗੁਰਦਿਤਾ ,, ,,	0-2 1/4
		17. ਬੰਤਾ ਪੁਤਰ ਗੁਰਦਿਤਾ ,, ,,	0-3
		18. ਸਰਨਾਂ ਪੁਤਰ ਗੁਰਦਿਤਾ ,, ,,	0-2 1/4
		19. ਚੈਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਵਲੀਰਾਮ ,, ,,	0-6
		20. ਰਾਮਦਿਤਾ ਪੁਤਰ ਸਰਦਾਰਾ ,, ,,	0-6 1/4
		21. ਬਿਹਾਰੀ ਪੁਤਰ ਸਾਧੂ ,, ,,	0-1 1/2
		22. ਰਖਾ ਪੁਤਰ ਮਹਿੰਗਾ ,, ,,	0-5
		23. ਪਿਰਥੀ ਪੁਤਰ ਵਲੀਰਾਮ ,, ,,	1-3 1/4
		24. ਰਾਮਦਾਸ ਪੁਤਰ ਕੇਸਰ ,, ,,	0-3 1/2
		25. ਵਕੀਲ ਪੁਤਰ ਮਿਲਖੀ ਰਾਮ ਪਿੰਡ ਬੁਲੋਵਾਲ	2-11-3/4
		26. ਗੋਬਿੰਦ ਪੁਤਰ ਕੇਸਰ ਪਿੰਡ ਸਿਨਆਲ	0-3 1/2
		27. ਹਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਕਰਤਾਰਾ ਸਿੰਘ ,, ,,	0-3 1/2
		28. ਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸਾਜਾ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਜਹਾਨਪੁਰ	0-8 1/2
		ਮੀਜਾਨ	16-1/4
ਬੱਦਾ ਬੜ	ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਜੈ ਕਰਨ	1. ਅੜਰੂ ਪੁਤਰ ਬੀਰੂ ਪਿੰਡ ਬਦਾਬੜ	0-7
		2. ਰੇਨੂ ਪੁਤਰ ਜਗਨ ,, ,,	0-7
		3. ਧਰਮਾਂ ਪੁਤਰ ਗੁਰਚਰਨ ,, ,,	0-7 1/2
		4. ਰਾਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਪਾਲਾ ,, ,,	0-8 1/2
		5. ਹਰੀਆ ਪੁਤਰ ਸੰਤਾ ,, ,,	0-9
		6. ਨੰਦੂ ਪੁਤਰ ਮਿਹਰੂ ,, ,,	0-10 1/2
		7. ਖੁਸ਼ੀਆ ਪਬਤ ਪੁਤਰ ਸੁਰਮੀ ,, ,,	0 12 1/2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

		8.	ਮੁਨਸ਼ੀ ਪੁਤਰ ਖੁਸ਼ੀਆ	ਪਿੰਡ ਬਢਾਬੜ	0-14
		9.	ਹਰਨਾਮਾ ਪੁਤਰ ਭੁਲਾ	,, ,,	0-14 1/2
		10.	ਮੁਨਸ਼ੀ ਪੁਤਰ ਜਮੀਤਾ	,, ,,	0-15
		11.	ਹੁਕਮਾਂ ਪੁਤਰ ਕਿਰਲੂ	,, ,,	0-15
		12.	ਗੋਪਾਲਾ ਪੁਤਰ ਭਗਤੂ	,, ,,	0-15 3/4
		13.	ਨਾਨਕ ਪੁਤਰ ਖੁਸ਼ੀਆ	,, ,,	1-1/4
		14.	ਨੰਦਾ ਪੁਤਰ ਕੰਗਣ	,, ,,	1-1/4
		15.	ਸ਼ਰਧੂ ਪੁਤਰ ਜਮੀਤਾ	,, ,,	1-1/4
		16.	ਦੌਲਤ ਪੁਤਰ ਸ਼ੌਕੂ	,, ,,	1-2 1/4
		17.	ਹੰਸ ਰਾਜ ਪੁਤਰ ਸ਼ੌਕੂ	,, ,,	1-2 1/4
		18.	ਮਿਹਰ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਚੱਨੂੰ	,, ,,	1-3
		19.	ਮੰਗੁ ਪੁਤਰ ਸੁਚੇਤਾ	,, ,,	1-3
		20.	ਮਿੰਗਾ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਭੁਲਾ ਰਾਮ	,, ,,	1-5 1/4
		21.	ਅਮਰੂ ਪੁਤਰ ਸਰਵਨ	,, ,,	1-6
		22.	ਮਥਰੂ ਜਲਾਲ ਮਿਸਰਾਂ ਸ਼ੌਕੂ	,, ,,	1-6 1/4
		23.	ਪੂਨੂੰ ਪੁਤਰ ਸ਼ਹਜ਼ਾਦਾ ਨੰਦ ਧਰਮਾ-ਕਰਮਾ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਰੰਗੂ ਹਿਸਾ ਬਰਾਬਰ	,, ,,	1-9 1/4
		24.	ਦਲੀਪਾ ਪੁਤਰ ਪਾਲਾ	,, ,,	1-10 3/4
		25.	ਲਹਨੂ ਪੁਤਰ ਮੱਥਰੂ	,, ,,	1-11
		26.	ਕਾਸ਼ੀ ਪੁਤਰ ਪੂਨੂੰ	,, ,,	1-12
		27.	ਖੁਸ਼ੀਆ ਪੁਤਰ ਫੁਮਣ	,, ,,	1-12
		28.	ਅਮੀ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਮੰਗਤੂ	,, ,,	1-12
		29.	ਅਮੀਂ ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ	,, ,,	1-15 1/4
		30.	ਅਨੰਤ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਸੰਤ ਰਾਮ	,, ,,	2-1/2
		31.	ਛਜੂ ਪੁਤਰ ਮਨੂ	,, ,,	2-1 1/4
		32.	ਅਮਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਰੂੜ	,, ,,	0-6
				ਜੋੜ	36-15
ਜੰਡਵਾਲ	ਗਗਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਅਛਰ ਸਿੰਘ	1.	ਖੁਸ਼ਹਾਲਾ ਪੁਤਰ ਚੱਤਰੂ	ਪਿੰਡ ਜੰਡਵਾਲ	0-14 3/4
		2.	ਧਜੂ ਪੁਤਰ ਪੂਨੂੰ	,, ,,	0-6
		3.	ਸ਼ੰਕੂ ਪੁਤਰ ਰੂੜਾ	,, ,,	0-1

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		4. ਬਿਹਾਰੀ ਪੁਤਰ ਸਾਧ	ਪਿੰਡ ਸਨਆਲ	0-7 1/2
		5. ਸੰਤੋਖ ਪੁਤਰ ਵਲੀ ਰਾਮ	,, ,,	1-7 3/4
		6. ਰਖਾ ਪੁਤਰ ਮਹਿੰਗਾ	,, ,,	0-2
		7. ਪ੍ਰਿਥੀ ਪੁਤਰ ਵਲੀ ਰਾਮ	,, ,,	1-8 1/2
		8. ਮੰਗਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬੇਲੀ ਰਾਮ	ਪਿੰਡ ਬੁਲਵਾਲਾ	1-2
			ਜੋੜ	6-1 1/2
ਅਕਾਮ	ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਕਿਸ਼ਨ ਦੇਵੀ ਵਿਧਵਾ ਖੁਸ਼ੀ ਰਾਮ	1. ਢਿਲੂ ਪੁਤਰ ਨੱਥੂ	ਪਿੰਡ ਅਕਾਮ	0-9 1/4
		2 ਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਭੋਲਾ ਸਿੰਘ	ਪਿੰਡ ਕੋਟਲੀ ਖਾਸ	1-1 3/4
		3. ਛੱਜੂ ਪੁਤਰ ਇੰਦਰ ਸਿੰਘ	,, ,,	0-14 3/4
		4. ਬਾਬੂ ਪੁਤਰ ਲੈਹਨਾ	,, ,,	1-6
		5. ਜਹਲਾ ਪੁਤਰ ਸਰਧਾ	ਪਿੰਡ ਨਥੂਵਾਲ	0-8 3/4
			ਜੋੜ	4-8 1/2
ਸਿੱਬੋ ਚੱਕ ਮਸ਼ਮੂਲਾ ਸੰਧਵਾਲ	ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਰਾਏ ਸਿੰਘ	1. ਹਾਕਮ ਪੁਤਰ ਫਲੀ	ਪਿੰਡ ਸਰਆਨਾ	0-5
		2. ਪ੍ਰੀਤਮ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਫਲੀ	,, ,,	0-5
		3. ਗੁਰਦਾਸ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਫਲੀ	,, ,,	0-5 1/4
		4. ਹਾਕੋਰਾਮ ਪੁਤਰ ਸ਼ੇਰੂ	,, ਪੂਰੋਚਕ	0-8 3/4
		5. ਮੰਗਤਾ ਪੁਤਰ ਸੰਝੂ	,, ,,	0-8 3[4
		6. ਸ਼ਰਾਧੂ ਪੁਤਰ ਨਰਾਤੂ	,, ,,	0-9
		7. ਸੰਤੂ ਪੁਤਰ ਸੰਗਾਰਾ	,, ਲੁਧਅੜੀ	0-15
		8. ਨਾਨਕ ਪੁਤਰ ਬਧਾਵਾ	,, ,,	0-15
		9. ਚਿੰਤੂ ਪੁਤਰ ਬਧਾਵਾ	,, ,,	0-15
		10. ਰੁਲਦਾ ਪੁਤਰ ਗੰਢੀਲੂ	,, ,,	0-9 3/4
		11. ਰਲਾ ਪੁਤਰ ਧੋਲੂ	,, ਬੱਲਾ ਸਰਆਨਾ	0-8 1/2
		12. ਰੰਕਾ ਪੁਤਰ ਰੁਲੀਆ	,, ,,	0-12
			ਜੋੜ	7-5
ਜੰਡਵਾਲ	ਸੁਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਅਛਰ ਸਿੰਘ	1. ਬੂਝਾ ਪੁਤਰ ਰਨੀਆ	ਪਿੰਡ ਹਿਆਤਪੁਰ	0-6 3/4
		2. ਜੁਝਾਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਨੰਦਾ	,, ,,	0-7 3/4

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

		3. ਰਾਮ ਲੋਕ ਪੁਤਰ ਮੀਂਹੂ ਪਿੰਡ ਹਿਆਤਪੁਰ	0-8 1/4
		4. ਕਿਹਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਕਿਰਪਾ ਸਿੰਘ ,, ,,	0-9
		5. ਰਸੀਲਾ ਪੁਤਰ ਕਿਹਰ ,, ,,	0-9 1/4
		6. ਗੰਡਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਚੂਹਾ ,, ,,	0-11
		7. ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਕੱਦੂ ,, ,,	0-1 1/2
		8. ਸਾਧੂ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਚੂਹਾ ,, ,	0-5
		9. ਚੰਨਣ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਵਲੀ ਰਾਮ ਪਿੰਡ ਸਨਆਲ	0-7 3/4
		10. ਰਖਾ ਪੁਤਰ ਮਹਿੰਗਾ ,, ,,	0-9
		11. ਮੰਗਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬੇਲੀ ਰਾਮ ,, ਬੁਲੋਹਵਾਲ	0-13
		12. ਕ੍ਰਿਸ਼ਨਾ ਪੁਤਰ ਲਛੂ ,, ਜਹਾਨਪੁਰ	2-2 1/4
		ਜੋੜ	7-10 3/4
ਬਹ ਜੋਗਨ	ਸ਼ਾਂਤੀ ਸਰੂਪ ਪੁਤਰ ਰਾਏ ਸਾਹਿਬ ਧਨੀ ਰਾਮ	1. ਜਮਨਾ ਪੁਤਰ ਲੱਖੂ ਪਿੰਡ ਬਹ ਜੋਗਨ	0 1
		2. ਧਰਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੰਕਰ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਗਵਾਲ ਚਕ ਸੰਗਰੂ	0-7
		3. ਰਸੀਲੂ ਪੁਤਰ ਊਧੋ ,, ,,	0-13
		4. ਸਰਨ ਪੁਤਰ ਨਰਾਇਨ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਬਹਮਵਾ	0-3
		5. ਬਾਬੂ ਪੁਤਰ ਲਾਲ ,, ਬਹਜੋਗਨ	0-1 1/2
		6. ਬਖਸ਼ੀਸ਼ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਲੇਖਰਾਜ ,, ,,	0-2/12
		7. ਪਰਕਾਸ਼ ਪੁਤਰ ਰੀੜੂ ,, ,,	0-3
		8. ਰੇਲੂ ਪੁਤਰ ਲਖਨ ,, ,,	0-3 1/2
		9. ਸ਼ੰਕੂ ਪੁਤਰ ਅਸੀਟੂ ,, ,,	0-3 1/2
		10. ਲਭੂ ਮੇਲੂ ਪੁਤਰ ਲਖਨ ,, ,,	0-4
		11. ਬਚਨ ਸਿੰਘ ਬਖਸ਼ੀਸ਼ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸ਼ੇਰੂ ,, ,,	0-5
		12. ਕਰਿਸ਼ਨ ਪੁਤਰ ਬਚਿਤਰ ,, ,,	0-7 3/4
		13. ਖੁਸ਼ੀਆ ਪੁਤਰ ਗੋਹਦੋ ,, ,,	0-4 3/4

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		14. ਸਰਨ ਪੁਤਰ ਨਰਾਇਨ ਸਿੰਘ	,,	ਬਹਜੋਗਨ	2-3 1/2
		15. ਹੰਸ ਰਾਜ ਪੁਤਰ ਪਾਲੂ ਰਾਮ	,,	ਮਹਮੂਦਪੁਰ	2-14 3/4
		16. ਕਰਮ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਬਾਬੂ ਰਾਮ	,,	,,	2-14 3/4
		17. ਸਰਨ ਦਾਸ ਪੁਤਰ ਸੰਤ ਰਾਮ	,,	,,	2-14 3/4
		18. ਹੰਸਾ ਵਰਆਮ ਪੁਤਰ ਸੋਹਨ ਲਾਲ	,,	ਸਹਰਕਵਲ	3/14 3/4
		19. ਪਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਹੰਸ ਰਾਜ ਹਿਸਾ ਬਰਾਬਰ	,,	,,	0-7 1/2
		20. ਹੰਸਾ ਵਰਆਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੋਹਨ ਲਾਲ	,,	,,	3-14 3/4
		21. ਸਰਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਨਰਾਇਨ ਸਿੰਘ	,,	ਬਰਾਹਮਣਾਂ	0-14 1/2
		22. ਨੱਥਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਲਾਭ ਸਿੰਘ	,,	ਬੇਗੋਵਾਲ	1-14 1/4
				ਜੋੜ	28-8
ਫਤਹੇਪੁਰ	ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੰਕਰ ਸਿੰਘ	1. ਚੇਤੂ ਪੁਤਰ ਫਲੂ	ਪਿੰਡ	ਫਤਹੇਪੁਰ	0-7
		2. ਭੋਡੂ ਪੁਤਰ ਛੰਗਣ	,,	,,	0-11 1/2
		3. ਰਸੀਲਾ ਪੁਤਰ ਛੰਗਣ	,,	,,	0/4
		4. ਸ਼ਸ਼ੀ ਪੁਤਰ ਛੰਗਣ	,,	,,	0-15 1/4
		5. ਵਰਆਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਗੁਰਦਿਤਾ	,,	,,	1–1
		6. ਦਲੀਪਾ ਪੁਤਰ ਗੁਰਦਿਤਾ	,	,,	1-1 1/2
		7. ਗੁਲਜ਼ਾਰੀ ਪੁਤਰ ਰਲਾ	,,	,,	1-1 1/2
		8. ਕਰਮੂ ਪੁਤਰ ਫਲੂ	,,	,,	1-1 3/4
		9. ਗਿਆਨ ਪੁਤਰ ਕਿਰਪਾ	,,	,,	1-2
		10. ਰੂਪਾ ਲਭੂ ਰਾਮ ਪਤਰ ਪੋਹਲੋ	,,	,,	1-4

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

		11. ਮਲਕੀਤ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਫਲੀ ,, ਫਤੇਹਪੁਰ	1-13 3/4
		12. ਹੰਸਾ ਉਰਫ ਹੰਸ ਰਾਜ ਪੁਤਰ ਸੋਹਨ ਲਾਲ ਪਿੰਡ ਬਜਵਾੜਾ ਤਹਿਸੀਲ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	3-6 3-4
		ਜੋੜ	14-15
ਲਤੀਫਪੁਰ	ਅਮਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬੂਆ ਦਿਤਾ	1. ਭਗਤ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਫੀਨਾ ਰਾਮ ਪਿੰਡ ਫਤੇਹਪੁਰ	2-2
		2. ਨਰੰਜਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਰੂੜ ਸਿੰਘ ਚੂਹਾ ਰਾਮ ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ ਜੁਝਾਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਪੂਰਨ ਸਿੰਘ ਚੂਹਾ ਰਾਮ ਕੇਸਰਾ ਸਿੰਘ ਮਿਹਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਨੱਥਾ ਸਿੰਘ ਅਧ ਪਿੰਡ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	3-2 1/2
		3. ਗੁਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਕਾਬਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬੁਢਾ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	0-15
		ਜੋੜ	6-3 1/2
ਬੇਗੋਵਾਲ	ਗੁਰਮੁਖ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਭਜਨੂ	1. ਬਗੂ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਘਨੱਈਆਂ ਪਿੰਡ ਬਢਾ ਬੜ	1-5 3/4
		2. ਖੇਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਨੰਦ ਸਿੰਘ ,, ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ	1-14
		3. ਤੁਲਸੀ ਪੁਤਰ ਧੋਲੂ ,, ਬੇਗੋਵਾਲ	0-5
		4. ਹਰਤੂ ਪੁਤਰ ਗਢੀਲ ,, ,,	1-1/2
		5. ਖਿਆਲੀ ਪੁਤਰ ਊਧੋ ,, ,,	1/2
		6. ਬੇਲੀ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਸਾਉਣ ,, ,,	3-14 1/4
		7. ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਕਿਰਪਾ ਰਾਮ ,, ,,	0-13 1/4
		8. ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸਦੇ ਸਿੰਘ ,, ,,	4-5
		9. ਨਥਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਲਾਭ ਸਿੰਘ ,, ,,	4-2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		10. ਤੇਗੂ ਪੁਤਰ ਕੋਟੀ ਖਾਸ	4-11
		11. ਮੰਗਤੂ ਪੁਤਰ ਘਨੱਈਆ ,, ,,	2-9 1/4
		ਜੋੜ	26-2
ਪੰਡੋਰੀ ਮੂਸ਼ਾ	ਬਚਿਤਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਪੰਜਾਬ ਸਿੰਘ	1. ਧਰਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਗੁਲਜਾਰਾ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਪੰਡੋਰੀ ਮੂਸ਼ਾ	0-8
		2. ਹਰਸਾ ਪੁਤਰ ਸਰਨਾ ,, ,,	0-10
		3. ਦੇਸਾ ਪੁਤਰ ਹਰੀ ਰਾਮ ,, ,,	1-0
		4. ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੰਤਾ ਸਿੰਘ ,, ,,	1-2
		5. ਸੰਤਾ ਪੁਤਰ ਹੁਕਮੀ ਰਾਮ ,, ,,	1-8
		6. ਨਾਨਕ ਪੁਤਰ ਰਾਮ ਦਿਤਾ ,, ,,	1-8
		7. ਜੈਸੀ ਪੁਤਰ ਹੰਸ ਰਾਜ ,, ,,	2-6
		8. ਬਖਤਾਵਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ,, ,,	2-7
		9. ਸਾਧੂ ਪੁਤਰ ਸਰਾਧੂ ,, ,,	2-8
		ਜੋੜ	13-9
ਬਹੁ ਜੋਗਨ	ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਹਰੀ ਚੰਦ ਪਿਸਰਾਂ ਨੱਥੂ ਰਾਮ	1. ਜਮਨਾ ਦਾਸ ਪੁਤਰ ਲਖੂ ਪਾਲ ਪੁਤਰ ਮੋਤੀ ਪਿੰਡ ਬਹ ਜੋਗਨ	0-1/2
		2. ਭਾਗਾ ਪੁਤਰ ਪੂਰਨ ਪਿੰਡ ਭਟੋਲੀ	0-3
		3. ਖੁਸ਼ੀ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਵਜੀਰ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਗਵਾਲ ਚਕ ਸੰਗਰੂ	0-4
		4. ਰਸੀਲੂ ਪੁਤਰ ਊਧੋ ,, ,,	0-4
		5. ਅਮਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਫਤੇਹ ਸਿੰਘ ,, ,,	1-10 1/4
		6. ਰੋਠੂ ਪੁਤਰ ਅਤਰਾ ਪਿੰਡ ਧਾਰ	0-12
		7. ਪਰੇਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਨਾਥੂ ਮਲ ,, ਬਾਕਰਨਪੁਰ	1-0
		8. ਰੁਲੀਆ ਪੁਤਰ ਗੁਜਰ ਮਲ ,, ,,	1-1
		9. ਬਿਆਸੂ ਪੁਤਰ ,, ਧਾਰ	0-6

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

		10. ਨਥੂ ਪੁਤਰ ਰਾਧਾ	ਪਿੰਡ ਫਾਡੇਕਟਵਾਲ	0-6
		11. ਗਧੀਲੂ ਪੁਤਰ ਧੌਲੂ	,, ਤਲਵਾੜਾ	0–6
		12. ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਪਰੇਮ ਸਿੰਘ	,, ਦੇਊਲੀ	0-6
		13. ਰਾਮ ਲੋਕ ਪੁਤਰ ਗੁਰਦਿਆਲ	,, ਤਲਵਾੜਾ	0-6
		14. ਕਿਰਪੂ ਪੁਤਰ ਰਨੂ	,, ,,	0-6
		15. ਦਸੋਂਧੀ ਪੁਤਰ ਰਿੜਕੂ	,, ,,	0-6 1/4
			ਜੋੜ	7-13
ਬੇਗੋਵਾਲ	ਰਾਮ ਸਰਨ ਪੁਤਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ	1. ਬਗੂ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਘਨੀਆ	ਪਿੰਡ ਬਢਾ ਬੜ	0-7 1/4
		2. ਬੇਲੀ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਸਾਉਣ	ਪਿੰਡ ਬਢਾ ਬੜ	3-14 1/4
		3. ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਕਿਰਪਾ ਰਾਮ	ਪਿੰਡ ਬੇਗੋਵਾਲ	0-13 1/4
		4. ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਨੰਦ ਸਿੰਘ	,, ,,	4-5
		5. ਨਾਥਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਲਾਭ ਸਿੰਘ	,, ,,	4-2
		6. ਨਥਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਲਾਭ ਸਿੰਘ	,, ,,	4-2
			ਜੋੜ	17-11 3/4
ਕੌਲਪੁਰ ਕਲਾਂ	ਤਿਖੂ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਸੂਬੇਦਾਰ ਪਰਭੂ ਰਾਮ	1. ਅਮਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸਾਈ ਦਾਸਾ	ਪਿੰਡ ਹਰਦੇਮੰਦਪੁਰ	1-3 1/8
ਫਾੜੇ ਕਟਵਾਲ	ਕੇਸਰਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਮੋਤਾ ਸਿੰਘ	1. ਚੰਦੂ ਪੁਤਰ ਟਿਲੂ ਵਾਸੀ	ਪਿੰਡ ਫਾਡੇਕਟਵਾਲ	0-2
		2. ਦੇਵੀ ਦਿਆਲ ਪੁਤਰ ਗਡਾ ਸਿੰਘ	,, ,,	0-2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

3.	ਰਾਮ ਚੰਦ ਜੈ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੰਤੂ	,; ਫਾੜੇਕਟਵਾਲ	0-2 3/4
4.	ਬਾਸ਼ ਪੁਤਰ ਗੰਗਾ ਰਾਮ ,,	,,	0-3
5.	ਮੁਨਸ਼ੀ ਪੁਤਰ ਦਲੀਪੂ ,,	,,	0-5 1/2
6.	ਦਿਤੂ ਪੁਤਰ ਬਿਸ਼ੂ ,,	,,	0-6 3/4
7.	ਕਰਮੂ ਪੁਤਰ ਸੰਤ ਦਾਸ ,,	,,	0-8
8.	ਕਰਮ ਸਿੰਘ ਕਿਰਪਾ ਸਿੰਘ ,,	,,	0-11
9.	ਮਿਹਰ ਸਿੰਘ ਮੂਸ਼ਾ ਸਿੰਘ ,,	,,	0-11 1/2
10.	ਬਿਹਾਰੀ ਪੁਤਰ ਨੱਥੂ ,,	,,	1-0
11.	ਦਲੀਪੂ ਪੁਤਰ ਮੱਟੂ ,,	,,	1-0
12.	ਕਿਸ਼ਨਾ ਪੁਤਰ ਲਛਮਣ ,,	,,	1-3 1/2
13.	ਧਨੂ ਪੁਤਰ ਕਿਰਪਾ ,,	,,	1-5 1/2
14.	ਬਾਬੂ ਪੁਤਰ ਲਖੂ ,,	,,	1-12
15.	ਸੁਖਦੇਵ ਪੁਤਰ ਬੇਲੀ ,,	,,	0-13
16.	ਖੁਸ਼ੀਆ ਪੁਤਰ ਭਗਤ	ਪਿੰਡ ਗਾਜ਼ੀਪੁਰ	0-1 3/4
17.	ਜਗਤੂ ਪੁਤਰ ਭਗਤ ਰਾਮ ,,	,,	0-3 1/4
18.	ਅਮਰ ਨਾਥ ਪੁਤਰ ਭਗਤ ਰਾਮ ,,	,,	0-2 1/4
19.	ਧਨਾ ਪੁਤਰ ਕਿਰਪਾ	ਪਿੰਡ ਸਰੁਆਨਾ	0-7 1/2
20.	ਰੰਗੀਲਾ ਪੁਤਰ ਨਿਕੂ	ਪਿੰਡ ਫਾੜੇਕਟਵਾਲ	0-5 1/4
21.	ਲਛੂ ਪੁਤਰ ਵਜ਼ੀਰਾ ,,	,,	0-2 1/4
22.	ਮੁਨਸ਼ੀ ਪੁਤਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ ,,	,,	0-5 1/2
23.	ਬਿਹਾਰੀ ਪੁਤਰ ਬੋਹੜੂ ,,	,,	2-8
24.	ਰੰਗੀਲਾ ਪੁਤਰ ਨਾਨਕ ,,	,,	0-8 1/2
25.	ਅਮੀ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਹਰਨਾਮਾ ,,	,,	0-9

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

		26.	ਮੁਨਸ਼ੀ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬਲਦੇਵ ਸਿੰਘ ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਗਢੇਲ	ਪਿੰਡ ਢਾਡੇਕਟਵਾਲ	0-11
		27.	ਗੁਰੋ ਪੁਤਰ ਢਿਲੂ ਪਿਸ਼ਰਾਨ	,, ,,	0-13 1/2
		28.	ਬਾਬੂ, ਫੁਮਣ ਬੁੜੀਆਂ	,, ,,	1-4
		29.	ਜਗਦੀਸ਼ ਪੁਤਰ ਰਲਾ	,, ,,	1-4
		30.	ਦੀਵਾਨ ਸਿੰਘ ਬੰਤੂ ਗਿਰਧਾਰੀ ਤੇਜਾ ਮਿਸ਼ਰਾਂ		1-3 1/2
		31.	ਬੀਰੂ ਪੁਤਰ ਮੰਗਤੂ	,, ,,	1/4 3/4
		32.	ਦਲੀਪੂ ਪੁਤਰ ਮਟੂ	,, ,,	1-5
		33.	ਕਸ਼ਮੀਰੀ ਪੁਤਰ ਦੇਵੀ ਦਿਆਲ	,, ,,	1-5 1/4
		34.	ਫੁਮਣ ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ	,, ,,	1-11 1/2
		35.	ਸੁਖਦੇਵ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬੇਲੀ	,, ,,	1-6
		36.	ਗੰਡਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਦੇਵੀ ਦਿਆਲ	,, ,,	1-12
		37.	ਸਾਧੂ ਪੁਤਰ ਜੈ ਕਰਨ	,, ,,	1-14 1/4
		38.	ਗੁਰਦਿਤਾ ਪੁਤਰ ਪਾਲਾ	,, ,,	2-1
		39.	ਗੁਰੋ ਪੁਤਰ ਫੁਮਣ	,, ,,	2-10 3/4
		40.	ਸੀਗੂ ਪੁਤਰ ਨਿਹਾਲਾ	,, ,,	2-11
		41.	ਸਾਧੂ ਪੁਤਰ ਸੌਂਕੂ	,, ,,	1-9 3/4
		42.	ਸੌਂਕੂ ਪੁਤਰ ਨਾਨਕ	,, ,,	1-9 3/4
				ਜੋੜ	47-10 3/4
ਸ਼ਿਬੋ ਚੱਕ ਮਸ਼ਮੂਲਾ ਸੰਧਵਾਲ	ਬਲਦੇਵ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਅਨੂਪ ਸਿੰਘ	1.	ਮਿਕੂ ਪੁਤਰ ਸੋਹਨੂੰ	ਪਿੰਡ ਪੂਰੋ ਚੱਕ	0-2 1/2
		2.	ਹਰੀਆ ਪੁਤਰ ਗੁਲਾਬਾ ਦੌਲਤ ਪੁਤਰ ਸੰਕਰ	,, ,,	0-4
		3.	ਬਾਬੂ ਪੁਤਰ ਸ਼ੇਰੂ	,, ,,	0-6 1/4
		4.	ਕਾਂਸ਼ੀ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਕਿਰਪਾ	,, ,,	0-10 1/4
		5.	ਬਿਹਾਰੀ ਪੁਤਰ ਸ਼ਿਆਪਾ	,, ,,	0-14 1/2
		6.	ਵਜ਼ੀਰ ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ	,, ,,	1-6 3/4

Orig nal with;
Pun b Vidhan Sabha
Digi zed by;
Panj

7.	ਮਹਿੰਗਾ, ਗਿਆਨ ਪੁਤਰ ਕੂੜਾ	,, ,,	1-9
8.	ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਮੰਗੂ ਮਸ਼ਤ ਪੁਤਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ	ਪਿੰਡ ਭਮਨਾਲ	1-11 3/4
9.	ਦਮੜੂ ਪੁਤਰ ਬਰੜੂ	ਪਿੰਡ ਪੂਰੋ ਚੱਕ	2-6 1/2
10.	ਮੰਗੂ ਪੁਤਰ ਲਹਿਲਾਂ	,, ਸਰਆਨਾ	1-6 1/2
11.	ਚੰਦ ਕਿਸ਼ਨਾ ਪਿਸ਼ਰਾਂ ਕਿਰਪਾ	,, ,,	0-8 1/2
12.	ਪਿਰਥੀ ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ ਸੁਦਾਮਾਂ ਪੁਤਰ ਪਾਲੂ	,, ,,	1-5 3/4
13.	ਮੀਂਹੂ ਪੁਤਰ ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ	ਪਿੰਡ ਕਲੋਵਾਲ	1-8
14.	ਧਨੂ ਪੁਤਰ ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ	ਪਿੰਡ ਬੇਲਾ ਸਰਆਨਾ	1-11
15.	ਬਾਵਾ ਪੁਤਰ ਹਰੀਆ	,, ,,	2-9 3/4
16.	ਗੁਰਦਾਸ ਪੁਤਰ ਛੱਜੂ	,, ਕਲੋਵਾਲ	3-1
17.	ਕਾਰਡੂ ਪੁਤਰ ਨਾਮਾਂ	,, ਅਜਮੇਰ	7-1 1/2
18.	ਗੰਢੀਲ ਪੁਤਰ ਰੇਛੂ	,, ਸਰਆਨਾ	1-3 3/4
19.	ਮਿਲਖੀ ਪੁਤਰ ਫੁਮਣ	,, ,,	1-3 3/4
20.	ਭਗਤ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਪੋਹਲੋ	,, ਲਲੋਤਾ	1-3
21.	ਖੁਸ਼ਹਾਲਾ	,, ,,	1-3
22.	ਮਿਲਖੀ ਪੁਤਰ ਸੌਕੂ	,, ,,	1-3
23.	ਖੁਸ਼ੀਆ ਪੁਤਰ ਛੱਜੂ	,; ਗੇਰਾ	1-5
24.	ਰੂੜਾ ਪੁਤਰ ਕੇਸੂ	,, ,,	1-5
25.	ਸੰਤੂ ਪੁਤਰ ਸੰਗਾਰਾ	,, ਲੁਧਆੜੀ	1-5 1/4
26.	ਨਿਕਾਰਾਮ ਪੁਤਰ ਜੀਤੂ ਰਾਮ	,, ਭਮਨਾਲ	0-1/2
27.	ਅਛਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਖ਼ਜਾਨਾ	,, ,,	3-12
28.	ਮਲਾਵਾ ਪੁਤਰ ਭੀਖੋ	,, ,,	2-15 3/4
29.	ਹਜਾਰਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਦੇਵਾ ਸਿੰਘ	ਪਿੰਡ ਜਲਾਲਾਂ	0-11 1/2
30.	ਮਹਿੰਗਾ ਪੁਤਰ ਕਿਰਪਾ ਢੇਰੂ ਪੁਤਰ ਲਛੂ	ਪਿੰਡ ਸੰਗਕੋਤਰਾਲ	3-12 3/4
31.	ਭਗਤਾ, ਬੰਤਾ, ਧਰਮੂ, ਕੇਹਰ ਪਿਸ਼ਰਾਨ ਸ਼ੀਹੂ	ਪਿੰਡ ਸਹੌੜਾ	0-8
32.	ਜੈਸੀ ਪੁਤਰ ਦੀਵਾਨ	ਸਹੀ ਪਿੰਡ	0-7
33.	ਲੱਗੂ ਪੁਤਰ ਗੁਰਦਿਤਾ	,, ,,	0-7
34.	ਧਰਮਾਂ ਪੁਤਰ ਹਭਲ	,, ,,	0-14

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

35.	ਮਨੀ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਕੂੜਾ ਰਾਮ	,,	,,	0-14
36.	ਮਿਲਖੀ ਪੁਤਰ ਰੂੜਾ	,,	,,	1-5
37.	ਚਰੰਜੀ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਰਾਘੋ ਰਾਮ	,,	,,	1-5
38.	ਕੇਸਰ ਪੁਤਰ ਜੰਗੀ	,,	,,	1-5
39.	ਰਸੀਲੂ ਪੁਤਰ ਮਾੜੂ	,,	,,	1-10 1/4
40.	ਗੋਕਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਚੰਨਣ ਸਿੰਘ	ਪਿੰਡ ਸੰਧਵਾਲ		0-9
41.	ਕਰਤਾਰ ਪੁਤਰ ਅਰਜਨ ਸਿੰਘ	,,	,,	0-9 1/4
42.	ਸੇਵਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਭਗਤ	,,	,,	0-14
43.	ਚੂਹੜ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਮੀਹਾਂ	ਪਿੰਡ ਸਿਬੋਚੱਕ		1-1 1/4
44.	ਮੰਗਤ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਛਜੂ	ਪਿੰਡ ਨੁਸ਼ੈਹਰਾ ਚਿਮਨੀ		0-2 3/4
45.	ਰਸੀਲੂ ਪੁਤਰ ਰੋਡਾ	ਪਿੰਡ ਅਜਮੇਰ		0-8 1/4
46.	ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਕਾਂਸ਼ੀ ਰਾਮ	,,	,,	1-8 1/4
47.	ਕਰਤਾਰਾ ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ	ਪਿੰਡ ਜਲਾਲਾ		0-9 1/2
			ਜੋੜ	56-3 1/4

ਮੁਹੀਉਲ ਦੀਨ ਪਰ ਦਲੇਲ	ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਬਲਦੇਵ ਸਿੰਘ ਮਿਸਰਾਂ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ	1.	ਸੰਤ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਪਾਲਾ	ਪਿੰਡ ਕਾਲੇ ਬਾਗ		2-13
		2.	ਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਮਲ ਸਿੰਘ	ਪਿੰਡ ਮਨਸੂਰ ਪੁਰ		3-12
		3.	ਹਾਕੋ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਨਾਨਕ ਰਾਮ	ਪਿੰਡ ਮਹੀ ਉਲਦੀਨਪੁਰ		1-15
		4.	ਕਰਤਾਰਾ ਪੁਤਰ ਮਾੜੂ ਰਾਮ	,,	,,	1-15
		5.	ਜੋਰਾਵਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਰਣਜੀਤ ਸਿੰਘ	,,	,,	2-3 1/2
		6.	ਫਕੀਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ	,,	,,	1-14
					ਜੋੜ	14-8 1/2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਪਲੌਰ	ਜਗਦੀਸ਼ ਰਾਮ ਭੰਬੀ ਰਾਮ ਪਿਸਰਾਨ ਪੋਲੋ ਰਾਮ	1. ਚੇਤ ਰਾਮ	ਪਿੰਡ ਚੰਦਵਾਲ	0-14 3/4
		2. ਦੌਲਤ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਭੋਇਆ	,, ,,	1-3/4
		3. ਧਰਮੋਂ ਪੁਤਰ ਬਾਬੂ	,, ,,	1-3/4
		4. ਧਨੂ ਪਬਤ ਪੁਤਰ ਪ੍ਰੇਮਾ	,, ,,	0-9 1/4
		5. ਲੱਭੂ ਪੁਤਰ ਲਛਮਣ	,, ,,	0-10
		6. ਮਸਤੂ ਪੁਤਰ ਛੰਗਣ	,, ,,	0-13
		7. ਵਰਆਮ-ਬਤਨਾ ਪਿਸਰਾਨ ਨਿਲੂ ਬਹਿਸਾ ਬਰਾਬਰ		0-7 3/4
ਪਲੋਹਰ ਮਜਕਰ	ਜਗਦੀਸ਼ ਰਾਮ ਵਗ਼ੈਰਾ ਮਜਕਰ	8. ਖੁਸ਼ਾਲ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਸੰਗੂ	ਪਿੰਡ ਮੀਰਪੁਰ	1-2
			ਜੋੜ	6-10 1/4
ਜਮਾਲ ਪੁਤਰ ਕਲਾਂ	ਅਮੀ ਚੰਦ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ	1. ਸਵਰਨ ਸਿੰਘ-ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ-ਰਤਨ ਸਿੰਘ ਪਿਸਰਾਨ ਬਾਰੂ ਰਾਮ	ਪਿੰਡ ਦਸੂਹਾ	4-8 3/4
ਮਹੀਉਲ ਦੀਨ ਪੁਰ	ਬਲਦੇਵ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਰਘਨਾਥ ਸਿੰਘ	1. ਚਤਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬੂਟਾ ਸਿੰਘ	ਪਿੰਡ ਪਵਾਰ	0-2
		2. ਮੰਗਲ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਡੇਂਦੂ	ਮਕੇਰੀਆਂ	1-1 3/4
		3. ਭਗਤ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਦਲਬਾਗ ਸਿੰਘ	ਪਿੰਡ ਪਵਾਰ	1-6 1/2
		4. ਮੁਨਸ਼ੀ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਬਾਗ ਸਿੰਘ	,, ,,	3-2 1/2
			ਜੋੜ	5-12 3/4
ਭੰਗਾਲਾ	ਤਾਰਾ ਦੇਵੀ ਵਿਧਵਾ ਭਗਤ ਸਿੰਘ	1. ਕੇਹਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਦੇਹਲ ਸਿੰਘ	ਪਿੰਡ ਭੰਗਾਲਾ	0-2
		2. ਸ਼ਾਦੀ ਪੁਤਰ ਹਰੀਰਾ	,, ,,	0-2 1/4
		3. ਰੂਨੀ ਪੁਤਰ ਕਾਲੂ	,, ,,	0-4 1/4
		4. ਬਸਾਖੀ-ਬਲਾਕੀ ਪਿਸਰਾਨ ਗੋਪੀ	,, ,,	0-6 1/2
		5. ਕਾਂਸ਼ੀ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਹਰੀ	,, ,,	0-6 1/2
		6. ਸਾਂਝੀ ਪੁਤਰ ਖੁਸ਼ੀਆ	,, ,,	0-7 1/2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

		7.	ਖਜਾਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬੀਰ	,, ,,	0-7 1/2
		8.	ਹੁਸ਼ਿਆਰਾ-ਅਛਰ-ਸਰਧਾ-ਮਲਖੀ ਪੁਤਰ ਮੰਗੂ	,, ,,	0-11 1/2
		9.	ਭੀਖੋ ਪੁਤਰ ਭਗਤ ਰਾਮ	,, ,,	1-2
		10.	ਹੀਰਾ ਪੁਤਰ ਜਮਾਂ	,, ,,	1-14 3/4
		11.	ਛਜੂ ਪੁਤਰ ਆਜਜ਼	,, ,,	2-4 1/2
		12.	ਚੈਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਲਾਭ ਸਿੰਘ	ਪਿੰਡ ਪਵਾਰ	2-5 1/4
		13.	ਬੁਧੂ ਪੁਤਰ ਮਰਚੋ	ਪਿੰਡ ਭੰਗਾਲਾ	2-8 1/2
		14.	ਰਵਲੋ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬੁੱਢਾ ਸਿੰਘ		2-11 1/4
		15.	ਸੇਵਾ ਸਿੰਘ, ਗੁਰਬਚਨ ਸ਼ਿੰਘ ਪੁਤਰ ਲਾਭ ਸਿੰਘ		5-5
		16.	ਪੰਜਾਬੋ ਪੁਤਰ ਭੀਖਮ ਪਿੰਡ ਭਗਾਲਾ		3-6
		17.	ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਹਰੀ ਸਿੰਘ	ਪਿੰਡ ਨਾਹਰਪੁਰ	0-2 1/2
		18.	ਮਘਰੂ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਮਿਤ ਸਿੰਘ	,, ,,	0-5 1/2
		19.	ਮਹਿੰਗਾ ਪੁਤਰ ਲਛਮਣ	,, ,,	0-10 1/2
				ਜੋੜ	24-9 1/2
ਮੁਸਾਹਬਪੁਰ	ਅਮੀਚੰਦ ਪੁਤਰ ਸ਼ਾਂਤੀ ਚੰਦ	1.	ਦਾਰਾ ਪੁਤਰ ਭਜਨੂ	ਪਿੰਡ ਮਸਾਹਿਬਪੁਰ	0-4 1/4
		2.	ਰਤਨ ਪੁਤਰ ਕੇਸਰ	,, ,,	0-5
		3.	ਸੰਸਾਰ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਗੁਲੂ ਰਾਮ	,, ,,	0-5 3/4
		4.	ਬਾਬੂ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਮਾਧੋ ਰਾਮ	,, ,,	0-7 3/4
		5.	ਇੰਦਰ ਪੁਤਰ ਬਾਂਕਾ	,, ,,	0-13
		6.	ਮੁਨਸ਼ੀ ਪੁਤਰ ਗੋਨੀ ਰਾਮ	,, ,,	0-6 1/4
					2-10 1/4
ਧਰਮ ਸਾਲ	ਮੂਹੰਤ ਲਕਸ਼ਮੀਧਰ ਪੁਤਰ ਮਹੰਤ ਕਿਸ਼ਨ ਦੇਵ	1.	ਧਨੂ ਪੁਤਰ ਸੁਰਮੀ	ਪਿੰਡ ਬਹਤੀਰ	0-6 1/2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

2.	ਚੂਨੀ ਪੁਤਰ ਕਿਰਪਾ	,,	,,	0-4 1/2
3.	ਪਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਬੋਧਰਾਜ ਪੁਤਰ ਜਮਨਾਦਾਸ ਕਰਮ ਬੀਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਕਿਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ	,,	,,	0-3 3/4
4.	ਨਥੂ ਰਾਮ ਪੁਤਰ	,,	,,	0-1 1/2
5.	ਕਾਂਸ਼ੀ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਸੋਹਨੂੰ	,,	,,	0-1 1/2
6.	ਭਗਤ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਭਜਨਾ, ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਹਮੀਰ ਸਿੰਘ	,,	,,	0-2 1/2
7.	ਅਛਰੂ ਪੁਤਰ ਦੌਲਾ ਦੇਈਆ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਨਕੇਲੂ	,,	,,	0-1 3/4
8.	ਹਰੀਆ ਪੁਤਰ ਸੰਦਰ	,,	,,	0-1 1/4
9.	ਰੁਘਨਾਥ ਸਿੰਘ ਪਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਘ..ੀਆ	ਪਿੰਡ ਬਹ ਲਖਨ		0-2 1/2
10.	ਦੇਇਆ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੁਚੇਤੂ	,,	,,	0-1 3/4
11.	ਧਰਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਮੰਗਾ ਰਾਮ ਨਧਾਨਾ ਪੁਤਰ ਧਨੂੰ	,,	,,	0-1 1/2
12.	ਧਰਮੀ, ਮਥਰੂ ਪੁਤਰ ਸੰਕੂ ਨਧਾਨਾ ਪੁਤਰ ਧੰਨੂੰ	,,	,,	0-1 1/2
13.	ਰੇਲੂ, ਸਾਧੂ ਤੰਕਾ ਪੁਤਰ ਮੇਘਾ ਸੁਦਾਮਾ ਪੁਤਰ ਮੋਜਾ ਘਨੂੰਈਆ ਪੁਤਰ ਬੂਟਾ			0-1/2
14.	ਰਾਏ ਸਿੰਘ ਖਿਆਲੀ ਸੰਧੀਆ ਦਾਸ ਪੁਤਰ ਜ਼ਾਲਮ ਪਿੰਡ ਕਲੋਤਾ			0-6 1/4
15.	ਲਛਮਣ ਮਾੜੂ ਪੁਤਰ ਕਿਰਪਾ ਪਿੰਡ ਕਲੋਤਾ			0-4 1/2
16.	ਪਰਕਾਸ਼ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਪੁਤਰ ਨਥੂ ਰਾਮ ਗਿਆਨ ਪੁਤਰ ਸਾਧੂ ਹਰਨਾਮ ਪੁਤਰ ਅਛਰ			0-1 1/2
17.	ਪੰਜਾ ਉਧਮ ਪੁਤਰ ਮਈਆ			0-3
18.	ਉਂਕਾਰ ਸਿੰਘ ਜੀਤ ਸਿੰਘ ਮਸਤ ਰਾਮ ਸਿੰਘ ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਮਿਸਰਾਂ ਬੈਰਾਗੀ ਪਿੰਡ ਕਲੋਤਾ			0-1 3/4
19.	ਬਚਨ ਸਿੰਘ ਜਗਨ ਨਾਥ ਪੁਤਰ ਰਾਜ ਪਿੰਡ ਕਲੋਤਾ			0-1

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

20.	ਰਾਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਭੋਂਡਾ ਪਿੰਡ ਧਲਾਹਰ	0-11
21.	ਭਗਵਾਨ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ,,	0-5 1/4
22.	ਸੀਤਾ ਰਾਮ ਬਖਸ਼ੀ ਪੁਤਰ ਘਸੀਟਾ ,,	0-4 1/2
23.	ਉਧਮ ਸਿੰਘ ਰਣ ਸਿੰਘ ਸੁਦਾਗਰ ਪੁਤਰ ਸੁਦਾਗਰ ਸ਼ਿਰੀ ਅਛਰੂ ਵਿਧਵਾ ਕਾਂਸ਼ੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਜਗਨ ਨਾਦਰ ਬਾਬੂ ਪਾਲਾ ਪੁਤਰ ਸਦਾਮਾ ਪਿੰਡ ਧਲਾਗਰ	0-1 3/4
24.	ਰਾਮ ਲਕੋ ਪੁਤਰ ਗੁਰਦਿਤਾ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਮੁਹੰਤੀ ਵਿਧਵਾ ਲਾਹੜੂ ਨੱਥੂ ਪੁਤਰ ਕਾਸ਼ੀ	0-3 1/2
25.	ਛੰਗਣ ਪੁਤਰ ਧਨੀ ਰਾਮ ਗਿਆਨ ਦਸੋਂਧੀ ਪੁਤਰ ਬਾਲੂ ਪਿੰਡ ਧਲਾਹਰ	0-3 1/4
26.	ਦਲੀਪ ਪੁਤਰ ਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਬੰਤਾ ਸੰਤਾ ਪੁਤਰ ਗਹਦੋ ਹਿਸਾ ਬਰਾਬਰ ,,	0-5 1/2
27.	ਖੁਸ਼ੀ ਰਾਮ ਸੰਤ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਦਸੋਂਧੀ ,,	0-4 1/4
28.	ਹਾਕੋ ਪੁਤਰ ਰਾਜਨ ਪੁੰਨੂ	0-1
29.	ਹਾਕੋ ਬੰਤਾ ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ ਠੁਨੀਆਂ ਹਰਨਾਮ ਕਾਂਸ਼ੀ ਚੌਧਰੀ ਪੁਤਰ ਨੱਥੂ ,,	0-3 1/2
30.	ਛਜੂ ਰਾਮ ਰਾਮ ਸ਼ਰਨ ਜੈਕਸਨ-ਬਿਰਜੂ ਪੁਤਰ ਨਾਹਰਾ ,,	0-2 3/4
31.	ਜਗਤੂ ਮਸਤੂ ਮੀਹੂੰ ਪੁਤਰ ਖੁਸ਼ੀਆ ਧਰਮ ਸਿੰਘ ਧਿਆਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਖੁਸ਼ੀਆ ,,	0-1/2
32.	ਤਾਰਾ ਚੰਦ ਦੇਸ ਰਾਜ ਪਰਸੀ ,,	0-੧ 1/2
33.	ਤਾਰਾ ਚੰਦ ਦੇਸ ਰਾਜ ਬਿਰਜ ਲਾਲ ਪੁਤਰ ਲੇਖੂ ,,	0-4 1/2
34.	ਬਾਬੂ ਪੁਤਰ ਭਗਤਾ ,, ,,	0-1/2
35.	ਭਗਤੂ ਉਮੀ ,, ,,	6-1
36.	ਵਜੀਰ ਪੁਤਰ ਖਲੌਨਾ ,, ,,	0-1/4
37.	ਹਾਕੋ ਪੁਤਰ ਗਜਨ ਮਾੜੂ ਪੁਤਰ ਲੱਦੂ ,, ,,	0-3/4
38.	ਕੇਹਰੂ, ਪ੍ਰੀਤੂ ਤਾਰ ਵਜੀਰਾ ਪੁਤਰ ਖਲੋਨਾ ਪਿੰਡ ਧਲਾਹਰ	0-4 1/2
39.	ਲਟਕਨ ਢੁਮਨ ਪੁਤਰ ਗੰਡਾ ਪਿੰਡ ਬਟਵਾਰਾ	0-1 1/4

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

	40.	ਮਿਲਖੀ ਪੁਤਰ ਖੜਕੂ	,,	,,	0-11 3/4
	41.	ਕਲੀ ਰਾਂਮ ਸਮਰੂ ਕੁੰਡ	,,	,,	0- 3/4
	42.	ਕੰਠੂ ਪੁਤਰ ਰੇਲੂ ਢੋਲੀ ਪੁਤਰ ਜੈ ਸਿੰਘ	,,	,,	0-3
	43.	ਕਿਹਰੂ ਪੁਤਰ ਜੈ ਸਿੰਘ ਤਿਖੂਵਜੀਰਾ ਤਾਰੂ ਪੁਤਰ ਖਲੋਨਾਂ	,,	,,	0-1
	44.	ਕੇਹਰੂ ਪੁਤਰ ਫੁਮਣ	,,	,,	0-1
	45.	ਸ਼ੇਰੂ ਖਲੋਨਾ ਪੁਤਰ ਲੈਹਨਾ		,,	0-1/2
	46.	ਧਨਾਂ ਮੈਤਨਾ, ਅਮੀਂ ਚੰਦ ਮਾੜੂ ਪੁਤਰ ਖੜਕੂ ਹਿਸਾ ਬਰਾਬਰ		,,	0-4 1/4
					11-1 1/2

ਹਾਜੀ-ਪੁਰ ਤਾਰਾ ਚੰਦ ਪ੍ਰਕਾਸ ਚੰਦ	1.	ਹਰੀ ਪੁਤਰ ਮਲਹੂ	ਪਿੰਡ ਬੇਲਾ ਸਰਆਨਾ		2-13
ਉਂਕਾਰ ਚੰਦ ਮੁਹਿੰਦਰ ਚੰਦ	2.	ਧਰਮੂ ਪੁਤਰ ਲੌਗੂ	ਪਿੰਡ ਗੇਰਾ		3-3 1/4
ਪਿਸਰਾਂ ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਚੰਦ	3.	ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਲੈਹਨੂੰ	,,	,,	3-4
	4.	ਬੰਤਾ ਪੁਤਰ ਸ਼ੰਤੂ	ਬੇਲਾ ਸਰਆਨਾ		3-6
	5.	ਗੁਰਦਿਤਾ ਪੁਤਰ ਸੰਗਾਰਾ	,,	,,	3-6
	6.	ਹਰੀ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਹੀਰਾ	,,	,,	3-6
	7.	ਝੰਡੂ ਪੁਤਰ ਮਟੂ	,,	,,	3-6
	8.	ਕੁਲੀਦ ਪੁਤਰ ਮਟੂ	,,	,,	3–6
	9.	ਮਿਲਖੀ ਪੁਤਰ ਬਿਰਜੂ	,,	,,	3-6
	10.	ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ ਪੁਤਰ ਮੇਲੂ	,,	,,	3-6
	11.	ਬਤਨਾ ਪੁਤਰ ਸਰਨੂੰ	,,	,,	3-6
	12,	ਭਾਈਉ ਪੁਤਰ ਜੇਸੀ	ਪਿੰਡ ਘੋਗਰਾ		3-6
	13.	ਮਸਤੂ ਪੁਤਰ ਲਭੂ	ਪਿੰਡ ਉਲਾਹਾ		3-6
	14.	ਮੁਸ਼ੀ ਪੁਤਰ ਸੁਰਮੀ	,,	,,	3-6
	15.	ਪੁਨੂੰ ਪੁਤਰ ਲੱਖੂ	,,	,,	3-6
	16.	ਰਸੀਲ ਪੁਤਰ ਸ਼ੌਕੂ	,,	,,	3-6
	17.	ਰਤਨਾ ਪੁਤਰ ਢੀਰੂ	,,	,,	3–6
	18.	ਬਤਨਾ ਪੁਤਰ ਸ਼ੌਕੂ	,,	ਤੰਦਵਾਲ	3-6
	19.	ਵਰਆਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸ਼ੌਕੂ	,,	,,	3–6

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

	20.	ਬੰਤਾ ਪੁਤਰ ਲੌਂਗੂ	,, ਗੇਰਾ	3-6
	21.	ਧਰਮੂ ਪੁਤਰ ਲੌਂਗੂ	,, ,,	3-6
	22.	ਰਸਾਲੂ ਪੁਤਰ	,, ,,	3-6
	23.	ਗਟੂ ਪੁਤਰ ਜੈਸੀ ਪੁਤਰ ਸ਼ੌਕੂ	ਪਿੰਡ ਗੇਰਾ	4-6 3/4
	24.	ਕਾਂਸੀ ਪੁਤਰ ਨਕੈਲੂ ਸ਼ੌਂਕੂ	ਪਿੰਡ ਉਲਾਹਾ	4-6 3/4
	25.	ਮੰਗਤਾ ਪੁਤਰ ਰੂੜਾ	,, ,,	4-8 3/4
	26.	ਤਿੜੂ ਪੁਤਰ ਢੀਂਡੂ	,, ,,	4-2 1/2
		ਰਾਮ		4-2 1/2
	27.	ਸਮਿਤਰਾਂ ਰਾਨੀ ਵਾਲਦਾ ਵੀਰੇਂਦਰ ਚੰਦ	ਪਿੰਡ ਹਾਜੀਪੁਰ	5-0
	28.	ਸਤਿਆ ਰਾਨੀ ਵਲਦਾ ਸੀਤਲ ਕੁਮਾਰ	,, ,,	5-0
	29.	ਸੁਦੇਸ਼ ਕੁਮਾਰੀ ਵਾਲਦਾਵ ਨੋਦ ਕੁਮਾਰ	,, ,,	5-0
	30.	ਰਜਨੀ ਦੇਵੀ ਵਲਦ ਰਾਕੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ	,, ,,	5-0
	31.	ਰਾਮ ਲਾਲ ਪੁਤਰ ਬਾਲਕ ਰਾਮ	,, ,,	5-0
	32.	ਸ਼ੰਕਰ ਦਾਸ ਪੁਤਰ ਬਾਲਕ ਰਾਮ	ਪਿੰਡ ਤਲਵਾੜਾ	5-0
		ਜੋੜ		119-5
ਸਰਆਨਾ ਹਰਜਸ਼ ਰਾਏ ਪੁਤਰ	1.	ਜਗਤ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਮਾੜੂ	ਪਿੰਡ ਸਰਆਨਾ	3-10 1/4
ਈਸ਼ਰੀ ਦੇਵੀ ਵਿਧਵਾ	2	ਧਰਮ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਮੀਹਾਂ	,, ,,	0-2
ਭਗਵਾਨ ਦਾਸ ਚਰਨਜੀਤ	3.	ਸਾਉਨ ਪੁਤਰ ਮਦਾਰੀ	,, ,,	0-10
ਰਾਏ ਪੁਤਰ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ	4.	ਕਾਂਸ਼ਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਲਛਮਨ		
ਕ੍ਰਿਸ਼ਨਾ ਵਤੀ ਵਿਦਿਆ		ਸਿੰਘ	,, ,,	0-12 1/2
ਵਤੀ ਪਤਨੀ ਹਰਜਸ਼	5.	ਸਰਨਾ ਪੁਤਰ ਮੰਗੂ	,, ,,	0-13 1/2
ਰਾਏ ਹਰਪਾਲ ਹਿਸਾ	6.	ਫੱਤਾ ਪੁਤਰ ਗੋਪੀ	,, ,,	0-13 3/4
ਬਰਾਬਰ	7.	ਨਿਕਾਰਾਮ ਪੁਤਰ ਮੀਹੂ	,, ,,	1-11 1/4
	8.	ਬਾਰੂ ਪੁਤਰ ਸੰਤੂ	,, ,,	2-1 1/4

Orig al with;
Pun b Vidhan Sabha
Dig ed by;
Pan Digital Library

9.	ਸ਼ੰਦਕਰ ਪੁਤਰ ਮੀਹੂ	ਪਿਪ	ਸਰਆਨਾ	2/3
10.	ਮੰਗਲ ਪੁਤਰ ਖੁਸ਼ੀਆ	,,	,,	0-7 1/2
11.	ਉਧੂ ਪੁਤਰ ਲਾਡਾ	,,	,,	0-15
12.	ਆਤਮਾ ਪੁਤਰ ਠੁਨੀਆਂ	,,	,,	0-15
13.	ਰਾਮ ਹੱਖਾ ਪੁਤਰ ਐਕਰ	,,	ਝੰਗ	0-3 1/4
14.	ਝੰਗਾ ਪੁਤਰ ਭਗਤੂ	,,	,,	0-3 3/4
15.	।ਪ੍ਥ। ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ	,,	,,	0-4
16.	ਦੇਵੀਦਿਤਾ ਪੁਤਰ ਸੋਹਨੂੰ	,,	,,	0-7 3/4
17.	ਨਾਨਕ ਪੁਤਰ ਸ਼ੁਰਮੀ	,,	,,	0-9
18.	ਸਰਨੂੰ ਪੁਤਰ ਘਨੇਈਆ	,,	,,	0-11 3/4
19.	ਫਕੀਰ ਪੁਤਰ ਦਲੂ	,,	,,	0-12
20.	ਨਾਨਕ ਪੁਤਰ ਮੀਹੂ	,,	,,	0-14 1/2
21.	ਪਿਰਥੀ ਕਰਤਾਰਾ ਪੁਤਰ ਤੁਲਸੀ		,,	1-1 1/2
22.	ਰਾਮ ਚੰਦ ਜੈ ਸਿੰਘ ਮਲਕੀਤ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਜਮਾਲ ਪੁਰ			1-1 3/4
23.	ਕਲੀਦੂ ਪੁਤਰ ਬੂਟੂ ਸੇਦੇ ਪੁਤਰ ਲਾਲੂ	ਪਿੰਡ	ਝੰਗ	1-3 3/4
24.	ਗਿਆਨ ਪੁਤਰ ਸੁਚਮੀ	,,	,,	1-4 1/4
25.	ਖਲੋਨੂ ਪੁਤਰ ਮੀਹੂੰ	,,	,,	1-7 1/4
26.	ਪੁਨੂੰ ਪੁਤਰ ਲਛੂ	,,	,,	1-7 1/2
27.	ਢਿਲੂ ਪੁਤਰ ਟਾਲੂ	ਪਿੰਡ	ਝੰਗ	1-10
28.	ਲਭੂ ਪੁਤਰ ਬੰਕਾ	,,	,,	1-12
29.	ਦਲੀਲ ਪੁਤਰ ਬਾਬੂ	,,	,,	1-12 1/2
30.	ਤੁਲਸੀ ਪੁਤਰ ਲਭੂ	,,	,,	1-13
31.	ਮਿਹਰੂ ਪੁਤਰ ਸੰਧੀ	,,	,,	2-14
32.	ਮੁਂਸ਼ੀ ਪੁਤਰ ਡਾਹਡੂ	,,	,,	2-11 1/2
33.	ਸਾਪੂ ਪੁਤਰ ਖੁਸ਼ੀਆ	ਪਿੰਡ	ਸਰਆਨਾ	4-1
34.	ਕੇਹਰੂ ਪੁਤਰ ਮਖਨ	,,	,,	1-3 3/4
35.	ਮੰਗਤ ਪੁਤਰ ਰੂੜਾ ਚੂਹਾਰਮ ਬਚਨਾ ਚੂਹਾਰਮ ਸਾਧੂ ਪੁਤਰ ਜੀਤੂ ਚੂਹਾਰਮ ਗੰਡੂ ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ ਚੂਹਾਰਮ	,,	,,	0- 3/4

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

		36.	ਪ੍ਰੀਤਮ ਪੁਤਰ ਬੇਲੀ	ਪਿੰਡ ਸਰਆਨਾ	0-5 1/4
		37.	ਸਤਪਾਲ ਸਿੰਘ ਮਦਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੰਤਰਾਮ ਪਿੰਡ ਝੰਗ	,, ,,	2-6 3/4
		37.	ਜਗਤਾ ਮਨਸਾ ਪੁਤਰ ਮਿਹਰੂ	ਪਿੰਡ ਪੂਰੋ ਚੱਕ	0-13 1/4
		38.	ਕਿਸ਼ਨਾ ਮਲਕੀਤ-ਗੁਰੋ ਹੁਸ਼ਿਆਰਾ ਪੁਤਰ ਖਨੂੰ	ਪਿੰਡ ਸਰਆਨਾ	0-12
		40.	ਮਿਲਖੀ ਪੁਤਰ ਬਾਂਕਾ	,, ,,	0-5 3/4
		41.	ਜ਼ੁਲਫੀ ਮਿਲਖੀ ਪੁਤਰ ਬਾਂਕਾ	;, ,,	0-6
					50-3
ਬਰਆਨਾ	ਬਚਿਤਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੋਹਨ ਸਿੰਘ		ਧਨਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਬਿਲੂ	ਪਿੰਡ ਜਗਨ ਪੁਰ	3-14 1/2
ਸਰਆਨਾ	ਹੰਸਰਾਜ ਪੁਤਰ ਹਰੀਰਾਮ		ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਰੁਲਿਆ	ਪਿੰਡ ਸਰਆਨਾ	1-13
ਸਰਆਨਾ	ਦੀਨਾ ਨਾਥ ਪੁਤਰ ਹਰੀਰਾਮ		ਮਿਲਖੀ ਪੁਤਰ ਖਜ਼ਾਨਾ	ਪਿੰਡ ਸਰਆਨਾ	2-3 1/2
ਸਰਆਨਾ	ਬਲਦੇਵ ਰਾਮ ਪੁਤਰ ਅਮਰਨਾਥ	1.	ਪਰਕਾਸ਼ ਪੁਤਰ ਧਰਮੀ	ਪਿੰਡ ਸਰਆਨਾ	1-3 3/4
		2.	ਸਾਧੂ ਪੁਤਰ ਖੁਸ਼ੀ ਰਾਮ	,, ,,	1-4 1/4
		3.	ਬਲਦੇਵ ਪੁਤਰ ਸੰਤਾ	ਪਿੰਡ ਸਰਆਨਾ	2-13
				ਜੋੜ	5-2
ਕਲੋਵਾਲ	ਦੀਵਾਨ ਚੰਦ ਪੁਤਰ ਬਿਰਜ ਲਾਲ	1.	ਬੀਰੂ ਪੁਤਰ ਦੀਵਾਨ	ਪਿੰਡ ਕਲੋਵਾਲ	4-4
		2.	ਭੁੰਡੂ ਪੁਤਰ ਭਗਤੂ	,, ,,	3-3
		3.	ਰੱਖਾ ਪੁਤਰ ਗੇਂਦਾ	,, ,,	3-4
		4.	ਬੰਤਾ ਸਾਈ ਪਿਸਰਾਂ ਹਰੀ ਰਾਮ	,, ,	7-1 1/2
				ਜੋੜ	17-12 1/2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਜੰਡਵਾਲ	ਦਲੀਪੂ ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ	1. ਗਿਰਧਾਰੀ ਹਰਨਾਮ ਪਿਸਰਾਂ ਸਾਧੂ ਪਿੰਡ ਜੰਡਵਾਲ	0-9
		2. ਹਰਨਾਮਾਂ ਪੁਤਰ ਰੀੜਾ ,, ,,	C-10 1/4
		3. ਖੁਸ਼ਹਾਲਾ ਪੁਤਰ ਫਕੀਰੂ ,, ,,	0-1/2
		4. ਰੌਂਦਾ ਪੁਤਰ ਜਗੀਰੀ ,, ,,	1-1 1/2
		5. ਮਲਾਵਾ ਪੁਤਰ ਸੁੰਦਰ ,, ,,	1-10 1/4
		6. ਸੌਂਕੂ ਪੁਤਰ ਰੂੜਾ ,, ,,	1-1
		7. ਬੋਤਾ ਰਾਮ ਗੁਰਾਂਦਿਤਾ ਪਿਸਰਾਂ ਮੁਸ਼ੀ ,, ,,	7-0
		ਜੋੜ	12-1/2
ਸਿਬੋਚਕ	ਕਿਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਗੋਪਾਲ ਸਿੰਘ	1. ਗਿਆਨ ਸਿੰਘ ਸਰਵਨ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਟਹਿਲ ਸਿੰਘ ਵਾਸੀ ਪਿੰਡ ਚਨੌਰ	1-2 1/2
		2. ਗੁਰਦਾਸ ਪੁਤਰ ਦੇਵਾ ਸਿੰਘ ਛਨੀ ਨੰਦ ਸਿੰਘ	0-15
		3. ਇੰਦਰ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਗਪਾਲ ਸਿੰਘ ,, ,,	3-2
		4. ਪਿਆਰਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸੰਤਾ ਪਿੰਡ ਰਿਆਤਪੁਰ	1-3 1/4
		5. ਸਰਦਾਰਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਕੇਸਰ ਸਿੰਘ ,, ,,	1-11 3/4
		ਜੋੜ	8-2-1/2

WATCH AND WARD STAFF ENGAGED BY MUNICIPAL COMMITTEE MUKERIAN.

*1829. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Local Government be pleased to state whether :

(i) it is a fact that Municipal Committee, Mukerian, made representation to the Deputy Director, Local Bodies, Ludhiana on 27.7.1967;

(ii) and also to the Local Government Minister on 25.7.1969 for according approval to its abolishing the Watch and Ward staff and for assigning watch and ward duties to the police; and

(iii) If so, the action, if any, taken in the matter ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Local Government Minister : (i) Yes, But it was made on 20.7.1967, and not on 27.7.1967.

(ii) Yes, but it was made on 12.8.1969 and not on 25.7.1969.

(iii) The Municipal Committee, Mukerian has since been relieved of the entire cost of the watch and ward staff, as per State Government orde dated the 30th July, 1970.

[(i) ਹਾਂ ਜੀ । ਪ੍ਰੰਤੂ ਮਿਤੀ 27.7.1967 ਦੀ ਬਜਾਏ ਮਿਤੀ 20.7.1967 ਨੂੰ ।

(ii) ਹਾਂ ਜੀ । ਪ੍ਰੰਤੂ ਮਿਤੀ 25-7-1969 ਦੀ ਬਜਾਏ ਮਿਤੀ 12.8.1969 ਨੂੰ ।

(iii) ਨਗਰ ਪਾਲਕਾ ਮੁਕੇਰੀਆਂ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਹੁਕਮ ਮਿਤੀ 30 ਜੁਲਾਈ, 1970 ਰਾਹੀਂ ਵਾਚ ਐਂਡ ਵਾਰਡ ਦੇ ਸਾਰੇ ਖਰਚੇ ਤੋਂ ਰਿਲੀਵ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।]

BEDS IN CIVIL HOSPITAL, SAMANA, DISTRICT PATIALA.

*1834. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :

(a) the total number of beds at present in the Civil Hospital, Samana, district Patiala;

(b) whether a decision was taken by the Government at any time during the 1st 4 years to make it into a bigger and better Hospital and to name it Puran Devi Civil Hospital, Samana;

(c) whether it is a fact that the people of Samana collected a sum of Rs. 1,25,000/- as their contribution towards the cost of the said hospital and deposited the same in the Government Treasury ;

(d) whether it is a fact that some time in 1968 the then Health Minister laid the foundation stone of the new additional building to be constructed ;

(e) the total amount sanctioned by the Government for the purpose and the progress made there on stating its present position ?

Minister for Industries and Health :

(ਏ) ਮਨਜ਼ੂਰ ਬਿਸਤਰਿਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਚਾਰ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਜੀ ਹਾਂ । ਇਹ ਹਸਪਤਾਲ 1967-68 ਵਿਚ 25 ਬੈੱਡ ਦੇ ਪੱਧਰ ਤੇ ਅਪਗਰੇਡ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਨਾਰਮ ਅਨੁਸਾਰ ਸਟਾਫ ਦੀ ਵੀ ਪ੍ਰਵਾਨਗੀ ਦਿਤੀ ਗਈ ।

(ਸੀ) ਕੁਲ ਪਬਲਿਕ ਡੋਨੇਸ਼ਨ/ਕੰਟਰੀਬਿਊਸ਼ਨ ਦੀ ਪੇਸ਼ਕਸ਼ 1.15,000/- ਰੁਪਏ ਸੀ । ਇਸ ਵਿਚੋਂ 80,000/- ਰੁਪਏ ਸਰਕਾਰੀ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਵਾ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ । ਬਾਕੀ ਦੀ ਰਕਮ ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਅਤੇ ਬਲਾਕ ਸੰਮਤੀ ਸਮਾਨਾ ਵਲੋਂ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਵਾਉਣਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ।

(ਡੀ) ਜੀ ਹਾਂ । ਇਹ ਨੀਂਹ ਪੱਥਰ 6.4.1968 ਨੂੰ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ।

(ਈ) 30 ਬੈੱਡ ਹਸਪਤਾਲ ਬਿਲਡਿੰਗ ਅਤੇ ਸਟਾਫ ਕੁਆਟਰਜ਼ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਲਈ ਪਲਾਨ ਅਤੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਐਸਟੀਮੇਟ 9,05,700/- ਰੁਪਏ ਦੀ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸ਼ਕੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਲਈ 16.3.1970 ਨੂੰ ਪੁੱਜੇ ਹਨ ।

UNAUTHORISED CONSTRUCTION OF WALL IN AREA SITUATED OPPOSITE CENTRAL OCTROI POST, KAPURTHALA

*1835. (C. U.) **Comrade Dana Ram** : Will the Minister for Local Government be pleased to state :

(a) whether a wall has been constructed enclosing a piece of land about 2 kanals in area (belonging to custodian situated opposite Central Octroi Post, Railway Road, Kapurthala without any sanction by the Municipal Committee Kapurthala ; if so, the action taken by the Municipal Committee in connection with this unauthorised construction ;

(b) if no action has been taken by the Municipal Committee, the action taken or proposed to be taken by the Government in connection with the failure of the Municipal Committee to discharge its responsibility ;

(c) the name and address of the persons who have done this unauthorised construction ?

Chief Minister : (a) Yes. It is, however, not known if the land belongs to the Custodian.

(b) A notice under section 195 of the Punjab Municipal Act, 1911, has since been served by the Municipal Committee, Kapurthala, on the offender.

(c) Shri Sewa Singh s/o Shri Jhanda Singh, Kapurthala.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ । ਇਹ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਇਹ ਜ਼ਮੀਨ ਕਿਸ ਦੀ ਮਲਕੀਅਤ ਹੈ ।

(ਅ) ਪੰਜਾਬ ਮਿਉਨਿਪਲ ਐਕਟ, 1911 ਦੀ ਧਾਰਾ 195 ਹੇਠ ਨਗਰਪਾਲਕਾ, ਕਪੂਰਥਲਾ ਵਲੋਂ ਅਪਰਾਧੀ ਨੂੰ ਨੋਟਿਸ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

(ੲ) ਸ਼੍ਰੀ ਸੇਵਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਝੰਡਾ ਸਿੰਘ, ਕਪੂਰਥਲਾ ।]

LECTURER GRADE FOR M. A., M. Eds. AND B. A., B. Eds.

*1838. (C. U.) **Comrade Babu Singh Master** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) the number of M. A., M. Eds. and B. A., M. Eds. male and female teachers in the State at present.

(b) the number of above-mentioned persons who have so far been given lecturers' grade ;

(c) whether the Govt. considers M. A , M. Eds. and B. A., M. Eds.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Babu Singh Master]

at par with M. A./M. Sc. for appointment as Lecturers in the light of the Kothari Commission recommendation ; if not, the detailed reasons therefor,

(d) the steps taken or proposed to be taken in this regard by the Government ?

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ੲ) ਮਰਦ 48, ਇਸਤਰੀ 15

(ਬੀ) ਮਰਦ 19 ਇਸਤਰੀ 7

(ਸੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ। ਲੈਕਚਰਾਰ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਨਿਯੁਕਤੀ ਲਈ ਸਿਰਫ ਐਮ. ਏ. ਐਮ. ਐਡ ਨੂੰ ਹੀ ਵਿਚਾਰਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਬੀ. ਏ., ਐਮ. ਐਡ ਨੂੰ ਨਹੀਂ। ਇਕੱਲੀ ਐਮ. ਐਡ ਯੋਗਤਾ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਤਕਰੀਬਨ ਇਕ ਸਾਲ ਦੀ ਹੈ, ਐਮ. ਏ. ਜਾਂ ਐਮ. ਐਸ. ਸੀ. ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਨਹੀਂ ਮੰਨੀ ਜਾਂਦੀ। ਇਸ ਲਈ ਬੀ. ਏ. ਐਮ. ਐਡ ਨੂੰ ਲੈਕਚਰਾਰ ਨਹੀਂ ਲਗਾਇਆ ਜਾਂਦਾ।

(ਡੀ) ਉਪਰੋਕਤ ਸੀ ਅਨੁਸਾਰ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

HIGH COURT'S JUDGEMENT IN A CASE MUNICIPAL COMMITTEE, PATIALA, VERSUS LABOUR COURT, JULLUNDUR.

*1844. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Finance be pleased to state :

(a) whether it is a fact that in a recent judgement in the case of Municipal Committee, Patiala, versus Labour Court, Jullundur, the High Court of Punjab has held that the Labour Commissioner, Punjab, was not entitled to sign references on behalf of the President of India/Governor of Punjab and that the reference made under his signatures of certain disputes for adjudication to the Labour Court was void and illegal ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the total number of references which were affected as a result of the said judgement. i. e. the number of references made to the two Labour Courts in the State which are hit/likely to be hit by the said judgement of the High Court ;

(c) the exact date on which the a bove-mentioned judgement of High Court was made/announced ;

(d) the steps taken or proposed to be taken to remedy the situation ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : [(ੲ) ਜੀ ਹਾਂ।

(ਬੀ) 415

(ਸੀ) 25/9/1969

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਡੀ) ਅਜਿਹੇ ਸਾਰੇ ਦੇ ਸਾਰੇ ਕੇਸ ਨਿਆਯ ਨਿਰਣੇ ਲਈ ਮੁੜ ਲੇਬਰ ਕੋਰਟਾਂ ਵਿਚ ਦਾਇਰ ਕਰ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ ।]

GRAM PANCHAYAT, VALTOHA, TEHSIL PATTI, AMRITSAR.

*1849. (C. U.) **Sardar Kirpal Singh** : Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state :

(a) the particulars of the development work done by the Gram Panchayat of village Valtoha, Tehsil Patti, District Amritsar, during the last five years, yearwise ;

(b) the full details of the development work done each year and its location be laid on the Table of the House ;

(c) the expenditure incurred on each of the said works in each year during the period mentioned in part (a) above ;

(d) the amount of the Panchayat fund that remained with the Sarpanch of the said Panchayat on the 1st of every month during the last five years ;

(e) whether on any of the dates mentioned above any amount in excess of the prescribed limit was found with the Sarpanch ; if so, for what period togetherwith the reasons for keeping the said excess amounts ;

(f) whether any action has been taken against the Sarpanch for keeping the excess amount of the Panchayat Fund beyond the prescribed limit without any reasons, if so, what, if not, the reasons therefor ?

Minister for Development and Panchayat : a,b and c, Statement I is laid on the Table of the House.

(d) Statement II is laid on the Table of the House.

(e) No. The Sarpanches kept the amount in hand for executing development work.

(f) No action is required.

[(ੳ) ਅ, ੲ, ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ ਨੰ: 1 ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

(ਸ) ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ 2 ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

(ਹ) ਨਹੀਂ । ਸਰਪੰਚ ਨੇ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਚਲਦੇ ਵਿਕਾਸ ਕੰਮਾਂ ਦੀ ਪੂਰਤੀ ਲਈ ਪੈਸੇ ਹੱਥ ਵਿਚ ਰੱਖੇ ।

(ਕ) ਕਿਸੇ ਕਾਰਵਾਈ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਵਿਕਾਸ ਮੰਤਰੀ]

Statement No. I **1849**

Particulars of work done	Description of works done: year	Name of work	Location	Number		Amount of expenditure incurred	
(a)			(b)			(c)	
From 1964 to 1969							
Drains constructed... 2	1964-65	Walls (5)	Patti Bhuttanpura	1	1964-65	On Walls.	5272.52
			Patti Malwayian wali.	1		On culverts.	917.35
Wells Sunk........ .. 5			Bajranwali Patti.	2		On Playgrounds	317.60
Culverts constructed. 30			Patti Bhuttanpura Sant Bhaneshan.	1		On Hand pumps.	25.97
Playgrounds Room......2	1965-66	Culverts (6)	On Public pathways	6	1965-66	On Playgrounds.	4100.32
						On Handpumps.	233.65
Primary School's room.4		Playgrounds (2)	—	2		On Dispensary.	100.10
					1966-67	On School Bldg.	4371.44
Animal Husbandry Hospital Repaired ... 1		Hand Pumps (2)	On Valtoha Road.	1		On Hand Pumps.	214.85
Hand Pumps installed. 5			On Valtoha Patti Road	1		On pavement of drains & Lanes.	9540.00
	1966-67	Rooms & Veranda	Addition to School Building.	2	1967-68	On lanes.	4135.40
						On Hand pumps. bldg.	322.00
						On Culverts.	3685.40
					1968-69	On School builg.	4260.88
		Hand Pump	Patti Saideke	1		On Culverts.	2274.40
		Lanes.	Patti Baba Bhai Jharu	2 lanes			
	1967-68	Lanes.	Patti Bajran Di	2 lanes			
		Hand pumps.	Harijan Basti	2			
		Culverts.	On all Scheme Pathways.	13			
	1968-69	School Bldg.	Addition of rooms	2			
		Culverts.	On public pathways.	1			

Orig al with;
Pun b Vidhan Sabha
Dig zed by;
Pan Digital Library

[ਵਿਕਾਸ ਮੰਤਰੀ]

ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ—1

ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਦਾ ਵੇਰਵਾ (ੳ)		ਕੀਤੇ ਕੰਮਾਂ ਦੀ ਲੋਕੇਸ਼ਨ (ਅ) ਸਾਲ	ਕੀਤੇ ਕੰਮਾਂ ਦਾ ਨਾਉਂ	ਲੋਕੇਸ਼ਨ	ਗਿਣਤੀ	ਕੀਤਾ ਖਰਚ (ੲ)	
ਨਾਲੀਆਂ	2	1964-65	ਖੂਹ 5	ਪੱਤੀ ਭੂਤਨਪੁਰਾ	1	1964-65 ਦਾ ਖਰਚਾ	5272.57
ਗਲੀਆਂ ਖੂਹ	5			ਪੱਤੀ ਮਲਵਾਈਆਂ ਵਾਲੀ	1	ਖੂਹ	
ਪੁਲੀਆਂ	30			ਬਜਰਾਂ ਵਾਲੀ ਪਤੀ	2	ਪੁਲੀਆਂ	917.35
ਪਲੇ ਗਰਾਊਂਡ ਦੇ				ਪੱਤੀ ਭੂਤਨਪੁਰਾ ਸੰਤ ਭਾਨੇ ਸ਼ਾਹ	1	ਪਲੇ ਗਰਾਊਂਡ	317.60
ਕਮਰੇ	2					ਨਲਕਾ	25.97
ਸਕੂਲ ਦੀ ਇਮਾਰਤ	4		ਪੁਲੀਆਂ 6	ਸ਼ਰੇਆਮ ਰਸਤਿਆਂ ਤੇ	6 ਪੁਲੀਆਂ	1965-66 ਦਾ ਖਰਚਾ	
ਮੁਰੰਮਤ ਹਸਪਤਾਲ	1	1965-66	ਪਲੇ ਗਰਾਊਂਡਜ਼ (2)	ਪਲੇ ਗਰਾਊਂਡਜ਼	1	ਪਲੇ ਗਰਾਊਂਡਜ਼	4100.32
ਨਲਕੇ	5			,, ,,	1	ਨਲਕੇ	233.65
			ਨਲਕੇ 2	ਵਲਟੋਹਾ ਸੜਕ ਤੇ	1 ਨਲਕਾ	ਡਿਸਪੈਂਸਰੀ	100.10
				ਵਲਟੋਹਾ ਪੱਕੀ ਸੜਕ ਤੇ	1 ,,	1966-67 ਦਾ ਖਰਚਾ	
		1966-67	ਸਕੂਲ ਰਿਲਡਿੰਗ 2	ਕਮਰੇ ਸਮੇਤ ਬਰਾਂਡਾ	2 ਕਮਰੇ	ਸਕੂਲ ਇਮਾਰਤ	4371.44
			ਨਲਕਾ 1	ਪੱਤੀ ਸਦੇਕੀ	1 ਨਲਕਾਂ	ਨਲਕੇ	214.85
			ਗਲੀਆਂ ਨਾਲੀਆਂ	ਪੱਤੀ ਬਾਬਾ ਭਾਈ ਝਾੜੂ	2 ਗਲੀਆਂ	ਗਲੀਆਂ ਨਾਲੀਆਂ	9540.00
		1967-68	,, ,,	,, ਬਜਰਾਂ ਦੀ	2 ,,	1967-68 ਦਾ ਖਰਚਾ	
			ਨਲਕੇ	ਹਰੀਜਨ ਬਸਤੀ	2 ਨਲਕੇ	ਗਲੀਆਂ	4135.40
			ਪੁਲੀਆਂ 13	ਸਕੀਮੀ ਰਸਤਿਆਂ ਤੇ	13 ਪੁਲੀਆਂ	ਨਲਕਾ	322.00
		1968-69	ਸਕੂਲ ਇਮਾਰਤ	ਸਕੂਲ ਕਮਰੇ	2 ਕਮਰੇ	ਪੁਲੀਆਂ	3685.40
			ਪੁਲੀਆਂ 11	ਆਮ ਰਸਤਿਆਂ ਤੇ	11 ਪੁਲੀਆਂ	1968-69 ਦਾ ਖਰਚਾ	
						ਸਕੂਲ ਇਮਾਰਤ	4260.88
						ਪੁਲੀਆਂ	2274.40]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਵਿਕਾਸ ਮੰਤਰੀ]

ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ II

ਗਰਾਮ ਪੰਚਾਇਤ ਵਲਟੋਹਾ ਬਲਾਕ ਵਲਟੋਹਾ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ) ਸਾਲ 1964-65 ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਸਾਲ 1968-69 ਤਕ :

ਮਹੀਨਾ	ਪੰਚਾਇਤ ਫੰਡ	ਬੈਂਕ ਵਿਚ	ਹੱਥ ਵਿਚ
ਅਪਰੈਲ	7575-30	6892-55	682-75
ਮਈ	7575-30	6892-55	4748-47
ਜੂਨ	5748-47	1000-00	4748-47
ਜੁਲਾਈ	5748-47	1000-55	4745-92
ਅਗਸਤ	3643-39	1002-55	2641-34
ਸਤੰਬਰ	3434-10	5002-55	———
ਅਕਤੂਬਰ	3316-19	5002-55	———
ਨਵੰਬਰ	3846-52	5002-55	———
ਦਸੰਬਰ	3952-00	4480-10	———
ਜਨਵਰੀ	3509-33	4480-10	———
ਫਰਵਰੀ	2966-96	4480-10	———
ਮਾਰਚ	8647-72	8220-10	127-62
1965-66			
ਅਪਰੈਲ	7871-43	8520-10	———
ਮਈ	7424-68	9010-10	———
ਜੂਨ	6068-72	615-98	5453-54
ਜੁਲਾਈ	4453-10	6555-10	———
ਅਗਸਤ	4453-10	6555-10	———
ਸਤੰਬਰ	4301-96	3555-80	746-16
ਅਕਤੂਬਰ	4301-95	4696-72	———
ਨਵੰਬਰ	4301-96	4696-72	———
ਦਸੰਬਰ	5205-16	4606-72	———
ਜਨਵਰੀ	5205-16	4696-72	608-14
ਫਰਵਰੀ	4979-76	4696-72	283-04
ਮਾਰਚ	7111-73	5832-48	1279-25
1966-67			
ਅਪਰੈਲ	7111-73	4736-73	2475-00
ਮਈ	4693-21	4736-73	———

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮਹੀਨਾ	ਪੰਚਾਇਤ ਫੰਡ	ਬੈਂਕ ਵਿਚ	ਹੱਥ ਵਿਚ
ਜੂਨ	4693-21	4736-73	——
ਜੁਲਾਈ	5599-59	6253-40	——
ਅਗਸਤ	5571-59	6253-40	——
ਸਤੰਬਰ	403-09	2253-40	——
ਅਕਤੂਬਰ	647-90	753-40	——
ਨਵੰਬਰ	——	23-40	——
ਦਸੰਬਰ	3157-17	538-86	2612-31
ਜਨਵਰੀ	1336-04	572-86	663-18
ਫਰਵਰੀ	947-25	572-86	374-39
ਮਾਰਚ	687-84	572-84	104-90
1967-68			
ਅਪਰੈਲ	637-44	572-86	64-58
ਮਈ	637-44	572-86	64-58
ਜੂਨ	358-44	584-23	——
ਜੁਲਾਈ	350-44	584-23	——
ਅਗਸਤ	322-44	584-23	——
ਸਤੰਬਰ	322-44	584-23	——
ਅਕਤੂਬਰ	322-44	584-23	——
ਨਵੰਬਰ	298-44	784-23	——
ਦਸੰਬਰ	298-44	785-03	——
ਜਨਵਰੀ	8570-89	7584-03	985-86
ਫਰਵਰੀ	8570-98	7584-03	985-86
ਮਾਰਚ	8570-89	9003-03	——
ਸਾਲ 1968-69			
ਅਪਰੈਲ	8570-89	7588-13	982-76
ਮਈ	8570-89	8707-26	——
ਜੂਨ	8570-89	8834-72	——
ਜੁਲਾਈ	8733-32	9661-24	——
ਅਗਸਤ	8279-67	9161-24	——
ਸਤੰਬਰ	8279-67	9161-24	——
ਅਕਤੂਬਰ	8279-67	9161-24	——
ਨਵੰਬਰ	8279-67	9161-24	——
ਦਸੰਬਰ	11223-33	12161-24	——

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਵਿਕਾਸ ਮੰਤਰੀ]

ਜਨਵਰੀ	11223-33	12161-24	——
ਫਰਵਰੀ	11223-33	12161-24	——
ਮਾਰਚ	10606-33	11258-72	——

ABSORPTION OF NDS INSTRUCTORS IN THE STATE

*1858. (C. U.) **Sardar Umrao Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) whether any decision has been taken by Government about the absorption of the NDS Instructors in the State ;

(b) the terms offered to State Government by the Union Ministry of Education and Youth Services for absorbing the personnel of the National Fitness Corps ;

(c) whether the Government has accepted the terms and agreed to absorb them ;

(d) whether their present pay and other emoluments and seniority will be protected while framing schemes for their absorption in the State and ;

(e) the total number of persons likely to be absorbed ?

Education Minister : (a) Yes.

(b) Government of India are to meet the full expenditure on the salary and allowances of NDS Instructors to be absorbed by the State Government for the entire IVth Plan Period.

(c) After discussion with the representatives of the Government of India, it was decided that the State Government would try to absorb as many NDS Instructors as possible who fulfil the requisite qualifications against 220 vacancies of P. T. I's/D. P. E's., subject to the following conditions :—

(i) that they will be treated as fresh entrants for all intents and purposes except that the benefit of their service will be given to them towards pension.

(ii) the entire axpenditure on the salary and allowance of NDS Instructors to be taken over against vacant posts will be borne by G. O. I. for the entire 4th Five-Year Plan period.

(iii) that G. O I. will also contribute the pensions, leave salary benefits etc. for the period they have served under the Ministry of Education, in respect of those officials who are finally selected to be absorbed against vacant posts in the Punjab Education Department.

It has further been decided to absorb the remaining Instructors against the vacancies likely to occur in the near future in the ratio of 2:1, i.e. 1/3rd of the vacant posts of

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pan

PTI's/DPE's would be reserved for direct recruitment i. e. for students coming out from Government College of Physical Education, Patiala and the remaining posts are to be filled by absorbing NDS Instructors.

(d) Their pay will be protected, but they shall not be given any seniority ;

(e) For the present 220 Instructors

TUBE-WELLS SUNK WITHIN THE LIMITS OF LUDHIANA MUNICIPALITY.

*1865. (C. U.) **Shri Sardari Lal Kapur** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) the total number of tube-wells sunk for supply of drinking water to the people within the limits of the Ludhiana Municipality to date ;

(b) the number of tube-wells out of those mentioned in part (a) above, which are in working order ;

(c) whether it is a fact that electric motor and other parts of tube-wells machinery were stolen some time back from the godowns of the department; if so, whether the stolen machinery has been traced out ;

(d) whether responsibility for the theft has been fixed; if so, who is responsible for this ?

State Minister for Public Health : (a) 24 Nos. (18 for Municipality Ludhiana and 6 for Improvement Trust Ludhiana).

(b) It is for Municipality Ludhiana who maintain the water supply.

(c) No machinery has been stolen from the godown of Public Health Division, Ludhiana.

(d) In view of (c) question does not arise.

[(ੲ) ਕੁਲ 24 (18 ਨਗਰ ਪਾਲਕਾ ਲੁਧਿਆਣਾ ਲਈ ਅਤੇ 6 ਨਗਰ ਸੁਧਾਰ ਲੁਧਿਆਣਾ ਲਈ)

(ਬੀ) ਇਹ ਲੁਧਿਆਣਾ ਨਗਰ ਪਾਲਕਾ ਲਈ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਪਾਣੀ ਦੇਣ ਦੀ ਦੇਖਭਾਲ ਕਰਦੀ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਜਨ ਸਿਹਤ ਮੰਡਲ ਲੁਧਿਆਣਾ ਵਿਚੋਂ ਕੋਈ ਮਾਲ ਚੋਰੀ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਹੈ ।

(ਡੀ) (ਸੀ) ਤੇ ਦਸੇ ਅਨੁਸਾਰ ਸਵਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ ।]

CASES OF SUICIDES

*1868. (C. U.) **Comrade Satya Pal Dang** : Will the Chief

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Satya Pal Dang]

Minister, be pleased to state :

(a) the total number of cases of suicides reported in the State during the last 5 calendar years and a year wise statement in respect thereof be laid on the Table of the House ;

(b) the number of males and females amongst the cases mentioned in part (a) above ;

(c) the different causes of those suicides as per Government records ;

(d) the number of women/married girls who committed suicide during the said period due to reasons connected with the demands of husbands and/or in-laws for money/dowry etc ;

(e) whether any cases were registered in the State, during the said period for the violation of provisions of Dowry Prohibition Act, 1961; if so, their number and a statement in respect of these cases be laid on the Table of the House ?

Chief Minister : (a) (b) A statement is attached.

(c) Domestic quarrels, frustration in love affairs, unemployment and-poverty; protracted ailments and incurable dreadful diseases; Land disputes, failures in Examination, Mental trouble or insanity, quarrel with in-laws, quarrel between couples and dispute over property etc.

(d) 8 women/married girls committed suicide during 1965 69.

(e) Nil.

[(ੳ) ਅਤੇ (ਅ) ਵੇਰਵਾ ਨਾਲ ਨਥੀ ਹੈ ।

(ੲ) ਘਰੇਲੂ ਝਗੜੇ, ਮੁਹੱਬਤ ਵਿਚ ਨਿਰਾਸ਼ਾ, ਬੇਕਾਰੀ ਅਤੇ ਗਰੀਬੀ ਲੰਬੀ ਅਤੇ ਲਾ-ਇਲਾਜ ਭਿਆਨਕ ਬਿਮਾਰੀਆਂ, ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੇ ਝਗੜੇ, ਇਮਤਿਹਾਨਾਂ ਵਿਚ ਅਸਫਲਤਾ, ਮਾਨਸਿਕ ਤਕਲੀਫ ਅਤੇ ਪਾਗਲਪਨ, ਸੁਸਰਾਲ ਨਾਲ ਝਗੜੇ, ਪਤੀ ਪਤਨੀ ਦੇ ਝਗੜੇ ਅਤੇ ਜਾਇਦਾਦ ਦੇ ਝਗੜੇ ।

(ਸ) ਸੰਨ 1965 ਤੋਂ 1969 ਤਕ 8 ਇਸਤਰੀਆਂ / ਸ਼ਾਦੀ ਸ਼ੁਦਾ ਲੜਕੀਆਂ ਨੇ ਆਤਮ ਹੱਤਿਆ ਕੀਤੀਆਂ ।

(ਹ) ਨਿਲ]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by:
Panjab Digital Library

NO. OF CASES OF SUICIDES IN THE STATE. A. Q. **1868**

District	1965			1966			1967			1968			1969		
	No. of males	No. of females	Total	No. of males	No. of females	Total	No of males	No. of females	Total	No. of males	No. of females	Total	No. of males	No. of females	Total
1. Ferozepore	16	19	35	13	8	21	14	7	21	26	17	43	32	14	46
2. Hoshiarpur	16	11	27	7	4	11	10	4	14	4	4	8	19	9	28
3. Ludhiana	17	3	20	33	8	41	11	6	17	26	2	28	29	7	36
4. Patiala	7	2	9	5	2	7	1	—	1	1	3	4	2	2	4
5. Rupar	1	1	2	–	2	2	8	3	11	–	1	1	1	1	4
6. Gurdaspur	8	8	16	10	2	12	5	1	6	5	4	9	6	6	12
7. Amritsar	57	36	93	79	14	93	54	21	75	121	32	153	6	5	11
8. Sangrur	8	4	12	2	–	2	4	–	4	7	–	7	12	4	16
9. Bhatinda	40	6	46	34	3	37	28	4	3	43	2	45	39	6	45
10. Kapurthala	–	–	–	1	3	4	1	1	2	5	1	6	3	1	4
11. Jullundur	15	5	20	18	3	21	13	5	18	9	6	15	13	6	19
12. GRP Patiala	81	9	90	86	15	101	86	13	99	106	9	115	111	13	124
TOTAL	266	104	370	288	64	352	235	65	300	353	81	434	273	74	347

	Males	Females	Total
1965	266	104	370
1966	288	64	352
1967	235	65	300
1968	353	81	434
1969	273	74	347
Total	1415	388	1803

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

GRANTS GIVEN TO CERTAIN BLOCK SAMITIS FOR THE DEVELOPMENT OF VILLAGES.

*1873. (C. U.) **Chaudhri Kewal Krishan :** Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state :

(a) whether it is a fact that every year grants worth thousands of rupees are given by the Government to the Block Samitis in the State for the Development of the villages ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the amount of such grants given to the Block Samitis of Mukerian and Talwara, district Hoshiarpur during the years 1968-69 and 1969-70 together with the detailed particulars regarding the amount spent for the purpose be laid on the Table of the House ;

(c) the nature of work done by them ;

(d) whether the completion certificates in respect of the works mentioned in part (c) above have been received, if so, in whose cases, if not, the reasons therefor ;

(e) the details of the amount out of the grant given for the year 1968-69 which could not be utilised by the Samitis as mentioned in part (b) above ?

Minister of State for Community Development and Panchayati Raj : (a) Yes.

(b) & (c) Statement is enclosed.

(d) No. The physical verification of the works completed by the various executive agencies is being made and the completion certificates would be issued only after the physical verification is completed.

(e) Col. 5 of the statement may be referred to in this behalf.

[(ੳ) ਹਾਂ ।

(ਅ) ਅਤੇ (ੲ) ਵਿਵਰਣ ਨਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਸ) ਨਹੀਂ, ਭਿੰਨ ਭਿੰਨ ਕਾਰਜਕਾਰੀ ਏਜੰਸੀਆਂ ਵਲੋਂ ਮੁਕੰਮਲ ਕੀਤੇ ਕਾਰਜਾਂ ਦੀ ਵਾਸਤਵਿਕ ਤਸਦੀਕ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਮੁਕੰਮਲ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਵਾਸਤਵਿਕ ਤਸਦੀਕ ਦੀ ਪੂਰਨਤਾ ਉਪਰੰਤ ਹੀ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ ।

(ਹ) ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਵਿਵਰਣ ਦੇ ਖਾਨਾ ਨੰ: 5 ਨੂੰ ਦੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Statement showing the total number or grants given to Block Samiti of Mukerian District Hoshiarpur during the year 1968-69 and 1969-70 together with the detailed particulars regarding the amount spent for the purpose.

		1968-69			1969-70		
Sr. No.	Sub-head.	Amount given	Amount spent	Unspent Balance.	Amount given	Amount spent	Nature of work
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
1.	B-Agriculture and Animal Husbandry	4,920/-	4,920/-	—	2700/-	2450/-	Purchase of Agriculture equipment fertilizer, medicines, instruments and Poultry/Pig birds.
2.	C-&-D Irrigation Reclamation	1,000/-	1,000/-	—	—	—	
3.	E-Health and Rural Sanitation.	4,000/-	4,000/-	—	2,800/-	2800/-	Construction of drains and Pavement of streets.
4.	F-Education	4,000/-	4,000/-	—	2,800/-	2800/-	Construction of Primary School Buildings.
5.	G-Social Edu.	2,950/-	2,950/-	—	1,300/-	1300/-	Pay of Craft Teachers and cost of newspapers.
6.	H-Communication	4,000/-	4,000/-	—	2,800/	2800/-	Construction of culverts in Panchayats.
7.	I-Rural Arts Crafts and Industries	8,500/-	8,500/-	—	2,5000/-	25000/-	Purchase of Raw Material
8.	Fisheries Deptt.	1,500/-	1,500/-	—	—	—	
9.	Education Deptt	6,380/-	6,380/-	—	5,500/-	5500/-	Repair of School Buildings
10.	Animal Husbandry	6,420/-	6,420/-	—	6,500/-	6500/-	Purchase of medicines for dispensaries.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Community Development]

Statement showing the total number of grants given to Block Samiti Talwara, distt. Hoshiarpur during the year 1968-69 and 1969-70 together with the detailed particulars regarding the amount for the purpose

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
			1968-69			1969-70	
Sr. No..	Sub head	Amount given	Amount Spent	Balance	Amount Given	Amount Spent	Nature of work
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
1.	B-Agriculture and Animal Husbandry	4,920/-	4,919/20	0.80	10,340/-	10,340/-)	
2.	C.&D. Irrigation Reclamation	1,000/-	782.00	218 00	3,480/-	1,200.00)	These grants were given every year for the uplift and welfare of the Village Community under CD. Programme.
3.	E-Health & Rural Sanitation.	4,000/-	4,000/-	—	7,290/-	7,290/-)	
4.	F-Education	4,000/-	4,000/-	—	7,300/-	7,300/-)	
5.	G-Social Educ.	2,950/-	2,950/-	—	7,250/-	7,250/-)	
6.	H-Communication	4,000/-	4,000/-	—	7,300/-	7,300/-)	
7.	I-Rural Arts Crafts & Industries.	—	—	—	—	—	
8.	Fisheries Deptt.	—	—	—	—	—	
9.	Education, Deptt.	5,510/-	5,510/-	—	5,500/-	5,500/-	Repair of School Buildings.
10.	Animal Husbandry.	5,220/-	5,220/-	—	5,300/-	5,300/-	Purchase of medicines.

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

ਬਲਾਕ ਮੁਕੇਰੀਆਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਨੂੰ ਸਾਲ 1968-69 ਅਤੇ 1969-70 ਦੇ ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਣ ਦੇ ਸਮੇਂ, ਇਸ ਕਾਰਜ ਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤੀ ਗਈ ਰਕਮ ਤੇ ਵਿਆਖਿਆ ਪੂਰਵਕ ਵੇਰਵੇ ਸਮੇਤ, ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਕੁਲ ਗਰਾਂਟਾਂ ਦਾ ਵਿਵਰਣ ।

ਲੜੀ ਨੰ:	ਸਬ-ਮੱਦ	ਦਿਤੀ ਰਕਮ	ਖਰਚੀ ਰਕਮ	ਬਕਾਇਆ ਰਕਮ	ਦਿਤੀ ਰਕਮ	ਖਰਚ ਕੀਤੀ ਰਕਮ	ਕੰਮ ਦੀ ਕਿਸਮ
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਤੇ ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣਾ	4,920	4,920	—	2,700	2,450	ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਸੰਦਾਂ, ਖਾਦਾਂ, ਦਵਾਈਆਂ ਅਤੇ ਮੁਰਗੀਆਂ ਸੂਰਾਂ ਤੇ ਪੰਛੀਆਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ
2.	ਸੀ. ਟੀ. ਡੀ., ਸਿੰਚਾਈ ਅਤੇ ਭੂਮੀ ਸੁਧਾਰ	1,000	1,000	—	—	—	—
3.	ਈ-ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਪੇਂਡੂ ਸਫਾਈ	4,000	4 000	—	2,800	2,800	ਨਾਲੀਆਂ ਅਤੇ ਗਲੀਆਂ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ
4.	ਐਫ-ਵਿਦਿਆ	4,000	4,000	—	2,800	2,800	ਪਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀ ਬਿਲਡਿੰਗ ਦੀ ਉਸਾਰੀ
5.	ਜੀ-ਸਮਾਜਿਕ ਸਿਖਿਆ	2,950	2,950	—	1,300	1,300	ਕਰਾਫਟ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਤੇ ਅਖਬਾਰਾਂ ਦਾ ਖਰਚਾ
6.	ਐਚ-ਸੰਚਾਰ	4,000	4,000	—	2,800	2,800	ਪੰਚਾਇਤੀ ਰਸਤਿਆਂ ਤੇ ਪੁਲੀਆਂ ਬਨਾਉਣ ਦਾ ਖਰਚਾ
7.	ਆਈ-ਪੇਂਡੂ ਕਲਾ, ਕਿਤਾ ਅਤੇ ਉਦਯੋਗ	8,500	8,500	—	25,000	25,000	ਕੱਚੇ ਮਾਲ ਨੂੰ ਖਰੀਦਣਾ
8.	ਮੱਛੀ ਵਿਭਾਗ	1,500	1,500	—	—	—	—
9.	ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ	6,380	6,380	—	5,000	5,000	ਸਕੂਲ ਇਮਾਰਤਾਂ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਵਾਸਤੇ
10.	ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣਾ	6,420	6,420	—	6,500	6,500	ਡਿਸਪੈਂਸਰੀਆਂ ਬਾਬਤ ਦਵਾਈਆਂ ਖਰੀਦਣਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਮੂਹਿਕ ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ]

[ਬਲਾਕ ਤਲਵਾੜਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਨੂੰ ਸਾਲ 1968–69 ਅਤੇ 1969–70 ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਦੇ ਸਮੇਂ, ਇਸ ਕਾਰਜ ਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤੀ ਗਈ ਰਕਮ ਤੇ ਵਿਆਖਿਆ ਪੂਰਵਕ ਵੇਰਵੇ ਸਮੇਤ, ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਕੁਝ ਗਰਾਂਟਾਂ ਦਾ ਵਿਵਰਣ ।

ਲੜੀ ਨੰ:	ਸਬ-ਮੱਦ	1968–69 ਦਿਤੀ ਰਕਮ	ਖਰਚੀ ਰਕਮ	ਬਕਾਇਆ ਰਕਮ	1969–70 ਦਿਤੀ ਰਕਮ	ਖਰਚੀ ਰਕਮ	ਕੰਮ ਦੀ ਕਿਸਮ
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਤੇ ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ	4,920	4,919.20	0.80	10,340	10,340	ਇਹ ਗਰਾਂਟਾਂ ਸੀ.ਡੀ. ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਅਧੀਨ ਹਰ ਸਾਲ ਪੇਂਡੂ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਜੀਵਨ ਪੱਧਰ ਉਚਾ ਕਰਨ ਲਈ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਵਾਸਤੇ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਸਨ ।
2.	ਸੀ. ਟੀ. ਡੀ. ਸਿੰਚਾਈ ਅਤੇ ਭੂਮੀ ਸੁਧਾਰ	1,000	782.00	218.00	3,480	1,200)	
3.	ਈ–ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਪੇਂਡੂ ਸਫਾਈ	4,000	4000.00	—	7,290	7,290)	
4.	ਐਫ ਵਿਦਿਆ	4,000	4,000	—	7,300	7,300)	
5.	ਜੀ–ਸਮਾਜਿਕ ਸਿਖਿਆ	2,950	2,950	—	7,250	7,[illegible]50)	
6.	ਐਰ–ਸੰਚਾਰ	4,000	4,000	—	7,300	7,300)	
7.	ਆਈ–ਪੇਂਡੂ ਕਲਾ, ਕਿੱਤਾ ਅਤੇ ਉਦਯੋਗ	—	—	—	—	—)	
8.	ਮੱਛੀ ਵਿਭਾਗ	—	—	—	—	—)	
9.	ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ	5,510	5,510	—	5,500	5,500	ਸਕੂਲ ਇਮਾਰਤਾਂ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਵਾਸਤੇ
10.	ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ	5,220	5,220	—	5,300	5,300	ਦਵਾਈਆਂ ਖਰੀਦਣ ਵਾਸਤੇ]

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

SCIENCE BLOCK IN GOVERNMENT GIRLS HIGHER SECONDARY SCHOOL, ROPAR.

1625. (C U.) **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Government purchased a building in the year 1964 for the Government Girls Higher Secondary School, Ropar, for the Science Block and arrangements for teaching of science were to be made there ;

(b) whether it is a fact that the said building is in the possession of the police for residential purposes and science classes for girls have not been started ;

(c) if the reply to parts (a) and (b) above be in the affirmative, the reasons for not vacating the said building and the persons responsible for the loss suffered by the girls during the last four years who would have benefitted by studying science subject ?

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ : (ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ। ਪਰੰਤੂ ਸਰਕਾਰੀ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਇਰ ਸਕੈਂਡਰੀ ਸਕੂਲ ਰੋਪੜ ਦੀ ਨਵੀਂ ਇਮਾਰਤ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਲਈ ਸਾਲ 1964 ਵਿਚ ਜ਼ਮੀਨ ਖਰੀਦੀ ਗਈ ਸੀ ਅਤੇ ਉਏਤੇ ਸਾਇੰਸ ਬਲਾਕ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਸਾਲ 1966 ਵਿਚ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋਈ ਸੀ ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ ! ਪਰੰਤੂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਾਇੰਸ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਦੀ ਵਰਤਮਾਨ ਕਿਰਾਏ ਵਾਲੀ ਇਮਾਰਤ ਵਿਚ ਕਰਵਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਸਾਇੰਸ ਬਲਾਕ ਨੂੰ ਪੁਲਿਸ ਵਿਭਾਗ ਤੋਂ ਖਾਲੀ ਕਰਵਾਉਣ ਸਬੰਧੀ ਮੁਆਮਲਾ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ। ਸਕੂਲ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਸਾਇੰਸ ਪੜ੍ਹਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਵਰਤਮਾਨ ਕਿਰਾਏ ਦੀ ਇਮਾਰਤ ਵਿਚ ਸਹੂਲਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ।

COMPLAINTS AGAINST THE SUPERINTENDENT, FRUIT GARDEN, ATTARI

1663. (C. U.) **Comrade Darshan Singh Jhabal** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state ;

(a) whether the Government received any complaint against the Superintendent, Fruit Garden. Attari, during February 1970, if so, the details thereof together with the names of the complainants ;

(b) whether the said officer handed over any employees to the police authorities, if so, their names alongwith the reasons therefor in each case ?

Shri Radha Krishan : (a) No, not in February.

(b) Yes, The Superintendent Horticulture Gardens, Attari, lodged a complaint with the police on 16.1.1970 alleging that S/Shri Punjab Singh and Mulkha Singh ; Beldars, were instigating the labour and spoiling the atmosphere at the farm and had threatened him for un-foreseen results.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਮੰਤਰੀ]

[(ੳ) ਨਹੀਂ ਜੀ, ਮਹੀਨਾ ਫਰਵਰੀ 70 ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ । ਸੁਪਰਡੈਂਟ ਬਾਗਾਤ ਅਟਾਰੀ ਨੇ 16/1/1970 ਨੂੰ ਪੁਲਿਸ ਵਿੱਚ ਰਪੌਟ ਦਰਜ ਕਰਾਈ ਸੀ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਸ੍ਰੀ ਪੰਜਾਬ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਮੁਲਖਾ ਸਿੰਘ, ਬੇਲਦਾਰਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਨੂੰ ਉਕਸਾਣਾ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਨ ਨੂੰ ਖਰਾਬ ਕਰਨ ਅਤੇ ਸੁਪਰਡੈਂਟ ਨੂੰ ਅਚੇਤ ਸਿੱਟਿਆਂ ਬਾਰੇ ਧਮਕੀ ਦੇਣ ਦੇ ਦੋਸ਼ ਸਨ ।]

RESOLUTION OF PUNJAB STATE RECOGNISED SCHOOL TEACHERS UNION REGARDING INTRODUCTION OF STATE TREASURY PAYMENT SYSTEM.

*1726. (C. U.) **Comrade Dana Ram** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) whether in the month of February, 1970 or there-about the Government received a copy of the resolution passed by the Punjab State Recognised School Teachers Union demanding the introduction of State Treasury payment system; if so, a copy of the same be laid on the Table of the House ;

(b) the decision, if any, taken by the Government in this regard ?

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ : (ੳ) ਹਾਂ ਜੀ, ਯੂਨੀਅਨ ਦੇ ਯਾਦ ਪੱਤਰ ਵਿਚੋਂ ਸਬੰਧਤ ਪੈਰੇ ਦੀ ਕਾਪੀ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਅ) ਕਾਨੂੰਨੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸ਼ਕੀ ਆਧਾਰ ਤੇ ਇਸ ਮੰਗ ਨੂੰ ਪਰਵਾਨ ਕਰਨਾ ਸੰਭਵ ਨਹੀਂ ਹੈ ।]

Copy of para 3 from th· Memorandum submitted by the Punjab State Recognised School Teachers Union.

Payment of Salaries.

The present system of salaries encourages corruption and has failed to be regular. The salaries be paid out of State treasury. The schools be asked to deposit their 5 per cent share of deficit in advance for the whole year and the tuition fee be deposited regularly. The salaries should be paid to the staff regularly.

COMPLAINT AGAINST B. D. P. O. BARNALA.

*1447. (C. U.) **Comrade Babu Singh Master**)
Comrade Satya Pal Dang) : Will the Minister for Development and Animal Husbandry with reference to the reply to the Unstarred Question No. 516 included in the list of unstarred questions for 3.3.70 be pleased to state :

(a) the details of the allegations which were held by the Deputy Commissioner as having been *prima facia* proved against the B. D. & P. O. on the basis of which the Deputy Commissioner has recommended action against the B. D. P. O. ;

Orig[...]al with;
Punj[...] Vidhan Sabha
Digi[...]ed by;
Panj[...]

(b) details of the recommendations of the Deputy Commissioner and a copy of his Report be laid on the Table of the House ;

(c) the action taken by the Government on the said Report ;

(d) whether it is a fact that the B. D. P. O in question continues to be posted and has been re-posted at Barnala ?

Sardar Satnam Singh Bajwa : (a, b, c) It is not in the public interest to lay this information on the Table of the House.

(d) Yes.

[(ਏ, ਬੀ, ਸੀ) ਇਹ ਸੂਚਨਾ ਸਦਨ ਦੇ ਫਰਸ਼ ਉਤੇ ਦਿਤੇ ਜਾਣਾ ਲੋਕ ਹਿਤ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

(ਡੀ) ਹਾਂ ਜੀ ।]

HEAVY REPAIR GOT DONE TO A GOVERNMENT VEHICLE BY THE PUNJAB STATE SOCIAL WELFARE ADVISORY BOARD

*1791. (C. U.) **Chaudhari Balbir Singh** : Will the Minister for Social Welfare be pleased to state :

(a) whether the Punjab State Social Welfare Advisory Board called any quotations or obtained permission from the Government/Central Board for the heavy repairs done to a Government Vehicle during the year 1968-69 ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, a copy of the quotations/permission be placed on the Table of the House ;

(c) if no quotations were invited or permission of the Government for the repair of the vehicle was obtained, the manner in which the said vehicle was got repaired together with the action taken against the defaulting person for not complying with the requirements laid down for the repair of the Government vehicles ;

If no action has been taken, the reasons thereof ?

Dr. Bhagat Singh : (a) Yes.

(b) A copy of the approval of the Central Advisory Board in the matter and the quotations are enclosed.

(c) Does not arise.

[(ਏ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਸੈਂਟਰਲ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਬੋਰਡ ਦੀ ਇਸ ਬਾਰੇ ਪਰਵਾਨਗੀ ਅਤੇ ਕੋਟੇਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਇਕ ਕਾਪੀ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦਾ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Social Welfare]

CENTRAL SOCIAL WELFARE BOARD

Telegram :—

"SANGHASEVA," NEW DELHI,

Jeevandeep Building,
Ist Floor,
Parliament Street,
NEW DELHI.

No. F. 10-3/13/(i)/65-P

13th February, 1968.

The Chairman,
Punjab State Social Welfare
Advisory Board,
39, M. L. A Flats, Sector-4,
CHANDIGARH.

Subject :—

Repairs of State Board Station Wagon.

Madam,

I am directed to refer to your office letter No. F. I-5/Jeeps/ 66-76, dated 14th January, 1968, on the subject indicated above and to convey the approval of the Central Board of the estimates of Rs. 3,608.59 (Rupees Three thousand six hundred and eight and paise fifty nine only) of Sanghi Motors (authorised dealers of Mahendra and Mahendra) Chandigarh towards the major repairs of Station Wagon No. PUA. 5223.

2. The State Board is requested to get the Station Wagon repaired and to meet the expenditure from the provision P. O. L. and maintenance of jeep in the current year's budget.

Yours faithfully,
Sd/ (Smt. L Chari)
Inspecting Officer.

———

SANGHI MOTORS Dated 18.11.1967

Willys Jeeps and Allied Vehicles

ESTIMATE FOR REPAIRS

Vehicle No. **PNE 7224** Make ....

Name and Secretary State Social; Welfare Advisory Board, Punjab addressed.

....

Item No.			Rs. nP.
1.	Wind Sheld Glass 2	90/-	180.00
2.	Front axel Housing 906419		1640.50
3.	Front right side axel		395.45

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

4.	Engine foundation 2		7.50	15.40
5.	Shock absorber 011659	1		40.00
6.	Door Handle 2 679115		60.50	121.00
7.	Wheel Rim 1			116.00
				2508.35
	Sale Tax @ 3% against 'D' form			75.24
				2583.59
	Taking out of Body, engine etc. and the chassis.			450.00
	Both mudguard Dent beating and Preparing for Painting. Front Bumper			150.00
	dent beating and Crom Plating.			90.00
	Right side door setting right.			35.00
				3308.59
	Right side dent Beating and Seldering etc.			65.00
	Back Bumper dent beating			25.00
	Roof Cloth chanding			130.00
	Painting on the dent Beating surface.			80.00
				3608.59

If any job or parts required beside the above the same will be charged extra.

Delivery will be effected against full payment.

PREMIER MOTOR GARAGE
AUTOMOBILE ENGINEERS

47, Industrial Area
CHANDIGARH
25th Nov., 1967.

No. CH/28/5742

Director,

Central Social Welfare Advisory Board,
Punjab,
CHANDIGARH.

Subject : Estimates of repairs/replacements for

Station Wagon No. PNE 7224.

1.	Beating out dents on right front mudguard, reshaping	90.00
2.	Beating out dents on mudguard shield, reshaping.	15.00
3.	Beating out dents on right side door, straightening hinges and aligning the same.	40.00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Social Welfare]

4.	Beating out dents on right side near body panel corner reshaping the same.	15.00
5.	Beating out dents on rear body under shielf, reshaping.	35.00
6.	Beating out dents on left side body panel, reshaping.	40.00
7.	Beating out dents on left front mudguard, reshaping.	75.00
8.	Beating out dents on front bumber shield, aligning etc.	25.00
9.	Beating out dents on bumber front complete.	30.00
10.	Chromium plating the same.	40.00
11.	Beating out dents on centre piece of rear bumper	20.00
12.	Chromium plating the same.	30.00
13.	Beating out dents on rear portion of roof, reshaping.	25.00
14.	Beating out dents on rear body kit.	15.00
15.	Making and fitting the roof cloth.	100.00
16.	Painting the full body.	550.00
17.	Fitting charges of the front glasses.	40.00
18.	Fitting charges of Engine foundations.	15.00
19.	Straigthening and aligning the Chassis frame.	350.00
20.	Differential fitting and replacing the damaged parts.	85.00
21.	Straightening out front universaltie rod supports.	20.00
		1655.00

Replacements.

1.	C/O Roof Cloth.	150 .00
2.	,, Rubber beeding.	Not available
3.	,, 2 Nos, Glasses Front.	300.00
4.	,, Engine foundation.	15.40
5.	,, Diff. Housing front.	1640.50
6.	,, Right front shocker.	48.00
7.	,, Right side front axle.	478.60
		2632.00

Note :—1. Surcharge @ 3% and S. Tax @ 10% will be charged for extra.

2. Parts not available will not be taken into hand. In case these items can be made available we will have no objection to carry out the jobs.

for Premier Motor Garage.
Sd/-
PARTNER.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

CASES OF CORRUPTION REPORTED BY SOME EMPLOYEES OF HARIKE AND SIDHWAN DIVISIONAL IRRIGATION DEPTTS.

1800. **Chaudhari Ram Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether the Govt. has issued any instructions to provide safeguard to such Govt. employees in the State who expose the cases of corruption ; if so, a copy thereof be laid on the Table of the House ;

(b) whether it is a fact that some Government employees of the Irrigation Deptt., working in Harike and Sidhwan Division, Ludhiana, brought any cases of corruption to the notice of the Govt. and the Vigilance Department during the period from 1962 to 1968 ; if so, their names ;

(c) whether any of the employees mentioned in part (b) above later submitted any complaints to the authorities ; if so, the action, if any, taken thereon ?

Sardar Sohan Singh Bassi : (a) (i) Yes.

(ii) A copy thereof is enclosed.

(b) (i) Yes.

(ii) Sarvshri P. M. Sood, G. R. Sharma and S. S. Sokhi, SDOs.

(c) (i) No.

(ii) Does not arise.

[(ੳ) (i) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ii) ਇਕ ਕਾਪੀ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਅ) (i) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ii) ਸ਼੍ਰੀ ਪੀ. ਐਮ. ਸੂਦ, ਸ਼੍ਰੀ ਜੀ. ਆਰ. ਸ਼ਰਮਾ ਅਤੇ ਸ਼੍ਰੀ ਐਸ. ਐਸ. ਸੋਖੀ ਉਪ ਮੰਡਲ ਅਫਸਰ ।

(ੲ) (i) ਨਾਂ ਜੀ ।

(ii) ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ।]

Copy of letter No. 5332-ACD-56, dated 13-11-56 from the Secretary to Government Punjab, Anti-corruption Deptt. to all Heads of Departments and others.

Subject : Protection to be afforded to officials coming forward as informers or helpers in Anti-corruption cases.

In continuation of Punjab Govt. letter No. 1914-ACD-56/722, dated the 26th June, 1956, on the subject "Anti-corruption Drive." I am directed to say that inspite of clear instructions instances of victimisation of such officials, as come forward with information or help in Anti-corruption cases keep coming to notice. Government take a very serious view of the matter and I am directed to emphasise that the instructions already issued to

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Irrigation and Power]

the effect that such officials should not be subjected to any sort of victimisation should be strictly followed. Any instance of victimisation should be strictly dealt with and I am to adopt this principle in respect of instances of victimisation coming to their notice.

2. In addition, Govt. consider that there is need for evolving steps to ensure that official informers and helpers in anti-corruption cases are permanently assured of their security in service. They have accordingly decided that a register should be maintained in the Anti-corruption Department of all such persons on a departmentwise basis. Each departmental head will be informed of the names in this register relating to his department. No decision adverse in any manner to any official whose name is borne on this register should be made unless the Anti-corruption Department have been consulted. This retates not only to decisions of a formal character e. g. imsposition of penalties under the relevant rules, termination of service under the relevant contract, non confirmation etc. but also to all other miscellaneous decisions which may have an adverse effect on the career of the officials concerned.

3. Steps are being taken to open a register in the Anti-corruption Deptt. and in due course you will be sent a list of the names of officials borne on it relating your department. Whenever any addition is made to this list, you will be immediately informed. The responsibility for ensuring that in all cases in which adverse decisions are proposed to be taken concerning these officials are in fact referred to the Anti-corruption Deptt. will be that of the Head of the Department concerned.

4. I am to request that these instructions may be brought to the notice of all concerned for strict compliance.

Copy of U. O. No. 5332-ACD-56, of even date by the same officer.

A copy is forwarded to all Administrative Secretaries to Govt., Punjab, for information in continuation of Punjab Govt. Un-official reference No. 1914-ACD-56, dated the 26th June, 56.

MARKETING COOPERATIVE SOCIETY, BHIKHIWIND, DISTRICT AMRITSAR

1354. (C. U.) **Sardar Kirpal Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the date when the Marketing Cooperative Society, Bhikhiwind, Tehsil Patti, District Amritsar was declared insolvent.

(b) lay on the Table of the House the lists of assets and liabilities of the society referred to in part (a) above stating therein the names of debtors and creditors thereof together with the amount of money in each case ;

(c) state whether any scheme in connection with the settlement of liabilities has been prepared by the authorities ; if so, a copy thereof be placed on the Table of the House ;

(d) lay on the Table of the House the list of debtors (persons or

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

societies) of the society referred to in para (a) above together-with the steps taken against the defaulters for recovering the amounts therefrom so far and the result thereof ;

(e) state whether some amount has been paid to the creditors of the society so far, if so, the list showing their names alongwith the amounts paid be placed on the Table of the House ?

Sardar Surjit Singh (Cooperation Minister) : (a) The Bhikhiwind Zamindara Cooperative Marketing Society Ltd., Bhikhiwind, Tehsil Patti, District Amritsar was brought under winding up orders on 14.7.65 under section 57 (i) of the Punjab Cooperative Societies Act, 1961.

(b) The assets and liabilities of the society (under winding up orders) on 22.12.1970 were as under :

	Liabilities		Assets	
1.	Share	10200-00	Advance to members	35910-13
2.	Deposits of members.	3266-61	Advance to non members	38970-67
3.	Deposits of non members.	99535-17	Advance to brokers.	53146-38
4.	Deposits of D. Ws.	24006-90	Advance to societies.	1344-33
5.	Securities of Societies.	6200-00	Advance shares of Federation	1500-00
6.	Sale Tax	136-14	Shares of D. Ws.	100-00
7.	School fund	15-39	Securities of D. F. C.	97-98
8.	Bardana	1860-94	Saving account with Coop. Bank.	4716-81
9.	Deposits of Agri. Deptt.	1-31	Securities	4630-00
10.	Cooperative Bank Loan.	21000-31	Stock (Sugar)	6670-60
			Furniture	1896-90
			Telephone	168-54
			Current Account	1-12
			Loss	17168-25
			Cash in hand	81-16
		1,66,222-77		1,66,222-77

(c) the instruction for discharging the liabilities of the societies under winding up are mentioned in the Registrar Cooperative Societies, Punjab, Chandigarh circular No. 17.32 which is attached as Appendix 'A'

(d) List attached as Annexure B & C.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Cooperation Minister]

The following steps have been taken against the defaulters for recovering the amounts from them.

(i) An award of the value of Rs. 29,949-96 has already been obtained and referred to the Collector; Amritsar for recovery.

(ii) Three cases of the value of Rs. 26,978-49 have also been referred to Collector Amritsar and Patiala since 1968-69.

(iii) Five awards amounting to Rs. 10,682-00 are being executed in the Civil Courts and warrants for attachment of the property of the debtors are expected to be issued shortly.

As a result, some assets have been recovered, for the remaining action under section 59 (2) (b) of the Punja Cooperative Societies Act, 1961 is being taken by the Liquidator.

(e) List attached as annexure 'D'

[(ੲ) ਭਿਖੀਵਿੰਡ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਮਾਰਕੀਟਿੰਗ ਸੁਸਾਇਟੀ ਲਿਮ: ਭਿਖੀਵਿੰਡ ਤਹਿਸੀਲ ਪੱਟੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਮਿਤੀ 14.7.65 ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ ਐਕਟ 1961 ਦੀ ਧਾਰਾ 57 (1) ਹੇਠ ਬੰਦ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ।

(ਅ) ਭਿੱਖੀਵਿੰਡ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਮਾਰਕੀਟਿੰਗ ਸੁਸਾਇਟੀ ਲਿਮ: (ਟੁੱਟੀ ਹੋਈ) ਦਾ ਸਰਮਾਇਆ ਮਿਤੀ 22.12.70 ਨੂੰ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਸੀ :

ਦੇਣ ਦਾਰੀਆਂ		ਲੈਣ ਦਾਰੀਆਂ	
ਹਿੱਸੇ	10200-00	ਮੈਂਬਰਾਂ ਜ਼ੁੰਮੇ ਕਰਜ਼ਾ	35910-13
ਅਮਾਨਤ ਮੈਂਬਰਾਂ	3266-61	ਗੈਰ ਮੈਂਬਰਾਂ ਜ਼ੁੰਮੇ ਕਰਜ਼ਾ	38790-67
ਅਮਾਨਤ ਗੈਰ ਮੈਂਬਰਾਂ	99535-17	ਆੜਤੀਆਂ ਜ਼ੁੰਮੇ	53146-28
ਅਮਾਨਤ ਡਿਸ: ਹੋਲ ਸੇਲ ਸੁਸਾਇਟੀ	24006-90	ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਜ਼ੁੰਮੇ	1344-33
ਜਮਾਨਤਾ ਸੰਸਥਾਵਾਂ	6200-00	ਹਿੱਸੇ ਫੈਡਰੇਸ਼ਨ	1500-00
ਸੇਲ ਟੈਕਸ	136-14	ਹਿੱਸੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੋਲ ਸੇਲ	100.00
ਸਕੇਲ ਫੰਡ	15-39	ਡੀ. ਐਫ. ਸੀ. ਹਿੱਸੇ	97-98
ਬਾਰਦਾਨਾ ਖਾਤਾ	1860-94	ਸੇਵਿੰਗ ਬੈਂਕ ਹਿਸਾਬ ਵਿੱਚ	4716-81
ਮਹਿਕਮਾ ਜ਼ਰਾਇਤ	1-31	ਜਮਾਨਤਾਂ	4630-00
ਕਰਜ਼ਾ ਸੈਂਟਰਲ ਬੈਂਕ	21000-31	ਖੰਡ ਦਾ ਸਟਾਕ	6670-60
		ਫਰਨੀਚਰ	1896-90
		ਟੈਲੀਫੂਨ ਖਾਤਾ	168-54
		ਚਾਲੂ ਹਿਸਾਬ	1.12
		ਘਾਟਾ	17163-25
		ਬਕਾਇਆ	81-16
ਜੋੜ	1,66,222-77	ਜੋੜ	1,66,222-77

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਸੀ) ਬੰਦ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ ਦੀ ਦੇਣ ਦਾਰੀ ਉਤਾਰਨ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਰਜਿਸਟਰਾਰ, ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ, ਪੰਜਾਬ, ਦੇ ਸਰਕੂਲਰ ਨੰਬਰ 17.32 ਵਿਚ ਦਰਜ ਹਨ ਜਿਸ ਦਾ ਉਤਾਰਾ 'ਏ' ਤੇ ਨੱਥੀ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

(ਡੀ) ਕਰਜ਼ਦਾਰਾਂ ਦੀ ਲਿਸਟ ਬਤੌਰ ਅਨੈਕਸ਼ਚਰ 'ਬੀ' ਅਤੇ 'ਸੀ' ਨੱਥੀ ਹੈ । ਨਾਂਦ ਇੰਦਰਾਜ਼ ਤੋਂ ਵਸੂਲੀ ਕਰਨ ਲਈ ਨਿਮਨਲਿਖਤ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ :

(1) 29949-96 ਰੁਪਏ ਦਾ ਇਕ ਵਾਰਡ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਹਾਸਲ ਕਰਕੇ ਕੁਲੈਕਟਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨੂੰ ਭੇਜਿਆ ਜਾ ਚੁੱਕਾ ਹੈ ।

(2) 26978-49 ਰੁਪੈ ਦੇ ਤਿੰਨ ਕੇਸ ਵੀ ਕੁਲੈਕਟਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਅਤੇ ਪਟਿਆਲਾ ਨੂੰ ਵਸੂਲੀ ਲਈ 1968-69 ਵਿਚ ਭੇਜੇ ਜਾ ਚੁੱਕੇ ਹਨ ।

(3) 10682-00 ਰੁਪੈ ਦੇ ਪੰਜ ਅਵਾਰਡਾਂ ਸਬੰਧੀ ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਿਚ ਕਾਰਵਾਈ ਚਲ ਰਹੀ ਅਤੇ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਕਰਜ਼ਦਾਰਾਂ ਦੀ ਜਾਇਦਾਦ ਦੀ ਕੁਰਕੀ ਸਬੰਧੀ ਵਰੰਟ ਛੇਤੀ ਹੀ ਜਾਰੀ ਹੋ ਜਾਣਗੇ ।

ਉਪਰੋਕਤ ਕਾਰਵਾਈ ਤੋਂ ਸਿੱਧ ਹੈ ਕਿ ਸਭਾ ਦਾ ਕੁਝ ਅਸਾਸਾ ਵਸੂਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਚੁੱਕਾ ਹੈ ਅਤੇ ਰਹਿੰਦੇ ਸਬੰਧੀ ਸਮਾਪਤਕਾਰ ਪੰਜਾਬ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਸੁਸਾਇਟੀਜ਼ ਐਕਟ 1961 ਦੀ ਧਾਰਾ 59 (2) (ਬੀ) ਅਧੀਨ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ ।

(ਏ) ਲਿਸਟ ਅਨੈਕਸ਼ਚਰ ਡੀ ਤੇ ਸ਼ਾਮਲ ਹੈ ।]

ANNEXURE 'A'

The liabilities of a society under liquidation should be paid off in the following order :

(a) Liquidation expenses.

(b) Government dues.

(c) Claims of employees in respect of provident and security deposit.

(d) Pay and other claims of the employees.

(e) Secured creditors (Both principal and interest)

(f) Ordinary creditors (principal only)

(g) Interest to ordinary creditors.

(h) Share money to the members.

(i) Any surplus should be disposed of as ordered by the Registrar.

In each of the above groups, all persons must share in the payment in proportion to their total claims and each group must be fully paid off before payment of the next group is considered.

———

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Cooperation Minister]

ANNEXURE 'B'

Names of debtors with the amount of money.

Sr. No.	Names of Debtors	Amount
1.	Sh. Gurnam Singh Rajoke	12-18
2.	Sh. Ram Chand s/o Bant Ram Bhikhiwind	1020-00
3.	Sh. Harchand Singh Sur Singh	17013-11
4.	Sh. Bahal Singh Thati Jaimal Singh	1280-75
5.	Sh. Gulakhan Singh Pahuwind	1223-47
6.	Sh. Shangara Singh Ladhoo	632-25
7.	Sh. Ganga Singh Rajoke	129-75
8.	Sh. Gurmaj Singh Pahuwind	187-36
9.	Sh. Dalip Singh, Mari Kamboke	6597-31
10.	Sh. Mangal Singh, Sur Singh	105-00
11.	Sh. Mohinder Singh, Kalain	674-40
12.	Sh. Achar Singh Bhikhiwind	4568-15
13.	Sh. Kartar Singh Sidhwan	436-02
14.	Sh. Rajtar Singh	291-32
15.	Sh. Jarnail Singh Rajoke	162-51
16.	Sh. Swarn Singh Sur Singh	128-34
17.	Sh. Harbhajan Singh Rajoke	105-00
18.	Sh. Kundan Singh Rajoke	338-93
19.	Sh. Gurdial Singh Rajoke	262-82
20.	Sh. Surdul Singh Rajoke	132-85
21.	Sh. Joginder Singh Rajoke	125-00
22.	Sh. Jagir Singh Sand pura	105-00
23.	Sh. Gurnam Singh Daliri	128-74
24.	Sh. Desa Singh, Musa	991-10
25.	Sh. Jarnail Singh Sur Singh	418-23
26.	Sh. Gurmej Singh, Bhaini	107-50
27.	Sh. Shangara Singh Sur Singh	193-37
28.	Sh. Mohinder Singh, Sur Singh	324-75
29.	Sh. Banta Singh, Baserke	62-50
30.	Sh. Ajit Singh Sur Singh	515-00
31.	Sh. Hazara Singh Lachoo	39-13
32.	Sh. Maharut Singh Kacha Paca	967-39
33.	Sh. Gurmej Singh Daliri	25-00
34.	Sh. Gian Singh Bhaini Gurmukh Singh	332-82
35.	Sh. Inder Singh Baler	122-05
36.	Sh. Mehar Singh Mari Moga	802-72
37.	Sh. Harbans Singh Pahuwind	6-11

Orig al with;
Pun Vidhan Sabha
Digi ed by;
Panj Digital Library

38.	Sh. Banta Singh Mari Moga	100-00
39.	Sh. Basant Singh Sur Singh	6493-43
40.	Sh. Bachiter Singh Bhikhiwind	30-12
41.	Sh. Pal Singh Rajoke	35 90
42.	Sh. Kala Singh Dhun	455-84
43.	Sh. Harinder Singh Baserke	576-85
44.	Sh. Angrej Singh Mari Moga	171-21
45.	Sh. Sher Singh Rajoke	2391-24
46.	Sh. Kartar Singh Mari Moga	70-59
47.	Sh. Sardul Singh ,, ,,	105-00
48.	Sh. Sadhu Singh Mari Kamboke	10-00
49.	Sh. Bur Singh Gursahib Singh Baserke	2400-00
50.	Sh. Mangal Singh, Mari Kamboke	100-00
		53579-25

ANNEXURE 'C'

Debtor Non-Members

Sr. No.	Name of Debtors	Amount
1.	Sarvshri Harbans Singh Shagird B/wind	11-80
2.	D. F. C. Amritsnr	97-98
3.	Sant Ram Bhikhiwind	704-32
4.	Ajaib Singh Bhaini Massa Singh	502-94
5.	Joginder Singh Chhichrewal	219-53
6.	Mukhtiar Singh Shagird	66-27
7.	Jagir Singh Numberdar, Pahuwind	207-41
8.	Harnam Singh, Halwai B/wind	100-00
9.	Dharm Pal Baserke	130-31
10.	Mangat Ram, Chanan Lal B/wind	39-61
11.	Dalip Singh Shagird. Bhikhiwind	145-84
12.	Partap Singh Baserke	99-00
13.	Mangat Ram peon Bhikhiwind	53-00
14.	Mohan Singh Baserke	650-09
15.	Dalip Singh, Dial pura	5-00
16.	Buta Singh, Maddar	18-75
17.	Manga Ram Sidhwan	15-42
18.	Salig Ram, Hans Raj Bhikhiwind	159-05
19.	Jagan Nath Bhaini	144-09
20.	Dalip Singh Chichrewal	57-69
21.	Ajaib Singh ,,	24-45
22.	Hardip Singh ,,	75-22
23.	Udham Singh ,,	12-00
24.	Kapoor Singh ,,	24-85

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Cooperation Minister]

25.	Thakar Singh Chichrewal	12-78
26.	Kehar Singh ,,	4-93
27.	Sohan Singh ,,	45-00
28.	Bur Singh ,,	24-12
29.	Sohan Singh	50-00
30.	Gurnam Singh Makhi	109-05
31.	Lal Singh Mari	82-66
32.	Bachan Singh Bhai Ladhoo	13-06
33.	Naranjan Singh Bhaini Massa Singh	10-00
34.	Talok Singh Bhikhiwind	30-00
35.	Ajit Singh Daliri	30-00
36.	Deva Singh Manhala	3557-42
37.	Nazar Singh, Sur Singh	164-00
38.	Darshan Singh, Sur Singh	19-10
39.	Swarn Dass, Diwan Chand, Kamboke	10-00
40.	Piara Singh Rajoke	129-27
41.	Ujjagar Singh Bhaini Massa Singh	96-94
42.	Fauja Singh Sandhra	52-84
43.	Surjit Singh, Kacha Pakka	102-84
44.	Gurdip Singh Bhaini Gurmukh Singh	4-06
45.	Lajpat Rai Bhikhiwind	9-10
46.	Naranjan Singh Bhikhiwind	49-03
47.	Meja Singh Sur Singh	176-04
48.	Khushi Ram, Dialpur	677-01
49.	Sarwan Kumar, Frandipur	5-98
50.	Labh Singh Bhikhiwind	15-62
51.	Gurbachan Singh Sur Singh	124-62
52.	Sajjan Singh Rajoke	655-93
53.	Karm Singh Shabazpur	1301-56
54.	Khusi Ram, Bhikhiwind	162-15
55.	Gian Singh Makhi	306-55
56.	Rasal Singh Sandhra	30-00
57.	Ajaib Singh Makhi	29-75
58.	Gurmej Singh Ex-M. L. A. Asr.	25-00
59.	Keshav Ram, Sur Singh	199-55
60.	Gurmej Singh, Daliri	5-00
61.	Diwan Chand Chack Bahmbe	203-75
62.	Joginder Singh Bhikhiwind	1603-44
63.	Meja Singh Bhikhiwind	55-67
64.	Ganga Ram, Mari Kamboke	119-86
65.	Hans Raj, Tara Chand, Tarn Taran	60-30

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

66.	Resham Singh Kalsi	204-19
67.	Hans Raj, Ashwani Kumar Bhikhiwind	490-72
68.	Bhagwan Dass & Sons B/wind	851-50
69.	Gurdip Singh Lakhna	662-78
70.	Raghbir Singh Sugga	544-12
71.	Joginder Singh Chhichrewal	3-60
72.	Didar Singh	33.49
73.	Kulwant Singh Hundal	30-44
74.	Sajjan Singh Baserke	479-57
75.	Amar Singh Fatta Khoja	18-03
76.	Kundan Lal Daliri	1316-39
77.	Vir Singh Mari Kamboke	36-47
78.	Bhag Singh Sandpur	4-98
79.	Dev Raj Bhikhiwind	209-79
80.	Raj Kumar, Bhikhiwind	277-70
81.	Gaindoo, Bhikhiwind	9-35
82.	Gurdip Singh Baserke	29-54
83.	Arur Singh Baserke	5-20
84.	Surjan Singh Baserke	28-28
85.	Om Parkash Bhikhiwind	35-03
86.	Karm Chand Bhikhiwind	92-93
87.	Tirath Ram, Khalra	456-00
88.	Joginder Singh Bedi Khalra	88-77
89.	Viru Shah, Valtoha	659-16
90.	Diwan Chand, Valtoha	18-60
91.	Sucha Singh Makhi	469-18
92.	Surain Singh Rajoke	48-54
93.	Gopal Singh, Akarpur	111-00
94.	Shangara Singh, Sur Singh	58-09
95.	Tara Singh, Blar	3-00
96.	Santokh Singh Dalca	10-30
97.	Surat Singh Kale	18-04
98,	Mehar Singh, Sur Singh	25-00
99.	Gulbadan Singh Asr.	2020-37
100.	Buta Singh Bhikhiwind	3-00
101,	Jagtar Singh Tarn Tarn	306-38
102.	Dev Raj, Bhikhiwind	35-51
103.	Karm Chand, Bhikhiwind	26-52
104.	Lakhmi Chand, Kango, B/wind	22-12
105.	Nirwant Singh Ahmedpur	12-56
106.	Sewa Singh Bhucher	14-60
107.	Thakar Singh Gurbachan Singh	161-71

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Cooperation Minister]

108.	Dharm Pal Bhikhiwind	37-29
109.	Vidhya Sagar, Sarhali	3883-67
110.	Karm Singh Rajoke	56-06
111.	Gurbax Singh Makhi	33-89
112.	Tara Singh B/wind	42-08
113.	Nazara Singh B/wind	85-07
114.	Bhecloo Mazbi B/wind	36-02
115.	Gurdas Mal Dhun	12-44
116.	Gian Chand Sugga	6-86
117.	Kashmiri Lal Dhun	106-28
118.	Khushi Ram, Tarn Taran	49-52
119.	Kartar Singh Inspector Agri.	70-29
120.	Jarnail Singh Sur Singh	10-00
121.	Massa Singh Makhi	15-00
122.	Darshan Singh Sur Singh	10-00
123.	Diwan Chand, Amritsar	7-25
124.	Uttam Singh Manak Pur	16-44
125.	Surain Singh Sur wind	2-00
126.	Mehar Singh Sur Singh	10-00
127.	Gurdip Singh Bainka	12-03
128.	Bakhshish Singh Frandipur	100-00
129.	Diwan Chand Ahmedpur	23-73
130.	Dalip Singh Baler	3-00
131.	Didar Singh Sur Singh	25-00
132.	Karam Singh Sur Singh	103-57
133.	Santokh Singh Sur Singh	45-92
134.	Banta Singh Sur Singh	32-25
135.	Kundan Singh Sur Singh	1-00
136.	Mohinder Singh Tappa	2-00
137.	Hazara Singh B/wind	20-42
138.	Dalip Singh Sur Singh	16-00
139.	Sajjan Singh Sur Singh	1-00
140.	Kundan Singh Sur Singh	2-00
141.	Tara Singh Sur Singh	73-50
142.	Mota Singh Sur Singh	5-00
143.	Teja Singh B/wind	92-33
144.	Dev Raj Munem B/wind	142-52
145.	Bachan Singh Baghiari	100-00
146.	Massa Singh Rajoke	100-00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

147.	Munsha Singh Rajoke	4-00
148.	Gulab Singh, Sur Singh	11-92
149.	Kishan Chand, Pahuwind	17-47
150.	Cheten Singh, Sur Singh	1-00
151.	Kesar Singh Sur Singh	5-52
152.	Dhian Singh Sur Singh	51-64
153.	Gurbachan Singh Sur Singh	5-00
154.	Gurdial Singh Mari Garu Singh	43-44
155.	Gurcharan Singh Makhi Kalan	24-69
156.	Kapur Singh, Sur Singh	11-22
157.	Lakhbir Singh Sur Singh	2-00
158.	Baghail Singh Makhi	16-00
159.	Darshan Singh Sur Singh	2-00
160.	Achar Singh Mari Mega	2-00
161.	Harnam Singh Sur Singh	23-00
162.	Piara Singh Gurkwind	10-00
163.	Jaswant Singh Sur Singh	10-00
164.	Waryam Singh Sur Singh	11-00
165.	Inder Singh Sur Singh	30-00
166	Gurcharan Singh Tung	20-00
167.	Shangara Singh Frandipur	11-47
168.	Dara Singh Rajoke	8.55
169.	Tara Singh Palova	7-25
170.	Hari Singh Makhi Kalan	20-00
171.	Hazara Singh Palova	24-19
172.	Mangal Singh Bainka	6-00
173.	Wattan Singh Ladhoo	30-00
174.	Meja Singh Kacha Packa	19-98
175.	Gurdip Singh Sur Singh	38-06
176.	Khazan Singh Sur Singh	1-00
177.	Gain Singh Sur Singh	100-00
178.	Meja Singh Sur Singh	38-00
179.	Bagga Singh Chung	5-00
180.	Rachpal Singh Chung	5-00
181.	Vassan Singh Sur Singh	6-00
182.	Pal Singh Ladhoo	2-17
183.	Gian Singh B/wind	324-98
184.	Resham Singh Dialpur	79-65
185.	Kartar Singh Nausherha Dhala	15-00
186.	Harnam Singh Baserke	25-00
187.	Santokh Singh Panjwar	32-00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Cooperation Mintster]

188.	Joginder Singh Amli Rajoke	6-25
189.	Ram Parkash Postman	35-20
190.	Pritam Singh Arbitrator	248-25
191.	Jota Singh Bler	2-04
192.	Ram Parkash Sur Singh	7-21
193.	Sewa Singh Mewa Singh Sur Singh	5-00
194.	Boota Singh Sur Singh	22-25
195.	Amar Singh Makhi	49-18
196.	Boota Singh Mari Kamboke	64-00
197.	Gurdip Singh Numberdar Rajoke	75-20
198.	D. A. C.	41-97
199.	Kundan Singh Sur Singh	39-25
200.	Ajaib Singh B/wind	60-00
201.	Jagir Singh Mari Kamboke	1-00
202.	Tara Singh Panjawar	3-41
203.	Bachiter Singh Baltoha	6-12
204.	Dalip Singh Poohle	38-66
205.	Nand Singh Pahuwind	24-33
206.	Baldev Singh Sharma Asr.	15-84
207.	Mehar Singh G. I. Police	127-57
208.	Puran Singh Guard	33-87
211.	Chet Ram B/wind	34-31
212.	Anokh Singh Sur Singh	56-42
213.	Surat Singh Kale	34-28
214.	Gurdial Singh, Comrade Dialpur	14-43
215.	Gurbanta Singh Inspector Road Asr.	127-44
216.	Harbajan Singh Pati Nangal	13.14
217.	Chanchal Singh Patti Vidhai B/wind	41-50
218.	Lal Singh Rajoke	64-94
219.	Gurdit Singh Rajoke	85-86
220.	Bachan Singh Bhagwanpura	9-00
221.	Harcharan Singh S. H. O. Patti	56-25
222.	Sandhu Singh Kale	4-56
223.	Sucha Singh Padri	5-00
224.	Hardip Singh Makhi	19-44
225.	Raj Kumar Peon	27-62
226.	Tara Singh Pelhwan Musse	30-00
227.	Dalip Singh Sur Singh	5-00
228.	Pala Singh Sur Singh	20-00
229.	Chanan Singh Peon	21-25
230.	Bachan Singh Sur Singh	20-00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

231.	Kishan Singh Sur Singh	2-00
232.	Mohinder Singh Patwari	50-00
233.	Gurdial Singh Sur Singh	3-00
234.	Tara Singh Frandipur	20-00
235.	Karnail Singh Sur Singh	20-00
236.	Gurcharan Singh	15-00
237.	Arjan Singh Frandipur	15-44
238.	Hazara Singh B/wind	25-37
239.	Dial Singh Sur Singh	51-00
240.	Harnam Singh Jagirdar Sur Singh	90-00
241.	Chanan Singh Sur Singh	5-00
242.	Sardara Singh Sur Singh	25-69
243.	Chanan Singh B/wind	20-81
244.	Shabheg Singh ,,	20-00
245.	Santokh Singh Sur Singh	200-00
246.	Karnail Singh Sur Singh	2-00
247.	Gurmukh Dass Blair	5-19
248.	Sardara Singh Kacha Packa	10-00
249.	Mangal Singh Kacha Packa	41-88
250.	Karn Singh Kacha Packa	8-00
251.	Rattan Singh Adda Incharge Sur Singh	7-82
252.	Karnail Singh Ladhoo	5-34
253.	Darshan Singh Tola	6-81
254.	Sukhwant Singh Sur Singh	5-00
255.	Narain Singh Driver B/wind	15-75
256.	Hans Raj Harike	17-00
257.	Amrit Lal Patti	128-12
258.	Phagu Ram Muneem	15-75
259.	Gurdit Singh Bhaini	6-19
260.	Bhadur Singh Mari Gour Singh	5-00
261.	Baj Singh Sur Singh	19-21
262.	Bhan Singh Sur Singh	2-00
263.	Ajit Singh Kacha Packa	50-00
264.	Shangara Singh Sur Singh	18-00
265.	Sucha Singh Mari Gour Singh	51-92
266.	Roop Lal Margindpur	5-42
267.	Puran Singh Bhaini Massa Singh	2-00
268.	Sudha Singh Bhikhiwind	6-55
269.	Chogat Singh Bur Chand	5-00
270.	Naranjan Singh Bhai Ladhoo	91-05
271.	Anant Ram Patti	7-60

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Cooperation Minister]

272.	Lachman Singh Rajoke	27-40
273.	Inderjit Singh Khem Singh Makhi	22-35
274.	Jarnail Singh Sohan Singh Manakpur	15-00
275.	Shangara Singh Musa	5-00
276.	Hans Raj Algon	1-00
277.	Teja Singh Bler	5-00
278.	Hira Singh P. Nangal, Sur Singh	36-50
279.	Nazar Singh Mazbi B/wind	52-69
280.	Harnam Singh B. Nangal	10-00
281.	Achar Singh Akarpura	13-00
282.	Teja Singh Ladhu	15-00
283.	Swarn Singh Sur Singh	85-98
284.	Mohinder Singh Sur Singh	10-00
285.	Darshan Singh Rajoke	18-60
286.	Udham Singh Bhaini Gurmukh Singh	15-00
287.	Gurmej Singh Bainka	21-50
288.	Gurdial Singh Tappa	10-00
289.	Gian Singh Bhaini Gurmukh Singh	4-56
290.	Mula Singh Dial pura	166-17
291.	Bhana Mal Peon	71-03
292.	Diwan Chand Rajoke	5-00
293.	Arjan Singh Poblian	62-72
294.	Ram Singh Depot Holder Algon	20-99
295.	Diwan Chand Sur Singh	20-00
296.	Gopal Singh Sur Singh	3-58
297.	Gokal Chand Des Raj, B/wind	80-64
298.	Kundan Singh Bhikhiwind	4-40
299.	Sajjan Singh Sur Singh	3-00
300.	Arjan Singh Makhi	2-00
301.	Dara Singh Frandipur	10-00
302.	Labh Chand Rajoke	5-00
303.	Santa Singh Pahuwind	17-00
304.	Pala Singh Gram Sewak B/wind	20-00
305.	Sohan Singh Driver	25-19
306.	Balwant Singh Sur Singh	22-50
307.	Santa Singh Manakpur	10-00
308.	Bawa Singh Bler	10-12
309.	Mehar Singh Sur Singh	1-00
310.	Sohan Lal Agarwal Asr.	83-35
311.	Raja Singh B/wind	00-39
312.	Sadhu Singh Phoole	20-00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

313.	Dalip Singh Mari Mega	20-00
314.	Sewa Singh Asr.	7-50
315.	Geja Singh Sur Singh	20-00
316.	Hazara Singh Makhi	10-00
317.	Munshi Ram Asr.	100-00
318.	Bali Ram Peon	59-80
319.	Surat Singh Mari Kamboke	50-30
320.	Fauja Singh Makhi	30-00
321.	Major Siagh Master B/wind	5-00
322.	Satpal Tarn Tarn	12-00
323.	Fauja Singh Ahmedpur	5-00
324.	Mohinder Singh Pandi	41-90
325.	Sarwan Singh Mari Kamboke	47-50
326.	Jarnail Singh Sur Singh	4-67
327.	Puran Singh B/wind	16-00
328.	Puran Singh Mazbi B/wind	56-00
329.	Chattar Singh Mari Naubad	17-50
330.	Mehan Singh Bhaini Gurmukh Singh	6-43
331.	Kartar Singh B/wind	0-43
332.	Talok Singh Frandipur	16-59
333.	Sarn Singh Makhi	121-10
334.	Kundan Singh Dhariwal	5-00
335.	Mahla Singh B/wind	70-00
336.	Karnail Singh Clerk	15-43
337.	Ajit Singh Sandhpur	40-00
338.	Inder Singh B/wind	50-00
339.	Sucha Singh Baserke	6-92
340.	Dhani Ram Narla	1-00
341.	Rattan Singh Frandipur	19-56
342.	Karm Singh Mari Kamboke	5-00
343.	Des Raj Line man	15-70
344.	Sucha Singh Bhaini Massa Singh	473-45
345.	Dara Singh Dialpur	12-00
346.	Hans Raj Peon	5-00
347.	Hardip Singh Marimega	53-32
348.	Basant Kaur Dial pur	3-78
349.	Dial Singh B/wind	36-25
350.	Karm Chand Bihari Lal Moga	2-86
351.	Satpal Sur Singh	47-52
352.	Surat Singh Makhi	2-75
353.	Sucha Singh B/wind	55-91

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Cooperation Minister]

354.	Jassa Singh B/wind	25-00
355.	Faquir Chand B/wind	22-00
356.	Ram Lal Khalra	28-03
357.	Banta Singh Sand pura	91-97
358.	Karnail Singh Panjwar	64-04
359.	Satya Brothers Malot Mandi	386-82
360.	Bahal Singh Frandipur	30-00
361.	Suba Singh Bhaini Gurmukh Singh	19-79
362.	Naranjan Singh B/wind	61-25
363.	Milkha Singh Bhaini Gurmukh Singh	21-76
364.	Jagtar Singh Dalovan	114-00
365.	Hans Raj Hotelwala B/wind	133-92
366.	Bhagwan Singh Rajoke	22-19
367.	Harbans Rai Bhandari B/wind	364-41
368.	Bishan Dass Bhaini Gurmukh Singh	20-00
369.	Labhu Ram Muse	5-00
370.	Mangal Singh Pandri	17-50
371.	Sukha Singh Driver	100-10
372.	Surjan Singh Mari Kamboke	152-95
373.	Kundan Singh Bainka	15-00
374.	Anokh Singh Rajoke	146-22
375.	Balwant Rai Chak Bahmba	88-75
376.	Tara Singh Manak pura	30-00
377.	Kharaiti Ram, Paledar	28-42
378.	Gurmukh Singh Baserke	2-00
379.	Ishar Singh & Sons T. T.	57-20
380.	Surat Singh Chhichrewal	2-15
381.	Bej Nath Daliri	57-20
382.	Hazari Lal Bansi Lal B/wind	10-49
383.	Piara Lal Mari Kamboke	265-17
384.	Mela Ram Dall	16-30
385.	Mohan Singh Ladhu	58-80
386.	Tara Singh Shagird	36-60
387.	Atam Sarup B/wind	72-77
388.	Gurdial Singh Padhri	59-53
389.	Hem Singh Baserke	805-45
390.	Lakha Singh Dhun	402-67
391.	Mal Singh Rajoke	46-75
392.	Bahal Singh B/wind	9-00
393.	Harnam Sihgh Shagird	41-13

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

394.	Sant Bishan Dass Rajoke	56-41
395.	Sucha Singh Baserke	239.02
396.	Banta Singh Shahbazpur	20-00
397.	Thaker Singh Singhpura	20-00
398.	Samarjit Singh Mari Kamboke	43-78
399.	Sh. Ramjidass Vakil Samrala	120.00

APPENDIX 'D'

Detail of amount returned to the depositors.

Amount of seed paid to D. A. O. ASR.	9780.00
Sales Tax paid	563.83
Audit fee paid	150.00
Intt. paid to C. B. Tarn Taran on pledge loan	5166.20
Amount paid to the decree holder	500.00
Return of deposit to Sh. Tara Singh Algon	4518.46
Return of deposit to Sh. Bahal Singh Patti	7006.91
Total	27685.40

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Orig nal with;
Punj b Vidhan Sabha
Digi ed by;
Panj

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

"C" 1969
Published under the authority of the Punjab Vidhan Sabha
Printed by :
SANATAN DHARAM PRESS,
Mani Majra.
(Chandi Garh)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Punjab Vidhan Sabha Debates

30th March, 1970

Vol. I—No. 24

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Monday, the 30th March, 1970

		Pages
Point of Order	..	(24)1
Supplementaries on Starred Question No. 1761	..	(24)2
Postponed Starred Questions and Answers dated 30th March, 1970	..	(24)3
Starred Questions and Answers, dated 26th March, 1970	..	(24)36
Written Answers to Starred Questions, dated 26th March, 1970, laid on the Table under Rule 45	..	(24)44
Written Answers to Starred Questions, dated 30th March, 1970, laid on the Table under Rule 45	..	(24)68
Unstarred Questions and Answers, dated 30th March, 1970	..	(24)80
Question of Privilege	..	(24)98

Price Rs. 48.15 Paise.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		Pages
No Confidence Motion	..	(24)99
Call Attention Notices	..	(24)102
Motion under Rule 15	..	(24)104
Points of Order	..	(24)105
Statement by Ex-Chief Minister under Rule 12	..	(24)109
Legislative Business		
Bill (s) (Withdrawn)	..	
The Punjab Special Powers (Press) Amendment—,1970	..	(24)126
The Punjab Urban Immovable Property Tax (Amendment) —, 1970	..	(24)126
The Punjab Entertainments Duty (Amendment)—, 1970	..	(24)127
The Punjab Entertainments Tax (Cinematograph Shows) (Amendment)—, 1970	..	(24)127
Motion Under Rule 121	..	(24)127
Financial Business		
Bill—		
The Punjab Appropriation (No. 2) —, 1970	..	(24)127, 138, 148
Personal Explanation by Sardar Gurnam Singh	..	(24)136
Resolutions for Removal of Speaker	..	(24)147
Personal Explanation by Capt. Rattan Singh	..	(24)141
Motion for Adjournment of the House *Sine die*	..	(24)167
Appendix	..	i

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

PUNJAB VIDHAN SABHA

Monday, the 30th March, 1970

The Sabha met in the Punjab Vidhan Sabha Hall, Vidhan Bhavan, Sector 1, Chandigarh, at 2.00 P. M. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Darbara Singh) in the Chair.

POINT OF ORDER

Mr. Speaker : Supplementaries on Question No. 1761.

Sardar Umrao Singh : Before , Sir, you take up anything in the House, I object to the List of Business which has been circulated by the Vidhan Sabha Secretariat because certain items of business which have been included in this List have not been approved by the House. There was no recommendation of the Business Advisory Committee to include the Appropriation Bill in the List of Business for to-day.

Mr. Speaker : After the Question Hour, we would take up Points of Order.

Captain Rattan Singh : Sir, I have to raise a Point of Order. I have to raise a fundamental constitutional Point of Order, if you will permit me to do so.

Mr. Speaker : The hon. Member should please resume his seat.

Captain Rattan Singh : Sir, it is a Point of Order involving Constitution.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਜੇ ਕੁਐਸਚਨ ਆਵਰ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਤਾਂ I can dispense with it. (In case the hon. Members do not want to have the Question Hour then I can dispense with it).

Captain Rattan Singh : Sir, let the Question Hour be there. If you do not allow me to raise my Point of Order....

(Interruptions and Noise in the House).

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : ਕੈਸਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ !

Captain Rattan Singh : Is the hon. Member running the House or the Speaker ?

Mr. Speaker : I would request the hon. Member to please resume his seat. No business is before the House so far. How can he raise a Point of Order ?

Captain Rattan Singh : If you will allow me, Sir, to make a small submission......*(Interruptions).*

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker : Then there will be further Points of Order.

Captain Rattan Singh : I would request you, Sir, to allow me to say one thing.

श्री बलराम दास टंडन : इस बारे में कमेटी मीटिंग में फैसला (शोर) हुआ था (शोर–बैठ जाओ, बैठ जाओ) कि Question Hour में Point of Order नहीं होगा । (शोर)

Captain Rattan Singh : Sir, you know, I have been submitting to all your orders. What I am going to say is that I will raise my Point of Order after the Question Hour. Only I want to say that the hon. Members who have formed the Ministry the other day have flouted the Constitution. But I will raise the Point of Order after the Question Hour is over.

Mr. Speaker : This is no Point of Order.

SUPPLEMENTARIES ON STARRED QUESTION No. 1761*

Mr. Speaker : Does any hon. Member want to put supplementary question on Starred Question No. 1761 ?

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਅਲ ਏਰੀਆ ਵਿਚ ਜਿੰਨੇ ਵੀ ਪਲਾਟਾਂ ਦੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਾਲਕ ਕੀਮਤ ਦੇ ਚੁਕੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਰੋਪਰਾਇਟਰੀ ਰਾਈਟਸ ਹਾਲੇ ਤਕ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ ?

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ : (ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ): 1952 ਦੇ ਸਾਲ ਬਾਰੇ ਜੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਵਾਲ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਇਹ ਰਾਈਟਸ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਦੇ ਚੁਕੇ ਹਾਂ ਸਵਾਏ ਇਕ ਕੇਸ ਦੇ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਇਹ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਇਨਸਟਰਕਸ਼ਨਾਂ ਜਾਰੀ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਾਲੇ ਤਕ ਇਹ ਪਰੋਪਰਾਇਟਰੀ ਰਾਈਟਸ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਰਾਈਟਸ ਫੌਰਨ ਦੇ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਇਨਸਟਰਕਸ਼ਨਜ਼ ਆਲਰੈਡੀ ਕੀਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। 1952 ਦੇ ਇੱਕ ਕੇਸ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਲੀਗਲ ਅਤੇ ਟੈਕਨੀਕਲ ਹਿਚਿਜ਼ ਹਨ। ਜਦੋਂ ਇਸ ਕੇਸ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ਤਾਂ ਇਹ ਵੀ ਠੀਕ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ।

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਲਾਟਾਂ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਦੇਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਅਖਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਹ ਬਗੈਰ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਆਫ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਦੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਲਾਟਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਟਰਾਂਸਫਰ ਕਰ ਸਕਣ, ਜਾਂ ਕਰਾਏ ਤੇ ਦੇ ਸਕਣ। ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੋਏਗੀ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

ਮੰਤਰੀ : ਜਿਹੜੇ ਕੇਸਿਜ਼ ਕੰਪਲੀਟ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਰੋਪਰਾਇਟਰੀ ਰਾਈਟਸ ਟਰਾਂਸਫਰ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ। ਜਿਹੜਾ ਇਕ ਕੇਸ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਇਹਦੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਲੀਗਲ ਕੰਪਲੀ-ਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਪਰੋਪਰਾਇਟਰੀ ਰਾਈਟਸ ਟਰਾਂਸਫਰ ਕਰ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਕੀ ਰਜਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਡੀਡਜ਼ ਫਾਰਮਲੀ ਐਕਸੀਕੀਊਟ ਹੋ ਗਈਆਂ ਹਨ ਕਿ ਨਹੀਂ ?

ਮੰਤਰੀ : ਪਰੋਪਰਾਇਟਰੀ ਰਾਈਟਸ ਟਰਾਂਸਫਰ ਕਰਨ ਦਾ ਮਤਲਬ ਹੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਰਜਿਸਟਰੀਆਂ ਹੋ ਗਈਆਂ ਹਨ।

*Starred Question No 1761 and reply there to appear in the P.V.S. Debate, dated 25th March, 1970.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ: ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਇਲਮ ਹੈ ਕਿ ਇੱਕ ਕੇਸ ਨੂੰ ਛੱਡ ਕੇ ਬਾਕੀ ਦਿਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਹ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਆਫ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਸੇਲ ਕਰ ਸਕਣ ?

ਮੰਤਰੀ: ਇਸ ਬਾਰੇ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ।

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ: ਮੇਰਾ ਸਵਾਲ ਸਿਧਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਰਜਿਸਟਰੀਆਂ ਹੋ ਚੁਕੀਆਂ ਹਨ, ਗੌਰਮੈਂਟ ਰਜਿਸਟਰੀਆਂ ਕਰ ਚੁਕੀ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਵੀ ਇਹ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਬਗੈਰ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਆਫ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਦੇ ਉਹ ਆਪਣੇ ਪਲਾਟਸ ਸੇਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ, ਗਹਿਣੇ ਨਹੀਂ ਰਖ ਸਕਦੇ।

ਮੰਤਰੀ: ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਹਿ ਚੁਕਾ ਹਾਂ। ਜੇ ਕੋਈ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਕੇਸ ਹੈ, ਉਹ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ, ਮੈਂ ਪਤਾ ਕਰਕੇ ਦਸ ਦਿਆਂਗਾ।

POSTPONED STARRED QUESTIONS AND ANSWERS DATED 30TH MARCH, 1970

Accountants in the Block Offices of Development and Panchayat Department

*1498. **Sardar Raja Singh**: Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state.—

(a) the total number of posts of Accountants in the Block Offices of the Development and Panchayat Department, Punjab, at present ;

(b) the total number of Harijan Accountants among those referred to in part (a) above, district-wise ;

(c) whether it is a fact that there is no Scheduled Caste Accountant in the Development Department in District Jullundur ; if so, the reasons for not giving reservation to the Scheduled Castes ?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) : (a) 116

(b)	(i) Amritsar	One
	(ii) Bhatinda	..
	(iii) Gurdaspur	One
	(iv) Hoshiarpur	..
	(v) Jullundur	One
	(vi) Ludhiana	..
	(vii) Kapurthala	..
	(viii) Ferozepur	..
	(ix) Sangrur	..
	(x) Rupar	..
	(xi) Patiala	One

(c) No. There is one Scheduled Caste Accountant in Jullundur District.

[(ੳ)			116
(ਅ)	(1) ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	...	ਇਕ
	(2) ਬਠਿੰਡਾ	...	..

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

(3) ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	...	ਇਕ
(4) ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	...	..
(5) ਜਲੰਧਰ	...	ਇਕ
(6) ਲੁਧਿਆਣਾ	...	..
(7) ਕਪੂਰਥਲਾ	...	..
(8) ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	...	..
(9) ਸੰਗਰੂਰ	...	..
(10) ਰੋਪੜ	...	..
(11) ਪਟਿਆਲਾ	...	ਇਕ

(ੲ) ਨਹੀਂ। ਜਲੰਧਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿੱਚ ਇਕ ਹਰੀਜਨ ਲੇਖਾਕਾਰ ਲਗਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ।]

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ: ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਅਕਾਊਂਟੈਂਟਸ ਦੀਆਂ ਪੋਸਟਾਂ ਫਿਲ ਕਰਨ ਵੇਲੇ ਕੋਈ ਵੀ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ ਗਿਆ, ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ? ਕੀ ਇਹ ਕਾਰਨ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਡਿਸਕਰੀ-ਮੀਨੇਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ? ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੇ ਕਰੈਕਟਰ ਰੋਲ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਖਰਾਬ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਰੈਕਟਰ ਰੋਲ ਖਰਾਬ ਕਰਨ ਦਾ ਕੋਈ ਯਤਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ: ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਵਿਤਕਰਾ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਸ ਵਿਤਕਰੇ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਰੋਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਜ਼ਰੂਰ ਕਰਾਂਗੇ ।

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ: ਕੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਵਾਸਤੇ ਜੋ ਪੋਸਟਸ ਰਿਜ਼ਰਵ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਰਸੈਂਟੇਜ ਕੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿੰਨੀ ਪਰਸੈਂਟੇਜ ਫਿਲ ਅਪ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿੰਨੀ ਅਨ-ਫਿਲਡ ਹੈ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਇਸ ਬਾਰੇ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਉ।

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ: ਕੀ ਇਹ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਨ ਕਿ ਜੋ ਵਿਤਕਰਾ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਨਾਲ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਉਹ ਦੂਰ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ?

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਹੁਣੇ ਹੁਣੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਨੋਟਿਸ ਦਿਉ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਰੂਲਜ਼ ਮੁਤਾਬਿਕ ਗੱਲ ਪੂਰੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) (He has done what he is required to do under the rules.)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਜੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਚਲਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਫੇਰ ਮੈਂ ਤਿਆਰ ਹਾਂ (ਵਿਘਨ) ਸਵਾਲ ਵਿਚ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ:

> "Whether it is a fact that there is no Scheduled Caste Accountant in the Development Department in district Jullundur; if so, the reasons for not giving reservation to the Scheduled Castes ?"

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

PUNJAB VIDHAN SABHA

Monday, the 30th March, 1970

The Sabha met in the Punjab Vidhan Sabha Hall, Vidhan Bhavan, Sector 1, Chandigarh, at 2.00 P. M. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Darbara Singh) in the Chair.

POINT OF ORDER

Mr. Speaker : Supplementaries on Question No. 1761.

Sardar Umrao Singh : Before , Sir, you take up anything in the House, I object to the List of Business which has been circulated by the Vidhan Sabha Secretariat because certain items of business which have been included in this List have not been approved by the House. There was no recommendation of the Business Advisory Committee to include the Appropriation Bill in the List of Business for to-day.

Mr. Speaker : After the Question Hour, we would take up Points of Order.

Captain Rattan Singh : Sir, I have to raise a Point of Order. I have to raise a fundamental constitutional Point of Order, if you will permit me to do so.

Mr. Speaker : The hon. Member should please resume his seat.

Captain Rattan Singh : Sir, it is a Point of Order involving Constitution.

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਜੇ ਕੁਐਸਚਨ ਆਵਰ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਤਾਂ I can dispense with it. (In case the hon. Members do not want to have the Question Hour then I can dispense with it).

Captain Rattan Singh : Sir, let the Question Hour be there. If you do not allow me to raise my Point of Order....

(Interruptions and Noise in the House).

ਸ਼੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : ਕੈਸਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ !

Captain Rattan Singh : Is the hon. Member running the House or the Speaker ?

Mr. Speaker : I would request the hon. Member to please resume his seat. No business is before the House so far. How can he raise a Point of Order ?

Captain Rattan Singh : If you will allow me, Sir, to make a small submission......*(Interruptions)*.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker : Then there will be further Points of Order.

Captain Rattan Singh : I would request you, Sir, to allow me to say one thing.

श्री बलराम दास टंडन : इस बारे में कमेटी मीटिंग में फैसला (शोर) हुआ था (शोर–बैठ जाओ, बैठ जाओ) कि Question Hour में Point of Order नहीं होगा । (शोर)

Captain Rattan Singh : Sir, you know, I have been submitting to all your orders. What I am going to say is that I will raise my Point of Order after the Question Hour. Only I want to say that the hon. Members who have formed the Ministry the other day have flouted the Constitution. But I will raise the Point of Order after the Question Hour is over.

Mr. Speaker : This is no Point of Order.

SUPPLEMENTARIES ON STARRED QUESTION No. 1761*

Mr. Speaker : Does any hon. Member want to put supplementary question on Starred Question No. 1761 ?

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਅਲ ਏਰੀਆ ਵਿਚ ਜਿੰਨੇ ਵੀ ਪਲਾਟਾਂ ਦੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਾਲਕ ਕੀਮਤ ਦੇ ਚੁਕੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਰੋਪਰਾਇਟਰੀ ਰਾਈਟਸ ਹਾਲੇ ਤਕ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ ?

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ : (ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ) : 1952 ਦੇ ਸਾਲ ਬਾਰੇ ਜੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਵਾਲ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਇਹ ਰਾਈਟਸ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਦੇ ਚੁਕੇ ਹਾਂ ਸਵਾਏ ਇਕ ਕੇਸ ਦੇ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਇਹ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਇਨਸਟਰਕਸ਼ਨਾਂ ਜਾਰੀ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਾਲੇ ਤਕ ਇਹ ਪਰੋਪਰਾਇਟਰੀ ਰਾਈਟਸ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਰਾਈਟਸ ਫੌਰਨ ਦੇ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਇਨਸਟਰਕਸ਼ਨਜ਼ ਆਲਰੈਡੀ ਕੀਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। 1952 ਦੇ ਇੱਕ ਕੇਸ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਲੀਗਲ ਅਤੇ ਟੈਕਨੀਕਲ ਹਿਚਿਜ਼ ਹਨ। ਜਦੋਂ ਇਸ ਕੇਸ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ਤਾਂ ਇਹ ਵੀ ਠੀਕ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ।

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਲਾਟਾਂ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਦੇਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਅਖਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਹ ਬਗੈਰ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਆਫ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਦੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਲਾਟਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਟਰਾਂਸਫਰ ਕਰ ਸਕਣ, ਜਾਂ ਕਰਾਏ ਤੇ ਦੇ ਸ਼ਕਣ। ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੋਵੇਗੀ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

ਮੰਤਰੀ : ਜਿਹੜੇ ਕੇਸਿਜ਼ ਕੰਪਲੀਟ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਰੋਪਰਾਇਟਰੀ ਰਾਈਟਸ ਟਰਾਂਸਫਰ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ। ਜਿਹੜਾ ਇਕ ਕੇਸ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਇਹਦੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਲੀਗਲ ਕੰਪਲੀ-ਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਪਰੋਪਰਾਇਟਰੀ ਰਾਈਟਸ ਟਰਾਂਸਫਰ ਕਰ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਕੀ ਰਜਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਡੀਡਜ਼ ਫਾਰਮਲੀ ਐਕਸੀਕੀਊਟ ਹੋ ਗਈਆਂ ਹਨ ਕਿ ਨਹੀਂ ?

ਮੰਤਰੀ : ਪਰੋਪਰਾਇਟਰੀ ਰਾਈਟਸ ਟਰਾਂਸਫਰ ਕਰਨ ਦਾ ਮਤਲਬ ਹੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਰਜਿਸਟਰੀਆਂ ਹੋ ਗਈਆਂ ਹਨ।

---

*Starred Question No 1761 and reply there to appear in the P.V.S. Debate, dated 25th March, 1970.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਇਲਮ ਹੈ ਕਿ ਇੱਕ ਕੇਸ ਨੂੰ ਛੱਡ ਕੇ ਬਾਕੀ ਦਿਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਹ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਆਫ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਸੇਲ ਕਰ ਸਕਣ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਬਾਰੇ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ।

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਮੇਰਾ ਸਵਾਲ ਸਿਧਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਰਜਿਸਟਰੀਆਂ ਹੋ ਚੁਕੀਆਂ ਹਨ, ਗੌਰਮੈਂਟ ਰਜਿਸਟਰੀਆਂ ਕਰ ਚੁਕੀ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਵੀ ਇਹ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਬਗੈਰ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਆਫ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਦੇ ਉਹ ਆਪਣੇ ਪਲਾਟਸ ਸੇਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ, ਗਹਿਣੇ ਨਹੀਂ ਰਖ ਸਕਦੇ।

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਹਿ ਚੁਕਾ ਹਾਂ। ਜੇ ਕੋਈ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਕੇਸ ਹੈ, ਉਹ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ, ਮੈਂ ਪਤਾ ਕਰਕੇ ਦਸ ਦਿਆਂਗਾ।

POSTPONED STARRED QUESTIONS AND ANSWERS DATED 30TH MARCH, 1970

Accountants in the Block Offices of Development and Panchayat Department

***1498. Sardar Raja Singh :** Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state —

(a) the total number of posts of Accountants in the Block Offices of the Development and Panchayat Department, Punjab, at present ;

(b) the total number of Harijan Accountants among those referred to in part (a) above, district-wise ;

(c) whether it is a fact that there is no Scheduled Caste Accountant in the Development Department in District Jullundur ; if so, the reasons for not giving reservation to the Scheduled Castes ?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) : (a) 116

(b)

(i)	Amritsar	One
(ii)	Bhatinda	..
(iii)	Gurdaspur	One
(iv)	Hoshiarpur	..
(v)	Jullundur	One
(vi)	Ludhiana	..
(vii)	Kapurthala	..
(viii)	Ferozepur	..
(ix)	Sangrur	..
(x)	Rupar	..
(xi)	Patiala	One

(c) No. There is one Scheduled Caste Accountant in Jullundur District.

[(ੳ) 116

(ਅ) (1) ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	...	ਇਕ
(2) ਬਠਿੰਡਾ	...	..

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

(3) ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ... ਇਕ
(4) ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ... ..
(5) ਜਲੰਧਰ ... ਇਕ
(6) ਲੁਧਿਆਣਾ ... ..
(7) ਕਪੂਰਥਲਾ ... ..
(8) ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ... ..
(9) ਸੰਗਰੂਰ ... ..
(10) ਰੋਪੜ ... ..
(11) ਪਟਿਆਲਾ ... ਇਕ

(ੲ) ਨਹੀਂ। ਜਲੰਧਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿੱਚ ਇਕ ਹਰੀਜਨ ਲੇਖਾਕਾਰ ਲਗਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ।]

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ: ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਅਕਾਊਂਟੈਂਟਸ ਦੀਆਂ ਪੋਸਟਾਂ ਫਿਲ ਕਰਨ ਵੇਲੇ ਕੋਈ ਵੀ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ ਗਿਆ, ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ? ਕੀ ਇਹ ਕਾਰਨ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਡਿਸਕਰੀ-ਮੀਨੇਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ? ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੇ ਕਰੈਕਟਰ ਰੋਲ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਖਰਾਬ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਰੈਕਟਰ ਰੋਲ ਖਰਾਬ ਕਰਨ ਦਾ ਕੋਈ ਯਤਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ: ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਵਿਤਕਰਾ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਸ ਵਿਤਕਰੇ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਰੋਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਜ਼ਰੂਰ ਕਰਾਂਗੇ ।

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ: ਕੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਵਾਸਤੇ ਜੋ ਪੋਸਟਸ ਰਿਜ਼ਰਵ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਰਸੈਂਟੇਜ ਕੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿੰਨੀ ਪਰਸੈਂਟੇਜ ਫਿਲ ਅਪ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿੰਨੀ ਅਨ-ਫਿਲਡ ਹੈ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਇਸ ਬਾਰੇ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਉ।

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ: ਕੀ ਇਹ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਨ ਕਿ ਜੋ ਵਿਤਕਰਾ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਨਾਲ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਉਹ ਦੂਰ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ?

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਹੁਣੇ ਹੁਣੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਨੋਟਿਸ ਦਿਉ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਰੂਲਜ਼ ਮੁਤਾਬਿਕ ਗੱਲ ਪੂਰੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) (He has done what he is required to do under the rules.)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਜੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਚਲਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਫੇਰ ਮੈਂ ਤਿਆਰ ਹਾਂ (ਵਿਘਨ) ਸਵਾਲ ਵਿਚ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ:

"Whether it is a fact that there is no Scheduled Caste Accountant in the Development Department in district Jullundur; if so, the reasons for not giving reservation to the Scheduled Castes ?"

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

The Chief Minister should have come prepared for answers to supplementary questions on this question. What is the percentage of reservation for the posts which have been filled and for the posts which have not been filled ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: 20 ਫੀ ਸਦੀ ਹੈ ਜੀ ।

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲ ਕੋਈ ਐਸੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਦਾ ਹੱਕ ਬਣਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਉਹ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਅਜਿਹੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ ਹੈ।

Posts of Head Clerks in Panchayat Samitis in the State

***1499. Sardar Raja Singh :** Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state :

(a) the total number of posts of Head Clerks in the Panchayat Samitis in the State at present :

(b) the total number of Scheduled Caste Head Clerks in the Panchayat Samitis in the State, district-wise ;

(c) whether it is a fact that there is no Scheduled Caste Head Clerk in any of the Panchayat Samitis in Jullundur district; if so, the reasons for not giving the reservation to the Scheduled Castes for these posts ?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) ; (a) 106.

(b) One each in the district of Hoshiarpur, Patiala and Ferozepur only.

(c) Yes. Out of 12 posts of Head Clerks in Jullundur District, only 6 have been filled up. Since no suitable Scheduled Castes candidates were available for promotion/selection as Head Clerks, hence none could be appointed against the posts already filled up.

[(ੳ) 106

(ਅ) ਕੇਵਲ ਇਕ ਹੀ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ, ਪਟਿਆਲਾ ਅਤੇ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿੱਚ ਹਨ।

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ। ਜਲੰਧਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀਆਂ 12 ਮੁੱਖ ਕਲਰਕਾਂ ਦੀਆਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕੇਵਲ 6 ਭਰੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। ਕਿਉਂਕਿ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਵਿਚੋਂ ਮੁੱਖ ਕਲਰਕਾਂ ਦੀ ਪਦਵੀ ਲਈ ਕੋਈ ਵੀ ਯੋਗ ਵਿਅਕਤੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ ਸੀ, ਇਸ ਲਈ ਪਹਿਲੀਆਂ ਭਰੀਆਂ ਗਈਆਂ 6 ਮੁੱਖ ਕਲਰਕਾਂ ਦੀਆਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।]

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਥੇ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਕਰਕੇ ਜਾਂ ਸ਼ਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਕਰਕੇ ਆਦਮੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇ, ਕੀ ਉਥੇ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਦੀ ਰੀਲੈਕਸੇਸ਼ਨ ਦੇ ਕੇ ਸ਼ਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਉਥੇ ਲਾਉਣਗੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਸੂਟੇਬਲ ਕੈਂਡੀਡੇਟ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ। ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੂਟੇਬਲ ਦਾ ਕੀ ਮਿਆਰ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਸੂਟੇਬਿਲਿਟੀ ਨੂੰ ਕੌਣ ਜੱਜ ਕਰਦਾ ਹੈ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਹਰ ਇਕ ਵਾਸਤੇ ਪਰੈਸਕਰਾਈਬਡ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ, ਪਰ ਜੇ ਸੂਟੇਬਲ ਨਾ ਮਿਲਣ ਤਾਂ ਫਿਰ ਦੇਖ ਲੈਂਦੇ ਹਾਂ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਹੈਡ ਕਲਰਕ ਪੰਚਾਇਤ ਸਮਿਤੀਜ਼ ਲਈ ਕਿਹੜੀਆਂ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਇਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਨੋਟਿਸ ਦਿਓ।

Captain Rattan Singh : The question is very clear. Part (c) reads :

"whether it is a fact that there is no Scheduled Caste Head Clerk in any of the Panchayat Samitis in Jullundur district; if so, the reasons for not giving the reservation to the Scheduled Castes for these posts."

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਰੀਜ਼ਨ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਪੋਸਟਾਂ ਲਈ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਪੂਰੀਆਂ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ। ਜੇ ਮੈਂ ਪੁੱਛਿਆ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਕਿਹੜੀ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਨੋਟਿਸ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

Finance Minister : He has not said so.

Captain Rattan Singh : You are not the Chief Minister. Either you answer the question or let him answer the question.

Mr. Speaker : No interruptions please.

Captain Rattan Singh : Sir, I have asked only this thing: Will the Chief Minister kindly let me know what are the qualifications prescribed for the post of Head Clerk ?

Chief Minister : I need a separate notice.

ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਤਾਂ ਬੜੀ ਛੇਤੀ ਪੂਰੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਕਿਉਂਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਤਾਂ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਲੈਂਡ ਲਾਰਡ ਹੋਣ ਨਾਲ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਪੂਰੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ (ਵਿਘਨ)। ਸੋ ਜੇ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸਬੂਤ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿਆਂ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਪੂਰੀਆਂ ਸਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਰੱਖਿਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫਿਰ ਰੱਖੋਗੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਤੁਸੀਂ ਨੋਟਿਸ ਦਿਓਗੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇੱਕ ਇੱਕ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾ ਲਵਾਂਗਾ। ਲੇਕਿਨ ਇਥੇ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਕ ਚੀਜ਼ ਦੱਸ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸੀਲੈਕਸ਼ਨਜ਼ ਹੋਈਆਂ ਹਨ, ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਕਾਂਗਰਸ ਰਜੀਮ ਦੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ (ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਵੱਲੋਂ ਤਾੜੀਆਂ)।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨੋਟਿਸ ਕਿਹੋ ਜਿਹਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ? ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਜਿਸਟਰਡ ਨੋਟਿਸ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਸਵਾਲ ਵਿੱਚ ਜੋ ਨੋਟਿਸ ਹੈ, ਉਹ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। Notice is there; let him read the question.

Special certificates granted to the Untrained Teachers of Government Schools

***1486. Doctor Sadhu Ram** : Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) whether it is a fact that some of the untrained teachers in Government Schools who were granted special certificates with effect from 1959 by the Punjab Education Department were junior to those granted such special certificates with effect from 1960, if so, the reasons therefor ;

(b) the total number of such teachers whose seniority was adversely affected due to the reasons mentioned in part (a) above ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

(c) whether the Government received any representation against the above irregularity; if so, the action taken thereon ;

(d) the steps, if any, being taken by the Government to check this irregularity in future ?

ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ (ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ) : (ੲ) ਜੀ ਹਾਂ, ਕਿਉਂਕਿ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਜਾਰੀ ਕਰਨ ਵੇਲੇ ਵਿਦਿਅਕ ਯੋਗਤਾ, ਨਿਰੰਤਰ ਅਤੇ ਪਰਵਾਨਿਤ ਸੇਵਾ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਸੀਨੀਆਰਟੀ ਨੂੰ ਨਹੀਂ। ਹਰ ਕਿਸਮ ਦੀ ਵਿਦਿਅਕ ਯੋਗਤਾ ਰਖਨ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਦੇਣ ਦੇ ਜੁਦੇ ਜੁਦੇ ਨਿਯਮ ਹਨ ਜਿਸ ਅਨੁਸਾਰ ਸੀਨੀਅਰ ਅਧਿਆਪਕ ਨੂੰ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ 1960 ਵਿਚ ਭੀ ਮਿਲ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜੂਨੀਅਰ ਅਧਿਆਪਕ ਨੂੰ 1959 ਤੋਂ।

(ਬੀ) ਸੂਚਨਾ ਇਕਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਕਤਰ ਹੋਣ ਤੇ ਭੇਜ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

(ਸੀ) ਹਾਂ ਜੀ, ਇਕ ਕੇਸ 1969 ਵਿੱਚ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਆਇਆ ਸੀ। ਉਸ ਕੇਸ ਵਿਚ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ 1959 ਤੋਂ ਦੇਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ।

(ਡੀ) ਕਿਉਂ ਜੋ 1958 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕਿਸੇ ਅਸਿਖਿਅਤ ਅਧਿਆਪਕ ਨੂੰ ਰੈਗੂਲਰ ਤੌਰ ਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਸੇਵਾ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਇਸ ਲਈ ਅਗੇ ਨੂੰ ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਸਥਿਤੀ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਨਹੀਂ।

[(a) Yes, because at the time of awarding special certificates, academic qualifications, continued and approved service, are taken into consideration and not seniority. Special certificates are issued according to the qualifications possessed by each teacher and even a senior teacher can be awarded such a certificate in 1960 and a junior one in 1959.

(b) Information is being collected and will be supplied in due course.

(c) Yes, one case came to notice; it has been decided to issue special certificate in that case from 1959.

(d) As no untrained teacher is being appointed on regular basis since 1958, such a situation is not likely to arise in future.]

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ (ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਵੱਲੋਂ ਵਿਘਨ) ਅਸੀਂ ਕੱਲ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਹੋ ਹੀ ਜਾਣਾ ਹੈ (ਹਾਸਾ) (ਵਿਘਨ)। ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 1959 ਦੇ ਜਿਹੜੇ ......

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜੇ ਕੱਲ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਹੋ ਜਾਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਹੁਣ ਹੀ ਹੋ ਜਾਵੋ। (ਵਿਘਨ) (If the hon. Members are going to unite tomorrow, then why not to-day.) (*Interruption*)

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 1959 ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਟੀਚਰ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਪੂਰੀਆਂ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਹ ਨਹੀਂ ਰੱਖੇ ਗਏ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ 1960 ਦੇ ਹਨ ਉਹ ਰੱਖੇ ਗਏ ਹਨ ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਜਿਹੜੇ ਆਦਮੀ 1959 ਤੱਕ 3 ਸਾਲਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਪੂਰੀ ਕਰ ਚੁੱਕੇ ਸੀ ਔਰ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨਲ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ੰਜ਼ ਪੂਰੀਆਂ ਕਰਦੇ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦੇ ਦਿੱਤੇ ਹਨ। ਅਤੇ ਮਿਡਲ ਪਾਸ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ 1957 ਤੱਕ 5 ਸਾਲਾਂ ਦੀ ਨੌਕਰੀ ਹੋ ਚੁਕੀ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਨ ਸਰਵਿਸ ਟਰੇਨਿੰਗ ਦੇ ਕੇ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਦੇ ਦਿੱਤੇ ਹਨ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ: ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੋਸ਼ਲ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਅਠਵੀਂ ਪਾਸ, ਦਸਵੀਂ ਪਾਸ ਔਰ ਗਰੈਜੂਏਟ ਟੀਚਰਜ਼ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅੱਜ ਤੱਕ ਇਹ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਦਿਤੇ ਗਏ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਤੁਸੀਂ ਨਵੀਂ ਚੀਜ਼ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰ ਲਵਾਂਗਾ ।

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ: ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਪੂਰੀ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ। ਸੇਵਾ ਦਾ ਕੀ ਭਾਵ ਹੈ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਪੂਰੀ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ: ਮੁੰਡੇ ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦੀ ਸੇਵਾ । (ਹਾਸਾ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਰਵਿਸ ਦਾ ਟਰਾਂਸਲੇਸ਼ਨ ਕੀਤਾ ਹੈ। (The hon. Minister has translated the word 'service')

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਕੀ ਸੇਵਾ ਦਾ ਮਤਲਬ ਸਾਧਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਹੈ ? (ਹਾਸਾ) (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Please resume your seat. Supplementary disallowed.

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ: ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿੰਨਿਆਂ ਟੀਚਰਜ਼ ਦੀਆਂ ਕੁਆਲਫੀ-ਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਪੂਰੀਆਂ ਹੋਣ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਤਿੰਨ ਤਿੰਨ ਅਤੇ ਪੰਜ ਪੰਜ ਸਾਲ ਦਾ ਤਜਰਬਾ ਵੀ ਹੋਵੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫਿਰ ਵੀ ਅਗਰ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਨਾ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਤਾਂ ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਜਿਹੜੇ ਅਫਸਰ ਨੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸ ਅਫਸਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਐਕਸ਼ਨ ਲਵੋਗੇ ?

ਮੰਤਰੀ : ਜੇ ਕੋਈ ਕਨਕਰੀਟ ਸਬੂਤ ਦੇਣਗੇ ਤਾਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਂਗੇ।

ਸ਼੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ: ਐਨੇ ਟਰੇਂਡ ਟੀਚਰਜ਼ ਦੀ ਸਟਰੈਂਥ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ 5 ਸਾਲ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦਾ ਤਜਰਬਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨੌਕਰੀ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ ? ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ: ਸੈਪੇਰੇਟ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਓ।

Ram Lila Ground in Model Town, Jullundur

*1568. **Shri Gurdial Saini** : Will the Minister for Local Government be pleased to state whether it is a fact that the Ramlila Ground in Model Town, Jullundur, which is within the jurisdiction of the Jullundur Municipal Committee and which it had taken over in 1961 has been sold by the Government ; if so, whether it was done with the sanction of the Jullundur Municipality; if not, the reasons therefor?

Shri Balram Dass Tandon (Minister for Industries) : No Ram lila ground is provided in the lay-out plan of the Model Town, Jullundur. However, a part of the big plot measuring 67 Kanals, 3 Marlas and 71 square feet, situated between the Gurdwara and the Arya Samaj Mandir is being used as such. Out of this plot, Government in the Rehabilitation Department has sold a piece of land measuring 16 Kanals to Siri Guru Singh Sabha, Model Town, who are also running a Middle School, on the reserve price chargeable from the Educational/ Religious Institutions, on the condition that it will be used only as a play ground for the children and Langar (free kitchen) and that no construction will be raised thereon.

2. The control and management of open spaces in the Model Town Jullundur stands transferred to the Local Municipal Committee, but since

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

The Chief Minister should have come prepared for answers to supplementary questions on this question. What is the percentage of reservation for the posts which have been filled and for the posts which have not been filled ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: 20 ਫੀ ਸਦੀ ਹੈ ਜੀ ।

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ: ਕੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲ ਕੋਈ ਐਸੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਦਾ ਹੱਕ ਬਣਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਉਹ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਅਜਿਹੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ ਹੈ।

Posts of Head Clerks in Panchayat Samitis in the State

***1499. Sardar Raja Singh :** Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state :

(a) the total number of posts of Head Clerks in the Panchayat Samitis in the State at present :

(b) the total number of Scheduled Caste Head Clerks in the Panchayat Samitis in the State, district-wise ;

(c) whether it is a fact that there is no Scheduled Caste Head Clerk in any of the Panchayat Samitis in Jullundur district; if so, the reasons for not giving the reservation to the Scheduled Castes for these posts ?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) ; (a) 106.

(b) One each in the district of Hoshiarpur, Patiala and Ferozepur only.

(c) Yes. Out of 12 posts of Head Clerks in Jullundur District, only 6 have been filled up. Since no suitable Scheduled Castes candidates were available for promotion/selection as Head Clerks, hence none could be appointed against the posts already filled up.

[(ੳ) 106

(ਅ) ਕੇਵਲ ਇਕ ਹੀ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ, ਪਟਿਆਲਾ ਅਤੇ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿੱਚ ਹਨ।

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ। ਜਲੰਧਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀਆਂ 12 ਮੁੱਖ ਕਲਰਕਾਂ ਦੀਆਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕੇਵਲ 6 ਭਰੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। ਕਿਉਂਕਿ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਵਿਚੋਂ ਮੁੱਖ ਕਲਰਕਾਂ ਦੀ ਪਦਵੀ ਲਈ ਕੋਈ ਵੀ ਯੋਗ ਵਿਅਕਤੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ ਸੀ, ਇਸ ਲਈ ਪਹਿਲੀਆਂ ਭਰੀਆਂ ਗਈਆਂ 6 ਮੁੱਖ ਕਲਰਕਾਂ ਦੀਆਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।]

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ: ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਥੇ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਕਰਕੇ ਜਾਂ ਸ਼ਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਕਰਕੇ ਆਦਮੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇ, ਕੀ ਉਥੇ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਦੀ ਰੀਲੈਕਸੇਸ਼ਨ ਦੇ ਕੇ ਸ਼ਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਉਥੇ ਲਾਉਣਗੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਇਸ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਸੂਟੇਬਲ ਕੈਂਡੀਡੇਟ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ। ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੂਟੇਬਲ ਦਾ ਕੀ ਮਿਆਰ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਸੂਟੇਬਿਲਿਟੀ ਨੂੰ ਕੌਣ ਜੱਜ ਕਰਦਾ ਹੈ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਹਰ ਇਕ ਵਾਸਤੇ ਪਰੈਸਕਰਾਈਬਡ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ, ਪਰ ਜੇ ਸੂਟੇਬਲ ਨਾ ਮਿਲਣ ਤਾਂ ਫਿਰ ਦੇਖ ਲੈਂਦੇ ਹਾਂ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਹੈਡ ਕਲਰਕ ਪੰਚਾਇਤ ਸਮਿਤੀਜ਼ ਲਈ ਕਿਹੜੀਆਂ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਨੋਟਿਸ ਦਿਓ।

Captain Rattan Singh : The question is very clear. Part (c) reads :

"whether it is a fact that there is no Scheduled Caste Head Clerk in any of the Panchayat Samitis in Jullundur district; if so, the reasons for not giving the reservation to the Scheduled Castes for these posts."

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਰੀਜ਼ਨ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਪੋਸਟਾਂ ਲਈ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਪੂਰੀਆਂ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ। ਜੇ ਮੈਂ ਪੁੱਛਿਆ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਕਿਹੜੀ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਨੋਟਿਸ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

Finance Minister : He has not said so.

Captain Rattan Singh : You are not the Chief Minister. Either you answer the question or let him answer the question.

Mr. Speaker : No interruptions please.

Captain Rattan Singh : Sir, I have asked only this thing: Will the Chief Minister kindly let me know what are the qualifications prescribed for the post of Head Clerk ?

Chief Minister : I need a separate notice.

ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਤਾਂ ਬੜੀ ਛੇਤੀ ਪੂਰੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਕਿਉਂਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਤਾਂ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਲੈਂਡ ਲਾਰਡ ਹੋਣ ਨਾਲ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਪੂਰੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ (ਵਿਘਨ)। ਸੋ ਜੇ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸਬੂਤ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿਆਂ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਪੂਰੀਆਂ ਸਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਰੱਖਿਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫਿਰ ਰੱਖੋਗੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਤੁਸੀਂ ਨੋਟਿਸ ਦਿਓਗੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇੱਕ ਇੱਕ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾ ਲਵਾਂਗਾ। ਲੇਕਿਨ ਇਥੇ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਕ ਚੀਜ਼ ਦੱਸ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸੀਲੈਕਸ਼ਨਜ਼ ਹੋਈਆਂ ਹਨ, ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਕਾਂਗਰਸ ਰਜੀਮ ਦੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ (ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਵੱਲੋਂ ਤਾੜੀਆਂ)।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨੋਟਿਸ ਕਿਹੋ ਜਿਹਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ? ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਜਿਸਟਰਡ ਨੋਟਿਸ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਸਵਾਲ ਵਿੱਚ ਜੋ ਨੋਟਿਸ ਹੈ, ਉਹ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। Notice is there; let him read the question.

Special certificates granted to the Untrained Teachers of Government Schools

*1486. **Doctor Sadhu Ram** : Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) whether it is a fact that some of the untrained teachers in Government Schools who were granted special certificates with effect from 1959 by the Punjab Education Department were junior to those granted such special certificates with effect from 1960, if so, the reasons therefor ;

(b) the total number of such teachers whose seniority was adversely affected due to the reasons mentioned in part (a) above ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

(c) whether the Government received any representation against the above irregularity; if so, the action taken thereon ;

(d) the steps, if any, being taken by the Government to check this irregularity in future ?

ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ (ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ) : (ਏ) ਜੀ ਹਾਂ, ਕਿਉਂਕਿ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਜਾਰੀ ਕਰਨ ਵੇਲੇ ਵਿਦਿਅਕ ਯੋਗਤਾ, ਨਿਰੰਤਰ ਅਤੇ ਪਰਵਾਣਿਤ ਸੇਵਾ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਸੀਨੀਆਰਟੀ ਨੂੰ ਨਹੀਂ। ਹਰ ਕਿਸਮ ਦੀ ਵਿਦਿਅਕ ਯੋਗਤਾ ਰਖਨ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਦੇਣ ਦੇ ਜੁਦੇ ਜੁਦੇ ਨਿਯਮ ਹਨ ਜਿਸ ਅਨੁਸਾਰ ਸੀਨੀਅਰ ਅਧਿਆਪਕ ਨੂੰ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ 1960 ਵਿਚ ਭੀ ਮਿਲ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜੂਨੀਅਰ ਅਧਿਆਪਕ ਨੂੰ 1959 ਤੋਂ।

(ਬੀ) ਸੂਚਨਾ ਇਕਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਕਤਰ ਹੋਣ ਤੇ ਭੇਜ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

(ਸੀ) ਹਾਂ ਜੀ, ਇਕ ਕੇਸ 1969 ਵਿੱਚ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਆਇਆ ਸੀ। ਉਸ ਕੇਸ ਵਿਚ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ 1959 ਤੋਂ ਦੇਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ।

(ਡੀ) ਕਿਉਂ ਜੋ 1958 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕਿਸੇ ਅਸ਼ਿਖਿਅਤ ਅਧਿਆਪਕ ਨੂੰ ਰੈਗੂਲਰ ਤੌਰ ਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਸੇਵਾ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਇਸ ਲਈ ਅਗੇ ਨੂੰ ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਸਥਿਤੀ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਨਹੀਂ।

[(a) Yes, because at the time of awarding special certificates, academic qualifications, continued and approved service, are taken into consideration and not seniority. Special certificates are issued according to the qualifications possessed by each teacher and even a senior teacher can be awarded such a certificate in 1960 and a junior one in 1959.

(b) Information is being collected and will be supplied in due course.

(c) Yes, one case came to notice; it has been decided to issue special certificate in that case from 1959.

(d) As no untrained teacher is being appointed on regular basis since 1958, such a situation is not likely to arise in future.]

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ (ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਵੱਲੋਂ ਵਿਘਨ) ਅਸੀਂ ਕੱਲ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਹੋ ਹੀ ਜਾਣਾ ਹੈ (ਹਾਸਾ) (ਵਿਘਨ)। ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 1959 ਦੇ ਜਿਹੜੇ ......

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜੇ ਕੱਲ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਹੋ ਜਾਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਹੁਣ ਹੀ ਹੋ ਜਾਵੋ । (ਵਿਘਨ)
(If the hon. Members are going to unite tomorrow, then why not to-day.) (*Interruption*)

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 1959 ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਟੀਚਰ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਪੂਰੀਆਂ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਹ ਨਹੀਂ ਰੱਖੇ ਗਏ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ 1960 ਦੇ ਹਨ ਉਹ ਰੱਖੇ ਗਏ ਹਨ ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਜਿਹੜੇ ਆਦਮੀ 1959 ਤੱਕ 3 ਸਾਲਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਪੂਰੀ ਕਰ ਚੁੱਕੇ ਸੀ ਔਰ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨਲ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਂਜ਼ ਪੂਰੀਆਂ ਕਰਦੇ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦੇ ਦਿੱਤੇ ਹਨ। ਅਤੇ ਮਿਡਲ ਪਾਸ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ 1957 ਤੱਕ 5 ਸਾਲਾਂ ਦੀ ਨੌਕਰੀ ਹੋ ਚੁਕੀ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਨ ਸਰਵਿਸ ਟਰੇਨਿੰਗ ਦੇ ਕੇ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਦੇ ਦਿੱਤੇ ਹਨ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ: ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੋਸ਼ਲ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਅਠਵੀਂ ਪਾਸ, ਦਸਵੀਂ ਪਾਸ ਔਰ ਗਰੈਜੂਏਟ ਟੀਚਰਜ਼ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅੱਜ ਤੱਕ ਇਹ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਦਿਤੇ ਗਏ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਤੁਸੀਂ ਨਵੀਂ ਚੀਜ਼ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰ ਲਵਾਂਗਾ ।

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ: ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਪੂਰੀ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ। ਸੇਵਾ ਦਾ ਕੀ ਭਾਵ ਹੈ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਪੂਰੀ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ: ਮੁੰਡੇ ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਦੀ ਸੇਵਾ । (ਹਾਸਾ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਰਵਿਸ ਦਾ ਟਰਾਂਸਲੇਸ਼ਨ ਕੀਤਾ ਹੈ। (The hon. Minister has translated the word 'service')

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਕੀ ਸੇਵਾ ਦਾ ਮਤਲਬ ਸਾਧਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਹੈ ? (ਹਾਸਾ) (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Please resume your seat. Supplementary disallowed.

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ: ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿੰਨਿਆਂ ਟੀਚਰਜ਼ ਦੀਆਂ ਕੁਆਲਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਪੂਰੀਆਂ ਹੋਣ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਤਿੰਨ ਤਿੰਨ ਅਤੇ ਪੰਜ ਪੰਜ ਸਾਲ ਦਾ ਤਜਰਬਾ ਵੀ ਹੋਵੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫਿਰ ਵੀ ਅਗਰ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਨਾ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਤਾਂ ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਜਿਹੜੇ ਅਫਸਰ ਨੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸ ਅਫਸਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਐਕਸ਼ਨ ਲਵੋਗੇ ?

ਮੰਤਰੀ : ਜੇ ਕੋਈ ਕਨਕਰੀਟ ਸਬੂਤ ਦੇਣਗੇ ਤਾਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਂਗੇ।

ਸ਼੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ: ਐਨੇ ਟਰੇਂਡ ਟੀਚਰਜ਼ ਦੀ ਸਟਰੈਂਥ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ 5 ਸਾਲ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦਾ ਤਜਰਬਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨੌਕਰੀ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ ? ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ: ਸੈਪੋਰੇਟ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਓ।

Ram Lila Ground in Model Town, Jullundur

***1568. Shri Gurdial Saini :** Will the Minister for Local Government be pleased to state whether it is a fact that the Ramlila Ground in Model Town, Jullundur, which is within the jurisdiction of the Jullundur Municipal Committee and which it had taken over in 1961 has been sold by the Government ; if so, whether it was done with the sanction of the Jullundur Municipality; if not, the reasons therefor?

Shri Balram Dass Tandon (Minister for Industries) : No Ram lila ground is provided in the lay-out plan of the Model Town, Jullundur. However, a part of the big plot measuring 67 Kanals, 3 Marlas and 71 square feet, situated between the Gurdwara and the Arya Samaj Mandir is being used as such. Out of this plot, Government in the Rehabilitation Department has sold a piece of land measuring 16 Kanals to Siri Guru Singh Sabha, Model Town, who are also running a Middle School, on the reserve price chargeable from the Educational/ Religious Institutions, on the condition that it will be used only as a play ground for the children and Langar (free kitchen) and that no construction will be raised thereon.

2. The control and management of open spaces in the Model Town Jullundur stands transferred to the Local Municipal Committee, but since

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

the ownership thereof vests in the Rehabilitation Department. The question of obtaining sanction of the Municipal Committee, Jullundur, to the sale of this plot to Siri Guru Singh Sabha does not arise.

[ਮਾਡਲ ਟਾਊਨ, ਜਲੰਧਰ ਵਿਚ ਕੋਈ ਰਾਮ ਲੀਲਾ ਗਰਾਊਂਡ ਲੇ-ਆਊਟ ਪਲੈਨ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਛਡੀ ਗਈ ਹੈ, ਪਰ 67 ਕਨਾਲ 3 ਮਰਲੇ 71 ਵਰਗ ਫੁਟ ਦੇ ਇਕ ਬੜੇ ਪਲਾਟ ਦਾ ਕੁਝ ਭਾਗ ਜਿਹੜਾ ਗੁਰਦਵਾਰਾ ਅਤੇ ਆਰੀਆ ਸਮਾਜ ਮੰਦਰ ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ ਸਥਿਤ ਹੈ, ਇਸ ਮੰਤਵ ਲਈ ਵਰਤਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਪਲਾਟ ਵਿਚੋਂ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਪੁਨਰਵਾਸ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਇਕ ਪਲਾਟ ਦਾ ਟੁਕੜਾ ਜਿਸਦਾ ਰਕਬਾ 16 ਕਨਾਲ ਹੈ, ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਸਿੰਘ ਸਭਾ, ਮਾਡਲ ਟਾਊਨ ਜੋ ਇਕ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ ਵੀ ਚਲਾ ਰਹੀ ਹੈ, ਨੂੰ ਵਿਦਿਅਕ ਅਤੇ ਧਾਰਮਕ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਕੋਲੋਂ ਵਸੂਲੀ ਜਾ ਰਹੀ ਰੀਜ਼ਰਵ ਕੀਮਤ ਤੇ ਇਸ ਸ਼ਰਤ ਤੇ ਕਿ ਉਹ ਇਹ ਥਾਂ ਤੇ ਕੇਵਲ ਬੱਚਿਆਂ ਦੇ ਖੇਡਣ ਦੇ ਮੈਦਾਨ ਲਈ ਅਤੇ ਲੰਗਰ ਲਈ ਹੀ ਵਰਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ ਉਸ ਤੇਂ ਕੋਈ ਉਸਾਰੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ, ਵੇਚ ਦਿਤੀ ਹੈ।

2. ਮਾਡਲ ਟਾਊਨ, ਜਲੰਧਰ ਵਿੱਚ ਪਈਆਂ ਖਾਲੀ ਥਾਵਾਂ ਦਾ ਕੰਟਰੋਲ ਤੇ ਪ੍ਰਬੰਧ ਸਥਾਨਕ ਨਗਰ ਪਾਲਕਾ ਨੂੰ ਸੌਂਪਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਥਾਵਾਂ ਦੀ ਮਾਲਕੀ ਪੁਨਰਵਾਸ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਸਿੰਘ ਸਭਾ ਨੂੰ ਇਹ ਪਲਾਟ ਵੇਚੇ ਜਾਣ ਲਈ ਨਗਰ ਪਾਲਕਾ, ਜਲੰਧਰ ਤੋਂ ਪ੍ਰਵਾਨਗੀ ਲੈਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ।]

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ: ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲੋਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਇਆ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਇਹੀ ਪਾਲਿਸੀ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਜਿੰਨੇ ਵੀ ਰਾਮ ਲੀਲਾ ਗਰਾਊਂਡਜ਼ ਹਨ, ਲੋਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਾ ਕਰ ਸਕਣ ਅਤੇ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਖੋਹ ਲਏ ਜਾਣ ਤਾਕਿ ਉਹ ਰਾਮ ਲੀਲਾ ਨਾ ਮਨਾ ਸਕਣ ? ਕੀ ਇਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਲਿਸੀ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ: ਬਿਲਕੁਲ ਨਹੀਂ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ : ਰਾਮ ਲੀਲਾ ਹਮੇਸ਼ਾ ਲੱਗਦੀ ਸੀ। ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਹਿੱਸਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਕੂਲ ਪਾਸ ਵੇਚਿਆ ਹੈ, ਉਥੇ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਹਿਲੇ ਰਾਮ ਲੀਲਾ ਲੱਗਦੀ ਸੀ, ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੁਣ ਵੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦੇਣਗੇ ?

ਮੰਤਰੀ: ਉਸ ਜਗ੍ਹਾ ਉਤੇ ਕੋਈ ਕਨਸਟਰਕਸ਼ਨ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ। ਬੱਚਿਆਂ ਦੇ ਖੇਲ੍ਹਣ ਵਾਸਤੇ ਅਤੇ ਇਕੱਠ ਦੇ ਲੰਗਰ ਖਾਣ ਆਦਿ ਵਾਸਤੇ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਕੋਈ ਵੀ ਯੂਜ਼ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਕੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਮਨਿਸਟਰ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਇਕ ਬੰਨੇ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਜ਼ਮੀਨ ਵੇਚ ਦਿਤੀ ਹੈ, ਰੀਹੈਬਿਲੀਟੇਸ਼ਨ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ ਜ਼ਮੀਨ ਵੇਚ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਕ ਪਾਸੇ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਹੀ ਵਰਤ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੱਸਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਦੇ ਕੋਲ ਕਬਜ਼ਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਉਹ ਦੂਸਰੇ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣ ਦਿੰਦਾ। ਸੋ ਉਹ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਰਤਣ ਦੇਣਗੇ ?

(ਕੋਈ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਆਇਆ।)

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ: ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਆਰੀਆ ਸਮਾਜ ਮੰਦਰ ਨੇ ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਗੌਰਮਿੰਟ ਕੋਲੋਂ ਮੰਗੀ ਤਾਂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਮੇਟੀ ਤੋਂ ਲਓ, ਹੁਣ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਡਾਇਰੈਕਟ ਗੁਰਦੁਆਰੇ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਹੈ, ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜੀ ਗਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੁਛੀ ਸੀ ਉਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸੈਪੇਰੇਟ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦੇਣ। (ਵਿਘਨ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਭਾਵੇਂ ਓਨਰਸ਼ਿਪ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਟਰਾਂਸਫਰ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਪਰ ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਮਦੇਨਜ਼ਰ ਕਿ ਓਪਨ ਸਪੇਸ ਦਾ ਕੰਟਰੋਲ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਹੈ, ਕੀ ਵੇਚਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਕਨਸਲਟ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

ਮੰਤਰੀ : ਜਿਹੜੀ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਮੈਨੂੰ ਮਿਲੀ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਕਨਸਲਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਜੇ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸੈਪੇਰੇਟ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਉ ਤਾਂ ਸਾਰਾ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦਿਆਂਗੇ।

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਅਗਰ ਉਸ ਜਗ੍ਹਾ ਤੇ ਕਨਸਟਰਕਸ਼ਨ ਹੋ ਗਈ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕੀ ਉਹ ਢਾਉਣਗੇ ? (ਵਿਘਨ) ਏ. ਐਸ. ਓ. ਨੇ 11 ਮਹੀਨੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ ਰਿਪੋਰਟ ਕੀਤੀ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਜਗ੍ਹਾ ਹੈ ਇਹ ਦੁਸਹਿਰਾ ਗਰਾਊਂਡ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਉਸ ਰਿਪੋਰਟ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਨਹੀਂ ਲਿਆਂਦਾ, ਕੀ ਉਹ ਹੁਣ ਉਹ ਰਿਪੋਰਟ ਲਿਆਉਣਗੇ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

ਮੰਤਰੀ : ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਮੇਰਾ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਸੁਣਿਆ। ਮੈਂ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕਨਸਟਰਕਸ਼ਨ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਅਸੀਂ ਕੋਈ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ। (ਵਿਘਨ) ਉਥੇ ਕੀ ਹੋਇਆ ਕੀ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸੈਪੇਰੇਟ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਓ।

ਸਰਦਾਰ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਕੇ. ਪੀ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਮਾਡਲ ਟਾਊਨ ਦੇ ਗਰਾਊਂਡ ਜਾਂ ਪਾਰਕਾਂ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਾਰਕਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਬੋਲੀ ਦੇ ਕੇ ਪਲਾਟ ਲਏ ਸੀ। ਹੁਣ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਕਾਨਾਂ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਮੋਹਰੇ ਹਨ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇਗੀ ?

ਮੰਤਰੀ : ਜਿਹੜੀ ਗਲ ਤੁਸੀਂ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੀ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਸੀਂ ਸੋਚਾਂਗੇ।

Starred Question No. 1623

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ, ਪੰਜਾਬ
ਅ. ਸ. ਨੰ: ਖਬ-4-70/4722,
ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970

ਪਿਆਰੇ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ,

ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦਾ ਹੇਠ ਲਿਖਿਆ ਸਟਾਰਡ ਸਵਾਲ ਜੋ ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970, ਲਈ ਸਵਾਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦੀ ਮਿਆਦ ਵਿਚ ਇਕ ਹਫਤੇ ਦੀ ਮੋਹਲਤ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ :—

ਸਟਾਰਡ ਸਵਾਲ ਨੰ: 1623,
ਵਲੋਂ ਚੌਧਰੀ ਸਤਿਆ ਦੇਵ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ.

ਆਦਰ ਸਹਿਤ

ਹਿਤੂ,
(ਸਹੀ) . . .
(ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ)

ਸ੍ਰੀ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ,
ਸਪੀਕਰ,
ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

Starred Question No. 1624

ਅ. ਸ. ਨੰ: ਖਬ-4-70/4724,
ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970

ਪਿਆਰੇ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ,

ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦਾ ਹੇਠ ਲਿਖਿਆ ਸਟਾਰਡ ਸਵਾਲ ਜੋ ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970, ਲਈ ਸਵਾਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿੱਚ ਦਰਜ ਹੈ ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦੀ ਮਿਆਦ ਵਿੱਚ ਇਕ ਹਫਤੇ ਦੀ ਮੋਹਲਤ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ :—

ਸਟਾਰਡ ਸਵਾਲ ਨੰ: 1624,
ਵਲੋਂ ਚੌਧਰੀ ਸਤਿਆ ਦੇਵ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ.
ਆਦਰ ਸਹਿਤ,

ਹਿਤੂ,
(ਸਹੀ) . . .,
(ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ)

ਸ੍ਰੀ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ,
ਸਪੀਕਰ,
ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਆਲਰੈਡੀ ਪੋਸਟਪੋਂਨਡ ਕੁਐਸਚਨ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਫਿਰ ਤੁਸੀਂ ਅਗੇ ਪਾਉਣ ਲਈ ਕਿਹਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਤੁਸੀਂ ਪੋਸਟਪੋਨ ਦਰ ਪੋਸਟਪੋਨ ਕਰਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। How is it?

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਦੱਸ ਹੀ ਦਿਤਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ) (You have stated the position.)

Captain Rattan Singh : Is it allowed ? If you want to protect the Ministry, I have no objection.

Mr. Speaker : I don't want to do this. This is an aspersion on the Chair.

Captain Rattan Singh : I feel that it should not have been postponed. We did not hear your voice.

Mr. Speaker: I spoke so loud that every body could hear it.

Captain Rattan Singh : Sometimes your voice vibrates up.

This question was already postponed and it was expected that it would be answered to-day. This is very vital. The Government policy has been flouted. We wanted to know this.

Mr. Speaker : Next Question by the hon. Member Sardar Mehtab Singh Dhillon.

Death of Harijan Girl in village Sherke, Tehsil Fazilka

*1711. **Sardar Mehtab Singh Dhillon**: Will the Chief Minister be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a Harijan girl was reported to have been strangulated to death in village Sherke, Police Station Khuiyan Sarwar, tehsil Fazilka;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Sardar Mehtab Singh Dhillon]

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether it is a fact that the said case was declared one of suicide ; if so, whether the police authorities fully investigated the case before coming to the said conclusion ;

(c) whether it is a fact that the parents of the deceased girl who were living at a distance of about 30/35 miles were not informed about the said incident ; if so, the reasons therefor;

(d) whether the Government propose to get the said case investigated through a responsible officer ; if not, the reasons therefor ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) No Sir.

(b) The unnatural death of Smt. Khazani, wife of Adu Ram, Harijan of village Sherewala was found to be one of suicide after Police had fully investigated into the cause of death under section 174, Cr.P.C., on the spot.

(c) The parents of the deceased were informed through one Ram Lal, resident of village Sherewala and they reached there the same day. The dead body of Khazani was cremated after the post-mortem examination.

(d) Shri Pritam Singh, D.S.P., Fazilka, has already verified the cause and circumstances of unnatural death of Khazani on 21st May, 1969, on her father's complaint.

[(ੳ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਅ) ਪੁਲੀਸ ਦੀ ਪੂਰੀ ਤਫ਼ਤੀਸ਼ ਜ਼ੇਰ ਧਾਰਾ 174 ਜ਼ਾਬਤਾ ਫੌਜਦਾਰੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪਤਾ ਚਲਿਆ ਕਿ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਖਜ਼ਾਨੀ, ਪਤਨੀ ਅਦੂ ਰਾਮ ਹਰੀਜਨ, ਵਾਸੀ ਸ਼ੇਰੇਵਾਲਾ ਦੀ ਮੌਤ ਖੁਦਕਸ਼ੀ ਨਾਲ ਹੋਈ ਸੀ।

(ੲ) ਮੁਤੱਫੀ ਦੇ ਮਾਤਾ ਪਿਤਾ ਨੂੰ ਰਾਮ ਲਾਲ ਵਾਸੀ ਸ਼ੇਰੇਵਾਲਾ ਨੂੰ ਭੇਜ ਕੇ ਇਤਲਾਹ ਦਿਤੀ ਗਈ ਤੇ ਉਹ ਉਸੇ ਦਿਨ ਉਥੇ ਆ ਪਹੁੰਚੇ। ਖਜ਼ਾਨੀ ਦਾ ਦਾਹ ਸੰਸਕਾਰ ਪੋਸਟ ਮਾਰਟਮ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਸੀ।

(ਸ) ਸ਼੍ਰੀ ਪਰੀਤਮ ਸਿੰਘ, ਡੀ. ਐਸ. ਪੀ., ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ ਖ਼ਜ਼ਾਨੀ ਦੇ ਪਿਤਾ ਦੀ ਸ਼ਕਾਇਤ ਉਤੇ ਉਸ ਦੀ ਮਰਗ ਨਾਗਹਾਨੀ ਦੀ ਵਜਾਹ ਬਾਰੇ ਮਿਤੀ 21 ਮਈ, 1969 ਨੂੰ ਪੜਤਾਲ ਕਰ ਚੁਕੇ ਹਨ।]

ਸਰਦਾਰ ਮਹਿਤਾਬ ਸਿੰਘ ਢਿਲੋਂ : ਕੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਫਿਰ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਉਣਗੇ, ਕਿਉਂਕਿ ਲੜਕੀ ਚੰਗੀ ਭਲੀ ਸੀ ਔਰ ਉਸ ਦਾ ਗਲ ਘੁਟ ਕੇ ਮਾਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ? ਕੀ ਇਸ ਦੀ ਦੁਬਾਰਾ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਉਣਗੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਦੁਬਾਰਾ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾ ਦਿਆਂਗਾ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਕੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਕਿਉਂਕਿ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਅਗੇ ਹੀ ਗਲਤ ਰਪੋਰਟ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਮੌਤ ਖੁਦਕਸ਼ੀ ਕਰਨ ਨਾਲ ਹੋਈ ਹੈ, ਕੀ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਦੁਬਾਰਾ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਉਣੀ ਹੈ ਇਹ ਪੁਲਿਸ ਦੀ ਬਜਾਏ ਕਿਸੇ ਇਨਡੀਪੈਂਡੈਂਟ ਏਜੰਸੀ ਤੋਂ ਕਰਾਉਣਗੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਜਿਸ ਤੋਂ ਇਹ (ਸਰਦਾਰ ਮਹਿਤਾਬ ਸਿੰਘ ਵਲ ਇਸ਼ਾਰਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ) ਕਹਿਣਗੇ ਉਸ ਤੋਂ ਹੀ ਇਹ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾਈ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੈਟਿਸਫੈਕਸ਼ਨ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਉਸੇ ਤੋਂ ਹੀ ਕਰਵਾ ਦਿਆਂਗੇ ਜਿਸ ਤੋਂ ਇਹ ਕਹਿਣਗੇ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਪਿੰਡ ਸ਼ੇਰੇਵਾਲ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਹੈ ਜਾਂ ਸ਼ੇਰੇ ਕੇ ਦਾ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਸ਼ੇਰੇ ਕੇ ਪਿੰਡ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਹੈ।

Broad-day-light Murder Cases

***1420. Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) whether any murders are reported to have been committed in broad-day-light since the present Ministry took over charge in February, 1969 ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the number thereof alongwith the names of places where these were committed ;

(c) the number of murders committed in broad-day-light during the last four years, separately year-wise ;

(d) the names of persons involved in murder cases which took place during the period from February, 1969, to-date, who have been arrested alongwith the names of places of their arrest ;

(e) the number of cases of murders which have not been traced till now and the number of Court cases which succeeded and those which failed during the said period ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) Yes Sir, during the Ministry led by S. Gurnam Singh.

(b) 180. A list of names of places where these murders were committed is laid on the Table of the House.

(c) The number of murders committed in broad-day-light during 1966, 1967, 1968 and 1969 was 138, 137, 162 and 142, respectively.

(d) A list of names of persons involved in murder cases which took place during the period from February, 1969, to-date who have been arrested, alongwith names of places of their arrests is laid on the Table of the House.

(e) No. of cases of murder which have not been traced till now and the No. of court cases which succeeded and those which failed during the said period is given below:—

Not traced	Court cases which succeeded	Court cases which failed
2	37	4

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ, ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਦੀ ਵਜ਼ਾਰਤ ਦੇ ਦੌਰਾਨ।

(ਅ) 180, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਕਤਲ ਹੋਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਲਿਸਟ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਪੇਸ਼ ਹੈ।

(ੲ) 1966, 1967, 1968 ਅਤੇ 1969 ਵਿਚ ਦਿਨ ਦਹਾੜੇ 138, 137, 162 ਅਤੇ 142 ਬਿਲਤਰਤੀਬ ਕਤਲ ਹੋਏ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

(ਸ) ਫ਼ਰਵਰੀ, 1969 ਤੋਂ ਹੁਣ ਤਕ ਦਿਨ-ਦਹਾੜੇ ਹੋਏ ਕਤਲਾਂ ਵਿੱਚ ਫੜੇ ਗਏ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੇ ਨਾਂ ਅਤੇ ਜਿਹੜੀ ਥਾਂ ਤੇ ਉਹ ਫੜੇ ਗਏ ਦੀ ਲਿਸਟ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਪੇਸ਼ ਹੈ।

(ਹ) ਕਤਲ ਦੇ ਮੁਕਦਮੇ ਜਿਹੜੇ ਟਰੇਸ ਨਾ ਹੋ ਸਕੇ, ਜਿਹੜੇ ਅਦਾਲਤ ਵਿੱਚ ਸਜ਼ਾ ਹੋਏ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਕਾਮਯਾਬ ਨਾ ਹੋਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਨਿਮਨਲਿਖਤ ਹੈ:—

ਜਿਹੜੇ ਮੁਕਦਮੇ ਟਰੇਸ ਨ ਹੋ ਸਕੇ	ਮੁਕਦਮੇ ਜਿਹੜੇ ਅਦਾਲਤ ਵਿੱਚ ਸਜ਼ਾ ਹੋਏ	ਮੁਕਦਮੇ ਜਿਹੜੇ ਅਦਾਲਤ ਵਿੱਚ ਕਾਮਯਾਬ ਨ ਹੋਏ
2	37	4

List of names of places where murders were committed.

(1) Pilan, P. S. Sadar Hoshiarpur.
(2) Fadman, P.S. Sadar, Hoshiarpur.
(3) Nangal Bihala, P.S. Hajipur.
(4) Mukampur, P.S. Haryana.
(5) City Hoshiarpur.
(6) City Jullundur (4 cases).
(7) Nurmahal (2 cases).
(8) Banga (2 cases).
(9) Nakodar.
(10) Shahkot.
(11) Madhopuri, P.S. Division No. 3, Ludhiana.
(12) Nurpur, P.S. Sadar Ludhiana.
(13) Talwara P.S. Sadar Ludhiana.
(14) Lalton Kalan, P.S. Sadar Ludhiana.
(15) Bharthal, P S. Payal.
(16) Payal, P.S. Payal.
(17) Shahpur, P.S. Payal.
(18) Mahaun, P.S. Khanna.
(19) Chhajewal, P.S. Khanna.
(20) Hans Kalan P.S. Jagraon.
(21) Galib Kalan, P.S. Sidhwan Bet.
(22) Salempura, P.S. Sidhwan Bet.
(23) Ghangarali, P.S. Samrala.
(24) Nagra, P.S. Samrala.
(25) Bilaspur, P.S. Khamanon.
(26) Shamaspur, P.S. Khamanon.
(27) Chauk Mata Rani, P.S. Division No. 1, Ludhiana.
(28) Ahli Kalan, P.S. Sultanpur.
(29) Sidhwan, P.S. Sadar Kapurthala.
(30) Boot, P.S. -Kotwali Kapurthala.
(31) Nadala, P.S. Dhilwan.
(32) Pandori, P.S. Bholath.
(33) Dayalpur, P.S. Bhikhiwind.
(34) Kalsian, P.S. Bhikhiwind.
(35) Mahmoodpura, P.S. Valtoha.
(36) Alawalpur, P.S. Sadar, Tarn Taran.
(37) Seron, P.S. Sadar Tarn Taran.
(38) Munda Pind, P.S. Sirhali.
(39) Dalawalpur, P.S. Sirhali.
(40) Waring Suba Singh, P.S. Verowal.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

(41) Gilwali, P.S. Sadar, Amritsar.
(42) Chabba, P.S. Sadar, Amritsar.
(43) Thande, P.S. Sadar, Amritsar.
(44) Fatehgarh Sukhar, Sadar Amritsar.
(45) Raipur Khurd, P.S. Jandiala.
(46) Talwandi Dogran, Jandiala.
(47) Bhakhna Khurd, P.S. Gharinda.
(48) Amritsar City, P.S. 'D' Division.
(49) Chainpur, P.S Ajnala.
(50) Padheri, P.S. Lopoke.
(51) Kakkar Kalan, P.S. Lopoke.
(52) Awan Wasao, P.S. Lopoke.
(53) Bhaghiari, P.S. Jhabal.
(54) Pandori Hussan, P. S. Jhabal.
(55) Bariwala, P.S. Muktsar.
(56) Batta Tibba, P.S. Malout.
(57) Arfke, P.S. Mallanwala.
(58) Salem Shah, P.S. Sadar Fazilka.
(59) Mahlam, P.S. Jalalabad.
(60) City Malout Surja Market.
(61) Rurianwali, P.S. Muktsar.
(62) Kamalwala, P.S. Sadar, Fazilka.
(63) Baude village, P.S. Nihalsinghwala.
(64) Roop Nagar, P.S. Khuyan Sarwar.
(65) Samadh Bhai, P.S. Bagha Purana.
(66) Muradwala, P.S. Sadar Abohar.
(67) Sohangarh, P.S. Guru Har Sahai.
(68) Baude, P.S. Nihal Singhwala.
(69) Aia Khote, P.S. Sadar Moga.
(70) Manawan, P.S. Zira.
(71) Badhni Jaimal Singh, P.S. Sadar Ferozepore.
(72) Area of P.S. Muktsar.
(73) Lambochar, P.S. Jalalabad.
(74) Sherpur Taiban now Jhugian, P.S. Dharamkot
(75) Kapura, P.S. Mehna.
(76) Shadiwala, P.S. Dharamkot.
(77) Lakhewali, P.S. Muktsar.
(78) Sukhera Bodla, P.S. Jalalabad.
(79) Bir Raoke, P.S. Nihal Singh Wala.
(80) Mahuand, P.S. Sadar, Fazilka.
(81) Chand Nawan, P.S. Bagha Purana.
(82) Chaudharpura.
(83) Gurdaspur.
(84) Khera.
(85) Kalanaur.
(86) Shahoor.
(87) Raroanwala.
(88) Kot Santokh Rai.
(89) Khunda.
(90) Dhariwal.
(91) Bhamber.
(92) Bhangwan.
(93) Karal.
(94) Kharkhra.
(95) Sheikhpura.
(96) Sohal.
(97) Ball.
(98) Jaswali.
(99) Langianwali.
(100) Dhandoi.
(101) Khushalpur
(102) Hussanpur.
(103) Batala.
(104) Dhariwal.
(105) Chakan Wali.
(106) Qadian.
(107) Kalar Kalan.
(108) Kot Mohan Lal.
(109) Shekpur.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

(110) Dhamo Majra, P.S. Sadar Patiala.
(111) Bara, P.S. Sirhind.
(112) Kumbra, P.S. Amloh.
(113) Sanjarpur, P.S. Ghanaur.
(114) Landran Nadi, P.S. Mulepur.
(115) Dappar, P.S. Lalru.
(116) Pilkhni, P.S. Rajpura.
(117) Mahadian, P.S. Bassi.
(118) Samana, P.S. Samana.
(119) Pehluwala.
(120) Sirsiwara.
(121) Kalyan Malka Dayo.
(122) Ramana Bir Talab.
(123) Aklia Hakimwala Bhai.
(124) Bhagta Piplian Bero.
(125) Kekalan Burj.
(126) Mehman City.
(127) Faridkot.
(128) Chand Bajar.
(129) Jatana Khurd.
(130) Dault Pura.
(131) Barnala Kulerian.
(132) Thara.
(133) Mansa.
(134) Kheri.
(135) Marauli Khurd.
(136) Kakrali.
(137) Duburji.
(138) Khanpur.
(139) Bhaini Fatta, P.S. Dhanola.
(140) Bhaini Muraj, P.S. Dhanola.
(141) Bhaini Jassa, P.S. Dhanola.
(142) Balian, P.S. Sherpur.
(143) Patianwali, P.S. Sunam. (2).
(144) Chhatri Wala, P.S. Amargarh.
(145) Rurki Khurd, P.S. Amargarh.
(146) Sakhuwas, P.S. Lahra.
(147) Gahlan, P.S. Bhadorh.
(148) Rajinder Nagar, P.S. Malerkotla.
(149) Muaran, P.S. Sehna.
(150) Tajoke, P.S. Barnala.
(151) Nainwal, P.S. Bhadorh.
(152) Bhagwanpura, P.S. Sherpur.

List of names of persons involved in murder cases during February, 1969, to-date who have been arrested alongwith names of places of their arrest

Serial No.	Names of persons		Place of arrest
1	**Bakhshish Singh**	..	**Pialan**
2	**Dalel Singh son of Munshi Ram**	..	**Fadman**
3	**Amar Singh**	..	**Do**
4	**Santa Singh resident of District Bharatpur (Rajasthan)**	..	**Nangal Bihala**
5	**Sher Singh**	..	**Do**
6	**Pritam Singh**	..	**Mukampur**
7	**Tara Singh**	..	**Do**
8	**Bhan Singh**	..	**Do**

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

Serial No.	Names of persons	Place of arrest
9	Jagir Singh	.. Mukanpur
10	Kabul Singh	.. Ditto
11	Bakhtawar Singh	.. City Hoshiarpur
12	Bharat Bhushan	.. Ditto
13	Jagat Paul	.. Ditto
14	Pritam Singh	.. Ditto
15	Jaspal	.. Ditto
16	Surinder Singh	.. Ditto
17	Rajnesh	.. City Jullundur
18	Inderjit	.. Ditto
19	Ram alias Ram Nath	.. Ditto
20	Prem Chand	.. Ditto
21	Jai Ram	.. Ditto
22	Labh Chand	.. Ditto
23	Narinder Kumar	.. Ditto
24	Puran Chand	.. Ditto
25	Dev Raj	.. Ditto
26	Kaushalya Rani	.. Ditto
27	Darshan Kumari	.. Ditto
28	Harsukh Lal	.. Ditto
29	Bishan Singh Dala	.. Samrai, P. S. Nurmahal
30	Hardial Singh	.. Ditto
31	Surjit Singh	.. Ditto
32	Harbans Singh	.. Ditto
33	Hazara	.. Ditto
34	Dev	.. Dhesian Kanana
35	Mohan Singh	.. Ladhar Jhika, P.S. Banga
36	Charan Singh	.. Ditto
37	Kewal Singh	.. Talwandi Jattan, P.S. Banga
38	Chhinda	.. Ditto
39	Resham	.. Ditto
40	Chhinderpal	.. Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

Serial No.	Name of persons		Place of arrest
41	Kashmira Singh	..	Thabalke, P.S. Nakodar
42	Kartar Singh	..	Udhowal, P.S. Shahkot
43	Pal Singh	..	Ditto
44	Harbhajan Singh	..	Ditto
45	Jit Singh	..	Ditto
46	Kahan Singh	..	Ditto
47	Nanju	..	Ditto
48	Piara Singh	..	Ditto
49	Harbans Singh	..	Ditto
50	Makhan Singh	..	Ditto
51	Nand Lal son of Lachhman Das	..	Madhopuri city Ludhiana
52	Jagir Singh son of Melu Ram	..	Nurpur
53	Jit Singh son of Kartara	..	Talwara
54	Kalwant Singh son of Gurdial Singh	..	Lalton Kalan
55	Hari Singh son of Hardyal Singh	..	Appeared in P.S. Sadar, Ludhiana
56	Karam Singh son of Hardyal Singh	..	Ditto
57	Pal Singh son of Dilbagh Singh	..	Ditto
58	Gokal Singh son of Hakam Singh, Jat	..	Bharthala
59	Gharib Singh son of Harnam Singh	..	Do
60	Jagir Singh son of Santa Singh	..	Payal
61	Kapur Singh son of Santa Singh	..	Do
62	Jit Singh son of Santa Singh	..	Do
63	Kartar Singh son of Dulla Singh	..	Do
64	Dungal Singh son of Kehar Singh	..	Do
65	Pal Singh son of Mewa Singh	..	Canal Bridge, Jahangir
66	Mewa Singh son of Khushya Singh	..	Ditto
67	Bhola Singh son of Mahan Singh	..	Ludhiana City
68	Sohan Singh son of Munsha Singh	..	Payal
69	Mukhtiar Singh son of Bhagat Singh	..	Do
70	Hira Singh son of Ratna Singh	..	Jagraon
71	Piara Singh son of Santa Singh	..	Ludhiana City

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Names of persons	Place of arrest
72	Mohan Singh," son of Pishora Singh	.. Mahaun, P.S. Khanna
73	Tajinder Singh, son of Kahn Singh	.. Ditto
74	Surinder Singh, son of Pritam Singh	.. Ditto
75	Kahan Singh, son of Puran Singh	.. Ditto
76	Balbir Singh, son of Joginder Singh	.. Ditto
77	Pritam Singh, son of Sher Singh	.. Chhajewa
78	Hoshiar Singh, son of Sirja Singh	.. Do
79	Karam Singh, son of Nirbhai Singh	.. Do
80	Pishora Singh, son of Lal Singh	.. Do
81	Malkit Singh, son of Bachan Singh	.. Jagraon
82	Bhag Singh, son of Niranjan Singh	.. Galib Kalan
83	Naib Singh, son of Bhag Singh	.. Ditto
84	Avtar Singh, son of Bhag Singh	.. Ditto
85	Jarnail Singh, son of Bhag Singh	.. Ditto
86	Jasmel Singh, son of Naurang Singh	.. Salempura
87	Avtar Singh, son of Naurang Singh	.. Do
88	Jagdev Singh, son of Chanan Singh	.. Do
89	Jagir Singh, son of Surta	.. Ghangrali
90	Har Chand Singh, son of Bachan Singh	.. Nagra
91	Naurang Singh, son of Teja Singh	.. Shamaspur
92	Surjit Kaur, wife of Chet Singh	.. Bilaspur
93	Swinder Kaur, daughter of Balwant Singh	.. Do
94	Nand Kaur, widow of Balwant Singh	.. Do
95	Ishar Singh, son of Inder Singh	.. Kakka
96	Kartar Singh, son of Inder Singh	.. Do
97	Joginder Singh	.. Ali Kalan, P.S. Sultanpur
98	Bhagwan Singh	.. Ditto
99	Jassa Singh	.. Ditto
100	Murari Lal	.. Sidhwan, P.S. Sadar Kapurthala
101	Gainda Ram	.. Ditto
102	Ishar Singh	.. Boot, P.S. Kotwali. Kapurthala

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

Serial No.	Names of persons	Place of arrest
103	Kirpal Singh	.. Boot P.S. Kotwali Kapurthala
104	Hoshiar Singh	.. Ditto
105	Shiv Singh	.. Ditto
106	Bhulla Singh	.. Ditto
107	Dhana Singh	.. Ditto
108	Khushi Ram	.. Nadala, P.S. Dhilwan
109	Maluk Chandi	.. Ditto
110	Sat Pal	.. Ditto
111	Inder Dass	.. Ditto
112	Dewan Singh	.. Pandhori, P.S. Bhalath
113	Bachan Singh	.. Kalsian, P.S. Bhikhiwind
114	Karnail Singh	.. Ditto
115	Gurnam Singh	.. Ditto
116	Baj Singh	.. Ditto
117	Kundan Singh	.. Sarai Amanat Khan
118	Gopal Singh	.. Mahmudpura
119	Lall Singh	.. Do
120	Hardip Singh	.. Do
121	Kundan Singh	.. Do
122	Mohinder Singh	.. Do
123	Mukhtiar Singh	.. Alawalpur
124	Channa	.. Do
125	Bhira	.. Do
126	Channa	.. Saron
127	Surjit Singh	.. Do
128	Jagira Singh	.. Dalawalpur
129	Harbans Singh	.. Do
130	Maghar Singh	.. Do
131	Meja Singh	.. Do
132	Gurbax Singh	.. Do
133	Dula Singh	.. Do

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Names of persons	Place of arrest
134	Arjan Singh	.. Rani Walah
135	Gian Singh	.. Munda Pind
136	Karnail Singh	.. Do
137	Jagtar Singh	.. Do
138	Sucha Singh	.. Chabba
139	Puran Singh	.. Thande
140	Deepa	.. Bhalaipur
141	Bishan Singh	.. Gilwali
142	Karam Singh	.. Do
143	Rattan Singh	.. Do
144	Hari Singh	.. Do
145	Dalip Singh	.. Do
146	Balkar Singh	.. Raipur
147	Sucha Singh	.. Do
148	Jagdish Singh	.. Talwandi Dogran
149	Gurdip Singh	.. Bhakna
150	Dharam Paul	.. Amritsar
151	Kewal	.. Do
152	Ashok	.. Do
153	Kartar Singh	.. Chainpur
154	Mohinder Singh	.. Do
155	Chanan Singh	.. Do
156	Darshan Singh	.. Do
157	Paul Singh	.. Do
158	Partap Singh	.. Do
159	Jai Ram Constable B.S F.	.. Kakkar Kalan
160	Faqir Chand	.. Padhri
161	Satokh Singh	.. Awan Wasao
162	Amrik Singh	.. Pandori Hussan
163	Virsa Singh	.. Ditto
164	Khazan Singh	.. Ditto
165	Kashmir Singh	.. Ditto
166	Hazara Singh son of Sam puran Singh	.. At Thana Muktsar

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

Serial No.	Names of Persons	Place of arrest
167	Sita son of Hazara Singh	.. At Thana Mirktsar
168	Gurdip Singh son of Sanwant Singh	.. Ratta Tibba, P S. Malout
169	Makhan Singh son of Sajjan Singh	.. Ditto
170	Jagir Singh son of Makhan Singh	.. Ditto
171	Dalip Singh son of Surain Singh	.. Near Railway Station Talli Area of P.S. Mallanwala
172	Geja Singh son of Banta Singh	.. Ditto
173	Bhira son of Mohan Singh	.. Ditto
174	Tarlok Singh son of Uttam Singh	.. Ditto
175	Kuldip Singh son of Thakar Singh	.. Ditto
176	Ram Singh son of Uttam Singh	.. Ditto
177	Bahal Singh son of Sohan Singh	.. Ditto
178	Mukhtiar Singh son of Bur Singh	.. Salem Shah, P.S. Sadar Fazilka
179	Jagga Singh son of Bahadur Singh	.. Mahlam, P.S. Jalalabad
180	Prem Singh son of Jagga Singh	.. Ditto
181	Bukam Singh son of Jagga Singh	.. Ditto
182	Nishan Singh son of Santa Singh	.. Malout Mandi
183	Hazara Singh son of Asa Singh	.. Ditto
184	Mithu son of Mastan	.. Rurianwali, P.S. Muktsar
185	Jit Singh son of Hazara Singh	.. P.S. Jalalabad
186	Dial Singh son of Hira Singh	.. Ditto
187	Anokh Singh son of Ujagar Singh	.. Ditto
188	Bila Singh son of Nidh Singh	.. Civil Hospital, Moga
189	Naib Singh son of Nidh Singh	.. Ditto
190	Bant Singh son of Billa Singh	.. Ditto
191	Balnaib Singh son of Nidh Singh	.. Ditto
192	Babu Singh son of Ujagar Singh	.. Ditto
193	Jetha Ram son of Ganga Ram	.. Roop Nagar, P.S. Khuyan Sarwar
194	Mohinder Singh son of Munsha Singh	.. Moga City
195	Sant Ram *alias* Santu son of Baga Singh	.. Muradwala, P.S. Sadar, Abohar

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

Serial No.	Names of Persons		Place of arrest
196	Balbir Singh son of Budh Singh	..	Sohangarh, P.S. Guru Har-sahai
197	Tehal Singh son of Lal Singh	..	Ditto
198	Chain Singh son of Ujjagar Singh	..	Ditto
199	Malkit Singh son of Bhagwan Singh	..	Ditto
200	Rur Singh son of Kundan Singh	..	Ditto
201	Jarnail Singh son of Lal Singh	..	Ditto
202	Hari Ram son of Jogi Ram	..	Ditto
203	Kathu son of Charan Singh	..	Ditto
204	Waryam Singh son of Hari Ram	..	Ditto
205	Ganpat Ram son of Hari Ram	..	Ditto
206	Jagir Singh son of Bagoo Singh	..	Ditto
207	Hari Singh son of Rur Singh	..	Ditto
208	Kartar Singh son of Gudder Singh	..	Ditto
209	Harnam Singh son of Jagir Singh	..	Ditto
210	Kartar Singh son of Chand Singh	..	Ditto
211	Katha Singh son of Mal Singh	..	Ditto
212	Swarn Singh Comrade	..	Ditto
213	Waryam Singh Comrade	..	Ditto
214	Santokh Singh son of Maghar Singh	..	Baude
215	Gurdev Singh son of Maghar Singh	..	Do
216	Naginder Singh son of Maghar Singh	..	Do
217	Karnail Singh son of Budh Singh	..	Moga
218	Lachhman Singh son of Budh Singh	..	Khote, P.S. Sadar Moga
219	Bikar Singh son of Karnail Singh	..	Adda Bus, village Malian-wala, P.S. Zira
220	Darbara Singh son of Gurdit Singh	..	Dadhni Jaimal Singh, P.S. Sadar Ferozepore
221	Darbara Singh son of Munshi Singh	..	Ditto
222	Tarlok Singh son of Samma Singh	..	In Court P.S. Muktsar
223	Amar Singh son of Tarlok Singh	..	Ditto
224	Jagtar Singh son of Narain Singh	..	Lambochar P.S. Jalalabad.
225	Naranjan Singh son of Jagtar Singh	..	Ditto
226	Kapur Singh son of Sunder Singh	..	Sherpur Taiban, P.S. Dharm-kot

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

Serial No.	Name of Person	Place of arrest
227	Jarnail Singh son of Sunder Singh	.. Sharpur Taiban, P.S. Dharmkot
228	Ranjit Singh son of Budh Singh	.. P.S. Mehna
229	Darbara Singh son of Kundan	.. Shadiwala, P.S. Dharmkot
230	Hardip Singh son of Darbara Singh	.. Ditto
231	Balbir Singh son of Chanan Singh	.. Mandi Lakhowali, P.S. Muktsar
232	Lehana Singh son of Jawahar Singh	.. Sukhera Bodla P.S. Jalalabad.
233	Naranjan Singh son of Natha Singh	.. Bir Raoke, P.S. Nihal Singhwala
234	Bachan Singh son of Natha Singh	.. Ditto
235	Bachan Singh son of Latkan Singh	.. Mahuana, P.S. Sadar Fazilka
236	Pahlwan Singh alias Palli son of Labh Singh	.. Ditto
237	Harnek Singh son of Bagga Singh	.. Chand Nawan, P.S. Bagha Purana
238	Kashmira Singh	.. Gurdaspur
239	Swaran Singh	.. K[illegible]ra
240	Dalip Singh	.. Do
241	Anoop Singh	.. Do
242	Tarlok Singh	.. Do
243	Gurmej Singh	.. Do
244	Dhanna Singh	.. Do
245	Santokh Singh	.. Do
246	Surat Singh	.. Do
247	Ram Murti	.. Shahoor
248	Vijay Kumar	.. Do
249	Ashok Kumar	.. Do
250	Bal Singh	.. Kalanaur
251	Bakhshish Singh	.. Do
252	Manjit Singh	.. Do
253	Dyal Singh	.. Roranwali
254	Rattan Singh	.. Do
255	Karam Singh	.. Do
256	Shiv Singh	.. Kot Santokh Rai

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

Serial No	Names of Persons	Place of arrest
257	Bishan Singh	.. Kler Kalan
258	Sucha Singh	.. Dhariwal
259	Harbans Singh	.. Bhambar
260	Gani	.. Baryar
261	Phiddi	.. Daulatpur
262	Gurnam Singh	.. Do
263	Parkasho	.. Karal
264	Dalbir Singh	.. Khakra
265	Sain Dass	.. Do
266	Gian Singh	.. Shekhpur
267	Amrik Singh	.. Do
268	Pal Singh	.. Do
269	Lakha Singh	.. Dhakala
270	Gurbax Singh	.. Sohal
271	Surat Singh	.. Bahl
272	Piara Singh	.. Do
273	Banta Singh	.. Do
274	Tara Singh	.. Do
275	Bishan Singh	.. Do
276	Harbhajan Singh	.. Naushehra
277	Kishan	.. Bhoa
278	Desa Singh	.. Gurdaspur
279	Tehal Singh	.. Langianwali
280	Joginder Singh	.. Do
281	Gulzar Singh	.. Do
282	Darshan Singh	.. Do
283	Satbir Singh	.. Dhandoi
284	Mohan Singh	.. Badhai
285	Sohan Singh	.. Do
286	Waryam Singh	.. Do
287	Bachan Singh	.. Do

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

Serial No.	Names of Persons	Place of arrest
288	Raghbir Singh ..	Chhian Bhatti
289	Gurdit Singh ..	Khushalpur
290	Surat Singh ..	Do
291	Gian Singh ..	Hassanpura
292	Amrik Singh ..	Do
293	Charan Singh ..	Do
294	Amrik Singh ..	Harpura
295	Darshan Singh ..	Do
296	Amrik Singh ..	Do
297	Sittal Singh ..	Do
298	Gurdip Singh ..	Do
299	Kundoo ..	Do
300	Mohinder Singh ..	Do
301	Gulzar Singh ..	Sujjanpur
302	Beant Singh ..	Do
303	Bachan Singh ..	Do
304	Harbhajan Singh ..	Do
305	Chanan Singh ..	Chakanwali
306	Inder Kumar ..	Qadian
307	Joginder Singh ..	Sheikhpur
308	Narinder Singh ..	Do
309	Shivcharan Singh ..	Do
310	Shiv Singh ..	Do
311	Hardev Singh ..	Gasitpur
312	Santokh Singh ..	Kotli
313	Chet Singh ..	Do
314	Bakhshish Singh ..	Jullundur
315	Sohan Singh ..	Kaler Kalan
316	Mohinder Singh ..	Ditto
317	Budha Singh ..	Kot Mohan Lal
318	Mangal Singh ..	Ditto
319	Sadda Singh ..	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

Serial No.	Names of Persons	Place of arrest
320	Gurbachan Singh	.. Kot Mohan Lal
321	Jagir Singh	.. Gurdaspur
322	Budha Mal	.. Do
323	Kishan	.. Do
324	Bahadur Singh	.. Mahadian
325	Balraj	.. Khera, P.S. Sadar Ambala
326	Sawitri	.. Ditto
327	Pritam Singh	.. Patiala
328	Gurbinder Singh	.. Civil Hospital, Karnal
329	Gurbachan Singh	.. Sirhind
330	Baldev Singh	.. Lator
331	Hardev Singh	.. Do
332	Gian Singh	.. Sanjorpur
333	Hari Singh	.. Kumbra
334	Surjit Singh	.. Do
335	Bhajan Singh	.. Do
336	Ujagar Singh	.. Do
337	Waryam Singh	.. Do
338	Malkit Singh	.. Patiala
339	Tarlok Singh	.. Sandha
340	Hari Devi	Do
341	Jarnail Singh	.. Maltehwal
342	Bhupinder Singh	.. Do
343	Anup Singh	.. Kapurthala
344	Pirthi Pal Singh	.. Samana
345	Balwinder Singh	.. Do
346	Chur Singh	.. Pahluwala
347	Safi	.. Do
348	Khushi	.. Do
349	Chand Singh	.. Sirsiwala
350	Lal Singh	.. Do

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

Serial No.	Names of Persons	Place of arrest
351	Bhagwan Kaur	.. Sirsiwal
352	Tarsem Lal	.. Kalayan Malka
353	Dalpur Singh	.. Dago Raman
354	Lalkan	.. Bir Balab
355	Punjab	.. Ditto
356	Puran	.. Ditto
357	Sher Singh	.. Aklia
358	Bur Singh	.. Do
359	Chhota Singh	.. Piplian
360	Jangir Singh	.. Do
361	Harnek Singh	.. Birohke Kalan
362	Kehar Singh	.. Burji Mehman
363	Sarvjit	.. City Faridkot
364	Charanjit	.. Ditto
365	Kartar	.. Chand Baja
366	Viru	.. Ditto
367	Magar Singh	.. Jalana Khurd
368	Jagir Singh	.. Ditto
369	Chet Singh	.. Ditto
370	Kunda Singh	.. Ditto
371	Bishan Singh Nehianwala	.. Daulatpura
372	Niranjan Singh	.. Barnala
373	Sukha Singh	.. Do
374	Baldev Singh	.. Do
375	Gurdial Singh	.. Kulerian
376	Chhota Singh	.. Thara
377	Ram Singh	.. Do
378	Ram Karam Dass	.. Mansa
379	Waryam Singh	.. Kheri
380	Bakhtawar Singh	.. Do
381	Bachan Singh	.. Do

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

Serial No.	Names of Persons	Place of arrest
382	Karnail Singh	.. Marauli Khurd
383	Labh Singh	.. Do
384	Bikar Singh	.. Kakrali
385	Karnail Singh	.. Do
386	Gurmit Singh	.. Duburji
387	Bhajan Singh	.. Do
388	Charan Singh	Do
389	Harcharan Singh	.. Do
390	Pritam Singh	.. Do
391	Ajmer Singh	Do
392	Inder Singh	.. Popna
393	Ajmer Singh	.. Do
394	Karam Singh	.. Do
395	Sucha Singh	.. Do
396	Band Singh son of Kehar Singh	.. Bhaini Phatta
397	Dharam Singh son of Hari Singh	.. Do
398	Sher Singh son of Ishar Singh	.. Bhaini Jassa
399	Sukhdev Singh son of Santa Singh	.. Balian
400	Mihan Singh son of Teja Singh	.. Do
401	Babu Singh son of Teja Singh	.. Do
402	Mohinder Singh	.. Do
403	Hardev Singh son of Santa Singh	.. Do
404	Dip Singh son of Santa Singh	.. Do
405	Jora Singh son of Arjan Singh	.. Do
406	Sukhdev Singh son of Arjan Singh	.. Do
407	Balbir Singh son of Man Singh	.. Patianwali
408	Lilu son of Gurdial Singh	.. Sunam
409	Jangir Singh Khurana	.. Chhatriwala
410	Wazir Singh	.. Do
411	Mukand Singh	.. Do
412	Chhota Singh	.. Do
413	Bant Singh Jat	.. Do

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

Serial No.	Names of Persons		Place of arrest
414	Babu Ram son of Jiwa Ram	..	Rurki Khurd
415	Prem Singh son of Gulzar Singh	..	Sekhuwas
416	Budh Ram son of Gurdial Singh	..	Do
417	Haji	..	Gahlan
418	Gulzar Singh son of Gurdial Singh	..	Do
419	Jaga Singh son of Baru Singh	..	Malerkotla
420	Hardev Singh son of Sewa Singh	..	Mauran
421	Gurdev Singh son of Sewa Singh	..	Do
422	Ram Singh son of Darshan Singh	..	Do
423	Jang Singh son of Darshan Singh	..	Do
424	Jarnail Singh son of Vir Singh	..	Tajoke
425	Phatoo Singh son of Vir Singh	..	Do
426	Vir Singh Jat	..	Do
427	Jang Singh son of Vir Singh	..	Nainwal
428	Gamdur Singh, son of Darbara Singh	..	Do

ਚੌਧਰੀ ਕੇਵਲ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ: ਕੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ 1966 ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ 1969 ਵਿਚ ਦਿਨ ਦਿਹਾੜੇ ਕਤਲਾਂ ਦੀ ਜੋ ਗਿਣਤੀ ਜਨ ਸੰਘ ਅਕਾਲੀ ਕੁਲੀਸ਼ਨ ਔਰ ਫਰੰਟ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਮਿਹਰਬਾਨੀ ਨਾਲ 138 ਤੋਂ 180 ਹੋ ਗਈ ਹੈ, ਇਸ ਸਾਲ ਵਿਚ ਇਹ ਗਿਣਤੀ ਕਿਤਨੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਕੀ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗਾ ਸਕਦਾ ਹਾਂ। (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Supplementary disallowed.

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰਕ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ : ਕੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਕਤਲਾਂ ਦੀ ਪਰਸੈਂਟੇਜ ਵੱਧੀ ਹੈ, ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਕਾਰਨ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕਹਿ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ ਮਗਰ ਅਸੀਂ ਇਹ ਡਿਕਰੀਜ਼ ਜ਼ਰੂਰ ਕਰਾਂਗੇ ।

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਕੇਸ ਟਰੇਸ ਆਊਟ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਟਰੇਸ ਆਊਟ ਕਰਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨ ਗੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਅਗਰ ਕੋਈ ਕੇਸ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਲਿਆਓ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਜ਼ਰੂਰ ਟਰੇਸ ਆਊਟ ਕਰਾਂਗੇ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਦੋ ਕੇਸ ਦਸੇ ਹਨ ਕਿ ਟਰੇਸ ਆਊਟ ਨਹੀਂ ਹੋਏ, ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋ ਕੇਸਾਂ ਨੂੰ ਮੁੜ ਕੇ ਟਰੇਸ ਆਊਟ ਕਰਾਉਣਗੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਅਸੀਂ ਪੂਰੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਾਂਗੇ ਕਿ ਇਹ ਕੇਸ ਟਰੇਸ ਹੋਣ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਵਾਬ ਦਿੰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕਤਲ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਦੀ ਵਜ਼ਾਰਤ ਵਿੱਚ ਹੋਏ ਹਨ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰੇ ਜਿਹੜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਜ਼ਾਰਤ ਵਿਚ ਮਨਿਸਟਰ ਸਨ, ਆਇਆ ਇਹ ਗਲ ਕਹਿ ਕੇ ਸਾਰੀ ਮਨਿਸਟਰੀ ਵਿਚੋਂ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਕਰਦੇ ਹਨ ? (ਵਿਘਨ)

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਸਵਾਲ ਵਿੱਚ ਥੋੜ੍ਹਾ ਜਿਹਾ ਫਰਕ ਪੈ ਗਿਆ ਹੈ। ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਸਵਾਲ ਵਿੱਚ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪ੍ਰੈਜ਼ੈਂਟ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਵੇਲੇ ਕਿਤਨੇ ਕਤਲ ਹੋਏ। ਪ੍ਰੈਜ਼ੈਂਟ ਗੌਰ-ਮੈਂਟ ਦੇ ਵੇਲੇ ਕੋਈ ਕਤਲ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ: ਕੀ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਕਤਲ ਹੋਏ ਹਨ ਇਹ ਅਕਾਲੀ-ਜਨ ਸੰਘ ਕੁਲੀਸ਼ਨ ਦੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਹੋਏ ਹਨ ? (ਵਿਘਨ) ਅਕਾਲੀ ਜਨ ਸੰਘ ਵਜ਼ਾਰਤ ਦੇ ਕਾਰਨ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਮਖਲੂਤ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਕੀ ਇਹ ਹੁਣ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਨੂੰ ਚੰਗਾ ਕਰਨਗੇ ਤਾ ਕਿ ਕਤਲ ਘੱਟ ਹੋਣ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਇਹ ਜਿਹੜੀਆਂ ਦੋ ਜਮਾਤਾਂ ਦਾ ਨਾਮ ਲਿਆ ਹੈ ਇਹ ਤਾਂ ਮੋਸਟ ਪੀਸਫੁਲ ਜਮਾਤਾਂ ਹਨ। (ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਵਲੋਂ ਥੰਪਿੰਗ) (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ)

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਕੀ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਨਾਲਿਜ ਵਿੱਚ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚੋ ਜਨ ਸੰਘ ਨੇ ਕਿਤਨੇ ਕਤਲ ਕਰਵਾਏ ਹਨ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇਹ ਤਾਂ ਪਤਾ ਲਗ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਥੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰਵਾਏ ? (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਜਿਹੜਾ ਸਿਆਸੀ ਕਤਲ ਹੋਇਆ ....(ਵਿਘਨ) ਸਰਦਾਰ ਅਜੈਬ ਸਿੰਘ ਦਾ ਕਤਲ ਕਿਸ ਨੇ ਕਰਵਾਇਆ ? (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ)

ਚੌਧਰੀ ਕੇਵਲ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਦੋ ਕੇਸ ਜੋ ਕਤਲ ਦੇ ਹੋਏ ਉਸ ਦਾ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਚਲਿਆ, 37 ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਸਜ਼ਾ ਹੋਏ ਔਰ 4 ਫੇਲ੍ਹ ਹੋ ਗਏ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਾਕੀ ਕੇਸਾਂ ਦਾ ਕੀ ਬਣਿਆ, ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵੇਰਵਾ ਦਸਣਗੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਡੈਫ਼ੀਨੇਟਲੀ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਕੀ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਗੱਲ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਕਤਲ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਾਰਣ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਸ਼ਰਾਬ ਦਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪ੍ਰਚਾਰ ਹੈ ? ਕੀ ਸ਼ਰਾਬਬੰਦੀ ਵੱਲ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਦੇਣਗੇ ? (ਵਿਘਨ)

(ਕੋਈ ਉਤਰ ਨਹੀਂ ਆਇਆ)

Construction of link road in Fatehgarh Churian Constituency

***1704. Sardar Santokh Singh Randhawa** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the number of link roads constructed in the Fatehgarh Churian Constituency during 1969-70 to-date and the number of such roads proposed to be constructed during 1970-71. ?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) : No record of roads to be constructed is kept constituency-wise Therefore, exact information is not readily available. However, approximately 10 link roads have been metalled partly during 1969-70 and will be completed during 1970-71.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

[ਸੜਕਾਂ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਦਾ ਰਿਕਾਰਡ ਚੋਣ ਹਲਕਾਵਾਰ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ, ਇਸ ਲਈ ਬਿਲਕੁਲ ਠੀਕ ਸੂਚਨਾ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ। ਫਿਰ ਵੀ ਲਗਭਗ 10 ਲਿੰਕ ਰੋਡਜ਼ 1969-70 ਵਿੱਚ ਅੱਧ ਪਚੱਧ ਪੱਕੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ 1970-71 ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।]

ਸਰਦਾਰ ਸੰਤੋਖ ਸਿੰਘ ਰੰਧਾਵਾ : ਕੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਕਿ ਇਸ ਕਾਂਸਟੀਚੂਐਂਸੀ ਵਿੱਚ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਜਾਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ, ਉਹ ਅਜ ਤੋਂ ਤਿੰਨ ਸਾਲ ਪਹਿਲੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਈਆਂ ਸਨ? ਮੈਂ ਜਿਹੜਾ ਕੁਐਸ਼ਚਨ ਕੀਤਾ ਸੀ ਉਹ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਪੋਸਟਪੋਨ ਵੀ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਫ਼ਿਰ ਵੀ ਉਸ ਦਾ ਕੁਰੈਕਟ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਆਇਆ (ਵਿਘਨ) ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ ਪੋਸਟਪੋਨ ਕਰਾਉਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਕੋਈ ਠੀਕ ਉਤਰ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਅਤੇ ਇਸ ਕਾਂਸਟੀਚੂਐਂਸੀ ਨਾਲ ਜਿਹੜਾ ਵਿਤਕਰਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕੀ ਉਸ ਵਿਤਕਰੇ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨਗੇ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕੋਈ ਐਸੀ ਖ਼ਾਸ ਗੱਲ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋਈ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ 10 ਲਿੰਕ ਰੋਡਜ਼ ਟੇਕ ਅਪ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਟੋਟਲ ਲੈਂਥ ਕੋਈ 17.50 ਮੀਲ ਹੈ। ਜਿਹੜੀਆਂ ਅੰਡਰ ਕਨਸਟਰਕਸ਼ਨ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕੁਝ ਤਾਂ 31 ਮਾਰਚ, 1970 ਤਕ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ ਅਤੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਰਹਿ ਜਾਣਗੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਈ ਵੀ ਅਗੇ ਨੂੰ ਸਟੈਪਸ ਲਏ ਜਾਣਗੇ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ: ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਮਿਉਂਸਪਲ ਲਿਮਿਟ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਜਿਹੜੀਆਂ ਨਵੀਆਂ ਆਬਾਦੀਆਂ ਬਣ ਗਈਆਂ ਹਨ ਕੀ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਸਹੂਲੀਅਤ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲਿੰਕ ਰੋਡਜ਼ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕਰਨਗੇ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਮੈਕਸੀਮਮ ਫ਼ੈਸਿਲੀਟੀਜ਼ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ, ਜਿਥੇ ਵੀ ਕੋਈ ਲੋੜ ਹੋਈ।

ਚੌਧਰੀ ਤੁਲਸੀ ਰਾਮ ਚੌਹਾਨ: ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਹਿਮਾਚਲ ਦੇ ਬਾਰਡਰ ਏਰੀਆ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਜਿਹੜੇ ਬੈਕਵਰਡ ਏਰੀਆਜ਼ ਹਨ ਅਤੇ ਉਥੇ ਜਿਥੇ ਕੋਈ ਲਿੰਕ ਰੋਡਜ਼ ਨਹੀਂ ਹਨ, ਕੀ ਉਥੇ ਲਿੰਕ ਰੋਡਜ਼ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕਰਨ ਲਈ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਜਾਏਗਾ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਜ਼ਰੂਰ ਧਿਆਨ ਦਿਤਾ ਜਾਏਗਾ।

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਰਾਹੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਸ਼ਰਤ ਰਖੀ ਹੈ ਤਿੰਨ ਹਜ਼ਾਰ ਜਾਂ ਪੰਜ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਫੀ ਕਿਲੋ ਮੀਟਰ ਦੇਣ ਬਾਰੇ ਪਰ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸੜਕਾਂ ਧਰਮ ਕੋਟ ਦੇ ਹਲਕੇ ਵਿੱਚ ਬਣੀਆਂ ਹਨ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਕੋਈ ਸ਼ਰਤ ਪੂਰੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। ਕੀ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਕੇ ਸਬੰਧਤ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਐਕਸ਼ਨ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਇਸ ਲਈ ਸੈਪੇਰੇਟ ਨੋਟਿਸ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ 10 ਲਿੰਕ ਰੋਡਜ਼ ਬਣਾਉਣੀਆਂ ਹਨ, ਪਰ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਅਜੇ ਤਕ ਇਕ ਵੀ ਲਿੰਕ ਰੋਡ ਨਹੀਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਈ। ਕੀ ਇਹ ਡੈਫ਼ੀਨਿਟਲੀ ਦਸਣਗੇ ਕਿ 1969-70 ਵਿੱਚ ਕਿੰਨੀਆਂ ਬਣਾਉਣੀਆਂ ਹਨ ਜਾਂ ਬਣ ਚੁਕੀਆਂ ਹਨ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਕੁਝ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਚੁਕੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਕੁਝ ਰਹਿੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਸਾਲ 1969-70 ਵਿਚ ਹੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

ਸਰਦਾਰ ਸੰਤੋਖ ਸਿੰਘ ਰੰਧਾਵਾ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਫ਼ਤਿਹ ਗੜ੍ਹ ਵਿੱਚ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ ਦੀ ਸ਼ਤਾਬਦੀ ਮਨਾਈ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਉਥੇ ਕੋਈ ਡੇਢ ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਬਚਿਆ ਪਿਆ ਹੈ। ਜਿਹੜਾ ਰੁਪਿਆ ਬਚਿਆ ਪਿਆ ਹੈ ਕੀ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਉਥੇ ਕੋਈ ਕੰਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਾ ਦੇਣਗੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿੱਚ ਮੈਂ ਕੋਈ ਡੈਫੀਨਿਟ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ।

STARRED QUESTION NO. 1251

ਗ: ਸ: ਨੰ: 1322-3 ਸ-5-70/4720
ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970

ਪਿਆਰੇ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ,

ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦਾ ਹੇਠ ਲਿਖਿਆ ਸਟਾਰਡ ਸਵਾਲ ਜੋ ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970 ਲਈ ਸਵਾਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿੱਚ ਦਰਜ ਹੈ ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦੀ ਮਿਆਦ ਵਿਚ ਇਕ ਹਫਤੇ ਦੀ ਮੋਹਲਤ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ :—

ਸਟਾਰਡ ਸਵਾਲ ਨੰ: 1251 ਵਲੋਂ ਸ੍ਰ: ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ.,

ਆਦਰ ਸਹਿਤ।

ਹਿਤੂ,
(ਸਹੀ) . . .,
(ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ)

ਸ੍ਰੀ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ,
ਸਪੀਕਰ,
ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ।

ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਵੇਖ ਲਵੋ ਇਸ ਦੇ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਖ਼ਾਸ ਗੱਲ ਤਾਂ ਪੁਛੀ ਹੀ ਨਹੀਂ ਗਈ...............................(ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਫਿਰ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਤਾਂ ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਹੀ ਪੁਛ ਲਵੋ...... (ਵਿਘਨ).........(Then you may please ask Sardar Atma Singh about it) ...(*Interruption*)

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਇਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਸੀਂ ਉਧਰ ਆਕੇ ਦਿਆਂਗੇ (ਵਿਘਨ)......

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕੀ ਅਜੇ ਨਵੀਂ ਮਨਿਸਟਰੀ ਨੇ ਕੋਈ ਕੰਮ ਸੰਭਾਲਿਆ ਹੀ ਨਹੀਂ ?....(ਵਿਘਨ)....(ਸ਼ੋਰ)....

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ, ਅੱਜ ਤੁਹਾਨੂੰ ਮਿਹਣੇ ਸੁਝਣ ਲੱਗ ਪਏ ......(ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) (Now Dang Sahib thinks of passing sarcastic remarks.)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਤਾਂ ਕਦੇ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਨਵੀਂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਬਣੇ ਉਸ ਨੂੰ ਕੋਈ ਸਬਕ ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੋਵੇ....(ਵਿਘਨ)....

(ਇਸ ਵਕਤ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਬੜਾ ਸ਼ੋਰ ਪੈ ਗਿਆ)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ : ਜੇਕਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰੋਗੇ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਬੋਲਣ ਦਿਆਂਗੇ....(ਵਿਘਨ)....(ਸ਼ੋਰ)....

Mr. Speaker : Order please, order. (*Interruption*)

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਤੁਹਾਡੀ ਸ਼ਹਿ ਨਾਲ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ। (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Chaudhri Ram Singh Ji, please withdraw these words (*Interruption*)

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਵਿਦਡਰਾ ਤਾਂ ਕਰਦਾ ਹਾਂ..(ਵਿਘਨ)....

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰੋਗੇ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਚਲਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੰਟਰੋਲ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ ? (ਵਿਘਨ) [(*Addressing Chaudhri Ram Singh*: If you go on behaving like that then it would be difficult to proceed with the business of the House.)]

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਡੀ ਖ਼ਾਹਿਸ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਠੀਕ ਢੰਗ ਨਾਲ ਚਲੇ....(ਵਿਘਨ)....(ਸ਼ੋਰ)....

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ, ਫਿਰ ਆਪਣੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਕਹੋ ਕਿ ਠੀਕ ਢੰਗ ਨਾਲ ਬੋਲਣ....(ਵਿਘਨ)....ਤਾਂ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਅਗੇ ਚਲ ਸਕੇ....(ਵਿਘਨ) (*Addressing Capt. Rattan Singh*) : Then ask your party Members to speak properly ... (*interruption*) so that the business of the House may proceed further ... (*interruption*))

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਕਿਥੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਈ....(ਵਿਘਨ)....ਜਦੋਂ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ ਬੋਲਣ ਲਈ.... (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਉਹ ਗਲ ਤਾਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਕੇ ਖ਼ਤਮ ਵੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ....(ਵਿਘਨ).... (*Addressing Capt. Rattan Singh* : That matter is already over.)

Implementation of award of Labour Court/Industrial Tribunal, Punjab, regarding regularising the service of workcharged employees

***1707. Shri Gurdial Saini** : Will the Minister for Finance be pleased to state :—

(a) whether it is a fact that the Labour Court and the Industrial Tribunal of Punjab gave its award to regularise the service of workcharged employees ;

(b) whether the Labour Department is aware of the fact that the award given by the then Industrial Tribunal of composite Punjab has been partially implemented only in the Irrigation and Buildings and Roads Departments ; if so, the reasons why the same has not been implemented in the case of workcharged employees of the P.W.D. (Public Health);

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

(c) the steps, if any, being taken to get the said award implemented in case of the employees mentioned in part (b) above ?

ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ : (ਏ) ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਸ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਉਦਯੋਗਿਕ ਅਦਾਰੇ ਨਾਲ ਅਵਾਰਡ ਸਬੰਧਤ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਨਾਂ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ ਗਿਆ, ਕੋਈ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਉੱਤਰ ਦੇਣਾ ਸੰਭਵ ਨਹੀਂ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਸੀ) ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਇਹ ਸਵਾਲ ਤਾਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬੜਾ ਕਲੀਅਰ ਸੀ ਕਿ ਜਲੰਧਰ ਵਿਚ ਵਰਕ ਚਾਰਜ ਐਮਪਲਾਈਜ਼ ਨੇ ਕੋਈ 55 ਦਿਨ ਹੋ ਗਏ ਹਨ, ਭੁੱਖ ਹੜਤਾਲ ਰਖੀ ਹੋਈ ਹੈ....(ਵਿਘਨ)....

ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਵਰਕ ਚਾਰਜ ਐਮਪਲਾਈਜ਼ ਤਾਂ ਕਈ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਵਿੱਚ ਹਨ ਇਹ ਕਿਸੇ ਡੈਫੀਨਿਟ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਦਸਣ, ਮੈਂ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦਿਆਂਗਾ.... (ਵਿਘਨ)....

ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਦਸ ਦੇਣ ਕਿ ਕਿਹੜੇ ਕਿਹੜੇ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿੱਚ ਵਰਕ ਚਾਰਜ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ?....(ਵਿਘਨ)

ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਵਰਕ ਚਾਰਜ ਤਾਂ ਪੀ. ਡਬਲਿਊ. ਡੀ. (ਬਿਲਡਿੰਗ ਐਂਡ ਰੋਡਜ਼) ਵਿਚ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਪਬਲਿਕ ਹੈਲਥ ਵਿੱਚ ਵੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਹੋਰ ਵੀ ਕਈ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਵਿੱਚ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਕਿਸੇ ਡੈਫੀਨਿਟ ਐਸਟੇਬਲਿਸ਼ਮੈਂਟ ਜਾਂ ਮਹਿਕਮੇ ਬਾਰੇ ਸਵਾਲ ਦਸਣ ਮੈਂ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦਿਆਂਗਾ....(ਵਿਘਨ)....

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਕਾਰਵਾਈ ਦਾ ਵਾਅਦਾ ਦੇਣਗੇ ਜੇ ਕਰ ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨਲ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਰਖ ਦਈਏ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਹੁਣ ਤਕ ਇੰਪਲੀਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ? ਜਿਹੜੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨੇ ਇੰਪਲੀਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਕੋਈ ਐਕਸ਼ਨ ਲੈਣਗੇ ਅਤੇ ਇੰਪਲੀਮੈਂਟ ਕਰਾਉਣਗੇ ?

ਮੰਤਰੀ : ਜ਼ਰੂਰ ਕਰਾਵਾਂਗੇ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਵਾਲ ਦੇ ਵਿੱਚ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪੀ. ਡਬਲਿਯੂ. ਡੀ. ਬਿਲਡਿੰਗ ਅਤੇ ਰੋਡਜ਼ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿੱਚ ਟ੍ਰੀਬਿਊਨਲ ਨੇ ਫ਼ੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਫੈਸਲਾ ਪਬਲਿਕ ਹੈਲਥ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਿੱਚ ਕਿਉਂ ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਜਦੋਂ ਕਿ ਉਹ ਸਾਰੇ ਐਮਪਲਾਈਜ਼ ਇਕੋ ਹੀ ਕੇਡਰ ਦੇ ਬੰਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਮੈਂ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨਲ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਲਿਆ ਕੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿਆਂ, ਜਿਹੜਾ ਮਹਿਕਮੇ ਨੇ ਹੁਣ ਤਕ ਇੰਪਲੀਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕੀ ਇਹ ਲੇਬਰ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਕੋਈ ਐਕਸ਼ਨ ਲੈਣਗੇ ?

ਮੰਤਰੀ : ਅਕਾਰਡਿੰਗ ਟੂ ਰੂਲਜ਼ ਕਾਰਵਾਈ ਜ਼ਰੂਰ ਕੀਤੀ ਜਾਏਗੀ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਉਂ ਜੋ ਸਪੈਸੀਫਿਕ ਮਹਿਕਮਾ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਹ ਇਕ ਵੇਗ ਕੁਐਸਚਨ ਹੈ। ਕੁਐਸਚਨ ਵਿੱਚ ਸਾਫ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਦੋ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਵਿੱਚ ਐਵਾਰਡ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਪੀ. ਡਬਲਿਊ. ਡੀ., ਬਿਲਡਿੰਗ ਅਤੇ ਰੋਡਜ਼ ਔਰ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਵਿਚ, ਪਰ ਉਹ ਫੈਸਲੇ ਪਬਲਿਕ ਹੈਲਥ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਤੇ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਲਾਗੂ ਕੀਤੇ ਗਏ ? ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪ ਜਵਾ ਹੀ ਵੇਗ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕੀ ਉਹ ਸਵਾਲ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦੇਣਗੇ ?

ਮੰਤਰੀ : ਪਾਰਟ 'ਏ' ਵੇਗ ਹੈ, ਬੀ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ: ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਕੋਈ ਐਵਾਰਡ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਅਮਲ ਹੋਵੇਗਾ। ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਐਵਾਰਡ ਹੋਣ ਦੇ ਇਕ ਮਹੀਨਾ ਪਿਛੋਂ ਐਵਾਰਡ ਨੂੰ ਇੰਪਲੀਮੈਂਟ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਵਰਨਾ ਐਂਪ- ਲਾਇਰ ਦੀ ਪਰਾਸੀਕਯੂਸ਼ਨ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਅਗਰ ਲੇਬਰ ਡਿਪਾਰਮੈਂਟ ਨੇ ਇਸ ਰੂਲ ਮੁਤਾਬਿਕ ਕਾਰਵਾਈ ਨਾ ਕੀਤੀ ਹੋਵੇ—ਮੇਰਾ ਸਵਾਲ ਇਹੀ ਸੀ—ਤਾਂ ਕੀ ਜੋ ਅਫਸਰ ਇਸ ਗੱਲ ਲਈ ਜ਼ਿੰਮੇਦਾਰ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਐਕਸ਼ਨ ਲੈਣਗੇ ?

ਮੰਤਰੀ: ਅਗਰ ਕਿਸੇ ਸਰਕਾਰੀ ਅਫਸਰ ਨੇ ਰੂਲਜ਼ ਦੀ ਇਨਫ੍ਰਿੰਜਮੈਂਟ ਕੀਤੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਜ਼ਰੂਰ ਐਕਸ਼ਨ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ।

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ: ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ 9 ਨਵੰਬਰ, 1967 ਨੂੰ ਜਲੰਧਰ ਵਿੱਚ ਐਵਾਰਡ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਵਰਕ ਚਾਰਜ ਬਾਰੇ ਉਸ ਵੇਲੇ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ, ਪੀ. ਡਬਲਯ. ਡੀ. ਮਨਿਸਟਰ ਸਨ, ਉਹ ਜਲੰਧਰ ਵਿੱਚ ਲਾਗੂ ਹੋਇਆ। ਫਿਰ 7 ਦਸੰਬਰ, 1966 ਨੂੰ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚ ਐਵਾਰਡ ਹੋਇਆ, ਇਥੇ ਵੀ ਇਹ ਲਾਗੂ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਬਾਕੀ ਦੇ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿੱਚ ਇਹ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਲਾਗੂ ਹੋਇਆ। ਕੀ ਇਹ ਬਾਕੀ ਜਗ੍ਹਾ ਲਾਗੂ ਕਰਨਗੇ ?

ਮੰਤਰੀ: ਜੋ 1966 ਦੇ ਐਵਾਰਡ ਦਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਇਸ ਬਾਰੇ ਸੈਪੇਰੇਟ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦੇਣ ਪਤਾ ਕਰ ਲਵਾਂਗਾ।

Starred Question No. 1674

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਇਸ ਨੂੰ ਅਗੇ ਪਾਉਣ ਲਈ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ। (Extension has been applied for in respect of Question No. *1674.)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਸਵਾਲ ਨੂੰ 3, 4 ਵਾਰੀ ਪੋਸਟਪੋਨ ਕੀਤਾ ਜਾ ਚੁਕਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਇਕ ਗਰੀਬ ਲੜਕੀ ਦਾ ਕੇਸ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਤਨਖਾਹ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ, ਕਿੰਨੀ ਬੁਰੀ ਗਲ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਇਹ ਇਕ ਇੰਡੀਵਿਜੂਅਲ ਕੇਸ ਹੈ। ਇਹ ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵਿੱਚ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕੀ। (ਵਿਘਨ) (This is an individual case It is quite strange that the Government has not come out with a reply.)

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS, DATED 26TH MARCH, 1970

Punjab State Social Welfare Advisory Board

***1788. Chaudhri Balbir Singh** : Will the Minister for Social Welfare be pleased to state —

(a) whether it is a fact that the term of the State Social Welfare Advisory Board expired on the 31st October, 1968 ;

(b) whether the term of the said Board has been extended further;

(c) if the reply to part (b) above be in the negative, whether it is a fact that the Chairman of the said Board is functioning ; if so, under what circumstances ?

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ (ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ): (ੲ) ਹਾਂ ਜੀ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਸੀ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

[(a) Yes.
(b) Yes.
(c) Question does not arise.]

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ: ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 'ਏ' ਦਾ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ 'ਹਾਂ', ਬੀ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦਿੱਤਾ 'ਹਾਂ' ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਟੇਟ ਸੋਸ਼ਲ ਵੈਲਫੇਅਰ ਬੋਰਡ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਤਾਂ ਫਿਰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਨੂੰ ਐਕਸਟੈਨਸ਼ਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਸੀ ? (ਵਿਘਨ) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ ਜਾਂ ਮੇਮ ਸਾਹਿਬ, ਨੂੰ ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ, ਐਕਸਟੈਨਸ਼ਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਸੀ ?

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ: ਜੋ ਬੋਰਡ ਸੀ ਉਸ ਦੀ ਟਰਮ 31 ਅਕਤੂਬਰ, 1968 ਨੂੰ ਐਕਸਪਾਇਰ ਹੋ ਗਈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੁਛਿਆ ਸੀ:

"whether it is a fact that the term of the State Social Welfare Advisory Board expired on the 31st October, 1968".

The reply given is 'Yes'.

Part (b) of the Question says :—

"whether term of the said Board has been extended further".

The reply to this part is also 'Yes'.

चौधरी बलबीर सिंह : मेरा सवाल यह है कि जब चेयरमैन का समय खत्म हुआ जब उस की ऐक्सटैंनशन हुई, क्या इन दोनों के दर्मियान कोई गैप रहा ?

(कोई उतर नहीं आया)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ: ਗੈਪ ਬਾਰੇ ਕੀ ਜਵਾਬ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

(ਕੋਈ ਉਤਰ ਨਹੀਂ ਆਇਆ)

Chairman, Punjab State Social Welfare Advisory Board

*1789. **Chaudhri Balbir Singh** : Will the Minister for Social Welfare be pleased to state :—

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to replace the present Chairman of the Punjab State Social Welfare Advisory Board ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the time likely to be taken to finalize the matter ?

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ (ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ): (ਏ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

[(a) No.
(b) Question does not arise.]

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ: ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਕੌਣ ਸਜਨ ਹਨ, ਕਿਸ ਤਰੀਕ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਨਿਯੁਕਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੋਰ ਕਿੰਨੀ ਮਿਆਦ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ: ਇਸ ਲਈ ਸੈਪੇਰੇਟ ਨੋਟਿਸ ਦਿਉ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਕੀ ਇਹ ਫੈਕਟ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬੋਰਡ ਦਾ ਜੋ ਚੇਅਰਮੈਨ ਹੈ ਉਹ 31 ਅਕਤੂਬਰ, 1968 ਤੋਂ ਮਗਰੋਂ ਕੁਝ ਦੇਰ ਲਈ ਚੇਅਰਮੈਨ ਨਹੀਂ ਸੀ ਰਿਹਾ ਅਤੇ ਫਿਰ ਬਣਾ-ਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਲਈ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਉ। (ਵਿਘਨ)

चौधरी बलबीर सिंह : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि क्या उनकी ऐप्वायंटमैंट कांग्रेस राज में हुई थी ?

ਮੰਤਰੀ : ਹਾਂ ਜੀ।

ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਸ ਚੇਅਰਮੈਨ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਆਡਿਟ ਦੀ ਇਕ ਰਿਪੋਰਟ ਸੀ ਜਿਸ ਵਿਚ ਸਖਤ ਇਰੈਗੂਲੈਰੇਟੀਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਦਸੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ਅਤੇ ਜੋ ਪਹਿਲੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਨ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ, ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਹਿਕਮੇ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਖਿਲਾਫ਼ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਲਗਾਇਆ ਸੀ ਅਤੇ ਮਹਿਕਮੇ ਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਨਹੀਂ ਗਿਆ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਦਾ ਮੈਨੂੰ ਪੂਰਾ ਪਤਾ ਨਹੀਂ, ਅਗਰ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕਹਿਣ ਤਾਂ ਪਤਾ ਕਰਕੇ ਦਸ ਦਿਆਂਗਾ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਰਾਜ ਵਿੱਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਐਪੁਆ-ਇੰਟਮੈਂਟ ਹੋਈ ਸੀ। ਕੀ ਇਹ ਹਕੀਕਤ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਸਬੈਂਡ ਅਕਾਲੀ ਬਣ ਗਏ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੀਪਲੇਸ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਲਈ ਨੋਟਿਸ ਦਿਉ।

Posts of Personal Assistant and Office Secretary filled up by the Chairman, Punjab State Social Welfare Advisory Board.

*1790. **Chaudhri Balbir Singh** : Will the Minister for Social Welfare be pleased to state —

(a) whether appointments to the posts of Personal Assistant to the Chairman and the Office Secretary were made by the Chairman, Punjab State Social Welfare Advisory Board during the the years 1967 and 1965, respectively ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative whether any applications were invited for filling up the above posts; if so, a list of the candidates who submitted their applications indicating their qualifications in each case together with the qualifications of the persons appointed against the said posts be placed on the Table of the House ;

(c) whether any qualifications were prescribed by the Board for recruitment against these posts and whether the persons appointed against these posts fulfilled the required qualifications;

(d) if the persons appointed do not fulfil the qualifications, the reasons therefor ?

Shri Balram Dass Tandon (Industries Minister) : (a) Yes Sir.

(b) (i) No applications were called for the post of Office Secretary. This post was filled up by transfer of the incumbent from the Central Board in 1965. After the re-organisation of the State, this incumbent was allocated to the State of Punjab and he continues to hold the post.

(ii) As regards the post of Personal Assistant, the post was advertised. Eight applications were received and all the eight persons were called for interview. The list of candidates alongwith their qualifications is enclosed.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

(c) Yes. The following qualifications were prescribed :—

Office Secretary : Graduate of a recognised University. At least 7 years experience in a responsible capacity. Preference to be given to those who possessed a degree or diploma in Social Work from a recognised institution.

Personal Assistant : Matriculates, possessing a minimum speed of 100 words per minute in shorthand and 40 words in typing. Preference to be given to graduates.

The Secretary fulfilled the prescribed qualifications. The qualifications of type and shorthand were relaxed in favour of the incumbent of the post of Personal Assistant. In view of the educational qualifications, experience in the field and the aptitude for social work.

List of the Candidates

Serial No.	Name and Address of the Candidates	Age	Educational and other Qualifications	Experience
1	Shri Prem Nath Sel, House No. 278/A, Durga Niwas, Partap Nagar, Jullundur City.	19 years	B.A. Experience not given	Short hand speed 100 Typing 40
2	Shri B.S. Taneja, H.No. 3204, Sector 23-D, Chandigarh	Not given	B.A. Two years' experience in Government office	Short hand speed 120 Typing speed 50
3	Miss Pushpa Kumari Satwan, H.No. 2231-A, Sector 27-C, Chandigarh	ditto	Higher Secondary, 2 years' Diploma Course in the Secretariat Practice and Stenography, 7 months experience	Short hand speed 110 Typing Speed 45
4	Mrs. Amrit Sehgal, H.No. 1194, Sector 18-E, Chandigarh	Ditto	B.A. (English only), 7 years experience as Chief Lady Organiser and Inspectress, Bhartia Grameen Mahila Sang	..
5	Shri M.K. Chopra, LAC, FME, CTO's Section, No. 12, Wing Air Force, c/o 56 A.P.O.	Ditto	Matric, worked as typist in the State Board Office from 15th April, 1959 to 22nd December, 1962. Joined Air Force during National Emergency. Passed Stenography test.	..
6	Shri B.D. Arora, C/o Shri Rattan Lal Uppal, B-IX-186, Mohalla Mochipura, Ludhiana	30 years	B.A. about 4 years' experience in different offices	Short hand speed 110 Typing speed 50
7	Shri Didar Singh, 386, Sector 15-A, Chandigarh	21½ years	B.Com. one year's experience in the line	Short hand speed 100 Typing speed 40
8	Shri Subash Chander Sood, C/o Shri Satish Kumar Sood, 12 JC/533, Sector 7-B, Chandigarh	Not given	B.A. two years' experience in the clarical line	Short hand speed 100 Typing speed 45

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਐਪਵਾਇੰਟਮੈਂਟ ਹੋਈ ਹੈ ਇਹ ਫੇਵਰਟਿਜ਼ਮ ਨਾਲ ਹੋਈ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਵਿਚ ਰਿਕਵਿਜ਼ਟ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਇਸ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਸਨ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਆਊਟ ਆਫ ਅਦਰ ਕਨਸਿਡਰੇਸ਼ਨ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

(ਕੋਈ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਆਇਆ)

ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ : ਮੇਰੇ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਆਇਆ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਫਿਰ ਰੀਪੀਟ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਇਨਕੰਬੈਂਟ ਪੀ. ਏ. ਟੂ. ਚੇਅਰਮੈਨ, ਸੋਸ਼ਲ ਵੇਲਫੇਅਰ ਬੋਰਡ, ਲਗਾਈ ਗਈ ਹੈ ਇਸ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਵੀ ਰਿਕਵਿਜ਼ਟ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਸੀ ਅਤੇ ਇਸ ਵਿੱਚ ਫੇਵਰਟਿਜ਼ਮ ਅਤੇ ਨੈਪੋਟਿਜ਼ਮ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ: ਇਸ ਨੂੰ ਸੰਨ 1965 ਵਿੱਚ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ। ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਡੈਫਿਨਿਟ ਗੱਲ ਸਰਕਾਰ ਸਾਹਮਣੇ ਆਪ ਲਿਆਉ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਵੇਖ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ।

ਸ਼੍ਰੀ ਤੁਲਸੀ ਰਾਮ ਚੌਹਾਨ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਪਹਿਲਾਂ ਇੰਨਚਾਰਜ ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਸਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵੇਲੇ ਜੋ ਕੁਝ ਹੁੰਦਾ ਰਿਹਾ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਐਕਸ਼ਨ ਲਏਗੀ ?

ਮੰਤਰੀ : ਜੇਕਰ ਨੋਟਿਸ ਦਿਓਗੇ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿੱਚ ਤਾਂ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦਿਆਂਗਾ।

चौधरी बलबीर सिंह : क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि इस बारे में जो कांग्रेस राज ने धांदली मचाई थी उस को ठीक करने की सरकार कोशिश करेगी ?

ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਿਰਫ ਇਸ ਕੇਸ ਵਿੱਚ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਾਕੀ ਦੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੇਸਿਜ਼ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿੱਚ ਵੀ ਐਕਸ਼ਨ ਲਵਾਂਗੇ।

Orders issued by Deputy Education Officer, Ludhiana, granting three advance increments to the Classical and Vernacular Teachers.

***1210. Comrade Satya Pal Dang** : Will the Minister for Eudcation be pleased to —

(a) state whether in the month of September, 1969, the Deputy Education Officer, Ludhiana; issued orders for granting three advance increments to the Classical and Vernacular Teachers who were appointed on 1st February, 1969 or thereafter; if so, the date from which these advance increments were to be given ;

(b) lay on the Table of the House a copy of the circular issued by the said Deputy Education Officer conveying the necessary orders ;

(c) state whether the said orders have been implemented in relation to the Classical and Vernacular Teachers of the Middle Schools; if so, when ;

(d) state whether there was any delay in this respect ; if so, the reasons therefor ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ (ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ): (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ। ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਆਰਡਰਾਂ ਅਨੁਸਾਰ 1 ਫਰਵਰੀ, 1969 ਤੋਂ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ 1 ਫਰਵਰੀ, 1968 ਤੋਂ ਜਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਮਗਰੋਂ ਭਰਤੀ ਕੀਤਿਆਂ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਨਿਯੁਕਤੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ ਅਗੇਤਰੀਆਂ ਤਰੱਕੀਆਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ।

(ਬੀ) ਕਾਪੀ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(ਸੀ) ਹਾਂ ਜੀ। ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਨੌਕਰੀ ਵਿੱਚ ਆਉਣ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ।

(ਡੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

Copy of letter No. EIII/5(I) 68, dated, Ludhiana, the 12th September, 1969, from District Education Officer, Ludhiana, to all the Principals/Headmasters/Headmistresses, Government Secondary Schools in the Ludhiana District. (2) All the B.E.O's of Ludhiana district.

Subject :—Revision of Grades.

For some time past the clarifications regarding the grant of advance increments to the C.V. Teachers has been engaging my attention. After careful consideration the following instructions are laid down for guidance and further necessary action:

All the teachers appointed as Sanskrit teachers who are Shastris and were appointed on or after 1st February, 1968, are entitled to five advance incremens, i.e. they are to be fixed at Rs. 150 in the grade of Rs. 125—300 from the date of their appointment.

2. All the Giani/Prabhakar/Drawing teachers appointed on or after 1st February, 1968, are to be allowed 3 advance increments, i.e. their pay is to be fixed at Rs 140 p.m. in the grade of Rs. 125—300 from the date of their appointment.

3. So far the case of teachers appointed in the period from 1st November, 1966 to 31st Janaury, 1968, is concerned, the case has separately been moved to the D.P.I., Punjab for clarification and orders in this respect shall be issued immediately on the receipt of the clarification.

4. So far the cases of teachers appointed prior to 1st November, 1966, are concerned. It is presumed that they were enttile to the above benefit and their pay must have been fixed after adding the benefit already availed by them on 1st November, 1966. In case, however, there is any such case, where the teachers have been deprived of this benefit the case may be brought to my notice alongwith the Service Book of the official.

5. All the JST/JAV Masters/Mistresses who were working in the grade of Rs. 80—250 and were given the grade of Rs. 125—300 w.e.f. 1st November, 1966, are to be allowed this grade of Rs 220—400 w.e.f. 1st February, 1968. Pay shall be revised immediately on the receipt of the decision in the case pending consideration before the Government.

6. The pay of the teachers may please be fixed and drawn within seven days positively. The arrears on account of such enhancement in pay upto October, 1968, shall go to G.P. Fund of the officials concerned.

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ: ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਜਵਾਬ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਉਸ ਵਿੱਚ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਟੀਚਰਾਂ ਦੀ ਸਰਵਿਸ ਜਦ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਈ ਉਸ ਦਿਨ ਤੋਂ ਐਡਵਾਂਸ ਇਨਕਰੀਮੈਂਟਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ ਕਿ ਕਦੋਂ ਦਿੱਤੀਆਂ—ਗਈਆਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕਦੋਂ ਤੋਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ? ਕੀ ਇਹ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਕਦੋਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ?

ਮੰਤਰੀ: ਮੈਂ ਤਾਂ ਜਵਾਬ ਵਿੱਚ ਸਾਫ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਬੈਨੀਫਿਟ ਆਫ ਐਡਵਾਂਸ ਇਨਕਰੀਮੈਂਟਸ 1969 ਤੋਂ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ 1 ਫਰਵਰੀ, 1968 ਤੋਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਕੋਠਾਰੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਤੇ ਇਹ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਪਰ ਪੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਜਦ ਰਿਪੋਰਟ ਆਈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀਆਂ ਰਿਕੁਮੈਂਡੇਸ਼ਨਾਂ ਤੇ ਇਸ ਬੈਨੀਫਿਟ ਆਫ ਐਡਵਾਂਸ ਇਨਕਰੀਮੈਂਟ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Letter from Shri Balwant Singh, J.B.T. Teacher, Government Primary School, Mandar, district Ferozepore

***1606. Comrade Babu Singh Master :** Will the Minister for Education be pleased to state whether the D.P.I., Punjab, received registered letters from Balwant Singh, J.B.T. Teacher, Government Primary School, Mandar, district Ferozepore, on 4th October, 1969 and 15th October, 1969, if so, the nature of the said letters and the action, if any, taken thereon ?

ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ (ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ): ਨਹੀਂ ਜੀ। ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

Cases filed by Municipal Committee, Amritsar, under Pure Food Act.

***1211. Comrade Satya Pal Dang :** Will the Minister for Local Government be pleased to state —

(a) whether it is a fact that on 12th August, 1969, the then Minister for Local Government desired in writing that the President, Municipal Committee, Amritsar, should withdraw certain cases filed by the Municipal Committee, Amritsar, under the Pure Food Act ; if so, the details of these cases including the names of the defendants be laid on the Table of the House;

(b) the reasons for which the Minister desired the withdrawals of these cases ;

(c) the stage of each of these cases as on 12th August, 1969 ;

(d) the action taken by the President, Municipal Committee, Amritsar and/or the Municipal Committee, Amritsar, regarding the desire/direction of the Minister for the withdrawal of the cases ;

(e) whether the said cases have been withdrawn; if not, the present position of the cases ?

Shri Balram Dass Tandon (Minister for Industries): (a) Yes, a statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

(b) The President, Punjab Hotels and Restaurants Association represented to the Finance Minister for withdrawal of these cases. The cases were petty having little substance. The Minister ordered for the withdrawal under section 494, Criminal Procedure Code.

(c) The first three cases (in the statement) were lying pending in the court of Shri G.L. Chopra, Judicial Magistrate I Class, Amritsar, on 12th August, 1969. In the fourth case the Lower Court and the Sessions Court convicted the accused and the case was lying pending in the High Court.

(d) The Municipal Committee, Amritsar, *vide* its resolution No. 994, dated 23rd December, 1969, resolved to withdraw these cases as these were of minor nature, except case at serial No. 4, in which the accused had been convicted by the Lower and the Session Courts.

(e) The cases have not so far been withdrawn and these are still lying pending in the court.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ, ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਦੀ ਸੂਚੀ ਹਾਊਸ ਦੇ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(ਅ) ਪਰਧਾਨ, ਪੰਜਾਬ ਹੋਟਲ ਐਂਡ ਰੈਸਟੋਰੈਂਟ, ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਨੇ ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੂੰ ਮਿਲਾਵਟ ਦੇ ਮੁਕਦਮੇ ਵਾਪਸ ਲੈਣ ਵਾਸਤੇ ਬਿਨੈ-ਪੱਤਰ ਦਿੱਤਾ। ਮੁਕਦਮੇ ਬਹੁਤ ਛੋਟੇ ਸਨ ਤੇ ਇਹਨਾਂ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਵਜ਼ਨ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੇ ਧਾਰਾ 494 ਕਰੀਮੀਨਲ ਪਰੋਸੀਜਰ ਕੋਡ ਅਧੀਨ ਕੇਸ ਵਾਪਸ ਲੈਣ ਦਾ ਆਦੇਸ਼ ਦਿਤਾ।

(ੲ) ਪਹਿਲੇ ਤਿੰਨ ਕੇਸ 12 ਅਗਸਤ, 1969 ਨੂੰ ਸ਼੍ਰੀ ਜੀ. ਐਲ. ਚੋਪੜਾ ਜੁਡੀਸ਼ੀਅਲ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ, ਦਰਜਾ ਪਹਿਲਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, ਦੀ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਪੈਂਡਿੰਗ ਸਨ। ਚੌਥੇ ਕੇਸ ਵਿਚ ਹੇਠਲੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

ਕਚਿਹਰੀ ਅਤੇ ਸੈਸ਼ਨ ਕੋਰਟ ਨੇ ਮੁਲਜ਼ਮ ਨੂੰ ਸਜ਼ਾ ਦਿੱਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਤੇ ਕੇਸ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਵਿੱਚ ਪੈਂਡਿਗ ਹੈ।

(ਸ) ਨਗਰ ਪਾਲਕਾ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨੇ ਆਪਣਾ ਮਤਾ ਨੰ: 994, ਮਿਤੀ 23 ਦਸੰਬਰ, 1969 ਰਾਹੀਂ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਕਿ ਸਵਾਏ ਚੌਥੇ ਮੁਕਦਮੇ ਤੋਂ ਜਿਸ ਵਿਚ ਮੁਲਜ਼ਮ ਨੂੰ ਹੇਠਲੀ ਅਤੇ ਸੈਸ਼ਨ ਕੋਰਟ ਨੇ ਸਜ਼ਾ ਦਿੱਤੀ ਹੋਈ ਹੈ, ਤਿੰਨ ਮੁਕਦਮੇ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲਏ ਜਾਣ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਮੁਕਦਮੇ ਕੋਈ ਵੱਡੇ ਨਹੀਂ ਹਨ।

(ਹ) ਮੁਕਦਮਿਆਂ ਨੂੰ ਹਾਲਾਂ ਵਾਪਸ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਕੋਰਟ ਵਿੱਚ ਪੈਂਡਿੰਗ ਹਨ।]

Statement showing the cases of Food Adulteration launched under the Prevention of Food Adulteration Act 1954 and the Finance Minister Punjab ordered for their withdrawal.

Serial No.	Name of Establishment	Name of Licensee	Name of the articles of which samples have been taken, with the date
1.	Hotel Deluxe, Queens Road Amritsar	Manohar Lal Pashoria	1. Milk, dated 4-10-68 2. Curd, dated 4-10-68
2.	Gulnar Restaurant, Opp. Railway Station, Amritsar	Sumer Singh	1. Skimmed Milk Boiled, dated 4-10-68
		Sumer Singh	2. Skimmed Milk Boiled, dated 7-10-68
		Parshotam Lal	3. Skimmed Milk Boiled, dated 10-10-68
3.	Hotel Air Lines, Cooper Road, Amritsar	L. Banarsi Das Kumar	1. Curd, dated 24-3-69
4.	Delite Refreshers, Lawrance Road, Amritsar	S. Bhupinder Singh	1. Ice Cream ..

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਇਕ ਵਜ਼ੀਰ ਨੇ ਜਿਹੜੇ ਨਾ ਤਾਂ ਫੂਡ ਦੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਨ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਹੈਲਥ ਦੇ ਸਨ, ਨੇ ਪਿਓਅਰ ਫੂਡ ਐਕਟ ਅਧੀਨ ਚਾਰ ਕੇਸਾਂ ਲਈ ਆਰਡਰ ਪਾਸ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਕਿ ਮਿਉਂਨਿਸਪਲ ਕਮੇਟੀ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੇਸਾਂ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲਏ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਮਾਈਨਰ ਨੇਚਰ ਦੇ ਕੇਸ ਸਨ ਅਤੇ ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਅਜੇਹਾ ਕੇਸ ਵੀ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਲੋਅਰ ਕੋਰਟ ਅਤੇ ਸੈਸ਼ਨ ਕੋਰਟ ਨੇ ਕਨਵਿਕਸ਼ਨ ਵੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਅਪੀਲ ਵੀ ਰਦ ਹੋ ਜਾਣੀ ਸੀ ?

ਮੰਤਰੀ : ਜੋ ਐਪਲੀਕੇਸ਼ਨ ਪੰਜਾਬ ਹੋਟਲਜ਼ ਅਤੇ ਰੈਸਟੋਰੈਂਟਸ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਦੇ ਪਰਧਾਨ ਨੇ ਦਿਤੀ, ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਵਲੋਂ ਉਸ ਤੇ ਆਰਡਰ ਪਾਸ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ। ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਪਤਾ ਬਾਅਦ ਵਿੱਚ ਲਗਾ ਕਿ ਇਕ ਕੇਸ ਵਿੱਚ ਲੋਅਰ ਕੋਰਟ ਅਤੇ ਸੈਸ਼ਨ ਕੋਰਟ ਤੋਂ ਕਨਵਿਕਸ਼ਨ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਬਾਕੀ ਤਿੰਨਾਂ ਵਿੱਚ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਮਾਈਨਰ ਨੇਚਰ ਦਾ ਅਫੈਂਸ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪਰ ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੇਸਾਂ ਵਿੱਚ ਆਰਡਰ ਪਾਸ ਕਰਨ ਲਗਿਆਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਮੋਹਤਾਤ ਰਹਿਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਮਾੜੀ ਗਲ ਹੈ।
(But I would request the hon. Ministers to be very cautious while passing such orders, otherwise it will not be proper.)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕੇਸ ਮਾਈਨਰ ਨੇਚਰ ਦੇ ਸਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੈਂਪਲ ਜਿਹੜੇ ਵੇਖੇ ਗਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ 50 ਫੀ ਸਦੀ ਤੋਂ ਵਧ ਸਪਰੇਟਾ ਪਤਾ ਲਗਿਆ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ]
ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਛੱਡ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। 50 ਫੀ ਸਦੀ ਤੋਂ ਘੱਟ ਫੈਟ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੈਂਪਲਾਂ ਵਿੱਚ ਨਿਕਲੀ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੇਸਾਂ ਵਿੱਚ 2 ਹਜ਼ਾਰ ਤੋਂ 5 ਹਜ਼ਾਰ ਤਕ ਜੁਰਮਾਨਾ ਅਤੇ 2 ਸਾਲ ਕੈਦ ਦੀ ਸਜ਼ਾ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਸੀ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਾਈਨਰ ਕੇਸ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਾਨੂੰਨ ਦੀ ਪਰਵਾਹ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਇੰਨੇ ਭਾਰੀ ਕੇਸਿਜ਼ ਨੂੰ ਛੱਡ ਦਿੱਤਾ। ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੇਸਾਂ ਦੀ ਸਹੀ ਨੇਚਰ ਦਾ ਪਤਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੇਸ 10 ਜਾਂ 20 ਹਜ਼ਾਰ ਦੀ ਰਿਸ਼ਵਤ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਛੱਡੇ ਨਹੀਂ ਸਨ ਜਾ ਸਕਦੇ ? (ਵਿਘਨ)

ਮੰਤਰੀ : ਜੇਕਰ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਦਿਓ ਤਾਂ ਨੇਚਰ ਦਾ ਪਤਾ ਕਰ ਕੇ ਦਸ ਦਿਆਂਗਾ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਸ਼੍ਰੀ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਲਾਲ, ਜੋ ਪਹਿਲੇ ਫਿਨਾਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸਨ, ਨੇ ਇਹ ਆਰਡਰ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਇਹ ਆਰਡਰ ਮਿਊਂਸਪਲ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਭੇਜਿਆ ਕਿ ਕੇਸ ਵਾਪਿਸ ਲੈ ਲਓ ਅਤੇ ਕੀ ਉਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਆਰਡਰ ਪਾਸ ਕਰਨ ਦੇ ਕੰਪੀਟੈਂਟ ਸਨ ਅਤੇ ਕੀ ਉਹ ਇਹ ਜਜ ਕਰਨ ਦੇ ਕੰਪੀਟੈਂਟ ਸਨ ਕਿ ਕੇਸ ਮਾਈਨਰ ਨੇਚਰ ਦੇ ਸਨ ਜਾਂ ਮੇਜਰ ਨੇਚਰ ਦੇ ਸਨ ਅਤੇ ਕੀ ਕਰਾਇਟੇਰੀਆ ਉਨ੍ਹਾਂ ਰਖਿਆ ਸੀ ?

ਮੰਤਰੀ : ਜਿਹੜੀ ਰਿਪਰੇਜ਼ੈਂਟੇਸ਼ਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਰੀਪਰੇਜ਼ੈਂਟੇਸ਼ਨ ਤੇ ਮੁਨਾਸਿਬ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਲਈ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਜੇ ਕਰ ਹੋਰ ਕੋਈ ਰੀਪਰੇਜ਼ੈਂਟੇਸ਼ਨ ਕਰੇਗਾ ਤਾਂ ਉਹ ਵੀ ਮੁਨਾਸਿਬ ਕਾਰਵਾਈ ਲਈ ਅਗੇ ਭੇਜ ਦਿਆਂਗੇ। (ਵਿਘਨ)

Comrade Satya Pal Dang : The orders of Shri Krishan Lal were unconditional. They were absolute.

Mr Speaker : Question Hour is over. The remaining questions shall be deemed to have been answered under Rule 45.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS DATED THE 26TH MARCH, 1970, LAID ON THE TABLE OF THE HOUSE, UNDER RULE 45

Proceedings of meeting of Agriculture Employees Federation received by the Director of Agriculture, Punjab

***1605. Comrade Babu Singh Master** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether the Director of Agriculture, Punjab received a copy of the proceedings of the meeting of Agriculture Employees Federation held on 22nd November, 1969 ; if so, a copy of the same together with the action, if any, taken by the Government thereon be laid on the Table of the House ?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) : Yes, Sir, A copy of the proceedings is laid on the Table of the House.

This Federation is not recognised by Government. However, action is being taken on merit in regard to each item.

[ਹਾਂ ਜੀ, ਕਾਰਵਾਈ ਦੀ ਕਾਪੀ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਹੈ।

ਇਹ ਫੈਡਰੇਸ਼ਨ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਮੰਜ਼ੂਰ ਸ਼ੁਦਾ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਅਲਬੱਤਾ ਹਰ ਇਕ ਮੱਦ ਤੇ ਮੈਰਿਟ ਤੇ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

ਜੈ ਜਵਾਨ ਕਾਰਵਾਈ ਜੈ ਕਿਸਾਨ

ਅੱਜ ਮਿਤੀ 22 ਨਵੰਬਰ 1969 ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਖੇਤੀ ਕਰਮਚਾਰੀ ਫੈਡਰੇਸ਼ਨ ਇਕਤੱਰਤਾ ਮੁਕਤਸਰ ਵਿਖੇ ਡਾ: ਹਾਕਮ ਸਿੰਘ ਢਿਲੋਂ, ਪਰਧਾਨ, ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਪਰਧਾਨਗੀ ਹੇਠ ਹੋਈ। ਪਿਛਲੀਆਂ ਇਕਤੱਰਤਾਵਾਂ ਦੀਆਂ ਕਾਰਵਾਈਆਂ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ।

ਮਤਾ ਨੰਬਰ ਤੇ ਮਤਾ ਰੱਖਣ ਵਾਲਾ	ਵਿਸ਼ਾ	ਪਾਸ ਹੋਇਆ/ਨਾ ਹੋਇਆ/ ਰਾਖਵਾਂ ਰਖਿਆ ਗਿਆ
1. ਜਨਰਲ ਸਕੱਤਰ, ਪੰਜਾਬ	ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਖੇਤੀ-ਬਾੜੀ ਦੀ ਚਿੱਠੀ ਨੰ: 141/4-1386/ਅ-11(4)- ਮਿਤੀ 30 ਅਕਤੂਬਰ, 1969 ਅਤੇ 52543/11-132/ਛ. ਸ., ਮਿਤੀ 23 ਅਕਤੂਬਰ, 1969 ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਚਿੱਠੀਆਂ ਦੇ ਦਿਤੇ ਉਤਰ ਇਕਤੱਰਤਾ ਵਿੱਚ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨ ਲਈ ਰਖੇ ਗਏ।	ਵਿਚਾਰ ਕਰਨ ਪਿਛੋਂ ਸਰਬ ਸੰਮਤੀ ਨਾਲ ਪਾਸ ਹੋਇਆ ਕਿ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਪਛੜੇ ਹੋਏ ਵਰਗ ਦੀਆਂ ਯੋਗ ਮੰਗਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਚਿਠੀਆਂ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਭਾਵ ਪੂਰਤ ਕਾਰਵਾਈ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ, ਸਿਰਫ ਜ਼ੁਮੇਵਾਰੀ ਨੂੰ ਹੀ ਟਾਲਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।
2. ਸ: ਗੁਰਜੰਟ ਸਿੰਘ, ਜਨਰਲ ਸਕੱਤਰ, ਜ਼ਿ: ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ	ਜਿਹੜੇ ਖੇਤੀ ਇਨਸਪੈਕਟਰ/ਸਬ-ਇਨਸਪੈਸਟਰ/ ਬੇਲਦਾਰ ਸਕੀਮਾਂ ਵਿੱਚ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 20 ਤਾਰੀਖ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਤਨਖਾਹ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨਚਾਰਜ ਅਫਸਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਬੈਂਕ ਡਰਾਫਟ ਰਾਹੀਂ ਤਨਖਾਹ ਬੀ.ਡੀ.ਓਜ਼: ਨੂੰ ਭੇਜੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਬੈਂਕ ਡਰਾਫਟ ਕਈ ਕਈ ਦਿਨ ਡਾਕ ਵਿੱਚ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕਈ ਕਈ ਦਿਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰਕਮ ਬਲਾਕ ਲੇਖਾਕਾਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਲਾਪਰਵਾਹੀ ਨਾਲ ਕਢਾਈ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦੀ ਅਤੇ ਤਨਖਾਹ ਝਿਟਕਾ ਝਿਟਕਾ ਕੇ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ	ਪਾਸ ਹੋਇਆ ਕਿ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਲਿਖਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਉਹ ਅਧੀਨ ਦਫਤਰਾਂ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤ ਕਰਨ ਕਿ ਸਕੀਮਾਂ ਦੇ ਅਮਲੇ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਪਹਿਲਾਂ ਵਾਂਗ ਖੇਤੀ ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਨੂੰ ਭੇਜਣ ਤਾਕਿ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਤਨਖਾਹ ਮਿਲ ਸਕੇ।

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

ਮਤਾ ਨੰ: ਤੇ ਮਤਾ ਰਖਣ ਵਾਲਾ	ਵਿਸ਼ਾ	ਪਾਸ ਹੋਇਆ/ਨਾ ਹੋਇਆ/ਰਾਖਵਾਂ ਰਖਿਆ ਗਿਆ
3. ਸ: ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ, ਮੀਤ ਪਰਧਾਨ, ਪੰਜਾਬ	ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੜੇ ਦੁਖ ਨਾਲ ਇਹ ਗੱਲ ਦਸੀ ਕਿ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ ਵਿਚ ਫਰਵਰੀ, 1968 ਵਿੱਚ ਨਵੇਂ ਸਕੇਲ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੋਣ ਪਿਛੋਂ ਖੇਤੀ ਅਮਲਾ (ਕਪਾਹ, ਪੌਦੇ ਸੁਰਖਿਆ ਅਤੇ ਚਾਵਲ ਸਕੀਮਾਂ) ਏਰੀਅਰ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ । ਏਰੀਅਰ ਨਾ ਦੇਣ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਐ. ਸੀ. ਈ. ਓ. ਬਠਿੰਡਾ/ਮੁਕਤਸਰ ਅਤੇ ਡੀ. ਏ. ਓ., ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ ਵਲੋਂ ਸੇਵਾ ਪਤਰੀਆਂ ਅਤੇ ਦੂਜਾ ਰੀਕਾਰਡ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਬਾਕੀ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਨੇ ਬਹੁਤ ਸਮਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਅਦਾ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ।	ਅਫਸੋਸ ਪਰਗਟ ਕਰਦਿਆਂ ਪਾਸ ਹੋਇਆ ਕਿ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਲਿਖਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਰੀਕਾਰਡ ਭੇਜਣ ਲਈ ਹਦਾਇਤ ਕਰਨ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨ।
4. ਸ੍ਰੀ ਰਾਜ ਕੁਮਾਰ, ਪਰਾਪੋ: ਸਕੱਤਰ	ਸਕੀਮਾਂ ਦੇ ਖੇਤੀ ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ/ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ/ਬੇਲਦਾਰਾਂ ਦੇ ਸਫਰ ਭੱਤੇ ਦੇ ਬਿਲ ਬੀ. ਡੀ. ਓ, ਸਾਹਿਬਾਨਾਂ ਵਲੋਂ ਤਸਦੀਕ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਇਹੀ ਕਾਰਨ ਹੈ ਕਿ ਸਾਲਾਂ ਬੱਧੀ ਇਹ ਬਿਲ ਦਫਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਰੁਲਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ।	ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਕਿ ਉਹ ਅਧੀਨ ਦਫਤਰਾਂ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤ ਕਰਨ ਕਿ ਖੇਤੀ ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ/ਬੇਲਦਾਰਾਂ ਦੇ ਸਫਰ ਭੱਤੇ ਦੇ ਬਿਲਾਂ ਤੇ ਸਿਰਫ ਖੇਤੀ ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਦੀ ਤਸਦੀਕ ਮੰਨੀ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਪਹਿਲਾਂ ਭੀ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਵਲੋਂ ਨੰ: 548-51 ਮਿਤੀ, 21 ਨਵੰਬਰ, 1969, ਨੂੰ ਇਕ ਜਿਉਂਦੀ ਜਾਗਦੀ ਮਿਸਾਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਚੁਕੀ ਹੈ।
5. ਸ: ਗੰਡਾ ਸਿੰਘ, ਬੈਂਸ ਪਰਧਾਨ	ਬੀ.ਡੀ. ਓ. ਸਾਹਿਬਾਨਾਂ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਹੁਣ ਚੇਅਰਮੈਨ, ਪੰਚਾਇਤ ਸੰਮਤੀਆਂ ਦੇ ਭੀ ਖੇਤੀ ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਨੂੰ ਤਬਦੀਲ ਕਰਨ	ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਪਰਬੰਧ, ਢਾਂਚਾ ਕਮਜ਼ੋਰ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਨ ਅਜੇਹਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਇਸ ਤੇ ਅੱਜ ਦੀ ਇਕਤੱਰਤਾ ਵਿਚ ਰੋਸ ਤੇ

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

	ਲਗ ਪਏ ਹਨ। ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਸ੍ਰੀ ਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਖੇਤੀ ਸਬ ਇਨਸਪੈਕਟ (ਕਪਾਹ) ਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ, ਮੁਕਤਸਰ ਨੇ ਹੀ ਤਬਦੀਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਕਿ ਅਜੇਹਾ ਬੀ. ਡੀ. ਓ. ਸਾਹਿਬਾਨ ਭੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਬੀ. ਡੀ. ਓ., ਬਠਿੰਡਾ ਨੇ ਸ੍ਰੀ ਅਜਮੇਰ ਸਿੰਘ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕੰਮ ਨੂੰ ਤਬਦੀਲ ਕੀਤਾ।	ਦੁੱਖ ਪ੍ਰਗਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਬੀ. ਡੀ. ਓ. ਸਾਹਿਬਾਨਾਂ ਨੂੰ ਅਜਿਹਾ ਨਾ ਕਰਨ ਦੀ ਹਦਾਇਤ ਕਰਨ ਅਤੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਪਹਿਲਾ ਭੀ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਦੇ ਪੱਤਰ ਨੰ: 522-26 ਮਿਤੀ 10 ਨਵੰਬਰ, 1969 ਰਾਹੀਂ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਚੁਕੀ ਹੈ।
6. ਸ: ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ, ਮੀਤ ਪਰਧਾਨ, ਪੰਜਾਬ	ਬੀ. ਡੀ. ਓ. ਸਾਹਿਬ, ਸੁਨਾਮ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਖੇਤੀ ਸਬ-ਇੰਸਪੈਕਟਰਾਂ ਨਾਲ ਨਫਰਤ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਰਤਾਉ ਬਹੁਤ ਘਟੀਆ ਹੈ। ਏਥੇ ਤੱਕ ਕਿ ਉਹ ਖੇਤੀ ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਦੀਆਂ ਛੁਟੀ ਦੀਆਂ ਅਰਜ਼ੀਆਂ ਫਾੜਕੇ ਗੈਰ-ਹਾਜ਼ਰੀ ਲਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ।	ਬੀ. ਡੀ. ਓ. ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਇਸ ਭੈੜੇ ਵਰਤਾਓ ਦੀ ਘੋਰ ਨਿੰਦਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਪਾਸ ਹੋਇਆ ਕਿ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਹਿਬ ਅਤੇ ਡੀ. ਸੀ. ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਬੀ.ਡੀ.ਓ. ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਅਜਿਹਾ ਕਰਨ ਤੋਂ ਰੋਕਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨ।
7. ਸ: ਗੰਡਾ ਸਿੰਘ, ਬੈਂਸ ਪਰਧਾਨ, ਪੰਜਾਬ	ਡੀ. ਏ. ਓ. ਸਾਹਿਬਾਨਾਂ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਖੇਤੀ ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਵਾਂਗੂ ਖੇਤੀ ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਦੀਆਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪੱਧਰ ਤੇ ਸਾਲ ਵਿਚ ਚਾਰ ਜਾਂ ਘੱਟੋ ਘੱਟ ਦੋ ਇਕਤੱਰਤਾਵਾਂ ਬੁਲਾਉਣ ਤਾਕਿ ਸਾਰੇ ਛੋਟੇ ਮੋਟੇ ਮਾਮਲਿਆਂ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰਕੇ ਠੀਕ ਹੋ ਜਾਣ।	ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਡੀ. ਏ. ਓ. ਸਾਹਿਬਾਨਾਂ ਨੂੰ ਅਜੇਹਾ ਕਰਨ ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤ ਭੇਜਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨ।
8. ਸ: ਰਾਮ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ ਜ: ਸਕੱਤਰ, ਪੰਜਾਬ	ਸ੍ਰੀ ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ ਨੂੰ 1963 ਤੋਂ ਕੋਈ ਸਾਲਾਨਾ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਲਗੀ ਜਦੋਂ ਕਿ ਇਹ ਕੰਮ ਡੀ. ਏ. ਓ., ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ ਨੇ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਪਤਰੀ ਮੁਕੰਮਲ ਹੈ।	ਡੀ. ਏ. ਓ., ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ, ਡੀ. ਡੀ. ਏ., ਜਲੰਧਰ ਅਤੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਾਹਿਬਾਨਾਂ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਤੁਰਤ ਹੀ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨ। ਜੇਕਰ ਅਜੇਹਾ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਨੋਟਿਸ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮਤਾ ਨੰ: ਤੇ ਮਤਾ ਰੱਖਣ ਵਾਲਾ	ਵਿਸ਼ਾ	ਪਾਸ ਹੋਇਆ/ਨਾ ਹੋਇਆ/ਰਾਖਵਾਂ ਰਖਿਆ ਗਿਆ
9. ਸ: ਰਾਮ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ, ਜ: ਸਕੱਤਰ, ਪੰਜਾਬ	ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਖੇਤੀ ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ/ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਨੂੰ ਲਗਿਆਂ ਦੋ ਦੋ ਸਾਲ ਤੋਂ ਉਪਰ ਹੋ ਗਏ ਹਨ, ਪਰੰਤੂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਾਲਾਨਾ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਲਗੀ।	ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਅਧੀਨ ਦਫਤਰਾਂ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤ ਕਰਨ ਕਿ ਉਹ ਖਾਹ ਮਖਾਹ ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਮਾਮਲੇ ਨਾ ਖੜੇ ਕਰਿਆ ਕਰਨ।
10. ਡਾ: ਹਾਕਮ ਸਿੰਘ ਢਿਲੋਂ	ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਗੈਰ ਜ਼ੁਮੇਵਾਰ ਸਰਕੂਲਰਾਂ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਉਂਦੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਖੇਤੀ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਗੈਰ-ਹਾਜ਼ਰ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕੋ-ਆਪਰੇਟਿਵ ਮਹਿਕਮੇ ਦੀ ਹੜਤਾਲ ਕਰਕੇ ਖਾਦ ਘੱਟ ਵਿਕਿਆ ਹੈ।	ਇਕ ਜ਼ੁਮੇਵਾਰ ਅਫਸਰ ਦੇ ਲਾਏ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗਲਤ ਦੋਸ਼ਾਂ ਬਾਰੇ ਦੁੱਖ ਪਰਗਟ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰ ਅਫਸਰ ਨੂੰ ਅਜਿਹਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੀਦਾ। ਕਿਉਂਕਿ ਕੋ-ਆਪਰੇਟਿਵ ਮਹਿਕਮੇ ਦਾ ਖਾਦ ਦੇ ਵੱਧ ਜਾਂ ਘੱਟ ਲਾਉਣ ਨਾਲ ਕੋਈ ਸਬੰਧ ਨਹੀਂ ਹੈ। 1969-70 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਖਾਦ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਾਉਣ ਦਾ ਸੇਹਰਾ ਮਹਿਕਮਾ ਖੇਤੀ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਸਿਰ ਤੇ ਹੈ।
11. ਡਾ: ਹਾਕਮ ਸਿੰਘ ਢਿਲੋਂ	ਕੀ ਖੇਤੀ ਮਹਿਕਮੇ ਦਾ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਆਈ. ਏ. ਐਸ. ਅਫਸਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।	ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਖੇਤੀ ਅਤੇ ਰਜਿਸਟਰਾਰ ਦੀਆਂ ਅਸਾਮੀਆਂ ਖਤਮ ਕਰਕੇ ਖੇਤੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਲਾਇਆ ਜਾਵੇ ਜਿਸ ਦਾ ਰੁਤਬਾ ਸਕੱਤਰ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਹੋਵੇ ਤਾਕਿ ਪੇਸ਼ ਆ ਰਹੀਆਂ ਔਕੜਾਂ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਣ। ਇਸ ਅਫਸਰ ਦੀ ਮੁਢਲੀ ਵਿਦਿਆ ਖੇਤੀ ਡਿਗਰੀ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੋਵੇ।
12. ਡਾ: ਹਾਕਮ ਸਿੰਘ ਢਿਲੋਂ	ਸ੍ਰੀ ਅਰਜਨ ਦਾਸ, ਸਾਬਕਾ ਡੀ. ਏ. ਓ., ਬਠਿੰਡਾ ਦੇ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਏ ਦੀ ਬੀਜਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਅਤੇ ਵੇਚ ਵਿੱਚ ਕੀਤੇ ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ	ਅਫਸਰ ਸ਼ਾਹੀ ਦੀ ਇਸ ਕਾਰਵਾਈ ਤੇ ਸ਼ੇਮ ਸ਼ੇਮ ਦੇ ਨਾਹਰੇ ਲਾਏ ਗਏ ਅਤੇ ਸਰਬ ਸੰਮਤੀ ਨਾਲ ਪਾਸ ਹੋਇਆ ਕਿ ਮੁਖ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

	ਕਾਰਨ ਥਾਨਾ ਫੂਲ, ਕੋਟ ਕਪੂਰਾ ਅਤੇ ਗੋਨਿਆਨਾ ਵਿਚ ਐਫ. ਆਈ. ਆਰ. ਨੰ: 134, ਮਿ: 8 ਅਗਸਤ, 1969, ਨੰ: 119, ਮਿ: 24 ਸਤੰਬਰ, 1969 ਨੂੰ ਕੇਸ ਦਰਜ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਹ, ਇਸੇ ਦੋਸ਼ ਕਾਰਨ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਤਬਦੀਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਪਰੰਤੂ ਉਚ-ਅਧਿਕਾਰੀ ਉਸ ਦੀ ਪੂਰੀ ਮਦਦ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਹ 6 ਮਹੀਨੇ ਤੋਂ ਗੈਰ-ਕਾਨੂੰਨੀ ਸਰਕਾਰੀ ਕੋਠੀ ਡੀ/11, ਬਠਿੰਡਾ ਵਿਚ ਰਹਿ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਕੀਤੇ ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਤੇ ਪੜਦਾ ਪਾਉਣ ਲਈ ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ-ਹਾਜ਼ਰ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ।	ਮੰਤਰੀ, ਪੰਜਾਬ ਅਤੇ ਰਾਸ਼ਟਰਪਤੀ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਕਾਰ ਨੂੰ ਮੁਖ ਰੱਖ ਕੇ ਇਸ ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਅਫਸਰ ਵਿਰੁਧ ਹੋ ਰਹੀ ਪੜਤਾਲ ਵਿੱਚ ਔਕੜਾਂ ਪਾਉਣ ਵਾਲਿਆਂ ਵਿਰੁਧ ਜ਼ਰੂਰੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨ। ਡੀ. ਸੀ. ਸਾਹਿਬ, ਬਠਿੰਡਾ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਕਿ ਉਹ ਕੋਠੀ ਡੀ/11 ਖਾਲੀ ਕਰਾਉਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨ। ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਅਫਸਰ ਸ਼ਾਹੀ ਵੱਲੋਂ ਸ਼ਹਿ ਦੇਣਾ ਚੰਗੇ ਪਰਬੰਧ ਨੂੰ ਸ਼ੋਭਾ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ।
13. ਸ੍ਰੀ ਜਗਦੀਸ਼ ...	ਸ੍ਰੀ ਆਤਮਜੀਤ ਖੰਨਾ ਜਿਸ ਨੇ ਬੀਰ ਦੁਸਾਂਝਾ ਫਾਰਮ ਵਿੱਚ ਸਾਲਮ ਦਾ ਸਾਲਮ ਟਰਕ ਸਰਕਾਰੀ ਕਣਕ ਦਾ ਵੇਚ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਜਿਸ ਦੀ ਇਹ ਰਕਬਰੀ ਦੇ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸੇ ਭਰਿਸ਼-ਟਾਚਾਰ ਕਰਨ ਦੇ ਦੋਸ਼ ਵਿਚ 4 ਸਾਲਾਨਾ ਤਰੱਕੀਆਂ ਬੰਦ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਗਰੀਬ ਬੇਲਦਾਰਾਂ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਦੇ ਸਫਰ ਭੱਤੇ ਦੇ ਬਿਲਾਂ ਵਿਚੋਂ ਆਪਣੀ ਦੱਸ਼ਨਾਂ ਲਏ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਹੀ ਤੰਗ ਕਰਦਾ ਹੈ	ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਕਲਰਕ ਦੇ ਦੰਦਾਂ ਵਿਚੋਂ ਗਰੀਬ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਕੇ ਬਚਾਇਆ ਜਾਵੇ।
14. ਸ: ਗੰਡਾ ਸਿੰਘ, ਬੈਂਸ ਪਰਧਾਨ ਪੰਜਾਬ	ਖੇਤੀ ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਤੋਂ ਬਲਾਕਾਂ ਵਿੱਚ ਖੇਤੀ ਪਸਾਰ ਦੇ ਕੰਮ ਦੀ ਥਾਵੇਂ ਸਮਾਲ ਸੇਵਿੰਗ, ਫੈਮਲੀ ਪਲੈਨਿੰਗ ਅਤੇ ਲਾਟਰੀ ਟਿਕਟਾਂ ਵੇਚਣ ਦਾ ਕੰਮ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਨਵੰਬਰ, ਹਾੜ੍ਹੀ ਦੀ ਫਸਲ ਦੀ ਬਿਜਾਈ ਦਾ ਇਕ ਖਾਸ ਮਹੀਨਾ ਹੈ ਜਿੰਨਾਂ ਕੰਮ ਇਸ ਮਹੀਨੇ ਵਿੱਚ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਉਨੀ ਹੀ ਵੱਧ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪੁੰਦੀ ਹੈ। ਪਰੰਤੂ ਖੇਤੀ ਅਮਲਾ ਇਸ	ਸ਼ੇਮ ਸ਼ੇਮ ਦੇ ਨਾਰਿਆਂ ਨਾਲ ਪਾਸ ਹੋਇਆ ਕਿ ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਖੇਤੀ, ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਅਧੀਨ ਦਫਤਰਾਂ ਨੂੰ ਲਿਖਣ ਕਿ ਖੇਤੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਤੋਂ ਟਿਕਟਾਂ ਵਿਕਾਉਣ ਦੀ ਥਾਵੇਂ ਖੇਤੀ ਪਸਾਰ ਦਾ ਹੀ ਕੰਮ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਗਲਤ ਕੰਮ ਕਰਾਉਣਾ ਕੋਈ ਚੰਗੇ ਪਰਬੰਧ ਦੀ ਨਿਸ਼ਾਨੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮਤਾ ਨੰ: ਤੇ ਮਤਾ ਰੱਖਣ ਵਾਲਾ	ਵਿਸ਼ਾ	ਪਾਸ ਹੋਇਆ/ਨਾ ਹੋਇਆ/ਰਾਖਵਾਂ ਰਖਿਆ ਗਿਆ
	ਮਹੀਨੇ ਵਿਚ ਟਿਕਟਾਂ ਵੇਚਣ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਰੁਝਿਆ ਰਿਹਾ ਇਸ ਦੀ ਜ਼ੁੰਮੇਵਾਰੀ ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਖੇਤੀ, ਦੀ ਹੈ। ਏਥੇ ਤਕ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਖੇਤੀ ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਤੋਂ ਟਿਕਟਾਂ ਨਹੀਂ ਵਿਕੀਆਂ; ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜੇਬ੍ਹ ਵਿਚੋਂ ਪੈਸੇ ਵਸੂਲ ਹੋਏ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਸਬੂਤ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਕੋਲ ਹਨ।	
15. ਸ: ਨਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਸਿੱਧੂ, ਜ: ਸਕੱਤਰ, ਪੰਜਾਬ	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ ਬਰਾੜ, ਖੇਤੀ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਬਰਨਾਲਾ, ਦਾ ਸਾਲਾਨਾ ਤਰੱਕੀ ਦਾ ਬਕਾਇਆ 12 ਫਰਵਰੀ, 1962 ਤੋਂ 30 ਅਪਰੈਲ, 1963 ਤਕ, ਚੋਲਾ ਸਾਹਿਬ ਬਲਾਕ, 1 ਮਈ, 1963 ਤੋਂ 30 ਅਪਰੈਲ, 1964 ਤਕ ਮਲੋਟ ਬਲਾਕ, 1 ਮਈ, 1964 ਤੋਂ 31 ਦਸੰਬਰ, 1965 ਤਕ, ਨਿਹਾਲ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ ਬਲਾਕ, 1 ਜਨਵਰੀ, 1966 ਤੋਂ 30 ਦਸੰਬਰ, 1966 ਤਕ, ਅਹਿਮਦਗੜ੍ਹ ਬਲਾਕ ਅਤੇ 1 ਜਨਵਰੀ, 1967 ਤੋਂ 30 ਅਪਰੈਲ, 1968 ਤਕ ਸਹਾਇਕ ਖੇਤੀ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਨੇ ਦੇਣਾ ਸੀ ਜੋ ਕਿ ਅੱਜ ਤੱਕ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਪਤਰੀ ਦਾ ਭੀ ਕੋਈ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਬਲਾਕ ਵਿਚ ਹੈ। ਇਹ ਚੋਲਾ ਸਾਹਿਬ ਬਲਾਕ ਵਿੱਚੋਂ ਪਤਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ।	ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਸਬੰਧਤ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਬਕਾਏ ਦੀ ਅਦਾਇਗੀ ਅਤੇ ਸੇਵਾ ਪਤਰੀ ਲਈ ਲਿਖਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨ।
16. ਸ: ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ, ਮੀਤ ਪਰਧਾਨ, ਪੰਜਾਬ	ਏਰੀਅਲ ਸਪਰੇ ਕਰਨ ਸਮੇਂ ਕਈ ਵਾਰੀ ਜੀਪ ਜਾਂ ਜ਼ਹਿਰੀਲੀ ਦਵਾਈ ਨਾਲ ਬਹੁਤ ਹੀ ਖਤਰਨਾਕ ਦੁਰਘਟਨਾ ਵਾਪਰੀਆਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਅਫਸਰ/ਕਰਮਚਾਰੀ ਬੜੀ ਮੁਸ਼ਕਲ ਨਾਲ ਬਚੇ ਹਨ। ਜਿਵੇਂ ਜੀ ਦੁਰਘਟਨਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਸ: ਮਹਿੰਗਾ ਸਿੰਘ ਏ. ਪੀ. ਪੀ. ਓ. ਸਰਵ ਸ੍ਰੀ ਯੂਸਫ, ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ,	1. ਏਰੀਅਲ ਸਪਰੇ ਵਿੱਚ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਸਰਕਾਰੀ ਖਰਚ ਤੇ ਬੀਮਾ ਹੋਵੇ। 2. ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ ਦਿਨ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਵਾਧੂ ਸਮੇਂ ਦੇ ਇਵਜ਼ ਵਿਚ ਦੁਗਣੀ ਤਨਖਾਹ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ।

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab

	ਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਬਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਕੇਹਰ ਸਿੰਘ, ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ, ਖੇਤੀ ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਆਦਿਕ ਅਤੇ ਦਵਾਈ ਨਾਲ ਸਰਵਸ਼੍ਰੀ ਅਵਤਾਰ ਸਿੰਘ, ਤਰਸੇਮ ਲਾਲ, ਸੁਖਦੇਵ ਸਿੰਘ, ਕਰਨੈਲ ਸਿੰਘ, ਤੀਰਥ ਰਾਮ, ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ, ਬਲਦੇਵ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਮਜ਼ਦੂਰ ਆਦਿਕ। ਏਰੀਅਲ ਸਪਰੇ ਸਮੇਂ ਕਪਾਹ ਸਕੀਮ ਦੇ ਅਮਲੇ ਨੂੰ ਦਿਨ ਰਾਤ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਸ: ਔਜਲਾ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਯਕੀਨ ਦਿਤਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਇਵਜ਼ਾਨਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਵਜ਼ਾਨਾ ਤਾਂ ਕੀ ਮਿਲਣਾ ਸੀ ਸਗੋਂ ਸਫਰ ਭੱਤੇ ਦੀ ਅਦਾਇਗੀ ਭੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ।	3. ਹਾਦਸੇ ਵਿੱਚ ਕੁਚਲੇ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਰਾਜ਼ੀ ਹੋਣ ਤਕ ਡਿਊਟੀ ਤੇ ਹੀ ਸਮਝਿਆ ਜਾਵੇ ।
17. ਡਾ: ਹਾਕਮ ਸਿੰਘ ਢਿਲੋਂ	ਵਿਭਾਗ ਦੀਆਂ ਬੀਜ ਫਾਰਮਾਂ ਡੀ. ਏ. ਓ. ਸਾਹਿਬਾਨਾਂ ਦੇ ਅਧੀਨ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਫਾਰਮਾਂ ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਖੇਤੀ ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਬਲਾਕਾਂ ਦੇ ਅਧੀਨ ਹਨ। ਬਲਾਕ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਬੀਜ ਫਾਰਮਾਂ ਨਾਲ ਕੋਈ ਦਿਲਚਸਪੀ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਸਮਾਲ ਸੇਵਿੰਗ ਅਤੇ ਟਿਕਟਾਂ ਵਿਕਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਲੈਂਦੇ ਹਨ। ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਫਾਰਮਾਂ ਘਾਟੇ ਵਿੱਚ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ।	ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਕਿ ਉਹ ਖੇਤੀ ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਨੂੰ ਜੋ ਫਾਰਮਾਂ ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੰਟਰੋਲ ਡੀ. ਏ. ਓ. ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਬੀਜ ਫਾਰਮ ਦਾ ਪਰਬੰਧ ਠੀਕ ਰਹੇ।

(ਸਹੀ) ਡਾਕਟਰ ਹਾਕਮ ਸਿੰਘ ਢਿਲੋਂ,
ਪਰਧਾਨ, ਪੰਜਾਬ ।

ਉਤਾਰਾ :—ਪੰਜਾਬ ਮੰਤਰੀ ਮੰਡਲ, ਪੰਜਾਬ ਖੇਤੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਅਤੇ ਫੈਡਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਸਾਰੇ ਆਗੂਆਂ ਨੂੰ ਦੋ ਦੋ ਕਾਪੀਆਂ ਸੂਚਨਾ ਅਤੇ ਯੋਗ ਕਾਰਵਾਈ ਲਈ ਭੇਜੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।

(ਸਹੀ) ਨਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਸਿੱਧੂ,
ਜਨਰਲ ਸਕੱਤਰ,
ਪੰਜਾਬ ਖੇਤੀ ਕਰਮਚਾਰੀ ਫੈਡਰੇਸ਼ਨ, ਪੰਜਾਬ,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Construction of building of Hospital at Pathankot.

*1203. **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state whether it is a fact that the Site Selection Committee appointed by the Government to select a site for the construction of the building of the hospital at Pathankot, has submitted its proposal ; if so, the time by which the Government propose to start the construction of the said hospital ?

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ (ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ) : ਜੀ ਹਾਂ। ਸਾਈਟ ਸਲੈਕਸ਼ਨ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਬੈਠਕ (ਜੋ ਕਿ ਮਿਤੀ 7 ਜਨਵਰੀ, 1970, ਨੂੰ ਪਠਾਨਕੋਟ ਵਿਖੇ ਹੋਈ ਸੀ) ਵਿਚ ਹੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਦੀ ਰੀਪੋਟ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਮਿਤੀ 23 ਫਰਵਰੀ, 1970 ਨੂੰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਈ ਹੈ ਜਿਸ ਤੇ ਕਿ ਅਜੇ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਫੈਸਲਾ ਹੋਣਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਹੁਣ ਪਠਾਨਕੋਟ ਹਸਪਤਾਲ ਦਾ ਕੰਮ ਜਲਦੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੈ।

Drinking water-supply scheme for Hilly area of Dhar Block of Tehsil, Pathankot.

*1201. **Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state —

(a) whether the Government have granted or have decided to grant remission to the rural people in the payment of their share of 12½ per cent of the total cost of the Rural Water-Supply Schemes introduced in the villages ;

(b) whether in the light of the above, Government have prepared any scheme for the supply of drinking water to the people of hilly area of Dhar Block in tehsil Pathankot ; if so, the time by which the same is likely to be implemented ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ) : (ੳ) ਅਤੇ (ਅ) ਸਮੁੱਚੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਪੇਂਡੂ ਪਾਣੀ ਸਪਲਾਈ ਸਕੀਮਾਂ ਦੀ ਕੁਲ ਲਾਗਤ ਦੇ 12 ਫੀ ਸਦੀ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ (12½ ਫੀ ਸਦੀ ਨਹੀਂ) ਲਾਭ ਲੇਵੇ (Beneficiaries Share) ਦੇ ਹਿੱਸੇ, ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਪੰਚਾਇਤਾਂ, ਪੰਜਾਬ ਨੇ ਸਬੰਧਤ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਤੋਂ ਵਸੂਲ ਕਰਕੇ ਜਨ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਨੂੰ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਾਉਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਵਿਚ ਮੁਆਫੀ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ ਕੇਸ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਕੇਵਲ ਧਾਰ ਕਲਾਂ ਬਲਾਕ, ਤਹਿਸੀਲ ਪਠਾਨਕੋਟ, ਨੰਗਲ ਅਤੇ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਤਹਿਸੀਲਾਂ ਦੇ ਪਹਾੜੀ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਹੀ ਉਥੋਂ ਦੀ ਜਨਤਾ ਦੀ ਕਮਜ਼ੋਰ ਮਾਲੀ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਸਪਲਾਈ ਸਕੀਮਾਂ ਦੀ ਲਾਗਤ ਦੇ 12 ਫੀ ਸਦੀ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਲਾਭ ਲੇਵੇ ਹਿੱਸੇ ਦੀ ਮੁਆਫੀ ਸਬੰਧੀ ਕੇਸ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ਜੀ ।

Building of Primary Health Centre, Sardulgarh, district Bhatinda

*1804. **Sardar Kirpal Singh Makhewala** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state —

(a) whether the Government is aware of the fact that so far the Primary Health Centre, Sardulgarh, tehsil Mansa, district Bhatinda is without a proper building ;

(b) whether it is also a fact that the Government assured the House during the last Budget Session that the building of the said Primary Health Centre could be completed shortly ; if so, the reasons for not taking up the work thereon ;

(c) whether it is also a fact that the Gram Panchayat of Sardulgarh gave the necessary land to the Government for this purpose

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

and the estimate of the building has also been approved by the Government, if so, the time by which the construction work on the said building is likely to be started and completed ?

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ (ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ): (ਏ) ਜੀ ਹਾਂ।

(ਬੀ) ਪਿਛਲੇ ਬਜਟ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਪੁਛੇ ਗਏ ਸੁਆਲ ਨੰ: 85 ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿੱਚ ਇਹ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਿਹਤ ਕੇਂਦਰ ਦੇ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਛੇਤੀ ਹੀ ਹੱਥ ਵਿੱਚ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਉਸ ਸਮੇਂ ਇਸ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਿਹਤ ਕੇਂਦਰ ਦੇ ਕੇਵਲ ਪਲਾਨ ਹੀ ਤਿਆਰ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ। ਹੁਣ ਇਸ ਦੇ ਪਲਾਨ ਅਤੇ ਐਸਟੀਮੇਟ ਤਿਆਰ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਇਸ ਕੰਮ ਨੂੰ ਕਰਾਉਣ ਲਈ 2,91,700 ਰੁਪਏ ਦੀ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕੀ ਪਰਵਾਨਗੀ ਮਿਤੀ 11 ਨਵੰਬਰ, 1969 ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਚੁਕੀ ਹੈ।

(ਸੀ) ਜੀ ਹਾਂ। ਇਸ ਕੰਮ ਨੂੰ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਉਚਿਤ ਕਦਮ ਉਠਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ।

Punjab Waqf Board

*1212. **Comrade Satya Pal Dang :** Will the Chief Minister be pleased to—

(a) state whether the State Government has sent to the Government of India any views/opinion regarding the future set up of the Punjab Waqf Board, i.e., regarding its continuance as an inter-State body or its being splitting up into separate State Bodies ; if so, the details thereof ;

(b) lay on the Table of the House a copy of the communication sent to the Government of India in this connection ;

(c) state whether the Punjab Government has received a copy of the resolution passed in the special meeting of the Punjab Waqf Board, Ambala Cantt., held on 7th July, 1969 regarding its future set-up ; if so a copy of the same alongwith the action taken thereon be laid on the Table of the House ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) & (b) Yes. A copy of the latest communication addressed to the Government of India alongwith its enclosure is laid on the Table of the House.

(c) No.

[(ੳ) ਤੇ (ਅ) ਜੀ ਹਾਂ। ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲ ਲਿਖੀ ਗਈ ਆਖਰੀ ਚਿੱਠੀ ਦੀ ਕਾਪੀ ਸਹਿ ਪਤਰਾਂ ਸਮੇਤ ਸਭਾ ਦੇ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ।]

No. 11000-5JJ-69/39735

From

The Home Secretary to Government, Punjab.

To

The Secretary to Government of India,
Ministry of Home Affairs,
New Delhi.

Dated Chandigarh, the 22nd October, 1969

Subject.—Reorganisation of Punjab—future set-up of the Punjab Wakf Board.

Sir,

With reference to the correspondence resting with Punjab Government letter No. 11000-5JJ-69/34876, dated 17th September, 1969 (copy enclosed) on the subject noted

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

above, I am directed to say that after the reorganisation of the composite State of Punjab into the new States of Punjab and Harayana, the Punjab State prepared a scheme for the bifurcation of the Punjab Wakf Board and submitted the same to the Director of Wakf, Government of India, Ministry of Law, New Delhi, with Punjab Government letter No. 18284-1JJ/67/37545, dated 7th October, 1967 (copy enclosed). The Government of India,—*vide* their letter No. 4/2/66-Wakf, dated 31st October, 1967, forwarded the above said scheme to the Haryana Government for comments. The Haryana Government, however, laid down a condition that the assets and liabilities of the Punjab Wakf Board should be divided on the basis of Muslim population of the three States,—*vide* their letter No. 26(46)-3JJ-68/18344, dated 24th July, 1968. This condition was, however, later on withdrawn when the matter was discussed by Shri Khurshed Ahmed, Health and Development Minister, Haryana, with the Minister concerned of Punjab State and it was decided that the division of assets and liabilities should be settled in accordance with the population ratio as suggested in the scheme forwarded by the Government of India, Ministry of Law, with their letter No. 4/2/66-Wakf, dated 31st October, 1967. This decision has since been conveyed to the Government of India,—*vide* enclosed copy of D.O. No. 26 (46)-3JJ-69, dated 11th August, 1969, from Shri Khurshed Ahmed, Health and Development Minister, Haryana, to Shri Fakhruddin Ali Ahmed, Minister of Industrial Development and Company Affairs, Government of India. The Punjab Government have also endorsed this decision requested Government of India in their letter No. 11000-5JJ-69/34876, dated 17th September, 1969 (copy enclosed) to finalise the matter in the light of the contents of Shri Khurshed Ahmed's aforesaid D.O. letter. In this connection, I am to add that the proposal of the Government, Punjab, for the division of the assets and liabilities of the Punjab Wakf Board already submitted to you with letter referred to above may be deemed to be a proposal made to you under Section 65 of the Punjab Reorganisation Act, 1966. The Government of India are now requested to issue necessary directions at an early date.

Yours faithfully,

(Sd.) ....

Deputy Secretary, Home I,

for Home Secretary to Government, Punjab.

No. 11000-5JJ-69/39736, dated, Chandigarh, the 22nd October, 1969.

A copy is forwarded for information and necessary action to the Secretary to the Government of India, Ministry of Law (Legislative Department) Wakf Section, New Delhi, with reference to the correspondence resting with Punjab Government letter No. 11000-5JJ-69/34876, dated 17th September, 1969.

(Sd.) ....

Deputy Secretary, Home I

for Home Secretary to Government, Punjab.

No. 11000-5JJ-69/39737, dated, Chandigarh, the 22nd October, 1969.

A copy is forwarded to the Chief Secretary to Government, Punjab (Reorganisation Branch) for information.

(Sd.) ....

Superintendent, J J·,

for Home Secretary to Government, Punjab,

No. 11000-5JJ-69/34876.

From

The Home Secretary to Government, Punjab.

To

The Secretary to the Government of India,
Ministry of Law (Legislative Department),
Wakf Section, New Delhi.

Dated Chandigarh, The 17th September, 1969.

Subject.—Reorganisation of Punjab—Future set-up of the Punjab Wakf Board.

Sir,

I am directed to invite a reference to the correspondence resting with your letter No. 4(2)/66/Wakf, dated 29th May, 1969, on the subject cited above and to enclose a copy

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

of D.O. No. 26(46)-3JJ-69/19845, dated 11th August, 1969, from Shri Khurshed Ahmed, Health and Development Minister, Haryana, addressed to Shri Fakhurddin Ali Ahmed, Minister of Industrial Development and Company Affairs, Government of India. It is clear from this letter that the Haryana Government have now agreed to the division of assets and liabilities of the Punjab Wakf Board/in accordance with the population ratio as suggested in the scheme forwarded to them by the Government of India, Ministry of Law, with their letter No. 4/2/66-Wakf, dated 31st October, 1967. You are, therefore, requested to finalise the matter keeping in view the contents of this letter and convey your directive in regard to the scheme forwarded to you with this State Government, letter No. 18284-1JJ-67/37545, dated 7th October, 1967, or the bifurcation of the Punjab Wakf Board at an early date.

Yours, faithfully,

(Sd.) ....,

Deputy Secretary, Home I,
for Home Secretary to Government, Punjab.

No. 11000-5JJ-69/34877, dated, Chandigarh, the September, 1969.

A copy is forwarded for information to the Commissioner for Home Affairs and Secretary to Government, Haryana, Home Department, with reference to his endorsement No. 26(46)-3JJ-69/19846, dated 14th August, 1969.

(Sd.) ....,
Deputy Secretary, Home (I),
for Home Secretary to Government, Punjab.

D. O. No 26(46)-3-JJ-69

Minister, Health and Development Department, Haryana,
Chandigarh

August 11, 1969

Subject ;—Re-organisation of Punjab—Bifurcation of the Punjab Wakf Board

My dear

Kindly refer to your D. O. letter No. 1418-MID/TCCA/69-F, dated the 21st June, 1969, on the subject noted above.

2. As you are aware, both the States of Punjab and Haryana are very anxious to have the question of bifurcation of the Punjab Wakf Board, settled at the earliest, but same has not been possible for one reason or other. I have discussed this matter with the Minister concerned of Punjab. After discussing the issue, it has been decided that the division of assets and liabilities should be settled in accordance with the population ratio as suggested in the scheme forwarded by the Government of India, Ministry of Law with their letter No 4/2/66-Wakf, dated the 31st October, 1967. Accordingly the Haryana Government withdraw the conditions of division of assets and liabilities of the Punjab Wakf Board on the basis of Muslim population of three States as indicated in their letter No 26(46)-3JJ-68/18344, dated the 24th July, 1968. In view of this it will now be possible for you to obtain the consent of the Government of India for the immediate bifurcation of the Punjab Wakf Board.

3 As regards the vacation of the Jama Masjid at Hissar, I am checking up the matter from the Punjab Wakf Board and shall write to you about it shortly after hearing from them.

With regards

Yours sincerely,

(Sd.) KHURSHED AHMED

Shri Fakhruddin Ali Ahmed,
Minister of Industrial Development and
Company Affairs, Government of India,
New Delhi

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

No. 26(46)-3JJ-69/19946, dated, Chandigarh, the 11th/14th August, 1969.

A copy is forwarded to Shrimati Serla Grewal, Home Secretary to Government, Punjab, Chandigarh, with reference to her discussion with Health and Development Minister, Haryana. As decided in the meeting, she is requested to send the final consent of the Punjab Government for the bifurcation of the Punjab Wakf Board to the Central Government.

(Sd.) . . . .,
Deputy Secretary, Home (II),
for Commissioner for Home Affairs, and
Secretary to Government, Haryana,
Home Department.

No. 18284-1JJ-67/37545

From

The Secretary to Government, Punjab,
Home Department.

To

The Director of Wakfs,
Government of India,
Ministry of Law (L.D. Wakf Section),
New Delhi.

Dated Chandigarh, the 7th October, 1967

Subject—Re-organisation of Punjab—Future set-up of the Punjab Wakf Board.

Sir,

I am directed to invite a reference to the correspondence resting with your letter No. 4(8)/66-Wakf, dated the 26th July, 1969, on the subject noted above, and to forward herewith a scheme for the bifurcation of the Punjab Wakf Board—Division of Assets and Liabilities, for further necessary action in the matter. I am to request that early decision in the matter may please be taken and intimated to this Government.

Yours faithfully,
(Sd.) . . . ,
Deputy Secretary, Home (II),
for Home Secretary to Government, Punjab.

SCHEME FOR THE BIFURCATION OF THE PUNJAB WAKF BOARD—DIVISION OF ASSETS AND LIABILITIES

GOVERNMENT OF INDIA

Ministry of Law (Legislative Department), New Delhi

ORDER

Dated the October, 1967

No. In exercise of the powers conferred by Section 66A of the Wakf Act, 1954, the Central Government in consultation with the Governments of the States of Haryana, Punjab and Himachal Pradesh, hereby make the following order in relation to the Punjab Wakf Board, constituted under the Wakf Act, 1954, and operating in the area comprising the States of Punjab, Haryana and Himachal Pradesh :—

1. **Short Title.**—This Order may be called the Punjab Wakf Board (Reorganisation) Order, 1967.

2. In this Order, unless the context otherwise require—

(a) "Act" means the Wakf Act, 1954 ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(b) "Appointed day" means the 2nd day of October, 1967.

(c) "Board" means the Punjab Wakf Board as it exists immediately before the appointed day ;

(d) "Population Ratio" in relation to Punjab, Haryana and Himchal Pradesh means the ratio of 55.43 : 37.38 : 7.19 ;

(e) "Successor Board" means the Wakf Board to be set up in the State of Haryana, Punjab and Himachal Pradesh.

Reconstitution and Re-organisation of Board.—Sitting members of the Punjab Wakf Board will cease to be the members of the said Board from the appointed day not with-standing the provisions of section 3 of the Act.

4. **Assets and Liabilities.**—The assets and liabilities of the existing Board shall be divided among the successor Boards on population basis, as dealt with in the succeeding paragraph :—

(a) ASSETS

(i) Division of Immovable Property.—The immovable property of the existing Board shall be divided on the basis of their location.

(ii) Other Assets.—All other assets of the existing Board shall be divided among the successor Board for the States of Haryana, Punjab and Himachal Pradesh on the basis of population ratio.

(iii) Advances to Staff.—The advances or loans to the staff shall be recoverable by the successor Board to whom the staff is allocated and the amount involved will be taken into account in the overall adjustments.

(b) LIABILITIES

(i) Cash Securities, National Savings Certificates and G.P. Fund, etc.—The cash securities, National Savings Certificates and the amount of the contributary provident fund standing at the credit of the employees will be transferred to the successor Boards to which they are actually allocated.

(ii) Arrears on account of pay, T.A., contingent charges including any other claims in respect of staff of the successor Boards will be borne by the successor Board concerned.

(iii) Unforeseen and residuary charges will be paid by the successor Board and final adjustments on account of such charges will be made by the successor Board on the basis of population ratio.

5. **Allocation of Staff.**—(i) **Head Office.**—The staff of the existing Board shall be allocated to the successor Board for the States of Haryana, Punjab and Himachal Pradesh on the basis of population ratio keeping in view the domicile and the language known to the individual employee.

(ii) **Field Staff.**—The allocation of the field staff of the existing Board shall be made to the successor Boards for the States of Punjab, Haryana and Himachal Pradesh in accordance with their existing places of postings, subject to subsequent minor changes on the basis of home districts of the officials as far as possible.

(iii) The services rendered by the employees under the existing Board shall, on transfer to the successor Board, account for leave, provident fund and all other benefits which are at present enjoyed by them.

6. **Division of Record.**—Certified copies of the agenda, minutes and proceedings of the existing Board, together with personal service record including all acts, rules, and regulations as also full particulars about the last pay drawn, date of increment, recoveries due and any other particular necessary to facilitate the withdrawal of the pay by the employees under the successor Board, will be supplied to the successor Boards.

7. **Statutory recognition of transfers.**—With effect from the appointed day, the respective rights, assets and liabilities inclusive of mortgage, if any which are transferred by virtue of the scheme to the successor Boards shall stand statutorily transferred in the

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

respective successor Boards without the necessity of executing any deeds of transfer or assignment.

8. **Contracts and agreements, etc.**—All contracts, agreements and other instruments of whatever nature subsisting or having effect immediately before the appointed day to which the existing Board was a party or in favour of the existing Board shall be enforced or acted upon as fully and effectively by the successor Boards having jurisdiction over the subject-matter thereof as if the same have been entered into in favour of the successor Board.

9. **Legal Proceedings.**—On and from the appointed day, no pending suit, appeal or any other proceedings by the existing Board shall abate or discontinue or be in any way prejudicially affected by reason of the scheme, but all such suits, appeals or legal proceedings may be continued, prosecuted or enforced by the successor Board to which the assets and liabilities relating to such suits, appeals or legal proceedings have been transferred and such Board shall be entitled to have its name substituted in place of the existing Board in any suit, appeal or legal proceeding.

10. **Residuary Provisions.**—Any matter not covered by any provision of this scheme shall be decided by the successor Board of the State of Punjab/Central Government.

11. **Power to Remove difficulties.**—If any difficulty arises in giving effect to the provision of the order, the Central Government may by order do anything not inconsistent with such provision which appears to it to be necessary or expedient for the purpose of removing the difficulty.

(Sd.) . . .,
Secretary to Government of India,
Ministry of Law, New Delhi.

Illegal/Forcible occupation of a Part of Dussehra Ground, Jullundur

***1472. Chaudhri Kewal Krishan :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether a deputation of the residents of Model Town, Jullundur, met the D. C. and S. P., Jullundur, near about 17th February, 1970 and made a complaint against taking illegal and forcible possession of a portion of land of Dussehra Ground and presented a petition ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative a copy of the petition and the relative report, if any, made by the D.C. and S. P. , Jullundur, be placed on the Table of the House;

(c) the details of the action, if any, taken thereon?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : (ੲ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਬੀ) ਨਕਲ ਦਰਖਾਸਤ ਅਤੇ ਨਕਲ ਰਿਪੋਟ ਵਲੋਂ ਡੀ. ਸੀ., ਜਲੰਧਰ, ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਪੁਲਿਸ ਵੱਲੋਂ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਿਉਂ ਜੋ ਕੋਈ ਜੁਰਮ ਕਾਬਲ ਦਸਤਅੰਦਾਜ਼ੀ ਪੁਲਿਸ, ਹੋਣਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਪਾਇਆ ਗਿਆ।

COPY OF REPORT

My attention has been drawn to certain press reports appearing in a section of the Press stating that the Dussehra Ground, Model Town, Jullundur, has been illegally occupied by Gurdwara Singh Sabha, Model Town, Jullundur. A deputation of Sanatan Dharam Geeta Mandir, Model Town, Jullundur, representing that the Dussehra Ground is a holy place and for the last 22 years the Dussehra was being celebrated on the very ground including Ram Lila and other functions i.e., Independence Day and Republic Day etc. The matter has been looked into. It is apparent that on an application

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

made by the Siri Guru Singh Sabha, Model Town, Jullundur, Government has approved the transfer of 16 kanals land adjacent to Gurdwara building for use as play ground for the school children and langer out of total area of about 56 kanals of land being owned by the Government. In pursuance thereof the Rehabilitation Department has duly-handed over the possession of the plot to Shri Guru Singh Sabha after obtaining on under taking from them that the plot would be used for the aforesaid purposes and that no construction would be raised thereon. There is, therefore, no question of illegal occupation as alleged.

(Sd.) BALINDER SINGH,
Deputy Commissioner, Jullundur,
17-2-70.

Shri Sanatan Dharam Sabha,
Geeta Mandir, Model Town, Jullundur.
Dated 17th February, 1970.

To

The Deputy Commissioner,
Jullundur City.

Subject: Illegal and unjust construction of wall at 2½ acres land of Dusehra Ground Model Town, Jullundur.

Sir,

We the residents of Model Town, Jullundur approach your immediate interference in the matter of unlawful construction of wall at about 1/3 area of land (2½ acres) of Dussehra Ground in Model Town, Jullundur.

In this matter we are to submit as under :—

(1) That Dussehra Ground is a holy place situated in-between the Arya Samaj Mandir and Gurdwara Singh Sabha.

(2) For the last 22 years the holy function of Dussehra is being celebrated in this ground. The Ram Lila and other functions such as independence Day, Republic Day etc., are also performed in this gound.

(3) That on 14th February, 1970, the Gurdwara Singh Sabha started construction of illegal wall and this construction is still going on.

(4) In this site plan of Model Town, this ground is left for the various public functions and activities and as such the Gurdwara Parbandhak Committee, Model Town, has got no right to construct any construction upon the same.

This arbitrary action of the Gurdwara Singh Sabha authorities has hurt the feelings of the residents of Model Town in particular and the Hindu Community in generall

So in the interest of justice and law and peace it is imperative that this illega· construction be removed forthwith and the previous condition be restored.

Hoping for an early action.

Yours faithfully,
(Sd.) RAM PARKASH MEHTA,
President,
for Residents of Model Town, Jullundur.

Cases of Smuggling

***1473. Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of smuggling cases detected in the State up to 31st December, 1968 and 1969, separately ;

(b) the particulars of the articles smuggled together with the quantity of each atrticle seized ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chaudhri Kewal Krishan]

(c) the total number of persons arrested in connection with the said cases together with the number of persons, if any, killed in the encounters ;

(d) the number of the said cases pending in the courts at present together with the number of persons who have been awarded punishments ;

(e) the reasons for increase in the cases of smuggling on Punjab-Pakistan border together with the steps taken by the Government to check smuggling ?

Sardar Parkash Singh Badal :

(a) Number of Smuggling cases detected from 1st February, 1968 to 31st December, 1968	133
Number of smuggling cases detected from 1st February, 1969 to 31st December, 1969	97
(b) A list is laid on the floor of the House.	
(c) Total number of persons arrested in 1968 ..	147
Total number of persons arrested in 1969 ..	94
Total number of persons killed in encounters in 1968 ..	17
Total number of persons killed in encounters in 1969 ..	26
(d) Number of cases pertaining to 1968 pending in Courts	28
Number of cases pertaining to 1969 pending in Courts ..	37
Number of persons awarded punishment in 1968 ..	45
Number of persons awarded punishment in 1969 ..	23

(e) The figures quoted above show that there was a decline in the cases of smuggling. The Border Security Force are in physical control of the Punjab-Pakistan Border. In conjunction with the B. S. F. Officers, however, every effort is made by the State Police to prevent smuggling on the Border.

[(ੳ) ਸਮਗਲਿੰਗ ਦੇ ਮੁਕਦਮੇ ਜਿਹੜੇ ਦਰਜ ਹੋਏ—

1 ਫਰਵਰੀ, 1968 ਤੋਂ 31 ਦਸੰਬਰ, 1968 ਤਕ ...	133
1 ਫਰਵਰੀ, 1969 ਤੋਂ 31 ਦਸੰਬਰ, 1969 ਤਕ ..	97
(ਅ) ਇਕ ਲਿਸਟ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਪੇਸ਼ ਹੈ ।	
(ੲ) 1968 ਵਿੱਚ ਫੜੇ ਗਏ ਆਦਮੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ..	147
1969 ਵਿੱਚ ਫੜੇ ਗਏ ਆਦਮੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ..	94
1968 ਵਿੱਚ ਮੁਠ ਭੇੜ ਵਿੱਚ ਮਾਰੇ ਗਏ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ..	17
1969 ਵਿੱਚ ਮੁਠ ਭੇੜ ਵਿੱਚ ਮਾਰੇ ਗਏ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ..	26
(ਸ) 1968 ਵਿੱਚ ਜਿਹੜੇ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਜ਼ੇਰ-ਸਮਾਇਤ ਹਨ ...	28
1969 ਵਿੱਚ ਜਿਹੜੇ ਅਦਾਲਤ ਵਿੱਚ ਜ਼ੇਰ ਸਮਾਇਤ ਹਨ ..	37
1968 ਵਿੱਚ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਸਜ਼ਾ ਹੋਈ ..	45
1969 ਵਿੱਚ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਸਜ਼ਾ ਹੋਈ ..	23

(ਹ) ਉਪਰੋਕਤ ਲਿਖੇ ਅੰਕੜਿਆਂ ਤੋਂ ਪਰਤੀਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਮਗਲਿੰਗ ਦੇ ਮੁਕਦਮਿਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਘਟ ਰਹੀ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਸਾਡੀ ਪੁਲਿਸ ਬਾਰਡਰ ਤੇ ਸਮਗਲਿੰਗ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਹਰ ਮੁਮਕਿਨ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

(b) Particulars of articles smuggled together with the quantity of each article seized,—

		In 1968	In 1969
		Q. Kg. Gr.	Q. Kg. Gr.
1.	Opium ..	2 68 955	6 62 126
2.	Cardamum (large) ..	16 14 000	0 70 000
3.	Cardamum (small) ..	4 31 000	16 58 000
4.	Dalchini ..	1 60 000	0 72 000
5.	Cloves ..	15 91 000	1 24 000
6.	Charas ..	0 12 500	0 50 455
7.	Mares/Horses ..	4	1
8.	Gota Japany ..	272 reels 200 tolas	798 reels
9.	Tilla ..	Worth Rs 7,652	..
10.	Sarees Japany ..	..	27
11.	Iron files ..	370	..
12.	Pistol 38 bore ..	1	..
13.	Cartridges 38 bore ..	6	..
14.	Revolver 38 bore ..	..	1
15.	Gun 12 bore ..	..	2
			Q. Kg. Gr.
16.	Almonds ..	..	7 41 000
17.	Chilghosa ..	..	1 14 000
18.	Surma ..	..	1 34 000
19.	Rock Salt ..	..	12 80 000
20.	Sodium Hydrous Sulphate ..	..	Worth Rs 49,800
21.	Anti-Tetanus injections ..	..	Worth Rs 51,800
22.	Cloth ..	..	Worth Rs 5,000 and 87 Meters
23.	Titus Watch ..	..	1
24.	Gold ..	..	Worth Rs 1,000

Threat given by Akalis to the Management of State Bank of India/Life Insurance Corporation at Jullundur

***1749. Sardar Sarup Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state whether on 29th January, 1970, the management of the Life Insurance Corporation at Jullundur conveyed to the officers of the Government at

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Sardar Sarup Singh]

Jullundur on telephone that they were being forced by the Akali Demonstrators to close down their offices on pain of dire consequences ; if so, the action, if any, taken by the authorities in the matter ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : ਬੀਮਾ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਪਰਬੰਧਕਾਂ ਨੇ ਸਥਾਨਕ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਸੂਚਨਾ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਸੀ। ਮਿਤੀ 29 ਜਨਵਰੀ, 1970 ਨੂੰ ਕੁਝ ਵਿਖਾਵਾ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਬੀਮਾਂ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਦਫ਼ਤਰ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਕਠੇ ਹੋ ਗਏ ਸਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਕਾਂ ਨੂੰ ਪੁਰ ਅਮਨ ਹੜਤਾਲ ਕਰਨ ਦੀ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੇ ਆਪਣਾ ਦਫ਼ਤਰ ਦੋ ਘੰਟੇ ਲਈ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਤਾ। ਫਿਰ ਵੀ ਇਕ ਪੁਲਿਸ ਗਾਰਦ ਇਹਤਿਆਤੀ ਕਾਰਵਾਈ ਵਜੋਂ ਇਸ ਦਫ਼ਤਰ ਤੇ ਤੈਨਾਤ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਸੀ।

[No such information was conveyed by the L. I. C. Management to the local authorities. Some demonstrators collected in front of the L.I.C. Office on 29th January, 1970 and requested the management to observe hartal and the officials of L.I.C. closed their office for a couple of hours. A police guard was, however, posted at the L.IC. Office as a precautionary measure.]

Beating of Harijans by Drunken Policemen at Mehta, district Amritsar

***1750. Sardar Sarup Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state whether it has come to the notice of the Government that on the night of 14th February, 1970, at Mehta, district Amritsar, some policemen went to Harijan Jhugis in a drunken state and asked the residents to provide them with more wine and when the Harijans did not meet their demands, they beat their male and female members; if so, the action so far taken by the Government in the matter ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ: ਹਾਂ ਜੀ। ਦੋਸ਼ੀ ਪੁਲਿਸ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਮੁਅਤਲ ਕਰਕੇ ਵਿਭਾਗੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

Selection of candidates for the 15 posts of Assistant Superintendents of Jails

***1596. Comrade Babu Singh Master** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the Departmental Selection Committee of the Jails Department made a selection of candidates for 15 posts of Assistant Superintendents, Jails, if so, the names of selected candidates ;

(b) whether all the 15 selected candidates have been appointed, if not, the reasons for the same ;

(c) whether any candidate is working as an Assistant Superintendent, Jails, who was not selected by the Departmental Selection Committee ; if so, the reasons therefor ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) Yes. A list of selected candidates is laid on the Table of the House.

(b) Out of the 15 posts of Assistant Superintendents Jails advertised through the defunct Subordinate Services Selection Board, only 5 were to be filled up immediately. The rest of the posts were to be filled up as and when the vacancies arise. 13 candidates have so far been absorbed (including 2 reserved for Ex-Army Officers). The remaining candidates will be absorbed against the future vacancies as and when they occur.

(c) No.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ । ਉਮੀਦਵਾਰਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਸੰਸਦ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਅ) ਸਹਾਇਕ ਸੁਪਰਡੰਟ, ਜੇਲ੍ਹਾਂ, ਦੀਆਂ 15 ਆਸਾਮੀਆਂ ਅਪ੍ਰਚਲਿਤ ਅਧੀਨ ਸੇਵਾ ਚੋਣ ਬੋਰਡ, ਪੰਜਾਬ ਰਾਹੀਂ ਵਿਗਿਆਪਨ ਕੀਤੀਆਂ ਸਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ 5 ਆਸਾਮੀਆਂ ਤਤਕਾਲ ਭਰੀਆਂ ਜਾਣੀਆਂ ਸਨ ਬਾਕੀ ਪੋਸਟਾਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਨਿਕਲਣ ਤੇ ਭਰੀਆਂ ਜਾਣੀਆਂ ਸਨ । 13 ਉਮੀਦਵਾਰ (ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ 2 ਫ਼ੌਜ ਦੇ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਲਈ ਰੀਜ਼ਰਵ ਸਨ) ਭਰੀਆਂ ਜਾ ਚੁਕੀਆਂ ਹਨ। ਬਾਕੀ ਉਮੀਦਵਾਰ ਆਸਾਮੀਆਂ ਨਿਕਲਣ ਤੇ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ ।

(ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।]

Merit List of candidates for Assistant Superintendents Jails.

Serial No.	Name of the candidate	Serial No.	Name of the candidate
1	Pritpal Singh	24	Vijay Kumar
2	Bhupinder Singh	25	Darshan Singh
3	Baldev Singh	26	Rajinder Singh
4	Sukhminder Singh	27	Jagtar Singh
5	Jhanda Singh	28	Daulat Singh
6	Dyal Singh	29	Santokh Singh Gill
7	Surinder Kumar Kohli	30	Narinder Parkash
8	Tarlok Singh	31	Swarn Singh
9	Karm Singh	32	Avtar Singh
10	Sat Paul	33	Darshan Singh
11	Chattar Pal Singh	34	Joginder Singh
12	Gurdeep Singh	35	Sewa Singh
13	Baljit Singh	36	Krishan Chand
14	B. C. Kashyap	37	Avtar Singh (B.C.)
15	Kartar Singh	38	Gurdev Singh
16	Avtar Singh	39	Vidya Sagar
17	Mulkh Raj		
18	Nirmal Singh	40	Jaswant Singh
19	Baldev Krishan	41	Gurcharan Singh
20	Lachman Singh	42	Virinder Singh
21	Radha Krishan	43	Daljit Singh
22	Harbhajan Singh	44	Harbhajan Singh
23	Joginder Singh	45	Charan Singh
	Scheduled Caste Candidates		
1	Jit Singh	3	Gurdev Singh
2	Charn Singh	4	Pooran Chand

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Re-appointment of dismissed Employees

***1149. Comrade Dana Ram** : Will the Chief inister be pleased to state whether he has any knowledge about the employees of the Transport Department who were dismissed during the last three years for any misconduct have again been appointed on new posts in violation of positive orders of the Government not to do so ?

Sardar Parkash Singh Badal : None Sir. [ਨਹੀਂ ਜੀ ।]

Bus Service on Jullundur-Pathankot Route

***1519. Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that there is no regular bus service from Jullundur to Pathankot between 6.45 p.m. and 8.30 p.m. ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the seating capacity of the Punjab Roadways bus which leaves at 8.30 p.m. ;

(c) whether there is any proposal to start a bus from Jullundur to Pathankot between 6.45 p.m. to 8.30 p.m. ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) Yes Sir.

(b) Fifty-two seater bus.

(c) No.

[(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) 52 ਸੀਟਰ ਬਸ ।

(ਸੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।]

Enquiry held against the Doudhar Agricultural Co-operative Service Society Limited, Doudhar, Tehsil Moga

***1257. Comrade Dana Ram** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it has come to the notice of the Government that the President, the Doudhar Agricultural Co-operative Service Society Ltd.,(—Patti Meharmian), Doudhar, tehsil Moga, submitted a bogus balance-sheet of the society to the Central Co-operative Bank, Moga ;

(b) whether it is a fact that the said President has drawn an amount of Rs. 1,26,400 in two instalments of Rs. 1,04,800 and Rs. 21,600 after submitting the above balance-sheet ;

(c) if the answer to parts (a) and (b) above be in the affirmative whether any enquiry was held against him by the Assistant Registrar, Co-operative Societies, Moga ; if so, with what result ;

(d) whether there is any balance with the Secretary and Cashier of the above mentioned society ;

(e) whether any enquiry has also been ordered as to why they are keeping the money of the said society for their use ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) Yes Sir.

(b) Yes Sir.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(c) Enquiry was made by Inspector, Co-operative Marketing Societies, Moga, who held the allegations to be correct.

(d) Yes Sir, Rs. 1,335.34 with Ex-Secretary and Rs. 8,700 with Ex-Cashier of the Society.

(e) Assistant Registrar, Co-operative Societies, Moga, has been asked to proceed against the Ex-Secretary and Ex-Cashier legally.

[(ਏ) ਜੀ ਹਾਂ ।

(ਬੀ) ਜੀ ਹਾਂ ।

(ਸੀ) ਇਨਸਪੈਕਟਰ, ਸਹਿਕਾਰੀ ਮਾਰਕਿਟਿੰਗ ਸੁਸਾਇਟੀਜ਼, ਮੋਗਾ, ਵਲੋਂ ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਜਿਸ ਤੋਂ ਪਾਇਆ ਗਿਆ ਕਿ ਦੋਸ਼ ਸਹੀ ਹਨ ।

(ਡੀ) ਜੀ ਹਾਂ, ਸੋਸਾਇਟੀ ਦੇ ਸਾਬਕ ਸਕੱਤਰ ਅਤੇ ਖਜ਼ਾਨਚੀ ਪਾਸ 1,335.34 ਰੁਪਏ ਅਤੇ 8,700 ਰੁਪਏ ਹਨ ।

(ਈ) ਸਹਾਇਕ ਰਜਿਸਟਰਾਰ, ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ, ਮੋਗਾ ਨੂੰ ਸਾਬਕ ਸਕੱਤਰ ਅਤੇ ਸਾਬਕ ਖਜ਼ਾਨਚੀ ਵਿਰੁਧ ਕਾਨੂੰਨੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਲਈ ਆਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ।]

Starred Question No. 1258

Reply to Starred Question No. 1258 not received from the government.

Charges of Corruption against Employees of Industries Department

***1616. Shri Sardari Lal Kapur** : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the number of Class I, Class II and Class III Government Employees in the Industries Department, in the State who were charged with corruption during 1968-69 ;

(b) the action, departmental or otherwise, taken against them and the results thereof ?

Shri Balram Dass Tandon : (a) Class I—Nil.
Class II—Nil.
Class III—4.

(b) Two of them were convicted by the Court and accordingly dismissed from services ; one was acquitted by the Court and thus reinstated in service. The remaining case is pending in the Court.

Utilisation of water of Chakki River flowing in Pathankot Tehsil

***1202. Chaudhri Ram Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether it is a fact that both the Punjab Government as well as the Himachal Pradesh Government are entitled to utilise the waters of the Chakki River flowing in the Pathankot Tehsil in the ratio of 50 : 50 ;

(b) whether it is also a fact that the latter Government is making full use of its share of water under various schemes, while the Punjab Government is deriving no benefit ;

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative whether the Punjab Government also intends to fully utilise its share of water ; if so, in what manner ?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) : (a) There is no such agreement.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

(b) River Chakki joins Beas at Mirthal and the waters are fully utilised at Harike.

(c) Question does not arise.

[(ੲ) ਅਜਿਹਾ ਕੋਈ ਇਕਰਾਰ ਨਾਮਾ ਨਹੀਂ ਹੈ।

(ਬੀ) ਦਰਿਆ ਚੱਕੀ ਮੀਰਥਲ ਦੇ ਸਥਾਨ ਤੇ ਦਰਿਆ ਬਿਆਸ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹਰੀਕੇ ਦੇ ਸਥਾਨ ਤੇ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(ਸੀ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

Enhanced Water-supply for Zamindars in Certain Canal Branches of Tehsil Mansa, district Bhatinda

***1801. Sardar Kirpal Singh Makhewala :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether Government propose to increase the water-supply in the B. D. Link Disty., Bhatinda, under the jurisdiction of XEN., Lehal Division, Patiala, with a view to enhancing the water supply in the outlets on the Boha Rajbaha, Dalelwala Branch, Dhrawl Branch, Neondhudal and Roorki Minor in Tehsil Mansa, district Bhatinda; if so, when and by how much ;

(b) whether Government also propose to give enhanced water-supply to the Zamindars in the outlet on the Jagga Branch, Musa Branch, Uddat Branch in tehsil Mansa, district Bhatinda, who are under the jurisdiction of XEN., Sangrur Division, Sangrur, if so, since when ?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) : (a) and (b) Yes, the water allowance of these channels is to be increased from 2.4 cusecs per thousand acres to 3.05 cusecs per thousand acres at outlet Head. The supplies will be available after the completion of Beas-Sutlej Link and Thein Dam.

[(ੳ) ਅਤੇ (ਅ) ਹਾਂ ਜੀ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਹਿਰਾਂ ਦਾ ਵਾਟਰ ਅਲਾਉਂਸ ਮੋਘਿਆਂ ਦੇ ਹੈਡ ਪੁਰ 2.4 ਕਿਊਸਿਕਸ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤਿ 1,000 ਏਕੜ ਤੋਂ 3.05 ਕਿਊਸਿਕਸ ਪ੍ਰਤਿ 1,000 ਏਕੜ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਵਧਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ । ਇਹ ਵਾਧੂ ਨਹਿਰੀ ਪਾਣੀ ਬਿਆਸ-ਸਤਲੁਜ ਲਿੰਕ ਅਤੇ ਥੀਨ ਡੈਮ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮਿਲਣਯੋਗ ਹੋਵੇਗਾ ।

Charges of Corruption Against the Employees of Punjab State Electricity Board

***1617. Shri Sardari Lal Kapur :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the number of Class I, Class II, and Class III Government employees in the Punjab State Electricity Board who were charged with corruption during 1968-69;

(b) the action, departmental or otherwise, taken against them and the results thereof?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister):—

(a) Class I	.. *Nil*
Class II	.. 5
Class III	.. 33

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(b) The action, departmental or otherwise taken in respect of employees mentioned above is as follows :—

Class I.—As no Board/Government employee, Class I was charged during 1968-69, the question of any action does not arise.

Class II.—Out of five officers comprising of one App. Engineer and 4 Sub-Divisional Officers, charged for accepting illegal gratification, the App. Engineer has since been acquitted by the court and the cases of rest of them are under process and pending finalization for want of either explanations of the Officers, comments of competent authority or awaiting findings of the Inquiry Officer.

Class III.—In 6 cases officials suspended for charge of accepting illegal gratifications, their increments for one year, two years with/without future effect have been stopped.

In one case, the charges of corruption having not been substantiated, the same have been withdrawn.

In one case the official was sentenced to imprisonment.

In three cases officials were arrested by the Police under Prevention of Corruption Act, 1947. Their cases are still pending in the Courts.

In 22 cases employees were placed under suspension. Their cases are under process and pending final decision thereon either for want of explanations of the officials, comments of the competent authorities, non-availability of relevant record or awaiting findings of the Inquiry Officer.

[(ੳ) ਪਹਿਲਾ ਦਰਜਾ .. ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਜੀ ।

ਦੂਜਾ ਦਰਜਾ .. 5

ਤੀਜਾ ਦਰਜਾ .. 33

(ਅ) ਉਪਰ ਲਿਖੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਜੋ ਕਾਰਵਾਈ ਮਹਿਕਮੇ ਵਲੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਇਹ ਹੈ :—

ਪਹਿਲਾ ਦਰਜਾ :—ਨਾ ਹੀ ਕੋਈ ਸਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਦੇ ਅਫਸਰ ਜਿਸ ਤੇ ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਦਾ ਦੋਸ਼ ਲਾਇਆ ਗਿਆ ਹੋਵੇ । ਇਸ ਲਈ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਵਾਲੀ ਗਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ।

ਦੂਜਾ ਦਰਜਾ :—ਪੰਜ ਅਫਸਰਾਂ ਵਿੱਚ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਇਕ ਅਪਰੈਂਟਸ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਵੀ ਹੈ ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਾ-ਚਾਰ ਦਾ ਦੋਸ਼ੀ ਹੈ। ਅਪਰੈਂਟਸ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਨੂੰ ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਬਰੀ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਕੀਆਂ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਕਈਆਂ ਦੀਆਂ ਜਵਾਬ ਤਲਬੀਆਂ ਨਹੀਂ ਆਈਆਂ ਅਤੇ ਕਈ ਕੇਸਾਂ ਵਿੱਚ ਅਧਿਕਾਰੀ ਅਫਸਰਾਂ ਤੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੁਮੈਂਟਸ ਨਹੀਂ ਆਏ ਅਤੇ ਕਈ ਕੇਸਾਂ ਵਿਚ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਅਫਸਰ ਨੇ ਆਪਣਾ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ ਹੈ।

ਤੀਜਾ ਦਰਜਾ :—ਛੇ ਕੇਸਾਂ ਵਿਚ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀਆਂ ਤਰੱਕੀਆਂ ਦੋ ਸਾਲ/ਇਕ ਸਾਲ ਲਈ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ।

ਇਕ ਕੇਸ ਵਿੱਚ ਦੋਸ਼ ਨਾ ਸਾਬਤ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਦੋਸ਼ ਪੱਤਰ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਕ ਕੇਸ ਵਿਚ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੂੰ ਕੈਦ ਦੀ ਸਜ਼ਾ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ।

ਤਿੰਨ ਕੇਸਾਂ ਵਿੱਚ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੁਲਿਸ ਨੂੰ ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਐਕਟ, 1947, ਹੇਠਾਂ ਫੜਿਆ ਗਿਆ ਸੀ, ਅਦਾਲਤ ਵਿੱਚ ਹਨ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

22 ਕੇਸਾਂ ਵਿਚ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੇਸ ਚਲ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੇਸਾਂ ਤੇ ਅਜੇ ਤਕ ਫੈਸਲਾ ਇਸ ਕਰਕੇ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਤੋਂ ਜਾਂ ਤਾਂ ਦੋਸ਼ ਪੱਤਰ ਦਾ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਆਇਆ ਜਾਂ ਸਬੰਧਤ ਰਿਕਾਰਡ ਨਾ ਮਿਲਣ ਜਾਂ ਅਧਿਕਾਰੀ ਅਫਸਰਾਂ ਤੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੋਚ ਵਿਚਾਰ ਨਹੀਂ ਆਏ ਜਾਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਅਫਸਰ ਅਜੇ ਤਕ ਆਪਣਾ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਿਆ।]

Charges of Corruption against Employees of P. W. D. (B. and R.)

***1615. Shri Sardari Lal Kapur** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the number of Class I, Class II and Class III Government employees in the Public Works Department (B.&R.) who were charged with corruption during 1968-69 ;

(b) the action, departmental or otherwise, taken against them and the results thereof ?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) : (a) —

Class I	..	2
Class II	..	5
Class III	..	14

(b) The cases are still under process.

[(ੳ) ਕਲਾਸ I	..	2
ਕਲਾਸ II	..	5
ਕਲਾਸ III	..	14

(ਅ) ਸਾਰੇ ਕੇਸ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਅਧੀਨ ਹਨ ।]

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS, DATED 30TH MARCH, 1970, LAID ON THE TABLE OF THE HOUSE UNDER RULE 45

Model Villages to be established in Tanda Constituency

***1746. Doctor Amir Singh Kalkat** : Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state—

(a) the total number of Model Villages proposed to be established in district Hoshiarpur ;

(b) whether it is a fact that no model village has been allocated to the Tanda Constituency ; if so, the reasons therefor ?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) : (a) 15 during this year.

(b) The Model Villages have been selected block-wise and not Constituency-wise. Village Miani has been selected as Model Village in Tanda Block.

[(ੳ) 15 ਇਸ ਸਾਲ ।

(ਅ) ਮਾਡਲ ਗ੍ਰਾਮ ਬਲਾਕ-ਵਾਰ ਚੁਣੇ ਗਏ ਹਨ ਨਾਂ ਕਿ ਚੋਣ ਹਲਕੇ ਵਾਰ। ਪਿੰਡ ਮਿਆਨੀ ਟਾਂਡਾ ਬਲਾਕ ਵਿੱਚ ਮਾਡਲ ਗ੍ਰਾਮ ਚੁਣਿਆ ਗਿਆ ਹੈ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

B.Ed. Training imparted in Government/Privately-Managed Colleges

***1354. Sardar Gurbanta Singh :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the names of Government and Privately-managed Colleges in the State where training for B. Ed. is imparted together with the number of such students in the said Colleges at present and the number of students out of them who belong to Scheduled Castes ;

(b) whether it is a fact that the number of scheduled castes students is less than their due percentage ; if so, the reasons therefor ;

(c) whether there were any students who applied for admissions this year in the said Colleges for the training course but they were not admitted; if so, the reasons for the same ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ) : (ਏ) ਸੂਚੀ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਗਈ ਹੈ।

(ਬੀ) ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਵਲੋਂ ਜਾਰੀ ਹੋਈਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਸਰਕਾਰੀ ਕਾਲਜਾਂ ਨੇ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਉਮੀਦਵਾਰਾਂ ਦੇ ਹੱਕ ਮੁਤਾਬਕ ਸੀਟਾਂ ਰਾਖਵੀਆਂ ਰਖੀਆਂ ਪਰੰਤੂ ਕੁਝ ਗੈਰ-ਸਰਕਾਰੀ ਕਾਲਜਾਂ ਨੇ ਰਾਖਵੀਆਂ ਸੀਟਾਂ ਤੋਂ ਘੱਟ ਦਾਖਲਾ ਕੀਤਾ। ਸਰਕਾਰ ਸਮੇਂ ਸਮੇਂ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨੂੰ ਗੈਰ-ਸਰਕਾਰੀ ਕਾਲਜਾਂ ਤੋਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਪਹਿਲਾਂ ਭੀ ਲਿਖਦੀ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਹੁਣ ਭੀ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਪੂਰਾ ਯਤਨ ਕਰੇਗੀ।

(ਸੀ) ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਈ ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਨੁਸਾਰ ਜਿੰਨੇ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਦਾਖਲੇ ਲਈ ਦਰਖਾਸਤਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਅਤੇ ਇੰਟਰਵਿਯੂ ਲਈ ਭੀ ਆਏ, ਉਹਨਾਂ ਵਿਚੋਂ ਲਗ ਭਗ ਸਾਰੇ ਹੀ ਦਾਖਲ ਕਰ ਲਏ ਗਏ।

ਦਾਖਲੇ ਦੀ ਸੂਚੀ

	ਕਾਲਜ ਦਾ ਨਾਂ	ਦਾਖਲ ਕੀਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ	ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਉਮੀਦਵਾਰਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ
1.	ਡੀ. ਏ. ਵੀ. ਕਾਲਜ ਆਫ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ, ਅਬੋਹਰ ..	180	22
2.	ਖਾਲਸਾ ਕਾਲਜ ਆਫ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ..	200	32
3.	ਡੀ. ਏ. ਵੀ. ਕਾਲਜ ਆਫ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ, ਫਾਰ ਵੋਮੈਨ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	200	7

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

ਕਾਲਜ ਦਾ ਨਾਂ	ਦਾਖਲ ਕੀਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ	ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਤੇ ਉਮੀਦਵਾਰਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ
4. ਦੇਵ ਸਮਾਜ ਕਾਲਜ ਆਫ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਫਾਰ ਵੋਮੈਨ, ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਸਿਟੀ ..	250	
5. ਜੀ. ਐਚ. ਜੀ. ਖਾਲਸਾ ਕਾਲਜ ਆਫ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ, ਗੁਰੂ ਸਰ ਸੁਧਾਰ	120	19
6. ਡੀ. ਏ ਵੀ. ਕਾਲਜ ਆਫ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ, ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ..	..	..
7. ਮਾਲਵਾ ਸੈਂਟਰਲ ਕਾਲਜ ਆਫ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ, ਲੁਧਿਆਣਾ	263	11
8. ਡੀ ਐਮ. ਕਾਲਜ ਆਫ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ, ਮੋਗਾ ..	180	11
9. ਖਾਲਸਾ ਕਾਲਜ ਆਫ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ, ਮੁਕਤਸਰ .	120	12
10. ਡੀ. ਏ. ਐਨ. ਕਾਲਜ ਆਫ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ, ਨਵਾਂ ਸ਼ਹਿਰ ਦੋਆਬਾ	200	27
11. ਰਾਮ ਗੜ੍ਹੀਆ ਕਾਲਜ ਆਫ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ, ਫਗਵਾੜਾ ..	240	32
12. ਐਮ. ਜੀ. ਐਨ. ਕਾਲਜ ਆਫ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ, ਜਲੰਧਰ ..	255	24
13. ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਕਾਲਜ ਆਫ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ, ਫਾਰ ਵੋਮੈਨ, ਕਪੂਰ-ਥਲਾ	120	11
14. ਜੀ. ਐਚ. ਜੀ. ਹਰਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਕਾਲਜ ਆਫ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਫਾਰ ਵੋਮੈਨ, ਸਿਧਵਾਂ ਖੁਰਦ ..	240	6
15. ਗੌਰਮਿੰਟ ਟਰੇਨਿੰਗ ਕਾਲਜ, ਜਲੰਧਰ ..	240	56
16. ਗੌਰਮਿਟ ਟਰੇਨਿੰਗ ਕਾਲਜ, ਫਰੀਦਕੋਟ ..	200	9
17. ਸਟੇਟ ਕਾਲਜ ਆਫ ਅਜੂਕੇਸ਼ਨ, ਪਟਿਆਲਾ	336	17

Promotion of Masters belonging to Provincialised Cadre

***1466. Comrade Darshan Singh Jhabal** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the total number of Masters belonging to the provincialised cadre in the State after 1st November, 1966 ;

(b) the number of Post-Graduate Masters of each subject among those referred to in part (a) above of the period prior to 1st November, 1966 ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(c) the number of Masters subject-wise out of those referred to above who have been promoted as Lecturers ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ) : (ੲ) 345

(ਬੀ) ਵਿਸ਼ੇਵਾਰ ਵੇਰਵਾ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹੈ :

1. ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ	..	3
2. ਹਿੰਦੀ	..	4
3. ਪੰਜਾਬੀ	..	21
4. ਹਿਸਟਰੀ	...	68
5. ਸਿਵਿਕਸ	...	9
6. ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ (ਐਮ. ਏ. ਐਮ. ਐਡ.)	...	3
7. ਇਕਨਾਮਿਕਸ	...	7
8. ਬਾਇਲੋਜੀ	...	3
ਜੋੜ	...	118

(ਸੀ) 1. ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼ੀ	...	3
2. ਹਿੰਦੀ	...	4
3. ਪੰਜਾਬੀ	...	11
4. ਹਿਸਟਰੀ	...	16
5. ਸਿਵਿਕਸ	...	7
6. ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ (ਐਮ. ਏ. ਐਮ. ਐਡ.)	...	3
7. ਇਕਨਾਮਿਕਸ	...	6
8. ਬਾਇਲੋਜੀ	...	3
ਜੋੜ	...	53

School Education Board

***1529. Comrade Darshan Singh Jhabal :** Will the Minister for Education be pleased to state the total membership of the School Education Board ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ) : 11 ਮੈਂਬਰ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਅਤੇ ਵਾਈਸ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਮੇਤ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Starred Question No. 1745

ਅ. ਸ. ਨੰ: 2024-ਸਿ3 (2ਸ) 70
ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ, ਪੰਜਾਬ,
ਮਿਤੀ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 28 ਮਾਰਚ, 1970

ਵਿਸ਼ਾ :—ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਸਟਾਰਡ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨੰ: 1745 ਵਲੋਂ ਡਾ: ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ.—ਸਰਕਾਰੀ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ, ਟਾਂਡਾ ਉੜਮੜ (ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ) ਦੀ ਇਮਾਰਤ ਬਾਰੇ।

ਪਿਆਰੇ

ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਸਟਾਰਡ ਸੁਆਲ ਨੰ: 1745 ਜੋ ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970 ਲਈ ਸੁਆਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿੱਚ ਡਾ: ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ., ਦੇ ਵਲੋਂ ਦਰਜ ਹੈ, ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ ਹੈ। ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਸਬੰਧਤ ਥਾਵਾਂ ਤੋਂ ਇਕੱਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸੁਆਲ ਦੇ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦੀ ਮਿਆਦ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਇਸ ਸੁਆਲ ਨੂੰ ਮਿਤੀ 10 ਅਪਰੈਲ, 1970, ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਦੀ ਕਿਸੇ ਮਿਤੀ ਲਈ ਸੁਆਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ।

ਹਿਤੂ,
(ਸਹੀ) . . .
(ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ)

ਸ੍ਰੀ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ,
ਸਪੀਕਰ,
ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ।

Visit by Assistant Director, Examination, to Bombay

***1794. Sardar Umrao Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state whether the Assistant Director, Examination, visited Bombay recently on official tour, if so, the purpose of the said visit ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ) : ਹਾਂ ਜੀ, ਬੰਬਈ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦ ਅਧੀਨ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਿਖਿਆ ਸਕੀਮ ਦਾ ਅਧਿਐਨ ਕਰਨ ਲਈ।

Starred Question No. 1795

ਅ: ਸ: ਨੰ: 221-ਸਿ 3 (4 ਸ) -70
ਮਿਤੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ 28 ਮਾਰਚ, 1970

ਵਿਸ਼ਾ :—ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦਾ ਸਟਾਰਡ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨੰ: 1795 ਜੋ ਸ੍ਰੀ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ., ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ ਹੈ—ਆਰੀਆ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਮੋਰਿੰਡਾ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧ ਬਾਰੇ ਇਨਕੁਆਇਰੀ।

ਪਿਆਰੇ

ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਸਟਾਰਡ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨੰ: 1795 ਜੋ ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970 ਲਈ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ੍ਰੀ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ., ਦੇ ਨਾਂ ਹੇਠ ਦਰਜ ਹੈ, ਦਾ ਉਤਰ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ। ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਸਬੰਧਤ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ ਤੋਂ ਇਕੱਤਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਦੇ ਉਤਰ ਦੇਣ ਦੀ ਮਿਆਦ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਇਸ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨੂੰ ਮਿਤੀ 8 ਅਪਰੈਲ, 1970 ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਦੀ ਕਿਸੇ ਮਿਤੀ ਲਈ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ਼ਮਿਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ।

ਹਿਤੂ,
(ਸਹੀ) . . .
(ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ)

ਸ੍ਰੀ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ,
ਸਪੀਕਰ, ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ
ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ।

Starred Question No. 1796

ਅ. ਸ. ਪ. ਨੰ: 2742-ਸਿ 1 (3 ਸ)-70
ਮੰਤਰੀ,
ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ, ਪੰਜਾਬ,
ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ
ਮਿਤੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, ਮਾਰਚ, 1970

ਪਿਆਰੇ

ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਸਟਾਰਡ ਸਵਾਲ ਨੰ: 1796, ਜੋ ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970 ਲਈ ਸਵਾਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ਼੍ਰੀ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਨਾਂ ਹੇਠ (ਵੱਲ) ਦਰਜ ਹੈ, ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਵਾਲ ਦੇ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦੀ ਮਿਆਦ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਸਵਾਲ ਨੂੰ ਮਿਤੀ 6 ਅਪਰੈਲ, 1970 ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਦੀ ਕਿਸੇ ਮਿਤੀ ਲਈ ਸਵਾਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ।

ਆਪ ਦਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸਪਾਤਰ,
(ਸਹੀ).. .. .. ..
(ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ)

ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ,
ਸਪੀਕਰ, ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ,
ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ।

Applications invited for the posts of Language Teachers in Government Schools

***1817. Shri Balmukand Sharma** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether any posts of Language Teachers (Hindi and Punjabi) in Government Schools were advertised during the last six months and applications invited for the purpose ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, whether it is a fact that no interview has, so far, been held for filling up the said posts, if so, the reasons for the delay and the date, if any, fixed for the purpose ?

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ) : (ਏ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Safeguarding the interests of Punjab College Teachers working in Private Institutions

***1860. Sardar Kirpal Singh Makhewala** : Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of the Government for safeguarding the interests of the College Teachers working in the private institutions in the State on the same lines on which the rights of the teachers of the private schools in the State have been protected ; if so, the action proposed to be taken by the Government in this regard ?

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ) : ਨਹੀਂ ਜੀ ।

Areas of Chowk Hakimanwala, Amritsar covered by the schemes of Improvement Trust, Amritsar

***1857. Chaudhri Sunder Singh** : Will the Minister for Local Government be pleased to state whether some areas of Chowk Hakimanwala, Amritsar, are covered by any schemes formulated by the Improvement Trust, Amritsar ; if so, the details thereof?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) : (i) No.

(ii) Question does not arise.

[(i) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ii) ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

Proposal of Municipal Committee, Urmar Tanda (District Hoshiarpur), to abolish House-Tax

***1831. Dr. Amir Singh Kalkat** : Will the Minister for Local Government be pleased to state—

(a) whether the Government is aware of the fact that the Municipal Committee, Urmar Tanda, district Hoshiarpur, is financially sound ;

(b) whether it is a fact that the said Committee passed a resolution abolishing the House-tax in its area ;

(c) if the reply to parts (a) and (b) be in the affirmative whether the Government propose to agree to the said proposal regarding abolition of House-tax ; if so, when ?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) : (a) Government is aware that financial position of the Committee is not sound.

(b) Yes Sir.

(c) No Sir.

[(ੳ) ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਦੀ ਮਾਲੀ ਹਾਲਤ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Starred Question No. 1866

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ, ਪੰਜਾਬ,
ਅ. ਸ. ਨੰ: 1690-ਖਬ(2)-70/2047
ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970

ਪਿਆਰੇ

ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਸਟਾਰਡ ਸਵਾਲ ਨੰ: 1866 ਜੋ ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970 ਲਈ ਸਵਾਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਚੌਧਰੀ ਸਤਿਆ ਦੇਵ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਨਾਂ ਹੇਠ ਦਰਜ ਹੈ ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ ਹੈ। ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾਂ ਸਬੰਧਤ ਥਾਂ ਤੋਂ ਇਕੱਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸੁਆਲ ਦੇ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦੀ ਮਿਆਦ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਸੁਆਲ ਨੂੰ ਮਿਤੀ 15 ਅਪਰੈਲ, 1970 ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਦੀ ਕਿਸੇ ਮਿਤੀ ਲਈ ਸੁਆਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ।

ਆਪ ਦਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸਪਾਤਰ,
(ਸਹੀ) . . .
(ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ)

ਸ: ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ,
ਸਪੀਕਰ, ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ,
ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ।

Opening of Dispensaries in Zira and Makho Towns in district Ferozepur

***1717. Sardar Mehtab Singh Dhillon :** Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to provide larger dispensaries in Zira and Makho Towns of district Ferozepore ; if so, when ;

(b) whether it is a fact that the dispensary at Zira has remained without a Doctor for the last 3/4 months ; if so, the time by which doctor is likely to be posted there ;

(c) whether the Government received any representations from the residents of the said area and the Municipal Committee, Zira, for the purpose ; if so, the action taken thereon ;

(d) whether more health centres are likely to be opened in the said area which is backward ; if so, when ?

Shri Balram Dass Tandon (Minister for Industries) : (a) Yes. The scheme for the augmentation of the dispensaries in the border areas of Ferozepore, Amritsar and Gurdaspur has been provisionally admitted at a cost of Rs 10,70,950 as sponsored by the Cabinet Sub-Committee and the same will be implemented with effect from 1st June, 1970.

(b) Yes. There is an acute shortage of AMOS. The Punjab Public Service Commission, Patiala, has already advertised the post of A.M.O. (Non-Gazetted). The post of P.M.O. at Zira will be filled up as and when the candidate is selected by the Commission.

(c) Yes. Action is being taken as in (b) above.

(d) No.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

]Minister for Industries]

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ । ਇਕ ਤਜਵੀਜ਼ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਅਤੇ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਦੇ ਬਾਰਡਰ ਦੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦੀਆਂ ਡਿਸਪੈਂਸਰੀਆਂ ਵੱਡੀਆਂ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਮੰਤਰੀ ਮੰਡਲ, ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਸਬ-ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਬਣਾਈ ਹੈ ਆਰਜ਼ੀ ਤੌਰ ਤੇ 10,70,950 ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਮੰਨ ਲਈ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ 1 ਜੂਨ, 1970 ਤੋਂ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ। ਪੰਜਾਬ ਲੋਕ ਸੇਵਾ ਕਮਿਸ਼ਨ, ਪਟਿਆਲਾ ਨੇ ਸਹਾਇਕ ਮੈਡੀਕਲ ਅਫਸਰ, (ਨਾਨ-ਗਜ਼ਟਿਡ) ਦੀ ਆਸਾਮੀ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਐਡਵਰਟਾਈਜ਼ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਯੋਗ ਉਮੀਦਵਾਰ ਚੁਣ ਕੇ ਭੇਜੇਗਾ ਤਾਂ ਜ਼ੀਰਾ ਵਿਖੇ ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਖਾਲੀ ਆਸਾਮੀ ਭਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ। ਇਸ ਤੇ ਉਕਤ (ਅ) ਅਨੁਸਾਰ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

(ਸ) ਨਹੀਂ ਜੀ।]

Tour by Chief Parliamentary Secretary—in November and December, 1969 and January, 1970

***1861. Sardar Kirpal Singh Makhewala :** Will the Chief Minister be pleased to state the amount of Travelling as well as Daily Allowance drawn by the Chief Parliamentary Secretary of the Punjab Government while on tours in the State during the months of November and December, 1969 and January, 1970 ?

Sardar Parkash Singh Badal : The details of Travelling Allowance/ Daily Allowance of Shri Gurmit Singh, Chief Parliamentary Secretary, are as under :—

	Rs.
November, 1969	1,127·25
December, 1969 ..	187·50
January, 1970 ..	350·00

[ਸ੍ਰ: ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ, ਮੁੱਖ ਸੰਸਦੀ ਸਕੱਤਰ, ਦੇ ਸਫਰ ਭੱਤੇ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਇਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਹੈ:—

		ਰੁਪਏ
ਨਵੰਬਰ, 1969	..	1,127.25
ਦਸੰਬਰ, 1969	..	187.50
ਜਨਵਰੀ, 1970	..	350.00]

High-Powered Committee to look after the vacancies reserved for the Scheduled Castes

***1352. Sardar Gurbanta Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state whether the State Government has appointed a High-Powered Committee to watch the filling up of vacancies reserved for Scheduled Castes in the State ; if so, whether the said Committee has held any meetings so far ?

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ: ਹਾਂ ਜੀ, ਇਕ ਮੀਟਿੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਜੀ।

Memorandum from Government Employees belonging to Scheduled Castes/Backward Classes

***1864. Sardar Raja Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state whether any memorandum on behalf of Government servants

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

belonging to the Scheduled Castes and Backward Classes in the State was received by the Chief Minister on 25th March, 1969; if so, the action, if any, taken thereon?

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : ਹਾਂ ਜੀ। ਮੈਮੋਰੈਂਡਮ ਦੀਆਂ ਵੱਡੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਅਤੇ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਸਬੰਧੀ ਸੇਵਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਰਿਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨ ਹਦਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਬਾਬਤ ਸਨ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਹਨਾਂ ਜਾਤੀਆਂ ਅਤੇ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਨੂੰ ਸੇਵਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਯੋਗ ਹਿੱਸਾ ਦਿਵਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਇਕ ਹਾਈ ਪਾਵਰਡ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਹਨ।

[Yes. The main demands contained in the memorandum were regarding the enforcement of instructions issued from time to time regarding reservation of posts for Scheduled Castes and Backward Classes. Government have constituted a High-Powered Committee under the Chairmanship of Chief Minister to ensure that the Scheduled Castes and Backward Classes get their due share in services.]

Employees of Punjab Armed Police allocated to Haryana and Himachal Pradesh

***1708. Sardar Santokh Singh Randhawa :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any employees of the Punjab Armed Police were allocated to Haryana and Himachal Pradesh at the time of reorganisation of Punjab on 1st November, 1966 ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, whether the said employees have actually been taken by the two States ; if not, the reasons therefor ?

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : (ੲ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਬੀ) ਜਿਹੜੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਹਰਿਆਣਾ ਅਤੇ ਹਿਮਾਚਲ ਪਰਦੇਸ਼ ਨੂੰ 1 ਨਵੰਬਰ, 1966 ਨੂੰ ਐਲੋਕੇਟ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਰਾਜਾਂ ਨੂੰ ਚਲੇ ਗਏ ਹਨ।

Reversions of Head Constables and A.S.Is. in the P.A.P.

***1709. Sardar Santokh Singh Randhawa :** Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that a large number of Head Constables and A.S.Is. have been reverted in the P.A.P. ; if so, whether any steps have been taken by the Government to avoid the said reversions ; if not, the reasons therefor ?

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ: ਹਾਂ ਜੀ। ਬੀ.ਐਸ.ਐਫ. ਵਿਚੋਂ ਅਨ ਇੱਛਕ (ਨਾਨ-ਆਪਟੀ) ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਵਾਪਸ ਆਉਣ ਨਾਲ ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਵਿੱਚ ਤਨੱਜ਼ਲੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਤਨੱਜ਼ਲੀਆਂ ਕਿਸੇ ਹੱਦ ਤਕ ਘਟਾਉਣ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਨ-ਇੱਛਕ (ਨਾਨ-ਆਪਟੀ) ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ 62 : 29 : 9 ਦੀ ਰੇਸ਼ੋ ਵਿੱਚ ਤਿੰਨਾਂ ਰਾਜਾਂ ਪੰਜਾਬ, ਹਰਿਆਣਾ ਅਤੇ ਹਿਮਾਚਲ ਪਰਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਵੰਡਣ ਲਈ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

Postings of P.A.P. Officers in Districts

***1710. Sardar Santokh Singh Randhawa :** Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that the officers of the P.A.P. who hav

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Sardar Santokh Singh Randhawa]
passed Intermediate or Upper Class from the Police Training School, Phillaur, are not posted in the districts; if so, the reasons therefor ?

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : ਹਾਂ ਜੀ। ਪੰਜਾਬ ਪੁਲਿਸ ਰੂਲਜ਼ 12.1(4) ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਅਤੇ ਸਹਾਇਕ ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਆਪਣੀਆਂ ਆਪਣੀਆਂ ਰੇਂਜਾਂ ਦੀ ਨਫਰੀ ਤੇ ਹੀ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਪੀ. ਟੀ. ਸੀ. ਫਿਲੌਰ ਤੋਂ ਇੰਟਰ ਅਤੇ ਅਪਰ ਸਕੂਲ ਕੋਰਸ ਦੀ ਸਿਖਲਾਈ ਲੈ ਕੇ ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਦੇ ਅਫਸਰ ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਵਿੱਚ ਪਰਤ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

Method of Promotions of P.A.P. Personnel

***1774. Bhagat Guran Dass Hans** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the manner in which promotions are made in the PAP force;

(b) whether any course has to be passed or any special qualifications are prescribed for being promoted from a Constable or a Head Constable to the post of a Sub-Inspector;

(c) whether any seniority list of different cadres in PAP is maintained; if so, the details thereof;

(d) whether any time-limit is prescribed for promotion as a Head Constable, if so, what together with other qualifications or considerations kept in view for this purpose;

(e) whether any Quota of reservation has been fixed for the Scheduled Castes in the P.A.P. Force; if so, whether the said quota has been fulfilled; if not, the reasons therefor and whether the Government propose to make up the deficiency, if any;

(f) whether there exists any difference in rules in respect of granting promotions to the members of Scheduled Castes in the P.A.P. as compared with the Punjab Police; if so, the details thereof ?

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : (ਏ) ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਵਿੱਚ ਤਰੱਕੀਆਂ ਇੱਕ ਰੈਂਕ ਤੋਂ ਦੂਜੇ ਰੈਂਕ ਤਕ ਦੀਆਂ ਤਰੱਕੀਆਂ ਪੰਜਾਬ ਪੁਲਿਸ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਚੈਪਟਰ-13 ਅਤੇ ਆਈ. ਜੀ, ਪੁਲਿਸ ਦੀਆਂ ਗਾਹੇ ਬਗਾਹੇ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।

(ਬੀ) ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਦੇ ਕੰਸਟੇਬਲਾਂ ਨੂੰ ਹੈਡ ਕੰਸਟੇਬਲ ਤਰੱਕੀਯਾਬ ਹੋਣ ਲਈ ਕੇਡਰ ਜਾਂ ਲੋਅਰ ਸਕੂਲ ਕੋਰਸ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹੈਡ ਕੰਸਟੇਬਲ ਨੂੰ ਪਲਾਟੂਨ ਕਮਾਂਡਰ ਕੋਰਸ ਜਾਂ ਅਪਰ ਸਕੂਲ ਕੋਰਸ ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਤਰੱਕੀਯਾਬ ਹੋਣ ਲਈ ਪਾਸ ਕਰਨੇ ਪੈਂਦੇ ਹਨ। ਅਗਰ ਟ੍ਰੇਂਡ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨਾ ਮਿਲਣ ਤਾਂ ਇਹ ਤਰੱਕੀਆਂ ਦੂਜੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਵਿਚੋਂ ਆਰਜ਼ੀ ਤੌਰ ਤੇ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।

(ਸੀ) ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਵਿੱਚ ਸਿਨਿਆਰਤਾ ਸੂਚੀਆਂ ਏ, ਬੀ, ਸੀ, ਡੀ ਅਤੇ ਈ ਪੰਜਾਬ ਪੁਲਿਸ ਰੂਲਜ਼ 13.1(3) ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਰੱਖੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।

(ਡੀ) ਇੱਕ ਕੰਸਟੇਬਲ ਨੂੰ ਹੈਡ ਕੰਸਟੇਬਲ ਤਰੱਕੀਯਾਬ ਹੋਣ ਲਈ ਕੋਈ ਟਾਈਮ ਲਿਮਿਟ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਦਾ ਕੰਸਟੇਬਲ ਕੇਡਰ ਕੋਰਸ ਪਾਸ ਕਰਨ ਲਈ 35 ਸਾਲ ਤੱਕ ਦਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਿਹੜੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਓਵਰਏਜ ਹੋਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੇਡਰ ਕੋਰਸ ਪਾਸ ਨਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕੀਤਾ ਹੋਵੇ ਉਹ 10 ਫੀ ਸਦੀ ਦੀ ਔਸਤ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ਪੰਜਾਬ ਪੁਲਿਸ ਰੂਲਜ਼ ਪੈਰਾ 13.8(2) ਅਨੁਸਾਰ ਤਰੱਕੀਯਾਬ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ। 13.19(1) ਅਨੁਸਾਰ ਜਿਹੜੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਆਪਣੀ ਡਿਊਟੀ ਵਿੱਚ ਬਹਾਦਰੀ ਵਿਖਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਰੈਜ਼ੀਡੈਂਟ ਪੁਲਿਸ ਫਾਇਰ ਸਰਵਿਸਜ਼ ਮੈਡਲ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਖੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਇਨਾਮ ਪਰਾਪਤ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਹ ਭੀ ਅਗਲੇ ਰੈਂਕਾਂ ਵਿੱਚ ਤਰੱਕੀ ਲਈ ਪਰਖੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ।

(ਈ) ਸ਼ਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਵਿੱਚ ਭੀ 20 ਫੀ ਸਦੀ ਅਸਾਮੀਆਂ ਰੀਜ਼ਰਵ ਰੱਖੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਕੋਟਾ ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਵਿੱਚ ਯੋਗ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਥੁੜ ਕਰਕੇ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਿਆ। ਫਿਰ ਭੀ ਪੁਲਿਸ ਵਿਭਾਗ ਵਲੋਂ ਹਰ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕੋਟਾ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ।

(ਐਫ) ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪੁਲਿਸ ਅਤੇ ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਵਿੱਚ ਸ਼ਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਦੇਣ ਦੇ ਰੂਲਾਂ/ਹਦਾਇਤਾਂ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਮਤ ਭੇਦ ਨਹੀਂ ਹੈ।

Starred Question No. 1811

(Extension has been asked for in respect of Starred Question No. 1811)

Starred Question No. 1812

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ, ਪੰਜਾਬ
ਅ: ਸ: ਨੰ: 143-ਸਿ: ਬਿ (7)-70
ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970

ਪਿਆਰੇ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ,

ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦਾ ਹੇਠ ਲਿਖਿਆ ਸਟਾਰਡ ਸਵਾਲ ਜੋ ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970, ਲਈ ਸਵਾਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾਂ ਇਕੱਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦੀ ਮਿਆਦ ਵਿਚ ਇਕ ਹਫਤੇ ਦੀ ਮੋਹਲਤ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ :—

ਸਟਾਰਡ ਸਵਾਲ ਨੰ: 1812
ਵਲੋਂ ਸ: ਮਹਿਤਾਬ ਸਿੰਘ ਢਿਲੋਂ ਐਮ. ਐਲ. ਏ.
ਆਦਰ ਸਹਿਤ।

ਹਿਤੂ,
ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ

ਸ੍ਰੀ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ,
ਸਪੀਕਰ,
ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ।

Percentage of Reservation Fixed for Scheduled Castes in Services in the State

*1353. **Sardar Gurbanta Singh :** Will the Minister for Social Welfare be pleased to state—

(a) the percentage of reservation fixed for Scheduled Castes in the State ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Sardar Gurbanta Singh]

(b) whether the Government in the Welfare Department has maintained any record showing the percentage of reservation of Scheduled Castes employees of Class I, II, III and IV upto 31st December, 1969, in Punjab ;

(c) whether there is any scheme under the consideration of Government to bring their number to the level of their due share in services ; if so, the details thereof ?

ਸਰ ਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ) : (ਏ) ਸਿੱਧੀ ਭਰਤੀ ਵਿੱਚ ਸਮੂਹ ਸੇਵਾਵਾਂ ਵਿਚ 20 ਫ਼ੀ ਸਦੀ ਅਤੇ ਇਹੋ ਪਰਸੈਂਟੇਜ ਤਰੱਕੀ ਵਿਚ ਕਲਾਸ 3 ਅਤੇ 4 ਸੇਵਾਵਾਂ ਵਿਚ।

(ਬੀ) ਕੇਵਲ ਪੁਨਰਗਠਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਤੋਂ 1 ਜਨਵਰੀ, 1968 ਤਕ ਦੀ ਪ੍ਰਤਿਨਿਧਤਾ ਸਬੰਧੀ ਅੰਕੜਿਆਂ ਦਾ ਰਿਕਾਰਡ ਬਨਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਹਾਂ ਜੀ। ਰਿਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨ ਦਾ ਵਰਤਮਾਨ ਪਰਸੈਂਟੇਜ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣਾ ਰਿਜ਼ਰਵ ਆਸਾਮੀਆਂ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਤੋਂ ਹੀ ਭਰੇ ਜਾਣ, ਰਿਵਰਸ਼ਨਾਂ ਨਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਰੋਸਟਰ ਚੈਕ ਕਰਨ ਦੀਆਂ ਕੇਵਲ ਤਜਵੀਜ਼ਾਂ ਹਨ ।

Starred Question No. 1725

(Extention has been asked for in respect of Starred Question No. 1725)

UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS, DATED 30TH MARCH, 1970

Construction of Syphon on the bridge on Sohal Drain near village Sur Singh, District Amritsar

623. Comrade Darshan Singh Jhabal : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the time since when construction of syphon was started on the bridge on Sohal Drain near village Sur Singh, Tehsil Patti, District Amritsar;

(b) the progress of the work so far made on the syphon referred to in part (a) above, if no progress has been made, the reasons therefor ?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) : (a) Work not yet started.

(b) In view of (a) above, question does not arise.

[(ੳ) ਕੰਮ ਅਜੇ ਸ਼ੁਰੂ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ।

(ਅ) ਉਪਰੋਕਤ (ੳ) ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦਿਆਂ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ !]

Work Centre for Women

630. Comrade Satya Pal Dang : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the total number of work centres for women being run by the Government in the State and a list thereof be laid on the Table of the House ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

(b) the criteria for the selection of places for the opening of such centres ;

(c) whether there are any work centres for women which are being run in the State by Voluntary Organization but which are aided by the Government, if so, a list thereof be laid on the Table of the House ;

(d) the criteria, if any, laid down by the Government to sanction aid to the existing work centres for women or for new ones proposed to be started ?

Shri Balram Das Tandon : (a) Nil.

(b) Question does not arise.

(c) No.

(d) Question does not arise.

Representation from Association of Ministerial Staff of Subordinate Offices of the Education Department

632. Chaudhri Ram Singh : Will the Minister for Education be pleased to state whether it is a fact that the Association of Ministerial Staff of Subordinate Offices of the Education Department represented to the Government/Department during the period from January, 1969 to February, 1970, for creating new posts in the ministerial cadre to tore up the work in the subordinate offices/schools ; if so, a copy of the same together the action ; if any, taken theieon be laid on the Table of the House ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ) : ਹਾਂ ਜੀ, ਮਿਨਿਸਟਰੀਅਲ ਸਟਾਫ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਨੇ ਨਵੀਆਂ ਪੋਸਟਾਂ ਰਚਣ ਵਾਸਤੇ ਮਿਤੀ 25 ਫਰਵਰੀ, 1969 ਨੂੰ ਮੈਮੋਰੈਂਡਮ ਦਿਤਾ ਸੀ ਜਿਸ ਦੀ ਕਾਪੀ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਅਧੀਨ ਦਫ਼ਤਰਾਂ ਲਈ ਵਧੀਕ ਨਵੀਆਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਦੀ ਰਚਨਾ ਲਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ, ਅਤੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਜਲਦੀ ਹੀ ਫੈਸਲਾ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ।

Punjab Education Department (Ministerial Staff) Association (Sub Offices), Punjab.

Hoshiarpur
Street No. 11, Krishna Nagar.

Memorandum presented to Honourable Dr. G.L. Bakshi, P.E.S. (1), Director of Public Instruction, Punjab, on the visit at Hoshiarpur on 25th February, 1969.

Sir,

The association made so many requests earlier, but it could not have the privilege to meet you. Now your goodself has accorded privilege to the association to place before you genuine demands of the Ministerial staff of the Education Department to whom this Association represents. Our demands are placed below in seriatum for favour of your sympathetic consideration at your earliest convenience —

1. **Creation of posts of Assistants Head Clerks and Superintendent to Sub-Offices.**—The assocations submitted memorandum in May, 1968, for the creation of additional staff in sub-offices on the basis of work load to the Directorate when the D.P.I. Punjab called the association at Chandigarh on 6th May, 1968. The D.P.I., Punjab agreed to submit the case for the creation of one post of Assistant in each High, Higher Secondary School and Block Education Offices and post of Superintendent in every College. Consequently the case was submitted to Government by your office for the creation of 758 posts of Assistants and Superintendents in the Fourth Five-Year Plan, but the case was returned by the Government with some objections and your comments on the earlier recommendations. The case is hanging fire in the Directorate for the last more than three months. The association prays that the case should be pursued vigorously for the sanction of the additional posts of the Assistants and Superintendents.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

2. **Adjustment of Clerks who secured the qualifications B.T./B.Ed./M.A. as Masters/Lecturers as is done in the case of teachers.** The association is requesting the department for the adjustment of clerks of Education Department who secured the qualifications of B.Ed./B.T./M.A. as Masters/Lecturers on regular basis at par with the teachers but so far no decision has been arrived at on this genuine demand of the association. It islearnt that the Education Department is regularising the services of un-adjusted B.T. teachers shortly. So it is prayed that the case of the clerks of Education Department who secured the qualification of B.T./B.Ed./M.A. be considered for regularisation of service at par with the teachers at an early date and necessary instructions in the field be issued.

3. **Promotions and preparation of gradation list of Ministerial staff after re-organisation of States.**—The association is requesting the Directorate time and again for the release of Gradation list of Ministerial staff after the Re-organisation of State and finalisation of the allocation of employees. But so far this request has not been acceded to.

ii) .A large number of supervisory posts of Head Clerks and Assistant Superintendents are lying vacant in the sub-office for the last more than four months and the people at the top who are due for promotion are waiting the promotion order anxiously. Similarly the posts of Assistants are also lying vacant. So it is prayed that the promotion orders against all the vacant posts of Head Clerks, Assistant Superintendents, Assistants mays kindly be released.

4. **Confirmation.**—A large number of employees having more than three years service are un-confirmed in the department. When the association met the then D.P.I., Punjab and it was told that the orders for the confirmation issued after the final allocation of the employees. Now the allocation of employees has since been finalsed. It is prayed that the orders of the confirmation of all the employees who have completed one year satisfactory service may kindly be issued within a fortnight.

5. **Anomalies in the grade of Head Clerks (Rs. 116/250) Assistant Superintendents and Head clerks (Rs. 150/300).** It is brought to your kind notice that on the implementation of Pay Commission recommendations a large number of the Supervisory staff of Sub-offices of the Educaation Department suffered as these main posts exist in this Department. The people with more than 25 years service have been hard hitted, as the Head Clerk Rs. 116—250 and Assistant Superintendent Rs. 116—250 plus Rs. 30/special pay has been equated with the Assistant 'B' Grade and the Head Clerk Rs. 150/300 having more than 30 years of service has been equated with Assistant 'A' Grade, Moreover, the 15 posts of Head Clerks, Rs. 116—250 have been equated with the Assistants and thus Supervisory posts have been reduced which are already short and the association is already representing for the creation of more supervisory posts according to dealing hands and branches in sub-offices. So it is prayed that these all existing posts of —

1.	Head Clerks Rs. 150/300 ..	22
2.	Assistants Superintendents, Rs. 116—250 *plus* Rs. 30 as Special Pay	12
3.	Head Clerks Rs. 116—250 ..	15

may be got converted into the posts of Deputy Superintendents in the grade of Rs. 200—450 *plus* Rs. 50.

Sd- . . .
Secretary.

Sd- . . .
President.

Temporary Posts of Sub-Overseers in the Mental Hospital, Amritsar

634. **Sardar Hari Singh** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :—

(a) the total number of temporary posts of Sub-Overseers in the Mental Hospital, Amritsar ;

(b) the qualifications prescribed by Government for the posts referred to in part (a) above ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

(c) whether the employees working on the said posts possess the requisite qualifications ?

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ (ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ): (ੳ) 6 (ਛੇ)

(ਅ) (1) ਅਠਵੀਂ ਪਾਸ ।

(2) ਮੈਂਟਲ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿੱਚ ਪੰਜ ਸਾਲ ਦਾ ਤਜਰਬਾ ।

(3) ਅਠਵੀਂ ਤਕ ਹਿੰਦੀ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੀ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੋਵੇ।

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ ।

Suspension etc of Non Gazetted Employees in the Food and Supplies Department

645. Chaudhri Sunder Singh: Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state :—

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of the Food and Supplies Department, Punjab have been suspended/ reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the reason in each case for suspension/reversion or termination of service as the case may be, be laid on the Table of the House ;

(c) the service rendered by each of the above mentioned employees in the department in each case ?

Sardar Balwant Singh (Finance Minister): (a,b&c) The requisite information as contained in Annexure I & II is laid on the Table of the House.

(ਏ ਬੀ ਅਤੇ ਸੀ) [ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਅਨੁਲਗ ਨੰ: 1 ਅਤੇ 2 ਤੇ ਹੈ, ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ]

ਅਨੁਲਗ ਨੰ: 1

ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ ਵਿਭਾਗ ਵਿੱਚ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਨਵੰਬਰ 1966 ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਫਰਵਰੀ 1970 ਤੱਕ ਮੁਅਤੱਲੀ ਰੀਵਰਸ਼ਨਾਂ ਦਾ ਵੇਰਵਾ

ਕ੍ਰਮ ਅੰਕ	ਕਰਮਚਾਰੀ ਦਾ ਨਾਮ	ਅਹੁਦਾ	ਹੁਣ ਕਿਥੇ ਲਗਾ ਹੈ	ਹੁਣ ਦਾ ਪੱਕਾ ਪਤਾ	ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਥਨ
1	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ ...	ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ	ਪਟਿਆਲਾ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ. ਪਟਿਆਲਾ	ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਦੇ ਦੋਸ਼। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
2	ਸ੍ਰੀ ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ...	,,	,,	,,	ਕਣਕ ਦੇ ਭੰਡਾਰ ਵਿਚ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ।
3	ਸ੍ਰੀ ਹਰਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ...	,,	,,	,,	ਮੱਕੀ ਦੀ ਖਰੀਦ ਵਿੱਚ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
4	ਸ੍ਰੀ ਰਾਜ ਕੁਮਾਰ ਤਲਵਾੜ	,,	ਬਠਿੰਡਾ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਫ. ਸ. ਕੰ, ਬਠਿੰਡਾ	ਖੰਡ ਦੇ ਜਾਹਲੀ ਪ੍ਰਮਟ ਕਟਣ ਕਾਰਨ।
5	ਸ੍ਰੀ ਆਰ. ਸੀ. ਬੰਸਲ ...	,,	,,	,,	ਕਣਕ ਦੀ ਘਾਟ ਕਾਰਨ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
6	ਸ੍ਰੀ ਸਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ...	,,	,,	,,	ਬਿਨਾਂ ਛੁਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰੀ ਆਦਿ।
7	ਸ੍ਰੀ ਬਿਕਰ ਸਿੰਘ ...	,,	ਸੰਗਰੂਰ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ. ਸੰਗਰੂਰ	ਕਣਕ ਦੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab

8	ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਤੀਰਥ ...	ਇੰਨਸਪੈਕਟਰ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ	ਸੰਗਰੂਰ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ. ਸੰਗਰੂਰ	20 ਬੋਰੀਆਂ ਕਣਕ ਦੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ ਤੋਂ ਸਰਕਾਰੀ ਕਾਗਜ਼ਾਂ ਵਿੱਚ ਕੱਟ ਵੱਢ।
9	ਸ੍ਰੀ ਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ...	,,	,,	,,	ਕਣਕ ਦੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ।
10	ਸ੍ਰੀ ਉਂਕਾਰ ਨਾਥ ਵਾਲੀਆ	,,	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਦੇ ਦੋਸ਼। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
11	ਸ੍ਰੀ ਭਗਵੰਤ ਸਿੰਘ	,,	,,	,,	ਡੀਪ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਬੋਗਸ ਇਡੈਂਟ ਦਾ ਜਾਰੀ ਕਰਨਾ ਆਦਿ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
12	ਸ੍ਰੀ ਹਰਭਜਨ ਸਿੰਘ ...	,,	ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	ਭੱਠੇ ਤੇ ਇਟਾਂ ਬਾਰੇ ਗੱਲਤ ਰਿਪੋਟਾਂ ਕਰਨ ਕਾਰਨ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
13	ਸ੍ਰੀ ਗੁਲਜ਼ਾਰੀ ਲਾਲ ...	,,	,,	,,	ਸਰਕਾਰੀ ਕਣਕ ਦੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ।
14	ਸ੍ਰੀ ਹਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ...	,,	,,	,,	ਸਰਕਾਰੀ ਕਣਕ ਦੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ।
15	ਸ੍ਰੀ ਮਨੋਹਰ ਲਾਲ ...	,,	,,	,,	ਘਟੀਆ ਕਣਕ ਦਾ ਖਰੀਦਣਾ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
16	ਸ੍ਰੀ ਵਿਦਿਆ ਰਤਨ ...	,,	ਜਲੰਧਰ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ, ਜਲੰਧਰ	ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਦਾ ਦੋਸ਼। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
17	ਸ੍ਰੀ ਪਿਆਰਾ ਲਾਲ ...	,,	,,	,,	ਚੋਲਾਂ ਦੀ ਬੋਰੀ ਦੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ ਅਤੇ ਗੱਠਾਂ ਦਾ ਖੁਰਦ ਬੁਰਦ ਕਰਨਾ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
18	ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰਭਜੋਤ ਸਿੰਘ ...	,,	ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ. ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ	ਕੈਸ਼ ਬੁਕ ਦਾ ਗੁੰਮ ਕਰਨਾ ਅਤੇ ਪੀ. ਆਰ. 1 ਦੀ ਕੱਟ ਵੱਢ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ]

ਕ੍ਰਮ ਅੰਕ	ਕਰਮਚਾਰੀ ਦਾ ਨਾਮ	ਅਹੁਦਾ	ਹੁਣ ਕਿਥੇ ਲਗਾ ਹੈ	ਹੁਣ ਦਾ ਪੱਕਾ ਪਤਾ	ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਥਨ
19	ਸ੍ਰੀ ਮੁਖਤਿਆਰ ਸਿੰਘ ...	ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਖੁਰਾਕ	ਪਟਿਆਲਾ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ	ਖਾਲੀ ਬੋਰੀਆਂ ਦੀ ਬੋਗਸ ਰੀਪਲੇਸਮੈਂਟ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
20	ਸ੍ਰੀ ਪਰੇਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਬਹਿਲ ..	,,	ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ	ਕਣਕ ਦੀਆਂ ਪੂਰੀਆਂ ਬੋਰੀਆਂ ਦੀ ਥਾਂ ਅਧੀਆਂ ਭਰੀਆਂ ਬੋਰੀਆਂ ਰਖੀਆਂ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
21	ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਪ੍ਰੇਮ ਚੋਪੜਾ ..	,,	,,	,,	ਖੰਡ ਦੇ ਜ਼ਾਹਲੀ ਪ੍ਰਮਟ ਦੀ ਚੀਨੀ ਆਪ ਲੈ ਗਈ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਗਈ ਹੈ।
22	ਸ੍ਰੀ ਕੁਲਦੀਪ ਸਿੰਘ ...	,,	,,	,,	ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਦਾ ਦੋਸ਼। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
23	ਸ੍ਰੀ ਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ...	,,	,,	,,	ਸਰਕਾਰੀ ਗੁਦਾਮ ਵਿਚੋਂ ਕਣਕ ਦੀ ਚੋਰੀ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
24	ਸ੍ਰੀ ਘਨਸ਼ਾਮ ਦੱਤ ...	,,	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ. ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	ਖੰਡ ਦਾ ਬੋਗਸ ਪ੍ਰਮਟ ਕਟ ਕੇ ਉਸ ਤੇ ਬਣਦੀ ਖੰਡ ਆਦਿ ਲੈਣ ਕਾਰਨ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
25	ਸ੍ਰੀ ਰਾਜਿੰਦਰ ਕੁਮਾਰ ...	,,	,,	,,	ਕਣਕ ਦੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
26	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਬਚਨ ਲਾਲ ...	,,	,,	ਨੌਕਰੀ ਛਡ ਚੁਕਾ ਹੈ	ਸ਼ਰਾਬ ਪੀ ਕੇ ਦਫ਼ਤਰੀ ਰੀਕਾਰਡ ਨੂੰ ਫਾੜਨਾ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
27	ਸ੍ਰੀ ਚਾਨਣ ...	,,	,,	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	ਬੈਰੀਅਰ ਦੀ ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ-ਹਾਜ਼ਰ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

28	ਸ੍ਰੀ ਸਾਂਈਂ ਦਾਸ ..	ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਖੁਰਾਕ	ਰੋਪੜ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ, ਰੋਪੜ	ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਦੇ ਦੋਸ਼, ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
	ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰਜ਼, ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ				
1	ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਕੁਮਾਰ ...	ਸਬ ਇਨਸਪੈਕਟਰ, ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ	ਰੋਪੜ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ. ਰੋਪੜ	ਪੁਲਿਸ ਕੇਸ 409, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. । ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
2	ਸ੍ਰੀ ਹਰਬਕਸ਼ ਸਿੰਘ ਹੀਰਾ	,,	,,	,,	ਰਾਸ਼ਨ ਕਾਰਡਾਂ ਦੀ ਗਲਤ ਤਸਦੀਕ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
3	ਸ੍ਰੀ ਰੂੜਾ ਰਾਮ ...	,,	ਪਟਿਆਲਾ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ. ਪਟਿਆਲਾ	409, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ., ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
4	ਸ੍ਰੀ ਤਾਰਾ ਚੰਦ ...	,,	,,	,,	ਕਣਕ ਦੀ ਘਾਟ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
5	ਸ੍ਰੀ ਰਾਜ ਕੁਮਾਰ ਸੋਨੀ	,,	ਜਲੰਧਰ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ. ਜਲੰਧਰ	ਰਾਸ਼ਨ ਕਾਰਡਾਂ ਦੀ ਗਲਤ ਤਸਦੀਕ । ਬਹਾਲ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ।
6	ਸ੍ਰੀ ਅਮਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ...	,,	,,	,,	ਮੱਕੀ ਦੀ ਖਰੀਦ ਵਿਚ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
7	ਸ੍ਰੀ ਬਾਲ ਕਰਿਸ਼ਨ ...	,,	,,	,,	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ 409/407, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. । ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
8	ਸ੍ਰੀ ਸਾਧੂ ਸਿੰਘ ...	,,	ਲੁਧਿਆਣਾ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ, ਲੁਧਿਆਣਾ	ਖਾਲੀ ਬੋਰੀਆਂ ਦੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
9	ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ ਵਾਲੀਆ	,,	,,	,,	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ]

ਕ੍ਰਮ ਅੰਕ	ਕਰਮਚਾਰੀ ਦਾ ਨਾਮ	ਅਹੁਦਾ	ਹੁਣ ਕਿਥੇ ਲਗਾ ਹੈ	ਹੁਣ ਦਾ ਪੱਕਾ ਪੱਤਾ	ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਥਨ
10	ਸ੍ਰੀ ਸਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ...	ਸਬ-ਇੰਸਪੈਕਟਰ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ	ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ	ਅਨਾਜ ਦੀ ਸਮਗਲਿੰਗ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
11	ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਰਾਂਝਾ ...	,,	ਕਪੂਰਥਲਾ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਕਪੂਰਥਲਾ	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
12	ਸ੍ਰੀ ਕੈਲਾਸ਼ ਚੰਦਰ ...	,,	ਬਠਿੰਡਾ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਬਠਿੰਡਾ	ਪੀ. ਆਰ. ਰਜਿਸਟਰ ਨਹੀਂ ਸੀ ਭਰਿਆ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
13	ਸ੍ਰੀ ਸੁਦੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਬਸੀਨ	,,	,,	,,	ਸਰਕਾਰੀ ਅਨਾਜ ਦੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
14	ਸ੍ਰੀ ਬਖਤਾਵਰ ਸਿੰਘ ...	,,	ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ, ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	ਅਨਾਜ ਦੀ ਸਮਗਲਿੰਗ। ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
15	ਸ੍ਰੀ ਮੇਵਾ ਸਿੰਘ ..	,,	ਸੰਗਰੂਰ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਸੰਗਰੂਰ	ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਦੇ ਦੋਸ਼। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
16	ਸ੍ਰੀ ਜਸਪਾਲ ਸਿੰਘ ..	,,	,,	,,	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ ਮੁਅਤਲੀ ਅਧੀਨ।
17	ਸ੍ਰੀ ਸੋਹਨ ਲਾਲ ..	,,	,,	,,	ਸਰਕਾਰੀ ਅਨਾਜ ਦੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ। ਮੁਅਤਲੀ ਅਧੀਨ।
18	ਸ੍ਰੀ ਬਲਦੇਵ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ..	,,	,,	,,	ਗੁਦਾਮਾਂ ਵਿਚ ਪੂਰੀਆਂ ਬੋਰੀਆਂ ਦੀ ਥਾਂ ਅਧੀਆਂ ਬੋਰੀਆਂ ਦਾ ਰਖਣਾ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab

ਮੁਖ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਕ

1	ਸ੍ਰੀ ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ ..	ਮੁਖ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਕ	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਚੌਲਾਂ ਦਾ ਗਲਤ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ।	ਮੁਅਤਲੀ ਅਧੀਨ ਹੈ।
2	ਸ੍ਰੀ ਸੁਦਰਸ਼ਨ ਗੋਇਲ	,,	ਪਟਿਆਲਾ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਪਟਿਆਲਾ	ਚੌਲਾਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ ਨੂੰ ਬਦਲਣਾ।	ਮੁਅਤਲੀ ਅਧੀਨ।
3	ਸ੍ਰੀ ਸ਼ਾਮ ਲਾਲ ਜੋਸ਼ੀ ..	,,	ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਫੀਰੋਜ਼ਪੁਰ	ਘਟੀਆ ਚੌਲਾਂ ਦਾ ਖਰੀਦਣਾ।	ਮੁਅਤਲੀ ਅਧੀਨ।
4	ਸ੍ਰੀ ਨੌਬਤ ਰਾਏ ..	,,	ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	ਮਾਰਫਤ ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ,, ਪੰਜਾਬ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	ਅਫਸਰਾਂ ਦਾ ਹੁਕਮ ਨਹੀਂ ਸੀ ਮੰਨਿਆ।	ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
5	ਸ੍ਰੀ ਤਿਲਕ ਰਾਜ ਛਾਬੜਾ	,,	ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ	ਅਨਾਜ ਦਾ ਗਲਤ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ।	ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।

ਮੀਤ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਕ

1	ਸ੍ਰੀ ਫਜਲਿਤ ਮਸੀਹ	ਮੀਤ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਕ	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਚੌਲਾਂ ਦਾ ਗਲਤ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ।	ਮੁਅਤਲੀ ਅਧੀਨ ਹੈ।
2	ਸ੍ਰੀ ਸੀਤਾ ਰਾਮ ..	,,	,,	,,	,,	
3	ਸ੍ਰੀ ਰਾਜ ਕੁਮਾਰ ..	,,	,,	,,	,,	
4	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦੀਪ ਸਿੰਘ ..	,,	ਬਠਿੰਡਾ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਬਠਿੰਡਾ	ਸ਼ਰਾਬ ਪੀ ਕੇ ਦਫ਼ਤਰ ਦੇ ਕਾਗਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਫਾੜਨਾ।	ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ]

ਕ੍ਰਮ ਅੰਕ	ਕਰਮਚਾਰੀ ਦਾ ਨਾਮ	ਅਹੁਦਾ	ਹੁਣ ਕਿਥੇ ਲਗਾ ਹੈ	ਹੁਣ ਦਾ ਪੱਕਾ ਪੱਤਾ	ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਥਨ
		ਕਲਰਕ ਅਤੇ ਸਟੈਨੋ-ਟਾਈਪਿਸਟ			
1	ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਰਤਨ ..	ਕਲਰਕ	ਜਲੰਧਰ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਜਲੰਧਰ	ਪੁਲਸ ਕੇਸ। ਮੁਅਤਲੀ ਅਧੀਨ।
2	ਸ੍ਰੀ ਮਦਨ ਲਾਲ ਕੌਸ਼ਲ	ਕਲਰਕ	ਲੁਧਿਆਣਾ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੰ., ਲੁਧਿਆਣਾ	ਬੋਗਸ ਪ੍ਰਮਟਾਂ ਦਾ ਕਟਣਾ। ਮੁਅਤਲੀ ਅਧੀਨ।
3	ਸ੍ਰੀ ਓ. ਪੀ. ਓਹਰੀ	ਸਟੈਨੋ-ਟਾਈਪਿਸਟ	ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	ਮਾਰਫਤ ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ ਪੰਜਾਬ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	ਦਫ਼ਤਰ ਵਿਚ ਬਚਿਆਂ ਜਿਹੀਆਂ ਹਰਕਤਾਂ ਕਰਨ ਕਾਰਨ। ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।
4	ਸ੍ਰੀ ਮਨੋਹਰ ਲਾਲ ਕਤਿਆਲ	,,	ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	,,	ਆਪਣੇ ਅਫਸਰ ਦਾ ਹੁਕਮ ਨਾ ਮੰਨਣ ਕਾਰਨ ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ।

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab

ਅਨੁਲਗ ਨੰ: II

ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ ਵਿਭਾਗ ਵਿੱਚ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਨਵੰਬਰ 1966 ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਫਰਵਰੀ, 1970 ਤਕ ਟਰਮੀਨੇਸ਼ਨਾਂ ਦਾ ਵੇਰਵਾ

ਕ੍ਰਮ ਅੰਕ	ਨਾਮ	ਕਿੰਨੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ	ਪੱਕਾ ਪਤਾ	ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਥਨ
			ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ	
1	ਸ੍ਰੀ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ ..	28 ਮਈ, 1965 ਤੋਂ 18 ਅਪਰੈਲ, 1967 ਤਕ	ਪੁਤਰ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਕਾਲੰਜਰ, ਤਹਿਸੀਲ ਪੱਟੀ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਨਿਯੁਕਤੀ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਅਧੀਨ।
		ਸਬ-ਇਨਸਪੈਕਟਰ, ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ		
1	ਸ੍ਰੀ ਪਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ..	..	ਮਾਰਫਤ ਜ਼ਿਲਾ ਖ. ਸ. ਕੰ., ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਇਸ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਸਿਰੇ ਤੋਂ ਨਿਯੁਕਤੀ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਇਸ ਦੀਆਂ ਨਿ-ਯੁਕਤੀਆਂ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਮੁਤਾਬਿਕ ਕਢਿਆ ਗਿਆ ਸੀ।
2	ਸ੍ਰੀ ਹਰਭਜਨ ਸਿੰਘ ..	1 ਜੂਨ, 1965 ਤੋਂ 24 ਜੂਨ, 1967 ਤਕ	ਪੁਤਰ ਸ੍ਰੀ ਮੁਨਸ਼ੀ ਰਾਮ, ਪਿੰਡ ਸੁਖਰਾਮ, ਤਹਿਸੀਲ ਅਤੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਰੋਪੜ	ਨਿਯੁਕਤੀ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਮੁਤਾਬਿਕ ਕਢਿਆ ਗਿਆ ਸੀ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ]

ਕ੍ਰਮ ਅੰਕ	ਨਾਮ		ਕਿੰਨੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ	ਪੱਕਾ ਪਤਾ	ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਥਨ
3	ਸ੍ਰੀ ਰੁਮੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਅਗਰਵਾਲ		..	..	ਨਿਯੁਕਤੀ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਕਢਿਆ ਗਿਆ ਸੀ।
4	ਸ੍ਰੀ ਰਣਜੀਤ ਸਿੰਘ	..	6 ਮਾਰਚ, 1959 ਤੋਂ 5 ਅਕਤੂਬਰ, 1968	267/7, ਅਨੰਦ ਪੁਰੀ, ਪਟਿਆਲਾ	ਗੰਭੀਰ ਦੋਸ਼ਾਂ ਕਾਰਨ।
5	ਸ੍ਰੀ ਸੁਦਾਗਰ ਸਿੰਘ	..	..	..	ਨਿਯੁਕਤੀ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਅਧੀਨ।
	ਮੀਤ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਕ				
1	ਸ੍ਰੀ ਯਸ਼ ਪਾਲ ਕਾਲੜਾ	..		..	ਨਿਯੁਕਤੀ ਪਤਰ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਅਧੀਨ।
2	ਸ੍ਰੀ ਰੋਸ਼ਨ ਲਾਲ ਮਦਾਨ	..	ਰੋਪੜ	ਮਾਰਫਤ ਜਿ. ਖ. ਸ. ਕੋ., ਰੋਪੜ	ਨਿਯੁਕਤੀ-ਪੱਤਰ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਅਧੀਨ ਕਢਿਆ ਗਿਆ ਸੀ। ਇਸ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਸਿਰੇ ਤੋਂ ਨੌਕਰੀ ਵਿੱਚ ਰੱਖ ਲਿਆ ਹੈ।
	ਕਲਰਕ				
1	ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਲਾਲ ਗਰਗ	..	18 ਮਈ, 1958 ਤੋਂ 23 ਅਗਸਤ, 1967	..	ਨਿਯੁਕਤੀ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ।

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panja

Suspension, etc., of Non-Gazetted employees of P.W.D., Public Health Department, Punjab.

646. Shri Gurdial Saini : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :—

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of P.W.D., Public Health Department, Punjab, have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the service rendered by each such employee in the Department and also the reasons for suspension/reversion/termination of service, whatever the case may be, be laid on the Table of the House ?

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ): ਇਹ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਕਰਨ ਉੱਤੇ ਖਰਚ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਸਮੇਂ ਅਤੇ ਮਿਹਨਤ ਦੇ ਟਾਕਰੇ ਉਤੇ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਕਿਸੇ ਲਾਭ ਦੀ ਕੋਈ ਵੁਕੱਤ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ।

Suspension, etc., of Non-Gazetted Employees of P.W.D. (B & R) Department, Punjab

650. Shri Gurdial Saini : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state —

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of P.W.D. (B. & R.) Department, Punjab, have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the district-wise list of said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the service rendered by each such employee in the Department and also the reasons for suspension/reversion/termination of service, whatever the case may be, be laid on the Table of the House?

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ): ਇਹ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਕਰਨ ਉੱਤੇ ਖਰਚ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਸਮੇਂ ਅਤੇ ਮਿਹਨਤ ਦੇ ਟਾਕਰੇ ਉਤੇ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਕਿਸੇ ਲਾਭ ਦੀ ਕੋਈ ਵੁਕਤ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ।

Decision on Civil Writ No. 1821 of 1966

652. Comrade Darshan Singh Jhabal : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Registrar, Cooperative Societies, Punjab, gave any written statement in Civil Writ No. 1821 of 1966, regarding finalisation of seniority list of Assistants/ Head Clerks of Cooperative Department;

(b) whether it is a fact that the Punjab and Haryana High Court issued a direction to revise the said seniority list within three

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Darshan Singh Jhabal]

months of the date of Court's decision; if so, the steps, if any, taken to implement the said decision?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) Yes Sir.

(b) Yes Sir. To implement this decision a tentative seniority list of Assistants/Head Clerks was issued by the Registrar Cooperative Societies, Punjab on 4th July, 1969. Those who represented against this seniority list were heard and a final list issued on 20th March, 1970.

[(ਏ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ। ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਦੇ ਹੁਕਮ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਲਈ ਰਜਿਸਟਰਾਰ, ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ, ਪੰਜਾਬ, ਨੇ 4 ਜੁਲਾਈ, 1969 ਨੂੰ ਅਸਿਸਟੈਂਟ/ਹੈਡ ਕਲਰਕਾਂ ਦੀ ਟੈਂਟੇਟਿਵ ਸੀਨੀਆਰਟੀ ਲਿਸਟ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀ ਸੀ ਜਿਸ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਪ੍ਰਤੀ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਸੁਣਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਫਾਈਨਲ ਲਿਸਟ 20 ਮਾਰਚ, 1970 ਨੂੰ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀ ਗਈ।]

Work Centres for Women run by Social Welfare Department, Punjab

658. Comrade Satya Pal Dang : Will the Minister for Social Welfare be pleased to state—

(a) the total number of Work Centres for women being run by the Government in the Social Welfare Department in the State at present with the names of the places;

(b) the number of women employed/working in the said centres;

(c) the total number of work centres for women being run by Voluntary Organisations and being given financial aid by the Government in the Social Welfare Department, together with the names of places where these are functioning;

(d) the number of women employed/working in these centres if known to Government?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ): (ੳ) ਇਸ ਵੇਲੇ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੰਜ ਸੈਂਟਰ ਚਲ ਰਹੇ ਹਨ :—

(1) ਗਾਂਧੀ ਵਨਿਤਾ ਆਸ਼ਰਮ, ਜਲੰਧਰ ।

(2) ਪ੍ਰੋਟੈਕਟਿਵ ਹੋਮ, ਜਲੰਧਰ ।

(3) ਕਸਤੂਰਬਾ ਸੇਵਾ ਆਸ਼ਰਮ, ਰਾਜਪੁਰਾ ।

(4) ਆਫ਼ਟਰ ਕੇਅਰ ਹੋਮ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।

(5) ਇਨਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨ ਫ਼ਾਰ ਬਲਾਈਂਡ ਗਰਲਜ਼, ਲੁਧਿਆਣਾ ।

(ਅ) 176 ਇਸਤਰੀਆਂ ।

(ਦ) ਨਿਮਨਲਿਖਤ 9 ਸੈਂਟਰ ਹਨ :—

(1) ਸੀਤਲ ਕਾਲਜ (ਲੜਕੀਆਂ ਲਈ), ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।

(2) ਮਾਡਲ ਨਰਸਰੀ ਅਤੇ ਬਾਲਗਾਂ ਲਈ ਮੁਫ਼ਤ ਵਿਦਿਆ ਦਾ ਕੇਂਦਰ, ਬਠਿੰਡਾ।

(3) ਕਾਂਗੜਾ ਵੈਲਫ਼ੇਅਰ ਸੁਸਾਇਟੀ, ਨੰਗਲ ਟਾਊਨਸ਼ਿਪ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(4) ਜੰਤਾ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਸਕੂਲ (ਲੜਕੀਆਂ ਲਈ) ਨਕੋਦਰ ।
(5) ਭਾਰਤ ਸੇਵਕ ਸਮਾਜ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ।
(6) ਆਲ ਇੰਡੀਆ ਵਿਮਨ ਕਾਨਫਰੰਸ, ਪੰਜਾਬ ਬਰਾਂਚ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ।
(7) ਆਲ ਇੰਡੀਆ ਵਿਮਨ ਕਾਨਫਰੰਸ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਬਰਾਂਚ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।
(8) ਨਾਰੀ ਨਕੇਤਨ/ਨਾਰੀ ਨਿਰਮਾਣ, ਜਲੰਧਰ ।
(9) ਗਰਾਮ ਸਹਿਯੋਗ ਸਮਾਜ ਪੰਜਾਬ ਪ੍ਰਦੇਸ਼, ਲੁਧਿਆਣਾ ।

(ਸ) ਸਰਕਾਰ ਕੋਲ ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਸੂਚੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

Suspension etc. of Non-Gazetted Employees in the Treasuries Department, Punjab

660. Comrade Babu Singh Master : Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of Treasuries Department, Punjab, have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970;

(b) If the reply to para (a) above be in the affirmative, the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent address stating the service rendered by each employee in the Department and also the reasons of suspension/reversion/termination of service, as the case may be in each case, be laid on the Table of the House ?

ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ: (ੳ) ਨਾ ਜੀ । ਖਜ਼ਾਨਿਆਂ ਦੇ ਸਿਰਫ 6 ਨਾਨ-ਗਜ਼ਟਿਡ ਕਰਮਚਾਰੀ ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ਅਤੇ ਤਿੰਨ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀਆਂ ਸੇਵਾਵਾਂ ਸਮਾਪਤ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ।

(ਅ) ਇਨ੍ਹਾਂ 9 ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਸਭਾ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

[(a) No. Sir. Only six non-gazetted officials of Treasuries were suspended and services of three were terminated.

(b) The list of 9 such officials is placed on the Table of the House.]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਵਿਤ ਮੰਤ੍ਰੀ]

List of regular officials of Treasury Department suspended/reverted/terminated during the period from 1st November 1966 to Feb., 1970.

Serial No.	Name of the Official	Designation	Whether suspended/ reverted or terminated	Reason for suspension/ reversion/ termination	Last place of posting	Present place of posting	Service rendered in the Treasury Department	Permanent address
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	District Gurdaspur							
1	Shri Brij Mohan Lal Sharma	Assistant	Suspended (re-instated)	Misconduct	Gurdaspur	Amritsar	15 years	Village Sheikhupura tehsil and district Kapurthala
2	Shri Darshan Singh ..	Clerk	Ditto	Ditto	Ditto	Hoshiarpur	14 years	Village Sidhwan Jimata, P.O. Dhariwal
	District Amritsar							
3	Shri M.S. Pannu ..	Clerk	Ditto	Negligence and Misconduct	Amritsar	Jullundur	5 years	Not readily available
4	Shri J.C. Tuli ..	Clerk	Ditto	Arrest by Vigilance Department	Tarn Taran	Tarn Taran	12 years	Ditto
5	Shri J.R. Maini ..	Clerk	Ditto	Ditto	Ditto	Amritsar	4 years	Ditto
	District Jullundur							
6	Shri G.N. Nayyar ..	Clerk	Ditto	Negligence and Misconduct	Jullundur	Nakodar	8½ years	Ditto

Origin with;
Punjab Vidhan Sabha
Digiti by;
Panjab

	District Ferozepur							
7	Shri Sardari Lal ..	Clerk	Terminated	Unsatisfactory work during probation period	Ferozepur	Not applicable	About 2 years	S/o Shri Mangat Ram, V. & P.O. Kot Isa Khan, Distt. Ferozepur
8	Shri P.L. Bansal ..	Clerk	Ditto	Misconduct	Patiala	Ditto	About 8 years	Not known
	District Gurdaspur							
9	Shri Hans Raj ..	Peon	Ditto	Ditto	Gurdaspur	Ditto	About 1½ years	Not known

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

UNSTARRED QUESTION No. 662

ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨੰਬਰ 662 ਜੋ ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970 ਲਈ ਅਨਸਟਾਰਡ ਸਵਾਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿੱਚ ਸ੍ਰੀ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਨਾਂ ਹੇਠ ਦਰਜ ਹੈ, ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਹੈ।

2. ਸਬੰਧਤ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਹੋ ਜਾਣ ਤੇ ਜਵਾਬ ਤੁਰੰਤ ਭੇਜ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

(ਸਹੀ) ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ,
ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ, ਪੰਜਾਬ

ਸੇਵਾ ਵਿਖੇ

ਸਕੱਤਰ,
ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ।
ਗ: ਸ: ਨੰ: 2323-ਸੀ(3)-70/2154 ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, ਮਿਤੀ 30 ਮਾਰਚ, 1970

Principal Government Junior Technical School, Kapurthala

667. Comrade Dana Ram : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the name of the Principal of the Government Junior Technical School, Kapurthala;
(b) whether at any time earlier he was the Principal, Government Junior Technical School, Gurgaon;
(c) whether it is a fact that a criminal case against him is pending before the Chief Judicial Magistrate, Gurgaon (FIR No. 126/68) P.S. City Gurgaon;
(d) whether it is a fact that he is at present on bail and that the orders releasing him on bail were passed on 4th December, 1969;
(e) whether he has been placed under suspension, if not, the reasons therefor?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister): (a) Shri Gurbachan Singh.

(b) Yes.
(c) Yes.
(d) Yes.
(e) No, the matter is under consideration.

[(ਏ) ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ।
(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ ।
(ਸੀ) ਹਾਂ ਜੀ
(ਡੀ) ਹਾਂ ਜੀ ।
(ਈ) ਨਹੀਂ ਜੀ । ਮੁਆਮਲਾ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ।]

QUESTION OF PRIVILEGE

Mr. Speaker: I have received notice of a privilege motion......

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿਘ : * * *

Mr. Speaker: It should not form part of the proceedings of the House. The hon. Member should please resume his seat. There should be no more supplementary questions now.

I have received notice of a privilege motion from Sardar Bachan Singh Pakho, M.L.A, wherein he has alleged that Sardar Umrao Singh, MLA, was assaulted on the 26th March, 1970, in the Chamber of the Vidhan Sabha after the House was adjourned. I hold that the matter proposed to be discussed is in order. Sardar Bachan Singh Pakho may please if he so wants, make a short statement relevant thereto while asking for leave to raise the question of privilege.

ਸਰਦਾਰ ਬਚਨ ਸਿੰਘ ਪੱਖੋ (ਭਦੌੜ ਐਸ. ਸੀ.): ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪਿਛਲੇ ਦਿਨ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਐਡਜਰਨ ਕਰਕੇ ਜਾ ਰਹੇ ਸੀ, ਅਜੇ ਬਾਹਰ ਜਾਣ ਲਗੇ ਸੀ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਬਾਹਰੋਂ ਬੰਦੇ ਆ ਗਏ। ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਨੇ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਮਾਰਿਆ, ਫੇਰ ਸੰਤ ਸਿੰਘ ਆ ਗਿਆ ਉਸ ਨੇ ਵੀ ਮਾਰਿਆ। ਇਸ ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਫੇਰ ਉਮਰਾਨੰਗਲ ਆ ਗਿਆ ਉਹ ਦੇ ਨਾਲ ਵੀ 15-20 ਆਦਮੀ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਨੇ ਵੀ ਕਈਆਂ ਨੂੰ ਆਕੇ ਫੜ ਲਿਆ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕਿਸੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਇਸ ਪ੍ਰਿਵਿਲੇਜ ਮੋਸ਼ਨ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਆਬਜੈਕਸ਼ਨ ਹੈ ? (ਕੋਈ ਆਵਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਆਈ) (Has any hon. Member got any objection to this Question of Privilege being admitted ?)

(*No Member rose to speak*)

I refer the matter to the Committee of Privileges.

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਜਿਸ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਪ੍ਰਿਵਿਲੇਜ ਮੋਸ਼ਨ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਉਸ ਨੇ ਆਪਣੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇ ਵਿੱਚ ਕਿਹਾ ਹੈ, 'ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਤੁਸੀਂ ਬਾਹਰ ਜਾਣ ਲਗੇ ਸੀ'। ਮੈਂ ਜਾਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਵਾਕਾ ਕੀ ਤੁਹਾਡੀ ਮੌਜੂਦਗੀ ਦੇ ਵਿਚ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ?

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜੀ ਨਹੀਂ ।(No please)

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ......

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਮੈਟਰ ਹੁਣ ਪ੍ਰਿਵਿਲੇਜ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਰੈਫਰ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ, ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਕੁਝ ਨਾ ਕਹੋ (I would request the hon. Member not to say anything about this matter now as this has been referred to the Privileges Committee.)

NO CONFIDENCE MOTION

Mr. Speaker: Sardar Umrao Singh, MLA., has given notice of a No-Confidence Motion against the Council of Ministers. He may please ask for leave of the House to move the Motion.

Sardar Umrao Singh: Sir, I beg to ask for leave to move the following No-Confidence-Motion against the Ministry :—

That this House expresses its lack of confidence in the Ministry as a whole

---

*Expunged as ordered by the Chair.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker: Those hon. Members who are in favour of leave being granted may please rise in their places.

(28 ਮੈਂਬਰ ਖੜੇ ਹੋਏ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: 28 ਮੈਂਬਰ ਹੱਕ ਵਿੱਚ ਖੜੇ ਹੋਏ ਹਨ (Twenty-eight hon. Members have stood in favour of this Motion.)......

The leave is granted (*Cheers*). Under Rule 65(3), I allot 2 hours for the discussion of this motion today. This discussion will take place after the Punjab Appropriation (No. 2) Bill, 1970, is disposed of.

Sardar Umrao Singh: It is absolutely wrong. There is business for tomorrow also. Why should there be hurry?

Mr. Speaker: The House will now take up Call Attention Notices.

Sardar Umrao Singh: Sir, there is a sitting of the House tomorrow and day after tomorrow. We have to prepare ourselves.

Captain Rattan Singh: On a point of Order, Sir. I would like to draw your attention to the Fourth Report of the Business Advisory Committee of the Punjab Vidhan Sabha which was presented and adopted by the House.)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਤੁਸੀਂ ਕਿਸ ਬਾਰੇ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ? (What is your point of order and about which matter?)

Captain Rattan Singh: I am raising this Point of Order regarding the Fourth Report of the Business Advisory Committee. The question raised by the hon. Member Sardar Umrao Singh is that there is also other business before the House and that business has already been approved and passed by the House. I would, therefore, request you that if you want to give us an opportunity.......

Mr. Speaker: I have provided you the first and foremost opportunity available. (Cheers from the Treasury Benches).

Sardar Umrao Singh: Sir, the rules are very clear. Rule 65(4) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly says—

> The Speaker shall, at the appointed hour on the allotted day or, as the case may be, the last of the allotted days forthwith put every question necessary to determine the decision of the Assembly on the Motion.

Mr. Speaker: Rule 65(3) of the Rules of Procedure says—

> If leave is granted under sub-rule (2), the Speaker may after considering the state of business in the Assembly, allot a day or days or part of a day for the discussion of the motion (*Cheers*)

Sardar Umrao Singh: Sir, we have two more days.

Mr. Speaker: Although the motion was defective, I have yet admitted it.

Captain Rattan Singh: If you think that you have admitted a wrong motion ....

Mr. Speaker: I must provide you the first and the foremost opportunity to discuss the motion.

Captain Rattan Singh: You were pleased to observe that the motion was defective.

Mr. Speaker: It was got amended subsequently .

Captain Rattan Singh: If it was defective.......

Mr. Speaker: I did not want to rule it out of order on technical grounds.

Origin with;
Punjab idhan Sabha
Digitiz by;
Panjab

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ: ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਡੀਫੈਕਟਿਵ ਸੀ, ਪਰ ਫੇਰ ਵੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਅਸੀਂ ਇਸ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਫੇਸ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਤਿਆਰ ਹਾਂ।

Mr. Speaker : It has already been admitted.

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਡੀਫੈਕਟਿਵ ਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਐਕਸੈਪਟ ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ। You had three alternatives. You could allot a day or days or a part of a day. You have decided to allot a part of a day. You have used discretion to allot the minimum possible time for the discussion of this motion.

Mr. Speaker: The House will take up Call Attention Motions now.

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਠੀਕ ਹੈ ਜੇ ਕੋਈ ਡਿਸਕ੍ਰੀਸ਼ਨ ਵਰਤਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਸਾਡੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਵਰਤੋ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ: ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਸਰ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਡਿਸਕ੍ਰੀਸ਼ਨ ਨੂੰ ਚੈਲੰਜ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ। ਠੀਕ ਹੈ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਖਤਿਆਰ ਹੈ ਇਕ ਦਿਨ ਦੋ ਦਿਨ ਜਾਂ ਤਿੰਨ ਦਿਨ ਜਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਵਧ ਤੁਸੀਂ ਟਾਈਮ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਲਈ ਫਿਕਸ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ। ਪਰ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਚਾਹੇ ਕਿਸੇ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪੁਛ ਲਓ ਇਹ ਜਿਹੜੀਆਂ ਡਿਸਕਰੀਸ਼ਨਰੀ ਪਾਵਰਜ਼ ਵਰਤੀਆਂ ਜਾਣੀਆਂ ਹਨ ਇਹ keeping in view the state of business before the House ਵਰਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਜਿਹੜੀ ਲਿਸਟ ਆਫ ਬਿਜ਼ਨਸ ਇਸ ਵੇਲੇ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ 4 ਬਿਲਜ਼ ਹੋਰ ਵੀ ਹਨ। ਆਪ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਅਜ ਦੇ ਦਿਨ ਦੀ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਯਾਨੀ ਇਸ ਤੇ ਭਾਵੇਂ ਸਾਰੀ ਰਾਤ ਲੱਗੇ। ਐਸੇ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ, ਇਤਨਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਹਾਊਸ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਣਾ ਇਕ ਨਵੀਂ ਹੀ ਗਲ ਹੈ। ਇਹ ਤੁਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਜਦੋਂ ਹਾਊਸ ਨੇ ਇਸ ਮੋਸ਼ਨ ਨੂੰ ਰਿਜੈਕਟ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਕੀ ਇਹ ਕੋਈ ਨੋ ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਹੀ ਨਹੀਂ.........

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਐਪਰੋਪ੍ਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਨੋ-ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੀ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) (The Appropriation Bill is coming before the House, I, therefore, feel that there is no need for moving any no-confidence motion.)

Sardar Umrao Singh: Sir, I respectfully differ with you. Voting on the Appropriation Bill does not amount to no-confidence. We want independent time and independent occasion for the discussion of this motion.

Mr. Speaker: Please resume your seat.

Sardar Umrao Singh: If this is your attitude then I beg to ask for leave to withdraw my motion.

Mr. Speaker: Sardar Umrao Singh has asked for leave of the House to withdraw his motion. Is it the pleasure of the House?

Voices : yes, yes

Mr. Speaker: The motion stands withdrawn by the leave of the House.

The motion was, by leave, withdrawn

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

CALL ATTENTION NOTICES

Serial No. 192

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਲੋਕ ਮਹੱਤਤਾ ਦੇ ਇਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਾਮਲੇ ਵਲ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ, ਅਰਥਾਤ ਜ਼ੀਰਾ ਪੰਚਾਇਤ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਦੇ ਸਰਪੰਚ ਅਤੇ ਸੈਕਟਰੀ ਨੇ ਪੰਚਾਇਤ ਦੀ ਬੜੀ ਕੀਮਤੀ ਜ਼ਮੀਨ ਆਪਣੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰਾਂ ਅਤੇ ਦੋਸਤਾਂ ਨੂੰ ਕੌਡੀਆਂ ਦੇ ਭਾ ਵੇਚ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਵੇਚੀ ਜਾਣ ਵਾਲੀ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਕੁਲ ਰਕਬਾ 38 ਕਨਾਲ 12 ਮਰਲੇ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦਾ ਪੰਚਾਇਤ ਖਾਤੇ ਵਿਚ ਜਮ੍ਹਾ ਮੁਲ 972 ਰੁਪਏ ਹੈ। ਇਹ ਜ਼ਮੀਨ ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਅੱਡੇ ਦੇ ਬਿਲਕੁਲ ਸਾਮ੍ਹਣੇ ਅਤੇ ਨਿਹਾਇਤ ਕੀਮਤੀ ਹੈ। ਮਾਰਕਿਟ ਨਿਰਖਾਂ ਉਤੇ ਇਹ ਦਾ ਮੁਲ ਤਕਰੀਬਨ 2 ਲਖ ਰੁਪਿਆ ਹੋਵੇਗਾ। ਪੰਚਾਇਤ ਦੇ ਚਾਰ ਮੈਂਬਰ ਅਤੇ ਜ਼ੀਰਾ ਦੇ ਲੋਕ ਇਸ ਸੌਦੇ ਤੋਂ ਬਹੁਤ ਨਾ ਖੁਸ਼ ਹਨ। ਅਫਸਰਾਨ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਨੂੰ ਪੰਚਾਇਤ ਮੈਂਬਰਾਂ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਵਲੋਂ ਇਸ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਅਤੇ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਦਰਖਾਸਤਾਂ ਵੀ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਅਜੇ ਤਕ ਕੋਈ ਸਿੱਟਾ ਨਹੀਂ ਨਿਕਲਿਆ ਬਲਕਿ ਪੰਚਾਇਤ ਸੈਕਟਰੀ ਅਤੇ ਸਰਪੰਚ ਆਪਣਾ ਪਾਜ ਉਖੜਦਾ ਦੇਖ ਕੇ ਧਮਕੀਆਂ ਤੇ ਉਤਰ ਆਏ ਹਨ। ਸੈਕਟਰੀ ਦਾ ਇਕ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰ ਡਾਕਟਰ ਜੋ ਕਿਸੇ ਦੂਜੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ ਲਗਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਡਰਾਉਣ ਲਈ ਸਰਪੰਚ ਦੇ ਮੁਖਾਲਫ਼ਾਂ ਦੇ ਫੂਡ ਸੈਂਪਲ ਵੀ ਭਰ ਚੁਕਿਆ ਹੈ। ਪਿੰਡ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ ਸਾਂਝੀ ਜਾਇਦਾਦ ਦੀ ਬਰਬਾਦੀ ਬਾਰੇ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਗੁੱਸਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਹੋ ਰਹੀ ਬੇਧਿਆਨੀ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ ਬੇਭਰੋਸਗੀ ਵਧਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਫਿਕਰ ਮੰਦੀ ਦੂਰ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਆਪਣੀ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਸਪਸ਼ਟ ਕਰੇ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਵੀਕਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਸਬੰਧਤ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾਲਤਾ ਕਰਨ। (It is admitted. The Minister concerned may please make a statement.)

(Serial No. 195)

Comrade Satya Pal Dang : I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, the refusal of the Government of Punjab to sanction a unanimous resolution of Municipal Committee, Bhatinda to spend an amount of Rs 2,500 or so to erect a statue of Shaheed Bhagat Singh in the city. In so far as in the past special sanctions have been given to Municipal Committees to contribute from their funds towards Defence Fund, Lajpat Rai Memorial, celebration of Guru Nanak 500th birth day, celebration of Mahatma Gandhi's 100 th birth day it is highly discriminatory on the part of the Punjab Government to refuse sanction in case of the above mentioned resolution, Municipal Committee Bhatinda. While the entire public has very much resented the action of the Government the youth is particularly sore and bitter about it. They believe the action of the Punjab Government to be politically motivated and highly objectionable otherwise.

In view of the obvious and urgent importance of the matter, the Government may please be asked to make a statement in the House.

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਵੀਕਰ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਸਬੰਧਤ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕਰਨ। (It is admitted. The Minister concerned may please make a statement)

(Serial No. 196)

Comrade Satya Pal Dang: I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely—

On 8th March, 1970, a Harijan minor girl Mohindro D/o Shri (chowkidar) Faquiria of village Tajewal, tehsil and thana Samrala, district

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Ludhiana was forcibly taken to the field from the Road by five persons for raping her. One of these five persons was caught and taken to the Police Station. The father of the girl too went to the police station to lodge the complaint but no action has been taken by Police so far. This has caused much discontentment amongst the public in general and Harijans of the Ilaqa in particular.

In view of the obvious and urgent importance of the matter, Government may please be asked to make a statement in the House.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਸਵੀਕਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (It is admitted. The Minister concerned may please make a statement)

Serial No. 197

Comrade Satya Pal Dang,: I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, the acute discontentment amongst the employees of the Market Committees in the State because of the failure of the Government to take effective steps to ensure upward revision of their grades and scales of pay with a view to bringing them at par with those of the corresponding categories of the Government employees. The Union of these employees has submitted a number of representations to the Government and also to the Chief Minister personally. Although assured sympathetic consideration, nothing concrete has yet been done by the Government to ensure the fulfilment of their just demands.

Exasperated by long delay, the employees in question are planning to resort to direct action which cannot but cause serious inconvenience and hardship to the public in general. In view of the obvious and urgent importance of the matter, the Government may please be asked to make a statement in the House.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਸਵੀਕਾਰ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨ। (Admitted. The Minister concerned may please make a statement)

Serial No. 206

Comrade Satya Pal Dang: I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, the action of the police in Ropar and Patiala in forcibly, removing following five persons from their houses etc., shooting them dead and then declaring they were Naxalite and had been killed in an encounter with the police—

1. Shri Dilbara Singh, Village Rashidpur, District Ropar.
2. Shri Ujjagar Singh, Village Vaid Wali.
3. Shri Balwant Singh, Village Khera.
4. Shri Daya Singh, Village Kharar.
5. Shri Hari Singh Village Margindpur (70 years old)

Five more persons whose names are given below too are missing and it is feared that they too might have been shot dead. 1. Munshi Ram of village Makhowal 2. Sarwan Singh of village Badwali . 3. Teja Singh and 4. Amar Singh of Morinda 5. Ajit Singh Rashidpur.

All the sections of the people are very much agitated at the way the police has killed these innocent people. People have demanded a high level judicial inquiry into the matter.

It is therefore, necessary that the Government may make a statement in the matter.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਸਵੀਕਾਰ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਸਬੰਧਤ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਲਤਾ ਕਰਨ। (Admitted. The Minister concerned may please make a statement).

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਵਿਚ ਤਾਂ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇਣ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਹੀ ਇਹ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਣ ਕਿ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਉਣਗੇ .... (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਵਿਚ ਪਤਾ ਕਰਵਾਉਣ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੀ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਹ ਖਬਰ ਤਾਂ ਸਾਰੇ ਅਖਬਾਰਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਛਪੀ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਹੁਣੇ ਹੀ ਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

Mr. Speaker: In view of the wishes of the hon. Members I would request the Chief Minister to kindly look into the matter.

Chief Minister: All right, Sir.

Sardar Gurnam Singh: Sir, I have to make a statement.

MOTION UNDER RULE 15

Minister for Industries: Sir, I beg to move—

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly' indefinitely, *(Noise and uproar in the House)*

Mr. Speaker: Motion moved—

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly' indefinitely.

(At this stage, many hon. Members rose on points of order. There was uproar in the House).

Mr. Speaker: Question is—*(Noise and uproar)* :—

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly' indefinitely.

After ascertaining the votes of the Members present by voices, Mr. Speaker gave an opinion. The opinion was challenged. The bells were sounded. The question was put again and carried by a voice vote. (Noise and interruptions in the House)

The motion was declared carried. (Cheers from the Treasury Benches)

Comrade Satya Pal Dang: On a point of Order, Sir. Can you put a motion to the vote of the House when no body has understood what the Motion is?

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਤੁਸੀਂ ਸਪੀਚ ਕਰਦੇ ਹੋ। (ਵਿਘਨ) (You are delivering a speech.) *(Interruption)*

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਤੁਸੀਂ ਕਹਿਣ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਅਸੀਂ ਮੋਸ਼ਨ ਨੂੰ ਅਪੋਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਅਸੀਂ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) The Speaker should not act in a manner in which you have acted.

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ, ਮੋਸ਼ਨ ਅੰਡਰ ਰੂਲ 15 (ਸੀ) ਸੀ। (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ)

[This motion was under Rule 15 (c) *(Noise)*] *(Interruption)*

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

Comrade Satya Pal Dang : The Constitution has been violated and you don't allow us to raise a point of order.

POINTS OF ORDER

Captain Rattan Singh : On a point of order, Sir. I would like to quote Rules 33, 34, 35 and 36 relating to the Business Advisory Committee. Rule 36 says :

> The time-table in regard to the Bill or group of Bills and other Government business as settled by the Committee shall be reported by the Speaker to the House and notified to the members.

Rule 37 is as follows :

> As soon as may be after the report has been made to the House a motion may be moved by a member of the Committee designated by the Speaker's 'that this House agrees with the allocation of time proposed by the Committee in regard to such and such Bill or Bills or other Government business, and if such a motion is accepted by the House , it shall take effect as if it were an Order of the House:

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਮੇਰੀ ਇੰਟਰਪਸ਼ਨ, ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ, ਮਾਫ਼ ਕਰਨਗੇ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੋਸ਼ਨ ਜਿਹੜੀ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੁਟ ਕੀਤੀ ਔਰ ਕੈਰੀ ਹੋ ਗਈ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਤੁਸੀਂ ਬੈਠ ਜਾਉ। (Sardar Balwant Singh, please resume your seat.)

Captain Rattan Singh : Sir, I was making a point, rather a very relevant point. (*Interruptions and Noise*).

Voices from the Treasury Benches : Once a motion has been carried, it cannot be discussed. Speaker's ruling cannot be discussed.

Captain Rattan Singh : Sir, I was quoting Rule 37. The words are that 'it shall take effect as if it were an Order of the House.'

Now, Sir, I come to the Fourth Report of the Business Advisory Committee. The Report reads :

> The Committee met at 11.30 A. M. on Thursday, the 19th March 1970

(*Interruptions in the House*).

Mr. Speaker, I would crave your indulgence. The Business Advisory Committee met under the chairmanship of the hon. Speaker. Decisions were taken. Time table was fixed . The Report was presented to the House. The motion " that this House agrees with the recommendations contained in this Report" was moved and adopted unanimously by this House (*Interruptions*). After the adoption of the Report, you can, Sir, do two things. Either you over rule the House or you call a meeting of the Committee again. There was ample time for a meeting of the Committee to be called. You have many a time called meetings of this Committee before the Assembly meets. If you had called that meeting, I would have no objection. We always adopt the Reports of the Business Advisory Committee unanimously. I feel that you have taken away the rights of the House. I do not want to use other words, you can understand.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਉਹ ਜਿਹੜੇ ਆਈਟਮਜ਼ ਤੁਸੀਂ ਐਗਰੀ ਕੀਤੇ ਸਨ they are all on the agenda.(I would like to point out that the items which were agreed upon by you they are all on the agenda.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Captain Rattan Singh : All are not on the Agenda to day. I will read out the List of Business for to-day. Under the Heading 'Legislative Business', the following Bills have been included :—

1. The Punjab Special Powers (Press) Amendment Bill, 1970.
2. The Punjab Urban Immovable Property Tax (Amendment) Bill, 1970,
3. The Punjab Entertainments Duty (Amendment) Bill 1970.
4. The Punjab Entertainment Tax (Cinematograph Shows) Amendment Bill 1970.

(Interruptions and Noise)

According to the Report of the Business Advisory Committee, the House agreed to transact the following business on Monday, the 30th March, 1970:

1. The Punjab Special Power (Press) Amendment Bill, 1970.
2. The Punjab Urban Immovable Property Tax (Amendment) Bill, 1970.
3. The Punjab Entertainments Duty (Amendment) Bill, 1970.
4. The Punjab Entertainments Tax (Cinematograph Shows) Amendments Bill, 1970.

Brig. Bikarmajit Singh Bajwa : That is all.

Captain Rattan Singh : I would request the hon. Deputy Speaker to please take his seat.

(As this stage, there was uproar in the House and nothing was audible for some time))

Brig. Bikarmajit Singh Bajwa : This is a question of privilege.

(Again there was uproar in the House and nothing was audible).

Mr. Speaker : There are four items for the 30th March, 1970. I will read out those items of business.

Captain Rattan Singh : Sir, if you will permit me, I will make my point clear. I am sorry that the Deputy Speaker should not have......

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਬੜੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਹਨ। (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਹਾਰਡ ਵਰਡਜ਼ ਨਾਲ ਕਿਸੇ ਦੀਆਂ ਹਡੀਆਂ ਟੁਟ ਨਹੀਂ ਜਾਣੀਆਂ। (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਤੁਸੀਂ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਢੰਗ ਨਾਲ ਚਲੋ। (ਸ਼ੋਰ) ਜਿਹੜੇ ਇਤਰਾਜ਼ ਹਨ, ਉਹ ਦੂਰ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ। ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਸਾਨੂੰ ਗਰਮੀ ਵਿਚ ਆਉਣ ਦੀ ਕੋਈ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਹੈ। (ਸ਼ੋਰ) ਇਸ ਬਾਰੇ ਜਿੰਨੀ ਵੀ ਗਲਤ ਫਹਿਮੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦਾ ਜ਼ਰੂਰ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) (Order, Order. Both Captain Sahib and the Deputy Speaker are honourable Members of this House (*Noise*) (*Interruption*). I would say that hard words break no bones (*noise*) (*Interruption*). The hon. Members should observe the parliamentary procedure in this House. (*Noise*) If there are any objections those will be removed. There is nothing to get excited about (*noise*). Efforts will be made to remove the misunderstanding, if any.) (*Noise*) (*Interruption*)

(ਇਸ ਵੇਲੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਸ਼ੋਰ ਪੈਣ ਲਗ ਪਿਆ ਅਤੇ ਕੁਝ ਵੀ ਸੁਣਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ ਸੀ)।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਬੜਾ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ, ਜੋ ਇਸ ਏਜੰਡਾ ਤੇ ਹੈ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਪੜ੍ਹਕੇ ਸੁਣਾ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਪਰ ਮੈਨੂੰ ਬੜੀ ਹੈਰਾਨੀ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅੱਜ ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅੱਗੇ ਕਦੇ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। (ਵਿਘਨ)। (ਸ਼ੋਰ) Sir, I would like to clear the position. All the Members sitting here have the same rights and privileges. The Deputy Speaker has the superior rights only when he is in the Chair. Here he has the same rights as we have.

(*Noise in the House*)

Mr. Speaker : Order please.

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਣ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਡਿਫਰੈਂਸ ਕੀ ਹੈ ? ਡਿਫਰੈਂਸ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲ ਪੁਆਇੰਟ ਆਊਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਦੋ ਤਿੰਨ ਐਡੀਸ਼ਨਜ਼ ਕਰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਐਗਰੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀਆਂ। (ਵਿਘਨ)। My contention is that the business which has been circulated to us today is different from the business which was adopted by the House on the recommendation of the Business Advisory Committee. It is very clear. ਮੈਂ ਇਹ ਸਮਝਦਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਚੰਗਾ ਹੁੰਦਾ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੀਆਂ ਐਡੀਸ਼ਨਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਇਹ ਤੁਸੀਂ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਰੱਖ ਲੈਂਦੇ, ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਐਪਰੂਵ ਕਰਵਾ ਲੈਂਦੇ ਅਤੇ ਫਿਰ ਇਥੇ ਲਿਆਉਂਦੇ ਤਾਂ ਫਿਰ ਸਾਨੂੰ ਕੋਈ ਆਬਜੈਕਸ਼ਨ ਨਾ ਹੁੰਦਾ (ਵਿਘਨ)। ਤੁਸੀਂ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਪਾਵਰ ਵੀ ਲੈ ਲਈ ਅਤੇ ਜਿਹੜਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਹਾਊਸ ਨੇ ਆਲਰੈਡੀ ਐਪਰੂਵ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤਾ ਉਹ ਵੀ ਲੈ ਆਂਦਾ ਹੈ ਇਹ ਚੰਗੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਰਹੇ ਜਦ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰੇ ਦਾ ਸਾਰਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਆਨ ਏਜੰਡਾ ਹੈ। ਫਿਰ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਹੋ ਕਿ ਮੈਂ ਪਾਵਰਜ਼ ਲੈ ਲਈਆਂ ਹਨ, ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ। ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। (I would like to point out that Captain Rattan Singh is not stating the facts. All the items approved by the Business Advisory Committee stand included in the Agenda. It is not proper for him to say that I have assumed all the powers. He should not say like that.)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਤੁਸੀਂ ਐਡੀਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਇਹ ਕਿਸ ਰੂਲ ਦੇ ਥੱਲੇ ਕੀਤੀ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜੇ ਪੁੱਛੋਗੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਦਸਾਂਗਾ (ਵਿਘਨ) (I can quote the rule, if the hon. Member asks for it) (*interruptions*).

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਜਦ ਤਕ ਉਹ ਰੂਲਜ਼ ਸਸਪੈਂਡ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ, ਤਦ ਤਕ ਉਹ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦੇ।

Mr. Speaker: The Rules can be suspended by the House itself.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਮੇਰੇ ਖਿਆਲ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਨੂੰ ਇਕ ਪਾਸੇ ਧਰ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਐਂਟੀਸੀਪੇਟ ਕੀਤਾ ਹੈ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਤਾਂ ਸਾਰਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਇਕੱਠਾ ਹੀ ਹੈ। (All the business has been included therein.)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਇਕ ਆਰਡਰ ਪਾਸ ਹੋ ਚੁੱਕਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਇਸ ਹਾਊਸ ਨੇ ਆਲਰੈਡੀ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਉਸ ਦੇ ਹੁੰਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਸੀ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। (ਵਿਘਨ) ਤੁਸੀਂ ਫਿਰ ਇਹ ਪੜ੍ਹ ਲਵੋ। (ਇੰਡਸਟਰੀ ਮਨਿਸਟਰ ਵੱਲੋਂ ਵਿਘਨ) I would tell you what is the order of the House that has been adopted.

(Interruptions from the Deputy Speaker)

ਅੱਜ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬੜੇ ਤਿਆਰ ਹੋ ਕੇ ਆਏ ਹਨ। ਜੇ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਪੀਕਰ ਦੀ ਕੁਰਸੀ ਤੇ ਬਿਠਾ ਦਿਉ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਬਿਠਾ ਦਿਉ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

Mr. Speaker : Captain Rattan Singh, don't be agitated.

Captain Rattan Singh : When I am speaking on a point of order, I am not speaking from the Party's point of view. Whatever I am saying, will help in the lawful and proper conduct of the House. If you want to stop me then I have no objection.

Mr. Speaker : No, I don't want to stop you.

Captain Rattan Singh : The motion has been moved and adopted in the manner which does not reflect the decision of the House. The motion was read..................

(Interruptions, noise and uproar in the House)

Mr. Speaker : Please address the Chair.

Sardar Umrao Singh : On a point of order, Sir.

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਆਈ ਆਲਵੇਜ਼ ਸੇ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ। ਅਜ ਤਕ ਅਜਿਹਾ ਕਦੇ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ, ਇਹ ਤਾਂ ਪਹਿਲੀ ਦਫਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਨੂੰ ਬੜੀ ਹੈਰਾਨੀ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਗਲ...................(ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : The hon. Member seems to be agitated at the moment. He may speak at a later stage, if he so desires.

Captain Rattan Singh : Sir, Rule 39 is very clear. It says :

> 'No variation in the Allocation of Time Order shall be made except on the request of the Leader of the House who shall notify orally to the House that there is general agreement for such variation, and such variation shall be enforced by the Speaker after taking the sense of the House.'

Now you will say 'what is the variation in the Allocation of Time Order ?' The variation is that the proceedings on the items of business fixed for today have been exempted from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly' indefinitely.'

Mr. Speaker : Not by my own order. This has been done by the order of the House. This august House is all powerful.

Sardar Umrao Singh : We never agreed to it.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਜੇ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੁੰਦੀਆਂ, ਫਿਰ ਤਾਂ ਠੀਕ ਸੀ। (ਵਿਘਨ) ਕੀ ਹਾਊਸ ਵੀ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਚਲਾਣਾ ਤੁਸੀਂ ਮੰਨੋਗੇ ਕਿ ਨਹੀਂ ? ਇਹ ਵੈਰੀਏਸ਼ਨ ਟਾਈਮ ਟੇਬਲ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਹੋਈ ਹੈ, ਔਰ ਇਹ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੁਸੀਂ ਬਰਿੰਗ ਅਬਾਊਟ ਕੀਤਾ। ਇਹ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੇ .... (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਜਿਆਤ ਲਈ ਕੁਝ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਜੇ ਮੈਨੂੰ ਮੌਕਾ ਦਿਉ ਤਾਂ ਮੈਂ ਕੁਝ ਕਹਿ ਲਵਾਂ, ਫਿਰ ਤੁਹਾਨੂੰ ਵੀ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲ ਜਾਵੇਗਾ।

(I would like to say something for the information of the hon. Members if Captain Rattan Singh gives me an opportunity to speak. The hon. Member can have his say later.)

Captain Rattan Singh : This will help the House in future. We are not here for all times to come. Rule 39 has been violated........

Finance Minister : You are repeating your arguments.

Captain Rattan Singh : You should have suspended Rule 39 also.

Finance Minister : You are repeating your arguments.

Mr. Speaker : The hon. Member Captain Rattan Singh is requested to resume his seat.

Captain Rattan Singh : Sir, I agree with you hundred percent that I should not be irrelevant.

Rule 39 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly is very clear. This Rule has been violated. According to this Rule, no variation in the allocation of Time Order shall be made except on the request of the Leader of the House. It was open for the Leader of the House to request for variation in the allocation of Time Order.

Mr. Speaker : What variation please ?

Captain Rattan Singh : The meeting of the House should have adjourned at 6.30 P.M. The hon. Minister by moving this motion under Rule 15 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly has sought that the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly' indenfinitely. This is, Sir, variation.

Mr. Speaker : It is only the allocation of time (*Interruption*).

Captain Rattan Singh : I would request the Speaker that he may ask the Deputy Speaker...... (*Interruption*). If the Leader of the House had requested for variation in the allocation of Time Order I would have no objection. I feel that by bringing the motion under Rule 15 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly you have not added to the Agenda but you have nullified Rule 39 which is very specific. The motion brought forward under Rule 15 without suspending Rule 39 is, in my opinion, not according to the Rules of Business. I would submit that you may kindly change this and you may adopt the order of the House already agreed to. This is my objection in moving the motion under Rule 15, by the Government. It is violative of Rule 39 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly. This is my objection.

Sardar Umrao Singh : Sir, I would like to make my submission.

STATEMENT BY EX-CHIEF MINISTER UNDER RULE 12

Sardar Gurnam Singh : I would like to say something.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ]

ਮੈਂ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਸੀ ਮੋਸ਼ਨ ਮੂਵ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਇਕ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਰੀਡ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ .... (ਸ਼ੋਰ) (ਬਹੁਤ ਸ਼ੋਰ)

(ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਵਲੋਂ ਅਵਾਜ਼ਾਂ : ਬਹਿ ਜਾਉ, ਬਹਿ ਜਾਉ)

(At this stage, there was uproar in the House and nothing was audible).

Chaudhri Balbir Singh : On a point of Order, Sir.

Mr. Speaker : Chaudhri Balbir Singh.

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਮੈਨੂੰ ਫਿਰ ਸੁਣੋਂਗੇ ....(ਵਿਘਨ) I am already speaking. I am already on my legs.

Mr. Speaker : Chaudhri Balbir Singh is to raise his point of Order.

Sardar Gurnam Singh : Let the honourable Members understand what I would like to say. You cannot shut me out. I have given notice...

चौधरी बलबीर सिंह : स्पीकर साहिब, अगर तो पहले वाला इशू खत्म हो गया है। और सरदार गुरनाम सिंह की स्टेटमैंट की बात चल रही है तो मैं उस के बारे में कहूंगा। अगर पहले वाले इशू की बात है... (विघ्न) (शोर) तो मैं उस पर बात करूंगा। (शोर) (बहुत शोर) पहले प्वायंट के बारे मुझे बता दें कि उस का फैसला हो गया है... (विघ्न)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਹਾਊਸ ਨੇ ਫੈਸਲਾ ਲੈ ਲਿਆ ਹੈ.........(ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) (ਬਹੁਤ ਸ਼ੋਰ) । (The House has already decided that matter.) (*Interruption and noise in the House*).

चौधरी बलबीर सिंह : दूसरा प्वायंट जो है.... (विघ्न)

Comrade Satya Pal Dang : On a point of Order, Sir.

Mr. Speaker : Chaudhri Balbir Singh is already on a point of Order.

Chaudhri Balbir Singh : I am already on a point of Order. (Interruptions in the House).

Comrade Satya Pal Dang : My point of Order, Sir, relates to the violation of the Constitution.

Mr. Speaker : The honourable Member should please resume his seat.

Comrade Satya Pal Dang : May I be permitted after that ?

Mr. Speaker : Why not.

चौधरी बलबीर सिंह : स्पीकर साहिब, सरदार गुरनाम सिंह जी ने जो ... (विघ्न)

Sardar Umrao Singh : Sir, he is referring to the statement of Sardar Gurnam Singh which you have not permitted. I would like to make some other point of Order. (*Interruptions and noise in the House*).

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਨੇ ਆਪਣੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। That I have not allowed so far (Sardar Gurnam Singh has referred to his statement. That I have not allowed so far.)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

चौधरी बलबीर सिंह : पहले वाला प्वायंट खत्म हो गया.... (विघ्न) (शोर)

(ਅਪੋਜ਼ੀਸਨ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਨਹੀਂ ਨਹੀਂ ਦੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ)

अध्यक्ष महोदय, आप बताएं पहले वाला प्वायंट खत्म हो गया है... (शोर) (बहुत शोर) (अपोजीशन की तरफ से 'नो' 'नो' की आवाजें)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜਦ ਇਸ ਆਗਸਟ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਦਾ ਹੁਣੇ ਹੀ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਫੈਸਲੇ ਦੇ ਖਿਲਾਫ——(ਬਹੁਤ ਸ਼ੋਰ) (I will point out that when this matter has just now been decided by this august House, then to say something against that very decision.....)

(Interruptions and noise in the House)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ।.....

We have not heard anything (Uproar in the House). I would request you, Sir, to hear us first.

Mr. Speaker : The honourable Member should please take his seat.

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਸਾਨੂੰ ਸੁਣ ਲਓ ਤਾਂ ਟਾਈਮ ਘੱਟ ਲਗੇਗਾ।

You cannot, Sir, rule out our point of Order without hearing us.

Mr. Speaker : I will quote from the Book entitled 'Practice and Procedure of Indian Parliament by S.S.More'. At page 202, it says :—

> "On September 17, 1954, the Chair ruled that the rules in this respect are not mandatory and that they are only for the convenience of the House which has power to adjust its business as it likes, there is always scope for adjustment in the Allocation of Time Order which gives only a rough picture as to how the business will be concluded and in what time it will be finished.———". (Interruptions).

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਾਡੀ ਗਲ ਸੁਣ ਲਓ ਪਹਿਲਾਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ। (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : 'Practice and Procedure of Parliament by Kaul and Shakdher' at page 325 says:—

> "In the exercise of his discretionary powers, the Speaker may also permit consideration of an items of business not included in the List of Business giving due consideration to the wishes of the House and urgency of the business to be transacted."

Voices from the Treasury Benches : Very good.

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि सरदार गुरनाम सिंह जो यह कहना चाहते हैं, वह किस कानून के तहत है... (विघ्न) (शोर)......

(इस समय कई मैम्बर साहिबान प्वायंट आफ आर्डर पर खड़े हो गये और हाऊस में शोर पड़ गया)

चौधरी बलबीर सिंह : मेरे कहने का मतलब यह है कि वह नहीं कह सकते... (शोर)....

Sardar Umrao Singh : Sir, this point is not before the House. (शोर)) (विघ्न)

Mr. Speaker : Please resume your seat (*Interruptions*)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਬੋਲਣ ਤੋਂ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ....(ਵਿਘਨ) ....(ਸ਼ੋਰ).... ਤੁਸੀਂ ਸਾਨੂੰ ਵੀ ਬੋਲਣ ਲਈ ਟਾਈਮ ਦਿਉ ਹੁਣ ....(ਵਿਘਨ).... (ਸ਼ੋਰ) ....

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੀ ਗਲ ਤਾਂ ਸੁਣਦੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ....(ਵਿਘਨ).... (ਸ਼ੋਰ)...ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਹਿਲੇ ਆਦਮੀ ਦੀ ਗਲ ਮੁਕਣੀ ਹੀ ਨਹੀਂ ....(ਸ਼ੋਰ)....(ਵਿਘਨ).... ਜਦ ਤਕ ਪਹਿਲੇ ਆਦਮੀ ਦੀ ਗਲ ਖਤਮ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ, ਦੂਸਰਾ ਆਦਮੀ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬੋਲ ਸਕੇਗਾ ....(ਵਿਘਨ)...........(ਸ਼ੋਰ)........ (*Addressing Comrade Satya Pal Dang*) The hon. Member is not listening to me ....(*Interruptions*).... (*Noise*).... In this way the hon. Member who is on his legs would never be able to have his say....(*Interruptions*)....(*Noise*).... Until the first hon. Member concludes his speech, other members will not be able to speak....(*Interruptions*)....(*Noise*)....

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि यह जो सरदार गुरनाम सिंह जी बोलने के लिये उठे हैं मैं कहना चाहता हूं कि रूल 62 में बड़ा क्लीयर लिखा है ।

'A member who has resigned the office of Minister may, with the consent of the Speaker make.........

Sardar Gurnam Singh : Mr. Speaker, you have allowed the point of order without first allowing me to make my statement.

Mr. Speaker : When you have raised the point of your statement a point of order on this can be raised.

Sardar Gurnam Singh : A point of order can be raised only on the matter which is before the House. I thrice got up to make my statement but you did not allow me to say anything.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਕ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇਣ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਅਤੇ ਉਸ ਬਾਰੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਵੀ ਰੇਜ਼ ਕੀਤਾ ....(ਵਿਘਨ).... (Sardar Gurnam Singh mentioned about making a statement and he also raised a point of order in that connection ..(*Interruptions*)

(ਇਸ ਵਕਤ ਕਈ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਬੋਲਣ ਲਈ ਖੜੇ ਹੋ ਗਏ ਅਤੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਬੜਾ ਸ਼ੋਰ ਪੈ ਗਿਆ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਕਰ ਰਹੇ ਹੋ (ਵਿਘਨ) ਤੁਸੀਂ ਸਾਨੂੰ 'ਕੌਲ ਅਤੇ ਸ਼ਕਧਰ' ਵਿਚੋਂ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾ ਦਿਤਾ ...(ਵਿਘਨ).... ਅਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ The House should be conducted according to the Rules. ....(*Interruptions*)....

ਰੂਲਜ਼ ਬਾਰੇ ਤਾਂ 'ਕੌਲ ਅਤੇ ਸ਼ਕਧਰ' ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਸਾਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਸੁਣਦੇ ਹੀ ਨਹੀਂ...... (ਵਿਘਨ) ....(ਸ਼ੋਰ)....

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਆਗਸਟ ਹਾਊਸ ਨੇ ਇਕ ਮਾਮਲਾ ਡਿਸਾਈਡ ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ .... (ਵਿਘਨ) .... ਮੈਂ ਰੂਲਿੰਗ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ....(ਵਿਘਨ) .... (ਸ਼ੋਰ) Please resume your seat. (Dang Sahib, this august House has taken a decision regarding the matter ....(*Interruptions*)....(*Noise*).... and I have also given my ruling ....(*Noise*)....Please resume your seat.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ....(ਵਿਘਨ) ....(ਸ਼ੋਰ)....

(ਇਸ ਵਕਤ ਕਈ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਇਕੱਠੇ ਹੀ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਬੋਲਣ ਲਗ ਗਏ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਬੜਾ ਸ਼ੋਰ ਪੈ ਗਿਆ ਅਤੇ ਕੋਈ ਗਲ ਠੀਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁਣਾਈ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਐਸਾ ਧੱਕਾ ਕਿਤੇ ਨਹੀਂ ਵੇਖਿਆ ......(ਵਿਘਨ)...

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜਾ ਧੱਕਾ ਇਥੇ ਇਹ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਹ ਕਿਤੇ ਨਹੀਂ ਵੇਖਿਆ ......(ਵਿਘਨ)..... । ਤੁਸੀਂ ਜੋ ਮਰਜ਼ੀ ਆਏ ਬਾਦ ਵਿਚ ਕਰ ਲੈਣਾ ਪਹਿਲਾਂ ਸਾਨੂੰ ਸੁਣ ਤਾਂ ਲਵੋ ......(ਵਿਘਨ)......(ਸ਼ੋਰ)....

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਸ ਦਾ ਡਿਸੀਜ਼ਨ ਪਹਿਲਾਂ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ ...(ਵਿਘਨ)...(ਸ਼ੋਰ)...
(It has already been decided ....(*Interruptions*)....(*Noise*)....

(ਇਸ ਵਕਤ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਈ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲ ਰਹੇ ਸਨ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਸ਼ੋਰ ਸੀ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੀਂ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਸਾਡੀ ਗੱਲ ਤੁਸੀਂ ਸੁਣੀ ਹੀ ਨਹੀਂ । ਤੁਸੀਂ ਤਾਂ ਪਹਿਲੋਂ ਹੀ ਰੂਲਜ਼ ਕੋਟ ਕਰੀ ਜਾਂਦੇ ਹੋ । (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) (ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਵੱਲ ਇਸ਼ਾਰਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ: ਇਹ ਬੜੇ ਵਕੀਲ ਖੜੇ ਕੀਤੇ ਹਨ)

(ਇਸ ਵਕਤ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਈ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਖੜੇ ਹੋ ਕੇ ਬੋਲਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ ਅਤੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਬੜਾ ਸ਼ੋਰ ਪੈ ਗਿਆ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਕੋਈ ਗੱਲ ਸੁਣਾਈ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਸਾਡੀ ਗੱਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸੁਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ.... (ਵਿਘਨ)..... ਤੁਸੀਂ ਰੂਲਿੰਗ ਦਈ ਜਾਂਦੇ ਹੋ..... (ਵਿਘਨ).....

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ ਜੀ, ਤੁਸੀਂ ਰੂਲਜ਼ ਨੂੰ ਫਾਲੋ ਕਰਨ ਦੇ ਯਤਨ ਕਰੋ (ਵਿਘਨ)(ਸ਼ੋਰ) (The hon. Member Sardar Kirpal Singh may please try to follow the rules.........(*Interruptions*)....(*Noise*)....

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ 20 ਵਾਰੀ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਤੇ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਕੋਈ ਗੱਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸੁਣੀ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਰੂਲਿੰਗ ਦਈ ਜਾਂਦੇ ਹੋ..... ..(ਵਿਘਨ)..... ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਾਨੂੰ ਸੁਣਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਰੂਲਿੰਗ ਦੇਣਾ ਸਾਡੇ ਹੱਕਾਂ ਤੇ ਛਾਪਾ ਮਾਰਨ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਹੈ..... (ਵਿਘਨ)..... ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਾਡੇ ਹੱਕਾਂ ਦੀ ਸਹੀ ਤੌਰ ਤੇ ਰੱਖਵਾਲੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ........ (ਵਿਘਨ)........

Mr. Speaker : This is a reflection on the Chair. Please withdraw it.

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਹਿਬ, ਜੋ ਮਰਜ਼ੀ ਆਏ ਕਰ ਲੋ । ਪਰ ਮੈਂ ਤਾਂ ਫਰਿਆਦ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਸਾਡੇ ਹੱਕਾਂ ਦੀ ਸਹੀ ਤੌਰ ਤੇ ਰਾਖੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ........ (ਵਿਘਨ)..... (ਸ਼ੋਰ)....... ਮੈਂ 20 ਵਾਰੀ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਸੁਣਦੇ ਹੀ ਨਹੀਂ....... (ਵਿਘਨ)..........

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : Please resume your seat. ਜਿਹੜਾ ਪਹਿਲਾਂ ਮੈਂਬਰ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਤੇ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਬੋਲਣ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ ਤਾਂ ਦੂਸਰੇ ਦੀ ਵਾਰੀ ਫਿਰ ਕਿਥੋਂ ਆਵੇਗੀ..... (ਵਿਘਨ)....... (ਸ਼ੋਰ).

(*Addressing Sardar Kirpal Singh* : Please resume your seat. If the hon. Members do not allow a Member who is already speaking on a point of order, to complete

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ]

his observation, how will the other Members get a chance to speak......(*Interruptions*)......(*Noise*)....

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਅਤੇ ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ ਮੁੜ ਕੇ ਦੋਹਰਾਵਾਂਗਾ ਅਤੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਕੋਲ ਸਭ ਪਾਵਰਜ਼ ਹਨ । ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਵੀ ਅਗਰ ਉਹ ਚਾਹੁਣ ਤਾਂ ਵੀ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਨਾਲ ਜੋ ਕੁਝ ਉਹ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਰੂਲਜ਼ ਨੂੰ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰਕੇ ਸਾਰਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਅੱਜ ਹੀ ਮੁਕਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਰੂਲਿੰਗ ਪਾਰਟੀ ਇਹ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਲੇਕਿਨ ਤੁਸੀਂ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਐਗਰੀ ਕਰੋਗੇ ਕਿ ਜੋ ਕੁਝ ਇਹ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੀ ਕਰਨ ਅਤੇ ਰੂਲਜ਼ ਦੀ ਵਾਇਲੇਸ਼ਨ ਨਾ ਕਰਨ । ਮੈਂ ਰੂਲਜ਼ 39, 35 ਅਤੇ 36 ਪੜ੍ਹ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ.. ....(ਵਿਘਨ)...........

Rule 35 says :—

> '(1) It shall be the function of the Committee to recommend the time that should be allocated for the discussion of the stage or stages of such Government Bills and other Government business as the Speaker in consultation with the Leader of the House may direct for being referred to the Committee.'

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, क्या आपने इजाज़त दे दी है. . . (विघ्न) . . .

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਅਗਰ ਕੋਈ ਕੁਝ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ...... (ਵਿਘਨ)......... [Inspite of my orders, if any Member wants to say anything. . . . (*Interruptions*). . . .

Comrade Satya Pal Dang: He has allowed me. . . . (*Interruptions*). .

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो मसला कलोज़ हो चुका है अगर उसके बाद . . . (विघ्न) . . . (शोर) . . . आज कांग्रेस पार्टी वाले डेमोक्रैसी की बात करते हैं. . . (विघ्न)

(इस समय कई मैम्बर साहिबान ने बोलना शुरू कर दिया, शोर के कारण कुछ नहीं सुनाई दिया)

चौधरी बलबीर सिंह : अगर उस बात पर डिबेट आपने ओपन कर दी है तो मैंने पहले प्वायंट आफ आर्डर रेज किया था । आपने कहा था कि वह मामला कलोज़ हो गया है । अगर उस पर आप सुनना चाहते हैं तो मैं पहले बोलना चाहता हूं . . . .

श्री अध्यक्ष : मामला re-open तो नहीं हो सकता मगर कुछ मैम्बर जिद करते हैं कि ज़रूर कुछ कहेंगे । (The matter can not be re-opened, but some Members insist on saying something).

चौधरी बलबीर सिंह : तो मैं ज़रूर बोलूंगा

Comrade Sayta Pal Dang : I don't give way (*Noise and Interruptions*).

Mr. Speaker : I would request the honourable Member Chaudhri Balbir Singh to please resume his seat.

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਵੱਲੋਂ ਰੀਕਵੈਸਟ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਸਾਡੀ ਇਸ ਗੱਲ ਵਿਚ ਮੱਦਦ ਕਰਨ ਕਿ ਜੋ ਗੱਲ ਇਥੇ ਹੋਵੇ ਉਹ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੋਵੇ । ਇਥੇ ਤਿੰਨ ਰੂਲਜ਼ ਕਨਸਰਨਡ ਹਨ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਕਿ ਆਪਨੇ ਦੋ ਆਬਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਕੌਲ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਕਿਤਾਬ ਵਿਚੋਂ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ । ਰੂਲ 35 ਇਹ ਹੈ:

> 'It shall be the function of the Committee to recommend the time that should be allocated for the discussion of the stage or stages of such Government Bills and other Government business".....

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਸ ਨੂੰ ਰੈਫਰ ਕੀਤਾ ਸੀ.........(Captain Sahib has already referred to this Rule.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਮੈਂ ਜਲਦੀ ਹੀ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਆਂਗਾ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਰੈਪੀਟੀਸ਼ਨ ਹੋਵੇਗੀ । (This will be a repetition.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਨਹੀਂ ਜੀ, ਰੈਪੀਟੀਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ । (ਵਿਘਨ) ਆਪ ਨੇ ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ । ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਸਿਰਫ ਇਹੀ ਗੱਲ ਹੀ ਰੀਕਮੈਂਡ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਹੁੰਦੀ ਕਿ ਕਿਹੜਾ ਕਿਹੜਾ ਕੰਮ ਟੇਕ ਅਪ ਕਰਨਾ ਹੈ ਸਗੋਂ ਇਹ ਵੀ ਦੱਸਣਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਕੰਮ ਕਿੰਨੇ ਕਿੰਨੇ ਟਾਈਮ ਵਿਚ ਕਵਰ ਹੋਵੇ । ਰੂਲ 36 ਇਹ ਹੈ:

> "The Time-table in regard to the Bill or group of Bills and other Government business as settled by the Committee shall be reported by the Speaker to the House and notified to the Members."

ਫਿਰ ਗੱਲ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਰੀਪੋਰਟ ਐਡਾਪਟ ਹੋ ਗਈ ਹੈ । ਰੂਲ 39 ਇਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ:

> "No variation in the allocation of time order shall be made except on the request of the Leader of the House.". ....

ਇਸ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਲਈ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਦੋ ਦਿਨ ਦਿੱਤੇ ਮਗਰ ਹੁਣ ਸਰਕਾਰ ਇਹ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ, ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਰਾਤ ਦੇ 12 ਵਜੇ ਤੱਕ ਖਤਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਰੂਲ ਇਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪਰੋਗਰਾਮ ਵਿਚ ਵੇਰੀਏਸ਼ਨ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਪਰ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਇਸ ਲਈ ਕਹੇ ਕਿ ਹਾਊਸ ਇਹ ਵੇਰੀਏਸਨ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਉਹ ਦੱਸੇ ਕਿ ਇਸ ਤੇ ਜਨਰਲ ਐਗਰੀਮੈਂਟ ਹੈ ਅਤੇ ਫਿਰ ਆਪ ਹਾਊਸ ਦੀ ਸੈਂਸ ਲਵੋ । ਗੱਲ ਬੜੀ ਕਲੀਅਰ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਰੀਪੋਰਟ ਐਡਾਪਟ ਹੋ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਨੂੰ ਬਦਲਣਾ ਚਾਹੇ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਟਾਈਮ ਘੱਟ ਲਗਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਇਸ ਤੇ ਹਾਊਸ ਦਾ ਜਨਰਲ ਐਗਰੀਮੈਂਟ ਲਵੇ, ਦੂਜਿਆਂ ਨੂੰ ਐਗਰੀ ਕਰਾਵੇ ਅਤੇ ਇਸ ਤੇ ਅਗਰ ਜਨਰਲ ਐਗਰੀਮੈਂਟ ਹੈ ਤਾਂ ਕਹੇ ਕਿ ਆਰਡਰ ਨੂੰ ਬਦਲ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਮਗਰੋਂ ਆਪ ਸੈਂਸ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਲੈਂਦੇ ਹੋ । ਪਰ ਇਹ ਸਭ ਕੁਝ ਇਥੇ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ..... (ਵਿਘਨ) ਆਪ ਨੇ ਦੋ ਆਬਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ । ਇਕ ਤਾਂ ਇਹ ਕਿ ਹਾਊਸ ਸੁਪਰੀਮ ਹੈ । I will submit with all humility that it is a very dangerous observation. ਹਾਊਸ ਦੇ ਰਾਈਟਸ ਸਿਰਫ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਦੇ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ, ਮਾਇਨਾਰਿਟੀ ਦੇ ਵੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਹਰ ਗਰੁਪ ਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਰੂਲ ਬਣਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।

Mr. Speaker : I fail to understand this, how it is a dangerous observation to say that the House is supreme ? Tomorrow, it may be argued that instead of a House there should be a dictator.

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਨੋ । ਆਪ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਨੂੰ ਬਿਲਕੁਲ ਮਿਸਰੀਡ ਅਤੇ ਮਿਸਇਨਟਰਪਰੇਟ ਕਰ ਰਹੇ ਹੋ । ਠੀਕ ਹੈ ਹਾਊਸ ਸੁਪਰੀਮ ਹੈ । ਇਸ ਨੇ ਕੁਝ ਰੂਲਜ਼ ਬਣਾ ਦਿੱਤੇ ਜੋ ਮਨਾਇਰਟੀ ਦੇ ਰਾਈਟਸ ਗਰੰਟੀ ਕਰਦੇ ਹਨ ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਕਿ ਹਾਊਸ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਨਾਲ ਤਬਦੀਲ ਨਾ ਕਰੇ । ਹਾਊਸ ਸਿਰਫ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਦੇ ਵੋਟ ਲੈ ਕੇ ਰੂਲਜ਼ ਦੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ]

ਵਾਇਲੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ । ਸੁਪਰਮੇਸੀ ਦਾ ਇਹੀ ਮਤਲਬ ਹੈ, ਅਦਰਵਾਈਜ਼ ਰੂਲਜ਼ ਦਾ ਕੀ ਮਤਲਬ ਹੈ । ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਪਰੋਵਿਜ਼ਨ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਹਾਊਸ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਰੂਲ ਇਸ ਦੇ ਰਸਤੇ ਵਿਚ ਰੁਕਾਵਟ ਹੈ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਉਸ ਨੂੰ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ , ਇਹ ਰੂਲਜ਼ ਵਿਚ ਪਰੋਵਾਈਡਿਡ ਹੈ ਪਰ ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਰੂਲ ਮੌਜੂਦ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਹਾਊਸ ਨੇ ਆਪਣੀ ਵਿਜ਼ਡਮ ਨਾਲ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਕਰਕੇ ਐਡਾਪਟ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਉਸ ਰੂਲ ਦੀ ਵਾਇਲੇਸ਼ਨ ਪਹਿਲਾਂ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰਾ ਕੇ ਸਿੰਪਲੀ ਪੁਟ ਕਰਾ ਕੇ ਰੂਲ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਗਲ ਕਰਾ ਦੇਣਾ, ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੇ ਹਥ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਆਪ ਹਾਊਸ ਦੇ ਹੱਥੋਂ ਰੂਲਜ਼ ਨੂੰ ਵਾਇਲੇਟ ਕਰਾ ਰਹੇ ਹੋ । (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਨੇ "ਕੌਲ ਐਂਡ ਸ਼ਕਧਰ" ਦੀ ਕਿਤਾਬ ਵਿਚੋਂ ਪੜ ਕੇ ਸੁਣਾਇਆ ਹੈ ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਦੋ ਛੋਟੀਆਂ ਛੋਟੀਆਂ ਰੀਕਵੈਸਟਸ ਕਰਨੀਆਂ ਹਨ । ਆਪ ਨੇ ਜੋ "ਕੌਲ ਐਂਡ ਸ਼ਕਧਰ" ਦੀ ਰਾਏ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾਈ ਹੈ ਇਹ ਸਾਡੇ ਹਾਊਸ ਤੇ ਬਾਈਡਿੰਗ ਨਹੀਂ ਹੈ......

Mr. Speaker: These are not the views of Mr. Kaul and Mr. Shakdher. This is a ruling of the Speaker of Lok Sabha.

Comrade Satya Pal Dang : In relation to particular Rules.. :

ਇਸ ਰੂਲਿੰਗ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਰੂਲਜ਼ ਹਨ ਇਹ ਹਾਊਸ ਦੀ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਵਰ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ, ਰਫਲੀ ਕਵਰ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ ਅਗਰ ਕੋਈ ਐਮਬਿਗੁਇਟੀ ਹੈ ਜਾਂ ਕੋਈ ਗੱਲ ਸਾਫ ਨਹੀਂ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਤੇ ਨੈਚੁਰਲੀ ਹਾਊਸ ਫੈਸਲਾ ਕਰੇਗਾ । ਪਰ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਰੂਲਜ਼ ਵਿਚ ਕਲੀਅਰ ਪਰੋਵਿਜ਼ਨ ਹੈ, ਅਗਰ ਉਸ ਨੂੰ ਆਪ ਵਾਇਲੇਟ ਕਰਨ ਦੀ ਛੁੱਟੀ ਦੇਵੋਗੇ ਤਾਂ ਕਦੇ ਵੀ ਕਿਸੇ ਰੂਲ ਨੂੰ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ, ਜਦੋਂ ਜੀ ਕੀਤਾ ਵੋਟ ਪਵਾ ਦਿੱਤੇ । Then the Rules will go to Hell. ਅਸੀਂ ਪਰੋਟੈਸਟ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਬੋਲਣ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ । ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜਦੋਂ ਆਪ ਕੋਈ ਪਰਾਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਕਰਦੇ ਹੋ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਕੁਝ ਮੈਰਿਟਸ ਵੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਐਪਾਰਟ ਫਰਾਮ ਦੀ ਟੈਕਨੀਕੈਲੇਟੀਜ਼ ਆਫ ਦੀ ਰੂਲਜ਼ । ਅਗਰ ਰੂਲਜ਼ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਕੇ, ਅਗਰ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਕਰਾਉਣੀ ਤਾਂ ਜੁਦੀ ਗਲ ਹੈ । ਅਗਰ ਬਰੂਟ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਨਾਲ ਹੀ ਇਸ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਵਾਉਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਠੀਕ ਹੈ । ਮਗਰ ਰੂਲਜ਼ ਦੀ ਜੋ ਸਪਿਰਿਟ ਹੈ ਉਹ ਕਲੀਅਰ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਰਾਈਟਲੀ ਕਲੇਮ ਕਰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਹੈ । ਜਦ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਰੈਕੂਮੈਂਡੇਸ਼ਨ ਮੁਤਾਬਿਕ—ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਜਦ ਕਿ ਹੋਰਾਂ ਤੋਂ ਅਲਾਵਾ ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਮੌਜੂਦ ਹੋਣ, ਸ੍ਰੀ ਟੰਡਨ ਮੌਜੂਦ ਹੋਣ । ਉਸ ਦੀਆਂ ਰੇਕੂਮੈਂਡੇਸ਼ਨਜ਼ ਮੁਤਾਬਿਕ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਖਤਮ ਕਰਦੇ ਤਾਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਆਈਟਮਜ਼ ਤੇ ਪਰਾਪਰ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋਵੇ । ਅਗਰ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜਾਂ ਅਨਸਟੇਬਲ ਹੈ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ੱਕ ਹੈ ਕਿ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਫੌਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਅਤੇ ਮਨਿਸਟਰੀ ਟੁਟ ਜਾਵੇਗੀ ਅਗਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਖਤਰਾ ਹੈ ਤਾਂ ਇਹ ਗੱਲ ਪਬਲਿਕ ਇੰਟਰੈਸਟ ਵਿਚ ਹੋਵੇਗੀ ਕਿ ਪਜਾਬ ਵਿਚ ਪਰੈਜ਼ੀਡੈਂਸ਼ਲ ਰੂਲ ਹੋ ਜਾਵੇ.........(ਸ਼ੋਰ) ਜਾਂ ਇਸ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋਵੇ............

Mr. Speaker : The hon. Member should please resume his seat.

Minister for Finance : Sir, is it a point of Order ?

Minister for Industries : This is mis-use of a point of Order, Sir.

Mr. Speaker : Mr. Deputy Speaker.

Dr. Bhagat Singh : What is the matter before the House ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitiz
Panjab Digital

ਬਰਗੇਡੀਅਰ ਬਿਕਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ ਬਾਜਵਾ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲੀ ਗੱਲ ਜੋ ਡੀਸਾਈਡ ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਸ ਤੇ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਤਕਰੀਰ ਵੀ ਕੀਤੀ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਨੂੰ ਤਾਕਤ ਹੋਵੇ ਕਿ ਉਹ ਰੂਲਜ਼ ਦਾ ਉਲੰਘਣ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਅਗਰ ਉਹ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ ਤਦ ਹੀ ਤਾਂ ਰੂਲ 121 ਬਣਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਹਾਊਸ ਦੀ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਚਾਹੇ ਤਾਂ ਉਹ ਕਿਸੇ ਰੂਲ ਨੂੰ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਰੂਲਜ਼ ਆਫ ਪਰੋਸੀਜ਼ਰ ਵਿਚ ਰੂਲ 121 ਮੌਜੂਦ ਹੈ ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਅਤੇ ਜੋ ਮੈਂਬਰ ਉਸ ਤਰਫ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ............

Comrade Satya Pal Dang : I agree with him. Suspend the Rule first.

ਬਰਗੇਡੀਅਰ ਬਿਕਰਮ ਜੀਤ ਸਿੰਘ ਬਾਜਵਾ : Please listen to me. ਇਹੀ ਗੱਲ ਸ਼ੁਰੂ ਤੋਂ ਇਥੇ ਆ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਆਰਡਰ ਪੇਪਰ ਵਿਚ ਵੇਰੀਏਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਰੂਲਜ਼ 34, 35 ਅਤੇ 39 ਆਪ ਨੂੰ ਇਸ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ। ਮੈਂ ਅਦਬ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੇਰੀਏਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋਈ। ਜੋ ਕੁਝ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਰੇਕਮੈਂਡ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਜਿਸ ਨੂੰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਨੇ 25 ਤਰੀਕ ਨੂੰ ਇਥੇ ਐਡਾਪਟ ਕੀਤਾ.............. ਉਹ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਮੰਡੇ ਨੂੰ ਚਾਰ ਬਿਲ ਲਏ ਜਾਣਗੇ ਪੰਜਵੇਂ ਬਿਲ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਮੈਂ ਕਪਤਾਨ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਮਾਫੀ ਮੰਗਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਤਨੀ ਦੇਰ ਤੱਕ ਇਹ ਚਾਰ ਬਿਲ ਪੜ੍ਹਦੇ ਰਹੇ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਟੋਕਿਆ ਪਰ ਜਦੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪੰਜਵਾਂ ਪੜ੍ਹਿਆ ਤਾਂ ਟੋਕਿਆ। (ਵਿਘਨ)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਪੰਜਵਾਂ ਬਿਲ ਪੜ੍ਹਿਆ ਨਹੀਂ ਸੀ ਤੁਸੀਂ ਐਂਟੀਸੀਪੇਟ ਕਰ ਲਿਆ। ਇਸ ਨਾਲ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਮਿਸਲੀਡ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ। (ਵਿਘਨ)

ਬਰਗੇਡੀਅਰ ਬਿਕਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ ਬਾਜਵਾ : ਚਾਰ ਬਿਲ ਜੋ ਸਨ ਉਹ ਹਾਊਸ ਦੇ ਆਰਡਰ ਪੇਪਰ ਤੇ ਆਣੇ ਸਨ ਅਤੇ ਉਹੀ ਆਏ ਨੇ। ਹੁਣ ਸਵਾਲ ਇਹ ਰਹਿ ਗਿਆ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਵੇਰੀਏਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਅਤੇ ਇਹ ਵੇਰੀਏਸ਼ਨ ਉਸ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਵਿਚ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਹਾਊਸ ਨੇ ਡੀਸਾਈਡ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਅਤੇ ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਵਿਚ ਫਰਕ ਪਾਂਦੇ ਹੋ ਜਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਕੱਟਦੇ ਹੋ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਵੇਰੀਏਸ਼ਨ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ। ਇਹ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਹੁਣ ਤਾਂ ਸਵਾਲ ਆਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਉਸ ਵਿਚ ਤੁਸੀਂ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਐਡ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਅਤੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਅੱਜ ਦਾ ਦਿਨ ਖਾਸ ਮਹੱਤਤਾ ਰੱਖਦਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਕਿਸੇ ਮੋਸ਼ਨ ਨੂੰ ਐਡ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਜੋ ਕੁਝ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਹੋਇਆ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਵੀ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਅੱਜ ਹੀ ਐਪ੍ਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਨੇ ਪਾਸ ਹੋਣਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ) (ਇਕ ਅਵਾਜ਼: ਕੱਲ ਵੀ ਆ ਸਕਦਾ ਸੀ) ਕੱਲ ਦੇ ਆਰਡਰ ਪੇਪਰ ਤੇ ਹੋਰ ਮੋਸ਼ਨਾਂ ਸਨ ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਸਾਰਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਡਿਸਪੋਜ਼ ਆਫ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੋ ਸਕਦਾ। (ਵਿਘਨ)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਇਹ 31 ਤਰੀਕ ਰਾਤ ਦੇ 12 ਵਜੇ ਤੱਕ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ।

ਬਰਗੇਡੀਅਰ ਬਿਕਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ ਬਾਜਵਾ : ਜਿਹੜਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ, ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਪਾਸ ਕੀਤਾ, ਉਹ ਪਹਿਲਾਂ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ, ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਵਿਚ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡ ਕੀਤਾ। ਇਹ ਵੇਖਣਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਠੀਕ ਸੀ ਕਿ ਨਹੀਂ, ਤੁਸੀਂ ਐਡ ਕਰਕੇ ਠੀਕ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਆਰਟੀਕਲ 209 ਬਿਲਕੁਲ ਕਲੀਅਰ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਨ ਦੀ ਵੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਸੀ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇਤਰਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮੈਂ ਪੜ੍ਹ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਬਰੀਗੇਡੀਅਰ ਬਿਕਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ ਬਾਜਵਾ]

Article 209 is very clear. It says—

"The Legislature of a State may, for the purpose of the timely completion of financial business, regulate by law the procedure of, and the conduct of the business in, the House or Houses of the Legislature of the State in relation to any financial matter or to any Bill for the appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of the State, and, if and so far as any provision of any law so made is inconsistent with any rule made by the House or either House of the Legislature of the State under clause (1) of article 208 or with any rule or standing order having effect in relation to the Legislature of the State under clause (2) of that article, such provision shall prevail."

Mr. Speaker : Kindly read article 204(3) with it.

Brig. Bikarmajit Singh Bajwa : Article 204(3) reads—

'(3) Subject to the provisions of article 205 and 206, no money shall be withdrawn from the Consolidated Fund of the State except under appropriation made by law passed in accordance with the provisions of this article.

ਇਹ ਦਿਸਦਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਯਕੀਨਨ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਇਹ ਗੱਲ ਲਿਆਂਦੀ ਹੋਣੀ ਹੈ ਕਿ ਐਪਪ੍ਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਨੂੰ ਅੱਜ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਰੇ ਜਾਣਦੇ ਹਨ ਕਿ ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਪਾਵਰਜ਼ ਬਹੁਤ ਵਸੀਹ ਹਨ । (ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਵੱਲੋਂ ਵਿਘਨ) ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਗਲ ਸਮਝ ਨਾ ਆਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਕੁਝ ਕਹਿ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ । ਇਹ ਪਿੱਛੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਮੈਂ ਇਸ ਤੋਂ ਹੋਰ ਅੱਗੇ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਆਰਾਮ ਨਾਲ ਸੁਣਨ (ਵਿਘਨ) (ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ : ਤੁਹਾਨੂੰ ਇੰਪਾਰਸ਼ਲ ਹੋ ਕੇ ਗੱਲ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ) (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਆਰਟੀਕਲ 209 ਅਤੇ 204 ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਸੁਣਾ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਜ਼ਰੂਰ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਤੁਹਾਡੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੀ ਹੋਣੀ ਹੈ । ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਵਾਈਡ ਪਾਵਰਜ਼ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਨੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਦਿਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ । ਇਥੇ ਦੇ ਰੂਲਜ਼ ਆਫ ਪਰੋਸੀਜ਼ਰ ਦੇ ਰੂਲ 119 ਅਤੇ 120 ਰਾਹੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਵਾਈਡ ਪਾਵਰਜ਼ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਜੋ ਚਾਹੋ ਕਰੋ ਕੋਈ ਰੋਕ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ । (ਵਿਘਨ)

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਚਾਰ ਪੰਜ ਮੈਂਬਰ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਤੇ ਖੜੇ ਹੋ ਗਏ) (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਐਪਰੂਵ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਉਹ ਲਿਸਟ ਆਫ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਤੇ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦਾ। ਇਹ ਇਨਐਡਮਿਸੇਬਲ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਕਾਗਨੀਜ਼ੈਂਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ । ਜਿਹੜੀ ਮੋਸ਼ਨ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਿਤੀ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਰੂਲ 15 (3) (ੲ) ਹੈ ਕਿ ਸਪੈਸਫਿਕ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਪਰ ......(ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Is it correct ?

Sardar Umrao Singh : Well I am sorry to say that it is so.

Mr. Speaker : Kindly read rule 15(c).

Sardar Umrao Singh : It says—

"a motion may be made by a Minister at the commencement of the business for the day to be decided without amendment or debate 'that the proceedings on any specified business be exempted at this sitting from the provisions of the rule "Sittings of the Assembly" either indefinitely or for a specified period after the hour of interruption........"

ਇਸ ਮੋਸ਼ਨ ਵਿਚ ਸਪੈਸੀਫਿਕਲੀ ਇਹ ਲਿਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਕਿ ਫਲਾਣੇ ਬਿਲ ਸਬੰਧੀ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਨਹੀਂ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ : (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : The list is perfectly specific.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Punjab Digital Library

Sardar Umrao Singh : The business is specific. The motion is not specific.

Mr. Speaker : If you look at the list it is perfectly specific.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਰੂਲ 225(2) ਵਿਚ ਐਪ੍ਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਬਾਰੇ ਟਾਇਮ ਰੱਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਵੋਟਿੰਗ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਵੇ, ਕਦੋਂ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਗਿਲੋਟੀਨ ਕਦ ਲਗਾਣੀ ਹੈ। ਪਰ ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਉਸ ਨੂੰ ਵੀ ਵਾਇਉਲੇਟ ਕਰਦੀ ਹੈ।

This motion violates Rule 225(2) of the Rules of Procedure and thus it is out of order and against the Rules.

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਰੂਲ 225 (2) ਤਾਂ ਗਿਲੋਟੀਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਹੈ ਕਿ 6 ਵਜੇ ਲਗਾਈ ਜਾਵੇ ਪਰ ਇਹ ਸਾਢੇ 6 ਅਤੇ 7 ਵਜੇ ਵੀ ਲਗਦੀ ਰਹੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) (Rule 225(2) relates to the Guillotine that it would be applied at 6 p.m. There are instances when it was applied at half past 6 or even at seven p.m.)

Sardar Umrao Singh : This rule can only be waived if there is a general consensus in the House.

ਮੇਰੀ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਨਰਲ ਕਨਸੈਂਸਿਜ਼ ਹਾਊਸ ਦੀ ਨਹੀਂ ਲਈ ਗਈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਇਹ ਬਿਲ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਆਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਰੂਲ 225(2) ਦੇ ਵੀ ਖਿਲਾਫ਼ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) It violates Rule 225(2) of Rules of Procedure and as such this motion is out of order.

Mr. Speaker : I hold your point out of order. (*Interruptions*).

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਫਾਈਨੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਸੀ ਮੈਂ ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਖੜਾ ਹੋ ਗਿਆ ਸੀ, ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਸੀ ਕਿ ਮੈਂ ਇਕ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਪੜ੍ਹਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ (ਆਵਾਜ਼ਾਂ : ਹਾਏ ਕੁਰਸੀ, ਹਾਏ ਕੁਰਸੀ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਏਥੇ ਕੋਈ ਢਾਡੀਆਂ ਜਾਂ ਰਾਗੀਆਂ ਦੀ ਗਲ ਤਾਂ ਕਰ ਨਹੀਂ ਰਿਹਾ ਜੋ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ ਕਸੀਆਂ ਜਾਣ .... (ਸ਼ੋਰ) When will you make them silent ? I will then speak.

Mr. Speaker : I call upon Shri Balram Dass Tandon, Minister for Industries to raise his point of order regarding the statement proposed to be made by Sardar Gurnam Singh.

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜਾ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਹੁਣੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਹੈ, ਇਹ ਮੈਂਬਰ ਇਸ ਸਟੇਟ ਦੇ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਡੀਫੀਟ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ (ਸ਼ੋਰ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਰੂਲ 62 ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਗਲ ਆਉਂਦੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇਣ ਬਾਰੇ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਲਿਖਿਆ ਹੈ .... (ਵਿਘਨ) I am on point of order--(ਸ਼ੋਰ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਕਿਸ ਗਲ ਤੇ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ? (ਵਿਘਨ) (What is your point of order about?)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ : ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੋ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਮੈਂ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਰੂਲ 62 ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ:

"A member who has resigned the office of Minister may, with the consent of the Speaker, make a personal statement in explanation of his resignation."

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਰੂਲ ਹੈ ਇਹ ਬੜਾ ਹੀ ਸੈਲਫ ਐਕਸਪਲੇਨੇਟਰੀ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਸਾਫ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਵੀ ਮਨਿਸਟਰ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕਰਕੇ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਜਿਸ ਦੇ ਕੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਨਾਲ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਡਿਫਰੈਂਸਿਜ਼ ਹੋਣ ਤਾਂ ਉਹ ਆਪਣੀ ਪੋਸਟ ਨੂੰ ਛੱਡ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਫਸਟ ਅਪਰਚੂਨਿਟੀ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਆਪਣਾ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇਵੇ ਕਿ ਕੀ ਕਾਰਨ ਸਨ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਉਸ ਨੇ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕੀਤਾ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਇਕ ਬੜੀ ਅਹਿਮ ਟਰੈਡੀਸ਼ਨ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਬਰਕਰਾਰ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਪਰ ਇਹ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਜਿਸ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਡੀਫੀਟ ਹੋ ਜਾਵੇ ਉਹ ਵੀ ਕਹੇ ਕਿ ਮੈਂ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇਣਾ ਹੈ। ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ, ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ ਹੁਣ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਕ ਐਕਸ-ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਨੂੰ 22 ਵੋਟਾਂ ਮਿਲੀਆਂ ਸਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ 44 ਵੋਟਾਂ ਪਈਆਂ ਸਨ? (ਤਾੜੀਆਂ) ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਤਨੀ ਗਲ ਇਸ ਦਫਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ, 1967 ਦੇ ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਦੀ ਗਵਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਡੀਫੀਟ ਹੋਈ ਸੀ ਉਸ ਵੇਲੇ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਇਹ ਤਾਂ ਇਕ ਮੰਨੀ ਹੋਈ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਵੀ ਕਿਸੇ ਦੀ ਮੈਜਾਰਟੀ ਨਹੀਂ ਰਹਿੰਦੀ ਤਾਂ ਅਕਸਰ ਡੀਫੀਟ ਹੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। (ਆਵਾਜ਼ਾਂ : ਹੁਣ ਤੁਹਾਨੂੰ ਖੀਰ ਖਾਣ ਲਈ ਛਡੀ ਹੈ।) ਮੈਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜੋ ਕੋਈ ਵੀ ਗਲ ਉਹ ਕਹਿਣੀ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਪਹਿਲਾਂ ਸੋਚ ਲੈਣ ਕਿ ਕੀ ਕਹਿਣਾ ਹੈ। (ਸ਼ੋਰ)

Sardar Umrao Singh : Is it a point of order?

Mr. Speker : Order please.

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੀਂ ਐਕਸਪੈਕਟ ਕਰਦੇ ਸੀ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਕੋਈ ਅੱਛੀਆਂ ਟਰੈਡੀਸ਼ਨਜ਼ ਕਾਇਮ ਕਰਨਗੇ, ਇਹ ਸਾਨੂੰ ਖਿਆਲ ਸੀ ਕਿ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਵੀ ਡੀਫੀਟ ਹੋ ਗਈ ਉਹ ਡਿਗਨੀਫਾਈਡ ਵੇ ਨਾਲ ਕਹਿਣਗੇ ਕਿ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਮੇਰੇ ਵਿਚ ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਨਹੀਂ ਰਿਹਾ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। (ਸ਼ੋਰ) ਮੈਂ ਤਾਂ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਕਿ ਇਤਨੇ ਰਿਸਪਾਂਸੀਬਲ ਅਹੁਦੇ ਤੇ ਹੁੰਦੇ ਹੋਏ ਕਿਵੇਂ ਅੱਧੇ ਮਿੰਟ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਾਰੀ ਸੋਚਣ ਸ਼ਕਤੀ ਹੀ ਬਦਲ ਗਈ। ਕਿਤਨੀ ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਬਜਾਏ ਇਸ ਦੇ ਇਹ ਉਸੇ ਵੇਲੇ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇਂਦੇ ਕਿ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਨੂੰ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਡੀਫੀਟ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਮੈਂ ਅਸਤੀਫਾ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ, ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਗਵਰਨਰ ਨੂੰ ਜਾਕੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਕੁਝ ਮਨਿਸਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਡਿਸਮਿਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ .. ..

Sardar Umrao Singh : Is it a point of order?

(Sirdar Kapur Singh stood upon a point of order) (noise).

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ : ਕਿਤਨੇ ਅਫਸੋਸ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਖੁਦ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਪਿਆ ਕਿ ਤੁਹਾਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਡਿਸਮਸ ਕਰਨ ਦੀ ਬਜਾਏ ਖੁਦ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਤੁਹਾਡਾ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰਾਈਟ ਬਣਦਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਡਿਸਮਿਸ ਕਰਨ ਦਾ ਜਦੋਂ ਕਿ ਤੁਹਾਨੂੰ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਡੀਫੀਟ ਹੋਈ ਹੈ। ਫੇਰ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਸਤੀਫਾ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਵੇਲੇ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇਣਾ ਪਿਆ ਜਦੋਂ ਗਵਰਨਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਯਾ ਤਾਂ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇ ਦਿਉ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਕੋਈ ਹੋਰ ਕੋਰਸ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

ਇਖਤਿਆਰ ਕਰਨਾ ਪਵੇਗਾ। ਇਹ ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਇਕ ਮਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਡਿਸਮਿਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸਨ, ਆਰਡੀਨਰੀ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਇਕ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਐਸਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਰ ਸਕਦਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਮੈਜਾਰਟੀ ਨੇ ਰੀਜੈਕਟ ਕੀਤਾ। ਇਹ ਬੜੀ ਕਲੀਅਰ ਜਿਹੀ ਗਲ ਸੀ ਕਿ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਦੇ ਮਗਰੋਂ ਜਦੋਂ ਉਸ ਦੀ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਉਠ ਗਿਆ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਗੁਡ ਟਰੈਡੀਸ਼ਨ ਕਾਇਮ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਆਪ ਹੀ ਅਸਤੀਫਾ ਦਿੰਦੇ, ਜਦੋਂ ਵੀ ਕੋਈ ਮਨਿਸਟਰੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਾਰਦੀ ਹੈ, ਅਸਤੀਫਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਕੌਂਸਲ ਆਫ ਮਨਿਸਟਰਜ਼ ਅਸਤੀਫਾ ਦਿੰਦੀ ਹੈ। ਸਾਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹੁਣ ਜਿਸ ਆਈਟਮ ਆਫ ਅਜੰਡੇ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਅਡਾਪਟ ਕਰ ਚੁਕੇ ਹਾਂ, ਬੜਾ ਵਕਤ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਚਲੀਏ। ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ ਕਿ ਹੁਣ ਕਿਸੇ ਅਸਤੀਫੇ ਦੀ ਗਲਤੀ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਨਾਲ ਕੋਈ ਅਛੀਆਂ ਟਰੈਡੀਸ਼ਨਜ਼ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀਆਂ। ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਹੋਰ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਸਵਾਏ ਬਿਆਨ ਬਾਜ਼ੀ ਦੇ ਕਿ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਉਚੀਆਂ ਨੀਵੀਆਂ ਖਬਰਾਂ ਆਉਣ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦਾ ਵਕਤ ਕਿਸੇ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇ ਦੇਣ ਬਾਰੇ ਜ਼ਾਇਆ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ, ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਿਸੇ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇਣ ਬਾਰੇ ਰੂਲਜ਼ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ, ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ।

चौधरी बलबीर सिंह : स्पीकर साहिब, मैं इस मुआमले पर सब से पहले उठा था। मैं अभी बोल ही रहा था कि आप ने दूसरा मसला शुरू कर दिया। मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि सरदार गुरनाम सिंह ने अस्तीफा अपनी मर्ज़ी से नहीं दिया जिसके लिये रूल 62 के अधीन कहा जाये कि वह स्टेटमैंट दे सकता है। यह फैसला तो अब आप ने करना है कि चीफ मिनिस्टर जब हाऊस में मेजारिटी वोट से डिफीट हो जाता है और जिन हालात के मुताबिक उसे अस्तीफा देना पड़ा है, उनको देखते हुए क्या वह स्टेटमैंट दे सकता है। सवाल यह है कि उस ने अस्तीफा अपनी मर्जी से दिया या कम्पलसरी तौर पर देना पड़ा। अगर कम्पलसरी देना पड़ा तो उसे इस हाऊस में स्टेटमैंट देने का भी कोई इख्तयार नहीं है। यहां पर बहुत से मैम्बर साहिबान ने बोलते हुए कहा है कि अस्तीफा देने में देरी की गई, गलत ढंग से काम किया। जब गवर्नर साहिब ने फिर आदमी भेजे कि आपको अस्तीफा देना होगा, तब जाकर अस्तीफा दिया। हालांकि इनको मिनिस्टरी की डिफीट पर ही रीज़ाइन करना चाहिये था। अगर हाऊस में डिफीट न होती तो स्टेटमैंट देने पर कोई बात नहीं थी।

लेकिन, अध्यक्ष महोदय, क्या इस मिनिस्टरी ने रीज़ाइन किया था या चीफ मनिस्टर ने रीज़ाइन किया था? नहीं अध्यक्ष महोदय यह सरकार तो हाऊस में टूटी थी। यह तब टूटी थी जब यह मिनारिटी में रह गई थी। उस कैबनिट के मनिस्टर भी चीफ मिनिस्टर के साथ नहीं रह गए थे। यह सरकार टूटी थी इस लिए इनको पर्सनल ऐक्सपलेनेशन देने का कोई हक नहीं पहुंचता। यह बिल्कुल सीधी सी बात है कि सरकार को हाऊस में डिफीट हुई थी ....

Captain Rattan Singh: Mr. Speaker, I am grateful to Shri Tandon that he has created this opportunity by bringing this matter before the House. I will go into the constitutional aspect of this matter. I have got with me

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Captain Rattan Singh]

Basu's Commentary on the Constitution of India. I will refer to Article 75, 74, 163 and 164. First I will take up Article 163. It says—

"There shall be a Council of Ministers with the Chief Minister at the head to aid and advise the Governor in the exercise of his function.........."

Now there is no difference between the 'Minister' or the 'Chief Minister'. The definition of 'Minister' given in the Rules is as under :—

"Minister" means a member of the Council of Ministers and includes any member to whom such Minister may delegate any function assigned to him under these rules."

Mr. Speaker : Is there no provision for the Chief Minister?

Captain Rattan Singh : Article 163 is specific about it. Now I will read Article 164. It says—

'The Chief Minister shall be appointed by the Governor and the other Ministers shall be appointed by the Governor on the advice of the Chief Minister and the Ministers shall hold office during the pleasure of the Governor.'

Now I will read clause (2) of this article. It says—

'The Council of Ministers shall be collectively responsible to the Legislative Assembly of the State.'

Mr. Speaker : Clause (1) of the article says that the Chief Minister shall be appointed by the Governor and the other Ministers shall be appointed on the advice of the Chief Minister.

Captain Rattan Singh : There is no difference between the Chief Minister or the Minister.

Now I come to clause (3) of this Article. It says—

'Before a Minister enters upon his office, the Governor shall administer to him the oaths of Office and of secrecy according to the forms set out for the purpose in the Third Schedule.'

Mr. Speaker : Clause (2) says—

'The Council of Ministers shall be collectively responsible to the Legislative Assembly of the State.'

Captain Rattan Singh : I am coming to it.

Now when the Minister enters upon his office he takes Oath as set out in the Third Schedule—

"I *so and so* swear in the name of God that I will bear true faith and allegiance to the Constitution of India as by law established, that I will uphold the sovereignty and integrity of India, that I will faithfully and conscientiously discharge my duties as a Minister.........."

Now, Sir, on the day when Sardar Gurnam Singh was defeated in this House what transpired. The Finance Minister, Sardar Balwant Singh got up and said that he had a mandate from his party not to move the Appropriation Bill. It means that he acted against the Constitution. He defied the oath which he took when he was sworn in as a Minister.

Mr. Speaker : Are you talking about the statement proposed to be made by Sardar Gurnam Singh or about something else ? Be brief and to the point.

Captain Rattan Singh : Sir, I am making out my point. The Industries Minister, Shri Balram Dass Tandon, during the course of his speech said that Sardar Gurnam Singh should have done this or should have done that.

Mr. Speaker : When he is defeated in the House has he any option to continue as a Chief Minister? Has he the right to advise the Governor ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab I

Captain Rattan Singh : Sir, I will read for your information from Basu's Commentary on Article 75 (p. 443). It says—

> "The absence of any specific provision to the effect does not imply that a Minister cannot resign his office, Even the resignation of the Council of Ministers or of the Prime Minister on a defeat n the Houseof the People is not expressly provided for. The whole thing will be governed by convention, as in England.........."

Mr. Speaker : You have already read article 164 which says that the Council of Ministers shall be collectively responsible to the Legislative Assembly of the State. When they are defeated in the Assembly what next remains ?

Captain Rattan Singh : Here it is said that when the Chief Minister is defeated in the House he has the right to make a statement. Further it has been stated—

> "The whole thing will be governed by convention, as in England. It follows, therefore, that an individual Minister may tender his regsignation under a writing addressed to the Prime Minister but the resignation would be effective only if the President accepts the same on the advice of the Prime Minister.........."

Mr. Speaker : After losing the confidence ?

Captain Rattan Singh : Yes.

Mr. Speaker : Is there any provision that he can continue as Chief Minister after his defeat ?

Captain Rattan Singh : He can continue as long as the Governor does not accept his resignation.

Mr. Speaker : Can he still advise the Governor to dismiss certain Ministers ?

Captain Rattan Singh : I am not saying anything personal. I am quoting the Constitution. He has not followed the conventions.

Mr. Speaker : Do you agree that he did not follow the convention ?

Captain Rattan Singh : Did these three gentlemen (pointing to the newly appointed Ministers) follow the conventions ? (*Interruptions*). I can say that if a Minister is not to defend the decision taken by the Cabinet, he is to resign first. I have got with me clear things to place before the House.

Minister for Industries : He is off the track.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਸਿਰਫ ਐਨੀ ਗਲ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ (ਸ਼ੋਰ) ਜੇ ਕੋਈ ਮੋਸ਼ਨ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਲਿਆਉਂਦਾ ਹੈ (ਸ਼ੋਰ) has he not the right to withdraw it ? I want to ask one thing in this connection if a Member brings some motion has he not the right to withdraw it ? (*Interruptions and Noise in the House.*)

Captain Rattan Singh : I am quoting the Constitution. ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਆਰਟੀਕਲ 74 (ਵਿਘਨ) ਪੜ੍ਹੋ ਉਹਦੇ ਵਿਚ ਕਲੀਅਰਲੀ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਮੈਂਡੇਟ ਗੌਰਮੈਂਟ ਤੇ ਕਿੰਨਾ ਕੁ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । If he did not have to follow it (Cabinet decision) the only course was that he should have resigned. (*Interruptions and Noise in the House*).

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਸਗੋਂ ਪੁਆਇੰਟ ਕਲੀਅਰ ਕਰਨ ਦੀ ਬਜਾਏ (I will say that instead of making the point clear you have introduced further complications.)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਜੇ ਮੈਂ ਕੋਟ ਨਾ ਕਰਾਂਗਾ ਅਥਾਰਿਟੀ then you can ask me to stop. There is a very clear ruling. (Interruptions). Sir, if you refer to page 443 of Basu's Commentary on the Constitution of India (Article 75) you will find that a Minister has the right to make a statement even after he is defeated.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਕੋਟ ਕਰੋ ਕਿਸ ਦਾ ਡਿਸੀਜਨ ਹੈ। (Please quote as to whose decision it is.)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਕਾਂਸਟੀਚੂਸ਼ਨ ਦੀ ਗਲ ਹੈ (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਕਲੀਅਰ ਕਰੋ (ਸ਼ੋਰ) (Please clarify the point.) (noise)

(ਇਸ ਵੇਲੇ ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ (ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ) ਆਪਣੀ ਸੀਟ ਤੇ ਖੜੇ ਹੋ ਗਏ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੜੇ ਸਬਰ ਨਾਲ ਸੁਣਿਆ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵੀ ਹੱਕ ਹੈ ਬੋਲਣ ਦਾ । (ਵਿਘਨ) (Tandon Sahib, you were given a patient hearing. Now other hon. Member has also the right to speak).

Minister for Industries : I am sorry, Sir. I am just requesting the hon. Member to be relevant (*Interruption*).

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਹੁਣ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਦੋ ਚੀਜ਼ਾਂ ਹਨ (ਸ਼ੋਰ) ਜਿਹੜਾ ਕਾਂਸਟੀਚੂਸ਼ਨਲ ਪਰੋਵੀਜ਼ਨ ਹੈ ਉਹਦੇ ਵਿਚ ਕਿਤੇ ਨਹੀਂ ਕਿ ਜੇ ਮਨਿਸਟਰੀ ਡਿਫੀਟ ਹੋ ਜਾਏ, ਜਦ ਗੌਰਮਿੰਟ ਡੀਫੀਟ ਹੋ ਜਾਏ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅੰਦਰ ਦੀ ਕਾਂਸਟੀਚੂਸ਼ਨ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਇਹ ਕਿਤੇ ਨਹੀਂ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) The Constitution is silent in this connection. It is by convention only.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜਿਹੜੀ ਕੁਲੈਕਟਿਵ ਰਿਸਪਾਂਸੇਬਿਲਿਟੀ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ ਇਸ ਕਾਂਸਟੀਚੂਸ਼ਨ ਵਿਚ ਉਹ ਤੁਸੀਂ ਭੁਲ ਗਏ ਹੋ (ਵਿਘਨ) (You are ignoring the constitutional provision about the collective responsibility given in the Constitution).

Captain Rattan Singh : I wanted to clinch my issue on the collective responsibility of the Council of Ministers to the Legislature.

Sirdar Kapur Singh : On a point of Order, Sir..........

Mr. Speaker : I would request the hon. Member to have patience.

Sirdar Kapur Singh : Sir, this dialogue between yourself and the hon. Member Captain Rattan Singh is too long for us to bear.

Captain Rattan Singh : I wish to say two things. The collective responsibility position of the Council of Ministers is very clear.

Mr. Speaker : There is no doubt about it. That is mandatory. The hon. Member should please make his point about the statement proposed to be made by the hon. Member Sardar Gurnam Singh.

Captain Rattan Singh : The Constitution has been flouted by the Members sitting on the Treasury Benches.

Mr. Speaker : The hon. Member is requested to speak about the admissibility of the statement proposed to be made by the hon. Member, Sardar Gurnam Singh.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Captain Rattan Singh : Sir, I have already made it clear that there is no provision in the Constitution that a Minister/Chief Minister when defeated on the floor of the House must resign. It may be a convention.

Mr. Speaker : I would request the hon. Member to understand the exact words. The Council of Ministers is responsible to the State Legislature and more so, the Chief Minister. The hon. Member should please resume his seat.

Captain Rattan Singh : The Council of Ministers is collectively responsible to the State Legislature but the hon. Minister for Finance in the outgoing Government..........

Mr. Speaker : Is there any precedent ?

Sardar Umrao Singh : Such a silly thing has never happened in the world (*Interruptions*).

Captain Rattan Singh : It is unprecedented.

Mr. Speaker : The hon. Member should please resume his seat as he has spoken more than enough.

Sirdar Kapur Singh : Sir, we want to hear for a few minutes from every hon. Member of the House if they wish to speak. We want to contribute to the discussion but both of you are having an exclusive dialogue between yourselves.

Mr. Speaker : I would request the hon. Member Captain Rattan Singh to wind up now.

Minister for Finance : Sir, a point of order does not mean discussion for an hour.

Captain Rattan Singh : Sir, I am very clear on two things. According to the Constitution, the Chief Minister does not lose the right to make a statement even after his defeat. A precedent, Sir, must be created.

Mr. Speaker : I would request the hon.Member to resume his seat.

Captain Rattan Singh : Sir, I want to point out that the outgoing Chief Minister, Sardar Gurnam Singh, has not set a good example by not resigning on the same day. But I must say that these three gentlemen (pointing to the newly-appointed Ministers) have flouted the Constitution. They did not discharge the duty for which they were sworn in.

Mr. Speaker : The hon. Member is repeating the same thing again and again. He is requested to resume his seat.

Sirdar Kapur Singh : Mr. Speaker, we have been listening to this debate for a long time now and I am sure most of us have been greatly benefited by it. But it is not the way to conduct a discussion. In my humble opinion, the point before us is very simple but that simple point is being confused by learned hon. Members. Rule 62 is the subject of discussion. The Rule is so simple that I cannot comprehend why it is being confused by the hon. Members from this side and also from the other side by raising such a long discussion. Rule 62 says—

> A member who has resigned the office of Minister may, with the consent of the Speaker make a personal statement in Explanation of his resignation.

Now, there are three points involved in it. The first is : is Sardar Gurnam Singh a Member ? You may say, 'yes', or you may say 'no'. But I am sure you will not say, 'no'. The second is : is he an ex-Minister ? You may say, 'yes', or you may say 'no'. But the answer probably will be 'yes'. The third point is: has he resigned or has he acted in a manner which does not amount to resignation? Something has been said here about this point. The only real question for you to decide is : does this amount to

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Sirdar Kapur Singh]

resignation as contemplated by Rule 62 or does it not ? Give your ruling and we will abide by it.

Mr. Speaker : So far, there has been no precedent in the Lok Sabha for a statement being made by the Prime Minister, who resigns, informing the House of the reasons for his resignation. Nor is there any such instance in the House of Commons. In fact, the practice in the United Kingdom is to pay tribute to the out-going Prime Minister and to welcome the new Prime Minister, immediately after the Question Hour.

In view of this I must admit, in the first instance, I was not very clear whether a statement by the out-going Chief Minister Sardar Gurnam Singh, in the circumstances in which he resigned, was permissible. I, therefore, examined the matter in great detail and also held informal consultation with authorities competent to advise on Parliamentary procedure and practice. I hold that Sardar Gurnam Singh can make a statement. I also hold that the scope of the statement is very limited. He can, in the statement, envisaged in rule 62, state the reasons for his resignation. In other words he can state the differences that he has had with his Ministerial colleagues and/or legislators belonging to his party and the reasons why Members/Ministers belonging to his party did not vote in favour of the Bill which was ultimately rejected by the House.

However, I am afraid, the statement proposed to be made by Sardar Gurnam Singh, a copy of which has been supplied by him to me in advance does not mention any of these points. On the other hand it contains, defamatory, offensive and undignified remarks against some persons and those persons who cannot even defend themselves in this House. In view of our rules, this statement cannot be made.

Under the proviso to sub rule (2) of rule 62, a copy of the statement, or alternatively, a gist of such statement is to be supplied to the Speaker and the Leader of the House one day in advance of the day on which it is proposed to be made.

Therefore, according to the rules, a new statement by Sardar Gurnam Singh cannot be made at this stage. But I do not want to stand in his way on technical grounds. If he prepares a new statement limiting it to the points mentioned above and supplies to me during the course of the day, a copy thereof, I will, if I find it in order, permit him to make it on the floor of the House. Of course, a copy of that statement will also be required to be forwarded to the Leader of the House simultaneously.

Sardar Gurnam Singh : Mr. Speaker........

(Noise and uproar in the House)

LEGISLATIVE BUSINESS

Chief Minister : Sir, I beg to leave of the House to withdraw the Punjab Special Powers (Press) Amendment Bill, 1970. (Noise).

Mr. Speaker : Has the hon. Chief Minister leave of the House to withdraw the Punjab Special Powers (Press) Amendment Bill, 1970 ?

(Noise and uproar in the House)

(Voices : Yes, yes)

Mr. Speaker : The Bill stands withdrawn by the leave of the House.

(The Bill was, by leave, withdrawn)

Chief Minister : Sir, there are three more bills on the Agenda paper, namely, The Punjab Urban Immovable Property Tax (Amendment) Bill,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1970, The Punjab Entertainment Duty (Amendment) Bill, 1970 and the Punjab Entertainments Tax (Cinematograph Shows) Amendment Bill, 1970. The out-going Government had decided to bring forward these bills before the House but, as you are aware there has been a change in the Government and as such I have decided to give more thought to these bills. Therefore, we have decided not to move these bills today. We will bring these bills after giving more consideration at some appropriate moment.

(Noise and uproar in the House)

MOTION UNDER RULE 121

Minister for Industries : Sir, I beg to move—

> Under rule 121 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly that rule 172(2) *ibid* be suspended in its application to the motions in respect of the Punjab Appropriation (No. 2) Bill, 1970 included in the List of Business for today, the 30th March, 1970.

(Noise and interruptions)

Mr. Speaker : Motion moved—

> Under Rule 121 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly that rule 172(2) *ibid* be suspended in its application to the motions in respect of the Punjab Apropriation (No. 2) Bill, 1970, included in the List of Business for today, the 30th March, 1970.

(Noise and interruptions)

Mr. Speaker : Question is—

> Under rule 121 of the Rules of Procedure and conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly that rule 172 (2) *ibid* be suspended in its application to the motions in respect of the Punjab Appropriation No. (2) Bill, 1970 included in the list of Business for today, the 30th March, 1970 (Noise)

After ascertaining the votes of the Members present by voices. Mr. Speaker gave an opinion. The opinion was challenged. The bells were sounded The question was put again and carried by a voice vote.

The motion was declared carried.

FINANCIAL BUSINESS

THE PUNJAB APPROPRIATION (NO. 2) BILL, 1970

Minister for Finance (Sardar Balwant Singh) : Sir, I beg to introduce the Punjab Appropriation (No. 2) Bill. (*interruptions*).

Minister for Finance : Sir, I beg to move—

> That the Punjab Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

(At this stage, there was uproar in the House. Voices of No, No, from the Opposition Benches).

Mr. Speaker : Motion moved—

> That the Punjab Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

(Uproar in the House. Voices of Shame, Shame from the Opposition Benches)

Mr. Speaker : Any hon. Member who wants to speak on this motion may please do so.

(ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਬੋਲਣ ਲਈ ਨਹੀਂ ਖੜਾ ਹੋਇਆ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਕੋਈ ਸਜਣ ਨਹੀਂ ਬੋਲਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਇਸ ਤੇ ?.. .. (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) (ਬਹੁਤ ਸ਼ੋਰ) should I take that no hon. Member wants to speak on this bill)

(ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਬੋਲਣ ਲਈ ਖੜੇ ਨਹੀਂ ਹੋਏ)

Mr. Speaker : Question is—

> That the Punjab Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

(Uproar in the House)

The Assembly then divided

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker : For the motion—55 ; Against the motion—44.

DIVISION LIST

Ayes (Total No. 55)

Name
1. Ajit Singh, Sardar.
2. Balbir Singh, Sardar (Banur).
3. Balbir Singh, Chaudhri (Hoshiarpur).
4. Balmukand Sharma, Shri.
5. Balram Dass Tandon, Shri.
6. Basant Singh, Sardar (Dakala).
7. Basant Singh 'Khalsa' Sardar (Dakha).
8. Balwant Singh, Sardar.
9. Bhagat Singh Rajuwala, Dr.
10. Bikarmajit Singh Bajwa, Brigadier.
11. Dalip Singh, Sardar (Nihal Singh Wala).
12. Dalip Singh Pandhi, Sardar (Amloh).
13. Davinder Singh Bajwa, Sardar.
14. Gian Chand, Vaid (Dinanagar).
15. Gurbachan Singh, Jathedar.
16. Gurdev Singh, Sardar.
17. Gurdip Singh Shahid, Sardar.
18. Gurmit Singh, Sardar.
19. Harbans Lal, Shri.
20. Harchand Singh Ji, Sant.
21. Harcharan Singh Brar, Sardar.
22. Hardit Singh Poohli, Jathedar (Nathana).
23. Hari Singh, Sardar.
24. Harnam Singh, Bawa.
25. Iftikhar Ali Khan, H.H. Nawab.
26. Jagdev Singh, Sardar.
27. Jasdev Singh Sandhu, Sardar.
28. Karam Singh, Sardar.
29. Kartar Singh, Vaid.
30. Kundan Singh Patang, Giani.
31. Lajinder Singh Bedi, Sardar.
32. Lakha Singh, Sant.
33. Manjinder Singh Behla, Sardar.
34. Manmohan Kalia, Shri.
35. Mohan Singh Tur, Jathedar.
36. Mohinder Singh Sayanwala, Sardar (Ferozepur Cantt.)
37. Narinder Singh, Sardar.
38. Parkash Singh Badal, Sardar.
39. Parshotam Singh, Sardar.
40. Partap Singh Kadian, Sardar.
41. Radha Krishan, Chaudhri.
42. Randhir Singh Cheema, Sardar.
43. Ravi Inder Singh, Sardar.
44. Sadhu Singh, Sant.
45. Sant Singh, Sardar.
46. Sarjit Singh, Sardar (Kharar).
47. Satya Dev, Chaudhri.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

Names

48. Shashpal Singh, Sardar.
49. Sohan Singh Bassi, Sardar.
50. Surinder Singh Kairon, Sardar.
51. Surjit Singh, Sardar (Barnala).
52. Tara Singh Layallpuri, Sardar.
53. Tej Singh, Sardar.
54. Teja Singh Dhillon, Sardar.
55. Trilochan Singh Riasti, Sardar.

Noes (Total No. 44)

1. Amir Singh Kalkat, Dr.
2. Atma Singh, Sardar.
3. Babu Singh, Master.
4. Bachan Singh Pakho, Sardar.
5. Beant Singh, Sardar.
6. Dana Ram, Comrade.
7. Darshan Singh, K.P., Sardar (Jamsher).
8. Dilbagh Singh, Sardar.
9. Gian Chand Kharbanda, Shri (Amritsar).
10. Guran Dass Hans, Bhagat.
11. Gurbaksh Singh Sibia, Sardar.
12. Gurbanta Singh, Sardar.
13. Gurdial Saini, Shri.
14. Gurmej Singh, Sardar.
15. Gurnam Singh, Sardar.
16. Harinder Singh, Major.
17. Jagat Ram, Chaudhri.
18. Jagdev Singh, Sardar.
19. Joginder Pall Pandey, Shri.
20. Kapur Singh, Sirdar.
21. Kewal Krishan, Chaudhri.
22. Kirpal Singh Makhewala, Sardar (Sardulgarh).
23. Kulwant Singh , Comrade.
24. Lachhman Singh, Sardar (Guru Har Sahai).
25. Mehtab Singh Dhillon, Sardar.
26. Mohinder Singh Babehali, Sardar (Gurdaspur).
27. Nahar Singh, Captain.
28. Naurang Singh, Sardar.
29. Pritam Singh Samana, Sardar (Samana).
30. Pritam Singh Bhikhowali, Sardar (Dhariwal).
31. Raja Singh, Sardar.
32. Ram Singh, Chaudhri.
33. Rattan Singh, Captain.
34. Ravel Singh, Sardar.
35. Rup Lal, Sathi.
36. Sadhu Ram, Dr.
37. Santokh Singh Randhawa, Sardar.
38. Sardari Lal Kapur, Shri.
39. Sarup Singh, Sardar.
40. Satya Pal Dang, Comrade.
41. Sunder Singh, Chaudhri.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Mr. Speaker]

Names

42. Surjit Singh Atwal, Sardar (Phillaur).
43. Tulsi Ram Chauhan, Chaudhri.
44. Umrao Singh, Sardar.

The motion was declared carried.

Clause 2

Mr. Speaker : Now Clause 2 is before the House.

(No Member rose to speak)

Mr. Speaker : Question is—

Clause 2 stand part of the Bill.

(Noise and uproar in the House)

After ascertaining the votes of the Members present by voices, Mr. Speaker gave an opinion. The opinion was challenged. The bells were sounded. The question was put again and carried by a voice vote.

The motion was declared carried

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That clause 3 stand part of the Bill.

(*Interruptions and Noise*)

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I want to speak on this Clause. You cannot prevent me from speaking.

Mr. Speaker : The hon. Member has got every right to speak.

Comrade Satya Pal Dang : Then let me speak. (Interruptions and uproar in the House). Mr. Speaker, please sit down.

Sardar Umrao Singh : Mr. Speaker, please sit down.

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I wish to speak on Clause 3 which I understand is before the House. I wish to make it clear in the very beginning that you have carried the so-called passage upto the present stage of the Appropriation Bill in quite an illegal manner.

Voices from the Treasury Benches : No, no.

(At this stage, there was uproar in the House and nothing was audible).

Comrade Satya Pal Dang : It constitutes nothing but a rape of Parliamentary Democracy.

Mr. Speaker : I would request the hon. Member to be relevant to Clause 3 of the Bill.

(*Interruptions and Uproar in the House*)

Mr. Speaker : I would request the hon. Member to be relevant to Clause 3 of the Bill.

Comrade Satya Pal Dang : You don't allow me to speak.

Mr. Speaker : The hon. Member should be relevant.

Comrade Satya Pal Dang : I would be relevant. One thing I am unable to understand to-day is as to what at all will you consider relevant ? The Punjab Appropriation (No. 2) Bill has been introduced and moved for consideration in violation of Article 207 of the Constitution of India. Mr. Speaker, I want to tell you that Article 207 requires that no Money Bill can be moved for consideration in the Legislature without a clear and specific recommendation.

Mr. Speaker : This is already there.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

Comrade Satya Pal Dang : Please listen to me. Why do you lose patience ? You have got adopted illegally the consideration motion in regard to the Appropriation Bill. Mr. Speaker, please hear us. The Governor made a recommendation with regard to the Appropriation Bill which was defeated and thrown out by this House a few days ago. The same recommendation of the Governor cannot be brought forward again before the House. It was incumbent on the Government under Article 207 of the Constitution of India to go to the Governor again. They should have told the Governor that the Appropriation Bill which was recommended by him to be introduced and moved in the Assembly a few days ago had been rejected by the House. They should have told him that it was thrown out by the House. Why have they not resorted to the Constitutional provision ? They could have brought forward Vote-on-Account, but they have not done so. They should have gone again to the Governor and told him that the Bill which was recommended by him earlier had been thrown out by the House. They should have told the Governor that a new Bill was to be brought forward by them before the House and for that they should have obtained a new recommendation from the Governor. Mr. Speaker, I have carefully read the Appropriation Bill which has been circulated to us last evening or this morning. It bears the recommendation of the Governor which was given by him earlier. This recommendation is in relation to the Bill which was defeated and thrown out by this House. They have not gone to the Governor. They have not asked for a new recommendation. Therefore, Sir, this Bill which is before the House is unconstitutional, illegal and in violation of the provisions of the Constitution. Mr. Speaker, I wish to appeal, through you, to the Majority in the House to get the Bill through, but let them do so according to the provisions of the Constitution. Let them go to the Governor again. Let the Governor give a new recommendation or they might come out with an Ordinance. The Bill which has been moved for consideration is unconstitutional, illegal and in violation of the provisions of the Constitution. I can, Sir, read out to you from May's Parliamentary Practice to make the point clear. In regard to matters for which there is no provision in the Constitution or the Rules, we are governed by the practices and conventions of the House of Commons. Initiative for Government Money Bills in the House of Commons has to come from the Crown and this has been at length interpreted which I can read out to you from May's Parliamentary Practice. But I will first make clear the point involved. The recommendation which is made by the Governor cannot be amended by the House and it cannot be changed by the House. If a Bill which is recommended by the Governor is thrown out, it cannot be brought forward before the House. A new Bill on the same matter with a new recommendation from the Governor can come before the House. You have, Sir, not checked up and, therefore, it is illegal. With regard to the merits......

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਜੋ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਰਿਕੁਮੈਂਡੇਸ਼ਨ ਹੈ, ਉਹ ਮੈਂ ਪੜ੍ਹ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਆਪ ਨੂੰ ਘਟ ਐਨਰਜੀ ਵੇਸਟ ਕਰਨੀ ਪਵੇਗੀ। (Let me read out the Governor's recommendation in this behalf. Then you will have to waste lesser energy.)

It reads—

"Order of the Governor, dated 28th March, 1970. In pursuance of the provisions of Clause (1) of Article 207 of the Constitution of India, I recommend the introduction and moving of the Punjab Appropriation (No. 2) Bill, 1970.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Mr. Speaker]

As required by Clause (3) of Article 207 of the Constitution of India, I recommend to the Legislature of the State the consideration of the Punjab Appropriation (No. 2) Bill, 1970.'

The Statement of Objects and Reasons of the Bill reads—

"Under Article 204(1) of the Constitution of India, a Bill to provide for the appropriation out of the Consolidated Fund of the State of Punjab of all moneys required to meet the grants made by the Legislative Assembly and expenditure charged on the Consolidated Fund of the State, is required to be introduced. A motion for consideration of similar Bill No. 6—PLA of 1970 was rejected by the Legislative Assembly on the 25th March, 1970. The Governor has recommended to the State Legislature the introduction and consideration of the present Bill. Hence the proposed Appropriation (No. 2) Bill, 1970."

Sardar Umrao Singh : On a point of Order, Sir.
Comrade Satya Pal Dang : I am already on my legs.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਨੇ ਹੁਣੇ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਹੁਕਮ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾਇਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੋ ਬਿਲ ਅਜ ਪੇਸ਼ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਇਹ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਪੁਰਾਣਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਵਾਂ ਬਿਲ ਹੈ... (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਆਪ ਦੀ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਪੁਰਾਣਾ ਬਿਲ ਹੈ ਜੋ ਦੋਬਾਰਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਜਾਂ ਇਹ ਨਵਾਂ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ....

Mr. Speaker, I would like to have your ruling whether it is a new Bill or it is the same Bill which was rejected by the House a few days ago.

Mr. Speaker : The Bill is before the House. If it is not in order, the hon. Member can challenge it.

Sardar Umrao Singh : Sir, I would like to know your opinion.

Mr. Speaker : This Appropriation Bill is in perfect order. This is no point of Order (Cheers from the Treasury Benches).

(At this stage, there was uproar in the House).

Sardar Umrao Singh : Should I presume that you refuse to give your ruling on this ?

Mr. Speaker : The hon. Member should please resume his seat.

Comrade Satya Pal Dang : The Bill which has been circulated to us today is the same old Bill which was moved in the House on the 25th March. It does not contain this order of the Governor. It does not contain any recommendation of the Governor which you have read today. We have got the old Bill on which the recommendation is dated the 20th March. Therefore, any orders which might have been received by you are not valid because the Bill which has been circulated to us today does not contain the recommendation which you have read out. Therefore, this Bill could not be moved legally today. Secondly, Mr. Speaker, my objection to clause 3 is that you cannot pass it because the Bill was introduced in illegal manner. You know perfectly well that the issue at that time being debated was whether Sardar Gurnam Singh be allowed to make a statement or not. You gave your ruling and we heard you in pin drop silence. You said that he could make a statement. But when Sardar Gurnam Singh got up to say something you did not allow him to speak. He had the right to make a statement but you did not allow him.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਦੀ ਕਲਾਜ਼ 3 ਤੇ ਬੋਲ ਰਹੇ ਹੋ ?

[I would like to know from the hon. Member if he is speaking on Clause 3 of the Punjab Appropriation (No. 2) Bill ?]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Comrade Satya Pal Dang : I am saying that Clause 3 has been moved illegally.

Mr. Speaker : This is not relevant.

Comrade Satya Pal Dang : Why it is not relevant ? When I say this clause 3 has been moved illegally how is it not relevant.

Mr. Speaker : Please resume your seat.

Comrade Satya Pal Dang : Mr. Speaker, my point is that he (Sardar Gurnam Singh) had the right to make a statement. He wanted to make a statement but you passed on to next item (Noise and uproar in the House). There was lot of trouble and noise in the House at that time. You passed on to the next item and put the motion to the vote of the House. When the motion was moved, as you say it was moved, no body heard. Nothing was audible in the House. No body knew what the business was before the House. So this Appropriation Bill is illegal.

Mr. Speaker, Sir, then I also want to point out another thing. There is a specific provision, Rule 225(2), relating to discussion on Appropriation Bills. With regard to the No-confidence motion you have the right to allot a part of the day for discussion but with regard to Appropriation Bill you do not have the right to allot a part of the day for its discussion. So, Sir, you have violated statutory provisions of Rules of Procedure and Conduct of Business of the House. Under Rule 225(2) you can allot a day or days and not a part of the day for the discussion of the Appropriation Bill. When it was moved no body heard about it. When it was introduced no body heard about it. * * * * *
* * * * * * *
* * * * * *. You have allowed a part of the day for the discussion of the Appropriation Bill, but under the Rules it was obligatory for you to allot a day or days.

ਸਰਦਾਰ ਨਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਤਵੱਜੋਂ ਇਸ ਗਲ ਵਲ ਦਿਵਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਹਰ ਦੋ ਤਿੰਨ ਲਫਜ਼ਾਂ ਬਾਅਦ ਚੇਅਰ ਤੇ ਐਸਪਰਸ਼ਨ ਕਾਸਟ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਫਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਐਕਸਪੰਜ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਗੁਸਾ ਹੈ ਕਿਸੇ ਗੱਲ ਦਾ ਤਾਂ ਇਹ ਕਿਤੇ ਹੋਰ ਜਾ ਕੇ ਕਢਣ ਇਹ ਗੁਸਾ ਕਢਣ ਦੀ ਥਾਂ ਨਹੀਂ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : All these remarks which cast aspersion on the Chair should be expunged.

चौधरी बलबीर सिंह : व्यवस्था का प्रश्न । अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि ऐप्रोप्रिएशन बिल के बारे में डैफिनेट इन्स्ट्रक्शन्ज़ हैं कि इस पर स्पीच का स्कोप लिमिटिड है और जो यह बोल रहे हैं यह स्कोप से बाहर बोल रहे हैं और आप इन्हें इजाज़त दे रहें हैं, तो क्या यह स्कोप के बाहर बोल सकते हैं या नहीं ? मैं आप के नोटिस में यह बात ला रहा हूं ।

Comrade Satya Pal Dang : Speaker Sahib, the Rules of our House in relation to Appropriation Bill say that there will be discussion of a general nature. It is very important point ; the Government is asking for crores of rupees. Whatever amount is being asked for by the Government for appropriation it is through this clause 3.

---

*Expunged as ordered by the Chair.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Satya Pal Dang]

I say why this trouble arose. A new Government was formed yesterday. The Government claims that they have a solid majority in the House. But the conduct of the Government and the indecent haste with which they want to get this Appropriation Bill passed without proper discussion show that they are short of majority. They feel that the Members, who are defecting and re-defecting may defect tomorrow to the other side and their Government may fall. That is why I would say that not a single rupee should be given to the Government.

चौधरी बलबीर सिंह : व्यवस्था का प्रश्न । मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि ऐप्रोप्रीएशन बिल के बारे में रूल 225 है और आप इस को पढ़ लें ।

Rule 225 (4) says

'The debate on an Appropriation Bill shall be restricted to matters of public importance or administrative policy implied in the grants covered by the Bill which have not already been raised while the relevant demands for grants were under discussion.

Rule 225 (5) says

'The Speaker may, in order to avoid repetition of debate, require members desiring to take part in discussion on an Appropriation Bill to give advance intimation of the specific points they intend to raise. and he may withhold permission for raising such of the points as in his opinion appear to be repetitious of the matters discussed on a demand for grant or as may not be of sufficient public importance'

इस में यह बात क्लीयर है कि अगर डीमांड के ऊपर बोलते हुए कोई बात रह गई हो तो उस के बारे में बोला जा सकता है, उसके स्कोप के बाहर कोई बात नहीं कही जा सकती और माननीय सदस्य इस के स्कोप से बाहर बात कर रहे हैं । (विघ्न)

Comrade Satya Pal Dang : I am very grateful to my hon. friend who has made certain points which are very correct. But surely you know Mr. Speaker, that today no discussion has taken place on the Appropriation Bill. I am the first speaker. (Noise in the House). So for I am the first speaker to speak on the Appropriation Bill. No other hon. Member has spoken on this Appropriation Bill. So there is no question of repeating of what has already been said.

Mr. Speaker : The words are 'repetitious of the matters discussed on a demand for grant..........'

Comrade Sayta Pal Dang : Sir, the Rule says that whatever, might have been said during the discussion on demands for grants should not be repeated. In this respect my humble submission is that whatever, I am saying today was not said by any body during the discussion on the demands for grants.

Mr. Speaker, Clause 3 relates to the appropriation of the entire amount and I oppose it.

Mr. Speaker : Please resume your seat.

Comrade Satya Pal Dang : According to the Rules unless I repeat you cannot stop me.

Mr. Speaker : Please wind up... ਮੈਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ 5 ਮਿੰਟ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਵਾਈਂਡ ਅਪ ਕਰ ਦੇਣ । (Please wind up. I would request the hon. Member to wind up within 5 minutes)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

Comrade Satya Pal Dang : Mr. Speaker, when I am relevant, you cannot stop me from speaking. I am, Sir, opposing Clause 3 which says that so much money authorised to be paid and applied from and out of the Consolidated Fund of the State of Punjab shall be appropriated for the services and purposes expressed in the Schedule. This Government has proved by its own conduct that it is most unstable. Under what circumstances has, Mr. Speaker, this Government been formed, every body knows it. You also know it.

* * * * * * *

* * * * *

(Interruption and Uproar in the House. Nothing was audible for sometime in the House.)

Mr. Speaker : This should be expunged.

Comrade Sayta Pal Dang : * * * * *

* * * * * *

Mr. Speaker : This is an aspersion. It should be expunged.

Comrade Satya Pal Dang : Under what rule are you expunging these remarks ?

* * * * * * * * *

* * * * * * *

Mr. Speaker : This is an aspersion. It should be expunged.

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ (ਪੱਟੀ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹੁਣੇ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕੁਝ ਐਸੇ ਸ਼ਬਦ ਕਹੇ ਹਨ, ਜਿਹੜੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀ ਡਿਗਨਟੀ ਨੂੰ ਬੜਾ ਲੋ ਕਰਦੇ ਹਨ, (ਸ਼ੋਰ) ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਲਫਾਜ਼ ਕਹੇ ਗਏ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਬੜਾ ਹੀ ਛੋਟਾ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਹ ਗਲ ਕਹਿਣੀ ਕਿ ** **

** ** ** ** ** ** **

ਇਹ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਬੇਇਜ਼ਤੀ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਐਪ੍ਰੋਪ੍ਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਤੇ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਈ ਡਿਫਰੈਂਸਿਜ਼ ਹਨ, ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਬੇਸ਼ਕ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਹਿਣ, ਪਰ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ** ** ** ਕਹਿਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਇਹ ਸਾਰੇ ਸ਼ਬਦ ਐਕਸਪੰਜ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਤਰਾਂ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਰਿਮਾਰਕਸ ਚੇਅਰ ਤੇ ਜਾਂ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਤੇ ਹੋਣੇ ਨਹੀਂ ਚਾਹੀਦੇ, ਇਹ ਰੋਕਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

Mr. Speaker : All the undersirable remarks should be expunged. I allow the hon. Member to speak for five minutes more.

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I have not yet spoken for half a minute. You allowed me five minutes.

Mr. Speaker : Guillotine will be applied at 6.0 p.m.

Comrade Satya Pal Dang : Mr. Speaker, Sir, you have extended the sitting of the House till the business is finished. Sir, let there be a proper discussion. Why should the guillotine be applied at 6.0 p.m. ?

Mr. Speaker : Under the Rules, it has to be applied.

Comrade Satya Pal Dang : Why not suspend that Rule ? You have already suspended one Rule.

I would like to make another point that this Government is most unstable. If they are honest, they should go and tell the Governor that the Assembly should be suspended and there should be Presidential Rule in the State. (*Interruptions and Noise in the House*).

*Expunged as ordered by the Chair.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਬੰਦ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ, ਇਹ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਟੇਬਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਮੈਜਾਰਟੀ ਦੇ ਵਿਚ ਹਾਂ।

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I would like to say only one thing. Some hon. Members like Sardar Surinder Singh Kairon who have never spoken in this House before and who have not been attending this House very much have become vocal supporters of this Government. That speaks volumes about the nature of this Goverment.

(At this stage, Sardar Gurnam Singh and many other hon. Members rose to catch the eye of the Speaker. (*Noise in the House*).

Mr. Speaker : Captain Rattan Singh on a point of Order.

PERSONAL EXPLANATION BY SARDAR GURNAM SINGH

Sardar Gurnam Singh : I would like to make a personal explanation.

Sardar Ravi Inder Singh : Sir, I want to raise a point of Order.

Captain Rattan Singh : Sir, I have not to raise a point of Order. I would like to speak on the Bill which is before the House.

Sardar Ravinder Singh : On a point of Order, Sir,...

Captain Rattan Singh : Sir, I would like to speak on the Bill. You have already called upon me. I do not want to raise a point of Order.

Mr. Speaker : Sardar Gurnam Singh. The personal explanation should not take more than five minutes.

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ : (ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਵਲ ਇਸ਼ਾਰਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਨੂੰ ਅਜੇ ਤੱਕ ਇਹ ਨਹੀਂ ਪਤਾ ਕਿ ਇਹ ਕਾਂਗਰਸ ਨਾਲ ਰਲਿਆ ਹੈ ਜਾਂ ਕਾਂਗਰਸ ਇਹਦੇ ਨਾਲ ਰਲੀ ਹੈ .... (ਸ਼ੋਰ)

Mr. Speaker : Sirdar Kapur Singh Ji.

Captain Rattan Singh : Sir, I would like to speak on the Appropriation Bill. You called upon the hon. Member Sardar Gurnam Singh to make his personal explanation. I think, Sardar Gurnam Singh was going to say someting. Sir, would you permit me to say something on the Appropriation Bill ?

Mr. Speaker : Sardar Gurnam Singh on a point of personal explana - tion.

(At this stage, many hon. Members rose on Points of Order. There was uproar in the House.)

Sardar Gurnam Singh : Mr. Speaker, I wanted to make a statement under Rule 62 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly and as required I have sent copies of the statement to you and the Leader of the House. (*Interruptions and Noise*).

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਰੂਲਿੰਗ ਦੇ ਚੁਕੇ ਹੋ ਕਿ ਰੂਲ 62 ਦੇ ਹੇਠ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੇ। ਹੁਣ ਉਹੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਉਹ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸ-ਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਰਾਹੀਂ ਪੜ੍ਹਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਉਤੇ ਹੋਰ ਨਵਾਂ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨ ਕਿਹੜਾ ਲਗਾ ਹੈ ? ਕੀ ਉਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ? (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਇਸ ਤੇ ਤੁਹਾਡੀ ਰੂਲਿੰਗ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ।

(ਇਸ ਵੇਲੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲ ਰਹੇ ਸੀ ਸ਼ੋਰ ਇਤਨਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸੀ ਕਿ ਕੁਝ ਸੁਣਾਈ ਨਹੀਂ ਸੀ ਦੇ ਰਿਹਾ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by:
Panjab

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ, ਤੁਹਾਡੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਰੂਲ 62 ਥਲੇ ਜੋ ਸੀ ਉਹ ਡਿਸਅਲਾਓ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ, ਹੁਣ ਤੁਹਾਡੇ ਤੇ ਕਿਹੜਾ ਨਵਾਂ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨ ਲਗਾ ਹੈ, ਜਿਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਤੁਸੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ? (The statement which the hon. Member Sardar Gurnam Singh wanted to make under rules 62 has been disallowed. I would like to know from the hon. Member what new allegation has been levelled against him in respect of which he wants to explain his position?)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈ ਆਪਣੀ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਐਕਸਪਲੇਨ ਕਰਨ ਲਈ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਸੀ ।

As soon as I got up to make a statement a point of order was raised by the Industries Minister in which lot of irrelevant remarks were made. Later on, other Members also raised points of order and similar irrelevant speeches were made...........

(*Noise and uproar in the House*)

(*Members started shouting at each other from both sides*)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਗਿਲੋਟੀਨ 6.00 ਵਜੇ ਲਗੇਗੀ । (Guillotine will be applied at 6-00 P.M.)

ਆਵਾਜ਼ਾਂ : ਨਹੀਂ, ਨਹੀਂ, ਅਸੀਂ ਇਸ ਤੇ ਬੋਲਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ।

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਸਪੀਚਾਂ ਕਰਨ ਦਿਓ । ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਤੇ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਫੇਸ ਕਰਾਂਗੇ । (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Is it the sense of the House that Guillotine should not be applied at 6.00 p.m.

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ : ਜੋ ਵੀ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਪੀਚਾਂ ਕਰਨੀਆਂ ਚਾਹੁੰਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਰਨ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣ, ਅਸੀਂ ਫੇਸ ਕਰਨ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਾਂ (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Then the provision is waived with the sense of the House.

Sardar Umrao Singh : You have already given your ruling on it.

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਮੈਂ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਪੜ੍ਹਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ, ਉਸ ਵੇਲੇ ਇੰਡਸਟਰੀ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਉਠ ਕੇ ਇਕ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕਰ ਦਿਤਾ, ਮੈਂ ਬੈਠ ਗਿਆ । ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕੀਤੇ, ਕਾਰਵਾਈ ਦੀ ਲੀਗੈਲਟੀ ਤੇ ਵੀ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਹੋਏ, ਸਪੀਚਾਂ ਵੀ ਹੋਈਆਂ, ਤੁਸੀਂ ਆਬਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨਜ਼ ਵੀ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਉਹ ਰੈਲੇਵੈਂਟ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਹਨ । ਮੇਰਾ ਵੀ ਰਾਈਟ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕਰਾਂ । ਮੇਰਾ ਰਾਈਟ ਹੈ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦਾ, ਜੋ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਮੇਰੇ ਤੇ ਲਗੀਆਂ ਹਨ । ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਪਹਿਲਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਭੇਜ ਦਿਤੀ ਸੀ, ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਆਪਣੀ ਜੇਬ ਵਿਚੋਂ ਕੱਢ ਕੇ ਨਹੀਂ ਸੀ ਪੜ੍ਹਨੀ । ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਕਹਿ ਦਿਤਾ ਕਿ ਡੈਫੇਮੇਟਰੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਜ ਉਹ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਪਰੈਸ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਨਾਲ ਰਿਲੀਜ਼ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਦੇਖਾਂਗਾ ਕਿ ਉਸ ਵਿਚ ਕਿਤਨੀ ਡੈਫੇਮੇਸ਼ਨ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੀ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਦੇ ਦਿਤੀ ਹੈ, ਮਿਹਰਬਾਨੀ ਕਰਕੇ ਬੈਠ ਜਾਓ । (The hon. Member has given his personal explanation; he may please resume his seat.)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Sardar Gurnam Singh : Mr. Speaker, you do not allow anybody to speak today. You do not allow any body to speak. You are not behaving as a Speaker. This is undesirable.

(*Noise in the House*)

Mr. Speaker : Please withdraw your words. You will have to withdraw these words.

Captain Rattan Singh : Please do'nt give threats.

Mr. Speaker : You will have to withdraw these words. You are indulging in disorderly behaviour. (*Noise*)

Sardar Gurnam Singh : I did not expect this from you. (*Noise and uproar in the House*). I withdraw the words regarding your behaviour. But I have the right to say that you, Mr. Speaker, are not acting constitutionally today. You do not allow anybody to speak. You have allowed so many Members to raise the points of order but you do not allow me to speak.

Mr. Speaker : Such a learned person like you who had been a Judge of the High Court, Leader of the House twice and the Leader of the Opposition for five years should not make such remarks. (*Noise*).

Sardar Gurnam Singh : Mr. Speaker, I would request you to read my proposed statement and let the House know whether there is anything defamatory in it. I have only narrated the circumstances which led to my resignation.

Mr. Speaker : You can only give your personal explanation.

Sardar Gurnam Singh : Will you please read out the statement and let the House know if it contains anything defamatory ?

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਨਮਿਤਣ ਬਿਲ ਤੇ ਤਕਰੀਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਸੀ, ਪਰ ਹੁਣ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਤੁਸੀਂ ਹੁਕਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਗਿਲੋਟੀਨ 6.00 ਵਜੇ ਲਗੇਗੀ ਅਤੇ 6.00 ਵਜਣ ਵਾਲੇ ਹਨ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਗਿਲੋਟੀਨ ਨਹੀਂ ਅਪਲਾਈ ਕਰਨੀ। (Gillotine is not to be applied)

THE PUNJAB APPROPRIATION (NO. 2) BILL, 1970 (*Resumption*)

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਦੋਵੇਂ ਪਾਸੀਂ ਮਿਤਰ ਬੈਠੇ ਹਨ, ਮੈਂ ਇਨਾਂ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਨਮਿੱਤਣ ਬਿਲ, ਜਿਸ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਪੜ੍ਹਤ ਵੋਟਾਂ ਨਾਲ ਪਾਸ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਵੋਟ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ। ਜਦੋਂ ਇਹ ਪਹਿਲੀ ਪੜ੍ਹਤ ਪਾਸ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ ਤਾਂ (ਵਿਘਨ) ਜੇ ਹੁਣ ਇਸ ਦੀ ਦੂਸਰੀ ਜਾਂ ਤੀਸਰੀ ਪੜ੍ਹਤ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅੜਚਨ ਪਾਉਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ ਤਾਂ ਸਥਿਤੀ ਇਸ ਪਰਕਾਰ ਹੋ ਜਾਏਗੀ, (ਸ਼ੋਰ) ਵਿਧਾਨ ਦੀ ਧਾਰਾ 356, ਜਿਸ ਵਿਚ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਜੇ ਕਿਸੇ ਰਾਜ ਵਿਚ ਵਿਧਾਨਕ ਤੌਰ ਤੇ ਅਸੈਂਬਲੀ ਕੰਮ ਨਾ ਕਰ ਸਕੇ ਤਾਂ ਉਸ ਅਸੈਂਬਲੀ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਏ ਅਤੇ ਉਥੇ ਪਰੈਜ਼ੀਡੈਂਟ ਦਾ ਰਾਜ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਏ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਇਸ ਤਰਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਕਿ ਆਪਣੇ ਹੱਥ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਗਲੇ ਉਤੇ ਹੀ ਛੁਰੀ ਫੇਰ ਦਿਉ। (ਵਿਘਨ) ਸਰਕਾਰ ਚਲਦੀ ਰਹੇ। ਜੇ ਸਰਕਾਰ ਪਸੰਦ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਨ ਦਾ ਸਾਨੂੰ ਪੂਰਾ ਅਖਤਿਆਰ ਹੈ। ਨੋ-ਕਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ (ਬੇਪ੍ਰਤੀਤੀ ਦਾ ਮਤਾ) ਦਿਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਹੋਰ ਕਈ ਤਰੀਕੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਕੋਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਦੀ ਹਿਮਾਇਤ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ (ਵਿਘਨ) ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜੋਸ਼ ਵਿਚ ਆ ਕੇ ਇਹੋ ਜਿਹਾ ਕੰਮ ਨਾ ਕਰੀਏ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਜਿਸ ਨੂੰ ਦੇਖ ਕੇ ਬਾਹਰਲੇ ਲੋਕ ਇਹ ਕਹਿਣ ਕਿ ਅਸੀਂ (ਵਿਘਨ) ਸੂਝ ਬੂਝ ਤੋਂ ਰਹਿਤ ਹੋਣ ਦਾ ਸਬੂਤ ਦੇ ਦਿਤਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਰਵਈਏ ਬਾਬਤ ਭੀ ਮੈਂ ਕੁਛ ਦਸ ਸਕਦਾ ਹਾਂ, ਪਰ ਉਨਾਂ ਚਿਰ ਨਹੀਂ ਜਿੰਨਾਂ ਚਿਰ ਕਿ ਤੁਹਾਡੇ ਉਤੇ ਬੇਪ੍ਰਤੀਤੀ ਦਾ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ।(ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : I am thankful to Sirdar Kapur Singh for his sincere advice.

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਤੁਹਾਡਾ ਸਤਿਕਾਰ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । (ਵਿਘਨ) ਹੁਣ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਨਮਿੱਤਣ ਬਿਲ ਦੀ ਤੀਸਰੀ ਪੜ੍ਹਤ ਵਿਚ, ਇਸ ਦੇ ਪਾਸ ਹੋਣ ਦੇ ਰਾਹ ਵਿਚ ਰੁਕਾਵਟ ਨਹੀਂ ਪਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ, ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਇਸ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਬੜੇ ਹਾਨੀਕਾਰਕ ਹੋਣਗੇ। (ਵਿਘਨ)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ (ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਨਵਾਂ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਉਸ ਬਾਰੇ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਹੀਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। 4,15, 31,67, 020 ਰੁਪਏ ਜਿਹੜੇ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮੰਗੇ ਹਨ ਖਰਚ ਕਰਨ ਲਈ, ਮੈਂ ਇਹ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇਲਲੀਗਲ ਐਰ ਅਨ-ਕੰਨਸਟੀਚੂਸ਼ਨਲ ਐਕਟ ਹੈ ਵਿਧਾਨ ਦੀ ਧਾਰਾ 114, ਇਹ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤੇ ਕੋਈ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ, ਜਿਹੜੀ ਇਸ ਦੀ ਰਕਮ ਘਟਾਈ ਜਾਂ ਵਧਾਈ ਜਾਵੇ (ਵਿਘਨ)। ਇਹ ਹੈ ਕਾਂਸਟੀਚੂਸ਼ਨ ਦੀ ਪਰੋਵੀਜ਼ਨ (ਵਿਘਨ) ਲੇਕਿਨ ਉਹ ਬਿਲ ਜਿਹੜਾ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਨੇ ਆਪ ਪੇਸ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ, ਪੇਸ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਬੜਾ ਐਕਸਟ੍ਰੈਨੂਅਸ ਸਬਜੈਕਟ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਤੁਸੀਂ ਰੂਲ 172 ਨੂੰ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰ ਦਿਤਾ, ਇਹ ਕਾਫੀ ਨਹੀਂ ਇਸ ਨੂੰ ਇਲਲੀਗਲ ਤੋਂ ਲੀਗਲ ਬਨਾਉਣ ਲਈ। ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਰੂਲ 81 ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਥਲੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ:

> "A motion or amendment shall not, except with the permission of the Speaker, riase a question substantially identical with one on which the Assembly has given a decision in the same session, Provided that the Asssmbly shall not be deemed to have given a decision in respect of a bill unless it has either passed the Bill or has rejected the Bill."

ਇਸ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰਨ ਲਈ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲ ਧਾਰਾ 116 ਸੀ। ਇਹ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਰਮਿਟ ਕਰਦੀ ਸੀ। ਹੁਣ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਡਿਫੀਕਲਟੀ ਹੋਈ ਹੈ ਇਹ ਕਿਸ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। ਇਹ ਕੰਮ ਪਬਲਿਕ ਦੇ ਹਿੱਤਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਜੇ ਇਹੋ ਜਿਹਾ ਕੋਈ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਅਸੀਂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ, ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਨੇ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਦੋ ਬਿਲ ਹਨ, ਇਕ ਜਿਹੜਾ ਕਿ 25 ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਸਟਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਦੂਜਾ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਅਜ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਦੋਵੇਂ ਆਈਡੈਂਟੀਕਲ ਨੇ। ਇਹਦੇ ਵਿਚ ਸਵਾਏ ਬਿਲ ਨੰਬਰ 6-ਪੀ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਬਿਲ ਨੰਬਰ 8—ਪੀ. ਐਲ. ਏ. ਕਰਨ ਦੇ ਜਾਂ ਡੇਟ ਹੋਰ ਹੋਣ ਦੇ ਹੋਰ ਕੋਈ ਚੇਂਜ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ ਆਈਡੈਂਟੀਕਲ ਕਿਹਾ ਹੈ।

(ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਕੁਝ ਬੋਲਣ ਲਈ ਆਪਣੀ ਸੀਟ ਤੇ ਖੜੇ ਹੋਏ)

Mr. Speaker: Capt. Rattan Singh is already on his legs.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ: ਇਕ ਨੋ-ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਸੀ, ਉਸ ਦਾ ਕੀ ਬਣਿਆ ਹੈ ?

Mr. Speaker : It is being examined by the office.

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਧਾਰਾ 116 ਜਿਹੜੀ ਹੈ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਇਕ ਰਾਹ ਦਸਦੀ ਹੈ, ਇਸ ਰਾਹੀਂ ਉਹ ਵੋਟ ਆਨ ਅਕਾਊਂਟ ਲਿਆ ਸਕਦੇ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੋਟ ਆਨ ਅਕਾਊਂਟ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ]

ਲਿਆਉਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਸੀ। ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਐਮਰਜੈਂਸੀ ਵਿਚ They should have resorted to Article 116. They were responsible for stalling the Bill. They should have taken shelter of Article 116 and brought Vote-on-Account. ਵੋਟ ਆਨ ਅਕਾਊਂਟ ਲੈ ਆਉਂਦੇ।ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਇਲ ਲੀਗਲ ਔਰ ਅਨ-ਕੰਸਟੀਚੂਸ਼ਨਲ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਇਹ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਂਦਾ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, 415 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਦੇ ਰਹੇ ਹੋ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੰਸਟੀਚੂਸ਼ਨ ਨੂੰ ਫਲਾਊਟ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਹ ਮੈਂ ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਚੈਲੰਜ ਕਰਾਂਗਾ (ਵਿਘਨ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ,ਇਹ 415 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਐਨੀ ਵਡੀ ਰਕਮ ਲੈਣ ਦੀ। ਸਾਨੂੰ ਖਤਰਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਇਸ ਨੂੰ ਮਿਸਯੂਜ਼ ਕਰਨਗੇ, ਮਿਸ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਹੋਏਗੀ।ਹੁਣ ਜੇ ਮੈਂ ਮੈਰਿਟਸ ਵਿਚ ਜਾਵਾਂ (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਰਟੀਕਲ 116 ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਪਰੋਟੈਕਸ਼ਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਦੀ ਸੀ, ਉਹ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਨਹੀਂ ਲਈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੋਟ ਆਨ ਅਕਾਊਂਟ ਦੋ ਤਿੰਨ ਮਹੀਨਿਆਂ ਵਾਸਤੇ ਕਰ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਹ ਅਗੇ ਮੁੜ ਕੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਫੇਸ ਕਰਦੇ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਇਹ ਰਿਕਾਰਡ ਕਰਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਸਪੈਨਸ਼ਨ ਆਫ ਰੂਲ 172 ਜਿਹੜੀ ਹੋਈ ਹੈ ਇਹ ਮੈਲਾਫਾਈਡ ਇੰਟੈਨਸ਼ਨ ਨਾਲ ਹੋਈ ਹੈ। ਮੈਲਾਫਾਈਡ ਇੰਟੈਨਸ਼ਨ ਕਿਉਂ ਸੀ ? ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਬਿਲ ਜਿਸ ਨਾਲ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਹੋਣਾ ਸੀ (ਵਿਘਨ) ਉਹ ਇਲਜ਼ਾਮ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪਰੂਵ ਹੋ ਜਾਣਾ ਸੀ।

ਤੁਸੀਂ ਰੂਲ 172 ਨੂੰ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ, ਇਸ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਨ ਲਈ, ਲੇਕਿਨ ਰੂਲ ਨੰਬਰ 81 ਉਥੇ ਦਾ ਉਥੇ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਤੁਸੀਂ ਰੂਲ 172 ਨੂੰ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰਕੇ ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** **

Mr. Speaker : This is an aspersion on the Chair.

Captain Rattan Singh : I have said, * * * * * * * * *....(*Interruption*)

Mr. Speaker : This is also an aspersion on the Chair. It should be expunged.

Captain Rattan Singh : How is this an aspersion on the Chair ? I have said, to-day the Speaker has acted in such a way ; it may be very good way or it may be a very bad way. Unless I complete my sentence how can you say that this is an aspersion on the Chair.

The Government have shown themselves unfit to shoulder any responsibility under the Constitution.

ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਹ ਬੜੀ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਰੂਲ 81 ਨਹੀਂ ਸਸਪੈਂਡ ਕੀਤਾ, ਇਹ ਮੈਂ ਰਿਕਾਰਡ ਕਰਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ, ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਗਲਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲ ਦੋ ਰੈਮੇਡੀਜ਼ ਸਨ। ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) This is illegal, ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਮੂਵ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਲ ਨੂੰ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣਾ ਪੈਣਾ ਹੈ। ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਗਲ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੁਸੀਂ ਲਿਆਉਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦਿਤੀ। (ਵਿਘਨ)

ਇਕ ਅਵਾਜ਼: ਕੀ ਗਲ ਹੈ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਵਾਸਤੇ ਤਿਆਰੀ ਕਰ ਰਹੇ ਹੋ ? (ਸ਼ੋਰ)

Captain Rattan Singh : We were prepared to pass the Bill, if there was majority. We did not vote against the Bill on that day.

*Expunged as ordered by the Chair.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦੇ 28 ਦੇ 28 ਅਤੇ ਸੀ.ਪੀ. ਆਈ. ਦੇ ਚਾਰ ਦੇ ਚਾਰ ਮੈਂਬਰ, 25 ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਨੀਊਟਰਲ ਰਹੇ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਾਬਤ ਕੀਤਾ ਕਿ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦਾ ਕੋਈ ਹੱਥ ਨਹੀਂ ਸੀ ਬਿਲ ਨੂੰ ਸਟਾਲ (ਸ਼ੋਰ) ਕਰਨ ਵਿਚ (ਵਿਘਨ) ਜੇ ਕੋਈ ਕਸਰ ਸੀ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਲੋਂ ਸੀ, ਸਾਡੇ ਵਲੋਂ ਨਹੀਂ ਸੀ।

ਸਾਨੂੰ ਪਤਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਹੈ, ਇਹ ਜ਼ਰੂਰ ਵਕਤ ਸਿਰ ਪਾਸ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਕਰਕੇ ਅਸੀਂ ਉਸ ਦਿਨ ਵੋਟਿੰਗ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। ਅਗਰ ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਾਰ ਦੇ ਸਕਦੇ ਸੀ। (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਆਉਂਦੇ ਜਾਂਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਬਹੁਤੀ ਖੁਸ਼ੀ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਔਰ ਨਾ ਹੀ ਬਹੁਤਾ ਗਮ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕੰਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨ, ਜਿਸ ਦੀ ਅਸੀਂ ਓਥ ਲੈਂਦੇ ਹਾਂ, ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰੱਖਕੇ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਸਾਨੂੰ ਸਭ ਕੁਝ ਕਹਿਣਾ ਅਤੇ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) You are not in a mood to listen to this side of the House.

ਇਹ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਆਰਟੀਕਲਜ਼ ਜਿਹੜੀਆਂ ਇਸ ਏਜੰਡਾ ਤੇ ਹਨ, ਅਤੇ ਜਿਸ ਧੱਕੇਸ਼ਾਹੀ ਨਾਲ ਇਹ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਹੋਇਆ ਹੈ ਇਹ ਤਾਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਜਦੋਂ ਗਿੱਲ ਦੇ ਵੇਲੇ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਕੁਰਸੀ ਤੇ ਜਾ ਕੇ ਬੈਠੇ ਸੀ ਅਤੇ ਜੋ ਕੁਝ ਉਦੋਂ ਹੋਇਆ ਸੀ ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਕੀਤਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) 20 ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਰਾਜ ਵਿਚ ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਕੋਈ ਮਿਸਾਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ। ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਕੋਈ ਮਿਸਾਲ ਵੇਖਣ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਈ। ਇਹ ਕੈਬਨਿਟ ਦੇ ਮਨਿਸਟਰ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿ ਕੈਬਨਿਟ ਦੇ ਡਿਸੀਜ਼ਨ ਨੂੰ ਡੀਫੈਂਡ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। These Ministers were part and parcel of the Cabinet and they did not properly discharge their responsibility. They have proved that they are unfit to discharge their duties under the Constitution. I am sorry that the Punjab had thought fit to appoint them as Ministers again. I would lodge my protest that this money of about Rs. 415 crores will be mis-utilized and mis-appropriated by these people. I would strongly say that this money should not be granted to them. This Appropriation Bill should not be passed because it has been moved with *mala-fide* intentions. It has been moved illegally. It has got disability under the Constitution. It is also illegal under the Rules.

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਤੁਸੀਂ ਬੋਲਣ ਦੀ ਇਸ ਦੀ ਥਰਡ ਰੀਡਿੰਗ ਤੇ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਤੀ ਹੈ ਔਰ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਪਹਿਲੇ ਬਿੱਲ ਮੂਵ ਕੀਤਾ ਸੀ ਉਦੋਂ ਤੁਸੀਂ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ।

Shri Manmohan Kalia : You never aked.

Captain Rattan Singh : I said, I wanted to speak. Mr. Speaker, you cannot......

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ ਤੁਸੀਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਚਾਹੋ ਬੋਲ ਲਵੋ। ਬੋਲਣ ਦਾ ਮੇਰੇ ਤੇ ਗਿਲਾ ਨਾ ਰਹੇ। (The hon. Member Captain Rattan Singh can take as much time as he likes. He should not have any grouse that he was not given enough time to speak.)

Sardar Ravinder Singh : Sir, it is the most irrelevant speech.

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਤੁਸੀਂ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਥਰਾਟਲ ਕੀਤਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਕਿੰਨਾਂ ਕੁ ਬੋਲਾਂ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਮੈਂ ਲਿਮੀਟੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਲਾਉਂਦਾ। ਜਿੰਨਾਂ ਮਰਜ਼ੀ ਹੈ ਬੋਲੋ। (I will not limit your speech. The hon. Member may speak as much as he likes.)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਤੁਸੀਂ ਇਲੀਗੈਲੀਟੀ ਔਰ ਅਨਕੰਸਟੀਚਿਉਸ਼ਨਲੀ ਇਸ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਦੇ ਹੋ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਜਣਾਂ ਨੂੰ ਪਾਵਰ ਦੇ ਰਹੇ ਹੋ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਰੂਵ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ they have not been able to discharge the obligations under the Constitution. (*Interruption*). ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇਸ ਦੇ ਉਤੇ ਲੀਗਲ ਰਾਏ ਦੇਣੀ ਹੈ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਉਸ ਪਾਸੇ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅੱਜ ਮੇਰਾ ਸਿਰ ਬਹੁਤ ਨੀਵਾਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਸਿਰ ਨੀਵਾਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਪਬਲਿਕ ਵਿਚੋਂ ਰੀਪਰੀਜ਼ੈਂਟੇਟਿਵਜ਼ ਆਏ ਹਨ, ਜ਼ਰਾ ਆਪਣੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਸੋਚਣ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀ ਡਿਊਟੀਜ਼ ਡਿਸਚਾਰਜ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਨਹੀਂ ? (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਕਨਸਟੀਚੂਸ਼ਨ ਪੜ੍ਹਾਓ, ਕਮੈਂਟਰੀ ਪੜ੍ਹਾਉ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)। They should know what is the position of party in power. These Ministers cannot be delegates of political parties. We have to obey the Rules and the Constitutions. These people have not done so. These people have committed a beach....... (*Interruption by the Finance Minister*) (*Noise*).

ਇਹ ਜਿਹੜਾ 415 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੂਰਤੀਆਂ ਨੂੰ ਦੇ ਰਹੇ ਹੋ (ਵਿਘਨ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਇਕ ਮੋਨ ਆਦਮੀ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕਾਨਸੀਐਂਸ ਵਿਚ ਬਲੀਵ ਕਰਦੇ ਹਾਂ। (ਵਿਘਨ)

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ: ਮੈਂ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਮੇਰੀ ਪਾਰਟੀ ਵਾਇਸ ਆਫ ਕਾਨਸ਼ੈਂਸ ਵਿਚ ਬਲੀਵ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਅਸੀਂ ਡਸਿਪਲਿਨ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਾਂ।

Mr. Speaker : This voice of conscience has become the voice of the defectors.

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਬਹੁਤਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰ ਆਦਮੀ ਜਿਹੜਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਡਾਕਟਰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ...ਮੈਂ ਉਸ ਦਾ ਨਾਮ ਨਹੀਂ ਲੈਂਦਾ (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਹੋਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ, ਇਹ ਛੋਟੇ ਜਿਹੇ ਹਨ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਕਲਾਜ਼ 3 ਤੇ ਤੁਸੀਂ ਬੋਲੋ। (The hon. Member may speak on Clause 3.)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਜਿਹੜਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਤੇ ਪੈਸਾ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਹੈ, ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਕਿਸੇ ਨੇ ਅਜੇ ਤਕ ਬਹਿਸ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਕਹਿੰਦੇ ਸਨ ਕਿ ਅਸੀਂ 19 ਲੱਖ ਟਨ ਸੈਂਟਰਲ ਕਣਕ ਪੂਲ ਵਿਚ ਦਿਤਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਕਿ ਉਹ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਜਾਵੇ। ਜਦ ਕਿ ਅੱਜ ਬਹੁਤ ਇਰਰੈਲੇਵੈਂਟ ਗੱਲ ਹੋਈ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜਲੰਧਰ ਵਿਚ ਕਿਸਾਨ ਬੜੇ ਮਿਹਨਤੀ ਹਨ। ਉਹ ਹਿੰਮਤ ਵਾਲੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜ਼ਮੀਨ ਵੀ ਚੰਗੀ ਹੈ। ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਲੁਧਿਆਣਾ ਦਾ ਏਰੀਆ ਵੀ ਇਸੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਹੈ। ਉਥੇ ਵੀ ਮਿਹਨਤ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਹਨ। ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਸੈਂਟਰਲ ਪੂਲ ਦੇ ਵਿਚ ਲੁਧਿਆਣਾ ਨੇ ਢਾਈ ਗੁਣਾ ਕਣਕ ਜਲੰਧਰ ਨਾਲੋਂ ਵਧ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਦੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਸੋਚਿਆ ਹੈ। ਕਦੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੋਚਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚ ਗਰਾਂਟ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਉਹ ਖਰਚ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨਗੇ? ਅਤੇ ਇਸ ਨਾਲ ਪਬਲਿਕ ਦਾ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਦੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਨਹੀਂ ਸੋਚਿਆ। ਇਹ ਅੱਜ ਤਕ ਐਨਾਲਾਈਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਕੀ ਰਾਜ਼ ਸੀ ? ਜਿਹੜੀ ਲੁਧਿਆਣਾ ਨੇ ਡਬਲ ਪਰੋਡਕਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਹੈ ਔਰ ਡਬਲ ਕੁਆਂਟਿਟੀ ਸੈਂਟਰਲ ਪੂਲ ਵਿਚ ਦਿਤੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

ਹੈ ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਇਨਟੈਨਸਿਵ ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਪਰੋਗਰਾਮ ਸੀ। ਉਸ ਇਨਟੈਨਸਿਵ ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਲੁਧਿਆਣਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਦੀ ਪਰੋਡਕਸ਼ਨ ਵਧੀ ਅਤੇ ਉਹ ਟਰਾਇਲ ਬੇਸਿਜ਼ ਸੀ ਤੇ ਜੇ ਲੁਧਿਆਣਾ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਕਾਮਯਾਬ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਲਾਗੂ ਕਰਾਂਗੇ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੋਈ ਪਰੋਵੀਜ਼ਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ 10 ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਵਿਚੋਂ 8 ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿਚ ਆਈ. ਏ. ਡੀ. ਪੀ. ਲਾਗੂ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ 2 ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿਚ ਐਚ. ਏ. ਡੀ. ਪੀ. ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਪਰੋਗਰਾਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਰੋਡਕਸ਼ਨ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਸਕਦੀ ਸੀ। ਪਰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਸਾਲ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਇਸ ਮਸਲੇ ਤੇ ਗੌਰ ਕਰਨ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਪਰਾਸਪੈਰਿਟੀ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਵੇ। ਪਰ ਜਿਹੜਾ ਇਹ ਖ਼ੇਲ੍ਹ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਸ਼ੰਕਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਇਹ ਪੈਸਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੇ ਰਹੇ ਹਾਂ, ਕੀ ਇਹ ਇਸ ਦੇ ਫਿੱਟ ਵੀ ਹਨ ਕਿ ਨਹੀਂ ?

ਜੇ ਇਹ ਵਾਕਈ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਪਰਾਸਪੈਰਿਟੀ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਵਾਤਾਵਰਣ ਪੈਦਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨਾਲ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਪਰਾਸਪੈਰਿਟੀ ਆਵੇ। ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਰਾਤ ਦੇ 11 ਵਜੇ ਇਕ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਐਸ. ਪੀ. ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਧਾਵਾ ਬੋਲ ਦਿਤਾ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਐਸ. ਪੀ. ਨੂੰ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਇਥੇ ਲਿਆਏ ਹੋ (ਵਿਘਨ) Mr. Speaker, ask him to deny. I recognise that S.P. ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਮੇਰਾ ਇਲਜ਼ਾਮ ਗਲਤ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਜੋ ਮਰਜ਼ੀ ਕਹੋ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਰਾਤ ਇਸ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ "you are setting a dangerous example" ਇਸ ਦੇ ਡੇਂਜਰਸ ਕਨਸੀਕੁਐਨਸਿਜ਼ ਹੋਣਗੇ। ਇਹ ਕਹਿਣ ਲਗਾ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਡਰਦਾ। (ਵਿਘਨ) ਫਿਰ ਥੋੜ੍ਹੇ ਜਿਹੇ ਚਿਰ ਬਾਦ ਤਿੰਨ ਬੰਦੂਕਾਂ ਵਾਲੇ ਆ ਗਏ। ਜਦ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਖਾਣਾ ਖਾ ਕੇ ਗਿਆ ਤਾਂ ਉਹ ਆਦਮੀ ਸੜਕ ਤੇ ਖੜੇ ਸਨ। ਮੈਂ ਕਿਹਾ—

'Sardar Balwant Singh, do not show these arms.'

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ, ਜਦੋਂ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਮਿਲੇ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਇਹੋ ਜਿਹਾ ਕੋਈ ਇਨਸਟਾਨਸ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ। (ਵਿਘਨ) ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਵੀ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਗੜਬੜ ਦਾ ਡਰ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਇਥੇ ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੋਈ। ਤੁਹਾਡੇ ਵਲੋਂ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ.... (ਵਿਘਨ) (Captain Sahib, when you met me you never informed me about such an instance. (*Interruption*) You told me that there might be some trouble in the House but nothing has happened. It is from your side that interruptions are being made....)(*Interruption*).

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਇਥੇ ਬੈਠੇ ਹੋ.... (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਪੁਲਿਸ ਦਸ ਸਕਦੀ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਹੋਇਆ.... (ਵਿਘਨ)

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਦੂਸਰੇ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਕਹਿਣ ਲਗਿਆਂ ਅੱਛੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਐਡਰੈਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ....

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ। ਮੇਰਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਪਿਆਰ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਚਲੋ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਨਰੇਬਲ ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਕਹਿ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ....

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Captain Rattan Singh]

Mr. Speaker, here is a person who is going to appropriate this Rs 415 crores. If he could do this thing yesterday what will stop him from doing something more serious tomorrow. (*Interruption and noise*)

We are all responsible to the people of Punjab. We have to see that our democratic institutions are run according to the Rules of Procedure and according to the Constitution of India. But I am sorry to say that my hon. friends sitting opposite want to ride rough shod over these rules. We oppose this clause because this money is going in the hands of those people who are not fit to appropriate it.

चौधरी बलबीर सिंह : स्पीकर साहिब, कैप्टन रत्न सिंह जी की स्पीच सुनने के बाद मुझे एक शेयर याद आ गया है . . .(*Thumping*).

जब दिया रंग बुतों ने
तो खुदा याद आया ।

अध्यक्ष महोदय, पिछले इलैक्शन के पहले जो सरकार यहां बनी थी उस को कैप्टन रत्न सिंह की पार्टी ने तुआवन दिया था लेकिन उस का जो हशर हुआ था उस को यह याद कर लें । अगर अब यह उसी पार्टी के साथ मिल कर यह समझते हैं कि पब्लिक में अपनी प्रैस्टीज बढ़ा लेंगे तो मैं समझता हूं कि वे गलती पर हैं । इन्हीं साबक चीफ मिनिस्टर साहिब ने यहां आन दी फलोर आफ दी हाऊस कहा था कि अगर हिन्दू यहां से जाना चाहते हैं तो मैं उन को संगली पा कर नहीं रोक सकता । (विघ्न)

ਸਰਦਾਰ ਬੇਅੰਤ ਸਿੰਘ ; ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹੋ ਕਿ ਰੈਲੇਵੈਂਟ ਬੋਲਣ . . .(ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਰੈਲੇਵੈਂਟ ਰਹਿਣ। (ਵਿਘਨ) (I would request the hon. Member to be relevant.) (*Interruption*)

चौधरी बलबीर सिंह : स्पीकर साहिब, इन को सुनने का हौसला करना चाहिए (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, डांग साहिब और कैप्टन रत्न सिंह ने कहा है. . . (विघ्न) (शोर) अगर कम्युनिस्ट पार्टी वाले मिनिस्टरी में शामिल हों तो जनसंघ पार्टी रीऐक्शनरी नहीं रहती, अकाली पार्टी रीऐक्शनरी नहीं रहती अगर वे मिनिस्टरी से बाहर आ जायें तो फिर यह पार्टीज़ रीऐक्शनरी हो जातीं हैं । (विघ्न) अगर हम इस मुल्क को आगे ले जाना चाहते हैं तो हमें इखलाकी पधर ऊंचा करना पड़ेगा । (विघ्न) मैं एप्रोप्रीयेशन बिल पर बोलते हुए सरदार प्रकाश सिंह बादल, जो नऐं मुख्य मन्त्री बने हैं, को यह कहना चाहता हूं कि वह सरकार इस ढंग से चलाऐं कि वह सब का कानफीडैंस हासल कर सकें । मैं सरदार गुरनाम सिंह जी को भी जब वह मुख्य मन्त्री थे इसी हाऊस में कहा था अब बादल साहिब को भी कह रहा हूं । (विघ्न) . . स्पीकर साहिब, एक पुलिस अफसर के खिलाफ शिकायत की जाती है और उसी पुलिस अफसर को comments के लिये भेजी जाती है । स्पीकर साहिब, मई, 1967 में लुध्याने में एक वाक्या हुआ । मैं भी उस में शामल था । इन्होंने (सरदार गुरनाम सिंह की तरफ इशारा करते हुए) इसी सदन में कहा था कि हम एकशन लेंगे और उस के खिलाफ इन्क्वायरी होगी । एक जिम्मेदार अफसर इन्क्वायरी करने वाला है । लेकिन, स्पीकर साहिब, हैरानी की बात है कि मई, 67 से मई, 70 आ रही है, तीन साल होने को है मुझे कोई पूछने नहीं आया कि क्या बात हुई है । मैं नये मुख्य मन्त्री सरदार प्रकाश सिंह

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

बादल को कहूंगा कि एडमिनिस्ट्रेशन में बहुत डिटैरियोरेशन हो गई है और कांग्रेस के 20 साल के राज्य में यह घर कर चुकी है और सरदार गुरनाम सिंह की मिनिस्टरी इस को उच्च सतह पर लाने में नाकाम रही है। मैं यह अर्ज़ करना चाहता हूं कि यह नयी मिनिस्टरी इस को ठीक ढंग से चलाने से ही लोगों की कान्फीडैंस ले सकती है। पुलिस की प्रोटैक्शन करने की बजाये अगर किसी आदमी की कोई शिकायत पुलिस के खिलाफ़ आती है तो बजाये इस के कि वह शिकायत उसी अफसर को भेजी जाए जिस के खिलाफ़ यह है वह किसी सीनीयर अफसर को डील करने के लिये भेजी जानी चाहिए। और दूसरा उस इन्क्वायरी अफसर का यह भी फ़र्ज बनता है कि वह कम्पलेनैन्ट से भी पुछ पड़ताल करे। जैसे मैंने लुध्याने वाले केस का ज़िक्र किया है कि मेरे पास से कोई आदमी पूछने नहीं आया और फैसला हो गया है। यह बात ठीक नहीं है कि कम्पलेनैन्ट से कुछ पूछा ही न जाये। मैंने एक काल एटैनशन मोशन भी दी थी उस के जवाब में कहा है कि एकशन ले लिया है। मुझे समझ नहीं आया कि कम्पलेनैन्ट से कुछ पूछा ही नहीं गया और ऐक्शन ले लिया है (विघ्न) मेरी अर्ज़ है कि जब तक यह काम ठीक ढंग से नहीं किया जाएगा तब तक एडमिनिस्ट्रेशन में सुधार नहीं हो सकता। स्पीकर साहिब, मोती राम के केस में साबका मुख्य मन्त्री सरदार गुरनाम सिंह ने कहा था कि उस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में केस है...। मैं यह कहूंगा कि सरकार ठीक ढंग से तभी चल सकती है अगर कोई बड़े से बड़ा आदमी हो या कोई भी बड़े से बड़ा जिम्मेवार आदमी हो अगर उसके खिलाफ कोई केस हो तो उसके खिलाफ ऐक्शन लेना पड़ेगा। ऐसे हालात में किसी मिनिस्टर के या किसी मैम्बर के दबाव में आकर गलत काम करने वाले को ऐक्शन लिये बिना नहीं छोड़ेंगे तभी लोग इस सरकार की तारीफ करेंगे। अगर यह सरकार उसी पुराने ढंग से चलती रही तो फिर पंजाब का खुदा ही हाफिज़ है। आप सुप्रीम कोर्ट की रूलिंग पढ़ लें उसमें कहा है कि हाउस सुप्रीम है। लेकिन जब हम इस हाउस में उस रूलिंग के बारे कोई सवाल उठाया करते थे तो यह (सरदार गुरनाम सिंह की तरफ इशारा करते हुए) जवाब दिया करते थे कि यह क्या (विघ्न) रूलिंग बतायेंगे (विघ्न) आज यह आप ठंडे दिल से सोचें कि क्या वह ठीक कहा करते थे? (विघ्न) अगर आज यह आप इस हाऊस में शोर पैदा करें तो यह नहीं कर सकते हैं। इन्हें जनता के दरबार में पेश होना चाहिए। यह जो मिनिस्टरी है यह हाउस को जवाबदेह है और यह सारा हाउस जनता को जवाबदेह है। (विघ्न) अगर जनता इस मिनिस्टरी की तारीफ करेगी तो इसको कोई भी निकालने वाला नहीं। अगर यह गवर्नमैंट जो अब चलने वाली है अगर वह ठीक ढंग से काम नहीं कर सकी तो आपोज़ीशन के मैंबर इस गवर्नमैंट के खिलाफ जनता के पास जा कर उसका विश्वास हासिल करें तभी ही कोई बात बन सकती है।

आज यहां एक बात हुई कि कन्स्टीचियूशन तोड़ दिया है। यह कन्स्टीचियूशन किस ने दिया था यह कन्स्टीचियूशन किस ने बनाया था (विघ्न) आज कहीं भी कन्स्टीचियूशन की बात देख लें यह ना-कामयाब रहा है। आज कन्स्टीचियूशनल क्राईसिज़ सारे मुल्क में पैदा हुआ है। यह कन्स्टीचियूशन ना-कामयाब रहा है। इसका जवाब दें (विघ्न) यहां की बात नहीं आप किसी और सूबे में देख लें जहां कांग्रेस की सरकारें हैं वहां भी यही हाल है। (विघ्न)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[चौधरी बलबीर सिंह]

(इस समय श्री उपाध्यक्ष, श्री अध्यक्ष की कुर्सी पर विराजमान हुए) ।

मैं आज इस हाउस में बड़ी नम्रता पूर्वक कहूंगा कि इस ढंग से काम किया जाये जिस से कोई पंजाब का भला हो सके। अगर कोई ऐसी बात किसी को नजर आती है तो हमें इस तरह शोर नहीं करना चाहिए, हम उसे वोटों द्वारा यहां खड़े होकर सुलझा सकते हैं। उसका फैसला कर सकते हैं। यह जो अब सरकारी बैंचों पर बैठे हैं वे इधर आ जायेंगे अगर इन्हें कम वोट मिले। इसी हाउस में कुछ दिन पहले ऐसा हुआ है। (विघ्न) यह जो पहिले चीफ मिनिस्टर इधर बैठे हैं यह कहा करते थे कि यह टटीरी है और इसने आसमान की तरफ टांगें उठाई हुई हैं। मैं बताना चाहता हूं कि आज उस टटीरी ने जब टांगें नीचे कर लीं तो यह इधर आ गये। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, सिर्फ यही बात नहीं इनके बोलने का ढंग ही बदल गया था। सिरदार कपूर सिंह जो हमारे एक आनरेबल मैंबर हैं उनके लिये "डबू" का शब्द इस्तेमाल किया। (विघ्न)।

मैं कहूंगा कि इस ढंग से यह ऐहद चलने वाला नहीं यह इस तरह शोर मचा कर इस सरकार को तोड़ नहीं सकेंगे। अगर सरदार गुरनाम सिंह की यह मर्जी है कि वह इस तरह शोर मचा कर बिल पास नहीं होने देंगे, तो यह ठीक नहीं है। मैं कहूंगा कि अगर यह एप्रोप्रियेशन बिल पास न किया गया तो फिर पंजाब की असैम्बली खत्म हो जायेगी। इस बारे में आर्टीकल 356 एप्लाई होता है। मैं कहूंगा कि बेशुमार मौके आयेंगे आज़माइश के, अगर गिनती होगी तो ठीक है नहीं तो यह सरकार चलती ही रहेगी। लेकिन इस वक्त यह बिल जरूर पास होना चाहिए। मैं इस सरकार से कहूंगा कि जो एडमिनिस्ट्रेशन का पुराना ढंग है अगर उसे कम्पलीटली ओवर हाल न किया तो काम ठीक ढंग से नहीं चल सकेगा। यह आपोज़ीशन वाले चाहे कुछ कहें या न कहें अगर यह सरकार ठीक ढंग से काम नहीं करेगी तो यह अपने आप ही खत्म हो जायेगी, फिर इसे कोई भी ताकत नहीं बचा सकेगी।

वही 10 नुक्ता प्रोग्राम कभी 11 नुक्ते हो जाते हैं और कभी 13, नुक्तों तक बढ़ जाने से कोई फर्क नहीं पड़ता, इन पर अमल होना लाज़मी है।

पंजाब की तिजारत की तरफ ध्यान देना चाहिए। सेल्ज़ टैक्स के मसले को सुलझाने के लिये ठीक ढंग से उपाय किये जायें। एडमिनिस्ट्रेशन को ठीक ढंग से चलाने के लिये उपाय किये जाने चाहिएं। रेवन्यू डिपार्टमैंट है, दूसरे डिपार्टमैंस हैं अगर किसी दफतर में कोई आदमी अर्जी दे देता है तो कितनी कितनी देर तक उसका फैसला ही नहीं होता। कुछ समय निश्चित कर देना चाहिए, अगर उस मियाद के अन्दर अन्दर फैसला न किया जाये तो सम्बन्धित अफसर के खिलाफ एक्शन लेना चाहिए। फर्ज करें कोई आदमी पटवारी के पास फर्द लेने के लिये जाता है तो मियाद मुकर्रर होनी चाहिए कि इतने दिनों में मिल जायेगी; अगर ऐसा हो जाये तो क्यों कोई आदमी पटवारी को रिश्वत देगा। अगर आप मुकर्रर करेंगे कि पटवारी ने 10, 15 दिन के अन्दर अन्दर फर्द देनी है तो पटवारी को हर हालत में फर्द देनी पड़ेगी, क्योंकि उसे मालूम होगा कि अगर मुकर्ररा मियाद के अन्दर

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

न दी तो एक्शन लिया जायेगा । अगर इस सरकार ने ऐसा किया तभी यह एडमिनिस्ट्रेशन टोन अप होगी और लोगों को सुख और सहूलतें मिल सकेंगी । (विघ्न) (शोर) यह जो लोग आपोज़ीशन में बैठे हैं अगर एप्रोप्रियेशन बिल पास करने में साथ नहीं देंगे तो यह जनता की सेवा सही अर्थों में नहीं कर पायेंगे । (विघ्न) यह एप्रोप्रीऐशन बिल तो पास हो ही जायेगा (विघ्न) मैं हाउस से दर्खास्त करूंगा कि अब सैकंड रीडिंग है यह बिल पास किया जाये । इसके साथ ही मैं यह भी कहूंगा कि पिछली सरकार ने जो गल्तियां की हैं उनको खत्म किया जाये तभी सरकार का ढांचा ठीक हो सकता है । (विघ्न)

RESOLUTIONS FOR REMOVAL OF SPEAKER

ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਲੋਂ ਇਕ ਆਵਾਜ਼ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਜਿਹੜੀ ਨੋ-ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਸੀ ਉਸ ਦਾ ਕੀ ਬਣਿਆ ......(ਵਿਘਨ)...(ਸ਼ੋਰ). ....

(Noise, Interruptions)

Mr Deputy Speaker: Notices of three resolutions for the removal or the Speaker from his office as provided under Article 179(c) of the Constitution of India have been received . . (Interruption)

चौधरी बलबीर सिंह : * * * * * * *
* * * * * * * * *

Mr. Deputy Speaker : I am on my legs. When the Speaker or Deputy Speaker is on his legs, you cannot speak. All these remarks will be expunged.

Notices of three resolutions for the removal of the Speaker from his office as provided under Article 179(c) of the Constitution of India, have been received. One of these notices was received at 5.00 p.m., second at 5.15 p.m. and the third at 6.05 p.m.

Under Rule 74 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly, any notice delivered after 3.00 p.m., is treated as delivered on the day on which the office next opens. Hence these notices cannot be taken up to-day.

Mr. Deputy Speaker : Sardar Kirpal Singh.

PERSONAL EXPLANATION BY CAPTAIN RATTAN SINGH

Captain Rattan Singh : On a point of personal explanation, Sir. The hon. Member Chaudhri Balbir Singh while making his speech on the Appropriation Bill referred to me and my party and said some unbecoming words. I would submit that he was not correct on facts. Rattan Singh was a member and is a member of this party and he is always with the party. This party decided to support late Sardar Lachhman Singh Gill. Sardar Lachhman Singh Gill was not defeated in this House. Later, when the party found that he was not working properly, it withdrew its support from him. The hon. Member used my name two-three times.

---

*Expunged as ordered by the Chair.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ]

ਉਹ ਕਪਲੇਟ ਵੀ ਬੋਲਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸਨ (ਵਿਘਨ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਕੌਣ ਹਨ.... ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇੰਨਾਂ ਹੀ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ he must, whenever he speaks, be sure of facts.

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ,.. ..

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ: ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ , ਸਰ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਪਾਰਟੀ ਅਲਗ ਹੈ, ਮੈਨੂੰ ਵੀ ਬੋਲਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ.. .. (ਵਿਘਨ) ਮੇਰਾ ਉਸ ਪਾਰਟੀ ਨਾਲ ਤਲੱਕ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਮੇਰੀ ਪਾਰਟੀ ਅਲਗ ਹੈ। ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਨੂੰ ਲਿਖ ਕੇ ਵੀ ਭੇਜਿਆ ਹੈ। ਉਹ ਪਾਰਟੀ ਖਤਮ ਹੈ, ਉਹ ਉਧਰ ਜਾ ਚੁਕੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਮਾਲਕ ਹਾਂ, ਉਸ ਦਾ ਨੁਮਾਇੰਦਾ ਹਾਂ.. .. (ਵਿਘਨ) ਉਹ ਪਾਰਟੀ ਖਤਮ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ, ਉਹ ਉਠ ਚੁਕੀ ਹੈ.. (ਵਿਘਨ) ਮੇਰਾ ਹੱਕ ਹੈ, ਮੈਂ ਅਗੇ ਵੀ ਲਿਖ ਕੇ ਦਿਤਾ ਹੈ ਹੁਣ ਫਿਰ ਲਿਖ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਮੇਰਾ ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਨਾਲ ਕੋਈ ਤੱਲਕ ਨਹੀਂ, ਮੈਂ ਸੰਯੁਕਤ ਸੋਸ਼ਲਿਸਟ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਚੇਅਰਮੈਨ ਹਾਂ। ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਨੂੰ ਲਿਖ ਕੇ ਭੇਜ ਦਿਤਾ ਹੈ.. (ਸ਼ੋਰ)

ਸ੍ਰੀ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ: ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੀ ਗਲ ਕਰ ਲਈ ਹੈ, ਹੁਣ ਬੈਠੋ। (You have had your say. Now please resume your seat.)

THE PUNJAB APPROPRIATION (NO. 2) BILL, 1970 (RESUMPTION)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੱਖਣ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਜਿਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਇਹ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ, ਇਹ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਡਿਮਾਕ-ਰੇਸੀ ਤੇ ਇਕ ਬਦਨੁਮਾ ਧੱਬਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਕੁਝ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਜੋ ਪਾਰਟ ਪਲੇ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਇਸ ਨੂੰ ਗੈਰ ਕਾਨੂੰਨੀ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਸ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ:

ਹੈ ਤੋ ਅਹਿਮਕ ਚੂੰਕਿ ਆਲੀਸ਼ਾਨ ਕਾਸ਼ਾਨੇ ਮੇਂ ਹੈ,
ਇਸ ਲੀਏ ਉਨ ਕਾ ਝਖ ਮਾਰਨਾ ਵੀ ਤੋ ਫਰਮਾਨੇ ਮੇਂ ਹੈ।

ਸਿਰਫ ਝਖ ਮਾਰਨ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ, ਹੋਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ। ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਕਾਲਤ ਦਾ ਇਕ ਫਾਇਦਾ ਵੀ ਹੋਇਆ ਹੈ.. .. (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਗੁਰਦੁਆਰਿਓਂ ਚੋਰੀ ਕੀਤੇ ਕੜਾਹ ਪਰਸ਼ਾਦ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਬੋਲਦਾ, ਆਪਣੀ ਜ਼ਮੀਰ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਨਾਲ ਬੋਲਦਾ ਹਾਂ। .. (ਸ਼ੋਰ) ਦਸਾਂ ਨੌਹਾਂ ਦੀ ਕਿਰਤ ਖਾਕੇ ਗੁਜ਼ਰ ਕਰਦਾ ਹਾਂ, ਗੁਰਦੁਆਰੇ ਤੋਂ ਚੋਰੀ ਕੀਤੇ ਮਾਲ ਖਾ ਕੇ ਬੁਧ ਭਰਿਸ਼ਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਹੋਈ.. (ਵਿਘਨ) ਜਿੰਨਾਂ ਇੰਟਰਪਟ ਕਰੋਗੇ ਉਨਾਂ ਕੁਝ ਹੀ ਸੁਣੋਗੇ.. (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਆਪ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ....

ਸਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਮੈਂ ਸਿਰਫ ਇਹੀ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨੀ ਹੈ ਕਿ ਭਾਵੇਂ ਮੇਰੇ ਮਿੱਤਰ ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ ਕਿੰਨੇ ਵੀ ਗੁਸੇ ਹੋਣ, ਜਦੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬੈਂਚਾਂ ਵਾਲੇ ਵਿਘਨ ਪਾਉਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕਰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਮੈਂ ਵੀ ਗੁਸਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ, ਪਰ ਕੜਾਹ ਪਰਸ਼ਾਦ ਦੀ ਗਲ ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਕੜਾਹ ਪਰਸ਼ਾਦ ਸਾਰੇ ਸਿਖ ਪਵਿਤਰ ਸਮਝਕੇ ਛਕਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਆਪਣਾ ਗੁੱਸਾ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਢੰਗੋ ਨਾਲ ਜ਼ਾਹਰ ਕਰ ਲੈਣ।

ਸ੍ਰੀ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ: ਇਹ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਤਾਂ ਹੈ ਨਹੀਂ ਪਰ ਮੈਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਆਪ ਦੀ ਗਲ ਮੰਨ ਲੈਣਗੇ। (This is no point of order. However, I hope he will act upon your advice.)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਕੜਾਹ ਪ੍ਰਸ਼ਾਦ ਤਾਂ ਮਹਾਰਾਜ ਦੀ ਕਿਰਪਾ, ਮਿਹਰ ਅਤੇ ਬਖਸ਼ਿਸ਼ ਨਾਲ ਪਰਾਪਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਲੇਕਿਨ ਅਗਰ ਕੋਈ ਪਰਾਤ ਚੁਕ ਕੇ ਹੀ ਭਜ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਮਹਾਰਾਜ ਦੀ ਬਖਸ਼ਿਸ਼ ਤਾਂ ਨਾ ਹੋਈ, ਉਹ ਤਾਂ ਚੋਰੀ ਹੀ ਕਹਾਵੇਗੀ। ਸੱਚੀ ਗਲ ਕਹੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਗੁਸੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਕਾਲਤ ਦਾ ਇਹ ਫਾਇਦਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਬੜੀ ਜਾਨ ਛੁਟੀ ਹੈ ਅਨੁਪੂਰਕ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਤੋਂ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਤੋਂ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕੀ ਨਾਂ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਉਸ ਦਾ.. (ਵਿਘਨ) ਜਿਹੜਾ ਵਕੀਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਖੜਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਚੰਗਾ ਵਕੀਲ ਹੈ, ਰਬ ਕਰੇ ਖੜਾ ਹੀ ਰਹੇ।

ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਬਾਰੇ ਇਥੇ ਕਈ ਗਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਇਕ ਇਹ ਗਲ ਵੀ ਕਹੀ ਗਈ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਦੀ ਮਨਿਸਟਰੀ ਨੇ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਬਿਲਕੁਲ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਵੀ ਬੁਰਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ। ਪਰ ਇਹੀ ਤਾਂ ਕਾਰਨ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਅਜ ਉਥੇ ਬੈਠੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਪੜ੍ਹਿਆ ਲਿਖਿਆ ਆਦਮੀ ਹੈ, ਬੁਰੀਆਂ ਗਲਾਂ ਤੋਂ ਉਸ ਦਾ ਮਨ ਰੀਵੋਲਟ ਕਰਦਾ ਹੈ .. (ਵਿਘਨ) ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਐਸੀ ਰੁਕਾਵਟ ਨਹੀ ਹੈ .. .. (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ 20 ਗੁਣਾ ਵਧ ਗਲਾਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ .. (ਵਿਘਨ) ਜੋ ਅਜ ਪੰਜਾਬ ਤੇ ਰਾਜ ਕਰਦੇ ਹਨ .. (ਵਿਘਨ) ਆਰਾਮ ਨਾਲ ਸੁਣੋ, ਟੋਕੋਗੇ ਤਾਂ ਹੋਰ ਵੀ ਸੁਣੋਗੇ।

ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੱਥ ਵਿਚ ਇਹ ਬਜਟ ਪਾਸ ਕਰਕੇ ਦੇਣਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੈਰੀਅਰ ਦੀ ਕਹਾਣੀ ਕੀ ਹੈ .. (ਵਿਘਨ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੈਰੈਕਟਰ ਦੀ ਕਹਾਣੀ ਕੀ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਦੀ ਕਹਾਣੀ ਕੀ ਹੈ .. (ਵਿਘਨ) ਜੋ ਗੁਰੂ ਘਰ ਨੂੰ ਮਾਫ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਉਹ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਬਜਟ ਨੂੰ ਵੀ ਮਾਫ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਨੂੰ ਜਿਸ ਬੁਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਐਕਸਪਲਾਇਟ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਦੀ ਡੀਟੇਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ, ਬਹੁਤ ਬੁਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਐਕਸਪਲਾਇਟੇਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਹੈ।

ਫਿਰ ਕਿੱਸਾ ਹੈ ਪਿਉਰ ਫੂਡ ਦਾ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕ ਬਹਾਦਰ ਹਨ, ਤਾਕਤਵਰ ਹਨ, ਦੇਸ਼ ਦੀ ਰਾਖੀ ਕਰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਸਭ ਕੁਝ ਪਿਉਰ ਫੂਡ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ਉਸੇ ਕਰਕੇ ਹੀ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਮਗਰ ਇਸ ਵਿਚ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ, ਉਸ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮਨਿਸਟਰਾਂ ਨੇ ਰਿਸ਼ਵਤ ਖਾਕੇ ਕੇਸ ਛਡ ਦਿਤੇ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੇਮ, ਸ਼ੇਮ ਦੀ ਆਵਾਜ਼) ਉਹ ਕੇਸ ਜਾਇਜ਼ ਸਨ, ਪਿਉਰ ਫੂਡ ਐਕਟ ਦੇ ਤਹਿਤ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਜ਼ਾ ਹੋ ਸਕਦੀ ਸੀ। ਲਿਖਕੇ ਦਿਤਾ ਗਿਆ, ਇਨਸਾਫ ਦੀ ਦੁਹਾਈ ਦਿਤੀ ਗਈ ਪਰ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਇਹ ਮਾਈਨਰ ਗਲਾਂ ਹਨ। ਇਕ ਗਰਾਊਂਡ ਤਾਂ ਦਿਤੀ ਕਿ ਉਹ ਤਾਂ ਦੁਧ ਸਿਰਫ ਚਾਹ ਲਈ ਵਰਤਦੇ ਸੀ। ਦੂਜੀ ਗਰਾਉਂਡ ਉਹ ਸੀ ਜੋ ਜਨ ਸੰਘੀਆਂ ਦੀਆਂ ਜੇਬ੍ਹਾਂ ਭਰਕੇ ਬਣੀ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੇਸ ਵਾਪਸ ਹੋ ਗਏ। ਹੋਟਲ ਵਾਲਿਆਂ ਦੇ ਦਹੀ ਦਾ ਸੈਂਪਲ 50 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਫੇਲ੍ਹ ਹੋਇਆ, ਉਸ ਵਿਚ ਦੁਧ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਇਹ ਹਨੇਰ ਪਾ ਕੇ ਕੇਸ ਵਾਪਸ ਕਰਾਏ ਗਏ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਸਤਾਂ ਨੂੰ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੋ ਸੱਚ ਦੀ ਗਲ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਗਲ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਧਰਮ ਦੀ ਗਲ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਉਹ ਕਿਥੇ ਰਹੀ। "ਕੂੜ ਅਮਾਵਸ" ਦੀ ਗਲ ਇਹ ਕੀ ਆਖਣਗੇ? "ਰਾਜੇ ਸ਼ੀਂਹ" ਹੋਏ ਕਿ ਨਹੀਂ, "ਮੁਕਦਮ ਕੁਤੇ" ਬਣੇ ਕਿ ਨਹੀਂ ? ਇਨ੍ਹਾਂ ਗਲਾਂ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਹੀ ਮੈਂ ਇਸ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਤੇ ਵੋਟਿੰਗ ਵੇਲੇ ਨਾ ਇਸ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਤੇ ਨਾ ਇਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਵੋਟ ਪਾਈ ਸੀ। ਮੈਂ ਕਿਸੇ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਤੋੜਨ ਜਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹਾਂ ਪਰ ਇੰਨ੍ਹਾਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜੋ ਸਰਕਾਰ ਬੁਰੀਆਂ ਗਲਾਂ ਤੋਂ ਸਬਕ ਨਹੀਂ ਲੈਂਦੀ ਅਤੇ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਿੱਸੇ ਜਾਰੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ]

ਰਖਦੀ ਹੈ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਵਾਲਾਂ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਕਿ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੇਸਾਂ ਨੂੰ ਵਿਦਡਰਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੀ, ਤਾਂ ਉਹ ਬਹੁਤੀ ਦੇਰ ਕਾਇਮ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦੀ।

ਡੀ.ਸੀ. ਨੇ ਆਪਣੀ ਕਲਮ ਨਾਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੇਸਾਂ ਦੇ ਵਿਦਡਰਾਲ ਦੇ ਆਰਡਰ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ ਕਿਉਂਕਿ ਉਸ ਦੀ ਜ਼ਮੀਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਸੀ ਦਿੰਦੀ। ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮਯੂ-ਨਿਸਪਲ ਕਮੇਟੀ ਤੋਂ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਪਾਸ ਕਰਵਾ ਲਿਆ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੇਸਾਂ ਨੂੰ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇ। ਫਿਰ ਵੀ ਮੂੰਹ ਖਾਏ ਤੇ ਅੱਖ ਸ਼ਰਮਾਏ-ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜੋ ਕੁਝ ਖਾਧਾ ਸੀ ਉਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਕੀ ਕਰਦੇ। ਸਿਧੇ ਆਰਡਰ ਤਾਂ ਦੇ ਨਹੀਂ ਸਨ ਸਕਦੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰੈਜ਼ੂਲਿਊਸ਼ਨ ਪਾਸ ਕਰਵਾ ਦਿਤਾ ਕਿ ਕੇਸ ਮਾਈਨਰ ਨੇਚਰ ਦੇ ਸਨ ਹਾਲਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਉਹ ਕੇਸ ਸਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹੋਟਲਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਸਨ ਜਿਹਨਾਂ ਦੇ ਮਾਲਕ ਲੱਖਾਂ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਦੇ ਆਦਮੀ ਹਨ ਕੋਈ ਮਾਮੂਲੀ ਛਾਬੜੀ ਵਾਲਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਜਾਂ ਖੋਖੇ ਵਿਚ ਬੈਠ ਕੇ ਚਾਹ ਵੇਚਣ ਵਾਲਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਜਿਸ ਦੇ ਦੁਧ ਵਿਚ ਜੇਕਰ 6 ਪਰਸੈਂਟ ਵੀ ਮਿਲਾਵਟ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕੜੀ ਸਜ਼ਾ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ (ਵਿਘਨ)

Mr. Deputy Speaker : Please try to remain within the scope of the Appropriation Bill. You can make a passing reference but do not go out of the scope of the Bill.

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਜਨਾਬ, ਰੈਲੇਵੈਂਟ ਹੀ ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਐਪ੍ਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਤੇ ਹੀ ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੱਥਾਂ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਬਜਟ ਸੌਂਪਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੈ।

"ਇਨ ਕੇ ਹਾਥੋਂ ਮੇਂ ਸਾਕੀ ਸਬੂ ਹਮ ਨੇ ਦੀਆ ਹੈ।"

ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਸਾਂ ਕਿ ਇਹ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਆਰਡਰ ਪਾਸ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਰਕਮ ਨਹੀਂ ਸੌਂਪ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਮੈਂ ਕੋਈ ਇਰਰੈਲੇਵੈਂਟ ਟਾਕ ਨਹੀਂ ਸਾਂ ਕਰ ਰਿਹਾ। ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸਾਂ ਕਿ ਕਾਨੂੰਨ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਕਾਰਵਾਈ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕੋਈ ਬਹਿਕਾ ਸਾ ਇਸ਼ਾਰਾ ਨਾ ਕਰੋ। ਕਾਨੂੰਨ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਸਾਰੇ ਇਕੋ ਜਿਹੇ ਹਨ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿ ਲਖਾਂ ਰੁਪਏ ਦੇ ਮਾਲਕ ਹੋਟਲ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਛਡ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਮਾਮੂਲੀ ਛਾਬੜੀ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਫੜ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਇਕੋ ਹੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜੁਰਮ ਲਈ। ਅਜ ਜਿਸ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਪਾਵਰਜ਼ ਦੇ ਰਹੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਇੰਨੀ ਭਾਰੀ ਰਕਮ ਦੇ ਰਹੇ ਹਾਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸੋਚਣ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਹਥ ਹਨ? ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਮੁਖਤਲਿਫ ਪੱਖਾਂ ਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਹੈ ਉਹ ਠੀਕ ਹਨ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਰ ਐਸਪੈਕਟ ਵਿਚ ਪਲਾ-ਨਿੰਗ ਠੀਕ ਨਹੀਂ। ਖੇਤੀ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਪਲਾਨਿੰਗ ਠੀਕ ਨਹੀਂ। ਗੰਨੇ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਬਾਰੇ ਤੁਸੀਂ ਵੇਖ ਹੀ ਲਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਹਾਲ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਕਾਸ਼ਤਕਾਰ ਨੂੰ ਕਿੰਨਾਂ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਵਿਚ ਕੋਈ ਪਲਾਨਿੰਗ ਨਹੀਂ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਟੈਕਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਪਲਾਨਿੰਗ ਨਹੀਂ। ਸ਼ਹਿਰੀਆਂ ਤੇ ਟੈਕਸ ਜ਼ਿਆਦਾ ਲਗਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਦਿਹਾਤੀਆਂ ਤੇ ਘਟ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਹਿੰਦਾ ਕਿ ਦਿਹਾਤੀਆਂ ਤੇ ਟੈਕਸ ਹੋਰ ਲਗਾਓ ਪਰ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸ਼ਹਿਰੀ ਅਤੇ ਦਿਹਾਤੀ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਡਿਸਕ੍ਰਿਮੀਨੇਸ਼ਨ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਇਹ ਚੰਗਾ ਨਹੀਂ। ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰੈਜੂਡਿਸ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਟੈਕਸ ਲਗਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਦੇ ਅਸੂਲਾਂ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਸਿਆਸੀ ਇਖਤਲਾਫ ਨੂੰ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਵਿਚਾਰ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਨਹੀਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਪਰ ਇਥੇ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਦੇ ਤਕਾਜ਼ਿਆਂ ਨੂੰ ਭੁਲਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਜੋ ਕੁਝ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਦੇ ਨਾਂ ਹੇਠ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਵੇਖ ਕੇ ਸਿਰ ਸ਼ਰਮ ਨਾਲ ਝੁਕ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਜੋ ਕੁਝ ਇਥੇ ਅਜ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਸਾਰਿਆਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹੈ। ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਦੀ ਬੜੀ ਇਜ਼ਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਮੇਰੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਚੇਅਰ ਲਈ ਅਦਬ ਕਿਸੇ ਨਾਲੋਂ ਘਟ ਨਹੀਂ ਪਰ ਜਿਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਇਥੇ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਇਸ ਨਾਲ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਦਾ ਬੇੜਾ ਗ਼ਰਕ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਮਿਟੀ ਪਲੀਤ ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

Mr. Deputy Speaker : Please do not cast aspersions on the Chair.

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੋਟਿੰਗ ਦੀ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵੇਖੀ ਹੈ ਕਿ 55 ਅਤੇ 44 ਦੀ ਗਿਣ-ਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ 55 ਅਤੇ 44 ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਨਾਲ ਲੀਗਲੀ ਵੀ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਚਲਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ ਪਰ ਕਾਰਵਾਈ ਇਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਚਲਾਈ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੋਈ ਲੁੱਟਣ ਵਾਸਤੇ ਆਏ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਚੋਰ ਅਤੇ ਜੋ ਹੱਥ ਲਗੇ ਲੈ ਕੇ ਭਜਣ ਦੀ ਕਰਦੇ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਖ਼ਜ਼ਾਨੇ ਨਾਲ ਕੀ ਨੇਕੀ ਕਰਨਗੇ? (ਵਿਘਨ) ਮੈਜਾਰਟੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਸੀ ਫਿਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੀ ਡਰ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ, ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੀਤਾ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਜਾਣਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਾਦਲ ਸਾਹਿਬ ਇਕ ਖਾਨਦਾਨੀ ਆਦਮੀ ਹਨ ਅਤੇ ਸ਼ਰੀਫ ਖਾਨਦਾਨ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਰਖਦੇ ਹਨ ਇਹ ਫਖਰ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ ਪਰ ਜੇਕਰ ਨੇਕ ਆਦਮੀ ਕੋਈ ਬੇਵਿਹਾਰੀ ਗਲ ਕਰੇ ਤਾਂ ਅਫਸੋਸ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਜਿਹੜੀ ਟੀਮ ਹੈ ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਟੰਡਨ ਬਾਬੂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੀਮਤ ਪੁਛਣੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਬਜ਼ਾਰੋਂ ਪੁੱਛ ਲਓ ਲੋਕਾਂ ਤੋਂ ਪਤਾ ਕਰ ਲਓ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅਫਸਾਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਗੂੰਜ ਰਹੇ ਹਨ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੈਰੈਕਟਰ ਹੈ ਇਸ ਨਾਲ ਇਹ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਨਹੀਂ ਰਖ ਸਕਦੇ। ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਇਨਟ੍ਰੈਸਟ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਆਪਣੇ ਇਨਟ੍ਰੈਸਟ ਵਿਚ ਹੈ ਕਿ ਦਿਹਾਤੀ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਵਿਚ ਫ਼ਰਕ ਰਖਿਆ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਫ਼ਰਕ ਰਖ ਕੇ ਸਾਰੀ ਸਟੇਟ ਦੇ ਜ਼ਰਾਏ ਨੂੰ ਐਕਸਪਲਾਇਟ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਜਿਸ ਐਪ੍ਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਕਮ ਦਿਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟਸ ਨੂੰ ਖਰਚ ਕਰਨ ਦੇ ਇਖਤਿਆਰ ਦਿਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮਿਸਾਲਾਂ ਬਹੁਤ ਹਨ। ਪੁਲਿਸ ਵਿਭਾਗ ਨੂੰ ਹੀ ਵੇਖ ਲਉ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਹਰ ਪਾਸੇ ਲਾਲੈਸਨੈਸ ਫੈਲੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਦੀ ਮਿੱਟੀ ਪਲੀਤ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਪਿਛੇ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕੋਈ ਹੀ ਕਾਨਸਟੇਬਲ ਹੋਵੇ-ਗਾ ਜਿਹੜਾ ਅਫੀਮ ਨਾ ਖਾਂਦਾ ਹੋਵੇ। (ਵਿਘਨ)

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਜਿਹੜੇ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲ ਰਹੇ ਹਨ ਇਹ ਨਵੇਂ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਨੂੰ ਦੋ ਤਿੰਨ ਵੇਰ 'ਚੋਰ' ਕਹਿ ਚੁਕੇ ਹਨ, ਕੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਹਿਣ ਦੀ ਆਗਿਆ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਸਿਧੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਕਿਸੇ ਵਜ਼ੀਰ ਨੂੰ ਚੋਰ ਨਹੀਂ ਆਖਿਆ ਅਤੇ ਚੋਰ ਹੋਣ ਤਾਂ ਵੀ ਨਹੀਂ ਆਖਿਆ (ਹਾਸਾ) (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਸਾਂ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਫੋਰਸਿਜ਼ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। (ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਵਲੋਂ ਵਿਘਨ) ਜਥੇਦਾਰ ਸਾਹਿਬ ਤੁਸੀਂ ਤਾਂ ਭਲੇਮਾਣਸ ਹੋ ਪਰ ਆਪਣੇ ਪਿਛੇ ਝਾਤੀ ਮਾਰ ਕੇ ਵੇਖੋ ਕਿ ਕੌਣ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਕਾਨੂੰਨ ਅਤੇ ਅਮਨ ਦੀ ਰਾਖੀ ਕਰਨੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਸਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਪੁਲਿਸ ਹੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜਰਾਇਮ ਨੂੰ ਕੌਣ ਰੋਕ ਸਕੇਗਾ। ਪਾਸਬਾਨ ਕੌਣ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ]

ਬਣੇਗਾ ? ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਬਹੂ ਬੇਟੀਆਂ ਦੀ ਇਜ਼ਤ ਦਾ ਰਾਖਾ ਕੌਣ ਹੋਵੇਗਾ ? ਕਿਸੇ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਰੁਪਿਆ ਪਾਸ ਲੈ ਕੇ ਸਫਰ ਕਰਨ ਦਾ ਹੌਸਲਾ ਕਿਵੇਂ ਪਏਗਾ ? (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਐਪ੍ਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ ਜਿਹੜਾ ਫੰਡ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਉਸ ਦੀ ਕਸਟੋਡੀਅਨ ਕਿਵੇਂ ਬਣੇਗੀ ਜਿਥੇ ਕਿ ਵਜ਼ੀਰ ਹੀ ਆਪਣੇ ਕਰਤਵ ਨੂੰ ਭੁਲ ਜਾਣ ਅਤੇ ਕੇਸ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਸਜ਼ਾ ਹੋਏ ਹੋਏ ਹੋਣ ਤੇ ਵਾਪਸ ਕਰਨ ਦੇ ਹੁਕਮ ਦੇ ਦੇਣ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਆਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਵੀਂ ਡਿਊਟੀ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜ਼ਾਤੀ ਤੌਰ ਤੇ ਇਜ਼ਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਨੇਕ ਸਜਨ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਿਹਰਬਾਨਾਂ ਤੋਂ ਬਚ ਕੇ ਰਹਿਣ ਅਤੇ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨ ਕਿ ਸਹੀ ਤੌਰ ਤੇ ਇਹ ਰਕਮ ਖਰਚ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਭਲਾ ਹੋ ਸਕੇ।

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ (ਮੋਗਾ) : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਤੇ ਬੋਲਣ ਲਈ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਜਿਥੇ ਤਕ ਸੂਬੇ ਦੀ ਜਨਰਲ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਤੁਅੱਲਕ ਹੈ ਇਸ ਦਾ ਬੇੜਾ ਹੀ ਗਰਕ ਹੋਇਆ ਪਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਕਿਉਂ ਹੋਇਆ ਇਸ ਕਰਕੇ ਹੋਇਆ ਕਿ ਇਸ ਹਕੂਮਤ ਨੂੰ ਚਲਾਉਣ ਵਾਲਾ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਨਹੀਂ ਸੀ ਇਸ ਨੂੰ ਚਲਾਉਣ ਵਾਲਾ ਕੋਈ ਹੋਰ ਹੱਥ ਸੀ (ਵਿਘਨ) ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਾਪੀ ਹੱਥਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਬਰਬਾਦ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਬਰਬਾਦ ਕਰਨ ਦਾ ਠੇਕਾ ਲਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੇਰੀ ਗਲ ਸਾਥੀ ਸਾਹਿਬ ਸੁਣੋ। ਮੈਂ ਨਿਮ੍ਰਤਾ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਤੇ ਬੋਲਦਿਆਂ ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਅਧ ਪੁਆਇੰਟ ਆਪਣੀ ਸਪੀਚ ਨੂੰ ਸਪਾਇਸੀ ਬਨਾਉਣ ਲਈ ਕਹਿ ਦਿਉ ਤਾਂ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਟੋਕਾਂਗਾ ਨਹੀਂ ਪਰ ਜੇਕਰ ਤੁਸੀਂ ਹੋਰ ਰਸਤਾ ਫੜ ਲਿਆ ਤਾਂ ਮੇਰੇ ਲਈ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਅਗਾਂਹ ਬੋਲਣ ਦੇਣ ਵਿਚ ।
(I would like to make a request to Sathi Rup Lal Ji. I would allow him to make one or two remarks such during his speech on the Punjab Appropriation Bill, which make it spicy and I would not interrupt him, but if he tries to transgress the limit I will have to check him.)

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਮੈਂ ਤਾਂ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਨਰਲ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦੀ ਗਲ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ, ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਨਜ਼ਮੋ ਨਸਕ ਦੀ ਗਲ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਹੱਥਾਂ ਵਿਚ ਪੈਸੇ ਦਿਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਾਪੀ ਹੱਥਾਂ ਵਿਚ ਬਕਰੀ ਸੀ ਅਤੇ ਇਹ ਭੇੜੀਏ ਦੇ ਹੱਥਾਂ ਵਿਚ ਬਧੀ ਪਈ ਸੀ। (ਵਿਘਨ) (ਇਕ ਆਵਾਜ਼ : ਤੇ ਇਹ ਮੇਮਣੇ ਹਨ) ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਨ ਸੰਘੀ ਵੀਰ ਆਪਣੀਆਂ ਗਲਾਂ ਤੇ ਝਾਤੀ ਮਾਰਨ (ਵਿਘਨ)।

ਚੌਧਰੀ ਰਾਧਾ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ: ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਕੀ ਕੋਈ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਕਿਸੇ ਦੂਜੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਬਕਰੀ ਆਖ ਸਕਦਾ ਹੈ ? ਕੀ ਕਿਸੇ ਦੂਜੇ ਨੂੰ ਜਾਨਵਰ ਬਣਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

Mr. Deputy Speaker : This is no point of order.

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ ਵੀ ਵੇਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ; ਇਹ ਬਕਰੀ ਵੀ ਮੇਰੀਆਂ ਲਤਾਂ ਹੇਠੋਂ ਲੰਘ ਚੁਕੀ ਹੈ ਅਤੇ ਫਿਰ ਭੇੜੀਆ ਬਣ ਚੁਕੀ ਹੈ (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸਾਂ ਕਿ ਇਹ ਕਿਉਂ ਹੋਇਆ ? ਇਹ ਐਨਾ ਸਿਆਣਾ ਜਜ ਸੀ ਅਤੇ ਫਾਜ਼ਲ ਅਤੇ ਕਾਬਲ ਆਦਮੀ ਸੀ; ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਹੱਥਾਂ ਦੇ ਚੁਗਲ ਤੋਂ ਨਿਕਲ ਆਇਆ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਚਲਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਸਕਦਾ। ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਹੋਰ ਚੋਰਾਂ ਅਤੇ ਡਾਕੂਆਂ ਦੇ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫਾਜ਼ਲਿਕਾ ਮੁਕਤਸਰ ਅਤੇ ਅਬੋਹਰ ਵੇਚ ਦਿਤਾ। (ਵਿਘਨ)

ਤੁਸੀਂ ਪਾਖੰਡ ਰਚਿਆ, ਤੁਸੀਂ ਸਾਧ ਲਈ ਤਿੰਨ ਵਾਰ ਗਏ ਹੋ (ਸ਼ੋਰ) ਹਰ ਵਾਰ ਕੁਝ ਦੇ ਕੇ ਆਏ ਹੋ, ਹੁਣ ਤਕ ਸੈਂਟਰ ਨੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬਚਾਈ ਰਖਿਆ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਲਈ ਜਿਹੜਾ ਪਾਖੰਡ ਰਚਿਆ ਸੀ..... (ਵਿਘਨ)

(*Mr. Speaker in the Chair*)

Mr. Speaker : Order please. Please limit your speech to the Appropriation Bill.

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ: ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਜੜ੍ਹਾਂ ਕਟੀਆਂ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਗੁਰਦਵਾਰਿਆਂ ਦਾ ਮਾਲ ਖਾਧਾ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਕਿਵੇਂ ਚਲ ਸਕਦਾ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਦੇ ਸਲਾਹਕਾਰ * * * * * * * * **** *** *** ***

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਥੇ ਜਿਸ ਆਦਮੀ ਦੀ ਰੈਫਰੈਂਸ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਉਂਕਿ ਕੋਈ ਰਾਈਟ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਡੀਫੈਂਡ ਕਰਨ ਦਾ, ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਐਕਸਪੰਜ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਡੈਰੋਗੇਟਰੀ ਰੀਮਾਰਕਸ ਕਿਸੇ ਸਜਣ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕਹੇ ਹਨ, ਉਹ ਐਕਸਪੰਜ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ। (All the derogatory remarks made against any person should be expunged.) These should not form part of the proceedings. These should be expunged.

Comrade Satya Pal Dang : Mr. Speaker, you have just now occupied the Chair. How do you know that certain derogatory remarks have been passed by the hon. Member.

Mr. Speaker : I was listening to all those remarks in my Chamber.

Sardar Umrao Singh : Unless you are present in the House, you cannot take cognizance of anything said in the House.

ਸਰਦਾਰ ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ ਬਾਸੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬੜੇ ਹੀ ਅਫਸੋਸ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਕ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੇ, * * * * * * * * * * ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਰੀਮਾਰਕਸ ਹਨ ਇਹ ਰੀਕਾਰਡ ਵਿਚ ਆਉਣੇ ਨਹੀਂ ਚਾਹੀਦੇ।

Mr. Speaker . These remarks should be expunged.

---

*Expunged as ordered by the Chair.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਾਮਰੇਡ ਸਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰਾ ਇਕ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਡੈਰੋਗੇਟਰੀ ਰੀਮਾਰਕਸ ਕਿਸੇ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕਹੇ ਜਾਣ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਇਥੇ ** ** ਸ਼ਬਦ ਵਰਤਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਇਹ ਤੁਸੀਂ ਐਕਸਪੰਜ ਕਰਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ, ਉਸ ਨੂੰ ਐਕਸਪੰਜ ਕਰਨ ਦੇ ਬਕਾਇਦਾ ਆਰਡਰਜ਼ ਹੋਣ। ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿ ਇਕ ਆਮਨੀਬਸ ਆਰਡਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਰਿਕਾਰਡ ਹੀ ਨਾ ਬਣੇ, ਇਹਦਾ ਮਤਲਬ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਰੀਕਾਰਡ ਹੀ ਨਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਇਕ ਓਮਨੀਬਸ ਆਰਡਰ ਸਟੈਂਡ ਕਰੇ। ਮੈਂ ਫੇਰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ××××××

Mr. Speaker : These remarks by Mr. Dang are aspersion on the Chair. He must withdraw his remarks. (*Noise, Interruption*). These remarks will be expunged.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਜੇ ਏਥੇ ਨਾਨ ਸੈਨਸ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ ਕੀ ਉਹ ਚੰਗਾ ਸੀ ? He has used parliamentary words.

Mr. Speaker: Be polite and within your limits, Sardar Umrao Singh.

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ: ਇਸ ਸਟੇਟ ਦਾ ਨਜ਼ਮੋ ਨਸਕ ਚਲਾਉਣ ਵਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਜੇ ਅਜ ਅਕਾਲ ਤਖਤ ਤੇ ਬੈਠ ਕੇ, ਓਥੋਂ ਦੇ ਨਿਯਮਾਂ ਦੀ ਹੀ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰੇ, ਉਥੇ ਬੈਠ ਕੇ ਝੂਠ ਔਰ ਫਰੇਬ ਦੀਆਂ ਗਲਾਂ ਕਰੇ (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਉਹ ਅਕਾਲ ਤਖਤ ਹੈ ਜਿਥੇ ਕਦੇ ਜਮਰੋਦ ਦੇ ਕਿਲ੍ਹੇ ਨੂੰ ਫਤੇ ਕਰਨ ਦੀਆਂ ਗਲਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਸਨ। ਅਜ ਉਸੇ ਅਕਾਲ ਤਖਤ ਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਕੌਮ ਦਾ ਗਲਾ ਘੁਟਨ ਦੀਆਂ ਗਲਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਵੀ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਪਾਤਿਸ਼ਾਹ ਦਾ ਸਿਖ ਹਾਂ. . .

Mr. Speaker : This is irrelevant.

Minister for Industries (Shri Balram Dass Tandon) : Sir, I beg to move—

That the Question be now put.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the question be now put.

Mr. Speaker : Question is—

That the question be now put.

After ascertaining the votes of the House by voices, Mr. Speaker said, "I think Ayes have it." This opinion was challenged. The Bells were sounded. The question was put again and Mr. Speaker said, "I think Ayes have it". Again it was challenged. The Members were asked to rise in their places. Fifty four Members rose in support of the Motion and forty against the motion.

The motion was declared carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

---

*Expunged as ordered by the Chair.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Schedule

Mr. Speaker : Question is—

That the Schedule stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Minister for Finance (Sardar Balwant Singh) : Sir, I beg to move—

That the Punjab Appropriation (No. 2) Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Punjab Appropriation (No. 2) Bill be passed.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : (ਬੜਾ ਪਿੰਡ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਤੇ ਬੋਲਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਵੇਲੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਐਪ੍ਰੋਪ੍ਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਦੀ ਤੀਜੀ ਰੀਡਿੰਗ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਐਨੀ ਇਲਲੀਗਲ ਕਾਰਵਾਈ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਸਾਰਾ ਰਿਕਾਰਡ ਕਢਾ ਕੇ ਦੇਖ ਲਓ ਤਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਵੇਗਾ। ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਤੁਹਾਡੇ ਤੋਂ ਇਹ ਰੂਲਿੰਗ ਮੰਗੀ ਸੀ ਅਤੇ ਫਾਇਨੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਚਾਰਜ ਵਿਚ ਇਹ ਬਿਲ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਵੀ ਇਹ ਪੁਛਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਬਿਲ ਪੁਰਾਣਾ ਹੈ ਕਿ ਨਵਾਂ ਹੈ :....

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਇਹ ਦਸ ਦਿਤਾ ਹੈ। (It has been explained to Captain Rattan Singh.)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਫਾਈਨੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਪੁਛਿਆ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਨਵਾਂ ਬਿਲ ਹੈ ਕਿ ਪੁਰਾਣਾ ਬਿਲ ਹੈ। ਮੈਂ ਤੁਹਾਡਾ ਧਿਆਨ ਵੀ ਇਸ ਪਾਸੇ ਦਿਲਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਾਲੇ ਵੀ ਇਹ ਦਸ ਸਕਣ ਕਿ ਇਹ ਨਵਾਂ ਹੈ ਕਿ ਪੁਰਾਣਾ ਹੈ, ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਮਝ ਵਿਚ ਹੀ ਇਹ ਗਲ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ। He is very much confused and that is why he cannot tell. ਜੇ ਨਵਾਂ ਬਿਲ ਹੈ ਤਾਂ ਵੀ ਲੀਗਲ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਜੇ ਪੁਰਾਣਾ ਬਿਲ ਹੈ ਤਾਂ ਵੀ ਲੀਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਕੜਾਹ ਪ੍ਰਸ਼ਾਦ ਖਾਣ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

Mr. Speaker: Please address the Chair.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ: ਜੇ ਪੁਰਾਣਾ ਬਿਲ ਸਮਝਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਵੀ ਲੀਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇ ਨਵਾਂ ਬਿਲ ਹੈ ਤਾਂ ਵੀ ਇਲਲੀਗਲ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਨਵਾਂ ਬਿਲ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਲਲੀਗਲ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਤੁਹਾਡੇ ਵਿਰੁਧ ਨੋ-ਕਾਂਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਤੇ ਰੂਲਿੰਗ ਦਿਤੀ ਹੈ......

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker : The hon. Member should please speak about the Bill which is before the House.

Sardar Umrao Singh : Sir, I am talking about Rule 74 of the Rules of Procedure and Conduct of business in the Punjab Legislative Assembly.

Mr. Speaker : The hon. Member should please confine himself to the Appropriation Bill.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਰੂਲਿੰਗ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਤਾਂ ਛੁਟੀ ਵਾਲੇ ਦਿਨ ਵੀ ਮੋਸ਼ਨ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ। (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : The hon. Member is discussing the ruling of the Chair. He should please speak on the Appropriation Bill.

Sardar Umrao Singh : I seek support from that ruling.

Mr. Speaker : The hon. Member should only speak about the Appropriation Bill.

Sardar Umrao Singh : The ruling is in my favour. If you will permit me to say, I will be able to clear my position.

Mr. Speaker : The hon. Member should speak on the Appropriation Bill.

Sardar Umrao Singh : Rule 74 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly is—

> "Every notice required by the Rules shall be given in writting addressed to the Secretary and shall be delivered at the Assembly Office. If it is delivered between 10.00 A.M. and 3.00 P.M. on a day when theoffice is open, it shall be treated as delivered on that day. Itf it is delivered at any later time or on any holiday, it shall be treated as delivered on the day on which the office next opens.——"

ਮੇਰੀ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਦੋ ਆਈਟਮਾਂ ਆਈਆਂ ਹਨ, ਚੌਥੀ ਅਤੇ ਪੰਜਵੀਂ...

Mr. Speaker : The hon. Member is not discussing the Appropriation Bill. This is the third reading of the Bill and there is limited scope of discussion.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਜੋ ਪੰਜਵੀਂ ਆਈਟਮ ਹੈ ਉਹ ਐਪ੍ਰੋਪ੍ਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਦੀ ਹੈ — (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਹੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਲਿਮਟਿਡ ਸਕੋਪ ਵਿਚ ਹੀ ਗਲ ਕਰਾਂਗਾ। ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਇਲਲੀਗੈਲੇਟੀ ਤੁਸੀਂ ਹੁਣ ਵੀ ਠੀਕ ਕਰ ਲਓ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੋ ਬਿਲ 25 ਤਰੀਕ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਗਵਰਨਰ ਦੇ ਦਸਖਤਾਂ ਥਲੇ ਪੇਸ਼ ਹੋਇਆ ਸੀ ਅਤੇ ਡਿਫੀਟ ਹੋ ਗਿਆ ਸੀ, ਉਹ ਮੁੜ ਕੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾ ਸਕਦਾ। ਫਿਰ ਜੋ ਨਵਾਂ ਬਿਲ ਹੈ, ਉਸ ਤੇ ਤੁਸੀਂ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ 28 ਤਰੀਕ ਨੂੰ ਦਸਖਤ ਕੀਤੇ ਹਨ। ਇਸ ਮੋਸ਼ਨ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਤਿੰਨ ਵਜੇ ਤੋਂ ਬਾਦ ਨਹੀਂ ਸੀ ਆ ਸਕਦਾ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਛੁਟੀ ਵਾਲੇ ਦਿਨ ਹੀ ਦਿਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਇਲਲੀਗਲ ਹੈ। ਜੇ ਇਹ ਬਿਲ ਪੁਰਾਣਾ ਗਿਣਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਜਿਸ ਨੂੰ ਗਵਰਨਰ ਨੇ ਰਿਕੁਮੈਂਡ ਕੀਤਾ ਸੀ ਤਾਂ ਉਹ ਵੀ, ਜਿਵੇਂ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਿਹਾ ਸੀ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਡੀਫੀਟ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਣ ਪੇਸ਼ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ। ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇਹ ਬਿਲ 25 ਤਰੀਕ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਕਰ ਦਿਤਾ ਸੀ। ਮੈਂ ਰੀਕੁਐਸਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 25 ਤਰੀਕ ਦਾ ਜੋ ਬੁਲੇਟਿਨ ਸਾਨੂੰ ਮਿਲਿਆ ਹੈ, ਉਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ:

> "When called upon by the Speaker to introduce the Punjab Appropriation Bill, the Finance Minister declined to do so on the ground that he had a mandate from the party against moving the Bill."

These were the words—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਜਿਹੜਾ ਬੁਲੇਟਿਨ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਇਹ ਛਪਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਫਾਈਨੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਇਹ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਕਰ ਦਿਤਾ ਸੀ । ਉਹ ਸ਼ਾਇਦ ਸਮਝਦੇ ਸਨ ਕਿ this is a dirty bill. This bill is not fit to be introduced in the Assembly. We do not permit this bill to be introduced in the Assembly.

ਅਜ ਇਹ ਕਹਿਣ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਸਾਰਾ ਹੀ ਠੀਕ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਸਾਰੇ ਹੀ ਪਰਟੀਕੁਲਰਜ਼ ਪਹਿਲੇ ਹੀ ਹਨ। ਅਜ ਫਾਈਨੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਪਾਸ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਦਬ ਦੇ ਨਾਲ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਹ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਸੀ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਫਾਈਨੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਬੇਅਦਬੀ ਕੀਤੀ ਸੀ, ਹਾਊਸ ਦੀ ਪਵਿਤਰਤਾ ਨੂੰ ਭੰਗ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਕੌਂਸਲ ਆਫ਼ ਮਨਿਸਟਰਜ਼ ਦੀ ਰਿਸਪੌਂਸੇਬਿਲਟੀ ਨੂੰ ਭੰਗ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਇਸ ਲਈ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਸ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਸੀ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਫਿਰ ਇਥੇ ਰੂਲ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਪਰ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਬਿਲ ਲੀਗਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ। ਰੂਲ ਜਿਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਸਸਪੈਂਡ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਰੂਲ 121 ਪੜ੍ਹੋ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਐਗਰੀ ਕਰੋਗੇ ਕਿ ਕਿਹੜਾ ਮੋਸ਼ਨ ਸਸਪੈਂਡ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ:

"Any member may, with the consent of the Speaker, move that any rule may be suspended in its application to a particular motion before the Assembly."

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ "ਪਰਟੀਕੁਲਰਲੀ ਮੋਸ਼ਨ" ਦਾ ਲਫਜ਼ ਕਲੀਅਰ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਮੋਸ਼ਨ ਮੂਵ ਕੀਤੀ ਗਈ ਤਾਂ ਐਪ੍ਰੋਪ੍ਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਇਸ ਲਈ ਜਿਹੜੀ ਮੋਸ਼ਨ ਸਸਪੈਂਡ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਇਹ ਇਲਲੀਗਲ ਹੈ, ਵਰਡਿੰਗ ਪੜ੍ਹ ਲਓ, ਉਥੇ ਲਫਜ਼ "ਪਰਟੀਕੁਲਰ ਮੋਸ਼ਨ" ਹੈ। ਜੋ ਏਜੰਡਾ ਮੈਟਰ ਸਾਨੂੰ ਦਿਤਾ ਹੈ, ਉਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ:

'A Minister to move under rule 121 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly that rule 172(2) ibid be suspended in its application to the motions in respect of the Punjab Appropriation (No. 2) Bill. . . . .'

They should have sought permission for the suspension of Rule 172(2). It is the spirit of Rule 121.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਮੈਂ ਥੋੜ੍ਹਾ ਜਿਹਾ ਤੁਹਾਡੀ ਗਿਆਤ ਲਈ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਮੇਰੇ ਤੇ ਜ਼ਿੰਮੇਂਵਾਰੀ ਆਉਂਦੀ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਕੌਲ ਐਂਡ ਸ਼ਕਦਰ ਪੇਜ 768 ਤੇ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੈ (I would like to submit something for the information of the hon. Members since the responsibility devolves upon me. (Interruption) On page 768 of the Practice and Procedure of Parliament by 'Kaul and Shakder' it has been stated:

'Motion for suspension of a rule in its application to a particular motion may be moved only when that motion is before the House i. .e if it is included in the List of Business."

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Mr. Speaker]

This is the precedent of the Lok Sabha.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਉਹ ਅਗੇ ਪੜ੍ਹ ਲਵੇ । ਇਹ ਕੋਈ ਡਿਸੀਜ਼ਨ ਨਹੀਂ । (ਵਿਘਨ) ਡਿਸੀਜ਼ਨ ਅਗੇ ਦਿਤਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : On 2nd April, 1969, Shri Y. B. Chavan, Home Minister, moved this very motion.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : 'ਸ਼ਕਦਰ ਐਂਡ ਕੌਲ' ਵਿਚ ਤਿੰਨ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨਜ਼ ਦਿਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ:

The three categories are—

(i) Matter before the House;

(ii) matter on the List of Business ; and

(iii) matter pending in the Assembly.

ਰੂਲ ਸਿਰਫ ਇਕ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਦਿਤਾ ਹੈ ਮੈਟਰ ਬੀਫੋਰ ਦੀ ਅਸੈਂਬਲੀ । (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker: Are all these three categories before the House? (Noise)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ: ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਬਾਕੀ ਦੋਵਾਂ ਦਾ ਤਾਲੁਕ ਹੈ ਕੋਈ ਰੂਲਿੰਗ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਮੈਟਰ ਜਿਹੜਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਤੁਸੀਂ ਹੁਣੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਮੈਟਰ ਬੀਫੋਰ ਦੀ ਅਸੈਂਬਲੀ (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬੜੀਆਂ ਕਿਤਾਬਾਂ ਲਿਆਂਦੀਆਂ ਹਨ ਮੈਨੂੰ ਟਾਈਮ ਦਿਉ। ਇਕ ਲਫਜ਼ ਹੈ 'ਮੈਟਰ', ਇਕ ਲਫਜ਼ ਹੈ 'ਕੁਐਸਚਨ' ਅਤੇ ਇਕ ਲਫਜ਼ ਹੈ 'ਆਈਟਮ ਆਨ ਦੀ ਬਿਜ਼ਨੈਸ' (ਵਿਘਨ) ਇਕ ਲਫਜ਼ ਹੈ 'ਮੋਸ਼ਨ' । 'ਮੋਸ਼ਨ' ਦੀ ਡੈਫੀਨੇਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Is that motion not on the Order Paper ? This is already on the Agenda.

Sardar Umrao Singh : That is not a motion.

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਆਈਟਮ ਆਨ ਦੀ ਅਜੰਡਾ ਹੋਵੇ ਦੈਟ ਇਜ਼ ਨਾਟ ਮੋਸ਼ਨ। ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਕ ਆਈਟਮ ਆਨ ਦੀ ਅਜੰਡਾ (ਵਿਘਨ) ਮੂਵ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

Mr. Speaker : If that is not a motion then what else is it?

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ: ਮੋਸ਼ਨ ਦੀਆਂ ਤਿੰਨ ਸਟੇਜਿਜ਼ ਹਨ। ਬੜਾ ਕਲੀਅਰ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਦਸ ਦਿਆਂ ਕਿਹੜੀਆਂ ਕਿਹੜੀਆਂ ਸਟੇਜਿਜ਼ ਹਨ (ਵਿਘਨ) ਮੇਰੀ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਹੈ ਕਿ ਮੋਸ਼ਨ ਉਦੋਂ ਬਣਦੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਮੂਵ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। Then it becomes a motion. Otherwise, it is merely a matter, it is merely a question on the Agenda. It does not become a motion.

ਮੇਰੀ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਰੂਲ ਸਸਪੈਂਡ ਕੀਤਾ ਗਿਆ, ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਇਹ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਦੀਆਂ ਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਕਵਰ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀਆਂ (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਹ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਲਿਆਉਣ ਦਾ ਤਾਲੁਕ ਹੈ, ਇਹ ਇਲਲੀਗਲ ਹੈ । ਰੂਲ 121 ਦੇ ਤਹਿਤ ਜਿਹੜੀ ਸਸਪੈਨਸ਼ਨ ਹੈ ਉਹ ਨਹੀਂ ਬਣਦੀ। ਕਿਸ ਕਰਕੇ ਨਹੀਂ ਬਣਦੀ? ਇਹ ਕਲੀਅਰ ਹੈ ਜੇ ਮੈਂ ਪੜ੍ਹ ਦਿਆਂ। ਮੁਕਰ ਜੀ ਦੀ ਕਿਤਾਬ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਬਿਲ ਰਿਜੈਕਟ ਹੋ ਜਾਵੇ ਉਸ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਲਿਆਉਣ ਲਈ ਰੂਲਜ਼ ਦੀ ਸਸਪੈਨਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ, ਇਹ ਕੋਈ ਰੈਮੇਡੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਗਿਆਤ ਲਈ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ:

At page 105 of 'Parliamentary' Procedure in India' by A.R. Mukherjee it has been stated—

> 'But the practical inconvenience of a rigid rule of consistency, especially where the House as a whole wishes to change its opinion, has proved too great for a body confronted with the ever-changing problems of Government, and the rule prohibiting reconsideration of a decided question has come to be interpeted strictly according to the letter so as not to prevent open recission when it decided that it is desirable.'

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਮੁਕਰ ਜੀ ਦੀ ਕਿਤਾਬ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਕਲੀਅਰਲੀ ਲਿਖਿਆ ਹੈ। ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਰੂਲ ਦਾ ਤਾਲੁਕ ਹੈ, ਇਹ ਬੜਾ ਸਟ੍ਰਿਕਟ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਜਦੋਂ ਇਕ ਮੋਸ਼ਨ ਰਿਜੈਕਟ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਲਿਆਉਣ ਲਈ ਇਹ ਰੂਲ ਨਹੀਂ ਵਰਤਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਹੋਰ ਕਈ ਰੈਮੇਡੀਜ਼ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੇਰੇ ਫਾਜ਼ਲ ਦੋਸਤਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਿ ਕਿਹੜੀਆਂ ਕਿਹੜੀਆਂ ਰੈਮੇਡੀਜ਼ ਨਾਲ ਐਪਰੋਪ੍ਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਨਾ ਹੀ ਇਥੇ ਰੂਲ 81 ਬਾਰੇ ਰੈਫਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਨਾ ਹੀ ਇਹ ਰੂਲ ਸਸਪੈਂਡ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਬੜਾ ਕਲੀਅਰ ਹੈ। ਇਹ ਰੂਲ ਸੈਕਿੰਡ ਮੋਸ਼ਨ ਨੂੰ ਪਰੀਵੈਂਟ ਕਰਦਾ ਹੈ। 81 ਰੂਲ ਇਹ ਹੈ:

Rule 81 says—

> 'A motion or amendment shall not except with the permission of the Speaker raise a question substantially identical with one on which the Assembly has given a decision in the same session.....

ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਆਰਗੂਮੈਂਟ ਹੈ, ਇਹ ਲੀਗੈਲਿਟੀ ਦੀ ਆਰਗੂਮੈਂਟ, ਕਾਊਂਟਰ ਆਰਗੂਮੈਂਟ, ਸਾਰੀਆਂ ਕਿੰਨੀਆਂ ਸਟੇਜਿਜ਼ ਵਿਚੋਂ ਲੰਘੀਆਂ ਹਨ, ਇਹ ਟਾਈਮ ਐਂਡ ਅਗੇਨ ਰੀਪੀਟ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਇਕੋ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਘੜੀ ਮੁੜੀ ਰੀਪੀਟ ਕਰਨ ਲਈ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ?

(ਇਸ ਵੇਲੇ ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ ਕੁਝ ਕਹਿਣ ਲਈ ਆਪਣੀ ਸੀਟ ਤੇ ਖੜੇ ਹੋਏ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਨਾ ਰੂਲ 81 ਸਸਪੈਂਡ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਨਾ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਪਰਮਿਸ਼ਨ ਲਿਤੀ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਜਿਥੋਂ ਤੱਕ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਦਾ ਤਾਲੁਕ ਹੈ, ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਇਹ ਨੰਬਰ (2) ਬਿਲ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਅੱਜ ਤੋਂ ਪੰਜ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ 25 ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਅੱਜ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦੁਬਾਰਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਹਾਲੇ ਤਕ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਲੀਅਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਗੌਰਮਿੰਟ ਵੱਲੋਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਉਹ ਬਿਲ ਹੈ ਜਾਂ ਕਿ ਨਵਾਂ ਬਿਲ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ)। ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਦੁਹਰਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਹਨ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਦਲੀਲ ਇਸ ਕਰਕੇ ਦੁਹਰਾਈ ਹੈ, ਕਾਂਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨ ਵਿਚ ਇਕ ਪਰੋਵੀਜ਼ਨ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਰੈਗੂਲੇਰੀਟੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਲੇਕਿਨ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਰਰੈਗੂਲੇਰੀਟੀਜ਼ ਹੋਈ ਹੈ। ਜਿਹੜਾ ਰੂਲ ਸਸਪੈਂਡ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਉਹ ਇਲਲੀਗਲੀ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਉਹ ਰੂਲ ਸਸਪੈਂਡ ਹੋਣ ਨਾਲ ਇਹ ਬਿਲ ਇੰਟਰੋਡਿਊਸ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਹ ਇਲਲੀਗਲ ਹੈ। ਇਹ ਬਿਲ ਇਲਲੀਗਲੀ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਇਲ-ਲੀਗੇਲੇਟੀਜ਼ ਹਨ। (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker : Please resume your seat.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਚਾਰ ਪੰਜ ਆਈਟਮਜ਼ ਇੰਟਰੋਡਿਊਸ ਹੋਣੀਆਂ ਸਨ। ਉਸ ਵੇਲੇ ਅਸੀਂ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ। ਅਸੀਂ ਉਸ ਵਕਤ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਰੇਜ਼ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ, ਪਰ ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰਨ ਦਿਤਾ ਗਿਆ (ਵਿਘਨ) ਚਾਰ ਆਈਟਮਜ਼ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਜੇ ਇਹ ਰੂਲ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਫੇਰ ਵੀ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਬਿਲ ਨਹੀਂ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾ ਸਕਦਾ (ਵਿਘਨ)। ਜੇ ਪਹਿਲਾਂ ਟਾਈਮ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ ਸ਼ਾਇਦ ਐਨੀਆਂ ਇਰਰੈਗੂਲੇਰਿਟੀਜ਼ ਨਾ ਹੁੰਦੀਆਂ। (ਵਿਘਨ)

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਦਯੋਗ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੇ ਬੜਾ ਅਛਾ ਨੁਕਤਾ ਉਠਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਕੁਝ ਇਸ ਸਦਨ ਵਿਚ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ, ਉਹ ਕਾਨੂੰਨੀ ਹੈ ਜਾਂ ਗੈਰ-ਕਾਨੂੰਨੀ, ਵਿਧਾਨਕ ਹੈ ਜਾਂ ਗੈਰ ਵਿਧਾਨਕ, ਉਹ ਦੁਹਰਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਸਦਨ ਵਿਚ ਜੋ ਕੁਝ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਅਸੀਂ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਕਿ ਜੋ ਕੁਝ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਹ ਕਾਨੂੰਨੀ ਹੈ ਜਾਂ ਗੈਰ-ਕਾਨੂੰਨੀ ਹੈ। ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਤਾਂ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਜਾਂ ਸੁਪਰੀਮ ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਵਾਲੇ ਤਾਂ ਪਰੌਂਠੇ ਖਾ ਕੇ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਹਨ ਸਾਨੂੰ ਟੋਸਟ ਖਾਣ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਭੁਖਾ ਮਾਰਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)।

Mr. Speaker : Sardar Balwant Singh.

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ ਤੇ ਕਾਫੀ ਬਹਿਸ ਹੋਈ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਸ ਬਹਿਸ ਨੂੰ ਕਾਫੀ ਧਿਆਨ ਨਾਲ ਸੁਣਿਆ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲੀਗਲ ਲਿਊਨਮਰੀਜ਼ ਨੇ ਕਾਫੀ ਕਾਢਾਂ ਕੱਢੀਆਂ ਹਨ (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਬਿਲਕੁਲ ਕਾਂਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹਾਊਸ ਦਾ ਜੋ ਪਰੋਸੀਜ਼ਰ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਬਿਜ਼ਨੇਸ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਕੰਪਲੀਟ ਕਾਂਸੋਨੈਂਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਜਿਹੜੀਆਂ ਪਰੋਵੀਜ਼ਨਜ਼ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਨ ਔਰ ਗਵਰਨਰ ਦਾ ਆਰਡਰ ਲੈਣਾ ਸੀ, ਉਹ ਵੀ ਲਿਆ ਹੈ। ਔਰ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਜਨਾਬ ਨੇ ਵੀ ਆਪਣੀ ਰੂਲਿੰਗ ਦਿਤੀ ਸੀ। ਉਹ ਸਿੱਧ ਕਰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਬਿੱਲ ਐਬਸੋਲਿਊਟਲੀ ਕੰਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨਲ ਔਰ ਲੀਗਲ ਹੈ। ਮੈਂ ਬਹੁਤ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ। ਮੈਂ ਇਹੋ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਹਿਲੀ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਬਾਦਲ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਦੋ ਦਿਨ ਤੋਂ ਬਣੀ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਉਮੀਦ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਔਰ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਇਸ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਦੇਵੇਗੀ ਤਾਕਿ ਅਗਲਾ ਜਿਹੜਾ ਛੇ ਮਹੀਨਿਆਂ ਨੂੰ ਸੈਸ਼ਨ ਆਵੇ ਉਦੋਂ ਤੱਕ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਅੱਛੇ ਕੰਮ ਕਰਕੇ ਦਿਖਾਵੇ। ਮੈਂ ਪੂਰੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਨਾਲ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਹਿਲੀ ਸਰਕਾਰ ਨਾਲੋਂ ਇਸ ਵਿਚ ਬੜੇ ਫਰਕ ਹਨ, ਹੁਣ ਵਾਲੀ ਸਰਕਾਰ ਬੜੇ ਅੱਛੇ ਕੰਮ ਕਰੇਗੀ। (ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਗਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਹਾਲਾਂ ਤਾਂ ਇਥੇ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਦੀ ਮੋਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਆਈ। ਇਹ ਅੱਗਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਦੀ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗੱਲ ਕਰਦੇ ਹਨ।

Mr. Speaker: This is no point of order.

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਸੈਸ਼ਨ ਤਾਂ ਖਤਮ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ, ਇਹ ਅਗਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਦੀ ਗੱਲ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਅੱਜ ਇਹ ਖਤਮ ਹੋਣਾ ਹੈ ਕਿ ਨਹੀਂ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਗਲਤ ਸਮਝੇ ਹਨ । ਮੇਰਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦਾ ਕੁਝ ਟਾਈਮ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ । ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਗਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਤੱਕ ਕੁਝ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦਾ ਟਾਈਮ ਮਿਲ ਜਾਵੇਗਾ । ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਨੂੰ ਗਲਤ ਇੰਟ੍ਰਪਰੇਟ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਸੋ, ਮੈਂ ਬਹੁਤਾ ਕੁਝ ਨਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ, ਮੈਂ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਔਰ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ।

Mr. Speaker : Question is—

That the Bill be passed.

After arcertaining the votes of the Members present by voices, Mr. Speaker gave an opinion. The opinion was challenged. The bells were sounded. The question was put again and carried by a voice vote.

The motion was declared carried

MOTION FOR ADJOURNMENT OF THE HOUSE *SINE DIE.*

Chief Minister (Sardar Parkash Singh Badal) : Sir, I beg to move—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *Sine die.*

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine die.*

Sardar Umrao Singh : This Motion is out of order. This Motion should have come before 3.00 p.m. in view of the ruling given by the Deputy Speaker on the Resolution for the removal of the Speaker.

ਮੇਰੀ ਸਬਮਿਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ, ਜਿਹੜੀ ਤੁਹਾਡੇ ਖਿਲਾਫ ਮੋਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਸੀ ਔਰ ਜੇ ਉਹ ਆਊਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਹੈ ਤਾਂ ਇਸ ਵੇਲੇ ਪੌਣੇ ਅੱਠ ਵਜੇ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਹੁਣ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਮੋਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦੀ । ਬਾਦਲ ਸਾਹਿਬ ਰੂਲ ਪੜ੍ਹ ਲੈਣ ਅਤੇ ਦੋ ਤਿੰਨ ਦਿਨ ਬਾਅਦ ਫਿਰ ਮੋਸ਼ਨ ਲੈ ਆਉਣ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਕਿਸੇ ਵੇਲੇ ਵੀ ਆ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਤਿੰਨ ਵਜੇ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦਾ ਆਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । (This Motion can be moved at any time. The notice was received before 3.00 P.M. today.)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਫਿਰ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਉਸੇ ਵੇਲੇ ਇਨਫਾਰਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਉਸੀ ਵੇਲੇ ਮੂਵ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ । ਜਿਸ ਵਕਤ ਮੋਸ਼ਨ ਆਵੇ, ਉਸੇ ਵਲੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਰੂਲਜ਼ ਬੜੇ ਕਲੀਅਰ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) This motion was received at 2.30 P. M. (The Rules are very clear on this subject. (Interruption) This motion was received at 2.30 P. M.)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਜਿਸ ਵਕਤ ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਆਈ ਸੀ, ਇਮੀਜੇਇਟਲੀ ਹਾਊਸ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਆਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ ਔਰ ਉਸੇ ਵੇਲੇ ਮੂਵ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ । This Motion cannot remain pending for such a long time.

Mr. Speaker : Under which rule ?

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਦੇ ਰੂਲਜ਼ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਵੇਖ ਲਵੋ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਤੁਹਾਡੀ ਐਬਸੈਂਟ ਦੇ ਵਿਚ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਇਨਫਾਰਮ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ ਇਕ ਨੋ-ਕਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਆਈ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਨੋ-ਨਕਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਚੂੰਕਿ 3.00 ਵਜੇ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਆਈ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਕਰਕੇ ਅੱਜ ਇਹ ਨਹੀਂ ਪੜ੍ਹੀ ਜਾ ਸਕਦੀ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਤੁਹਾਡੇ ਅੱਗੇ ਰੱਖਿਆ ਹੈ, ਇਹ ਇਸ ਲਈ ਰੱਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਮੋਸ਼ਨ ਪੇਸ਼ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ ? ਨੋ-ਕਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਆਏ, ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੰਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨ ਵਿਚ ਪਰੋਵੀਜ਼ਨ ਹੈ। ਜਿਹੜੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਰੂਲਜ਼ ਹਨ, ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਵੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੇਰੀ ਸਬਮਿਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਨੋ-ਕਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਸਰਵ ਹੋ ਗਈ ਤਾਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਅੱਜ ਇਹ 3.00 ਵਜੇ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਆਈ ਹੈ, ਇਸ ਕਰਕੇ ਅੱਜ ਇਹ ਨਹੀਂ ਪੜ੍ਹੀ ਜਾ ਸਕਦੀ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ, ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਦੀ ਇਥੇ ਮੋਸ਼ਨ ਮੂਵ ਕਰਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਓ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਹ ਵੇਖਣਾ ਪਵੇਗਾ ਕਿ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਨੋ-ਕਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਰੂਲਜ਼ ਕੀ ਹਨ ?

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਨੋ-ਕਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਦੀ ਗੱਲ ਨਾ ਕਰੋ, ਰੂਲਜ਼ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰੋ।

(I would request the hon. Member to refer to the Rules and not to the No-Confidence Motion.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ: ਸਾਡੇ ਗਵਾਂਢੀ ਸਟੇਟ ਹਰਿਆਣਾ ਵਿਚ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਦੀ ਮੋਸ਼ਨ ਪਾਸ ਹੋਣ ਤੇ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਨੋ-ਕਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਆਈ। ਉਸ ਵੇਲੇ ਸਵਾਲ ਆਇਆ ਕਿ ਕਿਉਂ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਕੀਤਾ ਹੈ ? ਇਸ ਤੇ ਹਰ ਇਕ ਨੇ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਕਿ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਨੋ-ਕਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਚੂੰਕਿ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਦੀ ਮੋਸ਼ਨ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦੇ ਬਾਅਦ ਆਇਆ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਕੇਸ ਵਿਚ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਐਡਜਰਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਲੇਕਿਨ ਇਥੇ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਬਾਰੇ ਮੋਸ਼ਨ ਬਿਲਕੁਲ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਈ। ਕੋਈ ਸਰਕੂਲੇਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਔਰ ਨਾ ਹੀ ਇਹ ਏਜੰਡਾ ਤੇ ਹੈ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਨੋ-ਕਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਸਰਵ ਹੋ ਚੁਕੀ ਸੀ,

Sir, Article 179 of the Constitution requires that after 14 days of the receipt of Notice of Intention to move the Resolution for the removal of the Speaker, the leave of the House is asked for and if the leave is granted a date is fixed for the discussion of the Motion. Now by adjourning the House sine die, you are violating the provisions of Article 179 of the Constitution as also of rule 11 of our Rules of Procedure. In your absence, when the Deputy Speaker was in the Chair, he ruled that since the resolution for the removal of the Speaker had not been received before 3.00 p.m., it could not be taken up to-day which meant that it could be taken up tomorrow. Considerable section of the House feels strongly that the Speaker deserve to be removed but the Motion relating thereto has not been permitted today. But thereafter you have permitted a Motion for the Adjournment of the House *sine die*. This is unprecedented.

Mr. Speaker : I have given my ruling. You have no right to discuss that ruling.

Comrade Satya Pal Dang : I am relying upon the ruling given by the Deputy Speaker.

(*Noise in the House*)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

I am not, Sir, criticising the ruling given by the Deputy Speaker. (*Interruptions and Noise in the House.*)

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : * * * * * * * * * * * * (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਲਫ਼ਜ਼ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਚੇਅਰ ਦੀ ਪਰਮਿਸ਼ਨ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਕਹੇ ਹਨ These should not forms part of the proceedings of the house. (These words, which the hon. Member has said without permission of the Chairs.) These should not form part of the proceedings of the House.

Comrade Satya Pal Dang : You have, Sir, misunderstood completely. I am not criticising, I am relying on the Ruling...

Mr. Speaker : I have understood your point. Please resume your seat.

Comrade Satya Pal Dang : Sir, you are not allowing me to speak. In view of Rule 11 (1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly, motion to adjourn the House *sine-die* cannot come today ; if it were to come, it ought to have come in the morning. How can you go on committing irregularities ?

ਸ੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰਕੀਬ ਨਾਲ ਅੱਜ ਹਾਊਸ ਚੱਲ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀ, ਇਸ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਦੇਵੋ । (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਦੀ ਗਲ ਆਈ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ.. .. .. .. (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : It can come at any time.

ਸ੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਤੁਸੀਂ ਰੂਲ ਤੇ ਪੂਰਾ ਅਮਲ ਕਰੋ । (ਵਿਘਨ) ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਰੂਲਾਂ ਤੇ ਪੂਰਾ ਅਮਲ ਨਾ ਕਰੋ ਤਾਂ ਕੀ ਹੋਵੇਗਾ । (ਵਿਘਨ), ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਇਹ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਵਿਚ ਹਨ (ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਵੱਲ ਇਸ਼ਾਰਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ) ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਲ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾ ਲੈਣ ਤੇ ਕੀ ਇਤਰਾਜ਼ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)(ਸ਼ੋਰ)

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : **ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ (ਵਿਘਨ)** । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ * * * * * * * * * * * * * * (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : This is an aspersion on the Chair. This should be expunged.

Mr. Speaker : Question is—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine die*.

(Interruptions and noise in the House)

The motion was carried. (Voices of shame) shame from the Opposition Benches

Mr. Speaker : The House stands adjourned *sine-die*.

7.44 P.M. (*The House then adjouned sine-die*).

*Expunged as ordered by the Chair.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Orig[illegible]l with;
Punj[illegible] Vidhan Sabha
Digi[illegible]ed by;
Panj[illegible]

APPENDIX
TO
PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES
DATED 30TH MARCH, 1970
Volume I, No. 24

Seed Farm at Abohar.

***1624. Chaudhri Satya Dev** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) the name of the village where the office, the Research Station and staff quarters of the Abohar Seed Farm are situated ;
(b) the number of jeeps, tractors, buffaloes etc. or any other Government machinery in the said Seed Farm during the years, 1968-69 and at present separately ;
(c) whether any Government machinery has been shifted from the said seed farm to some other place during the months of January and February, 1970 for some other purposes ;
(d) if the reply to part (c) be in the affirmative, the kind of machinery shifted and the name of the place where the said machinery was shifted to alongwith the purpose of shifting the said machinery ;
(e) whether any new building has been constructed for Laboratory purpose in the said seed farm; if so, the expenditure incurred thereon and the name of the village where the said building has been constructed ;
(f) whether sanction for the purchase of any machinery for the laboratory of the seed farm has been accorded ; if so, the cost of the said machinery ;

(g) whether the said machinery has reached the said laboratory; if so, when; if not, the time by which it is likely to reach there?

Minister for Agriculture : (a) Abohar.
(b) Nil.
(c) No. Sir,
(d) In view of (c) above, the question does not arise.
(e) No, Sir.
(f) No, Sir.
(g) In view of (e) and (f) above the question does not arise.

[(ੳ) ਅਬੋਹਰ ।
(ਅ) ਕੋਈ ਨਹੀਂ ।
(ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।
(ਸ) ਉਪਰੋਕਤ (ੲ) ਵਿੱਚ ਦਰਸਾਏ ਅਨੁਸਾਰ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।
(ਹ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।
(ਕ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।
(ਖ) ਉਪਰੋਕਤ (ਹ) ਅਤੇ (ਕ) ਦੇ ਵਿੱਚ ਦਰਸਾਏ ਅਨੁਸਾਰ ਇਹ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Non-Payment of Salary to certain Lady Social Workers posted in village Panjwar, district Amritsar.

*1674. **Sardar Kirpal Singh** : Will the Minister for Social Welfare with reference to the reply to Starred Question No. 9 included in the list of Starred Questions for 17th March, 1969 be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the pay of Shrimati Amarjit Kaur Sandhu, former teacher of Community Centre, Panjwar district Amritsar for the period from 31st July, 1967 to 5th October, 1967 was not paid to her till 28th February, 1970 ; if so, the reasons therefor ;

(b) the date on which the appointment of the teacher mentioned in part (a) above was made in the Community Centre of Serai Naga ;

(c) whether it is a fact that the orders for the transfer of Shrimati Sudarshan Kumari from Panjwar Centre to Sarai Naga Centre were not carried out and her transfer orders were cancelled after 18 days and she was again posted at Panjwar ; if so, the reasons therefor ;

(d) the number of students on roll in the Community Centre, Panjwar, as on 31st July, 1967 and as on the day when Shrimati Amarjit Kaur was posted in the said Centre as additional hand ;

(e) the average daily attendance of the students in the Panjwar Centre from 31st July, 1967 to 5th October, 1967 ; if the said average was equal to that as on 31st July, 1967, the reasons for which Shrimati Amarjit Kaur was posted there as additional hand ?

Minister for Social Welfare : (a) Yes, Smt. Amarjit Kaur Sandhu Ex-Lady Social Worker Community Centre Panjwar was not paid her arrears from 31st July, 1967 to 5th October, 1967. The arrear bill was sent to the Accountant-General, Punjab for pre-audit who returned the bill with some objections on 30th January, 1970. The bill has again been sent to the Accountant-General, Punjab for pre-audit after removing the objections on 13th March, 1970.

(b) 31st July, 1967 forenoon.

(c) Yes, the orders for the transfer of Smt. Sudarshan Kumari from Panjwar Centre to Sarai Naga Centre were not carried out because her transfer orders were cancelled under the orders of the then Welfare Minister, Punjab.

(d) Attendance on 31st July, 1967—

(i) Balwari Class 27, (ii) Tailoring Class 26. Attendance when (17th August, 1967) she was posted as an additional Lady Social Worker.

(i) Balwari Class	..	20
(ii) Tailoring	..	20

(e) Daily average attendance from 31st July, 1967 to 5th October, 1967 is as under:

(i) Balwari Class	..	17
(ii) Tailoring Class	..	22

She was posted as an additional Lady Social Worker under the orders of the then Welfare Minister.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ। ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਅਮਰਜੀਤ ਕੌਰ ਸਾਬਕਾ ਸਮਾਜ ਸੇਵਕਾ ਦਾ ਮਿਤੀ 31 ਜੁਲਾਈ, 1967 ਤੋਂ 5 ਅਕਤੂਬਰ, 1967 ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਦਾ ਏਰੀਅਰ ਬਿਲ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਭਲਾਈ ਅਫਸਰ, ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਨੇ ਮਹਾਂ ਲੇਖਾਕਾਰ ਨੂੰ ਪ੍ਰੀਆਡਿਟ ਲਈ ਭੇਜਿਆ ਸੀ ਜੋ ਇਤਰਾਜ਼ ਲਗਾ ਕੇ ਮਿਤੀ 30 ਜਨਵਰੀ, 1970 ਨੂੰ ਮਹਾਂ ਲੇਖਾਕਾਰ ਪਾਸੋਂ ਮੁੜ ਆਇਆ ਸੀ। ਕਰਮਚਾਰੀ ਆਰਜ਼ੀ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਤੇ ਉਹਦੀ ਸੇਵਾ ਪੱਤਰੀ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਮਹਾਂ ਲੇਖਾਕਾਰ ਦੇ ਇਤਰਾਜ਼ ਦੂਰ ਕਰਕੇ ਫ਼ਿਰ ਬਿਲ ਪ੍ਰੀਆਡਿਟ ਲਈ ਮਿਤੀ 13 ਮਾਰਚ, 1970 ਨੂੰ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ ਸੀ।

(ਅ) ਮਿਤੀ 31 ਜੁਲਾਈ, 1967 ਦੁਪਹਿਰ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ।

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ। ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਸੁਦਰਸ਼ਨ ਕੁਮਾਰੀ ਦੀ ਤਬਦੀਲੀ ਸਮਾਜ ਕਲਿਆਣ ਕੇਂਦਰ ਪੰਜਵੜ ਤੋਂ ਸਰਾਏਨਾਗਾ ਉਸ ਵੇਲੇ ਦੇ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਦੇ ਹੁਕਮ ਨਾਲ ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਸੀ ਤੇ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਅਮਰਜੀਤ ਕੌਰ ਨੂੰ ਸਮਾਜ ਕਲਿਆਣ ਕੇਂਦਰ ਪੰਜਵੜ ਵਿੱਚ ਵਾਧੂ ਸਮਾਜ ਸੇਵਕਾ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਨੀਯਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ।

(ਸ) 31 ਜੁਲਾਈ, 1967 ਨੂੰ ਹਾਜ਼ਰੀ

ਬਾਲਵਾੜੀ ਕਲਾਸ--27
ਸਲਾਈ ਤੇ ਕਢਾਈ ਦੀ ਕਲਾਸ--26
ਜਿਸ ਵੇਲੇ (17-8-67) ਵਾਧੂ ਸਮਾਜ ਸੇਵਕਾ ਨੀਯਤ ਹੋਈ:—
ਬਾਲਵਾੜੀ ਕਲਾਸ--20
ਸਲਾਈ ਤੇ ਕਢਾਈ ਦੀ ਕਲਾਸ--20

(ਹ) 31 ਜੁਲਾਈ, 1967 ਤੋਂ 5 ਅਕਤੂਬਰ, 1967 ਤਕ ਦੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਔਸਤ ਹਾਜ਼ਰੀ:—

ਬਾਲਵਾੜੀ ਕਲਾਸ—17
ਸਲਾਈ ਤੇ ਕਢਾਈ ਕਲਾਸ—22

ਉਸ ਵੇਲੇ ਦੇ ਸਮਾਜ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਦੇ ਹੁਕਮ ਨਾਲ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ।]

Building of Government Higher Secondary School, Tanda, district Hoshiarpur.

***1745. Doctor Amir Singh Kalkat** : Will the Minister for Education be pleased to state:—

(a) whether it is a fact that the Municipal Committee , Tanda, had donated Rs. 10,000 and 24 kanals of land for the construction of the building of the Government Higher Secondary School, Tanda, district Hoshiarpur ;

(b) whether it is a fact that the proposed building was to be completed in 1969-70 ; if so, whether the same has been completed ; if not, the reasons therefor and the time by which the said building is likely to be completed ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ, 10,000 ਰੁਪਏ ਅਤੇ 25 ਸਟੈਂਡਰਡ ਕਨਾਲ ਤੇ 14 ਮਰਲੇ ਜ਼ਮੀਨ ਸਥਾਨਿਕ ਸਰਕਾਰੀ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਲਈ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ । ਪ੍ਰੰਤੂ ਸਕੂਲ ਦੀ ਨਵੀਂ ਇਮਾਰਤ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਚਾਲੂ ਵਿੱਤੀ ਸਾਲ ਵਿਚ ਇਕ ਲਖ ਰੁਪਏ ਖਰਚ ਕਰਨ ਦੀ ਸਰਕਾਰੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਜਾਰੀ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ।

Tractors allotted to the Zamindars for Agricultural purposes.

***1866. Chaudhri Satya Dev** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) whether Government allotted some tractors to the Zamindars in the State for agricultural purposes during the period from 1st January, 1970 to date ; if so, the particulars of the tractors and their make ;

(b) the names and full addresses of the persons who were allotted these tractors ;

(c) the manner in which the said tractors were allotted and by whom ?

Minister for Agriculture : (a) (i) Yes.

(ii) DT-14-B (USSR)	..	21 Nos.
Zetor (2011) (Czechoslovakia)	..	9 Nos.
RSO9 (GDR)	..	24 Nos.

(b) Annexure "A", "B" and "C" are enclosed.

(c) The criteria fixed for the allotment of tractors out of priority of 5% of the imported tractors, in so far as individual farmers are concerned, is as under :

(i) The applicant must have atleast 10 acres of land for a tractor below 25 HP and 20 acres of land for a tractor of 30-35 HP and 30 acres of land for a tractor of 45-50 HP ;

(ii) He should not have purchased a tractor during the last four years.

(iii) He should agree not to sell or take the tractor out of the State of Punjab for a period of two years.

(iv) He should also deposit an amount of Rs 1,000 security and give an undertaking that in the event of his non-fulfilment of the above conditions the Corporation shall have the right to forefeit this amount.

(v) The tractor will be used only for *bona-fide*, agricultural purposes.

Allotments were made by the Chief Minister, Punjab.

ANNEXURE "A"

Names and full addresses of the persons to whom DT 14-B Tractors have been allotted by Government, during the period from 1st January, 1970 to 25th March, 1970.

Serial No.	Names and addresses of the persons.
1	Dr. Pritam Singh, Director Health Service, Union Territory, Chandigarh.
2	Shri Joginder Singh, son of Shri Kartar Singh, Village Bhaganwali, P. O. Dhuri, tehsil Malerkotla, district Sangrur.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

Serial No.	Names and addresses of the persons.
3	Major Singh, Personal Secretary (Political), Chief Minister, Punjab.
4	Shri Ram Dev, M.L.A., Nangal.
5	Shri Ajit Singh son of Shri Hardit Singh, Village Behram, tehsil Nawanshahar, district Jullundur.
6	Shri Phuman Singh son of Shri Amar Singh, Village Palikehani, P. O. Rajpura, district Patiala.
7	Shri Amarjeet Singh Sidhu, H. No. 579, Sector 10-D, Chandigarh.
8	Shri Harbans Singh, M.A., son of Shri Ajaib Singh, Village Kala Nangal, P. O. Bhular, tehsil Batala, district Gurdaspur.
9	Shri Harsharan Singh Mann, Village Akalkhanna, district Ferozepur.
10	Shri Gurdas Singh son of Shri Gurdial Singh, Village Abalkhurana, district Ferozepur.
11	Shri Kartar Singh Sidhu son of Shri Gurdit Singh, Village Baroondi, district Ludhiana.
12	Shri Pritam Singh. son of Shri Paul Singh, Village and P. O. Sarin, tehsil Nakodar, district Jullundur.
13	Shri Baldev Singh son of Shri Ajmer Singh son of Shri Amar Singh, Tehsil Muktsar, village Mahanbandar, district Ferozepur.
14	Shri Harinder Singh son of Shri Bakhtawar Singh, Village Dhanaula Khurad, district Sangrur, P. O. Handiaya, tehsil Barnala
15	Shri Balbir Singh son of Shri Balwant Singh, Bar-at-Law, Village and P. O. Narangwal, district Ludhiana.
16	Shri Mohan Singh Toor, Village and P. O. Toor, district Amritsar.
17	Major General Satinder Singh, Headquarters, II Corps, C/o 56 A. P. O.
18	Shri Gurmeet Singh, Chief Parliamentary Secretary, Punjab, Chandigarh.
19	Shri Joginder Singh son of Shri Harnam Singh, Village Alipurarian, district Patiala.
20	Shri Dhanwant Singh son of Shri Karam Singh Grewal, Village Rumana Alwel Singh, tehsil Faridkot, district Bhatinda.
21	Shri Jarnail Singh son of Shri Jagir Singh, Village Bhagwan Pur Jattan, P. O. Dhudhan, tehsil and district Patiala.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ANNEXURE "B"

Names and full addresses of the persons to whom Zetor-2011 Tractors have been allotted by Government during the period from 1st January, 1970 to 25th March, 1970.

Serial No.	Names and addresses of the persons
1	Shri Ajit Singh, 238, Sector 16, Chandigarh.
2	Shri Jaswant Singh, Village Landhara, tehsil Samrala, district Ludhiana.
3	Shri Bakhtawar Singh, Village Hanskalan, district Ludhiana.
4	S. Sudagar Singh Uraf Sadhu Singh, Village Manooke, tehsil Jagraon, district Ludhiana.
5	Shri Gurdev Singh Gill, Secretary, Land Development and Steel Corporation, Chandigarh.
6	Shri Satnam Singh, Bajwa, State Minister, Finance and Forests, Punjab, Chandigarh.
7	Shri Lal Singh, Village Timberwal, tehsil and district Ludhiana.
8	Shri Stajeet Singh, Foolka son of Shri Gurdeet Singh, Ramgarh Sardar, district Ludhiana.
9	Captain T. S. Shergill, The Presidents Body Guard, Rashtarpati Bhavan, New Delhi-4.

ANNEXURE "C"

Names and full addresses of the persons to whom RS—49 Tractors have been allotted by Government during the period from 1st January, 1970 to 25th March, 1970.

Serial No.	Names and addresses of the persons.
1	Inspector-General, Forest Department, Punjab, Chandigarh.
2	Shri Bhagel Singh, Village Jhakraundhi, district Ludhiana.
3	Principal, Police Training College, Phillaur.
4	Shri Pala Singh son of Shri Harnam Singh, Village and P. O. Mannake, tehsil Jagraon, district Ludhiana.
5	Lakshami Parkash Bata C/o Diwan Basheshawar Nath Advocate, Village Balochak, P. O. Begowal, district Kapurthala.

Origi l with;
Punj Vidhan Sabha
Digit d by;
Panja

Serial No.	Names and addresses of the persons.
6	Shri Dharam Singh son of Shri Khushal Singh, Shri Paramjit Singh, son of Shri Kartar Singh, Village Balochak, P. O. Begowal, district Kapurthala.
7	Shri Amarjit Singh, Deputy Registrar, Co-operative Societies, Patiala Division, Patiala.
8	President, Municipality, Jalalabad West, district Ferozepur.
9	Shri Vir Singh Cheema. Village Singowal, tehsil and district Gurdaspur.
10	Shri Beant Singh, C/o Shri Harcharan Singh Hudiara. Village Rangarh, tehsil Taran Taran, district Amritsar.
11	Shri Harcharan Singh Hudiara, Village Badian, tehsil Muktsar, district Ferozepur.
12	Shri Bahadur Singh son of Shri Bakhtawar Singh. Village and P. O. Ladhra, tehsil Samrala, district Ludhiana.
13	Shri Hari Singh, M.L.A., Village Budala, district Amritsar.
14	Shri Jit Singh Sandhu son of Shri Sham Singh Sandhu, Village Sakanwali, district Ferozepur.
15	Shri Jagir Singh, S.G.P.C., Urmur Colony, Hoshiarpur.
16	Secretary, Municipality, Guru Har Sahai, district Ferozepur.
17	Shri Sikandar Singh, Vice-President, Bala Joint Farming Co-operative Society Ltd., Nasirpur Farm, P. O. (Punjabi University), district Patiala.
18	Shri Gurdial Singh Mann. Gurdwara Parbhandhak Committee, Chhirata Sahib, district Amritsar.
19	Shri Darshan Singh, K.P. M.L.A., House No. 310, Model Town, Jullundur.
20	Shri Raghbir Dayal Bahadur, son of Late R. B. Devi Ditta Mal, Kanoogo Street, Pathankot.
21	Shri Krishan Kumar son of Shri Bishemwar Dass, C/o M/s Mohan Cloth House, Main Bazar, Pathankot.
22	Shri Awatar Singh, Executive Engineer, Bist Doab Division, Jullundur City.
23	President, Municipality, Samrala (Ludhiana).
24	Shri Amar Singh son of Shri Rallan Singh, Village Jannowalkal, tehsil Samrala, district Ludhiana.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Dig[redacted]d by;
Panjab Digital Library

Prizes for recovery of Loans advanced to various Cooperative Societies

***1258. Comrade Dana Ram** : Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) whether the Co-operative Department has announced any prizes to be awarded to the officials of the Department for efficient work to recover the loans advanced to the members of various Co-operative Societies in the State ;

(b) whether the Government is aware of the fact that this recovery performance is shown on paper only ;

(c) the total amount of prizes given in the State for the purpose so far ?

Sardar Sarjit Singh (Minister of State for Co-operation and Civil Aviation):— (a) : Yes, in respect of the recoveries made in the year 1969.

(b) No. Although, a few instances of irregular recovery came to notice of the Government.

(c) Total amount of prizes is Rs 1,08,244.

[(ੳ) ਹਾਂ, ਇਹ ਸਾਲ 1969 ਵਿੱਚ ਵਸੂਲੀ ਕਰਨ ਦੇ ਸੰਬੰਧ ਵਿੱਚ ਹਨ ।

(ਅ) ਨਹੀਂ, ਹਾਲਾਂ ਕਿ ਬਕਾਇਦਾ ਵਸੂਲੀ ਦੀਆਂ ਕੁੱਝ ਘਟਨਾਵਾਂ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵੇਖਣ ਵਿੱਚ ਆਈਆਂ ਹਨ ।

(ੲ) ਕੁਲ ਰਕਮ 1,08,244 ਰੁਪਏ ਹੈ ।]

Promotion of Masters belonging to Provincialised Cadre

***1466. Comrade Darshan Singh Jhabal** : Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) the total number of Masters belonging to the provincialised Cadre in the State after 1st November, 1966 ;

(b) the number of Post-graduate Masters of each subject among those referred to in part (a) above of the period prior to 1st November, 1966 ;

(c) the number of masters subject -wise out of those referred to above who have been promoted as Lecturers ?

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ :

(ਏ) 345

(ਬੀ) ਵਿਸ਼ੇਵਾਰ ਵੇਰਵਾ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹੈ :

1. ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ	...	3
2. ਹਿੰਦੀ	...	4
3. ਪੰਜਾਬੀ	...	21

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

4. ਹਿਸਟਰੀ	...	68
5. ਸਿਵਿਕਸ	...	9
6. ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ (ਐਮ. ਏ. ਐਮ. ਐਡ)	...	3
7. ਇਕਨਾਮਿਕਸ	...	7
8. ਬਾਇਲੋਜੀ	...	3
ਜੋੜ	...	118

(ਜੀ) 1. ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ	...	3
2. ਹਿੰਦੀ	...	4
3. ਪੰਜਾਬੀ	...	11
4. ਹਿਸਟਰੀ	...	16
5. ਸਿਵਿਕਸ	...	7
6. ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ (ਐਮ. ਏ. ਐਮ. ਐਡ.)	...	3
7. ਇਕਨਾਮਿਕਸ	...	6
8. ਬਾਇਲੋਜੀ	...	3
ਜੋੜ	...	53

Enquiry against the Management of Arya Girls High School, Morinda, District Ropar

*1795. **Sardar Umrao Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether any enquiry was made by the Circle Education Officer, Patiala Range, Nabha, against the Management of the Arya Girls High School, Morinda, district Ropar, on 9th February, 1970; if so, a copy of his report be laid on the Table of the House ;

(b) whether the Government has taken any action, against the Manager or any other member of the Committee of the said school on the basis of the report ; if so, the details thereof ; if not, the reasons therefor ?

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ : (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ, ਪਰੰਤੂ ਪੜਤਾਲ ਪੂਰਨ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੀ। ਕਈ ਦੋਸ਼ਾਂ ਬਾਰੇ ਅਜੇ ਪੜਤਾਲ ਕਰਵਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ

(ਬੀ) ਹਾਲ ਦੀ ਘੜੀ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Promotion of Assistant Director, Examination, from P.E.S., Class II to P.E.S., Class I

*1796. **Sardar Umrao Singh** : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether it is a fact that in pursuance of the directive issued by the Government of India, Ministry of Home Affairs, under their letter No. 17/4/60-SR(S), dated the 18th April, 1965, it was made binding up on the State Government that promotions made before the 27th February, 1961, on the basis of provisional gradation list, shall not be disturbed ;

(b) whether it is also a fact that the directive referred to in part (a) above does not include in its purview such cases where reversion has been made as a result of the officers/officials having not justified their promotions to higher grades were thus reduced to their substantive ranks ;

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, the circumstances under which the present Assistant Director, Examination, has been promoted from P.E.S. II to P.E.S.I. ?

Sardar Surjit Singh : (a)&(b) The Government of India, while protecting the promotions made before 27th February, 1961, on the basis of the provisional gradation list, added that the decision was without prejudice to the principle of promotion on merit where applicable.

(c) The present Assistant Director (Examinations) who had been promoted to PES, Class I on 4th October, 1960 and had not yet been confirmed, was reverted to PES, Class II on 29th April, 1964, because of complaints against him. He challenged his reversion in the High Court and the case was decided in his favour by a single bench. On a Latters Patent Appeal filed by the State Government the division bench upheld the orders of the State Government with the observation that the petitioner may be considered for promotion against a future vacancy if he shows better promise. He was, accordingly, again promoted to P.E.S., Class I on 20th August, 1969. On an appeal by the Assistant Director (Examinations), the Supreme Court has quashed the orders of reversion with the result that he has to be assigned the position he was holding before his reversion in 1964.

[(ੳ) ਅਤੇ (ਅ) ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮਿਤੀ 27 ਫਰਵਰੀ, 1961 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦੀਆਂ ਆਰਜ਼ੀ ਅਹੁਦਾ-ਕ੍ਰਮ-ਸੂਚੀ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਕੀਤੀਆਂ ਤਰੱਕੀਆਂ ਨੂੰ ਸੁਰਖਿਅਤ ਕਰਦਿਆਂ ਹੋਰ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਯੋਗਤਾ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਤਰੱਕੀ ਦੇਣ ਦੇ ਅਸੂਲ ਉਤੇ, ਜਿਥੇ ਕਿਧਰੇ ਵੀ ਲਾਗੂ ਹੋਵੇ, ਕੋਈ ਅਸਰ ਨਹੀਂ ਪਵੇਗਾ।

(ੲ) ਹੁਣ ਦੇ ਸਹਾਇਕ ਡਾਇਰੈਕਟਰ (ਪ੍ਰੀਖਿਆਵਾਂ) ਨੂੰ ਜਿਸ ਨੂੰ ਕਿ ਮਿਤੀ 4 ਅਕਤੂਬਰ, 1960 ਤੋਂ ਪੀ. ਈ. ਐਸ., ਦਰਜਾ I ਵਿੱਚ ਤਰੱਕੀ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਸੀ, ਅਤੇ ਜੋ ਕਿ ਅਜੇ ਤਕ ਪੱਕਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ, ਮਿਤੀ 29 ਅਪਰੈਲ, 1964 ਨੂੰ ਉਸ ਵਿਰੁਧ ਹੋਈਆਂ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਪੂਰਵ ਅਹੁਦੇ ਪੀ. ਈ. ਐਸ., ਕਲਾਸ II, ਤੇ ਰੀਵਰਟ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਉਸ ਨੇ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਰੀਵਰਸ਼ਨ ਦੇ ਹੁਕਮ ਨੂੰ ਚੈਲੰਜ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਸਿੰਗਲ ਬੈਂਚ ਨੇ ਕੇਸ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਉਸ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿੱਚ ਦੇ ਦਿੱਤਾ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਫਾਈਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਲੈਟਰਜ਼ ਪੇਟੰਟ ਅਪੀਲ ਤੇ ਡਵੀਜ਼ਨ ਬੈਂਚ ਨੇ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਹੁਕਮਾਂ ਦੀ ਇਸ ਪ੍ਰੋਖਣ ਨਾਲ ਪ੍ਰੋੜਤਾ ਕੀਤੀ ਕਿ ਜੇ ਉਜ਼ਰਦਾਰ ਆਪਣੇ ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਪ੍ਰਗਤੀ ਵਿਖਾਵੇ ਤਾਂ ਅਗੋਂ ਲਈ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਖਾਲੀ ਆਸਾਮੀ ਤੇ ਉਸ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਦੇ ਕੇਸ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰ ਲਈ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਅਨੁਸਾਰ ਮਿਤੀ 20 ਅਗਸਤ, 1969 ਨੂੰ ਉਸ ਨੂੰ ਫੇਰ ਪੀ. ਈ. ਐਸ., ਦਰਜਾ I, ਵਿੱਚ ਤਰੱਕੀ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਗਈ। ਸਹਾਇਕ ਡਾਇਰੈਕਟਰ (ਪ੍ਰੀਖਿਆਵਾਂ) ਦੀ ਅਪੀਲ ਤੇ, ਸੁਪਰੀਮ ਕੋਰਟ ਨੇ ਉਸ ਦੀ ਰੀਵਰਸ਼ਨ ਦੇ ਹੁਕਮਾਂ ਨੂੰ ਮਨਸੂਖ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਸਿੱਟੇ ਵਜੋਂ ਉਸ ਨੂੰ ਉਹੀ ਅਹੁਦਾ ਦੇਣਾ ਪਿਆ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਉਸ ਕੋਲ 1964 ਵਿੱਚ ਰੀਵਰਸ਼ਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸੀ।

Industrial Loans

*1811. **Chaudhri Satya Dev**: Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the amount of industrial loans advanced in the State, District-wise, during the period from 1st April, 1969, upto-date;

(b) the number of loanees, District-wise, who were advanced the said industrial loans;

(c) the number, names and full addresses of loanees of District Ferozepur who were advanced industrial loans during the current year 1969-70 (up-to-date) together with the amount advanced in each case;

(d) the names and full addresses of the persons of District Ferozepur who were not able to get the said loans during the period mentioned in part (c) above?

Shri Balram Dass Tandon: (a) and (b) A statement giving information is laid on the Table of the House.

(c) and (d) Industrial loans amounting to Rs 5,85,000 were advanced to 157 parties during the period in question in District Ferozepur 193 parties of this District could not be advanced loans during the said period for want of funds. It would not be in public interest to disclose the names and addresses of the said parties.

STATEMENT

Serial No.	Name of the District	Number of Loanees who were advanced loans	Amount of loans advanced
			Rs
1	Jullundur	286	10,56,450
2	Kapurthala	52	1,75,000

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja[redacted]gital Library

Serial No.	Name of the District		Number of Loanees who were advanced loans	Amount of loans advanced
				Rs
3	Ferozepur		157	5,85,000
4	Batala (Gurdaspur)	..	128	4,61,000
5	Bhatinda	..	187	6,17,000
6	Hoshiarpur	..	186	5,50,000
7	Patiala	..	202	7,96,100
8	Ludhiana	..	397	21,66,300
9	Amritsar	..	260	13,40,900
10	Rupar	..	166	5,03,450
11	Malerkotla (Sangrur)	..	131	3,77,500

Completion of Power House of Zira Sub-Division in Ferozepur District

*1812. **Sardar Mehtab Singh Dhillon** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the time by which the Power House of Zira Sub-Division in District Ferozepur is likely to be completed;
(b) whether he is aware of the fact that the supply of electricity remains suspended for 3½ days in a week in Zira area and for remaining; 3½ days a great deal of tripping takes place and the energy is continuously in short supply ;
(c) whether the Government is aware of the general complaint of the people of the said area that the electricity staff does not care to remove the defects when the supply of energy is interrupted, if so, whether any enquiry is proposed to be held in this regard ?

Sardar Sohan Singh Bassi : (a) No Power House in Zira Sub-Division in District Ferozepur is being constructed but a 33 KV Sub-Station is under construction and is likely to be completed during, 1971.

(b) Three phase supply in rural area around Zira was given on alternative days but the two phase supply for general consumption was given throughout 24 hours every day. The restrictions on three phase supply had to be imposed due to the acute shortage of power and over loading of the system in this region.

(c) No. Question does not arise.

[(ੳ) ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਦੀ ਸਬ-ਡਵੀਜ਼ਨ ਜ਼ੀਰਾ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਬਿਜਲੀ ਘਰ ਨਹੀਂ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਪਰ ਇਕ 33 ਕੇ. ਵੀ. ਸਬ-ਸਟੇਸ਼ਨ ਉਸਾਰੀ ਅਧੀਨ ਹੈ ਜਿਸ ਦੀ ਕਿ ਸਾਲ 1971 ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਣ ਦੀ ਆਸ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

(ਅ) ਜ਼ੀਰੇ ਦੇ ਆਲੇ ਦੁਆਲੇ ਦੇ ਪੇਂਡੂ ਇਲਾਕੇ ਵਿੱਚ ਤਿੰਨ ਪੱਖੀ ਸਪਲਾਈ (ਥਰੀ ਫੇਜ਼ ਸਪ-ਲਾਈ) ਬਦਲਵੇਂ ਦਿਨਾਂ ਤੇ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਸੀ ਪਰ ਆਮ ਖਪਤ ਲਈ ਦੋ ਪੱਖੀ ਸਪਲਾਈ (ਟੂ ਫੇਜ਼ ਸਪਲਾਈ) ਰੋਜ਼ਾਨਾ 24 ਘੰਟੇ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਸੀ। ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਅਤੀ ਕਮੀ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਅਤੇ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਵਿੱਚ ਸਿਸਟਮ ਉਵਰ-ਲੋਡਡ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਤਿੰਨ ਪੱਖੀ ਸਪਲਾਈ (ਥਰੀ ਫੇਜ਼ ਸਪਲਾਈ) ਉਪਰ ਪਾਬੰਦੀਆਂ ਲਾਉਣੀਆਂ ਪਈਆਂ ਸਨ।

(ੲ) ਜੀ ਨਹੀਂ। ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ ।]

Dharamshalas constructed for Harijans in Zira Area of district Ferozepore

*1725. **Sardar Mehtab Singh Dhillon :** Will the Minister for Social Welfare be pleased to state—

(a) the total number of Dharamshalas constructed by the Government for Harijans in the Zira area of district Ferozepore during the year 1969 together with the names of villages where these have been constructed ;

(b) the names of villages in the said area where more Dharamshalas are likely to be constructed during the year 1970 ?

Dr. Bhagat Singh : (a) No Dharamshala has yet been completed. One Dharamshala is being constructed in Zira Area in Village Kishan Pura, tehsil Zira.

(b) Following five Dharamshalas have been approved to be constructed in the said area :—

(1) Mander Kalan, tehsil Zira.

(2) Mananwala, tehsil Zira.

(3) Kot Isa Khan Mahal, tehsil Zira.

(4) Machhian Dakhli.

(5) Mahal, tehsil Zira.

[(ੲ) ਅਜੇ ਕਿਸੇ ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਮੁਕੰਮਲ ਨਹੀਂ ਹੋਈ। ਜ਼ੀਰਾ ਹਲਕਾ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਪਿੰਡ ਕਿਸ਼ਨਪੁਰਾ ਵਿੱਚ ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ।

(ਬੀ) ਹੁਣ ਤਕ ਇਸ ਹਲਕੇ ਵਿਚ ਪੰਜ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਉਸਾਰਨ ਦੀ ਪ੍ਰਵਾਨਗੀ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਚੁਕੀ ਹੈ ਜੋ ਇਸ ਅਨੁਸਾਰ ਹਨ :—

1. ਮੰਦਰ ਕਲਾਂ, ਤਹਿਸੀਲ ਜ਼ੀਰਾ।
2. ਮਾਂਨਾ ਵਾਲਾ, ਤਹਿਸੀਲ ਜ਼ੀਰਾ।
3. ਕੋਟ ਈਸੇ ਖਾਂ, ਤਹਿਸੀਲ ਜ਼ੀਰਾ।
4. ਵਸਤੀ ਮਾਛੀਆਂ ਦਾਖਲੀ।
5. ਮਾਹਲਾਂ, ਤਹਿਸੀਲ ਜ਼ੀਰਾ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS

Representation from Association of Ministerial Staff of Subordinate Offices of the Education Department

632. Chaudhri Ram Singh : Will the Minister for Education be pleased to state whether it is a fact that the Association of Ministerial Staff of subordinate offices of the Education Department represented to the Government/Department during the period from January, 1969 to February, 1970, for creating new posts in the ministerial cadre to tone up the work in the subordinate offices/schools ; if so, a copy of the same together with the action, if any, taken thereon be laid on the Table of the House ?

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ : ਹਾਂ ਜੀ, ਮਿਨਿਸਟਰੀਅਲ ਸਟਾਫ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਨੇ ਨਵੀਆਂ ਪੋਸਟਾਂ ਰਚਣ ਵਾਸਤੇ ਮਿਤੀ 25 ਫਰਵਰੀ, 1969 ਨੂੰ ਮੈਮੋਰੈਂਡਮ ਦਿਤਾ ਸੀ ਜਿਸ ਦੀ ਕਾਪੀ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਅਧੀਨ ਦਫਤਰਾਂ ਲਈ ਵਧੀਕ ਨਵੀਆਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਦੀ ਰਚਨਾ ਲਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ, ਅਤੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਜਲਦੀ ਹੀ ਫੈਸਲਾ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ।

Punjab Education Department (Ministerial Staff) Association (Sub-offices), Punjab

Hoshiarpur.
Street No. 11, *Krishna Nagar.*

Memorandum presented to Honourable Dr. G. L. Bakshi, P.E.S. (I), Director of Public Instruction, Punjab, on the visit at Hoshiarpur on 25th February, 1969.

Sir,

The association made so many requests earlier, but it could not have the privilege to meet you. Now your goodself has accorded privilege to the association to place before you genuine demands of the Ministerial staff of the Education Department to whom this association represents—Our demands are placed below in seriatum for favour of your sympathetic consideration at your earliest convenience :—

1. *Creation of posts of Assistants, Head Clerks and Superintendents in Sub-offices.*—The associations submitted memorandum in May, 1968, for the creation of additional staff in sub-offices on the basis of work-load to the Directorate when the D.P.I., Punjab, called the association at Chandigarh on 6th May, 1968. The D.P.I., Punjab, agreed to submit the case for the creation of one post of Assistant in each High, Higher Secondary School and Block Education Offices and post of Superintendent in every college. Consequently the case was submitted to Government by your office for the creation of 758 posts of assistants and superintendents in the Fourth Five-Year Plan, but the case was returned by the Government with some objections and your comments on the earlier recommendations. The case is hanging fire in the Directorate for the last more than three months. The association prays that the case should be perused vigorously for the sanction of the additional posts of the Assistants and Superintendents.

2. *Adjustment of Clerks who secured the qualifications of B.T./B.Ed./M.A. as Masters/Lecturers as is done in the case of Teachers.*—The association is requesting the department for the adjustment of clerks of Education Department who secured the qualifications of B.Ed./B.T./M.A. as Masters/Lecturers on regular basis at par with the teachers, but so far no decision has been arrived at on this genuine demand of the association. It is learnt that the Education Department is regularising the services of un-adjusted B.T. Teachers shortly. So it is prayed that the case of the clerks of Education Department who secured the qualification of B.T./B.Ed./M.A. be considered for regularisation of service at par with the teachers, at an early date and necessary instructions in the field be issued.

3. *Promotions and preparation of gradation list of Ministerial Staff after Reorganisation of States.*—The association is requesting the Directorate time and again for the release of Gradation list of Ministerial Staff after the Re-organisation of State and finalisation of the allocation of employees. But so far this request has not been acceeded to.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

(ii) A large number of supervisory posts of Head Clerks and Assistant Superintendents are lying vacant in the sub-office for the last more than four months and the people at the top who are due for promotion are waiting the promotion order anxiously. Similarly the posts of Assistants are also lying vacant. So it is prayed that the promotion orders aginst all the vacant posts of Head Clerks, Assistant Superintendents, Assistants may kindly be released.

4. *Confirmation.*—A large number of employees having more than three years service are unconfirmed in the department. When the association met the then D.P.I., Punjab and it was told that the orders for the confirmation will be after the final allocation of the employees. Now the allocation of employees has since been finalised. It is prayed that the orders of the confirmation of all the employees, who have completed one year satisfactory service, may kindly be issued within a fortnight.

5. *Anomalies in the grade of Head Clerks* (*Rs* 116/250), *Assistant Superintendents and Head Clerks* (*Rs* 150/300).—It is brought to your kind notice that on the implementation of Pay Commission recommendations a large number of the Supervisory staff of Sub-offices of the Education Department suffered as these main posts exist in this Department. The people with more than 25 years, service have been hard hitted, as the Head Clerk Rs 116—250 and Assistant Superintendent Rs 116/250 *plus* Rs 30 as Special Pay has been equated with the Assistant 'B' Grade and the Head Clerk Rs 150/300 having more than 30 years' of service has been equated with Assistant 'A' Grade. Moreover, the 15 posts of Head Clerks, Rs 116/250, have been equated with the Assistants and thus Supervisory posts have been reduced which are already short and the association is already representing for the creation of more supervisory posts according to dealing hands and branches in sub-offices. So it is prayed that these all existing posts of :—

(1) Head Clerks, Rs 150/300	..	22
(2) Assistant Superintendents, Rs 116/250 *plus* Rs 30 as Special Pay		12
(3) Head Clerks, Rs 116/250	..	15

may be got converted into he posts of Deputy Superintendent in the grade of Rs 200—450 *plus* Rs 50.

(Sd.) ...,
Secretary.

(Sd.) ...,
President.

Temporary/Permanent posts of J.B.Ts, Masters, Lecturers, etc., as on 1st November, 1966 and 1st March, 1970

633. Chaudhri Ram Singh : Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) the districtwise details for temporary and permanent posts of J.B.T.s, Classical and Vernacular Cadre, Masters, Mistresses, Lecturers in the School Cadre, Headmasters and Principals in the State as on 1st November, 1966 and 1st March, 1970, separately, for men and women;

(b) the details of the posts referred to in part (a) above which were permanently filled on 1st November, 1966 and 1st March, 1970;

(c) the reasons for not filling up the said posts on regular basis in each case for each cadre ;

(d) the details of teachers who were confirmed against the posts that existed on 1st November, 1966 and 1st March, 1970, districtwise and cadrewise, separately, for men and women ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ : (ੲ) 1-11-66

ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕ/ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕਾ				ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ				ਲੈਕਚਰਾਰ				ਮਾਸਟਰ/ਮਿਸਟਰੈਸਾਂ			
ਪੁਰਸ਼		ਇਸਤਰੀ		ਪੁਰਸ਼		ਇਸਤਰੀ		ਪੁਰਸ਼		ਇਸਤਰੀ		ਪੁਰਸ਼		ਇਸਤਰੀ	
ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ
141	187	80	48	14	58	12	39	...	456	...	297	2,195	1,801	1,171	1,374

ਨੋਟ :—ਸਟੇਟ ਕਾਡਰ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਵਾਰ ਵੰਡ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ।

ਸੀ. ਤੇ ਵੀ.				ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ.			
ਪੁਰਸ਼		ਇਸਤਰੀਆਂ		ਪੁਰਸ਼		ਇਸਤਰੀਆਂ	
ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

ਜਲੰਧਰ	...	202	267	91	89	1,726	749	893	376
ਲੁਧਿਆਣਾ	...	371	184	121	95	1,526	518	1,152	325
ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	...	472	236	97	73	1,760	1,177	1,022	281
ਕਪੂਰਥਲਾ	...	146	42	40	32	589	209	229	100
ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	...	439	181	161	107	1,666	1,168	1,217	326
ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	...	293	236	142	102	1,177	905	833	289
ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	...	263	193	83	50	1,363	799	754	230
ਪਟਿਆਲਾ	...	367	221	139	65	1,135	808	640	136
ਰੋਪੜ	...	84	60	51	49	518	290	28[illegible]	102
ਬਠਿੰਡਾ	...	273	185	154	49	933	766	370	139
ਸੰਗਰੂਰ	...	289	238	153	90	861	183	584	169

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1-3-70

ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕ/ ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕਾ				ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ				ਲੈਕਚਰਾਰ				ਮਾਸਟਰ/ਮਿਸਟਰੈਸ			
ਪੁਰਸ਼		ਇਸਤਰੀ		ਪੁਰਸ਼		ਇਸਤਰੀ		ਪੁਰਸ਼		ਇਸਤਰੀ		ਪੁਰਸ਼		ਇਸਤਰੀ	
ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ
14	55	12	29	141	313	80	84	...	917	...	575	2,195	2,000	1,171	1,473

ਨੋਟ .—ਸਟੇਟ ਕਾਡਰ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾਵਾਰ ਵੰਡ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ।

	ਸੀ. ਅਤੇ. ਵੀ				ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ.			
— —	ਪੁਰਸ਼		ਇਸਤਰੀਆਂ		ਪੁਰਸ਼		ਇਸਤਰੀਆਂ	
	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ	ਪ	ਕ

ਜਲੰਧਰ	...	202	267	91	89	1,726	749	893	376
ਲੁਧਿਆਣਾ	...	371	184	121	95	1,526	518	1,152	325
ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	...	472	236	97	73	1,760	1,177	1,022	281
ਕਪੂਰਥਲਾ	...	146	82	40	32	589	209	229	100
ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	...	439	181	161	107	1,666	1,168	1,217	326
ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	...	293	236	142	102	1,177	905	833	289
ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	...	263	193	88	50	1,363	799	754	230
ਪਟਿਆਲਾ	...	367	221	139	65	1,135	808	640	136
ਰੋਪੜ	...	84	60	51	49	518	290	280	102
ਬਠਿੰਡਾ	...	273	185	154	49	933	766	370	139
ਸੰਗਰੂਰ	...	289	238	153	90	861	183	584	169

ਨੋਟ.—1 ਨਵੰਬਰ, 1966 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ. ਅਤੇ ਸੀ. ਤੇ ਵੀ. ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀਆਂ ਕਿਰੀਏਟ ਹੋਈਆਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੈ:

ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ. = 791
ਸੀ. ਅਤੇ ਵੀ. = 1,240
} ਇਨ੍ਹਾਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਦੀ ਪੁਰਸ਼/ਇਸਤਰੀ ਦੀਆਂ ਤੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾਵਾਰ ਵੰਡ ਕਰਨੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਦਾ ਜੋੜ ਹੀ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ:

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1 ਨਵੰਬਰ, 1966

ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ		ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕ/ ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕਾਵਾਂ		ਲੈਕਚਰਾਰ		ਮਾਸਟਰ/ ਮਿਸਟਰੈਸਾਂ	
ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀਆਂ	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀਆਂ	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀਆਂ	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀਆਂ
70	42	328	97	310	215	3,156	215

ਨੋਟ, — ਸਟੇਟ ਕਾਡਰ ਵਿਚ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਜਿਲ੍ਹਾਵਾਰ ਵੰਡ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ।

	ਸੀ. ਤੇ ਵੀ.		ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ.	
	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀਆਂ	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀਆਂ
ਜਲੰਧਰ ...	279	145	2,314	1,050
ਲੁਧਿਆਣਾ ...	444	176	1,820	1,598
ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ...	527	252	2,558	1,294
ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ...	611	80	2,702	1,143
ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ...	323	79	1,934	881
ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ...	305	82	1,767	928
ਰੋਪੜ ...	140	71	802	499
ਸੰਗਰੂਰ ...	445	241	1,336	749
ਪਟਿਆਲਾ ...	287	179	1,656	549
ਬਠਿੰਡਾ ...	319	63	1,607	5,789
ਕਪੂਰਥਲਾ ...	165	65	680	299

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1 ਮਾਰਚ, 1970

ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ		ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕ/ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕਾਵਾਂ		ਲੈਕਚਰਾਰ		ਮਾਸਟਰ/ਮਿਸਟਰੈਸਾਂ	
ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀਆਂ	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀਆਂ	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀਆਂ	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀਆਂ
66	39	436	105	651	326	3,750	1,271

ਨੋਟ:—ਸਟੇਟ ਕਾਡਰ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾਵਾਰ ਵੰਡ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ।

	ਸੀ. ਤੇ. ਵੀ.		ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ.	
	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀਆਂ	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀਆਂ
ਜਲੰਧਰ ...	287	148	2,396	1,176
ਲੁਧਿਆਣਾ ...	422	175	2,057	1,686
ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ...	477	240	2,426	1,210
ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ...	611	80	2,702	1,143
ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ...	328	83	1,961	892
ਰੋਪੜ ...	139	77	939	673
ਸੰਗਰੂਰ ...	343	230	1,403	749
ਪਟਿਆਲਾ ...	500	173	1,686	625
ਬਠਿੰਡਾ ...	358	65	1,622	577
ਕਪੂਰਥਲਾ ...	179	69	738	303
ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ...	319	107	2,387	1,044

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਸੀ) 1 ਨਵੰਬਰ, 1966 ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਚੋਣ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਸੀ। ਆਰਜ਼ੀ ਪਰਬੰਧ ਆਸਾਮੀਆਂ ਨੂੰ ਭਰਨ ਦਾ ਵਿਦਿਅਕ ਹਿੱਤ ਲਈ ਮਹਿਕਮੇਂ ਨੇ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਸੀ। ਹੁਣ ਚੋਣ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ. ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀਆਂ ਲਿਸਟਾਂ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀਆਂ ਚੋਣ ਕਰਕੇ ਰਾਜ ਦੇ ਸਮੂਹ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਭੇਜ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ। ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀਆਂ ਨਿਯੁਕਤੀਆਂ ਹੋ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਮਾਸਟਰਾਂ ਦੀ ਚੋਣ ਦਾ ਕੰਮ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ।

1 ਨਵੰਬਰ, 1966

(ਡੀ)

ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ		ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕ/ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕਾਵਾਂ		ਲੈਕਚਰਾਰ		ਮਾਸਟਰ/ਮਿਸਟਰੈਸਾਂ	
ਪੱਕੇ		ਪੱਕੇ		ਪੱਕੇ		ਪੱਕੇ	
ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀ	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀ	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀ	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀ
14	12	141	80	...	...	2,195	1,171

ਨੋਟ.—ਸਟੇਟ ਕਾਡਰ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਵਾਰ ਵੰਡ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਸੀ।

	ਸੀ. ਤੇ ਵੀ.		ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ.	
	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀ	ਪੁਰਸ਼	ਇਸਤਰੀ
ਜਲੰਧਰ ...	202	91	1,726	893
ਲੁਧਿਆਣਾ ...	371	121	1,523	1,152
ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ...	472	97	1,760	1,022

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਪੂਰਥਲਾ	...	146	40	589	229
ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ		439	161	1,666	1,217
ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	...	293	142	1,177	833
ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	...	263	88	1,363	754
ਪਟਿਆਲਾ	...	367	139	1,133	640
ਰੋਪੜ	...	84	51	518	280
ਬਠਿੰਡਾ	...	273	154	938	370
ਸੰਗਰੂਰ	...	289	153	861	584

ਨੋਟ.—1 ਨਵੰਬਰ, 1966 ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਕਾਡਰ ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਦਾ ਪੱਕੇ ਤੌਰ ਤੇ ਨਾ ਫਿਕਸ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਕੋਈ ਕਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ 1 ਮਾਰਚ, 1970 ਨੂੰ ਵੀ ਉਪਰ ਵਾਲੀ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਹੀ ਬਣਦੀ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Final Re-allocation of Teachers to Punjab

635. Chaudhri Ram Singh : Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) whether it is a fact that a large number of teachers who were provisionally allocated to the States of Haryana and Himachal, have been finally allocated to the State of Punjab;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative the number of such teachers category-wise and districtwise together with their names and present place of posting be laid down on the Table of the House;

(c) whether such teachers as referred to in part (b) above have been paid the arrears due to them after their final allocation to the Punjab ; if so, the number and names of such teachers district-wise and category-wise be placed on the Table of the House;

(d) the number and names of those teachers, who have not been paid their arrears together with the reasons for the non-payment of arrears and the time by which the arrears would be paid?

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ : (ੲ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਬੀ)

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ	ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ	ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕ	ਲੈਕਚਰਾਰ	ਮਾਸਟਰਜ਼	ਮਿਸਟਰੈ-ਸਿਜ਼	ਜੇ.ਬੀ.ਟੀ	ਸੀ. ਵੀ
1	2	3	4	5	6	7	8
(1) ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	1	...	1	14	4	6	4
(2) ਸੰਗਰੂਰ	...	3	...	21	...	36	47
(3) ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	...	1	5	20	1	29	9
(4) ਕਪੂਰਥਲਾ	...	...	...	3	...	...	...
(5) ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	...	5	...	12	3	25	...
(6) ਜਲੰਧਰ	...	1	5	8	6	32	...
(7) ਪਟਿਆਲਾ	2	5	3	27	5	81	36
(8) ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	...	...	2	12	5	26	...
(9) ਬਠਿੰਡਾ	...	...	...	9	15	...	..
(10) ਰੋਪੜ	...	4	...	26	6	177	...
(11) ਲੁਧਿਆਣਾ	...	...	1	3	...	14	5

Origina with;
Punjab idhan Sabha
Digitiz by;
Panjab

ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੁਣ ਦੀ ਨਿਯੁਕਤੀ ਦੀ ਥਾਂ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਕਰਨ ਵਿਚ ਖਰਚ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਸਮੇਂ ਅਤੇ ਮਿਹਨਤਾਂ ਦੇ ਟਾਕਰੇ ਤੇ ਕੋਈ ਵਿਦਿਅਕ ਲਾਭ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ।

(ਸੀ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਜੋ ਪਹਿਲਾਂ ਆਰਜ਼ੀ ਤੌਰ ਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਅਤੇ ਹਿਮਾਚਲ ਨੂੰ ਐਲੋਕੇਟ ਹੋ ਗਏ ਸਨ, ਰੀਵਾਈਜ਼ਡ ਗ੍ਰੇਡ ਦੇਣ ਬਾਰੇ ਮਾਮਲਾ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਸੀ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ 13 ਫਰਵਰੀ, 1970 ਨੂੰ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਦਿਤਾ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਕਰਮਚਾਰੀ ਜੋ ਫਾਈਨਲ ਐਲੋਕੇਸ਼ਨ ਹੋਣ ਤੇ 1 ਨਵੰਬਰ, 1966 ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹਾਜ਼ਰ ਹੋਏ ਸਨ, ਨੂੰ 1 ਨਵੰਬਰ, 1966 ਤੋਂ ਰੀਵਾਈਜ਼ਡ ਗ੍ਰੇਡ ਦਾ ਲਾਭ ਦੇ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਿਛਲਾ ਏਰੀਅਰ ਉਸ ਸਮੇਂ ਦਾ, ਜਿੰਨਾਂ ਚਿਰ ਕਿ ਉਹ ਦੂਜੀ ਸਟੇਟ/ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਅਧੀਨ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਸਨ, ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

ਸਬੰਧਤ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਅਤੇ ਨਾਵਾਂ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਕਰਨ ਵਿਚ ਖਰਚ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਸਮੇਂ ਅਤੇ ਮਿਹਨਤ ਦੇ ਟਾਕਰੇ ਤੇ ਕੋਈ ਵਿਦਿਅਕ ਲਾਭ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ।

(ਡੀ) ਕੋਈ ਨਹੀਂ।

Suspension, etc,. of Non-Gazetted Employees of Technical Education Department, Punjab

636. Sardar Sarup Singh : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state —

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of Technical Education Department, Punjab, have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses, stating the service rendered by each such employee in the department and also the reasons for suspension/reversion/termination of services, as the case may be, be laid on the Table of the House ?

Sardar Jasdev Singh Sandhu (Minister of State for Public Health and Colonization) : (a) It is a fact that some of the non-gazetted employees of Technical Education Department were suspended/reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970.

(b) The district-wise list of such staff together with their present/last place of posting and their permanent addresses together with the service rendered by each employees in the Department and also the reasons for suspension/reversion/termination of services, is enclosed.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

District-wise List of Non-Gazetted Employees of the Technical Education Department who were suspended/reverted/terminated from service during the period from 1st November, 1966 to 28th February, 1970

Serial No.	Name of official	Present/Last place of posting	Permanent Address	Service rendered	Reasons for suspension/reversion/ termination of service
1	2	3	4	5	6
	I. GOVERNMENT POLYTECHNIC, AMRITSAR				
1	Shri Sant Lal, Junior Lecturer ..	..	S/o Shri Atari Ram, c/o Shri Sarwan Singh, I, Street Raghu Majra, Pili Sarak, Patiala	21-1-67 to 12-3-68	Terminated on joining of regular candidate.
2	Shri Jagdish Rai Arora, Demonstrator	..	S/o Shri Moti Ram, c/o Phagu Mal Moti Lal Grain Market, Tarn Taran	2-8-68 to 24-4-69	Ditto
3	Shri Raj Kumar, Demonstrator	..	C/o Shri Kherati Ram, Kher Post Master, Hide Market, Amritsar	12-9-67 to 5-4-68	Terminated as the appointment was made irregularly by the Principal himself without the approval of the Director, Technical Education, Punjab.
4	Shri Manjit Singh, Demonstrator	..	C/o S. Balbir Singh, S.D.O., Electrical No. I, Ram Bagh, Amritsar	11-7-66 to 15-2-68	Terminated on joining of regular candidate.
5	Shri Ujjal Singh, Demonstrator	..	S/o Shri Sunder Singh, village Chuhan, post office Chhajal Waddi, Amritsar	11-8-66 to 8-5-67	Ditto
6	Shri Ravinder Mohan, Demonstrator	..	C/o Shri Bhaskar, Punjab National Bank, Lawerance Road, Amritsar	13-9-67 to 17-1-68	Terminated as the appointment was made irregularly by the Principal himself without the approval of the D.T.E.

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab

7	Shri Kewal Krishan, Demonstrator	..	S/o Shri Hazari Lal, New Basti in Bank Street, Nabha	19-8-67 to 12-3-68	Terminated on joining of regular candidate.
8	Shri Gurbax Singh, Drawing Instructor	..	S/o Shri Bhan Singh, village and post office Gopal Gohalwal (Amritsar)	4-8-67 to 4-7-68	Ditto
9	Shri Mangal Singh, Drawing Instructor	..	C/o Shri Dhani Ram-Kanshi Ram-Muni Lal, Cloth Agents, Krishana Market, Amritsar	15-9-67 to 17-4-68	Terminated on joining of regular candidate.
10	Shri Lakha Singh, Workshop Instructor	..	S/o Shri Khem Singh, village Payalpur, P.C. Mainwind (Amritsar)	23-7-66 to 30-9-69	Services terminated due to reduction in intake.
11	Shri Kartar Singh, Workshop Instructor	..	St. Surjit Singh, Mohalla Gora Khu, Tarn Taran	1-12-66 to 6-5-67	Terminated on joining of regular candidate.
12	Shri Bhupinder Singh, Workshop Instructor	..	S/o Shri Atma Singh, village Aluinpur, post office Tarn Taran	14-8-67 to 13-2-68	Terminated being excess of requirement.
13	Shri Inder Mohan, Workshop Instructor	..	H. No. 866, Jatpura, Nai Abadi, Kapurthala	16-8-67 to 15-5-68	Terminated on joining of regular candidate.
14	Shri Ranbir Singh, Workshop Instructor	..	C/o Bhai Harnam Singh, village and post office Johal Raju Singh, tehsil Tarn Taran, Amritsar	21-1-69 to 13-4-69	Ditto
15	Shri Jagtar Singh, Workshop Instructor	..	Kt. Karam Singh, H. No. 259, Amritsar	1-10-65 to 8-5-67	Ditto
16	Shri Madan Mohan Singh, Head Clerk	..	Tarn Taran (Amritsar)	10-10-60 to date	He is involved in embezzlement case and cheating the students of Government Polytechnic Hoshiarpur. He was placed under suspension on 15th June, 1968, and still under suspension.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of official	Present/Last place of posting	Permanent Address	Service rendered	Reasons for suspension/reversion/ termination of service
1	2	3	4	5	6
17	Shri Ram Paul Diwedi, Clerk	..	Village and post office Bass (Hoshiarpur)	25-4-63 to 8-11-66	He was involved in embezzlement case and was placed under suspension on 10th November, 1965. He was convicted by the Judicial Magistrate and was dismissed from service from 8th November, 1966.
18	Shri Palwinder Pal Singh, Librarian	..	S/o Shri Buta Singh, Plot No. 5253, Punjab Roadways Colony, Islamabad Amritsar	3-10-67 to 2-3-68	Terminated due to unsatisfactory work.
19	Shri Rajeshwar Dass, Librarian	..	H. No. 874, Subash Lane, Islamabad, Amritsar	27-10-66 to 9-6-67	Terminated as he did not possess requisite qualifications.
20	Shri Charan Singh, Peon	..	Village Loharka post office Sialka, district Amritsar	30-8-65 to 8-11-67	His services were terminated due to negligence in discharge of duties and absence from duties and disobeyance orders of superiors.
21	Shri Raghbir Singh, Chowkidar	..	S/o Shri Harnam Singh, village and post office Adaliwal, tehsil Ajnala, Amritsar	22-8-67 to 29-5-69	His services were terminated due to negligence in discharge of duties and disobeying his superiors.
22	Shri Ram Asra, Mali	..	H. No. 63, Mall Road, Amritsar	4-10-66 to 4-2-67	Terminated due to unsatisfactory work and continue absence.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

23	Shri Jai Ram, Mali ..	C/o Shri Gurmikh Singh, Mali, Board Wala Quarter Bag Akali Wala, Amritsar	6-2-67 to 1-5-67	Terminated as found medically unfit
	J.R. GOVERNMENT POLYTECHNIC, HOSHIARPUR			
1	Shri Harjinder Iqbal Singh, Librarian/Demonstrator	Mohalla Tiba Sahib, Hoshiarpur	30-9-67 to 15-1-68	Terminated on joining of regular. candidate.
2	Shri Devinder Singh, Demonstrator ..	Mohalla Karha Toba, Hoshiarpur	16-1-69 to 5-4-69	Ditto
3	Shri Tarlok Singh, Demonstrator ..	Village Pandori Khajoor, post office Mainwal Jattan (Hoshiarpur)	18-4-69 to 7-6-69	Ditto
4	Shri Rajinder Kumar, Drawing Instructor ..	Village and post office Bajwara (Hoshiarpur)	18-4-69 to 4-8-69	Ditto
5	Shri Madan Lal Sethia, Drawing Instructor ..	805, B.W. Parniani Mohalla, Fazilka	2-4-69 to 18-4-69	Ditto
6	Shri Ramesh Pal Bharti, Workshop Instructor (Carpentary) ..	Bharti Bhawan, 429/2, Jandiala Guru (District Amritsar)	1-10-66 to 30-9-69	Services terminated due to reduction in intake.
7	Shri Dharam Pal, Workshop Instructor ..	Committee Bazar, Hoshiarpur	1-7-62 to 14-3-69 Workshop Instructor reverted on 14-3-69	He was not possessing the qualifications prescribed for the post of Workshop Instructor and hence was reverted/appointed to the post of Mechanic.
8	Shri Harpal Singh, Fitter ..	Village and post office Rajpur Gahotan, district Hoshiarpur	1-8-63 to 18-9-68	Terminated on joining of regular candidate.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of official	Present/Last place of posting	Permanent address	Service rendered	Reasons for suspension/reversion/ termination of service
1	2	3	4	5	6
9	Shri Didar Singh, Assistant Hostel Warden	..	Bajwara via Bassi Kalan	21-8-65 to 2-8-67	Terminated due to complaints of misbehaviour carelessness and irresponsibility.
10	Shri S. P. Sharma, Accounts Clerk	..	Bahaderpur, Hoshiarpur	7-6-68 to 1-1-69	Reverted as Storekeeper due to unsatisfactory work.
11	Shri Mohinder Ram, Laboratory Assistant	..	Village Shekhupura, post office Nainowal Jattan, Hoshiarpur	25-1-69 to 27-2-69	Terminated on joining of regular candidate.
12	Shri Kuldip Chand, Laboratory Assistant	..	Quarter No. 592, Mohalla Gopal Nagar, Hoshiarpur	8-3-68 to 23-4-68	He was appointed against leave vacancy and his services were terminated on the termination of leave arrangement.
13	Shri Jagtar Singh, Laboratory Assistant	..	Bassi Bian, tehsil and district Hoshiarpur	25-11-62 to 19-6-69	Terminated on joining of regular candidate.
14	Shri Gurmail Singh, Laboratory Assistant	..	Village Bajwara Khurd, post office Ram Colony Camp, Hoshiarpur	15-5-64 to 25-6-69	Ditto
15	Shri Radhu Ram, Sweeper ..	..	Village and post office Bassi Kalan, district Hoshiarpur	12-9-66 to date	He was taken into Police custody under section 379 I.P.C. and was suspended on 16th January, 1968. He was re-instated on 9th April, 1968

III. GOVERNMENT POLYTECHNIC, GURU TEG BAHADERGARH

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

1	Shri Bikar Singh, Demonstrator	..	S/o Gurbachan Singh, village Virk Khurd, post office Virk Kallan, Bhatinda	12-9-67 to 25-6-68	Terminated on joining of regular candidate.
2	Shri Hartej Singh, Demonstrator	..	S/o Shri Mohinder Singh, village and post office Naudhar, district Ferozepur	21-1-67 to 8-5-67	Terminated due to commencement of summer vacation.
3	Shri Surinder Kumar, Drawing Instructor	..	Nir Cottage, 5, New Town, Moga	24-8-65 to 16-9-67	Terminated on the basis of complaints.
4	Shri Ajmer Singh, P.T.I.	..	Village Langiana Purana, post office Langiana (Ferozepur)	13-9-66 to 8-5-67	Termination due to commencement of summer vacations.
5	Shri Zora Singh, P.T.I.	..	S/o Shri Inder Singh, C/o Gurnam Kaur, Dashmesh Nagar, Moga	9-10-68 to 31-5-69	Terminated as he did not possess requisite qualifications.
6	Shri Sukhdev Singh, Workshop Instructor (Smithy)	..	Village and post office Bhadoon via Malerkotla (Sangrur)	16-5-68 to 30-10-69	Services terminated due to reduction in intake.
7	Shri Mohan Gaur, Workshop Instructor	..	S/o Shri Bhim Chand, village Pai, post office Pahladpur, Kirholi, Rohtak	6-3-65 to 30-4-67	Terminated on joining of regular candidate.
8	Shri Boota Singh, Workshop Instructor	..	S/o Shri Banta Singh Mauja, Ajit Singh, Mohalla Sudrian, Moga	24-8-65 to 17-7-67	Ditto
9	Shri Joginder Singh, Workshop Instructor	..	S/o Shri Swarn Singh, H. No. 378, Model Town, Moga	6-12-67 to 30-9-69	Terminated due to reduction of posts under the expansion scheme.
10	Shri Gurdev Singh, Workshop Instructor	..	S/o Shri Harbans Singh, village and post office Bhutter (Ferozepore)	23-8-67 to 31-3-69	Terminated due to unsatisfactory work.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Punjab Digital Library

Serial No.	Name of official	Present/Last place of posting	Permanent address	Service rendered	Reasons for suspension/reversion/termination of service
1	2	3	4	5	6
11	Shri Mukhtiar Singh, Workshop Instructor	..	S/o Jagir Singh, village Ferozeshaw Ferozepore	9-9-68 to 17-5-69	Terminated being excess of requirement.
12	Shri Rajinder Singh, Workshop Instructor	..	S/o Thakur Singh, 1962, Sector 22-B, Chandigarh	13-9-68 to 22-4-69	Terminated on joining of regular candidate.
13	Shri Jai Pal Sharma, Workshop Instructor	..	Village and post office Pehewa, district Karnal	20-2-65 to 8-6-68	Ditto
14	Shri Tilak Raj, Workshop Instructor	..	S/o Shri Panna Lal Kucha Muslim Ganj, Kasuri Gate, Ferozepore	25-10-67 to 13-5-68	Ditto
15	Shri Darshan Singh, Workshop Instructor	..	C/o Shri Kasturi Lal Garg, Cycle Store Bagapurana, district Ferozepur	27-10-67 to 7-6-68	Terminated due to commencement of summer vacation.
16	Shri Darshan Kumar, Clerk	..	S/o Shri Hari Ram, village Mahana, post office Bhadurpur-Bahiana, district Hoshiarpur	21-7-67 to 31-5-69	Terminated on joining of regular candidate.
17	Shri Gurmakh Singh, Clerk	..	S/o Joban Singh, Majitha, Amritsar	7-12-68 to 6-4-69	Ditto
18	Shrimati Nirmala Devi, Clerk	..	D/o Ram Lal Kochhar Badani Kalan, Ferozepore	21-1-67 to 9-5-67	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

IV. GOVERNMENT JUNIOR TECHNICAL SCHOOL, JULLUNDUR

1	Shri Manjit Singh, Workshop Foreman ..	T 2438, Subhash Nagar Faiz Road, Karol Bag, New Delhi	17-9-66 to 18-9-67	Terminated on joining o f regular candidate.
2	Shri Gulwant Singh, Mechanical Draftsman ..	Village and post office Ramedi (Kapurthala)	6-1-69 to 31-5-69	Terminated on closing down the School by the Government.
3	Shri Sohan Lal, Skilled Workman, Fitting ..	Village Rajawar, tehsil Una (Hoshiarpur)	26-8-65 to 31-5-69	Ditto
4	Shri Jaswant Singh, Workshop Instructor ..	135, W.P. Basti Sheikhan, Jullundur	9-9-65 to 1-6-67	Terminated on the basis of complaints against him.
5	Shri Avtar Singh, Skilled Workman Pattern Making ..	S/o Shri Sant Lal, Ali Mohalla, Jullundur City	7-3-67 to 9-6-67	Terminated on joining of regular candidate.
6	Shri Jayoti Sarup, Skilled Workman, Smithy ..	H. No. 49, Arjan Nagar, Jullundur	18-11-66 to 31-5-69	Terminated due to closing down the School by the Government.
7	Shri Jaswant Chand, Skilled Workman Carpentary ..	Village and post office Nawanshahr Nai Abadi, district Jullundur	19-9-68 to 31-5-69	Ditto
8	Miss Usha Chhabra, Clerk ..	W. M. 247-A, Basti Guzan, Jullundur	18-9-68 to 3-3-69	Ditto
9	Shri Raghubir Singh, Workshop Attendant ..	Village Nurpur Pona, post office and district Kapurthala	20-10-66 to 31-5-69	Ditto
10	Shri Om Parkash, Workshop Attendant ..	Barrack No. 45 6, Bhargo Camp, Jullundur	11-8-67 to 31-5-69	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of official	Present/Last place of posting	Permanent address	Service rendered	Reasons for suspension/reversion/ termination of service
1	2	3	4	5	6
11	Shri Chaman Lal, Workshop Attendant	..	Village and post office Raipur, district Jullundur	10-1-67 to 31-5-69	Terminated due to closing down the School by the Government.
12	Shri Tersem Singh, Workshop Attendant	..	Village and post office Nadala, district Kapurthala	20-10-66 to 31-5-69	Ditto
13	Shri Prem Singh, Workshop Attendant	..	Village and post office Jamsher, district Jullundur	21-11-67 to 31-5-69	Ditto
14	Shri Shiv Dayal, Peon	..	Village and post office Chagitti, district Jullundur	10-1-67 to 31-5-69	Ditto
15	Shri Ram Lal, Peon	..	N. M. 153, Mohalla Karar Khan, Jullundur	6-11-67 to 31-5-69	Ditto
16	Shri Om Parkash, Peon	..	145/7, Bhargo Camp, Jullundur	3-1-67 to 31-5-69	Ditto
17	Shri Jagan Nath, Mali	..	Village Bhuadio, post office Salwan, district Rai Bareilly	1-9-67 to 31-5-69	Ditto
18	Shri Hans Raj, Chowkidar	..	Village and post office Bangala, district Jullundur	7-11-67 to 31-5-69	Ditto
19	Shri Ram Bhadur, Chowkidar	..	Village Chowale Kingra, post office Mangkarai, tehsil and district Jullundur	29-7-67 to 31-5-69	Ditto
20	Shri Sohan Lal, Sweeper	..	..	..	..

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

V. GOVERNMENT POLYTECHNIC, BATALA

1	Shri Gurbant Singh, Drawing Instructor ..	S/o Shri Pritam Singh, Krishana Nagar, Nai Wawadi, Batala	16-9-69 to 9-3-70	Terminated on joining of regular candidate.
2	Shri Faqir Singh, Demonstrator (Mech.) ..	S/o Shri Harbhajan Singh, H. No. 257, Guru Nanak Pura, Quaria, tehsil Batala	12-8-67 to 18-1-68	Ditto
3	Shri Dharambir, Drawing Instructor ..	Sillian Mohalla, Moti Bazar, Batala	3-12-66 to 15-5-68	Terminated due to commencement of summer vacation.
4	Shri Gurdip Singh, Demonstrator (Civil) ..	S/o Shri Hardev Singh, c/o Station House Officer, Fire Brigade, Amritsar	26-8-67 to 16-1-68	Terminated on joining of regular candidate.
5	Shri Inderjit Singh, Drawing Instructor ..	S/o Shri Jai Ram District Jail, Raja Sansi Road, Amritsar	12-8-67 to 10-5-68	Ditto
6	Shri Jatinder Kant, Demonstrator ..	Shri Prem Nath Raj Paul, A.D.F.O. Fire Brigade, Pathankot	13-8-67 to 9-5-68	Ditto
7	Shri Premjit Sarpal, Demonstrator (Electircal) ..	H. No. 2852/67, Chakki Bazar, Batala	8-1-68 to 31-1-68	Ditto
8	Shri Ved Parkash, Drawing Instructor (Mech.) ..	Shri Vishwa Nath near Clock Tower Sirsa (Hissar)	12-8-67 to 9-5-68	Ditto
9	Shri Sucha Nand, Drawing Instructor ..	S/o Shri Boota Ram, village Tung, post office Dhariwal district Gurdaspur	5-10-68 to 30-4-69	Terminated on joining of regular candidate.
10	Shri Hans Raj, Accounts Clerk ..	Village Amroh, Thana Hajipur, tehsil Dasuya	2-2-66 to date	He is involved in embezzlement case and cheating students of Government Polytechnic, Hoshiarpur. He was placed under suspension on 14th June, 1968 and is still under suspension.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of official	Present/Last place of posting	Permanent address	Service rendered	Reasons for suspension/reversion/ termination of service
1	2	3	4	5	6
11	Shri Balbir Singh, Workshop Instructor	..	Village Ladhupura, post office Bhatian, district Gurdaspur	19-8-67 to 11-5-68	Terminated on joining of regular candidate.
12	Shri Kulwant Singh, Workshop Instructor	..	Lineman, C/o P.S.E.B., Batala	1-2-68 to 7-5-68	Ditto
13	Shri Tilak Raj, Workshop Instructor	..	S/o Shri Sat Pal, General Merchant, Jandiala Guru	30-11-67 to 26-12-67	Terminated on joining of regular candidate.
14	Shri Sulaksan Singh, Workshop Instructor	..	Shri Fazir Singh, village Winjan, post office Bhullar Batala	19-11-66 to 28-11-67	Terminated as he was not having the required qualification.
15	Shri Mohinder Singh, P.T.I.	..	Village Vinjram, post office Bhullar	3-12-66 to 20-5-69	Terminated due to commencement of summer vacations.
16	Shri Chint Ram, Clerk against Librarian	..	Village Kler Khurd, post office Kleri Kalan, tehsil Batala	12-9-67 to 7-10-67	Terminated on joining of Librarian
17	Shri Jarnail Singh, Clerk	..	S/o Shri Partap Singh, village and post office Purowal, district Gurdaspur	30-4-68 to 16-10-68	Terniated on joining of regular candidate.
	VI. GOVERNMENT JUNIOR TECHNICAL SCHOOL, KAPURTHALA				

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

1	Shri Subash Chand, Instructor in Elect. ..	Model Town, Jullundur	9-2-67 to 3-3-67	Terminated on joining of regular candidate.
2	Shri Jaswant Singh, Workshop Instructor ..	135, Village and post office Basti Sheik, Jullundur	7-2-67 to 15-6-67	Ditto
3	Shri Satbir Singh, Skilled Workman (Electrical) ..	Village Bhaggarion, post office Bulath, district Kapurthala	10-2-67 to 15-6-67	Terminated due to commencement of summer vacation.
4	Shri Rup Lal, Skilled Workman (Science) ..	H. No. W. 6 547/2, Mohalla Surajgang, Nakodar Road, Jullundur	1-7-67 to 22-4-68	Terminated on joining of regular candidate.
5	Shri Subash Chand, Skilled Workman (Carpentary) ..	E/277, Mohalla Pacca Bagh, Jullundur	3-10-67 to 30-4-68	Terminated due to unsatisfactory work.
6	Shri Sudarshan Singh, Skilled Workman (Turning) ..	Malkana Mohalla, Kapurthala	14-2-69 to 31-5-69	Terminated on joining of regular candidate.
7	Shri Sampuran Singh Skilled Workman (Electrical) ..	H. No. E-207, Mohalla Pacca Bagh, Jullundur	6-9-67 to 31-5-69	Ditto
8	Shri Sukhjeet Singh, Skilled Workman (Sheet-metal) ..	H. No. 937, Jatpura, Nawi Abadi, Kapurthala	8-8-68 to 31-5-69	Terminated on joining of regular candidate.
9	Shri Ajit Singh, Skilled Workman (Carpentary) ..	Manipur, post office Khera Dona, district Kapurthala	8-7-68 to 31-5-69	Ditto
10	Shri Roop Lal, Skilled Workman (Science) ..	Village Bhagarian, post office Bhulath district Kapurthala	1-8-67 to 31-5-69	Ditto
11	Shri Narinder Paul, Clerk ..	Shera Wala Mohalla, Kapurthala	1-4-67 to 10-5-67	Terminated on joining of the regular candidate.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of official	Present/Last place of posting	Permanent address	Service rendered	Reasons for suspension/reversion/termination of service
1	2	3	4	5	6
12	Shri Balbir Mitter, Clerk	..	Mohalla Jallowkhana, Kapurthala	11-5-67 to 5-9-67	Terminated on joining of regular candidate
13	Miss Sumitri Rani, Clerk	..	Mohalla Topkhana Kapurthala	8-7-68 to 22-2-69	Ditto
14	Shri Babu Singh, Peon	Jullundur/ Kapurthala	C/o S. Tarlok Singh, Village and post office Luthari, tehsil Ropar	30-12-64 to date	He was caught by the Police and as such placed under suspension on 25th December, 1968. His case is pending before the Judicial Magistrate, Jullundur.
VIII.	DIRECTORATE OF TECHNICAL EDUCATION				
1	Shri Brij Lal Sharma, Assistant	Chandigarh	Village and Post Office Budbar, tehsil Barnala, district Sangrur	11-7-59 to date	Shri Brij Lal was placed under suspension on 15th January, 1969 (A.N.) on the charges of disobedi ence refusal to take delivrey of official letters etc., and he was reinstated on 7th March, 1969.
2	Shri Satish Mitter Chopra, Clerk	Do	House No. 1467/Sector 23-B, Chandigarh	2-11-66 to 2-8-68	Service terminated due to absence from duty.
3	Miss Santosh Kumari, Clerk	Do	H. No. 1521/12-D, Sector 23-B, Chandigarh	10-3-67 to 29-8-67	Service terminated on the joining of regular Junior Auditor.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

4	Shri Sucha Singh, Clerk	Do	S/o Shri Gurbax Singh, 3066, Sector 27-D, Chandigarh	17-6-67 to 22-8-67	He was appointed on leave vacancy and his services were terminated on the termination of leave arrangement.
5	Shri Vinod Kumar, Clerk	Do	Address not available	15-4-69 to 26-4-69	Ditto
6	Shri Nanak Chand, Peon	Do	H. No. 1063, Sector 21-B, Chandigarh	11-4-67 to 20-5-67	Ditto
7	Shri Bishamber Nath, Chowkidar	Do	C/o L.I.C., Chandigarh	3-9-68 to 2-10-68	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Suspension etc. of Non-gazetted Employees of Transport Department, Punjab

638. Sardar Sarup Singh : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of Transport Department, Punjab, have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the service rendered by each such employee in the Department and also the reasons for suspension/reversion/termination of service, as the case may be, laid on the Table of the House ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) & (b) No. Only one peon, Shri Attru Ram, was placed under suspension on 24th April, 1965 (A.N.) owing to a criminal case against him in the court of Cantonment Magistrate, Ambala Cantt. His services were subsequently terminated in December, 1969, as he was convicted by the Court. No official has been reverted.

[(ੲ) ਅਤੇ (ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ। ਸਿਰਫ ਇਕ ਸੇਵਾਦਾਰ ਸ਼੍ਰੀ ਅਤਰੂ ਰਾਮ ਨੂੰ 24 ਅਪਰੈਲ, 1965 (ਬਾਅਦ ਦੁਪਹਿਰ) ਮੁਅਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਉਸ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਕੈਂਟੋਨਮੈਂਟ ਮੇਜਿਸਟਰੇਟ ਅੰਬਾਲਾ ਕੈਂਟ ਦੀ ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਫੌਜਦਾਰੀ ਮੁਕਦਮਾ ਚਲਦਾ ਸੀ। ਉਸ ਨੂੰ ਦਸੰਬਰ, 1969 ਵਿਚ ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਕਢ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਹੋਰ ਕੋਈ ਵੀ ਕਰਮਚਾਰੀ ਰੀਵਰਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।]

Suspension etc. of non-Gazetted Employees, Irrigation Department

639. Sardar Hari Singh : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state —

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of Irrigation Department have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative the district-wise list of said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent address stating the reasons for suspension/revertion/termination of service, as the case may be, be laid on the Table of the House ;

(c) the service rendered by each of the employees referred to in part (a) above in the said department ?

Sardar Sohan Singh Bassi : (a) Yes.

(b) A list of employees is laid on the table of the House as per Annexure 'A'.

(c) As per Col. 9 of the Annexure 'A'.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ANNEXURE 'A'

Serial No.	Name of official and designation	Date of suspension	Date of reversion/termination	District — Permanent address	Present place of posting	Last place of posting	Reasons for suspension/reversion/termination of service	Service rendered
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	I. UPPER BARI DOAB CANAL CIRCLE, AMRITSAR							
	Sarvshri—							
1	Printhpal Singh, Zilladar	19-8-66	Dismissed	Amritsar	..	Khalra	Convicted by Court under corruption case.	7 years
2	Sant Parkash Singh, Zilladar	Under suspension	..	Do	Amritsar	Ferozepore	Suspended by the C.E. I.W.,—*vide* No. 4260-62/NGE, dated 8th May, 1969, in connection with corruption case relating to Ferozepur Circle and now attached to U.B.D.C. Circle.	7 years
3	Jarnail Singh, S.O.	11-6-68	Dismissed on 3-3-69	Do	..	Ranewali	Convicted by court under corruption case.	7 years
4	Jagjit Singh, S.O.	11-7-69	Under investigation	Do	Do	Ibban	Corruption case is under investigation with the Vigilance Department.	...
5	Gurbachan Singh Pannu, S.O.	Under suspension	..	Gurdaspur	Gurdaspur	Haryana State	Suspended by C.E.I.W., Haryana, in connection with some case in Haryana State and attached to U.B.D.C. Circle.	...

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of official and desigation	Date of suspension	Date of reversion/termination	Dtstrict / Permanent address	Present place of posting	Last place of posting	Reasons for suspension/ reversion/termination of service	Service rendered
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Sarvshri—							
6	Dwarka Parshad, I.B.C.	12-3-69	Reinstated	Amritsar	Amritsar	Raja Sansi	Arrested in corruption case, but acquitted by the court.	23 years
7	Kartar Singh, I.B.C.	7-12-68	Do	Gurdaspur	Sathiali	Sathiali	Arrested in corruption case but acquitted by the court and reinstated.	12 years
8	Piara Singh, I.B.C.	27-9-68	Do	Amritsar	Amritsar	Jandiala	Criminal case, acquitted by the court and reinstated.	8 years
9	Baldev Raj, I.B.C.	27-9-68	Do	Do	Jandiala	Tarn Taran	Absent from duty—Increment stopped for 6 months and reinstated.	14 years
10	Puran Singh, I.B.C.	13-11-69	Do	Do	Do	Jandiala	Absence case. Increment stopped for one year without future effect and reinstated.	21 years
11	Roop Lal, I.B.C.	5-4-69	Do	Do	Do	Do	Criminal case, acquitted by the court and reinstated.	24 years
12	Brahman Datt, Gauge Reader	1-9-66	Do	Do	Jagdev Kalan	Fatehgarh Churian	Convicted in a murder case, but acquitted by the High Court.	16 years
13	Dewan Singh, Gauge Reader	25-10-69 Under suspension	..	Gurdaspur	Gurdaspur	Gurdaspur	Wilfully absence from duty and case is under investigation.	1 year 9 months
14	Jarnail Singh, Dak Runner	..	Dismissed	Amritsar	..	Chheharata	Convicted by court under Adulteration Act.	13 years

Origin with;
Punjab Vidhan Sabha
Digiti by;
Panjab

15	Baldev Singh, Dak Runner	3-4-68	Reinstated	Do	Rayya	Rayya	Absent case, warned and reinstated.	10 years
16	Fateh Masih, Mate	..	Under trial	Do	Amritsar	Chheharata	Arrested in Opium case and is still under trial.	15 years
17	Chanan Singh, Mate	11-4-69 Under suspension	..	Do	Do	Jhabbal	Arrested in corruption case which is still under trial in the court.	15 years
18	Dalip Singh, Beldar	16-2-70	..	Do	Do	Jhabhal	Arrested in corruption case, which is under investigation.	15 years
19	Surmi Beldar ..	11-1-67	Reinstated	Hoshiarpur	Mukerian	Mukerian	Criminal case, acquitted by the Court and re-instated in September, 1968.	16 years
20	Banta Singh, Beldar	11-4-69	..	Amritsar	Rayya	Rayya	Arrested in criminal case which is still under trial in court.	14 years
21	Rattan Singh, Beldar	11-4-69	..	Do	Do	Do	Ditto	19 years
22	Tehal Singh, Barkanda	19-6-69	Reinstated	Do	Tarn Taran	Tarn Taran	Absence case period of absence from 19th to 21st June, 1969.	10 years
	II. DRAINAGE CIRCLE, AMRITSAR							
23	Hari Karam Singh	2-3-69	..	..	..	..	..	..
24	Karnail Singh, Store-keeper	23-2-67	Reinstated	Amritsar	Amritsar	Amritsar	He was suspended for pilferage of cement. Remained suspended up to 18th July, 1967 and reinstated. This period of suspension was treated as duty.	11 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of official and designation	Date of suspension	Date of reversion/termination	Distrct / Permanent address	Present place of posting	Last place of posting	Reasons for suspension/ reversion/termination of service	Service rendered
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Sarvshri—							
	III. TUBEWELL CIRCLE							
25	Surinder Singh Bedi, S.O.	26-11-68	Under suspension	..	..	..	Charges of wrong levelling/ measurements. The case is under consideration.	21 years
26	Summittar Singh, S.O.	17-12-69	Ditto	..	..	..	On the charges of fudge payments. The S.O. has been charge-sheeted and his reply is still awaited.	25 years
	IV. PATIALA IRRIGATION BRANCH CIRCLE, PATIALA							
27	Inderjit Goel, S.O.	Suspended	Out of service	Patiala, village Sanaur	..	..	Wrong preparation of non-handing over of charge.	$5\frac{1}{2}$ years
28	S. R. Bedi, S.O. ..	Do	..	Patiala	Lehal Division	..	Wilful absence and non-handing over to charge.	17 years
29	Bal Krishan, S.O.	Do	..	Sangrur	Discharge Division	..	Involved in incorrect preparation of estimates.	$2\frac{1}{2}$ years
30	Harwant Singh, S.O.	Do	..	Bhatinda	Drainage Division, Patiala	..	Tampering with outlets.	13 years
31	Jagdish Singh, S.O.	Do	..	Do	Lahal Division	..	Defective outlets.	9 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

32	Jagmohan Singh, SO.	Suspended	..	Bhatinda	Talwandi Sub-Division	..	Non-maintenance of Canal Road properly.	7 years
33	Om Parkash, Ferro-Printer	Do	..	Patiala	Nabha	..	In-subordination.	12 years
34	Tarlok Singh, Steno-Typist	Do	..	Do	Village and post office Pilli, Unohi District, Jullundur	..	Wilful absence from duty.	12 years
35	Basant Singh, I.B.C.	Do	..	Sangrur	Lehal Division Patiala	..	Concealment of Irrigation.	23 years
36	Hardev Singh, I.B.C.	Do	..	Do	Harigarh Sub-Divison	..	Serious tampering with Goverment record.	15 years
37	Narang Singh, I.B.C.	Do	..	Do	Sangrur Division, Sangrur	..	Concealment of Irrigation.	14 years
38	Babu Ram, I.B.C.	Do	Out of service	Sangrur	Dhanaula Harigarh Sub-Division	..	Non-prodution of Khasra and disobedience of his superior officers.	25 years
39	Gurcharan singh, I.B.C.	Do	..	Do	..	..	Murder Case.	18 years 5 months
40	Harcharan Singh, I.B.C.	Do	..	Do	Village and post office Manpur, distric Ambala	..	Acceptane of illegal gratification.	14 years 11 months
41	Gurcharan Singh I.B.C.	Do	..	Do	Villge Nand Singh Wala, tehsil Narwana		Less assessment of Revenue.	16 years
42	Om Parkash, I.B.C.	Do	..	Do	Village Nawada, district Patiala	..	Absence from duty.	11 years
43	Ved. Parkash, I.B.C.	Do	..	Do	Sangrur	..	Illegal gratification.	2 years 9 months

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library.

Serial No.	Name of official and designation	Date of suspension	Date of reversion/termination	District — Permanent address	Present place of posting	Last place of posting	Reasons for suspension/ reversion/termination of service	Service rendered
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Sarvshri—							
44	Ram Nath, I.B.C.	Suspended	..	Sangrur	Sekha, Phagwara Sub-Division	..	Involved in corruption complaint.	18 years
45	Ajit Singh, I.B.C.	Do	..	Do	Ladda Sub-Division	..	Wilful absence from duty.	22 years
46	Balwant Singh I.B.C.	Suspended during the period from November, 1968 to February, 1970	..	Bhatinda	Talwandi Sub-Division	..	Absconding from Government Duty.	11 years
47	Janak Singh, I.B.C.	Do	..	Do	Do	..	Concealmnet of Irrigation	16 years
48	Inder Singh, I.B.C.	Do	..	Do	Bhatinda	..	Corruption Case.	19 years
49	Ujjagar Singh, I.B.C.	Do	Dismissed	Do	..	..	Illegal gratification.	10 years 8 months
50	Achhnu Ram, I.B.C.	Suspended during the period from November, 1966 to February, 1970	..	Bhatinda	Chalanwali Jhuneear Zilladari	..	Illegal gratification.	22 years

Origin[al] with;
Punjab [V]idhan Sabha
Digiti[zed] by;
Panjab

51	Balmukand, Gauge Reader	Suspended during the period from November, 1966 to February, 1970 ..	Sangrur	Mandi Section of Harigarh Sub-Division	..	Disregard of regular duty.	13 years
52	Amar Singh, Gauge Reader	Ditto ..	Do	Village Jelluhena, post office Sirhind Mandi, Patiala	..	Illegal gratification.	9 years 6 months
53	Santokh Singh, Gauge Reader	Ditto ..	Bhatinda	Bheni Sub-Division	..	Writing of wrong gauges.	19 years
54	Harbans Singh, Jain S.D.C.,	Ditto ..	Sangrur	S.D.C., Dialpur, village and post office Moonak, district Sangrur	..	Misappropriation of C.T.D. amounts.	14 years 7 months
55	Wasakha Singh, Mate	Ditto ..	Do	Village Rogla, tehsil Sunam	..	Negligence in Government Duty.	8 years
56	Amar Nath, Mate	Ditto ..	Bhatinda	..	..	Criminal case.	1 year 8 month
57	Jit Singh, Beldar	Ditto ..	Do	..	..	Ditto	1 year 8 months
58	Ram Chand, Beldar	Ditto ..	Sangrur	Village Dialpura, district Sangrur	..	Negligence in Government duty.	7 years
59	Joginder Singh, Telephone Clerk	Ditto ..	Do	Phagwara Sub-Division, Mohrana	..	Insubordination.	16 years
60	Ganga Singh, Zilladar	Ditto ..	Do	Madhopur Division, U.B.D.C.	..	Involved in corruption case.	..
61	Harbans Lal, Zilladar	Ditto ..	Bhatinda	S.C.C., Ludhiana	..	Corruption case.	25 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of official and designation	Date of suspension	Date of reversion/termination	District — Permanent address	Present place of posting	Last place of posting	Reasons for suspension/reversion/termination of service	Service rendered
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Sarvshri—							
62	**Hardev Singh, Zilladar**	Suspended during the period from November, 1966 to February, 1970	Bhatinda	Do	..	..	**Illegal gratification.**	9 years 2 months
63	Dharam Paul, A.R.C.	Ditto	..	..	Bhatinda	S.C.C., Ludhiana	Illegation gratification Case is under proceeding in the Sessions Court, Bhatinda.	16½ years
64	Labh Singh, Peon	Ditto	Bhatinda	Do	Boba Zilladari, village and post office Jodhan, district Ludhiana	..	Absence from duty.	9½ years
	V. BHAKRA MAIN LINE CIRCLE, PATIALA							
65	Nand Kishore, I.B.C.	10-5-67	..	Patiala/ Sirhind Mandi	Zilladari Dhakraba	..	Disobedience of order. Reinstated on 21st July, 1967.	9 years
66	Ram Gopal, I.B.C.	24-10-68	..	Patiala/village Sihaura, district Patiala	Zilladari Rajpura	..	Disobedience of orders and absent from duty. Reinstated on 24th June, 1969.	15 years
67	Ram Parkash, I.B.C.	16-11-68	18-12-69	Patiala/Village Khunkhun Gobindpur, district Hoshiarpur	Zilladari Dedna	..	Concealment of Irrigation.	16 years

68	Ram Singh, I.B.C.	26-3-69	7-1-70	Patiala/Village Tihra, district Hoshiarpur	..	S.C.C., Ludhiana	Disobedience of orders and left the headquarters without permission to avoid special check.	29 years
69	Ajmer Singh, I.B.C.	3-4-69	..	Patiala/Village Hameshpur, district Patiala	Zilladari Rajpura	..	Absence from duty. Reinstated on 15th January, 1970.	23 years
70	Sukhsagar Singh, I.B.C.	13-8-69	..	Patiala	Zilladari Devigarh	..	Absence from duty.	15 years
71	Bachan Lal, I.B.C.	13-8-69	..	Patiala/Village Lehra Gaga, district Sangrur	Zilladari Rajpura	..	Absence from duty. Reinstated on 7th January, 1970.	3 years
72	Ved Parkash, I.B.C.	..	21-1-70	Patiala/Village Banera Kalan, district Patiala	Zilladari, Rajpura	..	Ditto	3 years
73	Janak Raj, I.B.C.	30-9-67	..	Ropar/Village Gharoan	Halqa Ganangan	..	Creating chaos in C.C. Khanna after taking liquor. Re-instated on 22nd January, 1968.	14 years
74	Rakshpal Chand, I.B.C.	30-9-67	..	Ropar/village Bondli, district Ludhiana	Halqa Hedon	..	Ditto	3 years
75	Sham Lal, I.B.C. ..	4-9-69	..	Patiala/ Raghu Majra, Patiala	Samana	..	Due to absence from duty and embezzlement in booking.	2½ years
76	Gurmet Singh, I.B.C.	4-9-69	..	Patiala/ Khanauri	Do	..	Ditto	3 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of official and designation	Date of suspension	Date of reversion/termination	District / Permanent address	Present place of posting	Last place of posting	Reasons for suspension/reversion/termination of service	Service rendered
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Sarvshri—							
77	Bhupinder Singh, Peon	1-5-68	Terminated	Patiala/Village Gobindpura, district Patiala	..	Zilladari Bhadson	He had written letters under bogus signature of worthy I.P.M. Shri Natha Singh to Executive Engineer and Superintending Engineer, B.M.L.	14 years
78	Kaura Singh	22-11-67	..	Ludhiana/village Konda Alisher	Khamanon	..	Creating chaos in C.C. Khanna after taking Liquor. Reinstated on 22nd January, 1968.	20 years
79	Hamir Singh, Mate	4-5-68	..	Patiala/village Fatehgarh, district Ropar	Dhanetha Section	..	Negligence in duty and lose control on their subordinates. Reinstated on 24th June, 1968.	6 years
80	Niranjan Singh, Mate	9-5-68	30-6-68	Patiala/Village Kotla, district Patiala	Adampur Section	..	Negligence in duty and lose control on their subordinates. Reinstated on 30th August, 1968.	6 years
81	Mehar Chand, Mate	28-5-68	18-9-68	Patiala/Village Kamali, district Patiala	Adampur Section	..	Disobedience of orders and misguided the labour working under him. Reinstated on 18th September, 1968.	8 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

82	Ram Singh, Mate	12-9-68	..	Patiala/Village Belumajra, district Patiala	Dhanetha Section	..	For fixing pipe outlet without approval. Re-instated on 5th December, 1969.	6 years
83	Puran Chand, Chowkidar	...	15-9-69	Patiala/ Village Lohra, district Patiala	Ditto	Dhanetha Section	False allegations made against the gazetted officer which he could not prove later on.	6 years
84	Pritam Singh, Gauge Reader	6-11-69	..	Patiala/ Village Rellan Khurd, district Ropar	Chandi Mandir	..	Disobedience of orders and absence from duty.	7½ years
85	Jai Dev Singh	22-11-67	..	Patiala/ Village Lehal Colony, Patiala	Ropar Headworks	..	Misbehaviour with Deputy Collector, B.M.L., while on tour to Khanna Section. Reinstated on 22nd January, 1969.	20 years
86	Sarda Ram	2-5-69	..	Patiala/ Gandhi Colony, Patiala	Samana Section	..	Absence from duty.	8 years
87	Amarjit Singh, Accounts Clerk	25-11-68	..	Patiala/ Raghu Majra, Patiala	Patiala Circle	..	Suspended in an inquiry case against Shri S.M. Ramghria, S.E. sanction of hire rate, etc.	12 years
88	Amar Singh, Beldar	17-1-69	Terminated on 18-7-69	Patiala/ Village Karhali, district Patiala	..	Dhakraba Section	False allegation against his S.O., but could not prove later on.	6 years
89	Chattru Ghan	31-3-69	Terminated on 23-7-69	Patiala/ Dhangerian, R. House, district Patiala	..	Adampur Section	Absence from duty.	4 years
90	Puran Singh, Beldar	12-9-69	..	Patiala/Village Belumajra, district Patiala	..	Adampur Section	Absence from duty. For not reporting the fixation of pipe outlet in time.	6 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of officials and designation	Date of suspension	Date of reversion/termination	District —— Permanent address	Present place of posting	Last place of posting	Reasons for suspension/ reversion/termination of service	Service rendered
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Sarvshri—							
91	Dewan Chand, Beldar	23-1-70	..	Patiala/V. Khuralan, district Gurdaspur	Rajpura Section	..	Disobedience of orders and instigate the labour working in the Section.	8½ years
92	Raja Singh, Beldar	..	Terminated on 4-8-69	Patiala/V. Dhoor, Patiala	..	Dhakraba Section	Shameful acts done by him with an employee which reflects and immoral nature.	6 years
93	Maru Ram, Beldar	..	Terminated on 29-2-70	Patiala/ V. Pur, district Patiala	..	Devigarh Section	Fixed bogus thumb impression on the mutual application given by him in his interest.	8 years
94	Devinder Singh, Zilladar	29-9-67	..	Patiala/ V. Gharauchon, district Sangrur	Amloh	..	Creating chaos in the C.C. after taking liquor. Reinstated on 16th December, 1967.	2½ years
95	Mulkh Raj, A.R.C.	29-9-67	..	Patiala/V. Orind, district Rupar	Devigarh C.C.	..	Ditto	13 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

96	Jangir Singh, A.R.C.	13-5-69	..	Patiala/ V. Bhai Ki Pishore, district Sangrur	Patiala	..	On account of being habitual drunkard in office hours—creating indiscipline amongst staff.	9½ years
	VI. FEROZEPORE CANALS CIRCLE							
97	Waryam Singh, Clerk	15-4-67	Dismissed from service from 31—7—68	Ludhiana/ Chandigarh	..	Sidhwan Division	Arrested under section 506/I.P.C. Convicted by the Court and sentenced 6 months rigorous imprisonment.	10½ years
98	Surjit Singh, S.O.	15-10-67	..	69—Jhoke, Road, Ferozepur	Abohar Division	..	Corruption case, Reinstated on 18th November, 1968.	10½ years
99	Sawaran Singh, S.O.	22-8-69	..	69—Jhoke Road, Ferozepur Western Division	Eastern Division	..	Corruption Charges.	8½ years
100	Bhagwan Singh, I.B.C.	29-9-67	..	69—Jhoke Road, Ferozepur Abohar Division	Abohar Division	..	Corruption charges. Reinstated after the decision of Court.	..
101	Krishan Gopal	16-5-68	..	69—Jhoke Road Ferozepur Eastern Divisior	Ditto	..	Suspended on account of not handing over charge of his halza khasra and Khatuanis. Reinstated on his case being withdrawn.	8½ years
102	Gautam Parkash H.R.C.	13-9-69	..	69—Jhoke Road, Ferozepur, Eastern Division	Sidhwan Division	..	On account of his failure to comply with the orders of his transfer. Reinstated and joined Eastern Division on 19th January, 1970.	15 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of official and designation	Date of suspension	Date of reversion/termination	District — permanent address	Present place of posting	Last place of posting	Reasons for suspension/reversion/termination of service	Service rendered
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Sarvshri—							
103	Sant Parkash Singh, Zilladar	9-5-69	..	U.B.D.C. Circle	U.B.D.C. Circle	..	Charges of corruption. Case is still under trial in the Court.	5 years
104	Gurdev Singh Brar, S.O.	24-7-69	..	Eastern Division, Fazilka	Eastern Division	..	Absenting from duty his failure to carry out the work according to desings. Reinstated on 10th October, 1969.	13 years
				VII. SIRHIND CANAL CIRCLE				
105	Sarwan Singh, Zilladar	28-4-68	Dismissed on 31-6-69	Jullundur/ V. Bhinder, district Ferozepur	..	Goraya	Caught red-handed while accepting bribe	23 years
106	Gurcharan Singh, Zilladar	21-7-69	..	Jullundur/ V. Bassi Kalan district Hoshiarpur	Goraya	..	Charged with corruption. The case is still in Court.	11 years
107	Milkhi Ram, I.B.C.	4-2-70	..	Jullundur/ V. Kang-Aryan, district Jullundur	Do	..	Caught red-handed by Vigilance Department on 4th September, 1969. Case is till under trial in the Court at Phillaur.	23 years
108	Parminder Singh, S.O.	6-2-70	..	Hoshiarpur/ V. Talwana, district Jullundur	Garshankar	..	On account of factitious entries in M. Books.	12 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

109	Om Parkash Duggal, Gauge Reader	..	Terminated on 2-12-68	Jullundur/ V. Rahon, district Jullundur	Apra Section, Nawanshahr Sub-Division	..	The official was habitual to give false gauges.	10 months
110	Rup Lal, I.B.C.	14-12-66	..	Bhatinda/ Badhani Lalan, district Ferozepur	Sohana Sub-Division	..	For making delebrate entry in Khataoni Kharif 1966. Reinstated in May, 1967.	27 years
111	Bant Ram, I.B.C.	20-12-36	..	Dabwali, Haryana	Teona Sub-Division	..	Due to insubordination during Khataoni 1966. Reinstated in December, 1966.	16 years
112	Jarnail Singh, I.B.C.	24-8-67	..	Bhatinda/ V. Shahur tehsil Ferozepur	Bhatinda Division	..	Due to absence to avoid transfer orders. Reinstated in October, 1967.	30 years
113	Kapur Singh, I.B.C.	18-3-68	..	Bhatinda/ V. Birphar district Rohtak	Do	..	Complaint of Zamindars. Reinstated in October, 1967.	8 years
114	Jhangi Ram, I.B.C.	4-10-68	Dismissed in May, 1969	Bhatinda/ Karnal Haryana	..	Sahamir Section, Sohna Sub-Division	Caught red handed by Vigilance Department and convicted by court.	30 years
115	Faquir Chand, Gauge Reader	16-2-69	..	Bhatinda Village Snaba, tehsil Bikapur	Sehna Sub-division		Quarrelled with Signaller. Reinstated on 29th April, 1969.	7 years
116	Piara Singh, I.B.	18-2-69	..	Ludhiana/ Raikot. district Ludhiana	Takhatpura, Raikot Sub-Division	..	Caught red-handed by Vigilance Department.	16 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No	Name of official and designation	Date of suspension	Date of reversion/termination	District — permanent address	Present place of posting	Last place of posting	Reasons for suspension/ reversion/termination of service	Service rendered
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Sarvshri—							
117	Bant Singh I.B.C.	18-3-69	..	Dabwali, Haryana	Teona Sub-Division	..	Caught red-handed by Vigilance Department.	16 years
118	Amar Singh, A.R.C.	22-3-69	..	Ludhiana/ VillageKurar, district Sangrur	Raikot Sub-Division	..	Approaching higher authorities direct.	15 years
119	Mukhtiar Singh, Canal Petrol	1-7-69	Terminated in January, 1970	Ludhiana/ Dadahur, district Sangrur	..	Raikot Sub-Division	Making nuisance after taking liquor in B. House Takhatupura.	6 years
120	Devki Nandan, Zilladar	23-8-69	..	..	Teona Sub-Division now Drg. Const. Ferozepur	..	Absent from duty. Reinstated in October, 1969.	..
121	Nirmal Singh, Head Clerk	11-9-69	..	Bhatinda/ Lasara district Jullundur	Bhatinda Division	..	Bogus claim of T.A. Committing serious irregularity of Malpractices interpalated Government record.	26 years
122	Inderjit Prem, Accounts Clerk	15-1-70	..	Bhatinda/ Ropar	Bhatinda Division	..	For delaying and misplacing claims of I.B.C. Reinstated in February, 1970.	26 years
123	Jagdish Singh, S.O.	..	Terminated in January, 1970	Bhatinda/ V. Gumti Kalan, district Bhatinda	..	Rampura Phul, Sehna Sub Division	For making excess payment on Bhinder Minor	9 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

124	Ram Nath Bhalla, S.O.	13-5-66	..	Bhatinda	Hydel U.B.D.C., Pathankot		In case of tampering outlet of Bhatinda Division. Reinstated in December, 1969.	26 years
125	Ajit Singh, S.O.	13-2-69	..	Ferozepore/ V. Dherian Mushtaka, district Jullundur	Forozepur Division	..	Running Ghurlus in the outlet of Ramgarh Minor. Reinstated in February, 1970.	9 years
126	Sham Singh, S.O.	19-2-70	..	Ferozepore/ V. Jagnan, district Ludhiana	Asabutter Section, Ferozepur Division	..	Ditto	13½ years
127	Om Parkash Bansal, S.O.	28-2-70	..	Ferozepore/ V. Jagnan district Ferozepore	Ferozepore Division	..	Ditto	13½ years
128	Raj Kumar, I.B.C.	29-10-68	..	Ludhiana	Jagraon Sub-Division	..	Arrested by Vigilance Department	..
129	Anant Ram, I.B.C.	19-8-69	..	Ludhiana/ V. Jadla, district Jullundur	Do	..	On account of being absent from duty.	11½ years
				VIII. DRAINAGE CIRCLE, PATIALA				
130	Dilbagh Rai, Accounts Clerk	2-5-69	..	Patiala/ Arya Samaj Chowk, Patiala	Drainage Circle, Patiala	..	Suspended in connection with doubt for interpolation in the Log Book.	21 years
131	Kedar Nath, Chowkidar	31-7-68	Terminated in 3rd October, 1968	Patiala/ Ram Lal Ka Purawa, district Sultanpur (U.P.)	Since expired	..	Guilty for destroying Government Records.	8 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of official and designation	Date of suspension	Date of reversion/termination	District — Permanent address	Present place of posting	Last place of posting	Reasons for suspension/reversion/termination of service	Service rendered
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Sarvshri—							
132	Sher Singh, Draftsman	..	Reverted as Tracer from 22nd August, 1967 to 14th December, 1967	Patiala/ Kaneshwal Mohalla, Patiala	Drainage Circle, Patiala	..	For want of vacancy	13 years
133	Raj Kumar, Accounts Clerk	..	Reverted as S.D.C. from 19th October, 1967 to 4th March, 1968	Sangrur/ Abohar, district Ferozepur	Drainage Construction Division 1 Sangrur	..	Ditto	19 years
134	Bishan Singh Barkanda	12-12-69	..	Sangrur/ 75, Jhoke Road, Ferozepore	Ferozepore Division	..	Alleged loss of Rs 8,000	1½ years

Origi[nal] with;
Punja[b] Vidhan Sabha
Digit[ize]d by;
Panja[b]

Suspension etc. of Non-Gazetted Employees of Labour Department, Punjab

640. **Doctor Sadhu Ram :** Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of the Labour Department, Punjab, have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, the district-wise list of said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the reasons in each case for suspension/reversion/termination of services, as the case may be, be laid on the Table of the House ;

(c) the service rendered by each of the above-mentioned employees in the department in each case ?

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ): (ਏ) ਨਹੀਂ ਜੀ। ਕਿਰਤ ਵਿਭਾਗ ਵਿਚ 1966 ਤੋਂ ਫਰਵਰੀ, 1970 ਤਕ ਅਗਜ਼ਟੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਕੇਵਲ 9 ਕੇਸ ਮੁਅੱਤਲੀਆਂ ਦੇ, 5 ਕੇਸ ਰਿਵਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਅਤੇ 2 ਕੇਸ ਸੇਵਾਵਾਂ ਭੰਗ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਦੇ ਹੋਏ ਹਨ।

(ਬੀ) ਅਤੇ (ਸੀ) ਸੂਚਨਾ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਅਨੁਲਗ

ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਸੂਚੀ

ਲੜੀ ਨੰ:	ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ	ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਕਰਮਚਾਰੀ ਦਾ ਨਾਂ	ਸਥਾਈ ਪਤਾ	ਮੁਅੱਤਲ ਕਰਨ ਦੀ ਮਿਤੀ	ਵਰਤਮਾਨ/ਆਖਰੀ ਪੋਸਟਿੰਗ ਦਾ ਸਥਾਨ	ਮੁਅੱਤਲੀ ਦੇ ਕਾਰਣ
1	ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	ਸ੍ਰੀ ਜੇ. ਆਰ. ਮਲਹੋਤਰਾ, ਕਲਰਕ	ਕਮਲਾ ਨਗਰ, ਦਿੱਲੀ	27-1-67	1. ਹੁਣ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮਤ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਹੈ । 2. ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	ਦੁਰਵਿਹਾਰ ਅਤੇ ਅਨੁਸਾਸ਼ਨ ਵਿਚ ਗੰਭੀਰ ਅਣਗਹਿਲੀ ਕਾਰਨ ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।
2	ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	ਸ੍ਰੀ ਹਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ, ਕਲਰਕ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾਕਖਾਨਾ ਨਵਾਂ ਸ਼ਹਿਰ, ਤਹਿਸੀਲ ਖਰੜ	27-9-67	1. ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ 2. ਉਹੀ	ਕੰਮ ਵਿਚ ਅਣਗਹਿਲੀ ਕਾਰਨ ।
3	ਬਠਿੰਡਾ	ਸ੍ਰੀ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਵੇਜ ਇੰਸਪੈਕਟਰ (ਹੁਣ ਕਿਰਤ ਇਨਸਪੈਕਟਰ)	ਪਟਿਆਲਾ/ਲੁਧਿਆਣਾ	1-7-67	1. ਲੁਧਿਆਣਾ 2. ਬਠਿੰਡਾ	ਰਿਸ਼ਵਤ ਦੇ ਇਲਜ਼ਾਮਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।

Origin[al] with;
Punjab Vidhan Sabha
Digiti[zed] by;
Panjab [Digital Library]

4	ਪਟਿਆਲਾ	ਸ਼੍ਰੀ ਕਰਮਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਕਲਰਕ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾਕਖਾਨਾ ਬਟਾਰੀ ਕਲਾਂ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਲੁਧਿਆਣਾ	11-1-68	1. ਗੋਬਿੰਦ ਗੜ੍ਹ 2. ਉਹੀ	ਪਰਰੂਪਣੇ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿਚ ਪੁਲਿਸ ਦੁਆਰਾ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।
5	ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	ਸ਼੍ਰੀ ਰਘਬੀਰ ਸਿੰਘ, ਸੇਵਾਦਾਰ	ਸੋਲਨ (ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼)	3-4-68	1. ਅਬੋਹਰ 2. ਅਬੋਹਰ	ਉਹੀ
6	ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	ਸ਼੍ਰੀ ਸਤਵੰਤ ਸਿੰਘ, ਸ਼ਾਪ ਇੰਸਪੈਕਟਰ	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	2-8-68	1. ਬਟਾਲਾ 2. ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਵਿਖੇ ਪੁਲਿਸ ਦੁਆਰਾ ਰਿਸ਼ਵਤ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿੱਚ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕਰਨ ਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਮੁਅੱਤਲ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ।
7	ਲੁਧਿਆਣਾ	ਸ਼੍ਰੀ ਦਿਵਾਨ ਚੰਦ, ਸ਼ਾਪ ਇੰਸਪੈਕਟਰ	ਮੁਹੱਲਾ ਸੰਗਲ ਪੁਰਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	26-11-68	1. ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ 2. ਲੁਧਿਆਣਾ	ਰਿਸ਼ਵਤ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿੱਚ ਪੁਲਿਸ ਦੁਆਰਾ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।
8	ਲੁਧਿਆਣਾ	ਸ਼੍ਰੀ ਪਰੇਮ ਦਾਸ, ਸੇਵਾਦਾਰ	ਪਿੰਡ ਕੰਜੋਟਾ, ਤਹਿਸੀਲ ਬਿਲਾਸਪੁਰ (ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼)	26-11-68	1. ਹੁਣ ਨੌਕਰੀ ਵਿਚ ਨਹੀਂ । 2. ਲੁਧਿਆਣਾ	ਉਹੀ
9	ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਜਨਕ ਵਸਿਸਟ	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	3-10-69	1. ਧਾਰੀਵਾਲ 2. ਬਟਾਲਾ	ਗਜ਼ਟਿਡ ਅਫ਼ਸਰ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਝੂਠਾ ਦੋਸ਼ ਲਗਾਉਣ ਦੇ ਕਾਰਨ ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਰਿਵਰਟ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਸੂਚੀ

ਲੜੀ ਨੰ:	ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ	ਰਿਵਰਟ ਕੀਤੇ ਗਏ ਕਰਮਚਾਰੀ ਦਾ ਨਾਂ	ਸਥਾਈ ਪਤਾ	ਰਿਵਰਸ਼ਨ ਦੀ ਮਿਤੀ	ਵਰਤਮਾਨ/ਆਖਰੀ ਪੋਸਟਿੰਗ ਦਾ ਸਥਾਨ	ਰਿਵਰਸ਼ਨ ਦੇ ਕਾਰਣ
1	ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	ਸ੍ਰੀ ਕੁਲਦੇਵ ਸਿੰਘ, ਕਿਰਤ ਇੰਸਪੈਕਟਰ	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	17-6-69	1. ਕਪੂਰਥਲਾ 2. ਬਟਾਲਾ	ਸ੍ਰੀ ਹਰਨਾਮ ਸਿੰਘ, ਕਿਰਤ ਅਫ਼ਸਰ ਦੇ ਕੈਪੀਟਲ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਤੋਂ ਵਾਪਸ ਆ ਜਾਣ ਕਾਰਨ ਸ੍ਰੀ ਕੁਲਦੇਵ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਬਤੌਰ ਕਿਰਤ ਇੰਸਪੈਕਟਰ ਰਿਵਰਟ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ।
2	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	ਸ੍ਰੀ ਕੁਲਦੀਪ ਸਿੰਘ	ਜਲੰਧਰ	29-8-68 ਦੁਪਹਿਰ ਬਾਅਦ	1. ਤਲਵਾੜਾ 2. ਤਲਵਾੜਾ	ਸ੍ਰੀ ਕੇ. ਵਾਈ. ਸਿੰਘ, ਦੇ ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਤੋਂ ਮਹਿਕਮੇਂ ਵਿੱਚ ਵਾਪਸ ਆ ਜਾਣ ਤੇ ਰਿਵਰਟ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ।
3	ਲੁਧਿਆਣਾ	ਸ੍ਰੀ ਲਾਲ ਸਿੰਘ	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	29-8-68 ਦੁਪਹਿਰ ਬਾਅਦ	1. ਨੰਗਲ 2. ਲੁਧਿਆਣਾ	ਸ੍ਰੀ ਕੇ. ਵਾਈ. ਸਿੰਘ ਦੇ ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ, ਨੰਗਲ ਤੋਂ ਮਹਿਕਮੇਂ ਵਿਚ ਵਾਪਸ ਆ ਜਾਣ ਕਾਰਨ ਸ੍ਰੀ ਲਾਲ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਬਤੌਰ ਕਿਰਤ ਇੰਸਪੈਕਟਰ ਰਿਵਰਟ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ।
4	ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	ਸ੍ਰੀ ਐਸ. ਐਸ. ਚੋਪੜਾ	ਚੋਪੜਾ ਹਾਊਸ, ਚੌਂਕ ਬਾਬਾ ਸਾਹਿਬ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	7-8-68 ਦੁਪਹਿਰ ਬਾਅਦ	1. ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਪੁਰ 2. ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਸ੍ਰੀ ਕੁਲਦੇਵ ਸਿੰਘ ਦੇ ਬਿਆਸ ਸਤਲੁਜ ਲਿੰਕ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਤੋਂ ਵਾਪਸ ਪਰਤ ਆਉਣ ਨਾਲ ਸ੍ਰੀ ਅਸ. ਐਸ. ਚੋਪੜਾ ਨੂੰ ਕਿਰਤ ਇੰਸਪੈਟਰ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਪਰਤਾ-ਉਣਾ ਪਿਆ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

5	ਰੋਪੜ	ਸ੍ਰੀ ਸੁਰਿੰਦਰ ਨਾਥ	ਖਰੜ	4-6-69	1. ਡਲਹੌਜ਼ੀ 2. ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	ਕਰਮਚਾਰੀ ਦਾ ਗੁਪਤ ਰਿਕਾਰਡ ਪ੍ਰਤੀਕੂਲ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਨ ।

ਸਰਵਿਜ਼ ਟਰਮੀਨੇਟ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਸੂਚੀ

ਲੜੀ ਨੰ:	ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ	ਟਰਮੀਨੇਟ ਕੀਤੇ ਗਏ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਨਾਂ	ਸਥਾਈ ਪਤਾ	ਟਰਮੀਨੇਸ਼ਨ ਦੀ ਮਿਤੀ	ਵਰਤਮਾਨ/ਆਖਰੀ ਪੋਸਟਿੰਗ ਦਾ ਸਥਾਨ	ਟਰਮੀਨੇਸ਼ਨ ਦੇ ਕਾਰਨ
1	ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	ਸ੍ਰੀ ਸਵਰਣ ਸਿੰਘ, ਡਰਾਈਵਰ	ਪਿੰਡ ਸੰਪਲਾ, ਤਹਿਸੀਲ ਸਰਹਿੰਦ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ	20-7-68	1. ਹੁਣ ਮੁਲਾਜ਼ਮਤ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ । 2. ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	ਆਰਜ਼ੀ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਣ ਨੌਕਰੀ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਸੇਵਾ ਮੁਕਤ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ।
2	ਪਟਿਆਲਾ	ਸ੍ਰੀ ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ, ਸ਼ਾਪ ਇੰਸਪੈਕਟਰ	ਪਿੰਡ ਮੁਕੰਦਪੁਰ ਤਹਿਸੀਲ ਨਵਾਂ ਸ਼ਹਿਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜਲੰਧਰ	16-10-68	1. ਫਗਵਾੜਾ 2. ਪਟਿਆਲਾ	ਸੀ. ਆਈ. ਡੀ. ਦੁਆਰਾ ਉਸ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਰਿਸ਼ਵਤ ਦੇ ਇਲਜ਼ਾਮਾਂ ਬਾਰੇ ਜਾਂਚ ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਨੌਕਰੀ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਸੇਵਾ ਮੁਕਤ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਸੀ । ਇਸ ਕੇਸ ਤੇ ਮੁੜ ਵਿਚਾਰ ਹੋਇਆ ਸੀ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਫਿਰ ਸੇਵਾ ਵਿਚ ਰੱਖ ਲਿਆ ਸੀ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਪਾਰਟ (ਸੀ) ਦਾ ਉਤਰ

ਲੜੀ ਨੰ:	ਕਰਮਚਾਰੀ ਦਾ ਨਾਂ	ਵਿਭਾਗ ਵਿਚ ਕੀਤੀ ਸਰਵਿਸ ਦਾ ਸਮਾਂ
1	ਸ੍ਰੀ ਜੇ. ਆਰ. ਮਲਹੋਤਰਾ, ਕਲਰਕ	ਕੋਈ 14 ਸਾਲ
2	ਸ੍ਰੀ ਹਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ, ਕਲਰਕ	ਕੋਈ 20 ਸਾਲ
3	ਸ੍ਰੀ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਕਿਰਤ ਇੰਸਪੈਕਟਰ	ਕੋਈ 9 ਸਾਲ
4	ਸ੍ਰੀ ਕਰਮਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਕਲਰਕ	ਕੋਈ 20 ਸਾਲ
5	ਸ੍ਰੀ ਰਘਬੀਰ ਸਿੰਘ, ਸੇਵਾਦਾਰ	ਕੋਈ 6 ਸਾਲ
6	ਸ੍ਰੀ ਸਤਵੰਤ ਸਿੰਘ, ਸ਼ਾਪ ਇੰਸਪੈਕਟਰ	ਕੋਈ 20 ਸਾਲ
7	ਸ੍ਰੀ ਦਿਵਾਨ ਚੰਦ, ਸ਼ਾਪ ਇੰਸਪੈਕਟਰ	ਕੋਈ 18 ਸਾਲ
8	ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰੇਮ ਦਾਸ, ਸੇਵਾਦਾਰ	ਕੋਈ 21 ਸਾਲ
9	ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਜਨਕ ਵਸਿਸ਼ਟ, ਇੰਸਪੈਕਟਰੈਸ	ਕੋਈ 8 ਸਾਲ
10	ਸ੍ਰੀ ਸਵਰਣ ਸਿੰਘ, ਡਰਾਈਵਰ	ਕੋਈ 4 ਸਾਲ
11	ਸ੍ਰੀ ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ, ਸ਼ਾਪ ਇੰਸਪੈਕਟਰ	ਕੋਈ 8 ਸਾਲ
12	ਸ੍ਰੀ ਕੁਲਦੇਵ ਸਿੰਘ, ਕਿਰਤ ਇੰਸਪੈਕਟਰ	ਕੋਈ 18 ਸਾਲ
13	ਸ੍ਰੀ ਕੁਲਦੀਪ ਸਿੰਘ, ਕਿਰਤ ਇੰਸਪੈਕਟਰ	ਕੋਈ 26 ਸਾਲ
14	ਸ੍ਰੀ ਲਾਲ ਸਿੰਘ, ਕਿਰਤ ਇੰਸਪੈਕਟਰ	ਕੋਈ 30 ਸਾਲ
15	ਸ੍ਰੀ ਐਸ. ਐਸ. ਚੋਪੜਾ, ਕਿਰਤ ਇੰਸਪੈਕਟਰ	ਕੋਈ 25 ਸਾਲ
16	ਸ੍ਰੀ ਸੁਰਿੰਦਰ ਨਾਥ, ਕਲਰਕ	ਕੋਈ 21 ਸਾਲ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Suspension etc. of non-Gazetted Employees of Agriculture Department, Punjab

641. Doctor Sadhu Ram : Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of the Agriculture Department, Punjab, have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the reasons in each case for suspension/ reversion/termination of services, as the case may be, be laid on the Table of the House ;

(c) the service rendered by each of the said employees in the Department in each case ?

Shri Radha Krishan : (a) Yes Sir.

(b) & (c) The requisite information is enclosed.

[(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਬੀ ਅਤੇ ਸੀ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਹੇਠ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

STATEMENT

Serial No.	Name and Designation of officials/suspended/reverted/terminated	Whether suspended/reverted/terminated	Place of Posting		Reasons for suspension/reversion/termination	Permanent address	Services rendered in the Department
			Last	Present			
1	2	3	4	5	6	7	8
	Amritsar District						
	(i) Class III Government Servants—						
1	Shri Gurmit Singh, Agricultural Inspector	Suspended	Tarn Taran	Tarn Taran	(i) Misappropriation and embezzlement of Government Fund.	V. & P.O. Langroya (Jullundur)	7 years
2	Prabhjit Singh, Agricultural Inspector	Do	Raya	Ferozepur	Under Section 506 of I.P.C.	127-R, Model Town, Jullundur	5 years
3	Pritam Singh, Agricultural Inspector	Do	Tarn Taran	Gurdaspur	Misapprorpriation of Funds.	V. Udekaran, tehsil Mukatsar (Ferozepur)	11 years
4	Ram Kishan, Agricultural Inspector	Do	Ajnala	Patiala	Misappropriation of Government Property.	V. & P.O. Pandori Khurd (Hoshiarpur)	6 years
5	Manjit Singh Sekhon, Agricultural Inspector	Do	Patti	Amritsar	Embezzlement	V. Mirpur, near Khanna (Ludhiana)	5 years
6	Niranjan Singh, Statistical Assistant	Removed	Amritsar	..	Services no longer required	Amritsar	6 years
7	Gurcharan Singh, Agricultural Inspector	Do	Majitha	..	Ditto	V. Sarawanavdla, tehsil Mukatsar (Ferozepur)	2 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

8	Gurdial Singh, Agricultural Sub-Inspector	Suspended	Narot Jaimal Singh	Amritsar	Embezzlement	C/o D.A.O. Amritsar	17 years
	(ii) Class IV Government Servants—						
9	Mulkha Singh, Beldar	Terminated	Attari	Attari	Absence from duty, disobedience of orders and instigation of labour	V. & P.O. Attari	11 years
10	Punjab Singh, Beldar	Do	Do	Do	Ditto	V. Attalgarh, P.O. Attari (Amritsar)	10 years
	Gurdaspur District						
	Class III Government Servants						
11	Bawa Singh Gill, Agricultural Inspector	Suspended	Dhariwal	Ferozepur	Corruption and false entry in the record	V. Khaparkheri (Amritsar)	10 years
	Hoshiarpur District						
	(i) Class III Government Servants—						
12	Major Singh, Agricultural Inspector	Suspended	Hoshiarpur	Hoshiarpur	Tampering of record, dis-obedience of orders, etc.	V. & P.O., Lakha, *via* Jagraon (Ludhiana)	5 years
13	Ram Lal, Clerk ..	Do	Do	Do	Tampering of Government record etc.	C/o D.A.O., Hoshiarpur	5 years
14	Kartar Singh, Agricultural sub-Inspector	Do	Dasuya	Do	Embezzlement	C/o D.A.O., Hoshiarpur	23 years
15	Tarlochan Singh, Agricultural Sub-Inspector	Do	Tanda	Do	Do	Ditto	12 years
	Jullundur District						
	Class III Government Servants—						
16	Pritu Ram, Beldar ..	Terminated	Garhshankar		Negligence of duty, wilful etc.	V. & P.O. Nurpur (Jullundur)	14 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
17	Mohinder Singh Nagra, Agricultural Inspector	Suspended	Shahkot	Sangrur	Embezzlement, mis-appropriation, negligence of duty	V. Thinda, P.O. Kot Fatish (Hoshiarpur)	6 years
18	Jarnail Singh, Agricultural Inspector	Do	Nakodar	Shahkot	Ditto	C/o D.A.O., Jullundur	6 years
19	Darshan Ram, Tractor, Driver	Do	Dhogri	Dhogri	Mis-use of the Government Property	V. Dhogri (Jullundur)	3 years
20	Mohinder Singh, Mechanic	Do	Jullundur	Jullundur	Under Section 351 I.P.C.	C/o A.P.P.O., Jullundur	7 years
21	Daulat Ram, Agricultural Sub-Inspector	Do	Dhogri	Dhogri	Mis-use of the Government Property/Money	Dhogri Farm (Jullundur)	6 years
(ii)	*Class IV Government Servants*						
22	Gurbachan Singh, Beldar	Terminated	Jullundur	..	Misbehaviour, dis-obedience	..	2½ years
23	Gurmel Chand, Beldar	Do	Mehtpur Farm	..	Absence from duty	..	Do
24	Kishan Chand Beldar ..	Dismissed	Bhogpur	..	Convicted by the Court under Opium Act	Village Dhogri (Jullundur)	11 years
				Kapurthala District			
(i)	*Class III Government Servants*						
25	Gurmel Singh Dhami, Agricultural Inspector	Suspended	Kapurthala	Jullundur	Under section 419/420/468/471/409 of C.P.C.	V. Ahron, P.O. Nanda-chaur (Hoshiarpur)	9 years
26	Kartar Singh, Agricultural Inspector	Do	Do	Kapurthala	Embezzlement	C/o D.A.O., Kapurthala	10 years

Originally with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

27	Sulakhan Singh, Agricultural Sub-Inspector	Suspended	Bholath	Bholath	Arrested by the police in theft case	C/o D.A.O., Kapurthala	7 years
	Ferozepur District						
	(i) Class III Government Servants—						
28	Amrik Singh Duggal, Agricultural Sub-Inspector	Suspneded	Ferozepur	Bhatinda	Under Section 409, I.P.C. wheat scandal	Bungl No.ow 116, Civil Line, Agra	5 years
29	Harpal Singh Agricultural Inspector	Do	Do	Ferozepur	Possession of unlicensed arms and opium	V. Dhagana, P.O. Boparai, tehsil Patti, (Amritsar)	5 years
30	Mohinder Pal, Accountant	Do	Abohar	Abohar	Irregularity at the farm	C/o Farm Manager, Abohar	21 years
31	Kuldip Singh, Compost Inspector	Removed	Lambi	..	Absence from duty	V. Sheikhupura, P.O. Saropawali (Gurdaspur)	9 years
32	Narain Dass, Agricultural Sub-Inspector	Suspended	Moga	Moga	Arrested under section 420/109 IPC	C/o D.D.A. Nabha	20 years
33	Narain Dass, Agricultural Sub-Inspector	Do	Ghalkhurd	Fatehgarh Churian	Absence from duty	C/o B.D.P.O, Fatehgarh Churian	6 years
	(ii) Class IV Government Servants—						
34	Kapur Singh Beldar	Terminated	Goninana Farm	..	Absence from duty, disobedience	...	3 years
	Bhatinda District						
	(i) Class III Government Servants—						
35	Hem Raj Jindal, Agricultural Inspector	Suspended	Jhunir	Jhunir, Gurdaspur	Embezzlement absence from duty	V. & P.O. Cangli, via Dhuri (Sangrur)	5 years
36	Jasbir Singh, Agricultural Inspector	Do	Jhunir	Gurdaspur	Purchase of inferior seed, disobedience etc.	V. Dadupura, P.O. Majitha (Amritsar)	11 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
37	Devinder Singh Sikand, Agricultural Inspector	Suspended	Bhatinda	Amritsar	Disobedience	C/o A.P.P.O. (Amritsar)	16 years
38	Baldev Singh Sidhu, Agricultural Inspector	Do	Bhatinda	Chandigarh	Misappropriation	V. Ropana, tehsil Mukatsar	17 years
	Sangrur District						
(i)	*Class III Government Servants—*						
39	Harbhajan Singh, Agricultural Inspector	Suspended	Lehragaga	Ludhiana	Under Section 294/34 of I.P.C.	Abohar, tehsil Fazilka, (Ferozepour)	3 years
40	Devinder Singh, Agricultural Inspector	Do	Do	Sangrur	Ditto	V. Dhindar (Meerut)	5 years
41	Gurdev Singh, Agricultural Inspector	Do	Mahil Kalan	Nabha	Corruption	Mukatsar (Ferozepur)	8 years
(ii)	*Class IV Government Employees—*						
42	Pritam Singh, Beldar	Terminated	Do	..	Absence from duty	..	Less than 1 year
	Patiala District						
(i)	*Class III Government Employees—*						
43	Ram Singh, Agricultural Inspector	Suspended	Patiala	Hoshiarpur	Under section 109	V. Sangatpur (Ludhiana)	5 years
44	Gurcharan Singh Grewal, Agricultural Inspector	Do	Bara Farm	Ahmedgarh	Under section 379, I.P.C.	Ludhiana	2 years
45	Mohinder Singh, Agricultural Inspector	Do	Do	Hoshiarpur	Ditto	V. & P.O. Rampura, Ludhiana	5 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

46	Atamjit Singh, Clerk	Suspended	Nabha	Mukatsar	Theft of Government property	C/o A.C.E., Mukatsar	9 years
47	Sant Ram, Accountant	Do	Patiala	Hoshiarpur	Tempering of Government record	Nabha	26 years
48	Harnek Singh, Tractor Driver	Do	Bir Dosondha Wala Farm	Gurdaspur	Theft of wheat seed	C/o A.E. (Imp.), Chandigarh	15 years
49	Puran Singh, Agricultural Sub-Inspector	Do	Sirhind	Chamkaur Sahib	Arrested under section 457/380 I.P.C.	C/o B. D. & P.O., Chamkaur Sahib	30 years
50	Sher Singh, Agricultural Sub-Inspector	Suspended	Nabha	Rajpura	Theft of Wheat	C/o B.D.&P.O, Rajpura	20 years
51	Jagir Singh, Agricultural Sub-Inspector	Do	Ghanaur	Budlada	Embez zlement	C/o B.D.&P.O, Budlada	20 years
				Ludhiana District			
(i)	*Class III Government Employees—*						
52	Sadhu Singh, Agricultural Inspector	Suspended	Sudhar	Gurdaspur	Absence and negligence of duty	V. & P.O. Bhaller (Ferozepur)	12 years
53	Gurcharan Singh, Sandhu, Agricultural Inspector	Do	Pakhowal	Lehragaga	Non-handing over charge	60 Gopalnagar Amritsar	6 years
54	Sant Lal, Senior Laboratory Assistant	Do	Ludhiana	Ludhiana	Corruption	C/o Seed Testing Officer, Ludhiana	20 years
55	Darshan Singh, Agricultural Sub-Inspector	Do	Do	Do	Arrested under section 307, I.P.C.	C/o Asstt. Oil Seed Extension Officer, Ludhiana	5 years
				Rupar District			
56	Sarpal Singh, Agricultural Inspector	Suspended	Chamkaur Sahib	Bassi Pathana	Non-compliance of orders	H. No. 2722, Ram Nagar (Amritsar)	8 years

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
					Chandigarh		
57	Gurdev Singh Sangr, Agricultural Inspector	Suspended	Chandigarh	Chandigarh	Disobedience of orders and negligence of duty	Khemkaran (Amritsar)	12 years
58	Chhaju Ram Clerk	Do	Chandigarh	Chandigarh	Embezzlement	Sangrur	8 years
59	Chur Singh	Terminated	Ferozepur	..	Absence from duty	Village Sangr tehsil Mukatsar	3 years

Origin... with;
Punja... idhan Sabha
Digiti... by;
Panjab ... igital Library

Suspension, etc. of Non-Gazetted Employees of Elections Department, Punjab

642. Doctor Sadhu Ram : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of the Election Department, Punjab, have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the reasons in each case for suspension/reversion/termination of services as the case may be, be laid on the Table of the House ;

(c) the services rendered by each of the above mentioned employees in the department in each case ?

Sardar **Parkash Singh Badal:** (a) (i) It is correct that a large number of non-gazetted employees of the Elections Department, Punjab, were reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970. The reason for the same is that there is very small number of permanent posts in this department and as such a good number of temporary posts are got sanctioned during the Election days. Since November, 1966, apart from some bye-elections, two general elections and one biennial election to the Punjab Legislative Council have been held. The temporary staff sanctioned from time to time for preparation of electoral rolls and Conduct of elections has to be reverted/terminated on the expiry of term of their posts.

(ii) As regards suspension, only one chawkidar Shri Ram Rath of District Election Office, Ludhiana, was suspended because he was found in drunken condition while on official duty. During enquiry he was found guilty and was transferred as a peon in the District Election Office, Gurdaspur.

(b) & (c) The required information is enclosed in detail. The information about Head Office, Election Store, Patiala, and each District Election Office is given on separate sheets.

Statement showing the names of officials who were Reverted/Services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970

Serial No.	Name of official	Post from which reverted/ terminated	Date of appointment to the post	Date of reversion	Remarks
1	2	3	4	5	6
		STATEMENT 'A'			
1	Shri Tilak Raj ..	Head Asstt.	8-11-68	28-2-69	Reverted as Assistant due to reduction of posts.
2	Shri Dilbagh Rai	Do	15-10-68	28-2-69	Ditto
3	Shri Dharam Singh	Do	15-10-68	28-2-69	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of official	Post form which reverted/ terminated	Date of appoint-ment to the post	Date of reversion	Remarks
1	2	3	4	5	6
4	Shri Bhagwan Dass ..	Head Asstt.	19-10-68	7-11-68	Reverted due to joining of senior person
5	Shri Rulia Singh ..	Assistant	(i) 15-10-68 (ii) 15-11-69	28-2-69 31-1-70	Reverted as Clerk due to reduction of posts.
6	Shri Ram Singh ..	Do	(i) 30-12-66 (ii) 15-10-68 (iii) 15-11-69	28-2-67 28-2-69 31-12-69	Ditto
7	Shri Ram Saran ..	Do	(i) 2-1-67 (ii) 15-10-68	13-1-67 28-2-69	Ditto
8	Shri Harbans Lal ..	Do	2-4-68	28-2-69	Ditto
9	Shri Tarlok Singh ..	Do	15-10-68	28-2-69	Ditto
10	Shri Hari Singh ..	Do	15-10-68	28-2-69	Ditto
11	Shri Bhagwant Singh ..	Do	15-10-68	28-2-69	Ditto
12	Shri Saran Dass ..	Restorer	23-12-68	16-2-69	Reverted as Daftri on joining his senior person.
13	Shri Mohan Lal ..	Gestetner Operator	..	4-3-67	Ditto
14	Shri Darshan Bhutt ..	Daftri	2-6-66	1-9-69	Reverted as Peon on joining his Senior.

STATEMENT 'B'

				Date of termination of services	
1	Shri Parshotam Dass Singla ..	Clerk	7-12-66	28-2-67	On expiry of the term of post.
2	Miss Jagat Kumari ..	Do	3-10-67	31-5-68	Ditto
3	Miss Tejinder Kaur	Do	3-10-67	31-5-68	Ditto
4	Shri Satwant Singh ..	Do	3-10-67	31-5-68	Ditto
5	Shri Sukhdev Singh Bedi ..	Do	3-10-67	31-5-68	Ditto
6	Shri Surjit Singh ..	Do	3-10-67	31-5-68	Ditto
7	Shri Baldev Singh ..	Do	3-10-67	31-5-68	Ditto
8	Shri Arvinder Singh ..	Do	28-9-68	28-2-69	Ditto
9	Shri Mohinder Pal ..	Do	9-10-68	28-2-69	Ditto

Origi... with;
Punja... Vidhan Sabha
Digit... by;
Panja...

Serial No.	Name of official	Post from which reverted terminated	Date of appoint-ment to the post	Date of termi-nation of services	Remarks
1	2	3	4	5	6
10	Shri Narinder Singh ..	Clerk	16-10-68	28-2-69	On expiry of the term of post
11	Shri Janak Singh ..	Do	16-10-68	28-2-69	Ditto
12	Shri Balmukand ..	Do	17-10-68	28-2-69	Ditto
13	Shri Satwant Singh ..	Do	15-10-68	28-2-69	Ditto
14	Shri Surinder Sharma ..	Do	15-10-68	28-2-69	Ditto
15	Shri Ujagar Singh ..	Do	15-10-68	28-2-69	Ditto
16	Shri Sheetal Singh ..	Do	13-11-68	28-2-69	Ditto
17	Shri Shesh Lal ..	Do	13-11-68	28-2-69	Ditto
18	Shri Sumer Pal ..	Do	13-11-68	28-2-69	Ditto
19	Shri Shiv Saroop Joshi..	Do	20-11-68	28-2-69	Ditto
20	Shri Nasib Singh ..	Do	24-11-68	28-2-69	Ditto
21	Shri Mangat Singh ..	Peon			Ditto
22	Shri Sohan Lal ..	Do	Sep., 68	28-2-69	Ditto
23	Shri Mohamad Hussan	Do	Dec., 68	28-2-69	Ditto

Note.—1. The first 1—14 officials of statement 'A' are still working in this department.

2. The present addresses of the remaining 23 ex-employees at statement 'B' are not known to this office.

Statement showing the names of Officials who were Reverted/Terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 of the Elections Store, Patiala.

Sr. No.	Name of official	Post from which revert-ed/ terminated	Date of appoint-ment	Date of reversion/ termination	Remarks
1	2	3	4	5	6
1	Shri Naresh Kumar ..	Clerk	7-1-67	28-2-67	Term of the post was up to 28-2-67
2	Shri Dhanu Ram ..	Do	7-1-67	28-2-67	Ditto
3	Shri Suresh Kumar ..	Do	7-1-67	28-2-67	Ditto
4	Shri Hukam Chand ..	Do	7-1-67	28-2-67	Ditto
5	Shri Rajinder Chand ..	Do	7-1-67	28-2-67	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6
6	Shri Harbans Lal ..	Clerk	8-11-68	28-2-69	Services were terminated on the expiry of the term of post.
7	Shri Charanjit Singh ..	Do	8-11-68	28-2-69	Ditto
8	Shri Rajinder Singh ..	Do	27-11-68	28-2-69	Ditto
9	Shri Ranbir Singh ..	Do	26-11-68	20-2-69	Ditto
10	Shri Harsish Singh ..	Do	5-1-69	20-2-69	Ditto
11	Shri Balbir Chand ..	Do	5-1-69	20-2-69	Ditto
12	Shri Malik Singh ..	Do	5-1-69	13-1-69	Ditto
13	Miss Surrinder Kaur ..	Do	5-1-69	28-2-69	Ditto
14	Shri Ravinder Singh ..	Do	24-1-69	28-2-69	Ditto
15	Shri Darshan Lal ..	Peon	3-1-69	28-2-69	Ditto

Statement showing the detail of the officials who were reverted/terminated in Patiala district

Serial No.	Name of official	Designation	Date of appointment	Date of termination	Remarks
1	2	3	4	5	6
1	Shri Sat Pal ..	Clerk	21-10-66	31-3-67	Transferred to his parent Department
2	Shri Amarjit Singh ..	Do	3-11-66	31-3-67	Services were terminated on the expiry of period of the post.
3	Shri Mohan Lal ..	Do	3-11-66	31-3-67	Ditto
4	Shri Harjas Lal ..	Do	3-11-66	31-3-67	Ditto
5	Shri Ramesh Dutt ..	Do	3-11-66	4-1-67	Ditto
6	Shri Balbir Singh ..	Do	3-11-66	12-2-67	Ditto
7	Shri Radha Ram ..	Do	3-11-66	31-12-67	Transferred to his parent Department.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6
8	Shri Deva Singh ..	Clerk	2-1-67	31-3-67	Services were terminated on the expiry of period of the post.
9	Shri Amar Singh ..	Do	22-1-67	31-3-67	Ditto
10	Shri Karam ..	Do	10-1-67	31-3-67	Ditto
11	Shri Ram Lachman Dass	Assistant	26-1-67	30-6-67	Transferred to his parent Department.
12	Shri Ram Chand ..	Acctt.	13-2-67	30-6-67	Ditto
13	Shri Baldev Singh ..	Clerk	6-1-68	31-3-69	Services were terminated on the expiry of the period of the post.
14	Shri Balwant Singh ..	Do	6-1-68	31-3-69	Ditto
15	Shri Shamsher Singh ..	Do	6-1-68	31-3-69	Ditto
16	Shri Bhola Singh ..	Do	6-1-68	31-3-69	Ditto
17	Shri Hari Mohan ..	Do	6-1-68	31-3-69	Ditto
18	Shri Suraj Parkash ..	Do	6-1-68	31-3-69	Ditto
19	Shri Vijay Kumar ..	Do	6-1-68	31-3-69	Ditto
20	Shri Harbans Lal ..	Proof Reader	23-11-68	23-12-68	Ditto
21	Shri Kartar Chand ..	Ditto	23-11-68	23-12-68	Ditto
22	Shri Arun Kumar ..	Ditto	23-11-68	8-12-68	Ditto
23	Miss Mohinder Kaur ..	Ditto	25-11-68	24-12-68	Ditto
24	Miss Krishana Kumari	Ditto	25-11-68	24-12-68	Ditto
25	Miss Sakuntla Devi ..	Clerk	2-12-68	31-3-69	Ditto
26	Shri Manget Rai ..	Clerk	30-9-68	30-9-69	Ditto
27	Shri Ram Chand ..	Asstt.	1-11-68	31-1-69	Transferred to his parent Department.
28	Shri Gorakh Nath ..	Acctt.	1-1-69	30-6-69	Ditto
29	Shri Ravinder Singh	Clerk	10-12-69	8-2-70	Reverted on the expiry of the period of post.
30	Shri Jaspal Singh ..	Peon	1-1-70	9-2-70	Services were terminated on the expiery of the period of post.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6
31	Shri Krishan Kumar	Proof Reader	25-12-69	23-1-70	Services were terminated on the expiery of the period of post.
32	Shri Kirpal Singh ..	Ditto	25-12-69	23-1-70	Ditto
33	Shri Rajinder Singh ..	Ditto	25-12-69	23-1-70	Ditto
34	Shri Bhagwant Singh ..	Ditto	25-12-69	23-1-70	Ditto
35	Shri Babu Lal ..	Ditto	25-12-69	23-1-70	Ditto
36	Shri Manget Rai ..	Clerk	26-12-69	2-3-70	Ditto

Statement showing the details of the officials who were reverted/terminated from November, 1966 to February, 1970, relating to district Jullundur

Serial No.	Name of official	Designation	Date of appoint-ment	Date of reversion/ termination	Remarks
1	2	3	4	5	6
1	Shri Harbans Lal ..	Election Tehsildar	5-4-66 1-10-68	31-3-67 31-3-69	Due to the expiry of the term of post.
2	Shri Madan Lal ..	Eelction Naib-Tehsildar	1-10-68	31-3-69	Ditto
3	Shri Baldev Singh ..	Assistant	9-12-66 &18-11-68	30-6-67 28-2-69	Ditto
4	Shri Jagdish Millai ..	Accountant	5-3-67	30-6-67	Ditto
5	Shri Shankar Singh ..	Election Kanungo	16-7-66	28-2-67	Ditto
6	Shri Sant Lal	Accountant	21-1-69	30-6-69	Ditto
7	Shri Mohan Singh ..	Election Kanungo	24-12-68	13-5-68	Ditto
8	Shri Ripurdanam Singh	Clerk	15-11-66	31-3-66	Ditto
9	Shri Subash Chander ..	Do	15-11-66	31-3-67	Ditto
10	Shri Hari Chand ..	Do	15-11-66	31-3-67	Ditto
11	Shri Inderjit Singh ..	Do	15-11-66	31-3-67	Ditto
12	Shri Mehanga Ram ..	Do	15-11-66	31-3-67	Ditto
13	Shri Surjit Singh ..	Do	15-11-66	31-3-67	Ditto
14	Shri Sohan Lal ..	Do	15-11-66	31-3-67	Ditto
15	Shri Ram Parkash ..	Do	1-12-66	31-3-67	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

1	2	3	4	5	6
16	Shri Daulat Singh ..	Peon	14-11-66	12-1-67	Resigned from the post
17	Shri Roshan Singh ..	Do	1-3-67	31-3-67	Due to expiry of term of post
18	Shri Ramesh Kumar ..	Clerk	2-11-68	31-3-69	Ditto
19	Shri Manjit Singh ..	Do	2-11-68	25-2-69	Ditto
20	Shri Narinder Kumar ..	Do	2-11-68	31-3-69	Ditto
21	Shri Prem Singh ..	Do	4-11-68	31-3-69	Ditto
22	Shri Surinder Singh ..	Do	4-11-68	31-3-69	Ditto
23	Shri Mangal Singh	Clerk	7-11-68	31-3-69	Ditto
24	Shri Rattan Lal ..		11-11-68	31-3-69	Ditto
25	Shri Karnail Singh ..	Proof Reader	25-11-68 & 27-12-68	26-12-68 31-3-69	Ditto
26	Shri Amarjit Singh ..	Ditto	25-11-68	26-12-68	Ditto
27	Shri Lubhaya Ram ..	Ditto	25-11-68	26-12-68	Ditto
28	Shri Surinder Singh ..	Ditto	25-11-68	26-12-68	Ditto
29	Shri Sukhwant Singh ..	Ditto	25-11-68	26-12-68	Ditto
30	Shri Tarlochan Singh ..	Ditto	27-11-68	26-12-68	Ditto
31	Shri Dayal Singh ..	Ditto	25-10-68	31-3-69	Ditto
32	Shri Kewal Krishan ..	Ditto	23-12-69	22-1-70	Ditto
33	Shri Parkash Singh ..	Ditto	23-12-69	31-1-70	Ditto
34	Shri Vijay Kumar ..	Ditto	24-12-69	22-1-70	Ditto
35	Shri Naresh Kumar ..	Ditto	23-12-69	22-1-70	Ditto
36	Shri Parma Nand ..	Ditto	23-12-69	28-2-70	Ditto
37	Shri Joginder Paul ..	Ditto	23-12-69	22-1-70	Ditto
38	Shri Sukhdev Singh ..	Ditto	23-12-69	22-1-70	Ditto
39	Shri Surrinder Paul Singh	Ditto	24-12-69	13-1-70	Ditto
40	Shri Gurbachna Ram ..	Election Kanungo	12-12-69	16-2-70	Reverted by the orders of the D.C., Jullundur being junior most.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Statement showing the detail of the Officials who were Reverted/Terminated within the period of November, 1966 to February, 1970—District Ropar

Serial No.	Name of official	Designation	Date of appointment	Date of Termination	Remarks
1	2	3	4	5	6
1	Shri Swaran Singh ..	Clerk	7-12-66	31-3-67	Terminated as the post was only up to 31st March, 1967.
2	Shri Jasmer Singh ..	Do	7-12-66	31-3-67	Ditto
3	Shri Ved Parkash ..	Do	8-12-66	31-3-67	Ditto
4	Shri Gurpal Singh ..	Do	9-12-66	31-3-67	Ditto
5	Shri Ram Rattan ..	Do	9-12-66	31-3-67	Ditto
6	Shri Narinder Singh ..	Do	12-12-66	5-9-67	Appointed as Clerk in D.C. Office, Ropar.
7	Shri Teja Singh ..	Do	15-12-66	31-3-67	Terminated as the post was only up to 31st March, 1967.
8	Shri Amrit Lal ..	Accountant	1-2-67	30-6-67	Reverted to the post of Clerk in D.C. Office.
9	Shri Om Parkash ..	Assistant	11-5-67	30-6-67	Reverted to his substantive post in D.C. Office.
10	Shri Sohan Lal ..	Clerk	9-2-68	19-6-68	Terminated on joining of permanent Clerk.
11	Shri Tulshi Ram ..	Election Kanungo	12-1-67	16-4-67	Reverted as Patwari.
12	Shri Jagbir Singh ..	Clerk	19-10-68	29-3-69	Terminated as the post was only up to 31st March, 1969
13	Shri Narinder Singh ..	Do	22-10-68	29-3-69	Ditto.
14	Shri Harbhajan Singh	Do	23-10-68	29-3-69	Ditto
15	Shri Jarnail Singh ..	Do	8-11-68	4-1-69	Resigned
16	Shri Sohan Lal ..	Do	8-11-68	30-11-68	Ditto
17	Shri Lachhman Singh	Proof Reader	18-11-68	23-12-68	Terminated as the printing work was completed.
18	Shri Pritam Singh ..	Ditto	20-11-68	23-12-68	Ditto
19	Shri Rajinder Kumar ..	Ditto	18-11-68	23-12-68	Ditto
20	Shri Avtar Singh ..	Ditto	18-11-68	23-12-68	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6
21	Shri Pritam Singh ..	Clerk	24-12-68	29-3-69	Terminated as the post was up to 31st March, 1969.
22	Shri Rajinder Kumar ..	Do	24-12-68	29-3-69	Ditto
23	Shri Lachhman Singh ..	Do	27-1-69	29-3-69	Ditto
24	Shri Ranjit Singh ..	Accountant	16-1-69	30-6-69	Reverted as Clerk as the post was upto 30th June, 1969.
25	Shri Om Parkash ..	Assistant	1-11-68	30-6-69	Transferred to D. C. Office, Ropar as the post was up to 30th June, 1969.
26	Shri Vijay Kumar ..	Clerk	20-12-69	19-2-70	Terminated as the printing work was completed.
27	Shri Rajinder Kumar ..	Proof Reader	21-12-69	5-1-70	Ditto
28	Shri Harnam Singh ..	Do	21-12-69	9-1-70	Ditto
29	Shri Gulzara Singh ..	Do	23-12-69	9-1-70	Ditto

Statement showing the Detail of Officials who were terminated/reverted during the period from November, 1966 to February, 1970 of District Hoshiarpur

Serial No.	Name of official	Post from which reverted/ terminated	Date of appointment	Date of reversion/ termination	Remarks
1	2	3	4	5	6
1	Shri Chanan Singh ..	Assistant	16-9-66	30-6-67	Reverted as Clerk on expiry of the term of post.
2	Shri Gurbax Lal ..	Clerk	1-11-66	31-3-67	Terminated on exp ry of the post.
3	Shri Balbir Singh ..	Do	1-11-66	31-3-67	Ditto
4	Shri Nirmal Singh ..	Do	1-11-66	31-3-67	Ditto
5	Shri Kartar Singh ..	Do	1-11-66	31-3-67	Ditto
6	Shri Krishan Lal ..	Do	1-11-66	31-3-67	Ditto
7	Shri Kulwant Singh ..	Do	1-11-66	31-3-67	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6
8	Shri Basheshar Nath ..	Accountant	24-1-67	30-6-67	Reverted as Clerk on expiry of the term of post.
9	Shri Chanan Singh ..	Assisstant	25-10-68	30-6-69	Ditto
10	Shri Mahabir Parsad ..	Clerk	1-11-68	21-3-69	Terminated on expiry of the term of post.
11	Shri Jasbir Singh ..	Ditto	1-11-68	6-1-69	Ditto
12	Miss Naresh Kanta ..	Ditto	1-11-68	31-3-69	Ditto
13	Miss Kanta Devi ..	Ditto	1-11-68	17-4-69	Ditto
14	Shri Mani Singh ..	Ditto	5-11-68	31-3-69	Ditto
15	Shri Ajit Ram ..	Ditto	2-11-68	31-3-69	Ditto
16	Shri Harbhajan Singh ..	Accountant	1-1-69	17-4-69	Reverted as Clerk.
17	Shri Gurcharan Singh ..	Proof Reader	22-11-68	31-3-69	Terminated on expiry of the term of post.
18	Shri Jagir Singh ..	Ditto	22-11-68	21-12-68	Ditto
19	Shri Harjit Singh ..	Ditto	22-11-68	21-12-68	Ditto
20	Shri Gurdev Ram ..	Ditto	22-11-68	21-12-68	Ditto
21	Shri Ved Parkash ..	Ditto	22-11-68	21-12-68	Ditto
22	Shri Avinash Kumar ..	Ditto	22-11-68	21-12-68	Ditto
23	Shri Faqir Chand ..	Ditto	1-12-68	21-12-68	Ditto
24	Shri Tirath Ram ..	Ditto	1-12-68	21-12-68	Ditto
25	Shri Tarsem Singh ..	Clerk	17-11-68	31-3-69	Ditto
26	Shri Hari Dass ..	Ditto	22-11-68	31-3-69	Ditto
27	Shri Madan Lal ..	Accountant	18-4-69	30-6-69	Reverted as Election Kanungo.
28	Shri Dogar Ram ..	Clerk	12-12-69	11-2-70	Terminated on expiry of the term of post
29	Shri Ashok Kumar son of Shri Sarwan Kumar	Proof Reader	25-12-69	18-1-70	Ditto.
30	Shri Ashok Kumar son of Shri Chattar Singh	Ditto	25-12-69	18-1-70	Ditto
31	Shri Naresh Kumar ..	Ditto	25-12-69	18-1-70	Ditto
32	Shri Bhagwant Kishore	Ditto	25-12-69	18-1-70	Ditto
33	Shri Jaswant Rai ..	Ditto	24-12-69	18-1-70	Ditto
34	Shri Tilak Raj ..	Ditto	29-12-69	18-1-70	Ditto

Origi[nal] with;
Punja[b] Vidhan Sabha
Digit[ize]d by;
Panja[b Digital Library]

Statement showing the names of officials who were reverted/terminated during the period from November, 1966 to February, 1970, of District Gurdaspur

Serial No.	Name of officials	Designation	Date of appointment	Date of termination	Remarks
1	Shri Randhir Singh ..	Assistant	24-8-66	30-6-67	Terms of post expired.
2	Shri Dalbir Singh ..	Clerk	1-11-66	31-3-67	Ditto
3	Shri Jaishi Ram ..	Ditto	2-11-66	31-3-67	Ditto
4	Shri Kuldip Singh ..	Ditto	2-11-66	31-3-67	Ditto
5	Shri Des Raj ..	Ditto	17-11-66	30-6-67	Ditto
6	Shri Akhtar Masih ..	Ditto	1-12-66	31-3-67	Ditto
7	Shri Raj Kulbhushan ..	Ditto	20-12-66	31-3-67	Ditto
8	Shri Subash Dutta ..	Accountant	19-1-67	30-6-67	Ditto
9	Shri Randhir Singh ..	Assistant	25-7-67	Oct., 67	Ditto
10	Shri Bagh Singh ..	Ditto	26-10-68	30-6-69	Ditto
11	Shri Mulakh Raj ..	Clerk	28-10-68	31-3-69	Ditto
12	Shri Ram Chander ..	Ditto	6-11-68	31-3-69	Ditto
13	Shri Dev Singh ..	Ditto	5-11-68	9-7-69	Ditto
14	Shri Dharam Singh	Ditto	5-11-68	31-3-69	Ditto
15	Shri Harbans Singh	Ditto	13-11-68	31-3-69	Ditto
16	Smt. Surrinder Kaur	Ditto	5-11-68	25-1-69	Ditto
17	Shri Lal Chand ..	Proof Reader	15-11-69	23-12-68	Ditto
18	Shri Maluk Singh ..	Ditto	16-11-68	23-12-68	Ditto
19	Miss Santosh Kumari ..	Ditto	16-11-68	23-12-68	Ditto
20	Shri Sumer Pal ..	Ditto	13-11-68	23-12-68	Ditto
21	Shri Gamdur Singh ..	Ditto	13-11-68	23-12-68	Ditto
22	Shri Ajit Singh ..	Accountant	14-1-69	30-6-69	Ditto
23	Shri Sukhdev Kumar		29-12-69	15-1-70	Ditto
24	Miss Nirmal Sharma ..	Clerk	29-12-69	15-1-70	Ditto
25	Shri Sukhwinder Singh		29-12-69	15-1-70	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Statement showing the reversions/terminations of services of employees from November, 1966 to February, 1970 of Kapurthala District

Serial No.	Name of the official	Designation	Date of appoint-ment	Date of reversions/ terminated	Remarks
1	2	3	4	5	6
1	Shri Sat Pal	Assistant	1-11-66	30-6-67	Due to expiry of terms of post
2	Smt. Smitri Rani ..	Clerk	2-11-66	31-3-67	Ditto
3	Smt. Avtar Kaur ..	Ditto	2-11-66	31-3-67	Ditto
4	Smt. Ramesh Kumari	Ditto	11-11-66	31-3-67	Ditto
5	Shri Bakhshish Singh	Accountant	9-1-67	30-6-67	Ditto
6	Shri Harmesh Kumar	Clerk	12-1-67	30-1-67	Ditto
7	Shri Sat Paul ..	Assistant	20-10-68	30-6-69	Ditto
8	Shri Naresh Kumar ..	Clerk	20-11-68	31-3-69	Ditto
9	Shri Nasib Chand	Ditto	11-11-68	31-3-69	Ditto
10	Shri Manjit Singh ..	Ditto	19-11-68	31-3-69	Ditto
11	Smt. Darshan Kaur ..	Ditto	19-11-68	31-3-69	Ditto
12	Shri Shangara Singh ..	Proof Reader	20-11-68	19-12-68	Ditto
13	Shri Vinod Kumar ..	Ditto	21-11-68	19-12-68	Ditto
14	Shri Surjit Singh ..	Ditto	20-11-68	19-12-68	Ditto
15	Shri Inderjit Singh ..	Ditto	29-11-68	4-12-68	Conduct unsatis-factory
16	Shri Ragupat Rai ..	Ditto	6-12-68	19-12-68	Due to expiry of the post
17	Shri Sujan Singh ..	Accountant	1-1-69	30-6-69	Reverted to D.C. Office, Kapurthala
18	Shri Balinder Kumar ..	Proof Reader	24-12-69	14-1-70	Due to expiry of term of post
19	Shri Ram Singh ..	Ditto	24-12-69	24-2-70	Ditto
20	Shri Hari Dev ..	Clerk	25-12-69	14-1-70	Terminated being his work un-satisfactory

Orig... with;
Punj... Vidhan Sabha
Digit... by;
Panj...

Statement showing the detail of the officials who were terminated within the period of November, 1966 to February, 1970 district Bhatinda

Serial No.	Name of official and designation	Date of appointment	Date of termination	Remarks
1	2	3	4	5
1	Shri Kartar Singh, Clerk ..	11-11-66	31-3-67	On expiry of the term of the post
2	Shri Subash Chander, Clerk ..	11-11-66	28-2-67	Ditto
3	Shri Kaur Singh, Clerk ..	29-11-66	31-3-67	Ditto
4	Shri Gian Singh, Clerk ..	1-12-66	31-3-67	Ditto
5	Shri Des Raj, Clerk ..	25-11-66	31-3-67	Ditto
6	Shri Jang Singn, Clerk ..	26-11-66	28-1-67	Absent from duty
7	Shri Rajinder Kumar, Clerk ..	22-12-66	30-6-67	On expiry of the term of the post
8	Shri Himmat Singh, Peon ..	5-1-67	31-3-67	Ditto
9	Shri Sham Sunder, Clerk ..	3-11-68	31-3-69	Ditto
10	Shri Jagrup Singh, Clerk ..	4-11-68	30-6-69	Ditto
11	Shri Mohinder Singh, Clerk ..	4-11-68	14-2-69	Relieved on his own request
12	Shri Jaswant Singh, Clerk ..	4-11-68	31-3-69	On the expiry of the term of the post
13	Shri Sajjan Singh, Clerk ..	5-11-68	31-3-69	Ditto
14	Shri Tarsem Lal Narang, Clerk	7-11-68	31-3-69	Ditto
15	Shri Birj Lal, Proof Reader ..	20-11-68	23-12-68	Ditto
16	Shri Gopal Bhardwaj, Proof Reader ..	20-11-68	23-12-68	Ditto
17	Shri Inder Mohan, Proof Reader	20-11-68	23-12-68	Ditto
18	Shri Om Parkash, Proof Reader	20-11-68	23-12-68	Ditto
19	Shri Mohan Lal, Proof Reader	20-11-68	23-12-68	Ditto
20	Shri Nasib Singh, Proof Reader	21-11-68	23-12-68	Ditto
21	Shri Sukhdev Singh, Proof Reader	19-12-69	18-2-70	Ditto
22	Shri Mohinder Singh, Proof Reader	24-12-69	12-1-70	Ditto
23	Shri Ram Singh, Proof Reader	24-12-69	12-1-70	Ditto
24	Shri Nachhattar Singh, Proof Reader	25-12-69	12-1-70	Ditto
25	Shri Gurdev Singh, Proof Reader	25-12-69	12-1-70	Ditto
26	Smti Mohinder Kaur, Proof Reader	25-12-69	12-1-70	Ditto
	Reverted			
1	Shri Hardip Singh, Assistant ..	9-9-66 28-10-68	30-6-67 30-6-69	Ditto
2	Shri Krishan Chander, Accountant	16-1-67	30-6-67	Ditto
3	Shri Rajwant Singh, Accountant	9-1-69	30-6-69	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Statement showing the detail of the officials who were terminated/reverted from November, 1966 to February, 1970, relating to district Ferozepur

Serial No.	Name of official	Designation	Date of appointment	Date of reversion/ termination	Remarks
1	2	3	4	5	6
1	Shri Hardyal Singh ..	Clerk	8-11-66	31-3-67	Due to expiry of terms of post
2	Shri Pirtpal Singh ..	Do	8-11-66	31-1-67	Ditto
3	Shri Krishan Lal ..	Do	9-11-66	31-3-67	Ditto
4	Shri Amrit Lal ..	Do	10-11-66	31-3-67	Ditto
5	Shri Yesh Paul ..	Do	1-12-66	28-2-67	Ditto
6	Shri Vijay Kumar ..	Do	1-12-66	31-3-67	Ditto
7	Shri Mulkh Raj ..	Do	1-12-66	31-3-67	Ditto
8	Shri Ram Lal ..	Do	1-12-66	31-3-67	Ditto
9	Shri Tillak Raj ..	Do	1-12-66	31-3-67	Ditto
10	Shri Amrit Lal ..	Do	26-11-66	31-3-67	Ditto
11	Shri Gulzari Lal ..	Do	15-11-68	31-3-69	Ditto
12	Shri Avtar Singh ..	Do	15-11-68	31-3-69	Ditto
13	Shri Swaran Singh ..	Do	15-11-68& 29-12-69	30-4-69 & 9-1-70	Ditto
14	Shri Prem Lal ..	Do	17-11-68	31-3-69	Ditto
15	Shri Satya Paul ..	Do	17-11-68	31-3-69	Ditto
16	Shri Tarlok Singh ..	Do	27-11-68	31-3-69	Ditto
17	Shri Shiv Chand Ram	Do	27-11-68 & 13-12-69	31-3-69& 12-2-70	Ditto
18	Shri Manjit Singh ..	Do	27-11-69	31-3-69	Ditto
19	Shri Naresh Kumar ..	Do	28-11-68	21-12-68	Ditto
20	Shri Dalip Singh ..	Do	28-11-68	31-3-69	Ditto
21	Shri Santokh Singh ..	Proof Reader	16-11-68	24-12-68	Ditto
22	Shri Manohar Singh ..	Ditto	16-11-68	24-12-68	Ditto
23	Shri Baldev Raj, son of Shri Tek Chand	Ditto	16-11-68	24-12-68	Ditto
24	Shri Baldev Raj, son of Shri Durga Dass	Ditto	16-11-68	24-12-68	Ditto
25	Shri Om Parkash ..	Ditto	20-11-68	24-12-68	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of official	Designation	Date of appintment	Date of reversion/ termination	Remarks
1	2	3	4	5	6
26	Shri Balvinder Singh ..	Proof Reader	21-11-68	24-12-68	Due to expiry of terms of Post
27	Shri Satya Pal Sharma ..	Ditto	17-11-68	24-12-69	Ditto
28	Shri Sukhbir Singh ..	Ditto	20-11-68	24-12-68	Ditto
29	Shri Sarn Paul Singh ..	Ditto	20-11-68	24-12-68	Ditto
30	Shri Teja Singh ..	Ditto	18-11-68	24-12-68	Ditto
31	Shri Shiv Lal ..	Ditto	28-11-68	31-3-69	Ditto
32	Shri Ram Sarn Dass ..	Accountant	4-1-69	31-1-69	
33	Shri Ram Nath Luthra	Do	1-2-69	30-6-69	Due to transfer
34	Shri Rajwant Singh ..	Clerk	3-12-68	28-2-69	Due to expiry of terms of post
35	Shri Hans Raj .	Proof Reader	24-12-69	23-1-70	Ditto
36	Shri Amrit Lal ..	Ditto	29-12-69	27-1-70	Ditto
37	Shri Ram Dirj ..	Ditto	17-9-69	12-2-70	Ditto
38	Shri Prem Parkash ..	Ditto	24-12-69	23-1-70	Due to expiry of terms of post
39	Shri Jagdish Chander ..	Accountant	1-1-67	30-6-67	Ditto
40	Shri Malkiat Singh ..	Clerk	1-1-66	7-7-67	Ditto
41	Shri Gurbachan Dass ..	Peon	21-11-68	31-3-69	Ditto

Statement showing the details of the officials who were reverted/terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 of district Amritsar.

Serial No.	Name of official	Post from which reverted/ terminated	Date of appointment	Date of reversion	Remarks
1	2	3	4	5	6
	STATEMENT 'A'				
1	Shri Raj Kumar ..	Assistant	15-11-66	30-6-67	Term of the post was up to 30th June, 1967
2	Shri Manjit Singh	Accountant	5-1-67	30-6-67	Ditto
3	Shri Manjit Singh	Assistant	5-11-68	30-6-69	Term of the post up to 30th June, 1969

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of official	Post from which re-verted/ terminated	Date of appointment	Date of reversion	Remarks
1	2	3	4	5	6
4	Shri Shingara Singh	Kanungo	19-2-64	27-11-67	Reverted by the D.C. to accommodate senior Kanungo who were on deputation in other Departments
5	Shri Harbans Singh	Kanungo	6-12-67	11-1-68	
6	Shri Dharam Singh	Accountant	6-1-69	30-6-69	Term of the Post was up to 30th June, 1969
				Date of termination of services	
			STATEMENT 'B'		
1	Shri Gurdial Singh	Clerk	4-11-66	31-3-67	Services terminated on the expiry of the term of the post
2	Shri Pritam Singh	Do	4-11-66	31-3-67	Ditto
3	Shri Sat Pal ..	Do	4-11-66	28-2-67	He got appointment in some other department
4	Shri Harbans Lal	Do	4-11-66	28-2-67	Ditto
5	Shri Lachhman Singh	Do	4-11-66	28-2-67	Ditto
6	Shri Ajit Singh ..	Do	4-11-66	31-3-67	Services terminated on the expiry of the term of post
7	Shri Kartar Singh	Do	4-11-66	31-3-67	Ditto
8	Shri Ram Murti	Do	4-11-66	31-3-67	Ditto
9	Shri Ramesh Chander	Do	4-11-66	31-3-67	Ditto
10	Shri Tarlochan Singh	Do	4-11-66	31-3-67	Ditto
11	Shri Charanjit Rai	Proof Reader	17-11-68	24-12-68	Ditto
12	Shri Santokh Singh	Ditto	17-11-68	31-12-68	Ditto
13	Shri Ramesh Chander	Ditto	17-11-68	24-12-68	Ditto
14	Shri Jasbir Singh ..	Ditto	17-11-68	31-12-68	Ditto
15	Shri Ramesh Nath	Ditto	17-11-68	24-12-68	Ditto
16	Shri Pushpinder Singh	Ditto	17-11-68	24-12-68	Ditto
17	Shri Sahib Dayal ..	Ditto	17-11-68	24-12-68	Ditto
18	Shri Ashok Kumar	Ditto	17-11-68	24-12-68	Ditto
19	Shri Om Parkash ..	Ditto	17-11-68	31-12-68	Ditto
20	Shri Kali Charan ..	Ditto	17-11-68	31-12-68	Ditto
21	Shri Kanaya Lal ..	Ditto	18-11-68	31-12-68	Ditto
22	Shri Mukhtar Singh	Ditto	18-11-68	31-12-68	Ditto
23	Shri Subash Chander	Ditto	18-11-68	24-12-68	Ditto

Origi al with;
Punja Vidhan Sabha
Digit zed by;
Panja

Serial No.	Name of official	Post from which reverted/ terminated	Date of appointment	Date of reversion	Remarks
1	2	3	4	5	6
24	Shri Ashok Kumar	Proof Reader	20-11-68	24-12-68	Service terminated on the expiry of the term of post
25	Shri Gulzari Lal ..	Ditto	20-11-68	31-12-68	Ditto
26	Shri Prem Nath ..	Ditto	20-12-68	31-12-68	Ditto
27	Shri Ramesh Kumar	Ditto	20-11-68	24-12-68	Ditto
28	Shri Subash Kumar	Ditto	20-11-68	24-12-68	Ditto
29	Shri Roshan Lal	Ditto	20-11-68	31-12-68	Ditto
30	Shri Harbans Lal	Ditto	20-11-68	24-12-68	Ditto
31	Shri Om Parkash ..	Ditto	20-11-68	31-12-68	Ditto
32	Shri Jaspal Singh ..	Clerk	7-11-68	31-3-69	Ditto
33	Shri Mohinder Singh	Do	7-11-68	31-3-69	Ditto
34	Shrimati Sawarn Kaur	Do	7-11-68	31-3-69	Ditto
35	Shri Surinder Kumar	Do	20-11-68	24-12-68	Ditto
36	Shri Subash Chander	Do	25-12-68	31-3-69	Ditto
37	Shri Sushil Kumar	Do	20-11-68	2-1-69	Ditto
38	Shri Subash Chander	Do	3-1-69	31-3-69	Ditto
39	Shri Gurdev Singh	Do	20-11-68	10-2-69	Resigned
40	Shri Ravinder Kumar	Do	20-11-68	24-12-68	Services terminated on the expiry of the term of the post
41	Shri Ramesh Nath	Do	25-12-68	31-3-69	Ditto
42	Shri Parmodh Kumar	Do	20-11-68	31-3-69	Ditto
43	Shri Baldev Raj ..	Do	20-11-68	24-12-68	Ditto
44	Shri Ashok Kumar	Do	25-12-68	31-3-69	Ditto
45	Shri Mohinder Pal	Do	20-11-68	24-12-68	Ditto
46	Shri Harbans Lal	Do	25-12-68	31-3-69	Ditto
47	Shri Gopi Krishan	Proof Reader	24-12-69	15-1-70	Ditto
48	Shri Krishan Bal ..	Ditto	24-12-69	15-1-70	Ditto
49	Shri Dilbagh Singh	Ditto	24-12-69	15-1-70	Ditto
50	Shri Ved Parkash ..	Ditto	31-12-69	12-1-70	Ditto
51	Shri Santokh Singh	Peon	1-1-69	9-6-69	The post was only up to 31st March, 1969
52	Shri Arjan Singh ..	Do	16-1-69	19-7-69	Ditto

Note.—(1) The first 6 officials of Statement 'A' are still working on their previous posts.

(2) The present addresses of the remaining 52 ex-employees at Statement 'B' are not known to this office.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Statement showing the detail of the officials who were reverted/terminated within the period of November, 1966 to February, 1970 in Sangrur District.

Serial No.	Name of official	Designation	Date of appointment	Date of terminated/ reversion	Remarks
1	2	3	4	5	6
1	Shri Mahraj Krishan	Election Naib-Tehsildar	12-11-66 1-10-68	31-3-67 31-3-69	Reverted due to reversion of Tehsildar, Election, Shri Harbans Singh
2	Shri Gian Chand ..	Assistant	18-10-68	30-6-69	Reverted due to abolition of tenure of service
3	Shri Balbir Krishan	Clerk	15-11-66	30-4-67	Terminated due to abolition of tenure of service
4	Shri Chattarngan Dass	Do	15-11-66	30-4-67	Ditto
5	Shri Ram Dhan ..	Do	15-11-66	30-4-67	Ditto
6	Shri Ram Singh ..	Do	18-11-66	30-4-67	Ditto
7	Shri Sham Lal ..	Do	18-11-66	30-4-67	Ditto
8	Shri Jagjit Singh ..	Do	18-11-66	30-4-67	Ditto
9	Shri Prem Chand, 1st	Do	28-10-68	30-4-69	Ditto
10	Shri Parshotam Lal	Do	28-10-68	30-4-69	Ditto
11	Shri Harchand Singh	Do	6-11-68	30-4-69	Ditto
12	Shri Prem Chand, 2nd	Do	2-11-68	30-4-69	Ditto
13	Shri Yog Nath ..	Do	2-11-68	30-4-69	Ditto
14	Shri Ram Rakha ..	Do	2-11-68	30-4-69	Ditto
15	Shri Karnail Singh	Do	14-11-68	30-6-69	Ditto
16	Shri Raj Kumar ..	Do	2-11-68	30-4-69	Ditto

Note.—(1) The officials at Serial Nos. 1, 2 and 9 are working on their previous posts.

(2) The present addresses of the ex-employees mentioned at Serial Nos. 3 to 8 and 10 to 16 are not known.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

Statement showing the detail of the officials who were terminated/reverted during the period from November, 1966 to February, 1970 in Ludhiana District

Serial No.	Name of official	Post from which reverted/terminated	Date of appointment to the post	Date of reversion/termination	Remarks
1	2	3	4	5	6
1	Shri Gurmail Singh ..	Clerk	5-1-66	28-2-67	On expiry of the term of the post
2	Shri Sohan Singh ..	Do	5-1-66	28-2-67	Ditto
3	Shri Baldev Singh ..	Do	5-1-66	28-2-67	Ditto
4	Shri Ram Niwas ..	Do	5-1-66	28-2-67	Ditto
5	Shri Raj Kumar ..	Do	5-1-66	28-2-67	Ditto
6	Shri Rameshwar Dyal	Do	5-1-66	28-2-67	Ditto
7	Shri Govinder Kumar ..	Do	5-1-66	28-2-67	Ditto
8	Shri Joginder Singh ..	Do	5-1-66	28-2-67	Ditto
9	Shri Sikinder Lal ..	Do	5-1-66	28-2-67	Ditto
10	Shri Jaspal Singh ..	Do	5-1-66	28-2-67	Ditto
11	Shri Kartar Singh ..	Accountant	16-1-67	30-6-67	No further sanction by the Head Office
12	Shri Barhma Anand ..	Assistant	14-11-67	30-6-67	Ditto
13	Shri Manget Rai ..	Clerk	26-12-69	25-1-70	Ditto
14	Shri Satish Kumar ..	Do	26-12-69	25-1-70	Ditto
15	Shri Sunder Manjeet Singh	Do	26-12-69	25-1-70	Ditto
16	Shri Narinder Singh ..	Do	26-12-69	25-1-70	Ditto
17	Shri Rakesh Mehta ..	Do	26-12-69	25-1-70	Ditto
18	Shri Ajeb Singh ..	Do	26-12-69	25-1-70	Ditto
19	Shri Kamal Nan Singh	Do	26-12-69	25-1-70	Ditto
20	Shri Kartar Singh ..	Accountant	24-1-69	30-6-70	Ditto
21	Shri Gurdas Singh ..	Assistant	18-11-69	31-3-70	Ditto
22	Shri Ram Nath Mago ..	Do	1-4-69	30-6-67	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Suspension of Non-Gazetted Employees of the Economic and Statistical Department, Punjab

643. Chaudhri Sunder Singh : Will the Minister for Finance be pleased to state —

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of the Economic and Statistical Department, Punjab have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970.

(b) If the answer to part (a) above be in the affirmative the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the reason in each case for suspension/reversion/termination of services as the case may be, be laid on the Table of the House ;

(c) the service rendered by each of the above mentioned employees in the said department in each case ?

ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ : (ੳ) ਨਵੰਬਰ, 1966 ਤੋਂ ਫਰਵਰੀ, 1970 ਤਕ ਅਰਥ ਅਤੇ ਅੰਕੜਾ ਵਿਭਾਗ, ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਕੇਵਲ 1 ਨਾਨ-ਗਜ਼ਟਿਡ ਕਰਮਚਾਰੀ ਸਸਪੈਂਡ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਅਤੇ ਵਿਭਾਗ ਦਾ ਕੋਈ ਨਾਨ-ਗਜ਼ਟਿਡ ਕਰਮਚਾਰੀ ਰਿਵਰਟ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਉਪਰੋਕਤ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਇਸ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਕੇਵਲ 4 ਰੈਗੂਲਰ ਨਾਨ-ਗਜ਼ਟਿਡ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀਆਂ ਸੇਵਾਵਾਂ ਖਤਮ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ।

(ਅ) ਅਤੇ (ੲ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਨਾਲ ਵਿਵਰਣ ਵਿੱਚ ਨਥੀ ਹੈ।

[(a) Only one non-gazetted employee of Economic and Statistical Organisation, Punjab, was suspended during the period from November, 1966 to February, 1970. No non-gazetted employee of the Organisation was reverted. The services of only four regular non-gazetted employees of this Organisation were terminated during this period.

(b) & (c) The requisite information is given in the enclosed statement.]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Name and Designation of the employee	Whether suspended service terminated	Present or place of posting	Last place of posting at the time of his suspension or termination of service	Permanent Address	Reasons for suspension/ termination of service	Service rendered by the employee in the Department at the time of Suspension/ termination of service	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Sarvshri— Darshan Singh Walia, Technical Assistant (Now Research Officer)	Suspended	Chandigarh	Chandigarh	H. No. 3827 Gali Dhobian, Bazar No. 2, Kot Baba Dip Singh, Amritsar	Unauthorised absence from duty	The official joined this Organisation with effect from 6th February, 1962	He was suspended, *vide* Punjab Government orders dated 6th April, 1968 and was reinstated,—*vide* Government order, dated 15th May, 1968. The period of suspension was treated as the leave of the kind due.
Mohinder Kumar, Field Assistant, Grade-I	Services terminated	..	Sangrur	C/o M/s Brook Bond India, Pvt. Ltd., Committee Bazar, Hoshiarpur	Ditto	The official joined this organisation on 6th March, 1968 and absented himself thereafter without permission with effect from 25th March, 1968	His services were terminated in accordance with terms and conditions of his appointment with one month notice
Darshan Singh, Field Assistant, Grade-II	Ditto	..	Ferozepur	V. Togapur, P.O. Dappar, Thana Lalru, tehsil Rajpura (Patiala)	Ditto	This official joined this organisation on 15th September, 1969 (A.N.) for a few hours but absented himself there after without permission	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
Iqbal Singh, Field Assistant Grade-II	Service terminated	..	Ferozepur	V. Khanpur, Thana Chamkaur Sahib (Ropar)	Unauthorised absence from duty	The official joined this organisation on 12th August, 1969 and relieved on 13th February, 1970	His service were terminated in accordance with terms and conditions of his appointment with one month notice
Raghbir Singh, Peon	Ditto	..	Chandigarh	V. P.O. Mahilpur (Hoshiarpur)	Ditto	The official joined this Organisation on 1st May, 1967 and was relieved on 8th February, 1968	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Suspension, etc. of non-Gazetted Employees in the Education Department

644. Chaudhri Sunder Singh : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of the Education Department, Punjab, have been suspended/reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the reasons in each case for suspension/ reversion /termination of service, as the case may be, be laid on the Table of the House;

(c) the service rendered by each of the above mentioned employees in the department in each case ?

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ : (ੳ) ਹਾਂ ਜੀ ਕੁਝ ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਗਈ।

(ਅ) }
(ੲ) } ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਨਥੀ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸੂਚੀ

ਲੜੀ ਨੰ:	ਨਾਂ	ਮੁਅਤਲੀ/ਰੀਵਰਸ਼ਨ/ ਸੇਵਾ ਸਮਾਪਤੀ ਦੀ ਮਿਤੀ	ਪੋਸਟਿੰਗ ਦਾ ਮੌਜੂਦਾ ਸਥਾਨ	ਪੋਸਟਿੰਗ ਦਾ ਆਖਰੀ ਸਥਾਨ	ਪੱਕਾ ਪਤਾ	ਮੁਅਤਲੀ/ਰੀਵਰਸ਼ਨ/ਸੇਵਾ ਸਮਾਪਤੀ ਦਾ ਕਾਰਣ	ਵਿਭਾਗ ਵਿੱਚ ਕਿੰਨੀ ਨੌਕਰੀ 17-3-70 ਤਕ ਕੀਤੀ
1	2	3	4	5	6	7	8
1	ਜਗਦੇਵ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	24-4-69 (ਮੁਅਤੱਲ)	ਜਲੰਧਰ	ਸ੍ਰ: ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਮੇਰ (ਜਲੰਧਰ)	ਪਿੰਡ ਸੋਧ, ਤਹਿ: ਨਕੋਦਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜਲੰਧਰ	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 409, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਤਹਿਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ, ਅਦਾਲਤ ਵਿੱਚ ਕੇਸ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ	ਸ-ਮ-ਦਿਨ 9-4-4
2	ਰਾਮ ਨਾਥ ਅਧਿਆਪਕ	1-1-69 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਸ੍ਰ: ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਉਮਰਵਾਲ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜਲੰਧਰ	ਸ੍ਰ: ਪ੍ਰ: ਸਕੂਲ ਉਮਰ-ਵਾਲ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜਲੰਧਰ	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 406/409, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਤਹਿਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ, ਕੇਸ ਅਦਾਲਤ ਵਿੱਚ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ	7-5-26
3	ਜਰਨੈਲ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	16-11-69 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਸ੍ਰ: ਪ੍ਰਾ: ਸਕੂਲ, ਹੁਸੈਨਆਬਾਦ (ਜਲੰਧਰ)	ਸ੍ਰ: ਪ੍ਰ: ਸਕੂਲ ਥੌਪਾ ਰਾਏ, ਤਹਿ: ਨਕੋਦਰ (ਜਲੰਧਰ)	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 32/34 ਦੇ ਤਹਿਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਤਫਤੀਸ਼ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ	13-9-22

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

4	ਬਿਸ਼ਨ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ ਪੰਜਾਬੀ/ਓ. ਟੀ.	13-5-69 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਸਮਰਾਏ ਜੰਡਿਆਲਾ (ਜਲੰਧਰ)	ਜੰਡਿਆਲਾ (ਜਲੰਧਰ)	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 303/148/149/ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਤਹਿਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਤਫਤੀਸ਼ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ	8-3-5
5	ਸ੍ਰੀ ਟੇਕ ਚੰਦ, ਕਲਰਕ	14-11-69 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਦਫਤਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ ਜਲੰਧਰ	ਦਫਤਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ, ਜਲੰਧਰ	ਵੱਢੀ ਖੋਰੀ	18-5-6
6	ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਮਹਿੰਦਰ ਕੌਰ, ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕਾ	8-11-68 ਨੂੰ ਮੁਤੱਅਲ ਹੋ ਕੇ 1-1-69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਈ	ਗੌ: ਗ: ਹ: ਸ੍ਰ:, ਨੂਰ ਮਹਿਲ (ਜਲੰਧਰ)	...	ਮਕਾਨ ਨੰ: 76, ਨਵਾਂ ਲਾਜਪਤ ਨਗਰ, ਪਖੋਵਾਲ ਰੋਡ, ਲੁਧਿਆਣਾ	ਝੂਠੀ ਮੰਨਜ਼ੂਰੀ ਤੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚੋਂ ਰਕਮ ਕਢਵਾਈ	16-4-3
7	ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਐਸ. ਕੇ. ਸੂਦ, ਬ. ਸਿ. ਅਫਸਰ	20-11-68 ਨੂੰ ਮੁਅਤੱਲ ਹੋ ਕੇ 14-3-69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਈ	ਬਲਾਕ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ, ਭੋਗਪੁਰ ਜਲੰਧਰ	ਸ: ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਕੋਟ ਫਤਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਬਠਿੰਡਾ	ਮਕਾਨ ਨੰ: ਡਬਲਉ ਜੀ 140, ਇਸਲਾਮ ਗੰਜ, ਜਲੰਧਰ ਸ਼ਹਿਰ	ਬੋਗਸ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਤੋਂ ਪੈਸਾ ਕਢਵਾਇਆ	8-6-14
8	ਬੰਤਾ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	4-10-67 ਮੁਅਤੱਲ ਕਰਨ ਪਿਛੋਂ ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਕਢਿਆ ਗਿਆ	ਸ: ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਕੋਟ ਫਤਾ (ਬਠਿੰਡਾ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾਕਖਾਨਾ	...	ਇਖਲਾਕੀ ਗਿਰਾਵਟ ਕਾਰਨ ਮੁਅਤੱਲ ਹੋ ਕੇ 4-10-67 ਤੋਂ ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਕੱਢ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਦੀ ਅਪੀਲ ਨੂੰ ਨਾਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ	4-9-1

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
9	ਇੰਦਰਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	30-1-67	...	ਸ: ਪ. ਸਕੂਲ, ਸੰਗਤਪੁਰ (ਬਠਿੰਡਾ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾਕਖਾਨਾ ਚਿਰੋਕ ਬਰਾਸਤਾ ਮੋਗਾ	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 420-468-377, 379 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਤਹਿਤ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਦੇ ਫਰਾਡਜ਼ ਕੇਸ ਵਿੱਚ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਕੇਸ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।	18-7-19
10	ਸਾਧੂ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	22-7-69 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਸ: ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ, ਬਲੋਂ (ਬਠਿੰਡਾ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਚਿਰੋਕ ਬਰਾਸਤਾ ਮੋਗਾ	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 452, 506, 380, 324, 148 ਅਤੇ 149, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਤਹਿਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ, ਕੇਸ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।	21-7-25
11	ਮੁਖਤਿਆਰ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	26-9-69 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਸ: ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਸੀਵੀਆਂ (ਬਠਿੰਡਾ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਸੀਵੀਆਂ (ਬਠਿੰਡਾ)	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਸ਼ਸਤਰ ਐਕਟ ਦੇ ਅਧੀਨ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ। ਕੇਸ ਅਦਾਲਤ ਵਿੱਚ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।	8-8-17

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

12	ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਸੰਤੋਸ਼ ਕੌਸ਼ਲ ਮੁਖ ਅਧਿਆਪਕ	8—68 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਗ: ਹਾ: ਸ: ਬੁਢਲਾਡਾ (ਬਠਿੰਡਾ)	ਮਾਰਫਤ ਸ਼੍ਰੀ ਕੇ ਆਰ ਕੌਸ਼ਲ ਸਾਹਮਣੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕਚਿਹਰੀ, ਸਿਵਲ ਸਟੇਸ਼ਨ, ਬਠਿੰਡਾ।	ਗਬਨ ਦੇ ਕੇਸ ਦੀ ਚੌਕਸੀ ਵਿਭਾਗ ਪੜਤਾਲ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ।	15-9-2
				ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ			
13	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮੇਜ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	20-3-69 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਮ: ਪ: ਸਕੂਲ, ਜਲਿਆਂ ਵਾਲਾ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਸਰਹਾਲੀ, ਤਹਿ: ਤਰਨ ਤਾਰਨ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	307/506/342/325/ 324/149, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਅਧੀਨ ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਕੇਸ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।	8-5-18
14	ਸ੍ਰੀ ਕਸ਼ਮੀਰਾ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	9-1-70 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਸ: ਪ੍ਰ: ਸਕੂਲ, ਬੁਰਜ ਦੇਵਾ ਸਿੰਘ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ)	ਪਿੰਡ ਬੂਹ, ਡਾ: ਹਰੀਕੇ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	364, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਅਧੀਨ ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ।	13-9-20
15	ਸ੍ਰੀ ਜਰਨੈਲ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	25-2-70 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਸ: ਪ੍ਰ: ਸ: ਸ਼ਹੀਦ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ)	ਵਾਰਡ ਨੰ: 2, ਪੱਟੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਗੁਸਤਾਖ, ਸਕੂਲ ਤੋਂ ਗੈਰ-ਹਾਜ਼ਰ ਰਿਸ਼ਵਤ, ਇਖਲਾਕੀ ਗਿਰਾਵਟ।	36-9-5

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
							ਸ. ਮ. ਦਿਨ
16	ਸ੍ਰੀ ਸੁਦਰਸ਼ਨ ਕੁਮਾਰ, ਅਧਿਆਪਕ	18-12-69 (ਮੁਅਤਲ)	...	ਸ: ਪ੍ਰ: ਸਕੂਲ ਨਦਰ ਕੋੜਾ	ਵਾਰਡ ਨੰ: 7 ਪੱਟੀ, ਮੰਡੀ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਸਕੂਲ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰ ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕ ਨਾਲ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾ ਦੇਣਾ, ਬਲਾਕ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ ਨਾਲ ਬਦ ਸਲੂਕੀ।	10-8-1
17	ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਪਰਵੇਸ਼ ਕਾਂਤਾ, ਕਲਰਕ	12-9-69 (ਮੁਅਤਲ)	...	ਦਫਤਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਸ: ਰਿਕਾਰਡ ਵਿਚ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ।	3-4-23
18	ਸ੍ਰੀ ਚਰਨਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਕਲਰਕ	12-9-69 (ਮੁਅਤਲ)	...	ਸਰਕਾਰੀ ਕਾਲਜ ਪੱਟੀ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਸਰਕਾਰੀ ਕਾਲਜ ਪੱਟੀ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ)	ਸਰਕਾਰੀ ਰਿਕਾਰਡ ਵਿਚ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ।	6-5-16
19	ਮਹਿੰਦਰ ਕੌਰ, ਹੈਡ-ਮਿਸਟਰੈਸ	19-11-68 ਨੂੰ ਮੁਅਤਲ ਹੋਕੇ 1-1-69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕੀਤੀ ਗਈ	ਸ: ਗ: ਹਾ: ਸਕੂਲ ਜੀਰਾ (ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ)	...	ਗ: ਗ: ਹ: ਸ:, ਜੀਰਾ	ਜਾਹਲੀ ਪੱਤਰ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰੀ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚ ਗਰਾਂਟ ਕਢਵਾ ਕੇ ਵਰਤਨ ਬਾਰੇ।	16-0-17
20	ਮੂਲ ਸਿੰਘ, ਬੀ. ਈ. ਓ.	19-6-68 ਨੂੰ ਮੁਅਤਲ ਹੋ ਕੇ 17-3-69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ	ਬਲਾਕ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ, ਜੀਰਾ (ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ)	...	ਜੀਰਾ	,,	15-6-7

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

21	ਮੁਕੰਦ ਲਾਲ ਕਟਾਰੀਆ, ਅਧਿਆਪਕ	15-6-68 ਨੂੰ ਮੁਅਤਲ ਹੋ ਕੇ 21-11-68 ਨੂੰ ਬਹਾਲ	ਸ: ਹ: ਸ:, ਦਤਰਾਂ-ਵਾਲਾ (ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ)	...	ਗੌ: ਹ: ਸ: ਦਬਾਰਾਂ-ਵਾਲੀ	ਉਚ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਪਹੁੰਚ ਕਰਨ ਕਰਕੇ।	13-1-14
	5. ਜ਼ਿਲਾ ਸੰਗਰੂਰ						
22	ਸ੍ਰੀ ਰੋਸ਼ਨ ਲਾਲ, ਅਧਿਆਪਕ	10-1-67 (ਮੁਅਤਲ)	...	ਸ: ਮਿ: ਸ:, ਗੋਬਿੰਦ ਗੜ੍ਹ ਖੁਖਰ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਲਹਿਰਾਗਾਗਾ, ਤਹਿਸੀਲ ਸੁਨਾਮ (ਸੰਗਰੂਰ)	ਚੋਰੀ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿਚ ਮੁਅਤਲ ਹੋਇਆ।	14-7-19
23	ਸ੍ਰੀ ਹਰਬੰਸ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	13-6-67 (ਮੁਅਤਲ)	...	ਸ: ਪ: ਸਕੂਲ ਹਰਿਆਉ (ਸੰਗਰੂਰ)	ਪਿੰਡ ਫਤਹਿ ਗੜ੍ਹ ਡਾ: ਲਹਿਰਾਗਾਗਾ ਸੰਗਰੂਰ	ਕਤਲ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿਚ ਮੁਅਤਲ ਹੋਇਆ।	15-4-15
24	ਸ੍ਰੀ ਇੰਦਰ ਸਿਘ, ਅਧਿਆਪਕ	22-12-67 (ਮੁਅਤਲ)	...	ਸ: ਪ. ਸ: ਬੜੀ ਮਾਨਸਾ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਕੁਝਾਗੜ੍ਹ ਤਹਿ: ਮਲੇਰਕੋਟਲਾ (ਸੰਗਰੂਰ)	ਦਫਾ 34 ਦੇ ਤਹਿਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਹੋਇਆ।	7-5-20
25	ਸ੍ਰੀ ਸਾਧੂ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	11-5-68 (ਮੁਅਤਲ)	...	ਸ: ਪ੍ਰ: ਸ: ਤਨੇਰ (ਸੰਗਰੂਰ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਝਨੇਰ, ਤਹਿ: ਮਲੇਰਕੋਟਲਾ (ਸੰਗਰੂਰ)	ਕਤਲ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿਚ ਮੁਅਤਲ ਹੋਇਆ।	16-11-26

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
							ਸ. ਮ. ਦਿਨ
26	ਸ਼੍ਰੀ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	14-10-68 (ਮੁਅਤਲ)	...	ਸ: ਪ੍ਰਾ: ਸ: ਭੂਮਸੀ (ਸੰਗਰੂਰ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਸੁਰਫੀਲਾ ਤਹਿਸੀਲ ਪੈਲ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	ਚੋਰੀ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿਚ ਮੁਅਤਲ ਹੋਇਆ	4-6-2
27	ਸ਼੍ਰੀ ਅੰਗੂਰੀ ਲਾਲ, ਅਧਿਆਪਕ	16-2-70 (ਮੁਅਤਲ)	...	ਸ: ਹ: ਸ: ਲਹਿਲ-ਕਲਾਂ (ਸੰਗਰੂਰ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਮੜਾ ਵਾਇਆ ਤਪਾ (ਸੰਗਰੂਰ)	ਚਾਲ ਚਲਨ ਦੇ ਦੋਸ਼ ਵਿਚ ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ	8-10-15
28	ਸ਼੍ਰੀ ਰਘੂਨਾਥ ਸਹਾਏ, ਅਧਿਆਪਕ	16-2-70	...	ਸ: ਹ: ਸ: ਸਜੂਮਾਂ (ਸੰਗਰੂਰ)	ਸੁਨਾਮੀ ਗੇਟ, ਸੰਗਰੂਰ	ਗੈ: ਹਾਜ਼ਰੀ ਕਾਰਨ ਮੁਅਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ	10-7-26
29	ਸ਼੍ਰੀ ਦਿਲਬਾਰਾ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	16-10-68 (ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਕਢ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ)	...	ਬਲਾਕ ਸਿਖਿਆ ਅਫ਼ਸਰ, ਸੰਗਰੂਰ	ਸੰਗਰੂਰ	ਗਬਨ	8-2-25
30	ਸ਼੍ਰੀ ਚੰਝੀ ਲਾਲ, ਅਧਿਆਪਕ	16-2-70 (ਮੁਅਤਲ)	...	ਸ: ਪ੍ਰ: ਸ:, ਸਜੂਮਾ (ਸੰਗਰੂਰ)	ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਪੁਰਾ, ਸੰਗਰੂਰ	ਗੈ: ਹਾਜ਼ਰ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਮੁਅਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ	10-7-19
				6. ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਰੋਪੜ			
31	ਸ਼੍ਰੀ ਰਤਨ ਸਿੰਘ, ਮਾਸਟਰ	12-2-67 (ਮੁਅਤਲ)	...	ਸ: ਹ: ਮ:, ਬਜਰੂਰ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਤਖਤ-ਗੜ੍ਹ (ਰੋਪੜ)	ਚਾਲ ਚਲਨ ਦੇ ਦੋਸ਼ ਵਿਚ ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕੀਤਾ	9-8-25

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

32	ਸ੍ਰੀ ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	5-5-67 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਸ: ਮ: ਸ:, ਚੇਤੇਲੀ (ਰੋਪੜ)	ਪਿੰਡ ਬਦਾਲੀ, ਡਾ: ਕੁਰਾਲੀ (ਰੋਪੜ)	ਇਕ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਅਗਵਾ ਕੀਤਾ।	6-5-14
33	ਸ੍ਰੀ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਲਾਲ, ਅਧਿਆਪਕ	29-5-69 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਸ: ਪ੍ਰਾ: ਸ:, ਭਲਲੀ (ਰੋਪੜ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਖਰੜ, ਤਹਿਸੀਲ ਅਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ।	3-9-3
34	ਸ੍ਰੀ ਦਲਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	24-12-67 ਮੁਅਤੱਲ ਹੋ ਕੇ ਡਿਸਮਿਸ ਹੋਇਆ	...	ਸ: ਪ੍ਰਾ: ਸ:, ਚਰੇੜੀ (ਰੋਪੜ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਖਰੜ (ਰੋਪੜ)	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 307/324 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਤਹਿਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਸਜ਼ਾ ਦਿਤੀ।	8-2-24
35	ਸ੍ਰੀ ਕਰਮ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	15-1-69 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਸ: ਪਾ: ਸ: ਭੇਰੋਂ ਮਾਜਰਾ ਰੋਪੜ	ਪਿੰਡ ਕਮਾਲਪੁਰ, ਡਾ: ਖੇੜੀ ਸਲਾਬਪੁਰ (ਰੋਪੜ)	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 307/128/148/149 ਦੇ ਤਹਿਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ।	12-5-17
36	ਸ੍ਰੀ ਦੀਦਾਰ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	1-5-69 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	,,	,,	,,	10-5-10
37	ਸ੍ਰੀ ਯੋਗੇਸ਼ਵਰ ਦੱਤ, ਅਧਿਆਪਕ	17-4-69 ਮੁਅਤੱਲ ਹੋ ਕੇ ਡਿਸਮਿਸ ਹੋਇਆ		ਸ: ਹਾ: ਸ: ਸਿੰਘ ਭਗਵੰਤ ਪੁਰ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਕੁਰਾਲੀ ਰੋਪੜ	ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਸਜ਼ਾ ਦਿੱਤੀ	10-8-0

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
38	ਸ੍ਰੀ ਜਾਗੀਰ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	22-5-69 (ਮੁਅੱਤਲ)	...	ਸ: ਪ: ਸ:, ਸਿਊਕ (ਰੋਪੜ)	ਪਿੰਡ ਪਰਾਛ, ਤਹਿ: ਖਰੜ (ਰੋਪੜ)	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 107/151, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ.	ਸ. ਮ. ਦਿਨ 10-8-2
	7. ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਲੁਧਿਆਣਾ						
39	ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	7-11-66 ਨੂੰ ਮੁਅਤਲ ਹੋਕੇ 21-11-67 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ।	ਸ: ਪ:ਸ:, ਸਵਦੀ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	...	ਪਿੰਡ ਨੂਰ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ ਦਫਾ 302, 307, 452-148/149।	13-2-4
40	ਸ੍ਰੀ ਹਰਮੰਤ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	24-6-67 ਨੂੰ ਮੁਅਤਲ ਹੋ ਕੇ 29-8-68 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ।	ਸ: ਪ੍ਰਾ: ਸ: ਗਿਦੜ-ਵਿੰਡ, (ਲੁਧਿਆਣਾ)	...	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਕਮਾਲਪੁਰ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	ਡੀ. ਐਸ. ਐਕਟ ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ।	7-7-19
41	ਸ੍ਰੀ ਅਵਤਾਰ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	22-7-68 ਨੂੰ ਮੁਅਤਲ ਹੋ ਕੇ 18-8-69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਪ੍ਰਾ: ਸ: ਸ਼ੇਰਪੁਰ, (ਲੁਧਿਆਣਾ)	... ...	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਸਵਾਦੀ, (ਲੁਧਿਆਣਾ)	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ ਦਫਾ 325/326।	6-8-18
42	ਸ੍ਰੀ ਬਿਕਰਮ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	27-10-68 ਨੂੰ ਮੁਅੱਤਲ ਹੋ ਕੇ 1-4-69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਪ੍ਰਾ: ਸ: ਸਿਹਾਲੀ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	...	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਲੁਧਿਆਣਾ	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ ਲੜਾਈ ਝਗੜਾ।	29-10-3

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

43	ਸ੍ਰੀ ਗੁਲਜ਼ਾਰ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	27-10-68 ਨੂੰ ਮੁਅੱਤਲ ਹੋ ਕੇ 1-4-69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਮਿ: ਸ: ਜਕਬਾ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	...	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਸਹੋਲੀ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ ਲੜਾਈ ਝਗੜਾ।	14-3-17
44	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	27-10-68 ਨੂੰ ਮੁਅੱਤਲ ਹੋਕੇ 1-4-69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਪ੍ਰਾ: ਸ: ਡਾਂਗਰ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	...	,,	,,	8-5-12
45	ਸ੍ਰੀ ਸਰਦਾਰਾ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	6-12-67 ਨੂੰ ਮੁਅੱਤਲ ਹੋ ਕੇ 19-8-69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਹ: ਸ: ਮਾਣੂਕੇ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	...	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਸਵਾਦੀ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	,,	13-4-21
46	ਸ੍ਰੀ ਨਛਤਰ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	15-7-68 ਨੂੰ ਮੁਅੱਤਲ ਹੋ ਕੇ 11-10-68 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਗੌ: ਹਾ: ਸੈ: ਸ: ਰਾਏਕੋਟ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	...	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਰਤੋਂ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੂੰ ਸਿੱਧੇ ਮਿਲਣ ਕਰਕੇ।	12-4-24
47	ਸ੍ਰੀ ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	28-1-67 ਨੂੰ ਮੁਅੱਤਲ ਹੋ ਕੇ 3-10-68 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਗੌ: ਹਾ: ਸੈ: ਸ: ਜਗਰਾਉਂ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	...	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਸਵਾਦੀ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ ਦਫਾ 377 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ.	25-5-10

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
							ਸ-ਮ-ਦਿਨ
48	ਸ਼੍ਰੀ ਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	11-6-67 ਨੂੰ ਮੁਅੱਤਲ ਹੋ ਕੇ 23-2-68 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਹਾ: ਸ: ਸ: ਜਗਰਾਉਂ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	...	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਛੱਜਾਵਾਲ (ਲੁਧਿਆਣਾ)	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ ਦਫਾ 107/151	12-5-17
49	ਸ਼੍ਰੀ ਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਵਾਟਰਮੈਨ	3-12-69 ਨੌਕਰੀ ਖਤਮ ਕੀਤੀ ਗਈ	...	ਸ: ਸਾਇੰਸ ਤੇ ਖੋਜ ਕਾਲਜ ਜਗਰਾਉਂ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਲਲਤੋਂ ਕਲਾਂ	ਮੈਡੀਕਲੀ ਅਨਫਿਟ ਹੋਇਆ ।	1-8-26
50	ਸ਼੍ਰੀ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਬੀਦਾਰ	11-9-69 ਮੁਅਤਲ	ਸ: ਕਾਲਜ, ਲੁਧਿਆਣਾ	...	ਲੁਧਿਆਣਾ	1. ਸਰਕਾਰੀ ਕਾਰ ਵਿਹਾਰ ਠੀਕ ਨਾ ਕਰਨਾ । 2. ਸਰਕਾਰੀ ਹੁਕਮਾਂ ਦੀ ਪਾਲਨਾ ਨਾ ਕਰਨਾ । 3. ਕਾਲਜ ਦੇ ਦੂਜੇ ਕਰਮ-ਚਾਰੀਆਂ ਨਾਲ ਲੜਾਈ ।	16-11-17
			8. ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ				
51	ਸ਼੍ਰੀ ਨਿਰੰਜਨ ਸਿੰਘ, ਮਾਸਟਰ	12-5-69 (ਮੁਅੱਤਲ)	...	ਸ: ਮਿ: ਸ: ਫਤਹਿਪੁਰ ਖੁਰਦ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਹਰਿਆਨਾ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ)	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 409/468/471 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਤਹਿਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ।	3-2-7

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

52	ਸ਼੍ਰੀ ਰੇਸ਼ਮ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	1-9-69 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਸ: ਹ: ਸ:, ਬਾਗਪੁਰ ਸਤੋਰ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਕੋਟਲਾ ਨੌਧ ਸਿੰਘ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ)	ਪੁਲੀਸ ਦਫਾ 452/506 342/427, 147 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਤਹਿਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ।	3-1-15
53	ਸ਼੍ਰੀ ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਪੀ. ਟੀ. ਆਈ.	16-10-67 ਮੁਅਤੱਲ ਹੋ ਕੇ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	...	...	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਲਕਸੀਆ ਤਹਿਸੀਲ ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ	ਦਫਾ 326 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਤਹਿਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਹੋਇਆ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਦੋਵਾਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦਾ ਰਾਜੀ ਨਾਮਾ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।	3-0-14
54	ਸ਼੍ਰੀ ਬਚਿੱਤਰ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	17-12-68 ਮੁਅਤੱਲ ਹੋ ਕੇ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਪ: ਸ:, ਪਾਲਦੀ	ਸ: ਪ: ਸ:, ਪਾਲਦੀ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਖਰੜ ਅਛਰਵਾਲ ਤਹਿ: ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ)	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 326 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਤਹਿਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਬਹਾਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਅਤੇ ਉਹ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।	7-10-4
55	ਸ਼੍ਰੀ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	30-8-68 ਮੁਅਤੱਲ ਹੋਕੇ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਪ. ਸ: ਖਰੜ ਅਛਰਵਾਲ	ਸ: ਹ: ਸ:, ਗੋਂਦਪੁਰ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਬਹੋਲਾ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ)	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 302/34, 148/149 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਤਹਿਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ। ਬਰੀ ਹੋਣ ਤੇ 19-8-69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।	14-11-17

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
56	ਸ੍ਰੀ ਸਵਰਨ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	22-3-69 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਸ: ਪ: ਸ:, ਨਰੈਣਗੜ੍ਹ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਖਨਖਲ ਕਲਾਂ ਤਹਿ: ਦਸੂਆ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪਰ)	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 447, 323/324, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਤਹਿਤ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ।	ਸ.ਮ.ਦਿਨ 3-3-17
57	ਸ੍ਰੀ ਬਾਲਾ ਸੁੰਦਰ ਰਾਏ, ਲੈਕਚਰਾਰ	14-9-67 ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ	...	ਸ: ਕਾਲਜ ਟਾਂਡਾ ਉਰਮਰ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ)	ਭਲਿਆਂ ਸਟਰੀਟ ਨਕੋਦਰ, ਜਲੰਧਰ	ਸੇਵਾਵਾਂ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਰਹੀ ।	8-8-2
58	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ ਕਪੂਰ,	15-2-68 ਨੂੰ ਮੁਅਤੱਲ ਹੋ ਕੇ 30-9-69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਕਾਲਜ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	...	ਨਈ ਆਬਾਦੀ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪਰ	ਪਹਿਲੀ ਬੀਵੀ ਦੇ ਹੁੰਦਿਆਂ ਦੂਜੀ ਸ਼ਾਦੀ ਕਰਨਾ ।	4-3-1
59	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	22-4-69 ਸੇਵਾਵਾਂ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ	...	ਸ: ਮਿ: ਸ:, ਸਕਰੌਲੀ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਭਾਗੋਵਾਲ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	ਭੈੜੇ ਆਚਰਨ ਕਾਰਨ ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।	6-4-1
60	ਸ੍ਰੀ ਝਲਮਨ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	19-3-68 ਡਿਸਮਿਸ ਕੀਤਾ ਗਿਆ	...	ਸ: ਹ: ਸ:, ਪੱਡੀ ਸੂਰਾ ਸਿੰਘ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਬੂਰੋ ਬਰੀਆਂ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ)	ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਦਫਾ 302 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਤਹਿਤ 10 ਸਾਲ ਦੀ ਕੈਦ ਦਾ ਹੁਕਮ ਦਿਤਾ	4-10-3

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

61	ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਸੀਤਾ ਦੇਵੀ, ਅਧਿਆਪਕਾ	20-6-69 ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ।	...	ਸ: ਪ: ਸ:, ਘਗਵਾਲ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਘਮ-ਬੋਵਾਲ ਤਹਿ: ਦਸੂਆ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ)	ਭੈੜੇ ਆਚਰਣ ਕਾਰਨ ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ।	3-0-0
62	ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਸਤਵੰਤ ਕੌਰ, ਅਧਿਆਪਕਾ	9-12-69 (ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਕੀਤੀ ਗਈ)	...	ਸ: ਗ: ਹ: ਸ:, ਬਲਾਚੌਰ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਪਜੋ – ਡਿਊਟਾ ਧੂਸ ਤਹਿ: ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	,,	3-0-0

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕਪੂਰਥਲਾ

63	ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਸ਼ਕੁੰਤਲਾ ਦੇਵੀ, ਅਧਿਆਪਕਾ	12-5-69 ਮੁਅਤੱਲੀ	...	ਸ: ਗ: ਹ: ਸ:, ਸੁਲਤਾਨ ਪੁਰ ਲੋਧੀ	ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਵਰਕਸ ਸੁਲਤਾਨਪੁਰ ਲੋਧੀ (ਕਪੂਰਥਲਾ)	ਬਦਲੀ ਦੇ ਹੁਕਮ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਨਾ ਕੀਤਾ ।	20-1-10
64	ਸ੍ਰੀ ਐਸ. ਕੇ. ਮਲਹੋਤਰਾ, ਲੈਕਚਰਾਰ ।	21-2-69 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਸ: ਰਣਬੀਰ ਕਾਲਜ ਕਪੂਰਥਲਾ (ਇਸ ਸਮੇਂ ਇਸ ਦਾ ਲੀਅਨ ਸ: ਕਾਲਜ ਸੰਗਰੂਰ ਵਿਚ ਹੈ)	ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਸਟਰੀਟ ਕਪੂਰਥਲਾ	ਕਾਲਜ ਦੀ ਇਕ ਵਿਦਿ-ਆਰਥਣ ਨੂੰ ਅਗਵਾ ਕਰਨ ਦਾ ਦੋਸ਼ ਹੈ ।	8-3-6

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
			10. ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ				
65	ਸ੍ਰੀ ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ, ਮਾਸਟਰ	16-11-68 ਨੂੰ ਮੁਅੱਤਲ ਹੋ ਕੇ 4-11-69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਹਾ: ਸ: ਨੰਦਪੁਰ ਕੇਸ਼ੋ (ਪਟਿਆਲਾ)	...	ਪਿੰਡ ਜਨਹੇੜੀਆਂ ਡਾ: ਬਹੋਰਪੁਰ (ਪਟਿਆਲਾ)	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 448/427/441/109/306 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਕੇਸ ਚਲਣ ਤੇ ਕੋਰਟ ਨੇ ਬਰੀ ਕਰ ਦਿਤਾ।	ਸ.ਮ. ਦਿਨ 7-10-20
66	ਸ੍ਰੀ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਮਾਸਟਰ	19-9-69 (ਮੁਅੱਤਲ)	...	ਸ: ਹ: ਸ:, ਤਲਵੰਡੀ ਮਲਿਕ (ਪਟਿਆਲਾ)	ਪਿੰਡ ਧਬੋਲਾਨ ਤਹਿ: ਪਟਿਆਲਾ	ਸ: ਫੰਡਾਂ ਚੋਂ ਛੇ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਗਬਨ ਕੀਤਾ । ਪੁਲੀਸ ਦੋਸ਼ੀ ਦੀ ਭਾਲ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ।	8-4-2
67	ਸ੍ਰੀ ਸ਼ਮਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ, ਮਾਸਟਰ	5-8-69 (ਮੁਅੱਤਲ)	...	ਸ: ਹ: ਸ:, ਤੇਪਲਾ (ਪਟਿਆਲਾ)	ਪਿੰਡ ਸਰਾਲੀ ਕਲਾਂ (ਪਟਿਆਲਾ)	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 34/5/61 ਅਤੇ ਪੁਲੀਸ ਐਕਟ ਅਧੀਨ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਮੁਕਦਮਾ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।।	12-5-17
68	ਸ੍ਰੀ ਮਹਿਲ ਸਿੰਘ, ਮਾਸਟਰ	5-4-69 (ਮੁਅੱਤਲ)	...	ਸ: ਮਿ: ਸ:, ਪਾਤੜਾ (ਪਟਿਆਲਾ)	ਪਿੰਡ ਭਗਵਾਨਪੁਰ (ਪਟਿਆਲਾ)	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 429/143/120/ਬੀ/109 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ ਅਧੀਨ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ। ਕੇਸ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।	12-3-12

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

69	ਸ੍ਰੀ ਮਦਨ ਗੋਪਾਲ, ਅਧਿਆਪਕ	18-4-67 (ਮੁਅਤੱਲ)	...	ਸ: ਪ: ਸ:, ਸੈਦਪੁਰ (ਪਟਿਆਲਾ)	ਪਿੰਡ ਡੇਰਾ ਬਸੀ (ਪਟਿਆਲਾ)	ਦੋਸ਼ੀ ਵਿਰੁਧ ਜ਼ਾਬਤਾ ਫੌਜਦਾਰੀ ਧਾਰਾ 512 ਅਧੀਨ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਕੇਸ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ-ਤੇ ਹਾਰੀ ਮੁਲਜ਼ਮ ਕਰਾਰ ਦਿਤਾ ਹੈ।	10-7-26
70	ਸ੍ਰੀ ਅਮਰ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	27-7-69 ਨੂੰ ਮੁਅਤੱਲ ਹੋ ਕੇ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ	ਸ: ਪ੍ਰ: ਸ:, ਮੇਨ ਮਾਜਰੀ (ਪਟਿਆਲਾ)	..	ਪਿੰਡ ਨੰਦਪੁਰ, ਤਹਿ: ਸਰਹੰਦ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫ਼ਾ 324/354/506 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਅਧੀਨ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕੀਤਾ ਪਰ ਕੋਰਟ ਚੋਂ ਬਰੀ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	6-3-7
71	ਸ੍ਰੀ ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ, ਪੀ. ਟੀ. ਆਈ.	16-1-70 ਨੂੰ ਮੁਅਤੱਲ ਹੋ ਕੇ 11-3-70 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਹ: ਸ:, ਸਮਾਣਾ (ਪਟਿਆਲਾ)	..	ਪਿੰਡ ਬਸੀ, ਤਹਿ: ਸਰਹੰਦ, ਪਟਿਆਲਾ	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫ਼ਾ 45/109 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਅਧੀਨ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕੀਤਾ ਪਰ ਕੋਰਟ ਚੋਂ ਬਰੀ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਬਹਾਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ	6-0-0
72	ਸਰਵਸ੍ਰੀ ਕਰਨੈਲ ਸਿੰਘ, ਭਜਨ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	29-7-67 ਨੂੰ ਮੁਅਤੱਲ ਹੋ ਕੇ 13-2-68 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋ ਗਏ	ਸ: ਪ: ਸ:, ਰੈਲਈ (ਪਟਿਆਲਾ)	..	ਪਿੰਡ ਬਸੀ, ਤਹਿ: ਸਰਹੰਦ (ਪਟਿਆਲਾ)	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫ਼ਾ 55/109 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਅਧੀਨ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਕੋਰਟ ਚੋਂ ਬਰੀ ਹੋਣ ਕਾਰਨ 13-2-68 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕੀਤੇ ਗਏ।	4-9-25 5-9-20

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
							ਸ. ਮ. ਦਿਨ
73	ਸ੍ਰੀ ਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	22-1-70 (ਮੁਅੱਤਲ)	..	ਸ: ਪ੍ਰਾ: ਸ: ਬੂਹਾ, ਰਾਜਪੁਰਾ (ਪਟਿਆਲਾ)	ਬਗੀਚੀ ਨਾਥਾਂ, ਰਾਘੋ ਮਾਜਰਾ, ਪਟਿਆਲਾ	ਕਰਮਚਾਰੀ ਵਿਰੁਧ ਝੂਠ ਬੋਲ ਕੇ ਨੌਕਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਕਾਰਨ ਮਹਿਕਮਾਨਾ ਚੌਕਸੀ ਵਿਭਾਗ ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।	18-0-0
74	ਸ੍ਰੀ ਬਚਨ ਚੰਦ, ਅਧਿਆਪਕ	17-9-68 ਨੂੰ ਮੁਅੱਤਲ ਹੋ ਕੇ 22-2-1969 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਹਾ: ਸੈ: ਸ:, ਨਾਭਾ, ਪਟਿਆਲਾ	..	ਪਿੰਡ ਨਾਭਾ ਖਾਸ, ਤਹਿ: ਨਾਭਾ	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 325/147/34, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਅਧੀਨ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਬਰੀ ਹੋਣ ਤੇ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।	4-10-1
75	ਸ੍ਰੀ ਹਜ਼ੂਰਾ ਸਿੰਘ, ਕਲਰਕ	15-3-69 ਨੂੰ ਮੁਅਤਲ ਹੋ ਕੇ 25-2-70 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਹਾ: ਸ:, ਸਨੌਰ (ਪਟਿਆਲਾ)	..	ਪਿੰਡ ਸਨੌਰ, ਤਹਿ: ਪਟਿਆਲਾ	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 308/109/34/452, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਅਧੀਨ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ, ਕੋਰਟ ਚੋਂ ਬਰੀ ਹੋਣ ਕਾਰਨ 25-2-70 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ।	13-7-12

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

76	ਸ੍ਰੀ ਸਤ ਪਾਲ ਸਿੰਘ, ਚਪੜਾਸੀ	20–6–69 ਨੂੰ ਮੁਅਤੱਲ	..	ਸ: ਮਿ: ਸ:, ਚਰਾਸੋਂ (ਪਟਿਆਲਾ)	ਪਿੰਡ ਸਨੌਰ, ਤਹਿ: ਪਟਿਆਲਾ	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 323/324/34/452, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਅਧੀਨ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ, ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਨੇ ਬਰੀ ਕਰ ਦਿਤਾ ਇਸ ਲਈ 1–1–69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।	14–2–17
77	ਸ੍ਰੀ ਤਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ, ਕਲਰਕ	9–8–67 ਨੂੰ ਮੁਅਤੱਲ	..	ਮਹਿੰਦਰਾ ਕਾਲਿਜ, ਪਟਿਆਲਾ	ਪਟਿਆਲਾ	ਗਬਨ	13–11–16
			11. ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ				
78	ਸ੍ਰੀ ਪੂਰਨ ਨਾਥ, ਅਧਿਆਪਕ	10–1–66 (ਮੁਅਤੱਲ)	..	ਸ: ਪ: ਸ:, ਦਿਆਲ-ਗੜ੍ਹ (ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ)	ਬਟਾਲਾ	ਸੁਕੇ ਦੁੱਧ ਦੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ ਕਾਰਨ 10–1–66 ਨੂੰ ਮੁਅਤੱਲ ਕਰਕੇ 24–4–68 ਨੂੰ ਡਿਸਮਿਸ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਨੇ ਬਰੀ ਕਰ ਦਿਤਾ। ਇਸ ਲਈ 1–1–69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।	13–9–12

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
							ਸ. ਮ. ਦਿਨ
79	ਸ੍ਰੀ ਮੋਹਨ ਲਾਲ, ਅਧਿਆਪਕ	30-3-67 ਨੂੰ ਮੁਅਤਲ ਹੋ ਕੇ 1-4-67 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਮਿ: ਸ:, ਕਰੇਲੀ (ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ)	. .	ਪਠਾਨਕੋਟ	ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫ਼ਾ 406/409, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਅਧੀਨ ਕੇਸ ਚਲਾਇਆ, ਬਾਬਤ ਸਕੂਲ ਦੇ ਸਮਾਨ ਵਿਚ ਕਮੀ ।	12-8-12
80	ਸ੍ਰੀ ਕੇਵਲ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ, ਅਧਿਆਪਕ	10-3-67 ਨੂੰ ਮੁਅਤਲ ਹੋ ਕੇ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਹ: ਸ:, ਬਧਾਨੀ (ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ)	ਪਠਾਨਕੋਟ	ਪਠਾਨਕੋਟ	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ ਦਫ਼ਾ 363/ ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ., ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਛਡ ਦਿਤਾ ਅਤੇ ਅਧਿਆਪਕ ਹੁਕਮ ਨੰ: 339-42, ਮਿਤੀ 6-1-69 ਅਨੁਸਾਰ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।	8-3-17
81	ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਗੁਪਾਲ, ਅਧਿਆਪਕ	6-9-67 ਨੂੰ ਮੁਅਤਲ ਹੋ ਕੇ 15-11-68 ਨੂੰ ਡਿਸਮਿਸ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਫਿਰ 10-9-69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਪ: ਸ:, ਕਲੇਰ ਕਲਾਂ, ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	. .	ਧਾਰੀਵਾਲ	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ ਦਫ਼ਾ 124/67, 302, ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਨੇ ਛਡ ਦਿਤਾ, ਅਧਿਆਪਕ ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਦੇ ਹੁਕਮ ਮਿਤੀ 13-6-69 ਅਨੁਸਾਰ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।	10-8-11

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

82	ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਲੁਭਾਇਆ, ਅਧਿਆਪਕ	11–1–68 (ਮੁਅਤਲ)	..	ਸਰਕਾਰੀ ਮਿ: ਸ:, ਜਫ਼ਰਵਾਲ (ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ)	ਧਾਰੀਵਾਲ	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ ਦਫ਼ਾ 324/ 506, 148/149, ਕੇਸ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।	4–9–21
83	ਸ੍ਰੀ ਦੀਦਾਰ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	14–5–68 ਮੁਅਤਲ	..	ਸ: ਪ੍ਰਾ: ਸ:, ਘੁਮਣ (ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ)	ਧਾਰੀਵਾਲ	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ ਦਫ਼ਾ 452/ 506, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ., ਕੇਸ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ ।	4–9–25
84	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ, ਅਧਿਆਪਕ	4–8–68 ਨੂੰ ਮੁਅਤਲ ਹੋਕੇ 1–3–69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਮਿ: ਸ:, ਹਰਚੋਵਾਲ	..	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਔਲਖ	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ ਦਫ਼ਾ 357/ 354, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ., ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਛਡ ਦਿਤਾ, ਕਰਮਚਾਰੀ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।	7–6–17
85	ਸ੍ਰੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਮਿਤਰ, ਅਧਿਆਪਕ	3–10–68 ਨੂੰ ਮੁਅਤਲ ਹੋ ਕੇ 29–1–69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਹੋਇਆ	ਸ: ਪ੍ਰਾ: ਸ: ਧੁਰੋਵਾਲਾ ਆਰੀਆ	..	ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	ਪੁਲੀਸ ਕੇਸ ਦਫ਼ਾ 506, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਅਧੀਨ ਮੁਕਦਮਾ ਚਲਾਇਆ। ਅਦਾਲਤ ਨੇ ਸਮਝੌਤਾ ਕਰਵਾ ਦਿਤਾ। ਇਸ ਕਾਰਨ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।	8–5–6

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
86	ਸ੍ਰੀ ਵੀਰ ਭਾਨ, ਅਧਿਆਪਕ	4-7-69 ਮੁਅਤਲ	..	ਸ: ਹਾ: ਸ:, ਭੋਆ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਸੁੰਦਰ ਚਕ (ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ)	ਬਰਾਂਚ ਪੋਸਟ ਆਫਿਸ, ਭੁਆਂ ਵਿਚ 20,000 ਰੁਪਏ ਦੀ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ ਕੀਤੀ, ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਦਫਾ 409 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਅਧੀਨ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ। ਕੇਸ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।	ਸ. ਮ. ਦਿਨ 20-3-1
87	ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਗੁਰਾਇਆ, ਹੈਡਮਾਸਟਰ	10-4-68 ਨੂੰ ਮੁਅਤਲ	..	ਸ: ਹਾ: ਸ:, ਜੋੜਾ ਛਿਤਰਾਂ, ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	ਸ: ਹਾ: ਸ:, ਜੋੜਾਂ ਛਿਤਰਾਂ, ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	1. ਸਕੂਲ ਦਾ ਫੰਡ ਖਰਚ ਕਰਨ ਵਿਚ ਅਣਗਹਿਲੀ। 2. ਆਪਣੀ ਤਬਦੀਲੀ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਵਿਦਿਆ-ਰਥੀਆਂ ਕੋਲੋਂ ਮੁਜ਼ਾਹਰੇ ਕਰਵਾਏ ਅਤੇ ਸਕੂਲ ਦੀ ਜਾਇਦਾਦ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਪੁਚਾਇਆ। 3. ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ 1967 ਵਿਚ ਬਗੈਰ ਇਮਤਿਹਾਨ ਲਿਆਂ	19-9-16

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

				ਅਗਲੀਆਂ ਕਲਾਸਾਂ ਵਿਚ ਚੜ੍ਹਾ ਦਿਤਾ 4. ਸਕੂਲ ਦੇ ਸਟਾਫ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਤੰਗ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਦਾ ਵਤੀਰਾ ਰੁੱਖਾ ਅਤੇ ਭੈੜਾ ਸੀ 5. 1-11-66 ਤੋਂ ਨਵੇਂ ਗਰੇਡ ਬਣਨ ਤੇ ਆਪਣੀ ਤਨਖਾਹ 425 ਰੁਪਏ ਜ਼ਿਆਦਾ ਲੈ ਲਈ। 6. ਅਕਤੂਬਰ, 1967 ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਸਕੂਲ ਤੋਂ ਗੈ: ਹਾ: ਰਿਹਾ ਇਸ ਸਮੇਂ ਉਹ ਆਪਣੀ ਹਾਜ਼ਰੀ ਲਾਂਦਾ ਰਿਹਾ ਅਤੇ ਸ: ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚੋਂ ਤਨਖਾਹ ਕਢਵਾ ਲਈ।	
88 ਸ੍ਰੀ ਦੇਵ ਰਾਜ ਢੰਡ, ਕਲਰਕ	10-9-67 (ਟਰਮੀਨੇਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ)	ਐਨ. ਸੀ. ਸੀ. ਫਸਟ ਪੰਜਾਬ ਐਨਜੀਨੀਅਰ ਕੰ: ਐਨ. ਸੀ. ਸੀ., ਲੁਧਿਆਣਾ	ਮਕਾਨ ਨੰ: 140/4, ਅਹਿਮਦਗੜ੍ਹ	ਸ਼ਕਾਇਤ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਤੇ ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਹਟਾਇਆ ਗਿਆ (ਟਰਮੀਨੇਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ)	1-6-19

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8
89	ਸ੍ਰੀ ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਡਰਾਈਵਰ (ਹਟਾਇਆ ਗਿਆ)	31-3-67	..	ਪੰਜਾਬ ਬਟਾ:, ਐਨ. ਸੀ. ਸੀ. ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਮੁੰਡਾ ਪਿੰਡ, ਤਹਿ: ਤਰਨ ਤਾਰਨ	ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਹਾਜ਼ਰ ਨਾ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਕੇ ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਹਟਾਇਆ ਗਿਆ ।	ਸ. ਮ. ਦਿਨ 1-10-10
90	ਸ੍ਰੀ ਤਿਲਕ ਰਾਜ, ਕਲਰਕ (ਰਿਵਰਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ)	9-9-68	..	..	..	ਕਲਰਕ ਦੀ ਅਸਾਮੀ ਲਈ ਫਿਟ ਨਹੀਂ ਸੀ ਰੀਵਰਟ ਕਰਕੇ ਲਾਸਕਰ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ।	0-10-0
91	ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ, ਕਲਰਕ (ਰਿਵਰਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ)	9-9-68	..	..	ਮ੍ਹ: ਨੰ: 598, ਰਾਨੀ ਬਾਜ਼ਾਰ, ਸ਼ਰੀਫ ਪੁਰ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ)	,,	0-10-0
92	ਸ੍ਰੀ ਬਿਸੰਬਰ ਸਿੰਘ ਚੌਕੀਦਾਰ (ਰਿਵਰਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ)	3-11-69	..		ਪਿੰਡ ਨਾਨੰਗਦ, ਡਾ: ਭਵਰਨਾ, ਤਹਿ: ਪਾਲਮਪੁਰ (ਕਾਂਗੜਾ)	ਅਨੁਸ਼ਾਸਨੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕਾਰਨ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਕੇ ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਹਟਾਇਆ ਗਿਆ ।	4-7-19
93	ਸ੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ, ਲੇਖਾਕਾਰ (ਰਿਵਰਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ)	14-6-67	..	4 ਪੰਜਾਬ ਬਟਾ:, ਐਨ. ਸੀ. ਸੀ., ਫਰੀਦਕੋਟ	..	ਲੇਖਾਕਰ ਦੀ ਆਸਾਮੀ ਤੇ ਫਿਟ ਨਾ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਬਤੌਰ ਕਲਰਕ ਰੀਵਰਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।	21-1-67 ਤੋਂ 14-6-67 ਤਕ (0-4-25)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

94	ਸ਼੍ਰੀ ਉਜਾਗਰ ਸਿੰਘ, ਕਲਰਕ	4-11-68 (ਮੁਅਤਲ)		10 ਪੰਜਾਬ ਬਟਾ:, ਐਨ. ਸੀ. ਸੀ., ਪਟਿਆਲਾ	..	ਇਸ ਨੇ ਕੁਝ ਸ: ਪੱਤਰ ਨਾਸ਼ ਕਰ ਦਿਤੇ ਸਨ ਇਸ ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕਰਕੇ ਤਫਤੀਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ !	6-1-21
95	ਸ਼੍ਰੀ ਮੁਰਾਰੀ ਲਾਲ, ਹੈਡ ਕਲਰਕ	26-10-68 ਤੋਂ ਮੁਅਤਲ		21 ਪੰਜਾਬ ਐਨ. ਸੀ. ਸੀ., ਕਪੂਰਥਲਾ	..	ਰਿਸ਼ਵਤ ਲੈਣ ਦੇ ਜੁਰਮ ਵਿਚ ਮੁਅਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਪਰ ਹਾ: ਕੋਰਟ ਨੇ ਬਰੀ ਕਰ ਦਿਤਾ । 23-10-69 ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।	19-11-26
96	ਸ਼੍ਰੀ ਤਿਲਕ ਰਾਜ ਪੁਰੀ, ਕਲਰਕ	26-10-68 ਤੋਂ ਮੁਅਤਲ	..	,,	..	,,	5-9-12
97	ਸ਼੍ਰੀ ਗੋਰਖੂ ਰਾਮ, ਜਮਾਂਦਾਰ	22-8-68 ਤੋਂ ਮੁਅਤਲ ਹੋਇਆ	ਮੁਅਤਲ ਹੈ	ਜਮਾਂਦਾਰ ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਆਫਿਸ, ਪੰਜਾਬ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	ਪਿੰਡ ਖਰਸੀ, ਡਾ: ਸੁਬਾਥੂ, ਤਹਿ: ਸੋਲਨ (ਸ਼ਿਮਲਾ)	ਚੋਰੀ ਦਾ ਦੋਸ਼	19-5-11
98	ਸ਼੍ਰੀ ਸਰਦੂਲ ਸਿੰਘ, ਸਹਾਇਕ	14-5-69 ਤੋਂ ਮੁਅਤਲ ਹੈ	,,	ਕਾਇਮ ਮੁਕਾਮ ਸਹਾਇਕ ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਆਫਿਸ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	ਮਕਾਨ ਨੰ: 3013/1, ਗਲੀ ਖਰਸੀਆਂ, ਮਹਾਂ ਸਿੰਘ ਗੇਟ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਮੈਡੀਕਲ ਬਿਲਾਂ ਵਿਚ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ	9-5-8

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Suspension etc. of Non-Gazetted Employees of Soil Conservation Department, Punjab

647. Shri Gurdial Saini : Will the Minister for Agriculture be pleased to state —

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of Soil Conservation Department, Punjab, have been suspended reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the service rendered by each such employee in the Department and also the reasons for suspension/revertion/termination of services, whatever the case may be, be laid on the Table of the House ?

Shri Radha Krishan : (a) Yes, Sir.

(b) The requisite information is enclosed.

[(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਬੀ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਹੇਠ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

STATEMENT

Serial No.	Name of the employee and designation	Present/last place of posting	Permanent Address	Service rendered	Reasons for suspension/reversion/ termination
1	2	3	4	5	6
1	Shri Gurbandhan Singh, Agricultural Inspector	Samrala	Son of Shri Amar Singh, A.K. Street, Doraha, district Ludhiana.	Joined service on 1st June, 1965	Suspended on account of wilful absence from dutyand non-rendering of accounts and embezzlement of Government money.
2	Shri Sukhdev Raj, Steno-Typist	Chandigarh	Son of Shri Babu Ram, village Bhadsail, tehsil Una.	Joined service on 23rd November, 1965	Promoted to the post of Stenographer on three months basis but was reverted as he could not clear the test of Stenographer.
3	Shri Satwant Singh, Surveyor	Amritsar/ Naushehra Majha Singh District Gurdaspur	Son of Shri Ghasita Singh Pannu, village Chaudhriwala, P.O. Naushehra Pannuan, District Amritsar.	Appointed on regular basis on July, 1965	Due to inefficiency and mis-conduct his services were terminated with effect from 1st January, 1966. The official was however, reinstated with effect from 29th May, 1967.
4	Shri Bakhshish Singh, Agricultural Sub-Inspector	Ferozepur/ (Gurdaspur) Pathankot	Son of Shri Labh Singh, V. & P.O. Rampura Phul, district Bhatinda.	Joined Service in 1964-65	The official was placed under suspension in October, 1966 as there were serious charges of embezzlement of Government money and material. He was reinstated in August, 1969. He was seriouly warned and next four increments stopped.
5	Shri Balram Singh, Surveyor	Ferozepur/ Gurdaspur	Son of Shri Mulkh Raj Singh, V. & P.O. K. Bagur, district Gurdaspur.	3 years 2 months	The official was placed under suspension in June, 1968 as there were serious charges of embezzlement of Government money and material. He was reinstated in April, 1970 and his two next increments were stopped without commulative effect. The cost of the shortages also to be recovered from him.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6
6	Shri Mahabir Singh, Accountant (now working in the Agriculture Department)	Hoshiarpur	..	..	Due to embezzlement of Government money he was placed under suspension in September, 1966. He was reinstated in December, 1967 and next four increments were stopped.
7	Shri Kehar Singh, Truck Driver (now working in Agriculture Department)	Chandigarh/ Hoshiarpur	..	..	Due to misuse of Government truck he was placed under suspension in June, 1968. He was reinstated in March, 1969.
8	Shri Balbir Singh Walia, Surveyor	Jullundur	V. & P.O. Fatehabad, tehsil Tarn Taran, district Amritsar	Joined on 9th September, 1966	Suspended with effect from 6th July, 1969, on account of his arrest by police in the case of smuggling of opium.
9	Shri Bachan Dass, A.S.I.	Jandiala in district Amritsar	Son of Shri Mela Ram, V. Bhagatpura Rabwala, P.O. Qadian, tehsil Batala, district Gurdaspur	Joined service on 11th December, 1964	Services terminated on account of absence from duty.
10	Shri Sant Singh, A.S.I.	Sangrur	Son of Shri Sawan Singh, V. & P.O. Dehlon, district Ludhiana	1st October, 1965 to 31st January, 1969	Services terminated on account of absence from duty and unsatisfactory work.
11	Shri Chet Ram, Dak Runner	Ferozepur	Kothi No. 111, Ferozepur Cantt.	5 months	Services terminated on account of unsatisfactory work.
12	Shri Mehnga Ram, A.S.I.	Ferozepur	Son of Shri Poho Ram, V. Ucha, tehsil Phagwara, district Kapurthala	3½ Years	Services terminated on account of unsatisfactory work.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Suspension, etc. of Non-Gazetted Employees of Languages Department, Punjab.

649. Shri Gurdial Saini : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of Languages Department, Punjab, have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970.

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses, stating the service rendered by each such employee in the Department and also the reasons for suspension/reversion/termination of service, whatever the case may be laid on the Table of the House?

(ਏ) **ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿਘ** : (ਏ) ਨਵੰਬਰ, 1966 ਤੋਂ ਫ਼ਰਵਰੀ, 1970 ਤਕ ਦੇ ਸਮੇਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਭਾਗ ਦਾ ਇਕ ਸੇਵਾਦਾਰ ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਜੋ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਚੁਕਾ ਹੈ ਤੇ ਇਕ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੂੰ ਆਸਾਮੀ ਦੇ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਣ ਕਾਰਨ ਹੈਡ ਕਲਰਕ ਤੋਂ ਸਹਾਇਕ ਦੀ ਆਸਾਮੀ ਤੇ ਰਿਵਰਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਕਿਸੇ ਰੈਗੂਲਰ ਕਰਮਚਾਰੀ ਦੀਆਂ ਸੇਵਾਵਾਂ ਮੁਕਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ।

(ਬੀ) ਉਪਰ (ਏ) ਵਿਚ ਦਰਜ ਸੂਚਨਾ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦਿਆਂ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ।

Cases registered under section 304-A IPC, in P.S. Kharar District Ropar

651. Sardar Raja Singh : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of cases registered in police station Kharar (district Ropar) under Section 304/A of I.P.C. during the period from January to December, 1969 ;

(b) the full details of the cases referred to in part (a) above together with the details of the persons arrested in conection there with and the result thereof be laid on the Table of the House ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) Eight cases u/s 304/A, IPC were registered at P.S. Kharar from January to December, 1969.

(b) The details of cases registed are laid on the Table of the House.

1. Case FIR No. 19, dated 29th January, 1969 u/s 304/A, IPC, P.S. Kharar. In this case one Gurnam Singh, son of Surjan Singh, resident of Sohana reported at P.S. Kharar that Makhan Singh, son of Thakar Singh, resident of Khuni Majra, driver of Truck No.PNU-7525 caused the death of his uncle Basawa Singh in Subzi Mandi, Kharar at about 7 P.M. that day as he was driving his vehicle rashly and negligently. The accused was arrested but on investigation sufficient evidence to connect the accused with the offence was not available. As such, the case was sent up as untraced.

2. In case F.I.R. No. 26, dated 15th February, 1969 u/s 304/A, IPC, P.S. Kharar one Bawa Singh, son of Milkhi Singh, resident of Sahauran reported that on 15th February, 1969 at about 6.45 P.M. he was standing on the road side near his village when a truck No. PNH-2351 came from the Chandigarh side and struck against three cyclists namely, Subhash Chander, son of Bal Krishan, Faqir Chand, son of Liaq Ram and Kishori Lal, son of Surjit Ram, residents of Kurali. Subash Chander died at the spot and the other

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

two received simple and grevious injuries. Thereafter the truck struck against a tree and Pritam Singh, son of Hans Singh, residents of Morinda who was sitting by the side of the driver died at the spot, while Karnail Singh, son of Puran Singh residents of Kotla Nihang, the driver of the truck and Tara Singh, son of Partap Singh, resident of Santokhgarh, P.S. Una, received grievous and simple injuries, respectively. On investigation the Local Police cancelled the case but the investigation is being verified.

3. In case F.I.R. No. 54, dated 10th May, 1969, u/s 304/A, IPC, P.S. Kharar, one Naghaia Singh, son of Badan Singh, Chowkidar, residents of Daun reported at P.S. that on 10th May, 1969 at about 6 P.M. near village Ballo Majra truck No. PNE-5884 came from Chandigarh side and struck against a Car No. CH-797. One of the occupants of the Car Shri D.R. Gupta died at the spot and the other three occupants including Rattan Singh, driver, received injuries. The accident took place due to the rash and negligent driving of the truck by Surmukh Singh, son of Amar Singh, resident of Desu Majra. The accused driver was arrested and the case is pending trial in the court of J.M.I.C., Kharar.

4. In case F.I.R. No. 64, dated 1st June, 1969, u/s 304/A, IPC, P.S. Kharar, one Ranjodh Singh, son of Dayal Singh, resident of Kharar reported at Police Station that Nachhattar Singh, son of Waryam Singh, resident of Rasulpur, driver of Taxi No. PNY-111, struck the vehicle against Haripal aged about 5/6 years, resident of Kharar near the Bus Stand as a result of which the boy died at the spot. The accused driver was arrested and the case against him is pending trial in the court of JMIC, Kharar.

5. Case F.I.R. No. 91, dated 1st July, 1969, u/s 304/A, IPC, P.S. Kharar was registered on the report of one Budh Singh, son of Rur Singh, resident of Cholta Kalan that at about 1-30 P.M. he was going to his village on a cycle and his mother Smt. Chinti was sitting on the carrier. When he reached near village Badala a truck No. PUR-185 came from Kharar side and struck against his cycle from the back side and Smt. Chinti died at the spot while he received injuries. The driver of the truck Habib, son of Tota, resident of Nalagarh was arrested and the case is pending trial.

6. In case F.I.R. No.94, dated 5th July, 1969 u/s 304/A, IPC,P.S. Kharar, one Kartar Singh, son of Charat Singh, resident of Mohalli reported at P.S. Kharar that the dead body of a person with injuries caused in a road accident, was lying near village Mohalli. The local police took up the investigation and the body was identified to be that of Nachhattar Singh, son of Chajja Singh resident of Mundi Kharar. Despite best efforts on the part of local police the accused driver in this case remained untraced.

7. Case FIR No. 108, dated 16th July, 1969, u/s 304/A, IPC, P.S. Kharar, was registered on the report of one Pritam Singh, son of Chanan Singh, resident of Kharar that on 16th July, 1969, at about 5-30 P.M. Gulu, son of Gurdit Singh, resident of Kurali, driver of Taxi No. PNY-114 struck the vehicle against one Balvinder Singn aged about 7/8 years who died at the spot. The accused driver was later on murdered in case FIR No. 16, dated 19th February, 1970, u/s 302 IPC, P.S. Rupar. This case against him, therefore, could not be sent to court.

8. In case F.I.R. No. 111, dated 21st July, 1969, u/s 304/A, IPC, P.S. Kharar, one Santokh Singh, son of Amar Singh, resident of Charheri reported on 21st July, 1969 that about 3-30 P.M. Bachan Dass, his 'Siri' (Partner in cultivation) was struck against by Bus No. HRA-1179 which was being driven rashly and negligently by Ganga Ram, son of Bhime Ram, and he died at the spot. The accused driver was arrested and the case against him is pending trial in the Court of JMIC, Kharar.

[(ਏ) 8 ਮੁਕਦਮੇਂ ਅਧੀਨ ਧਾਰਾ 304/ਏ. ਆਈ.ਪੀ.ਸੀ. ਥਾਨਾ ਖਰੜ ਵਿਚ ਜਨਵਰੀ ਤੋਂ ਦਸੰਬਰ 1969 ਤਕ ਦਰਜ਼ ਹੋਏ ।

(ਬੀ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੁਕਦਮਿਆਂ ਦੀ ਵਿਸਥਾਰ ਪੂਰਵਕ ਤਫਸੀਲ ਹਾਊਸ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(1) ਮੁਕਦਮਾ ਨੰ: 19, ਮਿਤੀ 29 ਜਨਵਰੀ, 1969, ਅ:ਧ: 304-ਏ, ਭ:ਦ:, ਥਾਨਾ ਖਰੜ। ਇਸ ਮੁਕਦਮੇਂ ਵਿਚ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਸੁਰਜਨ ਸਿੰਘ ਵਾਸੀ ਸੋਹਾਣਾ ਨੇ ਥਾਨਾ ਖਰੜ ਰਪੋਟ ਕੀਤੀ ਕਿ ਮੱਖਣ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਠਾਕਰ ਸਿੰਘ, ਵਾਸੀ ਖੂਨੀ ਮਾਜਰਾ, ਟਰਕ ਡਰਾਈਵਰ ਨੰ : ਪੀ.ਐਨ.ਜੀ. 7525 ਨੇ ਉਸ ਦੇ ਚਾਚਾ ਵਿਸਾਵਾ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਸਬਜ਼ੀ ਮੰਡੀ, ਖਰੜ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮ 7 ਵਜੇ ਮਾਰ ਦਿਤਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਜਦ ਕਿ ਉਸ ਦਿਨ ਉਹ ਟਰੱਕ ਨੂੰ ਤੇਜ਼ ਤੇ ਅਨਗਹਿਲੀ ਨਾਲ ਚਲਾ ਰਿਹਾ ਸੀ। ਦੋਸ਼ੀ ਗਿਰਫ਼ਤਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਲੇਕਿਨ ਤਫ਼ਤੀਸ਼ ਦੁਰਾਨ ਦੋਸ਼ੀ ਵਿਰੁੱਧ ਕਾਫ਼ੀ ਸਬੂਤ ਨਾ ਮਿਲਣ ਕਾਰਣ ਮੁਕਦਮੇਂ ਵਿਚ ਰਪੋਟ ਆਦਮ ਪਤਾ ਭੇਜੀ ਗਈ।

(2) ਮੁਕਦਮਾਂ ਨੰ: 26, ਮਿਤੀ 15 ਫ਼ਰਵਰੀ, 1969 ਅ:ਧ: 304-ਏ ਭ:ਦ:, ਥਾਨਾ ਖਰੜ ਵਿਚ ਬਾਵਾ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਮਿਲਖੀ ਸਿੰਘ, ਵਾਸੀ ਸਾਹੌੜਾ ਨੇ ਰਪੋਟ ਦਿਤੀ ਕਿ ਮਿਤੀ 15 ਫ਼ਰਵਰੀ, 1969 ਸ਼ਾਮ 6.45 ਦੇ ਕਰੀਬ ਜਦ ਉਹ ਆਪਣੇ ਪਿੰਡ ਸੜਕ ਕਿਨਾਰੇ ਖੜਾ ਸੀ ਇਕ ਟਰਕ ਨੰ: ਪੀ. ਐਨ. ਐਚ. 2351 ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਲੋਂ ਆਇਆ ਤੇ ਸਾਇਕਲ ਵਾਲਿਆਂ ਨਾਲ ਵੱਜਾ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਂ, ਸੁਭਾਸ਼ ਚੰਦਰ, ਪੁੱਤਰ ਬਾਲ ਕਿਸ਼ਨ, ਫ਼ਕੀਰ ਚੰਦ, ਪੁੱਤਰ ਲਾਇਕ ਰਾਮ ਅਤੇ ਕਿਸ਼ੋਰੀ ਲਾਲ, ਪੁੱਤਰ ਸੁਰਜੀਤ ਰਾਮ ਵਾਸੀਆਨ ਕੁਰਾਲੀ। ਸੁਭਾਸ਼ ਚੰਦਰ ਮੌਕੇ ਤੇ ਮਰ ਗਿਆ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਦੋ ਨੂੰ ਮਾਮੂਲੀ ਤੇ ਸਖਤ ਚੋਟਾਂ ਆਈਆਂ। ਇਸ ਉਪਰੰਤ ਟਰਕ ਇਕ ਦਰਖਤ ਵਿੱਚ ਲੱਗਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਹੰਮਾ ਸਿੰਘ, ਵਾਸੀ ਮੁਰਿੰਡਾ ਜੋ ਡਰਾਈਵਰ ਦੀ ਨਾਲ ਸੀਟ ਤੇ ਬੈਠਾ ਸੀ ਮੌਕੇ ਤੇ ਮਰ ਗਿਆ ਜਦ ਕਿ ਕਰਨੈਲ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਪੂਰਨ ਸਿੰਘ, ਵਾਸੀ ਕੋਟਲਾ ਨਿਹੰਗ, ਟਰਕ ਡਰਾਈਵਰ ਅਤੇ ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ, ਵਾਸੀ ਸੰਤੋਖਗੜ੍ਹ, ਥਾਨਾ ਉਨਾ ਨੂੰ ਮਾਮੂਲੀ ਚੋਟਾਂ ਆਈਆਂ। ਤਫ਼ਤੀਸ਼ ਦੌਰਾਨ ਲੋਕਲ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਮੁਕਦਮਾ ਅਦਮ ਪਤਾ ਕਰਾਰ ਦਿਤਾ ਲੇਕਨ ਫ਼ਿਰ ਵੀ ਤਫ਼ਤੀਸ਼ ਪੜਤਾਲ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ।

(3) ਮੁਕਦਮਾਂ ਨੰ: 54, ਮਿਤੀ 10 ਮਈ, 1969, ਅ:ਧ:, 304-ਏ. ਭ:ਦ: ਥਾਨਾ ਖਰੜ, ਵਿਚ ਨਗਾਈਆ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਬਦਨ ਸਿੰਘ, ਚੌਕੀਦਾਰ, ਵਾਸੀ ਦਾਊਂ, ਥਾਨਾ ਖਰੜ ਮਿਤੀ 10 ਮਈ, 1969 ਨੂੰ ਰਪੋਟ ਦਿੱਤੀ ਕਿ ਕਰੀਬ 6 ਵਜੇ ਸ਼ਾਮ ਪਿੰਡ ਕਾਲੇ ਮਾਜਰੇ ਦੇ ਨੇੜੇ ਟਰਕ ਨੰ: ਪੀ.ਐਨ. ਟੀ. 5334 ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਲੋਂ ਆ ਰਿਹਾ ਸੀ ਤੇ ਕਾਰ ਨੰ: ਸੀ. ਐਚ. 797 ਨਾਲ ਟਕਰਾ ਗਿਆ। ਕਾਰ ਵਿਚਲੀ ਸਵਾਰੀਆਂ ਵਿਚੋਂ ਸ਼੍ਰੀ ਡੀ.ਆਰ. ਗੁਪਤਾ ਮੌਕੇ ਤੇ ਮਰ ਗਿਆ ਤੇ ਬਾਕੀ ਦਿਆਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਸੱਟਾਂ ਆਈਆਂ। ਇਹ ਹਾਦਸਾ ਟਰਕ ਡਰਾਈਵਰ ਗੁਰਮੁਖ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਅਮਰ ਸਿੰਘ, ਵਾਸੀ ਦੇਸੂ ਮਾਜਰਾ ਦੇ ਅਨਗਹਿਲੀ ਨਾਲ ਤੇਜ਼ ਟਰਕ ਚਲਣ ਕਾਰਣ ਹੋਇਆ। ਦੋਸ਼ੀ ਡਰਾਈਵਰ ਪਕੜ ਲਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਮੁਕਦਮਾਂ ਜੇ.ਐਮ.ਆਈ.ਸੀ. ਖਰੜ ਦੀ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।

(4) ਮੁਕਦਮਾਂ ਨੰ: 64 ਮਿਤੀ, 1 ਜੂਨ, 1969 ਅ:ਧ: 30-ਏ, ਭ:ਦ:, ਥਾਨਾ ਖਰੜ ਇਕ ਮਨੁੱਖ ਰਨਜੋਧ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਜੋ ਕਿ ਖਰੜ ਦਾ ਰਹਿਣ ਵਾਲਾ ਹੈ ਦੀ ਰਪੋਟ ਉਤੇ ਦਰਜ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤੇ ਉਸ ਨੇ ਰਪੋਟ ਦਰਜ ਕਰਵਾਈ ਕਿ ਨਛੱਤਰ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ, ਵਾਸੀ ਰਸੂਲਪੁਰ ਜੋ ਕਿ ਟੈਕਸੀ ਨੰ: ਪੀ.ਐਨ.ਵਾਈ. 111 ਦਾ ਡਰਾਈਵਰ ਸੀ ਦੀ ਗੱਡੀ ਹਰਪਾਲ ਸਿੰਘ ਜੋ ਕਿ 5/6 ਸਾਲ ਦਾ ਸੀ ਤੇ ਖਰੜ ਬਸ ਅਡੇ ਨੇੜੇ ਟਕਰਾ ਗਈ ਸਿਟੇ ਵਜੋਂ ਮੁੰਡਾ ਮੌਕੇ ਤੇ ਹੀ ਮਾਰਿਆ ਗਿਆ। ਦੋਸ਼ੀ ਡਰਾਈਵਰ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਉਸਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਜੇ.ਐਮ. ਆਈ. ਸੀ. ਦੀ ਅਦਾਲਤ, ਖਰੜ ਵਿਚ ਕੇਸ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।

(5) ਮੁਕਦਮਾਂ ਨੰ: 91, ਮਿਤੀ 1 ਜੁਲਾਈ, 1969, ਅ:ਧ: 304-ਏ ਭ:ਦ: ਥਾਨਾ ਖਰੜ ਬੁਧ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਰੂੜ ਸਿੰਘ ਵਾਸੀ ਚੋਹਲਟਾਂ ਕਲਾਂ ਦੀ ਰਪੋਟ ਤੇ ਦਰਜ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਕਿ ਉਹ 1.30 ਵਜੇ ਆਪਣੇ ਪਿੰਡ ਨੂੰ ਸਾਇਕਲ ਤੇ ਜਾ ਰਿਹਾ ਸੀ ਤੇ ਉਸ ਦੀ ਮਾਂ ਚਿੰਤੀ ਸਾਇਕਲ ਦੇ ਮਗਰ ਬੈਠੀ ਸੀ ਜਦੋਂ ਉਹ ਬਡਾਲਾ ਪਿੰਡ ਦੇ ਨੇੜੇ ਪੁਜਾ ਤਾਂ ਟਰਕ ਨੰਬਰ ਪੀ:ਯੂ.ਆਰ. 185 ਖਰੜ ਦੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਤਰਫ ਤੋਂ ਆਇਆ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਸਾਇਕਲ ਨਾਲ ਪਿਛੋਂ ਦੀ ਟਕਰਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਚਿੰਤੀ ਮੌਕੇ ਤੇ ਮਾਰੀ ਗਈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਵੀ ਸੱਟਾਂ ਲਗੀਆਂ। ਟਰਕ ਦਾ ਡਰਾਈਵਰ ਹਬੀਬ, ਪੁਤਰ ਤੋਤਾ, ਵਾਸੀ ਨਾਲਾ ਗੜ੍ਹ ਨੂੰ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤੇ ਉਸ ਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਕੇਸ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।

(6) ਮੁਕਦਮਾਂ ਨੰ: 94 ਮਿਤੀ 5 ਜੁਲਾਈ, 1969, ਅਧ: 304-ਏ, ਭ:ਦ:, ਥਾਨਾ ਖਰੜ ਵਿਚ ਇਕ ਆਦਮੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ, ਪੁਤਰ ਚੜਤ ਸਿੰਘ ਵਾਸੀ ਮੁਹਾਲੀ ਦੀ ਰਪੋਟ ਉਤੇ ਦਰਜ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਕਿ ਸੜਕ ਉਤੇ ਹਾਦਸਾ ਹੋ ਜਾਣ ਕਾਰਣ ਮੁਹਾਲੀ ਪਿੰਡ ਕੋਲ ਇਕ ਮਿਰਤਕ ਦੀ ਲਾਸ਼ ਮਿਲੀ ਹੈ। ਸਥਾਨਕ ਪੁਲਸ ਨੇ ਪੜਤਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤੀ ਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਪਛਾਨਣ ਤੇ ਪਤਾ ਲਗਿਆ ਕਿ ਉਹ ਲਾਸ਼ ਨਛੱਤਰ ਸਿੰਘ ਪੁੱਤਰ ਛੱਜਾ ਸਿੰਘ, ਵਾਸੀ ਮੁੰਡੀ ਖਰੜ ਦੀ ਹੈ। ਬਾਵਜੂਦ ਪੂਰੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨ ਦੇ ਦੋਸ਼ੀ ਡਰਾਈਵਰ ਦੀ ਭਾਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੀ।

7. ਮੁਕਦਮਾਂ ਨੰ: 108, ਮਿਤੀ 16 ਜੁਲਾਈ, 1969, ਅ/ਧ 304-ਏ, ਭ:ਦ:, ਥਾਨਾ ਖਰੜ ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਚੰਨਣ ਸਿੰਘ, ਵਾਸੀ ਖਰੜ ਦੀ ਰਪੋਟ ਉਤੇ ਦਰਜ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਉਸ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਮਿਤੀ 16 ਜੁਲਾਈ, 1969, ਸ਼ਾਮ ਦੇ ਸਾਢੇ ਪੰਜ ਵਜੇ ਗੁਲੂ, ਪੁੱਤਰ ਗੁਰਦਿਤ ਸਿੰਘ, ਵਾਸੀ ਕੁਰਾਲੀ ਜੋ ਕਿ ਟੈਕਸੀ ਨੰਬਰ ਪੀ.ਐਨ.ਵਾਈ. 114 ਦਾ ਡਰਾਈਵਰ ਹੈ, ਦੀ ਟਕਰ ਸ੍ਰੀ ਬਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਜਿਸ ਦੀ ਉਮਰ 7/8 ਸਾਲ ਹੈ ਨਾਲ ਹੋਈ ਅਤੇ ਬਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮੌਕੇ ਤੇ ਮਾਰਿਆ ਗਿਆ। ਦੋਸ਼ੀ ਡਰਾਈਵਰ ਕੁਝ ਦਿਨਾਂ ਮਗਰੋਂ ਕਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤੇ ਮੁਕਦਮਾਂ ਨੰ: 16, ਮਿਤੀ 19 ਫ਼ਰਵਰੀ, 1970, ਅ/ਧ:, 302, ਭ:ਦ:, ਥਾਨਾ ਰੋਪੜ ਵਿਖੇ ਦਰਜ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਹ ਮੁਕਦਮਾਂ ਉਸ ਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਘਲਿਆ ਗਿਆ।

(8) ਮੁਕਦਮਾਂ ਨੰ: 111, ਮਿਤੀ 21 ਜੁਲਾਈ, 1969, ਅ:ਧ: 304-ਏ, ਭ:ਦ:, ਥਾਨਾ, ਖਰੜ, ਵਿੱਚ ਸੰਤੋਖ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਅਮਰ ਸਿੰਘ, ਵਾਸੀ ਚਰਹੇੜੀ ਦੀ ਰਪੋਟ ਉਤੇ ਦਰਜ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਜਿਸ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਮਿਤੀ 21 ਜੁਲਾਈ, 1969 ਨੂੰ ਤਕਰੀਬਨ ਸਾਢੇ ਤਿੰਨ ਵਜੇ ਸ਼ਾਮ ਬਚਨ ਦਾਸ, ਉਸਦਾ ਸੀਰੀ ਬਸ ਨੰ: ਐਚ.ਆਰ.ਏ. 1179 ਨਾਲ ਟਕਰਾ ਗਿਆ। ਡਰਾਈਵਰ ਗੰਗਾ ਰਾਮ, ਪੁੱਤਰ ਭੀਮੇ ਰਾਮ ਖੜੀ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਬਸ ਚਲਾ ਰਿਹਾ ਸੀ। ਉਸ ਦੀ ਕੁਤਾਹੀ ਕਾਰਨ ਉਹ ਮੌਕੇ ਤੇ ਮਰ ਗਿਆ ਹੈ। ਦੋਸ਼ੀ ਡਰਾਈਵਰ ਗਿਰਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤੇ ਉਸ ਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਜੇ.ਐਮ.ਆਈ.ਸੀ., ਖਰੜ ਦੀ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਕੇਸ ਚੱਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।]

Buses Plying on Khalra to Patti-Harike Route

653. **Comrade Darshan Singh Jhabal** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names of the transport companies which are operating buses on Khalra to Patti-Harike route ;

(b) the details of timings of the Punjab Roadways buses plying on the said route ;

(c) the number of timings allotted to the Private companies on the said route together with the number out of them, actually in operation ;

(d) whether it is a fact that all the timings allotted to the said private companies are not in operation ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(e) if the reply to part (d) above be in the affirmative whether the Government Proposed to start more Punjab Roadways buses on the said route ?

Sadar Parkash Singh Badal : (a) The Amritsar Frontier Transport Coop. Society Ltd., Amritsar, and Punjab Roadways, Amritsar.

(b) *From Khalra*	*From Harike*
6·30 1/2 trip	8·30 1/2 trip
9.20	11·30
12·00	14·30

(c) Nine and half trips have been allowed to the Amritsar Frontier Transport Coop. Society Ltd., Amritsar, on Khalra-Patti-Harike route Details of timings are given below :—

From Khalra	*From Harike*
7·30 A.M.	6·00
8·30	7·30
10·30	9·30
11·10	10·30
13·00	12·30
14·00	13·40
15·00	15·30
16·05	16·15
17·30	17·30

In all 12 return trips are in operation.

(d) The society have submitted in writing that they are operating all the trips sanctioned in their favour.

(e) The following 3 more trips are increased on this route ;

(i)	Punjab Roadways, Amritsar	2 R. Trips
(ii)	Amritsar Frontier Transport Coop. Society, Amritsar.	1 Trip

[(ੳ) ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਫ਼ਰੰਟੀਅਰ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਸੁਸਾਇਟੀ, ਲਿਮਟਿਡ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।

(ਅ) **ਖਾਲਰਾ ਤੋਂ ਚਲਣ ਦਾ ਸਮਾਂ**	**ਹਰੀਕੇ ਤੋਂ ਚਲਣ ਦਾ ਸਮਾਂ**
6–30 ਅੱਧਾ ਟਰਿਪ	8–30 ਅੱਧਾ ਟਰਿਪ
9–20	11–30
12–00	14–20

(ੲ) ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਫ਼ਰੰਟੀਅਰ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਸੁਸਾਇਟੀ ਨੂੰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ-ਖਾਲਰਾ ਰੂਟ ਤੇ ਸਾਢੇ ਨੌਂ ਟਰਿਪਸ ਮੰਨਜ਼ੂਰ ਕੀਤੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਮਾਂ ਹੇਠ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ :—

ਖਾਲਰਾ ਤੋਂ	**ਹਰੀਕੇ ਤੋਂ**
7–30 ਸਵੇਰ ਦੇ ਸਮੇਂ	6–00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਖਲਾਰਾ ਤੋਂ	ਹਰੀਕੇ ਤੋਂ
7.30 ਸਵੇਰ ਦੇ ਸਮੇਂ	
8-30 ਸਵੇਰ ਦੇ ਸਮੇਂ	6.00
8–30	7–30
10–30	9–30
11–10	10–30
13–00 ਪੂਰਵ ਬਾਦ	12–30
14–00	13–40
15–00	15–30
16–05	16–15
17–30	17–30

ਉਪਰੋਕਤ ਸਾਰੇ 12 ਵਾਪਸੀ ਫੇਰੇ ਚਲ ਰਹੇ ਹਨ ।

(ਸ) ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਫ਼ਰੰਟੀਅਰ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਇਟੀ ਨੇ ਸਕੱਤਰ, ਰਿਜਨਲ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਥਾਰਟੀ, ਜਲੰਧਰ ਨੂੰ ਲਿਖਤ ਰੂਪ ਵਿਚ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਮੰਨਜ਼ੂਰ ਸ਼ੁਦਾ ਸਾਰੇ ਵਾਪਸੀ ਫੇਰੇ ਚਲ ਰਹੇ ਹਨ।

(ਹ) ਇਸ ਰੂਟ ਤੇ ਤਿੰਨ ਹੋਰ ਵਾਪਸੀ ਫੇਰੇ ਵਧਾ ਦਿੱਤੇ ਹਨ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਹੇਠ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ :—

(1) ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ 2 ਵਾਪਸੀ ਫੇਰੇ

(2) ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਫ਼ਰੰਟੀਅਰ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਇਟੀ 1 ਵਾਪਸੀ ਫੇਰਾ]

Chowkidara Tax realised in Village Dhodiwind, District Amritsar

654. Comrade Darshan Singh Jhabal : Will the Minister for Revenue and Rehabilitation be pleased to state—

(a) the population of village Dhodiwind, tehsil Tarn Taran, district Amritsar;

(b) the criteria kept in view while imposingChowkidara tax in villages;

(c) the rate at which the said tax is realised from the Harijans and the landless people of the said village ;

(d) whether it is a fact that this village is situated near the Pakistan border ;

(e) if the reply to part (d) above be in the affirmative, whether the Government propose to grant exemption to the Harijans and the landless people from the payment of the said tax ?

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ) : (ੲ) 181 ।

(ਬੀ) ਚੌਕੀਦਾਰਾ ਟੈਕਸ ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਕਰੈਟੇਰੀਆ ਚੌਕੀਦਾਰਾ ਰੂਲਜ਼ ਦੀ ਧਾਰਾ 35 ਵਿਚ ਦਰਜ਼ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਅਨੁਸਾਰ ਕਿਸੇ ਪਿੰਡ ਦੁਆਰਾ ਪਿੰਡ ਦੇ ਚੌਕੀਦਾਰ ਦੇ ਮਿਹਨਤਾਨੇ ਲਈ ਅਦਾਇਗੀ ਵਾਸਤੇ ਯੋਗ ਰਕਮ ਪਿੰਡ ਦੇ ਨੰਬਰਦਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਅਤੇ ਰਾਏ ਦਾ ਯੋਗ ਧਿਆਨ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਪਿੰਡ ਦੇ ਘਰਾਂ ਦੇ ਸਾਰੇ ਕਾਬਜ਼ਾਨ ਜਾਂ ਮਾਲਕਾਂ ਤੇ ਬਰਾਬਰ ਬਰਾਬਰ ਲਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਵਿਧਵਾ ਇਸਤਰੀਆਂ, ਮਹਿਤਰਾਂ ਅਤੇ ਦੁਰਬਲ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਛੋਟ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਸੀ) ਪਿੰਡ ਢੋਡੀਵਿੰਡ ਦੇ ਨੰਬਰਦਾਰ ਸ੍ਰੀ ਅਮਰੀਕ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਸੁਰਜਨ ਸਿੰਘ ਦੀ ਪੱਤੀ ਦੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਪਾਸੋਂ 3 ਰੁਪਏ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਸਾਰੇ ਮਕਾਨਾਂ ਦੇ ਨਿਵਾਸੀ ਯਾ ਮਾਲਕ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਜ਼ਮੀਨਹੀਨ ਵਿਅਕਤੀ ਵੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਪਾਸੋਂ ਵਸੂਲ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਸ੍ਰੀ ਨਰੈਣ ਦੀ ਪੱਤੀ ਵਾਲੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਪਾਸੋਂ 3.50 ਰੁਪਏ ਵਸੂਲ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

(ਡੀ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਈ) ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

Supply of water for irrigation purposes in certain villages of tehsi Tarn Taran, District Amritsar

655. Comrade Darshan Singh Jhabal : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether the Government is aware of the fact that water for irrigation purposes is not available for villages Dhodiwind, Charandi, Jhanjarpur, Bhandiar, Gharanda, Padri, Tehsil Tarn Taran, District Amritsar ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, whether the Government propose to construct a new minor for giving water to the villages mentioned in part (a) above ;

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, the steps taken by the Government in this connection so far ?

Sardar Sohan Singh Bassi : (a) It is not a fact that water for irrigtion purposes is not available for villages Dhodiwind, Gharandi, Jhanjarpur, Bhandiar, Gharanda and Padri, Tehsil Tarn Taran District Amritsar. In fact, these villages are getting water supplies from the following existing channels:—

1. Tahpur Minor.
2. Kahali Disty.
3. Nurpur Minor.
4. Chheharta Disty.

(b) and (c) Question does not arise.

[(ੳ) ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਪਿੰਡ ਢੋਡੀ ਵਿੰਡ, ਘਰਿੰਡੀ, ਝੰਜਾਰਪੁਰ, ਭੰਡਿਆਰ, ਘਰੇਂਡਾ ਅਤੇ ਪੱਧਰੀ, ਤਹਿਸੀਲ ਤਰਨ ਤਾਰਨ, ਜ਼ਿਲਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਲਈ ਨਹਿਰੀ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਅਸਲ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਨਹਿਰਾਂ ਰਾਹੀਂ ਪਾਣੀ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ:—

1. ਤਿਹਪੁਰ ਮਾਈਨਰ।
2. ਗੋਰਾਲੀ ਡਿਸਟਰੀਬਿਊਟਰੀ।
3. ਨੂਰਪੁਰ ਮਾਈਨਰ।
4. ਛੇਹਰਟਾ ਮਾਈਨਰ।

(ਅ) ਅਤੇ (ੲ) ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Starting Punjab Roadways Bus Service on Bhikhiwind-Mari Megha Route in Amritsar District

656. Comrade Darshan Singh Jhabal : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any application has been received by the Government from the residents of village Mari Megha in connection with starting of Punjab Roadways bus service from Bhikhiwind to Mari Megha (District Amritsar) ;

(b) whether it is a fact that the General Manager, Punjab Roadways Amritsar has recommended the case to the Director, State Transport to get route permit for starting bus service on the said route ;

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, the steps taken by the Government in this regard so far ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) Yes, sir.

(b) Yes, sir.

(c) Yes, The case has been referred to the State Transport Controller, Punjab, for granting necessary permission to divert 2 trips via village Mari Megha out of the 6 operating on Amritsar Bikhiwind route. Necessary permission is awaited.

[(ਏ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਸੀ) ਹਾਂ ਜੀ । ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਸਟੇਟ ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਪੰਜਾਬ; ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨੂੰ ਭੀਖੀਵਿੰਡ ਤੋਂ 6 ਚੱਲ ਰਹੇ ਫੇਰਿਆਂ ਵਿਚੋਂ 2 ਫੇਰੇ ਬਰਾਸਤਾ ਪਿੰਡ ਮਾੜੀ ਮੇਘਾ ਚਲਾਉਣ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਦੇਣ ਲਈ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਜਿਸ ਦੀ ਇੰਤਜ਼ਾਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।

Land allotted to the Military Reservists/Ex-Servicemen

657. Comrade Satya Pal Dang : Will the Revenue and Rehabilitation Minister be pleased to state—

(a) whether there is any scheme under which Military reservists/Ex-Soldiers etc. in the army who have done active service in the Army etc. for a certain number of years are allotted land by the District Authorities; if so, the details of this scheme ;

(b) the date since when this scheme is inforce ;

(c) the total number of military pensioners who have been allotted land under this scheme since the introduction of the scheme and a districtwise list thereof be laid on the Table of the House ?

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ) : (ਏ) ਹਾਂ ਜੀ । ਸਕੀਮਾਂ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਘਟੀਆ ਨਿਕਾਸੀ ਭੋਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਦੀ ਸਕੀਮ 29 ਅਗਸਤ, 1961 ਤੋਂ ਅਤੇ ਨਿਕਾਸੀ ਵਾਹੀਯੋਗ ਭੋਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਦੀ ਸਕੀਮ 11 ਮਈ, 1962 ਤੋਂ ਲਾਗੂ ਹਨ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਸੀ) ਘਟੀਆ ਨਿਕਾਸੀ ਭੋਂ 1,078 ਸਾਬਕਾ ਫੌਜੀਆਂ ਨੂੰ ਅਤੇ ਨਿਕਾਸੀ ਵਾਹੀਯੋਗ ਭੋਂ 1,169 ਸਾਬਕਾ ਫੌਜੀਆਂ ਨੂੰ ਅਲਾਟ ਕੀਤੀ ਜਾ ਚੁਕੀ ਹੈ । ਜ਼ਿਲ੍ਹਾਵਾਰ ਵੇਰਵਾ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

---

(1) Details of the scheme regarding allotment of Inferior Evacuee land

1. The inferior evacuee land of villages within ten miles of the Indo-Pakistan border will be utilised for purposes of allotment to those who have to be given land under the Indo-Pakistan Border Agreement. If any area remains after the resettlement of the Indian Oustees, it may be utilised by resettling the Rai Sikhs of Ferozepur District and suitable persons of Border areas of Gurdaspur and Amritsar Districts and ex-servicemen.

2. A colony for Ex-servicemen may be established if land about one thousand acres at two places is found.

3. Fifty per cent of the remaining land will be allotted to the Harijans and the rest to other landless persons including members of Backward Classes, Indian Christians, ex-servicemen and the widows, etc., of the soldiers killed during Goa operation and Chinese and Pakistan agression on the following terms and conditions. Preference will be given to the persons of the village where the land is available for allotment. If, however, the number of the local applicants is not sufficient, then the land may be allotted to persons of other villages :—

(a) The land will be leased out by the Deputy Commissioner at 12½ acres per family for 10 years in the first instance.

(b) The lessee will not be required to pay any lease money, land revenue or other cesses in the first five years, but the lease money for the Banjar land will, however, be recovered at the rate of rupee one per acre per year. If canal irrigation has been extended then Abiana will be leviable. After the expiry of that period, the lessee will of course, be required to pay the land revenue and other cesses.

(c) After a period of five years the lessee shall have the option to purchase the land at the rate of Rs 40 per acre of Banjar land and 25 per acre of Ghair Mumkin land. The lease money recovered from him shall be deducted from the sale price and the net amount due shall be payable either in lump sum or in four equal annual instalments.

(d) If the lessee does not want to purchase the land he shall deliver vacant possession of the land leased to him and will not be entitled to any compensation for the improvement made thereon.

(e) The lessee shall bring under cultivation or proper use 1/4th of the land in the first three years of the lease, and the remaining 3/4th in the next two years.

(f) The cultivated area or the area put to proper use shall not be reduced to less than one half in any case after the fifth year.

(g) Any breach of conditions No. (e) and (f) for reasons beyond the control of the lessee can be condoned by the authority prescribed by the Government in this behalf.

(h) In case a lessee dies during the period of the lease, his successors will be given the land on the same conditions.

(i) For any particular area, any special condition or set of conditions can be prescribed by Government.

(j) In case a dispute regarding any condition of the lease or the rights of the Government, the same shall be referable to the Commissioner of the Division for a decision. An appeal against the order of the Commissioner by the allottee shall lie to the State Government, whose decision shall be final.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(2) Details of the scheme regarding allotment of Evacuee Agricultural lands situated within 5 miles of Indo-Pak. Border.

Government have decided to dispose of the evacuee agricultural lands situated within five miles of Indo-Pak Border which were purchased by Punjab Government in April, 1961, in the manner prescribed below.

2. The land should be leased out at the rate of 10 acres of Banjar land per family of Rai Sikhs and ex-servicemen in Ferozepur, Amritsar and Gurdaspur Districts, who are landless but actual tillers of the soil. Small landowners owning less than 10 acres should be allotted so much area as to make their holding equal to 10 acres. The claims of the sitting tenants (authorised or unauthorised before Rabi, 1964) who have made the land cultivable with their efforts, should also be considered and they should be given preference if found eligible for allotment of the land. These lands consist of culturable, Banjar and Ghair Mumkin lands and accordingly it has been decided that two acres of Ghair Mumkin land should be treated equal to one acre of Banjar land, and two acres of Banjar land, equal to one acre of culturable land for the purpose of lease.

3. The land would be leased out by a Committee consisting of the following :—

(i) Deputy Commissioner of the District concerned.	..	Chairman
(ii) Local Mahal Tehsildar	..	Member.
(iii) Representative of the Police Department	..	Member.
(iv) Representative of the Government of India, Defence Ministry.		Member.

The antecedents of the person to whom the land is proposed to be leased out will be verified by the Police Department.

4. The land should be leased out for ten years in the fist instance. After a period of five years, however, the lessees shall have the option to purchase the land at the following rates :—

Rs. 100 per acre for irrigated/cultivated land;
Rs. 75 per acre for un-irrigated cultivable land;
Rs. 50 per acre for banjar land; and
Rs. 25 per acre for Ghair Mumkin land.

The lease money recovered from them shall be deducted from the sale price and the net amount due shall be payable in lump sum or in five annual instalments.

5. (a) The lessees will not be required to pay any lease money or land revenue or other cesses in the first five years, in respect of the Ghair Mumkin lands. However, lease money at the rate of Re. 1 per acre in respect of Banjar lands will be charged. If canal irrigation has been extended, then Abiana will be leviable. After the expiry of five years, the lessees will be required to pay land revenue and other cesses.

(b) The lessees in respect of the un-irrigated culturable lands will be required to pay land revenue and other cesses, while lessees in respect of irrigated cultivable lands, will be required to pay Re. 1 per acre as lease money *plus* land revenue and other cesses.

6. If a lessee does not want to purchase the land, he shall deliver vacant possession of the land leased to him and will not be entitled to any compensation for the improvement made thereon.

7. The lessees shall bring under cultivation or proper use 1/4th of the land in the first three years of the lease, and the remaining 3/4th in the next two years.

8. The cultivated area or the area put to proper use shall not be reduced to less than one half in any case after the fifth year.

9. Any breach of the conditions at Nos. (6) and (7) for reasons beyond the control of the lessees can be condoned by the authority prescribed by the Government in this behalf.

10. In case a lessee dies during the period of the lease, his successor/s will be given the land on the same conditions.

Origi[nal] with;
Punj[ab] Vidhan Sabha
Digit[ized] by;
Panja[b]

11. For any particular area, any special condition or set of conditions can be prescribed by Government.

12. In case of a dipsute between the lessee and the Collector regarding any condition of the lease of the right of the Government the dispute shall be referred to the Commissioner of the Division for decision. An appeal against the order of the Commissioner by the allottee, shall lie to the State Government whose decision shall be final.

(1) ਘਟੀਆ ਨਿਕਾਸੀ ਭੋਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਬਾਰੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾਵਾਰ ਸੂਚੀ

ਲੜੀ ਨੰ:	ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ		ਰਕਬਾ ਏਕੜ	ਕਨਾਲ	ਮਰਲੇ	ਸਾਬਕਾ ਫੌਜੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ
1	ਕਪੂਰਥਲਾ	..	413	0	3	35
2	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	..	4,319	1	12	502
3	ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	..	54	..	..	9
4	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	..	697	3	14	57
5	ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	..	1,579	5	12	283
6	ਜਲੰਧਰ	..	175	..	..	14
7	ਲੁਧਿਆਣਾ	..	1,525	..	..	121
8	ਪਟਿਆਲਾ	..	..	..	..	..
9	ਰੋਪੜ	..	296	..	..	56
10	ਸੰਗਰੂਰ	..	12	..	..	1
11	ਬਠਿੰਡਾ	..	..	..	..	..
	ਕੁਲ ਜੋੜ	..	9,071	3	1	1,078

(2) ਨਿਕਾਸੀ ਵਾਹੀਯੋਗ ਭੋਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਬਾਰੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾਵਾਰ ਸੂਚੀ

1	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	..	5,229	3	9	895
2	ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	..	116	..	..	19
3	ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	..	1,616	..	..	255
	ਕੁਲ ਜੋੜ	..	6,961	3	9	1,169

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Suspension, etc,. of Non-gazetted employees in the Consolidation of Holdings Department, Punjab

659. Comrade Babu Singh Master : Will the Minister for Revenue and Rehabilitation be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of Consolidation of Holdings Department, Punjab, have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the reasons for suspension/revertion/termination of service, as the case may be, in each case be laid on the Table of the House ;

(c) the service rendered by each of the above mentioned employees in the said department ?

Sardar Atma Singh : (a) Yes.

(b) & (c) A statement is enclosed at Annexure 'A'.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਅ) ਤੇ (ੲ) ਵੇਰਵੇ ਪੱਤਰ ਦੀ ਕਾਪੀ (ਅਨੁਲੱਗ 'ੳ') ਤੇ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

'ANNEXURE 'A'

List of Assistant Consolidation Officers, against whom action was taken for the period from November, 1966 to February, 1970

Serial No.	Name of official with designation	District in which he was working at the time of suspension/reversion/termination	Last place of posting	Present place of posting	Present place and Date of dismissal/reversion/termination	Permanent address	Reasons for suspension/reversion/termination	Service rendered in the Consolidation Department
								Years
	ASSISTANT CONSOLIDATION OFFICERS							
	JULLUNDUR DISTRICT							
	Sarvshri—							
1	Santokh Singh, A.C.O.	Jullundur	Jullundur	S.I., C/H. A.C.O. Circle, Anandpur Sahib	Reverted : 3-4-69	Village Begowal, P.O. Kurali, tehsil Kharar, district Rupar	Charges of corruption, tempering of record and irregularities.	22
	AMRITSAR DISTRICT							
2	Narinder Singh, A.C.O.	Amritsar	Amritsar	Under suspension	Suspended : 8-4-69	Kangra	Charges of corruption irregularities.	17
	HOSHIARPUR DISTRICT							
3	Mukhtiar Chand, A.C.O.	Hoshiarpur	Garhshanker	C.O., C/H, Sangrur Circle	Suspended: 27-7-68/ Since reinstated	Village Padhni Kalan, P.O. Dhuri, district Sangrur	Charges of corruption	15
	BHATINDA DISTRICT							
4	Tej Ram, A.C.O. ..	Bhatinda	Bhatinda	A.C.O., Sangrur	Suspended : 31-10-68. Since reinstated	Village Kot Ise-Khan, tehsil Zira, District Ferozepur	Charges of corruption.	19

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

List of Kanungos against whom action was taken for the period from November, 1966 to February, 1970

Serial No.	Name of official with designation	District in which he was working at the time of suspension/reversion/termination	Last place of posting	Present place of posting	Date of dismissal/reversion/termination	Permanent address	Reasons for suspension/termination	No. of years Service rendered in this Department
	KANUNGOS, CONSOLIDATION OF HOLDINGS							
	FEROZEPUR DISTRICT							
	Sarvshri—							
1	Nabh Kanwal, Kanungo, C/H	Ferozepur	A.C.O Circle, Gidderbaha	A.C.O. Circle Bhucho Kalan, Bhatinda district	5-8-68 : Suspended Since reinstated	C/o A.C.O. Bhu-Cho Kalan	Case under section 5(2) P.C.A.	19
	RUPAR DISTRICT							
2	Ajmer Singh, Kanungo, C/H	Rupar	A.C.O. Circle, Anandpur Sahib	Under suspension	19-2-70 , suspended (Case under investigation with police)	Village Ram garh Budha, tehsil Dera Bassi, district Patiala	Ditto	19
	GURDASPUR DISTRICT							
3	Maya Chand Kanungo, C/H	Gurdaspur	Gurdaspur	On long leave	4-9-67, suspended Since reinstated	Gurdaspur	Bogus Karguzari	19
	AMRITSAR DISTRICT							
4	Tara Singh, Kanungo, C/H	Amritsar	Amritsar	Mahal side, Amritsar	25-9-67 : suspended. Since reinstated	Amritsar	Bogus Karguzari and absence case	18

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

List of Inspectors against whom action was taken for the period from November, 1966 to February, 1970

Serial No.	Name of official with designation	District in which he was working at the time of suspension/ reversion/ termination	Last place of posting	Present place of posting	Date of dismissal/ reversion/termination	Permanent address	Reasons for suspension/reversion/ termination	Service rendered in this Deprtment (No. of years)
	INSPECTOR, CONSOLIDATION OF HOLDINGS							
	KANGRA DISTRICT							
	Sarvshri—							
1	Mohinder Nath, Inspector, C/H	Kangra	Kangra district	Under suspension/ Under trial in Court	Suspended : 6-6-67	C/o C.O., Bhatinda	Case u/s 5(2), P.C.A.	22
	FEROZEPUR DISTRICT							
2	Mohinder Singh, Inspector, C/H	Ferozepur	A.C.O. Circle, Gidderbaha	A.C.O. Circle, Mansa	5-8-68 : suspended/ Since reinstated	C/o A.C.O. Mansa	Case u/s 5(2), Prevention of Corruption Act,	14

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

List of Sub-Inspectors against whom action was taken for the period from November, 1966 to Februrary, 1970

Serial No.	Name of official	District in which he was working at the time of suspension/reversion/termination	Last place of posting	Present place of posting	Date of dismissal/reversion/termination	Permanent address	Reasons for suspension/reversion/termination	Service rendered in this Department (No. of Years)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	SUB-INSPECTORS, CONSOLIDATION OF HOLDINGS							
	LUDHIANA DISTRICT							
	Sarvshri—							
1	Kishan Chand, S.I. C/H	Ludhiana	A.C.O. Circle, Ludhiana	A.C.O. Circle, Ludhiana	2-5-68 : Suspended Since reinstated	C/o A.C.O., Ludhiana	Case u/s 5(2), Prevention of Corruption Act	16
	SANGRUR DISTRICT							
2	Ved Parkash, S. I., C/H	Sangrur	A.C.O. Circle, Barnala	A.C.O. Circle, Muktsar	9-5-68 Suspended Since reinstated	A. C. O., Muktsar	Ditto	16
	PATIALA DISTRICT							
3	Khazan Singh, S. I., C/H	Patiala	A.C.O. Circle, Patiala	A.C.O. Circle, Patiala	5-8-69 : Suspended Since convicted by the Court. Action regarding dismissal in progress	Village Machingin district Patiala	Case under section 304, I.P.C.	16

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

	JULLUNDUR DISTRICT							
	Sarvshri—							
4	Karam Singh, S. I., C.H.	Jullundur	A.C.O. circle Nakodar	A.C.O. Circle, Nakodar	25-11-69; Suspended-since reinstated	Village Rasulpur, Teh. and District Kapurthala	Case u/s 4(2) of P.C.A.	16
	RUPAR DISTRICT							
5	Girdhari Lal, S.I., C.H.	Rupar	A.C.O. Circle, Anandpur Sahib	A.C.O. Circle, Anandpur Sahib	23-8-68 ; Suspended since convicted by the Court. Action regarding dismissal in progress	Village and P. O. Amrigarh, tehsil Malerkotla, district Sangrur	Ditto	16
6	Ram Sarup, S.I., C.H.	Rupar	A.C.O. Circle, Rupar	A.C.O. Circle, Rupar	1-4-69 ; Suspended Since reinstated	Village and P. O. Morinda, tehsil Kharar, district Rupar	Ditto	16
7	Ram Chander, S. I., C.H.	Do	A.C.O. Circle Rupar	A.C.O. Circle, Rupar	18-1-69 ; suspended. Since reinstated	Vil. Tera, Tehsil Kharar, district Rupar	Ditto	14
	FEROZEPUR DISTRICT							
8	Raja Singh, S. I., C.H.	Ferozepur	A.C.O. Circle, Ferozepur	S. O.C.H. Jullundur	19-12-66 Suspended. Since reinstated	..	Case u/s 409, I.P.C.	20
	GURDASPUR DISTRICT							
9	Kuldip Singh	Gurdaspur	A.CO. Circle, Ferozepur	S. O. C.H. Amritsar	4-7-67 ; Suspended since reinstated	Village and P.O. Sangatpur Sodhiana, tehsil Sarhind, District Patiala	Absence case	18

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8	9
10	Dalip Singh, S.I., C.H.	Gurdaspur	A.C.O. Circle, Gurdaspur	A.C.O. Circle, Amritsar	6-5-68 ; Suspended Since reinstated	..	Case u/s 5(a)-7, C.P. Act, 161, I.P.C. in corruption case	15
				HOSHIARPUR DISTRICT				
11	Rajeshwar Singh, S.I., C. H.	Hoshiarpur	A.C.O. Circle, Hoshiarpur	A.C.O. Circle, Hoshiarpur	25-10-67 ; Suspended since reinstated	Amritsar	Inefficiency and carelessness case	17
12	Som Dutt, S. I., C.H.	Hoshiarpur	A.C.O., Circle, Hoshiarpur	A.C.O. Circle, Balachaur	1-2-68 ; Suspended since reinstated	..	Government servants Conduct Rules (Movable and Immovable Property)	17

List of patwaris against whom action was taken for the period from November, 1966 to February, 1970

Serial No.	Name of official with designation	District in which he was working at the time of suspension/reversion/termination	Last place of posting	Present place of posting	Date of dismissal/reversion	Permanent address	Reasons for suspension/reversion/termination	Service rendered in this Department (No. of years)
				PATWARIS				
				HOSHIARPUR DISTRICT				
1	Shri Karam Chand, Patwari, C/H	Hoshiarpur	Hoshiarpur	Hoshiarpur	25-10-67 ; Suspended. Since reinstated	..	Inefficiency and carelessness	12

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

List of Clerks against whom action was taken for the period from November, 1966 to February, 1970

Serial No.	Name of official with designation	District in which he was working at the time of suspension/reversion/termination	Last place of posting	Present place of posting	Date of dismissal/reversion/termination	Permanent address	Reasons for suspension/reversion/termination	Service rendered in this Department (No. of years)
	CLERKS							
	AMRITSAR DISTRICT							
	Sarvshri—							
1	Kishan Singh, Clerk ..	Amritsar	Amritsar	Not in Government service	31-10-69 ; Services terminated	Village Kolianwali P.O. Khiranwali, district Kapurthala	Absence case	15
2	Gurcharan Singh, Clerk	Hoshiarpur	Hoshiarpur	..	1-12-68 ; Services terminated	Village & P. O. Khadur Sahib, tehsil Tarn Taran, district Amritsar	Corruption case	...

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

List of Peons against whom action was taken for the period from November, 1966 to February, 1970

Serial No.	Name of official with designation	District in which he was working at the time of suspension/reversion/termination	Last place of posting	Present place of posting	Date of dismissal/reversion/termination	Permanent address	Reasons for suspension/reversion termination	Service rendered in this Department (No. of Years)
	Sarvshri—							
1	Sham Lal, Peon ..	Bhatinda	A.C.O. Circle,. Bhikhi	..	8-10-68 ;.Dismissed	Sham Lal son of Naurata Ram, Adalat Bazar, District Patiala	Absence from duty	9
2	Rajinder Singh, Peon..	Patiala	A.C.O. Circle, Bhikhi	A.C.O. Circle, Bhikhi	21-6-69 ; susended since convicted by the Court. Action regarding dismissal in progress	Village Nazimpur, tehsil Payat, district Patiala	Case u/s 148/149/ 324/325/362, I.P.C.	16

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

Suspension etc., of Non-gazetted employees of Industrial Training Department, Punjab

661. Comrade Babu Singh Master : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a large number of Non-Gazetted employees of Industrial Training Department, Punjab, have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 ;

(b) if reply to part (a) above be in the affirmative the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the posting and their permanent services rendered by each such employee in the department and also the reasons for suspension/reversion/termination of services, as the case may be, in each case be laid on the Table of the House ?

Sardar Narinder Singh : (a) 31 employees of the Industrial Department were dismissed, suspended or their services were terminated. No employee was reverted.

(b) The requisite information is laid on the Table of the House.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

List of the Non-Gazetted employees of the Industrial Training Department who have been suspended/reverted or whose services terminated during the period from 1st November, 1966 to 28th February, 1970

Sl. No.	Name of the employee	Designation	Whether suspended/ reverted/ services terminated with date of suspension, etc.	Place of last posting	Place of present posting	Total service rendered	Permanent Address	Reasons for termination of services	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	Shri Daulat Ram	Clerk	Services terminated (1-7-69)	Government Institute of Garment Tehsil Amritsar	..	15-3-66 to 30-6-69	H. No. 103/7 Phillaur District Jullundur	Work and conduct not satisfactory	
2	Shri Gurpal Singh	Electrician Instructor	Services terminated (1-10-69)	Industrial Training Institute, Patti	..	1-8-63 to 30-9-69	S/o Shri Karam Singh, Garib Niwas, Guru Nanak Wara near Khalsa College, Amritsar	Ditto	
3	Shri Khazan Chand	Sweeper	Services terminated (22-9-69)	Industrial Training Institute, Sarhali	..	18-12-64 to 21-9-69	S/o Sh. Maghar Mal, New Telephone Exchange, H. No. 3824/12, Balmiki Gate, Amritsar	Wilful absence from duty	
4	Shri Brahm Dutt	Chowkidar	Services terminated (15-5-68)	Industrial Training Institute, Bhatinda	..	22-11-65 to 14-5-68	S/o Sh. Mohan Lal Takan Wali Gali, Moga	On Medical grounds	

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

5	Shri Lal Singh ..	Assistant	suspended (16-3-68)	Industrial Training Institute, Budhlada	Industrial Training Institute, Budhlada	23-6-49 to date	Village and P.O. Balla, Teh. Mansa, Dist. Bhatinda	Embezzelment of Govt. money	
6	Shri Ram Pal ...	Workshop Attendent	Suspendad (16-3-68)	Industrial Training Institute Bhudlada	Industrial Training Institute Bhudlada	1-2-64 to date	Village and P.O. Gangial, District Bulandshehrt (U.P.)	Misconduct with his superiors	Since reinstated w.e.f 25-4-69
7	Shri Shesh Paul	Ditto	Ditto	Ditto	Ditto	1-4-67 to-date	H. No. 951 Mohalla Lorhan Distt. Ambala	Ditto	Ditto
				DISTRICT FEROZEPORE					
8	Shri Mohan Lal	Store Attendant	Suspended (19-2-68)	Industrial Training Institute, Ferozepur	Industrial Training Institute, Ferozepur	2-3-65 to-date	Palta Niwas, T.B. Hospital Road, Ferozepur City	Involved in a theft case	Since reinstated
9	Shri Jagtar Singh	Chowkidar	Suspended (23-5-68)	Ditto	Ditto	6-12-65 to-date	Basti Kamboan Wali, Ferozepur city	Negligence of duty	Re-instated on 25-6-68
10	Shri Samunder Singh	Do	Dismissed from service (18-8-69)	Industrial Training Institute, Fazilka	Industrial Training Institute, Fazilka	1-3-65 to 17-8-69	Village Panchan Wali Teh. Fazilka	Criminal Offence	..
11	Shri Jagar Singh	Moulder Instructor	Suspended (2-9-69)	Industrial Training Institute, Moga	Industrial Training Institute, Moga	1-8-63 to-date	S/o Shri Kartar Singh Village Gulhani, P.O. Sakhola Teh. Una (Hoshiarpur)	Non-compliance of orders and indications	
12	Shri Harbhajan Singh	Turner Instructor	Services terminated (2-9-69)	Industrial Training Institute, Moga	Industrial Training Institute, Moga	1-2-65 to 1-2-69	S/o Sh. Kartar Singh, H. No. 37-A Asha Mills, Kasauli	Indiscipline	..

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of the employee	Designation	Whether suspended/ reverted/ services terminated with date of suspension, etc.	Place of last posting	Place of present posting	Total service rendered	Permanent Address	Reasons for termination of services	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
13	Shri Surjan Singh	Hostel Superintendent cum-P.T.I.	Suspended (11-2-69)	Industrial Training Institute, Nawanshahar	..	2-1-65 to-date	Village and P.O. Saidpur, Tehsil Sultanpur, District Kapurthala	Red wilfully avoided the election duty and left the station without permission of the Principal	Reinstated on 11-3-69
14	Shmt. Ram Piari	Clerk	Services terminated (22-3-69)	Government Industrial School for Girls, Nawanshahr	..	1-6-64 to 21-3-69	C/o Shri Ratan Ram, Village Masani, P.O., Apra, District Jullundur	Due to unsatisfactory work and conduct	
15	Miss Amarjit Kaur	Junior Mistress	Suspended (25-4-66)	Government Industrial School for Girls, Jullundur	Government Industrial School for Girls, Hoshiarpur	10-4-64 to-date	H. No. 418, Hide Market, Amritsar	Disqualification in Matric Examination in August, 1965	Reinstated on 13-6-69
				DISTRICT KAPURTHALA					
22	Shri Ram Adhir	Mali	Services terminated (10-3-69)	Government Industrial School for Girls, Phagwara		10-4-68 to 8-3-69	S/o Sh. Bageshwar, Village Beeia Seeia, Teh. and P.O. Anethi, District Sultanpur (U.P.)	Misbehaviour with staff	

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

23	Shri Mangal Singh	Mali	Services terminated (2-12-69)	Ditto	..	17-4-69 to 1-12-69	S/o Shri Hari Lal, Village Chanderwal, P.O. Kalwan, Teh. Bhuldaur, district Kanpur (U.P.)	Did not discharge his duties properly and was going	
				DISTRICT LUDHIANA					
24	Shri Mahabir Prashad	Mechinist Instructor	Services terminated (11-2-67)	Industrial Training Institute, Ludhiana	..	1-5-64 to 11-2-67	Village and P.O. Hewaddi, Tehsil Jagraon, district Ludhiana	Work unsatisfactory. He also failed to pass C.T.I. Examination	
				DISTRICT PATIALA					
25	Smt. Naresh Sood	Craft Instructress	Services terminated (20-2-70)	Government Industrial School for Girls, Samana	..	31-12-64 to 10-2-70	C/o Shri B.P. Khatiyal, Officer Commanding 'B' Coy. XXXVI (U.P.) S.N.E. Branch Sirinagar, Garhwal	Absence from duty and work unsatisfactory	
				DISTRICT RUPAR					
26	Shri Balbir Singh	Welder Instructor	Suspended (13-4-69)	Industrial Training Institute, Nangal	Industrial Training Institute, Talwara	17-6-64 to-date	Village and P.O. Wilwans, Malout Mandi (Ferozepur)	Due to arrest by police u/s 324/341, IPC	Re-instated on 23-10-69
27	Shri Surinder Kumar	Accountant	Ditto	Ditto	Industrial Training Institute, Ludhiana	14-5-63 to-date	Qr. No. N.A.-26, Ludhiana Road, Jullundur	Ditto	Ditto
				DISTRICT SANGRUR					
28	Shri Ram Lal ..	Carpenter Instructor	Suspended (19-2-69)	Industrial Training Institute, Sunam	Industrial Training Institute, Ludhiana	9-1-63 to-date	S/o Shri Ramir Chand, Village Bathi Burj, P.O. Ubha, Via Maur district Bhatinda	For insulting Instructor of the Institute	Re-instated on (3-2-70)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
					CHANDIGARH				
29	Shri Anand Sarup Gupta	Clerk	Suspended (26-6-69)	Government Industrial School for Girls, Nabha	Office of the Director of Industrial Training, Punjab, Chandigarh	18-6-56, to-date	C/o M/s Kishori Lal-Om Parkash, Sangrur, district Patiala	Embezlement in the accounts of Govt. Industrial School for Girls, Nabha	Re-instated w.e.f. 18-12-70
30	Shri Mohinder Singh	Peon	Suspended (17-12-68)	Chandigarh	Ditto	16-11-66 to-date	Village and P.O., Shakrulapur, Teh. Kharar, district Rupar	Due to arrest by the police,—vide F.I.R. 382/68, u/s 366/376 IPC	Re-instated on 12-5-69
31	Shri Faqir Singh	Peon	Suspended (15-12-68)	Ditto	Ditto	25-5-65 to-date	Village Miamian, P.O. Najjtary, Tehsil Kharar, district Rupar	Due to arrest by Police,—*vide* F.I.R. 382 dated 26-12-68 under section 366/376, 367, 342, 363, 366 I.P.C.	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Suspension, etc., of Non-Gazetted employees of Co-operation Department, Punjab

662. Comrade Babu Singh Master : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of Co-operation Department, Punjab, has been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the service rendered by each such employee in the Department and also the reasons for suspension, reversion or or termination of service, as the case may be in such case be laid on the Table of the House ?

Sardar Sarjit Singh (Minister of State for Co-operation and Civil Aviation) ; (a) Yes.

(b) A statement is enclosed.

[(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਲਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Statement regarding personnel under the Registrar, Co-operative Societies, Punjab.

Serial No.	Name of the District	Name of official	Place of suspension	Present place of posting	Permanent address	Period of service	Reasons for suspension/ reversion/ termination	Remarks
Inspectors—								
1	Gurdaspur	Daulat Ram	Batala	Pathankot	District Hoshiarpur	4 years	Corruption	Reinstated on 14th October, 1969.
2	Amritsar	Gurdeep Singh	Verka	Verka	Ditto	4 years	Serious irregularities	Reinstated on 17th March, 1969.
3	Jullundur	Iqbal Singh	Kartarpur	Nikodar	District Amritsar	9 years	Negligence of dutiee	Reinstated on 14th December, 1969.
4	Ludhiana	Matu Ram	Samrala	..	..	Embezzlement, Arrested by police.	..	Still under suspension.
5	Sangrur	Gulzar Singh	Sangrur	..	..	Ditto	..	Ditto
6	Ferozepur	Sher Singh	Ferozepur	..	..	..	Arrested by the police in criminal case.	Ditto
Sub-Inspectors—								
1	Amritsar	Dhanwant Singh	Ajnala	Amritsar	District Amritsar	13 years	Arrested by police on issuing bogus sugar cards.	Ditto
2	Amritsar	Gurpartap Singh	Patti	..	Ferozepur	14 years	Non-compliance of transfer orders.	Ditto

Origin[al] with;
Punjab [V]idhan Sabha
Digitiz[ed] by;
Panjab

3	Amritsar	Kulbir Singh	Garhi Mandi	Banga	Amritsar	15 years	Disobeyance	Reinstated
4	Amritsar	Jarnail Singh	Dhand	Tarn Taran	Amritsar	9 years	Arrested by Police	Reinstated
5	Gurdaspur	Banta Ram	Jalalpur	Gurdaspur	Gurdaspur	9 years	Arrested by police	Still under suspension
6	Gurdaspur	Gurmukh Singh	Dosatpur	Amritsar	Tarn Taran	6 years	Embezzlement	Reinstated
7	Hoshiarpur	Baz Singh	Sahina	Ram Das	Amritsar	4 years	Infringement of conduct rules	Ditto
8	Hoshiarpur	Gurdeep Singh	Balachaur	Phagwara	Jullundur	9 years	Ditto	Ditto
9	Hoshiarpur	Dharam Singh	Garhshankar	Hoshiarpur	Hoshiarpur	11 years	Arrested by Police	Still under suspension.
10	Kapurthala	Hardyal Singh	Kapurthala	Ludhiana	Ludhiana	8 years	Arrested by police	Reinstated
11	Ropar	Kewal Chand	Ropar	..	Hoshiarpur	..	Arrested by police	Still under suspension
12	Ropar	Jhilman Singh	Ropar	Amritsar	Amritsar	..	Negligence of duties	Reinstated
13	Ropar	Madan Mohan	Chamkaur Sahib	Mansa	Ropar	..	Ditto	Ditto
14	Ropar	Piare Lal	Landran	Makhu	Hoshiarpur	..	Ditto	Ditto
15	Patiala	Dyal Singh	Patiala	Khizrabad	Patiala	..	Accepting illegal gratification	Reinstated
16	Bhatinda	Ram Murti	Sardul Garh	Fazilka	..	..	Absence from duty	Reinstated
17	Bhatinda	Krishan Dev	Jhunir	A. R. Office Ropar	..	..	Negligence of duty	Reinstated

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	Name of the District	Name of official	Place of suspension	Present place of posting	Permanent address	Period of service	Reasons for suspension/ reversion/ termination	Remarks
18	Bhatinda	Om Parkash	Kot Fatha	Kharar	..	..	Negligence of duty	Reinstated
19	Bhatinda	Chand Singh	Jhunir	Kanauli	..	..	Ditto	Do
20	Ferozepur	Dayal Chand	Karniwala	Malout	..	..	Misconduct	Reinstated
21	Ferozepur	Butta Singh	Makhu	Jhunir	..	..	Mis-conduct	Reinstated
22	Ferozepur	Hans Raj	Gegoana	Ferozepur	..	..	..	Still under suspension
23	Ludhiana	Atma Singh	Ludhiana	..	..	..	Arrested by police	Ditto
24	Ludhiana	Harbhajan Singh	Dehlon	..	..	..	Ditto	Ditto
25	Ludhiana	Bhag Singh	Ber Khurd	Mullanpur	..	..	Arrested by police	Reinstated
Clerks—								
1	Gurdaspur	Parkasha Nand	Gurdaspur	..	..	32 years	Bribery	Services terminated due to conviction.
2	Hoshiarpur	Bashashar Nath	Hoshiarpur	..	Hoshiarpur	9 years	Corruption	Ditto
3	Jullundur	Gurmakh Singh	Jullundur	Jullundur	Jullundur	6 years	Corruption	Reinstated
4	Patiala	Khushal Singh	Sirhind	Samana	Bassi Pathana	..	Non-compliance of transfer orders	Reinstated
5	Ferozepur	Harikrishan Lal	Abohar	Giddar Baha	..	..	Disobedience	Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by:
Panjab

6 Ropar	Kazan Singh	Chandigarh	. .	Hoshiarpur	. .	Arrested by the police in embezzlement.	Service terminated
7 Ropar	Tirlochan Singh	Adampur Sahib	. .	Nabha	11 years	Absence from duty	Ditto
Stenotypist—							
1 Jullundur	Pirthi Chand	Nawanshahr	Ropar	Hoshiarpur	12 years	Corruption	Re-instated

Statement of Personnel under the Chief Auditor, Co-operative Societies, Punjab, Chandigarh

Name of the District	Name of the official	Place of suspension/ reversion	Present place of posting	Permanent Address	Period of service	Reasons for suspension/ reversion/ termination	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Ludhiana	Gurdev Singh Sub-Inspector	Samrala	Samrala (U/S)	V. & P O. Lamma, Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana	Joined service with effect from 11th December, 1964	Embezzlement	The case is pending in the court of Spl. Magistrate , Jullundur.
Ferozepur	Balbir Singh, S.I., Audit	Guruharsahai	Ferozepur (U/S)	V.&.P.O. Daulatpur Niwan, Teh. Moga, Distt. Ferozepur	11-12-64	Embezzlement	
Patiala	Rambhajan Singh, Junior Auditor	. .	V. Jandiala	V. &. P. O. Jakhenal, Teh. and Distt. Sangrur	11-12-59	Reverted to the post of S.I., Audit, on account of fixation of seniority of S.I.s., Audit.	

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Name of the District	Name of the official	Place of suspension/ reversion	Present place of posting	Permanent Address	Period of service	Reasons for suspension/ reversion/ termination	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Patiala	Balivnder Singh, Junior Auditor	..	Sangat	V.&.P.O. Bahman Dewane, Teh. and Distt. Bhatinda	13-5-60	Reverted to the post of S.I., Audit on account of fixation of seniority of S.I.s, Audit.	
Bhatinda	Raghunath Dass. Junior Auditor	..	Jullundur	H. No. 444/8, New Colony, Petrol pump, Malerkotla	14-12-59	Ditto	
Rupar	Ved Kumar, Junior Auditor	Morinda	Chandigarh	V.P.O. Kharar Distt. Ropar	13-5-60	Ditto	
Patiala	Amar Singh Gandhi, Audit Assistant	Chandigarh	Chandigarh	V. Dharamgarh, P.O. Banur, Distt. Patiala	13-5-60	Ditto	
U.T. Chandigarh	Parchand Singh, Audit Assistant	Do	Do	V.&.P.O. Badheri, Chandigarh U.T.	17-11-60	Ditto	
Sangrur	Gurtej Singh, Junior Auditor	Sangrur	Talwandi-bhai	V. Chand Baja, Distt. Bhatinda	13-5-60	Ditto	
	Kewal Singh, Junior Auditor	Bhogpur	Hoshiarpur	V.&.P.O. Bias Pind, Distt. Jullundur	20-3-58	Ditto	
Hoshiarpur	Harbans Lal, Sub-Inspector	Miani	Hoshairpur	V.&.P.O. Toro-wal via Saroa, Teh. Garhshankar, Distt. Hoshairpur	13-5-60	Non-submission of audit notes and diaries and absence from duties,	

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

Ludhiana	Sham Lal Mittal, Junior Auditor	Ludhiana	Sangrur	V.&.P.O.Bareta, Mandi, Distt. Bhatinda	3-8-59	On account of non submission of audit report of Abohar Marketing Society
Jullundur	Chaman Lal, Clerk	Jullundur	..	Mills Quarter line No. 88 Dhariwal, District Rupar	14-4-62 to 15-4-67	Service terminated, *vide* this office memo No. 3229, dated 15th April, 1967.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Suspension etc,. of Non-Gazetted employees of Industries Department

663. Comrade Babu Singh Master : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of Industries Department, Punjab have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the service rendered by each such employee in the department and also the reasons for suspension/reversion/termination of service, as the case may be, in each case be laid on the Table of the House ?

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) : (a) Yes, Sir.

(b) Statement containing the required information is laid on the Table of the House.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	District	Name of the employee and designation	Present place of posting	Last place of posting	Permanent address	Period of service rendered	Reasons for suspension/ reversion/termination
1	2	3	4	5	6	7	8
	CHANDIGARH						
1		Sh. Piara Singh, Clerk	Not known	Fresh (*Adhoc*)	..	About $\frac{3}{4}$ years	Termination of *Ad hoc* arrangement.
2		Sh. Hari Krishan, Clerk	Ditto	Ditto	..	Three years	Ditto
3		Miss Vijay Kumari, Librarian	C/o Principal, I.T.I., Amritsar	Ditto	..	$1\frac{1}{3}$ years	Ditto
4		Sh. Gurdas Ram, Driver	Not known	Ditto	..	About 2 months	Ditto
5		Sh. Rattan Singh, Machineman	Office of the D.I., Punjab, Chandigarh	Chandigarh	..	..	Suspended on account of Police arrest. He has already been re-instated.
6		Sh. Gurmukh Lal, Clerk	Not known	Fresh (*Adhoc*)	..	$1\frac{1}{3}$ months	Termination of *Adhoc* arrangement.
7		Sh. Rahul Kumar, Clerk	Superintendent Sericulture, Chandigarh	Chandigarh	..	Less than 2 months	Ditto
8		Sh. Mangal Singh, Chson Auditor	Office of the D.I., Punjab	Do	..	About $1\frac{1}{3}$	He was promoted as Head Assistant in leave vacancy and has been demoted for want of any vacancy.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	District	Name of the employee and designation	Present place of posting	Last place of posting	Permanent address	Period of Service rendered	Reasons for suspension/ reversion termination
1	2	3	4	5	6	7	8
9		Sh. Hari Singh Hasrat, Assistant	Office of the D.I, Punjab	Chandigarh	..	27 days	He was promoted as Auditor and been demoted due to the reversion of the original incumbent.
10		Sh. S. R. Verma, Tech.-cum-Lab., Assistant (Metal)	Chandigarh	..	K/26/16, Sh. No. 3, Chenkhaze Varanasi (U.P.)	$4\frac{3}{4}$ years	Their services were terminated on account of aboilition of the posts.
11		Sh. S. P. Verma, Asstt. Tech. (Metal)	Do	..	H. No. 3838, Division No. 4 Lahori Gate, Patiala	$3\frac{1}{4}$ years	
1	Sangrur ..	Sh. Dasunda Singh, Instructor (Footwear)	..	..	Village Bhuclan P.O. Malerkotla	About two years	*Ad hoc* appointee. Services terminated on closing of the Centre.
2		Sh. Moh. Ramzan, Demonstrator (Footwear)	..	..	H. No. 552/4, Mohala Milkh, Malerkotla	Ditto	Ditto
3		Sh. Gurdip Chand Demonstrator (Footwear)	..	..	Village Saloh, tehsil Nawanshahar	About 3 years	Ditto
4		Sh. Sukhdev Raj, Instructor, Dhura Making	..	..	Village Uggi, tehsil Nakodar	About $1\frac{3}{4}$ years	*Ad hoc* appointee. Services terminated on appointment/adjustment of regular employee.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

5	Sh. Bhajan Lal, Dyer	..	..	V. and P. O. Boparai Kalan, tehsil Nakoar.	Ditto	*Ad hoc* appointee. Services terminated on abolition of posts.
6	Sh. Mohinder Singh, Instructor, Weaving	..	..	V. and P. O. Ghanari, tehsil Una, district Hoshiarpur.	7 years	Regular appointee. Services terminated on the closing of Centre.
7	Shri Kehar Singh, Instructor, Foot-wear	..	..	V. and P. O. Kot Patubi, district Hoshiar-pur.	3 years	*Adhoc* appointee. Services terminated on the closing of the Centre.
8	Sh. Puran Chand, Instructor (Foot-wear)	..	..	V. and P. O. Sherpur, district Sangrur.	..	Suspended on account of embazzlement charges and the case is under process.
9	Sh. Pyara Lal, Foreman	Government Tanning Centre, Maler-kotla	Government Training Centre, Kotkapura	Son of Sh. Bipat Parshad, H. No. 61, Basti Kamal-wanti, Kot-kapura.	About 8 months	He was promoted as Foreman, Tanning, grade Rs 200—500. Consequent upon the appointment of a regu-lar incumbent through Punjab Public Service Commission, he was reverted as a Foreman on 11th December, 1968, in grade 300.
10	Sh. Sukhdev Dogra, Sericul-ture Inspector	Sericulture Inspector, Sangrur	Sangrur	..	..	He was suspended on 8th August, 1968 now reinstated on 26th August, 1969.
11	Sh. Harnam Singh, Peon-cum-Chowkidar	..	Malerkotla	Village Mohorana, P.O. Amargarh, tehsil Maler-kotla.	3 years	Services terminated on the closure of the Centre.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	District	Name of the employee and designation	Present place of posting	Last place of posting	Permanent address	Period of Service rendered	Reasons for suspension/ reversion/termination
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Jullundur ..	Sh. Iqbal Singh, Store keeper	A.D.I.E., Ludhiana	Govt. Tanning Institute, Jullundur	V. and P. O. Naushera Majha Singh, Gurdaspur.	Appointed in 1958 and is still continuing	He was suspended on 7th January, 1967 in connection with theft case, that occurred in the Institute. He was discharged by the court and was re-instated.
2		Sh. Raghbir Parshad, Assistant Technician	Adampur	Kathunangal, Adampur	..	..	Suspended for claiming wrong T.A. bill of his wife and the case is under process.
3		Sh. Sampuran Singh, Industrial Sub-Inspector	Nakodar	Bassi Pathana	V. and P. O. Shahbad, district Karnal	6 years	Suspended for not handing over charge on his transfer from Bassi Pathana to Nakodar and was reinstated on 11th March, 1970.
4		Sh. Modan Singh, Peon	C/o D.I.O., Rupar	Jullundur	..	About 15 years	Suspended on account of negligence of duties and rude behaviour.
5		Sh. Didar Singh, Labortary Assistant	..	Quality Marking Centre for Sports and Leather Goods, Jullundur	H. No. 1443, Mohalla Gobindpur, Ludhiana	15 years as Peon and Laboratory Assistant	Suspended due to tempering of Government record and supplying wrong information.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

6		Sh. Dharam Singh, Chowkidar	..	Govt. Centre for Elec. Inst., Jullundur	Not available	4 months	Services terminated being *ad hoc* appointee.
7		Sh. Joginder Pal Singh, Peon	..	Govt. Centre for Elec. Inst., Jullundur	Son of Jaggau Masih, village Sansarpur, district Jullundur	1 year, 10 months	Suspended on account of indiscpline.
8		Sh Harbhajan Lal, Chowkidar	..	Ditto	Son of Babu Ram, Central Mills, Jullundur	2 months	Services terminated being declared medically unfit by C.M.O.
9		Sh. Dharma, Chowkidar	..	Ditto	Son of Maghi Ram, No. 607, G. P. T. Co., Jullundur Cantt.	3 months	Ditto
10		Sh. Gurdas Ram, Sweeper	..	Ditto	H. N. 702, Kot Hakishan, Gali Mehran, Jullundur	2 months	Services terminated as the post was kept in abeyance.
11		Sh. Telu Ram, Sweeper-cum-Chowkidar	Jullundur	Jullundur	..	..	He was suspended in a theft case in the Tanning Institute and now re-instated.
1	Kapurthala	Sh. Romesh Chander, Store-keeper-cum-Clerk	..	Talwandi Chaudhrian	..	24 days	Services terminated on account of termination of *ad hoc* arrangement.
2		Sh. Raj Pal Arora, Clerk	..	Kapurthala	..	5 years	Services terminated on account of wilful absence from duty.
3		Ramesh Chander, S.K.	..	Talwandi Chaudhrian	..	24 days	Services terminated on termination of *ad hoc* arrangement.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	District	Name of the employee and designation	Present place of posting	Last place of posting	Permanent address	Period of service rendered	Reasons for suspension/ reversion/termination
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Amritsar ..	Sh. Surat Singh, Foreman-cum-Supervisor	Senior Technical Officer, Patiala	Kathunangal	..	..	Suspended on account, of Embezzlement tampering with record etc.
2		Sh. Joginder Singh, Junior Inspector	C/o S.D.I.O., Ludhiana	Amritsar	..	About 4 years	Suspended on account of wrong verification report of E.C. case.
3		Sh. Sham Lal, Clerk	..	Industrial Development Central (Engineering), Amritsar	..	5 years	Suspended due to negligence of duty and shortage of store, etc.
4		Shmt. Nirmal Kumari	H. No. 3/97	Tarn Taran	..	2 years, 8 months	Services terminated on closure of the Centre.
1	Bhatinda ..	Sh. Hazari Lal, Technician	Panjgrain	Panjgrain	..	..	Suspended on account of absence from duty.
2		Sh. Tarsem Lal Bansal, Loan Accountant	C/o D.I.O., Patiala	Bhatinda	..	..	Suspended on account of corruption but now re-instated.
3		Sh. Labh Singh, Junior Inspector	..	Do	C/o Amar Singh, V. and P. O. Bhhiki	..	Dismissed on account of corruption.
4		Sh. Tilok Singh, Peon	C/o D.I.O. Bhatinda	Do	..	..	Suspended on account of mis-behaviour

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

5		Sh. Jiwan Ram, Chowkidar	Govt. Hide, Flayying Centre, Bhatinda	Tanning Centre, Kotkapura	Basti Karewali Kotkapura	..	Suspended on certain charges but re-instated on an award by the Court.
1	Ludhiana ..	Sh. Harnam Singh, Statistical Assistant office of the I.A.R., Ludhiana	Ludhiana	Ludhiana	Village Dhah Karyal, P. O. Jalalabad, district Feroze-pore	5 years	Suspended on the charges of corruption and was re-instated on 27th June, 1969.
2		Sh. Gian Chand Goyal, Clerk	C/o Senior, D.I.O., Ludhiana	Ludhiana	..	Since 18th July, 1952	Suspended on account of corruption.
3		Sh. D. D. Gupta, Junior Inspector	..	Batala	..	..	Dismissed on account of corruption.
4		Sh. Surjit Singh, Junior Inspector	C/o Senior D.I.O., Jullundur	..	Ludhiana	Since 30th October, 1952	Suspended on account of wrong verification of application for the yarn-quota, but now all these have been re-instated.
5		Sh. Inderdev Singh Bedi	..	..	Do	22nd November, 1962	
6		Sh. Manmohan Singh Rekhi	C/o Senior D. I. O., Jullundur	Batala	Do	9th May, 1962	
7		Sh. Bal Krishan, Junior Inspector	C/o Senior D.I.O., Ludhiana	Jullundur	..	26th May, 1962	
8		Sh. Harbhajan Singh	..	..	..	1949	
9		Sh. Madan Lal, Junior Inspector	..	..	D.I.O., Patiala	13th August, 1960	
10		Sh. Krishan Kumar Sethi Junior Inspector	..	..	Kapurthala	6th April, 1953	

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	District	Name of the employee and designation	Present place of posting	Last place of posting	Permanent address	Period of service rendered	Reasons for suspension/ reversion/termination
1	2	3	4	5	6	7	8
11	..	Sh. Teja Singh, N.I.E.	C/o D.I.O., Bhatinda	Ludhiana	..	..	Suspended on account of wrong verification of application for the yarn-quota, but now all these have been reinstated.
12		Sh. Kawaljit Singh, Clerk	..	Govt. Industrial Development-cum-Service Central (Engg.), Ludhiana	C/o Namdhari Desi Ghee Store Koccha No. 5 Ludhiana (Field Ganj)	One year	Services terminated due to the posting of regular employee.
13		Sh. Joginder Singh, Boiler Engineer-cum-Mechanic	..	Industrial Development-cum-Service Centre, Tax Ludhiana	C/o 5070-Tafazelpura, Patiala	..	Services terminated as recommendee of the S.S.S. Board joined.
14		Sh. Bachan Singh, Chowkidar	..	Q. Ee. (Engg.), Ludhiana	Bachan Singh Buraj, Hari Singh Wala, tehsil Jagraon, district Ludhiana	2 years	Services terminated due to arrest by the Local Police.
15		Sh. Balbir Singh Toor, Steno-typist	..	Office of the Additional Deputy Wool Controller, Ludhiana	Son of Sh. Sewa Singh, Lambardar, village Balowal, P.O. Bhogiwal, tehsil Malerkotla, district Sangrur	11 months	Services terminated on the abolition of the post being an adhoc appointee.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Dig
Pan

16		Sh. Siri Ram, Peon-cum-Chowkidar	C/o Additional Deputy Wool Controller, Sant Nagar, Civil Line, Ludhiana.	..	H. No. 565/10, Gali Sikander, Katra Dulo, Amritsar	..	The services of the official were terminated on the charge of negligence but reinstated.
1	Patiala ..	Sh. Pritam Singh, Junior Inspector	..	Dharamsala	Bhadson, Patiala	About 3½ years	Suspended due to misbehaviour and misconduct.
2		Sh. Romesh Chander, Clerk	..	Patiala	G.T. Road, Goraya	About 10 years	Suspended on 15th June, 1966 on charges of assaulting officer, embezzlement, tampring with record, pilferage, absence from duties, etc., now services terminated on 9th October, 1969.
		Sh. D. S. Kahlon, Superintendent	..	Govt. Industrial Development-cum-Service Centre (Engg.), Bassi Pathana	Village Jalalabad P.O. Jalalabad, tehsil Moga, district Ferozepore	From 28th October, 1963	Suspended on 6th January, 1970 on the prima facie charges of being drunk in the office, temporary defalcation of Government money, etc.
4		Sh. Gurdev Singh, Peon	..	Industrial Development Centre Patiala	C/o Baboo Singh, H. No. 7520/5	One year, 3 months	Services no longer required (orders issued by the field officer.)
5		Sh. Partap Singh, Press Operator	..	Industrial Development Centre, Patiala	Not known	One year, three months	Ditto
6		Sh. Gamdur Singh, Clerk	Now in Industrial Development Centre, Ludhiana	Ditto	H. No. 71/4, behind Malwa Cinema, Patiala	Since 28th January, 1963	Suspended on 28th September, 1968. The Official has since been re-instated.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Serial No.	District	Name of the employee and designation	Present place of posting	Last place of posting	Permanent address	Period of service rendered	Reasons for suspension/ reversion/termination
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Ropar ..	Sh. Waryam Singh, Assistant-cum-Accountant	..	Rohtak	V. and P. O. Gaudula, district Ambala	Since 1948	Suspended on account of corruption
1	Gurdaspur ..	Sh. Charan Dass Wigh, Junior Inspector	Batala	Gurdaspur	Batala	..	Suspended on 23rd September, 1968, murder case under section 302/35, I.P.C., and convicted for life imprisonment.
2		Sh. Mangal Singh, Clerk	..	Q.M.C. (Engg.), Batala	Son of Tara Singh, Hathi Gate, Batala	One month	Services terminated due to irregular selection and conduct below average
1	Hoshiarpur..	Sh. Ved Parkash, Clerk	C/o Sh. Julfi Ram, Clerk, E. T. O., Hoshiarpur	Hoshiarpur	Son of Lachhman Dass Amb (Kangra)	1st July, 1964 to 17th March, 1968	Suspended due to serious irregularities in the discharge of his duty.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

Suspension etc., of Non-Gazetted employees in the Animal Husbandry Department

664. Comrade Babu Singh Master : Will the Minister for Development and Animal Husbandry be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a large number of non-gazetted employees of the Animal Husbandry Department, Punjab, have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 ;

(b) if the answer to part (a) be in the affirmative, the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the reasons for suspension/reversion/termination of service, as the case may be, in each case, be laid on the Table of the House ;

(c) the service rendered by each of the above mentioned employees in the said department ?

Shri Randhir Singh Cheema : (a) No.

(b) In view of (a) above, the question does not arise.

(c) In view of (a) above, the question does not arise.

[(ੳ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਅ) ਉਪਰੋਕਤ "ੳ" ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਸੂਚਨਾ ਦਾ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਹੀ ਨਹੀਂ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ।

(ੲ) ਉਪਰੋਕਤ "ੳ" ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਸੂਚਨਾ ਦਾ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਹੀ ਨਹੀਂ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ।]

Suspension, etc., of Non-Gazetted employees in the Forests Department, Punjab

665. Comrade Babu Singh Master : Will the Minister of State for Finance and Forests be pleased to State—

(a) whether it is a fact that large number of non-gazetted employees of Forests Department have been suspended, reverted or their services terminated during the period from November, 1966 to February, 1970 ;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, the district-wise list of the said staff of each category together with their present/last place of posting and their permanent addresses stating the reasons for suspension/reversion/termination of service, as the case may be, in each case be laid on the Table of the House ;

(c) the service rendered by each of the above mentioned employees in the said department ?

Bawa Harnam Singh : (a) Yes.

(b) & (c) A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਅ) ਅਤੇ (ੲ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਦਾ ਵਿਵਰਣ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕ੍ਰਮ ਨੰ:	ਕ੍ਰਮਚਾਰੀ ਦਾ ਨਾਂ ਅਤੇ ਅਹੁੱਦਾ	ਹਾਲਦੀ/ਪਿਛਲੀ ਪੋਸਟਿੰਗ ਦੀ ਥਾਂ	ਪੱਕਾ ਪਤਾ	ਮੁਅੱਤਲੀ/ਪਰਤਾਉਣ ਜਾਂ ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਮਕਤੀ ਦੀ ਮਿਤੀ	ਕਾਰਨ	ਵਿਭਾਗ ਵਿਚ ਸੇਵਾ ਆਰੰਭ ਦੀ ਮਿਤੀ/ ਸਮਾਂ
1	2	3	4	5	6	7
			(1) ਜ਼ਿਲਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ-ਪਰਤਾਉਣ			
1	ਸ੍ਰੀ ਹਰਨੰਦ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਰੇਂਜਰ	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ/ਰੋਪੜ ਮੰਡਲ ਪੈਰਵੀਕਰਤਾ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਦਾਦੂਪੁਰ ਗਰੋਆ, ਬਰਾਸਤਾ ਸ਼ਾਮਚੁਰਾਸੀ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	1-3-1968	ਅਸਾਮੀ ਦੀ ਥੁੜ ਕਾਰਨ	3-10-1945
			ਮੁੱਅਤਲੀ			
2	ਸਵਰਨ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਡਲੇਵਾਲ ਬੀਟ, ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਰੇਂਜ	ਰਾਮ ਕਲੋਨੀ, ਮਹੱਲਾ ਆਸ਼ਰਮ, ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	18-9-1969	ਠਰੋਲੀ (ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਰੇਂਜ) ਦੇ ਸਰਕਾਰੀ ਜੰਗਲਾਂ ਵਿਚੋਂ ਦਰਖਤਾਂ ਦੀ ਨਜਾਇਜ਼ ਕਟਾਈ	18-8-1960 ਤੋਂ 13-12-1969। ਮਿਤੀ 13-12-1969 ਨੂੰ ਵਣ ਗਾਰਡ ਕਤਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ।
			ਸੇਵਾ ਸਮਾਪਤੀ			
1	ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰਿਥੀ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਰੇਂਜ	ਪਿੰ: ਤੇ ਡਾ: ਟੈਰੋਵਾਲ, ਤਸੀਲ ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ, ਜ਼ਿਲਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	2-4-1968 ਪਿਛੋਂ ਦੁਪਹਿਰ	ਧਮਾਨਾ ਅਤੇ ਝਾੜੀਆਂ ਬੀਟਾਂ ਵਿਚ ਦਰਖਤਾਂ ਦੀ ਨਜਾਇਜ਼ ਕਟਾਈ	1-4-1949 ਤੋਂ 2-4-1968

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

2	ਸ਼੍ਰੀ ਤਾਰਾ ਚੰਦ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ ਰੇਂਜ	ਪਿੰਡ ਨਾਰੀ, ਡਾ: ਮੰਗੂ ਵਾਲ, ਤਸੀਲ ਤੇ ਜ਼ਿਲਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	23-7-1968	ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰੀ	5-5-1945 ਤੋਂ 23-7-1968
			ਮੁਅੱਤਲੀ			
1	ਸ਼੍ਰੀ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਕਲਰਕ	ਖੋਜ ਅਤੇ ਸਿਖਲਾਈ, ਵਣ ਮੰਡਲ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਕਰਨੈਲ ਸਿੰਘ, ਪਿੰ: ਕੋਟ ਮੰਗਲ, ਡਾ: ਮਧੂਛਾਂਗਾ, ਤਸੀਲ ਅਜਨਾਲਾ, ਜ਼ਿਲਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	21-4-1968	ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਜਾਣ ਬੁਝਕੇ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰ ਰਹਿਣਾ	26-11-1965 ਤੋਂ 20-4-1968 ਤਕ।
2	ਸ਼੍ਰੀ ਤੇਜਾ ਸਿੰਘ ਵਣ ਗਾਰਡ	ਖੋਜ ਅਤੇ ਸਿਖਲਾਈ ਵਣ ਮੰਡਲ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	ਸ਼੍ਰੀ ਤੇਜਾ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਸਵਰਨ ਸਿੰਘ ਪਿੰਡ ਖੇਰੀ ਜਟਾਂ ਡਾ: ਅਮਰਗੜ੍ਹ, ਜ਼ਿਲਾ ਸੰਗਰੂਰ	(1) 14-2-1967 ਤੋਂ 28-6-1967 ਤਕ (2) 18-9-1967 ਤੋਂ 6-3-1968 ਤਕ	(1) ਮਸਟਰ ਰੋਲਾਂ ਵਿਚ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ (2) ਪੁਲਿਸ ਵਲੋਂ ਗਿਰਫ-ਤਾਰੀ ਸੈਕਸ਼ਨ 107/51 ਸੀ.ਪੀ.ਸੀ ਦੇ ਤਹਿਤ	23-11-1965
			ਪਰਤਾਉਣ			
3	ਸ਼੍ਰੀ ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ ਕੋਹਲੀ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਖੋਜ ਅਤੇ ਸਿਖਲਾਈ ਵਣ ਮੰਡਲ, ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	ਸ਼੍ਰੀ ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਅਲੀ ਮੁਹੱਲਾ, ਜਲੰਧਰ ਸ਼ਹਿਰ	1-3-1967	ਵਣ ਰੇਂਜਰ ਦੀ ਆਸਾਮੀ ਨਾ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਨ	1-4-1949
			ਸੇਵਾ ਸਮਾਪਤੀ			
4	ਸ਼੍ਰੀ ਨੇਕ ਸਿੰਘ, ਚੌਕੀਦਾਰ	,,	ਸ਼੍ਰੀ ਨੇਕ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਮੰਗਲ ਸਿੰਘ ਪਿੰ: ਮਦਾਨਹੇਰੀ, ਡਾ. ਖਰੜ ਜ਼ਿਲਾ ਰੋਪੜ	5-8-1967	ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰੀ।	

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7
5	ਸ੍ਰੀ ਦਲਬਾਰ ਸਿੰਘ, ਚਪੜਾਸੀ	ਖੋਜ ਅਤੇ ਸਿਖਲਾਈ ਵਣ ਮੰਡਲ, ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	ਸ੍ਰੀ ਦਲਬਾਰ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਕਾਕਾ ਸਿੰਘ, ਪਿੰਡ ਸਕਰੂਲਾਪੁਰ ਡਾ: ਖਰੜ, ਜ਼ਿਲਾ ਰੋਪੜ	18-7-1967	ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰੀ	21-10-64

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਰੋਪੜ ਪਰਤਾਉਣਾ

1	2	3	4	5	6	7
1	ਸ੍ਰੀ ਜਗਦੀਸ਼ ਸਿੰਘ ਕੰਵਰ, ਉਪ ਵਣ ਰੇਂਜਰ	ਰੋਪੜ ਵਣ ਮੰਡਲ	ਪਿੰਡ ਚਨਤੀ ਪਟਿਆਰੀ, ਡਾ: ਮਹਿੰਗੜਵਾਲ, ਜ਼ਿਲਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	1-4-1968	ਵਣ ਰੇਂਜਰ ਦੀ ਸਿੱਧੀ ਭਰਤੀ ਕਾਰਣ	15-10-1940
2	ਸ੍ਰੀ ਸਵਰਨ ਸਿੰਘ ਫਾਰੈਸਟਰ	ਭਰਤਗੜ੍ਹ	ਪਿੰਡ ਫਗਲਾਣਾ, ਤਸੀਲ ਤੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	...	ਕੁਝ ਵਣ ਰੇਂਜਰਾਂ ਦੇ ਉਪ-ਵਣ ਰੇਂਜਰ ਪਰਤਾਏ ਜਾਣ ਦੇ ਕਾਰਨ ਉਪ-ਰੇਂਜਰ ਤੋਂ ਫਾਰੈਸਟਰ ਪ੍ਰਤਾਇਆ ਗਿਆ	11 ਸਾਲ 10 ਮਹੀਨੇ 21 ਦਿਨ ।
3	ਸ੍ਰੀ ਹਰਦੇਵ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ ਫਾਰੈਸਟਰ	ਖਰੜ	ਪਿੰਡ ਮੋੜੇ ਸਰਦਾਰਾ ਵਾਲਾ, ਤਹਿਸੀਲ ਅਜਨਾਲਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।	...	,,	15 ਸਾਲ 7 ਮਹੀਨੇ 19 ਦਿਨ ।
4	ਸ੍ਰੀ ਸਰਦਾਰ ਸਿੰਘ, ਭਾਟੀਆ, ਫਾਰੈਸਟਰ	ਖੁਰਖਾਲੀ	ਰੋਪੜ	...	,,	18 ਸਾਲ 7 ਮਹੀਨੇ 18 ਦਿਨ ।

(2) ਜ਼ਿਲਾ ਰੋਪੜ-ਸੇਵਾ ਦੀ ਸਮਾਪਤੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

1	ਸ੍ਰੀ ਅਮਰ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਖਰੜ	ਪਿੰਡ ਕੌਰੀ, ਡਾ: ਖੰਨਾ, ਤਹਿਸੀਲ ਸਮਰਾਲਾ, ਜ਼ਿਲਾ ਲੁਧਿਆਣਾ	...	ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਜਾਣ ਬੁਝਕੇ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰ ਰਹਿਣਾ	ਇਕ ਸਾਲ 5 ਮਹੀਨੇ
2	ਸ੍ਰੀ ਰਮੇਸ਼ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਕੁਰਾਲੀ	ਨੰਗਲ ਟਾਊਨਸ਼ਿਪ	...	ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਬਦਲੀ	9 ਮਹੀਨੇ
3	ਸ੍ਰੀ ਸੇਵਾ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਸਿੱਧਪੁਰ ਜ਼ਿਲਾ ਰੋਪੜ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਸਿਧਪੁਰ, ਜ਼ਿਲਾ ਰੋਪੜ	...	ਕਾਡਰ ਵਿਚ ਕਮੀ	3 ਸਾਲ 9 ਮਹੀਨੇ
4	ਸ੍ਰੀ ਅਮਰਨਾਥ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਬੇਲਾ ਧਿਆਨੀ (ਅਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ)	ਪਿੰਡ ਮੰਡੋ ਮਾਜਰਾ, ਡਾ: ਜਮਨਾ ਨਗਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਬਾਲਾ	...	ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰੀ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਕੰਮ ਵਿਚ ਕੁਤਾਹੀ	3 ਸਾਲ 9 ਮਹੀਨੇ
5	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ ਚਪੜਾਸੀ	ਰੋਪੜ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਮਲਕਪੁਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਰੋਪੜ	...	ਕਾਡਰ ਵਿਚ ਕਮੀ ਦੇ ਕਾਰਨ	8 ਮਹੀਨੇ
6	ਸ੍ਰੀ ਸਾਲਗ ਰਾਮ, ਟਰੈਕਟਰ ਉਪਰੇਟਰ	ਰੋਪੜ	...	...	ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰੀ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਕੰਮ ਨਿਭਾਉਣ ਵਿਚ ਕੁਤਾਹੀ	...
7	ਸ੍ਰੀ ਬਲਦੇਵ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਵਰਕਿੰਗ ਪਲੈਨ ਅਤੇ ਸਰਵੇ ਮੰਡਲ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	ਬਲਦੇਵ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਰੱਖਾ, ਪਿੰਡ ਨਿਕੋਵਾਲ ਡਾ: ਜ਼ਿੰਗਰੀ, ਤਸੀਲ ਅਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ, ਜ਼ਿਲਾ ਰੋਪੜ	30-11-1967	ਵਣ ਗਾਡਰ ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰ ਰਿਹਾ ਅਤੇ ਸਬੰਧਤ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਬਿਨਾਂ ਫੌਜ ਵਿਚ ਭਰਤੀ ਹੋ ਗਿਆ ।	...

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7
			ਜ਼ਿਲਾ–ਰੋਪੜ-ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਮੁਅਤਲੀ			
1	ਸ੍ਰੀ ਦੇਵ ਰਾਜ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਮਲਕਪੁਰ (ਰੋਪੜ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ. ਸਿਆਨਾ, ਤਸੀਲ ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	...	ਇਕ ਕਰਿਮੀਨਲ ਕੇਸ ਵਿਚ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ	7 ਸਾਲ 7 ਮਹੀਨੇ 13 ਦਿਨ ਇਸ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੂੰ ਫਿਰ ਬਹਾਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।
2	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਅਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ (ਰੋਪੜ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ. ਮਲੋਨੀ, ਜ਼ਿਲਾ ਰੋਪੜ	10-11-1969	,,	2 ਸਾਲ 10 ਮਹੀਨੇ 1 ਦਿਨ, ਇਹ ਕਰਮਚਾਰੀ ਅਜੇ ਭੀ ਮੁਅੱਤਲ ਹੈ।
3	ਸ੍ਰੀ ਅਵਤਾਰ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਬਲਾਚੌਰ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ. ਬਾੜੋ, ਤਸੀਲ ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ, ਜ਼ਿਲਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	26-10-1968	ਰਿਸ਼ਵਤ ਲੈਣ ਦਾ ਦੋਸ਼	9 ਸਾਲ 10 ਮਹੀਨੇ 22 ਦਿਨ, ਇਹ ਕਰਮਚਾਰੀ ਅਜੇ ਭੀ ਮੁਅੱਤਲ
4	ਸ੍ਰੀ ਬਹਾਦਰ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਪਲਾਨਪੁਰ (ਰੋਪੜ)	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ. ਰਾਮਗੜ੍ਹ, ਤਸੀਲ ਨਰੈਣਗੜ੍ਹ, ਜ਼ਿਲਾ ਅੰਬਾਲਾ	...	ਸਰਕਾਰੀ ਪੈਸੇ ਦਾ ਗਬਨ	3 ਸਾਲ 6 ਮਹੀਨੇ 7 ਦਿਨ ਇਸ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

5	ਸ੍ਰੀ ਭਾਗ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਖੋਜ ਅਤੇ ਸਿਖਲਾਈ ਮੰਡਲ, ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	ਪਿੰਡ ਤਡਾ, ਡਾ. ਮਾਧਪੁਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਰੋਪੜ	26-10-1968	ਸਰਕਾਰੀ ਪੈਸੇ ਦਾ ਗਬਨ	8 ਸਾਲ 3 ਮਹੀਨੇ 13 ਦਿਨ, ਇਸ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

(3) **ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਪਰਤਾਉਣ**

1	ਸ੍ਰੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਕਮਬੋਜ, ਫਾਰੈਸਟਰ	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਘਰ ਦਾ ਨੰ: 165/5, ਕਟੜਾ ਮਿੱਤ ਸਿੰਘ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	31-3-1967	ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨੀ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਡਿਪਟੀ ਰੇਂਜਰ ਤੋਂ ਫਾਰੈਸਟਰ ਰਵਰਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।	22-10-1940

ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਮੁਅੱਤਲੀ

1	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਮੇਜ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਅਜਨਾਲਾ ਰੇਂਜ	ਪਿੰਡ ਫ਼ਜ਼ਲਪੁਰ, ਡਾ: ਮੀਆਂ, ਪਿੰਡ, ਤਸੀਲ ਤਰਨਤਾਰਨ, ਜ਼ਿਲਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	26-9-1968	ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰੀ	14-11-1961
2	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦੀਪ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਣ ਰੇਂਜ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਕੈਰੋਂ, ਜ਼ਿਲਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	29-9-1969	ਇਹ ਕਰਮਚਾਰੀ ਅਜੇ ਭੀ ਮੁਅੱਤਲ ਹੈ	1-8-1958

ਸੇਵਾ ਸਮਾਪਤੀ

1	ਸ੍ਰੀ ਉਤਮ ਚੰਦ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਣ ਮੰਡਲ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾ: ਫੈਰੂਮਾਨ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	..	ਇਸ ਕਰਮਚਾਰੀ ਦੀ ਸੇਵਾ ਨੌਕਰੀ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤ ਅਨੁਸਾਰ ਸਮਾਪਤ ਕੀਤੀ ਗਈ	4-3-1967

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7
			(4) ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਲੁਧਿਆਣਾ-ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਮੁਅੱਤਲੀ			
1	ਸ਼੍ਰੀ ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ, ਬਾਸ ਫਾਰੈਸਟਰ	ਲਾਪਤਾ	ਪਿੰਡ ਤੇੜਾ, ਬਾਠ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	27-3-1968	ਇਹ ਕਰਮਚਾਰੀ ਦਰਖਤਾਂ ਦੀ ਨਜਾਇਜ਼ ਕਟਾਈ ਦੇ ਕਾਰਨ ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਲਾ ਪਤਾ ਹੈ।	2-11-1960
2	ਸ਼੍ਰੀ ਹਰਬੰਤ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਲੁਧਿਆਣਾ ਵਣ ਮੰਡਲ, ਦੋਰਾਹਾ ਰੇਂਜ	ਪਿੰਡ ਬੁਡਲਾਡਾ, ਡਾ: ਰੋਕੀਮਾਨ, ਤਸੀਲ ਜਗਰਾਉਂ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਲੁਧਿਆਣਾ	..	ਇਸ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੂੰ ਡਿਊਟੀ ਵਿਚ ਲਾਪਰਵਾਹੀ ਕਾਰਨ ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਫਿਰ ਬਹਾਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਸੀ	24-7-1961
3	ਸ਼੍ਰੀ ਮਨੋਹਰ ਲਾਲ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਸਮਰਾਲਾ ਵਣ ਰੇਂਜ	ਪਿੰਡ ਰਾਮਗੜ੍ਹ, ਡਾ: ਫਲੌਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜਲੰਧਰ	..	,,	3-11-1951
			ਸੇਵਾ ਸਮਾਪਤੀ			
1	ਸ਼੍ਰੀ ਵਿਨੋਦ ਕੁਮਾਰ, ਕਲਰਕ	ਦਫਤਰ, ਲੁਧਿਆਣਾ ਵਣ ਮੰਡਲ	ਮਹੱਲਾ ਸਹਿਗਲਾਂ, ਗਲੀ ਭਾਟੀਆਂ	..	ਸੇਵਾ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਸੇਵਾ ਤੋਂ	13-12-65

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

			ਜਲੰਧਰ ਸ਼ਹਿਰ		ਮੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਪਰ ਉਸ ਦੀ ਅਪੀਲ ਤੇ ਫਿਰ ਬਹਾਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ	

(5) ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ—ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਮੁਅੱਤਲੀ

1	ਸ੍ਰੀ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ, ਫ਼ਾਰੈਸਟਰ	ਘਨਈਏ ਕੀ ਬੇਟ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾਕਖਾਨਾ ਕੈਰੋਂ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਦਰਖਤਾਂ ਦੀ ਨਜਾ-ਇਜ਼ ਕਟਾਈ	ਇਹ ਕਰਮਚਾਰੀ ਹੁਣ ਬਹਾਲ ਹੈ	21-10-1952
2	ਸ੍ਰੀ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਕੈਰੋਂ ਐਸ. ਕੇ. ਰੇਂਜ, ਬਟਾਲਾ	ਪਿੰਡ ਕਾਲਾ ਅਫ਼ਗਾਨਾ, ਤਹਿਸੀਲ ਬਟਾਲਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	17-12-1968	ਉਪਰੋਕਤ	1-5-1968
3	ਸ੍ਰੀ ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ, ਵਣ ਰੇਂਜ	ਪਿੰਡ ਬਾਲਾ ਚੱਕ, ਡਾਕਘਰ ਅਤੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	6-12-1968	ਉਪਰੋਕਤ	10-2-1965
4	ਸ੍ਰੀ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ (3), ਵਣ ਗਾਰਡ	ਸਰਆਲੀ ਬੀਟ, ਬਟਾਲਾ ਵਣ ਰੇਂਜ	ਪਿੰਡ ਗੁਜਰ ਪੁਰ, ਤਸੀਲ ਬਟਾਲਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	ਸੈਕਸ਼ਨ 351/52 ਅਧੀਨ ਮੁਅੱਤਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ	ਉਪਰੋਕਤ	9-7-1962

ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਸਮਾਪਤੀ

1	ਸ੍ਰੀ ਸੌਦਾਗਰ ਮਲ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਕਿਲਾ ਲਾਲ ਸਿੰਘ, ਬਟਾਲਾ ਰੇਂਜ	ਪਿੰਡ ਕੁਲੀਆਂ, ਡਾਕਘਰ ਪਠਾਨਕੋਟ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਗੁਰਦਾਸ-ਪੁਰ	ਦਰਖਤਾਂ ਦੀ ਨਜਾ-ਇਜ਼ ਕਟਾਈ	ਉਪਰੋਕਤ	30-1-1967

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7
2	ਸ੍ਰੀ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਭਦਨੀ ਬੀਟ, ਸਾਹਪੁਰ ਕੰਢੀ ਰੇਂਜ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾਕਘਰ ਗੜ੍ਹ ਸ਼ੰਕਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	ਅਸਾਮੀ ਨਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ	ਹੁਣ ਇਸ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੂੰ ਫਿਰ ਸੇਵਾ ਤੇ ਲਗਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ	22-2-1968
			(6) **ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜਲੰਧਰ–ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਮੁਅੱਤਲੀ**			
1	ਸ੍ਰੀ ਕਰਮਜੀਤ ਚੰਦਰ, ਫਾਰੈਸਟਰ	ਵਣ ਮੰਡਲ ਦਫ਼ਤਰ, ਫਲੌਰ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾਕਘਰ ਪੰਡੋਰੀ ਨਿਜਰਾਂ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜਲੰਧਰ	11-11-1969	ਉਸ ਦੀ ਇਨਕੁਆਰੀ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਨਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ	16-2-1963
2	ਸ੍ਰੀ ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਵਣ ਰੇਂਜ ਦਫ਼ਤਰ, ਕਪੂਰਥਲਾ	ਪਿੰਡ ਨਥੂਵਾਲ, ਬਰਾਸਤਾ ਬਾਘਾ ਪੁਰਾਣਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	25-3-1968	ਦਰਖਤਾਂ ਦੀ ਨਜਾਇਜ਼ ਕਟਾਈ	..
3	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਵਣ ਰੇਂਜ, ਜਲੰਧਰ	ਪਿੰਡ ਸੱਜੋਵਾਲ, ਡਾਕਘਰ ਲੰਗਰੋਆ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜਲੰਧਰ	21-12-1969	ਉਪਰੋਕਤ	8 ਸਾਲ
			(7) **ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਯੂਨੀਅਨ ਟੈਰੇਟਰੀ–ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਮੁਅੱਤਲੀ**			
1	ਸ੍ਰੀ ਕਰਮ ਸਿੰਘ, ਕਲਰਕ	ਬਿਸਤ ਸਰਕਲ ਦਫ਼ਤਰ	ਪਿੰਡ ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਬੰਗਰ, ਡਾਕਘਰ ਮੁਲਾਂ ਪੁਰ, ਤਸੀਲ ਖਰੜ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਰੋਪੜ	..	ਸਰਕਾਰੀ ਰੁਪਏ ਦਾ ਗਬਨ। ਹੁਣ ਇਹ ਕਰਮਚਾਰੀ ਬਹਾਲ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।	1-3-1962

Orig[in]al with;
Punj[a]b Vidhan Sabha
Digi[ti]zed by;
Panj

(8) ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸੰਗਰੂਰ—ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਮੁਅਤਲੀ

1	ਸ੍ਰੀ ਰਣਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਸਹਿਨਾ	ਪਿੰਡ ਕੰਗਣਵਾਲ, ਤਸੀਲ ਮਲੇਰਕੋਟਲਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸੰਗਰੂਰ	16-2-1969	ਸੈਕਸ਼ਨ 36/294 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਏ. ਅਧੀਨ ਕੋਰਟ ਕੇਸ	ਇਹ ਕੇਸ ਪੁਲਿਸ ਰਾਹੀਂ ਚਲਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ਮਿਤੀ 24 ਸਤੰਬਰ, 1969 ਨੂੰ ਕੋਰਟ ਨੇ ਬਰੀ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ
2	ਸ੍ਰੀ ਸਾਗਰ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਲਹਿਰਾ ਗਾਗਾ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾਕਘਰ ਭਵਾਨੀਗੜ੍ਹ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸੰਗਰੂਰ	7-4-1969	ਜੀ. ਬੀ. ਨਹਿਰ ਤੇ ਮੱਛੀਆਂ ਦਾ ਨਜਾਇਜ਼ ਪਕੜਣਾ ਅਤੇ ਮਸਟਰ ਰੋਲਾਂ ਵਿਚ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ	ਇਸ ਕੇਸ ਦੀ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ 7 ਅਪਰੈਲ, 1969 ਤੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ

ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਸਮਾਪਤੀ

1	ਸ੍ਰੀ ਕਰਨੈਲ ਸਿੰਘ, ਚੌਕੀਦਾਰ, ਦਫ਼ਤਰ	ਲਹਿਰਾਗਾਗਾ ਰੇਂਜ	ਪਿੰਡ ਛੇਰਵਾਲੀ, ਕੋਟ ਤਸੀਲ ਮਲੇਰਕੋਟਲਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸੰਗਰੂਰ	9-1-1969	354/363 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਕੋਰਟ ਕੇਸ ਜੁਰਮਾਨਾ 200 ਰੁਪਏ ਸਜ਼ਾ 6 ਮਹੀਨੇ ਕੈਦ	25-7-1969

(9) ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ—ਪਰਤਾਉਣ

1	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਸਮਾਨਾ ਰੇਂਜ, ਸਮਾਨਾ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾਕਘਰ ਨਾਭਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ	27-10-1967	ਫ਼ਾਰੈਸਟਰ ਦਾ ਕੰਮ ਤਸੱਲੀਬਖਸ਼ ਨਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਪਰਤਾਇਆ ਗਿਆ	2-10-1955

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7
			ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਸਮਾਪਤੀ			
1	ਸ੍ਰੀ ਪੰਜਾਬ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਟਰੇਨਿੰਗ ਸਕੂਲ	ਪਿੰਡ ਡੇਰਾ ਮੀਰ, ਤਸੀਲ ਸਰਹੰਦ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ	26-2-1969	ਟਰੇਨਿੰਗ ਲੈਂਦੇ ਸਮੇਂ ਸਰਕਾਰੀ ਨਿਯਮਾਂ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ	25-4-1967
2	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਟਰੇਨਿੰਗ ਸਕੂਲ	ਪਿੰਡ ਦਕੋਦਾ, ਤਸੀਲ ਨਾਭਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ	28-2-1969	ਟਰੇਨਿੰਗ ਲੈਂਦੇ ਸਮੇਂ ਸਰਕਾਰੀ ਨਿਯਮਾਂ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ	18-2-1967
3	ਸ੍ਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ, ਚੌਕੀਦਾਰ	ਰੇਂਜ ਦਫਤਰ, ਸਮਾਨਾ	ਪਿੰਡ ਸਲਾਨ, ਤਸੀਲ ਅਮਲੋਹ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ	11-3-1967	ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰ ਰਹਿਣ ਕਰਕੇ	11-12-1957
			ਜ਼ਿਲਾ ਬਠਿੰਡਾ—ਮੁਅੱਤਲੀ			
1	ਸ੍ਰੀ ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਭਾਨ, ਫ਼ਾਰੈਸਟਰ	ਵਣ ਮੰਡਲ, ਬਠਿੰਡਾ	ਪਿੰਡ ਕੋਟ ਭਾਗ, ਡਾਕਘਰ ਕੋਟ ਫੱਤਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਬਠਿੰਡਾ	30-9-1969	ਦਰਖਤਾਂ ਦੀ ਨਜਾਇਜ਼ ਕਟਾਈ । ਇਹ ਕਰਮਚਾਰੀ ਬਹਾਲ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ	5 ਸਾਲ, 11 ਮਹੀਨੇ

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panja

2	ਸ੍ਰੀ ਨਾਹਰ ਸਿੰਘ, ਕਲਰਕ	ਉਪਰੋਕਤ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾਕਘਰ ਕਾਲੇਵਾਲ. ਤਸੀਲ ਖਰੜ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਰੋਪੜ	10-6-1969	ਰਿਸ਼ਵਤ ਲੈਣਾ । ਕੋਰਟ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਅਜੇ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ	11 ਸਾਲ, 5 ਮਹੀਨੇ
3	ਸ੍ਰੀ ਯਸ਼ਪਾਲ, ਕਲਰਕ	ਉਪਰੋਕਤ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾਕਘਰ ਮਲੇਰ ਕੋਟਲਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸੰਗਰੂਰ	21-1-1970	ਉਪਰੋਕਤ	5 ਸਾਲ, 8 ਮਹੀਨੇ
4	ਸ੍ਰੀ ਸੌਦਾਗਰ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਬਠਿੰਡਾ ਵਣ ਮੰਡਲ	ਪਿੰਡ ਡਬਵਾਲੀ, ਤਸੀਲ ਫ਼ਾਜ਼ਿਲਕਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	..	ਦਰਖਤਾਂ ਦੀ ਨਜਾਇਜ਼ ਕਟਾਈ । ਕੋਰਟ ਨੇ ਇਹ ਕਰਮਚਾਰੀ ਬਹਾਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ	13 ਸਾਲ, 8 ਮਹੀਨੇ

ਸੇਵਾ ਦੀ ਸਮਾਪਤੀ

1	ਸ੍ਰੀ ਮਨ ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਬਠਿੰਡਾ ਵਣ ਮੰਡਲ	ਪਿੰਡ ਸ਼ੰਕਰ, ਪਟਿਆਲਾ ਗੇਟ, ਦੇ ਬਾਹਰ ਕਾਲਜ ਰੋਡ, ਸੰਗਰੂਰ	..	ਦਰਖਤਾਂ ਦੀ ਨਜਾਇਜ਼ ਕਟਾਈ ਅਤੇ ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰੀ	5 ਸਾਲ, 9 ਮਹੀਨੇ
2	ਸ੍ਰੀ ਹਰੀ ਸਿੰਘ, ਚੌਕੀਦਾਰ	ਉਪਰੋਕਤ	ਸ੍ਰੀ ਹਰੀ ਸਿੰਘ, ਪੁਤਰ ਕਿਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਕਮੂਆਣ ਗੇਟ, ਫ਼ਰੀਦ ਕੋਟ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਬਠਿੰਡਾ	..	ਹੁਕਮ ਅਦੂਲੀ ਅਤੇ ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ-ਹਾਜ਼ਰੀ	5 ਸਾਲ, 11 ਮਹੀਨੇ
3	ਸ੍ਰੀ ਜਗਰੂਪ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਉਪਰੋਕਤ	ਸ੍ਰੀ ਜਗਰੂਪ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਮੱਘਰ ਸਿੰਘ, ਪਿੰਡ ਗੁਮਤੀ ਖੁਰਦ, ਡਾਖਘਰ ਜੈਤੋ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਬਠਿੰਡਾ	..	ਦਰਖਤਾਂ ਦੀ ਨਜਾਇਜ਼ ਕਟਾਈ ਵਿਚ ਮਿਲਾਵਟ, ਹੁਕਮ ਅਦੂਲੀ ਕਰਨਾ ਆਦਿ	7 ਸਾਲ, 3 ਮਹੀਨੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6	7
4	ਸ੍ਰੀ ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਬਠਿੰਡਾ ਵਣ ਮੰਡਲ	ਸ੍ਰੀ ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਪੁੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਬਚਨ ਸਿੰਘ, ਪਿੰਡ ਚਾਰੋਕੀ, ਡਾਕਘਰ ਕਰਵਾਂਡਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕਪੂਰਥਲਾ	..	ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰ, ਬੀਟ ਮੁੱਖ ਸਥਾਨ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰੀ, ਹੁਕਮ ਅਦੂਲੀ ਅਤੇ ਅਨ-ਗਹਿਲੀ	15 ਸਾਲ, 8 ਮਹੀਨੇ
			(11) ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਪਰਤਾਉਣਾ			
1	ਸ੍ਰੀ ਅਰਜਨ ਦਾਸ, ਚੌਕੀਦਾਰ	ਜ਼ੀਰਾ	ਸ੍ਰੀ ਅਰਜਨ ਦਾਸ, ਪੁੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਦਿਆਲ ਚੰਦ, ਪਿੰਡ ਵਜ਼ੀਦ ਪੁਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	..	ਕਰਮਚਾਰੀ ਚੌਕੀਦਾਰ ਦਾ ਧੰਦਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਮਾਲੀ ਪਰਤਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ	23-1-1962
			ਸੇਵਾ ਸਮਾਪਤੀ			
1	ਸ੍ਰੀ ਨਿਹਾਲ ਸਿੰਘ, ਚੌਕੀਦਾਰ	ਮੁਕਤਸਰ	ਨਿਹਾਲ ਸਿੰਘ, ਪੁਤਰ ਟਹਿਲ ਸਿੰਘ, ਪਿੰਡ ਉਦੇਕਰਨ, ਤਸੀਲ ਮੁਕਤਸਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	..	ਕਰੈਕਟਰ ਅਤੇ ਐਨਟੀ-ਸੀਡੈਂਟਸ ਨਾ ਤਸੱਲੀਬਖਸ਼	20-8-68 ਤੋਂ 7-9-68

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

2	ਸ੍ਰੀ ਚੰਨਣ ਸਿੰਘ, ਚੌਕੀਦਾਰ	..	ਪਿੰਡ ਨੂਰਪੁਰ ਕਿਰਪਾਲਕੇ, ਡਾ: ਮੰਗਤ ਪੁਰ, ਤਸੀਲ ਮੁਕਤਸਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	..	..	3-5-1967 ਤੋਂ 17-6-1969
3	ਸ੍ਰੀ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਮਾਲੀ	..	ਪਿੰਡ ਚੱਕ ਛੀਬ, ਤਸੀਲ ਫ਼ਾਜ਼ਲਕਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	..	..	1-12-1963 ਤੋਂ 17-6-1969

ਸੇਵਾ ਮੁਅੱਤਲੀ

1	ਸ੍ਰੀ ਜੰਗ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਅਬੋਹਰ	ਪਿੰਡ ਤੇ ਡਾਕਘਰ ਬਰੇਟਾ ਮੰਡੀ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਬਠਿੰਡਾ	1-9-1969	ਸੈਕਸ਼ਨ 379, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਅਧੀਨ ਪੁਲਿਸ ਦੀ ਰਪੋਟ ਤੇ	7-11-1966
2	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਗਾਰਡ	ਮੁਕਤਸਰ	ਪਿੰਡ ਡੂੰਡੀ, ਡਾਕਘਰ ਵਿਰਕ ਸਿਧਵਾਂ ਬੇਟ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਲੁਧਿਆਣਾ	..	ਸੈਕਸ਼ਨ 506/451/427, ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਅਧੀਨ ਪੁਲਿਸ ਦੀ ਰਪੋਟ ਤੇ	1-1-1959
3	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ, ਵਣ ਰੇਂਜਰ	ਮੁਕਤਸਰ	ਮਾਡਲ ਟਾਊਨ, ਜਲੰਧਰ ਸ਼ਹਿਰ	1-7-1969	ਡਿਊਟੀ ਤੋਂ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰੀ, ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਦੀ ਭੰਗ	1-1-1957
4	ਸ੍ਰੀ ਫੂਲ ਚੰਦ, ਸਹਾਇਕ	ਮੁਕਤਸਰ	ਫੂਲ ਚੰਦ, ਪੁਤਰ ਸ੍ਰੀ ਨਰਿੰਜਨ ਦਾਸ, ਕਰਆਨਾ ਮਰਚੈਂਟ, ਅਮਲੋਹ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ	21-1-1970	ਸੈਕਸ਼ਨ 5(2) ਆਫ ਪਰੀਵੈਨਸ਼ਨ ਆਫ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਐਕਟ, 1947/120 ਬੀ/468 ਆਫ ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੇ ਅਧੀਨ	13-8-1952

Orig[illegible]al with;
Punj[illegible] Vidhan Sabha
Digi[illegible]ed by;
Panj[illegible]

1	2	3	4	5	6	7
1	ਸ੍ਰੀ ਹਰੀ ਸਿੰਘ, ਚਪੜਾਸੀ	ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	ਸ੍ਰੀ ਹਰੀ ਸਿੰਘ, ਪੁਤਰ ਸ੍ਰੀ ਚੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੇਗੀ, ਦਫਤਰ, ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ, ਪੰਜਾਬ	10-8-1969	ਬੇਇਤਬਾਰੀ ਵਾਲਾ ਕਰਮਚਾਰੀ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਅਤੇ ਆਚਰਣ ਠੀਕ ਨਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਕੇ ਸੇਵਾਮੁਕਤ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ	6-9-1968
2	ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਕਿਸ਼ਨ, ਚੌਕੀਦਾਰ	ਉਪਰੋਕਤ	ਪੁਤਰ ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਦਿੱਤਾ, ਪਿੰਡ ਅਨੰਦਪੁਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਰੋਪੜ	22-7-1969	ਇਕ ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਕੇ ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਬਰਖਾਸਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ	16-11-1964

17551/P.V.S.—Govt Press, Chd.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

© 1971

Published under the authority of the Punjab Vidhan Sabha and printed by the Controller, Govt. Press, Chandigarh.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

PUNJAB VIDHAN SABHA

DEBATES

24th July, 1970

Vol. II—No. I

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Friday, the 24th July, 1970

	Page
Starred Questions and Answers	(1) 1
Written Answers to Starred Questions laid on the Table of the house under Rule 45.	(1)30
Unstarred Questions and Answers.	(1)41
Resiganation by the Deputy Speaker (Brigadier Bikarmajit Singh Bajwa)	(1)85
Questions of Privilege	(1)85
Adjournment Motions	(1)87
Call Attention Notices	(1)88
Announcement by the Secretary	(1)92
Announcement by the Speaker re-Panel of Chairman	(1)92
No Confidence Motions	(1)92
Obituary References	(1)95
Papers Laid on the Table	(1)101
First Report of the Business Advisory Committee	(1)102
Legislative Business	
Resolution under clause 2(a) of Article 213 of the Constitution and The Punjab Legislative Assembly (Allowance of Members) Amendment Bill, 1970.	(1)102
The East Punjab Minister's Salaries (Amendment), Bill 1970	(1)129
The Punjab Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries (Amendment) Bill, 1970.	(1)130
Amending the First Report of the Business Advisory Committee	(1)131
The Salaries and Allowances of Deputy Minister's Punjab (Amendment) Bill, 1970.	(1)132
Appendix	(1)i

Punjab Vidhan Sabha Secretariat, Chandigarh.

Price : Rs 8,10 P.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ERRATA

To

PUNJAB VIDHAN SABHA

DEBATES

Dated 24th July, 1970.

Vol. II No. 1.

Read	*For*	*Page*	*Line*
Minister	Minisier	(1)2	18
ਕਰਕੇ	ਰਕੇਕ	(1)7	last
ਇਨ੍ਹਾਂ	ਇਠ੍ਹਾਂ	(1)8	9
ਦੋ	ਦੇ	(1)13	7th from below
ਤਾਕਿ	ਤਾਕ	(1)13	last
Ludhiana	Ludbiana	(1).6	13
Ludhiana	Ludhlana	(1)17	3rd from below
hon.	hou.	(1)22	10
ਪਾਸ	ਪਸ	(1)36	6
activities	actvities	(1)39	15
medicines	medi ines	(1)40	7
seniority	seniorrity	(1)44	19
secondary	scondary	(1)54	5th from below
ਅਧਿਆਪਕਾਂ	ਅਧਅਿਆਪਕਾਂ	(1)55	18th from below
(Hindi)	(Hlndi)	(1)65	20
Rachna	Racnha	(1)65	27
keeping	kceping	(1)66	3rd from below
Elementary	Elemenatry	(1)69	3rd from below
Delhi	Deihi	(1)71	20
Published	Fublished	(1)75	6
Persons	Persnos	(1)76	5th from below
amongst	amongsi	(1)77	19
Question	Questions	(1)78	19
Sirdar Kapur Singh	Sardar Kapur Singh	(1)86	9
wants	wants he	(1)88	21

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Read	*For*	*Page*	*Line*
Government	ernment	(1)91	7th from below
ਰੀਹੈਬੀਲੀਟੇਸ਼ਨ	ਰੀਹੈਬ ਟੇਸ਼ਨ	(1)95	13th from below
ਨਾ ਹੋ ਸਕਿਆ	ਨ ਸਕਿਆ	(1)109	5th from below
will	wil	(1)112	2
जो पास किया	पास किया जे	(1)113	16th from below
इसकी	सइकी	(1)114	6
ਤਰ੍ਹਾਂ	ਤਹ੍ਰਾਂ	(1)117	18th from below
ਰਹਿੰਦਾ	ਰਰਿੰਦਾ	(1)119	9
All	ll	(1)130 (1)132	4th from below and 12th from below
Advisory	dvisory	(1)131 and (1)132	10th from below 11
ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀਆਂ	ਪ੍ਰੀਖਿਅਆਰਥੀਆਂ	(1)xi	9

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

PUNJAB VIDHAN SABHA

Friday, 24th July, 1970.

The Vidhan Sabha met in the Hall of the Vidhan Bhavan, Sector 1, Chandigarh, at 2.00 P. M. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Darbara Singh) in the Chair.

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS.

WREATHS PLACED IN MEMORY OF JALLIANWALA BAGH MARTYRS.

***1954. Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to :—

(a) lay on the Table of the House a copy of instructions, if any, issued by the Government in connection with the placing of wreaths on behalf of the Government in memory of the Jallianwala Bagh Martyrs in Jallianwala Bagh, Amritsar, on the Martyrs' Day ;

(b) state the reasons for discontinuing the past practice of placing wreaths on behalf of the Government at Jallianwala Bagh on the 13th April, 1970 ;

(c) state if any instructions were issued that no wreaths should be placed on the said memorial this year ; if no such instructions were issued the names of the persons responsible for this negligence and the action taken by the Government in this regard ?

Sardar Trilochan Singh Riyasti (State Minister for Public Relations and Tourism) : (a) No such instructions have been issued.

(b) Question does not arise.

(c) Part (i) No such instructions were issued.
Part (ii) Does not arise.

[(ੲ) ਅਜਿਹੀਆਂ ਕੋਈ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈਆਂ ।

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

(ਸੀ) ਭਾਗ (i) ਅਜਿਹੀਆਂ ਕੋਈ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈਆਂ ।
ਭਾਗ (ii) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਲੋਕ ਸੰਪਰਕ ਅਤੇ ਯਾਤਰਾ ਵਿਭਾਗ]

(ਸੀ) ਭਾਗ (i) ਅਜਿਹੀਆਂ ਕੋਈ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ।

ਭਾਗ (ii) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

ਸ਼੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦੱਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਿਆਨ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ, ਜਲ੍ਹਿਆਂ ਵਾਲੇ ਬਾਗ਼ ਵਿਚ ਸ਼ਹੀਦਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਂਟ ਕਰਨ ਲਈ ਜੋ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇੰਸਟਰਕਸ਼ਨਜ਼ ਜਾਰੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਤਾਂ ਪਿਛਲੇ 20, 22 ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਅਤੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰਜ਼ ਵਲੋਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀਆਂ ਸ਼ਹੀਦਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਫੁੱਲਾਂ ਦੀਆਂ ਮਾਲਾਂ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ, ਉਹ ਕਿਸ ਅਥਾਰਟੀ ਨਾਲ ਹੁੰਦਾ ਰਿਹਾ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਪ੍ਰੈਕਟਿਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਉਥੇ ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਸ਼ਹੀਦਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਂਟ ਕਰਨ ਦੇ ਮੰਤਵ ਨਾਲ ਇਸ ਦਿਹਾੜੇ ਫੁੱਲਾਂ ਦੀ ਮਾਲਾ ਭੇਂਟ ਕਰਦੇ ਹਨ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਰਿਆਸਤੀ ਜੀ, ਇਹ ਬੜਾ ਹੀ ਸੀਰੀਅਸ ਲੈਪਸ ਹੈ ਕਿ ਸ਼ਹੀਦਾਂ ਦੇ ਮਹਾਨ ਅਸਥਾਨ ਤੇ ਐਸੀ ਅਣਗਹਿਲੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਜਦੋਂ ਕਿ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਤੋਂ ਚਲਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਬੜੀ ਹੀ ਮਾੜੀ ਗੁਲ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਅਗਾਂਹ ਲਈ ਸ਼ਹੀਦਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਂਟ ਕਰਨ ਦੀਆਂ ਕੋਈ ਵਾਜ਼ਹ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਕਰਨੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ ਤਾਂਕਿ ਅਗਾਂਹ ਲਈ ਕੋਈ ਅਣਗਹਿਲੀ ਨਾ ਹੋ ਸਕੇ । (*Addressing the Minisier of State for Public Relations and Tourism* It is a serious lapse on the part of the Government, that such negligence was shown towards that sacred place of martyrs specially when it is claimed that this Government looks to Amritsar for guidance. This is very deplorable. I would, therefore, request the Government to see that some specific instructions with regard to paying homage to the martyrs are issued so that there may not be any such lapse in future.)

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਾਪਦਾ ਹੈ ਕਿ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੇ ਦਫ਼ਤਰ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਨਫ਼ਾਰਮ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਤੇ ਤਾਂ ਹੀ ਇਹ ਕੁਝ ਗ਼ਲਤੀ ਹੋ ਗਈ। ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਜਾਣ-ਬੁਝ ਕੇ ਨਹੀਂ ਹੋਈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਅਤੇ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਹਾਊਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਯਕੀਨ ਦਿਲਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਗਾਂਹ ਨੂੰ ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਗ਼ਲਤੀ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਨਸ਼ਨਰ ਦੇ ਦਫ਼ਤਰ ਨੂੰ ਤਾਂ ਇਹ ਭੁਲ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਕਿਹੜੀ ਤਾਰੀਖ਼ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਦੇਣੀ ਹੈ, ਪਰ ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਵੀ ਭੁਲ ਗਿਆ ਸੀ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਬਾਰੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ ਦੱਸ ਚੁੱਕਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਇੰਸਟਰਕਸ਼ਨਜ਼ ਤਾਂ ਜਾਰੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਇਹ ਤਾਂ ਇਕ ਪ੍ਰੈਕਟਿਸ ਹੀ ਚਲੀ ਆ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰਜ਼ ਆਪ ਹੀ ਕਰਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ।

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਕੋਈ ਸੀਰੀਅਸ ਲੈਪਸ ਸਮਝਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਸਮਝਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਕੋਈ ਐਕਸ਼ਨ ਲੈਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹੈ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਡੀ. ਸੀ. ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਚਿਠੀ ਲਿਖ ਦਿਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਅਗੇ ਨੂੰ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਦਾ ਕੋਈ ਮੌਕਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇਗਾ।

चौधरी बलबीर सिंह : क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि पंजाब सरकार इस सिलसिले में कोई ऐसी पालिसी बनायेगी कि आयंदा जब ऐसे फंकशन्ज़ हों यानि शहीदों को श्रद्धांजली भेंट करनी हो, तो वह फंकशन्ज़ पंजाब सरकार की तरफ से हों ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਇਸ ਸੁਝਾਅ ਤੇ ਗ਼ੌਰ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ।

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫ਼ਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਦਾ ਕੋਈ ਮੌਕਾ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਏਗਾ, ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਕੀ ਉਹ ਸੈਟਿਸਫਾਈਡ ਹਨ ?

(ਕੋਈ ਉੱਤਰ ਨਹੀਂ ਆਇਆ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਵਿਚਾਰ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਏਗਾ। ਪਰ ਅਸੀਂ ਪਿਛਲੇ 20, 22 ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਦੇਖਦੇ ਆ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਪ੍ਰੈਜ਼ੀਡੈਂਟ ਆਫ਼ ਇੰਡੀਆ, ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਸਟੇਟਾਂ ਦੀਆਂ ਗੌਰਮਿੰਟਾਂ ਵਲੋਂ ਸਰਧਾਂਜਲੀਆਂ ਵਜੋਂ ਫੁੱਲਾਂ ਦੀਆਂ ਮਾਲਾਂ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਤਨੇ ਅਰਸੇ ਤੋਂ ਜਿਹੜੀ ਚੀਜ਼ ਚਲੀ ਆ ਰਹੀ ਹੈ ਆਇਆ ਉਹ ਕਿਸੇ ਪਾਲਿਸੀ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਹੀ ਚਲੀ ਆ ਰਹੀ ਹੈ ? ਕੀ ਇਹ ਸ਼ਹੀਦਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਂਟ ਕਰਨ ਲਈ ਕੋਈ ਨਵੀਂ ਪਾਲਿਸੀ ਅਖ਼ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨਗੇ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਹਿ ਚੁਕਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਕੋਈ ਗ਼ਲਤੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਅਤੇ ਇਹ ਗ਼ਲਤੀ ਅਗੇ ਲਈ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਅਗੇ ਲਈ ਵੀ ਖਾਸ ਹਿਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿਆਂਗੇ ਅਤੇ ਅਗੇ ਲਈ ਕੋਈ ਸ਼ਿਕਵਾ ਜਾਂ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਦਾ ਮੌਕਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇਗਾ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਇਹ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਬਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਕੋਈ ਸਟੈਂਡਿੰਗ ਆਰਡਰਜ਼ ਇਸ਼ੂ ਹੋ ਜਾਣ। (The hon. Members

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Mr. Speaker]

want that some standing orders should be issued in this regard by the Punjab Government.)

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਵਾਜ਼ਹ ਤੌਰ ਤੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਗੇ ਨੂੰ ਇਸ ਕੰਮ ਵਾਸਤੇ ਉਥੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਜਾਂ ਕੋਈ ਨਾ ਕੋਈ ਮਨਿਸਟਰ ਜਾਇਆ ਕਰੇਗਾ ।

ACTIVITIES OF NAXALITES IN THE STATE

*1957 1. **Chaudhri Ram Singh**
2. **Shri Sardari Lal Kapur**
3. **Bhagat Guran Dass Hans** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names of Naxalite-infested districts in the State ;

(b) the action taken by the Government to curb the activities of Naxalites, in the districts, referred to in part (a) above ,

(c) whether the Government would consider the desirability of augmenting the number of D. S. Ps., Inspectors and other police staff under the D. I. G., so that the "Naxalite Cell" may be totally eliminated in Punjab ?

Sardar Parkash Singh Badal :

(a) Naxalite activities have come to notice in Patiala, Sangrur, Bhatinda, Ludhiana, Hoshiarpur, Jullundur, Kapurthala, Ropar and Amritsar districts of Punjab State. However, the districts most affected are Jullundur, Sangrur, Kapurthala, Ludhiana and Hoshiarpur.

(b) & (c) The activities of the Naxalbari Group o extremist Communists, who have been indulging in criminal activities in the State have been reviewed and a statement showing the measures taken to combat them is placed on the Table of the House.

[(ਏ) ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਵਿਚ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ, ਸੰਗਰੂਰ, ਬਠਿੰਡਾ, ਲੁਧਿਆਣਾ, ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ, ਜਲੰਧਰ, ਕਪੂਰਥਲਾ, ਰੋਪੜ ਅਤੇ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿਚ ਨਕਲਸਬਾੜੀ ਅੰਸ਼ ਦੀਆਂ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਆਈਆਂ ਹਨ, ਪਰੰਤੂ ਵੱਧ ਪ੍ਰਭਾਵਤ ਵਾਲੇ ਜ਼ਿਲੇ, ਜਲੰਧਰ, ਸੰਗਰੂਰ, ਰੋਪੜ, ਕਪੂਰਥਲਾ ਲੁਧਿਆਣਾ ਅਤੇ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਹਨ ।

(ਬੀ) ਤੇ (ਸੀ) ਅਤਿਵਾਦੀ ਕਮਿਊਨਿਸਟਾਂ ਦੇ ਨਕਸਲਬਾੜੀ ਗਰੁਪ ਜਿਹੜੇ ਰਾਜ ਵਿਚ ਫੌਜਦਾਰੀ ਵ਼ਾਰਦਾਤਾਂ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਲੈ ਰਹੇ ਹਨ, ਤੇ ਨਜ਼ਰਸਾਨੀ ਕੀਤੀ ਦੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

ਰੋਕ ਥਾਮ ਵਾਸਤੇ ਜੋ ਕਦਮ ਚੁੱਕੇ ਗਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।]

Statement

(i) D. I. Gs. of Ranges and all S. Ps. in the State are giving top priority attention to the Naxalite problem.

(ii) Special efforts are being made for the arrest of proclaimed offenders wanted in Naxalite cases. The districts have formed separate and exclusive staffs, under N. G. O's for the arrest of each proclaimed offender. Substantial rewards amounting upto Rs. 5,000/- per proclaimed offender have been announced for their arrest.

(iii) Police pickets have been established at strategic places.

(iv) Maximum possible man-power including companies from P.A.P., has been mobilized to augment the strength of various districts, for this purpose.

(v) Senior Officers are moving out in the illaqa to supervise the working of the pickets and to provide leadership and initiative to the personnel engaged in this task.

(vi) Four D. S. Ps. have been sanctioned to deal with Naxalbari problem, in the worst affected areas.

(ੳ) ਡੀ. ਆਈ. ਜੀ. ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਸੁਪਰਡੰਟ ਪੁਲਿਸ ਨਕਸਲਬਾੜੀ ਅੰਸ਼ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਨ ਵੱਲ ਪਹਿਲ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ।

[(ਅ) ਨਕਸਲਬਾੜੀ ਕੇਸਾਂ ਵਿਚ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰੀ ਅਪਰਾਧੀਆਂ ਨੂੰ ਪਕੜ ਕੇ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਲਈ ਪੂਰੇ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪੱਧਰ ਤੇ ਨਾਨ-ਗਜ਼ਟਿਡ ਅਫਸਰਾਂ ਅਧੀਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰੀ ਅਪਰਾਧੀਆਂ ਨੂੰ ਪਕੜਨ ਲਈ ਨਿਆਰਾ ਤੇ ਵੱਖਰਾ ਸਟਾਫ਼ ਲਗਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ 5,000/- ਰੁਪੈ ਤਕ ਦੇ ਇਨਾਮ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਕੜਨ ਲਈ ਰੱਖੇ ਗਏ ਹਨ।

(ੲ) ਖਾਸ ਖਾਸ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਪੁਲਿਸ ਚੌਕੀਆਂ ਲਗਾ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ।

(ਸ) ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਜਨ ਸ਼ਕਤੀ, ਜਿਸ ਵਿਚ ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਦੀਆਂ ਕੰਪਨੀਆਂ ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ, ਇਕੱਤਰ ਕਰਕੇ ਵੱਖ ਵੱਖ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿਚ ਹੋਰ ਵਾਧਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

(ਹ) ਸੀਨੀਅਰ ਅਫਸਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਚੌਕੀਆਂ ਦੇ ਕੰਮ ਕਾਜ ਦੀ ਦੇਖ ਭਾਲ ਲਈ ਜਾਂਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਜੋ ਇਸ ਕੰਮ ਵਿਚ ਲੱਗੇ ਹੋਏ ਮਨੁੱਖਾਂ ਦੀ ਹੌਸਲਾ ਅਫ਼ਜ਼ਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ।

(ਕ) ਜਿੱਥੇ ਨਕਸਲਬਾੜੀ ਅੰਸ਼ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ, ਉਥੇ ਨਕਸਲਬਾੜੀ ਸਮੱਸਿਆ ਨੂੰ ਹਲ ਕਰਨ ਲਈ ਚਾਰ ਡਿਪਟੀ ਸੁਪਰਡੰਟ ਪੁਲਿਸ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਹਨ।]

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਪੁਛੇ ਸੀ ਪਰ ਨਾਮ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਿਲਕੁਲ ਨਹੀਂ ਦਸੇ। ਇਸ ਲਈ ਦਸਣ ਕਿ ਨਾਮ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਦਸੇ ਗਏ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pan

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਨਾਮ ਇਸ ਲਈ ਨਹੀਂ ਦਸੇ ਗਏ, ਕਿਉਂਕਿ ਕਈ ਦਫ਼ਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਦਸਣਾ ਪਬਲਿਕ ਇੰਟਰੈਸਟ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਦੇ ਨਾਮ ਲਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿਚ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਨਕਸਲਬਾੜੀਆਂ ਦੀਆਂ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਹੋਣ ਦੇ ਕੀ ਕਾਰਨ ਹਨ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਕਾਰਨ ਤਾਂ ਕੋਈ ਸਪੈਸ਼ਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੇ। ਕਈ ਜਗ੍ਹਾਂ ਤੇ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਕਈ ਜਗ੍ਹਾ ਤੇ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀਆਂ।

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਡੀ. ਆਈ. ਜੀ. ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਪੁਲਿਸ ਸੁਪਰਡੰਟਾਂ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤਾਂ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਵੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਅਤੇ ਹੋਰ ਖਾਸ ਖਾਸ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਪੁਲੀਸ ਚੌਕੀਆਂ ਲਗਾ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ, ਲੇਕਿਨ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਵਿਚ ਇਕ ਐਕਸ-ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਸ੍ਰੀ ਹਰੀ ਚੰਦ ਨੂੰ ਦਿਨ ਦਿਹਾੜੇ ਮਾਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਸ ਬਾਰੇ ਹੁਣ ਤਕ ਕੋਈ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਐਸ. ਪੀ. ਅਤੇ ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਆਦਿ ਜਿਹੜੇ ਨਕਸਲਬਾੜੀਆਂ ਨੂੰ ਖ਼ਤਮ ਕਰਨ ਲਈ ਲਗਾਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੁਣ ਤਕ ਕੀ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਬਾਰੇ ਸੈਪਰੇਟ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਉ, ਡਿਟੇਲਜ਼ ਦੇ ਦਿਆਂਗੇ।

चौधरी बलबीर सिंह : क्या मुख्य मन्त्री साहिब बतायेंगे कि इस सम्बन्ध में सरकार ने जो मईयर्ज़ लिये हैं उन के बारे में क्या वे खुद संतुष्ट हैं कि ठीक ढंग से क़ाम चल रहा है ; अगर नहीं तो कोई और कदम इस सिलसिले में उठाये जा रहे है ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਪਾਸੇ ਅਸੀਂ ਬਹੁਤ ਕਦਮ ਚੁਕੇ ਹਨ ਅਤੇ ਹੋਰ ਵੀ ਚੁਕ ਰਹੇ ਹਾਂ।

ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕੁਝ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿਚ ਨਕਸਲਬਾੜੀਏ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਏ ਹਨ। ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਹੈ ਕਿ ਡਿਸਟਰਿਕਟ ਜਲੰਧਰ ਅਤੇ ਖ਼ਾਸ ਕਰਕੇ ਬੰਗਾ ਹਲਕੇ ਵਿਚ ਉਹ ਬਹੁਤ ਹੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵੱਧ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕੀ ਪੁਲੀਸ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਲਾਹ ਦਿਤੀ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਚੀਜ਼ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਕੀ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਸੰਗਰੂਰ ਦੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿਚ ਕਈ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਪੁਲਿਸ ਦੇ ਆਫ਼ੀਸਰਜ਼ ਨੇ ਜਾ ਕੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਲੁਟਿਆ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਰੁਪਿਆ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਇਹ ਕਹਿ ਕੇ ਕਿ ਅਸੀਂ ਨਕਸਲਬਾੜੀ ਹਾਂ ਅਤੇ ਉਹ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਫੜੇ ਗਏ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਮੁਕਦਮੇ ਚਲਾਏ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਗਏ। ਮੈਂ ਪੁਛਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਹੋਰ ਕਿੰਨੇ ਪੁਲੀਸ ਆਫ਼ੀਸਰਜ਼ ਹਨ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਦਾ ਸੈਪਰੇਟ ਨੋਟਿਸ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਨਕਸਲਾਈਟਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਇੰਸਟਰਕਸ਼ਨਜ਼ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਕੀ ਨਿਕਲਿਆ ਹੈ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੋਰ ਕਿਸ ਕਿਸ ਨੂੰ ਚਿਠੀਆਂ ਪਾਉਣੀਆਂ ਹਨ, ਕਿਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰ ਲਾਉਣੇ ਹਨ, ਹੁਣ ਕਿਸ ਦੀ ਵਾਰੀ ਹੈ ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਖਤਰਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

ਚੌਧਰੀ ਤੁਲਸੀ ਰਾਮ ਚੌਹਾਨ : ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਵਿਚ ਪਿਛਲੇ 15 ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਨਕਸਲਾਈਟਸ ਵਲੋਂ ਦੋ ਮਰਡਰ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ। ਬਲਾਚੌਰ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਐਕਸ-ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਰਾਏ ਹਰੀ ਚੰਦ ਦਾ ਅਤੇ ਪਰਸੋਂ ਅੰਬ ਵਿਚ ਇਕ ਕਤਲ ਹੋਇਆ । ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਦੇ 4-5 ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਚਿੱਠੀਆਂ ਮਿਲ ਚੁਕੀਆਂ ਹਨ । ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਲਾਈਫ਼ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਦੇ ਪਰਬੰਧ ਕੀਤੇ ਹਨ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਡੀਟੇਲਜ਼ ਦਸ ਚੁਕਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ-ਕੀ ਪਰਬੰਧ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਟਾਫ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਦੀ ਬਟਾਲੀਅਨ ਲਾਈ ਹੈ, ਹੋਰ ਵੀ ਕਦਮ ਚੁਕੇ ਹਨ ਅਤੇ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਮੂਵਮੈਂਟ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਹੀ ਕਰਬ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਮੂਵਮੈਂਟ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਬੈਨ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਜਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਹੈ ?

(ਕੋਈ ਉਤੱਰ ਨਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ।)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਦਿਨ ਵਿਚ 28 ਮਰਡਰ ਇੱਕਠੇ ਹੀ ਹੋਏ ਹਨ ? (ਵਿਘਨ)

(ਕੋਈ ਉੱਤਰ ਨਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ।)

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਨਕਸਲਾਈਟ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਣ ਕੀ ਹਨ, ਲੋਕ ਕਿਉਂ ਨਕਸਲਾਈਟ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ? ਕੀ ਬੇਰੋਜ਼ਗਾਰੀ ਅਤੇ ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ ਕਾਣੀ ਵੰਡ ਕਰਕੇ ਜੋ ਫਰੱਸਟਰੇਸ਼ਨ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਸ ਕਰਕੇ ਲੋਕ ਇਹ ਬਣਦੇ ਹਨ ? ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਮਸਲੇ ਦਾ ਹਲ ਸੋਚਿਆ ਹੈ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਮੂਵਮੈਂਟ ਦੇ ਰੋਕਣ ਦਾ ਇਕ ਤਰੀਕਾ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਮਾਸਟਰ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚਾਹ ਪਾਣੀ ਪਿਆਣਾ ਬੰਦ ਕਰ ਦੇਣ। (ਹਾਸਾ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਨਕਸਲਾਈਟਸ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਸਮਾਜੀ ਬੇਇਨਸਾਫ਼ੀ ਰਕੇਕ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਅਜਿਹਾ ਕੋਈ ਸਪੈਸ਼ਲ ਕਮਿਸ਼ਨ ਮੁਕਰਰ ਕਰੇਗੀ ਜੋ ਦੱਸੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pan[illegible]

[ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ]
ਕਿ ਨਕਸਲਾਈਟਸ ਕਿਉਂ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਫਿਰ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਫੈਮਲੀ ਪਲੈਨਿੰਗ ਦਾ ਪਰੋਗਰਾਮ ਬਣਾਏਗੀ ?

(ਕੋਈ ਉੱਤਰ ਨਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ)

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਕੀ ਇਹ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਅਗਰ ਕੋਈ ਵਜ਼ੀਰ ਨਕਸਲਾਈਟਸ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਲੁਟਮਾਰ ਕਰਦਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕੀ ਇਹ ਉਸ ਨੂੰ ਹਟਾਉਣ ਦਾ ਪਰਬੰਧ ਕਰਨਗੇ ?

(ਕੋਈ ਉੱਤਰ ਨਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ।)

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਇਹ ਦੱਸਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਥੋਂ ਕਿਸ ਕਿਸਮ ਦੇ ਆਦਮੀ ਮਾਰੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਵੱਡੇ ਜਾਂ ਛੋਟੇ ?

(ਕੋਈ ਉੱਤਰ ਨਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ।)

———

ALLEGATIONS AGAINST SUB-INSPECTOR OF POLICE IN BEAS AREA OF AMRITSAR DISTRICT

*1960 1. **Sardar Darshan Singh, K.P.**
2. **Shri Sardari Lal Kapur**
3. **Bhagat Guran Dass Hans**
4. **Doctor Sadhu Ram**

} Will the Chief Minister be pleased to State-

(a) whether the Government is aware of the fact that a Sub-Inspector of Police in the Beas area of Amritsar district allegedly committed criminal assault on a woman ; if so, the action taken by the Government to bring the culprit to book ;

(b) whether it is also a fact that five women from Beas area stopped the car of the Chief Minister and requested him to make a sifting enquiry into the whole episode ;

(c) the steps the Government propose to take to stop such like immoral activities by the Police personnel in the State ?

Sardar Parkash Singh Badal :

(a) Yes Sir ; A case F. I. R. No. 150 dated 19. 5. 70 u/s 366/368/376/342 IPC was registered at police station Beas against S. I. Sajjan Singh and A. S. I. Daljit Singh. Both the accused were arrested and the challan put in the Court on 18. 6. 70.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(b) Yes Sir.

(c) The way in which the accused police officers have been dealt with should itself act as a great deterrent for others. The Govt. will spare no one who commits a crime.

[(ਏ) ਹਾਂ ਜੀ, ਇਕ ਕੇਸ ਐਫ਼. ਆਈ. ਆਰ. ਨੰ: 150, ਮਿਤੀ 19. 5. 70 ਅਧੀਨ ਧਾਰਾ 366/368/376/342 ਆਈ. ਪੀ. ਸੀ., ਪੁਲਿਸ ਸਟੇਸ਼ਨ ਬਿਆਸ ਵਿਚ ਸ਼੍ਰੀ ਸੱਜਣ ਸਿੰਘ ਸਬ-ਇੰਸਪੈਕਟਰ ਤੇ ਸ਼੍ਰੀ ਦਲਜੀਤ ਸਿੰਘ ਸਹਾਇਕ ਸਬ-ਇੰਸਪੈਕਟਰ ਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਦਰਜ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਦੋਨੋਂ ਦੋਸ਼ੀ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਚਲਾਨ 18. 6. 70 ਨੂੰ ਕਚਹਿਰੀ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।

(ਬੀ) ਜੀ ਹਾਂ ।

(ਸੀ) ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਦੋਸ਼ੀ ਪੁਲਿਸ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਕਾਰਵਾਈ ਹੋਈ ਹੈ ਉਸਦਾ ਅਸਰ ਹੋਰ ਦੋਸ਼ ਰੋਕਣ ਲਈ ਕਾਫੀ ਅਸਰਦਾਰ ਹੋਵੇਗਾ । ਸਰਕਾਰ ਕਿਸੇ ਦੋਸ਼ੀ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਤੋਂ ਸੰਕੋਚ ਨਹੀਂ ਕਰੇਗੀ ।]

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਸੱਜਣ ਸਿੰਘ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਹੋਇਆ, ਉਸ ਦੀ ਜ਼ਮਾਨਤ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਏਲਚੀ ਬਣਾਕੇ ਭੇਜਿਆ ਅਤੇ ਉਸ ਨੇ ਤਿੰਨ ਵੱਡੇ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀ ਜ਼ਮਾਨਤ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ? ਕੀ ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਨਹੀਂ ਮਾਸਟਰ ਜੀ, ਇਹ ਗਲਤ ਹੈ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਨਾਲ •ਮੁਹਾਫਿਜ਼ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਕੁਝ ਮੁਅਜ਼ਿਜ਼ ਅਫਰਾਦ ਵੀ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹਨ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੁਲਜ਼ਮਾਂ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਸਖ਼ਤ ਐਕਸ਼ਨ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ।

चौधरी बलबीर सिंह : इस केस में सरदार दलजीत सिंह ए.ऐस. आई. कुछ दिन मफरूर रहा । क्या इस सिलसिले में उस के खिलाफ़ कोई ऐक्शन लिया ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕੇਸ ਕਚਹਿਰੀ ਵਿਚ ਚਲਾ ਗਿਆ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਬਾਰੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਨਾ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਚਾਲਾਨ ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਚਲਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਮਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਾਂ ਇਹ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਹੀ ਪੁੱਛੀ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਮਫਰੂਰ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਕੀ ਉਸ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਦੂਜਾ ਕੇਸ ਰਜਿਸਟਰ ਹੋਇਆ ਹੈ ? ਇਸ ਦਾ ਉਸ ਕੇਸ ਦੇ ਸਬਜੁਡਿਸ ਹੋਣ ਨਾਲ ਕੋਈ ਸਬੰਧ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਵਾਬ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਪੁਲਸ ਅਫ਼ਸਰ ਮਫਰੂਰ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਕੀ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਜੁਦਾ ਕੇਸ ਰਜਿਸਟਰ ਹੋਇਆ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਲਈ ਸੈਪਰੇਟ ਨੋਟਿਸ ਦਿਉ ।

चौधरी बलबीर सिंह : इस केस से सम्बन्धित जो आदमी मफरूर रहा आया यह वही दलजीत सिंह है जिस ने हुशियारपुर में सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक के चेअरमैन को मारा था और जिस के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज हुआ था ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਨੂੰ ਇਸਦਾ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਕੈਬਨਿਟ ਦਾ ਕੋਈ ਇਨਫਾਰਮਲ ਫੈਸਲਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਜ਼ਮਾਨਤ ਕਰਵਾਈ ਜਾਵੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੈਬਨਿਟ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਫੈਸਲੇ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਝਬਾਲ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਉਚ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਦੇ ਫੈਸਲੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਉਸ ਦੀ ਜ਼ਮਾਨਤ ਕਰਾ ਦਿਤੀ ਅਤੇ ਹੁਣ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਕਰਨ ਲਈ ਕੇਸ ਵਾਪਿਸ ਲੈਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਨਹੀਂ ਜੀ, ਐਸੀ ਕੋਈ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ : ਅਗਰ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਦੇ ਜੋ ਕਸਟੋਡੀਅਨ ਹਨ ਉਹੀ ਕਰਾਈਮ ਕਰਨ ਲਗ ਪੈਣ ਤਾਂ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਐਗਜ਼ੈਮਪਲਰੀ ਪਨਿਸ਼ਮੈਂਟ ਦੇਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਸਵਾਲ ਇਕ ਵਾਰੀ ਫਿਰ ਕਰ ਦਿਉ ।

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਡਾ: ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ ਨੇ ਆਪਣਾ ਸਵਾਲ ਦੁਹਰਾ ਦਿੱਤਾ)

(ਕੋਈ ਉੱਤਰ ਨਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ।)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਦੇਖਦੇ ਹੋਏ ਕਿ ਇਹ ਅਫ਼ਵਾਹ ਆਮ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਜ਼ਮਾਨਤ ਲਈ ਅਨਆਫੀਸ਼ਲੀ ਇਨਸਟ੍ਰਕਸ਼ਨਜ਼ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਅਤੇ ਕੇਸ ਵਾਪਸ ਲੈਣ ਦਾ ਖ਼ਿਆਲ ਹੈ, ਕੀ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਕੇਸ ਕਿਸੇ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਵੀ ਵਿਦਡਰਾ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ, ਕੋਰਟ ਜੋ ਮਰਜ਼ੀ ਫੈਸਲਾ ਕਰੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਕੇਸ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ, ਮੈਰਿਟਸ ਤੇ ਕੇਸ ਡੀਸਾਈਡ ਹੋਵੇਗਾ ।

CASES OF MURDER/ABDUCTION OF HARIJANS

*2015. **Chaudhri Balbir Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of cases of murder and abduction of harijans

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

that took place in the State during the period from Ist. April to 30th June, 1970 ;

(b) the number of culprits involved in the said cases who were apprehended ;

(c) the steps proposed to be taken by the Government to safeguard the harijans residing in the villages in the state ?

Sardar Parkash Singh Badal :

(a) Murder — 12 cases.
Abduction— 11 cases.

(b) 42 culprits were involved in the said cases ; out of which 27 have been apprehended so far.

(c) special attention is paid by Police towards the safety of Harijans residing in the villages to ensure that they are not harassed in any manner.

[(ੲ) ਕਤਲ — 12 ਕੇਸ
ਉਧਾਲਣ — 11 ਕੇਸ

(ਬੀ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੇਸਾਂ ਵਿਚ 42 ਦੋਸ਼ੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ 27 ਦੋਸ਼ੀ ਹੁਣ ਤਕ ਫੜੇ ਗਏ ਹਨ ।

(ਸੀ) ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਸੁਰਖਿਆ ਵੱਲ ਪੌਲੀਸ ਵਲੋਂ ਖਾਸ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਵਲੋਂ ਤੰਗੀ ਨਾ ਹੋਵੇ ।]

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मुझे सवाल का गवर्नमैंट की तरफ से रिटन रिपलाई नहीं मिला । यह पालिसी रही है कि जिस का सवाल हो उसको उसका जवाब पहले रिटन मिल जाता है, मगर मुझे यह मिला नहीं ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਤਾਂ ਪ੍ਰੈਕਟਿਸ ਨਹੀਂ ਹੈ । (There is no such practice.) ।

चौधरी बलबीर सिंह : आगे तो जवाब मिलते रहे हैं । जिस का सवाल हो उस को कापी मिलती रही है बाकियों को नहीं । (विघन)

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਕਤਲ ਅਤੇ ਉਧਾਲੇ ਦੇ ਕੇਸਾਂ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮੁਲਜ਼ਮ ਫੜਨ ਤੋਂ ਰਹਿ ਗਏ ਹਨ ? ਕੀ ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੁਲਿਸ ਵਿਭਾਗ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸੈਲ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਰਖਿਆ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ ? (ਵਿਘਨ)

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਗੱਲ ਲਈ ਇਨਸਟ੍ਰਕਸ਼ਨਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਮੁਲਜ਼ਮ ਫਰਾਰ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਪਕੜਿਆ ਜਾਵੇ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਰੋਸ਼ਨੀ ਵਿਚ ਕਿ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਕਤਲ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਏ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਵੀਕਰ ਸੈਕਸ਼ਨ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਸੀ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕੀ ਕਿ ਸਪੈਸ਼ਲ ਪੁਲਿਸ ਰਖੀ ਹੈ ਤਾਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਤਲ ਬੰਦ ਹੋਣ, ਪਰ ਉਹ ਬੰਦ ਨਹੀਂ ਹੋਏ ਤਾਂ ਕੀ ਉਹ ਕਦਮ ਹਨ ਅਤੇ ਜੋ ਡੈਫਿਨੇਟ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਕੀ ਉਸ ਨੂੰ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਰਖਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਜਿੰਨੇ ਕੇਸ ਮਰਡਰ ਦੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਹੋਏ ਹਨ ਇਹ ਕੋਈ ਸਪੈਸ਼ਲ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੋਏ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕੁਲ 12 ਕੇਸ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਚਾਰ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੇ ਹੀ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਮਰਡਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਦੇ 8 ਕੇਸਾਂ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਦੂਜਿਆਂ ਹਥੋਂ ਮਰਡਰ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਜਨਰਲ ਕੇਸ 135 ਹੋਏ ਹਨ ਮਰਡਰ। ਦੇ ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਸਪੈਸ਼ਲ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਤੇ ਹੀ ਸਖਤੀ ਹੋਈ ਹੋਵੇ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਹੀ ; ਇਹ ਤਾਂ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪ ਕਹੀ ਸੀ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਮਰਡਰ ਨਾ ਹੋਣ ਜਾਂ ਘਟ ਹੋਣ ਇਸ ਲਈ ਸਪੈਸ਼ਲ ਪੁਲਿਸ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਡਿਟੇਲ ਮੰਗੀ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਹੈ ਜਾਂ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਹੈ । (Is this an explanation or a point of order ?)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਜਾਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਪੈਸ਼ਲ ਇਨਸਟ੍ਰਕਸ਼ਨਾਂ ਦਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਹ ਕੀ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੀ ਇਹ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਦੇ ਰਖਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਪੈਸ਼ਲ ਇਨਸਟ੍ਰਕਸ਼ਨਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਡਿਫਾਇਨ ਕਰ ਦੇਣ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਹਰੀਜਨ ਸੇਫ ਹੋ ਗਏ ਹਨ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਵਰਬਲ ਇਨਸਟ੍ਰਕਸ਼ਨਾਂ ਵੀ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ਸਾਰੀਆਂ ਰਿਟਨ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ।

चौधरी बलबीर सिंह : क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो गिरफ्तारियां नहीं की गईं इन के पीछे उन मुल्जमों को बचाने के लिए बारसूख आदमियों का हाथ है ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੇਰੇ ਇਲਮ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਤਲਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀਆਂ ਵਰਬਲ ਇਨਸਟ੍ਰਕਸ਼ਨਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਕੀ ਉਹੀ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਿ ਰੋਪੜ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿਚ ਚਮਕੌਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਪੁਲਿਸ ਘਰਾਂ ਵਿਚੋਂ ਬੁਲਵਾ ਕੇ ਮਾਰ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਹਾਹਾਕਾਰ ਮਚੀ ਹੋਈ ਹੈ ਪਰ ਅਜ ਤਕ ਕੋਈ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਨਹੀਂ ਕਰਾਈ ਗਈ ਅਤੇ ਪੁਛ ਪ੍ਰਤੀਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ। (ਵਿਘਨ)

(ਕੋਈ ਉੱਤਰ ਨਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ) ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

SETTING UP ANTI CORRUPTION TRIBUNAL IN THE STATE

***2014. Chaudhri Balbir Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government propose to set up an anti-corruption Tribunal shortly in the State ; if so, the steps being taken in this regard ?

Sardar Parkash Singh Badal : Yes Sir, The matter is under consideration.

[ਜੀ ਹਾਂ : ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ।]

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਕੀ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਜਦ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਹੁੰ ਚੁੱਕੀ ਸੀ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਫੌਰਨ ਬਾਅਦ ਇਹ ਕੈਟੇਗਾਰੀਕਲੀ ਅਤੇ ਡੈਫਿਨੇਟਲੀ ਇਹ ਡੈਕਲੈਰੇਸ਼ਨ ਦਿੱਤੀ ਸੀ ਕਿ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਇਕ ਇੰਡੀਪੈਂਡੈਂਟ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨਲ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ? ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਕੇ ਫਿਰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਸੰਤਾਂ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਤਾਂ ਆਪਣੇ ਕਈ ਬੰਦੇ ਵਿਚ ਆ ਜਾਣਗੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਨਹੀਂ ਜੀ, ਇਹ ਗੱਲ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਇਨਸਟ੍ਰਕਸ਼ਨਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਸਨ ਪਰ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਫਿਨਾਂਸ਼ਲੀ, ਲੀਗਲੀ, ਕਨਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨਲੀ ਅਤੇ ਐਡਮਨਿਸਟ੍ਰੇਟਿਵ ਐਂਗਲਜ਼ ਤੋਂ ਦੇਖਣਾ ਸੀ ਅਤੇ ਦੇਖ ਕੇ ਐਕਟ ਬਣਾਇਆ ਜਾਣਾ ਹੈ ; ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੇ ਪੱਖਾਂ ਤੋਂ ਇਸ ਨੂੰ ਵੇਖਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ।

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ, ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਕੁਝ ਹੋਰ ਮੈਂਬਰ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਸਵਾਲ ਪੁੱਛਣ ਲਈ ਖੜੇ ਹੋਏ । ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ ਨੇ ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਕਾਲ ਅਪਾਨ ਕੀਤਾ ।) (ਵਿਘਨ)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਅਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਸਵਾਲ ਪੁਟ ਕੀਤਾ ਹੋਵੇ ਉਸ ਨੂੰ ਸਾਰਿਆਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਪੁੱਛਣ ਲਈ ਮੌਕਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਹਕ ਬਣਦਾ ਹੈ। ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਇਸ ਸਵਾਲ ਤੇ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਕਰਨ ਲਈ ਦੋ ਵੇਰ ਉਠੇ ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਾਲ ਅਪਾਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : I am sorry, the hon. Member could not catch my eye.

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੇ ਸੈਟ ਅਪ ਕਰਨ ਦੀ ਅਸ਼ਦ ਜ਼ਰੂਰਤ ਦੇ ਪੇਸ਼ੇ-ਨਜ਼ਰ ਕੋਈ ਟਾਇਮ ਮੁਕਰਰ ਕਰਨ ਨੂੰ ਇਹ ਤਿਆਰ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਐਕਟ ਬਣ ਜਾਵੇਗਾ ਜਾਂ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਇਸ ਤਾਰੀਖ਼ ਤਕ ਆ ਜਾਵੇਗਾ ਤਾਕ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗ ਸਕੇ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਸਾਰਾ ਖਰੜਾ ਤਿਆਰ ਕਰਾ ਕੇ ਕੈਬਨਿਟ ਵਿਚ ਲਿਆਵਾਂਗੇ ਅਤੇ ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਥੇ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਟਾਈਮ ਪੁਛਿਆ ਸੀ ਕਿ ਕਿੰਨੇ ਚਿਰ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਹੀ ਇਹ ਖਰੜਾ ਤਿਆਰ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ।

चौधरी बलबीर सिंह : क्या यह खरड़ा 15 अगस्त से पहले पहले तैयार हो कर कानून बन जाएगा या कागजात मुकम्मल कर के आर्डिनैंस जारी कर दिया जाएगा ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : 15 ਅਗਸਤ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਨੇੜੇ ਹੈ। ਜਲਦੀ ਹੀ ਤਿਆਰ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ।

चौधरी बलबीर सिंह : क्या चीफ मिनिस्टर साहिब बतायेंगे कि जलदी से जलदी और नेड़े में क्या फर्क है ? (हंसी)

(ਕੋਈ ਜੁਆਬ ਨਹੀਂ ਆਇਆ।)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਪਹਿਲਾਂ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ਹੁਣ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਖਰੜਾ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਕੀ ਉਹ ਕੈਟੇਗਾਰੀਕਲੀ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਇਹ ਅਸ਼ੋਯਰ ਕਰਾਉਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਨ ਕਿ ਇਕ ਜੁਡੀਸ਼ਲ ਇੰਡੀਪੈਂਡੈਂਟ ਐਂਟੀ-ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨਲ ਕਾਇਮ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ, ਜਿਸ ਵਿਚ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼ ਸਿਟੀਜ਼ਨ ਸਿੱਧੇ ਤੌਰ ਤੇ ਕਿਸੇ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਜਾਂ ਵਜ਼ੀਰ ਜਾਂ ਐਕਸ-ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਦੇ ਕੇਸਿਜ਼ ਡਾਇਰੈਕਟਲੀ ਲਿਜਾ ਸਕਣ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਇਸ ਸਮੇਂ ਡਿਟੇਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਪਰ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਇਸ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਰਗੇਨਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਬਣਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਮੈਂ ਇਹੀ ਤਾਂ ਪੁੱਛਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਰਗੇਨਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਕਿਹੋ ਜਿਹੀ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖਰੜਾ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

(ਕੋਈ ਜੁਆਬ ਨਹੀਂ ਆਇਆ।)

ਸ਼ਾਬੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖਰੜਾ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੇ ਅਤੇ ਝੂਠ ਬੋਲਦੇ ਹਨ ; ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਦੇਰ ਕੀਤੀ ਹੈ ਤਾਕਿ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਰੁਪਿਆ ਕਮਾਉਣ ਲਈ ਅਰਸਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਸਕੇ ?

(ਕੋਈ ਜੁਆਬ ਨਹੀਂ ਆਇਆ।)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

QUOTA OF WOOLLEN YARN FOR HOSIERY MANUFACTURERS OF LUDHIANA

***1943. Shri Sardari Lal Kapur :** Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the quota of woollen yarn for the Hosiery Manufacturers of Ludhiana has recently been stopped ; if so, the reasons therefor ;

(b) the name of Industrial Concerns in Ludhiana whose quota of woollen yarn was restored alongwith the names of the concerns, whose quota has not, so far, been restored ;

(c) the reasons for not restoring the quota of wollen yarn of the concerns mentioned in part (b) above ;

(d) whether the Government propose to hold an enquiry into this matter which has adversely effected many Hosiery Manufacturers in Ludhiana ?

ਸਰਦਾਰ ਤੇਜਾ ਸਿੰਘ (ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ, ਉਦਯੋਗ ਅਤੇ ਸਿਹਤ) :

[ੳ) ਜੁਲਾਈ, 1969 ਦੀ ਚੈਕਿੰਗ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ 167 ਹੌਜ਼ਰੀਆਂ ਦਾ ਧਾਗੇ ਦਾ ਕੋਟਾ ਸਸਪੈਂਡ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ।

ਅ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

ੲ) ਪਾਰਟੀਆਂ ਅਸਲ ਨਿਰਮਾਣ-ਕਾਰ ਨਹੀਂ ਸਾਬਤ ਹੋਈਆਂ ਸਨ ।

ਸ) ਜੀ ਹਾਂ ।]

[(a) the quota of yarn in the case of 167 units was suspended as a result of checking in July, 1969.

b) Information is laid on the Table of the House.

c) These parties were not proved to be genuine manufacturers.

d) yes.]

LIST OF UNITS WHOSE QUOTAS WERE RESTORED

Sr. No.	Name of Unit
1.	M/s. Raj Tilak Hosiery, Chaura Bazar, Ludhiana.
2.	„ Nav Kiran Hosiery-cum-Production-cum-Sales, Industrial Society, B-IV 1967, Chaura Bazar. Ludhiana.
3.	„ Ambika Hosiery Mills, Chawal Bazar, Ludhiana.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

4. M/s Jain Manani Hosiery Purana Bazar, Ludhiana.
5, ,, Western Knitting Works, Purana Bazar, Ludhiana.
6. ,, M. R. Knitting works, Purana Bazar, Ludhiana.
7. ,, Des Vijay Hosiery Factory, Wait Ganj, Ludhiana.
8. ,, Shanti Parkash Hosiery Wait Ganj, Ludhiana.
9. ,, Kapur Knitting Works, Rai Bahadur Road, Ludhiana.
10. ,, Jaggi Hosiery Factory, Kaushal Bldg., Ludhiana.
11. ,, D. R. Sachdeva Hosiery, 309, Rai Bahadur Road, Ludhiana.
12. ,, Ved Hosiery, Bazar Sarafan, Ladhiana.
13. ,, Om Parkash Bawa Hosiery, Achru Market, Ludhiana.
14. ., Ved Parkash Surrinder Kumar, Achru Market, Ludhiana.
15. ,, Suneta Hosiery, Bazar Sarafan, Ludhiana.
16. ., Hilly Hosiery, Kucha No. 2, Madhopuri Ludbiana.
17. ,, Trulex Hosiery Factory, Kucha No. 2 Madhopuri, Ludhiana.
18. ,, Surinder Jain Hosiery Factory, No. 4. Madhopuri, Ludhiana.
19. ,, L. B. Soni Hosiery Factory No. 4, Madhopuri, Ludhiana.
20. ,, Shanta Hosiery Factory, No. 4, Madhopuri, Ludhiana.
21. ,, S. S. Arora and Co. Chowk Madhopuri, Ludhiana.
22. ,, L. C. Dharshan Hosiery, Wait Ganj, Ludhiana.
23. ,, Devta Hosiery Purana Bazar Ladhiana.
24. ,, Paras Knitting Works, Dal Bazar, Ludhiana.
25. ,, Romesh Hosiery Works, Madhopuri, Ludhiana.
26. ,, P. C. Saini Brothers, Madhopuri-2, Ludhiana.
27. ,, Kamat Hosiery Mills, Kucha No. 1, Madhopuri, Lndhiana.
28. ., M. M. Hosiery, Ganji Chapri, Ludhiana.
29. ,, Joo Knitting Works, Ganji Chapri Ludhiana.
30. ,, Ashok Brothers, 1280 Tilak Nagar, Ludhiana.
31. ,, Vijay Ashok Hosiery, 1388, Ganj Chapri Ludhiana
32. ,, Irawali Knittings, Tilak Nagar, Ludhiana.
33. ,, Khalsa Himat Hosiery, Ganji Chapri, Ludhiana.
34. ,. D. C. Kapur Hosiery, 801, Ganji, Ludhiana.
35. ,, Nanda Hosiery, Tilak, Wait Ganj. Ludhiana.
36. ,, New Delite Hosiery, Wait Ganj, Ludhiana.
37. ,, Surjeet Knitting Works, Mohalla Sonian, Ludhiana.
38. ,, A. C. Knitting, Mohalla Vakilan,. Ludhiana.
39. ,, Lal Chimni Hosiery, Purana Bazar, Ludhiana.
40. ,, Faqir Singh Amar Nath, Sahi Dawakhana, Purana Bazar, Ludhiana.
41. ,, Wadehra Hosiery, Purana Bazar, Ludhiana.
42. ,, Rangrh Hosiery, Dal Bazar, Ludhiana.
43, ,, Sekri Hosiery, Factory Kachni, Gali Ludhiana,
44. ,, Essko Hosiery Factory, Civil Lines, Ludhiana.
45. ,, Great India Works, B—IV/886, Lal Masjid, Wait Ganj, Ludhiana.
46. ,, K. D. Oswal Hosiery Wait Ganj, Ludhiana.
47. ,, Mongera Knitting Works, Wait Ganj, Ludhiana.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

48. M/s Kimiti Oswal Hosiery Factory, Gate Tarkhana, Wait Ganj, Ludhiana.
49. ,, Ram Avtar Aggarwal, Mohalla Vakillan, Ganj, Ludhiana.
50. ,, Sir Yansi Hosiery Factory, Kucha No. 1, Madhopuri, Ludhiana.
51. ,, Jhansi Hosiery Factory, Kucha No. 1, Madhopuri, Ludhiana.
52. ,, K. R. Hosiery Factory, Kucha No. 1, Madhopuri, Ludhiana.
53. ,, Parley Hosiery Factory, Madhopuri, Ludhiana.
54. ,, Rudra Hosiery Factory, Kucha No. 1, Madhopuri, Ludhiana.
55. ,, Faqir Chand Nathu Ram, Kucha No. 1, Madhopuri, Ludhiana.
56. ,, Rai Hosiery Kucha No. 1, Madhopuri, Ludhiana.
57. ,, D. K. Jain Hosiery, Madhopuri, Kucha No. 2, Ludhiana.
58. ,, Sudesh Hosiery Works, Madhopuri, Kucha No. 2, Ludhiana.
59. ,, J. P. Oswal Hosiery Kucha No. 2, Madhopuri, Ludhiana.
60. ,, Parmod Hosiery Factory, Kucha No. 2, Madhopuri, Ludhiana.
61. ,, Fintex Hosiery Factory, Madhopuri, Kucha No. 5, Ludhiana.
62. ,, R. S. Sharma Hosiery, Madhopuri, Kucha No, 5, Ludhiana.
63. ,, R. M. Hosiery Works, Kucha No. 3, Madhopuri, Ludhiana.
64. ,, Paul Jit Hosiery, Madhopuri, Ludhiana.
65. ,, Gargesh Hosiery, Madhopuri, Ludhiana.
66. ,, Tindri Hosiery, Madhopuri, Ludhiana.
67. ,, R.D. Dhawan, Hosiery, Madhopuri, Ludhiana.
68. ,, Traders International, Madhopuri. Ludhiana.
69. ,, Balmukand Hosiery, Works, Kucha No. 4, Madhopuri, Ludhiana.
70. ,, Girnar Hosiery and Textile Mills, R. B. Road. Ludhiana.
71. ,, Rashtriya Knitting Works, Rai Bahadur Road, Ludhiana.
72. ,, Chuni Lal Megh Raj, Chauri Sarak, Ludhiana.
73. ,, B.D. Kochhar and Sons, Chauri Sarak, Ludhiana.
74. ,, Hardesh Hosiery Mills, Chauri Sarak, Ludhiana.
75. ,, S.K. Ashok Hosiery, Rai Bahadur Road, Ludhiana.
76. ,, Kamal Handloom Hosiery, R.B. Road, Ludhiana.
77. ,, Romesh Weaving Factory, Chowk Misran, Ludhiana.
78. ,, Aruna Knitting Works, Bazar Sarafan, Ludhiana.
79. ,, Variety Hosiery Mills, Mohalla Mahian, Ludhiana.
80. ,, Sewak Hosiery Works, Hindi Bazar, Ludhiana.
81. ,, K. Loyal Hosiery Works, Ganji Chapri, Ludhiana.
82. ,, R.L. Madan, Tilak Nagar, Ludhiana.
83. ,, R.N. Kapur, Tilak Nagar, Ludhiana.
84. ,, R. M. Chabia, Tilak Nagar, Ludhiana.
85. ,, Capstan Hosiery, Tilak Nagar, Ludhiana.
86. ,, A.K. Malhotra Hosiery Works, B-IV-1-144, Tilak Nagar, Ludhiana.
87. ,, B.S. Tandan, 1310, Ganji Chapril, Ludhiana.
88. ,, B.K. Sehgal Hosiery, Wait Ganj, Ludhiana.
89. ,, Madan Lal Yash Paul, H. No. 398. Samrala Road, Ludhiana.
90. ,, Maini Hosiery Works, Sarafan Bazar, Ludhiana.
91. ,, Kainth Hosiery Factory, Azad Nagar. Industrial Area-A, Ludhiana.
92. ,, K.C. Knitting Works, Achhru Market, Ludhiana.
93. ,, Raj Kamal Hosiery, Achhru Market, Ludhlana.
94. ,, Delight Hosiery PCS Co-op. Indl. Society, Dal Bazar, Ludhiana.
95. ,, New Capital Hosiery Factory, Chowk Misran, Ludhiana.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Industries and Health.]

96. M/s New Shan Hosiery Factory, Chowk Misran, Ludhiana.
97. ,, Chawal Hosiery, Kucha No. 4, Madhopuri, Ludhiana.
98. ,, Jeewan Hosiery, Factory Kucha No. 4, Madhopuri, Ludhiana.
99. ,, T.R. Gautam Hosiery Works, Kucha No. 4, Madhopuri, Ludhiana.
100. ,, Jain Udhey Hosiery Factory, Rai Bahadur Road, Ludhiana.
101. ,, Jawahar Knitting Works, R.B. Road, Ludhiana.
102. ,, Babu Lal Baldev Raj, Wait Ganj, Ludhiana.
103. ,, Charan Dass Jain B-III/232, Purana Bazar, Ludhiana.
104. ,, Gian Chand Mohinder Kumar, Tilak Nagar, Ludhiana.
105. ,, B. M. Oswal, Chawal Bazar, Ludhiana.
106. ,, Vidya Knitting Works, 1094, Mehmoodpura, Ludhiana.
107. ,, Taranga Jain, Hosiery, Chawal Bazar, Ludhiana.
108. ,, Sama Hosiery Mills, Mohalla Sudan, Ludhiana.
109. ,, Azad Vir Jain Hosiery, Purana Bazar, Ludhiana.
110. ,, Forwarded Hosiery Mills, Katra Naurian, Ludhiana.
111. ,, Glove Hosiery Co-op. Indl. Society Ltd., Purana Bazar, Ludhiana.
112. ,, Fine Hosiery Factory, Purana Bazar, Ludhiana.
113. ,, Phool Chand and Co., Thaper Building, Bazar Karadian, Ludhiana.
114. ,, English Hosiery Mills, Mohalla Bandian, Ludhiana.
115. ,, Nursery Hosiery Factory, Kucha No. 2. Madhopuri, Ludhiana.
116. ,, Sudesh Knitting Works, Madhopuri, Kucha No. 5, Ludhiana.
117. ,, Shakti Hosiery, Mohalla Bandian, Ludhiana.
118. ,, Amar Kant Hosiery, Chaura Bazar, Ludhiana.
119. ,, Rainbow Hosiery, Tilak Nagar, Ludhiana.
120. ,, Kanwar Deep Hosiery, Bazar Sarafan, Ludhiana.
121. ,, R. N. Chopra and Sons. Purana Bazar, Ludhiana.
122. ,, Chadha Hosiery Factory, Chaura Bazar, Ludhiana.
123. ,, Popular Hosiery Works, Madhopuri, Ludhiana.
124. ,, Dhanpat Rai Walaiti Ram, Dal Bazar, Ludhiana.
125. ,, Dewan Chand and Co., Civil Lines, Ludhiana.
126. ,, Shard Hosiery Factory, Brahmpuri, Ludhiana.
127. ,, Thakur Chand Wazir Chand, Tilak Nagar, Ludhiana.
128. ,, S. P. Khosla Knitting Works, Kucha No. 2, Madhopuri, Ludhiana.
129. ,, Jain Sushil Hosiery, Purana Bazar, Ludhiana.
130. ,, P. K. Oswal Hosiery, G. T. Road, Miller Ganj, Ludhiana.
131. ,, Chanob Hosiery, G. T. Road, Salem, Tabri, Ludhiana.
132. ,, Kulvindra Hosiery, Factory, Dressi Road, Ludhiana.
133. ,, Swadesh Karyala, Dressi Road, Ludhiana.
134. ,, Paradise Hosiery, Ludhiana.
135. ,, K. K. Dhanda and Co. Civil Lines, Ludhiana.
136. ,, K. K. K. Mills, Ludhiana.
137. ,, J. R. Hosiery, Factory, Madhopuri, Ludhiana.

LIST OF UNITS WHOSE QUOTA HAS BEEN CANCELLED

Sr.No.	**Name of the Unit**
1.	M/s. Parkash Hosiery, Bazar Sarafan, Ludhiana.
2.	,, Chandi Ram Jagdish Lal, Ghee Mandi, Ludhiana.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

3. M/s. Bansariwala Hosiery, Hindi Bazar, Ludhiana.
4. ,, Mohinder Paul and Co., Wait Ganj, Ludhiana.
5. ,, Girnar Hosiery Works, Wait Ganj Ludhiana.
6. ,, Sandhi Hosiery, Purana Bazar, Ludhiana.
7. ,, Mahi Lal Hosiery, Madhopuri, Ludhiana.
8. ,, D. C. Jain Hosiery, R. B. Road, Ludhiana.
9. ,, Navin Mittal Hosiery, Madhopuri, No. 2. Ludhiana.
10. ,, Maharathi Knitters, Hindi Bazar, Ludhiana.
11. ,, S. R. Jain Hosiery, Purana Bazar, Ludhiana.
12. ,, Dogra Hosiery Works, Purana Bazar, Ludhiana.
13. ,, Sudarshan Hosiery, Bazar Sarafan, Ludhiana.
14. ,, Param Hans Knitting Works, Katra Naurian, Ludhiana.
15. ,, J. R. Jain Hosiery Factory, H. No. B/4/ 1594. Brahampuri, Ludhiana.

LIST OF CASES UNDER CONSIDERATION

Sr. No.	Name of the Unit
1.	M/s. Paddy Hosiery Mills, Mohalla Sudan, Ludhiana.
2.	,, S. N. Knitting Works. Mohalla Vakilan, Ludhiana.
3.	,, Universal Knitting Works, Purana Bazar, Ludhiana.
4.	,, Gian Chand Malhotra and Co., Katra Naurian, Ludhiana.
5.	,, Prabhat Hosiery Factory Chhota Dal Bazar, Ludhiana.
6.	,, Narinder Hosiery Tilak Hosiery, Ludhiana.
7.	,, Adison Hosiery Works, R.B. Road, Ludhiana.
8.	,, Chopra Brothers, Neemwala Chowk, Ludhiana.
9.	,, Vithal Knitwears, Hindi Bazar, Ludhiana.
10.	,, Jagmohan Hosiery Factory Brahmpuri, Ludhiana.
11.	,, Angora Hosiery Mills, Dal Bazar, Ludhiana.
12.	,, Jagmanni Hosiery, Sewing House, Madhopuri, Ludhiana.
13.	,, New Fashion Hosiery, Madhopuri, Ludhiana.
14.	,, Vir Hosiery Factory 276, Indl. Area-B, Ludhiana.
15.	,, Bhasin and Co., Mullan Shehur Road, Ludhiana.

ਸ਼੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਕੋਟੇ ਸਟਾਪ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹੀ ਅਫਸਰਾਂ ਪਾਸੋਂ ਬਹਾਲ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ? ਇਸ ਤੋਂ ਇਹ ਸਾਫ ਦਿਸਣ ਲਗ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪੈਸੇ ਲੈ ਦੇ ਕੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਇਹ ਗੱਲ ਕੋਟੇ ਸਟਾਪ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਜਾਂਚ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ।

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਸੇ ਗੱਲ ਦੀ ਹੀ ਤਾਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪ ਜਾ ਕੇ ਮੌਕਾ ਵੇਖਿਆ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪ ਅਫਸਰਾਂ ਦੀ ਅਣਗਹਿਲੀ ਦਾ ਪਤਾ ਲਗਿਆ ? ਜੇ ਪਤਾ ਲਗਿਆ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੀ ਐਕਸ਼ਨ ਲਿਆ ਸੀ ; ਹੁਣ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

चौधरी बलबीर सिंह : क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि जिन अफसरों के खिलाफ कुरप्शन के इलज़ामात थे, उन अफसरों को लुध्याना में प्रोमोट किया गया है ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਕੋਈ ਸਪੈਸੇਫਿਕ ਨਾਂ ਦੱਸ ਦਿਉ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਟੇ ਬਾਅਦ ਦੇ ਵਿਚ ਰੈਸਟੋਰ ਹੋਏ ਹਨ ਕੀ ਉਹ ਵਜ਼ਾਰਤੀ ਸਤਾਹ ਤੋਂ ਹੀ ਹੁਕਮ ਜਾਰੀ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਹੋਏ ਹਨ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਕੇਸ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਦੇ ਬੇਸਿਜ਼ ਤੇ ਰੀਲੀਜ਼ ਹੋਏ ਹਨ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਕੋਟੇ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਹੁਕਮ ਨਾਲ ਹੀ ਬੰਦ ਹੋਏ ਸਨ ਅਤੇ ਇਹ ਬਹਾਲ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਹੀ ਕੀਤੇ ਹਨ ।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਹ ਜਾਨਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋਈ ਹੈ ਉਹ ਕਿਸ ਸਤਾਹ ਤੇ ਹੋਈ ਹੈ । ਇਹ ਦੇ ਨਾਲ ਇਹ ਵੀ ਦਸਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਕੌਣ ਕੌਣ ਅਫ਼ਸਰ ਸੀ ਅਤੇ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਦੀਆਂ ਕੀ ਟਰਮਜ਼ ਆਫ ਰੈਫਰੈਂਸ ਸਨ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਜਦੋਂ ਇਹ ਮੁਆਮਲਾ ਮੇਰੀ ਕਨਸਲਟੇਸ਼ਨ ਵਾਸਤੇ ਆਇਆ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਸੈਕਰੀਟੇਰੀਏਟ ਲੈਵਲ ਤੇ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਕਿਹਾ ਸੀ ।

चौधरी बलबीर सिंह : जिन अफसरों के विरुद्ध इन्क्वायरी हो रही है क्या उन में वह वज़ीर साहिब भी शामिल हैं जिन्हों ने कोटा रीलीज़ करने का आर्डर दिया ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਰਿਪੋਰਟ ਆਉਣ ਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਹੈ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਪਹਿਲਾਂ ਤਾਂ ਕੋਟੇ ਕੈਂਸਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਅਤੇ ਫਿਰ ਰੀਲੀਜ਼ ਹੋਏ । ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਹੀ ਕੋਟੇ ਰੈਸਟੋਰ ਹੋਏ ਜਿਹੜੇ ਪਹਿਲਾਂ ਕੈਂਸਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸੀ । ਇਸ ਮੁਆਮਲੇ ਵਿੱਚ ਕਾਫ਼ੀ ਹੇਰਾ-ਫੇਰੀ ਹੋਈ ਹੈ, ਪੈਸੇ ਖਾਧੇ ਗਏ ਅਤੇ ਕੋਟੇ ਰੈਸਟੋਰ ਹੋਏ ਹਨ । ਇਸ ਵਿਚ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਹੁਣ ਕੀ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਕੁਲ 480 ਕੋਟਾ ਹੋਲਡਰਜ਼ ਚੈਕ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ 167 ਕੇਸਿਜ਼ ਸਾਰੇ ਫੜੇ ਗਏ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ 130 ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋਣ ਉਪਰੰਤ ਕੋਟਾ ਰੀਲੀਜ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । 15 ਕੇਸਿਜ਼ ਅਜੇ ਵੀ ਪੈਂਡਿੰਗ ਹਨ । 15 ਦੇ ਕੇਸਿਜ਼ ਰੀਜੈਕਟ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ ਕਿਉਂ ਜੋ ਇਹ ਪਰਾਪਰ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਸਨ ਕਰਦੇ ।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਫਰਮਾਇਆ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਸੈਕਰੀਟੇਰੀਏਟ ਲੈਵਲ ਤੇ ਕਰਾ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਤਲਬ ਆਪਣੇ ਸੈਕਰੀਟੇਰੀਏਟ ਤੋਂ ਸੀ ਜਾਂ ਇਸ ਸੈਕਰੀਟੇਰੀਏਟ ਦੇ ਬਿਲਡਿੰਗ ਦੇ ਇੰਪਲਾਈਜ਼ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਤੋਂ ਸੀ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਸੈਕਰੀਟੇਰੀਏਟ ਲੈਵਲ ਕਹਿਣ ਤੋਂ ਮੇਰਾ ਭਾਵ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਹੁਣ ਤੱਕ ਜੋ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋ ਕੇ ਆਈ ਹੈ, ਉਹ ਡਾਇਰੈਕਟੋਰੇਟ ਲੈਵਲ ਤੋਂ ਹੋ ਕੇ ਆਈ ਹੈ ਅਤੇ ਹੁਣ ਸੈਕਰੀਟੇਰੀਏਟ ਲੈਵਲ ਤੇ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦੱਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਜਲੰਧਰ ਦੇ ਅਫ਼ਸਰ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਹਲਫੀਆ ਬਿਆਨ ਹੋਏ, ਇਹ ਬਿਆਨ ਏਥੋਂ ਦੀ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਕਮੇਟੀ ਦੁਆਰਾ ਮੌਕੇ ਤੇ ਫੜੇ ਜਾਣ ਤੇ ਹੋਏ ਪਰ ਫੇਰ ਵੀ ਉਸ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਨਾ ਹੋਈ । ਕੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਕੇ ਸਰਕਾਰ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਨੂੰ ਵਧਾ ਨਹੀਂ ਰਹੀ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਦਾ ਇਸ ਸਵਾਲ ਦੇ ਨਾਲ ਕੋਈ ਸਬੰਧ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਲੁਧਿਆਣੇ ਦੇ ਕੋਟੇ ਕੈਂਸਲ ਹੋਏ ਹਨ ਕੀ ਉਹ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਹੋਏ ਹਨ ? ਕੀ ਤੁਹਾਨੂੰ ਆਪਣੇ ਆਪ ਤੇ ਭਰੋਸਾ ਨਹੀਂ ਰਿਹਾ ਜਿਹੜੀ ਦੁਬਾਰਾ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾ ਰਹੇ ਹੋ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਇਸੇ ਕਰਕੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਸਜਣ ਤੋਂ ਕਰਵਾ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿਉਂਜੋ ਇਹ ਮੇਰੀ ਜ਼ਾਤੀ ਨਾਲਜ ਦਾ ਕੇਸ ਹੈ ।

चौधरी बलबीर सिंह : वज़ीर साहिब ने जवाब देते हुए कहा है कि सैक्रेटेरियेट लैवल पर उन अफसर साहिबान की इन्क्वायरी हो रही है । यह वही अफसर हैं जिन की इन्क्वायरी से उनके कोटे कैंसल हुए । अब जब वह एक दफा कैंसल कर चुके हैं तो दोबारा इन्क्वायरी किस बात की हो रही है ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਉਸ ਵੇਲੇ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਡਾਇਰੈਕਟੋਰੇਟ ਲੈਵਲ ਤੇ ਹੋ ਰਹੀ ਸੀ, ਹੁਣ ਇਹ ਸੈਕਰੇਟੇਰੀਏਟ ਲੈਵਲ ਤੇ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ।

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਹ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਵੇਲੇ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਕਮੇਟੀ ਰਾਹੀਂ 2200 ਚਾਦਰਾਂ ਫੜੀਆਂ ਸਨ, ਉਥੇ ਸਿਰਫ ਬਾਕੀ ਦੋ ਸਨ । (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਹੋਰ ਸਵਾਲ ਹੈ, ਇਸ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਨਹੀਂ । (It is a different question; it does not relate to this question.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਡਾਇ-ਰੈਕਟੋਰੇਟ ਲੈਵਲ ਤੇ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋਈ, ਫੇਰ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਤਲਾਹ ਹਾਸਲ ਕੀਤੀ ਜਦੋਂ ਕਿ ਇਹ ਡਿਪਟੀ ਸੈਕਰੇਟਰੀ ਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੈਕਰੇਟਰੀ ਨੇ ਕੇਸ ਐਗਜ਼ਾਮਿਨ ਕੀਤਾ । ਹੁਣ ਇਹ ਕੇਸ ਦੁਬਾਰਾ ਸੈਕਰੇਟੇਰੀਏਟ ਲੈਵਲ ਤੇ ਕਿਉਂ ਐਗਜ਼ਾਮਿਨ ਕਰਵਾ ਰਹੇ ਹਨ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਕੇਸ ਐਗਜ਼ਾਮਿਨ ਡਾਇਰੈਕਟੋਰੇਟ ਲੈਵਲ ਤੇ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ ਜਿਸ ਦੀ ਟਿਪਣੀ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਪੁੱਜੀ ਹੈ; ਅਜੇ ਇਹ ਸੈਕਰੇਟੇਰੀਏਟ ਲੈਵਲ ਤੇ ਐਗਜ਼ਾਮਿਨ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ।

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ...

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਹੋ ਚੁੱਕਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੁਐਸਚਨ ਆਵਰ ਵਿਚ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ । (It has already been decided that points of order should not be raised like this during question hour.)

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਇਸ ਹਾਊਸ ਦਾ ਐਸਾ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਾਥੀ ਜੀ, ਇਹ ਪਹਿਲਾਂ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) (*Addressing Sathi Roop Lal* : It has already been decided.) (Interruption)

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਤੀ ਹੈ ?

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਹਾਊਸ ਦੇ ਇੰਟਰੈਸਟ ਵਿਚ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਹ ਟਾਈਮ ਸਵਾਲਾਂ ਤੇ ਹੀ ਲਾਈਏ ਅਤੇ ਪੁਆਇੰਟਸ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਨੂੰ ਐਵਾਇਡ ਕਰੀਏ । (It will be in the interest of the House if the given hour is utilized only for asking questions and raising of points of order is avoided.)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

चौधरी बलबीर सिंह : व्यवस्थागत प्रश्न ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹੋ ਤਾਂ ਮੈ ਹੁਣੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । (ਵਿਘਨ) (This is what I have said just now that during the question hour, no point of order should be raised.) (Interruption)

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਜਾਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਅਤੇ ਵਿਵੱਸਥਾ ਗਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਫ਼ਰਕ ਹੈ ?

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੋਈ ਫਰਕ ਨਹੀਂ, ਸਿਰਫ ਇਤਨਾ ਕੁ ਹੀ ਫਰਕ ਹੈ ਜਿਤਨਾ ਕਿ ਐਸ. ਐਸ. ਪੀ. ਦੇ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਦਾ ਐਧਰ ਬੈਠਣ ਵਿਚ ਅਤੇ ਦੂਸਰੇ ਮੈਂਬਰ ਦੇ ਓਧਰ ਬੈਠਣ ਵਿਚ ਕੋਈ ਫ਼ਰਕ ਹੋਵੇ । (ਹਾਸਾ) (There is no difference, as there is no difference between one hou. Member of the S. S. P. sitting on these Benches and the other on sitting the Benches occupied by the opposition.) (Laughter)

चौधरी बलबीर सिंह : स्पीकर साहिब, आप ने यहां पर दो आदमियों का ज़िक्र किया कि एक एस. एस. पी. का आदमी एक जगह बैठा है, दूसरा दूसरी जगह बैठा है । रूल्ज़ के मुताबिक एक पार्टी के मैंबर्ज़ को दो जगह बैठाया नहीं जा सकता ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੇ ਚੈਂਬਰ ਦੇ ਵਿੱਚ ਆ ਜਾਣਾ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਉਥੇ ਫ਼ੈਸਲਾ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ (The hon. Member may please come to my Chamber; we will decide this point there.)

चौधरी बलबीर सिंह : आप जो बात अपने चैंबर् में करना चाहते हैं, यहां सारे हाऊस में कह दें । व्यवस्थागत प्रश्न न करने के मुताल्लिक पिछले सैशन में फैसला हुआ था । अब नया सैशन है, पहला खत्म हो चुका है । पिछली बात यहां लाना ठीक नहीं । हर आदमी को यहां पर हक है कि वह प्वायंट आफ आर्डर रेज़ कर सकता है...।

श्री स्पीकर : चौधरी साहिब, यह मैं हाऊस के इन्टरैस्ट की ही बात कर रहा हूं । (I am saying this in the interest of the House.)

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਗੌਰਮੈਂਟ ਤਾਂ ਰੋਜ਼ ਬਦਲਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ; ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲ ਲੈਣ ਦਿਓ । (ਹਾਸਾ)

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਕੋਟੇ ਪਹਿਲਾਂ ਕੈਂਸਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਤੇ ਫਿਰ ਬਹਾਲ ਕੀਤੇ ਗਏ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ 18-20 ਲੱਖ ਦੀ ਹੇਰਾਫੇਰੀ ਦੇ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲੱਗੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸ ਵਿੱਚ ਸਾਬਕਾ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਵੀ ਇਨਵਾਲਵਡ ਹਨ, ਕੀ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਵੀ ਇਹ ਬਾਰੇ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾਉਣਗੇ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਚੁਕਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਆਨ ਏ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਸਰ। (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੁਐਸਚਨ ਆਵਰ ਦੇ ਬਾਅਦ ਕਰ ਲੈਣਾ। (The hon. Member may give his personal explanation after the question hour.)

ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਕੀ ਇਹ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਕੁਐਸਚਨ ਆਵਰ ਦੇ ਬਾਅਦ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ? ਜਦੋਂ ਚਾਰਜ ਲਗੇ ਤਦ ਹੀ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਗਲ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਕਿ ਕੁਐਸਚਨ ਆਵਰ ਦੇ ਬਾਅਦ ਵਕਤ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : 15 ਮਿੰਟ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) 15 ਮਿੰਟਾਂ ਬਾਅਦ ਕਰ ਲੈਣਾ, ਇਤਨੇ ਵਿਚ ਕੀ ਫਰਕ ਪੈ ਚਲਿਆ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਇਤਨੀ ਦੇਰ ਨੂੰ ਦੋ ਤਿੰਨ ਕੁਐਸਚਨ ਹੋ ਜਾਣਗੇ। (ਵਿਘਨ)

(It is a matter of fifteen minutes only (*Interruption*). It will make no difference if this point is raised after 15 minutes, during which time 2 or 3 questions will be disposed of.)

ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਜੇ ਇਹ ਗੱਲ ਰੂਲ ਦੇ ਵਿਚ ਲਿਖੀ ਹੋਈ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਵਿਚ ਤਾਂ ਭਾਵੇਂ ਨਹੀਂ ਹੈ ਪਰ ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਕਰ ਲਓ ਤਾਂ ਕੀ ਹਰਜ਼ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਤੁਹਾਨੂੰ ਮੌਕਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। (It may not be provided for in the Rules, but there will be no harm if the hon. Member raises this point after the question hour. (*Interruption*). The hon. Member will get time for this.

ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਨਹੀਂ ਜੀ, ਜੇ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਵਿਚ ਲਿਖੀ ਹੋਈ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਇਤਨੇ ਕਾਹਲੇ ਕਿਉਂ ਪਏ ਹੋਏ ਹਨ ਹਾਲੇ ਤਾਂ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀਜ਼ ਹੋਣੇ ਹਨ, ਹੋਰ ਗੱਲਾਂ ਆਉਣੀਆਂ ਹਨ ; ਸਾਰੀਆਂ ਦਾ ਇਕੱਠਾ ਹੀ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦੇਣ ਕਾਹਲੇ ਨਾ ਪੈਣ। (ਹਾਸਾ) (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰਾ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਕੋਟੇ ਕੈਂਸਲ ਕਰਕੇ ਰਿਸਟੋਰ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕਿਤਨੇ ਜਨਸੰਘੀ ਹਨ ? (ਵਿਘਨ)

ਆਵਾਜ਼ਾਂ : ਸਾਰੇ ਹੀ ਜਨਸੰਘੀ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) (ਹਾਸਾ)

(ਕੋਈ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ।)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ, ਰੂਲਜ਼ ਵਿਚ ਇਹ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ :

"Before the business for the day is entered upon."

(*Addressing Shri Balram Dass Tandon* : It is provided in the Rules that such points can be raised 'before the business for the day is entered upon.')

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ ; ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੇ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਮੈਂ ਪੁੱਛਿਆ ਸੀ ਕਿ ਰਿਸਟੋਰ ਕੀਤੇ ਕੋਟਿਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿਤਨੇ ਜਨਸੰਘੀਆਂ ਦੇ ਸਨ ? (ਵਿਘਨ)

(ਕੋਈ ਜਵਾਬ ਨਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ਼੍ਰੀ ਮਹਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਜਿਤਨੇ ਕੋਟੇ ਕੈਂਸਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਇਕ ਵੀ ਜਨਸੰਘੀ ਨਹੀਂ ਸੀ (ਵਿਘਨ) (ਥੰਪਿੰਗ) ਕੀ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਇਹ ਤਿਆਰ ਹਨ ਕਿ ਸਾਰੇ ਕੋਟੇ ਨੈਸ਼ਨਲਿਸਟਾਂ ਦੇ ਕੈਂਸਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਵੀ ਜਨਸੰਘੀ ਦਾ ਕੋਟਾ ਕੈਂਸਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ? (ਵਿਘਨ)

(ਕੋਈ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ)

Mr. Speaker : Next question please.

Captain Rattan Singh ; Supplementary Sir.

Mr. Speaker : I have called the next question.

Captain Rattan Singh : Sir, this is the most important question. The hon. Minister has given evasive reply. Let me put the supplementary.

ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਸਾਫ ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿਚ ਦੱਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਇਥੇ ਬੜੇ ਸੀਰੀਅਸ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲੱਗੇ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹਾਈ ਲੈਵਲ ਦੀ ਕਰਵਾਉਣਗੇ ? ਹਾਈ ਲੈਵਲ ਦਾ ਮਤਲਬ ਸੈਕਰੇਟੇਰੀਏਟ ਲੈਵਲ ਤੋਂ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ ਜੇ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਦੇ ਜੱਜ ਤੋਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਦੀ ਲੋੜ ਪਈ ਤਾਂ ਕੀ ਉਸ ਨੂੰ ਵੀ ਐਪੁਆਇੰਟ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ: ਮੈਂ ਤਸੱਲੀਬਖਸ਼ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾਵਾਂਗਾ। ਜਿਹੜੇ 167 ਕੋਟੇ ਰਿਸਟੋਰ ਹੋਏ ਵੀ ਹਨ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰੀਚੈਕਿੰਗ ਲਈ ਵੀ ਲਿਖ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। (ਥੰਪਿੰਗ)

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਾਥੀ ਜੀ, ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਇਸ ਵਕਤ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ।

(*Addressing Sathi Roop Lal* : Points of order can not be raised during the question hour.)

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ: ਤਾਂ ਫਿਰ ਮੈਂ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਹਾਈ ਪੱਧਰ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾਉਣਗੇ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਵੀ ਇਕ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਵਿਚ ਪੁੱਛਿਆ ਹੈ ਕਿ ਬਤੌਰ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਦੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਿਹੜੀ ਰਿਪੋਰਟ ਲਿਖੀ ਉਸ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਜਾਤੀ ਐਕਸਪੀਰੀਐਂਸ ਤੋਂ ਇਹ ਗੱਲਾਂ ਕਹੀਆਂ। ਕੀ ਇਸ ਤੋਂ ਵੀ ਵਡੀ ਪੱਧਰ ਦੀ ਹੋਰ ਕੋਈ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ: ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ 480 ਫਰਮਾਂ ਸੀ। ਅਸੀਂ ਉਹ ਸਾਰੀਆਂ ਚੈਕ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਰ ਸਕੇ। ਇਸ ਲਈ ਹੁਣ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾਉਣੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਰਿਪੋਰਟ ਦੇ ਵਿਚ ਤਾਂ ਇਕ ਦੋ ਫਰਮਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਹੀ ਆਇਆ ਸੀ, ਬਾਕੀਆਂ ਦਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਆਇਆ।

ਸ਼੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ: ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਤੌਰ ਚੈਅਰਮੈਨ ਆਫ਼ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਜੋ ਆਬਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਸਨ, ਕੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋਣ ਦੀ ਸੂਰਤ ਵਿੱਚ ਉਹ ਵੀ ਬਤੌਰ ਗੁਆਹ ਪੇਸ਼ ਹੋਣਗੇ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ: ਉਹ ਰਿਪੋਰਟ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ, ਉਸ ਵਿਚ ਸਾਰੀਆਂ ਫਰਮਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ: ਮੈਂ ਇਹ ਪੁੱਛਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਜਿਹੜੀ ਰਿਪੋਰਟ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਤੌਰ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਹੈ, ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਫਾਈਂਡਿੰਗਜ਼ ਤੇ ਕੋਈ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋਈ ਤਾਂ ਕੀ ਉਹ ਗਵਾਹੀ ਦੇਣਗੇ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ: ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਤੇ ਤਾਂ ਪਿਛਲੇ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਤੋਂ ਰਿਪੋਰਟ ਲੈ ਕੇ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਫ਼ੈਸਲਾ ਕਰ ਗਏ ਸਨ। (ਵਿਘਨ)

HANDLOOM

*1944. **Shri Sardari Lal Kapur:** Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) the total number of handlooms working at present in the State;

(b) the extent of production by these handlooms, per month during the financial year, 1969-70;

(c) if the production from the handlooms has decreased, the reasons thereof ;

(d) whether it is a fact that the production from handlooms has gone down because of setting up of more powerlooms sanctioned by the Industries Department of the State ;

(e) whether the Government propose to consider the desirability of setting up powerlooms in the rural areas of the State so that the poor cultivators may benefit therefrom;

(f) whether the Government would also consider the desirability of exporting handloom articles in larger quantities than at present ?

Sardar Teja Singh (State Minister for Industries and Health) :

(a) 17,631

(b) About 13,79,000 meters (average) per month.

(c) Yes. On account of availability of better avenues of remunerative employment in other fields especially in Agriculture.

(d) No.

(e) In 4th Five Year Plan 2150 powerlooms are propo ed to be installed both in Urban and Rural areas.

(f) Yes.

[(ੳ) 17,631.

(ਅ) ਲਗ ਭਗ 13,79,000 ਮੀਟਰ (ਔਸਤਨ) ਪ੍ਰਤੀ ਮਾਸ।

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ। ਵਧੇਰੀ ਤੇ ਚੰਗੀ ਨੌਕਰੀਆਂ ਦੂਜੇ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿਚ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਖੇਤੀ-ਬਾੜੀ ਸੰਸਥਾ ਵਿੱਚ ਮਿਲਣ ਦੇ ਕਾਰਨ।

(ਸ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਹ) 2150 ਪਾਵਰ ਖੱਡੀਆਂ ਚੌਥੇ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਵਿਚ ਸ਼ਹਿਰੀ ਤੇ ਪੇਂਡੂ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਖੋਲ੍ਹਣ ਦਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਹੈ।

(ਕ) ਹਾਂ ਜੀ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ਼੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਪਤਾ ਲਗਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਵਿਚ ਦੂਸਰੇ ਸੂਬਿਆਂ ਨੇ ਹੈਂਡਲੂਮ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਿਚ ਰਫਤਾਰ ਪਕੜ ਲਈ ਹੈ । ਇਹ ਇੰਡਸਟਰੀ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੀ ਰੀੜ੍ਹ ਦੀ ਹੱਡੀ ਸੀ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਰੋਟੀ ਮਿਲਦੀ ਸੀ ਕੀ ਇਸ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਇਸ ਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਦੇਣ ਦੀ ਕੋਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੈ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਜ਼ਿਆਦਾ ਫਰਕ ਨਹੀਂ ਪਿਆ । 1967-68 ਵਿਚ 199·60 ਲੱਖ ਮੀਟਰ ਹੈਂਡਲੂਮ ਤਿਆਰ ਹੋਇਆ ਸੀ, 1968-69 ਵਿੱਚ 185 ਲੱਖ ਮੀਟਰ ਅਤੇ 1969-70 ਵਿਚ 165 ਲੱਖ ਮੀਟਰ । ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਲੇਬਰ ਦੂਜਿਆਂ ਸੂਬਿਆਂ ਨਾਲੋਂ ਮਹਿੰਗੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਦੇ ਕਾਰਨ ਇਹ ਹੈਂਡਲੂਮ ਮਹਿੰਗਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ, ਅਤੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਲਾਗਤ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਇਥੇ ਦਾ ਕਪੜਾ ਦੂਜਿਆਂ ਸੂਬਿਆਂ ਨੂੰ ਕੰਪੀਟ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ। ਫਿਰ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਵੀ ਇਸ ਪਾਸੇ ਨਹੀਂ । ਲੇਬਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਲਈ ਆਪਟ ਕਰਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਲੇਬਰ ਮਹਿੰਗੀ ਹੈ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬੇਰੁਜ਼ਗਾਰੀ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਇਸ ਇੰਡਸਟਰੀ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰੱਖਣ ਲਈ ਕੋਈ ਸਰਪ੍ਰਸਤੀ ਕਰਨ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਨ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਗੌਰਮਿੰਟ ਵਲੋਂ ਤਾਂ ਇਸ ਵੱਲ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਪਰ ਲੋਕ ਅਜ ਕਲ ਸਟੈਪਲ ਯਾਰਨ, ਆਰਟ ਸਿਲਕ ਅਤੇ ਨਾਈਲੋਨ ਵਗੈਰਾ ਵਧੇਰੇ ਪਸੰਦ ਕਰਦੇ ਹਨ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਹੈਂਡਲੂਮ ਦੀ ਪ੍ਰੋਡਕਸ਼ਨ ਕੁਦਰਤੀ ਤੌਰ ਤੇ ਘਟ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਖੱਡੀ ਦੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਕੀ ਕੀ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਜਿਸ ਨਾਲ ਕਿ ਇਹ ਟਰੇਡ ਜ਼ਿੰਦਾ ਰਹਿ ਸਕੇ । ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਹੋਰ ਨਵੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇਣ ਬਾਰੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਕੀ ਪਾਲਿਸੀ ਹੈ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਬਾਰੇ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਉ । ਨਵੀਂ ਕੋਈ ਪਾਲਿਸੀ ਨਹੀਂ, ਪਹਿਲੀਆਂ ਪਾਲਿਸੀਆਂ ਜੋ ਚਲੀਆਂ ਆ ਰਹੀਆਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਤੇ ਹੀ ਅਸੀਂ ਅਮਲ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮੇਰਾ ਕਹਿਣ ਦਾ ਭਾਵ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਕੀ ਇਨਸੈਂਟਿਵ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ, ਪਤਾ ਕਰਕੇ ਦੱਸ ਦੇਵਾਂਗੇ ।

ਮਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਅੱਜ ਕਲ ਦੀ ਹਾਲਤ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਕਪੂਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਨਾਲ ਮਿਲਾ ਕੇ ਸਾਰੇ ਘਾਟੇ ਵਾਧੇ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਹੀਂ ਕਰਨਗੇ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਸਾਥੀ ਜੀ, ਤੁਸੀਂ ਮਿਲ ਜਾਉ ਤਾਂ ਸ਼ਾਇਦ ਘਾਟੇ ਵਾਧੇ ਪੂਰੇ ਕਰ ਲਈਏ । (ਹਾਸਾ)

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦੱਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਹੈਂਡਲੂਮ ਅਤੇ ਪਾਵਰਲੂਮ ਨੂੰ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਤਰਜੀਹ ਦਿਆਂਗੇ, ਕੀ ਪਿੰਡਾਂ ਵਾਲਿਆਂ ਵਾਸਤੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ ਬਨਿਸਬਤ ਕੋਈ ਉਚੇਚੀਆਂ ਰਿਆਇਤਾਂ ਰੱਖੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਪਿੰਡਾਂ ਵਾਸਤੇ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਲੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਾਫ਼ੀ ਰਿਆਇਤਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ, ਖ਼ਾਸ ਕਰਕੇ ਜਿਥੇ ਇੰਡਸਟਰੀ ਇਕ ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦੀ ਲੱਗੀ ਹੋਵੇ ਉਥੇ 25% ਬਤੌਰ ਸਬਸਿਡੀ ਸਰਕਾਰ ਦਿੰਦੀ ਹੈ । ਇਹ ਪਹਿਲਾਂ ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹਨ, ਤੁਸੀਂ ਪੜ੍ਹ ਲਵੋ ।

ਭਗਤ ਗੁਰਾਂ ਦਾਸ ਹੰਸ : ਹੈਂਡਲੂਮ ਦਾ ਕੰਮ ਜ਼ਿਆਦਾਤਰ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਹੈ । ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਪਾਵਰਲੂਮ ਦਾ ਕੰਮ ਵੀ ਉਤਨਾਂ ਹੀ ਦੇਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : 2150 ਪਾਵਰ ਖੱਡੀਆਂ ਚੌਥੇ ਪੰਜ ਸਾਲਾ ਪਲਾਨ ਵਿਚ ਸ਼ਹਿਰੀ ਅਤੇ ਪੇਂਡੂ ਇਲਾਕੇ ਵਿੱਚ ਖੋਲ੍ਹਣ ਦਾ ਪਰੋਗਰਾਮ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ 723 ਪਾਵਰ ਖੱਡੀਆਂ 1966 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਲੱਗ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹਨ । ਲੇਕਿਨ ਉਥੇ ਸੂਤੀ ਕਪੜੇ ਦਾ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਬਲਕਿ ਜ਼ਿਆਦਾ ਆਰਟ ਸਿਲਕ ਦਾ ਕੰਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ।

ਭਗਤ ਗੁਰਾਂ ਦਾਸ ਹੰਸ : ਜ਼ਿਆਦਾਤਰ 90% ਪਾਵਰਲੂਮ ਖਡੀਆਂ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ, ਕੀ ਇਹ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਜ਼ਰੂਰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ ।

ELECTIONS TO MUNICIPAL COMMITTEES

*1976. **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Chief Minister be pleased to :—

(a) lay on the table of the House a list of Municipal Committees to which elections are due ;

(b) state the action so for taken by the Government to hold elections to the said Committees ;

(c) state whether the voters lists in respect of the said Committees have been published; if not, the reasons therefor ;

(d) state the time by which elections to Amritsar Municipal Committee are proposed to be held and a copy of the elections programme, if chalked out, be laid on the Table of the House ?

ਸਰਦਾਰ ਤਰਲੋਚਨ ਸਿੰਘ ਰਿਆਸਤੀ : (ੲ) ਸੂਚੀ ਹਾਊਸ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਨਗਰਪਾਲਕਾਵਾਂ ਦੀਆਂ ਚੋਣ ਸਬੰਧੀ ਆਰੰਭਕ ਕਾਰਵਾਈਆਂ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਚੋਣਾਂ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਨ । ਬਾਕੀ ਦੀਆਂ ਨਗਰ-ਪਾਲਕਾਵਾਂ ਦੀਆਂ ਚੋਣ ਸਬੰਧੀ ਆਰੰਭਕ ਕਾਰਵਾਈਆਂ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਨ ਲਈ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ।

(ਸੀ) ਉਪਰ (ਬੀ) ਤੇ ਦੱਸੀਆਂ ਨਗਰਪਾਲਕਾਵਾਂ ਦੀਆਂ ਚੋਣਕਾਰ ਸੂਚੀਆਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਤ ਹੋ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹਨ । ਬਾਕੀ ਦੀਆਂ ਨਗਰਪਾਲਕਾਵਾਂ ਦੀਆਂ ਚੋਣਕਾਰ ਸੂਚੀਆਂ ਇਸ ਲਈ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਸਕੀਆਂ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਚੋਣ ਸਬੰਧੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਲੋਕਲ ਗੌਰਮੈਂਟ]

ਆਰੰਭਕ ਕਾਰਵਾਈਆਂ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਦੋ ਮੈਂਬਰੀ ਵਾਰਡਾਂ ਨੂੰ ਇਕ ਮੈਂਬਰੀ ਵਾਰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਵੰਡਣ/ਹਲਕਾਬੰਦੀ ਕਰਨ ਦਾ, ਅਤੇ ਚੋਣਕਾਰ ਸੂਚੀਆਂ ਦੀ ਤਿਆਰੀ/ਛਪਾਈ ਦਾ ਕੰਮ ਮੁਕੰਮਲ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ।

(ਡੀ) ਕਿਉਂਕਿ ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਅਕਤੂਬਰ, 1970 ਵਿੱਚ ਵਾਜਬ ਹੋਣਗੀਆਂ, ਇਸ ਲਈ ਚੋਣਾਂ ਸਬੰਧੀ ਕੋਈ ਟਾਈਮਟੇਬਲ ਹਾਲੇ ਤਕ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

[(a) A list is placed on the Table of the House.

(b) Election preliminaries in respect of a large number of municipalities have been completed. The same are now ripe for elections. Efforts are being made to complete the election preliminaries in respect of the remaining Municipal Committees.

(c) Electoral rolls in respect of the Municipal Committees mentioned in reply to part (b) have been published. Electoral rolls in respect of the remaining Municipal Committees could not be published f r the reason that election preliminaries connected with bifurcation of double-member wards/delimitation of wards and preparation/printing of rolls have not yet been completed.

(d) Elections to Amritsar, Municipality would become due in 1970. No time-table in regard to the said elections has yet been framed.]

ਨਗਰਪਾਲਕਾਵਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ

ਲੜੀ ਨੰ:	ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਦਾ ਨਾਂ	ਲੜੀ ਨੰ:	ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਦਾ ਨਾਂ
1.	ਪੱਟੀ	13.	ਰਾਹੋਂ
2.	ਤਰਨਤਾਰਨ	14.	ਅਲਾਵਲਪੁਰ
3.	ਜੰਡਿਆਲਾ	15.	ਲੁਧਿਆਣਾ
4.	ਛੇਹਰਟਾ	16.	ਰਾਏ ਕੋਟ
5.	ਮਜੀਠਾ	17.	ਖੰਨਾ
6.	ਰਾਮਦਾਸ	18.	ਸਮਰਾਲਾ
7.	ਜਲੰਧਰ	19.	ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ
8.	ਨਕੋਦਰ	20.	ਦੀਨਾ ਨਗਰ
9.	ਫਿਲੌਰ	21.	ਕਾਦੀਆਂ
10.	ਕਰਤਾਰਪੁਰ	22.	ਡੇਰਾ ਬਾਬਾ ਨਾਨਕ
11.	ਨੂਰਮਹਿਲ	23.	ਸੁਜਾਨਪੁਰ
12.	ਬੰਗਾ	24.	ਪਠਾਨਕੋਟ

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

ਲੜੀ ਨੰ:	ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਦਾ ਨਾਂ	ਲੜੀ ਨੰ	ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਦਾ ਨਾਂ
25.	ਫਤਿਹਗੜ੍ਹ ਚੂੜੀਆਂ	42.	ਮੋਰਿੰਡਾ
26.	ਧਾਰੀਵਾਲ	43.	ਪਟਿਆਲਾ
27.	ਉੜਮੜ ਟਾਂਡਾ	44.	ਨਾਭਾ
28.	ਦਸੂਹਾ	45.	ਸਮਾਨਾ
29.	ਗੜ੍ਹਦੀਵਾਲਾ	46.	ਰਾਜਪੁਰਾ
30.	ਹਰਿਆਣਾ	47.	ਗੋਬਿੰਦਗੜ੍ਹ
31.	ਮੁਕੇਰੀਆਂ	48.	ਸੁਨਾਮ
32.	ਸ਼ਾਮਚੁਰਾਸੀ	49.	ਮਲੇਰਕੋਟਲਾ
33.	ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਸ਼ਹਿਰ	50.	ਅਹਿਮਦਗੜ੍ਹ
34.	ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ	51.	ਬਰਨਾਲਾ
35.	ਅਬੋਹਰ	52.	ਕੋਟਕਪੂਰਾ
36.	ਮਲੋਟ	53.	ਮੌੜ
37.	ਧਰਮਕੋਟ	54.	ਗੁਨਿਆਨਾ
38.	ਗੁਰੂ ਹਰ ਸਹਾਏ	55.	ਭੁਚੋ ਮੰਡੀ
39.	ਤਲਵੰਡੀ ਭਾਈ	56.	ਫਗਵਾੜਾ
40.	ਰੋਪੜ	57.	ਮਾਨਸਾ
41.	ਅਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ		

ਸ਼੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦੱਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਪਿਛਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਮੇਰੇ ਸਵਾਲ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਮੰਤਰੀ ਮਹੋਦੇ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਪਰੋਬੇਬਲੀ ਜੂਨ ਤਕ ਵੋਟਰ ਲਿਸਟਾਂ ਤਿਆਰ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ ? ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦਾ ਡਬਲ ਵਾਰਡ ਸਿੰਗਲ ਬਣ ਚੁੱਕਾ ਹੈ ਫੇਰ ਉਥੇ ਕੰਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਜੇ ਕਰੋਗੇ ਤਾਂ ਕਦੋਂ ਕਰੋਗੇ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਡਬਲ ਮੈਂਬਰ ਹਲਕਿਆਂ ਨੂੰ ਸਿੰਗਲ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਕੰਮ ਮੁਲਤਵੀ ਹੋ ਚੁੱਕਾ ਹੈ। ਬਹੁਤ ਛੇਤੀ ਚੋਣ ਕਰਵਾ ਦਿਆਂਗੇ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਅਤੇ ਹੋਰ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਜਿਥੇ ਡਿਊ ਹਨ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਬਹੁਤ ਛੇਤੀ ਕਰਵਾ ਦਿਆਂਗੇ, ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਕਮੇਟੀਆਂ ਦੀ ਮੌਜੂਦਾ ਮਿਆਦ ਹੈ "ਤਿੰਨ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ" ਕੀ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਇਹ ਚੋਣ ਉਥੇ ਕਰਵਾ ਦੇਣਗੇ ? ਜਿਹੜੇ ਡਬਲ ਵਾਰਡ ਸਿੰਗਲ ਵਾਰਡ ਬਣ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਜੋ ਉਥੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਤਾਦਾਦ ਵਧ ਗਈ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਉਥੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਸੀਟਾਂ ਰਿਜ਼ਰਵ ਰਖੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਔਰ ਮੌਜੂਦਾ ਹਲਕਿਆਂ ਦੀ ਨਜ਼ਰਸਾਨੀ ਕਰਨਗੇ ਔਰ ਵਕਤ ਸਿਰ ਚੋਣਾਂ ਕਰਵਾ ਦੇਣਗੇ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਜ਼ਰੂਰ ਕਰਾਂਗੇ ਜੇ ਸਾਨੂੰ ਇਹੋ ਜਿਹੀਆਂ ਸ਼ਕਾਇਤਾਂ ਮਿਲਣਗੀਆਂ।

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ : ਇਸ ਵਿਚ ਜਲੰਧਰ ਦਾ ਨਾਉਂ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰ ਲਉ। ਪਹਿਲਾਂ ਲੋਕਲ ਬਾਡੀਜ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਜਲੰਧਰ ਮਿਉਂਨਿਸਪਲ ਕਮੇਟੀ ਵਿੱਚ ਜਿਹੜੇ ਡਬਲ ਮੈਂਬਰ ਵਾਰਡ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਿੰਗਲ ਮੈਂਬਰ ਮੰਨਣ ਵਿੱਚ ਬੜੀ ਧਾਂਧਲੀ ਪਾਈ ਹੈ। ਡਬਲ ਮੈਂਬਰ ਵਾਰਡ ਨੂੰ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਿੰਗਲ ਕਰਨਾ ਸੀ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਿੰਗਲ ਮੈਂਬਰ ਵਾਰਡ ਨੂੰ ਵੀ ਪਾੜਿਆ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਸਤਿਕਾਰ ਯੋਗ ਮੈਂਬਰ ਲਿਖ ਕੇ ਦੇ ਦੇਣ। (ਵਿਘਨ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਸੀ ਕਿ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਕਮੇਟੀ ਦੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਅਕਤੂਬਰ ਵਿਚ ਡਿਊ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਚੋਣਾਂ ਸਬੰਧੀ ਕੋਈ ਟਾਈਮ ਟੇਬਲ ਹਾਲੇ ਤਕ ਨੀਅਤ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਨ ਕਿ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਕਮੇਟੀ ਦੀਆਂ ਚੋਣਾਂ 31-12-1970 ਤਕ ਜ਼ਰੂਰ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਕਿਉਂ ਜੋ 1971 ਵਿੱਚ ਮਰਦਮ ਸ਼ੁਮਾਰੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣੀ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਅਮਲਾ ਉਧਰ ਲੱਗਾ ਹੋਣਾ ਹੈ। ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਅਤੇ ਹੋਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਚੋਣਾਂ ਡਿਊ ਹਨ, ਉਥੇ ਇਹ ਕੰਮ ਜਨਵਰੀ, 1971 ਵਿੱਚ ਕਰਵਾ ਦਿਆਂਗੇ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਗਲ ਤੋਂ ਜਾਣੂ ਹਨ ਕਿ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੀ ਪਬਲਕ ਜਨਸੰਘੀਆਂ ਤੋਂ ਦੁੱਖੀ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਚੋਣਾਂ 1970 ਵਿਚ ਹੀ ਕਰਵਾ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਜਣਵਰੀ, 1971 ਵਿੱਚ ਲਾਜ਼ਮੀ ਕਰਾ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ।

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ : ਆਇਆ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣਗੇ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਡਬਲ ਮੈਂਬਰ ਵਾਰਡ ਸਿੰਗਲ ਮੈਂਬਰ ਵਾਰਡ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਕੀ ਉਹ ਕਿਸੇ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਸਿਆਸੀ ਮਸਲਿਹਤ ਕਰਕੇ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ? ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਉਸ ਨੂੰ ਰਿਵਾਈਜ਼ ਕਰਨ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹੈ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਜੇ ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਮਿਲੇਗੀ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰ ਠੀਕ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਾਂਗੇ।

चौधरी बलबीर सिंह : इन्होंने अभी कहा है कि मर्दमशुमारी जो है वह 1970-71 में हो रही है। इस लिए कमेटी के इलैक्शन जनवरी, 1971 में करवा देंगे। मैं पूछना चाहता हूँ कि मर्दमशुमारी का कमेटी के इलैक्शन्ज़ पर क्या असर है ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਦਾ ਭਾਵ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਕੋ ਅਮਲਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਇਹ ਅਮਲਾ ਜਨਵਰੀ ਵਿੱਚ ਫਾਰਗ ਹੋਏਗਾ ਅਤੇ ਫੇਰ ਇਹ ਕੰਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

Written Answer to Starred Questions Laid on the Table of the House Under Rule 45.

Mr. Speaker : Question Hour is over. The remaining questions on the order paper are deemded to have been answered under Rule 45 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly.

Starred Question No 1887

ਨੰ: ਮ. ਮ ਪੰ. 70/
ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ, ਪੰਜਾਬ।
ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ।
ਮਿਤੀ 23 ਜੁਲਾਈ, 1970।

ਪਿਆਰੇ ਸਰਦਾਰ ਸਾਹਿਬ,

ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਸਟਾਰਡ ਸਵਾਲ ਨੰ: 1887, ਜੋ ਮਿਤੀ 24-7-70, ਲਈ ਸਵਾਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿੱਚ ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ ਜੀ ਦੇ ਨਾਂ ਹੇਠ ਦਰਜ ਹੈ, ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਤਿੱਕਰ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ, ਕਿਉਂਕਿ ਸਬੰਧਤ ਮਿਸਲ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਫਾਈਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਰਿੱਟ ਪੈਟੀਸ਼ਨ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਰੁਕੀ ਪਈ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦੀ ਮਿਆਦ ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ।

ਆਪ ਦਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸ਼ਪਾਤਰ
ਸ਼ਹੀ/-
(ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ)

ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ,
ਸਪੀਕਰ, ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ,
ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ।

LABOUR DISPUTES

*1953. 1. **Chaudhri Sunder Singh,**
2. **Chaudhri Kewal Krishan.**
3. **Shri Sardari Lal Kapur.**
4. **Bhagat Guran Dass Hans.**

Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) the total number of references of labour disputes made to the Labour Courts in Punjab during the last three months ;

(b) the number of such references which have been struck down by the Labour Courts together with the reasons therefor ?

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : (ੲ) 554 (ਪਹਿਲੀ ਅਪਰੈਲ ਤੋਂ ਜੂਨ, 1970, ਤੀਕ)

(ਬੀ) 255-ਸਿਵਲ ਰਿੱਟ ਨੰ: 1513 ਆਫ 1969-ਨਗਰ ਪਾਲਕਾ ਪਟਿਆਲਾ, ਬਨਾਮ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵਿੱਚ, ਇਹ ਨਿਰਣਾ ਹੋਇਆ ਸੀ ਕਿ ਕਿਰਤ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਪੰਜਾਬ, ਨੂੰ ਅਧਿਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਹ ਰਾਸ਼ਟਰਪਤੀ ਜਾਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰਾਜਪਾਲ ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ ਇਨਡਸਟਰੀਅਲ ਡਿਸਪਿਊਟਸ ਐਕਟ, 1947, ਦੀ ਧਾਰਾ 10 ਹੇਠ ਜਾਰੀ ਹੋਈ ਅਧਿਸੂਚਨਾਵਾਂ ਤੇ ਹਸਤਾਖਰ ਕਰੇ। ਇਸ ਕਾਰਣ ਇਹ ਕੇਸ ਰੱਦ ਹੋ ਗਏ ਹਨ। ਇਹ ਕੇਸ ਦੁਬਾਰਾ ਫਾਈਲ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ।

ADOPTION OF QUOTA RULE IN THE IRRIGATION DEPARTMENT.

*1946. **Chaudhri Kewal Krishan :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that quota rule as per rule No. 6 P. S. E. Class II (B&R) Rules for recruitment to the service for Ex-Cadre and Cadre posts of P. S. E. Class II Sub Divisional Officers have been adopted by the Punjab P. W. D. Irrigation Department/since 1. 3. 1960;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chaudhri Kewal Krishan]

(b) whether the fresh recruitment to the Ex-cadre P. S. E. Class II service of Sub Divisional Officer in the P. W. D. IB. during each calender year after 1. 3. 60. has been made strictly in accordance with the allocation of percentage to each source in a lot of 40 vacancies as per said rule 6 ;

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, the list of such recruited persons (direct recruits and promotees) since 1. 3. 60. ad seriatum during each calendar year, be placed on the Table of the House ?

Sardar Sohan Singh Bassi : (a) Yes, when confirmations in P. S. E. Class II were made in 8/1964 against the vacancies which were available with effect from 1. 3. 1960.

(b) No.

(c) Does not arise, in view of reply to part (b) above.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ, ਜਦੋਂ 8/1964 ਵਿਚ ਪੀ. ਐਸ. ਈ. ਕਲਾਸ II ਵਿਚ ਕਨਫਰਮੇਸ਼ਨਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਆਸਾਮੀਆਂ ਲਈ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ਜੋ 1. 3. 60 ਤੋਂ ਮੌਜੂਦ ਸਨ ।

(ਅ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ੲ) ਉਪਰੋਕਤ (ਅ) ਦੇ ਜਵਾਬ ਮੁਤਾਬਿਕ ਇਸ ਦਾ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

SHORTAGE OF ELECTRICITY IN THE STATE

*1948. 1. **Chaudhri Sunder Singh.**
2. **Chaudhri Ram Singh.**
3. **Chaudhri Kewal Krishan.**
4. **Shri Sardari Lal Kapur.**
5. **Bhagat Guran Dass Hans.**

Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Power crisis in Punjab from the Bhakra Complex has become more serious because of non-improvement of water level in Gobind Sagar Lake ;

(b) whether it is a fact that the Members of the Punjab State Electricity Board held discussions with the Municipal authorities of Punjab in this connection ; if so, the result thereof ;

(c) the period upto which the cut in the supply of electric power, now imposed, is likely to last ;

(d) whether the Government is aware of the statement made by

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Punjab Digital Library

the Finance Member of the Punjab State Electricity Board, that power shortage in Punjab would continue for another 10 years; if so, the action, if any, the Govt. propose to take to accelerate supply of more electric energy to the State ?

Sardar Sohan Singh Bassi : (a) Yes.

(b) Yes. The Accounts and Finance Member held discussions with Municipal Committee Amritsar only. After the discussions, it was agreed that the Committee would offer maximum co-operation in the matter of affording requisite relief to the system ;

(c) Power cut/restrictions in supply imposed w. e. f. 1-4-70 had been withdrawn w. e. f. 1-7-70. Restrictions have, however, no substantial increase in the in flow into Gobind Sagar. The inflows of Sutlej in July, 1970 have been below those of a dependable year and the position continues to be critical.

(d) Yes the Board is taking various steps to procure more generating capacity to meet the increasing demand for power supply which are given in the Statement laid on the Table of the House.

(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ ।

ਅ) ਹਾਂ ਜੀ । ਵਿੱਤ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਕੇਵਲ ਮਿਊਂਸਪਲ ਕਮੇਟੀ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨਾਲ ਗੱਲ ਬਾਤ ਕੀਤੀ ਸੀ । ਇਸ ਦੇ ਸਿੱਟੇ ਵਜੋਂ ਮਿਊਂਸਪਲ ਕਮੇਟੀ ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਰਾਜ਼ੀ ਹੋ ਗਈ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਬਾਰੇ ਵੇਲੇ ਵੇਲੇ ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਸਹਿਯੋਗ ਦੇਣਗੇ ।

ੲ) ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਨੇ 1 ਅਪ੍ਰੈਲ, 1970 ਤੋਂ ਲੱਗੀਆਂ ਪਾਬੰਦੀਆਂ ਜਾਂ ਕਟੌਤੀ ਪਹਿਲੀ ਜੁਲਾਈ 1970 ਤੋਂ ਚੁੱਕ ਦਿੱਤੀ ਸੀ । ਪ੍ਰੰਤੂ 13-7-70 ਤੋਂ ਇਹ ਪਾਬੰਦੀਆਂ ਤੇ ਕਟੌਤੀ ਫਿਰ ਮੁੜ ਲਾਣੀ ਪਈ ਹੈ । ਕਿਉਂਕਿ ਗੋਬਿੰਦ ਸਾਗਰ ਵਿੱਚ ਪਾਣੀ ਦੀ ਸਤਹ ਵਧੇਰੇ ਨਹੀਂ ਵਧੀ । ਅਸਲ ਵਿਚ ਜੁਲਾਈ, 70 ਦੇ ਮਹੀਨੇ ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਦੀ ਆਮਦ ਹੋਰਾਂ ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਘੱਟ ਰਹੀ ਹੈ । ਸਾਰੀ ਸਮੱਸਿਆ ਚਿੰਤਾ ਜਨਕ ਹੈ ।

ਸ) ਜੀ ਹਾਂ । ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਨੇ ਵਧਦੀ ਹੋਈ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਮੰਗ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਕਈ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੇ ਯਤਨ ਹੋਰ ਬਿਜਲੀ ਨੂੰ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਲਈ ਕੀਤੇ ਹਨ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਇਕ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਉੱਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।]

STATEMENT SHOWING STEPS BEING TAKEN BY THE PUNJAB STATE ELECTRICITY BOARD TO PROCURE MORE GENERATING CAPACITY FOR POWER.

(i) UBDC Hydel Scheme with three power houses, each having one unit of 15 MW capacity, is under way. Two power houses are likely to be completed during the year 1971-72 and the

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Irrigation & Power]

third one during the year 1972-73.

(ii) The integrated operation of Delhi Thermal with Hydro system will give a benefit of 20 M. W. to Punjab.

(iii) Guru Nanak Thermal Power Plant, Bhatinda will have two units of 100 MW capacity each. The first unit of this project is likely to be commissioned in October, 1972, and the second unit in October, 1973.

(iv) A project report for renovation of the existing units at Shanan Power Projoct had been submitted to the Govt. of India for sanction. This project is likely to be completed during 1973-74 and with its completion, the installed capacity at Shanan will increase from the existing installed capacity of 36 MW to 48 MW.

(v) The Board is negotiating with other States/Govt. of India for Purchase of power.

(vi) The Board has decided to procure 66 medium sized Diesel Generating Sets and instal them at various places in the State to mitigate power shortage, as a short term measure. For this, orders have been placed for 16 Nos. 1,100 K. V. A. Sets with Kiloskars and 4 Nos. 875 K.V.A. Sets from Garden Reach, Calcutta. Letter of intent have been placed for 25 Nos. 1,100 K.V.A. Sets with G. D. R. East Germany, 10 Nos. 1,450 K.V.A. Sets with Czechoslovakia and 4Nos. 4,400 K.V.A Sets with U. S. S. R. Application for release of Foreign Exchange is under clearance with the Govt. of India. In addition second hand Diesel Sets have been purchased as under :—

3 Nos.-2 M.W. Sets from Madhya Pardesh Electricity Board and 4 Nos. 1450 K. V. A. Sets from Sri Ram Chemicals Kotah. The work of dismantling and erection is in hand.

ਸਟੇਟਮੈਂਟ

[1) ਹਾਈਡਲ ਯੂ. ਬੀ. ਡੀ. ਸੀ. ਸਕੀਮ ਦੇ ਹੇਠ ਤਿੰਨ ਪਾਂਵਰ ਹਾਊਸ ਬਨਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਜਾਰੀ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਹਰ ਯੂਨਿਟ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ 15 ਮੈਗਾਵਾਟ ਹੋਵੇਗੀ। 1971-72 ਸਾਲ ਦੇ ਦੌਰਾਨ 2 ਬਿਜਲੀ ਘਰ ਤਿਆਰ ਹੋ ਜਾਣ ਦੀ ਆਸ਼ਾ ਹੈ ਅਤੇ ਤੀਸਰਾ ਸੰਨ 1972-73 ਤਕ।

2) ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਥਰਮਲ ਪਲਾਂਟ ਦਾ ਹਾਈਡਲ ਸਿਸਟਮ ਦੇ ਨਾਲ ਮਿਲਣ ਦੇ ਨਾਲ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ 20 ਮੈਗਾਵਾਟ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਹੋਵੇਗਾ।

3) ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਥਰਮਲ ਪਲਾਂਟ ਬਠਿੰਡਾ ਵਿਚ 2 ਯੂਨਿਟ ਹੋਣਗੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਹਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਇਕ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ 110 ਮੈਗਾਵਾਟ ਹੈ। ਇਸ ਯੋਜਨਾ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਯੂਨਿਟ ਅਕਤੂਬਰ, 1972 ਵਿਚ ਚਾਲੂ ਹੋਣ ਦੀ ਆਸ਼ਾ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਜਾ ਯੂਨਿਟ ਅਕਤੂਬਰ, 1973 ਵਿਚ।

(4) ਸਾਨਣ ਬਿਜਲੀ ਘਰ ਵਿਚ ਲਗੇ ਹੋਏ ਯੂਨਿਟਾਂ ਨੂੰ ਓਵਰ ਹਾਲ ਬਾਰੇ ਇਕ ਯੋਜਨਾ ਰਿਪੋਟ ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਲਈ ਭੇਜ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਯੋਜਨਾ ਦੀ ਸੰਨ 1973-74 ਵਿਚ ਪੂਰੀ ਹੋਣ ਦੀ ਆਸ਼ਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਪੂਰੇ ਹੋਣ ਨਾਲ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ 36 ਮੈਗਾਵਾਟ ਤੋਂ 48 ਮੈਗਾਵਾਟ ਹੋ ਜਾਏਗੀ।

(5) ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਦੂਜੇ ਪਰਦੇਸਾਂ ਦੀਆਂ ਸਰਕਾਰਾਂ ਨਾਲ ਅਤੇ ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਨਾਲ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਖਰੀਦ ਬਾਰੇ ਗਲ ਬਾਤ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ।

(6) ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਨੇ 66 ਦਰਮਿਆਨੇ ਦਰਜੇ ਦੇ ਡੀਜ਼ਲ ਸੈਟ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਵਖਰੀ ਵਖਰੀ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਲਾਉਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਥੋੜੇ ਚਿਰ ਵਾਸਤੇ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਥੁੜ ਨੂੰ ਘਟਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ 1,100 ਕੇ. ਵੀ ਏ. ਦੇ 16 ਸੈਟ ਕਿਰਲੋਸਕਰ ਵਾਲਿਆਂ ਕੋਲੋਂ ਅਤੇ 875 ਕੇ. ਵੀ. ਏ. ਦੇ ਚਾਰ ਸੈਟ, ਗਾਰਡਨ ਰੀਚ, ਕਲਕੱਤਾ ਕੋਲੋਂ ਲੈ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਪੂਰਬੀ ਜਰਮਨੀ ਕੋਲੋਂ 1,100 ਕੇ. ਵੀ. ਏ. ਦੇ 25 ਸੈਟ, ਚੈਕੋਸਲੋਵਾਕੀਆ ਕੋਲੋਂ 1450 ਕੇ. ਵੀ. ਏ. ਦੇ 10 ਸੈਟ ਅਤੇ ਰੂਸ ਕੋਲੋਂ 4,400 ਕੇ. ਵੀ. ਏ. ਦੇ ਚਾਰ ਸੈਟ ਖਰੀਦਣ ਲਈ ਚਿੱਠੀਆਂ ਚਲੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਕੋਲੋਂ ਵਦੇਸ਼ੀ ਮੁਦਰਾ ਲੈਣ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਅਰਜ਼ੀਆਂ ਜਾ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਪੁਰਾਣੇ ਡੀਜ਼ਲ ਸੈਟ ਖਰੀਦੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਕੋਲੋਂ 2 ਮੈਗਾਵਾਟ ਦੇ 3 ਸੈਟ ਸ੍ਰੀ ਰਾਮ ਕੈਮੀਕਲ ਕੋਟਾ ਕੋਲੋਂ 1,450 ਕੇ. ਵੀ. ਏ. ਦੇ 4 ਸੈਟ ਲੈ ਲਏ ਗਏ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਸਲ ਥਾਵਾਂ ਤੋਂ ਉਖੇੜਨ ਤੇ ਨਵੀਆਂ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਜਾਰੀ ਹੈ।]

PROPOSED ABOLITION OF HIGHER SECONDARY SYSTEM OF EDUCATION

*1955. 1. **Chaudhri Ram Singh**
2. **Chaudhri Kewal Krishan**
3. **Shri Sardari Lal Kapur:** Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the State Govt. propose to abolish the Higher Secondary System of education from the next academic year ; if so, the reasons therefor ;

(b) whether the Govenrment has ever taken steps to make up the shortage of experienced staff in Higher Secondary Schools to teach Science and Mathematics, to make available good books and look to shortening the difficult syllabus and long courses, so as to retain the Higher Secondary System of education in the State ; if so, the details thereof ?

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ : (ਏ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਤਜਰਬੇਕਾਰ ਸਾਇੰਸ ਅਤੇ ਗਣਿਤ ਅਮਲੇ ਦੀ ਨਿਯੁਕਤੀ ਦਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pa...

[ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ]

ਸਬੰਧ ਹੈ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਵਿਚ ਅਮਲੇ ਦੀ ਘਾਟ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਬੀ. ਐਸ. ਸੀ./ਬੀ.ਏ. (ਗਣਿਤ ਪਾਸ) ਸਿਖਿਅਤ ਮਾਸਟਰਾਂ/ਮਿਸਟਰੈਸਾਂ ਨੂੰ ਕਨਡੈਨਸਡ ਕੋਰਸ ਕਰਵਾਏ ਗਏ/ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਚੰਗੀਆਂ ਕਿਤਾਬਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧ ਅਤੇ ਕੋਰਸ/ਸਿਲੇਬਸ ਨੂੰ ਸੰਖੇਪ ਆਦਿ ਕਰਨ ਦਾ ਕੰਮ 1969 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਪਾਸ ਸੀ। ਪੰਜਾਬ ਸਕੂਲ ਸਿਖਿਆ ਬੋਰਡ ਜੋ ਅਗਸਤ, 1969 ਵਿਚ ਹੋਂਦ ਵਿਚ ਆਇਆ ਹੈ ਇਸ ਵਿਸ਼ੇ ਬਾਰੇ ਯੋਗ ਅਤੇ ਲੋੜੀਂਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ।

DEMAND OF PUNJAB FARMERS' FORUM REGARDING FIXATION OF MINIMUM PRICE OF WHEAT PER QUINTAL

*1959 1. **Sardar Darshan Singh (K.P.)**
2. **Chaudhri Kewal Krishan**
3. **Shri Sardari Lal Kapur**
4. **Bhagat Guran Dass Hans** : Will the Minister of Agriculture be pleased to state whether it has come to the notice of Government that the Punjab Farmers' Forum want the State Government to ensure a minimum price of Rs. 100 per quintal of wheat ; if so, the action if any, taken by the Government to meet this demand ?

Shri Radha Krishan : Yes. The prices of wheat are fixed by the Govt. of India before every harvest and the State Govt. always stressed their viewpoint for fixing a higher price of wheat per quintal/-

[ਹਾਂ ਜੀ। ਕਣਕ ਦੀ ਕੀਮਤ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਹਰ ਫਸਲ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਕੀਮਤ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰਨ ਲਈ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਪਾਇਆ ਸੀ।]

EVACUEE LAND SOLD TO HARIJANS IN THE STATE

*1950 1. **Chaudhri Sunder Singh**
2. **Chaudhri Kewal Krishan**
3. **Shri Sardari Lal Kapur**
4. **Bhagat Guran Das Hans** : Will the Minister of State for Consolidation and Welfare be pleased to state—

(a) whether the total area of 10,000 acres of evacuee land in the State, proposed to be auctioned between 1st and 15th June, 1970, has been so sold ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether the whole area has been sold to the members of the Scheduled Castes or to others also ;

(c) the names of those Harijans who have been sold land more than ten acres per Harijan family ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(d) whether it has come to the notice of the Government that certain lands sold to Harijan families, have in fact been purchased by non-Scheduled Castes persons ; if so, the action proposed to be taken by the Government in the matter ?

Sardar Tara Singh Lyallpuri : (a) An area measuring 8,039 (not 10,000 acres) of surplus rural evacuee land was programmed for sale in restricted auctions held between June 1 and June 15, 1970, out of which 6,755 acres was actually sold.

(b) The whole area has been sold to the members of Scheduled castes.

(c) No. Harijan has been sold area more than the prescribed limit of ten ordinary acres or five standard acres inclusive of his or his dependants' holding, if any. Where, however, such a case comes to notice and the excess is beyond the marginal limit of 2 kanals or 2 units, the excess area sold will be slashed according to the instructions already issued by the auctioning officer concerned.

(d) No such case has so far come to the notice of Government.

[(ਏ) 8039 (ਨਾਂ ਕਿ 10,000 ਏਕੜ) ਵਾਫਰ ਪੇਂਡੂ ਨਿਕਾਸੀ ਭੋਂ ਨੂੰ ਸੀਮਤ ਬੋਲੀ ਰਾਹੀਂ 1 ਜੂਨ ਤੋਂ 15 ਜੂਨ ਤਕ ਵੇਚਣ ਦਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ਜਿਸ ਵਿੱਚੋਂ 6,755 ਏਕੜ ਅਸਲ ਵਿਚ ਵੇਚੀ ਗਈ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਇਹ ਸਾਰਾ ਰਕਬਾ ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਵੇਚਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਕਿਸੇ ਹਰੀਜਨ ਨੂੰ 10 ਸਾਦੇ ਏਕੜ ਜਾਂ 5 ਸ. ਏਕੜ ਜਿਸ ਵਿਚ ਜੇ ਕੋਈ ਉਸਦੀ ਜਾਂ ਉਸਦੇ ਆਸਰਿਤਾਂ ਦੀ ਆਪਣੀ ਜ਼ਮੀਨ ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਵੇ, ਤੋਂ ਵਾਧੂ ਰਕਬਾ ਨਹੀਂ ਵੇਚਿਆ ਗਿਆ । ਜੇ ਕਰ ਕੋਈ ਅਜਿਹਾ ਕੇਸ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਆਉਂਦਾ ਹੈ, ਜਿਥੋਂ ਕਿ ਵਾਧੂ ਰਕਬਾ 2 ਕਨਾਲ ਜਾਂ 2 ਯੂਨਟ ਦੀ, ਮਾਰਜਨਲ ਹੱਦ ਤੋਂ ਵਾਧੂ ਹੈ, ਤਾਂ ਵਾਧੂ ਰਕਬਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਬੋਲੀਆਂ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਜਾਰੀ ਹੋ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹਨ, ਘਟਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।

(ਡੀ) ਕੋਈ ਅਜਿਹਾ ਕੇਸ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਇਆ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

GURDWARA ELECTIONS

*1961 **1. Sardar Darshan Singh K. P.**
2. Shri Sardari Lal Kapur
3. Bhagat Guran Dass Hans
4. Chaudhri Ram Singh
5. Doctor Sadhu Ram : Will the Minister of State for Irrigation and Elections be pleased to state—

(a) the number of years after which elections to the Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee are held ;

(b) the date on which last elections to the said committee were held ;

(c) the date on which the next elections to the Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee are due ;

(d) the reasons for the delay in holding the elections of the said Committee ;

(e) the action the Government propose to take for holding the elections to the Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee on the due date ?

Sardar Mohan Singh Tur : (a) 5 years

(b) 17. 1. 1965

(c) January, 1970

(d) For want of directions from the Central Government under section 72 of the Punjab Reorganisation Act, 1966.

(e) Vigorous steps are being taken to have the directions issued and action for holding the elections to the S. G. P. C. will be taken on receipt of the said directions.

[(ੲ) ਪੰਜ ਸਾਲ

(ਬੀ) 17.1.1965

(ਸੀ) ਜਨਵਰੀ, 1970

(ਡੀ) ਪੰਜਾਬ ਪੁਨਰਗਠਨ ਐਕਟ, 1966 ਦੀ ਧਾਰਾ 72 ਅਧੀਨ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਲੋੜੀਂਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦਾ ਜਾਰੀ ਨਾ ਹੋਣਾ ।

(ਈ) ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਕਰਵਾਉਣ ਸਬੰਧੀ ਸਿਰ ਤੋੜ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਐਸ. ਜੀ. ਪੀ. ਸੀ. ਦੀਆਂ ਚੋਣਾਂ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਕਾਰਵਾਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੇ ਆਉਣ ਤੇ ਹੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

PROPOSED ABOLITION OF PANCHAYAT SAMITIS IN THE STATE

*1952 1. **Chaudhri Ram Singh**

2. **Chaudhri Kewal Krishan**

3. **Shri Sardari Lal Kapur**

4. **Bhagat Guran Dass Hans.** Will the Minister of State for Community Development and Panchayati Raj be pleased to state—

(a) whether the Government has decided to abolish the Panchayat Samitis in the State ; if so, the reasons therefor ;

(b) whether the Report of the Panchayati Raj Study Team, appointed by the State Government was laid on the Table of the Punjab Vidhan Sabha ; if not, the reasons therefor;

(c) whether the Government has appointed the three-member Advisory Committees, in place of the 117 Panchayat Samitis, to advise the Block Development Officers in developmental actvities ; if so, the names of personnel of such advisory Committees ?

Sardar Satnam Singh Bajwa : (a) The matter is still under consideration of State Government.

(b) No. It was not required to be so laid.

(c) In view of (a) above, question does not arise.

[(ੲ) ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਹਾਲੇ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ । ਅਜਿਹਾ ਕਰਨ ਲਈ ਨਹੀਂ ਸੀ ਆਖਿਆ ਗਿਆ।

(ਸੀ) ਉਪਰੋਕਤ (ੲ) ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦੇ ਹੋਇਆਂ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

MEDICINES/INJECTIONS SUPPLIED TO GOVERNMENT HOSPITALS

*1945 **Shri Sardari Lal Kapur :** will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state—

(a) the sources from which the Government Hospitals in the State procure medicines/injections, for the use of out-door and in-door patients ;

(b) the sources from which the said Hospitals usually receive samples of medicines/injections, for experimental purposes on out-door and indoor patients ;

(c) the details of medicines/injections procured by the Government Hospitals in the State, for the use of out-door and indoor patients; during the years 1967-68, 1968-69 and 1969-70 ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pa

[Shri Sardari Lal Kapoor]

(d) the details of samples of medicines/injections received by the said Hospitals during the last three years as referred to in part (c) above, and the manner in which they were disposed of ;

(e) whether the Government is aware of the fact that samples of medi ines/injections received in the Government Hospitals, are arbitrarily distributed, and no record of their proper distribution is kept by the Hospitals authorities in the State ;

(f) if the reply to part (e) above be in the affirmative, the steps Government propose to take to stop such irregular practices being followed by some of the Government Hospital authorities in the State ?

ਸਰਦਾਰ ਤੇਜਾ ਸਿੰਘ : (ਏ) ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਲਈ ਦਵਾਈਆਂ ਤੇ ਇੰਜੈਕਸ਼ਨ ਆਦਿ ਜੋ ਪੀ. ਵੀ. ਐਮ. ਐਸ. ਦੀ ਲਿਸਟ ਪ਼ਰ ਹਨ, ਮੈਡੀਕਲ ਸਟੋਰ ਡਿਪੋ ਕਰ ਨਾਲ ਤੋਂ ਅਲਾਟ ਕੀਤੇ ਗਏ ਮਹੀਨਿਆਂ ਵਿਚ ਸਲਾਨਾ ਇਡੰਟ ਘੱਲ ਕੇ ਖਰੀਦੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਜੋ ਦਵਾਈਆਂ ਆਦਿ ਮੈਡੀਕਲ ਸਟੋਰ ਡੀਪੋ ਕਰਨਾਲ ਤੋਂ ਸਪਲਾਈ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਉਹ ਰੇਟ ਕੰਟਰੈਕਟਡ ਫਰਮਾਂ (ਜੋ ਕੰਟਰੋਲਰ ਆਫ ਸਟੋਰ ਵਲੋਂ ਅਪਰੂਵਡ ਹਨ) ਸਮਰਥ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਨਾਲ ਖਰੀਦੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਜੋ ਦਵਾਈਆਂ ਆਦਿ ਮੈਡੀਕਲ ਸਟੋਰ ਡੀਪੋ ਕਰਨਾਲ ਤੋਂ ਸਪਲਾਈ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਉਹ ਰੇਟ ਕੰਟਰੈਕਟ ਤੇ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ, ਉਹ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਦੇ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਕੰਮ ਨੂੰ ਚਲਾਉਣ ਲਈ, ਕੋਟੇਸ਼ਨਜ਼ ਰਾਹੀਂ ਲੋਕਲ ਖਰੀਦ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਤਾਂ ਜੋ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਅਟਕਾ ਨਾ ਪਾਵੇ।

(ਬੀ) ਦਵਾਈਆਂ ਆਦਿ ਤੇ ਇੰਜੈਕਸ਼ਨ ਦੇ ਨਮੂਨੇ ਸਰਕਾਰੀ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਨੂੰ ਮਰੀਜ਼ਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਲਈ ਸਪਲਾਈ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਸਗੋਂ ਅਜਿਹੇ ਦਵਾਈਆਂ ਦੇ ਨਮੂਨੇ ਫਰਮ ਦੇ ਪ੍ਰਤਿਨਿਧ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਡਾਕਟਰਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਾਤੀ ਤੌਰ ਤੇ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਜੋ ਇਹ ਨਮੂਨੇ ਡਾਕਟਰਜ਼ ਮਰੀਜ਼ਾਂ ਤੇ ਬਿਮਾਰੀ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਤਜਰਬੇ ਲਈ ਇਲਾਜ ਕਰਨ ਲਈ ਵਰਤਦੇ ਹਨ।

(ਸੀ) ਸਰਕਾਰੀ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਵਿੱਚ ਸਾਲ 1967-68, 1968-69 ਤੇ 1969-70 ਵਿੱਚ ਖ਼ਰੀਦੀਆਂ ਗਈਆਂ ਦਵਾਈਆਂ ਆਦਿ ਤੇ ਇੰਜੈਕਸ਼ਨਜ਼ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਦੇਣਾ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੈ, ਕਿਉਂ ਜੋ ਦਵਾਈਆਂ ਆਦਿ ਦੀ ਖ਼ਰੀਦ ਡੀਸੈਂਟਰਲਾਇਜ਼ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਨ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਦੇ ਡਾਕਟਰਜ਼ (ਮੈਡੀਕਲ ਅਫ਼ਸਰ) ਆਪ ਹੀ ਖ਼ਰੀਦ ਕਰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹਨਾਂ ਦਵਾਈਆਂ ਦੀ ਆਈਟਮਜ਼ ਸੈਂਕੜਿਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਨ ਥਲੇ ਦੇ ਦਫਤਰਾਂ ਤੋਂ ਇਹ ਸੂਚਨਾ ਮੰਗਣ ਵਿੱਚ ਕਾਫੀ ਸਮਾਂ ਲਗਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੈ।

(ਡੀ) ਦਵਾਈਆਂ ਅਤੇ ਇੰਜੈਕਸ਼ਨਜ਼ ਦੇ ਨਮੂਨੇ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਨੂੰ ਸਪਲਾਈ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਜਾਂਦੇ ਇਸ ਕਾਰਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬਿਮਾਰਾਂ ਵਿਚ ਵਰਤੋਂ ਅਤੇ ਵੇਰਵਾ ਦੇਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

(ਈ) ਉਕਤ "ਡੀ" ਤੇ ਦਸੇ ਗਏ ਹਾਲਾਤ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਦਵਾਈਆਂ ਦੇ ਨਮੂਨੇ ਬਿਮਾਰਾਂ ਵਿਚ ਤਜਰਬੇ ਲਈ ਤਕਸੀਮ ਕਰਨ ਜਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰਿਕਾਰਡ ਰਖਣ ਦਾ ਕੋਈ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

(ਐਫ) "ਈ" ਤੇ ਦੱਸੇ ਗਏ ਹਾਲਾਤ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਇਹ ਮੰਗੀ ਸੂਚਨਾ ਦੇਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

Unstarred Questions and Answers

PUNJABI QUALIFICATION FOR CERTAIN TECHNICAL POSTS

*668 **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government has agreed to relax to some extent the restrictions imposed on the selection for posts of Doctors, Engineers and other technical nature posts, that no one will be appointed who has not qualified in Punjabi upto Matric Standard; if so, a copy of the instructions, if any issued on this subject to the Punjab Public Service Commission for guidance be laid on the Table of the House ?

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ (ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ) : ਹਾਂ ਜੀ । ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੀ ਇਕ ਨਕਲ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

ਹਦਾਇਤਾਂ

ਨੰ: 1588-1 ਭਾਸ਼ਾ-70/11557

ਵਲੋਂ

ਸਕੱਤਰ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ,
ਸਿਖਿਆ ਤੇ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਭਾਗ ।

ਸੇਵਾ ਵਿਖੇ

ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸਮੂਹ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਮੁੱਖ ਅਧਿਕਾਰੀ, ਡਵੀਜ਼ਨਾਂ ਦੇ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅਤੇ ਸੈਸ਼ਨ ਜੱਜ, ਉਪ ਮੰਡਲ ਅਫਸਰ [ਸਿਵਲ] ਅਤੇ ਰਜਿਸਟਰਾਰ, ਪੰਜਾਬ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ।

ਮਿਤੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ 7 ਮਈ, 1970

ਵਿਸ਼ਾ : ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਵਿੱਚ ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ ਪ੍ਰਚਾਲਣ-ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਨੌਕਰੀਆਂ ਵਾਸਤੇ ਭਰਤੀ ਲਈ ਯੋਗਤਾਵਾਂ ।

ਸ੍ਰੀ ਮਾਨ ਜੀ,

ਉਪਰੋਕਤ ਵਿਸ਼ੇ ਤੇ ਮੈਨੂੰ ਆਪ ਦਾ ਧਿਆਨ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਪੱਤਰ ਨੰ: 3107-1 ਭਾਸ਼ਾ-68/21805, ਮਿਤੀ 29/7/68 ਵਲ ਦਿਵਾਉਣ ਦੀ ਹਦਾਇਤ ਹੋਈ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੇ ਪੈਰਾ ੳ (1) ਵਿਚ ਸਾਰੀਆਂ ਨੌਕਰੀਆਂ ਲਈ ਹਰ ਉਮੀਦਵਾਰ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਮੈਟ੍ਰਿਕ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ]

ਜਾਂ ਇਸ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰੀ ਵਿਦਿਅਕ ਯੋਗਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀ ਹੋਣੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਪੈਰਾ ੳ (2) ਵਿੱਚ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਸੰਕੇਤ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਉਮੀਦਵਾਰ ਪਾਸ ੳ (1) ਅਨੁਸਾਰ ਯੋਗਤਾ ਦਾ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬ ਲੋਕ ਸੇਵਾ ਕਮਿਸ਼ਨ ਜਾਂ ਭਰਤੀ ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਹੋਰ ਕੋਈ ਸੰਸਥਾ ਉਸ ਉਮੀਦਵਾਰ ਦਾ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕੀਤੀ (ਪੰਜਾਬੀ ਮੈਟ੍ਰਿਕ) ਯੋਗਤਾ ਦਾ ਟੈਸਟ ਲਵੇਗੀ।

2. ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਤੇ ਮੁੜ ਗਹੁ ਨਾਲ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਪਰੇਖਣ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਤਕਨੀਕੀ ਆਸਾਮੀਆਂ ਦੇ ਉਮੀਦਵਾਰ ਬਹੁਤ ਮਾਤਰਾ ਵਿੱਚ ਅਜਿਹੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਮੈਟ੍ਰਿਕ ਪੱਧਰ ਦਾ ਗਿਆਨ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਆਪਣੀ ਤਕਨੀਕੀ ਯੋਗਤਾ ਵਿੱਚ ਨਿਪੁੰਨ ਹਨ। ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਅਜਿਹੇ ਉਮੀਦਵਾਰਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਪੂਰਾ ਸਹਿਯੋਗ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਪਰੋਕਤ ਹਵਾਲਾ ਅਧੀਨ ਸਰਕਾਰੀ ਹਦਾਇਤਾਂ ਵਿੱਚ ਖਾਲਿਸ ਤਕਨੀਕੀ ਆਸਾਮੀਆਂ ਦੀ ਭਰਤੀ ਦੀ ਚੋਣ ਸਮੇਂ ਪੰਜਾਬੀ ਯੋਗਤਾ ਦੀ ਸ਼ਰਤ ਨੂੰ ਇਸ ਹਦ ਤਕ ਨਰਮ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਚੁਣੇ ਹੋਏ ਉਮੀਦਵਾਰ ਛੇ ਮਹੀਨੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕੀਤੀ ਯੋਗਤਾ ਦਾ ਟੈਸਟ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਭਾਗ, ਪੰਜਾਬ ਪਟਿਆਲਾ ਰਾਹੀਂ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਮੈਟ੍ਰਿਕ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ ਮਜ਼ਮੂਨ ਪਾਸ ਕਰਨ। ਜੇਕਰ ਉਹ ਇਸ ਸਮੇਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਇਹ ਯੋਗਤਾ ਟੈਸਟ ਪਾਸ ਨਾ ਕਰਨਗੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਰਵਿਸ ਮੁਕਤ ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ।

3. ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਹ ਸਵਾਲ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਆਸਾਮੀ ਤਕਨੀਕੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਇਸ ਆਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਕੰਨਜ਼ਰਵੇਟਿਵ [Conservative] ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਅਮਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤੇ ਜਦੋਂ ਸ਼ੱਕ ਹੋਵੇ ਕਿ ਆਸਾਮੀ ਤਕਨੀਕੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਮਾਮਲਾ ਸਾਫ਼ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਮੁੜ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਹੁਕਮ ਲਿਆ ਜਾਵੇ।

4. ਇਸ ਚਿੱਠੀ ਦੀ ਪਹੁੰਚ ਭੇਜੀ ਜਾਵੇ।

ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਪਾਤਰ,
ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ,
ਸੰਯੁਕਤ ਸਕੱਤਰ ਸਿਖਿਆ
ਵਾ: ਸਕੱਤਰ, ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ, ਸਿਖਿਆ ਤੇ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਭਾਗ

ਨੰ: 1588-1 ਭਾਸ਼ਾ-70/11558 ਮਿਤੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ 7 ਮਈ, 1970

ਇਕ ਨਕਲ ਜ਼ਰੂਰੀ ਕਾਰਵਾਈ ਲਈ (1) ਸ਼ਕੱਤਰ, ਪੰਜਾਬ ਪਬਲਿਕ ਸਰਵਿਸ ਕਮਿਸ਼ਨ, ਪਟਿਆਲਾ (2) ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਰੁਜ਼ਗਾਰ ਵਿਭਾਗ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨੂੰ ਭੇਜੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ,
ਸੰਯੁਕਤ ਸਕੱਤਰ ਸਿਖਿਆ,
ਵਾਸਤੇ ਸਕੱਤਰ, ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ,
ਸਿਖਿਆ ਤੇ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਭਾਗ

ਨੰ: 1588-1 ਭਾਸ਼ਾ 70/11559 ਮਿਤੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ 7 ਮਈ, 1970

ਇਕ ਨਕਲ ਸੂਚਨਾ ਲਈ ਅਤੇ ਜ਼ਰੂਰੀ ਕਾਰਵਾਈ ਲਈ ਸਮੂਹ ਵਿੱਤ ਕਮਿਸ਼ਨਰਾਂ ਅਤੇ ਸਕੱਤਰਾਂ, ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ, ਨੂੰ ਭੇਜੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

2/- ਇਸ ਚਿੱਠੀ ਦੀ ਪਹੁੰਚ ਭੇਜੀ ਜਾਵੇ ।

ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ,
ਸੰਯੁਕਤ ਸਕੱਤਰ ਸਿਖਿਆ,
ਵਾਸਤੇ ਸਕੱਤਰ, ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ,
ਸਿਖਿਆ ਤੇ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਭਾਗ

ਨੰ: 1588-1 ਭਾਸ਼ਾ 70/11560 ਮਿਤੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ 7 ਮਈ, 1970

ਇਕ ਉਤਾਰਾ ਚੇਅਰ ਮੈਨ, ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ, ਪਟਿਆਲਾ ਨੂੰ ਸ੍ਰੀ ਕੇ. ਜੇ. ਖੋਸਲਾ ਜੀ ਦੇ ਅੱਧ ਸਰਕਾਰੀ ਪੱਤਰ ਨੰ: 537/ਪੀ. ਏ./ਏ. ਐਫ. ਐਮ. ਮਿਤੀ ਅਪਰੈਲ, 1970 ਦੇ ਹਵਾਲੇ ਵਿੱਚ ਸੂਚਨਾ ਤੇ ਲੋੜੀਂਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਲਈ ਭੇਜਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ
ਸੰਯੁਕਤ ਸਕੱਤਰ ਸਿਖਿਆ,
ਵਾਸਤੇ ਸਕੱਤਰ, ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ,
ਸਿਖਿਆ ਤੇ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਭਾਗ ।

PROMOTION OF SECTIONAL OFFICERS AS S. D. Os. IN THE IRRIGATION BRANCH.

673. **Chaudhri Kewal Krishan** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :—

a) whether it is a fact that the Punjab Government decided to prepare an open document-namely MAY-BE-TREED LIST OF SECTIONAL OFFICERS FOR PROMOTION AS SUB-DIVISIONAL OFFICERS' as per Chief Engineer Irrigation Works Office Circular No. 5254-83/E, dated 27-5-61 and a copy of such a list relating to the period upto 1-6-67 was also circulated ?

b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, (i) a copy of such a list prepared by the office of the Chief Engineer, Irrigation Works, for each calander year from 1-6-57 to 30-9-59 as per para II-4 (e) of the Manual of Administration (I. B.) (ii) a copy of such a list for each year prepared by the Chief Engineer in consultation with the Punjab Public Service Commission from 1-10-59 to 29-1-68 (the date of amendment of para II. 4 (iii) a copy of such a list prepared for each year from 30-1-69 upto date as per new para II. 4 (e), be laid on the Table of the House.

c) the reasons for not circulation the said list after 1-6-57 ?

Sardar Sohan Singh Bassi : a) Yes, but the list circulated was upto the period 1.6.1955 and not 1.6.57.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pa

[Minister for Irrigation to Power]

b) (i) A copy of the List for the period from 1.6.1956 to 1.6.1960 is placed on the table of the House. This was not circulated and made public as the decision of the Government on this issue was not given.

(ii) No lists for the period from 1.10.59 to 29.1.68.
&

(iii) and thereafter were prepared.

c) As explained against (b) (i) above.

[ੳ) ਹਾਂ ਜੀ । ਜੋ ਲਿਸਟ ਸਰਕੂਲੇਟ ਕੀਤੀ ਸੀ ਉਹ 1/6/1955 ਤਕ ਦੀ ਸੀ 1/6/57 ਤਕ ਦੀ ਨਹੀਂ ।

ਅ) (I) 1/6/56 ਤੋਂ 1/6/60 ਤਕ ਦੀ ਲਿਸਟ ਜੋ ਮੁੱਖ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਦੇ ਦਫ਼ਤਰ ਨੇ ਬਣਾਈ ਸੀ ਉਹ ਇਸ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਨੂੰ ਸਰਕੂਲੇਟ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਵਿਸ਼ੇ ਤੇ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤਾ ।

II ਅਤੇ III 1/10/59 ਤੋਂ 29/1/68 ਅਤੇ ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਦ ਦੇ ਸਮੇਂ ਲਈ ਇਹ ਲਿਸਟਾਂ ਨਹੀਂ ਸੀ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ।

ੲ) ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਉਪਰੋਕਤ (ਅ) ਤੇ ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ।]

LIST

S.No.	S. No. on Jt. Seniority List.	NAME	Reason for allotment of the particular year
		1. 6. 1956	
		Sarvshri	
110	119	Gurman Singh	
111	154	Niranjan Singh (4)	
112	162	Dhan Parkash Gupta	
113	173	Ram Lal Verma	
114	176	Mukand Singh	
115	177	J. S. Sehgal	
116	181	B. S. Kapoor	
117	182	Harbans Lal Luthra (5)	
		1. 6. 1967	
118	40	Hari Chand Airon	
119	59	Hans Raj Sehgal (1)	
120	120	Mohan Lal (6)	
121	184	Harbans Lal Sharma	
122	137	Gurdev Singh	
123	158	Sohan Lal	
124	191	Gurdial Singh	

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4
		1. 6. 1958	
125	97	Manmohan Singh	
126	98	M. S. Bhatnagar	
127	115	Jagdish Ram Saini	
128	121	Gurdas Singh	
129	127	Baldev Singh (2)	
130	131	Dev Raj Pabbi	
131	150	Diverde Datt	
132	157	Gardari Lal (3)	
133	184	Krishan Lal Gupta	
134	193	Sujjan Singh	
135	195	Vishwa Nath Kakar	
136	209	Khrati Lal	
137	211	Haveli Ram	
138	218	Nihal Chand	
		1. 6, 1959	
139	161	Pritam Singh Dhariwal	
140	196	Phol Chand Gupta	
141	205	Gobind Lal	
142	217	Raghbir Singh	
143	234	Om Parkash Raheja	
144	239(a)	K.K. Soni	
143	251	Sajan Singh	
		1. 6. 1960	
146	48	Ram Dass Sharma	
147	52	Jagan Nath (3)	
148	128	Gurcharan Singh Sindu (2)	
149	129	Parkash Chandra	
150	139	I. E. Dean	
151	159	Jagan Nath Walia (5)	
152	170	Sat Narain	
153	190	Raghunath Dass Sharma	
154	202	Dharam Chand	
155	213	Chand Parkash	
156	220	Ram Chand	
157	221	Mulakh Raj	
158	223	Ram Parkash Sethi	
159	228	Gurcharn Singh	
160	232	Amar Nath Chopra	
161	239	Prahlad Singh	
162	242	Manohar Singh	
163	243	Ram Dayal	

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

CIVIL MECHANICAL AND ELECTRICAL TEMPORARY ENGINEERS RECRUITED IN THE IRRIGATION BRANCH

674. **Chaudhri Kewal Krishan :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :—

a) the number of civil, Mechanical and Electrical Temporary Engineers, appointed/recruited by the Punjab, P. W. D. Irrigation Branch during each calandar year from 1956 upto 1970 giving the number and date of appointment letters issued to each year wise ;

b) the number of additional new posts created in Civil, Mechani/-cal and Electrical Sub Division of the Irrigation Department during the years 1968 and 1969, against which newly recruited Civil, Mechanical and Electrical temporary Engineers during 1968-69 had been accommodated/adjusted ?

Sardar Sohan Singh Bassi : a) As per statement attached.

b) No additional new posts were created to accommodate/adjust the newly recruited Temporary Engineers during 1968 and 1969.

[ੳ) ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਸੂਚੀ ਅਨੁਸਾਰ ।

ਅ) ਕੋਈ ਵਾਧੂ ਅਸਾਮੀਆਂ 1968-69 ਵਿੱਚ ਭਰਤੀ ਕੀਤੇ ਅਸਥਾਈ ਇੰਜੀਨੀਅਰਾਂ ਨੂੰ ਥਾਂ ਦੇਣ ਜਾਂ ਐਡਜਸਟ ਕਰਨ ਲਈ ਕਰੀਏਟ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

STATEMENT

Year	No. of T. Es. whom appointment letters were issued (Civil)	(Mech.)	(Elect)	Total	No. and date of appointment letters
1	2	3	4	5	6
1956	59	15	9	83	3487-3574/E/67/39(56) dated 17-10-1956.
1957	25	18	18	61	2446-2506/E/67/39(57) dated 28- 3-1957.
	7	11	13	31	19941-75/E/57/39(57) dated 5-10-1957.
				22	Not available in office files.
1958	40	20	10	70	1918-888/E/67/39(58) dated 14-4-1958.
1959	34	—	—	34	9306-39/E/67/39(59) dated 20-11-1959.
1960	17	—	—	17	4311-15/E-67/39(60) dated 20-4-1960.
	5	—	—	5	3935-46/E/67/39(60) dated 31-3-1960.
1961	80	—	—	80	2024-313/E/67/39(60-61) dated 18-1-61.
	9	—	—	9	2575-85/E/67/39(60-61) dated 30-3-1961
	—	14	9	23	6006-6028/E/67/39 (66-61) dated 16-6-61.
	1	—	—	1	9031/E/67/39(60-61) dated 31-8-1961.
	51	—	—	51	3755-3805/E/39(60-61a) dated 27-4-1961.
	2	—	—	2	6900-901/E/67/39(60-61) dated 8-7-1961.
1962	44	15	—	59	668-728/E/67/39(61-62) dated 27-1-1962.
	35	15	—	50	737-786/E/67/39(61-62) dated 29-1-1962,
1963	100	—	—	100	8071-970/E/67/39(62-63) dated 13-2-1963,
	—	30	13	43	1404/43/E/67/39 (62-63) dated 27-2-1963.
1964	94	13	8	115	6372-6486/E/67/39(63-64) dated 16-7-1964.
	8	—	—	8	7875-82/E/67/39(63-64) dated 27-7-1964.
1965	120	27	12	159	12335-494/E/67/39(64-65) dated 23-11-1965.
1966	—	2	—	2	578-73/E/67/39(64-65) dated 20-1-1966.
1967	—				

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6
1968	120	50	50	220	6848-7002/E/67/39/(68) dated 3-6-1968.
1969	—	—	—	—	11091 -do- dated 3-9-1968.
1970	Nil	So far			13678-745 -do- dated 17-10-1968.

ਸਟੇਟਮੈਂਟ

ਸਾਲ	ਅਸਥਾਈ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਭਰਤੀ ਦੀ ਚਿੱਠੀ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀ ਗਈ			ਕੁਲ	ਭਰਤੀ ਕਰਨ ਦੀ ਚਿੱਠੀ ਦਾ ਨੰ: ਅਤੇ ਮਿਤੀ
	ਸਿਵਲ	ਮਕੈਨੀਕਲ	ਇਲੈਕਟ੍ਰੀਕਲ		
1	2	3	4	5	6
1956	59	15	9	83	3487-3574/ਈ/67/39 ਮਿਤੀ 17-10-1956
1957	25	18	18	61	2446-2506/ਈ/67/39/ ਮਿਤੀ 28-3-1957
	7	11	13	31	19941-75/ਈ/67/39(57) ਮਿਤੀ 5-10-1957
				22	ਦਫਤਰ ਦੀਆਂ ਫਾਈਲਾਂ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ
1958	40	20	10	70	2918-88/ਈ/67/39(58) ਮਿਤੀ 14-4-1958
1959	34	—	—	34	9306-39/ਈ/67/39(59) ਮਿਤੀ 20-11-1959
1960	17	—	—	17	4311-15/ਈ/67/39(60) ਮਿਤੀ 20-4-1960
	5	—	—	5	3935-46/ਈ/67/39(60-61) ਮਿਤੀ 31-3-1960
1961	80	—	—	80	2024-313/ਈ/67/39(60-61) ਮਿਤੀ 18-1-1961
	9	—	—	9	2575-85/ਈ/67/39(6[illegible]-61) ਮਿਤੀ 30-3-1961

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5	6
	—	14	9	23	6006-6028/ਈ,67/39 ਮਿਤੀ 16-6-1961
	1	—	—	1	9031/ਈ/67/39 ਮਿਤੀ 3-8-1961
	51	—	—	51	3755-3805/ਈ/67/39 ਮਿਤੀ 27-4-1961
	2	—	—	2	6900-90/ਈ/67/39 ਮਿਤੀ 8-7-1961
1962	44	15	—	59	668-728/ਈ/67/39 (61-62) ਮਿਤੀ 27-1-1962
	35	15	—	50	737-86/ਈ/67/39 (61-62) ਮਿਤੀ 29-1-1962
1963	100	—	—	100	8071-970/ਈ/67/39(62-63) ਮਿਤੀ 13-2-1963
	—	30	13	43	1414-43/ਈ/67/39 ਮਿਤੀ 27-2-1963
1964	94	13	8	115	6372-6486/ਈ/67/39 (63-64) ਮਿਤੀ 16-7-1964
	8	—	—	8	7875-82/ਈ/67/39(63-64) ਮਿਤੀ 27-8-1964
1965	120	27	12	159	12335-494/ਈ/67/39(64-65) ਮਿਤੀ 23-11-1965
1966	—	2	—	2	572.73/ਈ/67/39(64-65/ ਮਿਤੀ 20-1-1966
1967	—	—	—	—	
1968	120	50	50	220	6848-7002/ਈ/67/39/68/ ਮਿਤੀ 3-6-1968
1969	—	—	—	—	11091/ਈ/67/39(68) ਮਿਤੀ 3-9-1968
1970	—	—	—	—	13678-745/ਈ/67/39(68) ਮਿਤੀ 11-10-1968

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ASSISTANT DESIGN ENGINEERS IN THE GENERAL DESIGN OFFICE CHANDIGARH

675. **Chaudhri Kewal Krishan** : Will be Minister for Irrigation and Power be pleased to —

(a) state the present number of (i) Permanant and (ii) Temporary posts of Assistant Design Engineers in the Central Design Office, Chandigarh and other circles/offices of the Irrigation Branch, Punjab ;

(b) state the present number of Permanent, Temporary/Officiating Assistant Design Engineers, promoted from the rank of Circle Head Draftsman ;

(c) lay on the Table of the House a copy of rules governing the promotion of Circle Head Draftsman to the rank of Assistant Design Engineer —

(d) state the amount of special allowances allowed to the Assistant Design Engineers and whether these are counted in their pay for fixation of Pension ?

Sardar Sohan Singh Bassi : (a)

	Permanent Posts	Temp. Posts
Central Design Office.	6	2
Other Punjab Circles/Offices.	27	36

(b) 4 Permanent and 14 temporary.

(c) There is no rule. However the following conditions (duly approved by P. S. E. Government) have been imposed for a Circle Head Draftsman to become eligible for promotion as Offg. A. D. E.

(i) He should possess atleast three years service as Circle Head Draftsman.

(ii) He should have passed both D.P.E, D. R. E.

(iii) He should possess satisfactory record of service meriting this promotion.

(d) Rs. 50 It counts for pension under Rule 6·19 (h) of C.S.R. Punjab Vol. II.

(ੳ)

	ਪੱਕੀਆ ਅਸਾਮੀਆਂ	ਅਸਥਾਈ ਅਸਾਮੀਆਂ
ਸੈਂਟਰਲ ਡਿਜ਼ਾਇਨ ਆਫ਼ਿਸ	6	2
ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਦੂਸਰੇ ਹਲਕੇ/ਦਫ਼ਤਰ	27	36

(ਅ) 4 ਪੱਕੀਆਂ ਅਤੇ 14 ਅਸਥਾਈ

(ੲ) ਰੂਲ ਕੋਈ ਨਹੀਂ । ਹੇਠ ਦਿੱਤੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਅਤੇ ਲੋਕ ਸੇਵਾ ਕਮੀਸ਼ਨ ਪਾਸੋਂ ਮੰਜ਼ੂਰ ਕਰਵਾ ਕੇ ਸਰਕਲ ਹੈਡ ਡਰਾਫਟਮੈਨ ਤੋਂ ਸਹਾਇਕ ਡਿਜ਼ਾਇਨ ਇੰਜੀਨੀਅਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਲਈ ਲਾਗੂ ਕੀਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ।

(1) ਉਸ ਦੀ ਕਮ ਸੇ ਕਮ 3 ਸਾਲਾਂ ਦੀ ਨੌਕਰੀ ਬਤੌਰ ਸਰਕਲ ਹੈਡ ਡਰਾਫਟਮੈਨ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

(2) ਉਸ ਨੇ ਦੋਵੇਂ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਰੇਵੀਨਯੂ ਅਤੇ ਪਰੋਫੈਸ਼ਨਲ ਇਮਤਿਹਾਨ ਪਾਸ ਕੀਤੇ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ—

(3) ਉਸ ਦਾ ਨਿਜੀ ਰਿਕਾਰਡ ਇਸ ਤਰੱਕੀ ਦੀ ਯੋਗਤਾ ਲਈ ਤਸੱਲੀਬਖਸ਼ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

(ਸ) 50 ਰੁਪਏ। ਇਹ ਪੈਨਸ਼ਨ ਵਿਚ ਸੀ. ਐਸ. ਆਰ. ਪੰਜਾਬ ਜਿਲਦ 2 ਦੇ ਰੂਲ 6·19 (ਐਚ) ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ਗਿਣੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।]

DEVELOPMENT WORK DONE AT RAM TIRATH-A PLACE OF PILGRIMAGE IN DISTRICT AMRITSAR.

676. **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister of State for Public Relations, Tourism and Local Government be pleased to lay on the Table of the House (i] a statement showing the development work done at Ram Tirath, a place of pilgrimage in district Amritsar since 1.4.70 and the total amount spent thereon ; (ii) a statement showing the development programme approved by the Government for the above mentioned place of pilgrimage together with the total amount sanctioned for this purpose ?

ਸਰਦਾਰ ਤਰਲੋਚਨ ਸਿੰਘ ਰਿਆਸਤੀ : 1. ਰਾਮ ਤੀਰਥ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਬਾਰੇ ਇੱਕ ਹਾਈ ਪਾਵਰ ਬੋਰਡ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ 30.1.70 ਨੂੰ ਹੋਈ ਸੀ ਇਸ ਵਿੱਚ ਰਾਮ ਤੀਰਥ ਅਸਥਾਨ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਕਰਨ ਲਈ ਫ਼ੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਉਸ ਦੇ ਫ਼ੈਸਲੇ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਲਈ ਮੁੱਖ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਜਨ ਸਿਹਤ ਸੜਕਾਂ ਅਤੇ ਭਵਨ ਅਤੇ ਮੁੱਖ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਨੂੰ ਖਰਚੇ ਦੇ ਅਨੁਮਾਨ ਬਣਾਕੇ ਭੇਜਣ ਲਈ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਮੁੱਖ ਇੰਜਨੀਅਰਾਂ ਵਲੋਂ ਜੋ ਖਰਚੇ ਦੇ ਅਨੁਮਾਨ ਭੇਜੇ ਗਏ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕੁਝ ਊਣਤਾਈਆਂ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਊਣਤਾਈਆਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਖਰਚੇ ਦੇ ਅਨੁਮਾਨ ਮੁੱਖ ਇੰਜੀਨੀਅਰਾਂ ਨੂੰ ਵਾਪਿਸ ਭੇਜੇ ਗਏ ਸਨ। ਇਸ ਲਈ ਰਾਮ ਤੀਰਥ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਹਾਲੇ ਤੱਕ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਸੰਭਵ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ।

2. ਰਾਮ ਤੀਰਥ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਬਾਰੇ ਜੋ ਸਾਬਕਾ ਉਦਯੋਗ ਮੰਤ੍ਰੀ ਜੀ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ਹੇਠ 22.6.70 ਨੂੰ ਮੀਟਿੰਗ ਹੋਈ ਸੀ ਉਸ ਨੇ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਕਾਰਜ਼ਾਂ ਲਈ 7 ਲੱਖ ਅਤੇ ਜਨ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਕਾਰਜਾਂ ਲਈ 6 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਖਰਚਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਜਨ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਵਲੋਂ ਲੋੜੀਂਦਾ ਅਨੁਮਾਨ ਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਲੋਕ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਹਾਲੇ ਅਨੁਮਾਨ ਨਹੀਂ ਪੁੱਜਾ ਜਿਸ ਲਈ ਮੁੱਖ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਲੋਕ ਨਿਰਮਾਣ ਦੇ ਨਾਲ ਮਾਮਲਾ ਪਰਸੂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ। ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਨੁਮਾਨਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਣ ਤੇ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਉਪਰੰਤ ਲੋਕ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿਭਾਗ ਵਲੋਂ ਵਿਕਾਸ ਦਾ ਕੰਮ ਆਰੰਭ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਮਨਜ਼ੂਰ ਸ਼ੁਦਾ ਰੁਪਿਆ ਇਸ ਸਥਾਨ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਤੇ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

SALES TAX REALISED BY GOVERNMENT

677. **Shri Gian Chand Kharbanda**: Will the Minister of State for Excise and Taxation be pleased to lay on the Table of the House a statement showing the amount of Sales Tax realised by the Government in the State, districtwise, during the years ending on 31.3.1968, 31.3.1969 and 31.3.1970, separately ?

Sardar Narinder Singh: A statement is enclosed.

[ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਜੀ]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

STATEMENT

Showing the Sales Tax Collected District-wise during 1969-70

Sr. No.	Name of the District	Collection during 1967—68 General Sales Tax	Collection during 1967—68 Central Sales Tax	Total	Collection during 1968—69 General Sales Tax	Collection during 1968—69 Central Sales Tax	Total	Collection during 1969—70 General Sales Tax	Collection during 1969—70 Central Sales Tax	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	Hoshiarpur	48,03,258	11.82,040	59,85,298	61,18,568	12,53,782	73,72,350	72,48,847	13,46,455	85,95,302
2.	Jullundur	2,07,61,055	64,36,350	2,71,97,405	2,73,17,337	80,39,062	3,53,58,398	3,21,52,015	1,14,74,220	4,36,26,235
3.	Ferozepur	1,41,82,224	16,41,516	1,58,23,740	2,07,71,437	73,97,859	2,81,69,296	2,58,58,564	84,91,153	3,43,49,717
4.	Amritsar	2,41,48,264	80,47 680	3,21,95,944	3,19,34,995	1,22,70,165	4,42,05,160	3,80,70,407	83,75,933	4,64,46,340
5.	Gurdaspur	63,62,090	30,71,928	94,34,018	80,22,236	32,96,648	1,13,18,884	1,05,81,956	37,38,804	1,43,20,460
6.	Kapurthala	28,55,916	20,82,675	49,38,591	40,50,688	21,84,421	62,35,109	57,60,307	28,67,160	86,27,467
	Total	7,31,12,807	2,24,62,189	9,55,74,996	9,82,15,261	3,44,41,937	13,26,57,198	11,96,71,796	3,62,93,725	15,59,65,521
7.	Patiala	1,31,68,499	50,90,456	1,82,58,955	1,84,23,030	67,33,925	2,51,57,025	2,59,83,811	74,06,706	3 33,90,517
8.	Bhatinda	97,48,022	26,22,226	1,23,70,248	1,22,14,856	48,87,683	1,71,02,539	1,46,10,408	53,96,016	2,00,06,424
9.	Sangrur	68,52,137	9,48,954	78,01,091	94,15,191	22,61,909	1,16,77,100	1,42,49,042	35,94,227	1,78,43,269
10.	Ludhiana	2,10,21,465	1,18,66,833	3,28,88,298	2,75,68,954	1,42,25,495	4,17,94,449	3,35,08,112	1,54,14,177	4,89,22,289
1.	Rupar	29,23,920	8.58,701	38,82,621	97,90,928	41,32,681	1,39,23,609	2,19,12,123	26,27,099	2,45,39,222
	Total	5,37,14,043	2,13,87,170	7,51,01,213	7,74,12,959	3,22,41,763	10,96,54,722	11.02,63,496	3.44,38,225	14,47,01,721
	Grand Total	12,68,26,850	4,38,49,359	17,06.76,209	17,56,28,220	6,66,83,700	24,23,11,920	22,99,35,292	7,07,31,950	30,06,67,245

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

EXCISE AND TAXATION OFFICES HOUSED IN RENTED BUILDINGS

678. Shri Gian Chand Kharbanda : Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to lay on the Table of the House a statement showing the places where Excise and Taxation Offices are housed in rented buildings at present and the steps being taken to provide Government buildings for them ?

Sardar Narinder Singh, Minister of State for Excise and Taxation

Part (a) i) Divisional Offices at Jullundur and Patiala.

ii) Excise and Taxation Officers' offices at Patiala, Ropar, Sangrur, Jullundur Amritsar, Gurdaspur, Ferozepore and Ludhiana.

Part (b) In Jullundur and Ludhiana necessary steps for the construction of a single well designed building for offices of all the Departments at the District/Divisional level have since been taken. As regards other places viz. Patiala, Ropar, Sangrur, Amritsar, Gurdaspur and Ferozepore efforts are being made to find out suitable Nazool/Evacuee land for construction purpose.

[ਭਾਗ (ੳ) 1) ਮੰਡਲ ਦਫਤਰ, ਜਲੰਧਰ ਅਤੇ ਪਟਿਆਲਾ ।

2) ਆਬਕਾਰੀ ਤੇ ਕਰ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਦੇ ਦਫ਼ਤਰ, ਪਟਿਆਲਾ, ਰੋਪੜ, ਸੰਗਰੂਰ, ਜਲੰਧਰ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ. ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ, ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਅਤੇ ਲੁਧਿਆਣਾ ।

ਭਾਗ (ਅ) ਜਲੰਧਰ ਅਤੇ ਲੁਧਿਆਣਾ ਵਿਖੇ ਸੰਯੁਕਤ ਇਮਾਰਤਾਂ ਬਨਾਣ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਆਬਕਾਰੀ ਤੇ ਕਰ ਦਫ਼ਤਰਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਸਥਾਨ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । ਬਾਕੀ ਦੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿਚ ਆਬਕਾਰੀ ਤੇ ਕਰ ਦਫ਼ਤਰਾਂ ਲਈ ਨਜ਼ੂਲ ਨਿਕਾਸੀ ਜ਼ਮੀਨ ਲੱਭਣ ਲਈ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।]

BOOKS APPROVED FOR SCHOOLS BY SCHOOL EDUCATION BOARD

679. Shri Gian Chand Kharbanda : Will the Minister for Education be pleased to lay on the Table of the House (i) list of books approved for schools in the State from first to Higher Scondary Standard, with the names of their authors as well as publishers stating the cost of each ; (ii) list of the books introduced for the first time since the formation of the School Board, with the names of the authors and publishers as well as the cost of each book ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ : ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

ਪਹਿਲੀ ਤੋਂ ਅਠਵੀਂ ਜਮਾਤ ਤਕ ਦੀਆਂ ਪਾਠ ਪੁਸਤਕਾਂ—1970.

ਕ੍ਰਮ ਨੰ:	ਪੁਸਤਕ ਦਾ ਨਾਂ	ਲੇਖਕ ਦਾ ਨਾਂ	ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਕ ਦਾ ਨਾਂ	ਮੁੱਲ
1	2	3	4	5
	ਸ਼੍ਰੇਣੀ—1			ਰੁ:—ਪੈਸੇ
1.	ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ-1 ਹਿੰਦੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਪੰਜਾਬ ।	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਪੰਜਾਬ ।	0—35
2.	ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ-1 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—35
3.	ਰੀਡਰ 1-ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—30
4.	ਰੀਡਰ 1-ਹਿੰਦੀ	,,	,,	0—20
5.	ਵਰਕਬੁੱਕ 1 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	0—55
6.	ਵਰਕਬੁੱਕ 1 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—55
7.	ਵਿਗਿਆਨ ਪੁਸਤਕ-1 ਹਿੰਦੀ ਦੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਲਈ ਅਗਵਾਈ ਪੁਸਤਕ ।	,,	,,	0—50
8.	ਵਿਗਿਆਨ ਪੁਸਤਕ-1 ਪੰਜਾਬੀ ਦੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਲਈ ਅਗਵਾਈ ਪੁਸਤਕ ।	,,	,,	0—50
9.	ਸਮਾਜ ਸਿਖਿਆ-1-2 ਹਿੰਦੀ ਦੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਲਈ ਅਗਵਾਈ ਪੁਸਤਕ ।	,,	,,	1—05
10.	ਸਮਾਜ ਸਿਖਿਆ 1-2 ਪੰਜਾਬੀ ਦੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਲਈ ਅਗਵਾਈ ਪੁਸਤਕ ।	,,	,,	0—95
	ਸ਼੍ਰੇਣੀ 2			
11.	ਰੀਡਰ 2 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	0—40
12.	ਰੀਡਰ 2 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—40
13.	ਵਿਗਿਆਨ 2 ਸਬੰਧੀ ਵਰਕ ਬੁਕ ਹਿੰਦੀ	,,	,,	0—60
14.	ਵਿਗਿਆਨ 2 ਸਬੰਧੀ ਵਰਕ ਬੁਕ ਪੰਜਾਬੀ	,,		0—65
15.	ਵਿਗਿਆਨ ਪੁਸਤਕ 2 ਹਿੰਦੀ ਦੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਲਈ ਅਗਵਾਈ ਪੁਸਤਕ	,,	,,	0—60
16.	ਵਿਗਿਆਨ ਪੁਸਤਕ 2 ਪੰਜਾਬੀ ਦੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਲਈ ਅਗਵਾਈ ਪੁਸਤਕ	,,	,,	0—65

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

[ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ]

17.	ਅੰਕ ਗਣਿਤ 2 ਹਿੰਦੀ	ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਐਂਡ ਕੰਪਨੀ ਦਿੱਲੀ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਸ਼ਕੁੰਤਲਾ ਦੇਵੀ, ਮਨੋਹਰ ਲਾਲ ਗੁਪਤਾ	,,	0—60
18.	ਅੰਕ ਗਣਿਤ 2 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—60
	ਸ਼੍ਰੇਣੀ 3			
19.	ਰੀਡਰ 3 ਹਿੰਦੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਪੰਜਾਬ	,,	0—45
20.	ਰੀਡਰ 3 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—55
21.	ਵਿਗਿਆਨ 3 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	0—70
22.	ਵਿਗਿਆਨ 3 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—70
23.	ਅੰਕ ਗਣਿਤ 3 ਹਿੰਦੀ	ਗੁਰਦਾਸ ਕਪੂਰ ਐਂਡ ਸਨਜ਼ ਦਿੱਲੀ; ਨੰਦ ਗੁਪਾਲ ਗੋਇਲ ਰੋਹਤਕ	,,	0—75
24.	ਅੰਕ ਗਣਿਤ 3 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—66
25.	ਸਮਾਜਕ 3 ਹਿੰਦੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ ਪੰਜਾਬ	,,	1—45
26.	ਸਮਾਜਕ 3 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	1—05
	ਸ਼੍ਰੇਣੀ 4			
27.	ਰੀਡਰ 4 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	0—65
28.	ਰੀਡਰ 4 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—50
29.	ਵਿਗਿਆਨ 4 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	1—25
30.	ਵਿਗਿਆਨ 4 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—85
31.	ਅੰਕ ਗਣਿਤ 4 ਹਿੰਦੀ	ਅਤਰ ਚੰਦ ਕਪੂਰ ਐਂਡ ਸਨਜ਼, ਦਿੱਲੀ	,,	0—80
32.	ਅੰਕ ਗਣਿਤ IV ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—70
33.	ਸਮਾਜਕ ਸਿਖਿਆ 4 ਹਿੰਦੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਪੰਜਾਬ	,,	1—30
34.	ਸਮਾਜਕ ਸਿਖਿਆ 4 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	1—20
	ਸ਼੍ਰੇਣੀ 5			
35.	ਰੀਡਰ 5 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	0—45
36.	ਰੀਡਰ 5 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—75
37.	ਵਿਗਿਆਨ 5 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	0—95
38.	ਵਿਗਿਆਨ 5 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—90
39.	ਅੰਕ ਗਣਿਤ 5 ਹਿੰਦੀ	ਓਰੀਐਂਟ ਪਬਲਿਸ਼ਰਜ਼ ਰੇਲਵੇ ਰੋਡ ਦਿੱਲੀ	,,	1—05
40.	ਅੰਕ ਗਣਿਤ 5 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—85

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

41.	ਸਮਾਜਕ ਅਧਿਐਨ 5 ਹਿੰਦੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਪੰਜਾਬ	,,	0—70
42.	ਸਮਾਜਕ ਅਧਿਐਨ 5 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—90
	ਸ਼੍ਰੇਣੀ 6			
43.	ਰੀਡਰ 6 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	1—00
44.	ਰੀਡਰ 6 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—85
45.	ਅੰਕ ਗਣਿਤ 6 ਹਿੰਦੀ	ਪਿਤੰਬਰ ਬੁਕ ਡੀਪੂ ਦਿੱਲੀ ਵੇਦ ਭੂਸ਼ਨ ਦਿੱਲੀ	,,	0—80
46.	ਅੰਕ ਗਣਿਤ 6 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—90
47.	ਬੀਜ ਗਣਿਤ ਅਤੇ ਰੇਖਾ ਗਣਿਤ 6 ਹਿੰਦੀ ।	1. ਗੁਰਦਾਸ ਕਪੂਰ ਐਂਡ ਸਨਜ਼, ਦਿੱਲੀ ਪੰਜਾਬ । 2. ਨੰਦ ਗੋਪਾਲ ਗੋਇਲ ਰੋਹਤਕ ।	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਪੰਜਾਬ	0—50
48.	ਬੀਜ ਗਣਿਤ ਅਤੇ ਰੇਖਾ ਗਣਿਤ 6 ਪੰਜਾਬੀ ।	,,	,,	0—55
49.	ਕ੍ਰਿਸ਼ੀ ਵਿਗਿਆਨ 6 ਹਿੰਦੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਪੰਜਾਬ	,,	0—50
50.	ਕ੍ਰਿਸ਼ੀ ਵਿਗਿਆਨ 6 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—55
51.	ਡਰਾਇੰਗ 6 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	0—85
52.	ਡਰਾਇੰਗ 6 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—90
53.	ਵਿਗਿਆਨ 6 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	1—10
54.	ਵਿਗਿਆਨ 6 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	1—10
55.	ਸਮਾਜਕ ਅਧਿਐਨ 6 ਹਿੰਦੀ	1. ਬੀ. ਐਨ. ਦੁੱਗਲ, ਰੋਹਤਕ । 2. ਪਿਆਰੇ ਲਾਲ ਅਗਰਵਾਲ ਰੋਹਤਕ ।	,,	0—70
56.	ਸਮਾਜਕ ਅਧਿਐਨ 6 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—80
57.	ਭੂਗੋਲ 6 ਹਿੰਦੀ	ਜੀ. ਸੀ. ਭਾਟੀਆ ਸਾਵਨ ਦੇਵੀ, ਜਲੰਧਰ	,,	0—80
58.	ਭੂਗੋਲ 6 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—80
59.	ਵਿਆਕਰਣ 6 ਹਿੰਦੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਪੰਜਾਬ	,,	0—40
60.	ਵਿਆਕਰਣ 6 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—45
61.	ਘਰੇਲੂ ਵਿਗਿਆਨ 6-8 ਹਿੰਦੀ	ਮਿਸ ਐਸ. ਸਿੰਘ ਏ. ਡੀ. ਆਈ. ਅੰਬਾਲਾ ।	,,	0—75
62.	ਘਰੇਲੂ ਵਿਗਿਆਨ 6-8 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	2—00
63.	ਗਾਇਨ 6-8 ਹਿੰਦੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਪੰਜਾਬ	,,	0—80

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

[ਸਿੱਖਿਆ ਮੰਤਰੀ]

64.	ਗਾਇਨ 6-8 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—80
65.	ਵਾਦਨ 6-8 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	0—85
66.	ਵਾਦਨ 6-8 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—85
67.	ਕਤਾਈ ਬੁਣਾਈ 6 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	0—45
68.	ਕਤਾਈ ਬੁਣਾਈ 6 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—50
69.	ਲਕੜੀ ਦਾ ਕੰਮ 6 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	0—50
70.	ਲਕੜੀ ਦਾ ਕੰਮ 6 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—45
71.	ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਰੀਡਰ-6	ਸਰਸਵਤੀ ਸਦਨ 2/35 ਦਰਿਆ ਗੰਜ, ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ	,,	0—45
72.	ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਰੀਡਰ-6	ਮੈਸ-ਸਮਾਜ ਸਿਖਿਆ ਪਰਕਾਸ਼ ਗ੍ਰਹਿ, ਦਿੱਲੀ	ਡੀ.ਪੀ.ਆਈ. ਪੰਜਾਬ	0—45
	ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਸੱਤਵੀਂ			
73.	ਰੀਡਰ 7 ਹਿੰਦੀ	ਪਤੰਬਰ ਬੁਕ ਡਿਪੂ ਸੁਸ਼ੀਲ ਪੁਸਤਕ ਭੰਡਾਰ, ਦਿੱਲੀ	,, ,,	0—85
74.	ਰੀਡਰ 7 ਪੰਜਾਬੀ	ਡੀ.ਪੀ.ਆਈ. ਪੰਜਾਬ	,,	0—75
75.	ਵਿਗਿਆਨ 7 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	1—05
76.	ਵਿਗਿਆਨ 7 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	1—05
77.	ਅੰਕ ਗਣਿਤ 7 ਹਿੰਦੀ	ਪਤੰਬਰ ਬੁਕ ਡੀਪੂ ਦਿੱਲੀ ਸੁਸ਼ੀਲ ਭੂਸ਼ਨ, ਦਿੱਲੀ	,,	0—85
78.	ਅੰਕ ਗਣਿਤ 7 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—85
79.	ਬੀਜ ਗਣਿਤ ਅਤੇ ਰੇਖਾ ਗਣਿਤ 7 ਹਿੰਦੀ	ਸਦਨ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਗ੍ਰਹਿ; ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ	,,	0—50
80.	ਬੀਜ ਗਣਿਤ ਅਤੇ ਰੇਖਾ ਗਣਿਤ 7 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—60
81.	ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਵਿਗਿਆਨ 7 ਹਿੰਦੀ	ਡੀ.ਪੀ.ਆਈ. ਪੰਜਾਬ	,,	0—70
82.	ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਵਿਗਿਆਨ 7 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—75
83.	ਸੰਮਾਜਿਕ ਅਧਿਐਨ 7 ਹਿੰਦੀ	ਦਿੱਲੀ ਪੰਜਾਬ ਪਬਲੀਕੇਸ਼ਨ ਅਲੀਗੜ੍ਹ ਸੂਰਜ ਭਾਨ ਵੀ.ਸੀ.ਪੰ.ਯੂ. ਆਰ.ਐਸ. ਬਾਂਸਲ, ਦਿੱਲੀ	,,	1—15
84.	ਸਮਾਜਕ ਅਧਿਐਨ 7 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	1—20

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

85.	ਭੂਗੋਲ 7 ਹਿੰਦੀ	ਜਵਾਹਰ ਸਿੰਘ, ਮਾਡਲ ਟਾਊਨ ਦਿੱਲੀ	,,	0—90
86.	ਭੂਗੋਲ 7 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—95
87.	ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਰੀਡਰ 7	ਸਰਸਵਤੀ ਸਦਨ ਦਿੱਲੀ	,,	0—50
88.	ਵਿਆਕਰਣ 7 ਹਿੰਦੀ	ਆਧੂਨਿਕ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਅਲਾਹਾਬਾਦ ਪ੍ਰੋ: ਰਾਮ ਚੰਦਰ ਜਲੰਧਰ	,,	0—50
89.	ਵਿਆਕਰਣ 7 ਪੰਜਾਬੀ	ਪ੍ਰਿੰ: ਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਮਾਲਵਾ ਟ੍ਰੇਨਿੰਗ ਕਾਲਜ, ਲੁਧਿਆਣਾ	,,	0—55
90.	ਡਰਾਇੰਗ 7 ਹਿੰਦੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ., ਪੰਜਾਬ	,,	0—94
91.	ਡਰਾਇੰਗ 7 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—75
92.	ਲਕੜੀ ਦਾ ਕੰਮ 7 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	0—45
93.	ਲਕੜੀ ਦਾ ਕੰਮ 7 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—45
94.	ਕਤਾਈ ਬੁਣਾਈ 7 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	0—65
95.	ਕਤਾਈ ਬੁਣਾਈ 7 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—65
96.	ਰੀਡਰ 7 ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼ੀ	ਜੀ. ਡੀ. ਖੰਨਾ 18 ਡੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	,,	0—60
97.	ਵਿਆਕਰਣ ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼ੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਪੰਜਾਬ	,,	0—60
	ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਅੱਠਵੀਂ			
98.	ਰੀਡਰ 8 ਹਿੰਦੀ	ਰਾਜ ਕਮਲ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਦਿੱਲੀ 6	,,	1—30
99.	ਰੀਡਰ 8 ਪੰਜਾਬੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਪੰਜਾਬ	,,	1—20
100.	ਅੰਕ ਗਣਿਤ 8 ਹਿੰਦੀ	ਪ੍ਰਿੰ: ਪ੍ਰੇਮ ਚੰਦ ਆਰ. ਐਸ. ਐਸ.ਡੀ. ਜਲੰਧਰ ਧੰਨਪਤ ਰਾਏ ਐਂਡ ਸਨਜ਼, ਜਲੰਧਰ	,,	1—05
101.	ਅੰਕ ਗਣਿਤ 8 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	1—05
102.	ਬੀਜ ਗਣਿਤ ਅਤੇ ਰੇਖਾ ਗਣਿਤ 8 ਹਿੰਦੀ	ਪ੍ਰੀਤਮ ਬੁਕ ਡੀਪੂ ਦਿੱਲੀ	,,	0—70
103.	ਬੀਜ ਗਣਿਤ ਅਤੇ ਰੇਖਾ ਗਣਿਤ 8 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—60
104.	ਵਿਗਿਆਨ 8 ਹਿੰਦੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ ਪੰਜਾਬ	,,	1—40
105.	ਵਿਗਿਆਨ 8 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	1—50
106.	ਵਿਆਕਰਣ 8 ਹਿੰਦੀ	ਦਿਵਾਨ ਚੰਦ ਸ਼ਾਸ਼ਤਰੀ. ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	,,	0—55
107.	ਵਿਆਕਰਣ 8 ਪੰਜਾਬੀ	1. ਜੀ. ਐਸ. ਤਾਲਬ ਕੁਰੂਕਸ਼ੇਤਰਾ 2. ਐਸ. ਐਸ. ਅਮੋਲ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	,,	0—55

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;

108.	ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਵਿਗਿਆਨ 8 ਹਿੰਦੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਪੰਜਾਬ	,,	1—00
109.	ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਵਿਗਿਆਨ 8 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	1—00
110.	ਸਮਾਜਕ ਅਧਿਐਨ 8 ਹਿੰਦੀ	ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਪ੍ਰੈਸ ਅਲੀਗੜ੍ਹ ਆਰ. ਐਸ. ਬਾਂਸਲ ਦਿੱਲੀ ; ਐਲ. ਆਰ. ਨਈਅਰ ਦਿੱਲੀ ; ਪ੍ਰੇਮ ਨਾਥ ਸੇਠ	,,	0—85
111.	ਸਮਾਜਕ ਅਧਿਐਨ 8 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	1—05
112.	ਭੂਗੋਲ 8 ਹਿੰਦੀ	ਜਵਾਹਰ ਸਿੰਘ, ਦਿੱਲੀ	,,	1—10
113.	ਭੂਗੋਲ 8 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	1—15
114.	ਡਰਾਇੰਗ ਅੱਠਵੀਂ ਹਿੰਦੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ. ਪੰਜਾਬ	,,	0—95
115.	ਡਰਾਇੰਗ 8 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—70
116.	ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ 8	ਸਰਸਵਤੀ ਸਦਨ ਦਿੱਲੀ	,,	0—60
117.	ਕਤਾਈ ਬੁਣਾਈ 8 ਹਿੰਦੀ	ਡੀ. ਪੀ. ਆਈ ਪੰਜਾਬ	,,	1—30
118.	ਕਤਾਈ ਬੁਣਾਈ 8 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	1—20
119.	ਲਕੜੀ ਦਾ ਕੰਮ 8 ਹਿੰਦੀ	,,	,,	1—40
120.	ਲਕੜੀ ਦਾ ਕੰਮ 8 ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	1—30
121.	ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼ੀ ਰੀਡਰ ਅੱਠਵੀਂ	ਏ. ਈ. ਹਰਪਰ ਯੂ.ਐਸ.ਏ.	,,	0—65
122.	ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼ੀ ਵਿਆਕਰਣ 8 ਹਿੰਦੀ-ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼ੀ	ਮਥਰਾ ਦਾਸ ਚੋਪੜਾ, ਜਲੰਧਰ ਚਮਨ ਲਾਲ ਅੰਬਾਲਾ	,,	0—60
123.	ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼ੀ ਵਿਆਕਰਣ 8 ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼ੀ ਪੰਜਾਬੀ	,,	,,	0—65
124.	ਰੀਡਰ 1 ਹਿੰਦੀ (ਪੁਰਾਣੀ)	,,	,,	0—50
125.	ਰੀਡਰ 1 ਪੰਜਾਬੀ ,,	,,	,,	0—50
126.	ਰੀਡਰ 4 ਹਿੰਦੀ ,,	ਸੂਰਜ ਭਾਨ ਵੀ. ਸੀ. ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	,,	1—17
127.	ਰੀਡਰ 4 ਪੰਜਾਬੀ ,,	ਧਨਪਤ ਰਾਏ ਐਂਡ ਸੰਨਜ਼, ਜਲੰਧਰ ਐਸ. ਐਸ. ਅਮੋਲ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਜੀ. ਐਸ, ਤਾਲਿਬ, ਕੁਰੁਕਸ਼ੇਤਰਾ	,,	0—97
128.	ਰੀਡਰ 5 ਹਿੰਦੀ ,,	ਪਤੰਬਰ ਬੁਕ ਭੰਡਾਰ, ਐਨ. ਡੀ. ਜਨਤਾ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਮੰਦਿਰ ਦਿੱਲੀ	,,	0—89
129.	ਰੀਡਰ 5 ਪੰਜਾਬੀ ,,	ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਪਰਮਜੀਤ ਕੌਰ ਮਾਰਫ਼ਤ ਐਸ.ਐਸ. ਅਮੋਲ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	,,	1—05

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

LIST OF BOOKS APPROVED BY THE PUNJAB SCHOOL EDUCATION BOARD CHANDIGARH AS COURSES OF STUDY FOR MATRIC/HIGHER SECONDARY PART I & II EXAMINATIONS-ADMISSION YEAR 1970

Name of the Book/Author and Script	Published by	Approved Price
Arithmetic		Rs. P.
1. Modern Arithmetic by Barkat Ram Nayyar and Bhagwan Dass (Punjabi)	New United Publishers, Jullundur	4—20
2. New Matriculation Arithmetic by Nishan Singh Jaswal (Punjabi)	Ram Nath Sharma and Sons, Chandigarh	4—25
3. Orient Arithemetic by Sant Ram Sharma (Punjabi)	Orient Publishers, Jullundur	4—30
4. —do— (Hindi)	—do—	4—30
5. Modern Arithmetic by Barkat Ram Nayyar & Bhagwan Dass (Hindi)	New United Publishers, Jullundur	4—20
Geometry.		
1. Orient Geometry by Sant Ram Sharma (Punjabi)	Orient Publishers, Jullundur	3—95
2. A New Scheme Matriculation Rekha Ganit by Tej Ram & Pitambar Lal (Punjabi)	Pitmabar Book Depot, Delhi	3—60
3. A Modern Style High School Geometry by D.D. Dhawan (Punjabi)	Dhawan Publishers, Jullundur	4—60
4. Progressive Geometry by Jawahar Singh (Punjabi)	K. G. Sahni and Sons., Delhi	*
5. A New Matriculation Plane Geometry by Sham Lal Sehajpal (Hindi)	Dhanpat Rai and Sons, Jullundur	3—90
6. Navin Sarl Rekha Ganit by Tej Ram Pitambar Lal (Hindi)	Pitambar Book Depot, Delhi	3—65
7. University Geometry by F. C. Wadhwa (Hindi)	University Publishers, Jullundur	4—60
8. Orient Geometry by Sant Ram Sharma (Hindi)	Orient Publishers, Jullundur	3—95
9. Young Geometry by Maya Chand (Hindi)	Young Friends Publishers, Delhi	4—10
10. A Modern Style High School Geometry by D. D. Dhawan (Hindi)	Dhawan Publishers, Jullundur	4—60
11. A New Matriculation Geometry by Sham Lal Sehajpal (Eng.)	Dhanpat Rai and Sons-Jullundur	4—00
Higher Geometry		
1. Navin Higher Secondary Rekha Ganit by Tej Ram and Pitambar Lal (Hindi)	Pitambar Book Depot, Delhi	2—85

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Education]

2. New Method Higher Geometry by Harcharan Singh (English)	Ram Nath Sharma and Sons, Chandigarh	2—40
3. A New Higher Secondary Geometry by Tej Ram Pitambar Lal (English)	Pitambar Book Depot. Delhi	1—85

Algebra

1. Ideal Algebra by D. R. Garga (Punjabi)	Des Raj and Sons. Sunam	4—20
2. Rakesh Matriculation Algebra by Surjan Singh and Sardari Lal (Punjabi)	New United Publishers. Jullundur	4—25
3. New Kohinoor Algebra by Pyare Lal Beri (Punjabi)	Kohinoor Book Depot, Jullundur	3—95
4. New Orient Algebra by M. R. Sharma (Punjabi)	Orient Publishers, Jullundur	4—45
5. Sartaj Matriculation Algebra by Bhagwan Dass (Punjabi)	Kapoor Publishers, Jullundur	4—00
6. New Popular Algebra by Nahar Singh Grewal (Punjabi)	Ved Parkash and Sons. Jullundur	3—45
7. New Kohinoor Algebra by Pyare Lal Beri (Hindi)	Kohinoor Book Depot, Jullundur.	3—95
8. Ideal Algebra by D.R. Garga (Hindi)	Des Raj and Sons, Sunam	4—20
9. Sartaj Matriculation Algebra by Bhagwan Dass (Hindi)	Kapoor Publishers, Jullundur	4—00
10. New Orient Algebra by M.R. Sharma (Hindi)	Orient Publishers, Jullundur	4—45
11. Rakesh Matriculation Algebra by Surjan Singh (Hindi)	New United Publishers, Jullundur	4—25
12. A New Method Matriculation Algebra by Jagjit Singh (English)	Dhanpat Rai and Sons, Jullundur	4—50

Higher Algebra

1. The Elements of Algebra by J. L. Malik and M. S. Yadav. (English)	Jeevan Sons Publishers. Delhi	4—05
2. New Method Algebra by Jagjit Singh (English)	Dhanpat Rai and Sons, Jullundur	3—60
3. A New Higher Algebra by Tej Ram Pitambar Lal (English)	Pitambar Book Depot, Delhi	3—20

History

1. History of Bharat Part I by H. R. Gupta (Punjabi)	U. C. Kapoor and Sons, Delhi	4—35
2. History of Bharat Part II by H.R. Gupta (Punjabi)	U. C. Kapoor & sons, Delhi.	4—50

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

3. University Itehas Bharat Varash Part II by Jugul Kishore (Punjab.)	University Publishers Jullundur.		*
4. —do— (Part I)	—do—		4—95
5. Bharat Da Navin Itehas by Gurcharan Singh & Pran Khosla (Punjabi).	Dhanpat Rai & Sons Jullundur.	Part I. Part II.	3—40 3—75
6. History of India Part I by K. D. Nath (Hindi)	Panch Nad Publishers, Jullundur.		4—80
7. History of India Part II by K. D. Nath (Hindi)	—do—		5—20
8. Higher History of India by Gurcharan Singh & Pran Khosla (Hindi)	Dhanpat Rai and Sons, Jullundur	Part I. Part II	3—45 3—80
9. University Itehas Bharat Varash Part I by Yugal Kishore (Hindi)	University Publishers, Jullundur		4—75
10. do (Part II).	—do—		4—75
Social Studies :			
1. Samajik Gyan A (Social Studies A geography & History) by Sikandar Lal Grover, Gurcharan Singh D.R. Sachdeva, K. C. Khanna and B. D. Kaushal (Punjabi)	Dhanpat Rai & Sons, Jullundur		5—50
2. Samajik Gyan B (Social Studies) B Civics & Economics) by -do- as at Sr. No. 1) (Punjabi)	—do—		4—25
3. Orient Social Studies Part (I) by Jugal Kishore (Punjabi)	Orient Publishers, Jullundur		5—80
4. -do- (Part II) (Punjabi)	—do—		4—30
5. Hamra Samaj Part I by B.N. Duggal & P. D.Jain (Hindi)	Best Publications, Jullundur		6—20
6. Samaj Ke Baten Part I by K. D. Nath (Hindi)	Gurdas Kapur & Sons, Delhi		6—45
7. -do- Part II	-do-		4—35
General Science.			
1. Orient General Science (Science Group) by Dr. Tara Singh & Dr. Raj Kumar Sharma (Punjabi)	Orient Publishers, Jullundur		3—15
2. -do- (Humanities) Group	—do—		5—50

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pan

[Minister for Education]

3. Sachitra Samanya Vigyan (Humanities Group) (Pb.) by P. L. Soni	Bharti Bhawan, Delhi	5—85
4. -do-(Science Group)	-do-	3—25
5. University General Science by N. D. Sodhi (Punjabi)	University Publishers, Jullundur	5—85
6. Orient General Science (Humanities Group) by Dr. Tara Singh & Raj Kumar Sharma (Hindi)	Orient Publishers, Jullundur	5—50
7. -do- (Science Group)	-do-	3—15
8. New Style General Science by S. P. Gakhar (Hindi)	Kailash Publishing House Delhi	5—55
9. Sachitra Samanya Vigyan by P. L. Soni (Humanities Group Hindi)	Bharati Bhawan Delhi	5—65
10. -do- (Science Group)	-do-	3—30

Household Accounts & Domestic Arithmetic.

1. Parvarik Hisab Kitab Ate Gharelu Ank Ganit Di Navin Pustak by Vimal Kumari (Punjabi)	Pitamber Book Depot, Delhi	3—35
2. Universal Household Accounts by J. K. Bhatnagar & Shrimati Primla Sabharwal (Punjabi)	K. G. Sahni & Sons, Delhi	*
3. Orient Household Accounts & Domestic Arithmetic by M. R. Sharma (Punjabi)	Orient Publishers, Jullundur	3—65
4. Parvarik Hisab Kitab Ate Gharelu Ank Ganit by Ram Lal Gupta (Punjabi)	Dhanpat Rai & Sons, Jullundur	3—70
5. University Household Accounts and Domestic Arithmetic by Mrs. Prem Lata Baboota (Punjabi)	University Publishers, Jullundur	3—55
6. Gharelu Lekh Ate Ank Ganit Di Pustak by Kiran Khosla (Punjabi)	New Punjab Publishers, Ludhiana	3—05
7. University Household Accounts & Domestic Arithmetic by Mrs. Prem Lata Baboota (Hindi)	University Publishers, Jullundur.	3—55

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

8.	Orient Household Accounts & Domestic Arithmetic by M. R. Sharma	Orient publishers, Jullundur	3—55
9.	A Text Book of Household Accounts and Domestic Arithmetic by Ram Lal Gupta (Hindi)	Dhanpat Rai & Sons. Jullundur	3—65
10.	Parvarik Hisab Kitab Tatha Gharelu Ank Ganit by Vimla Kumari (Hindi)	Pitambar Book Depot. Delhi	3—40

Home Science

1.	Navin Greh Vigyan (Humanities Group) by Kamla Gupta and Ram Lal Gupta (Punjabi)	Dhanpat Rai and Sons Jullundur	5—65
2.	Adarsh Vigyan by Mohinder Kumar Om Parkash Singal and Pritma Priya Darshni (Punjabi)	Kitab Mahal Delhi	*
3.	Navin Greh Vigyan (Humanities Group) by Kamla Gupta and Ram Lal Gupta (Hindi)	Dhanpat Rai and Sons,	4—20

Hindi Grammer

1.	Hindi Vayakaran Tatha Nibandh Rachna by Harish Chander	Dhanpat Rai and Sons, Jullundur	4—30
2.	Adarsh Hindi Vayakaran Tatha Nibandh Rachna by Shanti Dev Aggarwal	Arya Book Depot, Delhi	3—10
3.	University Hindi Vayakaran Tatha Nibandh Racnha by Ram Chander Javed	University Publishers, Jullundur.	4—15
4.	Parbodh Hindi Vayakaran Tatha Rachna by Rattan Chander Sharma	Mukta Printers, Ambala Cantt.	3—75
5.	Navin Hindi Vayakaran Tatha Rachna by Suresh Chander Pathak	Jai Parkashan, Jullundur	*
6.	Regal Hindi Vayakaran Tatha Rachna by Sohan Lal and Des Raj	Regal Publishers, Chandigarh.	3—75
7.	Saral Hindi Vayakaran by G. L. Sharma, Madan Lal Jetli and Ramesh Tarun	Gurdas Kapur and Sons, Delhi	3—60
8.	Nutan Hindi Vayakaran Aur Rachna by Om Parkash Satyarthi and P. S. Jain	Sri Mahavir Book Depot, Jullundur	2—90

Punjabi Grammar

1.	Orient Punjabi Vayakaran Te Lekh Rachna by Kartar Singh Chawla	Orient Publishers, Jullundur.	4—85
2.	Orient Core Punjabi by Kartar Singh Chawla	—do—	4—60

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Education]

3. Navin Punjabi Vayakaran Te Likhat Rachna by Giani Lal Singh (2nd Language)	Dhanpat Rai and Sons, Jullundur	2—95
4. University Punjabi Vayakaran Te Lekh Rachna by Mohan Singh Johal	University Publishers, Jullundur	4—15
5. Navin Parnali Punjabi Vayakaran Te Lekh Rachna by Surrinder Singh Sodhi	Ram Nath Sharma and Sons, Chandigarh.	3—45
Civics		
1. Nagrik Shastar Ke Sidhant by R. R. Sethi, R. L. Bhatia and R. C. Aggarwal (Hindi).	S. Chand and Co., Delhi	5—65
Commerce		
1. Elements of Commerce by V. N. Mehrotra (Hindi)	University Publishers Jullundur	7—30
2. Elements of Commerce by C. L. Chaturvedi and L. N. Aggarwal (Hindi)	Sri Mahavir Book Depot., Delhi	9—15
Economics		
1. Simple Study of Economics by Hans Raj (Punjabi)	Sharda Brothers, Ludhiana.	4—35
2. Indian Economics by T. N. Sachdeva and R. D. Gupta (Hindi)	Bansal and Co., Shahdra, Delhi.	3—25
Trigonometry		
1. Navin Trigonometry by Tej Ram and Pitambar Lal (Hindi)	Pitambar Book Depot., Delhi	5—30
2. A New Book of Trigonometry by Charanjit Singh Sarna and Ram Gopal Gupta (Hindi)	Arya Book Depot, Delhi	5—50
3. New Style Plane Trigonometry by Goverdhan Lal Bakshi and Arjan Singh (English)	U. C. Kapoor and Sons, Delhi	4—75
4. Elementary Plane Trigonometry by G. C. Goela and M.S. Bedi (English)	University Publishers, Jullundur.	3—90
5. Elementary Trigonometry by Raj Kumar and B.N. Chadha (English)	Gurdas Kapur and Sons, Delhi	3—60
6. A New Trigonometry by Tej Ram and Pitambar Lal (English)	Pitambar Book Depot, Delhi	3—70
Typewriting		
1. Modern Type writing (Adhunik Type Siksha) by G. L. Joshi (Hindi and English)	Sri Mahavir Book Depot, Delhi	6—20
Book Keeping		
1. Higher Secondary Book Keeping and Accounts by C. L. Chaturvedi and L. N. Aggarwal (Hindi)	Sri Mahavir Book Depot, Delhi	11—90

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

2. Elements of Book Keeping by B. L. Bansal (English)	Dhanpat Rai and Sons. Delhi.	6—40

Scale Drawing

1. Rakesh Scale Drawing by Balwant Singh (Punjabi/Hindi/English)	New United Publishers, Jullundur	3—15
2. New Style Scale Drawing by Tirath Ram (Punjabi/Hindi/English)	Kailash Publishing House, Delhi	2—70
3. Kohinoor Scale Drawing by K. L. Pathak (Punjabi/Hindi)	Kohinoor Book Depot, Jullundur	3—00
4. Shromani Scale Drawing by Rajinder Singh and Gursagar Singh (Punjabi/Hindi)	Gurdas Kapur and Sons, Delhi	3—25
5. Bharti's Scale Drawing by Prem Singh Malik Chitrakar (Punjabi/Hindi/English)	Bharti Bhawan, Delhi	2—90
6. Modern Scale Drawing by Krishan Lal (Punjabi/English)	Vohra Book Depot, Jullundur	2—00
7. Bharti's Scale Model and Design Book by Prem Singh Malik Chitrakar (Punjabi/Hindi/English)	Bharti Bhawan, Delhi	6—45

Design Drawing

1. Shromani Design and Colour Book by Rajinder Singh and Mohinder Singh (Punjabi)	Gurdas Kapur & Sons, Delhi	2—00
2. New Style Design and Model Drawing Book by Tirath Ram (Punjabi/Hindi)	Kailash Publishing House, Delhi	4—75
3. Bharti's Model and Design and Freehand Book by Prem Singh Malik Chitrakar (Punjabi/Hindi)	Bharti Bhawan, Delhi	3—90

Geometrical Drawing

1. New Style Geometrical Drawing by Tirath Ram (Punjabi)	Kailash Publishing House, Delhi	2—70
2. Rakesh Geometrical Drawing by Balwant Singh (Punjabi)	New Uuited Publishers, Jullundur.	2—90
3. Hazooria Geometrical Drawing by Kulwant Singh (Punjabi)	Hazooria and Sons, Jullundur	2—65
4. Kohinoor Geometrical Drawing by Kishori Lal Pathak (Punjabi)	Kohinoor Book Depot, Jullundur.	2—75
5. Shromani Geometrical Drawing by Rajinder Singh and Harmanjit Singh (Punjabi)	Gurdas Kapur and Sons, Delhi	2—65
6. New Style Geometrical Drawing by Tirath Ram (Hindi)	Kailash Publishing House, Delhi	2—75

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Education]

7.	Kohinoor Geometrical Drawing by Kishori Lal Pathak (Hindi)	Kohinoor Book Depot, Jullundur	2—75
8.	Rakesh Geometrical Drawing by Balwant Singh (Hindi)	New United Publishers, Jullundur	*

Sanskrit Grammar

1.	Manohar Matric Sanskrit Vayakaran by Vijay Chand Shastri and Dr. Sansar Chander.	Raj Publishers, Jullundur	4—15

English Grammar

1.	Elite English Grammar by Nand Kishore (English/Punjabi)	Elite Publishers, Jullundur	6—40
2.	The New Matriculation English Grammar, Composition and Translation by Kartar Singh and Ved Parkash (English/Punjabi)	Parkash and Co., Jullundur	5—55
3.	Universal English Grammar, Composition and Translation by Mrs. Narinder Kaur (English/Hindi/Punjabi)	Bansal and Co., Shahdra, Delhi	5—80
4.	Functional English Grammar of Karnail Singh	K. G. Sahni and Sons, Delhi	*
5.	Ideal English Grammar, Composition and Translation by D.R. Garga (English Hindi/Punjabi).	Des Raj and Sons, Sunam	5—05
6.	Orient English Grammar, Composition and Translation by K. K. Randev (English/Hindi/Punjabi).	Orient Publishers, Jullundur.	6—45
7.	A Text Book of English Grammar, Composition and Translation by A. S. Yadawa and Brij Nandan Lal (English/Hindi).	Bharti Bhawan, Delhi.	6—00
8.	Deleted		
9.	Structural English Grammar and Composition by Hari Ram (English)	Inter University Press Delhi	6—00

Hygiene and Physiology

1.	Matric Sehat Vigyan (Hygiene) by Ram Lal Gupta (Punjabi)	Dhanpat Rai and Sons, Jullundur.	2—60
2.	Matric Sharirkirya (Physiology) Vigyan by Ram Lal Gupta (Punjabi)	—do—	2—40
3.	Matric Swasthya Vigyan (Hygiene) by Ram Lal Gupta (Hindi)	—do—	2—60
4.	Matric Sharirkirya Vigyan (Phy.) by Ram Lal Gupta (Hindi)	Dhanpat Rai and Sons, Jullundur.	2—50

Physics

1.	New Era School Physics by Vishwa Nath (Punjabi)	K. G. Sahni and Sons, Delhi	*

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

2.	Orient Matriculation Physics by Dr. Raj Kumar (Punjabi)	Orient Publishers, Jullundur.	4—20
3.	Higher Secondary Physics by K. C. Nanda (Hindi)	Raj Publishers, Jullundur.	11—50
4.	Deleted.		
5.	Sartaj Matriculation Physics by Bhagwan Dass (Hindi)	Kapoor Publishers, Jullundur.	4—35
6.	Navin High School Physics by Y. P. Parti (Hindi)	Pitambar Book Depot, Delhi.	3—40
7.	Orient Matriculation Physics by Dr. Raj Kumar (Hindi)	Orient Publishers Jullundur.	4—10
8.	Practical Physics by D. N. Vasudeva and S. D. Khorana (English)	Ram Chand and Co., Delhi.	2—15

Chemistry

1.	University Chemistry by Satya Prakash (Punjabi).	University Publishers, Jullundur.	3—10
2.	Navin Matriculation Chemistry by Gurdial Singh Phul, Karam Singh Sahota (Punjabi)	Bharat Publishing House, Jullundur.	3—15
3.	Orient Matriculation Chemistry by Raj Kumar Sharma (Punjabi)	Orient Publishers, Jullundur	2—90
4.	Akarbanik Rasayan by P. L. Soni (Hindi)	Sultan Chand and Sons, Nai Sarak, Delhi	12—50
5.	New Era Chemistry Part I by Vishwa Nath (Hindi)	K. G. Sahni and Sons, Delhi	2—50
6.	University Chemistry by Satya Pradash (Hindi)	University Publishers, Jullundur	3—15
7.	Orient Matriculation Chemistry by Raj Kumar Sharma (Hindi)	Orient Publishers, Jullundur	2—90
8.	New Matriculation Chemistry by Rajeshwar Parshad (Hindi)	Gurdas Kapur and Sons, Delhi	3—05
9.	Sartaj Chemistry by Bhagwan Dass (Hindi)	Kapur Publishers, Jullundur	3—00
10.	Fundamental Chemistry by R. N. Mehta and Mrs. H.S. Singh (English)	Ram Chand and Co., Delhi	9—40
11.	Pre-University Chemistry by H. R. Jindal and K. N. Chanda (English)	Dhanpat Rai and Sons, Jullundur	7—15
12.	Pre-University Chemistry by C. L. Bruta, Inder Singh and G. C. Junja (English)	Gurdas Kapur and Sons, Delhi	7—75
13.	Elemenatry Fractical Chemistry by R. N. Mehta, O. P. Gupta and A.K. Sikri (English)	Ram Chand and Co., Delhi	2—40

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
P

[Minister for Education]

Wood Work		
1. Kashth Kala by Dr. Mohinder Kumar and Mohd. Khalilul Rab (Hindi)	Kitab Mahal, Delhi	*
Agriculture		
1. Ideal Ariculture General by Gurmit Singh (Punjabi)	New Golden Publishers, Jullundur	5—75
Gardening		
1. Ideal Gardening (Adarsh Bagicha) by S. K. Walia and Gurmit Singh (Punjabi)	New Golden Publishers Jullundur	3—40
Animal Husbandry		
1. Pashur Palan Upnam Go. Sawardhan by Col. Amir Chand (Punjabi)	Dass Brothers, Nicholson Road, Ambala Cantt.	2—85
2. Anupam Pashu Palan by R. C. Sharma and S. D. Sharma (Punjabi)	Young Friends Publishers, Delhi	2—90
3. —do— (Hindi)	—do—	4—45

* Prices of these books have yet to be fixed, as publishers(s) have not so far submitted printed copies thereof to the Board.

SUPPLEMENTRY LIST OF BOOKS APPROVED BY THE PUNJAB SCHOOL EDUCATION BOARD, CHANDIGARH AS COURSES OF STUDY FOR MATRIC/HIGHER SECONDARY PART I & PART II EXAMINATION ADMISSION YEAR 1970.

Name of the Book/Author and Script	Published by	Approved Price Rs. P.
Arithmetic		
1. Orient Arithmetic by Sant Ram Sharma (English)	Orient Publishers, Jullundur	3—60
2. New Matriculation Arithmetic by N.S. Jaswal (English)	Ram Nath Sharma and Sons, Chandigarh	4—25
Algebra		
1. Sartaj Algebra by Bhagwan Dass (English)	Kapoor Publishers, Jullundur	3—85
Geometry		
1. A New Popular Geometry by Tej Ram Pitambar Lal (English)	Pitambar Book Depot, Delhi-6	3—75
2. A Modern High School Geometry by D. D. Dhawan (English)	Dhawan Publishers, Jullundur	4—10
Trigonometry		
1. A New Book of Trigonometry by Charanjit Singh Sarna and Ram Gopal Gupta (English) (H.S. Part II)	Arya Book Depot, New Delhi	4—95

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Physics

1. University Physics by Satya Parkash (English)	University Publishers, Jullundur City.	4—00
2. Sartaj Matriculation Physics by Bhagwan Dass (English)	Kapoor Publishers, Jullundur	9—05
3. Higher Secondary Physics (H. S. by K. C. Nanda (English) (Part II)	Raj Publishers, Jullundur	8—25
4. Elementary Physics by C. L. Arora and S. P. Malhotra (English) (H. S. Part II)	S. Chand and Co., New Delhi-55	9—15

Chemistry

1. Sartaj Matriculation Chemistry by Bhagwan Dass (English)	Kapoor Publishers, Jullundur	2—60
2. Progressive Higher Secondary Chemistry (Part I) by P. C. Kaura (English)	Pitambar Book Depot Delhi	2—20
3. University Chemistry by Satya Parkash (English)	University Publishers, Jullundur City.	2—30
4. Principles of Chemistry by P. L. Soni (English) (H. S. Part II)	Sultan Chand and Sons, Delhi-6	9—20
5. Pre-University Chemistry by B. S. Bahl and G. D. Sharma (H/S Part II)	S. Chand and Co., Ram Nagar, New Delhi-55	7—90

LIST OF BOOKS (TRANSLATIONS) APPROVED BY THE PUNJAB SCHOOL EDUCATION BOARD, CHANDIGARH AS COURSES OF STUDY FOR MATRIC/ HIGHER SECONDARY PART I & II EXAMINATIONS ADMISSION YEAR, 1970.

Name of the Book/Author and Script	Published by	Approved Price
Arithmetic		Rs. P.
1. New Matriculation Arithmetic (Hindi) by Nishan Singh Jaswal	Ram Nath Sharma and Sons, Chandigarh	4—50
Geometry		
1. Progressive Geometry (Hindi) by Jawahar Singh	K. G. Sahni and Sons, Delhi	*
2. A New Matriculation Plane Geometry (Punjabi) by Sham Lal Sehajpal	Dhanpat Rai and Sons, Jullundur	4—25
3. Young Geometry (Punjabi) by Maya Chand	Young Friends Publishers, Delhi	*
Algebra		
1. New Popular Algebra (Hindi) by Nahar Singh Grewal	Ved Parkash and Sons, Jullundur	*

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Education]

Household Accounts & Domestic Arithmetic

1.	Universal House hold Accounts by J.K. Bhatnagar and Primla Sabbarwal (Hindi)	K. G. Sahni and Sons, Delhi	*
2.	Gharelu Lekh Ate Ank Ganit Di Pustak (Hindi) by Kiran Khosla	New Punjab Publishers,	3—15

History

1.	History of Bharat Part I (Hindi) by H. R. Gupta	U. C. Kapoor and Sons, Delhi	*
2.	History of Bharat Part II (Hindi) by H. R. Gupta.	—do—	*
3.	History of the India Part I (Punjabi) by K. D. Nath	Panch Nad Publishers, Jullundur	*
4.	—do— Part II	—do—	*

General Science

1.	University General Science by N. D. Sodhi (Hindi)	University Publishers, Jullundur	5—65
2.	New Style General Science (Punjabi) by S. P. Gakhar	Kailash Publishing House. Delhi	5—55

TRANSLATIONS

Civics

1.	Nagrik Shastar (Punjabi) De Sidhant by R. R. Sethi, R. L. Bhatia and R. C. Aggarwal.	S. Chand and Co., Delhi	6—35

Economics

1.	Simple Study of Economics by Hans Raj (Hindi)	Sharda Brothers, Ludhiana	3—90
2.	Indian Economics (Punjabi) by T. N. Sashdeva and R.D. Gupta	Bansal and Co.. Delhi	*

Scale Drawing

1.	Shromani Scale Drawing by Rajinder Singh and Gursagar Singh (Hindi)	Gurdas Kapur and Sons, Delhi	3—25

Design Drawing

1.	Shromani Design and Colour Book by Rajinder Singh and Mohinder Singh (Hindi)	—do—	2—00

Geometrical Drawing

1.	Hazooria Geometrical Drawing by Kulwant Singh (Hindi)	Hazooria and Sons, Jullundur	*
2.	Shromani Geometrical Drawing by Rajinder Singh and Harmanjit Singh (Hindi)	Gurdas Kapur and Sons, Delhi	2—65

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Physics		
1. New Era School Physics by Vishwa Nath (Hindi)	K. G. Sahni and Sons. Delhi-6	5—00
Animal Husbandry		
1. Pashu Palan Upnam Gosawardhan (Hindi) by Col. Amir Chand	Dass Brothers, Ambala Cantt.	2—90
Gardening		
1. Ideal Gardening (Hindi) (Adarsh Bagicha) by S. K. Walia and Gurmit Singh)	New Golden Publisher Jullundur	3—75
English Grammar		
1. Elite English Grammar (English/Hindi) by Nand Kishore	Elite Publishers, Jullundur	6—40
2. The New Matriculation English Grammar Composition and Translation (English/Hindi) by Kartar Singh and Ved Parkash	Parkash and Co., Jullundur	5—55
3. Ideal English Grammar, Composition and Translation (English/Punjabi) by D. R. Garge	Des Raj and Sons, Sunam (Sangrur)	5—05
Chemistry		
1. New Era Chemistry (Punjabi) by Vishwa Nath	K. G. Sahni and Sons,	*
2. New Matriculation Chemistry (Punjabi) by Rajeshwar Parshad	Gurdas Kapoor and Sons, Delhi	2—95
3. Sartaj Matriculation Chemistry (Punjabi) by Bhagwan Dass	Kapoor Publishers, Jullundur	3—05
Economics		
1. Simple Study of Economics (Punjabi) by Hans Raj (Revised Edition)	Sharda Publishers, Ludhiana	4—80
2. —do— (Hindi	—do—	4—65
Social Studies		
1. Orient Social Studies (Hindi) Part I by Jugal Kishore	Orient Publishers, Julluudur	5—80
2. —do— Part II	—do—	4—80
3. Samaj Ke Baten Part I (Punjabi) by K. D. Nath	Gurdas Kapoor and Sons, Delhi	6—60
4. —do— Part II	—do—	4—65
5. Samajik Vigyan 'A' (Hindi) by Gurcharran Singh and Others	Dhanpat Rai and Sons. Jullundur	5—35
6. —do— Part 'B'	—do—	4—50

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Education]

LIST OF TEXT-BOOKS ON LANGUAGES (PUNJABI, HINDI, SANSKRIT AND ENGLISH) PRESCRIBED BY PUNJAB SCHOOL EDUCATION BOARD AS COURSES OF STUDIES FOR THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATIONS ADMISSION YEAR, 1970.

		Approved Price Rs. P.
Punjabi		
1. Sahit Bhushan, by Prof. G. S. Talib, published by the Punjab University Publication Bureau, Chandigarh.	For Matriculation and Higher Secondary Part I.	2—60
2. Kahani-Mala, by Dr. S. S. Kohli, Published by the Punjab University Publication Bureau, Chandigarh.		1—75
3. Ekangi Vangian, by Prof. I. C. Nanda, Published by the Punjab University Publication Bureau, Chandigarh.		1—25
4. Changer by Prof. Mohan Singh Published by Punjab University Publication Bureau Chandigarh.	For Higher Secondary Part II.	1—40
5. Punjabi Sahit Di Itihas Rekha by Dr. Mohan Singh, Published by Punjab University Publication Bureau, Chandigarh		1—80
Hindi		
6. Sahit Shree by Prof. Inder Nath Madan Published by the Punjab University Publication Bureau, Chandigarh.	For Matriculation and Higher Secondary Part I	2—15
7. Maha Manav by Prof. Sohan Lal Sharma, Published by Punjab University Publication Bureau, Chandigarh		1—75
8. Adarsh Ekanki Sangarh by Dr. Sansar Chandra, Published by Punjab Uuniversity Publication Bureau, Chandigarh		1—10
9. Kavya Sandoh, by Prof. Jagan Nath Aggarwal Published by the Punjab University Publication Bureau, Chandigarh.	For Higher Secondary Part II	1—10
10. Hindi Sahit Ka Itehas (Under Print)	Adopted from N. C. E. R. T.	
Sanskrit		
11. Sanskrit Madhuri by Dr, Ram Gopal Published by Punjab University Publication Bureau, Chandigarh.	For Higher Secondary Part I and II	2—00
12. Sanskritodya	For Matriculation Adopted from NCERT	2—00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

English

1.	Voices Melodious by Dr. D. D. Jyoti and Hari Ram, Published by Punjab Universiy Publication Bureau, Chandigarh.	For Matriculation and Higher Secondary Part I	0—65
2.	Selected English Prose for Young Readers by Ugra Sen Fublished by Punjab University Publication Bureau, Chandigarh.		0—90
3.	Select Short Stories by Dr. D.D. Jyoti published by Punjab University Publication Bureau, Chandigarh.	For Higher Secondary Part II.	1—20
4.	A Book of English Prose and Poem	(Under Print) Adopted from Central Board of Sec. Education.	
5.	English Reader Book IV General Series	(Under Print) Adopted from N.C.E.R.T.	

Unstarred Question No. 680

ਸਭਾ ਦੇ ਸੁਆਲ ਨੰ: 680 ਜੋ ਮਿਤੀ 24.7.1970 ਲਈ ਅਨਸਟਾਰਡ ਸੁਆਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ ਦੇ ਵਲੋਂ/ਨਾਂ ਹੇਠ ਦਰਜ ਹੈ, ਦਾ ਜੁਆਬ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਹੈ ।

ਸਬੰਧਤ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਹੋ ਜਾਣ ਤੇ ਜੁਆਬ ਤੁਰੰਤ ਭੇਜ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।

ਸਹੀ/-

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਪੰਜਾਬ

ਸਕੱਤਰ, ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ,

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ।

ਗ: ਸ: ਨੰ: 11155-3ਗਟ-70, ਮਿਤੀ 23.7.1970

STRENGTH OF POLICE FORCE IN AMRITSAR CITY

681 **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to increase the strength of Police force in Amritsar city; if so, to what extent and the time by which it is expected to be implemented;

(b) whether there is also any scheme under consideration to reorganise the boundaries of police stations located in the Amritsar Municipal area ; if so, the time by which it is likely to be finalised,

(c) whether the Government is aware of the fact that telephones have not been provided in some police Chowkies of Amritsar city ; if so, the reasons therefor ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Education]

(d) the details of the steps taken by the Government since 1.4.70 to improve law and order in city ?

Sardar Parkash Singh Badal (a) Yes Sir. Necessary orders regarding it will be passed keeping in view the question of availability of funds.

(b) No Sir ;

(c) All Police Posts are provided with telephones.

(d) The following steps have been taken in this regard :—

(i) PAP Force has been inducted into the city.

(ii) Special crime drives have been organised.

(iii) Supervisory control has been tightened.

[ਏ) ਹਾਂ ਜੀ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਫੰਡ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਣ ਦੀ ਸੂਰਤ ਵਿੱਚ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੁਕਮ ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਜਾਉਗਾ ।

ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

ਸੀ) ਸਾਰੀਆਂ ਪੁਲਿਸ ਚੌਕੀਆਂ ਦੇ ਟੈਲੀਫੂਨ ਲੱਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ।

ਡੀ) ਕਾਨੂੰਨ ਅਤੇ ਵਿਵਸਥ ਦੇ ਸੁਧਾਰ ਲਈ ਹੇਠ ਦਿੱਤੇ ਕਦਮ ਚੁੱਕੇ ਗਏ ਹਨ :—

(1) ਸ਼ਹਿਰ ਵਿੱਚ ਪੀ. ਏ. ਪੀ. ਫੋਰਸ ਲਗਾਈ ਗਈ ਹੈ ।

(2) ਉਚੇਚੇ ਜ਼ਰਾਇਮ ਰੋਕੂ ਸਾਧਨਾਂ ਦਾ ਪਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

(3) ਨਿਗਰਾਨੀ ਦਾ ਪਰਬੰਧ ਕਰੜਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।]

Unstarred Question No. 682.

ਸਭਾ ਦੇ ਸੁਆਲ ਨੰ: 682 ਜੋ ਮਿਤੀ 24 ਜੁਲਾਈ, 1970, ਲਈ ਅਨਸਟਾਰਡ ਸੁਆਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿੱਚ ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਵਲੋਂ ਹੈ, ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਹੈ ।

ਸਬੰਧਤ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਹੋ ਜਾਣ ਤੇ ਜਵਾਬ ਤੁਰੰਤ ਭੇਜ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।

ਸਹੀ/-
ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ, ਪੰਜਾਬ ।

ਸਕੱਤਰ,
ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ।

ਗ. ਸ. ਨੰ: 692 ਰਿਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨ-70, ਮਿਤੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ 24 ਜੁਲਾਈ, 1970 ।

PERSONS ARRESTED FOR THEIR ANTI SOCIAL ACTIVITIES

683. **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the total number of persnos arrested in the State district-wise since 1-4-70 for their anti social activities ;

(b) the number of persons amongst them who were arrested for teasing the girls in big cities of Amritsar, Jullundur, Ludhiana and Patiala;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Education]

Sh Gian Chand Kharbanda

(c) whether any special steps have been taken to check the anti-social activities in the cities ?

Sardar Parkash Singh Badal

(a) and (b) A statement is laid on the Table of House.

(c) Besides a continuing unrelenting pressure, special raids are conducted from time to time against anti-social elements and police officials in plain clothes are deputed near Colleges and others educational institutions to round up persons indulging in eve teasing.

[ਏ) ਅਤੇ ਬੀ) ਇਕ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਪੇਸ਼ ਹੈ ।

ਸੀ) ਲਗਾਤਾਰ ਅਨਥਕ ਦਬਾਉ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਵੇਲੇ ਕਵੇਲੇ ਸਮਾਜ ਧਰੋਈ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਵਿਰੁਧ ਖ਼ਾਸ ਛਾਪੇ ਮਾਰੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਕਾਲਜਾਂ, ਸਕੂਲਾਂ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਸਿਖਲਾਈ ਕੇਂਦਰਾਂ ਦੇ ਲਾਗੇ ਪੁਲੀਸ ਕਰਮਚਾਰੀ ਚਿਟੇ ਕਪੜਿਆਂ ਵਿਚ ਇਸਤਰੀਆਂ ਨਾਲ ਛੇੜ ਖ਼ਾਨੀ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਕਾਬੂ ਕਰਨ ਲਈ ਗਸ਼ਤ ਕਰਦੇ ਹਨ ।]

Statement

District	Number of persons arrested since 1-4-70 to 15-7-70 for anti-social activities. (a)	Number of persons amongsi them arrested for eveteasing in Amritsar, Jullundur, Ludhiana and Patiala, (b)
1. Hoshiarpur	618	—
2. Jullundur	1441	11
3. Ludhiana	2422	5
4. Kapurthala	328	
5. Amritsar	2150	136
6. Ferozepore	1651	—
7. Gurdaspur	1034	—
8. Patiala	1718	2
9. Bhatinda	1025	—
10. Sangrur	1592	—
11. Ropar	175	—
Total	14154	154

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

AREA AROUND TOWN HALL, AMRITSAR

684. **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to take special steps to improve the low lying areas around Town Hall, Amritsar, which is always flooded during the rains and causes great inconvenience to the public of the surrounding areas and the persons going to Town Hall for official purpose , if so, the details thereof;

(b) if the answer to part (a) above be in the negative, whether the Government would consider the desirability of removing the inconvenience caused to the people of the said area ?

Sardar Tirlochan Singh Riasti : (a) No.

(b) This matter is under correspondence between the Municipal Committee and the Improvement Trust, Amritsar.

[(ੳ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ । ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਬਾਰੇ ਨਗਰਪਾਲਕਾ ਅਤੇ ਇਮਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟਰੱਸਟ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦਰਮਿਆਨ ਲਿਖਾ ਪੜ੍ਹੀ ਚਲ ਰਹੀ ਹੈ ।]

Unstarred Questions No. 685

ਵਿਸ਼ਾ :-ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, ਲੁਧਿਆਣਾ ਅਤੇ ਜਲੰਧਰ ਸਰਕਾਰੀ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀ 6ਵੀਂ ਤੇ 9ਵੀਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਵਿਚ ਬੱਚਿਆਂ ਦੇ ਦਾਖਲੇ ਬਾਰੇ । ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਅਨਸਟਾਰਡ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨੰ: 685.

ਸਭਾ ਦੇ ਸਵਾਲ ਨੰ: 685, ਜੋ ਮਿਤੀ 24.7.70 ਲਈ ਅਨਸਟਾਰਡ ਸਵਾਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਨਾਂ ਹੇਠ ਦਰਜ ਹੈ, ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਹੈ ।

ਸਬੰਧਤ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਹੋ ਜਾਣ ਤੇ ਜਵਾਬ ਤੁਰੰਤ ਭੇਜ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ।

ਸਹੀ)-
(ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ)
ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ, ਪੰਜਾਬ ।

ਸਕੱਤਰ,

ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ,
ਗ: ਸ: ਨੰ: 6124-ਸ਼ਿ-3 (3ਸ)70 ਮਿਤੀ 23.7.70

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

SCHOLARSHIPS FOR STUDENTS

686. **Shri Gian Chand Kharbanda**: Will the Minister for Education be pleased to—

(a) state the kinds of scholarships instituted by the Punjab Government which are available to the students of urban/rural areas separately alongwith the amount in each case ;

(b) state the period for which these scholarships are tenable,

(c) lay on the Table of the House the conditions which govern the grant of such scholarship to the students of urban/rural areas ?

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ : (ੲ) ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਦੇ ਕੁਲ ਕਾਲਜਾਂ/ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਜਨਰਲ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ/ਸਕੂਲ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਲਈ ਕੇਵਲ ਯੋਗਤਾ ਵਜ਼ੀਫੇ ਦੇਣ ਸਬੰਧੀ ਸਕੀਮਾਂ ਚਾਲੂ ਹਨ। ਵਜ਼ੀਫਿਆਂ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਹੇਠ ਲਿਖਤ ਅਨੁਸਾਰ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਾਲਜ ਸਟੇਜ						ਸਕੂਲ ਸਟੇਜ			
	ਖੁਲੇ ਵਜ਼ੀਫੇ		ਪੇਂਡੂ ਵਜ਼ੀਫੇ						
ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਦਾ ਨਾਂ ਜਿਸਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਨਤੀਜੇ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਵਜ਼ੀਫੇ ਦਿਤੇ ਜਾਣੇ ਹਨ	ਸਾਂਝੇ ਖੁਲ੍ਹੇ ਵਜ਼ੀਫ਼ੇ ਪੇਂਡੂ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਮੁੰਡਿਆਂ ਅਤੇ ਕੁੜੀਆਂ ਲਈ	ਖੁਲ੍ਹੇ ਰਾਖਵੇਂ ਵਜ਼ੀਫ਼ੇ ਕੇਵਲ ਪੇਂਡੂ ਮੁੰਡੇ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਕੁੜੀਆਂ ਲਈ	ਸਾਂਝੇ ਰਾਖਵੇਂ ਵਜ਼ੀਫ਼ੇ ਕੇਵਲ ਪੇਂਡੂ ਮੁੰਡੇ ਅਤੇ ਕੁੜੀਆਂ ਲਈ	ਰਾਖਵੇਂ ਵਜ਼ੀਫ਼ੇ ਕੇਵਲ ਪੇਂਡੂ ਕੁੜੀਆਂ ਲਈ	ਵਜ਼ੀਫ਼ੇ ਦਾ ਮਾਸਕ ਰੇਟ	ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਦਾ ਨਾਂ ਜਿਸ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਨਤੀਜੇ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਵਜ਼ੀਫੇ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ	ਖੁਲ੍ਹੇ ਵਜ਼ੀਫੇ	ਰਾਖਵੇਂ ਪੇਂਡੂ ਵਜ਼ੀਫੇ	ਵਜ਼ੀਫੇ ਦੀ ਮਾਸਕ ਦਰ
1	2	3	4	5	6	1	2	3	4
1. ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਪਾਰਟ-2/ ਪ੍ਰੀ-ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ	158	58	104	38	75/-	ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਸ਼ਕਾਲਰਸ਼ਿਪ ਮਿਡਲ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ।	112	190	6/- ਰੁ: ਲੜਕੇ ਲਈ 8/-ਰੁ: ਲੜਕੀਆਂ ਲਈ
2. ਡਿਗਰੀ									
I) ਬੀ. ਐਡ ਕੋਰਸ	5	—	—	—	110/-	2 ਦਸਵੀਂ ਦੀ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ।	25	18	22/- ਰੁ:
II) ਐਮ. ਏ./ਐਮ. ਐਸ. ਸੀ.	25	—	15	—	110/-				
III)ਡੀ. ਪੀ. ਈ. ਕੋਰਸ	10	—	10	—	75/-				
						3 ਹਾਇਰ ਸਕੈਂਡਰੀ ਪਾਰਟ 1 ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ।	12	10	22/- ਰੁ:
						4 ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ ਸ਼ਕਾਲਰਸ਼ਿਪ ਪੰਜਵੀਂ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ।	173	395	10/- ਰੁ:

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ ।

(ਬੀ) ਇਸ ਸਕੀਮ ਅਧੀਨ ਵਜ਼ੀਫੇ ਕੇਵਲ ਤਿੰਨ ਸਾਲ ਡਿਗਰੀ ਬੀ. ਐਡ. ਜਾਂ ਐਮ. ਏ./ਐਮ. ਐਸ. ਸੀ/ਡੀ. ਪੀ. ਈ. ਦੇ ਪੂਰੇ ਕੋਰਸ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਲਈ ਹੀ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ।	(1) ਬੀ (1) ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਦੋ ਸਾਲ ਸ਼ਕਾਲਰਸ਼ਿੱਪ (2) ਦਸਵੀਂ ਦੀ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਇਕ ਸਾਲ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ (3) ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਇਕ ਸਾਲ ਪਾਰਟ I ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ । (4) ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ ਤਿੰਨ ਸਾਲ ਸਕਾਲਰਸ਼ਿੱਪ ਪੰਜਵੀਂ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ।
(ਸੀ) ਇਸ ਸਕੀਮ ਅਧੀਨ ਵਜ਼ੀਫੇ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਮੋਟੀਆਂ ਸੰਖੇਪ ਰੂਪ ਵਿਚ ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਹਨ :— (ੳ) ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਸਬੰਧਤ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਦੇ ਸਕੂਲ/ਕਾਲਜ ਰਾਹੀਂ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਜਾਂ ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਦੀ ਪ੍ਰਵਾਣਿਤ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ/ਬੋਰਡ ਵਿਚੋਂ ਪਾਸ ਕਰ ਕੇ ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਦੇ ਕਿਸੇ ਕਾਲਜ ਵਿਚ ਹੀ ਦਾਖਿਲ ਹੋਣ । ਐਮ. ਏ./ਐਮ. ਐਸ. ਸੀ. ਕੋਰਸ ਲਈ ਉਹ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਵਿਭਾਗ ਵਿਚ ਭੀ ਦਾਖਲ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ । (ਅ) ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੇ ਮਾਤਾ ਪਿਤਾ ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਦੇ ਅਧਿਵਾਸੀ ਹੋਣ (ਸ) ਪੇਂਡੂ ਵਜ਼ੀਫਿਆਂ ਲਈ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਪੇਂਡੂ ਸਕੂਲਾਂ/ਕਾਲਜਾਂ ਵਿਚ ਹੀ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਸਬੰਧਤ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਪੇਂਡੂ ਸਕੂਲਾਂ/ਕਾਲਜਾਂ ਰਾਹੀਂ ਪਾਸ ਕੀਤੀ ਹੋਵੇ । ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੇ ਮਾਤਾ ਪਿਤਾ ਪੇਂਡੂ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਪੱਕੇ ਵਸਨੀਕ ਹੋਣ ਅਤੇ ਉਹ ਦੋਵੇਂ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਵੀ ਹੋਣ ਅਤੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਹੀ ਕੋਈ ਕਿੱਤਾ ਵੀ ਕਰਦੇ ਹੋਣ । (ਹ) ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੇ ਮਾਤਾ ਪਿਤਾ ਦੇ ਕੁਲ (ਟੱਬਰ) ਦੀ ਸਾਰੇ ਵਸੀਲਿਆਂ ਤੋਂ	(ਸੀ) ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਸਕੀਮਾਂ ਦੇ ਅਧੀਨ ਨਤੀਜੇ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਮੋਟੀਆਂ ਸੰਖੇਪ ਰੂਪ ਵਿਚ ਲਿਖੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਹਨ :— (1) ਇਹ ਵਜ਼ੀਫੇ ਕੇਵਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਟੇਟ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹਦੇ ਹੋਣ । (2) ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੇ ਮਾਤਾ ਪਿਤਾ/ਸਰਪਰਸਤਾਂ ਦੀ ਸਾਲਾਨਾ ਆਮਦਨ 8,000/- ਰੁ: ਤੋਂ ਘਟ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ 1,000/- ਰੁ. ਤੋਂ ਅਧਿਕ ਮਾਲੀਆ ਨਾ ਦਿੰਦੇ ਹੋਣ । (3) ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਮਨਜ਼ੂਰ ਸ਼ੁਦਾ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹਦੇ ਹੋਣ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਾਲਾਨਾ ਆਮਦਨੀ 5,000/- ਰੁ: ਤੋਂ ਵੱਧ ਨਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੇ ਮਾਤਾ ਪਿਤਾ 1,000/- ਰੁ: ਤੋਂ ਵੱਧ ਮਾਲੀਆ ਨਾ ਦਿੰਦੇ ਹੋਣ ।	(4) ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੇ ਮਾਤਾ ਪਿਤਾ ਪੰਜਾਬ ਸਟੇਟ ਦੇ ਵਸਨੀਕ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ।
(ਕ) ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੇ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ ਸੈਕੰਡ ਡਵੀਜ਼ਨ ਵਿਚ ਸਬੰਧਤ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਪਾਸ ਕੀਤੀ ਹੋਵੇ ।	(5) ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਸਕਾਰਲਸ਼ਿੱਪ ਦੇ ਖੁਲ੍ਹੇ ਵਜ਼ੀਫਿਆਂ ਲਈ ਉਮਰ 17 ਸਾਲ ਅਤੇ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ ਸ਼ਕਾਲਰਸ਼ਿੱਪ ਲਈ ਉਮਰ 13 ਸਾਲ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।
(ਖ) ਵਜ਼ੀਫੇ ਹਰ ਪਰਕਾਰ ਦੇ ਵਜ਼ੀਫਿਆਂ ਦੀ ਨਿਸਚਿਤ ਗਿਣਤੀ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਸਬੰਧਤ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਵਿਚੋਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੇ ਨੰਬਰਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਯੋਗਤਾ ਅਨੁਸਾਰ ਪੰਜਾਬ ਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀਆਂ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਸਕੂਲ ਸਿਖਿਆ ਬੋਰਡ ਦੀਆਂ ਸਫਾਰਸ਼ਾਂ ਤੇ ਹੀ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।	(6) ਪੇਂਡੂ ਵਜ਼ੀਫਿਆਂ ਲਈ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੇ ਮਾਤਾ ਪਿਤਾ ਪੇਂਡੂ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਪੱਕੇ ਵਸਨੀਕ ਹੋਣ ਅਤੇ ਉਹ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਹੀ ਰਹਿੰਦੇ ਹੋਣ ।

———

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Unstarred Question No. 687

ਵਿਸ਼ਾ : ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੁਆਰਾ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਬਾਰੇ-ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਅਨਸਟਾਰਡ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨੰ: 687.

ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਸਵਾਲ ਨੰ: 687, ਜੋ ਮਿਤੀ 24.7.1970 ਲਈ ਅਨਸਟਾਰਡ ਸਵਾਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ ਜੀ ਵਲੋਂ ਦਰਜ ਹੈ, ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਸਬੰਧਤ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਹੋ ਜਾਣ ਤੇ ਜਵਾਬ ਤੁਰੰਤ ਭੇਜ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

ਸਹੀ/
(ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ)
ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ ਪੰਜਾਬ।

ਸਕੱਤਰ,
ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ।
ਗ: ਸ: ਨੰ: 6125 3 ਸਿ (4 ਸ)-70 ਮਿਤੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ 23 ਜੁਲਾਈ, 1970

———

SHORTAGE OF ELECTRIC FANS AND FURNITURE IN GOVT. SCHOOLS AT AMRITSAR.

688. **Shri Gian Chand Kharbanda** ; Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the names of Government Schools at Amritsar where —
(i) no electric fans have been provided ;
(ii) the number of fans is less than the required number stating the number of rooms in each of these schools.
(iii) the furniture provided is less than the prescribed scale ;
(b) whether there is any proposal under the consideration of the Govt. to remove the above shortage and to provide electric fans and furniture according to the actual requirements of the said schools ?

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ :

ਏ) (i) (1) ਗੌਰਮਿੰਟ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ ਭਗਤਾਂ ਵਾਲਾ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ।
(2) ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਸਰਕੂਲਰ ਰੋਡ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ।

(ii) ਤੇ (iii) ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਪੱਖੇ ਤੇ ਫਰਨੀਚਰ ਘਟ ਹਨ।

		ਕਮਰਿਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ।
1.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ, ਟਾਊਨ ਹਾਲ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ।	40
2.	,, ,, ਡੈਮ ਗੰਜ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	12
3.	,, ,, ਮਾਲ ਰੋਡ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	40
4.	,, ,, ਮਹਾਂ ਸਿੰਘ ਰੋਡ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	20
5.	,, ,, ਮਹਾਂ ਸਿੰਘ ਗੇਟ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	18
6.	,, ,, ਕਟੜਾ ਕਰਮ ਸਿੰਘ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	18

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pa

7.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਨਵਾਂ ਕੋਟ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	7
8.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ, ਚੌਕ ਪਾਸੀਆਂ	12
9.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਹਾਥੀ ਗੇਟ	6
10.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਦੁਰਗਿਆਨਾ	6
11.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਕਟੜਾ ਪਰਜਾ	4
12.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਗੁਰੂ ਕਾ ਮਹਿਲ	3
13.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਕਟੜਾ ਦੂਲੋਂ	4
14.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਸਬਜ਼ੀ ਮੰਡੀ	9
15.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਸੈਂਟਰ ਵਰੋਕਸ਼ਾਪ	9
16.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਪੁਤਲੀਘਰ	8
17.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਅਸਲਾਮਾਬਾਦ	4
18.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਸੇਰੀਗੇਟ	5
19.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਮਹਾਂ ਸਿੰਘ ਰੋਡ	22
20.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਚੌਕ ਬਾਬਾ ਸਾਹਿਬ	6
21.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਸ਼ਹੀਦ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਰੋਡ	9
22.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਬਜ਼ਾਰ ਮਾਈ ਸੇਵਾਂ	12
23.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਕਟੜਾ ਸਫੈਦ	5
24.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਬਾਗ. ਝੰਡਾ ਸਿੰਘ	3
25.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਦਾਲ ਮੰਡੀ	4
26.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਗੇਟ ਖਜ਼ਾਨਾ	7
27.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਲਛਮਣ ਸਰ	8
28.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਗੇਟ ਹਕੀਮਾਂ	5
29.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਨਮਕ ਮੰਡੀ	8

(ਬੀ) ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ, ਮਾਲ ਰੋਡ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨੂੰ 2,000/- ਰੁਪਏ ਇਸ ਸਾਲ ਫਰਨੀਚਰ ਲਈ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਜਿਉਂ ਜਿਉਂ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਬਜਟ ਵਿਚ ਗੁੰਜਾਇਸ਼ ਨਿਕਲਦੀ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੱਦਾਂ ਤੇ ਪੈਸਾ ਖਰਚਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

———

FREE DENTAL SERVICE FOR POOR PEOPLE

689 **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of the Government to raise the exemption limit for providing free dental service to the poor persons in the State; if so, the details thereof ; if not, the details of other steps proposed to be taken to help such persons ?

ਸਰਦਾਰ ਤੇਜਾ ਸਿੰਘ : ਗਰੀਬ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦੰਦਾਂ ਦਾ ਮੁਫਤ ਇਲਾਜ ਦੇਣ ਦੇ ਸਬੰਧ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਉਦਯੋਗ]

ਵਿਚ ਲਿਮਟ ਵਧਾਉਣ ਬਾਰੇ ਸਿਵਾਏ ਮੁਫਤ ਡੈਂਚਰ ਸਪਲਾਈ ਕੀਤੇ ਜਾਣਦੇ, ਹੋਰ ਕੋਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੁਫਤ ਡੈਂਚਰ ਸਪਲਾਈ ਕੀਤੇ ਜਾਣਦੀ ਲਿਮਟ ਇਸ ਵੇਲੇ ਰੁਪਏ 720/- ਪ੍ਰਤੀ ਸਾਲ ਆਮਦਨੀ ਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਲਿਮਟ ਰੁਪਏ 1800/ਤਕ ਨਿਸਚਿਤ ਕਰਨ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਸਬੰਧਤ ਅਧੀਨ ਦਫ਼ਤਰਾਂ ਤੋਂ ਸੂਚਨਾ ਇਕੱਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

Shri Balram Dass Tandon : On a Point of Personal explanation, Sir.........

Mr. Speaker : Not now. According to Rules, the hon. Member can give his personal explanation before the business for today is entered upon.

RESIGNATION BY THE DEPUTY SPEAKER, BRIGADIER BIKRAMAJIT SINGH BAJWA

Mr. Speaker : I have to inform the House that the hon. Deputy Speaker Brigadier Bikramajit Singh Bajwa, has sent to me today his letter of resignation from the office of Deputy Speaker, Punjab Vidhan Sabha. It was received in the afternoon. This resignation becomes immediately effective under clause (b) of Article 179 of the Constitution.

ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਬਿਕਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ ਬਾਜਵਾ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ, ਜਿਹੜੀ ਮੈਂ ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ, ਉਹ ਲਿਸਟ ਆਫ ਬਿਜ਼ਨਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਔਰ ਉਹ ਮੈਂ ਪੋਸਟਪੋਨ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ 27, ਤਰੀਕ ਤੱਕ। ਲੇਕਿਨ ਤੁਹਾਡੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਇਸ ਸਦਨ ਦੇ ਹਰ ਇਕ ਮੈਂਬਰ, ਹਰ ਇਕ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦੀ ਹਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿ ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਮੈਂ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਅਹੁਦੇ ਦੇ ਉਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਦੇ ਨਾਲ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਉਸ ਅਹੁਦੇ ਦੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਨਿਭਾਉਣ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਜਿਹੜੀ ਮੈਨੂੰ ਮਦਦ ਹਰ ਸੈਕਸ਼ਨ ਕੋਲੋਂ ਮਿਲੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਉਸ ਲਈ ਅਤੀ ਧੰਨਵਾਦੀ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਇਸ ਵਕਤ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਜੋ ਕੁਝ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਉਹ ਸਿਰਫ਼ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਕਿ ਪਰੀਜ਼ਾਈਡਿੰਗ ਆਫੀਸਰਜ਼ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਇਹ ਉੱਚਾ ਔਰ ਸੁੱਚਾ ਆਫ਼ਿਸ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦੀ ਆਂਚ ਨਾ ਆਵੇ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਮਹਾਨ ਸਦਨ ਵਿੱਚ ਜਿਸ ਸੁਚੱਜੇ ਢੰਗ ਨਾਲ ਸੇਵਾਵਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਵਲੋਂ ਪਰਸ਼ੰਸਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਔਰ ਜਿਸ ਉਚੇ ਇਖਲਾਕ ਦਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਜਹਾਰ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਉਸ ਦੀ ਪਰਸ਼ੰਸਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ (ਤਾੜੀਆਂ) ਇਸ ਮਹਾਨ ਕੰਮ ਵਿੱਚ, ਇਸ ਸਦਨ ਵਿੱਚ ਜਿਹੜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਸਦਨ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। (ਤਾੜੀਆਂ) (On behalf of all sections of the House I place on record my high appreciation for the services rendered by Brigadier Bikramajit Singh Bajwa to this august House. I also appreciate his high standard of integrity. (Applause) I am grateful to him for the service rendered by him to this House (Applause)

QUESTIONS OF PRIVILEGE

Mr. Speaker : I have received notices of three privilege motions. The notice of first privilege motion has been received from Sirdar Kapur

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Singh wherein he has stated that through various excuses and protests the telephone authorities of Chandigarh in consultation with the Post-Master General, Ambala, have failed and refused mala-fides to install the telephone for his house etc. etc.

I am getting the matter examined. I will give my ruling later.

Then there is another notice from the same hon. Member. This is with regard to a news item published in 'The Daily Prabhat' (Urdu), dated the 24th July, 1970, In this news item, it has been stated that Sardar Kapur Singh (Panj Kaunsli) will not vote with the Opposition to-day etc. etc.

I am having this matter also examined. I will give my r ling later.

The third notice is from Chaudhri Balbir Singh wherein he has said that the Governor issued orders on the 8th July, 1970 for summoning the session of the Punjab Vidhan Sabha on the 24th July, 1970, and that Sardar Gurnam Singh by issuing a statement on the 21st July, 1970, that the Governor should suspend the Vidhan Sabha has lowered the prestige of the Vidhan Sabha.

There is no breach of privilege involved. I, therefore, do not give my consent to the question of privilege being raised.

चौधरी बलबीर सिंह : अगर सदन बुला लिया जाए — —(विघ्न)

Mr. Speaker : This is a matter of opinion and does not involve any privilege of the House.

चौधरी बलबीर सिंह ; यह सदन की बड़ी हतक है । जो सदन बुला लिया जाए, तो क्या कारण है (विघ्न) राज्यपाल को क्या हक है ? इस सदन को बरखास्त कर दिया जाए । यह कोई अकल की बात नहीं है कि (विघ्न)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : Please resume your seat. ਹੁਣ ਅਸੀਂ ਕਾਲ ਅਟੈਂਨਸ਼ਨ ਨੋਟਿਸ ਟੇਕ ਅੱਪ ਕਰਦੇ ਹਾਂ । (Please resume your seat. Now the House will take up Call Attention Notices.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਕ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਦਿਤਾ ਸੀ । ਮੈਨੂੰ ਉਸ ਦੀ ਕਾਪੀ ਮਿਲ ਗਈ ਹੈ । ਪਿਛਲੇ ਕੁਝ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਬਿਲਕੁਲ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੋਈ ਡੰਗਰ ਨੀਲਾਮੀ ਤੇ ਚੜ੍ਹਦੇ ਹਨ, ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਵੀ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨੀਲਾਮੀ ਤੇ ਚੜ੍ਹਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੰਜਾਬ, ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਬੱਦੂ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਜਦ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਨੂੰ ਇਹ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਅੱਜ ਕਿਥੇ ਬੈਠਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕਲ੍ਹ ਕਿੱਥੇ ਬੈਠਣਾ ਹੈ ਉਸ ਦੀ, ਇਧਰ ਥਾਂ ਹੈ ਜਾਂ ਓਧਰ ਥਾਂ ਹੈ, ਤਾਂ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਥੇ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਕੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਕੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ? ਮੈਂ ਉਸ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੀ ਮੁੱਖ ਤੌਰ ਤੇ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਅੱਜ ਦੀ ਹੁਕਮਰਾਨ ਪਾਰਟੀ, ਅੱਜ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਹੈ । ਇਹ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ, ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਲਈ ਜਾਵੇ । (ਵਿਘਨ) ਮੈਨੂੰ ਉਸ ਦੇ ਪੜ੍ਹਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਬੈਠ ਜਾਓ । (The hon. member should please resume his seat.)

ADJOUNMENT MOTIONS

Mr. Speaker : The Adjournment Motion given notice of by the hon. Members, Comrade Satya Pal Dang and Comrade Dana Ram involves the conduct of the Ministry which can be discussed through a substantive motion. It is inadmissible under Rule 68 (xiii) which reads :—

> "the motion shall not raise any question which under the Constitution or these Rules can only be raised on a distinct motion by a notice given in writing to the Secretary."

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਵਿਚ ਕੰਡਕਟ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼ ਦਾ ਇਨਵਾਲਵਡ ਹੈ, ਮਨਿਸਟਰੀ ਦਾ ਨਹੀਂ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਬੈਠ ਜਾਓ । (The hon. Member should please resume his seat)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਜਦ ਅਸੈਂਬਲੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਇਕ ਹਿਸਾ ਨੀਲਾਮੀ ਉਤੇ ਚੜ੍ਹਿਆ ਹੋਇਆ ਹੋਵੇ ਉਦੋਂ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਦਾ ਕੀ ਅਰਥ ਹੈ ? ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼ ਨਿਲਾਮੀ ਉਤੇ ਚੜ੍ਹਦੇ ਹਨ । ਅੱਜ ਇਥੇ ਅਤੇ ਕਲ੍ਹ ਉਥੇ । ਜੇ ਇਹੀ ਕੰਮ ਚਲਦਾ ਰਿਹਾ ਤਾਂ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦਾ ਕੀ ਫ਼ਾਇਦਾ, ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਦਾ ਕੀ ਫ਼ਾਇਦਾ ? ਫਿਰ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਕੀ ਚਲੇਗੀ ?

Mr. Speaker : Please resume your seat. Call Attention Motion No. 1 in the name of Dr. Amir Singh Kalkat. (Interruptions)

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने एक एडजर्नमैंट मोशन दी थी और आप ने अपने चैम्बर में कहा था कि मैं इस को ज़ेरे गौर रखूँगा ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਤਸ਼ਰੀਫ ਲੈ ਆਉਣਾ ਉਥੇ ਡਿਸਕਸ ਕਰ ਲਵਾਂਗਾ । (The hon. Member may please come to my Chamber and discuss the matter with me,)

चौधरी बलबीर सिंह : आप ने अब मुझे इस की रिजैक्शन का हुक्म भेज दिया है लेकिन आप ने कहा था कि यह ज़ेरे गौर है ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਆਪ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਲਈ ਆਉਣਾ ।
(The hon. Member may please come and discuss this matter in my Chamber.)

चौधरी बलबीर सिंह : अगर आप ने यह रिजैक्ट कर दी है तो अब मैं चैम्बर में कैसे आ सकता हूं ? यह बजट सैशन नहीं है कि इस के विषय पर बहस हो सके । बिजली बार बार फेल होती है । पहले कहते थे कि बर्फ पिघलेगी, बारिश आएगी । अब बरसात शुरु हुई है... (विघ्न)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਆ ਜਾਣਾ ।(The hon. Member Chaudhri Balbir Singh may please come to my Chamber.)

चौधरी बलबीर सिंह : आप इसको पैंडिंग रख लें ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Punjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਸ ਮਸਲੇ ਤੇ ਦੋ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਆਈਆਂ ਹਨ ।

(Two Call Attention Notices have been received on this subject.)

चौधरी बलबीर सिंह : यह एडजर्नमैंट मोशन का सवाल है, काल अटैनशन मोशन का नहीं । यह सैपेरेट चीज़ है । जिसको यह हाऊस डिसकस कर सकता है । काल अटैनशन मोशन का तो सरकार ने जवाब ही लिख कर भेज देना होता है, लेकिन यह तो यहां पर ही डिसक्स हो सकती है (विघ्न) कि मैंबरों को इस पर बोलने का मौका मिल सके । (विघ्न) पंजाब की इन्डस्ट्रीइस से कुनैक्टिड है । पंजाब के टियूबवैल्ज और आबपाशी इस बात पर डीपैंड करती है । इसलिए मैं कहता हूं कि इस हालत के लिए जो लोग जिम्मेवार हैं उन के कामों पर बहस होनी चाहिए । (विघ्न) अगर हम वह चीज यहां नहीं कर सकते तो कहां कर सकते हैं

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਸ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਐਗਜ਼ਾਮਿਨ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ । (It will be re-examined.)

चौधरी बलबीर सिंह : आप इसको पैंडिंग रख लें ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਪੈਂਡਿੰਗ ਸਮਝੀ ਜਾਵੇ । (It may be treated as pending

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੀ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਐਡਮਿਟ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਤਾਂ ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਹੈ । ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਦ ਵਿਧਾਨ ਪਰੀਸ਼ਦ ਹੁੰਦੀ ਸੀ ਤਾਂ ਉਦੋਂ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਫਲੋਰ ਕਰਾਸ ਕੀਤਾ ਸੀ ਉਸ ਨੂੰ ਸਜ਼ਾ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਉਥੇ ਕਮੇਟੀ ਬਣੀ ਸੀ ; ਪਰ ਇਥੇ ਤਾਂ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਨਿਲਾਮੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਐਡਮਿਟ ਨਹੀ ਕਰਨੀ ਤਾਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿਉ ਆਖ਼ਿਰ ਇਹ ਬੀਮਾਰੀ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕਿੰਨਾ ਚਿਰ ਚਲੇਗੀ ? (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਮੋਸ਼ਨ ਲੈ ਆਉ । (ਸ਼ੋਰ) (If the hon. Member wants be that a committee should set up, he should bring forward a motion in this regard.)

CALL ATTENTION NOTICES

Serial No 1.

Dr. Amir Singh Kalkat : Sir I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, that due to non-supply of electric bulbs by the Electricity Board, the street lighting of Municipal Area, Urmar Tanda, is very defective. The Board does not replace the fused bulbs, inspite of their written agreement with the Municipal Committee, Urmar Tanda, though they are charging rent and everything else from the Municipal Committee. This defective street-lighting has resulted in deterioration of law and order situation in Urmar Tanda as goondas take advantage of absence of street lights and commit various kinds of crimes. This is, therefore, a fit matter on which the I. P. M. should make a statement on the floor of the House.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪ੍ਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ। (Admitted. The hon. Minister concerned may please make a statement).

ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਨੰਬਰ 3, ਕਾਮਰੇਡ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਝਬਾਲ। (ਵਿਘਨ) (Call Attention Motion No. 3, in the name of Comrade Darshan Singh Jhabal.) (Interruption)

ਕਾਮਰੇਡ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਝਬਾਲ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੀ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਨੰਬਰ 2 ਡਿਸਅਲਾਉ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਤੁਹਾਡੇ ਨਾਲ ਗਲ ਕਰ ਲਵਾਂਗਾ। ਹੁਣ ਨੰਬਰ 3 ਪੜ੍ਹ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ।

(ਕ੍ਰਮ ਨੰ: 3)

ਕਾਮਰੇਡ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਝਬਾਲ : ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਲੋਕ ਮਹੱਤਤਾ ਦੇ ਇਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਾਮਲੇ ਵਲ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਅਰਥਾਤ, ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਜੂਨ ਮਹੀਨੇ ਵਿੱਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇਣ ਦੇ ਬਹਾਨੇ ਭਾਰੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿੱਚ ਨੀਲਾਮੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਇਕ ਪਾਸੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੇਣ ਦੇ ਐਲਾਨ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਆਬਾਦਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੜੀਆਂ ਮੁਸ਼ਕਲਾਂ ਨਾਲ ਜ਼ਮੀਨ ਆਬਾਦ ਕੀਤੀ ਸੀ ਪੁਲਸ ਦੀ ਧਾੜ ਨਾਲ ਬੇਦਖਲੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਮਾਰਕਸੀ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਅੰਦਰ ਤੇ ਡੈਪੂਟੇਸ਼ਨਾਂ ਰਾਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਿਤਾਵਨੀ ਦਿਤੀ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਕਦਮ ਦੇ ਨਾਲ ਹਰੀਜਨ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕੇਗੀ ਸਗੋਂ ਬੇਨਾਮੀ ਬੋਲੀਆਂ ਰਾਹੀਂ ਧਨੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹੜੱਪ ਕਰ ਲੈਣਗੇ। ਅਸਲ ਵਿੱਚ ਇਹੋ ਹੀ ਹੋਇਆ ਹੈ ਸਾਰੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹਰੀਜਨ ਅਫਸਰ ਤੇ ਅਸੈਂਬਲੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰ ਲੈ ਗਏ ਹਨ। 15 ਜੂਨ ਨੂੰ ਰੋਪੜ ਤੋਂ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਸਾਰੇ ਬੇਟ ਵਿੱਚ ਪੁਲਸ ਛਾਉਣੀ ਬਣਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਸੀ। ਪੁਲਸ ਨੇ ਘਰਾਂ ਦੀ ਤਲਾਸ਼ੀ ਦੇ ਬਹਾਨੇ ਆਬਾਦਕਾਰਾਂ ਤੇ ਭਾਰੀ ਤਸ਼ਦਦ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮਾਰਕਸੀ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਪਾਰਟੀ ਆਪਣੇ ਫੈਸਲੇ ਦਾ ਐਲਾਨ ਕਰ ਚੁੱਕੀ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਮੁਜ਼ਾਰੇ ਤੇ ਰਾਏ ਸਿੱਖ ਆਬਾਦਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਬੇਦਖਲ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਨੀਲਾਮੀ ਦੀ ਪਾਲਸੀ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਹਰੀਜਨ ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਵਿੱਚ ਬੇਚੈਨੀ ਪੈਦਾ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਆਪਣੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਤੇ ਕਬਜ਼ੇ ਬਹਾਲ ਰਖਣ ਲਈ ਕੁਰਬਾਨੀ ਕਰਨਗੇ। ਸੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤਾਂ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦਿਆਂ ਸਰਕਾਰ ਆਪਣੀ ਪਾਲਸੀ ਬਿਆਨ ਕਰੇ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪ੍ਰਵਾਨ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾਲਤਾ ਕਰਨ। (Admitted. The hon. Minister concerned may please make a statement).

(ਕ੍ਰਮ ਨੰ: 4)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਲੋਕ ਮਹੱਤਤਾ ਦੇ ਇਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਾਮਲੇ ਵਲ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ, ਅਰਥਾਤ ; ਪਿਛਲੇ ਤਿੰਨ ਮਹੀਨਿਆਂ ਤੋਂ ਬਿਜਲੀ ਵਿਚ ਕਟੌਤੀ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਸਨਤਕਾਰਾਂ, ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ, ਦੁਕਾਨਦਾਰਾਂ ਅਤੇ ਵਿਉਪਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਬੇਹੱਦ ਨੁਕਸਾਨ ਪੁਚਾਇਆ ਹੈ। ਕਣਕ ਦੀ ਚੰਗੀ ਫਸਲ ਦੀ ਖੁਸ਼ੀ ਨੂੰ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਇਸ ਅਣਹੋਂਦ ਨੇ ਫਿਰ ਗਮੀ ਵਿਚ ਬਦਲ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਦਿਤਾ ਹੈ । ਔਧੀ ਦੇ ਕਰੀਬ ਫਸਲ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਹੀ ਬਿਜਲੀ ਨੂੰ ਉਡੀਕਦੀ ਉਡੀਕਦੀ ਤਬਾਹ ਹੋ ਗਈ ਹੈ । ਸਨੱਤ ਤੇ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਸਨੱਤਕਾਰਾਂ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਇਸ ਤੋਂ ਵੱਧ ਖਰਾਬ ਹੋ ਚੁੱਕੇ ਹਨ । ਗਰਮੀ ਦੀ ਉਚੇਚੀ ਕਿਰਪਾ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਨਖਰਿਆਂ ਨੇ ਆਮ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਅਤੇ ਕਾਰੋਬਾਰ ਦਾ ਜੋ ਹਾਲ ਕੀਤਾ ਉਹ ਬਿਆਨ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਹੈ । ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਵਿੱਚ ਉਪਰੇਸ਼ਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਪਏ ਮਰੀਜ਼ਾਂ ਲਈ ਬਿਜਲੀ ਘੜੀ ਵਿਚ ਨਿਹਮਤ ਅਤੇ ਘੜੀ ਵਿਚ ਜ਼ਹਿਮਤ ਦਾ ਰੂਪ ਧਾਰਨ ਕਰ ਲੈਂਦੀ ਰਹੀ ਹੈ । ਘਰੋਂ ਹਸਪਤਾਲ ਸਮਝ ਕੇ ਗਏ ਸਨ ਅੱਗੋਂ ਤਰੀਕਾ ਇਲਾਜ ਵਿਚ ਗਰਮੀ ਤੇ ਹੁੱਸੜ ਸ਼ਾਮਲ ਵੇਖ ਕੇ ਰਹਿੰਦੀ ਖੂੰਹਦੀ ਜਾਨ ਵੀ ਗਵਾ ਬੈਠੇ । ਸਕੂਲ ਤੇ ਕਾਲਜ, ਮੰਦਰ, ਗੁਰਦੁਆਰੇ, ਸੁੱਖ ਦੁੱਖ ਦੇ ਇਕੱਠ, ਸਭ ਬੇਸੁਆਦੇ ਬਣ ਗਏ ਅਤੇ ਅੱਗੋਂ ਲੰਬੇ ਅਰਸੇ ਤਕ ਬੇ-ਸੁਆਦੇ ਬਣੇ ਰਹਿਣ ਦਾ ਪੱਕਾ ਯਕੀਨ ਹੋ ਚੁੱਕਾ ਹੈ । ਮੁਮਕਿਨ ਹੈ ਕਿ ਕੁਦਰਤ ਘੱਟਦੀ ਧਰਮ ਸਤਿਆ ਦੀ ਇਸ ਸਜ਼ਾ ਨੂੰ ਕੁਝ ਅਰਸਾ ਕਾਇਮ ਰਖੇ ਅਤੇ ਡੈਮ ਦਾ ਪਾਣੀ ਲੋੜ ਤੋਂ ਘੱਟ ਰਹੇ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਫਰਜ਼ ਨੂੰ ਟੁੰਬਣਾ ਇਕੋ ਇਕ ਯਤਨ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਸੁਣਿਆ ਜਾਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਛੋਟੇ ਛੋਟੇ ਥਰਮਲ ਪਲਾਂਟ ਵੱਡੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿੱਚ ਲਗਾ ਕੇ ਜ਼ਰੂਰਤ ਦੀ ਸ਼ਿੱਦਤ ਨੂੰ ਮੁਨਾਸਬ ਹੱਦ ਤਕ ਘਟਾ ਲਿਆ ਜਾਵੇ । ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਤਬਾਹ ਹੋ ਰਹੀ ਇਸ ਆਰਥਿਕਤਾ ਨੂੰ ਡੱਕਾ ਲਾਉਣ ਲਈ ਬੜੀ ਵੱਡੀ ਬਿਜਲੀ ਸਪਲਾਈ ਸਕੀਮ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਦੇ ਨਖਰਿਆਂ ਤੋਂ ਨੁਕਸਾਨ ਉਠਾਉਣ ਵਾਲਿਆਂ, ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਗਰੀਬ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਹੁਣ ਤਕ ਕੋਈ ਮਦਦ ਨਾ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਜਿਹੜੀ ਚਿੰਤਾ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਜਨ ਜੀਵਨ ਵਿੱਚ ਵਧ ਰਹੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਨੀਤੀ ਅਤੇ ਅਮਲ ਕੀ ਕੁਝ ਹਨ । ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਦੇ ਬਾਬਤ ਬਿਆਨ ਦੇਵੇ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ ; ਪ੍ਰਵਾਨ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted. The hon. Minister concerned may please make a statement.)

(Serial No. 6)

Shri Gian Chand Kharbanda : Sir I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, extraordinary cut imposed on the supply of electricity recently has effected badly the Industry, Trade, Agriculture and Labour. Matter has not ended yet Restrictions have been imposed on timings at Commercial establishmen which are against Trade interest. Shortage of electricity continues. Our economy is linked with electricity, therefore people of the State are perturbed, and want to know what action has been taken or Government intends to take to avoid this crisis in Future. Government make may a statement on the floor of the House.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪ੍ਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted. The hon. Minister concerned may please make a statement.)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰੈਂਦਾ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਕ ਰਿਕੁਐਸਟ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਸੈਸ਼ਨ ਖ਼ਤਮ ਹੋਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ, ਸੋਮਵਾਰ ਤਕ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦੇਣ ਤਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਕੁਐਸਚਨ ਕਰ ਸਕੀਏ । ਇਤਨੀ ਜ਼ਰੂਰ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰੋ। (ਵਿਘਨ)

ਸਿੰਚਾਈ ਤੇ ਬਿਜਲੀ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਵਾਬ ਤਾਂ ਮੈਂ ਜ਼ਰੂਰ ਦੇ ਦਿਆਂਗਾ ਪਰ ਬਿਜਲੀ ਨਹੀਂ ਪੈਦਾ ਹੋਣੀ । (ਹਾਸਾ) (ਵਿਘਨ)

(Serial No. 8)

1. Comrade Satya Pal Dang.
2. Comrade Dana Ram] Sir I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, the failure of the Government to remove the anomalies, about which a commitment was made to the House, in the implementation of the report of the Punjab Pay Commission by end of May, 1970. Large scale agitation has to be resorted to by the employees and further direct action is threatened.

In view of the obvious and urgent importance of the matter, the Government may please be asked to make a statement in the House.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪ੍ਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted. The hon. Minister concerned may please make a statement.)

(Serial No. 9)

1. Camrade Satya Pal Dang.
2. Comrade Dana Ram.] Sir, I beg to draw the attention of the Govenment towads an urgent matter of public importance, namely, the great discontentment created among the land-less agricultural workers of the State due to the failure of the Government to distribute Government waste lands and evacuee lands to these workers and the Harijans of the State inspite of repeated assurances to the effect. The Government has on the other hand started ejecting hundreds of such families from the Matewara area of Ludhiana District to establish Sheep, Potato, Cow grazing and other farms uprooting these cultivators and without providing them any alternative. There has been large scale repression even on women and children and the whole Government approach has so encouraged big landlords that a tenant was killed by firing and another injured by landlords in village, Baghian, in Sidhwan Bat area. The failure of the ernment to remove the loopholes in the present Land Ceiling laws and to allot surplus lands to these landless cultivators has left them with no alternative but to launch struggle to forcibly occupy these lands to put them under cultivation. Further inspite of repeated decisions and assurances by the various Punjab Government since 1967 to cancel the Birla Land Deed, the failure of the Government to do so has created a similar situation compelling those people whose lands were included illegally in the Birla

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Farm and other landless people of the area to resort to direct action to occupy the same.

Keeping in view the seriousness and importance of the matter, the Government may please be asked to make a statement in the House.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪ੍ਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾਲਤਾ ਕਰਨ : (Admitted. The hon. Minister concerned may please make a statement.)

चौधरी बलबीर सिंह : स्पीकर साहिब, एक काल अटैनशन मोशन मैं ने भी दी थी। (विघ्न) उस के बारे में कोई इत्तलाह भी मुझे नहीं मिली कि रिजैक्ट की गई है या नहीं। (विघ्न)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਉਹ ਅੱਜ ਹੀ ਮਿਲੀ ਹੈ । ਕਲ੍ਹ ਆ ਜਾਵੇਗੀ । (Chaudhri Sahib, that has been received only today. It will be taken up tomorrow.),

चौधरी बलबीर सिंह : दो घन्टे पहिले दी थी। (विघ्न)

ANNOUNCEMENT BY THE SECRETARY

ਸਕੱਤਰ : ਮੈਂ ਸਦਨ ਨੂੰ ਸੂਚਨਾ ਦੇਣੀ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਐਪਰੋਪਰੀਏਸ਼ਨ (ਨੰਬਰ 2) ਬਿਲ, 1970 (ਬਿਲ ਨੰਬਰ 8 ਪੀ. ਐਲ. ਏ. ਆਰ 1970) ਜੋ ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਵਲੋਂ ਇਸ ਦੇ ਪਿਛਲੇ (ਬਜਟ) ਸਮਾਗਮ, 1970 ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ, ਨੂੰ ਰਾਜਪਾਲ ਵਲੋਂ ਸਹਿਮਤੀ ਦੇ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ।

ANNOUNCEMENT BY THE SPEAKER

Mr. Speaker : Under Rule 13 (1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly I nominate the following Members to serve on the Panel of Chairmen :—

1. Sardar Shashpal Singh.
2. Sardar Basant Singh (Dakala)
3. Master Gurbanta Singh
4. Sardar Harcharan Singh Brar

NO-CONFIDENCE MOTIONS

Mr. Speaker : I have received notices of two motions of No-Confidence against the present Ministry headed by Sardar Parkash Singh Badal. The first motion received in point of time is given notice of by Comrade Satya Pal Dang and Comrade Dana Ram. The second motion has been given notice of by Shri Balram Dass Tandon. I hold both the motions in order. The first motion reads—

> "The House expresses its lack of confidence in the Council of Ministers headed by Shri Parkash Singh Badal............"

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Mr. Speaker :]

Those hon. Members who are in favour of leave being granted to this motion may please rise in their seats.

(*At this stage, 19 Members rose in their seats*)

Mr. Speaker : Only 19 Members have risen for leave being granted, which is less than the required number of 21, the minimum number required. So, the leave is refused.

(*Thumping from the Treasury Benches*)

Comrade Satya Pal Dang : This is an indication of the bankruptcy of the political life of the State to which this ruling party has reduced it.

Mr. Speaker : The No-Confidence Motion given notice of by Shri Balram Dass Tandon reads as under :

> "This House expresses its lack of confidence in the Government headed by Shri P. S. Badal".

Mr. Speaker : Those hon. Members who are in favour of leave being granted may please rise in their places.

(*At this stage 19 Members rose*)

Mr. Speaker : Only 19 Members have risen for leave being granted, which is less than the required number of 21, the minimum number required. So, the leave is refused.

(*Thumping from the Treasury Benches*)

चौधरी बलबीर सिंह : प्वायंट आफ आर्डर, सर। अध्यक्ष महोदय ; मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि जब एक बार नो-कानफीडेंस मोशन फेल हो जाये तो वह किसी भी शक्ल में दोबारा नहीं आ सकती । आप ने दोबारा जो नो-कानफीडेंस मोशन के लिये काल दी है, यह किस प्रोसीज़र के तहत दी है ? (विघ्न)

Mr. Speaker : On page 541 of Practice and Procedure of Parliament by Kaul and Shakdher, it is stated as under :—

> "In case leave of the House for the moving of the first motion is not granted, the second motion is taken up."

So it is quite in order.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਪਬਲਿਕ ਸਰਵਿਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਟੇਬਲ ਤੇ ਲੇ ਹੋਈ ਸੀ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਅੱਲਕ ਮੈਂ ਇਕ ਨੋਟਿਸ ਦਿਤਾ ਸੀ । ਉਸ ਬਾਰੇ ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਜਿਹੜਾ ਨੋਟਿਸ ਦਿਤਾ ਸੀ ਉਸ ਬਾਰੇ ਰੂਲ ਕਲੀਅਰ ਹੈ ਕਿ ਐਸਾ ਕੋਈ ਭੀ ਨੋਟਿਸ ਹੋਵੇ, ਜਿਹੜਾ ਕਾਂਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨ ਵਿਚ ਪ੍ਰੋਟੈਕਟ ਹੋਵੇ, ਉਹ ਹਾਊਸ ਦੇ ਪ੍ਰੋਰੋਗ ਹੋ ਜਾਣ ਨਾਲ ਲੈਪਸ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਰੂਲ 7 ਵਿਚ ਕਲੀਅਰ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ :

> "............On prorogation all pending Notices subject to the Provisions of the Constitution and these Rules shall lapse."

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਾਂਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨ ਦਾ ਆਰਟੀਕਲ 320(5) ਜਿਹੜਾ ਹੈ, ਉਹ ਬੜਾ ਕਲੀਅਰ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਮੇਰਾ ਨੋਟਿਸ ਜਿਹੜਾ ਹੈ ਉਹ ਅਲਾਈਵ ਰਹਿਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮੇਰੀ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਐਗਜ਼ਾਮਿਨ ਕਰ ਲਵੋ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਮੇਰਾ ਨੋਟਿਸ ਸੀ ਉਹ ਲੈਪਸ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ, ਉਹ ਅਲਾਈਵ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਐਗਜ਼ਾਮਿਨ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ। (That will be examined).

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਮੇਰੇ ਤੇ ਕੁਝ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਦੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ, ਉਸ ਵਕਤ ਦੇ, ਜਿਸ ਵਕਤ ਮੈਂ ਬਤੌਰ ਇੰਡਸਟਰੀ ਮਨਿਸਟਰ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਸੀ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਛੱਜ ਤਾਂ ਬੋਲੇ ਛਾਨਣੀ ਕੀ ਬੋਲੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਚਾਰਪਾਈ ਥਲੇ ਸੋਟੀ ਫੇਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਕਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਕੋਈ ਸਬੂਤ ਹਨ ਤਾਂ ਜਿਹੜੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਹਨ ਉਹ ਹਾਊਸ ਦੇ ਬਾਹਰ ਲਗਾਉਣ, ਮੈਂ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਫੇਸ ਕਰਨ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਾਂ।

(ਵਿਘਨ)

(ਇਸ ਵਕਤ ਕਈ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਬਹੁਤ ਉਚੀ ਉਚੀ ਬੋਲਣ ਲਗ ਪਏ ਅਤੇ ਸ਼ੋਰ ਇਤਨਾ ਸੀ ਕਿ ਕੁਝ ਵੀ ਸੁਣਾਈ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ।)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜੋ ਕੁਝ ਇਹ ਚੇਅਰ ਦੀ ਆਗਿਆ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ ਉਹ ਪ੍ਰੋਸੀਡਿੰਗਜ਼ ਦਾ ਭਾਗ ਨਹੀਂ ਬਣੇਗਾ ... ... (ਵਿਘਨ) ਆਰਡਰ ਪਲੀਜ਼, ਆਰਡਰ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਅਜਿਹਾ ਮਾਹੌਲ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ। (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) (Whatever is being said by the hon. Members without the permission of the Chair, shall not form part of the proceedings (*Interruptions*) Order please, order. (*Noise*) (*Interruptions*). The hon. Members should not cause such noisy interruptions. (*Noise*)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਕੁਝ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ that should not form part of the proceedings. (*Noise*) (*Interruptions*)

Mr. Speaker : Whatever has been said by the hon. Members without the permission of the Chair, should not form part of the proceedings.

Sathi Roop Lal : On a point of order, Sir.

Mr. Speaker : There is nothing before the House about which you can raise a point of order.

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀ ਸਾਰੀ ਫ਼ਿਜ਼ਾ ਖਰਾਬ ਹੋਈ ਹੈ। ਇਹ ਅੱਜ ਇਥੇ ਤੀਵੀਆਂ ਵਾਂਗ ਲੜੇ ਹਨ। ਜੇ ਇਕ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨਲ ਮੁਕੱਰਰ ਹੋ ਜਾਏ ਤਾਂ ਸਾਰੇ ਵਜ਼ੀਰ, ਸਾਰੇ ਸਿਆਸੀ ਆਦਮੀ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਸਾਧ ਅੰਦਰ ਹੋ ਜਾਣ... ... ...(ਵਿਘਨ)।

Mr. Speaker : This is no point of order.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

OBITUARY REFERENCES

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਦਸਣ ਵਿੱਚ ਬੜਾ ਅਫਸੋਸ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੀਆਂ ਕੁਝ ਮਹਾਨ ਹਸਤੀਆਂ ਅਕਾਲ ਚਲਾਣਾ ਕਰ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਉਹ ਹਸਤੀਆਂ ਹਨ, ਸ੍ਰੀ ਗੋਵਿੰਦਾ ਮੈਨਨ, ਯੂਨੀਅਨ ਲਾ ਮਨਿਸਟਰ, ਸ੍ਰੀ ਮੇਹਰ ਚੰਦ ਖੰਨਾ, ਫਾਰਮਰ ਯੂਨੀਅਨ ਰੀਹੈਬੀਲੀਟੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ, ਸ੍ਰੀ ਡੀ. ਐਰਿੰਗ, ਯੂਨੀਅਨ ਡਿਪਟੀ ਫੂਡ ਐਂਡ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਮਨਿਸਟਰ ਅਤੇ ਸ੍ਰੀ ਹਰੀ ਚੰਦ, ਐਕਸ-ਐਮ. ਐਲ. ਏ.।

ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਸ੍ਰੀ ਗੋਵਿੰਦਾ ਮੈਨਨ ਜੀ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ, ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਇਕ ਉਚ ਹਸਤੀ ਅਤੇ ਉਚ ਕੋਟੀ ਦੇ ਵਕੀਲ ਸਨ। ਉਹ 61 ਸਾਲ ਦੀ ਉਮਰ ਵਿੱਚ 23 ਮਈ ਨੂੰ ਅਕਾਲ ਚਲਾਣਾ ਕਰ ਗਏ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਹਾਰਟ ਫੇਲ੍ਹ ਹੋ ਗਿਆ। 1-10-1908 ਨੂੰ ਕੇਰਲਾ ਸਟੇਟ ਵਿੱਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਨਮ ਹੋਇਆ। ਮਦਰਾਸ ਲਾ ਕਾਲਜ ਵਿੱਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਾਲੀਮ ਪਾਈ ਅਤੇ ਸਿਆਸਤ ਵਿੱਚ ਆਏ। ਕੋਚੀਨ ਸਟੇਟ ਵਿੱਚ ਉਹ ਪਹਿਲੀ ਦਫਾ ਅਸੈਂਬਲੀ ਮੈਂਬਰ ਚੁੱਣੇ ਗਏ। ਉਸ ਸਟੇਟ ਵਿੱਚ ਉਹ ਮਨਿਸਟਰ ਵੀ ਰਹੇ, ਫਿਰ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਵੀ ਬਣੇ। ਫਿਰ ਜਦੋਂ ਟਰਾਵਨਕੋਰ ਅਤੇ ਕੋਚੀਨ ਸਟੇਟਾਂ ਇਕਠੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਤਾਂ ਉਹ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਬਣੇ। 1962 ਵਿੱਚ ਉਹ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਬਣੇ। ਉਥੇ ਉਹ ਸਟੇਟ ਮਨਿਸਟਰ ਅਤੇ ਫਿਰ ਯੂਨੀਅਨ ਲਾ ਮਨਿਸਟਰ ਬਣ ਗਏ। ਇਸ ਵੇਲੇ ਉਹ ਉਚ ਹਸਤੀ ਪ੍ਰੀਵੀ ਪਰਸਿਜ਼ ਜੋ ਰਾਜਿਆਂ ਮਹਾਰਾਜਿਆਂ ਨੂੰ ਮਿਲਦੇ ਹਨ, ਬਾਰੇ ਬਿਲ ਤਿਆਰ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ ਪਰ ਅਚਾਨਕ ਹਾਰਟ ਫੇਲ੍ਹ ਹੋ ਗਿਆ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੀ ਬੈਂਕ ਨੈਸ਼ਨਲਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਬਾਰੇ ਬਿਲ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੌਤ ਨਾਲ ਹਿੰਦੋਸਤਾਨ ਨੂੰ ਬੜਾ ਨੁਕਸਾਨ ਪਹੁੰਚਿਆ ਹੈ ਜੋ ਕਦੇ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ।

ਸ੍ਰੀ ਮੇਹਰ ਚੰਦ ਖੰਨਾ ਤੇ ਸਾਰਿਆਂ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਨੂੰ ਮਾਣ ਹੈ। ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਸਰਹਦੀ ਸੂਬੇ ਦੇ ਰਹਿਣ ਵਾਲੇ ਸਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀਅਤ ਨਾਲ ਬੜਾ ਪਿਆਰ ਸੀ। ਪਾਰਟੀਸ਼ਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਰਹਦੀ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਸਰਹਦੀ ਗਾਂਧੀ ਨਾਲ ਬੜੀ ਦੇਰ ਤਕ ਕੰਮ ਕੀਤਾ। ਜਦੋਂ ਸਰਹਦ ਵਿੱਚ ਕਾਂਗਰਸ ਦੀ ਵਜ਼ਾਰਤ ਬਣੀ ਤਾਂ ਉਹ ਉਸ ਵਿੱਚ ਵਜ਼ੀਰ ਬਣੇ। ਦਿੱਲੀ ਆਕੇ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹ ਸੈਂਟਰਲ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਦੇ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰ ਬਣੇ ਅਤੇ ਫਿਰ ਰੀਹੈਬੀਟੇਸ਼ਨ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਮਨਿਸਟਰ ਬਣੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੌਤ ਨਾਲ ਜੋ ਨੁਕਸਾਨ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਨੂੰ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਹ ਕਦੇ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਜਿਹੜਾ ਵੀ ਕੋਈ ਮਸਲਾ ਆਉਂਦਾ ਸੀ ਉਹ ਉਸ ਦੇ ਹਲ ਵਿੱਚ ਸਾਡੀ ਮਦਦ ਕਰਦੇ ਸਨ।

ਤੀਸਰੀ ਸ਼ਖਸੀਅਤ ਸ੍ਰੀ ਡੀ. ਐਰਿੰਗ ਜੋ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਿਰਫ 40 ਸਾਲ ਦੀ ਹੀ ਉਮਰ ਸੀ। ਬੜੇ ਅਫਸੋਸ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਉਮਰ ਵਿੱਚ ਹੀ ਸਾਡੇ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਰਹੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਟਰਾਈਬਲ ਏਰੀਆ, ਨੀਫਾ ਲਈ ਬੜਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ। ਉਹ ਗੋਹਾਟੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਗਰੈਜੂਏਟ ਸਨ ਅਤੇ ਗਰੈਜੂਏਸ਼ਨ ਕਰਨ ਮਗਰੋਂ ਪਬਲਿਕ ਲਾਈਫ ਵਿੱਚ ਆਏ। ਉਹ ਆਪਣੇ ਹਲਕੇ ਦੀਆਂ ਪਬਲਿਕ ਐਕਟਿਵਿਟੀਜ਼ ਵਿੱਚ ਬੜਾ ਹਿਸਾ ਲੈਂਦੇ ਰਹੇ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਥੋੜ੍ਹੀ ਹੀ ਦੇਰ ਹੋਈ ਹੈ, ਰਾਏ ਹਰੀ ਚੰਦ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਕਤਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਇਹ ਬੜੇ ਦੁੱਖ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪੰਜਾਬ ਨਾਲ ਬੜਾ ਗਹਿਰਾ ਸਬੰਧ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਬਣਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹ ਯੂਨੀਅਨਿਸਟ ਸਰਕਾਰ ਵੇਲੇ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਸਨ। ਬੜੀ ਦੇਰ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਰਹੇ। ਫਿਰ ਪਾਰਟੀਸ਼ਨ ਤੋਂ ਮਗਰੋਂ ਵੀ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਰਹੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਲਈ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਲਈ ਕੰਮ ਕੀਤਾ। ਉਹ ਇਕ ਬੜੀ ਹਸਤੀ ਸਨ ਅਤੇ ਬੜੇ ਦਾਨੀ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਆਪਣੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿੱਚ ਬੜੇ ਸਕੂਲ ਅਤੇ ਕਾਲਜ ਕਾਇਮ ਕੀਤੇ। ਇਹ ਜੋ ਚਾਰ ਹਸਤੀਆਂ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਵਿੱਚੋਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜਾਣ ਦਾ ਬੜਾ ਅਫਸੋਸ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੈਨੂੰ ਹੁਣ ਪਤਾ ਚਲਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸ਼੍ਰੀ ਦੀਨਾ ਨਾਥ ਸੱਗਰ, ਐਮ. ਐਲ. ਸੀ. ਉਹ ਵੀ ਅਕਾਲ ਚਲਾਣਾ ਕਰ ਗਏ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੌਤ ਦਾ ਵੀ ਬੜਾ ਅਫਸੋਸ ਹੈ।

ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬੇਵਕਤ ਮੌਤਾਂ ਤੇ ਇਹ ਸਦਨ ਜੋ ਅਫਸੋਸ ਪ੍ਰਗਟ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰਾਂ ਤਕ ਪਹੁੰਚਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ (ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ) : ਸ਼ਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਨੂੰ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਹੀ ਬੜਾ ਹੀ ਦੁਖ ਹੈ ਅਤੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜੋ ਖਿਆਲਾਤ ਰਖੇ ਹਨ ਮੈਂ ਮੇਜਰ ਸਾਹਿਬ ਵਲੋਂ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਵਲੋਂ ਇਸ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਜਦੋਂ ਵੀ ਅਸੀਂ ਇਥੇ ਆਉਂਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜੁਦਾਈ ਦੀ ਗਲ ਹੀ ਦੇਖਦੇ ਹਾਂ। ਸਾਡੇ ਲੋਕ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੈਕਰੀਫਾਈਸਿਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਉਹ ਸਾਥੋਂ ਅਲਗ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ। ਹੁਣ ਬਹੁਤ ਥੋੜੀਆਂ ਸ਼ਖਸੀਅਤਾਂ ਰਹਿ ਗਈਆਂ ਹਨ ਜੋ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਲੜਾਈ ਵਿਚ ਅਗੇ ਰਹੇ ਅਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਾ ਪਿਛੇ ਰਖਿਆ। ਮੈਂ ਇਸ ਮੌਕੇ ਤੇ ਕੁਝ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਹੀਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ।

ਸ਼੍ਰੀ ਗੋਵਿੰਦਾ ਮੈਨਨ ਦੀ ਜੁਦਾਈ ਸਾਡੇ ਸਾਰਿਆਂ ਲਈ, ਜੋ ਕਿ ਅਗੇ ਵਧ ਕੇ ਕਦਮ ਰਖਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਇਕ ਬੜਾ ਧੱਕਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੀ ਬੈਂਕ ਨੈਸ਼ਨਲਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਐਕਟ ਬਣਾਇਆ ਜਿਸ ਨੂੰ ਕੁਝ ਸਜਣਾ ਨੇ ਚੈਲੈਂਜ ਕੀਤਾ ਸੀ, ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਲਿਆਕਤ ਦਾ ਸਦਕਾ ਉਹ ਉਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਰਿਹਾ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ, ਬਾਦਲ ਸਾਹਿਬ, ਨੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਹੁਣ ਉਹ ਪ੍ਰਿਵੀ ਪਰਸਿਜ਼ ਬਾਰੇ ਬਿਲ ਤਿਆਰ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ। ਇਹ ਸਾਰੇ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਬੜਾ ਸਦਮਾ ਹੈ।

ਸ਼੍ਰੀ ਮੇਹਰ ਚੰਦ ਖੰਨਾ ਵੀ ਇਕ ਮਹਾਨ ਹਸਤੀ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪਿਆਰ ਅਤੇ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਸਾਡੇ ਲਈ ਇਕ ਨਮੂਨਾ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਿੱਲੀ ਆ ਕੇ ਬੜੇ ਪਿਆਰ ਅਤੇ ਮੁਹੱਬਤ ਨਾਲ ਰੈਫਿਊਜੀਆਂ ਨੂੰ ਇਧਰ ਵਸਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਜ ਦਿੱਲੀ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਸਾਰਾ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਯਾਦ ਕਰਦਾ ਹੈ।

ਸ਼੍ਰੀ ਐਰਿੰਗ ਮਸ਼ਰਿਕ ਵਲੋਂ ਇਕ ਨੌਜਵਾਨ ਉਠਿਆ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਾਤੀ ਤੌਰ ਤੇ ਕਦੇ ਮਿਲਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਸੁਣਿਆ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਬੜੇ ਪੁਸ਼ਿੰਗ ਅਤੇ ਫਾਰਵਰਡ ਲੁਕਿੰਗ ਯੰਗਮੈਨ ਸਨ। ਸਾਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਸਾਡੇ ਤੋਂ ਜੁਦਾ ਹੋ ਗਏ ਹਨ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸ਼੍ਰੀ ਦੀਨਾ ਨਾਥ ਸੱਗਰ ਅਤੇ ਰਾਏ ਹਰੀ ਚੰਦ ਜੀ ਵੀ ਸਾਥੋਂ ਵਿਛੜ ਗਏ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸਾਡੇ ਬਹੁਤ ਜ਼ਾਤੀ ਸਬੰਧ ਸਨ। ਰਾਏ ਹਰੀ ਚੰਦ ਹੋਰੀਂ ਐਲ. ਐਲ. ਬੀ. ਕਰਕੇ, ਪਾਲਿਟਿਕਸ ਵਿਚ ਆਏ। ਪਹਿਲਾਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀ ਪਾਲਿਟਿਕਸ ਵਿਚ ਅਗੇ ਰਹੇ, ਫਿਰ ਯੂਨਾਈਟਿਡ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਬਣੇ। ਪਾਰਟੀਸ਼ਨ ਤੋਂ ਮਗਰੋਂ ਵੀ ਇਧਰ ਆਕੇ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਰਹੇ। ਪਰ ਅਫਸੋਸ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਉਹ ਰੀਟਾਇਰ ਹੋ ਗਏ ਸਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣਾ ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਦਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਕਰਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ ਸੀ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿਨ ਦਿਹਾੜੇ ਕਤਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਇਹ ਬੜਾ ਅਫਸੋਸਨਾਕ ਵਾਕਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਨੌਜਵਾਨ ਭੁਲੇ ਹੋਏ ਇਹ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ]

ਹਨ ਉਹ ਆਪਣਾ ਕੇਸ ਖੁਦ ਖਰਾਬ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ; ਖਾਸ ਕਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰੀਟਾਇਰਡ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਮਾਰਕੇ, ਜਿਸ ਦੀ ਹੁਣ ਕਿਸੇ ਨਾਲ ਰੰਜਿਸ਼ ਨਾ ਹੋਵੇ ।

ਸ੍ਰੀ ਦੀਨਾ ਨਾਥ ਸੱਗਰ ਬਾਰੇ ਕਾਫੀ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਲੁਧਿਆਣਾ ਸ਼ਹਿਰ ਅਤੇ ਬਾਹਰ ਵੀ ਬੜੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ । ਉਹ ਇਕ ਆਮ ਵਰਕਰ ਸਨ ਅਤੇ ਹਰਮਨ ਪਿਆਰੇ ਸਨ ; ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਅਚਾਨਕ ਮੌਤ ਸਾਡੇ ਲਈ ਸਦਮਾ ਬਣ ਗਈ ਹੈ । ਆਪ ਦੇ ਜ਼ਰੀਏ ਜੋ ਖਿਆਲਾਤ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜ਼ਾਹਿਰ ਕੀਤੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਆਪਨੂੰ ਸਬੰਧਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਕਿ ਇਹ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰੈਲੇਟਿਵਜ਼ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਭੇਜਿਆ ਜਾਵੇ । ਅਗਰ ਸ੍ਰੀ ਦੀਨਾ ਨਾਥ ਸੱਗਰ ਹੋਰਾਂ ਦਾ ਨਾਮ ਉਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ ਤਾਂ ਇਹ ਵੀ ਉਸ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ।

चौधरी बलबीर सिंह : (हुश्यारपुर) अध्यक्ष महोदय, हिन्दोस्तान की जिन हस्तियों का हाल ही में इन्तकाल हुआ है, मैं उन्हें संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी की तरफ से श्रद्धांजलि के फूल भेंट करने के लिये खड़ा हुआ हूं ।

इन में से श्री मेहर चन्द जी खन्ना से मुझे तब मिलने का इत्तफाक हुआ था जब मकानों ओर दुकानों की कीमतों के बारे में सरकार ने फैसला किया था कि 5000/- रु: से ऊपर कीमत वाली जायदाद की नीलामी की जायगी । उस वक्त मैं पंजाब व्यापार मण्डल की तरफ से डैपुटेशन लेकर उन से मिला था । उन्हों ने बड़ी हमदर्दी से हमारी बातें सुनी और काफी मुतालबे मान भी लिये । इस के नतीजा के तौर पर शरणार्थियों को जो आबाद होने में दिक्कतें महसूस हो रही थीं, वह दुर हुईं और उन को सहूलतें मिलीं ।

श्री हरिचंद जी हमारे जिला के एम. एल. ए. रहे हैं और काफी अरसा से खामोश जिन्दगी बसर कर रहे थे । जिन हालात में उन का कत्ल हुआ है, निहायत ही अफसोसनाक है । श्री दीना नाथ जी सगर के साथ मेरा ज़ाती सम्बंध रहा है । वह आज़ादी की लड़ाई में काफी हिस्सा लेते रहे और आज़ादी आने के बाद भी मुल्क की तामीर में हिस्सा लेते रहे हैं और समाजी और स्यासी जिन्दगी में उन्हों ने नुमायां हिस्सा डाला है । उन के स्वर्गवास हो जाने पर मैं श्रद्धा के फूल भेंट करता हूं ।

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ (ਫੂਲ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜਾ ਮਾਤਮੀ ਮਤਾ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਉਸ ਨਾਲ ਸਹਿਮਤੀ ਪਰਗਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਸ਼ਰਧਾ ਦੇ ਫੁਲ ਭੇਂਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਭਾਵਨਾਵਾਂ ਦੀਆਂ ਕਾਪੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਾਰਸਾਂ ਤਕ ਪਹੁੰਚਾ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣ ; ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ।

ਜਿਥੇ ਤਕ ਸ੍ਰੀ ਗੋਵਿੰਦਾ ਮੈਨਨ ਜੀ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੈਂਕਾਂ ਦੀ ਨੈਸ਼ਨੇਲਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਦੇ ਬਿਲ ਨੂੰ ਪਾਇਲਟ ਕੀਤਾ ਸੀ ਅਤੇ ਹੁਣ ਪ੍ਰਿਵੀ ਪਰਸਾਂ ਦੇ ਖਤਮ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ ਬਿਲ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਿਹੜੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਚਾਰ ਵਿਅਕਤੀ ਚਲਾਣਾ ਕਰ ਗਏ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੁਰਬਾਨੀ ਅਤੇ ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਸਾਨੂੰ ਕਾਫੀ ਸਿਖਿਆ ਮਿਲਦੀ ਹੈ । ਸਾਰਿਆਂ ਤੋਂ ਵਡੀ ਇਹ ਸਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਮਾਨਦਾਰੀ ਨਾਲ ਅਤੇ ਫੇਥਫੁਲ ਰਹਿਕੇ, ਵਿਧਾਨ ਵਿਚ ਰਹਿ ਕੇ, ਚੰਗੀਆਂ ਕੰਮਾਂ ਦੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਅਸੂਲਾਂ ਦੀ ਪਾਲਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਇਕ ਚੰਗੀ ਮਿਸਾਲ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ । ਸਾਨੂੰ ਤਾਂ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਚੰਗੇ ਅਸੂਲਾਂ ਤੇ ਤੁਰਨ ਦਾ ਤਰਦਦ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮਿਸਾਲ ਕਾਇਮ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਜੀਵਨ ਇਕ ਆਦਰਸ਼ ਬਣ ਸਕੇ । ਮੈਂ ਇਕ ਵੇਰ ਫ਼ਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਛੜੀਆਂ ਆਤਮਾਵਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਅਰਪਣ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਕੇਂਦਰੀ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਪ੍ਰਸਤਾਵ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਔਬਿਚੂਅਰੀ ਰੈਫਰੈਂਸਿਜ਼ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਿਆ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਨਾਲ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਸਹਿਮਤੀ ਪਰਗਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਸ਼੍ਰੀ ਮੇਹਰ ਚੰਦ ਜੀ ਖੰਨਾ ਰਿਹੈਬਿਲੀਟੇਸ਼ਨ ਦੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਨ । ਇਹ ਸਰਹਦੀ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚੋਂ ਆਏ ਸਨ ਅਤੇ ਇਕ ਉਚ ਪਰਵਾਰ ਨਾਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਬੰਧ ਸੀ । ਇਨਾਂ ਨੇ ਪਬਲਿਕ ਲਾਈਫ਼ ਵਿਚ ਆ ਕੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਕਾਫੀ ਖਿਦਮਤ ਕੀਤੀ ਉਥੇ ਵੀ ਇਹ ਪਬਲਿਕ ਲਾਈਫ਼ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਵੰਡ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਧਰ ਆਣ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਪਰੂਟਿਡ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ, ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਤੋਂ ਉਜੜ ਕੇ ਆਏ ਸਨ ਬਹੁਤ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਦਿਨ ਰਾਤ ਇਕ ਕਰ ਦਿਤਾ ਅਤੇ ਜਿਸ ਮਿਹਨਤ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਸਾਉਣ ਦੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੀਤਾ ਇਸ ਲਈ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸ਼ਾਰੇ ਲੋਕ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਦਾ ਰਿਣੀ ਰਹਿਣਗੇ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੁਰਗਵਾਸ ਹੋ ਜਾਣ ਦਾ ਸਾਨੂੰ ਬਹੁਤ ਵਿਯੋਗ ਹੈ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਚਲੇ ਜਾਣ ਨਾਲ ਪਏ ਘਾਟੇ ਨੂੰ ਪੂਰਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ ।

ਸ੍ਰੀ ਗੋਵਿੰਦਾ ਮੈਨਿਨ ਜੀ ਕੇਰਲ ਤੋਂ ਸਨ । ਉਸ ਸਟੇਟ ਨੂੰ ਬਣਾਉਣ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਬਹੁਤ ਵੱਡਾ ਹੱਥ ਸੀ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਚਲੇ ਜਾਣ ਦਾ ਬਹੁਤ ਅਫਸੋਸ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸ਼੍ਰੀ ਡੀ. ਐਰਿੰਗ, ਡਿਪਟੀ ਮਨਿਸਟਰ, ਰਹੇ ਹਨ । ਇਹ ਨੌਜਵਾਨ ਸਨ । ਮੈਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲਿਆ ਹੈ । ਆਸਾਮ ਵਿਚ ਜਾਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲਿਆ ਜਿਥੇ ਕਿ ਵਡੀਆਂ ਵਡੀਆਂ ਸ਼ਖਸੀਅਤਾਂ ਆਈਆਂ ਸਨ ਅਤੇ ਕਮੇਟੀ ਬੈਠੀ ਹੋਈ ਸੀ ਉਸ ਵਿਚ ਮੈਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲਿਆ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਗਲ ਬਾਤ ਕੀਤੀ ਸੀ ਅਤੇ ਇਹ ਵੇਖ ਕੇ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੋਈ ਸੀ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਦੇਸ਼ ਲਈ ਤੜਪ ਸੀ ਅਤੇ ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਟ੍ਰੈਟੇਜਿਕ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬਹੁਤ ਲੋੜ ਸੀ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਚਲੇ ਜਾਣ ਨਾਲ ਬਹੁਤ ਘਾਟਾ ਪਿਆ ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸ਼੍ਰੀ ਦੀਨਾ ਨਾਥ ਜੀ ਸਗਰ ਸਾਡੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰ ਰਹੇ ਹਨ । ਮੈਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਉਠਣ ਬੈਠਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਆਲਾਤ ਵੀ ਸੁਣਦਾ ਰਿਹਾ ਹਾਂ । ਇਹ ਇਕ ਨੇਕ ਦਿਲ ਇਨਸਾਨ ਸਨ ਅਤੇ ਉਚੀ ਸ਼ਖਸੀਅਤ ਸਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਚਲੇ ਜਾਣ ਦਾ ਬਹੁਤ ਦੁਖ ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਰਾਏ ਹਰੀ ਚੰਦ ਜੀ ਐਕਸ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਸਾਡੇ ਤੋਂ ਜੁਦਾ ਹੋ ਗਏ ਹਨ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਸਰਕਮਸਟਾਂਸਿਜ਼ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੌਤ ਹੋਈ ਹੈ ਉਹ ਹੋਰ ਵੀ ਦੁਖਦਾਈ ਹੈ । ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਘਰ ਵਿਚੋਂ ਬੁਲਾ ਕੇ ਲੈ ਗਏ ਅਤੇ ਗੋਲੀ ਮਾਰ ਦਿਤੀ ਗਈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਕਿ ਇਕ ਨੇਤਾ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਘਰੋਂ ਬੁਲਾ ਕੇ ਮਾਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ, ਦੀ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਨਿਖੇਧੀ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਅਤੇ ਇਸ ਤੋਂ ਅੱਖਾਂ ਨਹੀਂ ਮੀਟ ਲੈਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ । ਇਹ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਅਤੇ ਅਮਨ ਲਈ ਇਕ ਸੀਰੀਅਸ ਥਰੈਟ ਹੈ । ਜੇਕਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ]
ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਕੇ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਐਕਸ਼ਨ ਨਾ ਲਿਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਕਿਸੇ ਦੀ ਵੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਸੇਫ ਨਹੀਂ ਸਮਝੀ ਜ਼ਾ ਸਕਦੀ। ਕੋਈ ਵੀ ਇਨਸਾਨ ਜਿਹੜਾ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਪਬਲਿਕ ਲਾਈਫ ਵਿਚ ਹੋਵੇ, ਉਸ ਲਈ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ, ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਬਣ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਕਿਸੇ ਕੀਮਤ ਤੇ ਵੀ ਨਾ ਵਾਪਰਨ ਦੇਵੇ। ਅਜਿਹੇ ਹਾਲਾਤ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਸਟੇਟ ਵਿਚ ਵੀ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੇ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇੰਨਾਂ ਕਹਿ ਕੇ, ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਵਲੋਂ ਜਿਹੜਾ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਵਿਛੜ ਗਏ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਅਰਪਿਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀਆਂ ਭਾਵਨਾਵਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਵਾਹਕੀਨ ਤਕ ਪਹੁੰਚਾ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣ ਅਤੇ ਅਫਸੋਸ ਦੀਆਂ ਚਿਠੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰਵਾਰਾਂ ਤਕ ਭੇਜ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣ।

ਸਰਦਾਰ ਬਸੰਤ ਸਿੰਘ (ਡਕਾਲਾ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਸ਼ੋਕ ਦਾ ਪ੍ਰਸਤਾਵ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਵਲੋਂ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਜਜ਼ਬਾਤ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਵਲ ਰੈਫਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸਹਿਮਤ ਹਾਂ। ਇਹ ਨਾਮਵਰ ਸ਼ਖਸੀਅਤਾਂ ਸਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਆਪਣੇ ਸਫੀਅਰ ਵਿਚ ਇਕ ਉਘਾ ਕੰਟ੍ਰੀਬਿਊਸ਼ਨ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਸਫੀਅਰ ਆਫ ਐਕਟਿਵਿਟੀ ਵਿਚ ਪਰੀਡਾਮੀਨੈਂਟ ਰੋਲ ਪਲੇ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸ਼ਖਸੀਅਤਾਂ ਕਿਸੇ ਵੀ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਆਪਣਾ ਨਿਸ਼ਾਨ ਪੈਦਾ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਮਾਰਕ ਪੈਦਾ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਚਲੇ ਜਾਣ ਨਾਲ ਜਿਹੜਾ ਖਿਲਾ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਉਹ ਪੂਰੇ ਜਾਣ ਵਾਲਾ ਨਹੀਂ।

ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਸ੍ਰੀ ਹਰੀ ਚੰਦ ਜੀ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ, ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੌਤ ਦਾ ਵਾਕਿਆ ਹੋਇਆ, ਉਸ ਦਾ ਬਹੁਤ ਦੁਖ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਵੇਖ ਕੇ ਇਸ ਸੂਬੇ ਦੀ ਐਡਮਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਸਾਊਂਡ ਨਹੀਂ ਕਹੀ ਜਾ ਸਕਦੀ। ਇਸ ਤੋਂ ਸਾਬਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਦੀ ਹਾਲਤ ਸਾਊਂਡ ਨਹੀਂ। ਇਹ ਸਾਬਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਐਡਮਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਦੇਅਰ ਇਜ਼ ਸਮਵਟ ਫਰਿਕਸ਼ਨ। ਇਸ ਐਡਮਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਦੀ ਜਾਨ ਤੇ ਮਾਲ ਸੇਫ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਲਈ ਐਡਮਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਸਟਰਨਨੈਸ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਫਲੈਕਸੀਬਿਲਿਟੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਮੈਨੂਵਰੇਬਿਲਿਟੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਮੈਨੀਪੂਲੇਸ਼ਨ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਲਚਕ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਾਕਿਆਤ ਨੂੰ ਰੋਕਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਤਾਕਿ ਅੱਗੇ ਤੋਂ ਰੀਪੀਟ ਨਾ ਹੋਣ। ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਸੈਲ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਪਰਾਗਰੈਸ ਵੇਖਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਕਿਵੇਂ ਦਿਨ ਦਿਹਾੜੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਤਲ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਦੀ ਹਾਲਤ ਤੇ ਇਹ ਧੱਬਾ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਬਾਕੀ ਰਾਜਾਂ ਵਿਚ ਪਹਿਲੇ ਮਸ਼ਹੂਰ ਸੀ ਅਤੇ ਦੂਜੀਆਂ ਸਟੇਟਾਂ ਇਸ ਦੀ ਨਕਲ ਕਰਦੀਆਂ ਸਨ। ਜੇਕਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਹੁੰਦਾ ਰਿਹਾ ਤਾਂ ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ ਇਕ ਧੱਬਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਸੀਰੀਅਸ ਨੋਟਿਸ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਸੂਬੇ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ, ਸੁਸਾਇਟੀ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ, ਪੇਸ਼ੇ ਤੇ ਕਿਤੇ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ। ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਹਾਲਾਤ ਠੀਕ ਰਹਿਣ ਤਾਂ ਹੀ ਸੂਬੇ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਅਕਾਨੌਮੀ ਵਧ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਪਾਸੇ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਤਾਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਾਕਿਆਤ ਨਾ ਹੋਣ। ਇੰਨਾਂ ਕਹਿਕੇ ਮੈਂ ਸ਼ੋਕ ਪ੍ਰਸਤਾਵ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਆਪ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਨੂੰ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਸਹਿਮਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੱਖਣ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਸ਼ੋਕ ਪ੍ਰਸਤਾਵ ਇਸ ਸਦਨ ਵਿਚ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਵਲੋਂ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਅਹਿਸਾਸਾਤ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਦਿਤੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਇਕ ਸ਼ਖਸੀਅਤ ਦਾ ਕਤਲ ਹੋਇਆ, ਇਸ ਦਾ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ, ਅਤੇ ਇਸ ਨਾਲ ਚਿੰਤਾ ਪਰਗਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਨਾਮੁਮਕਿਨ ਬਾਤ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਸਿਆਸੀ ਜੀਵਨ ਵਿਚ ਦਾਖਲ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਆਪਣੇ ਸਫੀਅਰ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰੇ ਅਤੇ ਫਿਰ ਉਸ ਦੀ ਜਾਨ ਅਤੇ ਮਾਲ ਮਹਿਫੂਜ਼ ਨਾ ਹੋਣ ਤਾਂ ਫਿਰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਭਲਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਹਰ ਇਕ ਨੇ ਆਪਣੇ ਆਪਣੇ ਸਫੀਅਰ ਵਿਚ ਸ਼ਲਾਘਾਯੋਗ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਘਟਨਾ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਇਕ ਹੋਰ ਹੀ ਨਮੂਨਾ ਪੇਸ਼ ਕਰਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਪਾਸੇ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਤਾਕਿ ਸੋਸ਼ਲੀ, ਇਕਨਾਮੀਕਲੀ ਅਤੇ ਪੋਲਿਟੀਕਲੀ ਹਰ ਕੋਈ ਆਪਣੇ ਸਫੀਅਰ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰ ਸਕੇ ਅਤੇ ਹੈਲਦੀ ਟ੍ਰੈਡੀਸ਼ਨਜ਼ ਕਾਇਮ ਰਹਿ ਸਕਣ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੇ ਜੋ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਹੈ ਇਸ ਦੀ ਸਾਰਿਆਂ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਤਾਂ ਆਪਣੀ ਕੀਰਤੀ ਪਿਛੇ ਛਡ ਗਏ ਅਤੇ ਜਾਨ ਛੁੜਾ ਕੇ ਚਲੇ ਗਏ ਪਰ ਪਿਛੇ ਰਹਿਣ ਵਾਲੇ ਜੋ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਇਕ ਚਿਤਾਵਨੀ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਹੈਲਦੀ ਕਨਵੈਨਸ਼ਨਾਂ ਕਾਇਮ ਕਰੀਏ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਇਕ ਹੈਲਦੀ ਐਟਮਸਫੀਅਰ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਮਾਰਲ ਵੈਲਿਊਜ਼ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣ ਤਾਂਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਦੀ ਜਾਨ ਮਾਲ ਤਾਂ ਮਹਿਫੂਜ਼ ਰਹੇ । ਜਿਹੜੇ ਚਲੇ ਗਏ ਉਹ ਆਪਣੀ ਚੰਗਿਆਈ ਪਿੱਛੇ ਛਡ ਗਏ ਹਨ ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਅੱਜ ਜਿਹੜੀ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਸਾਡੇ ਮੂੰਹੋਂ ਨਿਕਲਦੀ ਹੈ, ਉਹਦਾ ਤਾਂ ਕਾਰਨ ਹੀ ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਲੋਕ ਹੀ ਜਾਣਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਨ ਕਿਤਨੇ ਸਾਫ ਸੀ । ਖੰਨਾ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਸ਼ਖਸੀਅਤ ਅਤੇ ਹੋਰ ਦੂਸਰੇ ਦੋਸਤਾਂ ਦਾ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਸ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਦੇ ਵਿਚ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਾਰਨਾਮਿਆਂ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਹਮੇਸ਼ਾ ਆਪਣੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖੀਏ । ਇਹ ਜਿਤਨੇ ਵੀ ਵਕਤਨ ਫਵਕਤਨ ਕਾਰਨਾਮੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹੋ ਗੁਜ਼ਰੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਹਮੇਸ਼ਾ ਯਾਦ ਤਾਜ਼ਾ ਕਰਦੇ ਰਹਿਣਗੇ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕਾਰਨਾਮਿਆਂ ਕਰਕੇ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ, ਸਾਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਮਲੀ ਰੂਪ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਪਰ ਅਫਸੋਸ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਖਸੀਅਤਾਂ ਦੇ ਕਾਰਨਾਮਿਆਂ ਦਾ ਅਸੀਂ ਪਰਚਾਰ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਾਰਨਾਮਿਆਂ ਵਲ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੇ । ਅਸੀਂ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਦੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਦੀ ਦੌੜ ਵਿਚ ਬਤੌਰ ਫਰਾਇਜ਼ ਦੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਹੋ ਗੁਜ਼ਰੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਕਾਰਨਾਮਿਆਂ ਨੂੰ ਸ਼ਾਮਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੇ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਫਜ਼ਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ, ਇਹ ਜੋ ਮਤਾ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੇ ਰਖਿਆ ਹੈ ਇਸ ਨਾਲ ਸ਼ਾਮਲ ਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਛੜੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਪਿਛੇ ਰਹੇ ਪ੍ਰਵਾਰਾਂ ਤੇ ਪਰਮਾਤਮਾ ਰਹਿਮਤ ਦਾ ਸਾਇਆ ਬਖਸ਼ੇ ਅਤੇ ਇਨਾਂ ਨੂੰ ਭਾਣਾ ਮੰਨਣ ਦਾ ਬਲ ਬਖਸ਼ੇ । ਅਸੀਂ ਲੋਕ ਜਿਹੜੇ ਜ਼ਿੰਦਾ ਹਾਂ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਥ ਵਿਚ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਭਵਿਖ ਹੈ, ਪ੍ਰਮਾਤਮਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲੋਂ ਦਸੇ ਰਾਹ ਤੇ ਚਲਣ ਦਾ ਬਲ ਬਖਸ਼ੇ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਂਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਜੱਥੇਦਾਰ ਹਰਦਿੱਤ ਸਿੰਘ ਭੱਠਲ (ਧਨੌਲਾ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਸ਼ੋਕ ਦਾ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਉਂ ਇਸ ਮਤੇ ਦੇ ਵਿਚ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਜੱਥੇਦਾਰ ਹਰਦਿੱਤ ਸਿੰਘ ਭੱਠਲ]

ਲਿਖੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਨੇ ਸਾਡੇ ਮੁਲਕ ਦੀ ਬੇਹਦ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਇਸ ਮੁਲਕ ਨੂੰ ਉਚਾ ਚੁਕਿਆ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਚਲੇ ਜਾਣ ਕਰਕੇ ਸਾਡੇ ਮੁਲਕ ਨੂੰ ਬੜਾ ਹੀ ਘਾਟਾ ਪਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਅਫਸੋਸ ਵਿਚ ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਅਤੇ ਸਾਰੀ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ (ਰਾਏਕੋਟ) : ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਸ਼ੋਕ ਦਾ ਮਤਾ, ਸ੍ਰੀ ਬਾਦਲ, ਹਾਊਸ ਦੇ ਲੀਡਰ ਨੇ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਇਸ ਨਾਲ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬੇਵਕਤ ਮੌਤ ਤੇ ਮੁਲਕ ਨੂੰ ਬੜਾ ਘਾਟਾ ਪਿਆ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ ਅਰਦਾਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਰਮਾਤਮਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰੂਹ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਚਰਨਾਂ ਵਿਚ ਨਿਵਾਸ ਦੇਵੇ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਸ਼ੋਕ ਦਾ ਮਤਾ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਹਾਨ ਸ਼ਖਸੀਅਤਾਂ ਦੇ ਅਕਾਲ ਚਲਾਣਾ ਕਰਨ ਬਾਰੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਸਹਿਮਤੀ ਹੈ । ਇਹ ਸ਼ੋਕ ਅਤੇ ਹਮਦਰਦੀ ਭਰੇ ਵਿਚਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰਵਾਰ ਅਤੇ ਖਾਨਦਾਨ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਭੇਜ ਦਿਤੇ ਜਾਣਗੇ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਛੜੀਆਂ ਰੂਹਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਟ ਕਰਨ ਲਈ ਆਪਣੀਆਂ ਸੀਟਾਂ ਤੇ ਦੋ ਮਿੰਟ ਲਈ ਖਲੋ ਜਾਈਏ । (I think the entire House agrees with the condolence resolution moved by the Leader of the House on the passing away of these great personalities. The sentiments of sorrow and sympathy expressed in the House will be conveyed to the members of the bereaved families. I would suggest that the House should stand in silence as a mark of respect to the memory of the deceased.)

(ਇਸ ਵੇਲੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਦੋ ਮਿੰਟ ਦੇ ਲਈ ਆਪਣੀਆਂ ਸੀਟਾਂ ਤੇ ਮੋਨ ਖਲੋਤੇ ਰਹੇ ।)

PAPERS LAID ON THE TABLE

Finance Minister : Sir, I beg to lay on the Table :—

i) the Punjab Ordinance ` os. 1 to 4 of 1970.

ii) the Third Annual Report and Accounts for the year 1968-69 of the Punjab Agro-Industries Corporation Limited, as required under Section 619 A of the Companies Act, 1956 ; and

iii] The Annual Administration Report for the year 1968-69 of the Punjab State Electricity Board, Patiala as required under Section 75 (a) of the Electricity (upply) Act, 1948.

Minister of State for Industries and Health : Sir, I beg to lay on the Table :—

i) the 17th Annual Report of the Punjab Financial Corporation 1970, as required under section 38(3) of the State Financial Corporations Act, 1951 ;

ii) the Third Annual Report of the Punjab State Industrial Development Corporation Limited 1968-69, as required under section 619A(3) of the Companies Act, 1956 ; and

iii) The Financial Review on the working of the Pepsu Road Transport Corpo-

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

ration, Patiala, during the year 1966-67, as required under section 33(4) of the Road Transport Corporations Act, 1950,

FIRST REPORT OF THE BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

Mr. Speaker : I have to report the time-table of the Punjab Vidhan Sabha as contained in the First Report of the Business Advisory Committee. The Report reads—

The committee, after some discussion/recommended that—

i) on Friday, the 24th July, 1970, the business already circulated to the hon. Members through the List of Business for that day shall be transacted and all stages involved in disposing of the Resolution and Bills completed ; and

ii) on Monday, the 27th July, 1970, the following business shall be transacted :

(a) The Punjab Scheduled Castes Land Development and Finance Corporation Bill, 1970 ;

and

(b) The Punjabi University (Amendment) Bill, 1970.

Finance Minister : Sir, I beg to move :—

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker : Motion moved—

That this House agrees with the recommendations eontained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker : Question is—

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Bussiness Advisory Committee.

The motion was carried.

LEGISLATIVE BUSINESS

(1) *Resolution Under Clause 2(a) of Article 213 of the Constitution and*

(2) *The Punjab Legislative Assembly (Allowances of Members) Amendment Bill, 1970*

Mr. Speaker : The practice in the past has been that the Resolution seeking disapproval of the Ordinance and the Bill seeking replacement of the Ordinance are discussed together though voting takes place on each item separately. If the House approves, following the previous practice, the Resolution given notice of by Comrade Satya Pal Dang for disapproving the Punjab Legislative Assembly (Allowances of Members) Amendment Ordinance, 1970, may be discussed alongwith the consideration motion of the Punjab Legislative Assembly (Allowances of Members) Amendment Bill, 1970.

(Voices : Yes, yes)

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I beg to move—

That this House disapproves the Punjab Legislative Assembly (Allowances

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Comrade Satya Pal Dang]

of Members) Amendment Ordinance, 1970 (Punjab Ordinance No. 1 of 1970.)

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਸਭਾਪਤੀ, ਨਾਮਾਵਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਸਰਦਾਰ ਜਸ਼ਪਾਲ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕੁਰਸੀ ਸੰਭਾਲੀ ।)

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਥੇ ਹੇਠੋਂ ਬੜੀ ਟੀਕਾ-ਟਿਪਣੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਪਰ ਮੈਂ ਇਸ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ । ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਇਹ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਡਿਸਐਪਰੂਵ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਇਕ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ : ਤੁਹਾਨੂੰ ਤਾਂ ਰੂਸ ਤੋਂ ਪੈਸਾ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਤੁਹਾਨੂੰ ਵੀ ਤਾਂ ਅਮਰੀਕਾ ਤੋਂ ਪੈਸਾ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਦੱਸ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੰਤ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਨੇ ਸਵਤੰਤਰ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਅਮਰੀਕਾ ਤੋਂ ਕਿੰਨਾ ਪੈਸਾ ਲੈਕੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਟਿਕਟਾਂ ਦਿਤੀਆਂ । (ਵਿਘਨ)

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਆਬਕਾਰੀ ਤੇ ਕਰ : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਇਕ ਅਜਿਹੇ ਪਰਸਨ ਦਾ ਨਾਂ ਲੈ ਰਹੇ ਹਨ ਜੋ ਕਿ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਥੇ ਸੰਤ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਅਨਕਾਲਡ ਫਾਰ ਰਿਮਾਰਕਸ ਕਹੇ ਹਨ । ਉਹ ਐਕਸਪੰਜ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । (ਵਿਘਨ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਪਹਿਲਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਹਿਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਪਹਿਲਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰਿਮਾਰਕਸ ਐਕਸਪੰਜ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਕਿਸੇ ਵੀ ਪੁਲਿਟੀਕਲ ਪਾਰਟੀ ਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰਿਫ਼ਲੈਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ । (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਸਾਬਤ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਵਤੰਤਰ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਅਮਰੀਕਾ ਤੋਂ ਕਿੰਨਾ ਪੈਸਾ ਲਿਆ ਗਿਆ । (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੀ ਸਪੀਚ ਜਾਰੀ ਰਖੋ । (The hon. Member may please continue his speech.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ—(ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਬਸੰਤ ਸਿੰਘ ਡਕਾਲਾ : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਥੇ ਹੁਣੇ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਮੇਰੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਗਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਹਨ, ਉਹ ਝੂਠੀਆਂ ਹਨ, ਬੇਹੂਦਾ ਹਨ । ਇਸ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਇਕ ਸਾਥੀ ਦੇਸ਼ ਅਮਰੀਕਾ ਦਾ ਨਾਂ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਹ ਵੀ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਜੇ ਇਹ ਇਕ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਨਾਂ ਲੈ ਸਕਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਦੂਸਰੇ ਵੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ । (ਥੰਪਿੰਗ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਕਿਸ ਟਿਕਾਣੇ ਤੇ ਆ ਗਈ ਹੈ, ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਤਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕਾਂਗਰਸ ਤਕ ਆ ਗਈ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਇਹ ਰੀਤ ਸਾਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਕਿਸੇ ਮਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਬੋਲਣ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ । ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਇਸ ਬਿਨਾ ਤੇ ਪਹਿਲਾਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਾਰੀ ਕਿਉਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ, ਇਹ ਵਾਜਬ ਹੈ, ਜਾਂ ਦਰੁਸਤ ਹੈ, ਇਹ ਫਿਰ ਦੇਖਾਂਗੇ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕਰਨ ਦੀ ਪਾਵਰ ਵਿਧਾਨ ਦੀ ਧਾਰਾ 302 ਦੀ ਕਲਾਜ਼ (1) ਅਧੀਨ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਉਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦਾ ਇਜਲਾਸ ਨਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੋਵੇ ਔਰ ਅਗਰ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਦੋ ਸਦਨ ਹਨ ਅਤੇ ਜੇ ਦੋਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕੋਈ ਵੀ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਨਾ ਹੋਵੇ ਔਰ ਗਵਰਨਰ ਇਹ ਗਲ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਮਝੇ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਹਾਲਾਤ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਕਿ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਇਜਲਾਸ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਤਾਂ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਲੈਜਿਸਲੇਸ਼ਨ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਰਾਹੀਂ ਲਿਆਂਦੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਲੋਕ ਸਭਾ ਦੇ ਵੀ ਕੁਝ ਪ੍ਰੈਸੀਡੈਂਟਸ ਆ ਗਏ ਹਨ । (There are some precedents of the Lok Sabha also.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗਲ ਵੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਵਿਧਾਨ ਵਿਚ ਇਹ ਜੋ ਪਾਵਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਉਸ ਦੀ ਸਪਿਰਟ ਲਉ, ਲੈਟਰ ਨਾ ਲਉ । ਜੇ ਐਮਰਜੈਂਸੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਜਾਂ ਅਜਿਹੇ ਹਾਲਾਤ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਇਜਲਾਸ ਦੀ ਉਡੀਕ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਜਾਂ ਕੋਈ ਅਜਿਹਾ ਮਸਲਾ ਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਮਿਸਾਲ ਵਜੋਂ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਬਹੁਤ ਫੈਲ ਗਈ ਹੈ, ਇਸ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਲਿਆਉ ; ਜਾਂ ਸਕੂਲਾਂ ਦੀਆ ਬਿਲਡਿੰਗਾਂ ਕਿਰਾਏ ਤੇ ਲਈਆਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਬਹੁਤ ਮਾੜੀ ਹੈ, ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਕਰਵਾਉਣ ਦਾ ਅਖਤਿਆਰ ਸਰਕਾਰ ਕੋਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਰਸ਼ਾਂ ਆ ਗਈਆਂ ਹਨ, ਤਾਂ ਰੈਂਟਸ ਰਿਸਟ੍ਰਿਕਸ਼ਨ ਐਕਟ ਨੂੰ ਅਮੈਂਡ ਕਰਨ ਲਈ ਅਤੇ ਹੋਰ ਬਿਲਡਿੰਗਾਂ ਲੈਣ ਲਈ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਲੈ ਆਉ ਤਾਂ ਗਲ ਸਮਝ ਆ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਇੰਡਸਟਰੀ ਦੇ ਵਰਕਰਾਂ ਵਿਚ ਬੇਚੈਨੀ ਹੈ, ਕਿਸੇ ਅਨਸਕਿਲਡ ਵਰਕਰ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਪੀਅਨ ਤੋਂ ਵੀ ਘਟ ਤਨਖਾਹ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ ਸਮਝ ਆ ਸਕਦੀ ਸੀ ਪਰ ਜੋ ਆਰਡੀਨੈਂਸ 25 ਜੂਨ ਨੂੰ ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਉਸ ਲਈ ਕੀ ਅਜਿਹੇ ਉਚੇਚੇ ਹਾਲਾਤ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਏ ਸਨ ਕਿ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਸੈਸ਼ਨ ਲਈ ਦੋ ਜਾਂ ਤਿੰਨ ਮਹੀਨੇ ਨਹੀਂ ਸੀ ਉਡੀਕਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ? ਉਹ ਰੀਟਰੋਸਪੈਕਟਿਵਲੀ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਦੀ ਐਡਵਾਈਸ ਤੇ ਇਹ ਗਲ ਕਹੀ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਹਾਲਾਤ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਕਿ ਇਸ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਨੂੰ ਫੌਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਕੰਪਰੀਹੈਨਸ਼ਨ ਤੋਂ ਬੀਯਾਂਡ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਸ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਦੇ ਮੈਰਿਟ ਦੇ ਵਿਚ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਦਰੁਸਤ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ, ਇਹ ਇਕ ਅੱਡ ਸਵਾਲ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਕੀ ਹਾਲਤ ਸਨ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਨਹੀਂ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ । ਇਹ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਕੰਪੈਨਸੇਟਰੀ ਅਲਾਊਂਸਿਜ਼ ਅਤੇ ਡੇਲੀ ਅਲਾਊਂਸਜ਼ ਵਧਾਉਣ ਦਾ ਬਿਲ ਸੀ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕਰਨ ਦੀ ਪਾਵਰ ਦਾ ਕਰਾਸ ਮਿਸਯੂਜ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਹ ਇਕ ਸ਼ਰਮਨਾਕ ਗਲ ਹੈ । ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਕੋਈ ਮਿਸਾਲ ਮੇਰੇ ਇਲਮ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਲੋਕ ਸਭਾ ਦੇ ਪ੍ਰੈਸੀਡੈਂਟਸ ਦੀ ਗਲ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਉਥੇ ਵੀ ਕਦੇ ਐਮ. ਪੀਜ਼. ਦੇ ਅਲਾਊਂਸ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕਰਕੇ ਨਹੀਂ ਵਧਾਏ ਗਏ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਭੁਲੇਖਾ ਲਗਾ ਹੋਣਾ ਹੈ । ਉਥੇ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਕੀਤਾ ਗਿਆ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਬੈਂਕ ਕੌਮੀਕਰਨ ਦੇ ਲਈ । ਜੇ ਇਹ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਨਾ ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਅਤੇ ਬਿਲ ਲਿਆ ਕੇ ਇਹ ਬੈਂਕ ਕੌਮੀਕਰਨ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਤਾਂ ਬਿਲ ਦੇ ਪਾਸ ਹੋਣ ਤਕ ਅਧਾ ਪਚਧਾ ਪੈਸਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬੈਂਕਾ ਦਾ ਖੁਰਦ ਬੁਰਦ ਹੋ ਜਾਣਾ ਸੀ । ਇਸ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ]

ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਅਜ ਤਕ ਕਦੇ ਤਨਖਾਹਾਂ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਉਥੇ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਨਹੀਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਲੋਕ ਸਭਾ ਵਿਚ ਹੀ ਨਹੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਿਸੇ ਦੂਸਰੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਵੀ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਸੂਬੇ ਨੇ ਅਜਿਹਾ ਭੈੜਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਵੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਉਸ ਦੀ ਰੀਸ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਹਰਿਆਣੇ ਵਿਚ ਵੀ ਇਕ ਅਜਿਹਾ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਹੋਇਆ ਸੀ ਉਹ ਵੀ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਆਫਸ ਆਫ਼ ਪ੍ਰੋਫਿਟ ਹੋਲਡ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਤਨਖਾਹ ਵਾਲਾ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਲਿਆਂਦਾ।

ਸ੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਦੇ ਮੈਰਿਟ ਤੇ ਵੀ ਕੁਝ ਕਹੋਗੇ ? (Would the hon. Member like to say something on its merits too ?)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿਤਨੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਇਸ ਤੇ ਬੋਲਣਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਤੇ ਕੁਝ ਚਿਰ ਲਈ ਬੋਲਣ ਦਿਉ। ਸੋ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਮਨਿਸਟਰੀ ਨੇ ਇਹ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ ਸੀ ਉਸ ਵਿਚ ਜਨਸੰਘ ਵੀ ਸੀ। ਜਦੋਂ ਲੋਕ ਸਭਾ ਦੇ ਇਜਲਾਸ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਬੈਂਕਾਂ ਦਾ ਕੌਮੀਕਰਨ ਦਾ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਹੋਇਆ ਸੀ ਤਾਂ ਜਨ ਸੰਘ ਨੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧ ਰੌਲਾ ਪਾਇਆ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਕਿਉਂ ਜਾਰੀ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਹੁਣ ਮੈਂ ਇਹ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਲਿਆਉਣ ਦੀ ਲੋੜ ਕਿਉਂ ਪਈ। (ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ ਵਲੋਂ ਵਿਘਨ) ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ, ਪਹਿਲਾਂ ਸੁਣ ਲੈਣ। ਜਦੋਂ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਦੀ ਮਨਿਸਟਰੀ ਸੀ ਤਾਂ ਇਕ ਦਿਨ ਅਸਾਂ ਹਾਉਸ ਵਿਚ ਕੀ ਦੇਖਿਆ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਇਕ ਦੋ ਹੋਰ ਮੈਂਬਰਾਂ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਕੋਈ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਇਥੇ ਹਾਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਅਸੀਂ ਬਾਹਰ ਨਿਕਲੇ ਤਾਂ ਸਾਰੇ ਲਾਬੀ ਵਿਚ ਖੜੇ ਸੀ। ਜਦੋਂ ਅਸੀਂ ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਪੁਛਿਆ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕਿ ਅਸੀਂ ਹੜਤਾਲ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਤੇ ਅਲਾਉਂਸ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਇਸੇ ਹੀ ਇਜਲਾਸ ਵਿਚ ਬਿਲ ਲਿਆਉ। (ਵਿਘਨ) ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹੁਣ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਇਹੀ ਕਿਹਾ ਹੋਵੇ ਕਿ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਲਿਆਉ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਚਲੇ ਜੇ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਵਲ, ਅਸੀਂ ਡਿਫੈਕਟ ਹੋ ਚਲੇ ਹਾਂ, ਅਸੀਂ ਨੀਲਾਮੀ ਤੇ ਚੜ੍ਹਨ ਲਗੇ ਹਾਂ (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਹੋਰ ਕੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ? ਜਿਸ ਵੀ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਜਵਾਬ ਦੇਣਾ ਹੋਵੇ ਮੈਂ ਉਸ ਤੋਂ ਇਹ ਸਮਝਣਾ ਚਾਹਵਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਦੀ ਹੋਰ ਕੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਸੀ ?

ਇਸ ਦੇ ਮੈਰਿਟਸ ਉਤੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਬੜੀ ਦੇਰ ਦਾ ਚਲਦਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਅਕਾਲੀ ਜਨਸੰਘ ਮਨਿਸਟਰੀ ਸੀ ਉਦੋਂ ਇਹ ਸਵਾਲ ਆਇਆ ਅਤੇ ਉਦੋਂ ਦੇ ਫਾਈਨੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਇਕ ਮੀਟਿੰਗ ਬੁਲਾਈ। ਉਸ ਵਿਚ ਇਹ ਸਵਾਲ ਆਇਆ ਕਿ ਆਇਆ ਕੰਪੈਨਸੇਟਰੀ ਅਲਾਉਂਸ ਵਧਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ, ਅਤੇ ਆਇਆ ਡੇਲੀ ਅਲਾਉਂਸ ਵਧਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਉਦੋਂ ਦੇ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਇਹ ਸਟੈਂਡ ਲੈ ਲਿਆ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਸਹਿਮਤ ਹੋਣਗੀਆਂ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੈਂ ਕਰ ਦਿਆਂਗਾ। ਮੈਂ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬੜੀ ਸਿਆਸਤ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਗਲ ਉਤੇ ਅਮਲ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ। ਉਸ ਵੇਲੇ ਕੁਝ ਗਲਾਂ ਉਤੇ ਸਹਿਮਤੀ ਸੀ ਅਤੇ ਕੁਝ ਉਤੇ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਨੰ: 1 ਜੋ ਹੈ, ਇਸ ਵਿਚ ਦੋ ਗਲਾਂ ਹਨ; ਇਕ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਟੈਲੀਫੂਨ ਲਗਾਇਆ ਜਾਵੇ, ਚਾਹੇ ਘਰ ਲਗਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਉਸ ਦਾ ਖਰਚ ਸਰਕਾਰ ਦੇਵੇ ਅਤੇ ਟਰੰਕ ਕਾਲਾਂ ਕਰਨ ਦਾ ਖਰਚ 50 ਰੁਪਏ ਤਕ ਸਰਕਾਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਦੇਵੇ ਅਤੇ ਇਸ ਤੋਂ ਵਧ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇਵੇ। ਪੈਪਸੂ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਵਿਚ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼ ਸਫਰ ਮੁਫਤ ਕਰਨ ਜਾਂ ਉਹਦਾ ਬਿਲ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਦੇ ਦੇਣ।

ਇਸ ਬਾਰੇ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਯਾਦ ਦਿਲਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਗਿਲ ਸਾਹਿਬ ਵੇਲੇ ਤਿੰਨ ਸੌ ਤੋਂ ਚਾਰ ਸੌ ਰੁਪਏ ਹੋਏ ਸਨ ਤਾਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਉਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ ਮੈਂ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨਾ ਵਾਜਿਬ ਨਹੀਂ। ਇਹ ਸਹੂਲਤ ਦਿਉ ਕਿ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਪੰਜਾਬ ਭਰ ਵਿਚ ਬਿਨਾ ਕਰਾਇਆ ਖਰਚੇ ਫਿਰ ਸਕਣ। ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਇਸਤੇਮਾਲ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਕੈਸ਼ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਕਦੀ ਵਿਚ ਤਬਦੀਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। (ਵਿਘਨ) ਤਾਂ ਜੋ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਜਨਤਾ ਦੀ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਸੇਵਾ ਕਰ ਸਕੇ, ਇਹੋ ਜਿਹੀਆਂ ਅਗਰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਹੋਣਗੀਆਂ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਇਸ ਦੇ ਹਕ ਵਿਚ ਹਾਂ। ਲੇਕਿਨ ਅਗਰ ਤਨਖਾਹ, ਕੰਪੈਨਸੇਟਰੀ ਅਲਾਊਂਸ ਅਤੇ ਡੇਲੀ ਅਲਾਊਂਸ ਵਧਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਕੋਈ ਸਬੂਤ ਨਹੀਂ ਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਜਨਤਾ ਦੀ ਵਧ ਸੇਵਾ ਕਰ ਸਕੇਗਾ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਜਿਹੜੀ ਮੀਟਿੰਗ ਸੱਦੀ ਗਈ ਸੀ ਉਸ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਸਹਿਮਤੀ ਪਰਗਟ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਬਸ ਸਰਵਿਸ ਫਰੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਉਤੇ ਸਰਬਸੰਮਤੀ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਮੈਂ ਕਾਇਮ ਹਾਂ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਸ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

ਦੂਜੀ ਗਲ ਇਸ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਵਿਚ ਕਮਪੈਨਸੇਟਰੀ ਅਤੇ ਡੇਲੀ ਅਲਾਊਂਸ ਵੀ ਹੈ। ਜਿਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਮੈਂ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕੀਤੀ ਸੀ ਉਸ ਦੀ ਮੈਂ ਹੁਣ ਵੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੰਪੈਨਸੇਟਰੀ ਅਲਾਊਂਸ ਚਾਰ ਸੌ ਤੋਂ ਵਧਾ ਕੇ ਪੰਜ ਸੌ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਡੇਲੀ ਅਲਾਊਂਸ 25 ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵਧਾਕੇ 35 ਕੀਤਾ ਜਾਏ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜਦੋਂ ਦਿੱਲੀ ਸਾਰੇ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਗਏ ਸਨ, ਉਥੇ ਧਰਨੇ ਮਾਰੇ ਸਨ (ਵਿਘਨ) ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ ਦਸਖਤ ਕਰਾਉਣ ਗਏ ਸਨ ਮੈਂ ਉਦੋਂ ਵੀ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਸਾਰੀ ਦੁਨੀਆਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਆਪਣੇ ਕੋਲ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਰਖਦੇ ਅਤੇ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿੰਦੇ ਹਨ, ਤਾਕਿ ਚੰਗੇ ਕੰਮ ਲਈ ਪੈਸੇ ਵਰਤੇ ਜਾਣ। ਇਸ ਤੇ ਮੈਨੂੰ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਤੁਹਾਡੀ ਪਾਰਟੀ ਕੋਲ ਫੰਡਜ਼ ਵਧ ਜਾਣਗੇ, ਤੁਸੀਂ ਦਸਖਤ ਕਰ ਦਿਉ। ਮੈਂ ਨਾਂਹ ਕਰ ਦਿਤੀ। (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਚੀਪ ਦਲੀਲ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਖਰ ਵਿਚ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਸਿਆਸਤ ਨੂੰ ਅਛੀ ਪਧਰ ਤੇ ਲਿਆਉਣ ਲਈ ਕੋਈ ਅਸੂਲ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਗਿਲ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਤਿੰਨ ਸੌ ਤੋਂ ਚਾਰ ਸੌ ਰੁਪਏ ਵਧਾਉਣੇ ਚਾਹੇ ਤਾਂ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਅਤੇ ਜਨ ਸੰਘ ਪਾਰਟੀ ਨੇ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਉਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕੀਤੀ। ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਕੁਝ ਸਜਣ ਉਸ ਦੀ ਹਮਾਇਤ ਵਿਚ ਸਨ ਅਤੇ ਕੁਝ ਨੇ ਉਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਲੇਕਿਨ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਅਤੇ ਜਨ ਸੰਘ ਨੇ ਸੌਲਿਡਲੀ ਮਿਲਕੇ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਉਸਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਜੇ ਤਿੰਨ ਸੌ ਤੋਂ ਚਾਰ ਸੌ ਕਰਨਾ ਗਲਤੀ ਸੀ ਤਾਂ ਕੀ ਹੁਣ ਚਾਰ ਸੌ ਤੋਂ ਪੰਜ ਸੌ ਕਰਨਾ ਠੀਕ ਹੈ? (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਬਾਜਵਾ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਜੋ ਪਹਿਲਾਂ ਵਕਾਲਤ ਕਰਦਾ ਸੀ, ਵਪਾਰ ਕਰਦਾ ਸੀ, ਟਰੈਕਟਰ ਰਖਦਾ ਸੀ, ਜੇ ਹੁਣ ਉਹ ਇਹ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਤਾਂ ਮੈਂ ਮੰਨ ਜਾਂਦਾ ਹਾਂ। (ਵਿਘਨ) ਇਕ ਦੋ ਦੇ ਸਿਵਾਏ ਹੁਣ ਕੋਈ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਇਧਰ ਹੋਲ ਟਾਈਮ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਕਿ ਹੁਣ ਮਹਿੰਗਾਈ ਵਧ ਗਈ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਅਲਾਊਂਸ ਚਾਰ ਸੌ ਤੋਂ ਪੰਜ ਸੌ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ, ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਇਸ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ]

ਦੀ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕੀਤੀ, ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ ਨੇ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕੀਤੀ। ਪਹਿਲਾਂ ਤਿੰਨ ਸੌ ਤੋਂ ਚਾਰ ਸੌ ਕੀਤਾ। ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਹੁਣ ਕਿੰਨੀ ਮਹਿੰਗਾਈ ਵਧ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਅਲਾਊਂਸ ਹੁਣ ਪੰਜ ਸੌ ਕਰਨਾ ਪਿਆ ਹੈ ? ਬਾਜਵਾ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਚਪੜਾਸੀ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਜਦ ਇਹ ਟੂਰ ਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਕੀ ਮਿਲਦਾ ਹੈ । ਉਸ ਨੂੰ ਡੇਢ ਰੁਪਿਆ ਰੋਜ਼ ਦਾ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਦਸੋ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਜਾਂ ਜਲੰਧਰ ਜਾਂ ਕਿਤੇ ਹੋਰ ਜਦ ਉਹ ਚਪੜਾਸੀ ਮਨਿਸਟਰਾਂ ਨਾਲ ਦੌਰੇ ਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਡੇਢ ਰੁਪਏ ਵਿਚ ਕੀ ਬਣਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਜਿਹੜੇ 35/- ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਸ ਵਿਚ ਹਿਸਾ ਵੰਡਾਉਣ ਵਾਲੇ ਬਹੁਤ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। (There are so many others who also get share out of this sum of Rs. 35/-)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜੇ ਮਹਿੰਗਾਈ ਵਧੀ ਹੈ ਤਾਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਪਹਿਲਾਂ ਪਬਲਿਕ ਦਾ ਅਤੇ ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਦਾ ਸੋਚਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਨਾ ਕਿ ਆਪਣਾ ਪਹਿਲਾਂ ਸੋਚਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਵੇਲੇ ਡੇਲੀ ਅਲਾਊਂਸ ਜਿਹੜਾ 25 ਰੁਪਏ ਤੋਂ 35 ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਕਲਾਸ ਫੋਰ ਨੂੰ ਡੇਢ ਰੁਪਏ ਰੋਜ਼ ਦਾ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। 100/- ਰੁ: ਤਨਖਾਹ ਤੋਂ ਹੇਠਾਂ ਅਤੇ ਕਲਾਸ ਫੋਰ ਤੋਂ ਉਪਰ ਇਹ ਡੇਲੀ ਅਲਾਊਂਸ ਦੋ ਰੁਪਏ ਪਰ ਡੇ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ 100 ਤੋਂ 175/- ਰੁਪਏ ਤਕ ਢਾਈ ਰੁਪਏ ਅਤੇ 175 ਤੋਂ 250 ਰੁਪਏ ਤਕ ਤਿੰਨ ਰੁਪਏ ਮਿਲਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ, ਬਾਜਵਾ ਸਾਹਿਬ, ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵੀ ਧਿਆਨ ਕਰਨ। (ਵਿਘਨ) ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਨੂੰ ਚਾਰ ਸੌ ਤੋਂ ਪੰਜ ਸੌ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਮਹਿੰਗਾਈ ਵਧ ਗਈ ਹੈ। ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮਿਨੀਮਮ ਵੇਜਿਜ਼ ਐਕਟ ਦੇ ਹੇਠਾਂ ਘਟੋ ਘਟ ਤਨਖਾਹ 90 ਰੁਪਏ ਜਾਂ 100/- ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰੋ। ਮਜ਼ਦੂਰ ਦੇ ਬੱਚੇ ਅਤੇ ਬੀਵੀ ਨੇ ਵੀ ਜੀਊਣਾ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਜਿੰਨੇ ਮਨਿਸਟਰਾਂ ਦੇ ਆਪਣੇ ਕਾਰਖਾਨੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜੋ ਸਿਲਕ ਦੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਛੇ ਮਹੀਨੇ ਲਈ ਇਸ ਗਲ ਤੋਂ ਮੁਸਤਸਨਾ ਕਰਾਰ ਦੇ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਅਨ-ਸਕਿਲਡ ਵਰਕਰ 60/- ਉਤੇ ਅਜ ਵੀ ਭਰਤੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਜਦੋਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਪੀਅਨ ਨੂੰ 141/- ਰੁਪਏ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਘਟ ਪੈਸੇ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਸੈਕਟਰ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਵਰਕਰ ਨੂੰ ਵੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਣੇ ਚਾਹੀਦੇ। (ਵਿਘਨ)

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜੀਆਂ ਫੈਸਿਲੇਟੀਜ਼ ਕੈਸ਼ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾਂ ਤਾਂ ਕੋਈ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਫਾਇਦਾ ਉਠਾ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ। ਲੇਕਿਨ ਕੰਪੈਨਸੇਟਰੀ ਅਲਾਊਂਸ ਚਾਰ ਸੌ ਤੋਂ ਪੰਜ ਸੌ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਡੇਲੀ ਅਲਾਊਂਸ 25 ਰੁਪਏ ਤੋਂ 35 ਰੁਪਏ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ, ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਪਰੈਸੀਡੈਂਟ ਦੀ ਗਲ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਮੈਂ ਆਖਰ ਵਿਚ ਇਕ ਗਲ ਹੋਰ ਕਹਿਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਸਾਰਿਆਂ ਨਾਲੋਂ ਵਡੀ ਦਲੀਲ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਕਿ ਹਰਿਆਣਾ ਵਿਚ ਇਹ ਗਲ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ; ਇਸ ਬਾਰੇ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਹਰਿਆਣਾ ਵਿਚ ਇਹ ਗੱਲ ਹੋ ਗਈ। ਹਰਿਆਣੇ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਬੁਰਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਕਿਉਂਕਿ ਬੰਸੀ ਲਾਲ ਦੀ ਮਨਿਸਟਰੀ ਰਹਿੰਦੀ ਨਹੀਂ ਸੀ (ਵਿਘਨ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਰਿਸਟ੍ਰਿਕਸ਼ਨ ਉੜਾ ਦਿਤੀ ਅਤੇ ਇਹ ਪਾਸ ਕਰ ਦਿਤਾ ਕਿ ਇਮਪਰੂਵਮੈਂਟ ਟਰਸਟਾਂ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ, ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼ ਨੂੰ ਬਣਾ ਦਿਉ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜਾਂ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਮਨਿਸਟਰ ਬਣਾਉ ਜਾਂ ਮਨਿਸਟਰੀ ਦੇ ਬਰਾਬਰ ਅਹੁਦਾ ਦਿਉ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਲਾਉ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਹਰਿਆਣਾ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਇਹ ਕੰਮ ਕੀਤਾ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਥੇ ਇਕ ਸੈਮੀਨਾਰ ਹੋਇਆ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਦਿਤੀ ਹੋਈ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਦੱਸਦਾ ਹਾਂ। 1969 ਤਕ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਕੀ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਸੀ।

A Member of Parliament at present gets Rs. 500/- as monthly salary and Rs. 31/- per diam as Daily Allowance.

1969 ਤਕ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ 5 ਸੌ ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਔਰ 31 ਰੁਪਏ ਰੋਜ਼ ਦਾ ਡੀ. ਏ. ਮਿਲਦਾ ਸੀ। ਇਸ ਸੂਚਨਾ ਦੇ ਵਿਚ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਸਟੇਟਸ ਦੇ ਵਿਚ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਨੂੰ 2 ਸੌ ਰੁਪਏ ਤੋਂ 4 ਸੌ ਰੁਪਏ ਮਿਲਦਾ ਸੀ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਵਧਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਹ ਹਰਿਆਣਾ ਸਟੇਟ ਵਿਚ ਹੋਇਆ ਜਿਥੇ ਕਿ 4 ਸੌ ਤੋਂ 5 ਸੌ ਰੁਪਏ ਹੋਇਆ। ਜਨਰਲ ਪੈਟਰਨ ਅੱਜ ਵੀ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ 2 ਸੌ ਤੋਂ 4 ਸੌ ਰੁਪਏ ਹੈ। ਕਿਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਤਨਖਾਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕਿਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਕੰਪੈਨਸੇਟਰੀ ਅਲਾਉਂਸ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ, ਲੇਕਿਨ, ਜਨਰਲ ਪੈਟਰਨ ਜਿਹੜਾ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਹੈ, ਉਹ 2 ਸੌ ਤੋਂ 4 ਸੌ ਰੁਪਏ ਹੈ। ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਨੇ ਆਉਂਦਿਆਂ ਹੀ ਕਲੇਮ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਵਿਧਾਨ ਪਰੀਸ਼ਦ ਉਡਾ ਦਿਆਂਗੇ, ਉਹ ਉਡਾ ਦਿਤੀ। ਉਸਦਾ ਖ਼ਰਚਾ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਟੈਕਸ ਪੇਅਰਜ਼ ਤੋਂ ਹਟਾ ਦਿਤਾ। ਲੇਕਿਨ ਜਿਹੜੇ ਇਹ ਬਿਲ ਲਿਆਏ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿੰਨਾ ਪੈਸਾ ਵਾਧੂ ਖਰਚ ਆਵੇਗਾ? ਇਕ ਸਬਸਟੈਂਸ਼ੀਅਲ ਅਮਾਊਂਟ ਜਿਹੜੀ ਟੈਕਸ ਪੇਅਰਜ਼ ਤੇ ਪਵੇਗੀ——(ਵਿਘਨ)

ਡਾ: ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਯੂ. ਪੀ. ਅਤੇ ਰਾਜਸਥਾਨ ਦਾ ਵੀ ਦੱਸ ਦਿਉ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਯੂ. ਪੀ. ਅਤੇ ਰਾਜਸਥਾਨ ਦਾ ਇਹ ਦੱਸ ਦੇਣਗੇ। ਅਗਰ ਹਰਿਆਣਾ ਗਲਤੀ ਕਰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਸੂਬੇ ਗਲਤੀ ਕਰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਇਹ ਪਰੈਸੀਡੈਂਟ ਨਹੀਂ ਬਣਦਾ। ਮਹਿੰਗਾਈ ਦੀ ਕੋਈ ਆਰਗੂਮੈਂਟ ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਬੱਸ ਤੇ ਆਵਾਂਗੇ, ਗੱਡੀ ਤੇ ਆਵਾਂਗੇ ਅਤੇ ਐਨੇ ਕਿਲੋਮੀਟਰ ਦੀ ਫਰੀ ਫੈਸਿਲਿਟੀ ਮਿਲੇਗੀ ਅਤੇ ਫਿਰ ਡਿਊਢਾ ਕਿਰਾਇਆ ਵੀ ਫਸਟ ਕਲਾਸ ਦਾ ਲੈ ਲਵਾਂਗੇ, ਇਹ ਸਾਰਾ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਨਤਾ ਤੇ ਬਰਡਨ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਅਜਿਹਾ ਕਰਕੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਜਨਤਾ ਤੋਂ ਹੋਰ ਦੂਰ ਲਿਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਐਨਾ ਬਰਡਨ ਪਬਲਿਕ ਦੇ ਉਤੇ ਪਾਉਣ ਦੀ ਕੋਈ ਲੋੜ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਬਣਨ। ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਦਾ ਸਭ ਥਾਂ ਤੇ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ ਮਾਨ ਕਿਉਂ ਉਡ ਗਿਆ ਹੈ? ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆ ਗਲਾਂ ਕਰਕੇ ਹੀ ਉਡ ਗਿਆ ਹੈ। ਸੋ ਇਹ ਟੈਕਸ ਪੇਅਰਜ਼ ਤੇ ਵਾਧੂ ਖਰਚਾ ਹੈ।

ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਾਰਣਾਂ ਕਰਕੇ 4 ਸੌ ਤੋਂ 5 ਸੌ ਰੁਪਏ ਜਿਹੜੇ ਕੀਤੇ ਹਨ ਔਰ 25 ਰੁਪਏ ਤੋਂ 35 ਰੁਪਏ ਜਿਹੜੇ ਕੀਤੇ ਹਨ। ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੇ ਸਵਾਲਾਂ ਉਤੇ ਕਦੇ ਵੀ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਇਹ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਕਰਕੇ ਪਾਵਰਜ਼ ਨੂੰ ਮਿਸਯੂਜ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਹਾਂ। ਮੈਨੂੰ ਉਮੀਦ ਹੈ ਕਿ ਅਸੂਲ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲਣ ਲਈ ਖੜੇ ਹੋਣਗੇ, ਉਹ ਇਹੀ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਲੈਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਪਾਵਰਜ਼ ਨੂੰ ਮਿਸਯੂਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Minister For Finance : Sir, I beg to introduce the Punjab Legislative Assembly (Allowances of Members) Amendment Bill.

Minister for Finance : Sir, I beg to move—

That the Punjab Legislative Assembly (Allowances of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਹੈ ਇਸ ਬਾਰੇ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਪਿੱਛੇ ਜਦ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦਾ ਸੈਸ਼ਨ ਸੀ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਨ, ਉਦੋਂ ਇਸ ਸਦਨ ਦੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਕੋਈ 80 ਦੇ ਕਰੀਬ ਦਸਖਤ ਕਰਕੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਦਿਤੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਫੈਸਿਲਿਟੀਜ਼ ਔਰ ਕੰਪੈਨਸੇਟਰੀ ਅਲਾਊਂਸ ਵਧਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਵਧਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਰੀਜ਼ਨਜ਼ ਦਿਤੇ ਕਿ ਮਹਿੰਗਾਈ ਬਹੁਤ ਵਧ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਹ ਰੀਜ਼ਨਜ਼ ਵੀ ਸਨ, ਕਿ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਦੀਆਂ ਨੇਚਰ ਆਫ ਡਿਊਟੀਜ਼ ਐਸੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਤੁਰਨਾ ਫਿਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਟੈਲੀਫੋਨ ਅਤੇ ਹੋਰ ਫੈਸਿਲਿਟੀਜ਼ ਨਾ ਹੋਣ ਤਾਂ ਇਸ ਜਮਹੂਰੀ ਰਾਜ ਦੇ ਵਿਚ ਉਹ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਅੱਛੀ ਸੇਵਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹ ਅਤੇ ਪਰੇਰਨਾ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ, ਤਾਕਿ ਉਹ ਅੱਛੀ ਸੇਵਾ ਕਰ ਸਕਣ, ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਮਿਲਣੀਆਂ ਚੀਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰੱਖ ਕੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਰੇ ਵੱਖ ਵੱਖ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਲੀਡਰਾਂ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਉਸ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ, ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ,ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿ ਐਡੀ ਵੱਡੀ ਸਪੀਚ ਕੀਤੀ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਸਨ। ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ, ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ (ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਵੱਲੋਂ ਵਿਘਨ) ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ ਵੀ ਸ਼ਾਮਿਲ ਸਨ। (ਵਿਘਨ) ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਨੁਮਾਇੰਦਿਆਂ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਹੋਈ ਉਸ ਮੀਟਿੰਗ ਦੇ ਵਿਚ ਜਨਰਲ ਕਨਸੈਂਨਸਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੀ ਫੈਸਲਾ ਹੋਇਆ। ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਦਾ ਕਿ ਕੰਪੈਨਸੇਟਰੀ ਅਲਾਊਂਸ ਨਹੀਂ ਸੀ ਵਧਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਇਹ ਗੱਲ ਸਹੀ ਹੈ ਕਿ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਕਹਿੰਦੇ ਸਨ ਕਿ ਫੈਸਿਲਿਟੀਜ਼ ਵਧਾਉ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਡੀਅਰਨੈਸ ਅਲਾਊਂਸ ਭਾਵੇਂ 35 ਦੀ ਬਜਾਏ 40 ਰੁਪਏ ਕਰ ਦਿਉ। (ਵਿਘਨ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਇਟ ਇਜ਼ ਐਬਸੋਲਿਊਟਲੀ ਰਾਂਗ। ਮੈਂ 25 ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਇਕ ਪੈਸਾ ਵੀ ਵਧਾਉਣ ਦੀ ਮੁਖ਼ਾਲਫਤ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਇਹ ਬੇਸ਼ੱਕ ਉਸਨੂੰ ਦੇਖ ਲੈਣ।

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਆਈ ਐਮ ਸ਼ੁਅਰ, ਆਈ ਐਮ ਕੁਰੈਕਟ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਔਰ ਸਾਰਿਆਂ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਾਂ ਦੀ ਇਸ ਮੰਗ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਪਿਛਲੀ ਦਫਾ ਵੀ ਜਦ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦਾ ਸੈਸ਼ਨ ਚਲ ਰਿਹਾ ਸੀ, ਤਾਂ ਉਦੋਂ ਇਹ ਮੰਗਾਂ ਬਿਲ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸੀ। ਲੇਕਿਨ ਕੁਝ ਹਾਲਾਤ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਇਹ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ ਬਿਲ ਪਾਸ ਨ ਸਕਿਆ। ਇਸ ਲਈ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਅਤੇ ਹੁਣ ਦੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ, ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਬਿੱਲ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਬਿੱਲ ਦਾ ਮੰਤਵ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਪਬਲਿਕ ਵਰਕ ਵਿਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇ ਕੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਇਫੈਕਟਿਵ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਉਹ ਇਸ ਜਮਹੂਰੀ ਰਾਜ ਵਿਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕਾਮਯਾਬੀ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰ ਸਕਣ, ਉਤਸ਼ਾਹ ਦੇ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰ ਸਕਣ। ਇਸ ਮਕਸਦ ਦੇ ਲਈ ਇਹ ਬਿਲ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Punjab Digital Library

ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਲਾਈਟ ਵਿਚ ਕਨਸਿਡਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਨਾ ਕਿ ਨੈਗੇਟਿਵ ਅਪਰੋਚ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਕੇ ਇਸ ਨੂੰ ਕਨਸਿਡਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ।

Mr. Chairman : Motions moved—

That this House disapproves the Punjab Legislative Assembly (Allowances of Members) Amendment Ordinance 1970 (Punjab Ordinance No. 1 of 1970.)

That Punjab Legislative Assembly (Allowances of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Both these motions will be discussed together.

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ (ਸਮਰਾਲਾ) : ਪ੍ਰਧਾਨ ਜੀ ਜਿਹੜਾ ਮਤਾ ਮੇਰੇ ਮਿੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਉਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। (ਤਾੜੀਆਂ) ਜਿਹੜਾ ਬਿੱਲ ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਉਸ ਦੀ ਪ੍ਰੋੜਤਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ (ਤਾੜੀਆਂ)

ਮੇਰੇ ਮਿਤਰ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦੋ ਤਿੰਨ ਦਲੀਲਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ, ਮਤੇ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ। ਇਕ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਨਹੀਂ ਸੀ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ, ਇਹ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਇਹ ਤਰੀਕਾ ਠੀਕ ਨਹੀਂ। ਇਸਦੀ ਤਾਂ ਕੋਈ ਸਬੰਧਤ ਥਾਂ, ਜਿਹੜਾ ਮਤਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਮੈਨੂੰ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦਾ। ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਦੀ ਬਾਬਤ, ਜਿਥੋਂ ਤੱਕ ਮੈਨੂੰ ਜਾਣਕਾਰੀ ਹੈ, ਉਸ ਦਾ ਅਸੂਲ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਐਨਾ ਹੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਅਸੈਂਬਲੀ ਬੈਠੀ ਹੋਈ ਨਾ ਹੋਵੇ, ਲੇਕਿਨ ਕੋਈ ਐਸੀ ਲੋੜ ਪੈ ਜਾਵੇ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਰਾਜਕਾਜ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਚਲਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਥੇ ਗਵਰਨਰ ਨੂੰ ਹੀ ਅਧਿਕਾਰ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦੇਵੇ। ਜੇ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਇਹਨਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਫਿਰ ਇਸ ਦੇ ਜਾਰੀ ਹੋਣ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗੁਣ, ਦੋਸ਼ ਵਿਚ ਹੋਰ ਜਾਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਲਈ ਜਿਹੜੇ ਨੁਕਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਠਾਏ ਹਨ, ਉਹ ਬੁਨਿਆਦੀ ਤੌਰ ਤੇ ਠੀਕ ਨਹੀਂ। ਉਹ ਕੱਚੇ ਮਲੂਮ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਕ ਨੁਕਤਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਅਸੂਲ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ ਕਿਹੜੇ ਅਸੂਲ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਦੱਸਿਆ।

ਦੂਸਰੀ ਗੱਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਕਹੀ ਹੈ ਕਿ ਮਹਿੰਗਾਈ ਦਾ ਵਧ ਜਾਣਾ, ਵੇਤਨ ਭੱਤਾ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਹਕ ਵਿਚ ਕੋਈ ਦਲੀਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਭੱਤਾ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਇਹ ਗਲ ਕਹਿ ਦਿਤੀ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਪ੍ਰੋੜਤਾ, ਵਿਆਖਿਆ ਦੀ ਦਲੀਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ।

ਜਿੰਨਾਂ ਚਿਰ ਮੈਂਬਰਾ ਨੂੰ ਇੰਨਾ ਭੱਤਾ, ਇੰਨਾ ਵੇਤਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਜਿਸ ਨਾਲ ਉਹ ਆਪਣਾ ਸੁਖੈਨ ਜੀਵਨ ਬਤੀਤ ਕਰ ਸਕਣ ਉਨਾਂ ਚਿਰ ਇਹ ਨਿਸਚੇ ਜਾਣੋ ਕਿ ਇਸ ਰਿਆਸਤ ਵਿਚ, ਇਸ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ, ਕਦੇ ਵੀ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਚਾਲੂ ਤੇ ਸਥਿਰ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਜਿਸ ਨੂੰ ਕਿ ਸਾਫ਼ ਸੁਥਰਾ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕੇ। (ਥੰਪਿੰਗ) ਇਸ ਅਸੂਲ ਨੂੰ ਸਭ ਸੋਝੀਵਾਨ ਲੋਕ ਸਮਝਦੇ ਹਨ, ਲੇਕਿਨ ਮੇਰੇ ਕੁਝ ਭਰਾ ਪ੍ਰਾਪੇਗੰਡਾ ਕਰਨ ਲਈ, ਜਾਂ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਇਕ ਖਾਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਤਸੱਵਰ ਬਾਹਰ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਦੇਣ ਲਈ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਮਹਿੰਗਾਈ ਭੱਤਾ ਵਧਾਉਣ ਨਾਲ ਕੋਈ ਸਬੰਧ ਨਹੀਂ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਭੱਤਾ ਨਹੀਂ ਵਧਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵੇਤਨ ਨਹੀਂ ਵਧਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਗੁਲ ਕਹੀ ਕਿ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਇਕ ਮਜ਼ਦੂਰ 60/- ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਲੈਂਦਾ ਹੈ, ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ 500/-

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ]

ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਲੈਣ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਅੱਜ ਕੱਲ੍ਹ ਕਿਹੜਾ ਮਜ਼ਦੂਰ ਹੈ ਜਿਹੜਾ 60/- ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਲੈਂਦਾ ਹੈ ਯਾ ਇਸ ਤਨਖਾਹ ਉਤੇ ਮਿਲ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਸਾਡੇ ਜਿਹੜੇ ਚਪੜਾਸੀ ਹਨ ਉਹ ਵੀ ਸਵਾ ਸੌ ਜਾਂ ਡੇਢ ਸੌ ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਤਨਖਾਹ ਆਦਿ ਲੈਂਦੇ ਹਨ । ਉਸ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕਰੋ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨਾਲ ਜਿਹੜੇ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਦੇ ਸਵਾਮੀ ਹਨ ।ਇਹ ਤਨਾਸਬ ਇਕ ਤੇ ਚਾਰ ਦਾ ਬਣਦਾ ਹੈ । ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਰੂਸ ਵਿਚ, ਜਿਹੜੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ (ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਵਲ ਇਸ਼ਾਰਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ) ਤੀਰਥ ਭੂਮੀ ਹੈ, ਪੁੰਨ ਭੂਮੀ ਹੈ । ਉਥੇ ਕਾਮਿਆਂ ਤੇ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਚਲਾਉਣ ਦੇ ਜੋ ਉਚ ਅਧਿਕਾਰੀ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਤਨਾਸਬ ਇਕ ਅਤੇ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਤਨਾਸਬ ਕਾਇਮ ਕਰਕੇ ਦੇਖ ਲਉ ਕਿ ਇਸ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਕਿੰਨੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਕ ਨੂੰ ਹਜ਼ਾਰ ਨਾਲ ਜ਼ਰਬ ਦੇ ਕੇ ਦੇਖ ਲਉ ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਹਿਸਾਬ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦਾ । (ਹਾਸਾ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ (ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਵਲ ਇਸ਼ਾਰਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ) ਇਹ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਾਡੇ ਆਪਣੇ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਸੂਬਿਆਂ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਪਰਚਲਤ ਰਿਵਾਜ ਹਨ ਉਹ ਇੰਨੇ ਵੇਤਨ, ਇਨੇ ਭੱਤੇ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਪਰਗਤੀ ਦਾ ਇਕ ਖਾਸ ਪਿਛੋਕੜ ਹੈ । ਸਾਡੇ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਆਜ਼ਾਦ ਹੋਣ ਉਤੇ ਵੇਤਨਾਂ ਦੀ ਗੱਲ ਚਲੀ ਸੀ, ਇਹ 1930-32 ਦੀ ਗਲ ਹੈ । ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਚਲਾਉਣ ਵਾਲਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵਡਾ ਅਧਿਕਾਰੀ, 500/-ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਲਵੇਗਾ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਇਹ ਗਲ ਕਹੀ ਗਈ ਸੀ ਉਹ ਹੁਣ ਹਾਲਾਤ ਨਹੀਂ ਰਹੇ । ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਮੈਂ ਆਈ ਸੀ. ਐਸ. ਅਫ਼ਸਰ ਬਣ ਕੇ ਆਇਆ ਸੀ, ਤਾਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਮੈਂ ਸਾਢੇ ਪੰਜ ਸੌ ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਲੈਂਦਾ ਸੀ । ਉਸ ਵੇਲੇ ਮੇਰੇ ਪੰਜ ਚਾਰ ਨੌਕਰ, ਘੋੜੇ, ਗੱਡੀ, ਖਾਨਸਾਮੇ, ਕਾਰ ਆਦਿ ਸਭ ਕੁਝ ਸੀ ਪਰ ਫਿਰ ਵੀ ਪੈਸੇ ਖਤਮ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੁੰਦੇ । ਇੰਨਾਂ ਕੁਝ ਉਦੋਂ ਸੀ ਜਦੋਂ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਪੰਜ ਸੌ ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵੱਧ ਤਨਖਾਹ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ । ਉਸ ਵੇਲੇ ਦੇ ਰੁਪਏ ਦੀ ਕੀਮਤ ਤੇ ਹੁਣ ਦੇ ਰੁਪਏ ਦੀ ਕੀਮਤ ਦਾ ਅਨੁਮਾਨ ਲਾਓ ਤਾਂ ਸਾਡਾ ਤਿੰਨ ਜਾਂ ਸਾਢੇ ਤਿੰਨ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਮਹੀਨੇ ਤੋਂ ਘੱਟ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । (ਵਿਘਨ)

ਹੁਣ ਮੈਂ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡਾ ਧਿਆਨ ਇਸ ਨੁਕਤੇ ਵੱਲ ਦੁਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਥੇ ਤਨਖਾਹਾਂ ਘੱਟ ਹਨ, ਭੱਤੇ ਘੱਟ ਹਨ, ਵੇਤਨ ਘੱਟ ਹਨ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ ਗਿਰਾਵਟ ਆਈ ਹੈ, ਜਿਹੜਾ ਪਤਨ ਆਇਆ ਹੈ, ਉਸ ਦਾ ਇਸ ਨਾਲ ਕੀ ਸਬੰਧ ਹੈ । ਇਹ ਵਿਚਾਰਵਾਨ ਅਤੇ ਸੋਝੀਵਾਨ ਸੱਜਣ ਭਾਂਪ ਰਹੇ ਹਨ । ਇਸ ਦਾ ਸਬੰਧ ਸਿਧਾ ਇਸ ਘਟ, ਨਗੁਣੇ ਵੇਤਨ, ਭੱਤੇ ਨਾਲ ਹੈ । ਸਾਡੇ ਮੈਂਬਰ ਜਿਹੜੇ ਹਨ, ਚਾਹੇ ਉਹ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹਨ, ਚਾਹੇ ਉਹ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹਨ, ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੁਖੈਣ ਤੇ ਯੋਗ ਰਹਿਣ ਸਹਿਣ ਬਾਰੇ ਪੂਰਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਸਰਵਪੱਖੀ ਗਿਰਾਵਟ ਆਈ ਹੈ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਰਾਜਸੀ ਪੱਧਰ ਵਿਚ ਪਤਨ ਆਇਆ ਹੈ । ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ 'ਦੀ ਪਾਰਲੀਮੈਨਟੇਰੀਅਨ' ਨਾਮੀ ਪਰਚਾ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ ਲੰਡਨ ਤੋਂ । ਇਸ ਦੇ ਚਾਲੂ ਅੰਕ ਵਿਚ ਸਭ ਤੋਂ ਵਡੀ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ, ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਦੀ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਬਾਰੇ ਇਕ ਛੋਟਾ ਜਿਹਾ ਪੈਰਾਗਰਾਫ ਨਿਕੀ ਜਿਹੀ ਟੂਕ ਛਪੀ ਹੈ ਉਹ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਆਗਿਆ ਨਾਲ ਸਦਨ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾਉਂਦਾ ਹਾਂ—

MPs SECRETARIAL EXPENSES

Financial aid for MPs to meet secretarial expenses was announced by the Leader of the House Rt. Hon. T. F. PEART, on 11th December.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Members are to get up to £ 500 a year for secretarial expenses, while the Lords' maximum daily attendance allowance will be increased by £ 1. 15s. 6d. from £4. 14s. 6d. to £ 6. 10s. Additionally, the car allowance for Members of both Houses will rise from 4½d. to 6d. a mile.

The £ 500 is liable to tax. MPs receive a salary of £3,250 but no tax free allowances."

ਇਹ ਪੱਧਰ ਹੈ ਅਸਾਡੀ ਪੱਧਰ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਵੇਤਨ ਦਾ । ਬਾਕੀ ਸਾਰੇ ਸੰਸਾਰ ਵਿਚ ਦੇਖ ਲਉ । ਇਹ ਸਿਰਫ ਇੰਗਲੈਂਡ ਵਿਚ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਜਿਹੜੇ ਹੋਰ ਏਸ਼ੀਆ ਦੇ ਮੁਲਕ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅੰਕੜੇ ਦੇਖ ਲਉ, ਸਾਰਿਆਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ, ਵੇਤਨ, ਭੱਤੇ ਜਿਹੜੇ ਹਨ, ਉਹ ਇਸੇ ਨਿਸਬਤ ਨਾਲ ਹਨ ਜਿਸ ਨਿਸਬਤ ਨਾਲ ਲੰਦਨ ਦੀ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਵਿਚ ਹਨ । ਮੈਂ ਫਿਰ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਦੁਹਰਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿੰਨਾ ਚਿਰ ਇਸ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੱਥ ਵਿਚ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਹੈ, ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਚਲਾਉਣ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹਨ, ਚਾਹੇ ਉਹ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇੰਨਾ ਵੇਤਨ, ਇੰਨੇ ਭੱਤੇ ਨਹੀਂ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਜਿਸ ਨਾਲ ਕਿ ਉਹ ਉਚਾ ਤੇ ਸੁਖੈਨ ਜੀਵਨ ਬਤੀਤ ਕਰ ਸਕਣ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਉਚਾ ਜੀਵਨ ਦੇਖ ਕੇ ਮਨ ਵਿਚ ਹਸਰਤ (ਈਰਖਾ) ਨਾ ਆਵੇ, ਮਨ ਵਿਚ ਇਹ ਨਾ ਆਵੇ ਕਿ ਅਸੀਂ ਪਿਛੇ ਰਹਿ ਗਏ ਹਾਂ, ਉਨਾਂ ਚਿਰ ਦੇਸ਼ ਵਿਚੋਂ ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਨਹੀਂ ਘਟੇਗਾ । ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਚਲ ਸਕੇਗਾ । ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਭੱਤੇ ਨਾ ਵਧਣ, ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਵੇਤਨ ਨਾ ਵਧਣ, ਮੈਂਬਰ ਗਰੀਬ ਰਹਿਣ ਅਤੇ ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਵਧਦਾ ਜਾਏ ਤਾਕਿ ਇਸ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤੇ ਅਰਾਜਕਤਾ ਫੈਲ ਜਾਏ । ਜਿੰਨਾ ਚਿਰ ਅਰਾਜਕਤਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ, ਕਮਿਊਨਿਸਟਾਂ ਦਾ ਰਾਜ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦਾ । (ਥੰਪਿੰਗ) ਇਹ ਸਿਧੀ ਦਲੀਲ ਦੇਣ । ਇਹ (ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਵਲ ਇਸ਼ਾਰਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ) ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਵੱਧ ਜਾਏ ਤੇ ਐਸੇ ਹਾਲਾਤ ਪੈਦਾ ਹੋ ਜਾਣ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਹਾਰਾ ਲੈ ਕੇ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਾਥੀ ਰਾਜ ਪ੍ਰਬੰਧ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਸਾਨੂੰ 'ਨੁਕਰੇ ਲਗਾ ਦੇਣ, ਜਿਸ ਨੁਕਰੇ ਨਾ ਮੇਰੀ ਲੱਗਣ ਦੀ ਸਲਾਹ ਹੈ ਤੇ ਨਾ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡੀ ਸਲਾਹ ਹੀ ਹੋਵੇਗੀ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਅੱਜ ਤੋਂ ਛੇ ਮਹੀਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜੇ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਪਾਰਟੀ ਸਿੱਖ ਹੋਮ ਲੈਂਡ ਮੰਨ ਲਵੇ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਸਿੱਖ ਹੋਮ ਲੈਂਡ ਵਿਚ ਕਮਿਊਨਿਜ਼ਮ ਲੈ ਆਵਾਂਗੇ ।

(ਵਿਘਨ)

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਉਦੋਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਸਿੱਖ ਹੋਮ ਲੈਂਡ ਵਿਚ ਸਿੱਖ ਕਮਿਊਨਿਜ਼ਮ ਹੋਵੇਗਾ । ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਵਾਲਾ ਕਮਿਊਨਿਜ਼ਮ ਨਹੀਂ । (ਵਿਘਨ)

चौधरी बलबीर सिंह (होशयारपुर) : चेयरमैन साहिब, कामरेड सत्यापाल डांग जी ने जो मता पेश किया है मैं उस की हिमायत करता हूं । जिस ढंग से इस के साथ का बिल पेश किया है उस के बारे में मैं कहूंगा कि कांग्रेस सरकार ने लगातार . . . (विघ्न)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[चौधरी बलबीर सिह]

चेयरमैन साहिब, इन की ज़बान बन्द करा दें। (विघ्न) गद्दी छिन गई है अब तकलीफ होती है (विघ्न) (शोर)

जब तक कांग्रेस सरकार रही तब तो सब आपोज़ीशन पार्टियां कांग्रेस सरकार की निन्दा करती थीं। उस वक्त आपोज़ीशन में डांग साहिब भी थे, मैं भी था, बादल साहिब भी थे और भी मेरे कई यहां बैठे हुए साथी भी थे। यह कहा जाता था कि कांग्रेस वाले आर्डीनैंसिज़ के ज़रिये राज करते हैं, हालांकि इस वक्त साल में 2 या 3 आर्डीनैंस होते थे। आज अब जो यह सरकार बनी है, जिस को कि आपोज़ीशन की सरकार कहा जाता है, इसके राज्य में तो सारा कारोबार ही आर्डीनैंसिज़ के ज़रिये किया जाता है। (विघ्न) मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि अगर तो कोई अच्छी बात करने वाली होती है उस के बारे में या तो सरकारी पार्टी का दिमाग ही समय पर नहीं चलता या उनको पता ही नहीं चलता कि आर्डीनैंस की बजाये बिल की शक्ल में असैंबली में ला कर कानून पास कराया जा सकता है अथवा जो कानून पास करवाने वाले सैक्रेट्री हैं वे ठीक तरह से इनको गाईड नहीं करते। यह जो मैम्बरों के अलाऊंसिज़ का बिल है इस पर पिछले साल भी इस हाऊस में डिसकशन हुई थी और इस बार भी असैम्बली बुलाई जाने वाली थी और यह बिल भी पास हो सकता था, लेकिन इन्हों ने उस का इन्तज़ार नहीं किया। इन्होंने यह कह कर आर्डीनैंस जारी कर दिया कि मैम्बरों को बडी तकलीफ होती है क्योंकि मैम्बरों को एक जगह से दूसरी जगह जाना पड़ता है। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि इनके आर्डीनैंस के जारी होने से मैम्बरों को कोई फायदा नहीं हुआ, क्योंकि अगर हम अब भी बसों में आये हैं तो किराया दे कर ही आये हैं। अगर कोई मैम्बर साहिबान बजरिया रेल आये हैं, तो वे भी रेल का किराया दे कर ही आये हैं। इस लिये मेरे कहने का मतलब यह है कि आर्डीनैंस पास किया जे गया, वह इतना जल्दी से किया गया है कि उस पर अमल नहीं हो सका। आर्डीनैंस इस लिये पास किया कि मैम्बर्ज़ बसों में फ्री सफर करेंगे लेकिन मैम्बर्ज़ ने किराया दिया है। मैं पूछता हूं कि अब उन को किराया कौन देगा? आर्डीनैंस मौजूद है लेकिन उसका उल्लंघन किया गया है। मैं यह कहना चाहता हूं कि जब आर्डीनैंस जारी किया था तो उसके साथ ही मैम्बरों को पासिज़ भी इशू कर देने चाहियें थे और साथ ही पंजाब रोड़वेज़, पैप्सू रोड़वेज आदि को यह हिदायतें जारी करनी थीं कि अगर कोई भी असैंबली का मैम्बर सफर करता है, तो उससे किराया न लिया जाये। आर्डीनैंस से मैम्बर्ज़ को कोई फायदा न हुआ। (विघ्न) और न ही उनकी कोई तकलीफ दूर हुई। (विघ्न) जिस ढंग से यह आर्डीनैंस पास किया है यह बहुत गलत तरीका है। इस ढंग से सरकार को काम नहीं करना चाहिए (विघ्न)

सभापति महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि इस तरह रिश्वत के रूप में मैम्बरों के अलाऊंसिज़ के पैसे बढ़ाने से कोई फायदा नहीं है। इनको मैम्बरों के वकार को बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। जिस ढंग से दफतरों में मैम्बरों के साथ आफीसर्ज सलूक करते है वह ढंग ठीक नहीं है और मैम्बरों की शान के खिलाफ है। मैम्बर्ज़ का जो दर्जा होना चाहिए वह कायम करने की कोशिश करें। जिस तरीका से मैंबरों के साथ वे लोग बात करते हैं उस को ठीक करने की जरूरत है। सिर्फ पच्चीस रुपये की बजाये पैंतीस रुपये रोज़ाना भत्ता कर

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

देना या चार सौ की बजाये पांच सौ रुपया माहवारी भत्ता कर देना, इस से मैम्बरों को कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं तो यह कहना चाहता हूं कि जिस तरह मिनिस्टरों के साथ आफीसर्ज पेश आते हैं उसी तरह मैम्बरों को भी दर्जा मिलना चाहिए। लेकिन मैंबरों के साथ ऐसा ट्रीटमैंट नहीं होता। उनके साथ बहुत बुरे ढंग से सलूक किया जाता है। (विघ्न)

जिस ढंग से यह जारी करके मैंबर्ज को जो सहूलतें दी जा रही हैं या उनका कम्पैनसेटरी अलाऊंस बढ़ाया जा रहा है, मैं इसकी मुखालफत करता हूं। (विघ्न)

ਸਰਦਾਰ ਬਸੰਤ ਸਿੰਘ (ਡਕਾਲਾ) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜਾ ਮਤਾ ਕਾਮਰੇਡ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ ਅਤੇ ਫਾਈਨੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਿਹੜਾ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਉਸ ਦੀ ਹਿਮਾਇਤ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਕਾਮਰੇਡ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਸਾਰੇ ਆਰਗੂਮੈਂਟਸ ਸਮਝ ਵਿਚ ਆ ਜਾਂਦੇ ਅਤੇ ਸਾਰੀਆਂ ਦਲੀਲਾਂ ਘਰ ਕਰ ਜਾਂਦੀਆਂ, ਜੇ ਕਰ ਉਹ ਸਪੀਚ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜਾਂ ਸਪੀਚ ਖਤਮ ਕਰਨ ਵੇਲੇ ਇਹ ਕਹਿ ਦਿੰਦੇ ਕਿ ਮੈਂ ਆਪਣਾ ਭੱਤਾ ਅਲਾਊਂਸ ਪੁਰਾਣੇ ਰੇਟ ਤੇ ਲਵਾਂਗਾ। (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਇਕ ਰਿਵਾਇਤ ਚਲ ਪਈ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਇਕ ਹੋਰ ਗਲਤ ਤਰੀਕਾ ਚਲ ਪਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਹੂਲਤਾਂ ਨੂੰ ਸਮਝਦੇ ਹੋਏ ਵੀ ਇਕ ਐਸਾ ਮਾਹੌਲ ਪੈਦਾ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਕਿ ਕੋਈ ਸਬੰਧ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਇਥੇ ਅਸਲ ਗਲ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੀ ਨਹੀਂ, ਸਹੂਲਤਾਂ ਤਾਂ ਪਾਸੇ ਰਹਿ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ, ਅਸਲ ਪ੍ਰੈਕਟੀਕਲ ਫ਼ੀਲਡ ਪਾਸੇ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਫਿਰ ਜੇ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਰਹਿ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਮੌਜੂ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਦੂਸਰੀ ਗਲ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਕਾਮਰੇਡ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਦੇ ਕਰੈਕਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਕ੍ਰਿਟੀਸਾਈਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਲਚਰਡ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਜ਼ੇਬ ਨਹੀ ਦਿੰਦਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਰਿਸ਼ਵਤ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਮਨਿਸਟਰੀਆਂ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਕ ਮਤੇ ਉਤੇ ਬੋਲਦੇ ਹੋਏ ਮੈਂਬਰਾਂ ਉਤੇ ਐਸਪਰਸ਼ਨ ਕਰਨਾ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ, ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ੇਬ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਜ਼ਬਰਦਸਤ ਪ੍ਰੋਟੈਸਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਲੈਂਗੂਏਜ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਤੀਸਰੇ ਦਰਜੇ ਤੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ, ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਮੇਰੇ ਮੋਹਤਰਿਮ ਦੋਸਤ ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ, ਕਿ ਕਿਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਦਿਮਾਗੀ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਨੇ ਬਿਲ ਪ੍ਰੋਡਿਊਸ ਕਰਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਕੋਈ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕਰਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਕੋਈ ਸਪੀਚ ਲਿਖਣੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਜੇ ਉਸ ਨੂੰ ਪਰਾਪਰ ਮਾਹੌਲ ਨਾ ਮਿਲੇ, ਠੀਕ ਸਹੂਲਤਾਂ ਨਾ ਮਿਲਣ ਤਾਂ ਉਹ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਆਪਣੇ ਦਿਮਾਗ ਦਾ ਤਵਾਜ਼ਨ ਠੀਕ ਰਖ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਹ ਇਹ ਫੰਕਸ਼ਨ ਪੂਰੇ ਕਰ ਸਕਦਾ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਉਹ ਚੌਕ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਮੰਜੀ ਡਾਹ ਕੇ ਆਪਣਾ ਦਿਮਾਗੀ ਤਵਾਜ਼ਨ ਕਾਇਮ ਕਰੇਗਾ? ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ ਕਿ ਬਿਨਾਂ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਹੂਲੀਆਤ ਦੇ ਕੋਈ ਭੀ ਮੈਂਬਰ ਆਪਣੀ ਡਿਊਟੀ ਨੂੰ ਸਰਅੰਜਾਮ ਦੇਣ ਦੇ ਕਾਬਲ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਬਸੰਤ ਸਿੰਘ ਡਕਾਲਾ]

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਨਾਲ ਦੋ ਤਿੰਨ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਹੋਇਆ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀਆਂ ਜ਼ਰੂਰੀ ਚੀਜ਼ਾਂ ਰਹਿ ਗਈਆਂ ਹਨ ਉਹ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਪਹਿਲੀ ਅਰਜ਼ ਤਾਂ ਮੇਰੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਕਾਰਸਪੌਂਡੈਂਸ ਅਲਾਉਂਸ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਅਗਰ ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਵਜੂਹਾਤ ਦੇ ਕਾਰਣ ਕਾਰਸਪੌਂਡੈਂਸ ਅਲਾਉਂਸ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਤਾਂ ਕਮ-ਅਜ਼-ਕਮ ਇੰਨਾਂ ਜ਼ਰੂਰ ਕਰੋ ਕਿ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਕੋਈ ਨਾ ਕੋਈ ਟਾਈਪਿਸਟ ਜਾਂ ਸਟੈਨੋ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਦੀ ਡਿਸਪੋਜ਼ਲ ਤੇ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਅਸੀਂ ਆਪਣੀਆਂ ਚਿਠੀਆਂ ਪੱਤਰ ਆਦਿ ਟਾਈਪ ਕਰਵਾ ਸਕੀਏ। ਕੋਈ ਨਾ ਕੋਈ ਕਲਰਕ ਵੀ ਜ਼ਰੂਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਸਾਨੂੰ ਐਸਿਸਟ ਕਰ ਸਕੇ। ਅਸੀਂ ਇਸ ਸਾਰੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਜਸਟੀਫਾਈ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ? ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਮੂਵ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਇਹ ਸਹੂਲੀਅਤ ਜ਼ਰੂਰ ਮਿਲਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। (ਵਿਘਨ)

ਦੂਸਰੀ ਜਿਹੜੀ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਹੈ, ਉਹ ਹੈ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਮੇਡੀਕਲ ਏਡ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ। ਮੈਨੂੰ ਨਹੀਂ ਖਿਆਲ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੈਡੀਕਲ ਏਡ ਦਾ ਕਿਸੇ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚ ਸਕਦਾ ਹੋਵੇ। ਪਹਿਲਾਂ ਤਾਂ ਡਾਕਟਰਜ਼ ਦੇ ਪਿਛੇ-ਪਿਛੇ ਫਿਰੀ ਜਾਉ ਔਰ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਮੈਡੀਕਲ ਬਿਲ ਤੇ ਦਸਤਖਤ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਚਾਰ ਚਾਰ ਦਿਨ ਕੰਪਾਊਡਰ ਦੇ ਮਗਰ ਭਜਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਦੂਸਰੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਐਟੈਸਟੇਸ਼ਨਜ਼ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਆਪਣੇ ਬਿਲ ਤੇ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਦਸਤਖਤ ਕਰ ਸਕਦਾ ? ਇਸ ਲਈ ਮੇਰੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਇਹ ਅਧਿਕਾਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਮੈਡੀਕਲ ਬਿਲ ਤੇ ਆਪ ਦਸਤਖਤ ਕਰ ਸਕੇ। ਕੀ ਇਹ ਚੰਗਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਸੈਕੰਡ ਗਰੇਡ ਦੇ ਐਮਪਲਾਈ ਕੋਲੋਂ ਸਾਈਨ ਕਰਵਾਉਂਦਾ ਫਿਰੇ ? (ਵਿਘਨ)

ਤੀਜੀ ਗੱਲ ਜੋ ਮੈਂ ਕਹਿਣੀ ਹੈ ਉਹ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ ਐਂਟਰਟੇਨਮੈਂਟ ਐਲਾਉਂਸ ਜ਼ਰੂਰ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਦੇਖਦੇ ਹਾਂ ਕਿ 10-20 ਬੰਦੇ ਹਰ ਮੈਂਬਰ ਦੇ ਘਰ ਆਏ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਸਾਡੀ ਮਹਿਮਾਨ ਨਵਾਜ਼ੀ ਦੀ ਪ੍ਰਥਾ ਹੈ, ਮੇਜ਼ਬਾਨੀ ਦਾ ਰਿਵਾਜ਼ ਹੈ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਲੋਕ ਦੂਰੋਂ ਦੂਰੋਂ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਕਿ ਬਜ਼ਾਰੋਂ ਜਾ ਕੇ ਰੋਟੀ ਖਾਉ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਐਲਾਉਂਸ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸਰਦਾਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫਿਗਰਜ਼ ਕੋਟ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਵੀ ਬਾਹਰ ਜਾ ਕੇ ਅਮਰੀਕਾ, ਇੰਗਲੈਂਡ ਅਤੇ ਹੋਰ ਮੁਲਕਾਂ ਵਿਚ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਥੋਂ ਦੇ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਇਹ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਅਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬਰਾਬਰੀ ਦਾ ਨਾਅਰਾ ਲਾਉਂਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਇਹ ਸਹੂਲਤਾਂ ਵੀ ਦੇਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਰੂਸ ਅਤੇ ਚੀਨ ਵਿਚ ਵੀ, ਭਾਵੇਂ ਬਦਕਿਸਮਤੀ ਨਾਲ ਉਥੇ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਸਹੀ ਮਾਅਨਿਆਂ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹਨ ਪਰ ਫਿਰ ਵੀ ਜੋ ਅਧਿਕਾਰੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਫੈਸਿਲਿਟੀਜ਼ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ, ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜੋ ਮਤਾ ਦਿਤਾ ਹੈ, ਉਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜੋ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਹਿਮਾਇਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ (ਬੜਾ ਪਿੰਡ) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਵੇਲੇ ਇਹ ਜੋ ਬਿਲ ਅਤੇ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਰੈਜ਼ੋਲਯੂਸ਼ਨ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹੈ ਇਸ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਜਿਥੇ ਤਕ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਦੀ ਨਿਖੇਧੀ ਕਰਨ ਦੇ ਮਤੇ ਦਾ ਤੱਲਕ ਹੈ ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਸ਼ੁਰੂ ਤੋਂ ਹੀ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਲਿਆਉਣ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ ਚੰਗੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

ਗਲ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ। ਇਹ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਲਈ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਅਗਰ ਬਹੁਤ ਹੀ ਲੋੜ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਤੇ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਕਿਰਾਇਆ ਦੇ ਕੇ ਆਏ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਇਨਇਫੈਕਟਿਵ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਸੀ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕਹਿਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਬਿਲ ਹੁਣ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਦੀ ਬਜਾਏ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗਲਾਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਲੈਜਿਸਲੇਸ਼ਨ ਲਿਆ ਕੇ ਕਰਨੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ।

ਜਿਥੇ ਤਕ ਬਿਲ ਦੇ ਮੈਰਿਟਸ ਦਾ ਤੱਲਕ ਹੈ, ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਇਕ ਬਹੁਤ ਵਡੀ ਗਿਣਤੀ ਨੇ ਬਾਵਾ ਜੀ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠਾਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਇਕ ਰੀਪਰਜ਼ੈਂਟੇਸ਼ਨ ਦਿਤਾ ਸੀ, ਜਿਸ ਤੇ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਦਸਖਤ ਕੀਤੇ ਸਨ। ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣੀ ਸੀ ਜਿਸ ਵਿਚ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਨੁਮਾਇੰਦੇ ਸ਼ਾਮਿਲ ਸਨ। ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਵੀ ਉਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਸਨ। ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਕੁਝ ਰੀਕਮੈਨਡੇਸ਼ਨਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਸਨ, ਕੁਝ ਯੂਨਾਨੀਮਸ ਤੇ ਕੁਝ ਬਾਰੇ ਪੂਰਾ ਐਗਰੀਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਪਰ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਜੋ ਯੂਨਾਨੀਮਸ ਰੀਕਮੈਨਡੇਸ਼ਨਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਸਨ, ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ। ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ 10,000 ਕਿਲੋ ਮੀਟਰ ਦਾ ਰੇਲਵੇ ਪਾਸ ਦੇਣ ਦੀ ਸਿਫਾਰਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਤਾਕਿ ਪੰਜਾਬ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਦੂਜੀਆਂ ਸਟੇਟਸ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਦੇਖ ਕੇ ਇਥੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕਨਟਰੀਬਿਊਸ਼ਨ ਕਰ ਸਕਣ। ਪਰ ਉਸ ਵਿਚੋਂ 2,000 ਕਿਲੋ ਮੀਟਰ ਘਟਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਫਿਰ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਬਸਾਂ ਦਾ ਪਾਸ ਦਿਤਾ ਹੈ, ਇਹ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਗਲ ਹੈ। ਇਹ ਬਾਕੀ ਸਟੇਟਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਹੈ। ਪਰ ਇਹ ਪਾਸ ਸਿਰਫ ਮੀਆਂ ਲਈ ਹੀ ਹੈ, ਬੀਵੀ ਲਈ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਕੀ ਗਲ ਬੀਵੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦੀ? (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਪਾਸ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਦੀਆਂ ਬੀਵੀਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਦੋਵੇਂ ਇਕਠੇ ਸਫਰ ਕਰ ਸਕਣ। ਇਕ ਗਲ ਇਹ ਵੀ ਕਹਿਣੀ ਹੈ ਜੋ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਈ। ਉਹ ਅਤੇ ਮੈਂਬਰ 8000 ਕਿਲੋਮੀਟਰ ਸਫਰ ਕਰਕੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਬੀਵੀਆਂ ਦੇ ਸਫਰ ਦਾ ਕੋਈ ਪਰਬੰਧ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਵੀ ਕੋਈ ਨਾ ਕੋਈ ਪ੍ਰੋਵਿਯਨ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਨਾਲ ਲੈ ਜਾ ਸਕਣ। (ਵਿਘਨ)

ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ, ਸਰ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀਆਂ ਬੀਵੀਆਂ ਦਾ ਬੜਾ ਫਿਕਰ ਪਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਅਗਰ ਕਿਸੇ ਦੇ ਪਾਸ ਇਹ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਦਾ ਵੀ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕਰੇਗੀ? (ਹਾਸਾ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਾਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਹਮਦਰਦੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਜੇ ਪਾਸ ਡਬਲ ਮਿਲ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਵੀ ਇਹ ਸਫਰ ਇਕਲੇ ਹੀ ਕਰਨਗੇ। ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਪਾਸ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਕੁਝ ਪਰਬੰਧ ਕਰੇ।

ਸ੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਪਰਬੰਧ ਤਾਂ ਹੁਣ ਤਾਈਂ ਕੋਈ ਸਰਕਾਰ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੀ, ਇਹ ਕਿਥੋਂ ਕਰੇਗੀ? (ਵਿਘਨ) (No previous Government was able to make necessary provision for Chaudhri Jagat Ram; where from will this Government now make such a provision?)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਹੁਣ ਮੈਂ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਤੇ ਸੁਝਾਉ ਦੇਣੇ ਹਨ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਅਗਰ ਕੋਈ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਕਿਸੇ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਜਾਂ ਕਾਨਫਰੈਂਸ ਵਿਚ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ]

ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਜੋ ਕਿ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਨੇ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਜਿਸ ਵਿਚ ਹਿਸਾ ਲੈਣ ਲਈ ਸਾਡੇ ਕਿਸੇ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਇਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਮੈਂਬਰ, ਭਾਵੇਂ ਉਸ ਨੇ ਕਿੰਨੀ ਹੀ ਦੂਰ ਜਾਣਾ ਹੋਵੇ, ਬਾਈ ਏਅਰ ਨਹੀਂ ਟਰੈਵਲ ਕਰ ਸਕਦਾ। ਉਸ ਨੂੰ ਟੀ. ਏ. ਫਸਟ ਕਲਾਸ ਦਾ ਹੀ ਮਿਲੇਗਾ ਇਹ ਸਾਡੇ ਰੂਲਜ਼ ਵਿਚ ਇਕ ਡੀਫੈਕਟ ਕਰਕੇ ਹੈ। ਦੂਜਿਆਂ ਸੂਬਿਆਂ ਦੇ ਰੂਲਜ਼ ਵਿਚ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਪ੍ਰੋਵਿਯਨ ਹੈ। ਹੁਣੇ ਜਿਹੇ ਮਦਰਾਸ ਵਿਚ ਆਲ ਇੰਡੀਆ ਵ੍ਹਿਪਸ ਕਾਨਫਰੈਂਸ ਹੋਈ। ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਸ਼੍ਰੀ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਲਾਲ ਹੋਰੀ ਅਤੇ ਇਕ ਹੋਰ ਸਾਥੀ ਅਤੇ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਲੋਂ ਮੈਂ ਇਥੋਂ ਗਏ ਸੀ। ਅਸੀਂ ਤਿੰਨਾਂ ਨੇ ਹੀ ਹਵਾਈ ਜਹਾਜ਼ ਵਿਚ ਸਫਰ ਕੀਤਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਹਵਾਈ ਜਹਾਜ਼ ਦਾ ਕਿਰਾਇਆ ਮਿਲ ਗਿਆ ਮਗਰ ਮੈਨੂੰ ਫਸਟ ਕਲਾਸ ਦਾ ਹੀ ਮਿਲਿਆ। ਜਿਥੇ ਇੰਨੇ ਲੰਬੇ ਲੰਬੇ ਸਫਰ ਕਰਨੇ ਪੈਣ ਉਥੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਰੂਲਜ਼ ਵਿਚ ਏਅਰ ਟਰੈਵਲ ਦਾ ਪ੍ਰੋਵਿਯਨ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਟਾਈਮ ਦੀ ਬਚਤ ਹੋ ਸਕੇ। ਅਗਰ ਹਿੰਦ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਕੋਈ ਕਾਨਫਰੰਸ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕਿਰਾਇਆ ਭਾਵੇਂ ਹਿੰਦ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਹੀ ਦੇਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਪਰ ਅਸੀਂ ਬਾਈ ਏਅਰ ਕਿਰਾਇਆ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦੇ। ਇਹ ਪ੍ਰੋਵਿਯਨ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਅਸੀਂ ਕਾਰ ਅਲਾਊਂਸ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦੇ ਭਾਵੇਂ ਅਸੀਂ ਆਪਣੀ ਕਾਰ ਵਿਚ ਹੀ ਸਫਰ ਕਰੀਏ ਸਾਨੂੰ ਫਸਟ ਕਲਾਸ ਦਾ ਕਿਰਾਇਆ ਹੀ ਮਿਲਣਾ ਹੈ। ਜਿਹੜੇ ਦੂਜੇ ਅਦਾਰਿਆਂ ਦੇ ਨਾਨ ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 40 ਪੈਸੇ ਫੀ ਕਿਲੋਮੀਟਰ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਕਾਰ ਅਲਾਊਂਸ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਪਰ ਜੇ ਉਸੇ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਕੋਈ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਫਸਟ ਕਲਾਸ ਦਾ ਕਿਰਾਇਆ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਯਾਨੀ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਨੂੰ ਕਿਰਾਇਆ ਘਟ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਕਾਰ ਅਲਾਊਂਸ ਵੀ ਟਰੈਵਲਿੰਗ ਅਲਾਊਂਸ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਜਾਇਜ਼ ਨਸੈਸਿਟੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰੀ ਅਫਸਰਾਂ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਇਹ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼ ਨੂੰ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਇਕ ਗਲ ਮੈਂ ਹੋਰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਕੁਝ ਸਜਣਾਂ ਨੇ ਇਸ ਬਿਲ ਦਾ ਵਿਰੋਧ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਕ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਪਹਿਲੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਹੀ ਖਰਚਾ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਵਧ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਮੇਰੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਪਹਿਲੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਹੀ ਅਲਾਊਂਸ ਲੈਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਦਾ ਇਕ ਹੈਲਦੀ ਇਫੈਕਟ ਹੋਵੇਗਾ। ਸਾਡੇ ਸਦਨ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਡਿਫੈਕਸ਼ਨਜ਼ ਹੋ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਹੁਣ ਇਥੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਿਚੂਏਸ਼ਨ ਆ ਗਈ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਫਲਾਨੇ ਨੂੰ ਮਨਿਸਟਰੀ ਦਾ ਲਾਲਚ ਦਿਤਾ ਗਿਆ, ਫਲਾਨੇ ਨੂੰ ਇਹ ਲਾਲਚ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਇਹ ਲਾਲਚ ਘਟੇਗਾ, ਅਗਰ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਦੀਆਂ ਜ਼ਰੂਰਤਾਂ ਸੈਟਿਸਫਾਈ ਹੋ ਜਾਣ।

ਜਿਥੇ ਤਕ ਫੈਸਿਲਿਟੀਜ਼ ਦਾ ਤੁਅੱਲਕ ਹੈ, ਇਹ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਦੇ ਕੰਮ ਕਾਜ ਨੂੰ ਸੌਖਾ ਬਨਾਣ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹਨ। ਜਿਥੇ ਤਕ ਟੈਲੀਫੋਨ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ, ਇਸ ਵਿਚ 50 ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਰਖੇ ਗਏ ਹਨ; ਇਹ ਥੋੜ੍ਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸ ਰਕਮ ਨਾਲ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ। ਇਹ ਤਾਂ ਆਪ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਹੀ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਟੈਲੀਫੋਨ ਦਾ ਖਰਚਾ 300 ਰੁਪਏ ਪਰ ਕੁਆਟਰ ਤੋਂ ਘਟ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦਾ। ਇਸ ਤੋਂ ਭਾਵ ਹੈ ਕਿ 100 ਰੁਪਿਆ ਮਹੀਨਾ, ਜਦ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਸਿਰਫ 50 ਰੁਪਏ ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਨਾਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਪੱਲੇ ਤੋਂ 50 ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਦੇਣੇ ਪੈਣਗੇ, ਅਤੇ ਇਹ ਤਾਂ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਸ ਲਈ ਮੇਰੀ ਇਹ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਟੈਲੀਫੋਨ ਦਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਐਕਚੂਅਲ ਖਰਚ ਦਿਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਐਕਚੂਅਲ ਐਕਸਪੈਂਸਜ਼ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੈਂ ਇਕ ਅਰਜ਼ ਹੋਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਹਲਕੇ ਦੇ ਵੋਟਰਾਂ ਨਾਲ ਲਿਖਾ ਪੜ੍ਹੀ ਵੀ ਕਰਨੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਪੋਸਟੇਜ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਪੋਸਟੇਜ ਅਲਾਊਂਸ ਕਾਰਸਪਾਡੈਂਸ ਲਈ ਕੋਈ ਵੀ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ ਗਿਆ, ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ । ਇਹ ਵੀ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਜਾਂ ਤਾਂ ਟਿਕਟਾਂ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਜਾਂ 10 ਰੁਪਏ ਜਾਂ 50 ਰੁਪਏ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰੀ ਦਫ਼ਤਰਾਂ ਵਿਚ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਡਾਕ ਖਰਚ ਲਈ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਤਾਕਿ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਆਪਣੇ ਹਲਕੇ ਦੇ ਵੋਟਰਾਂ ਦੀਆਂ ਚਿਠੀਆਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇ ਸਕਣ ਅਤੇ ਇਲੈਕਟੋਰੇਟ ਨੂੰ ਖਤ ਪੱਤਰ ਭੇਜ ਸਕਣ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੇ ਤਕ ਇਸ ਬਿਲ ਦਾ ਤੁਅੱਲਕ ਹੈ, ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਹਾਲਾਤ ਬਦਲ ਗਏ ਹਨ; ਇਸ ਤੇ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦੇ ਵੀ ਕਈ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਹਾਲਾਤ ਬਦਲ ਗਏ ਹਨ, ਪਰ ਕਿਸੇ ਨੇ ਵੀ ਕਾਂਗਰਸ ਰਾਜ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ । ਕਾਂਗਰਸ ਰਾਜ ਵਿਚ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ 300 ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਇਹ ਰਕਮ 1936 ਵਿਚ ਫਿਕਸ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ । ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਅਤੇ ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ ਜੀ ਪੁਰਾਣੇ ਮੈਂਬਰ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਜਾਣਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ 300 ਰੁਪਏ ਮਹੀਨੇ ਦੀ ਰਕਮ 1967 ਤਕ ਕਾਇਮ ਰਖੀ ਗਈ ਅਤੇ ਭੱਤਾ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਹੀਂ ਵਧਾਇਆ ਗਿਆ । ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਸੀ ਕਿ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਵਰਗੇ ਮੈਂਬਰ ਜਦ ਬੋਲਣਗੇ ਤਾਂ ਕਾਂਗਰਸ ਰਾਜ ਦੀ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਕਰਨਗੇ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਸਾਥੀ ਵੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਇਹ ਕੰਮ ਚੰਗਾ ਕਾਂਗਰਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੀਤਾ ਸੀ । ਵੈਸੇ ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਡਿਊਟੀ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਰ ਅੰਜਾਮ ਦੇਣੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਨੇਕ ਨੀਤੀ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵ ਪਏ । ਲੋਕ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਹੋਲ ਟਾਈਮ ਕੰਮ ਐਕਸਪੈਕਟ ਕਰਦੇ ਹਨ; ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸੇਵਾ ਕਰਦਿਆਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਹੋਣ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀਆਂ ਤਰੁੱਟੀਆਂ ਰਹਿ ਗਈਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਫਿਨਾਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਡਿਸਕਸ ਵੀ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਅਤੇ ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰ ਦੇਣ । ਪਰ ਇਸ ਵਿਚ ਕਈ ਔਕੜਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਸੀਆਂ ਹਨ । ਸਾਰਿਆਂ ਤੋਂ ਵਡੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮਨੀ ਬਿਲ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਲਿਆਂਦੀ ਜਾ ਸਕਦੀ । ਬੀਵੀ ਲਈ ਕਿਰਾਏ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨਾ ਜਾਂ 8000 ਤੋਂ 10 ਹਜ਼ਾਰ ਕਿਲੋਮੀਟਰ ਸਫ਼ਰ ਦੀ ਹਦ ਮੁਕਰਰ ਕਰਨੀ ਜਾਂ ਫੋਨ ਲਈ 50 ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵਧਾ ਕੇ 100 ਰੁਪਏ ਤਕ ਖਰਚ ਦੇਣ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨਾ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਤਰਮੀਮਾਂ ਲਈ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਰਿਕੁਮੈਂਡੇਸ਼ਨਜ਼ ਦੀ ਲੋੜ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਉਚਿਤ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਤਾਂ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਲਿਆ ਕੇ ਜਾਂ ਫਰੈਸ਼ ਬਿਲ ਲਿਆ ਕੇ ਜਾਂ ਅਮੈਂਡਿੰਗ ਬਿਲ ਲਿਆ ਕੇ । ਜੇਕਰ ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਗਲਾਂ ਨੂੰ ਮੰਨਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਮਲੀ ਸ਼ਕਲ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਪੂਰੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਮਿਲ ਸਕਣ ।

ਜਥੇਦਾਰ ਹਰਦਿਤ ਸਿੰਘ ਭੱਠਲ (ਧਨੌਲਾ) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਦੇ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਬਾਰੇ ਬਿਲ ਇਸ ਸਦਨ ਵਿੱਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਇਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ । ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਅਲਾਊਂਸ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਜਥੇਦਾਰ ਹਰਦਿੱਤ ਸਿੰਘ ਭੱਠਲ]

ਜਦ 300 ਰੁਪਏ ਮਹੀਨੇ ਤੋਂ 400 ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਵੀ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵੱਲੋਂ ਇਸ ਦੀ ਮੁਖਾਲਫਿਤ ਕੀਤੀ ਸੀ ਅਤੇ ਜਦ ਦੈਨਿਕ ਭੱਤਾ 10 ਤੋਂ 25 ਰੁਪਏ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਵੀ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵੱਲੋਂ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਹੁਣ ਵੀ ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਮੁਖਲਾਫਿਤ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਵੋਟਾਂ ਲੈ ਕੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਇਥੇ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਵੋਟਾਂ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਤਰਲੇ ਕਢਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕਈ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਤਸਲੀਆਂ ਅਤੇ ਵਾਅਦੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕਰ ਕੇ ਇਥੇ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਡੀ ਬਿਹਤਰੀ ਲਈ ਕੰਮ ਕਰਾਂਗੇ, ਇਥੇ ਆਣ ਕੇ ਆਪਣੇ ਭੱਤੇ ਵਧਾਉਣ ਅਤੇ ਹੋਰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਦੇ ਹਨ ; ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਖਿਆਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਰਹਿੰਦਾ। ਕੀ ਇਸ ਨਾਲ ਗਰੀਬ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਕੁਝ ਸੰਵਾਰਿਆ ਜਾਣਾ ਹੈ ? ਕੀ ਇਸ ਨਾਲ ਕਿਸੇ ਗਰੀਬ ਦੀ ਬਿਹੱਤਰੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ? ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਭੱਤੇ ਵਧਾਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮਜ਼ਦੂਰ ਦੀ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਚੰਗਾ ਬਣਾ ਲਿਆ ਹੈ ? ਕੀ ਜਿਸ ਤੋਂ ਇਹ ਵੋਟਾਂ ਲੈ ਕੇ ਆਏ ਹਨ ਉਸ ਦੀ ਹਾਲਤ ਚੰਗੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ? ਕੀ ਛੋਟੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਦੀ ਹਾਲਤ ਚੰਗੀ ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ? ਜੇ ਕਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਢਿਡ 400 ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਭਰਦਾ ਤਾਂ 500 ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਵੀ ਨਹੀਂ ਭਰਨ ਲਗਾ। ਇਹੀ ਗਲਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਆਪਣੇ ਅਗੇ ਫਿਰ ਵੋਟਾਂ ਲੈਣ ਵੇਲੇ ਆਉਣਗੀਆਂ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਿਮਾਇਤ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ।

ਦੂਜੀ ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਆ ਕੇ ਸਾਨੂੰ ਆਪਣੀ ਗੱਲ ਛਡਕੇ ਦੂਜੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਗੱਲ ਸਾਹਮਣੇ ਲਿਆਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸੋਂ ਕਲ੍ਹ ਵੋਟਾਂ ਲੈਣੀਆਂ ਹਨ । ਕਿਸਾਨ, ਮਜ਼ਦੂਰ, ਛੋਟਾ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਅਤੇ ਛੋਟਾ ਦੁਕਾਨਦਾਰ ਜੇਕਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਚੰਗੀ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਆਪਣੇ ਢਿੱਡ ਭਰਨੇ ਹਨ ਤਾਂ ਅਗਲੀਆਂ ਵੋਟਾਂ ਵਿੱਚ ਆਪਦੇ ਸਾਰਿਆਂ ਦੇ ਸਿੰਗ ਚੋਪੜਨਗੇ ਮੈਂ ਤਾਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਕਿਸਾਨ ਦੀ ਹਾਲਤ ਸੋਚੋ, ਮਜ਼ਦੂਰ ਦੀ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਸੋਚੋ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਟੁਕੜੇ ਤੇ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਦੀਆਂ ਬੀਮਾਰੀਆਂ ਦਾ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਲਾਜ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਸ ਦੇ ਬਚੇ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਕਰਾਈ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਆਪਣੀ ਨਾ ਸੋਚੋ। ਜੇਕਰ ਤੁਹਾਡਾ ਢਿਡ 300 ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਭਰਿਆ, 400 ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਭਰਿਆ ਅਤੇ 25 ਰੁਪਏ ਰੋਜ਼ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਭਰਿਆ ਤਾਂ ਹੋਰ ਵਧਾ ਲੈਣ ਨਾਲ ਵੀ ਨਹੀਂ ਭਰਿਆ ਜਾਣਾ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਹਾਂ।

ਇਸ ਵਿੱਚ ਦੂਜਾ ਪੱਖ ਹੈ ਕਿਰਾਇਆਂ ਦਾ, ਕਿ ਬਸ ਦਾ ਕਿਰਾਇਆ ਜਾਂ ਰੇਲ ਦਾ ਕਿਰਾਇਆ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਵਿੱਚ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਟੈਲੀਫੋਨ ਨਾਲ ਨੁਕਸਾਨ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਲਗਾ। ਫੋਨ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀ ਲਈ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਅਤੇ ਅਗੇ ਤੋ ਜ਼ਿਆਦਾ ਭਲੇ ਦਾ ਕੰਮ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਇਸ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਪਰ ਜਿਥੇ ਤਕ 25 ਤੋਂ 35 ਰੁਪਏ ਰੋਜ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਜਾਂ 400 ਤੋਂ 500 ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਕਰਨ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ, ਇਸ ਦੀ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਸਖਤ, ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਇਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਅਤੇ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਦੀ ਅਤੇ ਛੋਟੇ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਬਿਹਤਰ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦਖਣ) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਕ ਦੋ ਗਲਾਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਕਰਨੀਆਂ ਹਨ। (ਵਿਘਨ)

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ, ਜੋ ਬੋਲ ਰਹੇ ਸਨ, ਅਤੇ ਚੇਅਰ ਵਿਚੋਂ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ (ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ) ਨੇ ਕਰਾਸ ਕੀਤਾ।)

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਭਾਵੇਂ ਇਹ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਾਡੇ ਆਪਣੇ ਹੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਹਨ ; ਮੈਂ ਇਕ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਚੇਅਰ ਅਤੇ ਬੋਲਦੇ ਮੈਂਬਰ ਵਿਚੋਂ ਫਲੋਰ ਕਰਾਸ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਇਤਰਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਅਜਿਹੀਆਂ ਕਨਵੈਨਸ਼ਜ਼ ਕਾਇਮ ਕਰਨੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਹਾਉਸ ਦਾ ਵਕਾਰ ਵਧੇ । ਅਤੇ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਸੀ ਫਲੋਰ ਕਰਾਸ ਕਰਨਾ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਮੈਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨਾਲ ਐਗਰੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਅਗੇ ਤੋਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾ ਕਰਨ । (I agree with the hon. Member and would request the hon. Minister not to do it again.)

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਖ਼ੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ : ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਤਾਂ ਆਮ ਰਸਤਾ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਦੇ ਜਾਣ ਦਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਤੋਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦੂਜੀ ਸਾਈਡ ਤੇ ਜਾਣ ਲਈ ਕਰਾਸ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਨਹੀਂ ਜੀ । (No please)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੱਖਣ) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰਾ ਮਾਈਕ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਜੇਕਰ ਆਗਿਆ ਦਿਉ ਤਾਂ ਕਿਸੇ ਦੂਜੇ ਮਾਈਕ ਤੋਂ ਬੋਲ ਲਵਾਂ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਜੀ ਹਾਂ, ਤੁਸੀਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਮਾਈਕ ਤੋਂ ਬੋਲ ਸਕਦੇ ਹੋ । (Yes, the hon. Member can speak from some other mike.)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੇ ਤਕ ਅਮੈਨੇਟੀਜ਼ ਦਾ ਤਅਲੁਕ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਬਿਲ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕਰਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ ਸੀ । ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕਰ ਕੇ ਕਾਹਲੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਇਹ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਬੇਲੋੜਾ ਸੀ । ਸੈਸ਼ਨ ਹੋਣ ਤਕ ਇਸ ਨੂੰ ਰੋਕਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ । ਇਹ ਇਕਲੀ ਗਲ ਹੀ ਸਾਬਤ ਕਰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕਰਨਾ ਬੇਲੋੜਾ ਸੀ ।

ਦੂਜੀ ਬੇਨਤੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿੰਨੀਆਂ ਅਮੈਨੇਟੀਜ਼ ਇਸ ਵਿਚ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਸਬ-ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਕਈ ਗਲਾਂ ਤੇ ਡਿਫਰੈਂਸ ਆਫ ਓਪੀਨੀਅਨ ਸੀ ਅਤੇ ਕਈ ਗਲਾਂ ਤੇ ਐਗਰੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ, ਪਰ ਉਹ ਆ ਗਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਜਿਨਾਂ ਤੇ ਐਗਰੀ ਕੀਤਾ ਸੀ ਉਹ ਨਹੀਂ ਆਈਆਂ। ਇਕ ਗਲ ਮੈਡੀਕਲ ਏਡ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਮੈਡੀਕਲ ਪ੍ਰੈਕਟੀਸ਼ਨਰ ਪਾਸੋਂ ਇਲਾਜ ਕਰਵਾਏਗਾ ਉਸਨੂੰ ਆਪਣੇ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਨਾਲ ਹੀ ਸਾਰਾ ਮੈਡੀਕਲ ਦਾ ਖਰਚ ਪੇ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ, ਪਰ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਇਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਈ । ਇਸ ਵਿਚ ਤਾਂ ਉਹੀ ਹੈ ਕਿ ਸਿਵਲ ਹਸਪਤਾਲ ਤੋਂ ਸਰਟੀਫ਼ਾਈ ਕਰਾਏ, ਪਰ ਇਸ ਵਿਚ ਦਿੱਕਤ ਆਉਂਦੀ ਹੈ। ਹਸਪਤਾਲ ਕਈ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਦੂਰ ਹਨ ਅਤੇ ਆਉਣਾ ਜਾਣਾ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਉਥੇ ਜਾਕੇ ਬਚਿਆਂ ਨੂੰ ਦਿਖਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਅਤੇ ਫਿਰ ਇਕ ਦਿਨ ਖਰਾਬ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ, ਉਥੇ ਜਾ ਕੇ ਇਲਾਜ ਕਰਾਉਣ ਵਿਚ ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਫੈਸਲਿਟੀ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਸਹੀ ਮਾਅਨਿਆਂ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਉਠਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ । ਬਹੁਤ ਘਟ ਬੈਨੀਫਿਟ ਉਠਾ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ ਜਿਹੜੀ ਗਲ ਤੈ ਕੀਤੀ ਸੀ ਉਹ ਵਿਚ ਆ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ ਤਾਕਿ ਸਹੀ ਮਾਅਨਿਆਂ ਵਿਚ ਇਸ ਫੈਸਲਿਟੀ ਤੋਂ ਫਾਇਦਾ ਉਠਾਇਆ ਜਾ ਸਕੇ । ਇਹ ਆਈਟਮ ਛੱਡ ਗਏ ਹਨ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਦੋ ਹੋਰ ਆਈਟਮਾਂ ਹਨ । ਇਕ ਤਾਂ 100 ਰੁਪਿਆ ਮਹੀਨਾ ਭੱਤਾ ਵਧਾਉਣ

Original with: Punjab Vidhan Sabha
Digitized by: Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ]
ਦੀ ਅਤੇ ਦੂਜੀ 10 ਰੁਪਏ ਰੋਜ਼ ਵਧਾਉਣ ਦੀ। ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਇਕ ਲਫਜ਼ 'ਸਪਾਊਜ਼' ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ; ਇਸ ਦੀ ਵਿਆਖਿਆ ਕਰਨੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸਪਸ਼ਟ ਸ਼ਬਦ ਲਿਖ ਦੇਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।

ਜਦੋਂ ਵੀ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ, ਪੁਲਿਟੀਕਲ ਅਫੇਅਰਜ਼ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਇਮਾਨਦਾਰੀ ਦਾ ਤਕਾਜ਼ਾ ਤਾਂ ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਬੀਵੀ ਦੇ ਪਾਸ ਦੀ ਕੋਈ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ; ਹਾਂ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਕੋਈ ਰਿਆਇਤ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਜੁਦਾ ਗਲ ਹੈ। ਇਥੇ ਬੀਵੀ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਪਰ ਇਹ ਜੁਦਾ ਗਲ ਹੈ। ਇਥੇ ਵੇਖਣ ਵਾਲੀ ਜੋ ਗਲ ਹੈ ਉਹ ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਲਫਜ਼ 'ਸਪਾਊਜ਼' ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਜਿਹੜਾ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਕੋਈ ਹੋਰ ਵੀ ਸ਼ਬਦ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ? 'ਸਾਥੀ' ਦਾ ਸ਼ਬਦ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋ ਸਕਦਾ ਸੀ, ਕੋਈ ਹੋਰ ਟੈਕਨੀਕਲ ਅਤੇ ਢੁਕਵਾਂ ਸ਼ਬਦ ਇਸਤੇਮਾਲ ਹੋ ਸਕਦਾ ਸੀ। ਇਹ ਸਹੂਲਤ ਕਿਉਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ਜਾਂ ਇਸ ਦੇ ਪਿਛੇ ਕਿਤਨੇ ਕੁ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸਹੂਲਤ ਦੇਣੀ ਮਕਸੂਦ ਹੈ, ਇਹ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੋਸਤਾਂ ਵਿਚੋਂ ਹੀ ਜਾਣਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਕੌਣ ਕੌਣ ਫਾਇਦਾ ਉਠਾਏਗਾ। ਇਹ ਤਾਂ ਇਕ ਕਾਬਲੇ ਇਤਰਾਜ਼ ਜੁਮਲਾ ਹੋਵੇਗਾ ਜਦੋਂ ਕਿ 'ਸਪਾਊਜ਼' ਦਾ ਸ਼ਬਦ ਵਰਤਿਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਦੀ ਜਗ੍ਹਾ ਜੇ ਬੀਵੀ, ਫੈਮਿਲੀ, ਸਾਥੀ ਜਾਂ ਬਲੱਡ ਰੀਲੇਸ਼ਨ ਦੇ ਬਚਿਆਂ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕੋਈ ਪੁਰਮਾਨੀ ਲਫਜ਼ ਹੈ। ਪਰ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਲਫਜ਼ ਹੋਵੇ ਜੋ ਬੀਵੀ ਵਾਸਤੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮੁਨਾਸਿਬ ਮਾਲੂਮ ਨਹੀਂ ਦੇਂਦਾ। (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਇਸ ਦੀ ਸਾਰੀ ਡੈਫੀਨੀਸ਼ਨ ਪੁਛ ਕੇ ਹੀ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਦਾ ਸਹੀ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਇਸਤੇਮਾਲ ਹੋਵੇ। ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਮੈਂ ਇਹੋ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਲਫਜ਼ 'ਸਪਾਊਜ਼' ਦੀ ਬਜਾਏ ਕੋਈ ਵਾਜ਼ਿਹ ਲਫਜ਼ ਲਿਖ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਜਿਥੋਂ ਤੱਕ 100/- ਰੁਪਏ ਦੇ ਵਧਾਉਣ ਦਾ ਅਤੇ ਹੋਰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇਣ ਦਾ ਤੱਅਲੁਕ ਹੈ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਦੋਸਤਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਵਧਣੇ ਉਚਿਤ ਨਹੀਂ। ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਸਟੈਂਡਰਡ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੀ ਘਟ ਕੀਮਤਾਂ ਤੇ ਗੁਜ਼ਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਥੇ ਕੁਝ ਨੇ ਇਹ ਵੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਰੁਪਏ ਨਹੀਂ ਸੂਟ ਕਰਦੇ, ਬਾਰੋਜ਼ਗਾਰ ਹਨ, ਚੰਗੀ ਔਕਾਤ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ, ਦੂਸਰਿਆਂ ਨੂੰ ਬੇਸ਼ੱਕ ਲੈ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਪਰ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸਾਂ ਉਹ ਕਿਉਂ ਤੁਹਾਡੇ ਵਾਸਤੇ ਛਡਣ, ਉਹ ਕਿਉਂ ਨਾ ਤੁਹਾਡੇ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਕਿਸੇ ਚੰਗੀ ਥਾਂ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨ ਜਦੋਂ ਕਿ ਇਹ ਦੇਣ ਹੀ ਲਗੇ ਹੋ। ਉਹ ਤੁਹਾਡੇ ਨਾਲੋਂ ਚੰਗੀ ਥਾਂ ਇਸਤੇਮਾਲ ਹੀ ਕਰਨਗੇ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਥੇ 100 ਰੁ: ਤਨਖਾਹ ਦੇ ਵਿਚ ਅਤੇ 10 ਰੁ: ਡੇਲੀ ਅਲਾਊਂਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਜ਼ਾਫਾ ਕਰਨ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਉਥੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੈਡੀਕਲ ਏਡ ਦੇਣ ਦਾ ਵੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਇਹ ਫੈਸਿਲਿਟੀ ਵੀ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰੀ ਡਾਕਟਰ ਜਾਂ ਆਪਣੇ ਫੈਮਿਲੀ ਡਾਕਟਰ ਤੋਂ ਸਾਰੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਉਹ ਅਵੇਲ ਕਰ ਸਕਣ। ਇਸ ਨੂੰ ਇਸ ਵੇਲੇ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ, ਇਹ ਬਿਲ ਅਜੇ ਬੈਕ ਰੈਫਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਅਮੈਂਡਿਡ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਮੁੜਕੇ ਪੇਸ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਫਜ਼ਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਰਾਏ ਪੇਸ਼ ਕਰਕੇ ਬੈਠਦਾ ਹਾਂ।

ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ (ਬੰਗਾ ਐਸ. ਸੀ.) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜੋ ਬਿਲ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਜੇਕਰ ਇਸ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਇਮਾਨਦਾਰੀ ਦੇ ਨਾਲ ਵੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਬਿਲਕੁਲ ਵਾਜਬ ਹੈ, ਠੀਕ ਹੈ, ਇਹ ਹੋਣਾ ਹੀ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ। ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਮਾਸਕ ਤਨਖਾਹ 300 ਰੁ: ਤੋਂ ਵਧਾ ਕੇ 400 ਰੁ: ਕੀਤੀ ਸੀ ਉਸ ਵੇਲੇ ਸਚਮੁਚ ਇਸ ਦੀ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕੀਤੀ ਸੀ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਪਰ ਜਦੋਂ ਵੇਖਿਆ ਕਿ ਲੋਕ ਕਿਵੇਂ ਪੈਸਾ ਕਮਾਉਣ ਲਈ ਤੁਰੇ ਫਿਰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਖਿਆਲ ਆਇਆ ਕਿ ਸੇਵਾ ਜੇ ਕਰਨੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਮਾਨਦਾਰੀ ਦਾ ਤਕਾਜ਼ਾ ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਨੇ ਵੀ ਕੋਈ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਬਾਲ ਬਚੇ ਦਾ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰੋਟੀ ਦਾ ਅਤੇ ਪਾਲਣ ਪੋਸ਼ਣ ਦਾ ਕੋਈ ਫਿਕਰ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਕਈ ਗਲਾਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਚੰਗੀਆਂ ਹਨ। (ਵਿਘਨ)

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਕਾਂਗਰਸ ਵਾਲੇ ਕਿਤਨੇ ਕੁ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੈਸੇ ਕਮਾਏ ਹਨ ?

ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ : ਇਹ ਵੀ ਮੈਂ ਦਸਦਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ ਫਰੀ ਸਫਰ ਦੇ ਲਈ ਸਹੂਲਤ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਇਹ ਬਹੁਤ ਚੰਗੀ ਗਲ ਹੈ। ਪਹਿਲਾਂ ਸਾਨੂੰ ਕੰਡਕਟਰ ਹੀ ਪੁਛਦਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੁੰਦਾ ਅਤੇ 'ਪਿਛੇ ਹਟ ਜਾ' ਕਹਿਕੇ ਹਤਕ ਕਰ ਦੇਂਦਾ ਸੀ। ਹੁਣ ਜਦੋਂ ਕਿ ਇਕ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਪਾਸ ਫਰੀ ਸਫਰ ਕਰਨ ਦਾ ਪਾਸ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂ ਇਸ ਨਾਲ ਸਾਰੇ ਸੇਵਾ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ ਇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸ਼ਾਨ ਹੋਵੇਗੀ, ਇਜ਼ਤ ਹੋਵੇਗੀ। ਜਿਹੜੇ ਨਾਲ ਚਾਰ ਬੰਦੇ ਸਫਰ ਕਰਨਗੇ ਉਹ ਬੇਸ਼ਕ ਆਪ ਟਿਕਟ ਲੈਣ ਪਰ ਇਕ ਨਾਲ ਸੇਵਾ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਖੁਸ਼ੀ ਖੁਸ਼ੀ ਬਗੈਰ ਕਿਸੇ ਬੋਝ ਦੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਕ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਥੇ ਬੀਵੀ ਜਾਂ ਧਰਮ-ਪਤਨੀ ਦੀ ਜਗ੍ਹਾ 'ਸਪਾਊਜ਼' ਦਾ ਜੋ ਸ਼ਬਦ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਸਾਡੇ ਵਰਗੇ ਐਸੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਧਰਮ ਪਤਨੀ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਉਥੇ ਨਿਆਣਿਆਂ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਸਹੂਲਤ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। (ਇਕ ਆਵਾਜ਼ : ਜਦੋਂ ਧਰਮ ਪਤਨੀ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਫੇਰ ਨਿਆਣਿਆਂ ਦਾ ਕੀ ਸਵਾਲ) (ਹਾਸਾ)। ਮੈਂ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਰੰਡਾ ਹਾਂ, ਧਰਮ ਪਤਨੀ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਨਿਆਣੇ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰ ਹਨ, ਹਾਂ, ਛੜਾ ਨਹੀਂ ਹਾਂ। ਪਰ ਜੇ ਇਹ 'ਸਪਾਊਜ਼' ਦਾ ਲਫਜ਼ ਰਿਹਾ ਤਾਂ ਇਹ ਗਲ ਮੇਰੀ ਯਾਦ ਰਖਣਾ ਇਸ ਦਾ ਗਲਤ ਇਸਤੇਮਾਲ ਹੋਵੇਗਾ। ਆਪਣੀ ਵਾਈਫ ਕਿਸੇ ਨੇ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਲੈ ਜਾਣੀ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗੰਦ ਘੁਲ ਜਾਣਾ ਹੈ, ਇਹਦੇ ਵਿਚ ਦਰੁਸਤੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਹੋਸਟਲ ਵਿਚ ਵੀ ਸਾਰੀਆਂ ਰਿਆਇਤਾਂ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਨੂੰ ਮਿਲਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਟੈਲੀਫੋਨ ਅਤੇ ਸਫਰ ਦੀਆਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਰਿਆਇਤਾਂ ਮਿਲੀਆਂ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਕਾਫੀ ਆਰਾਮ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਨੂੰ ਲੋਕ ਸੇਵਾ ਵਿਚ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਜਿਹੜੀ ਰਿਆਇਤ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਮੈਂ ਆਪ ਦਾ ਬਹੁਤ ਬਹੁਤ ਸ਼ੁਕਰੀਆ ਅਦਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। (ਵਿਘਨ)

(ਇਸ ਵੇਲੇ ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ ਨੇ ਕੁਰਸੀ ਸੰਭਾਲੀ।)

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸਿਰਫ ਦੋ ਮਿੰਟ ਲਈ ਬੋਲਣਾ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਹੋਸਟਲ ਦੇ ਕਮਰੇ ਦੇ ਤਿੰਨ ਰੁਪਏ ਰੋਜ਼ ਦੇ ਕਟੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਜਦੋਂ ਕਿ ਹਿਮਾਚਲ ਵਿਚ ਅਤੇ ਬੰਬਈ ਵਿਚ ਇਕ ਰੁਪਿਆ ਰੋਜ਼ ਦਾ ਕਟਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਕਮਰੇ ਵੀ ਵੈਲ ਡੈਕੋਰੇਟਿਡ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਟੈਲੀਫੂਨ ਵੀ ਲਗਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਵਲ ਵੀ ਖਿਆਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਮਰੇ ਦਾ ਕਿਰਾਇਆ ਇਕ ਰੁਪਿਆ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਉਹ ਵੈਲ ਡੈਕੋਰੇਟਿਡ ਹੋਵੇ।

ਫਿਰ ਦੂਸਰੀ ਗਲ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਖਾਣੇ ਦੇ ਮੁਤਾਲਕ ਗਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਸਾਨੂੰ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਹੋਸਟਲ ਦੇ ਵਿਚ ਬੜੀ ਮਾੜੀ ਕਿਸਮ ਦਾ ਖਾਣਾ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਕਿਉਂਕਿ ਫਰਜ਼ ਕਰੋ ਕਿ ਉਥੇ ਖਾਣੇ ਦੀ ਵਿਕਰੀ 5 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਦੋ ਹਜ਼ਾਰ ਤਾਂ ਪ੍ਰਾਫਿਟ ਦੇ ਹੋ ਜਾਣਗੇ ਅਤੇ 2 ਹਜ਼ਾਰ ਅਮਲੇ ਤੇ ਖਰਚ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ, ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਨੂੰ ਖੁਰਾਕ ਬੜੀ ਘਟੀਆ ਮਿਲਦੀ ਹੈ। ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਖਾਣੇ ਤੋਂ ਪ੍ਰਾਫਿਟ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਮੈਨੂੰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ]

ਉਮੀਦ ਹੈ ਕਿ ਗੌਰਮਿੰਟ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਹਾਂ ਗਲਾਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇਗੀ ਔਰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਜਾਂਚ ਪੜਤਾਲ ਕਰਵਾਏਗੀ ਕਿ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਖਾਣਾ ਘਟੀਆ ਨਾ ਮਿਲੇ ਤੇ ਕਮਰਿਆਂ ਵਿਚ ਟੈਲੀਫੂਨ ਅਤੇ ਹੋਰ ਡੈਕੋਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਸਮਾਨ ਸਪਲਾਈ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਸ ਬਿਲ ਤੇ ਅਜ ਬਹਿਸ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰਾ ਦੇ ਖਿਆਲਾਤ ਬੜੇ ਧਿਆਨ ਨਾਲ ਸੁਣੇ ਹਨ। ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਜਨਰਲ ਕੰਨਸੈਂਸ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਇਫੈਕਟਿਵਲੀ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਫੈਸਿਲਿਟੀਜ਼ ਦੇਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਅਸੀਂ ਕੁਝ ਫੈਸਿਲਿਟੀਜ਼ ਦੇਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀਆਂ ਡਿਮਾਂਡਜ਼ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਸੀ, ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਕੰਸਟੀਚੂਐਂਸੀ ਵਿਚ ਪਬਲਿਕ ਦਾ ਕੋਈ ਫੰਕਸ਼ਨ ਅਟੈਂਡ ਕਰਨ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਜੀਪ ਆਦਿ ਦੀ ਕਨਵੀਐਂਸ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਵੀ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਡਿਮਾਂਡਜ਼ ਠੀਕ ਹਨ ਪਰ ਸਾਡੇ ਕੋਲ ਫਾਈਨੈਂਸ਼ਲੀ ਇਤਨੇ ਰਿਸੋਰਸਿਜ਼ ਨਹੀਂ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਡਿਮਾਂਡਜ਼ ਨੂੰ ਪੂਰੀਆਂ ਕਰ ਸਕੀਏ। ਪਰ ਫਿਰ ਜਿਤਨਾ ਅਸੀਂ ਕਰ ਸਕੇ ਹਾਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਕਰਨ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਜੇ ਅਸੀਂ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਨੂੰ ਇਥੇ ਚਲਾਉਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇਣੀਆਂ ਹੀ ਪੈਣਗੀਆਂ। ਜੋ ਫੈਸਿਲਿਟੀਜ਼ ਅਸੀਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਉਹ ਮੈਂ ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਸ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਟੈਲੀਫੂਨ ਦੀ ਸਹੂਲੀਅਤ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਇਹ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਐਨੂਅਲ ਰੈਂਟ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ 50 ਰੁਪਏ ਕਾਲਾਂ ਲਈ ਵੀ ਹਰ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਦਿਤੇ ਜਾਣਗੇ। (ਵਿਘਨ) ਇਹ 50 ਰੁਪਏ ਲੋਕਲ ਅਤੇ ਟ੍ਰੰਕ ਕਾਲਾਂ ਲਈ ਵਖਰੇ ਹਨ ਅਤੇ ਸਾਲਾਨਾ ਰੈਂਟ ਵਖਰਾ ਹੈ। ਹੁਣ ਜੋ ਫੈਸਿਲਿਟੀਜ਼ ਐਗਜ਼ਿਸਟ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ ਉਹ ਟੈਲੀਫੂਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਇਹ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਟੈਲੀਫੂਨ ਦੇ 8 ਕਿਲੋਮੀਟਰ ਭਾਵ 5 ਮੀਲ ਦੇ ਰੇਡੀਅਸ ਵਿਚ ਹੀ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) ਪਹਿਲਾਂ ਰੈਂਟ ਹੀ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ ਕੋਈ ਹੋਰ ਵਖਰੇ 50 ਰੁਪਏ ਕਾਲਾਂ ਲਈ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ। ਸੋ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ 50 ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖਰਚ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰ ਨੂੰ ਆਪ ਬੇਅਰ ਕਰਨਾ ਪਏਗਾ। ਮੈਂ ਆਪ ਵੀ ਇਹ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 50 ਰੁਪਏ ਬਹੁਤ ਥੋੜ੍ਹੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਕਈ ਸ਼ਹਿਰ ਐਸੇ ਹਨ ਜਿਵੇਂ ਲੁਧਿਆਣਾ, ਜਲੰਧਰ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਅਤੇ ਬਠਿੰਡਾ ਆਦਿ ਜਿਥੇ ਕਿ ਲੋਕਲ ਕਾਲਾਂ ਹੀ 2 .0, 200 ਰੁਪਏ ਦੀਆਂ ਹੋ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਐਸ਼ੋਅਰ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਲੋੜ ਪੈਣ ਤੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਇਸ ਤੇ ਰੀਕੰਸਿਡਰ ਕਰੇਗੀ। (ਥੰਪਿੰਗ)

ਦੂਜੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਟਰੈਵਲਿੰਗ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸ਼ਬਦ 'ਸਪਾਊਜ਼' ਕਿਉਂ ਵਰਤਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਈ ਵਾਰ ਇਥੇ ਲੇਡੀ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਵੀ ਆ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਉਹ ਆਪਣੇ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਹਸਬੈਂਡ ਨੂੰ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਜੇ ਅਸੀਂ ਇਥੇ ਸ਼ਬਦ ਹਸਬੈਂਡ ਐਂਡ ਵਾਈਫ ਲਿਖਦੇ ਤਾਂ ਚੰਗਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਲਗਦਾ। ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਸ਼ਬਦ 'ਸਪਾਊਜ਼' ਵਰਤਿਆ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਦੋਵੇਂ ਕਵਰ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਫੈਸਿਲਿਟੀ ਦੇ ਨਾਲ ਦੋਨਾਂ ਨੂੰ ਇਕ ਸਾਲ ਦੇ ਵਿਚ 8000 ਕਿਲੋ ਮੀਟਰ ਸਫ਼ਰ ਕਰਨ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਮਿਲ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਅਸੀਂ ਅਲਾਊਂਸਿਜ਼ ਵਧਾਏ ਹਨ। ਡੇਲੀ ਅਲਾਊਂਸ 25 ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵਧਾ ਕੇ 35 ਰੁਪਏ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਕਿਸੇ ਮੀਟਿੰਗ ਲਈ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਸ਼ਿਮਲੇ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਖਰਚ 35 ਰੁਪਏ ਨਾਲ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ; ਉਸ ਦਾ ਖਰਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦਾ ਖਰਚ ਘਟ ਹੁੰਦਾ ਹੋਵੇਗਾ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਉਥੇ ਆਫਿਸਜ਼ ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ ਅਤੇ ਸਾਂਝੇ ਲੰਗਰ ਲਗੇ ਹੋਏ ਹਨ । (ਹਾਸਾ) (ਵਿਘਨ) ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖਰਚ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਜੇ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਰਿਸਪੈਕਟਫੁਲੀ ਉਥੇ ਰਹਿਣਾ ਚਾਹੇ ਤਾਂ, 35 ਰੁਪਏ ਪੂਰੇ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ । ਫਿਰ ਅਸੀਂ ਮੰਥਲੀ ਅਲਾਉਂਸ 400 ਰੁਪਏ ਤੋਂ 500 ਰੁਪਏ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਕਈ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਇਸ ਤੇ ਇਤਰਾਜ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਸੀਂ 25 ਰੁਪਏ ਤੋਂ 35 ਰੁਪਏ ਵਾਲੀ ਕਲਾਜ਼ ਨਾਲ ਇਹ ਲੇਬਰਿੰਗ ਕਲਾਜ਼ ਪਾ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਲੈਣਾ ਚਾਹੇ ਤਾਂ ਲਵੇ, ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜੇ ਉਹ ਇਹ ਚਾਹੁਣ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਇਸ ਵਿਚ ਵੀ ਅਜਿਹੀ ਕਲਾਜ਼ ਪਾ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ । (ਹਾਸਾ) (ਵਿਘਨ) ਤਾਂ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਘਟ ਲੈਣਾ ਚਾਹੇ ਤਾਂ ਘਟ ਲੈ ਲਵੇ ।

ਇਥੇ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਪੁਆਇੰਟ ਆਊਟ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਆਰਡੀਨੈਂਸ...(ਵਿਘਨ)

ਇਕ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ : ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਸਟੇਟਸ ਵਧਾਉ ।

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਟੇਟਸ ਜ਼ਰੂਰ ਵਧਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਪਰ ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਲਈ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਆਪਣੇ ਅੰਦਰ ਖੂਬੀਆਂ ਪੈਦਾ ਕਰਨੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) ਤਾਂ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਹ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ । (ਇਕ ਅਵਾਜ਼ : ਨਹੀਂ ਮਿਲੀਆਂ ।) ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਹ ਸਹੂਲਤਾਂ ਇਕ ਅਪਰੈਲ ਤੋਂ ਦਿਆਂਗੇ । ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਅਸੀਂ ਸਾਰਾ ਮੈਟੀਰੀਅਲ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਦੇ ਸੈਕਟੇਰੀਏਟ ਨੂੰ ਦੇ ਰਹੇ ਹਾਂ, ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਸਿਧਾ ਸਬੰਧ ਅਸੈਂਬਲੀ ਸੈਕਟੇਰੀਏਟ ਨਾਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਗੌਰਮਿੰਟ ਨਾਲ ਨਹੀਂ । ਅਸੀਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਿ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਕਰਕੇ ਜਿਤਨਾ ਵੀ ਖਰਚ ਆਵੇਗਾ, ਉਹ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇਵੇਗੀ ਪਰ ਇਹ ਸਹੂਲਤਾਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਸੈਕਟੇਰੀਏਟ ਨੇ ਹੀ ਦੇਣੀਆਂ ਹਨ । ਮੈਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਸਹੂਲਤਾਂ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣ ਲਈ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਕਦਮ ਚੁਕੇ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇੰਪਲੀਮੈਂਟ ਕਰਨਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਹੀ ਕੰਮ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਜਿਹੜੇ 20, 20 ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਲਗਾਤਾਰ ਮੈਂਬਰ ਤੁਰੇ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪੈਨਸ਼ਨ ਦਾ ਵੀ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (ਹਾਸਾ)

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ . ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਐਗਜ਼ਿਸਟਿੰਗ ਟੈਲੀਫੂਨ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਵੀ ਕਲੀਅਰ ਕਰ ਦਿਉ ।

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਪਹਿਲੀ ਅਪਰੈਲ ਤੋਂ ਸਾਲਾਨਾ ਰੈਂਟ ਦੇ 50 ਰੁਪਏ ਮਿਲਣਗੇ ।

Mr. Speaker : Question is—

That this House disapproves the Punjab Legislative Assembly (Allowances of Members) Amendment Ordinance, 1970 (Punjab Ordinance No. 1 of 1970).

The motion was lost.

Mr. Speaker : Question is—

That the Punjab Legislative Assembly (Allowances of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Mr. Speaker]

Mr. Speaker : Now the House will proceed to consider the Bill clause by clause. Clause 2 is before the House.

Clause 2

Sardar Umrao Singh : (Bara Pind)Sir, I beg to move—

That after the proposed clause (iii), the following proviso be added :—

"Provided that a Member who does not wish to draw the Compensatory Allowance at the rate of five hundred rupees per mensem may draw it at the rate admissible immediately before the first day of April, 1970.

ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਅਤੇ ਹੋਰ ਕੁਝ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜ ਸੌ ਰੁਪਏ ਕਿਉਂ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਪਰੋਵੀਜ਼ਨ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਚਾਹੇ ਕੋਈ ਲਵੇ ਚਾਹੇ ਨਾ ਲਵੇ ਤਾਕਿ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਵੇ ਕਿ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਕਥਨੀ ਅਤੇ ਕਰਨੀ ਵਿਚ ਕਿੰਨਾ ਫਰਕ ਹੈ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : 2, 3 ਅਤੇ 4 ਕਲਾਜ਼ਿਜ਼ ਠੀਕ ਹਨ ਪਰ ਬਸ ਦੇ ਕਿਰਾਏ ਵਾਲੀ ਕਲਾਜ਼ ਵਿਚ ਇਹ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਕਿ ਬਸ ਵਿਚ ਵੀ 'ਕੰਪੈਨੀਅਨ' ਨਾਲ ਜਾਵੇਗਾ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਜੀ, ਕੀ ਕਲਾਜ਼ 2 ਤੇ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਮੂਵ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ ? (*Addressing Sardar Umrao Singh* : Have you moved your amendment to clause 2 ?)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਹਾਂ ਜੀ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : 'ਸਪਾਊਜ਼' ਦੀ ਥਾਂ 'ਕੰਪੈਨੀਅਨ' ਲਫਜ਼ ਆ ਜਾਵੇ। 'ਕੰਪੈਨੀਅਨ' ਇਜ਼ ਐਨੀ ਵਨ। ਬਸ ਵਿਚ ਵੀ 'ਕੰਪੈਨੀਅਨ' ਹੋਵੇ।

Mr. Speaker : Motion moved—

That after the proposed Clause (iii), the following proviso be added :

"Provided that a Member who does not wish to draw the Compensatory Allowance at the rate of five hundred rupees per mensem may draw it at the rate admissible immediately before the first day of April, 1970."

(Interruptions)

Chaudhri Balbir Singh : Sir, the hon. Member has withdrawn his proviso.

Mr. Speaker : Sardar Umrao Singh, have you withdrawn it ?

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਨਹੀਂ ਜੀ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੀ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਇਸ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਤੇ ਬੋਲਣਾ ਹੈ ? (Has any other hon. Member to speak on this amendment ?)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : (ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਬੋਲਣ ਲਈ ਖੜੇ ਨਹੀਂ ਹੋਏ) ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਜੀ, ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਐਕਸੈਪਟ ਕਰਦੇ ਹੋ ? (Is this amendment acceptable to you, Sardar Balwant Singh ?)

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਹਾਂ ਜੀ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker ; Question is—

That after the proposed Clause (iii), the following proviso be added—

"Provided that a Member who does not wish to draw the Compensatory Allowance at the rate of five hundred rupees per mensem may draw it at the rate admissible immediately before the first day of April, 1970."

The motion was carried

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2, as amended, stand part of the Bill.

The motion was carried

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried

Clause 4

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 4 stand part of the Bill

The motion was carried

Clause 5

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕਲਾਜ਼ ਪੰਜ ਵਿਚ 'ਸਪਾਊਜ਼' ਦੀ ਥਾਂ 'ਕੰਪੈਨੀਅਨ ਕਰ ਦਿਉ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਜੋਗਿੰਦਰ ਪਾਲ ਪਾਂਡੇ : ਇਸ ਦਾ ਮਿਸਯੂਜ਼ ਹੋਵੇਗਾ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਪਰਾਪਰਲੀ ਮੂਵ ਕਰਾਉ । (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ)

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । (ਸ਼ੋਰ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਬਸਾਂ ਲਈ ਅਤੇ ਗਡੀ ਲਈ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਉਹ ਦੋਹਾਂ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਦੋ ਆਦਮੀਆਂ ਲਈ ਕਰ ਦੇਣ ਅਤੇ "ਸਪਾਊਜ਼" ਦੀ ਥਾਂ "ਕੰਪੈਨੀਅਨ" ਕਰ ਦੇਣ। ਐਨੀ ਬੇਨਤੀ ਹੀ ਮੇਰੀ ਹੈ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : 'ਕੰਪੈਨੀਅਨ' ਲਫਜ਼ ਦਾ ਮਿਸਯੂਜ਼ ਹੋਵੇਗਾ । ਇਹ ਲਾਜ਼ਮੀ ਤੌਰ ਤੇ ਦੂਸਰਾ ਆਦਮੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ੀ ਤੌਰ ਤੇ ਹੋਇਆ ਕਰੇਗਾ । 'ਸਪਾਊਜ਼' ਲਫਜ਼ ਠੀਕ ਹੈ ।

ਚੌਧਰੀ ਕੇਵਲ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ : ਕਲਾਜ਼ ਪੰਜ ਵਿਚ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਜਿਥੇ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਰੇਲ ਸਫਰ ਵਿਚ 'ਸਪਾਊਜ਼' ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਚਾਹੇ ਹਸਬੈਂਡ ਹੋਵੇ, ਚਾਹੇ ਵਾਈਫ ਹੋਵੇ, ਉਹਦੇ ਨਾਲ ਮੈਂ ਤਜਵੀਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ 12 ਸਾਲ ਤੋਂ ਘਟ ਉਮਰ ਦੇ ਬਚੇ ਅਗਰ ਹੋਣ ਤਾਂ ਉਹ ਵੀ ਨਾਲ ਫਰੀ ਜਾ ਸਕਣ । ਇਹ ਪਰੋਵੀਜ਼ਨ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਕਿਉਂਕਿ 12 ਸਾਲ ਤੋਂ ਵਡੇ ਬਚੇ ਵੀ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਅਨਜਾਣ ਛੋਟੇ ਬਚਿਆਂ ਲਈ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਐਸੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ, ਜਿਹੜੀਆਂ ਓਰਲ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਹੋਣ ਰਿਟਨ ਅਮੈਂਡਮਟ ਨਾ ਹੋਣ, ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਅਲਾਊ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ?

Mr. Speaker : No amendment to Clause 5 has been moved formally so far.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

चौधरी बलबीर सिंह : मैं ने अमैंडमैंट बाकायदा मूव की है । यह हाऊस का तरीका रहा है कि इस हाऊस में ओरल अमैंडमैंट्स मूव हुई हैं, गवर्नमैंट ने मान लीं और वह पार्ट आफ बिल बन गई । ऐसी अमैंडमैंट्स पास भी होती रही हैं । गवर्नमैंट ने जिनको मन्जूर कर लिया वह पास होती रही हैं । (शोर) (विघ्न) मैं लिख कर भेज देता हूं । (विघ्न)

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ 'ਸਪਾਊਜ਼' ਵਾਲਾ ਲਫਜ਼ ਬੜਾ ਸੋਚ ਵਿਚਾਰ ਕੇ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਸੀ । ਦੂਸਰੇ ਵਰਡ ਦੀ ਜਸਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਬਣ ਨਹੀਂ ਰਹੀ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਰੀਕੁਐਸਟ ਕਰਾਂਗਾ ਜੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕੋਟੀ ਹੋਰ ਸਲਾਹ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਬਾਹਰ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਬਸਾਂ ਦਾ ਤਾਲੁਕ ਹੈ ਇਕ ਦੀ ਬਜਾਏ ਦੋ ਹੋ ਜਾਣ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ, ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਜੀ, ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਫੈਸਿਲਿਟੀਜ਼ ਦੇ ਰਹੇ ਹੋ ਜਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਪੈਨੀਅਨਜ਼ ਨੂੰ ਦੇ ਰਹੇ ਹੋ ? (I would like to ask hon. Member Sardar Umrao Singh, whether the House is giving facilities to the legislators or their companions ?)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤੱਕ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਦੇ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਦੀ ਫੈਸਿਲਟੀਜ਼ ਦਾ ਤੁਅੱਲਕ ਹੈ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਵੀ ਪਤਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ ; ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਨੂੰ ਰੀਕਨਸਿਡਰ ਕਰ ਲਉ । I would request the hon. Member Chaudhri Balbir Singh to reconsider his stand).

चौधरी बलबीर सिंह : यह जो साथ बीवी जा सकने वाली बात है, इस से कोई फायदा नहीं है । आप जो मैंम्बज़ को सहूलतें दे रहे हैं, यह पुलीटीकल सहायता दे रहे हैं ताकि मैंबर्ज़ को फैसिलटीज़ हों । हम बसों में किसी काम को करवाने जा रहे हैं तो अगर हम बैठ जाएं तो दूसरा आदमी जिसका काम है वह कहां बैठेगा ? (विघ्न) इस लिए companions को भी पास देना चाहिए । यह बात बड़ी साधारण है । पुलीटीकल आदमी जो काम करते हैं, वह महसूस करते हैं कि उनको कितनी दिक्कतें हैं ।

ਸੰਤ ਲੱਖਾ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਕ ਸੱਜਣ ਨਾਲ ਜ਼ਰੂਰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਰਸਤੇ ਵਿਚ ਜੇ ਬੀਮਾਰ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਬੜੀ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ । ਕਈ ਗਰੀਬ ਉਥੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਅੌਰ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਡੇ ਕੋਲ ਕਿਰਾਇਆ ਨਹੀਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫਿਰ ਨਾਲ ਲੈਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਅਲਾਉ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬਹੁਤਾ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਵਾਲਾ ਮਸਲਾ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਠੀਕ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਲਫਜ਼ ਸੋਚ ਸਮਝ ਕੇ ਪਾਏ ਗਏ ਹਨ । (ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ 'ਸਪਾਊਜ਼' ਦਾ ਲਫਜ਼ ਕੱਟਕੇ 'ਕੰਪੈਨੀਅਨ' ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ, ਉਸਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਤੁਸੀਂ ਰੇਲਵੇ ਵਿਚ ਟਰੈਵਲ ਕਰਦੇ ਹੋ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਬੰਦੇ ਨੂੰ ਨਾਲ ਬਿਠਾ ਸਕਦੇ ਹੋ । ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਾਸ ਲੈ ਕੇ ਦਿੰਦੇ ਹੋ ਤਾਂ 'ਐਨੀ ਅਦਰ ਪਰਸਨ ਟੂ ਬੀ ਸਪੈਸੀਫਾਈਡ' ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਵੇਲੇ ਜਿਹੜੀ ਪਰੋਵੀਜ਼ਨ ਹੈ, ਉਸਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰ ਦੀ ਬੀਵੀ ਜਾਂ ਹਸਬੈਂਡ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਕੋਈ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰ ਕਿਧਰੇ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅੌਰ ਉਸ ਦੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pan

ਨਾਲ ਕੋਈ ਦੂਸਰਾ ਆਦਮੀ ਜਾਵੇ, ਜਿਸਦਾ ਹਸਬੈਂਡ ਜਾਂ ਵਾਈਫ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਫਿਰ 'ਕੰਪੈਨੀਅਨ' ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਠੀਕ ਹੈ। ਤੇ ਜੋ ਇਹ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪਾਸ ਇਕ ਦੂਜੇ ਦਾ ਅੱਡ ਅੱਡ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਫਿਰ ਇਸਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਲਿਖਣਾ ਪਵੇਗਾ ਕਿ 'any other person to be specified'

ਐਫ. ਐਮ. ਨੇ ਜਿਵੇਂ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜੇ ਇਹ ਪਾਸ ਅੱਡ ਅੱਡ ਕਰ ਦਿਤੇ ਤਾਂ ਇਸ ਪਰੋਵਿਯਨ ਦਾ ਮਿਸਯੂਜ਼ ਹੋਵੇਗਾ, ਇਸ ਲਈ ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵੇਲੇ ਜੋ ਪਰੋਵਿਯਨ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਇਹੀ ਠੀਕ ਹੈ। ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਹੜਾ ਨਾਲ ਜਾਏਗਾ ਉਸਦਾ ਵੱਖਰਾ ਪਾਸ ਬਣਾਉਣਾ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਰਹੇਗਾ ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਨੂੰ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਰਹਿਣ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ।

ਬੱਸਾਂ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਹਿਸ ਹੋਈ ਸੀ। ਉਦੋਂ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਵੀ ਵਿਚ ਮੌਜੂਦ ਸਨ। ਕਾਫੀ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਹ ਯੂਨੈਨੀਮਸਲੀ ਫੈਸਲਾ ਹੋਇਆ ਸੀ ਕਿ ਬੱਸਾਂ ਵਿਚ ਟਰੈਵਲ ਕਰਨ ਲਈ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਫੈਸਿਲਿਟੀ ਹੋਵੇ। ਜੇ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਨਾਲ ਕੋਈ ਹੋਰ ਬੰਦਾ ਵੀ ਟਰੈਵਲ ਕਰੇ ਤਾਂ ਫਿਰ ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਪਾਸ ਕਿਉਂ ਦਿੰਦੇ ਹੋ ਪੰਜ, ਦਸ ਦਿਉ।

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਿਹੜੀ 'ਕੰਪੈਨੀਅਨ' ਵਾਲੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਦਿਤੀ ਹੈ ਇਸਦੇ ਨਾਲ ਕੰਪਲੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਹੋਣਗੀਆਂ। ਇਸ ਸਟੇਜ ਤੇ ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਬੱਸਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਠੀਕ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਉਦੋਂ ਇਕ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਪਰ ਹੁਣ ਇਥੇ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਦੀ ਰਾਏ ਹੈ ਕਿ ਦੋ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ—ਮੀਆਂ ਬੀਵੀ ਜਾਂ ਵਾਈਫ ਹਸਬੈਂਡ। ਕੰਪਲੀਕੇਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮਨੀ ਬਿਲ ਵਿਚ ਗਵਰਨਰ ਦੀ ਰੀਕੂਮੈਂਡੇਸ਼ਨ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਖਰਚ ਵਾਲੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਸਕਦੇ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਫਾਈਨੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਰੀਕੁਐਸਟ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਹਾਊਸ ਦੀ ਰਾਏ ਲੈ ਲੈਣ ਅਤੇ ਇਸ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਲਈ ਦੁਬਾਰਾ ਬਿਲ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਮਗਰ ਇਸ ਸਟੇਜ ਤੇ ਅਸੀਂ ਐਸੀ ਹੋਰ ਕਲਾਜ਼ ਗਵਰਨਰ ਦੀ ਰੀਕੂਮੈਂਡੇਸ਼ਨ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਨਹੀਂ ਪਾ ਸਕਦੇ। ਇਸ ਨੂੰ ਐਜ਼ ਇਟ ਇਜ਼ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਅਗਰ ਕੋਈ ਹੋਰ ਫਾਈਨੈਂਸ਼ੀਅਲ ਬਰਡਨ ਐਡ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋਵੋ ਤਾਂ ਉਹ ਗਵਰਨਰ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਜੇ ਇਕ ਵੀ ਪਾਸ ਹੋਰ ਵਧਾਉਗੇ ਤਾਂ ਪੈਸੇ ਹੋਰ ਵਧਣਗੇ। ਜੇ ਵਧਾਉਗੇ ਤਾਂ ਫਿਰ ਉਸਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਵੋਗੇ ? ਇਸ ਲਈ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਐਜ਼ ਇਟ ਇਜ਼, ਪਾਸ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜੇ ਮੈਂਬਰ ਵਾਈਫ ਨਹੀਂ ਰਖਦੇ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਸੰਤ ਲੱਖਾ ਸਿੰਘ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 'ਸਪਾਊਜ਼' ਦੀ ਬਜਾਏ ਭੁਝੰਗੀ ਦੀ ਆਗਿਆ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। (ਹਾਸਾ)

ਸੰਤ ਲੱਖਾ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਵੀ ਭੁਝੰਗੀ ਹੋਕੇ ਕਿਸੇ ਪਾਸ ਪੜ੍ਹਦੇ ਰਹੇ ਹੋਣਗੇ। (ਹਾਸਾ)

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਅੰਡਰ ਰੂਲ 207 ਆਫ ਦੀ ਕੰਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨ ਮਨੀ ਬਿਲ ਵਿਚ ਖਰਚਾ ਇਨਕਰੀਜ਼ ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦੀ ਜੇ ਪੈਸੇ ਘਟਾਉਣੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਪਰ ਜੇ ਪੈਸੇ ਵਧਾਉਣੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਫਿਰ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਗਵਰਨਰ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਾਲ ਹੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਵੈਸੇ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਹੈ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਇਸ ਨੂੰ ਐਜ਼ ਇਟ ਇਜ਼ ਪਾਸ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ । ਮੈਂਬਰਜ਼ ਦੇ ਖਿਆਲਾਤ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆ ਗਏ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਫਿਰ ਕਿਸੇ ਵੇਲੇ ਹੋਰ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ।

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 5 stand part of the Bill .

The motion was carried

Clause 6

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Minister for Finance : Sir, I beg to move—

That the Punjab Legislative Assembly (Allowances of Members) Amendment Bill, as amended, be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Punjab Legislative Assembly (Allowances of Members) Amendment Bill, as amended, be passed.

Mr. Speaker : Question is

That the punjab Legislative Assemby (Allowances of Members] Amendment Bill, as amended be passed.

The motion was carried.

THE EAST PUNJAB MINISTERS' SALARIES (Amendment) Bill 1970

Minister for Finance : I beg to introduce the East Punjab Ministers' Salaries (Amendment) Bill.

Minister for Finance : Sir, I beg to move—

That the East Punjab Ministers' Salaries (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

ਇਸ ਦੇ ਉਤੇ ਬਹਿਸ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਵਿਚ ਮਨਿਸਟਰਜ਼, ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੂੰ ਟੈਲੀਫੋਨ ਆਦਿ ਦੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਨਸਟੀਚੁਐਂਸੀ ਜਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਠੀ ਵਿਚ ਫੈਸਿਲਿਟੀਜ਼ ਦੇਣ ਬਾਰੇ ਪ੍ਰੋਵਿਯਨ ਹੈ ।

Mr. Speaker : Motion moved—

That the East Punjab Ministers' Salaries (Amendment) Bill be taken into con sideration atonce

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker ; Question is

That the East Punjab Ministers' Salaries (Amendment) Bill be taken into consideration atonce.

The motion was carried

Mr. Speaker : Now the House will proceed to consider the Bill clause by clause.

Now Clause 2 is before the House.

Voices ; All the Clauses be put together

Mr. Speaker : If there is no objection all the clauses will be put to gether to the vote of the House.

(*Voices, Yes, Yes*)

Clauses 2, 3 and 1.

Mr. Speaker : Question is—

That clauses 2, 3 and 1 stand part of the Bill

The motion was carried.

Title

Minister for Finance : Sir, I beg to move—

That the East Punjab Ministers' Salaries (Amendment) Bill, be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the East Punjab Ministers' Salaries (Amendment) Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is

That the East Punjab Ministers' Salaries (Amendment) Bill be passed.

The motion was carried.

THE PUNJAB LEGISLATIVE ASSEMBLY SPEAKER'S AND DEPUTY SPEAKER'S SALARIES (Amendment) Bill, 1970

Minister for Finance : Sir, I beg to introduce the Punjab Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries (Amendment) Bill.

Minister for Finance : Sir, I beg to move—

That the Punjab Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries (Amendment) Bill be taken into consideration atonce

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Punjab Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Punjab Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion wascarried.

Mr. Speaker : Now the House will proceed to consider the Bill, clause by clause.

A Voice : ll the caluses be put together.

Mr. Speaker : If the House approves, all the clauses will be put together to the vote of the House.

(*Voices* : *Yes, Yes*)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Punjab Digital Library

Clauses 2, 3 and 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clauses 2, 3 and 1 stand part of the Bill.

The motion was carried

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Minister for Finance : Sir, I beg to move

That the Punjab Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries (Amendment) Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Punjab Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries (Amendment) Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is—

That the Punjab Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries (Amendment) Bill be passed.

The motion was carried.

AMENDING THE FIRST REPORT OF THE BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

Chief Minister : Sir, as the Members of the House are aware Brig. Bikarmajit Singh Bajwa has resigned from the office of the Deputy Speaker w.e.f. 24th July, 1970.

Under Clause (ii) of Rule 10, the Speaker is to fix the date for the election of the Deputy Speaker not later than seven days from the date of the first meeting of the Assembly after the occurrence of the vacancy. Since the current session is likely to terminate shortly, I move that the aforesaid provision may be waived and the election of the Deputy Speaker may be held on Monday, the 27th July, 1970.

Sir, there is a general agreement on the variation of the order of the House as already made for the day.

Mr. Speaker. To that extent the Report of the Business dvisory Committee, as adopted by the House today, shall stand amended. I hope it has the approval of the House.

(Voices ; Yes, yes)

Comrade Satya Pal Dang : Sir, the provision of Rule 10 (ii) is-

'In the case of an election at any other time when a vacancy occurs not later than seven days from the date of the first meeting of the Assembly after the occurrence of the vacancy."

ਸੱਤ ਦਿਨਾਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ। ਸੋਮਵਾਰ ਫਿਕਸ ਕਰਨ ਲਈ ਰੂਲ ਵੇਵ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj...

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਰੂਲ ਵੇਵ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ । (ਵਿਘਨ) ਸਿਰਫ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਜਿਹੜੀ ਅਡਾਪਟ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ ਉਹ ਟੂ ਦੈਟ ਐਕਸਟੈਂਟ ਅਮੈਂਡ ਕਰਨੀ ਹੈ । (The rule is not being waived (Interruption) Only the Report of the Business Advisory Committee, which has already been adopted by the House is to be amended to that extent.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਰੂਲ ਵੇਵ ਕਰਾਉ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਅਮੈਂਡ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਰੂਲ ਵੇਵ ਕਰਾਉਣ ਦੀ ਕੋਈ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ।

Mr. Speaker : The hon. Member has not heard me. I had said that the Report of the Business dvisory Committee to that extent would stand amended.

THE SALARIES AND ALLOWANCES OF DEPUTY MINISTERS PUNJAB (Amendment) Bill, 1970.

Minister for Finance : Sir, I beg to introduce the Salaries and Allowances of Deputy Ministers, Punjab (Amendment) Bill.

Minister for Finance : Sir, I beg to move—

That the Salaries and Alowances of Deputy Ministers, Punjab (Amendment) Bill be taken into considration atonce.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Salaries and Allowances of Deputy Ministers Punjab (Amendment) Bill be taken into consideration atonce.

Mr. Speaker : Question is...

That the Salaries and Allowances of Deputy Ministers Punjab (Amendment) Bill be taken into consideration atonce.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now the House will proceed to consider the Bill clause by clause.

(A voice ll the clauses be put together)

Mr. Speaker : If there is no objection, all the clauses will be put together to the vote of the House.

(*Voices : Yes, yes*)

Clauses 2, 3 and 1.

Mr. Speaker : Question is—

That clauses 2, 3 and 1 stand part of the Bill

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Minister for Finance : Sir I beg to move—

That the Salaries and Allowances of Deputy Ministers, Punjab (Amendment) Bill, be passed.

Mr. Speaker ; Motion moved—

That the Salaries and Allowances of Deputy Ministers Punjab (Amendment) Bill, be passed.

Mr. Speaker : Question is—

That the Salaries and Allowances of Deputy Ministers Punjab (Amendment) Bill, be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker : The House stands adjourned till 2.00 p.m. on Monday the 27th July, 1970.

6.00 P.M.

The Sabha then adjourned till 2.00 p.m. on Monday the 27th, July 1970)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

APPANDIX

to

Panjab Vidhan Sabha Debates

Dated, the 24th July, 1970

Vol. II—No. 1

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

INSTRUCTIONS REGARDING COLLECTION OF WEALTH TAX ISSUED TO THE REVENUE STAFF

*1887. **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state whether any instructions have been issued by the Government to the Revenue staff in the State that it should not be a party to the collection of wealth tax imposed by the Central Government ; if so, a copy of these instructions be laid on the Table of the House, together with the reasons for issuing these instructions ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਵਿਚ ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਵੈਲਥ ਟੈਕਸ ਜੋ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਲਗਾਇਆ ਸੀ ਉਹ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦੀ ਉੱਨਤੀ ਅਤੇ ਵਿਕਾਸ ਵਿਚ ਇਕ ਵੱਡੀ ਰੁਕਾਵਟ ਸੀ, ਅਤੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਇਕ ਵਿਸਥਾਰ ਪੂਰਬਕ ਪ੍ਰਤੀਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਸੀ । ਇਸ ਲਈ ਰੈਵੀਨਿਊ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਨੂੰ ਅਨਉਪਚਾਰਕ ਹਦਾਇਤਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ਕਿ ਉਹ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਫ਼ੈਸਲੇ ਤਕ ਇਸ ਟੈਕਸ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਨਾ ਕਰਨ ।

2. ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਅਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਇਕ ਰਿੱਟ ਵੀ ਦਾਇਰ ਕੀਤੀ ਸੀ ਜਿਸ ਦਾ ਥੋੜ੍ਹੀ ਦੇਰ ਹੋਇਆਂ ਫ਼ੈਸਲਾ ਹੋ ਚੁੱਕਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਨੇ ਵੈਲਥ ਟੈਕਸ ਨੂੰ ਗੈਰ ਕਾਨੂੰਨੀ ਕਰਾਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ।

———

UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS

GOVERNMENT BUSES PLYING ON INTER-STATE ROUTES

680 : **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to :—

a) lay on the Table of the House (i) a statement showing the number of Government buses being run on different inter-State routes, and the distance covered by them ; (ii) a statement showing the number of buses of other States running in the Punjab on inter-State routes and the distance covered by them ;

b) state whether there is any proposal under the consideration of the

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Shri Gian Chand Kharabanda]—

Government to start more buses on inter-State routes ; if so, the details thereof be placed on the Table of the House ?

Sardar Parkash Singh Badal ; (a) (i) A statement giving the requisite information is enclosed.

(ii) A statement giving the requisite information is enclosed.

(b) There is a proposal to start buses on the Inter-State routes like Chandigarh-Dehra Dun, Ludhiana-Hardwar and Patiala-Dehra Dun.

[(ੳ) (1) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਅੰਕਤ ਕਰਦੀ ਸਾਰਨੀ ਨਾਲ ਨਥੀ ਹੈ ।

(2) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਅੰਕਤ ਕਰਦੀ ਸਾਰਨੀ ਨਾਲ ਨਥੀ ਹੈ ।

(ਅ) ਇੰਟਰ-ਸਟੇਟ ਰੂਟਾਂ ਤੇ ਸਰਵਿਸਾਂ ਚਲਾਉਣ ਸਬੰਧੀ, ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ-ਡੇਹਰਾਦੂਨ, ਲੁਧਿਆਣਾ-ਹਰਦਵਾਰ ਅਤੇ ਪਟਿਆਲਾ-ਡੇਹਰਾਦੂਨ, ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੈ ।]

List of Inter-State routes operated by Punjab Roadways

S.No.	Name of the route	Distance covered	Buses
1.	Amritsar—Karnal—Delhi	554	2
2.	Amritsar—Hissar	502	2
3.	Amritsar—Jullundur—Chandigarh	864	6
4.	Amritsar—Ludhiana—Ambala Cantt.	306	2
5.	Amritsar—Moga—Chandigarh	332	2
6.	Tarn Taran—Patti—Chandigarh	306	2
7.	Abohar—Ganga Nagar	108	4
8.	Abohar—Hanumangarh	86	2
9.	Fazilka—Sirsa	198	2
10,	Fazilka—Chutala	160	2
11.	Hoshiarpur—Kalka	204	1
12.	Hoshiarpur—Chandigarh	210	1
13.	Hoshiarpur—Dharamsala	144	2
14.	Hoshiarpur—Baij Nath	200	2
15.	Hoshiarpur—Nangal	420	3
16.	Hoshiarpur—Nangal—Kirtpur	106	1
17.	Hoshiarpur—Jawala ji	104	1
18.	Dharamsala—Chandigarh	310	2
19.	Jullundur—Nangal	504	6
20.	Ludhiana—Hissar	298	2
21.	Ludhiana—Chandigarh	128	1
22.	Moga—Chandigarh	816	4
23,	Abohar—Ganga Nagar	390	5
24.	Abohar—Hanumangarh	129	1
25.	Abohar—Sangria	330	1
26.	Fazilka—Sirsa	182	1
27.	Dabwali—Hissar	188	1

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

28.	Dabwali—Sirsa	152	1
29.	Pathankot—Jammu	840	2
30.	Pathankot—Jullundur—Delhi	602	2
31.	Pathankot—Hoshiarpur—Delhi	602	2
32.	Pathankot—Kalka	336	2
33.	Pathankot—Dalhousie	100	1
34.	Pathankot—Baij Nath	176	2
35.	Pathankot—Dharamsala	224	2
36.	Pathankot—Nurpur	32	1
37.	Pathankot—Namial	120	1
38.	Amritsar—Dalhousie	234	2
39.	Dharamsala—Chandigarh	310	2
40.	Jammu—Delhi	494	2
41.	Chandigarh—Ambala	280	2
42.	Chandigarh—Jammu	476	2
43.	Chandigarh—Simla	450	3
44.	Chandigarh—Ganga Nagar	864	4
45.	Chandigarh—Manali	390	2
46.	Chandigarh—Kalka	32	1
47.	Chandigarh—Una	148	1
48.	Ludhiana—Ambala	213	2
49.	Rupar—Nalagarh—Kalka	64	1
50.	Kharar—Banur—Ambala	148	1
51.	Jullundur—Delhi (Ordinary)	458	2
52.	Jullundur—Delhi (De-lux)	458	2
53.	Rupar—Chandigarh—Ambala	336	3
54.	Jullundur—Abohar—Ganga Nagar	420	2
55.	Jullundur—Rupar—Kalka	220	2
56.	Jullundur—Chandigarh	1568	8
57.	Jullundur—Dharamsala	208	2
58.	Jullundur—Jammu	282	2
59.	Jullundur—Dalhousie	242	2
60.	Ludhiana—Jammu	356	2
61.	Kapurthala—Chandigarh	220	2

List of Inter-State routes operated by Pepsu Road Transport Corporation.

1.	Patiala—Chandigarh	1760	13
2.	Patiala—Chandigarh (De-luxe)	172	1
3.	Patiala—Chandigarh—Kalka	1116	3
4.	Patiala—Kalka	204	1
5.	Patiala—Ambala.	648	5
6.	Patiala—Jind	528	4
7.	Patiala—Jind—Hissar	798	6
8.	Patiala—Tohana—Hissar	440	4
9.	Patiala—Delhi (De-luxe)	620	2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chfef Minister]

10.	Patiala—Dadri	628	4
11.	Patiala—Hardwar	155	1
12.	Patiala—Kaithal	188	2
13.	Chandigarh—Hissar	708	4
14.	Sangrur——Chandiga	160	1
15.	Sangrur—Jind	1064	8
16.	Bhatinda—Hissar	416	4
17.	Bhatinda—Sirsa	158	1
18.	Bhatinda—Chandigarh (De-luxe)	286	2
19.	Bhatinda—Kharar (Via Chandigrh) (De-luxe)	320	2
20.	Faridkot—Chandigarh	324	2
21.	Faridkot—Dera Bassi	302	2
22.	Ludhiana—Jind	254	2
23.	Nabha—Chandigarh	120	1
24.	Nabha—Kharar (Via Chandigarh)	408	3
25.	Nabha—Chandigarh—Banur	316	2
26.	Ludhiana—Hissar	882	6
27.	Samana—Narwana	588	4
28.	Rajpura—Chandigarh	112	1
29.	Jakhal—Hissar	122	1
30.	Kalka—Chail	159	1
31.	Ambala—Hoshiarpur	468	4
32.	Banur—Chandigarh	114	1
33.	Sirsa—Chandigarh	648	4
34.	Barnala—Sirsa	150	1
35.	Mansa—Ratia	90	1

Statement Showing No. of Buses Operated by other States

Name of route	No. of return trips operated by other States.	Length of route.	Distance covered.
1. Ganganagar-Sadhuwala—Abohar.	6	44 k. m.	264 k. m. x2= 528 k. m.
2. Hanumangarh—Abohar	24	68. 8 k. m.	1651. 2 k. m. x 2=3302.4
3. Sangria—Abohar	6	65. 6 k. m.	393.6 k. m.x2= 786.12
4. Ganganagar—Hindumalkot—Fazilka	2	72 k. m.	144 k. m. x2= 288
5. Pathankot—Jammu	70	107 k. m.	7490 k. m. x2 15980
6. Jammu—Jullundur	2	221 k. m.	442 k. m. x2= 884
7 Jummu—Delhi	1	603 k. m.	603x2=1206

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(a) (ii) Statement Showing the number of buses of Other States running in Punjab State on Inter-State routes & the distances covered by them.

S. No.	Name of the Tpt. Undertaking.	Name of Route	No. of per—mits (Pb,-- Har—yana)	No. of R/tps.	Mileage	Pb.	Hr.	Chg.	Total mileage.	Total no.of buses Appro xima—tely.	Total mileage operated in Punjab
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1.	Haryana Road—ways, Rohtak.	Hissar-Bhatinda	2	1	117	17	100	—	234	2	34
		Ambala-Rupar	9	11	60	41	5	14	1320	13	902
		Ambala Nangal	2	2	95	76	5	14	380	3	304
		Ambala-Cantt-Sohna.	1	1	45	23	10	14	94	1	46
2.	Haryana Road—ways, Ambala.	Ambala-Cantt-Kalka	7	10	42	14	28	—	840	8	280
		Ambala-Cantt-Kalka Via-Chandigarh.	1	1	51	20	19	12	102	1	40
		Ambala-D-Bassi	2	2	17	12	5	—	68	1	48
		Ambala-Raipur Rani Via Dehra Bassi.	1	2	30	12	18	—	120	1	48
		Ambala Kharar Via Banur	2	2	37	34	3	—	148	2	136
		Ambala-Kharar-Rupar Via Banur.	1	2	54	51	3	—	216	2	204
		Ambala-Ludhiana.	2	2	72	64	8	—	288	2	256
					(4 permits with permission to operate four return trips issued by R. T. A. Jullundur).						
		Ambala-Patiala	4	6	34	26	8	—	408	4	312
		Ambala Cantt-Simla Via Chandigarh.	1	1	112	20	22		224	2	40
		Kalka-Sonepat Via Chandigarh.	2	1	149	20	111		298	2	40
		Yamuna Nagar-Chandigarh Via Sadhaura.	1	1	76	10	61	5	152	1	20
		Yamuna Nagar D. Bassi Via Sadhaura-Naraingarh.	3	3	62		59	—	372	3	18
		Kalka-Dera Bassi	1	1	20	4	16	—	40	1	8
		Chandigarh-Ambala (Kalka-Delhi link Service)	1	1	33	19	6	8	66	1	38

(P. T. O.)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]—

2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	Chandigarh-Yamunanagar Via-Naraingarh.	1	1	76	10	66	—	152	1	20
	Chandigarh-Ambala	2	2	33	19	8	6	132	1	76
	—do—	2	2	33	19	8	6	132	1	76
								5786	'53	2946
3. Haryana Roadways, Chandigarh.	Chandigarh-Delhi		9	155	19	111	9	2790	27	342
	Chandigarh-Hodel		3	230	10	172	9	920	9	60
	Chandigarh-Narnaul.		1	255		227	9	510	5	38
	Chandigarh-Rewari		1	205		177	9	410	4	38
	Chandigarh-Delhi		2	188		160	9	336	3	76
	Chandigarh-Hissar.		1	175		147	9	350	3	38
	Chandigarh-Karnal		1	79		51	9	158	1	38
	Chandigarh-Rohtak		1	145	19	117	9	290	2	38
	Chandigarh-Jagadhari		1		19					38
	Chandigarh-Ambala Cantt.		1	33	19	5	9	66	1	38
	Chandigarh-Fatehbad-Sirsa.	2	1	159	20	=132	7	318	2	40
	Chandigarh-Bhiwani-Pilani.	2	1	183	20	156	7	366	3	40
	Chandigarh-Panipat Via Kaithal.	2	1	135	20	108	7	270	2	40
	Chandigarh-Jind.	2	1	134	20	107	7	268	2	40
	Chandigarh-Ambala	1	1	33	20	8	5	66	1	40
	Chandigarh-Hissar Via Narwana.	2	1	153	20	126	7	306	2	40
	Chandigarh-Dabwali	2	1	230	20	203	7	460	3	40
	Chandigarh-Bhiwani.	2	1		20				1	40
	Chandigarh-Kaithal Via Dhand.	1	1		10				1	40
	Chandigarh-Hissar Via Kaul Asandh.	2	1		20				1	40
	Chandigarh-Delhi	2	2		20				4	40
	Hissar-Chandigarh Via Uklana, Daulpur, Kaithal.	2	1		20				4	40

(P.T.O.)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1	2	3	4	5		7	8	9	10	11	12
		Chandigarh-Punhana.	2	1	—	20	—	—	—	1	40
4.	Haryana Roadways, Hissar.	Chandigarh-Hissar Via Kaithal Uklana	2	1	—	20	—	—	—	2	40
5.	Haryana Roadways, Rohtak.	Chandigarh-Rohtak Via Gohana.	2	1	145	20	118	7	290	2	40
6.	Haryana Roadways, Gurgaon.	Ambala-Chandigarh-Kalka	2	2	33	20	8	5	132	2	80
		Sonepat-Delhi.	1	1	—	20	—	—	—	—	40
		Punjab-Haryana-Delhi									
1.	Haryana Roadways, Ambala.	Patiala-Delhi	1	1	154	26Pb	114	14	308	2	52
							Delhi Total			90	1516
		Punjab-Himachal-Pradesh									
1.	Himachal Govt. Transport Bilaspur Region, Bilaspur.	Chandigarh-Manali	2	1	202	50Pb	112Him	—	404	3	100
		Bilaspur-Bassi-Guruka	1	1	54	14	40	—	108	1	28
		Lahora, Bilaspur-Rupar.	6	6	58	24	34	—	696	6	288
		Naina Devi-Kiratpur.	1	1	22	6	16	—	44	1	12
										11	428
		Punjab-Haryana-Himachal-Pradesh									
1.	Haryana Roadways, Chandigarh.	Rupar-Nalagarh-Kalka.	1	1	42	7	21 14Hr.	—	84	1	14
2.	Himachal Govt. Tpt. Simla.	-do-	1	1	42	7	21 14Hr.	—	84	1	14
										2	28
		Punjab-Haryana-U. P.									
.	U. P. Roadways, Tpt. Undertaking.	Patiala-Haridwar	1	2	158	26	68U.P. 64Hr.	—	158	1	26
										1	26

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

TELEPHONE BILLS IN RESPECT OF CIRCUIT HOUSE AMRITSAR.

682. **Shri Gian Chand Kharbanda ;** Will the Chief Minister be pleased to state the total amount of telephone bills received in respect of Circuit House, Amritsar, and the amouut paid by the Government against them during the period (i, 1-4-68 to 31. 3. 69 ; (ii) 1-4-69 to 31-3-70 and (iii) 1-4-70 upto date ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਹੇਠ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ :—

ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ :	ਪੀਰੀਅਡ	ਟੈਲੀਫੋਨ ਬਿਲਾਂ ਦੀ ਰਕਮ	ਰਕਮ ਜਿਹੜੀ ਅਦਾ ਕੀਤੀ ਗਈ
1.	1968-69	2877.55 ਰੁ:	2877.55 ਰੁ:
2.	1969-70	13485.05 ਰੁ:	13485.05 ਰੁ:
3.	1970-71 (7/70 ਤਕ)	3301.10 ਰੁ:	3301.10 ਰੁ:

———

STUDENTS APPEARED IN MIDDLE STANDARD EXAMINATION.

687. **Shri Gian Chand Kharbanda,** Will the Minister for Education be pleased to :—

(a) lay on the Table of the House a statement showing the total number of students who appeared in the Middle Standard Examination this year district-wise in the State and the number of students who passed in the said examination stating the pass percentage alongwith the comparative statement giving similar information for the last two years ;

(b) state whether the pass percentage is less this year, as compared to the preceding two years. if so, the reasons therefor ;

(c) state the number of students from amongst those referred to in para (a) above whose result was not declared and the time taken to declare the result of those students whose result in the first instance was declared as 'Later on' ;

(d) state the nnmber of students, districtwise, who were declared pass but in whose cases it was stated that their marks will be declared 'Later on' ;

(e) state the time taken to declare the result of the Middle Standard Examination this year ;

(f) state the reasons for keeping the result pending as mentioned in paras (c), (d) & (e) above.

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ, (ਏ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਅਨੁਲਗ 1 ਵਿਚ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ । ਪਾਸ ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਵਿਚ ਕਮੀ ਦੇ ਕਾਰਨ ਇਹ ਹਨ :—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(1) ਅਯੋਗ ਢੰਗਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਨਿਗਰਾਨ ਅਮਲੇ ਨੂੰ ਵਿਭਾਗੀ ਹਦਾਇਤਾਂ ਕਰਨੀਆਂ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਖਤੀ ਨਾਲ ਪਾਲਣ ਕਰਨਾ।

(2) ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦਾ ਆਪਣੇ ਕੰਮ ਵੱਲ ਠੀਕ ਧਿਆਨ ਨਾਂ ਦੇਣਾ।

(ਸੀ) ਅਨੁਲਗ ਨੰਬਰ 2 ਵਿਚ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ।

(ਡੀ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਅਨੁਲਗ (3) ਵਿਚ ਦੱਸੀ ਗਈ ਹੈ।

(ਈ) 30 ਦਿਨ ਤੋਂ 52 ਦਿਨ ਤਕ।

(ਐਫ) ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਸਥਿਤੀ ਇਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਹੈ: -

(1) ਜਿਹੜੇ ਮੁੱਖ/ਉਪ ਪ੍ਰੀਖਿਅਕਾਂ ਦੀ ਸਿਹਤ, ਉੱਤਰ ਪਤਰੀਆਂ ਦਾ ਮੁੱਲ ਅੰਕਣ/ਨਤੀਜਾ ਸੂਚੀਆਂ ਤਿਆਰ ਕਰਦੇ ਸਮੇਂ/ਭੇਜਦੇ ਸਮੇਂ ਠੀਕ ਨਾ ਹੋਵੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਾਧੂ ਸਮਾਂ ਦੇਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਫਲ ਸਰੂਪ ਕੁਝ ਇਕ ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀਆਂ ਨਤੀਜਾ ਸੂਚੀਆਂ ਲੇਟ ਹੋ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।

(2) ਜਿਹੜੇ ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਵਿਚ ਅਯੋਗ ਢੰਗ ਵਰਤਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਫੈਸਲਾ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਪੂਰੀ ਪੂਰੀ ਸਥਿਤੀ ਬਿਆਨ ਕਰਨ ਅਤੇ ਨਿਜੀ ਪੱਧਰ ਤੇ ਮਿਲਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਨਾ ਹੋ ਜਾਵੇ।

(3) ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀਆਂ ਪਾਸੋਂ ਫੀਸ ਆਦਿ ਨਹੀਂ ਆਈ ਹੁੰਦੀ। ਜੇਕਰ ਆਈ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਪੂਰੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਜਿਸ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਨਹੀਂ ਕੱਢੇ ਜਾਂਦੇ। ਨਤੀਜੇ ਕੇਵਲ ਫੀਸ ਆਉਣ ਤੇ ਘੋਸ਼ਿਤ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

(4) ਕਈ ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀਆਂ ਹਾਜ਼ਰੀਆਂ ਪੂਰੀਆਂ ਨਾ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਉਤਨਾ ਚਿਰ ਨਹੀਂ ਕੱਢੇ ਜਾਂਦੇ ਜਿਤਨੇ ਸਮੇਂ ਤਕ ਉਹ ਆਪਣੀਆਂ ਹਾਜ਼ਰੀਆਂ ਮੁਆਫ (ਕਨਡੋਨ) ਨਾ ਕਰਵਾ ਲੈਣ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ]—

ਅਨੁਲਗ ਨੰਬਰ 1

ਵਾਰਸ਼ਿਕ ਮਿਡਲ ਸਤਰ ਪ੍ਰੀਖਿਆ, 1970 ਅਤੇ ਪਿਛਲੇ ਦੋ ਸਾਲਾਂ ਦੀਆਂ ਵਾਰਸ਼ਿਕ ਪ੍ਰੀਖਿਆਵਾਂ ਵਿਚ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਹੋਏ ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ, ਪਾਸ ਹੋਏ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਅਤੇ ਪਾਸ ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਦਾ ਤੁਲਨਾਤਮਕ ਅਧਿਐਨ ਹੇਠ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਲੜੀ ਨੰ:	ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦਾ ਨਾਂ	ਵਾਰਸ਼ਿਕ ਮਿਡਲ ਸਤਰ ਪ੍ਰੀਖਿਆ 1968		ਪਾਸ ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ	ਵਾਰਸ਼ਿਕ ਮਿਡਲ ਸਤਰ ਪ੍ਰੀਖਿਆ 1969		ਪਾਸ ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ	ਵਾਰਸ਼ਿਕ ਮਿਡਲ ਸਤਰ ਪ੍ਰੀਖਿਆ 1970		ਪਾਸ ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ
		ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਪਰਵੇਸ਼ ਹੋਏ	ਗਿਣਤੀ ਜੋ ਪਾਸ ਹੋਏ		ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਪਰਵੇਸ਼ ਹੋਏ	ਗਿਣਤੀ ਜੋ ਪਾਸ ਹੋਏ		ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਪਰਵੇਸ਼ ਹੋਏ	ਗਿਣਤੀ ਜੋ ਪਾਸ ਹੋਏ	
1.	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	18363	13114	71.41%	23052	14495	62.87%	25644	13459	52.48%
2.	ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	14215	10331	72.67%	17378	11168	64.26%	19658	10325	52.52%
3.	ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	12673	9012	71.1 %	16513	11327	68.5 %	18233	10473	57. 4%
4.	ਜਲੰਧਰ	19436	12019	61. 8%	23077	13429	58.1 %	28055	14781	52. 6%
5.	ਕਪੂਰਥਲਾ	5283	3607	68.27%	5919	3296	55.68%	6852	3743	54.62%
6.	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	13819	11149	80.67%	17715	11728	66.20%	19546	10867	55.59%
7.	ਲੁਧਿਆਣਾ	17108	12167	71.11%	20432	14040	68.71%	23537	13256	56.31%
8.	ਪਟਿਆਲਾ	11014	7670	69. 6%	14690	9107	61. 9%	16229	7914	48. 7%
9.	ਸੰਗਰੂਰ	7876	5706	72.44%	9601	6125	63.78%	12347	6744	54.62%
10.	ਬਠਿੰਡਾ	8267	5717	69.15%	10625	6591	62.03%	12358	6301	50.98%
11.	ਰੋਪੜ	5185	3773	72.76%	7321	4604	62.88%	8429	4330	51.37%

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pan

ਅਨੁਲਗ ਨੰਬਰ 2

ਲੜੀ ਨੰ :	ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਦਾ ਨਾਂ		ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਕੱਢੇ ਗਏ ।	ਨਤੀਜਾ ਕੱਢਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕਿਤਨਾਂ ਸਮਾਂ ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀਆਂ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਕੱਢੇ ਗਏ, ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਤੇ ਲੱਗਾ ।
1.	ਵਾਰਸ਼ਿਕ ਮਿਡਲ ਸਤਰ ਪ੍ਰੀਖਿਆ	1968	5846	6 ਦਿਨ ਤੋਂ 72 ਦਿਨ ਤਕ
2.	,, ,, ,,	1969	6081	10 ਦਿਨ ਤੋਂ 67 ਦਿਨ ਤਕ
3.	,, ,, ,,	1970	12629	12 ਦਿਨ ਤੋਂ 90 ਦਿਨ ਤਕ

ਅਨੁਲਗ ਨੰਬਰ 3

ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਇਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਹੈ :

ਲੜੀ ਨੰਬਰ	ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦਾ ਨਾਂ	ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀਆਂ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਕੱਢ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਸਨ, ਪਰੰਤੂ ਨੰਬਰ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਦੱਸੇ ਗਏ, ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਸਾਲ ਵਾਰ ਇਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਹੈ :—		
		1968	1969	1970
1.	ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	869	987	1019
2.	ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	1004	1811	110
3.	ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	58	185	140
4.	ਜਲੰਧਰ	1162	525	2412
5.	ਕਪੂਰਥਲਾ	327	156	936
6.	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	357	465	507
7.	ਲੁਧਿਆਣਾ	1050	1307	1279
8.	ਪਟਿਆਲਾ	170	200	300
9.	ਸੰਗਰੂਰ	1426	15	889
10.	ਬਠਿੰਡਾ	1137	1374	1758
11.	ਰੋਪੜ			890

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Di

© 1970
Published under the authority of the Punjab Vidhan Sabha.
Printed by : The Jullundur Workmen Co-op. Printing Press, Ltd., Adda Hoshiarpur, Jullundur City.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

PUNJAB VIDHAN SABHA

DEBATES

27th July, 1970.

Vol. II—No. 2.

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Monday, the 27th July, 1970.

	Pages
Starred Questions and Answers.	(2)1
Answers to Starred Questions laid on the Table of the House under Rule 45.	(2)34
Unstarred Questions and Answers.	(2)51
Question of Privilege.	(2)63
Adjournment Motions.	(2)63
Call Attention Notices under Rule 73.	(2)65
Reply to Call Attention Notice laid on the Table of the House.	(2)73
Announcement by the Secretary.	(2)74
Statement by Shri Balram Dass Tandon, an Ex. Minister	(2)77
Walk Out.	(2)102
Reply by a Minister to the Statement by Shri Balram Dass Tandon, Ex-Minister.	(2)102
Obituary References.	(2)111
Appendix.	i—xix

Punjab Vidhan Sabha Secretariat, Chandigarh.

Price Rs 1-41

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ERRATA

To

Punjab Vidhan Sabha Debates

Dated the 27th July, 1970

Vol. II—No. 2

Read	*For*	*Page*	*Line*
ਚਾਲੂ	ਚਾ	(2)4	6th from below
Engineer	Enginee	(2)7	14
ਕੋਟਾ	ਕਟਾ	(2)20	3rd from below
alleging	allegin	(2)22	12th from below
construction	constructioh	(2)46	23rd from below
Government	Governa-ment	2)51	14th, 15th from below
have	havie	(2)52	12
and the	abd The	(2)52	last
during	dur-ng	(2)53	3, 4
New Delhi	New Delh	(2)57	15
requirement	requirbmen	(2)57	16
Rs.	R	(2)57	17
which	whic	(2)60	5th from below
obtain	obta	(2)60	4th from below
ਸੁਣ	ਣ	(2)96	18
(ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ)	(ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਭ ਸੰਘ)	(2)102	15th from below
ਪੇਸ਼	ਪਸ਼ੇ	(2)103	5

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Read	*For*	*Page*	*Line*
ਟਰਾਵਨਕੋਰ	ਟਰਾਵਨਕੋਟ	(2)111	13
ਟਰਾਵਨਕੋਰ	ਟਰਾਵਨਕੋਟ	(2)111	12th from below
27th July, 1970	27th July, 1971	(2)112	Head Line
ਪਾਵਰ	ਪਾਵੀ	(2)112	15th from below
ਪਾਰਟੀ	ਪਾਰਰ	(2)112	14th from below
precisely	precisele	(2)112	3rd from below
the	thy	(2)112	2nd from below
ਮਜਰ ਜਨਰਲ ਅਮੀਰ ਚੰਦ	ਮੋਜਰ ਜਨਰਲ ਅਮੀਰ ਚਦ	(2)114	8, 9
ਫੈਸਲਾ-ਕੁਨ	ਫੈਸਲਾ-ਕੁਲ	Appendix (iii)	3

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

PUNJAB VIDHAN SABHA

Monday, the 27th July, 1970

The Vidhan Sabha met in the Punjab Vidhan Sabha Hall of 'he Vidhan Bhavan, Sector-1, Chandigarh at 2-00 P. M. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Darbara Singh) in the Chair.

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

THEIN DAM

***1958. (1) Chaudhri Sunder Singh, (2) Chaudhri Ram Singh, (3) Shri Sardari Lal Kapur, (4) Bhagat Guran Dass Hans**: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:—

(a) the approximate date by which Thein Dam on Ravi River is expected to be completed in the State;

(b) whether the State Government has urged the Central Government to expedite the completion of this ninety crore Thein Dam; if so, the result thereof, and if not, the reasons thereof ?

ਸਰਦਾਰ ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ ਬਾਸੀ: (ੲ) ਅਜੇ ਤਕ ਕੇਂਦਰੀ ਪਾਣੀ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ) ਨੇ ਥਈਂ ਡੈਮ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਦੀ ਕਲੀਅਰੈਂਸ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਹੈ । ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਦੀ ਼ਸਾਰੀ ਦਾ ਕੰਮ ਤਦ ਹੀ ਚਾਲੂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਜਦੋਂ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਕਲੀਅਰੈਂਸ ਦੇਵੇਗੀ ਤੇ ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਅਵਸਥਾ ਵਿੱਚ ਇਹ ਦਸਣਾ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੈ ਕਿ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਕਦੋਂ ਕਮਲ ਹੋਵੇਗੀ ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ । ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਸਰਕਾਰ ਕੇਂਦਰੀ ਪਾਣੀ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਕਮਿਸ਼ਨ (ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ) ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਦੀ ਕਲੀਅਰੈਂਸ ਲਈ ਜ਼ੋਰ ਦੇਂਦੀ ਰਹੀ ਹੈ । ਕਲੀਅਰੈਂਸ ਅਜੇ ਤਕ ਪ੍ਰਾਪਤ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ।

[(a) Clearance of Thein Dam Project has not yet been given by the entral Water and Power Commission (Government of India). The ›nstruction of the Project will be started when clearance is given by overnment of India,and therefore, it cannot be indicated at this stage ; to when this project will be completed .

(b) Yes, The State Government has been urging Central Water ıd Power Commission (Government of India) to expedite the clear- .ce of this project. Clearance has not yet been received.]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ: ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਬਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਕਿ ਚਾਹੇ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਮੰਨੇ ਜਾਂ ਨਾ ਮੰਨੇ, ਅਸੀਂ ਹਰ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਇਹ ਥੀਨ ਡੈਮ ਬਣਾਵਾਂਗੇ, ਕੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀ ਇਹ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਮੇਰੀ ਨਾਲਿਜ ਵਿੱਚ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਿ ਕੋਈ ਐਸਾ ਬਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਹੋਵੇ, ਲੇਕਿਨ ਸਾਡੇ ਪਹਿਲੇ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਰਹੇ ਸਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਥੀਨ ਡੈਮ ਬਣਾਉਣਾ ਹੈ, ਇਹ ਸਾਡੀ ਜਿੰਦ ਜਾਨ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਵੀ ਕਹਿੰਦੇ ਰਹੇ ਕਿ ਇਸ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ......(ਵਿਘਨ)

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਸਾਫ਼ ਜਵਾਬ ਦੇਣ । ਗਲ ਬੜੀ ਸਿਧੀ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਨਹੀਂ, ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇਵੇ ਜਾਂ ਨਾ ਦੇਵੇ ਅਸੀਂ ਥੀਨ ਡੈਮ ਜ਼ਰੂਰ ਬਣਾਵਾਂਗੇ ।

ਸ੍ਰੀ **ਸਪੀਕਰ** : ਸਾਫ਼ ਗੱਲ ਤਾਂ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਦ ਤਕ ਤੁਸੀਂ ਜਾ ਕੇ ਉਥੇ ਧਰਨਾ ਨਹੀਂ ਮਾਰੋਗੇ, ਤਦ ਤਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਥੀਨ ਡੈਮ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦੇਣੀ... (ਵਿਘਨ) (*Addressing Chaudhri Sunder Singh*: It is obvious that unless the hon. Member sits in Dharna there the Central Government is not going to grant permission for the construction of Thein Dam.) (*Interruption*)

चौधरी बलबीर सिंह : स्पीकर साहिब, मन्त्री महोदय ने बताया है कि भारत सरकार इस सिलसिले में कोई ज्यादा हौसला अफ़ज़ाई नहीं कर रही । क्या इस सिलसिले में पंजाब सरकार कोई स्पैशल लोन्ज़ हासिल करने की तरफ ध्यान देगी ताकि पंजाब इस सिलसिले में आगे बढ़ सके ?

ਮੰਤਰੀ : ਮੈਨੂੰ ਪੂਰਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਹੈ ਕਿ ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਸਾਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇਵੇਗੀ ਔਰ ਉਸ ਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇਣੀ ਪਵੇਗੀ । ਹੁਣ ਹਾਲਾਤ ਬਦਲ ਗਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇਵਾਂਗੇ । ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਕਈ ਮੁਸ਼ਕਲਾਤਾਂ ਸਨ । ਇਹ ਇਕ ਬਹੁਤ ਵੱਡਾ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਹੈ । ਇਸ ਤੇ 10, 20 ਜਾਂ 30 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਆਉਣੇ ਸਗੋਂ ਇਸ ਤੇ ਕੋਈ 150 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਖ਼ਰਚ ਆਉਣੇ ਹਨ । ਇਤਨਾ ਰੁਪਿਆ ਤਾਂ ਕਿਸੇ ਬੈਂਕ ਨੇ ਵੀ ਕਰਜ਼ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ । ਇਹ ਤਾਂ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਹੀ ਸਿਰੇ ਚੜ੍ਹੇਗਾ । ਅਸੀਂ ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਜ਼ਰੂਰ ਹਾਸਲ ਕਰਾਂਗੇ ਅਤੇ ਇਹ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਬਣੇਗਾ ਅਤੇ ਜ਼ਰੂਰ ਬਣੇਗਾ ।

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਿਛਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ 10 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਇਧਰੋਂ ਉਧਰੋਂ ਕੱਢ ਕੇ ਇਹ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਜ਼ਰੂਰ ਚਾਲੂ ਕਰ ਦਿਆਂਗੇ । ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣਾ ਇਹ ਇਰਾਦਾ ਬਦਲ ਲਿਆ ਹੈ ? ਨੈਕਸਟ ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਇਸ ਬਾਰੇ ਵਿੱਚ ਇਕ ਮੀਟਿੰਗ ਹੋਈ ਸੀ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਸੈਂਟਰ ਦੇ ਮਨਿਸਟਰ ਰਾਉ ਸਾਹਿਬ ਵੀ ਮੌਜੂਦ ਸਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਜਲਦੀ ਹੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਦੇ ਦੇਵਾਂਗੇ । ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਹ ਗੱਲ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰ ਲਈ ਸੀ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੰਤਰੀ : ਅਗਰ ਸਾਡੇ ਕੋਲ ਰੁਪਿਆ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਸਾਡਾ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਵੀ ਹੋਵੇ ਤਦ ਵੀ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਟੈਕਨੀਕਲ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਸਾਡੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਉਸ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਇਹ ਡੈਮ ਨਹੀਂ ਬਣਾ ਸਕਦੀ । ਸਾਨੂੰ ਅਜੇ ਤਕ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀ ਟੈਕਨੀਕਲ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਕਲੀਅਰੈਂਸ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਕੰਮ ਸ਼ੁਰੂ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ: ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫ਼ਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਹਾਲਾਤ ਬਦਲੇ ਹੋਏ ਹਨ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਬਦਲੇ ਹੋਏ ਹਾਲਾਤ ਕਿਹੜੇ ਹਨ ਅਤੇ ਨਵੇਂ ਬਦਲੇ ਹੋਏ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਇਜਾਜ਼ਤ ਲੈਣ ਵਾਸਤੇ ਕੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਮੇਰੇ ਬਦਲੇ ਹੋਏ ਹਾਲਾਤ ਤੋਂ ਇਹ ਭਾਵ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਕਸ਼ਮੀਰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨਹੀਂ ਮੰਨ ਰਹੀ ਸੀ ਅਤੇ ਹੁਣ ਕਸ਼ਮੀਰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਵੀ ਮੰਨ ਲਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਇਸ ਡੈਮ ਦੇ ਨਾਲ ਕਸ਼ਮੀਰ ਗੌਰਮਿੰਟ, ਹਿਮਾਚਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦਾ ਵੀ ਸਬੰਧ ਸੀ ਹੁਣ ਕਸ਼ਮੀਰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਮੰਨ ਗਈ ਹੈ । ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਬਦਲੇ ਹੋਏ ਹਾਲਾਤ ਕਹੇ ਸਨ । ਮੇਰੇ ਬਦਲੇ ਹੋਏ ਹਾਲਾਤ ਤੋਂ ਹੋਰ ਭਾਵ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕਸ਼ਮੀਰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਅਤੇ ਹਿੰਦ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮੰਨ ਲਿਆ ਹੈ, ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿੱਚ ਕਾਂਗਰਸ ਅਤੇ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਤਾਲਮੇਲ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੰਨਿਆ ਸੀ ਜਾਂ ਬਾਅਦ ਵਿੱਚ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਬਹੁਤ ਦੇਰ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਮੰਨ ਲਿਆ ਸੀ । (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਬਾਸੀ ਸਾਹਿਬ ਮਰਨ ਵਰਤ ਰੱਖ ਲੈਣ... (ਵਿਘਨ)...

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੇਰੀ ਸੁਜੈਸ਼ਨ ਹੈ ਕਿ ਮਰਨ ਵਰਤ ਤਾਂ ਸਭ ਤੋਂ ਅਜ਼ੀਮ ਹਸਤੀਆਂ ਹੀ ਰਖਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨਾਲੋਂ ਬਰਗਜ਼ੀਦਾ ਹਸਤੀ ਹੋਰ ਕਿਹੜੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ......ਵਿਘਨ। (Generally, it is the great personalities who undertake fasts unto death, and the hon. Member, Sardar Gurnam Singh is the most appropriate person for this purpose.) (*Interruptions*)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜੂਸ ਪਿਆ ਦਿਆਂਗਾ......(ਵਿਘਨ) ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਅੱਗੇ ਹੀ ਬਹੁਤ ਲੇਟ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਇਸ ਵਲੋਂ ਬਹੁਤ ਹੀ ਬੇਧਿਆਨ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਸਾਡੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਇਹ ਖ਼ਾਹਿਸ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਪਰਾਜੈਕਟ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਬਣਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਕੀ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮਿੰਟ ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਪਾਸ ਪੁਰ ਅਸਰ ਪ੍ਰੋਟੈਸਟ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਸਾਰੇ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦੀਆਂ ਖੇਤੀਆਂ ਸੜ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦੀ ਅਕਾਨਮੀ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ?......(ਵਿਘਨ)

ਮੰਤਰੀ : ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ, ਪਰ ਇਹ ਮਾਮਲਾ 1960 ਤੋਂ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਇਹ ਬੜੀ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਡਾਕਟਰ ਰਾਓ ਨੇ ਵੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਿੰਜਾਈ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਮੰਤਰੀ]

ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਹੁਣ ਇਸ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਦੇ ਦਿਆਂਗੇ......(ਵਿਘਨ) ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਸਾਡੇ ਐਕਸ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਵਰਤ ਬਾਰੇ ਕਿਹਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ 'ਜਿਧਰ ਗਿਆ ਬਾਣੀਆ, ਉਧਰ ਗਿਆ ਬਾਜ਼ਾਰ''...... (ਵਿਘਨ) ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਦਲੇ ਹੋਏ ਹਾਲਾਤ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕੀ ਇਹ ਸਾਰਾ ਕੰਮ ਇਥੇ ਮਾਵਾਂ ਧੀਆਂ ਵਿੱਚ ਹੀ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਜਾਏਗਾ ?

(ਕੋਈ ਉਤਰ ਨਾ ਆਇਆ).

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫ਼ਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਥੀਨ ਡੈਮ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਅਤੇ ਮੌਤ ਦਾ ਸੁਆਲ ਹੈ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਇਕ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਪਾਸ ਕਰਾਕੇ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਭੇਜਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਡੈਮ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ ? (ਵਿਘਨ)

(ਕੋਈ ਉਤਰ ਨਾ ਆਇਆ) ।

SETTING UP A TUBE-WELL CORPORATION IN THE STATE

*1964 (1) **Sardar Darshan Singh K.P.**
(2) **Shri Sardari Lal Kapur**
(3) **Bhagat Guran Dass Hans**
(4) **Doctor Sadhu Ram**

Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state: —

(a) whether the Government has decided to set up a Tube-well Corporation with a view to increasing the irrigation potential in the State;

(b) if the reply to part (a)above be in the affirmative, whether a survey of the tubewell potential in the entire State has been carried out ; if so, the result thereof ?

ਸਰਦਾਰ ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ ਬਾਸੀ : (ੳ) ਮਾਮਲਾ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

(ਅ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

[(a) The matter is under consideration of Government .
(b) No.]

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਗੋਬਿੰਦ ਸਾਗਰ ਵਿੱਚ ਪਾਣੀ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜਿਸ ਨਾਲ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਫੇਲ੍ਹ ਹੋਈ ਹੈ । ਕੀ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਦੇਖਦੇ ਹੋਏ ਇਹ ਟਿਊਬਵੈਲ ਸਿਸਟਮ ਨੂੰ ਚਾ ਕਰਨਗੇ ? (ਵਿਘਨ) ਟਿਊਬਵੈਲਜ਼ ਨੂੰ ਬਿਜਲੀ ਦੇਣ ਲਈ ਬਿਜਲੀ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਸਾਰੀ ਬਿਜਲੀ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਲੈ ਗਈ ਹੈ । ਕੀ ਇਹ ਬਿਜਲੀ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕਰਨਗੇ ?

(No reply)

Dr. Amir Singh Kalkat: Sir, I have stood many times to catch your eye for putting supplementary question, but I have not been given the time for that and I must protest against this. I stage a walk out.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker: I am very sorry the hon. Member could not catch my eye.

(*At this stage Dr. Amir Singh Kalkat started walking out but was prevented by Sardar Umrao Singh*)

Mr. Speaker: Dr. Amir Singh Kalkat.

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਮੈਂਬਰ ਵਾਕ ਆਊਟ ਕਰੇਗਾ ਆਪ ਉਸ ਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਉਗੇ । (ਵਿਘਨ)

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ : ਕੀ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅਜਿਹੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਲਈ ਜਿੱਥੇ ਕਿ ਵਾਟਰ ਲੇਬਲ ਲੋ ਹੋਵੇ ਸਰਕਾਰ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾ ਕੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਟਿਊਬਵੈਲ ਲਾਉਣ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਦੇਣ ਲਈ ਪ੍ਰਾਇਰਟੀ ਦੇਵੇਗੀ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਬਾਰੇ ਜ਼ਰੂਰ ਸੋਚਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਕਮੀ ਕਰਕੇ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਤੇ ਜੋ ਬੁਰਾ ਅਸਰ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿੱਚ ਸਕੀਮ ਬਣਾ ਰਹੀ ਹੈ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਸਕੀਮ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ?

(ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਕਹਿਣ ਤੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਸਵਾਲ ਦੋਬਾਰਾ ਕੀਤਾ)

ਮੰਤਰੀ : ਬਿਜਲੀ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਸਿਰਫ ਇਕ ਹੀ ਤਰੀਕਾ ਨਹੀਂ; ਜਾਂ ਤਾਂ ਕੋਇਲੇ ਨਾਲ ਬਿਜਲੀ ਪੈਦਾ ਕਰੀਏ ਜਾਂ ਫਿਰ ਹਾਈਡਰਇਲੈਕਟ੍ਰਿਕ ਬਿਜਲੀ ਲਈ ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਬਣਾਉਣੇ ਪੈਂਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਡੀਜ਼ਲ ਜੈਨਰੇਟਿੰਗ ਸੈਟਸ ਲਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਹ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਕਮੀ ਜਲਦੀ ਦੂਰ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ।

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਜਦ ਆਪ ਨੂੰ ਪਤਾ ਸੀ ਕਿ 3–4 ਮਹੀਨੇ ਤੋਂ ਪਾਣੀ ਦੀ ਕਮੀ ਚਲੀ ਆ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਨਾਲ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਕਮੀ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ ਤਾਂ ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਆਪ ਨੇ ਹਰਿਆਣੇ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਡੀਜ਼ਲ ਸੈਟਸ ਲਾਉਣ ਦਾ ਪਰਬੰਧ ਕਿਉਂ ਨਾ ਕੀਤਾ ? ਤੁਸੀਂ ਵਜ਼ੀਰੀਆਂ ਦੀ ਭੁਖ ਵਿੱਚ ਵਕਤ ਗੁਜ਼ਾਰ ਦਿੱਤਾ । ਇਸ ਨੁਕਸਾਨ ਦੀ ਜ਼ਿੰਮੇਦਾਰੀ ਆਪ ਤੇ ਪੈਂਦੀ ਹੈ, ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਦੇਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੋ ? (ਵਿਘਨ)

ਮੰਤਰੀ : ਅੱਜ 9 ਮਹੀਨੇ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਸਾਨੂੰ ਬਾਹਰੋਂ ਡੀਜ਼ਲ ਜੈਨਰੇਟਿੰਗ ਸੈਟਸ ਇਮਪੋਰਟ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦਿਆਂ ਨੂੰ । ਇਹ ਇਕ ਦੋ ਮਹੀਨਿਆਂ ਵਿੱਚ ਤਾਂ ਆ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦੇ । ਇਸ ਲਈ ਇਮਪੋਰਟ ਲਾਇਸੈਂਸ ਲੈਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਫਿਰ ਫਾਰੇਨ ਐਕਸਚੇਂਜ ਦਾ ਵੀ ਸਵਾਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ ਇਖਤਿਆਰ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਵਿੱਚ ਟਾਈਮ ਲਗਦਾ ਹੈ, ਸਾਡੀ ਜੇਬ੍ਹ ਵਿੱਚ ਤਾਂ ਹੈ ਨਹੀਂ ਕਿ ਲਾ ਦਈਏ । ਅਸੀਂ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਕਰਨ ਲਈ ਹਰ ਮੁਮਕਿਨ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ।

ਭਗਤ ਗੁਰਾਂਦਾਸ ਹੰਸ : ਪਹਿਲਾਂ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਵਿਚ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਇੰਜਨ ਚਲਦੇ ਸਨ । ਦੂਜੀ ਬਿਜਲੀ ਆਉਣ ਨਾਲ ਉਹ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਅਤੇ ਉਹ ਉਥੇ ਹੀ ਪਏ ਹਨ । ਹੁਣ ਜਦ ਕਿ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਕਮੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚਲਾਉਣ ਦਾ ਇਰਾਦਾ ਰਖਦੀ ਹੈ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੰਤਰੀ : ਉਹ ਜੈਨਰੇਟਿੰਗ ਸੈਟਸ ਬਹੁਤ ਛੋਟੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੀਪੇਅਰ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ, ਇਸ ਕਰਕੇ ਉਹ ਚਾਲੂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੇ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿੱਚ ਪਾਣੀ ਦੀ ਕਮੀ ਹੈ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਉਥੇ ਡੀਜ਼ਲ ਇੰਜਨ ਲਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸਹੀ ਤੌਰ ਤੇ ਪਾਣੀ ਦੇਣ ਦੀ ਸਕੀਮ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਸੋਚੇਗੀ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਹੀ ਸੋਚ ਰਹੇ ਹਾਂ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਝਬਾਲ : ਕਈ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿੱਚ 3 ਮਹੀਨੇ ਤੋਂ ਬਿਜਲੀ ਨਹੀਂ ਗਈ ਅਤੇ ਇਸ ਕਰਕੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਫਿਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਬਿਲ ਵਸੂਲ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਕੀ ਇਹ ਪੈਸਾ ਉਨਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ?

(ਕੋਈ ਜਵਾਬ ਨਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ) ।

चौधरी बलबीर सिंह : जो ट्यूबवैल इस वक्त तक लग चुके हैं लेकिन बिजली की कमी के कारण चालू नहीं हो सके, क्या उनके लिये डीज़ल इंजनों का इन्तजाम करके उनको चालू करने की कोशिश करेंगे ?

(उत्तर नहीं आया)

ਕਾਮਰੇਡ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਝਬਾਲ: ਮੇਰੇ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ।

ਮੰਤਰੀ : ਕੀ ਜਵਾਬ ਦੇ ਸਕਦੇ ਹਾਂ । ਕੀ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਦੇ ਸਕਦੇ ਹਾਂ । ਬਾਰਿਸ਼ ਨਹੀਂ ਹੋਈ, ਪਾਣੀ ਦੀ ਕਮੀ ਹੋ ਗਈ (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਬੀਯੌਂਡ ਹਯੂਮਨ ਕੰਟਰੋਲ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫ਼ਸਲ ਬੀਜਣੀ ਹੈ ਸੋਚ ਸਮਝ ਕੇ ਬੀਜਣ, ਪਾਣੀ ਦੀ ਕੋਈ ਉਮੀਦ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੇਜ ਸਿੰਘ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪ ਦੇ ਜ਼ਰੀਏ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਨੇ ਇਕ ਫਲੈਟ ਰੇਟ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਅਗਰ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਪੂਰੀ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕੀ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਛੋਟ ਦਿਉਗੇ ?

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਸੰਕਟ ਬਾਰੇ ਇਕ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਆ ਰਹੀ ਹੈ ਜਿਸ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋਵੇਗੀ । ਉਸ ਵਿੱਚ ਆਪ ਵਿਸਥਾਰ ਨਾਲ ਸੁਝਾਓ ਲੈ ਆਉਣਾ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਜਵਾਬ ਵੀ ਆ ਜਾਵੇਗਾ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਧ ਸਵਾਲ ਡੀਲ ਕਰ ਸਕਾਂਗੇ । (I would like to point out that an Adjournment Motion about the scarcity of Power is to be discussed in the House. The hon. Members can then deal with these matters in detail and the reply from the Government will also come. In this way the House can cover more questions).

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

चौधरी बलबीर सिंह : क्या वज़ीर साहिब बतायेंगे कि जो ट्यूबवैल सरकार ने खुद लगाए हैं मगर बिजली की कमी के कारण चालू नहीं किये जा सके क्या सरकार उनके लिये बिजली का प्रबन्ध करने के लिये डीज़ल इंजन लगाएगी ?

ਮੰਤਰੀ : ਜਿਹੜੇ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਟਿਊਬਵੈਲ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਅਗਰ ਡੀਜ਼ਲ ਸੈਟ ਲਾਉਣੇ ਪਏ ਤਾਂ ਉਹ ਅਸੀਂ ਲਾਵਾਂਗੇ । ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿੱਚ ਅਗਰ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਤਕਾਵੀ ਲੈਣਾ ਚਾਹੇਗਾ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਪੈਸਾ ਦੇਵੇਗੀ ।

REPRESENTATION FROM THE FARMERS OF VILLAGE, KHALRA AND DODE DISTRICT AMRITSAR REGARDING BETTERMENT LEVY

*2016 **Sardar Kirpal Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power with reference to the reply to Unstarred Question No. 326 included in the list of Unstarred Questions for 6th November, 1969 be pleased to state ;

(a) whether the matter which , according to part (d) of the said reply, was under investigation by the Superintending Enginee Upper Bari Doab Canal Circle has since been investigated; if so, with what results;

(b) the final decision taken by the Government in this case ?

ਸਰਦਾਰ ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ ਬਾਸੀ ; (ੲ) ਹਾਂ ਜੀ, ਪਰਚਲਤ ਰੂਲਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਨਿਰਧਾਰਨ ਠੀਕ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਪਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

[(a) Yes, the assessment as made is correct according to the rules in force.

(b) Question does not arise .]

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ) ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਓਨਰਜ਼ ਰੇਟ ਖਾਲੜਾ, ਦੋਦੇ ਜਲਸੀਆਂ ਖੁਰਦ ਆਦਿ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਲਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਉਸ ਆਰਡਰ ਦੇ ਅਧੀਨ ਲਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਮਾਈਨਰ ਦੇ ਤਹਿਤ ਜਿਨਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਮਿਲੇਗਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਇਹ ਲਗੇਗਾ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਲੋਂ ਕਿ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿੱਚ ਅਰਜ਼ਦਾਸਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਪਾਣੀ1948–49 ਤੋਂ ਮਿਲ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਵਲੋਂ ਜੋ ਅਰਜ਼ਦਾਸ਼ਤ ਆਈ ਸੀ ਕੀ ਉਸ ਬਾਰੇ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਤੋਂ ਡੀਟੇਲਡ ਰਿਪੋਰਟ ਆਈ ਹੈ ਅਤੇ ਕੀ ਇਹ ਇਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦੀ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਹਨ । ਕਿਉਂ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਟੈਕਸ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਤੇ ਲਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ਇਹ 1959 ਦੀ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਲਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮਾਈਨਰਜ਼ ਤੇ ਲਗੇਗਾ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਉਸ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਜਦ ਕਿ ਉਹ ਪਾਣੀ 1949 ਤੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਹ ਫਰਕ ਹੈ । ਕਿੰਨੀ ਬਾਰ ਹੀ ਸਵਾਲ ਨੂੰ ਦੁਹਰਾਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ।

ਮੰਤਰੀ : ਜਵਾਬ ਤਾਂ ਬਿਲਕੁਲ ਠੀਕ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਹਾਲਾਤ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਵਾਲ ਨੂੰ ਸਮਝਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ । ਇਹ ਜਿਹੜਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ]

ਵਾਟਰ ਐਡਵਾਂਟੇਜ ਰੇਟ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿੱਚ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ 1954-55 ਵਿੱਚ ਹੋਇਆ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿੱਚ ਖਾਸ ਰਾਜਬਾਹ ਅਤੇ ਮਾਈਨਰ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਸੀ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਜਿਹੜੇ ਪਿੰਡ ਪਾਣੀ ਲੈਣਗੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਇਹ ਰੇਟ ਲਗਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ ਪਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਮੇਰੇ ਪਿਛਲੇ ਸਵਾਲ ਨੰ: 326 ਵਿੱਚ ਜ਼ਿਕਰ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਇਸ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਤੋਂ ਪੰਜ ਸਾਲ ਪਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਮਿਲ ਰਿਹਾ ਸੀ ਪਰ ਇਹ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਨ ਆਪਣੇ ਇਸ ਜਵਾਬ ਵਿੱਚ ਕਿ ਅਸੈਸਮੈਂਟ ਪਰਚਲਤ ਰੂਲਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਨਿਰਧਾਰਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਇਸ ਦੀ ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਵਜ਼ਾਹਿਤ ਕਰਨਗੇ ?

ਮੰਤਰੀ : ਪਾਣੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮਿਲਣ ਕਾਰਨ ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ ਵੈਲਯੂ ਵਧ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਟੈਕਸ ਵੱਧ ਲਗਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਪਰ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਤਾਂ ਕਿਤੇ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਸੀ । ਇਹ ਠੀਕ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੇ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸੋਂ ਸਹੀ ਇਨਫ਼ਰਮੇਸ਼ਨ ਲੈ ਕੇ ਦਿਉ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਪਾਸ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ ਡੀਟੇਲਜ਼ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਮੰਗੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰੋਸ਼ਨੀ ਵਿੱਚ ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੇ ਮਹਿਕਮੇ ਤੋਂ ਜਵਾਬ ਮੰਗਵਾ ਦਿਓ ਕਿ ਕੀ ਬੈਟਰਮੈਂਟ ਲੈਵੀ ਲਾਗੂ ਹੋਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਮਿਲਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਇਹ ਪਿੰਡ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ, ਇਹ ਜਵਾਬ ਮੰਗਵਾ ਕੇ ਦੇ ਦਿਉ (ਵਿਘਨ)

(I would request the hon. Minister to obtain correct information from his Department about the points raised by the hon. Member viz. whether these villages were getting water before the levy of the betterment levy; and whether these villages were also covered under that notification).

(*Interruption*)

ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਸਾਰੇ ਸਰਕਲ ਵਿੱਚ ਬੈਟਰਮੈਂਟ ਲੈਵੀ ਤਾਂ ਲਗਦੀ ਹੀ ਨਹੀਂ ਇਹ ਤਾਂ ਭਾਖੜਾ ਕੈਨਾਲਜ਼ ਤੇ ਲਗਦੀ ਹੈ, ਯੂ. ਬੀ. ਡੀ.ਸੀ. ਤੇ ਨਹੀਂ ਲਗਦੀ । (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ , ਸੰਨ 1954-55 ਵਿਚ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਰਾਹੀਂ $1\frac{1}{2}$ ਰੁਪਏ ਏਕੜ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਟੈਕਸ ਲਗਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹਾਲਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਸੰਨ1949 ਵਿਚ ਵੀ ਪਾਣੀ ਮਿਲਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਜਿਸ ਰਾਜਬਾਹ ਅਤੇ ਮਾਈਨਰ ਦਾ ਇਸ ਵਿਚ ਜ਼ਿਕਰ ਹੈ ਉਸ ਤੋਂ ਇਹ ਪਿੰਡ ਸੈਰਾਬ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ ਅਤੇ ਫ਼ਿਰ ਜਿਹੜਾ ਪਹਿਲਾ ਰੇਟ ਸੀ $4\frac{1}{2}$ ਰੁ. ਦਾ ਉਹ ਵੀ ਰਹਿਣ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

ਮੰਤਰੀ: ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਤਾਂ ਬੜੀ ਕਲੀਅਰ ਹੈ ਕਿ ਰੇਟ ਵਧਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ— ਪੈਰੀਨੀਅਲ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਤੇ 3 ਰੁਪਏ ਅਤੇ ਨਾਨ-ਪੈਰੀਨੀਅਲ ਤੇ $1\frac{1}{2}$ ਰੁਪਏ ਏਕੜ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਦੀ ਕਨਟੈਨਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਰਾਜਬਾਹ ਬਾਰੇ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਇਹ ਪਿੰਡ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੇ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਤੋਂ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਵਾਧੂ ਟੈਕਸ ਵਸੂਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਪਾਸ ਫਿਰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਸਾਰੀ ਗਲ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਆਪਣੇ ਮਹਿਕਮੇ ਪਾਸੋਂ ਕਰਵਾ ਲੈਣ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਅਤੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦੇਣ ਤਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਸੱਲੀ ਹੋ ਜਾਵੇ । (The contention of the hon. Member is that the Rajbah mentioned in the Notification does not cover the villages referred to by him and the tax is being collected illegally. I would, therefore, once again request the hon. Minister to verify the position from his department and a reply sent to the hon. Member so that he may feel satisfied.)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ,ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਹਿਲੇ ਰੇਟ ਨੂੰ ਕੈਂਸਲ ਨਹੀ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਹੋਰ ਡੇਢ ਰੁਪਿਆ ਲਗਾ ਦਿਤਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਮੰਤਰੀ : ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਆਪ ਹੁਕਮ ਕਰੋ ਠੀਕ ਹੈ । ਵੈਸੇ ਇਹ ਅਪਰ ਬਾਰੀ ਦੁਆਬ ਕੈਨਾਲ ਵਿਚ ਐਪਲੀਕੇਬਲ ਟੂ ਆਲ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੇ ਮਹਿਕਮੇ ਨੂੰ ਰੈਫਰ ਕਰਕੇ ਠੀਕ ਜਵਾਬ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਮੰਗਵਾ ਦਿਉ। (Please refer back this question to the department and get a correct reply for the hon. Member.)

ਮੰਤਰੀ : ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਬਾਰੇ ਤਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਡੀਟੇਲਜ਼ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਮੌਜੂਦ ਹਨ, and I will give that in writing to the hon. Member.

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਤਿਆਰੀ ਕਰਕੇ ਨਹੀਂ ਆਏ ਅਤੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਸਹੀ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਰਿਹਾ। ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦੀ ਇਹ ਇਨਐਫੀਸ਼ੈਂਸੀ ਨਹੀਂ ਕਿ ਜਵਾਬ ਸਹੀ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ?(ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮੇਰੇ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਕਲੀਅਰ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ । ਇਹ ਤਾਂ ਉਲਝ ਕੇ ਰਹਿ ਗਏ । ਸਵਾਲ ਬਿਲਕੁਲ ਸਪਸ਼ਟ ਸੀ ਕਿ ਨੋਟੀਫਿਕੇਸ਼ਨ 1954–55 ਵਿਚ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿਚ ਰਾਜਬਾਹ ਅਤੇ ਮਾਈਨਰ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿਚ ਇਹ ਪਿੰਡ ਸ਼ਾਮਲ ਨਹੀਂ ਸਨ ? (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ: ਜਵਾਬ ਤਾਂ ਰੈਲੇਵੈਂਟ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ । (ਵਿਘਨ)

Minister: Sir, whatever it is ,it is a correct reply. I can give guarantee. I have myself consulted all the (books) relevant records. Whatever is being said by the hon. Member, is all humbug.

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਜਵਾਬ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਗਲਤ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਾਨੂੰ ਤਾਂ ਨਾ ਸਵਾਲ ਦੀ ਸਮਝ ਆ ਰਹੀ ਹੈ ਤੇ ਨਾ ਹੀ ਜਵਾਬ ਦੀ (ਹਾਸਾ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਤੁਹਾਡੇ ਪਾਸ ਡੀਟੇਲਜ਼ ਤਾਂ ਹੈ ਨਹੀਂ । ਜਵਾਬ ਸਹੀ ਨਹੀਂ ਆ ਰਿਹਾ । (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੰਤਰੀ : ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਸਾਰੀਆਂ ਡੀਟੇਲਜ਼ ਹਨ ਜਿਹੜਾ ਜਿਹੜਾ ਸਵਾਲ ਪੁਛੋ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਾਂ । I am prepared to satisfy everybody and even the hon. Member.

Mr. Speaker: I would request the hon. Minister to kindly address the Chair and not the hon. Member(s).

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਬੈਟਰ-ਮੈਂਟ ਲੇਵੀ ਤਾਂ 1967 ਵਿਚ ਮਾਫ਼ ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਸੀ ਤਾਂ ਕੀ ਹੁਣ ਵੀ ਇਸ ਨੂੰ ਉਗਰਾਹਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਨਹੀਂ ਜੀ, ਹੁਣ ਨਹੀਂ ਉਗਰਾਹਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਐਗਜ਼ਾਮਿਨ ਕਰਵਾ ਲਉ । (I would request the hon. Minister to get it re-examined.)

ਮੰਤਰੀ : ਜੋ ਕੁਝ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ।

(ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜੇਕਰ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਇਹ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਵਾਬ ਗਲਤ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਪਰੋਸੀਜਰ ਦਿਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। He may follow that procedure (If the hon. Member feels that a wrong reply is being given then there is a set procedure to cope with that situation He may follow that procedure.)

COMPLAINT FROM TEJA SINGH AND OTHER RESIDENTS OF VILLAGE UBOKA DISTT. AMRITSAR

*2017 **Sardar Kirpal Singh** : Will the Minister for Irrigation and Power with reference to part (b) of the reply to starred question No.139 appearing in the Punjab Vidhan Sabha debate dated 1st April, 1969 be pleased to state:—

(a) whether the Deputy Commissioner had complied with the orders regarding the digging of the concerned drain during the stipulated period; if so, when; if not, the reasons therefor ;

(b) the action being taken or proposed to be taken by the Government in connection with the digging out of the said drain ?

Sardar Sohan Singh Bassi :(a) The voluntary drain has not been dug so far . The inhabitants of village Bahminiwala are not allowing the digging of the drain, which passes through their village boundary.

(b) As the voluntary drain is to be dug by the Civil Authorities the Deputy Commissioner has been persuading Zamindars to allow the digging of the drain .

[(ੳ) ਹੁਣ ਤਕ ਵਾਲੰਟਰੀ ਡਰੇਨ ਦੀ ਖੁਦਾਈ ਨਹੀਂ ਹੋਈ । ਪਿੰਡ ਬਹਿਮਨੀਵਾਲਾ ਦੇ ਵਸਨੀਕ ਇਸ ਡਰੇਨ ਦੀ ਖੁਦਾਈ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ, ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਉਸ ਪਿੰਡ ਦੀ ਬਾਊਂਡਰੀ ਵਿੱਚੋਂ ਲੰਘਦੀ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਅ) ਕਿਉਂ ਜੋ ਇਸ ਵਾਲੰਟਰੀ ਡਰੇਨ ਦੀ ਖੁਦਾਈ ਸਿਵਲ ਮਹਿਕਮੇ ਨੇ ਕਰਨੀ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਦੀ ਖੁਦਾਈ ਲਈ ਪਰੇਰ ਰਹੇ ਹਨ।]

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਸ ਸਵਾਲ ਨੰ : 139 ਦਾ ਹਵਾਲਾ ਇਸ ਸਵਾਲ ਵਿਚ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਉਹ ਸਵਾਲ 1.4.69 ਨੂੰ ਟੇਕ ਅਪ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿਚ ਇਹ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਡਰੇਨ ਦੀ ਖੁਦਾਈ 1969 ਵਿਚ ਹੀ ਖਤਮ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ, ਪਰ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਅਤੇ ਹੁਣ ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਡਰੇਨ ਪਿੰਡ ਉਬੋਕੀ ਤੇ ਜਾ ਕੇ ਖ਼ਤਮ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤੇ ਅਗਲੇ ਪਿੰਡ ਬਹਿਮਨੀਵਾਲਾ ਦੇ ਵਸਨੀਕ ਡਰੇਨ ਦੀ ਅਗੋਂ ਖੁਦਾਈ ਨੂੰ ਰਜ਼ਿਸਟ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਨਾਲ ਪਿੰਡ ਬਰਬਾਦ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ। ਤਾਂ ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਏ ਸਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਨੁਕਸਾਨ ਦਾ ਮੁਆਵਜ਼ਾ ਦੇਣ ਲਈ ਗਰੰਟੀ ਕਰਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਕੰਮ ਫੀਲਡ ਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਡੀ.ਸੀ. ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਵਾਲੰਟਰੀ ਲੇਬਰ ਰਾਹੀ ਕਰਵਾਉਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਡਰੇਨ ਨੂੰ ਬਹਿਮਨੀਵਾਲਾ ਦੇ ਵਸਨੀਕ ਨਿਕਲਣ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ। ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਵੀ ਅਤੇ ਇਸ ਸਾਲ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ, ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਡਰੇਨ ਨੂੰ ਅਗਾਂਹ ਨਹੀਂ ਕਢਵਾਇਆ ਜਾ ਸਕਿਆ।

चौधरी बलबीर सिंह : क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि इस सिलसिले में जिन गांव में ड्रेन नहीं निकाली जा रही, उनकी जमीन का अगर झगड़ा है तो क्या उस जमीन को ऐक्वायर करने की कार्रवाई पूरी हो गई है, और जो आदमी ड्रेन की खुदाई को रोक रहे हैं क्या उनको हटाने के लिये कोई कार्रवाई सरकार नहीं कर रही ताकि ड्रेन की खुदाई का काम ठीक ढंग से चल सके ?

ਮੰਤਰੀ : ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਕੰਮ ਵਾਲੰਟਰੀ ਡਰੇਨ ਦਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਵਿਚ ਡਰੇਨੇਜ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦਾ ਕੰਮ ਨਹੀਂ। ਡੀ.ਸੀ. ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕੰਮ ਕਰਵਾਉਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਡਰੇਨ ਖੁਦਵਾਉਣ ਲਈ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਪਰ ਅਜੇ ਤਕ ਕੋਈ ਕਾਮਯਾਬੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ, ਨਾ ਹੀ ਪਿੰਡ ਵਾਲੇ ਜ਼ਮੀਨ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਤੇ ਨਾ ਹੀ ਡਰੇਨ ਖੋਦਣ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਡੀ. ਸੀ. ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੀ ਇਨਏਬਿਲਿਟੀ ਸ਼ੋ ਕੀਤੀ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਕ ਪਾਸੇ ਤੁਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਡੀ.ਸੀ. ਨੇ ਇਨਏਬਿਲਿਟੀ ਸ਼ੋ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ The Deputy Commissioner has been persuading Zamindars to allow the digging of the drain. ਇਹ ਦੋਵੇਂ ਗਲਾਂ ਕੰਟ੍ਰੇਡਿਕਟਰੀ ਹਨ। Why are you misleading the House? (*Addressing the Irrigation and Power Minister*. On the one hand you say that the Deputy Commissioner has regretted his inability while on the other hand you have given the reply to this question that "the Deputy Commissioner has been persuading Zamindars to allow the digging of the drain." These two replies are contradictory. Why are you misleading the House?)

चौधरी बलबीर सिंह : मेरा सवाल यह था कि जो लोग जमीन नहीं दे रहे क्या उनको जमीन को ऐक्वेयर करने की सरकार की तरफ से कार्रवाई की गई है; और अगर

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[चौधरी बलबीर सिंह]

किसी गांव के लोगों के रोकने से ड्रेन का काम रुका पड़ा है तो क्यों उनके खिलाफ सरकार कारवाई नहीं कर रही क्योंकि इस रुकावट से दूसरे दिहातों को नुकसान हो रहा है ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੇਸਾਂ ਵਿਚ ਸੈਕਸ਼ਨ 4 ਅਤੇ 6 ਹੇਠ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਕੇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦੱਸਣ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਇਕ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਦੋਂ ਤਾਈਂ ਵਾਲੰਟੈਰੇਲੀ ਪਿੰਡ ਵਾਲੇ ਡਰੇਨ ਦੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਹੱਥ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਲੈਂਦੇ ਓਦੋਂ ਤਾਈਂ ਇਹ ਡਰੇਨ ਪੁਟੀ ਨਹੀਂ ਜਾਣੀ । ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸੈਕਸ਼ਨ 4-6 ਦੇ ਤਹਿਤ ਜ਼ਮੀਨ ਐਕੁਆਇਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕਿਹੜਾ ਜਵਾਬ ਠੀਕ ਹੈ ?

(ਕੋਈ ਉੱਤਰ ਨਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ)

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ : ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸੜਕਾਂ ਅਤੇ ਡਰੇਨਾਂ ਬਾਰੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਵਾਲੰਟੈਰੇਲੀ ਬਣਈਆਂ ਜਾਣੀਆਂ ਹੋਣ ਅਤੇ ਉਸ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਜਦ ਕਿ ਖੁਦਾਈ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ਜੇ ਇਕ ਪਿੰਡ ਜਾਂ ਦੂਸਰਾ ਉਸ ਕੰਮ ਦੇ ਵਿਚ ਰਕਾਵਟ ਪਾਉਂਦਾ ਹੈ, ਕੀ ਅਜਿਹੇ ਹਾਲਾਤ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਕੋਈ ਪਾਲਸੀ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਮੀਲ ਲੰਮੀਆਂ ਡਰੇਨਜ਼ ਬਣਦੀਆਂ ਹਨ । ਜਿਥੇ ਕੋਈ ਰੁਕਾਵਟ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ਉਥੇ ਡੀ.ਸੀ. ਸਾਰੇ ਮੁਆਮਲੇ ਦੀ ਜਾਂਚ ਪੜਤਾਲ ਕਰਕੇ ਜ਼ਮੀਨ ਐਕੁਆਇਰ ਕਰਦਾ ਹੈ । ਜੇ ਫੇਰ ਵੀ ਕੋਈ ਰੁਕਾਵਟ ਪੈਂਦਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਸੈਕਸ਼ਨ 4 ਦੇ ਤਹਿਤ ਸਾਰਾ ਕੰਮ ਆਪਣੇ ਹੱਥ ਵਿਚ ਲੈ ਲੈਂਦਾ ਹੈ । ਜੇ ਫੇਰ ਵੀ ਰੋਕਣ ਤਾਂ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਮੁਆਮਲਾ ਆਪਣੇ ਹੱਥ ਵਿਚ ਲੈ ਕੇ ਸਾਰੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਡਰੇਨ ਬਨਾਉਣ ਵੇਲੇ ਡੀ. ਸੀ. ਨੂੰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦਾ ਪਾਰਟ ਐਂਡ ਪਾਰਸਲ ਨਹੀਂ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ ?

(ਕੋਈ ਉੱਤਰ ਨਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਸਿੰਚਾਈ ਮੰਤਰੀ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਕ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਡੀ. ਸੀ. ਨੇ ਤੁਹਾਡੇ ਜਵਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਗਲ ਸਪੈਸਿਫਿਕਲੀ ਕਹਿ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਡਰੇਨ ਵਾਲੰਟੈਰੇਲੀ ਕਢੀ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦੀ, ਦੂਸਰੀ ਤਰਫ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਅਵੇਅਰ ਕਰਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਐਕੁਆਇਰ ਕਰਕੇ ਦੂਸਰੇ ਢੰਗ ਨਾਲ ਡਰੇਨ ਕਢਵਾਈ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਇਹ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਕੰਟਰਾਡਿ-ਕਟਰੀ ਹੈ । (*Addressing the Minister for Irrigation and Power*: On one side the D.C. has, according to your reply, specifically stated that the drain cannot be got dug out voluntarily. On the other hand you have informed the House that by acquiring the land the drain can be got dug out. Both the statements are contradictory.)

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਨੂੰ ਐਗਜ਼ਾਮਿਨ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ ।

चौधरी बलबीर सिंह : क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि यह ड्रेन निकालने का काम मौजूदा सरकार के वक्त से शुरू हुआ है या इससे पहले की सरकार ने शुरु किया था ?

(कोई उत्तर न दिया गया)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

INSTRUCTIONS REGARDING SALE OF LOTTERY TICKETS BY OFFICIALS

***1947. Shri Sardari Lal Kapur** : Will the Minister for Finance be pleased to state:-

(a) whether it is a fact that the Government has issued general instructions to all its departmental officers and district officers to sell lottery tickets to the members of the public by every possible means with a view to augmenting the funds of the State;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative whether any instances of coercion alleged to have been done in the sale of such tickets have come to the notice of the Government;

(c) whether it has also come to the notice of the Government that the officers of the Sales Tax Department, Ludhiana, are being coerced to sell a large number of lottery tickets; if so, the reasons therefor and the action, if any, taken or proposed to be taken in the matter ?

Sardar Balwant Singh : (a) No general instructions have been issued. However, with a view to raising funds from within the State for the State Rural Development Board, Punjab Government decided to launch a special campaign for the sale of lottery tickets of the 19th Bumper Draw only, and officials were permitted to sell lottery tickets for this purpose. it was however, to be ensured that the sale of tickets should be voluntary without exerting any pressure.

(b) No such specific complaint has come to the notice of Government. However, in view of some criticism in the Press, it was decided that, in future Government agencies should not be associated with the sale of lottery, tickets

(c) No.

[(ੳ) ਕੋਈ ਆਮ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ । ਤਾਹਮ ਰਾਜ ਪੇਂਡੂ ਉਸਾਰੂ ਬੋਰਡ ਵਾਸਤੇ ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਵਿੱਚੋਂ ਹੀ ਧਨ ਇਕੱਤਰ ਕਰਨ ਦੇ ਮੰਤਵ ਲਈ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੇਵਲ 19ਵੇਂ ਬੰਪਰ ਡਰਾ ਦੀਆਂ ਲਾਟਰੀ ਟਿਕਟਾਂ ਦੀ ਵਿਕਰੀ ਲਈ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮੁਹਿਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਰਾਜ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਇਸ ਮੰਤਵ ਦੀ ਪੂਰਤੀ ਲਈ ਟਿਕਟਾਂ ਵੇਚਣ ਦੀ ਆਗਿਆ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਸੀ । ਫਿਰ ਵੀ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਖਿਆਲ ਰੱਖਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸੀ ਕਿ ਟਿਕਟਾਂ ਦੀ ਵਿੱਕਰੀ ਸਵੈ-ਇੱਛਾ ਨਾਲ ਅਤੇ ਬਿਨਾ ਕਿਸੇ ਦਬਾਉ ਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ।

(ਅ) ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਕੋਈ ਖਾਸ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਈ । ਫਿਰ ਵੀ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਤ ਆਲੋਚਨਾ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਕਿ ਭਵਿੱਖ ਵਿਚ ਲਾਟਰੀ ਦੀ ਵਿੱਕਰੀ ਸਰਕਾਰੀ ਏਜੰਸੀਆਂ ਰਾਹੀਂ ਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ।

(ੲ) ਨਹੀਂ ।]

ਸ੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕਪਲੇਂਟਸ ਆਈਆਂ ਸਨ । ਮੈਂ ਇਹ ਜਾਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਕੰਪਲੇਂਟਸ ਕਿਸ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਸਨ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸਨ ਕਿ ਸਰਕਾਰੀ ਅਫ਼ਸਰ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਟਿਕਟਾਂ ਵੇਚਦੇ ਹਨ ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਮੈਂ ਮੰਤਰੀ ਮਹੋਦੇ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਇਹ ਗੱਲ ਲਿਆਉਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਤੱਕ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਲਾਟਰੀ ਦੀਆਂ ਟਿਕਟਾਂ ਨਹੀ ਖਰੀਦੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਰਜਿਸਟਰੀਆਂ ਨਹੀਂ ਹੋਈਆਂ । ਇਹ ਟਿਕਟਾਂ ਸੇਲਜ਼ ਟੈਕਸ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਘਰੋਂ ਘਰੀ ਚੁਕੀ ਫਿਰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ।

ਮੰਤਰੀ : ਜੇ ਕੋਈ ਸਪੈਸੀਫਿਕ ਕੰਪਲੇਂਟਸ ਹੋਣ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਜ਼ਰੂਰ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰੇਗੀ ।

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : ਜਿਹੜੀਆਂ ਟਿਕਟਾਂ ਸਰਕਾਰੀ ਮੁਲਾਜ਼ਮਾਂ ਨੇ ਵੇਚੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਤਨਾ ਕਮਿਸ਼ਨ ਮਿਲਿਆ ਹੈ ?

Minister : No commission.

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : ਜਨਾਬ ਮੇਰੇ ਕੁਐਸਚਨ ਦਾ ਆਨਸਰ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ । ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੇ ਜਿਹੜੇ ਟਿਕਟ ਵੇਚੇ ਹਨ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਬਾਰੇ ਪੁਛਿਆ ਸੀ ।

Mr. Speaker : No discussion.

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਕੀ ਇਹ ਗੱਲ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਨਾਲਿਜ ਵਿਚ ਹੈ ਕਿ ਜਿਤਨੀਆਂ ਟਿਕਟਾਂ ਵੇਚੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ, ਉਹ ਮਿਉਂਸਪਲ ਏਰੀਆ ਦੀ ਨਿਸਬਤ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦੁਗਣੀਆਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ?

ਮੰਤਰੀ: ਇਹ ਗੱਲ ਬਿਲਕੁਲ ਗਲਤ ਹੈ ।

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਜਿਹੜੀ ਇਹ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰਦੇ ਹਨ ਇਹ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਲੈਂਦੀ ਸਗੋਂ ਇਹ ਜਨ ਸੰਘ ਵਾਲੇ ਲੈ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਮੇਰੇ ਆਪਣੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ ਈ.ਓ. ਨੇ 500 ਰੁਪਿਆ ਜਨ ਸੰਘ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ... (ਵਿਘਨ)

[ਇਸ ਵੇਲੇ ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ ਅਤੇ ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ ਵਿਚਕਾਰ ਬਹਿਸ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਈ ....(ਸ਼ੋਰ)]

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : [* × × × × ×]

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : [* × × × ×]

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜੋ ਕੁਝ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਉਹ ਰੀਕਾਰਡ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । It should not form part of the proceedings. (ਵਿਘਨ) (Whatever is being said by the hon. Members should not be recorded (*Interruptions*) It should not form part of the proceedings).

---

*Not recorded as ordered by the Chair.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

चौधरी बलबीर सिंह : क्या मंत्री महोदय के पास कोई शिकायत आई है कि जिन अफ़सरान ने लाटरी टिकटें फ़रोखत की हैं उनका जो प्राफ़िट बनता था, वह सरकार को नहीं दिया, खुद ही बांट लिया ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਕੋਈ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਸਰਕਾਰੀ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਪ੍ਰਾਫਿਟ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਜੇ 100 ਰੁਪਏ ਦੀਆਂ ਟਿਕਟਾਂ ਵਿਕਦੀਆਂ ਹਨ ਤਾਂ ਉਹ ਸਾਰੇ ਪੈਸੇ ਖਜ਼ਾਨੇ ਵਿਚ ਹੀ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਇਹ ਗੱਲਾਂ ਖੁਲ੍ਹਮ ਖੁੱਲ੍ਹਾ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਪਿੰਡਾਂ ਵਾਲੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਟਿਕਟਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ, ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਿਚ ਰਜਿਸਟਰੀਆਂ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀਆਂ, ਸੇਲਜ਼ ਟੈਕਸ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਜੁਦਾ ਟਿਕਟਾਂ ਚੁਕੀ ਫਿਰਦੇ ਹਨ । ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਕੀ ਸਟੈਪਸ ਲੈ ਰਹੀ ਹੈ ? ਲਿਖਤੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਵੀ ਕੋਈ ਪੁੱਛ ਆਈ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਉਨ੍ਹਾਂ ਵੱਲੋਂ ਇਕ ਚਿੱਠੀ ਆਈ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਜਨਰਲ ਨੇਚਰ ਦੇ ਹਨ । ਜੇ ਕੋਈ ਸਪੈਸਿਫਿਕ ਨੇਚਰ ਦੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਹੋਣਗੇ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰ ਇਨ-ਕੁਆਇਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਸੇਲਜ਼ ਟੈਕਸ ਦੇ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਲਾਟਰੀ ਦੀਆਂ ਟਿਕਟਾਂ ਵੇਚਦੇ ਹਨ । ਕੀ ਵਪਾਰ ਮੰਡਲ ਨੇ ਇਸਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕੀਤੀ ਸੀ ? ਕੀ ਇਸਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਕਰਾਈ ਹੈ ? ਕੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਦੇ ਨੋਟਸ ਵਿਚ ਆਈਆਂ ਹਨ ?

ਮੰਤਰੀ : ਜੀ ਹਾਂ, ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਆਈ ਸੀ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਜਨਰਲ ਨੇਚਰ ਦੀ ਸੀ । ਅਸੀਂ ਉਨਾਂ ਚਿਰ ਕਿਸੇ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੋਈ ਐਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦੇ ਜਦੋਂ ਤੱਕ ਕਿ ਕਿਸੇ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਸਪੈਸੇਫਿਕ ਨੇਚਰ ਦੀ ਨਾ ਹੋਵੇ ।

SCHOLARSHIP FOR STUDENTS STUDYING IN RURAL AREAS OF THE STATE.

*1962 (1) **Chaudhri Ram Singh**
(2) **Shri Sardari Lal Kapur**
(3) **Sardar Darshan Singh K.P.**
(4) **Bhagat Guran Dass Hans**
(5) **Doctor Sadhu Ram**

Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the number of scholarships each of the value of Rs. one thousand per annum, instituted by the Government for the students studying in the rural areas of the State block-wise;

(b) the basis on which the students on their passing in Middle School Examination are selected for the scholarship;

(c) the number of such scholarships reserved for girls and Harijan students separately ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chaudhri Ram Singh]

(d) whether the funds for these scholarships will be provided by the Central Government or the State Government ;

(e) if the funds will be provided by the Central Government the conditions on which these funds will be given to the State Government, be laid on the Table of the House ?

Sardar Balwant Singh (Minister for Finance) :-

(a)
(b)
(c) The scheme is still under formulation.
(d)
(e)

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਜਿਹੜੀ ਸਕੀਮ ਰੂਰਲ ਏਰੀਆ ਦੇ ਬਚਿਆਂ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅੰਡਰ ਕੰਸਿਡਰੇਸ਼ਨ ਹੈ ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਹ ਜਾਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਇਆ ਇਹ ਸਕਾਲਰਸ਼ਿਪ ਦਿਹਾਤੀ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੇ ਵੀ ਜਾਣਗੇ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ?

(ਕੋਈ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ)

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਈ ਐਸਾ ਪ੍ਰਬਧ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਇਹ ਗਰਾਂਟਾਂ ਪਰਾਈਵੇਟ ਸਕੂਲਾਂ ਦੇ ਗਰੀਬ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਅਤੇ ਹਰੀਜਨ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜ਼ੇਰ ਬਹਿਸ ਸਵਾਲ ਨਾਲ ਕੋਈ ਤਅਲੁਕ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਵੈਸੇ ਅਸੀਂ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਜਿਸ ਨਾਲ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਦਿੱਕਤ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ।

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਕੀ ਕਾਲਜ ਅਤੇ ਸਕੂਲਾਂ ਨੂੰ 95 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਗਰਾਂਟ ਦੇਣ ਦੀ ਸਕੀਮ, ਆਰਟ ਸਕੂਲਾਂ ਅਤੇ ਪਰਾਈਵੇਟ ਸਕੂਲਾਂ ਨੂੰ 100/- ਰੁਪਏ ਤੱਕ ਵਜ਼ੀਫੇ ਦੇਣ ਦਾ ਅਤੇ ਟੀਚਰਾਂ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ 50 ਰੁਪਏ ਤੱਕ ਵਜ਼ੀਫੇ ਦੇਣ ਦੀ ਸਕੀਮ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ?

ਵਿਦਿਆ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਦਾ ਇਸ ਸਵਾਲ ਨਾਲ ਕੋਈ ਸਬੰਧ ਨਹੀਂ ।

ਸਟਾਰਡ ਸੁਆਲ ਨੰਬਰ 1978*

ਅ.ਸ. ਨੰ: 361-ਸਿ 3(2ਸ)70/19513

ਮੰਤਰੀ,
ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ, ਪੰਜਾਬ,
ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ।

ਮਿਤੀ 24/25 ਜੁਲਾਈ, 1970

ਪਿਆਰੇ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਜੀ

ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਸਟਾਰਡ ਸੁਆਲ ਨੰ: 1978, ਜੋ ਮਿਤੀ 27 ਜੁਲਾਈ, 1970 ਲਈ ਸੁਆਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ਼੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ, ਐਮ.ਐਲ.ਏ. ਦੇ ਵੱਲੋਂ ਦਰਜ ਹੈ, ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ । ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਸਬੰਧਤ ਥਾਵਾਂ ਤੋਂ ਇਕੱਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸੁਆਲ ਦੇ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦੀ ਮਿਆਦ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਇਸ ਸੁਆਲ ਨੂੰ ਮਿਤੀ 17 ਅਗਸਤ, 1970 ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਦੀ ਕਿਸੇ ਮਿਤੀ ਲਈ ਸੁਆਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ।

ਆਪ ਦਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਪਾਤਰ,
ਸਹੀ/-(ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ)

*For starred question No. 1978 and reply thereto please see appendix to this Debate.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

CHAIRMAN, PUNJAB MARKETING FEDERATION

*1951. (1) **Chaudhri Ram Singh**
(2) **Shri Sardari Lal Kapur**
(3) **Bhagat Guran Dass Hans**
} Will the Minister for Agriculture be pleased to state —

(a) the name of the present Chairman, Punjab Marketing Federation and the date of his appointment as such ;

(b) the name of predecessor of the present Chairman ;

(c) the reason for removing the Chairman, referred to in part (b) above ?

Sardar Sarjit Singh (Minister of State for Co-operation and Civil Aviation): (a) Sh. M.S. Gill, Registrar Co-operative Societies, Punjab was appointed Chairman of the Federation on 6th May, 1970

(b) Shri Mohinder Singh Sidhwan, who was elected as Chairman on 12th March, 1970.

(c) The Registrar, Co-operative Societies, Punjab has been appointed as Chairman of the Federation.under the provisions of section 26 of the Punjab Co-operative Societies Act, 1961. As a result thereof his predecessor ceased to hold office of the Chairman under section 26 (2A) of the Act.

[(ੳ) ਸ੍ਰੀ ਐਮ. ਐਸ. ਗਿਲ ਰਜਿਸਟਰਾਰ, ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ ਨੂੰ ਫ਼ੈਡਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਚੇਅਰਮੈਨ 6 ਮਈ, 1970 ਨੂੰ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਸੀ ।

(ਅ) ਸ੍ਰੀ ਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਸਿਧਵਾਂ, ਜੋ 12 ਮਾਰਚ, 1970 ਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਚੁਣੇ ਗਏ ਸਨ ।

(ੲ) ਰਜਿਸਟਰਾਰ ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ ਦੀ ਚੇਅਰਮੈਨ ਦੀ ਅਸਾਮੀ ਤੇ ਨਿਯੁਕਤੀ ਪੰਜਾਬ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਈਟੀਜ਼ ਐਕਟ, 1961 ਦੀ ਧਾਰਾ 26 ਦੇ ਤਹਿਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ । ਐਕਟ ਦੇ ਅੰਦਰ ਧਾਰਾ 26(2-ਏ) ਦੇ ਹੇਠ ਜ਼ਰੂਰੀ ਉਪਬੰਧ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਪਿਛਲਾ ਚੇਅਰਮੈਨ ਆਪਣੇ ਆਪ ਹੀ ਹੱਟ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।]

Sardar Gurnam Singh: Will the Minister of State be pleased to state as to how long Mr. Mohinder Singh remained Chairman and what were the reasons for his removal ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਉ । ਵੈਸੇ 26(2ਏ) ਦੇ ਥਲੇ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : 26 (2-ਏ) ਤਾਂ ਅਲਾਉ ਕਰਦਾ ਹੈ ਪਰ ਉਸਨੂੰ ਰੀਮੂਵ ਕਰਨ ਦੇ ਰੀਜ਼ਨ ਕੀ ਹਨ ? (ਵਿਘਨ)

Minister of State : Government have subscribed to the share capital of the Federation to the extent of 83 lakhs of rupees. In addition to it. Government every year stands guarantee on behalf of the Federation for obtaining cash credit limits from the commercial Banks in connection with the distribution of fertilizers

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Co-operation and Civil Aviation]

and procurement of wheat under foodgrains procurement scheme of the State Government . For the year 1970-71 Government, have stood guarantee to the extent of Rs. 70 crores. Also Government have stood guarantee on behalf of the Federation for obtaining a loan for about Rs. 116 lakhs from the Agriculture Refinance Corporation through the Punjab State Co-operative Bank Ltd.for construction of godown in the State. In order, therefore, to safe-guard the interest of the State Government, and also to see that the working of the Federation is in accordance with the interests of the State Government it was felt necessary that a Government nominee on the Committee of the Federation should be appointed as Chairman of the Committee. Consequently the Registrar Co-operative Societies was appointed as Chairman of the Committee.

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਿਰਫ ਕੈਪੀਟਲ ਸ਼ੇਅਰ ਨੂੰ ਸੇਫ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਰੀਮੂਵ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰਸਨ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਵੀ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਸੀ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਗੌਰਮਿੰਟ ਆਪਣਾ ਇੰਟਰੈਸਟ ਸੇਫ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਸੀ ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਤਾਂ ਦੱਸੋ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰਸਨ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਵੀ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਸੀ ?

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਕਾਨੂੰਨ ਕਿਸ ਨੇ ਬਣਾਇਆ ਸੀ । (ਹਾਸਾ)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਬਣਾਇਆ ਸੀ । (ਹਾਸਾ)

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਮਹਿੰਦਰ ਸਿਘ ਜਿਸ ਨੂੰ ਕਿ ****ਦਾ ਖਿਤਾਬ ਮਿਲਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ, (ਹਾਸਾ) ਨੂੰ ਸਾਬਕਾ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਰਿਆਇਤੀ ਤੌਰ ਤੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਾਇਆ ਸੀ ?

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਲੈਕਟ ਹੰਦਾ ਹੈ ਬਣਾਇਆ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ।

ਸ੍ਰੀ **ਸਪੀਕਰ** : ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਵਾਬ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਮੰਗਿਆ ਸੀ । (He wants the Minister concerned to give reply.)

ਸ੍ਰੀ **ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ** : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, × × ਸ਼ਬਦ ਇਕ ਅਜਿਹੇ ਬੰਦੇ ਲਈ ਵਰਤਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਨੂੰ ਐਕਸਪੰਜ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ **ਸਪੀਕਰ** : ਇਸ ਸ਼ਬਦ ਨੂੰ ਐਕਸਪੰਜ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ । (This word should be expunged.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ: ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਹੁਣ ਜਦੋਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਅਦਾਰਿਆਂ ਵਿਚ ਜਿਥੇ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਐਨਾ ਪਸਾ ਲਗਾ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਇਨਟਰੈਸਟ ਸੇਫ ਰਖਣ ਲਈ ਚੇਅਰਮੈਨ ਕੋਈ ਸਰਕਾਰੀ ਅਫ਼ਸਰ ਹੋਣਾ

---

*Expunged as ordered by the Chair.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਸਰਕਾਰ ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਤਰਮੀਮ ਇਸ ਕਾਨੂੰਨ ਵਿਚ ਕਰੇਗੀ ਜਿਸ ਨਾਲ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਅਦਾਰਿਆਂ ਦਾ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਰਕਾਰੀ ਅਫ਼ਸਰ ਹੀ ਹੋਵੇ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਕਾਨੂੰਨ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੀ ਹੈ ।

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ : ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਗੱਲ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਅਦਾਰਿਆਂ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰੀ ਪੈਸਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਲਗਾ ਹੋਇਆ ਹੋਵੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਚੇਅਰਮੈਨ ਕੋਈ ਅਫ਼ਸਰ ਹੀ ਹੋਵੇ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਇਹੋ ਹੀ ਪ੍ਰਸੀਜਰ ਹੈ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਹਕੀਕਤ ਇਹ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਿ ਇਹ ਕਿਸੇ ਅਜਿਹੇ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜਾ ਜਾਇਜ਼ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਗੱਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਹਿਣ ਤੇ ਕਰਨ ਲਗ ਜਾਵੇ ? (ਵਿਘਨ)

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ: ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਗੱਲ ਨਹੀਂ , ਹੋਰ ਜੇ ਕੋਈ ਖਾਸ ਗੱਲ ਹੈ ਤਾਂ ਦਸ ਦਿਉ ।

Starred Question No. 2018†

ਮੰਤਰੀ,
ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ, ਪੰਜਾਬ,
ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ।

ਅ.ਸ. ਨੰ: 4647–ਖਬ1(4)–70/11851
ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, ਮਿਤੀ 23 ਜੁਲਾਈ, 1970

ਪਿਆਰੇ

ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਸਵਾਲ ਨੰ: 2018 (ਸਟਾਰਡ) ਜੋ ਮਿਤੀ 27 ਜੁਲਾਈ, 1970 ਲਈ ਸਵਾਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ: ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਨਾਂ ਹੇਠ ਦਰਜ ਹੈ, ਦਾ ਜਵਾਬ ਅਜੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ ਹੈ । ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਸਬੰਧਤ ਥਾਵਾਂ ਤੋਂ ਇਕੱਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਵਾਲ ਦੇ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦੀ ਮਿਆਦ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਇਸ ਸਵਾਲ ਨੂੰ ਮਿਤੀ 10 ਅਗਸਤ, 1970 ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਦੀ ਕਿਸੇ ਮਿਤੀ ਲਈ ਸਵਾਲਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ।

ਆਪ ਦਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸਪਾਤਰ,
ਸਹੀ/–
(ਰਾਧਾ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ)

---

†For starred question No. 2018 and reply thereto please see appendix to this Debate.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ESCAPE OF PRISONERS FROM THE JAILS.

*1963 1. Sardar Darshan Singh K.P.
2. Shri Sardari Lal Kapur
3. Bhagat Guran Dass Hans
4. Chaudhri Ram Singh
5. Doctor Sadhu Ram

Will the Minister of State for Jails and Transport be pleased to state—

(a) the number of prisoners who escaped from Jails/Sub-Jails in the State, month-wise, during the last 12 months and the factors which facilitated their escape;

(b) whether the officials incharge of such prisoners were adequately punished for their laxity resulting in the escape of the said prisoners?

ਸਰਦਾਰ ਜਗਦੇਵ ਸਿੰਘ : (ੳ) ਜੂਨ, 1969 ਤੋਂ ਜੇਲ੍ਹ ਸਟਾਫ਼ ਦੀ ਅਨਗਹਿਲੀ ਕਰਕੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕੇਵਲ ਛੇ ਕੈਦੀ ਫਰਾਰ ਹੋਏ । ਫਰਾਰੀਆਂ ਦੇ ਮਾਹਵਾਰੀ ਅੰਕੜੇ ਹੇਠ ਦਿੱਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ :—

ਅਗਸਤ ,1969 = 1
ਨਵੰਬਰ, 1969 = 1
ਜਨਵਰੀ, 1970 = 1
ਮਾਰਚ, 1970 = 1
ਅਪਰੈਲ, 1970 = 1
ਮਈ, 1970 = 1

(ਅ) ਜ਼ੁਮੇਵਾਰ 8 ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਵਿਚੋਂ 5 ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਅਦਾਲਤੀ ਜਾਂਚ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ । ਬਾਕੀ ਦੇ ਤਿੰਨਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਵਿਭਾਗੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਹੈ ।

[(a) Since June, 1969 only 6 prisoners have escaped from the State Jails due to the slackness of jail staff. The month-wise figures of these escapes are as under :-

August, 1969	..	1
November, 1969	..	1
January, 1970	..	1
March, 1970	..	1
April, 1970	..	1
May, 1970	..	1

(b) Out of the 8 officials held responsible for these escapes, 5 have been sent up for judicial trial. It is proposed to take departmental action against the remaining three officials.]

ਸ੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਕਿਤੇ ਇਹ ਕਟਾ ਤਾਂ ਮੁਕਰਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ (ਹਾਸਾ) ਹਰ ਮਹੀਨੇ ਇਕ ਭਜ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਕਿਤੇ ਇਹ ਕੋਟਾ ਵਧ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਹੈ । (ਹਾਸਾ)

(ਕੋਈ ਉੱਤਰ ਨਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

CASES OF TRANSFERS OF GOVERNMENT EMPLOYEES IN THE HEALTH DEPARTMENT IN BHATINDA DISTRICT

*1949 **1. Shri Sardari Lal Kapur**
2. Bhagat Guran Dass Hans } Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state —

(a) whether it is a fact that certain transfers of Government employees in the Health Department in Bhatinda District have recently been made ;

(b) whether it is also a fact that the President of class IV Employees Union, Bhatinda District, went on four days' fast in front of the Punjab Health Directorate at Chandigarh in connection with the said transfers;

(c) if the reply to parts (a) and (b) above be in the affirmative, whether the Government has sympathetically considered the cases of alleged vindictive transfers, if so, the result thereof?

ਸਰਦਾਰ ਤੇਜਾ ਸਿੰਘ : (ੳ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ ।

(ੲ) ਬਠਿੰਡਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਚੌਥੀ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਦੇ ਮੁਲਾਜਮਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਦੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਸ੍ਰੀ ਮੁਖਤਿਆਰ ਸਿੰਘ ਖੁੱਲਾ, ਗੈਂਗਮੈਨ ਦੀ ਤਬਦੀਲੀ ਦੇ ਹੁਕਮ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਹੈਲਥ ਸੈਂਟਰ, ਦੱਬਵਾਲੀ ਕਲਾਂ (ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ) ਤੋਂ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਹੈਲਥ ਸੈਂਟਰ, ਖਿਆਲਾ ਕਲਾਂ (ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਬਠਿੰਡਾ) ਵਿਖੇ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਜੋ ਉਸ ਨੇ ਮੰਨ ਲਏ ਸਨ ਕਿਉਂ ਜੋ ਇਹ ਤਬਦੀਲੀ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨੀ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਨੂੰ ਬਦਲਾ ਲਊ ਨੀਤੀ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਤਬਦੀਲੀ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ।

[(a) Yes
(b) Yes.

(c) Taking into consideration the demands put forth by the President Class IV Employees Union, District Bhatinda the transfer of Shri Mukhtiar Singh Khulla, Gangman was ordered from P.H.C. Dabwali Kalan (Ferozepur) to P.H.C. Khiala Kalan (District Bhatinda) which was accepted by him. As he was transferred on administrative grounds so it cannot be called a vindictive transfer.]

CASES OF BEGAR

*1956. **1. Chaudhri Kewal Krishan**
2. Shri Sardari Lal Kapur } Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the Government propose to take any steps for checking Begar in the State; if so, the details thereof;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chaudhri Kewal Krishan]

(b) whether the Government propose to form district-wise committees consisting of M.L.As. and the representatives of class IV employees Unions to find out cases of Begar prevalent in the districts?

ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ (ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ) (ਏ)ਬੇਗਾਰ ਲੈਣ ਵਾਲੇ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਵਿਰੁਧ ਕੜੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ 1957–58 ਵਿਚ ਵਿਸਥਾਰ ਪੂਰਬਕ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਨਕਲਾਂ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮਈ, 1970 ਵਿਚ ਮੁੜ ਸਾਰਿਆਂ ਦੇ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਇਹ ਹਦਾਇਤਾਂ ਲਿਆਂਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਤਾੜਨਾ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਬੇਗਾਰ ਲੈਣ ਦੀ ਰੁਚੀ ਨੂੰ ਇਕ ਬਦ–ਦਿਆਨਤੀ ਦਾ ਕਰਮ ਸਮਝਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਸਖਤ ਸਜ਼ਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ।

ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਬੇਗਾਰ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਸਬੰਧੀ ਕੋਈ ਹੋਰ ਸੁਝਾਓ ਨਹੀਂ ਹਨ ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

GOVERNMENT INSTRUCTIONS AGAINST BEGAR

No. 4540-GII-57/12538

FROM

Shri Nakul Sen, I.C.S.
Chief Secretary to Government, Punjab.

To

All Heads of Departments, the Registrar, High Court of Punjab, Commissioners of Divisions, All District and Sessions Judges, Deputy Commissioners and Sub-Divisional Officers in the Punjab.

Dated, Chandigarh, the 15th July, 1957.

SUBJECT :— Use of Government servants for private work.

Sir,

Government frequently receive complaints against individual officers allegin that they take private work from Government servants under their control. I am directed to address you in order to clarify the policy of Government on this subject.

2. The extent to which Government servants are used for private work varies in the different departments. The attitude of the average officer, is, however, more or less the same in all departments, viz. that using Government servants for private work is a practice which has the sanction of wide-spread and old usage. The possibility of this practice amounting, in certain circumstances to dishonesty, is neither taken into account by the officers indulging in it, nor by their departmental heads. For dishonesty, there is the firm rule that dismissal is the only right of punishment and it is, therefore, a matter of importance to clarify whether use of Government servants for private work does amount to dishonesty (merit dismissal) or not.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

3. Since circumstances vary a great deal, it is difficult to lay down a rigid policy that taking private work from Government servants should always be construed as dishonesty meriting dismissal 1. The circumstances attending each case would always have to be gone into and the severity of punishment in a proved case left to be determined on the merits of that particular case. On one extreme, there can be circumstances in which the practice may be totally innocent deserving no notice from Government. e.g. the use of a personal orderly out of office hours, with his willingness and on payment for duties not of a menial character. On the other extreme, there can be circumstances in which the practice would amount to dishonesty meriting dismissal e.g. the use of gangmen as regular whole-time domestic servants. Since it is necessary that the honest Government servant should know where exactly he stands and equally necessary that the dishonest Government servant should have warning of Government's intention to treat certain forms of this practice as acts of corruption, this letter seeks to analyse the various types of cases and to indicate the lines on which they should be dealt with.

4. Broadly-speaking two kinds of cases arise :—

(i) Where the Government servants from whom private work is taken are on the personal staff of the officer concerned e. g. his Personal Assistant, Stenographer or Orderlies.

(ii) Where the Government servants from whom private work is taken are not on the personal staff of the officer concerned though his subordinates otherwise.

5. Regarding (i) there is a widespread practice for Personal Assistants and Stenographers to be utilised for maintaining some of the Private files of their officers and also for taking private dictation of an occasional character within reasonable limits and so long as this does not affect Government work adversely, there can be no objection to the practice. For orderlies, the nature of their duties is such that it is difficult to draw the line as to where official work ceases and private work begins. Here too within reasonable limits, there can be no objection to some private work being taken from orderlies and peons. These limits have been defined in a whole series of policy letters noted in the margin on the subject of Employment of peons as private servants. The gist of these is that peons may with their consent on payment and outside office hours be utilised for private work of non-menial character. Sometime it is necessary to make a peon do private work of an occasional character even during office hours. and no serious objection can be taken to this. Cases falling in this category are thus simple ones, the brief position in respect of them being that no notice be taken unless reasonable limits are exceeded in which event, at worst, their's would be an instance of irregular (not corrupt) conduct

(1) No. 775 (H—
(2) No. 5897 (H.Gaz) 2), dated 20th November, 1934.
(3) No. 5248 -G-47/ 36389, dated 31st May, 1947.
(4) No. 7104 -G-48/ 57106, dated 22nd October, 1948
(5) No. 7307-G-50/ 1-4390, dt 31st October, 1950
(6) No 1973-G-51 1/3370, dated 9th June, 1951.
(7) No. 9566-G-53/ 90920, dated 21st November, 1953

6. Regarding (ii) a distinction needs to be made between cases in which private work is taken from such Government servants on rare occasions(e.g.at the time of packing up on transfer) and when private work is taken on a regular and more or less whole time basis (e.g. case of gangmen mentioned in para 3 of this letter) The former amounts to irregular conduct if the Government servants concerned are utilised against their will or during office hours. The latter is a serious type of case in which dishonest conduct should normally be presumed. Facts may differ widely in such cases but the test for classifying a particular case as a case of dishonesty is whether wilful dishonesty is actually present. If so no quarter shoud be given.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Finance]

7. The practice of using Government Servants for private work has been wide-spread and an old one, and uptil now it has never been regarded with much severity, even when an element of dishonest conduct was present ,For future, Government would like the new standards of judgement laid down in this letter to be applied to individual cases that may come up. I am to request you to bring these instructions to the notice of all concerned serving under you for strict compliance . Past cases involving the element of dishonesty should not be ignored, but should receive lighter punishment (depending on individual circumstances) than the extreme one of dismissal which normally goes with dishonesty.

Yours faithfully,

NAKUL SEN.
Chief Secretary to Government. Punjab.

Copies are forwarded to All Administrative Secretaries to Government.

NAKUL SEN.
Chief Secretary to Government, Punjab.

All Administrative Secretaries to Government, Punjab
U.O. No. 4540-GII-57, dated Chandigarh, the 15th July, 1957.

Copy of letter No. 7686-G-58 /19409 dated 27th / 31st June, 1958 from Additional Chief Secretary to Government, Punjab to All Heads of Departments,The Registrar, High Court of Punjab, Commissioners of Divisions, All District and Sessions Judges, Deputy Commissioners ,and Sub-Divisional Officers in Punjab and Copies endorsed to.

Subject:- **Use of Government servants for private work**

I am directed to invite your attention to the instructions contained in Punjab Government's circular letter No. 4540-GII-57/12538, dated the 15th July, 1957, on the above subject and to say that cases are still being reported to Government regarding the misuse of Class IV Government servants, for private work during office hours or when they are actually supposed to be on duty elsewhere and are shown as such in the relevant record. In two such cases which came to the notice recently, the officers concerned have been warned and copies of the warning issued to them have been placed on their personal files. A lenient view was taken in these cases as these were first to be reported, after the issue of instructions contained in the above mentioned letter, I am desired to say that a more serious view will be taken in cases involving contravention of these instructions, and to reiterate that use of Government servants as regular wholetime domestic servants will in future, be treated as dishonesty meriting the severest punishment.

2. I am to request you to bring these instructions to the notice of all concerned serving under you.

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਰਾਹੀਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਰੂਲਜ਼ ਅਤੇ ਹਦਾਇਤਾਂ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਤੇ ਵੀ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਲਾਗੂ ਹੋਣ ਲਈ ਹੀ ਇਹ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ।

ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਹੁਣ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕਰੜੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਲਗਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਕੀ ਉਹ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਉਹ ਕਰੜੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਕੀ ਹਨ ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਜਿਹੜੇ ਅਫ਼ਸਰ ਬੇਗਾਰ ਲੈਂਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਉਹੀ ਐਕਸ਼ਨ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਇਕ ਬਦਦਿਆਨਤੀ ਅਤੇ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਤੇ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਮਹੋਦੇ ਇਹ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਪਿਛਲੇ 2,3 ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਕਿਤਨੇ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਸੈਪਰੇਟ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦੇਣ ।

ਸ੍ਰੀ **ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ** : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਮੁਤਲਕ ਕੋਈ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਮੇਟੀ ਬਿਠਾਈ ਹੈ ਕਿ ਕਿੰਨੇ ਅਫਸਰਾਂ ਨੇ ਬਿਗਾਰਾਂ ਲਈਆਂ ਹਨ ? (ਵਿਘਨ)

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਜੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਕੋਈ ਇਸ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਦਸਣ ਅਸੀਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਜ਼ਰੂਰ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਾਂਗੇ ।

ਸ੍ਰੀ **ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ** : ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਲੁਧਿਆਣਾ ਵਿਚ ਬਿਠਾ ਲਵੋ । (ਵਿਘਨ)

ਚੌਧਰੀ ਤੁਲਸੀ ਰਾਮ ਚੌਹਾਨ : ਜੇ ਕਿਸੇ ਐਸੇ ਅਫਸਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕੰਪਲੇਂਟ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਕੀ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਕੋਈ ਐਕਸ਼ਨ ਲਿਆ ਸੀ ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਐਸੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

चौधरी बलबीर सिंह : इस सवाल के "बी" पार्ट में जो कुछ कहा गया है, उसके बारे में जवाब नहीं दिया गया ।

वित्त मंत्री : दे दिया है ।

EXPENDITURE INCURRED ON MINISTERS

*1977. **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state the amount spent on each of the Ministers, Ministers of State, Deputy Ministers and the Parliamentary Secretaries since 1st April, 1970 upto date on (i) Travelling expenses (ii) Telephone Calls made from their residences as well as from the offices; (iii) electric charges at their residences; (iv) expenses incurred on their personal staff; and (v) rent of their residential bungalows/houses ?

Sardar **Balwant Singh (Minister for Finance)**: Items (i) to (v) Three statements at Annexures I, II and III are laid on the Table of the House .

[ਆਈਟਮ (1) ਤੋਂ (5) ਤਿੰਨ ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ ਅਨੁਲਗ I, II, III ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

[Minister for Finance]

ANNEXURE I

Statement showing the travelling allowance claimed by Ministers, State Ministers, Deputy Ministers and Parliamentary Secretaries for the period from 1st April, 1970 to the dates noted against each, together with their staff

Sr. No.	Name & Designation	From	To	TA/DA	T.A./D.A. incurred on the staff
				Rs. Ps.	Rs. Ps.
	Sarvshri				
1	Parkash Singh Badal C.M.	1-4-70	30-6-70	949.05	1,875.16
	MINISTERS				
2	Sohan Singh Bassi	1-4-70	30-6-70	846.30	963.35
3	Balwant Singh	1-4-70	30-6-70	1597.55	858.96
4	Surjit Singh	16-4-70	30-5-70	362.80	385.05
5	Bhagat Singh	16-4-70	30-6-70	1,659.75	1,168.64
6	Radha Krishan	1-4-70	31-5-70	587.50	225.00
	MINISTERS OF STATE				
7	Tara Singh Lyallpuri	16-4-70	30-6-70	1696.50	1,343.18
8	Mohan Singh Tur	5-6-70	30-6-70	625.00	294.20
9	Jagdev Singh	5-6-70	30-6-70	889.85	376.00
10	Satnam Singh Bajwa		T.A./D.A. not	drawn as yet	Nil
11	Randhir Singh Cheema		Ditto	Ditto	Nil
12	Narinder Singh		Ditto	Ditto	119.70
13	Gurmit Singh		Ditto	Ditto	283.10
14	Tarlochan Singh		Ditto	Ditto	Nil
15	Jasdev Singh Sandhu		Ditto	Ditto	Nil
16	Harnam Singh Bawa	5-6-70	30-6-70	350.00	Nil
17	Teja Singh	5-6-70	30-6-70	275.00	293.65
18	Surjit Singh		T.A./D.A. not	drawn as yet	Nil
	DEPUTY MINISTERS				
19	Sant Sadhu Singh		Ditto	Ditto	Nil
20	Devinder Singh Bajwa		Ditto	Ditto	Nil
21	Kartar Singh Vaid	5-6-70	30-6-70	350.00	Nil
22	Karam Singh Jagirdar	5-6-70	30-6-70	375.00	Nil
	PARLIAMENTARY SECRETARIES				
23	Balbir Singh		T.A./D.A. not	yet drawn	Nil
24	Basant Singh Khalsa		Ditto	Ditto	Nil
25	Manjinder Singh Behla		Ditto	Ditto	Nil

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ANNEXURE II

Expenditure incurred on account of telephones working with Ministers/State Ministers/Deputy Ministers, Punjab. The expenditure is based on the bills so far received from the Telephone Authorities

Sr. No.	Name and Designation	Office Tel. No.	Expenditure	Res. No.	Expenditure	From	To
	Sarvshri						
1	Parkash Singh Badal, C.M.	24125	7210,85	24824	10,802.39	1-4-70	30-6-70
		25704					
2.	Sohan Singh Bassi, I.P.M.	25714	5,765.25	24430	7,238.60	15-4-70	30-6-70
3.	Balwant Singh, F.M.	24132	3,362.25	25338	5,333.85	1-4-70	30-6-70
4.	Bhagat Singh, S.W.M.	25786	1,437.00	25237	815.90		
5.	Surjit Singh Barnala, E.M.	24719	3,197.20	23630	2,732.50	15-4-70	30-6-70
6.	Radha Krishan, A.M.	24832	1,730.25	23786	1,520.35		
7.	Tara Singh Lyallpuri, M.C.W.	28386	3,246.03	25786	2,479.95		
8.	Mohan Singh Tur, M.I.E.	24439	275.50	25383	1,159,90		
9.	Jagdev Singh, M.J.T.	25712	511.20	25265	1,522.10		
10.	Satnam Singh Bajwa, M.C.D.P.	24812	1,119.20	24188	1,718.15		
11.	Randhir Singh, M.A.H.	24810	1,115.75	25288	1,918.15		
12.	Narinder Singh, M.E.T.	25333	591.85	25739	1,362.10		
13.	Gurmit Singh, M.F.S.	25134	456.70	25267	1,087.05	10-6-70	30-6-70
14.	Tarlochan Singh Riasti, M.P.R.T.	25702	1,908.50	24291	*		
15.	Jasdev Singh Sandhu, M.P.H.	25791	794.55	25154	938.15		
16.	Harnam Singh, M.A.F.	27637	*	25497	*		
17.	Teja Singh, M.I.H.	27639	*	26120	1,986.10		

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Finance]

18. Surjit Singh, M.C.C.	25279	345.35	28207	104.85
19. Sadhu Singh, D.M.F.S.	27640	*	26188	186.70
20. Devinder Singh Bajwa, D.M.D.	27641	*	23977	353.15
21. Kartar Singh Vaid, D.M.R.L.R.	27642	*	25340	612.35
22. Karam Singh Jagirdar, D.M.A.H.	27647	*	26849	332.15
23. Basant Singh Khalsa, P. Secy.	27648	*	27856	*
24. Balbir Singh, P. Secy.	27643	*	26195	124.50
25. Manjinder Singh, Behla	27645	*	25289	63.35

Note.—*In these cases no bills have so far been received.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ANNEXURE III

Statement of expenditure incurred in connection with Electric Charges and rent from 1st April, 1970 to-date

S. No.	Kothi No./Sector	Name of occupant	Electricity charges paid from 1-4-70 to-date	Rent of residence paid from 1-4-70 to-date	Remarks
1	2	3	4	5	6
1.	45/2	Sh. Gurnam Singh, Ex. C.M.	163.34 } 278.34 115.00 }	—	Government Residence
2.	45/2	Sh. Parkash Singh Badal as C.M.	1,070.21	—	Government Residence
3.	18/2	Sh. Parkash Singh Badal as Minister	359.78	1,073.33	Private Residence
4.	759/8	Sh. Surjit Singh Barnala	849.79	2,012.90	Private Residence
5.	32/3 1521/18	Sh. Ravel Singh	82.58	460.00	Private Residence
6.	47/2	Sh. Atma Singh	139.68	—	Government Residence
7.	47/2& 9/2	Dr. Bhagat Singh	309.63	—	Government Residence
8.	9/2	Sh. Jagdev Singh	105.82 } 288.74 182.92 }	—	Government Residence
9.	46/2	Sh. Manmohan Kalia	314.17	—	Government Residence
10.	44/2	Sh. Sohan Singh Bassi	460.60	—	Government Residence
11.	43/2	Sh. Balram Dass Tandon	416.97	—	Government Residence
12.	42/2	Sh. Darbara Singh, Speaker	340.21	—	Government Residence
13.	8/2	Sh. Bikramjit Singh	52.90	—	Government Residence
14.	7/2	Sh. Radha Krishan	11.62	—	Government Residence
	46/2	Shri Radha Krishan		—	Government Residence

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister for Finance]

1	2	3	4	5	6
15.	77/7	Sh. Gurmit Singh	366.00	—	Government Residence
16.	75/7	Sh. Jiwan Singh Umranangal	132.93	—	Government Residence
17.	66/7 } 75/7 }	Sh. Mohan Singh Tur	123.45	—	Government Residence
18.	66/7	Sh. Narinder Singh	21.69	—	Government Residence
19.	73/7	Sh. Randhir Singh Cheema	177.32	—	Government Residence
20.	1014/27	Sh. Balwant Singh	433.32	2400.00	Private Residence
21.	236/9	Sh. Satya Dev	66.17	400.00	Private Residence
22.	61/28	Sh. Satnam Singh Bajwa	133.30	700.00 } 233.33 } 933.33	Private Residence
23.	39/5	Sh. Jasdev Singh Sandhu	—	666.66	No Bill for electric supply received so far (Private Residence)
24.	78/2	Sh. Karam Singh Jagirdar	—	500.00	Ditto
25.	76/19	Sh. Balbir Singh Banur	—	460.00	Ditto
26.	56/9	Sh. Tarlochan Singh Riasti	—	575.00	Ditto
27.	2221/15	Sh. Davinder Singh Bajwa	—	198.33	Ditto
28.	2222/15	Sh. Sadhu Singh	—	198.33	Ditto
29.	2067/15	Sh. Manjinder Singh	—	251.34	Ditto
30.	223/16	Sh. Basant Singh Khalsa	—	135.00	Ditto
31.	759/8	Sh. Teja Singh	—	694.33	Ditto
32.	10/2	Sh. Tara Singh Lyallpuri	161.49		Ditto

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਜੋ ਕੁਝ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਮੈਨੂੰ ਮੁਹੱਈਆ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਉਹਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਇਕ ਸਟੇਟ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਟੀ ਏ ਕੈਬਨਿਟ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਟੀ. ਏ. ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ। ਆਇਆ ਸਟੇਟ ਮਨਿਸਟਰ ਦੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਕੈਬਨਿਟ ਮਨਿਸਟਰ ਦੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਨਾਲੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਸਟੇਟ ਮਨਿਸਟਰ ਬੜੇ ਪਾਪੂਲਰ ਹਨ ਅਤੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਫਿਰਦੇ ਹਨ।

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਜ਼ਿਆਦਾ ਦੌਰਾ ਕਰਨ ਦਾ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਿੰਕ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਵਜ਼ੀਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਾਪੂਲਰ ਹੈ ? ਕੀ ਜਿਹੜਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮੋਟਰ ਭਜਾਵੇ ਉਹ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਾਪੂਲਰ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

(ਕੋਈ ਉੱਤਰ ਨਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ)

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਇਕ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਤਿੰਨ ਮਹੀਨਿਆਂ ਦਾ ਟੈਲੀਫੂਨ ਦਾ ਬਿਲ ਦਸ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਹੈ। ਇਹ ਕਿਥੋਂ ਤਾਈਂ ਜਾਇਜ਼ ਹੈ ? (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਸੀ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਹੈ।

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਸੀ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬ ਦੀਆਂ ਬੜੀਆਂ ਲੰਮੀਆਂ ਚੌੜੀਆਂ ਡਿਊਟੀਜ਼ ਹਨ। ਇਹ ਬਿਲ ਕੋਈ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਪਹਿਲੇ ਸੀ ਐਮ. ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਇਸ ਤੋਂ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਬਿਲ ਆਉਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਪਹਿਲੇ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਦਾ ਟੀ. ਏ. ਦਸ ਦੇਣ ਕਿੰਨਾ ਆਉਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਗਲਤ ਫਹਿਮੀ ਹੋਈ ਹੈ ਜਿਹੜੇ ਬਹੁਤ ਪਹਿਲੇ ਸੀ.ਐਮ. ਸਾਹਿਬਾਨ ਰਹੇ ਹਨ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਕਿਹਾ ਹੈ। (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਟੀ.ਏ. ਬਿਲਾਂ ਦੇ ਵੇਖਣ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਏਗਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਟੀ.ਏ.ਬਿਲ ਹੁਣ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਆਉਂਦੇ ਰਹੇ ਹਨ। (ਵਿਘਨ)

ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ : ਪਹਿਲੇ ਸੀ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬਾਨ ਬਾਰੇ ਇਹ ਕੀ ਦਸਣਗੇ। ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਦੋਂ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਹੱਦ ਕਿਥੋਂ ਤਕ ਹੁੰਦੀ ਸੀ ? ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪੁਰਾਣਿਆਂ ਸੀ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬਾਨ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੀ ਚਲਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਫੇਰ ਜਿਹੜਾ ਸੀ. ਐਮ. ਬਣਾ ਕੇ ਬਿਠਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਹਟਾਓ; ਅਸੀਂ ਫੇਰ ਦਸੀਏ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

चौधरी बलबीर सिंह : क्या सरकार ने इस बारे में कोई पालिसी तय कर रखी है कि मिनिस्टर महीने में इतने दिन दौरे पर जा सकते हैं ? अगर कोई पालिसी बनी हुई है और अगर इस का किसी मन्त्री ने उल्लंघन किया है तो क्या इस बारे में कोई हिदायत जारी की गई है ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ: ਐਸੀ ਕੋਈ ਪਾਲਿਸੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਕੋਈ ਐਸੀ ਹਦਾਇਤ ਨਹੀਂ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

चौधरी बलबीर सिंह: आगे कहा जाता रहा है कि सरकार ने कोई पालिसी मुकर्रर की थी कि महीने में इतने दिन से ज्यादा दौरा नहीं किया जायेगा । वह हदायतें फलोर आफ दी हाउस पर बताई गई थीं । पर आज इन्होंने कहा है कि कोई हदायतें नहीं थीं ।

(ਕੋਈ ਜਵਾਬ ਨਾ ਆਇਆ)

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦੱਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਕੋਈ ਐਸਾ ਫਾਰਮੂਲਾ ਜ਼ੇਰੇ ਗੌਰ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਮਨਿਸਟਰ ਐਨੇ ਦਿਨ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦੌਰੇ ਤੇ ਨਹੀਂ ਰਹੇਗਾ ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਸਾਡਾ ਆਪਸ ਵਿਚ ਜਨਰਲ ਐਗਰੀਮੈਂਟ ਹੈ ਕਿ ਹਫ਼ਤੇ ਵਿਚ ਮਨਿਸਟਰ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ ਤਿੰਨ ਦਿਨ ਹੈਡ ਕੁਆਟਰਜ਼ ਤੇ ਰਹਿਣ ।

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਐਡਮਨਿਸਟ੍ਰੇਟਿਵ ਰਿਫਾਰਮਜ਼ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ, ਜੋ ਕਿ ਆਫੀਸ਼ਲਜ਼ ਅਤੇ ਨਾਨ-ਆਫੀਸ਼ਲਜ਼ ਦੇ ਟੂਰ ਪਰੋਗਰਾਮ ਬਾਰੇ ਸਨ, ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕੀਤਾ ਸੀ ? ਜੇ ਕੀਤਾ ਸੀ ਤਾਂ ਉਸ ਤੇ ਕਿੰਨਾ ਕੁ ਅਮਲ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਬਾਰੇ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ।

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਟਿਵ ਰਿਫਾਰਮਜ਼ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀਆਂ, ਮਨਿਸਟਰਾਂ ਦੇ ਟੂਰ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਬਾਰੇ, ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮੰਨਜ਼ੂਰ ਕੀਤਾ ਸੀ ? (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ, ਮਨਜ਼ੂਰ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਕੁਝ ਕੀਤਾ ਹੈ ਪਰ ਬਦਕਿਸਮਤੀ ਦੀ ਗਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਮਲ ਕਿਸੇ ਤੇ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ (ਵਿਘਨ) (*Addressing Chaudhri Ram Singh* : So many recommendations are accepted but unfortunately none is implemented. (*Interruption*)

चौधरी बलबीर सिंह : मन्त्री महोदय ने अभी बताया है कि आपस में कुछ ऐग्रीमैंट किया है कि हफ्ते में तीन दिन दौरे पर रहेंगे । जो आपस में समझौता किया हुआ है क्या उस पर अमल होता रहा है अगर नहीं हुआ तो क्या कार्रवाई की है ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਮਨਿਸਟਰਜ਼ ਉਤੇ ਕੋਈ ਪਾਬੰਦੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਕਿੰਨੇ ਦਿਨ ਹੈਡਕੁਆਟਰਜ਼ ਤੇ ਰਹਿਣ ਅਤੇ ਕਿੰਨੇ ਦਿਨ ਬਾਹਰ ਰਹਿਣ । ਇਹ ਤਾਂ ਆਪਸ ਵਿਚ ਗਲ ਬਾਤ ਕੀਤੀ ਸੀ ਔਰ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਗੱਲ ਬਾਤ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਮਨਿਸਟਰਜ਼ ਤਿੰਨ ਦਿਨ ਹਫ਼ਤੇ ਵਿਚ ਐਥੇ ਰਹਿਣ ਅਤੇ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਐਮਰਜੰਟ ਕੰਮ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਬਾਹਿਰ ਚਲੇ ਜਾਣ ।

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ : ਹੁਣੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਹਫਤੇ ਵਿਚ ਤਿੰਨ ਦਿਨ ਮੰਤਰੀ ਹੈਡਕੁਆਟਰਜ਼ ਤੇ ਰਹਿਣ । ਪਿਛਲੇ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਸ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰਜ਼ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ 5 ਦਿਨ ਹਫ਼ਤੇ ਵਿਚ ਐਥੇ ਹੈਡਕੁਆਟਰਜ਼ ਤੇ ਰਹਿਣ । ਇਹ ਪੰਜ ਦਿਨ ਵਾਲੀ ਗਲ ਠੀਕ ਹੈ ਜਾਂ ਕਿ ਤਿੰਨ ਦਿਨ ਵਾਲੀ ਗਲ ਠੀਕ ਹੈ ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਬਾਰੇ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਉ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਬਾਦਲ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਨਸਟਰੱਕਸ਼ਨਜ਼ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਮੁੰਡੇ ਨੂੰ ਅਰਥਾਤ ਹਫ਼ਤੇ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਦਿਨ ਵਿਚ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਸੈਕਰੇਟੇਰੀਅਟ ਵਿਚ ਬੈਠ ਕੇ ਕੰਮ ਕਰਿਆ ਕਰਨ । ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇਨਸਟਰਕਸ਼ਨਜ਼ ਦੀ ਕਿੰਨੇ ਮਨਿਸਟਰਾਂ ਨੇ ਅਦੂਲੀ ਕੀਤੀ ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਕਹਿਣਾ ਸੀ ਕਿ ਨਾਰਮਲੀ ਹਫ਼ਤੇ ਵਿਚ ਤਿੰਨ ਦਿਨ ਇਥੇ ਰਹਿਣ । ਇਸ ਲਈ ਨਾਰਮਲੀ ਦੇ ਮਾਅਨੇ ਸਮਝ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਅਗਰ ਕੋਈ ਮਨਿਸਟਰ ਹਫ਼ਤੇ ਵਿਚ ਇਕ ਵਾਰੀ ਔਰ ਮਹੀਨੇ ਵਿਚ ਚਾਰ ਵਾਰੀ ਤੋਂ ਵੱਧ ਆਪਣੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਔਰ ਆਪਣੇ ਡਿਸਟ੍ਰਿਕਟ ਵਿਚ ਬਾਰ ਬਾਰ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਇਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਸਰਕਾਰੀ ਕੰਮ ਕਾਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਜਾਂ ਨਿਜੀ ਕੰਮ ਕਾਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਕਈ ਦਫ਼ਾ ਪਰਾਈਵੇਟ ਕੰਮ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਜੇ ਪਰਾਈਵੇਟ ਕੰਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਪਰਾਈਵੇਟ ਡਿਊਟੀ ਪਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਪਹਿਲੇ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਨਸਟਰਕਸ਼ਨਜ਼ ਦੇ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਮਨਿਸਟਰਜ਼ ਸਨਿਚਰਵਾਰ ਅਤੇ ਐਤਵਾਰ ਨੂੰ ਟੂਰ ਤੇ ਜਾਣ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਦੇ ਵਰਕਿੰਗ ਡੇਜ਼ ਨੂੰ ਇਥੇ ਹੈਡਕੁਆਟਰਜ਼ ਤੇ ਰਹਿਣ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਨਸਟਰਕਸ਼ਨਜ਼ ਨੂੰ ਇਸ ਮਨਿਸਟਰੀ ਨੂੰ ਬਦਲਣ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਮਹਿਸੂਸ ਹੋਈ ਹੈ ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਉਹ ਇਨਸਟਰਕਸ਼ਨਜ਼ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸੂਟ ਕਰਦੀਆਂ ਸਨ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਉਸ ਮਨਿਸਟਰੀ ਵਿਚ ਵੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਨ ਅਤੇ ਹੁਣ ਵੀ ਮਨਿਸਟਰ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹੜੀਆਂ ਇਨਸਟਰਕਸ਼ਨਜ਼ ਸੂਟ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਉਦੋਂ ਵੀ ਸਨਿਚਰਵਾਰ ਅਤੇ ਐਤਵਾਰ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਬਾਹਰ ਜਾਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ।

Mr. Speaker: Question Hour is over. The remaining questions on the order paper are deemed to have been answered under rule 45 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ANSWERS TO STARRED QUESTIONS LAID ON THE TABLE UNDER RULE 45

AMOUNT PAID BY MINISTERS OUT OF THEIR DISCRETIONARY FUND

*1979. **Shri Gian Chand Kharbanda:** Will the Chief Minister be pleased to lay on the Table of the House a statement showing the amounts paid by him and other Ministers, Ministers of State and the Deputy Ministers for different purposes to different institutions since 1st April, 1969 upto date from their discretionary funds ?

Sardar Satnam Singh Bajwa (Minister of State for Community Development and Panchayati Raj) : Requisite information is laid on the Table of the House .

[ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।]

Statement
1970-71

Shri Parkash Singh Badal, Chief Minister,

Sr. No.	Purpose of the grant	Amount Rs
1.	For the purchase of Cinema Projector for M. L. Memorial Higher Secondary School, Ferozepur.	5,000
2.	For the construction of building for D.A.V.College for Girls at Gidderbaha (Ferozepur)	5,000
3.	For the construction of building for Guru Gobind Singh College Gidderbaha (Ferozepur)	25,000
4.	For the addition and alteration of building of H.D.W. High School Banopali (Ropar)	2,000
5.	Installation of water cooler at Bagha Border for jawans and general public	5,000
6.	For construction of Science Block for Dhudhial Hr. Sec. School, Patiala.	5,000
7.	For construction of Hostel Building for Dashmesh Girls High School, Muktsar .	5,000
8.	For the construction of building of Guru Nanak College, Phagwara (Kapurthala)	5,500
9.	For the purchase of medicines for Khalsa High School Dispensary Dhuri, Sangrur District	2,000
10.	For purchase of plot by Manager for Vishwakarma Higher Secondary School, Ludhiana	5,000
11.	For the construction of building to Luxmy Narain Sanskrit College, Amritsar and for purchase of furniture.	5,000
12.	For the construction of stadium of Bawa Prem Singh Karmsar College, Begowal, Kapurthala.	10,000
13.	Purchase of furniture and additions and alterations in the building of Tapasvipuran Das Malwa College, Rampura Phul	5,000
14.	For the construction of building of Bharat Sewak Samaj, Punjab and Chandigarh	2,000

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Sr. No.	Purpose of the grant	Amount
	Shri Parkash Singh Badal, Chief Minister —concld.	
		Rs.
15.	For meeting expenses of Dharamshala at village Kheowali. ..	2000
16.	Construction of Hostel Building for Girls School to the Managing Committee Singh Sabha, Abohar. ..	5,000
17.	For the construction of building of Primary School in village Sheikh (Ferozepur) ..	2,000
18.	For the Development of Bhai Sahib Veer Sahib Biradh Ghar at Tarn Taran.	5,000
19.	Construction of Vety. Dispensary building at Bhasroh (Sangrur) ..	2,000
20.	Construction of Guru Nanak Prem Karamsar College Building at Nadala..	5,000
21.	Construction of bridge on a drain by the Gram Panchayat Dhalema .. (Bhatinda)	5,000
22.	For the construction of building for college for Boys by Guru Nanak-Education Society, Ferozepur Cantt. ..	20,000
23.	For the promotion of sports to the Sports Club, Kapurthala ..	4,000
24.	For the construction, addition, alteration of the building and purchase of furniture of the Guru Nanak College, Killanwali.	20,000
25.	For additions to school building in village Sotal ..	5,000
26.	Addition and alteration to the Siri Guru Angad Dev College, Khadur-Sahib	5,000
27.	Construction of rooms of Khalsa High School, Sangrur	800
28.	Addition to the Building of Lal Bahadur Memorial Trust, Nabha	5,000
29.	To meet expenditure on the Guru Nanak Free Hospital of the Doaba Shri Guru Singh Sabha, Jullundur City i.e. purchase of furniture etc. ..	2,100
	Total	1,74,400
	Sardar Sohan Singh Bassi, Irrigation & Power Minister, Punjab.	
1.	Construction of the Building of Guru Nanak National College, Nakodar.	10,000
2.	Construction of the building of Guru Nanak Premsar College Nadala, Distt. Kapurthala ..	5,000
3.	Holding of tournaments and Development of game of Badminton to Chandigarh Badminton Club. ..	500
4.	Construction of the College Building of Guru Nanak National College, Karyal. ..	10,000
	Purchase of musical instruments for the widows & blinds help Association, Nanikala Kendra, Chandigarh, which will benefit Punjab ..	500
6.	For the maintenance of Sant Prem Singh Karamlsar Khalsa College. Begowal, (Kapurthala) ..	5,000
7.	Construction of building of Dispensary of Khalsa College Ghardhiwala. Hoshiarpur ..	2,100
8.	Addition in Building of Mata Gujri College, Fatehgarh Sahib (Patiala) ..	5,000
		38,100

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Community Development]

1970-71 contd

Sr. No.	Purpose of Grant	Amount
	Shri Balramdass Tandon, Industries Minister,	
1.	Construction of additional rooms for B.S.H. Arya High School Sohana	5,000
	Shri Balwant Singh, Finance Minister, Punjab	
1.	Development of cultural activities by Panchal Lalit Kala Academy, Chandigarh. ..	3,500
2.	Construction of Guru Nanak National College, Nakodar ..	13,000
3.	Purchase of medicines/Furniture etc. Guru Nanak Free Hospital, Jullundur ..	2,100
4.	For metalling of the link road from G.T. road to the Centre of Aldinpur Tarn Taran(Amritsar) ..	2,500
5.	Development of cultural activities by Tagore Arts Chandigarh which will also benefit to the people of Punjab ..	1,000
6.	Construction of drinking water well in village Raitewal Distt., Hoshiarpur ..	4,000
	Total	26,100
	Shri Surjit Singh, Education Minister, Punjab	
1.	For the construction of G.N. National College Building at Nakodar	10,000
2.	Construction of college building Malwa College, Bondli, Samrala ..	5,000
3.	Pavement of Streets in village Khosa Randhir (Ferozepur) ..	2,100
4.	Pavement of streets in village Loh Simbli (Patiala) ..	2,000
5.	Construction of drains in village Badshahpur (Sangrur) ..	1,000
6.	Pavement of streets in village wazike Khurd (Sangrur) ..	2,000
7.	Pavement of streets in village Mahal Kurd (Sangrur) ..	1,000
8.	Pavement of village streets in villages Gobindpur and Rajagarh(Sangrur)	3,100
9.	For the construction of College building Sidhsar (Ludhiana) ..	3,000
10.	For extension of College building Gardhiwala (Hoshiarpur) ..	2,000
11.	Construction of drains in village Kalal Majra (Sangrur). ..	2,000
12.	Pavement of streets Dhindsa(Sangrur) ..	2,000
13.	Construction of College Buildings, Karyal(Ferozepur) ..	10,000
14.	Pavement of Streets in village Ghanauli (Ropar) ..	2,000
15.	Construction of Primary School Building at Basti Haripur (Sangrur) ..	2,000
		49,200
	Sardar Bhagat Singh, Minister for Local Government	
1.	For the purchase of medicines for Guru Nanak Free Hospital at Gurudwara Dewanasthan, Jullundur	2,100
2.	For the construction of Dharamsala near Gurdwara Guru Nanakpura Building at Bhatinda ..	2,000
3.	For provision of water stand post in Gowal Mandi, Ferozepur Cantt. ..	2,000
4.	Construction of bath rooms and installation of water taps near Gurdwara Prem Sagar V. Pamal Teh. Ludhiana and Distt. Ludhiana.	2,000
5.	Construction of hostel building of new Model School, Faridkot (Bhatinda)	2,000
6.	Construction of Science Block of Gandhi Memorial Middle School, Faridkot (Bhatinda) ..	2,000
		12, 00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Sr. No.	Purpose of grant	Amount
	Shri Manmohan Kalia, Minister Local Government	
1.	For the development of the D.A.V. College, Jullundur i.e. purchase of Sports Goods	5,000
2.	For the construction of the School Library Building of S.D. High School Anandpur	2,000
3.	For the construction of Guru Gobind Singh Library Hall in the S.D.H. School, Anandpur Sahib ..	1,000
	Total	8,000
	Shri Radha Krishan, Agriculture Minister,	
1.	For construction of Science Block of Guru Nanak National College, Nakodar, Jullundur ..	10,000
2.	For construction of diggi for drinking water for public at Khuiansarwar (Ferozepur) ..	8,000
3.	To provide and fit electric motor with pump at the well on the road of 7 miles from Abohar to provide drinking water for public of Nehalkhera (Ferozepur)	2,000
4.	For construction of streets drains in village Khuikhera Block Khuiwan Sarwar, Ferozepur ..	15,000
5.	For the construction of diggi for drinking water for Harijans and other community at Chuhri wala Dhanna (Ferozepur) ..	8,000
6.	For construction of streets drains of village Qabul Shah Khuban (Block Khuian Sarwar) ..	20,000
7.	For the construction of Diggi for drinking water for public at village Rampura Distt. Ferozepur.	7,000
8.	Construction of building of Sant Prem Singh Karamsar Khalsa College Begowal (Kapurthala).	5,000
	Total ..	75,000
	Shri Jasdev Singh Sandhu, State Minister for Public Health and Colonization	
1.	For building a new Panchayat Primary School Dhagrauli, Patiala ..	2,500
2.	Extension of Panchayat Primary School building at Village Ratta Khera, Patiala ..	2,000
3.	Development of work in village Mohalgarh culverts and pavement of streets, Patiala. ..	2,500
4.	For Dev. Work in village Manauli for culverts and pavement of streets Teh. Kharar, Distt. Rupar ..	2,500
5.	For play ground in Village Bakhanpur Teh. Malerkotla, Distt. Sangur ..	1,000
6.	For the Construction of new Panchayat Middle School building in village Kauli, Patiala. ..	5,000
7.	For pavement of streets and culverts in village Muradpur, Patiala. ..	2,500
8.	For the construction of new Panchayat Primary School, building in Village Kala Bula, Teh .Malerkotla, Sangrur.	2,500
9.	Construction of College Buiding at Sidhsar (Ludhiana) ..	2,500
10.	For the construction of Panchayat Middle School, Isherheri, Patiala ..	2,500
11.	For the development of the Volley ball Game, Chandigarh Volley ball Association ..	1,000
12.	For the construction of Building of Guru Nanak National College, Karyal (Ferozepur) ..	3,000
13.	For the construction of Panchayat Primary School, Building Mahabat Pur (Patiala). ..	2,000

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Community Development]

Sr. No.	Purpose of Grant	Amount.
	Shri Jasdev Singh Sandhu, State Minister for Public Health and Colonisation—concld.	
14.	For the construction of Panchayat Middle School, Ghuram (Patiala) ..	2,500
15.	For Guru Nanak Library at Village Rajomajra (Sangrur) ..	2,000
16.	Pavement of streets and Park at Village Rajomajra (Sangrur) ..	2,000
17.	For the Pavement of streets at Village Rathian (Patiala)	1,000
18.	For the construction of Panchayat Primary School, Bugra (Sangrur) ..	2,500
19.	For the extension of Panchayat Primary School, Building Dehar (Patiala)	3,000
20.	Extension of Building of Shaheed Udham Singh High School Bagraula Patiala ..	5,000
	Total ..	49,500
	Sardar Tarlochan Singh Riyasti, State Minister for Public Relations and Tourism and Local Government, Punjab	
1.	For the construction of Harijan Dharamshala in village Kokarwala, Tehsil Faridkot. (Open to all communities) ..	2,000
2.	For the construction of Dharamsala at village Gehri Butter(Bhatinda) ..	2,000
3.	Development of library which will benefit the Punjabi students Bal Naketan Model School, Chandigarh ..	2,000
4.	To encourage mountaineering in the state, Punjab Mountaineering Association, Chandigarh ..	2,000
5.	Completion of building and purchase of furniture for Khalsa Higher Secondary School Bhatinda ..	2,100
6.	Construction of Harijan Dharamshala (Open to all Communities) at Sangat Kalan (Bhatinda). ..	2,000
	Total ..	10,100
	Sardar Satnam Singh Bajwa, M.C.D.P.	
1.	For the construction of the building of Guru Nanak Club, Gurdaspur ..	2,000
2.	Construction of building Adarsh Vidya Mandir, Batala ..	2,500
3.	Purchase of Library Books, Adarsh Vidya Mandir, Qadian. ..	1,000
4.	Purchase of furniture and sports items Tagore Model School, Qadian ...	500
5.	Construction of shed for passengers at Qadian ..	2,500
6.	Purchase of sports material to encourage sports D.O.A. Gurdaspur ..	2,000
7.	Purchase of furniture, library books and sports material, Arya College, Qadian. ..	5,000
8.	Expenditure on the occasion of participation in National and State Championship Punjab Volley ball Association, Patiala ..	2,000
	Total ...	17,500
	Sardar Tara Singh Lyallpuri, State Minister for Consolidation and Welfare	
1.	Repair of Khalsa Middle School building Basti Sheikh, Jullundur ..	1,100
2.	Improvement of School building Faridkot G.M. Middle School) ..	1,000
3.	Construction of Panchayat Ghar at Miani Bakarpur (Kapurthala) ..	2,100
4.	Improvement of Streets at Sathiala (Amritsar) ..	1,500
5.	Improvement of Sanitation and making Pacca of streets etc ..	2,000
	Total ..	7,700

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Sr. No.	Purpose of Grant	Amount
	Shri Jagdev Singh M.J.T.	
1.	Purchase of sports equipment, Lajpat Rai Memorial College, Dhudike (Ferozepur)	... 2,100
2.	Addition and alterations and construction of Stadium building Vilage Kamalpur.	.. 1,000
3.	For the construction of Khalsa Girls High School Building Mallanpur (Ludhiana)	.. 1,000
4.	Completion of earth work in the village pond Talwandi Rai (Ludhiana)	.. 2,000
5.	Repair of Dharamsala at Rasulpur (Ludhiana)	.. 1,000
6.	Repair of Dharamsala No.2, Talwandi Rai (Ludhiana)	.. 2,000
7.	Repair of Dharamsala No. 1. Talwandi Rai (Ludhiana)	.. 2,000
8.	Repair of Dharamsala at Silowani (Ludhiana)	.. 1,000
	Total	.. 37,300
	Sardar Teja Singh, State Minister (M.I.H.)	
1.	For the construction of Janj Ghar at Multanian (Bhatinda)	.. 1,000
2.	Construction of Dharamshala in Harijan locality Harigarh(Patiala)	.. 2,000
3.	Construction of Rooms of Science Block of Baba Ajaipal Singh Khalsa High School, Nabha.	.. 12,000
	Total	.. 15,000
	Sardar Narinder Singh, Minister of State, Excise and Taxation	
1.	Construction of Hall of R.S. Jain Public Higher Secondary School, Nabha	... 5,000
2.	Construction of Auditorium of J. B. S. B. C. High School, Kup Kalan (Sangrur)	.. 1,100
3.	Installation of pumping set at the Cremation grounds Alohra Gate Nabha.	.. 3,000
4.	Construction of Dharamsala in Harijan Locality, Todarwal.	... 5,000
5.	Construction of Dharmsala in Mohalla Kartarpura,Nabha	.. 2000
6.	Construction of Dharamsala in Harijan Basti Nabha	.. 5000
	Total	.. 21,100
	Shri Gurmit Singh, Minister of State for Food and Supplies	
1.	Metalling of Village link Road, Alladinpur (Amritsar)	.. 2,000
2.	Completion of Brat Ghar in Basti Khatik Ward No. 4 Muktsar	.. 500
	Total	.. 2,500
	Shri Randhir Singh Cheema, Minister of State for Animal Husbandry and P. W. D.	
1.	Construction of rooms in Public Middle School, Sirhind	.. 5,000
2.	Holding of Tournaments and Development of game of Badminton to Chandigarh Badminton Club (Activities of the club benefit Punjab Sports)	.. 500
4.	Construction of drains in village Bhankar (Patiala)	.. 1,500
	Total	7,000

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Community Development]

Sr.No	Purpose of Grant	Amount
	Sardar Sarjit Singh, Minister of State for Co-operation	
1.	Construction of Dharamsala in Mohalla Rajarian, Nabha	5,000
2.	For making the Streets of V. Mahroli P.O. Sialva, Distt. Ropar. Pacca. ..	2,000
3.	Construction of new rooms/purchase of furniture for Arya Kanya Vidyala Kharar, Distt. Rupar ...	3,000
	Total ..	10,000
	Shri Mohan Singh Tur, State Minister, Irrigation and Election	
1.	For construction of School building of Vidyapeeth High School, Gurdaspur. ..	2,000
2.	Development of Volleyball game, Chandigarh Volleyball Association affiliated with Punjab State Volleyball Association Chandigarh	500
	Total ..	2,500
1.	For the construction of S.D. High School, Anandpur Sahib District Rupar	1,500
2.	Construction of School Building, Public Hindu Higher Secondary School, Ropar.	2,000
3.	For the construction of the Chack No 7 Sainibar High School Building Bullowal (Hoshiarpur)	5,000
4.	Construction of Dharamsala in village Uksi (Patiala)	3,000
5.	Construction of School building Gurukalgi Dhar Kanya Pathshala, Ropar	2,000
6.	For the construction of Khalsa College, Anandpur Sahib ..	2,000
7.	Construction of Khalsa High School Building at Ropar ..	2,000
8.	Pavement of Streets at V. Haripur (Ropar) ..	2,000
	Total ..	19,500
	Shri Kartar Singh, Deputy Minister, Revenue	
1.	Construction of Saini Bar College Bulowal, (Hoshiarpur) ..	4,500
2.	Construction of rooms for Guru Nanak Girls School, Hoshiarpur. ...	2,000
	Total ..	6,500
	Shri Karam Singh, Deputy Minister Animal Husbandry	
1.	For pavement of streets in Village Bolewal (Gurdaspur) ..	3,000
2.	Pavement of Village streets Malikpur (Gurdaspur) ..	1,000
3.	Pavement of Village streets Purian Kalan (Gurdaspur)	1,000
4.	Pavement of village streets Jaspalon(Ludhiana) ..	2,500
5.	Purchase of books for the village library Panj Garain (Gurdaspur) ..	1,100
6.	For the pavement of Village streets village Dhadiala Nazara (Gurdaspur)	500
7.	Pavement of streets village Baserpur (Gurdaspur) ..	500
8.	Repairs of village pond village Talwandi Bhinderan (Gurdaspur) ..	1,000
8A.	Pavement of streets in Village Baja (Gurdaspur) ...	1,000
9.	Draining purpose in village Bhagan Majri (Patiala) ..	1,000
10.	Repair of Well at Samrala ..	500
11.	Repair of well at Machhiwara. ..	500
12.	Pavement of street in village Bhaike Phaphre (Bhatinda) ..	1,000
13.	Pavement of streets in village Kokalpura (Gurdaspur) ..	500
14.	Pavement of street in village Bariar Gurdaspur ..	500
15.	Construction of a school building at Gurdaspur ..	500
	Total	16,100

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

1970-71 concld.

Sr.No.	Purpose of grant	Amount Rs.
	Shri Davinder Singh Bajwa, Deputy Minister, Community Development and Panchayati Raj	
1.	Construction of a Community Hall in village Chack Bamon, Block Dasuya Distt. Hoshiarpur ..	2,000
2.	Construction of additional rooms for Public High school Teh. Chalk Distt. Hoshiarpur ..	3,100
3.	For repair of the existing Dharamshala in village Sanchack, District Hoshiarpur ..	1,500
4.	Construction of a Community Hall, Village Ralhan (Hoshiarpur) ..	1,000
5.	Construction of a Dharamshala at Gardhiwala (Hoshiarpur) ..	2,000
6.	Construction of additional rooms for Saini Bar College, Bhulowal (Hoshiarpur) ..	3,100
	Total ..	12,700

1969 - 1970

Sr.No.	Purpose	Amount Sanctioned Rs.
	Sardar Gurnam Singh, Chief Minister	
1.	For the promotion of sports for Childern at Hoshiarpur ..	1,100
2.	For the Building fof Malwa College Bondli, Samrala, Ludhiana ..	10,000
3.	Construction of building of Sikh National College Quadian, Gurdaspur ..	5,000
4.	Construction of building of S.D.P. College for Women, Ludhiana. ..	10,000
5.	Extension of building of D.A.V. Girls Higher Secondary School, Ferozepur Cantt.	5,000
6.	Improvement of building of Khalsa Girls High School, Sangrur. ..	5,000
7.	Construction of Hall in Indian Academy of Fine Arts, Amritsar. ..	5,000
8.	For Library books for Guru Nanak Girls College, Banga ..	10,000
9.	Construction of Building of Kirti College Nival Samana District, Patiala. ..	10,000
10.	Development of Amritsar Natak Kala Kendar Registered Amritsar ..	1,100
11.	Building of Khalsa College for Women Ludhiana ..	5,000
12.	For the Building of Guru Teg Bahadur Khalsa College Anandpur Sahib district Rupar ..	10,000
13.	Training and coaching of Hockey players by the Punjab Hockey Association Jullundur ..	5,000
14.	Construction of Building of National Khalsa College Nakodar ..	13,250
15.	Construction of Recepion Hall of Khalsa College for Girls Sidhwan Khurd, Ludhiana. ..	15,000
16.	Punjab Woman Hockey Association for the Hockey tournament of women & to encourage the players in Chandigarh . ..	5,000
17.	For the Construction of Harbhajan Singh memorial Hall in Khalsa College Mahilpur, Teshil Garhshankar District Hoshiarpur. ..	5,000
18.	For the construction of Guru Angad Dev College, Amritsar ..	10,000
19.	Construction of Khalsa College for Women, Ludhiana ..	7,000
20.	Construction of Shri. Guru Nanak Library Ajnoha, (Hoshiarpur) ..	1,950
21.	Bhangra Party.	500
	Total	1,40,000
	Shri Krishan Lal Finance Minister	
1.	Extension of the building Furniture Library Books etc. of Mata Gujri College Fatehgarh ..	3,000
2.	Extension of building Repairs of Ashoka Higher Secondary School, Sirhind ..	2,000
3.	Extension of building of D.A.V. School Kathgarh, Hoshiarpur ..	3,000
4.	For purchase of furniture, Books etc. for Model School Saingarh Pathankot ..	2,000
5.	Extension of building of Prem Ashram High School, Amritsar ..	5,000
6.	Extension of building of Hans Raj Mahila Maha Vidyala, Jullundur ..	4,000
7.	Extension of building purchase of furniture etc. for D.A.V. College Abohar ..	3,000

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Community Development]

Sr.No	Purpose	Amount sanctioned. Rs.
	Finance Minister, Shri Krishan Lal—concld.	
8.	Extension of building purchase of furniture etc. for M.R. College, Fazilka ..	3,000
9.	Extension of building purchase of furniture etc. for R.S.D. College Ferozepur ..	3,000
10.	Extension/Repair of building of Ajit Vidyala Amritsar. ..	2,000
11.	Construction of building for Sangeet Sabha Baba Hargobind Urmar Hoshiarpur ..	1,000
12,	Construction of building of Gow Shala, Hoshiarpur ..	2,000
13.	Extension /repair of building of Senior Model School, Amritsar ..	2,000
*14.	Purchase of Books for the Panchayat Library Baichiur Tehsil Dasuya, Distt. Hoshiarpur ..	1,000
15.	Extension Repair of building of D.A.V. Multipurpose Higher Secondary School, Amritsar ..	3,000
16.	Construction of panchayat ghar in V.Lalpur Amritsar. ..	2,000
17.	Repair/extension of building of S.A.S. Higher Secondary School, Bassi Kalan, Hoshiarpur ..	1,000
18.	Pavement of street in V. Begowal, Pathankot Gurdaspur ..	800
19.	Extension of the building of Middle School Juihar Chathial, Hoshiarpur ..	2,000
20.	Extension of building of Shaheed Bhagat Singh Girls High School Nawan Shahar . ..	2,000
21.	Welfare of Jawans of Border Security Force, Fazilka ..	2,500
22.	Extension of building of R.S. Jain High School Nabha, Patiala ..	2,000
23.	Extension of building of Balraj Anglo Vedic Higher Secondary School, Balachaur Distt. Hoshiarpur ..	1,000
24.	Purchase of Science apparatus and Furniture for the Garrisan Model School, Gurdaspur ..	1,000
*25.	Extension of building of Shahid-e-Azam Bhagat Singh Girls High School Nawanshahar, Jullundur ..	1,000
26.	Additional accommodation in Brahmin Dharmshala in Takhatgarh Ropar..	1500
27.	Construction of Civil Veterinary Dispensary in Sihala Ludhiana ..	5,000
28.	Construction of a class room in the I.P. Memorial College, Jagraon Ludhiana ..	2,500
29.	For the purchase of furniture & Library Books for the Ajit Vidyala Amritsar ..	1 500
30.	For the construction of Home for Bharat Sewak Samaj, Chandigarh ..	2,000
31.	Extension of Makhan Shah Khalsa High School, Tanda Ram Sahai, Dasuya ..	2,000
	Total ..	64,800
	Shri Balram Dass Tandon, Industries Minister	
1.	Extension of H.D. N.High School Building, Bhanopli District Rupar ..	4,000
2.	Extension of Primary Wing of S.D. High School Building, Anandpur Sahib ..	2,500
3.	Extension of Shiv Devi Girls High School Building Jullundur. ..	5,000
4.	Improvement of the existing building of M.S.D. High School, Bhatinda ..	2,500
5.	Inprovement of building of Guru Teg Bahadur College, Sathiala Amritsar ..	5,000
6.	Improvement of building of Arya Girls High School, Tarn Taran District Amritsar ..	2,500
7.	Improvement of Buildings purchase of medicines by Amritsar Sewa Samiti ..	10,000
8.	Improvement of buildings of S.D. High School Tarn Tarn, Amritsar ..	2,500
9.	Construction of a Community Hall in village Gujjarpura, Tehsil Ajnala, District Amritsar ..	1,500
10.	Improvement of the S.D. Girls High School, Bassi Pathana, District Patiala ..	3,1 00
11.	Purchase of furniture & other equipment for the Adarsh Vidya Mandir Batala ..	2,500
12.	Extension of Building of Sham Parshad Mukher Jee Hospital Jullunder..	5,000

*Note.—Cancelled.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Sr.No.	Purpose	Amount Sanctioned
	Shri Balram Dass Tandon Industries Minister —concld.	
13.	Construction of Hostel building of Lajpat Rai Memorial College, Jagraon..	2,500
14.	Extension of building of Bhalwal S.D. High School Chamkaur Sahib Rupar ..	2,500
15.	Extension of Bhartia Vidyala Mandir Ludhiana.	2,500
16.	Construction of playground wall by Public High School, Rupar. ..	2,500
17.	Pavement of streets of Village Takhatgarh Anandpur Sahib ,Rupar. ..	2,000
18.	Purchase of equipment for the Public Ayurvedic Hospital, Hadiyabad District . Kapurthala. ..	1,100
19.	Construction of additional rooms for the Bhartiya Vidya Mandir Ludhiana ..	2,500
20.	Extension to the existing building of the Dayanand Model School Urmar Hoshiarpur ..	1,000
21.	Purchase of equipment for the Public Free Hospital Hadiyabad District Kapurthala ..	1,000
22.	Improvement of the building of Swami Prema Nand Shishu Nikatan... Shiksha Kendra . Mukerian and purchse of library books	1,000
23.	Construction of Community Hall at Rajpura, Patiala. ..	300
	Total	65,000

Sr.No.	Purpose	Amount Sanctioned
	Sardar Atma Singh , Revenue Minister	
1.	Construction of building at Kamalia Khalsa High School Kapurthala ..	5,100
2.	Construction of Veterinary Dispensary Building of Village Dhilwan Sangrur ..	1000
3.	Contruction of pucca Phirni of Surakhapur,District Kapurthala. ..	2,500
4.	Construction of building of Udham Singh Memorial College Sunam, Sangrur ..	10,000
5.	Construction of building of Master Tara Singh Memorial College for Women Ludhiana . ..	2,500
6.	Construction of building of Guru Nanak Public School , Bhatinda ..	1,100
7.	Construction of College Hall Guru Nanak Khalsa College ,Ludhiana..	2,500
8.	Construction of building of Khalsa Girls High School Sangrur ..	2,000
9.	Construction of Panchayat Hall, Badbar. Tehsil Barnala Distt.Sangrur..	2,500
10.	For the construction of Hospital Building Sidwan Distt, Kapurthala ..	2,500
11.	Construction of Pucca streets in Village Dhandopur. Tehil Sultanpur District Kapurthala. ..	2,000
12.	Construction of building of Babbar Akali Memorial Khalsa College, Garhshanker Distt. Hosiharpur ..	2,500
13.	Construction of school building of Village Buttar Faridkot, Bhatinda..	3,000
14.	Extension and completion of Dharamsala in village Kot Sukhia Sangrur	2,000
15.	Extension and completion of Dharamsala in village Lehragaga, Distt. Sangrur . ..	2,000
16.	Extension and completion of Dharamsala in village Arrianwala Bhatinda..	3,000
17.	Extention and completion of Dharamsalain Village Sadiq Bhatinda ..	2,500
18.	For the construction of Primary School building Dhukhe Jagir Kapur thala . ..	2,000
19.	For the construction of building of Guru Nanak Khalsa College Sultan pur Lodhi ,Kapurthala ..	10,300
20.	For the construction of Primary School Durgapur,Kapurthala. ..	2,000
21.	For the construction of school building Marrypur ,Kapurthala ..	2,000
	Total	65,000

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Community Development]

SrNo.	Purpose	Amount.
	Sardar Sohan Singh Bassi ,Irrigation and Power Minister	
1.	Construction of rooms in Government Middle School, Cheema, Distt. Sangrur ..	2,100
2.	Construction of rooms in High School Thikhriwala, Distt. Sangrur ..	4,100
3.	Construction of servants quarters of Sikh Girls Higher Secondary School, Sidhwan Bet, Ludhana ..	5,000
4.	Construction of additional rooms of the High School Tarkheri Sangrur ..	3,100
5.	Development of sports in D.M. College Moga ..	2,000
6.	Construction of swimming pool in Shazada Nand College for Women Amritsar ..	2,100
7.	Development of Baba Budha College Bir Sahib, Amritsar ..	5,000
8.	Construction of Varanda and rooms in Middle School, Kokri Vehniwal, Ferozepur ..	2,100
9.	Completion of roofs of rooms in the Girls High School Kokri Kalan, Moga, Ferozepur. ..	3,100
10.	Development of the game of Badminton in Punjab to Chandigarh Badminton Club (Rupar) ..	500
11.	Development of D.A.V. College, Hoshiarpur ..	1551
12.	Construction of Varanda in the Girls School Bhinder, Ferozepur ..	3,100
13.	Development of L. Lajpat Rai College, Dhudike ,Ferozepur ..	3,100
14.	Extension of College building of Khalsa College Ludhiana, Jullundur ..	3,100
15.	Purchase of books for the College Library Khalsa College, Patiala ..	2,100
16.	For the development of the Guru Hargobind Khalsa College, Sudhar Distt. Ludhiana ..	3,100
17.	Construction of School Hall of Guru Har Rai Khalsa Higher Secondary School, Dosanj Kalan ..	3,100
18.	For the National Cycling Championship, Patiala ..	1,000
19.	To meet the expenditure of uniform Equipment and diet of Hockey Association, Chandigarh ..	3,100
20.	Construction of Dharamshala in Bhinder Kalan, Moga ..	5,000
21.	Construction of building of Government Girls High School, Mallah, Ludhi ana ..	5,000
22.	Purchase of library books by Brijindra College, Faridkot ..	2,600
	Total	64951
	Dr. Bhagat Singh, Social and Welfare Minister	
1.	Construction of New Block of Nankana Sahib, Khalsa Higher Secondary School, Sultanpur Lodhi, Kapurthala ..	15,00
2.	Construction and repairs of a water tank in Village Badshahpur District Sangrur ..	1,00
3.	Construction of Harijan Dharamsala in village Poohla, Bhatinda ..	10,00
4.	Repairs of Dharamsala at Faridkot, Bhatinda ..	2,000
5.	Purchase of Library books by the Khalsa Girls High School, Sangrur ..	2,000
6.	Pavement of streets in village Golewal Bhatinda ..	500
7.	For repairs to the Dharamshala building belonging to Harijans Village Raikot, Tehsil Jagraon ..	1,000
8.	Pavement of streets and drainage in the Basti of Sch. Cates in village Golewala (Bhatinda) ..	500
9	Construction of bridge over Golewala distributory joining villages Nathwala to Golewala (Bhatinda). ..	4,000
10.	Development of sports by the Naujawan Sabha, Madoke, (Ferozepur) ..	1,000
11.	Construction of building of Guru Nanak High School for Girls Kheowali (Ferozepur) ..	2,000
12.	Construction of building of Kamla Nehru Jain Girls High School, Faridkot ..	2,500
13.	Construction of Chilla Baba Farid, Faridkot. ..	4,000
	Total	36,500

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Sr.No.	Purpose	Amount
	Sh. Balwant Singh, Food and Supplies Minister	
1.	Construction of school building in village Khajewali, District, Kapurthala. ..	2,000
2.	Construction of Harijan Dharamshala in village Amloh, Patiala ..	2,000
3.	Extension of buillding of Khalsa High School Malsian, Jullundur ..	5,000
4.	Construction of Primary School building of Dalla, District. Jullundur..	2,000
5.	Construction of Janjghar in village Dherian, Teshil Jullundur ..	1,000
6.	Development of Fine art in Punjab (D.C.Rupar) ..	4,000
7.	Construction of Women College Building Phagwara ..	5,000
8.	Construction of Guru Gobind Singh College Jandiala, Jullundur. ..	10,000
9.	Construction of school building of village Sangowal District Jullundur...	2,000
10.	Construction of Girls High School Talwan, Jullundur. ..	2000
11.	Construction of Panchayat ghar in village Lalpura. Tarntaran, Amritsar..	2,000
12,	Construction of school building of khurawali ,Kapurthala ..	2,500
13.	Construction of Building of Khalsa Higher Secondary School, Khant Manpur, District, Rupar. ..	2,000
14.	Construction of school building of village. Saidpur, Kapurthala ..	2,000
15.	Construction of school building at Guru Gobind Singh Khalsa Higher Secondary School, Mehtpur, Tehsil Nurmahal, District Jullundur ..	3,500
	Total	50,000
	Sardar Parkash Singh Badal Development and Animal Husbandry Minister	
1.	Construction of a Dharamshala in ward No.1. Gidderbaha, Teshil Muktsar District Ferozepur ..	3,000
2.	Construction of Guru Gobind Singh College for boys building Gidderbaha Teshil, Muktsar ..	2,500
3.	Construction of additional accommodation in Guru Nanak College Killanwal, Ferozepur . ..	5,000
4.	Construction of additional accommodation for Taragarh Hospital Ferozepur	10,000
5.	Construction of Dharamshala in village Khir Kianwala Teshil Mukatsar . ..	2,000
6.	Additions alterations etc. in Stadium Building of Badal, Ferozerpur ..	5,000
	Total	50,000
	Shri Surjit Singh, Education Minister,	
1.	Pavement of streets of village Chhapa, Malerkotla, Sangrur ..	1,00
2.	Construction of Dharamshala in Sehna, Barnala, District Sangrur ..	500
3.	Construction of Dharamshala in Aklia, Mansa, Bhatinda. ..	1,000
4.	Pavement of streets in village Bhore, Barnala, Sangrur. ..	2,000
5.	Pavement of streets in village Bhulerheri ,Malerkotla. ..	2,000
6.	Pavement of streets in Bangain Sangrur. ..	2'000
7.	Pavement of streets of village Dhalan, 'Jagraon, Ludhiana ..	2,000
8.	Construction of building of Khalsa Girls High School Sangrur. ..	2,000
9.	Purchase of beds of Civil Hospital Dhuri, Sangrur.	2,000
10.	Construction of building of Boys High School Longowal, Sangrur. ..	2,500
11.	Construction of building of Girls High School, Longowal, Sangrur...	2,500
12.	Laying track in S.D. College Barnala Sangrur. ..	500
13.	Purchase of musical instruments in village Balewal Sangrur, ..	500
14.	Construction of school building in Killanwal Ferozepur. ..	4,000
15.	Pavment of streets in Jullunder city . ..	1,000
16.	Construction of Baba Budha College Building Amritsar. ..	5,000
17.	Construction of school Building of Patti Sandhu, Barnala ,Sangrur. ..	1,100
18.	Uniforms for poor students of Govt. Higher Secondary School for Boys, Sangrur ..	500
19.	Construction of local Girls Higher Secondary School, Sunam, Sangrur..	2,000
20.	For retaining wall along the village Pond in V. Addinpur, Amritsar ..	1,000
21.	For pavement of streets in V. Lohat Baddi, Distt. Sangrur. ..	3,000

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Community Development]

Sr. No.	Purpose	Amount
	Shri Surjit Singh, Education Minster.—*concld.*	
22.	For construcation of school building V. Ahmedgarh, Distt. Sangrur. ..	500
23.	For construction of Dharamshala in Harijan Basti Handaya Tehsil Barnala District Sangrur.	500
24.	For erecting a Shahid Memorial of Wadda Ghalughara in Kutba Tehsil Barnala, Sangrur . ..	3,000
25.	Construction of College building at V. Shanghera, Barnala, District Sangrur	5,000
26.	For pavement of V. Streets Bhullan Sangrur ..	2,000
27.	Pavement of village streets in Fatehpur Dhaula Tehsil Barnala. ..	900
	Total	50,000
	Shri Satnam Singh Bajwa, State Minister, Finance, Forests and Civil Aviation	
1.	Improvement of Building of Khalsa Higher Secondary School, Quadian ..	4,000
2.	Improvement of Khalsa College Building of Kala Afgana, Batala. ..	3,000
3.	Improvement of building of Sikh National College, Qadian ..	5,000
4.	Improvement of V. roads Sanitation of Nurmahal Jurdrah(Bet)Gurdaspur ..	2,500
5.	Development of Art by Kala Kandar, Gurdaspur ..	3,100
6.	Improvement of building of Vidyapith High School, Gurdaspur ..	2,000
7.	Improvement of village roads of Bhuttar Kalan, Gurdaspur ..	2,000
8.	Improvement of V. streets and lanes of Sidhwan, Gurdaspur ..	2,500
9.	Construction of building of Hostel of D.A.V. College for Girls Batala. ..	3,000
10.	Metalling of link road up to the centre of V. Aldianpur Tarn Taran ..	1,000
11.	For improvement of library for Tagore Model School in V. Qadian,-Batala, Distt. Gurdaspur. ..	1,000
12.	Construction of Guru Nanak Hall of Montgomery Guru Nanak College of Education, Jullundur. ..	5,000
13.	For improvement of sports activities, Ludhiana. ..	900
	Total	35,000
	Sardar Mohan Singh Tur, State Minister, Irrigation	
1.	Construction of Janjghar in Village Tanda Amritsar. ..	500
2.	Constructioh of Drains in Village Tur . ..	2,000
3.	Construction of Hospital Building in Village Nagoke, District Amritsar ..	500
4.	Construction of Bir Baba Budha College Tarn Taran, Amritsar. ..	2000
5.	Supply of drinking water in Vidya Hospital, Taran Tarn Amritsar. ..	1,500
6.	Purchase of books for liabrary in V. Janj Ghrahin, Bhatinda. ..	700
7.	Construction of Janjghar in Village Tur Amritsar ..	2,000
8.	Installation of Hand pump at Amritsar.	300
9.	Construction of Panchayat Ghar in village Fatehgarh Sahib, Ferozepur ..	1,000
10.	Construction of Panchayat Ghar in village Gatta, Ferozepur. ..	1,000
11.	Construction of link road from main road Gurdwara in Village Adinpur ..	500
12.	Construction of Harijan Dharamsala in village Mallan Sodhian ..	500
13.	Construction of building of Khalsa College in village Sang Dhesian Distt. Jullundur. ..	1,000
14.	For the construction of a room in New Modern School, Guru Bazar, .. Amritsar ..	500
15.	For the construction of Panchayat Ghar in village Durgapur ..	500
16.	Construction of Hospital building in village Dehra Sahib (Block Chola Sahib) ..	5,000
17.	Construction of Khalsa College building Kalan Afganan Batala, Distt. Gurdaspur . ..	1,000
18.	Construction of Harijan Janjghar, Rahar Chahal, Tarn Tarn, Amritsar ...	500
19.	Purchase of medicines for ShrimadDayanand Aruvedic Dharamarth Aushdayala Allawalpur Jullundur. ..	500

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Sr. No.	Purpose	Amount
20.	Construction of drains ,Village Ratta Guda, Tehsil Patti, Jullundur ..	500
21.	Construction of building of Khalsa College Sang Dharian,Jullundur. ..	1,000
22.	Construction of Shri Guru Angad Dev College Khadur Sahib, Tarn Taran District, Amritsar ..	10,000
23.	Purchase of books for Guru Nanak Library, Tur, Tarn Taran Amritsar..	500
24.	Construction of Panchayat Ghar in Village Lalpura District Amritsar ..	3,000
25.	Construction of Janj Ghar in village Chauba Kalan, Amritsar ..	250
26.	Construction of Janj Ghar in Village Dhun Kalan, Amritsar ..	250
	Total	35,000

Shri Gurmit Singh, Chief Parliamentary Secretary

1.	Retaining wall of the pond of village Sakanwali, Ferozepur ..	2,000
2.	Construction of Additional rooms in Khalsa High School, Khan Nurpur Rupar. ..	1,100
3.	Construction of Baratghar in village Kanianwali, Ferozepur ..	1,000
4.	Construction of handpump in village Ram Nagar, Ferozepur ..	500
5.	Construction of Janjghar in village Bam, Ferozepur. ..	2,000
6.	Construction of Janjghar in Malout, Ferozepur. ..	1,000
7.	Pavement of streets in village Lalpur, Amritsar. ..	1,000
8.	Installation of hand pump in Village Tappa Khero, Ferozepur ..	700
9.	Construction of Janjghar in village Mohallan, Ferozepur. ..	1,500
10.	For the construction of water diggi (tank) in Village Pakki Tibbi in Harijans and Rai Sikhs Basti, Ferozepur ..	1,000
11.	Construction of Barat Ghar in Harijans Basti in village Bodiana Khurad Post Office Hariana, Hoshiarpur ..	1,000
12.	For completion of Barat Ghar in V.&P. Chak Sherewala in Harijan, Basti Ferozepur ..	1,000
13.	For completion of Barat Ghar in Harijans Basti V&P O Danewala, Via Malout, Ferozepur ..	1,000
14.	For construction of Barat Ghar in Harijan Basti, in Village Panniwala Fatta, Ferozepur. ..	1,500
15.	For construction of Barat Ghar in Harijan Basti Rasta Abalkhar and village Deen Khera, Ferozepur ..	1,500
16.	For construction of a room in Barat Ghar Harijan Basti in village Lakarwala Ferozepur	1,000
17.	Construction of a water diggy in Harijan basti in Village Mathuana P.O. Lambi, Ferozepur ..	1,000
18.	Consrtuction of Barat Ghar in Harijan Basti installation of a hand pump therein in Village Tarkahnwala Ferozepur ..	2,000
19.	Construction of Barat Ghar in Harijan Basti in village Karam, Tehsil Muktsar. ..	1,000
20.	For the construction of Barat Ghar in Harijan Basti in village Shera Khera (P.O. Lambi) Ferozepur . ..	1,3000
21.	Completion of Dharamshala in Harijan Basti in village Kingra, P.O. Malout, Ferozepur ..	1,000
	Total	.. 25,100

Shri Jagdev Singh, State Minister of Devlopment and Animal Husbandry

1.	Construction of building of Khalsa High School Guru Ka Bagh Ajnala, Amritsar	1,000
2.	Metalling of approach road to village Rami from Jagraon ..	2,900
3.	Construction of Tubewell and Water Tank at Ajitsar Public Girls High School ,Rai Kot , Jagraon ,Ludhiana ..	2,000
4.	For the purchase of library books in Mata Gujri College Fatehgarh Sahib . ..	2,100
5.	Purchase of text books for poor students of villages in village Nandpur Kesho	500

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Community Development]

Sr.No.	Purpose.	Amount
	Shri Jagdev Singh, State Minister of Development and Animal Husbandry-concld.	
6.	Construction of Dharamshala for Harijans which will be open to all irrespective of caste or creed in village Thehal. ..	1,000
7.	Construction of Dharamshala for Harijans which will be open to all irrespective of caste or creed in village Rajana Kalan . ..	1,000
8.	Construction of Dharamshala for Harijans which will be open to all irrespective of caste or creed in village Buruj Hari Singh ..	1,000
9.	Ditto in village Chhasewal. ..	1,000
10.	Ditto in village Bararch. ..	1,000
11.	Ditto in village Bhamipura. ..	1,500
12.	Ditto in village Deherka. ..	1,000
13.	Ditto in village Bassian. ..	1,000
14.	Ditto. in village Shahjanpur. ..	1,500
15.	Ditto. in village Cherhri ..	1,500
16.	Ditto. in village Khose ..	1,500
17.	Ditto. in village Manuke Kothe. ..	1,000
18.	Ditto. in village Duri Naklian. ..	1,000
19.	Ditto. in village Burj Kalara. ..	1,000
20.	Ditto. in village Suja pur ..	1,000
21.	Ditto. in village Nathowal.	1,000
22.	Ditto. in village Dangian.	1,000
23.	Ditto. in village Kular.	1,000
24.	Ditto. in village Kamalpur. ..	1,000
25.	Ditto. in village Pabaian. ..	1000
26.	Ditto. in village Mirpur. ..	1,000
27.	Ditto. in village Skhara. ..	1,500
28.	Ditto. in village Sivian ..	1,000
29.	Ditto. in village Boparai Khurd. ..	1,000
	Total. ..	35,000

Shri Ravel Singh, State Minister of Health and Industries

1.	Construction of Harijan Dharamshala in Village Kanjhli Dhuri, Sangrur..	500
2.	Construction of building of Vety. Hospital at Rohte, Nabha, Patiala. ..	1,000
3.	Construction of Janjghar at Patiala ..	1,000
4.	Construction of Panchayat Ghar at Gandhi Nagar, Patiala ..	2,100
5.	Construction of store in Khalsa College of Women Sidwan Khurd, Ludhiana. ..	1,000
6.	Construction of building of Khalsa Girls High School, Sangrur. ..	1,000
7.	Construction of school building of Khalsa High School, Gurdaspur...	500
8.	Construction of additional rooms of Dhudial Khalsa Higher Secondary School, Patiala. ..	7,000

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Sr.No.	Purpose	Amount
	Shri Rawel Singh, State Minister of Health and Industries concld.	
9.	For purchase of Furniture for Nahria Mall Jain Model High School, Ferozepur Road, Ludhiana ..	2,000
10.	For construction of school building of the Khalsa Sewak Jatha High School, Patiala ..	5,000
11.	For the Local Development Works in village Marhu Tehsil and District Patiala . ..	2,000
12.	For construction of Harijan Dharamsala at Sunam (to be used by all communities) Sangrur. ..	1,000
13.	For the construction of Dharamsala attached to Gurdwara, Sukhdar pura Patiala ..	2,000
14.	For primary school building in Kashyap Rajput, Dharamsala ,Toba Baba Dhiana, Patiala ..	2,000
15.	Construction of Janjghar, Patiala ..	1,000
16.	Construction of Dharamsala for common purpose at village Mehrauli (Ropar) ..	1,000
17.	Purchase of equipment by M. Tara Singh Khalsa College for Women, Luhdhiana. ..	4,000
18.	Purchase of Library books by Dayanand Arurvedic College, Jullundur ..	900
	Total	35,000
	Shri Randhir Singh Cheema, State Minister, P.W.D.	
1.	Construction of building of Vety. Hospital in V. Pamour, Patiala	1,100
2.	Construction of Harijan Dharamsala in village Malout Ranian, Ludhiana ..	500
3.	Repairs to streets of Madlan, Patiala. ..	500
4.	Construction of room in Janta High School Bhunerheri ,Patiala. ..	1,000
5.	Construction of streets in V. Harlalpur, Sirhind Patiala. ..	500
6.	Purchase of sports material in village Rauni Samrala ,Ludhiana. ..	500
7.	Construction of Dharamsala in village Manawan Ferozepur. ..	2,000
8.	Purchase of curtains and dresses by the Ram Lila Committee, Bassi, Pathanan, Patiala ..	500
9.	Purchase of Library books for the Primary school of village Ditogal, Dhuri , Sangrur. ..	500
10.	Purchase of furniture by Khalsa Higher Secondary School Khant Manpur, Ropar ..	1,000
11.	Purchase of furniture and Library books by the Golden School, Gurdaspur . ..	500
12.	Construction of Guru Nanak High School, V. Chintwala, Nabha, Patiala ..	1,100
13.	Construction of drains in Village Rampur ,Ludhiana. ..	1,100
14.	Purchase of books for the School Library of village Chanarthal Kalan, Patiala . ..	2,000
15.	For purchase of furniture and library books Bassi Pathanan, Patiala ..	2,100
16.	Towards extension of Mata Gujri College, Fategarh Sahib, Patiala ..	5,100
17.	Extension of primary school building Bahadurgarh, Patiala ..	2,000
18.	For construction of village Drains, Chaunda ,Sangrur. ..	1'100
19.	For construction of Dharamsala in village Longowal Sangrur ..	1,000
20.	Construction of Middle School building of Sadhugarh Patiala	2,100
21.	For the Construction of the building of Lala Lajpat Rai High School,Bassi Pathana, Sirhind ,Patiala ..	1,100
22.	For the construction of Santigarh school building ,Bassi Pathanan, Sirhind ..	4,000
23.	Construction of V.. streets of Mustalabad ,Sirhand .Patiala ..	500
24.	Extension of Dharamsala (in Harijan Basti) RajoMajra, Dhuri. Sangrur ..	500
25.	For the construction of streets drains in village Budhe Barket, Tehsil Dasuya, Hoshiarpur. ..	1,000
26.	Construction of Harijan Dharamsala in village Salana (Dula Singhwala) Teshil Nabha ,Patiala. ..	2,000
	Total	34,900
	Shri Jiwan Singh Umranangal , State Minister for Revenue and Labour	
1.	Construction of roads of village Khiranwali, Kapurthala ..	1,225
2.	Construction of room of Primary School building of Khaire,Batala, Gurdaspur. ..	1,100

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Minister of State for Community Development]

Sr.No.	Purpose	Amount
	Shri Jiwan Singh Umranangal, State Minister Revenue and Labour —concld.	
3.	Construction of plate and streets in village Mazara Kalan, Nawanshar, Jullundur ..	500
4.	Construction of pucca streets in village Pallian khurd, Nawanshahr, Jullundur ..	500
5.	Construction of Panchayatghar in village Dhaliwal Bet, Kapurthala ..	5,100
6.	Consrtruction of pucca streets in village Nijar, Amritsar ..	500
7.	Construction of rooms of Guru Nanak Prem Karamsar College, Nadala, Kapurthala. ..	4,575
8.	Construction of rooms for library in village Bhandal Bet, Kapurthala ..	1,100
9.	Construction of Dharamsala in village Hatha Hathian, Kapurthala ..	740
10.	Construction of Janjghar in village Miani Bakarpur, Distt. Kapurthala ..	2,000
11.	Construction of panchayatghar in villlage Talwandi Mehwan Kapurthala ..	1,000
12.	Construction of pucca streets in V. Padhe, Kapurthala ..	1,000
13.	Construction of pucca streets in V. Kala Sanghian, Kapurthala ..	1,500
14.	Ditto in village Chanianwali, Amritsar. ..	1,500
15.	Ditto of Gurdwara Gangwals, Taran Taran, Amritsar. ..	500
16.	Ditto in village Dhariwal .Amritsar. ..	1,500
17.	Ditto in village Khilehian ,Amritsar. ..	1,100
18.	Construction of pucca streets in village Butter Kalan ,Amritsar. ..	1,100
19.	Repairs of Guru Teg Behadur Khalsa High School Baba Bakala, Amritsar ..	1,100
20.	For the construction of streets in village Rajpura ..	1,500
21.	For the construction of streets in village Buttala ..	1,500
22.	Panchayat Ghar in village Lalura. ..	800
23.	Construction of pucca streets in village Lakhan Ke Padhe ..	800
24.	Construction of streets in village Sathiala, Amritsar ..	1,500
25.	Construction of pucca streets in village Rayya ..	500
	Total	34,2 0
	Shri Manmohan Kalia, Local Government Minister	
1.	Construction of rooms of Arya High School Sohana, Kharar, Rupar...	2,5 00
2.	Construction of Janj Ghar at Hoshiarpur ..	1,000
3.	For the construction of D.A.V. College, Nakoder ..	10,000
4.	Construction of additional accommodation of Arya High School, Jullundur ..	5,000
5.	Construction of rooms of Shri Devi Kenya High School, Jullundur ..	5,000
6.	For making addition in accommodation of Arya High School for Girls Jullundur City ..	1,500
7.	Construction of rooms of village Primary School Khanna, Bran, Jullundur	1,000
8.	Construcion of rooms extension of library of N.D Victer School Jullundur ..	2,000
9.	Construction of Janj Ghar at Nawan Shahar, Jullundur. ..	1,000
10.	Construction of Janjghar at Phagwara, Kapurthala. ..	1,100
11.	For addition in accommodation of S.D. High School Nawan shahar, Jullundur.	1,000
12.	For addition in accommodation of Ranj Bir Primary School Jullundur ..	1,000
13.	Construction of rooms of Janta High School Sandhu Singh, Jullundur ..	1,000
14.	For the construction of Janj Ghar at Jullundur ..	
15.	Construction of Janj Ghar at Nehru Gate Batala. ..	1,000
16.	Construction of Janj Ghar at Khazuri Gate Batala ..	1,000
17.	Construction of a room to be used for imparting education to girls in Ambedkar Kanya Pathshalla, Balmiki, Basti Rupar. ..	1,000
18	Construction of Janjghar, Basti Danishmandan, Jullundur. ..	1,000
19.	Construction of more accommodation of Guru Nanak Dev Hospital Gurdwara Central Town Jullundur. ..	2,500
20.	Construction of a room in the Bhartya Primary School Sukhera Basti Jowahrah Nagar, Abohar Ferozepur . ..	2,000
21.	Construction of Ambedkar Society ,Bhawan at Jullundur ..	1,000
22.	Construction of Dharamshala by Arya Nagar Society Abohar. ..	1,000
23.	Construction of Community Centre by Ravi Dass Naujwan Santokh Sabha Bolina Doaba, Jullundur ..	1,000
24.	Purchase of land by A.S. High School Khanna, Ludhiana. ..	2,5000
	Total	50,000

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

WEARING STEEL HELMET BY MOTOR CYCLISTS SCOOTER DRIVERS IN THE STATE.

*1973. **1. Shri Sardari Lal Kapur**
2. Bhagat Guran Dass Hans : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether it has come to the notice of the Government that the United Nations Bulletin on Transport has recommended the need of wearing steel helmets by motor cyclists and scooter drivers in the interest of their own safety ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative the action taken or proposed to be taken by the Government to ensure the use of safety helmets by motor cyclists and scooter drivers in the State ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) No Sir .

(b) Does not arise .

[(ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS

FOCAL POINTS SELECTED BY THE PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION

690 **Sardar Kirpal Singh** : Will the Chief Minister be pleased state :—

(a) the details of the focal points selected by the Punjab State Industrial Development Corporation in the State for Industrial Development;

(b) whether any letters of intent have been issued to the said Corporation by the Union Government in this regard; if so, a copy thereof be laid on the Table of the House;

(c) whether it is a fact that in the year 1969 the Union Government gave its approval to the said corporation to set up Beer Brewery, if so, the conditions under which the approval was granted;

(d) whether the Government reserved some shares for itself and some shares for the public in connection with setting up the said Brewery, if so, the number of shares reserved for Government and the public, separately;

(e) whether any rules were framed for the sale of shares reserved for the public , if so, a copy thereof be laid on the Table of the House; if not, the reasons thereof;

(f) whether it is a fact that a large number of shares out of those reserved for the public ,were offered for sale to Sh. Ram Kumar Gupta a business magnate of Delhi alone; if so, the number of shares so offered;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Sardar Kirpal Singh]

(g) whether the Government issued any Notification or gave advertisement for the sale of shares reserved for the public if not, the details of other means adopted for its publicity;

(h) whether any applications were received from the public for the purchase of the said shares during 1969, if so, a list containing the name of applicants together with the details of the final decision taken on the said applications be laid on the Table of the House ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) The Punjab State Industrial Development Corporation have not selected any focal point, as it is not with n, their purview to select focal points . The Punjab Government havie however, selected 3 focal points at Dhandari Kalan (Ludhiana), Rajpura (Patiala) and Mohali (Ropar), besides the border towns of Amritsar, Batala, Ferozepur and Industrial Estate of Hoshiarpur, have also been declared as focal points.

(b) Yes. The Government of India have issued letters of intent in favour of the Corporation for the following projects :—

(i) Brewery.
(ii) Synthetic Detergents.
(iii) Cotton seed flour.
(iv) Precision Measuring Tools.
(v) Glass Bottles.
(vi) Electronics.
(vii) Low Cost Radio Receivers.

A copy each of the above letters of intent is placed on the Table of the House.

(c) Yes. The relevant terms and conditions are given in Government of India's letter No. 35(59)68-LI(I) dated 2nd April, 1969, a copy of which is already placed on the Table of the House.

(d) The Corporation is bound by the terms of the aforesaid letter of intent to hold majority interest i.e.51% of the share capital in the new undertaking. The remaining 49% capital is proposed to be offered to the public for subscription .

(e) Allotment of shares in a public limited company is governed by the provisions of Companies Act and the Capital Issue Control Act. No separate rules on the subject have, therefore, been laid down.

(f) Shri Raj Kumar Gupta, United Builders, Chandigarh (not Ram Kumar Gupta) had offered financial participation upto 30% of the share capital in this undertaking. However, as no agreement could be reached with him about the terms and conditions for the proposed participation the offer was not accepted and consequently, no allotment of shares was made to him.

(g) PSIDC issued the first advertisement regarding capital participation in the project in June, 1969 abd The second in May, 1970.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

There was no Government notification on the subject, as no such notification was required.

(h) A list of the applications received for capital participation during 1969 is enclosed. No final decision about the allotment of shares to any private party has been taken so far, as the new company has not yet received the certificate of commencement of business.

[(ੳ) ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਉਦਯੋਗਿਕ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੇ ਕੋਈ ਫੋਕਲ ਪੁਆਇੰਟ ਨਹੀਂ ਚੁਣਿਆ ਕਿਉਂ ਜੋ ਅਜਿਹਾ ਕਰਨਾ ਉਸਦੇ ਅਧਿਕਾਰ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਢੰਡਾਰੀ ਕਲਾਂ (ਲੁਧਿਆਣਾ), ਰਾਜਪੁਰਾ (ਪਟਿਆਲਾ) ਅਤੇ ਮੋਹਾਲੀ (ਰੋਪੜ) ਤਿੰਨ ਫੋਕਲ ਪੁਆਇੰਟਸ ਚੁਣੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, ਬਟਾਲਾ, ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਦੇ ਸਰਹੱਦੀ ਖੇਤਰ ਫੋਕਲ ਪੁਆਇੰਟ ਕਰਾਰ ਦਿੱਤੇ ਹਨ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ। ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਨਿਮਨ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟਾਂ ਲਈ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਹਿਤ ਵਿਚ ਉਦੇਸ਼ ਪੱਤਰ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਹਨ

1. ਬਰੂਰੀ
2. ਸਿਨਥੈਟਿਕ ਡੀਟਰਜੈਂਟਸ
3. ਵੜੇਵੇਂ
4. ਸੁਧ ਨਾਪ ਤੋਲ ਸੰਦ
5. ਸ਼ੀਸ਼ੇ ਦੀਆਂ ਬੋਤਲਾਂ
6. ਇਲੈਕਟ੍ਰਾਨਿਕਸ
7. ਲੋ ਕਾਸਟ ਰੇਡੀਓ ਰੀਸੀਵਰ।

ਉਕਤ ਹਰ ਇਕ ਉਦੇਸ਼ ਪੱਤਰ ਦੀ ਇਕ ਇਕ ਕਾਪੀ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ। ਸਬਧਤ ਸ਼ਰਤਾਂ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਪੱਤਰ ਨੰ: 35(49)/68–LI(1) ਮਿਤੀ 2 ਅਪਰੈਲ, 1969 ਵਿਚ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਜਿਸ ਦੀ ਇਕ ਕਾਪੀ ਸਦਨ ਦੇ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਰਖੀ ਗਈ ਹੈ।

(ਸ) ਇਸ ਨਵੇਂ ਉਪਕ੍ਰਮ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਪੂੰਜੀ ਦਾ ਬਹੁਤਾ ਭਾਗ ਭਾਵ 51 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਸੰਭਾਲਨ ਲਈ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਤੇ ਕਥਿਤ ਉਦੇਸ਼ ਪੱਤਰ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ, ਬਾਕੀ ਦੀ 49 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਪੂੰਜੀ ਚੰਦੇ ਲਈ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

(ਹ) ਪਬਲਿਕ ਲਿਮਿਟਿਡ ਕੰਪਨੀਆਂ ਵਿਚ ਹਿੱਸਿਆਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਕੰਪਨੀਜ਼ ਐਕਟ ਅਤੇ ਕੈਪੀਟਲ ਇਸ਼ੂ ਕੰਟਰੋਲ ਐਕਟ ਵਿਚਲੇ ਉਪਬੰਧਾਂ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਵਿਸ਼ੇ ਤੇ ਵਖਰੇ ਹੋਰ ਕੋਈ ਨਿਯਮ ਨਹੀਂ ਬਣਾਏ ਗਏ।

(ਕ) ਇਸ ਉਪਕ੍ਰਮ ਵਿਚ ਸ੍ਰੀ ਰਾਜ ਕੁਮਾਰ ਗੁਪਤਾ ਯੂਨਾਈਟਿਡ ਬਿਲਡਰਜ਼ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ (ਨਾ ਕਿ ਰਾਮ ਕੁਮਾਰ ਗੁਪਤਾ) ਨੇ 30 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਤਕ ਹੀ ਹਿੱਸਾ ਪੂੰਜੀ ਦੀ ਸ਼ਮੂਲੀਅਤ ਲਈ ਪੇਸ਼ਕਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਪਰ ਕਿਉਂ ਜੋ ਤਜਵੀਜ਼ ਕੀਤੀ ਸ਼ਮੂਲੀਅਤ ਸਬੰਧੀ ਉਸ ਨਾਲ ਸ਼ਰਤਾਂ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਸਮਝੌਤਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਪੇਸ਼ਕਸ਼ ਪਰਵਾਨ ਨਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਨਤੀਜੇ ਵੱਜੋਂ ਹਿੱਸਿਆਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਉਸ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁਖ ਮੰਤਰੀ]

(ਖ) ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਉਦਯੋਗਿਕ ਵਿਕਾਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੇ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਵਿਚ ਪੂੰਜੀ ਸ਼ਮੂਲੀਅਤ ਸਬੰਧੀ ਪਹਿਲਾ ਵਿਗਿਆਪਨ ਜੂਨ, 1969 ਵਿਚ ਅਤੇ ਦੂਜਾ ਮਈ, 1970 ਵਿਚ ਜਾਰੀ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਵਿਸ਼ੇ ਤੇ ਕੋਈ ਸਰਕਾਰੀ ਅਧਿਸੂਚਨਾ ਜਾਰੀ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਸੀ।

(ਗ) ਸਾਲ 1969 ਦੌਰਾਨ ਪੂੰਜੀ ਸ਼ਮੂਲੀਅਤ ਸਬੰਧੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਈਆਂ ਦਰਖਾਸਤਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਅਜੇ ਤਕ ਕਿਸੇ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਹਿੱਸਿਆਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ ਕੋਈ ਅੰਤਮ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਕਿਉਂ ਜੋ ਨਵੀਂ ਕੰਪਨੀ ਨੂੰ ਅਜੇ ਤਕ ਕਾਰੋਬਾਰ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨ ਦਾ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ।]

LIST OF APPLICATIONS RECEIVED FOR CAPITAL PARTICIPATION DURING 1970.

1. M/s. SahuJain Services Limited New Delhi.
2. M/s. Narang Group , New Delhi.
3. M/s. Modi Spinning & Weaving Mills ,Company Ltd., Patiala.
4. M/s. Andrew Yule and Company Limited, Calcutta.
5. M/s. G.S.Atwal and Company (Engineers) Private Limited, Jullundur.
6. M/s. Amrit Banaspati Company, Ghaziabad.
7. M/s. B.K. Jajodia, Calcutta.
8. M/s. Jaishiram Mehra and sons ,Amritsar.
9. M/s. Badri Parshad Podar Calcutta.
10. Shri Raj Kumar Gupta, United Builders, Chandigarh .

No. 2 (7)/68 -LI (I)
Government of India
Ministry of Industrial Development and Company Affairs
Deptt. of Industrial Development.
New Delhi, the 7th Sept., 1968.

To

M/s. Punjab State Industrial Development Corporation.
74, Sector 5,
Post Box No. 81,
Chandigarh.

Subject :-Licensing of Industrial Undertakings under the Industries (Development and Regulation) Act 1951 Establishment of a new undertaking in the State of Punjab for the manufacture of Cotton Seed Flour etc.

Gentlemen,

I am directed to refer to your letter dated the 16th February, 1968, forwarding application on the subject cited above, registered in this Ministry under serial No. 109 of 1968 and to say that Government are prepared to issue an Industrial Licence to you for the establishment of a new undertaking in the State of Punjab for the manufacture of the following :—

Article	*Annual Capacity*
(i) Cotton Seed Flour	8,000 tonnes.
(ii) Cutlint/chemical lint	2,200 „
(iii) Refined oil	4,500 „

This is subject to your settling/accepting the following conditions to the satisfaction of the Government :—

(i) No foreign participation will be allowed:

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ii) Arrangements for import of capital equipment will be settled to the satisfaction of the Government.

(iii) Manufacture of Fatty Acids will not be undertaken and the soap stock will be utilized for the production of acid oils which will be sold to soap manufacturers.

(iv) The proposal being accepted by the Planning Commission as part of the Fourth Plan programme of the Government of Punjab.

2. You are requested to confirm acceptance above terms and conditions immediately. You are requested to send within a period of six months from the date of issue of this letter, application for import of capital equipment to this Ministry.

3. This letter of intent is valid for a period of six months and in the event of your not submitting the proposal/application referred to in para 1 above, within the stipulated period of this letter of intent will automatically lapse.

4. As regards your proposal for manufacture of Cattle Feed, I am to say that as this item is not covered by the 1st Schedule to the, Industries (Development and Regulation) Act, 1951, an Industrial Licence for this item is not required.

Yours faithfully,

Sd/-
(C. Mallikarjunan)
Deputy Director.

No. 12(1)/69/Ch. II
Government of India
Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines & Metals.
(Department of Chemicals)

New Delhi,
October 10th, 1969
Asvina 18, 1891 (S)

To,

M/s Punjab State Industrial Development Corporation Limited,
United Commercial Bank Building, 3rd Floor,
Sector 17, P.B. No. 31, Chandigarh.

Subject : Licensing of Industrial Undertakings under the Industries (D&R) Act, 1951-Application for the manufacture of Synthetic Detergents in the State of Punjab.

Gentlemen

I am directed to refer to the correspondence resting with your letter No. PIDC/2191 dated 18th / 20th Feb. 1969 on the above subject and to say that Government of India are prepared to issue to you an industrial licence for setting up a New Industrial Undertaking in the State of Punjab, for the manufacture of synthetic detergents for a capacity of 10,000 (Ten thousand) tonnes per annum subject to the condition that the terms of foreign collaboration, if any, and arrangement for import of capital goods will be settled to the satisfacation of Government.

2. You are, therefore, requested to send within a period of six months from the date of issue of this letter, application for import of capital goods and terms of foreign collaboration, (with 10 spare copies to the CLP Section of the Ministry) of Industrial Development, Internal Trade & Company Affairs (Department of Industrial Development) New Delhi.

3. This letter of intent is valid for a period of six months only from the date of issue and in the event of your not complying with the above condition within the stipulated period, it will automatically lapse.

Yours faithfully,
sd/-
(I.G. Jhinggan)
Under Secretary to the Government of India.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

Copy of letter No. 33 (4)/69/ DS dated the 6th June, 1970, from Shri S. Malhotra, Director (Supplies-I), Government of India, Ministry of Defence (Department of Defence Supplies), New Delhi to M/s Punjab State Industrial Development Corporation Ltd, 3rd Floor, United Commercial Bank Building, Sector 17, Chandigarh.

Subject:- Application dated 12th February, 1969 for licence under the Industries (Dev. & Reg.) Act, 1951 for establishment of a new industrial undertaking for manufacture of electronic components.

I am directed to refer to your letter No. PIDC/2091 dated 12th December, 1969 forwarding therewith application on the above subject and to say that the Government are prepared to issue for a licence under the Industries (Dev. & Reg) Act, 1951 to you for the manufacture of following electronic components as per capacity indicated against each :—

Item	*Capacity p.a.*
(a) Semiconductor devices (Transistor Diodes)	10 million Nos.
(b) Electrolytic capacitors (Aluminium)	5 million Nos.
(c) Plastic film, Polyester and Styroflex capacitors.	10 million Nos.
(d) Ceramic capacitors .	20 million Nos.
(e) Variable gang condensers (Air Die-electric and PVC)	0.6 million Nos.
(f) Loudspeakers	0.5 million Nos.

Subjects to your finalising arrangements in respect of the following to the satisfaction of Government.

(1) No foreign collaboration will be permitted for the manufactures of semi-conductor devices and ceramic capacitors and loudspeakers.

(2) Terms of the foreign collaboration in respect of other components. You should also be agreeable to coordinate negotiations for the import of technical know-how.

(3) The phased manufacturing programme will be based on processing from the raw material stage. No import of piece parts paper, cones etc. will be permitted. All piece parts etc, will have to be produced locally.

(4) Import of only such of the raw materials and chemicals will be permitted as are not available indigenously.

(5) Import of capital goods. The capacity sanctioned should be based on maximum utilisation of plant and machinery .

(6) 20% of the capacity should be utilised for the manufacture of professional grade components in accordance with the specifications of defence and other Professional requirements.

(7) Adequate provision for research and development and designing facilities will be made.

2. You are requested to confirm acceptance of the above conditions and send within a period of six months from the date of issue of this letter proposals regarding foreign collaboration and application or import of capital goods.

3. The industrial licence will be issued to you only after the foreign collaboration agreement has been signed in accordance with the Government approval and the same has been taken on record.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

4. Your attention is invited to the general guidlines in the annexure to this letter which should be fully borne in mind. Conditions (i) to (iii) therein constitute the general policy of Government. Every effort should also be made to satisfy conditions (iv) and (v)

5. This letter of intent will automatically lapse if, within a period of six moths, applications/proposals relating to the conditions mentioned above are not submitted o if, within a period of one year from the date of this letter an industrial licence is not issued to you unless the period of validity of this letter of intent is, in the mean-while, extended by the Government on an application to be made by you before the expiry of the said period of one year.

Copy forwarded to :—

1. Director of Industries, Punjab, Chandigarh.
2. The Planning Commission (Industries Division)
3. CLP Section, Deptt. of ID, Sr. No. 126 of 1969 refers.
4. Industrial Licensing Data Unit, Deptt. of Industrial Development New Delh The capital investment is estimated at Rs 99.60 lakhs. The requiremen of imported and indigenous capital equipment would be of the value of R 20 lakhs and Rs. 60 lakhs respectively.
5. Ministry of Finance (D.E.A.)
6. Department of Company Affairs.
7. C.S.I.R., New Delhi.
8. D.C.S.S.I., New Delhi.
9. D.G.T.D.(Telecommunication and Electronics etc.)

ANNEXURE

General guidelines attached to the letter of intent in cases involving foreign collaboration/capital participation.

(i) Government do not normally favour restrictions on export franchise in the proposals for foreign collaboration, except to such countries where the overseas collaborating parties have licensing agreement for local manufacture. On the other hand Government would consider favourably proposals of foreign collaboration in which a suitable favoured licensee clause is incorporated in the draft agreement to obtain a process licence, know how royalty and research and design assistance.

(ii) Approved/Registered Indian Engineering Design and Consultancy Organisations must be the prime consultants and Government will consider permitting the purchase of only such design and consultancy services from abroad as are not available within the country.

(iii) Proposals for the purchase of overseas technology (process licence fees know how, royalty R&D etc.) must be accompanied by proposals regarding the programme of further development and improvement of technology in this field (as distinct from analytical or quality control) in the country.

(iv) It is desirable that approved/registered Indian Engineering Design and Consultancy Organisations should be associated right from the start on any evaluation, selection and negotiation conducted for the purchase of overseas technology.

(v) It is desirable that enquiries to overseas parties should be made on the basis of obtaining separate quotations for technology (licence fees, know how royalty, R&D assistance etc.) and design and consultancy services not available in the country.

A copy of letter, No. 9(1) 70-LI(I) dated May 29, 1970 from the Deputy Secretary to the Government of India, Ministry of Indutrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) to the Punjab State Industrial Development Corporation Ltd., UCO Bank Building, 3rd Floor, Sector 17—B, Chandigarh,

Subject:- Application No. 1322/CLP/69, dated 23.12.1969 for Licence under the Industries (Development & Regulation) Act, 1951, for establishment of a new Industrial undertaking for manufacture of glass bottles.

Gentlemen,

I am directed to refer to your application on the above subject and to say that the Government are prepared to issue a licence under the Industries (Dev. &

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pa

[Chief Minister]

Regulation) Act, 1951 to you for the establishment of a new industrial undertaking at Hoshiarpur (Punjab) for the manufacture of glass bottles for a capacity of 12,000 tonnes per annum on the basis of maximum utilisation of plant and machinery. subject to the following conditions :

(i) Arrangements for import of plant and machinery will be settled to the satisfaction of the Government.

(ii) Import of plant and machinery will be subject to indigenous clearance by the Directorate General Technical Development .

(iii) No foreign collaboration will be allowed.

(iv) In financing the proposed unit the debt/equity ratio of the Company is kept within the permissible limit of 2:1.

2. You are requested to confirm acceptance of the above conditions and send application for import of capital goods and applications for consent of the issue of capital (whereever necessary) within six months from the date of issue of this letter.

3. Your attention is invited to the general guidelines in the annexure to this letter which should be fully borne in mind. Conditions (i) to (iii) therein constitute the general policy of Government. Every effort should also be made to satisfy condition (iv).

4. This letter of intent will automatically lapse if, within a period of six months, applications/proposals relating to the conditions mentioned above are not submitted or if, within a period of one year from the date of this letter, an industrial licence is not issued to you unless the period of validity of this letter of intent is. in the meanwhile, extended by Government on an application to be made by you before the expiry of the said period of one year.

Yours faithfully,
Sd/—
(A. P. Sarwan)

Deputy Secretary to Government of India

ANNEXURE

General guidelines attached to the letter of intent in cases involving foreign collaboration/capital participation.

(i) Government do not normally favour restrictions on export franchise in the proposals for foreign collaboration, except to such countries where the overseas collaborating parties have licensing agreements for local manufacture. On the other hand, Governments would consider favourably proposals of foreign collaboration in which a suitable favoured licensee clause is incorporated in the draft agreement to obtain a process licence, know how royalty and research and design assistance.

(ii) Approved/ Registered Indian Engineering Design and Consultancy Organisations must be the Prime consultants and Government will consider permitting the purchase of only such design and consultancy services from abroad as are not available within the country.

(iii) Proposals for the purchase of overseas technology (proeess licence fees, know-how, royalty, R and D etc.) must be accompanied by proposals regarding the programme of further development and improvement of technology in this field (as distinct from analytical or quality control) in this country.

v) It is desirable that approved/registered Indian Engineering design and consultancy Organisations should be associated right from the start in any evaluation, selection and negotiation conducted for the purchase of overseas technology.

(v) It is desirable that enquiries to overseas parties should be made on the basis of obtaining separate quotations for technology (licence fees, know-how royalty, R and D assistance etc.)and design and consultancy services not available in the country.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Registered A.D.

A copy of letter No 35 (59) / 68-LI (I) dated 2nd April 1969 from Government of India Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Deptt. of Industrial Development) New Delhi to the Punjab State Industrial Development Corporation Limited Sector 17 B, Chandigarh.

Subject :- Licensing of Industrial Undertakings under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, Establishment of a new undertaking for the manufacture of Beer [Application Serial No. 795/CLP/68] dated 29th November, 1968.

I am directed to refer to your application dated the 18th November 1968 [received with your letter No. PIDC/Proj/43/2064, dated the 18th November, 1968] (registered in this Ministry under Serial No. 795/CLP/68, of 29th November, 1968) and to say that Government of India are prepared to grant you a licence for the establishment of a new undertaking in the State of Punjab for the manufacture of Beer for an annual capacity of 50,000 H.L. subject to your settling the following conditions:-

(i) The arrangements for import of plant and machinery and equipment to the extent not available indigenously should be settled to the satisfaction of Government.

(ii) No foreign collaboration either financial or technical will be allowed.

(iii) In case any consultancy services are required, it should be obtained from Indian consultancy firm. It has been noted that you do not envisage foreign technical collaboration and the project will be implemented purely with the help of Indian consultants.

(iv) The licence if granted, will be subject to the prohibition policy of Government in future.

(v) A suitable guarantee should be furnished undertaking exports of beer not less than 25% of the total production.

(vi) The corporation will hold majority of shares in the company which will be floated to implement this project and the management of the company will be in the hands of the corporation.

2. You are requested to confirm acceptance of the above mentioned conditions immediately, you are also requested to send within a period of six months from the date of issue of this letter, application for import of capital equipment is not available from indigenous sources .

3. This letter of intent is valid for a period of six months and in the event of your not accepting the conditions mentioned above, and not submitting the application referred to in para 2 above, within the stipulated period, this letter of intent will automatically lapse.

Yours faithfully,

Sd/-
(C.K. Modi)
Under Secretary to the Government ,of India.

Copy of letter No.LEI(A)-17(8)/69 dated the 23rd May, 1970 from Shri C. Mallik-Arjunan, Under Secretary to the Government of India, Ministry of Industrial Development Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) to M/s Punjab State Industrial Development Corporation Ltd. United Commercial Bank (3rd Floor) Sector 17-B Chandigarh .

Subject :- Application No . 668 /CLP/69 dated the 20th June, 1969, for licence under the Industries (D&R) Act, 1951, for establishment of a new industrial undertaking for manufacture of Precision Measuring Tools in the State of Punjab .

Gentlemen,

I am directed to refer to your application on the above subject and to say that the Government are prepared to issue a licence under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 to you for manufacture of Precision Measuring Tools as detailed

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

in the margin subject to your finalising arrangements in respect of the following to the satisfaction of Government :-

Items	Annual capacity (No.s)
1. Plain plug gauges	12,000
2. Thread Plug gauges	1,200
3. Plain Ring gauges	1,200
4. Thread Ring gauges	1,200
5. Snap gauges	12,000
6. Depth gauges	1,200
7. Sheet and wire gauges	1,200
8. Feeler gauges	2,400
9. Radius gauges	600
10. Screw pitch gauges	600
11. Height gauges (vernier)	600
12. Depth gauges (Vernier)	6,000
13. Slip gauges	300
14. Bevel protectors	600
15. Combination Squares	600
16. Vernier calipers.	3,000
17. External micrometers	1,800
18. Micrometer Depth gauges	600
19. Length bars	400
20. Sine Bars	150

(i) Terms of foreign collaboration if necessary.
(ii) Arrangements for import of capital goods.

2. You are requested to confirm acceptance of the above conditions and send (i) within a period of six months from the date of issue of this letter proposals regarding foreign collaboration, if necessary and (ii) application for import of capital goods and application for consent of the issue of capital if any, within six months from the date of approval of the terms of foreign collaboration.

3. The industrial licence will be issued to you only after the foreign collaboration agreement has been signed in accordance with the Government approval and the same has been taken on record.

4. Your attention is invited to the general guidelines in the annexure to this letter which should be fully borne in mind. Conditions (i) to (iii) therein constitute the general policy of Government. Every effort should also be made to satisfy conditions (iv) and (v).

5. This letter of intent will automatically lapse if within a period of six months applications/proposals relating to the conditions mentioned above are not submitted or if within a period of one year from the date of this letter an industrial licence is not issued to you unless the period of validity of this letter of intent is, in the meanwhile, extended by Government on an application to be made by you before the expiry of the said period, of one year.

ANNEXURE

General guidelines attached to the letter of intent in cases involving foreign collaboration/capital participation.

(i) Government do not normally favour restrictions on export franchise in the proposals for foreign collaboration except to such countries where the overseas collaborating parties have licensing agreements for local manufacture. On the other hand Government would consider favourably proposals of foreign collaboration in whic a sutiable favoured licensee clause is incorporated in the draft agreement to obta a process licence, know how, royalty and research and design assistance.

(ii) Approved/Register ed Indian Engineering Design and Consultancy Organisations must be the Prime con sultants and Government will consider permitting the

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

purchase of only such design and consultancy services from abroad as are not available within the country.

(iii) Proposals for the purchase of overseas technology (process licence fees, know how, royalty, R&D etc.) must be accompanied by proposals regarding the Programme of further development and improvement of technology in this field (as distinct from analytical or quality control) in the country.

(iv) It is desirable that approved/ registered Indian Engineering Design and Consultancy Organisations should be associated right from the start in any evaluation, selection and negotiation conducted for the purchase of overseas technology.

(v) It is desirable that enquiries to overseas parties should be made on the basis of obtaining separate quotations for technology (licence fees know-how royalty R&D assistance etc.) and design and consultancy services not available in the country.

LAND ALLOTED TO THE REFUGEES IN VILLAGE MARGINDPURA, DISTRICT AMRITSAR

691. Sardar Kirpal Singh: Will the Minister of State for Consolidation and Welfare with reference to Appendix 'B' to reply to Unstarred Question No. 83 included in the list of Unstarred Questions for 10-4-1969 be pleased to state —

(a) The date when the record of the list of houses and plots mentioned under the column "New No." of the said Appendix was deposited in the record room of the district or Civil Secretariat, Jullundur, Rehabilitation Department;

(b) The name of the Branch of Sales Department where an application is required to be submitted for getting a copy of this record?

Sardar Tara Singh Lyallpuri (Minister of State for Rehabilitation and Consolidation):

(a) Register Sikni i.e record of the lists of houses and plots mentioned under the column "New Number" of Apendix 'B' to reply to unstarred question No.83 included in the list of un-starred questions 10-4-69, was never consigned to the record room of the District or Civil Secretariat, Jullundur. Therefore, the question of giving the date for depositing the said record, does not arise. The new register sikni i.e, record of houses and plots is available in the office of the Tehsildar (Sales) Amristsar.

(b) For getting a copy of this record the applicant has to apply to Copying Agency of the Deputy Commissioner's Office, Amristsar.

[(ੲ) ਰਜਿਸਟਰ ਸਿਕਨੀ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਮਕਾਨਾਂ ਅਤੇ ਪਲਾਟਾਂ ਦੀਆਂ ਲਿਸਟਾਂ ਦਾ ਰਿਕਾਰਡ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ, ਅਤਾਰਾਂਕਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨੰ: 83, (ਜਿਹੜਾ ਕਿ 10-4-1969 ਦੇ ਅਤਾਰਾਂਕਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਸੀ) ਦੇ ਉਤਰ ਵਿਚ ਦਿਤੇ ਗਏ ਅਪੈਂਡਿਕਸ-ਬੀ ਵਿਚ ਦਰਸਾਏ ਗਏ ਨਵੇਂ ਨੰਬਰਾਂ ਦੇ ਕਾਲਮ, ਹੇਠ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਕਦੇ ਵੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅਤੇ ਸਿਵਲ ਸਕੱਤਰੇਤ, ਜਲੰਧਰ ਵਿਚ ਦਾਖਲ-ਦਫ਼ਤਰ ਨਹੀਂ ਕਰਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਲਈ ਉਸ ਨੂੰ ਦਾਖਲ-ਦਫ਼ਤਰ ਕਰਨ ਦੀ ਮਿਤੀ ਦੱਸਣ ਸਬੰਧੀ, ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਨਵਾਂ ਰਜਿਸ-ਟਰ ਸਿਕਨੀ ਮਕਾਨਾਂ ਅਤੇ ਪਲਾਟਾਂ ਦਾ ਰਿਕਾਰਡ, ਤਹਿਸੀਲਦਾਰ ਸੇਲਜ਼ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਦਫ਼ਤਰ ਵਿਚ ਮੌਜੂਦ ਹੈ।

(ਬੀ) ਇਸ ਰੀਕਾਰਡ ਦੀ ਨਕਲ ਲੈਣ ਲਈ ਬਿਨੈਕਾਰ ਨੂੰ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਦਫ਼ਤਰ ਦੀ ਨਕਲ ਏਜੰਸੀ ਵਿਚ ਦਰਖਾਸਤ ਦੇਣੀ ਪਵੇਗੀ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

COMPLAINT ABOUT BOGUS CLAIM OF A POLITICAL SUFFERER

692. **Sardar Kirpal Singh** : Will the Chief Minister with reference to the reply to Starred Question No.140 included in the Vidhan Sabha debate dated 1.4.1969 be pleased to state the action taken by the Government so far in connection with the recovery of funds from the person referred to in the above mentioned reply together with the results thereof?

Sardar Parkash Singh Badal: The Deputy Commissioner, Amritsar, and the General Manager ,Punjab Roadways, Amritsar have been requested to intimate the date from which the monthly income to Shri Hari Singh exceeded Rs . 75/- per month so that the amount of financial assistance received by him from the National Workers Relief Fund could be recovered from him from that date. The requisite information is still awaited.

[ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਅਤੇ ਜਨਰਲ ਮੈਨੇਜਰ, ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨੂੰ ਇਹ ਦਸਣ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਸ੍ਰੀ ਹਰੀ ਸਿੰਘ ਦੀ ਮਾਸਿਕ ਆਮਦਨ ਕਿਸ ਮਿਤੀ ਤੋਂ 75 ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵੱਧ ਹੋਈ ਸੀ ਹਾਲੇ ਤਕ ਜੋ ਜਿਹੜੀ ਮਾਲੀ ਸਹਾਇਤਾ ਉਸ ਨੂੰ ਦੇਸ਼ ਭਗਤ ਸਹਾਇਤਾ ਫੰਡ ਵਿਚੋਂ ਉਸ ਮਿਤੀ ਤੋਂ ਲਈ ਸੀ, ਵਸੂਲ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ । ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਦੀ ਹਾਲੇ ਤਕ ਉਡੀਕ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।]

APPROACH ROAD FOR VILLAGE DALL, DISTRICT AMRITSAR

693. **Sardar Kirpal Singh**: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether the Gram Panchayat of village Dall,tehsil Patti,district Amritsar,deposited some money with the Public Works Department in compliance with the instructions of B.D.O. Bhikhiwind during the period from 25th June, 1966 to 15th July, 1966 for constructing approach road connecting their village, if so; the amount of money deposited by them alongwith the date when it was deposited ;

(b) whether any steps from constructing the said approach road were taken by the said department up to 6th July,1970 ; if so ,the quantum of work done so far on the said road and if no work has been done, the reasons therefor;

(c) the steps proposed to be taken by the Government for completing the said approach road and the approximate date by which it is likely to be completed?

Sardar Sohan Singh Bassi: (a) Yes; Rs. 7,000/- during 7/66 and 8/66.

(b) The approach road from village Dall was included in the 1st phase of the Road Crash Programme.Later the road was deleted from the Programme on consideration of public interest.

(c) Does not arise.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

QUESTION OF PRIVILEGE

Mr. Speaker: Sirdar Kapur Singh has given notice of a Privilege Motion wherein he has reproduced comments made by the Daily "Jathedar" Jullundur in respect of his exercise or otherwise of vote in the Assembly on the 24th July, 1970. The hon. Member has alleged that in the editorial, the Editor has maliciously made some mis-statements and defamatory comments about his conduct as a member of the Punjab Assembly. I hold the matter in order. If no objection is taken I will refer this matter to the privileges committee straightaway.

(No objection was taken by any hon. Member)

Since no objection has been taken, the matter is referred to the privileges committee.

ADJOURNMENT MOTIONS

Mr. Speaker: On the 24th July, 1970 I disallowed the Adjournment Motion given notice of by Chaudhri Balbir Singh regarding fresh restrictions imposed on the consumption of power which has seriously affected the life of the people in the State. Subsequently, the hon. Member represented to me that the matter was of great importance as the shortage of electricity was going to shatter the economic structure of the State.

To-day, I have received notice of another Adjournment Motion from Chaudhri Ram Singh wherein he has stated that because of the level of water in Bhakra Dam going down abnormally, the Bhakra Management Board has expressed the fear that the power would decrease by 180 megawatts. He has further stated in the motion that this would result in huge loss in agricultural production.

Both the Adjournment Motions relate to shortage of electricity. In view of the fact that it is a definite matter of urgent public importance and it merits attention of the House I, give my consent under Rule 66 and hold that the matter proposed to be discussed is in order. Since the Adjournment Motion from Chaudhri Balbir Singh was received earlier, he may rise in his place and ask for leave for the adjournment of the Assembly.

चौधरी बलबीर सिंह : मैं सदन में एक बहुत महत्वपूर्ण शीघ्रातिशीघ्र ध्यान देने योग्य सार्वजनिक विषय के बारे में एक स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत करना चाहता हूँ। बरसात होने के बावजूद पंजाब राज्य बिजली बोर्ड ने बिजली की खपत पर कुछ नई पाबन्दियां लगाई हैं। इससे सारे प्रदेश का जीवन ग्रस्त व्यस्त होने की संभावना है। इस विषय पर तुरन्त विचार करने के लिये सदन की कार्यवाही रोक दी जाए।

बिजली की समस्या पंजाब में जटिल होती जा रही है। पिछले दिसम्बर से कुछ पाबन्दियां लगाई गई। कहा गया कि कुछ देर बाद, बर्फ पिघलने पर हालत ठीक हो जायेगी लेकिन बर्फ पिघलने के बावजूद भी पाबंदियां कायम रहीं। फिर आशा दी गई कि बरसात होने पर यह पाबन्दियां खत्म हो जायेंगी लेकिन अब फिर बिजली बोर्ड का ऐलान जनता पर एक बम्ब की तरह गिरा है। अगर भाखड़ा योजना का इन्तजाम ठीक ढंग से न हुआ और

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

चौधरी बलबीर सिंह]
इस समस्या का कोई समाधान न किया गया तो पंजाब का आर्थिक ढांचा टूट जायेगा, इस पर सदन में पूरा पूरा विचार किया जाए ।

अध्यक्ष महोदय, अर्ज यह है कि. . . . . (विघ्न)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਬਾਦ ਵਿਚ ਕਰ ਲੈਣਾ । (*Addressing Chaudhri Balbir Singh*: The hon. Member may please discuss this matter later on.)

Is there any objection to the leave being granted?

Voices: No. No.

Mr. Speaker : Since no objection has been raised, the leave is granted.

The Adjournment Motion will be taken up at 6.30 P.M. or if the business is concluded earlier, at the time of the conclusion of such business.

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਕ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਦਿੱਤੀ ਸੀ ਕਿ ਪਿੰਡਾ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਲੈਂਡਲੈਸ ਮੁਜ਼ਾਰੇ ਹਨ ਲੈਂਡਲਾਰਡਾਂ ਅਤੇ ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸ਼ੋਸ਼ਲ ਬਾਈਕਾਟ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਘੱਟ ਤਨਖਾਹਾਂ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ । ਝੋਨੇ ਦੀ ਬਿਜਾਈ ਲਈ ਪੈਸੇ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੇ, ਇਥੇ ਤਕ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਟੱਟੀ ਵੀ ਨਹੀਂ ਜਾਣ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਘਰਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਬੰਦ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਇਸ ਬਾਰੇ ਬੇਸ਼ੁਮਾਰ ਗੱਲਾਂ ਆਈਆਂ ਹਨ । ਹਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੀ ਇਹ ਗੱਲ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਨਿਕਲੀ ਹੈ । ਹਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿਚ ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਉਠਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿਚ, ਸੰਗਰੂਰ ਵਿਚ ਯਾਨੀ ਹਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿਚ ਇਹ ਗੱਲਾਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਕੁਝ ਲੀਡਿੰਗ ਅਖਬਾਰਾਂ ਨੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਐਡੀਟੋਰੀਅਲ ਲਿਖੇ ਹਨ । ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ......(ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਨੂੰ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਕਰ ਦਿਉ । (I had already asked the hon. Member to raise this matter through a Call Attention Motion instead of Adjournment Motion.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਸ ਦਾ ਤਾਂ ਜਵਾਬ 6 ਮਹੀਨਿਆਂ ਨੂੰ ਆਵੇਗਾ । ਸਾਡੇ ਕੋਲ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਦੀ ਮੋਸ਼ਨ ਆ ਜਾਵੇਗੀ । ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਨੂੰ ਐਡਮਿਟ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਜਵਾਬ 6 ਮਹੀਨਿਆਂ ਨੂੰ ਆਵੇਗਾ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਨੂੰ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਪੜ੍ਹ ਦਿਓ । ਕਿਉਂਕਿ ਜੇ ਇਸ ਨੂੰ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਐਡਮਿਟ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਇਸ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਲਈ 2 ਘੰਟੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਹਾਊਸ ਨੇ 6.30 ਵਜੇ ਉਠ ਜਾਣਾ ਹੈ, ਫਿਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ 8-30 ਵੱਜ ਜਾਣਗੇ । (The hon. Member may please read it as a Call Attention Motion. It will require two hours for discussion if it is admitted as an Adjournment Motion. The House is to adjourn at

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

6-30 P.M. and if it is not converted into a Call Attention Motion, the sitting will have to be extended upto 8-30 P.M.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਗੌਰਮਿੰਟ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਤਾਂ ਦੇਵੇ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਜਾਣ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਇਸ ਦੇ ਉੱਤੇ ਫੌਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਐਕਸ਼ਨ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਜਵਾਬ ਅੱਜ ਦੇ ਦੇਣ ।

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਕੁਝ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲਣ ਲਈ ਉਠੇ)

ਆਵਾਜ਼ਾਂ : ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਸਲਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਜਵਾਬ ਅੱਜ ਦੇ ਦੇਣ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਤੁਰਤ ਹੀ ਦੇ ਦੇਣ । (I would request the Government to give its reply immediately.

ਸ਼੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਜਵਾਬ ਅੱਜ ਦੇ ਦੇਣ । ਇਹ ਬੜੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਗੱਲ ਹੈ । ਇਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਹੁਣੇ ਹੀ ਦੇ ਦਿਉ ।

CALL ATTENTION NOTICES UNDER RULE 73

Mr. Speaker : Call Attention Notice No. 13 stands in the name of Chaudhri Kewal Krishan.

(Serial No. 13.)

Chaudhri Kewal Krishan : Sir, I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, the Vice-Chancellor of the Punjabi University set up by the Punjab Government, made an announcement last month that the medium of instruction in all the colleges affiliated to the Punjabi University from this year onward would be Punjabi only. It has created resentment and unrest among thousands of students, their relatives and parents in the entire State in general and Patiala, Bhatinda and Sangrur districts in particular. The career of the students who are to join Colleges after receiving instructions through Hindi medium in their schools, is likely to be jeopardised. Under these circumstances, the freedom of medium of instruction becomes meaningless.

The Hindi-lovers among the minority community in Punjab level serious allegations of discrimination against the Government. The Government should clarify its policy regarding national language in the House.

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਵੀਕਾਰ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾਲਤਾ ਕਰਨ ।(Admitted. The Minister concerned may please make a statement)

Call Attention Notice No. 14 stands in the name of Chaudhri Balbir Singh.

क्रम संख्या 14*

चौधरी बलबीर सिंह : मैं सदन का ध्यान इस ध्यानाकर्षण प्रस्ताव द्वारा एक बहुत महत्वपूर्ण सार्वजनिक महत्ता के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ । हरियाना जिला हुशियारपुर में हरियाना संसोपा के मन्त्री साथी अजीत सिंह की बिजली के कर्मचारियों ने 22 जुलाई,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[चौधरी बलबीर सिंह]

1970 की रात को मार पीट की और जब कुछ संसोपा साथी थाने में रिपोर्ट करने गए तो साथी अजीत सिंह को थाने के अन्दर ले जाकर पुलिस ने भी मारपीट की और गिरफ्तार कर लिया । बाकी साथियों को थाने के अन्दर जाने से रोक दिया गया । हुशियारपुर से पंजाब विधान सभा के सदस्य ने रात के 11 बजे के करीब टैलीफून पर थाने वालों की धक्काशाही के खिलाफ प्रोटैस्ट किया । इस पर अजीत सिंह को छोड़ दिया गया । 23 जुलाई, 1970 की सुबह 7 बजे यह मामला पंडित प्यारे लाल इन्सपैक्टर पुलिस के नोटिस में लाया गया । अभी तक इस बारे में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई । सरकार इस बारे में सदन में बयान दे । लोगों में बहुत असंतोष है ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਸਵੀਕਾਰ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted. The Minister concerned may please make a statement.)*

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੇ ਵਾਲੀ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਦਾ ਕੀ ਬਣਿਆ ?

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ, ਉਹ ਅੰਡਰ ਰੂਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ । ਦੋ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਇਕੱਠੀਆਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ । (*Addressing Comrade Satya Pal Dang*: Under the rules that cannot be admitted. Two adjournment motions cannot come in the same sitting.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ: ਮੈਂ ਉਸਨੂੰ ਕਾਲ ਐਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਤੁਸੀਂ ਆਖਿਰ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹ ਦੇਣਾ । (The hon. Member may read his Call Attention Motion at the end.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ: ਠੀਕ ਹੈ ਜੀ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਉ ਮਤਾ ਨੰ: 15 ਸ਼੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ ਦੇ ਨਾਮ ਤੇ ਹੈ । (The Call Attention Notice No.15 stands in the name of Shri Gian Chand Kharbanda).

(Serial No. 15)

Shri Gian Chand Kharbanda: Sir, I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, that discontentment and resentment is prevailing in commercial circles of the State due to the fact that nothing has been done so far to simplify the procedure of Sales Tax, nor any decision has been taken on their demands that (1) Sales Tax be levied at the source only. (2) It should not be more than the neighbouring States; where it is more, it be reduced to bring it at par with the other States. In last session of Punjab Vidhan Sabha in reply to my question it was stated that the question has been handed over to Taxation Enquiry Committee headed

*N. B.: For reply to Call Attention Notice No. 14 Please see Appendix to debate.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

by Mr. Baldev Parkash which will submit its report by 28th May, but nothing has been heard on the subject. As this question is having adverse effect on Trade and Industry, Government may make a statement on the floor of the House.

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾਲਤਾ ਕਰਨ। (Admitted. The Minister concerned may please make a statement.)*

Call Attention Notice No. 16 stands in the name of Giani Kundan Singh Patang.

(ਕ੍ਰਮ ਨੰ: 16)

ਗਿਆਨੀ ਕੁੰਦਨ ਸਿੰਘ ਪਤੰਗ : ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਲੋਕ ਮਹੱਤਤਾ ਦੇ ਇਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਾਮਲੇ ਵਲ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ, ਅਰਥਾਤ, ਸ਼ਰਾਬ ਦੇ ਠੇਕੇ ਬੱਸ ਅੱਡੇ, ਸਕੂਲਾਂ ਕਾਲਜਾਂ, ਜਾਂ ਧਾਰਮਿਕ ਮੰਦਰਾਂ ਦੇ ਲਾਗੇ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਚਾਹੀਦੇ, ਕਾਫੀ ਦੂਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਥਾਵਾਂ ਤੋਂ ਕਰ ਦੇਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਉਥੇ ਧੀਆਂ, ਭੈਣਾਂ ਤੇ ਮਾਈਆਂ ਦਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਰਕੇ ਆਉਣ ਜਾਣ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਵਿਚ ਵਿਘਨ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ ਤੇ ਭੈੜਾ ਅਸਰ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਸ਼ਰਾਬੀ ਲੜਾਈ ਝਗੜੇ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਗੰਦੇ ਮੰਦੇ ਸ਼ਬਦ ਬੋਲਦੇ ਹਨ ਜਿਸਦਾ ਆਮ ਜਨਤਾ ਤੇ ਬਹੁਤ ਹੀ ਬੁਰਾ ਅਸਰ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਆਪਣਾ ਬਿਆਨ ਦੇਵੇ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪ੍ਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾਲਤਾ ਕਰਨ। (Admitted. The Minister concerned may please make a statement.)

Call Attention Notice No. 18 stands in the name of Shri Sardari Lal Kapoor.

(Serial No. 18)

Shri Sardari Lal Kapoor: I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, that an Assistant Sub-Inspector of Police of Division No. 5, Ludhiana, was very recently shot dead with the bullet of a miscreant. It does not redound to the credit of the Ludhiana police that they did not reach the spot till 11.30 p.m. even though their colleague was shot dead just two hours earlier. I wish to know from the Chief Minister, as to the cause of this murder whether a conspiracy was involved or some gundas were at the back of this murder. The Chief Minister should be pleased to make a statement on the floor of the House regarding this heinous crime for, law and order situation in the State would further deteriorate when Police Officers are also shot in this manner.

*For reply to Call Attention Notice No. 15 see appendix to this Debate.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਵੀਕਾਰ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted. The Minister concerned may please make a statement).

Call Attention Notice No. 20 stands in the name of Comrade Kulwant Singh.

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ: ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਇਕ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਨੰਬਰ 19 ਸੀ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਤੁਸੀਂ ਹੁਕਮ ਦਿੱਤਾ ਹੈ — (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਆਪ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੇ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਤਸ਼ਰੀਫ ਲੈ ਆਉਣਾ ਉਥੇ ਸਾਰੀ ਗਲ ਬਾਤ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ । (ਵਿਘਨ) (I would request the hon. Member to come to my chamber and discuss the matter with me.) (*Interruption*)

ਕਾਮਰਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਬੜੀ ਅਹਿਮ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਜੁਲਾਈ ਦਾ ਮਹੀਨਾ ਖ਼ਤਮ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਔਰ ਅਗਸਤ, ਆਉਣ ਵਾਲਾ ਹੈ, ਹੁਣ ਤਕ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਦੋ ਘੰਟੇ ਦੀ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋਣੀ ਹੈ, ਉਸਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਪੁਆਇੰਟ ਰੇਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ (This point can be raised during the two hour discussion on this subject.)

(Serial No. 20)

Comrade Kulwant Singh : I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, the hunger strike resorted to by the leaders and the representations of the Classical Vernacular Punjabi, Hindi, Sanskrit, Drawing and P.T.I. teachers since 6th July, 1970 in connection with their demands regarding their grade and scale of pay. It may be mentioned that even the recommendations of the Education Minister himself in this connection have not been implemented by the Government, although assurances to do so were given both by the present Chief Minister and his predecessor.

In view of the obvious and urgent importance of the matter, the Government may please be requested to make a statement in the House.

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪ੍ਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted. The Minister concerned may please make a statement.

Call Attention Notice No. 21 stands in the name of Comrade Satya Pal Dang.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(Serial No. 21)

Comrade Satya Pal Dang: I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, wide-spread discontentment among the Harijans in the rural areas and the serious situation prevailing in these areas because of the treatment given to the landless agricultural labourers in a number of villages when they demanded increased rates for transplanting paddy. They were confined to their Houses. Neither men nor women nor children were allowed to go to fields to answer calls of nature. They were not allowed to get fodder for their cattle from any where; often they were threatened with fire arms and there are also cases in which shopkeepers were forced to refuse to sell them anything.

These and many worse things happened in such villages as village Adliwala, P.S. Majitha, District Amritsar, village Chabba P.S. Sadder District Amritsar, village Sakkianwali P. O. Jalapur Khera P. S. Veerowal, District Amritsar, village Tandh, P.S. Jhabbal, District Amritsar, village Burj Dunna, P.S. Nihalsinghwala, Teshil Moga, etc. etc.

In view of the obvious and grave importance of the matter, Government may please be asked to make a statement in the House.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪ੍ਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted. The Minister concerned may please make a statement).

Call Attention Notice No. 23 stands in the name of Shri Manmohan Kalia.

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ :ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਇਕ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਨੰਬਰ 22 ਵੀ ਸੀ । ਉਸ ਵਿਚ ਸਿਰਫ ਇਨੀ ਗਲ ਸੀ ਕਿ ਸੁਪਰੀਮ ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਕੌਂਸਲ ਆਫ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਵਕੀਲ ਵੱਲੋਂ ਸਟੇਟਮੇਂਟ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਸੀ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਐਗਜ਼ਿਸਟਿੰਗ ਅਰੇਜਮੇਂਟ ਹੈ ਉਹ ਨਹੀਂ ਹਟਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕਾਲੀਆ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਨੰਬਰ 23 ਪੜ੍ਹੋ । (*Addressing Shri Manmohan Kalia*: Please read out Call Attention Notice No. 23.)

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਸ ਵਿਚ ਮੈਂ ਸਿਰਫ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ: —

"......Inspite of the categorical statement by the counsel of Guru Nanak University, in the Supreme Court that existing arrangement of the Colleges concerned will not be disturbed, the Chancellor of the University has issued instructions to the colleges concerned.......'

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : * .. ..

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : * .. ..

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ ਇਹ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ, ਇਹ ਰਿਕਾਰਡ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । (Whatever the hon. Members are saying should not be recorded.)

---

*ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਹੁਕਮ ਨਾਲ ਰਿਕਾਰਡ ਨਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(Serial No. 23)

Shri Manmohan Kalia ; I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, the imminent threat of agitation by the persons affected by the decision of the Punjabi University, Patiala, for switching over the medium of instruction to Punjabi only. There is freedom of medium in privately managed schools in the area where the jurisdiction of Punjabi University extends, this decision of the Punjabi University has blocked the career of students who have passed their Matric or Higher Secondary examination with Hindi medium. Because of the decision, many students are forced to migrate to some other Universities where there is freedom of medium. The Minister concerned be requested to make statement in the House.

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਇਕ ਬੜਾ ਅਹਿਮ ਮਸਲਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਅੱਜ ਹੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇ ਦੇਣ । (ਵਿਘਨ) ਇਕ ਪਾਲਿਸੀ ਹੈ ਫਾਰ ਦੀ ਚਾਇਸ ਆਫ ਮੀਡੀ– ਅਮ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted; the Minister concerned may please make a statement).

Call Attention Notice No. 25 stands in the name of Chaudhri Ram Singh.

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਨੰਬਰ 24 ਬੜੀ ਜਰੂਰੀ ਹੈ ....(ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਸ ਬਾਰੇ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਆ ਕੇ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਗਲ ਕਰ ਲੈਣਾ ਜੀ । (The hon. Member may please come to my Chamber and discuss the matter with me)

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ :* ....(ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜੋ ਕੁਝ ਇਹ ਚੇਅਰ ਦੀ ਪਰਮਿਸ਼ਨ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ that should not form part of the proceedings. (Whatever is being said by the hon. Member without the permission of the Chair should not form part of the proceedings.)

(Serial No. 25)

Chaudhri Ram Singh : I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, that a building for a fifty bed hospital in Pathankot was sanctioned, but because of some land dispute, the construction of the Hospital building has been abruptly stopped. This is causing great resentment amongst the public of Pathankot. This is t erefore, a fit case in which the Health Minister should make a statement on the Floor of the House.

---

*Expunged as ordered by the Chair.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪ੍ਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ, ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted. The Minister concerned may please make a statement).

Next Call Attention Notice No. 27 stands in the name of Sardar Kirpal Singh.

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि कालिया साहिब और सरदार किरपाल सिंह ने जो बातचीत आपस में की वह ठीक हैं, तो आप उस के बारे में अपना बिचार बता दें ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਤਸ਼ਰੀਫ ਰਖੀਏ । ਮੈਂ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਸ਼ਬਦ ਵਿਦਾਊਟ ਦੀ ਪਰਮਿਸ਼ਨ ਆਫ਼ ਦੀ ਚੇਅਰ ਕਹੇ ਗਏ ਹਨ, ਉਹ ਐਕਸਪੰਜ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ ਅਤੇ ਉਹ ਐਕਸਪੰਜ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣਗੇ । ... (ਵਿਘਨ) (*Addressing Chaudhri Balbir Singh*: Please resume your seat. I have ordered that whatever has been said without the permission of the Chair should be expunged and those words shall be expunged. (*interruption*)

(ਕ੍ਰਮ ਨੰ: 27)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਲੋਕ ਮਹੱਤਤਾ ਦੇ ਇਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਾਮਲੇ ਵਲ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ, ਅਰਥਾਤ, ਜੋ ਲਾਉਡ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਆਮ ਇਸਤੇਮਾਲ ਬਾਰੇ ਹੈ । ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਸਿਨੇਮਾ ਵਾਲਿਆਂ ਵੱਲੋਂ ਲਾਊਡ ਸਪੀਕਰ ਤੇ ਫਿਲਮਾਂ ਦੇ ਪਰਾਪੇਗਡੇ ਨਾ-ਕਾਬਲੇ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਸੂਰਤੇ ਹਾਲ ਪੈਦਾ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ । ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੀ ਕਾਰੋਬਾਰੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਇਸ ਮੁਸੀਬਤ ਤੋਂ ਬੇਹੱਦ ਪਰੇਸ਼ਾਨ ਹੈ । ਦਰਜਨ ਤੋਂ ਵੱਧ ਸਿਨੇਮਿਆਂ ਦੇ ਤ੍ਰਿੰਨ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਚਾਰ ਲਾਊਡ ਸਪੀਕਰ ਗੰਦੇ ਰਿਕਾਰਡ ਵਜਾਉਂਦੇ ਬਾਜ਼ਾਰ ਬਾਜ਼ਾਰ ਘੁਮਦੇ ਫਿਰਦੇ ਹਨ । ਦੁਕਾਨਦਾਰ ਦੀ ਗਾਹਕ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਵਿਚ ਲਾਉਡ ਸਪੀਕਰ ਦੀ ਕੰਨ ਪਾੜਵੀਂ ਆਵਾਜ਼ ਡਾਕੂਆਂ ਵਾਂਗ ਹਮਲਾਆਵਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਟੈਲੀਫੂਨ ਟਰੰਕ ਕਾਲ ਦੂਰ ਦੂਰ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਨਾਲ ਚਲ ਰਹੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ "ਇਕ ਤਾਰਾ ਬੋਲੇ ਟੂੰਨ ਟੂੰਨ" ਹੋਰੀਂ ਆਪਣਾ ਹੱਕ ਸਮਝ ਕੇ ਆ ਵਾਰਦ ਹੁੰਦੇ ਨੇ । ਕਾਫੀ ਰਕਮ ਤੇ ਵਕਤ ਜ਼ਾਇਆ ਕਰਕੇ ਮਿਲੀ ਟਰੰਕਕਾਲ ਲਾਊਡ ਸਪੀਕਰ ਫਿਲਮੀ ਸਿਤਾਰਿਆਂ ਦੀ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਆਉਣ ਦੀ ਖੁਸ਼-ਖਬਰੀ ਦੇ ਢੰਡੋਰੇ ਵਿਚ ਲਪੇਟ ਕੇ ਰਾਹ ਪੈਂਦੇ ਨੇ । ਤੰਗ ਬਾਜ਼ਾਰਾਂ ਵਿਚ ਰੁਕੇ ਹੋਏ ਟਰੈਫਕ ਦੇ ਦੋਹੀਂ ਪਾਸੀਂ ਦੋ ਲਾਊਡ ਸਪੀਕਰਾਂ ਵਾਲੇ ਟਾਂਗੇ ਅਖਾੜੇ ਵਿਚ ਉਤਰ ਆਉਂਦੇ ਹਨ । ਕੰਨ ਪਈ ਆਵਾਜ਼ ਸੁਣਾਈ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੀ ਗਲਤ ਫਹਿਮੀ ਵਿਚ ਟਾਂਗਿਆਂ, ਠੇਲਿਆਂ, ਗੱਡੀਆਂ, ਸਾਈਕਲਾਂ, ਸਕੂਟਰਾਂ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਆਪਸ ਵਿਚ ਝਗੜਾ ਚਾਲੂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਥੋਂ ਤਕ ਪੈਦਲ ਔਰਤਾਂ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਰਾਹ ਮਿਲਣਾ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਦਿਨ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗੁਜ਼ਰ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਰਾਤ ਰਸਮੀਂ ਧਰਮ ਦਿਆਂ ਸੰਤਾਂ, ਭਗਤਾਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਪੈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿਤੇ ਪਾਠ ਕਿਤੇ ਜੱਗਰਾਤਾ । ਬਿਮਾਰ ਸੌਂ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ, ਬੱਚੇ ਪੜ੍ਹ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਰੱਬ ਨਾਲ ਸਿਰਫ ਦਿਲ ਦੀ ਜ਼ਬਾਨ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨੀ ਹੀ ਪਸੰਦ ਕਰ ਲਈ ਹੋਈ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਸਰਤ ਸ਼ੋਰ ਵਿਚ ਗੁਮ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਐਸਾ ਮਾਲੂਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਲਾਊਡ ਸਪੀਕਰ ਇਸਤੇਮਾਲ ਦਾ ਕੋਈ ਕਾਨੂੰਨ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹੈ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਜਾਂ ਫਿਰ ਕਾਨੂੰਨ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

[ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ]

ਮਹਿਜ਼ ਸਿਆਸੀ ਲੋੜਾਂ ਵਾਸਤੇ ਹੈ। ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਦੇ ਅਵਾਮ ਵਿਚ ਦਿਨੋ ਦਿਨ ਇਹ ਖਿਆਲ ਜ਼ੋਰ ਪਕੜ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸੁਖਾਵਾਂ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇਣ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਲਾਊਡ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਕਾਰੋਬਾਰੀ ਸੋਸ਼ਲ, ਧਾਰਮਕ ਇਸਤੇਮਾਲ ਮੁਤੱਲਕ ਆਪਣੀ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਬਿਆਨ ਦੇ ਕੇ ਵਾਜ਼ਿਆ ਕਰੇ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅਵਾਮ ਨੂੰ ਇਹ ਦੱਸੇ ਕਿ ਲਾਊਡਸਪੀਕਰ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਦਾ ਕਾਨੂੰਨ ਸਿਰਫ ਸਿਆਸੀ ਲੋੜਾਂ ਵਾਸਤੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸਖ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਆਪਣੀ ਪੁਜੀਸ਼ਨ ਸਦਨ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਬਿਆਨ ਕਰੇ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਵੀਕਾਰ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਮੁਤਅਲਕਾ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨ। (Admitted. The Minister concerned may please make a statement).

Call Attention Notice No. 30 stands in the name of Brigadier Bikarmajit Singh Bajwa.

(Serial No. 30)

Brigadier Bikramajit Singh Bajwa : Sir, I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, the deplorable condition of that portion of the National Highway Kandla, Srinagar which falls in the limits of Batala and the maintenance and upkeep of which is the responsibility of the State P.W.D. This road is now but a jumbled mass of potholes full of dust, during the dry weather and churned slime in wet weather. Being low lying it becomes just one sheet of water after every shower. The plight of pedestrians and cyclists cannot be imagined. Every passing bus or truck in its hurry ensures that all and sundry go home splattered with dust or mud. As far as light vehicles are concerned they must in wet weather either stop, risk a break down .or drown.

Most of the tourists, whether Indian or foreign visit Amritsar on their way to or from the fair vale of Kashmir. They too have to negotiate this ditch for it cannot be called a road and in so doing carry away a very poor image of the State.

Mere patch work will no-longer do. It must be immediately raised and re-built.

Under the circumstances, the hon. Minister concerned be asked to state the steps, if any, he proposes to take to rectify this sorry state of affairs.

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਪ੍ਰਵਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾਲਤਾ ਕਰਨ। (Admitted. The Minister concerned may please make a statement.)

Call Attention Motion Converted from Adjournment Motion No. 4

Comrade Satyapal Dang : Sir I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, blockade of Harijans in villages Bhari and Jahangir of District Sangrur by certain upper caste employers to force them to accept wages lower than those prevailing in the area and less than even the minimum wages fixed by the Government.

The Minister concerned be asked to make a statement in the House.

Mr. Speaker : It is admitted. The Minister concerned may please make a statement in the House.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library.

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅੱਜ ਤੋਂ ਇਕ ਸਾਲ ਪਹਿਲਾਂ ਦੀ ਮੇਰੀ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਨੰ: 219 ਸੀ ਜਿਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਹੁਣ ਤਕ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹੁਣੇ ਹੀ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਇਕ ਬਿਲ ਮਿਲਿਆ ਹੈ, ਜਿਸ ਤੇ ਬਹਿਸ ਹੋਣੀ ਹੈ। ਜਿਹੜੇ ਮੈਂਬਰ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਨਹੀਂ ਜਾਣਦੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੁਣੇ ਹੀ ਮਿਲਿਆ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗਾ ਸਕਦੇ ਹੋ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰੋਸੀਡਿੰਗ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ, ਹਿਸਾ ਲੈ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਜਿਹੜੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ ਦਮ ਭਰਦੀ ਹੈ, ਉਹ ਇਹ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਕਿ ਬਰ-ਵਕਤ ਬਿਲ ਦੇ ਦਿਆ ਕਰੇ।

ਜਿਹੜਾ ਇਕ ਸਾਲ ਤੋਂ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਆਇਆ ਉਸ ਬਾਰੇ ਤੁਸੀਂ ਹੀ ਸਾਡੇ ਵੱਲੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਖੋ ਕਿ ਮੇਹਰਬਾਨੀ ਕਰਨ ਤੇ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦੇਣ ...(ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਬੜੀ ਮਾੜੀ ਗੱਲ ਹੈ ਜੇ ਕਰ ਇਕ ਸਾਲ ਤਕ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਆਇਆ। ...(ਵਿਘਨ) (It is very deplorable if the reply has not been received for the last one year.) (*Interruption*)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹਵਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਕੋਈ ਇਕਲੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਦੀ ਗੱਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਇਹ ਮਾਮਲਾ ਜਨਰਲ ਹੈ। ਜਿਹੜਾ ਵੀ ਸੈਸ਼ਨ ਮੁਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਦੇ ਜਵਾਬ ਪੈਂਡਿੰਗ ਰਹਿ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਕੋਈ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਜਿਹੜੇ ਸਟਾਰਡ ਕੁਐਸਚਨ ਰਹਿ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਉਹ ਬਾਦ ਵਿਚ ਅਨਸਟਾਰਡ ਕੁਐਸਚਨਜ਼ ਵਿਚ ਕਨਵਰਟ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੈਂਕੜੇ ਕੁਐਸਚਨਜ਼ ਦੇ ਜਵਾਬ ਪੈਂਡਿੰਗ ਰਖੇ ਹੋਏ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਾਫੀ ਅਰਸਾ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ। ਪਿਛਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਜਵਾਬ ਹਨ ਉਹ ਹਾਲੇ ਤੀਕ ਨਹੀਂ ਆਏ। ਇਹ ਇਕ ਜਨਰਲ ਮਾਮਲਾ ਹੈ ਅਤੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇ ......(ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker: I will take up the matter with the Government and will request them to expedite answers to the Questions and also replies to the Call Attention Motions. (*Interruption*)

REPLY TO CALL ATTENTION NOTICE LAID ON THE TABLE OF THE HOUSE

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਜੀ, ਤੁਸੀਂ ਕੋਈ ਰਿਪਲਾਈ ਲੇ ਕਰਨੇ ਸਨ। (Has the hon. Finance Minister to lay on the Table any statement in reply to Call Attention Motion?)

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਖੁਰਾਕ ਤੇ ਸਪਲਾਈ : ਮੈਂ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਨੰ: 8 ਦਾ ਜਵਾਬ ਹਾਉਸ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਦਾ ਹਾਂ।

(Serial No 8)

1. **Comrade Satya Pal Dang**
2. **Comrade Dana Ram**

} to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely the failure of the Government

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

]Comrade Satya Pal Dang]

to remove the anomalies, about which a commitment was made to the House, in the implementation of the report of the Punjab Pay Commission by end of May, 1970. Large scale agitation has to be resorted to by the employees and further direct action is threatened.

In view of the obvious and urgent importance of the matter, the Government may please be asked to make a statement in the House.

Minister for Finance (Sardar Balwant Singh) : A commitment that the work relating to removal of alleged anomalies in the pay-scales enforced on the recommendation of the Punjab Pay Commission, would be finalised by the end of May, 1970 was made by the then Chief Minister, Shri Gurnam Singh. However, due to change of Government towards the end of March 1970 further progress was held up. A fresh Cabinet Sub-Committee had to be set up. The new Cabinet Sub-Committee started working in right earnest from 13th May, 1970 but further progress has again been hampered by the withdrawal of the Jan Sangh from the Cabinet as it has created a vacancy on the Cabinet Sub- Committeee vice Shri Balramji Dass Tandon.

2. So far as the progress of the work is concerned, cases relating to common categories of posts had already been finalised, covering about 50% of the employess. The Senior Officers' Committee has almost finished its task of processing the representations of the employees of various Departments. It has already held 26 meetings and the only Departments that remain to be considered now by the Committee are Health, Ayurvedic, P. W. D., Architecture, Industries, Industrial Training, Education. and Economic and Statistical Organisation. The Cabinet Sub-Committee has considered cases relating to 24 Departments. Already, final decision has been announced with regard to some of the Departments. The work at the level of the Cabinet Sub-Committee is, however, time consuming, because there is a large demand from various employee's associations to be heard personaly by the Cabinet Sub-Committee. In view of the demand the Cabinet Sub-Committee has decided to hear them. Most of them have been heard, but a few yet remain to be heard. The Cabinet Sub-Committee have decided to follow this procedure so as to provide the maximum satisfaction to the employees. It is expected that the whole work will be completed within a short period.

ANNOUNCEMENT BY THE SECRETARY

Secretary: Sir I beg to lay on the Tablr of the House a statement showing the action taken by the Government on the resolutions passed by the Punjab Vidhan Sabha during its Budget Session 1969.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Statement showing implementation of the Resolutions passed by the Punjab Vidhan Sabha during Budget Session, 1969

Sr. No.	Name of the M.L.A. who moved the resolution	Subject of the resolution	Date on which the resolution was passed	Action Taken
1.	S. Gurnam Singh	Whereas the Punjab Agricultural University constituted under the Punjab Agricultural University Act, 1961, is serving the needs of the successor States within the meaning of Section 72 of the Punjab Reorganisation Act 1966; And whereas, it is intended that provision should be made by Law to dissolve the operation of the existing Punjab Agricultural University in the State of Punjab, to set up a separate Agricultural University for the State of Punjab, for vesting the rights and liabilities of the dissolved University in the University to be so set up and for all other matters connected therewith or incidental thereto; And whereas, legislation for the purpose mentioned above is relatable to matters enumerated in entries 11 and 32 of List II in the Seventh Schedule to the Constitution of India with respect to which Parliament has no power to make a law for the State except as provided in Article 249 and 250 thereof; And whereas, it appears to this Assembly to be desirable that such legislation should be undertaken by Parliament;	21-4-1969	The Punjab Agricultural University has since been dissolved and in its place two independent Agricultural Universities known as the Punjab Agricultural University and Haryana Agricultural University have been established by enactment of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970 by the Parliament. The afore-mentioned Act has come into force with effect from 2nd February, 1970.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Sr. No.	Name of the M.L.A. who moved the resolution	Subject of the resolution	Date on which the resolution was passed	Action Taken
		Now, therefore, in pursuance of clause (1) of Article 252 of the Constitution of India, this Assembly hereby resolves that Parliament shall by law make provision for the dissolution of the aforesaid Punjab Agricultural University in relation to the State of Punjab. for vesting the rights and liabilities of the University so dissolved in the University to be so set up and for all other matters connected therewith or incidental thereto.		
2.	S. Gurnam Singh	(1) Whereas clause (1) of Article 169 of the Constitution provides that notwithstanding anything in Article 168, Parliament may by law provide for the abolition of the Legislative Council of a State having such a Council, if the Legislative Assembly of the State passes a resolution to that effect by a majority of the total Membership of the Assembly and by a majority of not less than two-thirds of the members of the Assembly present and voting; And whereas it appears to this Assembly that it is desirable to abolish the Legislative Council of this State; Now, therefore, this Assembly resolves that the Punjab Legislative Council be abolished. (2) This House recommends that Parliament be pleased to direct that the law which it may make in this behalf shall take effect from the date when the President of India gives his assent after the Parliament has passed necessary legislation.	24-4-1969	The Punjab Legislative Council has since been abolished with effect from the 7th of January, 1970.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

STATEMENT BY SHRI BALRAM DASS TANDON AN EX-MINISTER

Mr. Speaker : Mr. Tandon to make a personal statement.

(*Interruption*)

ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਰੂਲ 84 ਦੇ ਥਲੇ ਇਕ ਨੋਟਿਸ ਦਿੱਤਾ ਸੀ, ਜਦੋਂ ਸ੍ਰੀ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਵਜ਼ੀਰ ਸਨ...... (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਉਸਦਾ ਜਵਾਬ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲ ਆ ਗਿਆ ਹੈ.........(ਵਿਘਨ) (The reply has already been sent to the hon. Member). (*Interruption*)

ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਨਹੀਂ ਆਇਆ... (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਉਸਦੇ ਮੁਤਅੱਲਕ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਬਾਰੇ ਦੋ ਘੰਟੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਰਖ ਲਈ ਜਾਵੇ......(ਵਿਘਨ) ਇਹ ਬੜੀ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਪਬਲਿਕ ਨਾਲ, ਬੜਾ ਧੱਕਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ......(ਵਿਘਨ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਬਾਹਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਾਉ......(ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਰੂਲ 84 ਦੇ ਥਲੇ ਕੋਈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦਾ...... (ਵਿਘਨ) (No such notice can be given under rule 84.) (*Interruption*).

ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਲਿਖ ਕੇ ਦਿੱਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ...(ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਅੱਜ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸਪਲਾਨੇਸ਼ਨ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਗਿਲ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕੋਈ ਮੌਕਾ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਕੋਈ ਮੌਕਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ, ਤੇ ਅੱਜ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਮੇਰੇ ਸੁਆਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤੇ ਦੋ ਘੰਟੇ ਲਈ ਜਾਂ ਇਕ ਘੰਟੇ ਲਈ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਰਖ ਲਈ ਜਾਵੇ (ਵਿਘਨ) ਜਿਹੜਾ ਗੋਲਮਾਲ ਹੋਇਆ ਹੈ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਵੇਗਾ। (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅੱਧੇ ਘੰਟੇ ਦੀ ਹੀ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਰਖ ਲਿੱਤੀ ਜਾਵੇ (ਵਿਘਨ)

Shri Manmohan Kalia : Mr. Speaker, whatever Mr. Saini has said without the permission of the Chair, should be expunged. (*Interruption*)

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि इस सदन में एक दूसरे पर चार्जिज और काऊंटर चार्जिज़ लगते रहे हैं और वे ऐक्सपंज नहीं होते रहे। अगर एक मैम्बर चार्जिज़ लगाता है और दूसरा काऊंटर चार्जिज लगाता है तो वे रिमार्कस ऐक्सपंज नहीं किये जा सकते। सरदार प्रताप सिंह जी के खिलाफ चार्जिज़ लगे और काऊंटर चार्जिज लगे (विघ्न) और कमिशन मुकर्रर हुआ (विघ्न) आज भी इस सदन में एक दूसरे के खिलाफ जो चार्जिज़ लगे हैं, उनके बारे में इन्क्वायरी होनी चाहिए (विघ्न)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੀ ਕਰੀਏ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਇਸ ਮੋਸ਼ਨ ਦਾ ਜਵਾਬ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ ਸੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦਸਤਖਤ ਸਾਡੇ ਪਾਸ ਮੌਜੂਦ ਹਨ, ਪਰ ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ। (The reply to this motion was sent to the hon. Member. We have got his signatures, but what can be done if he still denies its receipt.)

चौधरी बलबीर सिंह : मेरा प्वायंट ग्राफ ग्रार्डर यह है कि वह बात ऐक्सपंज नहीं की जा सकती ।

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : ਅਗਰ ਸਪੀਕਰ ਪਰਮਿਟ ਕਰ ਦੇਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਮਰਜ਼ੀ ਮੈਂਬਰ ਕਹੇ ਪਰ ਅਗਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਸਪੀਕਰ ਨੇ ਪਰਮਿਟ ਨਾ ਕੀਤਾ ਹੋਵੇ ਦੇਨ ਦੇਟ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਸ਼ੁਡ ਬੀ ਐਕਸ-ਪੰਜਡ।

चौधरी बलबीर सिंह : मैं बोल रहा था, इन्होंने बीच में बोलना शुरु कर दिया । क्या यह आपकी इजाजत लेकर बोले हैं ? यहां पर चार्जिज ग्रौर काऊंटर चार्जिज लगते रहे हैं। अध्यक्ष उनको अपनी मर्जी से ऐक्सपंज नहीं कर सकता, कोई कमेटी मुकर्रर की जा सकती है। ऐसी कमेटियां बनती रही हैं। चैलेंज होते हैं कि हम साबत करेंगे काऊंटर चार्जिज़ लगते है, वह ऐक्सपंज नहीं किये जा सकते, वह सदन के रिकार्ड में रहें। ग्रौर कोई ग्रादमी उनको इस्तेमाल कर सकता है ।

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਮਸਲਾ ਸੈਣੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਉਠਾਇਆ ਹੈ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਸੋਮਵਾਰ ਨੂੰ ਇੰਡਸਟਰੀ ਬਾਰੇ ਇਸ ਸਵਾਲ ਵੇਲੇ ਕਾਫੀ ਬਹਿਸ ਹੋਈ ਸੀ............

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਕਿਸ ਗੱਲ ਤੇ ਬੋਲ ਰਹੇ ਹੋ ? (On what motion is the hon. Member speaking ?)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਤੇ ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਜੋ ਇਸ ਵੇਲੇ ਇਥੇ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਦਾ ਮੈਟਰ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। (ਵਿਘਨ) Please resume your seat. (A point of order is not a matter of discussion. Please resume your seat.)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਸਵਾਲ ਬੜਾ ਇੰਪਾਰਟੈਂਟ ਹੈ ਆਪ ਇਸ ਤੇ ਦੋ ਘੰਟੇ ਦੀ ਬਹਿਸ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਦਿਉ।

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕੀ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਆਪ ਦੀ ਆਗਿਆ ਦੇ ਬਿਨਾਂ ਬੋਲ ਸਕਦਾ ਹੈ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker : Certainly not.

Shri Manmohan Kalia : Then that statement should be expunged.

Mr. Speaker : I read out Rule 100—

"The matter of every speech shall be strictly relevant to the matter Before the Assembly.

A member while speaking shall not—

(ii) use the name of person in high authority for the purpose of influencing the debate, and

(iii) utter treasonable, seditious, defamatory or offensive words."

चौधरी बलबीर सिंह: मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि इस हाउस में ही नही बल्कि पार्लियामैंट, जिस का हम अनुसरण करते हैं, में भी श्री मुन्धड़ा के विरुद्ध श्री कृष्णमचारी के खिलाफ भी इलजाम लगे और कमेटियां बनीं और इनक्वायरीज हुईं ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸਬਸਟਾਂਟਿਵ ਮੋਸ਼ਨ ਲਿਆ ਸਕਦੇ ਹੋ । (You can move a substantive motion against them).

चौधरी बलबीर सिंह: कई वजीरों के खिलाफ इल्जाम लगे, कमेटियाँ बनीं स्पैशल इन्क्वायरीज सी. बी. आई. को सौंपी गईं ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਰੂਲਜ਼ ਵਿਚ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਲੇਡ ਡਾਊਨ ਹੈ, ਤੁਸੀਂ ਸਬਸਟਾਂਟਿਵ ਮੋਸ਼ਨ ਲਿਆ ਸਕਦੇ ਹੋ । (The procedure for this is laid down in the Rules; you can give notice of a substantive motion.)

चौधरी बलबीर सिंह : अगर कोई मैंबर स्पीच करता है और चार्जिज़ लगाता है. . . . .

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੀ ਸਪੀਚ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ ? (Was he delivering speech ?)

Shri Manmohan Kalia : Sir, the hon. Member is misleading the House and he is speaking without the permission of the Chair.

Mr. Speaker : Shri Manmohan Kalia please take your seat.

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮਦਾਸ ਟੰਡਨ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਕੇਂਦਰੀ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਾਲ ਮੈਂ ਕੁਝ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਤੇ ਰੋਸ਼ਨੀ ਪਾਉਣ ਲਈ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕਰਕੇ ਜਨਸੰਘ ਨੂੰ ਸਾਂਝੀ ਸਰਕਾਰ ਵਿਚੋਂ ਨਿਕਲਣਾ ਪਿਆ । (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਦੋਸਤ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਬੇਸ਼ਕ ਜਿੰਨੀਆਂ ਮਰਜ਼ੀ ਕਰੀ ਜਾਣ ਪਰ ਫੈਕਟਸ ਤਾਂ ਫੈਕਟਸ ਹੀ ਰਹਿਣਗੇ। ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਸ਼ਾਇਦ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੋਚ ਰਹੇ ਹਨ, ਕਿਸੀ ਗੱਲ ਦੇ ਐਸਪਾਇਰੈਂਟ ਹੋਣ । ਪਰ ਰੌਲਾ ਪਾਉਣ ਨਾਲ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਬਣਦੀ (ਵਿਘਨ) ਸਾਰੀ ਗੱਲ ਸਾਹਮਣੇ ਆ ਜਾਵੇਗੀ । (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker: Order please.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਨੂੰ ਆਪਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰੱਖਾਂ.........

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪਦਾ ਧਿਆਨ ਇਸ ਗੱਲ ਵਲ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਜੋ ਗਲ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਲਿਖਤੀ ਰੂਪ ਵਿਚ ਆਪ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ 24 ਘੰਟੇ ਪਹਿਲਾਂ ਲਿਆ ਦਿੱਤੀ ਸੀ ?

Mr. Speaker: Points are there. Rules have been strictly complied with.

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਬਾਰੇ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ । (No point of order can be raised about the statement.)

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਉਸ 24 ਘੰਟੇ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਛੁੱਟੀ ਦਾ ਦਿਨ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਸੀ ?

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਸ ਦਾ ਨੋਟਿਸ 24 ਜੁਲਾਈ ਨੂੰ ਮਿਲਿਆ ਸੀ । (The notice was received on the 24th July.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਮੈਨੂੰ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੇਰੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦਾ ਕੀ ਦੁਖ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੁਖ ਹੋਣਾ ......

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਬ, ਲੋਕ ਸਭਾ ਦੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਬੜੇ ਕਲੀਅਰ ਰੂਲਜ਼ ਹਨ ਅਤੇ ਉਥੇ ਦੇ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਬੜਾ ਕਲੀਅਰ ਡੀਸੀਜ਼ਨ ਦਿੱਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕਰਨ ਦੇ ਰੀਜ਼ਨਜ਼ ਵੈਲਨੋਨ ਹੋਣ ਤਾਂ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਮਿਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦਾ ਇਖਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਜਗ੍ਹਾ ਜਗ੍ਹਾ ਜਲਸੇ ਕਰਕੇ ਸਟੇਟਮੈਂਟਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਉਂ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕੀਤਾ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਆਪ ਨੂੰ ਕੁਝ ਭੁਲੇਖਾ ਹੈ, ਉਹ ਸਪੀਕਰ ਦੀ ਰੂਲਿੰਗ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਪੰਡਿਤ ਜੀ ਦੀ ਆਬਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨ ਹੈ ਕਿ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨਾ ਮੇਨਨ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕਰਨ ਦੇ ਰੀਜ਼ਨਜ਼ ਆਬਵੀਅਸ ਹਨ......... (There is some misunderstanding, that is not the Speaker's ruling; that is an observation of Pandit Ji that reasons for resignation of Shri Krishna Menon are obvious).

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲ, ਦੀ ਕਿਤਾਬ ਵਿਚ ਕਲੀਅਰ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਉਹ ਲਫਜ਼ ਪੰਡਿਤ ਜੀ ਦੇ ਹਨ । ਇਹ 9 ਨਵੰਬਰ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ...(ਵਿਘਨ).. ਆਉਟਗੋਇੰਗ ਮਿਨਿਸਟਰ ਰਜ਼ਾਮੰਦ ਨਹੀਂ ਸੀ ...(ਵਿਘਨ) ਰੂਲਜ਼ ਕਲੀਅਰਲੀ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕਰਦੇ ਹਨ...(Those are Panditji's words. It happened on the 9th

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

November (*Interruption*) The outgoing Minister was not willing (*Interruption*) The Rules clearly provide....

Minister for Finance : Sir, I have the impression and if I remember correctly this is the decision of the Speaker himself and not a part of the debate.

Mr. Speaker: Where do you quote this from ?

Minister for Finance: Sir, this is according to the book by Kaul and Shakdher.

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਦਿਵਾਨੀ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਵਕੀਲ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗਲ ਕਰੇ ਤਾਂ ਜੱਜ ਉਸ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਕੱਢ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਪਰ ਇਥੇ ਐਫ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਰੂਲਿੰਗ ਲਭ ਲਉ । ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ।

Mr. Speaker : I have to fully satisfy the hon. Members.

Sardar Gurnam Singh : The rule is quite clear. The hon. Finance Minister can himself read that.

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇਣ ਲਈ ਐਲਾਓ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿਲ ਨੂੰ ਵੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤਾ ਤੇ ਹੁਣ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਐਲਾਓ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

Minister for Finance : Sir, I would request you to refer to page 543 of the book entitled 'Practice and Procedure of Parliament' by Kaul and Shakdher" Under the heading 'Statement by a Minister who has resigned' it has been stated—

> "Moreover where the grounds which led to the resignation are well known such a statement may not be necessary. "

It is very clear ruling .

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਫੁਟ ਨੋਟ ਵੀ ਵੇਖ ਲਉ ਕਿ ਇਹ ਲਫਜ਼ ਕਿਸ ਨੂੰ ਰੇਫਰ ਕਰਦੇ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) (I would request the hon. Finance Minister to see foot-note thereto to verify the matter to which those refer.) (*Interruption*) (*Noise*)

Minister for Finance : Sir this is a ruling by the Speaker. He has said—

> "Though it is customary for a Minister who has resigned his office to make a statement in the House explaining the reason for his resignation, he is not bound to make such a statement and the Speaker can not compel him to do so. Moreover where the grounds which led to the resignation are well known, such a statement may not be necessary.

Sir, it is a part of the ruling given by the hon. Speaker of the Lok Sabha. It was on similar grounds that you did not allow Sardar Gurnam Singh and late Sardar Lachhman Singh Gill, former Chief Ministers, to make statements on the floor of the House.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Pan

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਤੁਸੀਂ ਰੈਫਰੈਂਸ ਕੀਤੀ ਹੈ ਇਹ ਲੋਕ ਸਭਾ ਦੀ ਡੀਬੇਟ ਮਿਤੀ 9 ਨਵੰਬਰ, 1962 ਦਾ ਸਫਾ 358 ਤੇ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਰੂਲਿੰਗ ਨਹੀਂ। ਇਹ ਸ਼ਬਦ ਲੇਟ ਪੰਡਤ ਜਵਾਹਰ ਲਾਲ ਨਹਿਰੂ ਜੀ ਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। (The matter referred to by the hon. Finance Minister appears in the Lok Sabha Debates dated 9th November, 1962 at page 358. This is not the Ruling given by the hon. Speaker of Lok Sabha. These are the words of Late Pandit Jawahar Lal Ji Nehru. I read them out) :—

> "It is customary that a Minister who is resigning makes a statement before the House. Shri Krishna Menon put it to me whether it was necessary on this occasion to do so. I thought that as we were discussing this matter fully, not his resignation but the whole matter and the resolutions before the House, and the facts are fairly well-known, it is not really necessary, unless the House so desires for him to make a statement here. That is the position ."

(Interruption and Noise in the House)

Minister for Finance : If this is your ruling, then I submit to it.

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਦੋਵੇਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਇਕਠੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਤਾ ਹੈ। ਸੰਨ 1967 ਵਿਚ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਨੇ ਅੱਡ ਅੱਡ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਲੜੇ ਅਤੇ ਅੱਡ ਅੱਡ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਲੜ ਕੇ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਵਿਚ ਆਏ। ਇਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਜੋ ਨਿਕਲਿਆ ਇਹ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਸਮੇਂ ਜਿਹੜੀ ਪਾਰਟੀ ਰੂਲਿੰਗ ਸੀ ਇਲੈਕਸ਼ਨਾਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹ ਮਾਈਨਾਰੇਟੀ ਵਿਚ ਆ ਗਈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕਈ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰਾਬਲਮਜ਼ ਸਨ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਰੀਆਰਗੇਨਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਨਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਹੋਰ ਕਈ ਗੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੈਟਲ ਕਰਨਾ ਸੀ। ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਇਕ ਨਵੀਂ ਪੋਲੀਟੀਕਲ ਪਿਕਚਰ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਈ। ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜਿਹੜਾ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਸੀ ਉਹ ਆਜ਼ਾਦੀ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਉਸ ਵੇਲੇ ਤਕ ਅਤੇ ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਜਿਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਤਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਕ ਨੈਰੋ ਵਿਜ਼ਨ ਸੀ, ਇਕ ਖਾਸ ਕਮੂਨਿਟੀ ਲਈ ਸਹੂਲਤਾਂ ਅਤੇ ਰਿਆਇਤਾਂ ਦੀ ਮੰਗ ਸਰਵਿਸਾਂ ਵਿਚ ਅਤੇ ਇਕ ਖਾਸ ਧਰਮ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖ ਕੇ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਨੇ ਆਪਣੀ ਬੁਨਿਆਦ ਰਖੀ ਹੋਈ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸੇ ਬੇਸਿਜ਼ ਤੇ ਉਹ ਉਸ ਸਮੇਂ ਤਕ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਆ ਰਹੇ ਸਨ। ਅਤੇ ਲੀਡਰਸ਼ਿਪ ਪੁਰਾਣੀ ਹੀ ਰਹੀ। ਫਿਰ ਜਦ ਲੀਡਰਸ਼ਿਪ ਬਦਲੀ ਤਾਂ ਉਸ ਲੀਡਰਸ਼ਿਪ ਨੇ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਦੀ ਇਕ ਖਾਸ ਸ਼ਕਲ ਨਿਖਾਰਨ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਉਸ ਨਵੀਂ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਵੀ ਲਿਮਿਟਿਡ ਵਿਯੂ, ਸੈਕਟੇਰੀਅਨ ਵਿਯੂ ਅਤੇ ਰਿਲੀਜਨ ਤਕ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਸੀਮਿਤ ਕਰ ਲਿਆ। ਫਿਰ ਇਸ ਵਿਯੂ ਨੂੰ ਛਡ ਕੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਲਈ ਸਾਰੇ ਦੇ ਸਾਰੇ ਤਬਕੇ ਨੂੰ ਨਾਲ ਲਿਆ ਅਤੇ ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਤਰਕੀ ਦੇ ਰਾਹ ਤੇ ਪਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਬਾਰਡਰ ਦਾ ਸੂਬਾ ਸੀ ਅਤੇ ਖਾਸ ਹਾਲਾਤ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਏ ਜਦ ਕਿ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨਾਲ ਲੜਾਈ ਲੜੀ ਗਈ ਸੀ। ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੰਮ ਕੀਤਾ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

चौधरी बलबीर सिंह : व्यवस्था का प्रश्न। टंडन साहिब ने आज से 20 साल पहले के इतिहास और तारीख को सुनाना शरू कर दिया है। जो बातें वह कह रहे हैं इनका

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

इस स्टेटमैंट से कोई संबंध नहीं (विघ्न) यहां पर यह कहना कि आजादी की लड़ाई में क्या हुआ और 1950 में क्या हालात पैदा हुए उससे पहले थे या नहीं, ठीक नहीं । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अकाली दल के साथ युनाइटिड फ्रंट की सरकार 1967 में बनी थी और फिर गिल सरकार उसके टूटने पर आई । इसके बाद फिर अकाली जनसंघ का अलाएंस हुआ और यह उस में शामिल हो गए तो क्या इन्हें 1967 में उनके सैक्टेरियन होने का पता न था । यह तो खुद सैकुलरिज़म का नाहरा देते रहे और आपस में मुहब्बत की डींग मारते रहे और शिव शंकर भोले भंडारी कहते रहे । उस वक्त इन्हें अकालियों का आऊटलुक नैरो नजर न आया और मिनिस्ट्री जनसंघ और अकालियों की थी । अब यह कहना कि यह कोलीशन को लात मार कर निकल आए हैं (विघ्न) 1967 में इलैक्शन्ज़ हुए पंजाब की तकसीम हुई और पंजाबी सूबा बना । (विघ्न) (शोर)

श्री मनमोहन कालिया : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। क्या यह प्वायंट आफ आर्डर रेज़ कर रहे हैं या स्पीच दे रहे हैं ? (विघ्न)

चौधरी बलबीर सिंह : यह तो चेयर ने डिसाईड करना है आप ने नहीं । (विघ्न) (शोर) ।

श्री मनमोहन कालिया : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । (विघ्न).

चौधरी बलबीर सिंह : मैं भी प्वायंट आफ आर्डर पर खड़ा हूँ । (विघ्न)

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : ਮੇਰਾ ਤਾਂ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਤੇ ਖੜਾ ਹੋ ਕੇ ਸਪੀਚ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

Mr. Speaker:- Please resume your seat. (*Interruptions*)

Shri Manmohan Kalia:- Sir, he is not on a point of order but he is making a speech. (*Interruptions*) (*Noise*).

Mr. Speaker : Please resume your seat .

चौधरी बलबीर सिंह : टंडन साहिब कारण बता दें कि क्यों उन्होंने वज़ारत को छोड़ा । इसके अलावा किसी इतिहास में जाने की ज़रूरत नहीं और इस तरह का ज़िक्र करने की क्या जरूरत है कि 1967 में इलैकशन्ज में क्या हुआ और 1969 में क्या हुआ । (शोर) ।

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ......(ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Please resume your seat.(*Interruptions*)

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਤੇ ਸਪੀਚ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ । (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker : Please resume your seat .

I would request Shri Tandon not to make a lengthy speech but give a statement on the points which have been sent to me earlier by him. (*Interruptions*) (*noise*).

Sardar Gurnam Singh : On a point of Order, Sir. The Rule says—

"A member who has resigned office of Minister may, with the consent of the Speaker, make a personal statement in explanation of his resignation ."

ਇਸ ਗੱਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਕਿ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਦਾ ਪਿਛੇ ਕੀ ਸਿਧਾਂਤ ਸੀ ਅਤੇ ਇਹ ਕੀ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕਹਿੰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ।

चौधरी बलबीर सिंह : यहां पर किसी पार्टी के सिद्धांतों का संबंध नहीं । इन्होंने अस्तीफा दिया उसके मुताल्लिक ही बात आ सकती है । (विघ्न)

कैप्टन रत्न सिंह : आन ए प्वायंट आफ़ आर्डर, सर । (विघ्न)

चौधरी बलबीर सिंह : मेरा निवेदन इस लिये यह है कि इन्हें पुराने इतिहास का जिक्र करने से रोक देना चाहिए । (विघ्न)

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : ਕੀ ਕਿਸੇ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਬਿਨਾਂ ਤੁਹਾਡੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਬੋਲਣ ਦੀ ਖੁਲ੍ਹੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੈ ?

Mr. Speaker : Please resume your seat.(*Interruptions*)

Shri Manmohan Kalia : But Sir, he has no right to speak without your permission. (*noise*) (*Interruptions*)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਵਜ਼ੀਰ ਰਹੇ ਹੋ, please resume your seat. (The hon. Member has himself been a Minister, he may please resume his seat.)

Captain Rattan Singh : Sir, I refer to Rule 62 and it is very clear. Under the rule a Member who has resigned the office of Minister has a right to make a statement but he can make only a personal statement explaining the reasons which led to his resignation. So far whatever, my hon. friend Shri Tandon has said he has not mentioned any personal reasons which led to his resignation. He is talking about the past policies and views of the Jan Sangh and Akalis. Is he required to do that? Under the rules he has a right to make only a personal statement. Even Shri Kalia and other Members who have resigned from the Ministry can give personal statements. They can give reasons which led to their resignation but the reasons should be personal. So my submission is that Mr. Tandon can make only a personal statement.

चौधरी बलबीर सिंह : मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि सफा 36 पर एक रूल 62 यह है कि:—

"A member who has resigned the office of Minister may, with the consent of the Speaker make a personal statement in explanation of his resignation."

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

और उसके साथ ही दूसरा यह है कि :—

"A copy of the statement shall be forwarded to the Speaker and the Leader of the House one day in advance of the day on which it is proposed to be made.

आगे चल कर इसमें लिखा है कि :—

'Provided that in the absence of a written statement the points or the gist of such statement shall be conveyed to the Speaker and the Leader of the House one day in advance of the day on which it is proposed to be made.

फिर थोड़ी सी रियायत और मिल गई है कि :—

'Such statement shall ordinarily be made after question hour and before the business on the list for the day is entered upon.'

क्या आपको इनका कोई रिटन स्टेटमैंट मिल गया है जिस पर यह बोल रहे हैं ? लीडर आफ दी हाऊस देखें कि आया उनको बोलने का कोई हक है ?

Sirdar Kapur Singh : Mr Speaker, we have been at this point for quite a time now. The Rules are quite clear that when Minister resigns he has right to make a statement about the reasons which led to his resignation.The relevant rule has been read out by my hon. friend Sardar Gurnam Singh. The hon. Ex -Minister that now he is on his feet to apprise the House of the reasons which led to his resignation, if he makes a few introductory remarks and does not dilate too much on the thesis and principle involved ,then it is absolutory in order and it is only graceful and in keeping with the dignity of the House that he should be allowed to make his statement without interruption. This is my submission.

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਕਰ ਅਤੇ ਆਬਕਾਰੀ (ਸਰਦਾਰ ਨਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ) : ਮੈਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਾਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹੜੇ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਆਪਣੇ ਦਾ ਯਾ ਏਧਰ ਦੇ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਦਾ ?

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਸ਼ਾਇਦ ਓਦੋਂ ਸੁਤੇ ਪਏ ਸੀ ਜਦੋਂ ਮੈਂ ਇਹ ਗਲ ਕਹੀ ਸੀ—ਇਸੇ ਕਰਕੇ ਮੈਨੂੰ ਫੇਰ ਬੋਲਣਾ ਪਿਆ ਹੈ । (ਹਾਸਾ)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਾਲ ਮੈਂ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਬੜੇ ਥੋੜ੍ਹੇ ਲਫਜ਼ਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਆਪਣਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਵਿਊ ਰਖਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਾਂਗਾ। ਮੇਰੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਕੁਝ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਹੀ ਪਰਸਨਲ ਗਰਾਊਂਡ ਤੇ ਕਹੀਆਂ ਹਨ । ਪਰ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਵਾਕਫੀਅਤ ਲਈ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਇਕ ਇਸ਼ੂ ਤੇ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕੀਤਾ ਉਹ ਸਾਰੇ ਦੇ ਸਾਰੇ ਨਾ-ਅਹਿਲ ਨਹੀਂ ਕਹੇ ਜਾ ਸਕਦੇ। ਇਕ ਦੋ ਹੁੰਦੇ ਤਾਂ ਵਖਰੀ ਗੱਲ ਸੀ, ਪਰ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਪਾਰਟੀ ਨੇ ਰੀਜ਼ਾ-ਈਨ ਕੀਤਾ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਸੁਣਕੇ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਰਵੱਈਆ ਧਾਰਨ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿ ਪੂਰੀ ਗਲ ਕਹਿਣ ਲਈ ਮੌਕਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ (ਸ਼ੋਰ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਵਿਚ ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਕੋਈ ਗੱਲ ਨਹੀਂ, ਅਜਿਹੀ ਸਟੇਟ-ਮੈਂਟ ਦੇ ਬਾਰੇ ਰੂਲਜ਼ ਬੜੇ ਹੀ ਸਟਰਿਕਟ ਹਨ, ਜੇ ਕਹੋ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾ ਦੇਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਰੂਲਜ਼ ਇਸ ਦੇ ਮੁਤਲਿਕ ਕੀ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ। (*Addressing Shri Balram Dass Tandon* : There is nothing to feel surprised. Rules are very strict with regard to such a statement. If the hon. Member desires, I can read them in the House.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਠੀਕ ਹੈ ਜੀ ਤੁਹਾਡਾ ਫੁਰਮਾਣਾ, ਇਹ ਕਲੀਅਰ ਹਨ। ਪਰ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਏਥੇ ਕੁਝ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਰਾਹੀਂ ਅਸੀਂ ਇਕਠੇ ਹੋਏ ਅਤੇ ਉਹ ਗੱਲਾਂ ਕੀ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕਰਕੇ ਅਸੀਂ ਅਲਗ ਹੋ ਗਏ।

Mr. Speaker : Please confine your remarks to the scope of your personal explanation.

ਸਰਦਾਰ ਸੰਤ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਤੁਹਾਡੀ ਯੱਗਦੱਤ ਦੇ ਬਿਆਨ ਨਾਲ ਅਜੇ ਤਸੱਲੀ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ?

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਉਹ ਵੀ ਸਾਰਾ ਕੁਝ ਦਸ ਦੇਂਦਾ ਹਾਂ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੜੇ ਆਰਾਮ ਦੇ ਨਾਲ ਸੁਣਿਆ ਹੈ, ਹੁਣ ਉਹ ਮੇਰੀ ਗੱਲ ਵੀ ਆਰਾਮ ਨਾਲ ਹੀ ਸੁਣਨ। ਮੈਂ ਬਾਸੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਤੇ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨ। ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪਦੇ ਰਾਹੀਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਪ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹੋ ਕਿ ਉਹ ਮੇਰੀ ਗੱਲ ਸੁਣਨ ਦੀ ਹਿੰਮਤ ਕਰਨ। ਮੇਰੇ ਲਈ ਇਹ ਵਾਜਬ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਵਿਚਾਰ ਛੇਤੀ ਛੇਤੀ ਰੱਖਾਂ ਅਤੇ ਪੂਰੀ ਗਲ ਵੀ ਨਾ ਸਮਝਾ ਸਕਾਂ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਜਿਸ ਦਿਨ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੈਂ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਲਗਾ ਸੀ ਤਾਂ ਉਸ ਦਿਨ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਬੜਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਕਰਦੇ ਸਨ, ਅਜ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਆਪਣੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰੋ।

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ: ਮੈਂ ਇਹ ਗਲ ਕਹਿਣੀ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਸੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਪਰ ਏਥੇ ਮੇਰੇ ਇਕ ਬਜ਼ੁਰਗ ਦੋਸਤ ਨੇ ਇਹ ਗਲ ਕਹਿਕੇ ਇਕ ਡਿਫੀਟ ਨੂੰ ਰੈਜ਼ਿਗਨੇਸ਼ਨ ਦੇ ਨਾਲ ਜੋੜਿਆ ਹੈ। ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਜੋੜਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਵੀ ਹਾਲਾਤ ਦੀ ਸਿਤਮ ਜ਼ਰੀਫੀ ਹੈ ਉਦੋਂ ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਉਸ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ ਨਾਲ ਸੀ। (It is rather strange that the hon. Member was also associated with that Government.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਦੋਂ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਹਾਰ ਹੋਈ ਸੀ, ਉਸ ਵੇਲੇ ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਆਪਣੀ ਰੂਲਿੰਗ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ ਅਤੇ ਕਈ ਗੱਲਾਂ ਵਿਚ ਬੜੀ ਕਾਂਟਾ ਛਾਂਟੀ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਉਸ ਵੇਲੇ ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਬੜੇ ਸਖਤ ਸੌ ਪਰ ਹੁਣ ਬੜੇ ਲਿਬਰਲ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦੇ ਹੋ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਇਹੋ ਗਲ ਕਹੀ ਸੀ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਸ਼ਖ਼ਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਡਿਫੈਂਡ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ਉਸ ਦਾਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਹੁਣ ਵੀ ਮੈਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਇਹੋ ਹੀ ਕਹਾਂਗਾ । (I had stated at that time that a person who could not defend himself in the House should not be referred to here, and I would say so even now.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਵੀ ਤੁਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹੋ ਮੈਂ ਉਸ ਤੇ ਜ਼ਰੂਰ ਅਮਲ ਕਰਾਂਗਾ ਪਰ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਲਈ ਤਾਂ ਆਖਿਰ ਮੌਕਾ ਮਿਲੇ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਜਨਾਬ ਨੇ ਹੁਣੇ ਹੁਕਮ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਜਨਾਬ ਨੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਅਮੈਂਡ ਕਰਕੇ ਦੇਣ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਸੀ । ਪਰ ਜਨਾਬ ਏਥੇ ਕੋਈ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਤਾਂ ਮੌਜੂਦ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜੋ ਮੂੰਹ ਵਿਚ ਆਵੇਗਾ ਉਹ ਕਹਿ ਛੱਡਣਗੇ । ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇਣ ਦਾ ਇਹ ਤਰੀਕਾ ਤੁਹਾਡੇ ਆਪਣੇ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਵਿਯੂ ਤੋਂ ਹੀ ਗਲਤ ਹੈ । ਜਦੋਂ ਕਿ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ 24 ਘੰਟੇ ਪਹਿਲਾਂ ਰਿਟਨ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਲਏ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿੱਤੀ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦੀ । ਇਸ ਲਈ ਬਗੈਰ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੀ ਕਾਪੀ ਦੇ ਇਹ ਇਜਾਜ਼ਤ ਇਲਲੀਗਲ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਤੁਸੀਂ ਕਹਿ ਲਓ ਮੈਂ ਫਿਰ ਖੜਾ ਹੋ ਜਾਵਾਂਗਾ (ਵਿਘਨ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਨੰਬਰ ਹੈ ਮੈਂ ਦੂਸਰੇ ਤੇ ਆਉਂਦਾ ਹਾਂ । (ਵਿਘਨ) (ਹਾਸਾ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਦਸ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ 1967 ਦੀਆਂ ਇਲੈਕਸ਼ਨਜ਼ ਤੋਂ ਬਾਦ ਅਸੀਂ ਇਕਠੇ ਹੋਏ ਅਤੇ ਕੁਝ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਬਣਾਇਆ । ਅਸੀਂ ਖੰਨੇ ਵਿਚ ਫਰਵਰੀ, 1967 ਵਿਚ ਇਕਠੇ ਹੋਏ ਸੀ । (ਵਿਘਨ) ਉਸ ਵੇਲੇ ਕੁਝ ਮੋਟੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਤੇ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਮੋਟੀਆਂ ਗਲਾਂ ਇਹ ਸਨ ਕਿ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦੀ ਕੋਈ ਰਿਆਇਤ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕਾਸਟ, ਕਰੀਡ ਜਾਂ ਰਿਲੀਜਨ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਹਿੰਦੀ ਨੂੰ ਨੈਸ਼ਨਲ ਲੈਂਗੁਏਜ ਮੰਨਿਆ ਅਤੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਹੋਇਆ ਕਿ ਕਿਸੇ ਵੀ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੀ ਹੋਮ ਲੈਂਡ ਦੀ ਮੰਗ ਨੂੰ ਸਨਬ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । ਔਰ ਫਿਰ ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਪ੍ਰੋਗਰੈਸਿਵ ਬਣਾਉਣ ਵਾਸਤੇ, ਇਸ ਨੂੰ ਇਕ ਅੱਛੀ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਮੁਹਈਆ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ, ਦੋਨਾਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਬਣੀ ।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, 1967 ਵਿਚ ਦੋ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨਹੀਂ ਸੀ ਬਣੀ ਸਗੋਂ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੀ ਸਾਂਝੀ ਸਰਕਾਰ ਬਣੀ ਸੀ ।

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਜੀ ਹਾਂ ਇਕ ਸਾਂਝੀ ਸਰਕਾਰ ਬਣੀ ਸੀ ।(ਆਵਾਜ਼ਾਂ: ਸਤ ਅਨਾਜਾਂ ਸਰਕਾਰ ਬਣੀ ਸੀ ।) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਮੇਜਰ ਸਾਹਿਬ ਅਤੇ ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ । (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਦਸ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਸਾਂਝੀ ਸਰਕਾਰ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਦੇ ਮਾਤਹਿਤ ਕੰਮ ਕਰਦੀ ਰਹੀ । ਮੈਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਸਰਕਾਰ ਉਸ ਵੇਲੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਵਿਚ ਜਿਤਨੀਆਂ ਸਰਕਾਰਾਂ ਸੀ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਕਾਂਗਰਸੀ ਸਨ ਜਾਂ ਗੈਰ ਕਾਂਗਰਸੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਵਿਚੋਂ ਐਫੀਸ਼ੈਂਟ ਸਰਕਾਰ ਸੀ। ਪੰਜਾਬ ਨੂੰ ਇਕ ਐਫੀਸ਼ੈਂਟ ਸਰਕਾਰ ਮੁਹਈਆ ਕੀਤੀ ਗਈ । ਜਿਸ ਤੋਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਕ ਨਵਾਂ ਤਜਰਬਾ ਹੋਇਆ ਕਿ ਕੋਈ ਗੈਰ ਕਾਂਗਰਸੀ ਸਰਕਾਰ ਵੀ ਕਿਤਨਾ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਇਕ ਨਵਾਂ ਨਮੂਨਾ ਦੇਖਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲਿਆ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੀ ਸੀ ਤਾਂ ਰੂਲਿੰਗ ਗਰੁਪ ਵਿਚ ਡੀਫੈਕਸ਼ਨ ਹੋ ਗਈ ਤਾਂ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇਣਾ ਪਿਆ । ਡਿਫੈਕਟਰਜ਼ ਦੀ ਇਕ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਪਾਰਟੀ (ਕਾਂਗਰਸ) ਦੀ ਮਦਦ ਨਾਲ ਬਣੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ]

ਤਾਂ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਅਤੇ ਜਨਸੰਘ ਦੋਵੇਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕਠੀਆਂ ਬੈਠੀਆਂ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਹਾਲਾਤ ਠੀਕ ਰਖਣੇ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸੀ। ਕਿਉਂਕਿ ਪੰਜਾਬ ਇਕ ਬਾਰਡਰ ਦਾ ਸੂਬਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਬਾਰਡਰ ਤੇ ਇਕ ਉਹ ਦੁਸ਼ਮਨ ਬੈਠਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਪ੍ਰਿਡਿਕਟ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ਕਿ ਉਹ ਕਲ ਨੂੰ ਕੀ ਕਰੇਗਾ। ਪੰਜਾਬ ਸਾਰੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਢਾਲ ਹੈ, ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਦੇ ਹੋਇਆਂ ਅਸੀਂ ਇਕਠੇ ਰਹੇ ਅਤੇ ਕਦਮ ਨਾਲ ਕਦਮ ਮਿਲਾ ਕੇ ਚਲੇ। ਫਿਰ 1969 ਦੀਆਂ ਮਿਡ ਟਰਮ ਇਲੈਕਸ਼ਨਜ਼ ਹੋਈਆਂ। ਉਹ ਇਲੈਕਸ਼ਨਜ਼ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਨਾਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਨੇ ਇਕੱਠੀਆਂ ਹੀ ਲੜੀਆਂ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਚੋਣਾਂ ਵਿਚ ਕਾਂਗਰਸ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸ਼ਿਕਸਤ ਹੋਈ (ਵਿਘਨ) ਜਿੰਨੀਆਂ ਸੀਟਾਂ ਇਸ ਨੂੰ 1967 ਵਿਚ ਮਿਲੀਆਂ ਸੀ ਉਸ ਤੋਂ ਵੀ ਘਟ ਹੁਣ ਮਿਲੀਆਂ (ਵਿਘਨ) (ਆਵਾਜ਼ਾਂ: ਆਪਣੇ ਵਲ ਵੀ ਦੇਖ ਲਓ) ਸੁਣ ਤਾਂ ਲਓ ਸਹੀ ਗਲ ਹੀ ਕਰਾਂਗਾ। ਮੈਨੂੰ ਗਲਤ ਗਲ ਕਰਨ ਦੀ ਆਦਤ ਨਹੀਂ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ (ਵਿਘਨ) ਸੁਣ ਤਾਂ ਲਓ ਜ਼ਰਾ ਧੀਰਜ ਨਾਲ। (ਵਿਘਨ)

ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਰੂਲ 62 ਜਿਸ ਦੇ ਥੱਲੇ ਕਿ ਇਹ ਬੋਲ ਰਹੇ ਹਨ, ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕਰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਲਿਖਤੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਸਪੀਕਰ ਨੂੰ ਭੇਜ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜੇ ਲਿਖਤੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਪੁਆਇੰਟ ਸਪੀਕਰ ਅਤੇ ਲੀਡਰ ਆਫ਼ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਭੇਜ ਦੇਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਪੁਆਇੰਟ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 4 ਦਿੱਤੇ ਸਨ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਹ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲ ਵੀ ਹਨ ਅਤੇ ਜੋ ਬਾਦਲ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਭੇਜੇ ਸੀ ਉਹ ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਹਨ। ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਾਲ ਉਹ ਇਥੇ ਪੜ੍ਹ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪੁਆਇੰਟ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ —

1. Law and order position in the State -

2. Extreme corruption prevalent in the State both at the administrative level and above.

3. Complete breakdown of the administrative structure in the State and communal overtone made in the administrative structure of the State by the Akali Government.

4. Pledges given by the Akali Party regarding position of Hindi in the State Jurisdiction of Guru Nanak University, Amritsar. Complete extinction of Hindi from the Punjabi University, Patiala.

So, Sir, these are the four points on which Mr. Tandon should make his personal statement.

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਜ਼ਰਾ ਬਲਦੇਵ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਦਾ ਬਿਆਨ ਪੜ੍ਹ ਲੈਣ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹਿੰਦੀ ਦਾ ਮਸਲਾ ਬਿਲਕੁਲ ਸਦਾ ਵਾਸਤੇ ਹਲ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਜੋ ਇਸ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮੰਨਦੇ ਉਹ ਬਾਹਰ ਚਲੇ ਜਾਣ। (ਵਿਘਨ)

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਕੋਈ ਪੁਆਇੰਟ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵੀ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਨਹੀਂ, ਇਹ ਵੀ ਦਸ ਦਿਓ। (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ ਰਖ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਦੋਨਾਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੀ ਸਾਂਝੀ ਸਰਕਾਰ ਬਣੀ। (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

चौधरी बलबीर सिंह : व्यवस्था का प्रश्न । अध्यक्ष महोदय, 1969 के चुनाव के बाद 1970 तक यह गुरनाम सिंह की सरकार में रहे । वहां तक की बात यह नहीं कर सकते । इस मौजदा सरकार में तो यह एक अप्रैल, 1970 को शामिल हुए थे, उसके बाद की बात यह कर सकते हैं, पहले की नहीं । (थंपिंग)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ: ਜ਼ਰਾ ਧੀਰਜ ਨਾਲ ਸੁਣੋ ਤਾਂ ਸਹੀ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਕੁਝ ਮਿਹਰਬਾਨ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਦੇਣ ਤਾਂ ਮੈਂ ਹੁਣੇ ਹੀ ਸਪੀਚ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪੁਆਇੰਟਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੀ ਰਖ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਹੋਰ ਕਿਤਨਾ ਸਮਾਂ ਲਓਗੇ ? (How much more time will the hon. Member take ?)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਇਹ ਮੈਨੂੰ ਇੰਟਰਪਟ ਨਾ ਕਰਨ ਤਾਂ ਮੈਂ ਅੱਧੇ ਘੰਟੇ ਵਿਚ ਹੀ ਗੱਲ ਮੁਕਾ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਪਰ ਹੁਣ ਤਾਂ ਇਹ ਹਾਲਤ ਹੈ ਕਿ ਕੁਝ ਇਧਰੋਂ ਬੋਲ ਰਹੇ ਹਨ ਕੁਝ ਉਧਰੋਂ ਬੋਲ ਰਹੇ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਹੁਣ ਵੀ ਬੈਠੇ ਬੈਠੇ ਬੋਲੀ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।

Mr Speaker : Order, Order please (Noise and interruptions in the House.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਸ ਇਕਠੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਆਪਣੀ ਪਾਲਿਸੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦਿੱਤੀ ਔਰ ਉਸ ਵਿਚ ਉਹ ਜਿਹੜੀਆਂ ਗਲਾਂ ਹਨ ਉਹ ਸਾਰੀਆਂ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗਲਾਂ ਬਾਤਾਂ ਕੀਤੀਆਂ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਤਾਲੁਕ ਹੈ ਪਾਰਟੀ-ਤੌਰ ਤੇ ਇਕਠੇ ਹੋਏ । ਇਸ ਵਿਚ ਵਿਅਕਤੀ ਦਾ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਵਿਅਕਤੀ ਇਕ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਮਨਿਸਟਰ ਇਕ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਇਕ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਉਹ ਬੰਦੇ ਬਦਲ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਪਰ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ ਤਹਿ ਕੀਤੀਆਂ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਅਮਲ ਕਿੰਨਾ ਹੋਇਆ ਕਿੰਨਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ, ਇਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਉਹ ਗੌਰਮਿੰਟ ਕਿੰਨੀ ਚਲੀ ਹੈ, ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਸਾਨੂੰ ਬਾਹਰ ਆਉਣਾ ਪਿਆ, ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ । (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ, ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਵੱਲੋਂ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਾਰਾ ਜ਼ਮਾਨਾ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦਾ, ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਜ਼ਰ ਨਾ ਆਵੇ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਹੀ ਦੱਸੋ ਦਿਨ ਵੇਲੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦਾ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਦੇ ਵਿੱਚ ਮੈਨੂੰ ਬੜੇ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਥੋੜ੍ਹੀ ਦੇਰ ਦੇ ਬਾਅਦ ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਬਾਤਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਹਿ ਕਰਕੇ ਅਸੀਂ ਇਕਠੇ ਹੋਏ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਇਹ ਸੀਰੀਅਸਨੈਸ ਲੈਕੇ ਚਲੇ ਨਹੀਂ । ਜਿਸ ਭਾਵਨਾ ਨਾਲ ਅਸੀਂ ਆਪਸ ਵਿਚ ਇਕਠੇ ਹੋਕੇ ਚਲੇ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਥੋੜਾ ਜਿੰਨਾ ਫਰਕ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਉਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਇਆ । ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਮੀਡੀਅਮ ਆਫ ਇਨਸਟਰਕਸ਼ਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਆਇਆ । ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸਕੂਲਾਂ ਅਤੇ ਪਰਾਈਵੇਟ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ, ਇਹ ਸਮਸਿਆ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਈ ਤਾਂ ਇਸ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਹੋਇਆ ਲੇਕਿਨ ਬੜੇ ਅਫਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗਲਾਂ ਬਾਰੇ ਜਿਸ ਸਪਿਰਟ ਨਾਲ, ਜਿਸ ਭਾਵਨਾ ਨਾਲ ਇਹ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਸਨ ਉਸ ਸਪਿਰਟ ਉਸ ਭਾਵਨਾ ਨਾਲ ਅਮਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ । ਉਸ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਅਸੀਂ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਦੇ ਗਏ (ਸ਼ੋਰ) (ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

[ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ]

ਵਲੋਂ ਵਿਘਨ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਸਮਝਾਉ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਸ ਮਾਮਲੇ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਹਮੇਸ਼ਾਂ ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਈ ...

Mr. Speaker : Please be brief. You have taken too much time of the House. ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਤੁਸੀਂ ਕੋਈ ਦਿੱਤਾ ਨਹੀਂ, ਆਪਣੇ ਪੁਆਇੰਟ ਤੇ ਹੁਣ ਤਕ ਨਹੀਂ ਆਏ । (Please be brief. You have taken too much time of the House. You have not given any explanation. You have not even touched your points so far.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਮੈਂ ਇਕ ਲਫਜ਼ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਤਾਂ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ)

Sardar Gurnam Singh : Mr. Speaker, Sir, the hon. Member has given you definite points on which he wants to render explanation for his resignation. He is going wide off the mark. What happened in 1967, 1968 and 1969 or whatever the hon. Member is saying about the agreement between the parties is totally irrelevant. (*Interruptions*) I wish he had given his statement in writing and that could be read in the House. Sir, the points regarding his statement as mentioned by the Treasury Benches, are four and they are as under :-

1. Law and order.
2. Corruption in the State.
3. Complete breakdown of the administration.
4. Pledges regarding Hindi and Guru Nanak University.

I do not relish hon. Members interrupting him, but I wish to request the hon. Member to restrict himself to the four points given by him in writing to the Speaker for giving his explanation.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਦੇ ਇਸ ਰਿਮਾਰਕਸ ਨਾਲ ਲਫਜ਼ ਬਲਫਜ਼ ਸਹਿਮਤ ਹਾਂ । ਹੁਣ ਤਕ ਜੋ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਬਿਲਕੁਲ ਇਰਰੈਲੇਵੇਂਟ ਹੈ (ਥੰਪਿੰਗ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਿਲਕੁਲ ਸਪਸ਼ਟ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪੁਆਇੰਟਸ ਤੇ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਸਕੋਪ ਬੜਾ ਲਿਮਿਟਿਡ ਹੈ ਇਸ ਰੂਲ ਦੇ ਥੱਲੇ । (I am in complete agreement with this that whatever Mr. Tandon has said so far is quite irrelevant. (Thumping). He should confine himself strictly to the points stated by him as the scope of speech under this rule is very limited.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਮੈਂ ਜੋ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਹੈ ਤੁਹਾਡੀ ਪਰੇਜ਼ੈਂਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਹੈ; ਮੈਨੂੰ ਬੜਾ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਆਬਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨ ਮੈਨੂੰ ਸੁਣਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲਿਆ ਹੈ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ।

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਵੇਖੀ ਜਾਵੋ ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਉਸ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਦਸ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਚਾਰ ਪੁਆਇੰਟਸ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਏ ਹਨ । ਇਸ ਤੇ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ, ਫਰੀਡਮ ਫ਼ਾਈਟਰਾਂ ਦੀ ਪਾਰਟੀ ਤੇ ਇਲਜ਼ਾਮ ਤਰਾਸ਼ੀ ਕਰਨ । (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਦਾ ਸਾਰਾ ਪੁਰਾਣਾ ਇਤਿਹਾਸ 1919 ਤੋਂ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਤੇ ਅਟੈਕ ਕਰਨ ਹਿੰਦੀ, ਹਿੰਦੂ, ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ, ਇਕ ਕਮਿਊਨਿਟੀ, ਇਕ ਫਿਰਕੇ ਦੇ ਰਾਜ ਦਾ ਨਾਹਰਾ ਦੇਣ ਵਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਵੱਲੋਂ ਇਲਜ਼ਾਮ ਤਰਾਸ਼ੀ ਇਹ ਇਰਰੈਲੇਵੈਂਟ ਹੈ। ਜੋ ਕੁਝ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਰਰੈਲੇਵੈਂਟ ਆਖਿਆ ਹੈ, ਉਹ ਐਕਸਪੰਜ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

Mr. Speaker : Tandon Sahib, please be relevant.

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਮੈਂ ਬਿਲਕੁਲ ਜੋ ਚੀਜ਼ਾਂ ਕਹੀਆਂ ਹਨ ਉਥੇ ਹੀ ਆ ਰਿਹਾ ਹਾਂ । (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਉਥੇ ਰੈਫਰ ਕੀਤਾ ਪਾਰਟੀਆਂ ਇਕਠੀਆਂ ਹੋਈਆਂ (ਵਿਘਨ) ਜੋ ਗੱਲਾਂ ਹਨ ਉਹੀ ਮੇਰਾ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਹੈ ਹੋਰ ਮੈਨੂੰ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਇਰਰੈਲੇਵੈਂਟ ਕੀ ਹੈ। ਜੇ ਕੋਈ ਬੰਦੇ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਮਜਬੂਰ ਹਾਂ । (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਦਸ ਰਿਹਾ ਸੀ (ਵਿਘਨ) ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਠੀਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਚਲਾ ਸਕਦੇ ਹੋ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਉ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਥੋੜ੍ਹਾ ਜਿਹਾ ਸਹਿਯੋਗ ਦਿਉ, ਬਰੀਫ ਹੋ ਜਾਉ । (Please give some co-operation and be brief.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਤੁਹਾਡੇ ਹੁਕਮ ਬਗੈਰ ਮੈਂ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ । You are master of the House. (ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਵੱਲੋਂ ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : No interruption please.

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ,...... (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਤੁਸੀਂ ਪਰੋਵੋਕੇਟ ਤਾਂ ਹੋਣਾ ਨਹੀਂ । (The hon. Member should not get provoked.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਬ, ਮੈਂ ਦਸ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਮੀਡੀਅਮ ਆਫ ਇਨਸਟਰਕਸ਼ਨ ਦਾ ਤਾਲੁਕ ਹੈ ਉਸਦੇ ਬਾਰੇ ਪਰਾਈਵੇਟ ਸਕੂਲਾਂ ਦਾ ਸਵਾਲ ਜਦ ਆਇਆ ਤਾਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਇਹ ਗਲ ਕਹੀ ਗਈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਹਾਲੇ ਠਹਿਰ ਜਾਉ (ਵਿਘਨ) ਹਾਲੇ ਅਸੀਂ ਕਰ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ । ਉਹ ਗਲ ਉਸ ਵੇਲੇ ਨਾ ਕਰਕੇ ਇਕ ਪਾਲਿਸੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਈ । ਉਸ ਵੇਲੇ ਸਾਨੂੰ ਮਜਬੂਰ ਹੋਕੇ ਇਸ ਹਦ ਤਕ ਜਾਣਾ ਪਿਆ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਕਠੇ ਨਹੀਂ ਚਲਾ ਸਕਦੇ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਗਰ ਗਲ ਬਾਤ ਦੋ ਬੰਦਿਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਜਾਂ ਦੋ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਹੋਈ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਉਹਦੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀਆਂ ਗਲਾਂ ਤਹਿ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹੋਣ ਅਗਰ ਉਹ ਉਸ ਬਿਨਾ ਉੱਤੇ ਜੇ ਕਰ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਕਨਸੀਡ ਕਰਨਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਤਾਂ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ ਕਿ ਉਹਦੇ ਨਾਲ ਸਿਚੂਏਸ਼ਨ ਠੀਕ ਰਹਿ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ ਤਾਲੁਕ ਹੈ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਜਨਸੰਘ ਨੇ ਬੜੀ ਮਜ਼ਬੂਤੀ ਨਾਲ ਪੰਜਾਬੀ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਮੰਨਿਆ ਸੀ। ਲੇਕਿਨ ਅਸੀਂ ਹਿੰਦੀ ਵਾਸਤੇ ਜੋ, ਨੈਸ਼ਨਲ ਲੈਂਗੁਏਜ਼ ਹੈ, ਲਿੰਕ ਲੈਂਗੁਏਜ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਕਿਹਾ ਸੀ, ਅਸੀਂ ਸਮਝਿਆ ਕਿ ਜਦੋਂ ਇਥੇ ਵੱਡੀਆਂ ਗਲਾਂ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਰਿਆਰਗੇਨਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਵਰਗੀਆਂ ਤਹਿ ਹੋ ਗਈਆਂ ਹਨ ਤਾਂ ਇਹ ਵੀ ਆਰਾਮ ਨਾਲ ਤਹਿ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ । ਬਾਕੀ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ, ਸਾਰੇ ਪੁਆਇੰਟਸ ਬੜੇ ਆਰਾਮ ਨਾਲ ਤੈ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ । ਪਰ ਬੜੀ ਬਦਕਿਸਮਤੀ ਦੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ]

ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਅੱਛਾ ਮਾਹੌਲ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਐਨੀ ਮਿਹਨਤ ਨਾਲ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਸੀ, ਪਰ ਉਸ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਾ ਰਹਿਣ ਦਿੱਤਾ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

1967 ਵਿਚ ਜਿਸ ਭਾਵਨਾ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਹੋਏ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਮੁੜਕੇ ਜਾਗ੍ਰਿਤੀ ਲਿਆਈਏ ਅਤੇ ਉਹ ਚੰਗੀ ਭਾਵਨਾ ਕਾਇਮ ਰਹੇ ਲੇਕਿਨ ਉਹ ਸਭ ਖਟਾਈ ਵਿਚ ਪੈ ਗਈਆਂ। ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਜਿਸ ਚੰਗੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਵਿਚ ਤਹਿ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਿਰੇ ਨਾ ਚਾੜ੍ਹਿਆ ਗਿਆ। ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਬੜੇ ਗਰੇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਤਹਿ ਹੋਣੀਆਂ ਸਨ (ਵਿਘਨ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਬਹਿਸ ਵਿਚ ਪੈਣਾ, ਕੰਟਰੋਵਰਸੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦੇਣੀ ਔਰ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਅਜਿਹੇ ਹਾਲਾਤ ਪੈਦਾ ਕਰਕੇ, ਇਹ ਕੋਈ ਚੰਗੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਸੀ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸਾਨੂੰ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਵਿਚ ਲਾਸ ਵੀ ਝੱਲਣਾ ਪਿਆ। ਸਾਡੀਆਂ ਸੀਟਾਂ ਵੀ ਘੱਟ ਆਈਆਂ, ਵੋਟ ਵੀ ਘੱਟ ਮਿਲੇ। ਸਾਡੇ ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ ਆਗੂ ਵੀ ਡੀਫੀਟ ਹੋਏ। ਪਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸਹਿਣ ਕੀਤਾ। (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਾਰਡਰ ਦੀ ਸਟੇਟ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਖਾਤਰ ਅਗਰ ਸਾਨੂੰ ਕੋਈ ਵੀ ਕੀਮਤ ਦੇਣੀ ਪਵੇ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਦੇਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਾਂ। ਪਰ ਜੇ ਫਿਰ ਵੀ ਅਜਿਹੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਵਾਸਤੇ ਮਜਬੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ। (ਵਿਘਨ) ਉਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਫਿਰ ਕੁਝ ਹੋਰ ਗਲਾਂ ਵੀ ਹੋਈਆਂ। (ਵਿਘਨ)

ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਵਿਚ ਰਿਕਰੂਟਮੈਂਟ ਦੇ ਬਾਰੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸ਼ਰਤਾਂ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤੀਆਂ, ਇਹ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹਨ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਕਿ ਜਿੰਨੀ ਵੀ ਰਿਕਰੂਟਮੈਂਟ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਹੋਵੇ, ਸਾਰੇ ਦੇ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬੀ ਨੋਇੰਗ ਆਦਮੀ ਲਏ ਜਾਣ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਅੱਜ ਕੋਈ ਬੀ.ਏ. ਪਾਸ ਹੈ, ਜਾਂ ਕੋਈ ਡਾਕਟਰ ਹੈ ਜਾਂ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਹੈ ਅਤੇ ਕੁਆਲੀਫਾਈਡ ਹੈ, ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਰਿਕਰੂਟਮੈਂਟ ਲਈ ਇਹ ਸਵਾਲ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਕੰਡੀਸ਼ਨ ਲਾ ਦਿੱਤੀ ਕਿ ਉਹ ਪੰਜਾਬੀ ਜ਼ਰੂਰ ਜਾਣਦਾ ਹੋਵੇ। (ਵਿਘਨ) ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਇਹ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਖੁਲੀਆਂ ਸਨ ਤਾਂ ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਸ਼ਰਤ ਨਹੀਂ ਸੀ (ਵਿਘਨ) ਸਗੋਂ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਲੈਂਗੂਏਜ ਟੈਸਟ ਨੂੰ ਇਕ ਸਾਲ ਵਿਚ ਪਾਸ ਕਰ ਲਵੇ, ਜਿਹੜਾ ਵੀ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟਲ ਟੈਸਟ ਉਸ ਲੈਂਗੂਏਜ ਲਈ ਰੱਖਿਆ ਜਾਵੇ। ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰੋਫੈਸ਼ਨਲ ਡਿਗਰੀਆਂ ਮਿਲੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਸੀ ਪਤਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਸ ਸਰਕਾਰ ਪਾਸ ਸਰਵਿਸ ਕਰਨੀ ਹੈ। (ਸ਼ੋਰ) ਇਸ ਕਰਕੇ ਕੋਈ ਕੰਡੀਸ਼ਨ ਲੈਂਗੂਏਜ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਸੀ ਲਗਾਈ ਹੋਈ (ਵਿਘਨ) ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਪਬਲਿਕ ਸਰਵਿਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਹੋਵੇ, ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਫਰੀ ਰਿਕਰੂਟਮੈਂਟ ਸੀ। (ਸ਼ੋਰ) ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਲੈਂਗੂਏਜ ਦੀ ਪਾਲਿਸੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਣਾ ਕੇ ਇਕ ਵਰਗ ਦੇ ਵਰਗ ਨੂੰ ਇਗਨੋਰ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ। ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਸੀ (ਸ਼ੋਰ)

ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਸਰਕਾਰੀ ਭਾਸ਼ਾ ਪੰਜਾਬੀ ਅਤੇ ਹਿੰਦੀ ਰਾਸ਼ਟਰ ਭਾਸ਼ਾ ਹੈ। ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਬੰਦੇ ਸਰਵਿਸ ਵਿਚ ਆਉਣ ਜਾਂ ਜੁਆਇਨ ਕਰਨ, ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸੀ ਕਿ 6 ਮਹੀਨਿਆਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਉਹ ਉਸ ਲੈਂਗੂਏਜ ਦਾ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟਲ ਟੈਸਟ ਪਾਸ ਕਰਨ ਜਾਂ ਉਸਦੀ ਵਰਕਿੰਗ ਨਾਲਜ ਐਕੁਆਇਰ ਕਰ ਲੈਣ ਅਤੇ ਅਫਸਰ ਦੀ ਤਸੱਲੀ ਕਰਾ ਦੇਣ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਵਰਕਿੰਗ ਨਾਲਿਜ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)(ਸ਼ੋਰ) ਅੱਜ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਸੈਕਟਰੀ, ਹੈਡ ਆਫ ਦੀ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟਸ ਬੈਠੇ ਹਨ— ਚਾਹੇ ਉਹ ਕੋਈ ਕੇਸ਼ਾਧਾਰੀ ਸਿਖ ਹੈ ਜਾਂ ਕੋਈ ਹੋਰ ਹੈ ਸਾਰਾ ਕੰਮ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਉਸਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਲੈਂਗੂਏਜ ਦਾ ਟੈਸਟ ਰੱਖਣਾ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਛੋਟਾ ਕਲਰਕ ਹੈ, ਅਫਸਰ ਹੈ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਪੋਸਟ ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਹੈ, ਅਗਰ ਉਸਦੇ ਵਾਸਤੇ ਟੈਸਟ ਰਖਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਤਾਂ ਠੀਕ ਨਹੀਂ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਵਿਘਨ) ਸੈਕਟਰੀ ਜਾਂ ਹੈਡ ਆਫ ਦੀ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੂੰ ਕਹੋ ਕਿ ਟੈਸਟ ਦੇਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਉਸ ਪਰਚੇ ਵਿਚੋਂ ਇਕ ਸਵਾਲ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ, ਪਰ ਇਹ ਸਰਕਾਰੀ ਕੰਮ ਚਲਦਾ ਰਿਹਾ। (ਵਿਘਨ) ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਥਲੇ ਦੇ ਛੋਟੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਭਰਤੀ ਸੀ ਜਾਂ ਉਪਰ ਦੇ ਅਫਸਰ ਦੀ ਗੱਲ ਸੀ, ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਦੀ ਵੀ ਰਿਕਰੂਟਮੈਂਟ ਵਿਚ ਇਹ ਸ਼ਰਤ ਲਗਾ ਦੇਣੀ ਸਿਰਫ ਇਸ ਲਈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਇਕ ਸੈਕਸ਼ਨ ਨੂੰ ਰਿਕਰੂਟਮੈਂਟ ਵਿਚ ਇਗਨੋਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ, ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਸੋ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਿਤਕਰਾ ਹੋਇਆ, ਜੋ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਸੀ। (ਵਿਘਨ) ਲੇਕਿਨ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸੇ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਆਪਣਾ ਹੀ ਹਿਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਤੰਗ ਨਜ਼ਰੀਆ ਲੈਂਗੂਏਜ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜ਼ੋਰ ਸ਼ੋਰ ਨਾਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਮ ਕੀਤਾ। (ਸ਼ੋਰ) ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਐਕਸਟਰੀਮਿਸਟਸ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਬੜੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਕਿ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਅੱਛਾ ਮਾਹੌਲ ਨਾ ਰਹੇ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਉਹ ਮਹੌਲ ਨੂੰ ਚੰਗਾ ਨਹੀਂ ਰਖਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸਨ। ਉਹ ਐਕਸਟਰੀਮਿਸਟ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲੀਡਰ ਬਣੇ ਬੈਠੇ ਸਨ ਹਾਲਾਂ ਕਿ ਸਾਡੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਮਾਹੌਲ ਚੰਗਾ ਰਹੇ। (ਸ਼ੋਰ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੜੇ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ, ਬੜੀ ਹਿੰਮਤ ਨਾਲ ਅਤੇ ਬੜੀ ਮਜ਼ਬੂਤੀ ਨਾਲ ...... (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਤਾਂ ਇਕ ਪੁਆਇੰਟ ਨੂੰ ਹੀ ਐਨਾ ਡਿਸਕਰਾਈਬ ਕੀਤਾ ਹੈ ਬਾਕੀ ਪੁਆਇੰਟਸ ਤੇ ਕਿੰਨਾ ਟਾਈਮ ਲਵੋਗੇ ? (ਸ਼ੋਰ) ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਅੱਧੇ ਘੰਟੇ ਵਿਚ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਉਗੇ ? (The hon. Member has taken so much time to explain only one point; how much time is he likely to take to cover other points. (Interruption) Will the hon. Member be able to finish his personal explanation within half an hour ?)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਮੈਂ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਪਰ ਜੇ ਰਹਿ ਗਿਆ ਤਾਂ ਮੈਂ ਕਹਿ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਬਸੰਤ ਸਿੰਘ (ਡਕਾਲਾ) : ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਬੜੀ ਹਮਦਰਦੀ ਹੈ ਮਗਰ ਮੈਨੂੰ ਡਰ ਹੈ ਕਿ ਪ੍ਰੋਸੀਡਿੰਗਜ਼ ਵਿਚ ਇਕ ਰਾਂਗ ਪ੍ਰੈਸੀਡੈਂਟ ਨਾ ਕਾਇਮ ਹੋ ਜਾਵੇ। ਪਾਰਟੀ ਪਾਲਿਸੀ ਤੋਂ ਲੈਕੇ ਪਾਰਟੀ ਡਿਫਰੈਂਸਿਜ਼ ਦੀ ਅਤੇ ਇਕ ਪਾਰਟੀ ਨੇ ਦੂਸਰੀ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਛੱਡਿਆ, ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਵਿਚ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕਿਤੇ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ। ਇਕ ਇੰਡਿਵਿਜੁਅਲ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕਰ ਦਿੱਤਾ, ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਰੂਲ ਹੈ.........

The rule says :-

"A member who has resigned the office of Minister may with the consent of the Speaker, make a personal statement in explanation of his resignation.

Sir, the hon. Member Shri Balram Dass Tandon is making a statement Justifying the separation of his party from the coalition.

ਇਹ ਕਿਸੇ ਜਗ੍ਹਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਹੋਇਆ। ਜ਼ਰਾ ਇਸ ਨੂੰ ਗੌਰ ਨਾਲ ਪੜ੍ਹ ਲਵੋ। ਮੈਂ ਇਸ ਕਰਕੇ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਤੇ ਇਹ ਰਾਂਗ, ਪ੍ਰੈਸੀਡੈਂਟ ਨਾ ਹੋ ਜਾਵੇ। ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਸ੍ਰੀ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨਾ ਮੈਨਨ ਦਾ ਕੇਸ ਹੈ।

Mr. Krishna Menon was an individual. He did not choose to make a statement. Shri Tandon can only make a personal statement about his resignation. He cannot give justification of his party.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਬਸੰਤ ਸਿੰਘ]

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰੀ ਚੀਜ਼ ਇਰਰੈਲੇਵੈਂਟ ਬਣਦੀ ਹੈ। Rather it is not consistent with the Rules. ਜਾਂ ਇਹ ਦਸਣ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੋਨਾਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਹੋਇਆ, ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੋਨਾਂ ਦਾ ਐਗਰੀਮੈਂਟ ਹੋਇਆ ਅਤੇ ਫਿਰ ਟੁੱਟਿਆ। ਇਹ ਲੈਂਗੂਏਜ ਦਾ ਕੁਐਸਚਨ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਆ ਗਿਆ। Is it no-confidence in the Ministry ? It is not.

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਅਧਿਅਕਸ਼ ਸਾਹਿਬ, ਸਿਖ ਹੋਮ ਲੈਂਡ ਦਾ ਵਿਰੋਧ ਵੀ ਨਿਯਮਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ, ਪਰ ਇਹ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ।

ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਦਸਦਾ ਹਾਂ ਕਿ (ਵਿਘਨ) ਹਾਲਾਂ ਵੀ ਪਬਲਿਕ ਸਰਵਿਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਅਤੇ ਹੋਰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਅਦਾਰੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗਲਾਂ ਨੂੰ ਉਸੇ ਸਪਿਰਟ ਵਿਚ ਲੈ ਗਏ ਹਨ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਤਹਿ ਕੀਤੀਆਂ ਪਾਲਿਸੀਆਂ ਦੇ ਉਲਟ ਜਾਣਾ ਹੋਵੇ। ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤਹਿ ਸ਼ੁਦਾ ਪਾਲਿਸੀਆਂ ਨੂੰ ਸਿਰੇ ਨਹੀਂ ਚੜ੍ਹਾਇਆ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਲਾਐਂਡ ਆਰਡਰ ਦੀ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦਾ ਤੁਆਲਕ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਬਾਤਾਂ ਹਨ।(ਵਿਘਨ) ਅਸੀਂ ਫਰਾਮ ਟਾਈਮ ਟੂ ਟਾਈਮ ਕਹਿੰਦੇ ਰਹੇ ਕਿ ਚਾਹੇ ਕੈਬਨਿਟ ਵਿਚ ਜਾਂ ਬਾਹਰ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਲੀਡਰ ਜੋ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਬਾਰੇ ਸੋਚ ਵਿਚਾਰ ਕੇ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਪਰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ। (ਵਿਘਨ) ਬੜੇ ਅਫਸੋਸ ਦੀ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਹੋਣ ਕਿ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਇਸ ਹੱਦ ਤਕ ਲੂਜ਼ ਹੋ ਜਾਵੇ ਔਰ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਸੋਚਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਇਹ ਹੋ ਜਾਵੇ ਕਿ ਮੈਂ ਹਰ ਇਕ ਐਮ.ਐਲ.ਏ., ਹਰ ਇਕ ਆਪਣੇ ਜਥੇਦਾਰ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਕਰਕੇ ਚਲਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਐਡਮਿਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਠੀਕ ਢੰਗ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਚਲ ਸਕਦੀ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਜ਼ਾਤ ਦਾ ਤੁਆਲਕ ਹੈ, ਮੇਰੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਬੜੀ ਰਿਸਪੈਕਟ ਹੈ, ਬੜਾ ਪਿਆਰ ਹੈ। ਮੇਰੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਬੜੀ ਇੱਜ਼ਤ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੜੇ ਪਿਆਰ ਦੇ ਨਾਲ ਇਹ ਸਾਰਾ ਕਾਰ ਵਿਹਾਰ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ। (ਵਿਘਨ)

ਮੈਨੂੰ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਈਮਾਨਦਾਰੀ ਤੇ ਬੜਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਹੈ। (ਇਨਟਰੱਪਸ਼ਨਜ਼)

Mr. Speaker : No interruptions, please.

ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੋਈ ਕਿ ਨਾ ਸਿਰਫ ਉਹ ਆਪ ਸਗੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੁਝ ਹੋਰ ਕੁਲੀਗਜ਼ ਨੇ ਵੀ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ...... (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਮੇਰੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਬੜੀ ਰਿਸਪੈਕਟ ਹੈ। ਇਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਸਾਨੂੰ ਸੈਪਰੇਟ ਹਣਾ ਪਿਆ (ਵਿਘਨ) ਲੇਕਿਨ ਮੇਰੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਬੜੀ ਰੈਸਪੈਕਟ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਲੇਕਿਨ ਸਿਚੂਏਸ਼ਨ ਇਹ ਬਣੀ......(ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਜੇਕਰ ਤਹਾਡੀ ਹਾਲਾਂ ਵੀ ਮੁਹੱਬਤ ਕਾਇਮ ਹੈ ਤਾਂ ਝਗੜਾ ਖਤਮ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ (ਹਾਸਾ) (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਇਹ ਗੱਲ ਹੋ ਜਾਏ ਕਿ ਹਰ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਕਹਿਣ ਦੇ ਉੱਤੇ, ਹਰ ਵਰਕਰ ਦੇ ਕਹਿਣ ਦੇ ਉਤੇ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਜਥੇਦਾਰ ਦੇ ਕਹਿਣ ਦੇ ਉਤੇ ਇਹ ਸਾਰਾ ਕੁਝ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੋਵੇਗੀ ? ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਟਰਾਂਸਫਰਜ਼ ਦਾ ਤੱਲਕ ਹੈ, ਤੁਸੀਂ ਸੁਣ ਕੇ ਹੈਰਾਨ ਹੋਵੋਗੇ ਕਿ ਅਗਰ ਅਸੀਂ ਕਿਸੇ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਸੌ ਟਰਾਂਸਫਰਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਤਾਂ ਉਸਦੇ ਵਾਸਤੇ ਸਵਾ ਸੌ ਸਟੇ ਆਰਡਰ ਨਿਕਲਿਆ ਹੋਵੇਗਾ । ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਕੋਈ ਇਕ ਇਕ ਟਰਾਂਸਫਰ ਵਾਸਤੇ, ਇਕ ਇਕ ਆਦਮੀ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਚਾਰ ਚਾਰ ਆਰਡਰ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਹਨ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਆਰਡਰ ਨੂੰ ਇਮਪਲੀਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ, ਕਿਸੇ ਆਰਡਰ ਤੇ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ । ਹਰ ਇਕ ਆਦਮੀ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਦੇ ਨਾਲ ਆਰਡਰ ਕਰਵਾ ਕੇ ਲੈ ਜਾਂਦਾ ਰਿਹਾ, ਜਿਥੇ ਮਰਜ਼ੀ ਕੋਈ ਦਸਖ਼ਤ ਕਰਵਾ ਕੇ ਲੈ ਜਾਏ ਔਰ ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਹਾਲਾਤ ਹੋ ਗਏ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਿਆਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ । (ਵਿਘਨ) ।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਸਪੀਚ ਨੂੰ ਇਨਟਰੱਪਟ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਲੇਕਿਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੁੜ ਮੁੜ ਕੇ ਇਕੋ ਗੱਲ ਨੂੰ ਪੁਆਇੰਟ ਆਊਟ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਜਿਹੜੀ ਇਹ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਉਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਅਸੀਂ ਕਾਗਜ਼ ਪੈਨਸਿਲ ਲੈ ਕੇ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਹਾਂ ਕਿ ਪੁਆਇੰਟ ਕੋਈ ਨੋਟ ਕਰੀਏ ਪਰ ਇਹ ਕੋਈ ਠੋਸ ਗਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੇ । ਹੁਣ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਦੇ ਮੁਤਲਕ ਗੱਲ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਕੋਈ ਪਰਟੀਕੁਲਰ ਕੇਸ ਦਸਣ ਤਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕੋਈ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਵਗੈਰਾ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰ ਸਕੀਏ (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਹੈ, ਉਨਾਂ ਲਈ ਪਿਆਰ ਸਾਬਤ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਜੇ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਪਿਆਰ ਕਰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਝਗੜਾ ਕੀ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕੌਲ ਐਂਡ ਸ਼ਕਧਰ ਦੀ ਕਿਤਾਬ ਵਿਚੋਂ ਕੁਝ ਲਾਈਨਾਂ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਸੁਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਜਿਸ ਵਿਚ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਬਾਰੇ ਕਲੀਅਰ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੀ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਆਪਣੀ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਦੇਣ ......(ਵਿਘਨ)

Sir, I would refer to page 543 of 'Practice and Pocedure in Parliament' by Kaul and Shakdher. It says.

> 'When a Minister resigns on account of differences of opinion with his colleagues and chooses to make a statement in the House reference to his differences likely to involve disclosure of Cabinet secrets or of such information which might be prejudicial to the security of the country cannot be made by him. However, if he feels that it is necessary for him to make incidental references to such matters he has to obtain the permission of the Prime Minister and inform the Speaker in advance of such permission having been obtained by him.

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕੈਬੀਨਿਟ ਵਿਚ ਜੋ ਗਲ ਹੋਈ ਜਾਂ ਜੋ ਗੌਰਮਿੰਟ ਚਲਦੀ ਰਹੀ—(ਵਿਘਨ) ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਪਰਮਿਸ਼ਨ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗਲਾਂ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ ਕੈਬੀਨਿਟ ਦੀ ਰਿਸਪੋਂਸੀਬਿਲਟੀ ਵਿਚ ਹਨ । ਲਾਂ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਵਿਚ ਕੈਬੀਨਿਟ ਦੀ ਰਿਸਪੋਂਸੀਬਿਲਟੀ ਆਉਂਦੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਓਥ ਆਫ ਸੀਕਰੇਸੀ ਲਈ ਸੀ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਬੜੇ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਆਦਮੀ ਹਨ ਔਰ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਿਭਾਉਣਗੇ । (Shri Tandon had taken the oath of secrecy and I feel that he is a responsible person and will discharge his duties in a responsible manner.) (*Interruptions*)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸੌਂਹ , ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੀ ਖਾਧੀ ਸੀ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੀ ਖਾਧੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਤੋਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ (ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਵਲ ਇਸ਼ਾਰਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ) ਹਰ ਇਕ ਨੇ ਆਪਣੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ ਥਾਣੇਦਾਰ, ਏ.ਐਸ.ਆਈ. ਤੇ ਇਥੋਂ ਤਕ ਕਿ ਥਲੇ ਦੇ ਅਫਸਰ ਵੀ ਆਪਣੇ ਬੰਦੇ ਲਾਏ ਔਰ ਐਸੇ ਬੰਦੇ ਲਏ ਗਏ ਜੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰ ਸੀ, ਕੋਈ ਦੋਸਤ ਨਜ਼ਦੀਕੀ ਜਾਂ ਕੋਈ ਵਾਕਫਕਾਰ ਸੀ । ਇਥੋਂ ਤਕ ਕਿ ਰੈਵੀਨਿਊ ਵਿਚ ਤਹਿਸੀਲਦਾਰ, ਨਾਇਬ ਤਹਿਸੀਲਦਾਰ ਔਰ ਪਟਵਾਰੀ ਆਦਿ ਆਪਣੇ ਬੰਦੇ ਲਾਏ ਗਏ । ਜਗ੍ਹਾਂ ਜਗ੍ਹਾਂ ਇਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਦਾ ਮਾਹੌਲ ਬਣਿਆ ਕਿ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ । ਲੋਕ ਰੋਂਦੇ ਚੀਕਦੇ ਰਹੇ ਕਿ ਸਾਡਾ ਕੋਈ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ...(ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਸੋਗ ਤੇ ਬਿਠਾ ਦਿਓ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਦੀ ਜੋ ਹਾਲਤ ਹੋਈ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਇਕ ਪੰਦਰਵਾੜਾ ਮਨਾਇਆ ਗਿਆ ਜਿਸ ਨੂੰ ਐਂਟੀ ਕਰਾਈਮ ਦਾ ਨਾਮ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਆਖਰੀ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਜੋ ਉਸਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਆਈ ਉਹ ਤੁਸੀਂ ਸੁਣ ਕੇ ਹੈਰਾਨ ਹੋਵੋਗੇ ਕਿ 597 ਬੰਦੇ ਓਪੀਅਮ ਐਕਟ ਦੇ ਥਲੇ ਪਕੜੇ ਗਏ । ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਇਹ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਪੁੱਛੀ ਗਈ ਕਿ ਓਪੀਅਮ ਕਿੰਨੀ ਪਕੜੀ ਗਈ ਤਾਂ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਸਾਢੇ ਚਾਰ ਕਿਲੋ ਓਪੀਅਮ ਪਕੜੀ ਗਈ । ਸਾਢੇ ਚਾਰ ਕਿਲੋ ਓਪੀਅਮ ਦੇ ਵਾਸਤੇ 597 ਆਦਮੀ ਪਕੜੇ ਗਏ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਆਦਮੀ ਵਿਚਾਰਾ ਇਕ ਇਕ ਰੁਪਏ ਦੀ ਓਪੀਅਮ ਆਪਣੇ ਖਾਣ ਵਾਸਤੇ ਕਿਧਰੋਂ ਲੈਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਫੜ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਪਰ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ ਸ਼ਾਪਸ ਚਲਾਉਂਦੇ ਹਨ, ਜਿਹੜੇ ਇਹ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਪੁਛਣ ਵਾਲਾ ਤਕ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਐਸ. ਪੀ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕੋਈ ਅਫਸਰ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਰਿਪੋਰਟ ਭੇਜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸਖਤ ਐਕਸ਼ਨ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਇਹ ਕੰਮ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫੜਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਸ਼ੈਲਟਰ ਦੇਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਔਰ ਜਿਹੜੇ ਵਿਚਾਰੇ ਥੋੜ੍ਹੀ ਬਹੁਤ ਆਪਣੇ ਖਾਣ ਵਾਸਤੇ ਕਿਧਰੋਂ ਲੈਂਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਆਪਣੇ ਵਿਚੋਂ ਕੁਝ ਲੋਕ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਮ ਕਰਨ ਜਿਹੜੇ ਜਾਇਜ਼ ਨਾ ਹੋਣ ਜਿਹੜੇ ਪਬਲਿਕ ਇਨਟਰੱਸਟ ਵਿਚ ਨਾ ਹੋਣ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗਾਓ ਕਿ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਨੂੰ ਮੈਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ । * * (ਵਿਘਨ)

Sirdar Kapur Singh : On a point of order, Mr. Speaker. Sir, the name of the Governor has been brought in and an aspersion has been caste. This is not in accordance with the practices and procedure of this House. I think that remark should be expunged.

*Expunged as ordered by the Chair.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr.Speaker : That is expunged.

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਹੋਏ ਤਾਂ.. .. (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਜ ਮਿੰਟਾਂ ਵਿਚ ਹੀ ਖ਼ਤਮ ਕਰ ਦਿਉ । (ਵਿਘਨ) (The hon. Member may please wind up now within five minutes.) (*Interruptions*)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਜ ਮਿੰਟਾਂ ਵਿਚ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਖ਼ਤਮ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ, ਜਿਹੜੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣੀਆਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਪੁਲਿਸ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਨੇ ਜਗ੍ਹਾ ਜਗ੍ਹਾ ਤੇ ਪੈਦਾ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਕਿ ਹੱਦ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਹੋ ਗਏ । ਜਗ੍ਹਾ ਜਗ੍ਹਾ ਤੇ ਕਬਜ਼ੇ ਹੋਣ ਲਗ ਪਏ, ਕੋਈ ਧਰਮ ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ ਅਤੇ ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਨਾਂ ਤੇ, ਪਰ ਕੋਈ ਪੁਛਣ ਵਾਲਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸੀ । ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਬੜੀ ਭੈੜੀ ਹਾਲਤ ਹੋਈ, ਪਰ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਦੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਚੁਪ ਕਰਕੇ ਬੈਠੀ ਰਹੀ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਕਿਤੇ ਇਵਿਕਸ਼ਨ ਹੋ ਰਹੀ ਸੀ, ਕਿਤੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਤੇ ਕਬਜ਼ੇ ਹੋ ਰਹੇ ਸਨ ਅਤੇ ਕਿਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਜ਼ਤ ਤੇ ਹੱਥ ਪਾਇਆ ਗਿਆ, ਪਰ ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਦੀ ਸੁਣਵਾਈ ਨਹੀਂ ਹੋਈ । ਉਹ ਪੁਲਿਸ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਜਿਸਦਾ ਕੰਮ ਇਮਪਾਰਸ਼ਲ ਹੋ ਕੇ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਉਸ ਨੇ ਆਪਣੀ ਡਿਊਟੀ ਨੂੰ ਸਰਅੰਜਾਮ ਨਾ ਦਿੱਤਾ । ਹਾਲਾਤ ਇਹ ਹੋ ਗਏ ਕਿ ਵੱਡੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ੈਲਟਰ ਦੇਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਸਰਕਾਰੀ ਅਫ਼ਸਰ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਮਪਾਰਸ਼ਲ ਤੌਰ ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅਜਿਹੇ ਕਮਾਂ ਤੋਂ ਤੰਗ ਆਕੇ ਲੋਕ ਸਾਡੇ ਕੋਲ ਚੀਖ ਪੁਕਾਰ ਕਰਦੇ ਆਉਂਦੇ, ਸਾਡੇ ਵਰਕਰ ਆਉਂਦੇ ਅਤੇ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਕਹਿੰਦੇ ਕਿ ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਤਬਦੀਲੀ ਲਿਆ ਕੇ ਦੇਣੀ ਸੀ ਅਤੇ ਸਾਨੂੰ ਅਜਿਹੀ ਚੀਜ਼ ਲਿਆ ਕੇ ਦੇਣੀ ਸੀ? ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਕੋਈ ਢਾਂਚਾ ਨਾ ਰਹਿ ਗਿਆ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਚੰਦ ਆਦਮੀ ਜੋ ਮਰਜ਼ੀ ਆਏ ਕਰਨ ਤਾਂ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਸੇਫ਼ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦਾ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਰਕਾਰੀ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਕੋਲੋਂ ਕੁਲੈਕਸ਼ਨ ਕਰਾਈ ਗਈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਰਾਹੀਂ ਲਾਟਰੀ ਦੇ ਟਿਕਟ ਵਿਕਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਸਾਰੀ ਸਰਕਾਰੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਗ਼ਲਤ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਚਲਾਉਣੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਈ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਗ਼ਲਤ ਸਮਝਦੇ ਸੀ ਅਤੇ ਗ਼ਲਤ ਕਹਿੰਦੇ ਸੀ ਅਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਨੂੰ ਬੁਰਾ ਕਹਿੰਦੇ ਸੀ, ਉਹ ਗੱਲਾਂ ਸਾਰੀ ਸਰਕਾਰੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਵਿਚ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਈਆਂ । (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਤਫ਼ਸੀਲ ਵਿਚ ਬਹੁਤਾ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ, ਮੈਂ ਸਿਰਫ਼ ਇਤਨਾ ਹੀ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬੜੇ ਹੀ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਦੇ ਕੇਸਿਜ਼ ਹੋਏ, ਉਹ ਉਹ ਗੱਲਾਂ ਹੋਈਆਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਾਡੀ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਸਨ । ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਲੋਕ ਆ ਵੜੇ ਸਨ, ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲਹਿਰਾਂ ਗਿਣਨ ਤੇ ਲਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਉਸਦੇ ਵਿਚੋਂ ਹੀ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ ਕੱਢ ਲੈਣ, ਮੈਂ ਕਹਿਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਕਰ ਅਸੀਂ ਉਚੇ ਨਹੀਂ ਜਾਂ ਅਸੀਂ ਆਪ ਨੇਕ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਜਾ ਕੇ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੋਈ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਦੇ ਕੇਸਿਜ਼ ਪਕੜ ਸਕੀਏ । (ਵਿਘਨ)

ਸਿੰਚਾਈ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਮਨਿਸਟਰੀ ਦੇ ਨਾਲ ਕਾਫ਼ੀ ਦੇਰ ਤਕ ਵਾਬਸਤਾ ਰਹੇ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਹ ਪੁਆਇੰਟ ਰਖਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ, ਜਿਹੜੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਦੇ ਨਾਲ ਤਅੱਲੁਕ ਰਖਦੇ ਹੋਣ (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਿੰਚਾਈ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਮੰਤਰੀ]

'ਦਰਦ ਮੀਠਾ ਹੋ ਤੋ ਰੁਕ ਰੁਕ ਕੇ ਹੋਤਾ ਹੈ,
ਯਾਦ ਗਹਿਰੀ ਹੋ ਤੋ ਥਮ ਥਮ ਕੇ ਕਰਾਰ ਆਤਾ ਹੈ ।

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹਾਊਸ ਬੜੇ ਲਾਈਟ ਮੂਡ ਵਿਚ ਹੈ, ਜੇਕਰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਵੀ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਢੁਕਵਾਂ ਇਕ ਸ਼ੇਅਰ ਸੁਣਾ ਦਿਆਂ :

'ਜੋ ਦਿਲ ਮੇਂ ਗ਼ਮ ਹੈ ਵੋਹ ਚਿਹਰੇ ਸੇ ਆਸ਼ਕਾਰ ਨਹੀਂ,
ਮੈਂ ਰੋ ਰਹਾ ਹੂੰ ਮਗਰ ਆਂਖ ਅਸ਼ਕਬਾਰ ਨਹੀਂ' । (ਥੰਪਿੰਗ)

'ਇਸੇ ਕਹਿਤੇ ਹੈਂ ਕਿਸਮਤ ਕੀ ਨਾਦਾਨੀਆਂ,
ਪਹਿਲੇ ਕਿਸ਼ਤੀ ਗਈ ਫਿਰ ਕਿਨਾਰਾ ਗਿਆ' । (ਥੰਪਿੰਗ)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿਸ਼ਤੀ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੀ ਗਈ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ 20 ਸਾਲ ਹਕੂਮਤ ਕੀਤੀ (ਵਿਘਨ) ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਛਡ ਕੇ ਆਏ ਹਾਂ, ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਕੀ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਨ (ਵਿਘਨ)

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਦਸ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੇਸਿਜ਼ ਹੋਏ, ਜਿਸ ਦੇ ਵਿਚ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਜੋ ਕੰਮ ਕਰਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਸਨ, ਉਹ ਨਾ ਕੀਤੇ ।

Mr. Speaker : Please resume your seat.

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬਹੁਤੀ ਡਿਟੇਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ, ਕਈ ਗਲਾਂ ਐਸੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਪਤਾ ਹੈ,ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਇੰਨੀ ਗਲ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਜਿਹੜੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ, ਉਹ ਬੜੀਆਂ ਦੁਖਦਾਈ ਹਨ, ਉਹ ਗੱਲਾਂ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਔਰ ਜੇ ਕਰ ਇਹੋ ਜਿਹੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਹੋਣ, ਉਹ ਜਚਦੀਆਂ ਨਹੀਂ । ਉਹ ਗੱਲਾਂ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੀਆਂ, ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੀਆਂ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲੋਕ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਿਰਦਾਰ ਠੀਕ ਨਾ ਹੋਣ, ਉਹ ਕੈਬਨਿਟ ਵਿਚ ਬੈਠੇ ਹੋਣ, ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਐਕਸ਼ਨ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਕਿਸ ਮਨਿਸਟਰ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਗੱਲਾਂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ, ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਸਾਰੇ ਹੀ ਮਨਿਸਟਰ ਬੇਈਮਾਨ ਜਾਪਣ ਲਗ ਪਏ ਹਨ (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਗੱਲ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਦੱਸੀ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਉਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਬਾਰ ਬਾਰ ਰਿਪੀਟ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ, ਉਹ ਸਾਰੀ ਗਲ ਬਾਤ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿ ਮੈਂ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤਫ਼ਸੀਲ ਵਿਚ ਜਾਵਾਂ । ਮੈਨੂੰ ਅਫ਼ਸੋਸ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਹੈ ਕਿ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਜਿਸ ਮਜ਼ਬੂਤੀ ਨਾਲ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ, ਕੀਤੀ ਨਹੀਂ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕਿਉਂ ਇਹ ਹਾਲਾਤ ਪੈਦਾ ਹੋਏ.........(ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਵਾਈਂਡ ਅਪ ਕਰ ਦਿਉ । (The hon. Member may please wind up after that.)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਜਲਦੀ ਹੀ ਖ਼ਤਮ ਕਰ ਦਿਆਂਗਾ (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਦੋ ਗਲਾਂ ਹਨ ਇਕ ਗੱਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਬਣੀ । (ਵਿਘਨ) ਗੁਰੂਆਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਪਜ ਸੌ ਸਾਲਾ ਸ਼ਤਾਬਦੀ ਦੇ ਦੌਰਾਨ, ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਸਾਰੀ ਦੁਨੀਆਂ ਵਿਚ ਮਨਾਈ ਗਈ, ਅਸੀਂ ਵੀ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਬੜੀ ਸ਼ਾਨ ਨਾਲ ਮਨਾਈ, ਸਾਡੇ ਹਿਰਦੇ ਵਿਚ ਗੁਰੂਆਂ ਵਾਸਤੇ ਬੜੀ ਸ਼ਰਧਾ ਹੈ ਔਰ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ......(ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ, 2,3 ਮਿੰਟਾਂ ਵਿਚ ਹੀ ਹੁਣ ਖ਼ਤਮ ਕਰ ਦਿਉ । (The hon. Member may please wind up now within two three minutes.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਗਲ ਇਕ ਮਿੰਟ ਵਿਚ ਦਸ ਜਾਵਾਂ ਜੇ ਕਰ ...... (ਵਿਘਨ)

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬਾਨ ਦਾ ਤੱਲਕ ਹੈ ਸਾਡੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਅਪਾਰ ਸ਼ਰਧਾ ਹੈ, ਹਰ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬ ਲਈ । ਇਸ ਵਿਚ ਸਿਖ ਸੰਪਰਦਾਏ ਦੀ ਹੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਕੋਈ ਵੀ ਸਚਾ ਦੇਸ਼ ਭਗਤ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬਾਨ ਦੇ ਚਰਨਾਂ ਵਿਚ ਸਿਰ ਝੁਕਾਏ ਬਗੈਰ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦਾ । ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਸ਼ਸਤਰ ਆਏ ਸਾਰਾ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਅਗੇ ਨਤਮਸਤਕ ਹੋਇਆ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਜੋ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਸੀ ਇਸਦੇ ਲਿਆਉਣ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਪਾਰਟੀ ਸਾਂ । ਸਾਨੂੰ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੋਈ ਕਿ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਯਾਦ ਵਿਚ ਇਹ ਬਣੇਗੀ । ਪਰ ਅਫਸੋਸ ਇਹ ਹੈ ਉਸ ਵੇਲੇ ਦੋ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀਜ਼ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਸੀ । ਉਸ ਵੇਲੇ ਦੇ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਸਭ ਜਗ੍ਹਾ ਕਿਹਾ, ਉਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਅਤੇ ਸੈਂਟਰ ਨਾਲ ਵੀ ਇਹ ਗਲ ਹੋਈ ਕਿ ਦੋ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀਜ਼ ਹੋਣਗੀਆਂ । (ਵਿਘਨ) ਉਸ ਵਿਚ ਦੋ ਤਿੰਨ ਗੱਲਾਂ ਸਨ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਪਹਿਲੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਤਅੱਲਕ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਗੱਲ ਬਾਤ ਹੋਈ......

ਸਿਖਿੱਆ ਮੰਤਰੀ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਮਿਸਸਟੇਟਮੈਂਟ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਦੋ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀਜ਼ ਬਣਾਉਣ ਬਾਰੇ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਐਗਰੀ ਕੀਤਾ ਸੀ ਜਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਰੋਪੋਜ਼ਲ ਸੀ... (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਗਲਤ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ ।

Captain Rattan Singh: Sir, Sub rule (4) of Rule 62 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly reads as under—

> "On such statement no debate shall be allowed: provided that a Minister shall be entitled after the member has made his statement to make a statement pertinent thereto."

ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪ ਦੇ ਜ਼ਰੀਏ ਇਕ ਸਵਾਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਵਕਤ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੀ ਅਫਿਲੀਏਸ਼ਨ ਬਾਰੇ ਗਜ਼ਟ ਨੋਟੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਹੋ ਗਈ ਸੀ ਉਸ ਵੇਲੇ ਸ੍ਰੀ ਟੰਡਨ ਜੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਨ, ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸੀ ਉਸ ਵੇਲੇ ਇਹ ਸਵਾਲ ਮੈਂ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚ ਉਠਾਇਆ ਸੀ । ਅਗਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਉਸ ਵੇਲੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਡਿਫਰੈਂਸਿਜ਼ ਸਨ ਤਾਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਸਤੀਫਾ ਕਿਉਂ ਨਾ ਦਿੱਤਾ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਇਹ ਤਾਂ ਇਸ ਨੂੰ ਕੁਅਸਚਨ ਆਵਰ ਬਣਾ ਕੇ ਬੈਠ ਗਏ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਸੀ ਕਿ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਲੀਡਰ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਤੇ ਖੜੇ ਹੋਏ ਹਨ ਕਿਸੇ ਰੂਲ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰਨਗੇ ਮਗਰ ਮੈਂ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ......

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਆਪ ਆਪਣੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਤਕ ਮਹਿਦੂਦ ਰਹੋ। (Please confine yourself to your statement.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਮੈਂ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਤੇ ਹੀ ਆ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਸਵਾਲ ਵਿਚ ਦੋ ਤਿੰਨ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਤੱਲਕ ਹੈ। ਇਕ ਤਾਂ ਇਹ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਇਕ ਬਹੁਤ ਵੱਡੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਮੰਨੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਉਸ ਨੇ ਆਪਣਾ ਸਥਾਨ ਬਣਾਇਆ ਹੈ, ਉਸ ਦੀ ਰੈਪੂਟੇਸ਼ਨ ਹੈ ਮਗਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਰੀ ਗਲ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਮਾਨੋ ਕਿ ਇਹ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਆਪਣੀ ਹੈ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਪਰਾਈ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਨਾਮ ਪੰਜਾਬ ਤੇ ਹੈ, ਇਸ ਦੀ ਇਜ਼ਤ ਪੰਜਾਬ ਨਾਲ ਜੁੜੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਇਸਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਜਿਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਸਾਰੀ ਗੱਲ ਹੋਈ ਉਹ ਕੋਈ ਚੰਗਾ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਪਹਿਲਾਂ 3–4 ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਇਸ ਤੋਂ ਲਏ ਤਾਂ ਉਹ ਨੋਟੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਕੈਬਨਿਟ ਸਾਹਮਣੇ ਪੇਸ਼ ਨਾ ਕੀਤੀ ਗਈ, ਬਾਅਦ ਵਿਚ 4 ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਲਏ ਉਸ ਦੀ ਨੋਟੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਵੀ ਕੈਬਨਿਟ ਸਾਹਮਣੇ ਨਹੀਂ ਲਿਆਂਦੀ ਗਈ। ਸਵਾਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਇਸ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਪਰਾਈ ? ਇਸ ਨੂੰ ਖ਼ਤਮ ਕਰਨ ਦੀ ਗਲ ਸੋਚ ਰਹੇ ਹਨ ਜਾਂ ਇਸ ਨੂੰ ਹਰਿਆਣਾ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਸਟੇਟ ਦੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਬਣਾ ਦੇਣਾ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਕੁਝ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, (ਵਿਘਨ) ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਕੁਝ ਹੋਰ ਗਲਾਂ ਵੀ ਆਣੀਆਂ ਹਨ।

Mr. Speaker : Please resume your seat.

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਆਪ ਦੇਖ ਲਓ, ਅਗਰ ਮੈਨੂੰ ਪੂਰੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਕਰਨ ਦੇਣੀ ਤਾਂ ਅਲਗ ਗਲ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪਰ ਟਾਈਮ ਦੀ ਕੋਈ ਲਿਮਿਟ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। (But there has to be some limit on the time to be allowed.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਰੂਲ ਵਿਚ ਟਾਈਮ ਦੀ ਕੋਈ ਹਦ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਹੋਈ। ਮੈਂ ਜੋ ਗੱਲਾਂ ਲਿਖ ਕੇ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਹੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਮੇਰਾ ਸਾਰਾ ਟਾਈਮ ਤਾਂ ਇੰਟਰਪ–ਸ਼ਨਜ਼ ਵਿਚ ਗਿਆ ਹੈ ਮੈਂ ਹੁਣ ਅਨਇੰਟਰਪਟਿਡ ਰਹਾਂ ਤਾਂ ਚੰਦ ਮਿੰਟਾਂ ਵਿਚ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿਆਂਗਾ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਆਪ ਦੋ ਮਿੰਟਾਂ ਵਿਚ ਸਾਰੀ ਗਲ ਮੁਕਾਉ। (Please wind up within two minutes.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਉਹੀ ਗਲਾਂ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਅਗਰ ਆਪ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਗਲ ਕਰਾਂ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨੇ ਰੀਸੈਂਟਲੀ ਇਕ ਆਰਡਰ ਕੀਤਾ। ਉਸ ਵਿਚ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਪੰਜਾਬੀ ਮੀਡੀਅਮ ਵਿਚ ਹੋਵੇਗੀ।

Sardar Gurnam Singh : Sir, the Punjabi University does not figure in the points given to you by the hon. Member.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਹੈ ਜੀ। ਮੈਂ ਐਵੇਂ ਹੀ ਕੋਈ ਗਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਿਹਾ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਉਥੇ ਰੀਸੈਂਟਲੀ ਇਹ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਕੰਮਪਲਸਰੀ ਸਬਜੈਕਟ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਮੀਡੀਅਮ ਆਫ ਇਨਸਟ੍ਰਕਸ਼ਨ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ ਕਿ ਕਿਸੇ ਪੰਜਾਬੀ ਦੀਆਂ ਜੋ ਰਾਵਾਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ, ਹਰ ਕੋਈ ਇਸ ਨੂੰ ਵੈਲਕਮ ਕਰੇਗਾ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਰਿਜਨਲ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਚ ਹਾਈਐਸਟ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ। ਉਸ ਦਾ ਇਹ ਮਾਧਿਅਮ ਬਣੇ। ਮਗਰ ਅਫਸੋਸ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਮੰਨ ਕੇ ਚਲਿਆ ਹੈ ਕਿ ਹਿੰਦੀ ਮੁਲਕ ਦੀ ਨੈਸ਼ਨਲ ਲੈਂਗੂਏਜ ਹੈ, ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸੰਪਰਕ ਭਾਸ਼ਾ ਹੈ ਤਾਂ ਫਿਰ ਇਹ ਕਿਉਂ ਕਿ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਤਾਂ ਕਮਪਲਸਰੀ ਵੀ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਮਾਧਿਅਮ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਖੁਲ੍ਹ ਵੀ ਹੋਵੇ ਪਰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਹਿੰਦੀ ਲਈ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਾ ਹੋਵੇ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਖਿਰ ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਬਣਾਉਣਾ ਕੀ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਦੇ ਫਾਇਦੇ ਵਿਚ ਕਿਹੜੀ ਗਲ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਲੋਕ ਆਕੇ ਸਰਵਿਸ ਵਿਚ ਲਗੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਮਿਲਿਟਰੀ ਵਿਚ ਹਨ, ਕਸਟਮ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਹਨ, ਦੂਜੀਆਂ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਵਿਚ ਹਨ, ਆਲ ਇੰਡੀਆ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਵਾਲੇ ਬੈਠੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ ਹੈ ਜਦੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਬਦੀਲ ਹੋਕੇ ਇਥੇ ਆਉਣਾ ਹੈ। ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ? ਕੀ ਉਹ ਫਿਰ ਇਥੇ ਆਕੇ 3–4 ਸਾਲ ਲਾਕੇ ਫਿਰ ਦੂਜੀ ਭਾਸ਼ਾ ਸਿਖਣ ? ਫਿਰ 5–7 ਸਾਲ ਵਿਚ ਹਿੰਦੀ ਨੇ ਨੈਸ਼ਨਲ ਲੈਂਗੂਏਜ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਆਪਣੀ ਜਗ੍ਹਾ ਲੈਣੀ ਹੈ। ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਉਚ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਲਈ,ਆਈ.ਏ. ਐਸ. ਲਈ, ਆਈ. ਐਫ. ਐਸ. ਲਈ, ਆਈ. ਪੀ. ਐਸ. ਲਈ ਅਤੇ ਹੋਰ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਲਈ ਕਮਪੀਟੀਸ਼ਨ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਬੱਚਿਆਂ ਨੇ ਬੈਠਣਾ ਹੈ......

Mr. Speaker: Please resume your seat.

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਬਸ ਜੀ ਥੋੜੀ ਜਿਹੀ ਗਲ ਕਹਿ ਕੇ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। (ਵਿਘਨ)

ਇਹੀ ਨਹੀ, ਟ੍ਰਾਂਸਫਰਜ਼ ਦੀ ਗਲ ਹੈ......(ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker: No interruption please.

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਆਲ ਇੰਡੀਆ ਜੋ ਕੰਪੀਟੀਸ਼ਨਜ਼ ਹੋਣਗੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕਿਸ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਵੇਗਾ, ਉਹ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਦਾ ਹੋਵੇਗਾ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਕਿਸੇ ਵੀ ਧਰਮ ਜਾਂ ਕਮਿਊਨਿਟੀ ਦੇ ਹੋਣ। ਫਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇੰਪਲਾਈਮੈਂਟ ਦਾ ਵੀ ਸਵਾਲ ਹੈ......(ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਇਥੇ ਨੌਕਰੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ ਕੀ ਉਹ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਹਿੱਸੇ ਵਿਚ ਹਿਮਾਚਲ, ਹਰਿਆਣੇ ਜਾਂ ਰਾਜਿਸਥਾਨ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਨੌਕਰੀ ਕਰ ਸਕਣਗੇ ਅਗਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਿੰਦੀ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ? ਇੰਪਲਾਈਮੈਂਟ ਅਤੇ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਵਿਚ ਜਾਣ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਹਿੰਦੀ ਦੀ ਤਾਲੀਮ ਪਾਸ ਹੋਵੇ। (ਵਿਘਨ)

Mr, Speaker: Please resume your seat.

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ: ਮੈਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਹੋਏ ਅਤੇ ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਵਜ਼ਾਰਤ ਨੂੰ ਛੱਡਣਾ ਪਿਆ। ਮੈਂ ਸਾਰੇ ਹਾਲਾਤ ਦਸ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker: Please resume your seat. (*Interruption*)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਜੇਕਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਮੈਂ ਇਹ ਨਾ ਦਸਾਂ ਤਾਂ ਇਹ ਵਖਰੀ ਗਲ ਹੈ ਪਰ ਮੈਨੂੰ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਬੋਲਣ ਤੋਂ ਰੋਕਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਹਾਨੂੰ ਤਾਂ ਡੇਢ ਘੰਟਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ਬੋਲਦਿਆਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਲਿਮਟ ਵੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । (The hon. Member has been speaking for the last one and a half hours. There must be some limit.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਜੇਕਰ ਆਪ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਕਿ ਮੈਂ ਕੁਝ ਕਹਾਂ ਅਤੇ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਕਹਿੰਦਾ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਆਪ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਮੈਂ ਨਾ ਬੋਲਾਂ ਅਤੇ ਚਲਾ ਜਾਵਾਂ ਤਾਂ ਮੈਂ ਚਲਾ ਜਾਂਦਾ ਹਾਂ । (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker: Please resume your seat. (Interruption)

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਸ੍ਰੀ ਟੰਡਨ ਅਤੇ ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ ਖੜੇ ਹੋ ਗਏ) (ਸ਼ੋਰ)

Walk-Out

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡਾ ਸਨਮਾਨ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਕੋਈ ਗਲ ਉਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਨਹੀਂ ਕਹਿਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਪਰ ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਦੁਖ ਜ਼ਰੂਰ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੇ ਅਤੇ ਰੋਕ ਰਹੇ ਹੋ ਅਤੇ ਮੈਨੂੰ ਆਪਣੀ ਗਲ ਕਹਿਣ ਨਹੀਂ ਦੇ ਰਹੇ । ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਪ੍ਰੋਟੈਸਟ ਕਰਦੇ ਅਸੀਂ ਵਾਕ ਆਊਟ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ।

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਜਨ ਸੰਘ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਹਾਊਸ ਵਿਚੋਂ ਬਾਹਰ ਚਲੇ ਗਏ)

(ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਵੱਲੋਂ ਸ਼ੇਮ, ਸ਼ੇਮ ਦੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ ।)

(ਜਨ ਸੰਘ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਅਜੇ ਬਾਹਰ ਜਾ ਹੀ ਰਹੇ ਸਨ)

ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ : ਕੀ ਟੰਡਨ ਜੀ ਤੁਸੀਂ ਸ਼ਿਵ ਸ਼ੰਕਰ ਦੇ ਦਰਸ਼ਨ ਕਰਨ ਚਲੇ ਹੋ (ਵਿਘਨ) । (ਸ਼ੋਰ)

(Interruptions and noise in the House)

REPLY BY A MINISTER TO THE STATEMENT BY SH. BALRAM DASS TANDON EX-MINISTER

ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ : (ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੜੇ ਧਿਆਨ ਨਾਲ ਸੁਣਿਆ ਹੈ । ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੁੰਦੀ ਜੇਕਰ ਉਹ ਕੋਈ ਖਾਸ ਨੁਕਤੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਦੇ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਦੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੰਤਰੀ ਮੰਡਲ ਵਿਚੋਂ ਕੱਢਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਸਪੈਸ਼ਲ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਗੇ ਪਰ (ਵਿਘਨ ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ ਵੱਲੋਂ) ਮੈਂ ਇਹ ਸਮਝਦਾ ਸਾਂ ਕਿ ਰਿਜ਼ਾਇਨ ਕਰਨ ਦੀਆਂ ਖਾਸ ਵਜੂਹਾਤ ਦੇਣਗੇ ਪਰ ਖੋਦਿਆ ਪਹਾੜ ਤੇ ਨਿਕਲਿਆ ਚੂਹਾ ।' ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਮਿਸਾਲ ਦਿੰਦੇ ਹੁੰਦੇ ਨੇ, ਕਿ 'ਤਾਲੋ ਖੁੰਜੀ ਡੂਮਣੀ ਗਾਵੇ ਆਲ ਪਤਾਲ' । (ਵਿਘਨ ਵੱਲੋਂ ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਦੇਣ ਬਾਰੇ ਨੋਟਿਸ ਦਿਤਾ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿਚ ਪੁਆਇੰਟਸ ਲਿਖ ਕੇ ਭੇਜੇ ਸਨ ਅਤੇ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਸੀ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪੁਆਇੰਟਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਗੇ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਸਪੀਚ ਵਿਚ ਉਸ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਹਾਲਾਂਕਿ ਜਿਹੜੇ ਪੁਆਇੰਟਸ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਐਡਮਿਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਭਠਾ ਬੈਠ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਹਦ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵੱਧ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਚ ਇਹ ਹੋ ਗਿਆ ਅਤੇ ਉਹ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਸਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਗਲ ਕਰਨਗੇ ਪਰ ਇਹ ਹੋਰ ਪਾਸੇ ਚਲੇ ਗਏ । ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਹੁਣ ਇਥੇ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਕਿ ਸੁਣਦੇ । ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵੇਲੇ ਐਡਮਿਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਕਿੰਨੀਆਂ ਗਲਤ ਗਲਾਂ ਹਇਆ ਹਨ ਅਤੇ ਕਿਥੇ ਕਿਥੇ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਅਤੇ ਕਿਥੇ ਕਿਥੇ ਭਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਵਧਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਥੇ ਰੂਲਜ਼ ਅਤੇ ਰੈਗੂਲੇਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਗਲਾਂ ਇੰਡਸਟਰੀ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਿਚ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਇੰਚਾਰਜ ਸਨ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੇਮ ਸ਼ੇਮ ਦੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ) ਆਪ ਸੁਣ ਕੇ ਹੈਰਾਨ ਹੋਵੋਗੇ ਅਤੇ ਮੈਨੂੰ ਦਸਦਿਆਂ ਵੀ ਸ਼ਰਮ ਮਹਿਸੂਸ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਪਟਿਆਲੇ ਵਿਚ ਇਕ ਡੀ. ਆਈ., ਓ. ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਹਾਲਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਹੋਰ ਉਸ ਪਸਟ ਲਈ ਕੰਪੀਟੈਂਟ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਜਿਸ ਨੂੰ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਉਹ ਕੰਪੀਟੈਂਟ ਉਸ ਪੋਸਟ ਲਈ ਨਹੀਂ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਸੀ। ਹਾਲਾਂਕਿ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਲਗਾਇਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।

ਇਥੇ ਹੀ ਬਸ ਨਹੀਂ ਪੰਜਾਬ ਸਟੇਟ ਇੰਡਸਟਰੀਅਲ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਆਰ. ਐਸ.ਐਸ. ਦੇ ਵਰਕਰ ਲਗਾ ਦਿਤੇ ਗਏ ਅਤੇ ਸ਼ਾਪ ਕੀਪਰਾਂ ਨੂੰ ਲਗਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਰੂਲਜ਼ ਅਤੇ ਰੈਗੂਲੇਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਪਰਵਾਹ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਡਸਟ ਬਿਨ ਵਿਚ ਸੁਟ ਦਿੱਤੇ ਗਏ। ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਡਾਇ-ਰੈਕਟਰ ਆਰ.ਐਸ.ਐਸ. ਦੇ ਵਰਕਰ ਨੂੰ ਲਗਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਤੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਕ ਹੋਰ ਆਰ.ਐਸ. ਐਸ. ਵਰਕਰ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਦਾ ਚੇਅਰਮੈਨ ਲਗਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਇਹ ਸਭ ਪੋਲੀਟੀਕਲ ਪਰਪਜ਼ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖ ਕੇ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਉਸ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਜਿਸ ਨੂੰ ਫਾਦਰ ਆਫ ਦੀ ਨੇਸ਼ਨ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਦੇ ਖਾਦੀ ਦੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਅਤੇ ਗਾਂਧੀਅਨ ਆਇਡਿਆਲੋਜੀ ਦਾ ਕੋਈ ਪਤਾ ਨਹੀਂ। ਆਰ.ਐਸ.ਐਸ. ਵਰਕਰ ਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਾ ਦਿਤਾ ਅਤੇ 3,000 ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਦੇਣਾ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ। ਇਹ ਚੇਅਰਮੈਨ ਆਰ.ਐਸ.ਐਸ. ਦਾ ਸੰਚਾਲਕ ਸੀ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਡਾਇਰੈਕਟਰਜ਼ ਵੀ. ਆਰ. ਐਸ.ਐਸ.ਦੇ ਵਰਕਰ ਲਗਾ ਦਿੱਤੇ ਗਏ। ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵੱਲੋਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਮੈਂ ਇਕ ਗੱਲ ਇਥੇ ਹੋਰ ਵੀ ਦਸ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ ਜਦੋਂ ਮੁੱਖ-ਮੰਤਰੀ ਸਨ ਤਾਂ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਵੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਮਨਿਸਟਰ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਤੇ ਉਨਾਂ ਦੀ ਵੀ ਇਨਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਇਹੀ ਫੀਲਿੰਗਜ਼ ਸਨ। ਉਸ ਵੇਲੇ ਦੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਗਲ ਕਰਦਿਆਂ ਕਈ ਵੇਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗਲਾਂ ਦਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਜ਼ਿਕਰ ਆਇਆ ਸੀ।

ਫਿਰ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਐਪੁਆਇੰਟਮੈਂਟਸ ਅਤੇ ਰਿਕਰੂਟਮੈਂਟ ਲਈ ਖਾਸ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਮੁਕਰਰ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਦੀ ਵੀ ਕੋਈ ਪਰਵਾਹ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇੰਡਸਟਰੀ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਿਚ 14 ਜੂਨੀਅਰ ਇੰਨਸਪੈਕਟਰਾਂ ਦੀਆਂ ਪੋਸਟਾਂ ਸਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲਗਾਣ ਵਿਚ ਜ਼ਾਬਤੇ ਅਤੇ ਰੂਲਜ਼ ਦੀ ਕੋਈ ਪਰਵਾਹ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਨਾ ਤਾਂ ਇੰਪਲਾਇਮੈਂਟ ਐਕਸਚੇਂਜ ਤੋਂ ਨਾਮ ਮੰਗਵਾਏ ਗਏ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟਲ ਕਮੇਟੀ ਪਾਸੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਿਲੈਕਸ਼ਨ ਕਰਵਾਈ ਗਈ ਨਾ ਹੀ ਪੋਸਟਾਂ ਨੂੰ ਐਡਵਰਟਾਈਜ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। (ਵਿਘਨ)

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਉਦੋਂ ਤੁਸੀਂ ਸੁਤੇ ਪਏ ਸੀ। (ਵਿਘਨ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਪੋਲ ਖੁਲ੍ਹਣ ਦਿਓ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ। (ਵਿਘਨ)

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਨਾਰਮਲ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਫਾਲੋ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਐਡਵਰਟਾਈਜ਼ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਦ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟਲ ਕਮੇਟੀ ਵੱਲ ਸਿਲੈਕਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ ਪਰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker : Order please.

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਨਾ ਹੀ ਇਨਟਰਵਿਯੂ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਲਈ, ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਸ ਸਾਰੇ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਨੂੰ ਬਾਲਾਏਤਾਕ ਰਖ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਸਾਰੀਆਂ ਐਡ ਹਾਕ ਅਪੁਆਇੰਟਮੈਂਟਸ ਕਰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਹੀ ਆਰ.ਐਸ. ਐਸ. ਦੇ ਵਰਕਰ ਰਖ ਲਏ । ਅਤੇ ਇੰਡਸਟਰੀ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਢਾਂਚਾ ਖੜਾ ਕਰਕੇ ਰੱਖ ਦਿੱਤਾ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਦ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਹੋਈ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਰੂਲ ਅਤੇ ਰੈਗੂਲੇਸ਼ਨਾਂ ਨੂੰ ਲਾਂਭੇ ਰਖ ਦਿਤਾ ਅਤੇ ਇਕ ਪੋਸਟ ਇੰਡਸਟਰੀ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਿਚ 1300–1600 ਦੇ ਗਰੇਡ ਦੀ ਕਰੀਏਟ ਕਰ ਲਈ ਅਤੇ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਕੁਆਲੀਫਿਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਇਹ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਸਨ ਕਿ ਗ੍ਰੈਜੂਏਟ ਫਸਟ ਕਲਾਸ ਜਾਂ ਪੋਸਟ ਗ੍ਰੈਜੂਏਟ ਫਰਾਮ ਏ ਰਿਕਗਨਾਈਜ਼ਡ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ । (ਵਿਘਨ)

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਹਿੰਦੂ ਸਿਖ ਏਕਤਾ ਫਿਰ ਕਿਥੇ ਗਈ ? (ਵਿਘਨ)

ਇਕ ਆਵਾਜ਼ : ਭੋਲੇ ਨਾਥ ਭੰਡਾਰ ਭਰੇ । (ਸ਼ੋਰ)

ਵਿੱਤ ਮਤਰੀ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਪੋਸਟ ਤੇ ਇਕ ਆਰਡੇਨਰੀ ਬੀ.ਐਸ.ਸੀ. ਇਨਜੀਨੀਰਿੰਗ ਲਗਾ ਦਿੱਤਾ । (ਸ਼ੇਮ, ਸ਼ੇਮ, ਦੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ) ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਵਾਤਾਵਰਣ ਕਾਇਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੀ ਇਹ ਸ਼ਕਲ ਬਣਾ ਦਿਤੀ ਗਈ ਫਿਰ ਬੰਦਾ ਇਹ ਕਹੇ ਕਿ ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਵਧਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਆਦਮੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰੇ ਤਾਂ ਆਪ ਜਾਣ ਸਕਦੇ ਹੋ । ਅਸੀਂ ਇਕ ਵੇਰ ਜਲੰਧਰ ਗਏ ਤਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਨਾਲ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਇਨਫਾਰਮਲ ਗਲਾਂ ਹੋਈਆਂ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸੋਂ ਇਹ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਲੀਨ ਐਡਮਿਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ , ਸੂਬੇ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਦੌਰੇ ਤੇ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਵੀ ਨਾਲ ਹੀ ਸਨ, ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜਨ ਸੰਘ ਨੂੰ ਵਿਚੋਂ ਕਢਣ ਨਾਲ ਹੀ ਇਹ ਕਲੀਨ ਐਡਮਿਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੱਢਣਾ ਪਿਆ ਅਤੇ ਹੁਣ ਇਹ ਔਖੇ ਹੋ ਗਏ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

Mr. Speaker : Order please.

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਵੀ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਦੀ ਹਾਲਤ ਬਹੁਤ ਭੈੜੀ ਹੋ ਗਈ ਸੀ । ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਪਣੀ ਇਕ ਸਟੇਟਮੈਂਟ 13 ਜਨਵਰੀ, ਦੀ ਆਪ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਕੋਟ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਆਪ ਕੀ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਬਾਰੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ । ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਦਸ ਕੇ ਵੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦਾ ਕੋਈ ਜ਼ਿਕਰ ਕੈਬੀਨਿਟ ਵਿਚ ਰਹਿ ਕੇ ਅਸਾਡੇ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । ਅਤੇ ਕਦੇ ਵੀ ਮੀਟਿੰਗਾਂ ਵਿਚ ਇਹ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਿਹਾ ਕਿ ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਦੀ ਹਾਲਤ ਖਰਾਬ ਹੈ । ਹਰ ਗਲ ਤੇ ਇਹ ਸਹਿਮਤ ਹੁੰਦੇ ਸਨ ਅਤੇ ਇਕਠੇ ਹੀ ਸਨ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਪ੍ਰੋਪੋਜ਼ਲ ਚਲ ਰਹੀ ਸੀ ਕਿ ਐਮ.ਐਲ.ਏਜ਼ . ਨੂੰ ਸਟੈਚੂਟਰੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਉਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕਰਨਾ ਸੀ । ਇਸ ਗਲਾ ਦੀ ਕੈਬਨਿਟ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਾਲ ਹੋਕੇ ਸਹਿਮਤੀ ਦਿੱਤੀ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਯੂਨਾਨੀਮਸਲੀ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਕਬਨਿਟ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਜਦ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਪਾਸ ਭੇਜਿਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਆਪ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਪਾਸ ਜਾ ਕੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕੈਬਨਿਟ ਵਿਚ ਅਸਾਨੂੰ ਤਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗਲਾਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਰਨੀਆਂ ਹੀ ਪੈਂਦੀਆਂ ਹਨ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਤੇ ਦਸਖਤ ਨਾ ਕਰਨਾ ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਆਪਣਾ ਕੈਰੈਕਟਰ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਲਾ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਆਪਣਾ ਬਿਆਨ 13 ਜਨਵਰੀ ਦੇ ਅਖ਼ਬਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਮੈਂ ਆਪ ਸਾਰਿਆਂ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਕੋਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

Mr. Tandon said:—

„ There was no reason why anybody should be panicky. I do not think there is any threat to law and order situation in the Punjab. We shall deal with any situation firmly. "

ਜਿਸ ਆਦਮੀ ਦੀ ਆਪਣੀ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਹੋਵੇ ਉਹ ਮਨਿਸਟਰੀ ਵਿਚੋਂ ਨਿਕਲ ਜਾਣ ਤੇ ਦੋ ਮਹੀਨੇ ਬਾਦ ਆਣ ਕੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾ ਦੇਵੇ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਉਸ ਆਦਮੀ ਦਾ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗਾ ਸਕਦੇ ਹੋ । (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਦਮੀ ਦਾ ਲਫ਼ਜ਼ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਲਫ਼ਜ਼ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਵਜ਼ੀਰ ਰਹੇ ਹਨ ।

ਇਕ ਆਵਾਜ਼ : ਇਹ ਤਾਂ ਤੁਹਾਡੇ ਡੈਡੀ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) (ਹਾਸਾ)

ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ : ਡੈਡੀ ਅਸਾਨੂੰ ਛੋੜ ਗਏ ਹਨ ।

ਸਿੰਚਾਈ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਮੰਤਰੀ : ਅਜ ਡੈਡੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸ ਕਰਨਗੇ ! (ਹਾਸਾ) (ਵਿਘਨ)

ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ : ਆਪਾਂ ਨੇ ਡੈਡੀ ਨੂੰ ਛੱਡਿਆ ਨਹੀਂ ਪਰ ਡੈਡੀ ਸਾਨੂੰ ਛੱਡ ਗਿਆ ਹੈ । ਮੈਨੂੰ ਡੈਡੀ ਦੀ ਪੂਰੀ ਇਜ਼ਤ ਹੈ (ਹਾਸਾ)

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਬਾਰੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਹਨ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਵਕਤ ਦੀ ਯਾਦ ਦਿਲਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਜਦੋਂ ਕਿ ਕਾਲੀਆ ਸਾਹਿਬ ਮਨਿਸਟਰ ਨਹੀਂ ਸਨ ਬਣੇ, ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪ ਤਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸੌਂਹ ਲੈ ਲਈ ਸੀ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੌਂਹ ਖਾਣ ਵੇਲੇ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਰਫੜ ਪਾ ਲਿਆ ਸੀ । ਇਹ ਜਦੋਂ ਮੈਂਬਰ ਦਾ ਵਜ਼ੀਰ ਬਣਨ ਦਾ ਵੇਲਾ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਉਸ ਵੇਲੇ ਹੀ ਰਫੜ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ, ਪਰ ਆਪਣੀ ਵਾਰੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਵੀ ਕਿਤੇ ਗਲਤੀ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਨ ਵਿਚ ਇਹ ਸੁਪੀਰੀਆਰਟੀ ਕੰਪਲੈਕਸ ਹਰ ਵਕਤ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਤਨਾ ਚਿਰ ਟੰਡਨ ਕੈਬਨਿਟ ਵਿਚ ਹੈ ਤਾਂ ਸਭ ਠੀਕ ਹੈ ਜੋ ਕੋਈ ਹੋਰ ਆ ਜਾਵੇ ਭਾਵੇਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਹੋਵੇ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਨਹੀਂ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਭਾਵੇਂ ਜਨ ਸੰਘ ਦਾ ਕੋਈ ਆਵੇ ਯਾ ਨਾ ਆਵੇ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੈਬਨਿਟ ਵਿਚ ਰਹਿਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ।

ਜਦੋਂ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਐਫਿਲੀਏਸ਼ਨ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਨ ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਮੈਂ ਵੀ ਮੈਂਬਰ ਸੀ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀ ਵੀ ਮੈਂਬਰ ਸਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਦੀ ਇਕ ਵੀ ਮੀਟਿੰਗ 4 ਮਹੀਨੇ ਤਕ ਨਹੀਂ ਬੁਲਾਈ । ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਕੁਝ ਏਰੀਆਜ਼ ਦੇ ਕਾਲਜਿਜ਼ ਨੂੰ ਇਸ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਾਉਣ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਸਨ । ਹੋਰ ਇਹ ਵੀ ਕਹਿੰਦੇ ਰਹੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ]

ਕਿ ਫਲਾਂ ਫਲਾਂ ਕਾਲੇਜ ਇਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਜਦੋਂ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਮੁਆਮਲਾ ਕੈਬਨਿਟ ਸਬ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਇਆ ਔਰ ਇਹ ਸਵਾਲ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਜਦੋਂ ਆਇਆ ਕਿ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਸਾਰਿਆਂ ਕਾਲੇਜਿਜ਼ ਦਾ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਸਫੀਅਰ ਵਿਚ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਮਤਿਹਾਨ ਲੈ ਸਕਦੀ ਹੈ ਯਾ ਨਹੀਂ ? ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਸਨ ਕਿ ਜਾਲੰਧਰ ਦਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਇਸ ਦੇ ਵਿੱਚੋਂ ਕਢ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ । ਅਸੀਂ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਸੀ ਕਿ ਜਦੋਂ ਇਸ ਵਿਚ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸ਼ਾਮਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਫਿਰ ਸਾਨੂੰ ਜਾਲੰਧਰ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨ ਦੇ ਵਿਚ ਕੀ ਹਰਜ ਹੈ । (ਇਕ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ : ਜਾਲੰਧਰ ਕਢ ਕੇ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਲਾ ਦਿਓ, ਇਹ ਕੌਣ ਕਹਿੰਦਾ ਸੀ ?) (ਵਿਘਨ) ਜਿਹੜਾ ਵੀ ਸਵਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਕੈਬਨਿਟ ਸਬ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਹੋਇਆ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਸੇ ਇਕ ਦੀ ਜਸਟੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਕੋਈ ਆਰਗੂਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ । ਇਕ ਕੈਬਨਿਟ ਸਬ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਹੋਈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਮੈਂ ਸੀ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਵੀ ਸੀ, ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਵੀ ਰਾਏ ਦਿੱਤੀ ਕਿ ਜੇ ਤਹਾਨੂੰ ਕੋਈ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਬੰਦਿਆਂ ਦਾ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਮਨਜ਼ੂਰ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਮੁਆਮਲਾ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨਿਸਟ ਤੇ ਹੀ ਛੱਡ ਦਿਉ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਚਾਰੇ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀਆਂ ਦੇ ਚਾਂਸਲਰ, ਜਿਸ ਵਿਚ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਪਟਿਆਲਾ, ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਲੁਧਿਆਣਾ ਅਤੇ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਹੋਣ ਜੋ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਦੇਣ ਉਹ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਵਾਨ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਪਰ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਸਨ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਕਨਸੈਸ਼ਨ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਸਨ ਕਿ ਭਾਵੇਂ ਜਾਲੰਧਰ ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰ ਲਓ ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਕਾਲਜਿਜ਼ ਸ਼ਾਮਲ ਨਹੀਂ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ । ਪਰ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਸਾਨੂੰ ਕਿਸੇ ਕੀਮਤ ਤੇ ਵੀ ਮਨਜ਼ੂਰ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਦਾ ਨੰਬਰ ਇਤਨਾ ਘੱਟ ਹੋਵੇ ਕਿ ਇਹ ਮਹਿਜ਼ 50,000 ਤੱਕ ਹੀ ਮਹਿਦੂਦ ਰਹੇ । ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ 36 ਕਾਲਜਿਜ਼ ਹਨ ਅਤੇ ਏਥੇ 23 ਹਜ਼ਾਰ ਤੋਂ ਵੱਧ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਹਨ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਹੈ ਇਥੇ 189 ਕਾਲਜਿਜ਼ ਕੁਨੈਕਟਿਡ ਹਨ ਅਤੇ ਡੇਢ ਲੱਖ ਤੋਂ ਵੱਧ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਤਾਲੀਮ ਪਾ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਹਰ ਸਾਲ 23 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਇਸ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨੂੰ ਬਤੌਰ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਗਰਾਂਟ ਦੇ ਦਿੰਦੀ ਹੈ । ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਕਮਿਊਨਲ ਕਹਿਕੇ ਬਦਨਾਮ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਪਰ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦੇ ਮੁਆਮਲੇ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਪਿੱਛੇ ਰਹਿਣ ਵਾਲੀ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਹਰ ਸਾਲ 23 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਜਿਥੇ ਐਜੂ-ਕੇਸ਼ਨ ਦੇ ਲਈ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨੂੰ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ ਉਥੇ ਹੋਰ ਵੀ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਰੁਪਿਆ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਦੇ ਲਈ ਖਰਚ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ । ਪਰ ਇਸ ਬੇਸ ਤੇ ਇਹ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਕਮਿਊਨਲ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ ਜਦੋਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਨਾਉਣ ਲਈ ਜ਼ੋਰ ਲਾਉਂਦੇ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਇਸ ਪੁਆਇੰਟ ਤੇ ਹੋਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਹਿੰਦਾ ਸਿਰਫ 'ਟਰੀਬਿਊਨ' ਦਾ ਆਰਟੀਕਲ ਹੀ ਇਥੇ ਪੜ੍ਹ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਜਿਸ ਨੇ ਜਨਸੰਘ ਦੇ ਇਸ ਰੋਲੇ ਨੂੰ ਬੜੀ ਅਛੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਡਿਸਕਰਾਈਬ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

> "The role of 7 member erstwhile partner of the Ministry has been curious and regrettable. For many months it was part and parcel of the administration and executed its policies. But like the Ministers out of office, it started maligning the very same Government from July 1. On Friday its spokesman moved one of the No-Confidence Motions, perhaps implying that Government deserve to remain in office only so long as small group functioned as its active ally."

ਸਾਰੀ ਗਲ ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਦਿਨ ਤੋਂ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲੋਂ ਮਰਸੀਡੀ ਕਾਰ ਅਤੇ ਬਾਦਲ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਨਾਲ ਵਾਲੀ ਕੋਠੀ ਖੁਸ ਗਈ ਉਸ ਦਿਨ ਤੋਂ ਅਸੀਂ ਕਮਿਊਨਲ ਹੋ ਗਏ । ਪਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀਆਂ ਬੜੀਆਂ ਲੰਮੀਆਂ ਚੌੜੀਆਂ ਟਰੈਡੀਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ ਅਤੇ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਹਾਰੇ ਚਲਦੀ ਹੋਈ ਇਸ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਤੇ ਪੁੱਜੀ ਹੈ । ਹਾਂ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਉਸ ਦਿਨ ਤੋਂ ਕਮਿਊਨਲ ਜ਼ਰੂਰ ਹੋ ਗਏ ਜਦੋਂ ਦੇ ਕਿ ਅਸੀਂ ਪੰਡਤ ਜਵਾਹਰ ਲਾਲ ਨਹਿਰੂ ਦੇ ਕਥਨ ਅਨੁਸਾਰ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਦਾ ਆਤਮ ਘਾਤ ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਨਾਲ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਕੇ ਇਕ ਕਮਿਊਨਲ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਨਾਲ ਲੈ ਕੇ ਸਰਕਾਰ ਚਲਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ । ਉਹ ਸਾਨੂੰ ਕਮਿਊਨਲ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਦਰਅਸਲ ਉਹ ਆਪ ਕਮਿਊਨਲ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਹੁਣ ਤੱਕ ਹਿੰਦੂ ਸਿੱਖਾਂ ਨੂੰ ਆਪਸ ਵਿਚ ਫਾੜਨ ਵਾਲਾ ਵਾਤਾਵਰਣ ਪੈਦਾ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ । ਇਹ ਗਲ ਮੈਨੂੰ ਬੜੇ ਹੀ ਦੁਖ ਦੇ ਨਾਲ ਕਹਿਣੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਦੇ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚ ਆਏ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਮਿਊਨਲ ਬੰਦਿਆਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰੀ ਨੌਕਰੀਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਭਰਤੀ ਕਰਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ, ਆਰ.ਐਸ. ਐਸ. ਦੇ ਵਰਕਰਜ਼ ਨੂੰ ਭਰਤੀ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ । ਜੇ ਉਹ ਮੇਰੀ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਅਜੇ ਵੀ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਮੰਨਦੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਭੁਲੇਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਇਕ ਪੰਫਲੈਟ ਵਿਚ ਦਸੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਨੂੰ ਚੈਲੰਜ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੈਂਕੜੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਜਨ-ਸੰਘੀਆਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਲਾਏ ਹਨ । ਜੇ ਉਹ ਇਹ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਕਲੀਅਰ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਤਾਂ ਭੁਲੇਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਕਹਿਣ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਉਹ ਨਾ-ਅਹਿਲ ਹਨ, ਨਾਲਾਇਕ ਹਨ......(ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਨਾਲਾਇਕ ਅਤੇ ਨਾਅਹਿਲ ਸ਼ਬਦ ਆਨਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਹਨ, ਇਹ ਨਹੀਂ ਯੂਜ਼ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ । (The words 'Naliak' and 'Na-ahal' are unparliamentary; these should be avoided.)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਨਾਅਹਿਲ ਸ਼ਬਦ ਤਾਂ ਅਨਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਪਰ ਜਿਸ ਭਾਵਨਾ ਦੇ ਨਾਲ ਕਹੇ ਗਏ ਹਨ ਉਹ ਤਾਂ ਅਨਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਹੀ ਹੈ। (But the intention with which these have been used shows that these are unparliamentary.)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਜਨਾਬ ਇਹ ਰੀਕਾਰਡ ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਹਜ਼ਫ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਇਹ ਮੌਕਾ ਅਤੇ ਮਾਹੌਲ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੀ ਹੈ ।

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਵੀ ਹਿੰਦੀ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਸਵਾਲ ਆਇਆ ਹੈ, ਮੈਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਦੀ ਗਿਆਤ ਵਾਸਤੇ ਦਸ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਥਰੀ ਲੈਂਗੁਏਜਿਜ਼ ਫਾਰਮੂਲਾ ਅਪਨਾਇਆ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਕਿ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਆਫ਼ ਇੰਡੀਆ ਨੇ ਵੀ ਅਪਣਾਇਆ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਵੀ ਥਰੀ ਲੈਂਗੁਏਜ਼ਿਜ਼ ਫਾਰਮੂਲੇ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਕਿਹਾ ਹੈ। ਜਿਸਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਗੁਰਮੁਖੀ ਸਕੂਲਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਮੀਡੀਅਮ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਤੋਂ ਪੜ੍ਹਾਈ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ ਹਿੰਦੀ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਲੈਵਲ ਤੇ ਕੰਪਲਸਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਾਲਜਾਂ ਦੇ ਲੈਵਲ ਤੇ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਜਾਵੇਗੀ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੈਂਟਰ ਦਾ ਬਣਾਇਆ ਹੋਇਆ ਥਿਰੀ ਲੈਂਗੁਏਜਿਜ਼ ਫਾਰਮੂਲਾ ਅਸੀਂ ਇਥੇ ਲਾਗੂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਇਥੇ ਹੀ ਬਸ ਨਹੀਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਅਸੀਂ ਹਿੰਦੀ ਨੂੰ ਇਕ ਹੋਰ ਖਾਸ ਕੰਨਸੈਸ਼ਨ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਸਕੂਲਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਖੁਲ੍ਹ ਦੇ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਆਪਣੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦਾ ਮੀਡੀਅਮ ਹਿੰਦੀ ਰਖਣ ਜਾਂ ਪੰਜਾਬੀ ਰਖਣ । ਇਸ ਲਈ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਮੈਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਨਸੰਘ ਨੂੰ ਹਿੰਦੀ ਦੇ ਸਵਾਲ ਤੇ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਕੋਈ ਮਤ ਭੇਦ ਨਹੀਂ ਸੀ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by:
Panjab Digital Library

[ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ]

ਮਤਭੇਦ ਸਿਰਫ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸੀ । ਇਹ ਲੋਕ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਰ ਸਕਦੇ ਕਿ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇ ਨਾਮ ਤੇ ਬਣੀ ਹੋਈ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਧੇ ਫੁਲੇ। ਉਹ ਇਸ ਨੂੰ ਛੋਟੀ ਜਿਹੀ ਹੀ ਰਖਣੀ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸੀ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਕੇਵਲ ਸਿਖਾਂ ਦੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਸਗੋਂ ਸਾਰੇ ਸੰਸਾਰ ਦੇ ਸਾਂਝੇ ਸੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਾਰੇ ਧਰਮਾਂ ਨੂੰ ਇਕਠਾ ਕੀਤਾ। ਹਰ ਇਕ ਨੂੰ ਬਰਾਬਰ ਦੀ ਥਾਂ ਦਿੱਤੀ। ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਲਿਆਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ। ਪਰ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਦੇ ਨਾਂ ਉੱਤੇ ਬਣੀ ਹੋਈ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨਹੀਂ ਸਹਾਰ ਸਕਦੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੇ ਕਮਿਊਨਿਲਿਸਟ ਹਨ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਇਨਫਾਰਮੇਸ਼ਨ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਮੰਤਰੀ ਮਹੋਦੇ ਤੋਂ ਇਹ ਪਤਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਨਸੰਘ ਨੇ ਜਲੰਧਰ ਨੂੰ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਚੋਂ ਕਢਣ ਲਈ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਦੇ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨੂੰ ਵੀ ਕਢਣ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਸੀ । ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਨਹੀਂ ਜੀ ਕਦੀ ਨਹੀਂ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਮਹੋਦੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਇਹ ਯਕੀਨ **ਦਿਵਾਉਣ** ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਨ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਆਰ.ਐਸ. ਐਸ. ਦੇ ਵਰਕਰ ਐਡਮਿਨਿਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਘੁਸੇੜ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਦੋਂ ਵੀ ਉਹ ਨਜ਼ਰ ਆਏ, ਕਢ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਯਕੀਨਨ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਢਾਂਗੇ । (ਥੰਪਿੰਗ)

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਵਿਚੋਂ ਵੀ ਕਢੋਗੇ ?

ਸ੍ਰੀ ਜੁਗਿੰਦਰ ਪਾਲ ਪਾਂਡੇ : ਉਹ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਅਤੇ ਫਾਈਨੈਂਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚੋਂ ਵੀ ਕਢ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ।

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਪਿਛਲੇ ਇੰਡਸਟਰੀ ਮਨਿਸਟਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਲਿਖ ਕੇ ਦਿੱਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੋਈ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼ ਦੀ ਕੋਈ ਹਾਈ ਪਾਵਰਡ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣਗੇ ?(ਵਿਘਨ) ਇਹ ਜ਼ਰੂਰ ਬਣਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਗਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਡੇਢ ਸਾਲ ਵਿਚ 10 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਵਖਰੀਆਂ 2 ਥਾਵਾਂ ਤੋਂ ਖਾਧੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਹ ਸਾਬਤ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹਾਂ । ਇਸ ਲਈ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਹ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇਣ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾਉਣਗੇ।

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਭਾਵੇਂ ਕੋਈ ਵੀ ਆਦਮੀ ਹੋਵੇ, ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਐਕਸ ਮਨਿਸਟਰ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਐਗਜ਼ਿਸਟਿੰਗ ਮਨਿਸਟਰ ਜਾਂ ਐਮ. ਐਲ. ਏ., ਲਾਅ ਸਾਰਿਆਂ ਲਈ ਇਕੋ ਜਿਹਾ ਹੈ। ਕੋਈ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕਿਸੇ ਦੇ ਵੀ ਖਿਲਾਫ ਆਵੇਗੀ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਇਨ-ਕੁਆਇਰੀ ਜ਼ਰੂਰ ਕਰਵਾਈ ਜਾਵੇਗੀ। ਟੰਡਨ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਆਈਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਵੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਜੋ ਵੀ ਰਿਜ਼ਲਟ ਹੋਵੇਗਾ ਉਹ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆ ਜਾਵੇਗਾ । ਮੈਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਖੀਰ ਵਿਚ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ (ਵਿਘਨ) ਅਸੀਂ ਨਾਂ [illegible] ਤਿਆਰ ਹਾਂ। (ਹਾਸਾ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਕੀ ਤੁਹਾਡੇ ਖਿਲਾਫ ਵੀ ਕੋਈ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਆਈ ਹੈ ?

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਜੇ ਆਈ ਤਾਂ ਫੇਸ ਕਰਾਂਗੇ, ਭਜਾਂਗੇ ਨਹੀਂ । (ਹਾਸਾ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਥੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਨਪੋਲੀਅਨ ਨੇ ਇਟਲੀ ਬਾਰੇ ਕੀ ਕਿਹਾ ਸੀ । ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ ਮੈਂ ਕਹਿਣ ਲਗਾ ਹਾਂ ਉਹ ਕਿਸੇ ਨੇਸ਼ਨ ਜਾਂ ਦੇਸ਼ ਤੇ ਐਸਪਰਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਤੇ ਨਪੋਲੀਅਨ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜੇ ਇਟਲੀ ਨਾਲ ਦੁਸ਼ਮਣੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਲਈ ਦੋ ਡਿਵੀਜ਼ਨ ਫੌਜ ਕਾਫ਼ੀ ਹੈ, ਜੇ ਉਸ ਨਾਲ ਅਲਾਇਨਮੈਂਟ ਹੋਵੇ ਤਾਂ 4 ਡਿਵੀਜ਼ਨ ਰਖਣੇ ਪੈਣੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜੇ ਉਸ ਨਾਲ ਦੋਸਤੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ 8 ਡਿਵੀਜ਼ਨ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਸੋ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਸਾਨੂੰ 8 ਡਿਵੀਜ਼ਨ ਰਖਣੇ ਪੈਣੇ ਹਨ, ਜੇ ਇਹ ਦੋਸਤ ਹੋਣਗੇ ਤਾਂ । (ਥੰਪਿੰਗ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਕੁੱਝ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਇਹ ਆਫਟਰ ਥਾਟ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮਨਿਸਟਰੀ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦੇ ਹੋਏ ਨਾ ਕਦੇ ਮਨਿਸਟਰੀ ਵਿਚ ਨਾ ਕਦੇ ਕੈਬਿਨਿਟ ਵਿਚ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੂੰ ਕਦੇ ਕੁਝ ਲਿਖ ਕੇ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸਟੇਟ ਵਿਚ ਲਾਅ ਐਂਡ ਆਰਡਰ ਖਰਾਬ ਹੈ । ਮੈਨੂੰ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਮਨਿਸਟਰੀ ਵਿੱਚੋਂ ਨਿਕਲਣ ਜਾਂ ਕਢੇ ਜਾਣ ਤੋਂ ਬਾਦ ਉਹ ਇਹੋ ਜਿਹੀਆਂ ਗਲਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ ।

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी यहां पर टंडन साहिब तथा सरदार बलवंत सिंह ने एक दूसरे पर चार्जिज़ और काऊंटर चार्जिज़ लगाए हैं । एक ऐक्स मिनिस्टर है तथा दूसरा अभी भी मिनिस्टर है । दोनों ज़िम्मेदार हैं । अगर आपने या इस हाऊस ने इस बात का कोई नोटिस न लिया तो लोगों का विश्वास उठ जायेगा । इसलिये स्पीकर साहिब, आप हाऊस के मैम्बरान की एक कमेटी बना दें जोकि इन इल्ज़ामों की जांच पड़ताल करे । (विघ्न) यहां का वातावरण खराब हो चुका है । इसलिये आप ऐम. ऐल. एज़ की एक इन्क्वायरी कमेटी बना दें ।

Mr. Speaker : It is for the House to decide. I am not over and above the House.

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਦੇ ਕਸਟੋਡੀਅਨ ਹੋ । ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਦੇ ਰੂਲ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜੇ ਹਾਊਸ ਰਿਕੁਮੈਂਡ ਕਰੇ ਤਾਂ ਇਹ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਪਾਵਰਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਿ ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਰੂਲਜ਼ ਨੂੰ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰ ਸਕਾਂ । (It can be done, in case it is recommended by the House. I have no power to suspend the Rules.)

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਇਨੀਸ਼ੀਏਟਿਵ ਲਓ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਤੁਹਾਨੂੰ ਰਿਕੁਮੈਂਡ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਬੜਾ ਸੀਰੀਅਸ ਮਸਲਾ ਹੈ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਬੜਾ ਸੀਰੀਅਸ ਮਾਮਲਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਹੁਣੇ ਹੀ ਇਕ ਫਾਰਮਲ ਮੋਸ਼ਨ ਲਿਖ ਕੇ ਭੇਜ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ 14 ਮਹੀਨੇ ਮਨਿਸਟਰ ਰਹੇ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਆਗਸਟ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਹ ਗਲ ਕਹੀ ਕਿ ਇਸ ਕੈਬਨਿਟ ਵਿਚ ਕੁਰਪਟ ਵਜ਼ੀਰ ਹਨ । ਹੁਣ ਦੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਦੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਹੁੰਦੀ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰ ਸੀ ਪਰ ਹੁੰਦੀ ਇਕ ਮਨਿਸਟਰੀ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਸੀ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ]

ਕਿ ਦੋਨਾਂ ਦੇ ਇਲਜ਼ਾਮਾਂ ਸਬੰਧੀ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਵਿਚ ਲੈ ਕੇ ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿਓ। ਜੇ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਇਲਜ਼ਾਮਾਂ ਦਾ ਵੀ ਕੋਈ ਨੋਟਿਸ ਨਾ ਲਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਮੈਂਬਰ ਸਪੀਚਾਂ ਕਰਕੇ ਚਲੇ ਗਏ ਤਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਇਸ ਹਾਊਸ ਤੋਂ ਵੀ ਉਠ ਜਾਵੇਗਾ।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਯਾਦ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਇਕ ਐਡਹਾਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਸੀ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਵੇਲੇ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਹ ਸੈਂਸ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਤੁਸੀਂ ਬਣਾ ਦਿਓ।

Mr Speaker: It was done after a motion had been moved.

Captain Rattan Singh: We will move such a motion if you permit us.

ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਐਡਹਾਕ ਕਮੇਟੀ ਜੋ ਤੁਸੀਂ ਬਣਾਈ ਸੀ ਉਹ ਮਾਮਲਾ ਅਜਿਹਾ ਮਾਮਲਾ ਸੀ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਕਿ ਸੁਪਰੀਮ ਕੋਰਟ ਵੀ ਆਪਣਾ ਫ਼ੈਸਲਾ ਦੇ ਚੁਕੀ ਸੀ। ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਰਿਸਪਾਂਸੀਬਲ ਕਾਰਨਰਜ਼ ਤੋਂ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਅਜ ਆਫੀਸ਼ਲ ਡੇ ਹੈ। ਅਜ ਤਾਂ ਉਹੀ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਆ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਅਪਰੂਵ ਕੀਤਾ ਹੈ। (Today official business has to be conducted and only that business will be taken up today which has been approved by the Business Advisory Committee.)

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਨਾਲ ਮੋਸ਼ਨ ਆ ਰਹੀ ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਤੁਸੀਂ ਰੂਲਜ਼ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਮੂਵ ਨੂੰ ਤਾਂ ਟਰੇਜ਼ਰੀ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਵੀ ਅਪੋਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਰਨਗੇ।

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਾਲੇ ਥੋੜੇ ਦਿਨ ਹੋਏ ਹਨ (ਵਿਘਨ) ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਇਸ ਸਦਨ ਵਿਚ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦਿਤੀ ਸੀ ਕਿ ਇਕ ਐਂਟੀ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਟਰੀਬਿਊਨਲ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਇਹ ਜਿਹੜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦਸੀਆਂ ਹਨ ਨੇਪੋਟਿਜ਼ਮ ਅਤੇ ਫੇਵਰੇਟਿਜ਼ਮ ਦੀਆਂ ਇਹਨਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਲਈ ਗੌਰਮਿੰਟ ਕੋਲ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਗੌਰਮਿੰਟ ਕੋਲ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਅਸੀਂ ਵੇਖ ਰਹੇ ਹਾਂ। (ਵਿਘਨ) ਅਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ ਕਮਿਸ਼ਨ ਕੋਲ ਰਖ ਦਿਆਂਗੇ। (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਸ੍ਰੀ ਪਟਮ ਥਾਨੂ ਪਿਲੇ ਜਿਹੜੇ ਸਾਡੇ ਸਾਬਕਾ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਸਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੁਰਗਵਾਸ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) (I may inform the House that Shri Pattom Thanu Pillai, a former Governor of this State has expired.) (Interruption)

चौधरी बलबीर सिंह : यह बहुत अहम मसला है। पंजाब में एक नई बात होगी (विघ्न) और लोगों का विश्वास इस आगस्ट हाऊस पर बनेगा। वह समझेंगे कि यह हाऊस सुप्रीम है। किसी बात पर अमल करने से कभी नहीं चूकता और वह महसूस करेंगे कि इस हाऊस ने अच्छा काम किया है।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

OBITUARY REFERENCES

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਤਸ਼ਰੀਫ ਰੱਖੋ । ਇਹ ਮਹਾਨ ਸਦਨ ਦਾ ਜੋ ਵੀ ਹੁਕਮ ਹੋਵੇਗਾ ਉਹ ਮੇਰੇ ਸਿਰ ਮਥੇ ਤੇ ਹੋਵੇਗਾ। ਹੁਣ ਆਬੀਚਿਊਰੀ ਰੈਫਰੈਂਸਿਜ਼ ਸ੍ਰੀ ਪਟਮ ਥਾਨੂ ਪਿਲੇ ਬਾਰੇ ਹੋਣਗੀਆਂ । (*Addressing Chaudhri Balbir Singh*: The hon. Member may resume his seat. I will obey whatever decision is taken by this House. Now obituary references to late Shri Pattom Thanu Pillai will be made.)

ਸਿੰਚਾਈ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਮੰਤਰੀ : ਸ੍ਰੀ ਪਟਮ ਥਾਨੂ ਪਿਲੇ ਜੋ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸਾਬਕਾ ਗਵਰਨਰ ਵੀ ਰਹਿ ਚੁਕੇ ਹਨ, ਇਹ ਬੜੇ ਸੱਚੇ ਦੇਸ਼ ਭਗਤ, ਬੜੇ ਭਾਰੀ ਮੁਦੱਬਰ ਅਤੇ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟੇਰੀਅਨ ਸਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੁਰਗਵਾਸ ਹੋਣਾ ਬੜਾ ਦੁਖ ਦਾਇਕ ਔਰ ਨੁਕਸਾਨ ਦੇਹ ਹੈ । ਇਹ 1885 ਵਿਚ ਟਰੀਵੇਂਡਰਮ ਵਿਚ ਪੈਦਾ ਹੋਏ ਸੀ । 1914 ਵਿਚ ਇਹ ਲਾਅ ਦੀ ਡਿਗਰੀ ਪਰਾਪਤ ਕਰਕੇ ਉਚਕੋਟੀ ਦੇ ਬੈਰਿਸਟਰ ਬਣੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜੰਗੇ ਆਜ਼ਾਦੀ ਵਿਚ ਬੜਾ ਨੁਮਾਇਆਂ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ। ਟਰਾਵਨਕੋਟ ਵਿਚ 1948 ਵਿਚ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਬਣੇ ਅਤੇ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਅਸਤੀਫਾ ਦੇ ਦਿੱਤਾ । 1954 ਵਿਚ ਉਹ ਫੇਰ ਦੁਬਾਰਾ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਬਣੇ ਅਤੇ ਇਸ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੋਸ਼ਲਿਸਟ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਬਣਾਈ ਅਤੇ ਫੇਰ ਦੁਬਾਰਾ ਉਹ ਆਪਣੀ ਸਟੇਟ ਦੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਚੁਣੇ ਗਏ। 1962 ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਗਵਰਨਰ ਬਣਾਏ ਗਏ ਅਤੇ 1964 ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ 1968 ਤਕ ਆਂਧਰਾ ਪਰਦੇਸ਼ ਦੇ ਗਵਰਨਰ ਦੇ ਮੁਮਤਾਜ਼ ਔਹਦੇ ਤੇ ਸਰਫਰਾਜ਼ ਰਹੇ । ਮੈਂ ਇਸ ਸ਼ੋਕ-ਮਈ ਮਤੇ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰਿਵਾਰ ਨੂੰ ਭੇਜਣ ਦੀ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ (ਅਜਨਾਲਾ): ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਅਤੇ ਪਾਵਰ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਸ੍ਰੀ ਪਟਮ ਥਾਨੂ ਪਿਲੇ ਬਾਰੇ ਸ਼ੋਕ ਮਈ ਅਤੇ ਦੁਖ ਦਾਇਕ ਖਿਆਲਾਂ ਦਾ ਇਜ਼ਹਾਰ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਵੱਲੋਂ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਸ੍ਰੀ ਪਟਮ ਥਾਨੂ ਪਿਲੇ ਜੀ ਨੇ ਟਰੀਵੇਂਡਰਮ ਵਿਚ ਜੁਲਾਈ, 1885 ਵਿਚ ਜਨਮ ਲਿਆ ਅਤੇ 85 ਸਾਲ ਦੀ ਉਮਰ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਦਿਹਾਂਤ ਹੋ ਗਿਆ । ਉਹ ਜੰਗੇ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੇ ਜਰਨੈਲ , ਸੱਚੇ ਦੇਸ਼ ਭਗਤ ਔਰ ਉਘੇ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟੇਰੀਅਨ ਸਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੱਖੋ ਵੱਖ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਵੱਖੋ ਵੱਖ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨਾਂ ਵਿਚ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਔਰ ਆਪਣੀ ਰਿਆਸਤ ਟਰਾਵਨਕੋਟ ਵਿਚ ਬਤੌਰ ਇਕ ਚੰਗੇ ਐਡਮਿਨਿਸ-ਟਰੇਟਰ ਦੇ ਉਘਾ ਹਿੱਸਾ ਪਾਇਆ। ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗਵਰਨਰ ਦੀ ਪਦਵੀ ਸੰਭਾਲੀ ਔਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਗਵਰਨਰ ਰਹੇ । ਮੈਨੂੰ ਕੁਝ ਸਮਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਮੇਲ ਦਾ ਸਮਾਂ ਮਿਲਿਆ ਔਰ ਥੋੜਾ ਜਿਹਾ ਸਮਾਂ ਮਿਲਿਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਸੁਣਨ ਦਾ । ਇਹ ਪਰਜਾ ਸੋਸ਼ਲਿਸਟ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਰਹੇ । ਮੈਨੂੰ ਬਹੁਤ ਸੰਖੇਪ ਵਿਚ ਹੀ ਵਰਣਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਕਾਫੀ ਕੁਝ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ ਦੇ ਮੁਤਅੱਲਿਕ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਅਤੇ ਪਾਵਰ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਦੱਸ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਦੁਹਰਾਣਾ ਕੇਵਲ ਰੈਪੀਟੀਸ਼ਨ ਹੀ ਹੋਵੇਗੀ । ਇਹ ਦਰੁਸਤ ਗਲ ਹੈ ਜੋ ਵੀ ਇਨਸਾਨੀ ਜਾਮੇ ਵਿਚ ਆਇਆ ਹੈ ਉਸ ਨੇ ਇਕ ਨਾ ਇਕ ਦਿਨ ਚਲਣਾ ਹੈ । ਜੋ ਆਉਂਦੇ ਨੇ ਉਹ ਜਾਂਦੇ ਵੀ ਜ਼ਰੂਰ ਨੇ ।

"ਜੋ ਆਇਆ ਸੋ ਚਲਸੀ ਸਭ ਕੋ ਆਈ ਵਾਰੀਐ"

ਹਮੇਸ਼ਾਂ ਇਨਸਾਨ ਦੀ ਪੂਜਾ ਕੁਝ ਅਸੂਲਾਂ ਕਰਕੇ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਨਾ ਕਿ ਇਸ ਕਰਕੇ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਪਦਵੀ ਸੰਭਾਲੀ ਹੋਈ ਸੀ । ਤੁਸੀਂ ਵੇਖਿਆ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਪਦਵੀ ਸੰਭਾਲਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚਾਹਜਿਜ਼ ਅਤੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ]

ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਦੇ ਹਨ। ਜੋ ਪਰਉਪਕਾਰੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਦੇਸ਼ ਭਗਤ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਵਿਚ ਆਪਣਾ ਹਿੱਸਾ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਿਰ ਹਮੇਸ਼ਾਂ ਉਚਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ:

"ਗੁਰਮੁਖ ਜਨਮ ਸੁਵਾਰ ਦਰਗਹਿ ਚਲਿਆ
ਸਚੀ ਦਰਗਾਹ ਜਾਇ ਸਚਾ ਪਿੜ ਮਲਿਆ"

ਇਥੋਂ ਜਾਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਥੇ ਦਰਗਾਹ ਵਿਚ ਬੜੀ ਢੁਕਵੀਂ ਜਗ੍ਹਾ ਮਿਲਦੀ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਨੇ ਇਨਸਾਨ ਦੀ ਮੌਤ ਨੂੰ ਭਾਵ ਕਾਲ ਨੂੰ ਇਕ ਬਿਲੀ ਨਾਲ ਤਸ਼ਵੀਹ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਭਾਵ ਜੋ ਕਾਲ ਰੂਪੀ ਬਿਲੀ ਹੈ ਇਹ ਕਿਸੇ ਦਾ ਲਿਹਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ। ਜਿਹੜੇ ਮਨਮੁਖ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਿਵੇਂ ਬਿਲੀ ਚੂਹੇ ਨੂੰ ਮੂੰਹ ਵਿਚ ਫੜ ਕੇ ਲੈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀਆਂ ਹਡੀਆਂ ਚੱਬ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਨਮੁਖਾਂ ਦਾ ਹਾਲ ਇਹ ਕਾਲ ਰੂਪੀ ਬਿਲੀ ਕਰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅੜਾਟ ਕਢ ਦਿੰਦੀ ਹੈ। ਜਿਹੜੇ ਆਪਣੀ ਕੌਮ ਵਾਸਤੇ ਜੀਊਂਦੇ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਇਸ ਕਾਲ ਰੂਪੀ ਬਿਲੀ ਦਾ ਪਾਰਟ ਵਖਰਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਿਲੀ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਆਪਣੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਸਤਾਂ ਘਰਾਂ ਵਿਚ ਫੇਰਦੀ ਹੈ, ਮੂੰਹ ਵਿਚ ਫੜ ਕੇ ਲੈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਉਸ ਤੇ ਆਂਚ ਤਕ ਨਹੀਂ ਆਉਣ ਦਿੰਦੀ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਿਹੜੇ ਆਪਣੇ ਦੇਸ਼ ਵਾਸਤੇ ਜੀਉਂਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਇਹ ਕਾਲ ਰੂਪੀ ਬਿਲੀ ਸਿਰਫ ਜਾਮਾਂ ਬਦਲਣ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਦੀ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਬਿਲੀ ਸਿਰਫ ਸਥਾਨ ਬਦਲਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਆਂਚ ਤਕ ਨਹੀਂ ਆਉਣ ਦਿੰਦੀ।

ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਵੱਲੋਂ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵੱਲੋਂ ਇਕ ਅਜਿਹੀ ਅਜ਼ੀਮ ਹਸਤੀ ਨੂੰ ਜਿਸਨੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਅਤੇ ਅਪਣੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਵਿਚ ਉਘਾ ਹਿੱਸਾ ਪਾਇਆ ਆਪਣੀ ਕਾਬਲੀਅਤ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣਾ ਨਾਂ ਰੌਸ਼ਨ ਕੀਤਾ, ਮੈਂ ਉਸ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਜੋ ਖਿਆਲਾਤ ਹਨ, ਜੋ ਇਜ਼ਹਾਰੇ ਹਮਦਰਦੀ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਮਤੇ ਦੀ ਨਕਲ, ਜੋ ਜੋ ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਫੀਲਿੰਗਜ਼ ਹਨ, ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰਿਵਾਰ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਕਨਵੇ ਕਰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣ ਕਿਉਂਕਿ ਨਿਤ ਨਿਤ ਐਸੇ ਇਨਸਾਨ ਨਹੀਂ ਆਇਆ ਕਰਦੇ।

ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ ਫੇਰ ਦੁਬਾਰਾ ਪਿਲੇ ਜੀ ਦੇ ਸੁਰਗਵਾਸ ਹੋਣ ਤੇ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਅਰਦਾਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗੁਰੂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰੂਹ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਚਰਨਾਂ ਵਿਚ ਨਿਵਾਸ ਦੇਵੇ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ (ਕਿਲਾ ਰਾਇਪੁਰ): ਜੋ ਸ਼ੋਕ ਮਤਾ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਅਤੇ ਪਾਵਰ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਸ੍ਰੀ ਪਟਮ ਥਾਨੂ ਪਿਲੇ ਦੇ ਮੁਤਲਕ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ, ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਉਹਦੇ ਨਾਲ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਸਿਆਸਤ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਬੜਾ ਤਜਰਬਾ ਸੀ। ਇਕ ਛੋਟੀ ਪਦਵੀ ਤੇ ਨੌਕਰ ਹੋਏ ਸੀ ਔਰ ਉਨਾਂ ਨੇ ਬੜੀ ਤਰਕੀ ਕੀਤੀ ਇਥੋਂ ਤਕ ਕਿ ਉਹ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਗਵਰਨਰ ਰਹੇ। ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਗਵਰਨਰ ਹੋਣ ਦੀ ਹੈਸੀਅਤ ਵਿਚ ਮੈਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਣ ਦਾ ਵੀ ਮੌਕਾ ਮਿਲਿਆ ਉਹ ਨਿਹਾਇਤ ਅੱਛੇ ਸਜਣ ਸਨ। ਮੈਂ ਵੀ ਅਰਦਾਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਰਮਾਤਮਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰੂਹ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਚਰਨਾਂ ਵਿਚ ਨਿਵਾਸ ਬਖਸ਼ੇ।

Sirdar Kapur Singh (Samrala): Mr. Speaker I beg to associate myself with the motion that has been moved by the Minister for Irrigaion and Power and the sentiments that have been expressed about the passing away of our Ex-Governor Shri PattomThanu Pillai. He came to us from a far off place Kerala-the land of greenery and the mild climate. The particular qualities with which he won the hearts of the Punjabis were precisele his mild manners and his reasonable approach towards problems of thy State.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

I also associate myself with the suggestion that a copy of the motion and the sentiments expressed here should be conveyed to the members of bereaved family.

Thank you

चौधरी बलबीर सिंह (होशियारपुर) : अध्यक्ष महोदय, बासी साहिब ने जो शोक का प्रस्ताव पेश किया है उसके बारे में मैं अपने आपको और अपनी पार्टी को शामिल करता हूँ। पिल्ले जी मेरी पार्टी से ताल्लुक रखते थे और जब वह केरला में प्रजा सोशलिस्ट पार्टी की तरफ से चीफ़ मिनिस्टर थे उस वक्त लाठी चार्ज हुआ। तो उस वक्त इन्होंने पार्टी में एक बात चलाई और इन्होंने फैसला किया कि एक अवामी सरकार को लाठी चार्ज नहीं करना चाहिए और इन्होंने इस बात पर अस्तीफा दिया। (विघ्न) वह एक बहुत अच्छे पार्लीमैंटेरियन और ऐड मिनिस्ट्रेटर थे। सारी जिन्दगी इन्होंने मुल्क की जंगे आज़ादी में लगा दी। आज़ादी हासिल करने की लड़ाई भी वह लड़ते रहे।

मैं दोबारा फिर अपने और अपनी पार्टी की तरफ से उनको श्रद्धांजली पेश करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करता हूँ कि उनके परिवार को यह दुख बर्दाश्त करने की शक्ति मिले।

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ (ਫੂਲ): ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਸ਼ੋਕ ਮਤਾ ਇਰੀਗੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਥੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮੈਂ ਆਪ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵੱਲੋਂ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸਹਿਮਤ ਹਾਂ। ਉਹ ਐਸੇ ਇਨਸਾਨ ਸਨ ਜਿਸ ਨੇ ਆਜ਼ਾਦੀ ਲਿਆਉਣ ਵਿਚ ਹਿਸਾ ਪਾਇਆ। ਉਹ ਇਕ ਸਿਪਾਹੀ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲੜਦੇ ਰਹੇ। ਉਹ ਉਸ ਸੂਬੇ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਰਖਦੇ ਹਨ, ਜਿਥੇ ਕਿ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚੋਂ ਤਾਲੀਮ ਜਿਆਦਾ ਹੈ। ਇਥੇ ਉਹ ਗਵਰਨਰ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਰਹੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੜੀ ਅੱਛੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਆਪਣੇ ਔਹਦੇ ਨੂੰ ਨਿਭਾਇਆ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਤੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਤਰਫੋਂ ਅਰਦਾਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪ੍ਰਮਾਤਮਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰੀਵਾਰ ਨੂੰ ਭਾਣਾ ਮੰਨਣ ਦਾ ਬਲ ਬਖ਼ਸ਼ੇ।

ਸਰਦਾਰ ਬਸੰਤ ਸਿੰਘ (ਡਕਾਲਾ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜਾ ਸ਼ੋਕ ਪ੍ਰਸਤਾਵ ਬਾਸੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਜਜ਼ਬਾਤ ਦਾ ਇਜ਼ਹਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਪਟਮ ਥਾਨੂ ਪਿਲੇ ਇਕ ਬੜੇ ਨੈਸ਼ਨੇਲਿਸਟ ਸਨ। ਬੜੇ ਵੱਡੇ ਲੀਡਰ ਸਨ। ਜੰਗੇ ਆਜ਼ਾਦੀ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਹੁਤ ਵੱਡਾ ਹਿੱਸਾ ਪਾਇਆ। ਬੜੇ ਵੱਡੇ ਔਹਦੇ ਤੇ ਰਹਿ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੜੀਆਂ ਅੱਛੀਆਂ ਕਨਵੈਨਸ਼ਨਜ਼ ਲੇ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦੇ ਨਾਲ ਵੀ ਸਹਿਮਤ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰੀਵਾਰ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਦੇ ਜਜ਼ਬਾਤ ਭੇਜੇ ਜਾਣ।

ਇਸਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਸਜੈਸ਼ਨ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਂ ਯਾਦ ਦੇ ਨਾਲ ਅਜ ਹਾਊਸ ਬਗੈਰ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤਿਆਂ ਸ਼ੋਕ ਮਤੇ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਕੇ, ਐਡਜਰਨ ਹੋ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹੋਰ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਇਸ ਸਟੇਟ ਦੇ ਗਵਰਨਰ ਰਹੇ ਹਨ (ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ) ਇਸ ਲਈ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਖੜੇ ਹੋਕੇ ਸ਼ੋਕ ਪ੍ਰਸਤਾਵ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਫਿਰ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਐਡਜਰਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਅਰਪਣ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਜਥੇਦਾਰ ਹਰਦਿਤ ਸਿੰਘ ਭੱਠਲ (ਧਨੌਲਾ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਾਸੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਸ਼ੋਕ ਦਾ ਮਤਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਆਪ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੜਾ ਹਿੱਸਾ ਪਾਇਆ ਹੈ। ਇਤਨੇ ਮਹਾਨ ਆਦਮੀ ਦਾ ਵਿਛੜ ਜਾਣਾ ਦੇਸ਼ ਲਈ ਬੜਾ ਘਾਟਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਤਰਫੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਹੋਰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਸਾਥੀਆਂ ਨੇ ਕਹਿ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਸ਼ੋਕ ਪ੍ਰਸਤਾਵ ਪਾਸ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਘਰ ਵਾਲਿਆਂ ਅਤੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਭੇਜ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ।

ਸਿੰਜਾਈ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਭੁੱਲ ਗਿਆ ਹਾਂ, ਮੇਜਰ ਜਨਰਲ ਅਮੀਰ ਚੰਦ ਚਲਾਣਾ ਕਰ ਗਏ ਹਨ। ਉਹ ਬੜੇ ਭਾਰੀ ਡਾਕਟਰ ਸਨ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨਾਮ ਲੈਣਾ ਭੁੱਲ ਗਿਆ ਹਾਂ। ਮੇਜਰ ਜਨਰਲ ਅਮੀਰ ਚੰਦ, ਬੜੇ ਵੱਡੇ ਡਾਕਟਰ ਸਨ ਉਹ ਸਾਡੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ, ਲਾਹੌਰ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਇੰਡੀਅਨ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਸਨ। ਉਹ ਮੈਡੀਕਲ ਦੇ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਸਨ। ਪਹਿਲੇ ਮਿਲਟਰੀ ਵਿਚ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੜੇ ਬੜੇ ਕੰਮ ਕੀਤੇ ਹਨ। ਉਹ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਬੜੀ ਚੋਟੀ ਦੇ ਡਾਕਟਰ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੌਤ ਨਾਲ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਨੂੰ ਬੜਾ ਘਾਟਾ ਪਿਆ ਹੈ। ਉਹ ਬੜੇ ਉੱਚ ਕੋਟੀ ਦੇ ਡਾਕਟਰ ਸਨ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਅਰਪਣ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋ ਮਹਾਨ ਹਸਤੀਆਂ ਦੇ ਚਲਾਣਾ ਕਰ ਜਾਣ ਤੇ ਜੋ ਪ੍ਰਸਤਾਵ ਬਾਸੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਹਾਊਸ ਅੱਗੇ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਰਾ ਹਾਊਸ ਦਿਲੀ ਤੌਰ ਤੇ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸਹਿਮਤ ਹੈ। ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰਿਵਾਰ ਨਾਲ ਹਮਦਰਦੀ ਦਾ ਪ੍ਰਗਟਾਵਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਹਾਊਸ ਦੇ ਇਸ ਮਤੇ ਦੁਆਰਾ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਰਿਵਾਰ ਨੂੰ ਭੇਜ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣਗੇ। ਹੁਣ ਮੈਂ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋ ਮਹਾਨ ਆਤਮਾਵਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਵਜੋਂ ਉਠ ਕੇ ਦੋ ਮਿੰਟ ਲਈ ਮੌਨ ਧਾਰਨ ਕਰਨ। (I think that the House whole-heartedly agrees with the resolution of condolence moved by Sardar Sohan Singh Bassi regarding passing away of these two great personalities. A copy of the resolution passed by this House expressing the sentiments of sympathy with the members of the bereaved families will be sent to them. I would request all the hon. Members to stand in silence for two minutes in the memory of the two departed souls.)

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਆਪਣੀ ਆਪਣੀ ਜਗ੍ਹਾ ਚੁਪ ਖੜੇ ਹੋ ਗਏ)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਹਾਉਸ ਐਡਜਰਨ ਹੋ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਆਵਾਜ਼ਾਂ : ਹਾਊਸ ਐਡਜਰਨ ਹੋ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸਵੇਰੇ ਨੌ ਵਜੇ ਕਰ ਲਓ।

चौधरी बलबीर सिंह : सैशन सवेरे 9 बजे बुला लें। सारा काम खत्म हो जायेगा वैसे भी ज्यादा काम नहीं है।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਰਾਏ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸ਼ੋਕ ਪ੍ਰਸਤਾਵ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਹਾਉਸ ਐਡਜਰਨ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਇਹ ਹੈ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਿ ਇਕ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਜਿਹੜੀ ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਦਿਤੀ ਸੀ, ਉਹ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਅਧੀਨ ਅੱਜ ਆਉਣੀ ਸੀ....(I think it is the sense of the House that the sitting be adjourned after passing this condolence motion. An Adjournment Motion, given notice of by Ch. Balbir Singh had to be taken up today under the rules).

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਉਹ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਅਧੀਨ ਕਲ ਆ ਜਾਵੇਗੀ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਉਹ ਅਜ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕੀ, ਇਸ ਲਈ ਬਾਕੀ ਹਾਊਸ ਦਾ ਸਾਰਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਆਟੋਮੈਟੇਕਲੀ ਕਲ ਤੇ ਆ ਜਾਵੇਗਾ ।(That motion has not been taken up today. Thus all the remaining business on the agenda will automatically be postponed till the next sitting).

Is it the sense of the House.

Voices : Yes, Yes.

Ms. Speaker : The House stand adjourned till 9 A.M. on Tuesday the 28th July, 1970,

5.47 P.M.

The Sabha then adjourned till 9.00 *A.M. on Tuesday, the 28th July, 1970.*

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

APPENDIX

to

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES

VOL. II—NO. 2

27TH JULY, 1970

CALL ATTENTION NOTICE UNDER RULE 73.

(Serial No. 14)

Chaudhri Balbir Singh : To draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, the employees of the Electricity Board gave a beating to Sathi Ajit Singh, Secretary Haryana SANSOPA at Haryana in District Hoshiarpur on the night of 22nd July, 1970 and when some members of the SANSOPA went to the Police Station for lodging a report, the police took Sathi Ajit Singh inside the Police Station, gave him a beating and took him into custody. They did not allow the remaining members of the S. S. P. to enter the Police Station premises. The M.L.A. from Hoshiarpur protested against the high-handedness of the police on the telephone at about 11.00 P.M. Thereupon Shri Ajit Singh was released. This matter was brought to the notice of Pandit Piare Lal, Inspector Police at about 7.00 in the morning on 23rd July, 1970 but no effective steps have so far been taken in the matter.

This has created a great unrest among the people. The Government may make a statement in this regard.

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister) : It has been reported that on 22nd July, 1970 at about 8/9 P.M. H. C. Kabul Chand of Police Station Haryana, District Hoshiarpur noticed Shri Ajit Singh, a SSP Worker, and some Punjab State Electricity Board Employees quarrelling on the Hoshiarpur-Haryana road opposite the local Veterinary Hospital. The Head Constable intervened, separated both the parties and brought them to the Police Station. Shri Ajit Singh, SSP Worker, as well as the State Electricity Board Employees were got medically examined. According to the Medical Report Shri Ajit Singh had 5 simple injuries (Abrasions) caused by blunt weapons, whereas the Electricity Board Employees were found to have no injuries at all. Daily Diary report No. 29 dated 22nd July, 1970 was recorded at the instance of Shri Ajit Singh, SSP Worker, who later on refused to sign it in the presence of 7 notables of Haryana town. On the other hand one Ajit Singh, Lines Supdt, Electricity Board, also got recorded a report in the daily diary, No. 30 dated 22nd July, 1970 against the said Ajit Singh. The respectables of the town who were present at the Police Station tried their level best to bring about a compromise between the parties but failed. Meanwhile Shri Jagdev Singh, Sarpanch, Dadiana and Ajit Singh's son came to the Police Station alongwith 20/25 other persons at about 10 P.M. The local Police allowed both

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

these persons (i. e., Jagdev Singh Sarpanch and Ajit Singh's son) to enter the Police Station where the compromise was being discussed but others were not allowed ingress to avoid creating a scene.

It is reported to be absolutely incorrect that Ajit Singh SSP worker was taken into custody and given any beating by the Police. Thus the question of his release did not arise.

On 23rd July, 1970 the matter was brought to the notice of Shri Pyare Lal Inspector by Shri Balbir Singh M.L.A. The Inspector immediately went to the spot and carried out necessary enquiries as a result of which both the parties in the presence of notables compromised. Thus the matter which was of a non-cognizable nature was settled. Shri Ajit Singh SSP worker has himself recorded in writing in the compromise that he does not want any further action to be taken in the matter.

(ਸਹੀ ਵਾਕਿਆਤ ਇਸ ਪਰਕਾਰ ਪਾਏ ਗਏ ਹਨ ਕਿ ਮਿਤੀ 22 ਜੁਲਾਈ, 1970 ਕੋਈ 8/9 ਵਜੇ ਰਾਤ ਨੂੰ ਹੈਡ ਕੰਸਟੇਬਲ ਕਾਬਲ ਚੰਦ, ਥਾਨਾ ਹਰਿਆਨਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਨੇ ਸਥਾਨਕ ਡੰਗਰਾਂ ਦੇ ਹਸਪਤਾਲ ਦੇ ਸਾਂਹਵੇ ਐਸ·ਐਸ.ਪੀ. ਵਰਕਰ ਸ੍ਰੀ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬ ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਵਿਚਾਲੇ ਇਕ ਦੂਜੇ ਨਾਲ ਝਗੜਾ ਹੁੰਦਾ ਡਿੱਠਾ । ਉਕਤ ਹੈਡ ਕੰਸਟੇਬਲ ਨੇ ਵਿਚ ਪੈ ਕੇ ਓਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲੜਨੋਂ ਰੋਕਿਆ ਅਤੇ ਦੋਨਾਂ ਧਿਰਾਂ ਨੂੰ ਪੁਲਿਸ ਸਟੇਸ਼ਨ ਲੈ ਆਇਆ ਜਿਥੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਡਾਕਟਰੀ ਮੁਆਇਨਾ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ ਜਿਸ ਤੋਂ ਸ੍ਰੀ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ ਐਸ. ਐਸ. ਪੀ. ਵਰਕਰ ਨੂੰ 5 ਮਾਮੂਲੀ ਸੱਟਾਂ ਖੁੰਡੇ ਹਥਿਆਰਾਂ ਤੋਂ ਲਗੀਆਂ ਪਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਪਰ ਦੂਜੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਸੱਟ ਆਦਿ ਲਗਣੀ ਨਾ ਪਾਈ ਗਈ । ਸ੍ਰੀ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ ਸਾਥੀ ਦੇ ਕਹਿਣ ਤੇ ਇਲਾਕੇ ਦੇ 7 ਹੋਰ ਪਤਵੰਤਿਆਂ ਦੇ ਰੂਬਰੂ ਜੋ ਉੱਥੇ ਮੌਜੂਦ ਸਨ ਡੇਲੀ ਡਾਇਰੀ ਰਪੋਟ ਨੰ: 29 ਮਿਤੀ 22 ਜੁਲਾਈ, 1970 ਲਿਖੀ ਗਈ ਜਿਸ ਉੱਤੇ ਉਸ ਨੇ ਆਪਣੇ ਦਸਖਤ ਕਰਨ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ । ਦੂਜੇ ਪਾਸਿਓਂ ਇੱਕ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ ਲਾਈਨਜ਼ ਸੁਪਰਡੰਟ ਬਿਜਲੀ ਬੋਰਡ ਨੇ ਵੀ ਇਸ ਸਾਥੀ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਡੇਲੀ ਡਾਇਰੀ ਨੰ:30 ਮਿਤੀ, 22 ਜੁਲਾਈ, 1970 ਦਰਜ ਕਰਵਾਈ। ਥਾਨੇ ਵਿੱਚ ਬੈਠੇ ਪਤਵੰਤਿਆਂ ਨੇ ਦੋਨਾਂ ਧਿਰਾਂ ਦੇ ਦਰਮਿਆਨ ਸਮਝੌਤਾ ਕਰਾਉਣ ਦੀ ਸਿਰ ਤੋੜ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਪਰ ਉਸ ਵੇਲੇ ਗੱਲ ਸਿਰੇ ਨਾ ਚੜ੍ਹੀ । ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਵਿਚ ਸ੍ਰੀ ਜਗਦੇਵ ਸਿੰਘ ਸਰਪੰਚ ਦਾਦਰਾਨਾ ਅਤੇ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ ਦਾ ਲੜਕਾ ਰਾਤ 10 ਵਜੇ ਦੇ ਕਰੀਬ ਪੁਲਿਸ ਸਟੇਸ਼ਨ ਪੁਜੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਕੋਈ 20/25 ਜਣੇ ਹੋਰ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੋਨਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਪੁਲਿਸ ਸਟੇਸ਼ਨ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜਿਥੇ ਦੋਨਾਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਵਿਚਾਲੇ ਸਮਝੌਤਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਸੀ, ਜਾਣ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਪਰ ਬਾਕੀ ਦਿਆਂ 20/25 ਨੂੰ* ਰੱਖਦਿਆਂ ਅੰਦਰ ਦਾਖਲ ਨਾ ਹੋਣ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ।

ਇਹ ਗਲ ਅਸਲੋਂ ਗਲਤ ਹੈ ਕਿ ਸਾਥੀ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਪੁਲਿਸ ਕਸਟਡੀ ਵਿਚ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਬਾਦ ਵਿਚ ਛੱਡ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ । ਇਸ ਲਈ ਬਾਦ ਵਿੱਚ ਛੱਡਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦਾ ।

ਮਿਤੀ 23 ਜੁਲਾਈ, 1970 ਨੂੰ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਐਮ. ਐਲ.ਏ. ਨੇ ਇੰਨਸਪੈਕਟਰ ਪਿਆਰੇ ਲਾਲ ਦਾ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਇਆ । ਉਹ ਉਸੇ ਵੇਲੇ ਮੌਕੇ ਤੇ ਪੁੱਜੇ ਅਤੇ ਇਸ ਮਾਮਲੇ

---

* MSS not legible.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਬੰਧੀ ਪੁੱਛ–ਪੜਤਾਲ ਕੀਤੀ । ਇਸ ਦਾ ਫਲ ਸਰੂਪ ਇਹ ਨਿਕਲਿਆ ਕਿ ਦੋਨਾਂ ਧਿਰਾਂ ਦਾ ਆਪਸ ਵਿੱਚ ਰਾਜ਼ੀ ਨਾਵਾਂ ਹੋ ਗਿਆ ਅਤੇ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਦਾ ਜੋ 'ਕੋਅਗਨਿਜ਼ੇਬਲ' ਨਹੀਂ ਸੀ ਪਾਇਆ ਗਿਆ ਦਾ ਨਿਬੇੜਾ ਫੈਸਲਾ-ਕੁਲ ਹੋ ਗਿਆ । ਸਾਥੀ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਖੁਦ ਇਸ ਹੋਏ ਰਾਜ਼ੀਨਾਵੇਂ ਤੇ ਅਪਣੇ ਦਸਖਤ ਕੀਤੇ ਅਤੇ ਲਿਖ ਕੇ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਉਹ ਹੁਣ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਹੋਰ ਕਾਰਵਾਈ ਪੁਲਿਸ ਵੱਲੋਂ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ।

CALL ATTENTION NOTICE UNDER RULE 73

(Serial No.15)

1. Comrade Satya Pal Dang
2. Comrade Dana Ram :To draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance namely, the non-payment of wages to the workers of Panipat Woollen Mills Kharar for the last 4 months. This has resulted in great hardship for the workers who have been forced to start an agitation. The workers have been sitting, Dharna near the Punjab Vidhan Sabha and may resort to other forms of direct action. In view of the urgent importance of the matter ,the Minister concerned be asked to make a statement in the House.

ਸਰਦਾਰ ਪਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ) : ਕੁਝ ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਮੈਸਰਜ਼ ਪਾਨੀਪਤ ਵੂਲਨ ਮਿਲਜ਼ ਖਰੜ ਦੀ ਮਾਲੀ ਹਾਲਤ ਕਮਜ਼ੋਰ ਹੁੰਦੀ ਜਾ ਰਹੀ ਸੀ ਤੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਕਰੈਡੀਟਰਾਂ ਨੇ ਆਪਣਾ ਪੈਸਾ ਵਾਪਸ ਲੈਣ ਦੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਤੇ ਇਸ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਪੰਜਾਬ ਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਹਾਈਕੋਰਟ ਨੇ ਇਹ ਕੀਤਾ ਕਿ ਮਾਲਕ ਸਾਰੇ ਕਰੈਡੀਟਰਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸ਼ਤਾਂ ਵਿਚ ਪੈਸਾ ਵਾਪਸ ਕਰਨ । 1969 ਵਿਚ ਫੈਕਟਰੀ ਦੀ ਮਾਲੀ ਹਾਲਤ ਇਤਨੀ ਖਰਾਬ ਹੋ ਗਈ ਕਿ ਮਾਲਕ ਕਾਮਿਆਂ ਨੂੰ ਸਮੇਂ ਤੇ ਤਨਖਾਹ ਦੇਣ ਦੇ ਯੋਗ ਨਾ ਰਹੇ ਤੇ ਨਾ ਹੀ ਇੰਪਲਾਈਜ਼ ਸਟੇਟ ਇੰਸ਼ੋਰੈਂਸ ਤੇ ਪ੍ਰਾਵੀਡੈਂਟ ਫੰਡ ਦੇ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਵਿਚ ਆਪਣਾ ਹਿੱਸਾ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਾ ਸਕੇ । ਇਸ ਦੇ ਕਾਰਨ ਮਾਲਕਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ 208 ਕਾਮਿਆਂ ਦੀ ਵਾਲੰਟਰਲੀ ਰਿਟਰੇਂਚਮੈਂਟ 18 ਫਰਵਰੀ, 1969 ਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰ ਲਈ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਕਾਮਿਆਂ ਨੂੰ ਤਕਰੀਬਨ 3,50,000 ਰੁਪਏ ਦੇਣੇ ਬਣਦੇ ਸਨ ਜੋ ਕਿ ਮਾਲਕ ਮਾਲੀ ਹਾਲਤ ਖਰਾਬ ਹੋਣ ਦੀ ਵਜਾ ਕਰਕੇ ਕਾਮਿਆਂ ਨੂੰ ਨਾ ਦੇ ਸਕੇ । ਉਪਰੋਕਤ ਰਕਮ ਵਿਚੋਂ ਕਾਮਿਆਂ ਨੇ ਰੁਪਏ 2,10,263.70 ਪੈਸੇ ਦੀ ਰਕਮ ਕਲੇਮ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਇਸੇ ਅਨੁਸਾਰ ਲੇਬਰ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੇ ਮਾਲਕਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਰੁਪਏ 2,10,263.70 ਪੈਸੇ ਦਾ ਰਿਕਵਰੀ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤਾ । ਮਾਲਕਾਂ ਨੇ ਇਸ ਰਕਮ ਵਿਚ 2,09,564 ਰੁਪਏ ਕਿਸ਼ਤਾਂ ਰਾਹੀਂ, ਦੇ ਦਿੱਤੇ ਹਨ । ਹੁਣ ਕੇਵਲ ਰੁਪਏ 699.70 ਪੈਸੇ ਦੀ ਰੀਕਵਰੀ ਬਾਕੀ ਹੈ ।

ਉਪਰੋਕਤ ਰਕਮ ਵਿੱਚੋਂ ਕਾਮਿਆਂ ਨੇ ਰੁਪਏ 1,39,736.30 ਪੈਸੇ ਦੀ ਰਕਮ ਕਲੇਮ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਇਸ ਲਈ ਕਿਰਤ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੇ ਇਸ ਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਰਿਕਵਰੀ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਜਾਰੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਊ ਨੋਟਿਸ ਨੰ: 16

ਗਿਆਨੀ ਕੁੰਦਨ ਸਿੰਘ ਪਤੰਗ: ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਲੋਕ ਮਹੱਤਤਾ ਦੇ ਇਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਾਮਲੇ ਵਲ ਦਵਾਉਣਗੇ ਅਰਥਾਤ ਸ਼ਰਾਬ ਦੇ ਠੇਕੇ ਬੱਸ ਅੱਡੇ, ਸਕੂਲਾਂ ਕਾਲਜਾਂ, ਜਾਂ ਧਾਰਮਕ ਮੰਦਰਾਂ ਦੇ ਲਾਗੇ ਨਹੀਂ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ, ਕਾਫੀ ਦੂਰ ਇਨਾ ਥਾਵਾਂ ਤੋਂ ਕਰ ਦੇਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਉਥੇ ਧੀਆਂ, ਭੈਣਾਂ ਤੇ ਮਾਈਆਂ ਦਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਰਕੇ ਆਉਣ ਜਾਣ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਵਿਚ ਵਿਘਨ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ ਤੇ ਭੈੜਾ ਅਸਰ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਸ਼ਰਾਬੀ ਲੜਾਈ ਝਗੜੇ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਗੰਦੇ ਮੰਦੇ ਸ਼ਬਦ ਬੋਲਦੇ ਹਨ ਜਿਸਦਾ ਆਮ ਜਨਤਾ ਤੇ ਬਹੁਤ ਹੀ ਬੁਰਾ ਅਸਰ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਆਪਣਾ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਸ਼ਰਾਬ ਦੇ ਠੇਕੇ ਦੋ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਇਕ ਥੋਕ ਤੇ ਦੂਜੇ ਪਰਚੂਨ ਜਿਥੋਂ ਤਾਈਂ ਥੋਕ ਠੇਕਿਆਂ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ,ਇਨ੍ਹਾਂ ਠੇਕਿਆਂ ਤੋਂ ਸ਼ਰਾਬ ਪਰਚੂਨ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਵੇਚੀ ਜਾਂਦੀ ਬਲਕਿ ਪਰਚੂਨ ਠੇਕੇਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਥੋਕ ਵਿਚ ਬੰਦ ਤੇ ਸੀਲ ਕੀਤੀਆਂ ਬੋਰੀਆਂ ਆਦਿ ਵਿਚ ਹੀ ਵੇਚੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਜਿਥੋਂ ਤਾਈਂ ਪਰਚੂਨ ਠੇਕਿਆਂ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਸਾਡੀਆਂ ਨੀਲਾਮ ਸ਼ਰਤਾਂ ਵਿਚ ਇਹ ਸ਼ਰਤ ਹੁੰਦੀ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਠੇਕੇ ਧਾਰਮਕ, ਜਨ-ਮਨੋਰੰਜਨ, ਵਿਦਿਅਕ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਤੇ ਰੇਲਵੇ ਸਟੇਸ਼ਨਾਂ ਤੋਂ ਮੁਨਾਸਬ ਦੂਰੀ ਤੇ ਖੋਲੇ ਜਾਣਗੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਦੀ ਮਹਿਕਮਾਂ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਾਲਣਾ ਕਰਾਉਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਵੀ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਸ਼ਕਾਇਤ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਬਾਰੇ ਚੰਗੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰਕੇ ਯੋਗ ਕਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਠੇਕਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਵਾਲੀ ਥਾਂ ਤੇ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਮੁਨਾਸਬ ਥਾਂ ਤੇ ਤਬਦੀਲ ਕਰਨ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਹੁਣ ਤਾਂ ਇਸਦਾ ਉਪਬੰਧ ਪੰਜਾਬ ਇੰਟਾਕਸੀਕੇਂਟ ਲਾਈਸੈਂਸ ਐਂਡ ਸੇਲ ਆਰਡਰਜ਼, 1956 ਦੇ ਰੂਲ ਨੰ: 12 ਵਿਚ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਇਸ ਤਰਮੀਮ ਦੀ ਕਾਪੀ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਹੈ।

3. ਕੁਝ ਠੇਕੇ ਅਜਿਹੇ ਵੀ ਹਨ ਜਿਥੇ ਬੈਠ ਕੇ ਸ਼ਰਾਬ ਪੀਣ ਦੀ ਵੀ ਆਗਿਆ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਹੋਟਲਾਂ ਵਿਚ ਬਾਰ ਦੇ ਲਸੰਸ ਹਨ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਠੇਕਿਆਂ ਦੇ ਲਸੰਸ ਦੇਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਆਸ ਪਾਸ ਦੇ ਵਸਨੀਕਾਂ ਆਦਿ ਤੋਂ ਇਤਰਾਜ਼ ਮਗੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਤਰਾਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਸੁਣਕੇ ਅਤੇ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗੌਰ ਕਰਕੇ ਜੇ ਕਰ ਠੇਕੇ ਦੀ ਥਾਂ ਮੁਨਾਸਬ ਸਮਝੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਹੀ ਲਸੰਸ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

4. ਕੋਈ ਵੀ ਨਵਾਂ ਪਰਚੂਨ ਠੇਕਾ ਖੋਲ੍ਹਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਬੰਧਤ ਨਗਰਪਾਲਿਕਾ ਗਰਾਮ ਪੰਚਾਇਤ ਆਦਿ ਅਤੇ ਪੁਲਿਸ ਕਪਤਾਨ ਤੋਂ ਰਜ਼ਾਮੰਦੀ ਲਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਬਹੁ ਗਿਣਤੀ ਦੇ ਠੇਕੇ ਤਾਂ ਕੇਵਲ ਸੀਲ ਬੰਦ ਬੋਤਲਾਂ ਵਿਚ ਸ਼ਰਾਬ ਵੇਚਣ ਲਈ ਹੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਠੇਕਿਆਂ ਤੇ ਸ਼ਰਾਬ ਪੀਣ ਦੀ ਆਗਿਆ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਸ਼ਰਾਬ ਪੀਣ ਵਾਲੇ ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਠੇਕੇ ਤੋਂ ਮੁਨਾਸਬ ਦੂਰੀ ਤੇ ਇਕ ਚੰਗੇ ਹੋਟਲ ਵਿਚ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਅਜਿਹੇ ਝਗੜੇ ਸੜਕ ਤੇ ਆਣ ਜਾਣ ਵਾਲੀਆਂ ਜਗ੍ਹਾ ਉਤੇ ਨਾ ਹੋਣ।

5. ਜਿਥੋਂ ਤਾਈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਠੇਕਿਆਂ ਦਾ ਬੱਸ ਅੱਡਿਆਂ ਦੇ ਨੇੜੇ ਹੋਣ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਇਥੇ ਇਹ ਦਸਣਾ ਯੋਗ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਸ਼ਰਾਬ ਦੇ ਠੇਕਿਆਂ ਤੋਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਹੋਣ ਵਾਲੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਆਮਦਨ ਦਾ ਕਾਫੀ ਦਾਰੋ ਮੁਦਾਰ ਠੇਕਿਆਂ ਦੀ ਥਾਂ ਉਤੇ ਹੁੰਦਾ, ਹੈ । ਠੇਕੇਦਾਰ ਬੋਲੀਆਂ ਦੇਣ ਵੇਲੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਖਾਸ ਧਿਆਨ ਰਖਦੇ ਹਨ । ਜੇਕਰ ਠੇਕੇ ਦੀ ਥਾਂ ਕਿਸੇ ਰੌਣਕਦਾਰ ਬਜ਼ਾਰ, ਬਸ ਸਟੈਂਡ ਆਦਿ ਦੇ ਨੇੜੇ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਠੇਕਿਆਂ ਤੇ ਸ਼ਰਾਬ ਦੀ ਵਿਕਰੀ ਕਾਫੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਠੇਕੇਦਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਠੇਕਿਆਂ ਨੂੰ ਲੈਣ ਵਾਸਤੇ ਕਾਫੀ ਵਧ ਚੜ੍ਹ ਕੇ ਬੋਲੀਆਂ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਜੇਕਰ ਸ਼ਰਾਬ ਦੇ ਠੇਕੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਨਾ ਹੋਣ ਤਾਂ ਇਹ ਥਾਵਾਂ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਸ਼ਰਾਬ ਦੇ ਅੱਡੇ ਬਣ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਨੀਲਾਮ ਕੀਤੇ ਗਏ ਠੇਕਿਆਂ ਤੇ ਵਿਕਰੀ ਘਟ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜਿਸ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰੀ ਆਮਦਨ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਘਾਟ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ।

6. ਜੇਕਰ ਠੇਕੇ ਬਸ-ਸਟੈਂਡ ਤੋਂ ਦੂਰ ਵੀ ਕਰ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਤਾਂ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ ਸ਼ਰਾਬ ਪੀਂਦੇ ਹਨ ਉਹ ਹੋਰ ਕਿਸੀ ਥਾਂ ਦੇ ਠੇਕਿਆਂ ਤੋਂ ਸ਼ਰਾਬ ਲੈਕੇ ਤੇ ਪੀ ਕੇ ਕਿਸੇ ਵੀ ਥਾਂ ਤੇ ਸ਼ੋਰ ਸ਼ਰਾਬਾ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਹੁਲੜਬਾਜ਼ੀ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਜਨਤਾ ਵਿਚ ਭੈੜਾ ਅਸਰ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਇਸਨੂੰ ਰੋਕਣਾ ਸਾਧਾਰਨ ਪੁਲਸ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ । ਠੇਕਿਆਂ ਦਾ ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਝਗੜਾ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਕੋਈ ਅਜਿਹਾ ਠੇਕਾ ਜੋ ਬਸ ਸਟੈਂਡ ਦੇ ਨੇੜੇ ਹੋਵੇ ਉਸ ਨੂੰ ਕੁਝ ਦੂਰ ਥਾਂ ਲੈ ਜਾਣ ਦੇ ਨਾਲ ਸ਼ਰਾਬ ਪੀਣ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਫਰਕ ਨਹੀਂ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਕਿਸੇ ਠੇਕੇ ਨੂੰ ਜਨਤਾ ਦੇ ਖਾਸ ਇਤਰਾਜ਼ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਆਪਣੀ ਥਾਂ ਤੋਂ ਬਦਲਣਾ ਯੋਗ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ । ਸਗੋਂ ਆਪ ਨੀਤੀ ਨਿਸਚਿਤ ਕਰ ਕੇ ਅਜਿਹਾ ਕਰਨਾ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਆਮਦਨ ਵਾਸਤੇ ਹਾਨੀਕਾਰਕ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਸੰਭਾਵਨਾ ਬਣੀ ਹੀ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਇਕ ਠੇਕੇ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਵਰਤਮਾਨ ਥਾਂ ਤੋਂ ਬਦਲਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕਿਸੀ ਹੋਰ ਇਤਰਾਜ਼ ਵਾਲੀ ਜਗ੍ਹਾ ਅਰਥਾਤ ਵਿਦਿਅਕ, ਧਾਰਮਕ, ਜਨ ਮਨੋਰੰਜਨ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਆਦਿ ਦੇ ਨੇੜੇ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ਜਿਸ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਇਹ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਠੇਕੇ ਜੋ ਜਨਤਾ ਦੀ ਜਾਇਜ਼ ਸ਼ਰਾਬ ਦੀ ਮੰਗ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਬੰਦ ਹੀ ਕਰਨੇ ਪੈਣਗੇ ਜਿਸ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਬਿਨਾ ਵਜ੍ਹਾ ਆਮਦਨ ਵਿਚ ਹਾਨੀ ਹੋਵੇਗੀ ।

7. ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਠੇਕੇ ਵਿਰੁਧ ਕੋਈ ਸ਼ਕਾਇਤ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਥਾਂ ਨੂੰ ਬਦਲਣ ਬਾਰੇ ਮਹਿਕਮਾ ਵਿਚਾਰ ਕਰਕੇ ਯੋਗ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਦਾ ਪ੍ਰਯਤਨ ਕਰੇਗਾ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

PUNJAB GOVERNMENT

Excise and Taxation Department

NOTIFICATION

The 7th October, 1970

No. G.S.R./P.A.I./14/S.S..5, 24, 58 (Amd)/70, In execise of the powers conferred by sections 5, 24 and 58 of the Punjab Excise Act, 1914 (1 of 1914) and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Punjab is pleased to make the following orders without previous publication, further to amend the Punjab Intoxicants License and Sale Orders, 1956, republished with Punjab Government Revenue Department (Excise and Taxation), Notification No. G.S.R. 190/P.A.I./S.S. 5 and 58/64 dated the 18th August, 1964 namely :—

1. (1) These orders may be called the Punjab Intoxicants License and Sale (First Amendment) Orders, 1970.

(2) They shall come into force at once.

2. In the Punjab Intoxicants License and Sale Orders, 1956 for order 12 the following shall be substituted namely :—

'12 If the site of the proposed License is near a Railway Station, Educational Institution, Hospital or any large factory, mill or work-shop, the Collector shall ask for the opinion of the railway, educational or Hospital authorities or commercial firms concerned."

HARI RAM

Deputy Secretary to Government, Punjab,
Excise and Taxation Department.

(REPLY TO CALL ATTENTION NOTICE NO. 18)

Sardar Parkash Singh Badal(Chief Minister):Shri Ajit Singh, Assistant Sub-Inspector of Police was shot dead on 12th July, 1970 at about 10 P.M. in Model town in the jurisdiction of Police Station Division No. 5, Ludhiana. The Police reached the spot at 10.10 P.M. and not at 11.30 P.M., as alleged. The Assistant Sub Inspector does not seem to have been murdered by Goondas but Naxalite conspiracy is suspected, as a Naxalite poster was found at the scene of the occurrence. Necessary arrangements to maintain law and order in district Ludhiana and other districts of the State have been made to meet the threat to law and order. Every effort to arrest the persons responsible for the murder is being made. Steps taken generally for meeting the Naxalite menace have already been communicated by me to the House.

(Serial No. 21).

Comrade Satya Pal Dang: To draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, wide spread discontentment among the Harijans in the rural areas and the serious situation prevailing in these are as because of the treatme of given to the landless agricultural labourers in a number villages when they demand increased rates for transplanting paddy.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

They were confined to their houses. Neither men nor women nor children were allowed to go to fields to answer calls of nature. They were not allowed to get fodder for their cattle from any where. Often they were threatened with fire arms and there are also cases in which shopkeepers were forced to refuse to sell them anything.

These and many worse things happened in such villages as Village Adliwala, P.S. Majitha, District Amritsar. village Chabba. P. S. Sadar District Amritsar, village Shakkianwali, P.O. Jalapur Khera P. S. Veerowal District Amritsar village Mandh, P. S. Jhabbal District Amritsar, village Burj Dunna, P. S. Nihalsinghwala, Tehsil Moga etc. etc.

In view of the obvious and grave importance of the matter Government may please be asked to make a statement in the House.

Sardar Parkash Singh Badal (Chief Minister): Enquiries made in this connection have revealed that some minor disputes between the landowners and the Harijan labourers had cropped up in some villages in Amritsar, Ferozepur, and Sangrur Districts. The Harijan labourers had demanded substantial increase in their wages. These disputes were settled amicably on the intervention of the District Authorities and now the relations between both the parties are cordial in the villages concerned.

It is incorrect to say that there is wide-spread discontentment among the Harijans in the rural areas or elsewhere in the State because of the illtreatment given to them by the Zamindars, The allegations that the Harijans were confined to their houses and were not allowed to go to fields for answering calls of nature or to get fodder for their cattle or were threatened with fire arms have also been found to be incorrect

(ਕ੍ਰਮ ਨੰ: 27)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਲੋਕ ਮਹੱਤਤਾ ਦੇ ਇਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਾਮਲੇ ਵੱਲ ਦਿਵਾਉਣਗੇ, ਅਰਥਾਤ ਜੋ ਲਾਊਡ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਆਮ ਇਸਤੇਮਾਲ ਬਾਰੇ ਹੈ । ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਸਿਨੇਮਾ ਵਾਲਿਆਂ ਵਲੋਂ ਲਾਊਡ ਸਪੀਕਰ ਤੇ ਸਿਨੇਮਾਂ ਦੇ ਪਰਾਪੇਗੰਡੇ ਨੇ ਨਾਕਾਬਲੇ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਸੂਰਤੇ ਹਾਲ ਪੈਦਾ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ । ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੀ ਕਾਰੋਬਾਰੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਇਸ ਮੁਸੀਬਤ ਤੋਂ ਬੇਹੱਦ ਪੇਰੇਸ਼ਾਨ ਹੈ ਦਰਜਨ ਤੋਂ ਵੱਧ ਸਿਨੇਮਿਆਂ ਦੇ ਤਿੰਨ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਚਾਰ ਲਾਊਡਸਪੀਕਰ ਗੰਦੇ ਰਿਕਾਰਡ ਵਜਾਉਂਦੇ ਬਾਜ਼ਾਰ ਬਾਜ਼ਾਰ ਘੁਮਦੇ ਫਿਰਦੇ ਹਨ । ਦੁਕਾਨਦਾਰ ਦੀ ਗਾਹਕ ਨਾਲ ਗਲਬਾਤ ਵਿਚ ਲਾਊਡਸਪੀਕਰ ਦੀ ਕੰਨ ਪਾੜਵੀਂ ਆਵਾਜ਼ ਡਾਕੂਆਂ ਵਾਂਗ ਹਮਲਾਆਵਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਟੈਲੀਫਨ ਟਰੰਕਕਾਲ ਦੂਰ ਦੂਰ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਨਾਲ ਚਲ ਰਹੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ "ਇਕ ਤਾਰਾ ਬੋਲੇ ਟੰਨ ਟੰਨ" ਹੋਰੀ ਆਪਣਾ ਪਹਿਲਾ ਹੱਕ ਸਮਝ ਕੇ ਆਵਾਰਦ ਹੁੰਦੇ ਨੇ । ਕਾਫੀ ਰਕਮ ਤੇ ਵਕਤ ਜ਼ਾਇਆ ਕਰਕੇ ਮਿਲੀ ਟਰੰਕਕਾਲ ਲਾਊਡਸਪੀਕਰ ਫ਼ਿਲਮੀ ਸਤਾਰਿਆਂ ਦੀ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਆਉਣ ਦੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਖੁਸ਼-ਖਬਰੀ ਦੇ ਢੰਡੋਰੇ ਵਿਚ ਲਪੇਟ ਕੇ ਰਾਹ ਪੈਂਦੇ ਨੇ । ਤੰਗ ਬਾਜ਼ਾਰਾਂ ਵਿਚ ਰੁਕੇ ਹੋਏ ਟਰੈਫਕ ਦੇ ਦੋਹਾਂ ਪਾਸੀਂ ਦੋ ਲਾਊਡਸਪੀਕਰਾਂ ਵਾਲੇ ਟਾਂਗੇ ਅਖਾੜੇ ਵਿਚ ਉਤਰ ਆਉਂਦੇ ਹਨ । ਕੰਨ ਪਈ ਆਵਾਜ਼ ਸੁਣਾਈ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੀ । ਗ਼ਲਤ ਫਹਿਮੀ ਵਿਚ ਟਾਂਗਿਆਂ, ਠੇਲਿਆਂ, ਗਡਿਆਂ, ਸਾਈਕਲਾਂ, ਸਕੂਟਰਾਂ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਆਪਸ ਵਿਚ ਝਗੜਾ ਚਾਲੂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਥੇ ਤਕ ਪਦਲ ਔਰਤਾਂ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਰਾਹ ਮਿਲਣਾ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਦਿਨ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗੁਜ਼ਰ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਰਾਤ ਰਸਮੀ ਧਰਮ ਦਿਆਂ ਸੰਤਾਂ, ਭਗਤਾਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਪੈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿਤੇ ਪਾਠ ਕਿਤੇ ਜੱਗਰਾਤਾ । ਬਿਮਾਰ ਸੌਂ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ, ਬੱਚੇ ਪੜ੍ਹ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ ਜਿਨਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਰੱਬ ਨਾਲ ਸਿਰਫ ਦਿਲ ਦੀ ਜ਼ਬਾਨ ਨਾਲ ਗਲ ਕਰਨੀ ਹੀ ਪਸੰਦ ਕਰ ਲਈ ਹੋਈ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਸਰਤ ਸ਼ੋਰ ਵਿਚ ਗੁਮ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਐਸਾ ਮਾਲੂਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਲਾਊਡਸਪੀਕਰ ਇਸਤੇਮਾਲ ਦਾ ਕੋਈ ਕਾਨੂੰਨ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹੈ ਹੀ ਨਹੀਂ ਜਾਂ ਫਿਰ ਕਾਨੂੰਨ ਮਹਿਜ਼ ਸਿਆਸੀ ਲੋੜਾਂ ਵਾਸਤੇ ਹੈ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਦੇ ਅੱਵਾਮ ਵਿਚ ਦਿਨੋ ਦਿਨ ਇਹ ਖਿਆਲ ਜ਼ੋਰ ਪਕੜ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸੁਖਾਵਾਂ ਵਾਤਾਵਰਨ ਦੇਣ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਲਾਊਡਸਪੀਕਰ ਦੇ ਕਾਰੋਬਾਰੀ ਸੋਸ਼ਲ ਧਾਰਮਕ ਇਸਤੇਮਾਲ ਮੁਤਲਕ ਆਪਣੀ ਪੁਜੀਸ਼ਨ ਬਿਆਨ ਦੇ ਕੇ ਵਾਜਿਆ ਕਰੇ ਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਅਵਾਮ ਨੂੰ ਇਹ ਦੱਸੇ ਕਿ ਲਾਊਡਸਪੀਕਰ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਦਾ ਕਾਨੂੰਨ ਸਿਰਫ ਸਿਆਸੀ ਲੋੜਾਂ ਵਾਸਤੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸੁਖ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਆਪਣੀ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਸਦਨ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਬਿਆਨ ਕਰੇ ।

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ (ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ) : ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਸਿਨੇਮਾ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਲਾਊਡਸਪੀਕਰ ਉਤੇ ਪ੍ਰਾਪੇਗੰਡਾ ਕਰਨ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਅਜਿਹੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਦਫਤਰ ਵਿਚ ਪੁਜੀ ਹੈ । ਫਿਰ ਵੀ ਜ਼ਿਲੇ ਦੇ ਸੁਪਰਡੰਟ ਪੁਲਿਸ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਅਜਿਹੀ ਫਜ਼ੂਲ ਗੱਲ ਨੂੰ ਚੈਕ ਕਰਨ ਅਤੇ ਕਾਨੂੰਨ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਕੇ ਬਿਨਾਂ ਇਜਾਜ਼ਤ ਲਾਊਡਸਪੀਕਰ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਚਲਾਨ ਕਰਨ ।

ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਲਾਊਡਸਪੀਕਰ ਆਦਿ ਯੰਤਰਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਲਾਊਡਸਪੀਕਰ ਆਦਿ ਯੰਤਰ (ਸ਼ੋਰ ਯੰਤਰ) ਐਕਟ, 1956 ਦੇ ਅਧੀਨ ਨਿਯਮਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਐਕਟ ਦੀ ਧਾਰਾ 3 ਦੇ ਹੇਠ ਕੋਈ ਵਿਅਕਤੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ ਜਾਂ ਉਸ ਦੁਆਰਾ ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਅਧਿਕਾਰਤ ਕਿਸੇ ਅਫਸਰ ਦੀ ਲਿਖਤੀ ਮੰਨਜ਼ੂਰੀ ਅਤੇ ਅਜਿਹੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਜੋ ਕਿ ਉਸ ਦੁਆਰਾ ਲਾਈਆਂ ਜਾਣ, ਕਿਸੇ ਇਹਾਤੇ ਵਿਚ ਜਾਂ ਉਸ ਵਿਚ ਬਣੀ ਕਿਸੇ ਇਮਾਰਤ ਤੇ ਅਜਿਹੀ ਅਵਾਜ਼ ਰੱਖ ਕੇ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਹਦੂਦ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਸੁਣਦੀ ਹੋਵੇ, ਕਿਸੇ ਯੰਤਰ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨਹੀਂ ਕਰੇਗਾ, ਜਾਂ ਉਹ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਚਲਾਏਗਾ । ਇਸ ਐਕਟ ਦੀ ਧਾਰਾ 4, ਇਹ ਪਾਬੰਧੀ ਲਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਵਿਅਕਤੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਮੈਜਿਸਟਰੇਟ, ਜਾਂ ਉਸ ਦੁਆਰਾ ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਅਧਿਕਾਰਤ ਕਿਸੇ ਅਫਸਰ ਦੀ ਲਿਖਤੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਅਤੇ ਅਜਿਹੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਜੋ ਕਿ ਉਸ ਤੇ ਲਾਈਆਂ ਜਾਣ, ਦਸ ਵਜੇ ਰਾਤ ਤੋਂ ਛੇ ਵੱਜੇ ਸਵੇਰ ਤੱਕ ਦੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚਕਾਰ ਕਿਸੇ ਯੰਤਰ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨਹੀਂ ਕਰੇਗਾ ਜਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਨਹੀਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਚਲਾਏਗਾ । ਲਾਊਡਸਪੀਕਰ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ ਦੀ ਆਗਿਆ ਲੈਣ ਲਈ ਪ੍ਰਾਰਥਨਾ ਪੱਤਰ ਤੇ 5 ਰੁਪਏ ਰੋਜ਼ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਕੋਰਟ ਫ਼ੀਸ ਲਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਐਕਟ ਦੇ ਉਪਬੰਦੀ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਮੁਦਾਖਲਤ ਯੋਗ ਅਪਰਾਧ ਹੈ ਤੇ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਛੇ ਮਹੀਨਿਆਂ ਤੱਕ ਦੇ ਸਮੇ ਲਈ ਕਿਸੇ ਵੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੈਦ ਜਾਂ ਇਕ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਤੱਕ ਜੁਰਮਾਨੇ ਜਾਂ ਦੋਵਾਂ ਦੀ ਸਜ਼ਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ।

ਉਪਰੋਕਤ ਕਾਨੂੰਨੀ ਵੇਰਵੇ ਤੋਂ ਇਹ ਸਪਸ਼ਟ ਹੈ ਕਿ ਲਾਊਡ ਸਪੀਕਰ ਆਦਿ ਯੰਤਰਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਸਮਰਥ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਮੰਨਜੂਰੀ ਤੋਂ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਭ ਸ਼ਰਤਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਅਵੱਸ਼ਕ ਹੈ ਜੋ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਲਾਈਆਂ ਜਾਣ, ਲਾਊਡਸਪੀਕਰ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਦੱਸ ਵਜੇ ਰਾਤ ਤੋਂ ਛੇ ਵਜੇ ਸਵੇਰ ਤੱਕ ਦੇ ਸਮੇਂ ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ । ਇਹ ਸਭ ਪਾਬੰਦੀਆਂ ਇਸ ਲਈ ਲਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਕਿ ਆਵਾਜ਼ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਯੰਤਰਾਂ ਦੀ ਸੂਝ ਬੂਝ ਨਾਲ ਯਥਾ ਯੋਗ ਫਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ ਤੇ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਊਧਮ ਨਾ ਮਚਾਇਆ ਜਾਵੇ । ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਤੇ ਆਮ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਅਰਾਮ ਰਹੇ । ਨਿਰਸੰਦੇਹ ਜੋ ਉਪਰੋਕਤ ਐਕਟ ਦੀ ਠੀਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਾਲਣਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਲਾਊਡ ਸਪੀਕਰ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਦਾਚਿਤ ਇਤਰਾਜ਼ ਯੋਗ ਨਤੀਜੇ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੀ । ਇਸ ਐਕਟ ਦੀ ਕੜੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨ ਲਈ ਫਿਰ ਤੋਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ । ਹਾਲ ਵਿਚ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਮੈਜਿਸਟਰਟ ਨੂੰ ਮੁੜ ਹਦਾਇਤਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਕਿ ਜੋ ਲੋਕ ਰਾਤ ਨੂੰ 10 ਵਜੇ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਸਵੇਰੇ 6 ਵਜੇ ਤੱਕ ਲਾਊਡ ਸਪੀਕਰ ਵਜਾਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਲਿਖਤੀ ਮੰਜ਼ੂਰੀ ਬਗੈਰ ਵਜਾਉਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਰੁਧ ਕਾਨੂੰਨੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ।

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

ALLEGED MISAPPROPRIATION AND MALDISTRIBUTION OF SEEDS BY AGRICULTURE INSPECTORS

*2018. **Sardar Kirpal Singh** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) whether any cases of misappropriation and maldistribution of Seeds by the Agriculture Inspectors came to the notice of Government during the years 1968-69; if so, a list of such cases be placed on the Table of the House;

(b) the names and full addresses of the officials involved in each of the said cases ;

(c) the quantity of the seed misappropriated and the amount involved in each of these cases ;

(d) the action taken by the Government in each case and the results thereof ;

(e) the action taken by the Government so far to make good the financial loss suffered by the Government in connection with each of the said cases together with the amount recovered in each case ;

(f) whether there is any proposal under the consideration of the Government to ask the officials employed for distributing the Seeds to furnish sureties with a view to avoid the recurrence of such losses in future ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

Minister for Agriculture : (a) to (f) A list is enclosed—

MALDISTRIBUTION OF SEEDS BY AGRICULTURE INSPECTORS

(a) and (b)	(c)	(d) and (e)	(f)
Sh. Ram Kishan, Agricultural Inspector, Valtona block Tehsil Patti, district Amritsar,	200 quintals of Kalyan wheat seed costing Rs. 38,000 approximately.	The case has been got registered with the police for investigation. The police has not so far submitted the report. The official has been placed under suspension.	The major portion of the seeds are to be distributed through the 'Marketing Federation. The seeds are supplied on cash payment. Only small quantity of foundation seed is to be sold through the field staff for which a surety of Rs. 750 is taken from each Agricultural Inspector.
Sh Pritam Singh, Agricultural Inspector, Tarn Taran, district Amritsar	200 quintals of wheat seed costing Rs. 20,000.	Ditto	
Sh. Jasbir Singh, Agricultural Inspector, Narot Jaimal Singh Block, district Gurdaspur.	925.40 quintals of wheat seed and 9 quintals of Barseam seed costing Rs. 58,772	Ditto	
Sh. Baldev Singh, Agricultural Inspector Bhatinda.	Hybrid Maize 84 bags, Bajra 19.52 quintals, S—308 wheat 27.80 quintals, Kalyan—227 wheat 413 quintal and gunny bags 3701 costing, Rs. 1,04762.	Ditto	
Sh. Manjit Singh, Agricultural Inspector, Amritsar.	A sum of Rs. 1,89,000 is reported to have been embezzled by this official on account of Sale/Purchase of different varieties of seed. The details can not be given as the relevant record is lying with the police authorities.	The offical was arrested by the police and is on bail. The case is still under investigation by the C.I.A. staff.	

X

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Sh. Gurdev Singh, Agricultural Inspector, Talwandi Sabo, District Bhatinda.	A sum of Rs. 47,800 has been misappropriated by this official on account of purchase/sale of different varieties of seeds. Details cannot be given as the relevant record is with the police authorities,	The case has been got registered with the police and is still under investigation.
Sh. Hardev Singh, Agricultural Inspector, Amritsar.	A sum of Rs. 1080 has been embezzled by the offical on account of cost of 60 bags containing 6.50 quintals of Hybrid Maize seed.	The case has been got registered with the police and is still under investigation-

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

GOVERNMENT SCHOOLS IN RENTED BUILDINGS

*1978. **Sh. Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister for Education be pleased to —

(a) lay on the table of the House (i) list of Government Schools, Primary, Middle, High and Higher Secondary which are housed at present in rented buildings together with the amount of rent paid monthly in each case; (ii) list of such Government Schools for which Government has constructed new buildings since 1st April, 1968; (iii) list of Government Schools which have been newly started at Amritsar City since 1st April, 1968 or have been upgraded;

(b) state whether any steps have been taken to construct buildings for Government Schools which are at present housed in rented buildings, if so the, details thereof ?

Sardar Surjit Singh : (a) (i) The requisite information is placed on the Table of the House (Annexure 'A')

(ii) The building of Government Primary School, Dhianpur (Gurdaspur) is under construction;

(iii) No new school has been started in Amritsar City since 1st April, 1968. However, Government Primary School, Gali Bhagatan Wali has been upgraded to Middle.

(b) Consequent upon the provincialisation of Local Body Schools, most of the Schools were in rented buildings. Due to the recent verdict of the Supreme Court, the matter regarding permanently taking over of these Schools is still under the consideration of the Government. However, steps are being taken to construct the new building of Government Girls High School, Nawankot, Amritsar, as soon as possible.

(ੲ) (i) ਸੂਚਨਾ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਅਨੁਲਗ 'ੲ' ਅਨੁਸਾਰ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ii) ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਧਿਆਨਪੁਰ (ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ) ਦੀ ਇਮਾਰਤ ਬਣ ਰਹੀ ਹੈ ।

(iii) ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿਖੇ ਕੋਈ ਨਵਾਂ ਸਕੂਲ 1 ਅਪਰੈਲ, 1968 ਤੋਂ ਨਹੀਂ ਖੋਲ੍ਹਿਆ ਗਿਆ ਪਰੰਤੂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਗਲੀ ਭਗਤਾਂ ਵਾਲੀ ਦਾ ਪੱਧਰ ਉਚਾ ਕਰਕੇ ਮਿਡਲ ਬਣਾਇਆ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਕਿਰਾਏ ਦੀਆਂ ਇਮਾਰਤਾਂ ਵਿਚ ਚਲ ਰਹੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤਰ ਸਕੂਲ ਪ੍ਰਾਂਤੀਕਰਣ ਕਰਨ ਸਮੇਂ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਕੰਟਰੋਲ ਹੇਠ ਆਏ ਸਨ ਪਰ ਪ੍ਰਾਂਤੀਕਰਣ ਸਕੂਲਾਂ ਨੂੰ ਪੱਕੇ ਤੌਰ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਅਧੀਨ ਲੈਣ ਬਾਰੇ ਸੁਪਰੀਮ ਕੋਰਟ ਦੇ ਫਸਲੇ ਤੋਂ ਉਤਪੰਨ ਹੋਈ ਸਥਿਤੀ ਉਪਰੰਤ ਮੁਆਮਲਾ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ । ਫਿਰ ਵੀ ਸਰਕਾਰੀ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਨਵਾਂ ਕੋਟ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੀ ਨਵੀਂ ਬਿਲਡਿੰਗ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਯਤਨ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(ਅਨੁਲਗ ਏ)

ਭਾਗ ਏ

ਲੜੀ ਨੰ:	ਸਕੂਲ ਦਾ ਨਾਂ	ਮਾਹਵਾਰ ਕਿਰਾਇਆ
	ਜ਼ਿਲਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	ਰੁਪਏ ਪੈਸੇ
1.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ, ਡੈਮਗੰਜ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	65.00
2.	,, ,, ਜੰਡਿਆਲਾ ਗੁਰੂ (ਕੁਝ ਭਾਗ)	60.00
3.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾ: ਸੈ: ਸ:, ਮਹਾਂ ਸਿੰਘ ਗੇਟ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	500.00
4.	,, ,, ਜੰਡਿਆਲਾ ਗੁਰੂ	675.00
5.	,, ,, ਕੈਰੋਂ	100.00
6.	,, ,, ਤਰਨ ਤਾਰਨ	100.00
7.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਛਹਿਰਟਾ	300.00
8.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਪੱਟੀ	65.00
9.	,, ,, ਸੂਰ ਸਿੰਘ ਨਵਾਂ ਕੋਟ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	40.00
10.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ ਚੌਕ ਪਾਸੀਆਂ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	380.00
11.	,, ,, ਸੂਰ ਸਿੰਘ	91.00
12.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਰਮਦਾਸ	18.00
13.	,, ,, ਗੋਪਾਲ ਨਗਰ	30.00
14.	,, ,, ਜੰਡਿਆਲਾ ਗੁਰੂ ਨੰ: 1	65.00
15.	,, ,, ਜੰਡਿਆਲਾ ਨੰ: 1	60.00
16.	,, ,, ਪੱਟੀ ਨੰ: 1	25.00
17.	,, ,, ਪੱਟੀ ਨੰ: 2	95.00
18.	,, ,, ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਨੰ: 2	30.00
19.	,, ,, ਚੌਕ ਬਾਬਾ ਸਾਹਿਬ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	96.00
20.	,, ,, ਜੌੜਾ ਪਿਪਲ	125.00
21.	,, ,, ਦਾਲ ਮੰਡੀ	100.00
22.	,, ,, ਬਜ਼ਾਰ ਮਾਈ ਸੇਵਾਂ	15.00
23.	,, ,, ਬਾਗ ਝੰਡਾ ਸਿੰਘ	125.00
24.	,, ,, ਕਟੜਾ ਖਜਾਨਾ	86.25
25.	,, ,, ਸ਼ਰੀਫਪੁਰਾ	95.00
26.	,, ,, ਕੱਟੜਾ ਪਰਜਾ	65.00
27.	,, ,, ਗੁਰੂ ਮਹੱਲ	91.25
28.	,, ,, ਬੇਰੀ ਗੇਟ	165.00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਲੜੀ ਨ:	ਸਕੂਲ ਦਾ ਨਾਂ	ਮਾਹਵਾਰ ਕਿਰਾਇਆ

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ—ਜਾਰੀ

29.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਇਸਲਾਮਾਬਾਦ	10.00
30.	,, ,, ਸੈਂਟਰਲ ਵਰਕਸ਼ਾਪ	2.00
31.	,, ,, ਕੱਟੜਾ ਢੂਲੋਂ	56.25
32.	,, ,, ਸਰਕੂਲਰ ਰੋਡ	115.00
33.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਸ਼ਰੀਫਪੁਰਾ	40.00
34.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ. ਸਕੂਲ, ਸਰਹਾਲੀ	682.00

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜਲੰਧਰ (2)

		ਰੁਪਏ ਪੈਸੇ
1.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਬੰਗਾ	80.00
2.	,, ,, ਜੰਡਿਆਲਾ	20.00
3.	,, ,, ਬਿਲਗਾ	20.00
4.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ, ਸ਼ਾਹਕੋਟ	30.00
5.	,, ,, ਫਰਾਲਾ	25.00
6.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ, ਜਮਸ਼ੇਰ	49.05
7.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਰਾਹੋਂ	12.00
8.	,, ,, ਗਾਂਧੀ ਨਗਰ	40.00
9.	,, ,, ਰੇਲਵੇ ਰੋਡ	50.00
10.	,, ,, ਅਲਾਵਲਪੁਰ	7.00
11.	,, ,, ਨਵਾਂ ਸ਼ਹਿਰ	41.66
12.	,, ,, ਬੰਗਾ	49.00
13.	,, ,, ਜੰਡਿਆਲਾ	27.00
14.	,, ,, ਦਾਨਿਸਮੰਦਾ	120.00
15.	,, ,, ਬਸਤੀ ਗੁਜਾਂ	99.00
16.	,, ,, ਕਿਸ਼ਨਪੁਰਾ	48.50
17.	,, ,, ਸੈਂਟਰਲ ਟਾਊਨ	80.00
18.	,, ,, ਕਿਲਾ ਮਹੱਲਾ	93.00
19.	,, ,, ਮਿੱਠਾ ਬਾਜ਼ਾਰ	280.00
20.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਰਾਹੋਂ	8.00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਲੜੀ ਨੰ:	ਸਕੂਲ ਦਾ ਨਾਂ	ਮਾਹਵਾਰ ਕਿਰਾਇਆ

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਲੁਧਿਆਣਾ (3)

		ਰੁਪਏ ਪੈਸੇ
1.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ, ਸਿਵਲ ਲਾਈਨਜ਼, ਲੁਧਿਆਣਾ	1178.00
2.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਡਵੀਜਨ ਨੰ: 3 ਲੁਧਿਆਣਾ	350.00
3.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਰਾਏਕੋਟ	160.00
4.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਕੋ-ਐਜੂਕੇਸ਼ਨਲ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ ਮਾਡਲ ਟਾਊਨ, ਲੁਧਿਆਣਾ	110.00
5.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਕੋ-ਐਜੂਕੇਸ਼ਨਲ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ, ਜਗਰਾਉਂ ਬਿਰਜ	24.00
6.	,, ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਵੇਕ ਫੀਲਡ ਗੰਜ, ਲੁਧਿਆਣਾ	267.95
7.	,, ,, ਪੋਸਟ ਆਫ਼ਿਸ ਰੋਡ, ਲੁਧਿਆਣਾ	125.00
8.	,, ,, ਦਰੇਸੀ ਰੋਡ, ਲੁਧਿਆਣਾ	105.00
9.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਮਿਲਰ ਗੰਜ, ਲੁਧਿਆਣਾ	87.00
10.	,, ,, ਮਿਲਰ ਗੰਜ, ਨੰ. 6 ਲੁਧਿਆਣਾ	100.00
11.	,, ,, ਨਿਰੰਕਾਰੀ ਮਹੱਲਾ, ਲੁਧਿਆਣਾ	60.00
12.	,, ,, ਮਾਧੋਪੁਰੀ, ਲੁਧਿਆਣਾ	5.00
13.	,, ,, ਰਾਏ ਕੋਟ, ਲੁਧਿਆਣਾ	30.00
14.	,, ,, ਖੰਨਾ ਨੰ: 1	73.00
15.	,, ,, ,, 2	42.00
16.	,, ,, ,, 4	95.00
17.	,, ,, ,, 7	40.00
18.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਸਮਰਾਲਾ	140.00
19.	,, ,, ਸੈਂਟਰਲ, ਜਗਰਾਉਂ	45.00
20.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਸੇਵਾ ਅਧੀਨ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ, ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਲੁਧਿਆਣਾ	60.00

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਕਪੂਰਥਲਾ (4)

1.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ, ਹਦੀਆ ਬਾਦ (ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਭਾਗ)	149.00
2.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਨਡਾਲਾ (ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਵਿਭਾਗ)	6.68

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਲੜੀ ਨ:	ਸਕੂਲ ਦਾ ਨਾਂ	ਮਾਹਵਾਰੀ ਕਿਰਾਇਆ ਰੁਪਏ ਪੈਸੇ
	ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ (5)	
1.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਟਾਂਡਾ ਉੜਮੁੜ	70.00
2.	,, ,, ਨਵੀਂ ਆਬਾਦੀ	68.75
3.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਕਿਸ਼ਨਾ ਨਗਰ	50.00
4.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਡੀਬੇਟ, ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਸਤੈਹਰੀ ਰੋਡ	40.00
5.	,, ,, ਕੱਚਾ ਟੋਭਾ	40.00
6.	,, ,, ਚੌਕ ਸਰਾਜਾਂ	55.00
7.	,, ,, ਦਸੂਹਾ	70.00
8.	,, ,, ਸ਼ਾਮ ਚੁਰਾਸੀ	10.00
9.	,, ,, ਬੱਸੀ ਕਲਾਂ	4.00
	ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ (6)	
1.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਜ਼ੀਰਾ	155.00
2.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਮੋਗਾ 1	92.00
3.	,, ,, ,, 2	65.00
4.	,, ,, ਬਸਤੀ ਟੈਕਾਂਵਾਲੀ	37.00
5.	,, ,, ਜੁਲਲੀ	200.00
6.	,, ,, ਬਸਤੀ ਭਟੀਆਂ ਵਾਲੀ	48.37
7.	,, ,, ਟਾਹਲੀ ਮਹੱਲਾ	140.00
8.	,, ,, ਤੂੜੀ ਬਜ਼ਾਰ	60.00
	ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ (7)	
1.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ, ਮਡੀ ਗੋਬਿੰਦ ਗੜ੍ਹ (ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਬਰਾਂਚ)	125.00
2.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਸਨੌਰ (ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ)	75.00
3.	,, ,, ਸਮਾਨਾ (ਹੋਸਟਲ)	75.00
4.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ, ਸਰਹਿੰਦ ਮੰਡੀ (ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਬਰਾਂਚ)	153.00
5.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਸਨੌਰ	243.25
6.	,, ,, ਰਾਜਪੁਰਾ	407.00
7.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ, ਲਾਲੜੂ (ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਬਰਾਂਚ)	122.00
8.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ, ਪਟਿਆਲਾ ਛਾਉਣੀ	380.00
9.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਗੋਬਿੰਦ ਨਗਰ	50.00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਲੜੀ ਨੰ:	ਸਕੂਲ ਦਾ ਨਾਂ	ਮਾਹਵਾਰ ਬਕਾਇਆ
	ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪਟਿਆਲਾ—ਸਮਾਪਤ	
		ਰੁਪਏ ਪੈਸੇ
10.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਲਾਹੌਰੀ ਗੇਟ, ਪਟਿਆਲਾ	150.00
11.	,, ,, ਕਾਲੋਂੜੀ ਗੇਟ, ਪਟਿਆਲਾ	126.00
12.	,, ,, ਮੀਰ ਕੰਦਲਾ, ਪਟਿਆਲਾ	109.00
13.	,, ,, ਸ਼ੇਰਾਂ ਵਾਲਾ ਗੇਟ, ਪਟਿਆਲਾ	212.00
14.	,, ,, ਸਮਾਣੀਆਂ ਗੇਟ, ਪਟਿਆਲਾ	40.00
15.	,, ,, ਸਰਹਿੰਦ	40.00
	ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਬਠਿੰਡਾ (8)	
1.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਬੁਢਲਾਡਾ	185.00
2.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਬੁਢਲਾਡਾ	48.00
3.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਵਾਰਡ ਨੰ: 9 ਕੋਟਕਪੂਰਾ	200.00
	ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸੰਗਰੂਰ (9)	
1.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਹੰਡਿਆਲਾ (ਕੁਝ ਭਾਗ)	20.00
2.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਬਰਨਾਲਾ	235.00
3.	,, ,, ਮਾਲੇਰਕੋਟਲਾ (ਕੁਝ ਭਾਗ)	85.00
4.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਮੰਗਲਵਾਲ	35.00
5.	,, ,, ਬਰਨਾਲਾ	45.00
6.	,, ,, ਬਾਜੀਗਰ ਬਸਤੀ, ਧੂਰੀ	30.00
7.	,, ,, ਅਹਿਮਦਗੜ੍ਹ	60.00
	ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਰੋਪੜ (10)	
1.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ, ਰੋਪੜ	620.78
2.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਕਨੌਲੀ (ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸੈਕਸ਼ਨ)	20.00
3.	,, ਮੁਲਾਂਪੁਰ (,,)	40.00
4.	,, ਖਿਜਰਾ ਬਾਦ (ਕੁਝ ਹਿਸਾ)	3.00
5.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ	100.00
6.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਕੁਰਾਲੀ	74.00
7.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕਲ, ਖਰੜ—1	49.00
8.	,, ਖਰੜ—2	
9.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਕੁਬਾ ਹੇੜੀ	3.00
10.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਕੈਨਾਲ ਕਾਲੋਨੀ ਰੋਪੜ	41.00
11.	,, ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ	30.00
12.	,, ਰੋਪੜ—1	130.00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

ਲੜੀ ਨੰ	ਸਕੂਲ ਦਾ ਨਾਂ	ਮਾਹਵਾਰ ਕਿਰਾਇਆ

ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ (11)

		ਰੁਪਏ ਪੈਸੇ
1.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਇਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ, ਪਠਾਨਕੋਟ (ਵਾਧੂ ਥਾਂ)	12.00
2.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਫਤਿਹਗੜ੍ਹ ਚੂੜੀਆਂ (ਸਿਰਫ ਗਰਾਊਂਡ)	1 00
3.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਫਤੇਹ ਗੜ੍ਹ ਚੂੜੀਆਂ	30.00
4.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਦੀਨਾਨਗਰ	139.00
5.	,, ਕਾਹਨੂੰਵਾਨ (ਵਾਧੂ ਥਾਂ)	49.00
6.	,, ਡੇਰਾ ਬਾਬਾ ਨਾਨਕ	150.00
7.	,, ਸੁਜਾਨ ਪੁਰ	10.00
8.	,, ਆਨੰਦਪੁਰ ਰੋਡ, ਪਠਾਨਕੋਟ	66.00
9.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਵੀ. ਡੀ. ਪੁਰੀ ਹਾਈ ਸਕੂਲ, ਬਹਿਰਾਮ ਪੁਰ (ਵਾਧੂ ਥਾਂ)	ਕਰਾਏ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ।
10.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਮਿਡਲ ਸਕੂਲ, ਘੁਮਾਣ	86.00
11.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਹਰਗੋਬਿੰਦਪੁਰ	19.00
12.	,, ਦੀਨਾਨਗਰ	20.00
13.	,, ਕਚਹਿਰੀ ਰੋਡ, ਗੁਰਦਾਸ ਪੁਰ	40.00
14.	,, ਬਹਿਰਾਮਪੁਰ ਰੋਡ, ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	74.00
15.	,, ਧਾਰੀਵਾਲ	31.00
16.	,, ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਰੋਡ, ਪਠਾਨਕੋਟ	99.00
17.	,, ਬਟਾਲਾ ਨੰ: 1	14.00
18.	,, ਬਟਾਲਾ ਨੰ 2	44.00
19.	,, ਬਟਾਲਾ ਨੰ: 3	12.00
20.	,, ਬਟਾਲਾ ਨੰ: 4	6.00
21	,, ਬਟਾਲਾ ਨੰ: 6	24.00
22.	,, ਕਲਾਨੌਰ	20.00
23.	,, ਡੇਰਾ ਬਾਬਾ ਨਾਨਕ 1	8.00
24.	,, ਡੇਰਾ ਬਾਬਾ ਨਾਨਕ 2	8.00
25.	,, ਡੇਰਾ ਬਾਬਾ ਨਾਨਕ 3	12.00
26.	,, ਧਿਆਨਪੁਰ	3.00
27.	ਗੌਰਮਿੰਟ ਗਰਲਜ਼ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ, ਘੁਮਾਣ	35.00
28.	,, ਬਟਾਲਾ ਨੰ: 1	50.00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Reply to

CALL ATTENTION NOTICE

No. 25

The State Government has upgraded the Civil Hospital, Pathankot to 50 bedded hospital with effect from 1-12-69 and the staff has been sanctioned according to the staffing norm. The matter to select the site for the construction of the building was taken in hand and ultimately the site was selected by the Site Selection Committee. Later on, one of the members of this Committee objected to the site already selected by the Committee, on various grounds. The matter was again referred to the Site Selection Committee under the chairmanship of the Deputy Commissioner, Gurdaspur On the recommendations of this Committee the Government approved the site between the road Madhopur and Shahpurkandi which belongs to Municipal Committee, Pathankot and its approval was conveyed to the Deputy Commissioner, Gurdaspur; Chief Medical Officer, Gurdaspur, Municipal Committee, Pathankot and the Divisional Town Planner, Pathankot and the P.W.D. authorities. Now after finalising the site for the construction of the hospital, the matter has been taken up with the Chief Engineer, P.W.D. B&R and the Architect to prepare Plans and Estimates so that the construction may be taken up. The matter is vigorously pursued by the Government with the Chief Engineer, P.W.D. who has recently been reminded demi-officially. As soon as the plans and estimates are received from the P. W. D. authorities, the administrative approval for the construction of the Hospital will be accorded.

1997—278—Govt. Press, Patiala.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

© ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰ ਅਧੀਨ ਡਿਪਟੀ ਕੰਟਰੋਲਰ, ਛਪਾਈ ਤੇ
ਲਿਖਣ ਸਮੱਗਰੀ ਵਿਭਾਗ, ਪੰਜਾਬ, ਪਟਿਆਲਾ ਦੁਆਰਾ ਛਾਪਿਆ ਗਿਆ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

PUNJAB VIDHAN SABHA

DEBATES

28th July, 1970

Vol. II No. 3

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Tuesday, the 28th July, 1970

			Page
Starred Questions and Answers	...	(3)	1
Answers to Starred Questions Laid on the Table of the House under Rule 45.	...	(3)	24
Adjournment Motion	...	(3)	30
Call Attention Notices	...	(3)	31
Motion for appointment of a Committee of the House	...	(3)	36
Personal Explanations—			
(1) by Shri Balram Dass Tandon	...	(3)	53
(2) by S. Balwant Singh, Finance Minister	...	(3)	57
Motion for Adjournment of the House *Sine-die*	...	(3)	58
Election of Deputy Speaker	...	(3)	65
Bills (s)—			
The Punjab Scheduled Castes Land Development and Finance Corporation—1970	...	(3)	75
Extension of Time	...	(3)	82
Bills (s)—			
The Punjab Scheduled Castes Land Development and Finance Corporation—1970 (Resumption)	...	(3)	84
Motion for appointment of a Committee of the House (Resumption)	...	(3)	145
Bill (s)—			
The Punjabi University (Amendment)—1970	...	(3)	161
Walk-Out	...	(3)	161
Bills (s)—			
The Punjabi University (Amendment)—1970 (Resumption)	...	(3)	162
Motion for Adjournment of the House	...	(3)	173
Appendix	...		

Price Rs. 10.65

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Original with
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ERRATA

To

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATES,

Dated 28th July, 1970.

Vol. II-No. 3.

Read	For	Page	Line
LUDHIANA	LUHIANA	(3) 7	11th from below
ਇਨ੍ਹਾਂ	f ਨ੍ਹਾਂ	(3) 10	8th from below
Attention	Atenttion	(3) 31	Head Line
upgraded	upgradcd	(3) 31	4th from below
Comrade Satya Pal Dang	Camrade Satya Pal Dang	(3) 35	8th from below
Constitutional	Consttutional	(3) 40	3rd & 4th from below
ਖਿਲਾਫ਼	ਖਿਲਾਫ਼ੇ	(3) 54	16
ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ	ਪੋਸ਼ੀਜਨ	(3) 58	15
ਇਜਲਾਸ	ਇਜਲਾਜ	(3) 59	1
ਸਾਹਿਬ	ਸਾਹਿਰ	(3) 62	11th from below
(3) 89	(4) 89	(3) 89	Head Line
ਤੋਂ	ਨੂੰ	(3) 95	18
ਬੰਦ	ਬਦ	(3) 95	9th from below
FINANCE	FINAECE	(3) 107	Head Line 2
you	y u	(3) 110	17th from below
ਹਰੀਜਨ	ਹਰੀਜ	(3) 120	15th from below
That	Tnat	(3) 125	4th from below
clause	slause	(3) 129	7
stand	ctand	(3) 129	7
whom	whm	(3) 129	16
ਡਿਸਕਵਾਲੀਫਿਕੇਸ਼ਨ	ਫਿਸਕਵਾਲੀਫਿਕੇਸ਼ਜ਼	(3) 129	last line
please	pleas	(3) 131	2nd from below
lost	lo t	(3) 132	7
amongst	amongat	(3) 135	18
ਭਲਾਈ	ਭਲਾ ੀ	(3) 138	16th from below

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Read	For	Page	Line
your first	ruoYi frst	(3) 139	last
stand	and	(3) 143	2nd from below
by	y	(3) 146	14
why	whv	(3) 148	17
you	vou'	(3) 148	17
House	Housc	(3) 156	3
Rule 196	Rule 1'6	(3) 157	8th from below
ਸ਼ਾਨ	ਾਨ	(3) 167	5
ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ	ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ	(3) 168	17
ਅਰਬ	ਅਬ	(3) 173	14
ਰਿਪੋਰਟ	ਰਿਪੋਧ	(3) 177	20
ਵੀ	ਵੀ	(3) 178	3rd from below
ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ	ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ	(3) II	10
spent	sen t	(3) IX	2nd from below
The	he	(3) X	13
; beyond	day and	(3) XI	8
launchers	launches	(3) XII	6
ਸਪੋਕਸਮੈਨ	ਸਪੇਕਸਮੈਨ	(3) XIV	10
23	53	(3) XIV	18
ਡੈਪੂਟੇਸ਼ਨ	ਡੈਪੂਟੇਸ਼ਮ	(3) XX	16
ਚੋਣ	ਰੋਣ	(3) XX	16
those	thos's	(3) XXV	8th from below
running	runuing	(3) XXXIV	9
information	informatian	(3) XXXIV	18

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

PUNJAB VIDHAN SABHA

Tuesday, the 28th July, 1970

The Vidhan Sabha met in the Hall of Punjab Vidhan Bhavan, Sector-1, Chandigarh, at 9.00 A. M. of the Clock. Mr. Speaker (Sardar Darbara Singh) in the Chair.

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

———

SCHEMES LAUNCHED IN THE STATE UNDER THE INTENSIVE EDUCATION PROJECT

*1966. 1. **Sardar Darshan Singh K.P.,**
@2. **Shri Sardari Lal Kapur,**
3. **Bhagat Guran Dass Hans,**
4. **Doctor Sadhu Ram :** Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) the number of schemes launched in Sangrur district, with a view to raising the level of literacy, under the Central Government sponsored intensive Education Project involving an expenditure of Rs. 25 lakhs ;

(b) the amount of money allotted for each scheme in Sangrur district out of the Central Government grant of Rs. 25 lakhs, alongwith the details thereof ;

(c) whether the Government propose to approach the Central Government for the allotment of further funds for other districts of this State for the purpose referred to in part (a) above; if not the reasons therefor ?

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ : (ਏ ਅਤੇ ਬੀ) ਮਾਮਲਾ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਅਜੇ ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਕਦੋਂ ਤੋਂ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਗੱਸਤ, 1969 ਵਿੱਚ ਗੌਰਮਿੰਟ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਦੀ ਸਾਡੇ ਪਾਸ ਲੈਟਰ ਆਈ, ਉਦੋਂ ਤੋਂ ਕਾਰਸਪੌਂਡੈਂਸ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਅਜੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਚੰਗੀ ਸਕੀਮ ਹੈ ਸਿਰਫ ਸੰਗਰੂਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਵਿੱਚ ਹੀ ਹੈ, ਕੀ ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਪਾ ਕੇ ਇਹ ਸਕੀਮ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਬਾਕੀ ਸਾਰੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਵਿੱਚ ਲਾਗੂ ਕਰਵਾ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ?

@Put by Shri Sardari Lal Kapur.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚੋਂ ਚਾਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਛਾਂਟੇ ਗਏ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਇਕ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸੰਗਰੂਰ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਲਿਟਰੇਸੀ ਦੀ ਪਰਸੈਂਟੇਜ ਵਧਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਸਰਕਾਰ ਹੋਰ ਕੀ ਸਟੈਪਸ ਲੈ ਰਹੀ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਲਿਟਰੇਸੀ ਦੀ ਪਰਸੈਂਟੇਜ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰੇਰਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਟੀਚਰਜ਼ ਨੂੰ ਪ੍ਰੇਰਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਸਕੂਲ ਵਧਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਔਰ ਹੋਰ ਕੋਈ ਕੁਝ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ, ਕੀ ਤਾਲੀਮ ਲਾਜ਼ਮੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ) ਪਰੇਰਨ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ) (I would like to know from the Education Minister whether the education is not compulsory ? (Interruptions) What is the need for persuasion ? (Interruptions)

ਮੰਤਰੀ : ਕੰਪਲਸਰੀ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਹੈ ਜੀ । ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਦੂਸਰਿਆਂ ਸੂਬਿਆਂ ਨਾਲੋਂ ਪਰਸੈਂਟੇਜ ਅੱਛੀ ਹੈ ਪਰ ਅਸੀਂ ਹੋਰ ਪਰਸੈਂਟੇਜ ਪਰਸੂਏਸ਼ਨ ਨਾਲ ਵਧਾ ਰਹੇ ਹਾਂ ।

ਚੋਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਕਮਪਲਸਰੀ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਸਕੀਮ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਵਿੱਚ ਵੀ ਲਾਗੂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ? (ਹਾਸਾ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਜੋ ਕਮਪਲਸਰੀ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਐਕਟ ਬਣਿਆ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਐਕਸ਼ਨ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਿਹਾ ?

ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਬਾਕੀ ਸੂਬਿਆਂ ਦੇ ਵਾਂਗ ਅਸੀਂ ਬਾਈ ਫੋਰਸ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੇ, ਅਸੀਂ ਬਾਈ ਪਰਸੂਏਸ਼ਨ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਵਿੱਚ ਅਨਪੜ੍ਹਤਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ । ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਅਨਪੜ੍ਹਤਾ ਦੂਰ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਖਾਸ ਕਦਮ ਉਠਾਉਣਗੇ ਔਰ ਜਿਹੜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਜ਼ੀਫਿਆਂ ਦੀ ਪੇਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਕੀ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿੱਚ ਕੁਝ ਸੋਚਣਗੇ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਵਾਰੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਖਾਸ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਪਹਿਲੀ ਜਮਾਤ ਤੋਂ ਵਜ਼ੀਫ਼ਾ ਦੇਣ ਦੀ ਕੋਈ ਸਕੀਮ ਜ਼ੇਰੇ ਗੌਰ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਐਸੀ ਕੋਈ ਸਕੀਮ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜੀ ।

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਪਰਸੂਏਸ਼ਨ ਰਾਹੀਂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ, ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਕੋਈ ਐਸਾ ਐਕਟ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਇਹ ਪਰਸੂਏਸ਼ਨ ਰਾਹੀਂ ਵਿਦਿਆ ਵਧਾਉਣ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਹੋਵੇ ।

ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸੈਂਟਰਲ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਹੈ ਕਿ 1980 ਤਕ ਵੀ ਲਿਟਰੇਸੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸੈਂਟ ਪਰਸੈਂਟ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇਗੀ (ਵਿਘਨ) ਤੇ ਸਾਡੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਅਸੀਂ 95% ਤਕ ਵੀ ਲੈ ਜਾਈਏ ਤਾਂ that will be a very good result.

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਕਿੰਨੇ ਕੁ ਕੇਸ ਕਮਪਲਸਰੀ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਐਕਟ ਦੇ ਤਹਿਤ ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦੇ ਗਏ ਹਨ ? ਜੇ ਲਿਆਉਣੇ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਫਿਰ ਪਰਚਾਰ ਕਰਨ ਦਾ ਕੀ ਫ਼ਾਇਦਾ ? (ਵਿਘਨ) ਉਸ ਦਾ ਕੋਈ ਲਾਭ ਨਹੀਂ । ਬੱਚੇ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਬਿਲਕੁਲ ਦਾਖਲ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ । ਟੀਚਰ ਆਪਣੀਆਂ ਪੋਸਟਾਂ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਜਾਲੀ ਗਿਣਤੀ ਦਿਖਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । (ਵਿਘਨ)

ਮੰਤਰੀ : ਐਸਾ ਕੋਈ ਕੇਸ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । (ਵਿਘਨ)

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸੰਗਰੂਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਚੁਣਿਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਬਠਿੰਡਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਕੋਈ ਐਸੀ ਕਨਸਿਡਰੇਸ਼ਨ ਹੈ ?

ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਸੰਗਰੂਰ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਬਠਿੰਡੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਨਾਲੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਛੜਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ, ਇਸ ਕਰਕੇ ਸੰਗਰੂਰ ਚੁਣਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ।

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਪਰਸੂਏਸ਼ਨ ਰਾਹੀਂ ਵਿਦਿਆ ਵਧਾ ਰਹੇ ਹਨ । ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿੱਚ; ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ, ਤਿੰਨ ਚੀਜ਼ਾਂ ਹਨ ਪਰਸੂਏਸ਼ਨ, ਕਨਸਿਡਰੇਸ਼ਨ ਤੇ ਡੇਲੀਬਰੇਸ਼ਨ । ਇਹ ਤਿੰਨ ਚੀਜ਼ਾਂ ਹਨ ਪਰ ਇਸ ਨਾਲ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਚਲਦੀ, ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਇਲਾਜ ਕਰੋ । (ਵਿਘਨ) ਕੋਈ ਐਸੀ ਗੱਲ ਕਰੋ, ਕੋਈ ਸੁਜੈਸ਼ਨ ਮੰਨੋ ਔਰ ਸਿਧਾ ਉਸ ਪਾਸੇ ਆਉ ਜਿਸ ਨਾਲ ਕੋਈ ਕੰਮ ਚਲੇ । (ਵਿਘਨ) (ਹਾਸਾ)

ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਕੋਈ ਸਜੈਸ਼ਨ ਦੇ ਦੇਣ ਅਸੀਂ ਉਸ ਤੇ ਅਮਲ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ ।

INTRODUCTION OF RELIGIOUS IMORAL EDUCATION IN SCHOOLS

*1980. **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister for Education be pleased to :

(a) lay on the Table of the House a copy of the scheme sanctioned by the Government to introduce religious/moral education in Government & recognised schools in the State ;

(b) state whether any instructions have been issued by the Government authorising the Government schools to arrange teaching and "paath" of religious books in such schools, if so, the details thereof and the extent to which these have been complied with ;

(c) if no such instructions have been issued, the action, if any, taken against the Government educational institutions which have introduced 'paath' of religious books in the schools of their own accord ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ : (ਏ) ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਧਾਰਮਕ ਸਿਖਿਆ ਦੇਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਪ੍ਰਵਾਣਿਤ ਕੋਈ ਸਕੀਮ ਨਹੀਂ ਬਣਾਈ ਗਈ ਪਰੰਤੂ ਇਖ਼ਲਾਕੀ ਸਿਖਿਆ ਬਾਰੇ ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਵਲੋਂ ਜਾਰੀ ਹੋਈਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੀ ਕਾਪੀ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਸੀ) ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਕੋਈ ਇਹੋ ਜਿਹਾ ਸਕੂਲ ਨਹੀਂ ਆਇਆ ।

ਵਲੋਂ

ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਪੰਜਾਬ,
ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ।

ਸੇਵਾ ਵਿਖੇ,

ਰਾਜ ਦੇ ਸਾਰੇ

1. ਸਰਕਲ/ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿਖਿਆ ਅਫਸਰ
2. ਸਰਕਾਰੀ ਕਾਲਜਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ
3. ਸਰਕਾਰੀ ਹਾਇਰ ਸਕੈਂਡਰੀ ਸਕੂਲਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ
4. ਸਰਕਾਰੀ ਹਾਈ ਅਤੇ ਜੇ. ਬੀ. ਟੀ. ਸਕੂਲਾਂ ਦੇ ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕ

ਚਿੱਠੀ ਨੰ: 10/2 ਗਰਾਂਟਸ-68/(ਜੀ 1)
ਮਿਤੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ 16/19 ਫਰਵਰੀ, 1968

ਯੁਵਕਾਂ ਵਿਚ ਵਧ ਰਹੀ ਬੇਚੈਨੀ ਕਾਰਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਵਿਚ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ-ਹੀਨਤਾ ਦੀ ਸਮਸਿਆ ਖੜੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ । ਇਸ ਨੇ ਸਾਰੇ ਸੰਸਾਰ ਦੇ ਸਿਖਿਆ ਸ਼ਾਸਤਰੀਆਂ ਅਤੇ ਦਰਸ਼ਨ ਆਚਾਰੀਆਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਖਿਚਿਆ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਦਾ ਇਸ ਸਮਾਜ ਵਿਰੋਧੀ ਲਹਿਰ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਠੋਸ ਵਸੀਲਿਆਂ ਤੇ ਢੰਗਾਂ ਤੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ । ਅਜ ਦਾ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਗੁੰਜਲਦਾਰ ਜੀਵਨ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਉਸ ਨੂੰ ਹਮਦਰਦੀ ਭਰੀ ਅਗਵਾਹੀ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਪੈਲਾਟੋ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ ਭਗਤ ਕਬੀਰ ਜੀ ਅਤੇ ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਤਕ ਸਭ ਸਮਾਜ-ਸੁਧਾਰਕ ਅਤੇ ਆਤਿਮਕ ਨੇਤਾ ਜੀਵਨ ਦੇ ਕਾਰ-ਵਿਹਾਰ ਵਿਚ ਸਦਾਚਾਰਕ ਅਤੇ ਆਤਮਿਕ ਕਦਰਾਂ ਦੀ ਪੁਸ਼ਟੀ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ।

ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਅਤੇ ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ, ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਸਦਾ ਹੀ ਇਹ ਯਤਨ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੇ ਮਨਾਂ ਵਿਚੋਂ ਨਿਰਾਸ਼ਵਾਦੀ ਭਾਵਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਕੇ ਸਦਾਚਾਰ, ਉਚ ਇਖਲਾਕ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਭਲਿਆਈ ਦੇ ਗੁਣਾਂ ਨਾਲ ਭਰਪੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਆਦਰਸ਼ ਦੀ ਪੂਰਤੀ ਲਈ ਆਪ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਅਤੇ ਸਹਾਇਤਾ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਇਹ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹਰ ਰੋਜ਼ 15 ਤੋਂ 30 ਮਿੰਟਾਂ ਲਈ ਧਾਰਮਕ ਅਤੇ ਦੇਸ਼-ਭਗਤੀ ਦੇ ਗੀਤ ਗਾਏ ਜਾਣ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੀਤਾਂ ਦੀ ਚੋਣ ਧਾਰਮਕ ਪੁਸਤਕਾਂ ਸੰਤਾਂ ਮਹਾਂ ਪੁਰਸ਼ਾਂ ਅਤੇ ਦੇਸ਼-ਭਗਤਾਂ ਦੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੀਤਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸਟਾਫ ਨੂੰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹਰ ਰੋਜ਼ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੇ ਸਮੂਹ ਇਕੱਠ ਵਿਚ ਭਾਸ਼ਣ ਦੇਵੇ, ਜਿਸ ਰਾਹੀਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੇ ਮਨਾਂ ਵਿਚ ਸਮਾਜਕ ਕਦਰਾਂ, ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ, ਸੰਜਮ, ਹਮਦਰਦੀ, ਦਿਆਨਤਦਾਰੀ, ਸੱਚ, ਕਰਤਵ ਪਾਲਣ, ਨਿਮਰਤਾ, ਦੇਸ਼-ਭਗਤੀ ਸੇਵਾ, ਪਰਉਪਕਾਰ ਜਿਹੇ ਗੁਣ ਭਰੇ ਜਾਣ । ਸਮੇਂ ਸਮੇਂ ਪ੍ਰਸਿਧ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਸਾਹਮਣੇ ਭਾਸ਼ਣ ਦੇਣ ਲਈ ਬੁਲਾਇਆ ਜਾਵੇ ,

ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਅਜਾਂਈ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੁਣਾਂ ਨੂੰ ਸੁਭਾਵਕ ਗ੍ਰਹਿਣ ਕਰ ਲੈਣਗੇ ਜੇਕਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਮਲੀ ਤੌਰ ਤੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਅਧਿਆਪਕ ਆਪ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੁਣਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਆਚਰਣ ਦਆਰਾ ਦਰਸਾਉਣ ।

ਆਸ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਕਾਲਜਾਂ ਤੇ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨੂੰ ਅਵਿਰਕੂ ਲੀਹਾਂ ਤੇ ਹੀ ਚਲਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ ।

ਸਹੀ/—

(ਪੀ. ਐਲ. ਸੰਘੀ)

ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ, ਪੰਜਾਬ ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਕਿ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਇਹ ਆਮ ਚਰਚਾ ਹੈ ਔਰ ਮੇਰੇ ਵਰਗਿਆਂ ਬੰਦਿਆਂ ਨੇ ਅੱਖਾਂ ਨਾਲ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਧਰਮ ਗਰੰਥ ਦਾ ਪਾਠ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਕੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਐਸੀ ਇਨਸਟਰੱਕਸ਼ਨ ਜਾਰੀ ਕਰੇਗੀ ਜਿਸ ਨਾਲ ਕਿ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਦਾ ਮਾਰਲ ਉਚਾ ਹੋਵੇ ? (ਵਿਘਨ)

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਧਰਮ ਸਿਖਿਆ ਦੇਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਪ੍ਰਵਾਨਿਤ ਕੋਈ ਸਕੀਮ ਨਹੀਂ ਬਣਾਈ ਗਈ ਪ੍ਰੰਤੂ ਇਖਲਾਕੀ ਸਿਖਿਆ ਬਾਰੇ ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਵਲੋਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ।

ਚੋਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਇਖਲਾਕ ਔਰ ਧਾਰਮਿਕ ਤਾਲੀਮ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਫਰਕ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

ਮੰਤਰੀ : ਇਖਲਾਕ ਦੇ ਵਿੱਚ ਧਾਰਮਿਕ ਤਾਲੀਮ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਕਈ ਗੱਲਾਂ ਆ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਧਾਰਮਿਕ ਤਾਲੀਮ ਦੇ ਵਿਚ ਇਖਲਾਕੀ ਤਾਲੀਮ ਜ਼ਰੂਰ ਆ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ : ਆਇਆ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣਗੇ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਖਲਾਕ ਗਿਰ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਜੇ ਇਸ ਦੇ ਵਜੂਹਾਤ ਵਲ ਦੇਖਿਆ ਜਾਵ ਤਾਂ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਟੀਚਰ ਦੇ ਇਖਲਾਕ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰਕੇ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਈ ਐਸੀ ਸਕੀਮ ਬਣਾਉਣਗੇ ਜਿਸ ਨਾਲ ਟੀਚਰਜ਼ ਦੇ ਇਖਲਾਕ ਦਾ ਮਿਆਰ ਉੱਚਾ ਹੋ ਸਕੇ ਤਾਂ ਕਿ ਸਾਡੀ ਨੇਸ਼ਨ ਦਾ ਮਾਰਲ ਉੱਚਾ ਹੋ ਸਕੇ ?

ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਬੜਾ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

RESEARCH IN THE CAUSES OF DISEASE CALLED 'PARKINSONISM,

*1974. 1. **Shri Sardari Lal Kapur**)
2. **Bhagat Guran Dass Hans**) : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :

(a) whether the Government Ayurvedic College, Patiala has taken any steps to make a research into the causes of the disease called 'Parkinsonism' (shaking Palsy) ; if so, the results of such research be laid on the Table of the House ;

(b) if the reply to part (a) above be in the negative, the action the Government propose to take to direct the authorities of this Ayurvedic College to take immediate steps for making research in respect of this disease ?

ਸਰਦਾਰ ਤੇਜਾ ਸਿੰਘ : (ਏ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਇਸ ਸਮੇਂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਕਾਲਜ, ਪਟਿਆਲਾ ਵਿਚ ਉਪਰੋਕਤ ਬਿਮਾਰੀ ਤੇ ਰਿਸਰਚ ਕਰਨ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਅਗਰ ਇਸ ਬਿਮਾਰੀ ਦੀ ਰਿਸਰਚ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਬੀਮਾਰੀਆਂ ਦੀ ਰਿਸਰਚ ਦਾ ਸਿਲਸਿਲਾ ਇਸ ਬੋਰਡ ਵਿਚ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਓ, ਜਵਾਬ ਦਿਆਂਗੇ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਇਸ ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਸਿਸਟਮ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਔਰ ਉਸ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਹੋਰ ਗਲ ਗੌਰਮਿਟ ਦੇ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਹੈ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਗੌਰਮਿੰਟ ਦਾ ਧਿਆਨ ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਅਤੇ ਰਿਸਰਚ ਵਲ ਪੂਰਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹਰ ਕਿਸਮ ਦੀ ਸਬਸਿਡੀ ਆਦਿ ਵਲ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

चौधरी बलबीर सिंह : मन्त्री महोदय ने कहा है कि ग्रायुर्वेदिक में रिसर्च चल रही है । मैं यह पूछना चाहता हूं कि उस रिसर्च के बारे में कोई लैबारेट्री गवर्नमैंट की तरफ से कायम हुई है ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਰਿਸਰਚ ਲੈਬਾਰਟਰੀ ਪਟਿਆਲਾ ਵਿਚ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਕਾਲਜ ਨਾਲ ਕਨੈਕਟਿਡ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾਲ ਹੀ ਉਸ ਦਾ ਸਬੰਧ ਫ਼ਾਰਮੇਸੀ ਨਾਲ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ, ਨੇ ਹੁਣੇ ਫ਼ਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਰਿਸਰਚ ਲੈਬਾਰਟਰੀ ਪਟਿਆਲਾ ਵਿੱਚ ਹੈ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਅਤੇ ਯੂਨਾਨੀ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਇਲਾਜ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਕੋਲ ਕੀ ਸਾਧਨ ਹਨ, ਅਤੇ ਇਨਾਂ ਸਕੀਮਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰੋਤਸਾਹਨ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਸਰਕਾਰ ਕੀ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਵਿਸਥਾਰ ਪੂਰਵਕ ਜਾਣਨ ਵਾਸਤੇ ਤਾਂ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦੇਣ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦਿਆਂਗੇ ਪਰ ਫਿਲਹਾਲ ਤਾਂ ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਫ਼ਾਰਮੇਸੀ ਹੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿਚ ਡਾਕਟਰ ਅਤੇ ਯੂਨਾਨੀ ਹਕੀਮ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਕਾਲਜ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਹੈ, ਉਹ ਉਸਦਾ ਇੰਚਾਰਜ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

चौधरी बलबीर सिंह : इन्होंने कहा है कि रिसर्च चल रही है। मैं पूछना चाहता हूं कि पिछले एक साल में कोई ऐसी रिसर्च हुई है जिसके बारे में यह कह सकें कि हमने यह चीज निकाली है।

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਸਦੇ ਮੁਤਅੱਲਕ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦੇਣ।

ਸ਼੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀਆਂ ਜੜੀਆਂ ਬੂਟੀਆਂ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰਿਸਰਚ ਵਾਸਤੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਕੋਈ ਕਦਮ ਚੁਕੇ ਹਨ ਜਾਂ ਕੋਈ ਪਲਾਨ ਬਣਾਇਆ ਹੈ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਫਿਲਹਾਲ ਜਿਹੜੇ ਕਦਮ ਚੁਕੇ ਹਨ, ਉਹ ਹਨ ਫਾਰਮੇਸੀ ਵਿਚ ਦਵਾਈਆਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ (ਵਿਘਨ)

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਮਹੋਦਯ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣਗੇ ਕਿ ਅਸੀਂ ਵੈਸਟਰਨ ਕੰਟਰੀਜ਼ ਨਾਲੋਂ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵੀ, ਇਸ ਲਾਈਨ ਵਿਚ ਘੱਟ ਨਹੀਂ ਹਾਂ, ਕਿਉਂਕਿ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਰਿਸਰਚ ਤਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਥਾਂ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਪਰ ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਇਥੇ ਉਸ ਨੂੰ ਇੰਪੋਰਟ ਹੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ। ਸਾਡੇ ਕੋਲ ਜਿਹੜੀਆਂ ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਡਿਸਪੈਂਸਰੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਚੰਗੇ ਬਰੇਨ ਹਨ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਇਧਰ ਲਿਆ ਕੇ ਰਿਸਰਚ ਕਰਾਏਗੀ ਤਾ ਕਿ ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਗੌਰਮਿੰਟ ਇਸ ਪਾਸੇ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇਗੀ, ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਸਿਸਟਮ ਨੂੰ ਪ੍ਰੋਤਸਾਹਨ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਹਰ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਤੇ ਸੋਚਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਐਮ. ਬੀ. ਬੀ. ਐਸ ਡਾਕਟਰਜ਼ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਜਾਣਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ, ਉਥੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਡਿਸਪੈਂਸਰੀਆਂ ਖੋਲ੍ਹ ਰਹੀ ਹੈ...(ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਆਯੁਰਵੈਦਿਕ ਕਾਲਜ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਬੀਮਾਰੀ ਦਾ ਇਲਾਜ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ, ਪਰ ਇਸ ਕਾਲਜ ਵਿੱਚ ਆਊਟ ਡੇਟਿਡ ਦਵਾਈਆਂ ਬਾਰੇ ਬੜੇ ਭਾਰੀ ਸਕੈਂਡਲ ਹੋਏ ਹਨ, ਅਤੇ ਇਸ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਪ੍ਰਬੰਧ ਵੀ ਬੜਾ ਨਿਕੰਮਾ ਹੈ ? ਕੀ ਇਸ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਠੀਕ ਕਰਨ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਨ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਤਾਂ ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ। ਜੇ ਪਾਂਧੀ ਸਾਹਿਬ ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਗੱਲ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਲਿਆਉਣਗੇ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ।

CONFERENCE ADDRESSED BY SANT FATEH SINGH AT LUHIANA IN APRIL, 1970

*1975. 1. ©**Shri Sardari Lal Kapur :**)

2. **Bhagat Guran Dass Hans**) Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether it is fact that police, in sufficient force, was called, when Sant Fateh Singh addressed a Conference at Ludhiana, in April, 1970 ;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the extent of expenditure incurred on the requisitioning of large number of

©Put by Shri Sardari Lal Kapur.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Shri Sardari Lal Kapur]

police personnel for this Conference ;

(c) the number of arrests made at Ludhiana during the said Conference and the period for which the arrested persons were detained ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : (ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ ।

(ਸੀ) ਕੇਵਲ 3 ਆਦਮੀ ਧਾਰਾ 107/151 ਕਰੀਮੀਨਲ ਪਰੋਸੀਜਰ ਕੋਡ ਅਧੀਨ ਮਿਤੀ 25/26.4.70 ਨੂੰ ਅਮਨ ਤੇ ਕਾਨੂੰਨ ਨੂੰ ਭੰਗ ਕਰਨ ਦੇ ਦੋਸ਼ ਵਿਚ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਿਤੀ 27.4.70 ਨੂੰ ਰਿਹਾ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ।

[(a) No sir.

(b) Question does not arise.

(c) Only 3 persons were arrested u/s 107/151 Cr. P. C. on 25/26.4.70 for disturbing peace and tranquility. They were released on 27.4.70.]

ਸ਼੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦੱਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਇਸ ਸਿਲਸਲੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀਆਂ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਉਹ ਕਿਸ ਬਿਨਾ ਤੇ ਹੋਈਆਂ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਉਥੇ ਕਾਨਫਰੰਸ ਹੋਣੀ ਸੀ ਅਤੇ ਵਿਰੋਧੀ ਧੜੇ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਬੜਾ ਪ੍ਰਚਾਰ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕਾਨਫਰੰਸ ਵਿਚ ਗੜਬੜ ਕਰਨ ਦੀ ਹਰ ਮੁਮਕਿਨ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਾਂਗੇ । ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਅਮਨ ਕਾਇਮ ਰੱਖਣ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਸੰਤਾਂ ਦੇ ਜਲਸਿਆਂ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਪੁਲੀਸ ਦੀ ਰਿਕਰੂਟਮੈਂਟ ਵਧਾਈ ਜਾਏਗੀ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਮੁਖਾਲਫ ਹਨ, ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਜੇਲ ਵਿੱਚ ਜਗ੍ਹਾ ਵਧਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਕੁਝ ਸੋਚ ਰਹੀ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

(ਕੋਈ ਉਤਰ ਨਾ ਆਇਆ)

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਪਾਰਟ 'ੲ' ਦੇ ਵਿੱਚ ਦੋ ਚੀਜ਼ਾਂ ਪੁਛੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ : ਇਕ ਤਾਂ ਇਹ ਕਿ ਕੀ ਸੰਤਾਂ ਨੇ ਕਾਨਫਰੰਸ, ਐਡਰੈਸ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਦੂਜੀ ਇਹ ਕਿ ਕੀ ਸਫੀਸ਼ੈਂਟ ਪੁਲੀਸ ਬੁਲਾਈ ਗਈ ? ਜਵਾਬ ਹੈ 'ਨਹੀਂ ਜੀ ।' ਮੈਂ ਇਹ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਸੰਤਾਂ ਨੇ ਕਾਨਫਰੰਸ ਐਡਰੈਸ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾਂ ਪੁਲੀਸ ਸਫੀਸ਼ੈਂਟ ਨਹੀਂ ਬੁਲਾਈ ਗਈ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਸੰਤਾਂ ਨੇ ਕਾਨਫਰੰਸ ਐਡਰੈਸ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਪੁਲੀਸ ਨਾਰਮਲ ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਬੁਲਾਈ ਗਈ ਸੀ ।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਮੈਂ ਇਹ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਨਾਰਮਲ ਹਾਲਾਤ ਵਿੱਚ ਜਿੰਨੀ ਪੁਲੀਸ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ, ਉਹ ਤਾਂ ਹੈਗੀ ਸੀ ਅਤੇ ਕੀ ਉਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਤਕਰੀਬਨ 750

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਾਨਸਟੇਬਲ ਹੋਰ ਬੁਲਾਏ ਗਏ ਸਨ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਚੀਜ਼ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਇਹ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਉਸ ਦਿਨ ਪੁਲਿਸ ਦੀ ਕੁਲ ਤਾਦਾਦ ਕਿੰਨੀ ਸੀ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੀ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ, ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਲੋਕਲ ਅਰੇਂਜਮੈਂਟ ਕੀਤਾ ਸੀ ।

चौधरी बलबीर सिंह : क्या मुख्य मन्त्री साहिब बतायेंगे कि लोकल पुलीस को संतों के जलसे में पुलीस की ज़रूरत क्यों महसूस हुई ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਵਿਰੋਧੀ ਧੜੇ ਵਲੋਂ ਇਹ ਬਹੁਤ ਬੜਾ ਪ੍ਰਚਾਰ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕਾਨਫਰੰਸ ਵਿੱਚ ਗੜਬੜ ਕਰਾਂਗੇ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਪਾਰਟ 'ਬੀ' ਵਿੱਚ ਪੁਛਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਐਕਸਪੈਂਡੀਚਰ ਕਿੰਨਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ? ਇਸ ਦਾ ਉਤਰ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ । ਮੈਂ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਐਕਸਪੈਂਡੀਚਰ ਕਿੰਨਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ? ਜੇ ਥੋੜਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਤਾਂ ਥੋੜਾ ਦਸ ਦੇਣ, ਜੇ ਬਹੁਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਤਾਂ ਬਹੁਤਾ ਦਸ ਦੇਣ । ਜਵਾਬ ਤਾਂ ਦੇਣਾ ਹੀ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਖ਼ਰਚ ਕੋਈ ਸਪੈਸ਼ਲ ਹੋਣਾ ਸੀ ? ਉਥੇ ਲੋਕਲ ਪੁਲਿਸ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਨੇ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕੀਤਾ ਸੀ ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ......।

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ, ਤੁਸੀਂ ਐਗਰੀ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਕੁਐਸਚਨ ਆਵਰ ਵਿਚ ਕੋਈ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ । (The hon. Member Sardar Gurnam Singh had agreed that no point of order shall be raised during the Question Hour.)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਤਾਂ ਠੀਕ ਲੈ ਕੇ ਦਿਓ । The question reads :

> "(a) whether it is a fact that Police in sufficient force, was called, when Sant Fateh Singh addressed a Conference at Ludhiana in April, 1970 ;
> (b) if the reply to part (a) be in the affirmative, the extent of expenditure incurred on the requisitioning of large number of Police personnel for this Conference ;"

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਇਕ ਡੈਫੀਨਿਟ ਸੁਆਲ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸਦਾ ਜਵਾਬ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਜੇ ਕਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਜਵਾਬ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਵੀ ਇਹ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਬਾਦ ਵਿਚ ਦੇ ਦਿਆਂਗੇ (ਵਿਘਨ) ਸਵਾਲ ਤਾਂ ਪਰਟੀਕੁਲਰ ਹੈ ਕਿ ਕਿੰਨਾਂ ਐਕਸਪੈਂਡੀਚਰ ਹੋਇਆ ਹੈ ? ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਜਵਾਬ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਨਾਰਮਲ ਹੋਇਆ ਹੈ (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਡੈਫੀਨਿਟ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ]

ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੈ ਐਕਸਪੈਂਡੀਚਰ ਬਾਰੇ, ਇਸ ਲਈ ਡੇਫੀਨਿਟ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (I would point out to the Chief Minister that since there is a definite enquiry about the expenditure incurred on the Police, a definite reply should be given to it.)

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਸਪੈਸ਼ਲ ਐਕਸਪੈਂਡੀਚਰ ਹੋਇਆ ਹੀ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਸਵਾਲ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿੱਚ ਸਾਫ਼ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ :

(ਏ) ਨਹੀਂ ਜੀ

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੋਈ ਸਪੈਸ਼ਲ ਖ਼ਰਚ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ, ਸਵਾਲ ਦੇ ਵਿੱਚ ਸਪੈਸ਼ਲ ਦਾ ਲਫ਼ਜ਼ ਹੀ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿਚ ਸਿਰਫ਼ ਇਤਨਾ ਹੈ ਕਿ......"The extent of expenditure incurred on the requisitioning of large number of Police personnel for this conference."

I do not know wherefrom, the hon. Chief Minister has imported the word 'special' ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਮਝ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸਕਿਆ । ਲੋਕਲ ਪੁਲੀਸ ਡਿਊਟੀ ਤੇ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਤੇ ਕੀ ਖ਼ਰਚ ਹੋਣਾ ਸੀ ?

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਦੇਖਣਾ ਹੈ ਕਿ ਸਵਾਲ ਦਾ ਜਵਾਬ ਠੀਕ ਹੈ ਜਾਂ ਗਲਤ ਹੈ (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ : ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦਿਨ ਵਿਰੋਧੀ ਧੜੇ ਵਲੋਂ ਬੜਾ ਖ਼ਤਰਾ ਸੀ । ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਲਾਸ਼ੀ ਲਈ ਗਈ ਉਹ ਵਿਰੋਧੀ ਧੜੇ ਵਾਲੇ ਸੀ ਜਾਂ ਹਰ ਸਿਖ ਦੀ ਤਲਾਸ਼ੀ ਲਈ ਗਈ, ਜੋ ਵੀ ਬਸਾਂ ਵਿਚ ਬੈਠਿਆ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਗਲਤ ਗਲ ਹੈ, ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ : ਅਗਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਗਲਤ ਸਾਬਤ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕੀ ਇਹ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੋਣਗੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਗਲ ਪਹਿਲਾਂ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਲਿਆਂਦੀ ਗਈ ਅਜ ਹੀ ਦਸੀ ਗਈ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਅਸੈਂਬਲੀ ਹਾਲ ਵਿੱਚ ਸਚ ਬੋਲ ਕੇ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਤੋਂ ਪੁਲਿਸ ਲੁਧਿਆਣੇ ਗਈ ਸੀ ਅਤੇ ਸਫੇਦ ਕਪੜਿਆਂ ਵਿਚ ਗਈ ਸੀ ? ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗਲਤ ਬਾਤ ਕਹੀ ਹੈ, ਇਹ ਗੱਲ ਝੂਠ ਹੈ ।

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਆਬਕਾਰੀ ਅਤੇ ਕਰ : (ਸਰਦਾਰ ਨਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ) ਮੈਂ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਆਪਣੇ ਲਫ਼ਜ਼ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲੈਣ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ 'ਕੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਉਹ ਸੱਚ ਬੋਲ ਕੇ ਦੱਸਣਗੇ ।' ਇਸਦਾ ਮਤਲਬ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਝੂਠ ਬੋਲਦੇ ਹਨ । (ਵਿਘਨ)

चौधरी बलबीर सिंह : यह एतराज़ बेमानी है क्योंकि उन पर जब तक इन का असर रहेगा, वे सच कैसे बोल सकते हैं । (हंसी)

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੁਣੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਖ਼ਰਚ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ । ਕੀ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਜੀ. ਟੀ. ਰੋਡ ਬੰਦ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਤਲਾਸ਼ੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ? ਅਗਰ ਮੈਂ ਹਲਫੀਆ ਬਿਆਨ ਦੇ ਦੇਵਾਂ ਕਿ ਉਥੇ ਮੋਗੇ ਤੋਂ ਪੁਲਿਸ ਗਈ ਤਾਂ ਕੀ ਇਹ ਗਲ ਝੂਠ ਹੋਵੇਗੀ ਜਾਂ ਸੱਚ ? (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਜਵਾਬ ਲੈ ਕੇ ਦਿਉ । ਇਹ ਘੁਗੀ ਮਾਰ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਹੈ ਹੋਰ ਕੋਈ ਗੱਲ ਇਸ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਘੁਗੀ ਮਾਰ ਹਾਂ ਤਾਂ ਇਹ ਘੁਗੀ ਹਨ । (ਹਾਸਾ)

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਇਹ ਸੱਚ ਹੈ, (ਵਿਘਨ) ਕਿ ਲੁਧਿਆਣੇ ਵਿਚ ਸਿੱਖਾਂ ਦੇ ਵਧ ਰਹੇ ਰੋਸ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਦੇ ਪਰਭਾਵ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖ ਕੇ ਇੰਨੀ ਭਾਰੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਪੁਲਿਸ ਬੁਲਾਈ ਗਈ ਸੀ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਚੁਕਿਆ ਹਾਂ ਕਿ ਉਥੇ ਕਾਨਫਰੰਸ ਹੋਣੀ ਸੀ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਵਿਰੋਧੀ ਧਿਰ ਵਲੋਂ ਰੌਲਾ ਪਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਫਸਾਦ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨੀ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਵਿੱਚ ਨਾਰਮਲੀ ਜਿੰਨੀ ਪੁਲਿਸ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਨੀ ਹੀ ਉਥੇ ਸੀ ; ਇਸ ਵਿੱਚ ਕੀ ਗੱਲ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਉਥੇ ਨਾਰਮਲ ਪੁਲਿਸ ਦੀ ਸਟਰੈਂਗਥ ਕੀ ਸੀ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਡੀਟੇਲਜ਼ ਨਹੀਂ ਦੱਸ ਸਕਦਾ, ਨੋਟਿਸ ਦਿਉ ।

Sardar Gurnam Singh : Mr Speaker, are you satisfied with the reply ? If you are satisfied then we will not put any question. Is there no prevarication in answering this question ? The Chief Minister should straightaway tell as to what was the number of police. Are you satisfied with the answer ?

ਸ਼੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸਪੈਸੇਫਿਕ ਜਵਾਬ ਦੇਣ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ, ਪਰ ਇਹ ਹਰ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਖ਼ਾਸਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਥੋੜਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰ ਇਵੇਸਿਵ ਜਵਾਬ ਦਿੰਦੀ ਰਹੀ ਹੈ । (Sardar Gurnam Singh Ji, I request the Government to give a specific reply but it has been the characteristic of the Governments that they have been giving somewhat evasive replies.)

Sardar Gurnam Singh : Mr. Speaker, I am very sorry that you are referring to back times. You should tell us of today. There is no use covering the Chief Minister like this. You should tell us whether you are satisfied with the answer. What is the use of referring to back times ? You should tell us of today.

ਸਰਦਾਰ ਸੰਤ ਸਿੰਘ ਜ਼ੈਲਦਾਰ : (ਵਿਘਨ) ਸਰਦਾਰ ਗਿਆਨ ਸਿੰਘ ਰਾੜੇਵਾਲਾ ਨੂੰ ਗਿਰਫਤਾਰ ਕਰਨ ਵੇਲੇ ਕਿੰਨੀ ਪੁਲਿਸ ਬੁਲਾਈ ਸੀ ? (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜੋ ਲਫ਼ਜ਼ ਕਹੇ ਹਨ ਉਹ ਚੇਅਰ ਤੇ ਐਸਪਰਸ਼ਨ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। (ਵਿਘਨ)

LATHI CHARGE AT LUDHIANA ON 26TH APRIL, 1970

*1990. ©Shri Sardari Lal Kapur,
2. **Bhagat Guran Dass Hans** : Will the Chief Minister be pleased to state :

[(a) whether he is aware of the fact that a lathi charge was made on the public at Ludhiana at a public meeting on 26.4.70.

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative, the circumstances in which it was made ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : (ੲ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ।

[(a) No sir,

(b) Question does not arise.]

ਸ੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜ ਆਦਮੀ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਐਡਮਿਟ ਕੀਤੇ ਗਏ ਅਤੇ ਰਿਕਾਰਡ ਵਿਚ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਲਾਠੀ ਚਾਰਜ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਕੀ ਇਸ ਦਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਨਹੀਂ ਜੀ। ਮੈਨੂੰ ਨਹੀਂ ਪਤਾ।

ਸ੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਅਗਰ ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਬਤ ਹੋ ਜਾਵੇ ਕਿ ਆਪ ਨੂੰ ਗਲਤ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਮਿਲੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਇਹ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੋਣਗੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਪਤਾ ਕਰ ਲਵਾਂਗਾ। ਜੋ ਇਸ ਵੇਲੇ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਰਿਕਾਰਡ ਹੈ ਉਸ ਮੁਤਾਬਿਕ ਕੋਈ ਲਾਠੀ ਚਾਰਜ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ।

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਕੀ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਐਕਸ਼ਨ ਲੈਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹੋਣਗੇ ਜਿਨਾਂ ਨੇ ਪਾਰਟ 'ਏ' ਦੇ ਉਤਰ ਵਿੱਚ ਗਲਤ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਦਿੱਤੀ ਹੈ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਸਹੀ ਹੈ। ਗਲਤ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੈ।

चौधरी बलबीर सिंह : कपूर साहिब के ब्यान के मुताबिक वहां पर 5 आदमी ज़ख्मी हुए और हस्पताल में ऐडमिट हुए। क्या कोई रिपोर्ट हुई कि वह लोग लाठी चार्ज में ज़ख्मी हुए थे ? क्या यह इन्क्वायरी करने के लिये तैयार हैं ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਰਿਕਾਰਡ ਹੈ ਉਸ ਮੁਤਾਬਿਕ ਕੋਈ ਲਾਠੀ ਚਾਰਜ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ, ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੋਈ।

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਥੇ ਕੋਈ ਲਾਠੀ ਚਾਰਜ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ।

©Put by Shri Sardari Lal Kapur.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਇਹ ਗੱਲ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਬੰਦੇ ਜ਼ਖਮੀ ਹੋਏ ਹਨ, ਰਿਕਾਰਡ ਤੇ ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਗੱਲ ਨਾ ਹੋਵੇ ?

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਈ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਦਸਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਚੰਗੀ ਅਤੇ ਇਫੈਕਟਿਵ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਲਾਠੀ ਮਾਰਨ ਵਾਲੇ ਸਿਪਾਹੀਆਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਇਨਾਮ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ? (ਹਾਸਾ)

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਲਾਠੀ ਚਾਰਜ ਹੋਇਆ ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਅੱਖਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹੋਇਆ ਅਤੇ ਹੁਣ ਇਹ ਝੂਠ ਬੋਲਦੇ ਹਨ ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਗਲਤ ਗੱਲ ਹੈ ।

Sirdar Kapur Singh : Mr. Speaker, to use 'ਝੂਠ ਬੋਲਦੇ ਹਨ' in respect of any Member in this House is unparliamentary.

Mr. Speaker . This is unparliamentary.

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਮੈਂ 'ਝੂਠ' ਦੀ ਬਜਾਏ 'ਗਲਤ' ਕਹਿ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ।

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਸ਼ਬਦ ਵਾਪਸ ਕਰਾਉ ਵਰਨਾ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਿਰਤ ਪੈ ਗਈ .....(ਵਿਘਨ)

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਮੈਂ ਉਸ ਦੀ ਥਾਂ 'ਗਲਤ' ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ । 'ਝੂਠ' ਦਾ ਲਫਜ਼ ਮੈਂ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਇਹ ਦਸਣਗੇ ਕਿ ਜਦ ਇਹ ਲੁਧਿਆਣੇ ਤਸ਼ਰੀਫ ਲੈ ਗਏ ਸਨ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਮੌਕੇ ਤੇ ਆਪਣੇ ਅਮਲੇ ਫੈਲੇ ਨੂੰ ਸਵਾਗਤੀ ਗੇਟ ਬਨਾਉਣ ਲਈ ਕਿਹਾ ਸੀ ਪਰ ਚੂੰਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਹੁਕਮ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੋਇਆ ਇਸ ਕਰਕੇ ਉਥੇ ਦੇ ਅਫਸਰਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਇਨਕਵਾਇਰੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾ ਵਿਚ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਇਕ ਬੀ. ਡੀ. ਓ. ਨੂੰ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ? ਕੀ ਇਹ ਗੱਲ ਸਚ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ)

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਗੱਲ ਗਲਤ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

SHORTAGE OF IRON AND STEEL FOR INDUSTRIAL UNITS OF BATALA, DISTRICT GURDASPUR.

*1967. 1. **Sardar Darshan Singh, K. P.**
©2. **Shri Sardari Lal Kapur,**
3. **Bhagat Guran Dass Hans,**
4. **Dr. Sadhu Ram** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether the Govt. is aware of the fact that 500 Industrial units of Batala (District Gurdaspur) are facing acute shortage of Iron and Steel ;

©Put by Shri Sardari Lal Kapur.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Shri Sardari Lal Kapur.]

(b) if the reply to part (a) above be in affirmative, the steps taken by the Government for adequate supply of Iron and Steel to these 500 Industrial Units at reasonable rates ;

(c) whether the Government is aware of the likelihood of several Industrial Units of Batala being forced to close down if immediate action is not taken in the matter ?

Sardar Teja Singh : (State Minister for Industries & Health.)

(a) Yes. The shortage is in respect of Iron and Steel items other than the pig iron.

(b) The matter was taken up with Joint Plant Committee and the producers at personal level by the representatives of the Industries Department as a result of which allocation/supplies position to the State in respect of pig iron, M. S. rounds, angles, M. S. flats, steel sheets was considerably increased. Consequently the Industrial units at Batala also got their larger share.

(c) There is no likelihood of Industrial Units of Batala being forced to close down as they mainly consume pig iron for which no shortage exists.

[(ੳ) ਹਾਂ ਜੀ । ਜੋ ਘਾਟ ਹੈ ਉਹ ਲੋਹਾ ਤੇ ਸਟੀਲ ਦੀਆਂ ਆਈਟਮਾਂ ਦੀ ਹੀ ਹੈ ; ਪਿੱਗ ਆਇਰਨ ਦੀ ਨਹੀਂ ।

(ਅ) ਉਦਯੋਗ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਨੁਮਾਇੰਦਿਆਂ ਦਾ ਨਿਜੀ ਤੌਰ ਤੇ ਜੁਆਇੰਟ ਪਲਾਂਟ ਕਮੇਟੀ ਅਤੇ ਨਿਰਮਾਤਾਵਾਂ ਨਾਲ ਪਿੱਗ ਆਇਰਨ, ਐਮ. ਐਸ. ਰਾਊਂਡਜ਼, ਐਂਗਲਜ਼, ਐਮ. ਐਸ. ਫਲੇਟਸ ਅਤੇ ਲੋਹੇ ਦੀਆਂ ਸ਼ੀਟਾਂ ਦੀ ਵੀ ਐਲੋਕੇਸ਼ਨ ਤੇ ਸਪਲਾਈ ਬਾਰੇ ਗਲ ਬਾਤ ਕਰਨ ਦਾ ਸਿੱਟਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਕਾਫੀ ਹੱਦ ਤਕ ਵੱਧ ਗਈ ਅਤੇ ਬਟਾਲਾ ਦੇ ਉਦਯੋਗਿਕ ਯੂਨਿਟਾਂ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਵਿਚ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਬਾਤ ਕਰਨ ਦਾ ਸਿੱਟਾ ਇਹ ਹੋਇਆ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਕਾਫੀ ਹੱਦ ਤਕ ਸਪਲਾਈ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਆਇਆ ।

(ੲ) ਬਟਾਲਾ ਦੀਆਂ ਉਦਯੋਗਿਕ ਯੂਨਿਟਾਂ ਦੇ ਬੰਦ ਹੋਣ ਦੀ ਕੋਈ ਸੰਭਾਵਨਾ ਨਹੀਂ, ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤਰ ਪਿੱਗ ਆਇਰਨ ਦੀ ਹੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਦੇ ਹਨ ਜਿਸ ਦੀ ਕੋਈ ਘਾਟ ਨਹੀਂ ।]

ਸ਼੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਹਰ ਕਿਸਮ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਵਧ ਗਈ ਹੈ । ਅਗਰ ਇਹ ਗੱਲ ਸਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਫਿਰ ਕੀ ਵਜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ ਆਇਰਨ ਸ਼ੀਟਸ ਦੀ ਬਲੈਕ ਹਾਲੇ ਤਾਂਈ ਖਤਮ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਵੀ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ । ਪਿੱਗ ਆਇਰਨ ਦੀ ਸਪਲਾਈ 60,000 ਮੀਟਰਿਕ ਟਨ ਤੋਂ ਵਧਾ ਕੇ 1,37,031 ਮੀਟਰਿਕ ਟਨ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਦੋ ਕਰੋੜ ਦੀ ਮਾਲੀਅਤ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਦੇ ਐਮ. ਐਸ. ਰਾਉਂਡ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, 225 ਮੀਟਰਿਕ ਟਨ ਬੀ. ਪੀ. ਸ਼ੀਟਸ 960 ਜੀ. ਪੀ. ਸ਼ੀਟਸ ਅਤੇ 7210 ਮੀਟਰਿਕ ਟਨ ਜੀ. ਸੀ. ਸ਼ੀਟਸ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਮੀ ਜਲਦੀ ਹੀ ਪੂਰੀ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ।

चौधरी बलबीर सिंह : क्या यह बात इन के नोटिस में है कि बी. पी. शीटस के सिलसिले में एक बहुत बड़ा स्कैंडल इन्डस्ट्रीज़ डिपार्टमेंट में रहा है ? क्या उस बारे में कोई इन्क्वायरी हुई है या यह करवायेंगे ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਅਗਰ ਕੋਈ ਸਪੈਸੇਫਿਕ ਐਗਜ਼ਪਲ ਸਾਡੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣਗੇ ਤਾਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਂਵਾਂਗੇ। ਜੋ ਪਹਿਲੇ ਐਲੋਕੇਸ਼ਨ ਹੋਈ ਸੀ ਉਸ ਦੀ ਜਨਰਲ ਪੜਤਾਲ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ।

चौधरी बलबीर सिंह : व्यवस्था का प्रश्न।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਤਾਂ ਐਗਰੀ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਸਵਾਲਾਂ ਦੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਨਹੀਂ ਕਰਾਂਗੇ। (The hon. Member had agreed not to raise points of order during the question hour.)

चौधरी बलबीर सिंह : यह नई सरकार है, नया सैशन है। इस सरकार को नए हुए अभी चार दिन हुए हैं।......(विघ्न)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਠੀਕ ਰਹੇਗਾ ਕਿ ਇਕ ਬਾਰ ਜੋ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਲਿਆ ਉਸ ਤੇ ਹਮੇਸ਼ਾ ਲਈ ਪੱਕੇ ਰਿਹਾ ਜਾਵੇ। (It would be proper if we stick to our decisions.)

चौधरी बलबीर सिंह : मेरा सवाल तो बिलकुल क्लियर था कि मंत्री महोदय के अपने नोटिस में है कि स्पैसेफिक और डैफिनेट चार्जिज़ हैं, इलज़ामात हैं। जिस वक्त यह ऐस्टीमेट कमेटी के चेयरमैन थे तो इन्होंने खूब छापे मारे और इन्क्वायरी का हुकम दिया तो क्या जिन बातों के बारे में इन्हें आप पता है और जो इन के अपने नोटिस में हैं, उनके बारे में इन्क्वायरी कराने को तैयार हैं ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਜਿੰਨੀਆਂ ਵੀ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਆਈਆਂ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿੱਚ ਇਨਕੁਆਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਹੋਰ ਕੋਈ ਸਪੈਸੇਫਿਕ ਗੱਲ ਦਸੋਗੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਵੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਉਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਾਂ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਇਲਮ ਵਿਚ ਹੈ ਕਿ ਬਟਾਲਾ ਸਟੀਲ ਇੰਡਸਟਰੀ ਨੂੰ ਖਾਮ ਮਾਲ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ, ਸਪਲਾਈ ਇਰਰੈਗੂਲਰ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਕਰਕੇ ਪ੍ਰਾਈਸ ਵਿਚ ਵੀ ਐਬਨਾਰਮਲ ਵਾਧਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ ; ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਪਲਾਈ ਘਟ ਹੋ ਜਾਣ ਨਾਲ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਅਤੇ ਜਲੰਧਰ ਆਦਿ ਦੇ ਕਾਰਖਾਨੇ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਣ ਦਾ ਡਰ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸੇ ਹੀ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਫੈਕਟਰੀ ਓਨਰਜ਼ ਅਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਬੁਲਾਈ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਕਾਰਖਾਨੇ ਬੰਦ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਚਾਏ ਜਾ ਸਕਣ। ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਗੌਰ ਕਰੇਗੀ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਮਾਲ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਨੂੰ ਰੈਗੂਲਰ ਕਰਨ ਲਈ ਅਤੇ ਸੋਚ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨ ਲਈ ਇਨਡਸਟ੍ਰੀਲਿਸਟਾਂ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਮੀਟਿੰਗ ਬੁਲਾਈ ਗਈ ਹੈ, ਉਸ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਸਿਹਤ ਤੇ ਉਦਯੋਗ]

ਜਾਵੇਗਾ ਉਸ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰੱਖ ਕੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਵੀ ਖਾਮੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਜਿਸ ਮਾਲ ਦੀ ਕਮੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਸਪੈਸੇਫਿਕ ਕੇਸ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸੇ ਜਾਣ ਤਾਂ ਕੀ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੁਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦ ਇਹ ਐਸਟੀਮੇਟ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਨ ਅਤੇ ਮੈਂ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਸਾਂ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਨਕੋਦਰ ਗਏ ਸਾਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਨਕੋਦਰ ਦਾ ਚਾਦਰ ਸਕੈਂਡਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਹ ਕੇਸ ਆਪ ਫੜਿਆ। ਤਾਂ ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਈ ਹੈ। (ਇਕ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ ਵਲੋਂ ਵਿਘਨ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਇਹ ਵੀ ਨਹੀਂ ਪਤਾ ਕਿ ਪਿੱਗ ਆਇਰਨ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

Mr Speaker : Disallowed. (ਵਿਘਨ) ਸ਼ੋਰ)]

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਜਿਹੜੀ ਕੋਈ ਗੱਲ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਹੋਰ ਸਾਡੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣਗੇ ਅਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ ਵੇਖ ਲਵਾਂਗੇ।

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਕੀ ਜਿਹੜਾ 22 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਦੀ ਗਬਨ ਦੀ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਪੜਤਾਲ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚੋਂ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕੀ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਇਨਕੁਆਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਜਿਸ ਗੱਲ ਦਾ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿੱਚ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਇਨਕੁਆਰੀ ਪੈਂਡਿੰਗ ਹੈ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਪਤਾ ਲੱਗਾ ਤਾਂ ਮੁਤਲਿਕਾ ਐਸਟੀਮੇਟ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਅਫਸਰ ਨਾਲ ਸਨ ਅਤੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਆਇਆ ਹੈ ਤਾਂ ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੀ ਇਨਕੁਆਰੀ ਕਰਕੇ ਦਸਿਆ ਜਾਵੇ ਜੋ ਐਕਸ਼ਨ ਹੋਵੇਗਾ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਦਸ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : ਜਿਹੜੇ ਇਲਜ਼ਾਮ ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ ਲਗਾ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਹਰ ਰੋਜ਼ ਲਗਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਕ ਕਾਪੀ ਸਾਨੂੰ ਵੀ ਭੇਜ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕਾਲੀਆ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਤਾਂ ਬਾਰ ਬਾਰ ਇਲਜ਼ਾਮ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਗਾਂਦੇ ਹਨ ਆਪ ਨੂੰ ਯਾਦ ਰਖਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਲਿਖ ਕੇ ਦੇਣ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਹੈ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) (*Addressing Sh. Manmohan Kalia* : These allegations are made repeatedly and the hon. Member should keep them in mind. There is no need of sending them in writing)

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : 30 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫਗਵਾੜਾ ਦੇ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਲਿਸਟਾਂ ਪਾਸੋਂ ਲਿਆ (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ : ਕਲ੍ਹ ਵੀ ਅਤੇ ਅੱਜ ਵੀ ਫਲੋਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਤੇ ਇਨਡਸਟਰੀ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਪਹਿਲੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤੇ ਸੀਰੀਅਸ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ। ਤਾਂ ਕੀ ਮਨਿਸ਼ਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਈ ਫਲਾਇੰਗ ਸੁਕਵੈਡ ਜਾਂ ਹਾਈ ਪਾਵਰਡ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਗੇ ਜੋ ਸਹੀ ਹਾਲਤ ਕੱਢ ਕੇ ਲਿਆਵੇ ਅਤੇ ਇਹ ਪਤਾ ਕਰੇ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਵਿਚ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਚਲ ਰਹੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਸਰਟੀਫਾਈ ਕਰੇ ਕਿ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਜਿਹੜੀ ਚੀਜ਼ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਲਿਆਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਦਸ ਚੁੱਕਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨਕੁਆਰੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਤੁਸੀਂ ਕੋਈ ਸਪੈਸਫਿਕ ਗੱਲ ਦਸੋਗੇ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਵੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰਵਾਈ ਜਾਵੇਗੀ।

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕੀ ਮੈਂ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਪੁੱਛ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਉਂ ਜੋ ਪਿਛਲੇ ਦੋ ਢਾਈ ਮਹੀਨੇ ਵਿਚ ਆਮ ਚਰਚਾ ਹੈ ਕਿ 11 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਤੱਕ ਇੰਡਸਟਰੀ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ ਲਈ ਆਰ. ਐਸ. ਐਸ. ਵਰਕਰ ਦਲਾਲ ਰਖੇ ਹੋਏ ਸਨ, ਤਾਂ ਕੀ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਵੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ? (ਵਿਘਨ)

[ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਦਲਾਲੀ ਅਜੇ ਪੂਰੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ। (ਹਾਸਾ)

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਬਰਾਏ ਰਾਸਤ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਈ। ਇਕ ਪੈਂਫਲਿਟ ਨਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬੁਲੇਤ ਵਲੋਂ ਛਾਪਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਓਪਨ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਸੀਂ ਪੜਤਾਲ ਕਰਵਾ ਰਹੇ ਹਾਂ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸ਼ੀਟਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਹੇਰਾ ਫੇਰੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਇਕ ਇਕ ਦੋ ਦੋ ਟਨ ਜਨਸੰਘੀ ਵਰਕਰਾਂ ਨੂੰ ਕੋਟਾ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜੈਨੂਇਨਨੈਸ ਬਾਰੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ। ਫ਼ਰਮ ਦਾ ਨਾਮ ਹੈ, ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਨਾ ਛੈਣੀ ਨਾ ਥੋੜਾ ਅਤੇ ਫਿਰ ਦੋ ਦੋ ਵੇਰ ਕੋਟੇ ਉਹ ਲੈ ਗਏ ਹਨ। ਕੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਬੋਗਸ ਫ਼ਰਮਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਫੌਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਈ ਜਾਵੇਗੀ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਸ਼ੱਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਫ਼ਰਮਾਂ ਸਾਡੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀਆਂ ਆਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਜਦ ਆਈਟਮਜ਼ ਦੀਆਂ ਪਰਾਈਸਿਜ਼ ਵਧੀਆਂ ਤਾਂ ਉਹ ਆਈਟਮਜ਼ ਬਲੈਕ ਮਾਰਕਿਟ ਵਿਚ ਚਲੀਆਂ ਗਈਆਂ ਤਾਂ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਹੋਰ ਸਬੂਤ ਮਿਲ ਗਿਆ। ਅਸੀਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਪੜਤਾਲ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੋਟੇ ਦੇਣ ਵਿੱਚ ਇਰਰੈਗੂਲੈਰੇਟੀਜ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ।

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਛੋਟੇ ਦੁਕਾਨਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਕੋਟੇ ਬੰਦ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁੜ ਬਹਾਲ ਕਰਨ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰੇਗੀ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਜੇਕਰ ਕਿਤੇ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਖ਼ਿਆਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

चौधरी बलबीर सिंह : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि क्या यह बात उनके नोटिस में तब आई थी जब वे एस्टीमेट कमेटी के चेयरमैन थे या जब वह वज़ीर बने ? और अगर चेयरमैन की हैसियत में नोटिस में आने को छोड़कर अगर कोई चीज़ सरकार के नोटिस में आए तो उसकी इन्क्वायरी किस शक्ल में की जाती है ? और चेयरमैन एस्टीमेट कमेटी के तौर पर जो चीज़ें इनके नोटिस में आईं उनके बारे में इन्होंने किस तरह से इन्क्वायरी की ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਕੋਈ ਹੋਰ ਚੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਆਈ। ਜਿਹੜੇ ਪਿਛਲੇ ਫੈਕਟਸ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਏ ਸਨ ਉਹ ਸੀ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬ ਅਤੇ ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਭੇਜ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਮੁਤਲਿਕਾ ਅਫ਼ਸਰ ਵੀ ਐਸਟੀਮੇਟ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਨਾਲ ਸਨ। ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਰੈਗੂਲੈਰਿਟੀਜ਼ ਨੋਟ ਕਰਵਾ ਦਿੱਤੀਆਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਸਿਹਤ ਤੇ ਉਦਯੋਗ]

ਸਨ ਤਾਕਿ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ ।

चौधरी बलबीर सिंह : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि एस्टीमेट कमेटी ने जब छापे मारे थे और कई बातें बेनकाब की थीं तो इस पर उस वक्त के चीफ मिनिस्टर साहिब नाराज हुए थे और इन्हें चैयरमैन के तौर पर चिट्ठी लिखी थी कि यह विदिन दी स्कोप आफ कमेटी नहीं हैं और मुख्य मन्त्री ने ऐस्टीमेट कमेटी को इस तरह करने से रोक दिया था ?

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਐਸਟੀਮੇਟ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਵਰਕਿੰਗ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਇਥੇ ਡਿਸਕਸ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਚੰਗਾ ਰਹੇਗਾ । (It will be proper if the working of the Estimates Committee is not discussed here.)

चौधरी बलबीर सिंह : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि एस्टीमेट कमेटी ने जो रिपोर्ट की है चीफ मिनिस्टर साहिब ने उसको रोक दिया था और छह स्कैंडल बेनकाब हुए थे उनको छुपाने की कोशिश की थी और कमेटी को रोक दिया था छापे मारने से ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਤਾਂ ਪੁਰਾਣੇ ਮੈਂਬਰ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਪਤਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਐਸਟੀਮੇਟ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਵਰਕਿੰਗ ਵਿਚ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਨਟਰਫੀਅਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ । ਅਤੇ ਨਾਂ ਹੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਡਾਇਰੈਕਸ਼ਨ ਐਸਟੀਮੇਟ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਪਾਸ ਆਈ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਆ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਡਾਇਰੈਕਸ਼ਨ ਦੇਣ ਦੇ ਮਜਾਜ਼ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਹੀ ਹਨ ਅਤੇ ਕੋਈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਡਾਇਰੈਕਸ਼ਨ ਡਾਇਰੈਕਟ ਜਾਂ ਇਨਡਾਇਰੈਕਟ ਐਸਟੀਮੇਟ ਕਮੇਟੀ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਸੀ ਆਈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਐਸਟੀਮੇਟ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਨਾਰਮਲ ਫੰਕਸ਼ਨਜ਼ ਤੋਂ ਰੋਕਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਇੰਡਸਟਰੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਹ ਜਾਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੋਈ ਲਇਜ਼ਾਂ ਆਫੀਸਰ ਮਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ? ਜੇ ਕੀਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀਆਂ ਕੀ ਡਿਊਟੀਜ਼ ਹਨ ? ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਐਸਾ ਕੀ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਪਿਗ ਆਇਰਨ ਦੀ ਘਾਟ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਘਾਟਾ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਜਿਥੋਂ ਤੱਕ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਹੈ ਕੋਈ ਲਾਇਜ਼ਾਂ ਅਫਸਰ ਅਜੇ ਤੱਕ ਐਪੁਆਇੰਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਹ ਗਲ ਜਾਣਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਜਦੋਂ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਕਮੇਟੀ ਜਲੰਧਰ ਗਈ ਸੀ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੋਟਾ ਹੋਲਡਰਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਬਹੁਤ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਕੀਤੀਆਂ, ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਉਸ ਮੁਆਮਲੇ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾ ਕੇ ਕੋਈ ਐਕਸ਼ਨ ਲੈਣਗੇ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਪੁਰਾਣੇ ਕੇਸਿਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਅਤੇ ਪੈਂਡਿੰਗ ਕੇਸਿਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਅਜੇ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ । ਉਹ ਕਿਸੇ ਵੀ ਸਪੈਸਿਫਿਕ ਕੇਸ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦੇਣ, ਮੈਂ ਜਵਾਬ ਦੇ ਦੇਵਾਂਗਾ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਹ ਜਾਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸੀ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਦੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਤ ਕੀਤੀਆਂ ਸਨ । ਕੀ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਮਪਲੀਮੈਂਟ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰੇਗੀ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਜੋ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਤ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਮਾਰਲ ਡਿਊਟੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਮਲ ਕਰਵਾਏ । ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਮਲ ਕਰਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰੇਗੀ ।

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਹ ਜਾਨਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਚੇਅਰਮੈਨ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਲਾਏ ਹਨ ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਾਰਲ ਡਿਊਟੀ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਮਲ ਵਿਚ ਲਿਆਵੇ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਹਰ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਮਾਰਲੀ ਫ਼ਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਐਸਟੀਮੇਟਸ ਕਮੇਟੀ ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਅਮਲੀ ਸ਼ਕਲ ਦੇਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰੇ ।

REMOVAL OF CHAIRMAN OF PUNJAB KHADI AND VILLAGE INDUSTRIES BOARD.

*1981. **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the reasons for the removal of Shri Man Mohan Anand, M.A. from the Chairmanship of Punjab Khadi and Village Industries Board, Chandigarh;

(b) whether the Khadi and Village Industries Commission, Bombay was con ulted by the Punjab Government befoıe removing him from his post, if so, the nature of its advice;

(c) the name of the person who has been appointed as Chairman of the said Board in his place and the details of his experience in the sphere of Khadi and Village Industries ?

Sardar Teja Singh, State Minister for Industries and Health) :

(a) He was removed from the Chairmanship of the Board, on the allegations of not having acted in a responsible manner in the proper functioning of the Board, having abused his position rendering his continuance on the Board detrimental to the interest of public.

(b) No.

(c) Shri Om Parkash Bhardwaj. He is a habitual Khadi wearer.

[(ੳ) ਉਸ ਨੂੰ ਬੋਰਡ ਦੀ ਚੇਅਰਮੈਨਸ਼ਿਪ ਤੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਇਲਜ਼ਾਮਾਂ ਕਰਕੇ ਉਤਾਰ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਸਹੀ ਅਰਥਾਂ ਵਿਚ ਚਲਾਉਣ ਲਈ ਜ਼ੁਮੇਂਵਾਰ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਆਹੁਦੇ ਦਾ ਗਲਤ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤਾ ਜਿਸ ਨਾਲ ਉਸ ਦਾ ਬੋਰਡ ਦੀ ਪਦਵੀ ਤੇ ਰਹਿਣਾ ਲੋਕ ਹਿੱਤ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਸੀ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panja

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਉਦਯੋਗ]

(ਅ) ਨਹੀਂ ਜੀ।

(ੲ) ਸ੍ਰੀ ਓਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਭਾਰਦਵਾਜ। ਉਹ ਖਾਦੀ ਦੇ ਕੱਪੜੇ ਪਹਿਨਣ ਦਾ ਆਦੀ ਹੈ।]

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਮਹੋਦਯ ਇਹ ਦੱਸਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਮਨਮੋਹਨ ਆਨੰਦ ਨੂੰ ਇਸ ਕਰਕੇ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਵਿੱਚੋਂ ਕਢਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਗਾਂਧੀ ਵਾਦੀ ਸਨ ਅਤੇ ਜਨ ਸੰਘੀ ਨਹੀਂ ਸਨ ? ਉਹ ਪੁਰਾਣੇ ਗਾਂਧੀ ਵਾਦੀ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਜਨ ਸੰਘੀਆਂ ਦੇ ਹੁਕਮ ਦੀ ਤਾਮੀਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਸਨ, ਇਸੇ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਢਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਉਨ੍ਹਾ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਕਢਿਆ ਗਿਆ ਇਹ ਤਾਂ ਪਿਛਲੇ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਹੀ ਦਸ ਸਕਦੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੁਕਮ ਨਾਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡਾ ਇਹ ਜਵਾਬ ਦਰੁਸਤ ਨਹੀਂ ਹੈ। (The reply of the hon. Minister is not correct.)

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਹੀ ਦਸ ਸਕਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਟਾਇਆ ਗਿਆ। ਹੁਣ ਉਹ ਐਕਸ ਮਨਿਸਟਰ ਹਨ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਲੋਂ ਜੋ ਵੀ ਰੀਪਲਾਈ ਆਉਂਦਾ ਹੈ. ਉਸ ਦੀ ਸਾਰੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਮਨਿਸਟਰ ਦੀ ਹੀ ਹੋਇਆ ਕਰਦੀ ਹੈ। (The Minister concerned is always considered responsible for the reply given on behalf of the Department.)

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਕੇਸ ਮੈਂ ਸਟੱਡੀ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਫਾਈਲ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਤਾਂ ਐਸੀ ਕੋਈ ਰੀਕੁਮੈਂਡੇਸ਼ਨ ਨਿਚਲੇ ਲੈਵਲ ਤੋਂ ਨਹੀਂ ਆਈ ਕਿ ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਆਨੰਦ ਨੂੰ ਰੀਮੂਵ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੀਮੂਵ ਕਰਨ ਦੇ ਆਰਡਰਜ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਵੱਲੋਂ ਹੀ ਹੋਏ ਸਨ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਕੀ ਇਹ ਦਰੁਸਤ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਕਰਕੇ ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਰੀਮੂਵ ਕੀਤਾ ਕਿ ਉਹ ਜਨ-ਸੰਘ ਵਾਲਿਆਂ ਦੇ ਯੇਸ ਮੈਨ ਨਹੀਂ ਸਨ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਵੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਪਰ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਕ ਰਿਟ ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਆਨੰਦ ਵੱਲੋਂ ਦਾਇਰ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ ਹਾਈਕੋਰਟ ਵਿਚ ਇਸ ਲਈ ਸਬਜੁਡਿਸ ਕੇਸ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਅਜੇ ਇਸ ਮੁਆਮਲੇ ਨੂੰ ਹੋਰ ਨਾ ਛੇੜਨ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮਨਮੋਹਨ ਆਨੰਦ ਨੂੰ ਹਟਾਉਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਜਿਹੜੇ ਨਵੇਂ ਸਜਣ ਐਪੁਆਂਇਟ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਉਹ ਇਸ ਕਰਕੇ ਕੀਤੇ ਹਨ ਕਿਉਂ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਾਸ ਕੁਆਲੀਫਾਈਡ ਜਨ ਸੰਘੀ ਹੋਣ ਦਾ ਸਰਟੀਫੀਕੇਟ ਸੀ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜਵਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਹੀ ਦੱਸ ਚੁੱਕਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਾਸ ਸਿਵਾਏ ਇਸ ਦੇ ਕਿ ਉਹ ਖਾਦੀ ਪਹਿਨਣ ਵਾਲੇ ਹਨ, ਹੋਰ ਕੋਈ ਕੁਆਲੀਫੀਕੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਇਥੇ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸੈਕਟਰੀ ਨੇ ਆਨੰਦ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਕੁਝ ਵੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਿਹਾ ਪਰ ਫ਼ਾਈਲ ਤੇ ਆਰਡਰਜ਼ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਦੇ ਕਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਦਿੱਤੇ ਗਏ । ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਤਾਂ ਪੂਰਾ ਪਤਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਰੀਮੂਵ ਕਰਨ ਦੇ ਕੀ ਕਾਰਨ ਸਨ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦੇਣ ਮੈਂ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਪਤਾ ਕਰਕੇ ਦੱਸ ਸਕਦਾ ਹਾਂ । ਅਜੇ ਤਕ ਜੋ ਗੱਲ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਆਈ ਹੈ ਉਹ ਇਹੋ ਹੈ ਕਿ ਸੈਕਟਰੀ ਨੇ ਰੀਕੂਮੈਂਡ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤਾ ਕਿ ਸ਼੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਆਨੰਦ ਨੂੰ ਰੀਮੂਵ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ; ਇਹ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਹੁਕਮ ਨਾਲ ਹੋਇਆ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਦੇ ਵਿਚ ਰੱਖਣਗੇ ਕਿ ਜਦੋਂ ਦਾ ਗਾਂਧੀ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੀ ਹੱਤਿਆ ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਗ਼ਲਬਾ ਇਸ ਸਦਨ ਤੇ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਦੋਂ ਤੋਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਪ੍ਰੋਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਜਾਂ ਡੀਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ ਉਹ ਫਿਰਕਾਪ੍ਰਸਤੀ ਦੇ ਲਿਹਾਜ਼ ਨਾਲ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ? ਕੀ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵੱਲ ਉਚੇਚੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਕਰਨਗੇ ਤਾਂ ਜੋ ਇਮਪਲਾਈਜ਼ ਵਿਚ ਇਕ ਕਿਸਮ ਦੀ ਇੰਤਕਾਮੀਆ ਲਹਿਰ ਨਾ ਚਲੇ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਖਰਬੰਦਾ ਜੀ, ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਰ ਇਕ ਨੂੰ ਇਨਸਾਫ ਦੇਣ ਅਤੇ ਹਰ ਇਕ ਦੇ ਸਟੇਟਸ ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਰੱਖਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ।

चौधरी बलबीर सिंह : मैं वज़ीर साहिब से यह जानना चाहता हूं कि अगर हाईकोर्ट ने अपना फैसला श्री मनमोहन आनंद के खिलाफ दे दिया तो क्या सरकार इस गलती की दुरुस्ती करेगी ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਅਤੇ ਖਰਬੰਦਾ ਜੀ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਅਨੰਦ ਨੂੰ ਕਹਿਣ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀ ਰਿਟ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲੈਣ ਤਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕੋਈ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰ ਸਕੀਏ । (ਵਿਘਨ)

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸ੍ਰੀ ਅਨੰਦ ਨੂੰ ਇਸ ਲਈ ਹਟਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਉਸ ਨੂੰ ਜਿਹੜੀਆਂ ਚਿੱਟਾਂ ਭੇਜਦੇ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਕ ਕਾਪੀ ਉਹ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਨੂੰ ਭੇਜ ਦਿੰਦੇ ਸੀ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੇਰਾਫੇਰੀ ਜ਼ਾਹਿਰ ਹੁੰਦੀ ਸੀ ? ਦੂਸਰੀ ਗੱਲ ਮੈਂ ਇਹ ਪੁੱਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਮਿਊਂਨਿਸਪਲ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹਨ ਜਦੋਂ ਕਿ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਨਹੀਂ ਬਣ ਸਕਦਾ, ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਰਾਤੋ ਰਾਤ ਉਸ ਨੂੰ ਬੁਲਾ ਕੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਪਰ ਉਹ ਅਜੇ ਵੀ ਮਿਊਨਿਸਪਲ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਹੈ ? ਕੀ ਇਹ ਵੀ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਰ. ਐਸ. ਐਸ. ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਹੈ ਅਤੇ ਬਕਾਇਦਾ ਪ੍ਰੇਡਾਂ ਕਰਵਾਉਂਦਾ ਹੈ ? ਉਸ ਨੇ ਖਾਦੀ ਵੀ ਹੁਣ ਪਾਣੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾ ਕੇ ਕੋਈ ਐਕਸ਼ਨ ਫੌਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਲੈਣਗੇ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜੇ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਗੱਲ ਲਿਆਉਣਗੇ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾ ਲਵਾਂਗੇ ।

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਕੀ ਮੰਤਰੀ ਮਹੋਦਯ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਸੈਕਟਰੀ ਅਤੇ ਐਸਿਸਟੈਂਟ ਸੈਕਟਰੀ ਨੂੰ ਕੁਝ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋਲਡ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਸੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਿਕਮੈਂਡੇਸ਼ਨ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਕਿਹਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਗਿਆ ? (ਵਿਘਨ)

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਇਸ ਬਾਰੇ ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਓ । ਜਿਥੇ ਤੱਕ ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਜਦੋਂ ਹੇਠਲੇ ਪੱਧਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਸਿਹਤ ਤੇ ਉਦਯੋਗ]

ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਸੈਕਟਰੀ ਆਦਿ ਇਹ ਰਿਕਮੈਂਡ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਰਿਮੂਵਲ ਲਈ ਗਰਾਊਂਡ ਤਿਆਰ ਹੈ । ਜੇ ਗਰਾਊਂਡ ਬਣਦੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਰਿਕਮੈਂਡ ਕਰ ਦੇਂਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਮੈਨੂੰ ਦੋ ਤਿਨ ਵਾਰ ਪਤਾ ਲੱਗਾ ਹੈ ਕਿ ਸੈਕਟਰੀ ਵਗੈਰਾ ਨੇ ਕੋਈ ਰਿਕੁਮੈਂਡੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਸੀ ਦਿੱਤੀ ਪਰ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਜੋ ਕਿ ਉਸ ਵੇਲੇ ਇੰਡਸਟਰੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਰਡਰ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਆਰਡਰ ਕਰਨ ਦੇ ਕੰਪੀਟੈਂਟ ਸਨ ।

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਸਰ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੁਐਸ਼ਚਨ ਆਵਰ ਵਿੱਚ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦਾ । (No point of order can be raised during the question hour.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਹੋਰ ਕਈਆਂ ਨੂੰ ਅਲਾਓ ਕੀਤਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਗਲਤ ਜਵਾਬ ਦੇ ਕੇ ਮਿਸ-ਲੀਡ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) ਸੈਕਟਰੀ ਦੀ ਰਿਕੁਮੈਂਡੇਸ਼ਨ ਕਿਸੇ ਨੇ ਮੰਗੀ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸੀ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਬੈਠ ਜਾਓ । (Please resume your seat.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਇਹ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਮਿਸਲੀਡ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ । (ਵਿਘਨ)

ਅਵਾਜ਼ਾਂ : ਉਹ 10ਵੀਂ ਫੇਲ੍ਹ ਹੈ ਉਹ 10ਵੀਂ ਪਾਸ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

(ਇਸ ਵੇਲੇ ਕਈ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਖੜ੍ਹੇ ਹੋਕੇ ਬੋਲ ਰਹੇ ਸੀ ।)

चौधरी बलबीर सिंह : कल यहां सरदार बलवन्त सिंह जी ने कहा था कि आर. एस. एस. के वर्करों को इन्डस्ट्री डिपार्टमैंट से निकाल दिया जाएगा । क्या इस को भी निकाल दिया जाएगा ? (विघ्न) (शोर)

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਖਾਦੀ ਐਂਡ ਵਿਲੇਜ ਇੰਡਸਟਰੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਜੋ ਕਿ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਸਾਰਾ ਪੈਸਾ ਦਿੰਦਾ ਹੈ, ਮਨਮੋਹਨ ਅਨੰਦ ਨੂੰ ਰਿਮੂਵ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਕੰਸਲਟ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਉਸ ਖਾਦੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨੂੰ ਕੰਨਸਲਟ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਈ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਪੈਸਾ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ਪਰ ਕੰਟਰੋਲ ਸਾਰਾ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਆਪਣਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਐਪੁਆਇੰਟਮੈਂਟ ਜਾਂ ਰਿਮੂਵਲ ਵੇਲੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਪੁਛਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ । ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਫ਼ੈਸਲਾ, ਆਖਰੀ ਫ਼ੈਸਲਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਦੀ ਇਸ ਵਿਚ ਇੰਟਰਫੀਰੈਂਸ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਮੰਤਰੀ ਮਹੋਦਯ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਇਲਮ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਹੋਰ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਅਤੇ ਖਾਦੀ ਕਮਿਸ਼ਨ, ਜਿਸ ਦਾ ਹੈਡ ਆਫ਼ਿਸ ਬੰਬਈ ਹੈ, ਹੋਰ ਚੀਜ਼ ਹੈ । ਮੈਂ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਦਾ ਸੈਕਟਰੀ ਰਿਹਾ ਹਾਂ, ਇਸ ਲਈ ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਐਪੁਆਇੰਟਮੈਂਟ ਜਾਂ ਰਿਮੂਵਲ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕੰਨਸਲਟ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ।

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨਾਲੋਂ ਅਲਹਿਦੀ ਇੰਸਟੀਚੂਸ਼ਨ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਹੈ ਅਤੇ ਖਾਦੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਵੀ ਸੈਂਟਰ ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਹਿਦਾਇਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਹੀ ਇਸ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਪੈਸਾ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਪਰ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਦਾ ਸਾਰਾ ਕੰਟਰੋਲ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਪਾਸ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਦੇ ਮੈਨੇਜਮੈਂਟ ਵਿਚ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇੰਡੀਪੈਂਡੈਂਟ ਹੈ। ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੀ ਕਿਸੇ ਐਪੁਆਇੰਟਮੈਂਟ ਜਾਂ ਰਿਮੂਵਲ ਵੇਲੇ ਖਾਦੀ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਰਾਏ ਲਈ ਜਾਵੇ।

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : ਕੀ ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਸ੍ਰੀ ਅਨੰਦ ਨੂੰ 1961 ਵਿੱਚ ਜਦੋਂ ਕਿ ਉਹ ਪਬਲਕ ਰੀਲੇਸ਼ਨ ਅਫ਼ੀਸਰ ਸਨ ਤਾਂ ਡਾਕਟਰ ਗੋਪੀਚੰਦ ਨੇ ਉਨਾਂ ਨੂੰ ਰੀਮੂਵ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਸੀ? (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਇਹ ਗਲਤ ਗੱਲ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਸਤੀਫ਼ਾ ਦਿੱਤਾ ਸੀ।

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਨੋਟਿਸ ਦੇ ਦਿਓ ਪਤਾ ਕਰਕੇ ਦੱਸ ਦਿਆਂਗੇ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਕੀ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਜਾਂ ਕਰਮਚਾਰੀ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਈ ਖਾਦੀ ਵਿੱਚ ਯਕੀਨ ਰੱਖਣਾ ਅਤੇ ਇਸ ਦੀ ਗਾਂਧੀਅਨ ਫ਼ਿਲਾਸਫ਼ੀ ਨਾਲ ਸਹਿਮਤ ਹੋਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਕੁਆਲੀਫ਼ੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਨਹੀਂ ਹਨ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਜ਼ਰੂਰੀ ਹਨ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸ੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ ਜੀ ਨੇ ਪੁਛਿਆ ਹੈ ਕਿ ਭਾਰਦਵਾਜ ਦੀ ਇਕੋ ਕੁਆਲੀਫ਼ੀਕੇਸ਼ਨ ਮਿਲ ਸਕੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਖਾਦੀ ਪਹਿਨਦੇ ਹਨ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਕਪੂਰ : ਇਥੇ ਜਿੰਨੀ ਬਹਿਸ ਹੋਈ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਕੋਈ ਅੱਛੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾ ਕੇ ਕਸੂਰਵਾਰ ਨੂੰ ਕੋਈ ਸਜ਼ਾ ਦੇਣਗੇ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਕੋਈ ਵੀ ਇਰੈਗੂਲੈਰਿਟੀ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਲਿਆਈ ਜਾਵੇਗੀ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਸ ਤੇ ਜ਼ਰੂਰ ਐਕਸ਼ਨ ਲਵਾਂਗਾ।

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੇ ਇੰਡਸਟਰੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਪੀ. ਏ. ਸ੍ਰੀ ਸਰਦਾਰੀ ਲਾਲ ਨੇ ਦੋ ਯੂਨਿਟਾਂ, ਇੱਕ ਪਠਾਨਕੋਟ ਅਤੇ ਇੱਕ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿੱਚ ਖੋਲ੍ਹੀਆਂ, ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਉਸ ਨੇ 45, 45 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਲੋਨ ਅਤੇ 5, 5 ਹਜ਼ਾਰ ਗ੍ਰਾਂਟ ਹਰ ਇੱਕ ਯੂਨਿਟ ਦੇ ਲਈ ਮੰਗੀ ਪਰ ਸ੍ਰੀ ਅਨੰਦ ਨੇ ਇਨਕਾਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਰਿਮੂਵ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਗੱਲ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਆਈ। ਜੇ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਆਈ ਤਾਂ ਐਕਸ਼ਨ ਲੈ ਲਵਾਂਗੇ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਕੀ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਲਿਖ ਕੇ ਇਹ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਘੱਲੀਆਂ ਸੀ ਕਿ ਲੋਨਜ਼ ਅਤੇ ਗ੍ਰਾਂਟਾਂ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿੱਚ ਬੋਰਡ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਇਸ ਬੋਰਡ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸ੍ਰੀ ਅਨੰਦ ਨੂੰ ਓਵਰ ਰਾਈਡ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ? ਕੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਿਖਤੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਕੋਈ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾਈ ਜਾਵੇਗੀ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਕਹਿ ਚੁਕਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾ ਲਵਾਂਗੇ। ਪਰ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਅਸੀਂ ਕੀ ਕਰੀਏ ਲੋੜ ਵੇਲੇ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਹੀ ਜਨਸੰਘ ਦੇ ਨਾਲ ਰਲ ਜਾਂਦੇ ਹੋ। ਤੇ ਵੋਟ ਵੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਉਦਯੋਗ ਤੇ ਸਿਹਤ]

ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਦਿੰਦੇ ਹੋ। (ਹਾਸਾ) ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਤਾਂ ਫਿਰ ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਹੀ ਸਾਥ ਦੇਣਾ ਹੈ। (ਹਾਸਾ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਦੋ ਮਹੀਨੇ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਮੈਨੂੰ ਲਿਖ ਕੇ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਭੇਜੇ ਨੂੰ। ਉਸ ਦੀ ਇਕਨਾਲਜਮੈਂਟ ਵੀ ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਹੈ। ਬਾਕੀ ਮੈਨੂੰ ਸਭ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਕੌਣ ਕਿਸ ਨਾਲ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਦੋਹਾਂ ਨੇ ਰਾਹ ਖੁਲ੍ਹੇ ਰਖੇ ਹੋਏ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) (ਹਾਸਾ) ਸਾਨੂੰ ਜਨਸੰਘ ਨਾਲ ਮਿਲਣ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਹੈ; ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿੱਚ ਲੜ ਰਹੇ ਹਾਂ।

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਇਹ ਇਸ ਕਰਕੇ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਈ ਤਾਂ ਫਿਰ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਪ੍ਰੈਸ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ।

ਸਰਦਾਰ ਸੰਤੋਖ ਸਿੰਘ ਰੰਧਾਵਾ : ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਖਾਦੀ ਦਾ ਉਦਯੋਗ ਹੈ; ਇਹ ਮਹਾਤਮਾਂ ਗਾਂਧੀ ਦਾ ਸੁਪਨਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਪਰਚਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ, ਸਾਰੇ ਇਸ ਨੂੰ ਪਿਆਰ ਕਰਨ ਅਤੇ ਪਹਿਨਣ। ਇਸ ਸੁਪਨੇ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਹੀ ਇਹ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ। ਸਾਡੇ ਪਹਿਲੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਡਾਕਟਰ ਭਾਰਗੋ ਪੱਕੇ ਗਾਂਧੀਵਾਦੀ ਸੀ। ਪਰ ਹੁਣ ਭਾਰਦਵਾਜ ਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਆਰ. ਐਸ. ਐਸ. ਦਾ ਹੋਲਟਾਈਮ ਵਰਕਰ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਗਾਂਧੀ ਹਤਿਆ ਸੰਘ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਤਾਂ ਕੀ ਉਸ ਨੂੰ ਛੇਤੀ ਹੀ ਰੀਮੂਵ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ?

ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ : ਜਿਥੋਂ ਤੱਕ ਗਾਂਧੀ ਵਾਦ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਦੇ ਯਤਨਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਵੀ ਹਰ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਖੱਦਰ ਪਹਿਨਦਾ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਦੇ ਜੋ ਅਸੂਲ ਸਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਸਾਰੇ ਲੋਕ ਅਮਲ ਕਰਦੇ ਸਨ। ਇਸ ਵਿੱਚ ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਕਿ ਜਨ-ਸੰਘ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਇਸ ਬੋਰਡ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਨਹੀਂ ਬਣ ਸਕਦਾ ਸੀ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਬਤੌਰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਨਾਮਜ਼ਦ ਕਰ ਦਿੱਤਾ। ਹੁਣ ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਕੋਈ ਐਸੀ ਗੱਲ ਮੇਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਲਿਆਉਗੇ ਜੋ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਦੇ ਅਸੂਲਾਂ ਉਤੇ ਚੱਲਣ ਵਾਸਤੇ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਕਰਾਂਗੇ।

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : (ਵਿਘਨ) ਕੀ ਜਿਹੜੇ ਇਥੇ ਆਰ. ਐਸ. ਐਸ. ਦੇ ਬੰਦੇ ਫਿਰਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰੀਮੂਵ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ? (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Question Hour is over. The remaining questions shall be deemed to have been answered under Rule 45.

ANSWERS TO STARRED QUESTIONS LAID ON THE TABLE UNDER RULE 45

ELECTION PETITIONS FILED AGAINST MEMBERS ELECTED TO MUNICIPAL COMMITTEE, AMRITSAR.

*1652. **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Chief Minister be pleased to :—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(a) lay on the Table of the House a statement showing the persons elected as members of the Municipal Committee, Amritsar against whom election petitions were filed;

(b) state the number of such petitions disposed of so far and alongwith the date of disposal and the results of the said petitions in each case ;

(c) state the number of petitions still pending in the Court and a statement showing the persons against whom they are pending be laid on the Table of the House ;

(d) state whether any instructions have been issued by the Government for the disposal of such petitions within a specified period, if not, the steps proposed to be taken by the Government for the expeditious disposal of such petitions in future ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) The requisite statement is laid on the Table of the House.

(b) A list of election petitions since disposed of alongwith dates and a result is at Annexure I,

(c) Six petitions are still pending decision at present. The requisite statement is laid on the Table of the House.

(d) (i) Yes. A copy each of instructions (dated 9.8.1964 and 3.12.1969) is placed on the Table of the House.

[(ੲ) ਲੋੜੀਂਦੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਹਾਊਸ ਦੇ ਟੇਬਲ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਫੈਸਲਾ ਹੋਈਆਂ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਇਕ ਲਿਸਟ ਮਿਤੀ ਅਤੇ ਨਤੀਜੇ ਸਮੇਤ ਅਨੁਲੱਗ 1 ਵਿੱਚ ਦਿਖਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਟੇਬਲ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਛੇ ਪਟੀਸ਼ਨਾਂ ਤੇ ਇਸ ਵੇਲੇ ਫੈਸਲਾ ਹੋਣਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ । ਲੋੜੀਂਦੀ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਹਾਊਸ ਦੇ ਟੇਬਲ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਡੀ) (i) ਹਾਂ ; ਹਦਾਇਤਾਂ ਮਿਤੀ 9.8.1964 ਅਤੇ 3.12.1969 ਦੀ ਇਕ ਇਕ ਕਾਪੀ ਹਾਊਸ ਦੀ ਟੇਬਲ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।]

THE STATEMENT SHOWING THE PERSONS ELECTED AS MEMBERS OF THE MUNICIPAL COMMITTEE, AMRITSAR AGAINST WHOM ELECTION PETITIONS WERE FILED

Sr. No.	Name of person
1.	Sh. Dawarka Dass (elected from Ward No. 3)
2.	Sh. Kartar Chand (elected from Ward No. 4)
3.	Sh. Joginder Pal (elected from Ward No. 8)
4.	Sh. Sham Singh (elected from Ward No. 13)
5.	Sh. Kharaiti Ram (elected from Ward No. 24)
6.	Sh. Boota Ram (elected from Ward No. 27)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

7. Sh. Vishwa Nath (elected from Ward No. 28)
8. Sh. Krishan Chand (elected from Ward No. 29)
9. Sh. Beant Singh (elected from Ward No. 31)
10. Sh. Gurcharan Singh (elected from Ward No. 35)
11. Sh. Sardul Singh (elected from Ward No. 36)
12. Sh. Parduman Singh (elected from Ward No. 40)

ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁਧ, ਨਗਰ ਪਾਲਕਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿੱਚ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨਾਂ ਫਾਈਲ ਹੋਈਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ।

ਲੜੀ ਨੰ	ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਨਾਂ
1.	ਸ਼੍ਰੀ ਦਵਾਰਕਾ ਦਾਸ (ਵਾਰਡ ਨੰ. 3)
2.	ਸ਼੍ਰੀ ਕਰਤਾਰ ਚੰਦ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 4)
3.	ਸ਼੍ਰੀ ਜੋਗਿੰਦਰ ਪਾਲ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 8)
4.	ਸ਼੍ਰੀ ਸ਼ਾਮ ਸਿੰਘ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 13)
5.	ਸ਼੍ਰੀ ਖਰੈਤੀ ਰਾਮ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 24)
6.	ਸ਼੍ਰੀ ਬੂਟਾ ਰਾਮ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 27)
7.	ਸ਼੍ਰੀ ਵਿਸ਼ਵਾ ਨਾਥ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 28)
8.	ਸ਼੍ਰੀ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਚੰਦ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 29)
9.	ਸ਼੍ਰੀ ਬੇਅੰਤ ਸਿੰਘ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 31)
10.	ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 35)
11.	ਸ਼੍ਰੀ ਸਰਦੂਲ ਸਿੰਘ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 36)
12.	ਸ਼੍ਰੀ ਪਰਦੁੱਮਣ ਸਿੰਘ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 40)

ANNEXURE I

A LIST OF ELECTION PETITIONS SINCE DISPOSED OF ALONGWITH DATES AND RESULTS

Sr. No.	Name of person	Date	Result
1.	Sh. Raghubans Vs. Boota Ram etc. Ward No. 27.	24.10.1968	Sh. Boota Ram was duly elected as a member of Municipal Committee Amritsar from Ward No. 27.
2.	Sh. Richhpal Singh Vs. Sh. Joginder Pal etc. Ward No. 8	29.5.1969	Sh. Joginder Pal was duly elected as a member of Municipal Committee, Amritsar from Ward No. 8.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

3.	Sh. Shiv Narain Vs. Sh. Kharaiti Ram etc. Ward No. 24.	23.10.1969	Dismissed in default.
4.	Sh. Gopal Krishan Vs. Sh. Sham Singh etc. Ward No. 13.	24.12.1969	Sh. Sham Singh was duly elected as a member of Municipal Committee, Amritsar from Ward No. 13.
5.	Sh. Surinder Pal Vs. Sh Parduman Singh etc. Ward No. 40.	21.5.1970	Dismissed in default.
6.	Sh. Jugal Kishore Vs. Sh. Kartar Chand etc., Ward No. 4.	21.5.1970	Dismissed in default.

ਅਨੁਲੱਗ–1

ਫੈਸਲਾ ਹੋਈਆਂ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਮਿਤੀ ਅਤੇ ਨਤੀਜੇ ਸਮੇਤ ਲਿਸਟ ।

ਲੜੀ ਨੰ:	ਵਿਅਕਤੀ ਦਾ ਨਾਂ	ਮਿਤੀ	ਨਤੀਜਾ
1.	ਸ੍ਰੀ ਰਘੂ ਬੰਸ ਬਨਾਮ ਬੂਟਾ ਰਾਮ ਆਦਿ ਵਾਰਡ ਨੰ: 27	24.10.1968	ਸ੍ਰੀ ਬੂਟਾ ਰਾਮ, ਨਗਰ ਪਾਲਕਾ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦਾ ਚੁਣਿਆ ਹੋਇਆ ਮੈਂਬਰ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।
2.	ਸ੍ਰੀ ਰਛਪਾਲ ਸਿੰਘ ਬਨਾਮ ਸ੍ਰੀ ਜੋਗਿੰਦਰ ਪਾਲ ਆਦਿ ਵਾਰਡ ਨੰ: 8.	29.5.1969	ਸ੍ਰੀ ਜੋਗਿੰਦਰ ਪਾਲ ਨੂੰ ਨਗਰ ਪਾਲਕਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੀ ਵਾਰਡ ਨੰ: 8 ਦਾ ਚੁਣਿਆ ਹੋਇਆ ਮੈਂਬਰ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।
3.	ਸ੍ਰੀ ਸ਼ਿਵ ਨਰਾਇਣ ਬਨਾਮ ਸ੍ਰੀ ਖਰੈਤੀ ਰਾਮ ਆਦਿ ਵਾਰਡ ਨੰ: 24.	23.10.1969	ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨ ਇਨਡੀਫਾਲਟ ਖਾਰਜ ਕੀਤੀ ਗਈ ।
4.	ਸ੍ਰੀ ਗੋਪਾਲ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਬਨਾਮ ਸ੍ਰੀ ਸ਼ਾਮ ਸਿੰਘ ਆਦਿ ਵਾਰਡ ਨੰ: 13.	24.10.1970	ਸ੍ਰੀ ਸ਼ਾਮ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਨਗਰ ਪਾਲਕਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੀ ਵਾਰਡ ਨੰ: 13 ਦਾ ਚੁਣਿਆ ਮੈਂਬਰ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।
5.	ਸ੍ਰੀ ਸੁਰਿੰਦਰਪਾਲ ਬਨਾਮ ਸ੍ਰੀ ਪਰਦੁੱਮਣ ਸਿੰਘ ਆਦਿ ਵਾਰਡ ਨੰ: 40.	21.5.1970	ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨ ਨੂੰ ਇਨਡੀਫਾਲਟ ਖ਼ਾਰਜ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।
6.	ਸ੍ਰੀ ਜੁਗਲ ਕਿਸ਼ੋਰ ਬਨਾਮ ਸ੍ਰੀ ਕਰਤਾਰ ਚੰਦ ਆਦਿ ਵਾਰਡ ਨੰ: 4.	21.5.1970	ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨ ਨੂੰ ਇਨਡੀ-ਫਾਲਟ ਖਾਰਜ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

ANNEXURE II.

LIST OF PERSONS AGAINST WHOM PETITIONS ARE STILL PENDING IN THE COURTS.

Sr. No.	Name of persons
1.	Sh. Dawarka Dass (Ward No. 3)
2.	Sh. Vishwa Nath (Ward No. 28)
3.	Sh. Krishan Chand (Ward No. 29)
4.	Sh. Beant Singh (Ward No. 31)
5.	Sh. Gurcharan Singh (Ward No. 35)
6.	Sh. Sardul Singh (Ward No. 36)

ਅਨੁਲੱਗ–2

ਅਦਾਲਤ ਵਿੱਚ ਚਲ ਰਹੀਆਂ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ।

ਲੜੀ ਨੰ:	ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੇ ਨਾਂ
1.	ਸ਼੍ਰੀਦਵਾਰਕਾ ਦਾਸ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 3)
2.	ਸ਼੍ਰੀ ਵਿਸ਼ਵਾ ਨਾਥ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 28)
3.	ਸ਼੍ਰੀ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਚੰਦ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 29)
4.	ਸ਼੍ਰੀ ਬੇਅੰਤ ਸਿੰਘ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 31)
5.	ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 35)
6.	ਸ਼੍ਰੀ ਸਰਦੂਲ ਸਿੰਘ (ਵਾਰਡ ਨੰ: 36)]

ਵਲੋਂ

ਸਕੱਤਰ, ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ,
ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ, ਵਿਭਾਗ।

ਸੇਵਾ ਵਿਖੇ

ਸਮੂਹ ਪੰਜਾਬ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ।
ਯਾਦ ਪੱਤਰ ਨੰ: 5176-3 ਡਸਸ-69/8037
ਮਿਤੀ 3.12.1969.

ਵਿਸ਼ਾ :— ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨਾਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ।

ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ (ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ ਵਿਭਾਗ) ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਯਾਦ ਪੱਤਰ ਨੰ: 5990-4 ਸੀ-III-64/33072 ਮਿਤੀ 9.8.64 ਰਾਹੀਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀਆਂ ਸਨ, ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹਰ ਇਕ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨੂੰ ਉਸ ਦੀ ਨਿਯੁਕਤੀ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ ਛੇ ਮਹੀਨੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਲਗਾਏ ਗਏ ਦੋਸ਼ਾਂ ਤੇ ਆਪਣੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਰਿਪੋਰਟ ਭੇਜਣੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ। ਅੱਛੇ ਖਾਸੇ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਦਰਖਾਸਤ ਦੇਣ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਮਿਆਦ ਨੂੰ ਵਧਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਵੇਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੀ ਇੰਨ ਬਿੰਨ ਪਾਲਣਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ। ਆਪਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਵਾਈ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਆਪਣੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦੇ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਕਮਿਸ਼ਨਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਨਿਰਧਾਰਤ ਸਮਾਂ ਬਿਤਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮਿਆਦ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਦੇਰੀ ਦਾ ਜਵਾਬ ਮੰਗਿਆ ਜਾਵੇ ।

2. ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਕਮਿਸ਼ਨਾਂ ਨੂੰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨਾਂ ਇਕ ਸਾਲ ਤੋਂ ਪੈਂਡਿੰਗ ਪਈਆਂ ਹਨ, ਰਿਪੋਰਟ ਭੇਜਣ ਲਈ ਹੋਰ ਸਮਾਂ ਵਧਾਉਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ ਅੱਗੋਂ ਵਾਸਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕੇਸਾਂ ਵਿੱਚ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਦੇਰੀ ਦੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਾਰਨ ਹੋਣ, ਮਿਥੇ ਹੋਏ ਸਮੇਂ (ਛੇ ਮਹੀਨੇ) ਤੋਂ ਤਿੰਨ ਮਹੀਨੇ ਤੋਂ ਮਿਆਦ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਹੀਂ ਵਧਾਈ ਜਾਵੇਗੀ ।

3. ਇਹ ਵੀ ਨੋਟਿਸ ਵਿੱਚ ਆਇਆ ਹੈ ਕਿ ਕਮਿਸ਼ਨਾਂ ਵਲੋਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਰਿਪੋਰਟ ਦੇਰ ਨਾਲ ਭੇਜਣ ਦਾ ਕਾਰਨ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਇਸ ਸਮੇਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਬਦਲੀਆਂ ਹੋ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ, ਰਿਪੋਰਟਾਂ ਨੂੰ ਨਿਰੰਤਰਤਾ ਅਤੇ ਜਲਦੀ ਭੇਜਣ ਦੇ ਹਿਤ ਵਿੱਚ, ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਅਫਸਰ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਉਹੀ ਅਫਸਰ ਆਪਣੀ ਬਦਲੀ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ, ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪਟੀਸ਼ਨ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਕਰੇਗਾ ।

ਸਹੀ/—ਆਸਾ ਸਿੰਘ

ਸਹਾਇਕ ਸਕੱਤਰ,

ਵਾਸਤੇ ਸਕੱਤਰ, ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ।

ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ ਵਿਭਾਗ ।

Copy of Memo No. 5990-40 III-64/33072 dated the 9th August, 1964, from the Secretary to Government, Punjab, Local Government Department, to the Commissioners of Divisions, Ambala, Jullundur and Patiala, and All the Deputy Commissioners in the State and All Sub-Divisional Officers (Civil).

Subject : Report of findings of Election Commissioners appointed under rule 50 of the Punjab Municipal Election Rules, 1952.

Cases have come to the notice of Government in which the Election Commission appointed by Government u/s 247 of the Punjab Municipal Act, 1911, read with rule 58 of the Punjab Municipal Election Rules, 1952. to hold an enquiry into a municipal election, inordinately delayed the submission of its report of findings of the appropriate authority u/s 254 of the Punjab Municipal Act, 1911. Government have taken a serious view of such delays which tend to frustrate the purpose of an election petition.

2. To obviate such delays they have decided that the Election Commission should submit its report to the appropriate authority within six months of its appointment. For good and sufficient reasons Government May, on application by the Commission, extend this time limit.

3. These instructions shall be brought to the notice of the Election Commissions appointed from time to time for compliance.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

SCHEMES FOR IRRIGATING ADDITIONAL AREAS

*1965. 1. **Sardar Darshan Singh K. P.,**)
2. **Shri Sardari Lal Kapur,**)
3. **Bhagat Guran Dass Hans,**)
4. **Doctor Sadhu Ram,**) : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether the Irrigation Department has prepared ten new schemes for irrigating additional areas between Nangal and Bharatgarh in Ropar District from the Nangal Hydel Channel ;

(b) whether the present 17 schemes, which were expected to irrigate 8 thousand acres of culturable commanded area, have already been taken in hand by the Irrigation Department ; if not, the reasons therefor ?

ਸਰਦਾਰ ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ ਬਾਸੀ : (ੳ) ਕੇਵਲ 6 ਨਵੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ।

(ਅ) ਹਾਂ ਜੀ ।

[(a) Only six new schemes have been prepared.

(b) Yes.]

ADJOURNMENT MOTIONS

Mr. Speaker : Chaudhri Balbir Singh has given a fresh notice of the Adjournment Motion leave to which was granted yesterday but which could not be taken up yesterday because the House was adjourned immediately after the Obituary References. Under Rule 70, if the leave is granted, the motion is taken up on the same day at the normal hour of interruption of business or if the business on the list for the day is concluded earlier at the conclusion of such business. It could not, therefore, be taken up yesterday. In order to avoid repetition, Chaudhri Balbir Singh need not read it again. I hold the matter in order. If no objection is taken leave will be granted. Is there any objection ?

(Voices : No, No)

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਇਹਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਕਲ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕੀ । ਇਲੈਕਟਰੀਸਿਟੀ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿੱਚ ਕਾਫੀ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿੱਚ ਸਵਾਲ ਆਏ ਹਨ । ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਪਤਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Have you any objection ?

Finance Minister : No, Sir.

Mr. Speaker : The leave is granted. The motion will be taken up at the normal hour of interruption of business or if the business is concluded earlier at the conclusion of such business.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਪਰਸਨਲ ਐਕਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ।

ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ : ਮੇਰੀ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਵੀ ਸੀ । ਕੀ ਉਹ ਇਸ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕੀਤੀ ਹੈ ਜਾਂ ਕਿ ਨਹੀਂ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਜੇ ਉਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਸ਼ਾਮਲ ਹੈ, ਬਿਲਕੁਲ ਸ਼ਾਮਲ ਹੈ । (If your motion is on the same subject, then that is also included in it.)

(ਇਸ ਵੇਲੇ ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ ਆਪਣੀ ਸੀਟ ਤੇ ਖੜੇ ਹੋ ਗਏ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਤੁਸੀਂ ਜ਼ੀਰੋ ਆਵਰ ਤੋਂ ਬਾਦ ਬੋਲ ਲੈਣਾ । ਹੁਣ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਨੰ: 12 ਡਾਕਟਰ ਕੇਵਲ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ । (The hon. member Sh. Tandon, can make his personal explanation after the zero hour. Now the House will take up Call Attention Notice No. 12 by Dr. Kewal Krishan.)

CALL ATTENTION NOTICES
(Serial No. 12)

Chaudhri Kewal Krishan : I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, the Committee formed recently for selecting J.B.T. teachers for Government Schools after the dissolution of the Subordinte Services Selection Board, has acted partially in the selection of J.B.T. teachers and this fact is a common talk of the people that the candidates with Ist Divisions and higher qualifications have been ignored and instead 3rd Divisioners and persons with lower qualifications have been selected. Under the shelter of interview, ability and justice have been throttled and the right of thousands of J.B.T. teachers have been thrown to the winds thereby encouraging corruption and nepotism. The Government should clarify its position in this matter in the House.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਵੀਕਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted. The Minister concerned may please make a statement)

(Serial No. 17)

Chaudhri Kewal Krishan : I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, that the Punjab Government has declared that 48 Middle, 84 Primary Schools in the State will be up-graded to High and Middle Schools respectively during this year. But it is a matter of great regret that in Hoshiarpur district, which has been declared as backward area, only 3 Primary and 1 Middle Schools have been upgraded to Middle and High Schools respectively. According to District-wise share in Hoshiarpur district 5 Middle and 9 Primary Schools should have been upgraded to High and Middle Schools respectively. But it is clear from the policy of the Government that whereas this backward

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chaudhri Kewal Krishan]
declared district should have got more share but due to its discriminative policy the Government wants to make it more backward so that this backward district of Hoshiarpur should remain as it is. The Government may clarify its policy in this regard in the Hou e.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਵੀਕਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ. ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted. The Minister concerned may please make a statement.)

(ਕ੍ਰਮ ਨੰ: 26)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਨੋਟਿਸ ਨੰ: 26, ਚੌਧਰੀ ਰਾਮ ਸਿੰਘ । (Call Attention Notice No. 26 by Ch. Ram Singh)

(ਇਹ ਮੈਂਬਰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਉਸ ਵੇਲੇ ਹਾਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਸਨ)

(ਕ੍ਰਮ ਨੰ: 28)

ਸਰਦਾਰ ਕ੍ਰਿਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਲੋਕ ਮਹੱਤਤਾ ਦੇ ਇਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਾਮਲੇ ਵਲ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ, ਅਰਥਾਤ, ਜੋ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਚਲ ਰਹੇ ਸਿਨਮਾ ਬਾਰੇ ਹੈ । ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਆਮ ਕਰਕੇ ਅਤੇ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿਚ ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਸਿਨਮਾ ਹਾਲ 8.00 ਵਜੇ ਸਵੇਰ ਤੋਂ ਹੀ ਚਾਲੂ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਬੱਚਿਆਂ ਵਿਚ ਵਧ ਰਹੀ ਬੇ-ਰਾਹਰਵੀ ਨੇ ਸਕੂਲ ਨਾਲੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਿਨਮਾ ਹਾਲ ਦੀ ਕਸ਼ਿਸ਼ ਪੈਦਾ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ । ਸਾਡੇ ਕਲ੍ਹ ਦੇ ਵਾਰਸ ਆਪਣੇ ਕੱਚੇ ਜ਼ਹਿਨ ਵਿਚ ਸਿਨਮਾ ਦੀਆਂ ਤਸਵੀਰਾਂ ਦੇ ਵਿਲਨ ਦਾ ਪੋਖੇ ਲੈ ਰਹੇ ਤੇ ਪੱਕਾ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ । ਕੁਝ ਚਿਰ ਪਹਿਲਾਂ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ 2.00 ਵਜੇ ਦੁਪਹਿਰ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਿਨਮਾ ਚਾਲੂ ਕਰਨ ਦੀ ਪਾਬੰਦੀ ਲਾਈ ਸੀ । ਮਾਲੂਮ ਨਹੀਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਵਾਪਸ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ । ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਕਮੀ ਦੇ ਕਾਰਨ ਵੀ ਸਿਨਮਾ ਤੇ ਪਾਬੰਦੀ ਲਗਾਉਣੀ ਯੋਗ ਕਾਰਵਾਈ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਸਿਨਮਾਂ ਮਾਲਕਾਨ ਨੇ ਜੈਨਰੇਟਰ ਸੈੱਟ ਆਪਣੇ ਲਗਾਏ ਹਨ ਉਹ ਬਿਜਲੀ ਸਰਚਾਰਜ ਦੀ ਚੋਰੀ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ । ਜਿਥੇ ਸ਼ੋ ਚਲਾਣ ਦੇ ਲਾਲਚ ਨੇ ਨਿਊਜ਼ਰੀਲ ਵੀ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ । ਸ਼ਾਇਦ ਹੀ ਕੋਈ ਸਿਨਮਾਂ ਨਿਊਜ਼ ਰੀਲ ਚਲਾਉਂਦਾ ਹੋਵੇ । ਕੌਮੀ ਝੰਡੇ ਅਤੇ ਕੌਮੀ ਤਰਾਨੇ ਲਈ ਅਦਬ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਸਿਨਮਾ ਵਾਲਿਆਂ ਵਲੋਂ ਕੋਈ ਯਤਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਸਿਗਰਟ ਵਗੈਰਾ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਵੀ ਸਖਤੀ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਰੋਕਿਆ ਜਾਂਦਾ । ਇਹ ਸਾਰੇ ਹਾਲਾਤ ਦੇਸ਼, ਸੂਬਾ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਹਿਤਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਹਨ । ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਸਾਡੀਆਂ ਉਮੀਦਾਂ, ਸਾਡੇ ਬੱਚੇ ਚੌੜ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ । ਸਰਕਾਰ ਇਹਦੇ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਹਾਊਸ ਅੱਗੇ ਵਾਅਜ਼ੇ ਕਰੇ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਵੀਕਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted. The hon. Minister concerned may please make a statement.)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਨੋਟਿਸ ਨੰ: 29, ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ । (Call Attention Notice No. 29 by Comrade Satya Pal Dang.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਮਿਲੀ ਨਹੀਂ । ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਤਾਂ ਨੰ: 35 ਆਈ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਪੜ੍ਹ ਦਿਉ ।

(ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਨੰ: 29 ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ ਵਲੋਂ ਪੜ੍ਹੀ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(Serial No. 29)

***Comrade Satya Pal Dang** : I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, the arrest by the police of Ujagar Singh S/o Indar Singh of village Ramgarh Jhungian, P.S. Garhshankar, District Hoshiarpur on 21st July, 1970, and refusal of the police to disclose his whereabouts to his relatives. It is apprehended that he is being subjected to torture in some unknown place.

The Government should make a statement on the subject.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਵੀਕਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ। (Admitted. The Minister concerned may please make a statement).

(ਕ੍ਰਮ ਨੰ: 31 ਅਤੇ 32)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਨੰ: 31 ਅਤੇ 32 । (Call Attention Notices No. 31 And 32)

(ਸਬੰਧਤ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਹਾਜ਼ਰ ਨਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਪੇਸ਼ ਨਾ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ।)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਨੰ: 33, ਗਿਆਨੀ ਕੁੰਦਨ ਸਿੰਘ ਪਤੰਗ । (Call Attention Notice No. 33 by Giani Kundan Singh Patang)

(ਕ੍ਰਮ ਨੰ: 33)

ਗਿਆਨੀ ਕੁੰਦਨ ਸਿੰਘ ਪਤੰਗ : ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਲੋਕ ਮਹੱਤਤਾ ਦੇ ਇਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਾਮਲੇ ਵੱਲ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ, ਅਰਥਾਤ, ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼ਰੇਣੀਆਂ ਦੇ ਭਰਾਵਾਂ ਤੇ ਕਿਸਾਨ ਭਰਾਵਾਂ ਦਾ ਆਪਸ ਵਿਚ ਮੱਤ ਭੇਦ ਵੱਧ ਗਿਆ ਹੈ ਤੇ ਹੋਰ ਵੱਧ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਜੈਸੇ ਕਿ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਪਿੰਡ ਬੜੀ ਤੇ ਜਹਾਂਗੀਰ ਤਹਿਸੀਲ ਮਲੇਰਕੋਟਲਾ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾਂ ਸੰਗਰੂਰ ਦਾ ਰੌਲਾ ਰੱਪਾ ਆਇਆ ਹੈ, ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੱਤ-ਭੇਦ ਮਿਟਾਉਣ ਵੱਲ ਬਹੁਤਾ ਤੇ ਛੇਤੀ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇ ਤਾਂ ਕਿ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੋਰ ਮਜ਼ਦੂਰ ਤੇ ਕਿਸਾਨ ਵਿਚ ਫੁੱਟ ਨਾ ਵਧੇ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪਰਵਾਨ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted. The Minister concerned may please make a statement.)

(Serial No. 35)

Comrade Satya Pal Dang : I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, the acute discontentment amongst the working class in the State because of the low wage level in the State. Their demand has been that no unshifted worker should get less than what class IV employees of the State Government get.

The workers have decided to resort to direct action.

In view of the obvious and urgent importance of the matter, the Government may please be asked to make a statement in the House.

---

*Read by the hon. Speaker.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪਰਵਾਨ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted. The Minister concerned may please make a statment).

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਨੰ: 34 । ਕਾਮਰੇਡ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਝਬਾਲ । (Call Attention Motion No. 34 by Comrade Darshan Singh Jhabal.)

(ਕ੍ਰਮ ਨੰ: 34)

ਕਾਮਰੇਡ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਝਬਾਲ : ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਲੋਕ ਮਹੱਤਤਾ ਦੇ ਇਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਾਮਲੇ ਵਲ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ, ਅਰਥਾਤ, ਕਿ ਪਿੰਡ ਕੱਲ੍ਹਾ, ਤਹਿਸੀਲ ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਪੁਲਸ ਥਾਨਾ ਸਦਰ ਤਰਨ ਤਾਰਨ ਦੇ ਏ.ਐਸ.ਆਈ. ਨਰਿੰਦਰ ਸਹਿਗਲ, ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਵਿਚ 3.7.70 ਨੂੰ ਇਕ ਗੁਰਾ ਸਿੰਘ ਮਜ਼੍ਹਬੀ ਸਿੱਖ ਦੇ ਘਰ ਰੇਡ ਕੀਤਾ । ਗੁਰਾ ਸਿੰਘ ਉਸ ਵਕਤ ਘਰ ਨਹੀਂ ਸੀ । ਪੁਲਸ ਵਾਲਿਆਂ ਜਾਂਦਿਆਂ ਹੀ ਘਰ ਦੀ ਤਲਾਸ਼ੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤੀ । ਗੁਰਾ ਸਿੰਘ ਦੀ ਧਰਮ ਪਤਨੀ ਤੇ ਉਸ ਦੀ ਲੜਕੀ ਚਾਹ ਬਣਾ ਰਹੀਆਂ ਸਨ । ਥਾਨੇਦਾਰ ਨੇ ਜਾਂਦਿਆਂ ਚਾਹ ਵਾਲੀ ਪਤੀਲੀ ਤੇ ਡੰਡੇ ਮਾਰੇ । ਗੁਰਾ ਸਿੰਘ ਦੀ ਧਰਮ ਪਤਨੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਕੋਈ ਪਿੰਡ ਦਾ ਮੁਖੀ ਲਿਆ ਕੇ ਤਲਾਸ਼ੀ ਕਰੋ ।ਇਹ ਕਹਿਣ ਤੇ ਪੁਲਸ ਵਾਲੇ ਡੰਡੇ ਮਾਰਨ ਲਗ ਪਏ । ਮਾਂ ਨੂੰ ਕੁਟਦਿਆਂ ਵੇਖ ਕੇ ਲੜਕੀ ਨੇ ਰੋਕਣ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਵੀ ਮਾਰਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ । ਫਿਰ ਦੋਹਾਂ ਮਾਵਾਂ ਧੀਆਂ ਨੂੰ ਮਾਰਦੇ ਮਾਰਦੇ ਸਕੂਲ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ । ਸਕੂਲ ਵਿਚ ਲਿਆ ਕੇ ਤਵੇ ਨਾਲ ਕਾਲਾ ਮੂੰਹ ਕੀਤਾ ਤੇ ਫਿਰ ਦੋਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੁੱਤਾਂ ਬਾਰੀਆਂ ਨਾਲ ਬੰਨ੍ਹ ਦਿੱਤੀਆਂ ਤੇ ਕੁੱਤੇ ਵਾਂਗ ਭੌਂਕਣ ਲਈ ਮਜਬੂਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । (ਸ਼ੇਮ ਸ਼ੇਮ ਦੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ) ਫਿਰ ਗੁਰਾ ਸਿੰਘ ਵੀ ਬਾਹਰੋਂ ਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਵੀ ਬਹੁਤ ਬੁਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਾਰਿਆ ਗਿਆ ਪੁਲਸ ਵਾਲੇ ਇਸ ਹੱਦ ਤਕ ਚਲੇ ਗਏ ਕਿ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਆਪਣੇ ਪਿਓ ਦਾ ਕੱਛਾ ਖੋਹਲ ਤੇ ਪਿਤਾ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਤੂੰ ਆਪਣੀ ਲੜਕੀ ਨੂੰ ਨੰਗਿਆਂ ਕਰ । (ਸ਼ੇਮ, ਸ਼ੇਮ) ਇਸ ਘਟਨਾ ਦੀ ਸਾਰੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਬੜੀ ਬੇਚੈਨੀ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਈ ਹੈ । ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕਿਰਪਾਲਤਾ ਕਰਨ ਕਿ ਕਿਹੜੇ ਕਦਮ ਚੁੱਕੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਬੜਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਸਲਾ ਹੈ । ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਹੁਣੇ ਹੀ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਜਵਾਬ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (ਇਸ ਸਮੇਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲਣ ਲਈ ਖੜੇ ਹੋਏ ।)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪਰਵਾਨ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਸ ਸਮੇਂ ਕਾਫ਼ੀ ਸ਼ੋਰ ਸੀ ।) (Admitted. The hon. Minister concerned may please make a statement.)

(Noise in the House)

ਆਵਾਜ਼ਾਂ : ਇਸ ਦਾ ਹੁਣੇ ਹੀ ਜਵਾਬ ਦਿੱਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (ਸ਼ੋਰ)

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ : ਹਰੀਜਨਾਂ ਵੱਲ ਕੋਈ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਿਹਾ । (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਵੈਦ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀਂ ਮਰ ਗਏ ਹਨ । ਹਰੀਜਨਾਂ ਨਾਲ ਜ਼ੁਲਮ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਹ ਸਾਰੇ ਮਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਗਏ ਹਨ । (ਇਸ ਸਮੇਂ ਹੋਰ ਵੀ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਆਪਣੀਆਂ ਸੀਟਾਂ ਤੇ ਖੜੇ ਹੋ ਕੇ ਬੋਲ ਰਹੇ ਸਨ, ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਸੁਣਾਈ ਦਿੱਤਾ ।) ਇਹ ਕਿਸੇ ਦਾ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸੀ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇ ਦੇਣ ਕਿ ਇਸ ਵਾਕਿਆ ਬਾਰੇ ਫੌਰੀ ਤੌਰ ਤੇ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਕੇ ਮੁਨਾਸਿਬ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨਗੇ ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਪਰਸੋਂ ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕੀਤੀ ਸੀ । ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਹ ਜਾਣਕੇ ਖੁਸ਼ੀ ਹੋਵੇਗੀ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਕਰਨ ਤੋਂ 2 ਘੰਟੇ ਬਾਅਦ ਮੈਂ ਉਥੇ ਇਕ ਸਪੈਸ਼ਲ ਐਸ. ਪੀ. ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਤੋਂ ਭੇਜਿਆ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਇਸ ਸਾਰੀ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰੇਗਾ । (ਤਾੜੀਆਂ) (ਵਿਘਨ)

ਕਾਮਰੇਡ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਝਬਾਲ : ਉਥੇ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚਿਆ ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਉਹ ਪਹੁੰਚ ਗਿਆ ਹੈ । ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਮਿਲੀ ਕਿ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚਿਆ । ਉਹ ਉਥੇ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਦਿਨ ਰਹੇਗਾ ਅਤੇ ਇਸ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰੇਗਾ । ਜੇਕਰ ਇਹ ਵਾਕਿਆ ਠੀਕ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਸਖ਼ਤ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਪਹੁੰਚ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰ ਗਿਆ ਹੋਵੇਗਾ, ਪਰ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਕਿਤੇ ਪੁਲਿਸ ਅਫਸਰਾਂ ਤੋਂ ਹੀ ਪੁੱਛ ਗਿੱਛ ਕਰ ਕੇ ਨਾ ਵਾਪਿਸ ਆ ਜਾਵੇ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਉਥੋਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਤੋਂ ਪੁੱਛ ਗਿੱਛ ਕਰਨ ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਾਸ ਇਨਸਟਰੱਕਸ਼ਨਜ਼ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਕਿ ਉਹ ਉਥੋਂ ਦੇ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼ ਨੂੰ ਜਾ ਕੇ ਮਿਲਣ ।

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਾਊਸ ਅੱਜ 3 ਵਜੇ ਐਡਜਰਨ ਹੋ ਜਾਣਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਟੈਲੀਫੋਨ ਕਰਕੇ ਜਾਂ ਹੋਰ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਪਤਾ ਕਰਨ ਕਿ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਦੀ ਕੀ ਸਟੇਜ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਹਾਊਸ ਐਡਜਰਨ ਹੋਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਦੱਸਿਆ ਜਾਵੇ ।

Mr. Speaker : Call Attention Notice No. 36 by Comrade Satya Pal Dang.

(Serial No. 36)

Camrade Satya Pal Dang : I beg to draw the attention of the Government towards an urgent matter of public importance, namely, the acute discontentment prevailing amongst college teachers in the State due to lack of security of service. They have been demanding legislation as in the case of School teachers but as yet no response has been forthcoming from the Government.

In view of the obvious and urgent importance of the matter, the Government may please be asked to make a statement in the House.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪਰਵਾਨ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਬਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾਲਤਾ ਕਰਨ । (Admitted. The hon. Minister concerned may please make a statement.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਪਰਸਨਲ ਐਕਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਉਹ ਤੁਸੀਂ ਜ਼ੀਰੋ ਆਵਰ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੇ ਲੈਣਾ । (The hon. Member can give his personal explanation after the Zero Hour)

ਚੌਧਰੀ ਸੱਤਦੇਵ : ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਇਕ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਦਿੱਤੀ ਸੀ । ਫਾਜ਼ਿਲਕਾ ਅਤੇ ਅਬੋਹਰ ਵਿਚੋਂ 3 ਸੌ ਆਦਮੀਆਂ ਦੇ ਦਸਤਖ਼ਤ ਕਰਾ ਕੇ ਭੇਜੇ ਸਨ, ਹਰ ਸ਼ਹਿਰ ਅਤੇ ਹਰ ਪਿੰਡ ਵਿਚੋਂ ਕਿ ਉਥੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਘੱਟ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਸ਼ੋਰ ਸੀ । ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਉਠ ਕੇ ਬੋਲ ਰਹੇ ਸਨ, ਪਰ ਸ਼ੋਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਣ ਕਰ ਕੇ ਸੁਣਾਈ ਕੁੱਝ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ।)

ਆਵਾਜ਼ਾਂ : ਕੀ ਇਹ ਸਾਨੂੰ ਕੱਢਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ । (ਇਸ ਸਮੇਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਸ਼ੋਰ ਸੀ ।)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਅੱਜ ਦਿਤੀ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ 24 ਆਵਰਜ਼ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) [*Addressing Chaudhri Satya Dev* : you have given this motion today. Twenty four hours' notice is required for this purpose)

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਚੌਧਰੀ ਸੱਤ ਦੇਵ ਬੋਲਣ ਲਈ ਖੜੇ ਹੋਏ ।)

ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ, ਪਲੀਜ਼ ਰੀਜ਼ਿਊਮ ਯੂਅਰ ਸੀਟ । ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ 24 ਘੰਟਿਆਂ ਦਾ ਨੋਟਿਸ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (Chaudhri Satya Dev, please resume your seat.Twenty four hours' notice is required in this connection)

ਚੌਧਰੀ ਸੱਤਦੇਵ : ਪਰ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਬੜਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਸਲਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

MOTION FOR APPOINTMENT OF A COMMITTEE OF THE HOUSE.

Mr. Speaker : I have received notice of a motion from nine Members which reads :

> "Notwithstanding anything contained in the Rules with regard to the rules relating to the notice etc. the House directs Shri Balram Dass Tandon and S. Balwant Singh be asked to give in writing cases of corruption referred to by them in the Govt. and even at the Cabinet level.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Also the House authorises the Speaker to nominate a Committee of the House to go into those charges and counter charges."

This motion is not clearly and precisely worded. Firstly, it does not mention the date by which Shri Tandon and Sardar Balwant Singh should give the cases in writing. Secondly, it has been mentioned in the motion that the House directs that they should be asked to give in writing cases of corruption. The motion does not clearly state the name of the person or the institution to whom the direction is meant to be given. Thirdly, it also does not state to whom should they submit the cases in writing. The second part of the motion is contingent and in fact inoperative, unless and until cases of corruption are given in writing.

As for the legal aspect of the motion, I am doubtful if it is proper for such a direction being given to members. Any way I tried to find out within the short time at my disposal if there had been any precedent of this type in the Lok Sabha or in any other State Legislature. I am sorry I have not been able to lay my hands on such a precedent so far.

As regards the constitution of the Ad-hoc Committee to go into the charges and counter charges of corruption, even with regard to this I have not been able to find out any precedent. Any way, it is for the House to adopt such course as it thinks fit. Even if such a Committee were desired to be constituted, it would be proper if a regular motion incorporating the names of the Members who should be on the Committee, its terms of reference and the date by which it is expected to make a report to the House is brought before the House. (Interruptions)

As for the present motion, no doubt the object is laudable; but the motion being vaguely worded is inadmissible.

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਰੂਲ 226 ਨੂੰ ਮਦੇ ਨਜ਼ਰ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਕੁਲ ਟੈਕਨੀਕਲ ਕਮਜ਼ੋਰੀਆਂ ਦੀ ਬਿਨਾ ਤੇ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਲਈ ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਇਥੇ ਤੁਸੀਂ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਪ੍ਰੈਸੀਡੈਂਟ ਨਹੀਂ। ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਯਾਦ ਹੈ, ਭਾਵੇਂ ਮੈਨੂੰ ਤਾਰੀਖ ਨਹੀਂ ਯਾਦ, ਪਰ ਮੈਂ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 1935 ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਇੰਡੋਪਾਕ ਲੜਾਈ ਹੋਈ ਸੀ ਤਾਂ ਇਥੇ ਰਜ਼ਾਈਆਂ, ਕੰਬਲ ਅੰਰ ਆਟਾ ਵਗੈਰਾ ਵੰਡਣ ਦੀ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਗੱਲ ਆਈ ਸੀ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਉਸ ਵੇਲੇ ਦੇ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਬਾਰੇ ਪਤਾ ਕਰੇ। (ਵਿਘਨ) ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਉਸ ਬਾਰੇ ਆਪਣੀ ਰਿਪੋਰਟ ਦਿੱਤੀ ਸੀ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਮੈਨਸ਼ਨ ਕੀਤਾ ਹੈ ... ... (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਕੋਈ ਐਸਾ ਪ੍ਰੈਸੀਡੈਂਟ ਦਸੋ ਜਿਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਡਾਇਰੈਕਸ਼ਨਜ਼ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹੋਣ। (ਵਿਘਨ) (I would request the hon. Member to quote a precedent in which such directions had been given (Interruption.)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕੱਲ੍ਹ ਇਹ ਦਸਿਆ ਸੀ ਕਿ ਇਕ ਐਡਹਾਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਸੀ (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਹੈ । ਹਾਊਸ ਸੁਪਰੀਮ ਹੈ ਜੋ ਮਰਜ਼ੀ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ਪਰ ਜੇ ਕੁੱਝ ਤਰੁੱਟੀਆਂ ਹੋਣ ਤਾਂ ਮੇਰਾ ਫਰਜ਼ ਬਣਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਲੈ ਆਵਾਂ । (ਵਿਘਨ) (Captain Sahib, the will of the House prevails. The House is supreme and it can take any decision; but if there are any defects in any motion then it is my duty to bring those to the notice of the House) (Interruption)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਮੰਨਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੇ ਫਰਜ਼ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਿਭਾਉਂਦੇ ਹੋ । (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਰੋਜ਼ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਅਤੇ, ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ । ਕੱਲ੍ਹ ਦੀ ਮੈਂ ਗੱਲ ਛੱਡ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । ਇਹ ਤਾਂ ਉਹ ਗੱਲ ਹੋਈ ਕਿ ਦੋ ਚੋਰ ਲੜ ਪੈਣ ਤਾਂ ਸੱਚ ਬਾਹਰ ਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਪਿਛਲੇ ਦੋ ਤਿੰਨ ਸਾਲਾਂ ਦੀਆਂ ਪਰੋਸੀਡਿੰਗਜ਼ ਦੇਖ ਲਓ ਤਾਂ ਆਪ ਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗੇਗਾ ਕਿ ਰੋਜ਼ ਇਥੇ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਦੂਸਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਉਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ .... (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਪਰਮਾਨੈਂਟ ਰੈਮਿਡੀ ਕਰ ਦਿਓ । ਇਕ ਸਟੈਚੂਟਰੀ ਬਾਡੀ ਬਣਾ ਦਿਓ । (ਵਿਘਨ) ਜਾਂ ਇਕ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਦਾ ਜੱਜ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰ ਦਿਓ, ਜਾਂ ਇਕ ਪੱਕਾ ਕਮਿਸ਼ਨ ਬਣਾ ਦਿਓ ਜਿਹੜਾ ਹਮੇਸ਼ਾ ਇਸ ਗੱਲ ਵਿਚ ਜਾਂਦਾ ਰਹੇ, ਕਿਉਂਕਿ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਦੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਔਰ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਇਥੇ ਲੱਗਦੇ ਰਹਿਣਗੇ । (Interruption) (I would request the hon. Members to find some permanent remedy for it. They should constitute a statutory body or (Interruption) appoint some Judge of the High Court, or establish a Commission on permanent basis which would go in all these cases because the charges and counter-charges of corruption will continue to be levelled by the hon. Members against each other) (Interruption)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸ਼ਾਇਦ ਤੁਸੀਂ ਭੁਲੇਖੇ ਵਿਚ ਹੋ ਜੋ ਕੁਝ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਵਲੋਂ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਕਿਸੇ ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ ।

The Court cannot take cognizance of it.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਕ ਹਾਈ ਪਾਵਰਡ ਕਮਿਸ਼ਨ ਬਣਾ ਦਿਓ । ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼ ਜਾਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਕੋਈ ਇਥੇ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨ ਲਾਏ ਤਾਂ ਉਹ ਉਸ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰੇ । (ਵਿਘਨ) (A high-powered Commission may be appointed which may investigate the allegations of corruption against M.L.As. and Ministers.) (Interruption)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਕਿਸੇ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨਲ ਵਿਚ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਰੋਜ਼ ਨਹੀਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਹੋ ਸਕਦਾ । ਇਹ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਇਕ ਪ੍ਰਿਵਿਲੇਜ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਬਾਹਰਲੀਆਂ ਕੋਰਟਸ ਵਗੈਰਾ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦੀਆਂ । ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਕੁਝ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਜਾਂ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਜਾਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਹੋਵੇ ਔਰ ਉਸ ਨੂੰ ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਡਾਇਰੈਕਸ਼ਨਜ਼ ਹੋਣ । (ਵਿਘਨ) ਆਪ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਜੋ ਮਰਜ਼ੀ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਵਲੋਂ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇ ਉਸ ਤੇ ਹਾਈਕੋਰਟ ਵਿਚ ਕੁਝ ਐਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ । ਇਸ ਲਈ ਜੋ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨਲ ਬਨਾਉਣ ਦੀ ਗਲ ਹੈ, ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂਕਿ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨਲ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ । (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਰੋਜ਼ ਦੀ ਹੀ ਬਿਮਾਰੀ ਹੈ । ਮੈਂਬਰਜ਼ ਉਠ ਕੇ ਇਕ ਦੂਸਰੇ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਔਰ ਇਕ ਦੂਸਰੇ ਨੂੰ ਬਦਨਾਮ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਪਬਲਿਕ ਵਿਚ ਆਪਣਾ ਗਲਤ ਇਮੇਜ਼ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਇਥੇ ਇਕ ਦੂਜੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਜਾਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਇਕ ਸਟੈਂਡਿੰਗ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ ਜਿਹੜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰੇ ਅਤੇ ਦੇਖੇ ਕਿ ਜੋ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ ਉਹ ਠੀਕ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ, ਜੇ ਉਹ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨ ਸਾਬਤ ਨਾ ਹੋ ਸਕਣ ਤਾਂ ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਇਸ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਗਲਤ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) ਅੰਡਰ ਰੂਲ 226 ਇਹ ਡਿਜ਼ਾਇਰੇਬਲ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਇਸ ਨੂੰ ਫੁਲੀ ਕਮਪਰੀਹੈਨਸਿਵ ਬਣਾ ਲਉ । (ਵਿਘਨ) ਤਦ ਤਾਂ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਹੈ, ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ । (ਵਿਘਨ) I would point out that the motion should be made fully comprehensive. (Interruption) Only then it will be of some use to appoint such a Committee and not otherwise (Interruption.)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਾਨੂੰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਅੱਧੇ ਘੰਟੇ ਦਾ ਟਾਈਮ ਦੇ ਦਿਓ । (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਨਾਲ ਬਿਲਕੁਲ ਸਹਿਮਤ ਹਾਂ । In this way you will do a great service to the State.

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਜਿਹੜੀ ਰੂਲਿੰਗ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਦੀ ਪੂਰੀ ਰਿਸਪੈਕਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । (ਵਿਘਨ) ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਪਰੈਸੀਡੈਂਟ ਕਿਸ ਦੇ ਲਈ ਮੰਗਦੇ ਹੋ ? ਇਹ ਇਕ ਫੈਕਟ ਹੈ ਕਿ ਕੱਲ੍ਹ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਗਏ । ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਅਗਰ ਕੋਈ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲੱਗਣ ਤਾਂ ਆਇਆ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਜਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ? ਇਹ ਇਕ ਗੱਲ ਹੈ ਔਰ ਦੂਸਰੀ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਆਇਆ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਾਵਰ ਹੈ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ? ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣ ਦਾ ਤਲੱਕ ਹੈ, ਰੂਲ 226 ਦੇ ਅਧੀਨ ਢਿਲੋਂ ਸਾਹਿਬ ਜਦੋਂ ਰੀਹੈਬੀਲੀਟੇਸ਼ਨ ਦੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਨ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਨੇ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਸੀ ਜਿਹੜੀ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿਚ ਆਟਾ ਵਗੈਰਾ ਦੇਖਣ ਵਾਸਤੇ ਗਈ ਸੀ । ਉਸ ਰੂਲ ਦੇ ਹੇਠਾਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਨੇ ਇਕ ਐਡਹਾਕ ਕਮੇਟੀ ਵੀ ਬਣਾਈ ਸੀ । 18 ਮਾਰਚ, 1968 ਨੂੰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੁਲਿਸ ਵਲੋਂ ਵਾਇਲੈਂਸ ਹੋਈ ਸੀ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਗਈ ਸੀ । ਇਸ ਲਈ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਹਾਊਸ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਬਿਲਕੁਲ ਕੰਪੀਟੈਂਟ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਇਕ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ]

ਕਮੇਟੀ ਐਪੁਆਇੰਟ ਕਰ ਦਿਉ ਤਾਂਕਿ ਜਿਹੜੇ ਇਥੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਜਾਂ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲੱਗਣ ਉਹ ਕਮੇਟੀ ਉਸ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰੇ । (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਣ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਉਠਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਉਠਦੇ ਹਨ ਉਹ ਇਕ ਦੂਸਰੇ ਤੇ ਸੀਰੀਅਸ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨ ਲਗਾਉਂਦੇ ਹਨ । My submission is that corruption should be reduced to the minimum. A list of the charges and counter-charges levelled in the House by both the Parties should be drawn out and handed over to the proposed Committee for enquiry. ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਗਰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਦੂਜੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਤੇ ਅਤੇ ਇਕ ਮਨਿਸਟਰ ਅਤੇ ਇਕ ਐਕਸ ਮਨਿਸਟਰ ਇਕ ਦੂਜੇ ਤੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਾਉਂਦੇ ਹਨ (ਵਿਘਨ) ਤਾਂ ਐਸੀ ਸੂਰਤ ਵਿਚ ਹਾਊਸ ਕੰਪੀਟੈਂਟ ਹੈ ਐਕਸ਼ਨ ਲੈਣ ਵਾਸਤੇ । The House is competent to take action against them. They will be committing contempt of the House. They will be committing breach of privileges of the House.

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਰੂਲ ਦਸ ਦਿਓ ਜਿਸ ਦੇ ਤਹਿਤ ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਅਗਰ ਇਕ ਦੂਜੇ ਉਤੇ ਸੀਰੀਅਸ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨ ਲਾਈ ਜਾਣ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਉਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਐਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦਾ (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਕਿਹੜਾ ਰੂਲ ਪਰੀਵੈਂਟ ਕਰਦਾ ਹੈ ਸਪੈਸੀਫ਼ੀਕਲੀ ਲਿਖ ਕੇ ਦੇਣ ਬਾਰੇ ..ਵਿਘਨ ।

Mr. Speaker : But it is violative of the provisions of the Constitution.

Comrade Satya Pal Dang : No, Sir.

Mr. Speaker : The motion should be exhaustive and self-contained. The terms of reference should also be specified. It should be in a definite form.

Comrade Satya Pal Dang : With due respect, I would like to say that that Article of the Constitution is being completely mis-interpretted. Our Constitution guarantees freedom of speech subject to reasonable restriction; but there is no question of restriction in this case. Freedom of speech has been exercised. It has been stated here that such and such Minister has been doing unlimited corruption. We say, "Gentleman, please specify your charges and give exact cases of corruption which you have in mind." Sir, both of them have been doing unlimited corruption. How is it beyond the reasonable restriction put by the Constitution on the freedom of speech ? It would be a perfect and most reasonable freedom of speech.

Mr. Speaker : It may be reasonable, but it may not be consttitutional.

Comrade Satya Pal Dang : There is not even an iota of doubt of its being constitutional.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀ ਤਾਂ ਆਰਗੂਮੈਂਟਸ ਹੀ ਦਈ ਜਾ ਰਹੇ ਹੋ, ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਦਸੋ ਕਿ ਇਹ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਨਕੰਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨਲ ਹੈ ?

Shri Manmohan Kalia : Sir, under the Constitution, no person is allowed to make a defamatory speech.

Mr. Speaker : We are talking about the proceedings of this August House.

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਪੁਆਇੰਟ ਤਾਂ ਬਿਲਕੁਲ ਕਲੀਅਰ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਕ ਪੁਆਇੰਟ ਹੋਰ ਦੱਸਦਾ ਹਾਂ । ਤੁਸੀਂ ਤਿੰਨ ਆਰਗੂਮੈਂਟ ਦਿੱਤੇ ਅਤੇ ਪਹਿਲਾਂ ਤੁਸੀਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਮੋਸ਼ਨ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਇਹ ਨਹੀਂ ਲਿਖਿਆ ਕਿ ਕਿਸ ਨੂੰ ਡਾਇਰੈਕਸ਼ਨ ਦੇਣੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਸ ਚੀਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਅੱਲਕ ਦੇਣੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਥੇ ਜਿਹੜੇ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨ ਲੱਗੇ ਹਨ ਉਹ ਕੈਬਨਿਟ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਜਾਂ ਫ਼ਾਰਮਰ ਮੈਂਬਰਾਂ ਤੇ ਲੱਗੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਹ ਲਿਖ ਕੇ ਦੇਣੇ ਕਿਸ ਨੂੰ ਹਨ, ਉਸ ਬਾਰੇ ਰੂਲਜ਼ ਵਿਚ ਕਲੀਅਰ ਹੈ । ਹਾਊਸ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਐਪੁਆਇੰਟ ਕਰਨ ਲਈ ਆਥੋਰਾਈਜ਼ ਕਰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਹੜਾ ਲਿਖ ਕੇ ਦੇਣ ਦਾ ਚੈਨਲ ਹੈ ਉਸ ਲਈ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਸੈਕਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਜਾਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਦਫ਼ਤਰ ਹੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜੋ ਕਮੇਟੀ ਹਾਊਸ ਨੇ ਬਣਾਉਣੀ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਲਈ ਹਾਊਸ ਤੁਹਾਨੂੰ ਆਥੋਰਾਈਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਅਤੇ ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਲਈ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨਾਮੀਨੇਟ ਕਰ ਦਿਉ । ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਦ ਇਹ ਵੀ ਬੜਾ ਕਲੀਅਰ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਔਰ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਲੱਗੇ ਹਨ, ਉਹ ਕਿਸ ਨੂੰ ਦੇਣੇ ਹਨ, ਉਹ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਦੇਣੇ ਹਨ ।

ਇਕ ਪੁਆਇੰਟ ਹੋਰ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ ਉਹ ਲਿਖ ਕੇ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਅਤੇ ਕਿੰਨੇ ਅਰਸੇ ਵਿਚ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ । ਮੈਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲ ਆ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ 15 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਲਿਖ ਕੇ ਦੇ ਦਿਤੇ ਜਾਣ । ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿ ਤੁਹਾਡੀ ਸਪੀਕਰਸ਼ਿਪ ਹੇਠ ਬੜੇ ਬੜੇ ਅਹਿਮ ਬਿਲ ਆਉਂਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਥੇ ਟਰੈਜ਼ਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਵਾਲੇ ਜ਼ਬਾਨੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਾਂ ਦੇ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਹ ਮੰਨ ਲਈਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਰਹੀਆਂ ਹਨ (ਵਿਘਨ) ਅਤੇ ਜਿਹੜਾ ਪਰਸੋਂ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਦੀ ਥਾਂ ਬਿਲ ਪਾਸ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਹ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਹੋਇਆ ?

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦੀਆਂ ਟਰਮਜ਼ ਆਫ਼ ਰੈਫ਼ਰੈਂਸ ਕੀ ਹੋਣਗੀਆਂ ਅਤੇ ਉਸ ਦਾ ਕੀ ਸਕੋਪ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਕਿਹੜਾ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਐਡਾਪਟ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । ਇਹ ਸਭ ਕੁਝ ਸੈਲਫ਼ ਕਨਟੇਨਡ ਮੋਸ਼ਨ ਵਿਚ ਲੈ ਆਉ । (ਵਿਘਨ) *Addressing Comrade Satya Pal Dang* : My submission is that a self-contained motion clearly laying down the terms of reference, the scope of the Committee and the procedure to be adopted by it, be presented.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਟਰਮਜ਼ ਆਫ਼ ਰੈਫ਼ਰੈਂਸ ਤਾਂ ਕਲੀਅਰ ਹਨ । ਇਹ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਔਰ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਜਾਣੇ ਹਨ । ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਪ੍ਰੋਸੀਜ਼ਰ ਦਾ ਸੁਆਲ ਹੈ, ਚੂੰਕਿ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਰੂਲ 226 ਦੇ ਹੇਠ ਬਣੇਗੀ ਇਸ ਲਈ the procedure for the committee has been laid down in this rule, ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਦੀਆਂ ਕੀ ਪਾਵਰਜ਼ ਹੋਣਗੀਆਂ ਅਤੇ ਕਿਸ ਕਿਸ ਨੂੰ ਇਹ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ]

ਕਾਲ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ all the procedures have been laid down in the rules, because this Committee is being appointed under these rules. ਅਗਰ ਕੋਈ ਗੱਲ ਇਸ ਵਿਚ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੋਗਸ ਲਗਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਦੱਸ ਦਿਉ । ਤੁਹਾਨੂੰ ਜਦ ਹਾਊਸ ਆਥੋਰਾਈਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਦੱਸੇਗੀ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਜਾਂ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਹਨ ਕਿ ਹ ਦਰੁਸਤ ਹਨ ਜਾਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ ਅਤੇ ਉਸ ਬਾਰੇ ਜੋ ਕੁਝ ਕਮੇਟੀ ਰਿਕਮੈਂਡ ਕਰੇਗੀ ਉਸ ਦੀਆਂ ਰਿਕਮੈਂਡੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਆ ਜਾਣਗੀਆਂ (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ, ਉਤਸ਼ਾਹ ਦਿਉ । ਇਹ ਤਕਰੀਬਨ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੀ ਜੁਆਇੰਟ ਰਿਕੁਐਸਟ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਸਹਿਮਤ ਹਨ । ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਟਰਮ ਤੇ ਟਾਈਮ ਲਿਮਿਟ ਲਾ ਦਿਓ । ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਕਮੇਟੀ ਤੁਸੀਂ ਐਪੁਆਇੰਟ ਕਰੋਗੇ, ਉਹ ਸਾਰੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਕਾਇਮ ਕਰੇਗੀ ਅਤੇ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਡੀਲ ਵਿਦ ਕਰੇਗੀ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਹੈਲਪਫੁਲ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਅਗੇ ਨੂੰ ਜਿਹੜੇ ਇਥੇ ਗਲਤ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਕਿਸੇ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਲਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਨਹੀਂ ਲਗ ਸਕਣਗੇ । ਇਸ ਲਈ ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਹ ਤਜਵੀਜ਼ ਮੰਨ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।

चौधरी बलबीर सिंह (हुश्यारपुर) : अध्यक्ष महोदय मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि आप ने दो तीन बातें, जो मोशन भेजी गई, उसके बारे में क ीं । इस बात पर आप ने ज्यादा स्ट्रैस किया कि ऐसा कोई प्रैसीडैंट नहीं है (विघ्न) किसी ने कहा है :

"वह मन्ज़िल को पा जायेंगे जिनको मन्ज़िल की तलाश है..."

मेरे कहने का मतलब यह है कि इसके बारे में रास्ता आपने तलाश करना है । आपने कहा कि ऐसा प्रैसीडैंट पार्लियामैंट में नहीं है और न ही ब्रिटेन की पार्लियामैंट में है और न ही किसी दूसरे स्थान की ऐसी एग्जैम्पल मिलती है । कोई प्रैसीडैंट है या नहीं इससे हमें कोई सरोकार नहीं, पंजाब ने हमेशा अपना रास्ता आप बनाया है । इस लिये सारे मुल्क को यह रास्ता आप दिखायें । हम क्यों किसी दूसरे के मूंह की ओर देखें । हम यह चाहते हैं कि दूसरे लोग हमारी तरफ़ देखें । अगर हम यह काम करते हैं तो पंजाब का नाम हर स्थान पर आगे आयेगा और लोग यूं कहेंगे कि मुल्क में जो कुरप्शन घुसी हुई है उसको रोकने के लिये यह अच्छा रास्ता निकाला है, आपको इनफीरीआर्टी कम्पलैक्स नहीं रखना चाहिए । आप को हाऊस आथोराईज़ करता है कमेटी अप्वायंट करने के लिये । हाऊस सुप्रीम है इस लिये यह हाऊस चाहता है कि ऐसी एक कमेटी होनी चाहिए । मेरा अपना विचार है कि वह जो हाऊस की कमेटी बनेगी वह विदिन दी स्कोप आफ़ कन्स्टीच्यूशन होगी । यह हाऊस की कमेटी होगी । जो भी आदमी यहां पर कोई चार्ज किसी पर लगाता है, आप उसे कह सकते हैं कि हाऊस कमेटी को लिख कर दे । अगर वह मैम्बर साहिब जवाब देता है कि वह हाऊस कमेटी को लिख कर देने को तैयार नही तो इस हाऊस में उसके खिलाफ़ सैंशर मोशन आ सकती है और इस हाऊस में उसका कंडक्ट क्रिटिसाईज़ हो सकता है कि चार्जिज़ लगाये और कमेटी को लिख कर देने से इन्कार कर दिया । इसके इलावा कोई भी मैम्बर साहिब किसी दूसरे पर ग़लत ऐलीगेशन्ज़ लगाने की जुर्रत नहीं करेगा । इस लिये हमें यह इन्तज़ार नहीं करना चाहिए कि कोई और स्टेट या मुल्क ऐसा करे और हम उसके पीछे पीछे चलते

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

रहें । हम यह चीज कर के दूसरों को रास्ता दिखा सकते हैं । इस लिये ऐसे मामलों के प्रैसीडैंट की बात जचती नहीं । आप एक मिसाल कायम करें कोई ऐसा प्रैसीडैंट कायम करें जिसके बारे में दूसरे सूबे वाले यह कहें कि पंजाब की असैम्बली ने बड़ा अच्छा कदम उठाया है और मुल्क में जो कुरप्शन बढ़ रही है उसको रोकने के लिए एक सही कदम उठाया है । जहाँ तक इस कमेटी की टर्मज आफ रैफ्रैंस की बात है वह एक माइनर बात है : वह जब कमेटी बन जायेगी तभी वह कोई डेट आदि देगी । उस कमेटी की पावर्ज भी बाद में तय हो सकती हैं, पहले कमेटी तो बननी चाहिए । वह कमेटी आपके अधीन होगी और आपने ही उसको गाईड करना है । खुश किसमती की बात तो यह है कि इस हाऊस की जितनी भी पार्टियां हैं, उसमें से हर पार्टी के लीडर ने इस के बारे में अपनी सहमति प्रकट की है । यह कोई बात नहीं है कि इस मोशन में कोई लीगल लैकुना रह गया है या कहीं पर कौमा लगाना रह गया है । आप को ऐसे सभी अधिकार हैं कि आप उसको ठीक करा सकते हैं । यहां पर बड़े बड़े बिल आते हैं अगर कोई गलती कहीं रह जाती है तो उसको ठीक करने का आप को अधिकार है ।

जो कानून असैंबली पास कर देती है अगर उस में कोई गलती रह जाए तो वह ठीक हो सकती है । इस में कोई हिचकचाहट नहीं होनी चाहिये । आप जितने बड़े हैं आप उतना ही बड़ा दिल दिखाएं और कमेटी मुकर्रर करें ताकि आगे को कोई ऐसी बात करने की जुर्रत न कर सके । जिस आदमी ने वाकेई ज्यादती की है, कुरप्शन की है, उसको प्रोटैक्शन देने की बात नहीं करनी चाहिये ताकि हम आगे को सूबे को पाक ऐडमिनिस्ट्रेशन दे सकें । क्लीन ऐडमिनिस्ट्रेशन वही दे सकता है जिस का अपना दामन साफ होगा । लैजिसलेटरज का दामन साफ होगा तो अफसरों के खिलाफ कोई कार्यवाही करने के हकदार होंगे । जो आप कमेटी बनाएंगे यह सारे मुल्क की कुरप्शन दूर करने के लिये इन्सपायर करेगी, सारे मुल्क से कुरप्शन दूर करने में मदद मिलेगी । आप हाऊस की मदद करें, हाऊस ने मोशन आप के सामने पेश कर दी है, अगर उसमें कोई कमी है तो उस को दूर करें, आप को अधिकार दिये गए हैं । आप कमेटी नौमीनेट करें ।

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ (ਬੜਾ ਪਿੰਡ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਨੇ ਰੂਲਿੰਗ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਪ੍ਰੈਸੀਡੈਂਟ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਦੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਦੋ ਸਾਬੀ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਨੇ, ਇਕ ਜੋ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕਰ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਜਾ ਜੋ ਹਾਲੇ ਵੀ ਮਨਿਸਟਰ ਹੈ, ਇਕ ਦੂਜੇ ਤੇ ਲਾਏ ਹਨ । ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾ ਜੋ ਕਾਂਗਰਸ ਦੀ ਮਨਿਸਟਰੀ 20 ਸਾਲ ਇਥੇ ਰਹੀ ਉਸ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਵਜ਼ੀਰ ਨੇ, ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਕੀਤੀ ਹੀ ਨਹੀਂ । (ਸ਼ੋਰ) ਇਹ ਜੋ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗੇ ਹਨ ਇਹ ਅਨਪ੍ਰੈਸੀਡੈਂਟਿਡ ਹਨ (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਲਈ ਜੋ ਕਮੇਟੀ ਕਾਇਮ ਹੋਣੀ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਅਨਪ੍ਰੈਸੀਡੈਂਟਿਡ ਹੋਣੀ ਹੈ । ਇਕ ਨਵਾਂ ਪ੍ਰੈਸੀਡੈਂਟ ਕਾਇਮ ਹੋਣਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਦਾਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦਾ ਨਾਮ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਕੈਰੋਂ ਸਾਹਿਬ ਤੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਖੁਦ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਲਈ ਮੈਂ ਤਿਆਰ ਹਾਂ ਅਤੇ ਸੈਂਟਰਲ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਨੂੰ ਖਦ ਕਹਿ ਕੇ ਉਹ ਕਮਿਸ਼ਨ ਬਣਵਾਇਆ । ਅਗਰ ਸ੍ਰੀ ਟੰਡਨ ਤੇ ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਵਿੱਚ ਮਾਰਲ ਕਰੇਜ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਦੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab [redacted]

[ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ]

ਨਿਯੁਕਤੀ ਨੂੰ ਵੈਲਕਮ ਕਰਨ । ਅਗਰ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਬਾਰੇ ਜੋ ਮੋਸ਼ਨ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਲੀਗਲ ਫਲਾ ਜਾਂ ਨੁਕਸ ਹੈ, ਅਤੇ ਜੋ ਫਰੈਸ਼ ਨੋਟਿਸ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਐਡਮਿਸੀਬਲ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀ ਮੰਗ ਕਰਨ ਕਿ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਇਸ ਦੀ ਇਨਕਵਾਇਰੀ ਕਿਸੇ ਜੱਜ ਤੋਂ ਕਰਵਾਉਣ...(ਵਿਘਨ) ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਦਾ ਨਬੇੜਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਲੋਕਾਂ ਵਿੱਚ ਇਕ ਗਲਤ ਇਮਪਰੈਸ਼ਨ ਜਾਵੇਗਾ, ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਐਡਮਿਨਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਬਾਰੇ । ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕੌਣ ਸੱਚਾ ਹੈ । ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਜਾਂ ਆਪ ਕਰੋ ਜਾਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਕਰੇ । ਜਾਂ ਫਿਰ ਕੋਈ ਜੱਜ ਕਰੇ । ਅਸੀਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਵੈਲਕਮ ਕਰਾਂਗੇ । ਇਹ ਇਸ ਲਈ ਕਿ ਆਪ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀ ਡਿਗਨਿਟੀ ਅਤੇ ਆਨਰ ਨੂੰ ਪ੍ਰੋਟੈਕਟ ਕਰਦੇ ਹੋ । ਅਗਰ ਕਿਸੇ ਮੈਂਬਰ ਤੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਆਪ ਉਸ ਦੀ ਛਾਣ-ਬੀਣ ਲਈ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਓ । ਅਗਰ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਥਾਂ ਇਕ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨਲ ਇਹ ਕੰਮ ਕਰੇ ਤਾਂ ਇਸ ਤੇ ਵੀ ਸਾਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਪਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਦਾ ਨਬੇੜਾ ਜ਼ਰੂਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਹੁਣ ਜੋ ਨਵੀਂ ਮੋਸ਼ਨ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ਇਹ 18 ਮਾਰਚ ਦੇ ਇੰਸੀਡੈਂਸ ਤੇ ਜੋ ਐਡਹਾਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਗਈ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਾਈਨਜ਼ ਤੇ ਹੀ ਹੈ । ਉਸ ਵਿੱਚ ਮੈਂ 12 ਡੀਫੈਕਟ ਦਸੇ ਸਨ ਜੋ ਆਪ ਨੇ ਓਵਰ ਰੂਲ ਕਰ ਦਿਤੇ ਸਨ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਨੂੰ ਠੀਕ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਚਲਾਉਣ ਲਈ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਬਣਾਇਆ ਜਾਣਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਆਪ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਸਹੀ ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਨਾਲ ਅਗਵਾਈ ਕਰ ਸਕੋਗੇ । ਅਸੀਂ ਇਸ ਵਿੱਚ 5 ਆਦਮੀਆਂ ਦੇ ਨਾਮ ਰਖੇ ਹਨ : ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ, ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ, ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ, ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ । ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਸ਼ੇਡਜ਼ ਦੇ ਨਾਂ ਦਿੱਤੇ ਹਨ । ਅਗਰ ਆਪ ਕਿਸੇ ਨਾਮ ਵਿੱਚ ਤਬਦੀਲੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੋ ਤਾਂ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ । ਨਾਵਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਪਾਬੰਦੀ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਵਲੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਦੇ ਨਾਂ ਦਿਤੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਹੈ । ਮੈਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀਂ ਇਸ ਨੂੰ ਖੜ੍ਹੇ ਹੋ ਕੇ ਵੈਲਕਮ ਕਰਨਗੇ । ਅਤੇ ਟੰਡਨ ਸਾਹਬ ਵੀ ਵੈਲਕਮ ਕਰਨਗੇ । ਜੋ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਲਗੇ ਹਨ ਹਾਊਸ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਾਗਨੀਜ਼ੈਂਸ ਲੈ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਹੋਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਾਉਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਜੋ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਇਥੇ ਲਾਏ ਗਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਅਗਰ ਇਕ ਵੀ ਸਾਬਤ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕਾਫੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਇਥੇ ਸਪੈਸੇਫਿਕ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਾਏ ਗਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਜਾਵੇ ।

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ (ਅਜਨਾਲਾ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਨੇ ਕਾਂਸਟੀਚੂਸ਼ਨਲ ਐਕਸਪਰਟਸ ਦੀ ਰਾਏ ਸੁਣੀ ਹੈ, ਲੀਗਲ ਐਕਸਪਰਟਸ ਦੀ ਰਾਏ ਵੀ ਸੁਣੀ ਹੈ, ਰੂਲਜ਼ ਕੋਟ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ ਰਾਏ ਵੀ ਸੁਣੀ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਨੂੰ ਉਮੀਦ ਹੈ ਕਿ ਆਪ ਇਕ ਸਾਧਾਰਨ ਮੈਂਬਰ ਦੀ ਵੀ ਜੋ ਕਿ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਐਕਸਪਰਟ ਨਹੀਂ ਕਲੇਮ ਕਰਦਾ ਉਸ ਦੀ ਗੱਲ ਨੂੰ ਵੀ ਸ਼ਾਂਤੀ ਅਤੇ ਗਹੁ ਨਾਲ ਸੁਣੋਗੇ । ਮੈਂ ਬੜੀ ਨਿਮਰਤਾ ਨਾਲ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਸਕਿਆ ਕਿ ਆਪ ਦੇ ਮਨ ਵਿੱਚ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣ ਬਾਰੇ ਝਿਜਕ ਕਿਉਂ ਹੈ ? ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਥੇ ਰੋਜ਼ ਆਏ ਦਿਨ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਦੇ ਹਨ, ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਆਉਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਲੋਕ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਅਸੀਂ ਜੋ ਇਥੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਵੋਟਾਂ ਲੈ ਕੇ ਇਥੇ ਬੈਠੇ ਹਾਂ ਸਾਡਾ ਫਰਜ਼ ਬਣਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਫਰਜ਼ ਨੂੰ ਨਿਭਾਈਏ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਬਾਰੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੋਸ਼ਨ ਆਈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕਰਨ ਲਈ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਆਪ ਦਾ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਬਣਾਉਣ ਤੋਂ ਗੁਰੇਜ਼ ਕਰਨਾ ਸ਼ੋਭਾ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ। ਆਪ ਨੇ ਹੁਕਮ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਵੇਗ ਹੈ। ਵੇਗ ਤਾਂ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰ ਹੋਵੇਗੀ ਪਰ ਬੇਸਿਕ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਕਮੇਟੀ ਬਣੇ ਫਿਰ ਟਰਮਜ਼ ਆਫ ਰੈਫਰੈਂਸ ਆਉਣ। ਇਹ ਸਡਨ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਹੋਈ ਹੈ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਵਾਲੀ। ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੁੰਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਕਮੇਟੀ ਬਣਨ ਮਗਰੋਂ ਉਹ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ ਕਿ ਟਰਮਜ਼ ਆਫ ਰੈਫਰੈਂਸ ਕੀ ਹੋਣ। ਉਹ ਡਾਇਰੈਕਟ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਨੂੰ ਵੈਲਕਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਅਗਰ ਕੋਈ ਕੁਰੱਪਟ ਆਦਮੀ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਮਨਿਸਟਰ ਹੈ ਜਾਂ ਐਕਸ ਮਨਿਸਟਰ, ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਹੈ ਜਾਂ ਐਕਸ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਕੋਈ ਵੀ ਹੋਵੇ ਜੋ ਕੋਈ ਪਬਲਿਕ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਹੋਲਡ ਕਰਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਗਰ ਉਸ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਲੁਟ ਲੁਟ ਕੇ ਖਾਧਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰੋਟੈਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਲੋਂ, ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਜਾਂ ਸਪੀਕਰ ਵਲੋਂ। ਇਹ ਪਰਭਾਵ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਛਾਣ-ਬੀਣ ਕਰਨ ਤੋਂ ਗੁਰੇਜ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸ ਆਦਮੀ ਨੇ ਬੁਰਕਾ ਪਾਇਆ ਹੋਇਆ, ਕੌਣ ਬਾਹਰੋਂ "ਅੱਲਾ ਹੂ ਤੇ ਅੰਦਰੋਂ ਜ਼ੁੱਲਾ ਧੂ" ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਤਾਕਿ ਸਾਰੀ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਨਤਾਰਾ ਹੋ ਜਾਵੇ। (ਤਾੜੀਆਂ)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਇਥੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਬਾਤਾਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਕਹੀਆਂ ਹਨ ਤੇ ਇਸ ਇਸ਼ੂ ਤੇ ਕਈ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਆਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਇਲਜ਼ਾਮਾਤ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜਾਂਚ ਪੜਤਾਲ ਕਰਾਈ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਚਾਰਜ ਅੱਜ ਪਹਿਲੀ ਵੇਰ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਰ ਵੇਰ ਲਗਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਤਾਂ ਪੁਰਾਣੇ ਮੈਂਬਰ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਇਕ ਵੇਰ ਨਹੀਂ ਕੋਈ ਪੰਜਾਹ ਵੇਰ ਇਕ ਦੂਜੇ ਤੇ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਗਾਏ ਗਏ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੋ ਫੈਸਲਾ ਹਾਊਸ ਕਰੇ ਮੈਂ ਉਸ ਨੂੰ ਵੈਲਕਮ ਕਰਾਂਗਾ ਅਤੇ ਹਾਰਟਲੀ ਵੈਲਕਮ ਕਰਾਂਗਾ। ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਜਾਵੇ ਤਦ ਜਾਂ ਕੋਈ ਕਮਿਸ਼ਨ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਦ ਜਾਂ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਜਾਂ ਬਾਹਰ ਦੇ ਸੂਬੇ ਦੀ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਦਾ ਕੋਈ ਜੱਜ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਦ ਮੈਂ ਉਸ ਨੂੰ ਫੇਸ ਕਰਨ ਲਈ ਹਰ ਵਕਤ ਤਿਆਰ ਹਾਂ (ਪ੍ਰਸੰਸਾ) ਅਤੇ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਚੈਲੰਜ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਕ ਵੀ ਕੇਸ ਜੇਕਰ ਮੇਰੇ ਖਿਲਾਫ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਦਾ ਸਾਬਤ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਪਾਲੇਟਿਕਸ ਤੋਂ ਰੀਟਾਇਰ ਹੋ ਜਾਵਾਂਗਾ। (ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਵਲੋਂ ਵਿਘਨ) ਮੇਰਾ ਪਾਕ ਦਾਮਨ ਹੈ, ਫਿਕਰ ਨਹੀਂ ਮੈਂ ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਨੇ ਕਾਹਲੇ ਪੈਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ। ਸਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਅੱਖਾਂ ਵੀ ਕੁਰਸੀ ਵਲ ਲਗੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਤੁਅੱਲਕ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ਇਹ ਸਮਝਦਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਹਾਡੀ ਪਰਧਾਨਗੀ ਹੇਠ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਜਾਵੇ ਇਸ ਵਿੱਚ ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਪਰਧਾਨਗੀ ਹੇਠ ਬਣੇ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ। ਇਥੇ ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦੇ ਲੀਡਰ ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਜੀ ਬੈਠੇ ਹਨ; ਜੱਜ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ ਬੈਠੇ ਹਨ; ਬਾਦਲ ਸਾਹਿਬ ਹਨ; ਇਹ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਚਾਹੁਣ ਬਣਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ। ਫਾਈਲਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਾਸ ਮੌਜੂਦ ਹਨ ਅਤੇ ਇਕ ਇਕ ਚੀਜ਼ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਵਲੋਂ ਦੇਖੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਵੀ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ। ਪਰ ਇਕ ਗੱਲ ਮੇਰੇ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਆਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਗਿਲ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸ਼੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ]

ਹਕੂਮਤ ਦੇ ਵੇਲੇ ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਤੇ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਗਾਏ ਗਏ ਸਨ ਅਤੇ ਫਿਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਨੇ ਗਿਲ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਗਾਏ ਸੀ ਅਤੇ ਫਿਰ ਬਾਦਲ ਸਾਹਿਬ ਆਏ ਤਾਂ ਇਹ ਆਵਾਜ਼ ਆਈ ਕਿ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਪਕੜਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਨਿਤਾਰਾ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ । ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਪ੍ਰੋਪੋਜ਼ਲ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਆਈ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਤੁਸੀਂ ਤੇ ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦੇ ਲੀਡਰ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚਾਹੋ ਵੇਖ ਲਉ ਅਤੇ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿਉ । ਗੌਰਮੈਂਟ ਵਲੋਂ ਕੋਈ ਵੀ ਕਮੇਟੀ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ, ਕੋਈ ਸਾਬਕ ਜਾਂ ਐਕਟਿੰਗ ਜੱਜ ਮੁਕਰੱਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਭਾਵੇਂ ਪੰਜਾਬ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਦਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੇਰੇ ਖਿਲਾਫ ਲਾਏ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਸੌਂਪ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ ਮੈਂ ਓਪਨ ਹਾਰਟ ਨਾਲ ਉਸ ਨੂੰ ਵੈਲਕਮ ਕਰਾਂਗਾ । ਮੈਨੂੰ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦੀ ਕੋਈ ਘਬਰਾਹਟ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵੀ ਜਾਂਚ ਕਰਵਾਏ ਜਾਣ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ (ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ) ਤੁਸੀਂ, ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਲੀਡਰ, ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਹੋਰ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਏ ਜਾਣ ਲਈ ਜ਼ਾਬਤਾ ਤੈ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ । ਮੈਨੂੰ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਏ ਜਾਣ ਵਿਚ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਾਲ ਇੰਨੀ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਕਹਿਣ ਤੋਂ ਬਾਦ ਗੱਲ ਹੋਰ ਵੀ ਵਾਜ਼ਹ ਹੋ ਗਈ ਹੈ । ਵਜ਼ੀਰ ਖਜ਼ਾਨਾ ਵਲੋਂ ਕਲ੍ਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸੀਰੀਅਸ ਚਾਰਜ ਲਗਾਏ ਗਏ ਸਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਕਾਲੀਆਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕਿਹਾ ਸੀ । ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਜੇਕਰ ਰਹਿਣ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਹ ਤਅਸੁਰ ਰਹਿਣਗੇ ਅਤੇ ਪੋਲੀਟੀਕਲ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਦਾ ਇਕ ਗੰਦਾ ਪਹਿਲੂ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਖੜ੍ਹਾ ਰਹੇਗਾ ਅਤੇ ਇਸ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਕਸੂਰ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ । ਇਲਜ਼ਾਮ ਇਕ ਦੂਜੇ ਤੇ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਾ ਵੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਕੋਈ ਚੰਗੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਤੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਅਕਸ ਪਏਗਾ ।

"ਖਤਾ ਉਨਕੀ ਹੈ ਹਮ ਸ਼ਰਮਸਾਰ ਹੁਏ ।"

ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕਰਨੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ । ਗੁਨਾਹ ਕੋਈ ਕਰੇ ਅਤੇ ਅਸਰ ਸਾਰਿਆਂ ਤੇ ਪਏ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ।

"ਤੋਬਾ ਤੋਬਾ ਫਰੇਬ ਮੰਜ਼ਲ ਕੇ ਰਾਹਜ਼ਨ ਨੇ ਭੀ ਰਾਹਬਰੀ ਕੀ ।"

ਹਕੂਮਤ 9 ਮਹੀਨੇ ਕੀਤੀ ਜਾਂ ਡੇਢ ਸਾਲ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿੱਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਹੋਣ ਤਾਂ ਇਸ ਵਿੱਚ ਸਾਰਿਆਂ ਦੀ ਬੇਇੱਜ਼ਤੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Please be brief.

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮੈਨੂੰ ਵੀ ਆਪਣੀ ਇੱਜ਼ਤ ਦਾ ਪਾਸ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਦੋਸਤਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਹੋਵੇਗਾ ਜੋ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹਨ। ਬਾਕੀ ਦੋਸਤਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਸੁਣ ਕ ਦੁਖ ਮਹਿਸੂਸ ਹੋਇਆ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਇਹ ਖਿਆਲ ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਦੀ ਇੱਜ਼ਤ ਮਹਿਫੂਜ਼ ਨਹੀਂ । ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਜਿਸ ਤੇ ਚਾਹੇ ਚਿੱਕੜ ਉਛਾਲ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਗੱਲਾਂ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਅਗਰ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਛਾਣ-ਬੀਣ ਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਟੈਕਨੀਕਲ ਫਲਾ ਦੇ ਬੇਸਿਜ਼ ਤੇ ਕਿਸੇ ਮੋਸ਼ਨ ਨੂੰ ਰੀਜੈਕਟ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਇਹ ਗੱਲ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸੁਜੈਸਟ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੋਵੇ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰੇ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਰਿਪੋਰਟ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਪੇਸ਼ ਕਰੇ ਤਾਂ ਕਿ ਸਹੀ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦਾ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗ ਸਕੇ ਤਾਂ ਇਹ ਗੱਲ ਦਰੁਸਤ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ। ਇਸ ਲਈ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਤੁਹਾਡੇ ਤੋਂ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਇਨਸਾਫ਼ ਦੀ ਤਵੱਕੋ ਕਰਦੇ ਹਾਂ। ਇਕ ਫਰੀਕ ਨੇ ਤਾਂ, ਮੇਰਾ ਭਾਵ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਹੈ, ਇਹ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਿਸੇ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਬਣਾਏ ਜਾਣ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦੀ ਕਾਂਸ਼ਸ ਗਿਲਟੀ ਰਹਿ ਜਾਵੇਗੀ, ਜੇਕਰ ਉਹ ਵੀ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਨਾ ਮੰਨ ਲੈਣ। ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਉਠ ਕੇ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਬਣਾਏ ਜਾਣ ਨੂੰ ਵੈਲਕਮ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਨਡਾਇਰੈਕਟ ਵੇ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਹੀ ਸੀ ਅਤੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਿਧੇ ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਚਾਰਜ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਨਾ ਵੀ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਹੋਵੇ ਫਿਰ ਵੀ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜ਼ਾਤ ਤੇ ਇਕ ਰਿਫਲੈਕਸ਼ਨ ਆਂਦਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਬਣ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਵੀ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਹਿਣ ਕਿ ਮੈਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਨੂੰ ਫੇਸ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਾਂ। ਫਿਰ 'ਮੀਆਂ ਬੀਵੀ ਰਾਜ਼ੀ ਤਾਂ ਕੀ ਕਰੇਗਾ ਕਾਜ਼ੀ।' ਤਾਂ ਫਿਰ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਗੱਲ ਵਿੱਚ ਢਿਲ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਅਤੇ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਅਨਾਊਂਸ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਗੱਲਾਂ ਸਪਸ਼ਟ ਹੋ ਸਕਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦਿਲਾਂ ਵਿੱਚ ਜੋ ਕੋਈ ਸ਼ੱਕ ਅਤੇ ਭੁਲੇਖੇ ਪੈ ਗਏ ਹਨ ਉਹ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਣਗੇ।

"ਤੁਮਹੇਂ ਹਰ ਮੋੜ ਪਰ ਰਹਬਰ ਸੇ ਬਚ ਕੇ ਚਲਨਾ ਹੋਗਾ।
ਕਿਉਂ ਕਿ ਹਰ ਮੋੜ ਪੇ ਇਕ ਰਾਹਜ਼ਨ ਕੋ ਛੋੜ ਆਏ ਹੈਂ।"

ਇਸ ਲਈ ਹਾਊਸ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਤਕਾਜ਼ਾ ਕਰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਉਹ ਸੱਚ ਝੂਠ ਨਿਖੇੜ ਕੇ ਰੱਖ ਦੇਵੇ। ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਜੀ ਵੀ ਕਹਿ ਦੇਣ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਮੇਟੀ ਪਰਵਾਨ ਹੈ ਅਤੇ ਆਪ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਣੇ ਹੀ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਤਸ਼ਕੀਲ ਕਰ ਦਿਓ। ਜੇਕਰ ਮੋਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਨੁਕਸ ਰਹਿ ਗਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਤੁਸੀਂ ਹੀ ਇਨਸਾਫ ਦੇਣ ਵਾਲੇ ਹੋ। ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਨਹੈਰੰਟ ਪਾਵਰਜ਼ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ ਅਤੇ ਮੈਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੀਆਂ ਪਾਵਰਜ਼ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਦਲੇਰੀ ਨਾਲ ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਐਨਾਊਂਸ ਕਰ ਦਿਉਗੇ।

ਸਰਦਾਰ ਬਸੰਤ ਸਿੰਘ ਡਕਾਲਾ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡੀ ਜੋ ਰੂਲਿੰਗ ਹੋਵੇ ਉਸ ਦਾ ਸਾਨੂੰ ਪੂਰਾ ਅਹਿਤਰਾਮ ਹੈ। ਪਰ ਇਹ ਤੁਹਾਡੀ ਪਲੀ ਜਚਦੀ ਨਹੀਂ ਕਿ ਮੋਸ਼ਨ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਸਵਾਲ ਇਥੇ ਪਰੋਸੀਜਰ ਦਾ ਨਹੀਂ, ਸਵਾਲ ਇਥੇ ਕਿਸੇ ਪ੍ਰੈਸੀਡੈਂਸ ਦਾ ਨਹੀਂ, ਸਵਾਲ ਹੈ ਰੀਜ਼ਨੇਬਲ ਕੋਰਸ ਆਫ ਐਕਸ਼ਨ ਦਾ ਅਤੇ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਕਦਮ ਉਠਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ ਇਹ ਡੈਫੀਨਿਟਲੀ ਲੀਗਲ ਹਿਸਟਰੀ ਦਾ ਇਕ ਹਿਸਾ ਬਣੇਗਾ। ਲੀਗਲ ਹਿਸਟਰੀ ਇਥੇ ਹੀ ਲਿਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਮੰਗ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਪਰਵਾਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਗਲਤ ਫਹਿਮੀ ਕਿਤੇ ਪੈਦਾ ਨਾ ਹੋ ਜਾਵੇ, ਮੈਂ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੂਲ 196 ਵਲ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਉਸ ਵਿੱਚ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ—(Lest there be some misunderstanding about it, I would like

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ]

to draw the attention of the hon. Members to Rule 196 wherein it has been stated :

> 196 (a) "It shall be clearly and precisely expressed, and shall raise substantially one definite issue."

Chaudhri Balbir Singh : You can correct the Motion.

ਸਰਦਾਰ ਬਸੰਤ ਸਿੰਘ : ਸਾਨੂੰ ਓਰਿਜਨੈਲੇਟੀ ਡਿਸਪਲੇ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਇਹ ਹਾਊਸ ਇਕ ਸੁਪਰੀਮ ਬਾਡੀ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਕ ਸਿਚੂਏਸ਼ਨ ਆਈ ਹੈ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਜੇਕਰ ਉਸ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਤਾਂ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ । ਸਾਨੂੰ ਉਹ ਸਟੈਪਸ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਬਾਕੀ ਦੋਸਤਾਂ ਨੇ ਸੁਜੈਸਟ ਕੀਤੇ ਹਨ । ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਇਮਯੂਨਿਟੀ ਆਫ ਸਪੀਚ ਹੈ ਪਰ ਜਦ ਕੋਈ ਕੰਪਲੇਂਟ ਆ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਵੈਰੀਫਾਈ ਕਰਨਾ ਹਾਊਸ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਬਣ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਰਿਸਪੈਕਟੇਬਿਲਿਟੀ ਤੇ ਅਸਰ ਪਏਗਾ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰੈਕਲੈਸਲੀ ਇਕ ਦੂਜੇ ਤੇ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਜਾਣ ਤਾਂ ਉਸ ਦੀ ਰੋਕਥਾਮ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਹ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਰੋਜ਼ੇ ਰੌਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਲਗਾਏ ਗਏ, ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਲਗਾਏ ਅਤੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਲਗਾਏ । ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਚੁਪ ਕਰਕੇ ਨਹੀਂ ਬੈਠਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਾਰਿਆਂ ਨੇ ਸੁਣਿਆ । ਫਿਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਇਹ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਕੋਈ ਪ੍ਰੈਸੀਡੈਂਟ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਡੀਬਾਰ ਕਰਦੀ ਹੈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਜਾਵੇ, ਤਾਂ ਫਿਰ ਦਸੋ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੀ ਸੁਪਰੀਮੇਸੀ ਕਿਥੇ ਰਹਿ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਆਪ ਦੀ ਜੋ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰੂਲਿੰਗ ਹੈ ਉਹ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੀ ਸੁਪਰੀਮੇਸੀ ਨੂੰ ਵਾਇਓਲੇਟ ਕਰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਬਰੀਚ ਕਰਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਬਨਾਣ ਵਿੱਚ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਨੇ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਹੈ ਝਕਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ । (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : The House can exercise its supremacy within the provisions of the Constitution and not beyond the Constitution.

Sardar Basant Singh : It is not unconstitutional ; it is wholly constitutional, wholly legal, wholly within the ambit of this House.

ਮੈਂ ਹੈਰਾਨ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਮੇਰੀ ਸਮਝ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦਾ । ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਵੀ ਦਲੇਰੀ ਦਿਖਾਣ ਅਤੇ ਕਹਿਣ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੈ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਓਰਿਜਨੈਲੇਟੀ ਆਵੇ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਆਪ ਆਫਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਇਨਟੂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਜੇਕਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਸੁਪਰੀਮੇਸੀ ਦੇ ਕੀ ਲੰਮੇ ਚੌੜੇ ਮਹੀਨੇ ਰਹਿ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਜਿਹੜੀ ਮੋਸ਼ਨ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਹੈ, ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਖਰਾਂ ਨਾਲ ਉਸ ਦੀ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ (ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿੱਚ ਕੁਝ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਮੇਰੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਕੁਝ ਗਲਤ ਐਟੀਚੀਊਡ ਲਿਆ ਹੈ । ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸ੍ਰੀ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਿਹੜਾ ਕਲ੍ਹ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਉਸ ਉਤੇ ਬੋਲਦਿਆਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੇਰੇ ਉਤੇ ਵੀ ਕੁਝ ਪਰਸਨਲ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਾਏ ਸੀ । ਇਹ ਗੱਲ ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਵੀ ਆਪਣੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਤਕਰੀਰ ਕਰਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ ਕਹੀ ਸੀ ਪਰ ਮੈਂ ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਵਾਕਫੀਅਤ ਲਈ ਕਹਿ ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਪਰਸਨਲ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਹਨ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਰ ਕਿਸਮ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਉਣ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਤਿਆਰ ਹਾਂ। ਜਿਹੜੀ ਵੀ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਚਾਹੁਣ, ਕਮੇਟੀ ਮੁਕਰੱਰ ਕਰਨ, ਮੈਂ ਫੇਸ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਜਿਹੜੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਸਨ, ਉਹ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਪਰਸਨਲ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਕਹੀ ਬਲਕਿ ਇੰਡਸਟਰੀਅਲ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੀ ਵਰਕਿੰਗ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਕਹੀ ਸੀ। ਮੈਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇੰਡਸਟਰੀ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੇ ਵਿੱਚ ਨੈਪੋਟਿਜ਼ਮ ਚਲਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਗੱਲ ਮੈਂ ਵਾਜ਼ਿਹ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਵੀ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ, ਭਾਵੇਂ ਕਿਸੇ ਵੀ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਮੇਰੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਕੋਈ ਪਰਸਨਲ ਸ਼ਕਾਇਤ ਹੈ, ਉਹ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਨਾਲ ਲਿਆਵੇ, ਮੈਂ ਫੇਸ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਾਂ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬੀਮਾਰੀ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਨਾਲ ਕਲ੍ਹ ਹਾਊਸ ਤੋਂ ਗ਼ੈਰ ਹਾਜ਼ਰ ਰਿਹਾ। ਪਰ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਜੋ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਾਣੂ ਹਾਂ। ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ ਇਹ ਮੇਰੀ ਸਭ ਤੋਂ ਅਗੇ ਰਾਏ ਹੋਵੇਗੀ ਕਿ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਖਤਮ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਮਸਲਾ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਇਕ ਤਾਂ ਮੇਰੀ ਰਾਏ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਮੁਆਮਲਿਆਂ ਦੀ ਲਾਜ਼ਮੀ ਤੌਰ ਤੇ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜਿਸ ਕਿਸੇ ਨੇ ਵੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਨੀ ਹੋਵੇ, ਉਸ ਤੇ ਇਕਲੀ ਗਵਰਮੈਂਟ ਦਾ ਹਥ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਇਸ ਵਿੱਚ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਵੀ ਬੈਠਣ ਅਤੇ ਲੀਡਰ ਆਫ ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵੀ ਬੈਠਣ, ਜੋ ਹੋਰ ਕੋਈ ਸੱਜਣ ਵੀ ਹਿੱਸਾ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁਣ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਨਾਲ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੇ ਮੁਆਮਲਿਆਂ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿੱਚ ਉਠਾਏ ਗਏ ਹਨ।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਸਾਡੀ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸਹਿਮਤੀ ਹੈ, ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਤੇ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵੀ ਤੁਸੀਂ ਸਮਝੋ ਮੁਨਾਸਿਬ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਈ ਜਾਵੇ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ: ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪ ਦਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਮਾਂ ਲੈਣਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ......(ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ: ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਕੀ ਕੋਈ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਆਪਣੀ ਸੀਟ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਜਗ੍ਹਾ ਤੋਂ ਬੋਲ ਸਕਦਾ ਹੈ ?

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ: ਉਹ ਬੋਲ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਮੈਂ ਪਰਮਿਸ਼ਨ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। (He can speak, since he has been permitted to do so.)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ: ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਮਾਂ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ। ਇਸ ਮੁਆਮਲੇ ਤੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਬੋਲੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੇ ਸਾਰਾ ਮੁਆਮਲਾ ਹੀ ਕਲੀਅਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਸਵਾਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਲਗਾਏ ਗਏ ਜਾਂ ਬਾਹਰ ਲਗਾਏ ਗਏ। ਪਰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਜਿਤਨੇ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ, ਉਹ ਸਾਰੇ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ......(ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਜੀ ਕਿ ਜਦੋਂ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਨ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸਾਢੇ ਚਾਰ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਬਾਰੇ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਗਾਏ ਸਨ, ਪਰ ਇਹ ਉਸ ਵੇਲੇ ਵੀ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕਰਨ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੋਏ......(ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਜਿਥੋਂ ਤੱਕ ਮੇਰਾ ਤੁਅੱਲਕ ਹੈ, ਮੇਰਾ ਰਿਕਾਰਡ ਸ਼ੀਸ਼ੇ ਵਰਗਾ ਹੈ । ਕੋਈ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋਵੇ ਮੈਂ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਉਸ ਨੂੰ ਫੇਸ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਾਂ । ਇਹ ਭਾਵੇਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਤੋਂ ਕਰਾਓ, ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਤੋਂ ਕਰਾਓ, ਭਾਵੇਂ ਸੁਪਰੀਮ ਕੋਰਟ ਦੇ ਜੱਜਾਂ ਤੋਂ ਕਰਾਓ । ਮੈਂ ਹਰ ਹਾਲਤ ਦੇ ਵਿਚ ਤਿਆਰ ਹਾਂ । ਜਿਹੜੇ ਪੈਸੇ ਲਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ (ਇਕ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ : ਫੇਰ ਬੇਲ ਕਿਉਂ ਕਰਾਈ ਸੀ ?) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ, ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗੇ ਹਨ । ਖੁਦ ਫਾਈਨੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੇਰੇ ਖਿਲਾਫ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਵੀ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੈਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਫੇਸ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਾਂ । ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੇ ਭਾਸ਼ਣ ਵਿੱਚ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮਨਿਸਟੀਰੀਅਲ ਲੈਵਲ ਤੇ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਸੀ, ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਨੂੰ ਅਤੇ ਮੇਰੀ ਪਾਰਟੀਨੂੰ ਰੀਜ਼ਾਈਨ ਕਰਨਾ ਪਿਆ । ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਵਲ ਵੀ ਜਾਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕੀ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਲਗਾਏ ਗਏ, ਪਰ ਇਹ ਗੱਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਦੇ ਇੰਟਰੈਸਟ ਦੇ ਵਿੱਚ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਵੀ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣੇ, ਉਹ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਸੈਟਿਸਫਾਈ ਕਰ ਦੇਵੇ । ਚਾਰਜਿਜ਼ ਭਾਵੇਂ ਠੀਕ ਹਨ ਜਾਂ ਗਲਤ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਕਰੂਟਨੀ ਤਾਂ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਕਰਨੀ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਬਣਨੀ ਹੈ । ਅਗਰ ਹਾਊਸ ਇਸ ਨਤੀਜੇ ਤੇ ਪਹੁੰਚ ਜਾਵੇ ਕਿ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਠੀਕ ਹਨ, ਤਾਂ ਪ੍ਰਾਈਮਾਫੇਸ਼ਾਈ ਕੇਸ ਬਣਾ ਕੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਲੀਗਲ ਐਕਸ਼ਨ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਲਗਾਏ ਗਏ ਸਨ । ਉਸ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਮੈਂ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹਾਂ । ਆਖਿਰ ਕਮਿਸ਼ਨ ਮੁਕੱਰਰ ਹੋਇਆ ਜਿਸ ਦਾ ਸਭ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ । ਇਥੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿੱਚ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਦੇ ਰਹੇ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੈਂ ਦੁਹਰਾਉਣਾ ਵੀ ਏਥੇ ਮੁਨਾਸਿਬ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਹੀ ਸਦਨ ਦੇ ਜ਼ੁਮੇਵਾਰ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਹਾਂ, ਸਾਨੂੰ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਹੀ ਬੜੇ ਸੋਚ ਵਿਚਾਰ ਕੇ ਆਪਣਾ ਮੂੰਹ ਖੋਲ੍ਹਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਹੁਣ ਜੇਕਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਹਨ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਇਸ ਮੋਸ਼ਨ ਦੇ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਟੈਕਨੀਕਲ ਡੀਫੈਕਟ ਸਮਝਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਅਮੈਂਡਿਡ ਫਾਰਮ ਵਿੱਚ ਠੀਕ ਕਰਵਾ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਕ ਮੋਸ਼ਨ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਵੀ ਦਿੱਤੀ ਹੈ । ਹਰ ਹਾਲਤ ਵਿੱਚ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਮੇਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਵੱਲੋਂ ਨਾਮੀਨੇਟ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਮਸਲਾ ਤਾਂ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੇ ਇਹ ਹੀ ਹਲ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਖੁਦ ਮੰਨ ਲਿਆ ਹੈ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਜੇਕਰ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ । ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀ ਮੁਤਾਬਿਕ ਤੌਰ ਤੇ ਬਣਾਈ ਹੋਈ ਹੋਵੇ ਜਿਸ ਨੂੰ ਕਿ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰਨ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਮਾਨਯੋਗ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਰੇ ਸਦਨ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ, ਭਾਵੇਂ ਘਟ ਭਾਵੇਂ ਵਧ, ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਸਹਿਮਤੀ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਬਣਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਵਿੱਚ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਲੀਡਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਅਤੇ ਹੋਰ ਜਿਸ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਵੀ ਤੁਸੀਂ ਮੁਨਾਸਿਬ ਸਮਝੋ, ਲੈ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ (ਇਕ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ : ਇਸ ਵਿੱਚ ਪੰਜ ਕੌਂਸਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਲੀਡਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਵੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ......ਸ਼ੋਰ......) ਹਾਂ ਜੀ ਪੰਜ ਕੌਂਸਲੀ ਵੀ ਇਸ ਸਦਨ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਰਹਿਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਦੂਜੀ ਬੇਨਤੀ ਇਹ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਸਦਨ ਦੀ ਪਿਛਲੀ ਬੈਠਕ ਦੇ ਵਿੱਚ ਮੇਰੇ ਉਪਰ ਗੰਭੀਰ ਲਾਂਛਨ ਬਾਬੂ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਲਗਾਏ ਸਨ । ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਾਂਛਨ ਅਤੇ ਮੇਰੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਤੇ ਲਾਏ ਗਏ ਦੂਸ਼ਣ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਸਪੁਰਦ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ ।

ਸਰਦਾਰ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ : ਪਰਵਾਨ ਹੈ ਜੀ. ਬੇਸ਼ਕ ਕਰ ਦੇਓ ।

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜੋ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਮੁਆਮਲੇ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਆਏ ਹਨ, ਇਹ ਤੁਹਾਨੂੰ ਮੰਨ ਹੀ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਹ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿ ਤੁਹਾਡੇ ਸਟੇਟਸ ਦੇ ਬੰਦੇ ਅਬਵ ਬੋਰਡ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਹ ਰੀਜੈਕਟ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਸਹਿਮਤੀ ਜਾਪਦੀ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰਾਨ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਦੇ ਅਗੇ ਮੇਰਾ ਸਰ ਤਸਲੀਮ ਖਮ ਹੈ । ਪਰ ਕਿਸੇ ਮੋਸ਼ਨ ਦੇ ਐਡਮਿਟ ਕਰਨ ਦੇ ਵੀ ਸਰਟਨ ਰੂਲਜ਼ ਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਜੇ ਉਹ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੀ ਹਨ ਤਾਂ ਉਹ ਆਪਣੀ ਮੋਸ਼ਨ ਮੈਨੂੰ ਦੋਬਾਰਾ ਡਰਾਫਟ ਕਰਾਕੇ ਦੇ ਦੇਣ, ਮੈਂ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰ ਲਵਾਂਗਾ । ਮੈਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ, ਸੀ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਅਤੇ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਨੂੰ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ, ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਅਤੇ ਹੋਰ ਵੀ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਲੀਡਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਮੁਆਮਲੇ ਤੇ ਆਕੇ ਮੇਰੇ ਚੈਂਬਰ ਦੇ ਵਿੱਚ ਵਿਚਾਰ ਕਰ ਲੈਣ, ਇਹ ਮੁਨਾਸਿਬ ਹੋਵੇਗਾ । ਹੋਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਬੈਟਰ ਇਹੋ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਮੋਸ਼ਨ ਨੂੰ ਅਮੈਂਡਿਡ ਫਾਰਮ ਦੇ ਵਿੱਚ ਲੈ ਆਉਣ । ਵੈਸੇ ਜੋ ਸਾਰਿਆਂ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਹੋਵੇਗੀ ਮੈਨੂੰ ਵੀ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰਨੀ ਪਵੇਗੀ, ਪਰ ਇਸ ਮੁਆਮਲੇ ਵਿੱਚ ਸਾਨੂੰ ਕਾਹਲੀ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ । (It seems that consensus of the whole House is that such a Committee should be constituted. I bow before the wishes of the hon. Members, but there are certain rules governing the admissibility of a motion. If they want to get it admitted, they should send me a re-drafted motion and I will admit the same. I would request the hon. Members, Chief Minister, the Leader of the Opposition, Sardar Gurnam Singh, Comrade Satya Pal Dang and other Party Leaders too that it would be better if they come to my Chamber and discuss this matter. It would be better still if they bring a fresh motion in an amended form. Ordinarily, I will have to abide by the wishes of the hon. Members, but we should not act in a hurry in this matter.)

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਤਜਵੀਜ਼ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਮਪਾਰਸ਼ਲ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾ ਲਈ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਤੁਸੀਂ ਅਤੇ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦੋ ਤਿੰਨ ਹੋਰ ਸੱਜਣਾਂ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਕਿਸੇ ਇਮਪਾਰਸ਼ਲ ਸੱਜਣ ਦੇ ਨਾਂ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਲਓ ਤੇ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾ ਲਓ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

(ਕਈ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲਣ ਲਈ ਖੜ੍ਹੇ ਹੋ ਗਏ ।)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਬਣਾਉਣ ਲਗੇ ਇਕ ਗੱਲ ਦਾ ਖਿਆਲ ਜ਼ਰੂਰ ਰਖਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਗੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਨਾ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਜਨਸੰਘੀਆਂ ਤੇ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। (ਥੰਪਿੰਗ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜੀ ਤਜਵੀਜ਼ ਤੁਸੀਂ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਕੁਝ ਸੱਜਣ ਤੁਹਾਡੇ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਮਿਲ ਕੇ ਇਕ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਲੈਣ ਇਹ ਤਜਵੀਜ਼ ਠੀਕ ਹੈ। ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜੋ ਇਹ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਦੀ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਮਿਲ ਕੇ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਦੇ ਕੇਸਾਂ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰੇ ਤੇ ਜਿਹੜਾ ਕੇਸ ਪ੍ਰਾਈਮਾਫੇਸਾਈ ਬਣ ਜਾਵੇ, ਉਸ ਨੂੰ ਇਮਪਾਰਸ਼ਲ ਕਮਿਸ਼ਨ ਨੂੰ ਸੌਂਪ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। (ਥੰਪਿੰਗ)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਹ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਮਪਾਰਸ਼ਲ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾਈ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਸ ਲਈ ਤੁਸੀਂ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਨੂੰ ਮਿਲ ਕੇ ਇਮਪਾਰਸ਼ਲ ਪਰਸੋਨਲ ਦੇ ਨਾਵਾਂ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਲਓ। ਇਸ ਲਈ ਜਿਹੜੀ ਇਹ ਤਜਵੀਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਮਿਲ ਕੇ ਇਕ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਲਈ ਜਾਵੇ, ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਅਰਥ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੇ ਇਮਪਾਰਸ਼ਲ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾਉਣ ਦੀ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦਿੱਤੀ ਹੈ, ਇਸ ਨਾਲ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਸੈਟਿਸਫਾਈ ਹੋ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਨੇ ਜੋ ਫੈਸਲਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਕਿ ਆਪ ਦੇ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਕੁਝ ਸੱਜਣ ਆ ਜਾਣ ਤੇ ਉਥੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਲਈ ਜਾਵੇ ਇਹ ਦਰੁਸਤ ਹੈ। ਹੁਣ ਜਿਹੜਾ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ, ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਹ ਵਾਪਸ ਆਉਣ ਦਾ ਰਸਤਾ ਲਭ ਰਹੇ ਹਨ। ਟੈਕਨੀਕਲੀ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਆਲ ਮੋਸਟ ਸਾਰਾ ਹਾਊਸ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਮੰਨ ਚੁੱਕਾ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਜਾਵੇ। ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਜੋ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਹੈ ਇਹ ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਵਿਸ਼ਿਜ਼ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ ਹੈ। ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਤੁਹਾਡਾ ਦਿੱਤਾ ਫੈਸਲਾ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਨਹੀਂ ? (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਲ੍ਹ ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਵਲੋਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਸਨ ...... (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਹੁਣੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਤੇ ਕੁਝ ਹੋਰ ਸੱਜਣ ਤੁਹਾਡੇ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਆ ਕੇ ਗੱਲ ਕਰ ਲੈਣ। ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ ਵੀ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। (ਵਿਘਨ) (ਥੰਪਿੰਗ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਕੋਈ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਨਹੀਂ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) (It is not a point of order)

(ਇਸ ਵੇਲੇ ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਜੋ ਸੁਣਾਈ ਨਾ ਦਿਤਾ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਕੀ ਹੁਣ ਡੈਡੀ ਨੂੰ ਭੁਲ ਗਿਆ ਏਂ ? (ਵਿਘਨ) (ਹਾਸਾ) ਮੈਂ ਤੇਰੇ ਤੇ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਗਾਵਾਂਗਾ ਕਿ ਤੂੰ 10 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਖਾਧੇ। (ਵਿਘਨ) ਹੁਣ ਆਪਣੇ ਡੈਡੀ ਤੇ ਹੀ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਗਾਉਂਦਾ ਏਂ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

(ਇਸ ਵੇਲੇ ਸਰਦਾਰ ਸੰਤ ਸਿੰਘ, ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ ਖੜ੍ਹੇ ਹੋ ਕੇ ਕੁਝ ਬੋਲ ਰਹੇ ਸੀ ਜੋ ਸ਼ੋਰ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਸੁਣਾਈ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ।)

PERSONAL EXPLANATION BY SHRI BALRAM DAS TANDON

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਲ੍ਹ ਇਥੇ ਬੋਲਦੇ ਹੋਏ ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਮੇਰੇ ਤੇ ਇਰਰੈਗੂਲੈਰੇਟੀਜ਼ ਦੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਸਨ। ਇਹ ਇਲਜ਼ਾਮ ਉਸ ਸਮੇਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਹਨ ਜਦੋਂ ਕਿ ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰੀ ਵਿਚ ਸੀ। (ਵਿਘਨ) ਤੁਸੀਂ ਬੈਠ ਤਾਂ ਜਾਓ।

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦਿਆਲ ਸੈਣੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਕੱਲ੍ਹ ਵੀ ਬੋਲਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਅੱਜ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਟਾਈਮ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕੱਲ੍ਹ ਇਥੇ ਕਹੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤਰਫ਼ ਆਪ ਦਾ ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਇਕ ਤਾਂ ਇਥੇ ਇਹ ਗੱਲ ਕਹੀ ਗਈ ਕਿ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਅਫ਼ਸਰ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ ਜਿਸ ਨੂੰ ਕਿ 3 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਤਨਖਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਕ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਚੈਲੈਂਜ ਦੇ ਕੇ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਖਾਦੀ ਬੋਰਡ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਅਫ਼ਸਰ ਦੀ ਹਾਈਐਸਟ ਪੇ ਅੱਠ ਸੌ ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵੱਧ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਜੇ ਇਹ ਉਸ ਅਫ਼ਸਰ ਦੀ ਪੇ ਤਿੰਨ ਹਜ਼ਾਰ ਸਾਬਤ ਕਰ ਦੇਣ ਤਾਂ ਜੋ ਸਜ਼ਾ ਇਹ ਚਾਹੁਣ ਦੇਣ, ਮੈਂ ਭੁਗਤਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਾਂ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਥੋੜਾ ਬਰੀਫ਼ ਹੋ ਜਾਓ। (Please be brief.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬਿਲਕੁਲ ਬਰੀਫ਼ਲੀ ਗੱਲ ਕਰਾਂਗਾ। ਫਿਰ ਇਹ ਉਹ ਆਦਮੀ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਕਿ 1965 ਦੀ ਇੰਡੋ-ਪਾਕ ਲੜਾਈ ਵਿਚ ਇਕ ਕਾਂਗਰਸੀ ਪਰਸ਼ੋਤਮ ਲਾਲ ਵਹਿਸ਼ੀ ਨੂੰ ਹਟਾ ਕੇ ਉਸ ਸਮੇਂ ਦੀ ਕਾਂਗਰਸੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸ਼ਹਿਰ ਦੀ ਸਿਵਲ ਡਿਫੈਂਸ ਦਾ ਇੰਚਾਰਜ ਬਣਾਇਆ ਸੀ ਸਿਰਫ਼ ਉਸ ਦੀ ਲਿਆਕਤ ਕਰਕੇ।

ਫਿਰ ਇਥੇ ਦੂਸਰੀ ਗੱਲ ਕਹੀ ਗਈ ਕਿ ਇੰਡਸਟਰੀ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਿਚ ਇਕ ਅਫ਼ਸਰ ਨੂੰ 1300-1600 ਦੇ ਸਕੇਲ ਤੇ ਭਰਤੀ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ। ਇਹ ਗੱਲ ਇਥੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਿਮਾਣੇ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕਹੀ ਗਈ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿਸੇ ਕਲਰਕ ਦੀ ਭਰਤੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਜਾਂ ਰਾਹ ਜਾਂਦੇ ਨੂੰ ਫੜ ਲਿਆ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਹ ਆਦਮੀ ਜੁਆਇੰਟ ਸੈਕਟਰੀ ਰਹਿ ਚੁਕਾ ਹੈ। ਸੀਨੀਅਰ ਡਿਪਟੀ ਸੈਕਟਰੀ ਹੈ। ਇਕ ਹੋਰ ਅਫ਼ਸਰ ਨੇ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਰਿਟ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਅਤੇ ਕੋਰਟ ਨੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਉਂਕਿ ਦੂਸਰਾ ਆਦਮੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪੇ ਲੈਂਦਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਉਸ ਨੂੰ ਜੁਆਇੰਟ ਸੈਕਟਰੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਲਈ ਉਹ ਡਿਪਟੀ ਸੈਕਟਰੀ ਹੈ। ਉਹ ਰੈਗੂਲਰ ਕੇਡਰ ਦਾ ਅਫ਼ਸਰ ਹੈ। ਹੁਣ ਉਸ ਨੇ ਵੀ ਹਾਈ ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਅਪੀਲ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੋਨਾਂ ਦਾ ਝਗੜਾ ਚੱਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ]

ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕੈਮੀਕਲ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰ ਇੰਡਸਟਰੀ ਲਗਣੀ ਸੀ । ਪੋਸਟਾਂ ਖਾਲੀ ਪਈਆਂ ਸਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਪੋਸਟਾਂ ਉਤੇ ਕੋਈ ਵੀ ਬੰਦਾ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਕੈਮੀਕਲ ਫਰਟੇਲਾਈਜ਼ਰਜ਼ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਰਖਦਾ ਹੋਵੇ, ਉਹ ਲੱਗ ਸਕਦਾ ਸੀ । (ਵਿਘਨ) ਜਿਹੜਾ ਅੱਜ ਤਕ ਜੁਆਇੰਟ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸੀ ਉਹ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ । ਸ਼ਾਇਦ ਇਹ ਖੁਸ਼ਕ ਜਗ੍ਹਾ ਸੀ, ਇਸੇ ਕਰ ਕੇ ਸ਼ਾਇਦ ਉਹ ਬੰਦਾ ਕਹਿੰਦਾ ਸੀ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਕੋਈ ਹੋਰ ਕੰਮ ਦਿਉ (ਵਿਘਨ) ਉਹ ਕਹਿੰਦਾ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਐਕਸਪੋਰਟ ਦੇ ਕੰਮ ਉਤੇ ਲੱਗਣ ਵਾਸਤੇ ਤਿਆਰ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Please be brief.

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਮੈਂ ਉਸ ਦਾ ਜਵਾਬ ਦੇ ਰਿਹਾ ਹਾਂ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਕੋਈ ਹੋਰ ਗੱਲ ਕਰਾਂਗਾ ਤਾਂ ਬੇਸ਼ਕ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਟੋਕ ਦਿਉ । (ਵਿਘਨ)

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ ।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ ।

Mr. Speaker : Capt. Rattan Singh on a point of order.

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਪਹਿਲਾਂ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਬੁਲਾਇਆ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਜੇ ਕੋਈ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਲਗਾਏ ਜਾਣ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਤਾਂ ਰੂਲਜ਼ ਪਰਮਿਟ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਦੇਣ ਦਾ ਹੱਕ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਰੂਲ ਹੈ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਦੇਣ ਦਾ, ਜੇ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਉਸ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਨ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗੇਗਾ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੰਖੇਪ ਜਿਹੇ ਵਿਚ ਆਪਣੇ ਖਿਲਾਫ ਲਗੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਨੂੰ ਡੀਨਾਈ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਬੇ-ਬੁਨਿਯਾਦ ਹਨ, ਇਹ ਕਵਰ ਅਪ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਉਤੇ ਤਕਰੀਰ ਕਰਨੀ ਪਰਮਿਸੇਬਨ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

Mr. Speaker : The rule provides that no speech or debate shall be allowed.

Captain Rattan Singh : The hon. Member can say that all the charges are baseless and fraudulent, but he cannot make any speech.

Sir, I have raised a point of order. It is for you either to uphold it or to rule it out of order.

Mr. Speaker : I agree with the hon. Member Captain Rattan Singh.

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਡਿਟੇਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ । ਅਗੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਗੱਲ ਕਹੀ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਬੰਦੇ ਜੂਨੀਅਰ ਇਨਸਪੈਕਟਰ ਲਗਾ ਦਿਤੇ ਹਨ, ਅਸੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਕੱਢ ਦੇਣਾ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੱਢਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ । ਇਹ ਸਾਰੇ ਟੰਪਰੇਰੀ ਲੱਗੇ ਹਨ । ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਿਚ ਵੇਖੋ ਉਥੇ ਅੱਧਾ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਟੰਪਰੇਰੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਪੀਚ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ । (No speech please.)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਕੋਈ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਐਸਾ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਜਿਥੇ ਟੈਂਪਰੇਰੀ ਬੰਦੇ ਨਹੀ ਲੱਗੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਕਿ ਇਹ ਆਰ, ਐਸ. ਐਸ. ਦੇ ਵਰਕਰਜ਼ ਹਨ (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਪਾਰਟੀ ਕੋਈ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਜਾਂ ਚੀਨ ਦੀ ਨੁਮਾਇੰਦਗੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਬੰਦੇ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਜਾਂ ਚੀਨ ਦੇ ਨਹੀਂ ਸਨ। ਜੇ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਜਾਂ ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਬੰਦੇ ਲਗ ਸਕਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਫੇਰ (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਕੋਈ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇ। (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : The hon. Member is going beyond the limit.

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਤਿੰਨ ਮਹੀਨੇ ਲਈ ਜੋ ਟੈਂਪਰੇਰੀ ਐਪੁਆਇੰਟਮੈਂਟਸ ਹੋਈਆਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਦੂਸਰੀ ਗੱਲ ਇਹ ਕਹੀ ਗਈ ਕਿ ਆਈ. ਡੀ. ਸੀ. ਵਿਚ ਕੁਝ ਬੰਦੇ ਐਪੁਆਇੰਟ ਕੀਤੇ। ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਚੋਣਵੇਂ ਬੰਦੇ ਅਪੁਆਇੰਟ ਕੀਤੇ ਗਏ। ਸਿਊਇੰਗ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਿਚ ਰੀਟਾ ਮਸ਼ੀਨ ਫੈਕਟਰੀ ਦਾ ਮਾਲਕ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਜੋਗਿੰਦਰ ਪਾਲ ਪਾਂਡੇ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਇਲਜ਼ਾਮ ਜਿਹੜੇ ਲਗੇ ਸੀ, ਜਨ-ਸੰਘ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਆਰ. ਐਸ. ਐਸ. ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਸੀ (ਵਿਘਨ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਰੀਟਾ ਸਿਉਇੰਗ ਮਸ਼ੀਨ ਦਾ ਮਾਲਕ ਚੁਣਿਆ। (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਇਸ ਗੱਲ ਤੋਂ ਡੀ[illegible]ੀ ਕਰ ਦੇਣ ਕਿ ਉਹ ਆਰ. ਐਸ. ਐਸ. ਦਾ ਵਰਕਰ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਸੀ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਮਿੰਟ ਵਿਚ ਖਤਮ ਕਰੋ। (Please wind up within a minute)

(ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਵਲੋਂ ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਹਿਲਾਂ ਸਮਝਾ ਲਉ (ਵਿਘਨ) ਅਗਰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਗੱਲ ਹੋਣੀ ਹੈ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਕਿ ਕੋਈ ਗੱਲ ਬਾਤ ਕਰਨ ਲਗੇ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬੜੇ ਅਫਸੋਸ ਦੇ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਡਿਬੇਟ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ। (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Please resume your seat.

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿ ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਆਪਣੀ ਗਾਈਡੈਂਸ ਲਈ ਇਹ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਾਕੀ ਤਾਂ ਗੁਰੂ ਦੀ ਕਿਰਪਾ ਨਾਲ ਬੜੇ ਸਿਹਤ ਵਾਲੇ ਹਨ, ਪਰ ਮੈਂ ਕੁਝ ਬੀਮਾਰ ਆਦਮੀ ਹਾਂ। ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਸੈਸ਼ਨ ਹੈ ਇਹ ਸਿਰਫ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਤਕ ਕਨਫਾਈਂਡ ਹੈ ? ਇਸ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਮੈਨੂੰ ਦਸ ਦਿਉ ਜੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਰਹਿਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਫੇਰ ਮੈਂ ਬਾਹਰ ਜਾ ਕੇ ਰੈਸਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਮੇਰੀ ਜਾਨ ਨੂੰ ਬਚਾਉ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਹਾਡੇ ਕਹਿਣ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਅਗੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਦੇ ਸਨ। ਸਾਡੀ ਐਡਹਾਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣ ਜਾਣ ਤੋਂ ਬਾਦ ਵੀ ਇਹ ਚਾਰਜਿਜ਼

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj

[ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ]
ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲੱਗਦੇ ਰਹਿਣਗੇ। ਤੁਸੀਂ ਤਸ਼ਰੀਫ਼ ਰਖੋ । (*Addressing Major Harinder Singh* : According to your statement charges and counter charges used to be levelled earlier in this House. Soon after the setting up of this Ad-Hoc Committee these charges and counter charges will continue to be levelled here. Please resume your seat.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਮੈਂ ਦੋ ਤਿੰਨ ਮਿੰਟਾਂ ਵਿਚ ਖਤਮ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਜੋ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਮੈਂ ਦੇ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਆਈ. ਡੀ. ਸੀ. ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਡਿਫੈਂਸ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ, ਇਹ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਅਗੇ ਕਰ ਲੈਣ। ਇਥੇ ਇਹ ਮੰਨਣ ਜਾਂ ਡੀਨਾਈ ਕਰਨ। ਐਨੇ ਲੈਕਚਰ ਦੀ ਲੋੜ ਕੀ ਹੈ ?

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਉਲਟੀ ਗੱਲ ਇਹ ਕਹਿਣੀ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਆਈ. ਡੀ. ਸੀ. ਵਿਚ ਉਲਟੀ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਦਾ ਅੱਡਾ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਦਸ ਲਖ ਲੋਨ (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਆਗਸਟ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਸੀ (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਥੇ ਜਿਸ ਤਰੀਕੇ ਦੀ ਗੱਲ ਬਾਤ ਹੋਈ (ਵਿਘਨ) ਇਕ ਦਿਨ ਵਿਚ ਐਪਲੀਕੇਸ਼ਨ ਲੈ ਕੇ ਇਹ ਆਈ. ਡੀ. ਸੀ. ਦਾ ਕੰਮ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਪੰਜਾਬ ਫਿਨਾਂਸ਼ਲ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਤੁਹਾਡਾ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਹੈ (Is this an explanation ?)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਮੌਕਾ ਦਿਉਗੇ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਡੀਨਾਈ ਕਰੋ । (ਵਿਘਨ) (You should have denied the charges levelled against you.) (Interruption).

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਮੈਂ ਐਮਫੈਟੀਕਲੀ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਹੁਕਮ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਚਲਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਕੋਈ ਗੱਲ ਅਜਿਹੀ ਨਹੀਂ ਕਹੀ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਠੀਕ ਨਾ ਹੋਵੇ (ਵਿਘਨ) ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ ਅਜਿਹੀਆਂ ਹਨ ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਮਝਦਾ ਸਾਂ ਕਿ ਸਾਰੀਆਂ ਫਾਈਲਾਂ (ਵਿਘਨ) ਇਕ ਮਿੰਟ ਗੱਲ ਤਾਂ ਸੁਣੋ ।

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ (ਵਿਘਨ)

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ ਵੀ ਬੋਲਣ ਲਈ ਖੜ੍ਹੇ ਰਹੇ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਹਿਲੇ ਵੀ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਲੈਕਚਰ ਨਾ ਦਿਉ। ਇਸ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ। ਇਸ ਤੇ ਸਪੀਚ ਨਹੀ ਹੋ ਸਕਦੀ। ਤੁਸੀਂ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਨੂੰ ਡਿਨਾਈ ਕਰੋ। ਤੁਸੀ ਹੋਰ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਨਾ ਲਗਾਉ । ਇਹ ਚੰਗੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। (*Addressing Shri Tandon :* I had already pointed out to you not to deliver a lecture while making a personal explanation.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

There can neither be any discussion nor any speech while making the personal Explanation. You can only deny the charges. You cannot level counter-charges. It will not be proper to do so.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਧਰ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੁਸੀਂ ਹੁਕਮ ਕਰਦੇ ਹੋ, ਮੈਂ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਾਂਗਾ। ਲੇਕਿਨ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਇਰਰੈਗੂਲੈਰਿਟੀਜ਼ ਦੇ ਚਾਰਜ ਲਗਾਏ ਹਨ, ਇਹ ਸਾਰੇ ਦੇ ਸਾਰੇ ਲਾ ਲੈਣ......(ਵਿਘਨ)

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜ ਲਾ ਲੈਣ ਫਿਰ ਮੈਂ ਵੀ ਜਵਾਬ ਦਿਆਂਗਾ। (ਵਿਘਨ) ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦੇਣੀ ਤਾਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ, ਉਹ ਪਰੋਸੀਡਿੰਗਜ਼ ਵਿਚੋਂ ਕਢਵਾ ਦਿਉ ਅਤੇ ਜਾਂ ਫਿਰ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ।

Mr. Speaker : Please resume your seat.

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਰੇਜ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਹੱਕ ਰਖਦਾ ਹਾਂ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਤਸ਼ਰੀਫ ਰੱਖੋ। (Please resume your seat.)

ਸ੍ਰੀ ਬਲਰਾਮ ਦਾਸ ਟੰਡਨ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਕੋਈ ਇਰਰੈਗੂਲੈਰਿਟੀਜ਼ ਦੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਮੇਰੇ ਤੇ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਮੈਂ ਇਮਫੈਟੇਕਲੀ ਡਿਨਾਈ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਨਾਲ ਮੈਂ ਇਕ ਗੱਲ ਹੋਰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰ ਦੇ ਆਫਿਸ ਦੀ ਹਾਈਐਸਟ ਡਿਗਨਿਟੀ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਸੀਨੀਅਰ ਤੋਂ ਸੀਨੀਅਰ ਅਫਸਰ ਦੀ ਅਗਰ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਕਾਲ ਕੀਤੀ ਸੈਕਟਰੀ ਦੀ, ਡਿਪਟੀ ਸੈਕਟਰੀ ਦੀ, ਉਹ ਸਾਰੇ ਫਾਈਲਾਂ ਤੇ ਮੌਜੂਦ ਹਨ। ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਹੀ ਹਨ, ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਕੋਲ ਨਹੀਂ। ਇਹ ਸਾਰੇ ਪੇਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲੋਂ ਲੈ ਸਕਦੇ ਹਨ ਔਰ ਹਰ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਪਤਾ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਅਗਰ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਇਰਰੈਗੂਲੈਰਿਟੀ ਦੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਮੇਰੇ ਤੇ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ, ਅਗਰ ਇਹ ਸਾਬਤ ਹੋ ਜਾਣ ਤਾਂ ਮੈਂ ਗੁਨਾਹਗਾਰ ਹੋਵਾਂਗਾ ਅਤੇ ਨਾਲ ਹੀ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਵੀ ਅਸਲੀਅਤ ਦਾ ਪਤਾ ਲੱਗ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿ ਕੌਣ ਗੁਨਾਹਗਾਰ ਹੈ। (ਵਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਇਜਾਜ਼ਤ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇੰਨਾਂ ਹੀ ਕਹਿ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ ਮੇਰੇ ਤੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਮਫੈਟੇਕਲੀ ਡਿਨਾਈ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

PERSONAL EXPLANATION BY SARDAR BALWANT SINGH, FINANCE MINISTER

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦੇ ਨਾਲ ਇਕ ਰੀਕੁਐਸਟ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਮੇਰੇ ਉਤੇ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕੁਝ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਹਨ, ਮੈਂ ਸਿਰਫ ਉਸ ਦੀ ਐਕਸਪਲੇਨੇਸ਼ਨ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ]

ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਈ. ਡੀ. ਸੀ. ਵਾਸਤੇ 10 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਮੇਰੀ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇੰਡਸਟਰੀਅਲ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੇ ਇਕ ਲੁਧਿਆਣਾ ਦੀ ਫਰਮ ਨੂੰ 10 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਲੋਨ ਦੇਣ ਦਾ ਕੇਸ ਇੰਡਸਟਰੀ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੂੰ ਰੀਕਮੈਂਡ ਕੀਤਾ । ਇੰਡਸਟਰੀ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੇ ਥਰੂ ਔਰ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਥਰੂ 30.4.1970 ਨੂੰ ਉਹ ਕੇਸ ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਆਇਆ । ਫਾਈਨੈਂਸ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਕਨਸਿਡਰ ਕੀਤਾ । ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਹ ਵੀ ਦੱਸਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਫਾਈਨੈਂਸ ਡੀਪਾਰਟ-ਮੈਂਟ ਡਾਇਰੈਕਟਲੀ ਕਿਸੇ ਫਰਮ ਨੂੰ ਲੋਨ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦਾ । ਫਾਈਨੈਂਸ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ, ਜਦ ਕੋਈ ਐਡਮਨਿਸਟਰੇਟਿਵ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਰੀਕਮੈਂਡ ਕਰੇ ਤਾਂ ਉਸ ਉਤੇ ਆਪਣੀ ਐਡਵਾਈਜ਼ ਦਿੰਦਾ ਹੈ । ਇੰਡਸਟਰੀ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ ਲੋਨ ਰੀਕਮੈਂਡ ਕੀਤਾ । ਉਹ ਸਾਡੀ ਐਡਵਾਈਸ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸੀ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਉਸ ਦੇ ਉਤੇ ਜਿਹੜੀ ਅਸੀ ਐਡਵਾਈਸ ਦਿੱਤੀ ਉਹ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਪੜ੍ਹ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Not allowed.

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ : ਸਰ, ਮੇਰੀ ਐਡਵਾਈਸ ਇਹ ਸੀ ਕਿ...(ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੇ ਉਤੇ ਜਿਹੜੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ ਉਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਦੱਸ ਕੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਕੰਨਫੀਡੈਂਸ ਵਿਚ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਤਾਂ ਕਿ ਮੇਰੇ ਮੁਤੱਲਕ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਕਲੀਅਰ ਹੋ ਜਾਵੇ । (ਵਿਘਨ) ਅੱਛਾ, ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਐਡਵਾਈਸ ਪੜ੍ਹਨ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਮੇਰੇ ਤੇ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ, ਉਹ ਸੈਂਟ ਪਰਸੈਂਟ ਰਾਂਗ ਹਨ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਡਿਨਾਈ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । (ਵਿਘਨ) ਫਾਈਨੈਂਸ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਲੋਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ, ਇੰਡਸਟਰੀ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ ਲੋਨ ਦਿਤਾ । ਸਾਡੀ ਤਾਂ ਐਡਵਾਈਸ ਲਈ ਗਈ ਸੀ ਔਰ ਅਸੀਂ ਐਡਵਾਈਸ ਵਿਚ ਇਹ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਐਕਸਟਰਾ ਫੰਡ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਬਜਟ ਵਿਚ ਲੈ ਆਵਾਂਗੇ । ਇਸ ਤੋਂ ਵੱਧ ਹੋਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ । ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਵੀ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਪਰਾਪਰ ਸਿਕਿਉਰਟੀਜ਼ ਲਈਆਂ ਜਾਣ । ਸੋ, ਇੰਡਸਟਰੀ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ ਲੋਨ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਇਕ ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਲਿਖਿਆ । ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫਾਈਲ ਮੰਗਾ ਕੇ ਵੇਖੀ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਲੋਨ ਐਬਸੋਲਿਊਟਲੀ ਇਨ ਆਰਡਰ ਹੈ । (ਤਾੜੀਆਂ)

MOTION FOR THE ADJOURNMENT OF THE HOUSE SINE-DIE

Chief Minister (Sardar Parkash Singh Badal) : Sir, I beg to move—

> That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine-die.*

Mr. Speaker : Motion moved—

> That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine-die.*

ਕਾਮਰੇਡ ਸਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਪੱਛਮ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਮੋਸ਼ਨ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਅਤੇ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰੀਜ਼ਨਜ਼ ਰੱਖਾਂਗਾ । ਕੁਝ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਇਹ ਰੁਜਹਾਨ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਾਫੀ ਵਧ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦਾ ਇਜਲਾਸ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ ਸਮੇਂ ਲਈ ਬੁਲਾਇਆ ਜਾਵੇ ਔਰ ਅਹਿਮ ਤੋਂ ਅਹਿਮ ਲੈਜਿਸਲੇਸ਼ਨ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਕਰਕੇ ਬਾਅਦ ਦੇ ਵਿੱਚ ਫਿਰ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ ਸਮੇਂ ਦੇ ਵਿੱਚ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਅੱਗੇ fait accompli ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੀ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕਲੀਅਰ ਕਰਨ ਕਿ 2 ਮਹੀਨਿਆਂ ਦਾ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਰੌਲਾ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਤਿਆਰ ਕਰਕੇ ਗਵਰਨਰ ਕੋਲ ਘੱਲਿਆ ਹੈ ਕਿ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਫਲਾਣਾ ਫਲਾਣਾ ਆਫਿਸ ਆਫ ਪਰਾਫਿਟ ਹੋਲਡ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਵਿੱਚ ਕੁਝ ਝਗੜੇ ਵਾਲੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਸਨ । ਅਖਬਾਰਾਂ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਦਿੱਲੀ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਕੁਝ ਰਾਏ ਮੰਗੀ ਹੈ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੁੜ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਆਇਆ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਸ ਦੇ ਉਤੇ 11 ਇਤਰਾਜ਼ ਲਗਾ ਕੇ ਇਸ ਨੂੰ ਕੈਬਨਿਟ ਦੇ ਕੋਲ ਵਾਪਸ ਘੱਲ ਦਿੱਤਾ । ਇਸ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿੱਚ ਉਹ ਬਿੱਲ ਨਹੀਂ ਆਇਆ । ਅੱਜ ਹੁਣ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਦੀ ਮੋਸ਼ਨ ਆ ਗਈ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਤੇ ਪੰਜ ਦਸ ਦਿਨਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਬਿਲ ਬਾਰੇ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਆ ਜਾਵੇਗਾ । (ਵਿਘਨ) ਲੋਕਲ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ ਮਨਿਸਟਰ ਇੰਚਾਰਜ ਜਾਂ ਸਟੇਟ ਮਨਿਸਟਰ ਦਾ ਇਕ ਬਿਆਨ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਆਇਆ ਸੀ ਕਿ ਇਕ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਤਿਆਰ ਹੈ ਅਤੇ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦਾ ਇਜਲਾਸ ਸੱਦਣ ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਨਹੀਂ । ਹੁਣ ਇਜਲਾਸ ਸੱਦਿਆ ਹੈ ਪਰ ਬਿਲ ਨਹੀਂ ਆਇਆ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦਾ ਇਜਲਾਸ ਉਠਾ ਕੇ ਫਿਰ ਚਾਰ ਦਿਨਾਂ ਨੂੰ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਹੋਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਇਹ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਔਰ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਫੰਕਸ਼ਨ ਨੂੰ ਇਕ ਤਕੜਾ ਬਲੋਂ ਹੋਵੇਗਾ ।

ਦੂਸਰੀ ਚੀਜ਼ ਮੈਂ ਇਹ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਵੀ ਕੁਝ ਡਿਊਟੀਜ਼ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਪਬਲਿਕ ਸਰਵਿਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੇ ਫੰਕਸ਼ਨਜ਼ ਬਾਰੇ ਇਥੇ ਬੜੀ ਡਿਸਸੈਟਿਸਫੈਕਸ਼ਨ ਹੈ । ਜੋ ਚੇਅਰਮੈਨ ਐਪੁਆਇੰਟ ਹੋਇਆ, ਉਸ ਨੇ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਫੰਕਸ਼ਨ ਕੀਤਾ, ਉਸ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਪਿਛਲੇ ਇਜਲਾਸ ਵਿੱਚ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖੀ ਗਈ ਸੀ । ਅਸੀਂ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਨੋਟਿਸ ਵੀ ਦਿਤੇ ਸਨ ਕਿ ਇਸ ਤੇ ਬਹਿਸ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਪਰ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ 31 ਮਾਰਚ ਨੂੰ ਜੋ ਕੁਝ ਇਥੇ ਹੋਇਆ ਅਤੇ ਹਾਊਸ ਐਡਜਰਨ ਕਰ ਦਿੱਤਾ । ਪਰ ਉਹ ਰਿਪੋਰਟ ਪੈਂਡਿੰਗ ਸੀ । ਉਸ ਨੂੰ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਅਪਰੂਵ ਕੀਤਾ ਸੀ । ਹਾਊਸ ਨੇ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਮੰਨੀ ਕਿ ਉਸ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਪਰ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋਈ । ਮੈਂ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕੁਝ ਨੋਟਿਸਿਜ਼ ਵੀ ਦਿੱਤੇ ਸਨ, ਉਹ ਮੰਨੇ ਗਏ, ਹਾਊਸ ਉਸ ਨੂੰ ਐਪ੍ਰੂਵ ਕਰ ਚੁੱਕਾ ਸੀ, ਪਰ ਉਸ ਤੇ ਬਹਿਸ ਨਹੀਂ ਹੋਈ । ਮੈਂ ਇਥੇ ਇਹ ਵੀ ਕਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਵਾਇਦਾ ਹੋਇਆ ਕਿ ਫਿਰ ਬਿਜ਼ਨਿਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਜੋ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਜੋ ਪਿਛਲੇ ਨੋਟਿਸ ਪੈਂਡਿੰਗ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ । (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਮੇਟੀਆਂ ਐਪੁਆਇੰਟ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਏ ਖਰਚ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ-ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਹਾਊਸ ਨੇ ਹਾਊਸ ਅੰਦਰ ਹੋਏ ਹਾਦਸੇ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨ ਲਈ ਇਕ ਐਡਹਾਕ ਕਮੇਟੀ ਐਪੁਆਇੰਟ ਕੀਤੀ ਸੀ । 18 ਮਾਰਚ 1968, ਨੂੰ ਜਦ ਗਿੱਲ ਸਾਹਿਬ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਨ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਬੜਾ ਜ਼ਬਰਦਸਤ ਵਾਕਿਆ ਹੋਇਆ, ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਪੁਲਿਸ ਆਈ ਅਤੇ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਕੁਟਿਆ ਗਿਆ ਜਿਸ ਦੀ ਰੈਪਰਕਸ਼ਨ ਵਜੋਂ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਸਾਰੇ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰਜ਼ ਦੇ ਉਤੇ ਬੁਰਾ ਅਸਰ ਪਿਆ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ]

ਬਾਅਦ ਵਿੱਚ ਕੁਝ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਦੀ ਇਕ ਐਡਹਾਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣੀ । ਉਹ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਬਣਾਈ । ਉਸ ਐਡਹਾਕ ਕਮੇਟੀ ਤੇ ਵੀ ਕਾਫੀ ਖਰਚ ਆਇਆ । ਅਗਰ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਵੀ ਖਰਚ ਪਬਲਿਕ ਉਤੇ ਵਾਧੂ ਬਰਡਨ ਹੋਵੇਗਾ । ਉਸ ਐਡਹਾਕ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਆਪਣੀ ਰਿਪੋਰਟ ਦਿੱਤੀ ਹੈ । ਉਹ ਰਿਪੋਰਟ ਅਡਾਪਟ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਕੋਈ ਵੀ ਹਾਊਸ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਮਤਾ ਰਖ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਮੋਸ਼ਨ ਲਿਆ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਐਡਹਾਕ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਤੇ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਬਹਿਸ ਹੋਵੇ ਔਰ ਉਸ ਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਇਹ ਵੀ ਨੋਟਿਸ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਰ ਵੀ ਕਈ ਨੋਟਿਸ ਪੈਂਡਿੰਗ ਹਨ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਮਸਲੇ ਹੋਣ, ਕਮੇਟੀਆਂ ਬਣੀਆਂ ਹੋਣ ਅਤੇ ਫਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਰਿਪੋਟਾਂ ਵੀ ਆਉਣ ਔਰ ਮੈਂਬਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਤੇ ਕੁਝ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁਣ, ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਨੋਟਿਸਿਜ਼ ਪੈਂਡਿੰਗ ਪਏ ਹੋਣ, ਤਾਂ ਬਰੂਟ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਦੇ ਨਾਲ ਹਾਊਸ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਕਰ ਦੇਣਾ, ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਨਹੀਂ । ਹੋਰ ਵੀ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮਾਮਲੇ ਪੈਂਡਿੰਗ ਹਨ । ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਦੀ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਵਾਲਾ ਮਾਮਲਾ ਹੈ । ਪੰਚਾਇਤ ਸਮਿਤੀਆਂ ਵਾਲਾ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸੋਚ ਲਿਆ ਹੋਣਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਾਰੇ ਆਰਡੀਨੈਂਸਾਂ ਰਾਹੀਂ ਕਰ ਦਿਆਂਗੇ । ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਕਮੇਟੀਆਂ ਬਿਠਾਉਣ ਤੇ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਏ ਖਰਚ ਹੋਏ ਅਤੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਨੋਟਿਸਜ਼ ਪੈਂਡਿੰਗ ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਉਤੇ ਕੋਈ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ । ਇਸ ਲਈ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ, ਸੀ. ਐਮ. ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਸ ਵੇਲੇ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਦੀ ਮੋਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਪੇਸ਼ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ । ਇਹ ਇਸ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲੈਣ । (ਵਿਘਨ) ਜਿੰਨੇ ਨੋਟਿਸਿਜ਼ ਪੈਂਡਿੰਗ ਹਨ—ਐਡਹਾਕ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ, ਪਬਲਿਕ ਸਰਵਿਸ ਕਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ, ਮੇਰੇ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਦੇ ਨੋਟਿਸ ਇਹ ਸਾਰੇ ਪੈਂਡਿੰਗ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਪਹਿਲਾਂ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਫਿਰ ਹਾਊਸ ਐਡਜਰਨ ਹੋਵੇ ਉਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਐਡਜਰਨ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ (ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੋ ਕੁਝ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲੀ ਉਸ ਨਾਲ ਮੇਰਾ ਕੋਈ ਝਗੜਾ ਨਹੀਂ ਲੇਕਿਨ ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਵੀ ਬਿਜ਼ਨਿਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ, ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਅਸੀਂ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਸੀ । ਉਹ ਰਿਪੋਰਟ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਆਈ ਔਰ ਉਹ ਮੰਨੀ ਵੀ ਗਈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਸ ਵਿੱਚ ਕੀ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ, ਉਹ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਅਸੀਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜੇ ਨੋ-ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਐਡਮਿਟ ਹੋ ਜਾਣ ਤਾਂ 28-29 ਤਾਰੀਖ਼ ਨੂੰ ਉਹ ਡਿਸਕਸ ਹੋਣਗੀਆਂ ਔਰ ਬਾਕੀ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਬਿਜ਼ਨਿਸ ਹੈ ਉਹ 27 ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਖ਼ਤਮ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ । ਅਗਰ ਕੋਈ ਨੋ-ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਮੋਸ਼ਨ ਐਡਮਿਟ ਨਾ ਹੋਈ ਤਾਂ ਫਿਰ ਅਸੀਂ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਇਹ ਕਰਾਂਗੇ ਕਿ 27 ਤਾਰੀਖ ਨੂੰ ਸੈਸ਼ਨ ਖ਼ਤਮ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਨਹੀਂ ਤਾਂ 28 ਤਾਰੀਖ਼ ਨੂੰ ਤਾਂ ਸੈਸ਼ਨ ਜ਼ਰੂਰ ਖ਼ਤਮ ਕਰ ਦੇਵਾਂਗੇ (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਦੇ ਵਿੱਚ ਇਹ ਵੀ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਇਕ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾਇਆ ਜਾਏ ਔਰ ਉਹ ਛੇਤੀ ਛੇਤੀ ਖ਼ਤਮ ਕਰ ਦਿਓ, ਮੈਂ ਹਮੇਸ਼ਾਂ ਇਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਔਰ ਅੱਜ ਵੀ ਇਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਹਾਂ । ਲੇਕਿਨ ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸੈਸ਼ਨ ਆਮ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਇਸ ਸੈਸ਼ਨ ਵਾਸਤੇ ਤਾਂ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਤੇ ਕੁਝ ਹੋਰ ਸਾਥੀਆਂ ਦੀ ਐਕਸਪਲਿਸਿਟ ਡੀਜ਼ਾਇਰ ਸੀ ਕਿ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਸਟਰੈਂਗਥ ਅਜ਼ਮਾਉਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ਦਰਅਸਲ ਜਿਹੜਾ ਇਸ ਦਾ ਮਕਸਦ ਸੀ ਉਹ ਇਹ ਦੇਖਣਾ ਸੀ ਕਿ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਆਇਆ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿੱਚ ਮੈਜਾਰਟੀ ਹਾਸਲ ਹੈ ਕਿ ਨਹੀਂ ? ਔਰ ਉਹ ਮਕਸਦ ਹੁਣ ਪੂਰਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ । (ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਵਲੋਂ ਥੰਪਿੰਗ) ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਗੱਲ ਨਾਲ ਇਤਫਾਕ ਰੱਖਣਗੇ । (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਅਰਜ਼ ਮੈਂ ਇਹ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗੌਰਮਿੰਟ ਸਾਨੂੰ ਅਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇਵੇ ਕਿ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਡੀਮਾਂਡਜ਼ ਵਾਸਤੇ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਆਮ ਸੈਸ਼ਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਬੁਲਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਕਿਧਰੇ ਇਹ ਨਾ ਹੋਵੇ ਕਿ ਹੁਣ ਸੈਸ਼ਨ ਉਠੇ ਤਾਂ ਫਿਰ ਫਰਵਰੀ ਵਿੱਚ ਹੀ ਸਦਿਆ ਜਾਵੇ । ਇਹ ਚੰਗੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ । ਮੈਂਬਰਜ਼ ਵਾਸਤੇ ਸਿਰਫ ਇਕ ਹੀ ਜਗ੍ਹਾ ਹੈ ਜਿਥੇ ਉਹ ਆਪਣੀ ਗੱਲ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਵੀ ਆਪਣੀ ਇਸ ਗੱਲ ਵਿੱਚ ਤਰਮੀਮ ਕਰ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਔਰ ਅੱਜ ਇਸ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਐਡਜਰਨ ਕਰਨ ਦੀ ਮੁਖਾਲਫਤ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਸੀਂ ਜੋ ਫੈਸਲਾ ਇਕ ਵਾਰੀ ਕਰ ਲਈਏ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਅੰਦਰ ਬੈਠ ਕੇ ਕਰ ਲਈਏ ਜਾਂ ਬਾਹਰ, ਉਸ ਤੇ ਅਮਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤੇ ਉਸ ਫੈਸਲੇ ਨੂੰ ਸਿਰੇ ਚਾੜ੍ਹਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (ਥੰਪਿੰਗ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਸੈਸ਼ਨ ਛੇ ਛੇ ਮਹੀਨੇ ਨਾ ਬੁਲਾਓ । ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਡੀਮਾਂਡਜ਼ ਪਾਸ ਕਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਹੋਣ ਤਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਡੀਮਾਂਡਜ਼ ਦੇ ਲਈ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਔਰ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਹਕੂਮਤ ਕਰਨਾ ਕੋਈ ਅੱਛੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾਂ ਕਿ ਲੀਡਰ ਆਫ਼ ਦੀ ਹਾਊਸ ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਵਿੱਚ ਇਹ ਕਹਿਣ ਕਿ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਡੀਮਾਂਡਜ਼ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਦੋ ਜਾਂ ਤਿੰਨ ਜਾਂ ਚਾਰ ਮਹੀਨੇ ਨੂੰ ਜਦੋਂ ਲੋੜ ਪਵੇ ਤਾਂ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾ ਲੈਣਗੇ । (ਵਿਘਨ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਜ਼ਿੰਦਾ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦੀ ਜੋ ਗੌਰਮਿੰਟ ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਨੂੰ ਫੇਸ ਕਰਨ ਵਿਚ ਝਿਜਕ ਕਰੇ । ਸੋ ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਕਤ ਨਾ ਲੈਂਦਾ ਹੋਇਆ ਕਿ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਅੱਜ ਜਿਹੜੀ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਐਡਜਰਨ ਕਰਨ ਦੀ ਮੋਸ਼ਨ ਆਈ ਹੈ ਉਹ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਨਾਲ ਦੀ ਨਾਲ ਮੇਰੀ ਜੋ ਦੂਸਰੀ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਪੂਰੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਨਾਕਸ ਰਾਏ ਦੇ ਵਿੱਚ ਇਹ ਇਕ ਮੁਢਲਾ ਅਸੂਲ ਹੈ ਜੋ ਬਿਜ਼ਨਿਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿੱਚ ਯੂਨਾਨੀਮਸਲੀ ਡਿਸੀਜ਼ਨ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸ ਯੂਨਾਨੀਮਸ ਡਿਸੀਜ਼ਨ ਵਿੱਚ ਜੋ ਪਾਰਟੀਜ਼ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਲੇਰੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਇਹ ਕਹਿਣ ਦੀ ਕਿ ਇਹ ਸਾਡੀ ਮਰਜ਼ੀ ਨਾਲ ਫੈਸਲਾ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਹਾਊਸ ਨੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਅਡਾਪਟ ਕਰ ਲਿਆ ਉਸ ਤੋਂ ਮਗਰੋਂ ਫਿਰ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਦਰ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ, ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਯੂਨਾਨੀਮਸਲੀ ਬਿਜ਼ਨਿਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਅਡਾਪਟ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਹਾਊਸ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਐਡਜਰਨ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਦੂਸਰਾ ਵਿਚਾਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਵੀ ਇਸ ਰਾਏ ਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੋਵੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾਉਣ ਵਿਚ ਝਿਜਕ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਲੇਕਿਨ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾਉਣਾ ਵੀ ਇਕ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਖੇਡ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ । ਆਖਿਰ ਇਸ ਵਿਚ ਖਰਚ ਹੋਣਾ ਹੈ, ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਕਿ ਆਪਣੇ ਟੀ. ਏ./ਡੀ. ਏ. ਵਾਸਤੇ ਹੀ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾ ਲਿਆ ਜਾਵੇ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸੂਬੇ ਦੀਆਂ ਦਿਕਤਾਂ ਵਾਸਤੇ, ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਪਰਾਬਲਮਜ਼ ਵਾਸਤੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ]

ਪੰਦਰਾਂ ਦਿਨ ਬਾਦ ਵੀ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾਉਣ ਦੀ ਲੋੜ ਪਏ ਤਾਂ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾਉਣ ਵਿੱਚ ਝਿਜਕ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਲੇਕਿਨ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਬਿਜ਼ਨਿਸ ਨਾ ਹੋਵੇ ਔਰ ਸਿਰਫ ਟੀ. ਏ./ਡੀ. ਏ. ਵਾਸਤੇ ਹੀ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾਇਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਜੋ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਹੋਣ ਔਰ ਜਾਂ ਕੁਝ ਹੋਰ ਮਸਲੇ ਹੋਣ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਗੰਭੀਰ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਕੋਈ ਹੋਰ ਐਸਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਝਟ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਵਿੱਚ ਝਿਜਕ ਨਹੀਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ। (ਵਿਘਨ) ਸੋ ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਕਤ ਨਾ ਲੈਂਦਾ ਹੋਇਆ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜੋ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਪਰਵਾਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜੋ ਗਲਤ ਬਿਆਨੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਵੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਔਰ ਮੇਜਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਵੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਯਾਦ ਕਰਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦੋਂ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਹੋਈ, ਉਸ ਵਿੱਚ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਬੜਾ ਝਗੜਾ ਹੋਇਆ ਔਰ ਮੈਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਰੋਜ ਰੋਜ਼ ਸੈਸ਼ਨ ਸਦਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ। ਹੁਣ ਕਿਉਂਕਿ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾਇਆ ਹੈ ਔਰ ਜਿਹੜੇ ਪੈਂਡਿੰਗ ਕੰਮ ਹਨ, ਜਿਹੜੇ ਨੋਟਿਸਿਜ਼ ਹਨ ਉਹ ਜ਼ਰੂਰ ਡਿਸਕਸ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਉਦੋਂ ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਮੁੜ ਕੇ ਫਿਰ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਸੋਮਵਾਰ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਵੀ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪਬਲਿਕ ਅਕਾਉਂਟਸ ਕਮੇਟੀ ਔਰ ਐਸਟੀਮੇਟ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਚੋਣ ਸ਼ਾਇਦ ਯੂਨਾਨੀਮਸਲੀ ਨਾ ਹੋਵੇ। (ਵਿਘਨ) ਸੋ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਯੂਨਾਨੀਮਸਲੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੋਇਆ, ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਪਣੀ ਰਾਏ ਸੀ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ, 28 ਤਾਰੀਖ਼ ਨੂੰ ਮੀਟਿੰਗ ਹੋ ਗਈ, ਸਭ ਕੁਝ ਹੋ ਗਿਆ...... (ਵਿਘਨ) (Dang Sahib, you wanted in the B.A.C. meeting to have a sitting of the House on the 28th. The sitting of the Assembly is being held today, the 28th. Whatever you wanted there in the B.A.C. has been done.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਮੁੜ ਕੇ ਸਦੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਮੈਂ ਸੈਕਟਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਟੈਲੀਫੂਨ ਵੀ ਕੀਤਾ ਕਿ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਈਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਸਦੀ ਗਈ। (ਵਿਘਨ) ਸੋ ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਹੁਣ ਸੈਸ਼ਨ ਸਦਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਜਿਹੜੇ ਪੈਂਡਿੰਗ ਨੋਟਿਸਿਜ਼ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਪੈਸਿਆਂ ਦੇ ਖਰਚਣ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਮੈਨੂੰ ਨਹੀਂ ਪਤਾ ਕਿ ਸੈਸ਼ਨ ਸ਼ੁਕਰਵਾਰ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਸਦਿਆ ਗਿਆ ਔਰ ਸ਼ਨੀਚਰਵਾਰ ਔਰ ਐਤਵਾਰ ਦੀ ਦਿਹਾੜੀ ਕਿਉਂ ਪਾਈ ਗਈ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਮੇਜਰ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਸਹਿਮਤ ਹਾਂ ਔਰ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਹੁਣ ਕਿਉਂ ਸੈਸ਼ਨ ਸਦਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਜਿਹੜੇ ਪੈਂਡਿੰਗ ਨੋਟਿਸਿਜ਼ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇਣ ਕਿ ਸਪਲੀਮੈਂਟਰੀ ਡੀਮਾਂਡਜ਼ ਦੀ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਲਈ ਸਤੰਬਰ ਦੇ ਮਹੀਨੇ ਵਿੱਚ ਸੈਸ਼ਨ ਸੱਦਿਆ ਜਾਵੇਗਾ।

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो बिज़नेस ऐडवाइजरी कमेटी के मैंबर हों वह इस हाऊस में बोलें, यह कायदा आप ने नया शुरू कर दिया है। जो इस के मैंबर

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

नहीं हैं वह तो बोल सकते हैं लेकिन जो इस कमेटी के मैंबर हों वह यहां नहीं बोल सकते। (विघ्न)

Sardar Umrao Singh ; Sir, the **sine-die** motion is being discussed and not the Report of the Business Advisory Committee. Chaudhri Balbir Singh is taking a wrong plea.

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, सरकार से आप एक एशोरेंस लें कि अगर कोई पैंडिंग नोटिस हो, अगर कोई पैंडिंग काम हो तो वह आर्डीनैंस के ज़रिए लागू नहीं किया जाएगा। जो पैंडिंग काम है वह अब आना चाहिए और हाऊस साइनेडाई एडजर्नन किया जाए अगर नही हैं तो बाद में आर्डीनैंस की शक्ल में कोई काम नहीं होना चाहिए। (विघ्न) कांग्रेस सरकार को सभी यह कहते थे कि यह आर्डिनैंस सरकार है। लेकिन आज एक रिवाज सा चल पड़ा है कि कोई भी काम काज जो करना है पहले उस के लिए आर्डिनैंस जारी कर दिया जाता है और फिर उसको हम यहां पर बैठ कर पास कर देते हैं। अगर वह बिल की शक्ल में पहले ही हाऊस में कानून बनने के लिए आये, तो हम इस के बारे में राए दे सकते हैं लेकिन यह जो हमारा राये देने का हक है अब वह भी खत्म हो गया है अगर वह आर्डिनैंस एपरुव नहीं होता तो गवर्नमैंट टूट जाती है। मगर इस तरीके से मैंम्बर को इस बात पर बोलने का कोई हक नहीं रह जाता है। अध्यक्ष महोदय, आर्डिनैंस के ज़रिए जो कानून पास कराये जाते हैं, इनको रोकना चाहियें और इस बारे में आपको हमारी मदद करनी चाहिए। अगर इसी तरह आर्डिनैंस जारी होने हैं तो यह एक प्रकार से लोगों के साथ धक्का है और हमारे हक्कों पर छापा है (विघ्न)।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਤਸ਼ਰੀਫ਼ ਰੱਖੋ । (Chaudhri Sahib, please resume your seat.)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਪੱਛਮ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਅਖ਼ਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਆ ਚੁਕਾ ਹੈ ਇਹ ਬਿਹਤਰ ਹੁੰਦਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਹਾਉਸ ਵਿੱਚ ਆ ਜਾਂਦੇ ਕਿਉਂਕਿ ਸਬੱਬ ਨਾਲ ਹੁਣ ਹਾਉਸ ਬੈਠਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕਲ੍ਹ ਨੂੰ ਆਉਣ ਦਾ ਕੋਈ ਮਤਲਬ ਨਹੀਂ । ਹਾਉਸ ਕੋਈ ਹਰ-ਰੋਜ਼ ਨਹੀਂ ਬੁਲਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ, ਕਿਸੇ ਅਰਜੈਂਟਲੀ ਮਕਸਦ ਲਈ ਬੁਲਾਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਜੇ ਕਲ੍ਹ ਨੂੰ ਕੋਈ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਹੀ ਜਾਰੀ ਕਰਨਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਤੋਂ ਇਹ ਬਿਹਤਰ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਇਸ ਹਾਉਸ ਵਿਚ ਹੁਣ ਲੈ ਆਣ ਅਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋ ਜਾਏ । ਦੋ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦਾ ਤਾਂ ਖ਼ਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਪ੍ਰਾਪੇਗੰਡਾ ਹੋ ਚੁਕਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੋਨਾਂ ਵਿਚੋਂ ਇਕ ਤਾਂ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਦੀ ਬੁਨਿਆਦੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਪੰਚਾਇਤੀ ਰਾਜ ਦੇ ਮੁਤਅਲਿਕ ਕੋਈ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਜੇਕਰ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਸੱਤ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਕੋਈ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਆ ਜਾਏ ਤਾਂ ਇਹ ਹਾਸੋਹੀਣੀ ਅਤੇ ਮਜ਼ਾਕਖ਼ੇਜ਼ ਗੱਲ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਦੂਸਰਾ ਜਿਹੜਾ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕਰਨ ਨੂੰ ਸਾਡੀ ਗੌਰਮਿੰਟ ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਤਿਆਰ ਸੀ ਉਹ ਸੀ 'ਆਫ਼ਿਸ ਆਫ਼ ਪ੍ਰਾਫ਼ਿਟਸ ਫ਼ਾਰ ਦਾ ਮੈਂਬਰਜ਼' । ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਦਾ ਮਤਲੱਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਮਹੂਰੀ ਤਰਜ਼ੇ ਹਕੂਮਤ ਦਾ ਬੁਨਿਆਦੀ ਅਸੂਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਚੀਜ਼ ਭੀ ਅਵਾਮ ਦੇ ਲਈ ਹੈ ਉਹ ਇਸ ਹਾਉਸ ਵਿਚ ਆਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਉਸ ਦੇ ਮੈਰਿਟਸ ਅਤੇ ਡੀਮੈਰਿਟਸ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋ ਕੇ ਅਗਲੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਸ਼ਡਲਡ ਕਾਸਟਸ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ]
ਦੇ ਮੁਤੱਅਲਕ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਨਾਉਣ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਮਸਲਾ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਲਈ ਹਾਊਸ ਦਾ ਕੇਵਲ ਡੇਢ ਘੰਟਾ ਰਹਿ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਬਿਲ ਹਾਲੇ ਤਕ ਪੇਸ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਟਾਇਮ ਦੇ ਵਿੱਚ ਅਜੇ ਕੁਝ ਹੋਰ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਵੀ ਹੋਣਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਕਰ ਕੇ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਸਾਰੀ ਕਾਰਵਾਈ ਹੈਪਹੈਜ਼ਰਡ ਮੈਨਰ ਨਾਲ ਕਰਨੀ ਪਏਗੀ। ਅਗਰ ਇਕ ਦਿਨ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਹਾਊਸ ਹੋਰ ਵਧਾ ਦਿਤਾ ਜਾਏ ਤਾਂ ਉਸ ਬਿਲ ਤੇ ਖੁਲ੍ਹ ਕੇ ਬਹਿਸ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਹਰ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਆਪਣੀਆਂ ਸਜੈਸ਼ਨਜ਼ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਅੱਜ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਈਨੇਡਾਈ ਐਡਜ਼ਰਨ ਕਰਨ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਹੈਪ ਹੈਜ਼ਰਡਲੀ ਇਹ ਬਿਲ ਪਾਸ ਕਰ ਦਿਉ ।

ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਮੈਂ ਇਕ ਹੋਰ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਅਸ਼ਿਉਰੈਂਸ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਜਮਹੂਰੀਅਤ ਦਾ ਬੁਨਿਆਦੀ ਤਕਾਜ਼ਾ ਰਖਣ ਵਾਲਾ ਮਸਲਾ ਹੋਵੇ, ਉਸ ਦੇ ਲਈ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕੋਈ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਜਾਰੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ। ਜਿਹੜਾ ਅੱਜ ਵਾਲਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਮ੍ਹਣੇ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਕਮ ਅਜ਼ ਕਮ ਇਕ ਦਿਨ ਹੋਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਪਰਸਨਲ ਐਕਸਪਲਾਨੇਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਮੇਰੇ ਉਤੇ ਕੁਝ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਾਏ ਕਿ ਮੈਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕੁੱਝ ਗੱਲਾਂ ਗ਼ਲਤ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਉਸ ਵੇਲੇ ਹਾਜ਼ਰ ਸੀ, ਤੁਸੀਂ ਦੱਸ ਦਿਓ ਕਿ ਉਹ ਗੱਲਾਂ ਠੀਕ ਸਨ ਜਾਂ ਗਲਤ। (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ (ਜਲੰਧਰ ਪੱਛਮ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਰਿਕੁਐਸਟ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਸੈਸ਼ਨ ਹੈ ਇਹ ਕੋਈ ਆਰਡੀਨਰੀ ਸੈਸ਼ਨ ਨਹੀਂ, ਬਲਕਿ ਕਿਸੇ ਖ਼ਾਸ ਮਕਸਦ ਲਈ ਬੁਲਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਜਿਹੜਾ ਸੈਸ਼ਨ ਸਤੰਬਰ ਵਿੱਚ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਦੋ ਦਿਨ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਲਈ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ਯਾਨੀ ਵੀਰਵਾਰ ਨੂੰ। ਉਸ ਦਿਨ ਲਈ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਰਾਈਟ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਕੋਈ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਲੈ ਆਉਣ ਜਾਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਉਸ ਰਾਹੀਂ ਰਿਕਮੈਂਡ ਕਰ ਸਕਣ। ਅੱਜ ਦੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਉਹ ਕੋਈ ਰਾਈਟ ਨਹੀਂ ਮਿਲਿਆ। ਗੌਰਮੈਂਟ ਸਪੈਸੀਫ਼ੀਕਲੀ ਇਹ ਅਸ਼ਿਉਰ ਕਰੇ ਕਿ ਸਤੰਬਰ ਵਿਚ ਰੈਗੂਲਰ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾਇਆ ਜਾਏਗਾ ਤਾਕਿ ਸਾਡਾ ਰਾਈਟ ਖ਼ਤਮ ਨਾ ਹੋ ਜਾਵੇ। (ਵਿਘਨ) ਦੂਸਰੇ ਜਿਹੜੇ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਗੌਰਮੈਂਟ ਜਾਰੀ ਕਰਨ ਲਈ ਸੋਚਦੀ ਹੈ, ਆਪਣੇ ਸਿਆਸੀ ਮਕਸਦ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰੱਖ ਕੇ, ਉਹ ਜਾਰੀ ਨਾ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਅਤੇ ਦੋ ਮਹੀਨੇ ਦੇ ਬਾਦ ਯਾਨੀ ਸਤੰਬਰ ਵਿਚ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾ ਲੈਣ ਅਤੇ ਇਥੇ ਉਹ ਸਾਰਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਲੈ ਆਉਣ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸਤੰਬਰ ਦੇ ਸੈਸ਼ਨ ਲਈ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਵੀ ਹੋ ਜਾਏਗਾ ਅਤੇ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਰਾਈਟਸ ਹਨ, ਉਹ ਵੀ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਕੋਲ ਕੋਈ ਹੋਰ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਇਸ ਵਕਤ ਨਹੀ ਹੈ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਹਾਊਸ ਕੰਟੀਨਿਊ ਰਖਿਆ ਜਾ ਸਕੇ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਐਡਵਾਇਜ਼ਰੀ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਸਾਰਾ ਸੋਚ ਵਿਚਾਰ ਕਰ ਕੇ ਇਹ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਬਣਾਇਆ ਹੈ। ਜਿਥੋਂ ਤੱਕ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾਉਣ ਦਾ ਤੁਅੱਲਕ ਹੈ ਸਰਕਾਰ ਜਿਸ ਵਕਤ ਜ਼ਰੂਰਤ ਸਮਝੇਗੀ ਅਤੇ ਜੇ ਕਰ ਕੋਈ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੂੰ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾਉਣ ਵਿਚ ਕੋਈ ਝਿਜਕ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ (ਵਿਘਨ) (ਥੰਪਿੰਗ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਗੋਰਮਿੰਟ ਦੇ ਕੰਮ ਵਾਸਤੇ ਅਸੀਂ ਹਰ ਵਕਤ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾਉਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਾਂ, ਪਰ ਇਸ ਵਕਤ ਗੋਰਮੈਂਟ ਕੋਲ ਕੋਈ ਕੰਮ ਨਹੀਂ, ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਹਾਊਸ ਕੰਟੀਨਿਊ ਰੱਖਣ ਦੀ ਕੋਈ ਲੋੜ ਨਹੀਂ।

Mr. Speaker : Question is

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine-die*,

After ascertaining the votes of the Member present by voices, Mr. Speaker gave an opinion. The opinion was challenged. The bells were sounded. The question was put again and carried by a voice vote.

The motion was declared carried.

ELECTION OF DEPUTY SPEAKER

Mr. Speaker : Election of Deputy Speaker.

Sardar Gurnam Singh : Sir, I beg to propose and move-

That Brig. Bikarmajit Singh Bajwa, a Member of the Vidhan Sabha, do take the Chair, as Deputy Speaker.

Sathi Roop Lal : Sir, I (Interruptions and Noise). second it.

Chief Minister (Sardar Parkash Singh Badal) : Sir, I beg to move-

That Brig. Bikarmajit Singh Bajwa, a Member of the Punjab Legislative Assembly, who is present in the House, be elected as Deputy Speaker of the House.

Minister For Finance (Sardar Balwant Singh) : I second the proposal made by the Chief Minister.

Sardar Gurnam Singh : Mr. Speaker, any Member can move this motion. There is no irregularity about it.

Captain Rattan Singh : On a point of Order, Sir............

Mr. Speaker : Sardar Gurnam Singh was not called upon to speak.

Sardar Gurnam Singh : Sir, you said "Election of the Deputy Speaker". After that, any Member can propose the name of any hon. Member of the House for the office of the Deputy Speaker.

Captain Rattan Singh : On a point of Order, Sir. My point of Order is this that Sardar Gurnam Singh got up and proposed the name of Brig. Bikarmajit Singh Bajwa in a form which is technically defective.

Sardar Gurnam Singh : Sir, my motion is correct.

Captain Rattan Singh : Sardar Gurnam Singh, while proposing the name of Brig. Bikarmajit Singh Bajwa, did not say the words "who is present in the House". I, therefore, submit that the motion moved by the hon. Chief Minister may be admitted.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Sardar Gurnam Singh : Any hon. Member of the House can move this motion. There is nothing wrong about it.

Mr. Speaker : The motion moved by the hon. Member, Sardar Gurnam Singh is not in order.

The motion moved by the hon. Chief Minister and seconded by the hon. Finance Minister is :

> That Brig. Bikarmajit Singh Bajwa, a Member of the Punjab Legislative Assembly, who is present in the House, be elected as Deputy Speaker of the House.

Is there any other proposal ?

VOICES : No. No.

Mr. Speaker : As there is no other proposal, Brigadier Bikarmajit Singh Bajwa is declared chosen Deputy Speaker of the House.

(Thumping and cheers)

I would now request Brigadier Bajwa to occupy the seat meant for the Deputy Speaker.

(At this stage, Brigadier Bikarmajit Singh Bajwa occupied the seat meant for the Deputy Speaker.)

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਬਿਕਰਮਾਜੀਤ ਸਿੰਘ ਬਾਜਵਾ ਯੂਨਾਨੀਮਸਲੀ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਚੁਣੇ ਗਏ ਹਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜੋ ਕਾਬਲੀਅਤ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਕੇਵਲ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਧਾਕ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਫੌਜੀ ਅਫਸਰ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਤੇ ਜੋ ਚੰਗਾ ਸਟੈਪ ਲਿਆ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਇਸ ਕੰਮ ਨੂੰ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਿਭਾਂਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੁਣ ਵੀ ਨਿਭਾਉਂਦੇ ਰਹਿਣਗੇ । ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿਲੀ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । (ਤਾੜੀਆਂ)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ ; (ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਸਾਹਿਬ ਸਾਡੇ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਇਸ ਅਹੁਦੇ ਤੇ ਉਹ ਰਹੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਖਾਸ ਅਹਿਮੀਅਤ ਹਾਸਿਲ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਮਪਾਰਸ਼ੈਲਿਟੀ ਦਾ ਮੁਜ਼ਾਹਰਾਂ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ ਠੀਕ ਤੌਰ ਤੇ ਕੀਤੀ ਵੀ ਹੈ । ਜਿਸ ਦਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਸਤੀਫ਼ਾ ਦਿੱਤਾ ਉਸ ਦਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਕ ਜ਼ਬਰਦਸਤ ਮਿਸਾਲ ਰੱਖੀ ਹੈ । ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕਿ ਅਗਰ ਉਹ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਨਾਲ ਵੋਟ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸਨ ਤਾਂ ਉਹ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਅਹੁਦੇ ਤੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹੋਏ ਵੀ ਵੋਟ ਕਰ ਸਕਦੇ ਸੀ । ਲੇਕਿਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਪਦ ਤੋਂ ਉਥੇ ਜਾ ਕੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਸਾਥ ਦਿੱਤਾ । ਇਹ ਮਿਸਾਲ ਤਾਂ ਬੜੀ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਅਤੇ ਸਰਾਹਨਾਯੋਗ ਸੀ ਮਗਰ ਕਾਸ਼ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਮਿਸਾਲ ਨੂੰ ਕਾਇਮ ਰਖਦੇ । ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਸਾਹਿਬ ਮੇਰੇ ਪੁਰਾਣੇ ਦੋਸਤ ਹਨ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚ ਆਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦੇ । ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਸ ਦੀ ਚਾਲ ਵਿਚ ਆ ਕੇ ...

Mr. Speaker : Captain criticising Brigadier. Is'nt it ?

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਨਹੀਂ ਇਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾ ਗਿਣੋ । ਜਦੋਂ ਮੈਂ ਕੈਪਟਨ ਸਾਂ ਉਦੋਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਇਹ ਕੈਪਟਨ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੋਣੇ...(ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਸਤਨਾਮ ਸਿੰਘ ਬਾਜਵਾ (ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ) : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕੀ ਇਕ ਕੈਪਟਨ ਇਕ ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਨੂੰ ਕ੍ਰਿਟੇਸਾਈਜ਼ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ? ਉਹ ਜੂਨੀਅਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਾਜਵਾ ਨਾਮ ਕਰ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਪਿਆਰ ਜਾਗ ਪਿਆ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਕਾਬਲੀਅਤ ਦਾ ਮੁਜ਼ਾਹਰਾ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਮੇਰੀ ਕੀ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਹੈ...(ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਜ਼ਾਤੀਆਤ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ । ਅਗਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਨਾਲੋਂ ਦੋ ਪਿਛਲੇ ਸ਼ਬਦ ਲਾਹ ਲਏ ਜਾਣ ਤਾਂ ਕੀ ਰਹਿ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਬਾਜ ਹੀ ਬਣ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਕਹਿੰਦਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ।

ਮੈਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਜਿਨਸੀਅਰਲੀ ਦੁਖ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਥੇ ਕਿੰਨਾ ਪ੍ਰੈਸਟੀਜ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਇਹ ਕਿਸ ਦੀ ਚਾਲ ਵਿਚ ਆ ਗਏ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਫ਼ਰ ਕੀਤੀ ਗਈ, ਪ੍ਰੈਸ਼ਰਾਈਜ਼, ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਜਾਂ ਕੀ ਗੱਲ ਹੋਈ ਬਹਿਰ ਹਾਲ (ਵਿਘਨ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਚਾਲ ਵਿਚ ਫਸਣਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਚਾਹੀਦਾ । ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਐਡਵਾਈਸ ਦਿੱਤੀ ਕਿ ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਆਫਰ ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਵੀ ਆਈ ਸੀ ਪਰ ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਸੋਚ ਸਮਝ ਕੇ ਉਸ ਅਫਸਰ ਨੂੰ ਐਕਸੈਪਟ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ । (ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਲੋਂ ਤਾੜੀਆਂ) ਹੁਣ ਇਹ ਆਪ ਦੇ ਪਾਸ ਆਈ ਹੈ ਆਪ ਨੂੰ ਵੀ ਇਸ ਨੂੰ ਵਿਦ ਥੈਂਕਸ ਮੋੜ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਉਸ ਨਾਲ ਆਪ ਦੀ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਬੜੀ ਉੱਚੀ ਹੋਵੇਗੀ । ਕਿਉਂਕਿ ਆਪ ਦੇ ਸਿਆਸੀ ਦੁਸ਼ਮਨਾਂ ਨੇ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਗਲਤ ਰੰਗ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕਰਨਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਹਿਣਾ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਾਂ ਡਿਫੈਕਟ ਹੀ ਇਸ ਲਈ ਕੀਤਾ ਸੀ ਤਾਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁੜ ਕੇ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ । ਇਹ ਗੱਲ ਖਤਰਨਾਕ ਹੋਵੇਗੀ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਜੋ ਮੈਂ ਕਹੀਆਂ ਹਨ ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਫਿਰ ਜਦੋਂ ਮੌਕਾ ਮਿਲੇਗਾ ਤਾਂ ਆਪਣੇ ਪ੍ਰੈਸਟੀਜ ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕਰ ਲੈਣਗੇ । ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਹਿਤੈਸ਼ੀ ਹਾਂ, ਸੱਚਾ ਦੋਸਤ ਹਾਂ ਇਸ ਕਰ ਕੇ ਹੀ ਸੱਚੀ ਗੱਲ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ।...

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਅਗਰ ਪੋਲੀਟੀਕਲ ਕਨਵੈਸਿੰਗ ਹਾਊਸ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਚੰਗੀ ਗੱਲ ਹੋਵੇਗੀ । (I think it would be better if political convassing is done outside the House.)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਤਰਫ ਤੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਖਿਦਮਤ ਵਿਚ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਹੁਣ ਵੀ ਜਦੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੌਕਾ ਮਿਲੇ ਇਹ ਆਪਣੇ ਪ੍ਰੈਸਟੀਜ਼ ਨੂੰ ਬਹਾਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨ । ਇੰਨਾ ਕਹਿ ਕੇ ਮੈਂ ਆਪ ਦਾ ਸ਼ੁਕਰੀਆ ਅਦਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : (ਕਿਲ੍ਹਾ ਰਾਏਪੁਰ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਤੇ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨਾਮ ਇਸ ਲਈ ਪਰੋਪੋਜ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਮੇਰੀ ਇਹ ਦਿਆਨਤਦਾਰੀ ਨਾਲ ਰਾਏ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਪਹਿਲਾਂ ਇਥੇ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਸ ਅਹੁਦੇ ਨੂੰ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ਉਸਲੂਬੀ ਨਾਲ ਨਿਭਾਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਸਭਾ ਦੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਟੈਕਟ ਨਾਲ, ਫਰਮਲੀ ਪਿਆਰ ਨਾਲ ਅਤੇ ਰੂਲਜ਼ ਆਫ਼ ਪ੍ਰੋਸੀਜ਼ਰ ਅਨੁਸਾਰ ਨਿਭਾਇਆ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ]

ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਵਿਚ ਜਾਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਅਹੁਦਾ ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਆਫ਼ਰ ਹੋਇਆ ਸੀ। ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਹੋਰ ਕਿੰਨੇ ਅਹੁਦੇ ਆਫ਼ਰ ਹੋਣਗੇ ਅਤੇ ਇਹ ਕਿੰਨਿਆਂ ਨੂੰ ਨਾਂਹ ਕਹਿਣਗੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਦੀ ਵਧਾਈ ਦੇਣ ਨਾਲ ਤਅੱਲਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਵਿਚ ਜਾਣ ਦਾ ਇਹ ਮੌਕਾ ਨਹੀਂ। ਅਗਰ, ਵਧਾਈ ਦੇਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਸਿੱਧੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਦਿਉ। ਲੈਫਟ ਹੈਂਡਿਡ ਕਮਪਲੀਮੈਂਟ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ। ਉਹ ਸਿਆਸੀ ਗੱਲਾਂ ਹਨ। ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਨਿਭਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ. ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਆਪਸ ਦਾ ਝਗੜਾ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿਚ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਜਾਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਸਾਹਿਬ ਉਸ ਵੇਲੇ ਵੀ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਨਾਲ ਵੋਟ ਕਰ ਸਕਦੇ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਆਪਣੀ ਸਿਆਸੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਨਾਲ ਵੋਟ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਮਗਰ ਇਹ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਆਪਣਾ ਫੈਸਲਾ ਸੀ ਇਸ ਦੀ ਵੀ ਨੁਕਤਾਚੀਨੀ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਨੁਕਤਾ ਨਿਗਾਹ ਨਾਲ ਜੋ ਠੀਕ ਸਮਝਿਆ, ਕੀਤਾ। ਸਾਨੂੰ ਤਾਂ ਇਹ ਗੱਲ ਐਪਰੀਸ਼ੀਏਟ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਤੌਰ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਦੇ, ਬਤੌਰ ਪ੍ਰਿਜ਼ਾਈਡਿੰਗ ਅਫਸਰ ਦੇ ਕਿਸੇ ਪਾਰਟੀ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਨਹੀਂ ਲਿਆ। ਮੈਂ ਹੋਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਮਾਂ ਨਾ ਲੈਂਦਾ ਹੋਇਆ ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਆਸ ਰਖਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਬੇਲਾਗ ਅਤੇ ਬਿਨਾਂ ਜ਼ਰੂਰਿਆਤ ਬਤੌਰ ਪ੍ਰਿਜ਼ਾਈਡਿੰਗ ਅਫਸਰ ਦੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦਾ ਸਬੂਤ ਦਿੱਤਾ ਹੈ, ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਹ ਅੱਗੇ ਨੂੰ ਵੀ ਸਬੂਤ ਦੇਣਗੇ। ਜੋ ਪ੍ਰਿਜ਼ਾਈਡਿੰਗ ਅਫਸਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਅੱਗੇ ਕੋਈ ਪਾਰਟੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਨਾ ਟਰੈਯਰੀ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ। ਜੇ ਕੋਈ ਆਉਂਦੀ ਵੀ ਹੈ ਤਾਂ ਸਗੋਂ ਉਸ ਨੂੰ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰਖਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜੋ ਪਰੈਸੀਡੈਂਟ ਅਤੇ ਅਸੂਲ ਪਹਿਲਾਂ ਕਾਇਮ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਕਿ ਇਹ ਅਮਲ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਅਗੇ ਨੂੰ ਵੀ ਅਮਲ ਕਰਦੇ ਰਹਿਣਗੇ। (ਤਾੜੀਆਂ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਪੱਛਮ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਜਜ਼ਬਾਤ ਦਾ ਇਜ਼ਹਾਰ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਵੀ ਐਸੋਸੀਏਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਅਤੇ ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦੇਣਾ ਚਾਹਾਂਗਾ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਦੋਂ ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਸਾਹਿਬ ਪਹਿਲਾਂ ਸਰਵਸੰਮਤੀ ਨਾਲ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਚੁਣੇ ਗਏ ਸੀ ਤਾਂ ਉਹ ਇਕ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਸੀ। ਸਪੀਕਰ ਲਈ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਉਹ ਕਿਸੇ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਛੱਡ ਦੇਵੇ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਹੁਣ ਜਦ ਕਿ ਦੂਜੀ ਵੇਰ ਚੁਣੇ ਗਏ ਹਨ ਇਹ ਇਸ ਵੇਲੇ ਕਿਸੇ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਨਹੀਂ ਰਹੇ। ਬਾਜਵਾ ਸਾਹਿਬ ਲਈ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਚੁਣੇ ਜਾਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਛਡ ਦਿੰਦੇ। ਪਰ ਮੈਂ ਇਸ ਗੱਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਅਤੇ ਇੰਨਾ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰੀ ਚਲਾਣ ਵਿਚ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਸੀ ਅਤੇ ਜਿਸ ਨਿਰਪੱਖਤਾ ਨਾਲ ਉਸ ਫ਼ਰਜ਼ ਨੂੰ ਪਿਛਲੀ ਵੇਰ ਨਿਭਾਇਆ ਸੀ ਉਸ ਦੀ ਹਾਊਸ ਪ੍ਰਸੰਸਾ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪਾਰਟੀ ਛੱਡਣ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਜੋ ਵਿਚਾਰ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦੇ ਹਨ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸਹਿਮਤ ਹਾਂ। ਚੰਗਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਜਾਂ ਮਾੜਾ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਉਸ ਗੱਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕੀ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਮੌਕਾ ਸੀ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਾਰਟੀ ਕਿਉਂ ਛੱਡੀ। ਪਰ ਮੈਂ ਇਤਨੀ ਗੱਲ ਜ਼ਰੂਰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਉਥੇ ਮਿਸਫਿਟ ਸਨ। ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਕਿਸੇ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ ਇਕ ਨਿਰਦਲੀਏ ਹੋ ਕੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਚੁਣੇ ਗਏ ਹਨ। ਅਤੇ ਆਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਹੁਣ ਨਿਰਦਲੀਏ ਹੀ ਰਹਿਣਗੇ ਅਤੇ ਹਰ ਪਾਰਟੀ ਨੂੰ ਛੱਡ ਕੇ ਹੀ ਤਾਂ ਇਸ ਔਹਦੇ ਤੇ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਅਸਾਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਨਿਰਪੱਖ ਰਹਿਣਗੇ ਅਤੇ ਨਿਰਪੱਖਤਾ ਨਾਲ ਇਸ ਜ਼ਿੰਮੇਂਵਾਰੀ ਨੂੰ ਨਿਭਾਣਗੇ। ਮੈਂ ਇਕ ਵਾਰ ਫਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ।

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : (ਜਲੰਧਰ, ਦਖਣੀ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਵਲੋਂ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਬਾਜਵਾ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਚੁਣੇ ਜਾਣ ਤੇ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਉਮੀਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇਮਪਾਰਸ਼ਲ ਰਹਿ ਕੇ ਆਪਣੇ ਫ਼ਰਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਨਿਭਾਉਣਗੇ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਨਿਭਾਉਂਦੇ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਰਮੀ ਵਿਚ ਇਕ ਬਹੁਤ ਵਡੇ ਅਹੁਦੇ ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦਾ ਤਜਰਬਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਕ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਇਕ ਲੈਜਿਸਲੇਟਰ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦਾ ਵੀ ਤਜਰਬਾ ਹੈ ਆਸ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਰੋਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਪਲੇ ਕੀਤਾ ਹੈ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਗਾਂਹ ਵੀ ਕਰਨਗੇ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਫ਼ਰਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਨਿਭਾਉਣਗੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫਿਰ ਇਕ ਵੇਰ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ।

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं बाजवा साहिब को उपाध्यक्ष के ओहदे पर चुने जाने पर मुबारकबाद देता हूं। वह पहले भी इसी औहदे पर रहे हैं और उस की शान को बरकरार रखा है। इन्हों ने हाऊस की कार्रवाई को अच्छी तरह से चलाने का यत्न किया था, उस के लिए भी इन्हें बधाई देता हूं। उन की पार्टी के बारे में यहाँ पर बात चली। मुझे तो इस बात पर हैरानी है कि यह 17 महीने उस बीमारी में रहे कैसे (हंसी) और यह कैसे उस बीमारी में सेहतमंद रह सकते थे।

(**श्री मनमोहन कालिया** की ओर से विघ्न)

Mr. Speaker : No interruption please.

चौधरी बलबीर सिंह : यहां पर आल इण्डिया पार्टी बैठी है और इन के यह नुमाइन्दे हैं जो कब पार्टी में आए और कब यहाँ आए (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कालिया साहिब साबक मंत्री भी हैं (विघ्न) (Shri Kalia is a former Minister also)

चौधरी बलबीर सिंह : मैं इस बात में नहीं जाना चाहता कि यह किस पार्टी वक्त में आए और इस से पहले कहां थे। छोटे होते जो काम यह करते रहे है उनके बारे में सरदार कृपाल सिंह आप को बता सकते हैं (हंसी) और आज कल जो कुछ यह पार्टी करती है यह सारी चीज़ आप के सामने है।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Shri Manmohan Kalia : Sir, is Chaudhri Balbir Singh paying tributes to the Deputy Speaker ? He is off the track. Please set him right.

चौधरी बलबीर सिंह : इन्हें स्पीकर साहिब बहुत तकलीफ होती है और यह ऐसी बातों पर अलरजिक हैं । मैं तो उपाध्यक्ष साहिब को ट्रिब्यूट पे कर रहा हूं और उन्हें मुबारकबाद देता हूं कि इन्होंने आफिस को ठीक ढंग से चलाया था और अब भी यूनानीमसली चुने गए हैं । इस बात के लिए इन्हें मुबारकबाद देता हूं और इस बीमारी से निकल गए हैं यह भी मुबारकबाद की बात है ।

Shri Balram Dass Tandon : Please ask him to be relevant.

Mr. Speaker : He is much more relevant than you have been.

Shri Balram Dass Tandon : Mr. Speaker it does not behove you to say like this. I could understand it if any other Hon. Member had remarked like this ; but for you it is not proper. (Interruptions)

ਇਸ ਚੇਅਰ ਤੇ ਬੈਠ ਕੇ ਕਿਸੇ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿੱਚ ਡਿਸਪੈਰੇਜਿੰਗ ਰਿਮਾਰਕਸ ਕਰਨੇ ਆਪ ਨੂੰ ਸ਼ੋਭਾ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, ਦਖਣ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬਾਜਵਾ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਸਿਹਤਮੰਦ ਹੋਣ ਤੇ ਸਾਰਿਆਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੋਸਤਾਂ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਐਜ਼ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਹੈ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੀਤੇ ਕੰਮ ਦੀ ਸਰਾਹਨਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਆਪ ਹੈਰਾਨ ਸਾਂ ਕਿ ਇਨਾਂ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਨਸੰਘੀ ਰਹਿ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਇਹ ਆਸਾਨ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਿਉਂ ਕਿ ਇਹ ਬਾਜ਼ਾਰ ਬਰਦਾਫਰੋਸ਼ਾਂ ਦਾ ਸੀ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਯੂਸਫ ਵਰਗਾ ਕਿਵੇਂ ਰਹਿ ਸਕਦਾ ਸੀ ।

ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ ਵੇਚਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ । ਇਸ ਦੇ ਮੁਤਲਿਕ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ (ਵਿਘਨ)

Shri Balram Dass Tandon : Sir, he should be relevant.

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਰੈਲੇਵੈਂਟ ਹੀ ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਹਾਂ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਪਰਾਈਵੇਟ ਮੁਲਾਕਾਤਾਂ ਵਿੱਚ ਕਿਹਾ ਕਰਦਾ ਸਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਅਨਹੋਣੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬਿਰਾਦਰੀ ਵਿੱਚ ਇਕ ਫੌਜੀ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਾਬ ਰਹਿ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹੁਣ ਆ ਕੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਤੂੰ ਠੀਕ ਹੀ ਕਹਿੰਦਾ ਸੀ । ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਹੀ ਨਿਕਲੀ । ਹੁਣ ਇਹ ਡਿਫੈਕਟ ਹੋ ਗਏ ਹਨ । (ਹਾਸਾ) ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਇਹ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ ਪਾਸੇ ਚਲੇ ਗਏ ਸਨ । ਸ਼ਾਇਦ ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਆਪਣੀਆਂ ਫੌਜੀ ਰਿਵਾਇਤਾਂ ਕਰਕੇ ਸੀ ਕਿ ਇਕ ਵੇਰ ਹਾਂ ਹੋ ਗਈ ਤਾਂ ਉਸ ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਿਭਾਣਾ ਪਿਆ । ਤੇ ਫਿਰ ਜਦ ਪਾਣੀ ਸਿਰੋਂ ਲੰਘ ਗਿਆ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵੇਖਿਆ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਚਲੇਗੀ ਤਾਂ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਾਜ਼ਸ਼ੀ ਸਕੀਮ ਵਿੱਚ ਨਾ ਆਏ ਅਤੇ ਕਿਨਾਰਾ ਕਰ ਲਿਆ । ਚੰਗਾ ਹੋਇਆ ਕਿ ਇਹ ਇਸ ਖੁਰਕ ਤੋਂ ਫਾਰਗ ਹੋ ਗਏ ਹਨ (ਹਾਸਾ) ਅਤੇ ਆਪਣੀਆਂ ਰਿਵਾਇਤਾਂ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਚਲ ਕੇ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਦੇ ਇਤਮਾਦ ਦੇ ਪਾਤਰ ਬਣਨਗੇ । ਮੈਂ ਫਿਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਚੁਣੇ ਜਾਣ ਤੇ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬਰਿਗੇਡੀਅਰ ਬਿਕ੍ਰਮਾਜੀਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਦੇ ਇਸ ਸਮੇਂ ਸਰਵਸੰਮਤੀ ਨਾਲ ਇਸ ਸਦਨ ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਚੁਣੇ ਜਾਣ ਤੇ ਅਸਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਾਣ ਐਡਾ ਨਹੀਂ ਵਧਾਇਆ ਜਿੰਨਾ ਕਿ ਅਸਾਂ ਇਸ ਸਦਨ ਦਾ ਅਤੇ ਆਪਣਾ ਮਾਣ ਤੇ ਸਤਿਕਾਰ ਵਧਾਇਆ ਹੈ । (ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ) ਸਰਦਾਰ ਬਾਜਵਾ ਸਾਹਿਬ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਜੰਨ ਸੰਘ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਸੀ, ਉਸ ਵੇਲੇ ਦੇ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਫ਼ਰਜ਼ ਅਤੇ ਕਰਤੱਵਾਂ ਨੂੰ ਬੜੀ ਸੁਚੱਜਤਾ ਅਤੇ ਸੁਘੜਤਾ ਨਾਲ ਨਿਭਾਂਦੇ ਰਹੇ ਹਨ । ਇਕ ਅੱਧ ਵੇਰ ਹੀ ਮੈਨੂੰ ਯਾਦ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ* * * * ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਸੀ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਦਿਮਾਗ਼ ਦਰੁਸਤ ਹੈ ? (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਲਫਜ਼ ਵਾਪਸ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

Mr. Speaker : It is not in good taste. It should be expunged.

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਣ ਜਦੋਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬਰਿਗੇਡੀਅਰ ਬਿਕ੍ਰਮਾਜੀਤ ਸਿੰਘ ਆਜ਼ਾਦ ਮੈਂਬਰ ਹਨ ਅਤੇ ਨਿਰਦਲੀਏ ਹਨ, ਮੈਨੂੰ ਪੂਰਨ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਸਦਨ ਨੂੰ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਹੈ ਕਿ, ਉਹ ਇਸ ਸਦਨ ਦੇ ਉੱਚ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਨਿਰਪੱਖਤਾ ਨਾਲ ਨਿਭਾਣਗੇ । ਮੈਂ ਇਕ ਵੇਰ ਫਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ।

ਸਰਦਾਰ ਬਸੰਤ ਸਿੰਘ (ਡਕਾਲਾ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਬਾਜਵਾ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਪਰ ਮੈਂ ਇਹ ਗੱਲ ਕਹੇ ਬਿਨਾ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦਾ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਧਾਈ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੰਟ੍ਰੋਵਰਸ਼ੀ ਪੈਦਾ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਅਤੇ ਇਹ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਰਿਵਾਇਤਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਹੈ । ਇਥੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਤੋਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰੀਜ਼ਾਇਨ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਆਜ਼ਾਦ ਬਣ ਕੇ ਇਸ ਅਹੁਦੇ ਲਈ ਫਿਰ ਚੁਣੇ ਗਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਐਂਮਬੈਰਸਮੈਂਟ ਦਾ ਕਾਜ਼ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ । ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਜੇਕਰ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਕਿਸੇ ਕੰਟ੍ਰੋਵਰਸੀ ਦੀਆਂ ਪਟਾਰੀਆਂ ਖੋਲ੍ਹ ਬੈਠੀਏ ਤਾਂ ਸਾਰੀ ਖੁਸ਼ੀ ਡਾਇਲਿਊਟ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਹਾਲਾਂ ਕਿ ਇਹ ਖੁਸ਼ੀ ਅਨਡਾਇਲਿਊਟਿਡ ਰਹਿਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ । ਸਾਨੂੰ ਕੋਈ ਚੰਗਾ ਪ੍ਰੀਸੀਡੈਂਟ ਸੈਟ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜੇਕਰ ਅਸੀਂ ਕਿਸੇ ਦੇ ਪਾਸਟ ਕੈਰੀਅਰ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿੱਚ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦੇਵਾਂਗੇ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਆਪਣੇ ਫਰਾਇਜ਼ ਤੋਂ ਹੌਲੀ ਹੌਲੀ ਸਲਿਪ ਕਰਦਾ ਜਾਵੇਗਾ । ਮੈਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਕੰਟ੍ਰੋਵਰਸੀ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਪੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਅਤੇ ਆਸ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਵੀ ਇਸ ਪਾਸੇ ਨਾ ਜਾਣ ਅਤੇ ਪਾਰਟੀ ਪਾਲਿਟਿਕਸ ਦੀ ਕਿਸੇ ਗੰਦੀ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਇਸ ਸਮੇਂ ਇਥੇ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਤੋਂ ਸੰਕੋਚ ਕਰਨ । ਆਖਿਰ ਵਿਚ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਸ ਕਲੈਰੇਟੀ ਨਾਲ ਜਿਸ ਵਜ਼ਨ ਨਾਲ ਅਤੇ ਜਿਸ ਜ਼ਬਤ ਨਾਲ ਇਹ ਅੱਗੇ ਵੀ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਦੇ ਓਹਦੇ ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਹੁਣ ਵੀ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਨੂੰ ਚਲਾਇਆ ਕਰਨਗੇ । ਮੈਂ ਇਕ ਵੇਰ ਫਿਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਚੁਣੇ ਜਾਣ ਤੇ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ।

ਜੱਥੇਦਾਰ ਹਰਦਿੱਤ ਸਿੰਘ ਭੱਠਲ (ਧਨੌਲਾ) : ਮੈਂ ਵੀ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਤਰਫੋਂ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦੇਣ ਲਈ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ । ਭਾਵੇਂ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਕਿਸੇ ਪਾਰਟੀ ਵਿਚ ਵੀ ਰਹੇ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਾਰੀ ਪਾਰਟੀਆਂ ਨਾਲ ਦਿਆਨਤਦਾਰੀ ਦਾ ਸਲੂਕ ਕੀਤਾ ਅਤੇ

*Expunged as ordered by the Chair.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਜੱਥੇਦਾਰ ਹਰਦਿੱਤ ਸਿੰਘ ਭੱਠਲ]

ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਫਰਜ਼ ਨੂੰ ਬੜੀ ਨਿਰਪੱਖਤਾ ਦੇ ਨਾਲ ਨਿਭਾਇਆ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੁਣ ਵੀ ਜਦੋਂ ਉਹ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਵਿਚ ਇਕ ਆਜ਼ਾਦ ਮੈਂਬਰ ਦੀ ਹੈਸੀਅਤ ਵਿਚ ਬੈਠ ਰਹੇ ਹਨ, ਹੁਣ ਉਹ ਆਜ਼ਾਦ ਹੁੰਦੇ ਹੋਏ ਹੋਰ ਵੀ ਨਿਰਪੱਖਤਾ ਨਾਲ ਨਿਭਾਉਣਗੇ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਨੇ ਦੁਬਾਰਾ ਇਸ ਪਦਵੀ ਦਾ ਮਾਨ ਬਖਸ਼ਿਆ ਹੈ । ਆਜ਼ਾਦ ਮੈਂਬਰ ਦੀ ਹੈਸੀਅਤ ਵਿਚ ਰਹਿ ਕੇ ਉਹ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਇਕੋ ਅੱਖ ਨਾਲ ਵੇਖਣਗੇ ਅਤੇ ਨਿਰਪੱਖ ਰਹਿ ਕੇ ਉਹ ਇਸ ਅਹੁਦੇ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰਨਗੇ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਲਫਜ਼ਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦੇਂਦਾ ਹਾਂ ।

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ (ਨਰੋਟ ਮਹਿਰਾ ਐਸ. ਸੀ.) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਦਿਲੋਂ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਤਾਂ ਮੇਰੇ ਲੀਡਰ ਨੇ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਹੈ, ਪਰ ਮੈਂ ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ ਕਹਿਣੀਆਂ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਟਾਈਮ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਬੜਾ ਹੀ ਹੈਰਾਨ ਹੋਇਆ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਦੇ ਇਲਜ਼ਾਮਾਂ ਤੇ ਤੁਸੀਂ ਇਨਕੁਆਇਰੀਆਂ ਕਰਦੇ ਹੋ, ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਜੋ ਕੁਰੱਪਟ ਹਨ ਮਾਣ ਦਿੰਦੇ ਹੋ । ਕੀ ਜੇ ਕੋਈ ਆਦਮੀ ਜਿਹੜਾ ਕਿਸੇ ਪਾਰਟੀ ਰਾਹੀਂ ਲੋਕਾਂ ਤੋਂ ਵੋਟਾਂ ਲੈ ਕੇ ਆਇਆ ਹੋਵੇ ਉਹ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਛੱਡ ਜਾਵੇ, ਕੀ ਇਹ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਤੋਂ ਘੱਟ ਗੱਲ ਹੈ ? ਤੁਸੀਂ ਵੇਖੋ ਹਰਦਵਾਰੀ ਲਾਲ ਨੇ ਜਦੋਂ ਪਾਰਟੀ ਛੱਡੀ ਉਸ ਨੇ ਦੁਬਾਰਾ ਜ਼ਿਮਨੀ ਚੋਣ ਲੜੀ ਫੇਰ ਰੀਇਲੈਕਟ ਹੋ ਕੇ ਆਜ਼ਾਦ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੰਮ ਕੀਤਾ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੀ ਜੇ ਆਜ਼ਾਦ ਰਹਿਣਾ ਸੀ ਤਾਂ ਆਪਣੇ ਹਲਕੇ ਦੇ ਵੋਟਰਾਂ ਤੋਂ ਮੁੜ ਵੋਟਾਂ ਪਵਾ ਕੇ ਆਉਣਾ ਸੀ । ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਜੋ ਤੁਸੀਂ ਆਏ ਹੋ. ਜਨ ਸੰਘ ਨੇ ਹੀ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਾਮਯਾਬ ਕਰਵਾਇਆ ਹੈ, ਪਰ ਇਕ ਮਿੰਟ ਵਿਚ ਤੁਸੀਂ ਉਧਰੋਂ ਛੱਡ ਕੇ ਏਧਰ ਆ ਗਏ । ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਰੀ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸੋਚਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਐਸੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਇਮਪਾਰਸ਼ਲ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਰਵਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼ ਦੇ ਇੰਟਰੈਸਟ ਦੇ ਵਿਚ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦੀ ਇੰਟਰੈਸਟ ਆਫ ਦੀ ਪਬਲਿਕ ਹੈ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹ ਵੀ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਮਨਿਸਟਰ ਬਣੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੈਸੇ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕੀਤੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਸਕੋਪ ਵਿਚ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਅੰਤ ਵਿਚ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਇਕ ਮਿੰਟ ਵਿਚ ਇਹ ਪਾਰਟੀ ਛੱਡ ਕੇ ਔਧਰ ਜਾ ਬੈਠੇ ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਹੁਣ ਏਥੇ ਗੱਲਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ ਅਕਾਲੀਆਂ ਦੀਆਂ ਟਿਕਟਾਂ ਲੈ ਕੇ ਆਉਂਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਪਰ ਆਪਣੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨੂੰ ਪਾਰਟੀ ਛੱਡ ਕੇ ਵੱਖਰੀ ਬਣਾ ਲਈ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਗ਼ਲਤੀ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਉਹ ਵੀ ਗ਼ਲਤੀ ਰੈਕਟੀਫਾਈ ਕਰਨ । ਏਧਰ ਕੀ ਹੋਇਆ ? ਇਕ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਭਾਰੀ ਗ਼ਲਤੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਾਰਟੀ ਛੱਡੀ ਹੈ, ਫੇਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਿਰਪੱਖ ਆਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਕਿਥੋਂ ਦੀ ਨਿਰਪੱਖਤਾ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਬ੍ਰੀਗੇਡੀਅਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ, ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਬੜੇ ਭਰਪੂਰ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਵਧਾਈ ਦਿੱਤੀ ਹੈ । ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਨਸੈਨਸਸ ਨਾਲ ਮੈਂ ਵੀ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਮਨਸੂਬ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਆਪ ਨੇ ਪਿਛਲੇ ਵਕਤ ਵਿਚ ਇਤਨੀ ਮਹਾਨ ਪਰਫਾਰਮੈਂਸ ਕੀਤੀ ਹੈ ਜਿਸ ਤੇ ਕਿ ਸਾਰਾ ਹਾਊਸ ਨਾਜ਼ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਹੁਣ ਫੇਰ ਬ੍ਰਿਗੇਡੀਅਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਸਦਨ ਨੇ ਪ੍ਰੀਜ਼ਾਈਡਿੰਗ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਆਫੀਸਰ ਦਾ ਦਰਜਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ । ਮੈਨੂੰ ਪੂਰੀ ਉਮੀਦ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਉੱਚੇ ਅਹੁਦੇ ਨੂੰ ਬੜੇ ਠਾਠ ਨਾਲ ਨਿਭਾਉਣਗੇ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅੱਗੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਫਰਜ਼ ਨੂੰ ਨਿਭਾਉਣ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਪੈਦਾ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਹੁਣ ਵੀ ਉਸੇ ਔਹਦੇ ਤੇ ਕਾਬਜ਼ ਹੁੰਦੇ ਹੋਏ, ਇਸ ਸਦਨ ਦਾ ਨਾਉਂ ਹੋਰ ਉੱਚਾ ਕਰਨਗੇ । (ਤਾੜੀਆਂ) (The hon. Members have paid rich tributes to Brigadier Sahib. I associate myself with the consensus of the House. The whole House can feel proud of his earlier great performance in the House. The House has once again conferred the honour of a Presiding Officer on Brigadier Sahib. I am confident that he will fully justify his election to this high office. He will bring honour and name to this House by performing the duties of this high office ably as he had done in the past.) (Cheers)

Brigadier Bikarmajit Singh Bajwa (Deputy Speaker) : Mr. Speaker, Sir, I was given this signal honour in March, 1960, to serve the House as Deputy Speaker. Sir, when I was first given that honour I was I raw hand. (Interruptions)

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਮੈਂ ਜਿਹੜੇ ਲਫ਼ਜ਼ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਉਹ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਹਿ ਨਹੀਂ ਸਕਾਂਗਾ, ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਤੋਂ ਮੁਆਫੀ ਮੰਗਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਦੇ ਵਿਚ ਬੋਲਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਜ਼ਰੂਰ ਦੇਓ ।

Sir, when I was elected to this House, it was for the first time that I saw this Chamber. I did not know how the business of the House was to be transacted and the Hon'ble Members knowing all this unanimously elected me to this high office. I think they were swayed by one factor and that was that I was an ex-officer of our glorious Army. I think there was no other factor for their electing me. Sir, it was incumbent upon me to constantly keep it in my mind that I must not act in any way which would mar the glory of an officer of the Army.

Sir, I was a raw hand. I was helped by the old parliamentarians here. I always listened patiently every hon. Members of this august House. I always tried to do my duty to the best of my ability. I cannot say that I did not make any mistake. I made many mistakes An hon. Member for whom I have great respect has just pointed out that.

Sir, one of the errors, I committed was that during the passing of the Appropriation Bill in this House in March last, I crossed swords with my hon. friend, the Deputy Leader of the Opposition. At that time, as I have already admitted, I was not fully conversant with my duties in the House. I had not gone through the Address which the then Speaker of the Lok Sabha Mr Mavalankar, had delivered at the Presiding Officers' Conference in 1953 and it added to my knowledge. Sir, one of the sentences which he said was quite clear and I shall never forget it. That sentence is :

> "That a Deputy Speaker must always remember that he is a Presiding Officer. I am not prepared to state how should he behave in the House but it is a point which every Deputy Speaker has got to decide for himself."

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Brigadier Bikarmajit Singh Bajwa]

Sir, in fact, when this session started a situation arose, when I was called upon not by anybody, but my own conscience to decide what was to be done. Sir, I want to make it quite clear to all the hon. Members of this House that that decision was mine and mine entirely. My party needed a crucial vote. I having been urged by Mr. Mavlankar' Address at the Presiding Officers' Conference had decided to take this step, because it was rather difficult for me to vote with the party while remaining as Deputy Speaker. I was a loyal soldier. I was not prepared to disobey the command of my party leader. He gave me a command and it was my duty to obey that and bid good-bye to the office of the Deputy Speaker.

Sir, today, certain things have been said which have pained me. Had I known that these feelings were so strongly entrenched in some of the hon. Members' minds or had I an inkling of it earlier, perhaps I would not have accepted this honour today.

I want to say this quite clearly, Sir, that the first hon. Member of this House who approached me yesterday, when this thing was going on, was Sirdar Kapur Singh, who asked me if I was willing to stand for the office of the Deputy Speaker. Sir, I told him frankly, and he will bear me out, that I was prepared to come as a non-controversial figure. If there is any controversy, I would withdraw my name. What has transpired between the various parties/groups now, I do not know. I wish to assure you, Sir, and all the hon. Members that as far as I am concerned, I have always chalked out a path for myself. Only my own conscience dictates me. I have tried to prove to this House that I mean what I say. I promise the hon. Members who have put their confidence in me again that I shall continue to conduct myself on the lines which I have laid down for myself (Thumping). The dignity and decorum of this office mean more to me than anything else and, Sir, I think, it is my duty to uphold that. I assure you that I shall do it and if at any time, I find that I cannot do so, I shall not hesitate one single moment to again put in my resignation.

Sir, I thank you and all the hon. Members of this House for giving me an opportunity again to work as Deputy Speaker. I have no ambitions. If any hon. friend here thinks that I have done this as a "chaal", he thinks on his own plane only. I have nothing more to add but just to thank all the hon. Members. I assure them of my continuing to maintain the decorum of this House and to serve them to the best of my ability. Thank you, Sir (Cheers).

———

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

THE PUNJAB SCHEDULED CASTES LAND DEVELOPMENT AND FINANCE CORPORATION BILL, 1970.

Minister for Social Welfare : (Dr. Bhagat Singh) : Sir, I beg to introduce the Punjab Scheduled Castes Land Development and Finance Corporation Bill.

Minister for Social Welfare : Sir, I beg to move.

That the Punjab Scheduled Castes Land Development and Finance Corporation Bill be taken into consideration at once.

(Mr. Deputy Speaker in the Chair.)

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਿਲ ਦਾ ਮੇਨ ਮਕਸਦ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਅਤੇ ਪਾਸ ਕਰਾਉਣ ਦਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ 18,19 ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਅਸੀਂ ਦੇਖ ਰਹੇ ਹਾਂ ਕਿ ਸ਼ੈਡੂਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੀ ਡਿਵੈਲਪਮੇਂਟ ਲਈ ਕੋਈ ਖਾਸ ਕਦਮ ਨਹੀਂ ਚੁਕਿਆ ਗਿਆ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਕਰਜ਼ੇ ਦੇਣ ਲਈ ਲੈਂਡ ਮਾਰਟਗੇਜ ਬੈਂਕ ਵੀ ਬਣਾਏ ਗਏ ਅਤੇ ਇੰਡਸਟਰੀ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵੀ ਕੁਝ ਲੋਨਜ਼ ਦੇਂਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਪਰ ਇਹ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਦੇਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਵਰਕਰ ਲਈ ਇਹ ਲੋਨ ਐਕਸੈਸੀਬਲ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਲੋਨ ਦੇਣ ਵਾਲੇ 5 ਹਜ਼ਾਰ ਲੋਨ ਦੇਣ ਵਾਸਤੇ 10 ਹਜ਼ਾਰ ਦੀ ਸਿਕਿਓਰਿਟੀ ਮੰਗਦੇ ਸੀ। ਜਿਹਨਾਂ ਦੇ ਖੇਤ ਜਾਂ ਮਕਾਨ ਹੋਣ ਉਹ ਤਾਂ ਸਿਕਿਓਰਿਟੀ ਦੇ ਸਕਦੇ ਸੀ ਪਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਖੇਤ ਨਹੀਂ, ਉਹ ਸਿਕਿਓਰਿਟੀ ਕਿਵੇਂ ਦਿੰਦੇ ? ਫਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਵਿਚੋਲੇ ਟਕਰ ਪੈਂਦੇ ਸੀ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਸਿਕਿਓਰਿਟੀ ਦੇ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਰਜ਼ਾ ਲੈ ਦਿੰਦੇ ਸੀ ਪਰ ਉਹ ਫਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਮਜ਼ਦੂਰ ਦਰ ਮਜ਼ਦੂਰ ਵਾਲਾ ਸਲੂਕ ਕਰਦੇ ਸਨ। ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਕੁਝ ਵੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਰਹਿੰਦਾ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੋਈ ਵੀ ਭਲਾਈ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੋ ਸਕਦੀ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਨਹੀਂ ਸਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਭਲਾਈ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਅਤੇ ਕਰਜ਼ਿਆਂ ਤੋਂ ਵਾਂਝਾ ਰਹਿਣਾ ਪੈ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਿਹੜੇ ਹਰੀਜਨ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਸੀ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਦੌਲਤ ਦੇ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਦੇ ਸੀ, ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਜਿਤਨੇ ਵੀ ਵਡੇ ਵਡੇ ਪਲਾਂਟਸ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਸੀ, ਦੇਸ਼ ਦੀ ਤਰਕੀ ਦੇ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਪਾਉਂਦੇ ਸੀ, ਪਰ ਆਪਣੀ ਕੋਈ ਵੀ ਇੰਡਸਟਰੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਲਾ ਸਕਦੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਨਾ ਤਾਂ ਹਰੀਜਨ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਲੈਂਡ ਡਿਵੈਲਪ ਕਰ ਸਕਦੇ ਸੀ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਇੰਡਸਟਰੀ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾਈ ਗਈ ਹੈ, ਸਰਦਾਰ ਬਾਦਲ ਦੇ ਥਲੇ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੀ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਇਹ ਪਹਿਲੀ ਵਡੀ ਅਚੀਵਮੈਂਟ ਹੈ। ਪਹਿਲੇ ਸਾਲ ਹੀ 1 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਪ੍ਰਾਪਤ ਨਾਲਜ਼ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ਕਹਿ ਸਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਵਿਚ ਐਸੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਕਿਸੇ ਵੀ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਬਣੀ । (ਥਪਿੰਗ) ਇਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਇਕ ਯੂਨੀਕ ਕੰਮ ਹੈ। ਇਹ ਯੂਨੀਕ ਕੰਮ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬਾ ਬਣਨ ਤੋਂ ਬਾਦ ਪਿਛੜੀਆਂ ਸ਼ਰੇਣੀਆਂ ਨੂੰ ਸਹੀ ਤੌਰ ਤੇ ਉਪਰ ਚੁਕਣ ਕਰਕੇ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਬਾਕੀ ਸਾਰੇ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਨਾਨ-ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀਆਂ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨਜ਼ ਬਣੀਆਂ ਹਨ। ਪਰ ਅਸੀਂ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਕੰਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨ ਦੇ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜੋ ਰੀਲੀਫ ਦੇਣ ਦੀ ਗਲ ਕਹੀ ਗਈ ਹੈ, ਉਹ ਰਲੀਫ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਡਰਾਫਟ ਕਰਕੇ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਇਹ ਬਿਲ ਬੜੀ ਸ਼ਰਧਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਮ ਦੇ ਨਾਲ ਸੰਤ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦੀ ਪ੍ਰੇਰਣਾ ਨਾਲ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਕੁਝ ਖਾਮੀਆਂ ਰਹਿ ਗਈਆਂ ਹੋਣ ਪਰ ਉਹ ਦੂਰ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਹਰ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਜਿਹੜਾ ਇਸ ਬਿਲ ਤੇ ਬੋਲੇ ਉਹ ਇਸ ਹਿਰਦੇ ਨਾਲ ਇਸ ਨੂੰ ਡਿਸਕਸ ਕਰੇ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਚੀਜ਼ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਦੇ ਰਸਤੇ ਵਿਚ ਰੁਕਾਵਟ ਪਾਵੇ ਉਸ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ। ਇਸ ਖਿਆਲ ਨਾਲ ਕੋਈ ਡਿਸਕਸ ਨਾ ਕਰੇ ਕਿ ਇਹ ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਕਿਉਂ ਹੋ ਗਏ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਪੈਸਾ ਕਿਉਂ ਆ ਗਿਆ ? ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਚਿੰਤਾ ਲਗ ਜਾਵੇ ਕਿ ਜੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਪੈਸਾ ਆ ਗਿਆ ਜਾਂ ਉਹ ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਹੋ ਗਏ ਤਾਂ ਅਮੀਰ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸਸਤੇ ਮਜ਼ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕਣੇ ਅਤੇ ਜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਆਪਣੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਆ ਗਈਆਂ ਤਾਂ ਅਮੀਰ ਲੈਂਡ ਲਾਰਡਾਂ ਨੂੰ ਸਸਤੇ ਸੀਰੀਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕਣਗੇ, ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੋਚਣਾ ਠੀਕ ਨਹੀਂ। ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਮਨਸ਼ਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਈਕੂਅਲ ਸ਼ਹਿਰੀ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Deputy Speaker : Motion moved.

That the Punjab Scheduled Castes Land Development and Finance Corporation Bill be taken into consideration at once.

Sardar Umrao Singh (Barapind) ; Sir, I beg to move—

That the Punjab Scheduled Castes Land Development and Finance Corporation Bill be referred to a Select Committee consisting of—

1. Dr. Bhagat Singh, Minister for Social Welfare,
2. Master Gurbanta Singh.
3. Vaid Kartar Singh,
4. Sardar Dalip Singh Pandhi,
5. Chaudhri Sunder Singh,
6. Sirdar Kapur Singh,
7. Sardar Ravi Inder Singh,
8. Bhagat Guran Dass 'Hans'
9. Comrade Dana Ram,
10. Shri Manmohan Kalia,
11. Sardar Raja Singh,
12. Sardar Gurdip Singh Shaheed,
13. Sardar Jasdev Singh Sandhu,
14. Bawa Harnam Singh and
15. Sardar Umrao Singh,

with a direction to make a Report before the 31st December, 1970.

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਸਿਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਭੇਜਣ ਵਾਸਤੇ ਇਸ ਲਈ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਂ ਵੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿੱਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਡਿਫੈਕਟਸ ਹਨ । ਉਹ ਡੀਫੈਕਟਸ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੇ ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਇਹ ਬਿਲ ਸਿਲੈਕਟਸ ਕਮੇਟੀ ਕੋਲ ਨਾ ਜਾਵੇ । ਜਿਹੜੀ ਮੈਂ ਸਿਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਪਰੋਪੋਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਇਹ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਅਧੇ ਮੈਂਬਰ ਰੂਲਿੰਗ ਪਾਰਟੀ ਵਿਚੋਂ ਰਖੇ ਜਾਣ ਮਗਰ ਨਾਲ ਦੀ ਨਾਲ ਮੈਜਾਰਿਟੀ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਦੀ ਉਸ ਵਿਚ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟ ਮੈਂਬਰ, ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੀ ਭਲਾਈ ਲਈ ਬੈਠ ਕੇ ਚੰਗਾ ਬਿਲ ਬਣਾ ਸਕਣ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹੁਣੇ ਸਰਦਾਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸੰਤ ਬਾਬਾ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਦੀ ਹਦਾਇਤ ਅਨੁਸਾਰ ਇਹ ਬਿਲ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਕੈਬਨੈਂਟ ਨੇ ਨਹੀਂ ਬਣਾਇਆ, ਪੰਜਾਬ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਵਿਚ ਲੈ ਕੇ ਨਹੀਂ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ । ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜ਼ਾਬ ਕੈਬਨੇਟ ਦੀ ਇਸ ਵਿਚ ਕਨਸੈਂਟ ਵੀ ਨਾਂ ਲਈ ਗਈ ਹੋਵੇ । ਜਿਹੜਾ ਇਹ ਬਿਲ ਬਾਬਾ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਦੇ ਹੁਕਮ ਨਾਲ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ, ਉਸ ਵਿਚ ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਕਿ ਸੰਤ ਬਾਬਾ ਜੀ ਨੇ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੀ ਭਲਾਈ ਵਾਸਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਹੈ । ਇਹ ਬੜਾ ਸ਼ਲਾਘਾ ਯੋਗ ਕਦਮ ਹੈ ਪਰ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਪਿਛਲੀ ਰਵਾਇਤ ਦਾ ਤਅੱਲੁਕ ਹੈ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ :

"ਹਮਕੋ ਉਨ ਸੇ ਹੈ ਵਫਾ ਕੀ ਉਮੀਦ ।
ਜੋ ਨਹੀਂ ਜਾਨਤੇ ਵਫਾ ਕਿਆ ਹੈ ।"

ਜੋ ਰਵਾਇਤਾਂ ਪਿਛਲੇ ਤਿੰਨ ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਹਨ, ਪਹਿਲਾਂ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਦੀ ਵਜ਼ਾਰਤ, ਫੇਰ ਗਿਲ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਵਜ਼ਾਰਤ, ਫੇਰ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਦੀ ਵਜ਼ਾਰਤ ਅਤੇ ਹੁਣ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਮਹੀਨਿਆਂ ਤੋਂ ਬਾਦਲ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਵਜ਼ਾਰਤ ਵੇਲੇ ਜੋ ਕੁਝ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਅਤੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿਣ ਵਾਲਿਆਂ ਨਾਲ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਉਸ ਦਾ ਵਰਨਣ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਆਇਆ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਹੈ ਅਤੇ ਸਭ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਪਾਂਧੀ ਜੀ ਜੋ ਕੁਝ ਮੈਂ ਬੋਲਿਆ ਹੈ ਉਹ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੀ ਭਲਾਈ ਵਾਸਤੇ ਬੋਲਿਆ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਪਾਂਧੀ ਜੀ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਥਲੇ, ਇਸ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹੋਏ, ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੇ ਭਲੇ ਲਈ ਟਰੇਯਰੀ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਤੇ ਬੈਠਣ ਵਾਲੇ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੇ ਭਲੇ ਲਈ, ਵਾਕ ਆਊਟ ਕੀਤਾ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਾਂਧੀ ਜੀ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਾਥੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਇਸ ਬੋਰਡ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਲਏ ਜਾਣ (ਵਿਘਨ) ਯਕੀਨਨ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਹੈ ਇਹ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੇ ਭਲੇ ਵਾਸਤੇ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਇਹ ਨਾ ਸਮਝਣ ਕਿ ਮੈਂ ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਢੀਲੇ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਪੰਚਾਇਤ ਸੰਮਤੀਆਂ ਬਾਰੇ 70 ਸਫ਼ੇ ਦੀ ਰਪੋਰਟ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਨੂੰ ਸੌਂਪੀ ਗਈ ਸੀ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸ਼ਿਮਲੇ ਬੈਠ ਕੇ ਪੰਦਰਾਂ ਦਿਨ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅੰਦਰ ਰਪੋਰਟ ਦੇ ਦਿਤੀ ਸੀ। (ਵਿਘਨ)

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੇ ਭਲੇ ਦਾ ਤਅਲੁੱਕ ਹੈ, ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੈਟਿਸਫੈਕਸ਼ਨ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਉਨੀਂ ਦੇਰ ਤਕ ਬਜਾਏ ਇਸ ਦੀ ਸਰਾਹਨਾ ਕਰਨ ਦੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਅਛਾ ਅਸਰ ਨਹੀਂ ਪਵੇਗਾ। ਗੌਰਮੈਂਟ ਵਲੋਂ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਕਾਨਫੀਡੈਂਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਲਿਤਾ ਗਿਆ। ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਸਾਰੇ ਸਾਥੀਆਂ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਇਸ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ। ਇਸ ਵਿਚ ਇਕ ਬੇਸਿਕ ਡਿਫੈਕਟ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਕਹਿਣ ਨੂੰ ਤਾਂ ਇਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾਈ ਗਈ ਹੈ ਪਰ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਵਾਲੇ ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਅਖਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਕਾਂਸਟੀਚੂਸ਼ਨ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਬਿਲ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾਈ ਗਈ ਹੈ। ਇਹ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਇਕ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਹੀ ਬਣਾਈ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਸ ਵਿਚ ਇਕ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਅਫਸਰ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਦੇ ਸਾਰੇ ਅਖਤਿਆਰ ਦੇ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਇਹ ਸਾਰੇ ਅਖਤਿਆਰ ਇਕ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਐਂਪਲਾਈ ਨੂੰ, ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਅਫਸਰ ਹੋਵੇਗਾ, ਉਸ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਬੋਰਡ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਪਾਵਰ ਨਲੀਫਾਈ ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਲੋਨ ਦੇਣ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਜਾਂ ਹੋਰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇਣ ਦਾ ਤਅਲੁੱਕ ਹੈ, ਉਸ ਬਾਰੇ ਪਰਬੰਧਾਂ ਵਿਚ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕੋਈ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦੀ ਤਰੁਟੀ ਰਹਿ ਗਈ ਹੋਵੇ, ਕੋਈ ਨੁਕਸ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਵਾਸਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਕ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਇਸ ਉਤੇ ਲਗਾਏ ਜਾਣਗੇ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੋ ਕਲਾਜ਼ 5 ਹੈ, ਉਸ ਵਿਚ ਮਿਨੀਮਮ ਪੈਸੇ ਕਿਤੇ ਵੀ ਪਰੋਵਾਈਡ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ ਗਏ। ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ 5 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦਾ ਸਰਮਾਇਆ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿ ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਯਾਦ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਜਦੋਂ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਹਰੀਜਨ ਕਲਿਆਣ ਫੰਡ ਬਣਾਇਆ ਸੀ ਤਾਂ ਕੁਝ ਚਿਰ ਵਿਚ ਹੀ ਸਾਢੇ ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਇਕਠੇ ਕਰ ਦਿਤੇ ਸਨ, ਜੋ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਦੋਸਤਾਂ ਨੂੰ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਵੰਡ ਦਿਤੇ (ਵਿਘਨ) ਹੁਣ ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੇ ਫੰਡ ਨਾਲ ਹਰੀਜਨ ਭਲਾਈ ਦੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਸੁਣਿਆ ਹੈ, ਇਸ ਵੇਲੇ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਰਿਸੋਰਸਿਜ਼ ਬੜੇ ਟਾਈਟ ਹਨ। 13 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦਾ ਘਾਟਾ ਹੈ। ਆਖਰ ਇਹ ਘਾਟਾ ਕਿਥੋਂ ਪੂਰਾ ਕਰਨਗੇ ? ਕਿਥੋਂ ਇਸ ਲਈ ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਦੇਣਾ ਹੈ ? ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਕ ਖਿਡੌਣਾ ਬਣਾ ਕੇ ਸਾਡੇ ਸਾਥੀਆਂ ਦੇ ਹਥ ਦੇਣ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ। ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਲਈ ਫੰਡਜ਼ ਕਿਥੋਂ ਆਉਣੇ ਹਨ,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ]

ਇਹ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ ਗਿਆ। ਮਿਨੀਮਮ ਫੰਡਜ਼ ਕਿਥੋਂ ਆਉਣਗੇ, ਇਹ ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਕਿੰਨੇ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਪੂਰਾ ਹੋਵੇਗਾ ਅੌਰ ਕਿਥੋਂ ਪੂਰਾ ਕਰਨਗੇ, ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਇਸ ਵਿਚ ਕੀ ਕੰਟਰੀਬਿਊਸ਼ਨ ਹੋਵੇਗੀ, ਕੀ ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਕਲਿਆਣ ਹੋ ਜਾਣਾ ਹੈ? ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਵਾਲਾਂ ਦਾ ਜਵਾਬ ਨਹੀਂ ਆਇਆ। ਸਾਢੇ 35 ਲਖ ਦੀ ਅਬਾਦੀ ਹੈ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਇਸ ਸੂਬੇ ਵਿਚ। ਇੰਨੀ ਥੋੜੀ ਰਕਮ ਰਖਣਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਧਕਾ ਹੈ, ਇਹ ਸਟੰਟ ਹੈ, ਇਸ ਤੋਂ ਵਧ ਇਸ ਦੀ ਕੋਈ ਵੈਲਿਊ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਵਿਚ ਕਈ ਲੀਗਲ ਡਿਫੈਕਟਸ ਵੀ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਰਜ਼ੇ ਲੈਣੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੀ ਲਾਇਬਿਲਿਟੀ ਹੋਣੀ ਹੈ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗਲਾਂ ਦਾ ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਨਾਂ ਇਸ ਵਿਚ ਡੇਟਰ ਨਾਂ ਜੁਆਇੰਟ ਡੇਟਰ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਦਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਸੋਸਾਇਟੀ ਦੇ ਨੌਨ ਹਰੀਜਨ ਜਿਹੜੇ ਮੈਂਬਰ ਹੋਣਗੇ ਉਹ ਵੀ ਕਰਜ਼ਾ ਲੈ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਅਜਿਹੇ ਮੈਂਬਰ ਹੋਣ ਜਾਂ ਤਾਂ ਉਹ ਟੈਕਨੀਕਲ ਮੈਂਬਰ ਹੋਣ, ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਮੇਰੇ ਵਰਗੇ ਮੈਂਬਰ ਬਣਾ ਕੇ ਰਖਣ ਦਾ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਬੋਲੀ ਦੇਣ ਵੇਲੇ ਤਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਅਗੇ ਕਰ ਦੇਣਗੇ ਅਤੇ ਪੈਸੇ ਦੇਣ ਵੇਲੇ ਆਪ ਅਗੇ ਹੋ ਜਾਣਗੇ। ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਭਗਤ ਗੁਰਾਂ ਦਾਸ ਹੰਸ : ਹਰੀਜਨ ਕਲਿਆਣ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਨੀ ਹੈ। ਇਹ ਵੇਖੋ ਕਿ ਇਧਰ ਤੇ ਉਧਰ (ਟਰੇਜ਼ਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਵਲ ਇਸ਼ਾਰਾ ਕਰਕੇ) ਕਿੰਨੇ ਗੈਰ ਹਰੀਜਨ ਮੈਂਬਰ ਬੈਠੇ ਹਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗ ਜਾਇਗਾ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨਾਲ ਕਿੰਨੀ ਹਮਦਰਦੀ ਹੈ।

Mr. Deputy Speaker : No point of order.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਤ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਬੋਰਡ ਬਣਨਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚੋਂ ਦੋ ਅਫਸਰ ਹੋਣੇ ਹਨ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ। ਤੀਸਰਾ ਵੀ ਅਫਸਰ ਹੈ—ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਅਫਸਰ—ਜਿਸ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਲੈਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਕੇ ਸਤਾਂ ਵਿਚੋਂ ਤਿੰਨ ਆਦਮੀ ਗੌਰਮੈਂਟ ਆਫੀਸਰਜ਼ ਹੋਣਗੇ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਦੇ ਚਾਰ ਆਦਮੀ ਨਾਨ-ਆਫੀਸ਼ਲ ਹੋਣਗੇ। ਤਾਂ ਫੇਰ ਇਸ ਤੋਂ ਇਹ ਸਮਝਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੀ ਹੋਈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਨਾਨ-ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਇਸ ਵਿਚ ਸ਼ੈ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ਉਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਅਟੌਨੋਮਸ ਬਾਡੀ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦੀ। ਮੈਂ ਪੂਰੀ ਜ਼ਿੰਮੇਂਵਾਰੀ ਨਾਲ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਜੇ ਨਾਨ-ਆਫੀਸ਼ਲ ਮੈਂਬਰ ਲੈਣੇ ਹਨ ਤਾਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਦੋ ਮੈਂਬਰ ਜ਼ਰੂਰ ਉਸ ਵਿਚ ਅਸੋਸ਼ੀਏਟ ਕਰਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਦੋ ਮੈਂਬਰ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੇ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।

ਮੈਂ ਅਗੇ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਅਖਤਿਆਰ ਚੀਫ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਅਫਸਰ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿਤੇ ਹਨ—ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਕਿਸੇ ਦੀ ਅਪੁਆਇੰਟਮੈਂਟ ਕਰਨੀਆਂ, ਪੋਸਟਾਂ ਵਾਸਤੇ ਕੁਆਲੀਫਿਕੇਸ਼ਨਾਂ ਫਿਕਸ ਕਰਨੀਆਂ, ਤਨਖਾਹਾਂ ਮੁਕੱਰਰ ਕਰਨੀਆਂ, ਅਪੁਆਇੰਟਮੈਂਟ ਦੀਆਂ ਟਰਮਜ਼ ਫਿਕਸ ਕਰਨੀਆਂ ਆਦਿ, ਇਹ ਸਾਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਆਪਣੇ ਕੋਲ ਲੈ ਲਿਤੀਆਂ ਹਨ। ਐਂਪਲਾਈ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਹੋਣਗੇ ਪਰ ਇਹ ਉਪਰ ਦਸਿਆ ਸਾਰਾ ਕੰਮ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਆਪਣੇ ਕੋਲ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਦੇ ਐਂਪਲਾਇਰ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਅਧਿਕਾਰ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਉਹ ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਹੋਣਗੇ ਜਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮੈਂਟ ਦੇ ਹੋਣਗੇ? ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਹੋਣਗੇ ਜਿਸ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਐਂਪਲਾਏ ਕਰਨ ਦਾ ਅਧਿਕਾਰ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਪੂਰੇ ਅਖਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ ਜਿਵੇਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਿ ਕਿਸੇ ਦੀ ਅਪੁਆਇੰਟਮੈਂਟ ਕਰਨੀ, ਪੋਸਟ ਵਾਸਤੇ ਕੁਆਲੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਮੁਕਰਰ ਕਰਨੀ, ਤਨਖਾਹ ਮੁਕਰਰ ਕਰਨੀ, ਟਰਮਜ਼ ਆਫ ਅਪੁਆਇੰਟਮੈਂਟ ਫਿਕਸ ਕਰਨੀਆਂ, ਉਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਇਹ ਕੰਮ ਠੀਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਚਲ ਸਕਦਾ। (ਵਿਘਨ)

ਇਥੋਂ ਤੱਕ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਮੈਨੂੰ ਸ਼ੰਕਾ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਇਕ ਕਲਾਜ਼ ਅਜਿਹੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਅਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਨੂੰ ਹੋਲ ਟਾਈਮ ਲਈ ਅਫਸਰ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਜਿਸ ਨੂੰ ਕਿ ਚੀਫ ਅਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਅਫਸਰ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਦੇ ਅਖਤਿਆਰਾਤ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਰੂਲਜ਼ ਬਨਾਉਣ ਦੇ, ਰੈਗੂਲੇਸ਼ਨਜ਼ ਬਨਾਉਣ ਦੇ, ਲੋਨ ਸੈਂਕਸ਼ਨ ਕਰਨ ਦੇ, ਐਂਪਲਾਈ ਰੱਖਣ ਦੇ, ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਲੋਨ ਛੱਡਣ ਦੇ, ਸਾਰੇ ਦੇ ਸਾਰੇ ਅਖਤਿਆਰਾਤ ਉਸ ਚੀਫ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਆਫੀਸਰ ਨੂੰ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਜੇ ਸਾਰੇ ਦੇ ਸਾਰੇ ਅਖਤਿਆਰਾਤ ਚੀਫ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਆਫੀਸਰ ਨੂੰ ਦਿਤੇ ਜਾਣੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਨਾਉਣ ਦਾ ਕੀ ਫਾਇਦਾ, ਬੋਰਡ ਆਫ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਬਨਾਉਣ ਦਾ ਕੀ ਫਾਇਦਾ? ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਪਾਵਰ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਆਫੀਸਰ ਨੂੰ ਡੈਲੀਗੇਟ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਵਿਚ ਇਹ ਦਰਜ ਹੈ ਕਿ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਵਾਸਤੇ ਕੁਝ ਕਰਜ਼ੇ ਦੇਵੇਗੀ। ਇਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਕਲਾਜ਼ 16 ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕਈ ਅਸੂਲ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ ਕਿ ਫਲਾਣੇ ਫਲਾਣੇ ਕੰਮ ਲਈ ਕਰਜ਼ੇ ਦਿਤੇ ਜਾਣਗੇ। ਪਰ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਖਰੀਦਣ ਦੀ ਮੰਗ ਨੂੰ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਖਰੀਦਣ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ, ਸਗੋਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਫਾਰ ਆਲ ਅਦਰ ਪਰਪਜਿਜ਼। ਜ਼ਮੀਨ ਖਰੀਦਣ ਦੀ ਥਾਂ ਤੇ ਹੈ "ਫਾਰ ਆਲ ਅਦਰ ਪਰਪਜਿਜ਼।" ਇਸ ਵਿਚ 8-9 ਪਰਪਜਜ਼ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਲਈ ਜ਼ਮੀਨ ਖਰੀਦਣ ਦਾ ਕੋਈ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਲਈ ਕਰਜ਼ੇ ਨਹੀਂ ਦਿਤੇ ਜਾਣਗੇ। ਗੌਰਮਿੰਟ ਇਸ ਨੂੰ ਕਲੀਅਰ ਕਰੇ। ਇਹ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਕਿ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਖਰੀਦਣ ਵਾਸਤੇ ਕਰਜ਼ੇ ਦੇਵੇ। ਜਿਥੇ ਹੋਰ ਕੰਮਾਂ ਵਾਸਤੇ, ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਡੇਅਰੀ, ਪਿੱਗਰੀ ਪੋਲਟਰੀ ਆਦਿ ਵਾਸਤੇ ਦਿਤੇ ਜਾਣਗੇ, ਉਥੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ, ਇਸ ਲਈ ਕਰਜ਼ੇ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ? ਹਰੀਜਨ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿ ਕੇ ਇਸ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਗੱਲ ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਪਰਵਿਊ ਵਿਚ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਸਪੈਸੀਫੀਕਲੀ ਇਹ ਗੱਲ ਆਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਵਿਚ ਇਕ ਪਰੋਵੀਜ਼ਨ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਬੋਰਡ ਹੈ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਅਖਤਿਆਰ ਦਿਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ—ਉਹ ਪਾਲਿਸੀ ਡਾਇਰੈਕਟਿਵ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਫਿਰ ਵੀ ਉਸ ਦੇ ਉਪਰ ਵੀ ਅਖਤਿਆਰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਹੈ। ਜੇ ਬੋਰਡ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ ਆਖੇ ਨਹੀਂ ਲਗਦਾ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਨਾਮਜ਼ਦ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਹਨ ਜੇ ਉਹ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੇ, ਚੀਫ ਸੈਕਟਰੀ ਦੇ ਜਾਂ ਮਨਿਸਟਰ ਦੇ ਆਰਡਰ ਗਲਤ ਹਨ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ ਅਤੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਇਹ ਕਹਿਣ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਲਈ ਹੋਰ ਪਾਲਿਸੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਲੋਨ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰ ਦੇਣ ਤਾਂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰਨ ਦਾ ਪਰੋਵਿਯਨ ਕਰ ਕੇ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਇਕ ਅਫਸਰ ਦੇ ਸਪੁਰਦ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਉਸ ਅਫਸਰ ਦਾ ਇਕ ਸਾਲ ਜਾਂ ਦੋ ਸਾਲ ਆਦਿ ਦਾ ਕੋਈ ਟਰਮ ਪੀਰੀਅਡ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅਖਤਿਆਰਾਤ ਦੇ ਕੇ, ਲੋਕਾਂ ਪਾਸੋਂ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਨਾਮ ਤੇ, ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਦੇ ਨਾਮ ਤੇ,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ]

ਪੈਸੇ ਇਕੱਠੇ ਕਰਕੇ ਅਤੇ ਫਿਰ ਉਸ ਇਕ ਅਫਸਰ ਦੇ ਸਪੁਰਦ ਕੀਤੇ ਜਾਣੇ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਵਡਾ ਫਰਾਡ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਅਗਰ ਕੋਈ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਗਲਤ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਪਾਵਰਜ਼ ਲੈਣੀਆਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਹਟਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਪਰ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਕਿਉਂ ਤੋੜ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ। ਅਤੇ ਫਿਰ ਉਸ ਨੂੰ ਤੋੜ ਕੇ ਸਾਰਾ ਕੰਮ ਇਕ ਅਫਸਰ ਦੇ ਸਪੁਰਦ ਕਰ ਦੇਣਾ, ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਰੂਲਜ਼ ਬਣਦੇ ਹਨ, ਉਸ ਦੇ ਥੱਲੇ ਕਈ ਰੈਗੂਲੇਸ਼ਨਜ਼ ਬਣਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਜੋ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਫੰਡਜ਼ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਅਕਾਊਂਟਸ ਦੀ ਆਡਿਟ ਹੋਵੇ, ਬੈਲੈਂਸ ਸ਼ੀਟ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ, ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਕਿਤੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ। ਜਿੰਨੀਆਂ ਵੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨਾਂ ਹਨ, ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਇੰਡਸਟਰੀਅਲ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਹੈ, ਇਲੈਕਟਰਿਸਟੀ ਬੋਰਡ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਦੀਆਂ ਰਿਪੋਟਾਂ ਇਥੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਆਉਂਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਇਥੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਕਿਤੇ ਨਹੀਂ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਲੱਗ ਸਕਦਾ ਕਿ ਕਿਸ ਕਿਸ ਨੂੰ ਕਰਜ਼ੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ। ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਨੂੰ ਜਾਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਦੋਸਤਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ। (ਵਿਘਨ) ਕਰਜ਼ੇ ਦੀ ਲਿਸਟ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਆਵੇ ਔਰ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਇਹ ਅਖਤਿਆਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੀ ਜਿਹੜੀ ਰਿਪੋਰਟ ਹੋਵੇ, ਉਸ ਨੂੰ ਡਿਸਕਸ ਕਰ ਸਕੇ। ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੀ ਬੜੀ ਭਾਰੀ ਅਹਿਮੀਅਤ ਹੈ। 30-35 ਲੱਖ ਆਦਮੀਆਂ ਦੇ ਫਿਊਚਰ ਦੇ ਮੁਤਲੱਕ ਇਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਫੰਡਜ਼ ਐਨੇ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਜਿਸ ਦੇ ਨਾਲ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਮ-ਅਜ਼-ਕਮ ਅਸੀਂ ਕਹਿ ਸਕੀਏ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਬੱਜਟ ਦਾ ਐਨਾ ਹਿੱਸਾ ਇਸ ਦੇ ਉਤੇ ਲਾਇਆ ਹੈ। ਅੱਜ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦਾ ਚੌਥਾ ਹਿੱਸਾ ਜਾਂ ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੀ 30 ਜਾਂ 33% ਆਬਾਦੀ ਜਿਹੜੀ ਹੈ, ਉਸ ਵਾਸਤੇ ਅਗਰ ਅਸੀਂ ਬਜਟ ਦਾ 33 ਫ਼ੀ ਸਦੀ ਹਿੱਸਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕੱਢ ਸਕਦੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲੋਂ ਹੋਰ ਵੱਡਾ ਫਰਾਡ ਕੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ? ਸਿਰਫ ਇਹ ਕਰੈਡਿਟ ਲੈਣ ਲਈ ਹੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਹੋਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ। ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਕੋਈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਬਣੀ। ਸੋ ਇਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾ ਕੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਸਤਾ ਕਰੈਡਿਟ ਲੈਣ ਤੋਂ ਸਿਵਾਏ ਹੋਰ ਕੋਈ ਗੱਲ ਨਹੀਂ। ਅੱਜ ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਪੰਜਾਬ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਵਾਸਤੇ ਸੈਂਟਰ ਤੋਂ ਆ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਉਤੇ ਖਰਚ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਪਰ ਉਹ ਸਾਰੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਬੰਦ ਹਨ। ਮੈਨੂੰ ਸ਼ੱਕ ਹੈ ਕਿ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਨਾ ਖੁਦ ਆਪ ਇਹ ਬਿੱਲ ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਆਪਣੇ ਸਾਥੀਆਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਾਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਇਸ ਦੀਆਂ ਇੰਪਲੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਪੜ੍ਹੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਜੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਤਾਂ ਇਕ ਇਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਓ। ਉਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਦੀ ਬੰਦਸ਼ ਨਹੀਂ। ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਅਗਰ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ 15 ਮੈਂਬਰ ਰੱਖਣੇ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਜਾਂ ਹੋਰ ਸਾਥੀ ਵੀ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਤਾਂ ਰੱਖ ਲੈਣ। ਪਰ ਮਹੀਨੇ 15 ਦਿਨ ਵਿਚ ਕਮੇਟੀ ਬਣ ਜਾਵੇ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਲੈ ਕੇ ਬਿਲ ਨੂੰ ਕੰਪਰੀਹੈਂਸਿਵ ਬਨਾਉਣ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਆਈਆਂ ਹਨ। 5-7 ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ ਜੀ ਵੱਲੋਂ ਹਨ, 5-7 ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਵੱਲੋਂ ਅਤੇ 5-7 ਪਾਂਧੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਬਿਲ ਵਿਚ 20 ਕਲਾਜ਼ਾਂ ਹੋਣ ਅਤੇ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਉਸ ਵਿਚ 100 ਹੋ ਜਾਣ ਔਰ ਫਿਰ ਇਹ ਬਿਲ ਪਾਸ ਕਰਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁਣ, ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਲੈਣ ਜੋ ਇਸ ਨੂੰ ਠੀਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇਖੇ ਅਤੇ ਸਤੰਬਰ ਜਾਂ ਅਕਤੂਬਰ ਵਿਚ ਫਿਰ ਸੈਸ਼ਨ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿਚ ਇਸ ਨੂੰ ਫਿਰ ਲੈ ਆਉਣ। ਸੋ ਉਮੀਦ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜੀਆਂ ਮੈਂ ਤਜਵੀਜ਼ਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ, ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰਨਗੇ।

Mr. Deputy Speaker : Motion moved—

That the Punjab Scheduled Castes Land Development and Finance Corporation Bill be referred to a Select Committee consisting of :

(1) Dr. Bhagat Singh, Minister for Social Welfare,
(2) Master Gurbanta Singh,
(3) Vaid Kartar Singh,
(4) Sardar Dalip Singh Pandhi,
(5) Chaudhri Sunder Singh,
(6) Sirdar Kapur Singh,
(7) Sardar Ravi Inder Singh,
(8) Bhagat Guran Dass 'Hans',
(9) Comrade Dana Ram,
(10) Shri Manmohan Kalia,
(11) Sardar Raja Singh,
(12) Sardar Gurdip Singh Shahid,
(13) Sardar Jasdev Singh Sandhu,
(14) Bawa Harnam Singh, and
(15) Sardar Umrao Singh,

with a direction to make a Report before the 31st December, 1970.

ਸ਼੍ਰੀ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਮਲੂਮ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸਦਨ ਨੇ ਡੇਢ ਵਜੇ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਟੇਕ ਅੱਪ ਕਰਨੀ ਹੈ। ਹੁਣ ਇਕ ਵਜ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕੀ ਰਾਏ ਹੈ। (The hon. Members know that Adjournment Motion is to be discussed at 1.30 P. M. It is now 1.00 P. M. I would like to know the wishes of the House.)

ਸਮਾਜ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ : ਹਾਊਸ ਇਕ ਘੰਟੇ ਵਾਸਤੇ ਐਡਜਰਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ।

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਆਪ ਸੀਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿਉ ਜੋ ਇਸ ਨੂੰ ਦੇਖੇ ਅਤੇ ਫਿਰ ਇਹ ਅਗਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਆ ਜਾਵੇਗੀ।

ਸਮਾਜ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ : ਜਿਹੜੀ ਮੇਰੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਮੋਸ਼ਨ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ......(ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਉ ਸਿੰਘ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਬਿਲ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵੀ ਹੈ...(ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਦਸ ਦਿਆਂ ਕਿ ਡੇਢ ਵਜੇ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਆਵੇਗੀ। (I may inform the House that the Adjournment Motion will be discussed at 1.30 P. M.)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਬਿੱਲ ਵੀ ਆਉਣਾ ਹੈ, ਲੇਕਿਨ ਸਬੰਧਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਇਥੇ ਮੌਜੂਦ ਨਹੀਂ ਹਨ । ਫਿਰ ਉਹ ਆਕੇ ਕਹਿਣਗੇ ਕਿ ਅਸੀਂ ਵੀ ਇਕ ਘੰਟਾ ਲੈਣਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਜੋ ਗੌਰਮਿੰਟ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਹ ਕਲੀਅਰ ਦੱਸਣ ।

MOTION FOR THE EXTENSION OF TIME

Minister for Social Welfare (Dr. Bhagat Singh) : Sir, this is a very minor Bill.

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I beg to move—

That the duration of the sitting of the House be extended till the business of the day is disposed of.

Mr. Deputy Speaker : Motion moved—

That the duration of the sitting of the House be extended tlll the business of the day is disposed of.

चौधरी बलबीर सिंह : व्यवस्था का प्रश्न । उपाध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि अगर यह सिलैक्ट कमेटी को भेजे जाने की मूव यह ऐक्सैप्ट करते हैं फिर तो अलग बात है, अगर ऐक्सैप्ਟ नहीं करते तो फिर जवाब देने की क्या जरूरत है। (विघ्न)

ਸ੍ਰੀ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਇਸ ਗਲ ਨਾਲ ਐਗਰੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਇਜਾਜ਼ਤ ਤਦ ਦੇਵਾਂਗਾ ਅਗਰ ਸਿਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਭੇਜਣਗੇ । (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਉਤਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਅਗੇ ਨਹੀਂ ਚਲਣਾ ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਟਾਈਮ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਂ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਟਾਈਮ ਦੇਣਾ ਹੈ । (I agree with the hon. Member. I will allow him only if the Bill is to be sent to the Select Committee. (Interruption) I will not proceed further till a decision is taken about the time because I have to allot the time to the various hon. Members accordingly.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਦੋ ਮੋਸ਼ਨ ਮੂਵ ਹੋ ਚੁਕੀਆਂ ਹਨ । ਇਕ ਮੋਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਘੰਟਾ ਹਾਊਸ ਐਡਜਰਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਦੂਸਰੀ ਮੋਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਬਿਲ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਉਤਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਹਾਊਸ ਚਲੇ । ਇਸ ਤੇ ਵੋਟਿੰਗ ਕਰਵਾ ਲਓ । (ਵਿਘਨ)

Minister for Social Welfare : Sir, I request that this House shall continue to sit till both the bills on the list of business for today, are disposed of.

Mr. Deputy Speaker : I will first take the sense of the House that it will continue to sit till both the Bills are passed and after that the adjournment motion will be taken up.

(Voices : Yes : Yes)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਸੀਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣੀ ਮੰਨਦੇ ਨਹੀਂ । ਡੇਢ ਵਜੇ ਤੋਂ ਬਾਦ ਐਡਜਰਨਮੈਂਟ ਮੋਸ਼ਨ ਪੇਸ਼ ਹੋਣੀ ਹੈ । ਇਹ ਬਿਲ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਬਾਦ ਇਕ ਹੋਰ ਬਿਲ ਹੈ ਅਤੇ 50 ਦੇ ਕਰੀਬ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਮੂਵ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। ਇੰਨਾਂ ਜ਼ਰੂਰੀ ਬਿਲ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ (ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਵਲ ਇਸ਼ਾਰਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ) ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਤੇ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਘੰਟੇ ਬਹਿਸ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਸਾਰਿਆਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਵਿਚਾਰ ਪੇਸ਼ ਕਰਨੇ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਦ ਨਾਲ ਗਲ ਨਹੀਂ ਬਣਨੀ। ਜਾਂ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਇਸੇ ਕੰਮ ਵਾਸਤੇ ਕੱਲ ਇਜਲਾਸ ਬੁਲਾ ਲਓ—(ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਸਜੈਸਟ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਵਾਲੀ ਮੋਸ਼ਨ ਐਡਾਪਟ ਕਰ ਲਈਏ। (I would suggest that the motion moved by Comrade Dang may be adopted.)

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ। ਅਸੀਂ ਸਵੇਰ ਦੀ ਚਾਹ ਹੀ ਪੀ ਕੇ ਆਏ ਹਾਂ ਹੋਰ ਕੁਝ ਖਾਧਾ ਪੀਤਾ ਨਹੀਂ । (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਕੋਈ ਸੁਝਾਓ ਦਿਓ। (ਵਿਘਨ) (Please give me some other suggestion) (Interruption.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਇਕ ਸੁਝਾਓ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਚਿਰ ਬਿਜ਼ਨਸ ਮੁਕਦਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੇ ਰਾਤ ਦੇ 12 ਵੱਜ ਜਾਣ ਉਤਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਹਾਊਸ ਚਲਣ ਦਿਓ। ਦੂਜਰਾ ਸੁਝਾਓ ਇਹ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਵਾਲੇ ਮੰਨ ਜਾਣ ਕਿ ਅੱਜ ਹਾਊਸ ਸਾਈਨੇ ਡਾਈ ਐਡਜਰਨ ਨਾ ਹੋਵੇ ਔਰ ਕੱਲ ਇਸੇ ਗਲ ਵਾਸਤੇ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾ ਲਿਆ ਜਾਵੇ।

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਜ਼ਰੂਰ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਜਿਹੜੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਚਾਹ ਵਗੈਰਾ ਪੀਣੀ ਹੈ ਜਾਂ ਕੋਈ ਖਾਣਾ ਵਗੈਰਾ ਖਾਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕੁਝ ਸਮੇਂ ਲਈ ਹਾਊਸ ਐਡਜਰਨ ਕਰ ਦਿਓ ਔਰ ਉਸ ਦੇ ਬਾਦ ਦੁਬਾਰਾ ਬੁਲਾ ਲਓ। (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਬਿਲ ਪਾਸ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਬੇਸ਼ਕ ਹਾਊਸ ਦਾ ਟਾਈਮ ਐਕਸਟੈਂਡ ਕਰ ਦਿਓ। (ਵਿਘਨ)

ਸ਼੍ਰੀ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ : ਪਾਂਧੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜਿਹੜੀ ਸੁਜੈਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਥੇ ਕਿਸੇ ਤੇ ਕੋਈ ਰੁਕਾਵਟ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਹ ਉਠ ਕੇ ਚਾਹ ਵਗੈਰਾ ਪੀ ਆਏ ਜਾਂ ਰੋਟੀ ਖਾ ਆਵੇ। ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਤਕ ਇਥੇ ਕੋਰਮ ਕਾਇਮ ਰਹੇਗਾ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਐਡਜਰਨ ਨਹੀਂ ਕਰਾਂਗਾ । (With regard to Mr. Pandhi's suggestions, I would like to tell him that there is no restriction on any hon. Member going out for having tea, lunch etc. So long as the House is in quorum, I will not adjourn it.)

ਸਰਦਾਰ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਕੇ. ਪੀ. : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ ਮੈਂ ਇਸ ਨਾਲ ਬਿਲਕੁਲ ਸਹਿਮਤ ਹਾਂ ਅਤੇ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਕੇ. ਪੀ.]

ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । ਇਹ ਬਿਲ ਪਾਸ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਕ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਕਰਨ ਲਈ ਰਾਏ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸੰਤ ਬਾਬਾ ਫਤਹਿ ਸਿੰਘ ਦੀ ਗਲ ਕੀਤੀ ਹੈ...(ਵਿਘਨ)

Mr. Deputy Speaker : This is no point of order.

ਡਾਕਟਰ ਅਮੀਰ ਸਿੰਘ ਕਲਕਟ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ ! ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਸਦੀਆਂ ਤੋਂ ਬਾਦ ਆਇਆ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਜ਼ਰੂਰ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਖ਼ਿਲਾ ਹਨ, ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਵਾਸਤੇ ਰਖਣਾ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਕ ਮਖੌਲ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਬਿਲ ਜ਼ਰੂਰ ਪਾਸ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ (ਸਮਾਜ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ) ਨੂੰ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । (ਵਿਘਨ)

Mr. Deputy Speaker : This is no point of order. Please take your seat. (Interruptions)

(ਇਸ ਵਕਤ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ ਜੀ ਬਿਲ ਤੇ ਬੋਲਣ ਲਈ ਖੜੇ ਹੋਏ)

ਸ੍ਰੀ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ : ਅਸੀਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕਰਨਾ ਹੈ ਕਿ ਆਇਆ ਕਦੋਂ ਤਕ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਐਕਸਟੈਂਡ ਕਰਨਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) (We have to first take a decision on the Motion as to for how long the sitting of the Sabha is to be extended.) (Interruption)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਬਠਾਈ ਰਖੋ ਜਿੰਨਾਂ ਚਿਰ ਇਹ ਬਿਲ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That the duration of the sitting of the House be extended till the business of the day is disposed of.

The motion was carried.

RESUMPTION OF DISCUSSION REGARDING PUNJAB SCHEDULED CASTES LAND DEVELOPMENT AND FINANCE CORPORATION BILL, 1970

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੱਖਣ) ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ...

Sirdar Kapur Singh : Mr. Deputy Speaker, before the discussion on this Bill is undertaken, I may be informed as to when the next bill is going to be taken up because I have only one amendment for that Bill. If I know the time I will come back.

Mr. Deputy Speaker : Now I will take the sense of the House as how many hon. Members want to speak on the Bill then I will certainly let you know. Please enquire from me about it after some time.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਰਾ ਹੀ ਹਾਊਸ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਐਪਰੀਸ਼ੀਏਟ ਕਰੇਗਾ ਔਰ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਦੋ ਗਲਾਂ ਕਰਕੇ ਵਧਾਈ ਦੇਵੇਗਾ । ਇਕ ਤਾਂ ਇਸ ਕਰਕੇ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਇਸ ਬਿਲ ਦਾ ਨਿਸ਼ਾਨਾ ਹੈ, ਜਿਹੜਾ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ ਕਿ ਸ਼ੈਡੂਲਡ ਕਾਸਟ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਰਥਕ ਉੱਨਤੀ ਦੇ ਲਈ ਇਹ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਰਥਕ ਉੱਨਤੀ ਹੋਵੇ । ਇਹ ਇਕ ਐਸਾ ਆਬਜੈਕਟਿਵ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਸਬੰਧ ਸਾਰੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਦੇ ਨਾਲ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਦੋ ਰਾਵਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ । ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਐਪ੍ਰੀਸ਼ੀਏਟ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ।

ਦੂਜੀ ਗੱਲ ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪਰਸਨਲ ਵਧਾਈ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਮਨਿਸਟਰੀ ਦੇ ਇਹ ਕੱਲੇ ਹੀ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਜਿਹੜੇ ਇਸ ਗੱਲ ਵਿਚ ਕਾਮਯਾਬ ਹੋਏ ਹਨ ਕਿ ਕਿਸੇ ਸਬਸਟਾਂਸ਼ਲਿ ਮੈਟਰ ਉਤੇ ਕੋਈ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਨਹੀਂ ਆਈ ਸਗੋਂ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚ ਬਿਲ ਪਾਸ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਲੈ ਆਏ ਹਨ । ਪਿਛਲੇ 14 ਮਹੀਨਿਆਂ ਵਿੱਚ ਅਕਾਲੀ ਜਨਸੰਘ ਮਨਿਸਟਰੀ ਸਾਰੇ ਅਹਿਮ ਕੰਮ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਰਾਹੀਂ ਹੀ ਕਰਦੀ ਰਹੀ ਹੈ ਪਰ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਕੰਮ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਰਾਹੀਂ ਕਰਨਾ ਪਸੰਦ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਇਹ ਬਿਲ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚ ਲਿਆ ਕੇ ਪਾਸ ਕਰਵਾਉਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਸ ਕੰਟਰੋਵਰਸੀ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਸੰਤ ਜੀ ਨੇ ਇਸ ਲਈ ਹੁਕਮ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਜਾਂ ਕੀ ਗੱਲ ਹੈ; ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਤੌਰ ਮਨਿਸਟਰ ਇਹ ਬਿੱਲ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ : ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਤੁਹਾਡੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮੈਂ ਵੀ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਦੇ ਨਾਲ ਐਸੋਸ਼ੀਏਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । (Addressing Comrade Satya Pal Dang : With your permission, I would also like to associate myself with these sentiments.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਹੜੀ ਸਿਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਪਰਪੋਜ਼ਲ ਹੈ ਉਹ ਹਾਲੇ ਤਕ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਮੂਵ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਹੈ । ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿੱਚ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਰਾਏ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਮੈਂ ਉਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਵੈਸੇ ਸਾਧਾਰਣ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਮੈਂ ਉਸ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਹਾਂ ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਿੱਲ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਘੱਟੋ ਘੱਟ ਇਕ ਦਿਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ । ਕਿਉਂ ਕਿ ਇਸ ਸੈਸ਼ਨ ਦਾ ਫੈਗ ਐਂਡ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਵੈਸੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਹਾਜ਼ਰੀ ਵੇਖ ਲਵੋ । ਇਹ ਇਸ ਬਿਲ ਨਾਲ ਬੜੀ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਵੇਖ ਲਵੋ ਕਿ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਅਤੇ ਹੋਰ ਵੀ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਹਾਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਹਨ ਅਤੇ ਹਾਜ਼ਰੀ ਕਿੰਨੀਂ ਘੱਟ ਹੈ । ਇਹ ਬੜੀ ਬੇ-ਇਨਸਾਫੀ ਹੈ । ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਮੈਂ ਸਿਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਨਹੀਂ । ਉਸ ਦਾ ਕਾਰਨ ਵੀ ਮੈਂ ਦਸ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ । ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਸਿਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਬਿਲ ਲੈ ਜਾਣ ਵਾਸਤੇ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਕੋਲੋਂ ਸਤੰਬਰ ਵਿਚ ਸੈਸ਼ਨ ਬੁਲਾਉਣ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ]

ਦੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ, ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਅਸ਼ਿਉਰੈਂਸ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ । ਸੈਸ਼ਨ ਸਾਧਾਰਨ ਤੌਰ ਤੇ ਮੌਜੂਦ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਬਿਲ ਹੁਣ ਪਾਸ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਤਕ ਇਹ ਪਾਸਾ ਇਧਰ ਹੋਣਾ ਹੈ ਜਾਂ ਉਧਰ, ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਇਹ ਮਨਿਸਟਰਜ਼ ਪੱਕੇ ਹੋਣੇ ਹਨ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਸ ਵਕਤ ਤਕ ਕੀ ਹਾਲਾਤ ਪੈਦਾ ਹੋ ਜਾਣ, ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਗੌਰਮੈਂਟ ਫਟਾ ਫਟ ਆਪਣਾ ਬਜਟ ਪਾਸ ਕਰਾ ਕੇ ਉਠ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਇਹ ਬਿਲ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਸਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਹੀ ਰਹਿ ਜਾਵੇ । ਬਿੱਲ ਵਿਚ ਭਾਵੇਂ ਕਿੰਨੇ ਹੀ ਨੁਕਸ ਕਿਉਂ ਨਾ ਹੋਣ, ਕਿਉਂ ਨਾ ਕਿੰਨੇ ਹੀ ਲੀਗਲ ਖ਼ਿਲਾ ਇਸ ਵਿਚ ਹੋਣ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਇਸ ਬਿੱਲ ਵਿਚ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਤੋੜ ਦੇਣ ਦੀਆਂ ਕੁਝ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਾਵਰਜ਼ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ, ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਕਿੰਨੇ ਹੀ ਖ਼ਿਲਾ ਕਿਉਂ ਨਾ ਹੋਣ ਉਹ, ਅਸੀਂ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਾਂ ਰਾਹੀਂ ਦੂਰ ਕਰਾਂਗੇ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਬਾਦ ਵਿਚ ਲੜ ਲਵਾਂਗੇ ਅਤੇ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਝਗੜਾ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ, ਪਰ ਇਸ ਵਕਤ ਇਸ ਨੂੰ ਹਰ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਪਾਸ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਐਸੇ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਇਹ ਬਿੱਲ ਸਿਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਰੈਫ਼ਰ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ।

ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਬਿੱਲ ਦਾ ਔਬਜੈਕਟਿਵ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਕ ਗਲ ਕਹਿਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਦੇ ਔਬਜੈਕਟਿਵ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਦੋ ਰਾਵਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ ਇਹ ਬਿਲ ਕਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਔਬਜੈਕਟਿਵ ਨੂੰ ਹਾਸਲ ਕਰ ਸਕੇਗਾ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਤਵੱਜੋ ਇਸ ਵਲ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਿਲ ਦਾ ਔਬਜੈਕਟਿਵ ਜਿਹੜਾ ਇਸ ਬਿੱਲ ਵਿਚ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟ, ਜਿਹੜੀ ਇਸ ਸਟੇਟ ਦੀ ਜਨਤਾ ਦਾ ਇਕ ਹਿੱਸਾ ਹੈ, ਉਸ ਦੀ ਆਰਥਕ ਹਾਲਤ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਬਹੁਤ ਸਾਰਾ ਹਿੱਸਾ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਦਾ ਬਹੁਤ ਵੱਡਾ ਹਿੱਸਾ ਬੇਜ਼ਮੀਨਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਕੋਈ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ, ਜੇ ਕਿਸੇ ਕੋਲ ਹੈ ਵੀ ਤਾਂ ਉਹ ਬਹੁਤ ਹੀ ਘੱਟ ਹੈ, ਜਿਸ ਤੇ ਉਸ ਦਾ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਪਰਿਵਾਰ ਦਾ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ । ਜਿਹੜੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਦਿਹਾੜੀ ਕਰਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਮਜ਼ਦੂਰੀ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਦਿਹਾੜੀ ਘੱਟੋ ਘੱਟ ਪੰਜ ਰੁਪਏ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੀਨੀਮਮ ਵੇਜ ਮੁਕਰੱਰ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਉਪਰ ਸਾਮਾਜਿਕ ਤੌਰ ਤੇ ਜ਼ੁਲਮ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਡਿਪਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਾਲ ਐਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨਜ਼ ਰਾਹੀਂ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੀ ਤਵੱਜੋ ਦਿਲਾਈ ਹੈ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਵੀ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਝੋਨਾ ਲਗਾਉਣ ਦੇ ਸਿਲਸਲੇ ਵਿਚ ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਕਈ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਪਟਿਆਲਾ ਦੇ ਕਈ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਅਤੇ ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਦੇ ਦਰਜਨਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਾਲਕਾਂ ਨੇ ਜ਼ੁਲਮ ਕਰਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਤਿੰਨ ਰੁਪਏ ਦਿਹਾੜੀ ਤੋਂ ਵਧ ਨਹੀਂ ਦੇਵਾਂਗੇ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਨੇ ਆਪੋ ਆਪਣੀ ਵਾਜਬ ਮੰਗ ਰਖੀ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਪੰਜ ਰੁਪਏ ਦਿਹਾੜੀ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਾਢੇ ਚਾਰ ਰੁਪਏ ਤਕ ਵੀ ਮੰਗ ਕੀਤੀ, ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਤਿੰਨ ਰੁਪਏ ਤੋਂ ਵਧ ਨਹੀਂ ਦੇਣੇ । ਉਸ ਦਾ ਸਿੱਟਾ ਕੀ ਨਿਕਲਿਆ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸੋਸ਼ਲ ਬਾਈਕਾਟ ਕਰ ਦਿਤਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਘਰਾਂ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਨਹੀਂ ਨਿਕਲਣ ਦਿਤਾ। ਕਿਸੇ ਔਰਤ ਨੂੰ, ਬੱਚੇ ਨੂੰ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕਿਸੇ ਮਰਦ ਨੂੰ ਟੱਟੀ ਲਈ ਜਾਣ ਦਿੱਤਾ । ਉਹ ਚਾਰਾ ਲੈਣ ਲਈ ਗਏ, ਚਾਰਾ ਭਾਵੇਂ ਮੁਲ ਲਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੱਟਣ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਅੱਜ ਦੀ ਸਦੀ ਵਿਚ ਅੱਜ ਦੇ ਦਿਨ ਇਹ ਹਾਲਤ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਸਲੂਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ।

(ਇਸ ਵਕਤ ਪੈਨਲ ਆਫ਼ ਚੇਅਰਮੈਨ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਸਰਦਾਰ ਸ਼ਸ਼ਪਾਲ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕੁਰਸੀ ਸੰਭਾਲੀ)

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਤਵੱਜੋ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਕਾਨੂੰਨ ਹੇਠ ਮਿਨੀਮੱਮ ਵੇਜਿਜ਼ ਮੁਕੱਰਰ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਉਸ ਦੇ ਬਾਦ ਜੋ ਵੀ ਘੱਟੋ ਘੱਟ ਵੇਜਿਜ਼ ਮੁਕੱਰਰ ਹੋਣ ਉਸ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਇਕ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਸੈਟ ਅਪ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਜਿਹੜੀ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਓਵਰ-ਵੈਲਮਿੰਗ ਮਜ਼ਦੂਰ ਪਾਪੂਲੇਸ਼ਨ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਹੈਲਪ ਕਰ ਸਕੇ । ਗਰੀਬ ਹਰੀਜਨ ਕੋਈ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਕੰਪਨੀਆਂ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਚਲਾ ਸਕਦੇ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕੋਈ ਬਿਜ਼ਨੈਸ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਉਹ ਤਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਮਜ਼ਦੂਰੀ ਕਰਦੇ ਹਨ ਜਾਂ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿੱਚ ਦਿਹਾੜੀ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ ਮਿਨੀਮੱਮ ਵੇਜਿਜ਼ ਵਧਾਏ ਜਾਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਇਕ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਸੈਟ ਅਪ ਕੀਤੀ ਜਾਏ ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਉ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਮੁਲਕ ਵਿਚ ਜ਼ਾਤ ਪਾਤ ਦਾ ਸਿਸਟਮ ਬਹੁਤ ਵੱਧ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸ਼ੱਕ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਕਿ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਨਿਖੇਧੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਸਾਡੇ ਕਾਂਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨ ਵਿਚ, ਲੇਕਿਨ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ ਵੀ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਲੇਬਰ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਸਭ ਤੋਂ ਵਡੀ ਗਿਣਤੀ ਜਿਹੜੀ ਹੈ ਉਹ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਹੈ । ਅੱਜ ਕੱਲ੍ਹ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਉਹ ਲੋਕ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਡੇ ਵਡੇ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰਾਂ ਨਾਲ ਲੜਾਈ ਲੜ ਸਕਦੇ ਹਨ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਟੱਟੀ ਜਾਣਾ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿੱਤਾ, ਘਰੋ ਬਾਹਰ ਨਿਕਲਣਾ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਤਾ, ਉਹ ਆਪਣਾ ਮੁਲ ਲਿਆ ਹੋਇਆ ਚਾਰਾ ਤੱਕ ਕੱਟਣ ਵਾਸਤੇ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦੇ । ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਹ ਬਿਲ ਲਿਆਉਣ ਦਾ ਤਾਲੁਕ ਹੈ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ ਪਰ ਜਿਹੜਾ ਸਾਡਾ ਵੱਡਾ ਮਸਲਾ ਹੈ ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿਣ ਵਾਲੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਮਿਲੇ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਨੀਤੀ ਸਾਫ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਜਦ ਤਕ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਜਾਂਦੀ ਤਦ ਤਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਾਬਲਮ ਹਲ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ । ਜਦੋਂ ਅਸੀਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਨਿਕਾਸੀ ਜ਼ਮੀਨ ਨੀਲਾਮੀ ਰਾਹੀਂ ਨਾ ਦਿਤੀ ਜਾਏ, ਕਿਉ ਕਿ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਗ਼ਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕਦੀ, ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਤਾਂ ਕਾਮਰੇਡ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਪਰ, ਮੈਂ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕੀ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ ਟੌਹੜਾ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਇਕ ਮੰਨੇ ਲੀਡਰ ਹਨ, ਕੀ ਉਹ ਵੀ ਕਮਿਊਨਿਸਟ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਨੀਲਾਮੀ ਰਾਹੀਂ ਕਿਸੇ ਗ਼ਰੀਬ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਰਹੀ ਅਤੇ ਵਡਿਆਂ ਵਡਿਆਂ ਨੂੰ ਮਿਲ ਰਹੀ ਹੈ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਜ਼ਮੀਨ ਜੇ ਕਿਸੇ ਹਰੀਜਨ ਨੂੰ ਮਿਲ ਰਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲ ਰਹੀ ਹੈ ਜਿਹੜੇ ਚੰਦ ਇਕ ਵਡੇ ਹਰੀਜਨ ਹਨ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸਰਦਾਰ ਦਰਬਾਰਾ ਸਿੰਘ ਜੀ ਜਿਹੜੇ ਪਾਰਲੀਮੈਂਟਰੀ ਬੋਰਡ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹਨ ਉਹ ਵੀ ਇਸ ਸਿੱਟੇ ਤੇ ਪੁਜੇ ਹਨ ਕਿ ਨੀਲਾਮੀ ਰਾਹੀਂ ਗ਼ਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕੇਗੀ । ਸੋ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਇਕਤਸਾਦੀ ਹਾਲਤ ਠੀਕ ਕਰਨੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ ਨੀਤੀ ਵਿਚ ਸੁਧਾਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਪਟਿਆਲਾ ਵਿਚ ਚਲੋ, ਉਥੇ ਵੇਖੋ ਪੰਚਾਇਤਾਂ ਪਾਸ ਕਿੰਨੀ ਕਿੰਨੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ, ਪਰ ਉਹ ਕਿਸ ਨੂੰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ]

ਦਿੱਤੀ ਹੋਈ ਹੈ, ਕਿਸੇ ਗ਼ਰੀਬ ਹਰੀਜਨ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੀ । ਉਹ ਜ਼ਮੀਨ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਇਕ ਵਡੇ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਅਤੇ ਮੁਫ਼ਤੋ ਮੁਫ਼ਤ ਦਿਤੀ ਹੋਈ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਦੇ ਮੁਫ਼ਾਦ ਲਈ ਅਤੇ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੀ ਆਮਦਨ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਪਾਸੇ ਕਦਮ ਉਠਾਏ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਕਿ ਜਿੰਨੀ ਵੀ ਨਿਕਾਸੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ ਉਹ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਦੇਣੀ ਹੈ ।

ਮੈਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹੁਣ ਸਿਆਸਤ ਨੇ ਮੋੜ ਖਾਧਾ ਹੈ, ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਅਤੇ ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਇਕੱਠੀਆਂ ਹੋ ਗਈਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਕੁਲੀਸ਼ਨ ਬਣ ਰਹੀ ਹੈ । ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਬਿਆਨ ਵੀ ਅਖ਼ਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਆਏ । ਇਸ ਕੁਲੀਸ਼ਨ ਲਈ ਦੋ ਵਡੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਆਇਆ ਹੈ । ਇਕ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਧਰਮ ਔਰ ਸਿਆਸਤ ਅਲਹਿਦਾ ਅਲਹਿਦਾ ਦੋ ਚੀਜ਼ਾਂ ਹਨ; ਖ਼ੈਰ ਮੈਂ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ । ਦੂਜੀ ਜਿਹੜੀ ਵਡੀ ਸ਼ਰਤ ਹੈ, ਉਹ ਹੈ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੇ ਸੁਧਾਰ ਬਾਰੇ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਲੀਡਰਸ਼ਿਪ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਬਾਰੇ ਆਪਣੀ ਨੀਤੀ ਬਦਲੇ ਅਤੇ ਇਹ ਅਖ਼ਬਾਰ ਵਿਚ ਵੀ ਆਇਆ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਆਪਣੀ ਨੀਤੀ ਬਦਲ ਰਹੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਇਕ ਚੀਜ਼ ਇਹ ਵੀ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪ੍ਰਾਈਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਇੰਦਰਾ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਨੇ ਸਾਰੇ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰਾਂ ਨੂੰ ਚਿੱਠੀਆਂ ਲਿਖੀਆਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਜ਼ਰਾਇਤੀ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਸਬੰਧੀ ਕਾਨੂੰਨ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਠੀਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੋਧਿਆ ਜਾਏ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਜਾਏ । ਅਖ਼ਬਾਰਾਂ ਰਾਹੀਂ ਪਤਾ ਲਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਸਭ ਕੁਝ ਠੀਕ ਠਾਕ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਗਰ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਹਾਲਤ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਸਭ ਕੁਝ ਠੀਕ ਠਾਕ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਪ੍ਰੋਗਰੈਸਿਵ ਹੋਣ ਦਾ ਦਾਅਵਾ ਬਿਲਕੁਲ ਗ਼ਲਤ ਹੈ । ਕਿਉਂਕਿ ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਕੋਲੋਂ ਸਰਟੀਫ਼ੀਕੇਟ ਲੈ ਆਵੇ ਕਿ ਇਹ ਪ੍ਰੋਗਰੈਸਿਵ ਫ਼ਾਰਮਿੰਗ ਕਰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਤਿੰਨ ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਵੀ ਰਖ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਇਹ ਬਿਲਕੁਲ ਗ਼ਲਤ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਰੋਪੜ ਦਾ ਲੀਜ਼ ਡੀਡ ਖ਼ਤਮ ਕੀਤਾ ਜਾਏ ਅਤੇ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ, ਚਾਹੇ 1967 ਵਾਲੀ ਹੈ ਜਾਂ 1969 ਅਤੇ 1970 ਵਾਲੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਫ਼ੈਸਲੇ ਤੇ ਕਾਇਮ ਰਹਿਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਜਿਹੜੀ 30 ਏਕੜ ਦੀ ਸੀਲਿੰਗ ਮੁਕਰੱਰ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ ਉਹ ਇਕ ਫ਼ੈਮਲੀ ਵਾਸਤੇ ਹੀ ਹੋਵੇ । ਮੈਂ ਇਸ ਦੇ ਖ਼ਿਲਾਫ਼ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਲਫ਼ਜ਼ "ਫ਼ੈਮਲੀ" ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ "ਓਨਰ" ਨਹੀਂ । ਜਿਹੜੇ ਮਘੌਰੇ ਰਖੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਕਿ ਇਹ ਬਾਗਾਂ ਵਾਸਤੇ ਹੈ, ਇਹ ਮੈਕਾਨਾਈਜ਼ਡ ਫਾਰਮਿੰਗ ਹੈ ਜਾਂ ਇਹ ਪ੍ਰੋਗਰੈਸਿਵ ਫਾਰਮਿੰਗ ਹੈ, ਇਹ ਬੰਦ ਕਰਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਜਦ ਤਕ ਐਸੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਤੇ ਸੀਲਿੰਗ ਨਹੀਂ ਲਗਾਉਂਦੇ ਤਦ ਤਕ ਕੋਈ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਲਭੇਗੀ ।

ਮੈਂ, ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਭਲੇ ਵਾਸਤੇ ਇਸ ਪਾਸੇ ਕਦਮ ਉਠਾਉਣ । ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਡਿਫੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸ਼੍ਰੀ ਜਗਜੀਵਨ ਰਾਮ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜੋ ਵੀ ਬੇ-ਜ਼ਮੀਨੇ ਹਰੀਜਨ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਜਾ ਕੇ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਤੇ ਕਬਜ਼ਾ ਕਰ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਅੱਜ ਦੇ ਅਖ਼ਬਾਰ ਵਿਚ ਆਇਆ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਪ੍ਰਾਈਮ ਮਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਬੇ-ਜ਼ਮੀਨੇ ਲੋਕ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਤੇ ਕਬਜ਼ਾ ਕਰੀ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਪ੍ਰਾਈਮ ਮਨਿਸਟਰ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਇੰਦਰਾ ਗਾਂਧੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਹੋਰ ਚਾਰਾ ਵੀ ਕੀ ਹੈ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਵੀ ਜਨਤਾ ਇਸ ਪਾਸੇ ਜਾਵੇਗੀ । ਬਿਰਲੇ ਦਾ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਫਾਰਮ ਤੋੜੋ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਜਨਤਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤੋੜੇਗੀ । ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਆਦਿ ਵਿਚ ਕਈ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਏਕੜ ਦੇ ਮਾਲਕ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਵੀ ਕਾਨੂੰਨ ਦੇ ਨੁਕਸ ਦੂਰ ਕਰ ਕੇ ਗ਼ਰੀਬਾਂ ਵਿਚ ਵੰਡੀ ਜਾਵੇ । ਇਹ ਬਿਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬੁਨਿਆਦੀ ਮਸਲਿਆਂ ਦਾ ਹਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ । ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਕੀ ਹੈ । ਐਗਰੀਕਲਚਰਲ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਦੀ ਡੈਫੀਨੀਸ਼ਨ ਹੈ, ਇੰਡਸਟਰੀ ਦੀ ਡੈਫੀਨੀਸ਼ਨ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਇਹ ਮਦਦਗਾਰ ਹੋਣਗੇ । ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਸਵਾਗਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਪਰ ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਕਹਿਣ ਵਿਚ ਝਿਝਕ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਆਮ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਹੋਣਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕੁਝ ਅਫਸਰ ਹੋਣਗੇ, ਗਰੀਬਾਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਫਾਇਦਾ ਹੋਵੇਗਾ ਅਗਰ ਜ਼ਮੀਨ ਬਾਰੇ ਨੀਤੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਬਦਲਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਸਖਤੀ ਨਾਲ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਬਿਲ ਦਾ ਫਾਇਦਾ ਤਾਂ ਕੁਝ ਸਿਰ ਕਢਵੇਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਹੋਵੇਗਾ ਜੋ ਅੱਜ ਕਰੋੜਪਤੀ ਹਨ – ਇਸ ਦਾ ਸੁਫਨਾ ਤਾਂ ਹਰੀਜਨ ਲੈ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ – ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹੋਵੇਗਾ ਜੋ ਕੁਝ ਤਕੜੇ ਹੋ ਗਏ ਹਨ ।

ਜਿਥੇ ਤਕ ਇਸ ਦੀਆਂ ਕਮੀਆਂ ਦਾ ਤੁਅੱਲਕ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਕਾਫੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕੁਝ ਗਲਾਂ ਵਲ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਇਆ ਹੈ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੁਹਰਾਂਵਾਂਗਾ ਨਹੀਂ । ਇਕ ਸ਼ੈਡੂਲਡਕਾਸਟ ਆਰਗੇਨਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਦੀ ਡੈਫੀਨੀਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਜਿਸ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਪੈਸਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਜੋ ਕਲਾਜ਼ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਦਿੱਤੀ ਹੈ । ਅਗਰ ਉਹ ਨਾ ਮੰਨੀ ਗਈ ਅਤੇ ਇਹ ਕਲਾਜ਼ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਾਸ ਹੋ ਗਈ ਤਾਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦਾ ਮਕਸਦ ਹੀ ਫੌਤ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ । ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸ਼ੈਡੂਲਡ ਕਾਸਟ ਆਰਗੇਨਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਉਹ ਹੋਵੇਗੀ ਜਿਸ ਵਿਚ 90% ਮੈਂਬਰ ਸ਼ੈਡੂਲਡਕਾਸਟ ਹੋਣ, ਬਾਕੀ ਦੇ ਦੂਜੇ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਠੀਕ ਹੈ 10% ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਕਾਗਜ਼ਾਂ ਤੇ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਘਟ ਲਗਦੀ ਹੈ ਪਰ ਸਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਕੋਅਪਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਇਟੀਆਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੰਮ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ । ਹੋਵੇਗਾ ਇਹ ਕਿ ਕੁਝ ਆਦਮੀ ਸੋਸਾਇਟੀਆਂ ਬਣਾ ਕੇ ਬਾਕੀ ਦੇ ਨਾਮ ਭਰ ਕੇ ਪੈਸਾ ਲੈ ਜਾਇਆ ਕਰਨਗੇ । ਇਸੇ ਕਰ ਕੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਮੈਂਬਰ ਸੈਂਟ ਪਰ ਸੈਂਟ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਹ ਸ਼ੈਡੂਲਡਕਾਸਟ ਆਰਗੇਨਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ ਹੋਵੇਗੀ । ਅਗਰ ਇਹ ਗਲ ਨਾ ਮੰਨੀ ਗਈ ਤਾਂ ਡਰ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਪੈਸਾ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਉਹ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕੇਗਾ ਅਤੇ ਬਿਲ ਦਾ ਮਕਸਦ ਡੀਫੀਟ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ।

ਇਕ ਗਲ ਮੈਂ ਹੋਰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ – ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਹਿ ਚੁਕਾ ਹਾਂ – ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਦਾ ਫ਼ਾਇਦਾ ਛੋਟੇ ਛੋਟੇ ਅਤੇ ਗਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਉਹ ਤਾਂ ਹੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਗਰ ਇਸ ਵਿਚ ਕੁਝ ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਹੋਣ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦੇਣ । ਮੈਂ ਜ਼ਾਤੀ ਤੌਰ ਤੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਗਿਆ ਹਾਂ, ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਕਿਸੇ ਹਰੀਜਨ ਨੂੰ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ ਤਾਂ ਉਹ ਐਸੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਹੱਥ ਪਾਉਂਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨਾਲ ਉਸ ਨੂੰ ਦੋ ਸਾਲ ਮਗਰੋਂ ਟੀ. ਬੀ. ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਰਿਕਸ਼ਾ ਵਾਹੁਣ ਵਾਲੇ ਹਨ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦੂਜੇ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਹਨ । ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਦੀ ਬਸ ਗ਼ਰੀਬ ਹਰੀਜਨ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦਾ । ਗ਼ਰੀਬ ਹਰੀਜਨ ਰਿਕਸ਼ਾ ਚਲਾਉਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਰੋਜ਼ ਦੇ ਢਾਈ ਰੁਪਏ ਕਿਰਾਏ ਹੇਠਾਂ ਪਿਸਦਾ ਹੈ । ਅਗਰ ਇਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ]

ਉਸ ਨੂੰ ਕੁਝ ਕਰਜ਼ ਦੇਵੇ ਕਿ ਜਿਸ ਨਾਲ ਉਸ ਦੀ ਰਿਕਸ਼ਾ ਤਾਂ ਆਪਣੀ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕੁਝ ਮਕਸਦ ਹੱਲ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ।

ਇਸ ਵਿਚ ਇਕ ਬੜਾ ਅਜੀਬ ਜਿਹਾ ਪ੍ਰੋਵਿਯਨ ਹੈ ਉਸ ਵਲ ਮੈਂ ਆਪ ਦੀ ਤਵੱਜੁਹ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ । ਇਸ ਵਿਚ 3-4 ਕਿਸਮ ਦੇ ਫੰਡਜ਼ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਹੈ । ਇਕ ਜਨਰਲ ਫੰਡ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਚ ਪੈਸਾ ਦੇਣਾ ਹੈ; ਕਰਜ਼ਾ ਦੇਣਾ ਹੈ । ਇਕ ਗਰੰਟੀ ਫੰਡ ਹੈ, ਇਕ ਰੀਲੀਫ ਫੰਡ ਹੈ । ਇਕ ਬੈਡ ਡੈਟ ਫੰਡ ਹੈ । ਉਸ ਦਾ ਕੀ ਮਕਸਦ ਹੋਵੇਗਾ ਇਹ ਗਲ ਬਿਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਫੰਡਜ਼ ਦੇ ਨਾਮਾਂ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕਿਸ ਕੰਮ ਲਈ ਹੋਣਗੇ । ਗਰੰਟੀ ਫੰਡ ਗਰੰਟੀ ਦੇਣ ਲਈ ਅਤੇ ਦੂਜਾ ਰੀਲੀਫ ਦੇਣ ਲਈ ਹੋਵੇਗਾ । ਬੈਡ ਡੈਟ ਕਿਸ ਲਈ ਹੋਵੇਗਾ ਇਹ ਬਿਲ ਵਿਚ ਦਰਜ ਨਹੀਂ ਪਰ ਕਾਮਨਸੈਂਸ ਨਾਲ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਕਰਜ਼ ਦਿਤਾ ਹੈ, ਉਹ ਵਸੂਲ ਨਾ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਉਸਨੂੰ ਬੈਡ ਡੈਟ ਫੰਡ ਵਿਚੋਂ ਰਾਈਟ ਆਫ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । ਇਹ ਬੜਾ ਅਜੀਬ ਪ੍ਰੋਵਿਯਨ ਹੈ ਜੋ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਇਹ ਤਾਂ ਇਕ ਕਿਸਮ ਦੀ ਦਾਵਤ ਦੇਣ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਕਰਜ਼ ਲੈ ਲਓ ਵਾਪਸ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਇਸ ਨੂੰ ਬੈਡ ਡੈਟ ਫੰਡ ਵਿਚੋਂ ਰਾਈਟ ਆਫ ਕਰਾ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ । ਇਸ ਤਰਾਂ ਦੀ ਗਲ ਅਗਰ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਜਨਰਲ ਫੰਡ ਵਿਚੋਂ ਰਾਈਟ ਆਫ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਪਰ ਅਸੀ ਇਸ ਬਾਰੇ ਦਾਵਤ ਕਿਉਂ ਦੇਈਏ । ਇਹ ਪ੍ਰੋਵਿਯਨ ਗਲਤ ਟੈਂਡੈਂਸੀ ਨੂੰ ਐਨਕਰੇਜ ਕਰੇਗਾ, ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਨੂੰ ਡੀਲੀਟ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਫਿਰ ਇਕ ਪ੍ਰੋਵਿਯਨ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੇ 7 ਡਾਇਰੈਕਟਰਜ਼ ਹੋਣਗੇ । ਘਟੋ ਘਟ ਦੋ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਅਫਸਰ ਹੋਣਗੇ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਕੋਈ ਵੀ ਆਦਮੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਗਵਰਨਰ ਨਾਮੀਨੇਟ ਕਰੇ । ਮੈਂ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਨੂੰ ਦੁਹਰਾਣਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਪਰ ਇਹ ਕਹ ਗਾ ਕਿ ਇਹ ਡਾਇਰੈਕਟਰ 9 ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । 7 ਨੂੰ ਗਵਰਨਰ ਨਾਮੀਨੇਟ ਕਰੇ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਝਗੜਾ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਪਰ 7 ਡਾਇਰੈਕਟਰਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਦੋ ਹੋਰ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਹੋਣ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਸੈਂਬਲੀ ਆਪਣੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਵਿਚੋਂ ਚੁਣ ਕੇ ਭੇਜੇ । ਜਾਣੇ ਤਾਂ ਉਹੀ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਟ੍ਰੇਯਰੀ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਚਾਹੁਣਗੇ ਅਗਰ ਇਹ ਚਾਹੁਣ ਤਾਂ ਇਕ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਦਾ ਵੀ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਜੋ ਵੀ ਹੋਵੇ ਦੋ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚੋਂ ਜ਼ਰੂਰ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਰੈਸਟ੍ਰਿਕਸ਼ਨ ਲਗਾਈ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਦੋਵੇਂ ਹਰੀਜਨ ਹੋਣ । ਮੈਂ ਆਸ ਰਖਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਮੰਨ ਲੈਣਗੇ ।

ਆਖਿਰ ਵਿਚ ਮੈਂ ਇਕ ਗੱਲ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਦੀ ਦੁਹਰਾਂਵਾਂਗਾ । ਇਸ ਵਿਚ ਆਡਿਟ ਦਾ ਪ੍ਰੋਵਿਯਨ ਹੈ । ਉਹ ਆਡਿਟਰ ਕਰੇਗਾ ਜਿਸ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਕਹੇਗੀ । ਜਦੋਂ ਸਰਕਾਰ ਮੁਨਾਸਬ ਸਮਝੇ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਅਕਾਊਂਟੈਂਟ ਜਨਰਲ ਕੋਲੋਂ ਆਡਿਟ ਕਰਵਾ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਬਿਹਤਰ ਹੁੰਦਾ ਅਗਰ ਅਕਾਊਂਟੈਂਟ ਜਨਰਲ ਵਲੋਂ ਆਡਿਟ ਕਮਪਲਸਰੀ ਹੁੰਦਾ । ਅਸੀਂ ਇਸ ਸਟੇਜ ਤੇ ਕੋਈ ਝਗੜਾ ਨਹੀਂ ਪਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਕਿਉਂਕਿ ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣੇ, ਬਾਕੀ ਗਲਾਂ ਲਈ ਅਸੀਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਲੜ ਸਕਦੇ ਹਾਂ । ਪਰ ਇਹ ਘੱਟੋ ਘੱਟ ਇੰਨਾ ਤਾਂ ਕਰ ਦੇਣ ਕਿ ਜੋ ਆਡੀਟਰ ਰਿਪੋਰਟ ਕਰੇ ਉਹ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਟੇਬਲ ਤੇ ਲੇ ਹੋਵੇ । ਇਕ ਵਾਰ ਅਸੈਂਬਲੀ ਨੇ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾ ਦਿਤੀ ਫਿਰ ਉਸ ਦੇ ਪਾਸ ਇਖਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਉਸ ਬਾਰੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਬਹਿਸ ਵੀ ਕਰ ਸਕੇ ਸਿਵਾਏ ਬਜਟ ਦੀ ਬਹਿਸ ਵੇਲੇ । ਇਸ ਲਈ ਆਡਿਟ ਅਕਾਊਂਟੈਂਟ ਜਨਰਲ ਰਾਹੀਂ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਉਹ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਟੇਬਲ ਤੇ ਜ਼ਰੂਰ ਲੇ ਹੋਏ । ਹੋਰ ਵੀ ਕਈ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਾਂ ਮੈਂ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਬਹਿਸ ਸਮੇਂ ਕਰਾਂਗਾ ।

ਆਖਿਰ ਵਿਚ ਮੈਂ ਇਹ ਦੁਹਰਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਬਿਲ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਮੇਰੀ ਪਾਰਟੀ ਐਪਰੀਸ਼ੀਏਟ ਕਰਦੀ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦੀ ਯੁਟਿਲਟੀ ਵਧ ਤੋਂ ਵਧ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਹੱਕਦਾਰ ਨੂੰ ਮਦਦ ਮਿਲੇ, ਛੋਟੇ ਕਾਮੇ ਨੂੰ ਮਦਦ ਮਿਲੇ ਅਤੇ ਅਗਰ ਬੁਨਿਆਦੀ ਮਸਲਾ ਹਲ ਕਰਨਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਲੈਂਡ ਪਾਲਿਸੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਤਬਦੀਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਕਾਂਗਰਸ ਵਾਲਿਆਂ ਨੇ ਜੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸਮਝੌਤਾ ਕਰਨਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਦੇਖਣ ਕਿ ਅਮਲ ਵਿਚ ਲੈਂਡ ਪਾਲਿਸੀ ਬਦਲੇ ਸਿਰਫ ਜ਼ਬਾਨੀ ਜਮਾਂ ਖਰਚ ਹੀ ਨਾ ਹੋਵੇ ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ : (ਕਰਤਾਰਪੁਰ, ਐਸ. ਸੀ.) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ...... ।

ਇਕ ਆਵਾਜ਼ : ਮਾਸਟਰ ਜੀ, ਥੋੜ੍ਹਾ ਹੀ ਬੋਲਣਾ ।

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਬੋਲਦਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਅਗਰ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਫ਼ਾਇਦੇ ਲਈ ਅਸੀ ਜੋ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ ਮੰਨ ਲੈਣ (ਵਿਘਨ) ਪਰ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਮੈਂ ਗਲ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਐਟੀਚਯੂਡ ਕਾਫੀ ਰਿਜਿਡ ਹੈ ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਖ਼ੁਸ਼ੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਬਿਲ ਲਿਆਏ ਹਨ । ਇਹ ਵੀ ਖ਼ੁਸ਼ੀ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਜੋ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਬਾਬਾ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਦੀ ਆਗਿਆ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੈ । ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸੰਤ ਹੋਰਾਂ ਦੀ ਬੜੀ ਰਿਸਪੈਕਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਭਾਵੇਂ ਸਾਰੀ ਉਮਰ ਵਿਚ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦਰਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ, ਫਿਰ ਵੀ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮਾਨ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । (ਵਿਘਨ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਲਗਿਆਂ ਕਿਹਾ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਡੀਂਗ ਮਾਰੀ ਕਿ ਇਕ ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ 5 ਕਰੋੜ ਕਰਨਾ ਹੈ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਦ ਦੇਣਾ ਹੈ, ਦੇਣਾ ਵੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ । ਇਕ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਤਾਂ ਤਿੰਨ ਰੁਪਏ ਪ੍ਰਤੀ ਜੀ ਆਵੇਗਾ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਲਗਾ ਸਕਦੇ ਹੋ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਤੇ ਕਿਸ ਹੱਦ ਤਕ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਫਿਰ ਇਹ ਮਾਣ ਕਰਦੇ ਹਨ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿਹੜੀ ਹਾਤਮ ਤਾਈ ਦੀ ਕਬਰ ਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਲੱਤ ਮਾਰ ਦਿਤੀ ਹੈ । ਕਈ ਸੱਜਨ ਇਥੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਪਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਾਕ ਆਊਟ ਵੀ ਕੀਤਾ ਸੀ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਜਨਤਾ ਤੇ ਟੈਕਸ ਲਗਾ ਕੇ 5 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਇਕੱਠਾ ਕਰ ਕੇ ਦਿਤਾ ਸੀ । ਉਹ ਰੁਪਿਆ ਇਕੱਠਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਪਰ ਇਹ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਹ ਰਕਮ ਕਿਥੇ ਖਰਚ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਇਕ ਵਜ਼ੀਰ ਨੇ ਆਪਣੇ ਹੀ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਦਸ ਹਜ਼ਾਰ ਵੀਹ ਹਜ਼ਾਰ ਵੰਡ ਦਿਤਾ ... ... (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਉਸ ਵਕਤ ਵਜ਼ੀਰ ਸੋ । (The hon. Member himself was a Minister at that time.)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ : ਅਸੀਂ ਆਪ ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਇਕੱਠਾ ਕਰਕੇ ਦਿਤਾ ਸੀ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਲੁਟ ਮਚਾਈ (ਵਿਘਨ) ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਜਿਹੜੇ ਹੁਣ ਵਜ਼ੀਰ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਹਨ ਮੈ ਜਾਣਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬੜੇ ਇਮਾਨਦਾਰ ਹਨ ਪਰ ਮੈਨੂੰ ਡਰ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ]

ਤਰ੍ਹਾਂ ਧਰਮਸਾਲਾ ਬਨਾਣ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜ਼ਿਲਿਆਂ ਨਾਲ ਵਿਤਕਰਾ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੁਣ ਕਿਤੇ ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਵੀ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । (ਵਿਘਨ) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪ ਨੂੰ ਦਸਾਂ ਕਿ ਬਠਿੰਡੇ ਵਿਚ 150, ਕਪੂਰਥਲੇ ਵਿਚ 5 ਅਤੇ ਜਲੰਧਰ ਵਿਚ 20 ਜਾਂ 25 ਧਰਮਸਾਲਾਵਾਂ ਲਈ ਰਕਮ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ਹਾਲਾਂਕਿ ਆਬਾਦੀ ਜਲੰਧਰ ਦੀ ਘੱਟ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਿਤਕਰਾ ਕਿਸੇ ਜ਼ਿਲੇ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਸ਼ੱਕ ਹੈ ਕਿ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਆਪਣਾ ਹਥ ਇਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਡਰ ਹੈ ਕਿ ਹੁਣ ਵੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਬਠਿੰਡਾ ਵਲ ਹੋਰ ਵਾਧੂ ਰਕਮ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ । ਇਸ ਪਾਸੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਧਿਆਨ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਇਥੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਸੰਤ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਦੀ ਆਗਿਆ ਨਾਲ ਇਹ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਜੇਕਰ ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸੰਤ ਬਾਬਾ ਫਤਹ ਸਿੰਘ ਪਾਸੋਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹੀ ਮੁਜ਼ਾਰੇ ਦਿਨੋ ਦਿਨ ਬੇਦਖਲ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਤਿੰਨ ਤਿੰਨ ਸਾਲ ਦੀ ਖਰੀਦੀ ਹੋਈ ਜ਼ਮੀਨ ਤੇ ਪੁਲਿਸ ਦੀ ਮਾਰਫਤ ਕਬਜ਼ਾ ਦਿਲਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਗੈਰ ਹਾਜ਼ਰ ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ ਬੇਦਖਲੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ।

ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਵਧੀਕੀਆਂ ਬਾਰੇ ਕਿਨਾਂ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਪਰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ । ਮੈਂ ਸੰਤ ਬਾਬਾ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਜ਼ਿਆਦਤੀਆਂ ਨਾ ਕਰਨ । (ਵਿਘਨ) ਅੱਜ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਵਜ਼ੀਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਤੇ ਬੈਠੇ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਮਾਣ ਲੈ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਲੋਂ ਇਹ ਬਿਲ ਸੰਤ ਬਾਬਾ ਫਤਹਿ ਸਿੰਘ ਦੇ ਕਹਿਣ ਤੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਇਹ ਤਾਂ ਪੱਕੀ ਪਕਾਈ ਤੇ ਆਕੇ ਬੈਠ ਗਏ ਹਨ; ਇਸ ਕੰਮ ਨੂੰ ਤਾਂ ਕਾਂਗਰਸ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਸੀ । ਫਿਰ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨਾਲ ਵਧੀਕੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਸੰਤ ਬਾਬਾ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਰਾਹੀਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਹਰੀਜਨ ਰਪਟ ਲਿਖਵਾਉਣ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਦੁਖੀ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਜਿਹੜਾ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਕਰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਚਲਾਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਜਿਥੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਵਲ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਹਦਾਇਤਾਂ ਜਾਰੀ ਕਰਵਾ ਦੇਣ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਰਪਟ ਤਾਂ ਥਾਣਿਆਂ ਵਿਚ ਲਿਖ ਲਈ ਜਾਇਆ ਕਰੇ । (ਵਿਘਨ)

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि इस हाऊस में सरकार को कोई बात कही जा सकती है, सरकारी पार्टी के नेता को नहीं कही जा सकती । यहां पर संत फतेह सिंह को कुछ कहा जा रहा है इस को रोकना चाहिए। आनरेबल मैंबर जो बोल रहे हैं उनको आप यह कहें कि वह यह कह सकते हैं कि सरकार यह करे या सरकार ने कोई काम गलत किया है, संत बाबा फतेह सिंह का नाम नहीं आना चाहिए और न ही उनको कहना चाहिए कि यह करें या वह करें । इस तरह हवाले देना ठीक नहीं ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਆਪਣੇ ਹਾਈ ਕਮਾਂਡ ਨੂੰ ਰੈਫਰ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ । ਇਹ ਕੋਈ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਅਰਡਰ ਨਹੀਂ । (The hon. Member can also refer to his High Command. This is no point of order)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਤੇ ਹੀ ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਦਸ ਰਿਹਾ ਸਾਂ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਤੇ ਜ਼ੁਲਮ ਅਤੇ ਜ਼ੋਰਾਜਬਰੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਕਠਿਨਾਈਆਂ ਪੇਸ਼ ਆਉਂਦੀਆਂ ਹਨ । ਕਿਉਂਕਿ ਇਥੇ ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਬਾਬਾ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਨੇ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਹਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨਾਲ ਹੋ ਰਹੀ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਸੰਤ ਬਾਬਾ ਫਤਿਹ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਕਹਿਣ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਅਤੇ ਮੈਂ ਜਵਾਬ ਦਿਤਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿੰਨੀਆਂ ਵੀ ਬਿਲ ਵਿਚ ਕਮਜ਼ੋਰੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹਰ ਪਾਸੇ ਤੋਂ, ਅਫਸਰਾਂ ਵਲੋਂ ਵੀ ਵਧੀਕੀ ਅਤੇ ਪੁਲਿਸ ਵਲੋਂ ਵੀ ਵਧੀਕੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਹੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਸ ਵਕਤ ਰੂਲ ਬਣਾਏ ਜਾਣ ਤਾਂ ਇਨਾਂ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰਖਿਆ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੁਸ਼ਕਲਾਂ ਨੂੰ ਹਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰੋਮੋਸ਼ਨਾਂ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਪੂਰਾ ਖਿਆਲ ਨਹੀ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ । ਵੈਲਫ਼ੇਅਰ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦਾ ਮੈਨੂੰ ਆਪ ਵੀ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਅਤੇ ਦੂਜਿਆਂ ਮਹਿਕਮਿਆਂ ਵਿਚ ਚਲੇ ਜਾਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਨ । ਦੋ ਤਾਂ ਚਲੇ ਵੀ ਗਏ ਹਨ । ਫਿਰ ਦਫ਼ਤਰਾਂ ਵਿਚ ਇਕ ਹੋਰ ਬੀਮਾਰੀ ਆ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਨੂੰ ਕੰਮ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕਰਨ ਦਿਤਾ ਜ ਦਾ । ਅਤੇ ਉਹ ਇਧਰ ਉਧਰ ਜਾਣ ਲਈ ਕਾਹਲੇ ਪੈਂਦੇ ਹਨ । ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਇਹ ਨੀਤੀ ਵੇਖੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਨੂੰ ਜੇਕਰ ਕਿਤੇ ਕੋਈ ਹਨ ਕਨਡਮ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖੁਡੇ ਲਾਇਨ ਲਗਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ । ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਅਤੇ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਮੈਨੂੰ ਸ਼ਕ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਅਜਿਹੇ ਆਦਮੀ ਲਗਾ ਦਿਤੇ ਜਾਣਗੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਜੋ ਇਹ ਚਾਹੁਣਗੇ ਕਰਾਉਣਗੇ । ਜਿਹੜੇ ਦੋ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਲਗਾਏ ਜਾਣੇ ਹਨ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਗਾਏ ਜਾਣਗੇ । ਫਿਰ ਜਿਹੜਾ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਇਕ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਰੱਖਣਾ ਵੀ ਹੈ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਫਿਰ ਖਰਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਅਨੁਸਾਰ ਕਰ ਲੈਣਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹਰੀਜਨ ਭਲਾਈ ਨੂੰ ਸਾਹਮਣੇ ਨਹੀਂ ਰਖਣਾ । ਅਗੇ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਧਰਮਸਾਲਾ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿਚ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਔਕੜਾਂ ਬਾਰੇ ਵਿਚਾਰ ਮੰਤਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨਾਲ ਕਲ੍ਹ ਰਾਤ ਨੂੰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਤਰਮੀਮਾਂ ਵੀ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਆਸ ਹੈ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੰਨ ਲਏਗੀ ਤਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਸਹੀ ਮਾਹਨਿਆਂ ਵਿਚ ਫਾਇਦਾ ਹੋਵੇ ।

ਧਰਮਸਾਲਾਵਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਵਿਤਕਰਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ । ਮੇਰੇ ਹਲਕੇ ਨੂੰ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਛਡਿਆ ਗਿਆ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਸਬੂਤ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਹਰ ਜ਼ਿਲੇ ਨੂੰ ਬਰਾਬੇਰ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਜ਼ਿਲਾ ਬਠਿੰਡਾ ਵਿਚ ਸਾਰਿਆਂ ਤੋਂ ਵਧ, ਜ਼ਿਲਾ ਕਪੂਰਥਲਾ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਘੱਟ ਅਤੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜਲੰਧਰ ਵਿਚ ਸਭ ਤੋਂ ਘੱਟ ਧਰਮਸਾਲਾਵਾਂ ਲਈ ਰਕਮ ਰੱਖੀ ਗਈ ਹੈ, ਇਹ ਇਕ ਗਲਤ ਤਰੀਕਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਬਾਰੇ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪਰਸਨਲੀ ਮਿਲਿਆ ਹਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਮਿਲਿਆ ਹਾਂ ਅਤੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ]
ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਿਕਵੈਸਟ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਖਾਮੀਆਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਆਪ ਦੂਰ ਕਰਵਾ ਦੇਣ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਦੇ ਮਗਰ ਨਾ ਲਗਣ ।

ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਨਹੀਂ ਬਣ ਸਕਦਾ । ਮੈਂ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਪਹਿਲਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬੋਰਡਾਂ ਵਿਚ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼ ਹਨ ਤਾਂ ਇਸ ਵਿਚ ਵੀ ਹੋ ਸਕਤੇ ਹਨ । ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਅਲ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਬੋਰਡ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹਨ ਅਤੇ ਉਥੇ ਸਿਲੈਕਸ਼ਨ ਲਈ ਸ਼ਰਤਾਂ ਹਨ ਜੋ ਕਿ ਇਥੇ ਵੀ ਰਖੀਆਂ ਜਾ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ । ਇਹ ਸ਼ਰਤ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਨਾ ਬਣ ਸਕੇ । ਸਰਕਾਰੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨਾਂ ਬਣਾ ਕੇ ਰੱਖ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਆਪ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਨਾ ਰਖੇ ਜਾਣ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ । ਅਫਸਰਾਂ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਇਖਤਿਆਰ ਦੇਣ ਨਾਲ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਭਾਵੇਂ ਵੈਦ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਦੇ ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਪੈਸੇ ਮਿਲ ਜਾਣ ਪਰ ਆਮ ਹਰੀਜਨ ਦੀ ਹਾਲਤ ਬਿਹਤਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ । ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਮੁਕਰੱਰ ਕਰਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਲੇਬਰ ਕਨਸਟ੍ਰਕਸ਼ਨ ਕੁਆਪ੍ਰੇਟਿਵ ਸੁਸਾਇਟੀਆਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹੈ । ਇਹ ਸੋਸਾਇਟੀਆਂ 800-900 ਤੋਂ ਵੱਧ ਹਨ ਪਰ ਵਿਚ ਸ਼ਾਹੂਕਾਰ ਆ ਟਪਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਆਪਣੇ 20 ਆਦਮੀ ਲੈ ਕੇ ਉਹ ਠੇਕੇਦਾਰ ਕੁਆਪ੍ਰੇਟਿਵ ਸੁਸਾਇਟੀ ਰਜਿਸਟਰ ਕਰਵਾ ਲੈਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗ਼ਰੀਬ ਹਰੀਜਨ ਮਜ਼ਦੂਰ ਨੂੰ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ, ਉਹ ਆਪ ਹੀ ਸਾਰਾ ਨਫ਼ਾ ਖਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਾਲਤ ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੀ ਹੋਵੇਗੀ ਜੇਕਰ ਹੁਣ ਦੇ ਖਰੜੇ ਵਿਚ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸੋਧਨਾਵਾਂ ਨਾ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ । ਇਸੇ ਵਾਸਤੇ ਕਲਾਜ਼ 2 ਵਿਚ ਮੈਂ ਤਰਮੀਮ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਸੈਂਟ-ਪਰਸੈਂਟ ਮੈਂਬਰ ਹਰੀਜਨ ਹੋਣ ਤਾਕਿ ਹੋਰ ਕੋਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਿਚ ਆ ਕੇ ਐਕਸਪਲਾਇਟ ਨਾ ਕਰ ਸਕੇ ।

ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਹੋਰ ਸੁਝਾਵ ਵੀ ਦਿਤੇ ਹਨ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਕਲਿਆਣ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਕ ਕਰੋੜ ਨਾਲ ਜਾਂ ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਨਾਲ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ । ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਵਿਚ ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਦੀ ਲਿਮਟ ਮੁਕਰੱਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸਗੋਂ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਦੀ ਰਕਮ ਰਖਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਲਾਜ਼ 7 ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਤ ਡਾਇਰੈਕਰ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਵਲੋਂ ਮਨੋਨੀਤ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਸੁਝਾਵ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ 2 ਹਰੀਜਨ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਵੀ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਕਲਾਜ਼ ਦੇ ਪ੍ਰੋਵਾਈਜ਼ੋ ਵਿਚ ਇਹ ਪ੍ਰਬੰਧ ਹੈ ਕਿ ਦੋ ਤਾਂ ਅਫ਼ਸਰਾਂ ਵਿਚੋਂ ਲਏ ਜਾਣਗੇ ਅਤੇ ਬਾਕੀ 4 ਜਾਂ 5 ਸਪੈਸ਼ਲ ਨਾਲਿਜ ਵਾਲੇ ਆ ਜਾਣਗੇ । ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਵਿਚ ਦੋ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਅਸੈਂਬਲੀ ਚੁਣ ਕੇ ਭੇਜੇ ਤਾਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਇੰਟ੍ਰਸਟ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਾਚ ਕੀਤੇ ਜਾ ਸਕਣ । (ਵਿਘਨ)

(ਇਕ ਆਵਾਜ਼ : ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਛਡੋ ਪਰ੍ਹੇ ਹੁਣ ਇਸ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਵਾਓ) ਮੈਂ ਤਾਂ ਜਿੰਨੀਆਂ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਸਾਰੀਆਂ ਹੀ ਜਾਇਜ਼ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਸਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਮੰਨ ਲਏ ਤਾਂ ਮੈ ਇਸ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਾਉਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਾਂ ਮੈਂ ਬੈਠ ਜਾਂਦਾ ਹਾਂ ਇਸ ਵਿਚ ਮੇਰੇ ਵਲੋਂ ਦੇਰ ਕਰਨ ਦੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ, ਬਲਕਿ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਵਲੋਂ ਮੇਰੀਆਂ ਤਰਮੀਮਾਂ ਮੰਨਣ ਵਿਚ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਦੇਰ ਕਰਨ ਦੀ ਗਲ ਹੈ । ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਪਹਿਲਾਂ ਵਿਚਾਰ ਵੀ ਕਰ ਲਈ ਹੈ । ਮੈਂ 5 ਕਰੋੜ ਤੋਂ ਵਧ ਦੀ ਰਕਮ ਰੱਖਣ ਬਾਰੇ ਤਰਮੀਮ ਦਿਤੀ ਹੈ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਮਨੀ ਬਿਲ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਵਿਚ ਰਕਮ ਨੂੰ ਵਧਾਇਆ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ । ਪਰ ਇਸ ਮਸਲੇ ਨੂੰ ਹੋਰ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਹੱਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਜਿੰਨੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਲਈ ਆਈਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ ਗਿਆ, ਇਸ ਲਈ ਹੁਣ ਮੈਂ ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਜਿੰਨੀਆਂ ਖਾਮੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਸਹੀ ਮਾਹਿਨਿਆਂ ਵਿਚ ਭਲਾ ਹੋ ਸਕੇ । ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਨੂੰ ਇਸ ਵਿਚ ਨੁਮਾਇੰਦਗੀ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਮੇਰੀ ਇਹ ਪਰਸਨਲ ਰਾਏ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ, ਇਹ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਕ ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਦਿੱਤਾ ਹੈ, ਠੀਕ ਹੈ ਇਹ ਥੋੜਾ ਹੈ ਪਰ ਜੇ ਬਿਲ ਆ ਗਿਆ ਇਹ 5 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਵੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਜੋ ਵੀ ਪੈਸਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ ਅਸੀਂ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਕਾਫੀ ਬੇਹਤਰੀ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ । ਪਰ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਤਾਂ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ ਹਮੇਸ਼ਾ ਧਕਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਿਹੜੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਮਿਲੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਮਲੋ ਮਲੀ ਕਬਜ਼ੇ ਲੈ ਲਏ ਗਏ ਹਨ । ਜੇ ਕੋਈ ਮਜ਼ਦੂਰੀ ਕਰਦਾ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਮਜ਼ਦੂਰੀ ਪੂਰੀ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਵਿਚੋਂ ਪੈਸੇ ਠੇਕੇਦਾਰ ਰਖ ਲੈਂਦਾ ਹੈ, ਤਨਖਾਹ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਨਖਾਹ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ । ਜੇ ਕੋਈ ਲੜਾਈ ਝਗੜੇ ਦੀ ਗਲ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਛੇਤੀ ਛੇਤੀ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਰਪਟ ਵੀ ਦਰਜ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ । ਜੇ ਕੋਈ ਦਰਜ ਵੀ ਕਰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ 6–6 ਦਿਨ ਨੂੰ ਬਾਅਦ ਦਰਜ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਡਰਦੇ ਹਰੀਜਨ ਰਪਟ ਦਰਜ ਨਹੀਂ ਕਰਾਉਣ ਜਾਂਦੇ, ਜੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਵਿਚਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਥਾਣੇ ਵਿਚ ਨੂੜ ਕੇ ਬਿਠਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਇਹੀ ਨਹੀਂ ਦੂਸਰੇ ਫਰੀਕ ਨੂੰ ਇਤਲਾਹ ਦੇ ਕੇ ਮਜਬੂਰ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਬਰਖਲਾਫ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰੋ । ਉਸ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਜੇ ਹੋਰ ਕੋਈ ਗਲ ਨਾ ਬਣਦੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ 107/151 ਦੇ ਤਹਿਤ ਰਪਟ ਦਰਜ ਕਰਵਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਆਮ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਤਕਾਵੀਆਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਇਹ ਗ਼ਰੀਬ ਤਕਾਵੀ ਵੀ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦੇ । ਇਹ ਬਿਲ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਲਈ ਬਹੁਤ ਚੰਗਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਛੇਤੀ-ਤੋਂ-ਛੇਤੀ ਪਾਸ ਕਰਕੇ ਕੋਈ ਅਮਲੀ ਸ਼ਕਲ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚ ਫੇਰ ਵੀ ਜਿਹੜੀਆਂ ਖਾਮੀਆਂ ਰਹਿ ਜਾਣਗੀਆਂ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ 65 ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਾਂ ਵਿਚੋਂ, ਜੇ ਕੁਝ ਵੀ ਮੰਨ ਲਈਆਂ ਜਾਣ ਤਾਂ ਉਹ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ । ਜਿਹੜੀਆਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਤੋਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਖੋਹ ਕੇ ਹੋਰ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ, ਇਹ ਤੁਰੰਤ ਬਦ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਆਫੀਸਰਜ਼ ਨੂੰ ਜਿਹੜੇ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਨਾਲ ਰਦੋ ਬਦਲ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਦਾ ਕੋਈ ਅਧਿਕਾਰ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਸਿਵਾਏ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਦੇ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਵੀ ਰਦੋ ਬਦਲ ਕਰਨ ਦਾ ਇਹ ਇਖਤਿਆਰ ਨਹੀ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਇਹ ਬਿਲ ਛੇਤੀ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਲੋਕ ਭਲਾਈ ਦੀਆਂ ਬੜੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਹਨ, ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇਣ ਦੀਆਂ ਵੀ ਕੁਝ ਪ੍ਰਾਵੀਜ਼ਨਜ਼ ਹਨ । ਇਸ ਵਿਚ ਜੇ ਕੁਝ ਖਾਮੀਆਂ ਹਨ ਤਾਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਿਆਣੇ ਬੰਦਿਆਂ ਨੂੰ ਇਹ ਅਜੇ ਦੋ ਘੰਟੇ ਦੇ ਲਈ ਬਿਲ ਵਿਖਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਏਥੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਰਦਾਰ ਬਸੰਤ ਸਿੰਘ ਖਾਲਸਾ ਹਨ, ਲਾ ਗਰੈਜੂਏਟ ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ ਹੈ, ਉਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਿਲ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ, ਪਰ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ]

ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਲਿਆਕੇ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਬੜੀ ਹਿੰਮਤ ਵਿਖਾਈ ਹੈ। ਜੇ ਇਹ ਅਜ ਪਾਸ ਨਾ ਹੋਇਆ ਤਾਂ ਫੇਰ ਇਹ ਚੋਰਾਂ ਦੇ ਧੱਕੇ ਚੜ੍ਹ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਜੋ ਹੈ ਉਹ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਭਲੇ ਦੀ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਕਾਫੀ ਭਲਾ ਹੋਵੇਗਾ, ਕਰੋੜਾਂ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਕਮ ਦਾ ਹਰੀਜਨ ਲਾਭ ਉਠਾਉਣਗੇ। ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਬਿਲ ਲਿਆਕੇ ਗਰੀਬ ਜਨਤਾ ਦੀ ਬੜੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਆ ਜਾਣ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗਰੀਬਾਂ ਨਾਲ ਜਿਹੜੀ ਹੁਣ ਤਾਈਂ ਧੀਂਗਾਂ-ਜ਼ੋਰੀ ਹੁੰਦੀ ਰਹੀ ਹੈ, ਉਹ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ। ਅਜੇ ਮੈਂ ਇਥੇ ਹੀ ਬਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਜਦੋਂ ਕਲਾਜ਼ਾਂ ਆਉਣਗੀਆਂ ਤਾਂ ਫੇਰ ਮੈਂ ਕੁਝ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ।

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ: (ਅਮਲੋਹ-ਐਸ. ਸੀ.) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਬੜੇ ਚਿਰਾਂ ਤੋਂ ਬਆਦ ਇਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਿਲ ਸਦਨ ਦੇ ਵਿਚ ਆਇਆ ਹੈ। ਇਹਦੇ ਵਿਚ ਸੋਧ ਕਰਨ ਲਈ ਕਈ ਸੱਜਨਾਂ ਨੇ ਤਰਮੀਮਾਂ ਵੀ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ। ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਉ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇਸ ਨੂੰ ਸੀਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਸਪੁਰਦ ਕਰਨ ਬਾਰੇ ਆਪਣੀ ਰਾਏ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਪੁਛੇ ਬਗੈਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਦੇਣ ਦਾ ਕੋਈ ਹਕ ਨਹੀਂ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਸਬੰਧ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਹੀ ਹਰੀਜਨ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਛੇਤੀ ਤੋਂ ਛੇਤੀ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਭਾਵੇਂ ਇਸ ਵਿਚ ਘਟ ਪੈਸਾ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਵਧ ਹੈ ਪਰ ਉਹ ਲਗਣਾ ਤਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਉਨੱਤੀ ਤੇ ਹੀ ਹੈ। ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੱਕ ਇਸ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਹਰੀਜਨਾ ਨੂੰ ਦਿੱਤੇ ਹਨ ਅਸੀਂ ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਧੰਨਵਾਦੀ ਹਾਂ। ਇਹ ਇਕ ਪਹਿਲਾ ਕਦਮ ਹੈ ਜੋ ਪਛੜੇ ਵਰਗ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇਣ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਚੁਕਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਵੀ ਕੋਈ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਗ਼ਲਤੀਆਂ ਤਾਂ ਆਮ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ, ਪਰ ਜ਼ਰੂਰਤ ਅਨੁਸਾਰ ਉਸ ਵਿਚ ਤਰਮੀਮਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦ ਕੰਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨ ਵਿਚ ਵੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਹੋਈਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਵੀ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਬਿਲ ਵਿਚ ਕੁਝ ਊਣਤਾਈਆਂ ਰਹਿ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਮੇਰਾ ਇਹ ਵਿਚਾਰ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਅਜੇ ਇਸੇ ਸ਼ਕਲ ਦੇ ਵਿਚ ਪਾਸ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ; ਜੇ ਕੋਈ ਊਣਤਾਈਆਂ ਰਹਿ ਗਈਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬਾਅਦ ਦੇ ਵਿਚ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਵੀ ਕੁਝ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ ਜੇ ਉਹ ਮੰਨ ਲਈਆਂ ਜਾਣ ਤਾਂ ਕਾਫੀ ਹਦ ਤੱਕ ਕਮੀਆਂ ਦੂਰ ਹੋ ਸਕਦੀਆ ਹਨ। ਕੁਝ ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਨੇ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵੀ ਵਕਾਲਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਮੰਨ ਲੈਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ। ਉਹ ਇਸ ਸਦਨ ਦੇ ਬਜ਼ੁਰਗ ਮੈਂਬਰ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਪਾਸੇ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਦੇ ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਤਜ਼ਰਬਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਕ ਗਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਹੀ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਨਹੀਂ; ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਨੇ ਹੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਸੀ ਅਤੇ ਸਾਡੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਇਹ ਬਿਲ ਡਰਾਫਟ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਕੁਝ ਗ਼ਲਤੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੋਧ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਪਛੜੇ ਵਰਗ ਦੀਆਂ ਜਾਤੀਆਂ ਨੂੰ ਕਾਫੀ ਲਾਭ ਹੋਵੇਗਾ, ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਹ ਪਾਸ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਸਾਰੇ ਦਾ ਸਾਰਾ ਬਿਲ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼ਰੇਣੀਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਰਖਦਾ ਹੈ। ਇਥੇ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਆਪਣੀ ਤਕਰੀਰ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਕਈ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਇਸ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਘਰਾਂ ਵਿਚ ਮਾਰਿਆ ਕੁਟਿਆ ਗਿਆ। ਜਹਾਂਗੀਰ, ਧੂਰੀ ਅਤੇ ਨਰੜੂ ਅਤੇ ਬੜੀ ਦੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਰਖਵਾਲੀ ਕਰਨੀ ਬਹੁਤ ਹੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਇਥੇ ਕੋਈ ਸਪੈਸ਼ਲ ਇਤਜ਼ਾਮ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਸ ਗੱਲ ਦੇ ਹਕ ਵਿਚ ਹਾਂ ਕਿ ਭਾਵੇਂ ਕੋਈ ਸ਼ਖਸ਼ ਕਿਸੇ ਵਰਗ ਦਾ ਹੋਵੇ ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਕੋਈ ਵੀ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਕਾਲਜ਼ 5 ਤੇ ਇਕ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਰਕਮ 5 ਕਰੋੜ ਤੋਂ ਘਟ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਇਸ ਵਕਤ ਇਹ ਪ੍ਰੋਵਾਈਡ ਕੀਤਾ ਹੈ ;

> "Provided that where the capital intially fixed is less than five crores of rupees the State Government may, from time to time, increase the capital..."

ਇਥੇ 'ਟਾਈਮ ਟੂ ਟਾਈਮ' ਦੀ ਬਜਾਏ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ 5 ਕਰੋੜ ਦੀ ਪ੍ਰੋਵੀਜ਼ਨ ਪੂਰੇ ਪੰਜ ਸਾਲ ਦੇ ਵਿਚ ਕਰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਸੋਧ ਵਾਸਤੇ ਜੇ ਕੋਈ ਡਰਾਫਟ ਬਣੇ ਤਾਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੂੰ ਕਾਨਫ਼ੀਡੈਂਸ ਵਿਚ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਕ ਹਰੀਜਨ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼ ਵਿਚੋਂ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਜਿਸ ਨੂੰ ਇਹ ਹਾਊਸ ਮੁਨਾਸਿਬ ਸਮਝੇ ਉਹ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕੀਤੇ ਜਾਣ। ਇਸ ਸਬੰਧ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਰਿਜੜ ਵਿਊ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਇਸ ਵਿਚ ਜੇ ਕੋਈ ਗਲਤੀ ਰਹਿ ਵੀ ਜਾਏ ਤਾਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਇਖਤਿਆਰ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਲਿਆਕੇ ਪਾਸ ਕਰਾਏ।

ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਜੋ ਸਾਡੀ ਕਮਿਊਨਿਟੀ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਰਖਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਹੋਰ ਵੀ ਕਈ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਆਪਣੇ ਵਿਚਾਰ ਰਖੇ ਹਨ। ਕਈਆਂ ਨੇ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਨੇ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਮੈਂ ਵੀ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰਖਣ ਅਤੇ ਉਹ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਾਂ ਮੰਨ ਲੈਣ। ਇਕ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਮੈਂ ਇਹ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ 90% ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਇਹ 100% ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਦੂਸਰਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜੋ ਇਹ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ 2 ਨੁਮਾਇੰਦੇ ਹੋਣਗੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਕ ਤਾਂ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸਮਾਜ ਭਲਾਈ ਨੂੰ ਰਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਦੂਜਾ ਨੁਮਾਇੰਦਾ ਕੋਈ ਅਜਿਹਾ ਹੋਵੇ ਜੋ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਮਸਲਿਆਂ ਨੂੰ ਸਮਝਦਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਪੁਰਾਣਾ ਤਜਰਬੇਕਾਰ ਹੋਵੇ।

ਫਿਰ ਚੈਪਟਰ 4 ਵਿਚ ਆਮਦਨ ਦੀ ਗਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਮਦਨ 6 ਹਜ਼ਾਰ ਸਾਲਾਨਾ ਤੋਂ ਵਧ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਅਸਿਸਟੈਂਸ ਨਹੀਂ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਤਾਂ ਹੀ ਗਰੀਬ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਕੁਝ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਵੀ ਅਮੀਰ ਲੈ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਪੈਸਾ ਵੀ ਲੈ ਜਾਣਗੇ। ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਅਮੀਰ ਲੋਕ ਨੀਲਾਮੀ ਵਿਚ ਲੈ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਗਰੀਬ ਲੋਕ ਤਾਂ ਬੋਲੀ ਹੀ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੇ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਤਾਂ ਸ਼ੁਰੂ ਤੋਂ ਇਸ ਹਕ ਵਿਚ ਹਾਂ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਜਾਂ ਤਾਂ ਲਾਟਰੀ ਰਾਹੀਂ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਜਾਂ ਫਿਰ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਦੇ ਰਾਹੀਂ, ਤਾਂ ਹੀ ਗਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। (ਥੈਂਪਿੰਗ) ਹੁਣ ਤਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਵਿਚ 2 ਕਲਾਸਾਂ ਹੋ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਜੋ ਉਪਰਲੀ ਕਲਾਸ ਹੈ, ਉਸ ਨੇ ਵਡੇ ਵਡੇ ਫਾਰਮ ਆਦਿ ਬਣਾਏ ਹੋਏ ਹਨ, ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਜ਼ਿਲੇ ਵਿਚ ਚਲੋ ਤਾਂ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਦਿਖਾ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਉਹ ਆਪਣੀਆਂ ਸ਼ਾਦੀਆਂ ਵੀ ਹੋਰ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਅਤੇ ਦੂਸਰੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ]

ਕਲਾਸ ਗਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ ਸਹੂਲਤਾਂ ਪਿਛੜੀਆਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਲਈ ਰਖੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਜੇ ਇਹ ਸਿਰਫ਼ ਗਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਹੀ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਣ ਦਾ ਹੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੁਝ ਭਲਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ।

ਫਿਰ ਮੈਂ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਲਿਆਏ ਹਨ, ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਪੈਸੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਵਿਚ ਰਖੇ ਹਨ, ਇਹ ਇਸੇ ਸਾਲ ਵਿਚ ਹੀ ਕੰਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਕੇ ਇਹ ਪੈਸੇ ਡਜ਼ਰਵਿੰਗ ਹਥਾਂ ਵਿਚ ਦੇ ਦੇਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਤਾਂਕਿ ਬਿਲ ਦਾ ਜੋ ਮੇਨ ਮਕਸਦ ਹੈ, ਉਹ ਪੂਰਾ ਹੋ ਸਕੇ । ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਨੇ ਇਹ ਡਰ ਪ੍ਰਗਟ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਤੇ ਸਾਰਾ; ਪੈਸਾ ਬਠਿੰਡੇ ਵਿਚ ਹੀ ਨਾ ਚਲਾ ਜਾਵੇ । ਮੈਂ ਇਹ ਆਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਪੈਸਾ ਬਿਨਾ ਕਿਸੇ ਫਿਰਕੇਦਾਰੀ ਦੇ ਹਰ ਇਕ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । ਭਾਵੇਂ ਕੋਈ ਪਿਗਰੀ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਜਾਂ ਚਮੜਾ ਰੰਗਣ ਦਾ ਕੰਮ ਜਾਣਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਰਿਕਸ਼ਾ ਹੀ ਚਲਾਉਂਦਾ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਭ ਨੂੰ ਸਹੀ ਤੌਰ ਤੇ ਪੈਸਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ । ਸਾਡੀ ਇਕ ਇਹ ਵੀ ਬਦਕਿਸਮਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਵੀ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਪੈਸਿਆਂ ਦੀ ਰਾਖੀ ਬਿਠਾਉਂਦੇ ਹਾਂ ਉਹ ਅਧਾ ਪੈਸਾ ਆਪ ਹੀ ਖਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਅਤੇ ਚੰਗੇ ਚੰਗੇ ਆਦਮੀ ਡਇਰੈਕਟਰ ਵਗੈਰਾ ਲਿਆਉਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਸੰਭਾਲ ਦੇਣ ਤਾਂ ਹੀ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਕੁਝ ਭਲਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਨਹੀਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦਾ ਕੰਪਲਸਰੀ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਐਕਟ ਵਾਲਾ ਹੀ ਹਿਸਾਬ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ, ਉਸ ਐਕਟ ਦੇ ਬਣਨ ਤੋਂ ਬਾਦ ਵੀ ਸਾਡੇ ਬੱਚੇ ਅਜੇ ਤਕ ਅਵਾਰਾ ਘੁੰਮ ਰਹੇ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦਾ ਕੋਈ ਪ੍ਰਬੰਧ ਨਹੀਂ । ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਕ ਹੋਰ ਲਾਅ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ 10% ਨੌਕਰੀਆਂ ਮਿਲਣਗੀਆਂ । ਪਰ ਨਾਂ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 10% ਨੌਕਰੀਆਂ ਹੀ ਮਿਲ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਮੋਸ਼ਨਾਂ ਮਿਲ ਰਹੀਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਗਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਕਬਜ਼ੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕੇ । ਸਗੋਂ ਪਛੜੇ ਹੋਏ ਵਰਗਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਲਤਾੜਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਅਫ਼ਸਰ ਸ਼ਾਹੀ ਨਜਾਇਜ਼ ਕਬਜ਼ੇ ਕਰਵਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਇਥੇ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਦੇ ਇਲਜ਼ਾਮ ਲਗੇ ਹਨ । ਸਾਬਕਾ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਤੇ ਵੀ ਇਹ ਇਲਾਜ਼ਾਮ ਲਗੇ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਵੈਕੂਈ ਲੈਂਡ ਤੇ ਆਪਣੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰਾਂ ਦੇ ਕਬਜ਼ੇ ਕਰਵਾ ਦਿਤੇ ਹਨ । ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਵੀ ਇਨਕੁਆਰੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਤੇ ਕਬਜ਼ਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਸਖਤ ਐਕਸ਼ਨ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਜੇ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦੀ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੰਭਾਲ ਨਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਹਸ਼ਰ ਵੀ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਮੈਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕੰਪਲਸਰੀ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਵਾਲਾ ਹੀ ਹੋਵੇਗਾ । ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਦੇ ਵੇਲੇ ਅਸੀਂ ਬੜੇ ਨਾਅਰੇ ਮਾਰਦੇ ਹਾਂ, ਟਾਹਰਾਂ ਮਾਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਹ ਕਰ ਦਿਆਂਗੇ, ਅਸੀਂ ਉਹ ਕਰ ਦਿਆਂਗੇ ਪਰ ਟਾਹਰਾਂ ਤੇ ਨਾਅਰਿਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਤਾਂ ਕੰਮ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ । ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਅਗਰ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਪਿਆਰ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਕੋਈ ਠੋਸ ਕਦਮ ਚੁਕੇ । ਰਿਆਸਤਾਂ ਵਿਚ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਕਿ ਹਾਲ ਹੁੰਦਾ ਸੀ, ਇਹ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ । ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਘਰ ਵੀ ਅਬਾਦੀ ਦੇ ਇਕ ਪਾਸੇ ਹੁੰਦੇ ਸੀ । ਪਰ ਹੁਣ ਉਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਨਹੀਂ ਚਲ ਸਕਦੇ । ਹੁਣ ਹਾਲਾਤ ਬਦਲ ਗਏ ਹਨ । ਹੁਣ ਲੋਕਰਾਜ ਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚ ਪਹਿਲਾਂ ਵਾਂਗ ਨਹੀਂ ਚਲ ਸਕਦਾ । ਹੁਣ ਤਾਂ ਤਾਂਹੀ ਤਰੱਕੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ ਜੇ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਨਾਲ ਲੈਕੇ ਅਗੇ ਵਧਿਆ ਜਾਵੇ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਕੋਲ ਬਹੁਤ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ ਜਾਂ ਬਹੁਤ ਪੈਸਾ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਦੇ ਦਿਮਾਗ ਤਾਂ ਹੀ ਦਰੁਸਤ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਤਾਂ ਹੀ ਡੈਮੋਕ੍ਰੇਸੀ ਨੂੰ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜੇ ਪਿਛੜਿਆਂ ਹੋਇਆ ਵਰਗ ਤਰਕੀ ਕਰੇ। ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜੇ ਹੋਰ ਸੁਧਾਰ ਵੀ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਆ ਸਕਦੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਕਰਨ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਸਖਤੀ ਨਾਲ ਲਾਗੂ ਕਰਨ। ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਹੋਰ ਮਹਿਕਮੇ ਖੜੇ ਕਰੀ ਜਾਣ ਦਾ ਕੋਈ ਫਾਇਦਾ ਨਹੀਂ। ਇਥੇ ਵਿਜੀਲੈਂਸ ਦਾ ਮਹਿਕਮਾ ਬਣਿਆ ਪਰ ਉਸ ਵਿਚ ਵੀ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਫੈਲ ਗਈ। ਹੁਣ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਗਲ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ, ਇਸ ਵਿਚ ਵੀ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਫੈਲ ਜਾਵੇਗੀ। ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦਾ ਕਰੈਕਟਰ ਕਿਹੋ ਜਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਹਰ ਥਾਂ ਕੁਰਪਸ਼ਨ ਫੈਲ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਮੈਂ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਆਪਣੇ ਸਾਰੇ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਡਿਫਰੈਂਸ ਭੁਲ ਕੇ ਸਰਬ ਸੰਮਤੀ ਦੇ ਨਾਲ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਾਉਣ। ਅਖੀਰ ਵਿਚ ਮੈਂ ਆਪ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਬਿਲ ਤੇ ਬੋਲਣ ਦਾ ਟਾਈਮ ਦਿਤਾ ਹੈ।

ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ (ਬੰਗਾ) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਜੋ ਇਹ ਬਿਲ ਲਿਆਏ ਹਨ, ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਨਾਲ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ 5 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ, ਪਰ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਕੈਬਨਿਟ ਦੇ ਵਿਚ ਉਹ ਬੈਠੇ ਹਨ ਉਥੇ ਇਕ ਇਕ ਵਜ਼ੀਰ 5 ਕਰੋੜ ਤੋਂ ਵਧ ਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਲਈ 5 ਕਰੋੜ ਮੰਗਦੇ ਹਨ। ਪਰ ਫਿਰ ਵੀ ਮੈਂ ਖੁਸ਼ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਪੈਸਾ ਹਰੀਜਨਾਂ ਲਈ ਮੰਗਿਆ ਗਿਆ ਹੈ, ਕਿਉਂਕਿ ਹਰੀਜਨ ਲਿਤਾੜੇ ਹੋਏ ਲੋਕ ਹਨ। ਫਿਰ ਕੁਝ ਅਜਿਹੀਆਂ ਬੇਇਨਸਾਫੀਆਂ ਵੀ ਇਸ ਸਮਾਜ ਨਾਲ ਹੋ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਜੋ ਦੂਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀਆਂ। ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਸਰਵਿਸ ਵਿਚ 10% ਰਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨ ਹਰੀਜਨਾਂ ਵਾਸਤੇ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਪਰ ਕਲਾਸ ਵਨ ਅਤੇ ਸੈਕਿੰਡ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੋਈ ਵੀ ਭਰਤੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਕਲਾਸ ਥਰੀ ਅਤੇ ਫੋਰ ਵਿਚ ਇਹ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਲੈ ਲੈਂਦੇ ਹਨ।

(ਇਸ ਵੇਲੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ ਜੀ ਸਮਾਜ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ ਨਾਲ ਗਲ ਕਰ ਰਹੇ ਸੀ।)

ਮਾਸਟਰ ਜੀ, ਤੁਸੀਂ ਫਿਰ ਗਲ ਕਰ ਲੈਣਾ ਪਹਿਲਾਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਮੇਰੀ ਗਲ ਤਾਂ ਸੁਣਨ ਦਿਓ।

ਸ੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਤੁਸੀਂ ਚੇਅਰ ਨੂੰ ਐਡਰੈਸ ਕਰੋ। (The hon. Member may please address the Chair.)

ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜੇ ਸਰਕਾਰ ਤਵਜੋ ਦੇਵੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਚੁਕਣ ਵਲ ਤਾਂ ਹੀ ਕੁਝ ਕਾਮਯਾਬੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਐਕਟ ਉਤੇ ਅਮਲ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਕਹਿਣ ਨੂੰ ਤਾਂ ਇਹ 10% ਸਰਵਿਸਜ਼ ਹਰੀਜਨਾਂ ਲਈ ਰਿਜ਼ਰਵ ਰਖੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਪਰ ਜੇ ਕਾਉਂਟ ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਇਹ 1% ਬਣਦੇ ਹਨ। ਬਾਕੀ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਇਹ ਆਪੇ ਖਾ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

2.00 P.M.

ਜੇ ਇਹ ਇਕ ਪਰਸੈਂਟ ਵੀ ਮੌਕਾ ਤਾੜੂ ਅਨਸਰ ਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਉਹ ਸਾਰਾ ਮਾਲ ਖਾ ਜਾਊਗਾ। ਕਾਂਗਰਸ ਵਾਲੇ ਗੁਰਬਾਨੀ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਸਾਰੀਆਂ ਗਲਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਦੀਆਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ]

ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ । ਸਿਖ ਇਜ਼ਮ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ ਨੇ ਭਾਈ ਲਾਲੋ ਦੇ ਟੁਕੜਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਦੁਧ ਨਚੋੜਿਆ ਸੀ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸਿਖਇਜ਼ਮ ਨੂੰ ਪਿਛੇ ਸੁਟਿਆ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਹਾਂ ਮੈਂ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਜੇ ਮੌਕਾ ਤਾੜੂ ਅਨਸਰ ਇਕ ਪਰਸੈਂਟ ਵੀ ਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਉਹ ਸਾਨੂੰ ਖਾ ਜਾਊਗਾ । (ਵਿਘਨ) ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਬਿਲ ਲਿਆਕੇ, ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਬਣਾਕੇ (ਵਿਘਨ) ਚੰਗਾਂ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਇਸ ਵੇਲੇ ਕੀ ਹਾਲਤ ਹੈ । ਸਾਡੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਸੋਸ਼ਲ ਬਾਈਕਾਟ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ।ਸਾਡੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਇਹ ਵਾਤਾਵਰਨ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਜੇ ਇਹ ਬਿਲ ਸਿਰਫ ਇਹੀ ਚੀਜ਼ ਲਈ ਹੈ ਕਿ :

'ਭੇਖ ਦਿਖਾਇਉ ਜਗਤ ਕੋ ਲੋਕਨ ਕੋ ਬਸ ਕੀਨਾ'' ਤਾਂ ਗਲ ਦੂਜੀ ਹੈ ।

ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਅਸੀਂ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਜ਼ਰੂਰ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ । ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀ ਤਰਲੋਚਨ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀ ਬੈਠੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਬੈਠੀ ਹੈ, ਇਸ ਨੇ ਐਸਾ ਵਾਤਾਵਰਨ ਬਣਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਆਪਣੇ ਨਿਆਣਿਆਂ ਨੂੰ ਤਾਂ ਕਾਰਾਂ ਲੈ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਸਾਨੂੰ ਗੁੜ ਦੀ ਭੇਲੀ ਦੇ ਦਿਤੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਇਸ ਤੇ ਖੁਸ਼ ਹੋ ਜਾਈਏ । ਸਾਨੂੰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਇਸ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰ ਦਿਉ । (ਵਿਘਨ)

ਲੋਕ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਦੀਆਂ ਸੈਂਟਰ ਵਿਚ ਦੋ ਪਾਰਟੀਆਂ ਹਨ । ਤਰਲੋਚਨ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸੈਂਟਰ ਵਿਚ ਕਾਂਗਰਸ ਦੀਆਂ ਦੋ ਪਾਰਟੀਆਂ ਹੋ ਗਈਆਂ, ਦੇਸ਼ ਦਾ ਭੈੜਾ ਹਾਲ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਗਰੀਬ ਆਦਮੀ ਤਾਂ ਚਾਹੇ ਕੋਈ ਵੀ ਹੋਵੇ, ਉਹ ਤਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵਾਂਗ ਹੀ ਰੁਲ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਹ ਬਿਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਕੁਝ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰੇਗਾ । ਹਾਲੇ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਹੋਰ ਅਗੇ ਚਲਣਾ ਪਵੇਗਾ । ਅਜ ਇਸ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਮੈਂ ਅਪੀਲ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਠੀਕ ਢੰਗ ਨਾਲ ਰਾਜ ਚਲਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਕਿਥੋਂ ਤਕ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਇਕ ਧੀਆਂ ਧੀਆਂ ਭੈਣਾਂ ਤਾਂ ਕਾਰਾਂ ਚਲਾਉਣ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਸਾਡੇ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਬੰਨਿਆਂ ਤੇ ਖੜੀਆਂ ਨੂੰ ਇੰਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁੰਡੇ ਡਰਾਉਂਦੇ ਹਨ । ਹਰੀਜਨ ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਚਾਹੇ ਉਹ ਇਧਰ ਬੈਠੇ ਹਨ, ਚਾਹੇ ਉਹ ਅਕਾਲੀ ਬੈਂਚਾਂ ਤੇ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਬੈਂਚਾਂ ਉਪਰ ਬੈਠੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪਹਿਲਾਂ ਧਰਮ ਕਰਮ ਇਹ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਗਰੀਬੀ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਹੁਣੇ ਅਵਾਜ਼ ਆਈ ਹੈ ਕਿ 25 ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕੇ । ਇਹ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਤਕੜੇ ਤੋਂ ਤਕੜਾ ਵੀ ਇਹ ਕਹਿੰਦਾ ਸੀ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੀ ਪੁਛਣਾ ਹੈ ਕਿਉਂ ਜੋ ਹੁਣ ਚੂੜ੍ਹਿਆਂ ਚਮਾਰਾਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਹੈ । ਪਰ ਹੁਣ ਸਾਡੀ ਸਰੇ ਬਾਜ਼ਾਰ ਉਹ ਮਾੜੀ ਹਾਲਤ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤੋਂ ਕੋਈ ਵੀ ਨਹੀ ਬਚਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਮੇਰੇ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸਨੇ 28 ਰੁਪਏ ਪਰ ਏਕੜ ਝੋਨੇ ਦੀ ਲਵਾਈ ਨਹੀਂ ਲੈਣੀ ਉਸ ਦਾ ਸੋਸ਼ਲ ਬਾਈਕਾਟ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਜਦ ਕਿ ਰਾਹੋਂ ਦੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ 60 ਰੁਪਏ ਝੋਨੇ ਦੀ ਲਵਾਈ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਉਥੇ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੇ ਬੋਲੀ ਵਿਚ ਲਈ ਸੀ (ਵਿਘਨ) (ਘੰਟੀ) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡਾ ਬੜਾ ਸ਼ੁਕਰਗੁਜ਼ਾਰ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੇ ਤੇ ਅਨਾਇਤ ਦੀ ਨਜ਼ਰ ਰਖਦੇ ਹੋ। ਹੁਣ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਬੜਾ ਤਕੜਾ ਨਾਰਾ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚ ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਵੀ ਹਨ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀਂ ਵੀ ਵੈਸੇ ਉਹ ਤਾਂ ਜਿਸ ਦਿਨ ਤੋਂ ਵਜ਼ੀਰ ਬਣੇ ਹਨ ਦਿਖਦੇ ਹੀ ਨਹੀਂ । ਕਮੇਟੀ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ ਨਿਲਾਮੀ ਕਰ ਦਿਉ, ਖਾਲੀ ਪਈ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਦਿਉ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਰਿਆ ਸਤਲੁਜ ਦੇ ਨਾਲ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਵੇਚੀ ਹੈ । ਪਰ ਗਲ ਤਾਂ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਤੇ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਕਬਜ਼ਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਖਾਲੀ ਕਰਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਉਹ ਅਜ ਤਕ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ । ਇਮਾਨਦਾਰੀ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਬੜੀ ਤਕੜੀ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਲੇਕਿਨ ਇਮਾਨਦਾਰੀ ਨਾਲ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਤੁਸੀਂ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਆਦਮੀਆਂ ਨਾਲ ਲੜਨਾ ਹੈ ? ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਆਦਮੀਆਂ ਨਾਲ ਲੜਨਾ ਹੈ ਜਿਹੜੇ ਤੁਹਾਡੀ ਕੈਬਨੇਟ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹਨ ਔਰ ਜਿਹੜਾ ਇਕ ਇਕ ਹੀ ਦਸ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੇ ਮੁਲ ਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਾ ਲਵੋ। ਪਰ ਇਸ ਵਿਚ ਖਾਮੀਆਂ ਬਹੁਤ ਹਨ। ਚਲੋ ਇਹ ਪਾਸ ਕਰਾ ਲਵੋ ਬਾਕੀ ਦੀਆਂ ਖਾਮੀਆਂ ਫੇਰ ਦੂਰ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਜਿਹੜੀ ਹੋਰ ਕੋਈ ਸਰਕਾਰ ਆਵੇਗੀ ਉਹ ਇਹ ਖਾਮੀਆਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਵਾ ਲਵੇਗੀ। ਤੁਸੀਂ ਸਾਰੀ ਉਮਰ ਇਥੇ ਰਹਿਣ ਦਾ ਠੇਕਾ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਲਿਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ।

ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ 10% ਰਿਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨ ਹੈ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਕਲਾਸ (I) ਅਤੇ (II) ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਵਾਸਤੇ ਅਤੇ ਪਰੋਮੋਸ਼ਨ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਰਿਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨ ਅਮਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਈ ਹੈ। ਇਹ ਰਿਜ਼ਰਵੇਸ਼ਨ ਤਾਂ ਸਿਰਫ ਕਲਾਸ (III) ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਵਾਸਤੇ ਅਤੇ ਕਲਾਸ (IV) ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਵਾਸਤੇ ਹੀ ਹੈ। ਇਹ ਚੀਜ਼ ਕਲਾਸ (I) ਅਤੇ (II) ਪੋਸਟਾਂ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਥੇ ਕਲਾਸ (III) ਐਂਪਲਾਈਜ਼ ਦੇ ਕਈ ਸਾਡੇ ਮੁੰਡੇ ਇਸ ਆਸ ਵਿਚ ਬੈਠੇ ਹੋਏ ਹਨ ਕਿ ਸ਼ਾਇਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਕੁਝ ਪਾਸ ਹੋਵੇ। ਇਹ ਹਾਊਸ ਦੇ ਹਾਲ ਵਿਚ ਸਾਡੇ ਵਲ ਤਕ ਲਵੋ, ਆਪਣੇ ਵਲ ਤਕ ਲਵੋ, ਕਿੰਨੇ ਕੁ ਅਜਿਹੇ ਬੰਦੇ ਬੈਠੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਨਾਂ ਹੋਣ (ਵਿਘਨ) ਲਾਬੀ ਵੀ ਖਾਲੀ ਪਈ ਹੈ। ਜੇ ਕਿਤੇ ਕੋਈ ਹੋਰ ਮਸਲਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਫੇਰ ਦੇਖੋ ਲਾਬੀ ਵਿਚ ਕਿੰਨੇ ਬੰਦੇ ਆ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਸਬਜ਼ੀ ਵੇਚਣ ਵਾਲਾ ਆਉਂਦਾ ਹੈ, ਜਦੋਂ ਰਹਿੰਦ ਖੂੰਦ ਰਹਿ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਉਸ ਸਬਜ਼ੀ ਨੂੰ ਲੈਕੇ ਹਰੀਜਨ ਬਸਤੀ ਵਿਚ ਲੈ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਚੁਣ ਚੁਣ ਕੇ ਤਾਂ ਸਬਜ਼ੀ ਨੂੰ ਪਹਿਲਾਂ ਹੋਰ ਬੰਦੇ ਲੈ ਲੈਂਦੇ ਹਨ। ਜਿਹੜੀ ਰਹਿੰਦ ਖੂੰਦ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਹ ਹਰੀਜਨਾਂ ਲਈ ਰਹਿ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਗਲ ਕਰ ਲੈਣ। "ਰੰਗ ਰੇਟੇ ਗੁਰੂ ਕੇ ਬੇਟੇ" ਗੁਰੂ ਜੀ ਨੇ ਸਭ ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਹੈ। ਵੀਹ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾ ਦਿਤਾ। ਹੁਣ ਇਹ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਜਗਤ ਰਾਮ ਨਾਲ ਰੋਟੀ ਨਹੀਂ ਖਾ ਸਕਦੇ ਉਹ ਇਹ ਤਾਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਂ ਬਿਮਾਰ ਹਾਂ ਅਤੇ ਡਾਕਟਰ ਨੇ ਰੋਟੀ ਖਾਣੀ ਮਨ੍ਹਾਂ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਰੋਟੀ ਨਹੀਂ ਖਾਣੀ। ਪਰ ਉਹ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਬੈਠਣ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ। ਅਸੀਂ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਆਦਮੀ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਲਿਆ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਢੰਗ ਵਿਚ ਗੁਰਬਾਣੀ ਨੇ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਲਿਆਉਣ ਵਿਚ ਹੁਕਮ ਦਿਤਾ ਸੀ, ਉਸ ਢੰਗ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਲਿਆ ਦਿਤਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਮੈਨੂੰ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਗਲ ਯਾਦ ਆਈ। ਮੈਂ ਇੰਗਲੈਂਡ ਗਿਆ ਸੀ। ਜਦੋਂ ਮੈਂ ਉਥੇ ਰੋਟੀ ਖਾਣ ਲਗਾ ਤਾਂ ਇਕ ਅੰਗਰੇਜ਼ ਵੀ ਉਥੇ ਆ ਗਿਆ। ਉਸ ਨੇ ਮੈਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਕਿ ਕੀ ਮੈਂ ਮੀਟ ਖਾਂਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਸ਼ਰਾਬ ਪੀਂਦਾ ਹਾਂ ਤਾਂ ਮੈਂ ਜਵਾਬ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਮੈਂ ਨਾ ਹੀ ਮੀਟ ਖਾਂਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਸ਼ਰਾਬ ਪੀਂਦਾ ਹਾਂ। ਉਸ ਅੰਗਰੇਜ਼ ਆਦਮੀ ਨੇ ਮੈਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਤਾਂ ਡੰਗਰਾਂ ਦਾ ਮੀਟ ਖਾ ਲੈਂਦੇ ਹਾਂ ਪਰ ਇੰਡੀਆ ਵਿਚ ਆਦਮੀ ਆਦਮੀ ਦਾ ਮੀਟ ਖਾਂਦਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਬਾਸੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਠੇਕੇਦਾਰੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਆਦਮੀ ਆਦਮੀ ਦਾ ਮੀਟ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਖਾਂਦਾ ਹੈ। ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲ ਮਹਿਕਮਾ ਦਿਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਸੋਸ਼ਲ ਵੈਲਫੇਅਰ ਦਾ, ਅਤੇ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਸੰਭਾਲੇ ਹੋਏ ਹਨ ਐਕਸਾਈਜ਼ ਅਤੇ ਰੈਵਿਨਿਊ ਦੇ ਮਹਿਕਮੇ। (ਵਿਘਨ) ਜਨ-ਸੰਘ ਵਾਲੇ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਹੁਣ ਇਧਰ ਬੈਠੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ]

ਹੋਏ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੇਵਲ ਸਤ ਮੈਂਬਰ ਹੁੰਦੇ ਹੋਈ ਵੀ ਚਾਰਾਂ ਨੂੰ ਮਨਿਸਟਰੀਆਂ ਦਿਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਸਨ (ਵਿਘਨ)

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਬਿਲ ਬੜਾ ਅਛਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਉਤਾਵਲੇ ਬੜੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਪਾਸ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਪਰ ਮਿਲਣਾ ਕੁਝ ਇਸ ਵਿਚੋਂ ਵੀ ਕੁਝ ਨਹੀਂ।

ਕਾਮਰੇਡ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਝਬਾਲ (ਅਟਾਰੀ, ਐਸ. ਸੀ.) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਵੈਲਫੇਅਰ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਜਿਹੜਾ ਬਿੱਲ ਪੰਜਾਬ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਲੈਂਡ ਡੀਵੈਲਪਮੈਂਟ ਐਂਡ ਫਾਈਨੈਂਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ 1970 ਦਾ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਬੜਾ ਹੈਰਾਨ ਸੀ ਜਦੋਂ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਨੇ ਤਰਮੀਮਾਂ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਅਤੇ ਦਲੀਲਾਂ ਦਿਤੀਆਂ। ਪਰ ਉਸ ਵੇਲੇ ਵੀ ਸਾਰਿਆਂ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਪਾਸ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਬਿਲ ਪੂਰਾ ਮਕਸਦ ਹੱਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ। ਪਰ ਫਿਰ ਵੀ ਬਾਵਜੂਦ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਖਾਮੀਆਂ ਦੇ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਜੋ ਭਾਵਨਾ ਹੈ, ਉਹ ਦਰੁਸਤ ਹੈ। ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਅੱਗੇ ਵੀ ਇਸ ਮਸਲੇ ਤੇ ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਔਰ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਦੇ ਮਸਲੇ ਬਾਰੇ ਚੰਗੇ ਵਿਚਾਰ ਰੱਖਦੇ ਹਨ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਰੱਖਣ ਨਾਲ ਮਸਲਾ ਹੱਲ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਕਿਉਂ ਕਿ ਜਿਸ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਹਨ ਉਹ ਪਾਰਟੀ ਲੈਂਡਲਾਰਡਾਂ ਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਜਗੀਰਦਾਰਾਂ ਦੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਰਟੀ ਨੁਮਾਇੰਦਗੀ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਇਹ ਸਮਝ ਲੈਣਾ ਕਿ ਇਹ ਠੀਕ ਕਰਦੇ ਹਨ ਇਹ ਗੱਲਾਂ ਸਮਝ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਹਨ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬਿੱਲ ਵਿਚ ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਬਿੱਲ, ਜਿਹੜੇ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਉਨਤੀ ਵਾਸਤੇ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਵੱਲ ਲਿਜਾਣ ਲਈ ਇਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਜਦ ਅਸੀਂ ਇਹ ਮਕਸਦ ਸਾਹਮਣੇ ਰੱਖਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰੀ ਬਣ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਬੁਨਿਆਦੀ ਉਹ ਸਵਾਲ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਉਨਤੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਕਰੀਏ। ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਪਸ਼ੂ ਪਾਲਣ, ਰੇਸ਼ਮ ਦੇ ਕੀੜੇ ਪਿਗਰੀ ਅਤੇ ਹੋਰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਕੰਮ ਵਾਸਤੇ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕਰਜ਼ੇ ਮਿਲ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਡਾਕਟਰ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ ਕਰਜ਼ੇ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੇ ਸਨ। ਪਰ ਸਵਾਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਸਮੁੱਚੇ ਤੌਰ ਤੇ ਪਛੜੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਜਿਹੜੇ ਹਰੀਜਨ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਕੀ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਵਾਲ ਹੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ। ਮੈਂ ਪਿੰਡਾਂ ਨਾਲ ਤੁਅੱਲਕ ਰੱਖਦਾ ਹਾਂ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਪਿੰਡਾਂ ਨਾਲ ਤੁਅੱਲਕ ਰੱਖਦੇ ਹੋ। ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਅਤੇ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਰਾਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਅੱਗੇ ਵੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਵਾਲ ਹੱਲ ਕਰਨਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿੰਨੀ ਦੇਰ ਤੱਕ ਸਰਕਾਰ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਸੁਧਾਰ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਉਦੋਂ ਤਕ ਤਰੱਕੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ। ਛੋਟੀਆਂ ਮੋਟੀਆਂ ਰਿਆਇਤਾਂ ਦੇਣ ਨਾਲ ਕੋਈ ਅਸਰ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਜਦ ਤਕ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਸੁਧਾਰ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ। ਪਿਛਲਾ ਤਜਰਬਾ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹੈ। ਉਹ ਦੱਸਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ 20 ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਹਾਲਤ ਇਸ ਹੱਦ ਤਕ ਲੈ ਆਂਦੀ ਕਿ ਅੱਜ ਲੋਕ ਮਜਬੂਰ ਹੋ ਕੇ ਦਰ ਬੇਦਰ ਭਟਕ ਰਹੇ ਹਨ। ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਵਿਚ ਫਰਕ ਪਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਜੋ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਧੱਕੇ ਕੀਤੇ ਸਨ, ਪਰ ਅੱਜ ਇਹ ਵੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਲੀਹਾਂ ਤੇ ਚੱਲ ਰਹੇ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ ਪਿਛਲੇ 20 ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਕੀਤੀਆਂ। ਜਿਹੜਾ ਗਰੀਬ ਤਬਕਾ ਹੈ, ਜਿਸ ਨੂੰ ਹਰੀਜਨ ਕਿਹਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਉਹ ਅੱਜ ਰੁਲਦਾ ਫਿਰਦਾ ਹੈ, ਦਰ ਬੇਦਰ ਭਟਕ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਕਿਉਂ ਹੋ ਗਿਆ। ਉਹ ਇਸ ਲਈ ਹੋ ਗਿਆ ਕਿਉਂਕਿ ਅੱਜ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਵਿਚ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਬੜੀ ਤੇਜ਼ੀ ਦੇ ਨਾਲ ਆਈ ਹੈ ਅਤੇ ਆ ਰਹੀ ਹੈ ਪਰ ਹਰੀਜਨ ਜ਼ਿਆਦਾ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਰੱਖਦੇ ਹਨ, ਦਸਤਕਾਰੀ ਵੀ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਪਰ ਜਿਹੜੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਰੱਖਦੇ ਹਨ, ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਪਾਸ ਟਰੈਕਟਰ ਆਉਣ ਕਰਕੇ ਹਰੀਜਨ ਵਿਹਲੇ ਕਰ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਗਹਾਈ ਵਾਲੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾ, ਉਡਾਈ ਵਾਲੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਅਤੇ ਕਣਕ ਦੀ ਕਟਾਈ ਦੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਆਦਿ ਆ ਗਈਆਂ ਹਨ, ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਹਰੀਜਨ ਵਿਹਲੇ ਹੋ ਗਏ ਹਨ। ਗਰੀਬ ਮਾਰੇ ਮਾਰੇ ਫਿਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਫਰਜ਼ ਬਣ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ ਅੱਗੇ ਸੇਪੀ ਆਦਿ ਕਰਕੇ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਕਰਦੇ ਸਨ ਪਰ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਆਉਣ ਨਾਲ ਉਹ ਬੇਕਾਰ ਕਰ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੰਮ ਦੇਵੇ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਮਸਲਾ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਸੁਧਾਰ ਨਾਲ ਹੀ ਹਲ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਡੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ 2 ਮੀਟਿੰਗਾਂ ਕੀਤੀਆਂ, ਜਿਸ ਦੇ ਵਿਚ ਸਾਰੇ ਸ਼ਿਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਸੱਦਿਆ ਗਿਆ। ਉਸ ਵਿਚ ਸੋਚਿਆ ਗਿਆ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਉਸ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ ਮੈਂ, ਕਾਮਰੇਡ ਦਾਨਾ ਰਾਮ, ਪਾਂਧੀ ਸਾਹਿਬ ਮਾਸਟਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਭਾਗ ਲਿਆ। ਉਥੇ ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਤਕਸੀਮ ਕਰਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਚੱਲਿਆ। ਉਥੇ ਮੈਂ, ਕਾਮਰੇਡ ਦਾਨਾ ਰਾਮ, ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਤੁਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਨਿਲਾਮ ਕਰਨੀ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਸੀ. ਐਮ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੇਣੀਆਂ ਨਹੀਂ, ਤੁਸੀਂ ਸਗੋਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਲੋਕਾਂ ਕੋਲੋਂ ਖੋਹ ਲੈਣੀਆਂ ਹਨ। ਪਾਂਧੀ ਸਾਹਿਬ ਪਹਿਲਾਂ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਸਹਿਮਤ ਨਹੀਂ ਸਨ, ਪਰ ਹੁਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਦਾ ਪਤਾ ਲੱਗ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਵੈਕੂਈ ਲੈਂਡ ਗਰੀਬ ਹਰੀਜਨ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਣਗੇ ਸਗੋਂ ਇਹ ਜ਼ਮੀਨ ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ ਆਦਮੀ, ਅਫਸਰ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਸ਼ਿਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਹਨ ਜਾਂ ਹੋਰ ਕੋਈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਲੈ ਲੈਣੀਆਂ ਹਨ ਨਿਲਾਮੀ ਦੇ ਨਾਮ ਤੇ। ਪਰ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਅਫਸਰ ਜ਼ਮੀਨ ਲੈ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ। ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਿੰਗੇ ਟੇਢੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਇਹ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਲੈ ਲਈਆਂ ਹਨ। ਚੇਅਰ-ਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰੱਖਦਾ ਹਾਂ। ਪਿੰਡ ਚੀਚਾ ਲਾਗੇ ਪਿੰਡ ਮਹਿਦੂਦ ਨਗਰ ਜਿਥੇ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਬੜੀ ਨਾਕਸ ਸੀ। ਉਥੇ ਦਾ 10 ਏਕੜ ਦਾ ਪਲਾਟ ਵੀ 40-60 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਤੇ ਬੋਲੀ ਤੇ ਚੜ੍ਹਿਆਂ। ਪਰ ਹਰੀਜਨ ਐਨੇ ਪੈਸੇ ਦੇ ਕੇ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦੇ ਸਨ ਪਰ ਉਹ ਜ਼ਮੀਨ ਹੋਰ ਆਦਮੀਆਂ ਨੇ ਹੀ ਬੋਲੀ ਤੇ ਲੈ ਲਈ, ਉਹ ਜ਼ਮੀਨ ਅਫਸਰਾਂ ਨੇ ਬੋਲੀ ਤੇ ਲੈ ਲਈ। ਗਰੀਬਾਂ ਵਿਚਾਰਿਆਂ ਦੀ ਕੋਈ ਸੁਣਵਾਈ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ, ਅੱਗੇ ਵੀ ਕਈ ਵਾਰੀ ਯਾਦ ਕਰਵਾਇਆ ਹੈ ਕਿ, ਸੰਤ ਫ਼ਤਹਿ ਸਿੰਘ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਮੈਂ ਬਾਕੀ ਸਮਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਵਿਚ ਬਤੀਤ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਉਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਉਨਤੀ ਬਿਆਨਾਂ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ। ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਸਵਾਲ ਹੈ, ਇਹ ਹੱਲ ਕਰਨਾ ਪਵੇਗਾਂ। ਪਿਛਲੇ ਸੀ. ਐਮ. ਅਤੇ ਹੁਣ ਦੇ ਸੀ. ਐਮ. ਵੀ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ 30 ਸਟੈਂਡਰਡ ਏਕੜ ਦੀ ਹੱਦ ਘੱਟ ਹੈ, ਇਹ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੈਂ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼ਰੇਣੀਆਂ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ, ਇਹ ਹੱਲ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਕ ਹੋਰ ਵਡਾ ਸਰਵੇ ਹੋਇਆ। ਇਕਨਾ-ਮਿਕਸ ਸਰਵੇ ਨੇ ਅਪਣੇ ਜੂਨ ਦੇ ਐਡੀਸ਼ਨ ਵਿਚ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਕੁਲ ਅਬਾਦੀ ਕਿੰਨੀ ਹੈ, ਉਸ ਦੀਆਂ ਮਿਸਾਲਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ 1961 ਦੀ ਮਰਦਮਸ਼ੁਮਾਰੀ ਦਾ ਹਿਸਾਬ ਲੈ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕਾਮਰੇਡ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਝਬਾਲ]

ਕੇ ਕਿਹਾ ਕਿ 22% ਜਿਹੜੇ ਲੋਕ ਹਨ, ਉਹ ਹਰੀਜਨ ਹਨ । ਹੋਰ ਉਸ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ 40% ਉਹ ਲੋਕ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ । 22% ਗੈਰ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ । 13% ਮਜ਼ਦੂਰੀ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ । 54% ਦੀ ਆਮਦਨੀ 50 ਰੁਪਏ ਮਹੀਨਾ ਹੈ । ਸੋ ਇਹ ਹਾਲਾਤ ਉਹ ਅਖਬਾਰ ਨੇ ਦੱਸੇ ਹਨ ਜਿਸ ਨੂੰ ਜਾਤੀ ਤਜਰਬਾ ਹੈ । ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਪਿੰਡਾਂ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਰੱਖਦੇ ਹੋ, ਤੁਸੀਂ ਜਾਣਦੇ ਹੋ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਸਲੂਕ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਕਿਹੋ ਜਿਹੇ ਤਰੀਕੇ ਵਰਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਇਥੇ ਕਾਲ ਅਟੈਨਸ਼ਨ ਮੋਸ਼ਨ ਰਾਹੀਂ ਵੀ ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਨਾਕਾਬੰਦੀਆਂ ਹੋ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਕੋਈ ਪਾਲਿਸੀ ਨਹੀਂ ਬਣਾਈ, ਇਸ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ । ਇਸ ਨਾਕਾਬੰਦੀ ਬਾਰੇ ਅਖਬਾਰਾਂ ਨੇ ਵੀ ਖਬਰਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹਨ, ਪਰ ਉਜਰਤ ਦਾ ਕੋਈ ਕਾਨੂੰਨ ਬਨਾਉਣ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ । ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਜਰਤ ਦਾ ਕਾਨੂੰਨ ਬਣਾਏ ਔਰ ਉਸ ਤੇ ਅਮਲ ਕਰੇ । ਮਹਿੰਗਾਈ ਨੇ ਬੁਰਾ ਹਾਲ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ । (ਘੰਟੀ) ਇਹ ਨਾਕਾਬੰਦੀ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੱਲ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਨਿਕੀਆਂ ਨਿਕੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਨਾਲ ਮਸਲੇ ਹੱਲ ਨਹੀਂ ਹੋਣੇ । ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਵਾਲ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਸੁਧਾਰ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗਰੀਬਾਂ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਰ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ, ਅਤੇ ਲੋਕ ਮਜਬੂਰ ਹੋ ਕੇ ਆਪ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਖੜ੍ਹੇ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ । ਉਹ ਆਪਣੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਪਣੇ ਬੱਚੇ ਰੋਂਦੇ ਨਹੀਂ ਵੇਖ ਸਕਦੇ । ਉਹ ਲੋਕ ਆਪਣੀਆ ਧੀਆਂ ਭੈਣਾ ਦੀ ਬੇਇਜ਼ਤੀ ਨਹੀਂ ਦੇਖ ਸਕਦੇ । ਸੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਚਾਹੇ ਕੋਈ ਵੀ ਤਰੀਕਾ ਅਖਤਿਆਰ ਕਰਨਾ ਪਵੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪਛੜਿਆਪਣ ਦੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਇਸ ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਵਾਲ ਦਾ ਹੱਲ ਕਰਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ । ਇਥੇ ਨੌਕਰੀਆਂ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ । ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਵੀ ਇਹ ਲੋਕ ਕਿਤੇ 2% ਅਤੇ ਕਿਤੇ 3% ਹਨ । ਮਤਲਬ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨੌਕਰੀਆਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀਆਂ । ਪਹਿਲਾਂ ਪੜ੍ਹਣ ਲਿਖਣ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ । ਜਿਸ ਗਰੀਬ ਦੇ ਘਰ ਰੋਟੀ ਖਾਣ ਲਈ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ, ਉਹ ਬੱਚੇ ਕਿਵੇਂ ਪੜ੍ਹਾ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਬੱਚੇ ਸਕੂਲ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦੇ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਮਿਲਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਵਜ਼ੀਫੇ ਕਿਤਾਬਾਂ ਮਿਲਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ, ਜੇਕਰ ਉਹ ਪੜ੍ਹਨਗੇ ਤਾਂ ਹੀ ਨੌਕਰੀਆਂ ਮਿਲਣਗੀਆਂ ਜੇਕਰ ਉਹ ਪੜ੍ਹ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ ਤਾਂ ਨੌਕਰੀ ਕਿਵੇਂ ਕਰਨਗੇ ?

ਅੰਤ ਵਿਚ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਹੈ, ਇਹ ਪਾਸ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਭਾਵੇਂ ਇਸ ਵਿਚ ਖਾਮੀਆਂ ਹਨ, ਫਿਰ ਵੀ ਇਸ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਦਰੁਸਤ ਹੈ । ਇਹ ਬੁਨਿਆਦੀ ਮਸਲਾ ਹੱਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ । ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਬਿਲ ਪਾਸ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (ਤਾੜੀਆਂ)

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ : (ਮੋਰਿੰਡਾ, ਐਸ. ਸੀ) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਪੰਜਾਬ ਸ਼ੈਡੂਲਡ ਕਾਸਟ ਲੈਂਡ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਐਂਡ ਫਾਈਨੈਂਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਿਲ, 1970, ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਹੁਰਾਂ ਨੇ, ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਲਿਆਣ ਮੰਤਰੀ ਹਨ, ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਮੈਂ ਉਸ ਦੀ ਹਮਾਇਤ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਆਪਣਾ ਫਰਜ਼ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਕਮਿਊਨਿਟੀ ਨੂੰ ਜਿਸ ਕਮਿਊਨਿਟੀ ਨੂੰ ਸੌ ਸਾਲ ਅੰਗਰੇਜ਼ਾਂ ਨੇ, 22 ਸਾਲ ਕਾਂਗਰਸ ਨੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਐਕਸਪਲਾਇਟ ਕੀਤਾ, ਮੈਂ ਉਸ ਕਮਿਊਨਿਟੀ ਦਾ ਨੁਮਾਇੰਦਾ ਹੋਣ ਦੀ ਹੈਸੀਅਤ ਵਿਚ ਜੋ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਕੁਝ ਤਰੁਟੀਆਂ ਹਨ ਉਹਨਾਂ ਦਾ ਵੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕਰਾਂ। (ਵਿਘਨ)

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਕਈ ਦੋਸਤ ਇਸ ਮੇਰੀ ਗਲ ਤੋਂ ਔਖੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਮੇਰੀ ਗਲ ਨੂੰ ਸੁਣ ਲੈਣ। ਭਾਵੇਂ ਅਸੀ ਇਧਰ ਬੈਠੇ ਹਾਂ ਜਾਂ ਉਧਰ ਬੈਠੇ ਹਾਂ ਇਹ ਸਾਡਾ ਸਭ ਦਾ ਸਾਂਝਾ ਕਾਜ਼ ਹੈ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਬਿਲ ਪੜ੍ਹਨ ਤੋਂ ਬਾਦ ਮੈਨੂੰ ਕੁਝ ਦੁਖ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਜਦੋਂ ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਕਲਾਜ਼ 13 ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਿਆ ਜਿਸ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਹੋਵੇਗਾ ਉਸ ਦੇ ਕੋਲ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਪਾਵਰਜ਼ ਹੋਣਗੀਆਂ ਪਰ ਉਸ ਵਿਚ ਇਹ ਗਲ ਨਹੀਂ ਕਹੀ ਗਈ ਕਿ ਉਹ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸ਼ੈਡੂਲਡ ਕਾਸਟ ਹੋਵੇਗਾ। (ਵਿਘਨ) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਮੈਂ ਇਕ ਪੰਜਾਬੀ ਦੀ ਕਹਾਵਤ ਕਹਿ ਦਿਆਂ ਕਿ 'ਦੁਧ ਦਾ ਰਾਖਾ ਬਿੱਲਾ' ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇਕ ਢੁਕਵੀਂ ਗਲ ਹੋਵੇਗੀ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਸਿਲਸਲੇ ਵਿਚ ਸਾਡੇ ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਮਹਿਕਮਾਂ ਵੈਲਫੇਅਰ ਖੋਲ੍ਹਿਆ ਪਰ ਜਿਹੜੇ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਹੈਡ ਰਹੇ ਹਨ ਉਹ ਸਾਰੇ ਨਾਨ ਸ਼ੈਡੂਲਡ ਕਾਸਟ ਹੁੰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ। ਐਨ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਥੇ ਹੁਣ ਇਹ ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦਾ ਬਿਲ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਪਾਸ ਕਰਨ ਲਈ ਅਸੀਂ ਬੜੇ ਉਤਾਵਲੇ ਹਾਂ, ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਦੇਖ ਕੇ ਬੜਾ ਦੁਖ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਲਈ ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦਾ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਹੈ, ਇਸ ਨਾਲ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਬੇਟਰਮੈਂਟ ਵਾਸਤੇ ਕਮ ਕਰਨੇ ਹਨ, ਉਥੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਆਪਣਾ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਅਫ਼ਸਰ ਆਪਣਾ ਹਰੀਜਨ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਬੜਾ ਦੁਖ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਸੋ ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਅਫ਼ਸਰ ਵੀ ਹਰੀਜਨ ਹੀ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਸਾਰਾ ਕੁਝ ਪਿਛਲੇ ਤਜਰਬੇ ਦੀ ਬਿਨਾ ਤੇ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਕਿੰਨਾ ਚੰਗਾ ਹੁੰਦਾ ਜੇ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਵਿਚ ਇਹ ਡੀਫਾਈਨ ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਹੋਵੇਗਾ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਜੋ ਵੈਲਫੇਅਰ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਬਣਿਆ ਉਸ ਵੈਲਫੇਅਰ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੇ ਜੋ ਹੈਡ ਬਣੇ ਉਹ ਸਾਰੇ ਦੇ ਸਾਰੇ ਨਾਨ ਸ਼ੈਡੂਲਡ ਕਾਸਟ ਬਣੇ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਹੈਡ ਦੀ 18 ਸੌ ਰੁਪਏ, 22 ਸੌ ਰੁਪਏ ਮਹੀਨੇ ਦੀ ਨੌਕਰੀ ਦੀ ਪੋਸਟ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਪੋਸਟ ਕਲਾਸ ਵਨ ਦੀ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਸੁਣ ਕੇ ਹੈਰਾਨ ਹੋਵੋਗੇ ਕਿ ਫਿਰ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦਾ ਹੈਡ ਕਿਸ ਨੂੰ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ? ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦਾ ਹੈਡ ਸ਼੍ਰੀ ਪੀ. ਸੀ. ਪੰਡਿਤ ਨੂੰ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਬੇਹਤਰੀ ਉਸ ਪੰਡਿਤ ਤੋਂ ਕਰਾਉਣੀ ਚਾਹੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਸਿੱਕਾ ਢਾਲ ਢਾਲ ਕੇ ਪਾਇਆ ਸੀ। ਅੱਜ ਉਨ੍ਹਾਂ ਪੰਡਤਾਂ ਨੂੰ ਸਾਡੇ ਸਿਰ ਤੇ ਬਿਠਾਇਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਥੇ ਹੀ ਬਸ ਨਹੀਂ। ਇਕ ਸਾਲ ਵਾਸਤੇ ਸ਼੍ਰੀ ਸੁਦਰਸ਼ਨ ਕੁਮਾਰ ਸ਼ੈਡੂਲਡ ਕਾਸਟ ਅਫ਼ਸਰ ਬਣਾਏ ਗਏ। ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਜਰਿਆ ਨਾ ਗਿਆ। ਫਿਰ ਮਿਸਟਰ ਗੁਪਤਾ ਲਗਾਇਆ, ਫਿਰ ਮਿਸਟਰ ਅਗਰਵਾਲ ਲਗਾਇਆ। ਮੈਨੂੰ ਅਫ਼ਸੋਸ ਨਾਲ ਕਹਿਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਇਹੋ ਜਿਹੇ ਲੋਕ ਸਾਡੇ ਸਿਰ ਤੇ ਬੈਠੇ ਹਨ ਤਾਂ ਸਾਡਾ ਭਲਾ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ?

ਫਿਰ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਕਲਾਜ਼

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ]

16 ਵਿਚ ਸਰਦਾਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਸਾਨੂੰ ਮੌਕਾ ਦਿਤਾ ਹੈ ... (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਬੜੀਆਂ ਗਲਾਂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਯਾਦ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਬਾਬੂ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ ਨਾਲ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਝਗੜੇ ਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮੁਖਾਲਫਤ ਕੀਤੀ ਸੀ; ਅੱਜ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਜਫੀਆਂ ਪਾਈ ਬੈਠੇ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਬੜਾ ਚੰਗਾ ਬਿਲ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ ... (ਵਿਘਨ)

Mr. Chairman : This is no point of order.

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮਾਫ਼ ਕਰਨਾ ਮੇਰੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਪਤਾ ਕਿ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ ਹੁੰਦਾ ਕੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਆਪ ਨੇ ਜੱਜ ਕਰਨਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। It is not the duty of the hon. Member. ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਹ ਸ਼ਬਦ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵਾਪਸ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਅੱਜ ਇਹ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬ * * * * * *। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਇਹ ਸ਼ਬਦ * * * *ਐਕਸਪੰਜ ਕਰ ਦਿਤੇ ਜਾਣ। (ਵਿਘਨ) (The words X * * * * used for the hon. Member should be expunged.)

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਕਲਾਜ਼ 16 ਵਲ ਆਪ ਦਾ ਧਿਆਨ ਦੁਆ ਰਿਹਾ ਸੀ ...... (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਦਾ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿ ਕੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਦਾ ਇਸ ਕਰਕੇ ਨਹੀਂ ਪਤਾ ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਂ ਨੈਨੀਤਾਲ ਦੀ ਸੈਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ। (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਕੋਈ ਨੈਨੀਤਾਲ ਨਹੀਂ ਗਿਆ। (ਵਿਘਨ) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਇਥੇ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਗ਼ਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਬੇਹਤਰੀ ਵਾਸਤੇ, ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੀ ਉਨਤੀ ਵਾਸਤੇ, ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਧਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਪੈਸਾ ਲਗੇਗਾ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਆਸ਼ਾ ਬੜਾ ਚੰਗਾ ਹੈ ਪਰ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਅਗਰ 75% ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਟੈਕਨੀਕਲ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ, ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਦੇ ਕੰਮ ਵਾਸਤੇ ਰਿਜ਼ਰਵ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਗਲ ਹੋਵੇਗੀ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਜਾਣਦੇ ਹੋ ਅਤੇ ਇਹ ਸਾਰੇ ਮੇਰੇ ਵੀਰ ਜਾਣਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇਹ ਜ਼ਮੀਨ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਅਸੀਂ ਲੜਾਈ ਲੜਦੇ ਹਾਂ ਭਾਵੇਂ ਨਕਾਮੀ ਅਤੇ ਬੰਜਰ ਜ਼ਮੀਨ, ਅਖਿਰ ਇਸ ਜ਼ਮੀਨ ਨੇ ਖ਼ਤਮ

* Expunged as ordered by the Chair.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਹੋ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਹਾ ਚੰਗਾ ਹੋਵੇ ਜੇ ਇਸ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਧਰਤੀ ਉਪਰ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਝਗੜਾ ਮੁਕਾਕੇ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਵੱਲ ਜ਼ਿਆਦਾ ਧਿਆਨ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਇਕ ਤਾਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਨਾਲ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਝਗੜਾ ਮੁਕੇਗਾ ਔਰ ਦੂਸਰੀ ਗਲ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਇਹ ਹੋਵੇਗੀ ਕਿ ਇਸ ਕੌਮ ਦੀ ਬੁਨਿਆਦੀ ਉਨਤੀ ਹੋਵੇਗੀ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਨਾਕਾਫੀ ਹੈ, ਪਰ ਇਸ ਦਾ ਘੱਟੋ ਘੱਟ 75% ਰੁਪਿਆ ਸਾਡੇ ਗਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਬਚਿਆ ਦੀ ਟੈਕਨੀਕਲ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਵਗੈਰਾ ਵਾਸਤੇ ਮੁੱਕਰਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। (ਵਿਘਨ) 'ਨਾ ਰਹੇਗਾ ਬਾਂਸ ਨਾ ਬਜੇਗੀ ਬੰਸਰੀ' ਜ਼ਮੀਨ ਸਬੰਧੀ ਜੋ ਇਹ ਰੋਜ਼ ਰੋਜ਼ ਦਾ ਝਗੜਾ ਹੈ ਉਹ ਮੁਕ ਜਾਵੇਗਾ ਔਰ ਇਸ ਨਾਲ ਸਾਡੀ ਕਮਿਊਨਿਟੀ ਦਾ, ਸਾਡੇ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਭਲਾ ਹੋਵੇਗਾ।

ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਕਲਾਜ਼ 21 ਹੈ ਉਸ ਵਲ ਮੈਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕੋਆਪਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਇਟੀਆਂ ਹਨ ਜਿਸ ਦੇ ਵਿਚ 90% ਮੈਂਬਰ ਸ਼ੈਡੂਲਡ ਕਾਸਟ ਹੋਣਗੇ ਔਰ 10% ਮੈਂਬਰ ਨਾਨ ਸ਼ੈਡੂਲਡ ਕਾਸਟ ਹੋਣਗੇ। ਮੈਨੂੰ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਉਤੇ ਦਸ਼ਾ ਹੈ ਕਿ ਖਊਹ ਜਿਹੜੇ 10% ਲੋਕ ਹੋਣਗੇ ਉਹੀ ਮੌਕਾ ਪਰੱਸਤ ਹੋਣਗੇ। ਉਹ ਲਗਾਤਾਰ ਇਹ ਚਾਹੁਣਗੇ ਕਿ ਇਸ ਕੋਅਪਰੇਟਿਵ ਲਹਿਰ ਨੂੰ ਅਗੇ ਨਾ ਵਧਣ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਇਹ ਲੋਕ ਹਮੇਸ਼ਾ ਲੱਖਾਂ ਰੁਪਏ ਖਾਂਦੇ ਰਹੇ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) ਸੋ ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਸੌ ਫੀ ਸਦੀ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਲਏ ਜਾਣ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਇਤਫ਼ਾਕ ਕਰੋਗੇ ਅਤੇ ਨਾਲ ਹੀ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਇਤਫ਼ਾਕ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਕੋ-ਆਪ੍ਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਇਟੀਆਂ ਬੋਗਸ ਚਲ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਇਨਫਰਮੇਸ਼ਨ ਤੁਹਾਡਾ ਹੀ ਮਹਿਕਮਾ ਸਪਲਾਈ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਅਫ਼ੀਸ਼ਲ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ, ਉਹ ਹਰੀਜਨ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਫਿਰ ਮੈਂ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਕਲਾਜ਼ 5 ਵਲ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਧਿਆਨ ਦਿਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਸਾਡੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਕੇਵਲ 5 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਦੇ ਕੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਧਰਤੀ ਤੇ 40 ਲੱਖ ਲੋਕ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਜ਼ੁਲਮ, ਅਤਿਆਚਾਰ ਅਤੇ ਜਿਹੜੇ ਸਮਾਜ ਦੀਆਂ ਬੁਰਾਈਆਂ ਦੇ ਸ਼ਿਕਾਰ ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਇਹ ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਰੁਪਈਆ ਕੇਵਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਕਰਨ ਦੀ ਹੀ ਗਲ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਚੰਗਾ ਹੁੰਦਾ ਕਿ ਇਸ ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਦੀ ਥਾਂ ਘੱਟੋ ਘੱਟ 15 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਹੁੰਦਾ। ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕਰ ਇਸ ਸਾਲ ਜੋ ਇਕ ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਵੰਡਿਆ ਜਾਏ ਤਾਂ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਦੀ ਉਨਤੀ ਵਾਸਤੇ ਕੇਵਲ ਢਾਈ ਰੁਪਏ ਹੀ ਬਣਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਬੜੇ ਦੁਖ ਦੀ ਗਲ ਹੈ। ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਲਾਜ਼ ਪੰਜ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਪੰਜ ਕਰੋੜ ਰਖਿਆ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਥਾਂ ਤੇ ਘੱਟੋ ਘੱਟ 15 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ, ਤਾਂ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਦਸਤਕਾਰੀ ਜਾਂ ਖੇਤੀ ਬਾੜੀ ਦਾ ਕੰਮ ਅਛਾ ਹੋ ਸਕੇ ਅਤੇ ਉਹ ਚੰਗੇ ਸੰਦ ਆਦਿ ਖ਼ਰੀਦ ਸਕਣ। (ਵਿਘਨ) ਅਤੇ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਆਪਣੀ ਉਨੱਤੀ ਕਰ ਸਕਣ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਬਿਲ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਸਾਫ ਅਤੇ ਸੁਥਰੇ ਲਫ਼ਜ਼ਾਂ ਵਿਚ ਅਤੇ ਸੱਚੇ ਹਿਰਦੇ ਨਾਲ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਇਸ ਸੈਕਸ਼ਨ ਨੂੰ ਤਕੜਾ ਕਰਨ ਦੀ ਖ਼ਾਤਰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। (ਵਿਘਨ) ਪਰ ਜਿਵੇਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ]

ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਬਾਬਾ ਸੰਤ ਫਤਹਿ ਸਿੰਘ ਜੀ ਦੀ ਅਪਰੂਵਲ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੁਕਮ ਅਨੁਸਾਰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਬੜੀ ਸ਼ੰਕਾ ਹੈ ਅਤੇ (ਵਿਘਨ) ਉਹ ਮੇਰੀ ਸ਼ੰਕਾ ਦੂਰ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਕਿਉਂਕਿ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੰਤ ਬਾਬਾ ਫਤਹਿ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਦੇ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਹੋਣਾ ਕਿ ਕੇਵਲ ਇਕ ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਬੇਹਤਰੀ ਵਾਸਤੇ ਇਕ ਸਾਲ ਲਈ ਖਰਚ ਕੀਤਾ ਜਾਏ ਅਤੇ ਜੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਤਾਂ ਬੜੀ ਮਾੜੀ ਗਲ ਹੈ। ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਗੁਡ ਬੁਕਸ ਵਿਚ ਆਉਣ ਦੀ ਖ਼ਾਤਰ ਜੇਕਰ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਕਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਝੂਠ ਬੋਲਿਆ ਹੈ। ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਅਸੈਂਬਲੀ ਵਿਚ ਬੈਠ ਕੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਇਹ ਕੋਈ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕਰਨਗੇ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚੰਗਾ ਕਹਾਂਗੇ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਮਾੜਾ ਕੰਮ ਕਰਨਗੇ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਾੜੇ ਕੰਮ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਜ਼ਰੂਰ ਲੜਾਂਗੇ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਧੱਕਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਾਜਾਇਜ਼ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਕੁਟਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆ ਰਪਟਾਂ ਤਕ ਨਹੀਂ ਲਿਖੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਧੋਖਾ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਝੂਠੇ ਮੁਕਦਮੇ ਬਣਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਤੁਸੀਂ ਸੁਣ ਕੇ ਹੈਰਾਨ ਹੋਵੋਗੇ ਕਿ 80% ਮੁਕੱਦਮੇ ਪੁਲਸ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਜ਼ਿੰਮੇ ਲਾ ਦਿੰਦੀ ਹੈ। ਜਿੰਨੇ ਵੀ ਸਟੇਟ ਵਿਚ ਇਸ ਕਿਸਮ ਦੇ ਕਰਾਈਮ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਸ਼ਰਾਬ ਦੀਆਂ ਭੱਠੀਆਂ, ਜੇਬ ਕਤਰੇ ਆਦਿ ਦੇ ਸਾਰੇ ਇਲਜ਼ਾਮ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੀ ਉਤੇ ਆ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਭਾਵੇਂ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਕੋਈ ਹੋਰ ਹੋਣ। ਪਰ ਇਸ ਸ਼ਰੇਣੀ ਅਤੇ ਇਸ ਤਬਕੇ ਨੂੰ ਇਸ ਵਿੱਚ ਇਨਵਾਲਵ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇਕਰ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਨਾਲ ਕੋਈ ਧੱਕਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਇਸ ਸ਼ਰੇਣੀ ਨਾਲ, ਇਸ ਤਬਕੇ ਨਾਲ ਹੀ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਬਾਦਲ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਕੀ ਕਹਿਣਾ ਹੈ, ਉਹ ਤਾਂ ਐਡੇ ਵਡੇ ਲੈਂਡ ਲਾਰਡ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਗਰੀਬਾਂ ਨਾਲ ਕੀ ਹਮਦਰਦੀ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਗਰੀਬਾਂ ਤੇ ਅਤਿਆਚਾਰ ਹੀ ਕਰਨਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਇਹ ਤਾਂ ਗਰੀਬਾਂ ਨੂੰ ਖਾ ਗਏ ਇਹ ਗਰੀਬਾਂ ਦਾ ਕੀ ਭਲਾ ਕਰਨਗੇ। ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਲੋਕ ਜਿਹੜੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਧਰਤੀ ਤੇ ਵਸਦੇ ਗਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨਾਲ ਜ਼ੁਲਮ ਕਰਦੇ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਦੇ ਯਤਨ ਕਰਨ ਅਤੇ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਚੰਗੇ ਤੋਂ ਚੰਗਾ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਜਿਹੜੇ ਇਸ ਵਿਚ ਨੁਕਸ ਰਹਿ ਗਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਦੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕਿ ਗਰੀਬ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਹੋ ਸਕੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਹਮਾਇਤ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ ਅਤੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡਾ ਸ਼ੁਕਰੀਆ ਅਦਾ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ ਬੈਠ ਜਾਂਦਾ ਹਾਂ।

ਕਾਮਰੇਡ ਦਾਨਾ ਰਾਮ : (ਲਾਂਬੀ, ਐਸ. ਸੀ.) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਹਮਾਇਤ ਕਰਨ ਲਈ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਬਿਲ ਹੈ ਅਤੇ ਬੜੀ ਦੇਰ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਇਹ ਬਿਲ ਆਇਆ ਹੈ ਪਰ ਇਹ ਹੈ ਗਿਟਿਆਂ ਗੋਡਿਆਂ ਤਕ ਹੀ। ਕਿਉਂਕਿ ਕੁਝ ਸੂਰਾਂ ਵਾਸਤੇ ਹੈ, ਕੁਝ ਕੁਕੜੀਆਂ ਵਾਸਤੇ ਹੈ, ਇਹ ਚੀਜ਼ਾਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦਾ ਮੁੱਖ ਮਸਲਾ ਹੈ, ਪਰ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ ਚੀਜ਼ ਵਲ ਬਹੁਤੀ ਤਵਜੋਹ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ, ਉਸ ਵਲ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਗਈ। ਉਹ ਮਸਲਾ ਸੀ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦਾ। ਇਹ ਕੇਵਲ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਹੀ ਨਹੀਂ ਬਲਕਿ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਇਹ ਮਸਲਾ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਜਿੰਨੇ ਚਿਰ ਤਕ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ, ਉਨੇ ਚਿਰ ਤਕ ਹਰੀਜਨ ਉਨਤੀ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ। ਅਜ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਪਾਸੇ ਹਰੀਜਨ ਮੁਜ਼ਾਰੇ ਉਜਾੜੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਦੇ ਉਤੇ ਬੋਲੀਆਂ ਲਾਈਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਦਾ ਭਾਵ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਬੋਲੀ ਤੇ ਜ਼ਮੀਨ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦੇ। ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ 21 ਮਈ ਨੂੰ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ ਵੀ ਮੈਂ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਜ਼ਮੀਨ ਬੋਲੀ ਤੇ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦੇ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇਣੀ ਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਸਹੀ ਢੰਗ ਨਾਲ ਦਿਓ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲਾਟਰੀ ਸਿਸਟਮ ਹੈ। ਇਹ ਲੋਕ ਜ਼ਮੀਨ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਨਹੀਂ ਬਚ ਸਕਦੇ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਚੰਗਾ ਹੋਇਆ ਕਿ ਇਹ ਇਹ ਬਿਲ ਲੈ ਆਏ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ ਵੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹੈ ਚਾਹੇ ਉਹ ਸਰਪਲਸ ਹੈ, ਚਾਹੇ ਨਿਕਾਸੀ ਹੈ ਚਾਹੇ ਜੰਗਲਾਤ ਦੀ ਪਈ ਹੋਈ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਸਾਰੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਲਾਟਰੀ ਢੰਗ ਨਾਲ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦੇ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਵੀ ਸਹੀ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਜਿਹੜੀ ਸਰਕਾਰੀ ਕੀਮਤ ਸਾਢੇ ਚਾਰ ਸੌ ਰੁਪਏ ਮੁਕੱਰਰ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਤਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਉਨਤੀ ਹੋ ਸਕੇ। ਚਾਹੇ ਇਹ ਬਿਲ ਪੂਰਾ ਉਨਤੀ ਵਾਲਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਫਿਰ ਵੀ ਅਸੀਂ ਇਸ ਦੀ ਹਮਾਇਤ ਕਰਦੇ ਹਾਂ।

ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਮੈਂ ਇਕ ਹੋਰ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦੁਖੀ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਹਰੀਜਨ ਜਿਹੜੇ ਦਿਹਾੜੀ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲੁਟਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਬੁਰਾ ਸਲੂਕ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿਤੇ ਨਾਕਾ ਬੰਦੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਕਿਤੇ ਬਾਈਕਾਟ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਇਕ ਪਿੰਡ ਚੂੜ੍ਹ ਚਕ ਹੈ ਉਥੇ ਨਾਕਾਬੰਦੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤੀ ਸੀ, ਪਰ ਮੈਂ ਜਦੋਂ ਉਥੇ ਗਿਆ ਤਾਂ ਉਹ ਮਸਲਾ ਹਲ ਹੋ ਗਿਆ। (ਵਿਘਨ) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਮਝਾ ਲਵੋ, ਇਕ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਇਹ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਬਿਲ ਲੈ ਆਏ ਹਨ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਮਜ਼ਾਕ ਕਰੀ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਨਾਕੇ ਬੰਦੀਆਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਚਿਆਂ ਨੂੰ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਟਟੀ ਤਕ ਨਹੀਂ ਜਾਣ ਦਿੰਦੇ। ਕੀ ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਸ਼ਰਮ ਦੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਕਿਧਰੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨੌਕਰੀਆਂ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਕਢਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਧਰੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਨੌਕਰੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ। ਦੋ ਤਿੰਨ ਦਿਨ ਹੋਏ ਮੈਨੂੰ ਇਕ ਮੁੰਡਾ ਮਿਲਿਆ ਉਹ ਕਹਿਣ ਲਗਾ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਨੌਕਰੀ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਕਢਦਿਤਾ (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਹਿਮਾਇਤ ਹੀ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ, ਹੋਰ ਕੀ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ ਵੀ ਤਾਂ ਉਸੇ ਜਮਾਤ ਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੀ ਪਤਾ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਦੁਖ ਦਾ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਭਲੇ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

Sirdar Kapur Singh : On a point of order, Sir. Mr. Chairman, the hon Member who is on his legs. has castigated you as one who is prejudiced. We cannot bear this. We cannot tolerate this.

ਸ੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਕਾਮਰੇਡ ਦਾਨਾ ਰਾਮ ਜੀ, ਇਹ ਸ਼ਬਦ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰੋ। (The hon. Member, Comrade Dana Ram, may please withdraw those words.)

ਕਾਮਰੇਡ ਦਾਨਾ ਰਾਮ : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਕੋਈ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਤਾਂ ਕਿਹਾ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹੋ ਤਾਂ ਮੈਂ ਵਾਪਸ ਲੈ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ। ਇਹ ਗਰੀਬਾਂ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ। ਮੈਂ ਦੁਬਾਰਾ ਨਹੀਂ ਵਰਤਾਂਗਾ। (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Sirdar Kapur Singh : I would request that the hon. Member should be admonished. He should be told not to utter these words again.

ਕਾਮਰੇਡ ਦਾਨਾ ਰਾਮ : ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਸਾਡੇ ਦੋਹਾਂ ਦੇ ਸਿਰ ਤੇ ਲਾਲ ਪਗੜੀਆਂ ਹਨ, ਮੈਨੂੰ ਬੋਲ ਲੈਣ ਦਿਉ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਬ, ਜੋ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੈ ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਜ਼ਰੂਰ ਹਲ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਬ, ਦਾਨੇ ਬਹਾਦਰ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਨਿਲਾਮੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਈ ਸੀ। ਅਸੀਂ ਉਥੇ ਪਹੁੰਚੇ ਤਾਂ ਪੁਲਿਸ ਨੇ ਦੂਜਿਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਮੈਨੂੰ ਵੀ ਗਰਿਫ਼ਤਾਰ ਕਰ ਲਿਆ। ਪਹਿਲਾਂ ਤਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਹੀ ਹਥਕੜੀ ਲਾ ਲਈ ਤੇ ਫਿਰ ਮਗਰੋਂ ਮੇਰੇ ਹਥੋਂ ਲਾਹ ਲਈ। ਸਾਨੂੰ 11 ਜੂਨ ਨੂੰ ਗਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਨੂੰ 25 ਆਦਮੀਆਂ ਨੂੰ 6 ਘੰਟੇ ਧੁੱਪੇ ਖੜ੍ਹੇ ਰਖਿਆ, ਪਾਣੀ ਵੀ ਨਹੀਂ ਪੀਣ ਦਿਤਾ। ਇਹ ਹਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪੁਲਿਸ ਦੇ ਕਾਰਨਾਮੇ, ਜੋ ਇਥੇ ਹਸਦੇ ਹਨ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਬਿਲ ਤੇ ਹੀ ਬੋਲ ਰਿਹਾ ਹਾਂ, ਇਹ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਹੀ ਗੱਲ ਹੈ। 6 ਘੰਟੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਪੀਣ ਦਿਤਾ। ਮਗਰੋਂ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਲੈ ਗਏ, 7 ਵਜੇ ਜੇਲ੍ਹ ਵਿਚ ਦਿਤਾ। ਜੇਲ੍ਹ ਵਿਚ ਵੀ ਹਾਲਤ ਬਹੁਤ ਖਰਾਬ ਕੀਤੀ। ਉਥੇ ਰੋਟੀ ਵੀ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਸੀ, ਪਾਣੀ ਵੀ ਠੀਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ ਸੀ। ਇਲਾਜ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਵੀ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਅਗਰ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਗਰੀਬਾਂ ਨੂੰ ਵਡਿਆਂ ਤੋਂ ਜ਼ਮੀਨ ਲੈਕੇ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ ਤਾਂ ਗਰੀਬਾਂ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹਲ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ। ਅਗਰ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਨਾ ਕਰ ਸਕੇ ਤਾਂ ਲੋਕ ਇਸ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਆਪਣੇ ਆਪ ਹੀ ਕਰ ਲੈਣਗੇ। ਲੋਕ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਤਿਆਰੀ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਤੇ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਕਬਜ਼ੇ ਕਰ ਲੈਣ ਦੀ...(ਵਿਘਨ)

Sirdar Kapur Singh : On a point of order, Sir. Mr. Chairman, the hon. Member Comrade Dana Ram is publicly threatening the whole House with Naxalite action. I call upon the whole House, through you, Sir, to take some action against him We are not afraid of him.

Also, Sir, under Rule 100 a Member can speak only on the subject matter before the House. If y u g) through the provisions of the Punjab Scheduled Castes Land Development and Finance Corporation Bill you will see that whatever he is speaking about 'grabbing of land' and 'how the Harijans were treated' has nothing to do with the Bill. All these matters I bring to your notice for proper action.

ਸ੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ (ਸਰਦਾਰ ਜਸਪਾਲ ਸਿੰਘ) : ਦਾਨਾ ਰਾਮ ਹੋਰੀਂ ਨਵੇਂ ਸਪੀਕਰ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਾ ਕੁਝ ਲੈਟੀਚਯੂਡ ਤਾਂ ਦੇਣਾ ਹੀ ਪਵੇਗਾ। (ਤਾੜੀਆਂ) (Com. Dana Ram is a new speaker. Some latitude has to be given to him.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸਤੱਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਮਦੇਨਜ਼ਰ ਕਿ ਦਾਨਾ ਰਾਮ ਹੋਰੀਂ ਨਵੇਂ ਸਪੀਕਰ ਹਨ, ਕੀ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਜੁਰਮ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਇਹੀ ਰਵੱਈਆ ਰਿਹਾ ਤਾਂ ਗਰੀਬ ਲੋਕ ਵਡੇ ਜ਼ਮੀਂਦਾਰਾਂ ਦੀਆਂ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਤੇ ਕਬਜ਼ਾ ਕਰ ਲੈਣਗੇ ? ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਕਸਲਵਾੜੀ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਪਰ ਇਹੀ ਗਲ ਹਿੰਦੋਸਤਾਨ ਦੇ ਡੀਫੈਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸ੍ਰੀ ਜਗਜੀਵਨ ਰਾਮ ਅਤੇ ਪ੍ਰਾਈਮ ਮਨਿਸਟਰ ਨੇ ਕਹੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਹੀ ਗਲ ਬਾਹਰ ਜਾਕੇ ਰੀਪੀਟ ਕਰਨ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਾਂ ਇਹ ਮੇਰੇ ਤੇ ਮੁਕਦਮਾ ਚਲਾ ਲੈਣ।

Sirdar Kapur Singh : If Shri Jagjivan Ram and the Prime Minister also say these words I protest against them. They have no right to threaten us.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਚੌਧਰੀ ਤੁਲਸੀ ਰਾਮ ਚੌਹਾਨ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਸਰ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਕਾਮਰੇਡ ਸਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ ਨੇ ਬਾਬੂ ਜਗਜੀਵਨ ਰਾਮ ਅਤੇ ਪ੍ਰਾਈਮ ਮਨਿਸਟਰ ਨੂੰ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਡਿਸਕਸ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਕੀ ਇਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਦੇ ਆਥੋਰਾਈਜ਼ਡ ਹਨ ? ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਤੇ ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਕਹੋ ਕਿ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਾਰੇ ਕਹੇ ਲਫਜ਼ ਵਿਦਡਰਾ ਕਰਨ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਕੋਈ ਰੀਫਲੈਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਦਾਨਾ ਰਾਮ ਜੀ ਜਲਦੀ ਖਤਮ ਕਰੋ। (No reflection was made on them. Com. Dana Ram may please wind up.)

ਕਾਮਰੇਡ ਦਾਨਾ ਰਾਮ : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਹਮਾਇਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਪਰ ਨਾਲ ਹੀ ਦੋਬਾਰਾ ਮੰਗ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਲੈਕੇ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ। ਅਗਰ ਸਰਕਾਰ ਇਹ ਨਹੀਂ ਕਰੇਗੀ ਤਾਂ ਉਹ ਲਾਜ਼ਮੀ ਤੌਰ ਤੇ ਜ਼ਮੀਨ ਤੇ ਜਾਣਗੇ ਭਾਵੇਂ ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਕਸਲਵਾੜੀ ਜਾਂ ਕੁਝ ਹੋਰ ਹੀ ਕਹਿਣ। ਅਸੀਂ ਭੁਖੇ ਮਰਦੇ ਹਾਂ, ਇਹ ਗਲ ਨਹੀਂ ਚਲੇਗੀ। ਇੰਨਾ ਹੀ ਕਹਿ ਕੇ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਗਲ ਖਤਮ ਕਰਦਾ ਹਾਂ।

ਵੈਦ ਗਿਆਨ ਚੰਦ (ਦੀਨਾਨਗਰ, ਐਸ. ਸੀ.) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਜੋ ਇਹ ਬਿਲ ਹਰੀਜਨ ਕਲਿਆਣ ਬਾਰੇ ਲਿਆਏ ਹਨ, ਮੈਂ ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਹੋਲੀ ਸੋਲੀ ਇਨਚਾਰਜ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਹੀ ਹੋਣਗੇ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਰਾਰਥਨਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿਤੇ ਇਸ ਤੇ ਅਮਲ ਕਰਨ ਵੇਲੇ ਸਾਡੇ ਨਾਲ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਿਤਕਰਾ ਨਾ ਕਰਨ ਜਿਹਾ ਕਿ ਧਰਮਸ਼ਾਲਾਵਾਂ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿਚ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਵੈਦ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਕਿ ਸਭ ਨੂੰ ਧਰਮਸ਼ਾਲਾਵਾਂ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ, ਮਗਰ ਇਹ ਗਲ ਗਲਤ ਹੈ। ਮੈਂ ਆਪ ਨੂੰ ਦਸਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੇਰੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ ਸਿਰਫ ਇਕ ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਹੀ ਦਿਤੀ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਸੋ ਮੇਰੀ ਪਰਾਰਥਨਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿਚ ਵੀ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਿਤਕਰਾ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਮੇਰੀ ਪਰਾਰਥਨਾ ਹੈ ਕਿ ਦਿਹਾਤੀ ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਜ਼ਮੀਨ ਬਹੁਤ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਬਿਨਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਗੁਜ਼ਰ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ। ਇਹ ਬੇਜ਼ਮੀਨੇ ਲੋਕ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜੀਣ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਖੇਤੀ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਨ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੇ। ਮੇਰੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ ਇਕ ਵਾਕਿਆ ਹੋਇਆ ਜੋ ਮੈਂ ਆਪ ਨੂੰ ਦਸਦਾ ਹਾਂ। ਇਕ ਹਰੀਜਨ ਬਾਹਰ ਟੱਟੀ ਫਿਰ ਕੇ ਆਇਆ ਤਾਂ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰ ਵੀ ਪਿਛੇ ਹੀ ਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਕਹਿਣ ਲਗਾ ਚੁਕ ਟੱਟੀ। (ਵਿਘਨ) ਉਸ ਨੇ ਉਸ ਗਰੀਬ ਨਾਲ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਤੀ ਕੀਤੀ। ਉਸ ਨੂੰ ਬੰਦੂਕ ਦਾ ਨਿਸ਼ਾਨਾ ਕਰਕੇ ਗੋਲੀ ਚਲਾ ਦਿਤੀ, ਇੰਨਾ ਸ਼ੁਕਰ ਹੈ ਕਿ ਗੋਲੀ ਉਸ ਦੀਆਂ ਲਤਾਂ ਵਿਚੋਂ ਦੀ ਲੰਘ ਗਈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਹੋਰ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀਆਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗਰੀਬਾਂ ਨਾਲ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਬੇਜ਼ਮੀਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਜੋ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਹ ਆਪ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਜ਼ੁਲਮ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿਹਾੜੀਆਂ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਮੈਂ ਪਰਾਰਥਨਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੇਰੇ ਹਲਕੇ ਵਿਚ 2-3 ਪਿੰਡ ਹਨ ਤਾਰਾਗੜ੍ਹ, ਚੌੜਾ ਆਦਿ। ਉਥੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਜ਼ਮੀਨ ਮੁਲ ਲਈ, ਹਜ਼ਾਰ, ਹਜ਼ਾਰ ਅਤੇ ਦੋ ਦੋ ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਏ ਦੇ ਬੈਠੇ ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਕਬਜ਼ਾ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਕਢ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਉਹ ਜ਼ਮੀਨ ਛਡ ਕੇ ਨਿਕਲ ਗਏ ਹਨ। ਮੇਰੀ ਪਰਾਰਥਨਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਬਹਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਕਬਜ਼ਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਵਾਇਆ ਜਾਵੇ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

[ਵੈਦ ਗਿਆਨ ਚੰਦ]

ਫਿਰ ਜੋ ਸ਼ਹਿਰੀ ਹਰੀਜਨ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜ਼ਮੀਨ ਨਾਲ ਤੁਅੱਲਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਰਜ਼ਾ ਦੇਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਉਹ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਗੈਰਾ ਲਗਾ ਸਕਣ ਅਤੇ ਗਰੀਬਾਂ ਦੀ ਬੇਰੁਜ਼ਗਾਰੀ ਖਤਮ ਹੋਵੇ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ ਜੋ ਇਕ ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ, ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਇਹ 4 ਕਰੋੜ ਹੋਵੇਗਾ ਵੀ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਅਗਰ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂ ਕਦ ਹੋਵੇਗਾ. ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਸ਼ਰਾਇਤ ਤੇ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਮੇਰਾ ਵਿਚਾਰ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਕਰਜ਼ ਬਿਨਾ ਸੂਦ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਅਗਰ ਆਪ ਨੇ 10% ਜਾਂ 12% ਸੂਦ ਲਾ ਦਿਤਾ ਤਾਂ ਉਹ ਲੋਕ ਤਾਂ ਸੂਦ ਹੀ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਣਗੇ। ਜ਼ਮੀਨ ਵਾਲਾ ਜਾਂ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਾਲਾ ਤਾਂ ਸੂਦ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ ਪਰ ਗਰੀਬ ਸੂਦ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦਾ। ਇਸ ਲਈ ਨਿਵੇਦਨ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗਰੀਬਾਂ ਨੂੰ ਬਿਲਾ ਸੂਦ ਕਰਜ਼ਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਅਗਰ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਸਰਕਾਰ ਰਾਜ਼ੀ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਅਠ ਆਨੇ ਜਾਂ ਚਾਰ ਆਨੇ ਫੀ ਸੈਂਕੜਾ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਸੂਦ ਤੇ ਕਰਜ਼ਾ ਦਿਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਅਗਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਹੀ ਗਰੀਬ ਇਸ ਬਿਲ ਤੋਂ ਲਾਭ ਉਠਾ ਸਕਣਗੇ ਵਰਨਾ ਉਹ ਸਾਰੀ ਉਮਰ ਰਕਮ ਨਹੀਂ ਅਦਾ ਕਰ ਸਕਣਗੇ।

ਫਿਰ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਵਿਚ ਡਾਇਰੈਕਟਰਾਂ ਦਾ ਪਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਮੇਰੀ ਪਰਾਰਥਨਾ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਘਟੋ ਘਟ 5 ਹਰੀਜਨ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਦੋ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਭਾਵੇਂ ਕਿਸੇ ਵੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਹੋਣ। (ਵਿਘਨ) ਚੇਅਰਮੈਨ ਵੀ ਹਰੀਜਨ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਸਾਰਿਆਂ ਦੇ ਤੁਆਵਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਬਿਨਾ ਇਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਕਾਮਯਾਬ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ। ਅਗਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਦਬਾਇਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਇਸ ਵਿਚ ਕਾਮਯਾਬੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ। ਡਾਇਰੈਕਟਰਾਂ ਵਿਚੋਂ 5 ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਹਰੀਜਨ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਵੀ ਹਰੀਜਨ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਅਗੇ ਪਰਾਰਥਨਾ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਦਿਹਾਤੀ ਇਲਾਕੇ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਵਿਤਕਰਾ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਅਤੇ ਇੰਡਸਟਰੀ ਲਈ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਰੁਪਿਆ ਦਿਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਹਾਲਤ ਚੰਗੀ ਬਨਾਣ ਵਿਚ ਮਦਦ ਮਿਲੇ। (ਵਿਘਨ)

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਚਾਰ ਪੰਜ ਮੈਂਬਰ ਬੋਲਣ ਲਈ ਖੜ੍ਹੇ ਹੋ ਗਏ)

ਸ੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਜੀ, ਆਪ ਬੈਠ ਜਾਓ। (ਵਿਘਨ) Shri Gian Chand Jee, please take your seat.)

(ਇਸ ਸਮੇਂ ਸਮਾਜ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਬੋਲਣ ਲਈ ਖੜ੍ਹੇ ਹੋ ਗਏ)

Mr. Chairman : Dr. Bhagat Singh.

ਆਵਾਜ਼ਾਂ : ਇਸ ਬਿਲ ਦਾ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਹੈ ਸਾਨੂੰ ਬੋਲਣ ਲਈ ਸਮਾਂ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) ਸਾਨੂੰ ਬੋਲਣ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ। (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ)

Mr. Chairman : Dr. Bhagat Singh may please resume his seat. Chaudhri Sunder Singh.

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ (ਨਰੋਟ ਮਹਿਰਾ, ਐਸ. ਸੀ.) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਹਰੀਜਨਾਂ ਲਈ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਨਾਉਣ ਦਾ ਬਿਲ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਲਈ ਸਾਰਿਆਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੜੀ ਮਿਹਨਤ ਕਰਕੇ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਲਿਆਂਦਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਆਪਣੇ ਕਈ ਸਾਥੀ ਵੀ ਭਾਵੇਂ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਮੁਖਾਲਿਫਤ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਪਰ ਇਹ ਆਪ ਬੜੇ ਆਨੈਸਟ ਆਦਮੀ ਹਨ ਅਤੇ ਮੈਨੂੰ ਖੁਸ਼ੀ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਿਨ ਰਾਤ ਇਕ ਕਰਕੇ ਇਸ ਪਾਸੇ ਤਵਜੋ ਦੇਕੇ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹੀ ਇਕਲੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਭਲਾਈ ਦੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਪਰਸੂ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਰੁਕਾਵਟ ਪਏਗੀ ਅਤੇ ਪਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਪਰ ਮੈਂ ਇਹ ਵੇਖਿਆ ਹੈ ਕਿ :

> "Nothing will resist truth, love and sincerity. Are you sincere and unselfish unto death, then fear not even death."

ਮੈਂ ਇਹ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਡਾਕਟਰ ਜੀ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਅਜ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਲਈ ਬੋਲੇ ਹੋ ਅਤੇ ਇਹ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣਵਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਪਰ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਤਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਹਥਾਂ ਵਿਚੋਂ ਨਿਕਲੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ ਵਿਚਾਰੇ ਨੂੰ ਕੀ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਜ਼ਮੀਨ ਹਰ ਜਨਾਂ ਪਾਸ ਨਾ ਰਹੀ ਤਾਂ ਕੀ ਬਣੇਗਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲੋਂ ਇਹ ਤਜ਼ਵੀਜ਼ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਾਲੇ ਪਾਸੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਇੰਡਸਟਰੀ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਲਈ ਕਰਜ਼ੇ ਦਿਤੇ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਤਾਂਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਤੇ ਬੋਝ ਘਟੇ। ਪਰ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਤਾਂ ਇਕ ਕਾਮਨ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਸਾਰਿਆਂ ਦਾ ਹੱਕ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਵੀ ਹੱਕ ਹੈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ 12 ਕਰੋੜ ਵੋਟ ਭਾਰਤ ਨਾਲ ਪਾਏ ਅਤੇ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨਾਲ ਵੰਡ ਵਿਚ ਇਹ ਜ਼ਮੀਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀ। ਇਸ ਲਈ ਹਰੀਜਨਾਂ ਪਾਸ ਜ਼ਰੂਰ ਰਹਿਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਇਹ ਵੀ ਵੇਖਣ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਕਿੰਨੇ ਪਰਵਾਰਾਂ ਦਾ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਜ਼ਮੀਨ ਤੇ ਹੈ। ਪਰ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਮਸਲਾ ਕਿਸੇ ਵੇਲੇ ਵੀ ਹਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਭਾਵੇਂ ਰਾਜ ਕਿਸੇ ਦਾ ਰਿਹਾ। ਜਦ ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਕੈਰੋਂ ਨੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ 8 ਅਪ੍ਰੈਲ ਨੂੰ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਜਿਤਨੀ ਈਵੈਕੂਈ ਲੈਂਡ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚੋਂ 500 ਕਲੇਮੈਂਟ ਕਢ ਕੇ ਬਾਕੀ ਸਾਰੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦੇ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਪਰ ਇਸ ਤੇ ਅਮਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤੇ ਯੂਨਾਇਟਿਡ ਫਰੰਟ ਨੇ ਇਹ ਜ਼ਮੀਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦਿਤੀ। ਇਸ ਨਾਲ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਕਾਜ਼ ਵਿਚ ਕਮਜ਼ੋਰੀ ਆ ਗਈ ਹੈ। ਅੱਜ ਇੰਡਸਟਰੀ ਦੀ ਅਵਾਜ਼ ਦਿਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਕਿਸੇ ਪਾਸੇ ਵੀ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਸਹੀ ਮਹਿਨਿਆਂ ਵਿੱਚ ਭਲਾ ਨਾ ਹੋ ਸਕੇ। ਯੂਨਾਈਟਿਡ ਫਰੰਟ ਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਗੁਡਵਿਲ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਸੀ। ਅਤੇ ਇਸ ਫੈਸਲੇ ਤੇ ਅਮਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਸੀ ਪਰ ਅਮਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਫਿਰ ਵੀ ਇਸ ਇਕੱਲੇ ਹਰੀਜਨ ਮਨਿਸਟਰ ਦੀ ਮਿਹਨਤ ਅਤੇ ਇਮਾਨਦਾਰੀ ਹੈ ਕਿ ਖਿਚ ਧੂ ਕੇ ਇਹ ਬਿਲ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਲੈ ਆਂਦਾ ਹੈ। ਹੁਣ ਵੀ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜੋ ਕਈ ਵਿਚਾਰ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਵਿਰੁਧ ਆ ਰਹੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤੀ ਨਾਲ ਫਾਈਟ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਅਤੇ ਕੈਬਨੇਟ ਵਿਚ ਵੀ ਤਕੜੇ ਹੋ ਕੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਕਾਜ਼ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲੜਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਸੁਣਦਾ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ

> "No man can get his rights by request. Rights are wrested from unwilling hands."

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ]

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦਾ ਸ਼ਕ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਵੀ ਆਪਣੀ ਕੇਅਰ ਆਪ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਡੀਫੈਂਡ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਪਈ ਤਾਂ ਸਿਧੇ ਰਸਤੇ ਨਾਲ ਕਰਨ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਹਾਂ। (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਵਿਚ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਸ ਦਾ ਚੇਅਰਮੈਨ ਹਰੀਜਨ ਨੂੰ ਬਨਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਹੜੀਆਂ ਮੈਂ ਤਰਮੀਮਾਂ ਇਸ ਬਿਲ ਤੇ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਹ ਵੀ ਦਸ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਵਿਚ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪਾਰਟ ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ ਨੇ ਪਲੇ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿੰਨੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਐਕਸਪਲਾਇਟੇਸ਼ਨ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਨੌਕਰੀਆਂ ਵਿਚ ਅਤੇ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਿਚ, ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ, ਪਿਗਰੀਆਂ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਵਿੱਚ, ਜਿਥੇ ਕਿਤੇ ਵੀ ਵੇਖ ਲਉ ਐਕਸਪਲਾਇਟੇਸ਼ਨ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਹੁਣ ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਿਗਰੀਆਂ ਅਤੇ ਨੌਕਰੀਆਂ ਦੇ ਦਿਓ ਅਤੇ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਾਲੇ ਪਾਸੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲਾਓ ਤਾਂ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਵਿਚੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਹਿੱਸਾ ਨਾ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ। ਪਰ ਇਸ ਨਾਲ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਤਸਲੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ। ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ ਹੁਣ ਜਾਗ੍ਰਤੀ ਆ ਚੁਕੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਫਾਈਟ ਦੇ ਕੇ ਆਪਣੇ ਹੱਕਾਂ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। (ਘੰਟੀ) ਮੈਂ ਛੇਤੀ ਹੀ ਖਤਮ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਸ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਤੁਸੀਂ ਅਜ ਬੁਨਿਆਦ ਰਖਣ ਲਗੇ ਹੋ ਇਸ ਵਿਚ ਜ਼ਰਾ ਤਕੜੇ ਹੋ ਕੇ ਰਹਿਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਤਾਂਕਿ ਕਿਸੇ ਪਾਸਿਓ ਵੀ ਐਕਸਪਲਾਇਟੇਸ਼ਨ ਨਾ ਹੋ ਸਕੇ। ਇਹ ਆਪ ਵਧਾਈ ਦੇ ਪਾਤਰ ਹਨ ਇਹ ਵਧਾਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਫਿਰ ਜਿਹੜੀ ਸਰਕਾਰ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਲਈ ਕੋਈ ਕੰਮ ਕਰੇ ਉਸ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਵਲੋਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਲਈ ਸਟੈਪ ਲਏ ਗਏ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਕਈ ਸਾਥੀ ਅਜਿਹੇ ਰਲ ਗਏ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਹ ਗਲ ਸਿਰੇ ਨਾ ਚੜ੍ਹਨ ਦਿਤੀ। ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਦਸਾਂਗਾ ਕਿ 10 ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਵੰਡੀ ਗਈ ਜਿਹੜੀ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਕਬਜ਼ੇ ਵਿਚ ਪਈ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਉਹ ਕਢ ਕੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦੇ ਦੇਣ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜ਼ਿੰਦਾਬਾਦ। ਜਿਹੜੀ ਕੁਲ 7 ਲੱਖ ਏਕੜ ਜ਼ੂਤੀ ਚੋਰਾਂ ਪਾਸ ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਅਸੀਂ ਕਢਾਂਗੇ ਜੇਕਰ ਤਕੜੇ ਹੋ ਜਾਈਏ (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਭਾਪਤੀ : ਤੁਸੀਂ ਵਾਈਂਡ ਅਪ ਕਰੋ। (Please wind up.)

ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਇਕ ਦੋ ਸ਼ੇਅਰ ਅਰਜ਼ ਕਰਕੇ ਆਪਣੀ ਸਪੀਚ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਦਾ ਹਾਂ :—

ਸਾਥੀਓ ਹੌਸਲਾ ਰਖੋ ਕਿ ਮੰਜ਼ਲ ਆਉਣ ਵਾਲੀ ਏ।
ਸਬਰ ਦੀ ਆਖਰੀ ਐਸੀ ਬਗਾਵਤ ਪਾਉਣ ਵਾਲੀ ਏ।
ਪਿਲਾਵਾਂਗੇ ਅਸੀਂ ਸਾਕੀ ਜੁਗਾਂ ਦੇ ਇਕ ਪਿਆਸੇ ਨੂੰ
ਸੁਰਾਹੀ ਨਿਵ ਕੇ ਚੁੰਮੇਗੀ ਮੇਰੇ ਮਿਟੀ ਦੇ ਕਾਸੇ ਨੂੰ।
ਖਮੋਸ਼ੀ ਦੇਖ ਛਾਲੇ ਦੀ ਤੇ ਹਾਸਾ ਦੇਖ ਲੀਰਾਂ ਦਾ
ਸਿੰਘਾਸਨ ਡੋਲ ਜਾਏਗਾ ਜ਼ਮਾਨੇ ਦੇ ਅਮੀਰਾਂ ਦਾ।
ਚੁਗਾਂ ਗੇ ਕਖ ਕੁਲੀਆਂ ਦੇ ਨਵੀਂ ਕਿਸ਼ਤੀ ਬਣਾਵਾਂਗੇ
ਫੇ ਫਿਰ ਉਸ ਕਿਸ਼ਤੀ ਨੂੰ ਤੂਫਾਂ ਦੇ ਸਿਰ ਤੇ ਨਚਾਵਾਂਗੇ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਜਲਾ ਕੇ ਰਾਖ ਜ਼ਮਾਨੇ ਦੇ ਹਨੇਰੇ ਦੀ
ਗ਼ਰੀਬੀ ਰਾਗ ਦੀਪਕ ਦਾ ਐਸਾ ਗਾਉਣ ਵਾਲੀ ਏ ।

(ਖੂਬ)

ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾਂ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਇਸ ਵੇਲੇ ਕਿੰਨੀ ਭੈੜੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਆਪਣੇ ਹੱਕਾਂ ਲਈ ਕਿੰਨੀ ਬੇਦਾਰੀ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਈ ਹੈ :

ਮੇਰੀ ਅਬ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਕੋ ਠੋਕਰੇਂ ਖਾਨਾ ਨਹੀਂ ਆਤਾ
ਮੈਂ ਮਜਬੂਰੇ ਤਮੰਨਾ ਹੂੰ ਕਿ ਮਰ ਜਾਨਾ ਨਹੀਂ ਆਤਾ ।
ਤੁਮ੍ਹਾਰੀ ਬਜ਼ਮ ਮੇਂ ਆ ਕਰ ਹਮੇਂ ਜਾਨਾ ਨਹੀਂ ਆਤਾ
ਹਵਾਸ਼ੋ ਹੋਸ਼ ਖੋ ਕਰ ਦਿਲ ਕੋ ਸਮਝਾਨਾ ਨਹੀਂ ਆਤਾ ।
ਪਰ ਯੇ ਦੁਨੀਆ ਅਪਨੀ ਦੁਨੀਆ ਹੈ ਹਮੀਂ ਤੋ ਇਸ ਕੇ ਮਾਲਿਕ ਹੈਂ ।
ਕੋਈ ਭੀ ਬਿਗਾਨੇ ਕੇ ਘਰ ਮੇਂ ਬਿਗਾਨਾ ਨਹੀਂ ਆਤਾ ।
ਤੇਰੇ ਮਸਤੋਂ ਕੋ ਸਾਕੀ ਸਹਰੇ ਮਾਹਸ਼ਰ ਕਿਆ ਉਠਾਏਗੀ
ਯੇ ਵੋਹ ਹੈਂ ਜਿਨ ਕੋ ਪੀ ਕਰ ਹੋਸ਼ ਮੇਂ ਆਨਾ ਨਹੀਂ ਆਤਾ ।

18 ਕਰੋੜ ਆਦਮੀਆਂ ਦੀ ਇਹ ਜਮਾਤ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਤੇ ਕਿੰਨੇ ਚਿਰ ਤਕ ਹੋਰ ਇਸ ਤਰਾਂ ਐਕਸਪਲਾਇਟਿਡ ਰਹਿ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਇਹ ਹਾਲਤ ਕਿ ਜਿਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ

"I prefer to be cheated by others than to cheat others."

ਕਿੰਨੇਂ ਚਿਰ ਤਕ ਰਹਿ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਹੁਣ ਵਕਤ ਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਹਰੀਜਨ ਗਰੀਬ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਸੁਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਹੱਕ ਦਿਤਾ ਜਾ ਸਕੇ । ਜੇਕਰ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਹਿੰਮਤ ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਬਿਗ ਲੈਂਡਲਾਰਡਜ਼ ਦਾ ਭੱਠਾ ਬਿਠਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਬਿਠਾ ਕੇ ਛਡਾਂਗੇ ਤਾਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਸਹੀ ਮਹਿਨਿਆਂ ਵਿਚ ਕਲਿਆਨ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ ਅਤੇ ਇਸ ਬਿਲ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਹੀ ਤੌਰ ਤੇ ਫਾਇਦਾ ਪਹੁੰਚ ਸਕੇ ।

ਆਵਾਜ਼ਾਂ : ਬਹੁਤ ਖੂਬ, ਬਹੁਤ ਖੂਬ ।

ਸਰਦਾਰ ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ (ਰਾਜਮੰਤਰੀ ਚਕਬੰਦੀ ਅਤੇ ਭਲਾਈ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਅਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਹੀ ਬੋਲਣ ਲਈ ਟਾਈਮ ਦੇ ਰਹੇ ਹੋ । ਕੁਝ ਟਾਈਮ, ਡੀਫੈਂਡ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਦਿੱਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

चौधरी बलबीर सिंह (होशियारपुर) : इस बिल पर बोलते हुये चंद एक कांग्रेसी मैंबर साहिबान ने भी बातें की हैं । इन में से एक मैंबर तो वज़ीर साहिब भी रहे हैं । मजे की बात तो यह है कि पंजाब के राजभाग की बागडोर उनके हाथ में बीस साल तक रही । इतने अर्सा में वे हरिजनों का कुछ भी न कर सके । 20 साल तक उनके राज्य में सरकार लोगों को ज़मीन बांटती रही मगर हरिजनों को कुछ भी न दे सकी । उनकी सरकार इन गरीब लोगों के किसी भी काम न आ सकी । इनके राज्य में कल्याण-कारी टैक्स लगा । जब यह इकट्ठा हो गया, इतने काबिल और हरिजनों के हितकारी हैं यह लोग, कि यह वह रुपया हरिजनों में बांट तक भी न सके । फंड इकट्ठा होने के

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[चौधरी बलबीर सिंह]

चार साल बाद तक इन की हकूमत रही पर यह उसे बाँट भी न सकी। आज यह भाई मौजूदा हकूमत को हरिजनों के नाम पर टसवे बहा कर दिखा रहें हैं।

वही बात हरिजनों को जमीनें देने के मुग्रामला में भी हमें नज़र आती है। मगर आप हरिजनों की उस वक्त तक भलाई नहीं कर सकते जब तक कि आप हरिजनों की तवज्जुह जमीनों की तरफ से हटा कर किसी और तरफ नहीं लगा देते । इस की वजह यह है कि जो भी अच्छी सरपलस ज़मीन थी वह तो किसी मालिक ने दी ही नहीं। जो रकड़ है इस को आबाद करने के लिये साधन चाहिएं जो इन गरीब लोगों के पास होते ही नहीं हैं। मेरी इस बात को ज़रा बुरा मानने की बजाये हरिजन भाई ठंडे दिल से विचार करें। वह लोग, मैं कहूंगा अपनी तवज्जुह जमीनों की बजाये इंडसट्री की तरफ लगाने की कोशिश करें। अगर वह जमीनों के पीछे ही पड़े रहे तो उनको बंजर जमीनें मिलेंगी और वह उनको काश्त में नहीं ला सकेंगे और जो 5-4 साल मेहनत भी करेगा वह सारी की सारी जाया ही जानी है। इस लिये मैं सरकार को यही कहूंगा कि आप हरिजनों को उस वक्त तक ऊपर नहीं उठा सकते जब तक उन का ध्यान इंडसट्री की तरफ नहीं तबदील करते। जमीनें हरिजनों को बांटने का तो एक सरमायेदारी जाल है। उनका भला तभी होगा अगर वह कारखानों में काम करना शुरू कर दें। आज भी जो जमीनों पर बैठे हैं उनको बड़ा नुकसान है, अगर वह इंडसट्री में लगाये जायेंगे तभी आप उनका भला करने में कामयाब होंगे। इसके बाद मैं डाक्टर साहिब को मुबारकबाद देता हूं। इन्होंने उनकी भलाई के लिये आज यह कदम उठाया है। यह बिल लाकर उन्होंने हरिजनों को नौकरशाही चगुल से बचाया है जो कि एक तरह का डिकटेटराना अनसर है। अब यह आप इसमें ज़्यादा दखल दे सकते हैं। यह सारे का सारा बिल नौकरशाही को इस काम में से खत्म करता है जिन्होंने इस मुल्क में अपना वकार हासिल करने के लिये सारे कौमी ढांचे को बिल्कुल ही खत्म कर दिया। यह ऐसे लोग हैं, अगर किसी ने दो हज़ार रूपया की तकावी लेनी है तो यह जब तक उसमें से 500/- रू० ले नहीं लेते यह तकावी लेने नहीं देंगे। अब आप खुद ही अंदाज़ा लगा लें अगर दो हजार तकावी लेने वाले को 1500/- रू० ही मिले तो उस की क्या हालत होगी। फिर उसको तावान भी देना पड़े तो उसे क्या मिला। यह कानून ऐसे नौकरशाही लोगों के पंजे से बच निकलने के लिये बनाया गया है। इसी तरह से हरिजनों की भलाई के नाम पर जो भी पैसा जमा कर के रखा जाता है अगर वह हरिजनों की भलाई पर खर्च ही नहीं किया जाता तो फिर इसका क्या फायदा है। मौजूदा सरकार को मैं तो यही कहूंगा कि वह बगैर किसी रुकावट के यह पैसा हरिजनों की भलाई पर खर्च करें।

ਸਰਦਾਰ ਬਚਨ ਸਿੰਘ ਪਖੋ (ਭਦੌੜ ਐਸ. ਸੀ.) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਹਮਾਇਤ ਵਿਚ ਖੜਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜੋ ਬਿਲ ਰਖਿਆ ਹੈ ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਹਮਾਇਤ ਵਾਸਤੇ ਖੜ੍ਹਾ ਹੋਇਆ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਇਸ ਨੂੰ ਹਰ ਪਹਿਲੂ ਤੋਂ ਵਿਚਾਰਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਜਾਪਦਾ ਹੈ ਕਿ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੁਝ ਐਸੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਹਨ, ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਹਕ ਵਿਚ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੇ ਲਿਆਉਣ ਲਈ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਵਧਾਈ ਦੇਂਦਾ ਹਾਂ। ਜਦੋਂ ਦੇ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਔਹਦੇ ਤੇ ਆਏ ਹਨ ਉਹ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਨਾ ਕੋਈ ਸਕੀਮ ਲਿਆਂਉਂਦੇ ਹੀ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੁਤਿਆਂ ਦੇ ਪਾਲਣ ਦੇ ਬਿਲ ਇਥੇ ਲਿਆਂਦੇ ਹਨ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਏਥੇ ਸ਼ੇਰਾਂ ਦੇ ਪਾਲਣ ਵਾਲੇ ਬਿਲ ਲਿਆਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਸਨ (ਹਾਸਾ) ਕੀ ਹਰੀਜਨਾਂ ਲਈ ਇਹ ਬਿਲੀਆਂ ਕੁਤਿਆਂ ਦੇ ਪਾਲਣ ਦੇ ਬਿਲ ਹੀ ਰਹਿ ਗਏ ਹਨ। ਇਹ ਤਾਂ ਉਹੀ ਗੱਲ ਹੋਈ ਕਿ ਜਿਵੇਂ ਬੋਲੀ ਪਾਉਂਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ "ਮੁੰਦਰਾਂ ਕਾਠ ਦੀਆਂ, ਜਗਤ ਵੇਖਣ ਨੂੰ ਪਾਈਆਂ।" ਇਸ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਦਾ ਮੈਂ ਸ਼ੀਰੀ ਹਾਂ, ਉਸ ਦਾ ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਵੀ ਅਤੇ ਹੋਰ ਵੀ ਹਨ। ਇਥੇ ਕਈ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਠੇਕੇਦਾਰ ਸਮਝਦੇ ਹਨ। ਜੇ ਅਸੀਂ 22-23 ਮੈਂਬਰ ਇਕਠੇ ਹੋ ਜਾਈਏ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਕਿਸੇ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਮੰਗਣ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ। ਅਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਸਾਰਾ ਕੁਝ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਹਾਂ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਥੇ ਸਰਕਾਰ ਚਾਹੇ ਕਾਂਗਰਸ ਦੀ ਰਹੇ, ਚਾਹੇ ਇਥੇ ਸਰਕਾਰ ਕਮਿਊਨਿਸਟਾਂ ਦੀ ਹੋਵੇ ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਅਕਾਲੀਆਂ ਦੀ ਹੋਵੇ, ਪਰ ਮੈਂ ਇਕ ਗੱਲ ਜਾਣਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣਾ ਕੁਝ ਨਹੀਂ। ਜਿਹੜੇ ਹਰੀਜਨ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਤੋਂ ਆਏ ਹਨ ਨਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਰਹਿਣ ਲਈ ਕੋਈ ਮਕਾਨ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਗੁਜ਼ਰ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਜ਼ਮੀਨ ਹੀ ਅਲਾਟ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। 50% ਐਸੇ ਹਰੀਜਨ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਹੁਣ ਤੱਕ ਦਰ ਦਰ ਰੁਲਦੇ ਫਿਰਦੇ ਹਨ। ਮੁਜ਼ਾਰਿਆਂ ਦੀਆਂ ਬੇਦਖਲੀਆਂ ਹੁਣ ਤੱਕ ਕੀਤੀਆ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਚਾਹੇ ਕਿਸੇ ਵੀ ਪਾਰਟੀ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਹੋਵੇ ਕਾਂਗਰਸੀ ਹੋਣ ਭਾਵੇਂ ਕੋਈ ਹੋਰ, ਹਰੀਜਨ ਦੇ ਦਿਲ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਦੇ ਲਈ ਕੋਈ ਦਰਦ ਨਹੀਂ। ਚੌਧਰੀ ਸੁੰਦਰ ਸਿੰਘ ਅੱਜ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਹ 22 ਸਾਲ ਤੱਕ ਵਜ਼ੀਰ ਬਣ ਕੇ ਬੈਠੇ ਰਹੇ, ਉਦੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਅਕਲ ਨਹੀਂ ਆਈ। ਮੈਂ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਪਾਸੇ ਤੁਹਾਡੀ ਤਵਜੁਹ ਦਿਲਾਉਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਠੀਕ ਹੈ ਤੁਸੀਂ ਬਿਲ ਲੈ ਆਂਦਾ, ਪਰ ਜ਼ਮੀਨ ਤਾਂ ਉਹੀ ਹੈ ਜੋ ਪਹਿਲਾਂ ਸੀ। ਇਹ ਕੋਈ ਰਬੜ ਤਾਂ ਹੈ ਨਹੀਂ ਕਿ ਵਧ ਜਾਏਗੀ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਉਸ ਤੇ ਕਬਜ਼ਾ ਕੌਣ ਦਿਵਾਵੇਗਾ। ਜਿਤਨੀ ਸਰਪਲਸ ਜ਼ਮੀਨ ਸੀ, 30 ਸਟੈਂਡਰਡ ਏਕੜ ਤੋਂ ਵਧ, ਉਹ ਸਾਰੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਫਾਰਮਾਂ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਆਪਣੇ ਕਬਜ਼ੇ ਦੇ ਵਿਚ ਰਖੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਨੇ ਕਿਸੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਕਬਜ਼ਾ ਕੀਤਾ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿਸੇ ਨੇ ਕਿਸੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ। ਜੇ ਕੋਈ ਹਰੀਜਨ ਕਬਜ਼ਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਲਲਾ ਲਲਾ ਕਰਕੇ ਕਢ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਬੇਟ ਵਿਚ 400 ਘਰ ਹਨ। ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜ ਕਿੱਲੇ ਜ਼ਮੀਨ ਹਰ ਇਕ ਘਰ ਕਢ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਅਬਾਦ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਉਥੇ ਜ਼ਮੀਨ ਕਢੀ ਵੀ ਗਈ ਅਤੇ ਆਬਾਦ ਵੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਪਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਉਸ ਇਲਾਕੇ ਨੂੰ ਜੰਗਲ ਕਰਾਰ ਦੇ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਹਾਲਾਂਕਿ ਬੇਟ ਦੇ ਇਲਾਕੇ ਵਿਚ ਜੰਗਲਾਤ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੇ। ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦੁਖ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਬਾਕੀ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਬੜਾ ਚੰਗਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਕਦਮ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਪਰ ਮੈਂ ਇਕ ਹੋਰ ਗੱਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਧਿਆਨ ਦੇ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਵੈਲਫੇਅਰ ਦੇ ਕੁਝ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਹਟਾ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਇਹ ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਤਿੰਨ ਤਿੰਨ ਸਾਲ ਤੋਂ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਸੀ। ਕੁਲ 80 ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਹਟਾਏ ਗਏ ਹਨ। ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਧੱਕਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਦੂਸਰੀ ਅਰਜ਼ ਮੈਂ ਇਹ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ 30 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਇਸ ਸਾਲ ਧਰਮਸ਼ਾਲਾਵਾਂ ਵਾਸਤੇ ਦਿਤਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਬਚਨ ਸਿੰਘ ਪੱਖੋ]
ਹੈ । 25 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਦਿੱਤਾ ਸੀ । ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਬੇਇਨਸਾਫ਼ੀ ਇਹ ਕੀਤੀ ਕਿ ਕੇਵਲ ਇਕ ਕਮਿਊਨਿਟੀ, ਇਕ ਬਿਰਾਦਰੀ ਨੂੰ ਹੀ ਸਾਰੇ ਪੈਸੇ ਦਿਤੇ ਹਨ, ਦੂਸਰਿਆਂ ਨੂੰ ਨੇੜੇ ਨਹੀਂ ਲੱਗਣ ਦਿੱਤਾ । ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ । ਹਰੀਜਨਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਹੁਣ ਦੋ ਧੜੇ ਹੋ ਗਏ ਹਨ । ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਹੁਣ ਹਰੀਜਨਾਂ ਵਿਚ ਵੀ ਲੜਾਈ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਇਸ ਨੂੰ ਰੋਕ ਨਹੀਂ ਸਕਣਗੇ । (ਘੰਟੀ) ਅਖੀਰ ਵਿਚ ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਐਕਟ ਨੂੰ ਛੇਤੀ ਹੀ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਤਾਂਕਿ ਗਰੀਬਾਂ ਦਾ ਕੁਝ ਭਲਾ ਹੋ ਸਕੇ । ਮੈਂ ਤੁਹਾਡਾ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਲਈ ਟਾਈਮ ਦਿਤਾ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ-ਦੱਖਣ) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਵਕਤ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ । ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ ਮੈਂ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਰਜ਼ਿਆਂ ਦੀ ਗਲ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਵਾਸਤੇ ਜੋ ਰੁਪਿਆ ਰੱਖਦੇ ਹਨ ਉਹ ਸਹੀ ਹੱਥਾਂ ਵਿਚ ਪਹੁੰਚੇ । ਅੱਜ ਤਾਂ ਹਰ ਪਾਸੇ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਹੀ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਹੈ । ਅੱਜ ਤਾਂ ਇਹ ਹਾਲਤ ਹੈ ਕਿ :

"ਨਾ ਆਪ ਇਨਕੋ ਸਮਝਤੇ ਹੈਂ, ਨਾ ਇਨ ਕੋ ਹਮ ਸਮਝਤੇ ਹੈਂ ।
ਜਿਹ ਵੋ ਬਾਤੇਂ ਹੈਂ, ਜਿਨਕੋ ਅਹਿਲੇ ਦਾਨਿਸ਼ ਕਮ ਸਮਝਤੇ ਹੈਂ ।"

ਇਹ ਗੱਲ ਇਸ ਸਮੇਂ ਦੇ ਹਾਲਤ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਠੀਕ ਢੁਕਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਬਣ ਜਾਣ ਦੇ ਨਾਲ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਦਾ ਸਫ਼ੀਅਰ ਹੋਰ ਵਧੇਰੇ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ । ਇਹ ਕੰਮ ਮਨਿਸਟਰ ਇੰਚਾਰਜ ਨੇ ਸਿਆਣੇ ਅਤੇ ਸੁਚੱਜੇ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਸ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਪਰ ਇਸ ਵਿਚ ਕੁਝ ਖਾਮੀਆਂ ਵੀ ਹਨ । ਮੈਂ ਇਸ ਵੇਲੇ ਸਿਰਫ਼ ਉਨ੍ਹਾਂ ਖਾਮੀਆਂ ਨੂੰ ਹੀ ਪੁਆਇੰਟ ਆਊਟ ਕਰਾਂਗਾ । ਇਥੇ ਹੋਰ ਕਈ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਵੀ ਤਕਰੀਰਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕਈ ਤਾਂ ਲਾਂਭੇ ਚ ਭੇ ਹੀ ਫਿਰਦੇ ਰਹੇ ਹਨ । ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ, ਉਹ ਸਿਆਣੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਦਿਲ ਸਹੀ ਮਹਿਨਿਆਂ ਵਿਚ ਇਕ ਮਿਸ਼ਨਰੀ ਦਾ ਦਿਲ ਹੈ । ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਇਨਵਾਰਨਮੈਂਟ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਨਾਲ ਉਹ ਇਸ ਤੋਂ ਵਧੇਰੇ ਚੰਗਾ ਬਿਲ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਸਕੇ । ਹਾਲਾਂ ਕਿ ਇਸ ਤੋਂ ਚੰਗਾ ਬਿਲ ਵੀ ਬਣ ਸਕਦਾ ਸੀ । ਪਰ ਫਿਰ ਵੀ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਜੇ ਇਸ ਬਿਲ ਵਿਚ 2,4 ਤਰਮੀਮਾਂ ਮੰਨ ਲਈਆਂ ਜਾਣ ਤਾਂ ਇਹ ਬਿਲ ਕਾਫ਼ੀ ਫਾਇਦੇਮੰਦ ਸਾਬਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ ਤਾਂ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਮੰਨ ਵੀ ਚੁਕੇ ਹਨ ਕਿ ਉਹ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਾਂ ਮੰਨ ਲੈਣਗੇ । ਇਕ ਗੱਲ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਮੰਨੀ ਹੈ ਕਿ 90% ਦਾ 100% ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । ਦੂਜੀ ਬੇਨਤੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਉਹ ਬਿਊਰੋਕ੍ਰੇਸੀ ਨੂੰ ਹੀ ਨਾ ਦੇ ਦੇਣ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਗ਼ਰੀਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਭਲਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੇਗਾ । ਡਾਇਰੈਕਟਰਜ਼ ਵੀ ਉਹ ਬਣਾਏ ਜਾਣ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰਾਬਲਮਜ਼ ਨੂੰ ਸਮਝਦੇ ਹੋਣ ।

ਇਕ ਗੱਲ ਮੈਂ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਜ਼ਮੀਨ ਦਬਾ ਰੱਖੀ ਹੈ । ਉਹ ਚੋਰੀ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ । ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਜ਼ਮੀਨ ਕਿਤੇ ਫਾਰਮਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਹੇਠ ਕਿਤੇ ਗਾਰਡਨਜ਼ ਦੇ ਨਾਂ ਥਲੇ, ਕਿਤੇ ਬਾਗਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਥਲੇ ਅਤੇ ਕਿਤੇ ਦਰਿਆਵਾਂ ਵਿਚ ਖਾਲੀ ਪਈ ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ ਸ਼ਕਲ ਵਿਚ ਦਬਾ ਕੇ ਰੱਖੀ ਗਈ ਹੋਵੇ, ਉਹ ਕਾਨੂੰਨਨ ਚੋਰੀ ਹੈ । ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਧਰਮ ਦੇ ਹਿਮਾਇਤੀ ਹਨ ,ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਤੇ ਅਮਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਜਿਵੇਂ ਕਿ :

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

"ਨੀਚਾਂ ਅੰਦਰ ਨੀਚੁ ਜਾਤ, ਨੀਚੀ ਹੂ ਅਤਿ ਨੀਚੁ,
ਨਾਨਕ ਤਿਨ ਕੇ ਸੰਗ ਸਾਥ, ਵਡਿਆਂ ਸਿਉਂ ਕਿਆ ਰੀਸ ।"

ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਇਹ ਅਕੀਦਾ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤੇ ਅਮਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਪ੍ਰੈਕਟੀਕਲ ਸਬੂਤ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਥੇ ਤਾਂ ਇਹ ਕਹਾਣੀ ਹੈ ਕਿ :

"ਯੂੰ ਤੋ ਕਹਿਨੇ ਕੇ ਲੀਏ, ਚਾਰਾਗਰ ਬੇਸ਼ੁਮਾਰ ਮਿਲੇ,
ਮਗਰ ਜੋ ਮਿਜ਼ਾਜੇ ਗ਼ਮ ਕੋ ਸਮਝ ਸਕੇ,
ਉਸੀ ਚਾਰਾਗਰ ਕੀ ਤਲਾਸ਼ ਹੈ ।"

ਅਖੀਰ ਵਿਚ ਮੈਂ ਫਿਰ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਮੁਬਾਰਕਬਾਦ ਦਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਇਹ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਰੁਪਿਆ ਤੁਸੀਂ ਲੈਣਾ ਹੈ ਇਹ ਈਅਰਮਾਰਕ ਕਰਵਾ ਲਵੋ । ਅਤੇ ਇਹ ਰੁਪਿਆ ਰਾਹ ਵਿਚ ਹੀ ਨਾ ਰਹੇ, ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਘਰ ਤਕ ਪਹੁੰਚੇ, ਇਸ ਲਈ ਪੂਰਾ ਪਰਬੰਧ ਕਰ ਦਿਉ । ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਰਸਤਾ ਸਦਾ ਚਲਦਾ ਰਹੇ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਫ਼ਰ ਡਿਸਟਰਬ ਨਾ ਹੋਵੇ । ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਰੁਪਏ ਦੇ ਅਤੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਕਸਟੋਡੀਅਨ ਹਨ ਮੈਨੂੰ ਉਮੀਦ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਵਲ ਖਿਆਲ ਕਰਨਗੇ ।

ਬਸ ਮੈਂ ਇਤਨਾ ਆਖ ਕੇ ਬੈਠਦਾ ਹਾਂ ਕਿ :

"ਤੇਰੇ ਜਨੂਨ ਕਾ ਖੁਦਾ, ਸਿਲਸਿਲਾ ਦਰਾਜ਼ ਕਰੇ ।"

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ (ਫਗਵਾੜਾ) : ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜੋ ਬਿਲ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪਸ਼ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਇਹ ਪਿਛਲੇ 20 ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਮਿਸਾਲ ਆਪ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਭਲਾ ਦਿਲੋਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਜੇ ਦੋ ਤਿੰਨ ਮਨਿਸਟਰ ਕੈਬਨਿਟ ਵਿਚ ਅਜਿਹੇ ਹੋਰ ਹੁੰਦੇ ਤਾਂ ਤੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਹੋਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਭਲਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਸੀ । ਇਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ 5 ਕਰੋੜ ਨਾਲ ਬਣੀ ਹੈ, ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਵਾਸਤੇ । ਪਰ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਕ ਹਰੀਜਨ ਨੂੰ ਜੇ 2,3 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਇੰਡਸਟਰੀ ਲਾਉਣ ਲਈ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਪਰ ਉਹ ਨਹੀਂ ਲਾ ਸਕਦਾ ਅਤੇ ਰੁਪਿਆ ਖੁਰਦ ਬੁਰਦ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਰੁਪਏ ਦਾ ਕੋਈ ਲਾਭ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਪਰ ਇਸ ਰੁਪਏ ਨੂੰ ਜੋ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਖੁਰਦ ਬੁਰਦ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀਆਂ ਬਸਤੀਆਂ ਅਤੇ ਘਰਾਂ ਵਿਚ ਲਗਾਇਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਥੇ ਹੀ ਹਾਲਤ ਬਦਲ ਸਕਦੀ ਹੈ । ਜੇ ਰਹਿਣ ਦੀ ਥਾਂ ਚੰਗੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਥੇ ਹੀ ਸਵਰਗ ਬਣ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇ ਰਹਿਣ ਦੀ ਥਾਂ ਨਿਕੰਮੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਹੀ ਨਰਕ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਜੇ ਇਹ ਪੈਸਾ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੇ ਘਰ ਸੁਧਾਰਣ ਦੇ ਲਈ ਦੇ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ, ਸਰਕਾਰ ਆਪ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਬਸਤੀਆਂ ਨੂੰ ਚੰਗਾ ਬਣਾ ਦੇਵੇ, ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਸੁਧਰ ਸਕਦੀ ਹੈ ।

ਫਿਰ ਇਕ ਹੋਰ ਮਸਲੇ ਵਲ ਵੇਖੋ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕਿਤਨੇ ਅਫਸਰ ਹਰੀਜਨ ਹਨ । ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਸਿਰਫ਼ ਇਕ ਹੀ ਹਰੀਜਨ ਡੀ. ਸੀ. ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਇਥੇ 11 ਜ਼ਿਲੇ ਹਨ । ਉਹ ਜਿਹੜਾ ਹਰੀਜਨ ਵੀ ਹੈ ਉਸ ਨੇ ਕਪੂਰਥਲੇ ਵਿਚ ਜੋ ਕੁਝ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਮੈਂ ਇਥੇ ਦਸ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਵੀ ਹਰੀਜਨ ਹੈ ਅਤੇ ਮੈਂ ਵੀ ਹਰੀਜਨ ਹਾਂ ਇਸ ਲਈ ਮੈਨੂੰ ਲੁਕਾਉਣਾ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਫਿਰ ਸਿਰਫ਼ ਇਕ ਹੀ ਅਜਿਹਾ ਐਸ. ਪੀ. ਹੈ । ਇਥੇ 2 ਕਮਿਸ਼ਨਰਜ਼ ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਵੀ ਹਰੀਜਨ ਨਹੀਂ ਹੈ । 2 ਡੀ. ਆਈ. ਜੀ. ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕੋਈ ਵੀ ਹਰੀਜਨ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਮੈਂ ਮਨਿਸਟਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ]

ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਪਾਸੇ ਵੀ ਨਜ਼ਰ ਮਾਰਣ ਤਾਂ ਹੀ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਮੰਨਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਬੜੇ ਸਿਆਣੇ ਹਨ ਤੇ ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੜਾ ਸਲਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਉਪਰ ਚੁਕਣ ਲਈ ਬੜਾ ਜੋਸ਼ ਹੈ। ਪਰ ਫਿਰ ਵੀ ਜੇ ਇਹ ਮੇਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਵਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਤਾਂ ਕੁਝ ਮਹਿਨਿਆਂ ਵਿਚ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦਾ ਭਲਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਫਿਰ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਇਕ ਰੂਲ ਕਢਿਆ ਗਿਆ ਸੀ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਦੇ ਵੇਲੇ। ਸ਼ੁਕਰ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਗਲੋਂ ਉਹ ਕਲੇਸ਼ ਲਥਾ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਸਾਰੇ ਹੀ ਹਰੀਜਨ ਪੰਜਾਬ ਛੱਡ ਕੇ ਭੱਜ ਜਾਂਦੇ। ਜੇ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਦੇਖਣੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜਗਰਾਵਾਂ ਵਿਚ ਇਸ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਜਰਾ ਖੁਲ੍ਹ ਕੇ ਗੱਲ ਕਰੋ।

ਡਾਕਟਰ ਸਾਧੂ ਰਾਮ : ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਵਲ ਆ ਜਾਵਾਂ (ਵਿਘਨ) ਕਲ ਇਧਰ, ਪਰਸੋਂ ਉਧਰ, ਤੁਹਾਡਾ ਤਾਂ ਇਹੀ ਕੰਮ ਹੈ। (ਥੰਪਿੰਗ) (ਵਿਘਨ) ਤਾਂ ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਕ ਰੂਲ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ 1965 ਵਿਚ ਜਿਹੜੀ ਜ਼ਮੀਨ ਰਿਜ਼ਰਵ ਕਲਾਸ ਨੂੰ ਦੇਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਹੋਇਆ ਸੀ ਉਸ ਬਾਰੇ ਜੋ ਦਰਖਾਸਤਾਂ 16.10.67 ਤੋਂ ਬਾਦ ਆਈਆਂ ਹਨ ਉਹ ਇਲਲੀਗਲ ਕਰਾਰ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਦਾ ਅਸਰ 5-6 ਹਜ਼ਾਰ ਹਰੀਜਨ ਫੈਮਲੀਜ਼ ਤੇ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੇ ਇਹ ਦਰਖ਼ਾਸਤਾਂ ਜੋ ਕਿ ਇਸ ਤਰੀਕ ਤੋਂ ਪਿਛੋਂ ਵੀ ਆਈਆਂ ਹਨ ਠੀਕ ਮੰਨ ਲਈਆਂ ਜਾਣ ਤਾਂ 5-6 ਹਜ਼ਾਰ ਹਰੀਜਨ ਫੈਮਲੀਜ਼ ਦਾ ਮਸਲਾ ਹੱਲ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਅਤੇ ਜਿਹੜਾ ਮਕਸਦ ਹੈ ਹਰੀਜਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਕਰਨ ਦਾ ਇਹ ਵੀ ਪੂਰਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਅਤੇ ਜੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਕੋਲ ਆਪਣੀ ਜ਼ਮੀਨ ਹੋਵੇਗੀ ਤਾਂ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬਘਿਆੜਾਂ ਤੋਂ ਬਚ ਜਾਣਗੇ ਜੋ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਮੁਖ਼ਾਲਫਤ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਉਪਰ ਚੁਕਿਆ ਜਾਵੇ। (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਸਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਕਹਿੰਦਾ ਪਰ ਇਕ ਦੋ ਆਵਾਜ਼ਾਂ ਇਥੋਂ ਆਈਆਂ ਸਨ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਹੋਰ ਚੰਗਾ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜੇ ਮੇਰੀਆਂ ਦਸੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਗੱਲਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇ।

ਫਿਰ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਇਹ ਕਰਜ਼ਾ ਦੇਣ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਇਹ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਇਕਠਾ ਕਰ ਕੇ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਭਾਵੇਂ 10-12 ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਇਕਠਾ ਕਰ ਕੇ ਇਕ ਥਾਂ ਤੇ ਕਰਜ਼ਾ ਦੇ ਦਿਉ ਤਾਂ ਕਿ ਉਹ ਕੋਈ ਟਰਕ ਜਾਂ ਹੋਰ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਆਦਿ ਦਾ ਬਿਜ਼ਨਸ ਕਰ ਸਕਣ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ ਰੁਪਏ ਨਾਲ 10-12 ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਹਰੀਜਨ ਕੁਨਬੇ ਪਲ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਦ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਵਲ ਚਲਾ ਜਾਂਦਾ ਹਾਂ ਮਿਸਾਲ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਭੋਗਪੁਰ ਨਵੀਂ ਇੰਡਸਟਰੀ ਲੱਗੀ ਹੈ। ਇਕ ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿੰਦੇ ਤਾਂ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਹਰੀਜਨ ਇਸ ਵਿਚ ਫਿਟ ਹੋ ਜਾਂਦੇ। ਮੈਂ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਤਨੋਂ ਮਨੋਂ ਹਮਾਇਤ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਅੰਤ ਵਿਚ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਲਫਜ਼ ਮੈਂ ਕਹੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਅਮਲ ਜ਼ਰੂਰ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਿਹੜੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਅਫਸਰ ਪਰੋਮੋਸ਼ਨ ਖੁਣੋ ਇਗਨੋਰ ਹੋਈ ਬੈਠੇ ਹਨ ਅਤੇ ਡਰਦੇ ਮਾਰੇ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਹਰੀਜਨ ਸ਼ੋ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਜ਼ਰੂਰ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਮੈਂ ਹਮਾਇਤ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ ਬੈਠਦਾ ਹਾਂ ।

ਸਮਾਜਿਕ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ (ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ) : ਏਹ ਬਿਲ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟ ਲੈਂਡ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਅਤੇ ਫਿਨਾਨਸ਼ਲ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਿਲ ਹੈ ਜਿਸ ਤੇ ਕਿ ਇਸ ਵੇਲੇ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਉਤੇ ਖੁਸ਼ੀ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਪ੍ਰਤੀਨਿਧੀਆਂ ਨੇ ਇਸ ਵਿਚ ਹਿੱਸਾ ਪਾਇਆ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਕੰਸਟ੍ਰਕਟਿਵ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਕਿਰਿਟੀਸਾਈਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ । ਕੁਝ ਸੱਜਨ ਅਜਿਹੇ ਵੀ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਿਲ ਤੇ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਮੱਦੇ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ । ਹੋਰ ਗੱਲਾਂ ਵਿਚ ਪੈ ਕੇ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦਾ ਸਮਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਵਿਚ ਲਗਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ । ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇਸ ਬਿਲ ਤੇ ਟੀਕਾ ਟਿਪਣੀ ਕਰਦਿਆਂ ਕੁਝ ਆਪਣੇ ਸੁਝਾਉ ਦਿਤੇ ਹਨ । ਟੀਕਾ ਟਿਪਨੀ ਵਿਚ ਮੈਂ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਦੋ ਤਿੰਨ ਗੱਲਾਂ ਸ਼ਾਇਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲੋਂ ਤੇਜ਼ੀ ਵਿਚ ਨਿਕਲ ਗਈਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਕਿਸ ਤਰਾਂ ਪੁਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਸ਼ਾਇਦ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਬਿਲ ਕੈਬਨੇਟ ਤੋਂ ਪਾਸ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਅਤੇ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਸ਼ਾਇਦ ਕੈਬਨੇਟ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ, ਹੋਰ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਦੀ ਸਲਾਹ ਨਹੀਂ ਲਈ ਅਤੇ ਐਵੇਂ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਇਹ ਬੜੇ ਸਿਆਣੇ ਬੰਦੇ ਹਨ । ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਚੀਫ ਵਿਪ੍ਹ ਹਨ । ਲੀਗਲ ਲਮਿਨਰੀ ਵੀ ਹਨ । ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਰਿਹਾ ਕਿ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸਰਕਾਰੀ ਬਿਲ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕੈਬਨੇਟ ਦੀ ਅਪਰੂਵਲ ਲਈ ਦੀ ਹੈ । ਇਹ ਇਕ ਮਨੀ ਬਿਲ ਹੈ ਸਗੋਂ ਇਸ ਵਿਚ ਗਵਰਨਰ ਦੀ ਅਸੈਂਟ ਲਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਜੋ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਹੋਵੇ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਿਹੜਾ ਸੁਝਾਉ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਸਿਲੈਕਟ ਕਮੇਟੀ ਕੋਲ ਪੇਸ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਇਸ ਨੂੰ ਆਊਟਰਾਈਟਲੀ ਰਿਜੈਕਟ ਕਰਦਾ ਹਾਂ । ਬੜੀ ਦੇਰ ਤੋਂ ਬਾਦ ਇਨ੍ਹਾਂ ਗਰੀਬ ਆਦਮੀਆਂ ਦੀ ਬੇਹਤਰੀ ਵਾਸਤੇ ਇਕ ਲੈਜਿਸਲੇਸ਼ਨ ਆਈ ਹੈ ਇਸ ਵਿਚ ਹੋਰ ਦੇਰ ਨਹੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਔਰ ਛੇਤੀ ਪਾਸ ਹੋ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕੁਝ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ । ਹਕੀਕਤ ਵਿਚ ਕੁਝ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਟਰੈਜ਼ਰੀ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਵਲੋਂ ਵੀ ਹਨ, ਕੁਝ ਆਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਵਲੋਂ ਹਨ ਅਤੇ ਕੁਝ ਨਿਊਟਰਲ ਮੈਂਬਰਾਂ ਵਲੋਂ ਵੀ ਹਨ । ਇਹ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਬੇਸ਼ਕ ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹਨ ਮਗਰ ਸਬਜੈਕਟ ਮੈਟਰ ਇਕੋ ਜਿਹਾ ਹੈ । ਜਦੋਂ ਕਲਾਜ਼ ਬਾਈ ਕਲਾਜ਼ ਇਸ ਬਿਲ ਦੀ ਰੀਡਿੰਗ ਹੋਵੇਗੀ ਜੋ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਇਸ ਬਿਲ ਨੂੰ ਯੋਗ ਚੰਗਾ ਬਨਾਉਣ ਦਾ ਮਕਸਦ ਪੂਰਾ ਕਰਨਗੀਆ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਕਿਸੇ ਬਾਇਸ ਦੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਬੈਨੇਫਿਟ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਲਈ ਮੈਂ ਖੁਲ੍ਹੇ ਦਿਲ ਨਾਲ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸੇ ਬਾਇਸ ਨੂੰ ਮਦੇ ਨਜ਼ਰ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ ਜਾਇਗਾ ਔਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਪੂਰੀ ਮਦਦ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ (ਥੰਪਿੰਗ)

ਇਕ ਗਲ ਹੋਰ ਆਈ ਸੀ ਡਾਇਰੈਕਟਰਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਲਕ ਕਿ ਸਾਰੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰਾਂ ਵਿਚੋਂ ਦੋ ਮੈਂਬਰ ਇਸ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਦਸ ਦਿਆਂ ਕਿ ਇਸ ਬਿਲ ਰਾਹੀਂ ਬਣਾਈ ਜਾਣ ਵਾਲੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਮਾਜਕ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ]

ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰਜ਼ ਦੀ ਜੋ ਪੋਸਟ ਹੈ ਇਹ ਆਫਿਸ ਆਫ ਪਰਾਫਿਟ ਹੈ। ਆਫਿਸ ਆਫ ਪਰਾਫਿਟ ਵਿਚ ਅਗਰ ਕਿਸੇ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਨੂੰ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਪੁਆਇੰਟ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਡਿਸਕੁਆਲੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਦਾ ਬਣ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਜੇ ਹਾਊਸ ਇਹ ਪਾਸ ਕਰ ਦੇਵੇਂ ਕਿ ਇਹ ਪੋਸਟ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਨੂੰ ਦੇਣ ਨਾਲ ਉਹ ਡਿਸਕੁਆਲੀਫਾਈ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਯੂਨੈਨੇਮਸਲੀ ਪਾਸ ਕਰ ਦੇਵੇ, ਮੈਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ। (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਉਸ ਨੂੰ ਡੇਲੀ ਅਲਾਊਂਸ ਦਿਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਕੋਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਕਿ ਉਸ ਨੂੰ ਰੈਮੂਨਿਰੇਸ਼ਨ ਹੀ ਦੇਣਾ ਹੈ।

ਸਮਾਜਕ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ (ਡਾਕਟਰ ਭਗਤ ਸਿੰਘ) : I am coming to that clausewise. ਕਾਮਰੇਡ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਹੁਣੇ ਹੀ ਜ਼ਮੀਨ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਜਿਹੜਾ ਰਿਸਟ੍ਰਿਕਟਿਡ ਆਕਸ਼ਨ ਦੀ ਮਾਰਫਤ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼ਰੇਣੀਆਂ ਨੂੰ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਉਸ ਉਤੇ ਵੀ ਟੀਕਾ ਟਿਪਨੀ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਅਮੂਮਨ ਗਰੀਬ ਆਦਮੀਆਂ ਦੇ ਕੇਸਿਜ਼ ਨੂੰ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਜਿਹੜੇ ਪਛੜੀਆਂ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੇ ਲੋਕ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਕਾਲਤ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਭੁਲੇਖਾ ਲਗ ਗਿਆ ਹੈ। ਸ਼ਾਇਦ ਜੋ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਰੂਲ ਬਣਾਏ ਹਨ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਨਜ਼ਰ ਵਿਚੋਂ ਨਹੀਂ ਲੰਘੇ। ਇਸ ਭੁਲੇਖੇ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਰਿਸਟ੍ਰਿਕਟਿਡ ਆਕਸ਼ਨ ਵਾਲੀ ਗਲ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਵਡੇ ਵਡੇ ਲੈਂਡ ਲਾਰਡ ਜ਼ਮੀਨਾਂ ਲੈ ਜਾਣਗੇ ਅਤੇ ਛੋਟਿਆਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲਣਗੀਆਂ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਪੰਜ ਏਕੜ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤਾਂ ਕੋਈ ਖਰੀਦ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਐਥੇ ਹੀ ਬਸ ਨਹੀਂ। (ਵਿਘਨ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਟੌਹੜਾ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਉਂ ਇਸ ਦੀ ਵਿਰੋਧਤਾਂ ਕੀਤੀ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਸਮਾਜਕ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ : ਜੇ ਕਿਸੇ ਵਲੋਂ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਨ ਉਤੇ ਹੀ ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਵਿਰੋਧਤਾ ਕਰਨੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਅਕਲਮੰਦੀ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ। (ਵਿਘਨ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹ ਗਲ ਕੀਤੀ ਕਿ ਰਿਸਟ੍ਰਿਕਟਿਡ ਆਕਸ਼ਨ ਵਿਚ ਬੇਨਾਮੀਆਂ ਹੋਣਗੀਆਂ। ਰੂਲਜ਼ ਵਿਚ ਪਰੋਵਾਈਡਿਡ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਕਿਸੇ ਵੀ ਸਟੇਜ ਤੇ ਇਹ ਸਾਬਤ ਹੋ ਗਿਆ ਕਿ ਜ਼ਮੀਨ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਮਾਰਟਗੇਜ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਬੇਨਾਮੀ ਹੋਈ ਹੈ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਵਕਤ ਉਸ ਦੀ ਵੀਹ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਪੇਮੈਂਟ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਤਾਂ ਨਾਂ ਸਿਰਫ ਜ਼ਮੀਨ ਹੀ ਕਨਫਿਸਕੇਟ ਹੋ ਜਾਇਗੀ ਬਲਕਿ ਪੈਸੇ ਵੀ ਉਹਦੇ ਲੈ ਲਿਤੇ ਜਾਣਗੇ। (ਵਿਘਨ) ਅਗਰ ਬੇਨਾਮੀ ਸਾਬਤ ਹੋ ਜਾਵੇ ਤਾ ਅਸੀਂ ਐਕਸ਼ਨ ਲਵਾਂਗੇ। (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਜਿਹੜੀ ਬੇਕਾਰ ਜ਼ਮੀਨ ਪਈ ਹੈ, ਕੀ ਉਹ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੂੰ ਦੇ ਦਿਉਗੇ ਤਾ ਕਿ ਉਹ ਵੰਡੀ ਜਾ ਸਕੇ ?

(ਇਸ ਵੇਲੇ ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ ਨੇ ਕੁਰਸੀ ਸੰਭਾਲੀ)

ਸਮਾਜਕ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ : ਇਹ ਸਿਆਣੇ ਮੈਂਬਰ ਹਨ, ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਕਲਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਜੋ ਕਿ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਡੀਲ ਕਰਦੀ ਹੋਵੇ (ਵਿਘਨ)

ਇਥੇ ਇਹ ਵੀ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਲੈਂਡ ਉਤੇ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੈਸੇ ਨਹੀਂ ਦਿਤੇ ਜਾਂਦੇ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਕਲਾਜ਼ 16 ਕਲੀਅਰ ਹੈ। ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਪੈਸੇ ਦਿਤੇ ਜਾਣਗੇ (ਥੰਪਿੰਗ) ਕੋਈ ਇੰਡਸਟਰੀ ਇਸ ਉਤੇ ਲਗੇ, ਉਸ ਵਿਚ ਸਹਾਇਤਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਪੈਟੀ ਰਿਕਸ਼ਾ ਡਰਾਈਵਰ ਦੋ ਢਾਈ ਰੁਪਏ ਰੋਜ਼ ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਦੀ ਖੂਨ ਪਸੀਨੇ ਦੀ ਕਮਾਈ ਉਹਦੀ ਸਰਮਾਇਦਾਰ ਖਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚੋਂ ਅਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ ਰਿਕਸ਼ਾ ਵੀ ਲੈਕੇ ਦੇਵਾਂਗੇ। ਬਜਾਏ ਢਾਈ ਰੁਪਏ ਦੇ ਅਸੀਂ ਉਸ ਕੋਲੋਂ ਅਠ ਆਨੇ ਲੈ ਲਵਾਂਗੇ। ਇਕ ਰਿਕਸ਼ਾ ਡਰਾਈਵਰ ਤੋਂ ਲੈਕੇ ਸਮਾਲ ਸਕੇਲ ਇੰਡਸਟਰੀਲਿਸਟ ਤਕ ਦੀ ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਰਾਹੀਂ ਮਦਦ ਕਰਨ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। (ਵਿਘਨ)

ਪੈਸਿਆਂ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸ਼ਕ ਪਰਗਟ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਪਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਹਿਣ ਤੇ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਵੀਹ ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਖਜ਼ਾਨਾਂ ਤਾਂ ਇਹ ਲੁਟ ਕੇ ਖਾ ਗਏ। (ਵਿਘਨ) ਪੈਸਿਆਂ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਦ 18-19 ਸਾਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਖਜ਼ਾਨਾ ਲੁੱਟਦੀ ਰਹੀ ਤਾਂ ਫਿਰ ਪੈਸੇ ਕਿਥੋਂ ਆਉਣੇ ਹਨ। (ਹਾਸਾ) ਇਥੇ ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਨੇ ਬਹੁਤ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ, ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ 18-19 ਸਾਲ ਕੀ ਕਰਦੇ ਰਹੇ ਹੋ (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਇਸ ਟਾਪਿਕ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਪੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਪਰ ਫਿਰ ਵੀ ਜਵਾਬ ਤਾਂ ਦੇਣਾ ਹੀ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਇਸ ਬਿੱਲ ਦੀ ਪਰਸ਼ੰਸਾ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਇਥੇ ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਨੇ ਕਈ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸੁਝਾਉ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਆ ਸਕਦੇ ਸਨ। ਪਰ ਮੈਨੂੰ ਬੜਾ ਅਫਸੋਸ ਹੈ ਕਿ ਹਰ ਇਕ ਨੇ ਆਪਣੀ ਪਰਸਨਲ ਪ੍ਰਾਪਰਟੀ ਬਨਾਉਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਪਰ ਗਰੀਬ ਕੌਮ ਦਾ ਕੋਈ ਖਿਆਲ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ। 1950 ਤੋਂ 1968 ਤਕ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵੀਰਾਂ ਦੀ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪ੍ਰਾਪਰਟੀ ਦੀ ਅਸੈਸਮੈਂਟ ਕਰਾ ਲਵੋ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ ਪੈਸੇ ਕਿਥੋਂ ਆਏ। (ਤਾੜੀਆਂ) (ਵਿਘਨ) ਜਿਸ ਪੈਸੇ ਨਾਲ ਗਰੀਬ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਹੋਣੀ ਸੀ, ਉਹ ਪੈਸਾ ਇਹ ਆਪ ਲੈ ਗਏ। (ਵਿਘਨ)

ਇਥੇ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਨੇ ਇਕ ਆਬਜੈਕਸ਼ਨ ਵੀ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਕੁਝ ਹੱਦ ਤਕ ਠੀਕ ਹੈ, ਕਿਉਂਕਿ ਜਿਹੜੀ ਇਸ ਦੀ ਬੈਲੈਂਸ ਸ਼ੀਟ ਹੈ, ਇਹ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਆਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਸਾਡੇ ਟਰੇਜ਼ਰੀ ਬੈਂਚਿਜ਼ ਵਲੋਂ ਰੈਗੂਲਰ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਵੀ ਆਈਆਂ ਹਨ। ਜਦ ਉਹ ਕਲਾਜ਼ ਇਥੇ ਆਵੇਗੀ, ਮੈਨੂੰ ਯਕੀਨ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਵੀ ਪਾਸ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ। (ਤਾੜੀਆਂ)

ਇਥੇ ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਨੇ ਕੁਝ ਧਰਮਸ਼ਾਲਾਂ ਦਾ ਵੀ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਾਡੀ ਸ਼੍ਰੋਮਣੀ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਦੀ ਮਿਹਰਬਾਨੀ ਹੈ ਕਿ ਉਸ ਨੇ ਇਹ ਮਹਿਸੂਸ ਕੀਤਾ ਕਿ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਗਰੀਬ ਲੋਕ ਵਸਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਕੋਈ ਔਖੀ ਸੌਖੀ ਘੜੀ ਆ ਜਾਵੇ, ਜੰਜ ਆ ਜਾਵੇ ਜਾਂ ਕੋਈ ਹੋਰ ਐਸੀ ਗਲ ਹੋ ਜਾਵੇ, ਕੋਈ ਇਕੱਠ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਧਰਮਸ਼ਾਲਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। ਪਹਿਲੇ ਸਾਲ ਲਈ ਇਸ ਕੰਮ ਵਾਸਤੇ 25 ਲੱਖ ਦਿਤਾ, ਫਿਰ ਦੂਸਰੇ ਸਾਲ 50 ਲੱਖ ਰੁਪਿਆ ਦਿਤਾ (ਤਾੜੀਆਂ) ਇਹ ਕਿਉਂ ਦਿਤਾ, ਇਸ ਦੇ ਵੀ ਰੀਜ਼ਨਜ਼ ਹਨ। ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸ਼੍ਰੋਮਣੀ ਅਕਾਲੀ ਦਲ ਦੀ ਇਹ ਪਾਲਿਸੀ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵੀਰਾਂ ਨੂੰ ਮੌਕਾ ਦਿਤਾ ਜਾਏ ਕਿ ਉਹ ਇਕੱਠੇ ਬੈਠ ਕੇ ਆਪਣੀਆਂ ਤਕਲੀਫ਼ਾਂ ਨੂੰ ਵਿਚਾਰ ਕਰਕੇ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਜੋ ਤਕਲੀਫਾਂ ਹੋਣ ਉਹ ਗੌਰਮਿੰਟ ਨੂੰ ਦੱਸਣ ਤਾਕਿ ਸਰਕਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਯੋਗ ਕਦਮ ਉਠਾਏ। ਇਨ੍ਹਾਂ (ਕਾਂਗਰਸ ਵਲ ਇਸ਼ਾਰਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ) ਦੇ ਰਾਜ ਵਿਚ ਇਕੱਠੇ ਬੈਠਣ ਦੇਣਾ ਵੀ ਜੁਰਮ ਗਿਣਿਆ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਹਰ ਇਕ ਨੂੰ ਵੱਖਰੇ ਵੱਖਰੇ ਲੜਾ ਦਿਤਾ,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਮਾਜਕ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ]

ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਨਹੀਂ ਹੋਣ ਦਿਤਾ। ਅਸੀਂ ਇਕ ਪਾਰਟੀ ਨਾਲ ਇਕੱਠ ਕੀਤਾ, ਦੋ ਪਾਰਟੀਆਂ ਨਾਲ ਇਕੱਠ ਕੀਤਾ, ਪ੍ਰਮਾਤਮਾ ਦੀ ਕ੍ਰਿਪਾ ਨਾਲ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕੱਠ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ (ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ) ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ ਹੋਵੇਗੀ।

ਚੌਧਰੀ ਜਗਤ ਰਾਮ ਨੇ ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਾਂ ਦੁੱਖੜੇ ਹੀ ਰੋਏ ਹਨ ਪਰ ਉਸ ਦਾ ਬਿੱਲ ਨਾਲ ਕੋਈ ਸਬੰਧ ਨਹੀਂ ਸੀ।

ਇਥੇ ਝਬਾਲ ਜੀ ਨੇ ਜ਼ਮੀਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਹ ਪਹਿਲੂ ਵੀ ਕਲੀਅਰ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਸਰਦਾਰ ਰਾਜਾ ਸਿੰਘ ਨੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰਜ਼ ਬਾਰੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੇ ਹੋਣ। ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਇਹੀ ਹੋਵੇਗਾ। (ਤਾੜੀਆਂ)

ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਅਤੇ ਦੂਸਰਿਆਂ ਸਾਥੀਆਂ ਦੀ ਇਕ ਇਹ ਪਰਪੋਜ਼ਲ ਸੀ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਬੋਰਡ ਆਫ ਡਾਇਰੈਕਟਰਜ਼ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹੋਣ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਹੋਣ। ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਦੀ ਪਰਪੋਜ਼ਲ ਸੀ ਕਿ 7 ਦੇ 7 ਮੈਂਬਰ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਦੇ ਹੋਣ। ਮੈਂ ਕੱਲ ਵੀ ਬੜੀ ਸਿਰ ਖਪਾਈ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕੰਸਟੀਚਿਊਸ਼ਨ ਪਰਮਿਟ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਕਿ ਇਹ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ। ਅਸੀਂ 50% ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਾਮੀਨੇਟ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ। ਪਰ ਫਿਰ ਵੀ ਇਹ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਮੰਨਦੇ। ਫਿਰ ਵੀ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕਲਾਜ਼ ਪਾ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੰਟੈਨਸ਼ਨ ਸੀ, ਉਹ ਅਸੀਂ ਲੀਗਲ ਢੰਗ ਦੇ ਨਾਲ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ।

ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ ਕਹੀਆਂ ਗਈਆਂ ਕਿ ਰੁਪਿਆ ਥੋੜ੍ਹਾ ਹੈ। ਹਕੀਕਤ ਵਿਚ ਸਾਡੇ ਕੋਲ 5-6 ਅਜਿਹੀਆਂ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨਾਂ ਹਨ ਜੋ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਇਕ ਵਾਹਦ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਿ 1 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਸਟਾਰਟ ਹੋਈ ਹੈ। ਹੋਰ ਕੋਈ ਵੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਐਨੇ ਪੈਸਿਆਂ ਨਾਲ ਸਟਾਰਟ ਨਹੀਂ ਹੋਈ। ਕੋਈ 25 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਸਟਾਰਟ ਹੋਈ ਹੈ, ਕੋਈ 27 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਅਤੇ ਕੋਈ 50 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਨਾਲ ਸਟਾਰਟ ਹੋਈ ਹੈ। ਫਿਰ ਵੀ ਐਨੀ ਛੇਤੀ ਐਨੀ ਵੱਡੀ ਛਲਾਂਗ ਮਾਰਨੀ ਬੜੀ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਹੈ (ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਘਾਟੇ ਵਿਚ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਪਰ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੂੰ ਪੈਸੇ ਦੇ ਰਹੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਦਿਤੇ ਹਨ ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਕੋਈ ਟੈਕਸ ਨਹੀਂ ਲਾ ਰਹੇ। ਇਸ ਦੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਾਦ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। (ਤਾੜੀਆਂ)

ਇਥੇ ਕਈਆਂ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਇਹ ਜਿਹੜੀ 5 ਕਰੋੜ ਦੀ ਪੂੰਜੀ ਹੈ, ਇਸ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ (ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਭ ਕੁਝ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਕਨਸੈਂਟ ਨਾਲ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿੰਨੀਆਂ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਆਈਆਂ ਹਨ, ਉਹ ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਕਲਾਜ਼ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਲਈਆਂ ਜਾ ਸਕਦੀਆਂ। ਕਿੰਨੇ ਐਕਟ ਬਣੇ, ਕਿੰਨੀ ਵਾਰੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਹੋਈਆਂ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਸਾਲ, ਦੋ ਸਾਲ ਚਲਣ ਦਿਓ, ਜਿਸ ਮਕਸਦ ਵਾਸਤੇ ਬਣਾਈ ਹੈ, ਇਸ ਨੂੰ ਚੱਲਣ ਦਿਓ, ਅਗਰ ਉਸ ਦਾ ਪਰਪਜ਼ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਤਾਂ ਫਿਰ ਕੁਝ ਦੇਰ ਬਾਅਦ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਜਿਹੜੇ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਨੇ ਸੁਸਾਇਟੀਆਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕਲਾਸ 2 ਵਿਚ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ 10% ਇਥੇ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਨਾਲ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਮੈਂਬਰ ਵੀ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵੀ ਇਸ ਬਿੱਲ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਸੈਂਟ ਪਰਸੈਂਟ ਸ਼ੈਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟਸ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਵੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਆਈ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦ ਵੀ ਇਹ ਰੈਲੇਵੈਂਟ ਕਲਾਜ਼ ਡਿਸਕਸ ਹੋਵੇਗੀ, ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਕੈਰੀ ਆਨ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ ।

ਇਕ ਹੋਰ ਗੱਲ ਇਥੇ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਿ ਇਹ 5 ਕਰੋੜ ਕਦੋਂ ਤੱਕ ਪੂਰਾ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਨੀਤੀ ਨੂੰ ਬੜੀ ਈਮਾਨਦਾਰੀ ਨਾਲ ਚਲਾਇਆ ਹੈ । ਬਾਦਲ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਹੁਣ ਹੀ ਸਟਾਰਟ ਕਰ ਦਿਓ, ਮਗਰ ਹਾਲਾਤ ਐਸੇ ਨਹੀਂ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ । ਐਨੀਆਂ ਬੈਨੀਫੀਸ਼ਲ ਸਕੀਮਜ਼ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਬਣਾ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ । ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਨਵੇਂ ਟੈਕਸ ਨਾ ਲਗਾ ਕੇ ਹਰ 6 ਮਹੀਨਿਆਂ ਵਿਚ ਇਕ ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਇਕੱਠਾ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ । ਅਗਲੇ ਸਾਲ ਵਿਚ ਐਨਾ ਰੁਪਿਆ ਹੋਰ ਇਕੱਠਾ ਕਰਕੇ 5-6 ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਇਹ ਰਕਮ ਪੂਰੀ ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ । (ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ) ਸਾਡੇ ਪਾਸ ਸਾਧਨ ਹਨ । ਅਸੀਂ ਜ਼ਮੀਨ ਆਕਸ਼ਨ ਵਿਚ ਦਿਤੀ, ਉਸ ਦੀ ਆਮਦਨੀ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰ ਦੇਣੀ ਹੈ । (ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਪਰੋਵੀਜ਼ਨ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਵਿਚ ਦਸਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਅਸੀਂ 1 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਫਾਈਨੈਂਸ਼ਲ ਮੈਮੋਰੈਂਡਮ ਦੇ ਐਂਡ ਵਿਚ ਹੈ ਕਿ 1 ਕਰੋੜ ਰੁਪਿਆ is proposed to be provided during the year 1970-71. ਇਹ ਪ੍ਰਪੋਜ਼ਡ ਨਹੀਂ It has been earmarked ਇਹ ਕੈਬਨਿਟ ਨੇ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਔਰ ਜਿਹੜੀਆਂ ਫਾਈਨੈਂਸ਼ਲ ਇੰਪਲੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਨ, ਉਹ ਫਾਈਨੈਂਸ ਡੀਪਾਰਟਮੈਂਟ ਨੇ ਐਗਰੀ ਕੀਤੀਆਂ । ਸੋ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸ਼ੱਕ ਵਾਲੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ।

ਅੰਤ ਵਿਚ ਮੈਂ ਸਾਰਿਆਂ ਭਰਾਵਾਂ ਦਾ, ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਦਾ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਕੀਮਤੀ ਕਰਿਟੀਸਿਜ਼ਮ ਨਾਲ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਕੋਈ ਖਾਮੀਆਂ ਇਸ ਬਿੱਲ ਵਿਚ ਹਨ ਤਾਂ ਦੂਰ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣ ਔਰ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਹੈ ਇਸ ਐਕਟ ਬਨਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ; ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰਿਆਂ ਦਾ ਮਸ਼ਕੂਰ ਹਾਂ । (ਤਾੜੀਆਂ)

Mr. Speaker : Question is–

That the Punjab Scheduled Castes and Finance Corporation Bill be referred to a Select Committee......

Sardar Umrao Singh . Sir, I withdraw my motion.

Mr. Speaker : Is it the pleasure of the House ?

(Voices : Yes : Yes)

The motion was withdrawn.

Mr. Speaker : Question is–

Tnat the Punjab Scheduled Castes Land Development and Finance Corporation Bill be taken into consideration at once.

The Motion was carried.

Sardar Umrao Singh : Sir, I am on a point of order. Before we

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Sardar Umrao Singh]

take up other steps of the Bill I would suggest that the motion for the appointment of an Adhoc Committee which is pending before the House should be taken up.

ਉਸ ਦੇ ਉਤੇ ਜੋ ਤੁਹਾਡਾ ਡਿਸੀਜ਼ਨ ਹੈ ਉਹ ਦੇ ਦਿਓ, ਕੰਮ ਤਾਂ ਸ਼ਾਮ ਤਕ ਚਲਦਾ ਰਹਿਣਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਬਿਲ ਪਾਸ ਹੋ ਜਾਣ ਤੋਂ ਬਾਦ ਟੇਕ ਅੱਪ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ । (ਵਿਘਨ) (We will take this up after the passage of the Bill) (Interruption)

Now the House will proceed to consider the Bill clause by clause Clause 2 is before the House. There are some notices of amendments to this clause.

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I beg to move–

In sub-clause (k), lines 4 5, for "ninety per cent of whose" **substitute** "all of whose"

ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਐਕਸੈਪਟ ਕਰ ਲਿਆ ਹੈ ਕਿ 90% ਦੀ ਬਜਾਏ ਸੈਂਟ ਪਰ ਸੈਂਟ ਸ਼ਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟ ਹੋਣ । (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਹੈ 90% ਦੀ ਬਜਾਏ ਸੈਂਟ ਪਰ ਸੈਂਟ ਹੋਵੇ ।

Mr. Speaker : Motion moved—

In sub-clause (k), lines 4-5, for "ninety per cent of whose **substitute** "all of whose"

Minister for Social Welfare (Dr. Bhagat Singh) : Sir, we are bringing an official amendment which will cover Comrade Satya Pal Dang's amendment.

Sardar Umrao Singh : Sir, I have also given notices of amendments to this Clause

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਜੀ ਇਕੱਲੀ ਇਕੱਲੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਮੂਵ ਕਰਨੀ ਪੈਣੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) (Sardar Umrao Singh ji, the amendments will have to be moved one by one) (Interruption)

Sardar Umrao Singh : All right Sir.

Mr. Speaker : Question is–

In sub-clause (k), lines 4 5, for "ninety per cent of whose **substitute** "all of whose"

The Motion was lost.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਮੇਰੀਆਂ 13, 14 ਨੰਬਰ ਦੀਆਂ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਹਨ । ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ 13 ਦੀ 'ਔਫ਼' ਨਾਲ ਤੱਲਕ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚ ਸ਼ਡਿਊਲਡ ਕਾਸਟ ਦੀ ਡੈਫੀਨੀਸ਼ਨ ਦਿਤੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਪ੍ਰੈਜ਼ੀਡੈਂਟ ਵਲੋਂ ਡੀਕਲੇਅਰ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ। (ਵਿਘਨ) ਆਰਟੀਕਲ 341 ਜਿਹੜੀ ਹੈ ਉਹ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਨੂੰ ਅਪਲਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਜਿਹੜਾ ਆਰਡਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਅਪਲਾਈ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਆਪਣੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਮੂਵ ਕਰੋ। (Please move your amendment)

Sardar Umrao Singh : Sir, I beg to move–

> In sub-clause (f), add the following at the end :
> 'with respect to the State of Punjab''

ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਪੰਜਾਬ ਸਟੇਟ ਦੇ ਹੋਣ ਉਹੀ ਹੋਣ। (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : motion moved –

> In Sub-Clause (f), add the following at the end :
> "with respect to the State of Punjab"

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I am on a point of order. Sir, the clause 2 (f) is : "Governor" means the Governor of the State." The adding of the words "with respect to the State of Punjab" is senseless

Minister for Social Welfare (Dr. Bhagat Singh) : Sir, this has already been covered by the title of the Bill as well as Article 341 of the Constitution.

ਤੁਸੀਂ ਆਰਟੀਕਲ 341 ਪੜ੍ਹ ਲਵੋ। (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਹੁਣ ਪੜ੍ਹ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ਪਰ ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਆਰਟੀਕਲ 341 ਸ਼ਾਇਦ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਵੇਖਿਆ ਹੀ ਨਾ ਹੋਵੇ...(ਵਿਘਨ)

Sir, Article 341 of the Constitution of India reads as under :

> "The President may with respect to any State or Union territory, and where it is a State, after consultation with the Governor thereof, by public notification, specify the castes, races or tribes or parts of or groups within castes, races or tribes which shall for the purposes of this Constitution be deemed to be Scheduled Castes in relation to that State or Union territory, as the case may be."

Mr. Speaker : Question is–

> In Sub-clause (f), add the following at the end :—
> "with respect to the State of Punjab."

The motion was lost.

In Sub-clause (k), lines 3-6, for 'or a co-operative society registered ....to Scheduled Castes,' substitute 'or a co-operative society registered under the Punjab Co-operative Societies Act, 1961, all the

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Mr. Speaker]

partners or members whereof, as the case may be, belong to Scheduled Castes.'

Mr. Speaker : Motion moved-

In sub-clause (k), lines 3-6, for 'or a co-operative society registered ....to Scheduled Castes,' substitute 'or a co-operative Societies Act, 1961, all the partners or members whereof, as the case may be, belong to Scheduled Castes.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਬਾਰੇ ਰੂਲਜ਼ ਵਿਚ ਬੜਾ ਕਲੀਅਰਲੀ ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ......(ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Question is-

In sub-clause (k), lines 3-6, for "or a co-operative society registered .... to Scheduled Castes," substitute "or a co-operative society registered under the Punjab Co-operative Societies Act, 1961, all the partners or members whereof, as the case may be, belong to Scheduled Castes."

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is-

That clause 2, as amended, stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 3

Mr. Speaker : Question is-

That clause 3 stand part of the Bill,

The motion was carried.

CLAUSE 4

Mr. Speaker : There are certain notices of amendments to this Clause.

(No hon. Member rose to move his amendment.)

Mr. Speaker : Question is-

That Clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 5

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰਾ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਇਹ ਹੈ ਕਿ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਇਕ ਸਿਮੀਲਰ ਟਾਈਪ ਦੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਦਾ ਮਤਲਬ ਵੀ ਬਿਲਕੁਲ ਇਹੀ ਸੀ ਅਤੇ ਉਹ ਹਾਊਸ ਰਿਜੈਕਟ ਕਰ ਚੁਕਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਚੀਜ਼ ਇਕ ਦਫ਼ਾ ਰਿਜੈਕਟ ਹੋ ਜਾਏ, ਕੀ ਉਹ ਦੋਬਾਰਾ ਲਿਆਂਦੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਸਿਰਫ਼ ਲਫ਼ਜ਼ਾਂ ਦੀ ਹੇਰ ਫੇਰ ਕਰਕੇ ? ਤੁਹਾਨੂੰ ਰੂਲਜ਼ ਦਾ ਨਹੀਂ ਪਤਾ ਤਾਂ ਮੈਂ ਕੁਝ ਕਹਿ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ। (ਵਿਘਨ)

CLAUSE 6

Mr. Speaker : Question is—

That slause 6 ctand part of the Bill.

The Motion was carried.

ਕਲਾਜ਼ 7

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ 7 ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਹੋਣਗੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਐਪੁਆਇੰਟ ਕਰਨ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਨਾਮੀਨੇਟ ਕਰੇਗਾ। ਮੈਂ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਸਬ ਕਲਾਜ਼ ਵਿਚ ਜਿਥੇ 7 ਡਾਇਰੈਕਟਰਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਹੈ ਉਥੇ 9 ਹੋਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਦੋ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਵਿਚੋਂ ਇਲੈਕਟ ਹੋਣ।

"In sub-clause (i) lines 1-2, **for** "The Board shall consist of seven Directors who shall be nominated by the Govornor", **substitute** "The Board shall consist of nine Directors, seven of whm shall be nominated by the Governor while the remaining two shall be elected by the Vidhan Sabha from amongst its members"

ਜਿਹੜੀ ਗੱਲ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਹੀ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਆਫਿਸ ਆਫ਼ ਪ੍ਰਾਫਿਟ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਇਹ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਲਈ ਡਿਸਕਵਾਲੀਫਿਕੇਸ਼ਨ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ, ਇਸ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਡਾਇਰੈਕਟਰਾਂ ਦੇ ਐਲਾਊਂਸਾਂ ਦਾ ਹਾਲੇ ਫੈਸਲਾ ਕਰਨਾ ਹੈ, ਇਹ ਪ੍ਰੈਸਕਰਾਈਬ ਕਰਨੇ ਹਨ। ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਾ ਮਿਲੇ ਸਿਵਾਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਅਲਾਊਂਸਾਂ ਦੇ ਜਿਹੜੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਤੌਰ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਦੇ ਮਿਲਦੇ ਹਨ। ਅਗਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪਰੋਵਿਯਨ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਲਈ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਇਹ ਆਫਿਸ ਆਫ਼ ਪ੍ਰਾਫਿਟ ਨਹੀਂ ਬਣੇਗਾ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਨਹੀਂ ਕਿ ਇਹ ਆਫਿਸ ਆਫ਼ ਪ੍ਰਾਫਿਟ ਜ਼ਰੂਰ ਬਣੇਗਾ।

Sardar Umrao Singh : This can't be done. It requires Governor's sanction.

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਮਨੀ ਬਿੱਲ ਲਈ ਗਵਰਨਰ ਦੀ ਕਨਸੈਂਟ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਪਰ ਕੀ ਉਸ ਦੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਲਈ ਵੀ ਗਵਰਨਰ ਦੀ ਕਨਸੈਂਟ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਰੂਲ ਦਿਖਾ ਦਿਉ।

Mr. Speaker : This can't be done. It involves additional expenditure.

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਅੰਡਰ ਦੀ ਡਿਸਕਵਾਲੀ-ਫਿਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਐਕਟ ਕੋਈ ਵੀ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਕਿਸੇ ਅਜਿਹੇ ਬੋਰਡ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਨਹੀਂ ਬਣ ਸਕਦਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ]

ਜਿਸ ਵਿਚ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਸ਼ੇਅਰ 50% ਤੋਂ ਵਧ ਹੋਣ, ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਹਾਊਸ ਦੇ ਦੋ ਮੈਂਬਰ ਇਲੈਕਟ ਕਰਨ ਬਾਰੇ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਹੈ ਇਹ ਆਊਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : This amendment by Comrade Satya Pal Dang is out of order under Rule 160 and Article 207 of thc Constitution.

Sardar Umrao Singh : Sir, I have also given notice of an amendment (No. 17) to this clause. It reads—

> 'In the proviso to sub-clause (1), line 3, **between** 'Classes' and 'and' **insert** "two members of the Punjab Legislative Assembly."

ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਦੋ ਮੈਂਬਰ ਪੰਜਾਬ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਵਿਚੋਂ ਨਾਮੀਨੇਟ ਹੋਣ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਇਹ ਆਫਿਸ ਆਫ਼ ਪ੍ਰਾਫਿਟ ਬਣੇਗਾ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜੋ ਪਰੈਜ਼ੈਂਟ ਬਿਲ ਹੈ ਇਸ ਅਨੁਸਾਰ ਇਹ ਆਫਿਸ ਆਫ਼ ਪ੍ਰਾਫਿਟ ਨਹੀਂ ਬਣਦਾ। ਇਸ ਦੀ ਇਨਟੈਂਸ਼ਨ ਕੀ ਹੈ ? ਫੀਸ ਆਦਿ ਇਹ ਕਲਾਜ਼ 7 ਦੇ ਹੇਠਾਂ ਪ੍ਰੈਸਕਰਾਈਬ ਹੋਣਗੀਆਂ, ਇਸ ਦੇ ਤਹਿਤ ਮਿਲਣੀਆਂ ਹਨ।

Sub-clause (4) of the Clause reads—

> "Subject to the provisions of this Act, the terms and conditions of appointment of the Directors and the fees and allowances payable to them, shall be such as may be prescribed."

ਐਕਟ ਵਿਚ ਕੋਈ ਪ੍ਰੋਵਿਯਨ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗੇ ਕਿ ਡਾਇਰੈਕਟਰਜ਼ ਨੂੰ ਸੌ ਜਾਂ 500 ਰੁਪਿਆ ਮਿਲੇਗਾ। ਬਾਕੀ ਜੋ ਕਮੇਟੀਆਂ ਹਨ, ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਟੈਕਸੇਸ਼ਨ ਕਮੇਟੀ ਹੈ, ਉਸ ਵਿਚ ਜੋ ਮੈਂਬਰ ਹਨ ਅਗਰ ਤਾਂ ਉਹ ਅਸੈਂਬਲੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਨਹੀਂ ਹਨ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 100/- ਰੁਪਿਆ ਰੋਜ਼ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਮਗਰ ਜੋ ਐਮ. ਐਲ. ਏ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਉਹੀ ਅਲਾਊਂਸ ਮਿਲਦਾ ਹੈ ਜੋ ਸਾਡੇ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਐਡਮਿਸੀਬਲ ਹੈ। ਅਗਰ ਇਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਵੀ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਆਫਿਸ ਆਫ਼ ਪ੍ਰਾਫਿਟ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ।

Mr. Speaker : Motion moved—

> In the proviso to sub-clause (1), line 3, between "Classes' and "and" **insert** "two members of the Punjab Legislative Assembly."

Captain Rattan Singh : Mr. Speaker, no Member of the Punjab Vidhan Sabha can be a Director of any Corporation in which the Government has more than 59% share.

Mr. Speaker : Mr. Umrao Singh, how do you answer the objection raised by the Deputy Leader of your Party ?

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਸ ਨਾਲ ਐਗਰੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ। ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕੋਈ ਲੀਗਲ ਪ੍ਰੋਵਿਯਨ ਨਹੀਂ ਦਸਿਆ। ਜਿਸ ਮੁਤਾਬਿਕ ਇਹ ਬਾਰ ਬਣਦਾ ਹੋਵੇ। ਪਾਂਡੇ ਸਾਹਿਬ, ਸਟੇਟ ਇੰਡਸਟਰੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਨਾਮਜ਼ਦ ਹੋਏ ਹਨ ਜਿਸ ਵਿਚ ਸਾਰਾ ਸਰਮਾਇਆ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਦੂਜੀਆਂ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨਜ਼ ਜਿਵੇਂ ਪੰਜਾਬ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਫਾਇਨੈਂਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਜਾਂ ਇੰਡਸਟਰੀਅਲ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਹਨ, ਦੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਬਣ ਸਕਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਹਾਉਸ ਦੇ ਐਲਾਉਂਸ ਤੋਂ ਵੱਧ ਐਲਾਉਸ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕਦਾ।

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : (ਗੜ੍ਹਸ਼ੰਕਰ) ਮੇਰੇ ਪਾਸ ਇਸ ਵੇਲੇ ਉਹ ਕਾਗਜ਼ ਹੈ ਨਹੀਂ ਪਰ ਜਿਸ ਵੇਲੇ 1912 ਵਿਚ ਐਗਰੋ ਇੰਡਸਟਰੀਅਲ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਬਣੀ ਸੀ, ਉਸ ਵੇਲੇ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸਨ ਕਿ ਹਾਉਸ ਦੇ 2-3 ਮੈਂਬਰ ਉਸ ਦੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਬਣਨ। ਉਸ ਵੇਲੇ ਇਹ ਕੇਸ ਐਗਜ਼ਾਮਿਨ ਹੋਇਆ ਸੀ। ਕਿਸੇ ਕਮੇਟੀ ਜਾਂ ਸਿੰਡੀਕੇਟ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਬਣਾਇਆ ਜਾਣਾ ਅਲੱਗ ਗੱਲ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਡੈਫੀਨਿਟ ਪ੍ਰੋਵਿਜ਼ਨ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ 50% ਤੋਂ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਸ਼ੇਅਰ ਘਟ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਮੈਂਬਰ ਬਣ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਗੱਲ ਐਲ. ਆਰ. ਨੇ ਕਲੀਅਰ ਕੀਤੀ ਸੀ। ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਸਰਦਾਰ ਲਛਮਣ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ ਨੇ ਫਾਇਨੈਂਸ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਬਣਨਾ ਸੀ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਬਣਨ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਸੀ।

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਗਿੱਲ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਬਣਨਾ ਸੀ ਅਤੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਦੇ ਇਮਾਲੂਮੈਂਟਸ, ਟਰਮਜ਼ ਆਫ ਰੈਫਰੈਂਸ ਵਿਚ ਪ੍ਰੈਸਕਰਾਈਬਡ ਸਨ। ਉਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਆਫਿਸ ਆਫ ਪ੍ਰਾਫਿਟ ਬਣਦਾ ਸੀ। ਅਗਰ ਸਰਕਾਰ ਸਾਡੇ ਐਲਾਉਂਸਾਂ ਤੋਂ ਵਧ ਪ੍ਰੈਸਕਰਾਈਬ ਕਰ ਦੇਵੇ ਤਾਂ ਆਫਿਸ ਆਫ ਪ੍ਰਾਫਿਟ ਬਣ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਅਗਰ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਵਾਲੇ ਹੀ ਐਲਾਉਂਸ ਮਿਲਣ ਤਾਂ ਇਹ ਆਫਿਸ ਆਫ ਪ੍ਰਾਫਿਟ ਨਹੀਂ ਬਣਦਾ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਕੋਅਪਰੇਟਿਵ ਸੁਸਾਇਟੀਆਂ ਹਨ ਜੋ ਲੀਗਲ ਟਰਮਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਹੀ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸੰਧੂ ਸਾਹਿਬ, ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਹਨ, ਮੈਂ ਮਾਰਕਿਟਿੰਗ ਸਪਲਾਈ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਹਾਂ, ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੰਤ ਸਿੰਘ ਹੁਰੀਂ ਵੀ ਹਨ। ਹੋਰ ਵੀ ਕਈ ਐਮ. ਐਲ. ਏ. ਕੋਅਪਰੇਟਿਵ ਸੋਸਾਇਟੀਆਂ ਦੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਹਨ। ਕਨਸਟੀਚਯੂਸ਼ਨ ਮੁਤਾਬਿਕ ਇਹ ਸੋਸਾਇਟੀਆਂ ਵੀ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨਾਂ ਹੀ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਬਣਨਾਂ ਕੋਈ ਬਾਰ ਨਹੀਂ, ਅਗਰ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਦੇਖ ਲਵਾਂਗੇ।

ਸਮਾਜਿਕ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ : (ਡਾ: ਭਗਤ ਸਿੰਘ) ਇਸ ਇਸ਼ੂ ਤੇ ਅਸੀਂ ਐਲ. ਆਰ. ਦੀ ਰਾਏ ਲੈ ਲਈ ਸੀ। (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਐਲ. ਆਰ. ਦੀ ਵੀ ਓਪੀਨੀਅਨ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਨਹੀਂ ਬਣ ਸਕਦਾ।

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਐਲ. ਆਰ. ਦੀ ਇਸ ਓਪੀਨੀਅਨ ਨੂੰ ਚੈਲੰਜ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਉਹ ਸਹੀ ਹੋਏ ਤਾਂ ਆਈ ਵਿਲ ਰਿਜ਼ਾਈਨ ਫਰਾਮ ਦੀ ਹਾਉਸ। ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਸ ਦੀ ਰਾਏ ਨੂੰ ਇਨਾਂ ਵੇਟ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਹਾਉਸ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਦੀ ਰਾਏ ਨੂੰ ਕੋਈ ਵਜ਼ਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ ਹਾਉਸ ਦੇ ਇਕ ਮੈਂਬਰ ਦੀ ਤੌਹੀਨ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਪਾਂਧੀ ਸਾਹਿਬ ਤਾਂ ਆਪ ਵੀ ਵਕੀਲ ਹਨ ਇਹ ਆਪਣੀ ਰਾਏ ਵੀ ਪਰਗਟ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Pleas resume your seat.

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਮੈਂ ਇਹ ਜਾਣਨਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panj[illegible]

[ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ]

ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਐਲ. ਆਰ. ਵਡਾ ਹੈ ਜਾਂ ਕਾਂਗਰਸ ਪਾਰਟੀ ਦਾ ਐਲ. ਆਰ. ਵੱਡਾ ਹੈ । (ਹਾਸਾ) (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : Question is-

"In the proviso to sub-clause (1), line 3, between "Clauses" and "and" insert "two members of the Punjab Legislative Assembly.

The motion was lo t.

Sardar Dalip Singh Pandhi : Sir, I beg to move-

Add the following second proviso to sub-clause (1) :
"Provided further that not less than four Directors shall belong to Scheduled Castes."

Mr. Speaker : Motion moved—

Add the following second proviso to sub clause (1) :
"Provided further that not less than four Directors shall belong to Scheduled Castes".

Mr. Speaker : Question is-

Add the fo lowing second provision to sub-clause (1)- "provided further that not less then four Directors shall belong to Scheduled Castes".

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is-

That clause 7, as amended, stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 8

Mr. Speaker : Now we take up clause 8. There are some notices of amendments to this clause. We first take up amendment No. 3 by Comrade Satya Pal Dang.

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ; ਮੇਰੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨੰ: 3 ਜਿਸ ਕਲਾਜ਼ ਤੇ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮਿਆਦ ਦੋ ਦੀ ਥਾਂ ਤੇ ਤਿੰਨ ਸਾਲ ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ । ਡਾਇਰੈਕਟਰਾਂ ਦੇ ਆਫਿਸ ਦੀ ਮਿਆਦ ਦੋ ਸਾਲ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਕਲਾਜ਼ ਵਿਚ ਤਜਵੀਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ ਪਰ ਇਹ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਵੇਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਫੀਸ਼ੰਟ ਪੀਰੀਅਡ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ । ਇਸ ਲਈ ਡਾਇਰੈਕਟਰਾਂ ਨੂੰ ਕੰਮ ਕਰਨ ਲਈ ਸਫੀਸ਼ੈਂਟ ਪੀਰੀਅਡ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਮਿਆਦ ਨੂੰ ਦੋ ਦੀ ਥਾਂ ਤੇ 3 ਸਾਲ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ।

Sir, I beg to move—

In line 2, **for** "two years" **substitute** "three years".

Mr. Speaker : motion moved—

In line 2, **for** "two years" **subs iute** "three years"

The Motion was carried.

Mr. Speaker : Question is-

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

In line 2, **for** "two years" **substitute** "three years".

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 8, as amended, stand part of the Bill.

The Motion was carried.

CLAUSE 9

Mr. Speaker : Question is—

That clause 9 stand part of the Bill.

The Motion was carried.

CLAUSE 10

Mr. Speaker : Question is—

That clause 10 stand part of the Bill.

The Motion was carried.

CLAUSE 11

Mr. Speaker : Now clause 11 is before the House. There is an amendment No. 4 by Comrade Satya Pal Dang to this clause.

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਲਾਜ਼ 11 ਤੇ ਮੇਰੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨੰ: 4 ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਸਾਹਿਬ ਕਿਸ ਵਜਹ ਨਾਲ ਕਿਸੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਨੂੰ ਹਟਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਕਲਾਜ਼ 1 (ਡੀ) ਵਿਚ ਸ਼ਬਦ 'ਮਿਸਕਾਂਡਕਟ' ਲਿਖਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸ਼ਬਦ 'ਗਰਾਸ' ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਕਿਉਂਕਿ ਮਿਸਕਾਂਡਕਟ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਫੈਸਲਾ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਆਪ ਕਰਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦਾ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਲਗਦਾ। ਸਰਕਾਰ ਕਿਸੇ ਮਾੜੀ ਜਿਹੀ ਜਾਂ ਮਾਮੂਲੀ ਜਿਹੀ ਗਲਤੀ ਨੂੰ ਵੀ ਮਿਸਕਾਂਡਕਟ ਕਹਿ ਸਕਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਨੂੰ ਹਟਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਪਰ ਲਫਜ਼ 'ਗਰਾਸ' ਲਿਖਣ ਨਾਲ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਗਰਾਸ ਮਿਸਕਾਂਡਕਟ ਨੂੰ ਕੋਈ ਅਥਾਰੇਟੀ ਡੀਟਰਮਿਨ ਕਰੇ। ਇਸ ਦਾ ਕੋਰਟ ਨੇ ਫੈਸਲਾ ਕਰਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਮੇਰੀ ਇਸ ਤਰਮੀਮ ਨੂੰ ਮੰਨ ਕੇ ਸ਼ਬਦ 'ਗਰਾਸ 'ਮਿਸਕਾਂਡਕਟ' ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ।

Sir, I beg to move—

In sub-clause (1) (d), line 1 **between** "of" and "misconduct" **insert** "gross"

Mr. Speaker : Motion moved—

In sub-clause (1) (d), line 1, **between** "of" and "misconduct" **insert** "gross",

Mr. Speaker : Question is—

In sub-clause (1) (d), line 1, **between** "of" and "misconduct" **insert** "gross".

The Motion was lost.

Mr. Speaker : Question is—

That clause 11 stand part of the Bill.

The Motion was carried.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Mr. Speaker]

CLAUSE 12

Mr. Speaker : Now clause 12 is before the House. There are some notices of amendments to this clause.

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I beg to move—

Delete sub-clause (4)

(Interruptions)

ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪੋਲ ਤੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਆਪ ਜਾਂ ਪਰਾਕਸੀ ਰਾਹੀਂ ਵੋਟਾਂ ਪਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਕਲਾਜ਼ ਵਿਚ ਇਹ ਇਕ ਬਾਟੀਕਿੰਗ ਲਗਾ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਕਿਉਂਕਿ ਕਲਾਜ਼ 3 ਵਿਚ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਸਪਸ਼ਟ ਗਲ ਕਰ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਸਪੈਸ਼ਲ ਮਜਾਰਿਟੀ ਬਾਰੇ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕਾਸਟਿੰਗ ਵੋਟ ਦਿਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਸਬ ਕਲਾਜ਼ 4 ਵਿਚ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪੋਲ ਸਮੇਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਰੈਪਰੇਜ਼ੈਂਟੇਟਿਵ ਵੀ ਵੋਟ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਸਬ ਕਲਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਮੇਰੀ ਤਰਮੀਮ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਕਲਾਜ਼ ਨੂੰ ਡੀਲੀਟ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ।

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸੇ ਹੀ ਕਲਾਜ਼ ਤੇ ਮੇਰੀ ਵੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨੰ: 51 ਹੈ (ਵਿਘਨ)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਜਨਾਬ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਕਲਾਜ਼ ਤੇ ਮੇਰੀ ਵੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਇਸੇ ਹੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਨੰਬਰ 18 ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : (ਵਿਘਨ) ਪਾਂਧੀ ਜੀ; ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੀ ਫਰਕ ਹੈ ਜੇ ਤੁਹਾਡੇ ਵਾਲੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਵਿਦਡਰਾ ਹੋ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਵਾਲੀ ਐਕਸੈਪਟ ਹੋ ਜਾਵੇ, ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕੀ ਫਰਕ ਪੈ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਇਹ ਤਾਂ ਇਕੋ ਹੀ ਗਲ ਹੈ। (It will make no difference if the amendment given notice of by Sardar Pandhi is withdrawn and the one moved by Com Dang is accepted as both these amendments are of a similar nature.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਮੈਨੂੰ ਤਾਂ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਭਾਵੇਂ ਕਿਸੇ ਦੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੋਵੇ ਪਰ ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਗੱਲ ਕਹਿਣੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਪਾਂਧੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਮੇਰੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਦੀ ਨਕਲ ਮਾਰ ਕੇ ਦਿਤੀ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਪਾਂਧੀ ਜੀ ਇਹ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਪਹਿਲਾਂ ਮੂਵ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ, ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਹ ਪਹਿਲਾਂ ਮੂਵ ਹੋਵੇਗੀ। (*Addressing Sardar Pandhi*: Because the amendment given notice of by Comrade Dang has been moved earlier it will be put to the vote of the House before the other one is taken up.)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਨਕਲ ਕਰਨ ਲਈ ਵੀ ਤਾਂ ਅਕਲ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker : Motion moved—

Delete sub-clause (4)

Mr. Speaker: Question is-

Delete sub-clause (4)

The Motion was carried.

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 12, as amended, stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 13

Mr. Speaker : There are some notices or amendments to Clause 13. First, we take up amendment No. 6 by Comrade Satya Pal Dang.

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I beg to move—

In sub-clause (3), line 4, for "another person" substitute "another Director".

ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਹੁਣ ਫੇਰ ਸੁਣ ਲਓ ਮੈਂ ਅਗੇ ਵੀ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸਮਝਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਮੰਨੇ ਨਹੀਂ । ਮੈਂ ਉਮੀਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਰੂਰ ਮੇਰੀ ਗਲ ਸੁਣੋਗੇ ।

Executive Director should always be from amongat the Directors.

ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਇਹ ਕਹਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਹੋਰ ਕੋਈ ਅਫਸਰ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਅਫ਼ਸਰ ਨਹੀਂ ਬਣ ਸਕਦਾ ਸਵਾਏ ਕਿਸੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਦੇ ।

As the matter stands the sub-clause (1) does not govern sub-clause (3) If an Executive Director is appointed from one of the Directors in sub-clause (1) why in sub-clause (3) in the Executive Director, the Governor should not appoint another Director to act in his place.

ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਦਾ ਸ਼ਬਦ ਬਿਲਕੁਲ ਕਲੀਅਰ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਕਲਾਜ਼ ਅਨ-ਐਮਬਿਗੂਅਸ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ ।

Minister For Social Welfare (Dr. Bhagat Singh): Sir, another person as well as the officer of the State Government can fill up the temporary vacancy.

Mr. Speaker : Motion moved—

In sub-clause (3), line 4, for "another person" **substitute** "another Director".

Mr. Speaker : Question is—

In sub-clause (3), line 4, for "another person"; substitute "another person" substitute "another Director"

The motion was lost.

Sardar Umrao Singh : Sir, I beg to move—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Sardar Umrao Singh]

For sub-clause (2) (d), substitute the following :

"(2) (d) receive such salary and allowances and be governed by such terms and conditions of service as may be determined by the Board and approved by the State Government.

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਐਨੀ ਕੁ ਰਿਕੁਐਸਟ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕਲਾਜ਼ ਐਗਜ਼ੈਕਟਿਵ ਅਫਸਰ ਨਾਲ ਰੀਲੇਟ ਕਰਦੀ ਹੈ ।

ਜਿਹੜਾ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਹੈ ਉਹ ਮਹਿਕਮੇ ਦਾ ਅਫਸਰ ਹੈ ਯਾ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਅਫਸਰ ਹੈ । ਉਸ ਨੂੰ ਤਨਖਾਹ ਜੋ ਦੇਣੀ ਹੈ ਉਹ ਮਹਿਕਮੇ ਨੇ ਫਿਕਸ ਕਰਨੀ ਹੈ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੇ ਤਾਂ ਪੁਛਣਾ ਹੀ ਨਹੀਂ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਦਾ ਲਫਜ਼ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਜ਼ਰੂਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਥੇ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਦੇਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਪੰਜਾਬ ਮਾਰਕਿਟਿੰਗ ਬੋਰਡ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਦੀ, ਉਸ ਨੂੰ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਇਕ ਆਰਡਰ ਦੇ ਨਾਲ ਡਿਸਮਿਸ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਪਰ ਹਾਈਕੋਰਟ ਨੇ ਬਹਾਲ ਕਰ ਦਿੱਤਾ । ਇਸੇ ਲਈ ਮੈਂ ਆਪ ਦੀ ਸੇਵਾ ਵਿਚ ਕਹਿ ਰਿਹਾ ਹਾਂ ਕਿ ਚੇਅਰਮੈਨ ਤਕ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਦਾ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਇਖ਼ਤਿਆਰ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸੇ ਲਈ ਮੈਂ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਦਿੱਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਐਪਰੂਵਲ ਬਾਈ ਦੀ ਗਵਰਮੈਂਟ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਬੋਰਡ ਨੂੰ ਸਾਰਾ ਇਖਤਿਆਰ ਹੋਵੇ । ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਮੇਰੀ ਇਸ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨੂੰ ਮੰਨ ਹੀ ਜਾਣਗੇ ।

Mr. Speaker : Motion moved-

For sub-clause (2) (d), **substitute** the following .

"(2) (d) receive such salary and allowances and be governed by such terms and conditions of service as may be dertermined by the Board and approved by the state Government."

Mr. Speaker : Question is...

For sub-clause (2) (d), substitute the following.

"(2))d), rcceive such salary and allowances and be governed by such terms and conditions of service as may be determined by the State Government."

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is...

That Clause 13, as amended, stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 14

Mr. Speaker Question is—

That Clause 14 stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 15

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 15 stand part of the Bill.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

The motion was carried.

CLAUSE 16

Mr. Speaker : There are certain notices of amendments to this Clause.

(No hon. Member rose)

Mr. Speaker : Question is ...

That Clause 16 stand part of the Bill.

The motion was carried,

CLAUSE 17

Mr. Speaker : I have received notices of amendments from the various hon. Members to this Clause.

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I beg to move...

Delete sub-clause (c).

Mr Speaker : Motion moved...

Delete sub-clause (c).

Mr. Speaker : Question is—

Delete sub-clause (c).

The Motion was lost.

Mr. Speaker : Question is...

That Clause 17 stand part cf the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 18

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 18 stand part of the Bill.

The motion was carried,

CLAUSE 19

Mr. Speaker : Question is...

That clause 19 stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 20

Mr. Speaker : There are certain notices of amendments to this Clause.

(No hon. Member rose).

Mr Speaker : Question is...

That Clause 20 stand part of the Bill,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Mr. Speaker]

The Motion was carried.

CLAUSE 21

Minister For Finance : Sir, Clauses 21, 22 and 23 may be put together to the vote of the House.

Mr. Speaker : Question is-

That Clause 21 stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 22

Sardar Gurbanta Singh : Sir, I beg to move...

After the clause, add the following-

"(2) The interest of the loan shall be in accordance with the interest as realised by the Industries Department."

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਕੇਵਲ ਇਤਨੀ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰਾਂ ਤੋਂ ਲੋਨ ਤੇ ਇੰਟਰੈਸਟ 9% ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਦ ਕਿ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਾਲਿਆਂ ਤੋਂ ਢਾਈ ਪਰਸੈਂਟ । ਕਿਤੇ ਅਜਿਹਾ ਨਾ ਹੋਵੇ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਤੋਂ ਵੀ 9% ਤੇ 12% ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਇੰਟਰੈਸਟ ਲਿਆ ਜਾਵੇ । ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਰੀਜਨਾਂ ਤੋਂ 2½% ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਇੰਟਰੈਸਟ ਨਾ ਲਿਆ ਜਾਵੇ । ਇਹ ਇਕ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਤੇ ਠੀਕ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਮੰਨ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।

ਸਮਾਜਕ ਭਲਾਈ ਮੰਤਰੀ : ਮੈਂ ਤਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਇੰਟਰੈਸਟ ਬਹੁਤ ਘਟ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਸ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਵਿਚ ਫਾਈਨੈਂਸ਼ਲ ਇਮਪਲੀਕੇਸ਼ਨ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਗਵਰਨਰ ਦੀ ਪਹਿਲਾਂ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਲੈਣੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਆਊਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਹੈ । (This amendment involves financial implications. It requires prior recommendation of the Governor. It is, therefore, out of order.)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸੋਸ਼ਲ ਵੈਲਫੇਅਰ ਮਨਿਸਟਰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਹ ਐਸ਼ੋਰੈਂਸ ਹੀ ਦੇ ਦੇਣ ਕਿ ਇਹ ਇੰਟਰੈਸਟ ਘਟ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ।

Minister For Social Welfare : Sir, the interest would be the same as charged by the Industries Department on the industrial loans under State Aid to Industries Act.

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਹੁਣੇ ਫਰਮਾਇਆ ਹੈ ਕਿ ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਦੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਲਈ ਗਵਰਨਰ ਦੀ ਪ੍ਰਾਇਰ ਪਰਮਿਸ਼ਨ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਮਨੀ ਬਿਲ ਹੈ । ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਮੈਨੂੰ ਗਾਈਡ ਕਰੋਗੇ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਕਿਸ ਰੂਲ ਥਲੇ ਆਪਣੀ ਰੂਲਿੰਗ ਦਿਤੀ ਹੈ ?

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker : Article 207 of the Consutitution says—

"A Bill or amendment making provision for any of the matters specified in sub-clause (a) to (f) of clause (1) of article 199 shall not be introduced or moved except on the recommendation of the Governor..."

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I will again read out this Article –

"A Bill or amendment making provision for any of the matters specified in sub-clauses (a) to (f) of clause (1) of article 199 shall not be introduced or moved except on the recommendation of the Governor, and a Bill making such provision shall not be introduced in a Legislative Council ;

Provided that no recommendation shall be required under this clause for the moving of an amendment making provision for the reduction or abolition of any tax."

ਜਿਹੜਾ ਆਰਟੀਕਲ 109 ਹੈ ਉਹ ਵੀ ਇਸ ਨੂੰ ਕਵਰ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ।

Mr. Speaker : I am still examining it.

Comrade Satya Pal Dang : Sub-clause (b) of Article 199 relates to the regulation or the borrowing of money or giving of any guarantee

ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੇ ਮਨੀ ਲੈਂਡ ਕਰਨਾ ਹੈ । ਆਰਟੀਕਲ 199 (ਐਫ) ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਗਵਰਨਰ ਦੀ ਕਨਸੈਂਟ ਅਮੈਂਡਮੈਂਡ ਲਈ ਜਾਂ ਬਿਲ ਲਈ ਹੈ । ਪਰ ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਦੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਹੈ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਨੇ ਰੇਟ ਆਫ ਇਨਟਰੈਸਟ ਕੀ ਚਾਰਜ ਕਰਨਾ ਹੈ । 'ਏ' ਅਤੇ 'ਐਫ' ਪੜ੍ਹ ਲਉ ਸਾਬਤ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿ ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਦੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਮੰਨ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।

The amendment is quite in order.

Mr. Speaker : I concede it is in order.

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਇਸ ਦਾ ਇਹ ਮਤਲਬ ਹੋਇਆ ਕਿ ਜੋ ਪਹਿਲਾਂ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਦਿਤੀ ਸੀ ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਨੂੰ ਇਸ ਗਰਾਊਂਡ ਤੇ ਰੂਲ ਆਊਟ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਗਵਰਨਰ ਦੀ ਸੈਂਕਸ਼ਨ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਕੀ ਤੁਹਾਡੀ ਪਹਿਲੀ ਰੂਲਿੰਗ ਗਲਤ ਸੀ ?

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਉਹਦੇ ਵਿਚ ਫਾਈਨੈਂਸ਼ਲ ਇੰਪਲੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਸਨ । (That involved financial implications)

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਕਿਉਂਕਿ ਫਿਨਾਂਨਸ਼ਲ ਇੰਪਲੀਕੇਸ਼ਨਜ਼ ਲਈ ਗਵਰਨਰ ਦੀ ਪਰਾਇਰ ਸੈਂਕਸ਼ਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ, ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਕਹਿ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਇਨ ਆਰਡਰ ਹੈ । ਪਹਿਲਾਂ ਜਿਹੜੀ ਰੂਲਿੰਗ ਸੀ that was against the interpretation which you have given now.

Comrade Satya Pal Dang : Sir, Sub-clause (d) of Article 199 says —

'the appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of the State ,"

As that amendment involved additional expenditure, therefore, it required the sanction of the Governor.

ruoYif rst ruling is correct.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਫੇਰ ਮਾਸਟਰ ਜੀ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਪਰੈਸ ਕਰਨਾ ਹੈ ? (*Addressing Master Gurbanta Singh* : I would like to know whether the hon. Member still wants to press his amendment ?)

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਬੰਤਾ ਸਿੰਘ : ਹਾਂ ਜੀ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਇਤਰਾਜ਼ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । (I think the hon. Minister would have no objection.)

Minister for Social Welfare : Sir, I accept in principle the amendment given notice of by Sardar Gurbanta Singh but its wording needs some modification to make it more clear.

Sardar Gurbanta Singh : Sir, I have no objection to the modification of the wording.

Minister for Social Welfare Sir, the motion, as recast, will read :

After clause 22, add the following proviso :

"Provided that the rate of interest chargeable on such loans shall in no case exceed the rate of interest chargeable on the loans advanced under the Punjab State Aid to Industries Act, 1935."

Mr. Speaker : Motion moved –

After clause 22, add the following proviso :—

"Provided that the rate of interest chargeable on such loans shall in no case exceed the rate of interest chargeable on the loans advanced under the Punjab State Aid to Industries Act, 1935."

Mr. Speaker : Question is—

After clause 22, add the following proviso :

"Provided that the rate of interest chargeable on such loans shall in no case exceed the rate of interest chargeable on the loans advanced under the Punjab State Aid to Industries Act, 1935."

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is –

That Clause 22, as amended, stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 23

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 23 stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 24

Mr. Speaker : Now clause 24 is before the House. Some hon. Members have given notices of amendment to this clause.

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I beg to move—

Delete Sub-clause (6)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Sub-clause (6) of this Clause reads as under :

'For the purpose of recovering any amount due to the Corporation in respect of (a) loan it shall not be necessary to proceed against the principal before proceeding against his surety.

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਜੋ ਹਰੀਜਨਾਂ ਨੇ ਕਰਜ਼ੇ ਲੈਣੇ ਹਨ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਕੋਲੋਂ ਉਹ ਕਿੰਨੀ ਸ਼ੋਅਰਟੀ ਦੇਣ । ਜਸਟਿਸ ਇਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਕਿ (ਵਿਘਨ) ਸ਼ੋਅਰਟੀ ਕੋਲੋਂ ਰਿਕਵਰੀ ਉਦੋਂ ਹੋਵੇ ਜਦੋਂ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਤੋਂ ਪੈਸੇ ਵਸੂਲ ਨਾਂ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹੋਣ, ਜਾਂ ਉਹ ਮਰ ਗਿਆ ਹੋਵੇ, ਜਾਂ ਲਭਦਾ ਨਾਂ ਹੋਵੇ । ਤਿੰਨ ਸੂਰਤਾਂ ਵਿਚ ਸ਼ੋਅਰਟੀ ਕੋਲ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਮੇਰੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਬ-ਕਲਾਜ਼ (6) ਨੂੰ ਡਿਲੀਟ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਜਿਹੜਾ ਵੀ ਜਨਰਲ ਲਾਅ ਹੈ ਉਹ ਆਪਣਾ ਕੋਰਸ ਆਪੇ ਹੀ ਅਪਣਾਵੇਗਾ । ਇਸ ਵਿਚ ਸਪੈਸ਼ਲ ਪਰੋਵੀਜ਼ਨ ਰਖਣ ਦੀ ਕੀ ਲੋੜ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਸਪੈਸ਼ਲ ਪਰੋਵੀਜ਼ਨ ਨਾਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਇਹ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ੋਅਰਟੀ ਲੈਣ ਵਿਚ ਦਿੱਕਤ ਪੈਦਾ ਕਰੇਗੀ ।

Mr. Speaker : Motion moved-

Delete sub-clause (6)

Mr. Speaker : Question is...

Delete sub-clause (6)

The motion was lost.

Mr. Speaker : Question is–

That Clause 24 stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 25

Mr. Speaker : Question is–

That clause 25 stand part of the Bill.

The Motion was carried.

CLAUSE 26

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 26 stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 27

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I have given notices of amendments to this Clause. I first move amendment No. 11.

At the end of Sub-Clause (4) add the following :-

Every such report shall be laid by the Government on the Table of the Vidhan Sabha annually and as soon as may be.

ਜਿਹੜੀ ਰਿਪੋਰਟ ਐਡੀਟਰ ਦੀ ਹੋਵੇ ਉਹ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਐਨੂਅਲੀ ਜਾਂ ਐਜ਼ ਸੂਨ ਐਜ਼ ਮੇ ਬੀ, ਰਖ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ, ਮੇਰੇ ਖਿਆਲ ਵਿਚ ਡਾਕਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਨੂੰ ਮੰਨ ਲੈਣਗੇ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digit
Panjab Digital Library

Mr. Speaker : Motion moved-

At the end of Sub-Clause (4) add the following :—

Every such report shall be laid by the Govt. on the Table of the Vidhan Sabha annually and as soon as may be.

ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਪਾਂਧੀ : ਮੇਰੀ ਵੀ ਇਕ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਸੀ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ (ਵਿਘਨ)

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I moved my amendment with your permission. In point of time notices of my amendments had been given much ahead of the notice of amendment of Shri Pandhi.

Sardar Dalip Singh Pandhi ; I beg to move-

After sub-clause (5), add the following sub-clause :

"(6) Copies of the reports referred to in sub-sections (4) and (5) shall be laid by the State Government, as soon as may be, before the Legislature of the State."

Mr. Speaker : Motion moved—

After sub-clause (5), add the following sub-clause : -

"(6) Copies of the reports referred to in sub-sections (4) and (5) shall be laid by the. State Government, as soon as may be, before the Legislature of the State."

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਮੈਂ ਕਲਾਜ਼ 27 ਦੀ ਸਬ ਕਲਾਜ਼ 4 ਅਤੇ 5 ਤੇ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟਸ ਦਿਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਮੂਵ ਕੀਤੀ ਹੈ । (You have moved only one amendment.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤ ਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਮੈਂ ਵਾਰੀ ਵਾਰੀ ਕਰਾਂਗਾ । ਤੁਹਾਡਾ ਪਹਿਲਾਂ ਪਰੋਸੀਜਰ ਹੁੰਦਾ ਸੀ ਕਿ ਇਕ ਇਕ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨੂੰ ਡਿਸਾਈਡ ਕਰੋ ਹੁਣ ਪਾਂਧੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਰੌਲਾ ਪਾਇਆ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਪਰੋਸੀਜਰ ਬਦਲ ਲਿਆ ਹੈ ।

Mr. Speaker : Question is-

At the end of Sub-clause (4) add the following :—

"Every such report shall be laid by the Govt on the Table of the Vidhan Sabha annually and as soon as may be.

The motion was lost.

Mr. Speaker : Mr. Dang, would you move your second amendment ?

Comrade Satya Pal Dang : Yes Sir.

I beg to move—

At the end of sub-clause (5), add the following :

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

"Every such report of the Accountant General shall be laid on the Table of the House by the State Government as soon as may be."

Mr. Speaker : Motion moved—

At the end of sub-clause (5), add the following :-

"Every such report of the Accountant General shall be laid on the Table of the House by the State Government as soon as may be."

Minister for Social Welfare Dr. Bhagat Singh) : On a point of order, Mr. Speaker. Sir, we accept the amendment moved by Mr. Pandhi which is similar to the one moved by Mr. Dang. In view of this I hope Mr. Dang would withdraw his amendment.

Captain Rattan Singh : On a point of order, Mr. Speaker. If the Govt. is touchy, I would request Mr. Dang to with-draw his amendment.

Comrade Satya Pal Dang : Sir, I withdraw amendment No. 12 which stands in my name.

Mr. Speaker : Is it the pleasure of the House ?

Voices : Yes, Yes.

The amendment was, by leave of the House, withdrawn.

Mr. Speaker : Question is—

After sub-clause (5), add the following sub-clause : -

"(6) Copies of the reports referred to in sub-sections (4) and (5) shall be laid by the State Government, as soon as may be, before the Legislature of the State."

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is...

That clause 27, as amendment, stand part of the Bill.

The motion was carried.

Voices : Since there are no amendments to clauses 28 and 29, these may be put together.

CLAUSE 28 and 29

Mr. Speaker : Question is-

That Clauses 28 and 29 stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 30

Mr. Speaker : Question is-

Tnat clause 30 stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 31

Mr. Speaker : Question is-

That Clause 31 and part of the Bill.

The Motion was carried.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Mr. Speaker]

CLAUSE 32

Mr. Speaker : Question is ...

That Clause 32 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Voices : Since there are no amendments to clauses 33 and 34, these may be put together.

CLAUSES 33 and 34

Mr Speaker : Question is...

That Clauses 33 and 34 stand part of the Bill.

The motion was carried,

CLAUSE 35

Mr. Speaker : Now clause 35 is before the House. There is amendment No. 53 to this clause which stands in the name of Mr. Dalip Singh Pandhi.

Sardar Dalip Singh Pandhi : Sir, I beg to move-

Delete sub-clause (2) (b)

Mr. Speaker : Motion moved—

Delete sub-clause (2) (b)

Mr. Speaker : Question is...

Delete sub-clause (2) (b)

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is—

That clause 35, as amended, stand part of the Bill.

The motion was carried,

CLAUSE 1

Mr. Speaker : Question is...

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

TITLE

Mr. Speaker : Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Minister for Social Welfare (Dr. Bhagat Singh): Sir, I beg to move-

That the Punjab Scheduled Castes Land Development and Finance Corporation Bill, as amended be passed.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Mr. Speaker : Motion moved–

That the Punjab Scheduled Castes Land Development and Finance Corporation Bill, as amended, be passed.

Mr. Speaker : Question is–

That the Punjab Scheduled Castes Land Development and Finance Corporation Bill, as amended, be passed.

The motion was carried.

MOTION FOR THE APPOINTMENT OF A COMMITTEE OF THE HOUSE (RESUMPTION)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਹੈ ਕਿ ਕੱਲ ਦੀ ਇਕ ਮੋਸ਼ਨ ਪਈ ਹੈ, ਸਵੇਰ ਦੀ ਵੀ ਮੇਰੀ ਮੋਸ਼ਨ ਹੈ। ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਅਸ਼ੋਰੇਂਸ ਦਿਤੀ ਸੀ ਉਸ ਦੀ ਬਿਨਾ ਤੇ ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ......(ਵਿਘਨ)

ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੇ ਕੱਲ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਇਕ ਦੂਸਰੇ ਤੇ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਲਾਏ ਸਨ ਉਸ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਸਹਿਮਤ ਹਾਂ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ। (ਥੰਪਿੰਗ) ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਜਿਹੜੇ ਮੈਂਬਰ ਬਣਾਉਣੇ ਹਨ ਉਹ ਤੁਸੀਂ ਨੋਮੀਨੇਟ ਕਰ ਦਿਓ, ਮੈਂ ਇਸ ਨਾਲ ਪੂਰਾ ਸਹਿਮਤ ਹਾਂ।

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਲੀਡਰ ਆਫ਼ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੇ ਸਚ ਮੁਚ ਇਕ ਡੈਮੋਕਰੇਟਿਕ ਫੰਕਸ਼ਨਿੰਗ ਦਾ ਸਬੂਤ ਦਿਤਾ ਹੈ ਔਰ ਹਾਊਸ ਦੀ ਸੁਪਰੀਮੇਸੀ ਨੂੰ ਐਕਸੈਪਟ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਕ ਬੜੀ ਚੰਗੀ ਰਵਾਇਤ ਕਾਇਮ ਕੀਤੀ ਹੈ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦਾ, ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਇਹਤਰਾਮ ਕਰਦਿਆਂ ਹੋਇਆਂ ਇਹ ਐਕਸੈਪਟ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ਜਿਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਅਧਿਕਾਰ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਪਾਰਟੀ ਵਲੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜੋ ਤਜਵੀਜ਼ ਦਿਤੀ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਪੁਰ ਜ਼ੋਰ ਤਾਈਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜੋ ਤੁਹਾਨੂੰ ਅਧਿਕਾਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਜਿਹੜੇ ਮੈਂਬਰ ਨੋਮੀਨੇਟ ਕਰਨੇ ਹਨ ਉਹ ਕਰ ਦਿਓ ਉਸ ਨਾਲ ਮੈਂ ਪੂਰਾ ਸਹਿਮਤ ਹਾਂ। (ਥੰਪਿੰਗ) (ਵਿਘਨ)

Comrade Satya Pal Dang : Sir, we are all giving you in writing.

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਸਿਰਫ ਇਕ ਗਲ ਐਡ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ, ਸ਼ਾਇਦ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਭੁਲ ਗਏ ਹਨ। ਉਹ ਮੋਸ਼ਨ ਜਿਹੜੀ ਕੱਲ ਮੂਵ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਜਿਹੜੇ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਔਰ ਕਾਊਂਟਰ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਜ਼ਿਕਰ ਹੈ। ਲੇਕਿਨ ਉਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ 15 ਦਿਨਾਂ ਦਾ ਟਾਈਮ ਹੋਰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਔਰ ਇਹ ਸਜਣ ਲਿਖ ਕੇ ਦੇ ਦੇਣ ਤਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਕਮੇਟੀ ਤੁਸੀਂ ਐਪੁਆਇੰਟ ਕਰਨੀ ਹੈ ਉਹ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਿਖ ਕੇ ਭੇਜੇ ਹੋਏ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਨੂੰ ਵੀ ਦੇਖੇ ਔਰ ਇਹ ਸਾਰੀ ਰਿਪੋਰਟ ਦੇਖ ਕੇ ਭੇਜੇ। (ਵਿਘਨ)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੋ ਅਸੀਂ ਲਿਖ ਕੇ ਦੇਣਾ ਹੈ ਉਹ ਹਾਊਸ ਦੀ ਪਰਾਪਰਟੀ ਨਹੀਂ। ਜਿਹੜੇ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਲਗਾਏ ਗਏ ਹਨ ਉਹ ਪ੍ਰੋਸੀਡਿੰਗਜ਼ ਵਿਚ ਦਰਜ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬੇਸਿਜ਼ ਤੇ ਤੁਸੀਂ ਸਾਰਾ ਕੁਝ ਕਰੋ (ਵਿਘਨ) ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਪਿਛੋਂ ਇਹ ਲਿਖ ਕੇ ਦੇਣ ਜਾਂ ਨਾ ਦੇਣ। (ਵਿਘਨ)

चौधरी बलबीर सिंह : स्पीकर साहिब, जो सरदार क्रिपाल सिंह जी ने कहा है मैं उस को सर्पोट करता हूं। (विघ्न) इस हाऊस में कुछ एक दूसरे के खिलाफ एलीगेशनज़ लगाए गये हैं जिस के बारे में एक कमेटी बनाने के लिए मोशन पेश की गई और उस पर काफी विचार हुआ। और उस विचार के बाद चीफ मिनिस्टर साहिब ने मान लिया है कि एक कमेटी बना दी जाए और इस की जिम्मेदारी आप पर छोड़ दी है कि आप जिन मैंबर साहिबान को चाहें नोमीनेट करें। (विघ्न) मेरी अर्ज है कि दोनों पार्टियों की तरफ से जो कुछ कहा गया है वह लाज़मी तौर पर आप के पास पहुंच चुका होगा। उस की बिना पर सब कुछ किया जाए। (विघ्न)

Sardar Umrao Singh : Mr. Speaker, Sir, in view of the assurance given by the hon. Chiet Minister, the motion given y me be considered as withdrawn.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਦਾ ਵਿਚਾਰ ਹੈ ਕਿ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣ ਦੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਮੇਰੇ ਤੇ ਪਾਈ ਜਾਵੇ, ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕਈ ਡਿਫੀਕਲਟੀਜ਼ ਹਨ। ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਰੂਲਜ਼ ਆਫ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਦਾ ਸਬੰਧ ਹੈ ਹਾਲੇ ਵੀ ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਉਸ ਨੂੰ ਕਨਕਰੀਟ ਫਾਰਮ ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਤਕ ਨਾ ਲਿਆਂਦਾ ਜਾਵੇ ਉਦੋਂ ਤਕ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ। ਕੁਝ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਲੀਡਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਦੇ ਨਾਲ ਵੀ ਮੇਰੇ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਇਸ ਬਾਰੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋਈ ਸੀ। ਉਸ ਵੇਲੇ ਵੀ ਮੈਂ ਪੁਆਇੰਟ ਆਊਟ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰਲ ਡਿਫੀਕਲਟੀਜ਼ ਹੋਣਗੀਆਂ। (ਵਿਘਨ) ਨਾਵਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਜਦੋਂ ਮੈਂ ਨਾਮ ਲੈਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਉਸ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਹਿਮਤੀ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਇਹ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਬੜੀ ਮਹਾਨ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਮੇਰੇ ਤੇ ਪਾਉਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਇਹ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਆਪਣੇ ਤੇ ਪਾਉਂਦੇ। ਮੈਂ ਇਹ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਆਪਣੇ ਤੇ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਆਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਾਊਸ ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਤੋਂ ਮਾਫ ਕਰੇਗਾ। (There are many difficulties involved in the proposal of the House that the rsepcnsibility for constituting a Committee be placed on my shoulders. This Motion is still not in accordance with the rules of the House. Until and unless the Motion is brought forward in a concrete form, it will not be in order. When I had discussed this Motion with the various group leaders in my Chamber, I had pointed out that there were many procedural difficulties involved in this. (Interruption) When I proposed the names of certain hon. Members for this Committee, they did not agree with me. It is a heavy responsibility and I think that this should be borne by the hon. Members themselves through a resolution

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

passed in the House. I am sorry I am unable to take this responsibility on myself alone and I hope the House will excuse me)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਬੜਾ ਗੰਭੀਰ ਮਸਲਾ ਹੈ । ਜਦੋਂ ਤੁਹਾਡੇ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੀਟਿੰਗ ਹੋਈ ਸੀ ਤਾਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੋ ਸਕਿਆ । ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਗੌਰਮਿੰਟ ਵਲੋਂ ਐਗਰੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕੀਤਾ । (ਵਿਘਨ) ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੋਸ਼ਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਫ਼ਰਮਾਇਆ ਸੀ ਕਿ ਇਥੇ ਬੈਠ ਕੇ ਜੋ ਟੈਕਨੀਕਲ ਗਲਾਂ ਹਨ ਅਸੀ ਦੂਰ ਕਰ ਲਵਾਂਗੇ । ਜਦੋਂ ਅਸੀ ਤੁਹਾਡੇ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਪੰਹੁਚੇ ਤਾਂ ਗੌਰਮਿੰਟ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਸੀ ਹੁੰਦੀ । ਅਸੀਂ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਓ, ਤੁਸੀਂ ਨੋਮੀਨੇਟ ਕਰਨ ਦੀ ਪਾਵਰ ਮੰਨੋ ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਨਹੀਂ ਮੰਨੇ । ਮੈਂ ਹੁਣ ਵੀ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਅਤੇ ਇਹ ਹਰ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਲੀਡਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਬਹੁਤ ਵਡੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ ਔਰ ਤੁਸੀਂ ਬਹੁਤ ਵਡੇ ਔਹਦੇ ਤੇ ਬੈਠੇ ਹੋ ਔਰ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਨੂੰ ਨਿਭਾਓ । ਅਗਰ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਰਿਸਪਾਂਸੀਬਿਲਟੀ ਲੈਣ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਚੀਫ਼ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਕੀ ਪ੍ਰੋਪੋਜ਼ਲ ਸੀ ਉਹ ਸਾਨੂੰ ਦਸ ਦਿਓ । ਸਾਡੀ ਜਿਹੜੀ ਮੋਸ਼ਨ ਹੈ ਉਹ ਅਸੀਂ ਪਰੈਸ ਕਰਾਂਗੇ । (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਕਰਕੇ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਗਲ ਲਈ ਕਿ ਕੋਈ ਡਿਫੀਕਲਟੀ ਹੋਵੇਗੀ, ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਨਹੀਂ ਲੈਂਦੇ ਤਾਂ ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਨਹੀਂ । ਇਥੇ ਸੀਰੀਅਸ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨ ਲਗੇ ਹਨ । There was an effort on both the sides of the House not to withdraw them. ਕੈਬਨਿਟ ਮਿਨਿਸਟਰ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਕਰਦੇ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) ਜੇ ਕੋਈ ਲਿਖ ਕੇ ਨਾ ਦੇਵੇ ਤਾਂ ਜੋ ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰੋਸੀਡਿੰਗਜ਼ ਵਿਚ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਲਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬਿਨਾਂ ਤੇ ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਨੂੰ ਅੱਜ ਬਦਕਿਸਮਤੀ ਨਾਲ ਕੁਝ ਕਰੜੀਆਂ ਗਲਾਂ ਕਹਿਣੀਆਂ ਪੈਣਗੀਆਂ, ਜਿੱਸ ਦਾ ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲੋਂ ਖਿਮਾਂ ਦਾ ਜਾਚਕ ਹਾਂ । ਤੁਸੀਂ ਸਵੇਰੇ ਇਕ ਰੂਲਿੰਗ ਦਿਤੀ ਔਰ ਰੂਲਿੰਗ ਦੇ ਬਾਦ ਮੈਂਬਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਬੋਲਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ । ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਪ੍ਰੈਸ਼ਰ ਅਗੇ succumb ਕਰ ਗਏ । ਪਹਿਲੇ ਰੂਲਿੰਗ ਦੇ ਕੇ ਮੋਸ਼ਨ ਨੂੰ ਆਊਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਕਰਾਰ ਦਿਤਾ । ਉਸ ਵੇਲੇ ਆਪ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੇਕਰ ਹਾਊਸ ਕਮੇਟੀ ਬਨਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਸੁਪਰੀਮ ਹੈ, ਮੈਂ ਸਿਰ ਝੁਕਾਂਦਾ ਹਾਂ, ਕਿਉਂਕਿ ਸਾਰੇ ਮੁਤਫ਼ਿਕਾ ਤੌਰ ਤੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਦ ਤੁਸੀਂ ਸਵੇਰੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੇਕਰ ਹਾਊਸ ਮੁਤਫ਼ਿਕਾ ਤੌਰ ਤੇ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਿਰ ਝੁਕਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਅਤੇ ਇਹ ਆਪ ਨੇ ਰੂਲਿੰਗ ਦੇ ਦਿਤੀ ਤਾਂ ਹੁਣ ਵੀ ਤੁਹਾਨੂੰ ਹਾਊਸ ਅਗੇ ਸਿਰ ਝੁਕਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਹਾਨੂੰ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਨਿਭਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਸੁਪਰੀਮ ਸਮਝਦੇ ਹੋ । ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜੋ ਗਲ ਸਾਰਿਆਂ ਨੇ ਮੁਤਫ਼ਿਕਾ ਤੌਰ ਤੇ ਕਹੀ ਹੈ ਉਹ ਮੰਨ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਚੈਂਬਰ ਵਿਚ ਸਾਰੀਆਂ ਗਲਾਂ ਹੋਈਆਂ ਸਨ ਤਾਂ ਮੈਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਵੀ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਕੰਮਪਲੀਕੇਸ਼ਨ ਹਨ । ਇਸ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਵੀ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਸਮਝ ਸਕੇ । ਜੇਕਰ ਅੱਜ ਉਸ ਦੇ ਵਿਚ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ]

ਇਨਕੁਆਇਰੀ ਹੋ ਗਈ ਤਾਂ ਸਾਰੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਮੇਰੇ ਤੇ ਸੁਟਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਇਨ ਅਕਾਰਡੈਂਸ ਵਿਦ ਦੀ ਰੂਲਜ਼ ਕਰ ਦਿਉ । ਕੋਈ ਕੰਨਕਰੀਟ ਮੋਸ਼ਨ ਲੈ ਆਓ । ਜਿਹੜੀ ਸਵੇਰੇ ਮੋਸ਼ਨ ਲਿਆਂਦੀ ਗਈ ਸੀ, ਉਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਸੀ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਉਹ ਰੂਲਜ਼ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਸੀ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਉਸ ਵੇਲੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਦੋਬਾਰਾ ਕੋਈ ਕੰਨਕਰੀਟ ਅਤੇ ਇਨ ਅਕਾਰਡੈਂਸ ਵਿਦ ਦੀ ਰੂਲਜ਼ ਮੋਸ਼ਨ ਲੈ ਆਓ, ਪਰ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਹੁਣ ਤਕ ਕੋਈ ਐਸੀ ਮੋਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਲਿਆਏ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰੂਲਜ਼ ਦੀ ਉਲੰਘਣਾ ਕਰਕੇ ਮੇਰੇ ਤੇ ਕੋਈ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਸੁਟੀ ਜਾਏ ਤਾਂ ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ । (I may point out that at the time when this matter was discussed in my Chamber I had pointed out that there were a lot of complications involved in it. We could not completely comprehend these complications at that time. If an enquiry is instituted in the heat of the moment, then the whole responsibility would fall upon me. It would, therefore, be better if all this is done in accordance with the rules. Please bring some concrete motion. The motion given notice of in the morning was not in accordance with the rules. That is why I had asked you at that time to bring a fresh concrete notice which might be in accordance with the rules, but you have not done it so far. It would not be proper to cast this responsibility upon me by infringing the rules.)

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरी बात यह है कि आपने जो यह बात कही कि हाऊस सारी ज़िम्मेवारी आपको देता है, आपको कौनसी ज़िम्मेवारी दी है। आपने तो कमेटी ऐप्वॉयन्ट करनी है और that Committee shall go into charges levelled by both the parties.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ, ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦੀ ਟਰਮਜ਼ ਆਫ ਰੈਫਰੈਂਸ ਅਤੇ ਸਕੋਪ ਕੀ ਹੋਵੇਗਾ ? (I would like to know the terms of reference and scope of the Committee.)

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह तो वह कमेटी ही सोचेगी। मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि जो लीडर आफ दी हाऊस हैं, उन्होंने इस हाऊस के जज़बात का एहतराम करते हुए हाऊस की बात मान ली है। वह इस कमेटी को बनाने के लिये तैयार है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि आपने लीडर आफ दी हाऊस के साथ मिल कर इस बात को टालने की कोशिश की है ? अगर ऐसा है तो यह बुरी बात है, यह कोई ठीक बात नहीं है। इसके बारे में आप ने कोई कंक्रीट बात नहीं की। आपने तो कमेटी के मैम्बरों को सिर्फ नोमीनेट करना है और उस कमेटी ने इलज़ामात की छानबीन करनी है। ऐसा लगता है कि अब इस से पीछे हटने का आपने कोई रास्ता निकाल लिया है। मैं पूछना चाहता हूं कि अगर कोई ऐसी बात पहले थी, तो मेजर साहिब ने और हम ने भी जो आपको मुबारकबाद दी थी, और और भी कुछ बातें की थीं वह सब किधर जायेंगी ? यह तो एक आप ने

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

रास्ता बताया है कि जिससे सरकारी पार्टी वाले या वे लोग जो सरकार से बाहर आये हैं, वे बैक डोर से निकल जाएं। यह बात ठीक नहीं है। (विघ्न)

Captain Rattan Singh : On a point of order, Sir. Rule 226 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly is very clear. It reads—

> The members of a Committee of the Assembly shall be appointed by the Assembly on a motion made, or nominated by the Speaker, as the case may be.

Mr. Speaker : This Rule is applicable to the Committees which are provided for in these Rules.

Captain Rattan Singh : The words are "Committee of the Assembly...on a motion made". One motion has been withdrawn. There is another motion. I do not know whether it is in order or not. Therefore, the only alternative is that recourse should be taken to the words 'or nominated by the Speaker'.

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਤੁਹਾਡੀ ਜਿਹੜੀ ਰਾਏ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੇ ਇਹ ਕੀਤਾ ਹੈ; ਤੁਸੀਂ ਕਮੇਟੀ ਨੌਮੀਨੇਟ ਕਰ ਦਿਉ। ਇਹ ਰੂਲਜ਼ ਐਂਡ ਰੇਗੂਲੇਸ਼ਨਜ਼ ਦੇ ਅੰਦਰ ਕਵਰ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ। ਜੇ ਤੁਸੀਂ ... (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : For 'appointed committees', a motion is to be moved and that motion should be precise, perfect and self-contained.

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਕਿਹੜਾ ਰੂਲ ਹੈ ? ਰੂਲ 226 ਵਿੱਚ ਤਾਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਵੀ ਨਹੀਂ ਲਿਖਿਆ ਹੈ।

Mr. Speaker : In this particular Rule, the words are—

'—on a motion made—'

What for that motion should be has also been provided in these Rules. Rule 196 (a) says—

> 'it shall be clearly and precisely expressed, and shall raise substantially one definite issue.

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਰੂਲ 196 ਤੁਸੀ ਫ਼ਰਮਾਇਆ ਹੈ, ਇਹ ਤਾਂ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਬਾਰੇ ਹੈ। ਮੋਸ਼ਨ ਬਾਰੇ ਨਹੀਂ।

Mr. Speaker : 'Motion' includes 'Resolution'.

Captain Rattan Singh : I will read out Rule 196. It says—

> In order that a resolution may be admissible, it shall satisfy the following conditions,......

This Rule clearly relates to 'Resolutions'.

Mr. Speaker : I would request the hon. Deputy Leader of the

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Mr. Speaker]

Opposition to refer to the definition of 'Motion', at page 3 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly.

Captain Rattan Singh : I shall read out this definition—

> "Motion" means the statement of a matter or proposal brought forward by a member for consideration of the Assembly and includes a resolution and an amendment.

It relates to a matter in regard to which no rule has specifically been provided. One rule cannot over-ride another rule. Rule 226 is regarding the appointment of a Committee of the Assembly. This Rule cannot over-ride the other Rule. It can, of course, clarify, but it cannot over-ride.

My submission, Sir, is that you have the power. If you do not want to exercise that power, I cannot force you. There are other difficulties and I can understand those.

Mr. Speaker : I can nominate such Committees which have been specifically provided for in the Rules of Procedure and Conduct o Business in the Punjab Legislative Assembly.

Captain Rattan Singh : I shall again read out Rule 226 :

> 'The members of a Committee of the Assembly shall be appointed by the Assembly on a motion made ... ...

Mr. Speaker. What are the requirements o such a motion ?

Captain Rattan Singh : There were two motions out of which one was not in order. You thought that the other motion was in order.

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਬਹੁਤੀ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ਜਾਣਦਾ, ਜਿੰਨੀ ਮੈਂ ਜਾਣਦਾ ਹਾਂ ਉਸਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਵਿੱਚ ਤੁਹਾਨੂੰ ਪਾਵਰਜ਼ ਦਿਤੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਜੇ ਕਹੋ ਤਾਂ ਮੈਂ ਆਹਿਸਤਾ ਆਹਿਸਤਾ ਪੜ੍ਹ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ...(ਵਿਘਨ) ।

You do not want to exercise those powers. I can understand it. I know your fears. I know there are lot of implications. I know that. But, Sir, you are occupying a very high office and you must face the music some time.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਕੈਪਟਨ ਸਾਹਿਬ, ਨੇ ਰੂਲ 226 ਪੜ੍ਹਿਆ ਹੈ । ਪਰ ਉਸ ਨਾਲ ਆਪ ਐਗਰੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਰੂਲ ਬਿਲਕੁਲ ਐਪਲੀਕੇਬਲ ਹੈ । ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਮੋਸ਼ਨ ਹੋਈ ਹੈ...

Mr. Speaker : Am I empowered under the Rules ?

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਦੱਸਣ ਲਗਾਂ ਹਾਂ ਜੀ । ਅਗਰ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਇਕ ਮੋਸ਼ਨ ਮੂਵ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਆਪ ਉਸ ਨੂੰ ਐਕਸੈਪਟ ਕਰਨ ਲਈ ਬਾਊਂਡ ਹੋ । ਆਪ ਦੀ ਪੋਜ਼ੀਸ਼ਨ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਮੋਸ਼ਨ ਮੂਵ ਕੀਤੀ ਹੈ...(ਵਿਘਨ) ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਰੂਲ 226 ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਆਪ ਨੂੰ ਪਾਵਰ ਨਹੀਂ ਹੈ ਪਰ ਆਪ ਨੂੰ ਪਾਵਰ ਤਾਂ ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਦਿੰਦੀ ਹੈ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਜੋ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਮੂਵ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਕ ਡੈਫਿਨਿਟ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਮੂਵ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚ ਆਪ ਨੂੰ ਹਾਊਸ ਦੀ ਤਰਫੋਂ ਇਖਤਿਆਰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਆਪ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਨਾਮਜ਼ਦ ਕਰੋ । ਉਹ ਕਮੇਟੀ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਨੂੰ ਦੇਖੇਗੀ ਅਤੇ ਰਿਪੋਰਟ ਦੇਵੇਗੀ ...

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜਿਹੜੀ ਮੋਸ਼ਨ ਆਵੇ ਉਹ ਸਪੈਸੇਫਿਕ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । (The motion that is given notice of should be specific.)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਅਗਰ ਇਹ ਅਸੂਲ ਮੰਨ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਇਸ ਨੂੰ ਸਪੈਸੇਫਿਕ ਕਰ ਦੇਣਗੇ ।

Mr. Speaker : If such a Committee is desired to be constituted it would be proper if a resolution incorporating the names of the Members who should be on the Committee, its terms of reference and the date by which it is expected to make the report to the House is brought before the House.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਮੋਸ਼ਨ ਵਿਚ ਟਰਮਜ਼ ਆਫ ਰੇਫਰੈਂਸ ਹੋਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ, ਨਾਮ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਕਨਸੈਂਟ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਠੀਕ ਹੈ । ਪਰ ਆਪ ਨੇ ਕਿਹਾ ਆਪ ਨੂੰ ਪਾਵਰ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਪਰ ਆਪ ਨੂੰ ਇਹ ਪਾਵਰ ਤਾਂ ਮਿਲ ਗਈ ਜਦੋਂ ਆਪ ਨੇ ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਐਕਸੈਪਟ ਕਰ ਲਈ । ਉਸ ਮੋਸ਼ਨ ਨੂੰ ਮਾਡੀਫਾਈ ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ, ਉਸ ਵਿਚ ਟਰਮਜ਼ ਆਫ ਰੈਫਰੈਂਸ ਆ ਜਾਣਗੀਆਂ ਅਤੇ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਫੰਕਸ਼ਨ ਵੀ ਉਸ ਵਿਚ ਇਨਕਲੂਡ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ । ਸਵਾਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਅਗਰ ਹਾਊਸ ਨੇ ਆਪ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕੀ ਆਪ ਨੇ ਜ਼ਿੰਮੇਦਾਰੀ ਲੈਣੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ । ਇਹ ਮੋਸ਼ਨ ਮੂਵ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਰੈਜ਼ੋਲਿਊਸ਼ਨ ਦੀ ਟਰਮ ਦੇ ਥਲੇ ਆ ਗਈ ਹੈ, ਇਹ ਆਪ ਨੂੰ ਐਕਸੈਪਟ ਕਰਨੀ ਪਏਗੀ ਲੇਕਿਨ ਅਗਰ ਫਿਰ ਵੀ ਆਪ ਐਕਸੈਪਟ ਨਹੀਂ ਕਰੋਗੇ ਤਾਂ ਇਹ ਡਿਫਰੈਂਟ ਗਲ ਹੋਵੇਗੀ ।

Chaudhri Balbir Singh : Sir, sub-rule i) of Rule 226 says-

> "The members of a Committee of the Assembly shall be appointed by the Assembly on a motion made, or nominated by the Speaker, as the case may be.

Then, Sir, I would draw your attention to the definition of 'Motion' given at page 3. It reads-

> "Motion" means the statement of a matter or proposal brought forward by a member for consideration of the Assembly and includes a resolution and an amendment."

यह ज़रुरी नहीं है कि हम ने आप को लिख कर ही देना है, अगर कोई मैम्बर मोशन मूव करता है, तो वह मोशन है । यहां मूव किया गया कि इस हाऊस की एक कमेटी बनाई जाए और स्पीकर साहिब को आथोराइज़ कर दिया कि वह कमेटी नोमीनेट कर दें । यह कहां लिखा है कि आप कमेटी नोमीनेट नहीं कर सकते । यह एक डैफिनिट मोशन है कि

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[चौधरी बलबीर सिंह]

स्पीकर साहिब एक कमेटी नौमीनेट कर दें जो यहाँ पर लगाये गए चार्जिज और काऊन्टर चार्जिज के बारे में अपना फैसला दे। इस मोशन को लीडर आफ हाऊस ने मान लिया है, सारा हाऊस इस बारे में युनानीमस है। इससे भागने के लिए अगर कोई और रास्ता तलाश किया जाए तो यह ठीक नहीं होगा। यह बात हो गई, लोगों ने तालियाँ बजा लीं, तो अब कमेटी से निकलने का कोई रास्ता नहीं है। रूल 226 किधर है और रूल्ज को ससपैंड भी किया जा सकता है। अगर लोगों की भावनाओं के मुताबिक आप ने किसी मोशन को ठीक करना हो तो वह आप कर सकते हैं। आप को इन्हरैंट पावर है, आप का दफ्तर गलती को ठीक कर देता है। स्पैसेफिक मोशन है। (विघ्न)

Sirdar Kapur Singh : Mr. Speaker, I make a short statement. We have been discussing Rules and after what has been said here it seems plain to most of us that although rules may not be clear to empower you to nominate a Committee in terms of the motion which has been moved by the Leader of the House but it is obvious to all of us that no where the rules prohibit you from appointing such a Committee.

Secondly, let us look from a broader aspect of the matter. Rules are there for guidance and for control of the business of the House. Rules are there to carry out the pleasure of the House. You, Sir, many a times have said, you have announced here, that you are the servant of the House. Of course, we consider you the master of the House. Now that the House unanimously want the 'servant of the House' to take certain action even if the rules are against it, the rules can be suspended. The pleasure of the House must be carried out. This is your duty. You cannot get out of it by any rigmarole or by some other excuse.

ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਨੇ ਜੋ ਕਮੇਟੀ ਬਨਾਉਣੀ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਬਾਬੂ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰਨਾ। ਬਾਬੂ ਆਤਮਾ ਸਿੰਘ ਹੋਰਾਂ ਨੂੰ ਸ਼੍ਰੋਮਣੀ ਗੁਰਦੁਆਰਾ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਕੜੇ ਦਿਤੇ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਧੇ ਵੰਡੇ ਹਨ, ਅੱਧੇ ਇਹ ਖਾ ਗਏ ਹਨ। ਸਰਦਾਰ ਰਵੇਲ ਸਿੰਘ ਦਵਾਈਆਂ ਖਾ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਸਰਦਾਰ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ ਨੇ ਜਾਲ੍ਹੀ ਕਲੇਮ ਬਣਾ ਬਣਾ ਕੇ ਜ਼ਮੀਨ ਅਤੇ ਪੈਸਾ ਬਣਾਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਕਰ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵੀ ਨਾਲ ਹੀ ਇਨਕਵਾਰੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਜੋ ਕਮੇਟੀ ਬਣੇ ਉਸ ਵਿਚੋਂ ਇਹ ਨਿਕਲ ਨਾ ਜਾਣ।

चौधरी बलबीर सिंह : व्यवस्था का प्रश्न। अभी जिन मैंबर साहिब ने व्यवस्था का प्रश्न उठाया था वह व्यवस्था का प्रश्न नहीं था, उन्होंने तो और चार्जिज लगाऐ हैं। इन की इन्क्वायरी भी वह कमेटी कर ले। यह प्वांयट आफ आर्डर नहीं था। अगर हाऊस की कमेटी भी नहीं मानते तो हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के जज द्वारा इन्क्वायरी ही मान लें फिर देखेंगे पीछे से निकलने के लिये और कौन सा रास्ता तलाश करेंगे। इस बात को लाइटली न लिया जाए। अगर हाउस की कमेटी से पीछे हटते हैं तो हट जाएँ लेकिन सरकार सारे चार्जिज की इन्क्वायरी, कमिशन आफ इन्क्वायरी के अन्डर करे। आप जिम्मेवारी लेने

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

की कोशिश करें अगर सारा हाउस इस बारे में युनानीमस हो तो आप जिम्मेदारी लेने से कैसे इन्कार कर सकते हैं ।

ਵਿੱਤ ਮੰਤਰੀ (ਸਰਦਾਰ ਬਲਵੰਤ ਸਿੰਘ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਡੈਮੋਕਰੈਟਿਕ ਟਰੈਡੀਸ਼ਨਜ਼ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਆਪ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇਕ ਗੱਲ ਕਹੀ ਸੀ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਕ ਸਬ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ਜੋ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋ ਤਿੰਨ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਇਥੇ ਦੂਸ਼ਨ ਲਾਏ ਗਏ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਜਾਂਚ ਪੜਤਾਲ ਕਰੇ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਇਹ ਗਲ ਸਿਰਫ਼ ਇਸ ਲਈ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਤਾਂਕਿ ਜਮਹੂਰੀ ਰਵਾਇਤ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਸਾਈਡ ਇਸ ਲਈ ਬਿਲਕੁਲ ਤਿਆਰ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਹੀ ਬੇਨਤੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਚੂੰਕਿ ਇਹ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਰਾਏ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਰੀਆਂ ਪੁਲੀਟੀਕਲ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੀ ਮੰਗ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਰਿਕਵੈਸਟ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਬ ਕਮੇਟੀ ਨਾਮੀਨੇਟ ਕਰਨ ਦੀ ਆਪ ਦੀ ਰਿਸਪਾਂਸੇਬਿਲਟੀ ਹੈ, ਇਸ ਤੋਂ ਆਪ ਸ਼ਰਕ ਨਾ ਕਰੋ ਅਤੇ ਇਹ ਸਬ ਕਮੇਟੀ ਨਾਮੀਨੇਟ ਕਰ ਦਿਓ । (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਐਡਹਾਕ ਕਮੇਟੀ ਨਾਮੀਨੇਟ ਕਰ ਦਿਓ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀਆਂ ਟਰਮਜ਼ ਆਫ਼ ਰੈਫਰੈਂਸ ਅਤੇ ਦੂਜੀਆਂ ਗਲਾਂ ਆਪਣੀ ਮਰਜ਼ੀ ਨਾਲ ਬਣਾ ਦਿਓ, ਸਾਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਅਨਾਊਂਸ ਕਰ ਦਿਓ ਅਤੇ ਕੁਝ ਦੇਰ ਬਾਦ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਲੀਡਰਾਂ ਨਾਲ ਸਲਾਹ ਕਰ ਕੇ ਬਣਾ ਦਿਓ । (ਵਿਘਨ)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਤੁਸੀਂ ਕਿਉਂਕਿ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੰਨ ਗਏ ਹੋ, ਇਸ ਲਈ ਤੁਹਾਡੇ ਹੁਕਮ ਅਨੁਸਾਰ ਮੈਂ ਇਸ ਮੋਸ਼ਨ ਦੀ ਵਰਡਿੰਗ ਬਣਾ ਦਿਤੀ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਮੈਂ ਪੜ੍ਹ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ ।

> Notwithstanding anything in the rules with regard to notice or any other matter, the House authorises the Speaker to nominate within 15 days, an Adhoc Committee consisting of not more than 7 Members including its Chairman, from amongst the Legislators .... (Interruption)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਥੋੜ੍ਹੀ ਜਿੰਨੀ ਖੇਚਲ ਕਰੋ ਅਤੇ ਸਪੈਸਿਫਿਕਲੀ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦਾ ਨਾਂ ਦਸ ਦਿਉ । (ਵਿਘਨ) (I would request the hon. Member to take the trouble of mentioning the names of the members of the Committee.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਜੇਕਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਜ਼ਰਾ ਬੈਠ ਜਾਓ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਹੁਣੇ ਹੀ ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਦੀ ਪਾਲਨਾ ਕਰ ਦਿਆਂਗੇ । (ਵਿਘਨ)

Captain Rattan Singh : On a point of order, Mr. Speaker. According to rules, I am sure, Comrade Satya Pal Dang cannot move such a Motion, especially when a Motion has been moved by the Leader of the House which has been supported by the Leader of the Opposition and the whole House. It will also fall through for want of notice.

Mr. Speaker : There was no regular Motion from the Leader of the House. It was merely a proposal.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

Minister for Irrigation and Power (Sardar Sohan Singh Bassi) : Sir, let me have the liberty to point out ਕਿ ਇਸ ਵੇਲੇ ਤੁਹਾਡਾ ਰੋਲ ਤਾਂ ਕਾਜ਼ੀ ਦਾ ਹੈ। ਦੋਹਾਂ ਤਰਫਾਂ ਤੋਂ ਇਸ ਗੱਲ ਦੀ ਮੰਗ ਆਈ ਹੈ ਅਤੇ ਹਾਊਸ ਇਸ ਕਮੇਟੀ ਨੂੰ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਜੇ ਮੀਆਂ ਬੀਵੀ ਰਾਜ਼ੀ ਤੇ ਕਿਆ ਕਰੇਗਾ ਕਾਜ਼ੀ। (ਹਾਸਾ)

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇਕਰ ਤੁਹਾਡਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਮੋਸ਼ਨ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਵਲੋਂ ਆਈ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਵਰਡਿੰਗ ਸਹੀ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਠੀਕ ਕਰ ਕੇ ਦੇ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਦੁਬਾਰਾ ਲਿਖ ਕੇ ਦੇ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। (ਵਿਘਨ)

Captain Rattan Singh : It is a motion and not proposal.

Mr. Speaker : It will be most welcome if it complies with all the three conditions laid down in the rules.

Captain Rattan Singh : Mr. Speaker, you cannot, to-day, get out of the responsibility which has been entrusted to you by this august House. You cannot say that this is not a Motion. It is the order of the House and you should obey it gracefully.

Mr. Speaker : You have been an ex.Military Officer and your order must be precise and definite.

Captain Rattan Singh : Sir, I am not in a position to give you any order. The House had ordered you to constitute a Committee to go into the allegations and counter-allegations levelled in the House, and you can determine the terms of reference yourself.

Mr. Speaker : I hope this House will kindly allow me one concession at least. I will consult the Speaker Lok Sabha and if he advises to constitute such a Committee, I will definitely do so.

Voices : No, No.

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਵੇਰੇ ਜਿਹੜਾ ਰੂਲਿੰਗ ਦਿਤਾ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਵਿਚਾਰ ਐਕਸਪਰੈਸ ਕੀਤੇ ਅਤੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਨਸੈਂਸਜ਼ ਲੈ ਲਈ ਸੀ ਤੇ ਹੁਣ ਇਹ ਕਹਿ ਕੇ ਉਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਤਾਰਪੀਡੋ ਕਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਕਿ ਮੈਂ ਲੋਕ ਸਭਾ ਦੇ ਸਪੀਕਰ ਨਾਲ ਕਨਸਲਟ ਕਰਾਂਗਾ। ਇਹ ਠੀਕ ਨਹੀਂ। ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਹੁਕਮ ਦੀ ਪਾਲਨਾ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਅਤੇ ਤੁਸੀਂ ਕਈ ਵਾਰ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਹਾਊਸ ਸੁਪਰੀਮ ਹੈ ਪਰ ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਦੇ ਹੁਕਮ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮੰਨਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ। ਮੋਸ਼ਨ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਵਲੋਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਸਾਰਿਆਂ ਦੀ ਮੁਤਫਿਕਾ ਰਾਇ ਉਸ ਤੇ ਆ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਫਿਰ ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਸੁਪਰੀਮ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦੇ ਤਾਂ ਹਾਊਸ ਸੁਪਰੀਮ ਹੈ। (ਵਿਘਨ)

Mr. Speaker : I am most humble servant of this House.

Major Harinder Singh : Then you will have to obey the order of the House.

Captain Rattan Singh : You have agreed that you will form a Committee of this House to go into the allegations and counter allegations levelled in the House. But I think you have very valid reason for consul-

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ting the Speaker, Lok Sabha. In this connection, the House can give you this relaxation if you promise to nominate such a Committee.

Mr. Speaker : If the Speaker, Lok Sabha agrees with it, I will definitely do so.

Major Harinder Singh : I hold the Speaker, Lok Sabha in high esteem. I have got the greatest respect for him as a Speaker of the Lok Sabha and also being my personal friend. You can certainly consult him and take his advice, but you will definitely have to obey the order of the House.

Mr. Speaker : I will have to consult the Speaker of the Lok Sabha, who is the President of Presiding Officers of India, for guidance. I am afraid I may not do some thing which may in the near future lower the dignity of a Presiding Officer. I hope that this august House will allow me this concession that if the Speaker, Lok Sabha advises me against the nomination of such a Committee, then the House will excuse me.

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਗਲ ਗਲਤ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਲੋਕ ਸਭਾ ਦਾ ਸਪੀਕਰ ਐਲਾਉ ਕਰੇਗਾ ਤਾਂ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਜਾਵੇਗੀ । ਅਲਾਉ ਤਾਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਨੇ ਕਰਨਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਨੇ ਆਪ ਨੂੰ ਅਲਾਉ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਫਿਨਾਂਸ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਵੀ ਗੱਲ ਸਪਸ਼ਟ ਅਤੇ ਸਾਫ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿਓ ਜਿਹੜੇ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨ ਲਗੇ ਹਨ ਇਹ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਸ ਕਮੇਟੀ ਦੀਆਂ ਟਰਮਜ਼ ਆਫ ਰੈਫਰੈਂਸ ਵੀ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਹਨ ਅਤੇ ਹਾਊਸ ਨੇ ਫੈਸਲਾ ਇਤਫਾਕ ਰਾਏ ਨਾਲ ਕੀਤਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਕਾਇਮ ਕਰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਲਗਾਏ ਗਏ ਐਲੀਗੇਸ਼ਨਜ਼ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਕਾਗਨੀਜ਼ੈਂਸ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ । ਮੈਂ ਇਸ ਸਮੇਂ ਕਿਸੇ ਕੰਟਰੋਵਰਸੀ ਵਿਚ ਪੈਣਾ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ । ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਸਾਰਿਆਂ ਪਹਿਲੂਆਂ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਫਿਰ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਵੀ ਵੇਖਣਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਰਿਪੋਰਟ ਇਹ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਦੇਵੇਗੀ ਉਸ ਤੇ ਡੀਪੈਂਡ ਕਰਨਾ ਪਏਗਾ ਅਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਮੈਜਾਰੇਟੀ ਨਾਲ ਪਾਸ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇਗਾ ਜਾਂ ਨਹੀਂ । ਅਤੇ ਫਿਰ ਉਸ ਨਾਲ ਹਾਊਸ ਦੀ ਡਿਗਨੇਟੀ ਲੋਅਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ ਜਾਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਡਿਗਨੇਟੀ ਐਨਹਾਂਸ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਗਲਾਂ ਵਲ ਉਚੇਚੇ ਧਿਆਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਜਲਦਬਾਜ਼ੀ ਵਿਚ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਵਿਚ ਫਰਦਰ ਕਨਸਲਟੇਸ਼ਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਅਤੇ ਜੇਕਰ ਐਡਵਾਈਸ ਕਿਸੇ ਵਡੇ ਕੁਆਟਰ ਤੋਂ ਮਿਲੇ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਲੈਣ ਦੀ, ਮੈਨੂੰ ਆਸ ਹੈ ਤੁਸੀਂ ਆਗਿਆ ਬਖਸ਼ੋਗੇ ।

ਮੈਂ ਆਪ ਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਯਕੀਨ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਿਹੜੀਆਂ ਪਰਬਲ ਭਾਵਨਾਵਾਂ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੈਂ ਜ਼ਰੂਰ ਸਤਕਾਰ ਕਰਾਂਗਾ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਤੁਰਨ ਦਾ ਯਤਨ ਕਰਾਂਗਾ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Mr. Speaker]

(I would point out that no cognizance of the allegations levelled in this Housc can be taken. I do not want to drag myself into any controversy at this stage. This matter needs dispassionate consideration from all angles. Then there are problems connected with the report of the proposed Committee. Will the House depend on that report; and will it be carried by a majority vote or not ? Moreover, will that report enhance the dignity of the House or lower it ? These matters need special attention. We should not take any decision in haste Thus I would like to point out that there is need for further consultation in the matter and I hope you would grant me permission to seek advice from higher quarters if available.

I earnesty assure the House that I will surely respect the strong feelings of the House and will act accordingly.)

Sirdar Kapur Singh . Mr. Speaker, it appears that you have taken up the decision. Your intention to carry out the wish of this House is contingent upon any advice which may be given to you either by the Conference of the Presiding Officers or by the Speaker of the Lok Sabha. I reiterate the sentiments which the Leader of the Opposition has expressed regarding our highest respect for the Speaker of the Lok Sabha. But, Sir, I would say that the Speaker of the Lok Sabha is a stranger to this House. If the directive or wish of this House is quite clear you cannot make its obeying contingent upon any advice which you might, from else where, seek. This is the correct position.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਉਹ ਮੇਰੀ ਗੱਲ ਨੂੰ ਮੰਨ ਲੈਣ, ਇਸ ਵਿਚ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਦਾ ਹੀ ਭਲਾ ਹੈ। (I would request the hon. Member Sirdar Kapur Singh to accept my views, as that will be in the interest of this House.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਮੁਆਮਲੇ ਤੇ ਬਹੁਤ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ। ਤੁਸੀਂ ਸਾਡੀ ਗਲ ਮੰਨਦੇ ਨਹੀਂ, ਮੈਂ ਆਪ ਨੂੰ ਫਾਰਮਲ ਤੌਰ ਤੇ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਜੇ ਆਪ ਅਜੇ ਕੋਈ ਫੈਸਲਾ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਨਾਲ ਗਲ ਬਾਤ ਕਰ ਲਓ।

चौधरी बलबीर सिंह : कप्तान साहिब ने कह दिया। सरदार बलवंत सिंह ने भी कहा है, लीडर ग्राफ दी हाउस ने भी कह दिया है और दूसरी तमाम पार्टियों के लीडर साहिबान ने भी कह दिया है। अब तो और किसी की राये आने वाली नहीं है।

ਸਰਦਾਰ ਸਰੂਪ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਨੂੰ ਲੀਡਰ ਆਫ਼ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੇ ਪ੍ਰੋਪੋਜ਼ਲ ਦਿੱਤੀ ਹੈ, ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਦੇ ਲੀਡਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਨੇ ਵੀ ਆਪਣੀ ਰਾਏ ਦੇ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਇਹ ਹੁਣ ਸਾਰੀ ਜ਼ਿਮੇਂਵਾਰੀ ਤੁਹਾਡੇ ਤੇ ਹੀ ਆ ਪਈ ਹੈ। ਤੁਹਾਨੂੰ ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਕੇ ਸੁਰਖਰੂ ਹੋ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਨਹੀਂ ਕਲ ਨੂੰ ਤੁਹਾਨੂੰ ਹੀ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਕਹਿਣਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਕਮੇਟੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਨਹੀਂ ਬਣਾਈ।

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਤੁਸੀਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੋਚ ਰਹੇ ਹੋ ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸ਼ਾਨ ਨਹੀਂ ਰਹਿਣੀ। ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਮੋਸ਼ਨ ਮੂਵ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ, ਉਸ ਨੂੰ ਫਾਰਮਲੀ ਪਾਸ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ। ਹੋਰ ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਕੀ ਕਰਨਾ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Now this is for you to decide it in view of the wishes of the House.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੋਸ਼ਨ ਕੀ ਹੈ ਉਹ ਤੁਸੀਂ ਰੀਪੀਟ ਕਰੋ । (Please repeat the motion.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਜੋ ਵੀ ਮੋਸ਼ਨ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਮੂਵ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਉਹ ਹਾਊਸ ਦੇ ਰੀਕਾਰਡ ਤੇ ਆ ਚੁਕੀ ਹੈ। ਉਸ ਵਿਚ ਇਹ ਸਾਫ ਲਿਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣਗੇ ਜਿਹੜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਅਤੇ ਕਾਊਂਟਰ ਚਾਰਜਿਜ਼ ਦੀ ਪੜਤਾਲ ਕਰੇਗੀ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਇਸ ਹਾਊਸ ਦੇ ਵਿਚ ਲਗਾਏ ਹਨ। ਇਸ ਮੋਸ਼ਨ ਦੀ ਪਰੋੜ੍ਹਤਾ ਹਰ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਲੀਡਰ ਨੇ ਕੀਤੀ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲੋਂ ਮੂਵ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਇਹ ਇਨ ਆਰਡਰ ਨਹੀਂ ਹੈ। (The motion moved by the Chief Minister is not in order.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਮੈਂ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਤੋਂ ਵਧ ਧੱਕਾ ਕੋਈ ਵੀ ਹਾਊਸ ਦਾ ਸਪੀਕਰ ਕਰ ਨਹੀਂ ਸਕਦਾ। ਸਾਰਾ ਹਾਊਸ ਇਕ ਪਾਸੇ ਹੈ ਅਤੇ ਇਕੱਲਾ ਸਪੀਕਰ ਇਕ ਪਾਸੇ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਫੇਰ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਮੂਵ ਕਰ ਦਿਓ ਕਿ ਇਸ ਨੂੰ ਐਡਮਿਟ ਕਰਨ ਦੇ ਜੋ ਰੂਲ ਹਨ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹ ਸਸਪੈਂਡ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ। (It would be better if the hon. Member moves for the suspension of the rules governing the admittance of this motion.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਮੈਂ ਮੂਵ ਕਰਦਾ ਹਾਂ, ਇਸ ਵਿਚ ਕੀ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਇਕ ਗੱਲ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੈ ਤੁਹਾਨੂੰ ਵੀ ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਵਿਸ਼ਿਜ਼ ਨੂੰ ਮੰਨਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜੇ ਅਜੇ ਵੀ ਕੋਈ ਟੈਕਨੀਕਲ ਹਿਚ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਮੂਵ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ, ਇਸ ਵਿਚ ਕਿਹੜੀ ਗਲ ਹੈ।

You must obey the wishes of the House. The stand that you have taken is not proper. This is highly objectionable. You are afraid of the responsibility.

Mr. Speaker : I am not afraid of the responsibility but I have to act according to the Rules and Regulations of this House.

Chaudhri Balbir Singh : Sir, as far as the Rule is concerned that can be suspended.

Sardar Umrao Singh : Sir, I move, with your consent, that Rule 1̃6 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly be suspended in its application to the motion moved by the Chief Minister.

ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਹਾਊਸ ਦੀ ਮਰਜ਼ੀ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਕ ਪਾਸੇ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਕਹਿੰਦੇ ਹੋ ਮੈਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਗੱਲ ਸਿਰ ਮਥੇ ਤੇ ਰਖਾਂਗਾ ਦੂਸਰੇ ਪਾਸੇ ਤੁਸੀਂ ਕਮੇਟੀ ਬਾਰੇ ਮੰਨਦੇ ਨਹੀਂ। ਸਾਰਾ ਹਾਊਸ ਇਕ ਪਾਸੇ ਹੈ ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਪਾਸੇ ਹੋ।

(ਇਸ ਵੇਲੇ ਸਾਥੀ ਰੂਪ ਲਾਲ ਅਤੇ ਹੋਰ ਮੈਂਬਰਾਂ ਵਿਚਕਾਰ ਬਹਿਸ ਹੋ ਗਈ ਜਿਹੜੀ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਹੁਕਮ ਅਨੁਸਾਰ ਰੀਕਾਰਡ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਗਈ।)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digiti...
Panjab Digital Library

Mr. Speaker : Whatever the hon. Member has said without the permission of the Chair should not be recorded.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਕੰਕਰੀਟ ਫਾਰਮ ਦੇ ਵਿਚ ਮੋਸ਼ਨ ਪਹਿਲਾਂ ਡਰਾਫਟ ਕਰ ਕੇ ਪੁਟ ਕਰੋ । (I would request the hon. Member Com. Satya Pal Dang to draft the motion in concrete form and then move it.)

Comrade Satya Pal Dang : Sir, despite the unanimous wish of this House you have declared the motion moved by the hon. Chief Minister out of order. According to us it is quite in order and that motion must be put to the vote of the House and passed.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜਿਹੜੀ ਪਹਿਲਾਂ ਮੋਸ਼ਨ ਲੀਡਰ ਆਫ ਦੀ ਹਾਊਸ ਨੇ ਮੂਵ ਕੀਤੀ ਸੀ ਉਹ ਵੇਗ ਸੀ ਅਤੇ ਉਹ ਇਨ ਆਰਡਰ ਨਹੀਂ ਸੀ । (The motion moved by the Leader of the House was vague and not in order.)

Comrade Satya Pal Dang : Sir, an impression is going round that those who levelled charges against each other want to extricate themselves. The motion moved by the Leader of the House must be put to the vote of the House.

(*Interruptions*)

Mr. Speaker : You are following the wrong impression.

Comrade Satya Pal Dang : Sir, we do not follow the wrong impression. The correct position is that motion moved by the Leader of the House can be put to the vote of the House. If you rule it out of order then, Sir, I have submitted a concrete detailed motion which may be put to the vote of the House.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਹੁਣ ਅਗਲਾ ਬਿਲ ਲੈ ਲਈਏ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) (I request the House to take up the next Bill)

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਤੁਸੀਂ ਰੂਲ 120 ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ;

> "All matters not specifically provided in these Rules and all questions relating to the detailed working of these Rules shall be regulated in such manner as the Speaker may, from time to time, direct."

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਤਾਂ ਮੰਨਦੇ ਹੀ ਨਹੀਂ । (ਵਿਘਨ) (ਸ਼ੋਰ) (You don't agree to my request.)

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, "उजर बदतर अज़ गुनाह" आप ने जो उज़र पेश किया है वह ठीक नहीं है । जिन लोगों ने गुनाह किए हैं, उन्हें बचाना ठीक नहीं है । आप कहते हैं कि आप के पास पावर नहीं है । हम कहते हैं कि आप को रैज़िड्युअरी पावर्ज़ हैं । आप का यह उज़र तो ठीक नहीं है । अब आप वापस जाने का और कौन सा रास्ता निकालते हैं ? आप बताएं हम उस के बारे में भी आप की तसल्ली कर देगें । आप के लिए अब निकलने का कोई रास्ता नहीं है ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਸਪੀਕਰ ਲੋਕ ਸਭਾ ਨਾਲ ਕੰਸਲਟ ਕਰ ਲੈਣ ਦਿਉ (ਵਿਘਨ) (I request the House to let me consult the Speaker, Lok Sabha.) (Interruption.)

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप ने रूल्ज़ के बारे में उजर किया था, हम ने कहा है कि आप रूल्ज़ को ससपैंड कर दें। आप के पास रैजिडुअरी पावर्ज़ हैं।

ਸ੍ਰੀ ਮਨਮੋਹਨ ਕਾਲੀਆ : ਆਨ ਏ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ, ਸਰ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਥੇ ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਡਾਂਗ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਦੋਨਾਂ ਪਾਰਟੀਆਂ ਨੇ ਰਿਗਲ ਆਊਟ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਸ ਬਾਰੇ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਟੰਡਨ ਸਾਹਿਬ ਕੇਟੇਗੋਰੀਕਲੀ ਕਹਿ ਗਏ ਹਨ (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਹ ਕੋਈ ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਨਹੀਂ ਹੈ । (It is not a point of order)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਮੈਂ ਠੀਕ ਸੁਣਿਆ ਹੈ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਲੀਡਰ ਆਫ਼ ਦੀ ਹਾਊਸ ਦੀ ਮੋਸ਼ਨ ਆਊਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਹੈ । ਅੰਡਰ ਆਰਡੀਨਰੀ ਸਰਕਮਸਟਾਂਸਿਜ਼ ਜੇ ਇਹ ਆਊਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਕਰਾਰ ਦੇ ਦਿਤੀ ਜਾਂਦੀ ਤਾਂ ਕੋਈ ਅਜਿਹੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ ਸੀ, ਮੈਂ ਮੰਨ ਲੈਂਦਾ । ਪਰ ਅਜਿਹੇ ਹਾਲਾਤ ਵਿਚ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਸ਼ੱਕ ਪੈਂਦਾ ਹੈ, ...

ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ : ਕੁਛ ਤੋ ਹੈ ਜਿਸ ਕੀ ਪਰਦਾਦਾਰੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸ਼ਕ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਚੀਜ਼ ਤੇ ਪਰਦਾ ਪਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਜਦ ਕਿ ਦੋਨੋਂ ਸਾਈਡਾਂ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਸਹਿਮਤ ਹਨ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਤੁਸੀਂ ਕਿਵੇਂ ਹਾਊਸ ਦੇ ਆਰਡਰ ਨੂੰ ਇਗਨੋਰ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ । ਸਾਰਾ ਹਾਊਸ ਹੀ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਸਹਿਮਤ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਐਡਵਾਈਸ ਲੈਣੀ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕੋਈ ਪਾਵਰ ਨਹੀਂ ਕਿ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਿਧਰੋਂ ਵੀ ਐਡਵਾਈਸ ਲੈਣ ਤੋਂ ਰੋਕ ਸਕੇ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਐਡਵਾਈਸ ਨਾ ਲੈਣ ਦੇਵੇ । Sir, you can take the advice of the Speaker of Lok Sabha. You are perfectly within your rights to take advice of any other legal luminary. ਇਹ ਸਾਰੀ ਗੱਲ ਤੁਸੀਂ ਕਰ ਲਓ । ਪਰ ਇਸ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਹਾਊਸ ਦੀ ਡਾਇਰੈਕਸ਼ਨ ਨੂੰ ਮੰਨਣਾ ਆਪਣਾ ਅਵਲੀਨ ਫ਼ਰਜ਼ ਸਮਝ ਕੇ ਜੋ ਵੀ ਕੰਮ ਕਰੋਗੇ ਉਹ ਹੀ ਠੀਕ ਹੋਵੇਗਾ ।

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬੈਠੇ ਬੈਠੇ ਮੈਨੂੰ ਇਕ ਬ੍ਰੇਨ ਵੇਵ ਆਈ ਹੈ । ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਚੰਗੀ ਹੈ ਜਾਂ ਮਾੜੀ.........

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜ਼ਰੂਰ ਚੰਗੀ ਹੀ ਹੋਵੇਗੀ । (That must be a good one.)

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਆਪ ਦਾ ਸ਼ੁਕਰੀਆ ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਵੀ ਮੈਨੂੰ ਕੰਪਲੀਮੈਂਟਸ ਦਿੱਤੇ ਹਨ । (ਹਾਸਾ) ਸੋ ਜਿਹੜੀ ਵੇਵ ਮੈਨੂੰ ਆਈ ਹੈ ਇਸ ਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਤੁਸੀਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

[ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ]

ਡੈਪਰੀਸ਼ੇਟ ਕਰੋਗੇ ਕਿ ਐਪਰੀਸ਼ੇਟ ਕਰੋਗੇ। ਇਹ ਸੁਝਾਵ ਮੇਰੇ ਮਨ ਵਿਚ ਆਇਆ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਬਸਰੇਚਸ਼ਮ ਹਾਊਸ ਦੇ ਹੁਕਮ ਦਾ ਸਤਿਕਾਰ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਇਸ ਦੀ ਗੱਲ ਮੰਨ ਲਉ ਫਿਰ ਤੁਸੀਂ ਸਪੀਕਰ ਲੋਕ ਸਭਾ ਨੂੰ ਕੰਸਲਟ ਕਰ ਲੈਣਾ।

ਆਵਾਜ਼ਾਂ : ਟਾਈਮ ਦੇ ਦਿਓ।

ਮੇਜਰ ਹਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ : ਟਾਈਮ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਿਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਥੇ ਨਾ ਤਾਂ ਰੇਡੀਓ ਹੈ ਨਾ ਵਾਇਰਲੈਸ ਹੈ। (ਇਕ ਅਵਾਜ਼ : ਟੈਲੀਫੂਨ ਤੇ ਗੱਲ ਕਰ ਲੈਣਾ) ਇਹ ਗੱਲਾਂ ਟੈਲੀਫੂਨ ਤੇ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ ਇਸ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਥੇ ਜਾਣਾ ਪਏਗਾ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਗਲ ਮੰਨ ਲਓ ਫਿਰ ਸਪੀਕਰ ਲੋਕ ਸਭਾ ਨੂੰ ਕੰਸਲਟ ਕਰਦੇ ਰਹਿਣਾ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੇਜਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਸੁਝਾਵ ਬੜਾ ਲਰਨਡ ਹੈ ਔਰ ਮੰਨਣ ਯੋਗ ਹੈ। ਮੈਂ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਲੋਕ ਸਭਾ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰ ਕੇ ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਵਿਸ਼ਜ਼ ਕੈਰੀ ਆਊਟ ਕਰਾਂਗਾ। (ਵਿਘਨ) (The suggestion given by Major Harinder Singh is a good one and acceptable. I will carry out the wishes of the House after consulting the Speaker, Lok Sabha.) (Interruption.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੇਜਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇ, ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਬੇਸ਼ਕ ਸਪੀਕਰ ਲੋਕ ਸਭਾ ਤੋਂ ਪੁਛ ਲੈਣਾ .....(ਵਿਘਨ)

Sir, let this be cleared. We would like to know what is being adopted here.

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਇਸ ਤੋਂ ਵਧ ਹੋਰ ਕੀ ਸੁਝਾਵ ਮੈਂ ਮੰਨ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ? ਮੈਂ ਇਸ ਤੇ ਪੂਰਾ ਅਮਲ ਕਰਾਂਗਾ। (ਵਿਘਨ) (What more can I accept ? I will act upon it.)

ਕਾਮਰੇਡ ਸੱਤਪਾਲ ਡਾਂਗ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜੇ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਦੀ ਮੋਸ਼ਨ ਆਊਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਇਕ ਕੰਕ੍ਰੀਟ ਮੋਸ਼ਨ ਲਿਖ ਕੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਭੇਜੀ ਸੀ, ਉਸ ਨੂੰ ਟੇਕ ਅਪ ਕਰ ਲਓ। ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣੀ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਜਿਹੜੀ ਮੋਸ਼ਨ ਵੀ ਇਨ ਆਰਡਰ ਹੈ ਉਸ ਨੂੰ ਮੰਨ ਲਉ ਅਤੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਉਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਜਿਸ ਨੂੰ ਮਰਜ਼ੀ ਹੈ ਕੰਸਲਟ ਕਰ ਲਓ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਮੈਂ ਇਸ ਮਹਾਨ ਸਦਨ ਦੀਆਂ ਭਾਵਨਾਵਾਂ ਲੋਕ ਸਭਾ ਦੇ ਸਪੀਕਰ ਤਕ ਪਹੁੰਚਾ ਦੇਵਾਂਗਾ ਅਤੇ ਫਿਰ ਉਹ ਜੋ ਵੀ ਮੈਨੂੰ ਐਡਵਾਈਜ਼ ਕਰਨਗੇ ਮੈਂ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਐਕਟ ਕਰਾਂਗਾ। (I will convey the feelings of this august House to the Speaker of the Lok Sabha and then whatever advice he gives me I will act upon it.)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਸਵੇਰੇ ਰੂਲਿੰਗ ਦਿਤੀ ਸੀ ਕਿ ਮੋਸ਼ਨ ਅਡਾਪਟ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ....

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਕੋਈ ਮੋਸ਼ਨ ਅਡਾਪਟ ਨਹੀਂ ਹੋਈ (ਵਿਘਨ) (No motion has been adopted.)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਮੋਸ਼ਨ ਪੇਸ਼ ਹੋਈ ਸੀ ਉਹ ਕਲੀਅਰ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਵੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਦੀਆਂ ਵਿਸ਼ਿਜ਼ ਦਾ ਪਾਲਨ ਕਰੋਗੇ । ਮੇਜਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਠੀਕ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿਓ ਫਿਰ ਸਪੀਕਰ ਲੋਕ ਸਭਾ ਨੂੰ ਕੰਸਲਟ ਕਰ ਲੈਣਾ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਲੋਕ ਸਭਾ ਦੇ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਪਾਸੋਂ ਇਹ ਸਲਾਹ ਲੈ ਸਕਦੇ ਹੋ ਕਿ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਕੀ ਹੋਵੇ । ਇਹ ਸਲਾਹ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦੇ ਕਿ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾਈ ਜਾਵੇ ਕਿ ਨਾ । ਸਿਰਫ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਪੁਛਣਾ ਹੈ ਕਿ ਕਮੇਟੀ ਦਾ ਕੰਮ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਚਲਾਇਆ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਲਈ ਤੁਸੀਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਦਿਓ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਤੁਸੀਂ ਇਤਨੇ ਨਿਰਾਸ਼ਾਵਾਦੀ ਕਿਉਂ ਹੋ ? (Why is the hon. Member so pessimistic ?)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੁਸੀਂ ਐਕਟ ਕਰ ਰਹੇ ਹੋ, ਔਰ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਆਪਣੀ ਰਿਸਪੌਂਸੀਬਿਲਟੀ ਨੂੰ ਸ਼ਰਕ ਕਰ ਰਹੇ ਹੋ ਔਰ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤੁਸੀਂ ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਘਪਾਇਆ ਹੈ, ਇਸ ਤੋਂ ਸ਼ੱਕ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਜਿਹੜੇ ਸਜਣ ਇਸ ਵਿਚ ਫਸ ਰਹੇ ਹਨ ਤੁਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫਸਣ ਦਿਉ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਤੁਹਾਡੇ ਮੋਢਿਆਂ ਤੇ ਪਾ ਦਿਤੀ ਹੈ । ਹੁਣ ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਦੀ ਕਮੇਟੀ ਬਣਾ ਕੇ ਇਸ ਜ਼ਿਮੇਵਾਰੀ ਤੋਂ ਸੁਰਖਰੂ ਹੋ ਜਾਵੋ ।

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਜਿਵੇਂ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਹੈ, ਤੁਸੀਂ ਮੇਰੀ ਬੇਨਤੀ ਮੰਨ ਲਓ, ਲੋਕ ਸਭਾ ਦੇ ਸਪੀਕਰ ਨੂੰ ਕੰਸਲਟ ਕਰ ਲੈਣ ਦਿਉ । ਜਿਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਤੁਸੀਂ ਸ਼ੱਕ ਕਰਦੇ ਹੋ, ਐਸੀ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ । (As I have already said, you may please accede to my request and let me consult the Speaker, Lok Sabha. The hon. Members need not have any doubts in their minds.)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ ਹਾਊਸ ਦੇ ਫੈਸਲੇ ਨੂੰ ਕੈਰੀ ਆਊਟ ਕਰ ਦਿਓ ਤੇ ਹਾਊਸ ਦੀ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਹੁਣੇ ਹੀ ਬਣਾ ਦਿਉ, ਬਾਦ ਦਾ ਪ੍ਰੋਸੀਜਰ ਸਪੀਕਰ ਲੋਕ ਸਭਾ ਨਾਲ ਕੰਸਲਟ ਕਰ ਕੇ ਬਣਾਉਣਾ ।

THE PUNJABI UNIVERSITY (AMENDMENT) BILL, 1970

Minister For Education : (Sardar Surjit Singh) Sir, I beg to introduce the Punjabi University (Amendment) Bill.

Minister for Education : Sir, I beg to move-

> "That the Punjabi University (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

WALK-OUT

Comrade Satya Pal Dang : Mr. Speaker, when the motion moved by the Leader of the House has been ruled out of order why does he not come forward with a concrete and complete motion. It shows that the motion which he moved was only a hoax. He did not mean it.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

[Comrade Satya Pal Dang]
(Interruptions) I am asking the Leader of the House through you, Sir. I make a request that he should come forward with a new motion.

ਕੈਪਟਨ ਰਤਨ ਸਿੰਘ : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਸੀਂ, ਪੁਆਇੰਟ ਆਫ਼ ਆਰਡਰ ਜਿਹੜਾ ਕਿ ਮੇਰੇ ਸਾਥੀ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਨੇ ਉਠਾਇਆ ਸੀ ਹੁਣੇ ਹੁਣੇ ਉਸ ਦੇ ਜਵਾਬ ਵਿਚ ਤੁਸੀਂ ਇਹ ਸਾਬਤ ਕੀਤਾ ਕਿ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਹਾਊਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਫਾਰਮਲੀ ਹੈ ਨਹੀਂ । ਅਗਰ ਇਹ ਗੱਲ ਦਰੁਸਤ ਹੈ ਤਾਂ ਸਾਡੇ ਸਾਰੇ ਹਾਊਸ ਨਾਲ ਧੱਕਾ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਪਰੋਟੈਸਟ ਕਰ ਕੇ ਵਾਕ ਆਊਟ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ।

(At this stage, all the Members of the Opposition, who were present in the House, staged a walk-out)

(ਵਾਕ ਆਊਟ ਵੇਲੇ ਕਾਫ਼ੀ ਸ਼ੋਰ ਪੈ ਰਿਹਾ ਸੀ ਜਿਸ ਤੇ ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ ਨੇ ਹੁਕਮ ਦਿਤਾ ਕਿ ਜੋ ਕੁਝ ਇਹ ਆਪਣੀਆਂ ਸੀਟਾਂ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਕਹਿ ਰਹੇ ਹਨ, ਉਹ ਨੋਟ ਨਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ)

THE PUNJABI UNIVERSITY (AMENDMENT) BILL, 1970 (RESUMPTION)

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Punjabi University (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Punjabi University (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now the House will proceed to consider the Bill, clause by clause.
Clause 2 is before the House.

CLAUSE 2.

Sirdar Kapur Singh : I have given notice of an amendment to this Clause.

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਮੰਨਦੇ ਹਾਂ ਲੇਕਿਨ ਕੁਝ ਰੀ-ਵਰਡਿਡ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਲੀਅਰ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ।

ਸਿਰਦਾਰ ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ : ਇਹ ਰੀ-ਵਰਡਿਡ ਕਰ ਦੇਣ ਸਾਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਹੈ ।

Minister for Education : Sir, the reworded notice of the amendment will read :

For clause 2 of the Bill substitute—

2. In section 12 of the Punjabi University Act, 1961.

(a) in sub-section (i), after clause (ix), the following clause shall be added, namely :

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

"(x) three persons elected by the Senate from amongst its members."

(b) to sub-section (2), the following proviso shall be added, namely :

"Provided that the term of office of the three persons elected by the Senate under clause (ix) of sub-section (1) as it existed immediately before the commencement of the Punjabi University (Amendment) Act, 1969, shall be one year from the date of commencement of the Punjabi University (Amendment) Act, 1970, excluding the period during which they have already been members of the Syndicate after the aforesaid election."

Mr. Speaker : Motion Moved :

For clause 2 of the Bill substitute.........

2. In section 12 of the Punjabi University Act, 1961.........

(a] in sub-section (1), after clause [ix], the following clause shall be added, namely :

"(x) three persons elected by the Senate from amongst its members.'

(b) to sub-section (2) the following proviso shall be added, namely.

"Provided that the term of office of the three persons elected by the Senate under clause (ix) of sub-section (1), as it existed immediately before the commencement of the Punjabi University (Amendment) Act, 1969, shall be one year from the date of commencement of the Punjabi University (Amendment) Act, 1970, excluding the period during which they have already been members of the Syndicate after the aforesaid election".

Mr. Speaker : Question is–

For clause 2 of the Bill substitute......

2. In section 12 of the Punjabi University Act, 1961......

(a) In sub-section (1), after clause (ix), the following clause shall be added, namely :

"(x) three persons elected by the Senate from amongst its members."

(b) to sub-section (2), the following proviso shall be added, namely :

"Provided that the term of office of the three persons elected by the Senate under clause (ix) of sub-section (1) as it existed immediately before the commencement of the Punjabi University (Amendment) Act, 1969, shall be one year from the date of commencement of the Punjabi University (Amendment) Act,

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Mr. Speaker]

1970, excluding the period during which they have already been members of the Syndicate after the aforesaid election".

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is ...

That Clause 2, as amended, stand part of the Bill.

The motion was carried.

CLAUSE 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

TITLE.

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Minister for Education (Sardar Surjit Singh) : Sir, I beg to move—

That the Punjabi University (Amendment) Bill, as amended, be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Punjabi University (Amendment) Bill, as amended, be passed.

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ (ਬੜਾ ਪਿੰਡ) : ਮੈਂ ਕੋਈ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਇਸ ਉਤੇ ਨਹੀਂ ਬੋਲਣਾ ਹੈ। ਇਕ ਦੋ ਪੁਆਇੰਟਸ ਤੇ ਸਾਡੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਬੜੇ ਸਟਰੌਂਗ ਸੈਂਟੀਮੈਂਟਸ, ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ । ਇਕ ਤਾਂ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਨਾਂ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਮੁਤੱਲਕ ਬੜੀ ਗਲਤ ਫਹਿਮੀ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪਿਛਲੀ ਕੈਬਨੇਟ ਨੇ ਪਾਸ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਨਾਂ ਪਟਿਆਲਾ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ । (ਸਰਦਾਰ ਦਲੀਪ ਸਿੰਘ ਵਲੋਂ ਵਿਘਨ) ਪਾਂਧੀ ਸਾਹਿਬ ਤੁਸੀਂ ਤਾਂ ਉਦੋਂ ਜੰਮੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ' ਇਹ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਸਾਡੀ ਬਣਾਈ ਹੋਈ ਹੈ ਤੁਸੀਂ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਕਿਉਂ ਕਰੈਡਿਟ ਲੈਂਦੇ ਹੋ। (ਸ਼ੋਰ) (ਵਿਘਨ) ਪਾਂਧੀ ਜੀ ਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸਰਦਾਰ ਪਰਤਾਪ ਸਿੰਘ ਵੇਲੇ ਇਹ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਬਣੀ ਸੀ। (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਜੀ ਬਿਲ ਦੇ ਬਾਰੇ ਲਿਮਿਟਿਡ ਰਹੋ । (*Addressing Sardar Umrao Singh* : Please remain within the scope of this Bill.)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਜਲੰਧਰ ਵਿਚ ਇਕ ਸਪੋਰਟਸ ਕਾਲਜ ਹੈ। ਕੋਈ ਚੰਗਾ ਪੜ੍ਹਿਆ ਲਿਖਿਆ ਮੁੰਡਾ ਉਥੇ ਦਾਖਲ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਕਿਉਂਕਿ ਉਸ ਕਾਲਜ ਦਾ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਨਾਉਂ ਸਪੋਰਟਸ ਕਾਲਜ ਹੈ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਉਥੇ ਮੁੰਡੇ ਦਾਖਲ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਾਲੇ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਜਦੋਂ ਬਾਹਰਲਿਆਂ ਸੂਬਿਆਂ ਵਿਚ ਐਂਪਲਾਇਮੈਂਟ ਲੈਣ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਥੇ ਬੜੀ ਦਿਕਤ ਪੇਸ਼ ਆਉਂਦੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ)

ਸ੍ਰੀ ਸਪੀਕਰ : ਸਪੋਰਟਸ ਕਾਲਜ ਵਿਚ ਤਾਂ ਲੋਕ ਬੜੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਾਲ ਦਾਖਲ ਹੁੰਦੇ ਹਨ । (Students make great efforts to get admission in the Sports College.)

ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ : ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਗਰ ਇਸ ਦਾ ਨਾਂ ਪਟਿਆਲਾ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਰਖ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਕੋਈ ਹਰਜ਼ ਵਾਲੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ । (ਟਰੇਜ਼ਰੀ ਬੈਂਚਾਂ ਵਲੋਂ ਅਵਾਜ਼ਾਂ : ਨੋ, ਨੋ) (ਵਿਘਨ) ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਕ ਹੋਰ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਬੜਾ ਚਰਚਾ ਹੈ ਕਿ ਉਥੇ ਦੇ ਕੋਰਸਿਜ਼ ਜਿਹੜੇ ਹਨ ਉਹ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤੇ ਹਨ । ਮੈਨੂੰ ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ ਪਰ ਅਜ ਤਕ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀ ਕਿਸੇ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਚ ਰੀਜਨਲ ਲੈਂਗੁਏਜ਼ ਵਿਚ ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਟੈਕਨੀਕਲ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਇਸ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਸਾਡੇ ਬਚਿਆਂ ਦੀ ਤਾਲੀਮ ਤੇ ਅਸਰ ਪਵੇਗਾ । ਜੇ ਦੂਸਰੀਆਂ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀਆਂ ਵਿਚ ਮੀਡੀਅਮ ਆਫ ਇਨਸਟ੍ਰਕਸ਼ਨ ਇੰਗਲਿਸ਼ ਹੈ ਤਾਂ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਬਚਿਆਂ ਤੇ ਇਥੇ ਪੰਜਾਬੀ ਮੀਡੀਅਮ ਆਫ ਇਨਸਟ੍ਰਕਸ਼ਨ ਹੋਣ ਦਾ ਮਾੜਾ ਅਸਰ ਪਵੇਗਾ । ਇਸ ਲਈ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਚੀਫ ਮਨਿਸਟਰ ਅਤੇ ਸਿਖਿਆ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਸੈਂਟੀਮੈਂਟ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਅਤੇ ਇਸ ਪਾਸੇ ਗੌਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਕਾਇਮ ਕਰਨ ਦਾ ਕਰੈਡਿਟ ਕਾਂਗਰਸ ਨੂੰ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਮੇਰਾ ਖਿਆਲ ਹੈ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬੀ ਨਾਲ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਿਆਰ ਹੈ । ਮੈਂ ਸ਼ਾਇਦ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਬੇ ਦੇ ਮੋਰਚੇ ਵੇਲੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਜੇਲ੍ਹਾਂ ਕੱਟੀਆਂ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) ਹੁਣ ਇਹ ਟਿਕਟਾਂ ਲੈ ਕੇ 10 ਵਾਰ ਡੀਫੈਕਸ਼ਨ ਕਰਕੇ ਆਏ ਹਨ । (ਵਿਘਨ)

ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਪਰਚਾਰ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਕਿ ਉਸ ਵਿਚ ਹਿੰਦੀ ਨਾਲ ਵਿਤਕਰਾ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਹ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਜ਼ਰੂਰ ਪੜ੍ਹਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਮਗਰ ਉਥੇ ਹਿੰਦੀ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਪ੍ਰਚਾਰ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਅਤੇ ਇਹ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਕਿ ਉਥੇ ਹਿੰਦੀ ਨਾਲ ਵਿਤਕਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਡੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹਿੰਦੀ ਸਾਡੀ ਨੈਸ਼ਨਲ ਲੈਂਗੁਏਜ਼ ਹੈ । ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਦੋਵੇਂ ਹੀ ਪੜ੍ਹਨੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਪੜ੍ਹਾਉਣੀਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ । ਮਗਰ ਇਹ ਜਿਹੜੇ ਵਿਤਕਰੇ ਵਾਲੀ ਗਲ ਹੈ, ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ । ਇਸ ਦਾ ਅਸਰ ਸਾਡੇ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਤਾਲੀਮ ਤੇ ਪਵੇਗਾ । ਇਸ ਪਾਸੇ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ । ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਅਤੇ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ—ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਹਿੰਦੀ ਬਾਰੇ ਜੋ ਆਲ ਇੰਡੀਆ ਪੈਟਰਨ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਉਤੇ ਚੱਲਣ ਤਾਕਿ ਸਾਡੇ ਜਿਹੜੇ ਬੱਚੇ ਉਥੋਂ ਗਰੈਜੂਏਟ ਹੋਣ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਇੰਪਲਾਏਮੈਂਟ ਤੇ ਕਿਸੇ ਕਿਸਮ ਦਾ ਫਰਕ ਜਾਂ ਅਸਰ ਨਾ ਪਵੇ ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਪੂਰਬ) ਮੈਂ ਪੰਜਾਬੀ ਬੋਲਦਾ ਹਾਂ, ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ ਮੁਦੱਈ ਹਾਂ । ਪੰਜਾਬੀ ਦੀ ਖਾਤਰ ਮੈਂ ਜਨਸੰਘੀਆਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਮੁਜ਼ਾਹਰਾ ਕਰਾਇਆ । ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸ਼੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ]

ਕਿ ਜਿਥੇ ਅਸੀਂ ਪੰਜਾਬੀ ਪੜ੍ਹਦੇ ਹਾਂ ਉਥੇ ਨਾਲ ਹੀ ਰਾਸ਼ਟਰ ਭਾਸ਼ਾ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਕੰਮ ਕਰੀਏ । ਇਹ ਵੀ ਪੜ੍ਹੀਏ । ਅਗਰ ਅਸੀਂ ਰਾਸ਼ਟਰ ਭਾਸ਼ਾ ਨੂੰ ਨਜ਼ਰ ਅੰਦਾਜ਼ ਕਰਾਂਗੇ ਤਾਂ ਪਿੱਛੇ ਰਹਿ ਜਾਵਾਂਗੇ । ਅਗਰ ਅਸੀਂ ਰਾਸ਼ਟਰ ਭਾਸ਼ਾ ਨੂੰ ਨਜ਼ਰ ਅੰਦਾਜ਼ ਕਰਾਂਗੇ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਸੈਂਟਰ ਗੌਰਮਿੰਟ ਦੀਆਂ ਸਰਵਿਸਿਜ਼ ਵਿਚ ਪਿੱਛੇ ਰਹਿ ਜਾਵਾਂਗੇ । ਵੱਡੇ ਵੱਡੇ ਜਾਗੀਰਦਾਰਾਂ ਦੇ ਲੜਕੇ ਜਾਂ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰਾਂ ਦੇ ਲੜਕੇ ਤਾਂ ਭਾਵੇਂ ਸੈਂਟਰ ਵਿਚ ਮੁਲਾਜ਼ਮਤ ਲੈ ਲੈਣ ਪਰ ਸਾਡੇ ਵਰਗਿਆਂ ਦੇ ਲੜਕੇ ਜੇ ਕਰ ਹਿੰਦੀ ਨਾ ਪੜ੍ਹਨਗੇ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੈਂਟਰ ਵਿਚ ਸਰਵਿਸ ਨਹੀਂ ਮਿਲੇਗੀ ਅਤੇ ਪਿੱਛੇ ਰਹਿ ਜਾਣਗੇ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜੋ ਬਿਆਨ ਪੰਜਾਬੀ ਪੜ੍ਹਨ ਬਾਰੇ ਕੱਢੇ ਹਨ, ਉਹ ਬਿਆਨ ਗਲਤ ਹਨ । (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਮਿਹਰਬਾਨੀ ਕਰਕੇ ਪੁਜ਼ੀਸ਼ਨ ਨੂੰ ਕਲੀਅਰ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਹਿੰਦੀ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦਾ ਸੂਟੇਬਲ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ । ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਮੀਡੀਅਮ ਆਫ ਇਨਸਟਰੱਕਸ਼ਨ ਦੀ ਆਪਸ਼ਨ ਹੋਵੇ ਜੋ ਮਰਜ਼ੀ ਰੱਖਣ, ਕਿਉਂਕਿ ਇਕ ਆਦਮੀ ਪੰਜਾਬੀ ਪੜ੍ਹਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹਿੰਦੀ ਨਹੀਂ, ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਕ ਹਿੰਦੀ ਪੜ੍ਹਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਨਹੀਂ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁਸ਼ਕਲ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ।

ਮੈਂ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਵੀ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਹੈ । ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਲਿਟਰੇਚਰ ਪੰਜਾਬ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਪਾਸ ਆਉਂਦਾ ਹਾਂ । ਐਟਾਨੋਮਸ ਬਾਡੀਜ਼ ਦਾ ਵੀ । ਪਰ ਅੱਜ ਤੱਕ ਇਸ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨੇ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਕਿ ਆਪਣਾ ਕੋਈ ਲਿਟਰੇਚਰ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਭੇਜੇ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਰਿਪੋਰਟ ਭੇਜੇ ਤਾਕਿ ਇਹ ਵੀ ਜਾਣ ਲੈਣ ਕਿ ਇਹ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਕੀ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ । ਮੈਂ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਦੇ ਸਾਹਿਤ ਦਾ ਬਹੁਤਾ ਸਬੰਧ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਨਾਲ ਹੈ, ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਰ ਜ਼ਬਾਨਾਂ ਵੀ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਵਿਚੋਂ ਨਿਕਲੀਆਂ ਹਨ । ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੈਂ ਇਹ ਦੱਸਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦਾ ਜਿਹੜਾ ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਸਾਹਿਤ ਹੈ, ਗ੍ਰੰਥ ਹੈ, ਉਸ ਦਾ ਟਰਾਂਸਲੇਸ਼ਨ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਕਰਨ ਤਾਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਵੀ ਰਿਚ ਹੋਵੇ । ਮੈਂ ਸਜੈਸਟ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦੇ ਗਰੰਥ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਟਰਾਂਸਲੇਸ਼ਨ ਕਰਨ ਦਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਔਰ ਅੱਛੀਆਂ ਅੱਛੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਲਿਆਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ । ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਰਿਆਂ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਹੈ, ਉਸ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਜ਼ਰੂਰ ਚੰਗਾ ਇੰਤਜ਼ਾਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਅੱਗੇ ਸੈਨੇਟ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਦੀ ਐਪੁਆਇੰਟ-ਮੈਂਟ ਵੇਲੇ, ਇਸ ਦੇ ਚੁਣਾਉ ਵੇਲੇ ਇਕ ਗੱਲ ਦਾ ਖਿਆਲ ਰੱਖੋ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਰਿਆਂ ਦੀ ਬੋਲੀ ਹੈ, ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਨੂੰ ਨੁਮਾਇੰਦਗੀ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੀ ਸੈਨੇਟ ਵੇਲੇ ਜਿਸ ਤੰਗ ਨਜ਼ਰੀਏ ਦਾ ਸਬੂਤ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ।

चौधरी बलबीर सिंह (होशयारपुर) : यहां पंजाबी यूनीवर्सिटी के बारे में बात चली है । देखना यह है कि पंजाबी यूनीवर्सिटी जब से बनी, पंजाबी को बढ़ावा देने के लिए क्या क्या कदम उठाए गए और पंजाबी ने किस हद तक तरक्की की । क्या हाईऐस्ट लैवल तक इस को दर्जा मिल सका ? एक ऐसा बिल पंजाबी भाषा के बारे में लाना और उसके साथ यह कोशिश की जानी कि राष्ट्र भाषा को पीछे हटा दिया जाए यह ठीक नहीं है । इस तरह हम पंजाबी की खिदमत नहीं कर रहे होंगे ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

अगर हम पंजाबी को बढावा देना चाहते हैं तो हमें चाहिये कि पंजाबी में लिटरेचर पैदा करें, किताबें पैदा करें। यह सब चीजें करें ताकि लोगों में इस का शौक बढ़े। उसके साथ ही राष्ट्र भाषा का भी ख्याल करें। यहां पर सरदार उमराओ सिंह और श्री खरबंदा जी ने कहा है कि अगर पंजाब वालों ने दिल्ली की सर्विसिज़ में जाना है तो उनको राष्ट्र भाषा का ज्ञान होना जरूरी है। अगर उनको इस भाषा का ज्ञान न होगा तो पंजाब के स्टूडैंट्स कम्पीटीशन में कामयाब नहीं होंगे। कुछ लोग इस बात को बुरा मानते हैं। इस समय ऐजुकेशन का मसला है। मैं पहले भी कह चुका हूं कि जब अंग्रेजों का राज्य था उस समय पंजाब में उरदु ज़बान चलती थी। उस समय भी डी. ए. वी. स्कूलों और कालजों आदि में Medium of Instruction हिन्दी रहा है। उस हिंदी मीडियम पर अंग्रेज ने एतराज़ नहीं किया। उस समय हिंदी चलती थी, उरदु चलती थी। मैंने उरदु पढ़ी, हिंदी और अंग्रेजी भी पढ़ी। मगर उस वक्त किसी ने एतराज़ नहीं किया कि हिन्दी मीडियम क्यों है। उस ज़माने में हिंदी और पंजाबी का कोई झगड़ा नहीं था। उस वक्त अगर डी. ए. वी. स्कूलों में मीडियम हिंदी चलती थी तो दूसरी तरफ उरदु प्रेमी और अंग्रेज़ी प्रेमीयों को कोई तकलीफ़ नहीं हुई। मैं कहता हूं कि आज भी यह तकलीफ़ नहीं होनी चाहिए।

आने वाली नस्लें क्या कहेंगी कि आप ने उनके लिए क्या किया। वे अच्छे शब्दों में आप को याद नहीं करेंगे। इस लिए ऐजुकेशन का मसला ऐजुकेशन के ढंग से ही हल करना चाहिए। हम किस तरह दूसरे सूबों के साथ बातचीत कर सकते हैं दिल्ली में जब अंग्रेज़ी का गलबा कम हुआ और हिंदी का बोल बाला हुआ तो उस समय कुछ गड़बड़ हुई।

पंजाब सरकार ने खुद एक फैसला किया था कि दिल्ली के सूबा और दूसरे हिंदी स्पीकिंग सूबों के साथ हिंदी में खतो किताबत करेंगे। यह फैसला पंजाब सरकार का अपना फैसला है। इस सदन में उस फैसले के बारे में सरकार ऐलान कर चुकी है। जब यह ऐलान सरकार कर चुकी है तो अगर यह हिंदी की बढ़ौतरी नहीं करेगी तब आप बताएं कि किस ढंग से यह सारी कार्यवाही होगी। अपने जज़बात से ऊपर उठें। किसी ने ज़हर फैलाया, आज उसी का नतीजा यह है कि आप एक सही बात को इस लिए नहीं मान रहे कि कोई नेक आदमी किसी जगह पर यह न कह दे कि यह जो पालिसी ऐडाप्ट की है वह पंजाबी के विरुद्ध है। आप जज़बात से ऊपर उठें।

पंजाबी यूनीवर्सिटी के बारे में अर्ज़ करता हूं कि जो इलैक्शन का सिस्टम है उस को रीवाईज़ करने की कोशिश करें। पंजाब यूनीवर्सिटी पहले ही चल रही है। उधर पूरी तरह से इलैक्शन का सिस्टम है। हम ने देखा है कि......सिंडीकेट और सैनेट के सारे के सारे मैम्बरज़ की इलैक्शन हो जाए तो काम अच्छा चलता है। पंजाब यूनीवर्सिटी का हिन्दुस्तान की यूनीवर्सिटियों में एक खास मुकाम है। पंजाब यूनीवर्सिटी के पढ़े हुए जब बाहर जाते हैं तब उनको सतकार से देखा जाता है कि वे पंजाब युनीवर्सिटी में पढ़े हैं।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[चौधरी बलबीर सिंह]

इस लिए मैं कहता हूं कि पंजाबी युनीवर्सिटी में भी वही पैटरन ऐडाप्ट करना चाहिए जो कि पंजाब युनीवर्सिटी में है। वही पालिसीज़ अपनानी चाहियें।

प्रिंसीपल जो लिये जाएं या कोई प्रोफैसर लिये जाएं तो वे उमर के मुताबिक लिये जाएं, जिन लोगों को कुछ तजरुबा हो। यह जो सारे का सारा ढांचा है वह पंजाब युनीवर्सिटी के ढांचे के मुताबिक बनाने की कोशिश की जाए। इतना कह कर मैं अपनी सीट लेता हूं।

सिरदार कपूर सिंह (समराला) : अध्यक्ष महोदय, खरबंदा जी ने जो कहा है कि पंजाबी युनीवर्सिटी में हिंदी को पंजाबी के समान महानता प्राप्त नहीं है, वह ठीक नहीं है मैं यह बताने की अनुमति मांगता हूं कि पंजाबी युनीवर्सिटी में शिक्षा का माध्यम पंजाबी है परन्तु हिन्दी का पठन पाठन वर्जित नहीं है। पंजाबी युनीवर्सिटी को इस मन्तव्य के लिये बनाया गया है कि पंजाबी को शिक्षा के माध्यम के रूप में मानता दी जाये। इस में उन को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

ਚੌਧਰੀ ਕੇਵਲ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ : (ਮੁਕੇਰੀਆਂ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪਿਛਲੇ ਕੁਝ ਮਹੀਨਿਆਂ ਤੋਂ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਬਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਗਲ ਚਲ ਰਹੀ ਹੈ ਔਰ ਉਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਈ ਸਾਲ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਨੂੰ ਚਲਦੇ ਹੋ ਗਏ ਹਨ, ਕਦੇ ਕੋਈ ਐਸੀ ਗਲ ਸਾਹਮਣੇ ਨਹੀਂ ਆਈ। ਇਹ ਗਲ ਜਿਹੜੀ ਪਿਛਲੇ ਮਹੀਨੇ ਤੋਂ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਈ ਹੈ ਉਹ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ, ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਨੇ ਇਹ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦਾ ਮਾਧਿਅਮ ਗੁਰਮੁਖੀ ਹੋਵੇਗਾ, ਪੰਜਾਬੀ ਹੋਵੇਗਾ, ਹੋਰ ਕੋਈ ਮਾਧਿਅਮ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ। ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਮੈਡੀਕਲ, ਫਿਜ਼ਿਕਸ, ਕੈਮਿਸਟਰੀ ਜਿੰਨੀਆਂ ਵੀ ਸਾਇੰਸਾਂ ਹਨ ਉਹ ਇਸੇ ਮਾਧਿਅਮ ਵਿਚ ਪੜ੍ਹਾਈਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਇਸ ਗਲ ਦੇ ਨਾਲ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਸੁਨਸੁਨੀ ਫੈਲ ਗਈ ਹੈ ਔਰ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਇਸ ਗਲ ਤੋਂ ਬਹੁਤ ਪਰੇਸ਼ਾਨ ਹਨ। ਇਕੋ ਵਾਰੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਾਧਿਅਮ ਬਦਲਣਾ ਔਰ ਉਸੇ ਲਈ ਹੀ ਮਜਬੂਰ ਕਰਨਾ ਕਿ ਇਸ ਮਾਧਿਅਮ ਵਿਚ ਹੀ ਤਾਲੀਮ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ, ਇਸ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ ਇਕ ਭਾਵਨਾ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਹਿੰਦੀ ਨੂੰ ਠੁਕਰਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਇਸ ਨੂੰ ਅਪਣਾਇਆ ਨਹੀ ਜਾ ਰਿਹਾ। ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕੁਝ ਹਿਸੇ ਨੇ ਇਹ ਵੀ ਮਹਿਸੂਸ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ ਅੱਜ ਜੋ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕੱਲ ਨੂੰ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਵਿਚ ਵੀ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਹੋਵੇਗਾ। ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜਨਤਾ ਨੇ ਇਹ ਮਹਿਸੂਸ ਕੀਤਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਜੋ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਕਾਲਜਾਂ, ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਮਾਧਿਅਮ ਦੀ ਇਜਾਜ਼ਤ ਦਿਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਮਰਜ਼ੀ ਕੋਈ ਆਪਣਾ ਮਾਧਿਅਮ ਰਖੇ, ਅਗਰ ਕਿਸੇ ਨੇ ਹਿੰਦੀ ਮਾਧਿਅਮ ਵਿਚ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਤਾਲੀਮ ਹਾਸਲ ਕੀਤੀ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਬਾਦ ਜਦੋਂ ਉਹ ਕਾਲਜਾਂ ਵਿਚ ਜਾਣਗੇ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਨਾਲ ਮਿਲੇ ਹੋਏ ਹਨ ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬੜੀ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੋਵੇਗੀ ਕਿਉਂਕਿ ਪਹਿਲਾਂ ਜੋ ਸਕੂਲਾਂ, ਕਾਲਜਾਂ ਵਿਚ ਮਾਧਿਅਮ ਪੰਜਾਬੀ, ਹਿੰਦੀ ਜਾਂ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਲੈਣ ਦੀ ਖੁਲ੍ਹ ਸੀ ਉਹ ਹੁਣ ਨਹੀ ਰਹੇਗੀ। ਜਿਹੜੇ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਏਰੀਏ ਵਿਚ ਅਰਥਾਤ ਸੰਗਰੂਰ, ਬਠਿੰਡਾ ਔਰ ਪਟਿਆਲਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਦੇ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਹਨ ਉਹ ਬੜੇ ਪਰੇਸ਼ਾਨ ਹਨ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਬਚਿਆਂ ਦੇ ਵਾਲਦੈਨ ਇਸ ਗਲ ਤੋਂ ਬਹੁਤ ਪਰੇਸ਼ਾਨ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਬਚਿਆਂ ਨੂੰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਪੜ੍ਹਾਈਏ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਆਪ ਨੂੰ ਦੱਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਮੈਂ ਕਲ੍ਹ ਹੀ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਮਿਲਣ ਗਿਆ ਤਾਂ ਉਥੇ ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗਿਆ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਦੇ ਹਜ਼ਾਰਾਂ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਹੁਣ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੀ ਬਜਾਏ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਵਿਚ ਦਾਖਲ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਵਿਚ ਪੰਜ ਹਜ਼ਾਰ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਦੀ ਕਪੈਸਟੀ ਹੈ ਜਦ ਕਿ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਸਾਰੇ ਦੋ ਹਜ਼ਾਰ ਦਾ ਦਾਖਲਾ ਹੋਇਆ ਹੈ । ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਅੱਜ ਸ਼ਾਇਦ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਛੱਡ ਕੇ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਵਿਚ ਇਸ ਕਰਕੇ ਵੀ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਜੇ ਹੁਣ ਉਹ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਵਿਚ ਸਿਖਿਆ ਪਰਾਪਤ ਕਰਨਗੇ ਤਾਂ ਆਈ. ਏ. ਐਸ. ਜਾਂ ਹੋਰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਪੀਟੀਸ਼ਨ ਵਿਚ ਪਿਛੇ ਰਹਿ ਜਾਣਗੇ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰੀ ਜ਼ਬਾਨ ਹੈ, ਕੋਈ ਬੱਚਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਰਹਿ ਸਕਦਾ ਜਿਹੜਾ ਪੰਜਾਬੀ ਨਹੀਂ ਪੜ੍ਹੇਗਾ । ਪੰਜਾਬੀ ਉਸ ਨੂੰ ਲਾਜ਼ਮੀ ਪੜ੍ਹਨੀ ਹੀ ਪਵੇਗੀ ਕਿਉਂਕਿ ਸਾਰਾ ਕੰਮ ਕਾਜ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਹੀ ਚਲਣਾ ਹੈ ਲੇਕਿਨ ਇਸ ਮਾਧਿਅਮ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਜਿਹੜਾ ਜਬਰ ਹੈ ਕਿ ਜ਼ਰੂਰ ਇਸ ਮਾਧਿਅਮ ਵਿਚ ਹੀ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਨਾ ਪਵੇਗਾ ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਨਹੀਂ, ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਕ ਕਿਸਮ ਦਾ ਧੱਕਾ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਹ ਗਲ ਸਿਰਫ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਵਿਚ ਹੀ ਹੋਈ ਹੈ, ਹੋਰ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿਤੇ ਵੀ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਕਿ ਜ਼ਰੂਰੀ ਫਲਾਣੀ ਜ਼ਬਾਨ ਵਿਚ ਹੀ ਮਾਧਿਅਮ ਰਖਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਬਦਕਿਸਮਤੀ ਹੈ ਕਿ ਇਥੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਸੋ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਦੋਸਤਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਾਰਥਨਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਇਕ ਨੈਸ਼ਨਲ ਪਾਰਟੀ ਹੈ ਜਿਸ ਨੇ ਹਮੇਸ਼ਾ ਫਿਰਕਾਪਰਸਤੀ ਤੋਂ ਉਪਰ ਉਠ ਕੇ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਹੁਣ ਜਦ ਕਿ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਆਪਣੀ ਸਰਕਾਰ ਬਣੀ ਹੈ ਔਰ ਉਹ ਇਸ ਗਲ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਰਖਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸੈਕੂਲੇਰਿਜ਼ਮ ਹੋਵੇ ਔਰ ਉਹ ਸੋਸ਼ਲਿਜ਼ਮ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਰਖਦੇ ਹਨ, ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਤੇ ਜ਼ਰੂਰ ਮੁੜ ਕੇ ਕੁਝ ਸੋਚਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਅਸੀਂ ਇਕ ਐਸਾ ਵਾਤਾਵਰਣ ਪੈਦਾ ਕਰੀਏ ਜਿਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹਿੰਦੀ ਨੂੰ ਠੁਕਰਾਇਆ ਨਾ ਜਾਵੇ । ਜੇ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿਚ ਹਿੰਦੀ ਮਾਧਿਅਮ ਲੈ ਕੇ ਬਾਦ ਵਿਚ ਕਾਲਜਾਂ ਵਿਚ ਨਾ ਪੜ੍ਹ ਸਕਣ ਤਾਂ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗਲ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ ਔਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਇਕ ਬੇਇਨਸਾਫੀ ਹੋਵੇਗੀ । ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਸਾਨੂੰ ਅਹਿਸਾਸ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਹਿੰਦੀ ਵੀ ਵਧੇ ਔਰ ਫੁਲੇ । ਹਿੰਦੀ ਦੇ ਮਾਧਿਅਮ ਵਾਸਤੇ ਅਜ਼ਾਦੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਔਰ ਇਸ ਦੇ ਵਿਚ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਜਬਰ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਕਿ ਉਹ ਜ਼ਰੂਰ ਪੰਜਾਬੀ ਮਾਧਿਅਮ ਰੱਖਣ । ਮੈਂ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅਕਾਲੀ ਪਾਰਟੀ ਦੇ ਨੇਤਾ ਔਰ ਇਹ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਨਗੇ ਔਰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਆਪਣੀ ਪਾਲਿਸੀ ਬਦਲਣਗੇ ਤਾਂ ਕਿ ਲੋਕ ਇਹ ਖੁਸ਼ੀ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰ ਸਕਣ ਕਿ ਮਾਧਿਅਮ ਦੇ ਸਿਲਸਿਲੇ ਵਿਚ ਕਾਲਜਾਂ ਵਿਚ ਜ਼ਬਰ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗਾ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦਾ ਪਰ ਜਿਸ ਵੇਲੇ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਇਹ ਵੇਖਿਆ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਵਿਚ ਇਹ ਪੰਜਾਬੀ ਮਾਧਿਅਮ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਨ ਲਗੇ ਹਨ ਕਿ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਵਿਚ ਵੀ ਸ਼ਾਇਦ ਫਿਰ ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋ ਜਾਵੇ । ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਵਾਤਾਵਰਣ ਖਰਾਬ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ । ਜਿਹੜੇ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਸਕੂਲ, ਕਾਲਜ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਅਜ਼ਾਦੀ ਮਿਲੀ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਕੋਈ ਮਾਧਿਅਮ ਆਫ਼ ਇਨਸਟਰੱਕਸ਼ਨਜ਼ ਰੱਖਣ ਉਹ ਲੋਕ ਇਹ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਨਗੇ ਕਿ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕੋਲ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਚੌਧਰੀ ਕੇਵਲ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ]

ਨਹੀਂ ਪੜ੍ਹਨਗੇ । (ਵਿਘਨ) ਇਹ ਸਾਰਾ ਕੁਝ ਅੰਧੇਰ ਜਿਹਾ ਨਜ਼ਰ ਆਉਣ ਲਗ ਪਿਆ ਹੈ ਔਰ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਨੇ ਇਸ ਗਲ ਵਿਚ ਪਹਿਲ ਕੀਤੀ ਹੈ । ਸੋ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਰਾਹੀਂ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਇਸ ਗਲ ਤੇ ਦੁਬਾਰਾ ਗੌਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਔਰ ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਮਾਧਿਅਮ ਦਾ ਜਬਰ ਹੈ, ਇਸ ਨੂੰ ਹਟਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਬੇਹਤਰੀ ਹੋਵੇਗੀ । ਐਨਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਸੀਟ ਲੈਂਦਾ ਹਾਂ ।

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ (ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਇਸ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਦੇ ਨਾਮ ਬਾਰੇ ਆਖਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਦੇ ਨਾਮ ਵਿਚ ਤਬਦੀਲੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਦਾ ਨਾਮ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੁਜੈਸਟ ਕੀਤਾ ਹੈ ਕਿ 'ਪਟਿਆਲਾ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ' ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਬਾਰੇ ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 1961 ਵਿਚ ਜਦੋਂ ਇਹ ਐਕਟ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਇਹ ਬਹੁਤ ਵਿਚਾਰ ਹੋਇਆ ਸੀ ਕਿ ਇਸ ਦਾ ਨਾਮ ਕੀ ਰਖਿਆ ਜਾਵੇ । ਬਹੁਤ ਸੋਚ ਵਿਚਾਰ ਤੋਂ ਬਾਦ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਇਸ ਦਾ ਨਾਮ ਰਖਿਆ ਗਿਆ ਔਰ ਉਸ ਵਕਤ ਤੋਂ ਇਸ ਦਾ ਨਾਮ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਹੀ ਚਲਿਆ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਾਇਦ ਸ਼ਕ ਹੋ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ ਨਾਂ ਨਾਲ ਲਗ ਜਾਣ ਕਾਰਨ, ਬਾਹਰ ਜਿਹੜੇ ਬੰਦੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਡਿਗਰੀ ਘਟੀਆ ਲਗਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਘਟੀਆ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਨ ਲਗ ਪੈਂਦੇ ਹਨ । ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਕੁਝ ਗ਼ਲਤ ਫ਼ਹਿਮੀ ਦੇ ਸ਼ਿਕਾਰ ਹੋਏ ਲਗਦੇ ਹਨ, ਕਿਉਂਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਘਟੀਆ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦਾ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਘਟੀਆ ਸਮਝਦਾ ਹੈ । ਪੰਜਾਬੀ ਦੂਸਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੇ ਸੂਬਿਆਂ ਵਿਚ ਵਸਣ ਵਾਲਿਆਂ ਨਾਲੋਂ ਚੰਗੇ ਹਨ, ਇਸ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਨਾਮ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਕਰੇਡਿਟ ਦਿੰਦਾ ਹੈ, ਜਿਹੜੇ ਇਥੋਂ ਬਾਹਰ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।

ਬਾਕੀ ਜੋ ਬਹਿਸ ਇਸ ਹਾਊਸ ਵਿਚ ਹੋਈ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਕਈ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਕਰਨ ਬਾਰੇ ਕਿਸੇ ਨੇ ਕੋਈ ਜ਼ਿਕਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ, ਲੇਕਿਨ ਕੁਝ ਗਲਾਂ ਆਖੀਆਂ ਗਈਆਂ ਕਿ ਹਿੰਦੀ ਨਾਲ ਵਿਤਕਰਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਹੋਰੀਂ ਬੋਲੇ ਕਿ ਇਹ ਪਹਿਲੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਹੈ ਜਿਸ ਨੇ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਮਾਧਿਅਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਮੇਰਾ ਖ਼ਿਆਲ ਸੀ ਕਿ ਸ਼ਾਇਦ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੋਵੇਗਾ ਕਿ ਇਸ ਵੇਲੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਵਿਚ 50 ਯੂਨੀਵਰਸਟੀਆਂ ਐਸੀਆਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਰੀਜਨਲ ਲੈਂਗੂਏਜ਼ ਸਵਿਚ ਓਵਰ ਹੋਈ ਹੋਈ ਹੈ ਅਤੇ ਕੋਈ 17 ਯੂਨੀਵਰਸਟੀਆਂ ਐਸੀਆਂ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਮੀਡੀਅਮ ਆਫ਼ ਇੰਸਟਰੱਕਸ਼ਨ ਰੀਜਨ ਲੈਂਗੁਏਜ਼ ਹੀ ਹੈ । ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਕਿ ਇਹ ਪਹਿਲੀ ਯੂਨੀਵਰਸਟੀ ਹੈ ਇਹ ਗ਼ਲਤ ਹੈ । ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀਆਂ ਲੀਡ ਲੈ ਚੁਕੀਆਂ ਹਨ । ਪਾਲਿਸੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਨਾਨ-ਹਿੰਦੀ ਸੂਬਿਆਂ ਵਿਚ ਆਹਿਸਤਾ ਆਹਿਸਤਾ ਇਹ ਚੇਂਜ ਲਿਆਉਣੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਥੇ ਮੀਡੀਅਮ ਆਫ਼ ਇੰਸਟਰੱਕਸ਼ਨ ਰੀਜਨਲ ਲੈਂਗੁਏਜ਼ ਆਉਣੀ ਹੈ । ਸ਼ਾਇਦ ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਸਰਦਾਰ ਉਮਰਾਓ ਸਿੰਘ ਨੇ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਐਕਟ 1961 ਵਲ ਵੇਖਿਆ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਸੈਕਸ਼ਨ 4 ਸਬ-ਸੈਕਸ਼ਨ 2 ਵਿਚ 'ਪਾਵਰਜ਼ ਐਂਡ ਡਿਊਟੀਜ਼ ਆਫ਼ ਦੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ' ਦਿਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ, ਉਹ ਮੈਂ ਪੜ੍ਹ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ :

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

"to promote Punjabi studies, to provide for research in Punjabi literature, to undertake measures for the development of Punjabi language and to progressively adopt it as a medium of instruction and examination for as many subjects as possible,"

ਇਹ 1961 ਵਿਚ ਆਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹਵਾਂਗਾ ਕਿ ਅੱਜ 1970 ਵਿਚ ਇਹ ਕਹਿਣਾ ਕਿ ਇੰਨੀ ਜਲਦੀ ਪੰਜਾਬੀ ਸਵਿਚ ਓਵਰ ਕਰਨ ਲਗੇ ਹੋ, ਇਸ ਕਰਕੇ ਬੜੀ ਡਿਫੀਕਲਟੀ ਹੋਵੇਗੀ, ਇਹ ਜਿਹੜਾ ਨਜ਼ਰੀਆ ਹੈ ਬਿਲਕੁਲ ਗਲਤ ਹੈ । ਤੁਸੀਂ ਉਸ ਨਜ਼ਰੀਏ ਨਾਲ ਗਲ ਕਰੋ, ਜਿਸ ਨਜ਼ਰੀਏ ਨਾਲ ਐਕਟ ਤੁਸੀਂ ਬਣਾਇਆ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਐਕਟ ਵਿਚ ਹੀ ਇਹ ਪਾਵਰਜ਼ ਦਿਤੀਆਂ ਸਨ । ਇਸ ਲਈ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹਵਾਂਗਾ ਕਿ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਅਤੇ ਗ਼ਲਤ ਹੀ ਸ਼ੋਰ ਪਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਥੇ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਹਿੰਦੀ ਇਲੀਮੀਨੇਟ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਪੰਜਾਬੀ ਨੂੰ ਹਰ ਮਰਹਲੇ ਵਿਚ ਇੰਟਰੋਡਿਊਸ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਇਸ ਵਕਤ ਤਕ ਸਿਰਫ ਦੋ ਕਲਾਸਾਂ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਲਾਗੂ ਕੀਤੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ 1973 ਵਿਚ ਕਿਤੇ ਜਾ ਕੇ ਬੀ. ਏ., ਬੀ. ਐਸ. ਸੀ., ਵਿਚ ਇਹ ਮੀਡੀਅਮ ਆਫ਼ ਇੰਸਟਰੱਕਸ਼ਨ ਪਨਪੇਗਾ । ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕੌਂਸਲ ਨੇ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਆਹਿਸਤਾ ਆਹਿਸਤਾ ਇਸ ਨੂੰ ਸਵਿਚ ਓਵਰ ਕਰਨਾ ਹੈ । ਇਥੇ ਬੜਾ ਸ਼ੋਰ ਮਚਾਇਆ ਗਿਆ ਕਿ ਕਿਤਾਬਾਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲਣੀਆਂ । ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕਿਤਾਬਾਂ ਦੀ ਲੋੜ ਨੂੰ ਮੁਖ ਰਖ ਕੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਕਿਤਾਬਾਂ ਛਪਵਾਈਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ । ਅਸੀਂ ਕਿਤਾਬਾਂ ਦੀ ਇਕ ਐਗਜ਼ੀਬੀਸ਼ਨ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਕੀਤੀ । ਯੂਨੀਅਨ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਮਨਿਸਟਰ ਸਾਹਿਬ ਉਥੇ ਆਏ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਤਾਬਾਂ ਨੂੰ ਵੇਖ ਕੇ ਬੜਾ ਹੀ ਐਪ੍ਰੀਸ਼ੀਏਟ ਕੀਤਾ । ਅਸੀਂ ਸਾਇੰਸ ਅਤੇ ਲਾਅ ਦੀਆਂ ਕਿਤਾਬਾਂ ਵੀ ਛਪਵਾਈਆਂ ਹਨ ਜਿਹੜੀਆਂ ਕਿ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਸੂਬੇ ਨੇ ਨਹੀਂ ਛਾਪੀਆਂ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਿੰਦੀ ਅਲਿਮੀਨੇਟ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ । ਮੇਰੀ ਅਰਜ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਚ ਜਿਸ ਜਿਸ ਸਬਜੈਕਟ ਵਿਚ ਹਿੰਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਸਬਜੈਕਟਾਂ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਚ ਵੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਚ ਪਰੀਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਕੋਰਸਿਜ਼ ਵਿਚ ਹਿੰਦੀ ਇਲੈਕਟਿਵ ਸਬਜੈਕਟ ਹੈ, ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੀ ਹਿੰਦੀ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਚ ਜਗਾਹ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਬਸ ਥੋੜ੍ਹਾ ਜਿਹਾ ਹੀ ਫ਼ਰਕ ਹੈ । ਬੀ. ਐਸ. ਸੀ., ਅਤੇ ਟੀ. ਡੀ. ਸੀ. ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਚ ਹਿੰਦੀ ਐਡੀਸ਼ਨਲ ਸਬਜੈਕਟ ਲਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਚ ਕੋਈ ਵਾਧੂ ਸਬਜੈਕਟ ਨਹੀਂ ਲਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ । ਇਸ ਲਈ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨਾਲੋਂ ਹਿੰਦੀ ਨੂੰ ਕੁਝ ਜ਼ਿਆਦਾ ਥਾਂ ਦਿਤੀ ਗਈ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਮੈਂ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਬਾਰੇ ਅਰਜ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹਵਾਂਗਾ । ਮੈਂ ਜਦੋਂ ਕਨਵੋਕੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਗਿਆ ਤਾਂ ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਦੇਖ ਕੇ ਬੜੀ ਬੜੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੋਈ ਕਿ ਸਿਖ ਲੜਕੀ ਨੇ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦੀ ਐਮ. ਏ. ਵਿਚ ਪਹਿਲਾ ਦਰਜਾ ਹਾਸਲ ਕੀਤਾ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਿੰਦੀ ਅਤੇ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਚ ਪੂਰਾ ਪੂਰਾ ਸਥਾਨ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

ਪਿਛੇ ਜਿਹੇ ਦਿਲੀ ਵਿਚ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਬੋਰਡ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਹੋਈ ਅਤੇ ਮੈਂ ਵੀ ਬੋਰਡ ਦਾ ਮੈਂਬਰ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਤੇ ਉਥੇ ਗਿਆ ਸੀ । ਉਥੇ ਮੀਟਿੰਗ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦੇ ਟੀਚਰਾਂ ਨੂੰ ਘੱਟ ਤਨਖਾਹਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਵਲ ਬਹੁਤ ਥੋੜ੍ਹੇ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ]

ਮੈਂ ਉਥੇ ਬੜੇ ਫ਼ਖ਼ਰ ਨਾਲ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦੇ ਟੀਚਰਜ਼ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਦੂਸਰੇ ਟੀਚਰਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹੀ ਤਨਖ਼ਾਹ ਦਿੰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਕੋਈ ਵਿਤਕਰਾ ਨਹੀਂ ਰਖਿਆ ਇਸ ਗਲ ਦਾ। ਉਹ ਬੜੇ ਖ਼ੁਸ਼ ਹੋਏ ਤੇ ਇਸ ਗਲ ਨੂੰ ਅੱਪ੍ਰੀਸ਼ੀਏਟ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦੇ ਟੀਚਰਾਂ ਦੀਆਂ ਤਨਖਾਹਾਂ ਸਾਰੇ ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਦੀਆਂ ਸਟੇਟਾਂ ਨਾਲੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹਨ।

चौधरी बलबीर सिंह : मैं कहना चाहता हूं कि हरियाणा में जो संस्कृत के अध्यापकों को तन्खाह दी जाती है वह दिल्ली के पैटर्न पर दी जाती है, न कि पंजाब के पैटर्न पर। इस लिये वे ज्यादा लेते हैं।

ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : ਹਰਿਆਣੇ ਵਾਲੇ ਵੀ ਉਥੇ ਬੈਠੇ ਸਨ, ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਾਂ ਕੁਝ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਿਹਾ ਸੀ (ਵਿਘਨ) ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਇਕ ਸਟੇਟ ਨੂੰ ਰੈਫ਼ਰ ਕਰ ਵੀ ਦਿਤਾ ਤਾਂ ਕੋਈ ਐਡੀ ਵਡੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। (ਵਿਘਨ) (ਘੰਟੀ) ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹਵਾਂਗਾ ਕਿ ਹਿੰਦੀ ਅਤੇ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵੀ ਕੋਈ ਘੱਟ ਦਰਜਾ ਨਹੀਂ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਹਿੰਦੀ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਲਿੰਕ ਭਾਸ਼ਾ ਮੰਨਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਰਾਸ਼ਟਰ ਭਾਸ਼ਾ ਮੰਨੀ ਹੈ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਹ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਲੜਕੇ ਨੇ ਆਈ. ਏ. ਐਸ., ਕਰਨੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਤੋਂ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਦਾ ਕੋਈ ਫ਼ਾਇਦਾ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਹ ਸਭ ਗਲਤ ਚੀਜ਼ਾਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦਸਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਹੜੀ ਪੰਜਾਬੀ ਅੱਜ ਇੰਟਰੋਡਿਊਸ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਉਹ ਤਾਂ ਸਿਰਫ਼ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਰਿਪਲੇਸ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ, ਹਿੰਦੀ ਨਹੀਂ। ਹਿੰਦੀ ਦਾ ਦਰਜਾ ਉਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵਾਂਗਰ ਹੀ ਕਾਇਮ ਹੈ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਚੌਧਰੀ ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦਾ ਇਲੈਕਸ਼ਨ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਤੇ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਹਾਲਾਤ ਤੁਸੀਂ ਅਛੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਾਣਦੇ ਹੋ, ਮੈਂ ਉਸ ਦੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਡਿਟੇਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਗੌਰਮੈਂਟ ਆਫ਼ ਇੰਡੀਆ ਨੇ ਇਕ ਐਜੂਕੇਸ਼ਨ ਬੋਰਡ ਬਣਾਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਮੌਡਲ ਬਾਈ-ਲਾਜ਼ ਬਣੇ ਹੋਏ ਹਨ, ਜਿਸ ਦੇ ਵਿਚ ਦਸਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਕਿ ਸੈਨੇਟ ਤੇ ਸਿੰਡੀਕੇਟ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਨਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸਿੰਡੀਕੇਟ ਜਿਹੜਾ ਬਣਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਕਿਸੇ ਖ਼ਾਸ ਰੂਲਜ਼ ਅਤੇ ਨਿਯਮਾਂ ਦੇ ਤਹਿਤ ਹੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਮੈਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਾ ਕਹਿੰਦਾ ਹੋਇਆ ਇਹ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਜਿਹੜਾ ਕ੍ਰਿਟੀਸਿਜ਼ਮ ਆਇਆ ਹੈ ਇਹ ਵਾਧੂ ਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਅਮੈਂਡਮੈਂਟ ਨਾਲ ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਤਅੱਲੁਕ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਬਿਲ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਮੈਂਡ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਪਾਸ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

Mr. Speaker : Question is—

That the Punjabi University (Amendment) Bill, as amended, be passed.

The motion was carried. (Cheers)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

MOTION FOR ADJOURNMENT OF THE HOUSE.

चौधरी बलबीर सिंह (हुश्यारपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आप से प्रार्थना करता हूं कि सदन का काम रोक कर मेरा जो प्रस्ताव बिजली के बारे में है वह मूव किया जाये और उस पर बहस हो जाये। मेरा प्रस्ताव यह है :–

> "मैं सदन में एक बहुत महत्वपूर्ण शीघ्रातिशीघ्र सार्वजनिक महत्व के विषय के बारे में एक स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत करना चाहता हूं। बरसात होने के बावजूद पंजाब राज्य बिजली बोर्ड ने बिजली की खप्त पर कुछ नई पाबन्दियां लगाई हैं। इस से सारे प्रदेश का जीवन अस्त ब्यस्त होने की सम्भावना है। इस विषय पर तुरन्त विचार करने के लिए सदन की कार्यवाही रोक दी जाये।"

अध्यक्ष महोदय, बिजली के बारे में इस हाऊस में कई बार बात चीत हुई। पिछले बजट सैशन में मेजर हरिंदर सिंह जी ने इनके बारे में एक बहुत महत्वपूर्ण बात कही थी। उन्होंने कहा था कि अगर बिजली ठीक ढंग से चल रही हो तो समझ लिया जाए कि कर्मचारी छुट्टी पर हैं, और अगर रुक रुक कर चल रही हो तो समझ लिया जाए कि कर्मचारी डिऊटी पर हाजर हैं। यह बात बिल्कुल ठीक है। भाखड़ा डैम पर कोई दो अर्ब रूपया खर्च आया। यह कहा जाता था कि इस से पंजाब की बहुत तरक्की होगी, पंजाब की तरक्की का इससे बहुत सम्बन्ध है, लेकिन बिजली की समस्या पंजाब में जटिल होती जा रही है। सर्दियों में बिजली पर कुछ पाबंदी लगाई गई और कहा गया कि पानी की कमी हो गई है और कुछ देर बाद गर्मियों में बर्फ पिघलनी शुरू हो जायेगी और पाबंदी खत्म कर दी जायेगी। उसके बाद जब गर्मी शुरु हुई तो कटौती और लग गई और कहा गया कि मौसम कुछ इस किस्म का था कि बर्फ नहीं पिघली। उस के बाद कहा गया कि बारिश जब शुरु होगी तो बिजली ठीक होगी। बारिश भी शुरु हो गई मगर अब लेटैस्ट खबर आई है 27–7-70 के अखबार में कि पंजाब में बिजली की कटौती 40 प्रतिशत कर दी गई है। अगर ऐसी हालत किसी और मुल्क में हो तो सरकार अस्तीफा दे दे। या कर्मचारी जो इस के जिम्मेवार हैं उन को नौकरी छोड़नी पड़े। इस हालत का मुकाबला जापान से करो। थोड़े दिन हुए हमारा एक डैलीगेशन वहां गया था। उन्होंने वहां से आकर बताया है कि पिछले 10 सालों में जापान में बिजली एक घंटे से ज्यादा बन्द नहीं हुई। हमारे यहां जरा हवा चले तो बिजली बंद हो जाती है। जलन्धर से बिजली हुश्यारपुर नहीं पहुंचती कहते हैं रास्ते में खम्बा गिर गया है। जिस बात पर सारे मुल्क की फसल का इनहसार है, इन्डस्ट्री का इनहसार है, उस के महकमें में ऐसी कमियाँहैं। अमृतसर से एक ट्रांसफारमर उड़ गया, 8 दिन बिजली बंद रही। चालू किया फिर उड़ गया और 16 दिन बिजली बंद रही। आप अंदाजा लगाएं इंडस्ट्री का वहाँ क्या हाल हुआ होगा। हम में नैशनल भावना भी नहीं है। इस के बाद ग्रीन रैवोल्यूशन का बहुत शोर मचाया गया। कहा गया कि फसल बहुत होगी और किसानों के घर भर जांएगे। हुआ यह कि किसानों ने फसल काटी और अर्जी दी कि उन्हें टैम्परेरी कनैक्शन दिया जाये ताकि वह अनाज वक्त पर

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[चौधरी बलबीर सिंह]

अन्दर डाल सकें। मगर उन को कनैक्शन वक्त पर न मिल सके और जहां दिये भी तो पूरा टाईम बिजली न आई, इन्टूप्ट बहुत होती थी। नतीजा यह हुआ कि वक्त पर गहाई न हो सकी। सरकार की अपनी स्टेटमैंट के अनुसार 20 करोड़ रुपए की गन्दम पंजाब में खराब हो गई, चारा खराब हो गया। क्या यह सरकार सोई हुई थी ? चण्डीगढ में सड़कों के दोनो तरफ बिजली जलती रही, पंखे और फ्रिज चलते रहे मगर किसानों को गन्दम की गहाई के लिये यह सरकार बिजली न दे पाई। कितने शर्म और अफसोस की बात है। हम इन बातों के कारण ही तो अमरीका, रूस और दूसरे देशों के आगे दामन फैला के भीख मांगते हैं। किसान ने मेहनत की कि मुल्क खुद कफील हो, अनाज बाहर से मांगना न पड़े, खेतों में अनाज हो भी गया मगर घर न पहुंच सका क्योंकि सरकार उन्हें बिजली न दे सकी। इस काम को तो वार लैवल पर करने की जरुरत थी, चाहे स्कूल बन्द करने पड़ते, या और कारोबार बंद करना पड़ता, मगर गन्दम उठाई जानी चाहिये थी। इस पर हमारे मुल्क की इकानोमी डिपैंड करती है, गांव में पैसा होगा तो शहर में आयेगा। सरकार की इस बारे में जिम्मेदारी है कि वह उन कर्मचारियो के बिरुद्ध ऐक्शन ले। यह देखें तो सही कि क्या कुछ हो रहा है। वक्त मुकर्रर हैं। दिन में बिजली नहीं मिलेगी, रात को मिलेगी यह रात में काम करने के लिए मजदूर बुलाता है मगर तब बिजली ही नहीं आती। पानी खेत में नहीं पहुंच सकता। यह लापरवाही है। बिजली वालों से बात करें तो वह कहते हैं यह टैकनीकल बात है, आप को पता नहीं। सरकार से हम कोई आशा नहीं कर सकते। बिजली की लाइन्ज की चोरी, तांबे की तारों की चोरी होती थी, यह रोक नहीं सके तारें ही ऐलुमीनियम की लगाने लगे जो लोड पूरा नहीं सम्भाल सकतीं। उन में खुद बखुद आग लग जाती है, और ट्रांसफारमर या लाईन उड़नी शुरु हो जाती है। बिजीलैंस कमेटी की मन्थली मीटिंग हुई तो हम ने पूछा कि हुश्यारपुर में 2-3 जगह आग क्यों लगी तो बताया गया कि लोड ज्यादा हो गया था। मैं ने कहा कि सुबह 6 बजे आग लगी, उस वक्त लोड कैसे ज्यादा हो गया। मैं ने चैलेंज किया कि उस वक्त न कोई मशीन चले न कोई और बात लोड कैसे ज्यादा हो गया तो उन्होंने कहा आप को पता नहीं, यह टैकनीकल बात है। मैं ने कहा ऐकाऊंटस तो हम भी देख सकते हैं। असल बात यह है कि इनऐफीशैंसी बहुत ज्यादा हो गई है। अब इन्होंने एक और कहानी शुरु की है। नोटिस चला जाता है कि आप ने 15 यूनिट ज्यादा बिजली इस्तेमाल की है इस लिये आप की बिजली बन्द की जाती है। अगर वह 10-15 रू० लाइन सुपरडैंट या किसी और कर्मचारी को दे दे तो कोई फर्क नहीं पड़ता, बिजली चालू रहती है वरना लोड बढ़ जाता है और बिजली काट दी जाती है काम के हरज के अलावा 5/- रू० की रीकनैक्शन फीस पड़ जाती है। इतनी अंधेरगर्दी है इस महकमे की। यहां लहरें गिनने वाली बात होती है। मिनिस्टर ऐसे हैं या नहीं मगर बिजली के महकमें में ऐसे लोग मौजूद हैं। मान लो फ्यूज उड़ गया। बिजली वाले को बुलाने जाओ, कोई नहीं आता। दस रूपये दे दो फ्यूज लग जायेगा। विजीलैंस

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

कमेटी की एक मीटिंग में XEN मौजूद थे। उन से पूछा कि जब दिन में बिजली बंद रहती है तो स्टाफ ड्यूटी पर कब आता है, दिन में या रात में। उन्होंने कहा कि स्टाफ तो दिन में आता है। कितनी शर्म की बात है। देहात में बिजली रात को देते हैं मगर स्टाफ दिन में काम पर आता है। और पता करने पर मालूम हुआ कि हदायतें जारी कर दी गई हैं लेकिन उन पर आज तक अमल नहीं हो रहा और स्टाफ दिन को ही आता है। फिर जो कटौती लगाई गई है उस के बारे में सरकार तो यह कहती है कि इन्होंने बिजली कम नहीं की और इन्होंने यह कह रखा है कि बिजली पूरी मिलनी चाहिए थी लेकिन नहीं मिल रही इस लिए मैं बासी साहिब से कहूंगा कि वह ऐसे महकमा को खैंचें, नहीं तो काम नहीं चलेगा। फिर इस के लिए किसी तरह का नोटिस नहीं दिया जाता कि बिजली कब बंद होगी और इस तरह किसानों का नुकसान होता है। आप किसान की हालत का अंदाज़ा लगाएं कि यह 5 या 6 रूपए रोज़ पर मजदूर लेकर जाता है ताकि खेतों में पानी लगवा सके लेकिन वहाँ पर जा कर बिजली की सपलाई नहीं होती और मजदूर लोग बेकार हो जाते हैं और फिर यह दिन को हो तो मजदूर को कोई और काम मिल सकता है लेकिन रात को तो और कोई काम भी नहीं मिल सकता इस लिए उन बेचारों को बहुत नुकसान होता है।

पंजाब में बिजली सब से बड़ा फैक्टर है जिस पर पंजाब की एग्रीक्लचर का दारोमदार है और इसी पर हमारी एकानौमी बेस करती है। जो एग्रीक्लचर डिपार्टमैंट है उस की जो ट्यूबवैल आर्गेनाइजेशन है यह बुरी तरह से फेल हो गई है। भाखड़ा बना था तो यह कहा जाता रहा कि अब हमें पानी की दिक्कत नहीं होगी और बिजली आम मिलेगी। उस वक्त भी यह बात इसी सदन में कही गई थी कि इस काम की ओर भी ध्यान जाना चाहिए कि इस डैम से कितनी देर तक फायदा उठाया जा सकता है। तो सरकार की तरफ से कहा गया था कि 50 साल तक डैम को कुछ होने वाला नहीं। और फिर हुआ यह कि जिस साल पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भाखड़ा को नेशन के सपुर्द किया था तो उस के अगले ही साल यह बातें शुरू कर दी गई कि इस में मिट्टी जमा हो जाएगी और इस मिकदार में जाएगी कि डैम जल्दी भर जाएगा। उस वक्त साधू सिंह जी भी मैंबर थे और मैं भी उस कमेटी का मैंबर था और हम ने कहा था कि यह भाखड़ा डैम है या डैन है। सारी स्टेट का सारा सीमैंट इस में लगा दिया गया और सारा लोहे का कोटा लगा दिया गया और फिर भी यह कहा जा रहा है कि इस में मिट्टी के भर जाने का इमकान है। फिर इस का 75 करोड़ का ओरिजनल एस्टीमेट था और खर्च हो गया दो अरब और 20 करोड़। इस के बावजूद काम उस तरह का नहीं बना जिस को फूल परूफ कहा जा सके। क्या इस बात को एन्जनियर्ज़ सोच नहीं सकते थे? और क्या वह इस मिट्टी को रोक नहीं सकते थे? दूसरे देशों में इस समस्या को हल करने के लिए चक्कर चलाए जाते हैं और मिट्टी जमा नहीं होती। इस बात को पहले ही से सोच कर उस का समाधान करना चाहिए था। बाहर से एन्जनियर्ज़ मंगवा कर या आप देख कर इन बातों का हल सोच लेना चाहिए था और उस पर अमल करना चाहिए था। इज़राईल वालों ने समुद्र को काबू कर लिया है। रेगस्तान में हरी भरी खेती नज़र आने लगी है। लेकिन हमारे यहां यह एक डैम को सही से तरतीब तक नहीं दे सके। सरकार

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[चौधरी बलबीर सिंह]

को ठीक ढंग से कार्रवाई करनी चाहिए थी जो यह नहीं कर सकी। जिस के नतीजा के तौर पर काम सही नहीं चल रहा और बिजली की कमी वाके हुई है। मैं इस सबंध में बासी साहिब को मिला था और कहा था कि हुशियारपुर में भाखड़ा के आने से पहले बिजली कंपनी की ओर से बिजली सप्लाई की जाती थी और उन का डीज़ल इन्जन चलता था तो अब जब कि बिजली की किल्लत है, इस इन्जन को चलाया जाए। आप ने कहा कि हदायतें जारी कर दी गई हैं। लेकिन कोई अमल नहीं हुआ और फिर इस बात को कमेटी में लेजाया गया तो हुक्म हुआ कि इन्जन चलाया जाए पर फिर भी दो में से एक को चलाया गया और एक को बेच दिया गया। तो अगर इस तरह की हालत इन के महकमा में हो तो काम किस तरह से चल सकता है। भाखड़ा से बिजली बनाने में अगर कोई रुकावटें थी तो उन्हें दूर कर देना चाहिए था। लेकिन बासी साहिब के महकमे ने कोई कोशिश तक नही की। पहले कहा था कि पानी आ जाएगा बर्फ पिघल जाएगी फिर कह दिया कि बर्फ पूरी रफतार से पिघल नहीं रही। मैं तो यह कहूंगा कि बर्फ को तोड़ने की मशीनें मंगवाई जा सकती हैं (हंसी)। इस में मज़ाक की बात नहीं, बर्फ को गिरा कर तोड़ा जा सकता है, नीचे लाया जा सकता है टैम्परेचर में फर्क डाला जा सकता है ताकि नीचे आ कर बर्फ जल्दी से पिघल सके। बाकी मुल्कों में इस तरह की कोशिश की गई है और वे कामयाब हुए हैं। इन सारी चीज़ों का हल हमारे पास अब नहीं है क्योंकि बासी साहिब कह देते हैं कि बिजली बोर्ड अटानोमस बाडी है इस लिए उन का दखल नहीं है। इस लिए मैं यह कहूंगा कि इस बिजली बोर्ड को फौरी तौर पर तोड़ दिया जाए। इस बात को जो पहले वजीर थे उन्होंने भी कहा था। कांग्रेस राज भी इस बात को कहा गया था। जो उस वक्त के मिनिस्टर थे उन्होंने कहा था कि बिजली बोर्ड को तोड़ दिया जाए ताकि इस हाऊस को पूरा अधिकार हो। अब यह है कि इस बोर्ड पर हमारा कोई अधिकार नहीं है। कोई रैज़ोल्यूशन किसी मैंबर की तरफ से आ गया और उस पर बहस कर ली या कोई रिपोर्ट बिजली बोर्ड के बारे में पेश हुई तो उस पर विचार कर लिया। अगर किसी बात पर एतराज़ करते हैं तो कहा जाता है कि यह अटानौमस बाडी है लेकिन अब हालात इस तरह के हो गए है कि हम कोई न कोई कार्रवाई करें।

जो सरकार की पुस्तक 'पंजाब आन दी मार्च 1970' है, उस में इस बात का जिक्र है कि नंगल फर्टेलाईज़र को 160 मैगावाट बिजली सपलाई की जाती है और दिल्ली को 107 और पंजाब को सिर्फ 97 मैगावाट। अब आप इस से ही अंदाज़ा लगा सकते हैं कि पंजाब के हिस्से अगर 97 मैगावाट बिजली ही आती हो तो किस ढंग से काम चल सकता है। यहां ही बस नहीं। नंगल फर्टेलाईज़र को कम रेट पर बिजली दी जाती हैं और जो खाद वह तैयार करते हैं उसकी कीमत ज्यादा ली जाती है और खाद में भी पंजाब को कोई फायदा नहीं होता। भाखड़ा बोर्ड में हम हिस्सेदार हैं लेकिन सलूक हम से इस तरह

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

का किया जा रहा है। दिल्ली को भी कम रेट पर बिजली सपलाई की जाती है। मैं किसी प्रांतिय भावना को यहां पर पैदा नहीं करना चाहता लेकिन मैं इतना तो जरुर कहूंगा कि बगैर इस तरह की प्रांतिय भावना को बीच में लाए बिजली को पंजाब तक ही महदूद कर दिया जाना चाहिए। क्योंकि दिल्ली में मर्कज़ की सरकार है इस लिए वहां पर वह और किसी तरीके से बिजली ले सकते हैं। यह बिजली जो दिल्ली को जाती है इस की पंजाब को जरुरत है और इस पर ही सारे पंजाब की एकानोमी डीपेंड करती है। बिजली न मिलने की वजह से पंजाब का काम ठीक तरीके से नहीं चल रहा। बिजली के न मिलने से यहां का इक्तसादी ढाँचा टूटा है। इस लिए मैं बासी साहिब से अनुरोध करूंगा कि वह इस चीज़ को कन्ट्रोल करें और पूरे ज़ोर से सुझावों पर अमल करें।

इस महकमे में जहां तक कुरप्शन का ताल्लुक है, इस में इन्हे आप ध्यान देने की जरुरत है। बिजली वालों की धक्केशाही चलती है और हर जगह पैसा चलता है। बातें मैं आप बासी साहिब के नोटिस में ले गया पर नीचे के अफसर कहते हैं कि जब तक रिश्वत न होगी काम नहीं बनेगा। हरेक को कनैक्शन लेने के लिए पैसे देने पड़ते हैं। एक गांव के बारे में मैं मंत्री महोदय के नोटिस मैं लाया था कि गांव में सब को कहा गया कि फिटिंग करवा लो, उन्होंने फिटिंग करवा ली और फिर कहा कि हम फलां तारीख को आएंगे और कनैक्शन दे जाएंगे लेकिन बाद में जब वह तारीख आई तो हरेक से 10,10 रुपए मांग लिए गए कि इतने रुपए प्रति घर दोगे तो कनैक्शन दिया जाएगा। गांव वालों ने नहीं दिए और कहा गया कि अगर न दें तो क्या होगा? जवाब आया कि बिजली नहीं मिलेगी और लिख कर भेज दिया कि फलां जगह पर फिटिंग ठीक नहीं इस की दोबारा टैस्ट रिपोर्ट पेश करो और इस तरह से हरेक के नई टैस्ट रिपोर्ट लेने के लिए 50 रुपए खर्च करवा दिए गए। गांव वालों ने पैसे नहीं दिए और अभी तक कनैक्शन नहीं दिए गए। दितों गांव का यह वाका है और उन को कहा गया कि चाहे कितना ज़ोर लगा लो कनैक्शन तब तक नहीं मिलेगा जब तक पैसे नहीं दिए जाएंगे। हर आदमी इन के रहम पर है, जिस वक्त चाहते हैं बिजली बंद कर देते हैं और जिस वक्त चाहें शुरु कर देते हैं। इस लिए मैं इस बात पर ज़ोर दूंगा कि सरकार इस बारे सख्त कारवाई करें ताकि लोगों के घरों तक बिजली पहुंच सके और जो भाखड़ा में पानी की कमी है इस को दूर करने के लिए जल्द से जल्द कार्रवाई करनी चाहिए ताकि बिजली की शार्टेज का मसला हल हो सके।

इस के लिये हज़ारो तरीके निकल सकते हैं। जहां तक थर्मल प्लाँट का सवाल है इसको भी जितना जल्दी से जल्दी चलाया जा सकता है चलाया जाना चाहिये। इसके लिये अगर पैसे की जरूरत पड़े तो सैंटर की सरकार का मुंह देखने की ज़रूरत नहीं, जितना पैसा दरकार हो पंजाब के लोग देने को तैयार हैं। सरकार को चाहिये की वह बिजली के मसले को प्रायरटी दे ताकि पंजाब के लोग खुश हों।

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ: (ਫੂਲ) ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਅਜ ਅਸੀਂ ਇਕ ਬੜੇ ਅਹਿਮ ਮੁਆਮਲੇ ਤੇ ਡਿਸਕਸ਼ਨ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਚੌਧਰੀ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਦਸਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਬਿਜਲੀ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ]

ਬੋਰਡ ਵਾਲੇ ਕੀ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਤੋਂ ਬਿਜਲੀ ਲੈ ਕੇ ਸਸਤੇ ਰੇਟ ਤੇ ਨੰਗਲ ਕਾਰਖਾਨੇ ਨੂੰ ਪਹਿਲਾਂ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਫੇਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਆਪਣੇ ਵਾਸਤੇ ਖਾਦ ਮਹਿੰਗੇ ਰੇਟ ਤੇ ਬਿਜਲੀ ਲੈਂਦੀ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣ ਵਾਲੇ ਹਾਂ, ਇਸ ਲਈ ਸਾਰਾ ਪਰਾਫਿਟ ਸਾਨੂੰ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਨੂੰ ਘਟ ਕੀਮਤ ਤੇ ਸਾਰੇ ਸੂਬੇ ਵਿਚ ਬਿਜਲੀ ਸਪਲਾਈ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਪਹਿਲਾਂ ਆਪਣੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਪੂਰੀ ਕਰਕੇ ਫੇਰ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਸਟੇਟ ਨੂੰ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਫੇਰ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਕੀ ਹਾਲਾਤ ਹੈ ? ਪਹਿਲਾਂ ਤਾਂ ਬੜੀ ਮੁਸ਼ਕਲ ਨਾਲ ਹਫਤੇ ਵਿਚ ਬਿਜਲੀ ਆਉਂਦੀ ਹੀ ਦੋ ਦਿਨ ਹੈ। ਫੇਰ ਜੇ ਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਆਫ ਬੜੀ ਜਲਦੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਕਿਸਾਨ ਆਪਣੇ ਖੇਤ ਨੂੰ ਸੈਰਾਬ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਲੇਬਰ ਲੈ ਕੇ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਪਰ ਬਿਜਲੀ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਣ ਕਰਕੇ ਨਾ ਕੋਈ ਕੰਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਲੇਬਰ ਜੁਦਾ ਉਸ ਦੇ ਗਲ ਪੈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਤਾਂ ਅਸੀਂ ਇਹ ਆਮ ਪਰਚਾਰ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਮੁਲਕ ਦੇ ਵਿਚ ਗਰੀਨ ਰੈਵੋਲੀਊਸ਼ਨ ਲਿਆ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਪਰ ਜ਼ਿਮੀਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਸਹੂਲਤਾਂ ਦੇਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਅਸੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਮੁਸ਼ਕਲਾਂ ਵਿਚ ਪਾ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਜਦੋਂ ਇਤਨਾ ਪੈਸਾ ਖਰਚ ਕਰਕੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਟੀਊਬਵੈੱਲ ਲਗਾਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਨੂੰ ਨਾਲ ਦੀ ਨਾਲ ਬਿਜਲੀ ਦਾ ਵੀ ਕਨੈਕਸ਼ਨ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਪਰ ਮਹੀਨੇ ਲੰਘ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਕਨੈਕਸ਼ਨ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਕਬਜ਼ੇ ਵਿਚ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦਾ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। 24 ਤਰੀਖ ਨੂੰ ਇਕ ਸੈਂਟਰ ਅਤੇ ਸਟੇਟ ਵਿਚ ਕਨਫਲਿਕਟ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਇਕ ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਆਇਆ ਸੀ। ਸਟੇਟ ਅਤੇ ਸੈਂਟਰ ਵਿਚ ਕਨਫਲਿਕਟ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਹੁਣ ਤਾਂ ਕਾਂਗਰਸ ਵਾਲੇ ਵੀ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਕਾਲੀ ਭਾਈਆਂ ਨੂੰ ਸਪੋਰਟ ਕਰਦੇ ਹਨ ਫੇਰ ਉਹ ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਦੇ ਬਾਰੇ ਕਿਉਂ ਕੋਈ ਸ਼ਲਾਘਾਯੋਗ ਕਦਮ ਨਹੀਂ ਪੁਟਦੇ ਤਾਂਕਿ ਇਹ ਹਮੇਸ਼ਾ ਦਾ ਝਗੜਾ ਹੀ ਮੁਕ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਇਹ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕੰਟਰੋਲ ਦੇ ਹੇਠ ਆ ਜਾਵੇ। ਸਾਡੇ ਸੂਬੇ ਦੇ ਵਿਚ ਹੀ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਇਤਨੀ ਡੀਮਾਂਡ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਇਸ ਯੋਗ ਨਹੀਂ ਕਿ ਕਿਸੇ ਦੂਸਰੀ ਸਟੇਟ ਨੂੰ ਦੇ ਸਕੀਏ। ਫੇਰ ਗਰੀਨ ਰੈਵੋਲਿਊਸ਼ਨ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰਕੇ ਤਾਂ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਡੀਮਾਂਡ ਹੋਰ ਵੀ ਵਧ ਗਈ ਹੈ।

ਇੰਡਸਟਰੀ ਦੇ ਮੁਤਾਲਿਕ ਵੀ ਮੈਂ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਦੇਂਦਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਵਾਲੇ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇੰਡਸਟਰੀ ਦੇ ਲਈ ਨਵੇਂ ਕਨੈਕਸ਼ਨ ਤਾਂ ਦਿਤੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦੇ। ਫੇਰ ਮਾਲਕ ਲਗੇ ਹੋਏ ਕਾਰਖਾਨਿਆਂ ਵਿਚ 50 ਤੋਂ ਵਧ ਵਰਕਰ ਨਹੀਂ ਰਖਦੇ ਕਿਉਂ ਜੇ ਬਿਜਲੀ ਬੰਦ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਲੇਬਰ ਨੂੰ ਮਾਲਕ ਪੈਸੇ ਨਹੀਂ ਦੇਂਦੇ ਕਿ ਇਤਨਾ ਅਰਸਾ ਬਿਜਲੀ ਬੰਦ ਰਹੀ ਹੈ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਹ ਜਿਹੜੀ ਲੇਬਰ ਅਤੇ ਮਾਲਕ ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ ਖਿਚੋਤਾਨੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਇਸ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਇੰਡਸਟਰੀ ਨੂੰ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਲੇਬਰ ਨੂੰ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਘਾਟ ਪੂਰੀ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਥੇਈਂ ਡੈਮ ਤਿਆਰ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਪਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਥਰਮਲ ਪਲਾਂਟ ਜਿਹੜਾ ਮਿਲਿਆ ਹੈ ਇਹ ਵੀ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਸਾਨੂੰ ਮਿਲ ਗਿਆ ਹੈ। ਜੇ ਕਿਤੇ ਕਾਗਜ਼ੀ ਕਾਰਵਾਈਆਂ ਦੇ ਵਿਚ ਪਏ ਰਹਿੰਦੇ ਤਾਂ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਸੀ। ਇਸ ਲਈ ਬਾਜ਼ੀ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਸੈਂਟਰ ਤੇ ਥੇਈਂ ਡੈਮ ਲਈ ਵੀ ਜ਼ੋਰ ਪਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਬਿਜਲੀ ਦਾ ਘਾਟਾ ਪੂਰਾ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਸਾਰੇ ਮੁਲਕ ਦੀ ਇਕਨੌਮੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋਡਕਸ਼ਨ ਦਾ ਜੁੜਿਆ ਹੋਇਆ ਸਵਾਲ ਹੈ। ਬਿਜਲੀ ਚੀਪ ਰੇਟ ਤੇ ਮਿਲਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਫੇਰ ੭-10 ਵਜੇ ਸ਼ਾਮ ਨੂੰ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਵੋਲਟੇਜ ਇਤਨੀ ਲੋ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਬੱਚੇ ਠੀਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੜ੍ਹ ਵੀ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ। ਜਦੋਂ ਪੂਰੀ ਰੋਸ਼ਨੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਬਚੇ ਸੌਂ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਚਿਆਂ ਦੀ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਸਟਡੀ ਦੇ ਵਿਚ ਵੀ ਬੜਾ ਨੁਕਸਾਨ ਪਹੁੰਚਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਵੀ ਇਕ ਭਾਰੀ ਨੁਕਸ ਹੈ ਕਿ ਬਿਜਲੀ ਪੰਜ ਪੰਜ ਮਿੰਟ ਦੇ ਬਾਅਦ ਫੇਲ੍ਹ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਤਾਰਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਨੁਕਸ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਐਸਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਪਰ ਇਹ ਨੁਕਸ ਵੀ ਦੂਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਇਥੇ ਜਦੋਂ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਸਾਹਿਬ ਦੀ 500 ਸਾਲਾ ਸ਼ਤਾਬਦੀ ਮਨਾਈ ਸੀ ਤਾਂ ਇਹ ਬਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਸੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਹਰ ਘਰ ਦੇ ਵਿਚ ਬਿਜਲੀ ਦੇਵਾਂਗੇ (ਇਕ ਆਨਰੇਬਲ ਮੈਂਬਰ : ਤਖਤੂਪੁਰੇ ਤਾਂ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਹੈ।) ਮੈਂ ਇਕੱਲੇ ਤਖਤੂਪੁਰੇ ਦੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ, ਮੈਂ ਇਹ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਿਆਨ ਉਹ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜੋ ਪ੍ਰੈਕਟੀਕੇਬਲ ਹੋਵੇ। ਇਹ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਮਾਡਲ ਵਿਲੇਜ ਦੇਵਾਂਗੇ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਹਰ ਪਿੰਡ ਨੂੰ ਲਿੰਕ ਰੋਡਜ਼ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਮਿਲਾ ਦਿਓ। 15-20 ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਮਿਲਣ ਤੇ ਇਹ ਆਪੇ ਹੀ ਮਾਡਲ ਵਿਲੇਜ ਬਣ ਜਾਣਗੇ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਕਰੋ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਰਾਹੀਂ ਕਿਸੇ ਸਕੀਮ ਨੂੰ ਅਮਲੀ ਰੂਪ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਸਕੇ। ਤੁਸੀਂ ਆਪ ਹੀ ਸੋਚੋ ਇਕ ਪਿੰਡ 30 ਕੋਹ ਤੇ ਹੈ, ਦੂਸਰਾ 40 ਕੋਹ ਤੇ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਆਪਸ ਦੇ ਵਿਚ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਲੀਹ ਖਿਚੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਬਿਜਲੀ ਤਾਂ ਮੌਜੂਦਾ ਇੰਡਸਟਰੀ ਅਤੇ ਟਿਊਬਵੈਲ ਚਲਾਉਣ ਲਈ ਵੀ ਪੂਰੀ ਨਹੀਂ ਫੇਰ ਇਹ ਕਿਧਰੋਂ ਆ ਜਾਣੀ ਹੈ। ਬਿਜਲੀ ਦਾ ਬਾਰ ਬਾਰ ਚਲਿਆ ਜਾਣਾ, ਤਾਰਾਂ ਦਾ ਨੁਕਸ, ਇਹ ਕਨਜ਼ਯੂਮਰ ਦੇ ਖਰਚ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਜੇਕਰ ਬਿਜਲੀ ਪਲੈਨਿੰਗ ਕਰਕੇ ਵਰਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਲਾਭ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਦੇ ਵਿਚ ਜੇ ਬਿਜਲੀ ਬੰਦ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਬੜੀ ਮੁਸ਼ਕਲ ਦੇ ਨਾਲ 5-7 ਮਿੰਟ ਹੀ, ਪਰ ਪਿੰਡਾਂ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਕਈ ਕਈ ਦਿਨ ਬਿਜਲੀ ਨਾ ਆਉਣ ਦੇ ਐਲਾਨ ਮਿਲਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਵਿਚ ਇਤਨਾ ਅਨ੍ਹੇਰ ਹੈ ਕਿ ਕੋਈ ਪੁਛ ਵੀ ਨਹੀ। ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਠੀਕ ਪ੍ਰਬੰਧ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਲੋਕਾਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕਨੈਕਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਪੈਸੇ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਵਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਪਰ ਕਨੈਕਸ਼ਨਾਂ ਲਈ ਉਹ ਪਿਛੇ ਪਿਛੇ ਮਹੀਨਿਆਂ ਬਧੀ ਫਿਰਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਨਹਿਰਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਘਾਟ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਵਾਸਤੇ ਹੋਰ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟਸ ਵੀ ਬਣਾਏ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਹਿਮਾਚਲ ਦਾ ਥੇਈਂ ਡੈਮ ਕਾਫੀ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਪਰ ਅਫਸੋਸ ਇਸ ਗਲ ਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦਾ ਭਲਾ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੀ। ਜੇ ਇਹ ਸਰਕਾਰ ਮੁਲਕ ਦੀ ਪ੍ਰੋਡਕਸ਼ਨ ਵਧਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਅਤੇ ਖਾਦ ਦੀ ਆਮ ਸਪਲਾਈ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨਾ ਪਵੇਗਾ, ਟਰੈਕਟਰ ਆਮ ਕਰਨੇ ਹੋਣਗੇ। ਪ੍ਰੋਡਕਸ਼ਨ ਦੇ ਲਿਹਾਜ ਨਾਲ ਹੁਣ ਵੀ ਪੰਜਾਬ ਸਾਰਿਆਂ ਸੂਬਿਆਂ ਨੂੰ ਲੀਡ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਜੇ ਇਸ ਦੀ ਹੋਰ ਇਮਦਾਦ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਹਰੇ ਇਨਕਲਾਬ ਦੇ ਵਿਚ ਹੋਰ ਵੀ ਵਾਧਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਟਰੈਕਟਰਾਂ ਦੀ ਸਪਲਾਈ ਵਿਚ 10-10 ਹਜ਼ਾਰ ਦੀ ਬਲੈਕ ਚਲਦੀ ਹੈ। ਜੇ ਐਮ. ਐਲ ਏਜ਼ ਤੇ ਵਜ਼ੀਰ ਹੀ ਸਾਰੇ ਟਰੈਕਟਰ ਲਈ ਜਾਣ ਤਾਂ ਇਹ ਚੰਗਾ ਨਹੀਂ। ਐਮ. ਐਲ. ਏਜ਼. ਅਤੇ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਦੇ ਕੋਟੇ ਬਧੇ ਹਨ। ਟਰੈਕਟਰਾਂ ਦੀ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਬਲੈਕ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਹ ਕੋਈ ਚੰਗੇ ਇਖਲਾਕ ਵਾਲੀ ਗਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਟਰੈਕਟਰਾਂ ਦੇ ਕੋਟੇ ਵਿਚੋਂ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਅਤੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ 5% ਕੋਟਾ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਟਰੈਕਟਰਾਂ ਦੀ ਬਲੈਕ ਖਤਮ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਵਜ਼ੀਰਾਂ ਅਤੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਕੋਟੇ ਵੀ ਆਮ ਕਿਸਾਨਾਂ ਵਿਚ ਤਕਸੀਮ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।

ਇਕ ਮਾਨਯੋਗ ਮੈਂਬਰ : ਇਹ ਤਾਂ ਬਜਟ ਤੇ ਜਨਰਲ ਬਹਿਸ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ।

ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ : ਮੈਂ ਬਜਟ ਤੇ ਬੋਲਦੇ ਹੋਏ ਵੀ ਬਿਜਲੀ ਬਾਰੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਪਰ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਕਾਮਰੇਡ ਬਾਬੂ ਸਿੰਘ ਮਾਸਟਰ]

ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨਾਲ ਕੋਈ ਹਮਦਰਦੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਕਹਿੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਿਜਲੀ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਦਾ ਮਸਲਾ ਵਾਰ ਲੇਬਲ ਤੇ ਹਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਧਰ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਮੁਫਤ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਤੇ ਉਧਰ ਸਾਡੇ ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਚੀਕਦੇ ਹਨ ਕਿ ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ। ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨ ਲਈ ਵੀ ਦਰਖਾਸਤਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਹਨ ਪਰ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੇ। 6 ਹਜ਼ਾਰ ਰੁਪਿਆ ਵੀ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਵਾ ਦਿਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਪਰ ਫਿਰ ਵੀ ਟਿਊਬਵੈਲ ਲਈ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੇ। ਮੈਂ ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬ ਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿ ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਮਿਲ ਕੇ ਥੀਨ ਡੈਮ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਲਈ ਸੈਂਕਸ਼ਨ ਲੈ ਲਵੇ। ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਥਰਮਲ ਪਲਾਂਟ ਜ਼ਬਰਦਸਤੀ ਬਨਾਉਣਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ ਸੀ ਤੇ ਪਿਛੋਂ ਆਪੇ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਆ ਗਈ ਸੀ, ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਥੀਨ ਡੈਮ ਵੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇ। ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਅੱਜ ਕਲ ਤਾਂ ਵੈਸੇ ਵੀ ਹਾਲਾਤ ਚੰਗੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਮੌਕੇ ਤੋਂ ਵਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਫਾਇਦਾ ਉਠਾ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਮਹੀਨੇ ਬੜੇ ਕ੍ਰੂਸ਼ੀਅਲ ਹਨ, ਪਤਾ ਨਹੀਂ ਕਦੋਂ ਡਿਫੈਕਸ਼ਨ ਹੋ ਜਾਵੇ, ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਵਕਤ ਜਿਤਨੇ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਕੰਸੈਸ਼ਨ ਸੈਂਟਰ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਲੈ ਸਕਦੇ ਹੋ ਲੈ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।

ਸਰਦਾਰ ਸ਼ਸ਼ਪਾਲ ਸਿੰਘ (ਮਜੀਠਾ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਬਿਜਲੀ ਦਾ ਮਸਲਾ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਬੜਾ ਗੰਭੀਰ ਮਸਲਾ ਹੈ। ਡਿਵੈਲਪਿੰਗ ਕੰਟਰੀਜ਼ ਵਿਚ ਬਿਜਲੀ ਬੜਾ ਅਹਿਮ ਪਾਰਟ ਅਦਾ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸ਼ੱਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਬੜੀ ਕਠਨਾਈ ਹੈ। ਮੈਂ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇੰਡਸਟਰੀ ਨੂੰ ਬਿਜਲੀ ਪੂਰੀ ਸਪਲਾਈ ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ। ਜਿਹੜੀਆਂ ਤਾਂ ਵਡੀਆਂ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਹਨ, ਵਡੇ ਇੰਡਸਟਰੀਲਿਸਟ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਤਾਂ ਆਪਣੇ ਜਨਰੇਟਰ ਪਲਾਂਟਸ ਲਗਾਏ ਹੋਏ ਹਨ ਜਦੋਂ ਬਿਜਲੀ ਬੰਦ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਆਪਣਾ ਪਲਾਂਟ ਚਾਲੂ ਕਰ ਲੈਂਦੇ ਹਨ। ਪਰ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਜੋ ਛੋਟੇ ਸਕੇਲ ਦੀਆਂ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਘੱਟ ਸਪਲਾਈ ਨਾਲ ਬੜਾ ਫਰਕ ਪੈਂਦਾ ਹੈ।

ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਐਗਰੀਕਲਚਰ ਨੂੰ ਵੀ ਬਿਜਲੀ ਦੇ ਸਪਲਾਈ ਨਾ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਣ ਬੜਾ ਨੁਕਸਾਨ ਉਠਾਉਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਇਸ ਤੋਂ ਬੜੇ ਬੇਜ਼ਾਰ ਹਨ। ਤੁਸੀਂ ਵੀ ਤਾਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਹੋ, ਤੁਸੀਂ ਜਾਣਦੇ ਹੀ ਹੋ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਬਿਜਲੀ ਨਾ ਮਿਲਣ ਕਰਕੇ ਕਿਤਨੀ ਤਕਲੀਫ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਬਿਜਲੀ ਨਾ ਮਿਲਣ ਕਰਕੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਜੋ ਨੁਕਸਾਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਉਸ ਨੂੰ ਬੜੇ ਵਿਸ਼ਾਲ ਹਿਰਦੇ ਨਾਲ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਕਰਦੇ ਹਨ।

ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਤੋਂ ਬਾਦ ਸ਼ਹਿਰੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਬਿਜਲੀ ਅੱਜ ਇਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਚੀਜ਼ ਹੈ। ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਘਰੇਲੂ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਿਚ ਇਸ ਦਾ ਇਕ ਅਹਿਮ ਹਿਸਾ ਹੈ। ਕੂਲਰਾਂ ਲਈ, ਏਅਰ ਕੰਡੀਸ਼ਨਾਂ ਲਈ ਜਾਂ ਘਰਾਂ ਦੀ ਸਫਾਈ ਲਈ ਇਸ ਦੀ ਬੜੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਪਰ ਇਹ ਬੜੇ ਅਫਸੋਸ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਸ਼ਾਰਟ ਸਪਲਾਈ ਦਾ ਘਰਾਂ ਤੇ ਵੀ ਬੜਾ ਅਸਰ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਮੈਂ ਇਹ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਸ਼ਾਰਟ ਸਪਲਾਈ ਕਦੋਂ ਤੋਂ ਹੈ। ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਐਕਸਪੀਰੀਐਂਸ ਦੇ ਨਾਲ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹਾਂ ਕਿ 1964-65 ਵਿਚ ਮੈਂ ਟਿਊਬਵੈਲ ਦੇ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨ ਦੇ ਲਈ ਅਪਲਾਈ ਕੀਤਾ। ਜਦੋਂ ਬੜੀ ਮੁਸ਼ਕਲ ਦੇ ਨਾਲ ਕੁਨੈਕਸ਼ਨ ਮਿਲਿਆ ਤਾਂ ਮੇਰੇ ਤੇ ਇਹ ਕੰਡੀਸ਼ਨ ਇਹ ਲਾਈ ਗਈ ਕਿ ਮੈਂ ਸਿਰਫ ਰਾਤ ਨੂੰ ਹੀ ਚਲਾਵਾਂ, ਦਿਨੇ ਨਾ ਚਲਾਵਾਂ। ਸੋ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਇਹ ਕਮੀ ਹੁਣ ਦੀ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ 1963-64

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਕਿਸੇ ਢੰਗ ਨਾਲ ਹੀ ਮੌਜੂਦਾ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੀ । ਜਦੋਂ ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਬਣ ਰਿਹਾ ਸੀ ਤਾਂ ਕਾਂਗਰਸ ਦੇ ਆਗੂ ਆਖਦੇ ਸੀ ਕਿ ਇਤਨੀ ਜ਼ਿਆਦੀ ਬਿਜਲੀ ਪੈਦਾ ਹੋਵੇਗੀ ਕਿ ਜਦੋਂ ਤਕ ਇਲੈਕਟ੍ਰਿਕ ਟ੍ਰੇਨਾਂ ਨਾ ਚਲਣਗੀਆਂ, ਇਸ ਦੀ ਖਪਤ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ । ਇਹ ਬਿਜਲੀ ਸਾਨੂੰ ਮਜਬੂਰਨ ਬਾਹਰ ਦੇਣੀ ਪਏਗੀ । ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਇਹ ਅੰਦਾਜ਼ੇ ਗ਼ਲਤ ਸਾਬਤ ਹੋਏ ਅਤੇ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਥੁੜ ਪੈਦਾ ਹੋ ਗਈ ਕਿਉਂਕਿ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀ ਬਿਜਲੀ ਬਾਹਰ ਦੇਣੀ ਪੈ ਗਈ ਸੀ । ਸੋ ਮੇਰੇ ਕਹਿਣ ਦਾ ਮਤਲਬ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਨੁਕਸ ਪੁਰਾਣਾ ਹੈ ਅਤੇ ਕੋਈ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵੇਲੇ ਨਹੀਂ ਪਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਇਸ ਦੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵੀ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਨਹੀਂ ਆ ਸਕਦੀ । ਫਿਰ ਸ਼ਾਰਟ ਸਪਲਾਈ ਦੀ ਗਲ ਹੈ । ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਤਾਰਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਦੇਖੋ । ਤਾਰਾਂ ਤੇ ਕਾਫ਼ੀ ਸਟਰੇਨ ਹੈ । ਜਿਹੜੇ ਇਸ ਮਹਿਕਮੇ ਦੇ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵੀ ਬਹੁਤ ਬੁਰਾ ਹਾਲ ਹੈ । ਤਾਰਾਂ ਵੀ ਓਵਰ ਲੋਡਿਡ ਹਨ । ਜੇ ਜ਼ਰਾ ਲੋਡ ਵਧ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਟਰਾਂਸਫਾਰਮਰ ਸੜ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ ਰੁਕ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਣ ਕੀ ਹੈ ਇਸ ਦਾ ਕਾਰਣ ਗ਼ਲਤ ਪਲਾਨਿੰਗ ਹੈ । ਮੈਂ ਇਹ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪਿਛਲੀਆਂ ਕਾਂਗਰਸ ਸਰਕਾਰਾਂ ਦੀ ਗ਼ਲਤ ਪਲੈਨਿੰਗ ਦੇ ਕਾਰਣ ਇਹ ਨਤੀਜੇ ਹੁਣ ਸਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆ ਰਹੇ ਹਨ । ਸ਼ਾਇਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਲੋੜ ਦਾ ਅੰਦਾਜ਼ਾ ਘਟ ਲਾਇਆ ਸੀ, ਪਰ ਜੋ ਕੁਝ ਵੀ ਹੋਵੇ ਇਹ ਨੁਕਸ ਕੋਈ 2, 4 ਸਾਲਾਂ ਦਾ ਨਹੀਂ ਪਿਆ ਹੋਇਆ । ਹੁਣ ਜੇ ਇਸ ਦਾ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਇਸ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਠਹਿਰਾਇਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਇਹ ਬੜੀ ਬੇਬੁਨਿਆਦ ਗਲ ਹੋਵੇਗੀ ।

ਹੁਣ ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਭ ਤੋਂ ਇੰਪੋਰਟੈਂਟ ਗਲ ਵਲ ਆਉਂਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਦੀ ਘਾਟ ਪੂਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ । ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਥਰਮਲ ਜਨਰੇਟਰ ਕੰਸਟਰਕਟ ਕਰਕੇ ਅਤੇ ਇਸ ਦੀ ਕੰਜ਼ਪਸ਼ਨ ਦੀ ਪੂਰੀ ਡੀਟੇਲ ਵਰਕ ਆਊਟ ਕਰਕੇ ਇਕ ਸਹੀ ਪਲੈਨਿੰਗ ਬਣਾ ਕੇ ਇਸ ਦੀ ਘਾਟ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ।

ਅੰਤ ਵਿਚ ਮੈਂ, ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਮਾਂ ਨਾ ਲੈਂਦਾ ਹੋਇਆ, ਆਪ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਮੈਨੂੰ ਬੋਲਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਦਿਤਾ ਹੈ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੱਖਣ) : ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ, ਸਾਡੇ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਘਰੇਲੂ, ਕਾਰੋਬਾਰੀ, ਜ਼ਰਈ ਅਤੇ ਸੱਨਅਤੀ ਸਾਰੇ ਸਫੀਅਰਾਂ ਵਿਚ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਸ਼ਾਰਟ ਸਪਲਾਈ ਦਾ ਬੁਰਾ ਅਸਰ ਪਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਦਾ ਅਸਰ ਸਾਰੇ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਇਕੋਨੋਮੀ ਤੇ ਵੀ ਪੈਂਦਾ ਹੈ । ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਬਿਜਲੀ ਮਹਿਕਮੇ ਦੀ ਆਪਣੀ ਇਕ ਰਿਪੋਰਟ ਹੈ । ਇਸ ਵਿੱਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਫਿਊਚਰ ਵਿੱਚ ਅਸੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਰੱਕੀ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ । ਇਸ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਅਮਰੀਕਾ ਦੀ ਪੱਧਰ ਉਤੇ ਪੁੱਜਣ ਵਿਚ ਸਾਨੂੰ 218 ਸਾਲ ਲਗਣਗੇ, ਫਿਲਪਾਇਨ ਦੀ ਪੱਧਰ ਤੇ ਪਹੁੰਚਣ ਲਈ 98 ਸਾਲ, ਇਟਲੀ ਦੀ ਪੱਧਰ ਤੇ ਪੁੱਜਣ ਲਈ 88 ਸਾਲ ਲਗਣਗੇ । ਇਹ ਹਾਲਤ ਹੈ ਅੱਜ ਦੀ ਪ੍ਰੋਗਰੈਸ ਦੀ ਕਿ ਯੂ. ਐਸ. ਏ. ਦੀ ਪੱਧਰ ਤਕ ਪਹੁੰਚਣ ਲਈ ਸਾਨੂੰ 218 ਸਾਲ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਤਾਂ ਇਹੋ ਹੀ ਕਹਾਂਗਾ ਕਿ :

"ਤੇਰਾ ਤਨ ਰੂਹ ਸੇ ਨਾ-ਆਸ਼ਨਾ ਹੈ ।
ਅਜਬ ਕਿਆ ਹੈ, ਆਹ ਤੇਰੀ ਨਾ-ਰਸਾਂ ਹੈ ।
ਤਨੇ ਬੇਰੂਹ ਸੇ ਬੇਜ਼ਾਰ ਹੈ ਹਕ,
ਖ਼ੁਦਾਏ ਜ਼ਿੰਦਾਂ, ਜ਼ਿੰਦੋਂ ਕਾ ਖ਼ੁਦਾ ਹੈ ।"

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ]

ਇਸ ਵੇਲੇ ਜੋ ਸਾਡੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਹੈ, ਉਹ ਕਾਬਲੇ ਰਹਿਮ ਹੋਈ ਹੋਈ ਹੈ । (ਵਿਘਨ) ਜਿਥੋਂ ਤਕ ਗਵਰਨਮੈਂਟ ਦੇ ਸੋਚਣ ਦਾ ਤਾਲੁਕ ਹੈ, ਇਸ ਵਿਚ ਵੀ ਕਮੀਆਂ ਹਨ । ਪਹਿਲਾਂ ਲਾਗੂ ਸਕੀਮਾਂ ਦੀ ਪਲੈਨਿੰਗ ਨਾਕਸ ਹੋਈ ਹੋਈ ਹੈ, ਅੱਗੇ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਸਕੀਮਾਂ ਬਾਰੇ ਵੀ ਬਹੁਤੀ ਚੰਗੀ ਆਸ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ।

ਚੌਧਰੀ ਕੇਵਲ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ : ਇਸ ਵੇਲੇ ਕੋਰਮ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜੀ ।

ਇਕ ਆਵਾਜ਼ : ਕੋਰਮ ਹੈ ਜੀ ।

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਤੋਂ ਮੈਂ ਅਰਜ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਗੱਲ ਵੇਖਣ ਵਿਚ ਆਈ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲੀ ਪਲੈਨਿੰਗ ਡਿਫੈਕਟਿਵ ਹੈ ਅਤੇ ਫਰਦਰ ਪਲੈਨਿੰਗ ਦਾ ਇਰਾਦਾ ਵੀ ਨਾਕਸ ਹੈ । ਜਿਹੜੀ ਇਹ ਫੀਊਚਰ ਵਿਚ ਗਲ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਉਹ ਵੀ ਡਿਫੈਕਟਿਵ ਪਾਲਿਸੀ ਹੈ । ਇਸ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਇਹ ਖੁਦ ਤਸਲੀਮ ਕਰਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਤਾਂ ਅਸੀਂ 218 ਸਾਲ ਤੱਕ ਵੀ ਅਮਰੀਕਾ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਤੇ ਨਹੀਂ ਪਹੁੰਚ ਸਕਦੇ । ਇਸ ਦੀ ਪਲੈਨਿੰਗ ਜਿੰਨੀ ਵੀ ਹੈ ਇਹ ਸਾਰੀ ਨਾਕਸ ਹੈ, ਇਸ ਦੀ ਸਾਰੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਸੈਂਟਰਲ ਗੌਰਮੈਂਟ ਤੇ ਹੈ । ਲੇਕਿਨ ਸਾਡੇ ਆਪਣੇ ਅੰਦਰ ਵੀ ਜੋ ਕਾਬਲੀਅਤ ਹੈ, ਅਸੀਂ ਉਸ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਵੀ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਾਂ । ਜ਼ਿਮੀਂਦਾਰ ਨੂੰ, ਕਾਰਖਾਨੇਦਾਰ ਨੂੰ, ਕਿਸਾਨ ਨੂੰ, ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਨ ਵਾਲੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ, ਦੁਕਾਨਦਾਰਾਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਅਜਿਹੀਆਂ ਹੀ ਥਾਵਾਂ ਤੇ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਘਾਟ ਕਰਕੇ ਬੜੀ ਔਕੜ ਪੇਸ਼ ਆ ਰਹੀ ਹੈ । ਜਿਵੇਂ ਕਿ :

"ਕੋਈ ਗੁਲ ਨਹੀਂ ਹੈ ਐਸਾ ਨਾ ਹੋ ਜਿਸਕਾ ਚਾਕ ਦਾਮਨ,
ਵੋਹ ਬਹਾਰ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ ਜੋ ਨਾ ਹੋ ਸਕਾ ਖਜ਼ਾਂ ਸੇ"

ਇਹ ਕਮੀ ਸਾਡੀ ਪਲੈਨਿੰਗ ਦੀ ਮੇਹਰਬਾਨੀ ਨਾਲ ਹੋਈ ਹੈ । ਉਹ ਸ਼ਾਇਦ ਇਹ ਕਮੀ ਕਿਸੇ ਵੇਲੇ ਵੀ ਨਾਂ ਦੂਰ ਹੋ ਸਕੇ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਾਲਿਸੀ ਡਿਫੈਕਟਿਵ ਹੈ ।

ਇਕ ਆਵਾਜ਼ : ਇਸ ਵੇਲੇ ਕੋਰਮ ਨਹੀਂ ਹੈ ਜੀ । (ਇਸ ਵੇਲੇ ਘੰਟੀ ਵਜਾਈ ਗਈ । ਕੋਰਮ ਪੂਰਾ ਨਾਂ ਹੋਣ ਤੇ ਦੁਬਾਰਾ ਘੰਟੀ ਵਜਾਈ ਗਈ ਪਰ ਕੋਰਮ ਫੇਰ ਵੀ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਿਆ)

ਸਰਦਾਰ ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ : ਵਜ਼ੀਰ ਸਾਹਿਬਾਨ ਵਲੋਂ ਦੀਦਾ ਦਾਨਿਸਤਾ ਕੋਰਮ ਘਟਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ ।

ਸ੍ਰੀ ਚੇਅਰਮੈਨ : ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਨਸ਼ਾ ਹੈ, ਇਹ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦਾ । (I can't say anything about their intention.)

ਕਾਮਰੇਡ ਦਰਸ਼ਨ ਸਿੰਘ ਝਬਾਲ : ਮਨਿਸਟਰਜ਼ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਚਲੇ ਗਏ ਹਨ । ਬੜੇ ਅਫਸੋਸ ਦੀ ਗਲ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਪਤਾ ਲਗਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਨੂੰ ਇਹ ਕਿੰਨੀ ਸੰਜੀਦਗੀ ਨਾਲ ਲੈ ਰਹੇ ਹਨ ।

ਸ੍ਰੀ ਗਿਆਨ ਚੰਦ ਖਰਬੰਦਾ : ਇਹ ਜਾਣ ਬੁਝ ਕੇ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ । ਖੁਦ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਅਤੇ ਸਪੀਕਰ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਇਸ ਵਾਸਤੇ ਟਾਈਮ ਫਿਕਸ ਕੀਤਾ ਸੀ ਅਤੇ ਗੌਰਮੈਂਟ ਨੇ ਖੁਦ ਹੀ ਕੋਰਮ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਘਟਾ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਇਹ ਚੀਜ਼ਾਂ ਮੈਂ, ਚੇਅਰਮੈਨ ਸਾਹਿਬ, ਤੁਹਾਡੇ ਨੋਟਿਸ ਵਿਚ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਰਾਜਾ ਜੀ ਅਤੇ ਗੁਰਮੀਤ ਸਿਘ ਜੀ ਜਾਣ ਬੁਝਕੇ ਗਏ ਹਨ।

ਸ੍ਰੀ ਚੇਅਰਮੈਨ : ਦੋ ਦਫਾ ਘੰਟੀ ਵਜਾਈ ਗਈ ਹੈ. ਕੋਰਮ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਔਰ ਨਾ ਹੀ ਕੋਈ ਮੈਂਬਰ ਬਾਹਰੋਂ ਅੰਦਰ ਆਇਆ ਹੈ ਅਤੇ ਕਿਉਂਕਿ ਸਾਈਨਾ ਡਾਈ ਦੀ ਮੋਸ਼ਨ ਪਹਿਲਾਂ ਪਾਸ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ, ਇਸ ਕਰਕੇ ਹਾਊਸ ਨੂੰ ਐਡਜਰਨ ਸਾਈਨਾ ਡਾਈ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। (The House is not in quorum. Inspite of the fact that the bell has been rung twice no hon. Member has entered the House from outside. Since the motion for adjourning the House *Sine Die* has already been passed, the House stands adjourned *Sine die*.)

7—30 P. M. | *(The Sabha then adjourned Sine-Die)*

—— — —

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

APPENDIX

(Containing Answers to Starred Questions)
(converted into Unstarred Questions)

To

PUNJAB VIDHAN SABHA DEBATE

Dated : 28th July, 1970

Vol. II No. 3

EVACUEE PROPERTY

*1968. (C. U) **Sardar Darshan Singh K. P.**)
Shri Sardari I al Kapur,)
Bhagat Guran Dass Hars,)
Doctor Sadhu Ram,) : Will the Minister of State for Consolidation and Welfare be pleased to state :

(a) the particulars of evacuee property, which is at present under adverse possession of cetain people, district-wise, in the State ;

(b) the time by which the property, referred to in part (a) above is likely to be put to auction ?

Sardar Tara Singh Lyallpuri : (a) There is no evacuee property under adverse possession of anybody in the State ;

(b) The question does not arise.

[(ੲ) ਰਾਜ ਵਿਚ ਕੋਈ ਿ ,ਕਾਸੀ ਪਰਾਪਰਟੀ ਕਿਸੇ ਵਿਅਕਤੀ ਦੇ ਵਿਰੋਧੀ ਕਬਜ਼ੇ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀ ਹੁੰਦਾ ।]

RESERVATION OF POSTS FOR HARIJANS IN ORGANISATIONS RECEIVING GOVERNMENT AID

*1970. (C. U.) 1. **Sardar Darshan Singh K. P.,**)
2. **Shri Sardari Lal Kapur,**)
3. **Chaudhri Ram Singh,**)
4. **Doctor Sadhu Ram,**) Will the Minister for Social Welfare be pleased to state :

(a) whether the Government has issued instructions to reserve 15% of posts for Harijans in organisations which receive Government aid ; if so, a list of such organisations be laid on the Table of the House ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Sardar Darshan Singh K. P.]

(b) whether the Government has set up a separate cell to look into the complaints made to the police by the Harijans ; if so, the number of the complaints received by this Cell so far together with the number of complaints disposed of ?

Dr. Bhagat Singh : (a) The matter is receiving attention of the Govt.

(b) The matter is under active consideration of Govt.

[(ੲ) ਮਾਮਲਾ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਮਾਮਲਾ ਸਰਗਰਮੀ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।]

BOYCOTT OF NATIONAL FOOD CONGRESS MEET AT DELHI

*1972. (C. U.) 1. **Sardar Darshan Singh K. P.,**
2. **Shri Sardari Lal Kapur,**
3. **Bhagat Guran Dass Hans,**
4. **Chaudhri Ram Singh,**
5. **Doctor Sadhu Ram,** : Will the Minister of State for Food and Supplies be pleased to state :

(a) whether the Government boycotted the National Food Congress held in May, 1970 at Delhi ; if so, the reasons therefor ;

(b) whether the Central Food & Agriculture Minister appealed to the Punjab Government to review its decision of non-participation in the National Food Congress ;

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, whether the Government accepted this appeal and participated in the said Congress, if not reasons therefor ?

Sardar Gurmit Singh : (a) Yes. On account of administrative reasons.

(b) Yes.

(c) No. On account of administrative and Political reasons.

[(ੳ) ਹਾਂ ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨਿਕ ਕਾਰਨ

(ਅ) ਹਾਂ ।

(ੲ) ਨਹੀਂ । ਪ੍ਰਬੰਧਕੀ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨਿਕ ਅਤੇ ਸਿਆਸੀ ਕਾਰਨ]

INCOME FROM STATE LOTTERIES

*1983. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister for Finance be pleased to :

(a) lay on the Table of the House a statement showing the total amount received by the Government due to sale of State Lottery tickets ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(b) state the amount of expenditure incurred in different capacities including advertisement and the net profits that accrued to the Government upto the financial year ending on 31st March, 1970 and from Ist April, 1970 upto date separately ;

(c) state whether the Government received complaints from the public to the effect that the Government officials are exercising undue influence upon the public for the purchase of the lottery tickets ; if so, the action taken to remove these complaints ;

(d) lay on the Table a list of the newspapers to whom advertisements regarding lotteries were given during the period referred to in part (b) above alongwith the amount paid to each newspapers ?

Sardar Balwant Singh : (a) Statement is added vide Annexure I.

(b)

Amount of expenditure (in lakhs)	Net income (in lakhs)	Period under report
(i) Rs. 206.00 lakhs	Rs. 179.00	Since inception to 23.3.1970. (upto 13th Lottery)
(ii) Rs. 117.00 ,,	Rs. 75.00	1.4.1970 to 29.8.1970 (24th Draw)

(c) No specific complaint has come to the notice of Government. However, in view of some criticism in the Press, it was decided that, in future, Government agencies should not be associated with the sale of lottery tickets ;

(d) A list of Newspapers to whom advertisements regarding lottery are generally released is added vide Annexure II. It is not desirable to disclose the figures of amount paid to each paper on administrative reasons.

[(ੳ) ਵਿਵਰਣ ਅਨੁਲਗ 1 ਤੇ ਲਗਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

(ਅ)

ਖਰਚ ਵਜੋਂ ਰਕਮ (ਲੱਖਾਂ ਵਿਚ)	ਨਿਰੋਲ ਆਮਦਨ (ਲੱਖਾਂ ਵਿਚ,	ਸਮਾਂ ਰਿਪੋਟ ਹਿੱਤ
1. 206	179	ਲਾਟਰੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣ ਤੋਂ 23.3.1970 ਤੱਕ (13ਵੇਂ ਡਰਾ ਤੱਕ)
2. 117	75	1.4.70 ਤੋਂ 29.8.1970 ਤੱਕ

(ੲ) ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਕੋਈ ਖਾਸ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਆਈ । ਫਿਰ ਵੀ ਅਖਬਾਰਾਂ ਵਿਚ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਅਲੋਚਨਾਂ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਹ ਫ਼ੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਕਿ ਭਵਿੱਖ ਵਿਚ ਲਾਟਰੀ ਦੀ ਵਿੱਕਰੀ ਸਰਕਾਰੀ ਏਜੰਸੀਆਂ ਰਾਹੀਂ ਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਵਿਤ ਮੰਤਰੀ]

(ਸ) ਸਮਾਚਾਰ ਪੱਤਰਾਂ ਜਿਹਨਾਂ ਨੂੰ ਲਾਟਰੀ ਸਬੰਧੀ ਆਮ ਕਰਕੇ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰ ਦਿੱਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਦੀ ਲਿਸਟ ਅਨੁਲੱਗ 2 ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਹਰ ਇਕ ਸਮਾਚਾਰ ਪਤਰ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਰਕਮ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਦੇਣਾ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨੀ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਉਚਿੱਤ ਨਹੀਂ ਹੈ ।]

ANNEXURE I

No. of Draw	Date of Draw	Gross Sale (in lakhs)	Commission/bonus granted to agents (in lakhs)	Revenue accrued to State (in lakhs)
1.	2.	3.	4.	5.
I	2.9.1968	16.57	4.60	11.97
II	1.12.68	14.49	4.34	10.15
III	16.2.1969	46.51	13.95	3[illegible].56
IV	6.4.1969	24.11	8.03	16.08
V	8.6.1969	26.61	8.27	18.34
VI	20.7.1969	39.65	13.21	26.44
VII	3.9.1969	32.00	10.66	21.34
VIII	24.10.69	72.00	24.48	47.52
IX	20.11.69	28.00	9.50	18.50
X	20.12.69	23.50	7.19	16.31
XI	20.1.70	24.00	7.40	16.60
XII	23.2.70	22.73	7.75	14.98
XIII	23.3.70	14.63	3.63	11.00
XIV	4.4.70	9.00	2.07	6.93
XV	11.4.70	8.40	1.65	6.75
XVI	18.4.70	6.15	1.45	4.70
XVII	25.4.70	6.55	1.75	4.80
XVIII	2.5.70	5.89	1.60	4.29
XIX	21.6.70	105.00	29.50	75.50
XX	4.7.70	11.80	3.52	8.28
XXI	18.7.70	14.04	4.20	9.84
XXII	1.8.70	9.92	2.97	6.95
XXIII	15.8.70	9.54	2.85	6.69
	Total	571.09	174,57	396.52

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ANNEXURE-II

List of Newspapers.

English Dailies :

1. Patriot, New Delhi.
2. National Herald, Delhi/Lucknow.
3. Indian Express, Delhi.
4. Indian Express, Bombay/Ahmedabad.
5. Indian Express, Southern Editions.
6. Hindustan Times, New Delhi.
7. Statesman, Delhi/Calcutta.
8. Times of India, Delhi.
9. Hindu, Madras,
10. Amrita Bazar Patrika, Calcutta.
11. Hindustan Standard, Calcutta.
12. Pioneer, Lucknow.
13. Indian Nation, Patna.
14. Nagpur Times, Nagpur.
15. [Deccan Herald, Banglore.
    [Prajavani (Kannada)

Punjabi Dailies

1. Akali Patrika, Jullundur.
2. Quami Dard, Jullundur.
3. Ajit, Jullundur.
4. Ranjit, Patiala & Bhatinda.
5. Nawan Zamana, Jullundur.
6. Desh Darpan, Calcutta.

Hindi Dailies.

1. Hindustan, Delhi.
2. Navbharat Times, Delhi.
3. Janpardeep, Jullundur.
4. Punjab Kesri, Jullundur.
5. Jagran, Kanpur, Jhansi.
6. Navabharat, Nagpur (All Editions)
7. Yug Dharma, Nagpur/Raipur/Jabalpur.
8. Swadesh, Indore.
9. Nava Jyoti, Ajmer/Jaipur.
10. Rajasthan Patrika, Jaipur.
11. Swatantar Bharat, Lucknow.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Finance Minister]

12. Amar Ujala, Agra/Breilly.
13. Arya Varta, Patna.
14. Haryana Patrika, Chandigarh.
15. Jagran, Bhopal/Rewa.

Urdu Dilies.

1. Milap, Delhi/Jullundur/Hyderabad.
2. Pratap, Delhi/Jullundur.
3. Hind Samachar, Jullundur.
4. Pardeep, Jullundur.
5. Tej, Delhi.
6. Sawera, Delhi.
7. Sadaqat, Ludhiana.

Bangali Dailies :

1. Ananda Bazar Patrika, Calcutta.
2. Jugantar, Calcutta.
3. Dainik Basumati, Calcutta.

Tamil Dailies :

1. Thanthi, Madras (All Editions).
2. Dinamani, Madras.

Malayalam Dailies :

1. Malayala Manorma, Kottayam.
2. Mathrubhoomi, Calicut/Cochin.

Telugu Dailies :

1. Andhra Prabha, Vijaywada/Banglore.
2. Andhra Patrika, Vijaywada/Madras.

Gujrati Dailies :

1. Bombay Samachar, Bombay.
2. Janam Bhoomi, Bombay,
3. Sandesh, Ahmedabad.
4. Phulchhap, Rajkot.
5. Prabhat, Ahmedabad.
6. Jan Shakti, Bombay.

Marathi Dailies :

1. Lok Satta, Bombay.
2. Maratha, Bombay.
3. Tarun Bharat, Nagpur/Poona.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Weeklies :

1. Blitz, Bombay.
2. Spokesman, Delhi.
3. Organiser, Delhi.
4. Panchjanya, Delhi.
5. Sher-i-Punjab, Delhi.
6. Fateh Weekly, Delhi.
7. Panth Weekly, Delhi.
8. Quami Ekta, Delhi.
9. Intquam, Patiala.
10. Pauh Phooti, Patiala.
11. Deler, Patiala.
12. Amrita Patrika, Delhi.
13. Punjab Mail, Chandigarh.
14. Haryana Mail, Chandigarh.
15. Samen-di-Wangar, Patiala.
16. Rajasthan, Chronicle.
17. Sikh Review, Calcutta.
18. Nawan Pind, Delhi.
19. Ranjeet Nagara, Chandigarh.
20. Realms of Education, Patiala.
21. Awaze-Ustad, Chandigarh.
22. Lottery Gazette, Delhi.
23. Indian Lottery, Bombay.
24. Ekta-Sandesh, Delhi.
25. Jagat Weekly, Delhi.
26. News Chronicle, Ludhiana.
27. Janta Raj, Chandigarh.
28. Ranjit, Bombay.
29. Entertainer, New Delhi.
30. Haryana on the March, Chandigarh.
31. Vishal Haryana, Chandigarh.
32. Sangathan Weekly, Kanpur.

COMMITTEE APPOINTED BY THE GOVERNMENT TO PREPARE ITS CASE FOR PLACING BEFORE THE PROPOSED BOUNDRY COMMISSION

*1985. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Chief Minister be pleased to ;

(a) lay on the Table of the House a list showing the names of the Chairman and members of the Committee constituted by the Punjab Government to prepare and put the case of Punjab before

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Shri Gian Chand Kharbanda]

the proposed Boundry Commission to be appointed by the Central Government regarding the claim of Punjab on differents pockets Punjabi speaking areas now in Himachal and Haryana Pradesh ;

(b) state whether the said committee has prepared any report on the subject ;

(c) state whether the Government has received any complaint from the Public or any political party against the appointment of the Chairman of this Committee ; if so, the action taken in the matter ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) List placed on the table of House.

(b) A report is being prepared.

(c) Yes, no action is considered necessary.

[(ਏ) ਸੂਚੀ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਰਿਪੋਰਟ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਹਾਂ ਜੀ ; ਕਿਸੇ ਕਾਰਵਾਈ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ।]

TAXATION ENQUIRY AND RESOURCES COMMITTEE'S REPORT ON SIMPLIFICATION OF SALES TAX STRUCTURE

*1986. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Minister of State for Excise and Taxation be pleased to state :

(a) whether the Taxation Enquiry and Resources Committee headed by Doctor Baldev Parkash has submitted its report regarding simplification of present Sales Tax structure and also on the demands of the Traders that the sales tax be levied at the source and its rate should not be more than that which is prevalent in the neighbouring States on any item ; if so, a copy of the report be placed on the Table of the House ;

(b) whether any action has been taken by the Government on the said report, if so, the details thereof be placed on the Table of the House ?

Sardar Balwant Singh (a) Not yet.

(b) Question does not arise.

[(ੳ) ਹਾਲੇ ਨਹੀਂ ਜੀ,

(ਅ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

TAXATION ENQUIRY AND RESOURCES COMMITTEE REPORT

*1987. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda :** Will the Minister of Finance be pleased to :

(a) lay on the Table of the House (i) copy of the report submitted by the Taxation Enquiry and Resources Committee headed by Doctor Baldev Parkash and the action taken on it by the Government : (ii) A statement showing expenditure incurred on this Committee so far : (iii) a statement showing the expenditure on the salary, T. A. D. A. and other allowances of the Chairman ;

(b) state whether the term of the said Committee has been extended ; if so, the period ?

Sardar Balwant Singh : (a) (i) Copies of the interim report will be laid on the Table of the House after the report has been printed and after a decision has been taken on the recommendations of the Committee, which are under the consideration of the Government

(ii) Statement I is laid on the Table of the House.

(iii) Statement II is laid on the Table of the House.

(b) Yes. For a period of 6 months from the 27th May, 1970.

STATEMENT I

Statement showing expenditure on salary/T.A. D.A. and other allowances on the Taxation Enquiry and Resources Committee for the period from 28-5-1969 to 30-6-1970.

Pay.	Rs.	68,966/-
Adhoc payments to non-official members (other than legislators)@ Rs. 100/-per day for attending the meetings of the Committee.	Rs.	22,600/-
T.A.	Rs.	11,452/-
Total	Rs.	1,03,018

Note : (i) Information regarding T.A. is upto 30-5-70 but is different in different cases. As such it may not be upto 30-5-70 all cases. T.A. claims for June, 1970 are still pending.

(ii) The total expenditure does not include an expenditure of Rs. 34,343 on the staff of the Plan Resources Unit which has been temporarily diverted to attend to the work of the Committee. This, however includes the expenditure on the Chairman shown in Statement II.

STATEMENT II

Statement showing expenditure on salary T.A. and other allowances sent by the Government on the Chairman.

Pay Nil.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Finance Minister]

T.A.	Rs.	3,539.20 upto 21-5-70
Adhoc payment@ Rs. 100/- per day, sittings for attending the meetings of the said Committee.	Rs.	3,500/-
Total	Rs.	7,039.20

Note : T.A. claims of the Chairman for the months of June, 1970 have not yet been received.

PROPOSED SHIFTING OF V.J. HOSPITAL, AMRITSAR TO SOME OTHER PLACE

*1988. (C.U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :

(a) whether there is any proposal under the consideration of he Government to shift the V.J. hospital Amritsar from its present site to any other place ; if so the reasons therefor together with the details of the said proposal be laid on the table of the house ;

(b) the total amount proposed to be spent in this connection and in how many instalment ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : (ੲ) ਵੀ. ਜੇ. ਹਸਪਤਾਲ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨੂੰ ਕਿਸੀ ਹੋਰ ਥਾਂ ਸ਼ਿਫਟ ਕਰਨ ਬਾਰੇ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਕੋਈ ਵੀ ਤਜ਼ਵੀਜ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਉਪਰੋਕਤ (ੲ) ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਦਿਆਂ ਰਕਮ ਖਰਚ ਕਰਨ ਦਾ ਸੁਆਲ ਹੀ ਨਹੀਂ ਉਠਦਾ ।

CONSTRUCTION OF BRIDGES ACROSS GHAGGAR AND MARKANDA RIVERS ON PATIALA PEHOWA ROAD

*1991. (C. U.) 1. **Shri Sardari Lal Kapur**
2. **Bhagat Guran Dass Hans** : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the construction of two vital bridges each costing Rs. 9 lacs across Ghaggar and Markanda river on the Patiala Pehowa Road has been held up for the last several years.

(b) whether it is also a fact that the sum of Rs. 3 lacs placed by the State Govt. at the disposal of the P. W. D. (B & R) every year for starting the constructing work on the said bridges has been surrendered every year ; if so the reasons therefor ;

(c) whether the Department has by now been able to obtain the hydraulic data for these bridges ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(d) whether it is a fact that the road during the First Five Year Plan has not been put to use for want of completion of the said bridges, if so the action the government proposes to take in the matter ?

Sardar Sohan Singh Bassi : (a) Yes ;

(b) Yes ;

(c) The information is being collected.

(d) The road is open to traffic upto mile 17 day and this the work is yet not completed. The portion beyond Markanda River is in Haryana State.

[(ਏ) ਹਾਂ ਜੀ ;

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ ;

(ਸੀ) ਸੂਚਨਾ ਇਕਠੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ;

(ਡੀ) ਸੜਕ 17 ਮੀਲ ਤੱਕ ਆਵਾਜਾਈ ਲਈ ਖੁਲੀ ਹੈ । ਇਸ ਤੋਂ ਅਗੇ ਸੜਕ ਅਜੇ ਤੱਕ ਮੁਕੰਮਲ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਰਿਵਰ ਮਾਰਕੰਡਾ ਤੋਂ ਅਗੇ ਦਾ ਹਿਸਾ ਹਰਿਆਣਾ ਪ੍ਰਾਂਤ ਵਿਚ ਹੈ ।]

LOANS GIVEN TO VEGETABLE GHEE MILLS IN THE STATE

*1992. (C. U.) 1. **Shri Sardari Lal Kapur.**
2. **Bhagat Guran Dass Hans,**) : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the number of vegetable ghee mills in the State that were given Loans by the Government during the last six months ;

(b whether the applications for such loans were properly processed in the Department concerned, if not, the particulars of Mill Owners whose applications were not properly processed, and the reasons therefor ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) Nil.

(b) In view of (a) question does not arise.

TEAR GAS GRENADE LAUNCHER DEVELOPED BY THE POLICE OFFICER OF POLICE TRAINING SCHOOL PHILLAUR

*1994 (C. U.) 1. **Shri Sardari Lal Kapur**
2. **Shri Bhagat Guran Dass Hans**] : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) Whether it is a fact that a Police Officer of Police Training

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Shri Sardari Lal Kapur]

School, Phillaur has developed a new type of tear Gas Grenade Launcher that can throw the shells from a distance of 200 meters;

(b) If the reply to para (a) above be in the affirmative, whether the Government propose to manufacture such launche s in large numbers in the State;

(c) the encouragement, if any given to the Police Officer referred to in para (a) above ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : (ੲ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਬੀ) ਨਹੀਂ ਜੀ। ਟੀਅਰਗੈਸ ਦੇ ਸਾਮਾਨ ਦਾ ਸਪਲਾਈ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਅਧੀਨ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਕੋਈ ਸਾਮਾਨ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰਾਂ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਂਦੀਆਂ।

(ਸੀ) ਇਸ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਕਿਉਂ ਜੋ ਇਹ ਸਾਮਾਨ ਦਾ ਉਤਪਾਦਨ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ।

APPEALS FILED AGAINST COMPENSATION AWARDS GIVEN BY THE COLLECTOR, IMPROVEMENT TRUST, AMRITSAR

*1995. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the total number of appeals filed yearwise since 1.4.1961 against the awards given by the Collector, Improvement Trust, Amritsar regarding inadequate compensation, in the court of special Tribunal, Amritsar, constituted especially under the Chairmanship of the Session Judge;

(b) the number of appeals disposed of by the said Tribunal yearwise since 1-4-1961;

(c) the number of appeals still pending yearwise for the period mentioned in part (a) above.

(b) whether there is any scheme under the consideration of the Government to expedite the disposal of the said appeals ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : (ੲ) ਤੋਂ (ਸੀ) : ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਅਨੁਲੱਗ ਵਿਚ ਦਿੱਤੀ ਹੈ।

(ਡੀ) ਲੰਬਿਤ ਕੇਸਾਂ ਦੇ ਨਿਪਟਾਰੇ ਲਈ ਲੈਂਡ ਐਕਵੀਜ਼ੀਸ਼ਨ ਟ੍ਰੀਬਿਊਨਲ ਦੀ ਮਿਆਦ ਹੋਰ ਦੋ ਸਾਲ ਵਧਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

STATEMENT TO PARTS A TO C OF THE STARRED ASSEMBLY QUESTION NO. 1995.

Year	No. of References (appeals) filed yearwise, since 1-4-1971.	No. of References (appeals) disposed of yearwise.	Total number of references (appeals) Pending year-wise.
1961	149	149	—
1962	49	40	—
1963	120	63	57
1964	143	94	149
1965	87	80	7
1966	95	32	63
1967	2	1	1
1968	177	37	140
1969	74	8	66
1970 up to 15.7.70	—	—	—

GOVERNMENT ADVERTISEMENTS

*1996. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to lay on the Table of the House a statement showing the amount paid by the Government to various Newspapers and Magazines on account of Government advertisements during the period from 1.4.70 upto date, alongwith a comparative statement showing the amount paid to them on this account during the corresponding period last year ?

ਸਰਦਾਰ ਤ੍ਰਿਲੋਚਨ ਸਿੰਘ ਰਿਆਸਤੀ (ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ, ਲੋਕ ਸੰਪਰਕ) : ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਵੱਖ ਵੱਖ ਅਖਬਾਰਾਂ ਤੇ ਰਸਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਜੋ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰ ਮਿਤੀ 1/4/70 ਤੋਂ 30/6/70 ਤੱਕ ਤੇ 1/4/69 ਤੋਂ 30/6/69 ਤੱਕ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਦਾ ਵੇਰਵਾ :

ਲੜੀ ਨੰ:	ਅਖਬਾਰ ਦਾ ਨਾਂ	ਮਿਤੀ 1/4/70 ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ 30/6/70 ਤੱਕ	1/4/69 ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ 30/6/69 ਤੱਕ
1.	ਟ੍ਰਿਬਿਊਨ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	25946.25	15223.50
2.	ਨੈਸ਼ਨਲ ਹੈਰਲਡ, ਦਿੱਲੀ	178 ਸਮ	461 ਸਮ
3.	ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਟਾਇਮਜ਼, ਦਿੱਲੀ	5290.45	1668.94
4.	ਟਾਇਮਜ਼ ਆਫ ਇੰਡੀਆ, ਦਿੱਲੀ	1052.70	2110.90
5.	ਟਾਇਮਜ਼ ਆਫ਼ ਇੰਡੀਆ, ਬੰਬਈ	—	169.40+7 ਸਮ
6.	ਇੰਡੀਅਨ ਐਕਸਪ੍ਰੈਸ, ਦਿੱਲੀ	3049.20	2222.88

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ, ਲੋਕ ਸੰਪਰਕ]

7.	ਇੰਡੀਅਨ ਐਕਸਪ੍ਰੈਸ, ਬੰਬਈ	330.00	281.33
8.	ਪੇਟਰੀਔਟ, ਦਿੱਲੀ	2226.40	2670.60
9.	ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਸਟੈਂਡਰਡ, ਕਲਕੱਤਾ	188.10	338.80
10.	ਏ. ਬੀ. ਪਤ੍ਰਕਾ, ਕਲਕੱਤਾ	634.92	673.20
11.	ਹਿੰਦੂ ਮਦਰਾਸ	440.00	77.00
12.	ਸਟੇਟਸਮੈਨ, ਦਿੱਲੀ	1905.75	—
13.	ਪੰਜਾਬ ਮੇਲ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	118 ਸਮ	4,7.40
14.	ਸੋਰਭ ਆਰਮ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	77.35	612.46
15.	ਸਪੋਕਸਮੈਨ, ਦਿੱਲੀ	677.60	969.43
16.	ਸ਼ੰਕਰ ਵੀਕਲੀ, ਦਿੱਲੀ	1064.25	513 25
17.	ਇੰਡੀਅਨ ਟਾਇਮਜ਼, ਦਿੱਲੀ	—	87.45
18.	ਆਈ. ਟੀ ਜਨਰਲ, ਕਲਕੱਤਾ	—	67.20
19.	ਸਿੱਖ ਰਿਵਿਊ, ਕਲਕੱਤਾ	140.25	14. 5
20.	ਸੈਕੂਲਰ ਡੈਮੋਕਰੇਸੀ, ਦਿੱਲੀ	—	1 ਸਫਾ
21.	ਪਟਿਆਲਾ ਯੂਨੀਅਨ ਰੈਸਲਿੰਗ, ਪਟਿਆਲਾ	300.00	—
22.	ਪ੍ਰੈਸ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟ ਆਫ ਇੰਡੀਆ, ਦਿੱਲੀ	200.00	—
53.	ਮੇਜਰ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ ਆਫ ਇੰਡੀਆ, ਬੰਬਈ	317.90	—
24.	ਨੈਸ਼ਨਲ ਬੁਕ ਰੀਔਰਗੇਨਾਈਜ਼ੇਸ਼ਨ, ਦਿੱਲੀ	225.00	—
25.	ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਕਲਾ ਕੇਂਦਰ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	100.00	
26.	ਇਨਫਾ, ਦਿੱਲੀ	500.00	300.00
27.	ਇੰਡੀਅਨ ਬੁਕ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਜ਼, ਦਿੱਲੀ	200.00	—
28.	ਟਾਇਮਜ਼ ਆਫ ਇੰਡੀਆ ਐਨੁਅਲ, ਬੰਬਈ	2100.00	—
29.	ਸੀ ਇੰਡੀਆ, ਦਿੱਲੀ	375.00	—
30.	ਆਖਿਲ ਭਾਰਤੀ ਸੰਜੀਵਨੀ, ਭੁਪਾਲ	—	500.00
31.	ਮਾਰਕਿੰਟਿੰਗ ਤੇ ਇਕਨੌਮਿਕ ਰਿਸਰਚ, ਨ: ਦਿੱਲੀ	—	280.00
32.	ਨੈਸ਼ਨਲ ਪੁਲਿਸ ਅਕਾਡਮੀ, ਰਾਜਸਥਾਨ	—	100.00
33.	ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਸਮਾਚਾਰ ਨਿਊਜ਼ ਏਜੰਸੀ, ਦਿੱਲੀ	—	175.00
34.	ਈ. ਐਮ. ਈ. ਈਅਰ ਬੁਕ, ਦਿੱਲੀ	—	3.0.00
35.	ਹਿਮਾਚਲ ਸੋਵੀਨੀਅਰ, ਸ਼ਿਮਲਾ	—	500.00
36.	ਨੈਸ਼ਨਲ ਹੋਮੇਜ਼, ਦਿੱਲੀ	—	150.00
37.	ਨਟ ਬੰਦਨਾਂ ਡਰਾਮਾਟਿਕ ਕਲੱਬ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	—	100.00
38.	ਆਲ ਇੰਡੀਆ ਫੈਡਰੇਸ਼ਨ ਆਫ ਦੀ ਡੈਫ, ਦਿੱਲੀ	—	150.00

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਪੰਜਾਬੀ ਅਖਬਾਰ

1.	ਅਜੀਤ, ਜਲੰਧਰ	5785.26	2371.60
2.	ਅਕਾਲੀ ਪਤ੍ਰਕਾ, ਜਲੰਧਰ	7305.51	6920.65
3.	ਕੌਮੀ ਦਰਦ, ਜਲੰਧਰ	6833.92	6946.75
4.	ਨਵਾਂ ਜ਼ਮਾਨਾ, ਜਲੰਧਰ	4430.32	3369.16
5.	ਜਥੇਦਾਰ. ਜਲੰਧਰ	—	1194.98
6.	ਰਣਜੀਤ, ਪਟਿਆਲਾ	5847.43	5055.16
7.	ਸਿੱਖ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	—	227.48
8.	ਡਾਕਟਰ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	—	358.60
9.	ਪ੍ਰਕਾਸ਼, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	—	20.42
10.	ਕੁੰਦਨ, ਜਲੰਧਰ	855.53	398.31
11.	ਮੌਜੀ, ਜਲੰਧਰ	1223.97	1598.52
12.	ਸ਼ਮਸ਼ੀਰ ਹਿੰਦ, ਪਟਿਆਲਾ	872.52	829.62
13.	ਦਲੇਰ ਪੰਜਾਬ, ਪਟਿਆਲਾ	760.32	1143.12
14.	ਪਹੁ ਫੁੱਟੀ. ਪਟਿਆਲਾ	1424.11	1544.07
15.	ਸਮੇਂ ਦੀ ਵੰਗਾਰ, ਪਟਿਆਲਾ	683.10	531.57
16.	ਗੈਰਤ, ਪਟਿਆਲਾ	692.72	650.10
17.	ਇੰਤਕਾਮ, ਪਟਿਆਲਾ	728.52	715.65
18	ਪੰਚਾਇਤ ਅਵਾਜ਼, ਪਟਿਆਲਾ	556.60	—
19.	ਖਾਲਸਾ ਸਮਾਚਾਰ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	828.88	904.69
20.	ਖਾਲਸਾ ਐਡਵੋਕੇਟ. ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	533.22	251.85
21.	ਮੇਲ ਮਿਲਾਪ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	665.92	337.92
22.	ਫਤੇਹ, ਦਿੱਲੀ	722.70	1772.26
23.	ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਪਤ੍ਰਕਾ, ਦਿੱਲੀ	1752.05	1093.24
24.	ਕੌਮੀ ਏਕਤਾ, ਦਿੱਲੀ	105.60	1052.04
25.	ਲੋਕ ਦਰਸ਼ਨ, ਦਿੱਲੀ	300.13	92.57
26.	ਪੰਥਕ ਏਕਤਾ, ਦਿੱਲੀ	370.92	274.90
27.	ਮਾਨ ਸਰੋਵਰ, ਦਿੱਲੀ	277.64	290.97
28.	ਪੰਥ, ਦਿੱਲੀ	1214.15	1140.70
29.	ਅਜ਼ਾਦ, ਦਿੱਲੀ	245.08	—
30.	ਗਰਜ, ਦਿੱਲੀ	510.70	—
31.	ਪੰਜਾਬ ਕੋਆਪ੍ਰੇਸ਼ਨ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	149.60	—

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ, ਲੋਕ ਸੰਪਰਕ]

32.	ਰਣਜੀਤ, ਬੰਬਈ	239.36	1 ਸਫਾ
33.	ਦੇਸ਼ ਦਰਪਣ, ਕਲਕੱਤਾ	ਇਕ ਸਫਾ	—
34.	ਸੰਘਰਸ਼, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	—	98.83
35.	ਪੰਜਾਬੀ ਰਤਨ, ਲੁਧਿਆਣਾ	—	278.30
36.	ਪੰਥ ਪ੍ਰਕਾਸ਼, ਦਿੱਲੀ	—	95.74
37.	ਪ੍ਰੀਤ ਲੜੀ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	187.00	374.00
38.	ਕੌਮੀ ਲੀਡਰ, ਬੰਬਈ	—	128 ਸਮ
39.	ਭਾਰਤੀ ਨਾਰੀ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	74.80	74.80
40.	ਹੋਮਿਉਪੈਥਕ ਸਮਾਚਾਰ, ਪਟਿਆਲਾ	1 ਸਫਾ	--
41.	ਆਰਸੀ, ਦਿੱਲੀ	—	65.45
42.	ਬੀਬਾ ਰਾਣਾ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	—	74.80
43.	ਪ੍ਰਤੀਕ, ਬਰਨਾਲਾ	—	74.80
44.	ਪ੍ਰੀਤਮ, ਦਿੱਲੀ	—	74.80
45.	ਹੇਮ ਜਯੋਤੀ, ਲੁਧਿਆਣਾ	—	93.50
46.	ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਅਕਾਡਮੀ, ਲੁਧਿਆਣਾ	—	187.00
47.	ਸਾਡਾ ਦੇਸ਼, ਪਟਿਆਲਾ	—	84.75

ਹਿੰਦੀ ਅਖਬਾਰ

1.	ਜਨ ਪ੍ਰਦੀਪ, ਜਲੰਧਰ	2898.72	3551.62
2.	ਪੰਜਾਬ ਕੇਸਰੀ, ਜਲੰਧਰ	1072.32	1077.12
3.	ਹਿੰਦੀ ਮਿਲਾਪ, ਜਲੰਧਰ	2942.46	563.64
4.	ਵੀਰ ਪ੍ਰਤਾਪ, ਜਲੰਧਰ	—	681.12
5.	ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਹਿੰਦੀ, ਦਿੱਲੀ	2140.60	2717.75
6.	ਨਵ ਭਾਰਤ ਟਾਇਮਜ਼, ਦਿੱਲੀ	748.00	1997.60
7.	ਵੀਰ ਅਰਜਨ, ਦਿੱਲੀ	—	110.00
8.	ਪਾਇਲਟ, ਬਠਿੰਡਾ	443.13	669.68
9.	ਅਮਰ ਭਾਰਤ, ਦਿੱਲੀ	369.16	59.60
10.	ਸੇਵਾ ਗਰਾਮ, ਦਿੱਲੀ	1022.34	399.30
11.	ਏਕਤਾ ਸੰਦੇਸ਼, ਦਿੱਲੀ	—	235.40
12.	ਅਧਵੇਤਾ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ	—	18.00
13.	ਹਿੰਮ ਕੇਸਰੀ, ਦਿੱਲੀ	—	17.34
14.	ਨਾਮ ਦੇਵ, ਦਿੱਲੀ	—	28 ਸਮ
15.	ਹਿੰਦੀ ਟਾਇਮਜ਼, ਦਿੱਲੀ	—	109.41
16.	ਨਈ ਸਦੀ, ਦਿੱਲੀ	—	140.25

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਉਰਦੂ ਅਖਬਾਰ

1.	ਮਿਲਾਪ, ਜਲੰਧਰ	3344.32	435.60
2.	ਪਰਤਾਪ, ਜਲੰਧਰ	—	720.08
3.	ਹਿੰਦ ਸਮਾਚਾਰ, ਜਲੰਧਰ	2912.53	933.13
4.	ਪਰਦੀਪ, ਜਲੰਧਰ	3080.00	4119.20
5.	ਪਰਭਾਤ, ਜਲੰਧਰ	1375.41	146.54
6.	ਤਰਜਮਾਨ, ਲੁਧਿਆਣਾ	411.56	722.15
7.	ਰੋਹਜਾਨ, ਲੁਧਿਆਣਾ	322.24	35.64
8.	ਸਦਾਕਤ, ਲੁਧਿਆਣਾ	—	64.68
9.	ਸਵੇਰਾ, ਦਿੱਲੀ	608.68	1103.96
10	ਤੇਜ, ਦਿੱਲੀ	610.36	346.72
11.	ਹਿੰਦ, ਜਲੰਧਰ	727.76	261.80
12.	ਹਰੀਜਨ, ਜਲੰਧਰ	356.18	16.50
13.	ਨੈਸ਼ਨਲ ਫਰੰਟ, ਲੁਧਿਆਣਾ	119.68	—
14.	ਪ੍ਰਬੰਧ ਜਗਤ, ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ	119.68	—
15.	ਅਵਾਹਨ, ਬਟਾਲਾ	119.68	—
16.	ਤੂਫਾਨ, ਬਟਾਲਾ,	119.68	—
17.	ਅਤਾਲੀਕ, ਦਿੱਲੀ	264.83	73.92
18.	ਜੁਗਤ, ਦਿੱਲੀ	—	47.02
19.	ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ ਟਾਇਮਜ਼, ਹੁਸ਼ਿਆਰਪੁਰ	119.68	—
20.	ਬੀਸਵੀਂ ਸਦੀ, ਦਿੱਲੀ	187.00	—
21.	ਕੌਮੀ ਏਕਤਾ, ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ	119.68	—

PROPAGATION OF RASHTRA BHASHA HINDI

*1997. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether any steps have been taken by the Govt. since 1-4-1970 to propagate Rashtra Bhasha Hindi in the State; if so, the details thereof be placed on the Table of the House;

(b) the total amount spent by the Government for this purpose during the said period ?

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ (ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ : (ੳ) 'ਹਿੰਦੀ ਪ੍ਰਚਾਲਣ ਸੈਲ' ਤੇ 'ਹਿੰਦੀ ਵਿਕਾਸ ਸੈਲ' ਦੋਵੇਂ 1.4.70 ਤੋਂ ਕੰਮ ਵਿਚ ਲੱਗੇ ਹੋਏ ਹਨ । 'ਹਿੰਦੀ ਪ੍ਰਚਾਲਣ ਸੈਲ' ਲਈ 57,300 ਰੁਪਏ ਤੇ 'ਹਿੰਦੀ ਵਿਕਾਸ ਸੈਲ' ਲਈ 1,56,300 ਰੁਪਏ ਚਲਦੇ ਸਾਲ ਲਈ

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

[ਸਿਖਿਆ ਮੰਤਰੀ]

ਪਰਵਾਨਿਤ ਹਨ। ਇਸ ਸਮੇਂ ਤਕ ਪੰਜ ਪੁਸਤਕਾਂ ਛੱਪ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹਨ, ਤੇ ਤਿੰਨ ਪ੍ਰੈਸ ਵਿਚ ਹਨ।

(ਅ) 1.4.70 ਤੋਂ ਹੁਣ ਤਕ ਦੋਹਾਂ ਸਕੀਮਾਂ ਅਧੀਨ 20, 152 ਰੁਪਏ ਖਰਚੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਬਾਕੀ ਰਕਮ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਤ ਤਕ ਖਰਚ ਹੋਵੇਗੀ।

FREE LIFT FOR SCHOOL GOING CHILDREN

*1998. (C U.) Shri Gian Chand Kharbanda : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether Government have issued any instructions to the effect that the school going children in urban areas should be given free lifts in the Punjab Roadways buses while coming to or going back from schools;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative whether it has come to the notice of the Government that the said instructions are not being followed; if so, the steps taken or proposed to be taken to ensure the implementation of these instructions ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) Yes, Sir.

(b) Yes Sir. The General Managers, Punjab Roadways have been asked to ensure that the Government instructions are complied with strictly by the drivers and conductors of the buses.

[(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ। ਸਮੂਹ ਜਨਰਲ ਮੈਨੇਜਰ, ਪੰਜਾਬ ਰੋਡਵੇਜ਼ ਨੂੰ ਕਹਿ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਤੇ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਅਮਲ ਕਰਨ।]

DEMANDS OF TRADERS REGARDING WITHDRAWAL OF INSTRUCTIONS CHARGING SALES TAX ON TRADE DISCOUNT

*2000. (C. U.) Shri Gian Chand Kharbanda : Will the Minister of State for Excise and Taxation be pleased to state the details of the action taken by the Government on the demands of the traders of the State that the instructions issued by the department to charge Sales Tax on trade discount be withdrawn ?

Sardar Narinder Singh : The matter is under the consideration of the Punjab Government.

[ਮਾਮਲਾ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ਜੀ।]

DEVELOPMENT OF AMRITSAR

*2001. (C. U.) Shri Gian Chand Kharbanda : Will the Chief Minister be pleased to state :

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to take special steps for the development of Amritsar, the biggest city of the State; if so, whether any plan has been drafted/ prepared for this purpose;

(b) whether the Government, before giving the proposed plan a final shape intends to take M.L. As of Amritsar into confidence ?

ਸਰਦਾਰ ਤਰਲੋਚਨ ਸਿੰਘ ਰਿਆਸਤੀ : (ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ, ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰ) (ੲ) ਹਾਂ ਜੀ।

(ਬੀ) ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ਹੇਠ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਵਿਕਾਸ ਬੋਰਡ ਸਥਾਪਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

PROPOSED AMENDMENT OF PUNJAB MUNICIPAL ACT

*2002. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to introduce a Bill in the Punjab Vidhan Sabha to amend the Punjab Municipal Act; if so; the time by which it is likely to be done;

(b) whether the Government propose to take into confidence MLAs representing cities before giving the Bill a final shape; if so, when ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) Yes. No definite time-limit can be indicated.

(b) Yes.

[(ੲ) ਹਾਂ ਜੀ। ਕੋਈ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਸਮਾਂ ਨਹੀਂ ਦੱਸਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ।

(ਬੀ) ਹਾਂ ਜੀ।]

CENTRE'S DECISION ON CHANDIGARH

*2003 (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state;

(a) the stage at which the matter regarding handing over of Chandigarh to Punjab and transferring of more than one hundred villages of Fazilka and Abohar Tehsils of Ferozepur District to Haryana, as announced by the Prime Minister of India stands at present;

(b) whether the Punjab Government has made any representation to the Union Government in respect of the said decision; if so, with what results ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) This portion relates to Government of India and hence Punjab Government is not in a position to say anything;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

(b) Appropriate action is being taken.

[(ੲ) ਇਸ ਭਾਗ ਦਾ ਸਬੰਧ ਕੇਂਦਰ ਸਰਕਾਰ ਨਾਲ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਦੱਸ ਸਕਦੀ ਹੈ ।

(ਬੀ) ਉਚਿਤ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ।]

TRANSFERS OF P.C.S. OFFICERS.

*2004. (C.U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to lay on the Table of the House a list of-

(i) P.C.S. Officers who were transferred last year and also this year together with the reasons therefor; and

(ii) a list of P.C.S Officers, orders of whose transfer have been issued more than once this year since 1-4-1970 and the reasons therefor ?

ਸਰਦਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ ਬਾਦਲ : (i) ਤੇ (ii) ਦੋ ਵਿਵਰਣ ਪੱਤਰ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ । ਕੁਝ ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਅਫਸਰਾਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰਤੀਬੇਨਤੀਆਂ ਤੇ, ਕੁਝ ਡੈਪੂਟੇਸ਼ਨ ਤੇ ਜਾਣ ਲਈ ਅਤੇ ਰੇਣ ਕਾਰਨ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸ਼ਨੀ ਲੋੜਾਂ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰਖਕੇ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ।

[(i) & (ii) Two statements are placed on the Table of the House. Some transfers were ordered on requests of officers, some on selection for deputation and the others were ordered on administrative grounds.]

LIST OF P.C.S. OFFICERS WHOSE TRANSFER ORDERS WERE ISSUED IN 1969 AS WELL AS IN 1970.

1.	Shri Lal Singh Kang.	
2.	Shri O. G. Adya.	(Local transfer)
3.	Shri Ajit Singh Sahy.	
4.	Shri Balinder Singh.	
5.	Shri M. R. Bhagat.	(Local transfer)
6.	Shri Guldip Singh.	
7.	Shri Gurdev Singh Gill.	(Deputation case-Local transfer)
8.	Shri D. R. Gupta.	(Local transfer)
9.	Shri D. S. Chaudhry.	(—do—)
10.	Shri Anokh Singh.	
11.	Shri H. G. Trighatia.	
12.	Shri Pritam Singh Bala.	(On request)
13.	Shri Hardial Singh.	(Deputation case-local transfer)
14.	Shri Amrik Singh.	(—do—)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

15. Shri S. P. Karwal.
16. Shri Sardar Singh. (Deputation case)
17. Shri K. D. Shorey. (Local transfer)
18. Shri Adhyapak Singh. (Request-couple case)
19. Shri R. S. Dass. (Local transfer)
20. Shri Gurnam Singh. (Request for transfer from Delhi)
21. Shri K. D. Arora. (Request for deputation to Delhi)
22. Shri R. K. Jain.
23. Shri Piare Lal.
24. Shri R. S. Thapar,
25. Shri J. S. Quami.
26. Shri Harbhajan Singh.
27. Shri Tej Singh. (Deputation case-local transfer)
28. Shri Gurdial Singh Nurpuri. (Local transfer)
29. Shri H. S Chhatwal.
30. Shri A. S. Nagpal. (Request for posting as SDO)
31. Shri A. S. Grover. (Request for posting at Jullundur)
32. Shri M. S. Deol.
33. Shri Jatinder Pal.
34. Shri B R. Azad. (Request for posting at Ludhiana)
35. Shri Sant Singh Sadhrao.
36. Shri. Shiv Singh
37. Shri. B. R. Gill.
38. Shri O. P. Garg. (Request couple-case)
39. Shri Tara Singh Ghuman. (Deputation case)
40. Shri B. D. Dhawan.
41. Shri Joginder Pal Singh Puri . (Local transfer)
42. Shri R. M. Bassi. (—do—)
43. Shri R S. Sagar Chand. (—do—)
44. Shri Dalip Singh Mian. (—do—)
45. Shri Amar Jit Singh Gulati. (—do—)
46. Shri Manmohan Kalia. (—do—)
47. Shri Harbans Singh Sandhu. (—do—)
48. Shri Bhupinder Singh.
49. Shri S. K. Kakkar. (Request for transfer to Patiala)
50. Shri S. R. Garg. (Local transfer)
51. Shri M. L. Gottra. (—do—)
52. Shri Sewak Singh. (—do —)
53. Shri Manmohan Hurria.

LIST OF P.C.S. OFFICERS ORDERS OF WHOSE TRANSFER HAVE BEEN ISSUED MORE THAN ONCE SINCE 1-4-1970,

1. Shri Guldip Singh.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

2. Shri Anokh Singh.
3. Shri H. G. Trighatia. (On request)
4. Shri Piara Lal.
5. Shri O. P. Garg.
6. Shri Harbakhshish Singh.
7. Shri B. D. Dhawan. (On request)
8. Shri Jatinder Singh.
9. Shri Y. P. Singh Ahluwalia. (On request)
10. Shri Jatinder Singh Kalha. (—do—)
11. Shri Harbans Singh Sandhu.
12. Shri Sardar Singh. (Deputation case)

SCARCITY OF DRINKING WATER IN AMRITSAR CITY.

*2006. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) whether Government is aware of the scarcity of drinking water in Amritsar City and about the inability of the Municipal Committee, Amritsar to maintain regular supply of drinking water causing great inconvenience to the public;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, whether the Government has asked the Municipal Committee to take early steps to improve the drinking water supply ?

Sardar Tarlochan Singh Riasti : (a) No Sir.

(b) Question does not arise.

[(ੳ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਅ) ਸਵਾਲ ਹੀ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ।]

INDUSTRIAL ESTATES ESTABLISHED IN RURAL AREAS

*2010. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to :

(a) lay on the Table of the House:

(i) list showing the Industrial Estates which are at present located in the rural areas together with the year when each one of these was established ;

(ii) the list of Estates out of those mentioned in para (i) above which are lying unoccupied totally or partially ;

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

(b) state the reasons for their not being fully occupied and used for the purpose for which these were established.

(c) statew hether the Govt. has taken any steps to utilize the accommodation for any purpose ; if so, the details thereof?

Sardar Parkash Singh Badal :(a) (i) A list (No. 1) is placed on the Table of the House.

(ii) A list (No. II) is placed on the Table of theHouse.

(b) (i) Lack of industrial bias in the rural areas.

(ii) inherent drawbacks and disadvantages such as large distances from the rail-head. Lack of managerial skill, lack of skilled labour, non-availability of raw materials, non-availability of marketing facilities etc. from which the rural areas suffer.

(c) Yes. It has always been the endeavour of the Govt. to make use of these sheds as for as possible. Some of these sheds have been met out of the Food & Supplies Department, Health Department & PWD. While the Food & Supplies Department are using these for storage of foodgrains, the P.W.D. are using these as godowns and the Health Department as dispensary.

List No. I

S. No.	Name of Industrial Estate.	District	Year of Establishing
1.	Nakodar.	Jullundur	1964-65
2.	Rurka Kalan.	Jullundur	1963-64
3.	Adampur.	Jullundur	1968-69
4.	Ramgarh Sardaran.	Ludhiana	1964-65
5.	Otalon.	Ludhiana	-do-
6.	Talwandi Chaudhrian.	Kapurthala	1963-64
7.	Morinda.	Rupar	1965-66
8.	Banur.	Patiala	1964-65
9.	Sarai Naga.	Ferozepur	1963 64
10.	Dhudike.	Ferozepur	1964-65
11.	Fatehgarh Churian.	Gurdaspur	1964-65
12.	Dhariwal.	Gurdaspur	-do-
13.	Ghuman.	Gurdaspur	1966-67
14.	Panjgrain.	Bhatinda	1963-64
15.	Sunam.	Sangrur	1963-64
16.	Hariana.	Hoshiarpur	1963-64
17.	Dasuya.	Hoshiarpur	1966-67
18.	Kathunangal.	Amritsar	1964-65
19.	Ajnala.	Amritsar	1965-66
20.	Lauka.	Amritsar	1966-67

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Chief Minister]

List No. II

S. No.	Name of the Industrial Estate.	District.
1.	Nakodar,	Jullundur
2.	Rurka Kalan.	Jullundur
3.	Ramgarh Sardaran.	Ludhiana
4.	Otalon.	Ludhiana
5.	Talwandi Ghaudhrian.	Kapurthala
6.	Banur.	Patiala
7.	Sarainaga.	Ferozepur
8.	Dhudike.	Ferozepur
9.	Fatehgarh Churian.	Gurdaspur
10.	Dhariwal.	Gurdaspur
11.	Ghuman,	Gurdaspur.
12.	Panj Graian.	Bhatinda
13.	Sunam.	Sangrur.
14.	Hariana.	Hoshiarpur
15.	Dasuya.	Hoshiarpur
16.	Ajnala.	Amritsar
17.	Kathunangal.	Amritsar
18.	Lauka.	Amritsar

PRISONERS/CONVICTS IN DISTRICT JAIL LUDHIANA

*2011. (C. U.) **Shri Sardari Lal Kapur** : Will the Minister of State for Jails and Transport be pleased to state :

(a) the total number of prisoners in District Jail Ludhiana at present;

(b) the total number of convicts and under-trial prisoners, separately, in the said Jail at present;

(c) the total number or persons for whom accommodation actually exists in the present builiding of the said Jail;

(d) whether the Government propose shifting District Jail, Ludhiana to some other place; if so, where ?

Sardar Jagdev Singh : (a) 650

(b)

Convicts		Under-trials	
Male	Female	Male	Female
365	35	247	3

(c) 500

(d) Yes. On the Ludhiana Samrala Road.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[(ੳ) 650

(ਅ)

ਸਜ਼ਾ ਯਾਫਤਾ ਕੈਦੀ		ਜ਼ੇਰ ਸਮਾਇਤ ਕੈਦੀ	
ਮਰਦਾਨਾ	ਜ਼ਨਾਨਾ	ਮਰਦਾਨਾ	ਜ਼ਨਾਨਾ
365	35	247	3

(ੲ) 500

(ਸ) ਹਾਂ ਜੀ । ਲੁਧਿਆਣਾ ਸਮਰਾਲਾ ਸੜਕ ਤੇ ।]

PERSONS CHALLANED UNDER THE PREVENTION OF FOOD ADULTERATION ACT, 1954 IN LUDHIANA DISTRICT

*2012. (C. U.) **Shri Sardari Lal Kapur** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :

(a) the number of persons challaned in Ludhiana district under the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 during the last one year alongwith the results thereof;

(b) the number of persons, challaned under the said Act in the said district during the said period who were convicted and of thos who were let off alongwith the reasons therefor;

(c) the number of samples taken and the details of articles of which samples were taken during the last one year in the said district ?

ਸਰਦਾਰ ਤੇਜਾ ਸਿੰਘ : (ੲ) ਕੁਲ 169 । ਇਹ ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਨਥੀ ਕੀਤੇ ਵਿਵਰਣ "ੳ" ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਕੁਲ 169 । ਇਹ ਸੂਚੀ ਨਾਲ ਨਥੀ ਕੀਤੇ ਵਿਵਰਣ "ਅ" ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ ਜੀ ।

(ਸੀ) ਕੁਲ 631 । ਇਹ ਸੂਚੀ ਨਥੀ ਕੀਤੇ ਵਿਵਰਣ "ੲੀ" ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ ਜੀ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ, ਉਦਯੋਗ ਅਤੇ ਸਿਹਤ]

ਵਿਵਰਣ 'ੳ'

ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਵਿਚ ਕੀਤੇ ਗਏ ਆਦਮੀਆਂ ਦੇ ਚਲਾਣ	ਦੋਸ਼ੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਜ਼ਾ ਹੋਈ	ਮੁਕਤ ਕੀਤੇ ਗਏ	ਅਦਾਲਤ ਵਿਚ ਪੈਂਡਿੰਗ
169	39	43	87

ਵਿਵਰਣ 'ਅ'

169	39	43

ਸਜ਼ਾ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਨ

ਮਿਲਾਵਟ ਸਾਬਤ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਣ

ਛਡਣ ਦੇ ਕਾਰਨ

1.	ਬਰੀ ਕਿਉਂਕਿ ਪੀ. ਡਬਲਯੂ ਹੋਸਟਾਈਨ ਹੋ ਗਏ	23
2.	ਦੋਸ਼ੀ ਜਿਹੜੇ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੇ	15
3.	ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸ਼ੀਸ਼ੀਆਂ ਕਲਕੱਤਾ ਲਬਾਰਟਰੀ ਨੇ ਪਾਸ ਕੀਤੀਆਂ	3
4.	ਪੀ. ਡਬਲਯੂ ਅੰਡਰ ਇਨਫਲੂਇਨਸ ਫੂਡ ਇੰਸਪੈਕਟਰ	1
5.	ਸੁਪਰੀਮ ਕੋਰਟ ਦੇ ਰੂਲਿੰਗ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰਖਦੇ ਹੋਏ	1
		43

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

ਵਿਵਰਣ 'ਏ'

ਗਾਏ ਦਾ ਦੁੱਧ	448	ਸ਼ਕਰ ਪਾਰਾ	1
ਲਾਲ ਮਿਰਚ	26	ਗੁਲਾਬ ਜਾਮਨ	1
ਜੀਰਾ	1	ਹੱਲਦੀ	10
ਗਾਜਰ ਪਾਕ	1	ਦੇਸੀ ਘੀ	8
ਲਡੂ	2	ਕੁਲਫਾ	4
ਜਵੈਨ	2	ਅਮਚੂਰ	1
ਆਟਾ	2	ਵਿਨਗੋਰ ਸੂਲ	1
ਚਾਹ	2	ਟੇਬਲ ਸਾਸ	3
ਮੀਟ ਮਸਾਲਾ	1	ਕਾਰਬੋਨੇਟਿਡ ਵਾਟਰ	9
ਬਿਸਕੁਟ ਸਵੀਟਸ	1	ਇਸਪਾਪਰ	1
ਬਦਾਨਾ	1	ਕਥਾਐਡੀਬਲ	1
ਗੁੜ	1	ਇਮਲੀ	2
ਆਈਸ ਕੈਨਡੀ	7	ਕਰਾਚੀ ਹਲਵਾ	4
ਮਗਜ਼	4	ਸਰਸੋਂ ਆਇਲ	5
ਨਮਕ	1	ਸੂਜੀ	3
ਖੋਵਾ	5	ਗਰਮ ਮਸਾਲਾ	2
ਦੇਸੀ ਸੂਗਰ	6	ਗੋਲੀਆਂ ਸੂਗਰ	4
ਦਾਲ ਹਰਹਰ	1	ਤਿਲ	1
ਦਹੀਂ	22	ਪਰੱਸੀਜ਼ ਚੀਜ਼	1
ਤੋਤਿਆਂ ਆਇਲ	1	ਆਇਲ	4
ਕੋਲਨਾ ਸੂਘਰ	8	ਬੇਸਨ ਸਵੀਟਸ	6
ਬਾਲੂ ਸ਼ਾਹੀ	1	ਅਮਚੂਰ	1
ਟੇਬਲ ਕਰੀਮ ਬਟਰ	1	ਰਸਗੁਲਾ	1
ਮਠੀ ਨਮਕੀਨ	1	ਪਿਨੀ ਬੇਸਨ	1
ਕੋਕਾ ਕੋਲਾ	1	ਛੁਹਾਰਾ	1
ਬਰਫੀ ਬੇਸਨ	1	ਕਾਲੀ ਮਿਰਚ	2
ਦਾਲ ਮੰਗ	1	ਧਨੀਆ	2
ਬੇਸਨ	2		
		ਜੋੜ	631

SCHEMES LAUNCHED IN THE STATE UNDER THE INTENSIVE EDUCATION PROJECT

*1966. (C. U.) 1. **Shri Sardari Lal Kapur**
2. **Bhagat Guran Dass Hans**
3. **Doctor Sadhu Ram** : Will the Minister for Education be pleased to state :

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Shri Sardari Lal Kapur]

(a) the number of schemes launched in Sangrur district, with a view to raising the level of literacy, under the Central Government sponsored intensive Education Project involving an expenditure of Rs. 25 lakhs ;

(b) the amount of money allotted for each scheme in Sangrur district out of the Central Government grant of Rs 25 lakhs, alongwith the details thereof ;

(c) whether the Government propose to approach the Central Government for the allotment of further funds for other districts of this State for the purpose referred to in part (a) above ; If not, the reasons therefor ?

Sardar Surjit Singh :

(ਏ ਅਤੇ ਬੀ) ਮਾਮਲਾ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ ।

(ਸੀ) ਅਜੇ ਅਜਿਹੀ ਕੋਈ ਤਜਵੀਜ਼ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

ESCAPE OF UNDER-TRIALS FROM LOCK-UPS

*1969. (C. U.) 1. **Sardar Darshan Singh K. P.,**
2. **Shri Sardari Lal Kapur,**
3. **Bhagat Guran Dass Hans,**
4. **Doctor Sadhu Ram,** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the number of under-trial accused in criminal cases kept in lock-ups who escaped from custody due to negligence of the authorities, month-wise, during the last one year, alongwith the details thereof ;

(b) the precautions which the Government propose to take so that under trial persons do not escape by breaking the iron bars or otherwise ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) Five under-trial accused in criminal cases escaped from lock-ups during the period from 10.6.70. Month-wise details are as under :

Month & year	No. of accused	Details
September, 69	1	One Pritam Singh under-trial accused escaped from Central Jail, Amritsar, and in this connection case FIR No. 438 dated 2.9.69 u/s 224 IPC P. S. Sadar Amritsar was registered. He was arrested in this case and sentenced to 3 months R. I.
October, 69	1	One Baldev accused in case FIR No. 214/69 u/s 9/1/78 Opium Act P. S. City Batala escaped from custody due to the negligence of Const. Baldev Raj No. 9 of

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

		Gurdaspur district who was on sentry duty. In this connection case FIR No. 215 dated 22.10 69 u/s 224 IPC P. S. City Batala was registered. The constable was punished departmentally for his negligence.
December, 69	1	One Ajit Singh under-trial accused was escorted by Police for production in the court of JMIC at Patti escaped. In this connection case FIR No. 118 dt. 17.12.69 u/s 225/353 IPC P. S. GRP, Amritsar was registered. He is still absconding.
June, 70.	2	Two under-trial accused named Gulam Ali and Mohamad Ramzan Kashmiri Muslims escaped from Dhuri Jail. A case F.I.R. No. 89 dated 3. 6. 70. u/s 224 I.P.C., P.S. Dhuri, Distt. Sangrur was registered. Later on, the accused were arrested. The official at fault was punished departmentally.

(b) Since the number of escapees is not large, no additional precautionary measures appear necessary as the present measures appear adequate.

[(ੲ) 5 ਪੁਰਤਾਵੇ ਅਧੀਨ ਦੋਸ਼ੀਆਨ ਜੋ ਫੌਜਦਾਰੀ ਮੁਕਦਮਾਤ ਦੇ ਸਨ ਹਵਾਲਾਤ ਵਿਚੋਂ 10. 6. 69. ਤੋਂ 10. 6 .70. ਦੇ ਸਮੇਂ ਦੌਰਾਨ ਭੱਜ ਗਏ। ਮਹੀਨੇ ਵਾਰ ਵੇਰਵਾ ਇਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਹੈ :—

ਮਹੀਨਾ ਤੇ ਸਾਲ	ਦੋਸ਼ੀ ਦੀ ਗਿਣਤੀ	ਵੇਰਵਾ
1. ਸਤੰਬਰ, 1969	1	ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਪਰਤਾਵੇ ਅਧੀਨ ਦੋਸ਼ੀ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਕੇਂਦਰੀ ਜੇਲ੍ਹ ਵਿਚੋਂ ਫਰਾਰ ਹੋ ਗਿਆ ਸੀ । ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਮ: ਨ: 438 ਮਿਤੀ 2.9.60. ਜ਼ੇਰ ਧਾਰਾ 224 ਭ: ਦ: ਥਾਨਾ ਸਦਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦਰਜ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਇਸ ਕੇਸ ਵਿਚ ਦੋਸ਼ੀ ਨੂੰ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਤੇ ਉਸ ਨੂੰ 3 ਮਹੀਨੇ ਦੀ ਸਖਤ ਸਜ਼ਾ ਹੋਈ ਸੀ।
2. ਅਕਤੂਬਰ, 1969	1	ਦੋਸ਼ੀ ਬਲਦੇਵ ਜੋ ਮੁਕਦਮਾ ਨੰ: 214/69 ਅ: ਧ: 9. 1. 78. ਅਫੀਮ ਐਕਟ ਤਹਿਤ ਪੁਲਿਸ ਸਟੇਸ਼ਨ ਬਟਾਲਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਗੁਰਦਾਸ ਵਿਚੋਂ ਸਿਪਾਹੀ ਬਲਦੇਵ ਰਾਜ ਨੰ: 9/ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ ਜੋ ਸੰਤਰੀ ਡਿਊਟੀ ਤੇ ਸੀ ਦੀ ਅਣਗਹਿਲੀ ਕਾਰਨ ਫਰਾਰ ਹੋ ਗਿਆ ਸੀ । ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਮ: ਨ: 215 ਮਿਤੀ 22. 10. 69 ਅ: ਧ: 224 ਭ: ਦ: ਥਾਨਾ ਬਟਾਲਾ ਦਰਜ ਹੋਇਆ ਸੀ। ਸਿਪਾਹੀ ਵਿਰੁੱਧ

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀ]

ਵਿਭਾਗੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ ਤੇ ਉਸ ਨੂੰ ਉਸਦੀ ਅਣਗਹਿਲੀ ਕਾਰਨ ਸਜ਼ਾ ਦਿਤੀ ਗਈ ਸੀ ।

3. ਦਸੰਬਰ, 1969 — 1 — ਦੋਸ਼ੀ ਜਿਸ ਦਾ ਨਾਂ ਅਜੀਤ ਸਿੰਘ ਸੀ ਪੁਲਿਸ ਰਾਖੀ ਵਿਚ ਕੋਰਟ ਵਿਚ ਕੇਸ ਕਰਨ ਲਈ ਅਦਾਲਤ ਦਰਜਾ ਅਵਲ ਜੁਡੀਸ਼ੀਅਲ ਮੈਜਿਸਟ੍ਰੇਟ ਪੱਟੀ ਲਿਜਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਸੀ ਤੇ ਫਰਾਰ ਹੋ ਗਿਆ । ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਮ: ਨ: 118 ਮਿਤੀ 17. 12. 69. ਅ: ਧ: 225/353 ਭ: ਦ: ਗੌਰਮਿੰਟ ਰੇਲਵੇ ਪੁਲਿਸ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦਰਜ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਦੋਸ਼ੀ ਅਜੇ ਫਰਾਰ ਹੀ ਹੈ ।

4. ਜੂਨ, 1970 — 2 — ਦੋ ਦੋਸ਼ੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਗੁਲਾਮ ਅਲੀ ਤੇ ਮੁਹੰਮਦ ਰਮਜ਼ਾਨ ਕਸਮੀਰੀ ਮੁਸਲਮਾਨ ਸਨ ਧੂਰੀ ਜ਼ੇਲ੍ਹ ਵਿਚੋਂ ਫਰਾਰ ਹੋ ਗਏ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਮ: ਨ: 89 ਮਿਤੀ 3. 6. 70. ਅ: ਧ: 224 ਭ: ਦ: ਥਾਨਾ ਧੂਰੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸੰਗਰੂਰ ਦਰਜ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ ਬਾਦ ਵਿਚ ਦੋਸ਼ੀ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤੇ ਗਏ । ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦਾ ਦੋਸ਼ ਸੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਰੁੱਧ ਵਿਭਾਗੀ ਕਾਰਵਾਈ ਅਨੁਸਾਰ ਸਜ਼ਾ ਦਿਤੀ ਗਈ ।

(ਬੀ) ਕਿਉਂਕਿ ਭੱਜਣ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਬਹੁਤੀ ਨਹੀਂ ਹੈ । ਵਧੇਰੇ ਹਫਾਜ਼ਤੀ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਜਦੋਂ ਕਿ ਮੌਜੂਦਾ ਹਿਫਾਜ਼ਤੀ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਾਫੀ ਹਨ ।]

SETTING UP OF TRACTOR FACTORY

*1971 (C. U.) 1. **Sardar Darshan Singh, K. P.**
2. **Sh. Sardari Lal Kapur,**
3. **Bhagat Guran Dass Hans,**
4. **Dr. Sadhu Ram** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state :

(a) whether the Government have decided to set up a Tractor factory at Patiala ; if so, the details thereof ;

(b) the amount likely to be involved by the Government for such a Tractor Factory ;

(c) the number of tractors which this factory is expected to manufacture annually ;

(d) the basis on which these tractors would be sold to the public ;

S. Parkash Singh Badal (Chief Minister) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Does not arise.

(d) Does not arise.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

MURDERS IN AMRITSAR CITY

*1989. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to :

(a) lay on the Table of the House a statement showing the names of persons who were murdered in Amritsar City since 1-4-70 uptodate ;

(b) state the kind of the weapons used by the culprits for committing the said murders ;

(c) state the details of the said cases in which the accused have been arrested, tried in the courts and sentenced ;

(d) state the name of the persons who have been challaned in the case of the murder of Sh. Satpal, Katra Pasyan, Amritsar, if no one has been challaned the reasons therefor ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) Four persons were murdered in Amritsar city since 1-4-70 to 16-7-70. A statement is laid on the Table of the House.

(b) The weapons used were sharp-edged weapon, fire-arms (pistol) sword and slanting handle of truck respectively in four cases mentioned at (a) above.

(c) In case F. I. R. No. 188 dated 28-6-70 u/s 302/34 IPC, P. S. 'E' Division, relating to the murder of Om Parkash, two persons namely Swarn Singh and Jagdish alias Disha have been arrested. In case FIR No. 203 dated 28-6-70 u/s 302/34 IPC, P. S. Civil Lines, relating to the murder of Pala Singh, three persons namely Santokh Singh, Swarn Singh and Charan Singh have been arrested. Both these cases are under investigation. The accused in the remaining two cases have not been apprehended so far. Investigation is in progress.

(d) No accused has so far been arrested in the case relating to the murder of Sat Pal. The case is under investigation.

[(ੳ) ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿੱਚ 1/4/70 ਤੋਂ 16/7/70 ਤਕ ਚਾਰ ਆਦਮੀਆਂ ਦਾ ਕਤਲ ਹੋਇਆ ਸੀ । ਸਟੇਟਮੈਂਟ ਸਦਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰੱਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ।

(ਅ) ਉਪਰ (ੳ) ਵਿੱਚ ਦਸੇ ਚਾਰ ਕੇਸਾਂ ਵਿੱਚ ਕਰਮਵਾਰ ਤੇਜ਼ਧਾਰ ਹਥਿਆਰ ਅਗਨ ਸ਼ਸਤਰ, ਤਲਵਾਰ ਅਤੇ ਟਰੱਕ ਦਾ ਹੈਂਡਲ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ ।

(ੲ) ਮੁਕਦਮਾ ਨੰ: 188 ਮਿਤੀ 28/6/70 ਅੱਧੀਨ ਧਾਰਾ 302/34 ਭ : ਦ : ਥਾਣਾ 'ਈ' ਡਵੀਜ਼ਨ ਜਿਸ ਦਾ ਸਬੰਧ ਓਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਦੇ ਕਤਲ ਨਾਲ ਹੈ ਵਿਚ ਦੋ ਵਿਅਕਤੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨਾਂ ਸਵਰਨ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਜਗਦੀਸ਼ ਉਰਫ ਦਿਸ਼ਾ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤੇ ਹਨ । ਮ: ਨ: 203 ਮਿਤੀ 28/6/70 ਅ: ਧ: 302/34 ਭ: ਦ: ਥਾਣਾ ਸਿਵਲ ਲਾਈਨ ਜਿਸ ਦਾ ਸਬੰਧ ਪਾਲਾ ਸਿੰਘ ਦੇ ਕਤਲ ਨਾਲ ਹੈ ਵਿਚ 3 ਵਿਅਕਤੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਸੰਤੋਖ ਸਿੰਘ, ਸਵਰਨ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਚਰਨ ਸਿੰਘ ਹਨ ਗ੍ਰਿਫਤਾਰ ਕੀਤੇ ਹਨ । ਇਹ ਦੋਵੇਂ ਕੇਸ ਜ਼ੇਰ ਤਫਤੀਸ਼ ਹਨ । ਬਾਕੀ ਦੋ ਕੇਸਾਂ ਵਿੱਚ ਦੋਸ਼ੀ ਅਜੇ ਤਕ ਨਹੀਂ ਪਕੜੇ ਗਏ । ਤਫਤੀਸ਼ ਜਾਰੀ ਹੈ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[Shri Gian Chand Kharbanda]

(ਸ) ਅਜੇ ਤਕ ਸੱਤ ਪਾਲ ਦੇ ਕੇਸ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਦੋਸ਼ੀ ਗ੍ਰਿਫ਼ਤਾਰ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ । ਕੇਸ ਜ਼ੇਰ ਤਫ਼ਤੀਸ਼ ਹੈ ।]

STATEMENT SHOWING THE NAMES OF PERSONS WHO WERE MURDERED IN AMRITSAR CITY SINCE 1-4-70 UPTODATE (16-7-1970)

The following four persons were murdered in Amritsar city between 1-4-1970 and 16-7-1970 :

1. Shri Kanwaljit Singh s/o Shri Kartar Singh of P. S. Civil Lines area.
2. Shri Sat Pal s/o Shri Dewan Chand of Katra Moti Ram.
3. Shri Om Parkash s/o Shri Guran Ditta Mal of Chowk Farid.
4. Shri Pala Singh s/o Shri Harsa Singh of Nangli Naushera, P. S. Civil Lines Amritsar.

[ਵੇਰਵਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੇ ਨਾਵਾਂ ਦਾ ਜਿਹੜੇ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿੱਚ 1.4.70 ਤੋਂ 16.7.70 ਦੇ ਦਰਮਿਆਨ ਕਤਲ ਹੋਏ ਹਨ ।

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਚਾਰ ਵਿਅਕਤੀ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿੱਚ 1.4.70 ਤੋਂ 16.7.70 ਤਕ ਕਤਲ ਹੋਏ ਹਨ ।

1. ਸ਼੍ਰੀ ਕੰਵਲਜੀਤ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਵਾਸੀ ਇਲਾਕਾ ਸਿਵਲ ਲਾਈਨਜ਼ ।
2. ਸ਼੍ਰੀ ਸਤਪਾਲ ਪੁਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਦੀਵਾਨ ਚੰਦ ਵਾਸੀ ਕਟਰਾ ਮੋਤੀ ਰਾਮ ।
3. ਸ਼੍ਰੀ ਓਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਾਨ ਦਿਤਾ ਮਲ ਵਾਸੀ ਚੌਕ ਫਰੀਦ ।
4. ਸ਼੍ਰੀ ਪਾਲਾ ਸਿੰਘ ਪੁਤਰ ਸ਼੍ਰੀ ਹਰਸਾ ਸਿੰਘ ਨੰਗਲੀ ਨੌਸ਼ੈਰਾ, ਥਾਣਾ ਸਿਵਲ ਲਾਈਨਜ਼ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ।]

LOANS TO PRIVATELY MANAGED RECOGNISED SCHOOLS FOR BUILDING PURPOSES.

*1999. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister for Education be pleased to state :

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to sanction loans, for building purposes, to the privately managed recognised schools in the State as is being done in the case of affiliated colleges ; if so, the time by which final decision is likely to be taken in this regard ;

(b) if the answer to part (a) above be in the negative, whether the Government proposes to consider this issue ?

ਸਰਦਾਰ ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ : (ਏ) ਨਹੀਂ ਜੀ ।

(ਬੀ) ਕੇਂਦਰੀ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਸੋਚ ਰਹੀ ਹੈ ਜੀ ।

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

CASES OF MURDERS

*2005. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Chief Minister be pleased to lay on the Table of the House a statement showing the number of murders that took place in the State district-wise up-to-date since 1-4-70 alongwith a comparative statement showing murders committed district-wise, during the corresponding period in the last year ?

Sardar Parkash Singh Badal : A statement is laid on the Table of the House.

[ਵੇਰਵਾ ਸਦਨ ਦੇ ਮੇਜ਼ ਤੇ ਰਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।]

STATEMENT SHOWING THE NUMBER OF MURDERS THAT TOOK PLACF IN THE STATE DISTRICT—WISE FROM 1-4-70 TO 15-7-70 (UP-TO-DATE) ALONGWITH COMPARATIVE STATEMENT FOR THE CORRESPONDING PERIOD OF THE LAST YEAR 1969.

	District	No. of murders took place from 1-4-70 to 15-7-70	No. of murders took place from 1-4-69 to 15-7-69
1.	Amritsar	26	34
2.	Ferozepore	31	34
3.	Ludhiana	24	18
4.	Jullundur	24	9
5.	Gurdaspur	15	7
6.	Hoshiarpur	9	7
7.	Patiala	13	12
8.	Sangrur	15	10
9.	Ropar	5	2
10.	Kapurthala	8	6
11.	Bhatinda	9	15
	Total :—	179	153

TOURIST CENTRES

*2007. (C. U.) **Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister of State for Public Relations, Tourism and Local Government be pleased to state :—

(a) the names of places selected by the Tourist Department Punjab as 'Tourist Centres' ;

(b) the details of the facilities being provided to the Tourist by the said department ;

(c) whether any literature has been published by the said department in respect of the said Tourist Centres ; if so, a copy thereof be placed on the Table of the House ;

Original with; Punjab Vidhan Sabha Digitized by; Panjab Digital Library

[Shri Gian Chand Kharbanda]

(d) if the answer to part (C) above be in the negative, the steps being taken by the Government to attract tourists to the said centres ?

Sardar Trilochan Singh Riasti ; (a) Amritsar, Nangal, Pathankot, Anandpur Sahib, Ropar, Talwara, Mukatsar, Katori and Hussainwala ;

(b) To meet accomodation needs of the tourists, Tourism Department is running Tourist Bungalows at Nangal and Pathankot. The department is also running Canteens in these Bungalows where meals at reasonable rates are served to the tourists. For the same purpose, work on the scheme for the construction of a 100 beded hotel at Amritsar has been taken in hand. Land for this scheme has been acquired and construction will start shortly. The department has also opened Tourist Information Centres at Amritsar, Pathankot, Nangal, Tourist Information, on demand, is made available to the tourists in these Centres. It has further been decided to start a similar informatian Centre at New Delhi ;

(c) State Tourism Department has brought out a booklet 'Punjab Welcome Visitors', A Punjab Tourist Guide and Tourist Guide Map. Copies of which are being placed on the Table of the House ;

(d) The department of Tourism is taking steps to bring out folders of Bhakhra Nangal, Anandpur Sahib and Amritsar.

SHORTAGE OF DOCTORS IN GOVERNMENT DISPENSARIES/HOSPITALS

***2008. (C.U.) Shri Gian Chand Kharbanda** : Will the Minister of State for Industries and Health be pleased to state :—

(a) the names of Government dispensaries which have been or are without doctors from 1-4-1970 to date together with the reasons therefor ;

(b) the names of Government Hospital where doctors have not been posted in accordance with the fixed strength during the period referred to in part (a) above alongwith the reasons therefor ;

(c) the steps being taken by the Government to remove the shortage of doctors in the said dispensaries/Hospitals ?

Sardar Teja Singh : Statements containing information are enclosed. This is due to shortage of doctors.

[ਵਿਵੱਰਣ ਪੱਤਰ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸੂਚਨਾਂ ਦਰਜਸਾਈ ਗਈ ਹੈ ਨੱਥੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।]

ANNEXURE I

List of Government hospitals and dispensaries which are without Doctors at present.

S. No. Name of hospital

Ludhiana District.

1. R. D. Koriana Kalan.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Patiala District.

2 R. D. Kularan.

Sangrur District.

3. P. H. C. Kauhrian.
4 Canal Dispensary, Ladda.
5. Canal Dispensary, Dayalpur.
6. R. D. Shadiheri.

Bhatinda District.

7. Canal Dispensary Bhatinda.
8. R. D. Sakhu.

Kapurthala District.

9. R. D. Talwandi Chaudhrian.

Hoshiarpur District.

10. R. D. Garhimansowal.
11. ,, Janauri.
12. ,, Bhambotar.
13. ,, Rampur Haler.
14. ,, C. D. Maini.

Jullundur District.

15. R. D. Kamam.
16. ,, Pharala.

Ferozepore District.

17. R. D. Waryam Khera.
18. ,, Ladhuka.
19. ,, Mudki.

Amritsar District.

20. R. D. Khem Karan.
21. ,, Bhindi Aulakh.
22. ,, Chaharpur.

Gurdaspur District.

23. R. D. Ghanian Ke Bet.

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਉਦਯੋਗ ਤੇ ਸਿਹਤ]

24. R. D. Dhar Kalan.

ANNEXURE-II

List of Government hospitals where Doctors have not been posted in accordance with sanctioned/strength, at present.

S. No.	Name of hospital	Sanctioned strength	No. of Doctors posted	No. of vacancies
1	2	3	4	5
	Rupar District :			
1.	P. H. C. Boothgarh	3	2	1
	Ludhiana District :			
2.	C. H. Ludhiana.	6	5	1
3.	P. H. C. Sidhwan Bet	3	2	1
4.	P. H. C. Machhiwara	3	2	1
5	P. H. C. Hambran	2	1	1
6.	P. H. C. Malaud	2	1	1
7.	P. H. C. Kum Kalan	3	2	1
8.	P. H. C. Payal	3	2	1
	Patiala District :			
9.	P. H. C. Gharuan	4	3	1
10.	P. H. C. Harpalpur	3	1	2
11.	P. H. C. Kauli	3	2	1
12.	P. H. C. Chinacthal Kalan	3	2	1
13.	P. H. C. Shutrana	3	1	2
14.	P. H. C. Dudan Sadan	2	1	1
15.	C. H. Nabha	4	3	1
	Sangrur District :			
16.	C. H. Sangrur	12	9	3
17.	P. H. C. herpur	3	2	1
18.	,, Mahal Kalan	3	2	1
19.	,, Bhawanigarh	3	2	1
20.	,, Dhananla	3	2	1
21.	T. B. Hospitl Hermitage	2	1	1
	Bhatinda District :			
22.	C. H. Bhatinda	10	9	1
23.	P. H. C. Bajekhana	3	1	2

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

24.	P. H.C. Talwandi Sabo	3	2	1
25.	,, Bhagta	3	2	1
26.	,, Sangat	3	2	1
27.	,, Sardoolgarh	3	2	1
28.	,, Khiala Kalan	2	1	1
29.	,, Nathana	3	2	1
30.	C. H. Jaitu	2	1	1
	Kapurthala District :			
31.	C. H. Kapurthala	10	9	1
32.	P. H. C. Bholath	3	2	1
33.	,, Begowal	2	1	1
34.	,, Panchhat	3	2	1
35.	,, Tibba	3	2	1
36.	,, Kala Sanghian	3	2	1
	Hoshiarpur District :			
37.	C. H. Hoshiarpur	11	10	1
38.	P. H. C. Paldi	3	2	1
39.	,, Hajipur	2	1	1
40.	,, Budhabar	3	2	1
	Jullundur District :			
41.	C. H. Jullundur	14	12	2
42.	P. H. C. Bilga	3	2	1
43.	,, Shahkot	3	2	1
44.	,, Kala Bakra	3	2	1
45.	,, Mehatpur	3	1	2
46.	,, Jandiala	3	2	1
	Ferozepur District :			
47.	C. H. Ferozepore	5	3	2
48.	P. H. C. Chak Sherewala	3	2	1
49.	,, Khui Khera	3	2	1
50.	,, Kassoana	3	2	1
51.	,, Thathi Bhai	3	1	2
52.	,, Daroli Bhai	3	2	1
53.	,, Jandwala Bhimeshah	3	2	1
54.	,, Sittoguno	3	1	2
55.	,, Lambi	3	1	2
56.	,, Alamwala	2	1	1
57.	,, Dabwala Kalan	2	1	1
58.	,, Doda	3	2	1
59.	,, Ferozeshah	3	2	1

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

[ਰਾਜ ਮੰਤਰੀ ਉਦਯੋਗ ਤੇ ਸਿਹਤ]

	Amritsar District :			
60.	P. H. C. Ramdas	3	1	2
61.	,, Naushehra Panuan	2	1	1
62.	,, Sirhali	3	2	1
63.	,, Mianwind	3	2	1
64.	,, Sur Singh	3	2	1
65.	,, Gharyala	3	2	1
66.	,, Tarsikka	3	1	2
67.	,, Lopoke	3	2	1
68.	,, Baba Bakala	3	1	2
69.	,, Rajoke	3	1	2
70.	,, Kasel	3	2	1
71.	,, C. H. Ajnala	2	1	1
	Gurdaspur District :			
72.	P. H. C. Gharota	3	2	1
73.	,, Bham	2	1	1
74.	,, Fatehgarh Churian	2	1	1
75.	,, Ranjit Bagh	2	1	1
76.	,, Naushehra Majhasingh	2	1	1
77.	,, Dhianpur	2	1	1
78.	,, Dungal Bhadani	2	1	1
79.	,, Dorangala	3	1	2
80.	C. H. Pathankot	4	3	1

CASES OF MURDERS ETC. IN LUDHIANA DISTRICT

*2013. (C. U.) **Shri Sardari Lal Kapur** : Will the Chief Minister be pleased to state :

(a) the number of murders, thefts and burglaries separately committed in Ludhiana district during the period from 1.1.70 to date ;

(b) the number of other different kinds of crimes committed in the said district during the above mentioned period ;

(c) the number of offenders, involved in the said cases during the said period together with the number of cases out of those mentioned above pending in courts ?

Sardar Parkash Singh Badal : (a) 38 cases of murder, 272 cases of theft and 123 cases of burglaries were registered in Ludhiana district during the period from 1.1.70 to 15.7.70.

(b) The details of other crime committed during the aforesaid period are Rioting (3), Culpable Homicide (4), Attempt to murder (15), Hurt (154), Kidnapping (20), Rape (8), Robbery (4), Receiving of stolen property (28), Cheating (11), Criminal Trespass (31), Opium Act (700), Essential Commodities Act (2),

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Arms Act (147), Excise Act (1024), Canal Cutting (2), Assault on Public Servants (16), Motor Accidents (94), Prevention of Corruption Act (5) and Miscellaneous (372).

(c) 3334 offenders are involved in these cases. 1087 cases are pending in courts.

[(ੳ) 1-1-70 ਤੋਂ 15-7-70 ਤਕ ਲੁਧਿਆਣਾ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਵਿਚ 38 ਮੁਕੱਦਮੇ ਕਤਲ, 272 ਮੁਕੱਦਮੇ ਚੋਰੀ ਅਤੇ 123 ਕੇਸ ਸੰਨ ਮਾਰਨ ਦੇ ਦਰਜ ਹੋਏ ।

(ਅ) ਦੂਸਰੇ ਜੁਰਮਾਂ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਉਕਤ ਦਿਤੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਇਸ ਪਰਕਾਰ ਹੈ :
ਬਲਵਾ (3), ਡੰਡ ਯੋਗ ਮਾਨਵ ਹਤਿਆ (4), ਕਤਲ ਕਰਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਸ਼ (15), ਚੋਟ (154), ਅਗਵਾਹ (20), ਜ਼ਬਰ ਜ਼ਨ੍ਹਾ (8), ਖੋਹ (4), ਚੋਰੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਪ੍ਰਾਪਰਟੀ ਦਾ ਮਿਲਨਾ (28), ਠੱਗੀ (11), ਅਧਰਾਧਕ ਪਰਵੇਸ਼ (31), ਅਫ਼ੀਮ ਐਕਟ (700), ਐਸੇਨਸ਼ਲ ਕਮਾਡਿਟੀਜ਼ ਐਕਟ (2), ਅਸਲਾ ਐਕਟ (147), ਆਬਕਾਰੀ ਐਕਟ (1024), ਨਹਿਰ ਕੱਟਨਾ (2), ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਤੇ ਹਮਲਾ (16), ਮੋਟਰ ਹਾਦਸੇ (94), ਪਰੀਵੇਨਸ਼ਨ ਆਫ਼ ਕੁਰੱਪਸ਼ਨ ਐਕਟ (5), ਅਤੇ ਫੁਟਕਲ ਜੁਰਮ (372) ।

(ੲ) ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੁਕੱਦਮਿਆਂ ਵਿੱਚ 3334 ਅਪਰਾਧੀ ਫਸੇ, 1087 ਮੁਕੱਦਮੇ ਅਦਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ ਲੰਬਤ ਹਨ ।]

(S. D. Press Mani Majra)

Origin with;
Punjab Vidhan Sabha
Digiti by;
Panjab

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab

C... Sabha
Punj...
Chandigarh

"C" 1969

Published under the authority of the Punjab Vidhan Sabha
Printed by :
SANATAN DHARAM PRESS,
Mani Majra.
(Chandi Garh)

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digital Library

Original with;
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by;
Panjab Digi

Original with:
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by:
Panjab Digital Library

B-18281

Original with:
Punja
Digiti
Panjab Digital

Original with:
Punjab Vidhan Sabha
Digitized by:
Panjab Digital Library